67वीं

एम्स वार्षिक रिपोर्ट

2022—2023

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

नई दिल्ली 110029

एम्स की 67वीं वार्षिक रिपोर्ट
2022–23

शरीरमाद्यं खलु धर्मसाधनम्

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
नई दिल्ली 110029.

संयुक्त रूप से संपादित:

डॉ. संदीप अग्रवाला, बाल शल्यचिकित्सा विभाग
डॉ. नसरीन अख्तर, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग
डॉ. दालिम बैद्य, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग
डॉ. नीतू भारी, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग
डॉ. अंजन दुहा, बाल शल्यचिकित्सा विभाग
डॉ. राकेश गर्ग, अर्बुद संवेदनाहरण विभाग, डॉ. भीम राव अम्बेडकर सं.रो.कैं.अ.
डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
डॉ. टोनी जॉर्ज जैकब, शरीररचना विभाग
डॉ. सिद्धार्थ जैन, मूत्ररोग विज्ञान विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र
डॉ. राजीव कुमार, सह-संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) एवं मूत्ररोग विज्ञान विभाग
डॉ. राकेश लोढा, बालचिकित्सा विभाग
डॉ. आर. लक्ष्मी, हृद जैवरसायन विभाग
डॉ. संजीव लालवानी, कुल सचिव एवं न्याय चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र
डॉ. कल्पना लूथरा, जैवरसायन विभाग
डॉ. पूर्वा माथुर, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जे.पी.एन.ए. ट्रॉमा केंद्र
डॉ. रश्मि रामाचन्द्रन, संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग
डॉ. पीयूष साहनी, जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण विभाग
डॉ. सिद्धार्थ सरकार, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
डॉ. प्रताप शरण, मनोचिकित्सा विभाग
डॉ. अल्पना शर्मा, जैवरसायन विभाग
डॉ. दीप्ति विभा, तंत्रिकाविज्ञान विभाग, तंत्रिकाविज्ञान केंद्र

प्रकाशन की जांच डॉ. संगीता नारंग, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, श्री अजय कुमार सरोहा, श्री प्रमोद कुमार, श्री उमेश कुमार एवं श्रीमती नीतू प्रिया द्वारा डॉ. शांतनु गांगुली (पूर्व मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष) तथा जहांगीर खान (कार्यकारी प्रभारी), बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय के मार्गदर्शन में की गई है।

हिन्दी अनुवाद कार्य हिंदी अनुभाग, एम्स द्वारा संचालित एवं पूर्ण किया गया।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (अ.भा.आ.सं.) की स्थापना सन् 1956 में संसद के एक अधिनियम के द्वारा राष्ट्रीय महत्व के एक संस्थान के रूप में की गई थी। संस्थान की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारत में सभी मेडिकल कॉलेजों एवं अन्य संबद्ध संस्थाओं के लिए एक उच्चस्तरीय चिकित्सा शिक्षा के प्रदर्शन हेतु स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा की सभी शाखाओं में शैक्षिक पैटर्न विकसित करना; स्वास्थ्य कार्यकलापों की सभी महत्वपूर्ण शाखाओं में कर्मियों के प्रशिक्षण हेतु सर्वोच्च स्तर की शैक्षिक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना तथा स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना था।

संस्थान में शिक्षण, अनुसंधान तथा रोगी उपचार हेतु व्यापक सुविधाएं हैं। संस्थान स्नातक-पूर्व तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर चिकित्सा एवं परा चिकित्सा पाठ्यक्रमों में शिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है तथा अपनी ही डिग्रियाँ प्रदान करता है। लगभग 100 विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्य संचालित किए जाते हैं। एक वर्ष में अपने अनुसंधानकर्ताओं द्वारा 190 करोड़ रुपये से अधिक का बाह्य अनुदान प्राप्त करने के साथ-साथ एम्स, चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। एम्स द्वारा एक नर्सिंग कॉलेज भी चलाया जाता है।

विभिन्न विभागों एवं केन्द्रों द्वारा परा-नैदानिक विभागों की सहायता से सभी प्रकार के रोगों का व्यावहारिक उपचार किया जाता है। एम्स द्वारा हरियाणा में बल्लभगढ़ में एक 50-बिस्तरों वाला अस्पताल एवं व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र भी चलाया जाता है तथा सामुदायिक चिकित्सा केन्द्र के माध्यम से लगभग 6 लाख लोगों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान की जाती हैं।

डॉ. मनसुख मांडविया
माननीय केंद्रीय मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय
भारत सरकार

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

डॉ. भारती प्रवीण पवार
माननीय राज्य मंत्री
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

एम्स-एक नज़र में

2022-2023

स्थापना वर्ष 1956 विभाग

शिक्षण विभाग एवं केंद्र	42+7	चिकित्सा स्नातक	3609
संकाय सदस्य (स्वीकृत1207)	859	स्नातकोत्तर	12683
गैर-संकाय स्टाफ (स्वीकृत 12,875)	10701	नर्सिंग/परा-चिकित्सा स्नातक	3844
स्नातक-पूर्व विद्यार्थी	1159	पत्रिकाओं में प्रकाशन/सार	3584
स्नातकोत्तर विद्यार्थी	2071	पुस्तकों में अध्याय/पुस्तकें	498

अस्पताल सेवाएं

अस्पताल/केंद्र	**बाह्य रोगी (आपातकालीन सहित)**	**दाखिले**	**शल्यचिकित्सा (ऑपरेशन/ प्रक्रियाएं)**	**बिस्तर**		
				सामान्य	**प्राइवेट**	**कुल**
मुख्य अस्पताल	19,01,746	1,15,745	1,26,555	1472	195	1667
डॉ. रा.प्र. केंद्र	5,13,975	48,715	46,553	288	22	310
डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.	1,79,741	44,402	10,431	167	15	182
हृद वक्ष केंद्र	1,46,104	9,176	2,824	226	33	464
तंत्रिका विज्ञान केंद्र	1,43,138	9,495	3,269	174	31	
एन.डी.डी.टी.सी.*	3,14,395	1,165	------	50	--	50
सी.सी.एम.†	5,64,981	12,508	2,321	50	--	50
जे.पी.एन.ए.टी.सी.	60,430	7, 515	8, 001	243	22	265
सी.डी.ई.आर.	2,63,903	1, 066	24, 272	20	-	20
एन.सी.आई, झज्जर	66,598	30,983	23, 475	317	-	317
आऊटरीच बाह्य रोगी बाढ़सा, झज्जर	100,790	----	1,125	-	-	-
कुल	**42,55,801**	**2,80,770**	**2,48,826**	**3007**	**318**	**3325**

*त्रिलोकपुरी, सुन्दर नगरी तथा कोटला मुबारकपुर सहित

†पी.एच.सी. दयालपुर, छैंसा सहित

**30 ट्राएज बिस्तरों सहित

अस्पताल कार्य निष्पादन सूचकांक

मानक	मुख्य अस्पताल		हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र		जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र	
	2022-23	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**
ठहरने की औसतन अवधि (दिन)	9.9	9.8	11.5	12.0	8.91	8
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	**83.1**	**69.8**	**79.5**	**68.6**	**78.04**	**84**
सकल मृत्यु दर (%)	1.6	2.0	4.1	4.1	5.31	5
संयुक्त अपरिष्कृत संक्रमण दर (%)	7.1%	8.3%	-	-	-	-

सी.सी.एम.: सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
सी.डी.ई.आर.: दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र
डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.: डॉ. भीम राव अम्बेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
डॉ. रा.प्र. केंद्र: डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्रविज्ञान केंद्र
जे.पी.एन.ए.टी.सी.: जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र
एन.सी.आई.: राष्ट्रीय कैंसर संस्थान
एन.डी.डी.टी.सी.: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

विषय-सूची

वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

1. निदेशक की समीक्षा....1
2. संस्थान और इसकी समितियां 10
3. शैक्षिक अनुभाग....17
4. परीक्षा अनुभाग....59
5. सामान्य प्रशासन....67
6. अस्पताल 71
7. नर्सिंग कॉलेज....113
8. अनुसंधान अनुभाग....129

विभाग

9.1. संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा और गंभीर उपचार....165
9.2. शरीर रचना विज्ञान 190
9.3 जैव रसायन....205
9.4. जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग....230
9.5. जैव भौतिकी....239
9.6. जैव सांख्यिकी 253
9.7. जैव प्रोद्योगिकी....259
9.8. सामुदायिक चिकित्सा केंद्र 274
9.9. त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान....306
9.10. आपात चिकित्सा....315
9.11. अंत:स्राविकी एवं चयापचय....328
9.12. न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान....345
9.13. जठरांत्ररोग विज्ञान एवं मानव पोषण एकक 354
9.14. जठरांत्रशल्य चिकित्सा एवं यकृत प्रत्यारोपण....368
9.15. जराचिकित्सा 375
9.16. रुधिर विज्ञान....381
9.17. अस्पताल प्रशासन 394
9.18. प्रयोगशाला चिकित्सा 406
9.19. काय-चिकित्सा 428
9.20. सूक्ष्म जैव विज्ञान 443
9.21. वृक्क विज्ञान....472
9.22. नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद....481

9.23. नाभिकीय चिकित्सा 490
9.24. प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान....................501
9.25. अस्थिरोग....................535
9.26. कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान 548
9.27. बाल चिकित्सा 564
9.28. बाल शल्यचिकित्सा 621
9.29. विकृति विज्ञान....................630
9.30. भेषजगुण विज्ञान 658
9.31. भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास....................667
9.32. शरीर क्रिया विज्ञान 676
9.33. प्लास्टिक, पुनर्संरचना एवं दग्ध शल्य चिकित्सा....................701
9.34. मनोचिकित्सा....................708
9.35. पल्मनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा 733
9.36. विकिरण-निदान....................741
9.37. प्रजनन जैवविज्ञान....................752
9.38. रूमेटोलॉजी 764
9.39. शल्य चिकित्सा विभाग 771
9.40. आधान चिकित्सा....................791
9.41. प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी 799
9.42. मूत्ररोग विज्ञान 811

केंद्र

10.1. हृद्-वक्ष केंद्र 825
10.2. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र 875
10.3. डॉ. बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल....................902
10.4. डॉ राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र....................993
10.5. जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर....................1041
10.6. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केन्द्र 1096
10.7. तंत्रिका विज्ञान केंद्र....................1111

केंद्रीय सुविधा

11.1. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय....................1161
11.2. कैफेटेरिया 1167
11.3. केंद्रीय पशु सुविधा....................1168
11.4. केंद्रीय कार्यशाला 1171
11.5. एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र 1175

11.6. कंप्यूटर सुविधा 1186
11.7. इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी सुविधा 1198
11.8. छात्रावास अनुभाग 1202
11.9. नीति विषयक समिति 1205
11.10. के.एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र (सीएमईटी-आई) 1207
11.11. मीडिया प्रकोष्ठ एवं प्रोटोकाल प्रभाग 1213
12. प्रकाशन 1239

वित्त विभाग

13. वित्त प्रभाग 1240
13.1. बजट और वित्त 1243
13.2. लेखा परीक्षा रिपोर्ट. 12

1. निदेशक की समीक्षा

वर्ष 2022-2023 हेतु सड़सठवीं वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखाओं का लेखापरीक्षित विवरण प्रस्तुत करते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली (एम्स-दिल्ली) की स्थापना 1956 में भारतीय संसद के एक अधिनियम द्वारा की गई थी ताकि चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा के सभी पहलुओं में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने हेतु एक केंद्र के रूप में कार्य किया जा सके। गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा शिक्षा, नवीन जैव चिकित्सा अनुसंधान एवं अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवा के लिए वैश्विक समुदाय द्वारा एम्स-दिल्ली को भारत के सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है। हमारे विकास की कहानी हजारों संकाय-सदस्यों, वैज्ञानिकों एवं तकनीशियनों, स्कॉलर्स, नर्सिंग कार्मिकों, इंजीनियरों तथा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कर्मचारियों के वर्षों के उत्कृष्टतापूर्ण सामूहिक कार्यों का परिणाम है। मुझे इस असाधारण संस्थान का नेतृत्व करने तथा इसकी सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है और मैं इस रिपोर्ट में इसकी कुछ असाधारण उपलब्धियों पर प्रकाश डालना चाहता हूं।

सेवाएं

एम्स-दिल्ली, अस्पताल ने बड़ी संख्या में रोगियों को किफायती सेवाएं प्रदान करते हुए अत्यधिक उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखा है। एम्स-दिल्ली मुख्य अस्पताल तथा उसके केंद्र -हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (हृ.तं. केंद्र), जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.केंद्र), डॉ.भीमराव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ.) तथा राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (रा.प्र. केंद्र), दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) तथा राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी) में रोगियों हेतु बिस्तरों की कुल संख्या 3325 है। वर्ष 2022-2023 के दौरान, एम्स-दिल्ली ने लगभग 42.55 लाख बाह्य तथा 2.8 लाख आंतरिक रोगियों को उपचार प्रदान किया तथा सर्वोत्तम रोगी चिकित्सा सेवा मापदंडों के अनुसार 2.48 लाख से अधिक सर्जिकल प्रक्रियाएं की गईं जिसमें लगभग 83% बिस्तर अधिभोग सहित अस्पताल में रहने की औसत अवधि 9.9 दिन रही; तथा लगभग निम्न मृत्यु दर 1.6% की रही। एम्स-दिल्ली भारत के भीतर और बाहर, विशेष रूप से दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में स्वास्थ्य चिकित्सा प्रदान कर रहा है।

सुशासन

एम्स, नई दिल्ली द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रभावी एवं नैतिक प्रबंधन तथा प्रशासन हेतु विभिन्न सुशासन संबंधी पहलों को लागू किया है ताकि उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाओं का वितरण सुनिश्चित किया जा सके। यह सिद्धांतों एवं व्यवहारों का एक समूह है जो स्वास्थ्य चिकित्सा प्रबंधन में पारदर्शिता, जवाबदेही, दक्षता, रोगी-केंद्रित एवं समग्र उत्कृष्टता को बढ़ावा देता है। निम्नलिखित पहलें न केवल उत्कृष्टता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता बल्कि हमारे देश की स्वास्थ्य चिकित्सा संबंधी आवश्यकताओं को अत्यंत ईमानदारी एवं सहानुभूतिपूर्वक पूर्ण करने के प्रति हमारे समर्पण को भी दर्शाती हैं:

पारदर्शिता: एम्स नई दिल्ली ने अपने संचालन की आधारशिला के रूप में पारदर्शिता को अपनाया है। इस सिद्धांत के अनुरूप, हमने विभिन्न उपाय किए हैं:

खुले संचार चैनल: नियमित टाउन हॉल बैठकें एवं फीडबैक तंत्र।

सूचना प्रसार: सार्वजनिक रूप से सुलभ डैशबोर्ड के माध्यम से हमारी सेवाओं, प्रक्रियाओं एवं नीतियों के विषय में सक्रिय रूप से जानकारी साझा करना।

वित्तीय पारदर्शिता: भंडार अनुभाग द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं के प्रापण को सुव्यवस्थित करने तथा इंजीनियरिंग प्रभाग द्वारा निर्माण एवं अनुरक्षण संबंधी कार्यों के निष्पादन हेतु एम्स में विभिन्न सुधार किए गए हैं।

जवाबदेही: जवाबदेही सुनिश्चित करने हेतु एम्स ने सभी आधिकारिक संप्रेषण के लिए **ई-ऑफिस का उपयोग अनिवार्य कर दिया है।**

कल्याण: रोगी-केंद्रित दृष्टिकोण : हमारा रोगी-केंद्रित मॉडल यह सुनिश्चित करता है कि चिकित्सा उपचार सहानुभूति एवं सम्मान के साथ प्रदान किया जाए तथा केवल उपचार पर नहीं बल्कि भावनात्मक समर्थन, रोगी शिक्षा एवं उपचार के बाद फॉलोअप पर भी ध्यान केंद्रित किया जाए। रोगियों तथा उनके परिचरों के लिए सार्वजनिक सुविधाओं से युक्त विभिन्न प्रतीक्षालय बनाए गए हैं। पूरे परिसर में नियमित भ्रमण हेतु स्वच्छता टीम का गठन किया गया है।

कर्मचारी कल्याण कार्यक्रम : एम्स परिसर को **'नशा-मुक्त'** घोषित किया गया है तथा नशा-मुक्ति के इच्छुक कर्मचारियों/चिकित्सकों/छात्रों को सहायता प्रदान की जा रही है।

शासन संरचना: स्पष्ट भूमिकाएँ एवं जिम्मेदारियाँ: अस्पष्टता से बचने तथा सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सकों, अस्पताल प्रशासकों, चिकित्सा कर्मचारियों तथा अन्य कार्मिकों की भूमिकाएँ भलीभाँति परिभाषित की गई हैं। निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रणाली द्वारा समय-समय पर प्रमुख क्षेत्रों के प्रभारियों की बदलियाँ की जा रही हैं। एम्स में स्पष्ट अधिदेश एवं समय-सीमा के साथ विभिन्न समितियों का गठन किया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी सेवाएं बेहतर ढंग से कार्य कर रही हैं।

एम्स, नई दिल्ली में सुशासन की पहल, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं कल्याण के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता पर आधारित है। ये पहलें सत्यनिष्ठा एवं नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के हमारे मिशन के अनुरूप हैं। इन सिद्धांतों का पालन करके, अस्पताल अपने समुदायों के भीतर विश्वास पैदा कर सकते हैं तथा गुणवत्ता एवं अखंडता के उच्चतम मानकों को पूरा करने वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर सकते हैं।

सेवा विस्तार

एम्स-दिल्ली के लिए इस वर्ष का आदर्श वाक्य रोगी केंद्रित सेवा विस्तार था। हमने मौजूदा वार्ड के बिस्तरों को गहन उपचार/उच्च-निर्भरता यूनिट बिस्तरों में परिवर्तित करने से लेकर देशभर से रेफर किए गए अत्यधिक बीमार रोगियों को चिकित्सा प्रदान करने हेतु अस्पताल के बिस्तरों के अनुपात को 10% से बढ़ाकर 30% करने तक सभी स्वास्थ्य चिकित्सा संबंधी पहलों के केंद्र में रोगियों की आवश्यकताओं

को रखा; प्रतीक्षा समय को कम करने तथा रोगी के अस्पताल आने वाले दिन से ही सभी जरूरी रेडियोलॉजिकल जांच की सुनिश्चितता हेतु 24X7 आधार पर रेडियोलॉजी मशीनों का उपयोग किया; रोगियों तथा उनके परिजनों को कड़ाके की सर्दी से राहत प्रदान करने के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के साथ 'आश्रय' शेल्टर आरंभ किया; तथा बर्तन उधार देना एवं इनडोर रोगियों एवं उनके परिचरों के लिए प्रतीक्षा क्षेत्रों में पीने के पानी एवं जलपान की सुविधाओं में सुधार किया।

संस्थान ने अपने सभी सार्वजनिक प्रवेश द्वारों पर रोगी सहायता (नियंत्रण कक्ष) सेवाओं का विस्तार किया है। रोगी चिकित्सा प्रबंधक तथा सुरक्षा कर्मचारी यह सेवाएँ प्रदान करते हैं तथा निगरानी एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए इन चौकियों पर सभी संचार रिकॉर्ड किए जाते हैं। प्रदूषण कम करने, व्हीलचेयर वाले रोगियों को आराम प्रदान करने तथा सभी को सुरक्षा प्रदान करने के लिए हमने परिसर के भीतर यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने हेतु एक नई योजना भी लागू की है। रोगियों एवं कर्मचारियों की आवाजाही के लिए लगभग 50 अतिरिक्त इलेक्ट्रिक शटल तैयार की गई हैं। सभी इलेक्ट्रिक शटल में जीपीएस सिस्टम लगा दिए गए हैं तथा इनके आगमन एवं प्रस्थान का समय पूर्व-निर्धारित है।

एम्स तथा दिल्ली के अन्य सार्वजनिक अस्पतालों (उदाहरण के लिए, द्वारका में इंदिरा गांधी अस्पताल तथा नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के चरक पालिका अस्पताल) में रोगियों को रेफर करने हेतु एक औपचारिक प्रणाली विकसित करने पर चर्चा चल रही है ताकि इन अस्पतालों में खाली बिस्तरों का सर्वोत्तम उपयोग किया जा सके। इस प्रणाली की सहायता हेतु एक केंद्रीकृत डैशबोर्ड का निर्माण किया जाएगा जिसके द्वारा सरकारी अस्पतालों में बिस्तरों की उपलब्धता को वास्तविक समय के आधार पर ट्रैक किया जा सकेगा। धीरे-धीरे, इन अस्पतालों एवं स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्रों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों में आबादी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सुपर-स्पेशियलिटी 'साझेदार संस्थानों' के रूप में विकसित किया जाएगा।

एम्स-दिल्ली राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा वर्ल्ड प्रोफेशनल एसोसिएशन फॉर ट्रांसजेंडर हेल्थ के सहयोग से लिंग सकारात्मक उपचार के लिए देश का पहला राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

संस्थान ने निजी अस्पतालों, फार्मेसियों तथा प्रयोगशालाओं के उन एजेंटों को भी बाहर निकालने के लिए व्यापक प्रयास किए हैं जो रोगियों का शोषण करने के लिए अस्पताल आते हैं। इस कार्य के लिए अस्पताल तथा सुरक्षा कर्मचारियों की सहायता हेतु पहचान एवं रिपोर्टिंग प्रोटोकॉल स्थापित किए गए हैं।

पर्यावरण अनुकूलता

एम्स-दिल्ली को कागज रहित (पेपरलेस) बना दिया गया है तथा एक ई-अस्पताल कार्यक्रम का क्रियान्वयन प्रक्रिया में है। इस कार्यक्रम में विभिन्न मॉड्यूल शामिल हैं, जैसे ओटी मॉड्यूल, क्लिनिकल मॉड्यूल तथा टेलीमेडिसिन मॉड्यूल। ई-हॉस्पिटल कार्यक्रम से बाह्य रोगी पंजीकरण, प्रयोगशाला जांच, सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन, अंतःरोगी रिकॉर्ड, रोगियों का फॉलोअप, नैदानिक आंकड़े तैयार करना आदि की दक्षता में सुधार होगा। संस्थान द्वारा प्रापण हेतु एक डिजिटल संग्रह भी स्थापित किया गया है।

प्रापण प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के अतिरिक्त, यह संग्रह अन्य चिकित्सा/सरकारी संस्थानों हेतु प्रापण के लिए एक बेंचमार्क के रूप में कार्य करेगा।

रोगियों तथा स्टाफ सदस्यों के स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने एम्स के पास प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय सुझाने हेतु एक पैनल का गठन किया है। यह एम्स के आसपास हरित पट्टी के निर्माण, शोर एवं धूल नियंत्रण उपायों तथा कचरा एवं जैव चिकित्सा अपशिष्ट निपटान जैसे विभिन्न तौर-तरीकों की जांच कर रहा है। एम्स-दिल्ली परिसर 'तंबाकू मुक्त क्षेत्र' बन गया। तम्बाकू का उपयोग कैंसर, हृदय एवं फेफड़ों के रोगों सहित मृत्यु दर एवं रुग्णता के लिए एक प्रमुख जोखिम कारक है।

वर्ष 2023 को एक जन आंदोलन के रूप में "अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष" के रूप में मनाने के भारत सरकार के आह्वान के अनुरूप संस्थान ने 'मिलेट कैंटीन' आरंभ की है। मिलेट पोषक तत्वों से भरपूर है और यह भूजल संरक्षण में सहायता करता है।

भविष्य के लिए तैयार

एम्स-दिल्ली को स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के लिए उत्कृष्टता केंद्र का नाम दिया गया है। एआई उपकरण वित्तीय निगरानी, रोग उपचार, निगरानी, नैदानिक निर्णय प्रणाली एवं गुणवत्ता सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान कर सकते हैं।

कैंसर रोगियों के लिए प्रशामक उपचार को अधिक सुलभ एवं आरामदायक बनाने के लिए भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से अर्बुद विज्ञान विभाग ने एक मोबाइल ऐप विकसित किया है। इसी प्रकार, एम्स-दिल्ली तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी)-रुड़की के अनुसंधानकर्ताओं ने गर्भवती महिलाओं को प्रसवपूर्व उपचार एवं चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए 'स्वस्थगर्भ' नामक एक ऐप विकसित किया है। दोनों ऐप आपातकालीन स्थिति में वास्तविक समय पर चिकित्सा सहायता प्रदान कर सकते हैं और इस प्रकार अस्पताल में दाखिले की आवश्यकता को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ये ऐप अनुशंसित कार्यों को ट्रैक कर सकते हैं तथा रोगियों को उनके निर्धारित अपोइंटमेंट, जाँचों तथा उपचारों को प्रबंधित करने में सहायता प्रदान करने के लिए अनुकूलित सूचनाएं भेज सकते हैं। अंगदान प्रक्रिया को और अधिक कुशल बनाने के लिए अंग पुनर्प्राप्ति बैंकिंग संगठन (ओर्बो) ने एक अधिसूचना प्रणाली आरंभ की है। इससे अंगदान में वृद्धि हुई है, उदाहरण के लिए, पिछले कैलेंडर वर्ष में कॉर्निया दान दोगुने से अधिक हो गया है।

अनुसंधान एवं नवाचार

राष्ट्र की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ वैश्विक ज्ञान में वृद्धि करने के लिए इस संस्थान के संकाय-सदस्य तथा अनुसंधानकर्ताओं को अनुसंधान करने का अधिकार है। अधिक जीवंत अनुसंधान परिवेश बनाने के उद्देश्य से, एम्स-दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग द्वारा अनुसंधान प्रस्तावों के वित्तपोषण के लिए कई कॉल आरंभ की गई हैं, कार्यशालाएं आयोजित की गई हैं तथा एक सहायक अनुसंधान बुनियादी ढांचा तैयार किया गया है। बुनियादी ढांचे एवं क्षमता निर्माण को सेंट्रलाइज्ड कोर रिसर्च फैसिलिटीज (सीसीआरएफ), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) तथा सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई)/ बायो एनईएसटी के माध्यम से संचालित किया जाता है।

युवा संकाय-सदस्यों को विभिन्न प्रतिस्पर्धी आंतरिक अनुदानों के माध्यम से अनुसंधान में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। संस्थान ने स्नातकोत्तर छात्रों एवं रेजीडेंटों के लिए आंशिक यात्रा अनुदान तथा फ़ेलोशिप की एक श्रृंखला आरंभ की है ताकि वे अपने शोध को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने प्रस्तुत कर सकें। अनुभाग ने स्नातक छात्रों के लिए एक अनुसंधान परामर्श योजना भी आरंभ की है। अनुसंधानकर्ताओं को आईसीएमआर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) तथा अन्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे संगठनों से बाह्य वित्तपोषण के लिए सराहनीय प्रस्ताव तैयार करने में भी सहायता प्रदान की जाती है। प्रतिस्पर्धी अनुदान को विभिन्न कंपनियों के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है।

वर्ष 2022-2023 में अनुसंधान अनुभाग ने प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 773 अतिरिक्त वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं के साथ-साथ 357 आंतरिक अनुसंधान अनुदानों का प्रबंधन किया, जिसकी राशि रु.190 करोड़ है। वित्तपोषण एजेंसियों में आईसीएमआर, डीबीटी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ, वेलकम ट्रस्ट, आदि सम्मिलित हैं। एम्स-दिल्ली के अनुसंधान समुदाय ने नवाचारों एवं प्रकाशनों में अपने नेतृत्व द्वारा छात्रवृत्ति में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्ष के दौरान संस्थान के संकाय-सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 5000 से अधिक शोधपत्र तथा 800 से अधिक मोनोग्राफ, पुस्तकें एवं पुस्तकों के अध्याय प्रकाशित किए।

सहयोगी अनुसंधान

अनुसंधान अनुभाग द्वारा संस्थान के भीतर, भारत के अन्य संस्थानों जैसे,आईआईटी तथा ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) आदि तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगी परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण परियोजनाओं कॉल की घोषणा करके भविष्य के दीर्घकालिक सहयोग हेतु दिशाएँ निर्धारित की हैं। अंतःविषयक एवं सहयोगी अनुसंधान को बढ़ाने के उद्देश्य से एम्स-दिल्ली तथा यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन (यूसीएल) तथा आईआईटी के बीच संयुक्त अनुसंधान सीडकोष स्थापित किया गया है।

एकीकृत अनुसंधान

11 दिसंबर 2022 को पणजी (गोवा) में 9वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस एवं आरोग्य एक्सपो 2022 के समापन सत्र कोर्स को संबोधित करते हुए, भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की वैश्विक स्वीकृति हेतु एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया था। उन्होंने सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर), एम्स-दिल्ली में किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला था। पुन: 25 दिसंबर 2022 को प्रसारित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 96वें एपिसोड में, माननीय प्रधानमंत्री द्वारा पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, विशेष रूप से योग और आयुर्वेद के लिए वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने के प्रयासों तथा इस प्रकार उनकी वैश्विक स्वीकृति में योगदान करने के लिए सीआईएमआर, एम्स की सराहना की गई। उन्होंने विशेष रूप से माइग्रेन तथा

वासोवागल सिंकोप जैसी नैदानिक स्थितियों में योग अभ्यास के लाभों पर शोध परीक्षणों का उल्लेख किया।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निदान, रोकथाम, शिक्षा, नैदानिक निर्णय लेने, पूर्वानुमान तथा दवा की खोज में व्यापक अनुप्रयोगों के साथ स्वास्थ्य सेवा में तेजी से उभरती हुई तकनीक है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एम्स-दिल्ली को स्वास्थ्य सेवा में एआई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में नामित किया गया है। संस्थान की एआई टीम ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण हेतु उपकरण बनाने के लिए रेडियोडायग्नोसिस एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, नेत्र विज्ञान तथा त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान विभागों में चार परियोजनाएं आरंभ की हैं। पुल्मोनरी, गहन चिकित्सा एवं निद्रा विकार विभाग ने साँस छोड़ने वाले वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों द्वारा निर्मित फेफड़ों के कैंसर के लक्षण की पहचान करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक नाक (ई-नोज़) नामक एक उपकरण तैयार किया है। यह उपकरण फेफड़ों के कैंसर का शीघ्र पता लगाने में सहायता प्रदान कर सकता है।

नैदानिक नवाचार

माननीय प्रधानमंत्री ने एम्स-दिल्ली में की गई एक दुर्लभ सर्जरी का संज्ञान लिया। जन्मजात दोष की गंभीरता को कम करने तथा भविष्य में सर्जरी/इंटरवेंशन के लिए बच्चे के हृदय की स्थिति में सुधार करने के लिए 28 सप्ताह के भ्रूण के 'अंगूर के आकार' के हृदय की न्यूनतम इनवेसिव हृदय सर्जरी 90 सेकंड में पूरी कर ली गई थी। टीम के प्रयास की सराहना करते हुए, प्रधानमंत्री ने माननीय स्वास्थ्य मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया की ट्विटर (अब एक्स) पोस्ट "भारत के चिकित्सकों पर उनकी निपुणता और नवीनता के लिए गर्व है" साझा की।

एम्स-दिल्ली अंतिम चरण के फेफड़ों के रोगों के लिए फेफड़े की प्रत्यारोपण सर्जरी सफलतापूर्वक कर रहा है। सर्जरी में रोगी के एक अथवा दोनों रोगग्रस्त फेफड़ों को निकालना तथा उनके स्थान पर मृत दाताओं से प्राप्त स्वस्थ फेफड़ों को लगाना शामिल है।

एम्स-दिल्ली लक्षित एनेस्थीसिया का उपयोग करके 'एम्बुलेटरी' स्पाइनल फ्यूजन सर्जरी करने वाला दक्षिण एशिया का पहला चिकित्सा संस्थान भी बन गया है जिसमें रोगी पूरी प्रक्रिया के दौरान पूरी तरह से सचेत रहते हैं तथा उन्हें उसी दिन अस्पताल से छुट्टी दे दी जाती है। ऐसी प्रक्रियाएं अस्पताल में बिस्तरों में कमी, उपचार की लागत तथा प्रतीक्षा सूची को कम कर सकती हैं तथा रोगियों के अनुभव एवं जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकती हैं।

शिक्षा

एक अद्वितीय संगठनात्मक संस्कृति, गहन शैक्षणिक प्रशिक्षण तथा विश्व स्तरीय अनुसंधान के प्रदर्शन पर निरंतर जोर देने से एम्स-दिल्ली को एक प्रमुख शिक्षण संस्थान बनने में सहायता प्राप्त हुई है। विभिन्न शिक्षण विभागों तथा सुविधाओं और 42 स्टैंड-अलोन विभागों वाले अपने 7 केंद्रों तथा 800 से अधिक संकाय-सदस्यों सहित 11,000 से अधिक की श्रम शक्ति के साथ, एम्स-दिल्ली बड़ी संख्या में चिकित्सा स्नातक, विशेषज्ञ (एमडी/एमएस), अति-विशेषज्ञ (डीएम/ एमसीएच),पीएचडी स्कॉलर्स तथा

संबद्ध स्वास्थ्य एवं बुनियादी विज्ञान विशेषज्ञ तैयार करता है जिनमें नर्स तथा पराचिकित्सा पेशेवर शामिल हैं। वर्ष के दौरान, हमने विभिन्न स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 975 स्कॉलर्स का नामांकन किया। संस्थान ने 424 अल्पकालिक प्रशिक्षुओं को स्नातकोत्तर प्रशिक्षण भी प्रदान किया। एम्स-दिल्ली अन्य एम्स के लिए परामर्शदाता की भूमिका निभाता रहा है।

एम्स-दिल्ली ने चिकित्सा के तेजी से बढ़ते परिदृश्य को देखते हुए कई नए पाठ्यक्रम शुरू किए हैं। पिछले दशक में सुपर-स्पेशियलिटी की सीटें लगभग दोगुनी हो गई हैं। इनमें ऑन्कोलॉजी एनेस्थीसिया, संक्रामक रोग, प्रशामक चिकित्सा, प्रजनन चिकित्सा, भ्रूण चिकित्सा, मिनिमल एक्सेस सर्जरी तथा रीनल ट्रांसप्लांट सर्जरी जैसे पाठ्यक्रम शामिल हैं।

संस्थान ने स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले चिकित्सकों तथा विज्ञान का नेतृत्व करने वालो को चिकित्सा की वास्तविक दुनिया की सेटिंग तथा विज्ञान एवं स्वास्थ्य सेवा वितरण में नए रुझानों से परिचित कराना जारी रखा। हमने हजारों चिकित्सकों और स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों को उनके कौशल, ज्ञान एवं प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायता करने के लिए सतत व्यावसायिक विकास शिक्षा प्रदान की। हमने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से 149 से अधिक कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया/मेजबानी की। के एल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी (सीएमईटी) ने विभिन्न श्रेणियों के स्टाफ सदस्यों के लिए कई इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

शिक्षण परिणामों का विस्तार करने के लिए वैज्ञानिक प्रगति का भी लाभ उठाया जा रहा है। संस्थान ने एक ई-लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म विकसित किया है और ऐसे प्रोग्राम डिज़ाइन किए हैं जिनका उपयोग अन्य चिकित्सा संस्थानों द्वारा किया जा सकता है। एम्स-दिल्ली ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की '2025 तक टीबी समाप्ति की रणनीति' की सहायता करने के लिए एक्स्ट्रा पल्मोनरी ट्यूबरकुलोसिस पर एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल का मसौदा तैयार किया है, जिसे 24 मार्च, 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था। एम्स-दिल्ली द्वारा सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) की प्रकाशमय (महामारी से संबंधित जागरूकता ज्ञान एवं युवाओं के बीच कार्रवाई समर्थित स्वास्थ्य उपचार) परियोजना के अंतर्गत पूरे भारत से नौ हजार से अधिक मेडिकल एवं नर्सिंग छात्रों के लिए प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किए गए।

एम्स-दिल्ली एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपनी तरह की पहली रोबोटिक प्रशिक्षण सुविधा विकसित करने के लिए इंडिया मेडट्रॉनिक प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग कर रहा है। रोबोटिक से जुड़ी न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, प्रक्रियात्मक एवं साक्ष्य-आधारित चिकित्सा शिक्षा गतिविधियों का उपयोग करके रोगी परिणामों को बढ़ावा देगी।

ये कुछ कारण हैं कि लगभग सात दशकों के बाद भी, संस्थान चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र में देश का अग्रणी बना हुआ है। इसने नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) रैंकिंग 2023 की चिकित्सा श्रेणी में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा। यह 2023 में विषय के आधार पर क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 123वें स्थान पर है, जो शीर्ष 200 में भारत का एकमात्र संस्थान है।

जन-स्वास्थ्य

सामुदायिक चिकित्सा केंद्र नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल (एनसीईएआर-ए) के माध्यम से देश में एनीमिया नियंत्रण का नेतृत्व कर रहा है; राष्ट्रीय एचआईवी निगरानी संस्थान के रूप में सेवा करके एनएसीओ के एचआईवी कार्यक्रम हेतु साक्ष्य आधारित निर्णय सुनिश्चित करना; तथा समुदाय-आधारित गैर-संचारी रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण पर अनुसंधान एवं क्षमता निर्माण के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र (डब्ल्यूएचओ-सीसी) के रूप में कार्य करके गैर-संचारी रोगों के लिए व्यापक स्वास्थ्य क्षेत्र की प्राथमिकताएं तैयार करना। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार के तकनीकी संसाधन समूहों में अपनी उपस्थिति के माध्यम से यह केंद्र राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम तथा स्वास्थ्य क्षेत्र रणनीति ढांचे हेतु सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र भारत के महानिदेशक के कार्यालय के एसआरएस-आधारित वर्बल ऑटोप्सी सिस्टम तथा डब्ल्यूएचओ समर्थित एसईएआर एनसीडी सेवा वितरण नेटवर्क के लिए तकनीकी सहायता एकक भी है।

मानव प्रजनन में अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी के रूप में निर्दिष्ट स्थिति के अतिरिक्त, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग को गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम तथा अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ-सीसी के रूप में मान्यता दी गई थी।

बाल चिकित्सा विभाग में, नियोनेटोलॉजी प्रभाग को लगातार आठवीं बार प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी के रूप में पुनः नामित किया गया था। विकासशील देशों के लिए नैदानिक एवं प्रयोगशाला अनुवंशिकी में प्रशिक्षण के लिए आनुवंशिकी प्रभाग द्वारा डब्ल्यूएचओ-सीसी के रूप में कार्य करना जारी है। तीन प्रभाग अर्थात् बाल वृक्क विज्ञान चिकित्सा, बाल चिकित्सा पुल्मोनोलॉजी तथा चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल विकार ने आईसीएमआर के उन्नत अनुसंधान केंद्र (सीएआरई) के रूप में योगदान देना जारी रखा हैं।

एम्स-दिल्ली तपेदिक (कायचिकित्सा विभाग),मादक द्रव्यों के सेवन (एनडीडीटीसी), अंधेपन की रोकथाम (रा.प्र.कें.) तथा मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन (सीडीईआर) में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ-सीसी भी है; तथा आईसीएमआर की अन्य सीएआरई परियोजनाओं अर्थात, वर्चुअल ऑटोप्सी (न्याय चिकित्सा विभाग), अग्न्याशय रोग एवं आंत रोग (जठरान्त्ररोग एवं मानव पोषण विभाग), न्यूरोमॉड्यूलेशन (मनोचिकित्सा विभाग), विकलांगता एवं सहायक प्रौद्योगिकी (जैव चिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग), वृक्क विज्ञान (वृक्क विज्ञानविभाग) तथा पुल्मोनोलॉजी (फुप्फुसीय, गंभीर उपचार एवं निद्रा विकार विभाग) में सहायता प्रदान करता है।

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग के माइकोलॉजी अनुभाग को आईसीएमआर के अंतर्गत 'एडवांस्ड माइकोलॉजी डायग्नोस्टिक एंड रिसर्च सेंटर इन नॉर्दर्न रीजन ऑफ इंडिया (एएमडीआरसी)' के रूप में नामित किया गया है। रुधिर रोग विज्ञान विभाग इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हेमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस के लिए एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य कर रहा है। सीडीईआर राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में सक्रिय है।

संस्थान की इमारत

एक गौरवशाली विरासत

एम्स यूनाइटेड किंगडम की सबसे लंबे समय तक राज करने वाली महारानी, महारानी एलिजाबेथ द्वितीय को स्नेहपूर्वक याद करता है, जिनका पिछले वर्ष निधन हो गया था, उन्होंने 27 जनवरी, 1961 को एक समारोह में संस्थान का औपचारिक उद्घाटन किया था, जिसमें भारत के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद उनकी पहली राजकीय यात्रा में शामिल हुए थे। इस घटना की स्मृति में एक पट्टिका जवाहर लाल सभागार में देखी जा सकती है तथा यात्रा की बहुमूल्य तस्वीरें सीमेट में उपलब्ध हैं।

एम्स-दिल्ली द्वारा अपनी विरासत को प्रदर्शित करने के लिए एक संग्रहालय स्थापित किया जा रहा है। अभिलेखागार ऐतिहासिक कार्यों के लिए स्पष्टीकरण तथा वर्तमान निर्णयों के लिए तर्क प्रदान करेंगे। अभिलेखागार स्कॉलर्स एवं स्टाफ की नई पीढ़ी को संस्थान की संस्कृति को अपनाने तथा संस्थान के उद्देश्यों के साथ खुद को जोड़ने में सहायता प्रदान करेंगे।

निष्कर्ष

एम्स-दिल्ली ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, किफायती सेवा के प्रावधान एवं नवीन जैवचिकित्सा अनुसंधान द्वारा भारतीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के सरकार के प्रयास में सहायता करने के अपने जनादेश को पूरा करने का वास्तविक प्रयास किया है। इस महान संस्थान की सेवा करना तथा इतने सारे सक्रिय लोगों के साथ कार्य करना एक अपूर्व सौभाग्य रहा है। मैं एम्स-दिल्ली के प्रत्येक व्यक्ति के प्रति अपनी विनम्र कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जिनकी प्रतिबद्धता ने इसे एक अद्वितीय संस्थान बना दिया है!

एम. श्रीनिवास

निदेशक

2. संस्थान निकाय

1.	**डॉ. मनसुख मांडविया** स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	अध्यक्ष (दिनांक 09.03.2022 से अब तक)
2.	**डॉ. अनिल जैन, सांसद (राज्यसभा)** डी-244, अनुपम गार्डन, सैयद उल अजैब, नई दिल्ली-110068	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
3.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)** मकान नं. 179, सनपथ हॉउस, गाँव तुगलकाबाद, नई दिल्ली-110044	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
4.	**श्री मनोज कुमार तिवारी, सांसद (लोकसभा)** 24, मदर टेरेसा क्रीसेंट मार्ग, नई दिल्ली	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
5.	**डॉ. के. विजय राघवन** भूतपूर्व प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
6.	**श्री के. संजय मूर्ति** सचिव, भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
7.	**डॉ. प्रांजल मोदी** कुलपति गुजरात प्रत्यारोपण विज्ञान विश्वविद्यालय ट्रॉमा सेंटर के सामने, सिविल अस्पताल परिसर असारवा, अहमदाबाद-380016, गुजरात	सदस्य (दिनांक 09.03.2022 से अब तक)
8.	**श्री राजेश भूषण** सचिव (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण), भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
9.	**प्रोफेसर योगेश सिंह** कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली-110007	सदस्य (पदेन) (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)

10.	**डॉ. अतुल गोयल** महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं भारत सरकार, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (पदेन) (दिनांक 18.04.2022 से अब तक) डॉ. सुनील कुमार, (दिनांक 06.12.2021 से 17.04.2022 तक) के स्थान पर
11.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला** कुलदेशिक एवं कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी-221005, उत्तर प्रदेश	सदस्य (दिनांक 09.03.2022 से अब तक)
12.	**डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना** पूर्व महासचिव, भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन, (आई.एस.सी.ए.), कोलकाता, पश्चिम बंगाल	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)
	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना समन्वयक, जैव सूचना विज्ञान इंफ्रस्ट्रक्चर फैसिलिटी सेंटर, डी.बी.टी., (भारत सरकार) विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान, दयानंद गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कानपुर, 7/182, स्वरूप नगर, कानपुर 208002, उत्तर प्रदेश	
13.	**डॉ. कामेश्वर प्रसाद** निदेशक राजेन्द्र आयुर्विज्ञान संस्थान बरियातू, रांची-834009, झारखंड	सदस्य (दिनांक 09.03.2022 से अब तक)
14.	**डॉ. प्रेम नायर** चिकित्सा निदेशक अमृता आयुर्विज्ञान संस्थान पो.ओ. एलामक्कारा, कोच्ची-682041, केरल नासिक 422 004	सदस्य (दिनांक 09.03.2022 से अब तक)
15.	**डॉ. एस. वेंकटेश** प्रधान सलाहकार कमरा सं. 501, नया एपीडेमियोलॉजी ब्लॉक राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र 22, शाम नाथ मार्ग, दिल्ली-110054	सदस्य (दिनांक 06.12.2021 से अब तक)

16.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा** अपर सचिव एवं वित्त सलाहकार, भारत सरकार स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली-110011	सदस्य (दिनांक 4.10.2022 से अब तक) श्री आशीष श्रीवास्तव (दिनांक 06.12.2021 से 3.10.2022 तक) के स्थान पर
17.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक) प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

शासी निकाय (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**डॉ. मनसुख मांडविया**	अध्यक्ष (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
2.	**डॉ. अनिल जैन, सांसद (राज्यसभा)**	सदस्य (दिनांक 28.04.2021 से अब तक)
3.	**श्री राजेश भूषण**	सदस्य (दिनांक 10.06.2021 से अब तक)
4.	**श्री के. संजय मूर्ति**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
5.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा**	सदस्य (दिनांक 04.10.2022 से अब तक) श्री आशीष श्रीवास्तव (दिनांक 28.04.2022 से 3.10.2022 तक) के स्थान पर
6.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
7.	**डॉ. कामेश्वर प्रसाद**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
8.	**डॉ. प्रांजल मोदी**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
9.	**प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
10.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)

11.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक) प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

वित्त समिति (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**श्री राजेश भूषण**	अध्यक्ष (दिनांक 25.02.2022 से अब तक)
2.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)**	सदस्य (दिनांक 25.02.2022 से अब तक)
3.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 25.02.2022 से अब तक)
4.	**श्री के. संजय मूर्ति**	सदस्य (दिनांक 25.02.2022 से अब तक)
5.	**डॉ. के. विजय राघवन**	सदस्य (दिनांक 25.02.2022 से अब तक)
6.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा**	सदस्य (दिनांक 04.10.2022 से अब तक) श्री आशीष श्रीवास्तव (दिनांक 28.04.2022 से 3.10.2022 तक) के स्थान पर
7.	**डॉ. प्रांजल मोदी**	सदस्य (दिनांक 04.04.2022 से अब तक)
8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

स्थायी शैक्षिक समिति (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**डॉ. प्रांजल मोदी**	अध्यक्ष (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
2.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
3.	**प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)

4.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा**	सदस्य (दिनांक 04.10.2022 से अब तक) श्री आशीष श्रीवास्तव (दिनांक 28.04.2022 से 3.10.2022 तक) के स्थान पर
5.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
6.	**डॉ. प्रेम नायर**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
7.	**डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना**	सदस्य (दिनांक 01.04.2021 से 31.07.2021 तथा 28.04.2022 से अब तक)
8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

<u>स्थायी संपदा समिति</u> (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**श्री रमेश बिधूड़ी, सांसद (लोकसभा)**	अध्यक्ष (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
2.	**श्री मनोज कुमार तिवारी, सांसद (लोकसभा)**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
3.	**डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
4.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
5.	**प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
6.	**श्री जयदीप कुमार मिश्रा**	सदस्य (दिनांक 04.10.2022 से अब तक) श्री आशीष श्रीवास्तव (दिनांक 28.04.2022 से 03.10.2022 तक) के स्थान पर
7.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)

8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

<u>स्थायी अस्पताल कार्य समिति</u> (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**श्री मनोज कुमार तिवारी, सांसद (लोकसभा)**	अध्यक्ष (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
2.	**डॉ. अनिल जैन, सांसद (राज्यसभा)**	सदस्य (दिनांक 28.04.2021 से अब तक)
3.	**डॉ. के. विजय राघवन**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
4.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
5.	**डॉ. एस. वेंकटेश** प्रधान सलाहकार, डी.जी.एच.एस.	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
6.	**डॉ. कामेश्वर प्रसाद**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
7.	**प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

<u>चयन समिति</u> (दिनांक 01.04.2022 से 31.03.2023 तक)

1.	**डॉ. कामेश्वर प्रसाद**	अध्यक्ष (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
2.	**डॉ. अतुल गोयल**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
3.	**प्रोफेसर विजय कुमार शुक्ला**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)

4.	**डॉ. एस. वेंकटेश** प्रधान सलाहकार, डी.जी.एच.एस.	सदस्य (दिनांक 28.04.2021 से अब तक)
5.	**प्रोफेसर योगेश सिंह**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
6.	**डॉ. के. विजय राघवन**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
7.	**डॉ. प्रेम नायर**	सदस्य (दिनांक 28.04.2022 से अब तक)
8.	**प्रोफेसर एम. श्रीनिवास** निदेशक, एम्स	सदस्य-सचिव (दिनांक 23.09.2022 से अब तक), प्रोफेसर रणदीप गुलेरिया (दिनांक 24 मार्च, 2017 से 23 सितंबर, 2022 तक) के स्थान पर

3. शैक्षिक अनुभाग

संकायाध्यक्ष

नीना खन्ना (1 दिसंबर 2021 से 30 जून 2022)

सुब्रत सिन्हा (1 जुलाई 2022 से 31 जनवरी 2023)

मीनू बाजपेयी (1 फरवरी 2023 से अब तक)

सह-संकायाध्यक्ष

राजीव कुमार

कुलसचिव

संजीव लालवानी

शैक्षिक अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा नीति तैयार की जाती हैं तथा शैक्षिक गतिविधियों की योजनाएं बनाई जाती हैं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाता है। इन गतिविधियों में चिकित्सा, नर्सिंग एवं पराचिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट कार्यक्रम शामिल हैं। ये गतिविधियाँ स्नातक, स्नातकोत्तर तथा पराचिकित्सा प्रकोष्ठों द्वारा संचालित की जाती हैं।

पिछले तीन वर्षों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	2022-23	2021-22	2020-21
1.	एमएससी/ एमबायोटेक /एमएससी नर्सिंग (अगस्त)*	106	101	76
2.	एमडी/एमएस/एमडीएस/ एम.सीएच /डीएम (सीधे 6 वर्ष)	295	467	446
3.	डीएम/ एमसीएच	189	188	201
4.	पीएचडी	57	59	90
5.	फेलोशिप	37	36	39
6.	एमबीबीएस*	132	132	132
7.	बीएससी नर्सिंग (पोस्ट- बेसिक)*	31	43	45
8.	बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग*	94	96	98
9.	परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम*	34	45	52
	कुल	**975**	**1167**	**1179**

*प्रवेश वर्ष में एक बार किया जाता है।

स्नातक शिक्षण

यह अनुभाग नए छात्रों के प्रवेश के बाद की औपचारिकताओं को संभालता है, पाठ्यक्रम तैयार तथा उसमें संशोधन करता है और विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले स्नातक छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन सहित शिक्षण कार्यक्रमों का संचालन करता है। इन पाठ्यक्रमों में एमबीबीएस, बीएससी

(ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी, नेत्र संबंधी तकनीक, ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी, बीएससी डेंटल हाइजीन, बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंट (डीओआरए), बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) तथा बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम शामिल हैं।

बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस)

एमबीबीएस पाठ्यक्रम में शिक्षा के पैटर्न की समीक्षा एवं पुनर्गठन जुलाई 2004 में की गई थी। एमबीबीएस पाठ्यक्रम साढ़े पांच वर्ष की अवधि का है तथा इसमें 3 चरण एवं इंटर्नशिप शामिल है। विवरण निम्नानुसार है:

चरण	अवधि (वर्ष)	प्रशिक्षण
प्रथम	एक	प्री-क्लिनिकल
द्वितीय	डेढ़	पैरा-क्लिनिकल
तृतीय	दो	क्लीनिकल
प्रशिक्षण	एक	विभिन्न विभागों में अनिवार्य रोटेशन

वर्तमान में, हर वर्ष 132 छात्रों (51 सामान्य श्रेणी, 34 अन्य पिछड़ा वर्ग, 12 ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 19 अनुसूचित जाति, 9 अनुसूचित जनजाति तथा 7 विदेशी नागरिक) को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया जाता है। दिव्यांगों (पीडब्ल्यूडी) हेतु क्षैतिज आधार पर 5% आरक्षण प्रदान किया गया था। विदेशी छात्रों के लिए कोई आरक्षण लागू नहीं होगा। वर्ष 2021 से, ये प्रवेश राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) के माध्यम से योग्यता के आधार पर किए जा रहे हैं।

31 मार्च 2023 तक, 102 प्रशिक्षुओं सहित 620 एमबीबीएस छात्र पंजीकृत किए गए थे। नौ मेधावी एमबीबीएस छात्रों को व्यावसायिक परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं अंतिम चरण में पहला, दूसरा तथा तीसरा स्थान प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

पराचिकित्सा एवं नर्सिंग शिक्षा

वर्ष 2022-2023 में, 84 छात्रों (39 सामान्य श्रेणी, 9 ईडब्ल्यूएस श्रेणी, 5 अनुसूचित जाति, 5 अनुसूचित जनजाति तथा 26 अन्य पिछड़ा वर्ग) को बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया था। बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) पाठ्यक्रम में, 31 छात्रों (15 सामान्य श्रेणी, 4 अनुसूचित जाति, 3 अनुसूचित जनजाति, 8 अन्य पिछड़ा वर्ग, 1 ईडब्ल्यूएस) को प्रवेश दिया गया।
विभिन्न बीएससी पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने वाले छात्र इस प्रकार थे:

बीएससी	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा	अ.पि.व.	ईडब्ल्यूएस	विदेशी	कुल
नेत्र तकनीक	8	1	-	6	-	1	16
मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी	4	2	1	3	1	---	11
ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी	4	--	1	2	---	---	7

डेंटल हाइजीन	--	--	---	--	--	---	शून्य
डेंटल ऑपरेटिंग रूम सहायक	--	--	--	--	--	---	शून्य

31 मार्च 2023 को इन पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या इस प्रकार थी:

पाठ्यक्रम	**छात्रों की संख्या**
नर्सिंग	
बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक)	69
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	329
पराचिकित्सा	
बीएससी (ऑनर्स) नेत्र तकनीक	70
बीएससी (ऑनर्स) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी	34
बीएससी ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी	18
बीएससी डेंटल हाइजीन	10
बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम सहायक	09

स्नातकोत्तर शिक्षा

शैक्षिक अनुभाग कनिष्ठ तथा वरिष्ठ रेजीडेंटों सहित स्नातकोत्तर छात्रों के प्रवेश एवं प्रशिक्षण से संबंधित सभी गतिविधियों को देखता है। यह विभिन्न विषयों में फेलोशिप, पीएचडी, डीएम, एमसीएच, एमडी, एमएस, एमडीएस, एमएचए, एमसीएच /डीएम (सीधे 6 वर्ष का पाठ्यक्रम), एम. बायोटेक्नोलॉजी (एम. बायोटेक) तथा एमएससी पाठ्यक्रमों से संबंधित सभी गतिविधियों का संचालन करता है।

एमएससी, एमएससी नर्सिंग और एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों को छोड़कर भारतीय नागरिकों के साथ-साथ प्रायोजित उम्मीदवारों के लिए सभी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वर्ष में दो बार अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है, जबकि एमएससी, एमएससी नर्सिंग और एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रमों के लिए परीक्षा वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। विदेशी नागरिकों को उसी प्रवेश परीक्षा के माध्यम से प्रायोजित श्रेणी के तहत प्रवेश दिया जाता है। वर्ष 2022-23 में, 975 छात्रों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया गया। 31 मार्च 2023 तक स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट छात्रों की संख्या।

विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**जुलाई 2022**	**जनवरी 2023**	**कुल**
	एमएससी/ एमबायोटेक /एमएससी नर्सिंग (अगस्त)*	106	---	106
	एमडी/एमएस/एमडीएस/ एम.सीएच /डीएम (सीधे 6 वर्ष)	107	188	295
	डीएम/ एमसीएच	88	101	189
	पीएचडी	30	27	57
	फेलोशिप	20	17	37

	एमबीबीएस*	132	--	132
	बीएससी नर्सिंग (पोस्ट- बेसिक)*	31	--	31
	बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग*	94	--	94
	परा-चिकित्सा पाठ्यक्रम*	34	--	34
	कुल	**642**	**333**	**975**

*प्रवेश वर्ष में एक बार किया जाता है

पंजीकृत स्नातकोत्तर छात्र

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**पंजीकृत छात्रों की संख्या**
	पीएचडी	343
	डीएम	364
	एमसीएच	172
	फ़ेलोशिप कार्यक्रम	45
	एमडी	801
	एमएस	108
	एमडीएस	56
	एमएससी/ एमबायोटेक /एमएससी नर्सिंग	182
	कुल	**2071**

पंजीकृत पीएचडी छात्रों का विषयवार वितरण

क्रमांक	**विषय**	**सीधे**	**प्रायोजित**
1.	शरीर रचना	13	--
2.	जैवरसायन	55	---
3.	जैव भौतिकी	37	---
4.	जैव प्रौद्योगिकी	22	--
5.	कार्डिएक बायोकैमिस्ट्री (सीएनसी)	3	
6.	हृद् विज्ञान	1	--
7.	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र	6	2
8.	सीआईएमआर	1	--
9.	नर्सिंग कॉलेज	1	----
10.	सामुदायिक नेत्र विज्ञान (डॉ. रा.प्र. केंद्र)	2	----
11।	त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	3	--
12.	अंतःस्राविकी एवं चयापचय	1	---
13.	न्याय चिकित्सा	3	---
14.	जठरान्त्ररोग एवं मानव पोषण एकक	8	---
15.	प्रयोगशाला चिकित्सा	4	---
16.	प्रयोगशाला चिकित्सा (टीसी)	1	1

17.	प्रयोगशाला अर्बुद विज्ञान	13	--
18.	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान (डॉ. बीआरए आईआरसीएच)	11	---
19.	चिकित्सा भौतिकी (डॉ बीआरए आईआरसीएच)	2	1
20.	सूक्ष्मजैव विज्ञान	5	---
21.	काय चिकित्सा	--	1
22.	न्यूरो-पैथोलॉजी (एनएससी)	7	---
23.	तंत्रिका-विज्ञान	8	--
24.	तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार	0	1
25.	तंत्रिका मनोविज्ञान	1	---
26.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	1	---
27.	नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद	10	1
28.	नाभिकीय चिकित्सा	1	--
29.	ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी (सीडीईआर)	1	--
30.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	2	--
31.	नेत्र विज्ञान (आरपीसी)	6	---
32.	ओक्युलर बायोकैमिस्ट्री (डॉ. आरपी सेंटर)	2	----
33.	ओक्युलर पैथोलॉजी (डॉ. आरपी सेंटर)	3	----
34.	ओक्युलर फार्माकोलॉजी (डॉ. आरपी सेंटर)	3	----
35.	बाल शल्य चिकित्सा	1	1
36.	बाल चिकित्सा	6	1
37.	विकृति विज्ञान	12	----
38.	भेषजगुण विज्ञान	13	----
39.	शरीर क्रिया विज्ञान	26	----
40.	प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी (आईआरसीएच)	1	----
41.	मनोविज्ञान (नैदानिक मनोविज्ञान)	1	--
42.	मनोविज्ञान (नैदानिक मनोरोग)	1	--
43.	मनोविज्ञान (एनडीडीटीसी)	1	--
44.	मनोविज्ञान	4	---
45.	पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	4	---
46.	विकिरण निदान	---	1
47.	रेडियोथेरेपी	---	---
48.	प्रजनन जैव विज्ञान	16	----
49.	स्टेम सेल	3	---
50.	शल्य चिकित्सा	---	
51.	शल्य चिकित्सा (जेपीएनएटीसी)	1	---
52.	टीआईआई	3	3
53.	**कुल**	**330**	**13**

पंजीकृत डीएम छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	डीएम	प्रत्यक्ष	प्रायोजित
1.	व्यसन मनोचिकित्सा (एनडीडीटीसी)	12	0
2.	हृद् शल्य चिकित्सा एवं गहन उपचार	4	--
3.	हृद् संवेदनाहरण	14	1
4.	हृद् विज्ञान	22	2
5.	नैदानिक रुधिर विज्ञान	11	3
6.	नैदानिक भेषजगुण विज्ञान	3	0
7.	संवेदनाहरण एवं गहन उपचार	24	1
8.	अंतःस्त्राविकी	8	2
9.	जठरान्त्ररोग विज्ञान	22	2
10.	रुधिर-विकृति विज्ञान	7	2
11।	काय चिकित्सा एवं सूक्ष्मजैव विज्ञान	5	0
12.	अनुवंशिकी चिकित्सा	8	1
13.	चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	25	0
14.	नवजात शिशु विज्ञान	9	3
15.	वृक्क विज्ञान	8	0
16.	तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार	19	2
17.	तंत्रिका-विज्ञान	34	1
18.	न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी	6	2
19.	अर्बुद- संवेदनाहरण, डॉ. बीआरएआईसीएच	22	--
20.	बाल चिकित्सा हृद् विज्ञान	6	2
21.	बाल चिकित्सा चयापचय	2	--
22.	बाल चिकित्सा वृक्क विज्ञान	3	--
23.	बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान	9	1
24.	बाल चिकित्सा पुल्मोनरी एवं गहन उपचार	3	3
25.	बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान	10	1
26.	पुल्मोनरी, गहन उपचार एवं निद्रा विकार	13	--
27.	प्रजनन चिकित्सा	6	2
28.	थेराप्यूटिक चिकित्सा	7	--
29.	कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी एवं एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन	10	1
	कुल	**332**	**32**

पंजीकृत डीएम (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषयवार वितरण

क्र.सं.	डीएम	प्रत्यक्ष	प्रायोजित
1.	संक्रामक रोग	16	---
	कुल	16	---

पंजीकृत एमसीएच छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	विषय	प्रत्यक्ष	प्रायोजित
	स्तन, अंतःस्रावी एवं सामान्य शल्य चिकित्सा	11	1
	कार्डियोथोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी	24	1
	जठरान्त्र शल्य चिकित्सा	11	2
	स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान	7	3
	हेड-नेक सर्जरी एवं अर्बुद विज्ञान	9	1
	मिनिमल एक्सेस सर्जरी एवं सामान्य सर्जरी	17	2
	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	17	2
	बाल शल्य चिकित्सा	6	--
	प्लास्टिक एवं पुनर्निर्माण सर्जरी	15	--
	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	15	2
	ट्रॉमा सर्जरी एवं गहन उपचार	14	1
	मूत्ररोग विज्ञान	8	3
	कुल	**154**	**18**

एमसीएच (6 वर्षीय पाठ्यक्रम) का विषय-वार वितरण

क्र.सं.	एमसीएच	प्रत्यक्ष	प्रायोजित
1.	तंत्रिका शल्य चिकित्सा	10	--
2.	बाल शल्य चिकित्सा	5	--
	कुल	15	---

पंजीकृत फेलोशिप छात्रों का विषय-वार वितरण

1.	बेरिएट्रिक एवं मेटाबोलिक सर्जरी	2	--
2.	नैदानिक अनुसंधान पद्धति एवं साक्ष्य आधारित चिकित्सा	1	--
3.	बाल चिकित्सा हृद् संवेदनाहरण	1	--
4.	संवेदनाहरण विज्ञान - पीड़ा चिकित्सा	6	--
5	मिर्गी सर्जरी एवं फंक्शनल न्यूरोसर्जरी	2	--

6	स्पाइन सर्जरी (एनएस)	4	--
7	स्कल बेस एवं सेरेब्रोवास्कुलर सर्जरी (एनएस)	1	--
8.	बाल शल्य चिकित्सा (एनएस)	2	-
9.	उन्नत जठरान्त्रिय एंडोस्कोपी	2	--
10.	यूरो-अर्बुद विज्ञान	2	--
11.	मिनिमल इनवेसिव यूरोलॉजी (लैप्रोस्कोपिक एवं रोबोटिक्स)	2	--
12.	जेनियोटूरिनरी रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी (वयस्क)	--	--
13.	डायग्नोस्टिक एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी	2	--
14.	थोरैसिक रेडियोलॉजी	2	--
15.	बाल चिकित्सा रेडियोलॉजी	2	--
16.	मिनिमली इनवेसिव गायनोकोलॉजिकल सर्जरी	--	--
17.	यूरो-स्त्री रोग	1	--
18.	जठरान्त्र-अग्नाशय विज्ञान	1	--
19.	जठरान्त्र -इंफ़्लमेट्री आंत्र रोग	2	--
20.	जठरान्त्र-हेपेटोलॉजी	1	--
21.	क्लेफ्ट एवं क्रैनियोफेशियल ऑर्थोडॉन्टिक्स	--	--
22.	तंत्रिका-गहन उपचार	4	--
23.	ओर्टिक सर्जरी	--	--
24.	मातृ भ्रूण चिकित्सा (एमएफएम)	1	--
25.	आर्थ्रोस्कोपी	--	--
26.	ज्वाइंट प्रतिस्थापन	1	--
27.	मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी	--	--
28.	पेल्विक - एसिटाबुलर आघात	1	--
29.	न्यूरोलॉजी-स्ट्रोक	2	--
30.	रक्त एवं मज्जा प्रतिरोपण	--	--
31.	बाल चिकित्सा संवेदनाहरण	--	--
	कुल	**45**	**0**

एमडी/एमएस/एमडीएस छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	एमडी	प्रत्यक्ष	प्रायोजित
1.	संवेदनाहरण विज्ञान	96	3
2.	शरीर रचना	20	--
3.	जैव रसायन	14	--
4.	जैव भौतिकी	18	--
5.	सामुदायिक चिकित्सा	28	--
6.	कंजेर्वेटिव दंत चिकित्सा एवं एंडोडॉन्टिक्स	11	--
7.	त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान	21	3
8.	आपात चिकित्सा	33	2
9.	न्याय चिकित्सा	9	--
10.	जरा चिकित्सा	19	2
11.	अस्पताल प्रशासन	10	--
12.	संक्रामक रोग - डीएम (सीधे 6 वर्षीय पाठ्यक्रम)	15	--
13.	प्रयोगशाला चिकित्सा	10	--
14.	काय चिकित्सा	68	3
15.	सूक्ष्मजैव विज्ञान	18	--
16.	न्यूरो सर्जरी - एमसीएच (प्रत्यक्ष 6 वर्ष का पाठ्यक्रम)	11	--
17.	नाभिकीय चिकित्सा	21	3
18.	प्रसूति एवं स्त्री रोग	50	3
19.	नेत्र विज्ञान	99	3
20.	ओरल एंड मैक्सिलोफ़ेसियल सर्जरी	12	1
21.	ओर्थोडोंटिक्स	12	0
22.	अस्थिरोग विज्ञान	23	3
23.	नाक, कान, गला (ईएनटी)	24	2
24.	बाल शल्य चिकित्सा सर्जरी - एमसीएच (प्रत्यक्ष 6 वर्ष का पाठ्यक्रम)	7	--
25.	बाल चिकित्सा	43	3
26.	प्रशामक चिकित्सा	19	1
27.	विकृति विज्ञान	34	3
28.	पेडोंटिक्स और निवारक दंत चिकित्सा	12	--
29.	भेषजगुण विज्ञान	15	--
30.	कायचिकित्सा एवं पुनर्वास	11	3
32.	शरीर क्रिया विज्ञान	17	--

33.	प्रोस्थोडोन्टिक्स	8	--
34.	मनोचिकित्सा	38	3
35.	विकिरण निदान	36	3
36.	रेडियोथेरेपी	16	3
37.	शल्य चिकित्सा	54	2
38.	आधान चिकित्सा	**7**	**--**
	कुल	959	49

एमएससी छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	**एमएससी**	**प्रत्यक्ष**	**प्रायोजित**
1.	शरीर रचना	12	--
2.	जैव रसायन	12	--
3.	जैव भौतिकी	10	--
4.	भेषजगुण	5	---
5.	शरीर क्रिया विज्ञान	12	---
6.	जैव प्रौद्योगिकी	33	--
7.	नाभिकीय चिकित्सा प्रौद्योगिकी	25	--
8.	प्रजनन जैव विज्ञान	12	---
9.	कार्डियो वैस्कुलर इमेजिंग एवं एंडोवस्कुलर टेक्नोलॉजी	7	---
	कुल	128	00

एमएससी (नर्सिंग) छात्रों का विषयवार वितरण

क्र.सं.	**एमएससी (नर्सिंग)**	प्रत्यक्ष	सेवारत उम्मीदवार/ एफ.एन
1.	कार्डियोलॉजिकल/सीटीवीएस नर्सिंग	5	2
2 .	तंत्रिका विज्ञान नर्सिंग	7	2
3.	बाल चिकित्सा नर्सिंग	6	2
4.	मनोरोग नर्सिंग	5	2
5.	अर्बुदविज्ञान नर्सिंग	4	2
6.	नेफ्रोलॉजिकल नर्सिंग	6	2
7.	क्रिटिकल केयर नर्सिंग	**7**	**2**
	कुल	**40**	**14**

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भारत सहित विदेशों में विभिन्न संगठनों के छात्रों और कर्मचारियों के लिए अल्पकालिक, दीर्घकालिक और वैकल्पिक प्रशिक्षण का प्रावधान है। वर्ष 2022-23 के दौरान, 14 फरवरी से 31 मार्च 2022 तक 166 व्यक्तियों ने प्रशिक्षण लिया। कोविड महामारी के कारण 1 अप्रैल 2021 से 13 फरवरी 2022 तक विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम निलंबित कर दिए गए और इसलिए उम्मीदवारों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कम है।

क्र.सं.	प्रशिक्षण	प्रशिक्षुओं की संख्या
1.	अल्पावधि प्रशिक्षण: भारतीय नागरिक	393
2.	अल्पावधि प्रशिक्षण: विदेशी नागरिक	16
3.	दीर्घकालिक प्रशिक्षण: भारतीय नागरिक	03
4.	वैकल्पिक प्रशिक्षण: विदेशी नागरिक (यूजी छात्र)	12
5.	डब्ल्यूएचओ फेलो : भारतीय नागरिक	---
6.	डब्ल्यूएचओ फेलो: विदेशी नागरिक	---
7.	सम्मेलन/कार्यशालाएं आयोजित करने हेतु अनुमति	149

समिति की बैठकें

वर्ष 2022-23 के दौरान, शैक्षिक अनुभाग ने नीचे दिए गए विवरण के अनुसार शैक्षिक समिति, कर्मचारी परिषद, संकायाध्यक्ष समिति, संकाय एवं अनुसंधान प्रस्तुतियों की बैठकें आयोजित कीं :

क्र.सं.	समिति	बैठकों की संख्या
1.	शैक्षिक समिति	02
2.	कर्मचारी परिषद	00
3.	संकायाध्यक्ष समिति	01
4.	संकाय (सामान्य चर्चा)	07
5.	भाषण	10
6.	अनुसंधान प्रस्तुतियाँ	01

स्वस्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) निदान, रोकथाम, शिक्षा, नैदानिक निर्णय लेने, पूर्वानुमान, दवा की खोज करने आदि में व्यापक अनुप्रयोगों के साथ स्वास्थ्य सेवा में तेजी से उभरती हुई तकनीक है। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) ने स्वास्थ्य सेवा में एआई उपकरण विकसित करने के लिए एक कार्यक्रम आरंभ किया तथा एम्स नई दिल्ली को स्वास्थ्य सेवा में एआई पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में नामित किया तथा प्रोफेसर डॉ. राजीव कुमार, मूत्ररोग विभाग को इस परियोजना हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया। ।

एमओएचएफडब्ल्यू के ई-संजीवनी प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण के लिए उपकरण बनाने के पहले कदम के रूप में रेडियोडायग्नोसिस और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, नेत्र विज्ञान तथा त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभागों में चार परियोजनाएं आरंभ की हैं।

रेडियोडायग्नोसिस एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग:

- डीप लर्निंग का उपयोग करके छाती के एक्स-रे का वर्गीकरण

प्रोफेसर आशु सेठ भल्ला, प्रोफेसर मधुसूदन के.एस, डॉ कृतिका रंगराजन

डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र:

- डायबिटिक रेटिनोपैथी हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉडल का विकास एवं सत्यापन

- पर्टिजियम एवं ड्राई आई की अधिकता का अनुमान लगाने तथा एआई की मदद से इंटेर्वेंशन की आवश्यकता का पूर्वानुमान लगाने के लिए एक मॉडल/एआई-आधारित उपकरण विकसित करना तथा सत्यापन करना।

प्रोफेसर राधिका टंडन, प्रोफेसर प्रदीप वेंकटेश, प्रोफेसर तनुज दादा, प्रोफेसर प्रवीण वशिष्ठ, डॉ रोहन चावला, डॉ. विवेक गुप्ता, डॉ. नूपुर गुप्ता

त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग :

- 14 सामान्य त्वचा संबंधी रोगों के निदान हेतु मशीन लर्निंग-आधारित नैदानिक निर्णय लेने में सहायता हेतु एप्लिकेशन का निर्माण।

प्रोफेसर सोमेश गुप्ता

सेट (कौशल ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन) सुविधा

सेट प्रबंधन समिति

प्रोफेसर एम. श्रीनिवास, निदेशक, एम्स- अध्यक्ष

प्रोफेसर मीनू बाजपेयी, संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) - सह-अध्यक्ष

प्रोफेसर अरविंद बग्गा

प्रोफ़ेसर पीयूष साहनी

प्रोफेसर ए. शरीफ़

प्रोफेसर आशीष सूरी

प्रोफेसर आरती विज़

प्रोफेसर राजीव कुमार, सह सांकायाध्यक्ष (शैक्षिक)

प्रोफेसर संजीव लालवानी, रजिस्ट्रार-सदस्य सचिव

प्रोफ़ेसर अंबुज रॉय, प्रभारी, सुविधा समन्वयक

प्रशासनिक एकक

प्रोफेसर ए. बग्गा, अध्यक्ष, कौशल (ड्राई एवं वेट लैब) सुविधा

प्रोफेसर अंबुज रॉय, प्रभारी, सुविधा समन्वयक

प्रोफेसर के. लूथरा, अध्यक्ष, प्रभारी आचार्य, ई-लर्निंग सामग्री विकास

प्रोफेसर रश्मी रामचंद्रन, प्रभारी आचार्य, कौशल एवं सिमुलेशन-आधारित शिक्षण

प्रोफ़ेसर विजय माथुर, अध्यक्ष, प्रभारी आचार्य, टेलीमेडिसिन सुविधा

श्री आदर्श कुमार शर्मा, मुख्य तकनीकी अधिकारी

श्री कुशल कुमार, प्रशासनिक अधिकारी

श्री आर.पी. सिंह, भंडार अधिकारी

उद्देश्य

- कौशल सुविधा स्थापित करना- ड्राईलैब, वेटलैब, सिमुलेशन-आधारित शिक्षा
- ऑनलाइन शिक्षण हेतु एक ई-प्लेटफ़ॉर्म स्थापित करना
- पूरे भारत में संस्थानों के बीच सहयोग हेतु टेली-शिक्षण एवं टेली-परामर्श के लिए टेलीमेडिसिन सुविधा

सेट सुविधा द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ

1. "कौशल एवं सिमुलेशन-आधारित शिक्षण - गहन श्वसन चिकित्सा पर ज़ोर" पर कार्यशाला

2. "चिकित्सा शिक्षा-आधारित अनुसंधान की योजना बनाना एवं उसका संचालन करना"

डिफिकल्ट एयरवे मानिकिन (डीएएम) का उपयोग कर उन्नत वायुमार्ग प्रशिक्षण प्रयोगशाला

शोधपत्र के रूप में परियोजनाएं (डीएएम) कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -78

शोधपत्र के रूप में परियोजनाएं कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 7

वायुमार्ग कौशल प्रशिक्षण

आयोजित कुल संख्या - 1 कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 5

भारत के विभिन्न कॉलेजों के स्नातकपूर्व छात्रों हेतु एयरवे कौशल प्रशिक्षण (इनसाइट कार्यशाला)

आयोजित कुल संख्या - 1 कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 60

कोविड प्रशिक्षण मॉड्यूल

आयोजित कुल संख्या - 5 कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 19

फ़ाइब्रोऑप्टिक गाइडेड इंटुबेशन

आयोजित कुल संख्या - 10 कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 34

अल्ट्रासोनोग्राफ (यूएसजी) सिमुलेशन प्रयोगशाला

यूएसजी सिमुलेशन प्रशिक्षण

आयोजित कुल संख्या - 1 कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 25

प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पोकस) कार्यशाला

आयोजित कुल संख्या - 5 कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार -161

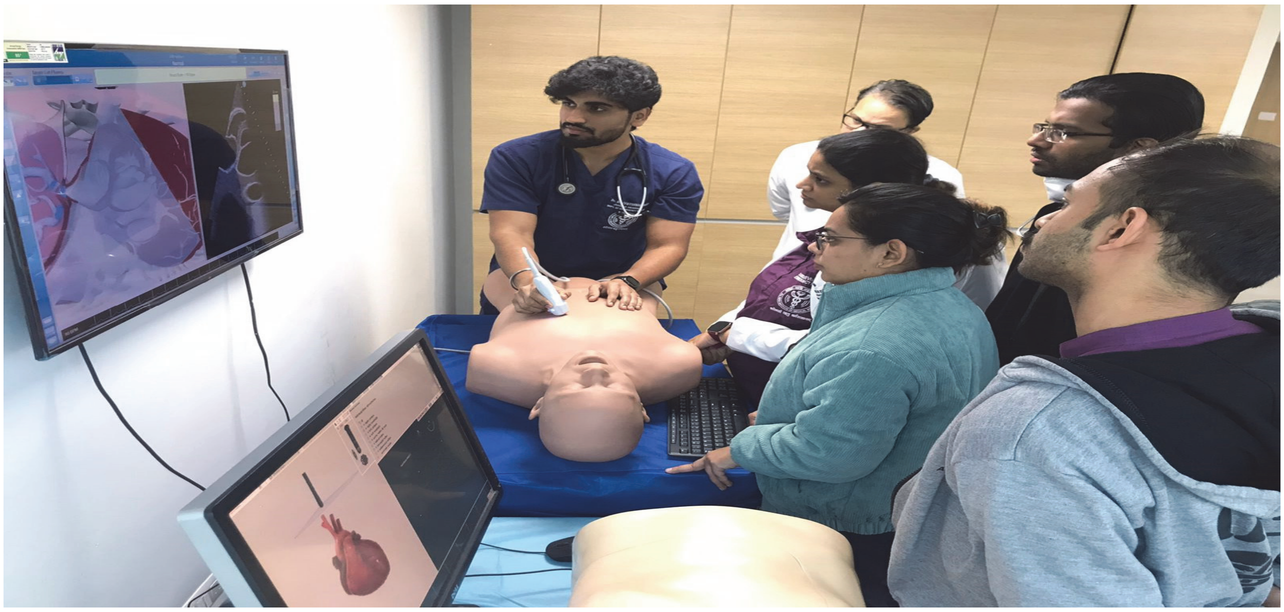

कौशल प्रयोगशाला

1. **स्नातकपूर्व छात्र**

   क. स्नातकपूर्व छात्रों के लिए कौशल-आधारित शिक्षा जो पाठ्यक्रम में एकीकृत है।

   ख. यह कार्यक्रम चौथे सेमेस्टर में मिश्रित ऑनलाइन एवं व्यावहारिक शिक्षण पद्धति का उपयोग करके आरंभ किया जाता है।

   - कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या - 51
   - विभिन्न सत्रों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या - 1214

2. **नर्सिंग छात्र**

   - नर्सिंग कॉलेज के छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम - 37
   - उपस्थित छात्रों की संख्या - 1339

3. **नर्सिंग स्टाफ**

   क. अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी) प्रेरण कार्यक्रम

   - आयोजित कुल संख्या - 7
   - कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार -261

   ख. बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी में नर्सों के लिए प्रशिक्षण

   - आयोजित कुल संख्या - 2
   - कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 209

   ग. हृदय पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीआरटीपी) पाठ्यक्रम

   - आयोजित कुल संख्या - 24
   - कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार -563

4. **स्नातकोत्तर छात्र**

   क. एडवांस एयरवे कार्यशाला

   - आयोजित कुल संख्या - 1
   - कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -18

ख. रेजीडेंटों के लिए आपातकालीन चिकित्सा कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 6
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -184

ग. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन (एएचए) द्वारा मान्यता प्राप्त बीएलएस एवं एसीएलएस पाठ्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 4
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 100

घ. दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र हेतु हृदय पुनर्जीवन प्रशिक्षण कार्यक्रम (सीडीईआर)

- आयोजित कुल संख्या - 6
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 147

ङ. संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल (आईआरसीएच) हेतु कोड ब्लू प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 7
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 111

च. नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम (एनआरपी)

- आयोजित कुल संख्या - 5
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार -131

छ. सेंट्रल लाइन कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 15

ज. वायुमार्ग थीसिस

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 12

झ. प्रोटोटाइप परीक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 6
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 15

ञ. वीडियो रिकॉर्डिंग

i. कुल संचालित संख्या-05
ii. कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -13

5. **एमसीएच /एमडी/डीएम/सुपर स्पेशलिटी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम**

क. आयोजित की गई एमडी परीक्षा

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 15

ख. प्रत्यारोपण खरीद प्रबंधन प्रशिक्षण (टीपीएम)

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 50

ग. प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी) कौशल एवं सिमुलेशन-आधारित शिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 77

6. **अन्य**

ले रेस्क्यूर्स (सुरक्षा गार्ड) हेतु सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 8
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 170

इनसाइट कार्यशाला (बीएलएस प्रशिक्षण)

- आयोजित कुल संख्या - 3
- कुल प्रशिक्षित छात्र - 210

पल्स कार्यक्रम (बीएलएस प्रशिक्षण)

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित छात्र - 100

बीएलएस/सीओएलएस प्रशिक्षण (संस्थान दिवस पर)

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 66

रोगी का IV **कैन्युलेशन प्रशिक्षण**

- आयोजित की गई कुल संख्या - 3
- कुल प्रशिक्षित उम्मीदवार - 98

कौशल प्रशिक्षण

वेट लैब

1. नर्सिंग छात्र

- नर्सिंग कॉलेज के छात्रों हेतु कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम - 3
- उपस्थित छात्रों की संख्या - 47

2. स्नातकपूर्व छात्रों

- कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या - 12
- विभिन्न सत्रों में भाग लेने वाले छात्रों की संख्या - 380

3. नर्सिंग एवं अन्य पराचिकित्सा स्टाफ

अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी) प्रेरण कार्यक्रम

- कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या - 5
- उपस्थित नर्सिंग स्टाफ की संख्या - 194

संपीड़न जीवन समर्थन (सीओएलएस) प्रशिक्षण कार्यक्रम

- कौशल प्रशिक्षण सत्रों की संख्या - 1
- प्रतिभागियों की संख्या - 33

4. स्नातकोत्तर छात्र

बुनियादी लेप्रोस्कोपिक प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -12

क. हैंड्स-ऑन पाठ्यक्रम "बेसिक सर्जिकल स्किल कोर्स"

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 8

बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 7
- प्रशिक्षित कुल रेजीडेंट - 50

ख. संवहनी, टेंडन एवं तंत्रिका उपचार पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 3
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 65

ग. 3डी फेफड़े के मॉड्यूल पर वैट लोबेक्टोमी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -45

बाउल एनास्टोमोसिस, इलेक्ट्रो सर्जरी एवं लेप्रोस्कोपिक स्यूचरिंग पर व्यावहारिक कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -33

आंत्र एवं संवहनी सम्मिलन पर कौशल प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट - 8

घ. थीसिस

- आयोजित कुल संख्या - 10
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -20

ङ. संवेदनाहरण पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित रेजीडेंट -29

च. लेप्रोस्कोपिक एंडो-ट्रेनर

- सतत प्रशिक्षण कार्यक्रम
- कुल रेजीडेंटों ने भाग लिया - 299

छ. वेट टिशू पर यूएसजी-निर्देशित स्तन बायोप्सी पर व्यावहारिक कार्यशाला - 5 सितंबर 2022 और 24 फरवरी 2023

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल रेजीडेंटों ने भाग लिया - 50

5. एमसीएच /एमडी/डीएम/सुपर स्पेशलिटी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

क. नर्सिंग संकाय हेतु टीओटी पाठ्यक्रम 'स्तनपान करने वाले शिशु एवं छोटे बच्चे का आहार परामर्शदाता'

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि-12

ख. संवेदनाहरण विभाग

- आयोजित कुल संख्या - 2
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि-48

ग. माइक्रो न्यूरोसर्जरी पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 70

घ. पूर्ण मोटाई विच्छेदन उपकरण- जठरान्त्र पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 8

ङ. प्रशिक्षण - प्वाइंट एंडोस्कोपिक मायोटॉमी एवं एंडोस्कोपिक म्यूकोसल विच्छेदन (पीओईएम और ईएमडी)

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 6

च. टिश्यू ग्राफ्टिंग पर व्यावहारिक पाठ्यक्रम

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि-9

छ. कैडवेरिक कार्यशाला - (सर्जरी विभाग - 2, स्त्री रोग - 1)

- आयोजित कुल संख्या - 3
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 76

ज. प्रत्यारोपण प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम पर कार्यशाला - तंत्रिका शल्य चिकित्सा

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 30

झ. सिस्टोगैस्ट्रेक्टोमी पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 15

ञ. स्त्री रोग अर्बुद विज्ञान विभाग "कॉम्प्लेक्स एडवांस्ड सर्जिकल स्किल" पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 7

ट. सीटू संकरण में फ्लोरोसेंस पर कार्यशाला - एफआईएसएच - सीडीईआर

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि-35

ठ. "चिकित्सा शिक्षा आधारित अनुसंधान की योजना बनाना एवं उसका संचालन करना" विषय पर कार्यशाला

- आयोजित कुल संख्या - 1
- कुल प्रशिक्षित प्रतिनिधि - 60

वेट लैब में कौशल प्रशिक्षण

सेट सुविधा प्रतिनिधियों का दौरा

लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के आगंतुक :

माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एवं प्रतिनिधियों का दौरा :

डेनमार्क मंत्रिस्तरीय प्रतिनिधि का दौरा :

डेनमार्क की माननीय क्राउन राजकुमारी की यात्रा

नॉर्वे के संकाय-सदस्यों का दौरा

ई-लर्निंग

सेट सुविधा से संबद्ध संकाय-सदस्यों ने कौशल शिक्षण हेतु शिक्षण मॉड्यूल बनाए हैं। ऑनलाइन होस्ट किए गए प्रत्येक मॉड्यूल में कौशल हेतु मानक संचालन प्रक्रियाएं, ऑडियो-वीडियो फ़ाइल तथा कौशल के विषय में जानने के लिए बहुविकल्पीय प्रश्न शामिल हैं।

स्नातकपूर्व कौशल शिक्षण हेतु कौशल मॉड्यूल का वितरण

4 एवं 5वां सेमेस्टर	ग्लोविंग एवं गाउनिंग
हाथ धोना	फ्रेक्चर स्थिरीकरण
आईएम इंजेक्शन	**आठवां सेमेस्टर**
पीवी जांच	वयस्क एनजी ट्यूब इन्सर्शन
पैप स्मीयर	डायग्नोस्टिक एलपी
आईवी कैन्युलेशन	एसीटिक टैप
पल्स ऑक्सीमीटर का उपयोग	सरवाइकल कोलर आवेदन
छठा सेमेस्टर	ट्रू-कट बायोप्सी
बैग एवं मास्क	सामान्य वजाइनल प्रसव
छाती का संपीड़न - वयस्क	एपीसीओटॉमी उपचार
छाती पर दबाव - नवजात	नवजात शिशु ओजी आहार
नवजात इंटुबेशन	नवजात एल.पी
बेसिक सुचुरींग	**प्रशिक्षण**
सीयू-टी इन्सर्शन	आईसीडी इन्सर्शन
एंडोमेट्रियल एस्पिरेशन	यूरीनरी कैथीटेराइजेशन
7वाँ सेमेस्टर	निडिल थोरैसेन्टेसिस
एलएमए इन्सर्शन	सीवीसी इन्सर्शन
धमनी रक्त नमूना	पीआईसीसी लाइन इन्सर्शन
एंडोट्रैचियल इंटुबेशन	बीएलएस एवं एसीएलएस
ग्लूकोमीटर का उपयोग	

कोविड से संबंधित प्रशिक्षण मॉड्यूल

- कोविड रोगियों में एंडोट्रैचियल इंटुबेशन
- कोविड रोगियों में सीपीआर
- पीपीई में चश्मे की फॉगिंग को कैसे रोकें
- हल्के/मध्यम कोविड के लिए नैदानिक प्रबंधन दिशानिर्देश

सेट सुविधा, एम्स, दिल्ली को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की पहल एनएमसीएन (नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क) के लिए राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के रूप में नामित किया गया है।

इसमें टेली-एजुकेशन में सुधार करने के लिए पूरे भारत के 50 मेडिकल कॉलेजों के साथ अग्रणी समन्वय स्थापित करना शामिल है। प्रमुख पहलों में से एक स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा सामग्री के साथ लर्निंग मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम पोर्टल सक्षम को सफल बनाना है।

एलएमआईएस पोर्टल पर अपलोड किए गए पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम: 118 पाठ: 167

कार्यशालाएं

- 9-10 नवंबर 2022 - कौशल एवं सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यशाला
- 6 दिसंबर 2022 - नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क की राष्ट्रीय कार्यशाला
- 8-10 मई 2022 - "नेशनल मेडिकल कॉलेज की क्षमता को समृद्ध करना" विषय पर प्रशिक्षण कार्यशाला

मेडिकल छात्रों को ऑनलाइन शिक्षण डिजाइन, विकसित एवं वितरित करने हेतु नेटवर्क

बैठकें

- 5 नवंबर 2022 - एनएमसीएन ई-लर्निंग हेतु उप-समिति के सदस्य
- 17 नवंबर 2022 - उप-समिति के सदस्य एवं एनएमसीएन ई-लर्निंग के लिए नोडल अधिकारी, एम्स
- 28 नवंबर 2022 - ई-लर्निंग हेतु सामग्री विकास के लिए नोडल अधिकारी, एम्स, नई दिल्ली
- 22-24 मार्च 2023 - एम्स, नई दिल्ली, एनएमसीएन टीम का तकनीकी प्रशिक्षण

ऑनलाइन मीटिंग

- 3 नवंबर 2022 - नोडल अधिकारी आरआरसी तथा एनआरसी (एनएमसीएन परियोजना)
- 17 नवंबर 2022 - एम्स, नई दिल्ली (एनआरसी) के अंतर्गत मेडिकल कॉलेजों के नोडल अधिकारी
- 24 नवंबर 2022 - एनएमसीएन के अंतर्गत सभी 50 महाविद्यालयों के नोडल अधिकारी
- 1 दिसंबर 2022 - नोडल अधिकारी आरआरसी और एनआरसी (एनएमसीएन परियोजना)
- 15 दिसंबर 2022 - नोडल अधिकारी आरआरसी और एनआरसी (एनएमसीएन परियोजना)
- 25 जनवरी 2023 - नोडल अधिकारी आरआरसी और एनआरसी (एनएमसीएन परियोजना)

- 22 फरवरी 2023 - एनएमसीएन ई-लर्निंग कंटेंट डेवलपर्स को समृद्ध करने हेतु एम्पॉवर स्कूल ऑफ हेल्थ और एम्स, नई दिल्ली, एनएमसीएन टीम
- 2 मार्च 2023 - आरआरसी के नोडल अधिकारी एवं अधिकारी, एनआरसी (एनएमसीएन परियोजना)
- 16 मार्च 2023 - एनआईएचएफडब्ल्यू, नेट प्रॉफ़िट एवं एम्स, नई दिल्ली की एलएमआईएस प्रगति समीक्षा बैठक, एनएमसीएन टीम
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में समीक्षा हेतु वीसी बैठक
- स्वास्थ्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर उत्कृष्टता केंद्र के अंतर्गत परियोजनाओं की स्थिति और एनएमसीएन योजना की समीक्षा।

टेलीमेडिसिन सेवाएँ

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक की अवधि हेतु गतिविधियों का विवरण

क्र.सं.	**गतिविधियाँ**	**कुल संख्या**
1.	**केस प्रस्तुतिकरण**	2
2.	**क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)** - एम्स टेलीमेडिसिन_1 यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग	26
3.	**क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर)** - एम्स टेलीमेडिसिन_1 यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग	19

4.	**क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस -** एम्स टेलीमेडिसिन_1 यूट्यूब चैनल पर लाइव स्ट्रीमिंग	8
5.	**सम्मेलन**	2
6.	**परीक्षा -** डीएम मूल्यांकन, एमसीएच मिनिमल जनरल सर्जरी, डीएम बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी, एमसीएच, डीएम, न्यूरो-सर्जरी एवं डीएम मूल्यांकन	13
7.	**अतिथि व्याख्यान**	12
8.	**साक्षात्कार -** वैज्ञानिक, बीएससी नर्सिंग एवं एम्स-कल्याणी	23
9.	**लाइव स्ट्रीमिंग -** एम्स टेलीमेडिसिन यूट्यूब चैनल	38
10.	**बैठक - ऑनलाइन**	48
11.	**बैठक ऑफलाइन**	5
12.	**ऑनलाइन परीक्षा -** एमसीएच, फेलोशिप, पीएचडी एवं डीएनबी	5
13.	**ऑनलाइन व्याख्यान**	11
14.	**भाषण**	9
15.	**सार्वजनिक व्याख्यान**	4
16.	**रिकॉर्डिंग**	12
17.	**सेमिनार**	2
18.	**स्थायी चयन समिति**	33
19.	**संगोष्ठी**	2
20.	**टॉक-साइंटिफिक**	1
21.	**शिक्षण-ऑनलाइन**	1
22.	**टेली-सीएमई**	81
23.	**टेली सम्मेलन**	2
24.	**टेली-परामर्श (ऑनलाइन)**	5
25.	**टेली-एविडेंस**	4
26.	**प्रशिक्षण**	3
27.	**वेबिनार - ऑनलाइन**	42
28.	**कार्यशाला - (ऑनलाइन)**	23

नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) परियोजना हेतु मंत्रालय के साथ बैठक

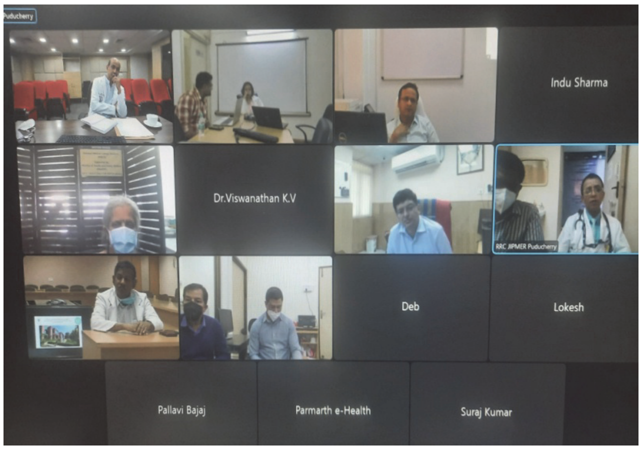

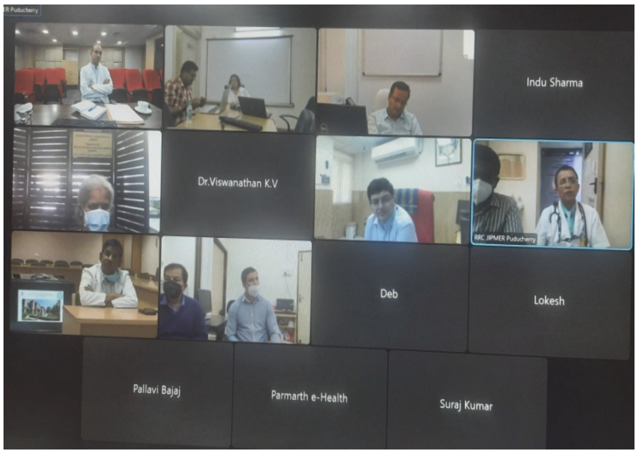

ऑनलाइन परीक्षा (पीएचडी)

टेली-सीएमई

टेली-साक्ष्य एवं टेली-परामर्श

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक की अवधि हेतु क्लिनिकल कंबाइंड राउंड (सीसीआर)

क्र.सं.	तिथि	गतिविधियाँ	विभाग	शीर्षक	दर्शक	यूट्यूब चैनल का नाम
1.	1 अप्रैल 2022	सीसीआर	हेमेटोलॉजी और ईएनटी	बीइंग ब्लाइंड टू ब्लाइंडनेस	44	एम्स टेलीमेडिसिन_1
2.	4 अप्रैल 2022	सीसीआर	बाल रोग एवं प्रसूति एवं स्त्री रोग	कुशिंग रोग का प्रबंधन - एक बहुविषयक दृष्टिकोण	212	एम्स टेलीमेडिसिन_1
3.	5 अप्रैल 2022	सीसीआर	मनोचिकित्सा	महिलाओं में ओपिओइड के उपयोग के मामले: जटिलताओं पर गौर करना	352	एम्स टेलीमेडिसिन_1
4.	12 अप्रैल 2022	सीसीआर	कार्डियोलॉजी एवं सीटीवीएस	ह्यूमर इन द हार्ट	134	एम्स टेलीमेडिसिन_1
5.	19 अप्रैल 2022	सीसीआर	बाल चिकित्सा एवं बाल शल्य चिकित्सा		163	एम्स टेलीमेडिसिन_1
6.	26 अप्रैल 2022	सीसीआर	पल्मोनरी मेडिसिन एवं निद्रा विकार	जहां ब्रोंकोस्कोप है, वहां रास्ता है	701	एम्स टेलीमेडिसिन_1
7 .	2 अगस्त 2022	सीसीआर	न्यूरो रेडियोलोजी	वर्टेब्रो -वर्टेब्रल फिस्टुला का एक केस	231	एम्स टेलीमेडिसिन_1
8.	16 अगस्त 2022	सीसीआर	एंडोक्रिनोलॉजी एवं सर्जरी	नॉट ऑल हूफबीट्स बिलोंग टू होर्सेस		एम्स टेलीमेडिसिन_1

9.	30 अगस्त 2022	सीसीआर	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, रेडियोडायग्नोसि, न्यूक्लियर मेडिसिन एवं पैथोलॉजी	एक अदृश्य हाथ	352	एम्स टेलीमेडिसिन_1
10.	6 सितंबर 2022	सीसीआर	आपात चिकित्सा	एक कटु अनुभव	586	एम्स टेलीमेडिसिन_1
11.	13 सितंबर 2022	सीसीआर	कायचिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा	ए रोज़ इन द नोज एंड नोव्हेयर, नोव्हेयर, एव्रीव्हेयर	321	एम्स टेलीमेडिसिन_1
12.	20 सितंबर 2022	सीसीआर	बाल रोग (यूनिट-III) और प्रसूति एवं स्त्री रोग	डेविड बनाम गोलियथ: शिशु के मस्तिष्क के ट्यूमर का उपचार एवं अंधेरे से प्रकाश की ओर: सफलता की एक कहानी"	13,450	एम्स टेलीमेडिसिन_1
13.	27 सितंबर 2022	सीसीआर	हेमेटोलॉजी और ईएनटी	दो दुर्लभताएं और एक बहादुरीभरा और मुस्कुराता हुआ चेहरा : चेहरे के पक्षाघात हेतु सर्जिकल री-एनीमेशन	258	एम्स टेलीमेडिसिन_1
14.	4 अक्टूबर 2022	सीसीआर	नेफ्रोलॉजी और यूरोलॉजी, स्त्री रोग और रेडियोडायग्नोसिस	एक्यूट किडनी इंजरी, ए डाइग्नोस्टिक डिलेमा एंड फर्टिलिटी- ए पाइड पाइपर टू ए स्ट्रेंज डाइग्नोसिस	470	एम्स टेलीमेडिसिन_1
15.	11 अक्टूबर 2022	सीसीआर	मेडिकल ऑन्कोलॉजी और सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	द टोकसिक कोस्ट ऑफ कैंसर : व्हाट एम्स टू सेव अस, केन डिस्ट्रोय अस एंड एचआईटीएसी - ए रे ऑफ हॉप फॉर एडवांस ओवेरियन कैंसर	208	एम्स टेलीमेडिसिन_1
16.	25 अक्टूबर 2022	सीसीआर	चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा	फेफड़े से गुर्दे तक - एक असामान्य कड़ी! और जितना चबा सकते हैं उससे अधिक न काटें	253	एम्स टेलीमेडिसिन_1

17.	1 नवंबर 2022	सीसीआर	न्यूरोलॉजी एवं न्यूरो-सर्जरी	द कोनेण्ड्रम ऑफ डेविल एंड डीप सी! एंड रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोग्युलेटिव हेमिस्फेरोटॉमी - ए ब्लडलेस टेकनीक टू डिसकनेक्ट द हेमिसफेयर	395	एम्स टेलीमेडिसिन_1
18.	15 नवंबर 2022	सीसीआर	जरा चिकित्सा एवं अस्थिरोग (जेपीएनएटीसी)	फॉलो द लीड एंड ए (नॉट सो) ह्यूमरस सिचुएशन	328	एम्स टेलीमेडिसिन_1
19.	22 नवंबर 2022	सीसीआर	रेडियोथेरेपी एवं नेत्र विज्ञान	एनएसजीसीटी में एसबीआरटी एवं आंख में ईसीएलआईपीएसई	77	एम्स टेलीमेडिसिन_1
20.	7 फरवरी 2023	सीसीआर	कार्डियोलॉजी एवं सीटीवीएस	भ्रूण के हृदय विकास की प्रक्रिया बदलना: क्या हम भगवान की भूमिका निभा रहे हैं? एवं नवजात शिशु के बाएं वेंट्रिकल डायवर्टीकुलम: एक बहुविषयक दृष्टिकोण	503	एम्स टेलीमेडिसिन_1
21.	14 फरवरी 2023	सीसीआर	बाल रोग एवं बाल शल्य चिकित्सा	मल्टीसिस्टम इन्फ़्लमेशन के स्रोत को उजागर करना	210	एम्स टेलीमेडिसिन_1
22.	28 फरवरी 2023	सीसीआर	कार्डियोलॉजी एवं सीटीवीएस	भ्रूण के हृदय विकास की प्रक्रिया बदलना: क्या हम भगवान की भूमिका निभा रहे हैं? एवं नवजात शिशु के बाएं वेंट्रिकल डायवर्टीकुलम: एक बहुविषयक दृष्टिकोण	49	एम्स टेलीमेडिसिन_1
23.	7 मार्च 2023	सीसीआर	एंडोक्रिनोलॉजी एवं सर्जरी	एक भ्रामक अंतःस्रावी ट्यूमर शिशु गुर्दे का प्रत्यारोपण: सीमाओं से आगे	173	एम्स टेलीमेडिसिन_1

24.	14 मार्च 2023	सीसीआर	बाल रोग एवं प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान	जटिल फेनोटाइप्स को डिकोड करना, भावी पीढ़ी के अनुक्रमण की शक्ति एवं दुर्गम ब्लॉक को दरकिनार करना: दो गर्भधारण की एक अनूठी कहानी!	240	एम्स टेलीमेडिसिन_1
25.	21 मार्च 2023	सीसीआर	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं जीआई सर्जरी	मिसिंग इन एक्शन	151	एम्स टेलीमेडिसिन_1
26.	28 मार्च 2023	सीसीआर	आपात चिकित्सा एवं ट्रॉमा सर्जरी प्रभाग	आघात में सीपीआर- कभी हार न मानें	228	एम्स टेलीमेडिसिन_1

क्लिनिकल ग्रैंड राउंड (सीजीआर) अवधि 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक

क्र.सं.	तिथि	गतिविधियाँ	विभाग	शीर्षक	दर्शक	यूट्यूब चैनल का नाम
1.	5 अप्रैल 2022	सीजीआर	तंत्रिका-विज्ञान		228	एम्स टेलीमेडिसिन_1
2.	12 अप्रैल 2022	सीजीआर	त्वचा विज्ञान	नॉट जस्ट स्किन डीप : रोगी के जीवन पर विटिलिगो का प्रभाव	193	एम्स टेलीमेडिसिन_1
3.	19 अप्रैल 2022	सीजीआर	अस्थिरोग	नॉट जस्ट स्किन डीप : रोगी के जीवन पर विटिलिगो का प्रभाव	91	एम्स टेलीमेडिसिन_1
4.	2 अप्रैल 2022	सीजीआर	मेडिकल ऑन्कोलॉजी	1000 पीएनईटी के सिद्धांत: एम्स में इविंग सारकोमा की समीक्षा के पंद्रह वर्ष	352	एम्स टेलीमेडिसिन_1
5.	16 अगस्त 2022	सीजीआर	प्रसूति एवं स्त्री रोग	वॉकिंग द टाइट रोप : गर्भावस्था में थक्कारोधी थेरेपी का एक अनुभव	463	एम्स टेलीमेडिसिन_1

6.	23 अगस्त 2022	सीजीआर	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी	ऑन्कोलॉजी में कम्प्यूटरीकृत व्यापक क्लिनिकल डेटाबेस का विकास, शैक्षिक चिकित्सा का आवश्यक उपकरण, दो दशकों का अनुभव	347	एम्स टेलीमेडिसिन_1
7.	6 सितंबर 2022	सीजीआर	गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	"कोविड -19 के गट एसवाई किस्से"	550	एम्स टेलीमेडिसिन_1
8.	13 सितंबर 2022	सीजीआर	न्यूरो सर्जरी	संभावित से वास्तविक अंग दान तक की यात्रा - जेपीएनएटीसी में ओपीटी (ऑर्गन प्रोक्योरमेंट टीम एक्सपीरियंस)	293	एम्स टेलीमेडिसिन_1
9.	20 सितंबर 2022	सीजीआर	बाल चिकित्सा (यूनिट-I)	बाल चिकित्सा बड़-चिआरी सिंड्रोम उपचार एवं चुनौतियाँ	444	एम्स टेलीमेडिसिन_1
10.	4 अक्टूबर 2022	सीजीआर	शल्य चिकित्सा	द लिटिल बोन ब्रेकर्स!	238	एम्स टेलीमेडिसिन_1
11।	11 अक्टूबर 2022	सीजीआर	सूक्ष्मजैव विज्ञान	श्वसन पथ संक्रमण एवं विश्व में इसकी अधिकता	200	एम्स टेलीमेडिसिन_1
12.	1 नवंबर 2022	सीजीआर	पुल्मोनरी मेडिसिन	सारकॉइडोसिस: एक पहेली जो अभी तक अनसुलझी है	622	एम्स टेलीमेडिसिन_1
13.	15 नवंबर 2022	सीजीआर	आपात चिकित्सा		1380	एम्स टेलीमेडिसिन_1
14.	22 नवंबर 2022	सीजीआर	ईएनटी	स्वर विकार	226	एम्स टेलीमेडिसिन_1
15.	7 फरवरी 2023	सीजीआर	प्रसूति एवं स्त्रीरोग	बांझपन के रोगियों में महिला जननांग तपेदिक के निदान एवं उपचार में बदलते रुझान-एक दशक का अनुभव	496	एम्स टेलीमेडिसिन_1

16.	14 फरवरी 2023	सीजीआर	संवेदनाहरण विज्ञान	ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के लिए परक्यूटेनियस बलून संपीड़न - एक कम उपयोग की गई उपचार पद्धति	214	एम्स टेलीमेडिसिन_1
17 .	7 मार्च 2023	सीजीआर	शरीर क्रिया विज्ञान	रीढ़ की हड्डी की चोट में ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना एवं नैनोटेक्नोलॉजी-आधारित नया थेरानोस्टिक्स	191	एम्स टेलीमेडिसिन_1
18.	14 मार्च 2023	सीजीआर	कार्डियोलॉजी	मिशन दिल्ली-दिल्ली-इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैक पहल	153	एम्स टेलीमेडिसिन_1
19.	21 मार्च 2023	सीजीआर	बाल चिकित्सा	बचपन की मिर्गी का समुदाय-आधारित अनुमान	164	एम्स टेलीमेडिसिन_1

क्लिनिकल पैथोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस (सीपीसी) की अवधि 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक

क्र. सं.	तिथि	गतिविधियाँ	विभाग	शीर्षक	दर्शक	यूट्यूब चैनल का नाम
1.	1 अप्रैल 2022	सीपीसी	सर्जिकल ऑन्कोलॉजी			एम्स टेलीमेडिसिन_1
2.	26 अप्रैल 2022	सीपीसी	विकृति विज्ञान		407	एम्स टेलीमेडिसिन_1
3.	30 अगस्त 2022	सीपीसी	विकृति विज्ञान		324	एम्स टेलीमेडिसिन_1
4.	27 सितंबर 2022	सीपीसी	विकृति विज्ञान		387	एम्स टेलीमेडिसिन_1
5.	25 अक्टूबर 2022	सीपीसी	विकृति विज्ञान		194	एम्स टेलीमेडिसिन_1
6.	31 जनवरी 2023	सीपीसी	नेत्र विज्ञान एवं पैथोलॉजी		99	एम्स टेलीमेडिसिन_1
7.	28 फरवरी 2023	सीपीसी	बाल शल्य चिकित्सा		131	एम्स टेलीमेडिसिन_1
8.	28 मार्च 2023	सीपीसी	यूरोलॉजी एवं पैथोलॉजी		104	एम्स टेलीमेडिसिन_1

एम्स टेलीमेडिसिन यूट्यूब चैनल की गतिविधियों का विवरण 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक						
क्र.सं.	**तिथि**	**गतिविधियाँ**	**विभाग**	**शीर्षक**	**दर्शक**	**यूट्यूब चैनल का नाम**
1.	1 अप्रैल 2022	भाषण	न्यूरो सर्जरी	प्रोफेसर ए.के. बनर्जी	2168	एम्स टेलीमेडिसिन
2.	2 अप्रैल 2022	अतिथि व्याख्यान	न्यूरो सर्जरी	24वीं एम्स वार्षिक माइक्रो न्यूरो-सर्जरी कार्यशाला	809	एम्स टेलीमेडिसिन
3 .	13 अप्रैल 2022	जन जागरूकता कार्यक्रम	तंत्रिका-विज्ञान	विश्व पार्किंसंस रोग	2882	एम्स टेलीमेडिसिन
4.	28 अप्रैल 2022	भाषण	मूत्ररोग	डॉ. सरिंदर मान सिंह	590	एम्स टेलीमेडिसिन
5.	1 मई 2022	कार्यशाला	रुमेटोलॉजी	रुमेटोलॉजी अपडेट 2022	7822	एम्स टेलीमेडिसिन
6.	12 मई 2022	वेबिनार	नर्सिंग कॉलेज	अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस	1132	एम्स टेलीमेडिसिन
7.	18 मई 2022	सार्वजनिक व्याख्यान	मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग	डेंगी	1365	एम्स टेलीमेडिसिन
8.	30 मई 2022	सार्वजनिक व्याख्यान	तंत्रिका-विज्ञान	मल्टीपल स्केलेरोसिस दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान: उपचार में प्रगति	5713	एम्स टेलीमेडिसिन
9.	21 जून 2022	योग दिवस	सीआईएमआर	योग दिवस समारोह	1285	एम्स टेलीमेडिसिन
10.	21 जून 2022	योग दिवस	सीआईएमआर	एम्स, नई दिल्ली में योग अनुसंधान	1432	एम्स टेलीमेडिसिन
11.	27 जुलाई 2022	अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम	बाल चिकित्सा	अभिभावक जागरूकता कार्यक्रम: विश्व मस्तिष्क दिवस 2022	2824	एम्स टेलीमेडिसिन
12.	10 अगस्त 2022	सीओई वेबिनार	पुल्मोनरी मेडिसिन, निद्रा विकार और गहन चिकित्सा	मंकी पॉक्स उपचार : विषय - रोग और महामारी विज्ञान का वैश्विक बोझ"	2539	एम्स टेलीमेडिसिन
13.	11 अगस्त 2022	सीओई वेबिनार	सूक्ष्मजैव विज्ञान	जांच और निदान	2532	एम्स टेलीमेडिसिन

14.	12 अगस्त 2022	सीओई वेबिनार	काय चिकित्सा	नैदानिक प्रस्तुति एवं उपचार	1666	एम्स टेलीमेडिसिन
15.	12 अगस्त 2022	व्याख्यान	ईएनटी	डॉ. एस. के. कक्कड़	428	एम्स टेलीमेडिसिन
16.	15 अगस्त 2022	स्वतंत्रता दिवस समारोह	शैक्षिक अनुभाग	स्वतंत्रता दिवस समारोह	2943	एम्स टेलीमेडिसिन
17.	17 अगस्त 2022	सीओई वेबिनार	सूक्ष्मजैव विज्ञान	मंकी पॉक्स उपचार : विषय - "रोकथाम एवं संक्रमण नियंत्रण"	3432	एम्स टेलीमेडिसिन
18.	25 सितंबर 2022	67वाँ स्थापना दिवस समारोह एवं डायमंड जुबली व्याख्यान	शैक्षिक अनुभाग	67वाँ स्थापना दिवस समारोह एवं डायमंड जुबली व्याख्यान	24	एम्स टेलीमेडिसिन
19.	25 सितंबर 2022	67वाँ स्थापना दिवस समारोह एवं डायमंड जुबली व्याख्यान	शैक्षिक अनुभाग	67वाँ स्थापना दिवस समारोह एवं डायमंड जयंती व्याख्यान	9347	एम्स टेलीमेडिसिन
20.	1 अक्टूबर 2022	राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	आधान चिकित्सा	राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस	1695	एम्स टेलीमेडिसिन
21.	10 अक्टूबर 2022	सार्वजनिक व्याख्यान	मनोचिकित्सा	"सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं खुशहाली को वैश्विक प्राथमिकता बनाएं" विषय पर सार्वजनिक व्याख्यान	1421	एम्स टेलीमेडिसिन

22.	17 अक्टूबर 2022	एम्स रजत जयंती समारोह	शैक्षिक अनुभाग	एम्स सिल्वर जुबली ओरेशन - डॉ. चंदन के. सेन द्वारा "एडेप्टिव फिजियोलॉजिकल टिश्यू रिप्रोग्रामिंग"	899	एम्स टेलीमेडिसिन
23.	29 अक्टूबर 2022	सार्वजनिक व्याख्यान	तंत्रिका-विज्ञान	स्ट्रोक पर सार्वजनिक व्याख्यान (पक्षाघात/लकवा/ पक्षघात)	1549	एम्स टेलीमेडिसिन
24.	22 नवंबर 2022	कार्यशाला	सीआरयू	"कोक्रेन समीक्षाएँ" पर संवेदीकरण कार्यशाला	897	एम्स टेलीमेडिसिन
25.	5 दिसंबर 2022	अतिथि व्याख्यान	ईएनटी	सिर-गर्दन के कैंसर के आनुवंशिक मानचित्र पर उभरती अंतर्दृष्टि	493	एम्स टेलीमेडिसिन
26.	29 दिसंबर 2022	अतिथि व्याख्यान	बाल शल्य चिकित्सा	वेसिकोरेटेरल रिफ्लक्स में ट्रांसलेशनल रिसर्च: पिछले चालीस वर्षों में मेरी यात्रा	646	एम्स टेलीमेडिसिन
27.	24 जनवरी 2023	अतिथि व्याख्यान	शैक्षिक अनुभाग	"केवल पाँच वर्षों में भारत स्वास्थ्य सेवा को अमीरी से अलग करके देखने वाला दुनिया का पहला देश कैसे बन जाएगा"	3424	एम्स टेलीमेडिसिन
28.	15 फरवरी 2023	आध्यात्मिक चर्चा	शैक्षिक अनुभाग	आंतरिक शक्तियों के विकास एवं तनाव मुक्त उपचार पर कार्यक्रम	455	एम्स टेलीमेडिसिन
29.	16 फरवरी 2023	व्याख्यान	न्यूरो सर्जरी	सर्वेश्वरी स्मृति व्याख्यान	211	एम्स टेलीमेडिसिन
30.	17 फरवरी 2023	व्याख्यान	न्यूरो सर्जरी	डॉ. पी.एन. टंडन	478	एम्स टेलीमेडिसिन
31.	20 फरवरी 2023	व्याख्यान	प्रजनन जीव विज्ञान	डॉ. के.आर. लामास	84	एम्स टेलीमेडिसिन
32.	3 मार्च 2023	उत्सव	स्पाइना बिफिडा फाउंडेशन, एम्स, नई दिल्ली एवं डब्ल्यूएचओ देशीय कार्यालय	विश्व जन्मदोष दिवस - "भारत में न्यूरल ट्यूब दोष की रोकथाम हेतु कार्रवाई करने का समय अब आ गया है"	701	एम्स टेलीमेडिसिन

33.	6 मार्च 2023	व्याख्यान	बाल चिकित्सा	डॉ. ओ.पी. घई मेमोरियल ओरेशन	1259	एम्स टेलीमेडिसिन
34.	9 मार्च 2023	व्याख्यान	शरीर क्रिया विज्ञान	कमला बी.के. आनंद	458	एम्स टेलीमेडिसिन
35.	17 मार्च 2023	सार्वजनिक व्याख्यान	मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग	थीम - "भारत में स्वास्थ्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए मिलेट"	726	एम्स टेलीमेडिसिन
36.	20 मार्च 2023	सार्वजनिक व्याख्यान एवं पैनल चर्चा	न्यूरो सर्जरी	सिर पर चोट (दर्दनाक मस्तिष्क की चोट, सर एवं दिमाग की चोट)	503	एम्स टेलीमेडिसिन
37.	23 मार्च 2023	सार्वजनिक व्याख्यान	सूक्ष्मजैव विज्ञान	विश्व क्षय रोग दिवस 2023 के अवसर पर	2495	एम्स टेलीमेडिसिन
38.	29 मार्च 2023	अतिथि व्याख्यान	शरीर क्रिया विज्ञान	दाजी डॉ. कमलेश डी. पटेल का अभिनंदन एवं अतिथि व्याख्यान	30,665	एम्स टेलीमेडिसिन

अनुसंधान परियोजनायें

जारी

1. "स्वास्थ्य पेशेवरों की शिक्षा हेतु उत्कृष्टता केंद्र तैयार करना" - नोवो-नॉर्डिस्क फाउंडेशन, डेनमार्क से प्राप्त अनुदान के साथ परियोजना।
2. मेडिकल इंटर्न के बीच एक समेकित कौशल-आधारित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता एवं अनुमानित उपयोगिता: एक मिश्रित पद्धति अध्ययन।
3. मेडिकल छात्रों द्वारा पुतले में इंटुबेशन के लिए प्रत्यक्ष लैरींगोस्कोप के साथ किंग विजन वीडियो लैरींगोस्कोप चैनल एवं गैर- चैनल ब्लेड की तुलना : एक यादृच्छिक पुतला अध्ययन।
4. अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में रोगी क्षेत्रों में पुनर्जीवन अभ्यास - एक चेकलिस्ट आधारित संभावित, अवलोकानात्मक डेटा संग्रह अध्ययन।
5. कोविड-19 के रोगियों के उपचार के दौरान परफोरमर के ज्ञान, एयरोसोल उत्पन्न करने वाली प्रक्रियाओं के वास्तविक आचरण एवं आत्मविश्वास पर सिमुलेशन-आधारित शिक्षण का प्रभाव"।
6. सीपीआर कौशल को बनाए रखने के लिए रिमोट ट्रेनर निर्देशित अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण : एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंड सिमुलेशन अध्ययन।
7. मेडिकल छात्रों द्वारा एक पुतले में चल रहे सीपीआर के दौरान आई-जेल एवं बास्का मास्क की प्रविष्टि विशेषताओं की तुलना : एक यादृच्छिक पुतला अध्ययन।

8. मेडिकल छात्रों के बीच बुनियादी जीवन समर्थन ज्ञान एवं कौशल पर पुतला-आधारित कौशल प्रशिक्षण के साथ ऑनलाइन सामग्री-आधारित प्रशिक्षण की तुलना।
9. मेडिकल छात्रों के बीच औपचारिक सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण के बाद बुनियादी जीवन समर्थन ज्ञान और कौशल को बनाए रखने पर वीडियो-आधारित प्रशिक्षण से सुदृढीकरण का प्रभाव।
10. लैरिंजोस्कोपी एवं इंटुबेशन के दौरान सतह इलेक्ट्रोमायोग्राफी (एसईएमजी) का उपयोग करके ऊपरी अंग की मांसपेशियों की गतिविधि और कठिन वायुमार्ग में मैनिकिन पर कथित कार्यभार। (डीएम थीसिस)
11. एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा कठिन वायुमार्ग वाले मैनिकिन में नासोट्रैचियल इंटुबेशन के लिए विभिन्न वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना : एक यादृच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण (डीएम थीसिस)

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा एवं सर्जरी वार्डों में नर्सिंग छात्रों के ज्ञान एवं आत्म-प्रभावकारिता पर पारंपरिक प्रशिक्षण पर सिमुलेशन आधारित शिक्षा के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु यादृच्छिक परीक्षण।
2. कौशल एवं आत्मविश्वास के संदर्भ में नवजात पुनर्जीवन पर पारंपरिक बनाम सिमुलेशन शिक्षण विधियों के प्रभाव की तुलना : एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
3. नर्सिंग छात्रों में मिडवाइफरी कार्य कौशल प्राप्त करने में लो फाइडेलिटी सिमुलेशन की भूमिका: एक मिश्रित विधि दृष्टिकोण।
4. वीडियोलेरिंजोस्कोप चैनल एवं गैर-चैनल ब्लेड की तुलना : एक यादृच्छिक क्रॉसओवर पुतला अध्ययन।

निदेशक, एम्स द्वारा एसईटी सुविधा में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों में योगदान देने वाले संकाय-सदस्य

क्र.सं.	संकाय-सदस्य का नाम	विभागों
1.	डॉ. सीनू वी.	शल्य चिकित्सा विभाग
2.	डॉ. रश्मी रामचन्द्रन	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
3.	डॉ. देवलिना गोस्वामी	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
4.	डॉ. दालिम कुमार बैद्य	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
5.	डॉ. निशांत कुमार	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
6.	डॉ. अभिषेक एन.	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
7.	डॉ. अंजू गुप्ता	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
8.	डॉ. परिन लालवानी	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार
9.	डॉ. श्रेया बी. शाह	संवेदनाहरण, पीड़ा उपचार एवं गहन उपचार

10.	डॉ. निष्कर्ष गुप्ता	ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
11।	डॉ. राकेश गर्ग	ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
12.	डॉ. विनोद कुमार	ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
13.	डॉ. ज्ञानेंद्र पाल सिंह	न्यूरो-एनेस्थिसियोलॉजी विभाग
14.	डॉ. प्रबुद्ध गोयल	बाल शल्य चिकित्सा विभाग
15.	डॉ. अनु सचदेवा	बाल चिकित्सा विभाग
16.	डॉ. रजनी शर्मा	बाल चिकित्सा विभाग
17.	डॉ. झूमा शंकर	बाल चिकित्सा विभाग
18.	डॉ. नरेंद्र बागरी	बाल चिकित्सा विभाग
19.	डॉ. के. अपर्णा शर्मा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
20.	डॉ. जूही भारती	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
21.	डॉ. ज्योति मीणा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
22.	डॉ. विदुषी सिन्हा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
23.	डॉ. अर्चना	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
24.	डॉ. अनुभूति राणा	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
25.	डॉ. दीपाली	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
26.	डॉ. कुसुम	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
27.	डॉ. रिनचेन	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
28.	डॉ. रवनीत कौर	प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
29.	डॉ. हर्षल साल्वे	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
30.	डॉ. हेमंगा के. भट्टाचार्य	सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
31.	डॉ. सुहानी	शल्य चिकित्सा विभाग
32.	डॉ. मोहित जोशी	शल्य चिकित्सा विभाग
33.	डॉ. अरविन्द कुमार	शल्य चिकित्सा विभाग
34.	डॉ. रणवीर सिंह जादौन	काय चिकित्सा विभाग
35.	डॉ. उपेन्द्र राज	काय चिकित्सा विभाग
36.	डॉ. अक्षय कुमार	आपात चिकित्सा विभाग
37.	डॉ. ऋषि नैय्यर	मूत्र विज्ञान विभाग

38.	डॉ. ब्रूसाभानु नायक	मूत्र विज्ञान विभाग
39.	डॉ. आर. के. यादव	वृक्क विज्ञान विभाग
40.	डॉ. रजनी शर्मा	बाल चिकित्सा विभाग
41.	डॉ. अनिमेष रे.	काय चिकित्सा विभाग
42.	डॉ. पंकज जोरवाल	काय चिकित्सा विभाग
43.	डॉ. सत्यवीर यादव	हृद् विज्ञान विभाग
44.	डॉ. करण मदान	पुल्मोनरी चिकित्सा विभाग
45.	डॉ. सौरभ मित्तल	पुल्मोनरी चिकित्सा विभाग
46.	डॉ. टोनी जैकब	शरीर रचना विभाग
47.	डॉ. कमलेश कुमारी शर्मा	नर्सिंग कॉलेज
48.	डॉ. स्मिता दास	नर्सिंग कॉलेज
49.	सुश्री लेविस मरे	नर्सिंग कॉलेज
50.	डॉ. शशि मावर	नर्सिंग कॉलेज

4. परीक्षा अनुभाग

संकायाध्यक्ष

के.के. दीपक (दिनांक 01.03.2020 से 31.01.2023 तक) वी.एल.कुमार (दिनांक 01.02.2023 से)

सह-संकायाध्यक्ष (परीक्षा)

नवल के विक्रम (दिनांक 01.03.2021 से)

सहायक नियंत्रक (परीक्षा)

एम.के. सिंह (दिनांक 04.11.2019 से)

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

श्री पदम सिंह (02.07.2019 से)

परीक्षा अनुभाग को पूरी प्रक्रिया की शुचिता, सत्यनिष्ठा और गोपनीयता बनाए रखते हुए संस्थान की सभी परीक्षाओं के संचालन का काम सौंपा गया है।

परीक्षा अनुभाग मुख्य रूप से संस्थान की प्रोफेशनल परीक्षाओं से संबंधित कार्य करता है, जिसमें पेपर सेटर्स, परीक्षकों, मॉडरेटर और वरिष्ठ पर्यवेक्षकों की नियुक्ति, परीक्षाओं की समय-सारणी को तैयार करना तथा प्रकशित करना, परीक्षाओं को आयोजित करना गतिविधियां शामिल हैं। ताकि परीक्षाओं में उम्मीदवारों का उचित मूल्यांकन किया जा सके और डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाणपत्र प्रदान करने के लिए समय पर परिणाम घोषित किए जा सके।

इसके अलावा, एम्स, नई दिल्ली के परीक्षा अनुभाग द्वारा राष्ट्रीय महत्व की प्रवेश और भर्ती परीक्षाएं, जैसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की संयुक्त प्रवेश परीक्षा (आईएनआईसीईटी), राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की सुपर-स्पेशलिटी प्रवेश परीक्षा (आईएनआईएसएस) और नर्सिंग अधिकारी भर्ती सामान्य पात्रता परीक्षा (एनओआरसीईटी) भी आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2022-2023 की अवधि के दौरान, परीक्षा अनुभाग ने निम्नलिखित प्रोफेशनल, प्रवेश और भर्ती परीक्षाएँ आयोजित कीं :

क. **स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व प्रोफेशनल**

एम्स, नई दिल्ली द्वारा 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान आयोजित की गई विविध प्रकार की स्नातकोत्तर एवं स्नातकपूर्व प्रोफेशनल परीक्षाओं का विवरण:-

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच आयोजित स्नातकपूर्व प्रोफेशनल परीक्षाओं के आंकड़े

क्र.सं.	माह एवं वर्ष	परीक्षा	कुल उम्मीदवार	उत्तीर्ण	अनुत्तीर्ण	अनुपस्थित
1	मई-जून 2022	फाइनल एमबीबीएस अनुपूरक	06	04	01	01
2	तदैव	द्वितीय एमबीबीएस अनुपूरक	30	09	09	12

3.	तदैव	बीएससी (पीबी) नर्सिंग फेज़-I	39	37	01	01
4.	तदैव	बीएससी (पीबी) नर्सिंग फेज़-II	42	42	-	-
5.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-I	01	-	01	-
6.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-II	78	77	01	-
7.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-III	69	65	04	-
8.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-IV	68	67	-	01
9.	**जुलाई 2022**	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी फेज़-II	12	11	00	01
10.	तदैव	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी फेज़-III	10	10	00	00
11	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-I अनुपूरक	05	02	01	02
12.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-II	16	11	04	01
13.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-III	21	15	04	02
14.	तदैव	डेंटल हाइजीन में बीएससी फेज़-I अनुपूरक	01	01	00	00
15.	तदैव	डेंटल हाइजीन में बीएससी फेज़-II	03	03	00	00
16.	तदैव	डेंटल हाइजीन में बीएससी फेज़-III	03	03	00	00
17.	तदैव	डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस में बीएससी फेज़-II	07	07	00	00
18	तदैव	डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस में बीएससी फेज़-III	07	07	00	00
19.	तदैव	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बीएससी फेज़-I	05	05	00	00
20.	तदैव	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बीएससी फेज़-II	02	02	00	00
21.	तदैव	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बीएससी फेज़-III	04	04	00	00
22.	**दिसंबर 2022**	हाइजीन में बीएससी फेज़-II	01	01	00	00
23.	तदैव	अंतिम एमबीबीएस	104	92	10	02
24.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-I अनुपूरक	03	01	01	01
25.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-II अनुपूरक	05	04	01	00
26.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-III अनुपूरक	06	00	05	01

27.	तदैव	बीएससी (पीबी) नर्सिंग फेज़-I अनुपूरक	02	02	-	-
28.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-I	90	80	08	02
29.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-II	10	10	-	-
30.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-III	08	06	02	-
31.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-IV	05	05	-	-
32.	**जनवरी 2023**	अंतिम एमबीबीएस कंपार्टमेंटल	04	03	01	00
33.	तदैव	प्रथम एमबीबीएस	144	130	12	02
34.	**फरवरी 2023**	दूसरा एमबीबीएस	149	118	17	14
35.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-III अनुपूरक	05	05	00	00
36.	तदैव	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बीएससी फेज़-II	05	05	00	00
37.	**मार्च 2023**	डेंटल हाइजीन में बीएससी फेज़-I	01	01	00	00
38.	तदैव	डेंटल ऑपरेटिंग रूम असिस्टेंस में बीएससी फेज़-I	02	02	00	00
39.	तदैव	प्रथम एमबीबीएस अनुपूरक	17	06	09	02
40.	तदैव	ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी में बीएससी फेज़-I	04	03	01	00
41.	तदैव	बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एवं इमेजिंग टेक्नोलॉजी फेज़-I	11	04	07	00
42.	तदैव	बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री फेज़-I	22	16	02	04
43.	तदैव	बीएससी ऑनर्स नर्सिंग फेज़-I	08	07	01	-
		कुल	**1035**	**883**	**103**	**49**

स्नातक प्रोफेशनल परीक्षाओं का विवरण :

आयोजित परीक्षाओं की संख्या : 43

उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 1035

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच आयोजित स्नातकोत्तर प्रोफेशनल परीक्षाओं के आंकड़े

क्र.सं.	**माह एवं वर्ष**	**परीक्षा**	**कुल उम्मीदवार**	**अनुपस्थित**	**उत्तीर्ण**	**अनुत्तीर्ण**
1.	मई 2022	एमडी	116	02	108	06
2.	तदैव	एमएस	20	-	20	-
3.	तदैव	एमडीएस	07	-	07	-

4.	तदैव	फ़ेलोशिप कार्यक्रम	13	01	12	-
5.	तदैव	एम बायोटेक्नोलॉजी	-	-	-	-
6.	दिसंबर 2022	एमडी	106	02	99	05
7.	तदैव	एमएस	19	-	19	-
8.	तदैव	एमडीएस	11	-	11	-
9.	तदैव	फ़ेलोशिप कार्यक्रम	21	-	19	02
10.	तदैव	एम बायोटेक्नोलॉजी	09	01	08	-
11.	मई 2022	डीएम	68	-	67	01
12.	तदैव	एमसीएच	21	-	21	-
13.	तदैव	एमएससी नर्सिंग-I	22	-	22	-
14.	तदैव	एमएससी नर्सिंग-II	20	-	20	-
15.	दिसंबर 2022	डीएम	66	-	66	-
16.	तदैव	एमसीएच	36	-	36	-
17.	तदैव	एमएससी पाठ्यक्रम	40	01	37	02
		कुल	**595**	07	572	16

स्नातकोत्तर प्रोफेशनल परीक्षाओं का विवरण :-

आयोजित परीक्षाओं की संख्या : 17

उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 595

ख. स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा

क्र. सं.	**पाठ्यक्रम**	**परीक्षा की तिथि**	**आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या**	**उपस्थित उम्मीद वारों की संख्या**
1.	एमडी / एमएस / एमडीएस (एम्स) जुलाई 2022 सत्र	8 मई 2022	66241	65340
2.	डीएम / एमसीएच / फ़ेलोशिप कार्य क्रम / एमडी/ (अस्पताल प्रशासन) (जुलाई सत्र 2022)	23 अप्रैल 2022	6129	5132
3.	फ़ेलोशिप कार्यक्रम जुलाई 2022 सत्र	2 मई 2022	128	80

4.	ऑनलाइन बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग 2022	18 जून 2022	20467	16364
5.	ऑनलाइन बीएससी नर्सिंग (पोस्ट - बेसिक) 2022	2 जुलाई 2022	697	528
6.	ऑनलाइन बीएससी (ऑनर्स) पेरामेडिकल पाठ्यक्रम 2022	25 जून 2022	6422	4024
7.	ऑनलाइन एमएससी पाठ्यक्रम 2022	2 जुलाई 2022	829	598
8.	ऑनलाइन एमएससी नर्सिंग 2022	2 जुलाई 2022	3779	2734
9.	ऑनलाइन एम बायोटेक्नोलॉजी प्रवेश परीक्षा 2022	2 जुलाई 2022	554	362
10.	सीनियर रेजिडेंट्स भर्ती परीक्षा, जुलाई, 2022 सत्र	11 जून 2022	2292	1433
11.	पीएचडी जुलाई सत्र 2022	27 अगस्त 2022	374	294
12.	सीनियर रेजिडेंट्स भर्ती परीक्षा जनवरी, 2023	20 नवंबर 2022	1195	885
13.	एमडी / एमएस / एमडीएस (एम्स) जनवरी 2023 सत्र	13 नवंबर 2022	55805	50606
14.	आईएनआई-एसएस जनवरी, 2023 सत्र	6 नवंबर 2022	5476	4895
15.	फ़ेलोशिप कार्यक्रम जनवरी, 2023 सत्र	1 नवंबर 2022	117	81
		कुल योग	**170505**	**153356**

शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का विवरण :

आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या : 15

आवेदकों की संख्या : 170505

उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 153356

ग. 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान भर्ती परीक्षाएं

क्र. सं.	परीक्षा का नाम	आवेदन करने वाले उम्मीदवारों की संख्या	उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या
1.	प्रोग्रामर	351	102
2.	सहायक आहारविद्	192	101
3.	सहायक वार्डन	60	1
4.	जूनियर फिजियोथेरेपिस्ट	1638	964
5.	तकनीशियन रेडियोलॉजी	1182	806
6.	दंत तकनीशियन ग्रेड- II	58	31
7.	सांख्यिकी सहायक	73	39
8.	तकनीशियन रेडियोथेरेपी ग्रेड - II	62	25
9.	नेत्र तकनीशियन ग्रेड -I	167	104
10.	जूनियर फ़ोटोग्राफ़र	58	22
11.	स्टोरकीपर (ड्रग्स)	1153	694
12.	आशुलिपिक	992	403
13.	कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक	3695	1461
14.	एसएए विभागीय	47	43
15.	जेएए विभागीय	66	43
16.	कनिष्ठ अभियंता एसी एवं आर	20	3
17.	कनिष्ठ अभियंता सिविल	724	291
18.	कनिष्ठ अभियंता इलेक्ट्रिकल	249	80
19.	मेडिकल सोशल सर्विस ऑफिसर ग्रेड-II	633	301
20.	ऑपरेशन थियेटर सहायक	1778	1142
21.	परफ्यूजनिस्ट	35	17
22.	फार्मासिस्ट ग्रेड-II	5058	2708
23.	सेनेटरी इंस्पेक्टर ग्रेड-II	151	37
24.	सुरक्षा सह फायर गार्ड ग्रेड-II	3145	1290
25.	स्टोर कीपर सामान्य	434	131
26.	जेएए टाइपिंग अनुकंपा आधार पर	32	16
27.	नॉर्सेट (एनओआरसीईटी) 2022	106688	95721
		128741	**106576**

भर्ती परीक्षाओं का विवरण :

आयोजित परीक्षाओं की संख्या : 27

आवेदकों की संख्या : 128741

उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 106576

परीक्षाओं का समग्र विवरण :

1. स्नातक प्रोफेशनल परीक्षा का विवरण :
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या : 43
   - ख. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 1035
2. स्नातकोत्तर प्रोफेशनल परीक्षा का विवरण :
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या : 17
   - ख. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 595
3. शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश परीक्षा का विवरण :
   - क. आयोजित प्रवेश परीक्षाओं की संख्या : 15
   - ख. आवेदकों की संख्या : 170505
   - ग. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 153356
4. भर्ती परीक्षा का विवरण :
   - क. आयोजित परीक्षा की संख्या : 27
   - ख. आवेदकों की संख्या : 128741
   - ग. उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या : 106576

आयोजित की गई प्रवेश परीक्षाएं

1. पीजी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आईएनआईसीईटी [(एमडी / एमएस / एमडीएस / एमसीएच (6 वर्ष) / डीएम (6 वर्ष)] आयोजित किया गया था। जुलाई 2022 सत्र के लिए 8 मई 2022 को 214 केंद्रों और आईएनआई पर - आईएनआई सीईटी के पीजी पाठ्यक्रमों के लिए 13 नवंबर 2022 को जनवरी 2023 सत्र के लिए क्रमशः 172 केंद्रों पर आयोजित किया गया था। क्रमशः मई 14, 2022 और 19 नवंबर 2022 को नतीजे घोषित किए गए।
2. विभिन्न पोस्ट - डॉक्टोरल में प्रवेश के लिए आईएनआई-एसएस चयन (सुपर-स्पेशियलिटी) पाठ्यक्रम अर्थात् जनवरी 2023 के लिए डीएम / एमसीएच / एमडी (अस्पताल प्रशासन) का सत्र 6 नवंबर 2022 को और जुलाई 2023 का सत्र 29 अप्रैल 2023 को आयोजित किया गया।
3. संस्थान ने जुलाई 2022 सत्र के लिए क्रमशः 11 जून 2022 को और जनवरी 2023 सत्र के लिए 20 नवंबर 2022 को सीनियर रेजिडेंट्स / सीनियर डेमोंस्ट्रेटर के पद के लिए सीबीटी भी आयोजित की है।
4. जुलाई, 2022 हेतु पीएचडी कार्यक्रम में पंजीकरण के लिए उम्मीदवारों का चयन 27 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया है।
5. बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग कोर्स-2022 प्रवेश परीक्षा एम्स, नई दिल्ली और अन्य एम्स के लिए 18 जून 2022 को सीबीटी ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी

6. एमएससी कोर्स/एम जैव प्रौद्योगिकी/एमएससी नर्सिंग पाठ्यक्रम अगस्त 2022 सत्र में प्रवेश के लिए प्रवेश परीक्षा 2 जुलाई 2022 को सीबीटी ऑनलाइन मोड में दिल्ली/एनसीआर में आयोजित किया गया
7. बीएससी नर्सिंग (पोस्ट - बेसिक) प्रवेश परीक्षा 2 जुलाई 2022 को दिल्ली और बाहरी राज्यों में सीबीटी ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी, जिसके बाद 21 जुलाई 2022 को उम्मीदवारों का व्यक्तिगत मूल्यांकन किया गया था।
8. जनवरी 2023 सत्र के लिए फेलोशिप कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा 1 नवंबर 2022 को आयोजित की गई थी।

अन्य आयोजनों में भागीदारी :

1. परीक्षा अनुभाग ने शैक्षिक अनुभाग/भर्ती अनुभाग संकाय और कर्मचारियों के साथ आईएनआई-सीईटी, आईएनआई-एसएस, बीएससी (ऑन) नर्सिंग, बीएससी पैरामेडिकल, एमएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रम, एमएससी पाठ्यक्रम, एनओआरसीईटी, जूनियर रेजिडेंट्स (गैर- शैक्षणिक) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन सीट आवंटन आयोजित किया। परीक्षा अनुभाग बीएससी (नर्सिंग) पोस्ट - सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के लिए कार्मिक मूल्यांकन में भी सक्रिय रूप से भाग लेता है
2. भारत के विविध विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों द्वारा प्रवेश परीक्षाओं को संचालित करने हेतु उनकी सहायता करने के लिए परीक्षा अनुभाग अपनी तकनीकी विशेषज्ञता भी प्रदान करता है।

5. सामान्य प्रशासन

उप-निदेशक

विशाल चौहान (05 जून, 2022 तक)

रबिंद्र अग्रवाल (6 जून, 2022 से अब तक)

उप-सचिव

डॉ. आर. गोपीनाथ

संस्थान के कार्मिक एवं स्थापना, सुरक्षा, संपदा, इंजीनियरी सेवा विभाग, भंडार, समन्वय, संसदीय मामलों, शिकायत आदि सहित सामान्य प्रशासन का नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उप-निदेशक (प्रशासन) द्वारा किया जाता है। उपर्युक्त वर्णित क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न शाखाएं हैं। प्रत्येक शाखा का नेतृत्व एक वरिष्ठ अधिकारी द्वारा सहायक अधिकारियों एवं स्टाफ सदस्यगण की मदद से किया जाता है। विभिन्न शाखाओं की देखरेख करने वाले अधिकारियों/स्टाफ का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

देव नाथ साह

अधीक्षण अभियंता

एम्स परिसर	**एम्स, झज्जर परिसर**
विनोद कुमार शर्मा (स्थानापन्न)	हृदेश कुमार (18 फरवरी, 2023 तक)

जितेंद्र कुमार सक्सेना (10.05.2022 से अब तक)

कार्यकारी अभियंता

विद्या भूषण (30 जून, 2022 तक)	हरपाल सिंह (30 अप्रैल, 2022 तक)
विनोद कुमार शर्मा (30 अप्रैल, 2022 तक)	अशोक कुमार (08 फरवरी, 2023 तक)
डी.के. वाधवा (31 जनवरी, 2023 तक)	डी.विजय राघवन (14 अक्टूबर, 2022 तक)

डी.विजय राघवन (15 अक्टूबर,2022 से अब तक)

सुनील कुमार (2 मार्च, 2023 से अब तक)

प्रदीप कुमार (06 सितंबर, 2022 से अब तक)

एस. के. राव (06 सितंबर, 2022 से 28 फरवरी, 2022 तक)

मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सत्येंद्र कुमार (15 जनवरी, 2023 तक)

उप-मुख्य सुरक्षा अधिकारी

सतीश कुमार शर्मा (29 अप्रैल, 2022 से अब तक)

आर.एस. रावत (21 दिसंबर, 1997 से अब तक)

वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

ललित उरांव (30 सितंबर, 2022 तक)

अनिता टेटे

विपिन प्रकाश (31 मई, 2022 तक)

बी.एस. गिल

भूप सिंह (18 फरवरी, 2023 से अब तक)

प्रशासनिक अधिकारी

निखिल भटनागर (30 जून, 2022 तक)

भूप सिंह (17 फरवरी, 2023 तक)

उत्तम चंद

जोगिंदर कुमार

सरोज लाल (21.10.2022 से अब तक)

अनिल कुमार (21.02.2023 से अब तक)

राजेंद्र सिंह (09.02.2022 से अब तक)

आर. संतोष कुमार (12 मार्च, 2022 तक)

आर. के. शर्मा

लता पाउलोस (30 अप्रैल, 2022 तक)

कमल चंद्र भट्ट (21.10.2022 से अब तक)

राजेश कुमार (21.10.2022 से अब तक)

सोहनबीर (18.03.2023 से अब तक)

विपिन प्रकाश (18 जनवरी 2022 तक)

सहायक प्रशासनिक अधिकारी

विद्या सागर (31 अगस्त, 2022 तक)

सरोज कुमारी लाल (20 अक्टूबर, 2022 तक)

सुदेश सोनी (30 सितंबर, 2022 तक)

संतोष मनोचा (खोसला) (31 अगस्त, 2022 तक)

देवी प्रसाद

अशोक कुमार

शिव शंकर सिंह (नी. दयाल)

सीमा भूटानी (घई)

राजश्री ओहरी (31 अगस्त, 2022 तक)

पूरन चंद भट्ट

पूर्णिमा घोष

रविंदर सिंह

सुनील कुमार

वेद प्रकाश (17.12.2022 से अब तक)

श्याम लाल बसवाला (15.12.2022 से अब तक)

कमल चंद्र भट्ट (20 अक्टूबर, 2022 तक)

राजेश कुमार (20 अक्टूबर, 2022 तक)

शकुंतला रावत (31 मई, 2022 तक)

सोहनबीर (17 मार्च, 2023 तक)

ज्ञान चंद

अनिल कुमार (20 फरवरी, 2023 तक)

राज कुमार भोला

प्रकाश चंद्र शर्मा (31 जुलाई, 2022 तक)

महेंद्र पाल सिंह

हरविंदर कौर जॉली

ज्योति अरोड़ा (पूर्व नाम भूटानी)

वीना पाठक

राजीव महेंद्रू (15.12.2022 से अब तक)

जगबीर सिंह (15.12.2022 से अब तक)

विनोद कुमार शर्मा (15.12.2022 से अब तक)

अतर सिंह (16.12.2022 से अब तक)	वासु देव (17.12.2022 से अब तक)
नंदन सिंह रौतेला (15.12.2022 से अब तक)	कमल सिंह राणा (15.12.2022 से अब तक)
ज्योति कपूर (15.12.2022 से अब तक)	अनिल कुमार (15.12.2022 से अब तक)
हर गोपाल सिंह (15.12.2022 से अब तक)	माधवी (15.12.2022 से अब तक)
मंगल सिंह (15.12.2022 से अब तक)	मनोज कुमार शर्मा (15.12.2022 से अब तक)
सुनील दत्त कौशिक (15.12.2022 से अब तक)	कृष्ण कांत शर्मा (15.12.2022 से अब तक)
नरोत्तम आनंद (15.12.2022 से अब तक)	अनिल कुमार (15.12.2022 से अब तक)
चंद्रा बिष्ट (15.12.2022 से अब तक)	कविता (15.12.2022 से अब तक)
राजेंद्र कुमार (15.12.2022 से अब तक)	सविता कुमारी (16.12.2022 से अब तक)
राम सूरत (15.12.2022 से अब तक)	अनिल आर. सिंह (15.12.2022 से अब तक)
सी.जी. सत्यन (15.12.2022 से अब तक)	रेनू सिंह (15.12.2022 से अब तक)
जितेंद्र बहल (15.12.2022 से अब तक)	सूक्ष्म (इंग्ले) (15.12.2022 से अब तक)
रेखा रानी (15.12.2022 से अब तक)	राज कुमार-I (15.12.2022 से अब तक)
महेश कुमार (15.12.2022 से अब तक)	सुनीता (15.12.2022 से अब तक)
जितेन्द्र कुमार महतो (15.12.2022 से अब तक)	कमला मीना (15.12.2022 से अब तक)
दीपक प्रसाद (16.12.2022 से अब तक)	रविवार तिग्गा (15.12.2022 से अब तक)

वरिष्ठ भण्डार अधिकारी

राकेश कुमार   नरेन्द्र कुमार (31 दिसंबर, 2022 तक)

भण्डार अधिकारी

मनोहर आर्या	अर्चना शर्मा
कमल सिंह	यतेन्द्र सुमन नारनौलिया
(18 जनवरी, 2023 से अब तक)	हेमन्त कुमार अरोड़ा (17.01.2023 से अब तक)

स्थापना अनुभाग तथा सामान्य प्रशासन के उत्तरदायित्वों में भर्ती, सेवा मामलें, सांविधिक समितियों की बैठकें कराना, संपदा एवं संपत्ति का प्रबंधन, उपकरण, सामग्री तथा उपभोज्य सामग्रियों की खरीद, सुरक्षा व्यवस्था, कर्मचारियों का कल्याण आदि शामिल हैं।

संस्थान के कुल स्वीकृत कर्मचारियों की संख्या **12,875** है। दिनांक 01 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023 तक भरे गये पदों की संख्या **10,701** थी जिसमें सभी केंद्रों/मुख्य अस्पताल/निदेशक कार्यालय के कर्मचारीगण शामिल हैं। समूहवार स्वीकृत स्टाफ संख्या तथा कार्यरत स्टाफ संख्या का विवरण नीचे दिया गया है।

क्रं.सं.	श्रेणी/समूह	स्वीकृत संख्या	वर्तमान पद
1.	समूह "क" (गैर संकाय)	729	522
2.	समूह "ख"	7984	6885
3.	समूह "ग" तथा तत्कालीन समूह "घ"	4162	3294
	कुल	**12875**	**10701**

एम्स, नई दिल्ली में अनु.जा./अ.ज.जा./महिला प्रकोष्ठ की संरचना

1	**पर्यवेक्षक अधिकारी**	डॉ. आर. गोपीनाथ (आई.एफ.ओ.एस), उप-सचिव
2.	**संपर्क अधिकारीगण**	डॉ. राजपाल, आचार्य, नेत्र विज्ञान, डॉ.रा.प्र. केंद्र, एम्स अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एवं पी.डब्ल्यू.डी. के सम्पर्क अधिकारी
		डॉ. दयानंद शर्मा, आचार्य एवं अध्यक्ष, विकिरण चिकित्सा विभाग, डॉ. भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ. अन्य पिछड़ा वर्ग के संपर्क अधिकारी
3.	**प्रशासनिक सहायक स्टाफ**	सुश्री अनिता टेटे, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी (16 जून, 2022 तक)
		सुश्री सरोज लाल, प्रशासनिक अधिकारी, (20.06.2022 से अब तक)
		सुश्री पूर्णिमा घोष, सहायक प्रशासनिक अधिकारी (19 जून, 2022 तक)
		श्री देशराज, कनिष्ठ प्रशासनिक सहायक
		सुश्री पूजा कुमारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर (आउटसोर्स)

इसके अलावा, इस कार्यालय में वर्ष 2022-23 (1 अप्रैल, 2022 से 31 मार्च, 2023) के दौरान आई.सी.सी.एस.एच.डब्ल्यू.डब्ल्यू. की निम्नलिखित संख्या में शिकायतें/रिपोर्टें प्राप्त हुईं:

आई.सी.सी.एस.एच.डब्ल्यू.डब्ल्यू. की कुल शिकायतों/रिपोर्टों की संख्या : 43

निपटाए गए मामलों की कुल संख्या : 30

विचाराधीन मामलों की कुल संख्या : 13

6. अस्पताल

चिकित्सा अधीक्षक

डी.के. शर्मा (16 दिसंबर 2023 तक)

संजीव लालवानी (16 दिसंबर 2023 से अब तक)

अस्पताल प्रशासन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपति

आचार्य

संजय कुमार आर्य
निरूपम मदान
अमित लठवाल
महेश आर.

अपर आचार्य

अनूप डागा
ऐंजल राजन सिंह
परमेश्वर कुमार
विजयदीप सिद्धार्थ

सह-आचार्य

अब्दुल हकीम
जितेंदर सोढ़ी

सहायक आचार्य

विकास एच.
कनिका जैन
अरूण वर्मा
नमर्ता मक्कड़
खालिद महमूद
निशांत शर्मा

बिस्तर संख्या

बिस्तर श्रेणी	अस्पताल			दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र	हृद वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र
	मुख्य	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक	सर्जिकल		
सामान्य	836	56	158	15	317
आई.सी.यू.	93	30	10	-	74
ऑब्जरवेशन	69	08	00	05	09
प्राइवेट वार्ड	165	10	10	-	64
कुल	**1163**	**104**	**178**	**20**	**464**
महायोग	**1445**				

अस्पताल कार्य-निष्पादन सूची

मापदंड	मुख्य अस्पताल		सी.एन.सी		सी.डी.ई.आर.		निष्कर्ष
	2022-23	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**	
ठहरने की औसत अवधि (दिनों में)	**9.9**	**9.8**	**12.0**	**13.8**	**4.9**	**5.1**	*नियमित भर्ती हेतु बिस्तरों का प्रभावी उपयोग दर्शाता है*
औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	**83.1**	**69.8**	**68.6**	**46.7**	**46.0**	**19.7**	*उचित अधिभोग दर्शाता है*
शुद्ध मृत्यु दर (%)	**1.6**	**2.0**	**4.1**	**6.9**	**0.0**	**0.0**	*बहुत बड़ी संख्या में गंभीर रूप से बीमार भर्ती हुए रोगियों के बावजूद भी कम मृत्यु दर दर्शाता है*
संयुक्त क्रूड संक्रमण की दर (%)	**7.1%**	**8.3%**	-	-	-	-	

6.1 चिकित्सा अभिलेख विभाग

प्रभारी अधिकारी
डॉ. विकास एच

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी एवं उप-रजिस्ट्रार (जन्म एवं मृत्यु)
संदीप एम. सिंह
नवीन कुमार
देवानंद शर्मा (वर्तमान में)

कोविड 19 (महामारी)

चिकित्सा अभिलेख अनुभाग की भूमिका है कि वह एम्स के विभिन्न कोविड केंद्रों, जैसे एनसीआई झज्जर, ज.प्र.ना.ए. ट्रामा केंद्र एवं मुख्य अस्पताल के वार्डों से कोविड -19 संबंधी आंकड़े संकलित करें और सरकार की विभिन्न एजेंसियों और विभागों, जैसे आईडीएसपी, डीजीएचएस, डीसी साउथ, डेथ ऑडिट कमेटी, स्वास्थ्य उपचार कार्यकर्ता वर्कर्स को भेजें, उन्हें सूचीबद्ध करें और रविवार एवं राजपत्रित छुट्टियों सहित दैनिक कोविड-19 संबंधी सूचना, डाटा प्रबंधन पोर्टल आदि पर अपलोड करें।

शिक्षा

17 चिकित्सा अभिलेख प्रौद्योगिकी द्वितीय वर्ष के छात्रों ने चिकित्सा अभिलेख अनुभाग, मुख्य अस्पताल का दौरा किया एवं दिनांक 6 जुलाई 2022 को चिकित्सा अभिलेख अधिकारी द्वारा एम्स में चिकित्सा अभिलेख प्रबंधन पर एक संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया।

प्रशिक्षण

श्रीमती नीलम बारिया, मेडिकल रिकॉर्ड तकनीशियन को (एक वर्ष) मेडिकल रिकॉर्ड अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए नामांकित किया गया है। 01/01/2023 से 31/12/2023 तक सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में सीबीएचआई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित किया गया।

न्यायालय में उपस्थिति

दिल्ली के विभिन्न न्यायालयों और दिल्ली के बाहर से चिकित्सा अभिलेख अनुभाग (मुख्य अस्पताल) को कुल 415 सम्मन/नोटिस प्राप्त हुए थे। अ.भा.आ.सं. अस्पताल की ओर से मामले को निपटाने/समाधान करने हेतु संबंधित चिकित्सकों/परामर्शदाताओं (केस के अनुसार) तथा चिकित्सा अभिलेख अनुभाग के कर्मचारियों को न्यायालय में उपस्थित होने हेतु नियुक्त किया गया था।

चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संबंधी सहायता

अनुसंधान, शिक्षा एवं अन्य सरकारी प्रयोजनों हेतु संबंधित परामर्शदाताओं द्वारा प्राधिकृत रेज़ीडेंटों के लिए लगभग 4400 चिकित्सा केस अभिलेखों (केस शीट) को पुनः प्राप्त एवं जारी किया गया।

चिकित्सा अभिलेखों का कम्प्यूटरीकरण एवं डिजिटलीकरण

अभिलेखों को आसानी से पुनः प्राप्त करने हेतु वर्ष 2014 से मुख्य अस्पताल में भर्ती होने वाले रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों का डिजिटलीकरण आरंभ हुआ। रोगियों के केस रिकॉर्ड की 1626150 से अधिक प्रतियों (वर्तमान वर्ष 2022-23) को भविष्य के संदर्भ के लिए स्कैन किया गया है।

अंतरंग रोगी सेवाएं

1. मुख्य अस्पताल, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र तथा हृद् तंत्रिका केंद्र, अ.भा.आ.सं. का वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन का सार तालिका-I में दिया गया है।
2. एम्स अस्पताल ने सम्पूर्ण भारत सहित विदेशों से अस्पताल आने वाले रोगियों की बढ़ती हुई संख्या के बावजूद रोगी उपचार सेवाओं एवं गुणवत्ता की अपनी परंपरा को बनाए रखा है। वित्तीय वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के विभिन्न क्लीनिकल एककों में कुल 97,244 रोगियों को भर्ती किया गया। विभागवार, राज्यवार एवं लिंगवार रोगियों का भार, भर्ती, अस्पताल से छुट्टी एवं अस्पताल में ठहरने की औसत अवधि का विवरण क्रमशः तालिका-II और आंकड़े 1 से 4 में दिया गया है। विभागवार मृत्यु का विवरण एवं इसकी सूची तालिका- III में दी गई है।
3. वर्ष के दौरान मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र सी.डी.ई.आर. के विभिन्न शल्यक विभागों में कुल 87,209 शल्यक प्रक्रियाएं (बड़ी एवं छोटी) निष्पादित की गईं जिसे तालिका IV में दिया गया है।
4. अंतरंग रोगियों के चिकित्सा अभिलेखों को शिक्षा, अनुसंधान/शोधपत्र, प्रस्तुतिकरण, बीमा, कोर्ट केसों आदि के प्रयोजन हेतु सहजता से पुनः प्राप्त करने के लिए क्रमबद्ध तरीके से वर्गीकृत एवं श्रेणीबद्ध किया जाता है। इन अभिलेखों को सी.आर. नंबरों के अनुसार कॉम्पेक्टर में संग्रहीत किया जाता है। मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सी.डी.ई.आर.) के सभी अंतरंग अभिलेखों का मुख्य अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख अनुभाग द्वारा अलग से अनुरक्षण किया जाता है।

केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं अस्पताल पूछताछ

1. एम्स का केंद्रीय भर्ती कार्यालय एवं पूछताछ (सी.ए.ओ. एंड ई.) बिना विराम 365 दिन चौबीसों घंटे कार्य करता है।
2. मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर एवं सी.डी.ई.आर. के अंतरंग क्षेत्र हेतु सभी भर्ती इस कार्यालय के द्वारा होती है। यह संस्थान के हृदय की भांति कार्य करता है एवं भर्ती पर्ची (फेस-शीट) बनाने हेतु रोगी पंजीकरण एवं परिचर पास आदि जारी करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करता है।
3. भर्ती कार्यालय, वी.आई.पी./वी.वी.आई.पी. के अस्पताल में भर्ती होने के संबंध में एम्स के उच्च प्राधिकारियों के साथ-साथ अनेक मंत्रालयों को भी जानकारी प्रदान करता है।
4. इसके अतिरिक्त, यह कार्यालय रोगी एवं संस्थान के बारे में शीघ्र एवं सही जानकारी प्रदान करते हुए एक सामान्य पूछताछ के रूप में भी कार्य करता है। इस कार्यालय में कार्य करने वाले समस्त कर्मचारीगण शिफ्ट में कार्य करते हैं तथा कनिष्ठ स्वागतकर्त्ता अधिकारी, कनिष्ठ

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी तथा चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन आदि द्वारा संचालित किए जाते हैं।

बाह्य रोगी विभाग एवं विशिष्टता क्लिनिक

1. मुख्य अस्पताल, अ.भा.आ.सं. के विभिन्न सामान्य बाह्य रोगी विभाग (ओ.पी.डी.), विशिष्टता क्लिनिक एवं आपात विभाग में कुल 1039523 रोगी अपने उपचार हेतु आए बाह्य रोगी भार प्रोफाइल्स का विवरण तालिका-VII में नीचे दिया गया है।

अन्य गतिविधियां

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	कुल संख्या
1.	वर्ष के दौरान अंतरंग रोगी अभिलेखों में किए गए संशोधन	802
2.	वर्ष के दौरान जन्म अभिलेखों में किए गए संशोधन	476
3.	वर्ष के दौरान मृत्यु अभिलेखों में किए गए संशोधन	468
4.	मुख्य अस्पताल और सी.डी.ई.आर. में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती और अन्य शुल्क में छूट	20260
5.	सी.एन. सेंटर एवं सी डी ई आर में जे.एस.एस.के. योजना के अंतर्गत भर्ती रोगियों एवं गरीब रोगियों के लिए भर्ती एवं अन्य शुल्क में छूट	914 (सी एन सी)

वर्ष 2022-2023 (वार्षिक रिपोर्ट) के लिए सांख्यिकीय आंकड़े, चिकित्सा अभिलेख अधिकारी के पर्यवेक्षण में श्री राजबीर सिंह, चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन द्वारा तैयार/संकलित किए गए हैं।

तालिका I. वार्षिक सांख्यिकीय स्वास्थ्य बुलेटिन

क्र.सं.	मद	मुख्य अस्पताल		हृ.व. एवं तं.वि. केंद्र		सी.डी.ई.आर.	
		2021-22	**2020-21**	**2021-22**	**2020-21**	**2021-22**	**2020-21**
1.	भर्ती किए गए कुल रोगी	**115745**	**83801**	18671	12747	1066	696
	क) वयस्क एवं बच्चे	115745	81801	-	-	-	-
	-नियमित	38951	26994	12.25	8702	865	590
	-लघु अवधि	76794	54807	6646	4045	201	106
	ख) नवजात शिशु	2801	2000	-	-	-	-
	नियमित	2801	2000	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
2.	डिस्चार्ज रोगियों (एलएएमए, अस्पताल से भाग गए, अनुरोध पर छुट्टी एवं मृत्यु सहित)	**114322**	**79833**	18550	12300	1076	685
	क) वयस्क एवं बच्चे	111487	77870	-	-	-	-

	-नियमित	36235	25113	11995	8461	880	581
	-लघु अवधि	75252	52757	6555	3839	196	104
	ख) नवजात शिशु	2835	1963	-	-	-	-
	नियमित	2835	1963	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
3.	उपचार के कुल दिन	**462080**	**319323**	144246	105053	4402	2935
	क) वयस्क एवं बच्चे	440809	305479	-	-	-	-
	-नियमित	365557	251822	137691	101214	4206	2831
	-लघु अवधि	75252	52757	6555	3239	196	104
	ख) नवजात शिशु	21271	14744	-	-	-	-
	नियमित	21271	14744	-	-	-	-
	लघु अवधि	00	00	-	-	-	-
4.	नियमित रोगियों के ठहरने की औसत अवधि	**9.9**	**9.8**	11.5	12.0	489	4.9
	क) वयस्क एवं बच्चे	10.1	10.0	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	7.5	7.5	-	-	-	-
5.	कुल रोगी देखभाल दिन (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	**414758**	**288958**	131958	113951	3816	2518
	क) वयस्क और बच्चे	411584	286626	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	3174	2332	-	-	-	-
6.	रोगियों की प्रतिदिन औसत संख्या (प्रतिदिन की गणना के अनुसार)	**1136**	**792**	362	312	10	07
	क) वयस्क और बच्चे	1128	785	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	09	07	-	-	-	-
7.	औसत बिस्तर अधिभोग	**83.1**	**69.8**	79.5	68.6		46.0
	क) वयस्क और बच्चे	82.5	69.2	-	-	-	-
	ख) नवजात शिशु	0.6	0.6	-	-	-	-
8.	अस्पताल में जन्म	**2801**	**2000**	-	-	-	-
	क) लड़का	1468	1016	-	-	-	-
	ख) लड़की	1330	983	-	-	-	-
	ग) इंटर सेक्स	03	01	-	-	-	-
9.	कुल अंतरंग रोगी मृत्यु (नवजात शिशुओं सहित)	**2616**	**2301**	665	629	00	00

	क) 48 घंटे के अंदर मृत्यु	785	685	167	126	00	00
	ख) 48 घंटे के बाद मृत्यु	1831	1616	498	503	00	00
	ग) सकल मृत्यु दर (%)	2.3	2.9	3.6	5.1	0.0	0.0
	घ) शुद्ध मृत्यु दर (%)	1.6	2.0	2.7	4.1	0.0	0.05
10.	आपातकाल में कुल उपस्थिति	**112227**	**107853**	-	-	-	-
	मृत्यु	2206	2162	-	-	-	-
	मृत लाए गए रोगी	1370	1209	-	-	-	-
11.	विशिष्टता क्लिनिक सहित ओपीडी में उपस्थिति (मुख्य अस्पताल)	**1789519**	**1039523**	-	-	-	-
	नए रोगी	654423	465831	-	-	-	-
	पुराने रोगी	1135096	573692	-	-	-	-

तालिका II विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सी.एन. सेंटर और सी.डी.ई.आर.)

विभाग	**भर्ती**		**अस्पताल से छुट्टी (लामा, भागे हुए रोगी, एवं मृत्यु सहित)**		**उपचार के कुल दिन**		**नियमित भर्ती होने पर ठहरने की औसत अवधि**
	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्पकालीन	नियमित	अल्पकालीन	
संवेदनाहरण (पीड़ा क्लिनिक)	00	435	00	436	00	436	0.0
त्वचाविज्ञान एवं रतिज रोग विज्ञान	590	1609	603	1578	7598	1578	12.6
अंतःस्रावी एवं चयापचय	458	20	459	32	7511	32	16.4
जठरान्त्र रोग विज्ञान और मानव पोषण	1703	5835	1623	5570	22606	5570	13.9
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लिवर प्रतिरोपण	893	323	891	287	14266	287	16.0
जरा चिकित्सा	845	695	907	630	10842	630	12.0
रुधिरविज्ञान	926	13924	934	13995	18135	13995	19.4
कायचिकित्सा I	945	539	947	472	11726	472	12.4
कायचिकित्सा II	886	526	924	420	10118	420	11.0
कायचिकित्सा III	959	583	956	602	10604	602	11.1
वृक्कविज्ञान	643	10420	494	10315	8549	10315	17.3
नवजात	2801	00	2835	00	21271	00	7.5
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	180	00	183	03	2101	03	11.5
नाभिकीय चिकित्सा	371	75	353	65	797	65	2.3
प्रसूति एवं स्त्री रोग I	2471	1798	2435	1847	18763	1847	7.7

प्रसूति एवं स्त्री रोग II	2547	1795	2594	19836	16874	1836	6.5
प्रसूति एवं स्त्री रोगIII	1821	1590	1917	1487	13602	1487	4.1
अर्बुद विज्ञान (मुख्य)	212	00	244	00	1887	00	7.7
अस्थिरोग I	1426	2556	1688	1870	10700	1870	6.3
अस्थिरोग II	1826	3061	1599	2723	10284	2723	6.4
कान,नाक, गला विज्ञान I	439	732	473	687	3728	687	7.9
कान,नाक, गला विज्ञान II	507	790	498	800	4468	800	9.0
कान,नाक, गला विज्ञान III	466	737	536	684	4269	681	8.0
बाल चिकित्सा I	898	3132	870	3174	8305	3174	9.5
बाल चिकित्सा II	698	1874	692	1917	8280	1917	12.0
बाल चिकित्सा III	1335	9603	994	9942	9948	9942	10.0
बालशल्य चिकित्सा	1501	1309	1517	1375	14928	1372	9.8
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	32	01	17	01	932	01	54.8
मनोचिकित्सा	369	00	399	01	10984	01	27.5
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	619	4326	623	4415	6468	4415	10.4
प्लास्टिक एवं पुनर्रसंरचना सर्जरी	2502	760	2564	768	30780	768	12.0
विकिरण चिकित्सा	05	00	08	00	147	00	17.4
रुमेटोलॉजी	08	1625	23	1665	158	1665	6.9
शल्य चिकित्सा I	1297	488	1286	486	15829	483	12.3
शल्य चिकित्सा II	1093	420	1219	243	10576	243	8.7
शल्य चिकित्सा III	1043	439	1049	333	10441	333	10.0
शल्य चिकित्सा IV	2050	575	2116	508	16996	508	8.0
मूत्ररोग विज्ञान	1595	4232	1600	4094	11362	4094	7.1
कुल (मुख्य)	**38951**	**76794**	**39070**	**75252**	**386828**	**75252**	**9.9**
हृदविज्ञान	4066	2766	4061	276	32613	2760	8.0
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2322	22	2322	22	36338	22	15.6
तंत्रिकाविज्ञान I	1015	722	980	715	10882	715	11.1
तंत्रिकाविज्ञान II	948	528	1012	487	10123	487	10.0
तंत्रिकाविज्ञान III	850	1049	874	1096	8609	1096	9.9
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	1143	795	1111	74	18951	771	17.1
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1405	551	1369	501	18567	501	13.6
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	276	213	266	200	1608	200	6.0
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**12025**	**6646**	**11995**	**6555**	**137691**	**6555**	**11.5**
सी.डी.ई.आर.	865	201	880	196	4206	196	3.9

चित्र 1 विभागवार भर्ती (मुख्य अस्पताल, सीएनसी एवं सीडीईआर)-2021-2022

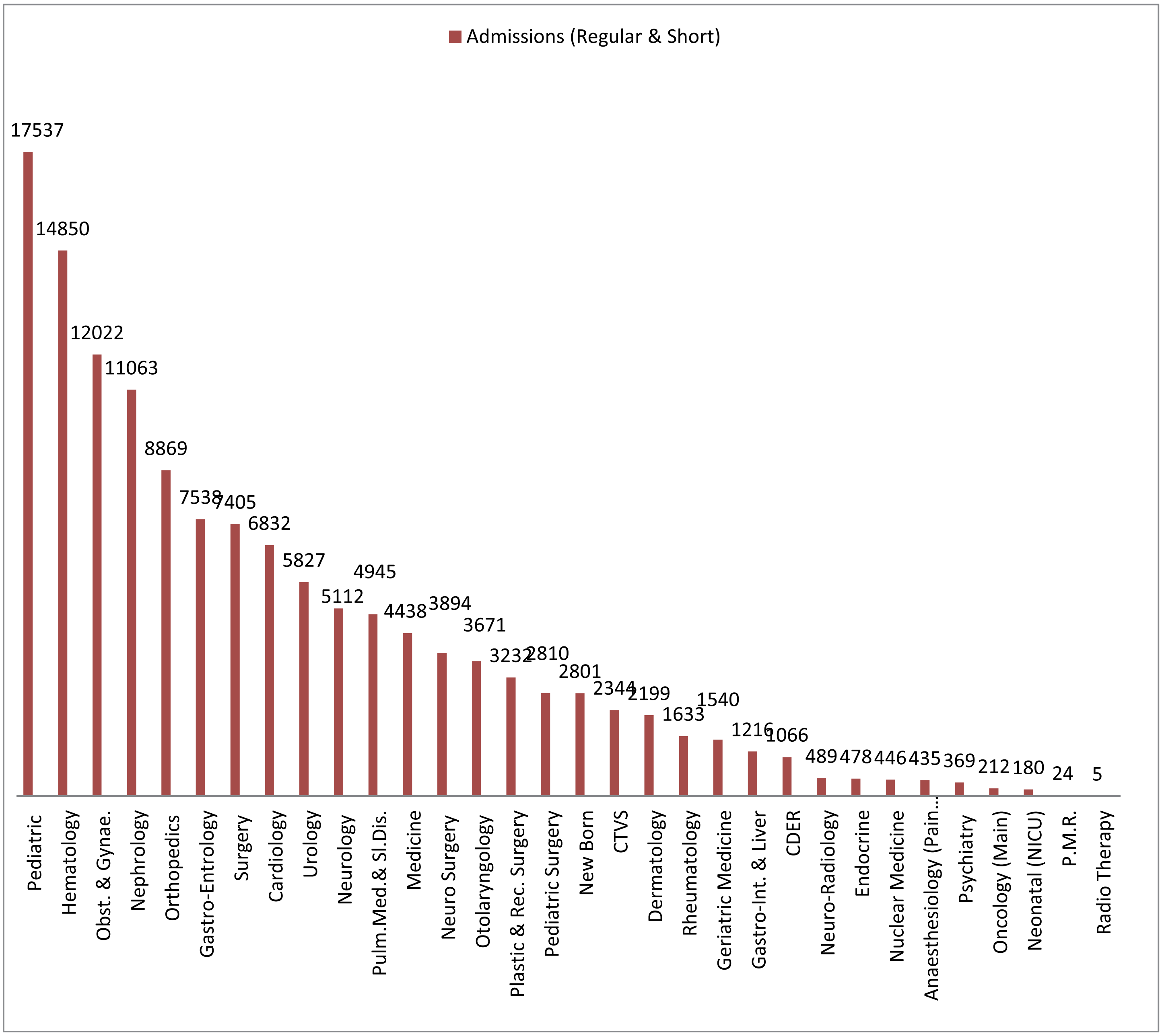

चित्र 2. विभागवार ठहरने की औसत अवधि (मुख्य अस्पताल, सीएनसी एवं सीडीईआर)-2021-2022

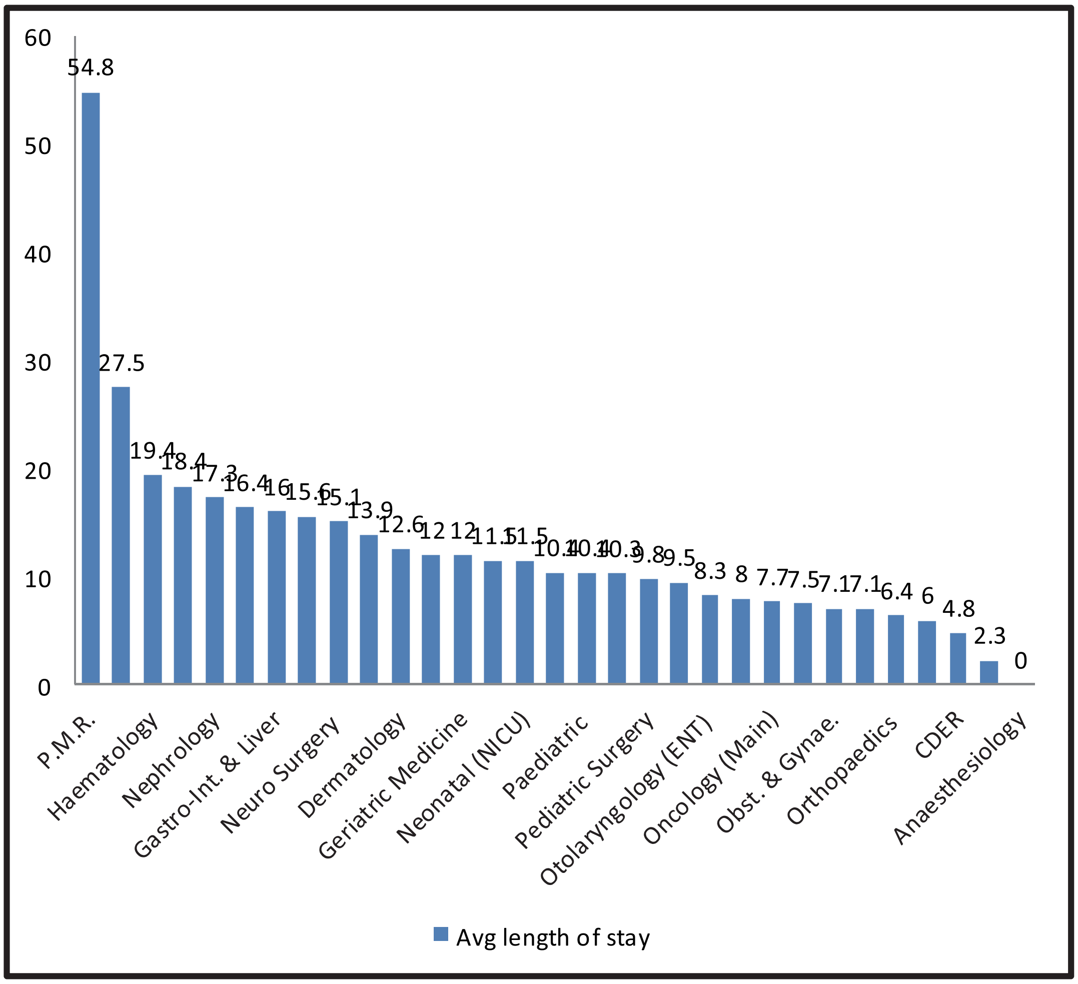

चित्र 3. मुख्य अस्पताल, सीएनसी एवं सीडीईआर में लिंगवार अंतरंग रोगी - 2021-22

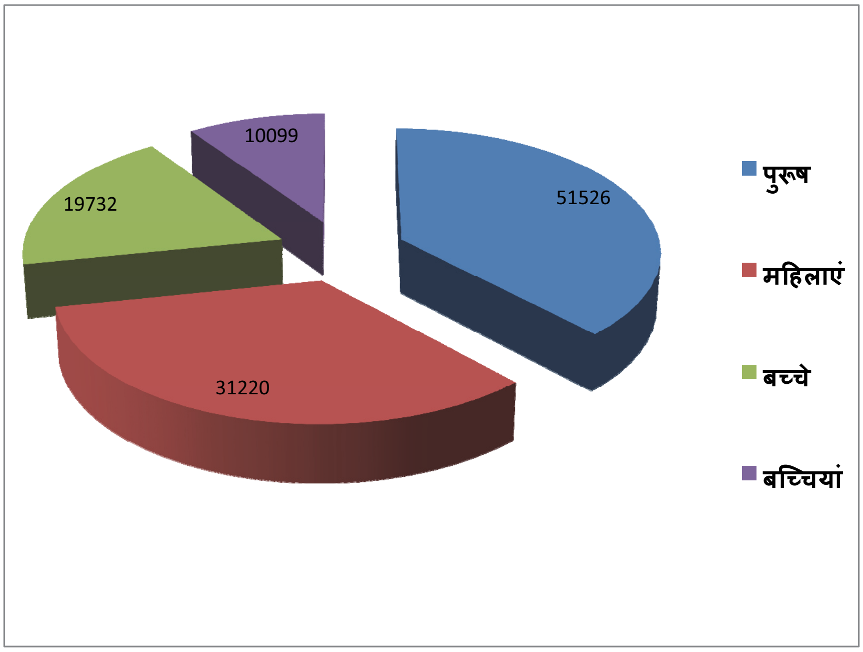

तालिका III. मुख्य अस्पताल एवं सी.एन. सेंटर में विभागवार मृत्यु

विभाग	अस्पताल से छुट्टी	कुल मृत्यु	48 घंटे के भीतर मृत्यु	48 घंटे के बाद मृत्यु	सकल मृत्यु दर (%)	शुद्ध मृत्यु दर (%)
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	436	00	00	00	0.0	0.0
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	2181	06	01	05	0.3	0.2
अंतःस्रावी एवं चयापचय	491	05	01	04	1.0	0.8
जठरान्त्र रोग विज्ञान एवं मानव पोषण	7193	368	146	222	5.1	3.2
गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लिवर प्रत्यारोपण	1178	76	12	64	6.5	5.5
जरा चिकित्सा	1537	198	42	156	12.9	10.4
रुधिर विज्ञान	14929	251	90	161	1.7	1.1
कायचिकित्सा I	1419	249	86	163	17.5	12.2
कायचिकित्सा II	1344	183	64	119	13.6	9.3
कायचिकित्सा III	1558	226	74	152	14.5	10.2
वृक्कविज्ञान	10809	61	11	50	0.6	0.5
नवजात	2835	43	15	28	1.5	1.0
नवजात आईसीयू (एनआईसीयू)	186	11	02	09	5.9	4.9
नाभिकीय चिकित्सा	418	00	00	00	0.0	0.0
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान I	4282	03	01	02	0.07	0.05
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान II	4430	04	01	03	0.09	0.07
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान III	3404	03	00	03	0.09	0.09
अर्बुदविज्ञान (मुख्य)	244	88	41	47	36.1	23.2
अस्थिरोग I	3558	04	02	02	0.1	0.06
अस्थिरोग II	4322	07	01	06	0.2	0.1
कान,नाक,गला विज्ञान I	1160	02	00	02	0.2	0.2
कान,नाक,गला विज्ञान II	1298	04	00	04	0.3	0.3
कान,नाक,गला विज्ञान III	1217	04	01	03	0.3	0.2
बाल चिकित्सा I	4044	60	21	39	1.5	1.0

बाल चिकित्सा II	2609	97	27	70	3.7	2.7
बाल चिकित्सा III	10936	78	17	61	0.7	0.6
बाल शल्य चिकित्सा	2889	52	07	45	2.0	1.6
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	18	00	00	00	0.0	0.0
मनोचिकित्सा	400	00	00	00	0.0	0.0
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	5038	109	27	82	2.2	1.6
प्लास्टिक एवं पुनर्रचनात्मक सर्जरी	3332	284	65	219	8.5	6.7
विकिरण चिकित्सा	08	00	00	00	0.0	0.0
रुमेटोलोजी	1688	00	00	00	0.0	0.0
शल्य चिकित्सा I	1769	35	09	26	2.0	1.5
शल्य चिकित्सा II	1462	28	04	24	1.9	1.6
शल्य चिकित्सा III	1382	22	04	18	1.6	1.3
शल्य चिकित्सा IV	2624	45	12	33	1.7	1.3
मूत्ररोग विज्ञान	5694	10	01	09	0.2	0.2
कुल (मुख्य अस्पताल)	**114322**	**2616**	**785**	**1831**	**2.3**	**1.6**
हृदविज्ञान	6821	226	97	129	3.3	1.9
हृद वक्ष एवं वाहिका शल्य चिकित्सा	2344	222	21	201	9.5	8.7
तंत्रिकाविज्ञान I	1695	38	08	30	2.2	1.8
तंत्रिकाविज्ञान II	1499	34	10	24	2.3	1.6
तंत्रिकाविज्ञान III	1970	39	11	28	2.0	1.4
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा I	1885	47	10	37	2.5	2.0
तंत्रिका-शल्य चिकित्सा II	1870	56	10	46	3.0	2.5
तंत्रिका विकिरण विज्ञान	466	03	00	03	0.6	0.6
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	**18550**	**665**	**167**	**498**	**3.6**	**2.7**
सी.डी.ई.आर.	**1076**	**00**	**00**	**00**	**0.0**	**0.0**

चित्र 4. अंतरंग रोगियों (मुख्य अस्पताल, हृ.तं. केंद्र और सी.डी.ई.आर.) का भौगोलिक वितरण

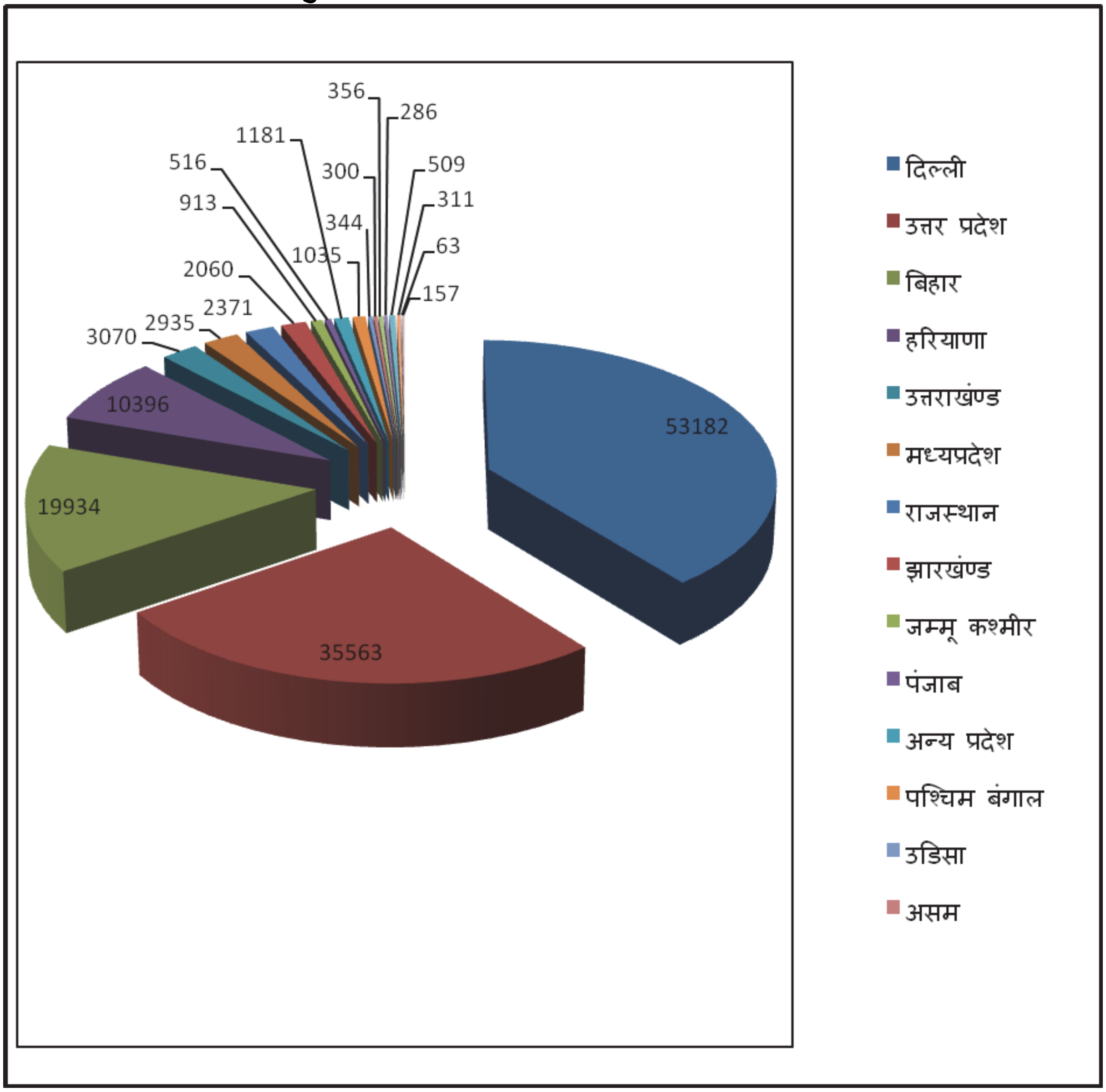

तालिका IV मुख्य अस्पताल, सी.डी.ई.आर. और हृ.तं.केंद्र में की गई शल्य प्रक्रियाएं

विभाग	बड़े	छोटे		कुल
		अंतरंग रोगी	बाहय रोगी	
शल्य चिकित्सा I	1049	149	3883	5081
शल्य चिकित्सा II	907	168	2681	3756
शल्य चिकित्सा III	878	254	3350	4482
शल्य चिकित्सा IV	1637	442	4202	6281
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा एवं लीवर प्रतिरोपण	664	00	00	664
मूत्ररोग विज्ञान	1411	563	15936	17910
प्रसूति विज्ञान	1422	00	00	1422

इन-विट्रो फर्टिलाईजेशन	**00**	**1417**	**00**	**1417**
स्त्रीरोग विज्ञान I	**624**	**771**	**00**	**1395**
स्त्रीरोग विज्ञान II	**639**	**892**	**00**	**1531**
स्त्रीरोग विज्ञान III	**575**	**976**	**00**	**1551**
भ्रूण चिकित्सा	**00**	**959**	**00**	**959**
कान,नाक,गला विज्ञान I	**912**	**137**	**9232**	**10281**
कान,नाक,गला विज्ञान II	**999**	**128**	**10377**	**11504**
कान,नाक,गला विज्ञान III	**907**	**166**	**10113**	**11186**
अस्थिरोग I	**2022**	**893**	**00**	**2915**
अस्थिरोग II	**2359**	**1512**	**00**	**3871**
बाल शल्य चिकित्सा	**1324**	**27**	**00**	**1351**
आपात विभाग	**00**	**219**	**00**	**219**
प्लास्टिक एवं पुनर्संरचनात्मक सर्जरी	**11**	**438**	**00**	**449**
पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	**2150**	**925**	**19100**	**22175**
संवेदनाहरण विज्ञान (पीड़ा क्लिनिक)	**00**	**01**	**00**	**01**
रूधिर विज्ञान	**00**	**00**	**3489**	**3489**
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास	**00**	**00**	**12665**	**12665**
त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	**20490**	**11037**	**95028**	**126555**
कुल (मुख्य अस्पताल)	**13137**	**6683**	**46535**	**66355**

सीटीवीएस शल्य चिकित्सा/सीडीईआर	**725**	**102**	**23445**	**24272**
तंत्रिका शल्य चिकित्सा I	1448	119	00	1567
तंत्रिका शल्य चिकित्सा II	1623	79	00	1702
कुल (हृद तंत्रिका केंद्र)	***3796***	***300***	***00***	***27541***

तालिका V. बाह्य रोगी एवं विशिष्टता क्लीनिकों में उपस्थिति

चिकित्सा विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
काय चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	52548	100984	153532
	क) मोटापा और चयापचय विकार	645	1049	1694
	ख)संक्रामक रोग क्लिनिक	1290	3062	4352
रुमेटोलॉजी	सामान्य ओपीडी	6291	25805	32096
	क) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	41	2877	2918
जरा चिकित्सा		7902	26432	34334

पल्मोनरी चिकित्सा एवं निद्रा विकार	सामान्य ओपीडी	9974	22808	32782
	क) निद्रा विकार	162	281	443
	ख)फेफड़े का कैंसर	385	859	1244
	ग) आईएलडी - पीएएच	342	1101	1443
	घ) संयुक्त पुल्मोनरी शल्य चिकित्सा	261	488	749
नाभिकीय चिकित्सा		2583	8188	10771
अंतःस्राविकी एवं चयापचय		13994	42544	56538
वृक्कविज्ञान	सामान्य ओपीडी	6152	28967	35119
	क) प्रतिरोपण क्लिनिक	134	8180	8314
	ख) आरटीसीसी	349	2073	2422
रुधिरविज्ञान		8596	11874	20470
जठरान्त्र रोग विज्ञान		30031	57722	87753
बाल चिकित्सा	सामान्य ओपीडी	35337	79501	486974
	क) स्वस्थ शिशु	816	499	1315
	ख) फॉलोअप टीबी	183	1062	1245
	ग) गुर्दा क्लिनिक	216	994	1210
	घ) बाल तंत्रिका विज्ञान	621	2429	3050
	च) बाल चेस्ट क्लिनिक	409	2148	2557
	छ) उच्च जोखिम वाले नवजात	342	1326	1668
	ज) आनुवंशिक एवं जन्मदोष क्लिनिक	5275	1965	7240
	झ) अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	300	1336	1636
	ट) बाल विकास क्लिनिक	518	1039	1557
	ठ) एंडोक्रिनोलॉजी क्लिनिक	132	672	804
	ड) न्यूरो सिस्टीसर्कोसिस क्लिनिक	76	426	502
	ढ) पी.सी.एस.सी.	242	1298	1540
	त) रुमेटोलॉजी क्लिनिक	155	1259	1414
	थ) मायोपेथी क्लिनिक	541	1194	1735
	द) बाल जठरान्त्र रोग विज्ञान क्लीनिक	279	1090	1369
	ध) ऑटिज्म	714	935	1649

त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान	सामान्य ओपीडी	39067	56578	95645
	क) यौन संचरित रोग (त्वचा रोग विज्ञान सर्जरी)	1326	2498	3824
	ख) एलर्जी क्लिनिक	289	463	752
	ग) कुष्ठ रोग	323	1675	1998
	घ) सोरियासिस	269	438	707
	च) त्वचा शल्य चिकित्सा	691	870	1561
	छ) विटिलिगो	271	541	812
	ज) फोटोथेरेपी	71	297	368
	झ) फोटो त्वचा रोग विज्ञान	20	78	98
	ट) बाल त्वचा रोग विज्ञान	131	237	209
मनोचिकित्सा	सामान्य ओपीडी	17742	57051	34188
	क) बाल मार्गदर्शन	530	309	643
	ख) केस प्रगति क्लिनिक	29	1816	595
	ग) परामर्श संपर्क लत	246	429	39

विभाग		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
शल्यचिकित्सा		47390	48472	95862
प्लास्टिक सर्जरी		6156	21318	27474
मूत्ररोग विज्ञान		14852	25456	40308
जठरान्त्र शल्य चिकित्सा		3511	8354	11865
बाल शल्य चिकित्सा (विशेष क्लिनिक)	**सामान्य ओपीडी**	7680	20053	27733
	क) हाइड्रोसिफेलस	01	13	14
	ख) बाल मूत्ररोगविज्ञान	129	1174	1303
	ग) पी.एस.टी.सी	20	494	514
संवेदनाहरण विज्ञान	क) पीड़ा क्लिनिक	796	2418	3214
	ख) प्री-एनेस्थीसिया क्लिनिक	15233	3202	18435
अस्थिरोग (विशेष क्लिनिक)	**सामान्य ओपीडी**	51737	112189	163926
	क) फिजियोथेरेपी	35374	15487	50861
	ख) ऑक्यूपेशनल थेरेपी	734	6138	6872
	ग) हाइड्रोथेरेपी	384	3975	4359
	घ) क्षय रोग	13	159	172
	च) स्कोलियोसिस	320	496	816
	छ) हैंड क्लिनिक	417	405	822
	ज) सी.टी.ई.वी	236	2289	2525

	झ) स्पोर्ट्स क्लिनिक	21	30	51
	ट) फ्रैजीलिटी फ्रैक्चर क्लिनिक और संपर्क सेवा	07	21	28
	ठ) हड्डी और कोमल ऊतक सार्कोमा क्लिनिक	01	03	04
कान, नाक एवं गला रोग विज्ञान (ईएनटी) (विशेष क्लिनिक)	**सामान्य ओपीडी**	40190	58221	98411
	क) श्रवणविज्ञान	123	37	160
	ख) वाक	2874	3641	6515
	ग) श्रवण	169	253	422
	घ) वाणी	260	75	335
	ट) वर्टिगो	159	188	347
	च) राइनोलॉजी	158	61	219
	एच.एन. एवं आर.	215	146	361
प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान (विशेष क्लिनिक)	**सामान्य ओपीडी**	34440	80675	115115
	क) इन विट्रो फर्टिलाइजेशन	343	842	1185
	ख) परिवार कल्याण	1086	3803	4889
	ग) प्रसवपूर्व	201	2198	2399
	घ) अंतःस्राविकी-स्त्रीरोग	16	36	52
	ट) उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था	740	11113	11853
विकिरण चिकित्सा		55	413	468
भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (विशेष क्लिनिक)	**सामान्य ओपीडी**	12011	20736	32747
	क) प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स	3859	9160	13019
	ख)अक्षमता मूल्यांकन क्लिनिक	00	36	36
	ग) ओपीडी (पीटी खण्ड)	00	17256	17256
	घ) ओपीडी (ओटी खण्ड)	00	8199	8199
	च) ओपीडी (एमएसएसओ)	310	287	597
अन्य	1. आपातकालीन/आपात	76283	35944	112227
	2. कर्मचारी स्वास्थ्य योजना	116755	77837	194592
	3. पोषण	6606	00	6606
महायोग		**730706**	**1171740**	**1901746**

6.2 आहार विज्ञान

दिनांक 19 अप्रैल 2022 के संदर्भ में कार्यालय ज्ञापन सं 4-XXII/2022-2023/अस्पताल (एमआर), उक्त वर्ष हेतु 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक आहार सेवाओं द्वारा रोगी देखभाल सेवाओं से संबंधित डाटा संलग्न है।

लगभग 2220 अस्पताल के आहारग्रस्त रोगियों हेतु भोजन सेवा दैनिक आधार पर केंद्रीकृत रसोई द्वारा प्रदान की गई थी। मुख्य अस्पताल के 1200 रोगी थे एवं केंद्रों के 976 रोगी थे। मुख्य अस्पताल एवं केंद्रों के भर्ती रोगी को भेजे गए विभिन्न प्रकार के आहार का अनुमानित वार्षिक डाटा, जिसमें प्रतिदिन लगभग 3 प्रमुख भोजन और स्नैक सम्मिलित हैं, जो तालिका 1 में दिए गए हैं।

तालिका 1. प्रतिवर्ष अस्पताल आहार को प्राप्त करने वाले अंतरंग रोगियों की कुल संख्या (मुख्य अस्पताल एवं केंद्र)

आहार का प्रकार	रोगियों की संख्या/प्रतिवर्ष
सामान्य आहार	502147
प्राइवेट वार्ड आहार	77996
अर्धठोस आहार	61445
चिकित्सीय आहार	120486
रसोई आधारित एंटरल (आंत्र) भोजन	43618
वाणिज्यिक फार्मूला-आधारित एंटरल भोजन	4244
गेस्ट हाउस	1181
कुल	**811,117**

इसके अतिरिक्त मुख्य अस्पताल में पोषण संबंधी परामर्श ओपीडी का संचालन भी होता है। वर्ष में जिन अंतरंग और ओपीडी रोगियों ने परामर्श लिया, उनकी अनुमानित संख्या तालिका 2 में दी गई है:

तालिका 2. उन रोगियों की संख्या जिन्हें बाहय तथा अंतरंग पोषण संबंधी परामर्श प्रदान किया गया-

लिंग	ओ.पी.डी. रोगी पोषण परामर्श	अंतरंग रोगी पोषण परामर्श	कुल
पुरूष	3380	4865	8245
महिला	3109	3109	4588
कुल	**6489**	**9344**	**8245**

6.3 अस्पताल बिलिंग अनुभाग

वित्तीय वर्ष 2022-2023 के दौरान रोगियों के लिए दानों की प्राप्ति और किए गए भुगतान इस प्रकार हैं:

दानदाताओं से प्राप्त दान (दान+निर्धन निधि खाते)	: रू. 1336882.00
रोगी **(405)** को किए गए भुगतान	: रू. 1769344.00

(निर्धन रोगियों को जो राशि वितरित की गई थी वह वर्ष के दौरान दानदाताओं से प्राप्त अनुदान के साथ-साथ 'एम्स निर्धन निधि खाते' में बची पिछली शेष राशि है)।

6.4 नर्सिंग सेवाएं

नर्सिंग सेवाएं

नर्सिंग सेवाओं का संघटन

मुख्य परिचर्या अधिकारी

⇩

परिचर्या अधीक्षक

⇩

उप परिचर्या अधीक्षक

⇩

सहायक परिचर्या अधीक्षक

⇩

वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी

⇩

परिचर्या अधिकारी

नर्सिंग सेवा एम्स का एक अभिन्न अंग है जिसका उद्देश्य रोगियों और समुदाय को उच्च गुणवत्ता वाला नर्सिंग उपचार प्रदान करना है। पेशेवर नर्स एक ऐसे परिवेश में कार्य करते हैं जो अस्पताल में संबद्ध विभागों के सदस्यों के साथ व्यापक रोगी सेवाएं प्रदान करने हेतु सम्पूर्ण व्यावसायिकता और विशेषज्ञता को प्रोत्साहित करता है।

स्टाफ संख्या

एम्स में मुख्य स्तर कार्यबल का गठन विभिन्न विभागों से प्रशिक्षित पेशेवर नर्सों को शामिल करते हुए किया जाता है। एम्स में नर्सिंग सेवा में स्टाफ सदस्य एस.आई.यू. (स्टाफ निरीक्षण एकक) के मानकों के आधार पर नियुक्त होते हैं।

अस्पताल और केंद्रों में कर्मचारियों की संख्या	
मुख्य परिचर्या अधिकारी	02
परिचर्या अधीक्षक	06
उप परिचर्या अधीक्षक	38
सहायक परिचर्या अधीक्षक	205
वरिष्ठ परिचर्या अधिकारी	991
नर्सिंग अधिकारी	4084
कुल	5326

क्रमिक नर्सिंग शिक्षा (अप्रैल 2022- मार्च 2023)

एम्स में नर्सिंग उपचार के स्तर में सुधार करने के लक्ष्य के साथ कार्य करने वाली नर्सों के चिकित्सीय ज्ञान को अद्यतन करने के लिए सेवाकालीन और सतत् शिक्षा कार्यक्रमों द्वारा वर्ष भर नर्सिंग स्टाफ शिक्षा को निष्पादित किया जाता है।

नर्सिंग सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम

एक सुसंरचित सेवाकालीन शिक्षा कार्यक्रम जनवारी 2011 से आरम्भ किया गया है। प्रारम्भ में, इसे सप्ताह में दो बार एक-एक घंटे की कक्षा के साथ आरम्भ किया गया जिसे बाद मे सप्ताह में तीन बार के लिए बढ़ा दिया गया। प्रति सप्ताह रोगी बिस्तर के पास कार्य करने वाली नर्सों (नर्सिंग अधिकारी और वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी) के लिए सप्ताह में दो कक्षाओं का आयोजन किया गया, जबकि एक सप्ताह में एक कक्षा वरिष्ठ नर्सों (प्रभारी सिस्टर एवं उपरोक्त) के लिए है।

प्रबंधकर्ता : सुश्री कमलेश चंदेलिया

परामर्शदाता : सुश्री एमई शोभा सम्पत

शिक्षक : सुश्री रिबेका जे. हेराल्ड

सुश्री श्रीनित्या राघवन

सुश्री जे. सुब्बुलक्ष्मी

सुश्री सी वसुंधरा बालास्वामी (एसबी)
सुश्री मैगी रेंजिथ (बीपीएस ब्लॉक)
सुश्री अर्मिता कुमारी (एमसी ब्लॉक)
सुश्री अनिता (एसीए ब्लॉक)
} अक्तूबर 2022 से

सेवाकालीन शिक्षा साप्ताहिक कक्षाएं

एन.आई.ई. सत्र सप्ताह में तीन बार आयोजित किए गए ताकि इन सत्रों से अधिकतम नर्सों को लाभ प्राप्त हो सके।

विभिन्न सत्र सम्मिलित :

- रोगी सुरक्षा
- स्वास्थ्य उपचार प्रबंधन
- ब्रेस्ट कैंसर
- पीड़ा प्रबंधन
- गहन उपचार प्रबंधन में उपशआमक
- फिनोमिना प्रबंधन
- एचएआई की रोकथाम
- विष प्रबंधन
- एंटीबायोटिक
- इनसुलिन थेरेपी
- वैसोएक्टिव दवाइयाँ
- वेंटीलेटर वाले रोगी का उपचार
- ऑक्सीजन थेरेपी
- इनट्रावेनस फ्लूइड थेरेपी
- हृद्य संबंधी आपात स्थिति
- तीक्ष्ण गुर्दे की चोट
- उच्च रक्तचाप
- गंभीर रूप से बीमार का पचार
- मंकी पॉक्स का पबंधन
- प्रशामक उपचार
- शॉक का प्रबंधन
- बर्न एवं प्रबंधन
- घाव का उपचार
- स्तन कैंसर जागरूकता
- कोर्ड ब्लू
- नर्सिंग में संचार
- तनाव प्रबंधन
- मधुमेह मेलेटस एवं गर्भावस्था
- वृद्धावस्था वर्सिंग की शुरूआत
- मिर्गी का प्रबंधन

- क्रैश कार्ट का प्रदर्शन
- ऑपरेशन थिएटर तकनीक
- टाँके एवं संयुक्ताक्षर

वर्ष 2022-2023 में 3619 नर्सों हेतु कुल 194 एनआईईई सत्र लिए गए।

I. **ई-लर्निंग सुविधा**:

ई-लर्निंग सुविधा को नर्सिंग इन सर्विस शिक्षा, सी.एन.ओ. कार्यालय द्वारा ज्ञान के विकास के एकमात्र लक्ष्य सहित एवं आवश्यक क्रेडिट घंटों को प्रदान करके डी.एन.सी. प्रमाणीकरण के नवीकरण हेतु आरंभ किया गया है। इसे सरल पोर्टल से साथ मिला दिया गया है।

II. **इंडक्शन कार्यक्रम**

नई कार्यग्रहण करने वाली 451 नर्सों हेतु मई से जुलाई 2022 और जनवरी से फरवरी 2023 तक एक सु-संचरित इंडक्शन कार्यक्रम का निष्पादन किया गया था।

सभी नए भर्ती नर्सों को निम्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

- एम्स का परिचय
- आचार नियम
- रोगियों की सुरक्षा
- छुट्टियाँ एवं नियम
- वार्ड प्रबंधन एम्स में नर्सिंग कार्य संस्कृति
- बुनियादी नर्सिंग कौशल
- उपकरण प्रबंधन

III. **अग्नि सुरक्षा**

एम्स के आग्निशमन सेवा विभाग द्वारा 4 बैचों में नई भर्ती नर्सों हेतु अग्नि सुरक्षा पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें 160 नर्सें शामिल थीं।

IV. **एन.आई.ई. द्वारा आयोजित सम्मेलन एवं कार्यशालएं**

1. बाल चिकित्सा नैदानिक क्षेत्रों में काम करने वाली नर्सों हेतु **बाल चिकित्सा नर्सिंग की बुनियादी बातों** पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

दिन/महीना/वर्ष	**कुल प्रतिभागी**
25 अप्रैल 2022	30
2 मई 2022	30
18 जुलाई 2022	44
1 अगस्त 2022	41
29 अगस्त 2022	43
कुल	**188**

2. बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में काम करने वाली नर्सों हेतु **गहन उपचार नर्सिंग अपडेट** पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

दिन/महीना/वर्ष	**कुल प्रतिभागी**
23 नवम्बर 2022	42
1 दिसंबर 2022	24
5 दिसंबर 2022	22
19 जनवरी 2022	29
कुल	**117**

V. एन.आई.ई. द्वारा सम्मेलनों एवं कार्यशालाओं का समन्वय किया गया (एम्स के बाहर) :

वर्ष 2022-2023 के दौरान मुख्य अस्पताल में विभिन्न विभागों की नर्सों ने अनेक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं में भाग लिया।

क्र.सं.	**सम्मेलन/कार्यशाला**	**दिनांक**	**स्थान**	**प्रतिभागियों की संख्या**
1.	योग कार्यशाला	16 जून 2022	सीआईएमआर	31
2.	स्ट्रोक पर नर्सिंग प्रशिक्षण	20 फरवरी 2022 27 जून 2022 4 जुलाई 2022 15 जुलाई 2022	सीएनसी	91
3.	बाल चिकित्सा अर्बुद विज्ञान नर्सिंग कार्यशाला	18 नवंबर 2022	एम्स	32
4.	संक्रमण नियंत्रण के लिए टीओटी जेएचयू का सहयोग	17-22 अक्टूबर 2022	एनआईएचएफडब्ल्यू	04
5.	स्ट्रोमा एवं घाव के उपचार पर राष्ट्रीय मास्टर क्लास	8-9 अक्टूबर 2022	श्री गंगा राम अस्पताल	02
6.	स्तन कैंसर जागरुकता कार्यक्रम	1 और 18 अक्टूबर 2022	सर्जरी ब्लॉक सेमिनार कक्ष, चौथी मंजिल	46
7.	आईएएनएन का 9वीं वार्षिक सम्मेलन	18-20 नवंबर 2022	एम्स, बठिंडा	04

8.	स्तनपान एवं छोटे बच्चे के आहार परामर्शदाता हेतु टीओटी पाठ्यक्रम	14-19 नवंबर 2022	एम्स	02
9.	विश्व दृष्टि दिवस का अवलोकन	18 अक्टूबर 2022	आरपीसी, एम्स	39
10.	एनएबीएच मानकों के कार्यान्वयन हेतु कार्यक्रम	27-29 अक्टूबर 2022	बीपीएस, एम्स	06
11.	एसडीजी के संदर्भ में नर्सिंग एवं मिडवाइफरी नेतृत्व प्रदान करने पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	14-18 नवंबर 2022	एनआईएचएफडब्ल्यू	02
12.	सुरक्षित मातृत्व हेतु दाई का काम की वृद्धि पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	21-25 नवंबर 2022	एनआईएचएफडब्ल्यू	03
13.	एशियाई ट्रॉमा कांग्रेस 2022	17-20 नवंबर 2022		10
14.	बीएलएस एवं एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम	14-16 नवंबर 2022	एम्स	01
15.	हीमोफीलिया उपचार पर टीओटी नर्सिंग कार्यशाला	16-19 नवंबर 2022	बेंगलुरु	01
16.	अमृतसर में चौथा अंतर्राष्ट्रीय एवं 20वां राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन	1-3 दिसंबर 2022	अमृतसर, पंजाब	05
17.	जीर्ण घाव उपचार पर पुनर्विचार 'अखिल भारतीय एम्स सहयोग'	10 दिसंबर 2022	सर्जरी ब्लॉक सेमिनार कक्ष, चौथी मंजिल	35
18.	बच्चों में श्वसन संबंधी बीमारियों का उन्नत उपचार, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी में नर्सों हेतु प्रशिक्षण मॉड्यूल	26-27 नवंबर 2022	एम्स	31
19.	स्तनपान पर नर्सों हेतु कार्यशाला	30 नवंबर 2022 8 दिसंबर 2022 13 दिसंबर2022 20 दिसंबर 2022	एम्स	60

20.	पीड़ा उपचार कार्यशाला	15-21 दिसंबर 2022	अहिल्या बाई सीओएन नई दिल्ली	02
21.	एनएबीआई मध्यावधि सीएमई-बर्न्स नर्सिंग उपचार	19 जनवरी 2023	एम्स	15
22.	तीसरा पीजीआईएमईआर राष्ट्रीय गहन उपचार नर्सिंग सम्मेलन	27-28 जनवरी 2023	पीजीआई चंडीगढ़	20
23.	खराब अंग एवं ऊतक दान पर नर्सिंग अधिकारियों हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण	21 फरवरी 2023	सीएमईटीआई	25
24.	तंत्रिका ट्रॉमा नर्सिंग संगोष्ठी	20 मार्च 2023	सम्मेलन हॉल, एम्स	17
25.	ट्रांसजेंडर व्यक्ति एवं ट्रांसजेंडर संवेदनशील स्वास्थ्य उपचार पर संवेदीकरण कार्यशाला	2 मार्च 2023	बीपीएस, एम्स	40
26.	विश्व किडनी दिवस पर वैज्ञानिक कार्यक्रम	9 मार्च 2023	एनएएमएस, दिल्ली	30
27.	अस्पताल संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपचार-लघु पाठ्यक्रम	20-27 मार्च 2023	एम्स	05
28.	एनएबीएच पीओआई कार्यशाला		सेमिनार कक्ष II मंजिल, बीपीएस ब्लॉक	21
29.	एनएबीएच प्रशिक्षण कार्यशाला		सेमिनार कक्ष II मंजिल, बीपीएस ब्लॉक	17
30.	एक प्रतिकूल इवेंट रिपोर्टिंग तंत्र		सेमिनार कक्ष II मंजिल, बीपीएस ब्लॉक	14

31.	लिम्फोएडेमा पर जागरुकता कार्यक्रम		सेमिनार कक्ष II मंजिल, बीपीएस ब्लॉक	18
32.	स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम	सर्जरी ब्लॉक सेमिनार कक्ष, चौथी मंजिल	01/10/2022	22

VII नर्सिंग महाविद्यालय, एम्स, नई दिल्ली के साथ एन.आई.ई. द्वारा समन्वित सम्मेलन एवं कार्यशालाएँ

क्र.सं.	सम्मेलन/कार्यशालाएँ	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
33.	खतरनाक रिसाव उपचार	5 अप्रैल 2022		15
34.	सुरक्षा ख़तरा - हिंसक स्थितियाँ	8 अप्रैल 2022	सेट (एसईटी)	15
35.	सिद्धांत एवं प्रेक्टिस (व्यवहार) के बीच अंतर बनाना	28 अक्टूबर 2022		30
36.	डिजिटल स्वास्थ्य उपचार हेतु नर्सों को बदलना	29 नवंबर 2022		29
37.	व्यावसायिक खतरे; नर्स सुरक्षा	23 नवंबर 2022		28
38.	नर्सिंग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता -एक अवलोकन	10 फरवरी 2023		27
39.	गुणवत्ता आश्वासन के द्वारा स्वास्थ्य उपचार सुरक्षा सुनिश्चित करना	20 फरवरी 2023		30
40.	सिमुलेशन का प्रयोग करके नर्सिंग प्रेक्टिस को बदलना	28 फरवरी 2023		29
41.	संचार और सॉफ्ट कौशल विकास	2 मार्च 2023		35
42.	नर्सिंग ऑडिट एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी	14 मार्च 2023		35

VIII. सीआरटीपी कोर्स पर कार्यशाला, एम्स

अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक महीने में 2 बार एसईटी(सेट) सुविधा में हृदय पुनर्जीवन पर प्रशिक्षण हेतु कुल 180 नर्सों को भेजा गया।

वर्ष 2022-2023 में कुल 75 कार्यशाला/सम्मेलन में कुल 1409 नर्सिंग कर्मियों ने भाग लिया।

विभिन्न विभागों की सक्षम नर्सों द्वारा पिछले वर्ष आयोजित विभिन्न कार्यशालाओं, सीएमई और राष्ट्रीय सम्मेलनों में कौशल स्टेशनों एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों हेतु सुविधाप्रदाता के रूप में भाग लिए और प्रदर्शन किया गया।

IX. सुविधा प्रदाता के रूप में योगदान:

एनआईई टीम ने एम्स के अंतर्गत और बाहर विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों की सुविधाजनक प्रदान की

- केएससीएच, नई दिल्ली में नर्सिंग कर्मियों हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ।
- बीपीएस में उपलब्ध सुविधाओं एवं संसाधनों के संबंध में रोगियों और उपचार करने वालों के साथ इंटरैक्टिव सत्र।
- नर्सिंग (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय) और ड्रेसर हेतु उन्नत आपातकालीन बर्न उपचार प्रशिक्षण। यह जलने और आघात से होने वाली क्षति की रोकथाम और उपचार हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है। भारत के विभिन्न अस्पतालों से प्रतिभागी इसमें शामिल हो रहे हैं जिनको इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया है।
- इंडियन एसोसिएशन ऑफ नियोनेटल नर्सों का 9वां वार्षिक सम्मेलन।

X. विभिन्न नर्सिंग शैक्षिक संस्थानों हेतु शिक्षात्मक दौरों का समन्वय एवं आयोजन करना

एम्स में नर्सिंग शिक्षकों ने पूणे एवं मुंबई के विभिन्न कॉलेजों से 76 II- वर्ष पी.सी.बी.एस.सी. II एवं IV वर्ष बी.एस.सी. II वर्ष- एम. एससी छात्रों के समूह के लिए वर्चुअल ओरिएंटेशन प्रोग्राम का संचालन किया।.

XI. सतर्कता रिपोर्ट

मुख्य परिचर्या अधिकारी के कार्यालय से मासिक आधार पर उपर्युक्त सभी नर्सिंग, सेवाकालीन शिक्षा संबंधी गतिविधियों की रिपोर्ट भेजी गई थी।

XII. उच्च अध्ययन हेतु नर्सिंग कार्मिक की प्रतिनियुक्ति

एम्स में नर्सिंग सेवा का मुख्य ध्यान उच्च अध्ययन हेतु प्रचुर मात्रा में अवसरों को प्रदान करके नर्सिंग उपचार में सुधार करना है। 5 वर्ष की नियमित सेवा के पश्चात नर्सें पूर्ण वेतन सहित उच्च अध्ययन करने के लिए योग्य होती हैं।

क्र.सं.	वर्ष	पीसी बीएससी	एमएससी
1	2021-2023	4	8
2	2022-2024	शून्य	8

XIII. क्रेडिट आवर प्रमाणन जारी करना

कुल 24 नर्सों को नर्सिंग काउंसिल में पंजीकरण के लिए क्रेडिट आवर्स के प्रमाण पत्र जारी किए गए।

XIV. जन जागरूकता कार्यक्रम

जेएलएन सभागार में आयोजित "डेंगू के प्रबंधन पर सार्वजनिक व्याख्यान" में एम्स, नई दिल्ली के नैदानिक क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन को नियंत्रित करने के चरणों की प्रस्तुति प्रदान करें।

XV. वर्ष 2022-2023 की उपलब्धि

नर्सिंग प्रक्रिया मैनुअल 12 मई 2022 को अंतर्राष्ट्रीय परिचर्या दिवस पर जारी किया गया था।

XVI. आगामी वर्ष हेतु नियोजित गतिविधियां

- क्लिनिकल नर्सों के लिए सॉफ्ट स्किल्स पर समय-समय पर कार्यशालाएं।
- गहन उपचार एकक, आपातकालीन नर्सों, ट्रांसप्लांट नर्सिंग एवं बर्न उपचार हेतु आधे दिन की कार्यशाला।
- विभिन्न नर्सिंग प्रक्रियाओं हेतु एसओपी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

संक्रमण नियंत्रण नर्सिंस गतिविधियों की वार्षिक रिपोर्ट 2022-23

अध्यक्ष, संक्रमण नियंत्रण समिति

डॉ. संजीव लालवानी, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स

संक्रमण नियंत्रण मुख्य समिति ,

सदस्य:

1.	डॉ. बिमल कुमार दास	आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
2.	डॉ. राकेश लोढ़ा	आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग
3.	डॉ. रश्मि रामचंद्रन	आचार्य, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग
4.	डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ	आचार्य, अस्पताल प्रशासन
5.	डॉ. पीयूष रंजन	अपर आचार्य, काय चिकित्सा विभाग
6.	डॉ. करन मदान	सह-आचार्य, पुल्मोनरी मेडिसिन विभाग
7.	डॉ. गगनदीप सिंह	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
8.	डॉ. हितेंद्र गौतम	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
9.	डॉ. निशांत वर्मा	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
10.	डॉ. सरिता महापात्रा	सह-आचार्य, सूक्ष्म जैव विज्ञान विभाग
11.	डॉ. झूमा शंकर	सह-आचार्य, बाल चिकित्सा विभाग
12.	डॉ. पंकज जोरवाल	सह-आचार्य, काय चिकित्सा विभाग
13.	डॉ. अरविंद कुमार	सह-आचार्य, काय चिकित्सा विभाग

14. सुश्री निर्मल कैन	एन.एस., संक्रमण नियंत्रण
15. सुश्री इवेंजेलिन वसंत	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, प्रभारी संक्रमण नियंत्रण
16. सुश्री बेट्टी मारिया बीनू	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
17. सुश्री किरण सिंह	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
18. सुश्री पूनम आंनद	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
19. सुश्री संगीता आर. कांबले	वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
20. श्री धवल द्विवेदी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
21. श्री कुंज बिहारी गौतम	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
22. सुश्री मीनू वर्गीस	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
23. सुश्री अवस्थी एके	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
24. सुश्री मुतुसेल्वी एस	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
25. सुश्री त्सेरिंगलामो	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
26. सुश्री सपनदाना कपुदासी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
27. सुश्री नेहा वर्मा	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
28. सुश्री निवेदा पी	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
29. सुश्री कनुप्रिया	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण
30. सुश्री श्वेता वर्मा	नर्सिंग अधिकारी, संक्रमण नियंत्रण

एचआईसीसीओएम केंद्रीय समिति दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों एवं हस्तक्षेपों पर चर्चा करने के लिए समय-समय पर बैठकों का आयोजन करती है। संक्रमण नियंत्रण केंद्रीय समिति के साथ समय-समय पर एचआईसीसीओएम द्वारा प्रशासनिक दौरे आयोजित किए जाते हैं और उनमें समस्याओं की पहचान कर उन्हें ठीक किया जाता है।

एचआईसीसीओएम की गतिविधियां

- एचआईसीसीओएम (अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति) ने कोविड उपयुक्त व्यवहार एवं प्रक्रियाओं के संबंध में सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों, संवर्ग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। 1785 स्वास्थ्यकर्मियों ने कुल 124 सत्रों में भाग लिया।
- आई सी एन ने एम्स नर्सिस यूनियन द्वारा आयोजित नर्सिंग कार्मिकों के लिए संक्रमण नियंत्रण प्रैक्टिसिस पर ऑनलाइन सत्र लिए।
- एचआईसीसीओएम एम्स द्वारा अपनाई जाने वाली विभिन्न संक्रमण नियंत्रण नीतियों और प्रक्रियाओं की रूपरेखा बताते हुए लिखित दस्तावेज़ (मैनुअल) विकसित करता है एवं समय-समय पर इसे अद्यतन करता है।
- चार्ट के रूप में नीडल स्टिक इंजरी और स्पिल प्रबंधन प्रोटोकॉल पर एसओपी और कीटाणुनाशक समाधान को एम्स के सभी नैदानिक क्षेत्रों में वितरित एवं प्रदर्शित किया गया था।

- आईसीएन ने मुख्य रसोई के कर्मचारियों के लिए हाथ की स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार और व्यक्तिगत स्वच्छता के महत्व पर सत्र लिया।
- आईसीएन ने न्यू आरएके ओपीडी, मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक, सर्जिकल ब्लॉक और मुख्य अस्पताल के मल्टी-टास्किंग स्टाफ के लिए हाथ की स्वच्छता, श्वसन शिष्टाचार, सफाई/कीटाणुशोधन तकनीक और बायो-मेडिकल प्रबंधन पर सत्र लिया।
- आईसीएन द्वारा दैनिक आधार पर सीएलएबीएसआई और एसएसआई डाटा एकत्र किए जा रहे हैं और डिवाइस से संबंधित संक्रमण दर उत्पन्न कर रहे हैं।
- आईसीएन जैविक संकेतकों को उजागर कर बायोटिक सुविधा में माइक्रोवेव की साप्ताहिक निगरानी में सक्रिय रूप से सम्मिलित है।
- आई सी एन ने कठोर अपशिष्ट प्रबंधन (सूखा एवं गीला सामान्य अपशिष्ट प्रबंधन) पर विभिन्न स्वास्थ्य उपचार कर्मचारियों के लिए सत्र लिए।
- आईसीएन, एचआईसीसीओएम केंद्रीय समिति द्वारा आयोजित क्लिनिकल क्षेत्रों क प्रशासनिक दौरों में सक्रिय रूप से सम्मलित रहे हैं।
- आईसीएन एनआईएचएफडब्ल्यू नई दिल्ली में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु संसाधन के रूप में सक्रिय रूप से शामिल हैं।
- आईसीएन एनसीए झज्जर और सीआरएचएसपी एम्स, बल्लभगढ़ के नर्सिंग अधिकारियों हेतु अस्पताल संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं पर प्रशिक्षक के प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे।
- मानक सावधानियों, स्वच्छता और कीटाणुशोधन तकनीकों, अंतर्यामिता उपकरणों का उपचार, सुरक्षित इंजेक्शन प्रैक्टिस, स्पिल उपचार और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र हेतु एक शिक्षण सामग्री तैयार की गई थी।
- आईसीएन एसईटी सुविधा एम्स में सभी ब्लॉकों में सम्मिलित नर्सिंग अधिकारियों हेतु अस्पताल संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण प्रथाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने और आयोजित करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।
- आईसीएन ने महामारी की तैयारियों हेतु बीएमडब्ल्यू सहित संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण में स्वास्थ्य उपचार कर्मियों हेतु एलआरपी (शिक्षण संसाधन पैकेज) के विकास में एक विशेषज्ञ के रूप में योगदान दिया।
- आईसीएन ने "स्वच्छता पखवाड़ा" गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया और सभी स्वास्थ्य कर्मियों हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। निम्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं:
  - क. ठोस अपशिष्ट उपचार पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता/बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन।
  - ख. काया कल्प गतिविधियों की भूमिका पर निबंध लेखन प्रतियोगिता।
  - ग. प्लास्टिक के एक बार प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने की तैयारियों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता।

घ. बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर रिक्ट (नाटक) प्रतियोगिता।

ङ. प्लास्टिक के एकल उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की तैयारियों पर फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता।

च. प्लास्टिक के एकल उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की तैयारियों पर रील प्रतियोगिता।

- जैविक श्रमिकों, स्वच्छता परिचारकों और अस्पताल परिचारकों को हाथों की स्वच्छता, पीपीई, स्पिल उपचार और निडल स्टिक क्षति प्रोटोकॉल व्यक्तिगत स्वच्छता, बीएमडब्ल्यू नियमानुसार बीएमडब्ल्यू, ट्रॉली की लोडिंग पर संवेदनशीलता पर जोर दिया गया।
- एचआईसीसीओएम एम्स के मार्गदर्शन में आईसीएन स्वास्थ्य कर्मियों के बीच कोविड के उचित प्रैक्टिस पर ध्यान दे रहा है एवं उसे सुनिश्चित करता है।
- एचआईसीसीओएम केंद्रीय समूह के सहस्यों द्वारा जब भी आवश्यक होता है, तब आईसीएन एचआईआईसीसीओएन की बैठक में भाग लेते हैं तथा सभी सतहों (लो टच और हाई टच क्षेत्रों) का बार-बार विसंक्रमण करने हेतु के कीटाणुशोधन, कीटाणुनाशक समाधानों के उचित डाइलूज़न हेतु पर्यावरण सफाई पर गतिशील दिशानिर्देशों को संवेदनशील बनाने में सम्मिलित हैं

संक्रमण नियंत्रण नर्सों की गतिविधियाँ

1. आईसीयू/एचडीयू, बीएसआई पर शल्य चिकित्सा क्षेत्रों, आरटीआई (वीएपी), एसएसआई, यूटीआई, सीएसएफ/अन्य संक्रमण आदि में कुल एचसीएआई पर आंकड़ों को संकलित किया गया। सभी शल्य चिकित्सा एककों तथा सभी आईसीयू हेतु मासिक रूप से आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और आंकड़ों के विश्लेषम का प्रफॉर्मा शल्य चिकित्सा एककों तथा आईसीयू के सभी संबंधित प्रभारी-आचार्य को वितरित किया गया
2. संक्रमण नियंत्रण नर्सों द्वारा सूची का प्रयोग करके दैनिक धार पर व्यक्तिगत रूप से दौरा किया जाता है और आवश्यकतानुसार नैदानिक क्षेत्रों में ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं और एचआईसीसीओएम केंद्रीय समिति के सदस्यों के साथ चर्चा करने के बाद समस्याओं का समाधान किया जाता है।
3. निगरानी गतिविधियाँ: मासिक आधार पर निगरानी के उद्देश्य से अस्पताल के विभिन्न क्षेत्रों से नमूने (पर्यावरण संस्कृति, बांझपन एवं प्रयोग में आने वाले नमूने) एकत्र किए जाते हैं। अस्पताल नीति के अनुसार उचित प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने के लिए संबंधित क्षेत्रों में रिपोर्ट एकत्र और वितरित की जाती है।
4. प्रकोप के रिकॉर्ड, निगरानी एवं प्रबंधन करने हेतु घटना रिपोर्ट पुस्तिका बनाए रखना।
5. रिपोर्टिंग हेतु दैनिक रिपोर्ट पुस्तिका बनाए रखना।
6. सभी नैदानिक क्षेत्रों में लगातार मुद्दों की पाक्षिक रिपोर्टिंग एचआईसीसीओएम को सूचित की जाती है।

अप्रैल 2022 - मार्च 2023 तक वार्षिक स्वास्थ्य देखभाल संबद्ध संक्रमण (एचसीएआई) दर

क्षेत्र	**कुल प्रमुख सर्जरी/भर्ती**	**एचसीएआई**	**%**
सर्जिकल इकाइयाँ	10715	396	3.69
आईसीयू'एस	4027	664	16.4

$$\text{संयुक्त एचसीएआई दर:} = \frac{396+664}{14742} \times 100 = 7.1\%$$

अप्रैल 2022- मार्च 2023 के दौरान एकत्र किए गए निगरानी नमूने (मुख्य अस्पताल, एम्स)

कुल पर्यावरण और जीवाणुरहिणता नमूने	**कुल प्रयोग समाधान नमूने**	**कुल स्टेराइल नमूने**		**कुल गैर-स्टेराइल नमूने**	
		कुल पर्यावरण और जीवाणुरहिणता के नमूने	**प्रयोग समाधान के नमूने**	**कुल पर्यावरण एवं जीवाणुरहिणता के नमूने**	**प्रयोग समाधान**
3651	1650	2407	1457	1244	193

शल्य चिकित्सा एककों तथा आईसीयू के लिए मासिक निगरानी और डाटा की गणना की जाती है और फिर उसे एमआरडी अनुभाग को प्रस्तुत किया जाता है। शल्य चिकित्सा एककों और आईसीयू के वार्षिक संयुक्त आंकड़ों के विश्लेषण की गणना की गई और उसका वितरण माइक्रोबायोलॉजी अस्पताल संक्रमण नियंत्रण के प्रभारी प्रोफेसर डॉ. बिमल कुमार दास, प्रोफेसर संजीव लालवानी, चिकित्सा अधीक्षक, एम्स, श्रीमती कमलेश चंदेलिया, मुख्य नर्सिंग अधिकारी, डॉ विजयदीप सिद्दार्थ, प्रभारी-अधिकारी संक्रमण नियंत्रण, अस्पताल प्रशासन और मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग को किया गया।

6.5 रक्त केंद्र, मुख्य अस्पताल

आधान चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

रोगी उपचार:

क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित):

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की सुविधा।
- एफेरेसिस प्रक्रियाएं (प्लेटलेटफेरेसिस, ग्रैनुलोसाइटाफेरेसिस, चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, पीबीएससी संग्रह)
- स्वचालित रक्त समूहन और सीरोलॉजी।
- स्वचालित संक्रामक मार्कर परीक्षण
- आईडी-एनएटी परीक्षण
- 100% रक्त घटक तैयारी।
- एंटीबॉडी स्क्रीनिंग एवं पहचान
- एंटीबॉडी टाइटर्स (एबीओ और एलोएंटीबॉडी)।
- आरएच (डी, सी, सी, ई, ई) और के फेनोटाइप्स लाल कोशिकाओं की सूची
- ल्यूकोडेप्लेटेड रक्त/घटक।
- विकिरण सुविधा.

ख) रक्त संग्रह

1.	कुल रक्त यूनिट एकत्र की गईं • स्वैच्छिक दाता • प्रतिस्थापन दाताओं • एफेरेसिस घटक	54093 — 12562 — 41531 — 2617
2.	आयोजित किये गये स्वैच्छिक दान शिविर	100
3.	चिकित्सीय प्लाज्मा आदान-प्रदान	344
4.	परिधीय रक्त स्टेम सेल संग्रह	44
5.	ग्रैनुलोसाइट संग्रह	14

ग) रक्त घटक तैयार करना

1.	पैक्ड लाल रक्त कोशिकाएं	52673
2.	संपूर्ण रक्त व्युत्पन्न प्लेटलेट काउंट	46027
3.	फेश फ्रोज़न प्लाज्मा	28823
4.	फेश प्लाज्मा	22569

5.	क्रायोप्रेसिपिटेट	506
6.	घटक गुणवत्ता नियंत्रण	432

घ) रक्त घटकों के मामलों सहित नियमित और आपातकालीन प्रयोगशाला गतिविधियाँ

1.	रक्त समूहन (रोगी + दाता)	120391
2.	एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	112608
3.	लाल कोशिकाओं का विस्तारित फेनोटाइप (दाता)	4946
4.	कुल प्राप्त रोगी अनुरोध	65104
5.	क्रॉस मैच (नियमित + आपातकालीन)	57779
6.	कुल रक्त (पीआरबीसी + एलडी-पीआरबीसी) जारी किया गया	47716
7.	अन्य रक्त केंद्रों /अस्पतालों को जारी पीआरबीसी	1934
8.	दाता का कमजोर आर (डी) परीक्षण	3178
9.	फ्रैक्शनेटरों को अधिशेष प्लाज़्मा जारी किया गया	31351

ई) इम्यूनोहेमेटोलॉजी प्रयोगशाला

1.	अप्रत्यक्ष कॉम्ब्स परीक्षण	2268
2.	प्रत्यक्ष कॉम्ब्स परीक्षण	3999
3.	एंटीबॉडी टिटर (एबीओ+ एलोएंटीबॉडी)	1050
4.	लघु रक्त समूह हेतु फेनोटाइप	2255
5.	क्रॉसमैच असंगति का समाधान	1057
6.	रक्त समूह विसंगति का समाधान	79
7.	एंटीबॉडी की पहचान	1661
8.	ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन का वर्कअप	51
9.	अभिकर्मकों का गुणवत्ता नियंत्रण	19
10.	ईक्यूएएस	04

च) संक्रामक रोग जांच प्रयोगशाला

i. संक्रामक रोगों में संचारित रक्ताधान के लिए स्क्रीनिंग = 270465

संक्रामक रोग मार्कर	**परीक्षणों की संख्या**
एचआईवी 1 और 2	54093
एचबीवी	54093
एचसीवी	54093
सिफलिस (उपदंश)	54093
मलेरिया	54093

ii. एकत्रित इकाइयों की एनएटी स्क्रीनिंग = 82814

6.6 चिकित्सा समाज कल्याण एकक

मुख्य चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

बी आर शेखर

पर्यवेक्षण चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी

पंकज कुमार

विशिष्टताएं

चिकित्सा समाज कल्याण एकक (अ) रोगियों को सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और वित्तीय सहायता प्रदान करने और उपचार प्राप्त करते समय संकट को कम करने हेतु **1960** से चिकित्सा अधीक्षक की देखरेख में कार्यरत है। एमएसडब्ल्यू यूनिट (एच) में 14 चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी (एमएसएसओ) हैं जो 24x7 आपातकालीन सामाजिक कल्याण सेवाओं सहित मुख्य अस्पताल में 20 महत्वपूर्ण विभागों के ओपीडी और वार्डों का उपचार प्रदान करते हैं।

- **नागरिक चार्टर:** नागरिक चार्टर के तहत एम्स की वेबसाइट पर चिकित्सा समाज कल्याण सेवाओं की जानकारी अपलोड की गई है।
- **सहयोगी बैठक:** बर्न और प्लास्टिक सर्जरी में एनएबीआई के सीएमई के तहत विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की एक सहयोगी बैठक आयोजित की गई थी।

- **इच्छा पूर्ति पहल:** मेक-ए-विश संगठन के माध्यम से बाल रोगियों की इच्छा पूर्ति की शुरुआत की गई और इसने गंभीर रोगों से पीड़ित 40 से अधिक बच्चों की इच्छाओं को पूरा किया है।
- **बच्चों के साथ उत्सव मनाना:** बाल चिकित्सा सर्जरी वार्डों में उपहार वितरण के साथ दिवाली और क्रिसमस उत्सव का आयोजन किया गया।
- **विश्व सामाजिक कार्य दिवस:** हेमेटोलॉजी के बाल रोगियों के साथ एक विशेष उत्सव उपहार वितरण
- **बीपीएस ब्लॉक में खेल का क्षेत्र:** बर्न और प्लास्टिक सर्जरी के बाल रोगियों हेतु एक विशेष खेल का क्षेत्र विकसित किया गया है

शिक्षा

1. एमएसडब्ल्यू छात्रों/स्वास्थ्य कर्मियों के लिए "अस्पताल सेटिंग में चिकित्सा सामाजिक कार्य" पर ओरिएंटेशन सत्र: 4
2. एमएसडब्ल्यू छात्रों का समवर्ती क्षेत्र-कार्य: 7
3. अल्पावधि प्रशिक्षु: 14
4. एम्स के एमएचए छात्रों हेतु 'अस्पताल सेटिंग में एमएसएसओ की भूमिका' पर सत्र

प्रदत्त व्याख्यान

बी आर शेखर : 1   विवेक कुमार सिंह : 4

प्रकाशन

मद	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
पत्रिका लेख	**3**	**`1**	**शून्य**

रोगी उपचार/सहायक गतिविधियाँ:

1. एबी-पीएमजेएवाई योजना के पात्र लाभार्थियों का कैशलेस उपचार
2. अस्पताल शुल्क से छूट
3. भर्ती रोगियों हेतु अस्पताल द्वारा निःशुल्क दवाएँ/सर्जिकल वस्तुएँ
4. राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन) की अंब्रेला योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता, प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ), मुख्यमंत्री कोष, दिल्ली आरोग्य निधि (डीएएन), उपराष्ट्रपति निधि और चिकित्सा उपचार हेतु ऐसे अन्य फंड
5. अज्ञात/बिना परिचारक/निराश्रित/अनाथ रोगियों का पुनर्वास
6. सरकारी एवं गैर-सरकारी एजेंसियों के माध्यम से संसाधन जुटाना
7. जरूरत और आवश्यकतानुसार रोगियों और उनके परिचारकों को परामर्श और मार्गदर्शन
8. सरकारी नियमानुसार बाहरी रोगियों को रेलवे रियायत

9. सेमिनार, व्याख्यान, एक-से-एक परामर्श , समूह-कार्य और आईईसी सामग्री आदि के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता
10. अंगदाताओं के प्राधिकरण हेतु परामर्श एवं समन्वय; और भावी अंगदाताओं हेतु जागरूकता/प्रेरणा।
11. सामाजिक कार्य छात्रों और स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों की क्षमता निर्माण और संवेदीकरण।
12. साक्ष्य-आधारित अभ्यास में सुधार हेतु अल्पकालिक और दीर्घकालिक अनुसंधान गतिविधियाँ

मद	2020-21	2021-22	2022-23
एबी-पीएमजेएवाई लाभार्थी	1536	3435	6807
आरएएन अम्ब्रेला योजना के माध्यम से वित्तीय सहायता	177	80	309
एम्स निर्धन फंड के माध्यम से वित्तीय सहायता	310	338	405
एनजीओ/ट्रस्ट/फाउंडेशन के माध्यम से वित्तीय सहायता (अनुमानित डाटा)	45	80	88
भर्ती रोगियों हेतु निःशुल्क दवाएँ/सर्जिकल वस्तुएँ (अनुमानित डाटा)	1200	3200	5400
अस्पताल शुल्क की ऑनलाइन छूट	25,99,188 रुपये	65,03,016 रुपये	64,13,213 रुपये
अज्ञात/बिना परिचारकों/निर्धन रोगियों का पुनर्वास (अनुमानित डाटा)	350	400	400

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

श्री बी आर शेखर, मुख्य एमएसएसओ को सामुदायिक उपचार, व्यवहारिक स्वास्थ्य विज्ञान और अन्य पेशेवरों का प्रतिनिधित्व करने हेतु संबद्ध और स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों के लिए अंतरिम आयोग में सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की राजपत्र अधिसूचना एसओ2655 (ई) दिनांक 10 जून 2022)।

6.7 अंतः स्राविकी एवं चयापचय विभाग

67वीं वार्षिक रिपोर्ट (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023) ओपीडी/नैदानिक डाटा

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक ओपीडी/क्लिनिक में उपस्थिति

अंतःस्रावी नए रोगी	अंतःस्रावी पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
13654	44021	785	1866	564	60890

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक ओपीडी उपस्थिति हेतु माहवार विवरण

माह	नए रोगी	पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
अप्रैल, 2022	1102	3173	48	157	31	4511
मई, 2022	1140	3410	70	144	30	4794
जून, 2022	1244	3709	49	136	25	5163
जुलाई, 2022	1238	3619	55	184	62	5158
अगस्त, 2022	1174	4080	71	154	42	5521
सितंबर, 2022	1276	4092	75	129	44	5616
अक्टूबर, 2022	1015	3421	56	181	42	4715
नवंबर, 2022	1140	4061	87	144	64	5496
दिसंबर, 2022	991	3129	124	173	91	4508
जनवरी, 2023	1031	3609	61	167	34	4902
फरवरी, 2023	1097	3659	28	152	35	4971
मार्च, 2023	1206	4059	61	145	64	5535
कुल	13654	44021	785	1866	564	60890

6.8 अस्थिरोग विभाग

अवलोकन

एम्स के अस्थिरोग विभाग में संयुक्त प्रतिस्थापन, खेल चिकित्सा, हाथ की सर्जरी, मस्कुलोस्केलेटल अर्बुद विज्ञान, बाल चिकित्सा अस्थिरोग, रीढ़ की सर्जरी और जटिल आघात के उपचार के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले चिकित्सक हैं। अस्थिरोग सर्जरी में हाल के नवाचार जैसे न्यूनतम इनवेसिव संयुक्त प्रतिस्थापन, सतह प्रतिस्थापन आर्थ्रोप्लास्टी, रिवीजन कूल्हे और घुटने के प्रतिस्थापन, न्यूनतम इनवेसिव रीढ़ की सर्जरी, गैर-संघों हेतु संवहनी ग्राफ्टिंग, अंग पुन: प्रत्यारोपण, आर्थोस्कोपिक पीसीएल और कंधे की सर्जरी सभी का अभ्यास यहां किया जा रहा है।

विभाग निम्नलिखित अस्पताल सेवाएँ प्रदान करता है:

रोगी उपचार

विभाग कई जटिल अस्थिरोग सर्जरी करने हेतु जाना जाता है और ऑपरेशन थिएटर दुनिया के किसी भी उन्नत केंद्र की तुलना में सबसे अच्छे सुसज्जित हैं। रोबोटिक सुविधा, ईओएस सुविधा, उन्नत इंट्राऑपरेटिव इमेजिंग सुविधाओं और कई अन्य उन्नत प्रौद्योगिकियों की शुरूआत सहित, विभाग ने रोगी उपचार के उच्च मानक हासिल किए हैं। विभाग के अवलोकन के लिए लिंक https://www.aiims.edu/en/introductaryvideoortho.html

अस्थिरोग विभाग में **विशेष क्लीनिक** हैं जहां ओपीडी परामर्श में भाग लेने के बाद रोगियों को रेफर किया जाता है।

यहां एक **बोन बैंक सुविधा** भी है जहां जीवित दाता की हड्डी और शव की हड्डी दोनों को संरक्षित किया जाता है और आवश्यकता पड़ने पर उपयोग किया जाता है।

इसके साथ ही रोगियों के व्यापक उपचार हेतु आधुनिक **फिजियोथेरेपी यूनिट** भी है।

ऑपरेशन थिएटर

अस्थिरोग विभाग को समर्पित कुल 7 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर (प्रथम तल एमएस कार्यालय) हैं, जिनमें रोगियों को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने और उन्हें ओटी कॉम्प्लेक्स के अंदर शांत और आरामदायक महसूस कराने हेतु नवीनतम तकनीक स्थापित की गई है। ओटी कॉम्प्लेक्स में एक बैठक कक्ष है जिसमें शिक्षण और प्रदर्शन के लिए सर्जरी के लाइव प्रसारण के साथ-साथ सभागार, सम्मेलन कक्ष और सलाहकार कक्ष में लाइव फीड भी है।

अस्थिरोग में रोगी उपचार सेवाएँ

	रोगियों की संख्या		
	2020-21	2021-22	2022-23
ओपीडी	15,423	58,883	2,26,561
आईपीडी प्रवेश (एबी1वार्ड+ प्राइवेट वार्ड)	1905	5312	8869

अस्थिरोग ऑपरेशन थियेटर प्रमुख मामले	997	2758	4381
अस्थिरोग ऑपरेशन थियेटर छोटे मामले	1384	1717	2401
भौतिक चिकित्सा	14019	31292	59,839
गैट लैब	173	321	405

ओपीडी सेवाएं रोस्टर

दिन	सुबह	दोपहर
सोमवार	**यूनिट- II (ओपीडी और फॉलो अप क्लिनिक)** डॉ. एचएल नाग/डॉ. शाह आलम खान/डॉ. विजय कुमार/डॉ. मो. ताहिर अंसारी /डॉ. वेंकटेशन एस. कुमार/डॉ. विवेक शंकर/डॉ. लव कपूर	**हड्डी एवं मुलायम ऊतक सरकोमा क्लिनिक** डॉ. शाह आलम खान डॉ. वेंकटेशन एस. कुमार
मंगलवार	**यूनिट-I (ओपीडी एवं फॉलोअप क्लिनिक)** डॉ. राजेश मल्होत्रा /डॉ. रवि मित्तल /डॉ. भावुक गर्ग /डॉ. विजय कुमार डिग्गे /डॉ. विक्रांत मन्हास /डॉ. अरुण एम स्वामी /डॉ. साहिल बत्रा /डॉ. श्रीजीत एमबी **टीबी क्लिनिक** डॉ. भावुक गर्ग	
बुधवार	**यूनिट II** डॉ. एचएल नाग/डॉ. विजय कुमार/डॉ. मो ताहिर अंसारी /डॉ. वेंकटेशन एस कुमार/डॉ. विवेक शंकर	**हाथ क्लिनिक** डॉ. मो. ताहिर अंसारी /डॉ. विजय कुमार डी. **खेल क्लिनिक** डॉ. एचएल नाग/डॉ. विजय कुमार
गुरुवार	**यूनिट- II** डॉ. रवि मित्तल /डॉ. भावुक गर्ग /डॉ विजय कुमार डिग्गे /डॉ. विक्रांत मन्हास /डॉ. अरुण एम स्वामी /डॉ. साहिल बत्रा /डॉ. श्रीजीत एमबी **स्पाइन क्लिनिक** डॉ. भावुक गर्ग	**स्कोलोसिस क्लिनिक** डॉ. भावुक गर्ग /डॉ. विवेक शंकर **नाजुकता फ्रैक्चर क्लिनिक** डॉ. राजेश मल्होत्रा / डॉ. विजय कुमार डी/डॉ. विक्रांत मन्हास **विकलांगता क्लिनिक** यूनिट II

शुक्रवार	**यूनिट II** डॉ. शाह आलम खान/डॉ. विजय कुमार/डॉ. मो ताहिर अंसारी /डॉ. वेंकटेशन एस कुमार/डॉ. विवेक शंकर/डॉ. लव कपूर	**सीटीईवी क्लिनिक** डॉ. शाह आलम खान/डॉ. वेंकटेशन एस. कुमार/डॉ. लव कपूर **विकलांगता क्लिनिक** यूनिट **II**
शनिवार	**यूनिट- II** डॉ. राजेश मल्होत्रा /डॉ. रवि मित्तल /डॉ. भावुक गर्ग /डॉ. विजय कुमार डिग्गे /डॉ. विक्रांत मन्हास /डॉ. अरुण एम स्वामी /डॉ. साहिल बत्रा /डॉ. श्रीजीत एमबी	

भौतिक चिकित्सा

- भौतिक चिकित्सा यूनिट सोमवार से शनिवार तक क्रियाशील रहती है। ओपीडी से रेफर किए गए सभी रोगियों का उसी दिन मूल्यांकन किया जाता है और बिना किसी पंजीकरण आवश्यकता के सीधे फॉलो-अप विजिट हेतु बुलाया जाता है।
- समय पर जांच और उपचार के लिए नैदानिक, रोगसूचक और चिकित्सीय कार्यों सहित फिजियोथेरेप्यूटिक उपचार प्रदान करने के लिए दो कमरे हैं। रोगियों के लिए व्यावसायिक चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ हाईड्रोथेरेपी सेवाएं भी उपलब्ध हैं।
- हाइड्रोथेरेपी भौतिक चिकित्सा की एक महत्वपूर्ण शाखा है जो रुमेटॉइड गठिया, एंकिलॉज़िंग जैसी प्रणालीगत स्थिति का विशेष ध्यान रखती है। मोटापे के साथ स्पॉन्डिलाइटिस और अन्य गठिया संबंधी स्थितियां। उपलब्ध तौर-तरीके भाप स्नान, व्हर्लपूल स्नान और ट्रेडमिल हैं।

7. नर्सिंग कॉलेज

आचार्य एवं सह प्राचार्य

डॉ. लता वेंकटेशन

सह - आचार्य

डॉ. शशि मवार
सुश्री सिबी रिजू
डॉ.प्रज्ञा पाठक
डॉ. रिम्पल शर्मा
डॉ. मंजू अमित कुमार राजोरा
डॉ. वाई सुरबाला देवी
सुश्री मिलन तिरवा
सुश्री गायत्री बत्रा
डॉ. फिलोमिना थॉमस
डॉ. सीमा सचदेवा
सुश्री नीलिमा राज
श्री हंसाराम जी
सुश्री ममता चौधरी
सुश्री सुमन डबास
डॉ. एल. गोपीचंद्रन
सुश्री अदिति पी सिन्हा
डॉ. उज्ज्वल दहिया
सुश्री सोसिलिया एम.एस
सुश्री लेविस मुरी
सुश्री स्मिता दास
श्री अजेश कुमार टी.के ट्यूटर
सुश्री बबिता साहू
सुश्री मीना आरा
सुश्री अनुभा देवगौरौ
सुश्री नेमखोलम
सुश्री मोनिका सभरवाल
सुश्री मनीता दलाल
सुश्री सविता

भर्ती छात्र :

पाठ्यक्रम	प्रवेश क्षमता	कुल छात्र प्रवेश	वर्तमान क्षमता
बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	96+5=101	96	84
बी.एससी. (पीबी) नर्सिंग	50+1=51	31	30
एम.एससी. नर्सिंग	29+7+1= 37	35	33
• अबुर्दविज्ञान नर्सिंग			4
• गंभीर चिकित्सा नर्सिंग			5
• बालरोग चिकित्सा नर्सिंग			5
• तंत्रिकारोग विज्ञान नर्सिंग			5
• वृक्कविज्ञान नर्सिंग			5
• हृदय रोग विज्ञान/सीटीवीएस नर्सिंग			5
• मनोचिकित्सा नर्सिंग			4

वर्तमान छात्र क्षमता:

पाठ्यक्रम		I वर्ष	II वर्ष	III वर्ष	IV वर्ष
बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	नियमित	84	89	77	69
	अनियमित	-	-	10	
बी.एससी. (पीबी) नर्सिंग	नियमित	30	39		
	अनियमित	-	-		
एम.एससी. नर्सिंग	नियमित	33	21		
	अनियमित	-	-		
कुल		147	149	87	

स्नातक छात्र:

पाठ्यक्रम	छात्र संख्या
बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग	76
बी.एससी. (पीबी) नर्सिंग	42
एम.एससी. नर्सिंग	20
कुल	138

विशेषताएं

- पाठ्यक्रम बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग पाठ्यक्रम को संशोधित किया गया और सभी एम्स और जेआईपीएमईआर नर्सिंग कॉलेज के संकाय-सदस्यों को इससे अवगत कराने के लिए कार्यशालाएं आयोजित की गईं। मिडवाइफरी पर इंटरनेशनल कन्फेडरेशन ऑफ मिडवाइव्स पाठ्यक्रम विकसित करने में सहयोग दिया।
- अधिकारिक मान्यता: एनएबीईटी, भारतीय गुणवत्ता परिषद द्वारा नर्सिंग कॉलेजों के लिए राष्ट्रीय मान्यता रूपरेखा का प्रारूप बनाने एवं विकसित करने में योगदान दिया गया।
- बीपीएनआई के साथ कार्यक्रम संचालित करके "स्तनपान एवं शिशु तथा अल्पवयस्क शिशु आहार परामर्शदाता" के तहत राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षकों एवं स्तनपान संबंधी परामर्शदाताओं द्वारा तैयार किए गए।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित, अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण संबंधी रोकथाम, नियंत्रण और उपचार हेतु नर्सिंग सेवाओं को मजबूत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया था। - नर्सों के लिए अल्पावधि पाठ्यक्रम
- नर्सों और संकाय-सदस्य के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान और साक्ष्य-आधारित प्रेक्टिस में अल्पकालिक पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था जिसे स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय एवं भारतीय प्रशिक्षित नर्स संघ, दिल्ली द्वारा वित्तपोषित किया गया।
- एम्स, नई दिल्ली में नर्सिंग अधिकारियों के लिए 10 सेवारत शिक्षण कार्यशालाओं की श्रृंखला का आयोजन किया गया।

- राष्ट्रीय सुरक्षित मातृत्व दिवस, अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस, विश्व हृदय दिवस, विश्व अस्थमा दिवस, विश्व स्ट्रोक दिवस, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस, विश्व किडनी दिवस जैसे विभिन्न विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाए गए।
- छात्र विकास कार्यक्रम: दिल्ली पुलिस के साथ, बी.एससी. (ऑनर्स) नर्सिंग छात्रों के लिए आत्मरक्षा शिविर आयोजित किया गया था। स्वास्थ्य देखभाल संचारण पर एसडीपी का आयोजन किया गया। छात्रों के आउटगोइंग बैच के लिए कैरियर डेवलपमेंट विकास कार्यक्रम का संचालन किया गया। भारत में छात्रों ने नर्सिंग छात्रों के लिए साक्ष्य-आधारित नर्सिंग गेम की राष्ट्रीय स्तरीय की प्रतियोगिता में भाग लिया। छात्रों के लिए खेल दिवस का भी आयोजन किया गया।
- संकाय-सदस्यगण विकास कार्यक्रम: सभी संकाय-सदस्यागणों के लिए व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण तथा सीआईएनएएचएल अल्टीमेट जैसे नर्सिंग डेटाबेस हेतु एफडीपी का ओरिएन्टेशन आयोजित किया गया।

अन्य सहायक पाठ्यक्रम :

नर्सिंग कॉलेज संकाय-सदस्य द्वारा डिओआरए छात्रों, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली हेतु व्याख्यान दिए गए एवं प्रैक्टिकल कक्षाएं संचालित की गई।

पिछले 3 वर्षों में कॉलेज की गतिविधियाँ

क्र.सं.	कॉलेज की गतिविधियाँ	2022-23	2021-22	2020-21
1.	सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान	69	82	111
2.	सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	04	02	10
3.	प्रस्तुत मौखिक पेपर/पोस्टर	03	10	10
4.	वित्तपोषित जारी परियोजना	01	04	07
5.	वित्तपोषित पूर्ण परियोजनाएं	01	04	06
6.	गैर-वित्तपोषित जारी परियोजनाएँ	00	05	04
7.	गैर-वित्तपोषित पूर्ण परियोजनाएँ	00	04	-
8.	जारी विभागीय परियोजनाएँ	17	19	25
9.	सम्पन्न विभागीय परियोजनाएँ	30	16	23
10.	जारी सहयोगी परियोजनाएँ	00	06	06
11.	सम्पन्न सहयोगी परियोजनाएँ	00	03	04
12.	प्रकाशन	19	36	42
13.	किताबों में अध्याय	1	04	04
14.	किताबें एवं नाम-चिह्न(मोनोग्राम)	00	01	02

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई कार्यक्रमों की कुल संख्या: 04

क्र.सं.	कार्यक्रम	दिनांक	शहर
•	गंभीर रिसाव उपचार	05/04/2022	नई दिल्ली
•	सुरक्षा का खतरा	08/04/2022	नई दिल्ली
•	सीआईएनएचएएल अल्टीमेट का उन्मुखीकरण	10/10/2022	नई दिल्ली
•	सुव्यवस्थित समीक्षा	30/11/2022	नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	प्रदत्त व्याख्यानों की संख्या
डॉ. लता वेंकटेशन	18
डॉ. एल. गोपीचंद्रन	01
सुश्री सिबी रिजू	04
सुश्री अदिति पी सिन्हा	03
डॉ.प्रज्ञा पाठक	03
डॉ. उज्ज्वल दहिया	04
डॉ. मंजु अमित कुमार राजोरा	02
सुश्री लेविस मुरी	07
सुश्री वाई सुरबाला देवी	07
सुश्री मिलन तिर्वा	03
श्री अजेश कुमार टी.के	02
सुश्री मीना आरा	01
डॉ. सीमा सचदेवा	07
सुश्री मोनिका सभरवाल	03
सुश्री ममता चौधरी	02

लता वेंकटेशन

- इनोवेटिव नर्सिंग रिसर्च डिज़ाइन पर संकाय-सदस्य उन्नति कार्यक्रम के लिए संसाधन सदस्य: गुणवत्ता उपचार एवं शिक्षा को सक्षम बनाना, 11 अप्रैल 2022, गुरुग्राम
- नर्सिंग कर्मियों, अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रबंधन विकास कार्यक्रम, सामुदायिक चिकित्सा विभाग और सार्वजनिक स्वास्थ्य स्कूल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान सहित साझेदारी में पीजीआईएमईआर हेतु प्रशासनिक प्रबंधन पर एमडीपी में, 17 अप्रैल 2022, नई दिल्ली

- मिडवाइफरी आईसीएम आवश्यक योग्यता प्रैक्टिस: भारतीय परिप्रेक्ष्य, मिडवाइफरी कांग्रेस एमआईडी कोन्फ्रेंस-2022 कार्यशाला, 28 अप्रैल 2022, जोधपुर
- कोविड और पोस्ट कोविड के दौरान नर्सिंग उपचार, "प्रकाशमय" परियोजना, 28 अप्रैल 2022, ऑनलाइन
- कोविड और पोस्ट कोविड के दौरान रोगी एवं उनकी देखभाल करने वालों के साथ संचार, "प्रकाशमय" परियोजना, 28 अप्रैल 2022, ऑनलाइन
- फोरेंसिक मनोरोग, इंडियन सोसाइटी ऑफ साइकियाट्रिक नर्सेज (आईएसपीएन), 17 मई 2022, बठिंडा
- परिवार नियोजन पद्धति के उपलब्ध विकल्पों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा देने के लिए परामर्श का समाकलन, परिवार नियोजन का परिवर्तित परिप्रेक्ष्य, 25 मई 2022, गुरुग्राम
- नर्सिंग शिक्षा में प्रौद्योगिकी एवं निवेश, एएनईआईसीओएन 2022 " परिवर्तनकारी नेतृत्व - नर्सिंग के क्षेत्र में निवेश", 28 मई 2022, ऑनलाइन
- एक सत्र में मॉडरेटर, पीएआरएडीईसीओएन 2022, 11 जून 2022, ऑनलाइन
- नर्सिंग अधिकारियों की भूमिका: सुविधा जनक प्रसव के दौरान अशिष्टता और दुर्व्यवहार से निपटना, सम्मानजनक मातृत्व देखभाल पर राज्य स्तरीय सम्मेलन, 28 जून 2022, पुदुचेरी
- साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस - कानूनी आशय, ऑनलाइन साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस, 29 जून 2022,
- छात्र नर्सों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत एवं योग्यताएँ, नर्सिंग प्रेक्टिस में परिवर्तन: नवदीक्षित से विशेषज्ञता तक, 23 जुलाई 2022, ऑनलाइन
- स्वास्थ्य उपचार कार्यस्थल के लिए अंग्रेजी में सुधार, ओईटी कैम्ब्रिज बॉक्सहिल लेंग्वेज असेसमेन्ट, 20 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
- एनईआर मेडिकल कॉलेजों के लिए चिकित्सा विज्ञान शिक्षा में पाठ्यक्रमों की ई-प्रौद्योगिकी, प्रौद्योगिकी मध्यवर्ती डिलीवरी के साथ चिकित्सा शिक्षा, 08 दिसंबर 2022, अगरतला
- पात्रता-आधारित पाठ्यक्रम एवं साक्ष्य-आधारित नर्सिंग, नर्सिंग में खेल-आधारित अधिगम पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 18 फरवरी 2023, ऑनलाइन
- ईसीएचओ इंडिया 'आकलन और मूल्यांकन में नर्सिंग शिक्षा' मूल्यांकन के प्रकार (निर्माणात्मक और योगात्मक, आंतरिक और बाह्य, मानक संदर्भित और मानदंड संदर्भित), 7 मार्च 2023, ऑनलाइन
- रोगी सुरक्षा और रोगी संतुष्टि की दिशा में काम करते हुए, सीएनई "नैदानिक तर्क एवं क्षमता का निर्माण - नर्सिंग अनिवार्यताओं में अल्पकालिक पाठ्यक्रम", 10 मार्च 2023, ऑनलाइन
- नवजात शिशु में होने वाले पीलिया का उपचार - फोटोथेरेपी के तहत शिशु का उपचार - एक्सचेंज ट्रांसफ्यूजन, पीएनएनएफआई - ईसीएचओ उपचार देखभाल कार्यक्रम, 16 मार्च 2023, ऑनलाइन।

एल. गोपीचंद्रन

- सुधारात्मक स्वास्थ्य संबंधी मामले में नर्स की भूमिका, प्रथम राष्ट्रीय सम्मेलन, आरएनसीएनसीओएन, राजस्थान नर्सिंग काउंसिल, 11 मई 2022, जयपुर

सिबि रिजु

- न्यूरोलॉजिकल जांच पर व्याख्यान और स्किल स्टेशन, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, 6 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
- न्यूरो क्रिटिकल केयर मॉनिटरिंग, न्यूरो नर्सेज एसोसिएशन का 21वां वार्षिक सम्मेलन- डीएनएसीओएन 2023, 11 फरवरी 2023, नई दिल्ली
- रीढ़ की हड्डी की चोटों से जुड़ी जटिलताओं के उपचार में नर्सें, 7वां एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, 20 मार्च 2023, नई दिल्ली
- सूक्ष्मजीव वर्गीकरण एवं संरचना, अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपचार - स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार की केंद्रीय क्षेत्र योजना 'नर्सिंग सेवाओं का विकास' के तहत आयोजित अल्पकालिक पाठ्यक्रम, 20 मार्च 2023, नई दिल्ली

अदिति पी सिन्हा

- पुरुषों की किशोरावस्था से वृद्धावस्था तक की यात्रा, नर्सिंग सोसाइटी ऑफ मेन्स हेल्थ का वार्षिक सम्मेलन, 05 अगस्त 2022, नई दिल्ली
- साक्ष्य-आधारित प्रैक्टिस पर केस का परिप्रेक्ष्य, नर्सों एवं साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस हेतु स्वास्थ्य सूचना विज्ञान पर कार्यशाला, 10 दिसंबर 2022, नई दिल्ली
- संक्रमण, अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपचार जानपादित रोग विज्ञान - अल्पकालिक पाठ्यक्रम, 23 मार्च 2023, नई दिल्ली

प्रज्ञा पाठक

- लाइफ-लोंग इलेक्ट्रॉनिक हेल्थ रिकॉर्ड को सक्षम बनाने के लिए नवीनतम वैश्विक विकास एवं मानक, नर्सों और साक्ष्य आधारित प्रेक्टिस के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान पर कार्यशाला, 9 दिसंबर 2022, दिल्ली
- टेली नर्सिंग, नर्सिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, 10 फरवरी 2023, दिल्ली
- संक्रमण जानपादित रोग विज्ञान, अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार - लघु पाठ्यक्रम, 20 मार्च 2023, दिल्ली

उज्ज्वला दाहिया

- व्यावसायिक जोखिमों का अवलोकन, व्यावसायिक जोखिम: नर्स सुरक्षा, 23 नवंबर 2022, दिल्ली
- वीएपी पर नर्सिंग प्रैक्टिस के लिए लिटरेचर का मौजूदा निकाय, साक्ष्य और अभ्यास के बीच अंतर को मिटाना, 28 नवंबर 2022, दिल्ली
- साक्ष्य-आधारित प्रैक्टिस पर केस परिदृश्य, नर्सों एवं साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस के लिए स्वास्थ्य सूचना विज्ञान पर कार्यशाला, 08 दिसंबर 2022, दिल्ली
- कलस्टर का अन्वेषण, निगरानी एवं प्रकोप, अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण की रोकथाम, नियंत्रण और उपचार - अल्पकालिक पाठ्यक्रम, 22 मार्च 2023, दिल्ली

मंजु ए.के. राजोरा

- सेंट्रल लाइन-एसोसिएटेड ब्लडस्ट्रीम संक्रमण: सामूहिक चर्चा, सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच अंतर को दूर करने हेतु सेवारत शिक्षण कार्यक्रम, 28 अक्टूबर 2022, दिल्ली
- गुणवत्ता आश्वासन, दवा संबंधी त्रुटि और दवा संबंधी सुरक्षा के माध्यम से स्वास्थ्य उपचार सुरक्षा सुनिश्चित करना, 20 फरवरी 2023, दिल्ली

लेविस मुरी

- ब्रेकिंग बैड न्यूज, सिमुलस 7, 3 सितंबर 2022, जोधपुर
- नर्सों हेतु पीओसीक्यूआई चरण, क्यू आई कार्यशाला पर सामूहिक कार्य सुविधा, 17 अक्टूबर 2022, दिल्ली
- पैरामीट्रिक परीक्षण, स्वास्थ्य सूचना विज्ञान और साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस पर कार्यशाला, 9 दिसंबर 2022, दिल्ली
- मिड और लो टेक मैनिकिन, सिमुलेशन में संकाय-सदस्य उन्नति कार्यक्रम, 20 जनवरी 2023, पांडिचेरी
- सिमुलेशन में डीब्रीफिंग, अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग सम्मेलन - नवयुग, नई अंतर्दृष्टि, 22 फरवरी 2023, रायपुर
- सिमुलेशन में डीब्रीफिंग, नर्सों के लिए कार्यशाला - सिमुलेशन का उपयोग करके नर्सिंग प्रैक्टिस में बदलाव करना, 28 फरवरी 2023, दिल्ली
- भावनात्मक बुद्धिमत्ता और ब्रेकिंग डिफिक्लट न्यूज, कम्यूनिकेशन तथा सोफ्ट स्किल कार्यशाला, 2 मार्च 2023, दिल्ली

वाई. सुरबाला देवी

- मादक द्रव्यों का सेवन, अवसाद एवं यौन रोग की परस्पर क्रिया, "जेएडब्ल्यूएस 2022" (जोइंट एंड्रोलोजी कार्यशाला), 38वीं एसईएक्ससीओएन 2022, एनएसएमएच-2022 (पुरुषों के स्वास्थ्य के लिए नर्सिंग सोसायटी), 6 अगस्त 2022, नई दिल्ली
- नैदानिक अभ्यास में अनुसंधान की उपयोगिता, प्रैक्टिस का कार्यान्वयन - कार्यान्वयन के चरण कार्यशाला, सिद्धांत और प्रैक्टिस के बीच अंतर को घटाने हेतु सेवारत शिक्षा कार्यक्रम, 28 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
- तंबाकू मुक्त पहल में नर्स की भूमिका, एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया का दूसरा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 3 दिसंबर 2022, बैंगलोर
- स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों के लिए व्यसन मनोरोग चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए मॉडरेटर, एडिकोन 2022, एपीएसआई का दूसरा वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 3 दिसंबर 2022, बैंगलोर
- स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देते हुए, मणिपुर के मनोरोग चिकित्सा नर्स संघ एवं मनोरोग चिकित्सा विभाग, आरआईएमएस द्वारा आयोजित दूसरा वार्षिक सम्मेलन, 3 मार्च 2023, इंफाल

- डि-एडिक्शन यूनिट में कार्यरत स्वास्थ्य पेशेवरों हेतु प्रशिक्षण के अनुभवात्मक मॉडल, सोसायटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी का पहला वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 11 मार्च 2023, गाजियाबाद
- भारतीय महिलाओं में उपचार में अंतर, मदद की तलाश, स्टिगमा और मादक द्रव्यों के उपयोग के परिमाण के लिए मॉडरेटर, सोसायटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी का पहला वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 11 मार्च 2023, गाजियाबाद

मिलन तिरवा

- एटीएलएस दिशानिर्देशों के अनुसार कई घायल रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन एवं उपचार में नर्सिंग छात्रों के बीच जानकारी, कौशल और उसके रिटेंशन में सुधार के संबंध में सिमुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करना, इमरजेंसी इंडिया, 9 अक्टूबर 2022, गोवा
- गुणवत्ता सुधार में स्थिरता, सेवारत शिक्षण कार्यक्रम: सिमुलेशन का उपयोग करके नर्सिंग प्रैक्टिस में परिवर्तन करना, 8 दिसंबर 2022, दिल्ली
- समूह निर्माण, सिमुलेशन का उपयोग करके नर्सिंग प्रैक्टिस में परिवर्तन करना, 28 फरवरी 2023, दिल्ली

अजेश कुमार टी.के

- अंतर के समाधान हेतु नैदानिक परिदृश्य चर्चा - सिद्धांत और प्रैक्टिस के नैदानिक परिदृश्य पर चर्चा, सेवारत शिक्षण कार्यक्रम "अंतर समाधान - सिद्धांत और अभ्यास", 28 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
- नर्सिंग में प्रौद्योगिकी में आने वाली चुनौतियों पर पैनल चर्चा मॉडरेटर, सेवारत शिक्षण कार्यक्रम "डिजिटल स्वास्थ्य देखभाल के लिए नर्सों में परिवर्तन", 29 नवंबर 2022, नई दिल्ली।

मीना अरा

- आपातकालीन वॉर्ड में रोगी सुरक्षा, 9वीं आईपीएससी ड्रीम डेयर डिज़ाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 13 फरवरी 2023, नई दिल्ली

सीमा सचदेवा

- सीए ब्लैडर पुन: स्थापना, ऑन्कोलॉजी नर्सिंग पर सीएमई, 15 अप्रैल 2022, नई दिल्ली
- बेसिक ईसीजी तथा ईसीजी लीड का अनुप्रयोग, ईसीजी कार्यशाला, 9 मई 2022, दिल्ली
- प्रशिक्षक के रूप में बेसिक लाइफ सपोर्ट कोर्स, बीएलएस प्रोवाइडर कोर्स, 27 जुलाई 2022, ग्रेटर नोएडा
- दर्द संबंधी उपचार में असमानताएं, आरजीसीओएन 2022, 11 नवंबर 2022, नई दिल्ली
- विशेष जनसमूह में ट्रॉमा उपचार, ट्रॉमा, 2022, 17 नवंबर 2022, नई दिल्ली
- प्रशिक्षक के रूप में बाल चिकित्सा ट्रामा उपचार, एटीसीएन प्रोवाइडर पाठ्यक्रम, 18 जनवरी 2023, जोधपुर
- फोरेंसिक नर्सिंग का परिचय, एफडीपी फोरेंसिक नर्सिंग, 22 फरवरी 2023, नई दिल्ली

मोनिका सभरवाल

- सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को वैश्विक प्राथमिकता बनाना, शारदा विश्वविद्यालय में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस समारोह, 10 अक्टूबर 2022, ग्रेटर नोएडा
- डिजिटल स्वास्थ्य उपचार के लिए नर्सों में बदलाव (सामूहिक कार्य), सेवारत शिक्षण कार्यक्रम, 29 नवंबर 2022, नई दिल्ली
- नर्सिंग कार्यबल के लिए तंबाकू नियंत्रण में क्षमता का निर्माण करने के लिए अनूठी पहल, एडीडीआईसीओएन 2022, 2 दिसंबर 2022, ऑनलाइन

ममता चौधरी

- आईसीयू में संक्रमण नियंत्रण, टीएनएआई राज्य स्तरीय सम्मेलन - रोगी सुरक्षा के कलचर को पोषित करना, 18 सितंबर 2022, भटिंडा
- इन्टेसटिनल ओस्टॉमी के साथ जीवन निर्वाह का अनुभव: एक गुणात्मक मेटा-सिन्थिसिस, डब्ल्यूओयूएनडीसीओएन 2022, 5 नवंबर 2022, भटिंडा

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक/पोस्टर	-	-	03

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

- सिस्टिक फाइब्रोसिस से *पीड़ित* बच्चों पर पोषण संबंधी इन्टरवेंशन पैकेज, (एनआईपी) का एक पायलट परीक्षण, एवं सिस्टिक फाइब्रोसिस सेल्फ-मैनेजमेंट (सीएफएसएम) हेतु एक ऐप का विकास, डॉ. रिम्पल शर्मा, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 4.5 लाख रुपए।

पूर्ण

- दक्षिण एशिया (2020-2022) पर व्यापक फोकस के साथ भारत में बुजुर्ग एवं जोखिम समूह के मानसिक स्वास्थ्य पर पडने वाले कोविड -19 प्रभावों की पहचान करने के लिए स्थानीय रूप से निहित साक्ष्य-आधारित जानकारी का निर्माण करने के लिए बहुविषयक अनुसंधान नेटवर्क, डॉ. एल. गोपीचंद्रन, एम्स यूसीएल, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपए।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. 2% म्यूप्रोसिन बनाम 0.5% नियोमाइसिन इंट्रानैसल ओइन्टमेंट की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।
2. तृतीयक उपचार सुविधा में भर्ती के समय से पहले जन्म देने वाली माताओं में कम दूध की मात्रा के पूर्वानुमान का आकलन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।

3. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत ऑपरेटिंग रूम नर्सिंग अधिकारियों में मानकीकृत सर्जिकल सुरक्षा जांच सूची की जानकारी, दृष्टिकोण एवं अनुपालन का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली में ओपीडी में आने वाले रोगियों में नर्स द्वारा तंबाकू के सेवन को समाप्त करने वाले निवारण हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
5. नर्सिंग छात्रों के लिए नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एवं मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाले कारकों का आकलन करने के लिए दृष्टिकोण में सहायता करने हेतु एक अध्ययन। एक सूचना पुस्तिका तैयार करने के उद्देश्य से।
6. हृदयघात क्लीनिक, एम्स, नई दिल्ली में आने वाले हार्ट फेल की स्थिति से जूझ रहे रोगियों के बीच तेज प्यास लगना एवं शुष्क मुंह पर थर्स्ट बंडल इन्टरवेंश के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
7. एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली में उपस्थित होने वाले बहुत से ओडीएस रोगियों में सामाजिक कामकाज, आपराधिकता और स्वास्थ्य पर नर्स नेतृत्व वाले समूह संक्षिप्त इंटरवेंशन की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. दिल्ली के चयनित स्कूलों में किशोरों के बीच लिंग आधारित हिंसा के संबंध में जानकारी संरचित शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
9. एम्स, नई दिल्ली में गंभीर ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच ज्वर संबंधी न्यूट्रोपेनिया की घटनाओं एवं उपचार करने वालों की जानकारी हेतु अनुवर्ती टेलीपरामर्श के साथ संक्रमण नियंत्रण के लिए नर्स नेतृत्व वाले शिक्षा बंडल के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
10. न्यूरोसर्जरी आईसीयू, एम्स, नई दिल्ली में स्मार्टवॉच द्वारा मॉनिटर किए गए अचेत गंभीर मस्तिष्क की चोट से पीड़ित रोगियों के निद्रा चक्र का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
11. अवसाद से ग्रस्त रोगियों, बाह्य रोगी मनोचिकित्सा विभाग में आने वाले रोगियों के बीच दैनिक जीवन की गतिविधियों, दवा का सेवन और रोगियों के बीच बीमारी की गंभीरता पर मोबाइल ऐप-आधारित मनोरोग शिक्षण पैकेज की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
12. एम्स नई दिल्ली में बालरोग चिकित्सा आपातकाल में बच्चों को लगने वाली सुई की प्रक्रिया में होने वाले दर्द के दौरान दर्द पर वीडियो असिस्टेंड डिस्ट्रैक्शन बनाम निदेशित अभिभावकीय अश्वासनों की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक ओपन लेबल आरसीटी।
13. एम्स, नई दिल्ली में आईसीयू क्षेत्रों में वीएपी की घटना में क्लोजड एंडोट्रैचियल सक्शन की तुलना में ओपन एंडोट्रैचियल की तुलना
14. क्या इन सीटू सिमुलेशन ट्रॉमा रीससिटेशन के मुख्य निष्पादन संकेतकों के अनुपालन में सुधार करता है?
15. एम्स, दिल्ली में स्तन कैंसर क्लिनिक में आने वाली स्तन कैंसर रोगियों में स्वास्थ्य उपचार जीवन गुणवत्ता।
16. दी सिटी ऑफ होप क्वालिटि ऑफ लाइफ स्टोमा प्रश्नावली: हिंदी अनुवाद एवं सत्यापन।

17. एटीएलएस दिशानिर्देशों के अनुसार कई घायल रोगियों के प्रारंभिक मूल्यांकन एवं उपचार में नर्सिंग छात्रों के बीच जानकारी, कौशल तथा इसके प्रतिधारण में सुधार के संबंध में सिमुलेशन की प्रभावशीलता का आकलन करना।

पूर्ण

1. कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान हृदय संबंधी विकारों से पीड़ित रोगियों की चिंता, अवसाद और तनाव के स्तर का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
2. एम्स, नई दिल्ली में डेवलपमेंटल विकारों से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के बीच मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य और पारिवारिक गतिशीलता पर कोविड-19 की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
3. एम्स नई दिल्ली के नर्सिंग छात्रों के बीच पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम के संबंध में जानकारी, अभ्यास एवं स्थिति का आकलन करने के लिए एक विवरणात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
4. दिल्ली के चयनित स्कूलों में 12-18 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों में कोविड टीकाकरण के बाद पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए एक विवरणात्मक अध्ययन।
5. शैक्षिक पुस्तिका बनाने की दृष्टि से एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एककों में काम करने वाले नर्सिंग अधिकारियों के बीच ऑक्सीजन के उपयोग और संरक्षण के बारे में जानकारी और दृष्टिकोण का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन।
6. एम्स, नई दिल्ली के बाल चिकित्सा वार्डों में भर्ती बच्चों में पेरिफेरल इंट्रावीनस केनुयूला से जुड़े फ़्लेबिटिस की घटनाओं एवं पूर्व-व्यवस्थित कारकों का आकलन करने के लिए एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
7. एम्स, नई दिल्ली में हृद विज्ञान यूनिट में चयनित आउटकम पर हार्ट फेलियर के रोगियों की देखभाल करने वालों के बीच संरचनात्मक संक्षिप्त सामूहिक परामर्श की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अर्ध प्रयोगात्मक अध्ययन।
8. डिफिब्रिलेशन करने में स्नातकपूर्व नर्सिंग छात्र की जानकारी, कौशल एवं आत्मविश्वास पर सिमुलेशन आधारित शिक्षण के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
9. एम्स, नई दिल्ली में न्यूरो ओपीडी में आने वाले पार्किंसंस रोग से पीड़ित रोगियों के बीच रजिडिटी स्कोर पर मिश्रित व्यायाम कार्यक्रम के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. डॉ.भी.रा.अं.सं.रो.कैं.अ., एम्स नई दिल्ली में बाह्य रोगी एकक में भाग लेने वाले वयस्क संबंधी अर्बुदविज्ञान के रोगियों के बीच रोगी संतुष्टि, उपचार एवं चिंता पर नर्स नेतृत्व वाले नेविगेशन क्लिनिक की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
11. एम्स, नई दिल्ली में यूरोलॉजी और स्त्री रोग विज्ञान ओपीडी में आने वाली महिलाओं में यूरिनरी इन्कान्टिनंस के लक्षणों की गंभीरता को कम करने एवं जीवन की गुणवत्ता पर किगेल एक्सरसाईज पर वीडियो एसिस्टड शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

12. एम्स, नई दिल्ली में हीमोडायलिसिस करा रहे रोगियों में फिस्टूला कैनुलेशन से होने वाले दर्द तथा बायोफिजियोलॉजिकल मापदंडों पर ऑडियो विजुअल डिस्ट्रेक्शन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
13. तृतीयक उपचार अस्पताल में नर्स की जानकारी एवं प्रैक्टिस पर सिमुलेशन-आधारित वेंटिलेटर अलार्म उपचार प्रशिक्षण के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
14. एम्स, नई दिल्ली में जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों के माता-पिता के बीच मुख संबंधी स्वच्छता के संबंध में जानकारी, प्रवृत्ति, प्रैक्टिस पर मोबाइल एप्लिकेशन-आधारित शैक्षिक हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
15. भी.रा.अं.स.रो.कैं.अ., एम्स, नई दिल्ली में पीआईसीसी लाइन से डिस्चार्ज होने वाले रोगियों में पीआईसीसी लाइन होम केयर संबंधी जानकारी एवं प्रैक्टिस पर एक सूचना पुस्तिका की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
16. हाइपोस्पेडिस से पीड़ित बच्चों के माता-पिता के अवसाद संबंधी जानकारी तथा मनोसामाजिक चिंताओं पर शिक्षा की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।
17. एम्स, नई दिल्ली के सुरक्षा गार्डों में वैरिकोज वेन्स के जोखिम कारकों, रोकथाम एवं उपचार संबंधी जानकारी पर वीडियो आधारित (सुविधा) प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
18. बाल चिकित्सा गहन उपचार एकक, एम्स, नई दिल्ली में नर्सों में दृष्टिकोण, आत्मविश्वास एवं कौशल के संबंध में अफवाहों को मिटाने हेतु सिमुलेशन-आधारित शिक्षण की प्रभावकारित का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।
19. एम्स, नई दिल्ली में वयस्क आईसीयू में कार्यरत नर्सों में सीएयूटीआई बंडल की जानकारी, दृष्टिकोण एवं प्रैक्टिस का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।
20. एम्स, नई दिल्ली में कार्यरत सुरक्षा गार्डों में स्ट्रोक के जोखिम कारकों की व्यापकता एवं मान्यता और स्ट्रोक की जानकारी पर वीएके मॉडल आधारित एक्ट एफएएसटी शैक्षिक कार्यक्रम की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।
21. एम्स, नई दिल्ली में बालशल्य चिकित्सा में डब्ल्यूएचओ सर्जिकल सेफ्टी चेकलिस्ट के अनुपालन एवं इसके कार्यान्वयन में आने वाली बाधाओं का आकलन करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
22. डिजिटल समुदाय-आधारित मूल्यांकन चेकलिस्ट का उपयोग करके दिल्ली एनसीआर में नर्सों के मध्य सामान्य कैंसर सहित नॉन-कक्यूनिकेबल रोगों के जोखिम कारकों की व्यापकता का आकलन करना: एक पायलट अध्ययन।
23. दिल्ली में दोपहिया वाहन चालकों में जागरूकता एवं अभ्यास।
24. कोविड-19 दिशानिर्देशों का पालन करते हुए नेफ्रोलोजी नर्सिंग प्रक्रिया प्रोटोकॉल विकसित करने के उद्देश्य से एम्स के नेफ्रोलोजी एकक में चयनित नेफ्रोलोजी नर्सिंग प्रक्रियाओं का क्लिनिकल ऑडिट किया गया।
25. फोरेंसिक नर्सिंग से संबंधित नर्सिंग अधिकारियों की जानकारी एवं आत्मविश्वास का स्तर।
26. कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में म्यूकोर्मिकोसिस - इण्डियन केस सीरीज।

27. आम जनता के बीच कोविड-19 से संबंधित मिथक एवं तथ्य।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	09	08	02
कुल वित्तपोषण	2,822,302	12,141,059	950,000

प्रकाशन

पत्रिकाएं: पुस्तकों में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	48	42	17
पत्रिका में छपे लेख	42	36	16
सार	00	00	00
किताबों में अध्याय	04	04	01
पुस्तकें	02	02	00

रोगी उपचार

क) सामुदायिक सेवाएँ/शिविर, आदि।

छात्रों द्वारा रोल प्ले एवं स्वास्थ्य शिक्षा के माध्यम से जनसमुदाय के बीच विभिन्न स्वास्थ्य दिवस मनाए गए:

1. 10 सितंबर 2022 को नर्सिंग कॉलेज द्वारा आत्महत्या रोकथाम दिवस का आयोजन किया गया।
2. अक्टूबर 2022 में नर्सिंग कॉलेज द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह समारोह आयोजित किया गया।

ख) विभिन्न वार्डों आदि में छात्रों की तैनाती।

छात्रों को विभिन्न मेडिकल और सर्जिकल वार्ड के आईसीयू, बाल चिकित्सा वार्ड, एमसीएच केंद्रों, मनोरोग चिकित्सा वार्डों में तैनात किया जाता है और कॉलेज के सभी संकाय-सदस्यगणों द्वारा इनकी निगरानी की जाती है।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. लता वेंकटेशन को क्लिनिकल नर्सिंग रिसर्च कमेटी (उत्तरी क्षेत्र) के अध्यक्ष के रूप में चयनित किया गया; एनएबीएच की प्रवेश स्तरीय मान्यता समिति की सदस्य एवं(एनएबीईटी, क्यूसीआई की शिकायत समिति) सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया; इन्हे अमेरिकन जर्नल ऑफ नर्सिंग एंड रिसर्च की संपादक के रूप में योगदान हेतु आमंत्रित किया गया।

सुश्री अदिति पी. सिन्हा ने भारत में नैदानिक आपातकाल नर्सिंग के लिए एसेन इंडिया अकादमी से दिनांक 22 अप्रैल को इमरजेंसी एवं ट्रॉमा नर्सिंग में फेलोशिप पूर्ण की।

सुश्री मिलन तिरवा आपातकाल नर्सिंग (ईएमइंडिया) में फेलोशिप पूर्ण की; एसीएलएस प्रोवाइडर बनने के लिए प्रशिक्षण।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित साक्ष्य आधारित प्रैक्टिस में नर्सिंग सूचना विज्ञान के इन्टिग्रेशन में अल्पकालिक अवधि पाठ्यक्रम

स्तनपान एवं शिशु तथा छोटे बच्चों द्वारा फीडिंग में राष्ट्रीय स्तरीय प्रशिक्षक (बीएफआईवाईसीएफ)

COLLEGE OF NURSING AIIMS DELHI

Organizes

Workshop on

Systematic Reviews & Meta-Analysis

Date: 30th November 2022

Time: 10:00am to 3:30pm

Venue: Studio I SET Facility, AIIMS

Programme Schedule

Time	Session	Resource person
10:00 am to 10:30am	Introduction to Systematic Reviews	Dr. M. Jeeva Sankar Additional Professor Department of Pediatrics, AIIMS New Delhi
10:30 am to 11:00am	Formulating Research Questions on Systematic Review	Mr.Jaison Joseph Faculty, College of Nursing Post Graduate Institute of Medical Sciences, Rohtak
11:00am to 11:15am	Tea Break	
11:15am to 12:00pm	Search Strategy: Searching Principles & Bias Assessment in Systematic Review	Dr. Latha T Associate Professor, College of Nursing AIIMS Kalyani
12:00pm to 01:00pm	Data Extraction: Best Evidence Synthesis in Systematic Reviews and Meta Analysis	Dr. M Kalaivani Scientist-I Department of Biostatistics ,AIIMS New Delhi
01:00pm to 2:00pm	Lunch Break	
2:00pm to 2:45pm	Writing the Systematic Review Report and Reporting Guidelines	Dr. Manju Dhandapani Associate Professor, NINE, PGIMER, Chandigarh
2:45pm to 3:30pm	Critical Appraisal of Systematic Reviews & Publication Scope Of Systematic Reviews	Mr. Abin Varghese Asst Professor, College of Nursing, AIIMS Nagpur

Organizing Chairperson
Dr. Latha Venkatesan
Professor cum Principal
College of Nursing, AIIMS New Delhi

Organizing Secretary
Mr. Ajesh Kumar T K
Associate Professor
College of Nursing, AIIMS New Delhi

Google Meet joining info:
https://meet.google.com/bos-hbpk-aac

Registration Link:
https://forms.gle/3TuJNNX24y37P3Pf7

9729389569

ajesh.ktk@gmail.com

दिल्ली पुलिस एवं स्टूडेंट्स नर्सेज एसोसिएशन द्वारा छात्रों के लिए आत्मरक्षा शिविर का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस- दिल्ली नर्सिंग परिषद् की अध्यक्ष ने छात्रों एवं संकाय-सदस्यों को संबोधित किया

नर्सिंग छात्रों हेतु खेल दिवस कार्यक्रम

8. अनुसंधान अनुभाग

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

सुब्रत सिन्हा

(दिनांक 01.04.2022 से 26.08.2022)

रमा चौधरी

(दिनांक 27.08.2022 से 31.01.2023)

कौशल के. वर्मा

(दिनांक 01.02.2023 जारी)

संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)

विनीत आहूजा

विशिष्टताएं

इस संस्थान के संकाय और शोधकर्ताओं को राष्ट्र की स्वास्थ्य चुनौतियों के समाधान के साथ-साथ वैश्विक ज्ञान को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान करने का आदेश दिया गया है। अनुसंधान अनुभाग के अधिदेश के अनुसार संस्थान में अनुसंधान को सहज एवं सशक्त बनाना है। अनुसंधान अनुभाग ने संस्थान में संकाय, वैज्ञानिकों और छात्रों के बीच अनुसंधान परिवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई अनुसंधान निधि प्रस्ताव कॉल शुरू की हैं, कार्यशालाएं आयोजित की हैं और बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है। एक अधिक जीवंत अनुसंधान परिवेश बनाने और भविष्य में दीर्घकालिक सहयोग के लिए लाइनें तैयार करने के उद्देश्य से, फंडिंग कॉल प्रस्तावों ने अब आईआईटी एवं टीएचएसटीआई जैसे अन्य संस्थानों के साथ सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से सहक्रियात्मक 'क्रॉस-रिसर्च गतिविधि' को उत्प्रेरित करने पर अपना दृष्टिकोण बदल दिया है। एम्स में पहली बार अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक वित्त पोषण का अवसर शुरू किया गया। यूनिवर्सिटी कॉलेज, लंदन (यूसीएल) और एम्स, नई दिल्ली के बीच अंतः विषय और सहयोगात्मक अनुसंधान रुचि को बढ़ाने के उद्देश्य से, एक संयुक्त अनुसंधान बीज कोष स्थापित किया गया है और इसने दोनों संस्थानों के संकाय सदस्यों के संयुक्त परियोजना प्रस्तावों को वित्त पोषित किया है। एम्स में तीसरे सेमेस्टर के बाद के छात्रों के लिए स्नातकपूर्व रिसर्च मेंटरशिप योजना भी शुरू की गई। बुनियादी ढांचे और क्षमता निर्माण अभ्यास को केंद्रीकृत कोर रिसर्च फैसिलिटीज (सीसीआरएफ), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) और सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई)/बायोएनईएसटी की परिचालन सुविधाओं के माध्यम से प्रोत्साहन दिया गया था।

बाह्य परियोजनाएँ

वित्तपोषण एजेंसी	परियोजनाओं की संख्या	अनुदान
आईसीएमआर	354	79,13,62,103
डीएचआर	37	8,02,10,473
डीएसटी	39	11,32,87,060
एसईआरबी	51	5,63,40,731
डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट	50	26,82,41,326
निजी राष्ट्रीय/उद्योग	116	8,00,37,953
अंतरराष्ट्रीय	75	29,06,12,883
मंत्रालय आदि	51	22,62,95,545
	773	**190,63,88,074**

आंतरिक परियोजनाएं

आंतरिक अनुदान हेतु एक ऑनलाइन जमा प्रणाली का निर्माण किया गया है।

एम्स में सहायक आचार्य एवं सह-आचार्यों के लिए अर्ली कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान

1. सह-जांचकर्ताओं के साथ एकल प्रधान अन्वेषक
2. फंडिंग: रु. 5 लाख/वर्ष - दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा जांच

एम्स में सभी स्तरों के संकाय-सदस्यों के लिए आंतरिक अंतर-विषयी सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं

1. दो अलग-अलग विभागों/विषय-क्षेत्रों के दो प्रमुख अन्वेषक (पीआई) पूरक विशेषज्ञता सहित
2. वित्तपोषण - दो वर्ष के लिए रू. 5 लाख/वर्ष प्रति पीआई (कुल 20 लाख)
3. बाह्य परियोजना समीक्षा समिति द्वारा जांच

एम्स में तीसरे सेमेस्टर के बाद के विद्यार्थियों के लिए स्नातकपूर्व अनुसंधान परामर्श योजना

1. एक संकाय सदस्य (मेंटर के रूप में नामित) के मार्गदर्शन में दो या तीन एमबीबीएस विद्यार्थियों का समूह
2. वित्त पोषण - एक साल के लिए प्रति परियोजना 2 लाख रुपये
3. आंतरिक परियोजना समीक्षा समिति द्वारा जांच

अंतर-संस्थागत सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं: निम्नलिखित संस्थानों के साथ:

1. आईआईटी-दिल्ली
2. आईआईटी-खड़गपुर

3. टीएचएसटीआई, फ़रीदाबाद

- पूरक विशेषज्ञता वाले दो अलग-अलग संस्थानों के दो प्रधान अन्वेषक
- वित्तपोषण (दोनों संस्थानों से आंतरिक) - 5 लाख रुपये/वर्ष प्रति पीआई दो साल के लिए (कुल 20 लाख रुपये)
- बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी की जाती है।

कोविड-संबंधित इंट्राम्यूरल परियोजनाएं

अनुसंधान अनुभाग ने कोविड के लिए अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए इंट्राम्यूरल योजनाएं शुरू की हैं। लॉन्ग कोविड के लिए इंट्राम्यूरल अनुदान के लिए दो कॉल के साथ-साथ **म्यूकोर्मिकोसिस** से संबंधित परियोजनाओं के लिए एक विशिष्ट कॉल। इससे यह सुनिश्चित हुआ कि संकाय सदस्यों को कोविड से संबंधित अनुसंधान करने के लिए फास्ट-ट्रैक सीड मनी तक पहुंच प्राप्त हो। कुल मिलाकर 81 कोविड परियोजनाओं, 11 लंबी कोविड परियोजनाओं और 26 कोविड म्यूकोर्मिकोसिस परियोजनाओं को आंतरिक मंजूरी दी गई। इन परियोजनाओं की प्रगति का विवरण देने वाली एक परियोजना समीक्षा बैठक भी शुरू की गई जहां जांचकर्ताओं को प्रगति प्रस्तुत करनी थी और यह अब सभी आंतरिक योजनाओं के लिए एक आदर्श बन जाएगा।

एम्स-यूसीएल

यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन के साथ अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सहयोग जारी रहा और इस वर्ष भी छह परियोजनाएँ प्रदान की गईं। पिछले वर्ष चार परियोजनाएँ प्रदान की गईं।

- दोनों संस्थानों से पूरक विशेषज्ञता वाले दो प्रधान जांचकर्ता
- फंडिंग यूसीएल और एम्स, नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान की गई है। प्रत्येक सफल प्रस्ताव को यूसीएल संकाय के लिए प्रति वर्ष £5,000 तक और रु. एम्स, नई दिल्ली संकाय के लिए एक वर्ष के लिए 5 लाख प्रति वर्ष।
- बाहरी परियोजना समीक्षा समिति द्वारा निगरानी की गई

दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान निम्नलिखित योजनाओं के लिए आंतरिक वित्तपोषण

क्र.सं.	योजना	नई परियोजनाएँ + चालू परियोजनाएँ	प्रदान की गई राशि रुपये में
1	अर्ली कैरियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट	175	5,20,82,470
2	एम्स-सहयोगात्मक	40	3,42,86,458
3	एम्स-आईआईटीडी सहयोगात्मक परियोजनाएँ	38	1,49,20,000
4	एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजनाएं	7	

5	एम्स-यूसीएल, लंदन	15	39,86,840
6	स्नातक परामर्श योजना	38	5,15,7691
7	एम्स कोविड	44	39,86,840
	कुल	**357**	**11,44,20,299**

एम्स एंडोमेंट निधि

एम्स एंडोमेंट फंड का उद्देश्य शिक्षा, अनुसंधान, प्रशिक्षण, छात्र और संकाय विनिमय कार्यक्रम, बुनियादी ढांचे के विकास आदि जैसी शैक्षणिक गतिविधियों का समर्थन करने के लिए विभिन्न स्रोतों जैसे एम्स के पूर्व छात्रों, परोपकारी लोगों और संगठनों से दान स्वीकार करना है। इसका रखरखाव एक कार्यकारी परिषद, वैज्ञानिक सलाहकार समिति और निधि संवर्धन समिति द्वारा किया जाता है।। एम्स एंडोमेंट फंड के तहत निम्नलिखित गतिविधियां चल रही हैं:

ऑन्कोलॉजी में इंफोसिस चेयर

प्रस्तावना: इंफोसिस फाउंडेशन ने एम्स को 2 चेयर स्थापित करने के लिए धन दान किया है, जिनमें से कैंसर (ऑन्कोलॉजी), और प्रसूति एवं स्त्री रोग (ओबीजीवाई) में 5 करोड़ रुपये का है। इन्फोसिस एंडोमेंट निम्नानुसार है:

1. चेयर स्थापित करना
2. अनुसंधान को आगे बढ़ाने में संकाय, वैज्ञानिकों और छात्रों को बढ़ावा देना और समर्थन करना
3. विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ छात्रों और संकाय के आदान-प्रदान का समर्थन करना
4. वैज्ञानिकों और संकाय को यात्रा फ़ेलोशिप प्रदान करना
5. बोर्ड द्वारा अनुमोदित कोई अन्य उपयुक्त शैक्षणिक उद्देश्य

इंडोड चेयर का उद्देश्य: एक इंडोड चेयर का उद्देश्य एक प्रतिष्ठित संकाय को उसकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित करना और एम्स में काम करने का अवसर प्रदान करना है। ऐसी चेयर्स से एम्स संकाय, छात्रों और वैज्ञानिकों को लाभ होने की संभावना है क्योंकि प्रतिष्ठित विजिटिंग डॉक्टर/वैज्ञानिक अपने साथ संबंधित क्षेत्र यानी ऑन्कोलॉजी और प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान में अद्वितीय विशेषज्ञता और अनुभव लेकर आएंगे ।

प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान में इंफोसिस चेयर के लिए, निम्नलिखित पात्रता मानदंड लागू होंगे:

1. किसी प्रतिष्ठित सरकारी राष्ट्रीय विश्वविद्यालय/अस्पताल या अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय/ अस्पताल में संबंधित क्षेत्र में काम करने वाला डॉक्टर/वैज्ञानिक जिसके पास स्नातकोत्तर पेशेवर डिग्री यानी एमडी/पीएचडी प्राप्त करने के बाद कम से कम 10 साल का पेशेवर अनुभव हो ।
2. व्यक्ति ने निम्नलिखित के माध्यम से संबंधित क्षेत्र में उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया होगा: उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में शोध प्रकाशन (10 या अधिक के प्रभाव कारक के साथ जर्नल में कम से कम एक पेपर), >15 का एच-इंडेक्स, और सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में कम से कम 25

मूल लेख। क्षेत्र में प्रदर्शित प्रतिबद्धता जैसे कि एक विशेषज्ञता/उप-विशेषता/ केंद्र की स्थापना पर उचित ध्यान दिया जाएगा।

नामांकन की प्रक्रिया: संस्थान का कोई भी संकाय इस प्रतिष्ठित चेयर के लिए उपयुक्त उम्मीदवार को नामांकित कर सकता है। प्रस्तावक द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित नामांकन फॉर्म निम्नलिखित के साथ एम्स एंडोमेंट फंड के कार्यालय में भेजा जाना चाहिए:

1. नामांकित व्यक्ति की सहमति
2. संस्थान में मेजबान विभाग की सहमति
3. प्रस्तावक द्वारा नामांकित व्यक्ति की खूबियों पर 250 शब्दों का लेख
4. संस्थान में रहने की अवधि के दौरान नामांकित व्यक्ति से अपेक्षित विशिष्ट योगदान के बारे में 250 शब्दों का प्रस्ताव
5. प्रकाशनों, उपलब्धियों, पुरस्कारों और सम्मानों के साथ नामांकित व्यक्ति का जीवन चरित्र।

चयन की प्रक्रिया: नामांकन का मूल्यांकन निष्पक्ष और पारदर्शी मूल्यांकन प्रक्रिया के माध्यम से एम्स एंडोमेंट फंड की वैज्ञानिक सलाहकार समिति द्वारा किया जाएगा। अंतिम चयन कार्यकारी परिषद द्वारा किया जाएगा।

अध्यक्षों की अवधि: 1 से 3 महीने लेकिन कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित होने पर मामले-दर-मामले के आधार पर इसे अधिकतम 6 महीने तक बढ़ाया जा सकता है।

चेयर से जुड़े विशेषाधिकार: इंडोड चेयर पर नियुक्त व्यक्ति को एक विजिटिंग आचार्य के रूप में माना जाएगा और मामले के अनुसार वह ऑन्कोलॉजी/ प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान के इंफोसिस चेयर, लिखने का हकदार होगा। उसे इकोनॉमी क्लास का हवाई किराया, वीजा शुल्क, प्रति दिन और आवास उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, उसे इंटरनेट कनेक्शन, पुस्तकालय पहुंच और आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल के साथ मेजबान विभाग द्वारा कार्यालय स्थान (भले ही साझा आधार पर) दिया जाएगा।

रोगी उपचार: चेयर से सम्मानित एक मेडिकल डॉक्टर मुख्य रूप से किसी विशेष तकनीक/प्रक्रिया/उपचार दृष्टिकोण के प्रशिक्षण/शिक्षण के लिए रोगी उपचार में शामिल होने का हकदार होगा, लेकिन नियमित रोगी उपचार के लिए नहीं। किसी भी प्रकार के रोगी उपचार में सीधे शामिल होने की अनुमति देने से पहले विदेशी डिग्री वाले अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरों को मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के साथ पंजीकृत होना चाहिए। एमसीआई पंजीकरण प्राप्त करने की जिम्मेदारी नामांकित व्यक्ति और/या मेजबान विभाग के प्रमुख की होगी। यदि किसी मरीज का इलाज किसी विदेशी चिकित्सा डॉक्टर द्वारा किया जा रहा है, तो मरीज की सूचित लिखित सहमति पहले से प्राप्त की जानी चाहिए।

पुरस्कार विजेता से अपेक्षाएँ: चेयर के पुरस्कार विजेता से अपेक्षा की जाती है कि वह संबंधित विशेषता के विकास में योगदान दे। अनुसंधान/रोगी उपचार में उनकी भागीदारी से क्षमता निर्माण में मदद मिलेगी और युवा संकाय को प्रेरणा मिलेगी। पुरस्कार प्राप्तकर्ता का आचरण प्रतिष्ठित अध्यक्ष की प्रतिष्ठा के अनुरूप होना चाहिए और उसे संस्थान के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में कार्य करना चाहिए।

पुरस्कार विजेताओं की संख्या: संभावना है कि हर साल 1 से 3 महीने की अवधि के लिए इन प्रतिष्ठित चेयर के लिए कई विशेषज्ञों का चयन किया जाएगा। ऐसी यात्राओं पर कुल सीमित कारक व्यय होगा, जो ऐसी सभी यात्राओं के लिए संयुक्त रूप से 20 लाख/वर्ष रुपये से अधिक नहीं होना चाहिए।

वर्ष 2023 के लिए कैंसर (ऑन्कोलॉजी) में इंफोसिस चेयर के लिए चयनित पुरस्कार विजेताओं की सूची

क्र.सं	उम्मीदवार का नाम	प्रायोजित एम्स संकाय का नाम
1	**डॉ. असीमा मुखोपाध्याय** कंसल्टेंट गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी और साइटोरिडक्टिव सर्जरी में लीड, जेम्स कुक यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, यूके	डॉ. नीरजा भाटला, आचार्य एवं अध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग।
2	**डॉ. क्यूंग ताए** महासचिव, एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जरी (एपीटीएस), निदेशक, हन्यांग यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल कैंसर सेंटर, आचार्य, ओटोलर्यनोलोजी विभाग - सिर एवं गला की सर्जरी, मेडिसिन कॉलेज, हन्यांग यूनिवर्सिटी, सियोल, कोरिया	डॉ. आलोक ठक्कर आचार्य एवं अध्यक्ष, ओटोलरींगोलॉजी एवं हेड नेक सर्जरी विभाग

एम्स संकाय के लिए विषय अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप

फ़ेलोशिप का उद्देश्य चिकित्सा विज्ञान के उभरते क्षेत्रों में उन्नत प्रशिक्षण प्राप्त करने के अवसर प्रदान करना और एम्स, नई दिल्ली में कार्य के लिए उनका उपयोग करना है। इनका उद्देश्य सम्मेलनों, सोसायटी बैठकों या सीएमई में भाग लेने के लिए नहीं हैं। जो संकाय कार्य के एक विशिष्ट क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करते हैं जिसके लिए उन्नत ज्ञान की आवश्यकता होती है, उस क्षेत्र में प्रतिष्ठित मेजबान के साथ एक विशिष्ट कार्य योजना का निर्माण करते हैं, और यह दर्शाते हैं कि प्राप्त ज्ञान का उपयोग एम्स, नई दिल्ली में किया जाएगा।

फ़ेलोशिप के लिए क्षेत्र

ट्रांसलेशनल घटक के साथ नैदानिक चिकित्सा, बुनियादी विज्ञान एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य में उभरते क्षेत्र

फ़ेलोशिप की अवधि

दो से चार सप्ताह 4 सप्ताह से अधिक की किसी भी अवधि को यात्रा अनुदान द्वारा वित्तीय रूप से समर्थित नहीं किया जाएगा और यह मामला-दर-मामला आधार पर विशिष्ट अनुमोदन के अधीन होगा।

एम्स इंटरनेशनल फेलोशिप के लिए पुरस्कार विजेताओं की सूची

क्र.सं.	नाम	अनुसंधान रुचि का क्षेत्र	विदेशी परामर्शदाता एवं संस्थान	फेलोशिप की अवधि
1	**डॉ. नितेश तिवारी** अपर आचार्य, विभाग बाल एवं निवारक दंत चिकित्सा, सीडीईआर	दंत अभिघात विज्ञान, पुनर्योजी दंत चिकित्सा, आण्विक जीवविज्ञान	**डॉ. उज्ज्वल कुमार** भवाल, मात्सुडो में निहोन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डेंटिस्ट्री	3 सप्ताह
2	**डॉ. एल गोपीचंद्रन** सह आचार्य, कॉलेज ऑफ नर्सिंग विभाग	नर्स सूचना विज्ञान, प्रशामक देखभाल और नर्स नेतृत्व मॉडल उपचार।	**जैकी एल. माइकल** यूटीए कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ इनोवेशन	4 सप्ताह
3	**डॉ. दीपक गुंजन** सह आचार्य गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं मानव पोषण विभाग	उन्नत चिकित्सीय एंडोस्कोपी एवं अग्नाशय रोग	**डॉ. केन ओहाटा** प्रमुख एवं निदेशक एंडोस्कोपी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, एनटीटी मेडिकल सेंटर, हिगाशी-गोटांडा, शिनागावाकु-टोक्यो-जापान	4 सप्ताह
4	**डॉ. कंवलजीत गर्ग** अपर आचार्य न्यूरोसर्जरी विभाग	न्यूरोमॉड्यूलेशन (गतिविधि विकारों सहित), रीढ़	**आचार्य अली रेजाई,** निदेशक एसोसिएट संकायाध्यक्ष एवं न्यूरोसाइंस रॉकफेलर न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट के उपाध्यक्ष	4 सप्ताह

छात्रों के लिए यात्रा फ़ेलोशिप

1. अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय सम्मेलनों, कार्यशाला प्रश्नोत्तरी में भाग लेने के लिए छात्रों, रेजिडेंटों, पीएचडी विद्वानों और अनुसंधान कर्मचारियों के लिए यात्रा फ़ेलोशिप की संख्या में वृद्धि।
2. यात्रा अनुदान पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए हर दो महीने में बैठक आयोजित की जाती है।

महीने	**अंतरराष्ट्रीय**	**यूजी के लिए राष्ट्रीय**	**स्वीकृत राशि (रु.)**
अप्रैल से मई	9		3,57,900
जून से जुलाई	12		7,00,000
अगस्त से सितंबर	11	12	8,20,000
अक्टूबर से नवंबर	12	2	8,40,000

दिसंबर से जनवरी	9	3	6,80,000
फरवरी से मार्च	10	11	9,00,000
कुल	**63**	**28**	**4297900**

एम्स ऑन्कोलॉजी पुरस्कार

एम्स के संकाय सदस्यों/वैज्ञानिकों को एम्स में ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में अनुसंधान आउटपुट और उच्च गुणवत्ता वाले प्रकाशनों की मान्यता के लिए सम्मानित किया जाता है। दिनांक 8 अक्टूबर 2022 को आयोजित दूसरे एम्स अनुसंधान दिवस के अवसर पर वर्ष 2020 और 2021 के लिए ऑन्कोलॉजी पुरस्कार वितरित किए जाते हैं।

वर्ष 2020 के लिए ऑन्कोलॉजी अवार्ड्स बेसिक साइंस श्रेणी

क्र.सं.	**नाम**	**पेपर का शीर्षक**	**पत्रिका का नाम**	**पुरस्कार/इनाम**
1	डॉ. रितु गुप्ता, आचार्य प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान एकक विभाग, डॉ. बीआरए-आईआरसीएच	अनियंत्रित एमआईआर की आरएनए-सेक प्रोफाइलिंग तथा नैदानिक परिणाम पर उनका प्रभाव	ब्लड कैंसर जर्नल	प्रथम पुरस्कार
2	डॉ. दीपिका मिश्रा, अपर आचार्य, ओरल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी विभाग	ओरल डिसप्लेसिया और ओरल कैंसर का पता लगाने में फ्लोरेसिन डाई का नवीन उपयोग	फोटो डायग्नोसिस और फोटोडायनामिक थेरेपी जर्नल	द्वितीय पुरस्कार
3	डॉ. नीवेते लोमी, सह आचार्य, डॉ. आरपी सेंटर	यूवील मेलेनोमा में एचईआरसी2 प्रोटीन और पिंक-आइड डाइल्यूशन प्रोटीन का पूर्वानुमानित प्रभाव	मानव कोशिका जर्नल	द्वितीय पुरस्कार

वर्ष 2020 के लिए ऑन्कोलॉजी पुरस्कार क्लिनिकल साइंस श्रेणी

1	डॉ. सीएस बाल, एमडी, डीएनबी, डीएससी आचार्य एवं अध्यक्ष, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग	मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर रोगियों में 225एसी-पीएसएमए-617 लक्षित अल्फा थेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा	थेरानोस्टिक्स जर्नल	प्रथम पुरस्कार

2	डॉ. बृषभानु नायक अपर आचार्य यूरोलॉजी विभाग	मेटास्टैटिक क्लियर-सेल रीनल सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं की भूमिका	जर्नल ऑफ यूरोलॉजिक ऑन्कोलॉजी: सेमिनार और मूल जांच	द्‍वितीय पुरस्कार
3	डॉ. दीपाली जैन एमडी, डीएनबी, एफआईएससी अपर आचार्य पैथोलॉजी विभाग	उपचार प्रतिक्रिया और परिणाम विश्लेषण के साथ गैर-लघु-कोशिका फेफड़ों के कार्सिनोमस में असामान्य और मिश्रित एपिडर्मल वृद्धि कारक रिसेप्टर उत्परिवर्तन का स्पेक्ट्रम: भारत से एक अध्ययन	फेफड़ों के कैंसर का जर्नल	द्‍वितीय पुरस्कार

वर्ष 2021 के लिए ऑन्कोलॉजी पुरस्कार बुनियादी विज्ञान श्रेणी

क्र.सं.	**नाम एवं विभाग**	**शीर्षक**	**जर्नल का नाम**	**पुरस्कार/इनाम**
1	डॉ. जयन्त कुमार पलानीचामी अपर आचार्य, जैव रसायन विभाग	IGF2BP1 की नैदानिक उपयोगिता और ETV6-RUNX1 पॉजिटिव बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में इसके संभावित लक्ष्य	ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स	प्रथम पुरस्कार
2	डॉ. समीर बख्शी आचार्य मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	PGC1A संचालित उन्नत माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए कॉपी संख्या बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिणाम की भविष्यवाणी करती है	माइटोकॉन्ड्रियन जर्नल	द्‍वितीय पुरस्कार
3	डॉ. अल्पना शर्मा आाचार्य, जैव रसायन विभाग	एमआईआर -144/199 का निषेध वर्सिकन और एफएके/एसटीएटी3 सिग्नलिंग के अपग्रेडेशन के माध्यम से मायलोमा रोगजनन को बढ़ावा देता है	जर्नल ऑफ़ मॉलिक्यूलर एंड सेल्युलर बायोकैमिस्ट्री	तृतीय पुरस्कार

वर्ष 2021 के लिए ऑन्कोलॉजी पुरस्कार नैदानिक विज्ञान श्रेणी

क्र.सं.	नाम एवं विभाग	शीर्षक	जर्नल का नाम	पुरस्कार/इनाम
1	डॉ. सुप्रिया मलिक सहायक आचार्य, विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग, एनसीआई, झज्जर	स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल कैंसर में इंट्रा-कैविटरी ब्रैकीथेरेपी की अनुप्रयोग गुणवत्ता और डोसिमेट्री में सुधार के लिए ट्रांस-एब्डॉमिनल अल्ट्रासाउंड का चरण III यादृच्छिक परीक्षण	स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी जर्नल	प्रथम पुरस्कार
2	डॉ. राकेश कुमार, एमडी, पीएचडी आचार्य एवं प्रमुख डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन डिवीजन न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग	सहवर्ती चिरकारी अग्नाशयशोथ के साथ और उसके बिना रोगियों में अग्नाशय एडेनोकार्सिनोमा के निदान में दोहरे बिंदु 18एफ-एफडीजी-पीईटी/सीटी की भूमिका: सीईसीटी और EUS के साथ तुलना	पैनक्रिएटोलॉजी जर्नल	द्वितीय पुरस्कार
3	डॉ. दीपाली जैन, अपर आचार्य, पैथोलॉजी विभाग	प्लाज्मा और मूत्र के नमूनों पर ईजीएफआर उत्परिवर्तन परीक्षण: फेफड़ों के कैंसर के निदान और उपचार में तरल बायोप्सी के महत्व का मूल्यांकन करने वाला एक पायलट अध्ययन	कैंसर में वर्तमान समस्याओं का जर्नल	तृतीय पुरस्कार
4	डॉ. संजीव कुमार गुप्ता, अपर आचार्य, प्रयोगशाला ऑन्कोलॉजी, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स	बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बाल चिकित्सा बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए आणविक आनुवंशिक जोखिम स्कोरिंग प्रणाली, "एमआरप्लस" का प्रस्ताव और नैदानिक अनुप्रयोग- एक ही केंद्र से रिपोर्ट	ल्यूकेमिया रिसर्च जर्नल	तृतीय पुरस्कार

इंडोड चेयर: शोभा सेठ वेंगर, "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में प्रतिष्ठित अध्यक्ष मीरा सेठ कॉर्पस फंड ने स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में चेयर स्थापित करने के लिए एम्स को धन दान किया है।

इंडोड चेयर का उद्देश्य: यह प्रतिष्ठित चेयर एम्स, नई दिल्ली के एक वरिष्ठ संकाय/वैज्ञानिक को प्रदान की जाएगी, जिसका स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट ट्रैक रिकॉर्ड है।
डॉ. नीरजा भाटला, आचार्य एवं अध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्रीरोगविज्ञान विभाग को "मीरा सेठ कॉर्पस फंड" के तहत 2 साल की अवधि के लिए 7.5 लाख प्रति वर्ष रूपये। की वित्तीय सहायता के साथ स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी में 'शोभा सेठ वेंगर' प्रतिष्ठित अध्यक्ष से सम्मानित किया गया है।

एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार (2020)
अनुसंधान अनुभाग ने "एम्स उत्कृष्टता पुरस्कार" प्रदान करके अपने संकाय/वैज्ञानिकों के गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान आउटपुट को मान्यता देने के लिए एक कार्यक्रम लागू किया है। पुरस्कारों की दो श्रेणियां हैं: बुनियादी/मौलिक विज्ञान और नैदानिक/अनुप्रयुक्त विज्ञान। सहकर्मी-समीक्षित सूचकांक पत्रिकाओं में प्रकाशित मूल प्रकाशन उक्त पुरस्कारों के लिए पात्र हैं। वर्ष 2020 और 2021 के लिए एम्स उत्कृष्टता पुरस्कारों की सूची इस प्रकार है:

वर्ष 2020 के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता नैदानिक विज्ञान श्रेणी पुरस्कार

क्र.सं.	नाम	पेपर का शीर्षक	जर्नल का नाम	पुरस्कार/इनाम
1	**डॉ. सोमेश गुप्ता,** आचार्य, त्वचाविज्ञान एवं रतिजरोगविज्ञान विभाग	सामान्य त्वचा संबंधी रोगों के निदान के लिए एक मशीन लर्निंग-आधारित, निर्णय समर्थन, मोबाइल फोन एप्लिकेशन	यूरोपियन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी	प्रथम पुरस्कार
2	**डॉ. समीर बख्शी** आचार्य मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	अत्यधिक इमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बच्चों और किशोरों में उल्टी की रोकथाम के लिए ओलंज़ापाइन: जांचकर्ता द्वारा शुरू किया गया, यादृच्छिक, ओपन-लेबल परीक्षण	जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी	द्वितीय पुरस्कार
3	**डॉ. दीपक कुमार गुप्ता,** आचार्य, न्यूरोसर्जरी विभाग	क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन के परिमित तत्व विश्लेषण मॉडल (एफईएम) का विकास और सत्यापन	स्पाइन जर्नल भारत की भौगोलिक दृष्टि से विविध जनसंख्या में	द्वितीय पुरस्कार

4	डॉ. राधिका टंडन, आचार्य, नेत्र रोग विभाग	मोतियाबिंद और सूर्य के प्रकटन का संबंध : मामला अध्ययन। आईसीएमआर-आईवाईईईई अध्ययन समूह की पहली रिपोर्ट	एक और	तृतीय पुरस्कार
5	**डॉ. शेफाली गुलाटी** बाल न्यूरोलॉजी प्रभाग, बाल रोग विभाग	दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित बच्चों में केटोजेनिक आहार, संशोधित एटकिन्स आहार और कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स थेरेपी आहार की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण	जामा बाल रोग	तृतीय पुरस्कार
6	**डॉ. रोहित भाटिया** आचार्य न्यूरोलॉजी विभाग	माइग्रेन में ऐड-ऑन थेरेपी के रूप में योग का प्रभाव (संमिलित): एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण	अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
7	**डॉ. नंद कुमार** आचार्य विभाग	सिज़ोफ्रेनिया में नकारात्मक लक्षणों के उपचार में दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, शम-नियंत्रित परीक्षण	मस्तिष्क उत्तेजना जर्नल	तृतीय पुरस्कार
8	**डॉ. रूपा राजन,** सह आचार्य, न्यूरोलॉजी विभाग	डायस्टोनिक हाथ कंपन के लिए बोटुलिनम न्यूरोटॉक्सिन इंजेक्शन का मूल्यांकन, एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण	जामा न्यूरोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
9	**डॉ. उर्वशी बी सिंह** आचार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग	माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पॉलीक्लोनल संक्रमण	पीएलओएस वन	प्रमाणपत्र
10	**डॉ भावुक गर्ग** अपर आचार्य अस्थि रोग विभाग	गंभीर रीढ़ की हड्डी की विकृति के लिए संशोधित पश्च कशेरुक स्तंभ उच्छेदन: एक पूर्वव्यापी, तुलनात्मक अध्ययन	स्पाइन जर्नल	प्रमाणपत्र

11	**डॉ. संजय शर्मा** आचार्य रेडियोडायग्नोसिस विभाग	सामान्यीकृत दोहरी-ऊर्जा आयोडीन अनुपात परफ्यूजन सीटी और दोहरी ऊर्जा सीटी से मात्रात्मक इमेजिंग बायोमार्कर के बीच रीनल सेल कार्सिनोमा उपप्रकारों को सबसे अच्छा विभेदित करता है	अमेरिकन जर्नल ऑफ रोएंटजेनोलॉजी	प्रमाणपत्र
12	**डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती,** अपर आचार्य, बाल रोग विभाग	बाल ऐंठन स्थिति मिर्गीष्टिकस के लिए एक नवीन परिणाम पूर्वसूचक स्कोर (पीईडीएसएस) का विकास: एक अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन	मिर्गी के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय लीग	प्रमाणपत्र
13	**डॉ. राकेश कुमार**, एमडी, पीएचडी आचार्य एवं अध्यक्ष डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर मेडिसिन प्रभाग	विफल या अनिर्णीत सीटी-निर्देशित प्रक्रिया वाले मरीजों में पीईटी/सीटी-निर्देशित ऊतक नमूनाकरण	जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल न्यूक्लियर मेडिसिन	प्रमाणपत्र

वर्ष 2020 के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता बुनियादी विज्ञान श्रेणी पुरस्कार

1	**डॉ. कल्पना लूथरा** आचार्य, जैव रसायन विभाग	मल्टीवेरिएंट संक्रमण वाले शिशुओं में ऑटोलॉगस परिसंचारी वायरस के विरूद्ध प्रभावी प्लाज्मा एंटीबॉडी को व्यापक रूप से निष्क्रिय करता है।	नेचर कम्युनिकेशन	प्रथम पुरस्कार
2	**प्रो. अल्पना शर्मा** आचार्य, जैव रसायन विभाग	डाउनरेगुलेटिंग एफएके/एसटीएटीड सिग्नलिंग के MiR-144/199 इंहिबिटिस मल्टीयल मायलोमा द्वारा स्ट्रोमल वर्सिकन का लक्ष्यीकरण	आरएनए जीवविज्ञान	द्वितीय पुरस्कार
3	**डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी** सह आचार्य बायोफिज़िक्स विभाग	मिर्गी की शुरुआत में उम्र पर निर्भर फोकल कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया (एफसीडी) में जीएबीएए रिसेप्टर-मध्यस्थ मिर्गीजन्यता	सेलुलर तंत्रिका विज्ञान में फ्रंटियर्स	द्वितीय पुरस्कार

4	**डॉ. बैबास्वता नायक**, अपर आचार्य गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग	वायरस से जुड़े हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में एमटीओआर मार्गों को संशोधित करने वाले ओन्कोमिर की रोगसूचक और चिकित्सीय क्षमता	ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स	तृतीय पुरस्कार
5	**डॉ. सुजाता मोहंती** आचार्य विभाग। स्टेम सेल सुविधा की	अत्यधिक छिद्रपूर्ण चिटोसन-आधारित हड्डी एनालॉग्स में ऊतक-विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम सेल-निर्भर ओस्टोजेनेसिस	स्टीम सेल्स ट्रांसलेशनल मेडिसिन	तृतीय पुरस्कार
6	**डॉ. विजय एल कुमार** आचार्य फार्माकोलॉजी विभाग	मेटफॉर्मिन एवं सिलमारिन रेडॉक्स सिथति तथा जलन को नियंत्रित करके चूहे में साइक्लोस्पोरिन ए प्रवृत्त हेपेटोरेनल विषाक्तता में सुरक्षा प्रदान करते हैं।	जैव रासायनिक एवं आणविक विष विज्ञान	प्रमाणपत्र
7	**डॉ. सचिन कुमार,** वैज्ञानिक-।। मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग	भारतीय गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर रोगियों के निदान और पूर्वानुमान के लिए विभेदित रूप से व्यक्त परिसंचारी सीरम माइक्रोआरएनए की पहचान	कैंसर में वर्तमान समस्याएँ	प्रमाणपत्र
8	**आचार्य सीमा कश्यप** ऑक्यूलर पैथोलॉजी डॉ. आरपी नेत्र विज्ञान केंद्र	प्राथमिक और कीमो रिड्यूस्ड रेटिनोब्लास्टोमा वाले रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ प्रतिरक्षा जांच बिंदु मार्करों की तुलनात्मक अभिव्यक्ति की नैदानिक प्रासंगिकता	कैंसर इम्यूनोलॉजी, इम्यूनोथेरेपी	प्रमाणपत्र
9	**डॉ. लता सिंह** वैज्ञानिक-द्वितीय बाल रोग विभाग	यूवियल मेलेनोमा में पीडी -1/ पीडीएल1 अभिव्यक्ति का पूर्वानुमानित महत्व: ट्यूमर इंफिल्ट्रेटिंग करने वाले लिम्फोसाइट्स और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ सहसंबंध	कैंसर इम्यूनोलॉजी, इम्यूनोथेरेपी	प्रमाणपत्र
10	**डॉ. उमा शर्मा** अपर आचार्य, एनएमआर विभाग	एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा छोटी आंतों के म्यूकोसा, रक्त प्लाज्मा और मूत्र की चयापचय	बायोमेडिसिन में एनएमआर	प्रमाणपत्र

		प्रोफाइलिंग से जांच की गईसीलिएक रोग में चयापचय मार्गों में असामान्यताएं।		

वर्ष 2021 के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता नैदानिक विज्ञान श्रेणी पुरस्कार

क्र.सं.	नाम एवं विभाग	पेपर का शीर्षक	जर्नल का नाम	पुरस्कार/इनाम
1	**डॉ. मनीष सोनेजा** अपर आचार्य मेडिसिन विभाग	भारत में निष्क्रिय वायरस-आधारित SARS-CoV-2 वैक्सीन, BBV152 की प्रभावशीलता: एक परीक्षण-नकारात्मक, केस-नियंत्रण अध्ययन	लांसेट संक्रामक रोग	प्रथम पुरस्कार
2	**डॉ. झूमा शंकर,** अपर आचार्य, बाल रोग विभाग	पहचान के पहले घंटे से अधिक देरी से एंटीबायोटिक देने से सेप्सिस/गंभीर सेप्सिस और सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में मृत्यु दर में वृद्धि होती है।	बाल चिकित्सा जर्नल	द्वितीय पुरस्कार
3	**डॉ. विशाल गुप्ता,** सहायक आचार्य, त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान विभाग	घाव एलोपेसिया एरियाटा में बालों के दोबारा उगने और लीज़न टी-सेल साइटोकिन अभिव्यक्ति पर प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा का मूल्यांकन एक यादृच्छिक पर्यवेक्षक-ब्लाइंडिड, प्लेसिबो-नियंत्रित, स्प्लिट-हेड पायलट अध्ययन	जर्नल ऑफ दी अमेरिकन अकादमी ऑफ डर्माटोलॉजी	द्वितीय पुरस्कार
4	**डॉ. अनिता चोपड़ा,** अतिरिक्त आचार्य, लैब ऑन्कोलॉजी विभाग	बाल चिकित्सा बी-वंश तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईएमपी1, सीएएसपी1 और एनएलआरपी3 जीन की अभिव्यक्ति की पूर्वानुमानित प्रासंगिकता।	ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स	तृतीय पुरस्कार

5	**डॉ. अनूप सराया** आचार्य एवं अध्यक्ष गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एवं मानव पोषण विभाग	सिरोसिस के रोगियों में विटामिन डी के स्तर और अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन डी अनुपूरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण	दि अमेरिकन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
6	**डॉ. असुरी कृष्णा**, अपर आचार्य, सर्जरी विभाग, एम्स	लेप्रोस्कोपिक टोटली एक्स्ट्रापेरिटोनियल (टीईपी) और ट्रांसएब्डॉमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) वंक्षण हर्निया की मरम्मत के बाद यौन क्रिया तथा वीर्य विश्लेषण की एक संभावित यादृच्छिक तुलना	सर्जिकल एंडोस्कोपी	तृतीय पुरस्कार
7	**डॉ. सीएस बाल,** आचार्य एवं अध्यक्ष, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग	रेडियोआयोडीन-दुर्दम्य विभेदित थायराइड कैंसर रोगियों के लिए नवीन फाइब्रोब्लास्ट सक्रियण प्रोटीन अवरोधक-आधारित लक्षित थेराग्नोस्टिक: एक पायलट अध्ययन	थाइरोइड	तृतीय पुरस्कार
8	**डॉ. रोशन भाद,** सह आचार्य (मनोचिकित्सा), (एनडीडीटीसी)	दिल्ली, भारत में मोबाइल मेथाडोन वितरण: कार्यान्वयन अनुसंधान	विश्व स्वास्थ्य संगठन का बुलेटिन	प्रमाणपत्र
9	**डॉ. वैशाली सूरी** आचार्य, न्यूरोपैथोलॉजी	ज़ैंथोएस्ट्रोसाइटोमा की जीन अभिव्यक्ति-आधारित प्रोफाइलिंग दो पूर्वानुमानित उपसमूहों पर प्रकाश डालती है	अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रांसलेशनल रिसर्च	प्रमाणपत्र
10	**डॉ. मधुसूदन के.एस** अपर आचार्य, रेडियोडायग्नोसिस विभाग,	5-मिनट विलंबित दोहरी-ऊर्जा सीटी का उपयोग करके लिवर फाइब्रोसिस की गैर-आक्रामक स्टेजिंग: यूएस इलास्टोग्राफी के साथ तुलना और हिस्टोलॉजिक निष्कर्षों के साथ सहसंबंध	रेडियोलॉजी जर्नल	प्रमाणपत्र

11	**डॉ. चंदन जे दास** रेडियोडायग्नोसिस और इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग के अपर आचार्य	कुष्ठ रोग में उलनार तंत्रिका की भागीदारी के मूल्यांकन में प्रसार टेंसर इमेजिंग की भूमिका	ब्रिटिश जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी	प्रमाणपत्र
12	**डॉ. (प्रो.) नीलम पुष्कर**, ऑकुलोप्लास्टी एवं ऑन्कोलॉजी सर्विसेज (यूनिट V) डॉ. आरपी सेंटर,एम्स, नई दिल्ली	स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम में लिड मार्जिन विकृति के लिए श्लेष्म झिल्ली ग्राफ्टिंग (फाइब्रिन गोंद बनाम सिवनी): यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन	नेत्र (लंदन)	प्रमाणपत्र

वर्ष 2021 के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता बुनियादी विज्ञान श्रेणी पुरस्कार

क्र.सं.	नाम एवं विभाग	पेपर का शीर्षक	जर्नल का नाम	इनाम/पुरस्कार
1	**डॉ. ऋतु गुप्ता** लैब ऑन्कोलॉजी विभाग	मल्टीपल मायलोमा में शाखाओं वाले क्लोनल विकास पैटर्न उत्परिवर्तनीय परिदृश्य पर हावी होते हैं	अमेरिकन जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च	प्रथम पुरस्कार
2	**डॉ. रूपेश के श्रीवास्तव** सह आचार्य जैव प्रौद्योगिकी विभाग	रेगुलेटरी बी कोशिकाएं (ब्रेग्स) ऑस्टियोक्लास्टोजेनेसिस को रोकती हैं और ओवरीएक्टोमी-प्रेरित हड्डी हानि को ठीक करने में संभावित भूमिका निभाती हैं	इम्यूनोलॉजी में फ्रंटियर्स	द्वितीय पुरस्कार
3	**डॉ. टीसी नाग** आचार्य एनाटॉमी विभाग	मानव कोरियोकैपिलारिस की उम्र बढ़ना: सबूत है कि प्रारंभिक पेरिसाइट क्षति एंडोथेलियल परिवर्तनों को ट्रिगर कर सकती है	प्रायोगिक नेत्र अनुसंधान	तृतीय पुरस्कार

4	**डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी** सह आचार्य, बायोफिज़िक्स विभाग तथा **डॉ. पी शरत चंद्र** आचार्य, न्यूरोसर्जरी विभाग	परिवर्तित हिप्पोकैम्पस किंयूरेनिन मार्ग चयापचय मानव मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी-हिप्पोकैम्पल स्केलेरोसिस में अतिउत्तेजना में योगदान देता है	ब्रिटिश जर्नल ऑफ फार्माकोलॉजी	तृतीय पुरस्कार
5	**डॉ. सुजाता मोहंती** आचार्य, स्टेम सेल सुविधा विभाग	CCl4 प्रेरित क्रोनिक लिवर चोट के सुधार के लिए ऊतक विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के एंटी-फाइब्रोटिक प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन	स्टेम सेल समीक्षाएँ एवं रिपोर्ट	तृतीय पुरस्कार
6	**डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद** सह आचार्य मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग (मेड)	क्वेरसेटिन ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) कोशिकाओं की एचयूआर - संचालित प्रगति और प्रवासन को ख़राब करता है	पोषण एवं कैंसर जर्नल	प्रमाणपत्र
7	**डॉ. एथायथुल्ला ए.एस.** अपर आचार्य, बायोफिजिक्स विभाग	BxPC-3 अग्नाशय एडेनोकार्सिनोमा सेल लाइन में करक्यूमिन बचाव p53Y220C: कम्प्यूटेशनल, बायोफिजिकल और विवो अध्ययनों पर आधारित साक्ष्य	बायोचिमिका तथा बायोफिजिका एक्टा - सामान्य विषय	प्रमाणपत्र
8	**डॉ सिद्धार्थ कुंडू** सहायक आचार्य जैव रसायन विभाग	गणितीय मॉडलिंग और स्टोकेस्टिक सिमुलेशन से पता चलता है कि कम-आत्मीयता वाले पेप्टाइड्स उच्च-आत्मीयता वाले पेप्टाइड्स के एमएचसी1-मध्यस्थता वाले निर्यात को "प्रारंभिक" और "देर से" चरणों में विभाजित कर सकते हैं।	हेलिओन	प्रमाणपत्र

9	**डॉ. सीमा सूद** आचार्य माइक्रोबायोलॉजी विभाग	नई दिल्ली, भारत में सेफ्ट्रिएक्सोन के प्रति कम संवेदनशीलता का आणविक लक्षण वर्णन और निसेरिया गोनोरिया आइसोलेट्स का जीनोटाइपिंग	डायग्नोस्टिक माइक्रोबायोलॉजी एवं संक्रामक रोग	प्रमाणपत्र

'एम्स में योग में अनुसंधान' का प्रदर्शन

संस्थान ने 21 जून 2022 को 8वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। इस संबंध में, अनुसंधान अनुभाग और सीआईएमआर ने 'एम्स में योग में अनुसंधान' को प्रदर्शित करने वाली एक प्रदर्शनी आयोजित की और छात्रों, वैज्ञानिकों और संकाय-सदस्यों को योग में अपने शोध कार्य/अनुसंधान अध्ययन प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया।

संकाय-सदस्यों, वैज्ञानिकों और छात्रों को भाग लेने एवं इसे एक बड़ी सफलता बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। दिनांक 21 की दोपहर को, संस्थान में योग में अनुसंधान कार्य का एक पोस्टर सत्र और मंच प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। यूजी छात्रों, पीएचडी छात्रों, जूनियर और सीनियर रेजिडेंट्स (शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक) वैज्ञानिकों तथा संकाय-सदस्यों ने सार प्रस्तुत किए हैं जिन्हें मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के रूप में चयन के लिए आंका गया था। निम्नलिखित अनुसार, सर्वश्रेष्ठ मौखिक और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए एक पुरस्कार दिया गया:

मौखिक प्रस्तुति

क्र.सं.	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम एवं विभाग**
1	डॉ. सुरभि गौतम, फेलो, एनाटॉमी
2.	डॉ. एस एडमिन क्रिस्टा, फिजियोलॉजी
3.	रेखा द्विवेदी, न्यूरोलॉजी
4.	मोहम्मद शारिक, सीआईएमआर
5.	डॉ.दुष्यंत कुमार, वैज्ञानिक 2, एनएमआर
6.	डॉ. रोहित भाटिया, न्यूरोलॉजी

पोस्टर पुरस्कार विजेता

क्र.सं.	**पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम एवं विभाग**	**पुरस्कार श्रेणी**
1	वैष्णवी वर्मा	प्रथम पुरस्कार
2.	श्रीलॉय मोहंती, सीआईएमआर	द्वितीय पुरस्कार
3.	निदा मीर	द्वितीय पुरस्कार
4.	अनुपमा गुप्ता	तृतीय पुरस्कार
5.	विधु धवन	तृतीय पुरस्कार
6.	डॉ. वंदना जैन, बाल रोग विज्ञान	तृतीय पुरस्कार

दूसरा एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस

दिनांक 18 अक्टूबर 2022 को दूसरा वार्षिक एम्स अनुसंधान दिवस मनाया गया। दूसरे अनुसंधान दिवस में निम्नलिखित गतिविधियाँ शामिल थीं:

- डॉ. चंदन के सेन, जे स्टेनली बैटर्सबी चेयर और सर्जरी के आचार्य, इंडियाना सेंटर फॉर रीजनरेटिव मेडिसिन एंड इंजीनियरिंग के निदेशक, ने **"एडेप्टिव फिजियोलॉजिकल टिश्यू रिप्रोग्रामिंग"** शीर्षक से एम्स सिल्वर जुबली ओरेशन दिया । संकाय और छात्रों की भागीदारी अभूतपूर्व थी, जो इस संस्थान के सदस्यों के लिए अनुसंधान के केंद्र बिंदु को उजागर करती थी।

- **"कोरोना वायरस के युग में विज्ञान के प्रतिबिंब"** शीर्षक से आचार्य पी बलराम, पूर्व निदेशक, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु द्वारा एक विशिष्ट अतिथि व्याख्यान दिया गया था।
- आईआईटीडी एवं एम्स, दिल्ली में बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के संयुक्त संकाय, **डॉ. अमित मेहंदीरत्ता** द्वारा **"हेल्थकेयर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस"** तथा खाद्य एवं कृषि संगठन के क्षेत्रीय तकनीकी सलाहकार डॉ. राजेश भाटिया द्वारा "वन हेल्थ" पर दो मुख्य भाषण दिए गए।
- एम्स वर्षों से अपने सभी छात्रों, रिजडेंटों, वैज्ञानिकों और संकाय की प्रतिबद्धता तथा योगदान को महत्व देता है, जिन्होंने अनुसंधान आउटपुट सूचकांकों के मामले में इस संस्थान को देश में अग्रणी बनाने में योगदान दिया है।
- एम्स संकाय के अनुसंधान प्रयासों को निम्नलिखित पुरस्कार देकर मान्यता दी गई:
    - अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (वर्ष - 2020 और 2021)
    - ऑन्कोलॉजी पुरस्कार (वर्ष - 2020 और 2021)
    - 'शोभा सेठ वेंगर' स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी में प्रतिष्ठित अध्यक्ष
    - इसके अलावा, पीएचडी, एमबीबीएस, एमएससी, एमडी/एमएस/एमडीएस जैसी विभिन्न श्रेणियों के छात्रों में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुतियाँ (12 मंच और 357 पोस्टर) थीं।
    - सर्वाधिक पसंद किए गए पोस्टर के लिए 'लोगों की पसंद - क्रिटिक्स' पुरस्कार भी दिया गया।
    - एम्स के छात्रों द्वारा किए गए शोध को प्रदर्शित करने वाले कुल 357 पोस्टर प्रदर्शित किए गए और उनका मूल्यांकन किया गया। इन छात्र श्रेणियों में कुल मिलाकर 80 पुरस्कार दिए गए। पोस्टरों के लिए 'पीपुल्स च्वाइस - क्रिटिक्स अवार्ड' भी दिया गया।
    - साथ ही, एम्स संकाय द्वारा विकसित 15 उपकरणों को प्रदर्शनी में प्रदर्शित किया गया और 3 को पुरस्कृत किया गया।
    - एक जीवंत पैनल चर्चा हुई, जिसका संचालन जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी के निदेशक आचार्य राकेश अग्रवाल ने किया। पैनल में वरिष्ठ चिकित्सा अनुसंधान नीति निर्माता शामिल थे - डॉ. राजेश गोखले, सचिव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; डॉ. चित्रा सरकार, पूर्व डीन (अनुसंधान), एम्स, दिल्ली; डॉ. बलराम भार्गव, प्रमुख, सीटीसी, एम्स, दिल्ली और पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर, डॉ. शीर्षेंदु मुखर्जी, निदेशक, बीआईआरएसी; डॉ. शिंजिनी भटनागर, प्रख्यात आचार्य, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टिट्यूट, फ़रीदाबाद। पैनलिस्टों ने भारत में बायोमेडिकल इनोवेशन और उद्यमिता के भविष्य पर चर्चा की।

- संस्थान को अपनी शोध गुणवत्ता, नैतिकता और प्रयोज्यता के लिए व्यापक रूप से पहचान और मान्यता मिली है। अत्याधुनिक अनुसंधान की इस संस्कृति को बनाए रखने में एम्स के संकाय, वैज्ञानिक और छात्र बड़े पैमाने पर सहायक रहे हैं। संस्थान में विविध अनुसंधान रुचियों के साथ उत्कृष्ट वैज्ञानिक प्रतिभा है।

  इस संबंध में, एम्स में "संकाय और वैज्ञानिकों के अनुसंधान हितों की निर्देशिका" का दूसरा संस्करण दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस के दौरान जारी किया गया था। यह संस्करण संस्थान के संकाय और वैज्ञानिकों के प्रमुख अनुसंधान योगदान और परियोजनाओं को प्रदर्शित करता है। यह एक महत्वपूर्ण सार-संग्रह है जिसके माध्यम से विभिन्न अनुसंधान समूह अन्य विभागों की अनुसंधान रुचियों और क्षमताओं के बारे में जान सकते हैं और सामान्य और साथ ही पूरक अनुसंधान डोमेन पर एक-दूसरे से जुड़ सकते हैं।

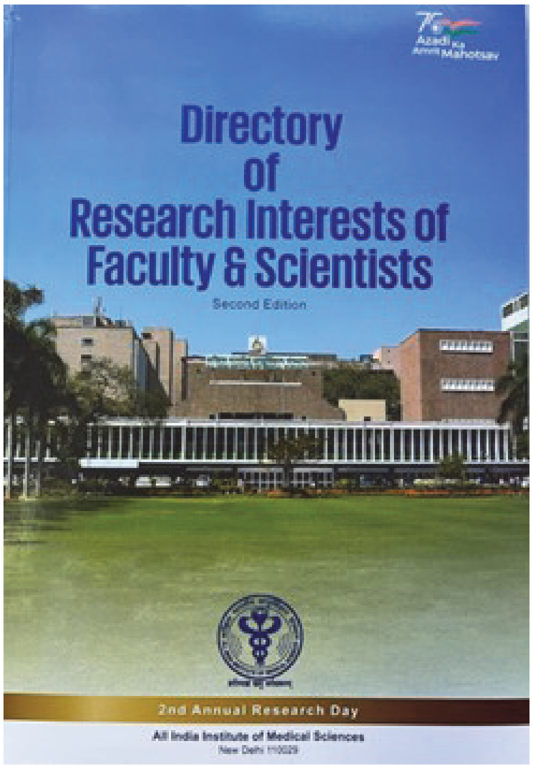

विभिन्न श्रेणियों (एमबीबीएस, बीएससी, एमएससी, पीएचडी, जेआर, एसआर) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर और पोस्टर को पुरस्कार प्रदान किए गए।

वर्ग	सार की संख्या
एमबीबीएस	11
बीएससी	04
एमएससी	36
पीएचडी	100

जूनियर रेजिडेंट्स (एमडी/एमएस)	58
सीनियर रेजिडेंट्स (डीएम/ एमसीएच /फेलो/गैर-शैक्षणिक)	112
परियोजना कर्मचारी	69
कुल	**390**

क्लिनिकल अनुसंधान एकक

क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू), एम्स, नई दिल्ली का लक्ष्य वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुपालन में अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए क्लिनिकल अनुसंधान की योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन और विश्लेषण में उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी विशेषज्ञता तथा सहायता प्रदान करना है।

सीआरयू कार्य समिति:

1. प्रो. कौशल के वर्मा, डीन (अनुसंधान)
2. प्रो. रमा चौधरी, पूर्व डीन (अनुसंधान)
3. प्रो. सुब्रत सिन्हा, पूर्व डीन (अनुसंधान)
4. प्रो. विनीत आहूजा, एसोसिएट डीन (अनुसंधान)

5. आचार्य विजय प्रकाश माथुर, संकाय समन्वयक - सीआरयू, आचार्य एवं अध्यक्ष, बाल चिकित्सा एवं निवारक दंत चिकित्सा
6. डॉ. पूजा गुप्ता, कार्यशाला समन्वयक - सीआरयू, अपर आचार्य, फार्माकोलॉजी विभाग
7. डॉ. एम कलाईवानी, वैज्ञानिक समन्वयक - सीआरयू, सहायक आचार्य, जैव सांख्यिकी विभाग
8. आचार्य समीर बख्शी, आचार्य, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
9. बाल रोग विभाग
10. आचार्य सुमित मल्होत्रा, आचार्य, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
11. बाल रोग विभाग
12. डॉ. सौरभ केडिया, सह आचार्य, गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग
13. डॉ. प्रदीप कुमार, वैज्ञानिक-II (महामारी विज्ञान), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट
14. डॉ. दीपक धमनेतिया , वैज्ञानिक-।। (महामारी विज्ञान), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट
15. डॉ. आशीष दत्त उपाध्याय, वैज्ञानिक-।। (जैवसांख्यिकी), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट
16. डॉ. कमलेश कुमार पटेल, वैज्ञानिक-।। (स्वास्थ्य अर्थशास्त्र), नैदानिक अनुसंधान एकक
17. डॉ. संजुक्ता सरकार, वैज्ञानिक-II (स्वास्थ्य अर्थशास्त्र), क्लिनिकल रिसर्च यूनिट

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए

1. कोक्रेन समीक्षा पर एक संवेदीकरण कार्यशाला सीआरयू टीम द्वारा 22 नवंबर 2022 को एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। कार्यशाला में कुल 79 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें 57 प्रतिभागी भौतिक रूप से उपस्थित थे और 22 प्रतिभागी वर्चुअल मोड (यूट्यूब लिंक) के माध्यम से जुड़े थे। 57 प्रतिभागियों का वितरण था; 26 पीएचडी विद्वान, 6 स्नातकोत्तर छात्र, 8 स्नातक और नर्सिंग छात्र तथा 17 ऑन स्पॉट पंजीकरण। मूल्यांकन से पहले और बाद की प्रश्नावली के विश्लेषण से औसत स्कोर में 65.6 ± 2.9 (पूर्व) से 84.1 ± 2.2 (पोस्ट) प्रश्नावली तक अत्यधिक महत्वपूर्ण (पी<0.001) परिवर्तन का पता चलता है।

2. रॉयल सोसायटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन (आरएसटीएमएच) द्वारा प्रारंभिक करियर अनुदान पर एक सत्र 3 अप्रैल 2023 को एम्स, नई दिल्ली के डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम में हुआ। सत्र में संकाय एवं वैज्ञानिकों सहित कुल 53 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने आश्वासन दिया कि वे अपने पीएचडी फेलो/एमडी/डीएम छात्रों को अर्ली करियर ग्रांट के लिए आवेदन करने का निर्देश देंगे।

3. रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन (आरएसटीएमएच) द्वारा प्रारंभिक कैरियर अनुदान पर एक ऑनलाइन सत्र दिनांक 12 अप्रैल 2023 को एम्स, नई दिल्ली में एसईटी सुविधा में हुआ। सत्र में पीएचडी/एमडी/डीएम छात्रों सहित कुल 63 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

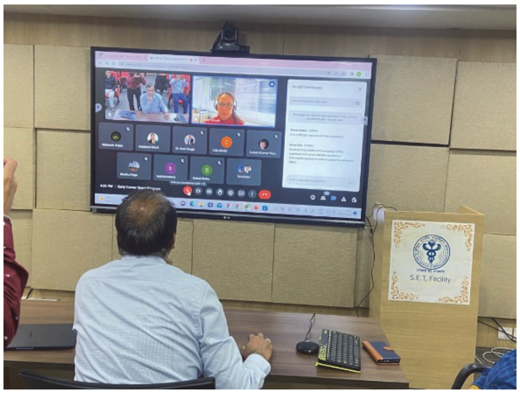

मौखिक प्रस्तुतियाँ एवं पोस्टर: 2

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. एंटीबॉडी अनुमापन का प्रभाव और सार्स कोव-2 संक्रमण के जवाब में कोविड-19 टीकों की बूस्टर खुराक की आवश्यकता तथा एम्स, दिल्ली में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच प्रतिरक्षा स्थिति।

प्रकाशनः 14

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. नई दिल्ली में 3-6 नवंबर 2022 तक आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी के 29वें वार्षिक सम्मेलन में **स्ट्रोक में सर्वश्रेष्ठ पेपर** के लिए जी अर्जुनदास और के. जगन्नाथन पुरस्कार
2. सिंगापुर में 26-29 अक्टूबर 2022 तक आयोजित 14वें विश्व स्ट्रोक कांग्रेस में विश्व स्ट्रोक संगठन द्वारा **युवा अन्वेषक पुरस्कार**

सीआरयू विभागीय मुख्य गतिविधि

1. सीआरयू ने भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित छोटे बाह्य अनुदानों के लिए अन्वेषक द्वारा शुरू किए गए अनुसंधान प्रस्तावों के वर्तमान कॉल के लिए संस्थान के विभिन्न विभागों से पांच अनुसंधान प्रस्तावों का उल्लेख किया।
2. इसके अतिरिक्त, सीआरयू की सेवाओं के हिस्से के रूप में दो बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं का सांख्यिकीय विश्लेषण किया गया
3. सीआरयू टीम ने व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण लिखने के लिए दो प्रोस्पेरो प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए संस्थान के संकाय को मार्गदर्शन प्रदान किया।
4. सीएमईटीआई के तहत किए जा रहे अनुसंधान पद्धति तथा साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फेलोशिप कार्यक्रम के लिए रेवमैन पर व्यावहारिक कक्षा प्रदान की गई
5. रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन (आरएसटीएमएच) द्वारा प्रारंभिक कैरियर अनुदान के लिए दो शोध प्रस्तावों का सीआरयू द्वारा मार्गदर्शन किया गया था।
6. अपने वैज्ञानिकों की क्षमता बढ़ाने के लिए जर्नल क्लब, आलोचनात्मक मूल्यांकन और सेमिनार सहित आंतरिक शैक्षणिक गतिविधियाँ नियमित रूप से आयोजित की गईं

केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा

संकाय एवं वैज्ञानिक

	उप-सुविधा	संकाय समन्वयक	वैज्ञानिक-II
1.	जैव-विश्लेषण	टी वेलपांडियन, आचार्य, ओकुलर फार्माकोलॉजी एवं फार्मेसी डिवीजन, डॉ. रा.प्र. नेत्र विज्ञान केंद्र फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज	हनुमान प्रसाद शर्मा
2.	बायोइंफॉरमैटिक्स	पुनित कौर, आचार्य, बायोफिजिक्स विभाग	अमित कटियार
3.	बीएसएल-2/3	सुब्रत सिन्हा, आचार्य एवं अध्यक्ष, जैव रसायन विभाग	सुनीता कंसवाल
4.	फ़्लो साइटॉमेट्री	डीके मित्रा, आचार्य एवं अध्यक्ष, टीआईआई विभाग।	राहुल शर्मा
5.	सामान्य सुविधा	कल्पना लूथरा, आचार्य, जैव रसायन विभाग	विकास शर्मा शुब्बीर अहमद
6.	जीनोमिक्स कोर सुविधा	मधुलिका काबरा, आचार्य एवं प्रभारी, जेनेटिक्स डिवीजन, बाल रोग विभाग	लता रानी
7.	माइक्रोस्कोपी	पार्थप्रसाद चट्टोपाध्याय, आचार्य, जैव रसायन	सौमित्र डे चौधरी
8.	प्रोटिओमिक्स	पुनित कौर, आचार्य, बायोफिजिक्स विभाग	सब्यसाची बंद्योपाध्याय

9.	परियोजना प्रबंधन	संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) सह संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	कमल गुलाटी

विशिष्टताएं

जीनोमिक्स कोर सुविधा ने देश में जानपदिक रोग विज्ञान की प्रवृत्तियों का अध्ययन करने के लिए SARS-CoV-2 की जीनोमिक निगरानी में INSACOG की एक प्रहरी प्रयोगशाला के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेपों को मजबूत करने में मदद मिली। इसके अलावा, सुविधा ने आईवीएफ रोगियों में क्रमशः ट्रोफेक्टोडर्म बायोप्सी और स्पेंट कल्चर मीडिया का उपयोग करके आक्रामक तथा गैर-आक्रामक प्रसवपूर्व आनुवंशिक परीक्षण स्थापित करने में स्त्री रोग विभाग की भी सहायता की। अनुक्रमण एवं नैदानिक अनुसंधान से संबंधित डेटा विश्लेषण को जैव सूचना विज्ञान सुविधा द्वारा सुविधा प्रदान की जाती है जो एम्स के शोधकर्ताओं को जीनोमिक्स और एनजीएस परियोजनाओं को विकसित करने के साथ-साथ पीएचडी छात्रों को मार्गदर्शन प्रदान करने में सहायता करती है। माइक्रोस्कोपी उप-सुविधा में कन्फोकल माइक्रोस्कोप को Airyscan2 की स्थापना के साथ सेमी-सुपर रिज़ॉल्यूशन मॉड्यूल में अपग्रेड किया गया था। एफएसीएस सुविधा ने नमूना अधिग्रहण, सेल सॉर्टिंग, प्रयोगात्मक डिजाइनिंग और डेटा विश्लेषण के क्षेत्र में संस्थान में कई शोधकर्ताओं को सेवा प्रदान की है। विभिन्न प्रकार के इम्यूनोफेनोटाइपिक विश्लेषण के साथ-साथ सेल सॉर्टिंग से जुड़ी अनुसंधान परियोजनाओं की बहुमुखी श्रृंखला सफलतापूर्वक पूरी की गई। प्रोटिओमिक्स उप-सुविधा ने एलसीएमएस प्रोटिओमिक्स प्रयोगों के अध्ययन डिजाइनिंग, नमूना प्रसंस्करण और जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण की सुविधा प्रदान की। सामान्य सुविधा ने उन्नत आणविक सुविधाएं प्रदान कीं और शोधकर्ताओं को प्रयोगों में मदद की एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के डॉ. कमल गुलाटी को रिसर्च मैनेजमेंट के क्षेत्र में प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड रिसर्च, साइंस एंड इनोवेशन लीडरशिप फेलोशिप एवं डीबीटी- वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस इंटरनेशनल ट्रैवल अवार्ड मिला। सीसीआरएफ ने एम्स, नई दिल्ली में 'सुरक्षित, हरित एवं डेटा संचालित अस्पतालों का निर्माण: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करना - एम्स नई दिल्ली और मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया की एक संयुक्त पहल' विषय पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। सीसीआरएफ संकाय एवं वैज्ञानिकों ने दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस के आयोजन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

शिक्षा

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए गए

1. लीन, हरे एवं डेटा संचालित अस्पतालों का निर्माण: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करना - एम्स नई दिल्ली और मोनाश विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया की एक संयुक्त पहल, 30 जनवरी 2023, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान:

हनुमान प्रसाद शर्मा : 1 कमल गुलाटी: 10 सुनीता कंसवाल : 2

सब्यसाची बंद्योपाध्याय : 3

पिछले तीन वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
3	2	15

प्रस्तुत किये गये मौखिक पत्र/पोस्टर: 6

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
--	**--**	**5**

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारत और इंग्लैंड में चिकित्सा नेतृत्व को सक्षम करना: एक तुलनात्मक अध्ययन 'ईएमएलआईई', कमल गुलाटी, एम्स-यूसीएल इंट्राम्यूरल स्कीम, अनुसंधान अनुभाग, एक वर्ष, 2023-2024, रु। 5 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एम्स, नई दिल्ली में अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन (एमडी (अस्पताल प्रशासन थीसिस)

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में लक्षित चयापचयों को एकीकृत करने वाले ओरेक्सिनेर्जिक मार्ग के साथ एंटीडिप्रेसेंट थेरेपी का सहसंबंध: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, भेषजगुण्विज्ञान
2. गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में माइक्रोबायोम-मेटाबोलोम अक्ष, विकृतिविज्ञान
3. विकृतिविज्ञान युवाओं में अचानक अस्पष्टीकृत मौतों का कारण स्थापित करना, विकृतिविज्ञान
4. विकृतिविज्ञान में गैर-छोटी कोशिका फेफड़ों के कार्सिनोमा के आनुवंशिक परिदृश्य को परिभाषित करने के लिए एक एकीकृत जीनोमिक अनुक्रमण दृष्टिकोण, विकृतिविज्ञान
5. जन्मजात हृदय रोग वाले भारतीय रोगियों में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करना,हृद जैवरसायन

6. भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम परियोजना,बहु-संस्थागत
7. भारत में विभेदक प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिक्रिया, उत्परिवर्तन और टीकाकरण की स्थिति के साथ नैदानिक परिणामों एवं रोग अनुक्रमों को सहसंबंधित करने के कोविड-19 हेतु लिए एक बहु-ओमिक्स अध्ययन एवं एक पूर्वानुमानित कम्प्यूटेशनल मॉडल का विकास, जैवभौतिकी

पूर्ण

1. तुलनात्मक कोशिका आधारित एवं प्रोटियोमिक्स जांचों का उपयोग करके कैंसर चिकित्सा के लिए मानव ग्रेट वॉल काइनेज के खिलाफ नए क्रोमोन डेरिवेटिव की क्षमता का मूल्यांकन करना, आणविक निदान प्रयोगशाला और कोविड-19 किट प्रयोगशाला, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोलॉजिकल, नोएडा

2. नैदानिक सेटिंग्स में जैविक विविधता को उजागर करने के लिए छोटे सेल फेफड़े के कार्सिनोमा (एससीएलसी) की आणविक-उपटाइपिंग: एक अवलोकन अध्ययन, विकृतिविज्ञान
3. महामारी प्रतिक्रिया के लिए स्वास्थ्य प्रणाली प्रशासन को मजबूत करना, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली (2020-2022), अस्पताल प्रशासन

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं (पीआई)	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	--	--	1
कुल फंडिंग	--	--	रु.5,00,000/-

प्रकाशन

पत्रिका: 21 सार: 02

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	**2**	**16**	**23**
पत्रिका लेख	1	12	21
सार	1	4	2

प्रदत्त सेवाएं

1. **बायोएनालिटिक्स** यह सुविधा जैविक स्रोतों (मानव, जानवरों, पौधों और सूक्ष्म जीवों) से विश्लेषणकर्ताओं के अलगाव, शुद्धिकरण और बड़े पैमाने पर स्पेक्ट्रोमेट्रिक लक्षण वर्णन के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग करती है। इस सुविधा से लिपिडोमिक्स, मेटाबोलॉमिक्स और ग्लाइकोमिक्स के लिए गुणात्मक और साथ ही मात्रात्मक तरीके से मल्टी-ओमिक्स को शामिल करके क्षितिज का विस्तार करने की संभावना है ।

प्रदान की सेवाएं	उपयोगकर्ता की संख्या			
	2022-23 (वर्तमान)	2021-22	2020-2021	कुल घंटे
जैवविश्लेषणात्मक कार्य की योजना एवं क्रियान्वयन के संबंध में परामर्श	15	10	11	लागू नहीं
जैवविश्लेषणात्मक कार्य का निष्पादन	4 (6.00 बजे)	4 (2.00 बजे)	4 (2.50 बजे)	

2. **जैव सूचना विज्ञान सुविधा** एक उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सुविधा है जिसमें उच्च-स्तरीय सर्वर और भंडारण प्रणालियाँ शामिल हैं। यह सुविधा इन सुविधाओं द्वारा उत्पन्न बड़ी मात्रा में डेटा का निरंतर और निर्बाध डेटा भंडारण, पहुंच और विश्लेषण प्रदान करके अन्य मुख्य सुविधाओं (जैसे जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, आदि) के साथ मिलकर काम करती है। आज तक, इस सुविधा ने एम्स के 18 से अधिक विभागों को जीनोमिक्स, अगली पीढ़ी के अनुक्रमण और नैदानिक अनुसंधान में 40 से अधिक बड़े पैमाने की परियोजनाओं पर सेवाएं प्रदान की हैं। यह सुविधा पीएचडी छात्रों को उनके वैज्ञानिक लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहायता करती है और जीनोमिक्स और एनजीएस में परियोजनाएं विकसित करने में संकाय-सदस्यों की सहायता करती है।
3. **बीएसएल-3प्रयोगशाला** की स्थापना अत्यधिक संक्रामक रोगजनकों पर अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से की गई थी। इस सुविधा का उपयोग अप्रैल 2020 से जून 2021 तक आरटी-पीसीआर, ट्रूनेट और जीनएक्सपर्ट प्लेटफार्मों द्वारा कोविड -19 के नैदानिक परीक्षण के लिए किया गया था।
4. **फ्लो-साइटोमेट्री कोर सुविधा** उच्च गति प्रतिदीप्ति-सक्रिय सेल सॉर्टिंग सहित एकल कोशिका स्तर पर कोशिकाओं के फ्लोरोसेंट विश्लेषण के लिए अत्याधुनिक उपकरण और संसाधन प्रदान करती है। सुविधा में दो सबसे उन्नत प्रवाह साइटोमीटर हैं i)। बीडी एफएसीएस एरिया फ्यूजन सॉर्टर 18 रंग 5 लेजर और ii)। BD FACS सिम्फनी A5, 35 रंग, 5 लेजर। यह सुविधा प्रयोगात्मक डिजाइन, उपकरण ज्ञान और प्रशिक्षण, डेटा विश्लेषण और सेल सॉर्टिंग आदि के क्षेत्रों में फ्लो साइटोमेट्री में सेवाएं प्रदान करने के लिए शोधकर्ताओं के लिए चालू है।

प्रदान की सेवाएं	घंटों की संख्या		
	2022-23	2021-2022	2020-2021
बीडी एफएसीएस आरिया सॉर्टर	32	13	04
बीडी एफएसीएस सिम्फनी	150	14	05
कुल	**182**	**27**	**09**

	उपयोगकर्ता की संख्या		
	2022-23	**2021-2022**	**2020-2021**
बीडी एफएसीएस आरिया सॉर्टर	03	4	2
बीडी एफएसीएस सिम्फनी	13	5	1
कुल	**16**	**9**	**3**

5. **सामान्य सुविधा:** जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम, पीसीआर, मल्टीमोड माइक्रोप्लेट रीडर, जेल डॉक्यूमेंटेशन सिस्टम और इलेक्ट्रोपोरेटर जैसे उपकरण ज्यादातर हमारी सुविधा में उपयोग में हैं। आवश्यकता के अनुसार, सुविधा का उद्देश्य उपयोगकर्ताओं को नमूना प्रसंस्करण सुविधा के लिए स्थान प्रदान करना भी है। इसके अलावा, सीसीआरएफ की अन्य उप-सुविधाओं द्वारा नमूना प्रसंस्करण के लिए सामान्य सुविधा का भी नियमित रूप से उपयोग किया जाता है। सामान्य सुविधा का उद्देश्य एम्स में संकायों, वैज्ञानिकों, छात्रों और शोधकर्ताओं द्वारा की जाने वाली अनुसंधान गतिविधियों के लिए अनुसंधान मार्गदर्शन, प्रयोगात्मक योजना और सहायता प्रदान करना भी है। इस सुविधा का उद्देश्य विभिन्न प्रयोगों के लिए उपयोगकर्ताओं को सक्रिय रूप से व्यावहारिक प्रशिक्षण/मार्गदर्शन प्रदान करना भी है। इन गतिविधियों के अलावा, सामान्य सुविधा टीम पिछले वित्त वर्ष में अन्य गतिविधियों में शामिल रही है, जिनमें (i) अनुसंधान दिवस की गतिविधियाँ (ii) अनुसंधान अनुभाग से जुड़े सम्मेलनों का आयोजन (iii) प्रकाशित और इलेक्ट्रॉनिक एम्स अनुसंधान निर्देशिका का विकास शामिल है।

6. **जीनोमिक्स कोर सुविधा** एक उन्नत, अत्याधुनिक सुविधा है जो एम्स के शोधकर्ताओं को संसाधन कुशल तरीके से नैदानिक रूप से प्रासंगिक उच्च थ्रूपुट डेटा उत्पन्न करने की सुविधा प्रदान करने के लिए मजबूत उपकरण बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। यह सुविधा 10 जून 2021 से भारतीय सार्स-कोव-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (INSACOG) की क्षेत्रीय जीनोम अनुक्रमण प्रयोगशालाओं में से एक के रूप में सार्स-कोव-2 के उभरते वेरिएंट की निरंतर निगरानी में शामिल है। यह सुविधा उपयुक्त बुनियादी ढांचे के साथ ही एक महीने में कम से कम 400 नमूनों का अनुक्रम करने के लिए प्रशिक्षित जनशक्ति से सुसज्जित है। INSACOG निगरानी अध्ययन के एक भाग के रूप में, कुल 872 नमूनों को अनुक्रमित, विश्लेषण किया गया है और सफलतापूर्वक INSACOG हब, एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IHIP-IDSP) पोर्टल पर प्रस्तुत किया गया है और GISAID पोर्टल (n = 872 अनुक्रम) पर प्रकाशित किया गया है। इस सुविधा ने लेह में अपने केंद्र में जीनोम अनुक्रमण प्रयोगशाला स्थापित करने और सार्स-कोव-2 अनुक्रमण करने के लिए एसएनएम अस्पताल, लेह के दो चिकित्सा अधिकारियों को प्रशिक्षित किया। एसएनएम अस्पताल अब INSACOG का एक भाग है और नियमित रूप से अनुक्रमण गतिविधियों को निष्पादित कर रहा है। यह सुविधा ट्रोफेक्टोडर्म बायोप्सी का उपयोग करके प्रसवपूर्व आनुवंशिक परीक्षण के मानकीकरण और स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से आईवीएफ रोगियों में स्पेंट कल्चर मीडिया का उपयोग करके गैर-आक्रामक प्रसवपूर्व आनुवंशिक परीक्षण के कार्यान्वयन में भी शामिल है।

प्रदान की सेवाएं	निष्पादित किये गये नमूनों की संख्या		
	2022-23 (वर्तमान)	2021-2022	2020-2021
पुस्तकालय की तैयारी	सटीक अनुक्रमण (n=32), क्रोमोसोम स्क्रीनिंग (n=36)]	एक्सोम सीक्वेंसिंग (n=32), टारगेट सीक्वेंसिंग (n=56), क्रोमोसोम स्क्रीनिंग (n=41)]	लक्ष्य अनुक्रमण (n=56), क्रोमोसोम स्क्रीनिंग (n=41)
सार्स-कोव-2 अनुक्रमण	872	412	70
अगली पीढ़ी का अनुक्रमण	शून्य	40	160
सेंगर अनुक्रमण	शून्य	364	364
एनकाउंटर स्प्रिंट प्रोफाइलर	शून्य	-	48
खंड विश्लेषक	75	11	196
क्यूबिट	500	645	348
अनुदान प्रस्ताव प्रस्तुत करने/प्रस्तावित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोटोकॉल और प्रयोग डिजाइन	05 उपयोगकर्ता	06 उपयोगकर्ता	10 उपयोगकर्ता

7. बायोकैमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी, बायोटेक्नोलॉजी, एनाटॉमी, पैथोलॉजी, फार्माकोलॉजी और स्टेम सेल सुविधा विभागों के शोधकर्ताओं द्वारा बायोमार्कर खोज, क्लिनिकोपैथोलॉजी, ड्रग परख और आणविक निदान से संबंधित अपने शोध प्रश्नों का पता लगाने के लिए **माइक्रोस्कोपी उप-सुविधा** का बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है। यह अत्याधुनिक कन्फोकल प्रणाली लाइव इमेजिंग अनुप्रयोगों के लिए तापमान और गैस-नियंत्रित ऊष्मायन कक्ष से सुसज्जित है। इसे हाल ही में एयरी स्कैन मॉड्यूल जोड़कर सेमी-सुपर-रिज़ॉल्यूशन सिस्टम में अपग्रेड किया गया था। एनाटॉमी विभाग की पीएचडी छात्रा सुश्री देवयानी शर्मा (प्रो. टीसी नाग की छात्रा) ने दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा दिनांक 8-10 फरवरी 2023 को आयोजित इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सोसाइटी ऑफ इंडिया (ईएमएसआई)-2023 में छवि प्रतियोगिता (अन्य माइक्रोस्कोपिक तकनीक माइक्रोग्राफ श्रेणी) में पहला पुरस्कार जीता।

प्रदत्त सेवाएं	उपयोगकर्ता की संख्या		
	2022-23	2021-2022	2020-2021
कन्फोकल इमेजिंग	21	14	--
ऑफ़लाइन छवि विश्लेषण	4	6	--
कुल	25	20	--

	घंटों की संख्या		
	2022-23	2021-2022	2020-2021
कन्फोकल इमेजिंग	610	288	--
ऑफ़लाइन छवि विश्लेषण	52	126	--
कुल	662	414	--

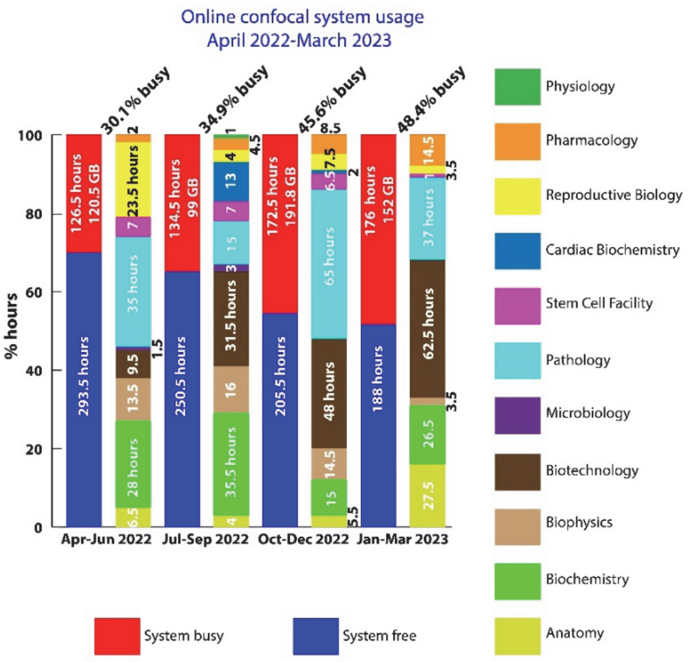

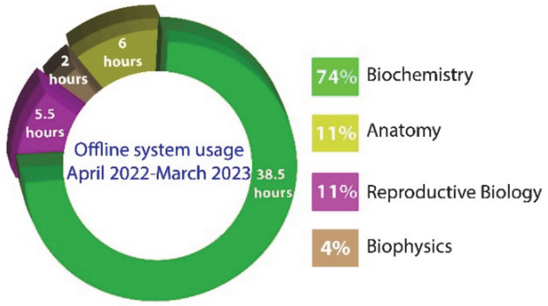

8. कोशिकाओं, ऊतकों, बायोफ्लुइड्स और सूक्ष्मजीवों जैसे सभी प्रकार के जैविक नमूनों से जेल-आधारित (2D-GE और DIGE) और LCMS/MS आधारित प्रोटिओमिक्स प्रयोगों के लिए **प्रोटिओमिक्स उप-सुविधा** सहायता; गुणात्मक और मात्रात्मक व्यापक प्रोटिओमिक्स प्रयोग (लेबल मुक्त और लेबल आधारित) और प्रोटीन बायोमार्कर खोज के लिए डेटा विश्लेषण; एम्स में 21 विभिन्न विभागों के 59 शोधकर्ताओं को सुविधा और सहायता प्रदान की गई। विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान की गई जिसमें (1) प्रोटिओमिक्स अध्ययन डिजाइनिंग, (2) नमूना प्रसंस्करण, (3) जैविक नमूनों की वैक्यूम सांद्रता (4) एलसीएमएस/एमएस डेटा विश्लेषण (5) जैव सूचना विज्ञान विश्लेषण (6) परियोजना प्रस्ताव जमा करना, (7) प्रकाशनों के लिए लेख जमा करना और (8) एलसीएमएस/एमएस असंपूर्ण फाइलें सार्वजनिक भंडार में जमा करना शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

प्रदत्त सेवाएं	उपयोगकर्ता की संख्या		
	2022-23	2021-22	2020-2021
एलसीएमएस/एमएस प्रोटिओमिक्स प्रयोग	शून्य	2	13
प्रोटिओमिक्स डेटा विश्लेषण	4	3	2

प्रकाशन एवं प्रस्ताव प्रस्तुत करना	6	3	शून्य
प्रोटिओमिक्स अनुसंधान संचालित करने के लिए प्रयोग डिजाइनिंग और समर्थन	2	2	22

9. ***परियोजना प्रबंधन इकाई :*** परियोजना प्रबंधन एकक सीसीआरएफ के समग्र कामकाज को प्रबंधन सहायता प्रदान करती है। वर्ष 2022-23 के दौरान, पीएमयू ने निम्नलिखित के लिए समन्वय किया: एम्स आईटी मास्टरप्लान के लिए अर्न्स्ट एंड यंग टीम के साथ सीसीआरएफ में सभी उप-सुविधाओं के कामकाज की प्रक्रिया मैपिंग, सीसीआरएफ का नवीनीकरण, मशीनरी और उपकरण और उपभोग्य सामग्रियों की प्राप्ति, सीसीआरएफ में प्रभावित क्षेत्र से नवीकरण किए हुए कमरों में मशीनरी की शिफ्टिंग एवं उसे पुन: संस्थापन करना, संकाय, वैज्ञानिकों और सेवा इंजीनियरों के परामर्श से एम एंड ई का परीक्षण, सामग्रियों का निराकरण, एम्स के संकाय और वैज्ञानिकों के अनुसंधान हितों की निर्देशिका के संकलन में योगदान, सीसीआरएफ एवं कंप्यूटर सुविधा की सभी उप-सुविधाओं से सीसीआरएफ वेबसाइट सामग्री, बजट अनुमान तैयार किया अनुसंधान अनुभाग के संकाय, वैज्ञानिकों और लेखा प्रभाग के समन्वय से विभिन्न सीसीआरएफ सेवाओं के लिए सेवा शुल्क।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

अमित कटियार को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू), नई दिल्ली में व्यावहारिक परीक्षाओं और मौखिक परीक्षा के लिए आमंत्रित किया गया था।

सुनीता कंसवाल ने फेडरेशन ऑफ एशियन बायोटेक एसोसिएशन (एफएबीए), बांग्लादेश द्वारा आयोजित माइक्रोबायोलॉजिकल एवं बायोमेडिकल अनुसंधान, निदान तथा क्लिनिकल उपचार में जैवसंरक्षा पर कार्यशाला में अवार्ड ऑफ मेरिट प्राप्त किया। 22-24 अक्टूबर, 29-31 अक्टूबर और 6 नवंबर 2021 (ऑनलाइन)। वह संपादकीय बोर्ड की सदस्य और अनुसंधान निर्देशिका - 2022, एम्स, नई दिल्ली की समिति की समन्वयक हैं।

कमल गुलाटी : ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड अनुसंधान, विज्ञान और नवाचार नेतृत्व फैलोशिप; वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलायंस - रिसर्च मैनेजमेंट के क्षेत्र में इंडिया रिसर्च मैनेजमेंट इनिशिएटिव (आईआरएमआई) इंटरनेशनल ट्रैवल अवार्ड 2022-2023; यूसीएल ग्लोबल बिजनेस स्कूल फॉर हेल्थ, यूके में मेडिकल लीडरशिप और अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सम्मेलन पर विशेषज्ञ समूह की गोलमेज बैठक में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित; लैंसेट रीजनल हेल्थ - साउथईस्ट एशिया, बीएमजे लीडर, फ्रंटियर्स इन सोशियोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हेल्थकेयर मैनेजमेंट, एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट सेक्शन वर्क, एम्प्लॉयमेंट एंड ऑर्गेनाइजेशन के समीक्षक के रूप में काम जारी रखा।

फोटो

कार्यक्रम का आयोजन: दिनांक 30 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में लीन, ग्रीन और डेटा संचालित अस्पतालों के निर्माण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला: संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में काम करना।

चिकित्सा नवाचार और उद्यमिता केंद्र

सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में बीआईआरएसी, भारत सरकार और एम्स, नई दिल्ली द्वारा समर्थित प्रमुख बायो-इनक्यूबेटर है। जून 2021 में लॉन्च किया गया, CMIE दो स्थानों से संचालित होता है:

1. कमरा नंबर 901, 9वीं मंजिल, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग, एम्स जिसमें लैंडिंग कार्यालय और प्रयोगशाला है; तथा
2. एम्स, दिल्ली के झज्जर परिसर के रिसर्च ब्लॉक, एनसीआई की चौथी एवं पांचवीं मंजिल पर इनक्यूबेटियों के लिए केंद्रीय प्रयोगशाला सुविधा सहित कार्यालय, बैठक कक्ष और प्रयोगशालाएं हैं। एनसीआई-एम्स, झज्जर की सुविधा का उपयोग सीएमआईई-एम्स के सभी इनक्यूबेटियों द्वारा बड़े पैमाने पर किया जाएगा।

सीएमआईई स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्वदेशी शैक्षणिक नवाचारों का लाभ उठाना चाहता है। इसे एम्स, नई दिल्ली के संकाय/वैज्ञानिकों/छात्रों/रेजिडेंटों/शोधकर्ताओं द्वारा किए गए ट्रांसलेशनल और सहयोगात्मक अनुसंधान प्रयासों को सक्षम करने के लिए निर्मित किया गया है। इसके अलावा, सीएमआईई - एम्स स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में काम करने वाले भारतीय स्टार्टअप को एम्स क्लिनिकल और गैर-क्लिनिकल संकाय की सलाह और मार्गदर्शन का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है, और उन्हें एम्स में उन्नत प्रयोगशाला उपकरणों और संसाधनों तक भुगतान पहुंच प्रदान करता है।

अपनी स्थापना के बाद से, सीएमआईई - एम्स ने 6 स्टार्टअप स्थापित किए हैं, जिन्हें माइक्रोबायोलॉजी/प्रयोगशाला चिकित्सा/स्टेम सेल/आरपीसी विभाग और अन्य सहित एम्स के विभिन्न विभागों के संकायों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है।

1. टेकसेल इनोवेशन प्रा. लिमिटेड - बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए एक्सोसोम एवं मानव एमनियोटिक झिल्ली का फ्रीज-शुष्क फॉर्मूलेशन विकसित करना (प्रो. सुजाता मोहंती और प्रो. एके डिंडा की सलाह के तहत)

2. पेरेटो केयर - एक पहनने योग्य हेमोडायनामिक निगरानी उपकरण विकसित करना (डॉ. दीनू संथा चंद्रन एवं आचार्य केके दीपक की सलाह के तहत)
3. ऑनवर्ड असिस्ट - रिमोट एक्सेस क्षमताओं के साथ एक डिजिटल माइक्रोस्कोप विकसित करना (डॉ. सुधीर अरावा और डॉ. आदर्श बरवाड की सलाह के तहत)
4. अल्फालियस - कम दृष्टि विकारों के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक पहनने योग्य उपकरण विकसित करना (प्रो.राधिका टंडन की सलाह के तहत)
5. विडकेयर इनोवेशन - टीएसएच परीक्षण के लिए एक पीओसी डिवाइस विकसित करना (डॉ. सुदीप कुमार दत्ता की सलाह के तहत)
6. एयरथ - अस्पताल सेटिंग के लिए माइक्रोबाइसाइडल सामग्री के साथ एक वायु-शोधक विकसित करना (डॉ. गगनदीप सिंह और आचार्य निरुपम मदान की सलाह के तहत)

सोशल अल्फा और आईपीई ग्लोबल नाम के दो संगठनों ने ज्ञान साझा करने के लिए सीएमआईई - एम्स के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। सीएमआईई - एम्स ने निम्नलिखित पर कार्यशाला (हाइब्रिड मोड) श्रृंखलाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया है:

क. बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) की मूल अवधारणा - 24 अगस्त 2022
ख. पेटेंट निर्माण के लिए रोडमैप पर कार्यशाला - 20 जनवरी 2023

उपरोक्त के अलावा, सीएमआईई - एम्स ने सहयोग किया है:

क. सीडीईआर दिनांक 5 जुलाई 2022 को एंडोडोंटिक्स एवं रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री में नवाचार एवं अनुप्रयोग-उन्मुख उत्पाद विकास के दायरे पर ध्यान केंद्रित करने के उद्देश्य से "एंडोडॉन्टिक्स और रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री में नवाचार और उत्पाद विकास का दायरा" आयोजित करेगा।
ख. प्लास्टिक, पुनर्निर्माण एवं बर्न सर्जरी विभाग, एम्स दिनांक 19 जनवरी 2023 को विशेषज्ञों के साथ नवप्रवर्तकों की एक-पर-एक बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से "बर्न केयर में इनोवेशन" का आयोजन करेगा।
ग. सीडीईआर स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के आगामी क्षेत्र में युवा मस्तिष्क को जागृत करने के लिए "अनुसंधान एवं रोगी उपचार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका पर कार्यशाला" का आयोजन करेगा।

इनोवेटर्स को समर्थन देने और विशेषज्ञों से जोड़ने के आदेश के साथ, सीएमआईई - एम्स ने बूटकैंप्स की एक श्रृंखला आयोजित करने की योजना बनाई है। इस तरह की श्रृंखला में पहला बूटकैंप अप्रैल 2023 में एम्स के प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न सर्जरी विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। 3 दिनों की अवधि में, "बूटकैंप ऑन वाउंड केयर" कार्यक्रम में 15 महत्वाकांक्षी उद्यमियों और स्टार्ट-अप्स ने भाग लिया, जिन्हें घाव-उपचार के क्षेत्र में समस्याओं, उपलब्ध समाधान के तरीकों पर गहरी जानकारी प्रदान की गई।

सीएमआईई - एम्स की एक उल्लेखनीय उपलब्धि एम्स, दिल्ली के संकाय सदस्यों को बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) के तहत अपने नवाचारों को लिखने और बीआईआरएसी को प्रस्तुत करने के लिए दी गई सहायता है, जिसमें बिग-21 कॉल से 2 संकायों (3 आवेदनों में से) को पुरस्कार प्रदान

किया गया है। और 4 संकायों (8 आवेदनों में से) को बिग-22 कॉल के तहत शॉर्ट-लिस्ट किया गया है। सीएमआईई - एम्स ने BIRAC द्वारा समर्थित PACE, SIBRI जैसी अन्य योजनाओं के साथ भी संकाय सदस्यों का समर्थन किया है।

ब्रोशर जानकारी के साथ कार्यक्रम की कुछ झलकियाँ:

CMIE Healthcare Innovation Bootcamp on Wound care

Consultative Meeting on Volunteer Licensing

Interactive Session on “Understanding BIG Grant”

Workshop on “Roadmap on Patent Creation”

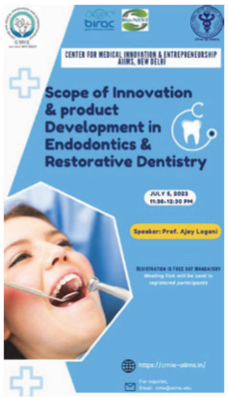

9.1 संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार

आचार्य एवं अध्यक्ष

लोकेश कश्यप

आचार्य

गंगा प्रसाद	वीरेंद्र कुमार मोहन	विमी रेवाड़ी
वनलाल डारलोंग	ज्योत्स्ना पुंज	रवीन्द्र कुमार पांडेय
अंजोलि छाबड़ा		रश्मि रामचन्द्रन

अपर आचार्य

पुनीत खन्ना	बिकाश रंजन रे	राहुल कुमार आनंद
देबेश भोई		शैलेन्द्र कुमार

सह-आचार्य

मनप्रीत कौर	सौविक मैत्रा	अखिल कांत सिंह
राकेश कुमार		निशांत पटेल

सहायक आचार्य

अजिशा अरविंदन	अंजू गुप्ता	श्रेया भरत शाह
मृत्युंजय कुमार	केलिका प्रकाश	सुलग्ना भट्टाचर्जी
परिन चेलानी	विनीता वेंकटेश्वरन	अभिषेक नागराजप्पा
क्रिस्टोफर दास	प्रियंकर कुमार दत्ता	सना यास्मिन हुसैन
नेहा पंगसा	ध्रुव जैन	अमित कुमार
चोरो अतिप्रो कायिना	अदिति सूरी	हिना गर्ग
नितिन चौधरी	अंशुल सिंह	तंगिराला नागेश्वर राव
सुबोध कुमार	सुधांशु शेखर नायक	सचिन कुमार
स्नेहा सिंह	राम सिंह	स्वाति मेहता
रूपवत रामकुमार	अमित कुमार मालवीय	वनिता राजगोपालन
	सुष्मिता बैरागी	

विशिष्टताएँ

यह वर्ष विभाग द्वारा विभिन्न ब्लॉकों और विशिष्टताओं को प्रदान की जाने वाली सेवाओं के महत्वपूर्ण विस्तार द्वारा चिह्नित किया गया था। सर्जिकल ब्लॉक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) को फरवरी 2022 में सक्रिय कर दिया गया था। दो ओटी से आरम्भ करते हुए, विभाग ने जल्द ही अपनी सेवाओं का विस्तार किया; वर्तमान में, विभाग चौबीसों घंटे आपातकालीन ओटी सहित छह ओटी के लिए एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, आठ बिस्तरों वाला सर्जिकल आईसीयू, भविष्य में 14 बिस्तरों तक विस्तारित करने की योजना के साथ, प्रारम्भ किया गया था। हमने मुख्य एम्स के

ओटी और वार्डों के अलावा सर्जरी ब्लॉक में विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली तीव्र पीड़ा सेवाओं को भी आरम्भ और विस्तारित किया है।

इसके साथ ही, बर्न और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में दो ओटी के साथ-साथ कुल 30 बिस्तरों वाले दो आईसीयू के लिए एनेस्थीसिया सेवाएं प्रारम्भ की गईं। इसके अलावा, नवंबर 2022 में, नए उद्घाटित मातृ एवं शिशु ब्लॉक में एनेस्थीसिया सेवाएं बढ़ा दी गईं। यह विभाग वर्तमान में, दो बाल चिकित्सा सर्जरी ओटी और चार प्रसूति एवं स्त्री रोग ओटी के लिए एनेस्थीसिया सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें एक समर्पित मातृत्व ओटी भी शामिल है।

सेवाओं के इस प्रमुख विस्तार हेतु ज़रूरी आवश्यकताओं को पूरा करने तथा साथ ही एम्स मास्टर प्लान को ध्यान में रखते हुए, आसन्न क्षमता निर्माण की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 30 से अधिक नए संकाय सदस्यों की भर्ती की गई, जिसने विभाग को और भी अधिक परिवर्तित कर दिया है। इस वर्ष एनेस्थीसिया रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण गतिविधियों में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। उपरोक्त विभाग के संकाय द्वारा अपने विशेषज्ञता के क्षेत्रों में चलाए जा रहे सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यक्रम और नियमित इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रमों का उन्नयन किया गया। इसके अलावा, औपचारिक लॉग बुक भी मुद्रित की गई और सभी रेज़ीडेंट को प्रदान की गई। इसके अलावा, एनेस्थीसिया के लिए रोगी की सहमति लेने के लिए एनेस्थीसिया सहमति भी मुद्रित की गई और सभी वार्डों में उपलब्ध कराई गई।

उपरोक्त विभाग द्वारा गंभीर उपचार, तीव्र दर्द और अल्ट्रासाउंड-निर्देशित रीजनल संवेदनाहरण के क्षेत्र में कई सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित की गईं। मोटापा और चयापचयी सर्जरी (2022) पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और दूसरे एम्स इंटरनेशनल स्पाइन डिफॉर्मिटी कोर्स (2023) के दौरान सैटेलाइट एनेस्थीसिया कार्यशालाएं एवं व्याख्यान आयोजित किए गए। विभाग ने ईएनटी और ऑर्थोपेडिक्स लाइव कार्यशालाओं के लिए एनेस्थीसिया सेवाएं भी प्रदान कीं।

शिक्षा

शैक्षणिक कोर्स/डिग्री	**छात्रों की संख्या**
एमडी संवेदनाहरण विज्ञान	99
डीएम गंभीर उपचार चिकित्सा	27
पीड़ा चिकित्सा में फेलोशिप	8
बीएससी ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी	13

शैक्षणिक कार्यक्रम एवं कक्षाएं

हमारे नियमित शिक्षण कार्यक्रम के अलावा, पिछले वर्ष विभाग के चल रहे 4 शैक्षणिक कार्यक्रमों में से दो क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार देखा गया। सबसे पहले, विभाग ने विशेषज्ञता के अपने विशिष्ट क्षेत्र में विभाग के संकाय-सदस्यों द्वारा संचालित, विशेष इन-हाउस व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना आरम्भ किया। ये कार्यक्रम ड्यूटी घंटों के बाद या छुट्टियों के समय चलाए जाते थे और विभाग के सभी रेजिडेंट डॉक्टरों और सहयोगियों के लिए खुले होते थे। इन कार्यक्रमों की थीम, आईसीयू में अल्ट्रासाउंड-आधारित प्रक्रियाओं, आईसीयू रोगियों के यांत्रिक वेंटिलेशन, फाइबर ऑप्टिक निर्देशित

अंतःकरण प्रक्रिया, यूएसजी रिज़नल एनेस्थीसिया से लेकर पीड़ा चिकित्सा पर अद्यतन और लिवर प्रत्यारोपण रोगियों के एनेस्थेटिक उपचार तक है। ये इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम विभाग में काम करने वाले स्नातकोत्तर, डीएम उम्मीदवारों और अध्येताओं द्वारा प्रशिक्षण बढ़ाने और विशेष कौशल हासिल करने के उद्देश्य से आयोजित किए गए थे।

इसके अलावा, मेडिकल शिक्षण पाठ्यक्रम में सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यक्रमों के एकीकरण के संबंध में राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए, एमडी छात्रों के लिए चल रहे सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यक्रम में बदलाव किया गया और काफी विस्तार भी प्रदान किया गया। दस नए संकाय-सदस्यों को सिम्यूलेशन-आधारित शिक्षण में प्रशिक्षित किया गया तथा नए और पुराने अनुभवी प्रशिक्षुओं के लिए दो अलग-अलग सिमुलेशन-आधारित शिक्षण कार्यक्रम भी आरम्भ किए गए।

एमडी संवेदनाहरण विज्ञान कक्षाएं

- सेमिनार : 33
- केस प्रस्तुतिकरण : 32
- जर्नल क्लब : 26
- ट्यूटोरियल : 18
- सिम्यूलेशन कक्षाएं : 36

डीएम गंभीर उपचार चिकित्सा कक्षाएं

- सेमिनार : 32
- केस प्रस्तुतिकरण : 31
- जर्नल क्लब : 30

पीड़ा चिकित्सा कक्षाओं में फेलोशिप

- सेमिनार : 18
- जर्नल क्लब : 17

बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी कक्षाएं (संवेदनाहरण कक्षाएं)

- प्रथम वर्ष : 80
- दूसरा वर्ष : 46
- तृतीय वर्ष : 76

विभाग के रेजीडेंट डॉक्टरों के लिए आयोजित विशेष इन-हाउस प्रशिक्षण कार्यक्रम और अतिथि व्याख्यान

1. दिनांक 23-24 अप्रैल 2022 को रेजीडेंट के लिए प्रो. अंजॉली और डॉ. देबेश भोई द्वारा अल्ट्रासाउंड-निर्देशित क्षेत्रीय एनेस्थीसिया पर कार्यशाला आयोजित की गई।
2. दिनांक 22 अगस्त, 2022 को डॉ. राहुल कुमार आनंद द्वारा एनेस्थीसिया रेजीडेंट के लिए यांत्रिक वेंटीलेशन पर कार्यशाला आयोजित की गई।
3. दिनांक 30-31 जुलाई 2023 को डॉ. देबेश भोई और डॉ. बिकास रंजन रे द्वारा रेजीडेंट के लिए फ़ाइब्रो ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी पर कार्यशाला आयोजित की गई।

4. दिनांक 12 दिसंबर, 2022 को सेट सुविधा में डॉ बिकास रंजन रे ने गंभीर उपचार में त्वचा संबंधी ट्रेकियोस्टोमी में मास्टरक्लास का संचालन किया।
5. दिनांक 4 दिसंबर, 2022 को डॉ. अखिल कांत सिंह द्वारा लिवर प्रत्यारोपण के लिए एनेस्थीसिया पर प्रवेशिका आयोजित की गई।
6. डॉ. बिकाश रंजन रे ने प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) कार्यशाला का संचालन किया।
7. दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को प्रो. नरिंदर रावल, पीड़ा चिकित्सा विशेषज्ञ, ऑरेब्रो विश्वविद्यालय, स्वीडन द्वारा विश्व पीड़ा दिवस पर अतिथि व्याख्यान दिया गया, जिसका आयोजन डॉ. देबेश भोई द्वारा किया गया।
8. दिनांक 07 नवंबर, 2022 को डॉ. अनुज भाटिया, पीड़ा चिकित्सा विशेषज्ञ, टोरंटो विश्वविद्यालय द्वारा अतिथि व्याख्यान दिया गया, जिसका आयोजन प्रो. लोकेश कश्यप द्वारा किया गया।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

1. 15 अप्रैल, 2022 को एम्स नई दिल्ली में पहला एम्स इंटरनेशनल स्पाइन डिफॉर्मिटी कोर्स संवेदनाहरण विज्ञान ब्रेकआउट सत्र आयोजित किया गया।
2. 27-28 अगस्त 2022 को एम्स गंभीर उपचार अल्ट्रासाउंड (एसीसीयूएस) कार्यक्रम एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
3. 3-4 दिसंबर 2022 को नई दिल्ली में एम्स पीड़ा अभ्यास और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया (एपीपीआरए 2022) का आयोजन किया गया।
4. 5-8 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स स्नातकोत्तर सभा (एपीजीए) आयोजित की गई।
5. 24-26 फरवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में एनेस्थेटिक्स (सीयूएसए) हेतु अल्ट्रासाउंड पर व्यापक संगोष्ठी आयोजित की गई।
6. 28 सितंबर, 2022 को एम्स, नई दिल्ली में मोटापा और चयापचयी सर्जरी पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में बेरिएट्रिक एनेस्थीसिया ब्रेकआउट सत्र आयोजित किया गया।
7. 22 अगस्त, 2022 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (आईएसए) की दिल्ली शाखा की मासिक बैठक आयोजित की गई।
8. 15 नवंबर, 2022 को एम्स, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट (आईएसए) की दिल्ली शाखा की मासिक बैठक आयोजित की गई।

प्रदत्त व्याख्यान: 196

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
81	107	196

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरों की सूची: 35

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
13	21	35

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. सीपीआर कौशल को बनाए रखने हेतु रिमोट ट्रैनर निर्देशित डिलिब्रेट अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, मूल्यांकनकर्ता ब्लाइंडिउ सिमुलेशन अध्ययन, डॉ अभिषेक एन., एम्स-इंट्राम्युरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 4.8 लाख रुपये।
2. पुराने पीठ दर्द में पीईएमएफ और चिकित्सीय उपचार की तुलना करना, डॉ. ज्योत्सना पुंज, बाह्य-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 15 लाख रुपये।
3. ऑपरेशन से पहले चिंता को कम करने में मेलाटोनिन, गैबापेंटिन और अल्प्राजोलम का तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. केलिका प्रकाश, एम्स-इंट्राम्युरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 3.5 लाख रुपये।
4. एनआईएम ईएमजी इंडोट्रैकियल ट्यूब के साथ इंटूबेशन के समय लैरिंगिल एडुक्टर बनाम एटुक्टर नीति के पेरालाइसिन की तुलना, डॉ. ज्योत्सना पुंज, एम्स-इंट्राम्युरल, 3 वर्ष, 2015-2018, 5 लाख रुपये।
5. पेरेंटल उपस्थिति सहित या उसके बिना चिंता की तुलना और नेत्र चिकित्सा संबंधी प्रक्रियाओं को करवा रहे बच्चों में एनेस्थिसिया देने के दौरान स्ट्रेस बायोमार्कर के साथ इसका सहसंबंध एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. निशांत पटेल, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2021-2022, 4.9 लाख रुपये।
6. प्रमुख अस्थि आघात सर्जरी में न्यूक्लियोसोम, सेल फ्री डीएनए एवं बाहयकोशिकीय हिस्टोन के प्रसार पर विभिन्न संवेदनाहरण तकनीकों का प्रभाव तथा एसआईआरएस का विकास, डॉ. परिन लालवानी, एम्स-इंट्राम्युरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये।
7. स्पाइनल सर्जरी करवाने वाले एब्स्टीनेंट तंबाकू पीने वालों में प्रि-ऑपरेटिव ओपियोड आवश्यकता पर निकोटिन प्रतिस्थापन थेरेपी का प्रभाव- एक दोहरा यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन: पुनीत खन्ना, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 50 लाख रुपये।
8. पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक दुष्क्रिया (पीओसीडी) की घटनाओं पर नोर्मोक्सिक बनाम हाइपरॉक्सिक स्थितियों का प्रभाव तथा गैर-कार्डियक सर्जरी करवाने वाले वृद्ध रोगियों में पीओसीडी में एमआईआरएनए की पहचान: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक केस-नियंत्रण अध्ययन, डॉ. पुनीत खन्ना, इंट्राम्युरल- एम्स, 2 साल, 2022-2024, 10 लाख रुपये।

9. परिधीय रक्त ल्यूकोसाइट्स में डीएनए टेलोमेयर लंबाई और जनरल एनेस्थीसिया के दौरान प्रमुख आर्थोपेडिक सर्जरी से गुजरने वाले बुजुर्ग रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव संज्ञानात्मक डिसफंक्शन (पीओसीडी) और पोस्ट-ऑपरेटिव डेलीरियम (पीओडी) के बीच संबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. पुनीत खन्ना, डीएसटी, सीएसआरआई, 3 वर्ष, 2023-2026, 80 लाख रुपये।
10. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले परफॉर्शन पेरिटोनिटिस रोगियों में 5% मानव एल्ब्यूमिन-आधारित पेरिऑपरेटिव द्रव थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सुलगना भट्टाचार्जी, डीएसटी-एसईआरबी, 2 वर्ष, 2022-2024, 29 लाख रुपये।
11. सामान्य संवेदनाहरण के तहत इंटरवेशनल जठरांत्रीय इंडोस्कॉपी प्रक्रियाओं के लिए एलएमए गैस्ट्रो टी एम बनाम इंडोट्रैकियल ट्यूब की प्रभावशीलता: एक अग्रदर्शी परीक्षण, डॉ अंजू गुप्ता, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2021-2022, 3 लाख रुपये।
12. बच्चों में लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान अस्पताल में ठहरने की अवधि, पूर्व ऑपरेटिव परिणाम एवं जटिलताओं पर सर्जरी के पश्चात् उन्नत स्वास्थ्य लाभ (ईआरएएस) का प्रभाव, डॉ. श्रेया बी शाह, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2022-2023, 5 लाख रुपये।
13. निकटवर्ती स्प्लेनो-रीनल शंट (पीएसआर) शल्य चिकित्सा से गुज़रने वाले रोगियों में निरंतर घाव स्पंदन के लिए रोपाइवाकेन मात्र के साथ सहायक के रूप में डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण अध्ययन, डॉ. राकेश कुमार, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2021-2022, 2.7 लाख रुपये।
14. आईसीयू उन्माद की घटना को कम करने के लिए दिन के समय व्यक्तिगत संगीत तथा रात्रि के समय कान में आने वाले सक्रिय शोर को समाप्त करने वाले हेडफोन की उपयोगिता का आकलन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राहुल के आनंद, एम्स-इंट्राम्युरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 1.9 लाख रुपये।
15. कोविड-19 से बचे हुए लोगों में फेफड़ों की सूजन/चोट के जैवसंकेतकों पर यांत्रिक वेंटिलेशन के साथ सामान्य संवेदनाहरण का प्रभाव - एक सामूहिक अध्ययन, डॉ. श्रेया बी. शाह, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष (6 महीने का विस्तार), 2021-2023, 10 लाख रुपये।

पूर्ण

1. ठीक हुए कोविड मामलों में क्लॉस्ट्रिडिओड्स डिफिसाइल, वैनकोमाइसिन प्रतिरोधी एंटरोकोकी और कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी के आंत उपनिवेशण का निर्धारण करना, डॉ. अजीशा अरविंदन, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष 3 माह, जनवरी 2022, 31 मार्च 2023, 10 लाख रुपये।
2. तृतीय उपचार अस्पताल में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के मोबाइल फोन के परिशोधन के लिए यूवी विकिरण, डॉ. ज्योत्सना पुंज, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012-2015, 15 लाख रुपये।
3. कार्डिएकऑटोनोमिक तंत्रिका उपचार के साथ और उसके बिना मधुमेह वाले टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में वेक्यूरोनियम और आइसोफ्लुरेन की अवधि का निर्धारण, डॉ. ज्योत्सना पुंज, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2012-2015, 15 लाख रुपये।

4. कलाई के वोलर पहलू पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित पृष्ठीय रेडियल धमनी कैनुलेशन और पारंपरिक रेडियल धमनी कैनुलेशन की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ सौविक मैत्रा, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2018-2020, 4 लाख रुपये।
5. मध्यम से गंभीर गैर-मधुमेह कोविड-19 रोगियों में आधारभूत इंसुलिन प्रतिरोध और अस्पताल मृत्यु दर के बीच संबंध: एक अवलोकन अध्ययन, डॉ. सौविक मैत्रा, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2020-2021, 4.6 लाख रुपये।
6. चिकित्सा कार्मिक द्वारा कोविड सिमुलेटिड इंटुबेसन के लिए किंग विजन विडियो लैरिंगोस्कोटस चैनल्ड ब्लैड एवं गैर चैनल्ड ट्यूरन वीएल की तुलना: एक यादृच्छिक क्रासओवर मैनीक्यून अध्ययन, डॉ अंजू गुप्ता, एम्स-इंट्राम्युरल, 1 वर्ष, 2020-2021, 2 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. संरचित सिम्युलेटेड प्रशिक्षण के बाद नौसिखिए एनेस्थीसिया रेजिडेंट्स द्वारा वयस्कों में रेडियल आर्टरी कैन्युलेशन के लिए यूएसजी निर्देशित शॉर्ट एक्सिस-डायनामिक नीडल टिप पोजिशनिंग (एसए-डीएनटीपी) तकनीक बनाम लॉन्ग एक्सिस इन प्लेन (एलएआईपी) तकनीक की तुलना का अध्ययन।
2. स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में व्यायाम के समान सेट के बाद एन-95 श्वासयंत्र के उपयोग के साथ शारीरिक श्वसन मापदंडों का मूल्यांकन: एक क्रॉस ओवर अध्ययन।
3. कठिन वायुमार्ग परिदृश्यों में नवदीक्षित एनेस्थीसिया रेजीडेंटों में फाइब्रोऑप्टिक इंटुबेशन दक्षता में सुधार के लिए ओआरएसआईएम सिम्युलेटर पर संरचित उपदेशात्मक प्रशिक्षण बनाम व्यावहारिक प्रशिक्षण की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. क्या सुप्राग्लॉटिक वायुमार्ग (एसजीए) हटाने से पूर्व नासाग्रसनी चूषण बच्चों में एसजीए हटाने के बाद प्रतिकूल वायुमार्ग की घटनाओं को कम कर सकता है? - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण अध्ययन।
5. चयानात्मक शल्यक्रिया अनुभाग से गुज़रने वाली गर्भवती महिलाओं में स्पाइनल हाइपोटेंशन के बाद प्रकरण के साथ शल्यक्रिया पूर्व आंतरिक गर्दन नस के शारीरिक माप का सहसंबंध अध्ययन।
6. बुजुर्गों में रेडियल धमनी कैनुलेशन के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित गतिशील सुई नोक स्थिति बनाम समतल में अनुदैर्ध्य अक्ष तकनीक की तुलना: एक अग्रदर्शी, यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
7. कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी (सीआरई) और कार्बापेनम प्रतिरोधी स्यूडोमोनास एरुगिनोसा (सीआरपीए) के प्राथमिक उपचार के लिए एज़्ट्रोनम के साथ पॉलीमीक्सिन बनाम सेफ्टाज़िडाइम-एविबैक्टम [केयर परीक्षण]।

8. सीपीआर कौशल को बनाए रखने के लिए रिमोट ट्रेनर निर्देशित सुविचारित अभ्यास बनाम स्व-निर्देशित वीडियो-आधारित प्रशिक्षण: एक यादृच्छिक, तुलनात्मक, आकलन करने वाला ब्लाइंडिड सिमुलेशन अध्ययन।

9. संशोधित मौलिक स्तन-शल्य क्रिया से गुज़रने वाले रोगियों में शल्य चिकित्सा के बाद तीव्र दर्द और ओपियोइड उपभोग पर मात्र बुपीवाकेन और केटामाइन बनाम बुपीवाकेन के साथ उत्तोलक रीढ़ की हड्डी भाग का प्रभाव अध्ययन।

10. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में क्रोनिक पोस्टऑपरेटिव दर्द पर बुपीवाकेन और केटामाइन बनाम अकेले बुपीवाकेन के साथ इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन

11. वयस्क रोगियों में पैल्पेशन विधि बनाम अल्ट्रासाउंड निर्देशित पिछला टिबियल धमनी (पीटीए) कैनुलेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

12. कलाई और हाथ की सर्जरी के लिए जागृत स्थायी एनेस्थीसिया टूर्निकेट के बिना (वालंट) बनाम जागृत स्थानीय एनेस्थीसिया और अग्रहस्त् टूर्निकेट (एफएटी के साथ वाला) और अल्ट्रासाउंड निर्देशित व्यक्तिगत परिधीय तंत्रिका भाग (आईपीएनबी) की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. ऊपरी पेट की सर्जरी से गुज़रने वाले बाल रोगियों में पतला स्थानीय एनेस्थीसिया समाधान और फेंटानिल के साथ पतला स्थानीय एनेस्थीसिया में एपिड्यूरल मॉर्फिन बोलस के साथ निरंतर खंडीय एपिड्यूरल भाग की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

14. बाल चिकित्सा इन्फ्रा-नाम्बिलिकल सर्जरी में कॉडल एनाल्जेसिया की अवधि पर इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन के टपकाने का प्रभाव।

15. बाल्यावस्था के एकतरफा वंक्षण हर्निया में शल्य चिकित्सा के पश्चात् दर्द निवारक की लंबी अवधि में घाव स्पंदन के साथ अकेले इलियोइंगुइनल/इलियोहाइपोगैस्ट्रिक भाग के लिए 0.25% रोपाइवाकेन के साथ 6% हाइड्रोक्सीएथाइल स्टार्च (एचईएस) की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

16. सेप्टिक शॉक रोगियों में परिणाम की भविष्यवाणी के लिए हृदय पेशीय कार्य सूचकांक: एक अग्रदर्शी अवलोकनार्थ पायलट अध्ययन।

17. एनआरएस और संवहनी गतिशीलता के अल्ट्रासाउंड स्टेलेट गैंग्लियन तंत्रिका ब्लॉक मापदंडों में डेक्सामेथासोन और क्लोनिडाइन की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

18. अग्नाशयपित्त संबंधी सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में अंतःक्रिया रक्त हानि को कम करने में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की दो अलग-अलग खुराक के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन।

19. तीव्र रोगजनक दर्द के उपचार में बिम्बाणु प्रचुर प्लाज़्मा बनाम मेथिलीन ब्लू के अंतःविषय इंजेक्शन की तुलनात्मक प्रभावकारिता का अध्ययन।

20. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के उपचार में पर्क्यूटेनियस रेडियोफ्रीक्वेंसी थर्मोकोएग्यूलेशन और गैसेरियन गैंग्लियन के पर्क्यूटेनियस माइक्रोबैलून संपीड़न की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

21. अल्ट्रासाउंड-निर्देशित बनाम फ्लोरोस्कोपिक निर्देशित लम्बर सिम्पैथेटिक गैंग्लियन ब्लॉक: एक अग्रदर्शी सिंगल-ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।

22. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में ट्रिपल-लेवल कोस्टोट्रांसवर्स फोरामेन ब्लॉक के साथ अल्ट्रासाउंड-निर्देशित ट्रिपल-लेवल इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता - एक अग्रदर्शी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।

23. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत स्तन सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित कोस्टोट्रांसवर्स फोरामेन ब्लॉक बनाम थोरैसिक पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक अग्रदर्शी डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित गैर-हीनता परीक्षण।

24. सामान्य वायुमार्ग वाले उच्च रक्तचाप के रोगियों में मैकिन्टोश ब्लेड सीएमएसी बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप का उपयोग करके ओरोट्रैचियल इंटुबेषण के रक्त संचार प्रकरण प्रभावों की तुलना -सिंगल ब्लाइंड, आरसीटी।

25. विट्रेओ-रेटिनल सर्जरी से गुज़र रहे बच्चों में दो संवेदनाहारी तकनीकों की तुलना: अंतःश्वसन संबंधी बनाम टीसीआई (लक्ष्य नियंत्रित अंतःशिरा निषेक) - एक यादृच्छिक प्रमुख नैदानिक परीक्षण अध्ययन।

26. पेट की प्रमुख सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद श्वासरोध को कम करने में एक्सट्यूबेशन और उभरने के दौरान दाब आधारीय वेंटिलेशन और सहज वेंटिलेशन के बीच तुलना": एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

27. टोटल लेप्रोस्कोपिक गर्भाशयोच्छेदन में डेक्सामेथासोन, पेरासिटामोल और केटोरोलैक (डेक्स-पीएके) बनाम पेरासिटामोल और केटोरोलैक (पीएके) संयोजन के ओपियोइड से बचने वाले प्रभावों की तुलना करना : एक अग्रदर्शी यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।

28. कोविड के संदिग्ध रोगियों में आपातकालीन शल्य चिकित्सा के बाद के परिणाम और मृत्यु दर : भारत के तृतीयक उपचार केंद्र से एक पूर्वव्यापी विश्लेषण अध्ययन।

29. भारत में एक तृतीयक उपचार केंद्र में कोविड-19 महामारी की पहली लहर के दौरान आपातकालीन आघात शल्यचिकित्सा रोगियों की विशेषता और नैदानिक पाठ्यक्रम अध्ययन।

30. सेक्रल इरेक्टर स्पाइन की अवरोधन क्रिया के तंत्र की जांच के लिए एक कम्प्यूटर टोमोग्राफी इमेजिंग और शारीरिक अध्ययन।

31. जले हुए रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित द्रव पुनर्जीवन प्रोटोकॉल की मानक फॉर्मूला-आधारित द्रव पुनर्जीवन प्रोटोकॉल के साथ तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

32. बुजुर्ग लोगों में शल्यक्रिया के बाद संज्ञानात्मक गिरावट पर डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित ट्रिपल ब्लाइंड परीक्षण।

33. टॉन्सिल्लेक्टोमी से गुजरने वाले बच्चों में टॉन्सिलर वॉल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन; ऑपरेशन के बाद की रुग्णता का पूर्वसूचक अध्ययन।
34. कमजोरी और शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रलाप की पहचान के लिए क्वाड्रिसेप्स डेप्थ का प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन: एक अवलोकनात्मक अध्ययन।
35. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत प्रमुख शल्यचिकित्सा से गुज़रने वाले बुजुर्ग रोगियों में सीरम यूरिक एसिड और सी-रिएक्टिव प्रोटीन के स्तर के साथ शल्यचिकित्सा के बाद प्रलाप और संज्ञानात्मक कार्य की विकृतियों के बीच संबंध: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
36. नींद में सांस लेने में परेशानी और बच्चों में उभरता प्रलाप: पिट्सबर्ग नींद गुणवत्ता सूचकांक (पीएसक्यूआई) और नींद में सांस लेने में परेशानी और बेतरोताज़ा (एसटीबीयूआर) प्रश्नावली के बीच तुलना।
37. बांझपन के लिए चिकित्सीय लैप्रोस्कोपी और गर्भाशयदर्शन से गुज़रने वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के बाद जी मचलना और उल्टी आने (पीओएनवी) पर पूर्व-प्रक्रिया चिंता और एस्ट्रोजेन स्तर का प्रभाव: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
38. वृद्धावस्था वाले कोविड-19 रोगियों में उपचारिक गंभीरता के पूर्वसूचक के रूप में कमजोरी: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
39. शल्यचिकित्सा के पूर्व उच्च रक्तचाप, अस्पताल में रहने की अवधि और शल्यचिकित्सा के बाद हृदय रोग जटिलताओं के बीच संबंध: तृतीयक उपचार केंद्र से एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
40. कोरोनो वायरस रोग 2019 में परिणाम की तुलना (एरिथ्रोपोइटिन (ईपीओ) के साथ या उसके बिना कोविड-निमोनिया रोगी) - एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन।
41. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत बड़ी सर्जरी से गुज़र रहे बुजुर्ग रोगियों में सर्जरी से पहले कमजोरी और शल्यचिकित्सा के बाद प्रलाप और संज्ञानात्मक शिथिलता के बीच संबंध - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।
42. सेवोफ्लुरेन बनाम कुल अंतःशिरा संज्ञाहरण के साथ उद्भव प्रलाप का पता लगाने के लिए बच्चों में कार्यात्मक निकट अवरक्त चित्रावलोकन का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण अध्ययन।
43. गंभीर चयापचय अम्लमयता वाले रोगियों में पुनर्जीवन तरल पदार्थ के रूप में आइसोटोनिक बाइकार्बोनेट बनाम संतुलित सॉल्ट सोल्यूशन: एक आरसीटी अध्ययन
44. सेप्टिक शॉक का पूर्वानुमान करने के लिए ए.आई.-प्रारुप का विकास और सत्यापन अध्ययन।
45. लेप्रोस्कोपिक निचले पेट की सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में शल्यचिकित्सा के पश्चात् पीएओ2/एफआईओ2 अनुपात पर मानक बनाम ट्रांसपल्मोनरी दबाव निर्देशित इंट्राऑपरेटिव पीप के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन।
46. हाइपोएलर्जेनिक रोगियों या यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण में रोगाणुता के पुनर्जीवन चरण के दौरान फ़्यूरोसेमाइड बनाम एल्ब्यूमिन के साथ फ़्यूरोसेमाइड की तुलना करना।

47. प्रशिक्षुओं में रोगी वेंटिलेटर परस्पर क्रियाओं के मूल्यांकन और प्रबंधन में यांत्रिक वेंटिलेटर सिम्युलेटर की प्रभावशीलता।

48. पार्श्व स्थिति में लेप्रोस्कोपिक सर्जरी से गुज़रने वाले रोगी में स्थिर बनाम अनुमापित पीईईपी का तुलनात्मक अध्ययन।

49. पेट के निचले हिस्से, वंक्षण और यूरोलॉजिकल शल्यचिकित्सा से गुज़रने वाले रोगियों में डे केयर सर्जरी के लिए 0.75% इंट्राथेकल रोपिवाकाइन की 90% प्रभावी खुराक (ईडी 90) - बायस्ड कॉइन अप-एंड-डाउन अनुक्रमिक विधि के साथ अनुमान का अध्ययन।

50. मेजर इलेक्टिव एब्डोमिनल, वक्ष और जननांग शल्यचिकित्सा से गुज़रने वाले बाल रोगियों में मानक बनाम प्रतिबंधित द्रव चिकित्सा का प्रभाव: एक नॉन-ब्लाइंडिड, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

51. हड्डी के विशाल कोशिका गिल्टी के लिए शल्यचिकित्सा से गुज़रने वाले रोगियों में सूजन जैवसंकेतकों के स्तर पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव और शल्यचिकित्सा के दौरान रक्तस्राव के साथ सहसंबंध एवं परिणाम।

52. जले हुए रोगियों में प्रारंभिक हल्के मध्यम एआरडीएस में कम खुराक मेथिलप्रेडनिसोलोन; एकल केंद्रीय खुला स्तर वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

53. एनआईआरएस का उपयोग करके प्रमस्तिष्कीय ऑक्सीजनकरण पर पोस्ट स्पाइनल हाइपोटेंशन का प्रभाव और एलएससीएस से गुज़रने वाले पूर्ण अवधि के प्रसूताओं में नवजात परिणामों का अध्ययन, ऑफिस हिस्टेरोस्कोपी के दौरान दर्द की गणना में सुधार करने में प्रसारण माध्यम में अचेतन कारक की प्रभावकारिता का अध्ययन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

54. सामयिक स्थानीय एनेस्थीसिया और डेक्समेडेटोमिडाइन इन्फ्यूजन के तहत अनुमानित कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियोलैरिंजोस्कोप का उपयोग करके जागृत नासोट्रैचियल इंटुबेषण की तुलना।

55. कूल्हे की फ्रैक्चर सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में निरंतर पेरिस्कैपुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक बनाम निरंतर फास्किया इलियाका ब्लॉक की तुलना करना।

56. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत कमजोरहीन बुजुर्ग रोगियों की तुलना में कमजोर लोगों में शल्यचिकित्सा के पश्चात् प्रलाप और संज्ञानात्मक प्रलाप और संज्ञानात्मक शिथिलता की घटना का अध्ययन।

57. पेट की प्रमुख सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में ऑपरेशन के बाद श्वासरोध को कम करने में एक्सट्यूबेशन और उभरने के दौरान दाब आधारीय वेंटिलेशन और सहज वेंटिलेशन के बीच तुलना।

58. गहन उपचार की आवश्यकता वाले आघात रोगियों में नींद की गुणवत्ता का आकलन - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

59. साँस की चोट के साथ जले हुए रोगियों में वायुमार्ग के आकलन के लिए लचीली ब्रोंकोस्कोपी के साथ अल्ट्रासाउंड परीक्षण का सहसंबंध।

60. इन-विट्रो निषेचन परिणामों पर डिंब पुनर्प्राप्ति के दौरान नाइट्रस ऑक्साइड का प्रभाव: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

61. इन-विट्रो निषेचन परिणामों पर अंडाणु पुनर्प्राप्ति के दौरान सेवोफ्लुरेन और आइसोफ्लुरेन की तुलना: एक पूर्वप्रभावी अध्ययन।

62. वयस्क रोगियों में जलने पर मरहम-पट्टी के लिए केटोफोल बनाम केटोडेक्स बनाम केटोफेन संवेदक: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

63. पूरे घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव मौखिक कार्बोहाइड्रेट लोडिंग बनाम गैर-कैलोरी पेय का एक याद्दच्छिक नियंत्रित अध्ययन।

64. लोअर सेगमेंट सिजेरियन सेक्शन डिलीवरी के दौरान गर्भाशय की कमजोरी के संरक्षण में कैल्शियम ग्लूकोनेट का प्रभाव: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

65. आरोही महाधमनी में मापा गया वेलोसिटी टाइम इंटेग्रल और आघात की मात्रा का अध्ययन।

66. सेप्टिक शॉक वाले यंत्रवत् रुप से वेंटिलेटिड वयस्कों में वॉल्यूम प्रतिक्रिया हेतु पूर्वानुमान।

67. एकतरफा पेट की सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना, ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्स एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का आकलन करना: एक तुलनात्मक याद्दच्छिक अध्ययन।

68. आर्थोस्कोपिक घुटने की सर्जरी में प्रीऑपरेटिव जेनिक्यूलर नर्व ब्लॉक के बाद पहली बार एनाल्जेसिक आवश्यकता को रेस्क्यू करने के लिए समय का आकलन करना।

69. गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों में भोजन असहिष्णुता का पूर्वानुमान लगाने के लिए अल्ट्रासाउंड के द्वारा तीव्र जठरांत्र संबंधी चोट (एजीआई) का आकलन: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

70. बाल रोगियों में इंटुबेषण के लिए ग्लाइड स्कोप और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप (फेफड़ों को सुनने का एक यंत्र) की तुलना: एक अग्रदर्शी, तुलनात्मक और याद्दच्छिक अध्ययन।

71. विभिन्न ऑन्कोलॉजिकल स्तन शल्यचिकित्सा में दर्द से राहत के लिए पेक्टोरल तंत्रिका ब्लॉक (पीईसीएस I और II) में क्लोनिडाइन की विभिन्न खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक अग्रदर्शी, तुलनात्मक, याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

72. नवजातों में सामान्य संवेदनाहरण के दौरान आई-जेल सुपराग्लोटिक एयरवे एवं स्व-प्रेसराइजिंग एयर-क्यू (एयर क्यू एसपी) इंटुनेटिंग लैरिंगिल एयरवे की तुलनात्मक प्रभावशीलता एवं सुरक्षा: एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक परीक्षण।

73. सहज रूप से सांस लेने वाले रोगियों में वॉल्यूम प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान के लिए आरोही महाधमनी में मापे गए वेलोसिटी टाइम इंटेग्रल एवं स्ट्रोक वॉल्यूम का अध्ययन।

74. वेंटिलेटरी प्रणाली अनुपात, पीईईपी और स्थैतिक श्वसन प्रणाली अनुपालन को जोड़कर तीव्र श्वसन संकट सिंड्रोम का पुनर्वर्गीकरण: एनएचएलबीआई डेटाबेस का विश्लेषण अध्ययन।

75. पोस्टऑपरेटिव पूर्वानुमान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल का विकास और सत्यापन।

76. फुफ्फुसीय जटिलताएँ: तीन यादृच्छिक परीक्षणों का माध्यमिक विश्लेषण।

77. हाइपोस्पेडिया रिपेयर से गुजर रहे बच्चों में बुपिवाकेन और क्लोनिडाइन का उपयोग करके पुडेंडल तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना कॉडल ब्लॉक से की गई: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक अध्ययन।

78. कंधे की मैनीपुलेशन प्रक्रिया के लिए पीईएनजी बनाम इंटरस्केलीन: एक आरसीटी अध्ययन।

79. पारंपरिक प्रबंधन की तुलना में लुंबोसैक्रल स्पाइन सर्जरी में सेक्रल इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

80. बच्चों में कठिन वायुमार्ग का पूर्वानुमान करने के लिए सोनोग्राफिक वायुमार्ग मूल्यांकन मापदंडों के प्रदर्शन का मूल्यांकन।

81. बाल्यावस्था के एकतरफा वंक्षण हर्निया में शल्य चिकित्सा के पश्चात् दर्द निवारक की लंबी अवधि में घाव स्पंदन के साथ अकेले इलियोइंगुइनल/इलियोहाइपोगैस्ट्रिक ब्लॉक के लिए 0.25% रोपाइवाकेन के साथ 6% हाइड्रोक्सीएथाइल स्टार्च (एचईएस) की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।

82. टोटल लैप्रोस्कोपिक गर्भाशयोच्छेदन से गुज़रने वाले रोगियों में डेक्सामेथासोन, पेरासिटामोल और केटोरोलैक (डेक्सपैक) बनाम पेरासिटामोल, केटोरोलैक (पैक) के संयोजन के ओपियोइड-मितव्ययी प्रभावों की तुलना करना: एक अग्रदर्शी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

83. स्तन सर्जरी कराने वाले रोगियों में रेट्रोलैमिनर प्लेन ब्लॉक की पीड़ानाशक प्रभावकारिता: एक एकल-केंद्रीय, अग्रदर्शी, अवलोकनात्मक अध्ययन।

84. बाल रोगियों में गुर्दे की सर्जरी के लिए विविध इंजेक्शन कॉस्टोट्रांसवर्स के साथ कॉडल एपिड्यूरल भाग की तुलना: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक, ब्लाइंडिड चिकित्सीय परीक्षण।

85. सुप्राक्लेविकुलर नर्व ब्लॉक के इंटर-ट्रंकल दृष्टिकोण के अल्ट्रासाउंड निर्देशित डबल-इंजेक्शन बनाम ट्रिपल इंजेक्शन तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-न्यूनता परीक्षण।

86. क्या एएनसिस्कोप™ पोस्ट-थोरेसिक एपिड्यूरल रक्त दाब का पूर्वानुमान करता है? - एक अवलोकनात्मक अध्ययन।

87. बाल प्री-ऑपरेटिव चिंता को दूर करते हुए, अब हम कहाँ हैं? - एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण।

88. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी से गुजर रहे बाल रोगियों में कॉडल रोपिवाकाइन के सहायक के रूप में कॉडल बनाम इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित डबल ब्लाइंड गैर-हीनता परीक्षण।

89. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में गैर-यकृत हाइपरअमोनमिया- घटना, जोखिम कारक और परिणाम पर प्रभाव का अध्ययन।

90. लैप्रोस्कोपिक रीनल सर्जरी में एकतरफा अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता पर अंतःशिरा डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

91. सेप्सिस में गुर्दे के माइक्रोसिरिक्युलेटरी तनाव के एक मार्कर के रूप में मूत्र जैव रसायन: अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

92. आईसीयू से प्राप्त कमजोरी को कम करने के लिए देखभाल के नवीन भाग की प्रभावकारिता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

93. गहन उपचार इकाई में प्रलाप के लिए रोगनिरोधी मेलाटोनिन - एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।

94. वृद्ध वयस्कों में पोस्टऑपरेटिव सबसिंड्रोमल डिलिरियम पर डेक्सामेथासोन का प्रभाव: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण

95. सरल वायुमार्ग वाले वयस्कों में टीयूओरेनकिंगटेक® और सी-मैक® डी-ब्लेड वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक गैर-न्यूनता परीक्षण अध्ययन।

पूर्ण

1. ऐच्छिक लेप्रोस्कोपिक स्त्रीरोग संबंधी शल्यचिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों में प्रोसील लैरिंजियल मास्क वायुमार्ग (पीएलएमए) निर्देशित मानक (इंट्रोडयूसर टूल) सर्जरी यंत्र बनाम सक्शन कैथेटर निर्देशित तकनीकों की तुलना: एक यादृच्छिक परीक्षण।

2. ऐच्छिक सिजेरियन डिलीवरी से गुजरने वाली महिलाओं में व्यवहारिक रिकवरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल पर सर्जरी के उपरांत उन्नत रिकवरी की प्रभावकारिता और संभावना एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।

3. संपूर्ण हृदय ब्लॉक के कारण गर्भावस्था में जटिलताएं तृतीयक उपचार अस्पताल से अनुभव।

4. अंत:श्वसन इंडक्शन के दौरान निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव के उपयोग से त्वरित इंडक्शन नहीं होता है, परंतु सेवोफ्लुरेन का प्रयोग बढ़ जाता है।

5. सामान्य पीड़ानाशक के अंतर्गत स्ट्रैबिसमस(भेंगापन) शल्यचिकित्सा से गुजरने वाले बच्चों में सबटेनन ब्लॉक के लिए 0.5% रोपीवाकेन की विभिन्न मात्रा की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन।

6. स्तन कैंसर के रोगियों में लाइफ स्कोर की गुणवत्ता और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं पर पैरावेर्टेब्रल संवेदनाहरण का प्रभाव।

7. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी के उपरांत पोस्टऑपरेटिव दर्द के नियंत्रण में पीसीए फेंटेनाइल के साथ इंट्राथेकल मॉर्फिन, अल्ट्रासाउंड-निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

8. एन्यूक्लिएशन सर्जरी से गुजर रहे रेटिनोब्लास्टोमा वाले बच्चों में सामान्य संवेदनाहरण और पेरिबुलबार ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की व्यवहारिक सामान्य एनेस्थीसिया से तुलना - एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड समानांतर नियंत्रित परीक्षण।

9. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया के सुधार में इलियोइंगुइनल और इलियोहाइपोगैस्ट्रिक तंत्रिका ब्लॉकों की अवधि बढ़ाने में रोपाइवाकेन सहित हेटास्टार्च की प्रभावकारिता: एक पायलट अध्ययन।
10. परिधीय धमनी रोग वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित आउटप्लेन लम्बर सिम्पैथेक्टोमी ब्लॉक की तकनीकी व्यवहारिकता और फ्लोरोस्कोपी द्वारा इसकी पुष्टि का आकलन करने हेतु एक संभावित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
11. ईगल्स सिंड्रोम वाले रोगियों में एक्स्ट्राओरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक वीएस अल्ट्रासाउंड गाइडेड तकनीक का उपयोग करके ग्लोसोफैरिंजियल तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल।
12. नौसिखिया संवेदनाहरण रेजीडेंट द्वारा किए जाने पर एंडोट्रैचियल इंटुबैषन हेतु एक विश्वसनीय उपकरण के रूप में अल्ट्रासाउंड का उपयोग- एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
13. वास्तविक समय पीसीआर द्वारा लीजियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान और अनुक्रम-आधारित टाइपिंग-पीएचडी थीसिस द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन।
14. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा लेबर एनाल्जेसिया में रोपाइवाकेन और लेवोबुपिवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण।
15. निचले लिंब सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में बीआईएस की निगरानी के उपयोग द्वारा आईवी मिडाज़ोलम सहित एवं इसके बिना सबराचोनोइड ब्लॉक की पीड़ा को कम करने वाली दवा के प्रभाव की तुलना करना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
16. अल्ट्रासाउंड निर्देशित बनाम फ्लोरोस्कोपिक गाइडेड लम्बर सिम्पैथेटिक गैंग्लियन ब्लॉक: एक संभावित सिंगल-ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।
17. ऊपरी अंग की सर्जरी हेतु अल्ट्रासाउंड-निर्देशित कॉस्टोक्लेविकुलर ब्रैकियल प्लेक्सस ब्लॉक के पार्शिवक अभिगम और पार्श्व दृष्टिकोण के बीच तुलना - एक पायलट इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
18. सामयिक स्थानीय संवेदनाहरण और डेक्समेडेटोमिडाइन इन्फ्यूजन के अंतर्गत अनुमानित कठिन वायुमार्ग वाले रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप का उपयोग करके अवेक नासोट्रैचियल इंटुबैशन की तुलना।
19. लेवल 3 व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री के सम्पादन के उपरांत सीओवीआईडी आईसीयू में सामान्य कार्य करने के मुद्दे- उपयोगकर्ता की अवधारणा से: तृतीयक उपचार अस्पताल से एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
20. कोरोना वायरस रोग (कोविड-19) से संबंधी संवेदनाहरण चुनौतियां (कोविड-19) एसोसिएटेड म्यूकोर्मिकोसिस (सीएएम): एक केस सीरीज।
21. सामान्य संवेदनाहरण के अंतर्गत वैकल्पिक सर्जरी से गुजरने वाले बच्चों में प्रोपोफोल इंडियूस हाइपोटेंशन पर प्रीऑपरेटिव चिंता का प्रभाव: एक संभावित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
22. बच्चों में रेडियल धमनी कैनुलेशन की सुविधापूर्ण कलाई एनगुलेशन का प्रभाव: अल्ट्रासाउंड-निर्देशित शारीरिक मूल्यांकन।

23. बच्चों में विभिन्न वर्टीब्रल स्तरों पर ड्यूरा से रीढ़ की हड्डी की दूरी और भारतीय जनसंख्या में एपिड्यूरल और स्पाइनल संवेदनाहरण और एनल्जेसिया पर इसका प्रभाव: एक पूर्वप्रभावी सीटी स्कैन-आधारित अध्ययन।
24. स्कोलियोसिस में ऑपरेशन उपरांत आईसीयू में रहने के पूर्वानुमानकर्ता- एक पूर्वप्रभावी अध्ययन।
25. भारत में तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में प्रमुख पेल्विक सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों का पेरिऑपरेटिव परिणाम: एक पूर्वप्रभावी विश्लेषण।
26. रुग्ण रूप से मोटे रोगियों में फुप्फुसीय कार्य परीक्षण और कठिन वायुमार्ग के बीच संबंध।
27. बच्चों में डे केयर प्रक्रियाओं के दौरान इनहेलेशनल संवेदनाहरण आवश्यकता सहित कुपोषण और जागने का संबंध।
28. सामान्य संवेदनाहरण के अंतर्गत आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में ऑक्सीजनेशन इंडेक्स और ऑक्सीजन संतृप्ति इंडेक्स का सहसंबंध: एक संभावित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
29. वयस्क रोगियों में दाहिनी ब्राकियोसेफेलिक नस के अल्ट्रासाउंड-निर्देशित कैथीटेराइजेशन की व्यवहारिकता का अध्ययन।
30. कोविड-19 में इंट्यूबैशन तृतीयक उपचार आईसीयू से एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
31. सेप्सिस वाले रोगियों में मृत्यु दर के पूर्वानुमानक के रूप में लैक्टेट क्लीयरेंस और न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट कांउट अनुपात के बीच तुलना।
32. मैकेनिकल वेंटिलेशन से मुक्ति के दौरान पैरास्टर्नल इंटरकोस्टल मांसपेशी अल्ट्रासाउंड की भूमिका और आईसीयू में एक्सट्यूबेशन सफलता का पूर्वानुमान - एक संभावित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
33. आइसोफ्लुरेन या डेसफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य संवेदनाहरण के अंतर्गत ओपन सर्जरी से गुजरने वाले बुजुर्ग रोगियों में पोस्ट ऑपरेटिव संवेदनाहरण संबंधी गिरावट एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
34. बुजुर्गों में ऑपरेशन उपरांत संवेदनाहरण संबंधी गिरावट की घटनाओं पर लिग्नोकेन और डेक्समेडेटोमिडाइन के प्रभावों की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण: एक पायलट अध्ययन।
35. सेवोफ्लुरेन संवेदनाहरण के दौरान फ्रंटल कॉर्टेक्स में परिवर्तित सेरेब्रल रक्त प्रवाह और बच्चों में पोस्टऑपरेटिव आपात बेहोशी की घटनाओं के बीच संबंध निर्धारित करने हेतु एक एफएनआईआरएस आधारित पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।
36. पर्फारेशन पेरिटोनिटिस सर्जरी के बाद तीव्र गुर्दे की क्षति का शीघ्र पता लगाने हेतु डॉपलर रीनल रेसिस्टिव इंडेक्स और सेमीक्वांटिटेटिव पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड।

37. सर्जिकल ट्यूमर हटाने के दौर से गुजर रहे फियोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंगलियोमा वाले रोगियों में निम्न वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी इंडेक्स द्वारा प्रीऑपरेटिव इंट्रावास्कुलर वॉल्यूम स्थिति को मापा जाता है - एक संभावित समूह अध्ययन।

38. तीव्र संचार विफलता वाले रोगियों में कार्डियक आउटपुट में पीएलआर-इंडूस्ड परिवर्तन को ट्रैक करके द्रव प्रतिक्रिया का आकलन करने हेतु इलेक्ट्रिकल कार्डियोमेट्री का मूल्यांकन: ट्रान्सथोरासिक इकोकार्डियोग्राफी सहित एक तुलनात्मक अध्ययन।

39. बाहरी रोगी ट्यूबल बंधाव हेतु इंट्राथेकल संवेदनाहरण की कम खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता।

40. अवसाद हेतु इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी से गुजरने वाले रोगियों में दौरे की गतिविधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी समय और कॉर्टिकल गतिविधि की अवधि पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन।

41. इन विट्रो उर्वरण प्रक्रियाओं के दौरान ओओसाइट पुनर्प्राप्ति हेतु प्रक्रियात्मक बेहोश करने की क्रिया और एनाल्जेसिया के रूप में केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

42. डे केयर प्रक्रिया-अवलोकन अध्ययन के रूप में संवेदनाहरण के अतंर्गत नेत्र परीक्षण से गुजरने वाले बाल रोगी में प्रीऑपरेटिव उपवास की अवधि और आपात डेलिरियम के बीच सहसंबंध।

43. नी चेस्ट पोज़िशन की स्थिति और प्रसूति में सबराचोनोइड ब्लॉक का प्रारांभिक का समय।

44. फास्किया इलियाकाब्लॉक इंगुइनल लिगामेंट के ऊपर या नीचे? टोटल हिप आर्थ्रोप्लास्टी में प्रभावकारिता का मूल्यांकन। एक यादृच्छिक संभावित अध्ययन।

45. अवेक फाइबर ऑप्टिक नेज़ल इंटुबैशन के दौरान बेहोश करने की क्रिया हेतु केटामाइन और मिडाज़ोलम के संयोजन सहित डेक्समेडेटोमिडाइन की तुलना, एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड तुलनात्मक परीक्षण।

46. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन पर पश्चयत् प्रभाव: एक पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।

47. इलेक्टिव ओपन पाइलोप्लास्टी से गुजरने वाले बाल रोगियों में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया और न्यूरोएंडोक्राइन तनाव प्रतिक्रिया पर अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्वाड्रेटस लुम्बोरम ब्लॉक का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

48. सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में मृत्यु दर का पता लगाने हेतु न्यूक्लियोसोम के सीरम स्तर और मेटालोप्रोटीनिस 1 के ऊतक अवरोधक की तुलना।

49. कोविड एआरडीएस वाले यांत्रिक रूप से वेंटिलेडिंड रोगियों में प्रोन स्थिति की अवधि और नैदानिक परिणाम के बीच संबंध: एक पूर्वव्यापी पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।

50. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में सबराचोनोइड ब्लॉक की अवधि पर आईवी डेक्सामेथासोन की विभिन्न खुराक की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण डबल ब्लाइंड अध्ययन।

51. बच्चों में ऑरोट्रैचियल इंटुबैशन हेतु एक नाली के रूप में एयर क्यू आईएलए: सूपाइन एवं लेटरल स्थिति के बीच एक तुलना।

52. प्रोपोफोल के कारण होने वाले पोस्ट-इंडक्शन हाइपोटेंशन पर रोगी की विभिन्न स्थितियों का प्रभाव - एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण।

53. लम्बर डिस्क सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में क्लासिकल थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक (टीएलआईपी) बनाम लेटरल थोरैको-लम्बर इंटरफेशियल प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना: एक तुलनात्मक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

54. पेरिटोनिटिस के रोगियों में पेरिऑपरेटिव एसिड-बेस असामान्यताओं और गुर्दे की शिथिलता के बीच संबंध: एक संभावित समूह अध्ययन।

55. पेट की बड़ी सर्जरी से गुजरने वाले वयस्क मरीजों में उच्च बनाम मानक एफआई02 सहित ऑपरेशन के बाद की फुफ्फुसीय जटिलताएँ: एक गैर-हीनता परीक्षण।

56. आपातकालीन लैपरोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव पल्मोनरी जटिलताओं पर वृद्धिशील पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

57. एकपक्षीय पेट की सर्जरी से गुजर रहे बच्चों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन (ईएसपी) ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

58. कुपोषित बच्चों में एलएमए के आकार चयन हेतु उम्र के अनुसार वजन बनाम वजन की तुलना - एक यादृच्छिक क्रॉसओवर परीक्षण।

59. बाल चिकित्सा इन्फ्रा-नाम्बिलिकल सर्जरी में कॉडल एनाल्जेसिया की अवधि पर इंट्रानैसल डेक्समेडेटोमिडाइन के इंस्टिलेशन का प्रभाव।

60. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट हेतु नियोजित रोगियों में सुप्राहाइडॉइड वायुमार्ग मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांक न - एक पायलट, पर्यवेक्षणात्मक अध्ययन।

61. भारत में चिकित्सा स्नातक के बीच एक कैरियर विकल्प के रूप में संवेदनाहरण विज्ञान के बारे में दृष्टिकोण और समझ: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

62. टीएपीपी दृष्टिकोण- एकल केंद्र पूर्वप्रभावी विश्लेषण द्वारा लेप्रोस्कोपिक हर्निया के सुधार में ट्रांस मस्कुलर क्वाड्रेटस लुंबोरम ब्लॉक बनाम ट्रांसवर्सस एब्डोमिनस प्लेन ब्लॉक के दीर्घकालिक प्रभाव।

63. निरंतर या रुक-रुक कर बोलस तकनीक इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक प्राप्त करने वाले संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिक प्रभाव और जीवन की दीर्घकालिक गुणवत्ता: एक एकल केंद्र पूर्वप्रभावी विश्लेषण।

64. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी सर्जरी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक में निरंतर बनाम आंतरायिक बोलस तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

65. ओपन स्त्री रोग अबुर्दविज्ञान संबंधी रोग की सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया हेतु संयुक्त ट्रांस-मस्कुलर क्वाड्रेटस लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपन लेबल संभावित यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण।

66. एक वयस्क गहन उपचार सेटिंग में संवर्धित गुर्दे की निकासी - व्यापकता, जोखिम कारक और नैदानिक परिणामों पर प्रभाव।

67. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में नैदानिक परिणामों पर कैल्शियम, मैग्नीशियम और फास्फोरस के प्रवेश सीरम स्तर का प्रभाव: एक पूर्वप्रभावी विश्लेषण।

अंत: विभागीय सहयोगी

जारी

1. गर्भावस्था की दूसरी तिमाही की चिकित्सा समाप्ति के कारण होने वाले पीड़ा को कम करने में रोगी नियंत्रित एनाल्जेसिया सहित फेंटेनल और मल्टीमॉडल पैरेंट्रल एनाल्जेसिया के बीच तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग।

2. सिजेरियन सेक्शन में ऑपरेशन के उपरांत पीड़ा को कम करने में इंट्राऑपरेटिव डेक्सामेथासोन की एक खुराक की प्रभावकारिता पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

3. रेडिकल सिस्टेक्टॉमी के दौरान पेल्विक लिम्फैडेनेक्टॉमी की सीमा - मानक और विस्तारित पेल्विक लिम्फैडेनेक्टॉमी, मल्टीसेंट्रिक के बीच एक बहु-संस्थागत ओपन लेबल यादृच्छिक परीक्षण।

4. सैक्रल इरेक्टर स्पाइना नाकाबंदी, शरीर रचना विभाग और विकिरण विज्ञान विभाग की कार्रवाई के तंत्र की जांच हेतु एक कंप्यूटेड टोमोग्राफी इमेजिंग और शारीरिक रचना अध्ययन।

5. प्रमुख मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में बायोमार्कर की भूमिका और विभिन्न संवेदनाहरण तकनीकों और पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इसका संबंध, अस्थि रोग विभाग।

6. क्रोनिक पीठ की पीड़ा के उपचार हेतु सहायक के रूप में स्पंदित इलेक्ट्रिक-चुंबकीय क्षेत्र (पीईएमएफ) का उपयोग: एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, अस्थि रोग विभाग।

7. ऐकालासिया कार्डिया हेतु प्रति मौखिक एंडोस्कोपिक मायोटॉमी के दौरान लघु खंड बनाम लंबे खंड मायोटॉमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र रोग विभाग और मानव पोषण विभाग।

पूर्ण

1. कान, नाक, गला और हेड नेक सर्जरी विभाग के जन्मजात लैरींगोट्राचेओमलेशिया वाले बाल रोगियों में ट्रेकोमलेशिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित पायलट अध्ययन।

2. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में पेरिऑपरेटिव कम खुराक बनाम मानक खुराक स्टेरॉयड आहार: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, लिवर प्रत्यारोपण और जठरांत्र रोग विज्ञान सर्जरी विभाग।

3. तीव्र कोविड-19 की गंभीरता से जुड़ी थायराइड हार्मोन असामान्यताएं, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग।
4. प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग के अनुसार, सूजन और हेमटोलॉजिकल मार्करों का संयोजन बिना टीकाकरण वाले व्यक्तियों में हल्के और गंभीर प्रारंभिक बीमारी में मृत्यु के जोखिम से दृढ़ता से जुड़ा हुआ है।
5. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग।
6. तृतीयक उपचार अस्पताल, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग में स्वास्थ्य उपचार कर्मियों के मोबाइल फोन के परिशोधन हेतु यूवी विकिरण।
7. शरीर-क्रिया विज्ञान विभाग, कार्डियक ऑटोनोमिक न्यूरोपैथी सहित और बिना मधुमेह वाले टाइप 2 मधुमेह रोगियों में वेक्यूरोनियम और आइसोफ्लुरेन की अवधि का निर्धारण।
8. ड्यूरल पंचर एपिड्यूरल तकनीक द्वारा प्रसव ऐनलगेसिया में रोपाइवाकेन और लेवोबुपिवाकेन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना - एक संभावित डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
9. वास्तविक समय पीसीआर द्वारा लीजियोनेला न्यूमोफिला की आणविक पहचान और अनुक्रम आधारित टाइपिंग द्वारा आइसोलेट्स का लक्षण वर्णन, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग।
10. विकिरण विज्ञान विभाग, ईगल्स सिंड्रोम वाले रोगियों में एक्स्ट्राओरल एनाटोमिकल लैंडमार्क तकनीक वीएस अल्ट्रासाउंड निर्देशित तकनीक का उपयोग करके ग्लोसोफैरिंजियल तंत्रिका ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा प्रोफ़ाइल।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	7	19	15
कुल वित्तपोषित (लाख रुपये)	रु. 27.14	रु. 216.4	रु. 274.8

प्रकाशन

पत्रिका : 141 सार : 16 पुस्तकों में अध्याय : 30

पुस्तकें और मोनोग्राफ : 3

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	**145**	**140**	**190**
पत्रिकाओं में लेख	145	121	141
सार	0	1	16
पुस्तकों में अध्याय	0	18	30
पुस्तकें	0	0	3

रोगी उपचार

विशिष्टताएं		निष्पादित मामलों की संख्या
ऑपरेटिंग थिएटर		
जीआई सर्जरी ओटी		571
मूत्र रोग विज्ञान		1360
ई.एन.टी		1357
स्त्री रोग विज्ञान एबी8 मुख्य ओटी एमसीएच ब्लॉक स्त्री रोग ओटी (अक्टूबर 2022 से आगे) स्त्री रोग विज्ञान के कुल मामले		729 341 1070
बाल चिकित्सा सर्जरी एबी8 मुख्य ओटी बाल चिकित्सा सर्जरी एमसीएच ब्लॉक ओटी (नवंबर 2022 से आगे) बाल चिकित्सा सर्जरी के कुल मामले		1306 42 1348
कोविड-19 ओटी		3
आर्थोपेडिक्स ओटी		6746
मैटरनिटी ओटी तीसरी मंजिल मैटरनिटी ओटी एमसीएच ब्लॉक (जनवरी 2023 से आगे) मैटरनिटी ओटी कुल रोगी आईवीएफ ओटी		3062 341 3403 452
परिधीय सेवाएँ (सीटी, एमआरआई, एमईसीटी, डीएसए)		3850
सर्जरी ब्लॉक ओटी		3546
बर्न एवं प्लास्टिक ब्लॉक ओ.टी बर्न एवं प्लास्टिक मेन ओ.टी बर्न एवं प्लास्टिक के कुल मामले		1967 66 2033
एबी8 आपातकालीन	मामले परिधीय कॉल	3741 1660
केन्द्रों पर संवेदनाहरण सेवाएँ		
दंत शल्यचिकित्सा (सीडीईआर)		704
नेत्र शल्य चिकित्सा (डॉ. आरपी सेंटर)		8113
गहन उपचार इकाइयाँ		
एबी 8 आईसीयू	नए भर्ती	683
सर्जरी ब्लॉक आईसीयू (सितंबर 2022 से आगे)	नए भर्ती	230
बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी आईसीयू	नए भर्ती	905

पीड़ा चिकित्सा		
पीड़ा क्लीनिक	पुराने मरीज़	2314
	नए मरीज	953
पीड़ा ओटी		377
पीएसी क्लीनिक		19509

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. लोकेश कश्यप को **दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन** द्वारा, शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर, चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा में उल्लेखनीय योगदान के लिए "**प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक"** के पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रो. गंगा प्रसाद जेपीएन ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में एनेस्थीसिया और गम्भीर उपचार में चिकित्सीय सेवाओं के प्रशासनिक प्रभारी हैं; केंद्रीय कार्यशाला, एम्स, नई दिल्ली के संकाय समन्वयक; नवंबर 2022 में पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट, चंडीगढ़ में एमडी के लिए परीक्षक; एम्स, जोधपुर, राजस्थान में बाल चिकित्सा सहभागिता के लिए परीक्षक; नई दिल्ली में स्नातक संस्थान चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली के लिए एनेस्थीसिया उपकरणों की विशिष्टता समिति के बाह्य सदस्य; फरवरी 2023 में उत्तरी एमसीडी मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली के सहायक प्रोफेसर के साक्षात्कार के चयन के लिए शिक्षण विषय विशेषज्ञ रहे। 13वें वार्षिक सम्मेलन की अध्यक्षता, भारतीय न्यूरो गम्भीर उपचार संस्था (तीसरा एनसीएसआई) और 8वें एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022 के सत्र को 6-9 अक्टूबर 2022 में, होटल प्राइड प्लाजा एयरोसिटी, नई दिल्ली में आयोजित की गई, 27-28 अगस्त 2022 को, एम्स, नई दिल्ली में गम्भीर उपचार अल्ट्रासाउंड (एसीसीयूएस 2022) पर सीएमई सह कार्यशाला में फेफड़े के फुफ्फुस और डायाफ्राम अल्ट्रासाउंड के सत्र की अध्यक्षता की।

प्रो. विमी रेवाड़ी यूएसएआईडी राइज पाथ (रीचिंग इम्पैक्ट, सैचुरेशन एंड एपिडेमिक कंट्रोल (आरआईएसई) यूएस एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट (यूएसएआईडी) द्वारा वित्तपोषित एक वैश्विक परियोजना है, जो प्रोग्राम फॉर एप्रोप्रियेट टेक्नोलॉजी इन हेल्थ (पाथ) द्वारा सहायता प्राप्त है।) द्वारा आयोजित ऑक्सीजन पारिस्थितिकी तंत्र पर नीति संक्षिप्त और सिफारिशों के मार्गदर्शन के लिए तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) की सदस्य थीं; उन्हें एफएनबी ट्रांसप्लांट एनेस्थीसिया में मान्यता के लिए अस्पताल की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का भौतिक मूल्यांकन करने के लिए एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज द्वारा नियुक्त किया गया है।

प्रो. ज्योत्सना पुंज ने अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कार्यशालाएँ आयोजित कीं: इंफाल में 21-22 अगस्त को क्रोनिक पेन मैनेजमेंट एंड पेरीफेरल नर्व ब्लॉक पर आयोजित कार्यशाला में रिसॉर्स संकाय: मणिपुर एसोसिएशन ऑफ एनेस्थीसिया द्वारा आयोजित; 3-4 दिसंबर को ढाका में आयोजित दक्षिण एशियाई रिज़नल पेन सोसायटी (एसएआरपीएस) में रिसॉर्स संकाय; ढाका एनेस्थीसिया संघ द्वारा

आयोजित; एसीसीयूएस 2022 में अध्यक्ष; एम्स के एनेस्थीसिया विभाग द्वारा आयोजित; 2-5 नवंबर 2022 तक काहिरा में आयोजित अल्ट्रासाउंड निर्देशित तंत्रिका ब्लॉक कार्यशाला के रिसॉर्स संकाय; एएफएसआरए द्वारा आयोजित; 7-9 अक्टूबर 2022 तक रांची में आयोजित अल्ट्रासाउंड निर्देशित नर्व ब्लॉक कार्यशाला में रिसॉर्स संकाय; रांची एनेस्थीसिया संघ द्वारा आयोजित; 22-25 सितंबर 2022 को कोलंबो में आयोजित अल्ट्रासाउंड निर्देशित नर्व ब्लॉक कार्यशाला में रिसॉर्स संकाय; श्रीलंका पेन एनेस्थीसिया संघ द्वारा आयोजित। ये एसजीपीजीआई, लखनऊ, नवंबर 2022, यूसीएमएस, नवंबर 2022 में संकाय चयन के लिए एक विशेषज्ञ थीं; एसडीजी फोरम के लिए एम्स की सदस्य; एम्स में डीएम गम्भीर उपचार, पेन सहभागिता परीक्षा की परीक्षक; आईजेपीयूटी (परियोजी अल्ट्रासाउंड और व्यवहारिक प्रौद्योगिकी की अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका) की सहयोगी संपादक; जम्मू विश्वविद्यालय, जेएनएमसी, अलीगढ़ और जीएमसी, जम्मू से थीसिस का मूल्यांकन; जम्मू एवं कश्मीर आयोग के एनेस्थीसिया संकाय चयन हेतु विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. रविंदर कुमार पांडेय एमडी थीसिस (संवेदनाहरण विज्ञान) के मूल्यांकन के लिए एम्स जोधपुर के परीक्षक थे; एमडी थीसिस (संवेदनाहरण विज्ञान) और एमडी एनेस्थीसिया परीक्षाओं के मूल्यांकन के लिए साउथ कैंपस दिल्ली यूनिवर्सिटी (एमएएमसी), वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पतालों के लिए परीक्षक रहे। इन्हें डी.एम. (लिवर प्रत्यारोपण) और एम.डी. (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए पीजीआईएमएस, चंडीगढ़ हेतु परीक्षक के रूप में नामित किया गया था; पीडीएएफ (लिवर प्रत्यारोपण) परीक्षा और एमडी (संवेदनाहरण विज्ञान) परीक्षा और एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के परीक्षक; इंस्टीट्यूट ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी, पेन एंड पेरिऑपरेटिव मेडिसिन (आईएपीपीएम), एसजीआरएच, नई दिल्ली द्वारा आयोजित अल्ट्रासाउंड निर्देशित क्षेत्रीय एनेस्थीसिया प्रशिक्षण प्रोग्राम की कार्यशाला और आईडीआरए कोर्स के सत्र का संचालन करने वाले संसाधन संकाय; डीएम (लिवर प्रत्यारोपण) और एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए परीक्षक, पीजीआईएमएस, चंडीगढ़; पीडीएएफ (लिवर और रीनल ट्रांसप्लांटेशन) और एमडी (संवेदनाहरण विज्ञान) परीक्षा और एमडी (एनेस्थीसिया) थीसिस के मूल्यांकन के लिए एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के परीक्षक; एमडी एनेस्थीसिया थीसिस मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ - जेपी कोइराला इंस्टीट्यूट, धरन, नेपाल, एम्स जोधपुर, एम्स पटना, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एमएएमसी और साउथ कैंपस दिल्ली यूनिवर्सिटी, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी, फरीदकोट, पंजाब थे।

प्रो. अंजोलि छाबड़ा ने "स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन स्कोर की गुणवत्ता और परिसंचारी स्कोर और ट्यूमर कोशिकाओं को प्रसारित करने पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थीसिया का प्रभाव" विषय पर अपनी पीएचडी थीसिस पूरी की। वे 4-7 मई 2022 तक दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में आयोजित एमडी एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक थीं; 11-13 मई 2022 तक सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल चंडीगढ़ के लिए आयोजित एमडी एनेस्थिसियोलॉजी परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक थीं। इन्होंने 12 अप्रैल 2022 को वेबिनार में सत्र की अध्यक्षता की: बाल रोगियों में परियोजी ट्रांसफ्यूजन अभ्यास आईएपीए दिल्ली; 20 मई 2022 को अपर लिंब भाग एपीपीएसए 2022, एसजीआरएच। इन्होंने 13 जून 2022 को मिडकॉन आईएसए दिल्ली में फ्री पेपर सत्र का निर्णय भी

किया; जीएमसीएच चंडीगढ़, और यूसीएमएस और जीटीबी अस्पताल से थीसिस का मूल्यांकन किया। इसके अलावा वे ट्रेंड्स में संवेदनाहरण एवं गहन उपचार की सहयोगी संपादक भी थीं।

प्रो. रश्मि रामचंद्रन, 61वें वार्षिक सम्मेलन में, 8 अक्टूबर 2022 को इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट, दिल्ली शाखा (आईएसएकॉन दिल्ली 2022) के मौखिक पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए जज थीं।

डॉ. पुनीत खन्ना ने संवेदनाहरण विज्ञान के क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण में अनुकरणीय प्रयासों की मान्यता में प्रशंसा पुरस्कार जीता; 9 अक्टूबर, 2022 को लीला एंबिएंस कन्वेंशन, दिल्ली में इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट (आईएसए), दिल्ली शाखा; संयुक्त वैज्ञानिक कांग्रेस (सीएससी 2022), न्यूजीलैंड (21-24 अक्टूबर 2022) में पेपर प्रस्तुत करने के लिए डीएसटी द्वारा अनुदान; संयुक्त वैज्ञानिक कांग्रेस (सीएससी 2022), न्यूजीलैंड (21-24 अक्टूबर 2022) में पेपर प्रस्तुत करने के लिए आईएनएसए द्वारा अनुदान; स्वान ट्रॉमा, गहन उपचार और आपातकालीन शल्यचिकित्सा सम्मेलन (स्वान 2023), ऑस्ट्रेलिया में पेपर प्रस्तुत करने के लिए एसईआरबी द्वारा अनुदान (2-4 मार्च 2023); स्वान ट्रॉमा, गहन उपचार और आपातकालीन शल्यचिकित्सा सम्मेलन (स्वान 2023), ऑस्ट्रेलिया में पेपर प्रस्तुत करने के लिए आईएनएसए द्वारा अनुदान (2-4 मार्च 2023); कोरेस एनेस्थीसिया 2023 में उम्मीदवार द्वारा थीसिस प्रस्तुति के लिए कोरियाई एनेस्थीसिया सोसायटी द्वारा 1000 अमेरिकी डॉलर का अनुदान। इनके पास कार्यक्रम सलाहकार समितियों, वैज्ञानिक सलाहकार समितियों, अनुसंधान सलाहकार समितियों, सरकारी सलाहकार निकायों, आदि की सदस्य हैं: एचएलएल (एचआईटीईएस) में तकनीकी निर्दिष्ट समिति। थीसिस का मूल्यांकन किया : दिल्ली विश्वविद्यालय - 4, पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ - 2, जीएमसी चंडीगढ़ - 2

डॉ. राहुल कुमार आनंद को 2023, आईएससीसीएम दिल्ली स्टेट चेयरमैन अवार्ड प्राप्त हुआ।

डॉ. देबेश भोई को एएसआरए (अमेरिकन सोसाइटी रिज़नल एनेस्थीसिया एंड पेन मेडिसिन) द्वारा जून 2022 के महीने के लिए सदस्य स्पॉटलाइट प्रदान किया गया था। उन्हें स्टार अचीवर्स ऑफ आईएसए दिल्ली, आईएसए न्यूज लेटर, वॉल्यूम 62, अंक 9, जून 2022 से सम्मानित किया गया था और कोएक्स, सियोल, दक्षिण कोरिया (10-12 नवंबर 2022) में संवेदनाहरण विज्ञानियों की एशिया ऑस्ट्रेलियन कांग्रेस द्वारा ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया गया था।

डॉ. अखिल कांत सिंह को राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी की सदस्यता से सम्मानित किया गया।

डॉ. सौविक मैत्रा ने ओसाका, जापान में चिकित्सा उपकरण विकास और परीक्षण पर उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. मृत्युंजय कुमार ने 24 जुलाई, 2022 को नई दिल्ली में आयोजित सहस्राब्दी-अकॉर्डियन 2022 में क्रिटिकल केयर एडवांसेज पर 9वें वार्षिक सम्मेलन में अकॉर्डियन चिकित्सीय उत्कृष्टता पुरस्कार जीता। वे 2018 में एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में एनेस्थीसिया में डिप्लोमा के लिए परीक्षक थे; एस.एम.एस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में एमडी छात्रों के लिए थीसिस परीक्षक; 2019 में झालावाड़ मेडिकल कॉलेज, झालावाड़ और इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; 24 मई 2019 को सरकारी

मेडिकल कॉलेज, सेक्टर 32, चंडीगढ़ में जीवन रक्षक संज्ञाहरण कौशल (एलएसएएस) के 11वें बैच के परीक्षक; एनएमसीएच, पटना (16-18 अगस्त 2021; एनएचएम, तमिलनाडु- 7-9 सितंबर 2021; रिम्स, रांची- 24-25 सितंबर 2021 और 21-22 मार्च 2022; बीएससी- एनेस्थीसिया और ऑपरेशन थिएटर तकनीक के लिए परीक्षक, पंजाब विश्वविद्यालय, 2020, 2021, 2022; बुनियादी जीवन समर्थन (बीएलएस) और उन्नत हृदय जीवन समर्थन (एसीएलएस) - फीनिक्स इंस्टीट्यूट ऑफ सीपीआर एंड डिफिब्रिलेशन, नई दिल्ली में संकाय और प्रशिक्षक थे।

डॉ. अंजू गुप्ता को क्षेत्रीय एनेस्थीसिया यूरोपीय संघ के लिए भारतीय प्रतिनिधि चुना गया और क्षेत्रीय एनेस्थीसिया का यूरोपीय डिप्लोमा उत्तीर्ण किया।

डॉ. केलिका प्रकाश ने 2022 में एएचए प्रमाणित बीएलएस और एसीएलएस प्रशिक्षक पाठ्यक्रम पूर्ण किया।

डॉ. परिन लालवानी ने ईडीएआईसी भाग-1 परीक्षा-2022 उत्तीर्ण की; आईडीआरए भाग 1 परीक्षा-2022 में उत्तीर्ण की; 7 अक्टूबर 2022 को आईएसएसीओएन दिल्ली में यूएसजी आरए में संकाय-सदस्य; 12-13 नवंबर 2022 को एयरवे वर्कशॉप टीएसीओएन, हैदराबाद में संकाय-सदस्य 7-8 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में एपीजीए में डबल लुमेन ट्यूब-एयरवे उपकरण पर कार्यशाला में संकाय-सदस्य; 4-5 फरवरी 2023को एएमएफ पटना में संकाय-सदस्य थे।

डॉ. सुलग्ना भट्टाचर्जी को राष्ट्रपति प्रशस्ति पत्र पुरस्कार, क्रिटिकेयर 2023 प्राप्त हुआ; अकॉर्डियन उत्कृष्टता पुरस्कार, 2022 और प्रशंसा पुरस्कार, यूरो-एशिया 2022 प्राप्त हुआ।

डॉ. राम सिंह ने जून-जुलाई 2022 में इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट द्वारा प्रदान किए गए क्षेत्रीय एनेस्थीसिया में भारतीय डिप्लोमा (आईडीआरए-1) के भाग 1 को पूरा किया और 6-7 अगस्त 2022 को दिल्ली में, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियॉलॉजिस्ट (आईएसए) द्वारा आयोजित युवकॉन 2022 में जज के रूप में मौखिक पेपर प्रस्तुतियों के एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. ध्रुव जैन को 3 फरवरी 2023 को आईएपीएम, आईएसएसपी द्वारा “फेलोशिप ऑफ इंडियन एकेडमी ऑफ पेन मेडिसिन” से सम्मानित किया गया।

डॉ. सना यास्मीन हुसैन ने 17 सितंबर 2022, नई दिल्ली में एचआईएमएसआर एनेस्थीसिया एंड पेन अपडेट में पोस्टर प्रस्तुति का मूल्यांकन किया और 9-10 दिसंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली में एसईटी सुविधा में 'प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण' पर कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. अमित कुमार आईएसए दिल्ली युवकॉन 2022 में मौखिक पेपर प्रस्तुति के जज थे।

9.2 शरीर रचना विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

ए. शरीफ

आचार्य

एस.बी. रे
रीमा दादा
अरूंधति शर्मा (जेनेटिक्स)
रेनु ढींगरा
टी.सी. नाग (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी)
रितु सहगल
सरोज कालेर

अपर आचार्य

टोनी जॉर्ज जैकब
नीरजा रानी
सीमा सिंह
एस.सी. यादव
(इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी)

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह (इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी)

सहायक आचार्य (संविदा आधार पर)

जे.पी. जेसी
जावेद ए. कादरी
हरीशा कुसुमा
श्वेता मौर्य
विधु धवन
मोनिका बक्सला
पारूल कौशल

वैज्ञानिक

प्रभाकर तिवारी

विशिष्टताएं

शिक्षा

शरीर-रचना विभाग ने कोविड-19 महामारी के कारण लगाए गए प्रतिबंधों को ध्यान में रखते हुए चिकित्सीय प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन के उच्चतम मानको को बनाए रखने हेतु संस्थान के प्रयासों का नेतृत्व किया। शैक्षिक गतिविधियों का ऑनलाइन संचालन करने हेतु डिज़िटल रूप से सक्षम विच्छेदन कक्ष तथा डिजिटल ऊतक विज्ञान प्रयोगशाला सहित संस्थानिक डिजिटल बुनियादी ढांचा विकसित किया गया। डिजिटल हिस्टोलॉजी प्रयोगशाला में एक साथ 150 छात्रों को बिठाने के लिए उसे अद्‌यतन किया गया है, जिसमें प्रत्येक छात्र को एक व्यक्तिगत स्थान भी प्रदान किया गया है।

महामारी के दौरान, एम.बी.बी.एस, एम.एससी तथा बी.एससी पराचिकित्सीय पाठ्यक्रम बैचों के लिए क्विज एवं एसाइनमेंट के रूप में प्रभावी व्यावहारिक सत्र तथा प्रारंभिक मूल्यांकन अभ्यासों तथा शिक्षाप्रद व्याख्यानों का प्रसार करने के लिए ऑनलाइन शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रमों को विकसित करने

का बहुत प्रयास किया गया तथा ये ऑनलाइन शिक्षण/प्रशिक्षण कार्यक्रम वर्तमान परिस्थितियों में भी मददगार साबित हुए हैं।

हड्डियों, आंतों एवं अभियोजन नमूनों पर पर्यवेक्षित तथा स्वदेशी रूप से बनाए गए वीडियो के द्वारा सकल शरीर-रचना विज्ञान व्यवहारिक प्रदर्शन एवं विच्छेदन को लाइव प्रदर्शन के रूप में ऑनलाइन प्रसारित किया गया था। शारीरिक संरचनाओं के अंतर्संबंधों की पहचान करने तथा पीडीएफ देस्तावेज़ों तथा मूल्यांकन अभ्यासों के रूप में व्यावहारिक पुनरावृत्ति के निर्माण के लिए संपूर्ण सामग्री को डिजिटल रूप से फोटो/वीडियोग्राफ किया गया है और लेबल किया गया है।

इसी प्रकार व्यवहारिक प्रदर्शन, पुनरावृत्ति तथा मूल्यांकन सत्रों के लिए भी माइक्रोएनाटॉमी, न्यूरोएनाटॉमी तथा एम्ब्रियोलॉजी स्लाइड के नमूने तथा मॉडल, फोटो/विडियोग्राफ बनाए गए हैं। इस प्रकार शरीर-रचना विज्ञान विभाग ने शिक्षण/प्रशिक्षण मॉड्यूल के रूप में प्रथम वर्ष के शरीर रचना विज्ञान पाठ्यक्रम हेतु पर्याप्त इन-हाउस डिजिटल सामग्री सफलतापूर्वक तैयार की है, जिसमें सिद्धांत एवं व्यवहारिक शिक्षा तथा मूल्यांकन सम्मिलित हैं। विभाग साप्ताहिक शिक्षण बैठकें, जर्नल क्लब, चर्चा, एमडी/एम.एससी परीक्षाएं, पीएच.डी. मौखिक चयन परीक्षा तथा अंतिम रक्षा सत्र निर्बाध एवं प्रभावी ढंग से ऑनलाइन आयोजित करने की स्थिति में है।

विभाग ने 16 मई से 15 जून, 2022 तक इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी में एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जिसमें भारत के विभिन्न भागों से प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

शरीररचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित/संचालित कार्यक्रम

1. बायोलॉजिकल नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी पर कार्यशाला, 9 से 13 मई, 2022
2. सर्जिकल टांके लगाने की तकनीक का प्रदर्शन, 14 से 15 अप्रैल, 2022
3. शारीरिक नमूनों का प्रदर्शन, 28 जुलाई, 2022
4. इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रियाओं हेतु कैडवेरिक कार्यशाला, 19 अगस्त, 2022
5. बायोलॉजिकल इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर डीएसटी - एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम, 29 अगस्त से 4 सितम्बर, 2022
6. इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी में 38वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम, 21 नवम्बर से 2 दिसम्बर, 2022
7. कैडवेरिक लाइव सर्जरी प्रदर्शन, 15 दिसम्बर, 2022
8. कक्षा XI एवं XII के छात्रों हेतु शारीरिक नमूनों का प्रदर्शन, 21 दिसम्बर, 2022
9. कैडवेरिक कार्यशाला (संवेदनाहरण विज्ञानी हेतु अल्ट्रासाउंड), 24 से 26 फरवरी 2023

सीएमई, राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान

रीमा दादा: 42	**अरूंधती शर्मा: 1**	**टीसी नाग: 6**	**टोनी जार्ज जैकब: 17**
नीरजा रानी: 3	**सुभाष चंद्र यादव: 4**	**प्रभाकर सिंह: 1**	**विधु धवन: 1**

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या	46	76	73

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 50

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर की कुल संख्या

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक पत्र/पोस्टर	30	35	50

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएं

जारी

1. हस्तक्षेप एवं परामर्श के माध्यम से बिहार के समुदाय में फलोरोसिस मिटिगेशन, ए. शरीफ, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, 152.76 लाख रुपये।
2. चूहों में मार्फिन सहिष्णुता की दिशा में ग्लियाल गैप जंक्शनों का योगदान, एस.बी. रे, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-23, 35.5 लाख रुपये।
3. लेबर वंशानुगत ऑप्टिक न्यूरोपैथी (एलएचओएन) रोगियों में दृश्य कार्यात्मक, सेलुलर उम्र बढ़ने के बायोमार्कर तथा माइटोकॉन्ड्रियल कॉपी संख्या पर योग का प्रभाव, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 30.0 लाख रुपये।
4. “इडियोपैथिक बांझपन एवं प्रारंभिक गर्भावस्था हानि में सुपरमोटोजोओ ट्रांसक्रिप्सन तथा एमआईआरएनए अभिव्यक्ति पर योग का प्रभाव”, रीमा दादा, सत्यम, 3 वर्ष, 2020-23, 55.0 लाख रुपये।
5. स्वतः अथवा सहायता प्राप्त गर्भाधान के बाद इडियोपैथिक आवर्ती गर्भावस्था हानि में अंकित जीन तथा विकासात्मक महत्व के प्रमुख जीन के डीएनए मिथाइलेशन परिवर्तन पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, रीमा दादा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 60.0 लाख रुपये।
6. वंशानुगत कार्डियोमायोपैथी के रोगजनन में आनुवंशिक प्रकारों की पहचान तथा उनका कार्यात्मक मूल्यांकन करना, अरूंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 72.28 लाख रुपये।
7. एपिडर्मल नेक्रोलिसिस के रोगियों में अंतर्निहित अंतरीय प्रकटीकरण तथा रोग-विशिष्ट सिग्नेचर प्रोफाइल की पहचान, अरूंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 40.05 लाख रुपये।
8. थायरॉयड के मेलीग्नेंट क्षति पहचान में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की उपयोगिता, अरूंधति शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 74.16 लाख रुपये।
9. रेटिनोब्लास्टोमा से ग्रसित रोगियों के एक्वियस ह्यूमर (ए.एच.) में बायोमार्कर का मूल्यांकन, अरूंधति शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रिसर्च एसोसिएट फेलोशिप।

10. प्री-एक्लेम्पिसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में भेषजगुणविज्ञान मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, रेणु ढींगरा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, 45 लाख रूपये।
11. प्री-एक्लेम्पिसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइम, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनोसिस तथा एमआईआर-22 की स्थिति एवं ट्रोफोब्लास्ट इन्वेंशन को माड्यूलेट करने में उनकी भूमिका, रेणु ढींगरा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 15.0 लाख रुपये।
12. प्लेसेंटेशन के दौरान ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन में ट्रोफोब्लास्ट सेल इंवेंशन का एसएमएआरसीई1 मीडिएटिड मैकेनिज्म तथा प्री-एक्लेम्पिसिया में इनकी स्थिति, रेणु ढींगरा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 40.0 लाख रुपये।
13. चूहों में आयरन की अधिकता वाले प्रयोगात्मक अध्ययन के बाद चूहे की रेटिनल फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफेगी की स्थिति तथा माइटोकान्ड्रियल गतिशीलता, टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 30.0 लाख रुपये।
14. मैक्रोफेजिस तथा अन्य असुरक्षित कोशिकाओं की भागीदारी से पड़ने वाले प्रभाव के साथ वृद्ध लोगों की आंख में कोरॉयडल कैपिलरी के निष्क्रिय होने की प्रक्रिया को समझने हेतु एक प्रयोगात्मक अध्ययन, टी.सी. नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 31.0 लाख रुपये।
15. चूहों में चिरकालिक अग्नाशयशोथ के एक प्रयोगात्मक मॉडल में बाह्य तथा केंद्रीय नर्वस सिस्टम में परिवर्तन का अन्वेषण, टोनी जार्ज जैकब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 32.23 लाख रुपये।
16. श्वसन न्यूयरोएंडोक्राइन ट्यूमर में एपोप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका की पहचान करना, नीरजा रानी, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 5.0 लाख रुपये।
17. जैविक नमूनों (कोशिका एवं ऊतक) हेतु क्रायो-इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कॉपी चित्रण सुविधा, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, 4 वर्ष, 2021-26, 2000.0 लाख रुपये।
18. सर्विकल कैंसर के उपचार हेतु नैनोकैरियर आधारित मानव पैपिलोमा वायरस (एचपीवी16) का उपयोग कर सिस्प्लैटिन की बाहरी डिलीवरी, सुभाष चंद्र यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-24, 30.0 लाख रुपये।
19. बायोमेडिकल लाइव सेल इमेजिंग तथा नैनो-पर्टिकुलेट ड्रग डिलीवरी हेतु लेज़र कन्फोकल माइक्रोस्कोप सुविधा की स्थापना, सुभाष चंद्र यादव, डीएसटी - एफआईएसटी, 5 वर्ष, 2018-23, 165.0 लाख रुपये।
20. एमलाइड बीटा इन्ड्यूज्ड न्यूरोडिजनरेशन की कोलीनर्जिक ट्रांसमिशन की भूमिका का अध्ययन, प्रभाकर सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 30.0 लाख रुपये।

पूर्ण

1. मानव से लिए गए नमूनों द्वारा कोविड-19 के कोशिकीय संक्रामकता तथा आंतरिककरण को समझने हेतु क्रायो इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी (ई.टी.) तथा माइक्रोस्कॉपी सहसंबंध, सुभाष चंद्र यादव, ईयूएसएसटीएफ, 2 वर्ष, 2020-2022, 50 लाख रुपये।

2. वृक्क प्रत्यारोपण करवा चुके रोगियों के सीरम से बी.के. वायरस के त्वरित एवं लागत प्रभावी नैनो - एलएएमपी आधारित डिटेक्शन की डिजाइनिंग, सुभाष चंद्र यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 35.84 लाख रुपये।
3. ईडब्ल्यूएस - एफएल-1 फ्यूज़न प्रोटीन के त्वरित एवं विशिष्ट जांच प्रणाली का विकास, सुभाष चंद्र यादव, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-22, 96.0 लाख रुपये।
4. चूहों में आयरन की अधिकता वाले प्रयोगात्मक अध्ययन के बाद चूहे की रेटिनल फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफेगी की स्थिति तथा माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता, टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 30.0 लाख रुपये।
5. विकासशील मानव कॉक्लियर न्यूक्लियस तथा स्पाइरल गैंगलिओन का आकृतिविज्ञान संबंधी अध्ययन, टोनी जार्ज जैकब, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 45.40 लाख रुपये।
6. फोकल सेरेब्रल इस्किमिया के एक चूहे के मॉडल में कोलीनर्जिक न्यूराइट्स के संरचनात्मक पहचान का अध्ययन, प्रभाकर सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 10.0 लाख रुपये।
7. सिनो-नेजल म्यूकोसा में ग्लूकोज नियमित प्रोटीन (जीआरपी 78) का अल्ट्रास्ट्रक्चरल स्थानीयकरण तथा कोविड-19 के रोगियों में म्यूकोर्मिकोसिस से इसका संबंध, प्रभाकर सिंह, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 5.0 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में कोरोइडल कोशिकाओं की आयु से संबंधित परिवर्तनों में मैक्रोफेज तथा अन्य प्रतिरक्षा सक्षम कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन।
2. मानव अवर कोलिकुलस के ग्लूटामेटेरिक न्यूरॉन्स में आयु संबंधी मोर्फोलॉजिकल तथा तंत्रिका-रसायनिक परिवर्तन।
3. मैक्रोफेज तथा अन्य प्रतिरक्षा सक्षम कोशिकाओं की भागीदारी पर जोर देने के साथ बढ़ती उम्र की आंखों में कोरोइडल केशिका मृत्यु के तंत्र को समझने हेतु एक प्रयोगात्मक अध्ययन।
4. ट्रोफोब्लास्टिक सेल-इन्वेंशन में सीएसई एवं एचटीआरए1 का एक इनविट्रो अध्ययन।
5. लौह संचयन के कारण चूहे की रेटिना में फैला हुआ प्रोटीन प्रतिक्रिया के सेंसर की अभिव्यक्ति की स्थिति की जांच करना।
6. अग्न्याशय न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर वाले रोगियों में फूरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड स्पैक्ट्रोस्कोपी का विश्लेषण।
7. कृंतकों में न्यूरोपैथिक दर्द का व्यवहारिक और न्यूरोएनाटोमिकल मूल्यांकन।
8. तंत्रिका तंत्र में माइक्रोग्लियल सक्रियता सहित तंत्रिका संबंधी पीड़ा का सहसंबंध।
9. जीर्ण अग्नाशयशोथ से ग्रसित चूहों के मॉडल पर लहसुन (एलियम सैटिवम एला) के अर्क का प्रभाव।
10. ट्रोफोब्लास्टिक कोशिकाओं पर प्रोटीन आर्गिनिन मिथाइल ट्रांसफेज़-1 (पीआरएएमटी-1) सिग्नलिंग पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव एवं प्रीएक्लेम्पसिया के साथ इसका संबंध।

11. चूहों में आर्सिनिक ट्राइऑक्साइड-प्रेरित हेपेटोटॉक्सिसिटी पर रेस्वेराट्रोल का प्रभाव।
12. ऑस्टियोआर्थराइटिस के एक चूहे के मॉडल में परिवर्तन वृद्धि कारक बीटा का प्रभाव।
13. प्रोटीन मरम्मत ओजीजी1 से जुड़े तथा वसा - विशिष्ट बढ़े हुए लिपिड पेरोक्साइड प्रेरित माइटोफैगी पर योग का प्रभाव।
14. प्रीएक्लेम्पसिया तथा उनके संबंध में सिस्टेथिओनिन गामा लाइसेज़ (सीएसई) तथा उच्च तापमान आवश्यकता (एचटीआरए1) की अभिव्यक्ति का मूल्यांकन।
15. न्यूरोटॉफिक कारकों (बीडीएनएफ एवं एनटी-3) की अभिव्यक्ति एवं मात्रात्म्क तथा मानव कोक्लीय एवं परिधीय रक्त एजिंग में उनके अक्रॉस रिसेप्टर्स।
16. रेटिना में घ्रेलिन का अभिव्यक्ति पैटर्न तथा चूहों में लाइट इन्सल्ट के साथ इसका संबंध।
17. अग्नाशयी न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के रोगियों के रक्त में नवीन प्रोटीन की अभिव्यक्ति प्रोफाइल।
18. एन्टीरियर पिट्यूटरी एडेनोमा के रोगियों में आनुवंशिक एवं एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग।
19. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में आनुवंशिक तथा एपिजेनेटिक प्रोफाइलिंग।
20. मेन 2 सिंड्रोम वाले रोगियों की आनुवंशिक जांच।
21. कार्डियोमायोपैथी ग्रस्त रोगियों में उत्परिवर्तन की पहचान करने हेतु आनुवंशिकी अध्ययन।
22. पैंक्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के प्रकरणों में नोवेल प्रोटीन, अपॉप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों तथा एक्जोसोम की पहचान तथा मूल्यांकन।
23. साइटोलॉजी के नमूनों से एचपीवी-16 इन्ड्यूस्ड सर्वाइकल कैंसर कोशिकाओं की पहचान।
24. रूमेटाइड आर्थराइटिस में एपिजेनोम पर योग तथा ध्यान का प्रभाव।
25. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव।
26. मोटापे पर योग का प्रभाव।
27. प्रारंभिक गर्भावस्था क्षति में पैतृक कारकों पर योग का प्रभाव।
28. ध्यान आधारित तनाव न्यूनीकरण : क्या यह प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा (पीओएजी) के उपचार में सक्षम है।
29. प्रायोगिक लौह अधिभार के एक चूहे के मॉडल में माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता तथा रेटिनल फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफेगी की स्थिति।
30. फाइब्रोमाइल्गिया में आणविक अध्ययन।
31. खराब प्रतिक्रियाकर्ताओं में एंटी मुलेरियन हार्मोन जीन में उत्परिवर्तन विश्लेषण।
32. ऑप्टिक एट्रोफी में ओपीएआई जीन तथा एमटी तथा एमटी जीनोम में उत्परिवर्तन विश्लेषण।
33. प्रायोगिक लौह अधिभार में चूहे की रेटिना में एमटीओआरसी1 अभिव्यक्ति का पैटर्न।
34. प्री-क्लेम्पसिया जैसे प्रतिकूल गर्भावस्था परिणामों में फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका।
35. आर्थराइटिस के चूहे के एक मॉडल में स्पाइनल लेवल पर पीड़ा में माइक्रोग्लिया की भूमिका।

36. बांझ पुरूषों में मेथिलेनेटैट्राहाइड्रोफोलेट रिडक्टेस (एमटीएचएफआर) बहुरूपता का संयोगात्मक अध्ययन।
37. पेन्क्रियाटिक न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर ग्रस्त रोगियों की लार में एक्सोसोम का अध्ययन।
38. प्रीएक्लेम्पसिया में सीरम और प्लेसेंटा में हाइड्रोजन सल्फाइड, एचमएजीबी 1 तथा आरएजीई का अध्ययन।
39. न्यूरोपैथिक पीड़ा के चूहे मॉडल में कियूरेनिन पाथवे के मेटाबोलाइट्स का अध्ययन।
40. एल्कोहल निर्भरता में मोनोअमाइन पाथवे जीन की बहुरूपता, मिथाइलेशन और भावाकृति स्थिति के संबंध का अध्ययन।
41. स्टिवेंस-जॉनसन सिंड्रोम (एस.जे.एस.) के ट्रांसक्रिप्टोमें में बदलाव की पहचान करने हेतु अध्ययन।
42. चूहों में एडोटिलिन-1 प्रेरित कैप्सुलर इन्फ्राक्ट मॉडल में मारफोलॉजिकल परिवर्तनों का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. प्रीएक्लेम्पसिया अध्ययन शीर्षक में सिस्टेथियोनिन बीटा सिंथेज जीन पालीमॉर्फिज्म का एसोसिएशन संबंधी अध्ययन।
2. पार्शियल साइऐटिक नर्व ट्रानसेक्शन (पीएसएनटी) इन्जरी के चूहे मॉडल में नोसिसेप्शन तथा मोटर क्रिया का व्यावहारिक मूल्यांकन।
3. आर्सेनिक टाइऑक्साइड-एक्सपोस्ड वयस्क मादा चूहों के हाइपोथैलेमस तथा हिप्पोकेम्पस में संजानात्मक कार्य एवं एस्ट्रोजन रिसेप्टर प्रोफाइल पर कर्क्यूमिन सप्लीमेंटेशन का प्रभाव।
4. मानव ट्रोफोब्लास्ट सेल्स के माइग्रेशन तथा प्रीएक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति पर हाइड्रोजन सल्फाइड का प्रभाव।
5. चूहों में हल्के तीव्र अग्नाशयशोथ के कैरूलिन-प्रेरित मॉडल में कोशिका मृत्यु तथा आटोफेगी के मार्करों पर रैपामाइसिन का प्रभाव।
6. चूहों में आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड प्रेरित नेफ्रोटॉक्सिसिटी पर रेसवेराट्रोल का प्रभाव।
7. चूहों में मॉर्फिन सहनशीलता के विकास पर सोमाटोस्टैटिन तथा न्यूरोपेप्टाइड वाई का प्रभाव।
8. ग्लूकोमा रोगियों में इंट्रा औकुलर दबाव, जीवन की गुणवत्ता, सूजन के निशान तथा जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर योग आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
9. चूहों के बेसल गैन्ग्लिया में आर्सेनिक ट्राइऑक्साइड प्रेरित न्यूरोटॉक्सिसिटी पर करक्यूमिन अनुपूरण की भूमिका का मूल्यांकन।
10. प्री-क्लेम्पसिया में सिस्टेथिओनिन बीटा सिंथेज तथा विशिष्टता प्रोटीन-1, एमआईआर-22 की अभिव्यक्ति एवं ट्रोफोब्लास्ट इन्वेशन में इनकी भूमिका।

11. प्रयोगात्मक न्यूरोपैथिक पीड़ा के चूहे मॉडल के हिप्पोकैम्पस में माइक्रोग्लियल सक्रियण तथा एएमपीए रिसेप्टर्स का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन।
12. रूमेटाइड अर्थ्रराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग तथा ध्यान का प्रभाव।
13. ऑप्टिक न्यूरोपैथी में ओपीए 1 जीन तथा एमटी डीएनए में उत्परिवर्तन।
14. सिस्टेथियोनाइन गामा लिसेज मेडिएटेड टोफोब्लास्ट सेल इन्वेशन में माइक्रो आरएनए-30 की भूमिका तथा प्रीक्लेम्पसिया में इसकी स्थिति।
15. प्रीक्लेम्पसिया में एमएमपी 9 प्रोमोटर पालीमॉर्फिज्म की भूमिका।
16. प्रीक्लेम्पसिया-एन इन विट्रो स्टडी में एन्डोप्लज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस में सोल्यूबल वस्कुलर एन्डोथेलियल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर-1 (sVEGFR-1/sFLt-1) की भूमिका।
17. प्रीक्लेम्पसिया में मैट्रिक्स मेटेलोप्रोटीनेज-9 जीन पॉलीमार्फिज्म का संयोगात्मक अध्ययन।
18. पुरूष बांझपन तथा कैंसर के बीच आनुवंशिक प्रतिच्छेदन को उजागर करना: योग इंटरवेन्शन की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. पी.ओ.ए.जी. में जेनोटाईप तथा फेनोटाइप का सहसंबंध, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
2. फाइब्रोमाइल्गिया में जेनेटिक अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
3. एडवांस पैतृक आयु तथा गरीबी का प्रभाव: ओटिसज्म स्पैक्ट्रम विकार में संभावित हेतु विज्ञान: स्पर्म एपिजिनोम की जीवनशैली, बालचिकित्सा विभाग।
4. रूमटॉइड आर्थराइट्स में एपिजेनोम पर योग तथा ध्यान का प्रभाव, काय-चिकित्सा।
5. बाल्यावस्था अवसाद में वाईबीएलआई का प्रभाव, मनोचिकित्सा विभाग।
6. मोटापे में लघुकालिक योग आधारिक हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग।
7. योग तथा ग्लूकोमा में क्यूओएल पर प्रभाव, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
8. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लूकोमा रोगियों के रक्त एक्यूअस और ट्रेबिकुलर मेशवर्क में इंफ्लेमेटरी मार्कर तथा जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल पर योग आधारित हस्तक्षेप: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
9. ट्रेबेकुलेक्टोमी परिणामों पर प्रीऑपरेटिव स्टेरॉयड का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
10. प्रारंभिक तथा उन्नत ग्लूकोमा में इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफिक परिवर्तन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
11. बांझपन में आणविक विश्लेषण तथा साइटोजेनेटिक, शरीररचना विज्ञान विभाग, एम्स, रायपुर।
12. बांझपन के उपचार में अश्वगंधा की भूमिका, आयुर्वेद केन्द्र, गुरू गोविंद सिंह विश्वविद्यालय।

13. मोटापा तथा डीएम में लघु और दीर्घकालिक योग आधारित हस्तक्षेप के बाद तनाव, सूजन और सेलुलर एजिंग का पता लगाने हेतु जीनोम वाइड विश्लेषण, शरीर क्रिया विज्ञान।
14. मोटापे तथा प्रमुख अवसादग्रस्त विकारों वाले प्रतिभागियों में छः महीने के योग-आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप के बाद आनुवंशिक तथा सेलुलर परिवर्तन: एक यादृच्छि नियंत्रित अध्ययन, शरीर क्रिया विज्ञान।
15. "एपिजेनेटिक्स के परिक्षेत्र में बाल्यावस्था में ल्यूकेमिया के कारण हेतु मातृजा भावा (मातृत्व कारक) तथा रसज भाव (पोषण कारण) के मूल्यांकन हेतु एक क्रास सेक्शनल अध्ययन", चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान दिल्ली।
16. बाल्यावस्था में चयापचयी विकारों का कार्योत्पादन हेतु मातृजा भाव का अतिसंवेदनशील मूल्यांकन: एक क्रास सेक्शनल अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, दिल्ली।
17. अर्बुद की व्यापकता में षड्गर्भकरभाव (छह प्रजनन कारक) की शारीरिक अवधारणा का एक अवलोकनात्मक अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, दिल्ली।
18. बांझ पुरुषों में शुक्राणु ऑक्सीडेटिव अवस्था, शेल्टरिन प्रोटीन अभिव्यक्ति और क्रोमैटिन फ़ंक्शन का अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान
19. असाइमेट्रिक आईयूजीआर के कारण के लिए रसज भावा (पौष्टिक तत्व) की भेद्यता का मूल्यांकन- एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान।
20. मातृज भाव (मातृ कारक) के सहयोग से एनएएसएच से संबंधित लिवर सिरोसिस के आनुवंशिक प्रसार का आकलन - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान।
21. शुक्राणु टेलोमेयर जीव विज्ञान और निषेचन संभावित क्षति प्रतिक्रिया पर वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन का प्रभाव, प्रजनन जीव विज्ञान
22. बांझ पुरूषों में शुक्राणु ऑक्सीडेटिव अवस्था, टीईआरआरए (टेरा) अभिव्यक्ति तथा क्रोमैटिन कार्यक्रम का अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान।
23. शुक्राणु टेलोमेयर के आयु पर निर्भर गति बोधक और डीएनए क्षति प्रतिक्रिया के साथ अंतर-संबंध, प्रजनन जीवविज्ञान
24. मोटापे में संज्ञान, न्यूरोमॉड्यूलेशन तथा तनाव पर योग आधारित हस्तक्षेप तथा ट्रांसक्रानियल मेगनेटिक स्टीमुलेशनस का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षाण, शरीर क्रिया विज्ञान।
25. एमईएन 2 सिंड्रोम के जेनेटिक्स, अंत: स्राविकी विज्ञान।
26. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म, अग्नाशय के ट्यूमर तथा पिट्यूटरी ट्यूमर ग्रस्त रोगियों में एमईएन 1 जीन उत्परिवर्तक और इसके नैदानिक प्रभाव, अंत: स्राविकी विज्ञान।
27. जुवाइनल ग्लूकोमा के जेनेटिक्स, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
28. अल्कोहल और ड्रग निर्भरता के जेनेटिक्स, मनोचिकित्सा।

29. कार्डियोमायापैथी का जेनेटिक्स अध्ययन, हृद रोग विज्ञान।
30. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम के जेनेटिक्स, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
31. रेटिनोब्लास्टोमा में एक्वीअस फ्लूइड पर जेनेटिक अध्ययन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
32. एएसएमडी का मथूटेशनल विश्लेषण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केन्द्र।
33. न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन उपकरण आधारित टिश्यू-डिवाइस इंटरेक्शन का विकास तथा ब्रेन टिश्यू का मेटैरियल कैरेक्टराइजेशन, तंत्रिका शल्यचिकित्सा।
34. इनोवेशन तथा ट्रांसलेशनल रिसर्च में एक्सीलेंस हेतु एक्सीलेंस कोलेबोरेटिव न्यूरो-इंजीनियरिंग प्लेटफार्म का एम्स+सीएसई-आईआईटी-डी सेन्टर, तंत्रिका शल्यचिकित्सा।
35. मुंह एवं हाथ की पुर्नसंरचना शल्यचिकित्सा प्रक्रियाओं के अनुरूप संवहनी आपूर्ति का रेखांकन हेतु प्रशिक्षण मॉडल का विकास। शव प्रोसेसिंग की एक नयी पद्धति, प्लास्टिक, पुनर्संरचना एवं दग्ध शल्य चिकित्सा।
36. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी के क्षितज का विस्तार: हमारे संस्थान के न्यूनतम इनवेसिव न्यूरोसर्जरी के आरमामेनटेरियम में पोस्टीरियर फोसा एंडोस्कोपिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने हेतु एक शुरूआती कदम के रूप में एक शव का अध्ययन, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
37. मध्य फोसा तथा रेट्रो सिग्मॉइड हियरिंग संरक्षण स्कल आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से आईएसी के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना संबंधी प्रयोगशाला जांच, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
38. एरोटा के एंडोवस्कुलर ओक्ल्यूशन हेतु ओटोप्लास्टी बलून कैथेटर की व्यवहार्यता की जांच, सर्जिकल अनुशासन।
39. मॉड्यूलेटिंग ट्रोफोब्लास्ट कोशिका इन्वेशन में एमआईआरएनए की भूमिका, प्रजनन जैवविज्ञान।
40. ट्रोफोब्लास्ट कोशिका में एनजियोनिक कारकों के नियमन में एमआईआरएए की भूमिका, प्रजनन जैव विज्ञान।
41. शारीरिक तथा विकृतिविज्ञान संबंधी स्थितियों के अंतर्गत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल से मेसेनकाइमल संक्रमण के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन, प्रजनन जैव विज्ञान।
42. हस्तक्षेप तथा परामर्श के माध्यम से बिहार के समुदाय में फ्लोरोसिस शमन, शरीर रचना विज्ञान।
43. बिलिओपैंक्रिएटिक डक्ट के सर्जिकल बंधाव से प्रेरित तीव्र अग्नाशयशोथ के साथ वयस्क पुरूष विस्टार चूहों में अंग की शिथिलता की गंभीरता पर मिथाइल प्रेडनिसोलोन के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन की प्रभावकारिता का एक अध्ययन, जीआई सर्जरी।
44. अग्नाशयशोथ संबंधी रोगों में उन्नत एवं उत्कृष्टता केंद्र, जठरांत्र रोग विज्ञान।
45. भारतीय बच्चों में प्रारंभिक सिलियरी डिस्केनेसिया की व्यापकता तथा आनुवंशिक उत्परिवर्तन प्रोफाइल, बाल चिकित्सा विभाग।

पूर्ण

1. आईवीएफ प्रक्रियाधीन पीसीओ वाली महिलाओं के फॉलीक्यूलअर द्रव में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस बायोमार्कर का स्तर तथा उसके परिणामों से इसका संबंध, प्रसूति तथा स्त्रीरोग विज्ञान।
2. जन्मजात विकृति वाले भ्रूण को धारण करने वाले जोड़ों तथा सामान्य गर्भधारण करने वाले जोड़ों के एमनियोटिक द्रव में ऑक्सीडेटिव तनाव का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान।
3. गोनाइल डिसजनेसिस तथा 46, एक्सवाई कार्योटाइप से ग्रसित रोगियों में सात जीन (एनआर5ए1, डीएएक्स1, डीएचएच, डीएमआरटी1, एसओएक्स 9, एसआरवाई, डब्ल्यूटी1) का म्यूटेशन विश्लेषण, अंत:स्राविकी विज्ञान।
4. फाइब्रोमायलजिया वाले रोगियों में पीड़ा के उतार-चढ़ाव की स्थिति पर ट्रांसक्रेनियल, चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान।
5. भारत की विविध जातिय आबादी में हृदय रोगों से जुड़े नवीन आनुवंशिक वेरिएंट की पहचान तथा लक्षण वर्णन, हृद् रोग विज्ञान।
6. 3डी एंटोस्कोपिक तथा 3डी माइक्रोस्कोपिक सुविधा के साथ न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा और अभिलेखीय, स्ट्रीमिंग और टेलीकॉन्फ्रेंसिंग-एफआईएसटी डीएसटी एफआईएसटी प्रोग्राम डीएसटी एफआईएसटी लेवल2 हेतु सेंट्रल रिपॉजिटरी सर्वर, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
7. ऑपरेशन रिसर्च न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में कनडक्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु भारतीय संस्थानों को सहयोग प्रदान करना, तंत्रिका शल्य चिकित्सा।
8. ब्लोमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय फ्राइब्रोसिस के प्रयोगात्मक मॉडल में एडहाटोडावासिका के प्रभाव की जांच करने हेतु भेषजगुणविज्ञान तथा आणविक दृष्टिकोण, भेषजगुणविज्ञान।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त-पोषित परियोजनाएं	35	34	20
कुल निधि-कोष (लाख)	1141.4	3283.54	2942.22

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 32 **सार: 08** **पुस्तकों में अध्याय: 02**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	55	55	42
पत्रिका संबंधी लेख	43	45	32
सार	6	3	8
पुस्तकों में अध्याय	6	7	2

रोगी उपचार

जेनेटिक निदान तथा परामर्श सेवाएं

कारयोटाइपिंग	306
वाई क्यू माइक्रोडिलीशन विश्लेषण	12
शुक्राणु डीएफआई	32
सेमिनल आरओएस	88
योगा	212

आणविक जांच

कॉर्नियल डिस्ट्राफी	25
विभिन्न विकारों का जेनेटिक विश्लेषण	389
विविध	54
साइटोजेनेटिक विश्लेषण	8

शव संलेपन	169
परिवहन हेतु	139
शिक्षण/अनुसंधान हेतु	30

रोगी की देखभाल से संबंधित गतिविधियां	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
जेनेटिक परीक्षण	353	757	525
रक्त/मूत्र में सूक्ष्म पोषक तत्वों/विषैले तत्वों/भारी धातुओं हेतु नैदानिक परीक्षण	2127	779	3200
शव संलेपन	26	38	169

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रीमा दादा आयुष्मान भारत योजना (कल्याण) की टास्क फोर्स सदस्य थीं। एकीकृत चिकित्सा तथा योग (सीआईएमवाई) यूएसए हेतु योग तथा जेनेटिक्स तक्ष केन्द्र की अध्यक्षता की। विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय बैठकों/सम्मेलनों में बॉब एडवर्ड्स का भाषण एवं 3 पूर्ण व्याख्यान तथा एक मुख्य भाषण दिया। साथ ही वह श्री रामचंद्र इंस्टीटयूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च तथा शरीर रचना विभाग, एम्स, बीबी नगर में स्थापना दिवस के अवसर पर व्याख्यान के लिए विशिष्ट अतिथि थी। एसवीवाईएएसए बैंगलोर के इंस्टीटयूट एथिक्स समिति की सदस्य तथा स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, अमृता इंस्टीट्यूट कोट्टायम की डीसी सदस्य है। योग अनुसंधान को बढ़ावा देने हेतु दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए एमओएचएफडब्ल्यू तथा आयुष द्वारा गठित 6 सदस्यों वाली उच्चाधिकार समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामांकित की गई। एनबीई द्वारा एवं नीट परीक्षा हेतु प्रश्नों के मूल्यांकन/निर्माण तथा समीक्षा के लिए विशेषज्ञ तथा बोर्ड ऑफ गवर्नर्स एवं चिकित्सीय मूल्यांकन तथा रेटिंग बोर्ड (एमएबीआर), एनएमसी हेतु विशेषज्ञ। यूजीसी, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंसेज, बेंगलुरू द्वारा गठित योग विज्ञान संचार समिति के सदस्य रही

हैं। आईसीएमआर- केयर योजना के अंतर्गत परियोजनाओं तथा एनसीडी एवं आरबीएमएच अनुभाग (आईसीएमआर) में टास्क फोर्स मोड में परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु विशेषज्ञ। आईसीएमआर/ डीबीटी/ डीएसटी/वेलकम ट्रस्ट द्वारा विभिन्न तदर्थ परियोजनाओं हेतु समीक्षक। योग में उच्च प्रभाव अनुसंधान की सलाहकार समिति/ आयुष अंतर्विषयक आर एंड डी विकास टास्क फोर्स की विशेषज्ञ, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार। पीजीआई-सीसीआरवाईएन तथा वायु-संयुक्त राज्य अमेरिका में एकमात्र योग का विश्वविद्यालय की अतिथि संकाय। नैदानिक भ्रूणविज्ञान में आईएफएस कोर्स तथा एआरटी में डिप्लोमा हेतु बाह्य संकाय। पीएच.डी. मौखिक परीक्षा हेतु जेनेटिक्स की एक बाह्य परीक्षक। संपूर्ण स्वास्थ्य संबंधी विषय पर व्याख्यान दिया तथा जीवनशैली से जुड़ी विभिन्न बीमारियों में योग के प्रभाव संबंधी मेरे कार्य को टाइम्स ऑफ इंडिया, एचटी तथा द हिंदू जैसे प्रमुख समाचार पत्रों तथा टीवी एवं विज्ञान प्रसार पर भी छापा गया है। ए.पी.एस. तथा लोक सेवा आयोग के अंतर्गत साक्षात्कार संचालित किए। एसजीपीजीआई तथा परम निमहंस में किडनी रोगों में उन्नत अनुसंधान तथा उत्कृष्टता केन्द्र हेतु ऑनसाइट तकनीकी मूल्यांकन समिति के विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। एनपीसी द्वारा नेतृत्व तथा उच्च प्रदर्शन करने वाली टीमों के प्रबंधन पर ऑनलाइन प्रशिक्षण में भाग लिया। बीएचयू में एनजीएस तथा आरटीपीसीआर पर उच्च स्तरीय कार्यशाला में व्याख्यान दिया। 45 से अधिक पत्रिकाओं की समीक्षक। उन्हें यूजीसी द्वारा अपने कर्मचारियों की तंदुरुस्ती हेतु व्याख्यान देने के लिए आंमत्रित किया गया था। विश्राम सदन की सदस्य सचिव तथा सीपीआईओ तथा संस्थान दिवस हेतु सदस्य कोर समिति तथा यूजी चुनावों हेतु चुनाव आयुक्त। इंट्राक्यूरल अनुदान की समीक्षा हेतु समिति की सदस्य तथा भंडार प्रापण समिति की सदस्य, यौन उत्पीड़न संबंधी आंतरिक शिकायत समिति एवं डाटा संग्रहण समिति की सदस्य, अनुसंधान अनुभाग द्वारा आईडीवाई पर पोस्टर प्रदर्शनी हेतु स्वस्थ सचिव तथा सलाहकार समिति के सदस्य तथा मीडिया सेल की प्रभारी-आचार्य। पीजी शिक्षण हेतु शिक्षण प्रभारी है। डॉ. दादा की लैब द्वारा योग तथा जेनेटिक नैदानिक सुविधा प्रदान की जा रही है, टेलीहेल्थ, टैक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका में डैस्क द्वारा एक स्टार्ट-अप उद्यम हेतु सलाहकार बोर्ड गठित किया गया है। नेशनल ज्योग्राफिक चेनल द्वारा नर्मदा पर बनी डॉक्यूमेंट्री का भाग है। शरीररचना तथा फोरेंसिक विज्ञान हेतु भारतीय मानक ब्यूरो, बीआईएस की सदस्य। लैंगमैन तथा ग्राट्स डिसेक्टर द्वारा भ्रूणविज्ञान की समीक्षक तथा कार्यात्मक सहसंबंधों के साथ हिस्टोलॉजी के डिफियोर एटलस एवं वोल्टर्स क्लूवर, 2022 की सह-संपादक।

प्रोफेसर अंरूधति शर्मा ने परियोजनाओं, प्रकाशनों हेतु पांडुलिपियों तथा पीएच.डी. तथा एम.डी. थीसिस हेतु एक समीक्षक के रूप में कार्य किया है। वह विभागीय वार्षिक रिपोर्ट तथा वेबसाइट की जानकारी हेतु नोडल व्यक्ति हैं।

प्रोफेसर रेणु ढींगरा वर्तमान में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ प्लास्टिनेशन की सदस्य तथा डीएएसएमओएस की कार्यकारी सदस्य हैं। उन्होंने विभिन्न एम्स में विभिन्न संकाय पदों हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में स्थायी चयन समिति द्वारा साक्षात्कार में सहायता की है। उन्होंने कई पत्रिकाओं में प्रस्तुत शोध लेखों की भी समीक्षा की है। उन्होंने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय शव कार्यशालाओं तथा इंट्रा के साथ-साथ बाह्य अनुसंधान परियोजनाओं के लिए शव संलेपन की तैयारी हेतु नरम शव संश्लेषण तथा डाई इंजेक्शन की सुविधा प्रदान की।

प्रोफेसर टीसी नाग ने कई पीएच.डी. थीसिस, अनुसंधान परियोजना अनुदान आवेदनों की जांच की तथा विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशनों के लिए पाडुलिपियों की समीक्षा की। वह 18 अक्टूबर, 2022 को एम्स की दूसरी वार्षिक अनुसंधान दिवस प्रस्तुति में अमूर्त समीक्षा समिति के सदस्य तथा न्यायाधीश थे। उन्हें भारतीय इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसायटी ऑफ इंडिया के बेसिक साइंस श्रेणी के अंतर्गत एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड तथा भारतीय इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी का लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार (2022, जीवन विज्ञान/चिकित्सा विज्ञान श्रेणी) प्राप्त हुआ। उन्होंनें दिसंबर 2022 में दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में आयोजित इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया की 41वीं वार्षिक बैठक में विस्तृत व्याख्यान दिया।

प्रोफेसर रितु सहगल वर्तमान में आरटीआई अधिनियम, 2005 के अंतर्गत कार्य को देखने हेतु शरीररचना विज्ञान विभाग के केन्द्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) के पद पर कार्यरत है; सेंट्रल लैब 1006 के लिए संकाय-प्रभारी है; बीएससी एमएलटी पाठ्यक्रम हेतु नामित विभागीय संकाय है; एमबीबीएस छात्रों हेतु ई-लर्निंग संसाधन तथा योग्यता आधारित चिकित्सीय शिक्षा विकसित करने के लिए ई-लर्निंग संसाधन सामग्री (ईएलआरएम) विशेषज्ञ समूह की सदस्य तथा एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल राइटर्स ग्रुप की सदस्य, जिन्होंने प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक मानव शरीररचना विज्ञान हेतु अक्टूबर 2021 में एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने सितंबर 2022 में आयोजित 67वें संस्थान दिवस हेतु शरीररचना विभाग की नोडल अधिकारी तथा प्रदर्शनी उप-समिति की सदस्य के रूप में योगदान दिया; एम्स छात्र संघ चुनाव हेतु सलाहकार समिति तथा चुनाव आयोग की विशेष आंमत्रित सदस्य; स्ट्रडेन्ड मेन्टरशिप प्रोग्राम हेतु एन्टी-रेगिंग स्कॉड तथा विभागीय परामर्शदाता की सदस्य। एमबीबीएस छात्रों को आवश्यकता पड़ने पर परामर्श तथा सहायता प्रदान करना। वह विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में प्रथम प्रोफेशनल एनाटॉमी परीक्षा (वार्षिक तथा परक) हेतु बाह्य परीक्षक थीं।

डॉ. एस.के. झाझरिया ने कई मेडिकल कॉलेजों में प्रथम व्यवसायिक एमबीबीएस परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक के रूप में कार्य किया।

डॉ. टोनी जैकब को संस्थागत पशु आचार समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने नेशनल मेडिकल कांउसिल नेटवर्क में टेली-मेडिसिन तथा ई-लर्निंग समिति के सदस्य के रूप में तथा भारतीय मानक ब्यूरो में समिति -एमएचडी 23 के सदस्य के रूप में योगदान दिया जो कि शरीररचना विज्ञान तथा फोरेंसिक विज्ञान के उपकरणों को देखती है। वह कई राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय जैवचिकित्सा पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड तथा समीक्षा समितियों में शामिल है। वह संचार कौशल तथा पांडुलिपि लेखन हेतु एक संसाधन व्यक्ति भी बने हुए हैं।

डॉ. नीरजा को नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल सांइसेज (एनएएमएस) के सदस्य के रूप में चुना गया। एम.एस.सी. तंत्रिका विज्ञान पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए जीवाजी, विश्वविद्यालय, ग्वालियर में सहायक संकाय हैं। उन्होंने पीएच.डी. थीसिस का मूल्यांकन किया है तथा विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में शरीररचना में नियमित तथा पूरक प्रथम व्यवसायिक एमबीबीएस परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक तथा पेपर सेटर के रूप में कार्य किया है।

डॉ. सुभाष चंद्र यादव ने पीएच.डी. थीसिस का परीक्षण किया। उन्होंने 9 से 13 मई 2022 तक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में “जैविक नमूनों की इलेक्ट्रॉन टोमोग्राफी” पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। उन्होंने कई जर्नल पेपर्स की समीक्षा की है। उन्होंने एसएआईएफ, एम्स, नई दिल्ली के वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महासचिव के रूप में कार्य किया।

श्री प्रभाकर सिंह ने एक सहकर्मी-समीक्षा पत्रिका के अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया है। वह परिष्कृत विश्लेषणात्मक इंस्ट्रूमेटेशन सुविधा, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा जैविक इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर डीएसटी एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजन सचिव थे।

डॉ. विधु धवन को प्रजनन स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में “प्रजनन विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार: आशा, जोखिम तथा जिम्मेदारियां” पर जोर देने हेतु संस्थापक अध्यक्ष डॉ. टीसी आनंद कुमार युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा पुनरुत्पत्ति एवं प्रजनन संबंधी क्षमता हेतु इंडियन सोसायटी की 33वीं वार्षिक बैठक दिनांक 24 से 26 फरवरी 2023 कटक, भारत में हुई। उन्हें 21 जून 2022 को एम्स, नई दिल्ली, भारत में 8वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार (तीसरा स्थान) प्राप्त हुआ। दिनांक 17 सितंबर, 2021 को एनाटोमिस्ट सोसाइटी, भारत के नॉर्थ चैप्टर के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में डॉ. सत्यनारायण मेमोरियल यंग अचीवर्स अवार्ड प्राप्त हुआ।

9.3 जैव रसायन

	आचार्य एवं अध्यक्ष	
सुब्रत सिन्हा		श्याम एस. चौहान
	आचार्य	
पी.पी. चट्टोपाध्याय	कल्पना लूथरा	अल्पना शर्मा
कुंजंग चोसडॉल		सुदीप सेन
	अपर आचार्य	
अर्चना सिंह-I	अर्चना सिंह-II	जयंत कुमार पी.
सुभ्रदीप कर्माकर	अशोक शर्मा	प्रज्ञान आचार्य
	सह-आचार्य	
रियाज़ अहमद मीर		रियाज़ अहमद मीर
राखी यादव		प्रमोद कुमार गौतम
	सहायक आचार्य	
सिद्धार्थ कुंडू		कार्तिकेयन पेथुसामी

विशिष्टताएं

- विभाग में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों जैसे डीबीटी, डीएसटी, आईसीएमआर, डीएचआर, डीआरडीओ, वेलकम ट्रस्ट, आयुष मंत्रालय और इंट्राम्यूरल एम्स द्वारा वित्त पोषित **49 अनुसंधान परियोजनाएं** चल रही हैं, जिनकी लागत **73.5 करोड़ रुपये** है और इस वर्ष **14 अनुसंधान परियोजनाएं** पूरी की गईं।
- विभिन्न विभागों के विभिन्न संकायों के साथ **67 विभागीय परियोजनाएं** और **69 सहयोगी परियोजनाएं** चल रही हैं।
- **77 शोध प्रकाशन** और **19 सार-संक्षेप** प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।
- संकाय द्वारा **46 आमंत्रित वार्ताएँ** की गईं और विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक मंचों पर संकाय/शोध छात्रों (मौखिक/पोस्टर) द्वारा **71 शोध पत्र** प्रस्तुत किए गए।
- **विभागीय संकाय को वर्ष 2020 और 2021 के लिए कुल 5 एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार, बेसिक साइंसेज में 3 शोध पुरस्कार (पहला, दूसरा और तीसरा) और अक्टूबर 2022 में ऑन्कोलॉजी बेसिक साइंसेज (पहला और तीसरा) में दो शोध पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।**
- संकाय और छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में यात्रा अनुदान के साथ-साथ मौखिक प्रस्तुतियों के लिए कुल 15 **अवार्ड और पुरस्कार** प्राप्त हुए।
- विभाग में 14 एमएससी, 16 एमडी, 9 एसआर और 44 पंजीकृत पीएचडी छात्र कार्यरत हैं।

- अनुसंधान में वर्तमान प्रगति को शामिल करते हुए विभिन्न विषयों में अधिक उन्नत कक्षाएं जोड़ने के लिए एमबीबीएस के लिए प्रैक्टिकल और एमडी और एमएससी छात्रों के लिए कोर्सवर्क शिक्षण पाठ्यक्रम का और विस्तार किया गया।
- पीएचडी छात्रों के लिए एक औपचारिक पाठ्यक्रम कार्य और उसका मूल्यांकन 3 बैचों के लिए पूरा हो गया है और विभिन्न मॉड्यूल के साथ विभाग में अगले के लिए जारी है।
- विभाग रोगियों को **नैदानिक सेवाएं** प्रदान कर रहा है और विभिन्न परीक्षण कर रहा है। विभिन्न विभागों से प्राप्त 87 नमूनों पर पोर्फिरीया परीक्षण किए गए।

शिक्षा

पूर्वस्नातक

विभाग ने यूजी शिक्षण पाठ्यक्रम में कुछ संशोधन किए, जिसका उद्देश्य कौशल विकास को बढ़ाना और ज्ञान को जैव रसायन में वर्तमान विकास के बराबर रखना था। थ्योरी-प्रैक्टिकल कनेक्ट में सुधार के लिए ग्लूकोज निगरानी और गर्भावस्था परीक्षण के लिए पीओसीटी उपकरणों पर व्यावहारिक उपदेशात्मक व्याख्यान और प्रदर्शन से संबंधित मामले की चर्चा शुरू की गई थी। छात्रों के लिए उपयोग में पारंपरिक और स्वतः विश्लेषण आधारित तरीकों के बीच अंतर की सराहना करने हेतु कुछ नियमित जैव रासायनिक विश्लेषणों (यूरिक एसिड और एचडीएल कोलेस्ट्रॉल) के लिए किट-आधारित व्यावहारिक पेश किए गए थे। मोलेक्यूलर जीव विज्ञान में वर्तमान अनुप्रयोगों से संबंधित तकनीकें जैसे प्रतिबंधित पाचन और प्रतिबंधित स्थल मानचित्रण को भी पाठ्यक्रम में जोड़ा गया था।

स्नातकोत्तर

इनमें एमएससी के 14 और एमडी के 16 छात्र शामिल हैं। विभाग में 44 पीएचडी छात्र भी हैं। दो एन-पीडीएफ पोस्ट-डॉक्टरल छात्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं।

आणविक जीवविज्ञान और कैंसर जीवविज्ञान मॉड्यूल में और अधिक उन्नत कक्षाएं जोड़ने के लिए स्नातकोत्तर शिक्षण पाठ्यक्रम का और विस्तार किया गया। एमडी, एमएससी छात्रों और वरिष्ठ रेजीडेंट के लिए विभिन्न पत्रिकाओं से जटिल केस रिपोर्टों पर चर्चा करने के लिए 'क्लिनिकल केस डिस्कशन' को संशोधित किया गया है।

विभाग में विभिन्न मॉड्यूल के साथ पीएचडी छात्रों के लिए एक औपचारिक पाठ्यक्रम कार्य शुरू किया गया है। इसमें उन्नत प्रयोगशाला इंस्ट्रुमेंटेशन, कोशिका जीवविज्ञान और संस्कृति तकनीक, मानव और पशु नैतिकता, जैवसांख्यिकी, अनुसंधान पद्धति आदि को शामिल किया गया। पाठ्यक्रम कार्य पूरा होने के बाद छात्रों का मूल्यांकन और ग्रेडिंग की गई।

विभाग आणविक जीव विज्ञान में बाल आनुवंशिकी डीएम छात्रों को औपचारिक प्रशिक्षण भी दे रहा है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. डॉ. सुब्रत सिन्हा, संयोजक, सन फार्मा साइंस फाउंडेशन: वार्षिक सम्मेलन 18 मार्च 2023 सीआरआईएसपीआर और क्लिनिक - इतने करीब और फिर भी बहुत दूर। एनएएमएस सभागार, नई दिल्ली (सह-संयोजक डॉ. कुंजंग चोसडॉल)

2. अध्यक्ष और परिचयात्मक सत्र वक्ता - सीआरआईएसपीआर: परिचय; जीन थेरेपी और सीआरआईएसपीआर से जुड़े चिकित्सीय हस्तक्षेप और नैदानिक परीक्षण
3. 25-28 मार्च 2023 को स्टेम सेल और सेल्युलर थेरेपी पर प्रथम एम्स जोधपुर-आईआईटी जोधपुर संयुक्त कॉन्क्लेव और टिश्यू इंजीनियरिंग सत्र के अध्यक्ष और सह-संयोजक का आयोजन किया गया।
4. अंतर्राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी दिवस पर संगोष्ठी 29 अप्रैल 2022 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित की गई (मुख्य आयोजक प्रो. अल्पना शर्मा)

प्रदत्त व्याख्यान: 46

पिछले 3 वर्षों में जैव रसायन संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता की कुल संख्या

वर्ष	जैव रसायन संकाय द्वारा आमंत्रित वार्ता की कुल संख्या
2020-21	20
2021-22	21
2022-23	46
कुल	75

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर/पोस्टर: 68

पिछले तीन वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर/पोस्टर

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
	22	13	68

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. जेसी बोस फ़ेलोशिप: ग्लिअल ट्यूमर मॉडल का प्रयोग करके नियोप्लासिया में हाइपॉक्सिया से प्रेरित प्रतिकूल फेनोटाइप और चिकित्सीय प्रतिरोध से निपटने के लिए तर्कसंगत रणनीतियाँ, डॉ. सुब्रत सिन्हा, डीएसटी, 5 वर्ष, 2017-22 2026 तक विस्तारित, 98 लाख रुपये
2. कार्यक्रम का समर्थन: नए चिकित्साविधान (थेराप्यूटिक्स) और नैदानिकी (डायग्नोस्टिक्स) के विकास के लिए सीआरआईएसपीआर की मध्यस्थता में प्रौद्योगिकियाँ, परियोजना समन्वयक: डॉ. सुब्रत सिन्हा सह-पीआई डॉ. श्याम एस चौहान, डॉ. पी चट्टोपाध्याय, डॉ. कल्पना लूथरा, डॉ. कुंजंग चोसडॉल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-23, 2.89 करोड़ रुपये
3. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन्स: पूर्वानुमान और चिकित्साविधान में उलझनें, डॉ. श्याम एस. चौहान, आईसीएमआर, भारत, 3 वर्ष, 2020-23, 21.9 लाख रुपये

4. मोनो-ज़ाइगोटिक ट्विन्स पीडियाट्रिक एलीट-न्यूट्रलाइज़रों में एंटीबॉडीज को व्यापक रूप से निष्क्रिय करने वाले और विषाणुओं को प्रसारित करने वाले को एचआईवी-1 के सह-विकास को चित्रित करना, डॉ. कल्पना लूथरा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 47.4 लाख रुपये
5. संक्रमित बच्चों के एचआईवी-1 उपप्रकार-सी आधारित ट्राइमेरिक इम्युनोजेन की उत्पत्ति और लक्षण वर्णन, डॉ. कल्पना लूथरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019 -22, 1.60 करोड़ रुपये
6. अग्नाशय रोगों में केयर (सह-पीआई के रूप में), डॉ. प्रमोद गर्ग डॉ. कल्पना लूथरा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019 -2024, 5.00 करोड़ रुपये
7. हेमटोलॉजिकल मैलिग्नेंसी में यूनानी हर्बल फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता का अनावरण करना, डॉ. अल्पना शर्मा, आयुष, 5 वर्ष, 2017-22, 62.12 लाख रुपये
8. पेनाइल कैंसर के भारतीय रोगियों में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) की व्यापकता, डॉ. अल्पना शर्मा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2018-21, 25.0 लाख रुपये
9. डेंड्राइटिक कोशिकाओं के कार्यात्मक निर्धारकों की भूमिका और एनके कोशिकाओं के साथ उनकी प्रतिरक्षा क्रॉस टॉक की भूमिका को समझना: पेम्फिगस वल्गैरिस के संभावित चिकित्सीय लक्ष्य, डॉ. अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, 42.31 लाख रुपये
10. एंडोथेलियल डिसफंक्शन में ट्रेग कोशिकाओं और एमडीएससी की भूमिका की पहचान करना, डॉ. अल्पना शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 45.31 लाख रुपये
11. क्रोनिक माइलोजेनस ल्यूकेमिया में यूनानी औषधीय फॉर्मूलेशन इट्रिफाल-ए-आफ्टिमून की कैंसर-रोधी क्षमता और उसके कार्यप्रणाली के तंत्र की रूपरेखा को प्रस्तुत करना, डॉ. अल्पना शर्मा, सीसीआरयूएम, आयुष, 3 वर्ष, 2019-22, 68.66 लाख रुपये
12. पेरिओडोंटाइटिस में एनएलआरपी3 इन्फ्लैमैसोम जीन की बहुरूपता और उनकी अभिव्यक्ति - उत्तर भारतीय लोगों में एक आनुवंशिक अध्ययन, डॉ. अल्पना शर्मा, एम्स सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2021-23, 17.5 लाख रुपये
13. ग्लियोब्लास्टोमा (जीबीएम) की आक्रामकता में एफएटी1 नियंत्रित एमआईआरएनए की भूमिका: जीबीएम रोगियों में चिकित्सीय मार्कर के रूप में संभावित एमआईआरएनए की पहचान, डॉ. कुंजंग चोसडॉल, एसईआरबी-डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-22, 42.33 लाख रुपये
14. ओलिगोडेंड्रोग्लियोमा में एफएटी सिग्नलिंग की भूमिका: नए आणविक लक्ष्यों और उनके चिकित्सीय निहितार्थों की पहचान, डॉ. कुंजंग चोसडॉल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 38.67 लाख रुपये
15. पेरिअम्पुलरी कैंसर में एफएटी1-पीडीसीडी4 सिग्नलिंग अक्ष का अध्ययन, डॉ. कुंजंग चोसडॉल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 49.80 लाख रुपये
16. एडिनॉयड सिस्टिक कार्सिनोमास में नए पाथवे को परिभाषित करने और चिकित्सीय परिणामों के साथ सहसंबंध बनाने के लिए ट्रांस्क्रिप्टोम विश्लेषण, डॉ. कुंजंग चोसडॉल, एम्स (सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये

17. इन विट्रो में विभिन्न तंत्रिका सम्बन्धित कोशिका के नमूनों पर हाइपॉक्सिया का प्रभाव - निर्धारित समय से पूर्व शिशुओं में सेरिब्रल पाल्सी के विरुद्ध चिकित्सीय रणनीतियों को तैयार करने के लिए एक मॉडल, डॉ. सुदीप सेन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, 69 लाख रुपये
18. मानव अस्थि मज्जा से व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं और कृंतक मॉडल का उपयोग करके सिम्फाइटम ऑफिसिनेल के ओस्टियोजेनिक प्रभाव को समझना, डॉ. सुदीप सेन, सीसीआरएच (आयुष मंत्रालय), 2 वर्ष, 2019-21, 45 लाख रुपये
19. एचडीएल की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज आधारित एफ्लक्स एस्से के विरुद्ध लिपोसोम आधारित कोलेस्ट्रॉल एफ्लक्स एस्से का मूल्यांकन, डॉ. अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-23, 28 लाख रुपये
20. ऐडिपोस ऊतक का उपयोग करके इंसुलिन-संवेदनशील और इंसुलिन-प्रतिरोधी ओबीस और नॉन-ओबीस फेनोटाइप के बीच इंटर कंपार्टमेंटल क्रॉसस्टॉक को समझना, डॉ. अर्चना सिंह, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत, 3 वर्ष, 2021-24, 19 लाख रुपये
21. बी-ऑल मेटाबोलिक रिप्रोग्रैमिंग: विवो और एक नए एक्स-विवो प्राथमिक कल्चर के मॉडल में पूर्वानुमान और कीमोप्रतिरोध के साथ परस्पर सम्बन्ध रखने वाले जीन तंत्रों की पहचान। डॉ. अर्चना सिंह, एम्स सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये
22. वयस्क पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस के घरेलू संपर्कों के संक्रमण मुक्त "प्रतिरोधकों" में ह्यूमोरल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और इसके आनुवंशिक सहसंबंधों का अध्ययन, अर्चना सिंह, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-25, 39 लाख रुपये
23. टीएचपी1 सेल लाइन के विभेदित मैक्रोफेजों में और पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस से पीड़ित रोगियों के मोनोसाइट्स में फेनोटाइपिक और कार्यात्मक परिवर्तन पर हाइपरग्लेसेमिया के प्रभाव का अध्ययन, डॉ. अर्चना सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 30 लाख रुपये
24. वयस्क पल्मोनरी ट्यूबरक्लोसिस से पीड़ित रोगियों के टीएसटी और आईजीआरए सकारात्मक घरेलू संपर्कों की तुलना में टीएसटी और आईजीआरए नकारात्मक घरेलू संपर्कों में प्रतिरक्षा सहसंबंध का अध्ययन, अर्चना सिंह, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये
25. एफसीआरIIIए रिसेप्टर की अभिव्यक्ति का अध्ययन करना और गुप्त तपेदिक की तुलना में तपेदिक के प्रतिरोधी फेनोटाइप में पॉलीमॉर्फिक वेरिएंट के साथ सहसंबंध बनाना, 1 वर्ष, 2022-23, 2 लाख रुपये
26. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आईजीएफ2बीपी और एम6ए मशीनरी के बीच तालमेल को समझना, डॉ. जयंत कुमार पलानीचामी, एसईआरबी कोर रिसर्च ग्रांट (सीआरजी), 3 वर्ष, 2022-25, 63 लाख रुपये
27. कोवैक्सिन और कोविशील्ड के लिए अनुकूली प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाएं: एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ. जयंत कुमार पलानीचामी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये
28. मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम (एमडीएस) के पैथोजेनेसिस में सूजन की भूमिका की जांच करना और एक्यूट मायलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में इसकी प्रगति से जुड़े विभिन्न एमडीएस

उपप्रकार विशिष्ट नए ट्रांसक्रिप्टों की पहचान करना, "डॉ. सुभ्रदीप कर्माकर, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-26, 65 लाख रुपये

29. मानव प्लेसेंटल विकास और प्रीएक्लेम्पसिया में पेरोक्सीसोम प्रोलिफ़रेटर द्वारा सक्रिय किए गए रिसेप्टर गामा की भूमिका की जांच करना, डॉ. सुभ्रदीप कर्माकर, डीबीटी, 3 वर्ष, 2022-25, 56 लाख रुपये

30. रोगियों से एकत्रित किए गए संगठित स्टेम सेल ग्राफ्ट में सीएक्ससीआर4 को विनियमित करने और चूहों में उनके घर वापस आने के गुणों का अध्ययन करने की रणनीति, डॉ. सुभ्रदीप कर्माकर, डीबीटी, 1.5 वर्ष, 2022-24, 30 लाख रुपये

31. ऑन्कोलॉजी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े आँकड़ें और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, डॉ. अशोक शर्मा, एमईआईटीवाई, 2 वर्ष, 2020-22, 2.92 करोड़ रुपये

32. कैंसर टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और एनओटीसीएच सिग्नलिंग के बीच अंतर-क्रिया और डिम्बग्रंथि के कैंसर में ग्लोबल डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसका जुड़ाव, डॉ. अशोक शर्मा, आईसीएमआर-एमओएचएफडब्ल्यू, 3 वर्ष, 2019-22, 42.5 लाख रुपये।

33. भारत के कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में ह्यूमोरल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया के प्रतिरक्षा-एपिजेनेटिक्स का अध्ययन। (एनआईआई के साथ बहु-संस्थागत परियोजना), डॉ. अशोक शर्मा और डॉ. निमेश गुप्ता, एसईआरबी-आईआरएचपीए, डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-23, 80 लाख रुपये

34. डिम्बग्रंथि के कैंसर में पेरीसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-टेस्टिस/जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन की अभिव्यक्ति में एक एपिजेनेटिक नियामक के रूप में परमाण्विक वास्तुकला, डॉ. अशोक शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये

35. कीमोथेरेपी/रेडियोथेरेपी के सहायक उपचार के रूप में कैंसर रोगियों में होम्योपैथिक चिकित्सा की भूमिका का मूल्यांकन करने और आणविक मार्करों के साथ परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने वाला एक मार्गदर्शी अध्ययन, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2022-24, 1.0 करोड़ रुपये

36. पांच वर्षों के लिए डीबीटी एनसीआई-एम्स ट्रांसलेशनल कैंसर रिसर्च सेंटर (चरण-1), डीबीटी, भारत सरकार, डॉ. अशोक शर्मा, डीबीटी, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2022-27, 40 करोड़ रुपये (चरण 1)

37. सार्स कोव-2 प्रोटीज़ पर उनके एंटी-वायरल प्रभावों के लिए उत्कृष्ट आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन का प्रयोजन स्थापित करना: एक प्री-क्लिनिकल इन विट्रो स्क्रीनिंग पद्धति, डॉ. प्रज्ञान आचार्य, आयुष, 1.5, 2021-23, 37 लाख रुपये

38. सूजन संबंधी यकृत रोग एक्यूट-ऑन-क्रोनिक लिवर विफलता (एसीएलएफ) में न्यूट्रोफिल विविधता की भूमिका और इसकी चिकित्सीय क्षमता को समझना, डॉ. प्रज्ञान आचार्य, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-25, 45 लाख रुपये

39. एनाप्लास्टिक थायरॉइड कार्सिनोमा में ट्यूमर डायनेमिक्स और इम्यून सेल इंटरैक्शन, डॉ. रियाज़ अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 30 लाख रुपये
40. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए मृत सहायक कोशिकाओं में एटीओएच1 का संपादन। डॉ. रियाज़ अहमद मीर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 70 लाख रुपये
41. कोविड-19 स्पाइक प्रोटीन सी टर्मिनस का इंटरएक्टोम विश्लेषण: वायरस प्रवेश के लिए संभावित दवा योग्य लक्ष्य की पहचान, डॉ. रियाज अहमद मीर, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 8 लाख रुपये
42. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया का जीनोमिक परिदृश्य, डॉ. रियाज़ अहमद मीर, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये
43. पीआईएच1डी1 की भूमिका: थायराइड कैंसर में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स का एक घटक, डॉ. रियाज़ अहमद मीर,आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2023-25, 10 लाख रुपये
44. मोटापा प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में एक्स्ट्रासेल्युलर मैट्रिक्स रीमॉडलिंग, डॉ. राखी यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 46 लाख रुपये
45. मोटापे में सह-रुग्णताओं के मॉड्यूलेटर्स के रूप में आंत के वसा ऊतकों (वैट) से प्राप्त कारकों का अध्ययन, डॉ. राखी यादव, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2023-25, 10 लाख रुपये
46. स्तन कैंसर में ट्यूमर से जुड़े मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं में डीएनए मिथाइलेशन और पीआई3के-एकेटी सिग्नलिंग पाथवे विश्लेषण पर एम1 मैक्रोफेज की भूमिका, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, आईआरजी, एम्स, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2022-24, 10 लाख रुपये
47. अग्नाशय के कैंसर के रोगियों के पूर्व और बाद के उपचार के दौरान रक्त में ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये
48. चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक गैर-हेम आयरन (II) और 2-ऑक्सोग्लुटारेट-निर्भर डाइऑक्सीजिनेस के आणविक तंत्र में अंतर्दृष्टि और रोग जीव विज्ञान के लिए उनकी प्रासंगिकता का आकलन, डॉ. सिद्धार्थ कुंडू, एम्स-आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2020- 22, 5 लाख रुपये
49. एक सामान्य चयापचय नेटवर्क के उत्तल शंकु से प्रतिक्रिया-विशिष्ट पृथक्करण स्थिरांक का संख्यात्मक अनुमान, सिद्धार्थ कुंडू, एसईआरबी-मैट्रिक्स, 3 वर्ष, 2022-25, 6 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में वित्त-पोषित अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष	जैव रसायन विभाग में वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं की कुल संख्या	कुल निधि
2020-21	49	29.39 करोड़ रुपये
2021-22	52	65.66 करोड़ रुपये
2022-23	49	73.5 करोड़ रुपये

पूर्ण

1. हाइपोक्सिया के संपर्क में आने पर भ्रूण के तंत्रिका स्टेम कोशिकाओं की तंत्रिका प्लास्टिसिटी को समझना, डॉ. सुदीप सेन, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2019-21,10 लाख रुपये
2. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टाइडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य, डॉ. श्याम एस. चौहान, आईसीएमआर, भारत, 3 वर्ष, 2019-22, 35 लाख रुपये
3. क्रोनिक अग्नाशयशोथ के रोगजनन में प्रतिरक्षा मार्गों का एक अध्ययन, डॉ. कल्पना लूथरा, एम्स, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये
4. मोटे जनसंख्या समूह से आंत और चमड़े के नीचे के एडिपोसाइट्स में एडिपोसाइट आकार, कोलेस्ट्रॉल प्रवाह और इंसुलिन प्रतिरोध के बीच संबंधों को समझना, अर्चना सिंह, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये
5. फुफ्फुसीय तपेदिक के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज इफ़ेक्टर फ़ंक्शन पर हाइपरग्लेसेमिया की भूमिका, अर्चना-द्वितीय सिंह, एसईआरबी डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, 49 लाख रुपये
6. इन विट्रो में माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के खिलाफ सहायक और कीमो-इम्यूनोथेरेपी के रूप में माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी और मानव बीटा डिफेंसिन-2 का अध्ययन, अर्चना सिंह, आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये
7. बी-सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आरएनए मिथाइलट्रांसफेरेज मशीनरी की भूमिका, जयंत कुमार पलानीचामी और अमित अवस्थी, एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल, 2.5 वर्ष, 2019-22, 20 लाख रुपये
8. मानव ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण पर सीओ सिग्नलिंग की भूमिका, सुभ्रदीप कर्माकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, 52 लाख रुपये
9. मानव अपरा विकास और प्रीक्लेम्पसिया में पेरोक्सीसोम प्रोलिफ़रेटर-सक्रिय रिसेप्टर अल्फा की भूमिका, सुभ्रदीप कर्माकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 62 लाख रुपये
10. स्तन कैंसर वाले वंशानुगत स्तन और डिम्बग्रंथि कैंसर (एचबीओसी) सिंड्रोम वाले परिवारों की पहचान और एनईआर आबादी में उनके बीआरसीए1 और बीआरसीए2" जीन उत्परिवर्तन प्रोफाइलिंग, सुभ्रदीप कर्माकर, एनसीडीआईआर, 3 वर्ष, 2020-23, 60 लाख रुपये
11. जंगली प्रकार और उत्परिवर्ती p53 के कार्यात्मक संयोजन में PAQosome/R2TP कॉम्प्लेक्स की भूमिका, डॉ. रियाज़ अहमद मीर, एम्स, 2 वर्ष, 2019-22, 10 लाख रुपये
12. E6 और E7 ऑन्कोप्रोटीन के लक्ष्य के रूप में R2TP कॉम्प्लेक्स, डॉ. रियाज़ अहमद मीर, एसईआरबी (डीएसटी), 3, 2018-22, 28 लाख रुपये
13. मोटापे से संबंधित वसा ऊतकों की शिथिलता में वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) और इसके आइसोफॉर्म का अध्ययन, डॉ. राखी यादव, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2019-21, 10 लाख रुपये

14. हड्डी और रक्त बनाने वाले तने और पूर्वज कोशिका के प्रवासन और विकास के नियमन में मैक्रोफेज की भूमिका, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, डीएसटी, नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-22, 35 लाख रुपये
15. हर्बल पौधे के अर्क और एचएसपी70-ट्यूमर एंटीजन का उपयोग करके कैंसर स्टेम सेल पर लिपोसोम/नैनोकणों का उपयोग करके लक्षित दवा वितरण का विकास और इसके ट्यूमर-विरोधी कार्य का मूल्यांकन करना, डॉ. प्रमोद कुमार गौतम, डीएसटी, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-22, 49 लाख रुपये
16. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग (एनएएफएलडी) में दवा लक्ष्य के रूप में जी-प्रोटीन युग्मित रिसेप्टर्स: एनएएफएलडी के चूहे मॉडल से प्री-क्लिनिकल सेलुलर मॉडल और प्राथमिक हेपेटिक स्टेलेट कोशिकाओं में मूल्यांकन, प्रज्ञान आचार्य, एम्स इंटर डिपार्टमेंट, 1 वर्ष, 2021 -22, 8 लाख रुपये
17. एक्यूट-ऑन-क्रोनिक लिवर फेल्योर में मल्टीपल ऑर्गन डिसफंक्शन के एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकुलर सिग्नेचर- एक पायलट अध्ययन, प्रज्ञान आचार्य, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध सहित)

जारी

1. स्तनधारी कोशिकाओं में कुशल जीनोम संपादन के लिए दोहरे चयन प्लास्मिड का निर्माण।
2. मौखिक डिसप्लेसिया के घातक परिवर्तन में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका
3. ग्लियाल ट्यूमरजेनेसिस में प्रोथिमोसिन- α की भूमिका
4. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: रोग निदान और चिकित्सा विज्ञान में निहितार्थ
5. क्लोरप्रोमेज़िन के साथ सह-निगमन द्वारा शामिल नैनोकणों में शामिल डॉक्सोरूबिसिन के साइटोटॉक्सिक प्रभाव का मॉड्यूलेशन
6. सक्रिय तपेदिक के पैथोफिजियोलॉजी में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर हाइपरग्लेसेमिया के विभिन्न ग्रेड का प्रभाव
7. क्रोनिक लिवर विफलता पर तीव्र में मोनोसाइट्स और मैक्रोफेज की विशेषता।
8. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के अस्तित्व और तपेदिक के पुनर्सक्रियन में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की भूमिका
9. इम्युनोजेन डिज़ाइन की दिशा में बाल चिकित्सा एचआईवी-1 लिफाफा ट्रिमर का निर्माण और लक्षण वर्णन
10. एचआईवी-1 उपप्रकार सी संक्रमित व्यक्तियों के बी सेल रिसेप्टर रिपर्टरी की विशेषता और एंटी एचआईवी-1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी की उत्पत्ति

11. एचआईवी-1सी संक्रमित बाल चिकित्सा न्यूट्रलाइज़र से वंश-आधारित लिफाफा ट्रिमर की उत्पत्ति और लक्षण वर्णन
12. प्राकृतिक एचआईवी-1 संक्रमण के दौरान उत्पन्न मानव निष्क्रिय मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का अलगाव और लक्षण वर्णन।
13. मानव क्रोनिक अग्नाशयशोथ के पैथोफिज़ियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का एक अध्ययन
14. मूत्राशय के यूरोटेलियल कार्सिनोमा में बी सेल उपसमुच्चय और उनके प्रतिरक्षा नियामक कार्यों का अध्ययन
15. विटिलिगो में मैक्रोफेज की भूमिका
16. मूत्राशय के कैंसर में ऑटोफैगी और संबंधित अणुओं में टीएएम की भूमिका
17. रीनल सेल कार्सिनोमा में मेमोरी टी कोशिकाओं की भूमिका
18. पेम्फिगस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में मैक्रोफेज और एनके कोशिकाओं की खोज
19. एथेरोस्क्लेरोसिस में मायलॉइड व्युत्पन्न सप्रेसर कोशिकाओं (एमडीएससी) और नियामक टी कोशिकाओं (ट्रेग्स) का फेनोटाइपिक और कार्यात्मक लक्षण वर्णन
20. मल्टीपल मायलोमा कोशिकाओं में लंबी श्रृंखला फैटी एसिड डेरिवेटिव और निफ्लुमिक एसिड की सहायक एंटी ट्यूमरजेनिक क्षमता को स्पष्ट करना
21. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में RASSF1A मॉड्यूलेशन पर माइक्रोआरएनए के प्रभाव का अध्ययन
22. ग्लियोमा में एफएटी1 और miRNA की कार्यात्मक अंतःक्रिया
23. हाइपोक्सिया और कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया: ग्लियाल ट्यूमर सेल लाइनों में एक अध्ययन
24. ग्लियोमा की कीमो-संवेदनशीलता पर एफएटी1 और p53
25. एफएटी1 प्रोटीन: ग्लियोमा कोशिकाओं में इसका प्रसंस्करण और सेलुलर कार्य
26. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 और माइक्रोप्रोटीन के बीच कार्यात्मक लिंक का अध्ययन
27. पेरिअम्पुलरी कैंसर में एफएटी1-पीडीसीडी4 सिग्नलिंग का अध्ययन
28. ग्लियोमा कोशिकाओं में एफएटी1, p53 और p300 की कार्यात्मक अंतःक्रिया
29. ग्लियोमा कोशिकाओं में एफएटी1 और वीईएपी1 के बीच कार्यात्मक लिंक
30. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 और ऑटोफैगी
31. कैंसर कोशिकाओं में एफएटी1 अभिव्यक्ति का एपिजेनेटिक विनियमन
32. हाइपोक्सिया के संपर्क के बाद न्यूरॉन्स और ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में आणविक परिवर्तनों को स्पष्ट करना
33. हाइपोक्सिक चोट के लिए प्री-माइलिनेटिंग ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स की भेद्यता में अंतर्निहित आणविक तंत्र
34. हड्डी के पुनर्निर्माण में सिम्फाइटम ऑफिसिनेल की भूमिका का मूल्यांकन

35. इन विट्रो में ओएल भेदभाव से जुड़े चरण विशिष्ट मार्करों और सेल सिग्नलिंग मार्गों का मूल्यांकन करना

36. एडिपोसाइट्स में सेरामाइड चयापचय और इंसुलिन संवेदनशीलता को नियंत्रित करने में हाइपोक्सिया की भूमिका की खोज करना

37. वसा ऊतक मध्यस्थ इंसुलिन प्रतिरोध में प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) की भागीदारी की जांच।

38. एंडोथेलियल कोशिकाओं पर एडिपोनेक्टिन, स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट (एस1पी) और उच्च घनत्व लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के एंटी-एथेरोजेनिक प्रभावों के लिए एक एकीकृत मार्ग की खोज

39. बाल चिकित्सा बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल वीडीएसी और संबंधित जीन की अभिव्यक्ति।

40. वयस्क फुफ्फुसीय तपेदिक के टीएसटी और आईजीआरए नकारात्मक घरेलू संपर्कों में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन

41. वयस्क फुफ्फुसीय तपेदिक के टीएसटी और आईजीआरए नकारात्मक घरेलू संपर्कों में मोनोसाइट उपसमुच्चय के इम्यूनोफेनोटाइप का अध्ययन।

42. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले तपेदिक रोगियों में सीडी206 रिसेप्टर की भूमिका और मैक्रोफेज में इसके डाउनस्ट्रीम प्रभाव की खोज

43. लेंटीवायरल ओवरएक्सप्रेशन का उपयोग करके गौचर रोग और सुधार का एक पूर्व-विवो मॉडल स्थापित करना

44. ऑन्कोजेनिक प्रतिलेखों के स्थिरीकरण में आईजीएफ2बीपी3 और एमईटीटीएल3 के बीच सहयोगात्मकता की विशेषता

45. गौचर रोग में एल483पी उत्परिवर्तन को ठीक करने के लिए एक सीआरआईएसपीआर/सीएएस13 आधारित आरएनए संपादन दृष्टिकोण

46. बी-एएलएल में रिलैप्स विशिष्ट जीन की अभिव्यक्ति का सत्यापन

47. स्तन कैंसर में एण्ड्रोजन रिसेप्टर की मध्यस्थता वाली घटनाओं और आणविक विविधता का अध्ययन

48. प्रारंभिक प्रीक्लेम्पसिया के जोखिम की भविष्यवाणी करने और मौजूदा बायोमार्कर के साथ तुलना करने में प्रोटीन के पीएसजी (प्लेसेंटा स्पेसिफिक ग्लाइकोप्रोटीन) परिवार की नैदानिक उपयोगिता का परीक्षण करना

49. डिम्बग्रंथि के कैंसर में कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पीओटीईबी की कार्यात्मक विशेषता, अभिव्यक्ति और नैदानिक महत्व

50. कैंसर में पेरिसेंट्रोमेरिक स्थानीयकृत कैंसर-वृषण/जर्मलाइन एंटीजन पोटे के एपिजेनेटिक नियामक के रूप में 3डी जीनोम आर्किटेक्चर की भूमिका

51. नवीन प्रोस्टेट, प्लेसेंटा, अंडाशय, वृषण की इम्यूनोथेराप्यूटिक क्षमता - डिम्बग्रंथि के कैंसर में व्यक्त एंटीजन।
52. मानव लंबे गैर-कोडिंग आरएनए का कार्यात्मक विश्लेषण और स्तन कैंसर में स्थानिक जीनोम संगठन के साथ उनका संबंध
53. एसीएलएफ में जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं की विशेषता
54. आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के फ़ंक्शन को हाईजैक करने में ई7 की भूमिका
55. कोशिका चक्र को विनियमित करने में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स के पीआईएच1डी1 कॉम्प्लेक्स की भूमिका
56. थायराइड कैंसर में कुछ बायोमार्कर का विश्लेषण
57. बाल कोशिका पुनर्जनन में विभिन्न प्रतिलेखन कारकों की भूमिका।
58. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता में ईसीएम-एडिपोसाइट संचार की भूमिका को स्पष्ट करना
59. मोटापे में हृदय संबंधी स्वास्थ्य के विसरल एडिपोज ऊतक व्युत्पन्न मॉड्यूलेटर के रूप में एम्फिरेगुलिन और सीआरआईएसपीएलडी 1 का आकलन
60. स्तन कैंसर में मेसेनकाइमल स्टेम सेल प्रवास और विकास के नियमन में मैक्रोफेज फेनोटाइप की भूमिका
61. स्टेम सेल, कैंसर स्टेम सेल और उनके संबंधित सूक्ष्म वातावरण पर जैवसंयुग्मित कीमोथेराप्यूटिक अणुओं का प्रभाव
62. गामा डेल्टा कोशिकाओं पर ट्यूमर व्युत्पन्न एक्सोसोम के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना
63. नैदानिक और पूर्वानुमान संबंधी महत्व के साथ संवेदनशील और तीव्र पार्श्व प्रवाह उपकरण का उपयोग करके प्रोस्टेट कैंसर बायोमार्कर का पता लगाना
64. लीवर फाइब्रोसिस के पूर्व-नैदानिक प्रयोगशाला मॉडल में टीजीएफ-बीटा और जीपीसीआर मार्गों के छोटे अणु मॉड्यूलेटर के चिकित्सीय संयोजन की पहचान।
65. एक सामान्य चयापचय नेटवर्क के उत्तल शंकु से प्रतिक्रिया-विशिष्ट पृथक्करण स्थिरांक का संख्यात्मक अनुमान

पूर्ण

1. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ III के सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी कार्य
2. मौखिक कैंसर में मानव हेटेरोजेनस न्यूक्लियर राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका
3. क्लैड सी एचआईवी-1 की सीआरआईएसपीआर आधारित पहचान के विकास के लिए सिद्धांत अध्ययन का प्रमाण

4. इम्युनोजेन डिजाइन की दिशा में एक संभावित टेम्पलेट के रूप में एचआईवी-1 क्लैड सी शिशु ट्रिमर की अभिव्यक्ति और लक्षण वर्णन
5. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के विरुद्ध जीवित एंटीबायोटिक के रूप में बीडेलोविब्रियो बैक्टीरियोवोरस का अध्ययन
6. विटिलिगो के रोगजनन में एन.के. कोशिकाओं का अध्ययन
7. हाइपोक्सिया की विभिन्न डिग्री के तहत जीबीएम कोशिका लाइनों में जीन अभिव्यक्ति और गंभीर हाइपोक्सिक स्थिति के तहत एचआईएफ1 विनियमन में पी53 की भूमिका का अध्ययन करना।
8. ग्लिओमास में एफएटी1 जीन अभिव्यक्ति का विनियमन
9. ग्लियोमा में एफएटी1, पी53 और एचआईएफ1ए के बीच सिग्नलिंग इंटरैक्शन
10. ग्लियोमा के डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में ग्लियोमा के मॉलिक्यूलर सिग्नेचर
11. एंडोथेलियल कोशिकाओं पर एडिपोनेक्टिन, स्फिंगोसिन 1-फॉस्फेट (एस1पी) और उच्च घनत्व वाले लिपोप्रोटीन (एचडीएल) के एंटी-एथेरोजेनिक प्रभावों के लिए एक एकीकृत मार्ग की खोज करना।
12. वजन घटाने की सर्जरी से गुजरने वाले विषय-व्यक्तियों में मेटाबोलिक लचीलेपन से संबंधित जीन का विश्लेषण।
13. बाल चिकित्सा बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल वीडीएसी और संबंधित जीन की अभिव्यक्ति।
14. बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले मोटे व्यक्तियों में मानव आंत माइक्रोबायोटा (जीएम) में परिवर्तन और इंसुलिन संवेदनशीलता के साथ इसके संबंध का एक संभावित अध्ययन (एमडी थीसिस जुलाई 2022 में प्रस्तुत किया गया)
15. मोटापे में वैस्क्यूलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ-ए) और इसके आइसोफोर्म की अभिव्यक्ति का अध्ययन और इंसुलिन संवेदनशीलता के साथ उनका संबंध
16. ह्यूमन ट्रोफोब्लास्ट इन्वेषण में एस्ट्रोजन-विनियमित एमआईआरएनए नेटवर्क की पहचान करना
17. प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए नए रक्त-आधारित बायोमार्कर की खोज हेतु विभिन्न चरण के कैंसर रोगियों के बीच तुलनात्मक विश्लेषण-एक पायलट अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. डेंगू वायरस से संक्रमित मरीज में मोनोक्लोनल एंटीबॉडीज़ बनते हैं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, स्कूल ऑफ केमिकल एंड लाइफ साइंसेज, जामिया हमदर्द
2. ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं और प्रीक्लेम्पसिया में उनके संबंध का उपयोग करके हाइड्रोजन सल्फाइड मध्यस्थ ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन पर एक अध्ययन,, एनाटॉमी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में चिकित्सीय बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता एंटीजन) विशिष्ट एंटीबॉडी की उत्पत्ति और लक्षण वर्णन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. बचपन के अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी के तीव्र प्रकोप में मेजबान और पर्यावरणीय कारक, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. इम्यूनोपोरोसिसः ऑस्टियोपोरोसिस में जीटीयू-इनेट कोशिकाओं की भूमिका की स्थापना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेनसेट (ईबीसी) का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर में चिकित्सकीय रूप से प्रासंगिक आनुवंशिक उत्परिवर्तन और जोखिम बायोमार्कर की जांच करना, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

7. वर्तमान और पिछले सुपारी उपयोगकर्ताओं में सुपारी एल्कलॉइड्स और कैटेचिन की सांद्रता और प्रो-ऑन्कोजेनिक साइटोकिन्स और मौखिक संभावित घातक विकारों के साथ उनके संबंध को निर्धारित करना, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

8. मौखिक संभावित घातक विकारों में उनकी नैदानिक और आणविक विशेषताओं के साथ गैर-इनवेसिव विधि का उपयोग करके वर्तमान और प्रतिरोधी मौखिक एचपीवी का पता लगाना, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

9. यूरोडायनामिक रूप से सिद्ध एसयूआई वाले रोगियों में रेक्टस फासिया पबोवैजिनल स्लिंग सर्जरी बनाम टीओटी का एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. प्लांट पार्थेनियम के कारण वायुजनित संपर्क डर्मेटाइटिस के रोगियों में सूजन साइटोकिन के स्तर और डर्मेटाइटिस पर साइक्लोस्पोरिन के प्रभाव का मूल्यांकन, त्वचा विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. स्ट्रेस यूरिनरी असंयम वाली महिलाओं में दो शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं का तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

12. प्रीमिग्रेविडा महिलाओं के बीच सामान्य योनि प्रसव के दौरान पेरिनियल चोट और श्रोणि तल की शिथिलता पर 'रूटीन एपिसिओटॉमी' बनाम 'नो एपिसिओटॉमी' के परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षणः एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

13. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा में नए मार्गों को परिभाषित करने और नैदानिक परिणाम, पैथोलॉजी के साथ सहसंबद्ध करने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, पैथोलॉजी, डॉ. आर.पी. सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली

14. अग्रेसीव ऑक्युलर मैलिग्नेंसी में नए आणविक लक्ष्यों के रूप में एबर्रेंट लिपिड मेटाबोलिक पाथवे, पैथोलॉजी, डॉ. आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली

15. स्वस्थ व्यक्तियों में और डेफ़िनिट मेनिएर रोग और ओटोटॉक्सिसिटी के रोगियों में कोक्लियर बाहरी बाल कोशिका कार्यात्मक स्थिति के बायोमार्कर के रूप में प्रेस्टिन के आधारभूत सीरम स्तर तक पहुंचने के लिए चरणबद्ध पायलट अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
16. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में आहार सूजन सूचकांक पर भूमध्यसागरीय आहार बनाम कम वसा वाले आहार के भारतीय अनुकूलन का प्रभाव, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
17. मायलोमा रोगियों में बोर्टेज़ोमीब रक्त एकाग्रता और नैदानिक प्रतिक्रिया पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन करना, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया (एनसीईएआर-ए) के हिस्से के रूप में एनीमिया रिसर्च कंसोर्टियम, सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली
19. शिरापरक थ्रोम्बोम्बोलिक विकारों पर आईसीएमआर राष्ट्रीय रजिस्ट्री, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
20. लाहुल स्पीति जिले में रहने वाली 15-49 वर्ष की प्रजनन आयु वर्ग की आदिवासी महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता और कारण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
21. यूजी मेंटरशिप: कार्सिनोमा पित्ताशय के निदान में ट्यूमर मार्कर सीए-125, सीए-15-3, सीईए और सीए 19-9 की भूमिका का मूल्यांकन करना, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
22. गर्भावस्था में स्ट्रेस बायोमार्कर का मूल्यांकन और मातृ-भ्रूण परिणामों के साथ सहसंबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
23. दिल्ली की शहरी झुग्गी बस्ती में पोषक तत्वों के सेवन, एंथ्रोपोमेट्री और चयनित सीरम बायोमार्कर द्वारा गर्भवती महिलाओं की पोषण स्थिति का आकलन - एक समुदाय आधारित संभावित अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
24. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और एडिपोनेक्टिन का स्तर, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
25. गर्भावस्था के दौरान मातृ सीआरएच स्तर में क्रमिक परिवर्तनों का अध्ययन करना और प्रसव के अंतःस्रावी मध्यस्थ के रूप में इसकी भूमिका को परिणाम के साथ सहसंबंधित करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
26. सार्स-कोव-2 के खिलाफ एक रोगनिरोधी टीका विकसित करने के लिए इसके स्पाइक प्रोटीन सबयूनिट-1 (एस1) को माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी में शामिल करना और माउस मॉडल का उपयोग करके वायरस-विशिष्ट एंटीबॉडी और टीएच1 प्रकार की प्रतिरक्षा को प्रेरित करने के लिए इसका मूल्यांकन करना, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
27. गुर्दे के एलोग्राफ्ट रोगियों के बीच फॉक्सपी3, ओएक्स40, पीडी1 और टीआईएम-3 के पैटर्न और गुर्दे की चोट के जोखिम के साथ इसके सहसंबंध का अध्ययन करना, सर्जिकल अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

28. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ पीएमजेड-1620 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित, बहु-केंद्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर, चरण III नैदानिक अध्ययन, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

29. जीन अभिव्यक्ति, सिग्नलिंग पाथवे की सक्रियता और ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के बीच नैदानिक परिणाम के साथ इसका सहसंबंध, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली

30. नॉन-कैरियस ग्रीवा घावों से जुड़े कई सटे हुए जिंजीवल मंदी का उपचारः आयतन-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स के लिए संयोजी ऊतक ग्राफ्ट की तुलना आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

31. आब्स्ट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले वयस्कों के सीरम द्वारा मानव वेसक्यूलर एंडोथेलियल कोशिकाओं में नाभिकीय कारक कप्पा बी सक्रियण, हाइपोक्सिया प्रेरक कारक-1 और प्रेरक नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेस अभिव्यक्ति, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

32. रक्त-आधारित एमआईआरएनए 371-373 और एमआई302/367 की नैदानिक उपयोगिता का परीक्षण करने के लिए एक प्रारंभिक बायोमार्कर के रूप में जो रेट्रोपेरिटोनियल लिम्फ नोड विच्छेदन (आरपीएलएनडी) से लाभान्वित हो सकता है रोगी आधारित अध्ययन, यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

33. ओपिओइड निर्भरता के जोखिम और गंभीरता को निर्धारित करने में विशिष्ट न्यूक्लियोटाइड बहुरूपता (एसएनपी) की भूमिकाः एक मामला-नियंत्रण अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग और एनडीडीटीसी, एम्स, नई दिल्ली

34. वंशानुगत अस्थि मज्जा विफलता सिंड्रोम (आईबीएमएफएस) में प्रसारित एमआईआरएनए और आरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग की नैदानिक उपयोगिता की जांच करने के लिए एक पायलट अध्ययन, हेमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

35. कार्सिनोमा गाल ब्लाडर के निदान और पूर्वानुमान में ट्यूमर मार्कर सीए-242, सीईए और सीए 19-9 की भूमिका का मूल्यांकन करना, जीआई सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

36. आरसीसी में रिसेप्टर टायरोसिन कीनेस अवरोधकों के खिलाफ प्रतिरोध का पता लगाने के लिए मोलिक्युलर विश्लेषण, यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

37. सामान्य अवसादरोधी चिकित्सा के खिलाफ उत्तरदाताओं बनाम गैर-उत्तरदाताओं की भविष्यवाणी करने के लिए कम्प्रेहेंसिव जीनोमिक अप्रोच, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

38. पोस्ट-ट्रॉमेटिक सेप्सिस और सेप्टिक शॉक में प्रो-इंफ्लेमेटरी और एंटी-इंफ्लेमेटरी साइटोकिन जीन का एपिजेनेटिक विनियमन-सेप्सिस-3 वर्गीकरण द्वारा परिभाषित प्रमुख आघात रोगियों में एक अन्वेषणात्मक अध्ययन, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली

39. ट्रॉमा आईसीयू में भर्ती वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया वाले पॉलीट्रॉमा रोगियों में साइटोकिन्स आईएल17 और आईएल22 की भूमिका, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली

40. सेप्सिस में तीव्र गुर्दे की चोट के अनुमान हेतु एक बायोमार्कर के रूप में यूरिनरी नावल माइक्रोआरएनए, एनेस्थीसिया विभाग, एम्स, नई दिल्ली

41. एंडोमेट्रियल कैंसर की मोलिक्युलर विशेषता और क्लिनिकपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका सहसंबंध, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

42. महिला जननांग तपेदिक में एपिजेनेटिक्स की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

43. सेलियाक रोग में बायोमार्कर की खोज, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

44. सर्जिकल नियोनेट्स और शिशुओं में सीरम प्रोकाल्सिटोनिन स्तरों की प्रवृत्ति और ऑपरेशन के बाद की अवधि के दौरान घटनाओं के साथ इसके सहसंबंध का मूल्यांकन करने हेतु संभावित अध्ययन, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

45. रूट कैनाल विसंक्रमण हेतु उपयोग की जाने वाली इंट्राकैनल दवाओं की साइटोटॉक्सिसिटी और एपिकल पैपिला से स्टेम कोशिकाओं के प्रसार और विभेदन क्षमता पर उनका प्रभाव, सीडीईआर एम्स

46. इम्यूनोथेरेपी के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में प्रोस्टेट कैंसर के नए मोलिक्युलर उपप्रकारों की पहचान, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

47. प्रोस्टेट कैंसर में पीआई3के/एक्ट/एमटोर और एआर सिग्नलिंग पाथवे के एक नए नियामक के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करना, पैथोलॉजी विभाग एम्स, नई दिल्ली

48. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने के लिए भविष्यसूचक कारकों की पहचानः परिणामों में सुधार और वजन घटाने को बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, सर्जिकल अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

49. सिर और गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में सिंगल-सेल डेराईव्ड क्लोनल स्फेरॉइड्स का विकास, स्कूल ऑफ लाइफ साइंस, जेएनयू, नई दिल्ली

50. माइकोबैक्टीरियम इंडिकस प्रानी के साथ ट्यूमर एंटीजन टीआरपी-2 को एकीकृत करके एक नए कैंसर इम्यूनोथेरेपीटिक एजेंट का विकास और माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा-तंत्र का विश्लेषण, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली

51. प्रत्यारोपण विफलता में नेचरल किलर सेल की भूमिका की जांच करना और ताजा गैर-दाता आईवीएफ चक्रों में उन्नत गर्भाशय नेचरल किलर सेल्स वाली महिलाओं में इंट्रा लिपिड के प्रतिरक्षा मॉड्यूलेटरी प्रभावों का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

52. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित पलमोनरी उच्च रक्तचाप में अकेले बेनिडाइपिन का, और बोसेंटन तथा सिल्डेनाफिल के साथ संयोजन में प्रभाव, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में विभागीय परियोजनाएँ और सहयोगी परियोजनाएँ

वर्ष	जैव रसायन में विभागीय परियोजनाओं की कुल संख्या	जैव रसायन में सहयोगी परियोजनाओं की कुल संख्या
2020-21	47	57
2021-22	65	70
2022-23	65	55
Total	177	182

पूर्ण

1. मल्टीपल मायलोमा रोगियों में ब्लड कॉन्क और नैदानिक प्रतिक्रिया में बोरटेज़ोमिड पर सीवाईपी2सी19 बहुरूपता के प्रभाव का अध्ययन करना, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. जन्मजात यूरोपैथी के लिए आनुवंशिक प्रवृत्ति के संबंध में मूत्र में मोलिक्युलर मार्करों की विभेदक अभिव्यक्ति, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. यूरिनरी ब्लाडर कैंसर में एंटी-बी7एच4 थेरेपी का एक नया चिकित्सीय दृष्टिकोण, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. जीसीएफ में आरएएनकेएल का मूल्यांकन और कैनाइन रिट्रेक्शन के दौरान दांतों की गति की दर निम्न स्तर की लेजर थेरेपी से सहायता - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दन्त शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. एंटीफंगल थेरेपी के साथ ओरल ल्यूकोप्लाकिया में कैंडिडा और प्रोइनफ्लेमेटरी साइटोकिन्स और केमोकिन्स के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली
6. मेटास्टैटिक क्लियर सेल आरसीसी वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की रोगसूचक भूमिका, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. बायोमार्कर के रूप में सीरम ओटोलिन-1 का मूल्यांकन और बेनाइन पैरोक्सिस्मल पोजीशनल वर्टिगो रोगियों में सीरम विटामिन-डी के स्तर का महत्व, एम्स, नई दिल्ली
8. ईएचपीवीओ के रोगियों में सीरम हेपेटोट्रॉफिक कारकों, सीरम अमोनिया के स्तर और जीवन की गुणवत्ता की रूपरेखा, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
9. वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर की भूमिका - आवर्तक श्वसन पैपिलोमाटोसिस के प्रबंधन में, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी विभाग (ईएनटी), एम्स, नई दिल्ली
10. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि ट्यूमर के प्रीऑपरेटिव निदान में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पोटी की भूमिका: एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. दो या दो से अधिक विफल महिलाओं में प्रत्यारोपण दर पर इंट्रालिपिड सप्लीमेंटेशन के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए उन्नत नेचरल किलर सेल स्तरों के साथ इन विट्रो फर्टिलाइजेशन - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एम्स, नई दिल्ली

12. रूमेटॉइड आर्थराइटिस में एपिजेनेटिक प्रोफाइल पर योग और ध्यान का प्रभाव, शरीररचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
13. संज्ञानात्मक हानि के लिए बायोमार्कर के रूप में पुराने विषय-व्यक्तियों में नवीन प्रोटीन का अनुमान, वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
14. वृद्ध भारतीयों में एक कार्बन मेटाबोलिज़म और संज्ञानात्मक हानि, वृद्धावस्था चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
15. ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस रोगियों के इलाज में कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स में ल्यूकोट्रिएन ए 4 हाइड्रॉलेज़ जीन पॉलीमॉर्फिज्म और नैदानिक परिणाम की भूमिका सहसंबद्ध, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
16. ओवेरीयन कैंसर में डीएनए मिथाइलेशन के साथ सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और सहसंबंध में पी. ए. आर. पी. 1 और γ-ग्लूटामाइल्सिस्टीन सिंथेटेज अवरोधक की भूमिका, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
17. एक्यूट इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ पीएमजेड-1620 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित, बहु-केंद्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर, चरण III नैदानिक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. डायरेक्ट लोडिंग के दौरान ऑर्थोडॉन्टिक मिनी-इम्प्लांट्स के आसपास इंटरल्यूकिन-1βeta का स्तर - एक सिंगल-सेंटर, स्प्लिट माउथ, समानांतर समूह संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
19. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित पलमोनरी उच्च रक्तचाप में अकेले बेनिडाइपिन का, और बोसेंटन तथा सिल्डेनाफिल के साथ संयोजन में प्रभाव, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
20. भारतीय विषय-व्यक्तियों के बीच केराटोकोनस (केसी) के मोलएक्यूलर तंत्र की जांच करना, आरपी सेंटर फॉर ऑप्थेलमिक साइंसेज, एम्स, नई दिल्ली
21. गंभीर देखभाल संबंधी बीमारियों वाले रोगियों में सम्पूर्ण आंत के माइक्रोबायोम और नैदानिक कोर्स पर प्रोबायोटिक्स के प्रभावों पर अध्ययन, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 69 सार: 18 पुस्तक में अध्याय: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	प्रकाशित शोध पत्रों की कुल संख्या	प्रकाशित सार की कुल संख्या	प्रकाशित अध्याय/पुस्तकों की कुल संख्या
2020-21	86	05	--
2021-22	79	08	02
2022-23	69	18	01

1. रोगी उपचार

पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार

1. नैदानिक जैवरसायन प्रयोगशाला

2020-21	2021-22	2022-23
941	997	914

2. **पोर्फिरीया परीक्षण**

विभाग में यह परीक्षण वर्ष 2020 से शुरू किया गया था

2020-21	2021-22	2022-23
78	123	87

क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री प्रयोगशाला अब वर्ष 2022 से संस्थान के एलआईएस और एचआईएस पर है। प्रयोगशाला की सीएलआईए प्रणाली पर 13 जांचें होती हैं और शेष **3** पोरफाइरिया-आधारित स्क्रीनिंग परीक्षण हैं।

गुणवत्ता नियंत्रण:

नियमित आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन योजना के अलावा, गुणवत्ता रिपोर्ट देने हेतु पिछले एक वर्ष से बाहरी गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूयूएएस) में सफल मासिक भागीदारी।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य सुब्रत सिन्हा को **प्रोफेसर आर नाथ ओरेशन अवार्ड** प्राप्त हुआ - पीजीआई चंडीगढ़, फ्रॉम बिहेवियर टू द सेल: लेसंस फ्रॉम फेमिलियल डिस्लेक्सिया। **अकादमियों और अन्य निकायों की उनकी फ़ेलोशिप** में जे सी बोस फ़ेलोशिप - 2017 -22 शामिल है जिसे 2026 तक बढ़ाया गया; भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो, उपाध्यक्ष 2020-22; भारतीय विज्ञान अकादमी के फेलो; भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के फेलो; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के फेलो और गुहा अनुसंधान सम्मेलन के सदस्य। संस्थान निकाय, शासी निकाय, स्थायी चयन समिति सहित **वैज्ञानिक और शैक्षणिक संस्थानों और गतिविधियों के लिए सलाहकार समितियों** में उनकी भूमिका; जिपमेर, पुडुचेरी (2019 -22) और एम्स पटना (2020 - 2022) - स्थायी चयन समिति के भी अध्यक्ष; शासी निकाय: आईएसीएस कोलकाता (2020 से आज तक); नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पैथोलॉजी, आईसीएमआर के एसएसी (2008 से अब तक, 2017 से अध्यक्ष); राजीव गांधी जैव प्रौद्योगिकी केंद्र की सोसायटी और वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) (2008 से आज तक) और वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों की समितियां। वह डीएसटी के संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल के अध्यक्ष (2014 से आज तक) और एसईआरबी स्टार अवार्ड्स (2021 से आज तक) के सदस्य रहे हैं। **भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद** में वे वैज्ञानिक सलाहकार समूह, बेसिक मेडिकल साइंसेज (2021 से आज तक) के अध्यक्ष रहे हैं; जैव रसायन, एलर्जी और इम्यूनोलॉजी आईसीएमआर के अध्यक्ष पीआरसी, (2014 से आज तक); अध्यक्ष, जीटीईएसी जीन थेरेपी मूल्यांकन और सलाहकार

समिति (2020 से आज तक); पीआरसी क्लिनिकल ओमिक्स (2021 से आज तक); पीआरसी, कोशिका एवं आणविक जीवविज्ञान, आईसीएमआर (2005 से अब तक); सदस्य, पीआरसी, ट्रांसलेशनल न्यूरोसाइंस विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर (2017 से आज तक) और सदस्य, नेशनल एपेक्स कमेटी, स्टेम सेल रिसर्च एंड थेरेपी, आईसीएमआर। **सीएसआईआर** में वह चिकित्सा विज्ञान के पीआरसी के अध्यक्ष (2020 से अब तक) रहे हैं।

आचार्य एसएस चौहान ने जैव रसायन विभाग में अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के अलावा जैव प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख के रूप में भी कार्य किया; संस्थान और बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय की प्रायोगिक पशु सुविधा के प्रभारी आचार्य (अगस्त 2022 तक); जैव सुरक्षा समिति, पशु आचार समिति और पीएचडी शिकायत समिति के अध्यक्ष; 23-26 नवंबर 2022 तक सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया की 48वीं वार्षिक बैठक एसीबीआईकॉन-2022 के वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष; केजीएमयू, लखनऊ, जिपमेर पांडिचेरी और यूपीएससी, जम्मू में संकाय के चयन/पदोन्नति और डीआरडीओ, नई दिल्ली में वैज्ञानिकों की पदोन्नति के विषय विशेषज्ञ; आईसीएमआर एमेरिटस वैज्ञानिक और अनुसंधान सहयोगी के चयन के लिए समिति में कार्य किया और इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के संपादकीय बोर्ड के सदस्य।

आचार्य कल्पना लूथरा द नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज इंडिया (एफएएमएस) की फेलो हैं; भारतीय **SARS-CoV**2 जीनोमिक कंसोर्टियम (**INSACOG)** की वैज्ञानिक और नैदानिक सलाहकार समिति (**SCAG)** की सदस्य; जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) में अनुवाद संबंधी गतिविधियों के लिए विशेषज्ञ समिति की सदस्य; सितंबर 2021 से 3 वर्षों के लिए राष्ट्रीय पशु जैव प्रौद्योगिकी संस्थान (**NIAB)** हैदराबाद के शासी निकाय की सदस्य; सन फार्मा साइंस फाउंडेशन साइंस स्कॉलर अवार्ड्स 2022-2024 के लिए जूरी की सदस्य; टीएचएसटीआई-जेएनयू शैक्षणिक समिति की सदस्य; इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; एनएमसी अधिनियम, एमओएचडब्ल्यू के तहत केंद्र सरकार को संदर्भित अपीलों से निपटने के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) समिति की सदस्य; 23/12/2020 से प्रभावी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी में संस्थागत आचार समिति की अध्यक्ष; 16/6/2022 से 15/07/2022 तक जैव प्रौद्योगिकी विभाग की कार्यवाहक प्रमुख और 20/6/2022 से 2/7/2022 तक जैव रसायन विभाग की कार्यवाहक प्रमुख; निम्नलिखित समितियों की अध्यक्ष: सामान्य सुविधा, सीसीआरएफ; सरल समिति एम्स, नई दिल्ली में सरल के प्रबंधन और संवर्धन के लिए तकनीकी समिति के गठन पर चर्चा करेगी; संस्थान दिवस समारोह और सामान्य सुविधा की सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति, सीसीआरएफ; एसईटी सुविधा में ई-लर्निंग सामग्री विकास के लिए उप-समिति; सदस्यता 2023 के नवीनीकरण के लिए प्रकाशकों द्वारा प्रदान किए गए पुस्तकालय संसाधनों के मूल्य निर्धारण पर अवलोकन प्रदान करने के लिए तकनीकी विशिष्टता मूल्यांकन समिति (टीएसईएस) की उप-समिति; निम्नलिखित समितियों की सदस्य: पुस्तकालय समिति; प्रायोगिक पशु कल्याण समिति, फ्लो साइटोमेट्री और बीएसएल सुविधा, सीसीआरएफ; एम्स, नई दिल्ली के मास्टर प्लान में अनुसंधान प्रोग्रामिंग उप-समिति; लैब-तकनीशियन/तकनीशियन/ओटी सहायक/तकनीकी सहायक/सामाजिक कार्यकर्ता/एमटीडब्ल्यू की भर्ती के लिए अनुसंधान अनुभाग चयन समिति;

निम्नलिखित के संचालन के लिए आंतरिक परीक्षक: जनवरी 2023 में आयोजित बायोकैमिस्ट्री में प्रथम एमबीबीएस विषय में अंतिम परीक्षा; ह्यूमन बायोकैमिस्ट्री (थ्योरी) पेपर-1 में बीएससी इन ऑपरेशन थिएटर टेक्नोलॉजी चरण-1 परीक्षा। जुलाई 2022; दिसंबर 2022 में आयोजित मेडिकल बायोकैमिस्ट्री में एमएससी, रुपये मूल्य की मशीनरी और उपकरण वस्तुओं की खरीद के लिए तकनीकी विशिष्टताओं और मूल्यांकन समिति (टीएसईसी) की सदस्य। बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक, एम्स नई दिल्ली के लिए 1.00 करोड़ रुपये या अधिक; अगस्त 2022 से 3 वर्षों के लिए स्वास्थ्य विभाग के लिए "मानव संसाधन विकास (एचआरडी) योजना" के तहत प्राप्त अनुसंधान प्रस्तावों/आवेदनों के मूल्यांकन के लिए तकनीकी मूल्यांकन समिति (टीईसी-1) की सदस्य; मई 2022 में फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी में प्रकाशित "वैक्सीन और चिकित्सीय एंटीबॉडी के लिए आक्रामक लक्ष्य के रूप में वायरल एपिटोप सतहों की जटिलता" शीर्षक वाली पांडुलिपि की संपादक; पशु आचार समिति की सदस्य; **Msphere** को प्रस्तुत पांडुलिपि की समीक्षक; विश्व इम्यूनोलॉजी दिवस, 29 अप्रैल 2022 पर बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "इम्यूनोलॉजी टू सेव लाइव्स" संगोष्ठी के लिए आयोजन समिति की सदस्य; डीबीटी के संक्रामक रोग जीवविज्ञान कार्यक्रम के लिए तकनीकी विशेषज्ञ समिति की सदस्य, अप्रैल 2022; एम्स, नई दिल्ली में केमिस्ट के पद के लिए विभागीय पदोन्नति समिति की सदस्य; रुपये के बीच अनुमानित लागत वाली वस्तुओं के लिए एम्स स्टोर खरीद समिति की सदस्य। 10 लाख रुपये और 1 करोड़ रुपये तक और प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट की समीक्षा करने के लिए प्रोजेक्ट समीक्षा समिति (बेसिक साइंस) की सदस्य।

आचार्य अल्पना शर्मा को 18 अक्टूबर 2022 को मनाए गए अनुसंधान दिवस पर 2020 के लिए बुनियादी विज्ञान श्रेणी में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार दूसरा पुरस्कार मिला; 18 अक्टूबर 2022 को मनाए गए अनुसंधान दिवस पर 2021 के लिए बेसिक साइंस श्रेणी में एम्स उत्कृष्टता ऑन्कोलॉजी बेसिक साइंसेज रिसर्च अवार्ड तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ; इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज लखनऊ द्वारा बुनियादी विज्ञान अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए आचार्य सोहेल अहमद पुरस्कार प्राप्त किया। वह 29 अप्रैल 2022 को एम्स, नई दिल्ली में विश्व इम्यूनोलॉजी दिवस पर आयोजित संगोष्ठी की मुख्य आयोजक हैं। पीडीएफ डॉ. शमीमा अख्तर को 10 सितंबर को ईएसआईसी, फरीदाबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (दिल्ली चैप्टर) के 7वें वार्षिक सम्मेलन **ISAR-DCCON** 2022 में यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड (बेसिक रिसर्च) से सम्मानित किया गया। पीएचडी छात्रा कोमल सागर को 10 सितंबर को ईएसआईसी, फरीदाबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस रिसर्च (दिल्ली चैप्टर) के 7वें वार्षिक सम्मेलन **ISAR-DCCON** 2022 में यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड (क्लिनिकल रिसर्च) से सम्मानित किया गया। एसआर डॉ. निधि गुप्ता को 28 अक्टूबर 2022 को बीबीसीआई, गुवाहाटी में कैंसर रिसर्च फाउंडेशन, भारत द्वारा स्वर्गीय मुंशी राम जैन कैंसर स्कॉलर पुरस्कार मिला। डॉ. निधि गुप्ता को एसजीआरएच, दिल्ली में 11वीं वार्षिक सीएमई में मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. निधि गुप्ता को एम्स, नई दिल्ली 2022 में आयोजित दूसरे एम्स अनुसंधान दिवस पर मौखिक प्रस्तुति में तीसरा पुरस्कार मिला। उन्हें जेएन मेडिकल कॉलेज, एएमयू, अलीगढ़ में अध्ययन बोर्ड के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नामांकित किया गया है; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली में अनुसंधान समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में

नामांकित; इहबास, दिल्ली और एम्स भुवनेश्वर में आचार्य पद के लिए विशेषज्ञ चयन समिति; जैव रसायन विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के लिए नोडल अधिकारी; एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति की सदस्य; एम्स में यूजी के लिए सदस्य शिक्षण अनुसूची समिति; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, बीएआरसी, एसीटीआरईसी मुंबई, कश्मीर यूनिवर्सिटी और केजीएमयू लखनऊ में पीएचडी थीसिस और मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एमएससी परीक्षा के लिए जिपमर पांडिचेरी और बाहरी परीक्षक की 2एमडी थीसिस की समीक्षा की गई; बैंगलोर में आईएबीएसकॉन और कटक में आईएसएसआरएफ सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; डीएनबी प्रश्न पत्र सेटिंग और परीक्षा मूल्यांकनकर्ता; वित्तीय अनुदान के लिए प्रस्तुत यूपीसीएसटी, आयुष और डीएसटी-एसईआरबी के अनुसंधान प्रस्तावों की समीक्षा की गई; अमेरिकन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च, यूएसए और इंट गाइनी कैंसर सोसाइटी, यूएसए के सक्रिय सदस्य; इंट जर्नल के संपादकीय बोर्ड के सदस्य: आणविक और सेलुलर बायोकैमिस्ट्री (स्प्रिंगर)।

आचार्य कुंजंग चोसडॉल को भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आईएनएसए), नई दिल्ली द्वारा आईएनएसए शिक्षक पुरस्कार (2022) प्राप्त हुआ; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (FAMS) 2022 के फेलो चुने गए; 18 मार्च 2023 को एनएएमएस, नई दिल्ली में सन फार्मा साइंस फाउंडेशन द्वारा आयोजित "सीआरआईएसपीआर एंड दि क्लिनिक: सो नियर येट सो फार" पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के सह-संयोजक

आचार्य सुदीप सेन: डॉ. वदान्या श्रीवास्तव (पीएचडी छात्र) ने आयोजन समिति द्वारा चयनित पोस्टर पुरस्कार श्रेणी में दूसरा पुरस्कार जीता। 24-26 नवंबर 2022 तक नई दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया के 48वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी पोस्टर प्रस्तुति के लिए ACBICON 2022। सुश्री स्वीटी रानी (एमएससी छात्रा) ने 18 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली, एम्स में दूसरे शोध दिवस पर पोस्टर के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र जीता। रानी एस, त्यागी एस, श्रीवास्तव वी, डे डी, सेन एस. इन विट्रो में ऑलिगोडेंड्रोसाइट भेदभाव के सेल-लाइन मॉडल में जेएके-एसटीएटी सेल सिग्नलिंग मार्ग की भागीदारी का आकलन।

डॉ. अर्चना सिंह । को इंडियन सोसाइटी ऑफ एथेरोस्क्लेरोसिस - दिल्ली चैप्टर की कार्यकारी सदस्य के रूप में चुना गया; नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क के जैव रसायन विभाग के लिए नोडल अधिकारी; नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क के लिए जैव रसायन मॉड्यूल के तहत रिकॉर्ड किए गए व्याख्यान; गैर-संचारी रोगों से संबंधित दक्षताओं पर ध्यान देने के साथ मौजूदा शिक्षण पाठ्यक्रम की समीक्षा के लिए सियर एनसीडी सेवा वितरण द्वारा स्थापित डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ संस्थागत नेटवर्क में विषय विशेषज्ञ। न्यूटन-भाभा प्लेसमेंट कार्यक्रम के तहत पीएचडी छात्र को फेलोशिप प्रदान की गई। सांत्वना पुरस्कार: टीएचएसटीआई फ़रीदाबाद में तीन दिवसीय संगोष्ठी "टीबी समाप्ति की ओर: उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और भविष्य की दिशाएँ" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए। दिल्ली एओआई सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार (सह-लेखक): एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया 2022।

डॉ. जयंत कुमार को एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड मिला: ऑन्कोलॉजी बेसिक साइंस रिसर्च में प्रथम पुरस्कार (अक्टूबर 2022)। पूर्ण पेटेंट संख्या 202211003978 दिसंबर 2022 में दायर किया गया;

आविष्कारक: डॉ. जानवी मन्हास, डॉ. सुदीप सेन, डॉ. जयंत कुमार पलानीचामी, डॉ. अर्चना सिंह; आईसीएमआर के माध्यम से दायर: ट्यूमर सप्रेसर कैंडिडेट 1 (**TUSC**1) की अभिव्यक्ति को संशोधित करके कोशिकाओं के चयापचय पुन: प्रोग्रामिंग के लिए संरचनाएं।

डॉ. अशोक शर्मा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र की परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरण सुविधा (एसएआईएफ) की सुविधा निगरानी समिति के विशेषज्ञ सदस्य हैं; "इनोवेटिव ट्रांसलेशनल रिसर्च (आईटीआर) डिवीजन" - आईसीएमआर, भारत की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; भारत सरकार के डीएसटी-एसईआरबी की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; भारत सरकार की डीबीटी की परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य। **संपादकीय और समीक्षा कार्य** में वह ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; कैंसर विज्ञान और कोशिका जीव विज्ञान के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटीग्रेटिव साइंसेज, इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी (**IJIIT**) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; इम्यूनोएपिजेनेटिक्स पर विशेष अंक के लिए अतिथि संपादक: ट्यूमर निर्देशित थेरेपी के लिए एक भविष्य प्रहरी, जर्नल ऑफ ऑन्कोलॉजी, हिंदवी। वह **इनके लिए समीक्षक** हैं: पीएलओएस ओएनई, पीएलओएस जेनेटिक्स, पीएलओएस बायोलॉजी, बीएमसी कैंसर, साइंटिफिक रिपोर्ट, फ्रंटियर्स इन न्यूरोलॉजी; कार्सिनोजेनेसिस- ऑक्सफोर्ड जर्नल्स; प्रयोगशाला जांच- प्रकृति और आणविक जैव प्रौद्योगिकी, आणविक और सेलुलर जैव रसायन- स्प्रिंगर, आणविक रिपोर्ट

डॉ. प्रज्ञान आचार्य को 2022 इंडियन नेशनल एसोसिएशन ऑफ द स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएएसएल): लीवर रोगों में सर्वश्रेष्ठ मूल शोध के लिए पूर्ण सत्र पुरस्कार (प्रथम पुरस्कार) मिला। 2022 आईआईटी-जोधपुर द्वारा आमंत्रित अतिथि व्याख्याता ने बायोइंजीनियरिंग और बायोसाइंसेज विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलॉमिक्स पर 18-व्याख्यान मॉड्यूल सिखाया।

डॉ. रियाज़ अहमद मीर: महाइवोन शादांग, पीएचडी छात्र को पीएचडी श्रेणी में **'प्रशंसा प्रमाणपत्र'** से सम्मानित किया गया; संपादक: जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल पैथोलॉजी एंड लेबोरेटरी मेडिसिन; समीक्षा संपादक फ्रंटियर्स इन ऑन्कोलॉजी; जैव रसायन विभाग की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सहायक नोडल अधिकारी; अग्नि सुरक्षा जैव रसायन विभाग के लिए नोडल अधिकारी; बायोकैमिस्ट्री हिंदू राव सेडिकल कॉलेज (आईपी) के बाहरी परीक्षक विभाग; एमएससी थीसिस मूल्यांकन एम्स ऋषिकेश; 48वें एबिकॉन में सत्र की अध्यक्षता, 24-26 नवंबर 2022, नई दिल्ली।

डॉ. राखी यादव ने नवंबर 2022 में बेंगलुरु में एएमबीआई के 29वें राष्ट्रीय सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की और मार्च 2023 में जेएनयू दिल्ली में माइटोकॉन्ड्रियल रोग सम्मेलन में पोस्टर सत्र का मूल्यांकन किया। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से 3 एमडी बायोकैमिस्ट्री थीसिस का मूल्यांकन भी किया है। हमारे विभाग में क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री लैब के सह-प्रभारी होने के नाते, हमारे सीएलआईए आधारित परीक्षणों की ऑनलाइन रिपोर्टिंग प्रणाली एम्स दिल्ली के एलआईएस के साथ सफलतापूर्वक स्थापित की गई है।

डॉ. प्रमोद कुमार गौतम विभागीय खरीद, विनिर्देश तैयार करने, एसपीसी बैठकों में भाग लेने में सक्रिय रूप से शामिल रहे और विभाग में सहायक स्टोर प्रभारी के रूप में कार्य किया; पीएच.डी. पाठ्यक्रम

कार्य प्रभारी के रूप में कार्य किया। विभाग के नए शामिल एमएससी, पीएचडी और एमडी छात्रों के लिए (केंद्रीय उपकरण सुविधा, जैव रसायन विभाग) प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल; माइटोकॉन्ड्रिया, कोशिका मृत्यु और मानव रोगों पर सम्मेलन में जेएनयू में अलगाव और न्यायाधीश पोस्टर की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया; वैज्ञानिक, जेआरएफ, एसआरएफ और परियोजना स्टाफ के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में शामिल

डॉ. सिद्धार्थ कुंडू ने एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड (2021) प्राप्त किया।

अतिथि वैज्ञानिक:

निम्नलिखित वैज्ञानिकों ने विभाग का दौरा किया और वार्ता की:

1. डॉ. टी.एन. विवेक- वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान और आचार्य, विज्ञान संकाय, वैज्ञानिक और नवीन अनुसंधान अकादमी (एसीएसआईआर), **26** अगस्त, **2022**
2. डॉ. अमित सिंह- आचार्य, माइक्रोबायोलॉजी और सेल बायोलॉजी विभाग, आईआईएससी बैंगलोर, **26** नवंबर, **2022**

विभाग अतिथि व्याख्यान श्रृंखला के भाग के रूप में-

3. डॉ. शिवप्रकाश रामलिंगम, प्रधान वैज्ञानिक, सीएसआईआर-आईजीआईबी, **24** फरवरी **2023**।
4. आचार्य पवन धर, स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, **31** मार्च **2023**।

9.4 जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग

आचार्य एवं अध्यक्ष

नरेश भटनागर

सह-आचार्य

नीतू सिंह	अमित मेहंदीरत्ता	संदीप झा
दिनेश कल्याणसुंदरम	अनूप सिंह	दीपक जोशी
जयंत भट्टाचार्य	अर्नब चंदा	बिस्वरूप मुखर्जी
सचिन कुमार बी	दीपक के अग्रवाल	दीपक के अग्रवाल
प्रदीबा श्रीदर	नवीन के सिंह	

प्रेरक संकाय

परवेज़ अहमद शेख

प्रतिष्ठित आचार्य

हरपाल सिंह	वीना कौल	के. के. दीपक

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग (जिसे सीबीएमई के नाम से भी जाना जाता है, आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग केंद्र) में अब 18 संकाय (चौदह स्थायी संकाय सदस्य, एक प्रेरक संकाय सदस्य, दो प्रतिष्ठित आचार्य एवं एक अतिथि आचार्य) हैं।

विशिष्टताएं

जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग विभाग की स्थापना 1971 में एम्स, नई दिल्ली तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। विभाग ने चिकित्सा और जैविक समस्याओं के समाधान के लिए इंजीनियरिंग सिद्धांतों को लागू किया है। विभाग के पास भारत के प्रमुख संस्थानों एवं अस्पतालों के साथ सहयोगी परियोजनाएं हैं।

विभाग का दृष्टिकोण ज्ञान के प्रसार एवं निदान के लिए तकनीकों, उपकरणों तथा पद्धतियों के विकास, उपचार प्रतिक्रियाओं का फॉलो-अप, दवा वितरण एवं रोग उपचार में मदद करना है। विभाग के संकाय निम्नलिखित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुसंधान के प्रति समर्पित हैं:

- बायोमैटिरियल्स
- बायोइंस्ट्रमेंटेशन
- जैवयांत्रिकी
- मेडिकल इमेजिंग
- चिकित्सा प्रत्यारोपण

पिछले वर्ष में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताओं एवं मान्यताओं का उल्लेख किया जाना चाहिए:

1.1 सीबीएमई तथा एनसीआई किफायती एवं सुलभ कैंसर उपचार की दिशा में सहयोग करेंगे

दैनिक भास्कर झज्जर भास्कर 21-11-2022

दिल्ली एम्स के बाद झज्जर एनसीआई पहला संस्थान, जहां आईटीआई के वैज्ञानिक और डॉक्टर ने मिलकर कैंसर से जंग लड़ने की रणनीति बनाई

आईआईटी के इंजीनियर और एनसीआई के वैज्ञानिक मिलकर करेंगे कैंसर के इलाज को सस्ता और सुलभ बनाने पर रिसर्च

देवेंद्र शुक्ला | झज्जर

देश के सबसे बड़े और पहले सरकारी संस्थान नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट (एनसीआई) में आने वाले कैंसर के मरीजों को और बेहतर सुविधा मिलेगी। क्योंकि कैंसर से जुड़ी विभिन्न खोजों को उपचार के माध्यम से सरल बनाने का कार्य अब आईआईटी दिल्ली और एम्स से जुड़े वैज्ञानिक मिलकर करेंगे। इसके लिए पहली बार एनसीआई में दोनों संस्थानों का एक वैज्ञानिक मेला लगाया गया। इसमें दोनों ही कैंपस के अलग-अलग डिपार्टमेंट में काम करने वाले वैज्ञानिकों ने अपने अपने ग्रुप बनाकर कैंसर संबंधी रिसर्च करने के लिए अपनी रजामंदी लिखित रूप में जारी की।

दिल्ली आईआईटी में मैकेनिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के एचओडी डॉ. नरेश भटनागर की अगुवाई में आईआईटी दिल्ली के 15 इंजीनियर वैज्ञानिक यहां एनसीआई में मौजूद रहे। वहीं, एनसीआई से इतनी संख्या में वैज्ञानिक यहां के रिसर्च कोऑर्डिनेटर डॉ. एसवीएस देव के नेतृत्व में शामिल हुए। इस दौरान दोनों संस्था संस्थानों से जुड़े वैज्ञानिकों ने अपनी-अपनी रिसर्च प्रेजेंटेशन के जरिए पेश की। आईआईटी से आए वैज्ञानिकों की रिसर्च कैंसर रोगियों के उपचार में किस तरीके से कारगर हो सकती है। वे एनसीआई के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर किस तरीके से इस रिसर्च को कामयाब कर सकते हैं। इसको लेकर मंथन किया।

पहली बार एनसीआई में दोनों संस्थानों का वैज्ञानिक मेला लगा, इसमें रिसर्च करने के लिए रजामंदी दी

एनसीआई की हेड प्रोफेसर सुषमा भटनागर ने बताया कि वैज्ञानिक मेले में कैंसर से जुड़े विभिन्न बीमारियों उनके कारणों और रोकथाम करने संबंधी चर्चा वैज्ञानिकों ने आपस में की। साथ ही यह तय किया कि अगर एनसीआई का कोई वैज्ञानिक कैंसर से जुड़ी किसी बीमारी पर रिसर्च कर रहा है। उसे बायो मेडिकल इंजीनियरिंग के वैज्ञानिक के साथ मिलकर और पुख्ता बनाया जा सकता है। तब इसी तरीके के कई रिसर्च को लेकर दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिकों की आपस में टीम बनाई गई। इस टीम ने तुरंत प्रभाव से रिसर्च कार्य करने की भी सहमति आपस में दी। इस मौके पर एम्स सरिता विहार में आयुर्वेदिक संस्थान की डायरेक्टर डॉ. तनुजा नेसरी भी मौजूद रहीं।

झज्जर एनसीआई में आईआईटी दिल्ली कैंपस और एम्स से जुड़े वैज्ञानिक आपस में मंथन करते हुए।

कैंसर से जुड़े इन पहलुओं पर करेंगे रिसर्च

एनसीआई में दिल्ली आईआईटी और एम्स जुड़े वैज्ञानिकों ने संयुक्त मीटिंग में कई फैसले लिए। इसके जरिए दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिकों ने अपने-अपने रिसर्च के विषय को लेकर एक संयुक्त टीम बनाई। इसके जरिए रेडिएशन प्रोडक्शन इम्युनोथैरेपी वैक्सीन अर्ली डिटेक्शन क्लीनिकल ट्रायल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बायोमेडिकल डेवलपमेंट से जुड़ी रिसर्च साथ मिलकर करने का संकल्प लिया। साथ ही कैंसर से जुड़ी मेडिसन को आम लोगों के लिए किस तरीके से सस्ती बनाई जाए इसको लेकर भी दोनों ही संस्थानों के वैज्ञानिकों ने आपस में रिसर्च करने की सहमति दी।

झज्जर में रिसर्च के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय जारी कर चुका 100 करोड़

कार्यक्रम में मौजूद रिसर्च कोऑर्डिनेटर डॉ. एसवीएस देव ने सभी को जानकारी दी कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय झज्जर के नेशनल कैंसर इंस्टिट्यूट में कैंसर संबंधी रिसर्च संबंधी कार्यों के लिए इसी साल 100 करोड़ रुपए का बजट तय कर चुका है। इसकी पहली किस्त 40 करोड़ रुपए मंजूर कर लिए हैं। इस डीबीटी प्रोग्राम के इंचार्ज और दिल्ली एम्स के ईएनटी विभाग के हेड डॉ. आलोक ठक्कर बनाए गए हैं, जबकि एनसीआई में पीआई का काम डॉ. अशोक शर्मा देखेंगे। एनसीआई में मेडिकल ब्लॉक के अलावा, रिसर्च ब्लॉक भी पहले से ही बनकर तैयार कर लिया था। अब दिल्ली आईआईटी के साइंटिस्ट और एम्स से जुड़े साइंटिस्ट्स की जो संयुक्त मीटिंग कुछ दिन पहले हुई थी। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही कि एनसीआई के रिसर्च ब्लॉक में चहल पहल बढ़ जाएगी। यह लैब बनाकर महंगी मशीनों को स्टाल भी किया जाएगा।

1.2 आईआईटी दिल्ली-झज्जर कैंपस को सीबीएमई के नेतृत्व में स्वास्थ्य उपचार प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक अत्याधुनिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जाएगा।

indianexpress.com/article/education/iit-delhi-extension-campus-to-be-set-up-in-jhajjar-district-will-be-countrys-first-centre-for-precision...

Home Subscribe Explained Politics Cities Opinion Entertainment Investigations Lifestyle Tech Sports Premium SUBSCRIBE Sign in

Payroll
implify
r payroll
ith Zoho

IIT-Delhi extension campus to be set up in Jhajjar district, will be country's first centre for precision medicine

Haryana CM Manohar Lal Khattar on Sunday said that an extension campus of IIT Delhi will be set up on a 50-acre land of Badsa village of Jhajjar district.

Pay
Simplify
your payr
with Zoh

2. आचार्य नीतू सिंह ने जानकी अम्माल-राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक पुरस्कार जीता

3. सुश्री ऐनी ट्राइफोसा कामथम को आईईईई आईएमएस ग्रेजुएट फेलोशिप अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया

4. आचार्य अमित मेहंदीरत्ता ने ऑस्ट्रेलिया के माननीय प्रधान मंत्री के समक्ष रोबोटिक एक्सोस्केलेटन का प्रदर्शन किया

5. आचार्य सचिन कुमार बी को "बायोफैब्रिकेशन" पाठ्यक्रम के लिए शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

6. आचार्य संदीप के झा के इंडो-यूएस प्रोजेक्ट पर आईयूएसएसटीएफ द्वारा प्रकाश डाला गया
7. आईआईटी दिल्ली-सोरबोन विश्वविद्यालय कार्यशाला का आयोजन सीबीएमई में किया गया
8. आचार्य अर्नब चंदा को एओ स्पाइन नेशनल रिसर्च ग्रांट 2022-23 से सम्मानित किया गया
9. सीबीएमई छात्रों ने एनएसआरसी 2023 में "सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार" जीता
10. नए संकाय सदस्यों की अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए एम्स में निर्माण पहल लागू की गई है।

शिक्षा

अनुसंधान के अलावा, विभाग शिक्षण से भी जुड़ा हुआ है जहां आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग से संबंधित पीजी, यूजी और प्री-पीएचडी पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है। वर्तमान में विभाग के संकाय सदस्यों द्वारा 58 पीएचडी छात्रों एवं 7 एमटेक छात्रों का पर्यवेक्षण किया जा रहा है। पिछले वर्ष ग्यारह पीएचडी छात्रों और 9 एमटेक छात्रों ने स्नातक किया।

आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग में पीएचडी कार्यक्रम

पीएचडी कार्यक्रम में प्रवेश आमतौर पर जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग केंद्र (सीबीएमई) द्वारा अपनी सेंटर रिसर्च कमेटी (सीआरसी) के माध्यम से आयोजित योग्य उम्मीदवारों के साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है। सर्वोत्तम उपयुक्त उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग के लिए सीआरसी एक लिखित परीक्षा, या कई साक्षात्कार, या परीक्षण के अन्य तरीकों का आयोजन करने का निर्णय ले सकता है। हर साल पहले सेमेस्टर के लिए मार्च में और दूसरे सेमेस्टर के लिए अक्टूबर में आईआईटी-दिल्ली वेब पोर्टल पर विज्ञापन देकर उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। वर्तमान में विभाग में 58 पंजीकृत पीएचडी छात्र कार्यरत हैं। इस वर्ष 11 विद्यार्थियों को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई।

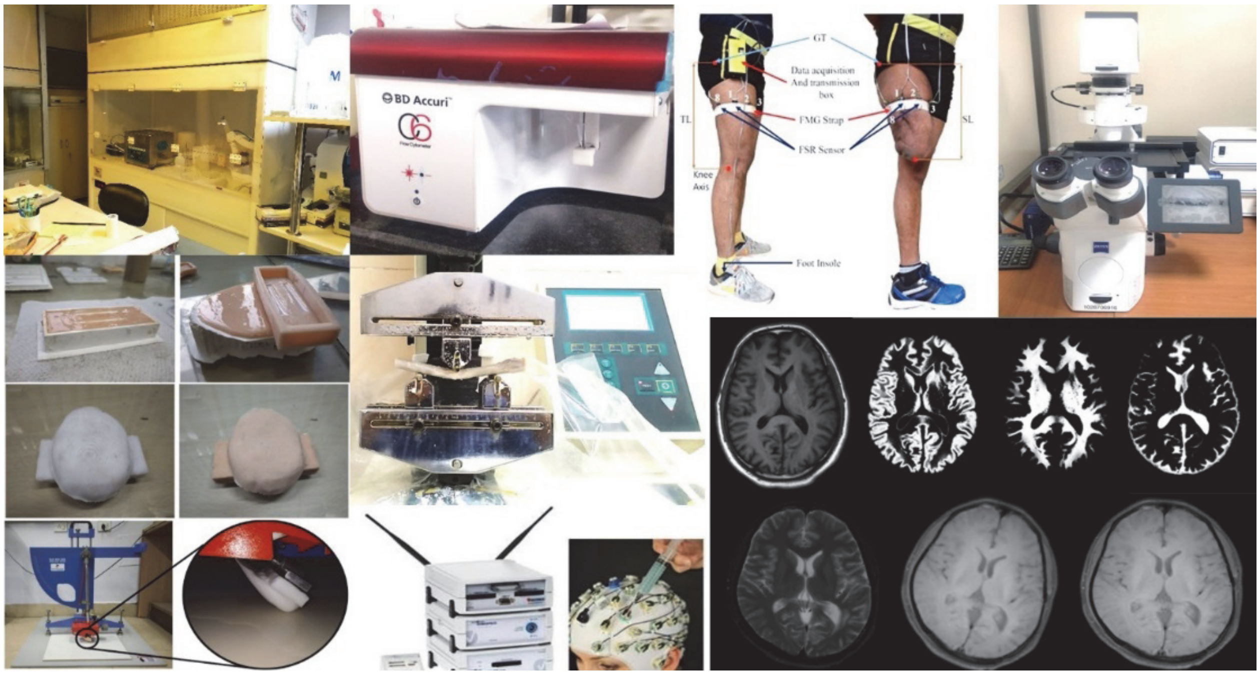

आईआईटी दिल्ली में जैव आयुर्विज्ञान इंजीनियरिंग में एमटेक कार्यक्रम

Highest Package @ 51 Lacs

***Average Package of 2020-22 @ 11.5 Lacs**

IQVIA

UIC

PHILIPS Healthcare

tsmc

kinapse

Carnegie Mellon University

tcs | TATA CONSULTANCY SERVICES

GEORGE MASON UNIVERSITY

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1 मात्रात्मक मल्टी-पैरामीट्रिक एमआरआई के लिए कार्यप्रणाली का विकास और ब्रेन ट्यूमर के वर्गीकरण और उपचार फॉलो-अप में मशीन लर्निंग के साथ-साथ इसकी क्षमता का मूल्यांकन, प्रो. अनुप सिंह, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, 30 लाख

2 रोधक क्षरण का पता लगाने और वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणाली का विकास एवं मूल्यांकन, डॉ. अमृता चावला, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, 59 लाख

3 मजबूत और किफायती ऑडियोलॉजिकल परीक्षण साउंड4ऑल के लिए हाई एंड ऑडियोमेट्रिक उपकरणों की री-इंजीनियरिंग - चरण 2, प्रो. दिनेश कल्याणसुंदरम, इंडो-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, 3 वर्ष, 2021-24, 55 लाख

4 मेडटेक उत्पाद विकास एक्सेलेरेशन गेटवे ऑफ इंडिया, प्रो. दिनेश कल्याणसुंदरम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 700 लाख

5 स्कोलियोसिस रोगियों के लिए चुंबकीय वृद्धि रॉड का विकास", प्रो. दिनेश कल्याणसुंदरम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 51 लाख

6 पार्किंसंस और सेरेब्रल एटैक्सिया रोगियों में चाल बहाली के दौरान मात्रात्मक मूल्यांकन और पुनर्प्राप्ति भविष्यवाणी के लिए एक पहनने योग्य प्रणाली", आचार्य दिनेश कल्याणसुंदरम, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 47 लाख

7 जैव आयुर्विज्ञान कंपोजिट के लिए फैलाव कोटिंग और प्रीफॉर्मिंग डिवाइस का विकास", प्रो. दिनेश कल्याणसुंदरम, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 54 लाख

8 जलने की चोटों और आघात उपचार के लिए कृत्रिम त्वचा (जैव-प्रेरित द्वि-परत पॉलिमरिक हाइब्रिड स्कैफोल्ड), आचार्य वीना कौल, इंप्रिंट इंडिया, एमएचआरडी तथा एमओएच, 3 वर्ष, 2020-24, 221 लाख

9 कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए एमयूसी1 स्पंदित डीसी-व्युत्पन्न एक्सोसोम, प्रो. जयंत भट्टाचार्य, DBT, 3 वर्ष, 2021-24, 63 लाख

10 डेंगू वायरस के खिलाफ इंजीनियर्ड डेंड्राइटिक-सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की एंटीवायरल प्रभावशीलता की जांच करते हुए, प्रो. जयंत भट्टाचार्य, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 32 लाख

11 सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन डिसेबिलिटी एंड असिस्टेंट टेक्नोलॉजी (केयर-डीएटी), और आचार्य एमवी पद्मा श्रीवास्तव (न्यूरोलॉजी), आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2020-25, 500 लाख

12 कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग का उपयोग करके सारकोमा में फुफ्फुसीय नोड्यूल की घातक क्षमता का पता लगाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मॉडल विकसित करना एवं इसका संभावित सत्यापन; मल्टी-इंस्टीट्यूशनल फैकल्टी इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च प्रपोजल

(एमआईएफआईआरपी), प्रो. अमित मेहंदीरत्ता, आईआईटी दिल्ली-एम्स, 2 साल, 2021-23, 20 लाख

13 एम्स के साथ संयुक्त रूप से सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन डिसेबिलिटी एंड असिस्टिव टेक्नोलॉजी (केयर-डीएटी), प्रो. अमित मेहंदीरत्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2021-26, 255 लाख

14 मल्टी-पैरामीट्रिक एमआर इमेजिंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके लिम्फोमा में ऑन्कोलॉजिकल रिस्पांस मूल्यांकन, आचार्य अमित मेहंदीरत्ता, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-23, 22 लाख

15 सोनो न्यूरो: बायोमेक्ट्रोनिक नियंत्रण के लिए एक मल्टीमॉडल इलेक्ट्रोमायोग्राफी-सोनोमायोग्राफी आधारित तकनीक, प्रो. बिस्वरूप मुखर्जी, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-24, 48 लाख

16 गृह मित्र: एक स्मार्ट, एकीकृत, बहु-पैरामीटर, घरेलू स्वास्थ्य निगरानी प्रणाली का विकास, प्रो. बिस्वरूप मुखर्जी, स्पेरंडस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-24, 50 लाख

17 पारंपरिक गैर-इनवेसिव पल्प जीवन शक्ति परीक्षण विधियों के विकल्प के रूप में एक वस्तुनिष्ठ बायोइम्पेडेंस आधारित गैर-इनवेसिव पल्प जीवन शक्ति परीक्षण उपकरण का विकास, प्रो. बिस्वरूप मुखर्जी, आईआरडी, आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-23, 5 लाख

18 सोनोमायोग्राफी-आधारित मांसपेशी गतिविधि संवेदन और बायोनिक उपकरणों का नियंत्रण, प्रो. बिस्वरूप मुखर्जी, आईईईई इंस्ट्रुमेंटेशन एंड मेजरमेंट सोसाइटी, 2 वर्ष, 2021-23, 12 लाख

19 घाव भरने के अनुप्रयोग के लिए सस्ती नैनोसंरचित बायोमटेरियल इंजीनियरिंग, प्रो. सचिन कुमार बी, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-24, 31 लाख

20 कार्टिलेज पुनर्जनन के लिए ऑक्सीजन रिलीजिंग बायोएनर्जेटिक इंजेक्टेबल जेल, आचार्य सचिन कुमार बी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 141 लाख

21 अल्ट्रा-हाई आणविक भार पॉलीओलेफ़िन से लागत प्रभावी स्मार्ट विनिर्माण सहायता प्राप्त कृत्रिम यांत्रिक हृदय वाल्व का विकास, आचार्य सचिन कुमार बी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 50 लाख

22 नियतात्मक और स्टोकेस्टिक सेटिंग्स में तीन-बॉडी बाइंडिंग रासायनिक प्रतिक्रिया नेटवर्क का अध्ययन, आचार्य दीपक के अग्रवाल, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-24, 66 लाख

23 न्यूरोसर्जरी चिकित्सा उपकरणों पर उत्कृष्टता केंद्र (सीओई), प्रो. दीपक जोशी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24,

24 मेडटेक इनोवेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का विस्तार और स्केल-अप: स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिज़ाइन (एसआईबी): चरण-V, प्रो. दीपक जोशी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-24,

25 स्ट्रोक के रोगियों में निगल-ग्राफी के लिए पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, आचार्य दीपक जोशी, आचार्य अवध पंडित (न्यूरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली), एम्स- आईआईटी दिल्ली, 2 साल, 2021-23, 10 लाख

26 कैंसर की प्रगति में स्थानीय सूक्ष्मपर्यावरण परिवर्तनों की नकल करने और समझने के लिए एक 3डी गोलाकार मंच का विकास", प्रो. नीतू सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-24, 26 लाख

27 सिरोसिस रोगियों में सेप्सिस का पता लगाने के लिए मल्टी-पैरामीटर चिप्स का विकास, प्रो. नीतू सिंह, डीएसटी-बीडीटीडी, 3 वर्ष, 2021-24, 133 लाख

28 कोशिका झिल्ली व्युत्पन्न पुटिकाएँ: संयुक्त चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए एक नई पीढ़ी के नैनोकैरियर, प्रो. नीतू सिंह, एसईआरबी पावर फ़ेलोशिप, 3 वर्ष, 2021-23, 38 लाख

29 सिरोसिस रोगियों में सेप्सिस का पता लगाने के लिए मल्टी-पैरामीटर चिप्स का विकास", प्रो. नीतू सिंह, बी फ्लो स्पकैन, 2 वर्ष, 2022-24, 28 लाख

30 ऑर्गेनो-मिमेटिक माइक्रोफ्लुइडिक कल्चर प्लेटफॉर्म", प्रो. नीतू सिंह, ट्रांसलुमिना थेरेप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-24, 55 लाख

31 पोर्टेबल स्लिप और फ़ॉल प्रिवेंशन डिवाइस, प्रो. अर्नब चंदा, फ़ायर, 3 वर्ष, 2021-24, 50 लाख

कुल फंडिंग 6152 लाख

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 86 **सार: 01** **पुस्तकों में अध्याय: 03**

महत्वपूर्ण घटनाएँ/पुरस्कार

शैक्षिक बाहय एवं अन्य गतिविधियाँ

1. ***सीबीएमई और एनसीआई किफायती और सुलभ कैंसर उपचार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सहयोग करने हेतु***

   आचार्य नरेश भटनागर (केंद्र प्रमुख) के नेतृत्व में सीबीएमई संकाय सदस्यों ने किफायती कैंसर उपचार, निदान और उपचार के क्षेत्रों में सहयोग के तरीकों और दीर्घकालिक अनुसंधान के अवसरों पर चर्चा करने के लिए झज्जर, हरियाणा में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दौरा किया। झज्जर में आईआईटी दिल्ली के जैव आयुर्विज्ञान और बायोटेक्नोलॉजी केंद्रित सैटेलाइट परिसर की स्थापना की दिशा में चल रहे प्रयासों के मद्देनजर यह यात्रा विशेष रूप से महत्वपूर्ण थी।

2. ***आईसीएमआर-मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय के तहत आईआईटी दिल्ली में वन स्टॉप मेडटेक टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट सुविधा, एमप्रगति का अनावरण किया गया।***

   भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) ने आईआईटी दिल्ली में दिनांक 24 जून 2022 को औपचारिक रूप से मेडटेक प्रोडक्ट इग्निशन एंड एक्सेलेरेशन गेटवे ऑफ इंडिया (एमप्रगति) का अनावरण किया, जो आईसीएमआर-मेडिकल डिवाइस और डायग्नोस्टिक्स मिशन सचिवालय के तहत चिकित्सा प्रौद्योगिकी विकास के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र है।

   आईआईटी दिल्ली में एम-प्रगति, जो पीएम-आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत आईसीएमआर और डीएचआर द्वारा प्रायोजित है जो टीआरएल 3 (अवधारणा का प्रमाण) से टीआरएल 7 (नैदानिक मूल्यांकन के लिए तैयार) से चिकित्सा उत्पादों को

ट्रांस्लेट करने के लिए एक आईएसओ प्रमाणित, सी-जीएमपी अनुरूप चिकित्सा उपकरण निर्माण एवं परीक्षण सुविधा के रूप में काम करेगा। यह सुविधा वर्तमान में रोग निदान, आर्थोपेडिक, नेत्र संबंधी और हृदय संबंधी जरूरतों के लिए प्रत्यारोपण योग्य उपकरणों के लिए प्रौद्योगिकियों का विकास कर रही है।

अपनी औपचारिक गतिविधियों के अलावा, यह सुविधा चिकित्सा उपकरण विकास पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए छात्रों, संकाय सदस्यों और स्टार्ट-अप के लिए समय-समय पर बूट कैंप, जनशक्ति प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित करेगी। यह सुविधा डिज़ाइन और उत्पादों को उद्योग मानक के अनुरूप बनाए रखने के लिए तकनीकी सलाहकारों को लाएगी।

यह नई पहल जैव आयुर्विज्ञान पारिस्थितिकी तंत्र में एक बड़ा बदलाव लाएगी और भारत भर के शोधकर्ताओं, डॉक्टरों, उद्यमियों और शिक्षाविदों को अपने विचार को प्रभावी ढंग से बाजार में लाने में मदद करेगी। इसके अलावा, यह पीएम-एबीएचआईएम पहल के अनुरूप उन्नत प्रौद्योगिकियों एवं उत्पादों की एक पाइपलाइन तैयार करेगा तथा इसकी निगरानी नीति आयोग द्वारा की जाएगी। एम-प्रगति का नेतृत्व आईआईटी दिल्ली के आचार्य दिनेश कल्याणसुंदरम और आचार्य रविकृष्णन एलंगोवन कर रहे हैं। (https://home.iitd.ac.in/show.php?id=206&in_sections=News)

3. *स्वास्थ्य उपचार उद्यमिता एवं प्रबंधन पर 5 महीने का सर्टिफिकेट सीईपी कार्यक्रम*

आचार्य अर्नब चंदा और आचार्य बिस्वरूप मुखर्जी एम्स तथा डीएमएस, आईआईटी दिल्ली के सहयोग से एवं स्वास्थ्य उपचार उत्पादों और सेवाओं के विकास एवं तैनाती पर 100+ छात्रों को प्रशिक्षण दे रहे हैं| (https://www.jaroeducation.com/executive-programme-in-healthcare-entrepreneurship) -and-management-phem/).

THE TIMES OF INDIA

Unlock new paradigm of growth in healthcare: How this IIT Delhi's Executive Programme prepares professionals to create entrepreneurship opportunities

Samriddhi Bisht | SPOTLIGHT | Feb 20, 2023, 23:02 IST

The post-pandemic world is vastly different from its pre-pandemic counterpart. People prioritise their health more than ever before, creating an opportunity for new healthcare innovations. This includes medical apps, telemedicine technologies, smart wearables, and medical gadgets that track health goals. The demand for efficient healthcare delivery creates new opportunities for professionals to enter the healthcare market with their services and solutions.

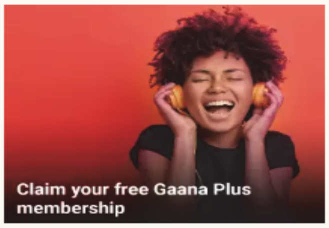

LATEST VIDEOS

TOP VIDEOS ›

India's first underwater metro successfully runs

'Chhipkali kisne bola': Urfi Javed stuns in black

TRENDING VIDEOS ›

'Shubh Yatra' makers reveal the motion poster of

Manish Saini on 'Shubh Yatra': The film promises to

9.5 जैव भौतिकी

एसईआरबी के प्रतिष्ठित आचार्य

टी.पी. सिंह

आचार्य एवं अध्यक्ख

पुनित कौर

आचार्य

सविता यादव
सुजाता शर्मा
जी. हरिप्रसाद राव
शर्मिष्ठा डे

अपर आचार्य

एथायथुल्ला ए.एस
कृष्ण कुमार इनामपुडी
सरोज कुमार

सह-आचार्य

ज्योतिर्मय बनर्जी

सहायक आचार्य

प्रदीप शर्मा

वैज्ञानिक

आशा भूषण
एस. भास्कर सिंह
मनोज कुमार
उद्दीपन दास

विशिष्टताएं

रिपार्ट की अवधि के दौरान, जैव भौतिकी विभाग के पास अनुबंधित ग्रांट्स द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त 38 से अधिक अनुसंधान परियोजनाएं थीं। जैव भौतिकी विभाग में अनुसंधान मौलिकता पर आधारित दवाओं के प्रारूप, नए विशेष जैवसंकेतकों की खोज एवं जैविक प्रक्रिया के आणविक मूल को निर्धारित करने से संबंधित है। यह विभाग प्रोटीन क्रिस्टल, मेडिकल बायोइंफोर्मेटिक्स, प्रोटीन सीक्वेंसिंग और पेप्टाइड सिंथेसिस, प्रोटियोमिक्स और डायनेमिक लाइट स्कैटरिंग पर डेटा संग्रह के लिए सुविधाएं प्रदान करता है। पिछले एक वर्ष में, संकाय और वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न समकक्ष-समीक्षित पत्रिकाओं में 58 अनुसंधान प्रकाशन हुए। विभाग ने एमएससी, पीएचडी और एमडी छात्रों के लिए स्नातकोत्तर शिक्षा और अल्प तथा लंबी अवधि के प्रशिक्षण को जारी रखा।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

जैव भौतिकी विभाग के संकाय और वैज्ञानिकों ने पीएचडी, एमएससी (जैवभौतिकी) और एमडी (जैवभौतिकी) के छात्रों को पढ़ाने और मार्गदर्शन करने का कार्य जारी रखा है। स्नातकोत्तर पढ़ाई में मूल सिद्धांतों के पाठ्यक्रम, प्रैक्टिकल कार्य और लेखन परियोजना शामिल होती हैं।

लघु और दीर्घकालिक प्रशिक्षण

इस विभाग ने विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों के एमएससी और एमटेक छात्रों को दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया।

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

टीपी सिंह 18	**पुनित कौर 6**	**सविता यादव 6**
सुजाता शर्मा 2	**शर्मिष्ठा डे 4**	**सरोज कुमार 1**
ज्योतिर्मय बनर्जी 3	**प्रदीप शर्मा 1**	**उद्दीपन दास 1**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
दिये गये व्याख्यान	21	47	42

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 41

पिछले 3 वर्षों में मौखिक / पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक/पोस्टर	12	34	41

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

वर्तमान में जारी

1. सिलिका पर आधारित संरचना, रसायनिक सम्बन्ध और जीववैज्ञानिक मूल्यांकन के आधार पर सैल्मोनेला टाइफी से डीएनए जायरस के बनाम निरोधकों के लिए, डॉ. पूनम कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 56,50,000 रुपये।
2. कोविड-19 के लिए एक पूर्वानुमानित कम्प्यूटेशनल प्रारूप के विकास और अध्ययन के साथ क्लिनिकल परिणामों और रोगी प्रतिक्रिया में विभेदात्मक परिणामों, म्यूटेशनिक और टीकाकरण स्थिति का विवरण, डॉ. पुनीत कौर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 94,00,000 रुपये।
3. कोविड-19 को ध्यान में रखकर नवीन उपचार और अभ्यर्थियों के लिए विपरीत औषध विज्ञान और बहु-लक्षीय दृष्टिकोण के प्रारूप के बारे में अध्ययन, डॉ. पुनीत कौर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 6,68,000 रुपये।
4. आईडियोपैथिक आवर्ती गर्भपात हानि में काईक्रोआरएनए और उनके लक्ष्यों की पहचान, डॉ. सविता यादव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 साल, 2022-2025, रुपये 50,00,000.
5. मानव मल्टिमेरिन 1 का कार्याकारी वर्गीकरण (इन विट्रों और इन वीवो) और इसके अवरोधकों की पहचान, गर्भाशय कैंसर में संभावित थेरेप्योपेटिक लक्ष्य के रूप में, डॉ. सविता यादव, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 54,00,000 रुपये।

6. गर्भाशय कैंसर की प्रगति में फाइब्रोब्लास्ट विकास कारक 8 (एफजीएफ 8) की भूमिका का भेज जानना, डॉ. सविता यादव, एसईआरबी-पावर सहभागिता, 3 साल, 2021-2024, 30,00,000 रुपये।

7. भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय द्वारा डॉ. ज्योतिर्मय बैनर्जी ने दुष्क्रियाशील अंग बेंजोडाइजेपीन बाइंडिंग साइट की भूमिका का अध्ययन किया है। इसके साथ ही, उन्होंने "उन्नत मिर्गी अनुसंधान: एक बहुविज्ञानीय परिष्करण" पहल के तहत जीएबीएए रिसेप्टर संबंधित बेंजोडाइजेपीन प्रतिरोध का भी अध्ययन किया है, 5 वर्षों (अतिरिक्त अवधि) 2018-2023, 1,36,75,500 रुपये।

8. मेसाइल अस्थायी लोब एपिलेप्सी (एमटीएलई) और फोकस कोर्टिकल डिसप्लेशिया (एफसीडी) के साथ असामान्य सिनाप्टिक प्रसार से मेटाबोलाइट्स और न्यूरोट्रांसमिटर्स की भूमिका का अन्वेषण: इपिलेग्निक फोकस के संकेन्द्र मौजूदा स्थानों के लिए संभावित बायोमार्कर्स। डॉ. ज्योतिर्मोय बैनर्जी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीन "मेग संसाधन सुविधा" परियोजना के तहत, 5 वर्ष (अतिरिक्त अवधि), 2018-2023, 1,68,20,800 रुपये।

9. फोकल कोर्टिकल डिसप्लेशिया (एफसीडी) वाले रोगियों में माइक्रोआरएन द्वारा जीएबीएए रेसेप्टर के अभिव्यक्ति और कार्य पर नियंत्रण का अध्ययन, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी, एम्स, 2 साल (2020-2022), 10,00,000 रुपये।

10. एल्जाइमर रोग की आंखों में एमिलॉयड बीटा प्रजातियों की पहचान के लिए नए नियर इंफ्रारेड फ्लोरेससेंस इमेजिंग प्रोब्स का विकास, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-2024, 37,00,000 रुपये।

11. पार्किंसन रोग की यांत्रिक समझ और अग्रिम जांच विधि के विकास का अध्ययन, डॉ. सरोज कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2024, 33,94,960 रुपये।

12. मनोवैज्ञानिक क्षतिग्रस्तता की पहचान के लिए एक अव्यापक नवीन तकनीक का विकास का शोध, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 2021-2024, 47,58,432 रुपये।

13. एल्जाइमर रोग में एक्सोसोम्स और आटोफेजी के बीच संवाद, डॉ. सरोज कुमार, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 49,45,500 रुपये।

14. नई बहुक्रियाशील न्यूरोप्रोटेक्टिव मोलेक्यूल्स के प्राकृतिक प्रेरणा पर आधारित एक्सोसोम-आधारित दवा वितरण प्रणाली के विकास और उनके द्रव्यों का जैविक मूल्यांकन करना, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 55,59,246 रुपये।

15. पार्किंसन रोग के "ऑक्सोसोम पर आधारित आणविक सिग्नेचर" को विकसित करने के लिए केस नियंत्रण अध्ययन, डॉ. सरोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 84,67,800 रुपये।

16. पार्किंसन रोग के नवीन जैविक सूचक लक्ष्य के रूप में एक्सोसोमल माइक्रो-आरआईएन की क्षमता का अन्वेषण, डॉ. सरोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2023-2025, 10,00,000 रुपये।

17. यांत्रिकी-आधारित नई थेरेनोस्टिक एजेंट्स के बायोलॉजिकल मूल्यांकन का आद्यांत्रिक विश्लेषण, डॉ. सरोज कुमार, डीएसटी, 2 वर्ष, 2023-2026, 52,95,252 रुपये।

18. स्तन कैंसर कोशिका रेखाओं में उत्परिवर्ती पी53 की कैंसर-विरोधी गतिविधि को फिर से सक्रिय करने के लिए ग्रीन टी एंटीऑक्सीडेंट की स्क्रीनिंग, डॉ. एथायथुल्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, रु.33,43,304।

19. संरचना आधारित औषधि-डिज़ाइन: कोशिका विभाजन प्रोटीन औषधि लक्ष्य एफटीएसजेड के लिए अवरोधकों की सिलिको स्क्रीनिंग में दवा-प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में रोगाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए, डॉ. इथायथुल्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 24,54,060 रुपये।

20. स्तन कैंसर में पी53 ऑलिगोमेराइजेशन डोमेन उत्परिवर्ती के कार्य को फिर से स्थापित करने के लिए चिकित्सीय पी53 एक्टिवेटर अणुओं की स्क्रीनिंग, डॉ. एथयाथुल्ला, डीएचआर, 2 वर्ष, 2020-2023, 31,70,354 रुपये।

21. एसएआरएस-सीओवी-2 (SARS-CoV-2) के मुख्य प्रोटियाज के विरुद्ध प्रभावी, एफडीए द्वारा स्वीकृत औषधियों और सेलेनियम आधारित यौगिकों के संभावित एंटीवायरल दवाओ का इंसिलिको स्क्रीनिंग क्रियान्वयन, डॉ. इथायतुल्ला, एम्स, 2020-2023, 4,80,000 रुपये।

22. गैर-लघु-कोशिका फेफड़े/एडेनोकार्सिनोमा में संभावित लिगैंड करक्यूमिन और इसके एनालॉग्स के साथ पी53वाई220सी उत्परिवर्ती का प्रोटीन विश्लेषण, डॉ. एथायथुल्ला, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 9,80,000.00 रुपये।

23. लीशमैनिया इन्फैंटम के पी4 न्यूक्लीज एंजाइम का संरचनात्मक विश्लेषण : शक्तिशाली निरोधात्मक अणुओं और वैक्सीन उम्मीदवारों के प्रारूप के लिए निहितार्थ, डॉ. हरिप्रसाद। जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 13,65,000 रुपये।

24. कोविड-19 के रोगियों के विभिन्न अंगों की बीमारियों की पहचान के लिए सीरम प्रोटियोमिक्स की बायोमार्करों की पहचान को चिह्नित करने के लिए अध्ययन। डॉ. हरिप्रसाद। जी, एईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35,00,000 रुपये।

25. म्यूकोरालेस के बीजाणु कोट प्रोटीन होमोलॉग (सीओटीएच) के लिए नयी दवा अणुओं की पहचान, डॉ. प्रदीप शर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये।

26. इस्टिडीन उत्पादन मार्ग में शामिल प्रोटीन के लिए नवीन प्रभावशाली एंटीबैक्टीरियल एजेंट्स विकसित करने के लिए एसिनेटोबैक्टर बॉमेनिई में तार्किक संरचना आधारित लिगैंड प्रारूप पर अनुसंधान, डॉ. प्रदीप शर्मा, आईसीएमआर, 2021-2024, 3 साल, 29,47,830 रुपये।

27. एक घातक एंजियोइनवेसिव बीमारी, म्यूकोर्मिकोसिस के खिलाफ नवीन दवा अणुओं की पहचान, डॉ. प्रदीप शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 31,43,538 रुपये।

28. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया में सीओए सिंथेटिक मार्ग के खिलाफ जीवाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित लिगैंड प्रारूप, एसीनेटोबैक्टर बाउमानी, आचार्य सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, वर्ष, 2021-2024, 45,84,220 रुपये।

29. म्यूकोर्मिकोसिस के उपचार के लिए एक शक्तिशाली एंटीफंगल प्रोटीन लैक्टोफेरिन और इसके व्युत्पन्न कार्यात्मक अंशों की खोज, आचार्य सुजाता शर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 38,10,000 रुपये।

30. एंटी-ट्यूमर गतिविधि के लिए आइरिस बल्ब से टाइप-1 और टाइप-2 राइबोसोम इनएक्टिवेटिंग प्रोटीन (आरआईपी) के संरचना कार्य अंतर्संबंधों की खोज, आचार्य सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 35,64,839 रुपये।

31. माइकोबैक्टीरियम टॉक्सिन एंटीटॉक्सिन प्रणालियों का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, डॉ. उद्दीपन दास, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2024, 56,9,092 रुपये।

32. एंटी-माइकोबैक्टीरियल अवरोधकों का विकास: सिलिको में और माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस से ट्रेहलोज़ बाइंडिंग प्रोटीन के बनाम लीड यौगिकों का प्रायोगिक मूल्यांकन, डॉ. उद्दीपन दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 22,20,000 रुपये।

33. एपिडर्मल कार्सिनोमस के लिए एक वैकल्पिक चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव ईजीएफआर के लिए डीएनए एप्टामर्स बनाने वाला जी-क्वाड्रुप्लेक्स, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, एसईआरबी, 3 साल **,** 2023- 2026, 40,00,000 रुपये**।**

34. प्रोटोजोआ परजीवी ई. हिस्टोलिटिका में रोगोत्पत्ति को कैल्शियम सिग्नलिंग से जोड़ना, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2023-2026, 82,00,000 रुपये।

35. सलाईवा एक्सोसोमल प्रोटिओम से मौखिक कैंसर के रोगी के जैविक सूचक की प्रारंभिक पहचान, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 2,00,000 रुपये।

36. माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस पेप्टिडाइल-टीआरएनए हाइड्रोलेज़ का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन : मल्टीड्रग प्रतिरोधी तपेदिक के लिए एक नयी दवा का लक्ष्य, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 68,00,000 रुपये।

37. उपचार की अवधि को कम करने के लिए लगातार माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस को लक्षित करने वाले सीसा यौगिकों की संरचना-आधारित ***प्रारूप***, डॉ. मनोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 26,00,000 रुपये।

38. मल्टी-ड्रग प्रतिरोधी तपेदिक के उपचार के लिए एक नवीन दवा के लक्ष्य के लिए मुख्य यौगिकों की संरचना आधारित **प्रारूप**, डॉ. मनोज कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 24,00,000 रुपये।

पूर्ण

1. संभावित बायोमटेरियल अनुप्रयोगों के लिए ओक तसर (एंथेरा प्रोयली) कोकून से तैयार रेशम फ़ाइब्रोइन झिल्ली की विशेषता, डॉ. पुनित कौर, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2022, 29,67,000 रुपये।

2. बायोएनर्जी और बायोवैल्यूड उत्पादों के लिए नवीन और कुशल कार्बोहाइड्रेट एंजाइमों का विकास, डॉ. पुनित कौर, डीबीटी-एनईआर, 3 वर्ष, 2018-2022, 23,99,000 रुपये।

3. मानव स्वास्थ्य पर गैर-आयनीकरण विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, डॉ. सविता यादव, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2017-2022, 61,00,000 रुपये।

4. पुनरावृत्ति गर्भपात में पुरुष कारकों की खोज: जीनोमिक्स और प्रोटियोमिक्स पर आधारित दृष्टिकोण, डॉ. सविता यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 49,00,000 रुपये।

5. अस्थायी लोब मिर्गी के एक कृंतक पाइलोकार्पिन प्रारूप में ग्लूटामेटेरिक उत्तेजक न्यूरोट्रांसमिशन के क्षेत्र-विशिष्ट परिवर्तन के माध्यम से, पारितंत्रिक वैशिष्ट्यों की पहचान को विकसित करना, डॉ. ज्योतिर्मय बनर्जी बायोटेक्नोलॉजी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार, 4 वर्ष (अतिरिक्त अवधि), 2018-2022, 61,00,000 रुपये।

6. कोविड-19 वाइरस के न्यूरॉमोडुलेशन के स्पाइक प्रोटीन (एस) और मुख्य प्रोटीनेज़ एनएपी5 द्वारा न्यूरॉमोडुलेशन के संभावित कारकों की खोज, डॉ. ज्योतिर्मय बैनर्जी, फास्ट ट्रैक कोविड ग्रांट, रिसर्च विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 2020-2022, 10,00,000 रुपये।

7. पार्किंसंस रोग में न्यूरोनल सलाईवा एक्सोसोम की भूमिका को समझना, डॉ. सरोज कुमार, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये।

8. एसएआरएस-सीओवी-2 मुख्य प्रोटीज़ के लिए दवाई का पुनर्प्रयोजन: संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, डॉ. प्रदीप शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 9,00,000 रुपये।

9. म्यूकोरीकिन के लिए नवीन दवाओं की पहचान**,** म्यूकोरमाइकोसिस के पैथोजेनेसिस के लिए एक महत्वपूर्ण टाक्सिन, डॉ. प्रदीप शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2021-2022, 5,20,000 रुपये।

10. ग्लिसराल्डिहाइड-3 फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज का संरचनात्मक और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन और अवरोधकों का **प्रारूप**, प्रो. सुजाता शर्मा , आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-2022, 26,28,234 रुपये।

11. ट्रिप्सिन पर लैक्टोफेरिन के कार्यात्मक भागों को विभाजित करने और लिपोपॉलीसेकेराइड के साथ उनके बंधों पर संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन, आचार्य सुजाता शर्मा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-2022, 60,00,000 रुपये।

12. अल्जाइमर रोग के रैट प्रारूप पर सिर्टुइन के छोटे अणु आधारित नवीन उत्प्रेरक का चिकित्सीय हस्तक्षेप, शर्मिष्ठा डे, आईसीएमआर, 2019-2022, 2019, 2022, 65,00,000 रुपये।

13. लैक्टोफेरिसिन का प्रभाव: जन्मजात प्रतिरक्षा प्रोटीन लैक्टोफेरिन से प्राप्त एक शक्तिशाली रोगाणुरोधी पेप्टाइड और म्यूकोर्मिकोसिस के उपचार में इसका उपयोग, डॉ. प्रदीप शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2021-2022 , 5,00,000 रुपये।

14. ईजीएफआर के विरूद्ध नैनोबॉडी अवरोधकों की संरचना आधारित प्रारूप: फेफड़ों के कैंसर के लिए नवीन चिकित्सा विज्ञान विकसित करने के लिए एक प्रोटीन इंजीनियरिंग दृष्टिकोण, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, आईसीएमआर-एक्स्ट्रामुरल ग्रांट, 3 साल, 2019-2022, 65,00,000 रुपये।

15. कोविड-19 के उपचार के लिए नोवेल कोरोनावायरस से एनएसपी आरएनए पोलीमरेज़ और पीएलप्रोटीज़ के लिए शक्तिशाली अवरोधकों का विकास, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 9,00,000 रुपये।

16. एथेरोस्क्लोरोटिक कार्डियोवास्कुलर रोग: आईटीआरएक्यू आधारित मात्रात्मक प्रोटिओमिक्स द्वारा बायोफ्लुइडेक्सोसोम से प्रारंभिक जैविक सूचक को प्रस्तुत करना, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, डीएचआर-पीआई मेंटर, 3 वर्ष, 2019-2022, 38,00,000 रुपये।
17. कोरोनरी धमनी रोग के बायोफ्लुइड्स से एक्सोसोम्स काइक्रोआरएनए का लक्षण और अनुक्रमण का विश्लेषण, डॉ. कृष्ण कुमार इनामपुडी, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये।
18. कोविड-19 के लिए नोवेल कोरोनावायरस 2 (एसएआरएस-सीओवी2) के महत्वपूर्ण एंजाइमों को लक्षित करने वाले संभावित चिकित्सीय एजेंटों की विशेषता, डॉ . मनोज कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं (थीसिस/शोध प्रबंध के साथ)

1. गर्भाशय के कैंसर में मल्टीमेरिन1 की भूमिका की खोज करना।
2. इडियोपैथिक आवर्ती गर्भावस्था हानि में पुरुष के योगदान कारकों की खोज करना।
3. मानवीय गर्भाशय के कैंसर में सेसमोलिन की ट्यूमर-विरोधी क्षमता की खोज करना।
4. कोविड-19 से बचे हुए लोगों में एमएमपी-9 और कैलपैन-2 प्रोटीन की परिवर्तित अभिव्यक्ति का अध्ययन: पुरुष के प्रजनन शारीरिक विज्ञान पर कोविड-19 का दीर्घकालिक प्रभाव।
5. अस्थायी लोब मिर्गी से जुड़ी एपिलेप्टोजेनेसिस और अतिउत्तेजना की स्थिति में सेमाफोरिन की भूमिका को स्पष्ट करना।
6. वल्कुटीय डिसप्लेसिया में प्रमस्तिष्क-प्रान्तस्था की उम्र पर निर्भर अपरिपक्वता को समझना।
7. नाभीय वल्कुटीय डिस्प्लेसिया के रोगोत्पत्ति में एस्ट्रोसाइटिक अंतराल संयुक्ति की भूमिका की जांच करना।
8. अस्थायी लोब मिर्गी में परिवर्तित ग्लूटामेट रिसेप्टर-मध्यस्थ सिनैप्टिक ट्रांसमिशन में ग्लाइपिकन 4 (जीपीसी4) की भूमिका को समझना।
9. चिकित्सीय मध्यस्थता के साथ अल्जाइमर रोग के जैविक सूचक के रूप में सीरम में सूजन और जारणकारी तनाव प्रतिरोधक प्रोटीन का मूल्यांकन करना।
10. अल्जाइमर रोग के लिए स्क्रीनिंग पद्धति का विकास और नई दवाओं की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
11. पार्किंसंस रोग के लिए जैविक सूचक लक्ष्यों के रूप में छोटे-छोटे गैर-कोडिंग आरएनए की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन करना।
12. स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए एक्सोसोमल और इन्फ्रारेड आधारित जैविक सूचक को प्रस्तुत करना।
13. पार्किंसंस रोग में एक्सोसोमल लिपिड तत्व और एक्सोसोम के साथ अमाइलॉइड बीटा के संबंध का अध्ययन करना।
14. साल्मोनेला टाइफी के लिए एफटीएसजेड कोशिका विभाजन प्रोटीन का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन संभावित दवा पाने के लक्ष्य के रूप में करना।

15. पी53 का संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण का वर्णन करना।
16. पी53 टेट्रामेराइजेशन उत्परिवर्ती का संरचनात्मक और कार्यात्मक लक्षण का वर्णन करना।
17. मानव कैंसर में पी53 ऑलिगोमेराइजेशन उत्परिवर्ती आर337 का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन करना।
18. एसएआरएस-सीओवी2 मुख्य प्रोटीज़ (एमपीआरओ) के लिए शक्तिशाली अवरोधकों की संरचना आधारित सिलिको स्क्रीनिंग करना।
19. उत्परिवर्ती पी53 वाई220एन डीबीडी का संरचनात्मक और जैवभौतिकीय वर्णन करना।
20. म्यूकोरालेस के बीजाणु कोट प्रोटीन होमोलॉग (सीओटीएच) के खिलाफ नयी दवा अणुओं की पहचान करना।
21. एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में हिस्टिडाइन बायोसिंथेसिस पथ में शामिल प्रोटीन के विरूद्ध नए जीवाणुरोधी एजेंटों को विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना आधारित संलग्नी प्रारूप बनाना।
22. घातक एंजियोइनवेसिव बीमारी, म्यूकोर्मिकोसिस के खिलाफ नये दवा अणुओं की पहचान करना।
23. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया, एसिनेटोबैक्टर बाउमानी में सीओए सिंथेटिक पथ के विरूद्ध जीवाणुरोधी एजेंट विकसित करने के लिए तर्कसंगत संरचना-आधारित संलग्नी प्रारूप बनाना।
24. एंटी-ट्यूमर गतिविधि के लिए आइरिस गांठ से टाइप-1 और टाइप-2 राइबोसोम निष्क्रिय प्रोटीन (आरआईपी) के संरचना कार्य अंतर संबंधों की खोज करना।
25. म्यूकोर्मिकोसिस के उपचार के लिए एक शक्तिशाली एंटीफंगल प्रोटीन लैक्टोफेरिन और इसके व्युत्पन्न कार्यात्मक अंशों की क्रिया की खोज करना।
26. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग से मल्टीड्रग ट्रांसपोर्टर्स का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन करना।
27. ईजीएफआर टायरोसिन कीनेज अद्भुत और उत्परिवर्ती प्रकार के खिलाफ काईनेज अवरोधकों की पहचान करना।
28. प्रोटीन इंजीनियरिंग पद्धति का उपयोग करके फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए ईजीएफआर के विरूद्ध एंटीबॉडी जैसे अवरोधकों की पहचान करना।
29. मानव एसईजीएफआर के विरूद्ध जी-क्वाड्रुप्लेक्स डीएनए एप्टामर्स की पहचान करना।
30. रक्त और प्लाज्मा एक्सोसोम से एनएससीएलसी कैंसर के संभावित जैविक सूचक की पहचान करना।
31. प्रोटीन इंजीनियरिंग और एमआरएनए डिस्प्ले का उपयोग करके स्ट्रेप्टोकोकस न्यूमोनिया से सीबीए के विरूद्ध एंटीबॉडी जैसे अणुओं की पहचान करना।
32. लार एक्सोसोमल प्रोटिओम से मौखिक कैंसर के प्रारंभिक रोगी जैविक सूचक की पहचान करना।
33. बहु-दवा प्रतिरोधी क्षयरोग से निपटने के लिए माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस शिकिमेट काइनेज को लक्षित करने वाले संभावित मुख्य यौगिकों की खोज करना।

34. उपचार की अवधि को कम करने के लिए माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग आइसोसाइट्रेट लाइसेज़ के शक्तिशाली अवरोधकों की खोज करना।

35. सूजन संबंधी प्रोटीन के संचार स्तर, मेटास्टेटिक स्तन कैंसर में उनके संकेतन रिसाव और इसके लिए चिकित्सीय प्रभाव पर अध्ययन करना।

36. अल्जाइमर रोग (एडी) के रोगविज्ञान में लिपोक्सिजेनेसिस को लक्षित करने वाले अमाइलॉइड बीटा (एबी) के एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण (जारी)।

37. अल्जाइमर रोग की रोकथाम के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में नवीन अणुओं की खोज करना।

38. रक्त आधारित जैविक सूचक के रूप में क्लोथो की संभावित भूमिका और माइक्रो आरएनए को नियोजित करके स्तन कैंसर में इसका चिकित्सीय महत्व दिखाना।

पूर्ण

1. गर्भाशय के कैंसर कोशिका रेखाओं पर एफजीएफ-8 के आधात के प्रभाव का आकलन करना।
2. अल्जाइमर रोग की गैर-आक्रामक होने की प्रारंभिक पहचान और उस पर दवाओं की प्रतिक्रिया पद्धति का विकास करना।
3. अल्जाइमर रोग में लार एक्सोसोम के योगदान को समझना।
4. उत्परिवर्तन वाई220सी को सामहित करने वाली मानव कैंसर कोशिका रेखाओं में प्राकृतिक यौगिकों का उपयोग करके पी53 उत्परिवर्ती का संरचनात्मक और कार्यात्मक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करना।
5. पी53 प्राकृतिक समर्थक अनुक्रम के साथ पी73डीबीडी का संरचनात्मक और जैवभौतिकीय लक्षणों का वर्णन करना।
6. जांची गई दवाओं और करक्यूमिन के साथ पी53 उत्परिवर्ती का तुलनात्मक अध्ययन करना।
7. पी53 के अद्भुत प्रकार और उत्परिवर्ती आर337एच का संरचनात्मक और जैवभौतिकीय लक्षणों का वर्णन करना।
8. पी53 वाई 220 उत्परिवर्ती का संरचनात्मक और जैवभौतिकीय लक्षणों का वर्णन करना।
9. एसएआरएस-सीओवी-2 मुख्य प्रोटीज के लिए औषधी का पुर्नप्रयोजन: संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन करना।
10. म्यूकोर्मिकोसिस के रोगोत्पत्ति के लिए एक महत्वपूर्ण टॉक्सिन, म्यूकोरिसिन के लिए नयी दवाओं की पहचान करना।
11. ग्लिसराल्डिहाइड-3 फॉस्फेट डिहाइड्रोजनेज का संरचनात्मक और जैव रासायनिक लक्षणों का वर्णन करना और अवरोधकों की रचना की पहचान करना।
12. ट्रिप्सिन पर लैक्टोफेरिन के कार्यात्मक विभागों को विभाजित करने वाले और लिपोपॉलीसेकेराइड के साथ उनके बंधन के संरचनात्मक और कार्यात्मक भागों पर अध्ययन करना।

13. लैक्टोफेरिसिन का प्रभाव: स्वाभाविक प्रतिरोधक प्रोटीन लैक्टोफेरिन से प्राप्त प्रभावशाली रोगाणुरोधी पेप्टाइड और म्यूकोर्मिकोसिस के उपचार में इसका उपयोग किया जाना।
14. माइकोबैक्टीरियम क्षयरोग पेप्टिडाइल टीआरएनए हाइड्रोलेज़ का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन - मल्टीड्रग प्रतिरोधी क्षयरोग की एक नयी औषधी बनाने का लक्ष्य।
15. न्यूमोकोकल संक्रमण को रोकने के लिए प्रतिरक्षी जैसे अणुओं की पहचान करना: अभिकलात्मक प्रयास।
16. अभिकलात्मक प्रोटीन प्रारूप का उपयोग करके पेप्टाइड अवरोधक डिजाइनिंग करना और एसईजीएफआर के लिए सत्यापन करना।
17. फेफड़ों के कैंसर के इलाज के लिए मानविक एसईजीएफआर के लिए डीएनए एप्टामर्स की पहचान करना।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर की तरल बायोप्सी में प्रोटिओमिक्स का उपचारिक महत्वः एक अन्वेषी अध्ययन, सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. अस्थायी और अस्थायी प्लस मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों को ध्यान में रखते हुए एपिजेनेटिक मॉडयूलेशन का स्पष्ट करना, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, योग और ध्यान विज्ञान के विज्ञान और तकनीकी विभाग (डीएसटी) से वित्तीय सहायता प्राप्त।
3. स्व-प्रतिरक्षित मस्तिष्क ज्वर के उपचार में सीएसएफ उत्तेजक चिन्हक का अध्ययन, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली संस्थागत वित्तीय सहायता के द्वारा, अनुसंधान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. पार्किंसन रोग के 6 हाईड्राक्सी डोपामीन रैट प्रारूप में ज्ञानात्मक और संचालक प्रकार्य पर प्रोबायोटिक और पुनरावृत्तीय ट्रांसक्रानियल चुम्बकीय उत्तेजन का प्रभाव, जैवभौतिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
5. मध्यम अस्थायी पिण्डक मिर्गी में फाइब्रोनेक्टिन-इंटीग्रिन-एसआरसी मध्यस्थ द्वारा ग्लूटामेटेरिक गतिविधि की भूमिका को स्पष्ट करना, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा शोध संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
6. मध्यम अस्थायी पिण्डक मिर्गी में कैसिइन किनेज 2 (सीके2) संकेतन की भूमिका, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा शोध संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
7. कॉर्टिकल डिसप्लेसिया बनाम बिना कॉर्टिकल डिसप्लेसिया की प्रतिरोधी दवाओं के रोग-विज्ञान में हिस्टोन डीएसीटीलाज़ मध्यस्थ मिर्गीजनन का तुलनात्मक विश्लेषण करना, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा शोध संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
8. चिकित्सीय मध्यवर्तन के साथ अल्जाइमर रोग के जैवसंकेतक के रूप में सीरम में सूजन और ऑक्सीकृत तनाव प्रतिरोध खिचाव का मूल्यांकन करना, जैवभौतिकी विभाग, पीएचडी सह-पर्यवेक्षक।

9. अस्थायी पिण्डक मिर्गी के रोगविज्ञान में प्रोलाइन रिच टायरोसिन किनेज 2 (पीवायके2) संकेतन की भूमिका को स्पष्ट करना, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर जैव चिकित्सा शोध संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

10. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में आनुवंशिक प्रकार और गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका का अध्ययन करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

11. हाइपोबेरिक हाइपोक्सिक परिवेश में ज्ञानात्मक विकास पर चिकित्सीय प्रभावकारिता और पुनरावर्ती ट्रांसक्रानियल चुम्बकीय उत्तेजना के तंत्र का मूल्यांकन करना, जैव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली, जीवन विज्ञान अनुसंधान संस्थान (एलएसआरबी) के द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त, डीआरडीओ, भारत सरकार।

12. गैस्ट्रोएंटेरोपेनक्रिएटिक न्यूरोएंडोक्राइम ट्यूमर में एपोप्टोसिस प्रोटीन के अवरोधकों की भूमिका का अध्ययन, शारीरिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

13. अग्राशयी न्योरोएंडोक्राइम ट्यूमर के रोगियों में प्रोटीन की अभिव्यक्ति की रूपरेखा तैयार करना, शारीरिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

14. अग्राशयी न्योरोएंडोक्राइम ट्यूमर के रोगियों की लार में एक्सोसोम का अध्ययन करना, शारीरिक विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

15. अग्राशयी न्योरोएंडोक्राइम ट्यूमर के रोगियों में नए प्रोटीन, एपोप्टोटिक प्रोटीन के अवरोधकों एवं एक्सोसोम की पहचना तथा उनका मूल्यांकन करना, शारीरिक विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली।

16. पार्किंसन रोग तथा उसके प्रारंम्भिक जांच पद्धति को विकसित करने के लिए यांत्रिकीय ज्ञान के बारे में अध्ययन करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

17. प्राथमिक सीएनएस रक्त वाहिका में रोगात्मक और रोगीय गतिविधि के संकेतकों की पहचान करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

18. अल्जाइमर रोग के लिए स्क्रीनिंग पद्धति का विकास तथा नई दवाओं की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना, वृद्ध चिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

19. संज्ञानात्मक क्षति का शीघ्र जानकारी प्राप्त करने हेतु एक नयी गैर-आक्रामक पद्धति का विकास करने हेतु अध्ययन, वृद्ध चिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

20. जीवाणु व्युत्पन्न जैवसंकेतक का उपयोग करके पार्किंसन रोग के रोगोत्पत्ति को समझना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

21. स्तन कैंसर का शीघ्र पता लगाने के लिए नयी वर्णक्रमीय और एक्सोसोमल जैवसंकेतकों का विकास करना, रोगविज्ञान विभाग एवं शल्य चिकित्सा अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

22. जबड़े की हड्डी के विकास के लिए उपयोगी उपकरण और सीपीएपी चिकित्सा के बाद अश्वसन रोगी में आईएल6 जैवसंकेतक के स्तर का अध्ययन, कृत्रिम अंग और क्राउन ब्रिज विभाग, दंत चिकित्सा और अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली।

23. जबड़े के अग्रिम भाग में सॉकिट शील्ड तकनीक और पारम्परिक तकनीक का उपयोग करके लगाए गए तत्काल प्रत्यारोपण में क्षारीय फॉस्फेट स्तर और प्रत्यारोपण स्थिरता के अनुपात का मूल्यांकन करने के लिए एक तुल्नात्मक अध्ययन - एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, कृत्रिम अंग और क्राउन ब्रिज विभाग, दंत चिकित्सा और अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली।

24. स्टार्च बीटा स्वल्पलक की रचना और इसके तंतु की पौष्टिक औषधीय पदार्थ के अवरोधन की सूक्ष्म संग्रह एकाग्रता के बारे में अध्ययन करना, भारतीय विज्ञान और अनुसंधान केन्द्र (आईएसआरएफ) - सार्क देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ, अनुप्रयुक्त विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (आरईसीएएसटी), त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल।

25. बहु-औषधीय प्रतिरोधी क्षयरोग के उपचार के लिए नई दवा बनाने के लिए प्रमुख यौगिकों की संरचना आधारित प्रारूप, जैवभौतिकी विभाग, एम्स।

26. इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) और पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस (पीसीपीएफ) के नए रोगात्मक तथा उपचारात्मक रचनाओं को जानने के लिए प्रोटीमिक्स तथा उपापचयी तुलनात्मक अध्ययन करना, फुप्फुसीय, गहन चिकित्सा देखभाल और निंद्रा औषधि विभाग, एम्स।

27. व्यापक रूप से एचआईवी-1 को बेअसर करने वाले प्रतिरक्षियों का प्रस्तुतिकरण और विशिष्ट तटस्थकर्ताओं के मोनो-युग्मज में प्रसारित वासरयों की गणना करना, जैवरसायन विभाग, एम्स।

28. गर्भाशय कैंसर में मानवीय मल्टीमेरिन1 (इन विट्रो तथा इन विवो) की कार्यशैली का वर्णन तथा संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में इसके अवरोधकों की पहचान करना, जैवभौतिकी विभाग, एम्स।

29. बाकोपामोनिएरी (ब्राहमी) के जैवसक्रिय पादपघटकों से एमएमआरके 4 के अवरोधकों की पहचान करनाः अल्जाइमर रोग और न्यूरो-प्रदाह पशु प्रारूप का चिकित्सीय प्रबंधन, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली।

30. केआईएफसी1, केआईएफ4ए, केआईएफ15 और केआईएफ20ए के लिए निरोधात्मक अणुओं की जांच करना तथा स्तर कैंसर कोशिकाओं में निर्धारित अणुओं पर कैंसर विरोधी गतिविधि का अवलोकन करना, रोगविज्ञान संस्थान (आईसीएमआर), नई दिल्ली - 110029।

31. सूक्ष्म जीवाणुवीय रोधी और प्रतिरोधी प्रणालियों का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययन करना, जीवन विज्ञान शाला, जेएनयू, नई दिल्ली।

32. सूक्ष्म जीवाणुवीय क्षयरोग पेप्टिडाइल-टीआरएनए हाइड्रोलेज का संरचनात्मक और कार्यात्मक अध्ययनः बहु-औषधीय प्रतिरोधी क्षयरोग के लिए एक नई दवा की खोज करने का लक्ष्य, 1. औषधि विभाग, एम्स, नई दिल्ली, 2. रसायन विज्ञान विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय।

33. एक कोशकीय परजीवी जीव ई. हिस्टोलिटिका में रोगात्पत्ति को कैल्शियम संकेतक से जोड़ना, अग्रिम अनुसंधान और अध्ययन के लिए बहुविषयक केन्द्र, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली - 110025

पूर्ण

1. कोविड-19 का अंतःस्रावी तंत्र, वीर्य की गुणवत्ता और शुक्राणु प्रोटीओम पर दीर्घकालीन प्रभाव, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. पार्किंसन रोग में तंत्रीय लार एक्सोसोम की भूमिका को समझना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. अल्जाइमर रोग में लार एक्सोसोम की भूमिका को समझना, एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, यूपी
4. ईजीएफआर के विरूद्ध सूक्ष्म तन अवरोधकों का संरचना आधारित प्रारूपः फेफड़ों के कैंसर के उपचार के लिए नयी चिकित्सा विज्ञान विकसित करने के लिए एक प्रोटीन आधारित अभियांत्रकीय पद्धति, 1. जीवन विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा, 2. जीव विज्ञान संकाय, भारतीय पेट्रोलियम और ऊर्जा संस्थान, विशाखापट्नम
5. ईजीएफआर युक्त ट्यूमर के उपचार के लिए उपचार विरोधी ईजीएफआर किनेज के लिए प्रभावी अवरोधकों का विकास, 1. रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली, 2. जीवन विज्ञान, शिव नादर विश्वविद्यालय, नोएडा
6. धमनीकलाकाठिन्य हृदय रोगः आईटीआरएक्यू आधारित प्रोटीओमिक्स मात्रात्मक के द्वारा जैव द्रव्य एक्सोसोम से प्रारम्भिक जैवसंकेतकों को प्रगट करना, 1. हृदयरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. हृदय धमनी रोग के जैव तरल पदार्थ से एक्सोसोम माइक्रोआरएनए का विशेषीकरण और अनुक्रमक विश्लेषण, 1. हृदयरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. कोविड-19 के उपचार के लिए नवीन कोरोना वासयर से एनएसपी आरएनए बहुलकेद और पीएल प्रोटीज़ के लिए प्रभावी अवरोधकों का विकास, 1. रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएं	30	37	38
कुल वित्तीय सहायता (लाख)	27,203,432	49,871,924	65,706,979

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 44 सारांश : 07 पुस्तकों में कुल अध्याय : 03

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	35	45	54
दैनिक पत्र लेख	32	33	44
सारांश	2	8	7
पुस्तकों में अध्याय	1	3	3
पुस्तकें	-	1	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य तेज पी सिंह ने 17 सितंबर 2022 को मैसूर विश्वविद्यालय में आचार्य टी. वीरबसप्पागौड़ा दान पर व्याख्यान दिया; 28 फरवरी 2023 को मैसूर विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर व्याख्यान, 24 मार्च 2023 (2023-2025) को भारतीय रासायनिक जीव विज्ञान सभा के अध्यक्ष चुने गए।

आचार्य पुनीत कौर को लाइफ टाइम पुरस्कार से सम्मानित किया, जैव सूचना विज्ञान और औषधि खोज सभा, भारतीय क्रिस्टलोग्राफिक संघ के अध्यक्ष; सदस्य, जनवरी 2020 से दिसम्बर 2023 तक आईएससी संघ के लिए आईयूपीएबी-आईएनएसए की राष्ट्रीय समीतियां; अतिरिक्त सदस्य, अध्ययन बोर्ड, जैवभौतिकी विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस; अतिरिक्त सदस्य, कम्प्यूटेशनल विज्ञान विभाग, पंजाब केन्द्रीय विश्वविद्यालय, अतिरिक्त सदस्य, पाठ्यचर्चा विकास (एमएमसी जैव प्रौद्योगिकी), एनएसयूटी, नई दिल्ली।

आचार्य ज्योतिर्मय बेनर्जी को 18 अक्तूबर 2022 को आयोजित द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस पर सामान्य विज्ञान श्रेणी के अंतर्गत वर्ष 2020 में प्रकाशन के लिए उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (द्वितीय पुरस्कार) प्राप्त हुआ; 18 अक्तूबर 2022 को आयोजित द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस पर वर्ष 2021 में प्रकाशन के लिए आधारीय विज्ञान श्रेणी के अंतर्गत एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (तृतीय पुरस्कार) प्राप्त हुआ; तंत्रिका विज्ञान भारत पत्रिका के सह-संपादक।

आचार्य सरोज कुमार को विदेशी संस्थानों में आईसीएमआर-डीएचआर अंतराष्ट्रीय अल्पकालीन सहभागिता 2022-2023 के सम्मान से सम्मानित किया गया, यह सम्मान 3 महीने के लिए आईसीएमआर-डीएचआर, स्वास्थ्य और समाज कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रदान किया गया, दिसम्बर 2021-मई 2022 तक "भारतीय विज्ञान और अनुसंधान सहभागिता (आईएसआरएफ) - सार्क देशों के लिए अंतराष्ट्रीय सहभागिता" पर सलाहकार के रूप में कार्य किया, अतिरिक्त कोशिकाओं के पिंड के लिए अंतराष्ट्रीय परिषद की सदस्यता, 2022-2023।

आचार्य उद्दीपन दास को भारत सरकार के द्वारा विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान अनुभव (एसईआरबी-एसआईआरई) पुरस्कार उनके अगस्त 2022 से फरवरी 2023 तक स्टैनफोर्ड एसएसएसी साइटो-ईम सेंटर, स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया, यूएसए का दौरा करने के लिए प्रदान किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

पिछले वर्ष निम्नलिखित विख्यात वैज्ञानिकों एवं प्रख्यात शिक्षाविदों ने विभाग में व्याख्यान देने और वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करने हेतु दौरा किया:

- डॉ. पीटर माले, जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, चेक गणराज्य;
- डॉ. क्रिश्चियन बेट्ज़ेल, हैम्बर्ग विश्वविद्यालय;
- डॉ. रेनू बत्रा-सैफरलिंग, जैविक सूचना प्रसंस्करण संस्थान, जूलिच, जर्मनी;
- डॉ. अनुराग अग्रवाल, अशोका यूनिवर्सिटी;
- डॉ. सोनिका भटनागर, नई दिल्ली,
- डॉ. पुष्कर शर्मा, नई दिल्ली

9.6 जैवसांख्यिकी

अपर आचार्य एवं अध्यक्ष

मारूफ अहमद खान

सहायक आचार्य

एम. कलैवानी

वैज्ञानिक

शिवम पांडे	नीलिमा	सुमित कुमार दास

विशिष्टताएं

विभाग के पास दो बाह्य वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं चल रही हैं। संस्थान में विभिन्न केंद्रों/विभागों के साथ सहयोगी अनुसंधान परियोजनाओं में 34 जारी एवं 14 पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएं शामिल हैं। विभाग के संकायगणों तथा वैज्ञानिकों ने विभिन्न सहकर्मी-समीक्षित चिकित्सा पत्रिकाओं में 77 शोध पत्र प्रकाशित किए। विभाग के संकाय सदस्य देश में कुछ चिकित्सा पत्रिकाओं और विभिन्न चिकित्सा विशिष्टताओं से संबंधित कई अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा पत्रिकाओं के समीक्षक बने हुए हैं। उन्होंने संस्थान में विभिन्न प्रशासनिक तथा वैज्ञानिक समितियों में कार्य किया है एवं उन्हें आईसीएमआर की विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्यों के रूप में आमंत्रित किया गया है और उन्होंने राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षणों के डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी) में कार्य किया है।

शिक्षा

विभाग ने स्नातक, पैरामेडिकल तथा स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों अथार्त रेडियोलॉजी में मेडिकल टेक्नोलॉजी में एमबीबीएस, बीएससी (ऑनर्स), बीएससी (ऑप्टोमेट्री), बीएससी (ओटी टेक्नोलॉजी), एम. बायोटेक, एमएससी (प्रजनन जीवविज्ञान), बीएससी और एमएससी नर्सिंग, और एमडी कम्युनिटी मेडिसिन के लिए "जैव सांख्यिकी और अनुसंधान पद्धतियों की अनिवार्यता" पढ़ाना जारी रखा। संकाय सदस्यों एवं वैज्ञानिकों ने सह-मार्गदर्शक के रूप में संस्थान के अन्य विभागों के छात्रों, पीएचडी के डीसी सदस्यों, डीएम, एमसीएच, एमडी/एमएस/एमएचए/एमडीएस के छात्रों का मार्गदर्शन किया। विभाग की प्रमुख गतिविधियों में संकाय तथा वैज्ञानिकों को उनके अनुसंधान अध्ययन (वित्त पोषित एवं गैर-वित्त पोषित दोनों) और सभी मेडिकल एवं पैरामेडिकल छात्रों को उनकी थीसिस/शोध प्रबंध के लिए योजना बनाने से लेकर रिपोर्ट लेखन के अंत तक पढ़ाना और वैज्ञानिक सांख्यिकीय मार्गदर्शन प्रदान करना शामिल है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

प्रदत व्याख्यान: 1

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020–2021	2021–2022	2022–2023
6	9	1

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. डिमेंशिया की रोकथाम के लिए जोखिम वाले बुजुर्ग भारतीयों में नीतिगत मल्टीमॉडल इटरवेंशन (स्मृति भारत): एक समूह बहुविध यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएमआरसीटी), डॉ. एम. ए. खान, आईसीएमआर, 3 साल, 2022-2024, 10 लाख (लगभग)
2. अनुदैर्ध्य वृद्धि संदर्भ का विकास एवं वृद्धि वेग, कार्डियो चयापचय उपायों और भारत में बच्चों के बीच इसके सहसंबंध का मूल्यांकन- एक संभावित अध्ययन, डॉ. एम. कलाईवानी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2021-दिसंबर 2024, 93.4 लाख

सहयोगी परियोजनाएँ:

जारी

1. हल्के संज्ञानात्मक हानि वाले पार्किंसंस रोगियों के मस्तिष्क में कार्यात्मक तथा जैव रासायनिक सहसंबंधों का मानचित्रण, एनएमआर एवं एमआरआई सुविधा विभाग
2. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं में एंडोमेट्रियोसिस से संबंधित एस्ट्रोजेनिक क्रिया के सेलुलर शरीरक्रियाविज्ञान पर एक अध्ययन, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग
3. प्रयोगशाला रेट में नर प्रजनन पर डीजल निकास के प्रभाव का अध्ययन करना, शरीरक्रियाविज्ञान विभाग
4. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य तथा मादक द्रव्यों के उपयोग संबंधी जागरूकता बढ़ाना, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
5. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर की आणविक विविधता को समझने के लिए एक ओएमआईसीएस दृष्टिकोण, जैव रसायन विभाग
6. आनुवंशिक मार्करों की पहचान और सत्यापन के लिए हाइपोस्पेडिया के रोगियों के पारिवारिक तिकड़ी की संपूर्ण सटीक अनुक्रमण तथा हाइपोस्पेडिया जोखिम मूल्यांकन के लिए एक आनुवंशिक पैनल का विकास, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग
7. एक यादृच्छिक शम नियंत्रित डबल ब्लाइंड परीक्षण में सिज़ोफ्रेनिया (> 2 वर्ष की अवधि) से पीड़ित व्यक्ति में मुख्य रूप से नकारात्मक लक्षणों और संज्ञानात्मक कार्य में आंतरायिक थीटा बर्स्ट उत्तेजना (आईटीबीएस) दोहरावदार ट्रांसक्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) के प्रभाव का अध्ययन करना, मनोचिकित्सा विभाग
8. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने के लिए पूर्वानुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार तथा वजन घटाने को बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, जैवरसायन विभाग

9. भारत में एकीकृत जैविक और व्यवहार निगरानी सर्वेक्षण 2014-15 का उपयोग करके हिजड़ा और ट्रांसजेंडर आबादी के बीच एचआईवी जोखिम व्यवहार के निर्धारकों का आकलन करने के लिए सांख्यिकीय याद्दच्छिक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
10. दो साल से अधिक समय तक कैल्सीनुरिन इनहिबिटर पर कायम स्टेरॉयड-प्रतिरोधी रैंडमाइज सिंड्रोम में छूट बनाए रखने में आईवी रीटक्सिमैब बनाम मुखीय माइकोफेनोलेट मोफेटिल की प्रभावकारिता: एक ओपन-लेबल याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग
11. केलोइड्स के उपचार में ट्राईमिसिनोलोन एसीटोनाइड के सामयिक अनुप्रयोग के साथ आंशिक इलेक्ट्रोलिसिस बनाम अकेले इंट्रालेसिओनल ट्रायमिसिनोलोन एसीटोनाइड की तुलना करने वाला एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, त्वचा एवं रतिजरोगविज्ञान विभाग
12. विटिलिगो से पीड़ित बच्चों और किशोरों और उनका प्राथमिक उपचार करने वालों में जीवन की गुणवत्ता की हानि का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन तथा समान आयु एवं लिंग वाले स्वस्थ कंट्रोल्स और लिंग की तुलना में विटिलिगो से पीड़ित बच्चों और किशोरों में अवसाद, चिंता एवं कम आत्मसम्मान की व्यापकता की तुलना, त्वचा एवं रतिजरोगविज्ञान विभाग
13. बाल्यावस्था के अंतरालीय फेफड़े के रोग की तीव्र तीव्रता में होस्ट और पर्यावरणीय कारक, बाल चिकित्सा विभाग
14. अस्पताल में भर्ती, डिस्पेनिया वाले रोगियों में संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन (एचएफपीईएफ) के साथ गैर नैदानित हृदय विफलता की व्यापकता, जोखिम कारक एवं परिणाम, कायचिकित्सा विभाग
15. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणामों में सुधार के लिए उन्नत व्यवहारिक हस्तक्षेप तथा प्रौद्योगिकी (निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग) के उपयोग की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना : एक थ्री आर्म समानांतर याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कायचिकित्सा विभाग
16. मल्टीमॉडल इमेजिंग का उपयोग करके स्ट्रोक में याद्दच्छिक न्यूरो-संवहनी युग्मित कम्प्यूटेशनल का विकास, एनएमआर एवं एमआरआई सुविधा विभाग
17. हृदय वाहिका रोग में फाइब्रोसिस का अध्ययन: एफआईबीआईसीएआर अध्ययन, हृदयरोगविज्ञान विभाग
18. मनोभ्रंश की रोकथाम के लिए जोखिम वाले बुजुर्ग भारतीयों में नीतिगत मल्टीमॉडल इंटरवेंशन (स्मृति भारत): एक समूह एकाधिक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण (सीएमआरसीटी), न्यूरोलॉजी विभाग
19. नए पैथोलॉजिकल तथा चिकित्सीय पद्धतियों की पहचान करने के लिए इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) और पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस (पीसीपीएफ) का तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स एवं मेटाबोलॉमिक्स अध्ययन। फुफ्फुसीय एवं निद्रा विकार विभाग
20. पारंपरिक तरीकों की तुलना में आयरन की कमी वाले एनीमिया और β-थैलेसीमिया लक्षण को अलग करने के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का मूल्यांकन। प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
21. परिधीय रक्त स्मीयर में पारंपरिक माइक्रोस्कोपी के संबंध में शोनिट (एक नया स्वचालित डिजिटल इमेजिंग प्लेटफॉर्म) के प्रदर्शन का मूल्यांकन करना, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग

22. तृतीयक उपचार अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर में लेवल I के रोगियों में चोट के बाद सेप्सिस के पूर्वसूचक में नवीन हेमटोलॉजिकल विस्तारित सूजन मापदंडों का मूल्यांकन करना, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर
23. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (HE4) स्तर का मूल्यांकन, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग, आईआरसीएच
24. आईसीएमआर का नेटवर्क ऑफ पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईएनपीएफ), पल्मोनरी एवं निद्रा विकार विभाग
25. ब्लंट टोरसो ट्रॉमा वाले मरीजों में सूजन संबंधी साइटोकाइन प्रोफाइलिंग तथा क्रमिक परिवर्तन - एक संभावित, अवलोकन अध्ययन।, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर
26. वेंटीलेटर संबद्ध निमोनिया के निदान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित निर्णय सहायता प्रणाली, कायचिकित्सा विभाग
27. भारत में शहरी ग्रामीण परिवेश में गर्भकालीन मधुमेह के उपचार के लिए स्मार्टफोन ऐप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
28. युवा वयस्कों के लिए एक व्यक्तिगत वजन प्रबंधन मॉड्यूल का विकास तथा मूल्यांकन, कायचिकित्सा विभाग
29. पोस्टमार्टम न्यूनतम इनवेसिव ऊतक नमूने का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक रूप से वेंटीलेटर वाले रोगियों में आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के निदान के लिए बीएम-एएसपीआईसीयू एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, कायचिकित्सा विभाग
30. सेप्सिस के यांत्रिक रूप से वेंटीलेटिड रोगियों के हीमोग्लोबिन सांद्रता पर उच्च खुराक विटामिन डी 3 का प्रभाव: एक प्लेसबो-नियंत्रित यादृच्छिक परीक्षण, कायचिकित्सा विभाग
31. आक्रामक प्रोस्टेट कैंसर को अलग करने के लिए प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े माइक्रो-बायोम के मेटाबोलॉमिक्स तथा मेटा-जीनोमिक्स का उपयोग करके चयापचय बायोमार्कर की पहचान।, एनएमआर विभाग
32. उन्नत हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा के उपचार में री-188-एचडीडी लिपिओडोल ट्रांस आर्टेरियल रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (टीएआरटी) की री-188-डीईडीसी लिपिओडोल टीएआरटी के साथ तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नाभिकीय चिकित्सा विभाग
33. बाल्यावस्था दुर्दम्य फोकल मिर्गी में आरटीएमएस की मध्यवर्ती और दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, शम-नियंत्रित अध्ययन।, बाल चिकित्सा विभाग
34. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा का जीनोमिक्स, प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान विभाग। आईआरसीएच

पूर्ण

1. आर्थोपेडिक ट्रॉमा सर्जरी में पेरिऑपरेटिव इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स परिवर्तन तथा नैदानिक जटिलताओं पर रीजनल एनेस्थीसिया का प्रभाव, संवेदनाहरण एवं गहन उपचार विभाग (जेपीएनएटीसी)

2. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
3. मनोवैज्ञानिक गैर-मिर्गी दौरे वाले व्यक्तियों में संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी बनाम योग निद्रा की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोलॉजी विभाग
4. पुराने प्रीलिंगुअल सेंसरिनुरल हियरिंग लॉस वाले मरीजों में कॉक्लियर इम्प्लांट के परिणाम, ईएनटी विभाग
5. ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के सर्जिकल उपचार में पीईटी की भूमिका, ईएनटी विभाग
6. अधिक वजन/मोटापे वाले स्कूली बच्चों में बीएमआई को कम करने तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन-आधारित हस्तक्षेप: एक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग
7. दिल्ली की एक शहरी कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में पीठ के निचले हिस्से में दर्द की व्यापकता एवं इसके संबंधित कारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
8. कोविड-19 महामारी के दौरान ग्रामीण बल्लभगढ़ में मातृ स्वास्थ्य उपचार सेवाओं का उपयोग, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
9. हेपेटिक ग्लाइकोजन भंडारण विकारों के व्यक्तिगत ग्लाइसेमिक उपचार में निरंतर ग्लूकोज निगरानी की भूमिका, बाल चिकित्सा विभाग
10. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों में मधुमेह तथा उच्च रक्तचाप, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
11. पीसीओएस एवं गैर-पीसीओएस बांझ महिलाओं में मनोवैज्ञानिक रुग्णता और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) के मार्कर के रूप में इंसुलिन प्रतिरोध की तुलना - एक केस नियंत्रण अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
12. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात पूर्वानुमानित और पूर्वानुमानित कारकों के साथ इसके संबंध को मापने के लिए एक अध्ययन, शल्यक विभाग
13. बाल चिकित्सा एचआईवी संबंधी सेवाओं में आने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
14. संज्ञानात्मक हानि वाले वृद्ध रोगियों में श्रवण हानि का संबंध, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी विभाग, सिर एवं गर्दन की सर्जरी

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 67 सार: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	144	114	68
पत्रिका लेख	144	114	67
सार	0	0	01
पुस्तकों में अध्याय	0	0	0
पुस्तकें	0	0	0

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य मारूफ ए खान अल्पसंख्यक पर्यवेक्षक के रूप में सदस्य संकाय चयन समिति, एम्स, कल्याणी, सदस्य संकाय चयन समिति, जामिया हमदर्द, परियोजना स्टाफ भर्ती के लिए अध्यक्ष चयन समिति, आईसीएमआर, नैदानिक परीक्षण के लिए डीएसएमबी सदस्य, पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक, संपादकीय बोर्ड सदस्य (बायोस्टैटिस्टिक्स)-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक रिपोर्ट्स एंड हेल्थ साइंस रिसर्च, यूएसए हैं तथा लैंसेट जर्नल्स, पीएलओएस-वन, बीएमजे, टर्किश जर्नल ऑफ एनालिसिस एंड नंबर थ्योरी एवं जर्नल ऑफ ओबेसिटी के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया।

आचार्य एम कलाईवानी आईसीएमआर वीपीएम वैक्सीन परीक्षण: एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड के डीएसएमबी सदस्य हैं। नव निदान किए गए थूक पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्को में तपेदिक (टीबी) को रोकने में दो टीकों वीपीएम 1002 एवं इम्मुवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए थ्री आर्म प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण; क्लिनिकल रिसर्च यूनिट की कार्य समिति सदस्य; परियोजना कर्मचारियों के लिए चयन समिति सदस्य; इंडियन सोसाइटी फॉर मेडिकल स्टैटिस्टिक्स के आजीवन सदस्य; क्लिनिकल बायोस्टैटिस्टिक्स के लिए इंटरनेशनल सोसायटी के सदस्य तथा जनसंख्या के अध्ययन के लिए इंडियन एसोसिएशन के आजीवन सदस्य।

9.7 जैवप्रौद्योगिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

श्याम एस चौहान

अपर-आचार्य

अनुश्री गुप्ता

सह-आचार्य

सिरीश कुमार इप्पागुंटा
रूपेश कुमार श्रीवास्तव
विक्रम सैनी
भूपेन्द्र कुमार वर्मा
सुमित राठौड़

सहायक आचार्य

महेंद्र सीरवी
विनीत चौधरी
अवतार सिंह मीणा

वैज्ञानिक

श्रागनी सौगंधिका

विशिष्टताएं

- जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रत्येक बैच में 18 विद्यार्थियों के चिकित्सा जैवप्रौद्योगिकी में विशेषज्ञता सहित जैवप्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। एम.एससी एवं पीएच.डी विद्यार्थियों की कुल क्षमता लगभग 50 है।
- विभागीय संकाय-सदस्यों ने पिछले एक वर्ष में लगभग 4 पोस्टडॉक्टरल वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन किया है।
- विभाग विविध पृष्ठभूमि के छात्रों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक छात्र परामर्श एवं कैरियर जागरूकता कार्यक्रम चलाता है।
- विभागीय संकाय-सदस्य ने प्रतिष्ठित वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फ़ेलोशिप ग्रांट सहित विभिन्न फंडिंग एजेंसियों द्वारा बड़ी संख्या में बाहय अनुदान प्राप्त किए हैं।
- विभागीय संकाय-सदस्य ने जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों से राष्ट्रीय स्तर के सम्मान/पुरस्कार प्राप्त किए हैं।
- विभागीय संकाय ने भारत सरकार के विभिन्न संस्थानों एवं विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित कई वैज्ञानिक समितियों में विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया ।
- विभागीय संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय, प्रमुख प्रभावशाली पत्रिकाओं में बड़ी संख्या में सहकर्मी समीक्षा अनुसंधान लेख प्रकाशित करवाए हैं।

- विभाग में 6 वरिष्ठ डेमंस्ट्रेटर्स (डॉ. चमन सैनी, डॉ. रविंदर कुमार, डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. अनुज कुमार तोमर, डॉ. किरण कुमारी तथा डॉ. मोनिका) ने विभाग की शिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों में भाग लिया है।
- **रोगी उपचार सेवा, शिक्षा तथा अनुसंधान में सुधार करने के लिए उठाए गए कदम** : विभाग जैवचिकित्सा अनुसंधान हेतु अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाना जाता है संकाय के निरंतर प्रयासों ने कुष्ठ रोग, क्षयरोग, मलेरिया एवं कैंसर के क्षेत्रों में विभाग का नाम स्थापित किया है। विभाग में शुरू किए गए अनुसंधान के नए क्षेत्रों में कार्डियोजेनोमिक्स, जैवसूचना विज्ञान, ऑस्टियोइम्यूनोलॉजी, वायरोलॉजी, चयापचय तथा संक्रामक रोगों के बायोएनर्जेटिक्स, रेडॉक्स बायोलॉजी, इनेट इम्युनिटी, इन्फलेमेशन, औषधि विकास, आणविक परजीवीविज्ञान, लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस, कोशिका मृत्यु एवं इसका विनियमन और आणविक कैंसर चिकित्सीय विज्ञान शामिल हैं। डॉ. विक्रम सैनी ने कोविड-19 के बेहतर निदान के लिए एक नोबल कोल्ड चेन इन्डिपेन्डेंट कोस्ट-इफेक्टिव वायरल ट्रांसपोर्ट मिडियम विकसित किया है, संक्रमण को कम करने एवं रोगी स्वास्थ्य उपचार में सुधार की योजना के रूप में भारत सरकार के मेक इन इंडिया फ्रेमवर्क के तहत मेडिकेटेड कपड़े विकसित करने के लिए एक आईआईटी-दिल्ली स्टार्ट-अप, एम्स-मेडिक फाइबर्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रमुख अन्वेषक के रूप में एक व्यापक अनुसंधान समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- **आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना**: कैंसर जीवविज्ञान, प्रतिरक्षाविज्ञान, वायरोलॉजी, संक्रामक रोग विज्ञान, आणविक परजीवीविज्ञान, लिपिड मेटाबोलिज्म, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और यकृत रोगों के क्षेत्रों में अनुसंधान में निरंतर महत्वपूर्ण योगदान देना जारी रखना। इसके अलावा, विभागीय संकाय विशेष रूप से तपेदिक जैसे द्वितीय एवं तृतीय श्रेणी के संक्रमणों के लिए प्रौद्योगिकिय तथा नैदानिक और चिकित्सीय परीक्षणों के विकास में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जो एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राथमिकता है। इसके अतिरिक्त विभाग के संकाय-सदस्य द्वारा विकसित उत्पादों को बाजार तक पहुंचाना एवं उनका व्यावसायीकरण करना भी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

1. सुश्री लीना सप्रा, पीएच.डी छात्रा ने दिनांक 1 अक्टूबर 2022 को एम्सोनियन डॉ अरूण फोटेडर मेमोरियल: सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित कार्य हेतु एम्स ओएनआईएएन पुरस्कार प्राप्त किया गया।
2. सुश्री नीति शौकिन, वरिष्ठ अनुसंधान फेलो ने दिनांक 27 फरवरी 2023 को एसएमएस मेडिकल कॉलेज में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में जैवचिकित्सा विज्ञान में बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन हेतु पुरस्कार प्राप्त किया।
3. दिनांक 17 अक्टूबर 2022 को एम्स के दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में डॉ. रूपेश श्रीवास्तव ने एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।
4. दिनांक 18 अक्टूबर को डॉ. विक्रम सैनी ने दूसरे एम्स अनुसंधान दिवस पर नवीन उत्पाद विकास हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।

शिक्षा

स्नातकोत्तर शिक्षण

- विभाग जैवप्रौद्योगिकी में 2 वर्ष का स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करता है, इसमें चिकित्सा जैवप्रोद्योगिकी पर बल दिया जाता है, इसमें एम. बायोटेक की डिग्री दी जाती है। शिक्षण कार्यक्रम में 16 विषय शामिल हैं, अर्थात् कोशिका एवं विकासात्मक जीवविज्ञान, जेनेटिक्स, मानव जैवरसायन विज्ञान, चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान, प्रतिरक्षा विज्ञान तथा इम्यूनोटेक्नोलॉजी, आणविक जीवविज्ञान, संक्रामक रोग जीवविज्ञान, आनुवांशिकी इंजीनियरिंग और जीनोम प्रौद्योगिकी, जैवभौतिकी (चिकित्सा में सिद्धांत, तकनीक तथा अनुप्रयोग), जैवसूचना विज्ञान, ओएमआईसीएस (जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिप्टोमिक्स, प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलॉमिक्स), बायोस्टैटिस्टिक्स, प्रयोगशाला तकनीकों संबंधी सेमिनार (सिद्धांत एवं इन्स्ट्रूमेंटेशन), चिकित्सा जैवप्रोद्योगिकी (जर्नल क्लब तथा संचार कौशल), आणविक चिकित्सा एवं जैव प्रौद्योगिकी पर संगोष्ठी तथा चिकित्सा अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में अनुसंधानात्मक निबंध।

- विभाग ने एम. बायोटेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में पांच नए क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किए हैं, जैसेकि संक्रामक रोग जीवविज्ञान, ओएमआईसीएस: जीनोमिक्स, ट्रांसक्रिपटॉमिक्स, प्रोटिओमिक्स तथा मेटाबोलॉमिक्स, बौद्धिक संपदा अधिकार, जैवनीति एवं बायोसेफ्टी (आईबीबी), आणविक निदान तथा नैदानिक जैव रसायन विज्ञान (एमडीबी) तथा मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी तथा संक्रामक रोग जीवविज्ञान पर प्रयोगशाला पाठ्यक्रम।
- प्रैक्टिकल कक्षाओं में छात्रों पर व्यक्तिगत रूप से ध्यान देना और व्यापक प्रायोगात्मक प्रशिक्षण दिया जाता है।
- जैवप्रौद्योगिकी विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान, आणविक चिकित्सा जीनोममिक्स, प्रोटियोमिक्स आदि पर संगोष्ठी आयोजित करने के लिए विभिन्न विशिष्टताओं के एम्स संकाय-सदस्यों के अलावा पीजीआईएमईआर, जेएनयू, आईजीआईबी, आईसीजीईबी, एनआईआई, आईआईटी, टीएचएसटीआई, आरसीबी, बीसीआईएल, टीईआरआई, जामिया हमदर्द एवं दिल्ली विश्वविद्यालय से विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है।
- विभाग चिकित्सा जैवप्रोद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में पीएच.डी कार्यक्रम आयोजित करता है।
- विभाग डीबीटी एवं डीएसटी राष्ट्रीय पोस्ट-डॉक्टरल तथा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त युवा वैज्ञानिकों को मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान करता है।

वर्ष	**विभाग में पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या**
2020-2021	13
2021-2022	21
2022-2023	25

प्रदत्त व्याख्यान: 33

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

संकाय-सदस्य का नाम	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
	0	**20**	**33**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 19

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	**2021-2022**	**2022-2023**
4	10	19

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: रोग निदान एवं उपचार में संबंध, श्याम एस चौहान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 21.93 लाख रुपये
2. ग्लूकोमा में एंडोथिलिन एवं रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरआरएएस) का मूल्यांकन, अनुश्री गुप्ता, नेत्र भेषजगुणविज्ञान विभाग सहित अंतःविषय सहयोगी एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना (एसी -20), डॉ रा.प्र. केंद्र, नेत्रचिकित्सा विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2021-2023, 10 लाख रुपये
3. "एकल +139'ए' सम्मिलन उत्परिवर्तन वाले EDN1 जीन के 5'UTR का आणविक लक्षण वर्णन", अनुश्री `गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 84.51 लाख रुपये
4. एंडोथिलिन रिसेप्टर जीन के साइलेंट जेनेटिक वेरिएंट के क्रियात्मक लक्षण वर्णन हेतु आणविक उपकरणों का निर्माण, अनुश्री गुप्ता, अनुसंधान अनुभाग एम्स, अर्ली कैरियर ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये
5. ल्यूपस रोगियों से पेरिफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सेल्स में नोवल टोल-लाइक रिसेप्टर-सिग्नलिंग अवरोधकों की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों का पता लगाना: ल्यूपस के लिए दवा लक्ष्यीकरण के रूप में टीएलआर की पहचान करने के लिए एक अध्ययन, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, 68.01 लाख रुपये
6. रूमेटोइड अर्थराइटिस मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं एवं सिनोवियल फ़ाइब्रोब्लास्ट पर नोबल टोल-लाइक रिसेप्टर सिग्नलिंग अवरोधकों के एन्टी-इन्फेलेमेंटरी प्रभावों की पहचान: रुमेटोइड अर्थराइटिस में सूजन को नियंत्रित करने के लिए भविष्य की संभावित नीति के रूप में टीएलआर सिग्नलिंग इन्हेबिशन की पहचान करने के लिए एक इन विट्रो अध्ययन, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 81.81 लाख रुपये
7. "आईएलसी 3 आईएलसीआरईजी एक्सिस पर प्रोबायोटिक्स के प्रभाव के माध्यम से रजोनिवृत्ति के बाद के ऑस्टियोपोरोसिस में हड्डियों के स्वास्थ्य का उपचार करने में प्रोबायोटिक्स की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी भूमिका को स्पष्ट करना", रूपेश के. श्रीवास्तव, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 82.00 लाख रुपये
8. 'ऑस्टियोपोरोटिक स्थितियों में चयनित होम्योपैथिक फॉर्मूलेशन (एसएचएफ) की हड्डी सुरक्षात्मक क्षमता को जांचना' रूपेश के. श्रीवास्तव, सीसीआरएच-आयुष, 3 वर्ष, 2022-2025, 70.00 लाख रुपये
9. ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार एवं प्रबंधन में प्रोबायोटिक्स की चिकित्सीय क्षमता को जांचने करने हेतु: “रेगुलेटरी बी कोशिकाओं (ब्रेग्स) की भूमिका, रूपेश के. श्रीवास्तव, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद(आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2022-2025, 73.00 लाख रुपये

10. ओस्ट्रोजेन डेफिसेंसी इंड्यूस्ड हड्डी डिटेरीओरेशन को काउंटरेक्ट करने के लिए मानव इंड्यूस्ड प्लुरिपोटेंट स्टेम कोशिका (एचआईपीएसी) -डिराइव मेसेनकाइमल स्टेम सेल (आईएमएससी) द्वारा जारी बाह्य कोशिकीय पुटिकाओं (ईवी) की चिकित्सीय क्षमता की जांच करना "रूपेश के श्रीवास्तव, एम्स-यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, 10.00 लाख रु

11. “एक्यूट रेसिपेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) का उपचार करने में प्रोबायोटिक्स की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी क्षमता का विश्लेषण करना”, रूपेश के श्रीवास्तव, यूनिक बायोटेक, हैदराबाद से सीएसआर फंडिंग, 1 वर्ष, 2022-2023, 5.00 लाख रुपये।

12. "ऑस्टियोपोरोसिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में टीएच9 कोशिकाओं की भूमिका प्रमाणित करना", रूपेश के. श्रीवास्तव, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 10.00 लाख रुपये

13. "रेगुलेटरी बी कोशिकाओं के विभेदन एवं कार्य को संशोधित करने में एस्ट्रोजन की नियामक क्षमता की जांच करना: बोन्स रीमॉडलिंग में इम्प्लिकेशन", रूपेश के श्रीवास्तव, एम्स, बहुविषयक परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 20.00 लाख रुपये

14. माइकोबैक्टीरियल संक्रमण में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, विक्रम सैनी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2023, 59.06 लाख रूपये।

15. तपेदिक उपचार के लिए एक नए दृष्टिकोण के रूप में सेलेनियम सप्लिमेन्टेशन के माध्यम से होस्ट बायोएनर्जेटिक्स स्वास्थ्य एवं रेडॉक्स फ़ंक्शन का मॉडुलेशन, विक्रम सैनी, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, 53.5 लाख रुपये।

16. एब्सेसस ऑफ एल, डी-ट्रांसपेप्टिडेस की विशेषता : बढ़ता हुआ अवसरवादी रोगज़नक़, विक्रम सैनी (डॉ. नम्रता कुशवाह महिला वैज्ञानिक सलाहकार), डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-23, 30.9 लाख रुपये

17. माइक्रोबियल संक्रमण के उपचार के लिए एक नए दृष्टिकोण के रूप में प्रोबायोटिक्स बायोएनर्जेटिक्स स्वास्थ्य मॉड्यूलेशन की मध्यस्थता, विक्रम सैन, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2020-23, 75.50 लाख रुपये।

18. पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारत में ज़ूनोटिक और ट्रांसबाउंडरी रोगों की पहचान करने हेतु नेशनल कंसोर्टियम फॉर वन हेल्थ, विक्रम सैनी (एम्स में प्रधान अन्वेषक), डीबीटी, 3 साल, 2021-2024, 57.12 लाख रुपये

19. एमआईपी के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रोटीन की विशेषता, विक्रम सैनी, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये।

20. सॉर्स-कोव-2 संक्रमण के दौरान प्रतिरक्षा कोशिकाओं के रेगुलेशन के बायोएनर्जेटिक प्रणाली की पहचान, विक्रम सैनी, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये

21. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएएनए अंशों की पहचान तथा क्रियात्मक लक्षण-वर्णन, भूपेन्द्र के वर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 39.41 रूपये।

22. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए-व्युत्पन्न आरएनए अंशों का यांत्रिक विश्लेषण, भूपेन्द्र के. वर्मा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपये।
23. डीईएनवी संक्रमण में संशोधित प्रमुख स्प्लिसिंग घटनाओं की जांच, भूपेन्द्र के. वर्मा, डीबीटी, 3, 2021-24, 55.5 लाख रुपये।
24. जुवेनाइल नासॉफिरिन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में सटीक अनुक्रमण तथा आणविक लक्षण-वर्णन, भूपेन्द्र के वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये।
25. ह्यूमेन मलेरिया पैरासाइट प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम में माइटोकॉन्ड्रियल गतिशीलता तथा हेमियोस्टेसिस के मुख्य नियामकों को समझना , सुमित राठौड़, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, 67 लाख रुपये।
26. फुफ्फुसीय तपेदिक रोगियों में क्रोनिक पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस की घटनाओं का आकलन करने तथा एस्परगिलस इम्यूनोडायग्नोस्टिक एंटीजन की पहचान करने के लिए एक लोन्गिट्यूडनल अध्ययन, सुमित राठौड़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये
27. साइटोप्लाजिमक स्टेर्स ग्रेनूल्स कैंसर कोशिकाओं में एनास्टेसिस के गतिशील नियामक ?, महेंद्र सीरवी, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2021-2024, 64 लाख रुपये।
28. लिपिड ड्रॉपलेट बायोजेनेसिस के मोल्यूक्यूलर मेकेनिसम, विनीत चौधरी, वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस।

    योजना: बेसिक बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में इंटरमीडिएट फेलोशिप ग्रांट, 5 वर्ष, 2021-2026, 359 लाख रुपये
29. सिस्टम अपरोच के माध्यम से लिपोडिस्ट्रॉफी तथा इंसुलिन प्रतिरोध में संरक्षित वसा स्टोरेज-इन्डुयूसिंग ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम 2) प्रोटीन के कार्यों को समझना, विनीत चौधरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी); द्विपक्षीय कार्यक्रम (इंडो-स्विस संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम (आईएसजेआरपी), 4 वर्ष, 2021-2025, 249 लाख रुपये
30. ऐस्टोलिपिक लिपिड ड्रोपलेट उत्पत्ति में सीपिन प्रोटीन की भूमिका की जांच , विनीत चौधरी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 10.00 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	26	27	30
कुल वित्तपोषण 2020 से 2026) रू.	1766.25 लाख		

पूर्ण

1. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टाइडेज़ III की सेलुलर एवं इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रक्रिया, श्याम एस चौहान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 35.00 लाख रुपये।

2. नए छोटे अणु अवरोधक का उपयोग करके स्वस्थ दाताओं के पेरिफेरल ब्लड मोनोन्यूक्लियर सेल में टोल-लाइक रिसेप्टर एवं इंटरल्यूकिन-1 रिसेप्टर की जैव विज्ञान संबंधी जांच, सिरीश कुमार इप्पागुंटा, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2020-2021, 5.00 लाख रुपये।
3. ऑस्टियोपोरोसिस के प्रोबायोटिक्स मेडिएटिड इन्हेबिसन में जीयूटी रेजिडेन्ट रेगुलेटरी टी कोशिकाओं को शामिल करने वाले सेलुलर प्रक्रिया की व्याख्या, रूपेश के श्रीवास्तव, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 65.00 लाख रुपये
4. ओस्टियोपोरोसिस का उपचार करने हेतु नए मशरूम आधारित सिनबायोटिक फूड सप्लीमेंट का विकास, रूपेश के श्रीवास्तव, एम्स-आईआईटी-दिल्ली इंटर इंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट, 2 साल, 2019-2021, 20.00 लाख रुपये
5. रजोनिवृत्ति के बाद के ऑस्टियोपोरोसिस में रेगुलेटरी बी कोशिकाओं (ब्रेग्स) की भूमिका प्रमाणित करना, रूपेश के. श्रीवास्तव, एम्स- इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 10.00 लाख रुपये
6. मामूली लक्षण वाले, बीमार तथा गंभीर रूप से बीमार कोविड-19 से पीड़ित रोगियों में मामूली लक्षणों में होस्ट ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग, विक्रम सैनी, एम्स कोविड-19, 2 वर्ष, 2021-2023, 10.0 लाख रुपये
7. म्यूकोर्मिकोसिस संक्रमण में एक प्रमुख योगदान कारक के रूप में जिंक होमियोस्टैसिस का डिस्रेगुलेशन, विक्रम सैनी, एम्स कोविड-19, 2 वर्ष, 2021-2023, 5.0 लाख रुपये
8. एंटीबायोटिक टोलरेन्स संबंधी चुनौती का सामना: एम ट्यूबरकुलोसिस क्लीयरेंस से उभरने के लिए डिईटीआर डॉर्मेसी रेगुलेटरी टारगेटिड एप्रोच सहित पारंपरिक एंटी-ट्यूबरकुलर दवाओं का संयोजन, विक्रम सैनी डीबीटी, 3 साल, 2019-2022, 59.3 लाख रुपये
9. ईएमटी में टीआरएनए व्युत्पन्न गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका का अन्वेषण तथा घातक रोगों हेतु इसकी प्रासंगिकता, भूपेन्द्र के. वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये
10. प्लास्मोडियम विवैक्स सिवियर मलेरिया में एमआईआरएनए का प्रसार, सुमित राठौड़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 2 वर्ष, 2019-2021, 10.00 लाख रुपये
11. सार्स-कोव-2 के स्पाइक प्रोटीन के विरूद्ध हाई ऐफिनिटि पुनः संयोजिक म्यूरिन मोनोक्लोनल एंटीबॉडी फ्रैग्मेंटस (एससीएफवी) की उत्पत्ति, सुमित राठौड़, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, 1 वर्ष, 2020-2021, 8 लाख रुपये
12. एएलडीएच1 ए3 की भूमिका में एनास्टेसिस एवं संबंधित कैंसर स्टेम कोशिकाओं जैसी स्तन कैंसर कोशिकाओं में सेलुलर परिवर्तन, महेंद्र सीरवी, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. स्तनधारी कोशिकाओं में कुशल जीनोम संपादन हेतु डूअल सलेक्शन प्लास्मिड का निर्माण।
2. ओरल डिसप्लेसिया के घातक परिवर्तन में ईजीएफआर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका।

3. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में सिस्टीन कैथेप्सिन: रोग निदान एवं चिकित्सा विज्ञान में संबंध।
4. ग्लियाल ट्यूमरजेनसिस में प्रोथिमोसिन अल्फा की भूमिका।
5. कोरोनरी धमनी रोग से पीड़ित भारतीय रोगियों में एसएनपी केरिंग एंडोटिलिन रिसेप्टर 'ए' जीन की क्लोनिंग तथा उत्पत्ति देखी गई।
6. स्तनधारी कोशिका-रेखाओं में एंडोटिलिन-1 प्रोक्सिमल एवं डिस्टल प्रमोटर तत्वों द्वारा ट्रांसक्रिप्शनल रेगुलेशन पर अध्ययन।
7. "ईटी-1 जीन के 5'-यूटीआर क्षेत्र में 'ए' की सीआरआईएसपीआर नोक मध्यस्थता के लिए आणविक उपकरणों का निर्माण"।
8. जीवाणु संक्रमण में इंट्रासेल्युलर गैसों की भूमिका।
9. एमआईपी के इम्युनोमोड्यूलेटर प्रोटीन का लक्षण-वर्णन।
10. म्यूकोर्मिकोसिस संक्रमण की गंभीरता का आणविक आधार।
11. पोषण संबंधी कारक, माइक्रोन्यूट्रिनल सप्लीमेन्टेशन तथा तपेदिक संक्रमण।
12. अस्पताल में फैलने वाले संक्रमण से निपटने के लिए रोगाणुरोधी कपड़ों का विकास।
13. इम्यूनोमॉड्यूलेशन तथा माइक्रोबियल संक्रमण में प्रोबायोटिक्स की भूमिका।
14. माइकोबैक्टीरियल संक्रमणों में ड्रग टोलरेन्श के आधार को समझना।
15. कोविड-19 सहसंक्रमण एवं प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का चयापचय आधार।
16. ज़ूनोटिक संक्रमणों से निपटने की एक स्वास्थ्य पद्धति।
17. रुमेटोइड गठिया रोगियों के मोनोन्यूक्लियर सेल में टीएलआर एन्टोगेनिस्ट की सूजन-रोधी गतिविधि पर अध्ययन।
18. ल्यूपस पीबीएमसी में एंडोसोमल टीएलआर एन्टोगेनिस्ट की सूजन-रोधी गतिविधि पर अध्ययन।
19. ल्यूपस पेरिफेरल ब्लड रक्त मोनोन्यूक्लियर सेल में टोल-लाइक रिसेप्टर सिग्नलिंग इन्हेबिटेटर्स की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों का मूल्यांकन।
20. ल्यूपस एरिथेमेटोसस निष्क्रिय प्रणाली में टोल लाइक रिसेप्टर्स
21. "लिपिड ड्रोपलेट जैवजनन में लगे ईआर सबडोमेन का क्रियात्मक लक्षण-वर्णन"
22. "लिपिड ड्रोपलेट के संयोजन में संरक्षित वसा स्टोरेज-इन्डुसिंग ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएस 2) प्रोटीन के कार्यों को समझना"।
23. "लिपिड ड्रोपलेट जैवजनन के रेगुलेशन में लिपिड ड्रोपलेट संयोजन कारकों की भूमिका को जांचना"
24. "एपोप्टोटिक एवं एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में न्यूक्लियोसाइटोप्लाज्मिक ट्रांसपोर्ट प्रोटीन की भूमिका का निर्धारण"

25. "एपोप्टोटिक और एनास्टैटिक कैंसर कोशिकाओं में स्ट्रेस ग्रैन्यूल तथा संबंधित आणविक कारकों की भूमिका को समझना"

26. डीईएनवी रोगजनन में टीआरएनए व्युत्पन्न आरएनए अंशों की पहचान तथा इनका क्रियात्मक लक्षण-वर्णन।

27. डेंगू पैथोफिजियोलॉजी में स्प्लिसोसोमल रेगुलेशन।

28. डेंगू वायरस विकृतिरोग विज्ञान के दौरान एमआईआरएनए-आरबीपी नेक्सस को डिकोडिंग करना।

जारी

1. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टाइडेज़ III की सेलुलर और इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रक्रिया।
2. मुख संबंधी कैंसर में ह्यूमेन हेटेरोजेनस न्यूक्लियर राइबोन्यूक्लियोप्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका।
3. ग्लूकोमा से पीड़ित भारतीय रोगियों में एंडोटिलिन-1 जीन के 5'यूटीआर एन्कोडिंग लोक्स में सिंगल न्यूक्लियोटाइड पोलीमोर्फिज्म पर अध्ययन।
4. रिपोर्टर जीन परीक्षण के माध्यम से इसके एक्स्प्रेशन पर *ईडीएन-1 जीन* के 5'यूटीआर में सिंगल 'ए' +139 स्थिति के सम्मिलन के प्रभाव पर अध्ययन।
5. कोरोनरी आर्टरी रोग से पीड़ित भारतीय रोगियों में देखी गई एसएनपी को उत्पन्न करने वाले एंडोटिलिन रिसेप्टर बी जीन की क्लोनिंग एवं एक्स्प्रेशन।
6. म्यूकोर्मिकोसिस में जिंक की भूमिका।
7. माइकोबैक्टीरियल ड्रग टारगैटिंग के लिए सल्फर मेटाबोलिज्म।
8. हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पत्ति के रेगुलेशन में धातुओं की भूमिका।
9. स्वस्थ पीबीएमसी में इंटरल्यूकिन-1 बीटा प्रतिक्रिया पर पायराज़ोल आधारित छोटे अणु का प्रभाव।
10. पाइराज़ोल आधारित छोटे अणु का उपयोग करके टीएलआर 3 को लक्षित करना।
11. सीपिन म्यूटेंट में एक्टोपिक लिपिड ड्रोपलेट पर प्रोटीन लक्ष्यीकरण का परीक्षण करना।
12. सीपिन फ़ंक्शन की कमी वाली कोशिकाओं में एक्टोपिक लिपिड ड्रोपलेट के परिणामों को जांचना।
13. यीस्ट ट्राईसिलग्लिसरॉल संश्लेषण करने वाले एंजाइम एलआरओ1 का क्रियात्मक लक्षण वर्णन।
14. होस्ट ओस्टियो-इम्यून सिस्टम को रेगुलेटिंग माध्यम से हड्डी संबंधी स्वास्थ्य सुधार करने में बिफीडोबैक्टीरियम लोंगम की भूमिका का अध्ययन करना।
15. ओवीएक्स मादा चूहों में प्रोबायोटिक लैक्टोबैसिलस रमनोसस (एलआर) और टी सेल वंशावली के बीच संबंध का अध्ययन करना।
16. माइक्रोसिस्टिन-एलआर प्रेरित हड्डी संबंधी हानि में टीएच17-ट्रेग कोशिकाओं की भूमिका का विश्लेषण करना।
17. बोन रीमोडलिंग रेगुलेटिंग में सोडियम बेंजोएट (एनएबी) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

18. बोन रीमॉडलिंग को रेगुलेटिंग में एमसी-एलआर की प्रभावशीलता का अध्ययन करना
19. बोन हेल्थ रेगुलेटिंग एससीएफए की इम्युनोपोरोटिक भूमिका सिद्ध करना।
20. एक्यूट रेसिपेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम (एआरडीएस) का उपचार करने में प्रोबायोटिक्स की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी क्षमता का विश्लेषण करना।
21. ऑस्टियोपोरोसिस में इनेट लिम्फोइड सेल (आईएलसी 3 एस) की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका को जांचना।
22. प्लास्मोडियम विवैक्स सीवियर मलेरिया रोगियों में रेटिकुलोसाइट्स की सर्फेस प्रोटिओमिक्स।
23. एरिथ्रोसाइट सर्फेस वाले प्लास्मोडियम विवैक्स ट्रिप्टोफैन रिच एंटीजन 26.3 (पीवीटीआरएजी 26.3) के परस्पर क्रिया करने वाले प्रोटीनों की पहचान करना।
24. प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम के माइटोकॉन्ड्रियल केरियर प्रोटीन का सबसेलूल्र का स्थानीयकरण करना।
25. प्लाज्मोडियम संक्रमण का पता लगाने के लिए एप्टामर आधारित जांच का विकास।
26. बीसीएल-2/ बीसीएल -एक्सएल मध्यवर्ती दवा-प्रतिरोधी सेल मॉडल का निर्माण।
27. वास्तविक समय में स्ट्रेस ग्रैनुएल गठन का अध्ययन करने के लिए एक इमेज-बेसड कोशिकीय प्रणाली का निर्माण।
28. कैंसर कोशिकाओं में एक न्यू माइटोकैन ओएनसी 212 द्वारा प्रेरित एपोप्टोसिस एवं इसके सिग्नलिंग का अध्ययन।
29. डेंगू वायरस के संदर्भ में प्री-एमआरएनए स्प्लिसिंग की विशेषता।
30. माइनर स्प्लिसोसोम और पॉलीएडेनाइलेशन मशीनरी के मध्य क्रियात्मक पारस्परिक क्रिया का लक्षण-वर्णन।
31. ईएमटी में टीआरएनए व्युत्पन्न गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका की जांच एवं घातक रोगों हेतु इसकी संबद्धता।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सीआरआईएसपीआर-आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग करके निदान तथा प्रयोगात्मक चिकित्सा विज्ञान का विकास, जैवरसायन एम्स, नई दिल्ली।
2. ग्लूकोमा में एंडोटिलिन एवं रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन प्रणाली (आरआरएएस) का मूल्यांकन, नेत्र भेषजगुणविज्ञान, डॉ. रा.प्र. केन्द्र नेत्रचिकित्सा विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
3. ट्रामा के दौरान हेमटोपोइएटिक विफलता हेतु आईपीएससी डिराईवड हेमटोपोइएटिक प्रजनन कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करना।
4. एनिमल मॉडल का उपयोग करके हेमोहेजिक शॉक, आपातकालीन चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली।

5. सिस्टम एप्रोच के माध्यम से लिपोडिस्ट्रॉफी तथा इंसुलिन रेसिसटेंश में संरक्षित वसा स्टोरेज-इन्डुसिंग ट्रांसमेम्ब्रेन (एफआईटीएम2) प्रोटीन की प्रक्रिया को समझना, जीवविज्ञान विभाग, फ़्राइबर्ग विश्वविद्यालय, फ़्राइबर्ग, स्विट्जरलैंड।
6. ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में जीएएम की भूमिका, आर्थोपेडिक्स, एम्स, नई दिल्ली।
7. ऑस्टियोपोरोटिक रोगियों में प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, अस्थिरोग, एम्स, नई दिल्ली
8. ऑस्टियोक्लास्टोजेनेसिस में टीएच 9 कोशिकाओं की भूमिका, टीएचएसटीआई
9. फाइटोथेरेप्यूटिक्स एंड बोन हेल्थ, आईआईटी-खड़गपुर।
10. गट माइक्रोबायोम तथा एनएबी, एनसीसीएस, पुणे।
11. अस्थि स्वास्थ्य पर बीपीए की भूमिका, दिल्ली विश्वविद्यालय।
12. ओस्टिओपेरिसिस के उपचार हेतु नवीन मशरूम-आधारित सिनबायोटिक फूड-सप्लिमेंट का विकास, आईआईटी-दिल्ली।
13. अग्नाशयशोथ, में प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका जठरांत्ररोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
14. क्षय रोग में प्रतिरक्षा प्रणाली की भूमिका, जैवभौतिकी विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
15. यूवाइटिस के पैथोफिज़ियोलॉजी में टीएच17/टीआरईजीएस सेल ऐक्ससन की भूमिका प्रमाणित करना, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र चिकित्सा विज्ञान केंद्र (डॉ.रा.प्र.कें., एम्स, नई दिल्ली)
16. कोवैक्सिन तथा कोविशील्ड के लिए अनुकूल प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, जैवरसायन विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
17. मलेरिया ब्लड-स्टेज वैक्सीन की ओर: मुख्य लिगैंड कॉम्प्लेक्स की पहचान एवं संरचनात्मक विश्लेषण।
18. प्रोटियोमिक क्रायोईएम तथा इम्यूनोलॉजिकल एप्रोच द्वारा से प्लास्मोडियम फाल्सीपेरम मेरोजोइट, इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी (आईसीजीईबी)।
19. माइनर स्प्लिसोसोमल तथा डेंगू, टीएचएसटीआई।
20. एटैक्सिया टैलेंगिएक्टेसिया, में एंटीसेंस ऑलिगो मेडिएटिड चिकित्सा, बाल चिकित्सा, एम्स, दिल्ली।
21. किशोर में होने वाले नासॉफिरिन्जियल एंजियोफाइब्रोमा रोग में एक्सोम सीक्वेंसिंग तथा इसका आणविक लक्षण- वर्णन आंख नाक गला चिकित्सा, एम्स दिल्ली।

पूर्ण

1. विभिन्न ग्रेड एस्ट्रोसाइटोमास में कैंसर स्टेम सेल मार्करों तथा इसके प्रोटीन का नैदानिक महत्व**,** रा.प्र.केंद्र, एम्स।
2. किन्यूरेनिन मार्ग के माध्यम से ट्रिप्टोफैन चयापचय को जांचना तथा कॉर्निया प्रत्यारोपण करा रहे केराटोकोनस तथा फुच के एंडोथेलियल कॉर्नियल डिस्ट्रोफी रोगियों में इसके नैदानिक परिणाम के साथ इनका सहसंबंध, डॉ.रा.प्र.केंद्र, एम्स।

3. ऑस्टियोपोरोसिस की रोकथाम में जीएएम की भूमिका, अस्थिरोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
4. नवीन मशरूम-आधारित सिनबायोटिक फूड सप्लिमेंट में सुधार, आईआईटी-दिल्ली।
5. क्षय रोग उपचार प्रतिक्रिया के लिए मूल्यांकन बायोमार्कर के रूप में एमआईआरएनए, आईसीजीईबी नई दिल्ली और आईएनस्टेम बंग्लूरू।

प्रकाशन

पत्रिका: 32 सार: 8 पुस्तकों में अध्याय: 3

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	48	66	43
पत्रिका में लेख	37	53	32
सार	4	6	8
पुस्तकों में अध्याय	7	7	3
पुस्तकें	0	0	0

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य श्याम एस चौहान ने संस्थान एवं बी.बी. दीक्षित लाइब्रेरी की प्रायोगात्मक पशु सुविधा के प्रभारी-आचार्य के रूप में कार्य किया (अगस्त 2022 तक)। वह जैव सुरक्षा समिति, पशु नीति समिति एवं पीएच.डी. शिकायत समिति के अध्यक्ष भी हैं। इन्होंने दिनांक 23-26 नवंबर 2022 तक सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया की 48वीं वार्षिक बैठक, एसीबीआईसीओएन-2022 हेतु वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा प्रदान की। इन्होंने चयन/पदोन्नति हेतु केजीएमयू, लखनऊ, जिपमर पुदुचेरी एवं यूपीएससी, जम्मू में संकाय-सदस्य तथा डीआरडीओ, नई दिल्ली में वैज्ञानिकों की पदोन्नति हेतु विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया। इन्होंने आईसीएमआर के सेवामुक्त वैज्ञानिक एवं अनुसंधान सहयोगियों का चयन करने हेतु समिति में भी सेवा दी। यह इंडियन जर्नल ऑफ क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के संपादन बोर्ड के सदस्य भी हैं।

डॉ. अनुश्री गुप्ता को वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) के सामान्य अनुसंधान तथा प्रौद्योगिकी विकास केंद्र (सीआरटीडीएच) कार्यक्रम के तहत 'अफोर्डेबल हेल्थ' विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (भारत सरकार) के क्षेत्र में विशेषज्ञ के रूप में नियुक्ति किया गया तथा इस क्षेत्र में इन्होंने सेवा दी; जैव प्रौद्योगिकी विभाग हेतु केंद्रीय सार्वजनिक जनसूचना अधिकारी; एम्स, नई दिल्ली में स्नातकपूर्व अनुसंधान (बेसिक साइंस) के लिए संस्थान नीति समिति के सदस्य नियुक्त; एम.बायोटेक छात्र के लिए जैव सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम मॉड्यूल का समन्वय। एम.बायोटेक छात्र की अंतिम परीक्षा के लिए आंतरिक परीक्षक।

डॉ. रूपेश कुमार श्रीवास्तव एम बायोटेक पाठ्यक्रम समन्वयक हैं; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी-आईआईएस के कार्यकारी सदस्य (2022-2024); सदस्य, संस्थागत सीसीआरएफ-फ्लो साइटोमेट्री

समिति; समीक्षा संपादक, फ्रंटियर्स इन सेल एण्ड डेवलपमेंटल बायोलॉजी तथा फ्रंटियर्स इन मॉलिक्यूलर बायोसाइंसेज; संपादन बोर्ड के सदस्य, प्रतिरक्षा विज्ञान में सीमावर्ती प्रदेश, अंत:स्त्राविकी विज्ञान में सीमावर्ती प्रदेश (अस्थि अनुसंधान), सूक्ष्मजैवविज्ञान में सीमावर्ती प्रदेश, फ्रंटियर्स इन सेल एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी, जैवविज्ञान में सीमावर्ती प्रदेश; टीईटीसी द्वारा 1 फरवरी 2023 को इन्होंने आईआईटी-गांधीनगर में "24वें इंडो-यूएस फ्लो साइटोमेट्री कार्यशाला" में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशित शोधपत्र अवार्ड (अनुसंधान)-2023 जीता, 17 अक्टूबर 2022 को एम्स के दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस समारोह में एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड तथा 24-25 सितंबर 2022 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित "आईएसबीएमआर" राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति हेतु प्रथम पुरस्कार।

डॉ. विक्रम सैनी भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के हरगोबिंद खुराना इनोवेटिव यंग बायोटेक्नोलॉजिस्ट के फेलो हैं तथा संक्रामक रोग विज्ञान, जैव सुरक्षा विज्ञान एवं जैव सुरक्षा में एक मान्य विशेषज्ञ हैं। डॉ. सैनी राष्ट्रीय जैवरक्षा कार्यक्रम, रक्षा विभाग, भारत सरकार के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य तथा सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं; विशेषज्ञ तकनीकी सलाहकार समिति, भारत सरकार के तहत भारत के विभिन्न राज्यों में उच्च रोकथाम जैव सुरक्षा स्तर-3 (बीएसएल-3) सुविधाओं का नेटवर्क स्थापित करने हेतु स्वास्थ्य महानिदेशक (डीजीएचएस) राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) एवं राष्ट्रीय संस्थान जैविकविज्ञान, स्वास्थ्य मंत्रालय, तथा डीआरडीओ, भारत हेतु प्राथमिकता-रोगज़नक़ रोकथाम सुविधाओं के विकास का तकनीकी मूल्यांकन। डॉ. सैनी जानवरों पर प्रयोगों के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण उद्देश्य हेतु समिति (सीपीसीएसईए), पशुपालन एवं डेयरी विभाग, भारत सरकार के नामित सदस्य के रूप में भी कार्यरत हैं; तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित भारत में ज़ूनोटिक और ट्रांसबाउंड्री रोगों को पहचानने के लिए नेशनल कंसोर्टियम फॉर वन हेल्थ में एक प्रमुख अन्वेषक (एम्स में)। इसके अतिरिक्त, डॉ. सैनी भारत सरकार की मेक इन इंडिया नीति के अनुसार भारत में औषधीय एवं एंटी-माइक्रोबियल कपड़ों के विकास के लिए एम्स-आईआईटी स्टार्ट-अप के मध्य सीआरए में प्रमुख अन्वेषक होने सहित एम्स की कई पहलों में शामिल हैं। इसके अलावा, डॉ. सैनी अस्पताल की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए रोगज़नक़ कीटाणुशोधन हेतु विभिन्न प्रौद्योगिकियों की प्रभावशीलता को जांचने के लिए विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के आरएआईएसई कार्यक्रम के तकनीकी विशेषज्ञ हैं; संस्था में कोविड-19 निदान समिति के सदस्य सचिव, केंद्रीय संसाधन समिति के सदस्य, एवं कोविड-19 के दौरान एम्स, नई दिल्ली में उपयोग हेतु पीपीई के चयन सदस्य और संस्थागत क्रय समिति के सदस्य। इसके अलावा, डॉ. सैनी संस्थागत जैव सुरक्षा समिति (आईबीएससी), संस्थागत पशु नीति समिति (आईएईसी), न्यूड-मादा चूहों/ट्रांसजेनिक मादा चूहों की सुविधा के लिए समिति सहित विभिन्न संस्थागत निकायों/समितियों के सदस्य/विशेषतः आमंत्रित सदस्य हैं; सीसीआरएफ- बीएसएल-3 प्रयोगशाला, एम्स के सुविधा-प्रभारी; एवं केंद्रीय पशु सुविधा, एम्स में ए-बीएसएल 3 सुविधा की स्थापना के लिए सदस्य सचिव; एम्स के जैवप्रौद्योगिकी विभाग में जैवप्रौद्योगिकी में कैरियर जागरूकता कार्यक्रम के संयोजक। इसके अलावा, डॉ. सैनी जर्नल फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, फ्रंटियर्स इन रेडॉक्स बायोलॉजी एंड फिजियोलॉजी में समीक्षा संपादक तथा विभिन्न पत्रिकाओं एवं फंडिंग एजेंसियों डीबीटी, डीएसटी-एसईआरबी, स्विस नेशनल साइंस फाउंडेशन (एसएनएफ) आदि के लिए समीक्षक के रूप में कार्यरत हैं।

डॉ. भूपेन्द्र कुमार वर्मा एम. बायोटेक कार्यक्रम के संयोजक हैं; कोविड-19 उपचार के लिए नोडल अधिकारी, एम्स; कोविड-19 के लिए विभागीय संक्रमण नियंत्रण समिति के संयोजक; सदस्य, कोविड-19 निदान प्रबंधन समिति; 17 नवंबर 2022 को क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फ़रीदाबाद में आरएनए वायरस के जैवरसायन तथा आणविक जीवविज्ञान पर आईयूबीएमबी केंद्रित बैठक में पोस्टर मूल्यांकन के लिए परीक्षक के रूप में कार्यरत; 20 अगस्त 2022 को चौथी बायो ग्रुप मीटिंग, आईआईएसईआर तिरुवनंतपुरम, केरल में सत्र अध्यक्ष के रूप में कार्यरत।

डॉ. विनीत चौधरी ने प्रतिष्ठित वेलकम ट्रस्ट/डीबीटी इंडिया एलायंस इंटरमीडिएट फ़ेलोशिप अनुदान प्राप्त किया। यह पहली बार है कि एम्स, नई दिल्ली से किसी को बेसिक बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में इतना गौरवमयी अनुदान प्रदान किया गया है; इन्होंने संरचनात्मक जीवविज्ञान तथा एनएमआर प्रौद्योगिकी तथा कोशिका एवं विकासात्मक जीवविज्ञान के लिए पाठ्यक्रम संयोजक के रूप में विभागीय स्तर पर भाग लिया; विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में कार्यरत है; कोशिका जीविज्ञान के लिए अमेरिकन सोसायटी फॉर बायोकैमिस्ट्री एण्ड मोलिक्यूलर बायोलॉजी हेतु अमेरिकन सोसायटी के सदस्य; दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज फॉर वुमेन के जैवचिकित्सा विज्ञान विभाग में आयोजित "जैव प्रौद्योगिकी में नवीनतम प्रगति" पर आधारित प्लेक्सस कार्यक्रम में आमंत्रित प्रवक्ता; विश्वविद्यालय ने एक गेस्ट सेमिनार का आयोजन किया; जर्नल फ्रंटियर्स इन सेल एंड डेवलपमेंटल बायोलॉजी में अनुसंधान विषय: "लिपिड ड्रोपलेटस की विकसित भूमिका: प्रगति एवं भविष्य की दिशाएं" हेतु एक विषय संपादक के रूप में कार्यरत।

अतिथि वैज्ञानिक

1. प्रोफेसर अनंत के मेनन, वेइल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज, कॉर्नेल यूनिवर्सिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए ने दिनांक 22 फरवरी, 2023 को सेमिनार- बायोजेनिसिस ऑफ माइटोकोन्ड्रिया की जैवजनन: एक लिपिड परिप्रेक्ष्य पर संगोष्ठी आयोजित की।
2. आईजीआईबी, नई दिल्ली के डॉ. शिवप्रकाश रामालिंगम ने दिनांक 24 फरवरी, 2023 को ह्यूमन हेमेटोपोएटिक स्टेम सेलसन के टारगेटिड जीनोम एडिटिंग पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
3. एनआईआई, नई दिल्ली की डॉ. सारिका गुप्ता ने दिनांक 13 मार्च, 2023 को- अल्जाइमर रोग का उपचार करने हेतु मस्तिष्क की हड्डी की धुरी को मॉड्यूलेट करना विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
4. आईसीजीईबी, नई दिल्ली के डॉ. कौस्तुव नायक ने दिनांक 15 मार्च, 2023 को चिकनगुनिया वायरस के प्रति मानव प्रतिरक्षा संबंधी विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
5. आईआईटी, नई दिल्ली की डॉ. शिल्पी ने दिनांक 21 मार्च, 2023 को- तंत्रिका विकास एवं पुनर्जनन की प्रक्रिया: कुशल मशीन विकास हेतु तंत्रिका प्लास्टिसिटी द्वारा निरीक्षण पर संगोष्ठी का आयोजन किया।
6. जेएनयू, नई दिल्ली के डॉ. पवन धर ने दिनांक 31 मार्च, 2023 को- सिंथेटिक बायोलॉजी: बेसिक कॉन्सेप्ट्स टू एप्लिकेशन पर संगोष्ठी का आयोजन किया।

9.8 सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशि कांत

आचार्य

संजीव कुमार गुप्ता	किरण गोस्वामी	आनंद कृष्णन
बरिडालीन नोंगकिनरिह	पुनीत मिश्रा	संजय कुमार राय
वाई एस कुसुमा कुमारी	कपिल यादव	सुमित मल्होत्रा

अपर आचार्य

अनिल कुमार गोस्वामी (30 सितंबर 2022 तक)	रवनीत कौर	हर्षल रमेश साल्वे
		राकेश कुमार

सह-आचार्य

पार्थ हलदर

सहायक आचार्य

मोहन लाल बैरवा

विशिष्टताएं

कोविड-19 महामारी काफी हद तक कम हो गई है। स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए समुदाय-आधारित शिक्षण, अनुसंधान और सेवा प्रावधान को महामारी-पूर्व स्तर पर बहाल कर लिया गया है। एम्स, नई दिल्ली में सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम) के संकाय सदस्यों ने कोविड-19 प्रतिक्रिया और अन्य विशिष्ट कोविड-19 समतियों के लिए राष्ट्रीय कार्य बल का हिस्सा बनकर महामारी की प्रतिक्रिया तैयार करने में भारत सरकार को सहायता प्रदान करना जारी रखा। संकाय सदस्यों ने भारत सरकार के राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के लिए तकनीकी जानकारी भी प्रदान की।

विभाग, नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल (एनसीईएआर-ए) के माध्यम से देश में एनीमिया नियंत्रण का नेतृत्व कर रहा है; साथ ही, राष्ट्रीय एचआईवी निगरानी संस्थान के माध्यम से भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ) के एचआईवी कार्यक्रम के लिए साक्ष्य आधारित निर्णय सुनिश्चित करने; और समुदाय-आधारित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण पर अनुसंधान तथा क्षमता निर्माण के लिए डब्ल्यूएचओ का सहयोगी केंद्र बनकर गैर-संचारी रोगों के लिए व्यापक स्वास्थ्य क्षेत्र की प्राथमिकताओं को तैयार कर रहा है।

इसके अलावा, भारत सरकार के तकनीकी संसाधन समूहों में अपनी उपस्थिति के माध्यम से, विभाग राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम, प्रदूषण और स्वास्थ्य पर इसके प्रभाव, राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम, किशोर स्वास्थ्य और स्वास्थ्य क्षेत्र रणनीति फ्रेमवर्क की रणनीतिक रूपरेखा के लिए सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। सीसीएम में, भारत के रजिस्ट्रार जनरल के कार्यालय के एसआरएस-

आधारित वर्बल ऑटोप्सी सिस्टम और डब्ल्यूएचओ समर्थित एसईएआर एनसीडी सेवा वितरण नेटवर्क के लिए तकनीकी सहायता इकाई भी स्थापित है।

शिक्षा

विभाग में भौतिक रूप से शिक्षण और प्रशिक्षण कार्य फिर से शुरू हो गया। हालाँकि, कोविड-19 महामारी के बाद, ऑनलाइन शिक्षा में वृद्धि देखी गई है, विशेष रूप से 'सरल' और कौशल प्रशिक्षण के उपयोग में। सामुदायिक चिकित्सा प्रशिक्षण के एक भाग के रूप में स्नातक अनुसंधान कार्यक्रम, फील्ड अभ्यास के आधार पर फिर से भौतिक मोड में शुरू हो गया। स्नातकोत्तर कक्षाएं, सेमिनार और जर्नल क्लब पूरी तरह से भौतिक मोड में दिखने लगे हैं।

1. स्नातक एमबीबीएस विद्यार्थी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के 7वें सेमेस्टर के एमबीबीएस विद्यार्थियों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में 5 बैचों में प्रत्येक 6 सप्ताह के लिए तैनात किया जाता है। इस तैनाती के दौरान, विद्यार्थी व्यायाम के अभ्यास के माध्यम से महामारी विज्ञान की अवधारणाओं को सीखते हैं, स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक पहलुओं, सामुदायिक स्तर पर कार्य करने वाली स्वास्थ्य प्रणालियों के उन्मुखीकरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों सहित सामुदायिक स्वास्थ्य के प्रति उन्मुखीकरण का अनुभव भी लेते हैं।
नवजात और बाल रोग के एकीकृत प्रबंधन (आईएमएनसीआई) और महामारी विज्ञान पर प्रशिक्षण के लिए विशेष मॉड्यूल इस कार्यक्रम में हैं। विद्यार्थी इस तैनाती के दौरान एक संक्षिप्त गुणात्मक विधि-आधारित अनुसंधान परियोजना भी शुरू करते हैं, जिसे ओरिएंटेशन ऑफ अंडरग्रेजुएट्स टु कम्युनिटी हेल्थ (ओयूसीएच) के रूप में जाना जाता है। छह सप्ताह की प्रत्येक तैनाती आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर संपन्न होती है। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में आवासीय तैनाती के दौरान दो कौशल मॉड्यूल, ग्लूकोमीटर का उपयोग और ग्लोइंग तथा गाउनिंग को कवर किया गया।

2. प्रशिक्षु

प्रशिक्षुओं को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कुल तीन महीने की अवधि के लिए तैनात किया जाता है। इस अवधि को एसडीएच में 6 सप्ताह और दयालपुर तथा छायंसा स्थित प्रत्येक पीएचसी में 3 सप्ताह में विभाजित किया गया है। पूरी तैनाती आवासीय है। एसडीएच में, प्रशिक्षुओं को ओपीडी और वार्डों में तैनात किया जाता है जो उन्हें बुनियादी नैदानिक कौशल सीखने के साथ-साथ सामान्य प्रसव कराने सहित रोगी प्रबंधन में मदद करते हैं। उन्हें वरिष्ठ रेजिडेंट्स (एसआर) की देखरेख में एसडीएच में सभी उपलब्ध नैदानिक विषयों में बारी-बारी से तैनात किया जाता है। पीएचसी तैनाती के दौरान, प्रशिक्षु अन्य गांवों में पीएचसी, उप-केंद्रों, विस्तार क्लीनिकों के क्लीनिकों में स्वास्थ्यचर्या डिलीवरी में भाग लेते हैं। उन्हें सामुदायिक चिकित्सा के वरिष्ठ रेजिडेंट की देखरेख में प्रत्येक पीएचसी में डिलीवरी हट पर भी तैनात किया जाता है। उन्हें सामुदायिक स्तर की गतिविधियों जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की निगरानी, तपेदिक विरोधी उपचार में चूक करने वाले मरीजों की निगरानी, उप-केंद्रों की निगरानी, आउटरीच गतिविधियों, टीकाकरण और पीएचसी में चल रही अन्य गतिविधियों में प्रत्यक्ष अनुभव मिलता है। प्रशिक्षुओं को पीएचसी में विशेष गतिविधियों जैसे कायाकल्प आकलन, वार्षिक जनगणना,

जन जागरूकता सृजन और स्कूल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भी शामिल किया जाता है। सीआरएचएसपी बल्लबगढ़ में ग्रामीण तैनाती के अंत में, प्रशिक्षु तैनाती उपरांत आकलन के लिए संबंधित उस वरिष्ठ रेजिडेंट द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित अपनी लॉग-बुक जमा करते हैं, जिसके तहत उन्हें पोस्ट किया गया था।

3. सामुदायिक चिकित्सा स्नातकोत्तर विद्यार्थी

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 18 महीने के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। यह तैनाती आवासीय है। कुल अवधि में से, वे बारी-बारी से उप-जिला अस्पताल और दोनों पीएचसी में 5 महीने और 10 दिन बिताते हैं। इससे उन्हें एसडीएच और पीएचसी दोनों में आवश्यक कौशल और अनुभव हासिल करने का पर्याप्त अवसर मिलता है। उन्हें पीएचसी में निर्णय लेने और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली और फील्ड डेटा के आधार पर सेमिनार, पारिवारिक और नैदानिक मामले प्रस्तुतियाँ, परिचालन अनुसंधान और समस्या-समाधान अभ्यास शामिल हैं। रेजिडेंट्स ने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत पीएचसी और गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया।

4. बीएससी (ऑनर्स) और पोस्ट-बेसिक नर्सिंग विद्यार्थी

बीएससी (ऑनर्स) और पोस्ट-बेसिक नर्सिंग विद्यार्थियों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में डेढ़ महीने के लिए तैनात किया जाता है। यह तैनाती आवासीय प्रकृति की है। वे एसडीएच में 1 महीना और दोनों पीएचसी में से किसी एक में 2 सप्ताह बिताते हैं। उन्हें प्रसवपूर्व देखभाल, वार्ड प्रबंधन और टीकाकरण में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन्हें ओपीडी और वार्ड दोनों में तैनात किया जाता है। वे ओपीडी और वार्ड में स्वास्थ्य वार्ता और आईईसी प्रदान करते हैं। नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की देखरेख कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के एक संकाय सदस्य द्वारा की जाती है।

5. सेवाकालीन प्रशिक्षण

विद्यार्थियों को पढ़ाने के अलावा, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कार्यरत कर्मचारियों के विभिन्न संवर्गों के लिए समय-समय पर सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 2022-23 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण इस प्रकार थे:

- पीएचसी दयालपुर और छायंसा में स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं (45*2=90) के लिए कुल 50 घंटे का सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया गया (आंकड़े समावेशी हैं)। इन्हें प्रत्येक माह बैठकों के दौरान आयोजित किया जाता है। इस प्रशिक्षण के विषय, फील्ड पर्यवेक्षण के दौरान पहचानी गई प्रशिक्षण आवश्यकताओं के आधार पर तय किए गए थे; रिपोर्टिंग अवधि के लिए, ये विषय इस प्रकार थे: जेएसवाई लाभार्थियों की पहचान करना और उन्हें लाभ प्राप्त करने की सुविधा देना, जानवरों के काटने के मामलों का प्रबंधन, एलबीडब्ल्यू शिशुओं का प्रबंधन, परिवार नियोजन - तरीके, महत्व और कवरेज में सुधार कैसे करें, बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन का प्रबंधन, उच्च जोखिम गर्भावस्था और प्रबंधन की ट्रैकिंग, जटिलता प्रबंधन और कंगारू मदर केयर सहित मां और नवजात शिशु के लिए प्रसवोत्तर देखभाल, आईएमएनसीआई-बीमार बच्चे की पहचान और प्रबंधन,

फील्ड स्तर पर कुपोषण की पहचान, देखभाल और प्रबंधन, कोल्ड चेन प्रबंधन पर प्रशिक्षण, पीएचसी टीकाकरण स्थल तक और वापस पीएचसी पर, टीबी मामलों का निदान और प्रबंधन।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के प्रति सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर छठा अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम; 5-9 अप्रैल 2022; यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन, वसंत विहार, नई दिल्ली
2. भारत में इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस की रोकथाम तथा नियंत्रण के लिए अनुसंधान और एडवोकेसी रोडमैप पर राष्ट्रीय हितधारक बैठक, 19-22 अप्रैल 2022, नई दिल्ली
3. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस की रोकथाम और नियंत्रण पर पश्चिम क्षेत्र हितधारकों की बैठक, 2 अगस्त 2022, मुंबई।
4. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस की रोकथाम और नियंत्रण पर दक्षिण क्षेत्र हितधारकों की बैठक, 27-28 अक्टूबर 2022, चेन्नई
5. राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह और मिनर्वा नेटवर्क के साझेदारों की बैठक, 25 नवंबर 2022, नई दिल्ली
6. इंडियन नेटवर्क फॉर स्ट्रेंग्थनिंग पार्टनरशिप फॉर इन्फ्लुएंजा रिसर्च (इंस्पायर) पार्टनर्स मीटिंग, 8-10 फरवरी 2023, नई दिल्ली
7. पाठ्यचर्या रूपरेखा समीक्षा के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन एसईएआर सदस्य देशों का परामर्श, अक्टूबर 2022, ऑनलाइन
8. जन-केंद्रित एकीकृत एनसीडी देखभाल प्रदान करने के लिए नेटवर्क संस्थानों का क्षेत्रीय प्रशिक्षण, मार्च 2023, ऑनलाइन
9. भारत के सभी 37 राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों के क्षेत्रीय संस्थानों, राज्य एड्स नियंत्रण समितियों (एसएसीएस), केंद्रीय टीम के सदस्यों (सीटीएम) और राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के अधिकारियों के लिए राष्ट्रीय पूर्व-निगरानी कार्यशाला 10 से 13 अक्टूबर 2022 तक कापसहेड़ा, नई दिल्ली में एम्स, नई दिल्ली द्वारा।
10. विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के संकाय सदस्यों और पांच उत्तरी राज्यों (बिहार, झारखंड, दिल्ली, यूपी और उत्तराखंड) की राज्य एड्स नियंत्रण समितियों के अधिकारियों के लिए एएनसी, जेल और एचआरजी एचआईवी प्रहरी निगरानी 2023 (एचएसएस 2023) के लिए पूर्व-निगरानी अभिविन्यास और योजना कार्यशाला), कापसहेड़ा, नई दिल्ली में 14-15 नवंबर 2022 को।
11. "किशोर स्वास्थ्य के लिए क्षमताओं का निर्माण" पर कार्यशाला, 1 फरवरी 2023, हैदराबाद (आईएपीएसएमसीओएन 2023) में।
12. राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के तहत वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभावों की तकनीकी सलाहकार बैठक - जुलाई 2022, नई दिल्ली
13. विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा आयोजित वायु प्रदूषण और वॉश अनुमान पर देशीय परामर्श बैठक - मुख्यालय, जिनेवा - जुलाई 2022 (ऑनलाइन)
14. एटीएसयू-एम्स द्वारा आयोजित मिनर्वा नेटवर्क मीटिंग- 25 नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली।

15. आईआईपीएच गांधीनगर द्वारा आयोजित हीट एडाप्टेशन वेलकम ट्रस्ट कॉल पर विशेषज्ञ परामर्श कार्यशाला (ऑनलाइन) - अगस्त 2022
16. केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा राष्ट्रीय परिवेश वायु गुणवत्ता मानकों (NAAQS) की समीक्षा पर विशेषज्ञ समूह की बैठक - (ऑनलाइन) - नवंबर 2022
17. जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के सहयोग से भविष्य की प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या प्रणाली कार्यशाला। 20-30 अप्रैल 2022, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान: 96

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
49	75	96

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-21	2021-22	2022-23
8	**13**	**20**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. भारत में इन्फ्लूएंजा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए साक्ष्य-आधारित एडवोकेसी को मजबूत करना एन-1814, आनंद कृष्णन, सीडीसी, अटलांटा, 5 वर्ष, 2017-2022, अमेरिकी डॉलर 12,50,000
2. नमूना पंजीकरण प्रणाली में मौखिक शव परीक्षण आधारित मृत्यु के कारण का पता लगाने के लिए एक तकनीकी सहायता इकाई की स्थापना, भारत के रजिस्ट्रार जनरल एन-1725, आनंद कृष्णन, गृह मंत्रालय (आरजीआई), 5 वर्ष, 2020-2025, 3 करोड़ रुपये, वार्षिक
3. "नए निदान किए गए एस+ पल्मोनरी टीबी रोगियों के एचएचसी में टीबी की रोकथाम में दो टीकों वीपीएम1002 और इम्मुवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण III, रैंडमाइज्ड डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण। नए पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में टीबी को रोकने में एमडब्ल्यू (एमआईपी) टीके I-1060, आनंद कृष्णन (सह-पीआई), आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 65,39,814 रुपए
4. भारत प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या सहायता पहल (एन-2190), आनंद कृष्णन, जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी, यूएसए, 3 साल, 2021-2023, 60 लाख रुपये, भारत में सार्वजनिक और निजी स्वास्थ्यचर्या केन्द्रों में मृत्यु कारणों संबंधी प्रथाओं के चिकित्सीय प्रमाणन को मजबूत करना (आई-1402), आनंद कृष्णन, आईसीएमआर-एनसीडीआईआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 86 लाख रुपये

5. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण चरण 2- मेगा सिटी सर्वे (एन-2263), आनंद कृष्णन, एनआईएमएचएएनएस, 1 वर्ष, 2022-2023, 23 लाख रुपये

6. अग्नाशयशोथ और प्रमुख गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रोगों का महामारी विज्ञान - पूरे भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन (I1245), आनंद कृष्णन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 3.5 करोड़ रुपये

7. शहरी दिल्ली की प्राथमिक देखभाल सुविधा में एनसीडी देखभाल को मजबूत करने के लिए एक गुणवत्ता सुधार पहल, बारिडालीन नोंगकिनरिह, डब्ल्यूएचओ, 11 महीने, फरवरी 2022, दिसंबर 2023, 19,56,780 रुपये

8. एसईआरईओ के के लिए एनसीडी कार्यान्वयन रोडमैप का विकास, बारिडालीन नोंगकिनरिह, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 6 महीने, जून 2022 से दिसंबर 2022, 892,500 रुपये

9. एसईएआर एनसीडी सेवा डिलीवरी नेटवर्क के माध्यम से जन-केंद्रित एनसीडी सेवा डिलीवरी को मजबूत करने के लिए भारत, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मालदीव, बांग्लादेश और थाईलैंड को तकनीकी सहायता, बारिडालिन नॉन्गकिनरिह, डब्ल्यूएचओ, 11 महीने, मई 2022, मार्च 2023, 18,65,000 रुपये

10. भारत एचआईवी प्रहरी निगरानी परियोजना, संजय के राय, एनएसीओ, स्वास्घ्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2021-2023, 2,34,44,929 रुपये

11. बच्चों को कोविड-19 का टीका लगाने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सुरक्षा: एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन, संजय के राय, भारत बायोटेक, 1 वर्ष, 2022-2023, 1.5 करोड़ रुपये

12. चरण III यादृच्छिक, संशोधित डबल-ब्लाइंड, बहु-केंद्रित, तुलनात्मक अध्ययन, हिलचोल® (बीबीवी131) की लॉट-टु-लॉट स्थिरता के साथ तुलनित्र वैक्सीन शैंचोल™ के लिए सिंगल स्ट्रेन ओरल कॉलेरा वैक्सीन हिलचोल® (बीबीवी131) की इम्युनोजेनेसिटी और सुरक्षा की गैर-हीनता का मूल्यांकन करना, संजय के राय, भारत बायोटेक, 1 वर्ष, 2022-2023, 3 लाख रुपये

13. भारत में चयनित केंद्रों पर डब्ल्यूएचओ यूनिटी प्रोटोकॉल के तहत चल रहे मल्टी-सैंट्रिक नोवेल कोरोनावायरस (कोविड-19) जनसंख्या-आधारित आयु-स्तरीकृत सीरो - महामारी विज्ञान भविष्यलक्षी अध्ययन (शहरी, ग्रामीण और जनजातीय समुदायों में) का लोंगिट्यूडिनल अनुवर्ती अध्ययन जिसके साथ अतिरिक्त घटक के रूप में कोविड-19 संक्रमण/टीकाकरण के बाद कोशिका-मध्यस्थ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को देखना और भारत भर में पांच नई साइटों का क्षमता निर्माण शामिल है, पुनीत मिश्रा, डब्ल्यूएचओ, 3 वर्ष, 2020-2023, 4 करोड़ रुपये

14. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में सामुदायिक स्तर पर तनाव, कल्याण और इसके चयनित बायोमार्कर पर व्यवस्थित योग कार्यक्रम का प्रभाव, पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 2 वर्ष, 2022-2024, 60 लाख रुपये

15. कोविड-19 महामारी के दौरान फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कर्मियों के बीच तनाव पर व्यवस्थित योग कार्यक्रम का प्रभाव, पुनीत मिश्रा, डीएसटी, 1 वर्ष, 2021-2022, 14 लाख रुपये

16. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस संबंधी भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के कार्यान्वयन के लिए स्वास्थ्यचर्या सुविधा और सामुदायिक तैयारी का स्थितिजन्य विश्लेषण, (एक आईसीएमआर टास्क फोर्स अध्ययन), पुनीत मिश्रा, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2023, 40 लाख रुपये
17. आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित मिशन दिल्ली चरण II दिल्ली आपातकालीन लाइफ हार्ट अटैक पहल बल्लभगढ़ में, पुनीत मिश्रा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 15 लाख रुपये
18. कोविड-19 वैक्सीन स्वीकृति और उठाव: चार भारतीय राज्यों के चयनित जिलों में आदिवासी, ग्रामीण और शहरी समुदायों के बीच एक कार्यान्वयन अनुसंधान, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 1.5 वर्ष, 2022-2023, 99.1 लाख रुपये
19. स्थानीय शासन और महामारी: कोविड-19 के प्रबंधन में ग्राम/शहरी वार्ड सचिवालयों की भूमिका - आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले का एक केस अध्ययन, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 1 वर्ष 4 महीने, 2022-2023, 12.9 लाख रुपये
20. कम उम्र में विवाह और किशोर गर्भावस्था: निर्णय लेने में लिंग, गरीबी और सामाजिक मानदंडों की अंतर्संबंधता, और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच - आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम जिले का एक केस अध्ययन, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 2 साल, 2022-2024, 26.4 लाख रुपये
21. नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल (एनसीईएआर-ए), कपिल यादव, यूनिसेफ, 1 वर्ष, 2023, 1.16 करोड़ रुपये
22. नूंह (मेवात) में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के कार्यान्वयन के समर्थन के लिए इनोवेशन लर्निंग सेंटर, चरण II, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, 2 वर्ष, 2021-2023, 44,13,990 रुपये
23. भारत के उत्तरी हिस्सों में टेली-मेंटरिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करके स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों के संचालन के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या पैकेजों में प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या प्रदाताओं का क्षमता निर्माण, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, हरियाणा, 1 वर्ष, 2022-2023, 5.1 लाख रुपये
24. भारत के हिमाचल प्रदेश के लाहौल-स्पीति जिले में रहने वाली प्रजनन आयु वर्ग (15-49 वर्ष) की आदिवासी महिलाओं में एनीमिया की व्यापकता और कारण, रवनीत कौर, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2024, 31,89,250 रुपये
25. कैफर इंडिया - कोलेबोरेटिव ऑन एयर पॉल्यूशन एंड हैल्थ इफेक्ट्स रिसर्च, भारत, हर्षल रमेश साल्वे, स्वास्थ्य प्रभाव संस्थान (एचईआई), बोस्टन, यूएसए, 2.6 वर्ष, 2021 - 2023, 80 लाख रुपये
26. फेफड़ों के स्वास्थ्य आकलन के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेटिंग में स्वास एआई प्लेटफॉर्म की मान्यता और व्यवहार्यता, हर्षल रमेश साल्वे, ज़ेनसार्क टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2023-2024, 6,98,940 रुपये
27. गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की जनसंख्या आधारित स्क्रीनिंग में 'एएसएचए' आशा के कार्य प्रदर्शन का आकलन - एक बहु-साइट अध्ययन, हर्षल रमेश साल्वे, डब्ल्यूएचओ-भारत, 6 महीने, 2023-2023, 15,38,250 रुपये

28. हरियाणा के बल्लभगढ़ में माध्यमिक देखभाल अस्पताल में भाग लेने वाले रोगियों में लंबे समय तक रहने वाले कोविड के भार, पैटर्न और निर्धारकों का आकलन, हर्षल रमेश साल्वे, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 8.5 लाख रुपये
29. आईएमपीईटीयूएस: मेडिकल कॉलेजों में समान स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए एक मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन, एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन, पार्थ हलधर (सह-पीआई), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय-भारत सरकार), 5 वर्ष, 2020-2025, 5.22 करोड़ रुपये
30. भारत के प्राथमिक देखभाल सेट-अप में रक्तचाप की घर-आधारित स्व-निगरानी की प्रभावशीलता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पार्थ हलधर (सह-पीआई), विश्व स्वास्थ्य संगठन, दक्षिणपूर्व क्षेत्रीय कार्यालय, 1 वर्ष, 2023, 12,58,660 रुपये
31. कुपोषित नव निदानित थूक सकारात्मक फुफ्फुसीय तपेदिक वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों को बेहतर बनाने में मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में एनर्जी डेंस न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट (ईडीएनएस) की प्रभावकारिता, राकेश कुमार, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2.5 वर्ष, 2020-2023, 90 लाख रुपये
32. एनपीसीडीसीएस के प्रभावी कार्यान्वयन पर कार्यक्रम प्रबंधकों के लिए प्रशिक्षण मैनुअल का संशोधन, मोहन लाल बैरवा, डब्ल्यूएचओ-भारत, 5 महीने, 2023, 13 लाख रुपये।

पूर्ण परियोजनाएं

1. 5 साल से कम उम्र के बच्चों में आरएसवी संक्रमण की रोकथाम के लिए बायोमेडिकल हस्तक्षेप को आगे बढ़ाना एन-2111, आनंद कृष्णन, आईएवीआई, 3 साल, 2019-2022, 50 लाख रुपये
2. एनपीसीसीएचएच के तहत कार्डियो-फुफ्फुसीय विकार उत्कृष्ट केंद्र, आनंद कृष्णन, एनसीडीसी , 6 महीने, 2021-2022, 5 लाख रुपये
3. एसईएआर, बारडेलिन नोंगकिनरीह, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ में स्वास्थ्य और चिकित्सा पाठ्यक्रमों के अंतर्गत पूर्व-सेवा पाठ्यक्रमों में डब्ल्यूएचओ पीईएन दक्षताओं की समीक्षा, 8 महीने, जुलाई 2021, मार्च 2022, 16,69,800 रुपये
4. अनुसूचित जनजातियों के बीच सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज प्राप्त करने के संदर्भ में स्वास्थ्यचर्या पहुंच और गुणवत्ता में सुधार: विशाखापत्तनम जिला, आंध्र प्रदेश में एक कार्यान्वयन अनुसंधान, वाईएस कुसुमा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 74.4 लाख रुपये
5. एनीमिया नियंत्रण में फ्रंट लाइन वर्कर्स- (एएनएम, एडब्ल्यूडब्ल्यू और आशा) द्वारा पॉइंट ऑफ केयर परीक्षण की प्रभावशीलता, कपिल यादव, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, 98.49 लाख रुपये
6. आयुष्मान भारत का आकलन- व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के लिए स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र - एक स्वास्थ्य प्रणाली अध्ययन, सुमित मल्होत्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, 1 वर्ष, 2022, 1,39,020 रुपये
7. एनसीडी स्वास्थ्य आपातकालीन ढांचा तैयार करना और कोविड-19 महामारी के दौरान एनसीडी सेवाओं को जारी रखने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रथाओं का

दस्तावेजीकरण करना, हर्षल रमेश साल्वे, डब्ल्यूएचओ - भारत कार्यालय, 1 वर्ष, 2021, 27.72 लाख रुपये

8. दिल्ली क्लस्टर - दिल्ली अनुसंधान कार्यान्वयन और नवाचार (डीआरआरआईवी): दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण से निपटना, हर्षल रमेश साल्वे, वैज्ञानिक सलाहकार कार्यालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपये
9. ग्रामीण बल्लभगढ़, हरियाणा में कोविड -19 के प्रकोप में सामुदायिक अभ्यास: एक मिश्रित विधि अध्ययन, हर्षल आर साल्वे, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 1 वर्ष, 2020-2021, 2.75 लाख रुपये।

पिछले 3 वर्षों की अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-21	2021-22	2022-23
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ*	36	33	28

* वर्ष विशेष में संचालित

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. उत्तर भारत में समुदाय-आधारित युवा स्वास्थ्य और पोषण व्यवहारगत आवश्यकताओं का मूल्यांकन
2. हरियाणा के ग्रामीण क्षेत्र में 15-24 वर्ष की महिलाओं की पोषण स्थिति
3. दिल्ली में एचआईवी के लक्षित हस्तक्षेप स्थलों में नामांकित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में अवसाद और चिंता
4. ग्रामीण बल्लबगढ़ में रहने वाले वयस्कों में सिरदर्द विकारों का प्रबंधन: रोगी और स्वास्थ्य सेवा प्रदाता परिप्रेक्ष्य
5. ग्रामीण फ़रीदाबाद में मधुमेह मेलिटस या उच्च रक्तचाप वाले व्यक्तियों में रोग प्रबंधन में रोगी की भागीदारी और परिणामों के साथ इसका संबंध
6. मौत के कारण के लिए मौखिक शव-परीक्षा में आख्यानों की प्रासंगिकता और पकड़
7. उत्तर भारत के चयनित राज्यों में जिला स्तर पर एकीकृत मृत्यु सूचना प्रणाली विकसित करना
8. नई दिल्ली में शहरी पुनर्वास कॉलोनी में रहने वाले वयस्क रोगियों में मधुमेह की परेशानी और संबंधित कारक
9. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) से ग्रस्त किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-कंट्रोल अध्ययन
10. एमएसएम के बीच एचआईवी परीक्षण को बढ़ाने के लिए एक तंत्र के रूप में एचआईवी स्व-परीक्षण: मिश्रित विधि अध्ययन

11. "गंभीर तीव्र कुपोषण वाले 6-59 महीने की आयु के बच्चों में समुदाय-आधारित प्रबंधन के लिए ऊर्जा सघन भोजन (ईडीएफ)/स्थानीय रूप से तैयार चिकित्सीय भोजन के उपयोग का अनुभव और परिणाम"
12. व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़, हरियाणा के गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में एनीमिया नियंत्रण के लिए एनीमिया मुक्त भारत रणनीति का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
13. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता को बढ़ाना और मानसिक बीमारी के कलंक को कम करना: एक पारंपरिक अध्ययन
14. उत्तर भारत के ग्रामीण समुदाय में 10-19 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच चयनित पुरानी स्थितियों की व्यापकता और निर्धारक
15. हरियाणा के फरीदाबाद जिले के स्कूलों में तंबाकू मुक्त शैक्षणिक संस्थान (टीएफईआई) दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन का आकलन
16. दिल्ली में शहरी आबादी में परिवेशी वायु प्रदूषण और ऐप-आधारित वायु गुणवत्ता चेतावनी प्रणाली से संबंधित जानकारी और अभ्यास
17. हरियाणा के फरीदाबाद, पलवल और मेवात जिलों में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या पैकेज के तहत स्वास्थ्य संवर्धन और कल्याण गतिविधियों का आकलन
18. दिल्ली में चयनित लक्षित हस्तक्षेप स्थलों पर पुरुषों और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के साथ यौन संबंध रखने वाले पुरुषों के बीच एचआईवी के लिए प्री-एक्सपोज़र प्रोफिलैक्सिस का ज्ञान और स्वीकार्यता
19. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्न का आकलन
20. इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस एंड एलाइड डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क
21. खुली स्त्रीरोग संबंधी ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए संयुक्त ट्रांस मस्कुलर क्वाड्रेटर्स लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपल लेबल भविष्यलक्षी यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण
22. बहु-विषयक सहयोगात्मक कार्यनीति द्वारा दक्षिण दिल्ली में रहने वाले लोगों के बीच मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों की जीआईएस आधारित निगरानी और इसके जोखिम कारक - अनुकूलित देखभाल योजना और नीति नियोजन के लिए एक पायलट क्रॉस सेक्शनल सर्वेक्षण
23. दिल्ली-एनसीआर में चयनित जिला तपेदिक केंद्रों पर राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत पंजीकृत दवा प्रतिरोधी तपेदिक के रोगियों के बीच निदान और उपचार में देरी।

पूर्ण परियोजनाएं

1. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में बुजुर्ग व्यक्तियों के बीच पीठ के निचले हिस्से में दर्द की व्यापकता और उससे जुड़े कारक

2. उत्तर भारत के ग्रामीण समुदाय में 10-19 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच चयनित पुरानी रोग स्थितियों की व्यापकता और निर्धारक
3. दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में स्वस्थ भोजन खरीद और खुदरा भोजन वातावरण
4. हरियाणा के बल्लभगढ़ की ग्रामीण आबादी में अद्यतन डब्ल्यूएचओ सीवीडी जोखिम चार्ट का उपयोग करके 30-59 वर्ष की आयु के वयस्कों में हृदय संबंधी जोखिम का अनुमान
5. ग्रामीण हरियाणा में गैर-एनीमिक गर्भवती महिलाओं के बीच एनीमिया प्रोफिलैक्सिस के लिए ओरल मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट (एमएमएस) बनाम ओरल आयरन और फोलिक-एसिड की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक डबल-ब्लाइंड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
6. कोविड-19 महामारी के दौरान हरियाणा के बल्लभगढ़ के एक ग्रामीण क्षेत्र में मातृ स्वास्थ्यचर्या सेवाओं का उपयोग
7. जिला फ़रीदाबाद में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का आकलन - एक मिश्रित विधि अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. भारतीय बच्चों में लोंगिट्यूडिनल वृद्धि संदर्भ का विकास और विकास वेग, कार्डियो-मेटाबोलिक उपायों और इसके सहसंबंधों का मूल्यांकन - एक भविष्यलक्षी अध्ययन, जैव सांख्यिकी विभाग
2. छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर में घरेलू अपशिष्ट पृथक्करण में सुधार के लिए नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और विकसित टेलर-निर्मित डिजिटल कार्यक्रम की प्रभावशीलता के मूल्यांकन संबंधी एक अध्ययन: एक मिश्रित-विधि कार्यनीति, एम्स रायपुर
3. भारत में मधुमेह और/या उच्च रक्तचाप वाले और बिना मधुमेह वाले लोगों में सार्सकोव-2 संक्रमण संबंधी नैदानिक परिणाम - एक अस्पताल आधारित अवलोकन अध्ययन, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग
4. दक्षिण बनाम उत्तर मूल भारतीयों में सीलिएक रोग की व्यापकता - अंतर के कारणों का आकलन करने के लिए एक प्रवासी अध्ययन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और पैरेंट्रल न्यूट्रिशन विभाग
5. प्रजनन आयु की आयरन की कमी वाली महिलाओं में आयरन अवशोषण पर प्रोबायोटिक फॉर्मूलेशन का प्रभाव - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, कार्डियक बायोकैमिस्ट्री विभाग
6. डब्ल्यूएचओ अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण कार्यप्रणाली का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क आबादी के बीच विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान
7. भारत में जन्म परिणामों और एनीमिया पर एमएमएस सुपीरियरिटी ट्रेल, आईएनसीएलईएन
8. नर्सिंग कॉलेज के सुरक्षा गार्डों के बीच वैरिकाज़ नस रोग की रोकथाम और प्रबंधन के बारे में जानकारी पर वीडियो सहायता-प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
9. भारत में दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिलों में कोविड -19 महामारी के दौरान आत्महत्या से होने वाली मौतों की महामारी विज्ञान जांच, फॉरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी विभाग

10. फार्माकोलॉजी पर आईसीएमआर टास्क फोर्स केंद्र
11. कार्डियोलॉजी पर आईसीएमआर राष्ट्रीय रजिस्ट्री
12. मेडिकल कॉलेजों में समान स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन (इम्पेटस), एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन, न्यूरोलॉजी
13. इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस एंड एलाइड डिमाइलेटिंग डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड रिसर्च नेटवर्क, न्यूरोलॉजी
14. स्त्रीरोग संबंधी ओपन ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव एनाल्जेसिक के लिए संयुक्त ट्रांस मस्कुलर क्वाड्रेटर्स लम्बोरम ब्लॉक और सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक बनाम इंट्राथेकल मॉर्फिन: एक ओपन लेबल संभावित यादृच्छिक गैर-हीनता पथ, एनेस्थीसिया और दर्द चिकित्सा विभाग
15. दक्षिण दिल्ली में रहने वाले लोगों के बीच मनोभ्रंश से पीड़ित लोगों और इसके जोखिम कारकों की जीआईएस आधारित निगरानी, बहु-विषयक सहयोगात्मक कार्यनीति द्वारा - अनुकूलित देखभाल योजना और नीति नियोजन के लिए एक पायलट क्रॉस अनुभागीय सर्वेक्षण, जराचिकित्सा
16. अल्जाइमर रोग के लिए रक्त आधारित बायोमार्कर के रूप में सूजन संबंधी प्रोटीन का विकास, जैव भौतिकी
17. दर्दनाक दंत चोटों से प्रभावित बच्चों और किशोरों में मौखिक स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, सीडीईआर
18. चिकित्सीय हस्तक्षेपों के साथ अल्जाइमर रोग के बायोमार्कर के रूप में सीरम में सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव प्रतिरोध प्रोटीन का मूल्यांकन, जैव भौतिकी
19. लिपोक्सिनेजेस को लक्षित करते हुए अल्जाइमर रोग (एडी) रोगविज्ञान में अमाइलॉइड बीटा (एβ) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, जैव भौतिकी
20. एमआईआरएनए को लक्षित करते हुए रक्त-आधारित बायोमार्कर के रूप में क्लोथो की संभावित भूमिका और स्तन कैंसर में इसका चिकित्सीय महत्व, जैव भौतिकी
21. नव निदानित थूक पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) की रोकथाम में दो टीकों वीपीएम 1002 और इम्मुवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन और स्लीप डिसऑर्डर्स विभाग

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण परियोजनाएं

1. दिल्ली एनसीआर में मौजूदा कार्डियोवस्कुलर समुदाय समूह के बीच मधुमेह और/या उच्च रक्तचाप वाले और रक्तचाप रहित लोगों के बीच सार्सकोव-2 के सीरोप्रेवेलेंस की तुलना, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग

2. भारत में चुनिंदा अंतर्विवाही आबादी की मानव माइक्रोबायोम पहल, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और पैरेंट्रल न्यूट्रिशन विभाग
3. गर्भावस्था हानि की मनोसामाजिक गतिशीलता: बहुआयामी पैमाने और विकास और समूह मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल की प्रभावकारिता (एक यादृच्छिक परीक्षण) का विकास, मनोरोग विभाग, एम्स
4. भारतीय आइसोलेट्स में समुदाय-अधिग्रहीत मूत्र पथ संक्रमण में उभरता दवा प्रतिरोध और प्रतिरोध लक्षणों की गतिशीलता में आणविक अंतर्दृष्टि - एक बहु-केंद्रित क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, माइक्रोबायोलॉजी, मेडिसिन
5. स्कूल शिक्षकों के लिए दंत आघात जागरूकता उपकरण का विकास और सत्यापन, एम्स रिसर्च, सीडीईआर
6. दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की व्यापकता और पैटर्न का आकलन, सीडीईआर।

प्रकाशन

जर्नल: 103 **पुस्तकों में अध्याय: 5**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
योग	87	108	108
जर्नल आलेख	84	96	103
सार	0	0	0
पुस्तकों में अध्याय	3	12	5
पुस्तकें	0	0	0

रोगी देखभाल

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी) रिपोर्ट

प्रभारी आचार्य

पुनीत मिश्रा

अपर आचार्य

हर्षल रमेश साल्वे राकेश कुमार

व्यापक ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा परियोजना (सीआरएचएसपी), बल्लभगढ़ अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा केंद्र का ग्रामीण कार्यक्रम है। इसमें एक उप-जिला अस्पताल (एसडीएच), और दयालपुर तथा छायंसा में दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) शामिल हैं। 31 मार्च 2023 तक सीआरएचएसपी के गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में कुल जनसंख्या 1,06,646 थी। सीआरएचएसपी के गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में सार्वजनिक स्वास्थ्यचर्या का बुनियादी ढांचा उपर्युक्त दोनों पीएचसी से जुड़े 12 उप-केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से स्थापित किया गया है। सीआरएचएसपी

बल्लभगढ़ का मिशन ग्रामीण परिवेश में शिक्षण, अनुसंधान और रोगी देखभाल का कार्य करके सार्वजनिक स्वास्थ्य में उत्कृष्टता हासिल करना है।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ रोगी देखभाल, शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों में शामिल है। एमबीबीएस 7वें सेमेस्टर के विद्यार्थियों, प्रशिक्षुओं, स्नातकोत्तर विद्यार्थियों और विभिन्न विषयों के सीनियर रेजिडेंट्स तथा नर्सिंग विद्यार्थियों को उप-जिला केन्द्र और पीएचसी स्तर पर स्वास्थ्यचर्या प्रावधान के माध्यम से उनके प्रशिक्षण के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। इन पीएचसी में आवासीय शिक्षाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारकों के प्रति भी संवेदनशील बनाया जाता है, जिसमें वे समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद-संपर्क करते हैं।

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में स्वास्थ्य सेवा प्रावधान आँकड़े (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023)

- ओपीडी सेवाएँ - **3,83,556** रोगी,
- आंतरिक रोगी सेवाएँ - **11,237** रोगी,
- आपातकालीन सेवाएँ - **84, 329 रोगी**
- कुल **3,735** गर्भवती महिलाओं का प्रसव कराया गया
- सर्जरी की कुल संख्या - **2,321** (केवल एसडीएच बल्लभगढ़ में)

निम्नलिखित नोट के माध्यम से, वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के दौरान सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में संचालित गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रदान किया गया है, इसके अंतर्गत दो पीएचसी आते हैं:

1. शिक्षण
2. रोगी देखभाल
3. नई पहल और अद्यतन स्थिति

I. शिक्षण

1. स्नातक एमबीबीएस विद्यार्थी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के सातवें सेमेस्टर के एमबीबीएस विद्यार्थियों को छह-छह सप्ताह के लिए चार बैचों में सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। तैनाती के दौरान विद्यार्थियों को महामारी विज्ञान की अवधारणाएँ सिखाई जाती हैं, सामुदायिक स्वास्थ्य के बारे में बताया जाता है, जिसमें स्वास्थ्य के सामाजिक निर्धारक, बाल स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य के सामुदायिक पहलू, विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य प्रणालियाँ और स्वास्थ्य कार्यक्रम शामिल हैं। नवजात और बाल्यावस्था रो एकीकृत प्रबंधन (आईएमएनसीआई) और महामारी विज्ञान पर प्रशिक्षण के लिए विशेष मॉड्यूल हैं। विद्यार्थी, इस तैनाती के दौरान ओरिएंटेशन ऑफ अंडरग्रेजुएट्स टु कम्युनिटी हेल्थ (ओयूसीएच) मॉड्यूल के तहत एक संक्षिप्त गुणात्मक विधि-आधारित अनुसंधान परियोजना भी शुरू करते हैं। छह सप्ताह की प्रत्येक तैनाती आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर संपन्न होती है। सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में आवासीय तैनाती के दौरान दो कौशल मॉड्यूल, अर्थात् ग्लूकोमीटर का उपयोग, और ग्लोइंग और गाउनिंग को कवर किया गया।

2. प्रशिक्षु

प्रशिक्षुओं को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में कुल तीन महीने की अवधि के लिए तैनात किया जाता है। इस अवधि को एसडीएच में छह सप्ताह और दयालपुर तथा छायंसा स्थित प्रत्येक पीएचसी में तीन सप्ताह में विभाजित किया गया है। पूरी तैनाती आवासीय है। एसडीएच में, प्रशिक्षुओं को ओपीडी और वार्डों में तैनात किया जाता है जिससे उन्हें बुनियादी नैदानिक कौशल सीखने के साथ-साथ सामान्य प्रसव कराने सहित रोगी प्रबंधन में मदद मिलती है। उन्हें संबंधित वरिष्ठ रेजिडेंट (एसआर) की देखरेख में एसडीएच में सभी उपलब्ध नैदानिक विषयों में बारी-बारी से भेजा जाता है। पीएचसी तैनाती के दौरान, प्रशिक्षु पीएचसी के क्लीनिकों, उप-केंद्रों के साथ-साथ प्रसवपूर्व क्लीनिकों में स्वास्थ्यचर्या डिलीवरी में भाग लेते हैं। उन्हें सामुदायिक चिकित्सा के सीनियर रेजिडेंट की समग्र निगरानी में प्रत्येक पीएचसी में डिलीवरी हट पर भी तैनात किया जाता है। उन्हें सामुदायिक स्तर की गतिविधियों जैसे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की देखरेख, तपेदिक विरोधी उपचार के दौरान चूक करने वाले मरीजों की निगरानी, उप-केंद्रों की निगरानी, आउटरीच गतिविधियों, टीकाकरण और पीएचसी में चल रही अन्य गतिविधियों में अनुभव प्राप्त होता है। प्रशिक्षुओं को पीएचसी में विशेष गतिविधियों जैसे कायाकल्प मूल्यांकन, वार्षिक जनगणना, जन जागरूकता सृजन और स्कूल स्वास्थ्य संबंधी गतिविधियों में भी शामिल किया जाता है। सीआरएचएसपी तैनाती के अंत में प्रशिक्षु, अंतिम तैनाती मूल्यांकन के लिए संबंधित उस सीनियर रेजिडेंट द्वारा हस्ताक्षरित अपनी लॉगबुक जमा करते हैं जिसके तहत उन्हें तैनात किया गया था।

3. सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थी

सामुदायिक चिकित्सा के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को 18 महीने के लिए सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में तैनात किया जाता है। यह तैनाती आवासीय है। कुल अवधि में से, वे 10 महीने उप-जिला अस्पताल में और 8 महीने एक पीएचसी में बिताते हैं। इससे उन्हें एसडीएच और पीएचसी दोनों में आवश्यक कौशल और अनुभव हासिल करने का पर्याप्त अवसर मिल जाता है। उन्हें पीएचसी में निर्णय लेने और प्रशासन में सक्रिय भागीदारी लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। नियमित शिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली और फील्ड डेटा पर आधारित सेमिनार, पारिवारिक और नैदानिक मामलों पर प्रस्तुतियाँ, परिचालन अनुसंधान और समस्या-समाधान अभ्यास शामिल हैं। रेजिडेंट्स ने विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के तहत पीएचसी और गांवों में आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भी भाग लिया।

4. बीएससी नर्सिंग और पोस्ट सर्टिफिकेट नर्सिंग विद्यार्थी

बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों और पोस्ट-सर्टिफिकेट नर्सिंग विद्यार्थियों को सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में डेढ़ महीने के लिए तैनात किया जाता है। यह तैनाती आवासीय प्रकृति की होती है। वे एसडीएच में एक महीना और दोनों पीएचसी में से किसी एक में दो सप्ताह बिताते हैं। उन्हें प्रसवपूर्व देखभाल, वार्ड के प्रबंधन और टीकाकरण में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन्हें ओपीडी और वार्ड दोनों में तैनात किया गया है। वे ओपीडी और वार्ड में स्वास्थ्य वार्ता और आईईसी प्रदान करते हैं। नर्सिंग विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की देखरेख कॉलेज ऑफ नर्सिंग, एम्स, नई दिल्ली के एक संकाय सदस्य द्वारा की जाती है।

II. रोगी देखभाल

सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में रोगी देखभाल को निम्नलिखित दो श्रेणियों के तहत वर्णित किया गया है:

क. उप-जिला अस्पताल, बल्लबगढ़ में प्रदत्त रोगी देखभाल सेवाएं

ख. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रदत्त रोगी देखभाल सेवाएँ

ग. बाह्य रोगी विभाग:

दैनिक	**सप्ताह में एक बार**
• जनरल मेडिसिन	• गैर-संचारी रोग क्लिनिक
• जनरल सर्जरी	• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)
• बालरोग	• बाल चिकित्सा सर्जरी
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	• पोषण ओपीडी
• नेत्र विज्ञान	**सप्ताह में तीन बार**
• मनश्चिकित्सा	• प्रसवपूर्व क्लिनिक
• दंत चिकित्सा	**सप्ताह में दो बार**
• आयुष (आयुर्वेद और होम्योपैथी)	• त्वचा विज्ञान
• हड्डी रोग	• कान, नाक और गला

क. एसडीएच बल्लभगढ़ में प्रदत्त रोगी देखभाल सेवाएं: (2022-23)

कुल बाह्य रोगी

• बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) कुल (नए+पुराने)	3,02,362
○ नए ओपीडी मरीज (%)	1,58,889(52.5%)
• मेडिसिन (नए+पुराने)	90,532
• बाल चिकित्सा (नए + पुराने)	56,232
• प्रसूति एवं स्त्री रोग (नए + पुराने)	22,310
• प्रसवपूर्व देखभाल क्लिनिक पंजीकरण, कुल दौरे, (नए+पुराने)	22,547
• नेत्र विज्ञान (नए + पुराने)	16,238
• सर्जरी (नए + पुराने)	14,175
• ईएनटी (नए + पुराने)	8,370
• दंत चिकित्सा	8,894
• शारीरिक चिकित्सा एवं पुनर्वास (नए+पुराने)	2,310
• गैर-संचारी रोग क्लिनिक, कुल (नए + पुराने)	3,202
• त्वचाविज्ञान (नए + पुराने)	7,668
• आयुष (होम्योपैथी + आयुर्वेद)	11,629
• आर्थोपेडिक (नए + पुराने)	25,095
• मनश्चिकित्सा	9,187
• पोषण ओपीडी	305

• प्लास्टिक सर्जरी	0
• तंत्रिका-विज्ञान	0
• बाल चिकित्सा सर्जरी	1,668

2. रोगी सेवाएँ

- **कुल बिस्तरों की संख्या : 50**

क. कुल भर्ती (जन्म सहित)	**9,966**
• कैजुअल्टी के माध्यम से भर्ती	3,961
• ओपीडी के माध्यम से भर्ती	2,846
• नवजात भर्ती (जन्म)	3,159
ख. विशेषज्ञता के आधार पर भर्ती का पृथक्करण (एन=9,966)	
• प्रसूति एवं स्त्री रोग	4,690
• बाल रोग	378
• नेत्र विज्ञान	816
• शल्य चिकित्सा	721
• मेडिसिन	29
• ईएनटी	171
• शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास (पीएमआर)	2
• नवजात	3,159
ग. औसत बिस्तर अधिभोग दर (%)	107.9%
घ. सभी रोगियों के लिए रहने की औसत अवधि (दिनों में)	2.08
ङ. आयोजित कुल प्रसव (आईयूडी सहित)	3,191
कैजुअल्टी सेवाएं: बिस्तरों की संख्या - 10	
• पंजीकृत रोगी	68,427
• मेडिको-लीगल मामले	5,790
• आपातकालीन प्रवेश	2,934

एसडीएच बल्लभगढ़ में कुल सर्जिकल प्रक्रियाएं	
1. नेत्र विज्ञान	775
2. प्रसूति एवं स्त्री रोग	668
3. जनरल सर्जरी	603
4. बाल चिकित्सा सर्जरी	135
5. ईएनटी	140
6. पीएमआर	0
कुल	**2,321**

प्रयोगशाला और नैदानिक सेवाएँ	
क. प्रयोगशाला जांच (जैव रासायनिक और हेमेटोलॉजिकल)	3,05,727
ख. एक्स-रे	32,114
ग. यूएसजी	9,728
• प्रसवपूर्व स्कैन	3139
i. लेवल 2 प्रसवपूर्व स्कैन	319
भ्रूण कल्याण स्कैन	2820
• सामान्य स्कैन	6589
i. शिरापरक डॉपलर स्कैन	185
घ. मलेरिया स्लाइड	8,393
• पीवीवैक्स	0
• पी फाल्सीपेरम	0
ङ. एचआईवी के लिए प्रदत्त परामर्श और परीक्षण सेवाएँ	11208 एवं 11192

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम:

एसडीएच बल्लभगढ़ राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत एक क्षय रोग इकाई (टीयू) है। इस इकाई से तीन नामित माइक्रोस्कोपी केंद्र (डीएमसी) जुड़े हुए हैं। 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक बल्लभगढ़ अस्पताल में कुल 1,161 नए तपेदिक मामलों का इलाज किया गया।

ख. सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएँ

सीआरएचएसपी, बल्लबगढ़ दो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (दयालपुर और छांयसा) और 12 उप-केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से 28 गांवों के गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र (आईएफपीए) में सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। आईएफपीए में घरेलू, बाह्य रोगी, आंतरिक रोगी और रेफरल सेवाएँ प्रदान की जाती हैं। वर्ष (2022-23) के लिए आईएफपीए के महत्वपूर्ण जनसांख्यिकीय संकेतक इस प्रकार थे:

सूचक	**मान**
जनसंख्या	106,646
प्रति 1,000 जनसंख्या पर जन्म दर	18.5
प्रति 1,000 जनसंख्या पर मृत्यु दर	6.7
जन्म के समय लिंगानुपात (प्रति 1,000 पुरुषों पर महिलाएं)	832
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर शिशु मृत्यु दर	28.8
प्रति 1,000 जीवित जन्मों पर मृत्यु दर 5 से कम	32.7

1. **गहन फील्ड अभ्यास क्षेत्र में ओपीडी सेवाएं:** इसमें पीएचसी की ओपीडी में प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्यचर्या सेवाएं, साथ ही विस्तारित स्वास्थ्य क्लीनिकों की ओपीडी शामिल हैं, जो आईपीएचए के प्रत्येक गांव में संचालित की जाती हैं।

पी.एच.सी	नए मामले	बार-बार दौरे	कुल
दयालपुर	23697	22769	46466
छांयसा	19164	15564	34728
कुल	42861	38333	81194

पीएचसी दयालपुर में पंजीकृत आयुष ओपीडी मरीजों की कुल संख्या: **11,887** (पीएचसी छांयसा में कोई आयुष ओपीडी नहीं है)।

2. पीएचसी में प्रदान की जाने वाली रोगी सेवाएँ:

पी.एच.सी	कुल
दयालपुर	489
छांयसा	782
कुल	**1271**

3. पीएचसी में आपातकालीन सेवाएं:

पी.एच.सी	कुल
दयालपुर	12,178
छांयसा	3,724
कुल	**15,902**

4. परिवार कल्याण और मातृ शिशु स्वास्थ्य

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं

सूचक	मान
कुल प्रसवपूर्व पंजीकरण	2,218
पंजीकृत मामलों का पूर्ण टीटी कवरेज (%)	90.5
आईएफपीए में संस्थागत प्रसव का प्रतिशत	98.6
पीएचसी छायंसा (%)	99.2%
पीएचसी दयालपुर (%)	98.0%
पीएचसी पर डिलीवरी हट्स में कुल प्रसव	**576**
पीएचसी छांयसा	312
पीएचसी दयालपुर	264

5. अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम

राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम: रक्त स्लाइड का संग्रह ओपीडी में निष्क्रिय निगरानी के एक भाग के रूप में और आईएफपीए में घरेलू दौरों के दौरान सक्रिय निगरानी के रूप में किया जाता है।

संकेतक	पीएचसी छांयसा	पीएचसी दयालपुर
परीक्षण की गई मलेरिया स्लाइडों की कुल संख्या	5701	3744
सकारात्मक मामलों की कुल संख्या	0	0
वार्षिक परजीवी घटना (प्रति 1,000 जनसंख्या)	0	0
वार्षिक रक्त परीक्षण दर (%)	10.9%	6.86
स्लाइड सकारात्मकता दर (%)	0	0

राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम: राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम, राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के अनुसार आईएफपीए में चलाया जाता है। दयालपुर पीएचसी को माइक्रोस्कोपी केंद्र के रूप में नामित किया गया है और यह आईएफपीए के तहत सभी गांवों को सेवाएं प्रदान करता है। आईएफपीए में किया गया तपेदिक रोगियों का इलाज (श्रेणीवार) इस प्रकार है:

संकेतक (2022-2023)	पीएचसी छांयसा	पीएचसी दयालपुर
उपचार प्रारंभ करने वाले रोगियों की कुल संख्या	172	160
नए रोगी	121	137

कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (*एनपीसीडीसीएस*) : इस कार्यक्रम के तहत, ओपीडी में रोगियों की अवसर के अनुसार जांच की जाती है।

संकेतक (2022-2023)	पीएचसी छांयसा	पीएचसी दयालपुर
कुल की गई एनसीडी स्क्रीनिंग	637	4577
कुल मधुमेह निदान	125	86
कुल उच्च रक्तचाप निदान	321	266

6. **विशेष सेवाएं:** आउटरीच स्पेशलिटी ओपीडी (ओआरएसओ) प्रत्येक पीएचसी पर आयोजित एक विशेष गतिविधि है जहां एसडीएच बल्लभगढ़ में तैनात वरिष्ठ रेजिडेंट साप्ताहिक आधार पर पीएचसी में मरीजों की देखभाल करते हैं। सेवाएँ जून 2013 में शुरू की गईं। 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि के लिए प्रत्येक पीएचसी में देखे गए मामले इस प्रकार थे:

सेवाएं	पीएचसी छांयसा	पीएचसी दयालपुर
स्त्री रोग	487	500
बाल रोग	194	292
नेत्र विज्ञान	251	575
मनश्चिकित्सा	91	206
आउटरीच स्पेशलिटी ओपीडी (ओआरएसओ)*(योग)	**1023**	**1573**

7. पशु दंश प्रबंधन क्लिनिक

पीएचसी छायंसा और दयालपुर दोनों में एनिमल बाइट मैनेजमेंट क्लिनिक है। पीएचसी छांयसा में एंटी रेबीज टीकाकरण की कुल 579 खुराकें और पीएचसी दयालपुर में 362 खुराकें प्रदान की गईं।

8. गर्भवती महिलाओं के लिए विशेष सेवाएँ

विशेष सेवाएं	**पीएचसी छांयसा**	**पीएचसी दयालपुर**
आईवीआईएस प्राप्त गर्भावस्था	24	6
पीपीआईयूसीडी	27	80
उच्च जोखिम गर्भावस्था परामर्श (%)	40.2	38.4

9. आईईसी गतिविधियाँ

स्वास्थ्य वार्ता: पीएचसी छायंसा और दयालपुर में क्रमशः कुल 143 और 116 स्वास्थ्य वार्ता आयोजित की गईं। ये स्वास्थ्य वार्ताएं नर्सिंग विद्यार्थियों, प्रशिक्षुओं, रेजिडेंट डॉक्टरों द्वारा उपकेंद्रों, पीएचसी और समुदाय में दी जाती हैं। विषयों में नवजात देखभाल और कंगारू मातृ देखभाल, स्तनपान और दूध छुड़ाना, प्रसवपूर्व देखभाल, उच्च जोखिम गर्भावस्था, गर्भावस्था में एनीमिया, संस्थागत प्रसव का महत्व, टीकाकरण, मलेरिया और डेंगू, तपेदिक, बच्चों में एनीमिया, कृमि मुक्ति, बच्चों में कुपोषण, विटामिन-ए की कमी, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, एचआईवी/एड्स, बच्चों में दुर्घटनाएं, व्यक्तिगत स्वच्छता, परिवार नियोजन के तरीके, प्रसवोत्तर देखभाल और आहार, नवजात शिशु की देखभाल, कोविड -19, वृद्धावस्था देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम, आदि शामिल हैं।

10. प्रशिक्षण गतिविधियाँ

क) घरेलू महिलाओं कई अवसरों पर आईएमएनसीआई, उच्च जोखिम गर्भावस्था, उच्च जोखिम वाले शिशु का प्रशिक्षण

ख) घरेलू महिलाओं को एनीमिया प्रोफिलैक्सिस, निदान और उपचार का प्रशिक्षण

ग) संक्रमण की रोकथाम के लिए डीटीएस कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण

घ) सभी पीएचसी कर्मियों का अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण

ङ) पोर्टेबल ईसीजी मशीन संचालित करने के लिए चुनिंदा घरेलू महिलाओं और स्टाफ नर्स का प्रशिक्षण

च) एनक्यूएएस तैयारियों पर पीएचसी कर्मचारियों का प्रशिक्षण

छ) आईपीवी 3 खुराक और यूविन पोर्टल पर स्टाफ नर्स, कोल्ड चेन हैंडलर और स्वास्थ्य पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

11. वित्तीय वर्ष के दौरान पीएचसी में विशेष गतिविधियाँ

1. पीएचसी दयालपुर और छांयसा के स्कूलों में डेंटल कैंप का आयोजन किया गया
2. पीएचसी द्वारा ईंट भट्ठों और नलकूपों पर उच्च जोखिम वाली आबादी को लक्षित करने के लिए विशेष टीकाकरण सप्ताह (एसआईडब्ल्यू) के दो दौर आयोजित किए गए।
3. पीएचसी छांयसा के सभी गांवों में पांच साल से कम उम्र के बच्चों के बीच कुपोषण जांच अभियान चलाया गया
4. पीएचसी और उपकेंद्र के सभी कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण अभियान (100 पौधे)।

5. लगभग 6000 लाभार्थियों की स्क्रीनिंग के लिए सभी उप-केंद्रों और पीएचसी पर टी3 एनीमिया शिविर
6. पीएचसी परिसर में छोटे बच्चों और किशोरों को लक्षित आहार और स्वच्छता पर लघु फिल्म दिखाई गई।

III. नई पहल और अपडेट

क. नई पहल

1. स्वास्थ्य कर्मियों के लिए घर-आधारित नवजात देखभाल (एचबीएनसी) लॉगबुक पीएचसी द्वारा शुरू की गई थी
2. पीएचसी में पहचान, अनुवर्ती कार्रवाई और हस्तक्षेप के लिए उच्च जोखिम वाले शिशुओं का डेटा बेस बनाया गया था
3. सभी एएनसी के लिए महीने में एक बार और सभी कुपोषित एएनसी के लिए सप्ताह में एक बार भोजन पैकेट (250 ग्राम गुड़ + 200 ग्राम चना) के रूप में आहार अनुपूरक
4. पीएचसी छायंसा में केन्द्र-आधारित योग सत्र शुरू किया गया: पीएचसी परिसर में कुल 10 सत्र/माह, 1 घंटे प्रत्येक, फरवरी 2023 में शुरू किया गया।
5. नवंबर 2022 में, बल्लभगढ़ में एसडीएच में यूएचआईडी आधारित आउट पेशेंट विभाग (ओपीडी) पंजीकरण शुरू किया गया था। यह सुविधा प्रत्येक रोगी सेवा को स्वचालित रूप से पंजीकृत करती है और डिजिटलीकरण को सक्षम बनाती है।
6. एसडीएच बल्लभगढ़ में ओपीडी में लॉन्ग-कोविड के लिए विशेष क्लिनिक शुरू किया गया
7. तम्बाकू छुड़वाने के लिए हस्तक्षेप प्रदान करने हेतु एसडीएच बल्लभगढ़ में ओपीडी में तम्बाकू मोचक क्लिनिक (टीसीसी) शुरू किया गया था।
8. दिसंबर 2022 में, एसडीएच बल्लभगढ़ में एनसीडी क्लिनिक में आने वाले रोगियों के बीच तपेदिक और तंबाकू के उपयोग की जांच शुरू की गई थी।
9. हरियाणा राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा एसडीएच बल्लभगढ़ में मरीजों को योग सिखाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई।
10. उत्सव - विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व टीबी दिवस, विश्व मधुमेह दिवस, विश्व हृदय दिवस, श्रवण दिवस, विश्व मानसिक दिवस।
11. एसडीएच बल्लभगढ़ में प्रयोगशाला परीक्षण सुविधा का विस्तार किया गया। HbsAg एवं थायराइड प्रोफाइल की जांच सुविधा प्रारंभ की गई

ख. आगंतुक

1. सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी, पुणे) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के जूनियर रेजिडेंट्स ने एसडीएच बल्लभगढ़ का एचएमआईएस और एचडीएसएस संवेदीकरण दौरा किया।
2. अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली के एमपीएच विद्यार्थियों ने स्वास्थ्य प्रणालियों और प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के बारे में जानने के लिए एसडीएच बल्लभगढ़ का दौरा किया।

3. नेपाल विश्वविद्यालय के एमडी समुदाय रेजिडेंट्स ने स्वास्थ्य प्रणालियों और प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के बारे में जानने के लिए एसडीएच बल्लभगढ़ का दौरा किया।
4. एमडी सामुदायिक स्वास्थ्य प्रशासन के विद्यार्थियों ने एचएमआईएस और एचडीएसएस संबंधी जागरूकता के लिए एसडीएच बल्लभगढ़ का दौरा किया।

ग. पुरस्कार और प्रशंसा

कायाकल्प पुरस्कार: फरीदाबाद जिले में पीएचसी छायंसा और पीएचसी दयालपुर को 50,000 रुपये का प्रशंसा पुरस्कार मिला।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के लिए आकलन: पीएचसी छायंसा को 93.4% स्कोर के साथ अगले 3 वर्षों के लिए पुन: प्रमाणीकरण प्राप्त हुआ। पीएचसी दयालपुर ने पुन: प्रमाणीकरण के लिए राज्य स्तरीय आकलन को मंजूरी दे दी और मार्च 2023 में राष्ट्रीय स्तर का आकलन किया गया।

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम

शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम का फील्ड अभ्यास क्षेत्र, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र दक्षिण दिल्ली में दक्षिणपुरी एक्सटेंशन, डॉ अंबेडकर नगर में स्थित है, जिसमें ब्लॉक 1-7,14,15,19, सुभाष कैंप, दक्षिणपुरी शामिल हैं जो लगभग 38056 की आबादी को सेवा प्रदान करते हैं। शहरी स्वास्थ्य केंद्र में रोगी देखभाल सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

नैदानिक सेवाएँ

	गतिविधियाँ	**संख्या**
ओपीडी	देखे गए रोगियों की कुल संख्या (टीकाकरण सहित)	23427
प्रयोगशाला सेवाएँ	कुल लैब परीक्षण	8362
	आयोजित एचबी परीक्षण की संख्या	3058
	इनमें से जिनका Hb.<7 gm% है	76
	इनमें से जिनका Hb.<11gm% है	1111
	रक्त शर्करा-एफबीएस, आरबीएस, पीपीएस	5443
	मूत्र एल्बुमिन और शुगर की जांच की गई	25
	यूपीटी	54
	मलेरिया के लिए आरडीटी	10
	ब्लड ग्रुप	51

बाल स्वास्थ्य सेवाएँ

आयोजित टीकाकरण सत्रों की संख्या - 101 दिन

बीसीजी		50
डीपीटी 1=1	/पेंटावेलेंट 1	227
डीपीटी 2=2	/पेंटावैलेंट1 2	241
डीपीटी 3 = 0	/पेंटावैलेंट 3	233
ओपीवी 0 खुराक (जन्म खुराक)		47

ओपीवी1	227
ओपीवी2	241
ओपीवी3	233
हेपेटाइटिस-बी 1	0
हेपेटाइटिस-बी 2	0
हेपेटाइटिस-बी 3	0
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 1	227
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 2	233
इंजेक्टेबल आईपीवी फ्रैक्शनल 3	27
रोटावायरस 1	227
रोटावायरस 2	241
रोटावायरस 3	233
पीसीवी 1	229
पीसीवी 2	236
पीसीवी बूस्टर	207
एमआर	224
एमआर अभियान 9 माह से 5 वर्ष तक	41
एमएमआर	202
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 1	181
डीपीटी/ओपीवी बूस्टर 2	301
टाइफाइड का टीका	319
टीडी-10 वर्ष	393
टीडी- 16 वर्ष	161
9 महीने से 5 साल के बीच दिया गया विटामिन ए	947
5 बच्चों से कम उम्र के बच्चों को एल्बेंडाजोल	283
स्वास्थ्य जांच में गंभीर रूप से कम वजन वाले लोगों की संख्या (0-5 वर्ष)	87

मातृ स्वास्थ्य सेवाएँ

प्रसवपूर्व देखभाल	शहरी स्वास्थ्य केंद्र में देखी गई गर्भवती महिलाओं की कुल संख्या (नए मामले = 120)	574
	गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें टीडी1 दिया गया	107
	गर्भवती महिलाओं की संख्या जिन्हें टीडी- 2. 68 + टीडी बूस्टर	68+7=75

	7=75 दिया गया	
	कुल गर्भवती महिलाएं जिन्हें 180 आईएफए गोलियाँ दी गईं	81
परिवार नियोजन	वितरित कंडोम की संख्या	लागू नहीं
	वितरित मौखिक गर्भनिरोधक गोली चक्रों की संख्या	लागू नहीं
	पहचाने गए नए आरटीआई/एसटीआई मामले	91

पिछले 3 वर्षों में रोगी देखभाल

विषय	2020-21	2021-22	2022-23
ओपीडी परामर्श	5442	12240	23427
विशेष क्लिनिक परामर्श	3507	2698	1794
मरीजों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	2310	2471	179
कुल रोगी प्रवेश	9183	9381	11237

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य शशि कांत ने कोविड-19 पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स को अपने इनपुट प्रदान किए। एम्स, नागपुर के शासी निकाय के सदस्य के रूप में, उन्होंने रणनीतिक निर्णय लेने में मार्गदर्शन प्रदान किया। वह राष्ट्रीय हैजा और आंत्र रोग संस्थान, कोलकाता की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य रहे। डॉ. शशि कांत भारत सरकार के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत निगरानी और महामारी विज्ञान पर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य रहे।

आचार्य संजीव कुमार गुप्ता कई पत्रिकाओं के समीक्षक रहे, जैसे, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ़ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ़ मेडिकल रिसर्च। वे, भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के जनसंख्या स्थिरता कोष के आजीवन सदस्य हैं। "ट्यूबरकुलस मैनिंजाइटिस (टीबीएम) के लिए 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने के एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) की प्रभावकारिता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित, गैर-हीनता परीक्षण।” नामक परियोजना के लिए डेटा सुरक्षा प्रबंधन बोर्ड (डीएसएमबी) के सदस्य रहे (पीआई: डॉ. दीप्ति विभा, न्यूरोलॉजी की अपर आचार्य, न्यूरोसाइंसेज सेंटर, एम्स)।

आचार्य किरण गोस्वामी डीएसटी-एससीएसपी की कार्यक्रम सलाहकार समिति के सदस्य रहे। वे, सदस्य एनटीए यूजीसी-नेट विशेषज्ञ समिति सामाजिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य भी रहे। साथ ही, एमडी थीसिस मूल्यांकन, बीएफयूएचएस फरीदकोट, परीक्षक-बीएफयूएचएस, दिल्ली विश्वविद्यालय, डीएनबी (एनबीई)। वे एफएमजी परीक्षा के संचालन के लिए विषय विशेषज्ञ, एनबीई रहे। अध्यक्षता सत्र-आईएपीएसएम कॉन 2023 एम्स, बीबीनगर। मास्टर ट्रेनर कार्यक्रम का तीसरा राष्ट्रीय स्तर का प्रशिक्षण 18-19 अगस्त 2022 को आयोजित किया गया। एनएसएस इकाई (इसमें एमबीबीएस यूजी और बीएससी नर्सिंग विद्यार्थियों सहित 600 से अधिक विद्यार्थी नामांकित हैं; उन्होंने फील्ड अभ्यास क्षेत्र में जागरूकता पैदा करने और वंचित समूहों के कल्याण पर नियमित गतिविधियां संचालित कीं।

आचार्य आनंद कृष्णन क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई के प्रभारी आचार्य हैं। समुदाय-आधारित एनसीडी रोकथाम और नियंत्रण संबंधी अनुसंधान और क्षमता निर्माण पर डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के प्रमुख हैं। एसआरएस-वीए और मिनर्वा नेटवर्क के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के प्रमुख। जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत कार्डियो-वैस्कुलर विकारों पर उत्कृष्टता केंद्र के समन्वयक। आईसीएमआर-एनआईआरईएच भोपाल की वैज्ञानिक सलाहकार समिति के अध्यक्ष हैं। सह-अध्यक्ष, स्थानीय अनुसंधान सलाहकार समिति, एमआरयू एम्स गोरखपुर। परामर्श संपादक, डब्ल्यूएचओ एसई एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ मेडिकल साइंसेज; संपादक, करंट साइंसेज। संपादक, फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ। कोविड-19 मृत्यु दर आकलन पर यूएनडीईएसए/डब्ल्यूएचओ तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य; इन्फ्लुएंजा रोग के प्रसार संबंधी डब्ल्यूएचओ कार्य समूह; स्कूल बोर्ड, स्वास्थ्य विज्ञान स्कूल, इग्नू; स्कूल बोर्ड, स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज, हैदराबाद विश्वविद्यालय; सेंटर फॉर सोशल मेडिसिन एंड कम्युनिटी हेल्थ, जेएनयू के लिए केंद्र समिति; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय का शासी निकाय; चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग; वैज्ञानिक सलाहकार समूह, एनसीडी प्रभाग, आईसीएमआर; सलाहकार समिति, केफर। डॉ. कृष्णन ने तिमोर लेस्ते के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संवर्धन रणनीति विकसित करने पर डब्ल्यूएचओ के साथ कार्यभार संभाला; कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम की समीक्षा के लिए संयुक्त सहायक पर्यवेक्षी मिशन (जेएसएसएम) के टीम लीडर के रूप में उन्होंने ओडिशा राज्य का दौरा किया।

आचार्य बारिडालीन नोंगकिनरिह ने अनुक्रमित चिकित्सा पत्रिकाओं में सात शोधपत्र प्रकाशित किए; बीएमजे ओपन के लिए समीक्षक, डब्ल्यूएचओ के बुलेटिन, लैंसेट दक्षिण पूर्व एशिया, इंडियन जर्नल ऑफ कम्युनिटी मेडिसिन, ग्लोबल हेल्थ एक्शन, इंडियन जर्नल ऑफ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ और जर्नल ऑफ हेल्थ, पॉपुलेशन एंड न्यूट्रिशन, आईसीडीडीआर बांग्लादेश, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिसिन एंड पब्लिक हेल्थ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड मेडिकल रिसर्च, डब्ल्यूएचओ साउथ-ईस्ट एशिया जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, कैंसर बायोलॉजी एंड मेडिसिन के समीक्षक रहे; आरजीआई-एम्स नई दिल्ली द्वारा एसआरएस के लिए मिनर्वा नेटवर्क की कोर टीम के सदस्य और राष्ट्रीय प्रशिक्षक। एम्स और जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या पर आयोजित एक कार्यशाला में संकाय सदस्य। मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल और दिल्ली में 4 विश्वविद्यालयों के लिए बाहरी परीक्षक। जेआईपीएमईआर पुडुचेरी के लिए पीएच.डी. परीक्षक; संकाय भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य, निमहंस; अप्रैल 2022 में दिल्ली में एनसीडी के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर 7वें अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम के संकाय सदस्य और आयोजक। डेल्फ़ी सर्वेक्षण के सदस्य, परचेजिंग क्वालिटी क्रोनिक केयर के सदस्य, 2023 डब्ल्यूएचओ जिनेवा; आईसीएमआर एनसीडीआईआर, बेंगलुरु द्वारा फरवरी-मई 2023 में आयोजित सर्वेक्षण "भारत में उच्च रक्तचाप और मधुमेह के लिए देखभाल की निरंतरता का आकलन" के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य रहे।

आचार्य पुनीत मिश्रा, पीएलओएस वन, आईसीजेएम, बीएमजे, लांसेट पब्लिक हैल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हैल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पीडिएट्रिक्स, एनएमजेआई, बीएमसी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डायबिटीज इन डेवलपिंग नेशंस, एडिक्टिव बिहेवियर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडोलसेंट मेडिसिन एंड

हैल्थ, बीएमसी सार्वजनिक स्वास्थ्य, बीएमसी महिला स्वास्थ्य, बीएमसी संक्रामक रोग, बायोमेडिकल और पर्यावरण विज्ञान, पारिवारिक चिकित्सा और सामुदायिक स्वास्थ्य, एनएमजेआई के समीक्षक रहे; डीएसटी के लिए प्रस्ताव, सत्यम डीएसटी, आईसीएमआर, डीबीटी, फुलब्राइट स्कॉलरशिप और कई अन्य के समीक्षक रहे। कार्यक्रम सलाहकार समिति डीएसटी, भारत सरकार, एसवाईएसटी, एडब्ल्यूएसएआर के सदस्य रहे। विशेषज्ञ समिति और पेपर समीक्षक, एसईईडी प्रभाग, डीएसटी, भारत सरकार। हमारे आगामी वीआई-डीटी टाइफाइड कंजुगेट वैक्सीन, नेपाल के लिए सदस्य डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड (डीएसएमबी)। आईसीएमआर विशेषज्ञ समिति के सदस्य, आईसीएमआर टास्क फोर्स पीसीओएस, अनुसंधान अनुभाग एम्स, चयन समिति। मधुमेह, मेटाबोलिक विकार, किडनी और लीवर विकार, हृदय रोगों पर टीईसी, आईसीएमआर के सदस्य; आईसीएमआर, डीएसटी, डीबीटी और अन्य एजेंसियों के लिए परियोजना समीक्षक। डीडी न्यूज, एलएस टीवी, आरएस टीवी, एबीपी न्यूज, ज़ीटीवी, सीएनएन, आजतक, इंडिया टीवी आदि सहित विभिन्न मीडिया चैनलों के लिए टीवी पर 50 से अधिक कार्यक्रम। आईआईएसएफ 2022 में सत्र की अध्यक्षता की और आईआईएसएफ 2022 में अतिथि व्याख्यान भी दिया। पीएचडी केजीएमयू और डीयू के लिए थीसिस मूल्यांकनकर्ता और परीक्षक, इग्नू के लिए पीएचडी परीक्षक, एमडी परीक्षक, केजीएमयू और केजीएमयू, एम्स ऋषिकेश तथा पीजीआई चंडीगढ़ के लिए एमडी थीसिस के परीक्षक। डब्ल्यूएचओ यूनिटी प्रोटोकॉल स्टडीज के लिए बैठकों का आयोजन और अध्यक्षता की। डब्ल्यूएचओ के सहयोग से विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के लिए क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया। जेसी बोस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और पीसी रे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सदस्य रहे।

आचार्य संजय कुमार राय ने विभिन्न पेशेवर संगठनों, जैसे इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन, इंडिया पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन, इंडियन चेस्ट सोसाइटी, एसोसिएशन ऑफ फिजिशियंस ऑफ इंडिया आदि के लिए 30 से अधिक ऑनलाइन व्याख्यान दिए। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी, पंडित बीडी शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, और पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल द्वारा, एमडी सामुदायिक चिकित्सा के परीक्षकों के बोर्ड के सदस्य के रूप में उन्हें नामांकित किया गया। बाहरी परीक्षक के रूप में 11-12 मई 2022 तक आईएमएस बीएचयू में, 26-27 मई 2023 तक पंडित बीडी शर्मा पीजीआईएमएस रोहतक में और 11-12 जून 2022 तक बर्दवान मेडिकल कॉलेज, बर्दवान, पश्चिम बंगाल में एमडी सामुदायिक चिकित्सा परीक्षा आयोजित की। आईसीएमआर-एनआईसीईडी की वैज्ञानिक सलाहकार समिति (एसएसी) के सदस्य के रूप में उन्होंने 6-7 सितंबर 2022 को आईसीएमआर-एनआईसीईडी कोलकाता में आईसीएमआर-एनआईसीईडी की 50वीं एसएसी बैठक में एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (एनएसीओ), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संपूर्ण देश के लिए एचआईवी प्रहरी निगरानी (एचएसएस) के लिए तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए एम्स नई दिल्ली में एचएसएस के लिए नामित राष्ट्रीय संस्थान को एनएसीओ के "फोकल व्यक्ति" के रूप में नामित किया गया है। उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड के कई जिलों का कई बार दौरा, इन राज्यों में चल रही एच.एस.एस. के संबंध में किया; एम्स इंजीनियरिंग सलाहकार समिति (ईएसी) के सदस्य के रूप में इंजीनियरिंग सेवाओं के कामकाज को सुव्यवस्थित करने के लिए कई इंजीनियरिंग सलाहकार समिति

की बैठकों में भाग लिया। भारत में एचआईवी अनुमानों पर एनएसीओ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे और 2022 के दौरान कई टीआरजी बैठकों में भाग लिया। वर्ष 2019-2022 के लिए भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ के "अध्यक्ष" चुने गए।

आचार्य वाईएस कुसुम कुमारी को आईसीएमआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्प्लीमेंटेशन रिसर्च ऑन एनसीडी (एनआईआईआरएनसीडी) में 29 दिसंबर 2022 को आयोजित कार्यान्वयन अनुसंधान पर विचार-मंथन बैठक के लिए कार्यान्वयन अनुसंधान विशेषज्ञ के रूप में आईसीएमआर द्वारा आमंत्रित किया गया। उन्हें, एमईआरए-इंडिया परियोजना के लिए गुणात्मक अनुसंधान विशेषज्ञ के रूप में, आईसीएमआर- राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान (एनआईएमआर) द्वारा आमंत्रित किया गया। वे, "अनुसूचित जनजातियों के बीच सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज के संदर्भ में स्वास्थ्यचर्या पहुंच में सुधार" संबंधी राष्ट्रीय टास्क फोर्स की सदस्य रहीं। "एनसीडी जोखिम कारक सहयोग (एनसीडी-आरआईएससी)" - दुनिया भर के वैज्ञानिकों का एक नेटवर्क जो गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के जोखिम कारकों पर कठोर और समय पर डेटा प्रदान करता है, की सदस्य रहीं। एमआईएचएसए (माइग्रेशन हेल्थ साउथ एशिया) नेटवर्क - जो एक विकासशील नेटवर्क है जिसमें दक्षिण एशिया और/या यूके में अनुसंधान और नीति संस्थानों के प्रमुख विद्वान और व्यवसायी शामिल हैं, की सदस्य बनाई गईं। गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (जीआईटीएएम) विश्वविद्यालय, विशाखापत्तनम; इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (आईजीएनटीयू), अमरकंटक; जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; और उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद में पीएचडी थीसिस निर्णायक के रूप में कार्य किया। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, जर्नल ऑफ माइग्रेशन एंड हेल्थ, साइकोलॉजी इन द स्कूल्स (पीआईटीएस), वैक्सीन्स, डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ जैसी अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पेशेवर पत्रिकाओं में समीक्षक के रूप में भी उन्होंने कार्य किया।

आचार्य कपिल यादव भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, "नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च ऑन एनीमिया कंट्रोल (एनसीईएआर-ए)" के प्रमुख हैं। एनीमिया मुक्त भारत (एएमबी) के एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए, एनसीईएआर-ए ने नए एम्स और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण (टीओटी) सहित शिक्षा जगत के सभी प्रमुख हितधारकों को आमंत्रित किया। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के राज्यस्तरीय शुभारंभ में एक प्रमुख संसाधन व्यक्ति के रूप में सक्रिय रूप से उन्होंने भाग लिया। आयोडीन और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों पर अपना काम जारी रखा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पोषण की पाठ्यपुस्तक के लिए अध्याय लिखे। डब्ल्यूएचओ एनीमिया एलायंस हितधारक समूह के सदस्य के रूप में वे नामांकित किए गए। मानव अनुसंधान के लिए एनआईएफटीईएम आचार समिति (एनईसीएचआर) के सदस्य हैं। श्रीलंका, म्यांमार, डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया में पोषण कार्यक्रम के लिए सलाहकार रहे। उन्होंने डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, डब्ल्यूएफपी, एनआई, जीएआईएन, बीएमजीएफ, पीएटीएच, एफएसएसएआई और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ भी काम किया। कार्यकारी परिषद सदस्य, भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य संघ, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), एम्स, इकाई। कार्यकारी परिषद सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन का पद भी श्री यादव ने संभाला।

आचार्य सुमित मल्होत्रा एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान अनुभाग के तहत क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू) की कार्य समिति के सदस्य; एम्स में कोक्रेन इंडिया नेटवर्क के संबद्ध केंद्र के सदस्य हैं; वे निम्नलिखित से भी जुड़े हैं- क्लिनिकल परीक्षण के लिए आईसीएमआर उन्नत केंद्र के सदस्य; नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा संबंधी एम्स संकाय के लिए फेलोशिप कार्यक्रम के शिक्षण सदस्य, आकांक्षी जिले, नूंह, हरियाणा में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के कार्यान्वयन के समर्थन के लिए "नवाचार और शिक्षण केंद्र" का केंद्र बिंदु; वृद्धावस्था और उपशामक देखभाल, मानसिक और तंत्रिका संबंधी रोगों से संबंधित नए पैकेज शुरू करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और अन्य स्वास्थ्य संवर्गों के लिए राष्ट्रीय और मास्टर ट्रेनर [राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय), भारत सरकार (जीओआई) द्वारा विकसित प्रशिक्षण पैकेज जिसमें कोविड-19 से संबंधित देखभाल शामिल है], व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या के हिस्से के रूप में आपातकालीन और आघात देखभाल और समुदाय स्वास्थ्य अधिकारी, एम्स, दिल्ली के लिए टेली-मेंटरिंग कार्यक्रम; एसआरएस-वीए और मिनर्वा नेटवर्क के लिए एम्स तकनीकी सहायता इकाई के सदस्य। वह एक परिचालन अनुसंधान संरक्षक और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के साथ उच्च रक्तचाप और तंबाकू के लिए एनएफएचएस 5 डेटासेट के माध्यमिक डेटा विश्लेषण के तहत अनुसंधान टीमों और पांडुलिपि लेखन का हिस्सा थे। आईएपीएसएम (इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन) अनुसंधान पद्धति पाठ्यक्रम के संचालन और स्वास्थ्य प्रणाली अनुसंधान मॉड्यूल के समन्वयक हैं। वह अगस्त 2022 सत्र के लिए बीएससी नर्सिंग (पोस्ट-बेसिक) पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवारों के चयन के लिए चयन समिति के सदस्य थे। उन्हें द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस समारोह (17 अक्टूबर 2022) में पोस्टर सत्र (एसडीजी) के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया था। एम्स, दिल्ली में फैकल्टी मेंटरशिप प्रोग्राम (11 नवंबर 2022) के हिस्से के रूप में वे टीचर्स मेंटर वर्कशॉप में शामिल हुए। उन्हें एनवीबीडीसीपी (राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम) के तहत लिम्फैटिक फाइलेरियासिस समूह के उन्मूलन का हिस्सा बनने के लिए विभाग से नामित किया गया था और उन्हें एम्स में रोग निवारण तथा प्रकोप प्रतिक्रिया समिति (डीपीओआरसी) का हिस्सा बनने के लिए भी नामित किया गया था। वह जेआईपीएमईआर पुडुचेरी में एमडी परीक्षा के लिए एक बाहरी परीक्षक थे, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के लिए एमबीबीएस विश्वविद्यालय परीक्षा, एनईआईजीआरआईएचएमएस की एमबीबीएस परीक्षा के लिए सिद्धांत प्रश्न पत्र तैयार किया था, और एम्स, नई दिल्ली में व्यावसायिक परीक्षा (पूरक परीक्षा सहित) के लिए एक आंतरिक एमबीबीएस परीक्षक थे। उन्होंने पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए एमपीएच (सार्वजनिक स्वास्थ्य में परास्नातक) पाठ्यक्रम के लिए थीसिस का भी मूल्यांकन किया। हैदराबाद में आईएपीएसएम कॉन 2023 के भाग के रूप में "गैर-संचारी रोगों की रोकथाम के लिए खाद्य उत्पादों में नवाचार" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. अनिल कुमार गोस्वामी (30 सितंबर 2022 तक) चंडीगढ़ की एक राष्ट्रीय संस्था "ऑल इंडिया एसोसिएशन ऑफ मेडिकल सोशल वर्क प्रोफेशनल्स" के संरक्षक 2016-22 रहे। 2008 से आज तक एम्स के "रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया सेल" (डीपीओआरसी) के नामित नोडल अधिकारी। वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए एम्स परिसरों में सभी निगरानी और मूल्यांकन

गतिविधियाँ की गईं। 2012 से आज तक "संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति" एम्स के नामित नोडल अधिकारी रहे। सामुदायिक चिकित्सा केंद्र में दैनिक उपयोग में और विशेष रूप से विभिन्न सार्वजनिक स्वास्थ्य विषयों पर स्वास्थ्य शिक्षा सामग्री विकसित करके हिंदी भाषा के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। काया कल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत स्वच्छता संवर्धन उप-समिति (स्वच्छ और हरित एम्स की केआरए-7) के सदस्य थे। काया कल्प (स्वच्छ अस्पताल अभियान) के तहत "सार्वजनिक प्रतिक्रिया" (स्वच्छ और हरित एम्स की केआरए-8) संबंधी उप-समिति के सदस्य थे।

डॉ. रवनीत कौर आईसीएमआर की पीएम-एबीएचआईएम योजना के तहत सरकारी मेडिकल कॉलेजों (एमआरयू) और राज्यों में मॉडल ग्रामीण स्वास्थ्य अनुसंधान इकाइयों (एमआरएचआरयू) की बहु-विषयक अनुसंधान इकाइयों में अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए परियोजना समीक्षा समिति की सदस्य हैं। ग्रामीण और शहरी आबादी में स्क्रीनिंग और निदान के लिए आईसीएमआर की पूर्व-मान्य लैबिक टेक्नोलॉजीज की स्वास्थ्य प्रणाली के भीतर सामुदायिक स्तर की स्वीकार्यता, स्केलेबिलिटी और लिंकेज के मूल्यांकन के लिए टास्कफोर्स अध्ययन हेतु गठित आईसीएमआर के सलाहकार समूह सह डेटा सुरक्षा निगरानी बोर्ड की सदस्य हैं। क्लिनिकल परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं पर संस्थान की नैतिकता उप-समिति की सदस्य। एसईटी (कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन) सुविधा के लिए संकाय सदस्य, एम्स और स्नातक शिक्षण के लिए कौशल मॉड्यूल उन्होंने तैयार किए। दिल्ली विश्वविद्यालय, जीजीएस आईपी विश्वविद्यालय और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए एमडी/एमपीएच थीसिस का मूल्यांकन किया। देश के विभिन्न संस्थानों के प्रतिभागियों के लिए कौशल मॉड्यूल विकसित करने के लिए टीओटी के मास्टर ट्रेनर। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत किशोर अनुकूल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राज्य मास्टर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय प्रशिक्षक। वे, एमआईवाईसीएन (मातृ, शिशु और युवा बाल पोषण) पर आईएपीएसएम (इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन) के राष्ट्रीय कार्य समूह की सदस्य। आईएपीएसएम की मासिक धर्म स्वास्थ्य और स्वच्छता प्रबंधन (एमएचएचएम) समिति की सदस्य, और मासिक धर्म स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन पर आईएपीएसएम सलाहकार विकसित करने में उन्होंन योगदान दिया। विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों (एनीमिया मुक्त भारत, पोषण अभियान, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम और भारत में एसआरएस आधारित मौखिक शव परीक्षा) में योगदान। पत्रिकाओं (ग्लोबल हेल्थ रिसर्च एंड पॉलिसी, बीएमजे ओपन, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, जर्नल ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिसिन) की समीक्षक भी रहीं।

डॉ. हर्षल रमेश साल्वे को इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) द्वारा डॉ. सुशीला नायर मेमोरियल यंग लीडर्स ओरेशन अवार्ड प्रदान किया गया। सामुदायिक चिकित्सा और आईएपीएसएम के क्षेत्र में योगदान के लिए इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम) द्वारा राष्ट्रपति सराहना पुरस्कार। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनवायरनमेंटल एपिडेमियोलॉजी (आईएसईई) के सदस्य रहे। भारत में जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत 'वायु प्रदूषण और मानव स्वास्थ्य' के तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) के सदस्य। आईआईटी कानपुर के साथ भारत में राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानकों (एनएएक्यूएस) के संशोधन के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) द्वारा समर्थित टीम के सदस्य। राष्ट्रीय

जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के तहत जिला नोडल अधिकारियों के लिए "वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों" पर प्रशिक्षण मैनुअल विकसित किया। आईआईटी कानपुर और यूएनईपी के साथ राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के तहत जिला नोडल अधिकारियों के लिए "वायु प्रदूषण से संबंधित बीमारियों" पर सह-संगठित प्रशिक्षण प्रदान किया। भारत में जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत कार्डियो पल्मोनरी रोगों के उत्कृष्टता केंद्र के सदस्य रहे। एम्स के लिए पाठ्यक्रम-समन्वयक - गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य दृष्टिकोण पर पीजीआई पाठ्यक्रम (5-9 अप्रैल 2022)। सीएपीएचईआर इंडिया - कॉलेबोरेटिव ऑन एयर पॉल्यूशन एंड हैल्थ इफेक्ट्स रिसर्च, इंडिया (एम्स और आईआईटी दिल्ली के बीच संयुक्त सहयोग) के समन्वयक। एम्स में समुदाय-आधारित गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण में क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ के सहयोग केंद्र के लिए गैर-संचारी रोगों के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के संकाय सदस्य। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समर्थित मिनर्वा की एम्स तकनीकी सहायता इकाई के संकाय सदस्य। एम्स में सीएपीएचईआर - इंडिया के तहत "वायु प्रदूषण और स्वास्थ्य प्रभाव अनुसंधान अध्ययन को डिजाइन और कार्यान्वित करना" विषय पर क्षमता निर्माण कार्यशाला (एम्स और आईआईटी दिल्ली का संयुक्त सहयोग) का आयोजन किया। प्रारंभिक कैरियर शोधकर्ताओं के लिए सीएपीएचईआर वेबिनार श्रृंखला का आयोजन और संचालन किया। स्वस्थ भारत एलायंस (हृदय) के साथ गैर-संचारी रोगों और वायु प्रदूषण पर सातवें राष्ट्रीय सिविल सोसायटी परामर्श का सह-आयोजन किया।

डॉ. राकेश कुमार "संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीसीपी) और भारत के रजिस्ट्रार जनरल के तहत क्षय रोग मृत्यु रिपोर्टिंग के तंत्र को मजबूत करना" नामक परियोजना की विशेषज्ञ सलाहकार समिति के सदस्य रहे। यूरोलॉजी में एक्स्ट्रामुरल एडहॉक अनुसंधान के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की परियोजना समीक्षा समिति के अध्यक्ष रहे। वह अमेरिकन जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हाइजीन, ट्रांजेक्शन ऑफ द रॉयल सोसाइटी ऑफ ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड हेल्थ, ट्रॉपिकल मेडिसिन एंड इंटरनेशनल हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ और द जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया के समीक्षक हैं। एम्स, नई दिल्ली में क्षय रोग कोर समिति के सदस्य भी हैं।

डॉ. पार्थ हलदर एम्स नई दिल्ली की क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई के सदस्य हैं। वह भारत में वायरल हेपेटाइटिस निगरानी के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य रहे हैं और बने रहेंगे। उन्होंने सामुदायिक चिकित्सा केंद्र के एमडी विद्यार्थियों के लिए स्वास्थ्य अर्थशास्त्र और महामारी विज्ञान मॉड्यूल का संचालन किया। वह भारत में एचआईवी स्व-परीक्षण के लिए राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी संसाधन समूह (टीआरजी) के सदस्य भी हैं। भेद्यता आवश्यकताओं के मूल्यांकन के संचालन में मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए वह जलवायु परिवर्तन और मानव स्वास्थ्य संबंधी राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीसीएचएच) के लिए राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) के सदस्य

भी हैं। वह एम्स नई दिल्ली (एनआई-एचएसएस) में एचएसएस के लिए एनएसीओ द्वारा नामित राष्ट्रीय संस्थान और एनीमिया नियंत्रण पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र (एनसीईएआर-ए) के सदस्य बने हुए हैं। वह कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक हैं, जिनमें शामिल हैं: साइंटिफिक रिपोर्ट्स, नेचर-ग्रुप जर्नल, बीएमजे ओपन, पीएलओएस वन, बीएमसी प्रेग्नेंसी एंड चाइल्डबर्थ, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ हाइपरटेंशन, जर्नल ऑफ क्लिनिकल पैथोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी एंड साइकाइट्री, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च। वह आईसीएमआर-डीएचआर डेटा शेयरिंग और एक्सेस पॉलिसी पर सलाह देने के लिए गठित आईसीएमआर-डीएचआर समिति के सदस्य हैं। वह ट्रांसजेंडर्स के स्वास्थ्य के लिए भारत के राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य होने के नाते भारत सरकार को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं, और वह एम्स, नई दिल्ली में लिंग सकारात्मक केंद्र (जीएसी) केंद्र की स्थापना के लिए बनाई गई समिति के सदस्य भी हैं। वह भारत में राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम के प्रयोगशाला घटकों के लिए भारत के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित तकनीकी संसाधन समूह में एक महामारी विशेषज्ञ के रूप में सदस्य होने के नाते भारत सरकार को तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं। इस विभाग के अन्य संकाय सदस्यों के साथ, उन्हें भारतीय मानक ब्यूरो, भारत की स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल सेवा अनुभागीय समिति के लिए नामांकित किया गया था। विभिन्न तकनीकी संसाधन समूहों के लिए आयोजित सभी बैठकों में उन्होंने भौतिक रूप में/वर्चुअल रूप में भाग लिया।

डॉ. मोहन लाल बैरवा फ्रंटियर्स इन पब्लिक हेल्थ और बीएमसी पब्लिक हेल्थ के संपादकीय बोर्ड सदस्य रहे। एम्स, भुवनेश्वर द्वारा आयोजित आईएपीएसएम के तीसरे यंग लीडर्स कॉन्क्लेव में सत्र की अध्यक्षता की। एम्स में समुदाय-आधारित गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण में क्षमता निर्माण तथा अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ के सहयोग केंद्र हेतु गैर-संचारी रोगों के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के संकाय सदस्य हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा समर्थित मिनर्वा की एम्स तकनीकी सहायता इकाई के संकाय सदस्य हैं। आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय के अध्ययन बोर्ड के सदस्य रहे। एम्स और जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से प्राथमिक स्वास्थ्यचर्या पर आयोजित एक कार्यशाला में संकाय सदस्य रहे। योग्यता आधारित चिकित्सा शिक्षा के कार्यान्वयन के लिए अनुकूलन सामुदायिक चिकित्सा पाठ्यक्रम के संकाय सदस्य रहे। पीजी प्रवेश परीक्षा में बदलाव के बदले अंतिम वर्ष के एमबीबीएस विद्यार्थियों के शिक्षण, प्रशिक्षण और मूल्यांकन के पैटर्न में सुधार का सुझाव देने वाली समिति के सदस्य भी रहे हैं।

9.9 त्वचा एवं रतिजरोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

कौशल के वर्मा

आचार्य

एम रामम, बिनोद के खेतान, सुजय खांडपुर, जी सेथुरमन, सोमेश गुप्ता

अपर आचार्य

कनिका साहनी

सह-आचार्य

नीतू भारी

सहायक आचार्य

विशाल गुप्ता

समूह क अधिकारी

मीनू कोहली

विशिष्टताएं

रोगी उपचार:

विभाग त्वचा रोगों, एसटीआई और कुष्ठ रोग के रोगियों के लिए एक ओपीडी चलाता है, त्वचा शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं भी करता है और त्वचा बायोप्सी की प्रतिदिन समीक्षा करता है। साथ ही साथ, 8 विशेष क्लिनिक, 4 लेजर क्लिनिक चलाई जाती हैं और सप्ताह में एक बार विटिलिगो से पीडित रोगियों की सर्जरी की जाती है। फिजिकल ओपीडी पूरी तरह कार्यात्मक हो जाने के बाद भी हमने प्रतिदिन टेली-परामर्श देना जारी रखा है। हमारे पास 29 बिस्तरों वाला एक वार्ड है, जिन पर लगभग 100% पर मरीज भर्ती हैं, और 6 बिस्तरों वाला एक डे केयर सेंटर है, जहां हम स्टेरॉयड पल्स और जैविक दवा देने के लिए मरीजों को भर्ती करते हैं।

शिक्षा और प्रशिक्षण:

विभाग 25 कनिष्ठ रेजिडेंट्स, 10 वरिष्ठ रेजिडेंट्स, 3 पीएचडी अभ्यर्थी और स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण दे रहा है। मेडिसिन, आपातकालीन चिकित्सा, संक्रामक रोग और बाल चिकित्सा विभाग के कनिष्ठ रेजिडेंट्स के लिए 2 सप्ताह का योग्यता आधारित प्रशिक्षण दिया जाता है। इस वर्ष, हमने भौतिक शिक्षण गतिविधियों का फिर से उपयोग करते हुए स्नातक और स्नातकोत्तर को पढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर ई-प्लेटफॉर्म का उपयोग किया है। हमने पीजी प्रशिक्षण को और भी अधिक समग्र बनाने के लिए, अपने शिक्षण और मूल्यांकन को संशोधित किया है (इन्फ्रा के माध्यम से)।

अनुसंधान:

नव पुनर्निर्मित अनुसंधान प्रयोगशाला में, आरटी-पीसीआर, प्रतिरोध प्रदीप्त प्रतिपदार्थ तकनीक, एलिसा सहित अन्य सुविधाएं हैं। संकाय को अनुसंधान करने के लिए कई बाह्य और आंतरिक अनुदान प्राप्त हुए हैं। हमारे संकाय ने उच्च सूचकांक, समकक्षों द्वारा समीक्षा की गई पत्रिकाओं में 65 से अधिक पत्र प्रकाशित किए हैं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाषण और अतिथि व्याख्यान सहित 70 से अधिक व्याख्यान भी दिए हैं।

सामुदायिक गतिविधियाँ:

संकाय ने रेडियो और टेलीविजन पर विभिन्न सोशल मीडिया कार्यक्रमों में हिस्सेदारी ली है। संकाय-सदस्यों ने 25-29 सितंबर 2022 को कारगिल, लद्दाख में एक धर्मार्थ चिकित्सा शिविर में भी भाग लिया।

शिक्षा:

विभाग में पंजीकृत छात्रों/प्रशिक्षुओं की संख्या:

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
स्नातकोत्तरों की संख्या	22	25	25
वरिष्ठ रेजीडेंटों की संख्या	9	10	10
पीएचडी छात्रों की संख्या	4	3	3

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की सूची

- विभाग ने 29 जनवरी 2023 को जेएलएन सभागार एम्स, एम्स-पीजीआई में दूसरा संयुक्त सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें लगभग 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। हमने 9 मार्च 2023 को एफयूई एशिया सम्मेलन में त्वचा शल्य चिकित्सा कार्यशाला का एक सीधा प्रसारण का भी आयोजन किया।

प्रदत्त व्याख्यान: 75

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
67	70	75
8	6	5
75	76	80

अनुसंधान

वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएं

पूर्ण

1. "प्लांट पार्थेनियम के कारण हवाई संपर्क में त्वचा की सूजन के रोगियों में सूजन साइटोकिन स्तर और त्वचा की सूजन पर साइक्लोस्पोरिन के प्रभाव का मूल्यांकन" डॉ. कौशल वर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 36 लाख रुपये।
2. एटोपिक त्वचाशोथ वाले बच्चों में फिलाग्रेन अभिव्यक्ति और रोग की गंभीरता को संशोधित करने वाले टीएच2/टीएच17 सूजन संबंधी साइटोकिन्स का अध्ययन, डॉ. नीतू भारी आईएडीवीएल, 3 वर्ष, 2020-2023, 7.45 लाख रुपये।
3. निकाले गए बालों के रोम के बाहरी जड़ आवरण से संवर्धित असिताणु बनाम बाह्यत्वचा से संवर्धित असिताणु के प्रत्यारोपण का एक डबल-ब्लाइंड बेतरतीब परीक्षण, डॉ. सोमेश गुप्ता डीबीटी, 4 वर्ष, 2017-2021, 60 लाख रुपये।
4. जीवाण्विक योनिशोथ में चयापचय की नैदानिक और/या पूर्वानुमानित क्षमता का विश्लेषण, इसके उपचार की विफलता, पुनरावृत्ति और अन्य यौन संचारित संक्रमणों के प्रति संवेदनशीलता का अध्ययन, डॉ. सोमेश गुप्ता, एम्स संस्थागत सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2018-2020, 16 लाख रुपये।
5. त्वचा में स्थिर सफेद रोग में गैर-संवर्धित निकाले गए कूपिक बाहरी जड़ आवरण कोशिका प्रकीर्णन और पारंपरिक बाहरी त्वचा कोशिका प्रकीर्णन प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता और सुरक्षा और घटक मूल कोशिका वृद्धि के साथ सहसंबंध का अध्ययन, डॉ. सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2017-2021, 30 लाख रुपये।

जारी

1. पारंपरिक डेक्सामेथासोन स्पंदन और नई जैविक रीटक्सिमैब उपचार प्राप्त करने वाले पेम्फिगस वल्गेरिस रोगियों में रोग की पुनरावृत्ति का पुर्वानुमान करने में बीएएफएफ और एपीआरआईएल लिगैंड और उनके रिसेप्टर्स, सीडी4 और नियामक बी और टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन, डॉ. सुजय खंडपुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 25 लाख रुपये।
2. भारत में, मध्यम से गंभीर एटोपिक त्वचा की सूजन वाले 12 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों में एब्रोसिटिनिब 100 मिलीग्राम, और 200 मिलीग्राम टैबलेट की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक बेतरतीब, ओपन-लेबल, समानांतर-समूह अध्ययन, डॉ. सोमेश गुप्ता, फाइजर, 2 साल, 2022-2024, 35 लाख रुपये।
3. भारतीय महिलाओं में जीवाण्विक योनिशोथ के निदान के लिए चयापचयी-आधारित देखभाल बिंदु का विकास का अध्ययन, डॉ. सोमेश गुप्ता, आईसीएमआर, 2022, 60 लाख रुपये।
4. त्वचा में स्थिर सफेद रोग के उपचार में स्वयंसिद्ध गैर संवर्धित गैर-ट्रिप्सिनाइज्ड बाहरी त्वचा कोशिका प्रकीर्णन एनसीएनटीईसीएस (जिसे जोधपुर तकनीक के रूप में भी जाना जाता है) बनाम स्वयंसिद्ध गैर संवर्धित बाहरी त्वचा कोशिका प्रकीर्णन एनसीईसीएस की तुलना - सम्पूर्ण भारत

में एक बहुकेन्द्रीय मध्यवर्त अध्ययन, डॉ कनिका साहनी, आईएडीवीएल, 2 साल, 2021-2023, 10 लाख।

5. चर्मशुष्कता रंगद्रव्य वाले बच्चों में विभिन्न पूरक समूहों में त्वचा के घावों का रूपात्मक तरीका और विभिन्न त्वचीय और अतिरिक्त-त्वचीय कैंसर और फोटोएजिंग के साथ इसका संबंध पर अध्ययन, डॉ. नीतू भारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 44 लाख रुपये।

6. सीक्यूजीई031सी2302, सीक्यूजीई03102303, सीक्यूजीई031सी2202, सीक्यूजीई031सी1301, का अध्ययन पूरा करने वाले, जीर्ण सहज पित्ती रोगी में पुनःउपचार स्व-प्रशासित और एकाकी-उपचार के रूप में लिगेलिज़ुमाब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्रीय, डबल ब्लाइंड और खुले-स्तरीय विस्तारित अध्ययन, नीतू भारी, नोवार्टिस 3 साल, 2022-2025, 36.7 लाख रुपये।

7. एंटीहिस्टामाइन से अपर्याप्त रूप से नियंत्रित वयस्क जीर्ण सहज पित्ती के रोगियों में 52 सप्ताह तक प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता की जांच करने के लिए रेमिब्रुटिनिब का एक बहुकेंद्रीय बेतरतीब, डबल ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित 3 चरण अध्ययन, नीतू भारी, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2022-2025, 10.9 लाख रुपये।

8. रिटक्सिमैब से उपचार किए गए त्वचा रोग के रोगियों में दोबारा बीमारी का पुर्वानुमान करने वाले नैदानिक और प्रतिरक्षा विज्ञानी कारक: एक संभावित समूह अध्ययन, विशाल गुप्ता, एम्स संस्थागत अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.8 लाख रुपये।

9. प्रगतिशील गैर-खंडीय त्वचा के सफेद रोग के उपचार में एप्रेमिलास्ट बनाम बीटामेथासोन मौखिक-मिनी पल्स उपचार की तुलना: एक खुला स्तरीय गैर-हीन बेतरतीब परीक्षण, विशाल गुप्ता, आईएडीवीएल, 2 वर्ष, 2021-2023, 3.62 लाख रुपये।

विभागीय परीयोजनाएं

जारी

1. उत्तर भारत में तृतीय देखभाल केंद्र में आने वाले बेसल सेल कार्सिनोमा वाले मरीजों की उपचारिक रूपरेखा और उपचार परिणामों का वर्णन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
2. वंशानुगत बाह्यत्वचालयन बुलोसा वाले बच्चों और वयस्कों में त्वचा के अतिरिक्त और प्रणालीगत भागीदारी का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
3. एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, जिसमें केलोइड के उपचार में अंतःस्रावी ट्रायमिसिनोलोन एसीटोनाइड की तुलना मात्र 5-फ्लूरोरासिल बनाम अंतःस्रावी रेडियोफ्रीक्वेंसी उच्छेदन के साथ की गई है।
4. उत्तेजक लैंप के साथ संयोजन में 0.1% टैक्रोलिमस/0.2% टैक्रोलिमस/प्लेसबो का उपयोग करके गैर-खण्डात्मक त्वचा के सफेद रोग में पुनर्वसन का अध्ययन करने के लिए डबल ब्लाइंड बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण।
5. प्रतिकूल त्वचीय दवा प्रतिक्रियाओं के उपचार में पैच टेस्ट का मूल्यांकन और मौखिक दवा उत्तेजना के साथ इसका सहसंबंध का अध्ययन।
6. जीर्ण त्वचा रोगों के रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य का मूल्यांकन अध्ययन।

7. अंतः जनित त्वचा की सूजन की घटना में एलर्जी की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए पैच परीक्षण और त्वचा चुभन परीक्षण का मूल्यांकन करना: एक संभावित समूह अध्ययन।
8. सहयोगी विभागों में सफेद त्वचा रोग के रोगियों में उपचार की धारणा पर गुणात्मक अध्ययन।
9. त्वचा रोग अधिमांस में रीटक्सिमैब उपचार और डेक्सामेथासोन स्पंदन के बीच प्रभावकारिता और लागत-प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए संभावित बेतरतीब परीक्षण अध्ययन।
10. सारकॉइडल ऊतक प्रतिक्रिया का चिकित्सीय-रूधिर रोग विज्ञान सहसंबंध।
11. पामोप्लांटर त्वचा रोग में हाथ और पैर पीयूवीए बनाम उत्तेजक लाइट की तुलना।
12. त्वचा में सफेद रोग के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और रोगी द्वारा देखे जाने वाले वर्तिकाग्र पर सौंदर्यवर्धक छलावरण के प्रभाव का एक संभावित समूह अध्ययन।
13. चेहरे की अतिवर्णक त्वचा के घावों की डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का एक क्रॉस-अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
14. जीर्ण फलक त्वचा रोग वाले रोगियों के चेहरे की छवियों से हृदय-चयापचय रोग लक्षण का पूर्वानुमान में गहन शिक्षण और त्वचा रोग की गंभीरता के मूल्यांकन के लिए एक गहन शिक्षण प्रारूप के विकास पर अध्ययन।
15. कणिकामय चेहरे की त्वचा के घावों और उनकी उपचारिक नकल के उपचार, डर्मोस्कोपिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं का एक क्रॉस-अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
16. उत्तरी भारत में तृतीय देखभाल केंद्र से प्रणालीगत ऊतक दृढ़न के चिकित्सीय, जैवरसायन, प्रतिरक्षा विज्ञानी और रेडियोलॉजिकल वर्णक्रम का पूर्वव्यापी विश्लेषण अध्ययन (आईईसी-70/5 फरवरी 2021)।
17. उत्तरी भारत में तृतीय देखभाल केंद्र में इओसिनोफिलिया और प्रणालीगत लक्षण (डीआरईएसएस) के साथ एरिथ्रोडर्मा और औषधि प्रतिक्रिया का पूर्वव्यापी अध्ययन।

पूर्ण

1. प्रतिकूल त्वचीय औषधि प्रतिक्रियाओं के उपचार में पैच टेस्ट का मूल्यांकन और मौखिक औषधि उत्तेजना के साथ इसका सहसंबंध अध्ययन।
2. पर्विल अरूणिका कुष्ठरोग के रूधिर रोग विज्ञान वर्णक्रम का पूर्वव्यापी वर्णनात्मक अध्ययन।
3. स्थानीयकृत सफेद त्वचा रोग के उपचार में दो लक्षित फोटोथेरेपी उपकरणों यानी हाथ से पकड़े जाने वाले नैरो बैंड यूवीबी यंत्र की एकवर्णी उत्तेजक लेज़र (एमईएल) उपचार के साथ तुलना करने वाला एक खुला स्तरीय गैर-बेतरतीब प्रारंभिक अध्ययन।
4. एनबीयूवीबी उपचार के बाद अवशिष्ट सफेद त्वचा रोग के घावों में उत्तेजक लाइट उपचार की उपयोगिता का अध्ययन।
5. एक्रोफेशियल सफेद त्वचा रोग में छलावरण की भूमिका का आकलन करने के लिए एक आरसीटी अध्ययन।

6. सफेद त्वचा रोग से पीड़ित बाल रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों में जीवन की हानि की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
7. बच्चों में जन्मजात और अर्जित संवहनी घावों में डर्मोस्कोपिक निष्कर्षों का एक बहु-अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।
8. लैंगरहैंस कोशिका हिस्टियोसाइटोसिस वाले बच्चों में त्वचीय और ऊतकीय विशेषताओं को चिह्नित करने के लिए एक बहु-अनुभागीय वर्णनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. लिनालूल के हाइड्रोपरॉक्साइड्स (पेट्रोलैटम में 1.0%) और लिमोनेन के हाइड्रोपरॉक्साइड्स (पेट्रोलैटम में 0.3%) के साथ पेट्रोलेटम व्यवस्था के साथ पैच परीक्षण, अंतर्राष्ट्रीय संपर्क त्वचा शोथ अनुसंधान समूह (आईसीडीआरजी) और व्यावसायिक और पर्यावरण त्वचा विज्ञान विभाग, स्केन विश्वविद्यालय अस्पताल, माल्मो, स्वीडन, एम्स में नाभिकीय औषधि और त्वचा विज्ञान तथा रतिजरोग विभाग।
2. बेसल कोशिका कार्सिनोमा के उपचार के लिए रेडियोधर्मी त्वचा पैच की चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन अध्ययन।
3. केलोइड्स के उपचार के लिए रेडियोधर्मी त्वचा पैच की चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन अध्ययन।
4. हिड्राडेनाइटिस सपुराटिवा के उपचार के लिए रेडियोधर्मी त्वचा पैच की प्रभावशीलता का मूल्यांकन, एम्स में नाभिकीय औषधी और त्वचा विज्ञान तथा रतिजरोग विभाग।
5. पेम्फिगस वल्गेरिस के प्रतिरक्षा रोगजनन में जन्मजात प्रतिरक्षा की भूमिका की खोज, जैवरसायन विभाग।

पूर्ण

क्रमांक	परियोजना का विषय	सहयोगी विभाग/संस्थान
1.	बेसलाइन श्रृंखला में 3 ऑरेंज के वितरण के बिना वस्त्र रंगाई मिश्रण के साथ पैच परीक्षण	अंतर्राष्ट्रीय संपर्क त्वचाशोथ अनुसंधान समूह (आईसीडीआरजी) और व्यावसायिक और पर्यावरण त्वचाविज्ञान विभाग, स्केन यूनिवर्सिटी अस्पताल, माल्मो, स्वीडन, एम्स में नाभिकीय औषधि और त्वचारोग तथा रतिजरोग विभाग
2.	पेम्फिगस वल्गेरिस के प्रतिरक्षा रोगजनन में गामा-डेल्टा टी-कोशिकाओं की भूमिका की खोज	जैव रसायन
3.	डेंड्राइटिक कोशिकाओं की विकृत आवृत्ति और उनके संबंधित उत्तेजक तथा निरोधात्मक संकेतक पेम्फिगस वल्गेरिस के रोगजनन को बढ़ाते हैं।	जैव रसायन

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

	वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या (वर्तमान में जारी परियोजनाएं)	वित्तीय सहायता की प्राप्त राशि (वर्तमान में जारी परियोजनाएं)	वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाओं की संख्या (पूर्ण परियोजनाएं)	वित्तीय सहायता की प्राप्त राशि (पूर्ण परियोजनाएं)
2022-2023	9	235,00,000 रुपये	5	149,45,000 रुपये
2021-2022	10	168,00,000 रुपये	2	90,00,000 रुपये
2020-2021	7	153,14,000 रुपये	1	30,00,000 रुपये

प्रकाशन

जर्नल: 59 पुस्तक में अध्याय: 16

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
पत्रिकाओं में प्रकाशन	68	56	59
पुस्तकों में अध्याय	2	18	16

रोगी उपचार

(अ) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं:

1. बाह्य रोगी सेवाएं: यह विभाग त्वचा रोगों और एसटीआई तथा एचआईवी वाले रोगियों के लिए एक ओपीडी चलाता है, त्वचा सर्जरी प्रक्रियाएं करता है एवं त्वचा बायोप्सी की त्वचा रोगविज्ञान की समीक्षा भी करता है।
2. टेली-त्वचाविज्ञान: भौतिक ओपीडी के पूरी तरह से कार्यात्मक होने के बाद भी हमने प्रतिदिन लगभग 70 रोगियों को टेली-परामर्श देना जारी रखा है।
3. विशेष क्लीनिक: कुष्ठ रोग, फोटो-त्वचाविज्ञान और फोटो-उपचाार, त्वचा शल्य चिकित्सा, एसटीडी, वर्णक विकार, त्वचारोग, बाल चिकित्सा त्वचाविज्ञान, प्रत्यूर्जता क्लिनिक।
4. सहायक - प्रयोगशाला: केओएच, ग्राम स्टेन, दरारयुक्त त्वचा आलेप, तज़ैन्क आलेप, पैच और फोटो पैच परीक्षण।
5. शल्यक प्रक्रियाएं: उपचारिक और चिकित्सीय बायोप्सी, छांटना, क्षतचिन्ह संशोधन, घातक रोगों का छांटना, त्वचा पर सफेद रोग की शल्य चिकित्सा।
6. सौंदर्य संबंधी प्रक्रियाएं: छीलना, पीआरपी, वसा प्रत्यारोपण, फिलर्स, रेडियो आवृत्ती उच्छेदन, सूक्ष्म सुई के द्वारा रेडियो आवृत्ति।
7. लेजर: बाल हटाने वाले लेजर (1 डायोड, और 1 डायोड के साथ, एनडी-वाईएजी, एलेक्जेंड्राइट सिरा), वर्णक (एनडी:वाईएजी) लेजर, संवहनी (पीडीएल) लेजर, अपक्षरणीय (2 फ्रैक्शनल सीओ2) लेजर।
8. फोटोथेरेपी: यूवीए और एनबी-यूवीबी कक्ष।

9. आंतरिक रोगी सेवाएं: हमारे पास 29 बिस्तरों वाला वार्ड है, जिसमें लगभग 100% पर रोगी हैं।

10. दैनिक देखभाल सुविधा: हमारे पास जैविक और सांद्राभ/साइक्लोफॉस्फेमाइड स्पंदन चिकित्सा के प्रशासन और ऑपरेशन के बाद रोगियों को निगरानी में रखने के लिए 6-बेड वाली दैनिक-देखभाल सुविधा है।

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी मरीज: नए	30263	24788	39,067
ओपीडी मरीज: फॉलोअप	55857	30579	565789
आंतरिक रोगी (दीर्घ अवधि भर्ती)	771	521	697
आंतरिक रोगी (अल्प अवधि भर्ती)	2132	1589	2199

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य कौशल कुमार वर्मा यौन संचारित संक्रमणों के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ एशिया-प्रशांत (आईयूएसटीआई-एपी) क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष हैं; सदस्य - अंतर्राष्ट्रीय संपर्क त्वचा रोग अनुसंधान समूह (आईसीडीआरजी); 29 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में दूसरे संयुक्त एम्स (दिल्ली) - पीजीआईएमईआर (चंडीगढ़) त्वचाविज्ञान सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष रहे; 3 सितंबर 2022 को ऑनलाइन बैठक में, यौन संचारित संक्रमणों के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय संघ (आईयूएसटीआई) -विश्व कार्यकारी समिति की बैठक में आईयूएसटीआई एशिया-प्रशांत क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया; जोधपुर में त्वचाविज्ञान में अध्यापक चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ, 28 जुलाई, 2022; 10-12 और 17 अगस्त 2022 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा मंकीपॉक्स पर राष्ट्रीय वेबिनार में अध्यापक के रूप में भाग लिया; 24-27 अगस्त 2022 को ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में आयोजित त्वचाविज्ञान और आईसीडीआरजी संगोष्ठी के अर्जेंटीना सम्मेलन के कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस XXIV पर एक सत्र में भाग लिया और अध्यक्षता की; 25-29 सितंबर 2022 को कारगिल, लद्दाख में एक धर्मार्थ चिकित्सा शिविर में भाग लिया; 5-6 नवंबर 2022 को चेहरा सौंदर्य त्वचा विशेषज्ञ सोसायटी (एफएडीएस) के 8वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दो वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की; 29 जनवरी 2023 को बुनियादी अवधारणाओं: बेसमेंट झिल्ली क्षेत्र और प्रतिरक्षा प्रतिदीप्ति पर दूसरे संयुक्त एम्स (दिल्ली) - पीजीआईएमईआर (चंडीगढ़) त्वचाविज्ञान सम्मेलन में भाग लिया और एक सत्र की अध्यक्षता की; 31 मार्च 2022 को आईसीडीआरजी सदस्य के रूप में अंतर्राष्ट्रीय संपर्क त्वचा रोग अनुसंधान समूह (आईसीडीआरजी) बोर्ड की बैठक में भाग लिया; संयोजक "विशेषज्ञ समूह" त्वचाविज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठ रोग (डीवीएल) राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग; 6 पत्रिकाओं - जे कॉस्मेटिक डर्मेटोलॉजी, कॉन्टैक्ट डर्मेटाइटिस, आईजेडीवीएल, जेईएडीवी, डर्मेटोलॉजिकल थेरेपी के समीक्षक रहे हैं; 3 पत्रिकाओं-आईजेडीवीएल, सीएएस, एनजेडीवीएल के संपादकीय बोर्ड में भी रहे हैं।

आचार्य सुजय खांडपुर पेम्फिगस और अन्य ऑटोइम्यून बुलस रोगों की आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक के प्रधान संपादक हैं; त्वचा रोग विज्ञान की आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक के एसोसिएट संपादक; उपाध्यक्ष, भारतीय त्वचा रोग विज्ञान संस्था; सदस्य शिक्षा समिति और एशियाई त्वचा रोग विज्ञान संस्था की

कार्यकारी समिति के सदस्य; मेरे एमडी थीसिस छात्र को आईएडीसीएल से सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार मिला; “त्वचा विज्ञान में मूल कोशिका उपचार” विषय पर आईजेडीवीएल के समीक्षा लेख अनुभाग में सर्वश्रेष्ठ समीक्षा लेख का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. नीतू भारी, भारतीय जर्नल ऑफ त्वचारोग विज्ञान, रतिजरोग और कुष्ठरोग विज्ञान की सहायक संपादक हैं; साथ ही सहायक संपादक, भारतीय बालरोग त्वचा विज्ञान जर्नल; सहायक संपादक, त्वचा रोग विज्ञान की आईएडीवीएल पाठ्यपुस्तक; भारत के संपर्क और व्यावसायिक मंच की संयुक्त सचिव भी हैं।

डॉ. विशाल गुप्ता ने एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2021, चिकित्सीय विज्ञान की श्रेणी के तहत दूसरा पुरस्कार जीता है।

9.10 आपातकालीन चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रवीण अग्रवाल

आचार्य

एलआर मुर्मू (30 नवंबर 2022 को सेवानिवृत्त)

संजीव कुमार भोई (टीसी)

अपर आचार्य

नैयर जमशेद

तेज प्रकाश सिन्हा (टीसी)

सह-आचार्य

मीरा एक्का

अक्षय कुमार

सहायक आचार्य

प्रकाश रंजन मिश्र

रितिन मोहिंद्रा (टीसी): 10 जनवरी 2023 को कार्यग्रहण किया

विनीत चंद्रन (टीसी): 10 जनवरी 2023 को कार्यग्रहण किया

विशिष्टताएं

आपातकालीन चिकित्सा विभाग सभी प्रकार की चिकित्सा, बाल चिकित्सा, शल्य चिकित्सा के साथ-साथ कुछ दर्दनाक आपात स्थितियों वाले रोगियों को समग्र, चौबीसों घंटे, विश्व स्तरीय आपातकालीन देखभाल प्रदान कर रहा है। वर्ष 2022-2023 में विभाग में लगभग 1,11,063 मरीज आये। विभाग, जुलाई 2012 से आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में अपने स्नातकोत्तर छात्रों को प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। विभाग से उत्तीर्ण होने वाले छात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अच्छे पदों पर कार्य कर रहे हैं। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाली थीसिस लिखीं हैं और शोध किया है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना शोध कार्य प्रकाशित भी किया है।

आपातकालीन ईसीजी पाठ्यक्रम, आपातकालीन अल्ट्रासाउंड पाठ्यक्रम, कठिन एअरवे पाठ्यक्रम, सिमुलेशन आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और बेडसाइड प्रक्रियात्मक कौशल विकास पाठ्यक्रमों जैसे विभिन्न कौशल-आधारित पाठ्यक्रमों की संकल्पना, डिजाइन और विकास किया गया है और ये पाठ्यक्रम, स्नातकोत्तर छात्रों के लिए नियमित और सफलतापूर्वक आयोजित किए जा रहे हैं। विभागीय संकाय सदस्य, अन्य विभागों (मेडिसिन, सर्जरी, जराचिकित्सा, एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर मेडिसिन, त्वचाविज्ञान, मनोचिकित्सा और कई अन्य सहित) के आपातकालीन चिकित्सा, जिसमें लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम भी शामिल हैं, के स्नातकोत्तर छात्रों, स्नातक छात्रों, नर्सिंग छात्रों और पैरामेडिक्स के

क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यों में भी शामिल है। विभाग, आपातकालीन चिकित्सा की विशेषज्ञता में अन्य कॉलेजों और अस्पतालों के मौजूदा और भावी संकाय सदस्यों को प्रशिक्षित करने के कार्य में भी शामिल है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में, विभाग बर्न्स और आघात के लिए व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के साथ-साथ जिला अस्पतालों में आपातकालीन विभाग के लिए दिशानिर्देश विकसित करने में शामिल है। विभाग शैक्षणिक आपातकालीन विभाग और आपातकालीन चिकित्सा में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के विकास के लिए परिधीय एम्स सहित विभिन्न मेडिकल कॉलेजों के अन्य आपातकालीन विभागों को सक्रिय रूप से सलाह दे रहा है। डब्ल्यूएचओ, दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्र के सहयोग से, विभाग भारत में सड़क सुरक्षा, चोट की रोकथाम के साथ-साथ आपातकालीन और आघात देखभाल के एकीकरण पर दिशानिर्देश तैयार करने में भी शामिल है। एम्स गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम के तहत, आपातकालीन चिकित्सा विभाग ने रोगी देखभाल और परिणाम को पहले से बेहतर बनाने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की हैं। इसके परिणामस्वरूप मरीजों का अस्पताल में ठहराव भी कम हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर, विभाग डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिक्स को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से संयुक्त राज्य अमेरिका के कई विश्वविद्यालयों, जैसे फ्लोरिडा स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए और एसयूएनवाई डाउनस्टेट न्यूयॉर्क के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है।

शिक्षा

विभाग के संकाय सदस्यों ने विभाग में तैनात स्नातक, स्नातकोत्तर और नर्सों के लिए लाइफ सपोर्ट पाठ्यक्रम आयोजित किए हैं। इन पाठ्यक्रमों से संस्थान के अन्य विषयों के रेजिडेंट्स को भी लाभ हुआ है। विभाग ने संस्थान के साथ-साथ अन्य कॉलेजों के स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एम्स आपातकालीन ईसीजी और रैपिड सीक्वेंस इंट्यूबेशन पाठ्यक्रम संचालित किए हैं। विभाग, आपातकालीन चिकित्सा के रेजिडेंट्स के लिए सप्ताह में दो बार लगभग सात घंटे के लिए शैक्षणिक गतिविधियों (सेमिनार, जर्नल क्लब, केस चर्चा, पैनल चर्चा) का कार्यक्रम चलाता है। मरीजों की आपातकालीन देखभाल में अल्ट्रासाउंड के उपयोग के बारे में रेजिडेंट्स को शिक्षा और कौशल प्रदान किया जाता है। रेजिडेंट्स को सिमुलेशन-आधारित शिक्षण (टेबल-टॉप और सिम्युलेटर दोनों पर) प्रदान किया जाता है। लाइव कार्यशालाओं, शव-आधारित प्रशिक्षण और व्यावहारिक कौशल सत्र से रेजिडेंट्स को रोगियों के प्रबंधन में आत्मविश्वास प्राप्त हुआ है। विभाग के संकाय सदस्य संस्थान में एसईटी सुविधा के लिए ई-मॉड्यूल के विकास का हिस्सा रहे हैं जो छात्रों को मानकीकृत और व्यावहारिक प्रारूप में चिकित्सा ज्ञान का प्रसार करने में मदद करता है। इसके अलावा, विभाग के संकाय सदस्य ऑनलाइन और ऑफलाइन व्याख्यान तथा सेमिनार के माध्यम से स्नातक, स्नातकोत्तर और नर्सिंग छात्रों के अनुदेशात्मक शिक्षण में शामिल थे। विभाग के संकाय सदस्य, इस अवधि के दौरान कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कार्यशालाओं और सम्मेलनों का हिस्सा रहे। विभाग ने उच्च गुणवत्ता वाले शोध भी तैयार किए हैं और पिछले तीन वर्षों के दौरान सहकर्मी-समीक्षित अनुक्रमित पत्रिकाओं में लगभग 25 आलेख भी प्रकाशित किए हैं।

सतत् चिकित्सा शिक्षा

आयोजित किए गए सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशालाएं

1. सीआरपीएफ के लिए सामरिक युद्ध देखभाल पाठ्यक्रम - 17 से 31 अगस्त 2022 और 12 से 28 सितंबर 2022 तक जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और संचालित किया गया।
2. उत्तर प्रदेश राज्य में आपातकालीन देखभाल प्रणाली को मजबूत करने के लिए चैंपियंस ऑफ चेंज का प्रशिक्षण - आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (डब्ल्यूएचओ कोलेबोरेटिंग सेंटर फॉर इमरजेंसी एंड ट्रॉमा केयर) में 17 से 21 अक्टूबर 2022, 7 से 11 नवंबर 2022 और 5 से 9 दिसंबर 2022 तक आयोजित और संचालित किया गया।
3. एम्स आपातकालीन ईसीजी कार्यशाला - आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा 28 नवंबर 2022 को एसईटी केन्द्र, एम्स में आयोजित और संचालित की गई।
4. 7वां नेशनल इमरजेंसी मेडिसिन बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स - एकेडमिक कॉलेज ऑफ इमरजेंसी एक्सपर्ट्स इन इंडिया और इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन द्वारा 13 से 17 फरवरी 2023 तक नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान : 79

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
22	32	77

प्रस्तुत मौखिक शोध पत्रों/पोस्टरों की सूची: 17

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
2	4	17

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. दिल्ली इमरजेंसी लाइफ हार्ट अटैक इनिशिएटिव: मिशन दिल्ली (चरण II), डॉ. प्रवीण अग्रवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2021-2024, 4.5 करोड़ रुपए
2. देश के चयनित जिलों में एसटी-सेगमेंट एलिवेटेड मायोकार्डियल इंफार्क्शन (एसटीईएमआई) में थ्रोम्बोलिसिस दर में परिवर्तन पर स्वास्थ्य प्रणाली-आधारित हस्तक्षेप का मूल्यांकन - एक स्वास्थ्य कार्यान्वयन अनुसंधान परियोजना, डॉ. प्रवीण अग्रवाल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2024, 87,93,131 रुपये

3. पशु मॉडल का उपयोग करके आघात रक्तस्रावी सदमे के बीच हेमेटोपोएटिक विफलता के लिए आईपीएससी (प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल) व्युत्पन्न हेमेटोपोएटिक पूर्वज कोशिकाओं (एचपीसी) की भूमिका का अध्ययन करना, डॉ. संजीव भोई, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2021-2024, 61,55,474 रुपये
4. आघात रक्तस्रावी सदमे के बीच सेल फ्री-डीएनए की भूमिका और नैदानिक परिणामों तथा चोट की गंभीरता के साथ इसके सहसंबंध का अध्ययन करना, डॉ. संजीव भोई, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष, 2021-2023, 39,15,930 रुपये
5. आघात रक्तस्रावी शॉक रोगियों के परिधीय रक्त में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल स्टेम और पूर्वज कोशिकाओं के पैटर्न का अध्ययन करना, डॉ. संजीव भोई, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2021-2024, 38,41,703 रुपये
6. उत्तर प्रदेश राज्य में आपातकालीन और ट्रॉमा देखभाल प्रणाली को मजबूत करना: बेसलाइन गैप मूल्यांकन और प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, डॉ. संजीव भोई, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 वर्ष, 2022-2023, रुपए 54,09,000
7. स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के सभी स्तरों पर रेड ट्राइएज रोगियों (समय संवेदी और अन्य आपात स्थिति) के बीच गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन देखभाल प्रदान करने के लिए केन्द्र-आधारित आपातकालीन देखभाल प्रणाली को मजबूत करने के लिए अनुकूली मॉडल, डॉ. संजीव भोई, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2023-2026, 18,75,18,409 रुपये
8. भारत में स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्रों पर दुर्घटना के बाद प्रतिक्रिया को मजबूत करने के लिए आपातकालीन और चोट देखभाल को एकीकृत करना, डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 1 वर्ष, 2022-2023, 28,37,000 रुपये
9. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव, डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष, 2022-2024, 4,00000 रुपये
10. आपातकालीन विभाग में आने वाले सेप्सिस रोगियों में इम्यूनो-क्लिनिकल सहसंबंध, डॉ. अक्षय कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 3 वर्ष, 2021 - 2024, 9.5 लाख रुपये
11. थ्रोम्बोलिसिस से गुजरने वाले रोगियों में रिमोट इस्केमिक पोस्टकंडीशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन और विटामिन डी के साथ इसका सह-संबंध, डॉ. अक्षय कुमार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2023-2026, 20 लाख रुपये

पूर्ण परियोजनाएं

1. चिकित्सा शिक्षा के लिए कम लागत वाले यूएसजी-निर्देशित नीडिल ट्रैकिंग फैंटम मॉडल का विकास, डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2020- 2022, रुपए 0.56 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. आपातकालीन विभाग में शॉक वाले रोगियों में एंड टाइडल कार्बन डाइऑक्साइड निगरानी की उपयोगिता

2. एससीएपीई (सिंपेथेटिक क्रैशिंग एक्यूट पल्मोनरी एडिमा) के प्रबंधन में उच्च खुराक एनटीजी बनाम कम खुराक एनटीजी: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. परिवर्तित मानसिक स्थिति वाले क्रोनिक लिवर रोग के रोगियों में गैर-विपरीत कंप्यूटेड टोमोग्राफी मस्तिष्क का नैदानिक परिणाम
4. आपातकालीन विभाग में बोर्डिंग समय और अस्पताल में मृत्यु दर के बीच संबंध
5. आपातकालीन विभाग में बढ़े हुए इंट्राक्रैनील दबाव के साथ परिवर्तित मानसिक स्थिति में पीओसीयूएस (यूएसजी) का उपयोग करके ओएनएसडी में क्रीसेंट चिह्न की घटनाओं का अनुमान लगाना
6. आपातकालीन विभाग में आने वाले निमोनिया के रोगियों में अस्पताल की मृत्यु दर का पूर्वानुमान करने में स्कोरिंग प्रणालियों की तुलना
7. क्या पोकस निर्देशित एम्स-बाल चिकित्सा पोकस एल्गोरिदम गंभीर रूप से बीमार बाल रोगियों में शीघ्र निदान और महत्वपूर्ण देखभाल प्रबंधन निर्णय में सुधार करता है
8. तीव्र विघटित हृदय विफलता से ग्रस्त आयरन की कमी वाले रोगियों में रोगसूचक सुधार पर अंतःशिरा आयरन का प्रभाव
9. आपातकालीन विभाग में उपस्थित सीओपीडी के तीव्र रूप से प्रभावित रोगियों में फुफ्फुसीय अन्त: शल्यता की व्यापकता का अनुमान लगाना
10. वयस्क आघात रोगियों में महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय लेने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्राथमिक सर्वेक्षण एल्गोरिदम की उपयोगिता
11. आपातकालीन चिकित्सा विभाग में मौजूदा दर्द मूल्यांकन और प्रबंधन प्रथाओं का अध्ययन
12. सदमे से पीड़ित रोगियों में बाएं वेंट्रिकुलर बहिर्वाह पथ वेग-समय अभिन्न निगरानी की उपयोगिता
13. आपातकालीन विभाग में पेश होने वाले संक्रमण के संदिग्ध रोगियों के कल्चर नमूनों के आधार पर एक एंटीबायोग्राम विकसित करना
14. आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीजों के लिए 72 घंटों में मृत्यु दर के आधार पर मुख्य शिकायत संचालित ट्राइएज प्रणाली का प्रदर्शन
15. आपातकालीन विभाग में डेंगू बुखार से पीड़ित रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के पूर्वानुमानित महत्व का मूल्यांकन करना
16. ज़ारगर वर्ग IIबी संक्षारक एसोफैगल चोट के रोगियों में सख्त गठन की रोकथाम में मिथाइलप्रेडनिसोलोन की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन
17. आपातकालीन विभाग में तीव्र विषाक्तता की रूपरेखा: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
18. लाए गए मृत रोगियों की एटियलॉजिकल प्रोफ़ाइल का अध्ययन और लॉकडाउन अवधि के दौरान कोविड -19 के कारण होने वाली मृत्यु की तुलना एम्स, नई दिल्ली में लाए गए लोगों के संबंध में।

19. आपातकालीन विभाग में रीससिटेशन के दौरान क्रिस्टलॉयड की तुलना: एक इंटरवेंशनल क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. आपातकालीन विभाग रजिस्ट्री अध्ययन में सीने में दर्द और दिल की विफलता
21. सांस की तकलीफ और बुखार ग्रस्त आने वाले बाल रोगियों में फेफड़े का यूएसजी
22. आपातकालीन विभाग में आने वाले आंशिक या पूर्ण टीकाकरण वाले और गैर-टीकाकरण वाले रोगियों में कोविड -19 संक्रमण की गंभीरता
23. छाती के कुंद आघात के रोगियों में देखभाल बिंदु अल्ट्रासाउंड की नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना
24. तीव्र अग्नाशयशोथ में आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले स्कोर (अपाशे II, सीटीएसआई और बीआईएसएपी) की तुलना में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात की नैदानिक विशेषता का मूल्यांकन
25. आपातकालीन विभाग में आने वाले आमवाती हृदय रोग वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल
26. तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के आपातकालीन विभाग में नर्सिंग कर्मचारियों के संचार के नरम कौशल पर इंटरैक्टिव प्रशिक्षण हस्तक्षेप का प्रभाव: एक प्रयोगात्मक अध्ययन
27. अवर वेना कावा कोलैप्सिबिलिटी की तुलना में इंट्रावस्कुलर वॉल्यूम स्थिति के निर्धारण में आंतरिक गले की नस और ऊरु शिरा की कोलैप्सिबिलिटी का आकलन
28. सदमे से पीड़ित रोगी में रीससिटेशन के बाद मृत्यु दर के पूर्वसूचक के रूप में लंबे समय तक केशिका रीफिलिंग का समय
29. आपातकालीन विभाग में आने वाले घातक रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल
30. आपातकालीन विभाग में अग्नाशयशोथ के रोगियों के पेट दर्द को सफलतापूर्वक कम करने में पारंपरिक फार्माकोलॉजिकल थेरेपी बनाम इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
31. वैसोप्रेसिन समूह की तुलना में औसत धमनी रक्तचाप को 65 मिमी एचजी से अधिक या उसके बराबर बनाए रखने के लिए मेथिलीन ब्लू समूह में नॉरपेनेफ्रिन आवश्यकताओं का आकलन करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन
32. लोंग बोन के फ्रैक्चर में पारंपरिक उपचार की तुलना में यूएसजी निर्देशित डायनेमिक क्लोज रिडक्शन की उपयोगिता का अध्ययन करना
33. आपातकालीन विभाग में आने वाले तीव्र हृदय विफलता वाले रोगियों में पूर्ण लिम्फोसाइट गणना की पूर्वानुमानित उपयोगिता का मूल्यांकन करना

पूर्ण परियोजनाएं

1. बाल चिकित्सा कुंद पेट आघात में सीटी निर्णय उपकरण के रूप में एफ-एएसटी स्कोर को मान्य करना
2. संक्षारक ग्रासनली की चोट में मिथाइलप्रेडनिसोलोन की भूमिका: एक यादृच्छिक ओपन लेबल परीक्षण

3. दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में कठोर ग्रीवा कॉलर अनुप्रयोग के बाद ऑप्टिक तंत्रिका म्यान व्यास में परिवर्तन: तृतीयक देखभाल अस्पताल में एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन
4. तीव्र रूप से उत्तेजित रोगियों के प्रबंधन में इंट्रामस्क्युलर हेलोपरिडोल और ओलानज़ापाइन की प्रभावकारिता और सुरक्षा - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. कार्डियक अरेस्ट वाले रोगियों के परिणाम में हाइड्रोकार्टिसोन की भूमिका- एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण
6. आपातकालीन देखभाल प्रदाताओं में प्रशिक्षण के साथ पारंपरिक तरीकों की तुलना में कठिन अंतःशिरा पहुंच (डीआईवीए) रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित परिधीय अंतःशिरा पहुंच की फर्स्ट पास सफलता दर का अध्ययन करना
7. आपातकालीन चिकित्सा रेजिडेंट्स के सीखने में फ़्लिप्ड कक्षा का प्रभाव
8. आपातकालीन विभाग में सुप्रावेंट्रिकुलर टैचीकार्डिया वाले रोगियों में कार्डियोवर्जन के लिए संशोधित वलसाल्वा बनाम मानक वलसाल्वा मनूवर का एक यादृच्छिक परीक्षण
9. आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीज़ों के बीच पारंपरिक एम्स ट्राइएज प्रोटोकॉल की तुलना में अंडर-ट्राइएज दर को कम करने में सोनो-ट्राइएज का कार्य-निष्पादन
10. आपातकालीन विभाग में एंडोट्रैचियल इंटुबेशन की फर्स्ट पास सफलता दर: एक गुणवत्ता सुधार अध्ययन
11. क्या पोकस-निर्देशित तीव्र पेट एल्गोरिदम आपातकालीन विभाग में आने वाले अपरिभाषित तीव्र पेट दर्द वाले वयस्क रोगियों में शीघ्र निदान और महत्वपूर्ण प्रबंधन निर्णय में सुधार करता है?
12. आपातकालीन विभाग में सीने में तीव्र दर्द से पीड़ित रोगियों की क्लिनिको-महामारी विज्ञान संबंधी प्रोफ़ाइल

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. ऊपरी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल रक्तस्राव के प्रबंधन में कम बनाम उच्च खुराक टेरलिप्रेसिन की तुलनात्मक प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
2. तीव्र वैरिकाज़ रक्तस्राव वाले रोगियों में मानक चिकित्सा थेरेपी प्लस अंतःशिरा एल्ब्यूमिन बनाम मानक चिकित्सा थेरेपी - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
3. तीव्र वेरिसियल रक्तस्राव के साथ चाइल्ड-ए सिरोसिस में एंटीबायोटिक प्रोफिलैक्सिस की भूमिका: एक बहु-केंद्रित ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
4. प्रयोगशाला सूचना प्रणाली का इष्टतम उपयोग और आपातकालीन देखभाल सेटिंग में इसका प्रभाव - एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली
5. आपातकालीन विभाग विजिट्स का महामारी विज्ञान - एक अंतरराष्ट्रीय बहुकेंद्रित अध्ययन, मिशिगन विश्वविद्यालय का आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एन आर्बर, यूएसए

6. तीव्र इस्कीमिक स्ट्रोक (ईएएसटी-एआईएस) वाले पात्र विंडो रोगियों में 4.5 घंटे से 24 घंटे की इमेजिंग में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावकारिता और सुरक्षा, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली (एसईआरबी-डीएसटी प्रोजेक्ट)
7. प्राथमिक परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन से गुजरने वाले एसटी-सेगमेंट मायोकार्डियल इंफार्क्शन में थ्रोम्बस बोझ के पूर्वसूचक के रूप में थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी पैरामीटर, कार्डियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल, मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली में रेजिडेंट डॉक्टरों के कार्यस्थल हिंसा और संचार कौशल का मूल्यांकन
9. क्षय रोग पर कोविड-19 का प्रभाव, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
10. रोगसूचक सार्स-कोव-2 वैक्सीन ब्रेकथ्रू संक्रमण का जीनोमिक विश्लेषण, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, नई दिल्ली में बड़े पैमाने पर ट्रांसफ्यूजन प्रोटोकॉल की आवश्यकता वाले रोगियों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए प्वाइंट ऑफ केयर थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी
12. सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा म्यूकोर्मिकोसिस के शीघ्र निदान के लक्ष्य के रूप में सीओटीएच जीन का उपयोग करके वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास

पूर्ण परियोजनाएं

1. तीव्र हृदय विफलता के लिए एप्टामर-आधारित रैपिड डायग्नोस्टिक परीक्षण का विकास, टीएचएसटीआई, फ़रीदाबाद, हरियाणा

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	12	09	11
कुल वित्तपोषण (लाख)	रुपये 8,86,13,131	रुपये 7,19,24,131	रुपये 26,68,20,647

प्रकाशन

पत्रिकाएँ : 20 **पुस्तक के लेखक : 1** **पुस्तकों के संपादक : 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
योग	**50**	**26**	**27**
जर्नल आलेख	44	20	20
एब्सट्रैक्ट	3	3	-
पुस्तकों में अध्याय	3	3	-
पुस्तकें	-	-	2

रोगी देखभाल सेवाएँ

1. (क) रोगियों की संख्या जिन्हें आपातकालीन सेवाएं प्रदान की गई

कुल नये मरीज	कुल री-विजिट मरीज़	कुल मरीज
75,135	35,928	1,11,063

(ख) मेडिको-लीगल मामले

वर्ष	कुल एमएलसी
2022-23	10,940

2. प्वाइंट ऑफ केयर टेस्टिंग लेबोरेटरी (पीओसीटी) डेटा

परीक्षण प्रकार	किए गए कुल परीक्षण
सीबीसी	85,345
मात्रात्मक ट्रोपोनिन I	13,753
रक्त गैस विश्लेषण	1,35,186
बीएनपी और एनटी प्रो- बीएनपी	1,825
डी-डिमर	1406
मूत्र विष स्क्रीन	786
पीटी/आईएनआर	2,450
प्रोकैल्सीटोनिन	150
एचएस सीआरपी	20
मूत्र और सीरम ऑस्मोलैलिटी	977
किए गए कुल परीक्षण:	**2,41,898**

3. इमरजेंसी ओटी में की गई प्रक्रियाएं

प्रक्रिया का नाम	कुल गणना
ट्रेकियोस्टोमी	222
अन्य प्रक्रियाएँ	44
पूरी की गई कुल प्रक्रियाएं:	**266**

पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार

विषय	2020-21	2021-22	2022-23
कुल आपातकालीन विजिट्स	95,184	1,07,853	1,11,063
आपातकाल से उत्पन्न कुल एमएलसी	10,959	9,169	10,940
आपातकालीन प्रयोगशाला में की गई कुल पॉइंट ऑफ केयर जांच।	1,61,600	2,38,001	2,41,898
इमरजेंसी ओटी में की गई कुल प्रक्रियाएं	101	122	266

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य प्रवीण अग्रवाल, पबमेड में अनुक्रमित एक अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, जर्नल ऑफ इमर्जेंसीज, ट्रॉमा एंड शॉक के मुख्य संपादक रहे; केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और भारत के फार्माको-सतर्कता कार्यक्रम के लिए भारतीय फार्माकोपिया आयोग के सिग्नल समीक्षा पैनल के सदस्य; वैज्ञानिक निकाय, भारतीय फार्माकोपिया आयोग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; भारत में आपातकालीन विशेषज्ञों के अकादमिक कॉलेज के उपाध्यक्ष और संगठित चिकित्सा अकादमिक गिल्ड ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव, जो भारत में प्रमुख चिकित्सा संघों और सोसाइटियों का एक गिल्ड है, जिसका उद्देश्य रोगी देखभाल, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में राष्ट्रीय नीतियां तैयार करना है; 'वाशिंगटन मैनुअल ऑफ इमरजेंसी मेडिसिन' दक्षिण-पूर्व एशिया संस्करण को संशोधित करने के लिए मुख्य संपादक; विभिन्न परियोजनाओं में अध्ययन की जा रही दवाओं के गंभीर प्रतिकूल प्रभावों का आकलन करने के लिए संस्थान की नैतिकता उप-समिति के सदस्य; भारत की राष्ट्रीय औषधि फॉर्मूलरी को संशोधित करने के लिए विशेषज्ञों की कोर समिति के सदस्य; पूरे भारत में आपातकालीन चिकित्सा विभागों के लिए मुख्य पाठ्यक्रम और दिशानिर्देश तैयार करने में शामिल राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) और राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) द्वारा गठित समितियों के अध्यक्ष।

आचार्य संजीव भोई ने आपातकालीन और ट्रॉमा केयर सिस्टम निर्माण में काम किया। वह भारत में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल में केन्द्र-आधारित आपातकालीन और चोट देखभाल प्रणाली की स्थिति का आकलन कर रहे हैं और आपातकालीन देखभाल प्रणाली के निर्माण में नीति आयोग को तकनीकी सलाह प्रदान कर रहे हैं। प्रमुख फोकस क्षेत्र, आपातकालीन और आघात के लिए प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड का उपयोग है, तथा शरीर रचना विज्ञान और शरीर विज्ञान सीखने के लिए स्नातक छात्रों को प्रशिक्षण देकर चिकित्सा शिक्षा में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड का उपयोग करने पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना है। तीव्र/आपातकालीन देखभाल में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड और आपदा परिदृश्यों में इसका उपयोग; सह-मार्गदर्शक के रूप में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड संबंधी थीसिस और अन्य थीसिस के लिए मुख्य मार्गदर्शक; आपातकालीन देखभाल अनुसंधान के माध्यम से विश्व स्तर पर जीवन में परिवर्तन लाने की दृष्टि से वैश्विक आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान नेटवर्क "आपातकालीन चिकित्सा शिक्षा और वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा अनुसंधान (इमर्ज)" की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष; क्षेत्र में आपातकाल और आघात के लिए डब्ल्यूएचओ-सहयोगी केंद्र के अधिकारी और भारत तथा एसईएआर क्षेत्र में एकीकृत आपातकालीन और आघात देखभाल की प्रणालियों के निर्माण में आपातकालीन चिकित्सा के लिए भारत के विभिन्न राज्यों और एसईएआरओ के सदस्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले शोध कार्य किए हैं और उनके पास आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित परियोजनाएं और डब्ल्यूएचओ-एसईआरओ के सहयोग से चल रही अन्य परियोजनाएं हैं। रोगी की सुरक्षा चिंताओं को दूर करने के लिए गुणवत्तापूर्ण आपातकालीन देखभाल एक दशक से उनका कार्य क्षेत्र रहा है और वह इस मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखे हुए हैं। पिछले 8 वर्षों से उनके शोध का मुख्य क्षेत्र ट्रॉमा हैमरेजिक शॉक, विशेष रूप से ट्रांसलेशनल शॉक है और उन्होंने इस पर कई शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

डॉ. नायर जमशेद ने 2022-23 में सहकर्मी समीक्षित, पबमेड-अनुक्रमित पत्रिकाओं में 14 शोध पत्र प्रकाशित किए; 4 अनुसंधान परियोजनाओं में प्रधान अन्वेषक और 09 अनुसंधान परियोजनाओं में सह-

अन्वेषक रहे; 4 छात्रों के लिए मुख्य मार्गदर्शक और 11 स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सह-मार्गदर्शक; प्रधान अन्वेषक/मुख्य मार्गदर्शक के रूप में 3 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और सह-अन्वेषक के रूप में 4 आरसीटी; विष विज्ञान में प्रस्तावित आपातकालीन फ़ेलोशिप कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्य रहे; मनोदैहिक चिकित्सा में प्रस्तावित डीएम पाठ्यक्रम में सहायक संकाय सदस्य; एम्स की एसईटी सुविधा के संकाय और अकादमिक शिक्षण कार्यक्रम, विभागीय सिमुलेशन शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम, गुणवत्ता आश्वासन बैठकों, रेडियो-सम्मेलन और विभाग की मासिक पैनल चर्चा के प्रभारी; रोगी देखभाल की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का हिस्सा; आपातकालीन चिकित्सा के वाशिंगटन मैनुअल के एसोसिएट संपादक रहे और विभिन्न पाठ्यपुस्तकों में अध्याय लिखे हैं; आपातकालीन चिकित्सा की 3 अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक; कोविड-19, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति, एम्स के एमबीबीएस पाठ्यक्रम संशोधन कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी; राष्ट्रीय महत्व की विभिन्न समितियों और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के लिए नोडल अधिकारी; वरिष्ठ रेजिडेंट्स/नर्सों के लिए छात्र कल्याण समिति और संस्थान चयन समिति के सदस्य; विभिन्न अस्पताल खरीद समितियों के सदस्य; एनबीई परीक्षाओं के राष्ट्रीय मॉडरेटर और एम्स तथा अन्य स्नातकोत्तर संस्थानों (2022-23) में आपातकालीन चिकित्सा विषय के लिए बाहरी और आंतरिक परीक्षक भी रहे; बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा, डिप्लोमैट नेशनल बोर्ड फ़ेलोशिप कार्यक्रम के लिए बोर्ड के सदस्य; प्रस्तावित नए आपातकालीन ब्लॉक के विकास में अत्यधिक योगदान दिया, जिससे 2 लाख रोगियों की देखभाल में मदद मिलेगी; दीर्घकालिक योजना के रूप में निवारक आपातकालीन चिकित्सा ओपीडी शुरू करने का विजन; इंडियन सोसाइटी ऑफ जठरांत्र रोग विज्ञान के तहत कास्टिक अंतर्ग्रहण चोटों और इसके प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने वाले सदस्यों में से एक; एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी जैसी विभिन्न वैज्ञानिक समितियों के सदस्य; वे संस्थान के गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल, अनुसंधान और विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों के लिए प्रतिबद्ध हैं।

डॉ. तेज प्रकाश सिन्हा आपातकालीन और आघात देखभाल प्रणाली निर्माण में शामिल रहे; भारत में माध्यमिक और तृतीयक देखभाल में केन्द्र-आधारित आपातकालीन और चोट देखभाल प्रणाली की स्थिति का आकलन करने तथा आपातकालीन देखभाल प्रणाली के निर्माण में नीति आयोग को तकनीकी सलाह प्रदान करने में शामिल हैं; तीव्र/आपातकालीन देखभाल में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड का उपयोग और आपदा परिदृश्यों में इसका उपयोग करने के लिए स्नातकोत्तर छात्रों के प्रशिक्षण में शामिल; सह-मार्गदर्शक के रूप में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड संबंधी थीसिस और अन्य थीसिस के लिए मुख्य मार्गदर्शक; आपातकालीन देखभाल अनुसंधान के माध्यम से विश्व स्तर पर जीवन में परिवर्तन लाने की दृष्टि से वैश्विक आपातकालीन चिकित्सा अनुसंधान नेटवर्क "आपातकालीन चिकित्सा शिक्षा और वैश्विक विशेषज्ञों द्वारा अनुसंधान (इमर्ज)" की शैक्षिक उप-समिति के सह-अध्यक्ष; क्षेत्र में आपातकाल और आघात के लिए डब्ल्यूएचओ-सहयोगी केंद्र के अधिकारी और भारत और एसईएआर क्षेत्र में एकीकृत आपातकालीन और आघात देखभाल की प्रणालियों के निर्माण में आपातकालीन चिकित्सा के लिए भारत के विभिन्न राज्यों और एसईएआरओ के सदस्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

डॉ मीरा एक्का विभिन्न अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं की समीक्षक रहीं और एनल्स क्लिनिकल केस स्टडीज़ के संपादकीय बोर्ड में हैं; एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी, एसोसिएशन ऑफ

फिजिशियन ऑफ इंडिया और इमरजेंसी मेडिसिन एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सदस्य हैं; संस्थान स्तर पर 4 व्याख्यान दिये; अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अनुक्रमित पत्रिकाओं में छह लेख प्रकाशित; राष्ट्रीय सम्मेलन में तीन मौखिक प्रस्तुतियों के सह-लेखक ; आपातकालीन चिकित्सा के वाशिंगटन मैनुअल, एसएई के एसोसिएट संपादक और उसी मैनुअल में कोविड -19 बीमारी पर एक अध्याय का योगदान दिया; आपातकालीन चिकित्सा विभाग के लिए उपकरण ऑडिट के लिए संकाय प्रभारी, स्टोर और नोडल अधिकारी; एम्स से आपातकालीन विभाग के लिए संसदीय मामलों के नोडल अधिकारी; विभाग में ट्राइएज और स्क्रीनिंग ओपीडी की शुरुआत में शामिल; दर्द-मुक्त आपातकालीन विभाग के लिए गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं का हिस्सा; एसईटी सुविधा के लिए शिक्षण संकाय और एमबीबीएस छात्रों के लिए "तनाव न्यूमोथोरैक्स में नीडिल डीकंप्रेसन" पर एक शिक्षण मॉड्यूल विकसित किया है; एम्स आपातकालीन ईसीजी के लिए शिक्षण संकाय सदस्य और विभाग द्वारा संचालित मेडिकल/पैरामेडिकल सीएपीएफएस पाठ्यक्रम के व्यापक आपातकालीन और आघात देखभाल प्रशिक्षण में शामिल हैं; नौ आपातकालीन चिकित्सा स्नातकोत्तर छात्रों के मुख्य मार्गदर्शक और विभाग में आयोजित सेमिनारों में विभिन्न सेमिनारों और जर्नल क्लबों के लिए स्नातकोत्तर छात्रों का संचालन करते हैं; प्रस्तावित विष विज्ञान फ़ेलोशिप कार्यक्रम के लिए शिक्षण संकाय; संस्थान स्तर पर विभाग के लिए विभिन्न उपकरणों हेतु क्रय समिति के सदस्य; आपातकालीन विभाग में सीने में तीव्र दर्द और हृदय विफलता पर एक रजिस्ट्री अध्ययन शुरू किया; तीव्र विषाक्तता रजिस्ट्री पर कार्य करना; उनके 5 स्नातकोत्तर छात्रों के साथ थीसिस प्रोजेक्ट के रूप में 5 शोध अध्ययन डिजाइन, अध्ययन, पूरे किए गए और प्रस्तुत किए गए; उनके तीन स्नातकोत्तर छात्रों ने अक्टूबर 2022 में गोवा में राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा सम्मेलन में अपनी थीसिस प्रस्तुत (मौखिक) की।

डॉ. अक्षय कुमार दिल्ली में आपातकालीन देखभाल नेटवर्क स्थापित करने में शामिल रहे; दिल्ली में अंतर-अस्पताल स्थानांतरण स्थापित करने वाली 4-सदस्यीय समिति का हिस्सा बनने के लिए निदेशक द्वारा नामित; दिल्ली के अस्पतालों में दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों के समक्ष अंतर-अस्पताल स्थानांतरण का वैचारिक मॉडल प्रस्तुत किया; मार्च 2023 में, वह अंतर-अस्पताल स्थानांतरण नीति स्थापित करने के लिए उपराज्यपाल के कार्यालय का दौरा करने वाली टीम का हिस्सा थे; दिल्ली राज्य भर में आपातकालीन विभागों के बीच अंतर-अस्पताल रोगी स्थानांतरण को बेहतर बनाने की प्रमुख पहल में शामिल रहे और इस प्रयास के तहत, द्वारका में इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और मोती बाग, नई दिल्ली में चरक पालिका अस्पताल का दौरा किया; एक प्रमुख गुणवत्ता सुधार परियोजना का नेतृत्व किया और पूरा किया तथा एअरवे प्रबंधन में सुधार लाया, जिससे फर्स्ट पास सफलता दर 82% से अधिक हो गई; फरवरी 2023 में नेशनल इमरजेंसी बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स, बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा कार्यशाला (ईएमपीएआरटी 2023) और मार्च 2023 में प्रथम अंतरराष्ट्रीय केरल आपातकालीन चिकित्सा शिखर सम्मेलन में एक संकाय सदस्य के रूप में उन्हें आमंत्रित किया गया था; दिल्ली भर के आपातकालीन विभागों में काम करने वाले डॉक्टरों और नर्सों के प्रशिक्षण तथा क्षमता निर्माण में शामिल; एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स और ईसीजी वर्कशॉप जैसी कार्यशालाओं में व्याख्यान दिए; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आमंत्रित तकनीकी विशेषज्ञ टीम का हिस्सा और भारत के जिला अस्पतालों में नैदानिक प्रशासन स्थापित करने के लिए प्रमुख कार्य-निष्पादन संकेतक विकसित करने में शामिल और आपातकालीन विभाग में आने वालों में

आम बीमारियों के लिए आपातकालीन प्रबंधन एल्गोरिदम विकसित करने में शामिल तकनीकी टीम का भी हिस्सा हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के नेतृत्व में परिचालन दिशानिर्देश मार्च 2023 में प्रकाशित किए; अनुक्रमित पत्रिकाओं में 9 प्रकाशन हैं और 4 शोध पत्रों में करेसपोंडिंग ऑथर हैं।

डॉ. प्रकाश रंजन मिश्रा, रेजिडेंट्स और स्नातकोत्तर छात्रों को प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड, ट्रॉमा केयर और 'सिमुलेशन-आधारित शिक्षण' में प्रशिक्षण देने में शामिल रहे; 'एम्स इमरजेंसी ईसीजी कोर्स' विकसित किया और पाठ्यक्रम निदेशक तथा शिक्षण संकाय के रूप में कार्यशाला के कई सत्र आयोजित किए; दिल्ली भर के सरकारी अस्पतालों के डॉक्टरों को आपातकालीन ईसीजी कौशल में प्रशिक्षित किया गया, यह कार्यशाला एम्स, नई दिल्ली के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के डॉक्टरों के लिए अंतर-अस्पताल प्रशिक्षण का हिस्सा थी; बाल चिकित्सा आपातकालीन और आघात कार्यशाला (ईएमपीएआरटी और ईपीआई कॉन -2023) के लिए पाठ्यक्रम संकाय और नई दिल्ली में आयोजित परामर्शी हेमेटोलॉजी कार्यशाला (राष्ट्रीय हेमेटोलॉजी अपडेट - XII) के लिए मॉडरेटर; सेमिनारों, जर्नल क्लबों, टेबलटॉप सत्रों के दौरान मॉडरेटर के रूप में और पैनल चर्चाओं के दौरान पैनलिस्ट के रूप में विभाग के शिक्षाविदों के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया; स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बाल चिकित्सा, एसीएलएस और आघात आपातकालीन कौशल सहित कई कौशल कार्यशालाओं के आयोजन और शिक्षण में शामिल; संस्थान में एसईटी केन्द्र के लिए शिक्षण संकाय सदस्य रहे और छात्रों के प्रशिक्षण के लिए ई-मॉड्यूल विकसित किया; आपातकालीन चिकित्सा के वाशिंगटन मैनुअल, एसएई संस्करण के एसोसिएट संपादक; विभागीय गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम का हिस्सा और विभाग की मृत्यु दर बैठकों और क्यूआई कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से उन्होंने भाग लिया है। उनके प्रशासनिक कौशल को देखते हुए, वह विभाग में काम करने वाले रेजिडेंट्स के रोस्टर प्रभारी थे, वे स्टोर खरीद समिति का हिस्सा रहे हैं, आपातकालीन चिकित्सा विभाग के लिए उपकरण ऑडिट की टीम में एक अधिकारी हैं, विभाग से आरटीआई के लिए सहायक केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी हैं, एम्स वेबसाइट पर आपातकालीन चिकित्सा विभाग से संबंधित सामग्री को अद्यतन करने के लिए नोडल अधिकारी, आपातकालीन विभाग की पॉइंट-ऑफ-केयर प्रयोगशाला के लिए एनएबीएल मान्यता की प्रक्रिया के लिए नोडल अधिकारी, और मुख्य एम्स में गर्मी संबंधित बीमारियों के प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारी। चालू वर्ष में समकक्ष समीक्षा वाली अनुक्रमित पत्रिकाओं में दो प्रकाशन; दो चालू अनुसंधान परियोजनाओं में प्रधान अन्वेषक, दो परियोजनाओं में सह-अन्वेषक; दो स्नातकोत्तर छात्रों के लिए मुख्य थीसिस गाइड, विभाग के 20 स्नातकोत्तर उम्मीदवारों के लिए सह-मार्गदर्शक और जैव रसायन विभाग के एक पीएचडी छात्र के लिए सह-मार्गदर्शक। उनका दीर्घकालिक विज़न, देश में आपातकालीन देखभाल सेवाओं को मजबूत करना और एम्स, नई दिल्ली में एक मजबूत आपातकालीन चिकित्सा विभाग बनाना है।

डॉ विनीत चंद्रन केपी, एम्स और जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर - दोनों के आपातकालीन विभाग में आने वाले मरीजों के मूल्यांकन और प्रबंधन में सक्रिय रूप से शामिल रहे; वे रोगियों से संबंधित प्रशासनिक प्रबंधन की देखरेख करते हैं; जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर में होली जैसी सामूहिक कैजुअल्टी घटनाओं में प्रबंधन योजनाओं की आयोजना और कार्यान्वयन में संलग्न हैं; फरवरी 2023 में नेशनल इमरजेंसी बोर्ड रिव्यू ऑफ इंडिया कोर्स और नई दिल्ली में आयोजित बाल चिकित्सा आपातकालीन चिकित्सा कार्यशाला (ईएमपीएआरटी-2023) में फैकल्टी; विभाग की शिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहे और आपातकालीन चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित पैनल चर्चा सत्रों में भाग लिया।

9.11 अंत:स्राविकी एवं चयापचय

आचार्य एवं अध्यक्ष

निखिल टंडन

आचार्य

रविंदर गोस्वामी | राजेश खड़गावत | विवेका पी. ज्योत्सना

अपर आचार्य

यशदीप गुप्ता

सहायक आचार्य

ए एलपेश गोयल (29.11.2022 से) | राहुल गुप्ता (29.11.2022 से)

आशुतोष कुमार आर्य (30.11.2022 से)

विशिष्टिताएं

विभाग कई शैक्षिक गतिविधियों में व्यस्त है, जैसे प्रति दूसरे सप्ताह अंत: स्राविकी-विकृतिविज्ञान सम्मेलन, अंत:स्राविकी शल्यचिकित्सा-नाभिकीय चिकित्सा (बुधवार) तथा अंत:स्राविकी-विकिरण निदान डायग्नोसिस (शुक्रवार) साप्ताहिक बैठक। हर सप्ताह सेमिनार (बुधवार), जर्नल क्लब (शुक्रवार) और क्लिनिकल कक्षा (गुरुवार) आयोजित की जाती हैं। इन शैक्षणिक आयोजनों के दौरान नैदानिक महत्व के विषयों और नवीन उच्च प्रभाव वाले लेखों पर चर्चा की जाती हैं। विभाग द्वारा दैनिक बाह्य रोगी सुविधाएं संचालित की जाती हैं और यह विभाग हार्मोन परीक्षण, चयापचय अध्ययन और अस्थि घनत्व माप के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला सेवाएं प्रदान करता है। कोविड-19 के कारण, वर्ष के दौरान विभाग की अधिकांश शैक्षणिक गतिविधियाँ वर्चुअल मोड में आयोजित की गईं।

शिक्षा

स्नातक, स्नातकोत्तर, पराचिकित्सा प्रशिक्षण

विभाग स्नातक मेडिकल छात्रों और नर्सिंग छात्रों को पढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल था। आंतरिक चिकित्सा और जरा-चिकित्सा से स्नातकोत्तर छात्र (एमडी) विभाग में एक और दो महीने की पोस्टिंग हेतु आते हैं। इसके अतिरिक्त, एमसीएच ब्रेस्ट एंड एंडोक्राइन सर्जरी, डीएम न्यूक्लियर मेडिसिन, डीएम रिप्रोडक्टिव मेडिसिन रेजिडेंट्स में प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग और एमएससी रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी में नामांकित स्नातकोत्तर अध्येताओं को भी विभाग में 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए रोटेट किया।

दीर्घ एवं लघु अवधि का प्रशिक्षण

- दो उम्मीदवार डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए [तीन सामान्य (जुलाई, 2022), दो सामान्य (जनवरी 2023), एक प्रायोजित सीट खाली]।
- अल्पकालिक प्रशिक्षण हेतु कोई उम्मीदवार नहीं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/प्रदत्त व्याख्यान

1. "पैथोफिजियोलॉजी और टाइप 1 मधुमेह के उभरते ड्राइवर", डॉ. उषा श्रीराम, डीआईडब्ल्यूएएस और डीआईडीआई टीम सत्र: "महिलाओं और बच्चों में मधुमेह", 2 अप्रैल 2022, वर्चुअल।
2. अंत:स्राव मास्टरक्लास में कुशिंग रोग: केस चर्चा हेतु संकाय चर्चा, सीएमसी वेल्लोर, 8 अप्रैल 2022, वर्चुअल।
3. वैश्विक स्वास्थ्य को उपनिवेश मुक्त करना - एक पैनल चर्चा, एमोरी यूनिवर्सिटी, अटलांटा, यूएसए, 18 अप्रैल 2022, वर्चुअल।
4. "हाईपरथायरायडिज्म का उपचार", "स्पीड-स्पीडकॉन 2022" का 5वां वार्षिक सम्मेलन, 30 अप्रैल 2022, गुरुग्राम।
5. "कुशिंग सिंड्रोम", सीएमसी वेल्लोर, 6 मई 2022, वर्चुअल।
6. "गर्भावधि मधुमेह - प्रसव उपरांत एक दशक की लंबी अवधि", रिसर्च सोसाइटी फॉर द स्टडी ऑफ डायबिटीज इन इंडिया (आरएसएसडीआई): "आरएसएसडीआई रिसर्च रिट्रीट", पुणे, 28 मई 2022, वर्चुअल।
7. युवावस्था में मधुमेह की शुरूआत: टाइप 2 मधुमेह पर एक अखिल भारतीय नेरेटिव अपडेट, बीवाईएल नायर चेरिटेबल अस्पताल और टीएन मेडिकल कॉलेज की हीरक जयंती, मुंबई, 19 जून 2022।
8. "क्रोनिक गुर्दे के रोग में मधुमेह का उपचार: एक व्यावहारिक दृष्टिकोण", डायबिटीज केयर फाउंडेशन ऑफ इंडिया (नागपुर) 8वां हेलो डायबिटीज एकेडेमिया 2022: इंटरनेशनल कॉन्क्लेव, नागपुर, 25 जून 2022, वर्चुअल।
9. "क्रोनिक गुर्दे के रोग में मधुमेह का उपचार", शैक्षणिक सत्र: श्रीलंका एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल फार्माकोलॉजी एंड थेरेप्यूटिक्स (एसएलएसीपीटी): कार्डियो-वैस्कुलर रोगों पर संगोष्ठी, कोलंबो, श्रीलंका, 27 जून 2022, वर्चुअल।
10. "अस्थि स्वास्थ्य हेतु एक व्यापक दृष्टिकोण-कैल्शियम, डी और अन्य गैर-फार्माकोलॉजिकल उपाय", इंडियन सोसाइटी फॉर बोन एंड मिनरल रिसर्च (आईएसबीएमआर): ऑर्थोपेडिक सर्जनों के लिए "अस्थि स्वास्थ्य अभियान" पर सीएमई, दिल्ली, 2 जुलाई 2022, वर्चुअल।
11. "शिक्षक-अनुसंधानकर्ता-नीति निर्माता", सीएमई-सह-कार्यशाला कार्यक्रम जिसका शीर्षक "अंत:स्राव उद्यमिता" है, 10 जुलाई 2022, वर्चुअल।
12. "जीवन-जीवनशैली हस्तक्षेप पर हमारा परीक्षण", मद्रास डायबिटीज रिसर्च फाउंडेशन, "डॉ. मोहन इंटरनेशनल डायबिटीज अपडेट 2022 संगोष्ठी: **गर्भाविधि मधुमेह मेलिटस (जीडीएम)"**, 24 जुलाई 2022, वर्चुअल।
13. "स्टेरॉयड और कोविड: चिंताएं, चेतावनियां, परिणाम", संगोष्ठी सत्र: कोविड-19 और अंतःस्रावी उपचार-मुख्य टिवीक विषय, 26 अगस्त 2022, वर्चुअल।

14. "कोविड-19: अंत:स्राविकी पर प्रभाव", अंत:स्राविकी की 20वीं अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस, अंत:स्राविकी की 18वीं एशिया ओशिनिया कांग्रेस और 21वीं आसियान फेडरेशन ऑफ एंडोक्राइन सोसाइटीज कांग्रेस, 28 अगस्त 2022, वर्चुअल।
15. "कुशिंग रोग: हमारा अनुभव", किंग एडवर्ड मेमोरियल हॉस्पिटल, मुंबई महाराष्ट्र एंडोक्राइन सोसाइटी सहित, 17 सितंबर 2022, मुंबई।
16. "स्वास्थ्य प्रणाली में उपचार की गुणवत्ता में सुधार: प्रौद्योगिकी और गैर-चिकित्सक स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं का उपयोग करना", आरएसएसडीआई का राष्ट्रीय सम्मेलन, 7 अक्टूबर 2022, चेन्नई।
17. "लाइफटाइम अचीवमेंट्स अवार्ड", राष्ट्रीय इंसुलिन और इन्क्रीटिन शिखर सम्मेलन 2022, 19 नवंबर 2022, बैंगलोर।
18. "जीडीएम-दीर्घकालिक परिणाम" एनयूसीडी कार्यक्रम हेतु एक पैनल चर्चा, किड्स हॉस्पिटल, 15 जनवरी 2023, वर्चुअल।

प्रदत्त व्याख्यान: 27

अंत:स्राव नैदानिक डायनेमिक जांच (स्पीकर), त्रिवेन्द्रम एन्डोक्राइन सोसायटी का वार्षिक सम्मेलन, टी- एंडीकॉन 2022, दिनांक 19 जून 2022, त्रिवेन्द्रम

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
59	44	27

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 1

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
2	2	1

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारत में मधुमेह और/अथवा उच्च रक्तचाप वाले और उसके बिना लोगों में सार्स-कोव-2 संक्रमण (कोविड-19) से संबंधित नैदानिक परिणाम- एक अस्पताल आधारित अवलोकन अध्ययन, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 1¼ वर्ष, 2022-2023, 45,21,300 रुपये।
2. उच्च रक्तचाप और मधुमेह संस्थान हेतु एकीकृत ट्रैकिंग रेफरल, और एल्गोरिदमिक उपचार (आई-टीआरईसी) प्रणाली, डॉ. निखिल टंडन, एनआईएच, यूएसए, 6 वर्ष, 2017-2023, $649,748।
3. एक नई दवा हेतु चरण II नैदानिक परीक्षण का विकास, डॉ. निखिल टंडन, टोरेंट फार्मा, 9 वर्ष, 2014-2023, रु 84,53,212।

4. आईसीएमआर - यंग डायबिटीज रजिस्ट्री (वाईडीआर) और वाईडीआर कॉहोर्ट - चरण III", डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 2,70,26,286 रुपये।
5. युवा मधुमेह में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र (सीएआरई), डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रु 1,04,95,880.
6. एसओयूएल-टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में सेमाग्लूटाइड कार्डियोवस्कुलर परिणाम परीक्षण, डॉ. निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, 30,00,000 रुपये।
7. टाइप 2 डायबिटीज (फोकस) वाले रोगियों में डायबिटिक रेटिनोपैथी पर सेमाग्लूटाइड का दीर्घकालिक प्रभाव, डॉ. निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-2024, 27,50,000 रुपये।
8. मधुमेह में बच्चों में बदलाव, डॉ. निखिल टंडन, नोवो नॉर्डिस्क इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 11 वर्ष, 2012-2023, 25,00,000 रुपये।
9. सही परीक्षण और आवृति का उपयोग करके और उनके विचारों को सम्मिलित करने उपरांत रोगी केंद्रित दृष्टिकोण विकसित करके गर्भावधि मधुमेह वाली महिला के प्रसवोत्तर अनुवर्ती हेतु एक रणनीति विकसित करना। डॉ. निखिल टंडन, ल्यूपिन लिमिटेड, 5 वर्ष, 2018-2023, रु 40,41,400।
10. आईएडीपीएसजी मानदंड का उपयोग करके जीडीएम या नॉर्मोग्लाइकेमिया से पीड़ित महिलाओं में मातृ और भ्रूण के परिणामों का मूल्यांकन, डीआईपीएसआई मानदंड द्वारा नॉर्मोग्लाइकेमिया से पीड़ित महिलाओं में संभावित बहुकेंद्रित अवलोकनात्मक कोहोर्ट अध्ययन, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 72 रुपये, 44,005।
11. लक्षणहीन स्वस्थ भारतीयों में विटामिन डी की कमी और हड्डी का माइक्रोआर्किटेक्चर: निम्न सीरम 25 (ओएच) डी और उच्च पीटीएच के कार्यात्मक महत्व का अन्वेषण, डॉ. रविंदर गोस्वामी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 76,00,000 रुपये।
12. इडियोपैथिक हाईपोपैराथायरायडिज्म वाले रोगियों में इष्टतम कैल्सेमिक और फॉस्फेटिक नियंत्रण प्राप्त करने हेतु एक अल्फा हाइड्रॉक्सिल विटामिन डी बनाम 1,25 डायहाइड्रॉक्सी विटामिन डी, डॉ. रविंदर गोस्वामी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, 31,20,076 रुपये।
13. हाईपोपैराथायरायडिज्म में न्यूरोसाइकिएट्रिक और संज्ञानात्मक विकार, पारंपरिक चिकित्सा पर इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के रोगियों में 10 वर्षों के अनुवर्ती उपरांत इसकी प्राकृतिक प्रगति और इन विकारों का थियोरेक्लेसेमिक नियंत्रण पर प्रभाव, डॉ. रविंदर गोस्वामी, आईसीएमआर-डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2025, रुपये 54,0000।
14. एक यादृच्छिक, बहुराष्ट्रीय, सक्रिय-नियंत्रित, (ओपन-लेबल), खुराक खोज, (डबल-ब्लाइंड), समानांतर समूह परीक्षण, ग्रोथ हार्मोन की कमी वाले प्री-प्यूबर्टल बच्चे में वृद्धि हार्मोन उपचार में दैनिक वृद्धि हार्मोन उपचार की तुलना में एक बार सप्ताह में एनएनसी0195-0092 उपचार की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करना। डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 6 वर्ष, 2017-2024, 30,00,000 रुपये।

15. उच्च हृदय जोखिम वाले टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में हृदय संबंधी परिणामों पर एफेग्लेनाटाइड के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. राजेश खड़गावत, सनोफी एवेंटिस, 5 वर्ष, 2018-2023, 20,00,000 रुपये।

16. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® सहित सोमापेसिटन की सप्ताह में एक बार खुराक के प्रभाव और सुरक्षा की तुलना करने वाला एक परीक्षण, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 6 वर्ष, 2018-2024, 10,00,000 रुपये।

17. सेमाग्लूटाइड बनाम मौखिक प्लेसबो दोनों की प्रभावकारिता और सुरक्षा, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 3 वर्ष, 2020-2023, 25,00,000 रुपये।

18. रोगियों के चयापचय प्रोफाइल में वृद्धि हार्मोन की स्थिति में परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने हेतु अध्ययन, डॉ. राजेश खड़गावत, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2023, 29,00,000 रुपये।

19. जन्मजात वृद्धि हार्मोन की कमी और जीएच संवेदनशीलता के आणविक जीनोमिक्स, डॉ. राजेश खड़गावत, स्व-वित्तपोषित, 3 वर्ष, 2021-2023, स्-वित्तपोषित।

20. एक 26-सप्ताह का, यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, ओपन-लेबल, सक्रिय-नियंत्रित, समानांतर समूह, टू-आर्म, उपचार-से-लक्ष्य परीक्षण, एक बार जो प्रतिदिन इंसुलिन डिग्लुडेक की तुलना में सप्ताह में बार साप्ताहिक इंसुलिन आईकोडेक के साथ ग्लाइसेमिक नियंत्रण और उपचार की सुरक्षा पर प्रभाव की जांच करता है।, दोनों टाइप 1 मधुमेह वाले वयस्कों में इंसुलिन एस्पार्ट के साथ संयोजन में, दीर्घकालिक सुरक्षा की जांच हेतु 26 सप्ताह के विस्तार सहित, डॉ. राजेश खड़गावत, नोवो नॉर्डिस्क, 4 वर्ष, 2021-2026, 34,95,400 रुपये।

21. एक खुराक-खोज परीक्षण, जो गर्भावस्था के दौरान छोटे कद वाले बच्चों में दैनिक नॉर्डिट्रोपिन® की तुलना में सोमापेसिटन के एक बार साप्ताहिक उपचार के प्रभाव और सुरक्षा का मूल्यांकन करता है, जिसमें 2 वर्ष या उससे अधिक उम्र तक कोई कैच-अप विकास नहीं होता है। डॉ. राजेश खड़गावत नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2020-2025, 25,00,000 रुपये।

22. गैर-फार्माकोलॉजिकल रूप से किए गए उपचार एक्रोमेगाली वाले रोगियों में पाल्टूसोटिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक, नियंत्रित, बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ. राजेश खड़गावत, क्रिनेटिक्स, 4 वर्ष, 2022-2025, 38,34,170 रुपये।

23. अंतर्जात लेबल सिंड्रोम वाले रोगियों में दीर्घकालिक सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक ओपन लेबल बहुकेंद्रीत रोल ओवर अध्ययन रोगी जिन्होंने पूर्व नोवार्टिस प्रायोजित ओसिलोड्रोस्टेट (एलसीआई699) अध्ययन पूरा किया है एवं जांचकर्ता द्वारा ओसिलोड्रोस्टेट सहित निरंतर उपचार से लाभान्वित होने का निर्णय लिया गया है डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, नोवार्टिस/आईक्यूवीए, 6 वर्ष, 2019-2024, 30,00,000 रुपये।

24. मधुमेह वाले रोगियों में नींद की गुणवत्ता और ग्लाइसेमिक/चयापचय नियंत्रण पर व्यापक नींद कार्यक्रम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. विवेका पी ज्योत्सना, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, 20,16,882 रुपये।

25. अधिक वजन वाली/मोटापे से ग्रस्त महिलाओं में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने हेतु [अंतिम बच्चे के जन्म के दो वर्ष के अंतर्गत] जब उन्हें अकेले की तुलना में उनके पति के सामने प्रसव कराया गया था: टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर., 4 वर्ष, 2019-2023, 47,00,000 रुपये।

26. आईएडीपीएसजी (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डायबिटीज एंड प्रेगनेंसी स्टडी ग्रुप्स) मानदंड द्वारा सामान्य के रूप में परिभाषित महिलाओं में गर्भावस्था के 24 से 32 सप्ताह में ग्लाइसेमिया हेतु निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली का उपयोग करके मानक डेटा उत्पन्न करने हेतु अध्ययन, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 45,00,000 रुपये।

27. कोविड-19 से प्रभावित मधुमेह वाले व्यक्तियों हेतु बहु-विषयक शिक्षा एवं उपचार मॉडल की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करना: एक टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. यशदीप गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 74,00,000 रुपये।

पूर्ण

1. दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में मौजूदा कार्डियो-वैस्कुलर समुदाय समूह में मधुमेह और/अथवा उच्च रक्तचाप वाले लोगों में सार्स-कोव2 की सीरोप्रवलेंस की तुलना, डॉ. निखिल टंडन, आईसीएमआर, 1¼ वर्ष, 2021-2022, 58 रुपये, 51,650।

2. आवश्यक उच्च रक्तचाप के रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज्म की व्यापकता का अध्ययन करना, यूजी छात्रों को पुरस्कृत किया गया; संरक्षक - राजेश खड़गावत, एम्स यूजी अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2022, 2,00,000 रुपये।

3. एचबीए1सी के हेतु लिए स्वदेशी रूप से विकसित एचबीए1सी एचपीएलसी-123जी8 मशीन के स्वर्ण मानक के विरुद्ध पॉइंट ऑफ केयर डिवाइस का प्रदर्शन विश्लेषण (हाई परफॉर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी द्वारा), डॉ. विवेका पी. ज्योत्सना, आईसीएमआर, ढाई वर्ष, 2019-2022, 22,88,494 रुपये।

4. गर्भावधि मधुमेह मेलिटस (जीडीएम) वाली महिलाओं में ग्लाइसेमिक स्थिति [नॉर्मोग्लाइसीमिया/प्रीडायबिटीज/डायबिटीज] के अनुसार चयापचय प्रोफाइलिंग - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. यशदीप गुप्ता, एम्स-टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2020-2022, रुपये 20,00,000।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एक्टोपिक एसीटीएच सिंड्रोम वाले रोगियों की एटियलॉजिकल और क्लिनिकल प्रोफ़ाइल: महत्वाकांक्षी अध्ययन।

2. उत्तर भारत के टाइप 1 मधुमेह रोगियों में आइलेट एंटीबॉडी का पैटर्न और उनकी दृढ़ता।

3. विटामिन डी की स्थिति और इसका कार्यात्मक महत्व।

4. हाइपोपैराथायरायडिज्म में बेसल गैन्ग्लिया कैल्सीफिकेशन के रोगजनन में आणविक पहलू।
5. जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी और एफ18-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर का लक्षण वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ परिणामों की तुलना करना।
6. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी आहार का आकलन करना।
7. किशोरों में आहार की गुणवत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना: लड़कों और लड़कियों के बीच तुलना।
8. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना।
9. मोटापे, अधिक वजन और सामान्य बीएमआई, विटामिन डी की कमी वाले 5 से 12 वर्ष की आयु के भारतीय बच्चों में विटामिन डी उपचार की प्रतिक्रिया का अध्ययन करना- एक आपेन लेबल यादृच्छिक इंटरवेंशन अध्ययन।
10. प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म वाले रोगियों में उपचार परिणामों का अध्ययन करना।
11. पिछले 10 वर्षों में अंत:स्राव वार्ड में भर्ती प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म वाले मामलों में मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया का मूल्यांकन और विशेषताएं : एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
12. डायबिटीचिपोग्लाइसीमिया की एटियलॉजिकल और नैदानिक प्रोफ़ाइल : एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
13. भारत में एक तृतीयक उपचार केंद्र में एक्रोमेगालिन के दीर्घकालिक उपचार के परिणाम एक महत्वाकांक्षी अवलोकन संबंधी अध्ययन।
14. ट्यूमर प्रेरित ऑस्टियोमलेशिया वाले रोगियों के नैदानिक, जैव रासायनिक, विकिरण विज्ञान प्रोफ़ाइल और उपचार परिणाम : एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

पूर्ण

1. उत्तर भारत में एमईएन सिंड्रोम रोगियों के नैदानिक स्पेक्ट्रम / प्रोफ़ाइल का अध्ययन करना।
2. गर्भावस्था में हाइपरग्लेसेमिया वाली महिलाओं में संदर्भ के रूप में स्व-निगरानी ग्लूकोज मूल्यों (रक्त ग्लूकोज मीटर का उपयोग करके) ग्लूकोज निगरानी हेतु फ्रीस्टाइल लिबर प्रो और मेडट्रॉनिक सीजीएमएस की तुलना।
3. गर्भकालीन मधुमेह के पूर्व हिस्ट्री अथवा बिना हिस्ट्री वाली महिलाओं में गैर-एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग की व्यापकता का अध्ययन और तुलना करना।
4. प्रारंभिक गर्भावस्था (<20 सप्ताह) के दौरान नॉर्मोग्लाइसेमिक गर्भवती महिलाओं हेतु सीजीएमएस का उपयोग करके ग्लाइसेमिक स्तर और पैटर्न के लिए मानक डेटा तैयार करना और जीडीएम हेतु आईएडीपीएसजी मानदंडों को पूरा करने वाली महिलाओं के ग्लाइसेमिक स्तर सहित इसकी तुलना करना।
5. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म में चिकित्सीय हस्तक्षेप के तौर-तरीके और बहु-प्रणाली जटिलताओं का आकलन।

6. एक 26 सप्ताही, यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, ओपन-लेबल, सक्रिय-नियंत्रित, समानातंर, दो-बाहू, उपचार से लक्ष्य परीक्षण टाइप 1 मधुमेह वाले वयस्कों में इंसुलिन सहित संयोजन मेंख्, दीर्घकालिक सुरक्षा की जांच हेतु 28 सप्ताह के विस्तार सहित जो ग्लाइसेमिक नियंत्रण एवं उपचार की सुरक्षा में सप्ताह में एक बार इंसुलिन आईकोडेक की तुलना में प्रतिदिन एक बार इंसुलिन डिग्लुडेक दोनों की जांच की जाती है।
7. आवश्यक उच्च रक्तचाप के रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज्म की व्यापकता का अध्ययन करना।
8. जीए68-डीओटीएएनओसी पीईटी/सीटी और एफ18- एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर का लक्षण वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ परिणामों की तुलना करें।
9. दिल्ली में शहरी वयस्कों के कार्डियो-चयापचय स्वास्थ्य पर उनके "संभावित सुरक्षात्मक प्रभाव" के संबंध में भारतीय शाकाहारी आहार का आकलन करना
10. किशोरों में आहार की गुणवत्ता और शैक्षणिक प्रदर्शन पर व्यक्तित्व के प्रभाव का अध्ययन करना: लड़कों और लड़कियों में तुलना।
11. उच्च जोखिम वाले रोगियों में प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म की व्यापकता का अध्ययन करना।
12. मोटापे, अधिक वजन और सामान्य बीएमआई, विटामिन डी की कमी वाले 5 से 12 वर्ष आयु के भारतीय बच्चों में विटामिन डी उपचार की प्रतिक्रिया का अध्ययन करने हेतु-एक ओपन लेबल यादृच्छिक हस्तक्षेप अध्ययन।
13. प्राथमिक एल्डोस्टेरोनिज़्म वाले रोगियों में प्रबंधन परिणामों का अध्ययन करना।
14. नियमित उपचार के दौरान पहली और तीसरी तिमाही में गर्भवती महिलाओं में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का अध्ययन करना।
15. गर्भावस्था में मधुमेह के विकास सहित पहली तिमाही में ग्लूकोज स्क्रीनिंग और सीरम इंसुलिन के स्तर के बीच संबंध।
16. गर्भवती एशियाई-भारतीय रोगियों में थायराइड पेरोक्सीडेज एंटीबॉडी सकारात्मकता की व्यापकता।
17. कूल्हे के गैर-दर्दनाक फ्रैक्चर वाले रोगियों में विटामिन डी की कमी की व्यापकता का आकलन करना।
18. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म की नैदानिक, जैव रासायनिक और विकिरण विज्ञान विशेषताओं का अध्ययन करने हेतु: विटामिन डी पोषण और हिस्टोपैथोलॉजी का प्रभाव।
19. एथेलो स्लोरोसिस के एक मार्कर के रूप में कैरोटिड इंटिमा मीडिया थिकनेस (सीआईएमटी) और 4-18 वर्ष के आयु वर्ग के मोटापे से ग्रस्त बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध सहित इसके संबंध का अध्ययन करना।
20. 6-18 वर्ष के आयु वर्ग में मोटापे से ग्रस्त रोगियों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फ़ंक्शन सहित सीरम विटामिन डी स्तर के सहसंबंध का अध्ययन करना।
21. 6-18 वर्ष की आयु वर्ग के मोटापे से ग्रसित बच्चों और किशोरों में धमनी कठोरता का आकलन।
22. स्पष्ट रूप से स्वस्थ पुरुष

23. रोगियों में सीरम एण्ड्रोजन मापदंडों पर वसा के प्रभाव का अध्ययन करना।
24. मोटापे से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
25. टाइप 2 मधुमेह में माइटोकॉन्ड्रियल दोष और वीडीआर बहुरूपता का अध्ययन।
26. 11-17 वर्ष की आयु के मोटापे से ग्रसित एशियाई-भारतीय लोगों में इंसुलिन प्रतिरोध और बीटा सेल फ़ंक्शन पर विटामिन डी अनुपूरण के प्रभावों की जांच करने हेतु एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण।
27. भारत में व्यावसायिक रूप से उपलब्ध कोलेकैल्सिफेरॉल तैयारियों की सामग्री संख्या में परिवर्तनशीलता का अध्ययन करना।
28. वृद्धि हार्मोन की कमी वाले बच्चों में फेनोटाइप और विकिरण विज्ञान सहसंबंध।
29. विभिन्न आयु समूहों में पिट्यूटरी मॉर्फोमेट्री का अध्ययन करना।
30. 11-17 वर्ष की आयु के मोटापे से ग्रस्त एशियाई भारतीय बच्चों में इंसुलिन प्रतिरोध के निर्धारकों का अध्ययन करना।
31. भारतीय मोटापे से ग्रसित रोगियों में अग्न्याशय β कोशिका कार्यों पर विटामिन डी अनुपूरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
32. 6 माह से 5 वर्ष की उम्र में रिकेट्स के उपचार हेतु 90,000 और 1,80,000 आईयू मौखिक एकल खुराक विटामिन डी की प्रभावकारिता की तुलना करना।
33. एशियाई भारतीय नवजात शिशुओं में अस्थि द्रव्यमान के निर्धारक - पोषण संबंधी परिप्रेक्ष्य।
34. टर्नर सिंड्रोम वाले रोगियों में नैदानिक विशेषताओं और जैव रासायनिक प्रोफाइल पर एक्स-क्रोमोसोम की पैतृक उत्पत्ति के प्रभाव का अध्ययन करना।
35. पिछले 10 वर्षों में अंत:स्राव वार्ड में भर्ती प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म वाले मामलों में मल्टीपल अंत:स्राव नियोप्लासिया का मूल्यांकन और विशेषताएं: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं - डॉ. निखिल टंडन

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	12	10	10
कुल वित्तपोषण	13,48,64,133	12,22,44,414	12,36,36,769

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं - डॉ विवेका पी ज्योत्सना

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	2	2	2
कुल वित्तपोषण	52,42,374	42,88,494	40,16,882

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान - डॉ. यशदीप गुप्ता

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	3	3	3
कुल वित्तपोषण	1,50,00,000	1,50,00,000	1,60,00,000

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्राथमिक पैराथाइरॉइड एडेनोमा का रोगजनन, विकृति विज्ञान विभाग, न्याय चिकित्सा और शरीर रचना।
2. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ को मापने एवं स्तन कैंसर (2021-2023) के अन्य ज्ञात पूर्वाभासी और पूर्वानुमानित कारकों सहित इसके संबंध को मापने हेतु अध्ययन, शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।
3. सुसाध्य थायरॉइड सूजन वाले रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो -ब्रेस्ट दृष्टिकोण की सुरक्षा और परिणाम की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। (2021-2024), सामान्य शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।
4. मानक चिकित्सा उपचार की तुलना में पुराने मधुमेह और पेरीफेरल धमनी रोग अल्सर के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन। (2021-2024), शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स।
5. बेनफोटियामाइन का प्रभाव- एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (2021-2024), फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स।
6. तंत्रिका अंत:स्राव ट्यूमर में आनुवंशिक उत्परिवर्तन की पहचान: निदान और उपचार में निहितार्थ (2020-2023), शरीररचना विभाग, एम्स।
7. ग्रेव्स ऑर्बिटोपैथी के जोखिम कारकों का आकलन और हाइपरथायरायडिज्म में डायस्टीमिक ऑप्टिक न्यूरोपैथी की संभावनाओं का पता लगाना। (2021-2024), नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स।

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. थायराइड से संबंधित ऊपरी पलक के गंभीर संकुचन वाले रोगियों में बोटुलिनम टॉक्सिन ए इंजेक्शन के नैदानिक प्रतिक्रिया सहित यूबीएम पर लेवेटर-मुलर कॉम्प्लेक्स सघनता का सहसंबंध, नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स।
2. कुल अथवा पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी करवाने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के शुरुआती पूर्वानुमानित कारकों को निर्धारित करने हेतु एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी विभाग, एम्स।

प्रकाशन

पत्रिका : 54 **सार : 19**

रोगी उपचार

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक ओपीडी/क्लिनिक में उपस्थिति

अंत:स्राविकी नए रोगी	अंत:स्राविकी पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
13654	44021	785	1866	564	60890

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक ओपीडी उपस्थिति के लिए माहवार विवरण

महीना	नए रोगी	पुराने रोगी	पीएई क्लिनिक	डीओवाई क्लिनिक	जीडीएम क्लिनिक	कुल
अप्रैल, 2022	1102	3173	48	157	31	4511
मई, 2022	1140	3410	70	144	30	4794
जून, 2022	1244	3709	49	136	25	5163
जुलाई, 2022	1238	3619	55	184	62	5158
अगस्त, 2022	1174	4080	71	154	42	5521
सितंबर, 2022	1276	4092	75	129	44	5616
अक्टूबर, 2022	1015	3421	56	181	42	4715
नवंबर, 2022	1140	4061	87	144	64	5496
दिसंबर, 2022	991	3129	124	173	91	4508
जनवरी, 2023	1031	3609	61	167	34	4902
फरवरी, 2023	1097	3659	28	152	35	4971
मार्च, 2023	1206	4059	61	145	64	5535
कुल	**13654**	**44021**	**785**	**1866**	**564**	**60890**

कृपया अस्पताल में भर्ती रोगी और अन्य रोगी संबंधी विवरण अस्पताल (मेडिकल रिकॉर्ड प्रभाग) में देखे जा सकते हैं।

प्रयोगशाला सेवाएँ

हार्मोनल परीक्षण

क्र.सं.	हार्मोन	ट्यूब परीक्षण	क्र.सं.	हार्मोन	ट्यूब परीक्षण
1	टी-4	15267	17	सीटी-II	95
2	टीएसएच	20628	18	जीएडी65	635
3	टीपीओ	2855	19	एफ टी4	7102
4	एलएच	2787	20	टी3	4146
5	एफएसएच	2748	21	एफ टी3	1918
6	पीआरएल	3178	22	आईजीएफ 1	2087
7	कोर्टिसोल	5406	23	ई2	1293
8	टेस्टोस्टेरोन	2454	24	एल्डोस्टीरोन	1349
9	डीएचईए	1565	25	रेनिन	1149
10	17 ओएचपी	365	26	एफजीएफ 23	207
11	एसीटीएच	2508	27	ऑस्टियोकैल्सिन	182
12	पीटीएच	4187	28	आईए2	246
13	25 ओविटामिन डी	5724	29	जैडएनटी8	400

14	इंसुलिन	7523	30	β क्रॉस लैप्स	285
15	सी पेप्टाइड	3696	31	टीपी1एनपी	285
16	जीएच	1260		**कुल योग**	**103530**

हमने अपनी इम्यूनोएसे प्रयोगशाला में स्थापित एससीआईईएक्स क्यूटीआरएपी 6500+ मास स्पेक्ट्रोमीटर पर लिक्विड क्रोमैटोग्राफी - मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी-एमएस) विधि द्वारा स्टेरॉयड हार्मोन का आकलन शुरू किया है। वर्तमान में हम एलसी-एमएस विधि द्वारा टेस्टोस्टेरोन (महिला रोगियों हेतु) और 17-ओएच प्रोजेस्टेरोन की जांच कर रहे हैं, जिनमें इम्यूनोएसेज़ की तुलना में बेहतर संवेदनशीलता है।

अपनी इम्यूनोएसे प्रयोगशाला में रोगी के नमूनों में प्लाज्मा-मुक्त मेटानेफ्रिन (मेटानेफ्रिन, नॉरमेटेनफ्रिन और 3-मेथॉक्सी टायरामाइन) के एलसी-एमएस आधारित माप स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है।

जैव रासायनिक जाँचें

क्र.सं.	जाँचें	नमूनों की संख्या
1	रक्त शर्करा	24054
2	ग्लाइकेटेड हीमोग्लोबिन (एचबीए1सी)	21780
3	यूरीन पीएच	114
4	ऑस्मोलैलिटी (मूत्र एवं सीरम)	740
5	लिपिड प्रोफाइल	13028
6	टीटीजी एलिसा जाँचे	1085
	कुल जाँचें	**60801**

विशेष क्लीनिक:

- शनिवार को युवाओं में डायबिटीज (डायबिटीज ऑफ यंग) (डीओवाई) क्लिनिक
- सोमवार दोपहर को बाल चिकित्सा एवं किशोर अंत:स्राव क्लिनिक (पीएईसी)
- शुक्रवार सुबह गर्भावधि मधुमेह मेलिटस (जीडीएम) क्लिनिक
- सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

विभाग नियमित रूप से मोटापे, पीसीओएस, मधुमेह और थायरॉयड विकारों पर जागरूकता और स्क्रीनिंग कार्यक्रम आयोजित करता है।

मीडिया एवं आम जनता हेतु आयोजित सत्र:

आचार्य निखिल टंडन

क्र.सं.	विषय	चैनल	तिथि	माध्यम
1.	मधुमेह पर जन जागरूकता हेतु स्वास्थ्य कार्यक्रम	निर्माता, हेल्थ शो, ऑल इंडिया रेडियो (एआईआर), आकाशवाणी भवन	6 अप्रैल 2022	हिंदी/अंग्रेजी
2.	एंडोक्रिनोलॉजिस्ट के रूप में एक इंटरएक्टिव सत्र हेतु पैनलिस्ट	एनडीटीवी	3 अगस्त 2022	वर्चुअल रूप से वर्चुल

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य निखिल टंडन को महानिदेशक, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा 13वें सामान्य कार्य कार्यक्रम (जीपीडब्ल्यू 13) मापन और प्रभाव फ्रेमवर्क समिति, जिनेवा, स्विट्जरलैंड में सेवा देने हेतु नामित किया गया था; सदस्य, संयुक्त वैश्विक स्वास्थ्य परीक्षण योजना (मेडिकल रिसर्च काउंसिल यूके/डीएफआईडी/ वेलकम ट्रस्ट) के विशेषज्ञ पैनल; मधुमेह और सीकेडी दिशानिर्देश के केडीआईजीओ उपचार के सदस्य: कार्य समूह; फोकस अध्ययन के वैश्विक पैनल सदस्य के रूप में नामांकित; चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के शासी निकाय के सदस्य; पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा ध्रुवीय विज्ञान कार्यक्रम (एनसीपीपी), अंटार्कटिका हेतु राष्ट्रीय समन्वय समिति के सदस्य के रूप में नामांकित; राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान (एनआईएचएफडब्ल्यू), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, मुनिरका, नई दिल्ली के शासी निकाय के सदस्य; अंटार्कटिका (आईएसईए), गोवा के 38वें भारतीय वैज्ञानिक अभियान हेतु चिकित्सा अधिकारियों के चयन के लिए चयन समिति के अध्यक्ष के रूप में नामांकित; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई), नई दिल्ली; सह-संपादक, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया (एनएमजेआई), नई दिल्ली; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह, क्रोनिक रोग के लिए वैश्विक गठबंधन; व्यापक राष्ट्रीय पोषण सर्वेक्षण के एनसीडी नीति समूह के सदस्य; सदस्य, भारतीय विज्ञान अकादमी की परिषद; सदस्य, सन फार्मा फाउंडेशन की गवर्निंग काउंसिल; सदस्य, सीएसआईआर-जीनोमिक्स और इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान की अनुसंधान परिषद; सदस्य, फेलोशिप और मेमोरियल लेक्चर (वरिष्ठ वैज्ञानिक प्लैटिनम जुबली फेलोशिप, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और एनएएसआई मेमोरियल लेक्चर अवार्ड) के पुरस्कार हेतु राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत द्वारा गठित चयन समिति; अनुबंध के आधार पर सहायक आचार्य (अंत:स्राविकी) के चयन हेतु डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चयन बोर्ड के बाहरी सदस्य ; सेंटर फॉर कंट्रोल ऑफ क्रॉनिक कंडीशंस एंड पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित किए जा रहे "अंत:स्रावी मास्टरक्लास" के लिए वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड के कार्यक्रम अध्यक्ष; सदस्य, तकनीकी समिति, केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारतीय औषधि महानियंत्रक, नई दिल्ली; चेलाराम मधुमेह संस्थान की वैज्ञानिक समिति के सदस्य और "क्रॉनिकल ऑफ डायबिटीज रिसर्च एंड प्रैक्टिस" के संपादकीय बोर्ड में शामिल; माननीय एचएफएम द्वारा 3 वर्ष की अवधि हेतु भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) के सदस्य के रूप में नामांकित। एसएबी को आईसीएमआर की वैज्ञानिक वस्तुओं के संबंध में सभी प्रस्तावों की जांच करने का कार्य सौंपा गया है; सीताराम जयपुरिया फाउंडेशन (एसजेएफ) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा सीताराम जयपुरिया मेडिकल और हेल्थकेयर उत्कृष्टता पुरस्कारों के लिए जूरी सदस्य के रूप में नामित; डॉ. समीरन नन्दी द्वारा आमंत्रित रक्सापीडिया के प्रधान संपादक, रक्सापीडिया पर सर्वोत्तम प्रथाओं के एक सेट की समीक्षा करने और उसे तैयार करने में मदद करने के लिए संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनेंगे, जिसे सभी प्रदाताओं और रोगियों हेतु तुरंत, स्वतंत्र रूप से उपलब्ध कराया जाएगा; दिनांक 15 नवंबर 2022 को एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में अंत:स्राविकी विभाग (नैदानिक) में सह-आचार्य के पद पर मूल्यांकन पदोन्नति हेतु चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल/एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के विजिटर द्वारा नामित (वीडियो कॉन्फ्रेंस

के माध्यम से); फेनोम इंडिया-सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नॉलेजबेस (एचसीपी 47) पर सीएसआईआर-प्रमुख प्रयोगशाला परियोजना के अध्यक्ष के रूप में महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा नामित - निगरानी समिति और मार्च, 2023 में आयोजित इसकी बैठक; दिनांक 25 अप्रैल 2022 को दिल्ली में आयोजित होने वाले "संचारी रोगों की निगरानी और स्वास्थ्य प्रणाली सहित एकीकरण: कोविड-19 से सीख" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेने के लिए सन फार्मा साइंस फाउंडेशन के अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित किया गया; प्रोजेक्ट फोकस की वैश्विक विशेषज्ञ पैनल समूह की बैठक (सह-अध्यक्ष): 27 अप्रैल 2022; 9 जुलाई 2022 को बेंगलुरु में आयोजित होने वाली भारतीय विज्ञान अकादमी परिषद की वैधानिक बैठक में सदस्य के रूप में भाग लेने के लिए भारतीय विज्ञान अकादमी द्वारा आमंत्रित किया गया; 21 जुलाई 2022 को डीबीटी, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित होने वाली जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) के शीर्ष बोर्ड की पहली बैठक (पूरे दिन की बैठक) में भाग हेतु लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) द्वारा आमंत्रित; एम्स, विजयपुर जम्मू में अंत:स्राविकी एवं चयापचय की विशेषज्ञता में उपयुक्त संकाय सदस्य के चयन हेतु विशेषज्ञ। चयन समिति की बैठक दिनांक 23 जुलाई 2022, शनिवार प्रातः 08.00 बजे से होगी; दिनांक 13 जून 2022 को वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय एनसीडी कार्यान्वयन रोडमैप 2022-23 बैठक के रोडमैप के विकास हेतु मसौदा योजना की समीक्षा और संशोधन करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में भाग लेने के लिए डब्ल्यूएचओ दक्षिण पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आमंत्रित किया गया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 5-6 अगस्त 2022, नई दिल्ली में "स्वास्थ्य एवं कल्याण की दिशा में प्रगति में एनएफएचएस-5 से साक्ष्य" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया गया; 6 अगस्त 2022 को एनसीडी के उभरते बोझ पर आयोजित एक पैनल चर्चा में भाग लिया; सहयोगात्मक परियोजना प्रीसीयन-सीएआरआरएस की जांचकर्ताओं की बैठक, 12-13 अक्टूबर 2022 को गुड़गांव, भारत में आयोजित हुई; 17 अक्टूबर 2022 को किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, यूपी, लखनऊ में आयोजित 5वें डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ओरेशन में भाग लेने और भाषण देने के लिए किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति द्वारा आमंत्रित किया गया; पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई) द्वारा दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के आचार्य हॉवर्ड हू सहित पीएचएफआई अनुसंधान सलाहकार परिषद (आरएसी) के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित; आईआईटी बॉम्बे द्वारा ऑडोसेंस प्राइवेट लिमिटेड के सलाहकार बोर्ड में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया (आईआईटी बॉम्बे से निकला स्टार्टअप, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, हिमांशु पटेल चेयर आचार्य, आईआईटी बॉम्बे, पवई, मुंबई; क्लिनिकल परीक्षण के लिए भारत के राष्ट्रीय प्रतिनिधि और वैश्विक विशेषज्ञ के रूप में नामांकित आईडी : एनएन9838-4942 (रीडिफाइन 3), परियोजना का शीर्षक है, "मोटापे और स्थापित हृदय रोग वाले प्रतिभागियों में सप्ताह में एक बार सेमाग्लूटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी (कैग्रीसेमा 2.4 मिलीग्राम/2.4 मिलीग्राम एससी) के संयोजन में कैग्रिलिनटाइड 2.4 मिलीग्राम एससी की हृदय संबंधी सुरक्षा"; अग्रणी विशेषज्ञ राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन के संदर्भ में प्रारंभिक कार्यशाला में पैनल चर्चा। कार्यशाला दिनांक 25 नवंबर 2022 (सुबह 9.30 बजे) जैकरांडा हॉल, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित की गई; राष्ट्रीय हृदय, फेफड़े और रक्त संस्थान (एनएचएलबीआई) द्वारा आमंत्रित राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) (14-15 नवंबर 2022

(वर्चुअल मोड) को दो दिवसीय वर्चुअल कार्यशाला शीर्षक, "एडवांसिंग द साइंस ऑफ कम्युनिटी - एंगेज्ड हेल्थ डिसपैरिटीज़ रिसर्च" की मेजबानी कर रहा है; सह-अध्यक्ष और वक्ता के रूप में नोवो नॉर्डिस्क फोकस नैदानिक अध्ययन ग्लोबल इन्वेस्टिगेटर मीटिंग 8-10 नवंबर 2022 को डेनमार्क में आयोजित की गई। यह एम्स के अनुसंधान अनुभाग में पंजीकृत एक जारी अनुसंधान परियोजना है (परियोजना का शीर्षक "टाइप 2 वाले रोगियों में डायबिटिक रेटिनोपैथी पर सेमाग्लूटाइड का दीर्घकालिक प्रभाव"। मधुमेह [फोकस] परियोजना कोड संख्या 1977)। वर्तमान में परियोजना के वैश्विक विशेषज्ञ पैनल के सह-अध्यक्ष; 29-30 नवंबर 2022 को कोपेनहेगन, डेनमार्क में वैश्विक हितधारक बैठक, वैज्ञानिक निदेशक, ट्रांसलेशनल साइंस, नोवो नॉर्डिस्क फोंडेन द्वारा आयोजित की गई ; 3 दिसंबर 2022 को बैंगलोर में आयोजित भारतीय विज्ञान अकादमी परिषद की वैधानिक बैठक;; सामान्य चिकित्सकों, पैरामेडिक्स और टाइप 1 मधुमेह उपचार करने वालों/रोगियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से टाइप 1 मधुमेह शिक्षा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम के संरक्षक के रूप में सेवा करने के लिए सोसाइटी फॉर प्रमोशन ऑफ एजुकेशन इन एंडोक्रिनोलॉजी एंड डायबिटीज (स्पीड) द्वारा आमंत्रित किया गया। स्पीड एक गैर-लाभकारी शैक्षिक समाज है जो चिकित्सा क्षेत्र और रोगियों की शिक्षा प्रसार में सम्मिलित है; भारत में सिंगल-पिल कॉम्बिनेशन के साथ रक्तचाप हेतु उपचार अनुकूलन (टीओपीएसपीआईएन) परीक्षण संचालन समिति (टीएससी) के सदस्य के रूप में सेवा करने के लिए सेंटर फॉर क्रॉनिक डिजीज कंट्रोल (सीसीडीसी) के कार्यकारी निदेशक, आचार्य डी. प्रभाकरन द्वारा आमंत्रित किया गया; आचार्य जयराम एन. चेंगलूर, प्रतिष्ठित आचार्य एवं निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च (टीआईएफआर), मुंबई द्वारा टीआईएफआर में चयापचय, 17-18 मार्च 2023 को हैदराबाद में डेवलपमेंट एंड एजिंग (एआरयूएमडीए) पर उन्नत अनुसंधान इकाई के वैज्ञानिक और तकनीकी सलाहकार बोर्ड के सदस्य बनने हेतु आमंत्रित किया गया।

आचार्य रविंदर गोस्वामी हाइपोपैरथायरायडिज्म पर यूएसए की अंत:स्राव सोसाइटी द्वारा शुरू की गई तीसरी अंतर्राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य हैं; 2015 से आज तक सीएसआईआर, चिकित्सा परियोजनाओं हेतु परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य; सेंट्रल कोर रिसर्च फैसिलिटी (सीसीआरएफ) की सदस्य कोर समिति; एम्स, भुवनेश्वर, हैदराबाद में अंत:स्राविकी में संकाय सदस्य के चयन हेतु अंत:स्राविकी के विषय विशेषज्ञ; दिनांक 15 नवंबर 2022 को एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में अंत:स्राविकी विभाग (बेसिक) में सह-आचार्य के पद पर मूल्यांकन पदोन्नति के लिए चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ के रूप में उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल/एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ के विजिटर द्वारा नामित (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से); डीएनबी अंत:स्राविकी पाठ्यक्रम 2022 की मान्यता हेतु आरएमएल, दिल्ली में अंत:स्राविकी पाठ्यक्रम संबंधी सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का भौतिक मूल्यांकन किया।

आचार्य राजेश खड़गावत को रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन (एफआरसीपी), एडिनबर्ग, यूके की फैलोशिप प्राप्त हुई; उन्हें अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के बोर्ड सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था; सदस्य, झंडू फाउंडेशन ऑफ हेल्थ रिसर्च, कोलकाता की वैज्ञानिक परिषद; विशेषज्ञ, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (एनएडीए), युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार; अंत:स्राविकी बाहरी विशेषज्ञ, जापान एंटी-डोपिंग एजेंसी (जेएडीए), जापान; सदस्यों का बोर्ड (बीओएम), राजस्थान

स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस), जयपुर; सदस्य, चयन बोर्ड, राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय (आरयूएचएस), जयपुर; सदस्य, एसएई-मृत्यु समिति, डीसीजीआई, भारत सरकार; विषय विशेषज्ञ समिति (अंत:स्राविकी), डीसीजीआई भारत सरकार; विषय विशेषज्ञ, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार; विषय विशेषज्ञ, औषधियों पर स्थायी राष्ट्रीय समिति (एसएनसीएम), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार; सदस्य, विषय समीक्षा समिति, नेशनल फॉर्म्युलेरी ऑफ इंडिया (एनएफआई), छठा संस्करण; सदस्य (चिकित्सक), संस्थागत आचार समिति, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस; सदस्य (चिकित्सक), केंद्रीय आचार समिति, केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), एम्स-भोपाल, एम्स-भुवनेश्वर, एम्स-जोधपुर, एम्स-रायपुर, एम्स-मंगलागिरी, एम्स-कल्याणी, राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) हेतु संकाय चयन/पदोन्नति के लिए विषय विशेषज्ञ (अंत:स्राविकी), पीजीआई रोहतक और अन्य राज्य लोक सेवा आयोग; कारगिल, लद्दाख में स्वास्थ्य शिविर, 24 अप्रैल से 1 मई 2022 तक अशोका मिशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित; कारगिल, लद्दाख में स्वास्थ्य शिविर, 25 सितंबर से 1 अक्टूबर 2022 तक अशोका मिशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित; एनडीटीएल (राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला) भारत सरकार द्वारा आयोजित एथलीट जैविक संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञ, 12-14 अक्टूबर 2022; 14 नवंबर 2022 को आयोजित साक्षात्कार समिति, राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद (एनएमसी), दिल्ली में भाग लिया; एंडोक्रिनोलॉजी पाठ्यक्रम के लिए सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का भौतिक मूल्यांकन, लखनऊ 3 दिसंबर 2022 को आयोजित; डॉ शूरवीर सिंह ट्रस्ट ओरेशन, पुरस्कार समारोह, आरएनटी मेडिकल कॉलेज 10 दिसंबर 2022 को आयोजित; पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विश्वविद्यालय, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर, एसकेआईएमएस, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर द्वारा आयोजित वर्चुअल डीएम/पीएचडी परीक्षाओं हेतु बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया; नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन (एनबीई) द्वारा आयोजित डीएनबी अंत:स्राविकी प्रैक्टिकल परीक्षाओं और अस्पतालों के भौतिक निरीक्षण के लिए मुख्य समन्वयक और बाहरी परीक्षक के रूप में भाग लिया; डीएनबी प्रैक्टिकल एंडोक्रिनोलॉजी परीक्षा 14-15 जून 2022; एनबीई निरीक्षण-3 दिसंबर 2022; एनबीई निरीक्षण - 23 मार्च 2023।

आचार्य विवेका पी. ज्योत्सना 2010 से अब तक एम्स में सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत अंत:स्राविकी एवं चयापचय विभाग की केंद्रीय सहायक सार्वजनिक सूचना अधिकारी (सीएपीआईओ) हैं; जनवरी 2015 से अब तक विषय विशेषज्ञ समिति (अंत:स्राविकी), न्यू ड्रग डिवीजन, ड्रग कंट्रोलर जनरल, भारत की सक्रिय सदस्य; जनवरी 2016 से अंत:स्राविकी विभाग, विभाग खरीद समिति के सदस्य; राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: इंडियन जर्नल ऑफ एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, एंडोक्राइन प्रैक्टिस, क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी, जेसीईएम; सरकारी मेडिकल कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, त्रिशूर, जून 2022 के 2 छात्रों की डीएम एंडोक्रिनोलॉजी थीसिस का मूल्यांकन किया गया; डीएम अंत:स्राविकी के 2 छात्रों की डीएम एंडोक्रिनोलॉजी थीसिस का मूल्यांकन, अगस्त 2022, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी; डीएम अंत:स्राविकी परीक्षा अनुभाग

14 अक्टूबर 2022 हेतु आईएनआई-एसएस प्रवेश परीक्षा के लिए एमसीक्यू बनाए गए; 25 नवंबर 2022 को नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज, द्वारका में डीएनबी अंत:स्राविकी के लिए प्रश्न पत्र सेट किए; दिसंबर 2022 में डीएनबी अंत:स्राविकी हेतु एमसीक्यू प्रश्न बैंक का निर्माण किया गया।

विजिटिंग वैज्ञानिक

कोविड-19 के प्रसार के कारण, वर्ष के दौरान किसी ने भी विभाग को आमंत्रित अथवा विभाग का दौरा नहीं किया।

9.12 न्याय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुधीर कुमार गुप्ता

आचार्य

डी एन भारद्वाज	ओपी मूर्ति	मिलो ताबिन
संजीव लालवानी (जेपीएनएटीसी)	आदर्श कुमार (जेपीएनएटीसी)	चितरंजन बेहरा

अपर आचार्य

कुलभूषण प्रसाद	अभिषेक यादव

सहायक आचार्य

स्वाति त्यागी (जेपीएनएटीसी)	अबिलाष एस

वैज्ञानिक-1

निधि शर्मा (समूह क अधिकारी)

केमिस्ट

एके जयसवाल (समूह क अधिकारी)

विशिष्टताएं

न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग भारत में जटिल चिकित्सा-कानूनी समस्याओं के लिए शीर्ष रेफरल केंद्र है। विभाग सीबीआई, एनआईए, एनएचआरसी, अदालतों और विभिन्न राज्यों की अपराध शाखाओं से संदर्भित मामलों में विशेषज्ञ राय प्रदान कर रहा है। यह मेडिको-लीगल शव परीक्षण, एमएलसी मृत्यु का शव-संश्लेषण, क्लिनिकल फोरेंसिक मेडिसिन सेवाएं, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुसंधान, संदर्भित मेडिको-लीगल मामलों में विशेषज्ञ की राय और अदालत से संबंधित कार्यों में शामिल है। विभाग तीन प्रयोगशाला सेवाएँ चला रहा है: विष विज्ञान, डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग, और हिस्टोपैथोलॉजी तथा फोरेंसिक रेडियोलॉजी, फोरेंसिक मानव विज्ञान एवं फोरेंसिक जैव रसायन के रूप में तीन सहायता सेवाएँ। कुल 1523 मेडिको-लीगल शव परीक्षण किए गए। वर्चुअल ऑटोप्सी (वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान एवं उत्कृष्टता केंद्र) की सुविधा कार्यात्मक है, और अब यह शवों के सम्मानजनक प्रबंधन के उद्देश्य से मेडिको-लीगल ऑटोप्सी की सुविधा प्रदान कर रही है तथा इसका उपयोग अनुसंधान उद्देश्यों के लिए भी किया जा रहा है। विभाग को 2022 में संस्थान दिवस समारोह में प्रदर्शनी के लिए तीसरे सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यूटा विश्वविद्यालय, यूएसए के दो संकायों ने एक शोध सहयोग बैठक के लिए विभाग का दौरा किया है। कुल 14 विभागीय अनुसंधान परियोजनाएँ जारी हैं, तथा चार पूर्ण हो चुकी हैं। एक सहयोगी परियोजना पूर्ण हो गई, और 10 जारी हैं।

शिक्षा

विभाग में नौ स्नातकोत्तर (एमडी) छात्र और तीन पीएचडी छात्र नामांकित हैं।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन

1. अनुसंधान और प्रकाशन के व्यावहारिक पहलुओं पर राष्ट्रीय सीएमई, 19 नवंबर 2022
2. दिल्ली विश्वविद्यालय के किरोड़ीमल कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से फोरेंसिक साइंस में सर्टिफिकेट कोर्स 30 सितंबर से 17 अक्टूबर 2022 तक
3. संकाय विकास कार्यक्रम: डीटीई, जीएचएस, नर्सिंग डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नर्सिंग कॉलेज और फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली, ईसीएचओ-इंडिया के सहयोग से दिनांक 20-21 अप्रैल 2022 को आयोजित फोरेंसिक नर्सिंग में लघु अवधि पाठ्यक्रम।

प्रदत्त व्याख्यान: 20

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
18	20	20

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 40

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
1	9	40

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. वर्चुअल ऑटोप्सी में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 5 करोड़ रुपये
2. युवाओं में अचानक अस्पष्टीकृत मृत्यु का कारण स्थापित करना, डॉ. सुधीर के गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 87 लाख रुपये
3. माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विश्लेषण द्वारा तृतीय डिग्री मातृ संबंधी में संबंध का निर्धारण, डॉ. निधि शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. संबंधितता स्थापित करने के लिए डिग्रेडिंग परिस्थितियों में पोस्टमार्टम नमूनों में माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए विश्लेषण
2. हड्डियों और जोड़ों के रेडियोलॉजिकल अध्ययन द्वारा आयु का अनुमान

3. सड़क यातायात दुर्घटनाओं के मामलों में पारंपरिक शव-परीक्षा निष्कर्षों की तुलना में आभासी शव-परीक्षा निष्कर्ष।
4. सकल, हिस्टोपैथोगिकल और रेडियोलॉजिकल परीक्षण द्वारा मेडिको लीगल शव-परीक्षा में आकांक्षा का अध्ययन
5. उत्तर भारतीय आबादी में सुची ब्रुक की विधि का उपयोग करके पब्लिक सिम्फिसिस के सीटी स्कैन द्वारा आयु का अनुमान- एक डिजिटल शव परीक्षण-आधारित अध्ययन
6. पीएम सीटी एंजियोग्राफी
7. एम्स मुर्दाघर में पोस्टमार्टम के लिए लाए गए मामलों में मानव रक्त, मूत्र, विटरेअस ह्यूमर और मस्तिष्कमेरु द्रव में एथिल अल्कोहल का तुलनात्मक अध्ययन
8. भारतीय जनसंख्या में आंतरिक अंगों के आयाम और वजन का कंप्यूटेड टोमोग्राफिक और मॉर्फोमेट्रिक विश्लेषण
9. प्रत्यारोपण प्रयोजनों के लिए जिस दिल ने धड़कना बंद कर दिया है उन शवों में विभिन्न अंगों और ऊतकों की व्यवहार्यता मूल्यांकन
10. गर्दन पर घातक दबाव के कारण मृत्यु के मामलों में ऊतकविकृतिविज्ञान परीक्षण निष्कर्षों सहित सीटी स्कैन और डिजिटल एक्स-रे आधारित वर्चुअल ऑटोप्सी बनाम पारंपरिक शव परीक्षण।
11. हिंसक दम घुटने से होने वाली मौतों के साथ पोस्टमार्टम सीटी निष्कर्षों का तुलनात्मक विश्लेषण।
12. एफएमटी विभाग, एम्स, दिल्ली में 25 वर्षों के पोस्टमॉर्टम रिकॉर्ड (1996-2020) में विष के कारण मृत्यु का विश्लेषण।
13. पूर्ण आत्महत्या के पीड़ितों के परिवार और दोस्तों के लिए आघात केंद्रित पोस्टवेंशन मॉड्यूल- विकास और सत्यापन।
14. मृत्यु के विभिन्न कारणों में ऊतकविकृतिविज्ञान परीक्षण सहित वर्चुअल ऑटोप्सी और ट्रडिशनल ऑटोप्सी पर आधारित सीटी स्कैन तथा डिजिटल एक्स-रे का तुलनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन जीन बहुरूपता का आनुवंशिक संबंध।
2. हृदय संबंधी अचानक होने वाली मौतों में आभासी शव-परीक्षा निष्कर्ष बनाम ट्रडिशनल शव-परीक्षा निष्कर्ष।
3. पूर्ण आत्महत्याओं में सुसाइड नोट लेखकों और गैर-नोट लेखकों के बीच मनोसामाजिक जोखिम कारकों और व्यक्तित्व-व्यवहार आयामों का तुलनात्मक अध्ययन।
4. एम्स, नई दिल्ली के नेफ्रोलॉजी ओपीडी में आने वाले मरीजों में अज्ञात मूल के क्रोनिक किडनी रोग के लक्षण- एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कृपया संकाय/मार्गदर्शक/उम्मीदवार के नाम या पीएचडी, डीएम, एमडी थीसिस आदि को सूचीबद्ध न करें।
2. यदि विभाग का संकाय सदस्य किसी वित्त पोषित सहयोगी परियोजना का पीआई है, तो कृपया उपरोक्त वित्त पोषित परियोजनाओं की सूची में विवरण प्रदान करें।
3. यदि पीआई किसी अन्य केंद्र/विभाग/अनुभाग में है, तो कृपया यहां विवरण प्रदान करें, लेकिन केवल नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित जानकारी प्रदान करें।

   क. श्रवण कोशिकाओं के पुनर्जनन के लिए शव व्युत्पन्न सहायक कोशिकाओं में एटोह1 का संपादन, जैव रसायन और ईएनटी विभाग।

   ख. दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिलों में कोविड -19 महामारी के दौरान आत्महत्या से हुई मौतों की महामारी विज्ञान जांच सामुदायिक चिकित्सा विभाग।

   ग. कार्डियोमायोपैथी का आनुवंशिक परिदृश्य, विकृतिविज्ञान विभाग।

   घ. युवाओं में अचानक हृदय संबंधी बीमारी से मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए एक शव परीक्षण और आणविक अध्ययन, विकृतिविज्ञान विभाग।

   ङ. सोशल मीडिया और पूर्ण आत्महत्याओं के इंटरफ़ेस पर एक खोजपूर्ण अध्ययन , मनोचिकित्सा विभाग।

   च. आंतरिक कान से सहायक कोशिका की हार्वेस्टिंग के लिए सक्शन बनाम माइक्रोडिसेक्शन विधि की तुलना, ईएनटी विभाग।

   छ. जैविक मैट्रिक्स में जेड-ड्रग्स और ट्रामाडोल विश्लेषण के लिए विकास और विधि सत्यापन, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।

   ज. जीनोटाइप और जियोलोकेशन के बीच संबंध की खोज के लिए विभिन्न वैश्विक और भारतीय आबादी में एसटीआर मार्करों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।

   झ. यूनानी फॉर्मूलेशन की प्रतिरक्षा नियामक और एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का मूल्यांकन, नेत्र जैवरसायन विभाग, एम्स।

   ञ. ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक के रोगियों की सूजन के विनियमन और रिकवरी पर शराब का प्रभाव, जेपीएनएटीसी एम्स।

पूर्ण

1. रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करने और उनकी फिंगरप्रिंट विशेषताओं का उपयोग करके जुड़वा बच्चों के बीच लिंग का निर्धारण करना, फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग, केएमसी, मणिपाल

क्र.सं.	संघटक	2020-21	2021-22	2022-23
1	अनुसंधान हेतु प्राप्त धन की कुल संख्या अनुसंधान हेतु प्राप्त धन की कुल राशि	3 रु.69,76196/-	3 रु. 72,70238/-	3 रु.96,50110/-

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 27 **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 3**

विषय	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	33	29	30
पत्रिकाओं में लेख	33	29	27
सार	0	0	0
पुस्तकों में अध्याय	0	0	0
पुस्तकें	0	0	3

रोगी उपचार

1. **आपात सेवाएँ**

   दिल्ली के दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिले में चोट, यौन अपराध, जहर आदि के मामलों में चौबीसों घंटे चिकित्सीय-कानूनी सेवाएं प्रदान करना।

2. **मुर्दाघर सेवाएँ**

   मुख्य विभाग के मुर्दाघर में कुल **1523** मेडिको-लीगल शव परीक्षण किए गए।

3. **क्लिनिकल न्याय चिकित्सा**

   जांच अधिकारी द्वारा लाए गए एवं अदालत से संदर्भित पोटेंसी और अन्य मेडिको-लीगल परीक्षण के कुल 578 मामले विभाग द्वारा निपटाए गए। सीबीआई के कुल 27 मामले विभाग के मेडिकल बोर्ड द्वारा निपटाए गए। कुल 380 मामलों में आपात आदि के संदर्भ सहित जटिल केसों में उत्तरवर्ती राय प्रदान की गई थी।

4. **सम्मन**

   दिल्ली और अन्य राज्यों से **409** मामलों में विभाग के डॉक्टर अदालत में उपस्थित हुए।

5. **चिकित्सा विषविज्ञान**

   कुल **249** मामले प्राप्त हुए, **357** नमूनों की जांच की गई, एम्स के नैदानिक विभाग, मेडिको-लीगल मामलों और शैक्षणिक मामलों से संदर्भित विभिन्न जहरों के लिए **1643** परीक्षण किए गए।

6. **फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी**

   विभाग दक्षिण और दक्षिण-पूर्व जिले से मेडिको-लीगल शव परीक्षण मामलों के नमूनों एवं अनुसंधान उद्देश्य हेतु हिस्टोपैथोलॉजी सेवाएं प्रदान कर रहा है। इस अवधि में कुल 121 केसों का निष्पादन किया गया प्रकरण बनाये गये तथा 877 स्लाइड बनाये गये।

7. **शवलेपन की सुविधा**

विभाग एमएलसी मामलों (पोस्टमॉर्टम मामलों) के लिए शवलेपन की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस दौरान कुल 134 शव लेपन के मामले किये गये।

8. **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति**

नेशनल आई बैंक द्वारा प्रत्यारोपण हेतु 104 दाताओं से कुल 208 कॉर्निया को मुर्दाघर में पुनः प्राप्त किया गया।

9. **फोरेंसिक रेडियोलॉजी सेवाएँ**

विभिन्न चिकित्सीय-कानूनी और शैक्षणिक उद्देश्यों (शव-परीक्षण और जीवित दोनों मामलों) के लिए, 116 मामलों में एक्स-रे किया गया था। शव परीक्षण के दौरान विभिन्न चिकित्सीय और शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए 1214 मामलों में सीटी स्कैन सेवा प्रदान की गई थी।

10. **फोरेंसिक मानव विज्ञान सेवाएँ**

शैक्षणिक मामलों में अदालत के साथ-साथ खेल प्राधिकरण से संदर्भित 16 मामलों के लिए आयु अनुमान।

11. **डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला**

डीएनए - अज्ञात शवों के नमूने (बाल, दांत का गूदा, गॉज़ में रक्त) की प्रोफाइलिंग संसाधित: डीएनए आईसोलेशन, डीएनए की मात्रा और नमूना के आरयूएनएस (प्रोफाइलिंग के लिए 186 मामले और 125 आरयूएनएस)। डीएनए आईसोलेशन और डीएनए की मात्रा (201 नमूने) के लिए अनुसंधान नमूने (रक्त और लार) संसाधित किए गए। अन्य तकनीक के लिए किए गए नमूने- पीसीआर: 912, रियल टाइम पीसीआर: 64, सीक्वेंसिंग पीसीआर: 105, आरएफएलपी: 233, एसटीआर प्रोफाइलिंग:32

रोगी-उपचार संबंधी गतिविधियों की संख्या - विशेष क्लीनिक, प्रक्रियाएं, जांच आदि।

क्र.सं.	वस्तु		2020-21	2021-22	2022-23
	मेडिको लीगल पोस्टमॉर्टम		1905	1906	1523
	क्लिनिकल फोरेंसिक मेडिसिन	पोटेंसी और अन्य मेडिको-लीगल परीक्षण	467	554	578
		सी.बी.आई. मामले	25	39	27
		बाद की राय	348	289	380
	सम्मन		54	130	409
	विषविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएँ	मामलों की संख्या	81	83	249
		परीक्षणों की संख्या	226	283	1643
	शवलेपन		59	97	134

	फोरेंसिक रेडियोलोजी सेवाएं	एक्स-रे में मामलों की संख्या	262	141	116
		सीटी स्कैन में मामलों की संख्या	-	991	1214
	फोरेंसिक मानव विज्ञान सेवाएँ (आयु अनुमान) में मामलों की संख्या		69	10	16
	मामले की संख्या में फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी (आयु अनुमान)		35	105	121
	डीएनए फ़िंगरप्रिंटिंग प्रयोगशाला		पितृत्व जांच: (02 केस और 6 रन). डीएनए-अज्ञात शवों के नमूने की प्रोफाइलिंग: (137 मामले और प्रोफाइलिंग के लिए 156 रन)। डीएनए अलगाव और डीएनए की मात्रा के लिए संसाधित अनुसंधान नमूने (68 नमूने, वास्तविक समय पीसीआर: 245 प्रतिक्रियाएँ, पीसीआर: 6753 प्रतिक्रिया)	- डीएनए-अज्ञात शवों के नमूने की प्रोफाइलिंग: (168 मामले और प्रोफाइलिंग के लिए 302 रन)। डीएनए अलगाव और डीएनए की मात्रा (195 नमूने) के लिए अनुसंधान नमूने (रक्त और लार) संसाधित किए गए। अन्य तकनीक के लिए किए गए नमूने-पीसीआर: 1519, आरएफएलपी: 1033, अनुक्रम प्रतिक्रिया:47।	- डीएनए-अज्ञात शवों के नमूने की प्रोफाइलिंग: (186 मामले और प्रोफाइलिंग के लिए 125 रन)। डीएनए अलगाव और डीएनए की मात्रा (201 नमूने) के लिए अनुसंधान नमूने (रक्त और लार) संसाधित किए गए। अन्य तकनीक के लिए किए गए नमूने-पीसीआर: 12, रियल टाइम पीसीआर:64, सीक्वेंसिंग पीसीआर:105, आरएफएलपी: 233, एसटीआर प्रोफाइलिंग:32

	चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति (प्राप्त कॉर्निया की संख्या)	113	56	208

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य ओपी मूर्ति को अमृतसर में आईएफएम सम्मेलन में इंडियन एकेडमी ऑफ न्याय चिकित्सा द्वारा फेलोशिप से सम्मानित किया गया। नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यायिक विज्ञान, अहमदाबाद द्वारा राष्ट्रीय संकाय के रूप में नियुक्त किया गया।

आचार्य आदर्श कुमार ने 22 जनवरी 2023 को जुबली मिशन मेडिकल कॉलेज, त्रिशूर, केरल में आयोजित केरल मेडिको लीगल सोसाइटी के पहले राज्य सम्मेलन "केएमएलईसीओएन-2023" के दौरान "वर्चुअल ऑटोप्सी" पर पहला एमआर चंद्रन भाषण दिया। इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के महासचिव चुने गए। इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के उपाध्यक्ष चुने गए। एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिको लीगल एजेंसीज (एपीएमएलए) के मनोनीत प्रबंधन समिति के सदस्य। बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य-मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल में न्याय चिकित्सा में बाहरी विशेषज्ञ, अध्ययन बोर्ड के सदस्य-पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता में न्यायिक विज्ञान में बाहरी विशेषज्ञ, जैन विश्वविद्यालय के न्यायिक विज्ञान और संबद्ध विषयों में अनुसंधान सलाहकार बोर्ड के सदस्य, बेंगलुरु। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और नई दिल्ली परिसरों की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य। जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में विकलांगता चिकित्सा मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष।

आचार्य चितरंजन बेहरा डिजिटल डीएनए लैब के निर्माण के लिए डीजीएचएस और पोस्ट-मॉर्टम करवाने वाले सभी रोगियों के डीएनए के डिजिटल रिकॉर्ड हेतु राष्ट्रीय डीएनए बैंक की विशेषज्ञ समिति के सदस्य हैं। डीजीएचएस द्वारा पोस्टमार्टम हेतु सिंगल विंडो सिस्टम के संबंध में चर्चा के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल टॉक्सिकोलॉजी एवं लीगल मेडिसिन के सहायक संपादक, आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज के एसोसिएट एडिटर, एआरसी जर्नल ऑफ फॉरेंसिक साइंसेज के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, एनल्स ऑफ फॉरेंसिक रिसर्च एंड एनालिसिस, विज्ञान, फेड जर्नल ऑफ फोरेंसिक, जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन, आईपी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजिकल साइंसेज, इंडियन जर्नल ऑफ फोरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी का संपादकीय सलाहकार बोर्ड।

डॉ. अभिषेक यादव को डीटीई जीएचएस द्वारा नर्सिंग डिवीजन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार नर्सिंग कॉलेज और न्याय चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली, ईसीएचओ-इंडिया के सहयोग से आयोजित फोरेंसिक नर्सिंग में लघु अवधि पाठ्यक्रम संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ। इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के 43वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में अतिथि वक्ता के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र। पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा सामग्री विकास और "नव भर्ती चिकित्सा अधिकारी के लिए प्रेरण प्रशिक्षण

कार्यक्रम" के लिए संसाधन संकाय। राष्ट्रीय सलाहकार समिति के विशेषज्ञ, रसायन विज्ञान विभाग, किरोड़ीमल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के सहयोग से **न्यायिक विज्ञान** में सर्टिफिकेट कोर्स।

डॉ. कुलभूषण प्रसाद को संकाय विकास कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ: डीटीई जीएचएस द्वारा नर्सिंग प्रभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित फोरेंसिक नर्सिंग में लघु अवधि पाठ्यक्रम। स्नातक पूर्व शिक्षण के लिए लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) विकसित करने हेतु एक नोडल अधिकारी: भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की एक परियोजना।

9.13 जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनूप सराया

आचार्य

प्रमोद गर्ग विनीत आहूजा गोविंद के मखरिया
शालीमार बैबस्वता नायक

सह-आचार्य

सौरभ केडिया दीपक गुंजन

सहायक आचार्य

सौम्या जगन्नाथ महापात्रा

विशिष्टताएं

विभाग के संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और पीएचडी विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार, यात्रा अनुदान सहित कई पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के संकाय सदस्यों ने विभिन्न जीआई रोगों पर राष्ट्रीय दिशानिर्देश बनाने की पहल की और समन्वय किया।

शिक्षा

विभाग ने जठरांत्र रोग विज्ञान में डीएम तथा जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषण में पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी रखा। विभाग ने स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के प्रशिक्षण में भी भाग लिया। विभाग ने उन्नत फ़ेलोशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया।

दीर्घकालिक प्रशिक्षण: 24 डीएम छात्र
7 पीएच.डी. छात्र
उन्नत एंडोस्कोपी, यकृत विज्ञान, अग्नाशय विज्ञान और आईबीडी में 6 उन्नत फैलोशिप

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन:

1. वरिष्ठ रेजिडेंट्स/अध्येताओं के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम "पशु मॉडल पर थर्ड स्पेस एंडोस्कोपी", एम्स, नई दिल्ली में, 10 जून 2022
2. एम्स, नई दिल्ली में "पशु मॉडल पर पूर्ण मोटाई वाले रिसेक्शन उपकरण" पर वरिष्ठ रेजिडेंट्स के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 22 जुलाई 2022
3. पशु मॉडल पर थर्ड स्पेस एंडोस्कोपी पर अध्येताओं के लिए शैक्षणिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, 10 अक्टूबर 2022
4. चौथा एपीजीई (एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी क्लिनिकल फोरम ऑफ इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज और 7वां नेशनल आईबीडी मीट, सीसीएफआई) 2-4 दिसंबर 2022, नई दिल्ली
5. यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम (वाईसीपी), चेन्नई, अप्रैल 2022

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

1. पोषाहार: कितनी जल्दी, क्या और कैसे? गैस्ट्रोकॉन, 15-17 जुलाई 2022, कोलकाता
2. हेपेटिक ऑस्टियोडिस्ट्रॉफी- क्लिनिकल प्रासंगिकता, इंडियन नेशनल एसोसिएशन फॉर स्टडी ऑफ द लिवर (आईएनएएसएल), 6-7 अगस्त 2022, नई दिल्ली
3. आईसीयू में आंत्र पोषाहार, छठा पीजीआई जीआई आपातकालीन स्नातकोत्तर कार्यक्रम' 24-25 सितंबर 2022, चंडीगढ़
4. पोषाहार: कितनी जल्दी और क्या खिलाएं? इंडियन पैनक्रियाज क्लब, 8-9 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
5. विषय: अग्न्याशय के सिस्टिक घाव, यूपीआईएसजीसीओएन सत्र: अग्न्याशय पित्त विकार: जटिल मुद्दे, 12 नवंबर 2022, ताज गंगा, वाराणसी
6. विषय: गट लिवर एक्सिस, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी सत्र: हेपेटोलॉजी, 5 जनवरी 2023, राजस्थान
7. गंभीर रूप से बीमार सिरोसिट रोगी का पोषाहार प्रबंधन, भारतीय जठरांत्र रोग विज्ञान सत्र: सिरोसिस की जटिलताओं का प्रबंधन, 6 जनवरी 2023, राजस्थान
8. सिरोसिस में पोषाहार की स्थिति के मूल्यांकन का निदान और प्रभाव, सीपीएलडी 2023 सत्र: मांसपेशी और यकृत, 26 फरवरी 2023, लखनऊ

प्रदत्त व्याख्यान: 123

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
49	53	123

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 63

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
18	40	63

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. पुरानी अग्नाशयशोथ में सार्कोपेनिया: सार्कोपेनिया के लिए जिम्मेदार एटियोलॉजिकल कारकों और आणविक तंत्र का महामारी विज्ञान, निदान और मूल्यांकन (5/9/1074/2019-न्यू.), डॉ. अनूप सराया, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 1 अगस्त 2019 से 31 जुलाई 2023, 78.84 लाख रुपये
2. अग्न्याशय एडेनोकार्सिनोमा के रोगजनन में जीन-विनियमन और प्रतिरक्षाविज्ञानी मार्करों की भूमिका (5/13/49/2018/एनसीडी-III), डॉ. अनूप सराया, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 3 दिसंबर 2018 से 2 जून 2023, 98 लाख रुपये

3. सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन इंटेस्टाइनल डिजीज, डॉ. विनीत आहूजा, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), 5 साल, 2019-2024, 5 करोड़ रुपये

4. मल्टीड्रग प्रतिरोधी जीवों से एंटी-माइक्रोबियल जीन की कमी और आंतों के विघटन के कारण फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण के माध्यम से फेज ट्रांसफर की भूमिका का मूल्यांकन करना, डॉ. विनीत आहूजा, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 साल, 2021-2024, 57.35 लाख रुपये

5. दक्षिण एशियाई लोगों में क्रोहन रोग (सीडी): रोकथाम और बेहतर उपचार के लिए रोग जीवविज्ञान को परिभाषित करना, डॉ. विनीत आहूजा, द लियोना एम एंड हैरी बी हेमस्ले चैरिटेबल ट्रस्ट, 3 साल, 2021-2024, 1.02 करोड़ रुपये

6. आईबीडी में निरंतर प्रतिरक्षा दमन के तहत कोविड -19 एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, डॉ विनीत आहूजा, द लियोना एम संड हैरी बी हेमस्ले चैरिटेबल ट्रस्ट, 2 साल, 2021-2023, 9,24,000 लाख रुपये

7. अल्सरेटिव कोलाइटिस में आंत माइक्रोबायोटा व्युत्पन्न मेटाबोलाइट्स के माध्यम से आंतों की उपकला स्टेम कोशिकाओं की एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग, डॉ. विनीत आहूजा, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2020-2023, 56.45 लाख रुपये

8. गट माइक्रोबायोम - स्वास्थ्य और सूजन आंत्र रोग में आंतों के स्टेम सेल क्षेत्र के नियामक, डॉ. विनीत आहूजा, एमएचआरडी-शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग संवर्धन योजना (एसपीएआरसी), 4 साल, 2019 -2023, 45.97 लाख रुपये

9. अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग वाले भारतीय मरीजों में वेडोलिज़ुमैब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, सिंगल आर्म, ओपन-लेबल, चरण 4 अध्ययन, संस्करण 3 दिनांक 30 मार्च 2021, अध्ययन संख्या- वेडोलिज़ुमैब 4020", डॉ. विनीत आहूजा, टाकेडा- एसआईआरओ, 2 वर्ष, 2022-2024, 1.50 लाख रुपये

10. मध्यम से गंभीर क्रोहन रोग वाले रोगियों में इंफिमाबटीएम की सुरक्षा और प्रभावकारिता प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी, बहु-केंद्र, ओपन लेबल, चरण IV अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, रिलायंस फार्मास्यूटिकल्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 1.75 लाख रुपये

11. मध्यम से गंभीर सक्रिय क्रोहन रोग वाले मरीजों में मिरिकिज़ुमाब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए चरण 3, मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-और सक्रिय-नियंत्रित, उपचार मध्य अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, एली लिली, फार्मास्युटिकल कंपनी, 2 साल, 2021-2023, 8.04 लाख रुपये

12. एक ओपन लेबल, सिंगल आर्म, अन्वेषक आरंभित चरण I/II अध्ययन, स्टैम्प्यूसेल (वयस्क मानव हड्डी) व्युत्पन्न, संवर्धित पूल्ड, एलोजेनिक स्ट्रोमल सेल्स मैरो के स्थानीय आधान की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करना, डॉ. विनीत आहूजा, स्टैम्प्यूटिक्स रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2018-2022, 5.77 लाख रुपये

13. संयुक्त चरण 3, डबल ब्लाइंड, रैंडमाइज्ड, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, फिलगोटिनिबिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करते हुए मध्यम से गंभीर सक्रिय क्रोहन रोग वाले रोगियों में रेमिशन का प्रेरण और रखरखाव, डॉ विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 7 वर्ष, 2017-2024, 8.72 लाख रुपये

14. क्रोहन रोग वाले रोगियों में फिल्गोटिनिब की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 6 वर्ष, 2017-2023, 6.71 लाख रुपये

15. संयुक्त चरण 2बी/3, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, मध्यम से गंभीर सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में रेमिशन के प्रेरण और रखरखाव में फिल्गोटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करना, डॉ. विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 5 वर्ष, 2017-2022, 6.73 लाख रुपए

16. अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में फिल्गोटिनिब की सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन, डॉ. विनीत आहूजा, गिलियड साइंसेज, 6 वर्ष, 2017-2023, 70,200 रुपये

17. एंटीवियो (विडोलिजुमैब IV) अल्सरेटिव कोलाइटिस और क्रोहन रोग में विस्तारित पहुंच कार्यक्रम, डॉ. विनीत आहूजा, फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास (पीपीडी), 6 वर्ष, 2016-2022, 4.29 लाख रुपये

18. कम इम्युनोजेनिक ग्लूटेन वाले गेहूं के विकास की खोज (सीएस 11/6/2014-IA-IV), डॉ. गोविंद के मखरिया, आईसीएआर, 8 वर्ष, 2017-2026, 47.50 लाख रुपये

19. सीलिएक रोग के रोगियों में अतिरिक्त-आंत्र अंग भागीदारी की इम्यूनोपैथोजेनेसिस की खोज" (नंबर एफ: 2-1470/2023/आरएस), डॉ गोविंद के मखरिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 73.50 लाख रुपये

20. दक्षिण बनाम उत्तर मूल भारतीयों में सीलिएक रोग का प्रचलन; अंतर के लिए क्षेत्रों तक पहुंच के लिए प्रवासी अध्ययन, डॉ गोविंद के मखारिया, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 68.45 लाख रुपये

21. एशिया में उच्च जोखिम वाले समूह में सीलिएक रोग की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए एक पायलट अध्ययन (एशियाई सीलिएक रोग अध्ययन), डॉ गोविंद के मखारिया, टाकेडा फार्मास्यूटिकल्स, यूएसए, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.82 करोड़ रुपये

22. कोलोरेक्टल कैंसर के कारण और उपचार में आंत माइक्रोबायोटा और उनके मेटाबोलाइट्स की भूमिका को समझना, डॉ गोविंद के मखरिया, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2020-2023, 18.62 लाख रुपये

23. कोरोनावायरस रोग 2019 (कोविड-19) की गैस्ट्रोइनटेस्टिनल अभिव्यक्ति, डॉ. शालीमार, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपये

24. भारतीय रोगियों में बड चियारी सिंड्रोम/यकृत शिरापरक बहिर्वाह पथ रुकावट का आनुवंशिक आधार, डॉ. शालीमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 74 लाख रुपये

25. हेपेटाइटिस ई वायरस के खिलाफ एक पुनःसंयोजक टीके का विकास और हेपेटाइटिस ई समूह तथा संभावित टीका प्राप्तकर्ता समूह के प्रतिरक्षाविज्ञानी लक्षण वर्णन, डॉ. शालीमार, बीआईआरएसी (सीओ-पीआई), 2 वर्ष, 2021-2023, 110 लाख रुपये
26. दुबले और मोटे लोगों में मेटाबॉलिक एसोसिएटेड लिवर रोग (एमएएफएलडी): रोग और प्रगति बायोमार्कर की खोज, डॉ. शालीमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 1 जनवरी 2022 से 20 जनवरी 2025, 44 लाख रुपये
27. पुरानी अग्नाशय के रोगियों में आंत के माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम तथा शरीर की प्रतिक्रिया पर अग्नाशय एंजाइम रिप्लेसमेंट थेरेपी की भूमिका, डॉ. दीपक गुंजन, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, 2 वर्ष, 1 फरवरी 2021 से 31 जुलाई 2023, 50.24 लाख रुपये
28. सिरोसिस के रोगियों में सरकोपेनिया के प्रबंधन के लिए मानक चिकित्सा थेरेपी प्लस रिफैक्सिमिन बनाम मानक चिकित्सा थेरेपी: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. दीपक गुंजन, सन फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 18 अप्रैल 2022 से 17 अप्रैल 2024, 16 लाख रुपये
29. हेपेटाइटिस बी प्रेरित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के कैंसर स्टेमनेस हस्ताक्षर, डॉ. बी नायक (महिला वैज्ञानिक: डॉ. सोनाली सेनगुप्ता), डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 24 लाख रुपये
30. वायरल प्रोटीन द्वारा सार्स-कोव-2 वेरिएंट और इम्यूनोमॉड्यूलेशन के रिसेप्टर मध्यस्थ रोगजनन का निर्धारण, डॉ. बी नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 48 लाख रुपये
31. हेपेटाइटिस बी (एचबीवी) मध्यस्थ हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में आणविक रिसेप्टर की भूमिका, डॉ. बी नायक (आरए: डॉ. अफनान), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 22.92 लाख रुपये
32. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में संभावित ऑन्कोजेनिक miRNAs की भूमिका, डॉ. बी नायक (आरए: डॉ. नीता नड्डा), आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021-2022, 22.92 लाख रुपये
33. क्रोनिक लिवर रोग के रोगियों में हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस की प्रारंभिक पूर्वसूचना के लिए तरल बायोप्सी, डॉ. बी नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 49.48 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	42	38	34
कुल राशि	26.70 करोड़ रुपये	14.26 करोड़ रुपये	16.72 करोड़ रुपये

वित्त पोषित परियोजनाएँ

पूर्ण परियोजनाएं

1. सूजन आंत्र रोग में तुलनात्मक आंत यूकेरियोटिक माइक्रोबायोम: विभिन्न रोग प्रसार वाले क्षेत्रों में रहने वाली आनुवंशिक रूप से समान आबादी में सामान्य लिंक की खोज, डॉ. विनीत आहूजा, डीएसटी-यूकेआईईआरआई, 2 वर्ष, 2015-2017, 21.50 लाख रुपये

2. ग्लू अनुदान योजना "ह्यूमन गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल इम्यूनोलॉजी ट्रांसलेशनल प्रोग्राम", डॉ. विनीत आहूजा, डीबीटी-ग्लू अनुदान, 3 वर्ष, 2014-2017, 1.44 करोड़ रुपये

3. भारत में क्रोहन रोग: ऐसे देश से एक बहु-कैंद्रित अध्ययन जहां आंतों के तपेदिक के साथ-साथ जॉन रोग भी स्थानिक है, डॉ. विनीत आहूजा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), 4 वर्ष, 2017 - 2021, 42.57 लाख रुपये

4. जैव प्रौद्योगिकी विभाग- सीलिएक रोग कंसोर्टियम **(**बीटी/एमईडी/12/एसपी17783/2016), डॉ. गोविंद के मखारिया, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018 - **2023**, 5.83 करोड़ रुपए

5. भारत में चुनिंदा अंतर्विवाही आबादी की मानव माइक्रोबायोम पहल (बीटी/पीआर23968/बीआरबी/10/1602/2017), डॉ. गोविंद के मखरिया, डीबीटी, 2 साल, 2020-2022, 1.065 करोड़ रुपये

6. इरीटेबिल आंत्र सिंड्रोम और गैर-सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता तथा ग्लूटेन मुक्त आहार के प्रभाव वाले रोगियों में संपूर्ण आंत और आंतों का मेटाजेनोम, डॉ गोविंद के मखरिया, डीएसटी, 4 वर्ष, 2018-2022, 61.7 लाख रुपये

7. सीआरआईएसपीआर/Cas13a प्रणाली का उपयोग करके वायरल डीएनए की पहचान के लिए कम लागत वाले डायग्नोस्टिक्स प्लेटफॉर्म का विकास, डॉ. शालीमार, डीबीटी (सह प्रधान अन्वेषक), 3 वर्ष, 2018-2021, 24 लाख रुपये

8. क्रोनिक हेपेटाइटिस बी रोगियों में फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण (एफएमटी) की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक ओपन लेबल, पायलट याद‍ृच्छिक नियंत्रित अध्ययन", डॉ शालीमार, पीएफआई, 2 वर्ष, 2019-2021, 1. 25 लाख रुपये

9. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में एचबीएक्स का लक्ष्यीकरण और प्रतिकृति पर उत्परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए प्रतिकृति आधारित परख का विकास, डॉ. बी नायक (एनपीडीएफ: डॉ. गीतांजलि), एसईआरबी-डीएसटी, 2 वर्ष, मार्च 2020-2022, 22.36 लाख रुपये

10. वायरस प्रेरित इम्यूनोमॉड्यूलेशन और होस्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए सार्स-कोव-2 प्रोटीन की एडेनो संबद्ध वायरस-2 वेक्टर अभिव्यक्ति, डॉ.बी. नायक, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, मार्च 2020 - 2022, 10.00 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. पुरानी अग्नाशयशोथ के रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा और रेस्टिंग एनर्जी व्यय पर अग्नाशयी एंजाइम प्रतिस्थापन की स्थिति और प्रभाव

2. 20kPa (CaLD-20 परीक्षण) से अधिक जिगर कठोरता से ग्रस्त उच्च जोखिम वाले वेराइसेस के कंपेंसेटिड उन्नत क्रोनिक यकृत रोग वाले रोगियों में विघटन को रोकने के लिए कार्वेडिलोल: एक ओपन लेबल याद‍ृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

3. ऊपरी जीआई रक्तस्राव के एक प्रकरण के बाद सिरोसिस के रोगियों में अंतःशिरा फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज़ बनाम मौखिक फेरस एस्कॉर्बेट के साथ आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया का उपचार: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग में कंकाल की मांसपेशियों की गुणवत्ता का अध्ययन करना
5. मल्टीड्रग प्रतिरोधी जीवों से एंटी-माइक्रोबियल जीन की कमी और आंतों के विघटन के कारण फेकल माइक्रोबायोटा प्रत्यारोपण के माध्यम से फेज स्थानांतरण की भूमिका का मूल्यांकन करना
6. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणामों पर व्यवस्थित योग प्रथाओं का प्रभाव
7. कॉर्टिको-स्टेरॉयड बनाम टोफैसिटिनिब का उपयोग करके मध्यम से गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले मरीजों में नैदानिक प्रतिक्रिया प्राप्त करने के समय की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. भारतीय सीलिएक रोग के रोगियों में ग्लूटेन मुक्त आहार के मूल्यांकन के लिए एक उपकरण का विकास और उसका सत्यापन
9. एक वर्ष या उससे अधिक समय से ग्लूटेन मुक्त आहार लेने वाले रोगियों में गैर-प्रतिक्रियाशील सीलिएक रोगों की व्यापकता और एटियलजि का आकलन करना
10. सूजन आंत्र रोग के रोगियों में सीलिएक रोग की व्यापकता
11. ग्लूटेन मुक्त भोजन की लागत और उनके ग्लूटेन युक्त समकक्षों के साथ पोषाहार संबंधी संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण।
12. जीएफडी के 12 महीने बाद अनुत्तरदायी सीलिएक रोग में ग्लूटेन मुक्त आहार वाले रोगियों में परसिस्टेंट विलस एट्रॉफी में आंत्र स्टेम सेल (आईएससी) की खोज
13. वयस्कों में सीलिएक रोग के निदान में गैर-बायोप्सी मार्ग की भूमिका
14. सीलिएक रोग के रोगियों में आंतों से इतर अंगों की भागीदारी के इम्यूनोपैथोजेनेसिस की खोज
15. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आणविक निदान पद्धति का उपयोग करके हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में क्लैरिथ्रोमाइसिन की व्यापकता
16. भारत में अपच की एटियलजि, प्रकृति और गंभीरता: एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स अध्ययन" और "रिफ़ैक्सिमिन"। कार्यात्मक अपच में प्लेसबो - एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड नियंत्रित परीक्षण
17. भारत के उत्तरी भाग के एक समुदाय-आधारित अध्ययन से वयस्क प्रतिभागियों में ऊंचे एलेनिन एमिनोट्रांस्फरेज़ स्तर की व्यापकता
18. यकृत के सिरोसिस में सीलिएक रोग की व्यापकता
19. अग्नाशयशोथ में सीलिएक रोग की व्यापकता
20. ऑटो-इम्यून हेपेटाइटिस के रोगियों में दूसरी पंक्ति की दवाओं की जैव रासायनिक और नैदानिक प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करना

21. तीव्र वैरिकेल रक्तस्राव वाले रोगियों में 1-दिवसीय बनाम 3-दिवसीय अंतःशिरा टेरलिप्रेसिन की तुलना: एक ओपन-लेबल पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
22. एन ब्यूटाइल साइनोएक्रिलेट ग्लू बनाम एन ब्यूटाइल साइनोएक्रिलेट ग्लू प्लस गैस्ट्रिक वेरिसिस के माध्यमिक प्रोफिलैक्सिस के लिए रेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. तीव्र अग्नाशयशोथ के रोगियों में अग्नाशयी द्रव संग्रह की पुनरावृत्ति के लिए ईयूएस निर्देशित लैम्स जल निकासी के बाद प्लास्टिक बनाम नो-प्लास्टिक की तुलना करना
24. क्रोनिक अग्नाशयशोथ के रोगियों में चिंता और अवसाद की व्यापकता और दर्द तथा जीवन की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव
25. क्रोनिक हेपेटाइटिस वायरस पुनर्सक्रियन, प्रसार और वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस, तथा संक्रमण के बाद दवा प्रतिरोध को समझने के लिए रिवर्स जेनेटिक्स और जीन संपादन कार्यनीति
26. हेपेटाइटिस बी प्रेरित हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा के कैंसर स्टेमनेस हस्ताक्षर
27. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में संभावित ऑन्कोजेनिक एमआईआरएनए की भूमिका
28. हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित हेपेटोकार्सिनोजेनेसिस में एचबीएक्स का लक्ष्यीकरण और प्रतिकृति पर उत्परिवर्तन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए प्रतिकृति-2021 आधारित परख का विकास
29. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और हेपेटाइटिस बी वायरस प्रेरित कार्सिनोजेनेसिस में तरल बायोप्सी बायोमार्कर की भूमिका।

पूर्ण परियोजनाएं

1. तीव्र वैरीसियल रक्तस्राव के एक प्रकरण के दौरान विभिन्न नैदानिक चरणों में सिरोसिस वाले रोगियों में आंत बाधा शिथिलता, एंडोटॉक्सिमिया और सूजन मध्यस्थों का आकलन: एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन
2. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द प्रबंधन के लिए सहायक क्रमिक प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसिबो का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
3. तीव्र वैरिसियल रक्तस्राव के प्रकरण के दौरान चाइल्ड-ए सिरोसिस वाले रोगियों में संक्रमण को रोकने में रोलोफ़ैन्टिबिटोक प्रोफिलैक्सिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. सक्रिय अल्सरेटिव कोलाइटिस रोगियों में ट्रीट टु टारगेट रणनीति: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
5. तीव्र गंभीर अल्सरेटिव कोलाइटिस वाले रोगियों में केवल कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स बनाम कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के साथ विशेष आंत्र पोषाहार का एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
6. पेरिअनल फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग के रोगियों में स्टैम्प्यूसेल® (*वयस्क मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न, कल्चर्ड, पूलित, एलोजेनिक मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाएं)* के स्थानीय आधान की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक ओपन लेबल, सिंगल आर्म, अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया चरण I/II अध्ययन

7. छोटी आंत की संरचना और फिस्टुलाइजिंग क्रोहन रोग में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थेरेपी की प्रभावकारिता और सहनशीलता: एक स्तरीकृत आरसीटी
8. आंत के अल्सर-कंस्ट्रक्टिव रोग में क्रोहन रोग से आंतों के तपेदिक को अलग करने के लिए एक मल्टीपैरामीटर मॉडल
9. सूजन आंत्र रोग (अल्सरेटिव कोलाइटिस, क्रोहन रोग) में विटामिन ए द्वारा मानव प्रतिरक्षा और सूजन प्रतिक्रियाओं का मॉड्यूलेशन
10. सीलिएक रोग के रोगियों में ऊंचाई का स्पेक्ट्रम
11. क्रिप्टोजेनिक यकृत रोग वाले वयस्कों में सीलिएक रोग की व्यापकता
12. एंटी-एंडोमिसियल एंटीबॉडी की प्रभावकारिता
13. बिना लेबल वाले और लेबल वाले ग्लूटेन-मुक्त खाद्य उत्पादों और सीलिएक रोग के रोगियों द्वारा खाए जाने वाले आमतौर पर प्रयुक्त खाद्य पदार्थों में ग्लूटेन सामग्री का अनुमान
14. सीलिएक रोग वाले रोगियों के प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों में विलस एंटरोपैथी का आकलन
15. इरीटेबल आंत्र सिंड्रोम वाले मरीजों के बीच गैर-सीलियाक ग्लूटेन संवेदनशीलता का पता लगाना
16. पुरानी अग्नाशयशोथ में अस्थि टर्नओवर मार्करों का मूल्यांकन और ऑस्टियोपोरोसिस के सीटी आधारित पूर्वानुमान का कार्य-निष्पादन
17. वायरस प्रेरित इम्यूनोमॉड्यूलेशन और होस्ट प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन करने के लिए सार्स-कोव-2 प्रोटीन की एडेनो संबद्ध वायरस-2 वेक्टर अभिव्यक्ति।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. जठरांत्र रोग शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स के पेरीअम्पुलरी कार्सिनोमा के लिए पैंक्रिएटिक ओडुओडेनेक्टॉमी के बाद पेरीऑपरेटिव परिणामों पर सरकोपेनिया के प्रभाव का एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन
2. विकास विभेदन कारक - 15 (जीडीएफ-15), लौह ट्रेफिकिंग प्रोटीन, मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम में सूक्ष्म पोषक एंटीऑक्सीडेंट के बीच आणविक अभिव्यक्ति और संक्रिया, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, एम्स
3. कोलोरेक्टल कैंसर के कारण और उपचार में आंत माइक्रोबायोटा और उनके मेटाबोलाइट्स की भूमिका को समझना, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी (एनआईआई), नई दिल्ली
4. वयस्क सीलिएक रोग में बायोप्सी (Bio.A.CeD) - ESsCD सर्वसम्मति : बहुराष्ट्रीय अध्ययन, पार्टिमेंटो डि मेडिसिना ई चिरुर्जिया, स्कुओला मेडिका सालेर्निटाना, यूनिवर्सिटा डि सालेर्नो, इटली
5. सीलिएक रोग के रोगियों के प्रथम डिग्री रिश्तेदारों से मिलते-जुलते HLA-DQ2/DQ8 में रोग संशोधक के रूप में एमआईआरएनए, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

6. ग्लूटेन मुक्त आहार के प्रति अनुक्रियाशील सीलिएक रोग से पीड़ित रोगियों के एक समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न नैदानिक तौर-तरीकों की तुलना, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल चोट की व्यापकता, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. भारतीय आबादी में आत्महत्या के साथ साइटोकिन का आनुवंशिक संबंध, फॉरेंसिक मेडिसिन विभाग, एम्स

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 123 **सार: 28**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
योग	**160**	**190**	**151**
जर्नल आलेख	120	131	123
सार	38	58	**28**
पुस्तकों में अध्याय	2	1	शून्य
पुस्तकें	शून्य	शून्य	शून्य

रोगी उपचार:

बाह्य रोगी विभाग: नियमित ओपीडी और विशेष क्लीनिक में निम्नलिखित संख्या में मरीज़ देखे गए

जांच का नाम	**2020-2021**		**2021-2022**		**2022-2023**	
नियमित जठरांत्र रोग ओपीडी (सोमवार से शुक्रवार)						
नए मामले	7920		1 7790		42586	
पुराने मामले	11956		35622		93358	
विशेष क्लीनिक	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**नए मामले**	**पुराने मामले**	**नए मामले**	**पुराने मामले**
लिवर क्लिनिक	502	2323	901	6182	1105	10317
अग्न्याशय क्लिनिक	265	985	664	2251	898	4290
आईबीडी और आईटीबी क्लिनिक	248	5187	512	4121	855	7844
इंटरवेंशनल क्लिनिक	37	19	156	206	---	527
सीलिएक क्लिनिक	42	100	67	493	101	955

एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएं			
नैदानिक और चिकित्सीय एंडोस्कोपी	5027	17427	18602
नैदानिक और चिकित्सीय कॉलोनोस्कोपी	1445	4402	2549
डायग्नोस्टिक सिग्मायोडोस्कोपी	711	2058	1683
साइड व्यूइंग एंडोस्कोपी	417	850	502
एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेजनोपैंक्रेटोग्राफी (ईआरसीपी)	712	1650	1908
एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड (नैदानिक और चिकित्सीय)	434	1048	340
परक्यूटेनस ओरल एंडोस्कोपिक मायोटॉमी	16	74	51
परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी	46	170	5
बंद नेक्रोसिस-एंडोस्कोपिक लैवेज	43	220	38
स्व-विस्तारी धातु स्टेंट प्लेसमेंट	49	207	39
एंटरोस्कोपी	28	108	53
फ़ाइब्रोस्कैन (क्षणिक इलास्टोग्राफी)	4079	7168	12344
हेपेटिक शिरापरक दबाव ढाल माप	106	440	64
जीआई गतिशीलता जांच:			
उच्च रिज़ॉल्यूशन एसोफेजियल मैनोमेट्री	113	234	384
उच्च रिज़ॉल्यूशन एनोरेक्टल मैनोमेट्री	169	316	654
बायोफीडबैक	105	357	1172
24 घंटे एम्बुलेटरी पीएच निगरानी	6	34	43
प्रयोगशाला परीक्षण			
लैब जांच के लिए मरीजों की संख्या	1675	शून्य	शून्य
परीक्षण के लिए वायरल न्यूक्लिक एसिड अलगाव	1220	2410	7120
रक्त से जीनोमिक डीएनए अलगाव	841	540	727
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचबीवी परिमाणीकरण	770	1876	4799
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचसीवी परिमाणीकरण	544	1076	2599
वास्तविक समय पीसीआर द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	40	89	170
एचईवी मात्रात्मक का पता लगाना	155	392	687
एलिसा द्वारा एचबीएस एजी	319	650	958
एलिसा द्वारा एचबीई एजी	371	878	2020
एलिसा द्वारा एंटी एचबीई	100	249	615
एलिसा द्वारा एंटी एचबीसी टोटल	75	309	746
विदास द्वारा एचबीसी आईजीएम	9	105	246
एलिसा द्वारा एचएवी आईजीएम	130	272	427
एलिसा द्वारा एचईवी आईजीएम	184	422	891
एलिसा द्वारा एंटी एचसीवी	157	211	287

एलिसा द्वारा ईबीवी आईजीएम	96	-	23
एलिसा द्वारा सीएमवी आईजीएम	60	-	98
धमनी अमोनिया	441	368	510
नेफेलोमेट्री द्वारा आईजी जी4	16	63	250
कलरोमीट्री द्वारा डी-ज़ाइलोज़	32	213	418
ईथर निष्कर्षण द्वारा मलीय वसा	7	**कोविड के कारण नहीं किया गया**	3
एलिसा द्वारा फेकल इलास्टेज	110	-	1033
हाइड्रोजन सांस परीक्षण	23	-	51
यूरिया सांस परीक्षण	26	-	231
एलिसा द्वारा टीटीजी आईजीए	963	-	5235
टर्बिडोमेट्री द्वारा सेरुलोप्लास्मिन	538	-	2543
कलरोमीट्री द्वारा सीरम कॉपर	310	-	2274
24 घंटे यूरिनरी कॉपर	245	-	895
स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री द्वारा लिपिड पेरोक्सीडेशन (एमडीए)	83	-	14
मुक्त रेडिकल एंटीऑक्सीडेंट क्षमता (एफआरएपी)	83	-	14
फेकल कैलप्रोटेक्टिन	96	-	322
कुल ऑक्सीडेंट तनाव (टीओएस)	12	-	14
कुल एंटीऑक्सीडेंट तनाव (टीएएस)	12	-	14
फेकल पित्त अम्ल परीक्षण	-	-	280
आईएल6	-	-	320
एफएबीपी	-	-	160
सीआरपी	-	-	320
लाइन जांच परख (एलआईपीएस) द्वारा एचसीवी जीनोटाइपिंग	80	-	-
ईएलएफए द्वारा एंटी HBsAg	-	-	187

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य गोविंद मखरिया भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के गवर्निंग काउंसिल के सदस्य हैं; वे, सदस्य अकादमिक परिषद, आईसीएमआर; गवर्निंग काउंसिल सदस्य, वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन; अध्यक्ष, क्लिनिकल रिसर्च कमेटी, वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन (2020-23); जलवायु समिति और प्लेनेटरी हैल्थ, वर्ल्ड गैस्ट्रोएंटरोलॉजी संगठन के सदस्य; काउंसिल सदस्य, एशियन पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (2019-2022); निर्वाचित अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (2022-23); संपादकीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य, क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल

गैस्ट्रोएंटरोलॉजी (अमेरिकन कॉलेज ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी); सदस्य, तकनीकी मूल्यांकन समिति, जैव प्रौद्योगिकी विभाग; सदस्य, टीईसी, बीआईआरएसी; सदस्य विशेष चयन समिति, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद; सोसायटी सदस्य, राष्ट्रीय कृषि-खाद्य जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, मोहाली; सोसायटी सदस्य, सीआईएबी; इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड (आईईआरबी), जेएनयू, (2020 से आगे); सिस्टम मेडिसिन के विशेष केंद्र की विशेष समिति के सदस्य; सीलिएक रोग पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग कंसोर्टियम के समन्वयक; सीलिएक रोग पर एशियाई प्रशांत कार्य समूह के ग्रुप लीडर; यंग क्लिनिशियन प्रोग्राम के समन्वयक, इंडियन सोसाइटी ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी; प्रभारी आचार्य, कर्मचारी स्वास्थ्य योजना, एम्स।

डॉ. दीपक गुंजन ने इंडियन पैनक्रियाज क्लब (आईपीसी) 8-9 अक्टूबर 2022 दिल्ली में मुक्त शोधपत्र सत्र में प्रथम पुरस्कार **जीता,** इंडियन पैनक्रियाज क्लब (आईपीसी) 8-9 अक्टूबर 2022 दिल्ली में पूर्ण सत्र में सांत्वना पुरस्कार जीता।

आचार्य बैबस्वता नायक को द्वितीय अनुसंधान दिवस, एम्स, 18 अक्टूबर 2022 को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2020 से सम्मानित किया गया। उन्हें इंडियन वायरोलॉजिकल सोसाइटी सम्मेलन वायरोकॉन 2022, 5-6 नवंबर 2022, श्रीनगर, कश्मीर में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार मिला। उनकी सलाह के तहत अनुसंधान में महिला वैज्ञानिक योजना-ए (डब्ल्यूओएस-ए) के लिए फेलोशिप अध्येता डॉ. सोनाली सेनगुप्ता को प्रदान की गई। उन्हें फ्रंटियर्स इन मेडिसिन (हेपेटोलॉजी) और फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी (वायरोलॉजी) सहित 2 पत्रिकाओं के एसोसिएट एडिटर के रूप में चुना गया है। उन्हें फ्रंटियर्स इन मॉलिक्यूलर बायोसाइंसेज, पीएलओएस पैथोजन, वायरस रोग, नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट्स, बायोकैमिस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी रिसर्च, ड्रग रिसर्च, ट्रॉपिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, पीएलओएस वन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, इंडियन जर्नल ऑफ वायरोलॉजी, वायरस रिसर्च, वायरोलॉजी जर्नल, वायरल इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ वेटरनरी साइंस, एक्टा ट्रोपिका, बायोमेड रिसर्च इंटरनेशनल, बीएमसी मेडिकल जीनोमिक्स, लिपिड का आणविक और कोशिका जीव विज्ञान, रिसर्च रिपोर्ट, कैनेडियन जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, कंप्यूटर मैथड्स एंड प्रोग्राम्स इन बायोमेडिसिन, जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी एंड हेपेटोलॉजी, फ्रंटियर्स इन सेल्युलर एंड इंफेक्शन माइक्रोबायोलॉजी, फ्रंटियर्स इम्यूनोलॉजी, टर्किश जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, लेटर्स इन ड्रग डिजाइन एंड डिस्कवरी सहित 26 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के लिए समीक्षक के रूप में चुना गया है। राष्ट्रीय स्तर पर, उन्होंने उच्च प्राथमिकता वाले क्षेत्रों (आईआरएचपीए) में अनुसंधान की गहनता, जैव सुरक्षा स्तर 3/4 विकास के लिए एसईआरबी के समीक्षक के रूप में कार्य किया; राष्ट्रीय महत्व के रूप में आईसीएमआर और डीएसटी द्वारा विभिन्न कोविड -19 संबंधित अनुदानों के लिए समीक्षक के रूप में कार्य किया। वह इनोवेशन एंड ट्रांसलेशन रिसर्च (आईटीआर), आईसीएमआर के लिए समीक्षक और विशेषज्ञ समिति के सदस्य, आईसीएमआर आरए और एसआरएफ के लिए समीक्षक और डायरिया रोगों के लिए आईसीएमआर परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य भी हैं। वह डीएसटी एसईआरबी, आयुष/सीसीआरएच, आईसीएमआर एसटीएस विशेषज्ञ समूह, आईसीएमआर आईटीआर (नवाचार ट्रांसलेशन अनुसंधान) समूह की एक्स्ट्रामुरल फंडिंग के समीक्षक और संस्थान जैव सुरक्षा समिति के लिए डीबीटी नामांकित व्यक्ति भी हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

- टीसाइड यूनिवर्सिटी, यूके में मेडिसिन आचार्य डॉ. अंजन धर द्वारा "इओसिनोफिलिक एसोफैगिटिस" पर व्याख्यान दिया गया
- डॉ ऐनी मैरी लेनन, डॉ वेंकट अक्षिनतला। 21 नवंबर 2023 को हॉपकिंस बैठक
- आचार्य पैट्रिक कामथ (एमईएलडी स्कोर) मेयो क्लिनिक व्याख्यान देने के लिए पधारे।

9.14 जठरांत्र शल्यचिकित्सा एवं यकृत प्रतिरोपण

आचार्य एवं अध्यक्ष

पीयूष साहनी

आचार्य

सुजॉय पाल	निहार रंजन दास

सहायक आचार्य

राजेश पंवार	आनंद नारायण सिंह
सौरभ गलोधा	कैलाश कुर्डिया

विशिष्टताएँ

विभाग ने बिलियो -एंटेरिक एनास्टोमोसिस, वैस्कुलर एनास्टोमोसिस और कैडेवरिक मल्टी-ऑर्गन रिट्रीवल पर कई शल्य चिकित्सा कौशल कार्यशालाओं का आयोजन किया। विभाग ने "डिस्फेगिया रोगियों" में आईएपीईएन दिल्ली चैप्टर मिड-टर्म सीएमई पोषण उपचार का भी आयोजन किया। विभाग संकाय जठरांत्र शल्य चिकित्सा के राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों (इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंट्रोलॉजी एवं इंडियन चैप्टर ऑफ इंटरनेशनल हिपेटो-पैनक्रिटो-बिलियरी एसोसिएशन) की शैक्षिक और वैज्ञानिक समितियों का एक हिस्सा है और उनकी शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग के संकाय-सदस्यों को विभिन्न सम्मेलनों और सीएमई में व्याख्यान देने, सत्रों का संचालन करने, शोधपत्रों का मूल्यांकन करने एवं सत्रों की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। विभाग द्वारा कई अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन किया जा रहा है, बहु-केंद्रीय परियोजनाओं में भाग लिया जा रहा है तथा अन्य विभागों के सहयोग से अनुसंधान भी किया जा रहा है। विभाग ने रोगियों की अधिक संख्या को देखते हुए बाह्य रोगी सेवाओं को सप्ताह में तीन दिन से बढ़ाकर सप्ताह में पांच दिन कर दिया है। अधिक से अधिक रोगियों को उच्च स्तरीय उपचार प्रदान करने और प्रतीक्षा अवधि को कम करने के लिए ऑपरेशन थिएटर सेवाओं को भी बढ़ाया गया है।

शिक्षा

विभाग, स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। छठें और आठवें सत्र में छात्रों को उपचारात्मक व्याख्यानों और एकीकृत सेमिनारों के माध्यम से निम्नलिखित विषयों का अध्ययन कराया गया :

पोर्टल उच्च रक्तचाप	हल्का तथा दुर्दम्य ग्रासनली विकार
ऊपरी जठरांत्रीय रक्तस्राव	निचला जठरांत्रीय रक्तस्राव
तीव्र आंत्रीय रूकावट	आंतों की तपेदिक
छोटी आंत और बड़ी आंत में जलन वाले घाव	आंत्र और यकृत के अमीबिक घाव

पेट का कैंसर	पित्त पथरी रोग और जटिलताएँ
पित्त अवक्षेप	पित्ताशय का कैंसर
अवरोध के कारण पीलिया	अग्नाशय रोग
तीव्र अग्नाशयशोथ	दीर्घकालिक अग्नाशयशोथ
ऑपरेशन वाले रोगियों में पोषण	

विभाग जठरांत्र शल्य चिकित्सा में एम.सीएच. हेतु 3 वर्ष का प्रशिक्षण प्रदान करता है। वर्तमान में, विभाग में 13 एम.सीएच छात्र हैं। विभाग 1 से 3 माह की अवधि वाली अल्पकालीन ऑब्जर्वरशिप भी प्रदान करता है। साप्ताहिक शैक्षिक गतिविधियों में साप्ताहिक ऑडिट, हाल में प्रकाशित शोधपत्रों के सार पर प्रस्तुति, सेमिनार, जर्नल क्लब तथा अनुसंधान व शोध निबंध परियोजना पर चर्चा शामिल हैं। इसके अलावा, जठरांत्र रोग विज्ञान पर एक संयुक्त सत्र तथा जीआई रेडियोलॉजी पर सप्ताह में एक बार कांफ्रेंस तथा जी-आई सर्जरी हिस्टोपैथोलॉजी कांफ्रेंस दो सप्ताह में एक बार आयोजित की जाती हैं।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 23-24 अप्रैल 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
2. स्नातकोत्तर छात्रों के लिए व्यावहारिक वैस्कुलर एनास्टोमोसिस कार्यशाला, 29 मई 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
3. एमसीएच जीआई सर्जरी रेजीडेंटों के लिए कैडवेरिक मल्टीऑर्गन रिट्रीवल कार्यशाला, 1 जून 2022, कैडेवर प्रशिक्षण सुविधा, जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली
4. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 21-22 जून 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
5. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 20 अगस्त 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
6. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 18-19 अक्टूबर 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
7. आईएपीईएन दिल्ली चैप्टर मिड टर्म "डिस्फेगिया रोगियों" में सीएमई पोषण उपचार, 17 दिसंबर 2022, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
8. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 17 दिसंबर 2022, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
9. स्नातकोत्तर छात्रों हेतु बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस पर व्यावहारिक कार्यशाला, 18 जनवरी 2023, वेट लैब, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली
10. वेबिनार: महिला स्वास्थ्य विकिपीडिया, 4 मार्च 2023, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान

पीयूष साहनी: 14	**सुजॉय पाल : 9**	**निहार रंजन दास: 5**
राजेश पंवार: 7	**आनंद नारायण सिंह : 6**	**सौरभ गलोधा : 1**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
28	24	42

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 3

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक पत्र/पोस्टर	7	10	3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. क्लीनिकल-पैथोलॉजिकल डेटा एकत्र करने हेतु पित्ताशय कैंसर रजिस्ट्री का निर्माण एवं कार्यान्वयन, सुजॉय पाल, एम्स-टीएचएसटीआई, 3 वर्ष, 2019-22, 10 लाख रुपये।
2. बिलियो-एंटेरिक एनास्टोमोसिस हेतु एक संरचित व्यावहारिक सर्जिकल कौशल प्रशिक्षण मॉड्यूल का निर्माण और सत्यापन, राजेश पंवार, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-23, 5 लाख रुपये
3. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा वाले रोगियों में पुनरावृत्ति-मुक्त और समग्र उत्तरजीविता के साथ परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की उपस्थिति का सहसंबंध: एक संभावित अध्ययन, आनंद नारायण सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 4.5 लाख रुपये
4. कार्सिनोमा पित्ताशय के निदान और पूर्वानुमान में ट्यूमर मार्कर सीए-242, सीईए और सीए19-9 की भूमिका का मूल्यांकन करना, सौरभ गलोधा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 4.96 लाख रुपये
5. एकल एवं संयुक्त कार्सिनोमा पित्ताशय के निदान में ट्यूमर मार्कर सीए-125, सीए15-3, सीईए और सीए19-9 की भूमिका का मूल्यांकन करना, सौरभ गलोधा, एम्स इंट्राम्यूरल शिक्षक-छात्र अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2022-23, 2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्राथमिक स्तर के मेलिगनेन्ट हिलर सेपरेशन में एकतरफा बनाम द्विपक्षीय परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बिलिएरी ड्रेनेज के बाद नैदानिक और जैव रासायनिक अनुकूलन की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. अनरेसेक्टेबल अथवा डिसेमिनेटेड कार्सिनोमा पित्ताशय वाले रोगियों में परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक बिलीरी ड्रेनेज के साथ पैलिएशन की उपयोगिता।

3. व्हिपल्स पैनक्रिएटोडुओडेनेक्टॉमी कराने वाले रोगियों में बाह्य अग्नाशय बिलीरी ड्रेनेज के परिणाम : एक नॉन-इनफिरियोरिटी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. बिलिओपैंक्रिएटिक डक्ट के सर्जिकल लिगेशन से प्रेरित तीव्र अग्नाशयशोथ वाले वयस्क नर विस्टार चूहों में अंग की शिथिलता की गंभीरता पर मिथाइल प्रेडनिसोलोन के इंट्रापेरिटोनियल इंजेक्शन की प्रभावकारिता का एक अध्ययन।
5. पोस्ट-ऑपरेटिव एल्बुमिन ड्रॉप हेपेटोपैंक्रेटिकोबिलरी सर्जरी में नैदानिक परिणाम के लिए एक पूर्वानुमानक एवं सर्जिकल स्ट्रेस के लिए एक मार्कर है : एक भावी अध्ययन।
6. प्रॉक्सिमल लीनोरेनल शंट सर्जरी के बाद एक्स्ट्रा हेपेटिक पोर्टल वेनस ऑब्सट्रक्शन वाले रोगियों में मिनिमल हेपेटिक एन्सेफैलोपैथी की व्यापकता।
7. इसोफेग्टॉमी करा रहे रोगियों में नेसोजेजुनल ट्यूब लगाकर जेजुनोस्टॉमी से खाना खिलाने की तुलना - एक प्रायोगिक अध्ययन।
8. एम्स में ईएचपीवीओ के लिए रोगनिरोधी शंटिंग कराने वाले रोगियो के दीर्घकालिक फॉलो-अप का अध्ययन करना।
9. एम्स, नई दिल्ली में आने वाले एमईएन1 रोगियों के कोहार्ट की पृष्ठभूमि में होने वाले अग्नाशय न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर के स्पेक्ट्रम का अध्ययन करना।

पूर्ण

1. संदिग्ध पित्ताशय कैंसर के रोगियों में घातकता के पूर्वानुमानक।
2. पेरीएम्पुलरी कैंसर के लिए पीडी करवाने वाले रोगियों के परिणामों पर सरकोपेनिया के प्रभाव को देखने हेतु एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कोलोरेक्टल कैंसर स्टेम सेल में विभेदित रूप से व्यक्त जीन की भूमिका को स्पष्ट करना (जैव रसायन)
2. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा के विभिन्न हिस्टोपैथोलॉजिकल ग्रेड द्वारा कैंसर स्टेम कोशिकाओं को अलग करना, पहचानना एवं लक्षण वर्णन करना (जैव रसायन)
3. एम्पुलरी कार्सिनोमा में लक्षित बायोमार्कर का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन और हिस्टोलॉजिकल उप-प्रकारों के साथ उनका सहसंबंध (विकृति विज्ञान)
4. जीआई सर्जरी कराने वाले वृद्ध रोगियों में कमजोरी का आकलन (जराचिकित्सा चिकित्सा)
5. पित्ताशय कैंसर के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर नेटवर्क सिग्नलिंग की भूमिका (जैव रसायन)।
6. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा की जीनोमिक्स (आईसीएमआर 5-वर्षीय टास्क फोर्स परियोजना)
7. पित्ताशय कार्सिनोमा के डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग मार्गों में शामिल विभेदित रूप से व्यक्त प्रोटीन आधारित बायोमार्कर की पहचान करना (ओन्को-पैथोलॉजी)

8. नियोएडजुनेंट थेरेपी द्वारा इसोफेगियल कार्सिनोमस की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाने के लिए ग्लोबल एमआईआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग (स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, दिल्ली)
9. पेरेनियल फिस्टुलाईजिंग क्रोन्स रोग से पीड़ित रोगियों में स्थानीय स्टेमप्यूसेल® (वयस्क मानव अस्थि मज्जा व्युत्पन्न, कल्चर्ड, पूलित, एलोजेनिक मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाएं) देने की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक ओपन लेबल सिंगल आर्म अन्वेषक द्वारा आरंभिक चरण I / II अध्ययन। (जठरांत्ररोग विज्ञान)

पिछले 3 वर्षों की अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	3	5	5
कुल वित्तपोषण	19,46,000	26,46,000	26,46,000

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 21 सार: 11 पुस्तकें: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	**20**	**27**	**33**
पत्रिका संबंधी लेख	15	25	21
सार	4	1	11
पुस्तकों में अध्याय	1	0	0
पुस्तकें	0	1	1

रोगी उपचार

ओपीडी

नए रोगी : 3277 फॉलोअप : 10781

विशेष क्लीनिक

विभाग स्टोमा रोगियों के लिए प्रतिदिन क्लिनिक चला रहा है।

अंतः रोगी

कुल ऑपरेशन: 624 ऐच्छिक: 392 आपातकालीन: 232

विशेष रुचि वाले क्षेत्र

पित्त अवरोध: 106 पोर्टल हाइपरटेंशन: 14

ग्रासनली का कैंसर: 20 पित्ताशय कार्सिनोमा: 39

अल्सरेटिव कोलाइटिस:	32	ऊपरी जीआई रक्तस्राव:	3
निचला जीआई रक्तस्राव:	16	तीव्र अग्नाशयशोथ:	38
क्रोनिक अग्नाशयशोथ:	17	बिलिएरी स्ट्रींक्चर्स:	23
अग्नाशय-डुओडेनेक्टॉमी:	79	यकृत उच्छेदन:	46

पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल ओपीडी	3941*	6325	14058
ओपीडी: नए रोगी	1277	2167	3277
ओपीडी: फॉलोअप	2241	4158	10781
कुल भर्ती रोगी	487	636	994
वैकल्पिक सर्जरी	174	372	392
आपातकालीन सर्जरी	143	188	232

* *423 टेली-परामर्श शामिल हैं*

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर पीयूष साहनी *गैस्ट्रोइंटेरेलॉजी* के खण्ड संपादक, *जीआई सर्जरी एनुअल के सह-संपादक हैं*, अध्यक्ष, शिक्षा समिति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरेलॉजी; संपादक, द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया; संपादकीय बोर्ड, इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एण्ड लेप्रोलॉजी; अध्यक्ष, सदस्यता समिति, वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ मेडिकल एडिटर्स; सदस्य, इंटरनेशनल कमेटी ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स; अध्यक्ष, इंडियन एसोसिएशन ऑफ मेडिकल जर्नल एडिटर्स; एएसआई स्टेट चैप्टर ऑफ ओडिशा, 2022 में सुश्रुत व्याख्यान दिया; उपाध्यक्ष, एम्सोनियन्स रहे।

प्रोफेसर सुजॉय पाल आईएचपीबीए - भारत चैप्टर की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष हैं; सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों और सीएमई बैठकों के माध्यम से देश भर के स्नातकोत्तरों के शिक्षण में शामिल रहे हैं [4 बैठकें पहले ही आयोजित की जा चुकी हैं: चेन्नई (अगस्त 2022), अहमदाबाद (मई 2022), चंडीगढ़ (नवंबर 2022) और मुंबई (एलटीएसआई-जनवरी) 2023); 'द एम्सोनियंस' एम्स, नई दिल्ली के पूर्व छात्रों की एक एसोसिएशन के सचिव रहे। एम्सोनियंस की गतिविधियों और मामलों का प्रबंधन भी उनकी देखरेख में है; उन्हें एक नया कार्यालय स्वीकृत कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जिसकी कई वर्षों से मांग की जा रही थी; एसपीसी के सदस्य के रूप में विभाग और संस्थान के भंडार संबंधी कार्य में योगदान दिया है; न्यूयॉर्क, अमेरिका में आयोजित आईएचपीबीए की विश्व कांग्रेस में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था; एक कार्यकारी सदस्य के रूप में आईएचपीबीए-इंडिया और इसके न्यूज़लेटर 'लाइवरिपोर्ट' के संपादक के रूप में लिवर ट्रांसप्लांटेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलटीएसआई) की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है; जेआईपीएमईआर, जीबी पंत-दिल्ली विश्वविद्यालय और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ द्वारा एमसीएच परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है और उन्होंने राष्ट्रीय महत्व के इन सभी संस्थानों में परीक्षा आयोजित की है।

प्रोफेसर निहार रंजन दास को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस के अवसर पर 'अभिनव उपकरण श्रेणी' में द्वितीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया; सेट सुविधा में "डिस्फेगिया रोगियों" में आईएपीईएन दिल्ली चैप्टर के मध्यावधि सीएमई पोषण उपचार का आयोजन; आयोजित वेबिनार: महिला स्वास्थ्य विकिपीडिया; स्टोमा रोगियों के लिए नवीन शोध उपकरण "स्टोमा कैप" पर उनका विशेष लेख जो 3 राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था; वे डीडी उर्दू कार्यक्रम: हेलो डॉक्टर फॉर 'जोइंडिस' में शामिल हुए।

डॉ. राजेश पंवार आईएएसजी की शिक्षा समिति के सदस्य हैं; उन्हें कोलकाता में आयोजित आईएएसजीसीओएन 2022 के दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल गैस्ट्रोइंटेरेलॉजी (आईएएसजी) के प्रतिष्ठित बर्सेरी कार्यक्रम के लिए संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था; आईएएसजीसीओएन 2022 जोधपुर और पटना में आयोजित मध्यावधि आईएएसजी सम्मेलन और आईबीडी पर चौथा एपीएजीई क्लिनिकल फोरम, सीसीएफआई की 7वीं राष्ट्रीय बैठक, पहली सीडीएआई-आईबीडी बैठक के दौरान सत्र की अध्यक्षता की; श्रीनगर में आयोजित आईएएसजीसीओएन 2022 और मिडटर्म इंडियन चैप्टर आईएचपीबीए सम्मेलन में निर्णायक पेपर प्रस्तुतियाँ; स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कई कौशल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (बिलियो -एंटेरिक एनास्टोमोसिस, वैस्कुलर एनास्टोमोसिस, बॉवल एनास्टोमोसिस, मल्टी-ऑर्गन रिट्रीवल) आयोजित किए गए; कई अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए एक समीक्षक हैं; 'द एम्सोनियंस' एम्स, नई दिल्ली के पूर्व छात्रों की एक एसोसिएशन के संयुक्त सचिव के रूप में चुने गए (कार्यकाल: 2022-2024) और इसकी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

डॉ. सौरभ गलोधा को कोरियाई एसोसिएशन ऑफ हेपेटो-बिलिअरी-पैनक्रिएटिक सर्जरी द्वारा कोरिया में अंतर्राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में चुना गया था और उन्हें बुसान में आयोजित एचबीपी सर्जरी सप्ताह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

9.15 जरा चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

नवीत विग

अपर आचार्य

प्रसून चटर्जी
अविनाश चक्रवर्ती

सह-आचार्य

निधि सोनी
प्रमोद कुमार

सह-आचार्य (संविदात्मक)

गुदेती बाबूराव

विशिष्टाएं

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार			
कुल ओपीडी परामर्श	11,922	20,986	34,182
कुल नैदानिक परामर्श	137	192	347
रोगियों को प्रदान की गईं कुल पुनर्वास सेवाएँ	4,963	7,826	11,589
कुल भर्ती रोगी	654	399	1,521
पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान एवं शिक्षा			
कुल वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएँ	6	5	7
कुल निधीयन(रु.)	25,89,06,639	2,13,38,462	2,98,92,766
मौखिक प्रस्तुतियों की संख्या	06	05	12
कुल प्रकाशन	20	24	21

एम्स, नई दिल्ली में एक अत्याधुनिक सुविधा, राष्ट्रीय वृद्धजन केंद्र का सॉफ्ट लॉन्च किया गया, यह भारत में एकीकृत वृद्धावस्था उपचार के एक नए युग की शुरुआत है। हमारी आबादी की बढ़ती आयु के साथ, 2030 तक बुजुर्गों का अनुपात कुल आबादी का 12.5% तक बढ़ने की उम्मीद है। यह केंद्र, जो वृद्ध व्यक्तियों के उपचार हेतु बनाया गया है, जराचिकित्सा के क्षेत्र में अनुसंधान का मार्गदर्शन करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए एक प्रमुख प्रशिक्षण

सुविधा भी होगी। यह 180 सामान्य वार्ड बेड, चार मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर और बीस आईसीयू बेड सहित बहु-विशिष्ट स्वास्थ्य उपचार प्रदान करेगा। केंद्र को 330 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित किया गया है। अंततः सभी प्रस्तावित सुविधाओं की पूर्ति हेतु इसे अलग-अलग चरणों में कार्यात्मक बनाया जाएगा।

मार्च 2023 से, बाह्य रोगी सेवाएं शुरू कर दी गई हैं और यह वर्तमान में क्रियाशील जराचिकित्सा ओपीडी के साथ-साथ सर्जरी, मनोचिकित्सा, पीएमआर, स्त्री रोग, नैदानिक मनोविज्ञान और अस्थि रोग ओपीडी सेवाओं सहित वृद्ध रोगियों को व्यापक उपचार प्रदान करता है। केंद्र में वृद्धावस्था चिकित्सा के अंतर्गत स्मृति चिकित्सायल भी शुरू किया गया है। निकट भविष्य में केंद्र में अन्य सहयोगी ओपीडी और जराचिकित्सा क्लीनिक जैसे संकाय क्लिनिक, फॉल्स क्लिनिक, अर्बुद- जराचिकित्सा क्लिनिक तथा अन्य भी बहुत कुछ आरंब किया जाएगा।

शिक्षा

एम्स, नई दिल्ली का यह विभाग भारत में जराचिकित्सा चिकित्सा का सबसे बड़ा स्नातकोत्तर विभाग है। क्लिनिकल कंबाइंड राउंड्स जैसी संस्थागत शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के अतिरिक्त, विभाग ने हर सप्ताह शिक्षण के पांच सत्रों सहित स्नातकोत्तर प्रशिक्षण पर प्रमुख ध्यान केंद्रित किया। स्नातकोत्तर छात्र और वरिष्ठ रेजीडेंट संकाय सदस्यों की सहायता से अनुशासन और समय-सीमा के साथ शिक्षण कार्यक्रम के साथ सामंजस्य बनाए रखने में सक्षम हैं। रेजीडेंट संस्थान के भीतर और बाहर विभिन्न कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भी शामिल हुए हैं। रेजीडेंट अपने थीसिस कार्य में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और बेहतर रोगी उपचार प्रदान करने में मदद कर रहे हैं।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान: 02

प्रसून चटर्जी: 2

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 12

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

वर्ष	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
मौखिक प्रस्तुति की संख्या	06	05	12

अनुसंधान

वित्पोषित परियोजनाएं

जारी

1. बहु-अनुशासनात्मक सहयोगात्मक दृष्टिकोण द्वारा दक्षिण दिल्ली में रहने वाले लोगों में मनोभ्रंश एवं इसके जोखिम कारकों से पीड़ित लोगों की जीआईएस आधारित निगरानी - अनुकूलित उपचार योजना और नीति योजना हेतु एक पायलट क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डॉ. प्रसून चटर्जी, डीएचआर, 2 वर्ष, 2022-24, रूपये 15,00,000

2. ऑडियो विजुअल एवं प्रिंट मीडिया की श्रृंखला के माध्यम से भारत के बुजुर्गों और परिवार के सदस्यों के बीच स्वास्थ्य जागरूकता, जराचिकित्सा विभाग-एम्स के मौजूदा वृद्धावस्था समाधान पोर्टल का लाभ, डॉ. प्रसून चटर्जी, सेंट्रल वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन (सीडब्ल्यूसी), 1 वर्ष, 2023-24, 30,00,000 रुपये (पहली किस्त के रूप में 15,00,000 रुपये प्राप्त)

3. बोलने, भावना एवं दृश्य-स्थानिक पैटर्न पहचान के माध्यम से वृद्ध लोगों की संज्ञानात्मक स्थिति का आकलन करने हेतु एंड्रॉइड आधारित एप्लिकेशन ऐप का विकास और सत्यापन। (स्वीकृत), डॉ. प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 2 वर्ष, 202325, रुपये 21,43,650

4. एआई एम-हेल्थ का उपयोग, जराचिकित्सा उपचार में लक्षणों में सुधार एवं अनुपालन - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ. अविनाश चक्रवर्ती, नो योर मेड्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष 10 महीने, 2021-23, रुपये 15,42,200

5. यूनानी फॉर्मूलेशन की एंटी-एजिंग एवं एंटीऑक्सीडेंट क्षमता का निर्धारण, डॉ. अविनाश चक्रवर्ती, सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-24, रुपये 48,71,832

6. कमजोर बुजुर्गों में रक्त प्लाज्मा से साइटोकिन्स और केमोकाइन की एक्सोसोमल प्रोफाइलिंग और एक्सोसोम पर नॉर्डिक वॉकिंग इंटरवेंशन के प्रभाव का आकलन, डॉ. अविनाश चक्रवर्ती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 70,35,084 रुपये (2023-24 हेतु 27,82,288 रुपये स्वीकृत हैं)

वित्तपोषित परियोजनाएं

पूर्ण

1. भारतीय सुपर एजर्स की विशेषताएं- संभावित भविष्य पूर्वानुमानित मॉडल सहित एक पायलट भावी कोहोर्ट अध्ययन, डॉ. प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपये 50,98,750

2. सार्कोपेनिया का अध्ययन: बढ़ती उत्तर भारतीय आबादी में निदान, व्यापकता और जोखिम कारकों हेतु मानदंडों की स्थापना एवं निवारक रणनीतियों का विकास, डॉ. प्रसून चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रुपये 88,25,680

3. दिल्ली/एनसीआर के विभिन्न जिलों में कोविड-19 के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और धारणा (केएपी) के स्तर के आकलन हेतु ऑनलाइन और टेली सर्वेक्षण, डॉ. प्रसून चटर्जी, डीएसटी, 1 वर्ष, 2021-22, 10,00,000 रुपये

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	6	5	6
कुल निधीयन (रु. में)	25,89,06,639	2,13,38,462	2,98,92,766

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. बुजुर्ग रोगियों में बीयर के मानदंडों के अनुसार अनुचित दवाओं से संबंधित प्रतिकूल परिणामों का अध्ययन करने हेतु एक संभावित समूह।
2. पूर्वानुमानक परिणाम के रूप में संज्ञानात्मक हानि के आकलन पर एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
3. निर्देशित फिजियोथेरेपी एवं पोषण संबंधी इंटरवेंशन के उपरांत सार्कोपेनिक रोगियों में कार्डियोपल्मोनरी व्यायाम सूचकांकों का आकलन।
4. प्रोस्टेट सीए से पीड़ित भारतीय वृद्ध वयस्कों में आईसी का आकलन।
5. वृद्ध वयस्कों की संज्ञानात्मक स्थिति के संबंध में स्व-रिपोर्ट की गई नींद की अवधि और गुणवत्ता का आकलन - एक केस नियंत्रण अध्ययन।
6. बढ़ती उम्र के साथ जुड़े संरचनात्मक और कार्यात्मक मस्तिष्क परिवर्तनों का आकलन।
7. एम्स के स्मृति चिकित्सायल में पंजीकृत और 3 वर्ष के फॉलोअप वाले बुजुर्ग लोगों की संज्ञानात्मक स्थिति में बदलाव।
8. कैंसर से पीड़ित वृद्ध वयस्कों में विषाक्तता के पूर्वानुमान के लिए सीएआरजी और क्रेश स्कोर के प्रदर्शन की तुलना करना।
9. हृदघात वाले वृद्ध रोगियों में वृद्ध वयस्कों की कार्यक्षमता पर कोविड-19 संक्रमण का प्रभाव।
10. डिमेंशिया हेतु स्व-मूल्यांकन स्क्रीनिंग उपकरण।
11. संज्ञानात्मक रूप से कमजोर वयस्कों में गट माइक्रोबायोटा का अध्ययन।
12. पोस्ट कोविड वृद्ध वयस्कों में अस्पताल में भर्ती होने का अध्ययन।

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार में डबल्यूएचओ आईसीओपीइ की व्यवहार्यता का आकलन करने हेतु एक समूह अध्ययन।
2. सार्कोपेनिक एवं गैर-सार्कोपेनिक भारतीय जराचिकित्सा आबादी में बाएं वेंट्रिकुलर मांसपेशी द्रव्यमान और कार्य का तुलनात्मक अध्ययन।
3. समुदाय में वृद्ध आबादी में संज्ञानात्मक हानि एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके उनके जोखिम स्तरीकरण पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
4. बुजुर्गों में डिमेंशिया के निदान पर एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन। संशोधित सीडीआर का उपयोग करके सूचक के साक्षात्कार पर आधारित।

5. बुजुर्ग आबादी में मोटापे से ग्रस्त, सार्कोपेनिक एवं सार्कोपेनिक मोटापे से ग्रस्त लोगों में स्वास्थ्य स्थिति की तुलना करने हेतु एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
6. जोखिम कारकों का आकलन करने हेतु एक अध्ययन जो अस्पताल से शीघ्र छुट्टी (डिस्चार्ज) के लिए बाधा के रूप में कार्य करता है।
7. संज्ञानात्मक हानि एवं एम्स कैंसर क्लिनिक में आने वाले वृद्ध वयस्कों के उपचार के परिणाम पर इसका प्रभाव।
8. मानक उपकरणों की तुलना में वृद्ध वयस्कों की आंतरिक क्षमता का आकलन करने हेतु स्व-मूल्यांकन प्रश्नावली (आईसीटी संक्षिप्त 10) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन।
9. सब्जेक्टिव कॉग्निटिव डिक्लाइन वाले रोगियों में ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन की व्यापकता।
10. डबल्यूएचओ आईसीओपीइ दृष्टिकोण की व्यवहार्यता और डबल्यूएचओ आईसीओपीइ आधारित व्यक्तिगत उपचार योजना के प्रभाव का आकलन करने के लिए संभावित अध्ययन, डबल्यूएचओ 5 कल्याण सूचकांक द्वारा 6 माह हेतु प्रदान किया गया।

प्रकाशन:

पत्रिकाएँ: **19**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल प्रकाशन	**20**	**24**	**21**
• पत्रिकाओं में लेख	18	21	19
• सार	00	00	00
• पुस्तकों में अध्याय	02	03	00
• पुस्तकें	00	00	00

रोगी उपचार

विभाग द्वारा दैनिक ओपीडी और सप्ताह में एक बार दिन में स्मृति नैदानिक सेवाएं प्रदान की जा रहीं हैं। वर्ष के दौरान, ओपीडी में रोगियों को कुल 34,182 (7,864 नए और 26,318 पुनः आए) परामर्श प्रदान किए गए। पिछले वर्ष स्मृति क्लिनिक में संज्ञानात्मक हानि हेतु 347 (197 नए और 150 पुनः आए) रोगियों का मूल्यांकन किया गया था। विभाग की डे केयर सेवा से 11,589 रोगियों को फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं। जराचिकित्सा वार्ड में वर्ष के दौरान 556 रोगियों को भर्ती किया गया। विभाग के अंतर्गत निजी एवं परिधीय वार्डों में भर्ती रोगियों की संख्या क्रमशः 234 एवं 152 थी।

पिछले 3 वर्षो में रोगी उपचार

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल ओपीडी परामर्श	11,922	20,986	34,182
कुल नैदनिक परामर्श	137	192	347
रोगियों को प्रदान की गईं कुल पुनर्वास सेवाएँ	4,963	7,826	11,589
कुल भर्ती रोगी	654	399	1,521

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. प्रसून चटर्जी डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में यूएन डेकेड ऑफ हेल्दी ऐजिंग (2021-2023) के माप, निगरानी एवं मूल्यांकन हेतु तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्य हैं।

9.16 रुधिर विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम महापात्रा

आचार्य

एम महापात्रा | एस त्यागी

सहायक आचार्य

ऋषि धवन	जस्मिता दास	मुकुल अग्रवाल
गणेश कुमार वी	प्रदीप कुमार	ऋचा चौहान

वैज्ञानिक - II

सुमन लता

वैज्ञानिक -I

रवि रंजन रवि कुमार

विशिष्टताएं

- रूधिर विज्ञान विभाग एक समग्र विभाग है जो संस्थान को **नैदानिक रूधिर विज्ञानी** एवं **रूधिर विकृति विज्ञानी** दोनों सेवाएं प्रदान करता है।
  - **क्लिनिकल हेमेटोलॉजी** सेवाओं में हल्के एवं घातक हेमेटोलॉजिकल बीमारियों वाले रोगियों के लिए व्यापक उपचार शामिल है। विभाग इन रोगों के रोगियों के लिए विशेष बाह्य रोगी क्लीनिक चलाता है। विभाग अप्लास्टिक एनीमिया, थैलेसीमिया, मायलोमा, लिम्फोमा, ल्यूकेमिया और मायलोइड्सप्लास्टिक सिंड्रोम जैसे विभिन्न हल्के एवं हेमटोलॉजिकल रोगों के लिए हैप्लोआइडेंटिकल डोनर एचसीटी सहित ऑटोलॉगस और एलोजेनिक हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण (एचसीटी) कर रहा है।
  - **रूधिर विकृति विज्ञानी** रक्त तथा अस्थि मज्जा रोगों का अत्याधुनिक मूल्यांकन प्रदान करती है। विभाग द्वारा दी जाने वाली विशेषज्ञ हेमेटोपैथोलॉजी सेवाओं में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और साइटोकैमिस्ट्री फ़्लो साइटॉमेट्री; आणविक निदान; विशेष लाइटिक एवं कोगुलेशन परीक्षण सहित अस्थि मज्जा जांच शामिल है।
- रूधिर विज्ञान विभाग द्वारा संचालित हेमोग्राम के लिए आईएसएचटीएम-एम्स बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन कार्यक्रम को एनएबीएल द्वारा पीटी प्रदाता के रूप में अगले दो वर्षों के लिए मान्यता दी गई थी।
- रूधिर विज्ञान विभाग इंस्टीट्यूट ऑफ एक्सपेरिमेंटल हेमेटोलॉजी एंड ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, यूनिवर्सिटी क्लिनिक बॉन के सहयोग से इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ हेमोस्टेसिस एंड थ्रोम्बोसिस के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र बना रहा।

शिक्षा

- विभाग हेमेटोलॉजी के क्षेत्र में **डीएम (क्लिनिकल हेमेटोलॉजी), डीएम (हेमेटोपैथोलॉजी)** तथा **पीएचडी कार्यक्रम** आयोजित करता है। शैक्षणिक कार्यक्रम में नियमित सेमिनार, संगोष्ठी, सूक्ष्म-शिक्षण तथा केस पर चर्चा शामिल है।
- संकाय पैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी एवं मेडिसिन के विषयों में एमबीबीएस छात्रों के लिए सिद्धांत और व्यावहारिक कक्षाओं में शामिल है। एमडी (पैथोलॉजी) के छात्रों को हेमेटोलॉजी प्रयोगशाला में प्रशिक्षित किया जाता है। एमडी (बाल रोग), एमडी (मेडिसिन), एमडी (जराचिकित्सा चिकित्सा), एमडी (आपातकालीन चिकित्सा) और एमडी (ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन) के साथ-साथ डीएम (बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी) और डीएम (संक्रामक रोग) के छात्र विभाग में प्रशिक्षण और केस पर चर्चा के लिए आते हैं.
- विभाग विजिटिंग डॉक्टरों, स्वास्थ्य उपचार पेशेवरों और एम.एससी. हेमेटोलॉजी के क्षेत्र में रुचि रखने वाले छात्र के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान करता है। ।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- दिनांक 4-5 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली **में "नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट-XII"**।
- दिनांक 3 मार्च 2023 को नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट के भाग के रूप में पांच समानांतर पूर्व-कॉन्फ्रेंस कार्यशालाएं
- दिनांक 3 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में चौथी एम्स हेमेटोलॉजी पूर्व छात्रों की बैठक
- वर्ष 2022-23 में एनएनएचएफ परियोजना के तहत हीमोफिलिया तथा कोगुलेशन विकारों पर सात कार्यशालाएँ

प्रदत्त व्याख्यान: 113

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
78	119	112

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 18

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
22	20	18

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पैरॉक्सिमल नॉक्टर्नल हीमोग्लोबिनुरिया (पीएनएच) के रोगियों में एनएम8074 का फेज ।। ओपन लेबल अध्ययन, डॉ. तूलिका सेठ, नोवेलमेड थेरेप्यूटिक्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 15 लाख रुपये

2. न्यूनतम अवशिष्ट रोग मूल्यांकन के लिए निदान के समय और उपचार के बाद बी-एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में बीसीएल-2 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, डॉ. प्रदीप कुमार, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल, 5 वर्ष, 2020-2024, 10 लाख रुपये
3. टायरोसिन काइनेज इनहिबिटर (टीकेआई थेरेपी) और निःशुल्क उपचार छूट (टीएफआर) के लिए पात्र, क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) रोगियों में बीसीआर-एबीएल1 प्रतिलेख मात्रा के लिए डिजिटल ड्रॉपलेट पोलीमिरेज़ चेन रिएक्शन (डीडी-पीसीआर) और मात्रात्मक वास्तविक समय पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन (क्यूआरटी-पीसीआर) का तुलनात्मक अध्ययन डॉ. गणेश कुमार वी, एम्स प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल, 5 वर्ष, 2020-2024, 10 लाख रुपये
4. सीआरआईएसपीआर ने छोटे रोगियों के समूह में नैदानिक परीक्षणों के लिए सिकल सेल रोग के आनुवंशिक सुधार की मध्यस्थता की, डॉ. ऋषि धवन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, 2022-2027, 6000 लाख रुपये
5. हेमोफिलिया ए एवं बी के इनहिबिटर वाले रोगियों में कॉन्सिज़ुमैब प्रोफिलैक्सिस की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा, डॉ. तूलिका सेठ, नोवोनोर्डिस्क प्राइवेट लिमिटेड 5 वर्ष, 2020-2025, 14 लाख रुपये
6. ट्रिपल नेगेटिव मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म के आणविक आनुवंशिकी की व्याख्या, डॉ. सीमा त्यागी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 69.50 लाख रुपये
7. अधिग्रहीत अप्लास्टिक एनीमिया वाले रोगियों के भारतीय समूह में जीनोम-वाइड एसोसिएशन अध्ययन, डॉ. ऋषि धवन, अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी ग्लोबल रिसर्च अवार्ड 2021, तीन साल, 2022-2025, 112 लाख रुपये
8. हेमेटोपोएटिक कोशिका प्रत्यारोपण करवाने वाले रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा परिवर्तन पर प्रत्यारोपण कंडीशनिंग आहार की तीव्रता का प्रभाव, डॉ. ऋषि धवन, एम्स इंट्राम्यूरल, 5 वर्ष, 2020-2025, 10 लाख रुपये
9. गंभीर हीमोफीलिया में सक्रिय प्लेटलेट्स द्वारा क्लिनिकल फेनोटाइप का शमन, डॉ. एम महापात्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2023, 8 लाख रुपये
10. भारत में राष्ट्रीय रेफरल प्रशिक्षण केंद्रों को सशक्त एवं मानकीकृत करना, डॉ तूलिका सेठ, एनएनएचएफ (वैश्विक एनजीओ), 3 वर्ष, 2020-2023, 454.44 लाख रुपये
11. अक्वार्यड प्लास्टिक एनीमिया के रोगियों में बी-सेल सबसेट तथा एनके सेल सबसेट का अध्ययन, डॉ. जस्मिता दास, एम्स प्रारंभिक करियर इंट्राम्यूरल, 5 साल, 2020-2024, 10 लाख रुपये
12. यह अध्ययन करना कि क्या टिशू फैक्टर पाथवे इनहिबिटर (टीएफपीआई) का स्तर और इसके बहुरूपता मध्यम और गंभीर हीमोफिलिया ए रोगियों में रक्तस्राव की गंभीरता को प्रभावित करते हैं, डॉ. मुकुल अग्रवाल, एम्स प्रारंभिक करियर इंट्राम्यूरल, 5 साल, 2020-2024, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. वासो-ओक्लूसिव पीडा संकट का भार: भारत में सिकल सेल रोग के रोगियों के बीच एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन (बी-वोकल अध्ययन), डॉ तूलिका सेठ, नोवार्टिस, 2021 -2023, 2 लाख रुपये
2. चरण 4, हेमोफिलिया ए भारत में मानक नैदानिक अभ्यास के तहत ऑन-डिमांड या प्रोफिलैक्सिस के रूप में ADVATE प्राप्त करने वाले मरीज़ में बहुकेंद्रीय, संभावित, इंटरवेंशनल, पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, डॉ तूलिका सेठ, टाकेडा, 2021-2023, 2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. नए कोरोनोवायरस निमोनिया (कोविड-19) के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त कोगुलेशन और फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित बहु-केंद्रित अवलोकन अध्ययन
2. एंटीफॉस्फोलिपिड एंटीबॉडी सिंड्रोम (एपीएस) के निदान में सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में एंटी-फॉस्फेटिडिलसेरिन/एंटी-प्रोथ्रोम्बिन आईजीजी एंटीबॉडी का अध्ययन
3. एएलएल रोगियों में मानक मल्टीएजेंट इंडक्शन कीमोथेरेपी में बोर्टेज़ोमिब को सम्मिलित करने से उनकी ईओआई एमआरडी नकारात्मकता दर बढ़ जाती है
4. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा एएमएल में सीडी 9 अभिव्यक्ति का विश्लेषण: पूर्वानुमानित भूमिका, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ सहसंबंध, साइटोजेनेटिक्स एवं उत्परिवर्तन प्रोफ़ाइल।
5. मोनोसाइटोसिस के मामलों में परिधीय रक्त में मल्टीपैरामीटर प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा मोनोसाइट उपसमुच्चय का विश्लेषण
6. गहन कीमोथेरेपी के लिए अनुपयुक्त पूर्व अनुपचारित तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया रोगियों में एचआईडीएसी समेकन के पश्चात एज़ैसिटिडाइन तथा वेनेटोक्लैक्स
7. जीवन की सिकल सेल गुणवत्ता पर बी वोकल अध्ययन
8. तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में केंद्रीय तंत्रिका तंत्र रक्तस्राव तथा घनास्त्रता
9. नव निदान मायलोमा में इम्युनोपेरेसिस की विशेषता और एंटी मायलोमा थेरेपी के संबंध में प्रगति-मुक्त और समग्र अस्तित्व पर इसका प्रभाव
10. शिरापरक थ्रोम्बोएम्बोलिज्म वाले कैंसर रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल, उपचार पैटर्न और जीवन की गुणवत्ता
11. थ्रोम्बोपोइटिन रिसेप्टर एगोनिस्ट की प्रतिक्रिया के साथ अंतर्जात थ्रोम्बोपोइटिन स्तर का सहसंबंध और प्राथमिक आईटीपी वाले वयस्कों में सीरम एलडीएच प्रोफाइल का मूल्यांकन
12. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में मायलोब्लास्ट पर क्रमादेशित मृत्यु-लिगैंड1 (पीडी-एल1)/सीडी274 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन
13. ऐतिहासिक समूह की तुलना में अनुभवहीन गंभीर अप्लास्टिक एनीमिया रोगियों के उपचार में साइक्लोस्पोरिन के साथ एल्ट्रोम्बोपैग की प्रारंभिक शुरुआत के बाद प्रतिक्रिया दर का मूल्यांकन। एक पायलट अध्ययन

14. अप्लास्टिक एनीमिया में इम्यूनोस्प्रेसिव थेरेपी और एल्ट्रोम्बोपैग की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन
15. तीव्र प्रोमाइलोसाइटिक ल्यूकेमिया में बेसोफिल-वंश प्रतिबद्धता मार्कर CD203c की अभिव्यक्ति और प्रसार इंट्रावास्कुलर कोगुलेशन (डीआईसी) प्रोफ़ाइल के साथ इसका सहसंबंध
16. सीएनएस चरण 1 रोग वाले सभी रोगियों में सीएसएफ में ल्यूकेमिक विस्फोटों का फ्लो साइटोमेट्रिक पता लगाना और उनमें मानक इंट्राथेकल मेथोट्रेक्सेट की प्रभावकारिता की निगरानी करना
17. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में सीडी 26+ ल्यूकेमिया स्टेम कोशिकाओं का फ्लो साइटोमेट्री मूल्यांकन
18. अधिग्रहीत अप्लास्टिक एनीमिया वाले भारतीय रोगियों के एक समूह में जीनोम-वाइड एसोसिएशन अध्ययन
19. एएमएल के लिए 7 प्लस 3 प्राप्त करने वाले रोगियों में हृदय संबंधी शिथिलता के माप के रूप में वैश्विक अनुदैर्ध्य स्टेरिंग का पैटर्न
20. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा प्रीकर्सर बी सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में माइलॉयड-व्युत्पन्न दमनकारी कोशिकाओं की पहचान और मात्रा का ठहराव
21. सीमित एंटीबॉडी पैनल का उपयोग करके फ्लो साइटोमेट्री द्वारा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में न्यूनतम अवशिष्ट रोग विश्लेषण
22. सिकल सेल एनीमिया रोगियों के लिए एक संभावित चिकित्सा विकसित करने के लिए माउस मॉडल में स्वस्थ दाता व्युत्पन्न CD34+ हेमटोपोइएटिक स्टेम पूर्वज कोशिकाओं (HSPCs) में ग्लोबिन जीन लोकस के CRISPR-Cas मध्यस्थ जीन संपादन का प्रीक्लिनिकल अध्ययन
23. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया/इवांस सिंड्रोम में सामान्य परिवर्तनशील इम्युनोडेफिशिएंसी और ऑटोइम्यून लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार की व्यापकता और नैदानिक परिणामों पर उनका प्रभाव
24. इडियोपैथिक एरिथ्रोसाइटोसिस के आणविक आधार का अध्ययन
25. बीसीआरएबीएल नकारात्मक मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा जीएटीए 1 प्रोटीन की अभिव्यक्ति का अध्ययन।
26. तीव्र ल्यूकेमिया वाले रोगियों में रक्तस्राव के जोखिम की भविष्यवाणी में थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी की भूमिका का अध्ययन
27. लक्षण भार और जीवन की गुणवत्ता के आकलन के लिए एमपीएन 10 प्रश्नावली की उपयोगिता का आकलन करना तथा मायलोफाइब्रोसिस के रोगियों में उपयोग की जा रही विभिन्न स्कोरिंग प्रणालियों का आकलन करना।
28. ट्रांसफ्यूजन पर निर्भर थैलेसीमिया वाले रोगी में थैलिडोमाइड की प्रतिक्रिया के पूर्वानुमानकर्ताओं का अध्ययन करना

पूर्ण

1. तृतीयक उपचार केंद्र की ओपीडी में आने वाले सीएमएल के पुराने चरण के रोगियों में उपचार-मुक्त छूट के लिए पात्रता का आकलन

2. हीमोग्लोबिनोपैथी के निदान में एचबीसीजेडई और एचपीएलसी की तुलना करना
3. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले पुरुष रोगियों में शुक्राणु मापदंडों और पिट्यूटरी गोनाडल अक्ष पर टायरोसिन कीनेस अवरोधक का प्रभाव
4. हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के लिए उम्मीदवार थैलेसीमिया के प्रमुख रोगियों में क्षणिक इलास्टोग्राफी, एमआरआई टी2* लीवर द्वारा हेपेटिक आयरन सांद्रता, सीरम लीवर फाइब्रोसिस इंडेक्स बनाम लीवर बायोप्सी का मूल्यांकन, एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन
5. बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में फ्लो साइटोमेट्रिक प्लोइडी विश्लेषण
6. सीएमएल में इमैटिनिब खुराक वृद्धि: संकेत, प्रतिक्रियाएं तथा परिणाम
7. फ्लो साइटोमेट्री द्वारा मल्टीपल मायलोमा में इम्यूनोफेनोटाइपिंग और एमआरडी विश्लेषण
8. तृतीयक उपचार केंद्र में मल्टीपल मायलोमा (एमएम) वाले रोगियों के निदान और उपचार में पूरे शरीर की कम खुराक वाली कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डब्ल्यूबी एलडीसीटी) तथा पारंपरिक कंकाल सर्वेक्षण (सीएसएस) के नैदानिक प्रदर्शन की तुलना करना।
9. सीडी 20 पॉजिटिव प्रिकर्सर बी तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के रीटक्सिमेब प्राप्त करने वाले बनाम इंडक्शन थेरेपी सहित रीटक्सिमेब प्राप्त नहीं करने वाले रोगियों में साइड इफेक्ट प्रोफाइल, न्यूनतम अवशिष्ट रोग और प्रारंभिक घटना मुक्त अस्तित्व की तुलना करना।
10. फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम नकारात्मक मायलोप्रोलिफेरेटिव नियोप्लाज्म के निदान और पूर्वानुमान में फ्लो साइटोमेट्री द्वारा असामान्य एच-एमआईसीएल अभिव्यक्ति के साथ परिसंचारी स्टेम कोशिकाओं की गणना की उपयोगिता का मूल्यांकन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एनीमिया एवं मधुमेह मेलीटस के रोगियों की स्क्रीनिंग, वर्गीकरण और नैदानिक प्रोफ़ाइल, कायचिकित्सा, एम्स
2. दुर्लभ विकारों पर आईसीएमआर रजिस्ट्री, आईसीएमआर, दिल्ली
3. एएमएल रोगियों में रिमिशन इंडक्शन के लिए कीमोथेरेपी के साथ वेनेटोक्लैक्स: एक चरण आईबी/।। अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स
4. मेडिकल आईसीयू में सेप्सिस से पीड़ित यांत्रिक रूप से वेंटीलेटिड विटामिन डी की कमी वाले रोगियों में दिन 0 और दिन 14 पर हीमोग्लोबिन के स्तर पर विभिन्न विटामिन डी अनुपूरण प्रथाओं का प्रभाव, मेडिसिन, एम्स
5. एमवाईडी 88 एल265पी अवर्गीकृत परिपक्व छोटे बी सेल लिम्फोइड नियोप्लाज्म के लक्षण वर्णन में उत्परिवर्तन अध्ययन पैथोलॉजी, एम्स
6. ऐच्छिक लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी से गुजरने वाले मध्यम स्प्लेनोमेगाली वाले रोगियों में प्रीऑपरेटिव स्प्लेनिक आर्टरी एम्बोलिज़ेशन (एसएई) के साथ और उसके बिना परिणामों की तुलना करने के लिए एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण सर्जरी, एम्स ।
7. आक्रामक फंगल संक्रमण के निदान के लिए वास्तविक समय पीसीआर, माइक्रोबायोलॉजी, एम्स

पूर्ण

1. उत्तर भारत, कायचिकित्सा, एम्स में तृतीयक उपचार केंद्र में आने वाले हाइपर इओसिनोफिलिया वाले रोगियों की नैदानिक और प्रयोगशाला प्रोफ़ाइल
2. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक अंतर सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग। एम्स और इरास्मस मेडिकल सेंटर रॉटरडैम, नीदरलैंड, क्लिनिकल महामारी विज्ञान एकक, एम्स
3. टाइप-2 मधुमेह के रोगियों में प्रणालीगत सूजन के विकास में प्लेटलेट सक्रियण की भूमिका, एंडोक्रिनोलॉजी, एम्स तथा क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी)
4. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी के उत्तरदाताओं और गैर-उत्तरदाताओं में जीन बहुरूपता और प्रकृति के संबंध की पहचान करना, कार्डियोलॉजी, एम्स
5. डिम्बग्रंथि द्रव्यमान के मूल्यांकन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल: लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट: लिम्फोसाइट अनुपात और सीए 125 की भूमिका का मूल्यांकन करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान, एम्स
6. 3 महीने में नैदानिक परिणाम में सुधार के लिए आयरन की कमी वाले वयस्क सायनोटिक, जन्मजात हृदय रोग के रोगियों में मुखीय आयरन उपचार की तुलना में अंतःशिरा आयरन थेरेपी की प्रभावकारिता, कार्डियोलॉजी, एम्स
7. भारतीय सेटिंग में मल्टीपल प्लेटलेट ट्रांसफ़्यूज़न प्राप्त करने वाले रोगियों में प्लेटलेट अपवर्तकता की व्यापकता और इसके कारणों का आकलन करने के लिए संभावित अवलोकन अध्ययन, ट्रांसफ़्यूज़न मेडिसिन, एम्स
8. ऑटोइम्यून हेमोलिटिक एनीमिया: क्लिनिकल और सीरोलॉजिकल सहसंबंध, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन, एम्स

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ:

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	32	39	14
कुल फंडिंग (लाख)	507 लाख	7974 लाख	6726.94 लाख

प्रकाशन

पत्रिका: 20 **सार: 15** **पुस्तक में अध्याय: 1**

प्रकाशन

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल			
पत्रिका लेख	32	30	20
सार	22	18	15

पुस्तकों में अध्याय	-	-	1
पुस्तकें	-	-	-

रोगी उपचार

क. क्लिनिकल सेवाएं

- **ओपीडी/क्लिनिक प्रति सप्ताह 6 दिन चलते हैं:**

  नए मरीज़: सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को

  क्लीनिक:

1. सोमवार: सीएमएल, हेमाटो-ऑन्कोलॉजी
2. मंगलवार: स्टेम सेल ट्रांसप्लांट क्लिनिक
3. बुधवार: हेमोलिटिक एनीमिया एवं आईटीपी, सीएलपीडी
4. गुरुवार: कोगुलेशन एवं रक्तस्राव क्लिनिक
5. शुक्रवार: अप्लास्टिक एनीमिया, सीएमपीडी क्लिनिक
6. शनिवार: ल्यूकेमिया सर्वाइवर क्लिनिक

- **अंतरंग रोगी उपचार:**

1. आंतरिक रोगी: सी2, सी6, डी6, आपातकालीन वार्ड, निजी वार्ड
2. स्टेम सेल प्रत्यारोपण: प्रति माह 4-6 नए एलोजेनिक प्रत्यारोपण
3. हेमेटोलॉजी डे केयर: प्रक्रियाओं, कीमोथेरेपी और ट्रांसफ्यूजन सेवाओं हेतु

- **2022-23 में कुल रोगी जनगणना**

  नियमित भर्ती- 926

  लघु अवधि भर्ती - 13924

  कुल भर्ती - 14850

हेमेटोलॉजी डे केयर सेंटर (सी2 वार्ड के पास) जनगणना 2022-23

माह	अस्पताल में भर्ती	कीमोथेरेपी	आधान		प्रक्रियाएं			कुल प्रक्रियाएं
			आरबीसी	एसडीपी/पीआरपी/ एफएफपी /कार्यों	अस्थिमज्जा	इंटराथिकल	फेलेबिटॉमी	
अप्रैल 2022	1071	489	327	119	109	45	23	1112
मई 2022	1201	574	353	132	115	36	41	1251
जून 2022	1210	635	345	118	160	42	36	1336
जुलाई 2022	1221	563	345	176	117	44	44	1289
अगस्त 2022	1197	619	348	163	108	32	25	1295
सितंबर 2022	1206	589	339	151	113	63	39	1294
अक्टूबर 2022	1127	450	355	176	109	49	66	1205
नवंबर 2022	1133	472	341	183	96	58	25	1175
दिसंबर 2022	1119	551	359	138	80	50	28	1206

जनवरी 2023	1250	534	341	164	77	53	54	1223
फरवरी 2023	1122	574	322	140	75	47	40	1198
मार्च 2023	1200	617	345	175	80	52	40	1309

- **सामुदायिक सेवा**

विभाग थैलेसीमिया फेडरेशन ऑफ इंडिया और हीमोफीलिया फेडरेशन ऑफ इंडिया की मदद से थैलेसीमिया और हीमोफीलिया जागरूकता के आसपास सक्रिय रहा है।

प्रयोगशाला सेवाएँ

हेमेटोलॉजी विभाग में निम्नलिखित अत्याधुनिक सुविधाएं हैं:

- अस्थि मज्जा एस्पिरेट, अस्थि मज्जा बायोप्सी एवं परिधीय स्मीयर
- इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री
- आणविक आनुवंशिकी
- हेमोलिटिक एनीमिया वर्कअप
- फ़्लो साइटॉमेट्री
- हीमोग्लोबिनोपैथी के लिए केशिका इलेक्ट्रोफोरेसिस
- वंशानुगत एवं अधिग्रहीत रक्तस्राव विकारों के लिए कोगुलेशन कार्य
- प्लेटलेट एग्रीजोमेट्री
- थ्रोम्बोफिलिया वर्कअप
- हीमोफीलिया और हीमोग्लोबिनोपैथी का प्रसवपूर्व निदान

विभिन्न प्रयोगशालाओं की जनगणना (2022-2023)

प्रयोगशाला का नाम	जांच	संख्या	कुल
अस्थि मज्जा बायोप्सी प्रयोगशाला	बायोप्सी (एच एंड ई)	2535	3440
	रेटिकुलिन दाग	805	
	मेसन ट्राइकोम	78	
	कांगो लाल	22	
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला	निष्पादित इम्यूनोस्टेन्स	1063	3760
कोगुलेशन प्रयोगशाला	प्रोथॉम्बिन समय	5693	43860
	आईएनआर	5693	
	सक्रिय आंशिक थ्रोम्बोप्लास्टिन समय	7513	
	हेपरिन निगरानी के लिए एपीटीटी	150	
	थ्रोम्बिन समय	5693	
	फाइब्रिनोजेन	5693	
	प्लेटलेट गणना	-	

	डी-डिमर	4600	
	थक्का घुलनशीलता परीक्षण	500	
	कारक परख (VIII, IX, X, II, V, VII, XI)	400	
	कारक अवरोधक स्क्रीनिंग	345	
	अवरोधक टिटर के लिए बेथेस्डा परख	40	
	प्लेटलेट एग्रीगेशन	480	
	वॉन-विलेब्रांड एंटीजन	380	
	ल्यूपस थक्कारोधी (पीटीटी-एलए, केसीटी एवं डीआरवीवीटी)	1900	
	प्रोटीन सी	500	
	प्रोटीन एस	500	
	सक्रिय प्रोटीन सी प्रतिरोध	400	
	एंटीथ्रोम्बिन	500	
	B_2 ग्लाइकोप्रोटीन	2800	
हेमोलिटिक प्रयोगशाला	एचपीएलसी	5679	10,712
	फेर्रिटिन	857	
	जी6पीडी	781	
	डीसीटी	345	
	ओ एफ टी	211	
	पीएनएच	28	
	मूत्र हेमोसाइडरिन	09	
	क्रायोग्लोबुलिन	11	
	सिकलिंग परीक्षण	39	
	एलएपी स्कोर	11	
	साइटोकैमिस्ट्री	2741	
हेमोग्राम प्रयोगशाला	ओपीडी एवं वार्ड के मरीज	15118	80,313
	हेमेटोलॉजी ओपीडी के मरीज	4403	
	एचडीसीसी, अस्थि मज्जा और हेमोलिटिक लैब के लिए हेमोग्राम	4000+	
	अस्थि मज्जा स्टेनिंग	3300	
	रेटिक गणना	12000+	
	हेमोग्राम पीएस स्टेनिंग	24550+	
	एमबीबीएस कक्षा के लिए स्लाइड स्टेनिंग	1200+	
	हेमेटोलॉजी क्लिनिक	5030	

आणविक निदान प्रयोगशाला	आरटीपीसीआर/आरक्यूपीसीआर	363/1494/658/69	आरटी-363 आरक्यू-1499 जेएके-658 सीएएल आर-69 2589
	हीमोफीलिया का प्रसवपूर्व निदान		
	फैक्टर वी लीडेन		
	एमटीएचएफआर बहुरूपता		
	प्रोथ्रोम्बिन जीन उत्परिवर्तन (पी 20210)		
	α-थैलेसीमिया		
	β-थैलेसीमिया		
	α-ट्रिप्लिकेशन		
फ़्लो साइटोमेट्री	तीव्र ल्यूकेमिया	770	3026
	क्रोनिक लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकार	636	
	पैरॉक्सिस्मल नॉक्टर्नल हीमोग्लोबिनुरिया	1138	
	न्यूनतम अवशिष्ट रोग	287	
	सी डी 34 गणना	851	
	प्लेटलेट विकार	110	

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर एम महापात्रा इंडियन जर्नल ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन (आईजेएचबीटी) के मुख्य संपादक के रूप में हैं; हेमेटोलॉजी पर जीएटीईसी (जीन थेरेपी सलाहकार एवं मूल्यांकन समिति) कार्य समूह के सदस्य; सिकल सेल एनीमिया पर सीएसआईआर मिशन के विशेषज्ञ समूह के सदस्य; "चिकित्सीय उपयोग के लिए उपचार के मानक के रूप में स्टेम सेल का उपयोग" पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य; यूरोपियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी (ईएचए) के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ थ्रोम्बोसिस एंड हेमोस्टेसिस (आईएसटीएच) के अंतर्राष्ट्रीय सदस्य।

प्रोफेसर तूलिका सेठ 2021-वर्तमान में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के पीएचओ चैप्टर के लिए राष्ट्रीय एनटीपीपीएच समन्वयक हैं; ईसी सदस्य आईएएचएडी (इंडियन एकेडमी फॉर हीमोफिलिया एंड अलाइड डिसऑर्डर); पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए सदस्य संस्थान आचार समिति, एम्स, नई दिल्ली; नैदानिक परीक्षणों (एम्स, नई दिल्ली) के लिए प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी में नैतिक समिति की सहायता के लिए सदस्य उपसमिति; सदस्य पुस्तकालय समिति एम्स; दिल्ली स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ (डीएसपीएच) के शासी निकाय सदस्य; राष्ट्रीय परीक्षक बोर्ड (एनबीई) हेमेटोलॉजी के विशेषज्ञ सदस्य; सदस्य राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र और एनीमिया नियंत्रण पर उन्नत अनुसंधान (एनसीईएआर-ए); सदस्य नेशनल कंसोर्टियम फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑन थेरेप्यूटिक्स फॉर थेरेप्यूटिक्स फॉर रेयर डिजीज (एनसीआरडीटीआरडी) - हेमेटोलॉजी विशेषज्ञ समूह; सदस्य जेएनयू स्टेम सेल एथिक्स कमेटी आईसी-एससीआर।

डॉ. मुकुल अग्रवाल राष्ट्रीय एंटी-डोपिंग एजेंसी (एनएडीए), भारत और एंटी-डोपिंग प्रयोगशाला, टोक्यो के साथ एथलीट जैविक पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एबीपीयू) के लिए हेमेटोलॉजी विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे हैं; आईजीआईबी, नई दिल्ली द्वारा जीवीएसीआई पाठ्यक्रम पूर्ण किया; आईसीएमआर-एनआईसी

द्वारा बायोमेडिकल अनुसंधान और स्वास्थ्य अनुसंधान पाठ्यक्रमों की नैतिकता समीक्षा में बुनियादी पाठ्यक्रम पूर्ण किया; एम्स, टीएचएसटीआई, दिल्ली द्वारा आयोजित जीसीपी पाठ्यक्रम पूरा किया; समन्वयक, हीमोफिलिया में डेंटल मास्टरक्लास, 18 अप्रैल 2022, वर्चुअल; अध्यक्ष - हेमेटोलॉजी में अनुक्रमण, पीएचओसीओएन 2022, 20 नवंबर 2022, दिल्ली; चेयरपर्सन - ग्राफ्ट बनाम होस्ट रोग, मैलिग्नेंट ट्रांसप्लांटेशन, बीएमटी मास्टरक्लास, 18 दिसंबर 2022, लखनऊ।

डॉ. ऋषि धवन को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी ग्लोबल रिसर्च अवार्ड 2021-2022 मिला; हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से ग्लोबल क्लिनिकल स्कॉलर्स रिसर्च ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा किया।

डॉ. जस्मिता दास अपडेट इन मायलोमा, रिलैप्स्ड एंड रिफ्रैक्टरी मायलोमा पर पैनल चर्चा, हाइब्रिड कॉन्फ्रेंस - हेमेटोलॉजी अपडेट 2022, 7 मई 2022, नई दिल्ली पर सत्र की अध्यक्ष हैं; लैब स्ट्रीम के अध्यक्ष, हीमोफिलिया और संबद्ध विकारों के लिए एसोसिएशन की दूसरी वार्षिक वैज्ञानिक बैठक - एशिया प्रशांत, 17 सितंबर 2022, वर्चुअल; मौखिक पेपर सत्र के लिए जज, पांचवां हेमेटोलॉजी अपडेट, 22 जनवरी 2023, जोधपुर

अतिथि वैज्ञानिक

1. अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कार्यक्रम: डॉ. कल्पना गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), बेथेस्डा, यूएसए, 7 नवंबर 2023
2. अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कार्यक्रम: डॉ. पंकज क़स्बा, कार्यक्रम निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच), बेथेस्डा, यूएसए, 7 नवंबर 2023
3. अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कार्यक्रम: डॉ. रजत कुमार, अध्यक्ष, कॉम्प्लेक्स मैलिग्नेंट हेमेटोलॉजी, प्रिंसेस मार्गरेट कैंसर सेंटर, कनाडा, 30 दिसंबर 2022 को
4. अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कार्यक्रम: डॉ. संदीप सोनी, क्लिनिकल सह आचार्य, बाल चिकित्सा बीएमटी प्रभाग, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सैन फ्रांसिस्को, यूएसए, 6 मार्च 2023
5. अंतर्राष्ट्रीय वक्ता कार्यक्रम: 15 मार्च 2023 को इटली के कैटेनिया विश्वविद्यालय में हेमेटोलॉजी के सहायक आचार्य डॉ. ग्यूसेप ए. पालुम्बो

पिछले वर्षों से तुलना

विषय	उप-प्रकार	2020-21	2021-22	2022-23
विभाग में पंजीकृत छात्रों/प्रशिक्षुओं की संख्या	डीएम क्लिनिकल हेमेटोलॉजी एवं हेमेटोपैथोलॉजी	25	24	25
मौखिक प्रस्तुतियों और पोस्टरों की संख्या		22	20	18
विभिन्न प्रकार के प्रकाशनों की संख्या		39	31	40

अनुसंधान के लिए प्राप्त निधिकरण की कुल संख्या और राशि	इंट्राम्यूरल और एक्स्ट्राम्यूरल	5,07,00,000	79,74,00,000	67,46,94,357
रोगी उपचार संबंधी गतिविधियों की संख्या	रोगी जनगणना	8367	11182	14850
	विशेष क्लिनिक	10	10	10
	प्रक्रियाएं	7197	11,747	17,780
	प्रयोगशाला जांच	95201	80783	1,47,700
	अन्य गतिविधियाँ- रोगी सेमिनार/कार्यशालाएँ	3	4	4

9.17 अस्पताल प्रशासन

आचार्य एवं अध्यक्ष

सिद्धार्थ सतपथी

चिकित्सा अधीक्षक, मुख्य (15 दिसंबर 2022 तक) और चिकित्सा अधीक्षक,

डॉ. आरपी सेंटर (16.12.2022 से)

डी के शर्मा

अपर आचार्य

संजय आर्य आरती विज निरुपम मदान

अमित लठवाल महेश आर

आचार्य

अनूप डागा एंजिल राजन सिंह परमेश्वर कुमार विजयदीप सिद्धार्थ

सह-आचार्य

अब्दुल हकीम जितेंदर सोढी

सहायक आचार्य

लक्ष्मी तेज वुंदावल्ली	शीतल सिंह	विकास एच	कनिका जैन
अनंत गुप्ता	अरुण वर्मा	राहुल रंजन	नम्रता मक्कड़
खालिद महमूद	चरण राज	मोहम्मद कौसर	निशांत शर्मा

शिक्षा

विभाग, मेडिकल स्नातकों के लिए स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम एमडी (एचए), जिसे पहले एमएचए (अस्पताल प्रशासन में परास्नातक) के नाम से जाना जाता था, चला रहा है। यह पाठ्यक्रम, भारत में पहली बार फरवरी 1966 में शुरू किया गया था और तब से इसे एक विशिष्ट स्नातकोत्तर विषयक्षेत्र के रूप में मान्यता दी गई है। इस पाठ्यक्रम को 13-04-2015 को आयोजित बैठक के दौरान शासी निकाय (जीबी-152/7) द्वारा विधिवत अनुसमर्थित अकादमिक समिति (एसी-113/10) के निर्णय के अनुसार जनवरी 2016 में, एमडी (अस्पताल प्रशासन) में परिवर्तित कर दिया गया था। अस्पताल प्रशासन में रेजीडेंसी कार्यक्रम 'हैंड्स ऑन' प्रशिक्षण पर केंद्रित है, जहां रेजिडेंट प्रशासकों को मुख्य अस्पताल, जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर परिसर के 'प्रशासनिक नियंत्रण कक्ष' में चौबीसों घंटे 'ड्यूटी अधिकारी' के रूप में तैनात किया जाता है और ड्यूटी घंटों के बाद वे, अस्पताल की सभी गतिविधियों का समन्वय करते हैं। यह विभाग, अस्पताल/केंद्रों का मुख्य गतिविधि केंद्र भी है। विभाग में वरिष्ठ रेजिडेंट भी हैं जो प्रशासनिक कार्यों में संकाय सदस्यों की सहायता के लिए मुख्य अस्पताल और विभिन्न केंद्रों में तैनात हैं। वे एम्स में नई परियोजनाओं में भी शामिल हैं।

विभाग ने, अर्धसैनिक बलों और विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों जैसे आईआईसीएम, रांची और अन्य प्रबंधन संस्थानों सहित विभिन्न संगठनों में काम करने वाले डॉक्टरों के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

दीर्घावधि और अल्प-अवधि का प्रशिक्षण:

1. शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर से दो एमडी (एचए) विद्यार्थी
2. दस आईटीबीपी चिकित्सा अधिकारी
3. जामिया मिल्लिया इस्लामिया से एक एमबीए (हेल्थकेयर एंड हॉस्पिटल मैनेजमेंट) विद्यार्थी

क्रमिक चिकित्सा शिक्षा

अनुसंधान

जारी थीसिस/शोध प्रबंध/परियोजनाएँ:

1. महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरणों की रखरखाव रणनीतियों और इसके लागत प्रभावों पर एक अध्ययन
2. दिल्ली में तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के बाल बाह्यरोगी विभाग में एक स्क्रीनिंग उपकरण के रूप में टेलीमेडिसिन की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
3. भारत में प्रत्यायित स्वास्थ्य देखभाल संगठनों के बीच स्वास्थ्य देखभाल की गुणवत्ता और उससे जुड़ी लागत पर प्रत्यायन के कथित प्रभाव का एक खोजपूर्ण अध्ययन
4. तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के आपातकाल के नर्सिंग स्टाफ में संचार के सॉफ्ट कौशल पर इंटरैक्टिव प्रशिक्षण हस्तक्षेप का प्रभाव - एक प्रायोगिक अध्ययन
5. एम्स में अनुसंधान प्रबंधन प्रणालियों के बारे में अतिरिक्त शोध करने वाले प्रधान जांचकर्ताओं की धारणा का आकलन करने के लिए एक गुणवत्ता अध्ययन
6. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल अस्पतालों में गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस (जीईएम) के माध्यम से खरीद प्रथाओं पर एक अध्ययन।
7. एम्स, नई दिल्ली में रोगी केंद्रित देखभाल पर एक अध्ययन
8. भारत के अस्पतालों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग
9. एम्स, नई दिल्ली में खरीद प्रक्रिया में अधिकारियों के बीच ज्ञान, जागरूकता, कौशल प्रथाओं का अध्ययन करना और खरीद के लिए पसंदीदा मॉडल की पहचान करना
10. एम्स के मुख्य अस्पताल के ऑपरेटिंग कक्षों में 4 महीने की अवधि में सर्जिकल उपभोग्य सामग्रियों की खपत पैटर्न का अनुमान लगाने के लिए एक अध्ययन, उनके भंडारण और बफर स्टॉक स्तर को अनुकूलित करने के लिए।
11. नई दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोविड पॉजिटिव, कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगी रिकॉर्ड का तुलनात्मक मेडिकल रिकॉर्ड ऑडिट

12. उत्तर भारत में एक बड़े तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के पीसी और पीएनडीटी लाइसेंस के नवीनीकरण की प्रक्रिया - इसके लिए कैसे योजना बनानी होगी?
13. आपातकालीन विभाग में रोगी प्रवाह को सुव्यवस्थित करने के लिए हस्तक्षेपों के प्रभाव का अध्ययन करना - एक व्यवस्थित समीक्षा
14. जेपीएनएटीसी के रोगियों की स्वास्थ्य साक्षरता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
15. सुरक्षा कार्मिकों की सॉफ्ट स्किल्स
16. सीडीईआर और डॉ बीआर एआईआरसीएच, एम्स में नर्सिंग सेवाओं में साझा पेशेवर भूमिका और जिम्मेदारियों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन: सामाजिक नेटवर्क विश्लेषण
17. कैंसर रोधी दवाओं की लागत पहेली: पूरे भारत में मूल्य निर्धारण भिन्नता पर एक अध्ययन
18. एम्स के विभिन्न अंतरंग रोगी क्षेत्रों में घटना रिपोर्टिंग पर रोगी सुरक्षा घटना रिपोर्टिंग प्रणाली के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक पारंपरिक अध्ययन
19. सीडीईआर और डॉ. डॉ बीआर एआईआरसीएच, एम्स में नर्सिंग सेवाओं में साझा पेशेवर भूमिका और जिम्मेदारियों का आकलन करने के लिए एक अध्ययन: सोशल नेटवर्क विश्लेषण
20. तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोविड पॉजिटिव, कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगियों के स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यमिक आघात, बर्नआउट, कंपेशन फटीग का तुलनात्मक अध्ययन।
21. एम्स, नई दिल्ली में मृत्यु प्रमाणन प्रथाओं की गुणवत्ता का आकलन और गुणवत्ता सुधार समाधानों का परीक्षण
22. चल रहे लेबल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण में उच्च जोखिम वाले फैब्राइल न्यूट्रोपेनिया बाल कैंसर रोगियों में नैदानिक सुधार पर अनुभवजन्य एंटीबायोटिक चिकित्सा को शीघ्र रोकने की लागत-प्रभावशीलता
23. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल शिक्षण अस्पताल के ऑपरिटिंग कक्षों में विद्‌युत सुरक्षा
24. अस्पताल सुरक्षा और आपदा लचीलेपन के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों का क्षमता निर्माण
25. महामारी की तैयारी के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) प्रबंधन सहित संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम
26. एम्स, नई दिल्ली में स्वच्छता और हाउसकीपिंग में शामिल पूरी तरह से वैक्सीनेटिड स्वास्थ्य कर्मियों के बीच क्रमिक कोविड -19 आईजीजी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का आकलन

पूरी की गई थीसिस/निबंध/परियोजनाएँ:

1. एम्स, नई दिल्ली में सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) का आवश्यकता विश्लेषण
2. न्यूरोसाइंस सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में गहन देखभाल की लागत
3. जर्नल न्यूरोक्वांटोलॉजी में अद्‌वितीय विकलांगता पहचान वाले विकलांग व्यक्ति की चुनौतियों और प्रयोग पर एक समीक्षा

4. डिस्क्रीट-इवेंट सिमुलेशन सॉफ्टवेयर डिजिटल हैल्थ का उपयोग करके नई दिल्ली के एक शीर्ष तृतीयक देखभाल अस्पताल में कोविड -19 स्क्रीनिंग और परीक्षण सुविधा के बढ़ते थ्रूपुट का अध्ययन, जनवरी 2021
5. देखभाल की अनुमानित गुणवत्ता पर स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों का प्रभाव
6. एपेक्स इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया में रोबोटिक ट्रैक-आधारित केंद्रीय प्रयोगशाला की खरीद में जीवन चक्र लागत का प्रभाव
7. क्या डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ देखभाल की कथित गुणवत्ता में सुधार करती हैं: प्रौद्योगिकी स्वीकृति मॉडल का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर परिप्रेक्ष्य को समझना
8. तृतीयक देखभाल अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में निरंतर सक्रिय कीटाणुशोधन प्राप्त करने के लिए नैनो-संसेचित सतह कोटिंग की उपयोगिता
9. कोरोना रोगियों के मनोविज्ञान पर विभिन्न रोगी सेटिंग्स में अस्पताल के एकांतवास के प्रभाव का तुलनात्मक विश्लेषण।
10. एम्स अस्पताल, नई दिल्ली में कार्य सहभागिता पर एक अध्ययन
11. आक्रामक फंगल संक्रमण वाले वयस्कों में एंटिफंगल उपचार की पर्याप्तता के लिए ऑडिट
12. बायोल्यूमिनसेंस-आधारित एडेनोसिन ट्राइफॉस्फेट (एटीपी) द्वारा अस्पताल के पर्यावरण की सफाई और कीटाणुशोधन प्रथाओं की निगरानी कोविड-19 के समय में (प्रकाशनाधीन)
13. शिक्षण-अधिगम की हाइब्रिड पद्धति, संचार को बेहतर बनाने में प्रभावी है- नर्सों के लिए संचार कार्यशाला के माध्यम से एक इंटरवेंशनल प्री-पोस्ट सिंगल-आर्म अध्ययन का अनुभव (प्रकाशनाधीन)
14. कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मानव जोखिम को कम करने के लिए फर्श की सफाई में रोबोट की प्रभावशीलता
15. रोगी पर्यावरणीय वायु में माइक्रोबियल प्रसार सहित वायु गुणवत्ता पर वायु गुणवत्ता हस्तक्षेप का प्रभाव

प्रदत्त व्याख्यान: 84

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
26	31	84

प्रस्तुत मौखिक शोध-पत्रों की सूची: 5

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
2	0	5

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

बाहरी परियोजनाएं

1. अस्पताल की सुरक्षा और आपदा से मुकाबले के लिए संरचनात्मक और गैर-संरचनात्मक शमन उपायों में डॉक्टरों और अस्पताल इंजीनियरों का क्षमता निर्माण, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 1,54,00,000 रुपये
2. महामारी की तैयारी के लिए बायोमेडिकल अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) प्रबंधन सहित संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) में स्वास्थ्य कर्मियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, यूएसएआईडी, भारत और जेएचपीआईईजीओ, भारत, 1 वर्ष, 2022-2023, 3,00,00,000 रुपये

संस्थान की परियोजनाएं

1. एम्स, नई दिल्ली में स्वच्छता और हाउसकीपिंग में शामिल पूरी तरह से वैक्सीनेटिड स्वास्थ्य कर्मियों के बीच क्रमिक कोविड -19 आईजीजी एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का आकलन, डॉ अब्दुल हकीम, एम्स आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, 4,50,000 रुपये
2. तृतीयक अस्पताल की गहन देखभाल इकाई में निरंतर सक्रिय कीटाणुशोधन प्राप्त करने के लिए नैनो-संसेचित सतह कोटिंग की उपयोगिता, डॉ. निरुपम मदान, यूनिडो (सामग्री और आपूर्ति का प्रत्यक्ष प्रावधान), 1 वर्ष, 2022-2023

पूर्ण परियोजनाएं

1. कोविड-19 महामारी के मद्देनजर मानव जोखिम को कम करने के लिए फर्श की सफाई में रोबोट की प्रभावशीलता, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, एम्स आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2020-2021, 6,28,580 रुपये
2. रोगी की पर्यावरणीय वायु में माइक्रोबियल लोड सहित वायु गुणवत्ता पर हस्तक्षेप का प्रभाव, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ, एम्स आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2020-2021, 3,46,000 रुपये

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. मृत्यु के अंतर्निहित कारण को प्रमाणित करने और मृत्यु के कारण के आँकड़ों में सुधार के लिए चिकित्सकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए ऑनलाइन पाठ्यक्रम का विकास, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
2. कोविड -19 से प्रभावित मधुमेह ग्रस्त व्यक्तियों के लिए बहु-विषयक शिक्षा और देखभाल मॉडल की प्रभावशीलता का विकास और मूल्यांकन करना: टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी, पल्मोनरी, मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, ऑर्थोपेडिक्स, मनोचिकित्सा, कंप्यूटर केन्द्र

3. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के अंतर्निहित साक्ष्य आधारित हस्तक्षेपों का लागत प्रभावी विश्लेषण: दिल्ली, भारत के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के मरीजों का पूर्वव्यापी अध्ययन", न्यूरोलॉजी
4. उत्तर भारत में तृतीयक आघात इकाई में प्रथम रेस्पोंडेंट्स द्वारा मेडिको-लीगल रिपोर्टिंग में त्रुटियाँ, फोरेंसिक मेडिसिन
5. कोविड-19 से गंभीर रूप से बीमार उम्रदराज वयस्कों की नैदानिक विशेषताएं, जराचिकित्सा मेडिसिन
6. भारत में कोविड-19 में वास्तविक समय अंतर्दृष्टि के लिए उच्च आवृत्ति पैनल, जराचिकित्सा मेडिसिन
7. पीओएसएच अधिनियम, 2013, मनोचिकित्सा के प्रावधानों के संबंध में अस्पताल सेटिंग में महिला और पुरुष डॉक्टरों के बीच स्वीकार्य संचार को मानकीकृत करने के लिए अध्ययन

पूर्ण परियोजनाएं

1. विभिन्न रोगी देखभाल इकाइयों/क्षेत्रों में एंटीबायोटिक दवाएं देने की प्रथाओं और एसिनेटोबैक्टर बाउमानी की जीनोटाइप क्लोनैलिटी की तुलना में रक्त प्रवाह संक्रमणों में पृथक रोगजनकों का रोगाणुरोधी संवेदनशीलता पैटर्न, डॉ. विजयदीप सिद्धार्थ और डॉ. हितेंद्र गौतम, एम्स आंतरिक अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2022, 10,00,000 रुपये।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	3	4	4
कुल वित्तपोषण	9,74,580/- रुपये	1,70,60,000/- रुपये	3,04,60,000/- रुपये

प्रकाशन:

जर्नल: 29 सार: 3 पुस्तक में अध्याय: 15

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
जर्नल आलेख	34	31	29
सार	-	-	3
पुस्तकों में अध्याय/मोनोग्राफ	2	6	15
पुस्तकें	1	2	-

रोगी उपचार :

क) सुविधाएँ:

- क्रियाशील एबीएचए प्रणाली, अनुसंधान परिसर, मरीजों के लिए डाइनिंग हॉल, आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक प्रणाली, एनडीडीटीसी प्रयोगशाला के लिए इम्यून विश्लेषक का प्रापण किया गया और सामुदायिक क्लीनिकों में इंजीनियरिंग परियोजनाएं शुरू कीं गईं
- नेशनल सेंटर फॉर एजिंग (ओपीडी सेवाएं) का सॉफ्ट लॉन्च

- कोविड परीक्षण के पंजीकरण के लिए बिहार और दिल्ली राज्यों के मेडिकल कॉलेजों और प्रयोगशालाओं की मेंटरशिप
- जेपीएनएटीसी-बर्न्स के लिए नए मैनिफोल्ड की योजना और स्थापना, जिसमें इसके लिए सीएसआर फंडिंग की व्यवस्था भी शामिल है
- जेपीएनएटीसी और एनसीए में नए मॉड्यूलर ओटी की योजना और निविदा
- जेपीएनएटीसी की इमरजेंसी को फिर से डिज़ाइन करना और चालू करना
- जेपीएनएटीसी के पुराने वार्डों की मरम्मत एवं नवीनीकरण
- जेपीएनएटीसी में दो आईसीयू (28 बिस्तर) को सुसज्जित करना और चालू करना
- जेपीएनएटीसी में ब्लड बैंक का नवीनीकरण
- बर्न्स की तीसरी मंजिल पर कोविड देखभाल के लिए 31 अतिरिक्त बिस्तरों की व्यवस्था और रखरखाव
- कोविड के दौरान बर्न्स ब्लॉक को तकनीकी और सहायक मदद
- जेपीएनएटीसी में ब्लड बैंक के नवीनीकरण का कार्य पूरा हो रहा है, जो वर्तमान में प्रक्रिया में है
- बाल कोविड मामलों के लिए आईसीयू का प्रावधान, साथ ही बाल चिकित्सा एअरवे और कोविड प्रबंधन में जनशक्ति का प्रशिक्षण
- सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) के लिए आईसीएमआर द्वारा स्वीकृत बायो-नेस्ट परियोजना के तहत नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की नौवीं मंजिल पर बायो-इनक्यूबेटर की स्थापना को सुगम बनाना (प्रक्रिया में)
- नेशनल सेंटर फॉर एजिंग की आठवीं मंजिल पर सेंट्रल क्लिनिकल रिसर्च यूनिट की स्थापना
- सेंटर फॉर एजिंग की नौवीं मंजिल पर सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी के लिए एक राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना (प्रक्रिया में)
- न्यू आरएके ओपीडी में पंजीकरण एवं भीड़ प्रबंधन में बदलाव
- न्यू आरएके ओपीडी में बाह्य रोगियों के लिए टोकन प्रबंधन प्रणाली की शुरुआत
- एबीडीएम के तहत एबीएचए आईडी के निर्माण में क्रमिक वृद्धि (90,000 से 3,00,000 तक)

ख) सामुदायिक सेवाएँ/शिविर, आदि।

- न्यू आरएके ओपीडी में स्वास्थ्य शैक्षिक सामग्री का निर्माण एवं प्रदर्शन
- कार्यस्थल व्यवहार और पीओएसएच अधिनियम में स्नातक विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी जागरूकता और इंटरैक्टिव सत्र- जनवरी 2023

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ:

आचार्य सिद्धार्थ सत्पथी को निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा एम्स के प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रीय अस्पताल और स्वास्थ्यचर्या प्रदाता प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएच) के सदस्य के रूप में नामित किया गया; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एबी-पीएमजेएवाई के तहत सूचीबद्ध अस्पतालों की गुणवत्ता निगरानी के लिए गुणवत्ता संचालन समिति के सदस्य के रूप में नामित; 7 जुलाई 2022 को अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम, विश्व बैंक और यूएसएआईडी द्वारा बहुउपयोगी

स्वास्थ्य देखभाल वस्त्रों के पुन: प्रसंस्करण के लिए दिशानिर्देशों/मानकों पर आयोजित गोलमेज बैठक में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया। इसे बाद में बीआईएस द्वारा अपने हाथ में ले लिया गया; एमएचडी अनुभागीय समिति-चिकित्सा उपकरण और अस्पताल योजना समिति के तत्वावधान में पीपीई पर बीआईएस मानकों के विकास और अस्पताल वस्त्रों के पुन: प्रसंस्करण में योगदान दिया; 17-18 जून 2022 को महात्मा गांधी मेडिकल कॉलेज, हैदराबाद में बीएमडब्ल्यू पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान बीएमडब्ल्यू और जलवायु परिवर्तन पर सत्र की अध्यक्षता की; वार्षिक आम सभा (एजीबीएम) के दौरान 13 अगस्त 2022 को अस्पताल प्रशासन अकादमी, नोएडा द्वारा विभाग को उत्तम अस्पताल प्रशासन विभाग के लिए "मैक-गिबोनी इंस्टीट्यूशनल अवार्ड" से सम्मानित किया गया; 13 अगस्त 2022 को एजीबीएम के दौरान एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन, नोएडा द्वारा "विवेकानंद- ग्रेट कम्प्यूनिकेटर अवार्ड" से सम्मानित किया गया; 2021 और 2022 संकाय सदस्य विज्ञापनों के लिए एम्स नई दिल्ली के अलावा एम्स जम्मू (26 जुलाई 2022), एम्स रायपुर (4 अगस्त 2022 पूर्वाह्न), एनईआईजीएचआरआईएमएस, शिलांग (4 अगस्त 2022 अपराह्न); टीआईएसएस मुंबई (11 नवंबर 2022); एम्स गोरखपुर (10 फरवरी 2023) और एम्स पटना (17 फरवरी 2023) में सहायक आचार्य, अस्पताल प्रशासन के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया; प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण समिति (एनएटीकॉम) में सदस्य के रूप में नामित किया गया; 13 जुलाई 2022 को एनएचए द्वारा एचपीक्यूए चर्चा पर ऑनलाइन "वॉल्यूम आधारित देखभाल से मूल्य आधारित देखभाल तक" विषय पर आयोजित हितधारकों के सम्मेलन में भाग लिया; आगे के विकास कार्यों के लिए आर्किटेक्ट की शॉर्टलिस्टिंग के लिए नेशनल ब्रेन रिसर्च इंस्टीट्यूट (एनबीआरआई) की बिल्डिंग कमेटी के सदस्य के रूप में योगदान दिया; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनिवार्य बनाए गए शैक्षणिक और अनुसंधान सुधार के लिए आईआईएचएमआर विश्वविद्यालय की अकादमिक संपरीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में कार्य जारी रखा; जेएएचए की संपादकीय समिति के सलाहकार और एनएमजेआई, डब्ल्यूएचओ-एसईएजेपीएच, आईजेसीएम आदि के समीक्षक के रूप में भी उन्होंने काम करना जारी रखा।

आचार्य महेश आर एम्स, नई दिल्ली में अनुकंपा नियुक्ति के लिए पात्रता के मामलों के मूल्यांकन संबंधी उप-समिति के अध्यक्ष रहे; ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों और नैदानिक प्रतिष्ठानों पर हमले के खिलाफ केंद्रीय कानून के गुण-दोष की जांच करने वाली समिति के सदस्य रहे; सदस्य सचिव, मेमो संख्या एफ.20-5/2020- स्था.I (समिति) द्वारा गठित फायर ऑडिट टीम; चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, फिक्की और एसईपीसी वित्त सेवा विभाग के हिस्से के रूप में मेडिकल वैल्यू यात्रा के तकनीकी विशेषज्ञ; चिकित्सा उपकरण एवं अस्पताल योजना प्रभाग परिषद (एमएचडीसी), भारतीय मानक ब्यूरो के सदस्य; समिति के सदस्य के रूप में रोग निवारण प्रकोप प्रतिक्रिया सेल (डीपीओआरसी), एम्स, नई दिल्ली की विभिन्न स्वच्छ अभियान गतिविधियों में शामिल; राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के लिए नोडल अधिकारी, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; तकनीकी विशेषज्ञ, चैंपियन सेवा क्षेत्र योजना, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, फिक्की और एसईपीसी वित्त सेवा विभाग के हिस्से के रूप में मेडिकल वैल्यू यात्रा के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।

डॉ. अनूप डागा ने कार्यकारी संपादक, जर्नल ऑफ एकेडमी ऑफ हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन (जेएएचए), नोएडा, भारत का कार्यभार संभाला; वे सदस्य, संपादकीय बोर्ड, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च फाउंडेशन ऑफ़ हॉस्पिटल एंड हेल्थकेयर एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेआरएफएचएचए), नई दिल्ली, भारत रहे; सदस्य, तकनीकी कपड़ा समिति (मेडिकल और सर्जिकल टेक्सटाइल सहित), भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली, भारत; सदस्य, सेवा क्षेत्र प्रभाग परिषद, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली, भारत।

डॉ. एंजेल राजन सिंह को इज़राइल में 13-24 जून तक "संकट के समय में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंधन" पर प्रशिक्षण के लिए एमएएसएचएवी द्वारा स्कॉलरशिप मिली; वे एनएबीएच की तकनीकी समिति के मनोनीत सदस्य हैं; एबीडीएम हैल्थ सॉल्यूशंस के सत्यापन के लिए तकनीकी समिति के नामांकित सदस्य हैं।

डॉ विजयदीप सिद्धार्थ अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ हैं: उन्होंने यूएसएआईडी स्वास्थ्य सेवा गुणवत्ता त्वरक (एचएसक्यूए) और विश्व स्वास्थ्य संगठन, ईएमआरओ क्षेत्र के सहयोग से जॉर्डन देश के स्वास्थ्य मंत्रालय और रॉयल मेडिकल सर्विसेज के अस्पताल निदेशकों के लिए अक्टूबर 2022 में मानव संसाधन प्रबंधन पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता विकास मॉड्यूल की समीक्षा का आयोजन किया; स्रोत संकाय सदस्य: (ए) आईआईएम, जम्मू: आईआईएम जम्मू में बैच 2022-23 के टर्म I एमबीए (एचए एंड एचएम) विद्यार्थियों को "भारत में अस्पताल और स्वास्थ्य सेवा" पाठ्यक्रम पढ़ाने के लिए (बी) कोल इंडिया लिमिटेड: भारतीय कोयला प्रबंधन संस्थान, रांची में कोल इंडिया लिमिटेड के चिकित्सा पेशेवरों के लिए अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन करने के लिए (सी) इग्नू स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज के लिए अस्पताल और स्वास्थ्य प्रबंधन (पीजीडीएचएचएम) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम के पाठ्यक्रम मॉड्यूल को संशोधित करने के लिए (डी) राज्य सम्मेलन चिकित्सा अधीक्षक, शिलांग, मेघालय (ई) ताज पैलेस, दिल्ली में अपोलो अस्पताल द्वारा आयोजित 9वें अंतर्राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा सम्मेलन 2023 में "रोगी की सुरक्षा बढ़ाने के लिए आईसीयू से परे रोगी की निगरानी का डिजिटलीकरण" पर गोलमेज चर्चा और (एफ) एम्स, नई दिल्ली में नए शामिल हुए रेजिडेंट्स के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम। वे परीक्षक हैं : (ए) पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एमडी अस्पताल प्रशासन के लिए थीसिस समीक्षा के लिए और (बी) श्री धर्मस्थल मंजुनाथेश्वर विश्वविद्यालय, धारवाड़ में एमडी अस्पताल प्रशासन के लिए थीसिस समीक्षा के लिए। भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य नीति, श्री विशाल चौहान की अध्यक्षता में महामारी की तैयारी के लिए संक्रमण नियंत्रण और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की पहली बैठक बुलाई गई; भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य नीति, श्री विशाल चौहान की अध्यक्षता में महामारी की तैयारी के लिए संक्रमण नियंत्रण और बायोमेडिकल अपशिष्ट प्रबंधन पर राष्ट्रीय विशेषज्ञ सलाहकार समूह की दूसरी बैठक बुलाई गई; बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में स्वास्थ्यचर्या सुविधाओं के प्रत्यायन के लिए 5वें संस्करण एनएबीएच मानकों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रम का आयोजन किया; स्वास्थ्य देखभाल संगठनों में गुणवत्ता और लागत पर प्रत्यायन के प्रभाव पर केंद्रित समूह चर्चा आयोजित की; एम्स नई दिल्ली में प्राइवेट वार्ड III ब्लॉक की शुरुआत की; वे, एम्स में लिंग पुष्टि क्लिनिक की स्थापना के लिए

समिति के सदस्य सचिव रहे; निदेशक, एम्स के नेतृत्व में बेस अस्पताल, कोटद्वार, उत्तराखंड का दौरा करने वाली विशेषज्ञ समिति के सदस्य; एमसीएच ब्लॉक के लिए इंफोसिस फाउंडेशन की ओर से कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के तहत 108 करोड़ रुपये की मशीनरी और उपकरण दान का समन्वय; विभिन्न वस्तुओं/सेवाओं की खरीद के लिए मुख्य अस्पताल और संस्थान स्तर पर कई समितियों के अध्यक्ष, सदस्य सचिव और सदस्य; एम्स नई दिल्ली में फेफड़े के प्रत्यारोपण कार्यक्रम के सदस्य सचिव; जूरी सदस्य (ए) एम्स अस्पताल में 1 से 15 अप्रैल 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए और (बी) अंग तथा ऊतक दान को बढ़ावा देने के लिए अंग दान पर ओआरबीओ द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए; दिल्ली सरकार के लिए काया कल्प कार्यक्रम के तहत बाहरी मूल्यांकनकर्ता: (ए) 16-17 फरवरी 2023 तक काया कल्प योजना के तहत पंडित मदन मोहन मालवीय अस्पताल का बाहरी मूल्यांकन और (बी) 19-21 दिसंबर 2022 तक पीयूएचसी का बाहरी मूल्यांकन। एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग में तकनीकी विशिष्टताओं को अंतिम रूप देने के बाह्य विशेषज्ञ।

डॉ. जितेंद्र सोढी राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के अस्पताल प्रशासन सहित स्वास्थ्य प्रशासन में विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य रहे; एम्स, नई दिल्ली की वार्षिक रिपोर्ट संकलन समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में नए शामिल हुए रेजिडेंट्स के लिए प्रेरण प्रशिक्षण कार्यक्रम में संसाधन संकाय के रूप में योगदान दिया; विभाग शैक्षणिक समिति के सदस्य सचिव; एम्स, नई दिल्ली की दुर्लभ रोग समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों की अनुसंधान रुचि संबंधी निर्देशिका तैयार करने में योगदान दिया; डीओपीटी द्वारा एम्स, नई दिल्ली के लिए चिह्नित यूपीएससी सिविल सेवा अभ्यर्थियों के विकलांगता मूल्यांकन बोर्डों के समन्वय में बड़े पैमाने पर योगदान दिया; अदालती मामलों के प्रभारी अधिकारी की हैसियत से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में बच्चों की दुर्लभ बीमारियों के मामले में सूचीबद्ध समूह याचिकाओं के लिए अस्पताल की ओर से उत्तर तैयार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया; फ़ाइल पर प्रस्तुत कर्मचारियों की छुट्टी के मामलों और अनुशासनात्मक कार्यवाही से संबंधित प्रशासनिक प्रस्तावों की गुणवत्ता में बदलाव लाने में अस्पताल स्थापना के संकाय प्रभारी के रूप में योगदान दिया; मुख्य अस्पताल से संबंधित अदालती मामलों की एक डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण में योगदान दिया; पोर्टेबल अग्निशामक यंत्रों और बचाव-निकासी विधियों के उपयोग पर कर्मचारियों के आवधिक प्रशिक्षण - मुख्य ओटी और एबी-8 आईसीयू में आग की रोकथाम और सुरक्षा पहलुओं में लगातार योगदान दिया; मुख्य ओटी और एबी-8 आईसीयू के अस्पताल और स्वच्छता परिचारकों के प्रशिक्षण में स्रोत संकाय के रूप में योगदान दिया।

डॉ. अब्दुल हकीम ने संस्थान के काया कल्प आकलन के संचालन का समन्वय किया और उसे सुगम बनाया तथा एम्स ने केंद्र सरकार के तृतीयक देखभाल अस्पतालों के समूह ए में काया कल्प कार्यक्रम में प्रथम पुरस्कार (2021-22) जीता; नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड रेस्पिरेटरी डिजीज, नई दिल्ली में काया कल्प सहकर्मी आकलन आयोजित किया गया; स्वच्छता टीम एम्स के संकाय प्रभारी के रूप में, एम्स में स्वच्छता में समग्र सुधार के लिए संस्थान भर में स्वच्छता राउंड आयोजित किए; संस्थान में सभी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए नियमित अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण सत्र और अग्नि सुरक्षा अभ्यास की व्यवस्था की; कॉविड-19 स्व-परीक्षण किटों के निपटान के लिए

दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने के लिए सीपीसीबी द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति के सदस्य रहे; राष्ट्रीय मेडिकल वैल्यू यात्रा सेवा समिति के सदस्य; एम्स बिलासपुर की एमजीपीएस समिति के बाहरी विशेषज्ञ रहे; हमदर्द इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एचआईएमएसआर) में गुणवत्ता प्रबंधक की नियुक्ति के लिए चयन समिति के सदस्य; केंद्र सरकार के अस्पतालों/संस्थानों में 1-15 अप्रैल 2022 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाए जाने के निर्देशों के अनुपालन के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार संस्थान भर में स्वच्छता पखवाड़ा गतिविधियों का आयोजन किया गया।

डॉ अनंत गुप्ता को डीएमए विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया; जेपीएनएटीसी में एनएबीएच 5वें संस्करण की दो प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की गईं; डॉ. गुप्ता, संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी रहे; जेपीएनएटीसी के एसपीसी के सदस्य; मुख्य अस्पताल के एसपीसी के सदस्य रहे; आईआईएम जम्मू के लिए अतिथि व्याख्यान के माध्यम से योगदान दिया; संस्थान के साथ-साथ जेपीएनएटीसी की विभिन्न परियोजनाओं जैसे सीबीआरएन सुविधा, मॉड्यूलर ओटी, हाइब्रिड ओटी, सीएपीएफआईएमएस, क्रिटिकल केयर ब्लॉक, एनएबीएच आदि में योगदान दिया। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान अस्पताल योजना के ज्ञान के अनुप्रयोग के माध्यम से संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक की दिशा में है। उक्त ब्लॉक को डिजाइन करने और इसे एक मॉडल ब्लॉक बनाने की योजना बनाई जा रही है। उनका दूसरा योगदान जेपीएनएटीसी के लिए एनएबीएच समन्वयक के रूप में है, जिसने मरीजों को गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में पहला कदम उठाया है; जेपीएनएटीसी में स्थान आवंटन समिति के सदस्य रहे। आईसीयू, इमरजेंसी के लिए स्थान आबंटित किया। टीसी3ए आईसीयू का संचालन; मॉड्यूलर ओटी प्रोजेक्ट में शामिल रहे जो पूरा होने वाला है; निर्माण से लेकर एसएफसी एजेंडा तक हाइब्रिड ओटी प्रोजेक्ट (47 करोड़) में शामिल रहे। वर्तमान में निविदा चरण में; डॉ. एंजेल के साथ एम्स नई दिल्ली द्वारा सीएपीएफआईएमएस मेडिकल कॉलेज के अधिग्रहण के लिए मसौदा रिपोर्ट; जेपीएनएटीसी में सीबीआरएन सुविधा की आयोजना और डिजाइनिंग। साइट और व्यवहार्यता रिपोर्ट निर्माण; ओपीडी कक्षों की संख्या बढ़ाने के लिए जेपीएनएटीसी में ओपीडी की योजना और डिजाइनिंग; आपदा बिस्तरों के रूप में उपयोग किए जाने वाले 5-बेड वाले आईसीयू की योजना और डिजाइन तथा संचालन; बिलिंग अनुभाग को मुख्य अस्पताल के पास किसी स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए स्थान की योजना बनाना; एनएबीएच प्रवेश स्तर के समन्वयक। प्रवेश स्तर एनएबीएच के लिए आवेदन दाखिल। 10 से अधिक मैनुअल और विभिन्न प्रक्रियाएं तैयार कीं; एनएबीएच और एनएबीएल के लिए एम्स की मदद हेतु एजेंसी नियुक्त करने की निविदा में शामिल; वेक्टर बोर्न रोगों की रोकथाम के लिए जेपीएनएटीसी में नोडल व्यक्ति; गुड सेमेरिटन योजना के कार्यान्वयन में सदस्य; त्वरित प्रतिक्रिया टीम के सदस्य; सुचारू रेफरल के लिए दिल्ली के अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षकों के साथ एम्स निदेशक की बैठक की योजना और संचालन; संक्षिप्त अवधि के लिए मुख्य अस्पताल में आपातकालीन विभाग और परिवहन के प्रभारी अधिकारी; जांच समितियों में शामिल; जेपीएनएटीसी में मेडिकल रिकॉर्ड समिति के सदस्य, एम्स के विभागों की उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए निदेशक एम्स के लिए ड्राफ्ट केपीआई का निर्माण; विभाग शैक्षणिक समिति के सदस्य; संबंधित कंप्यूटर सुविधा के समन्वय से

मुख्य अस्पताल और जेपीएनएटीसी की इमर्जेंसी के लिए डैशबोर्ड का निर्माण; संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी रहे।

डॉ नम्रता मक्कड़ ने 28 फरवरी 2023 को जेएलएन ऑडिटोरियम, एम्स में अनुसंधान और रोगी प्रबंधन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका, 2023 पर कार्यशाला में भाग लिया; वे आईसीसीएसएचडब्ल्यू की सदस्य हैं।

डॉ. मोहम्मद कौसर वैज्ञानिक पत्रिकाओं के समीक्षक हैं।

9.18 प्रयोगशाला चिकित्सा

अपर आचार्य एवं प्रमुख

सुदीप कुमार दत्ता

आचार्य

पूर्वा माथुर | अरुलसेल्वी एस

अपर आचार्य

श्याम प्रकाश

सहायक आचार्य

सुनीता मीणा	तुषार सहगल	अशोक कुमार अहिरवार
रोजलीन दास	तपस्या प्रीति मुखोपाध्याय	अपर्णा एन

विशिष्टताएं

विभाग संस्थान में डायग्नोस्टिक का आधार बिंदु है जो पूरे संस्थान को नैदानिक जैव रसायन, हेमेटोलॉजी और कोगुलेशन, माइक्रोबायोलॉजी और नैदानिक पैथोलॉजी के क्षेत्रों में सेवाएं प्रदान करता है। यह विभाग संस्थान में चिकित्सकों और रोगियों को समग्र नैदानिक सहायता प्रदान करने के लिए नवीनतम अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके विभिन्न नैदानिक क्षेत्रों के एकीकरण का एक आदर्श उदाहरण है। विभाग वर्तमान में दो अलग-अलग स्थानों (मुख्य अस्पताल भवन, दूसरी मंजिल और स्मार्ट लैब, न्यू आरएके ओपीडी) से अपनी सेवाएं 24x7 चलाता है और वर्तमान वर्ष में प्रति दिन लगभग 62,000 - 65,000 परीक्षण करता है। मुख्य अस्पताल प्रयोगशाला (ड्राई केमिस्ट्री ऑटोमेशन एंड हेमेटोलॉजी) आईपीडी और आपातकालीन विभाग के रोगियों के लिए न्यूनतम बदलाव समय के साथ प्रयोगशाला मापदंडों (जैव रसायन, इम्यूनोएसेज़, सीबीसी, शरीर के तरल पदार्थों सहित जमावट) की एक विस्तारित सूची की सेवाएं प्रदान करती है। सभी विभागीय प्रयोगशालाओं में जैव रसायन, इम्यूनोएसेज़, हेमेटोलॉजी, कोगुलेशन, सीरोलॉजी और वायरल लोड परीक्षण के लिए बाहरी गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम हैं।

अक्टूबर के महीने में, संस्थान को साइबर हमले का सामना करना पड़ा, जिससे अस्पताल की सूचना प्रणाली गंभीर रूप से प्रभावित हुई। उस अवधि के दौरान भी नैदानिक सेवाओं को मैनुअल मोड का उपयोग करके चलाया गया था। रोगी पंजीकरण, परीक्षण प्रोग्रामिंग, रिपोर्ट प्रविष्टि और वितरण सभी लगभग एक महीने की अवधि के लिए मैनुअल मोड के माध्यम से पूरी तरह से सफलतापूर्वक किए गए। विभागीय कर्मचारियों, रेसीडेंट्स और संकाय सदस्यों ने इस अवधि के दौरान परीक्षण रिपोर्टों का समय पर प्रेषण सुनिश्चित करने के लिए अथक परिश्रम किया।

ओपीडी संग्रह केंद्र (कमरा नं. 27-28, पुराने आरएके ओपीडी और नए आरएके ओपीडी के पास) सुबह 8:00 बजे से शाम 6:30 बजे तक संचालित होता है। इस वर्ष, विभाग ने अपनी संग्रह और परीक्षण सुविधा का विस्तार नेशनल सेंटर एजिंग, एम्स के अलावा मदर एंड चाइल्ड और आसपास के मस्जिद मोठ क्षेत्र में सर्जिकल ब्लॉकों में किया है। विभाग ने कोविड रोगियों को नैदानिक सहायता भी प्रदान की थी और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

विभाग एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) और पीएचडी कार्यक्रमों की पेशकश करना जारी रखा है, जिसमें दो उम्मीदवारों को एमडी और एक पीएचडी डिग्री प्रदान की जाती है। पाँच उम्मीदवारों ने विभाग में अल्पकालिक प्रशिक्षण पूरा किया। विभाग ने बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा के स्कूली छात्रों के लिए एम्स में नैदानिक सेवाओं का एक लघु दौरे की सुविधा भी उपलब्ध करायी। विभाग ने एसीबीआईकॉन 2022 के दौरान "एंड टू एंड, इंटीग्रेटेड टोटल लेबोरेटरी ऑटोमेशन" पर एक राष्ट्रीय पूर्व-सम्मेलन कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें देश भर के 25 उम्मीदवारों ने भाग लिया।

विभाग के पास वर्तमान में 1 बहु-केंद्रित परियोजना, एक्सट्राम्यूरल और इंट्राम्यूरल फंडिंग एजेंसियों से 09 वित्त-पोषित परियोजनाएं हैं, जिसमें एक वैज्ञानिक सी और दो वैज्ञानिक बी अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं।

शिक्षा

विभाग एमडी प्रयोगशाला चिकित्सा और पीएचडी शिक्षण पाठ्यक्रम प्रदान करता है

1. वर्ष में दो अभ्यर्थियों को एमडी (प्रयोगशाला चिकित्सा) से सम्मानित किया गया और एक अभ्यर्थी को पीएचडी से सम्मानित किया गया
2. स्नातक, स्नातकोत्तर और पैरामेडिकल शिक्षण की शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल हैं:
   - व्याख्यान, संगोष्ठी, आईक्यूसी और ईक्यूएएस चर्चा, जर्नल क्लब सहित एमडी (लैब मेडिसिन) के लिए
   - एलिसा, पीसीआर, रियल-टाइम पीसीआर, जेल इलेक्ट्रोफोरेसिस और एचपीएलसी जैसे उपकरणों के माध्यम से तकनीकों और इंटरैक्टिव चर्चाओं पर व्यापक प्रयोगशाला अभ्यास शुरू किए गए हैं
   - विभाग ने एमडी पैथोलॉजी, एमडी बायोकैमिस्ट्री और एमडी पीडियाट्रिक्स रेजीडेंट्स को प्रशिक्षण सहायता जारी रखी।
   - विभागीय संकाय ने एमबीबीएस (छठे और आठवें सेमेस्टर), बीएससी नर्सिंग (प्रथम वर्ष), एम बायोटेक (प्रथम और द्वितीय वर्ष) के लिए नियमित रूप से आवंटित कक्षाएं/संगोष्ठी की हैं।
3. 8वें सेमेस्टर के छात्रों को स्मार्ट लैब देखने और उन्हें ऑटोमेशन की ओर उन्मुख करने के लिए विभाग को दो घंटे का संगोष्ठी स्लॉट आवंटित किया गया है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 23 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्स ऑफ इंडिया (ACBICON-2022) के 48वें राष्ट्रीय सम्मेलन के साथ "एंड टू एंड, इंटीग्रेटेड टोटल लेबोरेटरी ऑटोमेशन" पर कार्यशाला।
2. नई दिल्ली में राष्ट्रीय चिकित्सा प्रयोगशाला पेशेवर सप्ताह (एनएमएलपीडब्ल्यू-2022) के एक भाग के रूप में 17 जुलाई 2023 को प्रयोगशाला प्रौद्योगिकीविदों का दौरा और अभिविन्यास
3. 21 दिसंबर 2023 को नई दिल्ली में बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा के स्कूली बच्चों के लिए लैब दौरे का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यानः

सुदीप कुमार दत्ता: 6 **श्याम प्रकाश:** 5 **तुषार सहगल:** 8

पिछले 3 **वर्षों में दिए गए व्याख्यान**

2020-2021	2021-2022	2022-2023
8	15	15

प्रस्तुत किए गए मौखिक पेपर/पोस्टर: 23

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुति

2020-2021	2021-2022	2022-2023
11	11	23

अनुसंधान

जारी

1. चरण 3 से 5 पुरानी गुर्दे की बीमारी में कैल्सीट्रियल थेरेपी की प्रभावकारिता पर विटामिन डी रिसेप्टर (वीडीआर) बहुरूपता की भूमिका का मूल्यांकनः एक संभावित डबल-ब्लाइंड अध्ययनः आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, डॉ सुदीप कुमार दत्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु.53,97,494
2. एनएएफएलडी में रोग निदान और पूर्वानुमान के लिए एक सरक्युलेटींग बायोमार्कर के रूप में स्थानांतरण आरएनए व्युत्पन्न छोटे आरएनए की विशेषता और अभिव्यक्ति, डॉ. श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 65,50,000 रुपये
3. मेटाबोलिज़्म से जुड़े वसायुक्त यकृत रोग में माइटोकॉन्ड्रियल शिथिलता के साथ लौह तस्करी जीन रूपों की आणविक अंतःक्रिया, डॉ. श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 3 साल, 2022-2025, रु.55,50,000

4. मोटापे में टी-नियामक कोशिकाओं और प्रोकिनेटिसिन का मोलेक्यूलर समन्वय और गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग और मेटाबोलिक सिंड्रोम में मोटापे से संबंधित सूजन में उनका नैदानिक सहसंबंध, डॉ श्याम प्रकाश, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, 70,00,000 रुपये
5. लूप मीडिएटेड आइसोथर्मल एम्पलीफिकेशन (लैम्प) द्वारा सार्स कोव-2 और कोविड-19 आरएनए का पता लगाने के लिए एक महंगी और तेज नैदानिक विधि, डॉ. श्याम प्रकाश, एम्स, 3 वर्ष, 2020-2023, 10,00,000 रुपये
6. हेपेटाइटिस बी वायरस डीएनए मात्रात्मकता हेतु माइक्रो पीसीआर का त्वरित नैदानिक मूल्यांकन, डॉ. श्याम प्रकाश, बिगटेक बैंगलोर, 6 वर्ष, 2017-2023, 52,00,000 रुपये
7. इंवेसीव एस्परगिलोसिस के संभावित मार्कर के रूप में ट्राइएसिटाइलफ्यूसरीनिन सी, डॉ. सुनीता मीना, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 4,50,000 रुपये
8. पारंपरिक तरीकों की तुलना में आयरन की कमी वाले एनीमिया और β-थैलेसीमिया विशेषता में अंतर करने के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का मूल्यांकन, डॉ तुषार सहगल, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2023, 22,87,766 रुपये
9. अज्ञात मूल के पाइरेक्सिया में सक्रिय न्यूट्रोफिल (एनईयूटी-आरआई, एनईयूटी-जीआई) अपरिपक्व ग्रैनुलोसाइट्स (आईजी) रिएक्टिव लिम्फोसाइट्स (आरई-एलआईएमपी) और टी कोशिका-स्वतंत्र प्लाज्मा कोशिकाओं (एएस-एलआईएमपी) के विस्तारित सूजन मापदंडों का मूल्यांकन और कार्यात्मक इमेजिंग और पारंपरिक सूजन मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, डॉ तुषार सहगल, सिसमैक्स, भारत, 1 वर्ष, 2022-2023, 13,36,500 रुपये

पूर्ण

1. मूत्र के नमूने में माइक्रो-एल्बुमिन के पॉइंट-ऑफ-केयर डायग्नोस्टिक्स के लिए ऑप्टो-इलेक्ट्रॉनिक सेंसर का विकास, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता, एम्स आईएमआरजी आईआईटी-डी के साथ सहयोगात्मक परियोजना 2 साल (6 महीने के लिए विस्तारित), 2020-2022, रु.10,00,000
2. भारतीय आबादी में एंजियोटेंसिन कनवर्टिंग एंजाइम 2 (एसीई2) जीन बहुरूपता के कार्यात्मक प्रभावों का नेक्स्ट-जेन अनुक्रमण आधारित मूल्यांकन और भारतीय कोविड-19 रोगियों में सार्स कोव2 संक्रमण के परिणाम में उनकी भूमिकाः एक पायलट अध्ययन, डॉ. सुदीप कुमार दत्ता , एम्स आईएमआरजी, 2 वर्ष, 2020-2022, रु.9,60,000
3. अंतःस्रावी तंत्र, वीर्य की गुणवत्ता और शुक्राणु प्रोटिओम पर कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभाव, डॉ सुदीप के आर दत्ता, एम्स -आईएमआरजी सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2021-2022, 5,00000 रुपये
4. गैर-आक्रामक लार ग्लूकोज परिमाणीकरण के लिए स्टैंडअलोन मीटर का विकास और सत्यापन, डॉ. श्याम प्रकाश, बीआईआरएसी (डीएसटी), 2 वर्ष, 2021-2022, 10,00,000 रुपये

5. रैपिड नॉन-इनवेसिव प्रोटोटाइप के विकास हेतु लार ग्लूकोज और यूरिया विश्लेषकों के दो संस्करणों का नैदानिक सत्यापन, डॉ श्याम प्रकाश, आईएमआरजी एम्स, 2.6 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये
6. न्यू कोरोनावायरस निमोनिया (कोविड-19) के रोगियों में एआरडीएस के उद्भव में रक्त जमावट और फाइब्रिनोलिसिस की भूमिका पर एक संभावित बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. तुषार सहगल, एम्स, 1 वर्ष, 2019-2020, 10,00,000 रुपये
7. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में एक्यूट ट्रोमा-इंड्यूस्ड कोगुलोपैथी की भविष्यवाणी में तेजी से थ्रोम्बो-इलास्टोग्राफी का मूल्यांकन, डॉ तुषार सहगल, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 4,79,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएं (एमडी/पीएचडी थीसिस/शोध प्रबंध)

जारी

1. सीएपी-53194, पोलो जैसे किनेज-1 का एक नवीन भविष्यसूचक ट्यूमर अवरोधक
2. एट्रोपिन, आइरिसिन, मेटाबोलिक सिंड्रोम में प्रीप्टिन जीन अभिव्यक्ति और टाइप-2 मधुमेह मेलिटस रोगियों का मोलेक्यूलर समन्वय
3. मधुमेह और मेटाबोलिक सिंड्रोम में विकास विभेदन कारक-15 (जीडीएफ-15) और नाइट्रिक ऑक्साइड नियामक जीन के बीच मोलेक्यूलर अभिव्यक्ति और इंटेरेक्शन
4. मेटाबोलिक संबंधी फैटी लिवर रोग में एंडोथेलियल जीएटीए 4 और प्लेटलेट व्युत्पन्न विकास कारक-बी की भूमिका
5. गैर-मादक वसा यकृत रोग और टाइप-2 मधुमेह मेलिटस रोगियों में ग्लूकोज विनियमित प्रोटीन-78 और फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन-4 की भूमिका

पूर्ण

1. अस्पताल सूचना प्रणालियों के इष्टतम उपयोग और आपातकालीन देखभाल सेटिंग्स में इसके प्रभाव पर एक संभावित अध्ययन
2. कोविड-19 के रोगियों में जीआरपी-78, जिंक, आयरन और विटामिन सी के स्तर का सहसंबंध और म्यूकरमाइकोसिस की घटना
3. सीएपी-53194, पोलो जैसे किनेज-1 का एक नवीन भविष्यसूचक ट्यूमर अवरोधक - सहयोगात्मक परियोजनाएँ
4. गुर्दे प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में माइक्रोस्पोरिडिया, माइक्रोस्पोरिडिया और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण भारतीय आबादी में नई लाल रक्त कोशिकाओं और रेटिक्युलोसाइट मापदंडों के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए संदर्भ श्रेणियों का निर्धारण
5. थायरॉइड फंक्शन पर कोविड-19 संक्रमण के तीव्र और दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन
6. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में माइलिन लॉस और ऑलिगोडेंड्रोसाइट पैथोलॉजी का मूल्यांकन

7. माइक्रोस्पोरिडिया। वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में माइक्रोस्पोरिडिया और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण
8. एड्रोपिन, आइरिसिन, मेटाबोलिक सिंड्रोम में प्रीप्टिन जीन अभिव्यक्ति और टाइप-2 मधुमेह मेलिटस रोगियों का मोलेक्यूलर समन्वय
9. माइटोकॉन्ड्रियल डिसफंक्शन में प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन प्रजातियों की मोलेक्यूलर इंटेरेक्शन और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) में एनआरएफ-2 जीन अभिव्यक्तियां
10. एक्स्ट्रा-हेपेटिक बिलीअरी एट्रेसिया वाले शिशुओं के निदान और पूर्वानुमान में सीरम मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज 7 स्तरों की भूमिका जीवित गुर्दे दाताओं में गुर्दे, हृदय और हड्डी खनिज चयापचय में संरचनात्मक और कार्यात्मक अनुकूलनः एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

जारी

1. एक अनुदैर्ध्य, बहुकेंद्रित नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) जनसंख्या आधारित आयु स्तरीकृत सीरो-महामारी विज्ञान अध्ययन (शहरी, ग्रामीण, आदिवासी समुदाय), सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. भारत में महिलाओं में प्रसव के 18 महीने बाद तक प्रसवोत्तर वजन के प्रक्षेपवक्र, वजन प्रतिधारण से जुड़े जोखिम कारकों और मेटाबोलिज़्म संबंधी विकृतियों के साथ इसके संबंधों पर एक संभावित समूह अध्ययन
3. कार्डियो चयापचय जोखिमों के साथ मेटाबोलिज़्म संबंधी शिथिलता से जुड़े फैटी लिवर रोग (एमएएफएलडी) और डायनेपेनिया/सार्कोपेनिया के संबंध का एक अध्ययन। मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. मोटापे से ग्रस्त वयस्कों में खाने के व्यवहार और पोषण संबंधी कालक्रम और शरीर की संरचना और मेटाबोलिक मापदंडों के साथ इसके संबंध का आकलन, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. कोलेडोकल सिस्ट में पित्त का जैव रासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सहसंबंध और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेटर की अभिव्यक्ति, बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस और मेटाबोलिक सूचकांकों के साथ संबंध वाले रोगियों में एनीमिया का वर्गीकरण, चिकित्सा विभाग
7. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम, टाइप-2 मधुमेह मेलिटस और स्वस्थ प्रजनन आयु भारतीय महिलाओं में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ऑर्गेनोक्लोरीन, ऑर्गेनोफॉस्फेट, बाइफिनाइल ए, थ्यालेट) का तुलनात्मक मूल्यांकन और आहार की आदतों (शाकाहारी बनाम मांसाहारी) और आनुवंशिक परिवर्तनशीलता के साथ उनका सहसंबंध, बहु-केंद्रित परियोजना। परिवर्तनशीलता, बहु-केन्द्रित परियोजना
8. मेटाबोलिक रोगियों की जन्मजात त्रुटि के बीच एचपीएलसी विधि का उपयोग करके अमीनो एसिड की मात्रा हेतु सूखे रक्त के धब्बों और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, जेनेटिक्स विभाग, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

9. सामान्य व्यक्तियों की तुलना में मोटे व्यक्तियों में चाल, संतुलन और शक्ति पर शरीर संरचना का प्रभाव, मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

10. नेत्र प्रक्रियाओं से गुजरने वाले बच्चों में संज्ञाहरण के प्रेरण के दौरान तनाव बायोमार्कर, मेलाटोनिन स्तर और एंक्साइटी स्कोर पर माता-पिता की उपस्थिति का प्रभाव। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, एनेस्थीसिया विभाग, आरपीसी एम्स, नई दिल्ली

11. मोटे व्यक्तियों के बीच संज्ञानात्मक कमियों के इलाज के लिए संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल की प्रभावकारिता, नैदानिक मनोविज्ञान विभाग एनडीडीटीसी

12. भारत में गैर-मादक वसा यकृत रोग की घटना और गंभीरता के लिए जीवन शैली से संबंधित कारकों और जैव रासायनिक मार्करों का मूल्यांकन, चिकित्सा विभाग

13. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित भारतीय महिलाओं के बीच विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सह-रुग्णता, जोखिम कारकों और भिन्नताओं का मूल्यांकन पूरे भारत में एक बहु-केंद्र अध्ययन, बहु-केंद्रित परियोजना

14. सेरेब्रल एडिमा का विकास, रक्त मस्तिष्क बाधा व्यवधान और इसके बाद की बहाली के साथ-साथ बाल चिकित्सा दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के रोगियों में इक्वियोस्मोलर समाधान की तुलना, न्यूरोसर्जरी विभाग, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली

15. ल्यूपस नेफ्राइटिस में प्रतिरक्षा चौकियों (सीटीएलए-4, पीडी-1, पीडी-एल 1) साइटोकिन्स और टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

16. भर्ती किए सेप्सिस रोगी में नैदानिक परिणामों के साथ हाइपोमैग्नेसीमिया और इसका सहसंबंध, चिकित्सा विभाग

17. उपशामक देखभाल प्राप्त करने वाले कैंसर रोगियों में थकान और जीवन की गुणवत्ता पर इंट्रावेनस आयरन थैरपी का प्रभावः एक संभावित हस्तक्षेप अध्ययन।, ओन्को-एनेस्थीसिया प्रशामक चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली

18. डायनेपेनिया और सार्कोपेनिया के साथ टाइप-2 मधुमेह रोगियों में मांसपेशियों की ताकत, द्रव्यमान और कार्य में परिवर्तन पर आहार हस्तक्षेप और प्रतिरोध अभ्यास के प्रभाव की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

19. मोटे व्यक्तियों में कथित परिश्रम और जीवन की गुणवत्ता के फेफड़ों के कार्य दर पर कोस्टल एक्सपांशन अभ्यास और आहार हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा विभाग, एम्स नई दिल्ली

20. सारकोपेनिया के साथ मोटे रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों के द्रव्यमान और कार्य में परिवर्तन पर व्यायाम और पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. प्रसूति और स्त्री रोग विभाग के स्त्री रोग शल्य चिकित्सा के दौरान पेरी-ऑपरेटिव रक्त हानि का अनुमान करने में प्री-ऑपरेटिव थ्रोम्बोएलास्टोग्राफी (टीईजी) की भूमिका, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
22. मोटापे में टी-नियामक कोशिकाओं (टी-रेग) की भूमिका और टाइप 2 मधुमेह और पुरानी गुर्दे की बीमारी में मोटापे से जुड़ी सूजन में उनका नैदानिक सहसंबंध (सीकेडी), नेफ्रोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
23. इम्यूनो-कमप्रोमाइज्ड और कॉमोरबिड व्यक्तियों के बीच कोविड-19 टीकाकरण के लिए सार्स कोव-2 एंटीबॉडी प्रतिक्रिया, मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
24. बाल चिकित्सा आघातात्मक मस्तिष्क चोटों में मस्तिष्क शोफ, तंत्रिका शोथ और रक्त मस्तिष्क बाधा व्यवधान के विकास का अध्ययन, न्यूरोसर्जरी विभाग जेपीएन ट्रॉमा सेंटर एम्स नई दिल्ली
25. मोलेक्यूलर और परिधीय रक्त बायोमार्करों का अध्ययन और हल्के और मध्यम टीबीआई प्रेरित संज्ञानात्मक हानि का निदान करने के लिए उनकी उपयोगिता, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, जेपीएनटीसी, एम्स नई दिल्ली
26. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग से गुजरने वाले मरीजों में सी 3 और सी 4 सीरम पूरक स्तर के स्तर पर स्टेनलेस स्टील और टाइटेनियम बायोमटेरियल के प्रभाव का अध्ययन
27. व्यक्तित्व लक्षणों का मूल्यांकन करना और मोटे विषयों में शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों पर विशिष्ट हस्तक्षेप के लिए मानवतावादी मनोचिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना, चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
28. मनुष्यों के बीच गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट (एसटीबीआई) के बाद सफेद पदार्थ रोगविज्ञान में माइलिनेशन और ऑलिगोडेंड्रोसाइट्स में परिवर्तन की जांच करना, फोरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए, जेपीएनएटीसी एम्स, नई दिल्ली
29. स्वास्थ्य देखभाल के बिंदु (पीओसी) पर मानव रक्त/सीरम/मूत्र/सीएसएफ से लिवर, अग्न्याशय, हृदय और गुर्दे के कार्य के निदान के लिए पोर्टेबल विश्लेषक उपकरण का सत्यापन अध्ययन
30. पीसीओएस के साथ और पीसीओएस के बिना महिलाओं के कूपिक द्रव में माइक्रो-आरएनए प्रोफाइल का मूल्यांकन और आईवीएफ परिणामों के साथ उनका सहसंबंधः एक मामला नियंत्रण अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगी में एज़ाथियोप्रिन की पारंपरिक खुराक वृद्धि रणनीति के साथ जीनोटाइप निर्देशित मानक खुराक की तुलना करने वाला एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. भारतीय आबादी में नए लाल रक्त कोशिका और रेटिकुलोसाइट मापदंडों के लिए स्वस्थ व्यक्तियों के लिए संदर्भ मापदंडों का निर्धारण, आधान चिकित्सा

3. अस्पताल सूचना प्रणालियों के इष्टतम उपयोग और आपातकालीन देखभाल सेटिंग्स, आपातकालीन चिकित्सा, तीव्र दर्दनाक मस्तिष्क की चोट में पूर्वानुमानित मार्कर के रूप में लाल-सेल वितरण प्रसार में इसके प्रभाव पर एक संभावित अध्ययन

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	4	14	09
कुल वित्त पोषण	88,97,494 रुपये	3,73,91,760 रुपये	2,88,76,760 रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 26 **पुस्तक में अध्याय: 01**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	24	31	27
पत्रिका लेख	20	28	26
सार	03	02	00
पुस्तकों में अध्याय	01	01	01
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार:

केंद्रीय संग्रह सुविधा (पुरानी आरएके ओपीडी और नई आरएके ओपीडी)

प्रयोगशाला सेवाएँ

क्र.सं.	नई आरएके ओपीडी और पुरानी आरएके ओपीडी में लैब क्रमांक 27 (नमूने तैयार किये गये)	रक्तस्राव रोगियों की संख्या
1	रक्त संस्कृति (माइक्रोबायोलॉजी कक्ष क्रमांक 2071)	2552
2	ब्लू कैप्ड	41778
3	क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी	15782
4	क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी (हिवंडवायरल मार्कर)	28304
5	क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी (पीसीआर)	171
6	क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजी (टॉर्च प्रोफ़ाइल)	4607
7	एंडोकलेक्शन	94
8	ग्रे कैप्ड लैब	56369
9	HBA1C ट्यूब	25939

10	रुधिर विज्ञान (ओपीडी)	27931
11	रुधिर विज्ञान आघात	0
12	हीमोलिटिक अरक्तता	3
13	लैब ऑन्कोलॉजी (आईआरसीएच)	12
14	माइकोलॉजी (फंगल) लैब बी.सी	5
15	माइकोलॉजी (फंगल) लैब बीटी	32
16	पैरासिटोलॉजी लैब उपकेंद्र	7069
17	रीनल लैब (क्लिनिकल केमिस्ट्री)	9
18	प्रजनन जीवविज्ञान (मुख्य भवन, द्वितीय तल, कमरा क्रमांक 20)	110014
19	सीरोलॉजी लैब (माइक्रोबायोलॉजी कमरा क्रमांक 24)	6528
20	सीरोलॉजी लैब नई (माइक्रोबायोलॉजी कक्ष क्रमांक 24)	10
21	स्पेशल पैथोजेन टेस्ट नॉन-एनएबीएल (एनेरोबिक लैब)	22
22	वायलेट कैप लैब हेमेटोलॉजी	540000
23	वायरोलॉजी प्रयोगशाला-चिकनगुनिया	4
24	विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला-डेंगू	179
25	रक्त बैंक	6123
26	ईएसआर	58374
27	पीली टोपी (रसायन विज्ञान)	540500
	कुल	**1472411**

आपातकालीन प्रयोगशाला सेवाएँ (चौबीसों घंटे)

रुधिर विज्ञान सेवाएँ

परीक्षण का नाम	**परीक्षणों की संख्या**
सीबीसी	260698
रेटिक काउंट	3470
परिधीय धब्बा	53299
ईएसआर	20719
पीटी/आईएनआर	157529
एपीटीटी	95660
डी-डिमर	15120
फाइब्रिनोजेन	14969
शरीर द्रव	14790

पीएफटी	81
आईपीएफ नमूने	3439
कुल योग	**639774**

क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री (आपातकालीन और वार्ड 24x7 सेवाएं)

मुख्य लैब (दूसरी मंजिल)

क्र.सं.	परीक्षण का नाम	कुल संख्या
1	एल्बुमिन	337747
2	एल्क फॉस्फेट	342835
3	एएलटी	352265
4	एमाइलेस	30055
5	एएसटी	347635
6	बिलीरुबिन (सी)	313072
7	बिलीरुबिन (यू)	313072
8	कैल्शियम	380909
9	कोलेस्ट्रॉल	13234
10	सी.के.	4149
11	सीएल-	388385
12	क्रिएटिनिन	388358
13	जीजीटी	328
14	डीएचडीएल	11387
15	डीएलडीएल	4245
16	एफटी3	3436
17	एफटी4	3415
18	शर्करा	40857
19	के+	421537
20	एलडीएच	26068
21	लाइपेज	13532
22	Na+	416166
23	फॉसफोरस	329059
24	पीआरओटी-सीएसएफ	17943

25	बिलीरुबिन (टी)	372652
26	कुल प्रोटीन	337150
27	ट्राइग्लिसराइड्स	12719
28	टीएसएच	12890
29	टीटी3	7039
30	टीटी4	7077
31	यूरिया	405679
32	यूरिक एसिड	331620
33	एएफपी	1333
34	बीटा एचसीजी	1928
35	सीए125	388
36	सीए 199	324
37	सीईए	430
38	सीकेएमबी	4868
39	कोर्टिसोल	1716
40	आईपीटीएच	3010
41	विट डी3	6335
42	एचबीए 1 सी	1811
43	ईएसआर	19555
44	टीपीएसए	558
45	सी पेप्टाइड	221
46	सीआरपी	302
47	इंसुलिन	134
48	माइक्रो एल्बुमिन	792
49	एडीए	15
50	ईएसआर	58374
51	बीटी/सीटी	9125
52	क्रोमोग्रानिन ए	1048
सभी मापदंडों के परीक्षण की कुल संख्या		**60,98,782**

एबीजी परीक्षण (आपातकालीन और वार्ड 24x7 सेवाएं) मुख्य लैब (दूसरी मंजिल) कुल एबीजी टेस्ट 9058 हुए		
द्रव रसायन विज्ञान (आपातकालीन और वार्ड 24x7 सेवाएँ) मुख्य लैब (दूसरी मंजिल)		
क्र.सं.	**परीक्षण का नाम**	**कुल**
1	यू सोडियम (Na)	70
2	यू एसीआर	150
3	यू एल्बुमिन	180
4	यू क्रिएटिनिन	180
5	यू प्रोटीन	0
6	यू यूरिया	112
7	यू कैल्शियम	35
8	यू फॉस्फेट	35
9	यू यूरिक एसिड	46
10	यू पोटैशियम (के)	70
11	यू क्लोराइड (सीएल)	70
12	यू लाइपेज	0
13	यू एमाइलेज़	0
14	यू ग्लूकोज	178
15	यू 24 एल्बुमिन	185
16	यू 24 प्रोटीन	0
17	यू 24 क्रिएटिनिन	172
18	यू 24 यूरिक एसिड	65
19	यू 24 कैल्शियम	78
20	यू 24 यूरिया	75
21	यू 24 फॉस्फेट	75
22	यू 24 सोडियम	70
23	यू 24 क्लोराइड	70
24	यू 24 पोटैशियम	70

25	यू 24 ग्लूकोज	160
26	सीएसएफ प्रोटीन	11650
27	सीएसएफ ग्लूकोज	9560
28	सीएसएफ एल्बुमिन	210
29	सीएसएफ एलडीएच	200
30	फुफ्फुस द्रव ग्लूकोज	1850
31	फुफ्फुस द्रव प्रोटीन	1850
32	फुफ्फुस द्रव एल्बुमिन	1850
33	फुफ्फुस द्रव लाइपेज	1184
34	फुफ्फुस द्रव एलडीएच	1184
35	जलोदर द्रव ग्लूकोज	2559
36	जलोदर द्रव प्रोटीन	2559
37	जलोदर द्रव एल्बुमिन	2360
38	जलोदर द्रव लाइपेज	3012
39	जलोदर द्रव एमाइलेज़	1800
40	जलोदर द्रव एलडीएच	1470
41	पेरिकार्डियल द्रव ग्लूकोज	130
42	पेरिकार्डियल द्रव प्रोटीन	130
43	पेरीकार्डियल द्रव एल्बुमिन	130
44	पेरीकार्डियल द्रव एमाइलेज़	25
45	पेरिकार्डियल द्रव एलडीएच	25
46	सिनोवियल द्रव ग्लूकोज	30
47	सिनोवियल द्रव प्रोटीन	30
48	ड्रेनेज द्रव (मवाद) टीजी	25
49	24 घंटा-मूत्र साइट्रेट	212
50	24 घंटे-मूत्र ऑक्सालेट	212
कुल		**46393**
कुल योग		**61,54,233**

स्मार्ट लैब सेवाएँ

क्र.सं.	रुधिर विज्ञान	कुल संख्या
1	सीबीसी	3,57,786
2	ल्यूपस एंटीकोआगुलेंट स्क्रीन	353
3	(अन्य) के लिए पीएस	19,370
4	रेटिकुलोसाइट गणना - एबीएस	5,913
5	ठीक किया गया रेटिकुलोसाइट	5,917
6	ल्यूपस एंटीकोआगुलेंट की पुष्टि	355
7	शिस्टोसाइट्स के लिए पी.एस	1,195
8	असामान्य कोशिकाओं के लिए पी.एस	2,317
9	आईएनआर	54,285
10	एपीटीटी	54,310
11	टीटी	30
12	डी डिमर	2,385
13	फाइब्रिनोजेन	1,053
14	प्रोटीन सी	200
15	एंटीथ्रोम्बिन	116
कुल संख्या		**5,05585**
सीरम विज्ञान		
1	एचआईवी कॉम्बो (एचआईवी 1, 2)	58,599
2	एंटी एचएवी आईजीएम	13,184
3	एचबीएस एजी	63,104
4	एंटी एचबीएस	20,697
5	आईजीएम एंटी एचबीसी	4,189
6	एंटी एचसीवी एब	63,962
कुल संख्या		**2,23,735**
प्रतिरक्षापरख		
1	एफएसएच	4,630
2	एलएच	4,494
3	प्रोलैक्टिन	4,158
4	टेस्टोस्टेरोन	3,948
5	कोर्टिसोल	5,279
6	एस्ट्राडियोल	2,145

7	प्रोजेस्टेरोन	1,802
8	इंसुलिन	6,154
9	अक्षुण्ण पीटीएच	34,038
10	टीएसएच (अतिसंवेदनशील)	1,14,950
11	एफटी3	8,264
12	एफटी4	8,779
13	टी3	1,12,890
14	टी-4	1,12,909
कुल संख्या		**4,24,440**
रसायन विज्ञान		
1	वीएलडीएल-सी	1,20,094
2	एलडीएल-सी	1,20,297
3	एचडीएल-सी	1,20,346
4	सीएचओएल/एचडीएल अनुपात	1,20,394
5	एलडीएल/एचडीएल अनुपात	1,20,263
6	आयरन	46,203
7	ट्रांसफ़रिन	39,392
8	फ़ेरिटिन	51,716
9	टीआईबीसी	43,634
10	विटामिन बी 12	85,774
11	सीरम फोलेट	52,160
12	आईजीजी	10,985
13	आईजीऐ	7,359
14	आईजीएम	6,326
15	सीआरपी	1,11,768
16	एचएस सीआरपी	3,786
17	एएसओ	1,240
18	आरए फैक्टर	14,606
19	पूरक C3	6,394
20	पूरक C4	5,420
21	एएफपी	11,289
22	कुल पीएसए	4,277
23	निःशुल्क पीएसए	1,,350
24	बीटा एचसीजी	1535

25	ओजीटीटी-1 घंटा	3,639
26	ओजीटीटी-2 घंटा	3,617
27	मूत्र प्रोटीन	6,749
28	मूत्र 24 घंटे प्रोटीन	4,724
29	मूत्र 24 घंटे एल्बुमिन	3,634
30	सीएसएफ प्रोटीन	21
31	सीएसएफ ग्लूकोज	21
32	सीएसएफ एलडीएच	7
33	द्रव प्रोटीन	427
34	द्रव ग्लूकोज	422
35	द्रव एलडीएच	128
36	अन्य बॉडी द्रव एसपी रिक्वेस्ट	20
37	जीजीटी	6,297
38	मूत्र 24 घंटे यूरिया	726
39	मूत्र 24 घंटे क्रिएटिनिन	4,488
40	मूत्र 24 घंटे कैल्शियम	2,905
41	मूत्र 24 घंटे फॉस्फेट	1,847
42	मूत्र 24 घंटे यूरिक एसिड	1,210
43	मूत्र यूरिया	409
44	मूत्र कैल्शियम	1,800
45	मूत्र फॉस्फेट	859
46	मूत्र यूरिक एसिड	380
47	मूत्र सोडियम	3,154
48	यू क्लोराइड (सीएल)	1,039
49	मूत्र पोटेशियम	2,361
50	यू एसपी रिक्वेस्ट	89
51	यू 24 एसपी रिक्वेस्ट	140
52	मूत्र 24 घंटे सोडियम	1,079
53	मूत्र 24 घंटे पोटैशियम	933
54	मूत्र 24 घंटे क्लोराइड	432
55	द्रव कोलेस्ट्रॉल	137
56	द्रव ट्राइग्लिसराइड	64
57	द्रव एमाइलेज	392
58	द्रव एल्बुमिन	495

59	मूत्र प्रोटीन	10
60	मूत्र एल्बुमिन	9,506
61	मूत्र क्रिएटिनिन	12,847
62	मूत्र ए.सी.आर	18,186
63	एलडीएच	814
64	ग्लूकोज आर	12,584
65	ग्लूकोज एफ	89,355
66	ग्लूकोज पीपी	43,657
67	ओजीटीटी	3,728
68	यूरिया	39,9721
69	क्रिएटिनिन	4,00,331
70	यूरिक एसिड	4,18,766
71	कैल्शियम	4,20,223
72	फास्फोरस	4,19,589
73	सोडियम	3,99,901
74	पोटैशियम	4,00,049
75	क्लोराइड	4,00,329
76	मैगनीशियम	14040
77	बिलीरुबिन (टी)	416909
78	बिलीरुब्लिन (डी)	416727
79	बिलीरुबिन (आई)	416940
80	एएलटी	417378
81	एएसटी	417215
82	एएलपी	417674
83	कुल प्रोटीन	388593
84	एल्बुमिन	388906
85	ग्लोब्युलिन	388520
86	ए/जी अनुपात	388783
87	विटामिन डी3 कुल	94136
88	कुल एमाइलेज	8988
89	लाइपेज	5682
90	सी.के.	8331
91	सीके-एमबी (गतिविधि)	4405
92	ट्रोपोनिन टी - एचएस	2167

93	मायोग्लोबिन	655
94	होमोसिस्टीन	5071
95	एलडीएच	24632
96	कार्बमेज़पाइन	289
97	वैल्प्रोइक एसिड	1745
98	कुल कोलेस्ट्रॉल	140302
99	ट्राइग्लिसराइड्स	120165
कुल संख्या		**9099102**
कुल योग		**1,00,29,127**

क्लिनिकल माइक्रोबायोलॉजिकल प्रभाग

क. नैमिक जांच

1. मूत्र

जांच का नाम	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
नैमिक	93128	59864	1,52,992
सूक्ष्म	46564	32920	79484
पीएच	46564	32920	79484
विशिष्ट गुरुत्व	46564	32920	79484
एसीटोन	46564	32920	79484
पित्त वर्णक/नमक	46564	32920	79484
यूरोबायलिनोजेन	46564	32920	79484
रक्त	15	13	28
बेंस जोन्स प्रोटीन	70	18	88
काइल्यूरिया	41	25	66
पोर्फोबिलिनोजेन	8	0	8
मायोग्लोबिन्यूरिया	30	20	50
हीमोग्लोबिन	0	0	0
यूरिन कल्चर	31773	0	31773
तनाव पहचान परीक्षण	13934	0	13934
एंटीबायोटिक संवेदनशीलता	4530	0	4530
उप योग	**4,22,913**	**2,57,460**	**6,80,373**
2. मल जांच	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
वेट माउंट सलाइन	10213	3096	13309
वेट आयोडीन स्टेन	10213	3096	13309

मल में गुप्त रक्त	4522	1589	6111
वसा ग्लोबुलेस	24	20	44
मल के विशेष दाग Z-N दाग, संशोधित	36	41	77
उप योग	**25008**	**7842**	**32850**
3. वीर्य विश्लेषण	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
नैमिक	4619	0	4619
प्रतिक्रियाओं की संख्या	4619	0	4619
गतिशीलता	4619	0	4619
गणना	3207	0	3207
फ्रुक्टोज	1521	0	1521
उप-योग	**18585**	**0**	**18585**
4. थूक विश्लेषण	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	2729	0	2729
ZN धुंधलापन (माइक्रोस्कोपी)	5458	0	5458
एमटीबी कल्चर	0	0	0
उप योग	**8187**	**0**	**8187**
5. मूत्र एएफबी विश्लेषण	**ओपीडी**	**वार्ड**	**कुल**
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	1368	0	1368
ZN धुंधलापन (माइक्रोस्कोपी)	2736	0	2736
एमटीबी कल्चर	0	0	0
उप-योग	**4104**	**0**	**4104**

ख. विशेष जांच

इम्यूनो-सीरोलॉजिकल और आणविक निदान परीक्षण

6. टॉर्च

परीक्षण का नाम

टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीजी	1730
टोक्सोप्लाज्मा गोंडी आईजीएम	1616
रूबेला आईजीजी	1895
रूबेला आईजीएम	1771
साइटोमेगालो वायरस आईजीजी	1857
साइटोमेगालो वायरस आईजीएम	1837
हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस आईजीजी	570
हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस 2 आईजीजी	572
उप योग	11848

6. वायरल मार्कर और एचआईवी	
एचएवी आईजीएम	1043
एचबीएसएजी	20798
एचबीसी आईजीएम	275
एचबीईएजी	1520
एंटी एचबीई	340
एंटी एचबीएस	731
एंटी एचसीवी एंटीबॉडी	20453
एचईवी आईजीएम	286
एचआईवी	16793
एचबीवी डीएनए	404
एचसीवी आरएनए	222
उप-योग	**62865**
7. अन्य	
खसरा आईजीजी	72
कण्ठमाला आईजीजी	72
वैरीसेला आईजीजी	72
वैरीसेला आईजीएम	0
उप-योग	**21**6
8. आणविक परीक्षण	
सीएमवी पीसीआर	150
उप-योग	**150**
11. टीबी प्रयोगशाला	
प्राप्त नमूनों की कुल संख्या	3827
ZN धुंधलापन:	7654
जीनएक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	155
डीएनए श्रृंखला बनाना	0
उप-योग	11648
महा योग	**8,30,853**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य सुदीप कुमार दत्ता, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री (आईएफसीसी) टास्क फोर्स ऑन एथिक्स के सदस्य हैं (2018 से अब तक); सदस्य, आईसीएमआर "कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम फॉर पैनडेमिक प्रिपेरेडनेस" (सीबीपीपीपी) पीएमएभीम (2022-आज तक) के हिस्से के रूप में कार्यान्वयन ढांचा; सदस्य, भारतीय जनसंख्या में संदर्भ अंतराल की स्थापना के लिए आईसीएमआर टास्क फोर्स

(टीईआरआईपी) (2022-अभी तक); सदस्य, एमएचडी-10, भारतीय मानक ब्यूरो; सदस्य, जीनोमिक्स उप समिति, केंद्रीकृत सह-अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ), एम्स (2019- आज तक); पीजीआईएमएस, रोहतक, एनआरएसएमसी, कोलकाता और बीएसए एमसी रोहिणी, दिल्ली में बायोकैमिस्ट्री के लिए एमबीबीएस (प्रथम आचार्य) के परीक्षक; सदस्य, ACBICON 2022 की वैज्ञानिक समिति; ACBICON 2023 में "टोटल लैब ऑटोमेशन" पर प्री कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप के आयोजक; एसोसिएट एडिटर, जर्नल ऑफ़ लेबोरेटरी फिजिशियन; सचिव, अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल केमिस्ट्री (एएसीसी) - भारत अनुभाग (2018 से अब तक); क्लिनिकल बायोकैमिस्ट्री के लिए तकनीकी मूल्यांकनकर्ता, आईएसओ 15189:2012 के अनुसार एनएबीएल।

आचार्य श्याम प्रकाश निम्नलिखित संस्थानों के लिए मणिपाल जर्नल ऑफ मेडिकल साइंसेज के बाहरी पीएचडी थीसिस मूल्यांकनकर्ता के एसोसिएट संपादक हैं; (क) राष्ट्रीय अंतरविषयक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, सीएसआईआर, तिरुवनंतपुरम; (ख) भारतीय विष विज्ञान अनुसंधान संस्थान, सीएसआईआर, लखनऊ; (ग) राष्ट्रीय अंतरविषयक विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, सीएसआईआर, तिरुवनंतपुरम।

डॉ. तुषार सहगल को वीनस इंटरनेशनल हेल्थ केयर अवार्ड्स (VIHA) और वार्षिक स्वास्थ्य शिखर सम्मेलन- हेमेटोलॉजी में उत्कृष्ट शोधकर्ता-जून 2022 प्राप्त हुआ, चेन्नई भारत; युवा वर्ग में डायग्नोस्टिक वार्डों में जीएपीआईओ उत्कृष्टता-फरवरी 2023 गांधीनगर, गुजरात; आयोजक, राष्ट्रीय रुधिर विज्ञान अपडेट-XII मार्च 2023 समिति; आयोजक, एसीबीआईसीओएन प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला समिति-दिसंबर 2022.

9.19 काय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

नवीत विग

आचार्य

संजीव सिन्हा | नवल के विक्रम | मनीष सोनेजा | पीयूष रंजन

अपर आचार्य

नीरज निश्चल | पंकज जोरवाल | अरविन्द कुमार | रणवीर सिंह जादोन

सह-आचार्य

उपेन्द्र बैठा | अनिमेष रे

सहायक आचार्य

प्रयास सेठी | वेद प्रकाश मीणा | सिद्धार्थ जैन

अमनदीप सिंह | बिंदु प्रकाश

सहायक आचार्य (संविदा)

गौरव गुप्ता

विशिष्टताएँ

एम्स में "ट्रिनिटी ऑफ मिशन" प्राप्त करने में काय चिकित्सा विभाग अग्रणी रहा है। इस विभाग द्वारा समग्र रोगी उपचार सेवाएं प्रदान की जाती है, चिकित्सा शिक्षा में नवाचार हेतु प्रयास किए जाते हैं तथा ट्रांसलेशनल एवं नैदानिक अनुसंधान संचालित किए जाते हैं।

विभाग द्वारा रोगी उपचार सेवाओं के विभिन्न पहलुओं को बढ़ाने के लिए गुणवत्ता सुधार पहल आरंभ की गई है। एम्स में आने वाले रोगियों की लगातार बढ़ती संख्या को गुणवत्तापूर्ण उपचार प्रदान करने के लिए विभाग उपलब्ध सेवाओं को लगातार मजबूत कर रहा है।

यह विभाग शिक्षण, प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन के लिए उपयोग किए जाने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म (https://www.aiimsmedicine.org) को लगातार अद्यतन एवं सुधार कर रहा है। **मूल्यांकन की पारंपरिक प्रणाली के अतिरिक्त हमारे छात्रों का ऑनलाइन मूल्यांकन किया जाना अब एक नियमित प्रक्रिया है।** कार्यस्थल-आधारित मूल्यांकन तथा फीडबैक के माध्यम से स्नातकपूर्व छात्रों के व्यावहारिक कौशल विकास पर जोर दिया जाता है। इसके अतिरिक्त, रेजीडेंटों हेतु परामर्श एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्राथमिकता दी जा रही है।

विभाग के संकाय-सदस्य विभिन्न नैदानिक परिस्थितियों में राष्ट्रीय दिशानिर्देश प्रदान करने में अग्रणी हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान, काय चिकित्सा विभाग ने उपचार दिशानिर्देश एवं एल्गोरिदम तैयार करके कोविड-19 से निपटने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी भूमिका निभाई, जिसे बाद में कोविड-19 के उपचार के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के रूप में अपनाया गया। वर्ष 2025 तक टीबी को समाप्त करने की रणनीति के दृष्टिकोण सहित, सभी संकाय-सदस्य एवं रेजीडेंट डॉक्टरों ने एक्स्ट्रापल्मोनरी

ट्यूबरकुलोसिस पर एक व्यापक प्रशिक्षण मॉड्यूल का मसौदा तैयार करने के लिए कड़ी मेहनत की है, जिसे 24 मार्च, 2023 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया था।

शिक्षा

विभाग द्वारा व्यापक स्नातकपूर्व तथा स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम चलाए जाते हैं जिसमें एकीकृत व्याख्यान, सेमिनार, क्लिनिकल कंबाइंड राउंड्स (सीसीआर) एवं क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स (सीजीआर), जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक, संक्रामक रोग बैठक, एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप मासिक अपडेट तथा बेडसाइड क्लिनिकल केस संबंधी चर्चाएं शामिल हैं। वर्तमान में, विभाग में 71 एमडी छात्र, 36 डीएम-संक्रामक रोग तथा 23 वरिष्ठ रेजीडेंटों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। विभाग अपेक्षित परिणामों, शिक्षण के अवसरों तथा मूल्यांकन के बीच बेहतर संरेखण सहित स्नातकपूर्व एवं स्नातकोत्तर के नैदानिक प्रशिक्षण में सुधार हेतु लगातार कार्य करता रहा है। नैदानिक चिकित्सा में पीओसी सोनोग्राफी, रोगी उपचार में गुणवत्ता सुधार तथा ट्रेवल मेडिसिन पर कार्यशाला को सम्मिलित करते हुए नए रेजीडेंटों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम को और अधिक मजबूत किया गया। पूरे भारत के रेजीडेंटों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के क्विज का आयोजन किया गया था।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- 27 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में "स्मार्ट आईसीयू की ओर" विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 25 मार्च 2023 को नई दिल्ली में "एंडोक्रिनोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 18 मार्च 2023 को नई दिल्ली में "पल्मोनोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 11 मार्च 2023 को नई दिल्ली में "माइकोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 4 मार्च 2023 को नई दिल्ली में "रुमेटोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 25 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में "मेडिकल ऑन्कोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 18 फरवरी 2023, नई दिल्ली में "कार्डियोलॉजी में अनिवार्यताएं" विषय पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 11 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में "न्यूरोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 4 फरवरी 2023, नई दिल्ली में "मेडिसिन वार्ड में सामान्य नेफ्रोलॉजी समस्या" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 28 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में "आपात चिकित्सा" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 21 जनवरी 2023 को नई दिल्ली में "जराचिकित्सा चिकित्सा" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 3 दिसंबर 2022, नई दिल्ली में "पैरासिटोलॉजी: ओपनिंग द कैन" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।

- 12 नवंबर 2022, नई दिल्ली में "एचआईवी: अज्ञानता आनंद नहीं है" विषय पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 26 नवंबर 2022, नई दिल्ली में "हेमेटोलॉजी: ए वॉक-थ्रू रेड कार्पेट" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 19 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में "क्रिटिकल केयर: डाइंग, लिविंग एंड एवरीथिंग इन बिटवीन" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 8 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "मेडिकल ऑन्कोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 9 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "रुमेटोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 10 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "कार्डियोलॉजी: बेसिक्स एंड बियॉन्ड" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 15 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सिस्टम : बेसिक्स एंड बियॉन्ड" विषय पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 16 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "पल्मोनोलॉजी" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 22 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में "क्षय रोग" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 29 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में कायचिकिसा में "एंडोक्रिनोलॉजी: एंडोक्राइन परिप्रेक्ष्य" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 3 सितंबर 2022 को नई दिल्ली में "आपातकालीन चिकित्सा" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 10 सितंबर 2022 को नई दिल्ली में "वायरल रोग: दरवाजे पर दस्तक दे रहे खतरे" पर मेडिसिन क्लब आयोजित किया गया।
- 17 सितंबर 2022 को नई दिल्ली में "मेडिसिन वार्ड में सामान्य गुर्दा रोग" पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।
- 24 सितंबर 2022, नई दिल्ली में "न्यूरोलॉजी: मस्ट नो फॉर पोस्टग्रेजुएट इन मेडिसिन" विषय पर मेडिसिन क्लब का आयोजन किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान : 35

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
32	53	35

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 13

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
4	4	13

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एंटी-रेट्रोवायरल थेरेपी के अनुपालन में सुधार हेतु एसिम्प्टोमैटिक पीएलएचआईवी में अनुपालन की आवश्यकता मूल्यांकन उपकरण विकास एवं सत्यापन, डॉ. नवीत विग, एनएसीओ, 2 वर्ष, 2022-24, 27 लाख रु.।
2. डेंगू के लिए रोगनिरोधी एवं चिकित्सीय रणनीतियों में सहायता करने हेतु प्लेटफ़ॉर्म टेक्नोलॉजिस की स्थापना के लिए ट्रांसलेशनल रिसर्च कंसोर्टियम - प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट की खोज, डॉ. नवीत विग, बीआईआरएसी, 4 वर्ष, 2019-23, 33,56,908 रुपये।
3. उच्च जोखिम वाली आबादी (बीआरआईसी) में कोविड-19 की घटनाओं एवं गंभीरता को कम करने में बैसिलस कैलमेट-गुएरिन (बीसीजी) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक चरण III, बहुकेंद्रित, क्वाड्रेपल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. संजीव सिन्हा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-23, 2 करोड़ रुपये।
4. स्वस्थ स्वयंसेवकों में बीबीवी 152 (कोवेक्सिन®) की बीबीवी 154 (एडेनोवायरल इंट्रानैसल कोविड -19 वैक्सीन) के साथ प्रतिरक्षात्मकता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए सार्स-कोव-2 टीकों के हेटेरोलोगस प्राइम-बूस्ट संयोजन का चरण 2 यादृच्छिक, बहु-केंद्रित, नैदानिक परीक्षण, डॉ. संजीव सिन्हा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 16 लाख रुपये।
5. विभिन्न बहु-विशिष्टताओं में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी) दिशानिर्देशों के अंतर्गत अतिरिक्त फुप्फुसीय तपेदिक रोगियों में निदान एवं उपचार में अंतराल का मूल्यांकन करना: एक बहुकेंद्रित अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-25, 63,18,226 रुपये।
6. वयस्क एवं बाल चिकित्सा एचआईवी प्रगति मॉडल के साथ पीएलएचए (एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोग) का उत्तरजीविता विश्लेषण, एक बहुकेंद्रित अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, एनएसीओ, 5 वर्ष, 2017-22, 2.0 करोड़ रुपये।
7. तपेदिक के बाद फेफड़ों की बीमारी वाले रोगियों में कार्यात्मक व्यायाम क्षमता और जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) पर फुफ्फुसीय पुनर्वास की प्रभावशीलता निर्धारित करना: प्री-एंड-पोस्ट-इंटरवेंशनल कोहोर्ट अध्ययन, एक बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. संजीव सिन्हा, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-24, 57,08,207 रुपये।
8. एल्कोहल फैटी लीवर रोग और मोटापे से ग्रस्त उत्तर भारत के लोगों में शरीर की संरचना, विभिन्न चयापचय उपायों पर 6 माह का योग व्यायाम बनाम नियमित शारीरिक गतिविधि का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नवल के. विक्रम, डीएसटी, 3 वर्ष, मई 2019-23 (एक्सटेंशन), 96,39,720 रुपये।
9. सरकोपेनिया वाले मोटापे से ग्रसित रोगियों में मांसपेशियों के कार्यात्मक सुधार और कंकालिय द्रव्यमान में परिवर्तन पर व्यायाम एवं पोषण संबंधी इंटेर्वेशन के प्रभाव की तुलना करने के लिए

यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-23 (विस्तार), 83,01,698 रुपये।

10. मोटापे से ग्रसित वयस्कों में शरीर की संरचना, विभिन्न चयापचय एवं शारीरिक मापदंडों पर आंतरायिक उपवास और निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध के प्रभाव की तुलना करना, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-23 (विस्तार), 53,16,985 रुपये।

11. डायनापेनिया और सारकोपेनिया के साथ टाइप 2 मधुमेह के रोगियों में कंकालीय मांसपेशियों की ताकत, द्रव्यमान एवं कार्यक्षमता में परिवर्तन पर आहार इंटेर्वेशन और प्रतिरोध अभ्यास के प्रभाव की तुलना करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जनवरी 2022-25, 73,46,403 रुपये।

12. मेटाबॉलिक डिसफंक्शन संबंधी फैटी लिवर रोग (एमएएफएलडी) का संबंध और कार्डियो-मेटाबॉलिक जोखिम के साथ डायनापेनिया/सारकोपेनिया पर एक अध्ययन, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, फरवरी 2023-26, 59,13,114 रुपये।

13. व्यक्तित्व संबंधी लक्षणों का मूल्यांकन करने तथा मोटापे से ग्रसित रोगियों के शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों पर विशेष इंटेर्वेशन हेतु मानवतावादी मनोचिकित्सा के प्रभाव का आकलन करना, डॉ. नवल के. विक्रम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जनवरी 2023-26, 59,43,606 रुपये।

14. चेतावनी संकेत के साथ डेंगू रोगियों में आवश्यकता-आधारित बनाम दिशानिर्देश-आधारित फ्लूड देना: ओपन-लेबल यादृच्छिक अध्ययन, डॉ. मनीष सोनेजा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-23 (एक्सटेंशन), 57 लाख रुपये।

15. चिकित्सीय रूप से अत्यधिक वजन घटाने के लिए मोटापे से ग्रस्त रोगियों हेतु एक व्यापक पुनर्प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन - एक ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, डॉ. पीयूष रंजन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2023-26, 46.36 लाख रुपये,

16. युवा वयस्कों के लिए व्यक्तिगत वजन प्रबंधन मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन, डॉ. पीयूष रंजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 56 लाख रुपये।

17. महिला-केंद्रित व्यापक वजन प्रबंधन मॉड्यूल का विकास और मूल्यांकन, डॉ. पीयूष रंजन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-23, 38.29 लाख रुपये।

18. भारतीय परिस्थितियों में चिकित्सकीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षणों (एमयूपीएस) वाले रोगियों में दैहिक लक्षणों की गंभीरता एवं विकलांगता के क्रम का अध्ययन- [एम्स-एमयूपीएस कोहोर्ट अध्ययन], डॉ. पीयूष रंजन, डीएचआर, 2 वर्ष, 2021-23, 19.27 लाख रुपये।

19. कोविड-19 रोगियों के उपचार में लगे स्वास्थ्यकर्मियों के परिवार के सदस्यों में मनोवैज्ञानिक संकट से निपटने हेतु योग-आधारित इंटेर्वेशन कार्यक्रम का विकास और मूल्यांकन, डॉ. पीयूष रंजन, डीएसटी सत्यम, 1 वर्ष, 2021-22, 9.28 लाख रुपये।

20. एचआईवी से ग्रसित वयस्कों में कोविड-19 के प्रति प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिक्रिया - एक संभावित अवलोकनात्मक केस नियंत्रण अध्ययन, डॉ. नीरज निश्चल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-24, 77 लाख रुपये।

21. गैर-एचआईवी रोगियों में लिम्फ नोड तपेदिक में विरोधाभासी प्रतिक्रिया - नैदानिक निहितार्थ एवं परिणाम, डॉ. पंकज जोरवाल, आरएनटीसीपी, 1 वर्ष, 2019-21, 1,90,000 रुपये।

22. सदमे वाले तथा बिना सदमे के बहु-अंग शिथिलता वाले तीव्र ज्वर रोग के रोगियों की नैदानिक और साइटोकाइन प्रोफ़ाइल: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन, डॉ. रणवीर सिंह जादोन, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष (एक्सटेंशन), अक्टूबर 2019-22, 2,00,000 रुपये।

23. कोविड -19 के रोगियों में जीआरपी78, जिंक, आयरन और विटामिन सी के स्तर और म्यूकोर्मिकोसिस की घटना का संबंध, डॉ. रणवीर सिंह जादोन, एम्स, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2021-22, 9,79,600 रुपये।

24. कोविड-19 के बाद ठीक हुए लोगों में फेफड़ों की सूजन/क्षति के बायोमार्कर पर मैकेनिकल वेंटिलेशन के साथ सामान्य एनेस्थीसिया का प्रभाव - केस-कंट्रोल अध्ययन, डॉ. रणवीर सिंह जादोन, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2021-22, 10,000,00 रुपये।

25. ऑस्टियोसारकोपेनिया के मोटापे से ग्रस्त रोगियों में हड्डी और मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर पोषण संबंधी इंटेर्वेशन के साथ वजन उठाने और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. रणवीर सिंह जादोन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022, 76,74,989 रुपये।

26. विभिन्न बॉडी मास इंडेक्स प्रतिभागियों में शरीर की संरचना के साथ मांसपेशियों की ताकत और हाथ की पकड़ का सहसंबंध, डॉ. उपेन्द्र बैठा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023, 22,22,282 रुपये।

27. वेंटिलेटर संबंधी निमोनिया के निदान हेतु आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित निर्णय सहायता प्रणाली, डॉ. अनिमेष रे, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-24, 26,86,419 रुपये।

28. गहन उपचार वाली बीमारियों से ग्रसित रोगियों में आंत माइक्रोबायोम और नैदानिक प्रक्रिया पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव - एक पायलट अध्ययन, डॉ अनिमेष रे, आईसीएमआर, 2 वर्ष (एक वर्ष का विस्तार दिया गया), 2019-22, 35,33,234 रुपये।

29. दीर्घकालिक पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस के रोगियों में पुल्मोनरी माइक्रोबायोम और मेटाबोलॉमिक्स पर एक अध्ययन, डॉ. अनिमेष रे, एम्स, 2 वर्ष + 6 माह बढ़ाया गया, 2020-23, 9,98,168 रुपये।

30. कोविड-19 से जुड़े म्यूकोर्मिकोसिस में ऊपरी श्वसन पथ के माइक्रोबायोम की आवृत्ति, जोखिम-कारकों और विशेषताओं पर एक पायलट अध्ययन, डॉ. अनिमेष रे, एम्स, 1 वर्ष, 2021-22, 7,48,590 रुपये।

31. "यांत्रिक वेंटिलेटर वाले सेप्सिस के रोगियों के हीमोग्लोबिन सांद्रता पर विटामिन डी 3 की उच्च खुराक प्रभाव: एक प्लेसबो-नियंत्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 50,47,800 रुपये।

32. पोस्टमॉर्टम मिनिमल इनवेसिव ऊतक नमूने का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक वेंटिलेटर वाले रोगियों में आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के निदान हेतु बीएम - एएसपीआईसीयू एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन", डॉ. अनिमेष रे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 40,00,000/- रु.।
33. एचआईवी/एड्स से पीड़ित लोगों में सरकोपेनिया: नैदानिक और चयापचय सहसंबंध और प्रतिरोध प्रशिक्षण अभ्यासों का प्रभाव, डॉ. प्रयास सेठी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 19 लाख रुपये।
34. हीमोग्लोबिन पर वजन घटने का प्रभाव तथा मोटापे से ग्रसित रोगियों में इम्यूनो मेटाबॉलिक मापदंडों के साथ इसका संबंध, डॉ. प्रयास सेठी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-24, 5 लाख रुपये।
35. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में ग्लाइसेमिक और नैदानिक परिणामों की उपलब्धि पर निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग प्रणाली के प्रभाव पर अध्ययन, डॉ. वेद प्रकाश मीणा, इंट्रामुरल एम्स प्रारंभिक कैरियर अनुदान, 1 वर्ष, 2023-24, 5,00,000 रुपये।

पूर्ण

1. एम्स: नई दिल्ली, भारत के एक अस्पताल में रोगाणुरोधी प्रबंधन गतिविधियों की शुरुआत, एएमएस कार्यक्रम का कार्यान्वयन, डॉ. नवीत विग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 10,00,000 रुपये।
2. डेंगू रोग के दौरान प्रेरित मानव सीडी8-टी कोशिका प्रतिक्रिया का कार्य विश्लेषण : एक आणविक दृष्टिकोण, डॉ. नवीत विग, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-23, 25,18,800 रुपये।
3. कोविड-19 मामलों में गंभीरता के नैदानिक भविष्यवक्ता, डॉ. पंकज जोरवाल, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये।
4. भारतीय आबादी में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए: एकल अंधा, समानांतर समूह, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अरविंद कुमार, आईसीएमआर नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-22, 50 लाख रुपये।
5. कोविड-19 में प्रतिरक्षा संबंधी विशेषताओं और नैदानिक परिणामों के बीच संबंध, डॉ. अरविंद कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-23, 5 लाख रुपये।
6. दीर्घकालिक पुल्मोनरी एस्परगिलोसिस के सेरोडायग्नोसिस के लिए एलडी बायो एस्परगिलस आईसीटी लेटरल फ्लो परख की प्रभावकारिता, डॉ. अनिमेष रे, प्राइवेट कंपनी (जॉली हेल्थकेयर), 1 वर्ष, 2021-22, 2,49,700 रुपये।
7. "सफलतापूर्वक उपचार प्राप्त कोविड-19 के रोगियों हेतु योग आधारित पुनर्वास कार्यक्रम पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण", डॉ. उपेन्द्र बैठा, डीएसटी, 1 वर्ष, 2021-22, 8,54,635 रुपये।
8. एम्स, नई दिल्ली में कोविड-19 रोगियों की नैदानिक और सामाजिक-जनसांख्यिकीय प्रोफ़ाइल, डॉ. उपेन्द्र बैठा, एम्स, नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत इंट्राम्यूरल परियोजना, 2 वर्ष, 2020-22, 5 लाख रुपये।
9. सॉलिडैरिटी-प्लस, डॉ. मनीष सोनेजा, 6 माह, 2022, 4,59,061 रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. टाइप 2 मधुमेह रोगियों में गुप्त तपेदिक संक्रमण की आवृत्ति एवं जोखिम कारक।
2. मेडिसिन आईसीयू में जीवाणु संदूषण एवं केंद्रीय रेखा से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण : एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
3. मेडिकल छात्रों और रेजीडेंटों में एलटीबीआई की आवृत्ति और जोखिम कारक।
4. मोटापे से ग्रसित वयस्कों में खानपान व्यवहार और शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों के साथ इसके संबंध का आकलन।
5. भारतीय वयस्क आबादी में एमएएफएलडी की व्यापकता।
6. पीएलएचआईवी में टीएलडी आहार का नैदानिक परिणाम: उत्तर भारत के एक तृतीयक अस्पताल में एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
7. दवा के प्रति संवेदनशील टीबी के रोगियों में प्रतिकूल परिणामों के पूर्वानुमानक।
8. टीएलडी पर पुराने एचआईवी वाले रोगियों में परिणामों को प्रभावित करने वाले कारक।
9. एआरटी पर पीएलएचआईवी में न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोकॉग्निटिव विकारों की व्यापकता और सहसंबंध।
10. एचआईवी संक्रमण वाले वयस्क रोगियों में कोविड-19 टीकाकरण के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया।
11. उपचार बिंदु सोनोग्राफी में अल्ट्रासाउंड जांच की वर्तमान मौजूदा सफाई प्रथाओं और उस पर शैक्षिक कार्यक्रम की प्रभावशीलता का अध्ययन।
12. तपेदिक पुल्मोनरी फ्लो में जीन एक्सपर्ट अल्ट्रा की नैदानिक सटीकता।
13. एम्स, दिल्ली के कायचिकित्सा और संक्रामक रोग रेजीडेंटों में वयस्क टीकाकरण के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण एवं प्रथाओं का आकलन करना - एक अर्ध-पारंपरिक अध्ययन।
14. इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान हेतु मिनी ब्रोन्कोएल्वियोलर लैवेज गैलेक्टोमैनन एंटीजन डिटेक्शन का मूल्यांकन: एक क्रॉस-सेक्शनल, नैदानिक परीक्षण सत्यापन अध्ययन।
15. एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी पर एचआईवी रोगियों में गैर-संचारी रोगों की व्यापकता- एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
16. दिल्ली की स्वास्थ्य सुविधाओं में क्लिनिकल परीक्षण में भाग लेने हेतु बाह्य रोगियों की इच्छा एवं उनके दृढ़ संकल्प।
17. इंटरस्टिशियल फेफड़े की बीमारी वाले रोगियों में ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया/हाइपोपेनिया सिंड्रोम की व्यापकता।
18. पोस्ट कोविड-19 फुफ्फुसीय परिवर्तन: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

19. पोस्ट ट्यूबरकुलर फेफड़े के विकार वाले रोगियों में कार्यात्मक व्यायाम क्षमता एवं स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) पर आउट पेशेंट फुफ्फुसीय पुनर्वास की प्रभावशीलता निर्धारित करने हेतु एक अध्ययन : पूर्व और बाद के इंटेर्वेशन संबंधी अध्ययन।
20. "चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग का उपयोग करके ऊपरी वायुमार्ग की शारीरिक रचना में परिवर्तनों का अवलोकन करना और बेरिएट्रिक सर्जरी के साथ वजन कम करने वाले रोगियों में एपनिया-हाइपोपेनिया सूचकांक में परिवर्तन के साथ सहसंबंध बनाना"।
21. तृतीयक उपचार केंद्र में साथ रहने वाले एचआईवी एड्स के रोगियों में अवसरवादी संक्रमण का स्पेक्ट्रम।
22. उत्तर भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में एचआईवी पॉजिटिव पुरुषों में गुदा एचपीवी संक्रमण और साइटोलॉजिकल असामान्यताओं की व्यापकता और जोखिम कारक।
23. गैर-मोटे व्यक्तियों की शारीरिक संरचना, नैदानिक और चयापचय प्रोफ़ाइल का अध्ययन।
24. मोटापे से ग्रसित वयस्कों में ऑस्टियो-सरकोपेनिया का अध्ययन।
25. मोटापे से ग्रसित रोगियों में चयापचय रूप से स्वस्थ मोटापा (एमएचओ) और चयापचय रूप से अस्वस्थ मोटापा (एमयूओ) की व्यापकता का आकलन करने हेतु अध्ययन।
26. दिन 0 और 14 दिन पर मेडिकल आईसीयू में सेप्सिस से पीड़ित विटामिन डी की कमी वाले यांत्रिक वेंटिलेटर वाले रोगियों में हीमोग्लोबिन के स्तर पर विभिन्न विटामिन डी अनुपूरण प्रथाओं के प्रभाव का अध्ययन करना।
27. एआई आधारित निर्णय समर्थन प्रणाली का उपयोग करके वीएपी का पूर्वानुमान।
28. नए निदान किए गए तथा सीरोलॉजिकल एवं माइक्रोबायोलॉजिकल तरीकों से उपचार पूरा होने पर फुप्फुसीय तपेदिक रोगियों में एस्परगिलस सह-संक्रमण की व्यापकता।
29. गंभीर उपचार संबंधी बीमारियों वाले रोगियों में संपूर्ण आंत माइक्रोबायोम पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव।
30. उत्तर भारत में स्वस्थ भारतीय वयस्कों के श्वसन प्रतिबाधा मापदंडों के पूर्वानुमान तथा सत्यापन हेतु संदर्भ समीकरण विकसित करने का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन।
31. स्पाइरो-एर्गोमेट्री के माध्यम से मोटापे से ग्रसित वयस्कों में कार्डियो-श्वसन फिटनेस का आकलन और कार्डियोरेस्पिरेटरी प्रतिक्रिया में सुधार में संरचित व्यायाम का प्रभाव।
32. हाइपोमैग्नेसीमिया और भर्ती सेप्सिस रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ इसका संबंध।
33. पोस्ट पल्मोनरी ट्यूबरकुलर सीक्वेल वाले रोगियों के क्लिनिक-रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल के साथ आवेग ऑसिलोमेट्री का सहसंबंध।

पूर्ण

1. मेनिनजाइटिस के कारण की पहचान करने में सीएसएफ लैक्टेट और क्लोराइड की भूमिका।
2. संज्ञानात्मक हानि के साथ पीएलएचआईवी में [18 एफ]-एफडीजी पीईटी मस्तिष्क की भूमिका: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।

3. एम्स, नई दिल्ली में चिकित्सा और संक्रामक रोग रेजीडेंटों में यात्रा चिकित्सा का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास - एक अर्ध प्रायोगिक हस्तक्षेप अध्ययन।
4. मोटापे से ग्रस्त रोगियों में शरीर की संरचना और चयापचय मापदंडों पर आंतरायिक उपवास बनाम निरंतर ऊर्जा प्रतिबंध आहार के प्रभाव का अध्ययन करना।
5. नैदानिक-महामारी विज्ञान स्पेक्ट्रम और म्यूकोर्मिकोसिस वाले रोगियों के पूर्वानुमान को प्रभावित करने वाले कारक।
6. ट्यूबरकुलर लिम्फैडेनाइटिस में जीन एक्सपर्ट एमटीबी/रिफ़ अल्ट्रा की नैदानिक सटीकता।
7. तपेदिक मैनिंजाइटिस के निदान में जीनएक्सपर्ट अल्ट्रा की भूमिका।
8. एम्स दिल्ली में एमबीबीएस छात्रों में कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण की धारणा।
9. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले मोटापे से ग्रसित रोगियों में शरीर की संरचना और वजन पर ऊपरी शरीर के व्यायाम का प्रभाव : मोटापे से ग्रसित वयस्कों में ऑस्टियो-सरकोपेनिया का अध्ययन।
10. अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी के नए निदान किए गए मामलों के मूल्यांकन में आवेग ऑसिलोमेट्री (आईओएस) की भूमिका।
11. तृतीयक उपचार अस्पताल में भाग लेने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस वाले रोगियों के नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम पर एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।
12. जीरोवेसी संक्रमण का संबंध और नैदानिक विशेषताओं और रोग की प्रगति पर इसका प्रभाव।
13. मेडिकल आईसीयू में परिणामों पर प्रोटोकॉल आधारित पोषण चिकित्सा के कार्यान्वयन का प्रभाव।
14. प्रतिरक्षा सक्षम यांत्रिक वेंटिलेटर वाले रोगियों को निमोनिया होने में मानव साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) पुनर्सक्रियन की भूमिका।
15. फेफड़े की कार्यक्षमता में कमी और फुफ्फुसीय तपेदिक के बाद रेडियोलॉजिकल सीक्वेल : एक व्यवस्थित समीक्षा।
16. गहन उपचार संबंधी बीमारियों वाले रोगियों में संपूर्ण आंत माइक्रोबायोम पर प्रोबायोटिक्स का प्रभाव।
17. अल्ट्रासाउंड आधारित पीप अनुमापन बनाम फियो2 आधारित पीप अनुमापन पर एक तुलनात्मक अध्ययन : नई दिल्ली के एक तृतीयक अस्पताल में दो वर्ष का एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. इंसुलिन द्वारा उपचार करा रहे टाइप 2 डाइबिटीज़ मिलिटस वाले रोगियों में ओरल सेमाग्लूटाइड बनाम प्लेसबो की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा, 52-सप्ताह का एक यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, डबल-ब्लाइंड अध्ययन, अन्तःस्राविकी।
2. मध्यम से गंभीर रूप से सक्रिय रूमेटोइड गठिया वाले रोगी जिन्हें एमटीएक्स थेरेपी प्रति का अनुभव नहीं है, उन्हें 52 सप्ताह तक केवल फिल्गोटिनिब देने तथा मेथोट्रेक्सेट (एमटीएक्स) के संयोजन के साथ फिल्गोटिनिब देने की प्रभावकारिता एवं सुरक्षा का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो एवं सक्रिय-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय, चरण 3 अध्ययन, रुमेटोलॉजी।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	32	36	35
कुल वित्तपोषण	10,65,44,773 रुपये	13,97,85,331 रुपये	16,46,45,949 रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 125 पुस्तकों में अध्याय: 3 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	121	103	129
पत्रिका में लेख	118	101	125
सार	-	-	-
पुस्तकों में अध्याय	1	2	3
पुस्तकें	2	-	1

रोगी उपचार

मेडिकल ओपीडी

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	150634
2021-22	70397 (टेली ओपीडी सहित)
2020-21	22974 (टेली ओपीडी सहित)

संक्रामक रोग, यात्रा स्वास्थ्य एवं वयस्क टीकाकरण क्लिनिक (सोमवार और गुरुवार दोपहर 2.00 बजे)

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	4352
2021-22	1823 (टेली ओपीडी सहित)
2020-21	300 (टेली ओपीडी सहित)

स्लीप क्लिनिक (सोमवार दोपहर 2.00 बजे)

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	479
2021-22	330
2020-21	51

मोटापा एवं चयापचय विकार क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2.00 बजे)

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	3361
2021-22	711 (टेली ओपीडी सहित)
2020-21	87

चेस्ट क्लिनिक (शुक्रवार दोपहर 2.00 बजे)

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	1750
2021-22	1191 (टेली ओपीडी सहित)
2020-21	260

कुल भर्ती रोगी

वर्ष	रोगियों की संख्या
2022-23	4464
2021-22	4172
2020-21	4045

एंटीरेट्रोवाइरल (एआरटी) केंद्र

वर्ष	विजिट की संख्या
2022-23	प्री-एआरटी 523 एआरटी 63582
2021-22	प्री-एआरटी 485 एआरटी 60717
2020-21	प्री-एआरटी 433 एआरटी 59078

प्रयोगशालाएँ:

पीओसीटी प्रयोगशाला	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
प्रोकैल्सीटोनिन (पीसीटी)	4320	3284	3504
एनटी - प्रो बीएनपी	2166	1411	1868
ट्रोपोनिन I (ट्रॉप I)	2164	1429	1907
एबीजी (धमनी रक्त गैस विश्लेषण)	33290	29108	25641
ब्लड कल्चर	5814	4375	3025
रोटेम्स इंटेम	146	150	131
रोटेम्स एक्सटेम	149	119	-
रोटेम्स फाइबेटम	128	99	-
रोटेम्स एपीटीईएम	74	97	-
डेंगू एनएस1 आईजीजी/आईजीएम	183	283	-
स्क्रब टाइफस आईजीजी/आईजीएम	91	195	-
मलेरिया प्रतिजन	97	122	-
निद्रा प्रयोगशाला :	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
निद्रा अध्ययन	350	217	52
रक्तचाप की एंबुलेटरी निगरानी	19	6	8
एक्टिग्राफी	4	2	-6
एंडोथेलियल डिसफंक्शन अध्ययन	-	-	-
पीएफटी प्रयोगशाला :	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट	7553	2992	428
6 मिनट की वॉक टेस्ट	791	409	90
एफओटी	478	376	48
एसवीसी	1072	436	-
डीएलसीओ	1083	434	-
टीएलसी	187	76	-
एमआईपी/एमईपी	5	9	-
सीपीईटी	1	1	-
की गईं ब्रोंकोस्कोपी की संख्या:	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी	5	-	-
ब्रोंको-एल्वियोलर (बीएएल)	232	173	78
बायोप्सी	-	31	17
फोरसेप्स बायोप्सी	23	-	-
ब्रश बायोप्सी	1	-	-

रेडियल प्रोब बायोप्सी	1	1	-
ब्रश साइटोलोजी	1	-	-
ट्रांसब्रोनकियल निडिल एस्पिरेशन (टीबीएनए)	0	15	27
ईबीयूएस	71	43	6
ट्रेकियोस्टोमी	6	4	1
बीपीएफ क्लोज़र	-	3	-
थोरैसोस्कोपी	1	1	-
एम्फो बी	0	14	-
पिक-टेल इंसरशन	-	2	-
एफएनएसी	1	-	-
एडीए/एसीई प्रयोगशाला :	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
एसीई परीक्षण	1565	790	340
इंटरमीडिएट रेफरेंस प्रयोगशाला (आईआरएल) सेवाएं:	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
बलगम स्मीयर हेतु नमूनों की संख्या-	9081	-	13299
लिक्विड कल्चर हेतु नमूनों की संख्या-	11011	8969	9972
लिक्विड डीएसटी हेतु नमूनों की संख्या (प्रथम पंक्ति)	65	73	113
लिक्विड डीएसटी हेतु नमूनों की संख्या (द्वितीय पंक्ति)	109	135	201
लाइन प्रोब एसे हेतु नमूनों की संख्या (प्रथम एलपीए)	5662	3940	5683
लाइन प्रोब एसे हेतु नमूनों की संख्या (द्वितीय एलपीए)	641	417	718
जीन/एक्सपर्ट हेतु नमूनों की संख्या	7977	1880	4835
टीबी एजी एमपीटी64 हेतु नमूनों की संख्या	180	-	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर नवीत विग कोविड-19 टास्क फोर्स के अध्यक्ष तथा एम्स, नई दिल्ली में मेडिकल बोर्ड के अध्यक्ष थे; कोविड-19 पर राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य, कोविड-19 पर क्लिनिकल रिसर्च ग्रुप (आईसीएमआर); नोडल अधिकारी, तपेदिक में प्रशिक्षण एवं अनुसंधान हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र; अध्यक्ष, टीबी पर राष्ट्रीय तकनीकी कार्य समूह - सहवर्ती रोग; नैदानिक प्रशिक्षण एवं ट्रांसलेशनल संबंधी अनुसंधान पर वित्त पोषित कार्यशाला हेतु अध्यक्ष विशेषज्ञ समिति, डीएचआर - आईसीएमआर; सह-अध्यक्ष, स्थायी उपचार दिशानिर्देश (कायचिकित्सा), आईसीएमआर; सदस्य, शासी निकाय, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान; भारतीय फार्माकोपिया आयोग के वैज्ञानिक निकाय के सदस्य; एचआईवी/एड्स पर आईसीएमआर तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य तथा आईसीएमआर की एचआईवी/एड्स परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य रहे।

प्रोफेसर संजीव सिन्हा मेडिकल बोर्ड अंटार्कटिका एक्सपीडिशन, के सदस्य, भारत सरकार, गोवा, वैज्ञानिक समिति के सदस्य, एनएसीओ, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, स्वास्थ्य कल्याण कार्यक्रम के सदस्य, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार, एफडीसी, डीसीजीआई, भारत के सदस्य हैं। प्रशासनिक जिम्मेदारियों में पीजीआर की एम्स नीति विषयक समिति का सदस्य सचिव होना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, वे "केस जर्नल" के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, जर्नल ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट मैनेजमेंट की समीक्षा समिति के सदस्य, दक्षिण अफ्रीका से प्रकाशित, पत्रिका आईजेएमआर की समीक्षा समिति के सदस्य, वर्तमान एचआईवी अनुसंधान पत्रिका की समीक्षा समिति के सदस्य, डीएचआर, आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं की समीक्षा समिति के सदस्य हैं। नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) फैलोशिप, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया (एनएएसआई) परिषद के सदस्य हैं।

प्रोफेसर मनीष सोनेजा को एम्स रिसर्च अवार्ड (क्लिनिकल) में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. नीरज निश्चल दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा "एमिनेंट मेडिकल एंड हैल्थ एजुकेशन टीचर अवार्ड" प्राप्त हुआ।

डॉ. अरविंद कुमार को 15 अप्रैल को जयपुर, भारत में आयोजित एपीआईसीओएन2022 में एपीआईसीओएन ओरिजिनल पेपर मेरिट पुरस्कार से सम्मानित किया गया; वर्ष 2022 में एडिनबर्ग एफआरसीपी (एडिनबर्ग, यूके) के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फेलोशिप से सम्मानित किया गया; 13 नवंबर 2022 को “इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लीनिकल मेडिसिन” फेलोशिप से सम्मानित किया गया; 19 नवंबर 2022 को इंटरनेशनल मेडिकल साइंसेज एकेडमी (आईएमसीए) की फेलोशिप से सम्मानित किया गया; अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियन इंडिया 2022 की 7वीं वार्षिक बैठक में पोडियम प्रस्तुति हेतु सर्वश्रेष्ठ पेपर से सम्मानित किया गया।

डॉ. अनिमेष रे को इंडियन कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एपीआईसीओएन 2021 में फेलोशिप तथा वर्ष 2021 में "क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एविडेंस बेस्ड मेडिसिन" में दो वर्ष की अंशकालिक फेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. सिद्धार्थ जैन को इंडो-यूके रूमेटोलॉजी फोरम ट्रैवल फेलोशिप 2023 हेतु चुना गया और उन्होंने जेपनीज़ कॉलेज ऑफ रूमेटोलॉजी (जेसीआर) 2023 ट्रैवल अवार्ड जीता।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. अंकित सखुजा (एमबीबीएस एमएस एफएसीपी एफएएसएन एफसीसीपी), निदेशक, सूचना विज्ञान, डब्ल्यूवीयू हार्ट एंड वैस्कुलर इंस्टीट्यूट तथा सहायक आचार्य, कार्डियोवास्कुलर क्रिटिकल केयर डिवीजन, कार्डियोवस्कुलर एंड थोरैसिक सर्जरी विभाग, वेस्ट वर्जीनिया यूनिवर्सिटी द्वारा 27 मार्च 2023 को "टुवर्ड्स ए स्मार्ट आईसीयू" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान दिया गया।

9.20 सूक्ष्मजैव विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

रमा चौधरी (31 जनवरी 2023 को सेवानिवृत्त)	आरती कपिल (जनवरी 2023 में वीआरएस)	ललित डार (1 फरवरी 2023 से)

आचार्य

बिमल के दास	बिजय रंजन मिर्धा	इमैकुलाता जैस
बेनु धवन	सीमा सूद	उर्वशी बी सिंह

अपर आचार्य

सरिता महापात्रा	आशीष चौधरी	गगनदीप सिंह
हितेंद्र गौतम		निशांत वर्मा

सह-आचार्य

मेघा बृजवाल	किरण बाला	प्रियम बत्रा
	तनु सागर	

विशिष्टताएं

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग को नवम्बर 2019 से एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है (आईएसओ 15189:2012 के अनुसार)। सन् 2019 में कुल 48 नियमित परीक्षणों को मान्यता प्रदान की गई थी। परन्तु इसके कार्यक्षेत्र को सन् 2021-22 में मान्यता के नवीनीकरण के दौरान 64 परीक्षणों तक और बढ़ाया गया था (इसमें सभी सूक्ष्मजैव विज्ञानी परीक्षणों को भी शामिल किया गया है तथा नए परीक्षणों को भी जोड़ा गया है।) इसके अलावा, विभाग के सभी अनुभाग ईक्यूए/पीटी में भाग लेते हैं। सन् 2012 (10 वर्षों से भी अधिक) से राष्ट्रीय एचआईवी संदर्भ प्रयोगशाला (एनआरएल) को एनबीएल से मान्यता प्राप्त है और सन् 2017 से एचआईवी वायरल भार और प्रारंभिक शिशु निदान के लिए एनएसीओ क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला को मान्यता प्राप्त है। सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग अन्य कुछ सरकारी मेडीकल कॉलेजों में से एक है जिनके पास परजीवी विज्ञान प्रयोगशाला की मान्यता प्राप्त है।

रोगियों उपचार सेवा, शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में सुधार के लिए उठाए गए कदम/गतिविधियां

हम मरीजों को सही समय पर रिपोर्ट उपलब्ध कराने, सभी अनुभागों से तुरंत रिपोर्टिंग स्वचालित तकनीकों को उपयोग करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। विभाग ने इस वर्ष 24X7 समय सेवाएं प्रदान करने का कार्य प्रारम्भ किया है। इसके अलावा, रिपोर्टिंग में किसी भी प्रकार की देरी से बचने के लिए सप्ताह के अंत और अवकाश के दिनों में रेजीडेंट डॉक्टरों को भी रखा जा रहा है। सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग कोविड-19 महामारी के समय बीमारी का सामना करने में इस वर्ष तथा पिछले अन्य वर्षों में सबसे आगे रहा है, चाहे यह आरटी-पीसीआर और सीबीएनएएटी/ट्रूएनएटी या संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों के माध्यम से किया गया कार्य हो। सन् 2020 के प्रारम्भ से, विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला के

द्वारा सम्पूर्ण उच्च आटी-पीसीआर के परीक्षण के लिए विभिन्न वार्डों में भर्ती मरीजों और कर्मचारियों के लिए सीओवीआईडी-19 परीक्षण करने के महत्वपूर्ण कार्यभार का ध्यान रखा, इस प्रकार के परीक्षणों के लिए अधिक से अधिक सम्भावित समय प्रदान किया गया। आपातकालीन विभाग में रिपोर्ट करने वाले रोगियों और आपातकालीन आवश्यकता वाले लोगों के लिए, बाद के अति तीव्र परीक्षण प्रणालियों ने 1 से 1.5 घण्टे में उपचार प्रदान किया।

मार्च 2021 से आईसीएमआर के तहत कवक विज्ञान को "भारत के उत्तरी क्षेत्र में उन्नत कवक विज्ञान निदान और अनुसंधान केन्द्र" (एएमडीआरसी) के रूप में नामित किया गया। कोविड महामारी की दूसरी लहर के समय प्रयोगशाला ने म्यूक्रो माइकोसिस के प्रकोप में रोगियों को सही समय पर निदान प्रदान करने के लिए अथक रूप से प्रयास किए, जिससे इसका इलाज आरम्भ करने में सहायता प्राप्त हुई। विषाणु विज्ञान प्रयोगशाला एक डीएचआर-आईसीएमआर नामित क्षेत्रीय विषाणु अनुसंधान और निदान प्रयोगशाला (आर-वीआरडीएल) के रूप में कार्य कर रही है। यह एचआईवी विषाणु भार और प्रारम्भिक शिशु उपचार के लिए एनएसीओ क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला है, यह डेंगू और चिकनगुनिया रोगों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर पर संचालित जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के लिए सबसे प्रमुख प्रयोगशाला है, इसके साथ ही साथ यह राष्ट्रीय स्तर पर हेपेटाइटिस जीवाणु निगरानी कार्यक्रम नेटवर्क प्रयोगशाला भी है।

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग द्वारा रोगियों के स्वास्थ्य का देखभाल कार्य करना एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें इसने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस वर्ष भर में इसने कुल 2,96,909 चिकित्सीय परीक्षण किए। भारत में, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग, इस विषय में चिकित्सीय रूप में प्रासंगिक अंग-प्रणाली और सिंड्रोम आधारित पाठ्यक्रम आरम्भ करने वाला पहला विभाग था, जिसने कई वर्षों पहले ही वर्तमान-योग्यता आधारित पाठ्यक्रम को समाप्त कर दिया था। इसने चिकित्सा विभाग के साथ संक्रामक रोगों के लिए उचित रूप से पहली बार डीएम कार्यक्रम के साथ सहयोगी कार्यक्रम प्रारम्भ किया। विषाणुविज्ञान प्रयोगशाला ने एमसीआई को विषाणुविज्ञान में डीएम कार्यक्रम प्रारम्भ करने के लिए प्रथम पाठ्यक्रम का प्रारूप तैयार करने में सहायता की। कई प्राध्यापक अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समीति का हिस्सा थे और कोविड-19 महामारी के नियंत्रण और रोकथाम के लिए सम्पूर्ण कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने में लगे हुए थे। उन्होंने संक्रमण नियंत्रण और रोकथाम से संबंधित दिशानिर्देशों के दस्तावेज़ भी तैयार किए जिसने स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए उपलब्ध संदर्भ के रूप में सहयोग प्रदान किया। हम सभी की शिक्षा के लिए पिछला वर्ष नयी खोजों से भरा अद्वितीय वर्ष रहा। एमबीबीएस, एमडी, डीएम, पीएचडी और बीएससी (नर्सिंग) पाठ्यक्रमों में नामांकित स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के पाठ्यक्रम को, पर्याप्त सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए, शिक्षा के प्रसार की सुविधा के लिए मिश्रित प्रणाली (ऑनलाइन + ऑफलाइन) में प्रबंधित किया गया था। इस विभाग ने, अक्तूबर माह में विभागाध्यक्ष डॉ. रमा चौधरी की अध्यक्षता में "लाइम रोग का प्रयोगशाला निदान" पर आईसीएमआर-एम्स कार्यशाला के सहयोग से एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया था।

कार्य योजना

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक 24X7 रिपोर्टिंग सुविधा का प्रयोजन, उचित रोगी प्रबंधन के लिए प्रतिरोध संकेतकों के आणविक जीनोटाइपिंग और पूर्ण स्वचालन के प्रयोजन की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा, शिक्षा के सम्बन्ध में विभिन्न सूक्ष्मजैव विज्ञानी शिक्षा, स्वास्थ्य प्रक्रियाओं और प्रतिरोध तंत्रों के लिए अनुकार प्रारूप प्रस्तावित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही साथ, अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के लिए, स्वास्थ्य, अनुसंधान और रोगी प्रबंधन की सुविधा के लिए भी जैव भण्डारण के प्रावधान पर भी विचार किया जा रहा है।

23 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में विश्व क्षय रोग दिवस, सीएमई, आयोजित किया गया।

31 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2022 तक एम्स, नई दिल्ली में एम्स-आईसीएमआर-आईएसएमएम "स्वास्थ्य चिकित्सा कवक विज्ञान पर कार्यशाला" का आयोजन किया गया।

National Accreditation Board for
Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS)

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, SECOND FLOOR, TEACHING BLOCK, ANSARI NAGAR, NEW DELHI, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-3267

Issue Date: 15/11/2019 **Valid Until:** 14/11/2021

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Identity : ALL INDIA INSTITUE OF MEDICAL SCIENCES

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

नवम्बर, 2022

National Accreditation Board for Testing and Calibration Laboratories

NABL

CERTIFICATE OF ACCREDITATION

NATIONAL HIV REFERENCE LABORATORY & NACO RRL FOR HIV VIRAL LOAD AND EARLY INFANT DIAGNOSIS, DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY.

has been assessed and accredited in accordance with the standard

ISO 15189:2012

"Medical laboratories - Requirements for quality and competence"

for its facilities at

ROOM NO-2062, SECOND FLOOR, DEPARTMENT OF MICROBIOLOGY, ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, ANSARI NAGAR, NEW DELHI, DELHI, INDIA

in the field of

Medical Testing

Certificate Number: MC-2472

Issue Date: 11/07/2021 Valid Until: 10/07/2023

This certificate remains valid for the Scope of Accreditation as specified in the annexure subject to continued satisfactory compliance to the above standard & the relevant requirements of NABL.
(To see the scope of accreditation of this laboratory, you may also visit NABL website www.nabl-india.org)

Name of Legal Identity : ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

Signed for and on behalf of NABL

N. Venkateswaran
Chief Executive Officer

शिक्षा

स्नातक-पूर्व शिक्षण

मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान के लिए एमबीबीएस

बीएससी (नर्सिंग) - मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान

बीएससी ओटी टेक्नोलॉजी - मेडिकल सूक्ष्मजैव विज्ञान

स्नातकोत्तर शिक्षण

पीएचडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

व्याख्यान - एक बार/सप्ताह जर्नल क्लब - एक बार/सप्ताह

एमडी (सूक्ष्मजैव विज्ञान)

- व्याख्यान/संगोष्ठी - एक बार/सप्ताह
- जर्नल क्लब - एक बार/सप्ताह
- शैक्षणिक - दो बार/माह
- प्रयोगात्मक अभ्यास प्रस्तुति - दो बार/माह
- विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पदस्थापना

डीएम (संक्रामक रोग)

- सेमिनार - एक बार/सप्ताह
- विभाग के विभिन्न अनुभागों में प्रयोगशाला पदस्थापना

अल्पावधि प्रशिक्षु: 15

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन:

1. 23 मार्च 2023 को विश्व क्षय रोग दिवस सीएमई, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
2. 31 अक्तूबर से 2 नवम्बर 2022 तक एम्स, नई दिल्ली में एम्स-आईसीएमआर-आईएसएमएम "स्वास्थ्य चिकित्सा कवक विज्ञान पर कार्यशाला" का आयोजन किया गया।
3. एपेक्स लैब के साथ ईक्यूएएस गतिविधि, राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान, पुणे, अगस्त 2022 और जनवरी 2023: प्रदर्शन: 100%
4. जुलाई 2022 और दिसंबर 2022 में ईक्यूएएस अनुसूची को 4 एचआईवी राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं को वितरित किया गया।
5. एचआईवी राज्य संदर्भ प्रयोगशाला हेतु कार्यशाला / प्रशिक्षण शिविर का आयोजन
   - ईक्यूएएस अनुसूची वितरण कार्यशाला - मार्च 2023 (आभासी/वर्चुअल) जिसमें चार राज्य संदर्भ प्रयोगशालाओं के प्रतिभागियों ने भाग लिया अर्थात् पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़; शासकीय मेडीकल कॉलेज, पटियाला; शासकीय मेडीकल कॉलेज; शिमला और एचआईवी प्रयोगशाला के कर्मचारी, एम्स।
6. आईसीएमआर-एनएआरआई द्वारा आयोजित ऑनलाइन एचआईवी प्रहरी निगरानी कार्यक्रम (एचएसएस-डीबीएस) प्रशिक्षण में सफलतापूर्ण हिस्सेदारी।
7. एचआईवी ईक्यूएएस - प्रतिभागियों के लिए एक दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला/प्रशिक्षण, आईसीटीसी प्रयोगशाला तकनीशियन: 14 मार्च 2022।
8. 4 फरवरी 2022 को एनएसीओ प्रयोगशाला पर सीडी4 लैब का प्रशिक्षण, प्रतिभागी: श्री आशुतोष शर्मा, तकनीकी अधिकारी, एचआईवी एनआरएल, एम्स।

प्रदत्त व्याख्यान: 37

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
19	27	37

मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुति की सूचीः 43

पिछले 3 वर्षों में दिए गए मौखिक पेपर / पोस्टर प्रस्तुति

2020-2021	2021-2022	2022-2023
24	25	43

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. लाइम रोग का चिकित्सीय और महामारी विज्ञान अध्ययन: भारत में एक बहु-केंद्रित कार्य बल अध्ययन (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) एक बहु-केंद्रित कार्य बल अध्ययन), डॉ राम चौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 90 लाख रुपये।
2. बैक्टीरियोफेज एंडोलिसिन: एमडीआर एसिनेटोबैक्टर एसपीपी के लिए एक वैकल्पिक रणनीति, डॉ. रमा चौधरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 45 लाख रुपये।
3. कोविड महामारी से उबरे हुए मामलों में क्लॉस्ट्रिडिओइड्स डिफिसाइल, वैनकोमाइसिन प्रतिरोधी एंटरोकोकी और कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरियासी के आहारनलिका उपनिवेशण का निर्धारण करने के लिए, डॉ. रमा चौधरी, एम्स आंतरिक, 1 वर्ष, 2022-2023, 10 लाख रुपये।
4. क्षेत्रीय वायरस अनुसंधान और चिकित्सीय प्रयोगशाला, डॉ. ललित डार, डीएचआर-आईसीएमआर, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2019, जारी परियोजना, ~5 करोड़ रुपये।
5. एचआईवी विषाणु लोड (वीएल) के लिए एनएकेओ क्षेत्रीय संदर्भ प्रयोगशाला, डॉ. ललित डार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2019, जारी परियोजना, ~40 लाख रुपये।
6. एचआईवी प्रारंभिक शिशु चिकित्सा (ईआईडी) के लिए एनएसीओ संदर्भ प्रयोगशाला, डॉ. ललित डार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, कोई निश्चित अवधि नहीं, 2012, जारी परियोजना, ~82 लाख रुपये।
7. 15 वर्ष से अधिक समय से एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी पर रहने वाले एचआईवी संक्रमित व्यक्तियों में विलंबता के एनएफ-केबी आधारित पुनः सक्रियण का मूल्यांकन: चिकित्सा के लिए एक खोज, डॉ. बिमल कुमार दास (डॉ. शेष प्रकाश मौर्य को युवा वैज्ञानिक सहभागिता), डीएचआर, एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 50,92,497 रुपये।
8. एचआईवी संक्रमित रोगियों में एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी से पहले और बाद में, टी कोशिकाओं की प्रतिक्रिया को संशोधित करने में बी-1 कोशिकाओं की भूमिका का मूल्यांकन: समूह अध्ययन, डॉ बिमल कुमार दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 50,40,572 रुपये।
9. भारतीय आबादी के बीच टाइफाइड संक्रमण के वाहक अवस्था के लिए प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन करना; संभावित समूह अध्ययन, डॉ. बिमल कुमार दास, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 1,01,52,555 रुपये।

10. राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स संदर्भ प्रयोगशाला के लिए, बाहय गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस), एम्स, दिल्ली, डॉ. बिमल कुमार दास, एनएसीओ, जारी, 2005, जारी, 13,93,800 रुपये प्रति वर्ष।

11. असम में निमोनिया के एकल बाल चिकित्सा मामलों में, स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया और हेमोफिलस सीरोटाइप वितरण और एंटीबायोटिक प्रतिरोध का अध्ययन, डॉ बिमल कुमार दास, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 38,18,360 रुपये।

12. जिआर्डिया इंटेस्टाइनलिस का प्रोटीन अध्ययन, चिकित्सीय स्पेक्ट्रम के साथ अलग-अलग होना और इसकी आक्रामक क्षमता (आईडी-2021-143-65) को एक्सट्रपलेशन करना, डॉ. बीआर मिर्धा, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2023, तकनीकी रूप से अनुमोदित, 2026, 45 लाख रुपये।

13. आईसीएमआर: उन्नत कवक विज्ञान निदान और अनुसंधान केंद्र (एएमडीआरसी), डॉ इमैक्युलाटा ज़ेस, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2022-2027, 500 लाख रुपये।

14. उत्तर भारत में यौन संचारित रोग क्लीनिकों में भाग लेने वाले उच्च स्तरीय जोखिम समूह (एमएसएम और एफएसडब्ल्यू) में माइकोप्लाज्मा जेनिटेलियम और इसके प्रतिरोध संकेतकों की व्यापकता पर बहु-केंद्रित अध्ययन, डॉ. बेनु धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 28,65,104 रुपये।

15. जननांग क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस के लिए संभावित पीओसीटी विकास के लिए एसईएलईएक्स तकनीक की खोज, डॉ. सीमा सूद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 49.8 लाख रुपये।

16. बैक्टीरियल वेजिनोसिस, पॉलीमाइक्रोबियल संक्रमण के देखभाल परीक्षण विकास के लिए, डॉ. सीमा सूद, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 51.0 लाख रुपये।

17. मेथिसिलिन-प्रतिरोधी स्टैफिलोकोकस ऑरियस (एमआरएसए) और एज़िथ्रोमाइसिन-प्रतिरोधी निसेरिया गोनोरिया (एनजी) का तीव्र विद्युत रासायनिक की खोज करना: एक नई रणनीति (2021-2024)), डॉ. सीमा सूद, एसईआरबी-टीएआरई, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 7.5 लाख रुपये।

18. ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका में कोविड-19 और क्षयरोग महामारी का महामारीविज्ञान प्रभाव और प्रतिच्छेदन, डॉ. उर्वशी बी सिंह, डीएसटी, 2 वर्ष, 2021-2023, 1.72 करोड़ रुपये।

19. फुफ्फुसीय और अतिरिक्त-फुफ्फुसीय क्षयरोग के निदान के लिए मूत्र से प्रोटीन संकेतकों का पता लगाने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित डायग्नोस्टिक किट का सत्यापन, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, मार्च 2022-2025 में स्वीकृत, 1.4 करोड़ रुपये।

20. राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत फील्ड सेटिंग्स में मल्टीड्रग प्रतिरोधी तपेदिक और वृहद रूप से दवा प्रतिरोधी क्षयरोग का पता लगाने के लिए स्वदेशी प्रारूपी किट के परिचालन व्यवहार्यता और प्रदर्शन, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 40 लाख रुपये।

21. एमडीआर और एक्सडीआर टीबी के लिए तीव्र आणविक औषधि प्रतिरोधी खोज के लिए, सतह प्लाज्मन अनुनाद सरणी बायोसेंसर का विकास, डॉ. उर्वशी बी. सिंह, आईसीएमआर, 2 साल, मार्च 2023-2025 में स्वीकृत, 40 लाख रुपये।

22. एमडीआर-टीबी और एक्सडीआर-टीबी में ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स का तेजी से पता लगाने के लिए सतह संवर्धित रमन प्रकीर्णन (एसईआरएस) आधारित जैव संकेतक का विकास, डॉ. उर्वशी बी सिंह, एम्स-आईआईटीडी, 1 वर्ष, सितंबर 2022-2023 में स्वीकृत, 5 लाख रुपये।

23. फेनोटाइपिक और जीनोटाइपिक विधियों का उपयोग करके, भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में समुदायिक-हालात से, यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली से जुड़े सामान्य विषाणु निर्धारकों की व्यापकता को निर्धारित करने के लिए, डॉ. सरिता महापात्रा, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2023, रु.553400.00।

24. रक्त प्रवाह संक्रमण/सेप्सिस, मूत्रमार्ग संक्रमण या निमोनिया वाले रोगियों से, कार्बापेनम-प्रतिरोधी ग्राम-नकारात्मक बेसिली के लिए, सेफिडेरोकोल की इन विट्रो संवेदनशीलता, डॉ.सरिता महापात्रा, वित्तीय सहायता प्राप्त (आंतरिक), 2 वर्ष, 2021-2023, 9.7 लाख रुपये।

25. विषाणु हेपेटाइटिस की निगरानी के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम, डॉ आशीष चौधरी, एमओएचएफडब्ल्यू, 5 वर्ष, 2019-2024, ~ 95 लाख रुपये।

26. चिकित्सीय और पर्यावरण नमूनों से क्रिप्टिक एस्परगिलस प्रजातियों की आणविक महामारी विज्ञान और इन-विट्रो एंटीफंगल संवेदनशीलता, डॉ. गगनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35 लाख रुपये।

27. आक्रामक फंगल संक्रमण वाले मरीजों में, एंटीफंगल चिकित्सा और परिणामों के उचित उपयोग पर एक संस्थागत एंटीफंगल स्टीवर्डशिप प्रोग्राम (एएफएसपी) का कार्यान्वयन, डॉ. गगनदीप सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 48 लाख रुपये।

28. एस्चेरिचिया कोली पैथोटाइप की जीनोमिक प्रोफाइलिंग के लिए, तेजी से फैलने वाला और अस्पताल द्वारा प्राप्त विभिन्न चिकित्सीय नमूनों से विषाणु और रोगाणुरोधी प्रतिरोधी संकेतकों की पहचान करने के लिए, डॉ हितेंद्र गौतम, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड एसईआरबी (डीएसटी के तहत), 2 साल, 2022-2024, 45,45,816 रुपये।

29. आईसीयू में उपनिवेशण या निर्जंतुकीकरण सूजन से संक्रमण को अलग करने के लिए, साइट-विशिष्ट जैवसंकेतक, डॉ हितेंद्र गौतम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 73,39,362 रुपये।

30. इंटरोबैक्टीरियासी के चिकित्सीय आइसोलेट्स में, इसेपामिसिन की इन विट्रो संवेदनशीलता और एमिनोग्लाइकोसाइड संशोधित एंजाइम प्रतिरोध तंत्र के साथ इसका सह-संबंध, डॉ हितेंद्र गौतम, एम्स में आंतरिक परियोजना, 1 वर्ष, 2020-2022 (एक वर्ष तक विस्तारित), 4,82,500 रुपये।

31. प्रतिरक्षा कोशिकाओं में परमाणु कारक कप्पा बी (एनएफ-केबी) गतिविधि पर कोविड-19 संक्रमण के आने के बाद के प्रभाव: दीर्घकालिक जटिलताओं में मित्र या शत्रु? कोविड-19 के लिए अंतर अनुशासन आईएमआरजी 2020-21, डॉ हितेंद्र गौतम, एम्स में कोविड-19 आंतरिक परियोजना के लिए अंतर-अनुशासन, 1 वर्ष, 2021-2022, 9,95,000 रुपये।

32. सामुदायिक अस्पताल में गर्भवती महिलाओं में लक्षण रहित मलेरिया संक्रमण की तीव्रता, डॉ. निशांत वर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2018-2019 (इस वर्ष भी काम जारी रहा), 4,98,00 रुपये।

33. लाइम रोग का चिकित्सीय और महामारी विज्ञान अध्ययन: भारत में एक बहु-केंद्रित कार्य बल अध्ययन, डॉ. निशांत वर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 3,86,71,240 रुपये।

34. हर्पीस संकेतन वायरस में वायरसरोधी दवा प्रतिरोध के लिए, फेनोटाइपिंग और जीनोटाइपिंग के साथ, जननांग अल्सर रोग की विस्तारित वायरल कारण संबंधी जांच, डॉ. मेघा बृजवाल, आईसीएमआर दिल्ली, 3 साल, 2023-2025, ~ 59 लाख रुपये।

35. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरस जैसे प्रकोप प्रवण श्वसन रोगजनकों की जीनोमिक अनुक्रमण के लिए, श्वसन क्षमता को मजबूत करना, डॉ. मेघा बृजवाल, सीडीसी, एपीएचएल, 5 महीने, 2023-2023, ~ 40 लाख रुपये।

36. देखभाल का स्थान, अतिरिक्त-फुफ्फुसीय क्षयरोग के लिए, एक नैदानिक उपकरण के रूप में, मूत्र लिपोअरबिनोमनन प्रतिजन (एलएएम) का पता लगाना, डॉ. किरण बाला, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 4.94 लाख रुपये।

37. एसएआरएस सीओवी-2 महामारी के बीच क्षयरोग की बदलती महामारी विज्ञान, डॉ. किरण बाला, एम्स, आंतरिक, 2 वर्ष, 2021-2023, 7.14 लाख रुपये।

पूर्ण

1. बैक्टीरिया और खमीर के विकास को रोकने के लिए सुपरहाइड्रोफोबिक कैथेटर का विकास, डॉ. इमैक्युलाटा ज़ेस, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
2. पारंपरिक और आणविक तरीकों का उपयोग करके, कोविड रोगियों में आक्रामक म्यूकोर्मिकोसिस का निदान, डॉ. इमैक्युलाटा ज़ेस, एम्स आंतरिक, 1 वर्ष, 2021-2022, 5 लाख रुपये।
3. हार्डवेयर प्रत्यारोपण के साथ, स्वच्छ आर्थोपेडिक सर्जरी वाले मरीजों के बीच, सर्जिकल साइट संक्रमण में बंडल हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, डॉ बेनु धवन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 43,01,220 लाख रुपये।
4. आणविक विशेषता, जैवफिल्म निर्माण, इन विट्रो फंगलरोधी संवेदनशीलता म्यूकोरेल्स के कारण, कोविड संबंधित म्यूकोर्मिकोसिस (सीएएम), डॉ गगनदीप सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2022, 5 लाख रुपये।
5. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया और फंगल रोगज़नक़ के विरुद्ध, रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए, ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, डॉ. गगनदीप सिंह, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपये।
6. बुखार संबंधी न्यूट्रोपेनिक रोगियों के बीच, एनएमआर और मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा बैक्टीरिया, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और अस्पताल द्वारा प्राप्त संक्रमण के लिए जैवसंकेतक", डॉ हितेंद्र गौतम, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 36,46,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएं

वर्तमान में जारी परियोजनाएं

1. क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के उपचार के लिए पार्श्व प्रवाह परीक्षण का मूल्यांकन।
2. कोविड और गैर-कोविड रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण की महामारी विज्ञान।
3. क्षयरोग के संदिग्ध रोगियों में हिस्टोप्लाज्मोसिस की व्यापकता।
4. एसीएलएफ रोगियों में आक्रामक फंगल संक्रमण - एक संभावित अध्ययन।
5. उत्तर भारत के तृतीय अस्पताल में कैथेटर से संबंधित रक्त प्रवाह संक्रमण का उपचार - एक संभावित अध्ययन।
6. तृतीय देखभाल अस्पताल में भाग लेने वाले, एचआईवी संक्रमित रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, निसेरिया गोनोरिया और ट्रेपोनेमा पैलिडम की जांच किया जाना।
7. तीव्र पित्तवाहिनीशोथ के रोगियों की चिकित्सीय - सूक्ष्मजैवीय रूपरेखा।
8. एप्टामर्स का उपयोग करके पीओसीटी का विकास: एक प्रतिमान के रूप में निसेरिया गोनोरिया
9. एमआरएसए और एज़िथ्रोमाइसिन-प्रतिरोधी एनजी का तेजी से विद्युत रासायनिक पता लगाना: एक नवीन रणनीति
10. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) से जुड़े बैक्टीरिया का पता लगाने में एप्टामर तकनीक की भूमिका।
11. एमएसएम में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस और निसेरिया गोनोरिया सहसंक्रमण।
12. असम में बाल चिकित्सा निमोनिया के मामलों में स्ट्रेप्टोकोकस निमोनिया और हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा सीरोटाइप वितरण और आइसोलेट्स में एंटीबायोटिक प्रतिरोध।
13. गैर-गोनोकोकल मूत्र पथ संक्रमण (एनजीयू) पैदा करने वाले वायरल रोगजनकों की आणविक खोज करना।
14. रक्त प्रवाह संक्रमण/सेप्सिस, मूत्र पथ संक्रमण या निमोनिया वाले मरीजों से कार्बापेनम-प्रतिरोधी ग्राम-नकारात्मक बेसिली के विरुद्ध सेफिडेरोकोल की इन विट्रो संवेदनशीलता।
15. बैक्टेरिमिया में एरोबिक बैक्टीरियल आइसोलेट्स के लिए पारंपरिक और स्वचालित समूह की तुलना।
16. बाल चिकित्सा ल्यूकेमिया (एएलएल और एएमएल) में मानव साइटोमेगालोवायरस (एचसीएमवी) रोग (डॉ आशीष चौधरी)।
17. 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों में विशिष्ट और असामान्य एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई के कारण अत्याधिक दस्त रोग।
18. बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस और रक्त प्रवाह संक्रमणों से, व्यापक रूप से, दवा प्रतिरोधी (एक्सडीआर) एसिनेटोबैक्टर बाउमानी, और क्लेबसिएला न्यूमोनिया चिकित्सीय समाधान के विरुद्ध ओमाडासाइक्लिन की इन विट्रो संवेदनशीलता।

19. नियमित रूप से उपयोग किए जाने वाले चिकित्सीय रेडियोफार्मास्यूटिकल्स की गुणवत्ता नियंत्रण परीक्षण।
20. सेप्सिस के बाद के लक्षणों के दीर्घकालिक परिणाम और व्यापकता।
21. मेडिकल आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के बीच मध्य लाइन से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण और जीवाणु संदूषण: एक भावी अवलोकन अध्ययन।
22. कोविड-19 से स्वस्थ्य हुए स्वास्थ्य कर्मचारियों के मध्य प्रतिरक्षी की प्रतिक्रिया।
23. विभिन्न प्रणालीगत रोग, जैसे हृदय वाहिनी रोग और समय से पहले जन्म और मौखिक रोगजनकों पर नीम की पत्ती तथा अन्य हर्बल औषधि अर्क के प्रभाव के साथ, मौखिक संक्रमण में सूक्ष्मजीव रोगजनकों का जुड़ना (टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी)।
24. चिकित्साकर्मियों के लिए अल्ट्रासाउंड जांच-पड़ताल सफाई का विकास और मानकीकरण।
25. एचआईवी-सेरोपॉजिटिव रोगियों में माइक्रोस्पोरीडिया की पहचान और लक्षणों का वर्णन।
26. कार्बापेनम प्रतिरोधी एंटरोबैक्टेरेल, कार्बापेनम प्रतिरोधी एसिनेटोबैक्टर बाउमैनी और कठिन क्लॉस्ट्रिडिओइड्स के लिए, रोग वाहकों का पता लगाने के लिए, प्रतिजैविक दवाओं पर भर्ती मरीजों के मल नमूनों की जांच।
27. हर्पीज़ सिम्प्लेक्स वायरस पॉजिटिव चिकित्सीय पृथक सह-लक्षण में थाइमिडीन किनेज़ जीन बहुरूपता का अध्ययन।
28. रक्तविज्ञान संबंधी विकारों वाले रोगियों में पार्वोवायरस बी19 संक्रमण का पता लगाना।

पूर्ण परियोजनाएं

1. जीवाणुहीन पायरिया के रोगियों में क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, यूरिया प्लाज़्मायूरेलिटिकम, माइकोप्लाज्मा होमिनिस और माइकोप्लाज्मा जननांग की घटना।
2. जननांग और अतिरिक्त-जननांग स्थलों पर क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस, निसेरिया गोनोरिया और जेनिटल माइकोप्लाज्मा की व्यापकता और लक्षण वर्णन।
3. निसेरिया गोनोरिया के लिए वैकल्पिक रोगाणुरोधी संयोजनों का इन विट्रो मूल्यांकन।
4. बुखार संबंधी न्यूट्रोपेनिक रोगियों के बीच एनएमआर और मास स्पेक्ट्रोमेट्री द्वारा बैक्टेरिमिया, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और अस्पताल से प्राप्त संक्रमण के लिए जैव संकेतक।
5. एंटरोबैक्टीरियासी के चिकित्सीय पृथक सहलक्षण में इसेपामिसिन की इन विट्रो संवेदनशीलता और एमिनोग्लाइकोसाइड संशोधित एंजाइम प्रतिरोध तंत्र के साथ इसका सहसंबंध।
6. हाइपरविरुलेंट क्लेबसिएला निमोनिया की पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता के नमूने बनाना।
7. केंद्रीय शिरापरक कैथेटर से जुड़े शिरापरक रक्त जमाव की घटनाएं, उसके जोखिम कारक तथा जटिलताएं।

8. एएमएल के लिए मानक इंडक्शन कीमोथेरेपी या स्वयंसिद्ध एचएससीटी के लिए कंडीशनिंग प्राप्त करने वाले मरीजों में बहु-औषधि प्रतिरोधी बैक्टीरिया द्वारा आंत उपनिवेशण की घटना और प्रभाव।
9. न्यूनतम आक्रामक ऊतक नमूनाकरण (एमआईटीएस) का उपयोग करके वयस्कों में मृत्यु का कारण निर्धारित करने के लिए एक अनुप्रस्थ-भाग का अध्ययन।
10. उत्तर भारत में तृतीय देखरेख अस्पताल में इयोसिनोफिलिया के रोगियों में परजीवी संक्रमण की व्यापकता।
11. एलोजेनिक हेमेटोपोएटिक मूल कोशिका प्रतिरोपण वाले रोगियों में बीके और जेसी पॉलीओमावायरस का पता लगाना (डॉ मेघा बृजवाल)।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. इन्फ्लूएंजा और अन्य श्वसन वायरसों पर सीडीसी-एम्स सहकारी समझौता परियोजनाएं, रोग नियंत्रण केंद्र (सीडीसी), अटलांटा (यूएसए) और सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स।
2. एचपीवी से जुड़ी घातक बीमारियों का शीघ्रता से पता लगाने वाला देखभाल स्थान (राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एनआईएच, यूएसए), प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग।
3. कार्यात्मक अपच (डीएमआईडी), जठरांत्ररोगविज्ञान, रोगविज्ञान के रोगियों में छोटी आंत संबंधी इओसिनोफिलिया के साथ आंत्र परजीवी संक्रमण के संबंध का पता लगाना। आंतरिक चिकित्सा।
4. बुखार के रोगियों में सूक्ष्मदर्शी मलेरिया पर विशेष ध्यान देने के साथ मलेरिया का पता लगाना, प्लास्मोडिया प्रजातियों का लक्षण वर्णन और उपचारिक प्रभाव (एमडी), आंतरिक चिकित्सा, बाल चिकित्सा का सहसंबंध।
5. कोविड-19 से जुड़े म्यूकोर्मिकोसिस में साइनो-नासल माइकोबायोम की आवृत्ति, खतरनाक-कारकों और विशेषताओं पर एक अध्ययन, मेडिसिन विभाग।
6. लैक्टोफेरिन का प्रतिरोधी प्रभाव, एक प्राकृतिक शक्तिशाली रोगाणुरोधी पेप्टाइड है, जो जन्मजात प्रतिरक्षा प्रोटीन, लैक्टोफेरिन से प्राप्त होता है और बायोफिज़िक्स विभाग के उपचार विज्ञान में म्यूकोर्मिकोसिस का उपयोग होता है।
7. मेडिसिन विभाग के पोस्टमार्टम न्यूनतम आक्रामक ऊतक नमूनाकरण का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार वेंटीलेटेड रोगियों में आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के उपचार के लिए बीएम-एएसपीआईसीयू कलन विधि को मान्य करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन।
8. अस्पताल प्रशासन विभाग, महामारी की तैयारी के लिए जैवचिकित्सा अपशिष्ट (बीएमडब्ल्यू) प्रबंधन सहित संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी) में स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम।
9. विकलांग चिकित्सा संबंधी प्रत्यारोपण संक्रमण के निदान में 9एम-टीसी-यूबिक्विसिडिंससिंटिग्राफी की भूमिका, नाभिकीय औषधि विभाग।

10. पुनरीक्षण के उपचारिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम पेरिप्रोस्थेटिक संयुक्त संक्रमण में संयुक्त प्रतिस्थापन सर्जरी: एक द्विपक्षीय अध्ययन, विकलांग चिकित्सा विभाग।
11. उपचार से पहले और बाद में जीवाणु योनिशोथ से प्रभावित महिलाओं में योनि सूक्ष्मजीव और चयापचय का विश्लेषण और पुनरावृत्ति या पुनरावृत्ति के साथ उनका संबंध, त्वचाविज्ञान, एम्स।
12. गर्भाशय के कैंसर के लिए वैकल्पिक लारमय निदान रणनीतियों की खोज, जैवभौतिकी, एम्स।
13. मृत्यु के बाद न्यूनतम आक्रामक ऊतक नमूनाकरण का उपयोग करके गंभीर रूप से बीमार वेंटिलेटेड रोगियों में आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के निदान के लिए बीएम-एएसपीआईसीयू कलनविधि की अभिपुष्टि करने के लिए एक प्रारंभिक अध्ययन, औषधीय, एम्स।
14. वयस्क आईसीयू में वीएई की घटना और विशेषताएं, औषधीय, एम्स।
15. रोगाणुरोधी प्रतिरोध पर अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली।
16. हाल ही में उपचार किए गए थूक पॉजिटिव फुफ्फुसीय क्षयरोग वाले वयस्कों में रिफैम्पिसिन, आइसोनियाज़िड, पायराजिनमाइड और एथमब्यूटोल के साथ दिए जाने पर मेटफॉर्मिन की जीवाणुरोधी गतिविधि, फार्माकोकाइनेटिक्स, सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण आईआईबी मुक्त लेबल यादृच्छिक नियंत्रित चिकित्सीय परीक्षण: 8 सप्ताह का अध्ययन, फुप्फुसीय औषधि और नींद विकार, एम्स।
17. चरण III, यादृच्छिक, दोहरा ब्लाइंड, प्रयोगिक औषध नियंत्रित परीक्षण वीपीएम1002 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए, आईसीएमआर, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त, नए उपचार किए गए थूक पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी (पीटीबी) रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में क्षयरोग की रोकथाम में इम्यूनोवैक टीके।; 2018-20, फुप्फुसीय औषधि और नींद संबंधी विकार, एम्स।
18. "अस्पष्टीकृत जनन अक्षमता", स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग से पीड़ित महिलाओं में क्षयरोग और जननांग कस्मीद ट्रैकोमैटिस संक्रमण की भूमिका।
19. मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में, ऊर्जावान पोषण पूरक (ईडीएनएस) की प्रभावकारिता, कुपोषित नए उपचारित थूक सकारात्मक फुफ्फुसीय क्षयरोग, वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र (सीसीएम)।
20. महिला जननांग क्षयरोग, स्त्री रोग एवं प्रसूति रोग के शीघ्र उपचार में आरएनटीसीपी अनुशंसित तरीकों के विरूद्ध नए आणविक तरीकों और एंटीजन आधारित नैदानिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन।
21. भारत में जिला अस्पताल की परिस्थिति में बहुऔषधी-प्रतिरोधी नवजात रोगाणुता का भार, बाल रोग विभाग।
22. एक्सडीआर एसिनेटोबैक्टर बाउमानी के चिकित्सीय अलगाव में एरावासाइक्लिन वी/एस टाइगेसाइक्लिन की इन-विट्रो संवेदनशीलता और प्रतिरोध तंत्र का अध्ययन, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग।

23. आपातकालीन चिकित्सा में आने वाले संक्रमण के संदिग्ध रोगियों के जीवाणुओं की वृद्धि नमूनों के आधार पर एक प्रतिजैविक विकसित करना, आपातकालीन विभाग।

24. मेडिकल आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के बीच मध्य लाइन से जुड़े रक्तप्रवाह संक्रमण और जीवाणु संदूषण: एक संभावित अवलोकन अध्ययन, चिकित्सा विभाग।

25. 5 साल से कम उम्र के बच्चों में, विशिष्ट और असामान्य एंटरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोलाई के कारण अत्याधिक दस्त रोग, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग।

26. बाल रोगियों के बीच अत्याधिक बैक्टीरियल मैनिंजाइटिस में साइटोकिन्स और प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का एक अध्ययन, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग।

27. बहु-औषधी प्रतिरोधी और वृहदरूप से दवा प्रतिरोधी एंटरोबैक्टीरल्स-व्यापकता, उपचार और परिणाम-एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन, चिकित्सा विभाग।

28. एमडीआर और एक्सडीआर ग्राम-नकारातमक बेसिली के कारण वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया की उपचारिक प्रोफ़ाइल और परिणाम, चिकित्सा विभाग।

29. एएमआर-शिक्षित: संक्रमण और रोगाणुरोधी प्रतिरोध खतरे के विरूद्ध स्थायी भविष्य के लिए एक बहुराष्ट्रीय और अंतःविषय अनुसंधान-एकीकृत शिक्षा साझेदारी, अंर्तराष्ट्रीय (इंडो-नॉर्वे)।

30. ओएच-एएमआर निदान: एक स्वास्थ्य परिप्रेक्ष्य से एएमआर की तेजी से पहचान और जांच के लिए नवीन तकनीकी समाधान, अंर्तराष्ट्रीय (इंडो-नॉर्वे)।

31. महामारी के लिए जैवचिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन सहित संक्रमण, रोकथाम और नियंत्रण में स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए राष्ट्रीय क्षमता निर्माण, यूएसएआईडी और जेएचपीआईईजीओ, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्तीय सहायता प्राप्त।

32. एपीपी-डीआईपी: कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में संक्रमण का शीघ्र पता लगाने के लिए एआई आधारित पूर्वानुमान उन्नत स्थान का विकास। जैव प्रौद्योगिकी में भारत-स्वीडन सहयोग (आईआईटीडी) और एम्स, नई दिल्ली के तहत संयुक्त रूप से मंजूरी दी गई। इंडो (डीबीटी)-स्वीडन सहयोग, आईआईटी-डी और मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली के साथ जैव प्रौद्योगिकी में इंडो-स्वीडन सहयोग।

33. रुधिर विन आघात वाले सर्जिकल रोगियों के ऑपरेशन के पूर्व प्रबंधन में एस्कॉर्बिक एसिड, थायमिन और कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स के प्रारंभिक प्रशासन का उपयोग करके चयापचय पुनर्जीवन: एक अन्वेषणात्मक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी विभाग।

34. बच्चों में घातक जीवाण्विक मस्तिष्क ज्वर की रोगकारण विज्ञान निर्धारित करने के लिए बहु-केंद्रित संभावित अस्पताल आधारित प्रहरी निगरानी, केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, केआईएमएस अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, केम्पेगौड़ा चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बैंगलोर।

35. संक्रमण के कारण होने वाले अज्ञात उत्पत्ति का पाइरेक्सिया (पीयूओ) वाले मरीजों में निर्णय समर्थन कलन विधि की स्थापना में काल्पनिक कार्यकर्ता के रूप में रेडियो-चिन्हित प्रतिजैविक दवाओं की उपयोगिता और अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक उपचारिक परिणामों पर इसका प्रभाव, परमाणु चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

36. उत्तर भारत में तृतीय देखभाल केंद्र में तीव्र, सूक्ष्म और दीर्घकालिक मस्तिष्क ज्वर/मस्तिष्क शोथ विज्ञान से पीड़ित शिशुओं, बच्चों और किशोरों की रोगकारक विज्ञान की रूपरेखा, तंत्रिका विज्ञान विभाग, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
37. कोविड-19 महामारी को ध्यान में रखते हुए मानव जोखिम को कम करने के लिए फर्श की सफाई में रोबोट की प्रभावशीलता, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
38. स्वच्छता, गृहव्यवस्था और सुरक्षा सेवाओं में शामिल स्वास्थ्य कर्मचारियों के बीच कोविड-19 आईजीजी रोगप्रतिकारक की सेरोप्रवालता का निर्धारण, अस्पताल प्रशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पूर्ण परियोजनाएं

1. सिनो-नासिक और खोपड़ी के आधार पर तेजी से फैलनेवाले कवकीय रोगों के परिणाम की भविष्यवाणी में विभिन्न उपचारिक और प्रतिरक्षा विज्ञानी मापदंडों का मूल्यांकन: एक वर्णनात्मक अध्ययन, नाक, कान और गले रोग विभाग।
2. चिकित्सा विभाग के तृतीय देखभाल अस्पताल में भाग लेने वाले क्रोनिक पल्मोनरी एस्परगिलोसिस वाले रोगियों के उपचारिक रूपरेखा और उपचार परिणाम पर एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
3. कैंडिडा ऑरिस: स्वास्थ्य देखभाल परिस्थिति में संक्रमण, नवीन विस्तार और फैलाव का जोखिम, चिकित्सा विभाग।
4. सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, कोविड-19 महामारी के प्रतिउत्तर में प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के लिए एक ऐप-आधारित द्विभाषी ई-लर्निंग इकाई विकसित करना।
5. रोगी पर्यावरणीय वायु में सूक्ष्मजीव भार सहित वायु गुणवत्ता पर, वायु गुणवत्ता के हस्तक्षेप का प्रभाव, अस्पताल प्रशासन विभाग।
6. कोविड महामारी के बाद के रोगियों के नासीय टर्बाइनेट्स में म्यूकोरेल्स का पता लगाने के लिए प्रारंभिक जांच उपकरण के रूप में नासीय स्वाब पट्टी पीसीआर का मूल्यांकन, चिकित्सा विभाग।
7. कोविड-19 के मरीजों में म्यूकोर्मिकोसिस का शीघ्र पता लगाने के लिए रक्त वास्तविक समय पीसीआर की उपयोगिता, ओन्को-एनेस्थीसिया विभाग।
8. दीर्घकालिक फुप्फुसीय ऐस्पर्जिल आर्ति के रक्षी उपचार के लिए एलडी जैवीय ऐस्पर्जिल आर्ति आईसीटी पार्श्व प्रवाह परीक्षण की प्रभावकारिता, मेडिसिन विभाग।
9. उपचार से पहले और बाद में जीवाण्विक योनीशोथ से प्रभावित महिलाओं में योनि सूक्ष्मजीव और चयापचस का विश्लेषण और पुनरावृत्ति, या पुनरावृत्ति के साथ उनका सह-संबंध, त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विभाग।
10. मिश्रित योनि संक्रमण के रोगियों में क्लिंडामाइसिन 100 मिलीग्राम और क्लोट्रिमेज़ोल 100 मिलीग्राम बनाम क्लोट्रिमाज़ोल 100 मिलीग्राम, योनि वर्तिका के निश्चित खुराक संयोजन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक चरण-IV, डबल ब्लाइंड, तुलनात्मक, संभावित, बहुकेंद्रित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग, एम्स।

11. बीवी में चयापचय की उपचारिक/या पूर्वानुमानित क्षमता का विश्लेषण, इसके उपचार की विफलता, पुनरावृत्ति और अन्य एसटीआई के प्रति संवेदनशीलता, त्वचा विज्ञान, एम्स।
12. एसिनेटोबैक्टर बाउमैनी वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया (वीएपी) के लिए सल्बैक्टम संयोजन चिकित्सा का इन विट्रो मूल्यांकन, औषधि विभाग, एम्स।
13. आईवीएफ-ए से गुजर रही नलिका और अस्पष्टीकृत जनन-अक्षमता वाली महिलाओं में दीर्घकालिक गर्भाशय झिल्लीशोध में हिस्टेरोस्कोपी, हिस्टोपैथोलॉजी और आणविक सूक्ष्मजीव विज्ञान की उपचारक क्षमता का मूल्यांकन, एक प्रत्याशित वर्ग का अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग, एम्स।
14. भारतीय जनसंख्या में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए: एकल गुप्त, समानांतर समूह, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, चिकित्सा विभाग।
15. मधुमेह रोगियों में मूत्र पथ के संक्रमण की चिरकालिक प्रवृत्ति और उनकी प्रतिजैविक संवेदनशीलता, अंतः श्राव विज्ञान और चयापचय विभाग।
16. दवा प्रतिरोधी जीवाण्कि और फंगल रोगज़नक़ के विरूद्ध इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, आईआईटी, नई दिल्ली।
17. निर्धारित औषधी नमूना निगरानी तंत्र के साथ, संयुक्त रक्त प्रवाह संक्रमण के रोगियों में, पारंपरिक प्रसंस्करण पर एमएएलडीआई-टीओएफ एमएस का उपयोग करने की उपचारिक प्रभावकारिता: एक पूर्व-पोस्ट अर्ध प्रायोगिक अध्ययन, चिकित्सा विभाग।
18. अपरिपक्व और समय वाले नवजात शिशुओं में नाभि रग रक्त समूह सकारात्मकता: संभावित संगी अध्ययन, बाल रोग विभाग।
19. एक्टेरियोफेज एंडोलिसिन: सुपरबग एमडीआर एसिनेटोबैक्टर एसपीपी के लिए एक वैकल्पिक रणनीति, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग।
20. कैरिएस सक्रिय बच्चों में सूक्ष्मजीवों की गिनती पर क्रैनबेरी अर्क मुंह सफाई बनाम सोडियम फ्लोराइड मुंह सफाई की प्रभावशीलता - एक द्वी पक्षीय गुप्त यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, दंत चिकित्सा अनुसंधान और शिक्षा केंद्र।
21. नवजात शिशुओं में त्वचा के एंटीसेप्सिस के लिए दो अलग-अलग क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट तैयारी की प्रभावशीलता: एक गैर-निम्नता यादृच्छिक परीक्षण, बाल रोग विभाग।
22. प्रतिरक्षा कमज़ोर मेजबानों के पेट में संक्रमण: एक रेडियोलॉजिकल, सूक्ष्मजीवविज्ञानी और उपचारिक सहसंबंध, रक्त रोग विज्ञान विभाग।
23. नियो एएमआर वैश्विक अवलोकन अध्ययन: अस्पताल में भर्ती नवजात शिशुओं में सेप्सिस का एक संभावित समूह अध्ययन, बाल रोग विभाग।
24. कोरोना वायरस रोग 19 संक्रमण में मलेरिया-रोधी रोग प्रतिकारक स्तर और रोग परिणामों का संबंध, चिकित्सा विभाग।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजना	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएँ	49	62	43
कुल फंडिंग (लाख में)	589.7 रुपये	869.4 रुपये	1179.46 रुपये

प्रकाशन

जर्नल: 83 **सार: 15** **पुस्तक में अध्याय: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मदें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	102	105	99
जर्नल आलेख	90	91	83
सार	0	9	15
पुस्तकों में अध्याय	2	5	1
पुस्तकें	1	0	0

रोगी उपचार:

सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग ने वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 2,27,322 परीक्षण किए।

परख/परीक्षण/जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या	परख/परीक्षण/जांच का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या
क्षय रोग एवं सीबीएनएएटी कोविड प्रयोगशाला		**जीवाणु विज्ञान प्रयोगशाला**	
टीबी परीक्षण		श्वसन नमूने	
जीन एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ	3079	नमूने और पहचान	21,310
ज़ेडएन स्मियर के लिए संसाधित नमूने	9573	रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण	8,305
माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस के लिए पीसीआर	4360	कुल	29615
एमजीआईटी 960 पर रैपिड कल्चर	2698	सीएसएफ/जीवाणुरहित नमूने: नमूने और पहचान नियमित रोगी देखभाल के लिए सीएसएफ नमूनों का स्वचालित संवर्धन	6921 2956
एलजे माध्यम पर संवर्धन	7821	मल के नमूने: संवर्धन और पहचान	1856

ट्रूनेट *(जनवरी 2023 में प्रारम्भ)	338	सीएसएफ/स्टेराइल नमूने- स्वचालित रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण (VITEK-2)	821
एमजीआईटी डीएसटी	50	बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के लिए सीएसएफ नमूनों से लेटेक्स एग्लूटिनेशन (एंटीजन डिटेक्शन)	618
कुल	**27919**	**कुल**	**10216**
कोविड परीक्षण		**यौन संचारित रोग प्रयोगशाला**	
जीन एक्सपर्ट	4723	संवर्धन (नियमित/एनजी)	
ट्रूनेट	2590	उच्च योनि स्वैब (एचवीएस)	524
कुल	7313	वीर्य	1188
अवायवीय प्रयोगशाला		व्यक्त प्रोस्टेटिक स्राव (ईपीएस)	29
क्लॉस्ट्रिडिओइड्स डिफिसाइल		यूरेथ्रल डिस्चार्ज	206
सी. डिफिसाइल के लिए मल के नमूने	568	सर्वाइकल डिस्चार्ज	162
सी. डिफिसाइल एलिसा के लिए मल के नमूने	568	योनि स्राव	05
		ग्रसनी स्वाब	132
एनारोबिक कल्चर के लिए नमूने (रक्त, पित्त, बीएएल, सीएसएफ, ऊतक)	**498**	**रेक्टल स्वैब**	**132**
विशेष जीवाणु रोगज़नक़ प्रयोगशाला (एसबीपीएल)		**एंडोमेट्रियल एस्पिरेट**	**18**
लेप्टोस्पाइरा		**कुल**	**2396**
लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के कल्चर के लिए साइट्रेट रक्त के नमूने	677	माइक्रोस्कोपी	
		बीवी के लिए योनि स्वैब	16
लेप्टोस्पाइरा एसपीपी के कल्चर के लिए मूत्र के नमूने	677	कुल	
लेप्टोस्पाइरा आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	677	एनजी के लिए पीसीआर	
यूरिन डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	677	यूरेथ्रल डिस्चार्ज	206
प्लाज्मा डार्क ग्राउंड माइक्रोस्कोपी	677	योनि स्राव	07

लेप्टोस्पाइरा पीसीआर	9	सरवाइकल डिस्चार्ज	162
स्क्रब टाइफस और रिकेट्सिया		रेक्टल स्वाब	132
स्क्रब टाइफस के लिए आईजीएम एलिसा	717	ग्रसनी स्वाब	132
स्क्रब टाइफस के लिए आईएफए	31	कुल	3051
स्क्रब टाइफस के लिए आईसीटी	117	**माइकोलॉजी प्रयोगशाला**	
स्क्रब टाइफस पीसीआर	287	**डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी/कल्चर**	
स्क्रब नेस्टेड रीयल-टाइम पीसीआर (56 केडीए जीन)	51	ब्लड कल्चर/अस्थि मज्जा/रक्त बैक्टेक	2254
रिकेट्सिया स्पॉटेड फीवर ग्रुप आईजीएम एलिसा	140	श्वसन (बीएएल, थूक, श्वासनली एस्पिरेट)	7303
रिकेट्सिया नेस्टेड पीसीआर जीएलटी जीन	2	मूत्र	1664
रिकेट्सिया वास्तविक समय पीसीआर जीएलटी जीन	211	सीएसएफ	1736
बार्टोनेला		ऊतक/बायोप्सी	1053
बार्टोनेला संवर्धन के लिए नमूने	34	त्वचा स्क्रैपिंग/नाखून/बाल	388
बार्टोनेला आईएफए (आईजीजी) के लिए नमूना	30	द्रव (पेरिटोनियल, पेरीकार्डिया और एसिटिक द्रव)	1083
बार्टोनेला आईएफए (आईजीएम) के लिए नमूना	31	पुस	582
बार्टोनेला पीसीआर के लिए नमूना	34	विविध (प्लेट्स, स्वाब, कैथेटर टिप्स)	1700
लीजियोनेला न्यूमोफिला		कुल	17763
लीजियोनेला सीरोलॉजी	98	**फंगल सीरोलॉजी/एंटीफंगल/ टीडीएम/पीसीआर**	
लीजियोनेला पीसीआर	140	क्रिप्टोकोकल एंटीजन	1816
लीजियोनेला मूत्र प्रतिजन	97	गैलेक्टोमैनन प्रतिजन	6415
माइकोप्लाज्मा न्यूमोनिया		मूत्र हिस्टोप्लाज्मा एंटीजन	217
माइकोप्लाज्मा आईजीएम एंटीबॉडी डिटेक्शन	128	टीडीएम (वोरिकोनाज़ोल, पॉसकोनाज़ोल, इट्राकोनाज़ोल)	563
माइकोप्लाज्मा पीसीआर	209	एंटीफंगल संवेदनशीलता	505
माइकोप्लाज्मा कल्चर	105	पीसीआर (पैनफंगल 4, सीक्वेंसिंग 45, एस्परगिलस 154)	203

क्लैमाइडिया निमोनिया		बीडी ग्लूकन	832
क्लैमाइडिया निमोनिया आईजीएम एंटीबॉडी के लिए एलिसा	81	कुल	10551
लाइम रोग	205	कुल योग	28314
लाइम रोग आईजीएम एलिसा	205	**पैरासिटोलॉजी प्रयोगशाला**	
लाइम रोग आईजीजी एलिसा	39	**सीरोलॉजिकल जांच**	
लाइम रोग आईजीएम इम्यूनोब्लॉट	31	एलिसा द्वारा अमीबिक आईजीजी एंटीबॉडी के लिए सीरोलॉजी	185
लाइम रोग आईजीजी इम्यूनोब्लॉट	205	एलिसा द्वारा आईजीजी एंटीबॉडी के लिए एंटी-इचिनोकोकस के लिए सीरोलॉजी	217
बोरेलिया 16एस रीयल-टाइम पीसीआर	8256	एलिसा द्वारा एंटी-टोक्सोप्लाज्मा आईजीजी एंटीबॉडी के लिए सीरोलॉजी	31
कुल		टीनियासोलियम संक्रमण के लिए सीरोलॉजी	30
वायरोलॉजी प्रयोगशाला		स्ट्रॉन्गिलॉइडियासिस के लिए सीरोलॉजी	107
आणविक परीक्षण (पारंपरिक, वास्तविक समय पीसीआर)		टोक्सोकेरियासिस के लिए सीरोलॉजी	31
मंकीपॉक्स (ऑर्थोपॉक्स सहित) वास्तविक समय पीसीआर	50	**<u>मलेरिया के लिए जांच</u>**	
एसएआरएस-सीओवी-2 नोवेल कोरोनावायरस वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	5754	फ्लोरोसेंट स्टेनिंग (एक्रिडीन ऑरेंज)	6428
एसएआरएस-सीओवी-2 के लिए संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण (NGS)	288	Giemsa धुंधलापन	6428
इन्फ्लुएंजा रियल टाइम मल्टीप्लेक्स आरटी-पीसीआर	2285	क्वांटिटेटिव बफी कोट (क्यूबीसी) की परख	6428
श्वसन वायरस पैनल (इन्फ्लूएंजा के अलावा) मल्टीप्लेक्स पीसीआर	515	एचआरपी-II एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट	6428
एचएसवी 1 और 2 डीएनए पीसीआर (सीएसएफ, जीयूडी, नेत्र संबंधी आदि)	10	काला-अजार के लिए जांच	

एचसीएमवी डीएनए पीसीआर (मूत्र, कोलोनिक बायोप्सी, सीएसएफ आदि)	2054	फ्लोरोसेंट स्टेनिंग (एक्रिडीन ऑरेंज)	230
प्रारंभिक शिशु निदान के लिए एचआईवी-1 आरटी-पीसीआर (डीबीएस नमूने)	2172	गिम्सा स्टेनिंग	230
एचआईवी-1 आरएनए आरटी-पीसीआर (वायरल लोड)	16701	कालाजार सेरोलॉजी (आरके-39)	711
डेंगू और चिकनगुनिया वायरस वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	13	**आंतों के परजीवी के लिए मल के नमूनों की जांच**	
जीका वायरस वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	614	प्रत्यक्ष और एकाग्रता तकनीक	1759
पॉलीओमावायरस (बीके/जेसी) वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	605	इन-विट्रो कल्चर	20
दाने के साथ बुखार - वायरल पीसीआर पैनल (खसरा, एंटरोवायरस, पार्वोवायरस बी19, एचएचवी-6 और एचएचवी-7)	10	संशोधित एसिड-फास्ट और आंतों के कोक्सीडिया के लिए विशेष धुंधलापन	1759
वायरल मेनिनजाइटिस/ एन्सेफलाइटिस पीसीआर पैनल (एचएसवी, एंटरोवायरस, पैरेकोवायरस, वीजेडवी, मम्प्स)	534	माइक्रोस्पोरिडिया प्रजातियों का पता लगाने के लिए पीसीआर परख	1759
वायरल गैस्ट्रोएंटेराइटिस पीसीआर पैनल (रोटावायरस, नोरोवायरस, एडेनोवायरस 40/41)	104	**एस्पिरेट्स की जांच**	
एपस्टीन-बार वायरस (ईबीवी) डीएनए पीसीआर (पारंपरिक, वास्तविक समय पीसीआर)	417	थूक, मवाद और अन्य एस्पिरेट्स	180
पार्वोवायरस बी19 वास्तविक समय पीसीआर	165	**फाइलेरिया के लिए जांच**	
एंटरोवायरस वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	40	प्रत्यक्ष और एकाग्रता तकनीक	980
एडेनोवायरस वास्तविक समय	71	एक्रिडीन ऑरेंज	980

पीसीआर			
खसरा वास्तविक समय आरटी-पीसीआर	20	पतला धब्बा परीक्षण	980
वीजेडवी वास्तविक समय पीसीआर	33	थिक स्मीयर परीक्षा	980
वास्तविक समय आरटी-पीसीआर द्वारा डेंगू वायरस सीरोटाइपिंग	142	फाइलेरिया एंटीजन डिटेक्शन	980
एंटीजन डिटेक्शन		क्यूबीसी	980
डेंगू एनएस1 एंटीजन (एलिसा)	6759	**अन्य जांच**	
एचबीएसएजी (एलिसा/सीएलआईए)	137	न्यूमोसिस्टिस जीरोवेसी का पता लगाने के लिए जांच	
एंटीबॉडी का पता लगाना (सीरोलॉजी)		स्टेनिंग और पीसीआर परख द्वारा संक्रमण (पीसीपी)	122
एंटी-डेंगू आईजीएम (एलिसा)	5959	फ्रीलिविंग अमीबास (एफएलए) के लिए मस्तिष्कमेरु द्रव परीक्षण	81
चिकनगुनिया रोधी आईजीएम (एलिसा)	186	कृमि नमूने	04
एंटी-जापानी एन्सेफलाइटिस आईजीएम (एलिसा)	64	आर्थ्रोपोड नमूने	02
एंटी_एचएवी आईजीएम	137	**कुल**	**39050**
एंटी_एचईवी आईजीएम	137	**माइकोप्लाज्मा प्रयोगशाला**	
एंटी-एचबीसी आईजीएम (एलिसा/सीएलआईए)	137	क्लैमाइडिया ट्रैकोमैटिस पीसीआर	807
एंटी-एचसीवी (आईसीटी/सीएलआईए)	137	यूरियाप्लाज्मौरेलिटिकम संवर्धन	677
खसरा रोधी आईजीएम (एलिसा)	14	यूरियाप्लास्मौरेलिटिकम पीसीआर	782
एंटी-ईबीवी (वीसीए) आईजीएम (एलिसा)	4	माइकोप्लाज्मा होमिनिस कल्चर	676
एंटी-एसएआरएस वीओवी-2 आईजीजी (एलिसा)	658	माइकोप्लाज्मा होमिनिस पीसीआर	776
डायरेक्ट माइक्रोस्कोपी		माइकोप्लाज्मा जेनिटेलियमपीसीआर	727
तज़ैन्क स्मीयर (एचएसवी 1 और 2, वीजेडवी के लिए)	2	एच.डुक्रेयी पीसीआर	02

डाउनी कोशिकाओं/एटिपिकल लिम्फोसाइट्स (ईबीवी-संबंधी संक्रामक मोनोन्यूक्लिओसिस) के लिए पीएस	1	नमूनों की कुल संख्या	4447
कुल योग	46271	**सीरोलॉजी प्रयोगशाला**	
आणविक जीव विज्ञान प्रयोगशाला		विडाल परीक्षण	6491
एक्यूट बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस (एबीएम) के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर	415	वीडीआरएल परीक्षण	12649
		ट्रेपोनेमा पैलिडम हेमग्लूटीनेशन परख (टीपीएचए)	962
		एंटी-स्ट्रेप्टोलिसिन ओ (एएसएलओ)	52
		ब्रुसेला एंटीबॉडी के लिए मानक एग्लूटिनेशन टेस्ट (एसएटी)	235
		एच.पाइलोरी आईजीजी एंटीबॉडी	6
		एच.पाइलोरी स्टूल एंटीजन	89
		सीरम प्रोकैल्सीटोनिन	337
		कुल	**20821**

रोगी उपचार

विषय	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
मरीजों को पुनर्वास प्रदान करने के लिए की गई सेवाएं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल की गई जांच	**2,89,009**	**2,96,909**	**2,27,322**

*2020-22: कोविड-19 के परीक्षण में वृद्धि के कारण नमूनों की कुल संख्या अधिक थी

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफेसर रमा चौधरी के पास कई प्रोफेशनल सोसाइटी की सदस्यताएं हैं, जिनमें भारत का एनारोइबिक फोरम (एएफआई), अमेरिकन सोसाइटी फॉर सूक्ष्म जीव विज्ञान (एएसएम), भारतीय चिकित्सा सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ (अजीवन सदस्य), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा गठित लेप्टोस्पायरोसिस पर विशेषज्ञों के समूह में शामिल हैं; ये अनुक्रमित पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड/समीक्षक भी हैं: उभरते संक्रामक रोग, आंत सूक्ष्मजीव, जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और हेपेटोलॉजी,

जर्नल ऑफ क्लिनिकल सूक्ष्मजीव विज्ञान, पीएलओएस वन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान जर्नल, भारतीय जर्नल ऑफ मेडिकल सूक्ष्मजीव विज्ञान, इंडियन जर्नल ऑफ पैथोलॉजी एंड मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; और राष्ट्रीय फंडिंग एजेंसियों के अनुदान समीक्षा पैनल में भी हैं - जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), भारत सरकार, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के लिए अनुदान समीक्षक भी हैं। भारत सरकार, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, भारत सरकार, सर गंगा राम अस्पताल, नई दिल्ली, भारत।

प्रोफेसर ललित डार सार्स-सीओवी-2/कोविड-19 के लिए भारत सरकार के राष्ट्रीय टास्क फोर्स के सदस्य हैं; उभरती बीमारियों के लिए संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी), डीजीएचएस, एमओएच के सदस्य हैं; टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) के नामित सदस्य भी हैं, जो भारत सरकार को अपनी टीकाकरण नीतियों पर सलाह देने के लिए शीर्ष निकाय है; परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशालाओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) की सलाहकार समिति के सदस्य भी हैं; राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य हैं; राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस निगरानी कार्यक्रम (एनवीएचएसपी) के प्रयोगशालाओं के लिए तकनीकी संसाधन समूह के अध्यक्ष हैं; वायरोलॉजी के लिए आईसीएमआर वायरोलॉजी परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं; आईसीएमआर, फेलोशिप समिति के सदस्य हैं; एनएसीओ तकनीकी संसाधन समूहों (प्रयोगशाला, बुनियादी सेवाएं) के सदस्य हैं।

प्रोफेसर बिमल कुमार दास ने 3-5 अप्रैल, 2022 को हैदराबाद में एड्स सोसाइटी ऑफ इंडिया के 13वें राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक पेपर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता (डॉ. शेष प्रकाश मौर्य, डॉ. बिमल कुमार आर. दास के अधीन अनुसंधान सहयोगी); 29 जुलाई से 2 अगस्त 2022 तक मॉन्ट्रियल, कनाडा में आयोजित होने वाले 24वें अंतर्राष्ट्रीय एड्स सम्मेलन और 27 और 28 जुलाई को होने वाले आधिकारिक प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यक्रमों में व्यक्तिगत रूप से भाग लेने के लिए छात्रवृत्ति (डॉ. शेष प्रकाश मौर्य) , डॉ. बिमल कुमार आर. दास के अधीन अनुसंधान सहयोगी); माइक्रोकॉन-दिल्ली चैप्टर 27 नवंबर 2021 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए संजय सरदाना मेमोरियल अवार्ड (सोनू त्यागी, डॉ. बिमल कुमार दास के तहत पीएचडी छात्र)।

प्रोफेसर बी आर मिर्धा लसीका फाइलेराइसिस पर नीतिगत निर्णय लेने के लिए भारत सरकार के एक विशेषज्ञ सदस्य हैं; भारत सरकार के केंद्रीय संस्थानों में महत्वपूर्ण पदों के चयन के लिए खोज-सह-चयन समिति के सदस्य भी हैं।

प्रोफेसर बेनु धवन को यौन संचारित रोगों और एड्स के अध्ययन के लिए इंडियन एसोसिएशन द्वारा आईयूएसटीआई-आईएएसएसटीडी और एड्स के अध्ययन के लिए छात्रवृत्ति प्राप्त हुई (पेपर के वरिष्ठ संबंधित लेखक); यूरोप बिजनेस असेंबली और सुकरात नामांकन समिति, द एकेडमिक यूनियन ऑक्सफोर्ड, यूके द्वारा “मेडिकल साइंस एंड प्रैक्टिस में नाम” शीर्षक प्राप्त हुआ।

प्रोफेसर सीमा सूद कार्यकारी सदस्य हैं - आईयूएसटीआई विश्व समिति (2021-25); एबॉट लेबोरेटरीज पीटीई लिमिटेड (सिंगापुर) द्वारा एशिया प्रशांत यौन स्वास्थ्य विशेषज्ञ सलाहकार बोर्ड के सलाहकार; दायर पेटेंट (लेखक: माला आर, मल्होत्रा एस, सूद एस, गुप्ता एस, यादव एस, सिंह एन, कपिल ए (मई 2022), शीर्षक: बैक्टीरियल वेजिनोसिस से जुड़े बैक्टीरिया (बीवीएबी) के खिलाफ उपन्यास एप्टामर्स। आवेदन संख्या 20221102919। ए/एफ पेटेंट कार्यालय, दिल्ली में; एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार-2021; रवीन्द्रनाथ दत्त मेमोरियल पुरस्कार- एएसटीआईसीओएन 2022 में प्रथम पुरस्कार, 9-11 सितंबर, तेलंगाना; विशेषज्ञ आईसीएमआर- एसटीआई टास्क फोर्स के लिए परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) - एसटीआई पर प्रस्तावों के लिए कॉल; विशेषज्ञ आईसीएमआर- एचआईवी/एड्स और एसटीआई पर वार्षिक प्रगति रिपोर्ट का मूल्यांकन; सदस्य- एनएसीपी के तहत निगरानी और महामारी विज्ञान पर टीआरजी-एनएसीओ, एच एंड एफडब्ल्यू मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित; सदस्य- अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक समिति (बेसिक और ट्रांसलेशनल साइंस ट्रैक) एसटीआई और एचआईवी वर्ल्ड कांग्रेस 2023, जुलाई 2023, शिकागो के लिए; अनुसंधान उत्कृष्टता (टीएआरई) फेलोशिप के लिए शिक्षक एसोसिएटशिप का अनुदान - एसईआरबी; एमसीक्यू सत्यापन कार्यशाला, प्रश्न बैंक सत्यापन और डीएनबी परीक्षा के संचालन के लिए संकाय- राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई)।

प्रोफेसर उर्वशी बी सिंह राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार के तहत राष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञ समूह की सदस्य हैं (मार्च 2022 से); सदस्य, विषय विशेषज्ञ समितियाँ (रोगाणुरोधी और एंटीवायरल), सीडीएससीओ (डीसीजीआई), भारत सरकार (जनवरी 2020 से); सदस्य, विषय विशेषज्ञ समितियाँ (इन-विट्रो डायग्नोस्टिक डिवाइसेस), सीडीएससीओ (डीसीजीआई), भारत सरकार (जनवरी 2020 से); सदस्य, परिचालन अनुसंधान समिति, राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार (मार्च 2019 से); सदस्य, डायग्नोस्टिक कमेटी, इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर, भारत सरकार (2019 से); सदस्य, बीसीजी टीकाकरण कार्यान्वयन के लिए आईसीएमआर संचालन समिति, भारत सरकार (मार्च 2023 से); चेयरपर्सन, डायग्नोस्टिक वर्किंग ग्रुप, इंडिया टीबी रिसर्च कंसोर्टियम, आईसीएमआर; सदस्य, 'भारतीय स्वदेशी प्रौद्योगिकियों के लिए सत्यापन प्रोटोकॉल को अंतिम रूप देने के लिए विशेषज्ञ समिति'; सदस्य, राज्य टीबी टास्क फोर्स और ऑपरेशन रिसर्च कमेटी राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम, भारत सरकार (2002 से); सदस्य, डीबीटी, आईसीएमआर, टीडीबी, भारत सरकार की परियोजना समीक्षा समितियां; सहायक संपादक, संक्रामक रोग अनुभाग, सूक्ष्म जीव विज्ञान में सीमाएं, चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य; समीक्षक: (वर्ष 2022-23) चिकित्सीय संक्रामक रोग, सूक्ष्मजीव विज्ञान स्पेक्ट्रम, प्रकृति वैज्ञानिक रिपोर्ट, सूक्ष्मजीव और संक्रमण, महामारी विज्ञान और संक्रमण, पीएलओएस वन, जर्नल ऑफ जैव विज्ञान, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान, भारतीय जे क्षयरोग।

डॉ. सरिता महापात्रा को 17-20 नवंबर 2022 को संक्रामक रोगों की अंतर्राष्ट्रीय सोसायटी में बिल एंड मेलिंडा गेट्स द्वारा व्यावसायिक विकास पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. आशीष चौधरी, जैव सुरक्षा समिति संस्थान (आईबीएसई), एम्स, दिल्ली के सदस्य हैं; सदस्य - बीएसएल-3 सुविधा, केंद्रीय मूल अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ), एम्स दिल्ली; सदस्य - डीएचआर-आईसीएमआर कार्य समूह वन हेल्थ के तहत सिंड्रोमिक दृष्टिकोण पर आधारित डायग्नोस्टिक कलन विधि स्थापित करेगा।

डॉ. गगनदीप सिंह, आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम), उपसमितियों 1. स्वच्छता और अन्य स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों और 2. संक्रमणरोधी, एमओएचएफडब्ल्यू और आईसीएमआर के तहत दवाओं और स्वास्थ्य देखभाल उत्पादों (एसएनएमसी और एचसीपी) पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के सदस्य हैं; नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क (एनएमसीएन) के सदस्य, एम्स, नई दिल्ली को नोडल केंद्र के रूप में, उपसमिति: टेलीमेडिसिन; सलाहकार, चिकित्सा नवाचार और उद्यमिता केंद्र (सीएमआईई), एम्स, नई दिल्ली में बीआईआरएसी-बायोनेस्ट कार्यक्रम; सदस्य, अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), एम्स, नई दिल्ली की कोर समिति: संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण दिशानिर्देशों की तैयारी में शामिल है, और एचएआई की रोकथाम और नियंत्रण पर मुख्य एम्स के स्वास्थ्य देखभाल स्टाफ के लिए व्याख्यान दिया। संकाय संसाधन व्यक्ति, सरल मंच पर एचआईसी के लिए निवासी प्रशिक्षण कार्यक्रम; माइकोलॉजी लैब की एनएबीएल मान्यता के लिए नोडल व्यक्ति; मुख्य एम्स में लॉन्ड्री के बड़े पैमाने पर नवीनीकरण के लिए उपकरणों की जांच करने वाली समिति के अध्यक्ष; सदस्य, मस्जिद मोथ कॉम्प्लेक्स में नए सीएसएसडी के लिए कार्य की प्रगति की निगरानी के लिए समिति; सदस्य, डिपार्टमेंटल स्टोर खरीद समिति; सदस्य, एम्स मास्टर प्लान के लिए विभागीय समिति; सदस्य, विभागीय उपकरण लेखा परीक्षा (बाहरी और आंतरिक) समिति; सदस्य, एमबीबीएस पाठ्यचर्या सुधार समिति और एम्स, नई दिल्ली में एम्स स्नातक पाठ्यचर्या आयोजन समूह (एयू-सीओजी); कार्यकारी समिति सदस्य: भारतीय चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञान संघ-दिल्ली; अध्याय समीक्षक: कवक जीव विज्ञान में सीमाएं, माइकोपैथोलोजिया, बीएमसी संक्रामक रोग, मायकोसेस, भारतीय जे मेड सूक्ष्मजीव विज्ञान, भारतीय जे ऑफ त्वाचाविज्ञान, वेनेरोलॉजी और कुष्ठ रोग, जर्नल ऑफ लैब फिजिशियन, ईरानी जे ऑफ सूक्ष्मजीव विज्ञान, भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा जर्नल आदि।

डॉ. हितेंद्र गौतम, स्वच्छता टीम समिति, एम्स, नई दिल्ली के सदस्य हैं। 18 अक्टूबर 2022; सदस्य, एम्स एनएबीएल समन्वय कोर समिति एम्स, अक्टूबर 2022, नई दिल्ली में सभी प्रयोगशालाओं की एनएबीएल मान्यता के लिए, इसके अलावा आईएसओ-15189 के अनुसार एम्स, नई दिल्ली की सभी प्रयोगशालाओं के सभी कर्मचारियों के एनएबीएल प्रशिक्षण का समन्वय करना; सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के लिए कोविड-19 के लिए नोडल अधिकारी; सकारात्मक कोविड-19 मामलों के संपर्क का पता लगाना, सकारात्मक मामलों के उच्च जोखिम और कम जोखिम वाले संपर्कों को परिभाषित करना और प्रबंधित करना, कोवडि-19 परीक्षण प्रयोगशालाओं सहित पूरे विभाग के लिए पीपीई का प्रावधान, विभाग की संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण गतिविधियां, सफाई और कीटाणु शोधन का प्रबंधन विभाग, विभाग के लिए कोवडि-19 संबंधित जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन। उन्होंने सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग में नमूना संग्रह के विस्तारित घंटों और 24x7 प्रयोगशाला का प्रारम्भ, योजना और संचालन में भी योगदान दिया। 1 जून 2022; विभाग के लिए नोडल अधिकारी: सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम प्रबंधन सलाहकार (आईटी पीएमसी) सुविधा; 11 मार्च 2022 से एम्स सामग्री प्रदाता संचार विभाग से नामांकित संकाय; प्रमुख परिणाम क्षेत्रों (केआरए) के लिए स्वच्छ और हरित एम्स उप-समिति के सदस्य": केआरए 5 के लिए: अपशिष्ट प्रबंधन और केआरए 6 के लिए: संक्रमण नियंत्रण; एम्स में एंटीसेप्टिक्स, कीटाणुनाशक और रसायन के लिए तकनीकी विशिष्टता और मूल्यांकन समिति (टीएसईसी) के सदस्य फरवरी 2022; 9 अप्रैल 2022 को भारतीय चिकित्सा सूक्ष्मजीव विज्ञानी संघ- दिल्ली में सर्वश्रेष्ठ मुफ्त पोस्टर पुरस्कार

(पीएचडी श्रेणी) के लिए आमंत्रित जज, आईएलबीएस, नई दिल्ली; विभाग के लिए नोडल अधिकारी: एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार, भारत के तहत दिल्ली के एसएआरएस सीओवी-2 आईजीजी, सीरो-निगरानी विभाग का उपकरण ऑडिट; सदस्य, कोविड-19 के लिए विभाग संपर्क अनुरेखण टीम (डीसीटीटी); कोविड-19 के संबंध में सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के लिए एंटी-माइक्रोबियल हैंडरब की घरेलू तैयारी; सदस्य सचिव: डॉ. ब्रिच, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में एटीपी बायोलुमिनसेंस के माध्यम से पर्यावरण सफाई निगरानी की शुरुआत; अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), कोर समिति के सदस्य, एम्स, नई दिल्ली: कोविड मामलों के प्रबंधन के लिए नए इनपेशेंट वार्डों की स्थापना, 2019-एनसीओवी (कोविड-19) के लिए संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण दिशानिर्देश तैयार करने के लिए एचआईसीसी की टीम के सदस्य। एम्स, नई दिल्ली के लिए, एम्स, नई दिल्ली में एचआईसी के लिए एक कोर ग्रुप सदस्य के रूप में, "स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग में कोविड-19 की रोकथाम और नियंत्रण" और "डोनिंग एंड डॉफिंग" पर डॉ ब्रिच और मुख्य एम्स के स्वास्थ्य देखभाल स्टाफ के लिए व्याख्यान की श्रृंखला पीपीई के सफाई और कीटाणु शोधन प्रोटोकॉल और चेकलिस्ट के निर्माण और कार्यान्वयन में शामिल, डिवाइस से जुड़े संक्रमण (सीएलएबीएसआई, सीएयूटीआई, वीएपी) और एसएसआई की रोकथाम के लिए चेकलिस्ट की केंद्रीकृत तैयारी, सर्जिकल ब्लॉक में अस्पताल संक्रमण नियंत्रण गतिविधियां, प्रभारी: विभागीय काया कल्प समिति। एम्स काया कल्प टीम का हिस्सा। विभाग के लिए काया कल्प निरीक्षण प्रबंधन, सूक्ष्मजीव विभाग, एम्स, नई दिल्ली के लिए एनएबीएल कोर समिति के सदस्य और उप गुणवत्ता प्रबंधक: विभाग को एनएबीएल से मान्यता प्राप्त है। 15 नवंबर 2019, सदस्य: संक्रमण निवारण एवं नियंत्रण के लिए ऑस्ट्रेलेशिया कॉलेज (एसीआईपीसी), रोगाणुरोधी कीमोथेरेपी के लिए ब्रिटिश सोसाइटी (बीएसएसी) के सदस्य, एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधारों के लिए समिति के सदस्य और एम्स, न्यू में एम्स अंडरग्रेजुएट पाठ्यक्रम आयोजन समूह (एयू-सीओजी) दिल्ली, टेक्सिला अमेरिकन यूनिवर्सिटी में खोज मेडिकल सूक्ष्मजीव विज्ञान प्रोग्राम द्वारा मेडिसिन में पीएचडी के लिए सह-मार्गदर्शक, एम्स विभाग के मास्टर प्लान के लिए समिति के सदस्य, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग के लिए स्टोर खरीद समिति के सदस्य, एम्स, राय बरेली के लिए उपकरण खरीद के लिए तकनीकी विशेषज्ञ, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), केंद्रीय कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ), प्रोटिओमिक्स सुविधा उप-समिति सदस्य के लिए समीक्षक के रूप में बाहरी विशेषज्ञ, 31 जनवरी 2023।

डॉ. निशांत वर्मा को पैरासाइटोलॉजी प्रयोगशाला में जांच के लिए एनएबीएल मान्यता मिली; सदस्य-एम्स में एनएबीएल कार्य के समन्वय के लिए कोर समिति; स्नातक शिक्षण प्रभारी; संकाय प्रभारी, डिपार्टमेंटल स्टोर (योजना); विभागीय डीएम आईडी शिक्षण समिति सदस्य; डीएम संक्रामक रोग पाठ्यक्रम के लिए कोर समिति के सदस्य; सदस्य-एम्स स्नातक पाठ्यक्रम आयोजन समूह; समन्वयक-एम्स मास्टर प्लान विभागीय समिति; एनसीआई, झज्जर में सूक्ष्मजीव विज्ञान सेवाओं की स्थापना का समन्वय करने वाली समिति के सदस्य; विभाग द्वारा जारी सूक्ष्मजीव विज्ञान न्यूज़लेटर के सह-संपादक; "स्वच्छ एवं हरित एम्स" उप-समिति के सदस्य; काया कल्प पुरस्कार योजना के तहत एनआईटीआरडी, नई दिल्ली के सहकर्मी मूल्यांकन के लिए टीम के सदस्य; कैपियो-आरटीआई; कोर ग्रुप

सदस्य: अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति (एचआईसीसी), एम्स, नई दिल्ली: कोविड-19 के संबंध में स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण सत्रों की एक श्रृंखला; सदस्य सचिव: सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली में संक्रमण नियंत्रण समिति; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य ब्लॉक और सीडीईआर में एचआईसी गतिविधियों की निगरानी और निरीक्षण; स्नातक शिक्षण के लिए ई-लर्निंग प्रारूप के विकास में शामिल; एम्स, जोधपुर में द्वितीय एमबीबीएस (माइक्रोबायोलॉजी) परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; एमएससी के लिए बाहरी परीक्षक (एमएलटी-सूक्ष्मजीव विज्ञान) - जेआईपीएमईआर, पोंडीचेरी में व्यावहारिक और मौखिक परीक्षा; एम्स, नई दिल्ली में डीएम संक्रामक रोगों की जांच के लिए आंतरिक परीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय के 2 (दो) एमडी छात्रों के लिए थीसिस मूल्यांकन; एमईआईटीवाई द्वारा वित्त सहायता प्राप्त परियोजना "सामान्य महामारी प्रबंधन और कोविड-19 प्रबंधन में कुशल एचसीडब्ल्यू तैयार करने के लिए आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा" के तहत सामान्य महामारी और कोरोना प्रबंधन में अंतिम वर्ष के मेडिकल छात्रों और प्रशिक्षुओं के लिए ऑनलाइन प्रशिक्षण प्रारूप के विकास में विषय विशेषज्ञ; कार्यकारी समिति के सदस्य: भारतीय उष्णकटिबंधीय परजीवी विज्ञान संघ; सदस्य-अस्पताल संक्रमण सोसायटी-भारत; सदस्य-आईएएमएम-दिल्ली चैप्टर; कई प्रतिष्ठित पत्रिकाओं के समीक्षक; सदस्य-विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में सलाहकार/कंप्यूटर प्रोग्रामर/सहायक की भर्ती के लिए चयन समिति; एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा (सीसीआरएफ) के लिए माइक्रोस्कोपी उप-समिति के सदस्य हैं।

डॉ. किरण बाला भारतीय चिकित्सा सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ (लाइफ मेंबरशिप 3301/19), तपेदिक और फेफड़ों के रोगों के लिए संघ, अंतर्राष्ट्रीय संघ (सदस्यता सीयू 0783207) की सदस्या हैं। अस्पताल संक्रमण नियंत्रण सोसायटी, एचआईएसआई जीवन सदस्यता संख्या (एल-1111); सदस्य- एम्स, नई दिल्ली में केंद्रीकृत कोर अनुसंधान सुविधा की संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण टीम; एम्स, नई दिल्ली में सीसीआरएफ कोर समिति की विशेषज्ञ सदस्य बीएसएल-3, बीएसएल-2 उपसमिति; समीक्षक: बीएमजे केस रिपोर्ट, इंडियन जे ऑफ यूरोलॉजी, इंटरनेशनल जे ऑफ चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य, मेडिकल माइकोलॉजी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान, भारतीय जे क्षयरोग, माइकोपैथोलोजिया, प्लस वन, जर्नल ऑफ मेडिकल वायरोलॉजी।

डॉ. मेघा बृजवाल वन हेल्थ के तहत सिंड्रोमिक दृष्टिकोण पर आधारित डायग्नोस्टिक कलनविधि स्थापित करने के लिए डीएचआर-आईसीएमआर कार्य समूह की सदस्या हैं।

9.21 वृक्क विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय कुमार अग्रवाल

आचार्य

दीपांकर मधुसूदन भौमिक | संदीप महाजन

सौमिता कमल कुमार बागची

अपर आचार्य

राज कुमार यादव

सहायक आचार्य

अरुण कुमार सुब्बैया

विशिष्टताएं

विभाग नियमित रूप से सस्ती कीमत पर गुर्दा प्रत्यारोपण सहित अत्याधुनिक वृक्क विज्ञान उपचार कर रहा था। विभाग ने प्रति सप्ताह लगभग 80-100 रोगियों को बहुत कम कीमत पर और गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों के लिए निःशुल्क हेमोडायलिसिस प्रदान करना जारी रखा। विभाग ने संस्थान के मुख्य अस्पताल के साथ-साथ विभिन्न केंद्रों और ब्लॉकों के कई विभागों में बेडसाइड डायलिसिस भी प्रदान किया। डॉ. एस.के. अग्रवाल ने सीकेडी को एनपीसीडीसीएस में एकीकृत करने के लिए प्राथमिक उपचार चिकित्सकों के लिए दिशानिर्देशों में योगदान दिया और भारत सरकार के एक राष्ट्र और एक प्रत्यारोपण दृष्टिकोण के लिए नीति दस्तावेज में भी योगदान दिया।

रोगी उपचार, शिक्षा एवं अनुसंधान में सुधार के लिए कदम उठाए गए

प्रत्यारोपण के रोगियों के लिए, इम्यूनोस्प्रेसिव दवा की चिकित्सीय दवा की निगरानी नि:शुल्क जारी रखी गई। अनुसंधान के लिए विभाग में बायोरिपॉजिटरी का रखरखाव किया जा रहा है और कई वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं जारी रखी जा रही हैं। विभाग के भीतर निवासियों को इंटरवेंशनल वृक्क विज्ञान में प्रशिक्षित किया जा रहा है।

आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना

वृक्क विज्ञान विभाग में पिछले कुछ दशकों से जगह और कार्मिकशक्ति की भारी कमी है। विभाग वृक्क विज्ञान विभाग के लिए अतिरिक्त 36 डायलिसिस बेड और 16 नियमित बेड के लिए जगह आवंटित करने के लिए निदेशक आचार्य श्रीनिवास का आभारी है, जिससे अधिक संख्या में रोगियों के उपचार में काफी मदद मिलेगी।

शिक्षा

दीर्घकालिक प्रशिक्षण

अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा के माध्यम से योग्यता के आधार पर एम्स द्वारा चयनित एमडी (मेडिसिन और बाल चिकित्सा) के बाद के उम्मीदवारों के लिए तीन साल का डिग्री कोर्स डीएम वृक्क

विज्ञान चलाता है। विभाग एम्स दिल्ली के साथ-साथ आवश्यकतानुसार अन्य एम्स जैसे संस्थानों के लिए भी परीक्षा आयोजित कर रहा है। इस अवधि के दौरान चार उम्मीदवारों को एम्स, नई दिल्ली में डीएम वृक्क विज्ञान पाठ्यक्रम में प्रवेश दिया गया। बाल रोग विभाग और पैथोलॉजी विभाग के रेजीडेंट नेफ्रोपैथोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए नियमित रूप से आते हैं। फिलहाल विभाग में 6-6 माह के लिए तीन गैर शैक्षणिक जूनियर रेजीडेंट हैं।

अल्पकालिक प्रशिक्षण

विभाग निम्नलिखित के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है:

1. इंटरनल मेडिसिन, जेरिएट्रिक मेडिसिन, इमरजेंसी, मेडिसिन यूरोलॉजी, एनेस्थीसिया, संक्रामक रोग, क्रिटिकल केयर मेडिसिन और ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग से स्नातकोत्तर को कुछ हफ्तों से लेकर कुछ महीनों की परिवर्तनीय अवधि के लिए रोटेशन आधार पर नियुक्त किया जाता है।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. विश्व किडनी दिवस 2023, 9 मार्च को निम्नलिखित गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया।
   - 9 मार्च को किडनी रोग से संबंधित प्रातःकालीन सेमिनार
   - शाम को नुक्कड़ नाटक

प्रदत्त व्याख्यान: 30

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 2

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पेपर/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

वर्ष	मौखिक प्रस्तुति की संख्या
2020-2021	शून्य
2021-2022	4
2022-2023	6

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एंटी फॉस्फोलिपेज़ ए2 रिसेप्टर (पीएलए2आर) एंटीबॉडी के परिसंचारी स्तर और इडियोपैथिक मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी (आईएमजीएन) के साथ इसके सहसंबंध को खोजने के लिए संभावित समूह अध्ययन, डॉ. एसके अग्रवाल, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2017-2023, 31 लाख रुपये
2. गैर-मधुमेह क्रोनिक किडनी रोग वाले रोगियों में गुर्दे की बीमारी की प्रगति पर, उपचार के मानक के अलावा, फिनेरेनोन की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, समानांतर-समूह, बहुकेंद्र चरण 3 अध्ययन, डॉ. एसके अग्रवाल,

बायर फार्मास्युटिकल प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2022-2026, अध्ययन समन्वयक रु. 49000/माह + रु. 250000/प्रति रोगी

3. ल्यूपस नेफ्रैटिस में प्रतिरक्षा जांच बिंदु (CTLA-4, PD-1, PD-L1), साइटोकिन्स और टी-रेग कोशिकाओं की अभिव्यक्ति, संदीप महाजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु 8616605.00
4. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, समानांतर समूह, चरण III अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2021-2023, 200000 रुपये प्रति मरीज़
5. पूरक 3 ग्लोमेरुलोपैथी में इप्टाकोपन (एलएनपी023) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2022-2024, प्रति वर्ष 559000 रुपये (सीआरसी वेतन) + 224275 प्रति मरीज
6. सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, इडियोपैथिक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी वाले विषयों के उपचार में रीटक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, डोज़ ब्लाइन्ड पैरलेल ग्रुप, थ्री आर्म, अवधारणा का प्रमाण नैदानिक परीक्षण। 4 वर्ष, 2019-2023, 200000 प्रति मरीज + सीआरओ वेतन
7. मधुमेह और गैर-मधुमेह क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में, अकेले और एम्पाग्लिफ्लोज़िन के संयोजन में, 14 सप्ताह तक मौखिक बीआई 690517 की एकाधिक खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो- नियंत्रित और समानांतर खुराक समूह परीक्षण, डॉ. आर के यादव, बोहरिंगर इंगेलहेम क्लिनिकल परीक्षण, 1 वर्ष, 2022-2023, 1,32,000/रोगी
8. हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन रक्त सांद्रता और ल्यूपस नेफ्रैटिस में रोग गतिविधि के साथ इसका सह-संबंध, अरुण कुमार सुब्बैया, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2022, 4,75,000 रुपये/वर्ष
9. वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में वैल्गैन्सिक्लोविर की चिकित्सीय दवा निगरानी, अरुण कुमार सुब्बैया, इंडियन सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान, 2 वर्ष, 2020-2022, 5,00,000 रुपये

पूर्ण

1. भारतीय रोगियों में गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बीके वायरस प्रतिकृति की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2014-2016, 620000 रुपये
2. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज की कमी वाले आईजीए1 की व्यापकता और महत्व: केस कंट्रोल स्टडी, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2017-2018, 500000 रुपये
3. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी के साथ एचएलए एंटीजन का जुड़ाव, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2019-2021, 970000 रुपये

4. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच के लिए एक अनुकूली निर्बाध यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, डोज़ रैगिंग स्टडी, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-2021, प्रति रोगी 198000 रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष	परियोजनाओं की संख्या
2020-2021	7
2021-2022	10
2022-2023	10

विभागीय अनुसंधान

जारी

1. वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा पर रोगियों में एचबीवी और एचसीवी संक्रमण का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध
2. गुर्दे के दान के बाद मापा जीएफआर, इकोकार्डियोग्राफी, अस्थि खनिज चयापचय के मार्कर और कैरोटिड इंटिमल मेडियल मोटाई (सीआईएमटी) में परिवर्तन का मूल्यांकन
3. आईजीए नेफ्रोपैथी में अभ्यास पैटर्न: एक प्रश्नावली-आधारित सर्वेक्षण
4. भारतीय आबादी में अर्धचंद्र के साथ आईजीए नेफ्रोपैथी के नैदानिक पाठ्यक्रम और परिणाम के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी बहु-केंद्रित अध्ययन
5. मध्यम गंभीर प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (समानता अध्ययन) में प्रोटीनूरिया को कम करने में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक संभावित बहु-केंद्रित यादृच्छिक ओपन लेबल परीक्षण
6. भारत में प्राथमिक ग्लोमेरुलर रोगों वाले वयस्क रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता
7. क्लिनिको -पैथोलॉजिक प्रोफाइल और सी**3** ग्लोमेरुलोपैथी का परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
8. फंडस फ्लोरोसेंट एंजियोग्राफी कराने वाले मधुमेह रोगियों में कंट्रास्ट-प्रेरित नेफ्रोपैथी का जोखिम- एक संभावित अवलोकन अध्ययन
9. मधुमेह रोगियों में गुर्दे के कार्य और प्रोटीनुरिया पर इंट्राविट्रियल बेवाकिज़ुमैब का प्रभाव: उत्तर भारत में एक संभावित अवलोकन अध्ययन
10. ल्यूपस नेफ्रैटिस में क्लिनिकल प्रोफाइल, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध और उपचार के परिणाम
11. चूहों में कार्डियोरेनल सिंड्रोम के प्रायोगिक मॉडल पर कैल्सीट्रियोल (सक्रिय रूप) का प्रभाव: ACE2/AT 1- 7/मास रिसेप्टर अक्ष की संभावित भागीदारी
12. भावी किडनी दाताओं में कार्यात्मक किडनी रिजर्व का अध्ययन
13. एम्स, नई दिल्ली में कर्मचारियों के बीच ज्ञान और व्यवहार संबंधी प्रथाओं पर गुर्दे के स्वास्थ्य के संबंध में वीडियो सहायता प्राप्त शिक्षण की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए अध्ययन
14. ल्यूपस नेफ्रैटिस में क्लिनिकल प्रोफाइल, क्लिनिकोपैथोलॉजिकल सहसंबंध और उपचार के परिणाम

पूर्ण

1. कोविड-19 महामारी के दौरान गुर्दे की बीमारी के रोगियों के लिए टेलीवृक्क विज्ञान सेवा
2. एम्स, नई दिल्ली में सीकेडी रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता पर गुर्दे के उपचार बंडल की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. एम्स, नई दिल्ली में हेमोडायलिसिस से गुजरने वाले रोगियों के बीच फिस्टुला कैनुलेशन पीड़ा एवं बायोफिजियोलॉजिकल मापदंडों पर ऑडियो विजुअल विकर्षण के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन
4. भारतीय परिवेश में रीनल एलोग्राफ़्ट प्राप्तकर्ताओं के दीर्घकालिक परिणामों पर हेपेटाइटिस सी उपचार का प्रभाव
5. प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में किडनी प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में प्रोटीनमेह का अध्ययन
6. गुर्दे के प्रत्यारोपण से पहले एवं बाद में हेमोडायलिसिस पर क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में व्यायाम सहनशीलता और पोषण की स्थिति में परिवर्तन का मूल्यांकन करने के लिए एक समूह अध्ययन
7. क्रोनिक किडनी रोग के रोगियों में कमजोरी और पोषण संबंधी मूल्यांकन स्कोर एवं उनका सहसंबंध
8. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में नैदानिक और हिस्टोलॉजिकल गंभीरता के साथ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए/पूरक कारक 3 (आईजीए/सी3) का सहसंबंध
9. आईजीए नेफ्रोपैथी का सहायक प्रबंधन-एक संभावित अध्ययन
10. एम्स, नई दिल्ली के वृक्क विज्ञान ओपीडी में आने वाले मरीजों में अज्ञात उत्पत्ति के क्रोनिक किडनी रोग की विशेषता-एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. नवजात शिशुओं और गुर्दे के प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं से मानव साइटोमेगालोवायरस का पता लगाना और जीनोटाइपिंग, माइक्रोबायोलॉजी
2. संदिग्ध अंतरालीय निमोनिया और अन्य क्रोनिक फेफड़ों की बीमारियों के साथ-साथ कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों के श्वसन नमूनों में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की आणविक पहचान और लक्षण वर्णन, माइक्रोबायोलॉजी
3. चरण 4-5 सीकेडी रोगियों में वीडीआर जीन, विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन के स्तर के फॉकl बहुरूपता का आकलन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
4. ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके सीकेडी वी रोगियों में एवी फिस्टुला हेमोडायलिसिस पहुंच की परिपक्वता दर में सुधार: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर हस्तक्षेप विभाग

5. वृक्क प्रत्यारोपण रोगियों के बीच दाता व्युत्पन्न कोशिका मुक्त-डीएनए के पैटर्न और वृक्क प्रत्यारोपण तीव्र किडनी एलोग्राफ्ट क्षति, सर्जरी के साथ इसके सहसंबंध का अध्ययन करना।
6. फेनोटाइपिक सहसंबंध, पैथोलॉजी के साथ भारत में एलपोर्ट सिंड्रोम का आनुवंशिक परिदृश्य
7. ऑटोलॉगस वसा ऊतक व्युत्पन्न मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं का उपयोग करके सीकेडी वी रोगियों में एवी फिस्टुला हेमोडायलिसिस पहुंच की परिपक्वता दर में सुधार : एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी एवं एंडोवास्कुलर हस्तक्षेप विभाग
8. मनोचिकित्सा विभाग, हेमोडायलिसिस से गुजरने वाले ईएसआरडी वाले मरीजों में जीवन की गुणवत्ता, अनुपालन और मनोवैज्ञानिक रुग्णता पर मनोसामाजिक हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. एक्सीमर लैंप, त्वचाविज्ञान के संयोजन में 0.1% टैक्रोलिमस/0.2% टैक्रोलिमस/प्लेसबो का उपयोग करके गैर-सेगमेंटल विटिलिगो में पुन: रंजकता का अध्ययन करने के लिए डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. बाल चिकित्सा के दीर्घकालिक परिणाम।
3. सीलिएक रोग के रोगियों में आंतों की अपर्याप्तता को परिभाषित करने के लिए (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी थीसिस, दिसंबर 2018 से शुरू हुई, डॉ गोविंद मखरिया मुख्य मार्गदर्शक), गैस्ट्रोएंटरोलॉजी।
4. लाइव डोनर रीनल ट्रांसप्लांट, सर्जरी के बाद ग्राफ्ट परिणाम पर इंट्रा-ऑपरेटिव निर्धारकों का प्रभाव।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 19 पुस्तकों में अध्याय: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	संख्या
2020-2021	16
2021-2022	28
2022-2023	19

रोगी उपचार

- कारगिल में अशोक मिशन के स्वास्थ्य शिविर के लिए वृक्क विज्ञान संकाय (25 सितंबर 2022 से 1 अक्टूबर 2022)
- डॉ. अरुण कुमार एस. ने माननीय सांसदों के स्वास्थ्य शिविर (7 दिसंबर 2021) के लिए वृक्क विज्ञान संकाय के रूप में काम किया है।

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं

वृक्क विज्ञान से संबंधित सभी बीमारियों के लिए सामान्य वृक्क विज्ञान उपचार प्रदान करने के साथ-साथ, विभाग द्वारा अत्याधुनिक रीनल रिप्लेसमेंट थेरेपी, हेमोडायलिसिस, सीएपीडी और गुर्दे का प्रत्यारोपण अंतिम चरण के गुर्दे की बीमारी के किसी भी रोगी के लिए बहुत कम लागत पर भी प्रदान की जाता है।

क्र.सं.	क्षेत्र	उप-शीर्षक	2020	2021	2022
1	एचडी संबंधित	एचडी नए रोगी	1304	1089	1125
		आपातकालीन एचडी रोगी	1228	1089	1123
		कुल एच.डी	10761	9826	11163
		प्लैज़्मफेरिसिस	58	170	192
		ऊरु शिरा कैथीटेराइजेशन	677	511	340
		जुगुलर/सबक्लेवियन कैथीटेराइजेशन	152	177	160
		एवी शंट्स	0	0	0
		एवी फिस्टुला	88	32	99
		पर्मकैथ इन्सर्शन	17	48	37
2	आईसीयू संबंधित	सीआरआरटी/एसएलईडी	3	109	136
3	पेरिटोनियल डायलिसिस	तीव्र पी.डी	16	2	3
		सीएपीडी	6	7	9
4	इनडोर संबंधित	किडनी बायोप्सी	346	434	540
		लीवर बायोप्सी	3	1	2
		इनडोर नियमित प्रवेश	573	512	546
		इनडोर लघु प्रवेश	1736	2114	3450
		इनडोर मृत्यु/पुरुष	65/40	39/17	26
		वृक्क विज्ञान परामर्श	4448	2993	3159
		अल्ट्रासाउंड	329	433	578
5	डे केयर उपचार	पल्स मिथाइलप्रेडनिसोलोन टीटी	31	53	95
		आईवी आयरन थेरेपी	34	25	235
		आईवी साइक्लोफॉस्फ़ामाइड थेरेपी	22	42	28
		अन्य विविध उपचार	1649	1994	3916
6	गुर्दे का प्रत्यारोपण	एलआरआरटी का मूल्यांकन	88	269	307
		शव प्राप्तकर्ता का मूल्यांकन	46	56	63
		लिविंग आरटी इन	28	62	97
		कैडेवर आरटी इन	4	0	12
7	रेनल लैब संबंधित	रक्त नमूनाकरण	60107	85482	85323
		जैव रसायन (यूरिया, सीआर, ना, के)	38469	45548	40067
		मूत्र परासरणीयता	1140	1187	1794
		24 घंटे मूत्र परीक्षण	7213	10370	19907
		आरटी रोगियों के लिए हेमोग्राम	5372	11468	24260

		सीओ **2**	11520	14270	25765
		सीरम आयरन	3931	4798	6994
		टीआईबीसी	3931	4798	6994
		यूआईबीसी	3931	4798	6994
		टी संतृप्ति	3931	4798	6994
		सीरम फ़ेरिटिन	1326	2249	3549
		एनजीएएल	0	0	95
		टीएसी स्तर	2666	3258	5097
		विटामिन-डी एवं पीटीएच	0	3876	0
		मूत्र पीओ**4**	0	0	0
8	ओपीडी संबंधी	रेनल क्लिनिक नए रोगी	3091	337	5907
		रेनल क्लिनिक पुराना रोगी	13779	1031	28264
		रेनल क्लिनिक कुल रोगी	16870	1368	34171
		आरटीसीसी नए मामले	101	299	349
		आरटीसीसी पुराने मामले	252	560	2073
		आरटी नए मामले	27	62	109
		आरटी पुराने मामले	3323	5261	8180
		आरटी क्लिनिक कुल रोगी	3350	5323	8289
	कोविड-19 डायलिसिस		2215	लागू नहीं	0

विभाग द्वारा स्वैप ट्रांसप्लांट एवं एबीओ असंगत रीनल ट्रांसप्लांट प्रदान किया जाता है। विभाग द्वारा प्रतिरक्षादमनकारी दवा की निःशुल्क निगरानी भी उपलब्ध करायी जाती है। हेमोडायलिसिस के दौरान, मशीन को अल्ट्राप्योर पानी प्रदान किया जाता है ताकि रोगियों को बिल्कुल सुरक्षित हेमोडायलिसिस प्रदान किया जा सके। कोविड काल के दौरान भी, हेमोडायलिसिस सुविधा कभी भी प्रतिबंधित नहीं की गई, न केवल कोविड रोगियों के लिए बल्कि गैर-कोविड संक्रमित रोगियों के लिए भी।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य एस के अग्रवाल "सेमिनार इन डायलिसिस" के प्रधान संपादक हैं; भारत में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम के बीच सहयोग कार्यनीति हेतु विषय विशेषज्ञ; भारत में राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम एवं प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के बीच सहयोग कार्यनीति हेतु विषय विशेषज्ञ; विश्व की प्रत्यारोपण सोसाइटी द्वारा दक्षिण एशियाई क्षेत्र से प्रत्यारोपण में उत्तम; कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग एवं स्ट्रोक की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) 2021 की व्यापक समीक्षा करने हेतु विशेषज्ञ समिति के सदस्य; प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण समिति (नैटकॉम) के विशेषज्ञ सदस्य; आईएसएन मेंटरशिप प्रोग्राम हेतु इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान मेंटर; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली (2021-2024) के लिए परिषद सदस्य के रूप में निर्वाचित; देश

में विभिन्न स्तरों पर स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं में डायलिसिस केंद्रों के लिए संक्रमण की रोकथाम एवं नियंत्रण पर भारत सरकार के तकनीकी कार्य समूह (टीडब्ल्यूजी) के सदस्य; एनपीसीडीसीएस में सीकेडी के एकीकरण हेतु भारत सरकार के कार्य समूह के सदस्य; प्रधान मंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (पीएमएनडीपी) 2022 के लिए राष्ट्रीय निरीक्षण समिति (नैटकॉम) के सदस्य; शिक्षक दिवस, 5 सितंबर 2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा "प्रख्यात चिकित्सा और स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया; 2022 से पीएचडी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की "स्वास्थ्य उपचार समिति" का सदस्य बनने के लिए आमंत्रित किया गया; हांगकांग में वर्ल्ड कांग्रेस ऑफ वृक्क विज्ञान 2023 के दौरान इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान की फेलोशिप प्रदान की गई।

आचार्य दीपांकर एम भौमिक इंडियन सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान नॉर्थ जोन के अध्यक्ष थे; इंडियन सोसायटी ऑफ वृक्क विज्ञान के शासी निकाय सदस्य; एम्स ऋषिकेश के वृक्क विज्ञान के विजिटिंग आचार्य; इंडियन जर्नल ऑफ वृक्क विज्ञान के उप संपादक; संक्रमण नियंत्रण (कोविड सहित) हेतु नोडल अधिकारी; सीपीआईओ वृक्क विज्ञान विभाग; डिपार्टमेंट स्टोर अधिकारी; वेबसाइट सामग्री प्रदाता; दिल्ली के इंस्टीट्यूट किडनी फाउंडेशन के कोषाध्यक्ष; संकाय चयन हेतु बाहरी विशेषज्ञ: आईएलबीएस, नई दिल्ली, एनआईएमएस हैदराबाद; एम्स ऋषिकेश सहित विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों हेतु डीएम परीक्षक; गुरु कृपा ट्रस्ट के ट्रस्टी; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं के समीक्षक; न्यायाधीश आईएसएनसीओएन में सार का मूल्यांकन करेंगे; तिब्बती स्वास्थ्य शिविर 22-24 अप्रैल 2022 एवं 11-16 जनवरी 2023; पीजीआई चंडीगढ़ सहित विभिन्न संस्थानों के थीसिस परीक्षक।

आचार्य संदीप महाजन को दिनांक 4 सितंबर, 2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा प्रख्यात स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ वृक्क विज्ञान (2023) के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त।

आचार्य सौमिता बागची "सेमिनार इन डायलिसिस" की सह संपादक थीं।

डॉ. आर के यादव को 1 फरवरी, 2022 को अकादमिक पदोन्नति हेतु स्थायी समिति, सऊदी अरब किंगडम, शिक्षा मंत्रालय, जेद्हा विश्वविद्यालय, (सचिवालय अकादमिक परिषद) द्वारा एसोसिएट आचार्य के पद पर पदोन्नति हेतु शोध कार्य का मूल्यांकन करने के लिए रेफरी के रूप में नामित किया गया था।

डॉ. अरुण कुमार एस को इंडियन सोसाइटी ऑफ वृक्क विज्ञान यूथ कमेटी के सदस्य के रूप में चुना गया; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन (आईजेओटी) के संपादकीय फेलो; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एएफएएमएस) की एसोसिएट फेलोशिप से सम्मानित; एफएसएसएआई की विशेषज्ञ समिति के सदस्य; एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न समितियों के सदस्य/नोडल अधिकारी - बिल सत्यापन समिति, लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, सूचना प्रौद्योगिकी कार्यक्रम प्रबंधन सलाहकार (आईटीपीएमसी) सुविधा।

9.22 नाभिकीय चुम्बकीय अनुनाद

आचार्य एवं अध्यक्ष
रमा जयासुंदर

आचार्य

एस. सेंथिल कुमारन | उमा शर्मा | विरेंद्र कुमार

वैज्ञानिक

सुजीत कुमार मेवाड़ | पवन कुमार | दुष्यंत कुमार

विशिष्टताएं

नैदानिक एमआरआई सुविधा ने अप्रैल 2022 से अक्टूबर 2023 तक (एक एमआरआई हेतु) सातों दिन-चौबीस घंटे तथा अन्य दो एमआरआई स्कैनर के लिए प्रतिदिन 12 घंटे से अधिक काम किया। विभाग ने नवंबर 2022 से दो एमआरआई स्कैनर को सातों दिन-चौबीस घंटे के लिए चालू करके क्लिनिकल डायग्नोस्टिक स्कैन की संख्या में वृद्धि की है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक कुल 11884 रोगियों का एमआरआई स्कैन किया गया है।

शिक्षा

एम्स के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एम. बायोटेक कार्यक्रम के "पाठ्यक्रम 10: संरचनात्मक जीवविज्ञान और एनएमआर प्रौद्योगिकी, पाठ्यक्रम 11: जैव सूचना विज्ञान" और "आणविक चिकित्सा" शीर्षक वाले पाठ्यक्रमों में भाग लिया और व्याख्यान दिए; एमबीबीएस कोर्स तीसरा सेमेस्टर और एमडी फिजियोलॉजी कोर्स।

कार्यशाला

1. 30वें विभाग दिवस पर एमआर इमेज प्रोसेसिंग न्यूरो-अनुप्रयोगों पर और एमआर इमेज प्रोसेसिंग मस्कुलो-कंकाल अनुप्रयोगों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, 22 मार्च 2023, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान: 25

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
29	31	25

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 24

पिछले 3 वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर

2020-2021	2021-2022	2022-2023
15	17	24

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ वर्ष (2022-2023)

जारी

1. इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, प्रोटीज निरोधात्मक गतिविधि एवं विशिष्ट आयुर्वेदिक रोगनिरोधी और फॉर्मूलेशन का स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नोवल सार्स कोव संक्रमण के लिए *इन विट्रो* अध्ययन, प्रो. राम जयासुंदर, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 2.5 वर्ष, 2021-2023, 67.69 लाख रुपये
2. आंत और यकृत कोशिकाओं में एनएमआर फाइटोमेटाबोलॉमिक्स और पारगम्यता विश्लेषण के साथ इसकी परस्पर क्रिया का अध्ययन करके गुण और अनुपान की आयुर्वेदिक अवधारणाओं की वैज्ञानिक मान्यता, प्रों राम जयासुंदर, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 23 लाख रुपये
3. गहन शिक्षण विधियों का उपयोग करके पार्किंसंस रोग (किशोर/युवा की प्रारंभिक अवस्था सहित) में पूर्वानुमानित और नैदानिक बायोमार्कर की पहचान, प्रो. एस. सेंथिल कुमारन, डीएचआर, 1 वर्ष, 2022-2023, 37.40 लाख रुपये
4. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और न्यूरोएनाटोमिकल तकनीकों का उपयोग करके घरेलू कौवों में श्रवण धारणा की खोज, एस सेंथिल कुमारन, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 36.42 लाख रुपये
5. एमआर तकनीकों का उपयोग करके न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों में वित्तीय निर्णय लेने में अनुभूति और संख्यात्मक कौशल की खोज और संज्ञानात्मक कार्यों के सुधार पर ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट स्टिमुलेशन (आईडीसीएस) का प्रभाव, एस. सेंथिल कुमारन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 18.78 लाख रुपये
6. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और गैर-आक्रामक बायोमार्कर की पहचान को स्पष्ट करना। प्रो. उमा शर्मा, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, 33.08 लाख रुपये
7. रुमेटाइड गठिया के पैथोफिजियोलॉजी को स्पष्ट करना तथा मेटाबोलॉमिक्स और प्रोटिओमिक्स का उपयोग करके प्रतिक्रिया के बायोमार्कर की पहचान करना, प्रो. उमा शर्मा, आईसीएमआर, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2021-2024, 44.23 लाख रुपये
8. आक्रामक प्रोस्टेट कैंसर को अलग करने हेतु प्रोस्टेट कैंसर से जुड़े माइक्रोबायोम के मेटाबोलॉमिक्स और मेटागेनोमिक्स का उपयोग करके मेटाबोलिक बायोमार्कर की पहचान करना, प्रो. वीरेंद्र कुमार, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 55.5 लाख रुपये
9. [1]एचएनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके हृदय वाल्व संबंधी रोगों के रोगियों में सीरम मेटाबोलाइट्स की पहचान करने के लिए मेटाबॉलिक फिंगरप्रिंटिंग, पवन कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 8.2 लाख रुपये

पूर्ण

1. एनएमआर फाइटोमेटाबोलॉमिक्स और केमोसेंसरी सिग्नेचर का अध्ययन, प्रो. रमा जयासुंदर, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 4 वर्ष, 2017-2021, 74.76 लाख रुपये
2. चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीकों पर आधारित संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक बायोमार्कर का उपयोग करके स्ट्रोक के बाद की रिकवरी में शास्त्रीय आयुर्वेदिक हस्तक्षेप की पैथोबायोलॉजी को स्पष्ट करना, प्रो. रमा जयासुंदर (पीआई-2), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत सरकार, 4 वर्ष, 2017-2021, 79.00 लाख रुपये
3. मानकीकरण और गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, रमा जयासुंदर, राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2014-2019, 48.96 लाख रुपये
4. चुंबकीय अनुनाद की तकनीक का उपयोग करके मस्तिष्क के पोस्ट स्ट्रोक रिकवरी अध्ययन में चिकित्सीय हस्तक्षेप के रूप में योग के विज्ञान को स्पष्ट करना, रमा जयासुंदर (पीआई-2), विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2020, 43.23 लाख रुपये
5. कॉगनिशन पर पर्यावरण और व्यावसायिक नॉइस का प्रभाव, एस सेंथिल कुमारन, जीवन विज्ञान अनुसंधान बोर्ड (एलएसआरबी), डीआरडीओ, 3 साल 10 महीने, 2018 - 2021, 59.25 लाख रुपये
6. कंप्यूटर विज़न आधारित विश्लेषण का उपयोग करके एमआरआई तकनीकों के माध्यम से स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया प्रभावित रोगियों (एससीए) में रूपात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तन, एस सेंथिल कुमारन, एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), 4 साल, 2018-2022, 21.01 लाख रुपये (कुल 65.03 लाख रुपये)
7. ग्लूटेन एटैक्सिया और सीलिएक रोग के रोगियों में गैर-आक्रामक बायोमार्कर की पहचान के लिए एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी। उमा शर्मा, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 4.5 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	8	8	9
कुल वित्तपोषण (लाख रु. में)	352.25	289.93	324.3

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. आयुर्वेद में उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधों के कार्यात्मक सिग्नेचर के लिए एनएमआर मेटाबोलॉमिक्स और फार्माकोलॉजिकल परीक्षण
2. स्ट्रोक में आयुर्वेदिक और योग हस्तक्षेप की चिकित्सीय प्रभावकारिता का आकलन करने में चुंबकीय अनुनाद की भूमिका

3. एमआर और अन्य तकनीक-आधारित फेनोटाइपिंग और स्वस्थ आबादी में प्रकृति के प्रकार के साथ सहसंबंध
4. मस्तिष्क के कार्यात्मक परिवर्तन और स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग में चयापचय परिवर्तन
5. मल्टीमॉडल इमेजिंग का उपयोग करके स्ट्रोक में न्यूरो-वैस्कुलर युग्मित कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग का विकास
6. ओपिओइड निर्भरता और फार्माकोथेरेपी से जुड़े न्यूरोइमेजिंग और मेटाबॉलिक मार्करों की खोज
7. सामान्यीकृत डिस्टोनिया वाले बच्चों और किशोरों (5-18 वर्ष) में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शैम-नियंत्रित परीक्षण
8. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने और स्थानीयकरण में मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका।
9. मेटास्टेसिस प्रोस्टेट कैंसर की पहचान करने के लिए रक्त की मेटाबोलॉमिक एनएमआर फ़िंगरप्रिंटिंग।
10. गुर्दे के कैंसर के लिए नवीन रोगसूचक बायोमार्कर का विकास।
11. चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में संरचनात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों को समझना
12. रुमेटीइड गठिया के पैथोफिजियोलॉजी का अध्ययन तथा मेटाबोलॉमिक्स और प्रोटिओमिक्स का उपयोग करके प्रतिक्रिया के बायोमार्कर की पहचान करना।

पूर्ण

1. विशिष्ट औषधीय पौधों के कार्यात्मक सिग्नेचर के लिए रसायन विज्ञान और औषधीय मूल्यांकन हेतु एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स
2. एनएमआर फाइटोमेटाबोलॉमिक्स और विशिष्ट आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के केमोसेंसरी सिग्नेचरों का विश्लेषण
3. एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण और विशिष्ट आयुर्वेदिक पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन का कैंसर विरोधी मूल्यांकन
4. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में इन-बोर एमआरआई निर्देशित लक्षित प्रोस्टेट बायोप्सी।
5. ग्लूटेन गतिभंग वाले रोगियों का चयापचय
6. धूम्रपान करने वालों में ध्यान-आधारित हस्तक्षेप से जुड़े संकेत प्रेरित लालसा और एफएमआरआई परिवर्तन
7. क्यूईईजी, सीरम बायोमार्कर, एफएमआरआई और डीटीआई के साथ उपचार वाले नाइव वेस सिंड्रोम वाले बच्चों में हार्मोनल थेरेपी की प्रतिक्रिया के भविष्यवक्ताओं का विश्लेषण: एक अवलोकनात्मक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. मानकीकरण और गुणवत्ता मूल्यांकन के लिए औषधीय पौधों का स्पेक्ट्रोस्कोपिक विश्लेषण, ओकुलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. एनएमआर फाइटोमेटाबोलॉमिक्स और आयुर्वेदिक औषधीय पौधों के केमोसेंसरी सिग्नेचर का अध्ययन, ओकुलर फार्माकोलॉजी और फार्मेसी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. संरचनात्मक, कार्यात्मक और रासायनिक, बायोमार्कर पर आधारित चुंबकीय अनुनाद और अन्य तकनीक का उपयोग करके स्ट्रोक के बाद की रिकवरी में शास्त्रीय आयुर्वेदिक हस्तक्षेप की पैथोबायोलॉजी को स्पष्ट करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, तंत्रिका विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव, प्रोटीज निरोधात्मक गतिविधि और विशिष्ट आयुर्वेदिक रोगनिरोधी और फॉर्मूलेशन का स्पेक्ट्रोस्कोपिक लक्षण वर्णन: नोवल सार्स कोव संक्रमण के लिए *इन विट्रो* अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. हाइपोक्सिक इस्केमिक मस्तिष्क चोट में नॉर्मोबैरिक ऑक्सीजन थेरेपी, फ्लुओक्सेटिन और ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (आरटीडीसीएस) की भूमिका - एचआईबीआई पहल, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. केयर - स्ट्रोक रिकवरी में न्यूरोसिस्टिव तकनीक, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. मस्तिष्क के ऊतकों का भौतिक लक्षण वर्णन और ऊतक-डिवाइस इंटरैक्शन आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन टूल का विकास, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) का उपयोग करके पुरानी असाध्य मिर्गी में कॉगनेशन और क्यूओएल का अध्ययन करना, तंत्रिका विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
9. किशोर इनहेलेंट उपयोगकर्ताओं में क्यू प्रेरित लालसा: एक कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एफएमआरआई) अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
10. हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में संशोधित बाधा प्रेरित मूवमेंट थेरेपी के तंत्र में अंतर्दृष्टि प्रदान करना - एक कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग आधारित अध्ययन। बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी घायल चूहों में कॉर्टिकल पुनर्गठन: सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोकणों और कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के एक्सपोशर का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
12. नींद में मेडियोडोर्सल थैलेमिक न्यूक्लीयस की भूमिका, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
13. स्ट्रोक के बाद न्यूरो-पुनर्सुधार के लिए रोबोटिक हैंड असिस्टेड ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन थेरेपी, सीबीएमई आईआईटी नई दिल्ली, एम्स, नई दिल्ली

14. दवा प्रतिरोधी मिर्गी के रोगियों में इंटरेक्टल मिर्गी डिस्चार्ज का प्रसार और तुलनात्मक मैग्नेटोएन्सेफलोग्राफी बनाम इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी स्रोत स्थानीयकरण की प्रभावकारिता, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, एम्स और एनबीआरसी, मानेसर
15. योगाभ्यासियों, शारीरिक रूप से सक्रिय और गतिहीन जीवन शैली वाले व्यक्तियों के बीच भावना और अनुभूति का तंत्रिका-संज्ञानात्मक संबंध: एक एफएमआरआई और न्यूरोसाइकोलॉजिकल अध्ययन, सीआईएमआर, एम्स, नई दिल्ली
16. हेमटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के दौर से गुजर रहे बाल रोगियों की निगरानी और पूर्वानुमान में दाता और प्राप्तकर्ता रक्त चयापचय की भूमिका का मूल्यांकन करना, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
17. अटेंशन डेफिसिट हाइपर एक्टिविटी डिसऑर्डर में कार्य स्मृति और भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी और ईईजी कॉर्टिकल स्रोत, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका, विकिरण नैदानिक विभाग, एम्स, नई दिल्ली
19. मूत्राशय कैंसर के पूर्वानुमान में उन्नत एमआरआई की भूमिका, विकिरण नैदानिक विभाग, एम्स, नई दिल्ली
20. स्तन कैंसर स्तरीकरण और बायोमार्कर खोज। कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय
21. पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस में आरएनए सेक और मेटाबोलॉमिक सिग्नेचर द्वारा जीन एक्सप्रेशन प्रोफाइलिंग, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
22. न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा सीरम मेटाबोलॉमिक्स प्रोफाइलिंग और पेरियोडोंटाइटिस में संभावित बायोमार्कर की पहचान, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), एम्स, नई दिल्ली
23. प्रोस्टेट कैंसर के लक्षण वर्णन और निदान मूल्यांकन के लिए एमआर छवियों का मात्रात्मक विश्लेषण, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी दिल्ली
24. परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा पेरियोडोंटाइटिस में सीरम तथा लार मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग और संभावित बायोमार्कर की पहचान, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर), एम्स, नई दिल्ली
25. 1एच-एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करके हृदय वाल्व संबंधी रोगों वाले रोगियों में सीरम मेटाबोलाइट्स की पहचान करने के लिए मेटाबोलॉमिक फ़िंगरप्रिंटिंग, हृद् रोग विज्ञान (सुजेट)
26. सिज़ोफ्रेनिया, मनोग्रसित बाध्यता विकार और मनोग्रसित बाध्यकारी लक्षणों वाले सिज़ोफ्रेनिया में 1एच एमआरएस पर न्यूरोकेमिकल परिवर्तन का एक तुलनात्मक अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
27. लिपोऑक्सीजिनेज को लक्षित करने वाले अल्जाइमर (एडी) रोग विकृति विज्ञान में अमाइलॉइड बीटा की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, बायोफिज़िक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली

28. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) और स्वस्थ नियंत्रण वाली महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम का अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

29. चूहों में तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के स्थायी और क्षणिक मॉडल में माइक्रोग्लियल ध्रुवीकरण बदलाव पर सेफिनामाइड के प्रभाव का मूल्यांकन, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

30. इस्केमिक स्ट्रोक के पशु मॉडल में सेफिनामाइड उपचार की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता का आकलन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

31. एएमपीए रिसेप्टर का मॉड्यूलेशन: चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्किमिया रीपरफ्यूजन चोट के बाद पोस्ट-स्ट्रोक क्षति पर प्रभाव, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

32. चूहों में स्ट्रोक के मध्य सेरेब्रल धमनी अवरोधन मॉडल में इस्केमिया रीपरफ्यूजन चोट में डिकैनोइक एसिड का मूल्यांकन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

33. एनएमआर फाइटोमेटाबोलोमिक्स के साथ इसकी परस्पर क्रिया का अध्ययन करके गुण और अनुपान की आयुर्वेदिक अवधारणा की वैज्ञानिक मान्यता तथा आंतों और यकृत कोशिकाओं में पारगम्यता विश्लेषण, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. प्रोस्टेट कैंसर के मूल्यांकन में उन्नत अल्ट्रासाउंड और उन्नत एमआरआई की भूमिका, विकिरण नैदानिक विभाग

2. स्वस्थ नवजात शिशुओं की मेटाबोलॉमिक प्रोफ़ाइल, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. इस्केमिक स्ट्रोक के चूहे मॉडल में टाइडग्लुसिब की न्यूरोप्रोटेक्टिव क्षमता का मूल्यांकन, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

4. चूहों में स्ट्रोक के प्रायोगिक मॉडल में फ्यूमरिक एसिड एस्टर (एफएई) का मूल्यांकन, भेषजगुण विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाः14 पुस्तकों में अध्याय: 01

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मदें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल			
पत्रिका संबंधी लेख	21	27	14
सारांश	1	1	0
पुस्तकों में अध्याय	0	2	1
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

रोगी उपचार और अनुसंधान के लिए विभाग के पास तीन एमआरआई स्कैनर (दो 3.0 टेस्ला और एक 1.5 टेस्ला स्कैनर) हैं। विभाग निरंतर रोगी उपचार संबंधी एमआरआई (24x7) सेवाएं प्रदान करता है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान स्कैन किए गए रोगियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है:

क्लिनिकल डायग्नोस्टिक एमआरआई स्कैन: 11884 रोगी

पूरे कोविड-19 महामारी के दौरान, एमआरआई स्कैन के प्रोटोकॉल का पालन करते हुए, क्लिनिकल एमआरआई सुविधाएं चौबीसों घंटे (24x7x365) उपलब्ध थीं।

मदें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
क्लिनिकल एमआरआई डायग्नोस्टिक स्कैन	3657 रोगी	6604 रोगी	11884 रोगी

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

विभाग को 67वें संस्थान दिवस प्रदर्शनी में "स्टेट ऑफ द आर्ट - एनएमआर और एमआरआई टुडे एंड विजन - 2047" शीर्षक वाले पोस्टर पर दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ है।

प्रो. रमा जयासुंदर को भारत सरकार के जी20 के एस20 (साइंस फोरम) एंगेजमेंट ग्रुप का हिस्सा बनने के लिए नामांकित किया गया था; बायोसाइंसेज और बायोइंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बॉम्बे और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी, हैदराबाद में चयन समिति के लिए भारत माननीय राष्ट्रपति के नामित व्यक्ति (आगंतुक द्वारा नामित); वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, केरल सरकार और एनबीआरसी, मानेसर; विरासत और प्रौद्योगिकी विभाग, आईआईटी, हैदराबाद में एडजंक्ट प्रोफेसर; मध्य प्रदेश आयुर्वेद टास्क फोर्स, मध्य प्रदेश सरकार और राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य; सीएसआईआर-पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी, भारत सरकार की सलाहकार समिति के सदस्य; शक्ति संगठन के उपाध्यक्ष के मानद पद पर; शासी निकाय के सदस्य, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जमशेदपुर, एमएचआरडी और सोसाइटी ऑफ द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडी, शिमला, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार और विकासशील देशों के लिए अनुसंधान और सूचना प्रणाली द्वारा भारतीय पारंपरिक चिकित्सा फोरम, विदेश मंत्रालय, भारत सरकार; भारतीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी के इतिहास में शिक्षण कोर्स में वार्षिक रिफ्रेशर कार्यक्रम, जवाहरलाल विश्वविद्यालय के लिए अकादमिक परिषद के सदस्य; पद्म भूषण, पद्म श्री डॉ. पी.के. वारियर मेमोरियल व्याख्यान हेतु नामांकित; वैश्विक आयुष निवेश और नवाचार शिखर सम्मेलन, अहमदाबाद में विशेष आमंत्रित सदस्य, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; कुलपति, हैदराबाद विश्वविद्यालय के बाह्य सदस्य के रूप में नामित, मानविकी विद्यालय, हैदराबाद विश्वविद्यालय; संस्थान का अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, एम्स, नई दिल्ली; (i) जे. मेडिकल फिजिक्स, (ii) जे. बायोसाइंसेज, (iii) करंट साइंस, (iv) फूड बायोफिजिक्स, (v) बायोमेड जे., (vi) जे. आयु. इंटेग. मेड., (vii) एड. न्यूट्र. फूड साइंस, (viii) एनल्स

आयु. मेड., (ix) एंक. साइंस लाइफ, (x) साक्ष्य आधारित सीएएम, (xi) इंड. जे. मेड. एथिक्स, (xii) जे. कॉम्प. मेड. रेस., (xiii) पीएलओएस वन हेतु समीक्षक; 13 आमंत्रित, मुख्य वक्ता और पूर्ण व्याख्यान।

प्रो. एस. सेंथिल कुमारन आईएसएमआरएम भारतीय चैप्टर के उपाध्यक्ष हैं; उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय चुंबकीय अनुनाद सोसायटी, भारत; विजिटिंग फैकल्टी, सेंटर फॉर ब्रेन रिसर्च, आईआईएससी, बैंगलोर।

प्रो. उमा शर्मा को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2020 मिला ; ऑन्कोलॉजी में फ्रंटियर्स के लिए एसोसिएट एडिटर, करंट मेटाबोलॉमिक्स एंड सिस्टम्स बायोलॉजी, बेंथम साइंस और वर्ल्ड जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के संपादकीय बोर्ड पैनल; पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: साइंटिफिक रिपोर्ट्स, जर्नल फॉर मैग्न. रेज़ॉन इमेजिंग, फ्रंटियर्स इन न्यूरोसाइंसेज, बायोकैमिस्ट्री एंड बायोफिज़िक्स रिपोर्ट, एनएमआर इन बायोमेडिसिन, पीएलओएस वन, फ्रंटियर्स इन न्यूरोलॉजी; दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए थीसिस परीक्षक।

प्रोफेसर वीरेंद्र कुमार कार्यक्रम समिति के सदस्य हैं, पैटर्न पहचान और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर छठा भूमध्यसागरीय सम्मेलन, लास पालमास डी ग्रैन कैनरिया, स्पेन, दिनांक 25-27 नवंबर 2022; बाह्य विशेषज्ञ, अध्ययन बोर्ड, जैव-विज्ञान विभाग, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर; पीएचडी थीसिस परीक्षक, दिल्ली विश्वविद्यालय; पत्रिकाओं के लिए समीक्षक: वैज्ञानिक रिपोर्ट, कैंसर इमेजिंग, मेडिसिन, वोल्टर्स क्लूवर, आईईईई एक्सेस, आईईईई, बीएमसी मेडिसिन।

9.23 नाभिकीय चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सी.एस.बाल

आचार्य

राकेश कुमार

माधवी त्रिपाठी

चेतन डी. पटेल (हृद् तंत्रिका केंद्र)

अनिल के. पांडेय (चिकित्सा भौतिकी)

अपर आचार्य

निशिकांत ए. दामले

शमीम ए. शमीम

सहायक आचार्य

खंगेमम बंगकिम चंद्र

अभिनव सिंघल (एन.सी.आई.)

कल्पा ज्योति दास (एन.सी.आई.)

विशिष्टताएँ

विभाग के लिए वर्ष 2022-23 एक यादगार वर्ष था। इस वर्ष विभाग ने 70 वर्षों में पहली बार भारत में न्यूक्लियर मेडिसिन के क्षेत्र में इतिहास रचा। सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग, यू.एस.ए. ने एम्स, नई दिल्ली के भारतीय अनुसंधान कार्य को वर्ष 2022 के "डॉ हेनरी वैगनर जे.आर. सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान पत्र" के रूप में नामित किया। इस वर्ष हमारी दूसरी उपलब्धि यह रही कि सोसायटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन, यू.एस.ए. की आधिकारिक पत्रिका, जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग (जेएनएमएमआई) ने हमारे काम को फीचर्ड लेख के रूप में प्रकाशित किया और इसे कवर पेज पर भी रखा। अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि विभाग ने दिनांक 8 से 11 दिसंबर 2022 तक एम्स में भारतीय एस.एन.एम. के 54वें वार्षिक सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें 21 अंतरराष्ट्रीय संकाय-सदस्यों ने हमारे सम्मेलन में भाग लिया। विभाग ने 53 प्रकाशित सार के साथ-साथ सहकर्मी-समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 103 पूर्ण पत्र प्रकाशित किए हैं। अनुसंधान हेतु विभाग के पास विभिन्न संगठनों/फंडिंग एजेंसियों द्वारा 10 बाह्य स्रोत संबंधी अनुसंधान फंडिंग हैं।

शिक्षा

स्नातकोत्तर छात्रों की संख्याः 54 (24 एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन के छात्र और 26 एम.एस.सी. न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी के छात्र)।

डी.एम.(एन.एम. थेरेपी) की संख्या-6, पी.एच.डी छात्र-1

प्रदत्त व्याख्यानः 35

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
22	24	35

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूचीः 61

पिछले तीन वर्षों में प्रस्तुत मौखिक पत्र / पोस्टर

2020-2021	2021-2022	2022-2023
39	29	61

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एडवांस्ड एंड-स्टेज गैस्ट्रोएंटेरोपैंक्रिएटिक न्यूरोएंडोक्रइन ट्यूमर (जीईपी-एनईटी) वाले रोगियों में अल्फा एमिटिंग 225ए.सी.-डोटाटेट बनाम बीटा एमिटिंग 177 एल.यू.-डोटाटेट थेरेपी की तुलना करना, डॉ. चंद्रशेखर बाल, आईसीएमआर-आईसीआरसी, 5 वर्ष, 2019-2024, 49 लाख रुपये प्रति वर्ष।
2. विभेदित आक्रामक ग्रेड 2 और ग्रेड 3, सोमाटोस्टैटिन रिसेप्टर-पॉजिटिव (एसएसटीआर+), गैस्ट्रो-एंटरिक या अग्नाशय मूल के न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर (कम्पोस) वाले रोगियों में देखभाल के सर्वोत्तम मानक की तुलना में ल्यूटेटियम (177एल.यू.) एडोट्रेओटाइड के साथ पेप्टाइड रिसेप्टर रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी (पीआरआरटी) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और रोगी में रिपोर्ट किए गए परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, यादृच्छिक, नियंत्रित, ओपन-लेबल, बहुकेंद्रीय परीक्षण, डॉ. चंद्रशेखर बाल, आईटीएम, 5 वर्ष, दिसंबर 2021 से प्रारंभ, 30,00,000/- रुपये प्रति वर्ष।
3. स्थानीय रूप से उन्नत या मेटास्टैटिक, रेडियोधर्मी आयोडीन दुर्दम्य बीआरएएफवी600ई उत्परिवर्तन-पॉजिटिव विभेदित थायरॉयड कैंसर का पहले से इलाज करवा चुके रोगियों में डबराफेनीब प्लस ट्रैमेटिनिब की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित चरण III अध्ययन, डॉ. चंद्रशेखर बाल, नोवार्टिस, 5 वर्ष, 2022 से शुरू, रु. 25,00,000/- प्रति वर्ष।
4. उन्नत मेटास्टेटिक विभेदित थायरॉयड कैंसर में रेडियोआयोडीन के सहायक उपचार के रूप में कम खुराक वाले लेन्वेटिनिब की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। डॉ. चंद्रशेखर बाल, इंट्राम्यूरल (एम्स), 1 + 1 वर्ष, 2022 से शुरू, 10,00,000 रुपये।
5. गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्ट्रेट विशिष्ट मेंब्रेन एंटीजन-11 पीईटी/सीटी की नैदानिक सटीकता और इंटरमीडिएट और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों (पीआरओसीए अध्ययन) के प्रारंभिक चरण के लिए पारंपरिक इमेजिंग '(2022-2025), डॉ. राकेश कुमार, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, ऑस्ट्रिया, 4 वर्ष, 2022-2025, 6000 यूरो प्रति वर्ष।
6. हृद्-अर्बुद-विज्ञान अध्ययन (आई.सी.ओ.एस.) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, डॉ. चेतन डी. पटेल, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई.ए.ई.ए.), 5 वर्ष, सितंबर 2019-जारी, 25,000 यूरो।
7. संक्रमण के कारण अज्ञात उत्पत्ति (पीयूओ) के पाइरेक्सिया वाले रोगियों में निर्णय समर्थन एल्गोरिदम की स्थापना में इमेजिंग एजेंटों के रूप में रेडियोलेबल एंटीबायोटिक दवाओं की

उपयोगिता तथा अल्पकालिक और दीर्घकालिक नैदानिक परिणामों पर इसका प्रभाव, डॉ निशिकांत ए दामले, आईसीएमआर, 2019- 2023, 4 साल, 33 लाख रु

8. एडेनोइड सिस्टिक कार्सिनोमा के रोगियों में ^{177}एल.यू-पी.एस.एम.ए. थेरेपी की भूमिका, डॉ. शमीम ए. शमीम, इंट्राम्यूरल फंडिंग, 1+1 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
9. एडवांस्ड हेप्टोसेलुलर के उपचार में री-188-डी.ई.डी.सी. लिपियोडोल टी.ए.आर.टी. के साथ री-188-एच.डी.डी. लिपियोडोल ट्रांस-आर्टिरिलय रेडियोन्यूकलाइड थेरेपी (टी.ए.आर.टी.) की तुलना करना, डॉ. शमीम ए. शमीम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 47,56,910 लाख रुपये।
10. आई.ए.ई.ए. ट्रान्सथायरेटिन एमिलॉइड कार्डियोमायोपैथी स्टडी (आई.टी.ए.सी. स्टडी), डॉ. खंगेमबम बंकिम चंद्र, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), वियना, 4 वर्ष, 2022-2025, 20,000 यूरो

पूर्ण

1. पैपिलरी थायराइड कार्सिनोमा के रोगियों में बी.आर.एफ जीन का म्यूटेशन स्पेक्ट्रम भारतीय जनसंख्या में विकृति-आनुवंशिकी (पैथो-जेनेटिक) अध्ययन, डॉ. चंद्रशेखर बाल, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2022, प्रति वर्ष 35 लाख रुपये।
2. स्थानीय रूप से बार-बार होने वाले अथवा मेटास्टैटिक, प्रगामी, रेडियोआयोडीन रीफ्रेकट्री विभेदित थायराइड कैंसर के रोगियों में लेंवेटिनिब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए अग्रदर्शी सिंगल आर्म पोस्ट मार्केटिंग चरण IV अध्ययन। चरण IV एफडीए परीक्षण, डॉ. चंद्रशेखर बाल, क्लिएंथा रिसर्च लिमिटेड, जब तक सभी रोगी किसी घटना से प्रभावित नहीं होते, अगस्त 2018-2022, जनशक्ति के लिए कोई धन नहीं, सीधे रोगियों को धन।
3. प्रोस्ट्रेट कैंसर रोगियों के निदान और फॉलो-अप में गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्ट्रेट विशिष्ट मेंब्रेन एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का प्रयोग, डॉ. राकेश कुमार, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आई.ए.ई.ए.), वियना, ऑस्ट्रिया, 5 वर्ष, 2017-2022, प्रति वर्ष 5,000 यूरो।
4. मानक शाकाहारी भोजन का उपयोग करके गैस्ट्रिक एम्पटींग सिंटिग्राफी (भोजन को पेट से आंत तक पहुँचाना): पोस्ट-स्लीव गैस्ट्रेक्टमी रोगियों के मध्यावधि फॉलो-अप के दौरान रिफरेंस मूल्यों की स्थापना, डॉ खंगेमबम बंकिम चंद्र, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. कशेरुकी घावों के मूल्यांकन में स्पेक्ट/सीटी बॉन स्कैन की भूमिका और प्लैनर बॉन सिन्टीग्राफी पर इसका लाभ।
2. 20-40 वर्ष के रोगियों के 18एफ एफडीजी-पीईटी/सीटी के लिए सामान्य डाटाबेस।
3. ए.डी., गैर-ए.डी. डिमेंशिया और नियंत्रण समूहों में टाऊ पीईटी पर मेसियल टेम्पोरल एसयूवीआर
4. लॉ-काउंट न्यूक्लियर मेडिसिन इमेज को हाइ-काउंट इमेज में परिवर्तित करने के लिए गतिशील स्टोकैस्टिक अनुनाद का सत्यापन: एक फैन्टम अध्ययन।
5. प्राथमिक एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका

6. लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक चरण हेतु 68जीए-डोटा-एनओसी पीईटी/सीटी की भूमिका
7. न्यूरोब्लास्टोमा वाले बाल रोगियों में 68जीए-डोटा-एनओसी पीईटी/सीटी के मेटाबोलिक सूचकांकों के माध्यम से रोग की सीमा और ट्यूमर के बोझ का आकलन - 131आई-एमआईबीजी स्पैक्ट/सीटी की तुलना में 68जीए-डोटा-एनओसी पीईटी/सीटी की भूमिका
8. फुफ्फुसीय और असामान्य फुफ्फुसीय तपेदिक के निदान और उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन में 99 एम टीसी-एथंबुटोल सिंटीग्राफी की भूमिका
9. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों के विभेदन में 99 एम टीसी-यूबिक्यूसिडिन सिंटीग्राफी की भूमिका।
10. हड्डी की तपेदिक के निदान और निगरानी में 99एम टेक्नेटियम लेबल वाले एथमब्युटोल सिंटीग्राफी का मूल्यांकन।
11. काय-चिकित्सा वार्ड में लंबे समय तक भर्ती रहने वाले पायरेक्सिया के मामलों के जोखिम कारकों, संभावित नैदानिक संकेत, कोर्स और परिणाम का एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।
12. एनाप्लास्टिक थायराइड कार्सिनोमा पीएचडी थीसिस का प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण
13. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल, जांच और परिणाम का अध्ययन करना: एक पूर्वव्यापी और अग्रदर्शी अनुभव।
14. पीएचपीटी में स्थानीयकरण के लिए सेस्टामिबी/स्पेक्ट के साथ सीईयूएस की नैदानिक सटीकता की तुलना: एक पायलट अध्ययन
15. 68 जीए-नोटा- यूबिक्यूसिडिन का संश्लेषण करने वाले रेडियोफार्मासिस्ट के पूरे शरीर के विकिरण जोखिम का अनुमान
16. थायरोटॉक्सिकोसिस के रोगियों में 2एचआर रेडियोधर्मी आयोडीन अपटेक और 99 एम टीसी-परटेक्नेटेट अपटेक के बीच सहसंबंध का आकलन करना।
17. कॉर्डोमा के प्रबंधन में एफ-18 एफडीजी पीईटी सीटी की भूमिका
18. 68जीए-पीएसएमए पीईटी/सीटी पर आधारित सीए प्रोस्टेट के लक्षण वर्णन के लिए बनावट-आधारित विश्लेषण।
19. हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा में 188 आरई-एन-डीईडीसी/ लिपिडोल ट्रांस-धमनी रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी की लेबलिंग दक्षता, डोसिमेट्री और सुरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन करना।
20. एफडीजी पीईटी/सीटी में रीनल सेल कार्सिनोमा के लक्षण वर्णन के लिए बनावट-आधारित विश्लेषण
21. ओस्टियोइड ओस्टियोमास में रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रतिक्रिया के निदान और मूल्यांकन में एफ-18 फ्लोराइड पीईटी/सीटी की भूमिका
22. वाईओजीआईसीएएड अध्ययन का डिज़ाइन और विधि- पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग आधारित हृद् संबंधी स्वास्थ्य लाभ की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
23. पीवाईपी स्कैन द्वारा गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस वाले बुजुर्ग रोगियों में सहवर्ती ट्रान्सथायरेटिन अमाइलॉइडोसिस की व्यापकता का अध्ययन

24. प्राथमिक एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नव सहायक कीमोथेरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में पीईटी-सीटी की भूमिका
25. उच्च जोखिम वाली आबादी में ट्रांसथायरेटिन कार्डियक अमाइलॉइडोसिस (एटीटीआर-कार्डियक एमाइलॉयडोसिस) का पता लगाने में 99एमटीसी-पाइरोफॉस्फेट इमेजिंग की भूमिका
26. अस्थि सिंटीग्राफी में कंकाल मेटास्टेसिस को वर्गीकृत करने के लिए एक मशीन आधारित लर्निंग दृष्टिकोण
27. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए रेडियोनॉमिक्स: एक मशीन आधारित लर्निंग दृष्टिकोण
28. वसायुक्त भोजन प्रोटोकॉल का उपयोग करके पित्ताशय इजेक्शन अंश का हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफी मूल्यांकन: भारतीय आबादी में संदर्भ मूल्य निर्धारित करना।
29. डाइनैमिक लार सिंटीग्राफी: भारतीय जनसंख्या में सामान्य पैटर्न और संदर्भ मूल्य
30. कशेरुकी घावों के मूल्यांकन में स्पेक्ट-सीटी बॉन स्कैन की भूमिका और प्लेनर बॉन सिन्टीग्राफी हेतु इसके लाभ।
31. हड्डी के सिंटिग्राफी में विशेष घाव के मूल्यांकन में प्लेनर और स्पैक्ट पर सीटी का वृद्धिशील मूल्य
32. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए पीएसएमए पीईटी रेडियोमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण
33. वसायुक्त भोजन प्रोटोकॉल का उपयोग करके पित्ताशय की थैली के इजेक्शन अंश का हेपेटोबिलरी सिंटीग्राफिक मूल्यांकन: भारतीय आबादी में संदर्भ मूल्यों की स्थापना
34. लेसियोनल ड्रग रिफ्रैक्टरी मिर्गी (नींद में फोकल मिर्गी या विद्युत स्थिति मिर्गी) वाले 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस और कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना करना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नॉन-इंफिरियोरिटी क्रॉसओवर अध्ययन

पूर्ण

1. डिसक्रेट कोसाइन ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके न्यूक्लियर मेडिसिन इमेज का कम्प्रेशन।
2. ब्लाइंड डीकोनवोल्यूशन विश्लेषण का उपयोग करके छवि पुनर्स्थापन।
3. नैदानिक जानकारी खोए बिना रोगी विकिरण खुराक को कम करने के इरादे से एसपीईसीटी/सीटी में वक्ष, पेट और श्रोणि के लिए सीटी अधिग्रहण प्रोटोकॉल का अनुकूलन: एक फैंटम अध्ययन
4. पीईटी/सीटी स्कैन के दौरान सीटी विकिरण खुराक अनुकूलन
5. सिंगुलर वैल्यू डीकंपोजिशन का उपयोग करके सिंटिग्राफिक छवियों का संपीड़न
6. फ़ज़ी लॉजिक का उपयोग करके सिंटिग्राफ़िक छवि कंट्रास्ट संवर्द्धन
7. कॉर्टेक्स आईडी और एसपीएम का उपयोग करके प्रगतिशील सुपरन्यूक्लियर पाल्सी में एफ-18-एफडीजी पीईटी मस्तिष्क अध्ययन का मूल्यांकन
8. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में एफडीजी पीईटी अध्ययन का सीनियम और एसपीएम विश्लेषण

9. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर के रोगियों में 18एफ- एफडीजी पीईटी/सीटी पर टेक्स्चर विश्लेषण का उपयोग करके उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन
10. 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी अध्ययन पर टेक्स्चर विश्लेषण का उपयोग करके गैर-हॉजकिन्स लिंफोमा का उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन
11. एफ-18 फ्लोरोएस्ट्राडियल (एफईएस) और एफ-18 एफडीजी पीईटी/सीटी का उपयोग करके स्तन कैंसर में एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ईआर) अभिव्यक्ति की विविधता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
12. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस में एफ-18 फ्लोरोडॉक्सीग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी की भूमिका का मूल्यांकन करने वाला अग्रदर्शी अध्ययन।
13. 18एफ-फ्लोरोएस्ट्राडियोल (एफईएस) का संश्लेषण, प्राप्ति और जैव वितरण
14. पीएसपी में मेटाबोलिक पैटर्नः कॉर्टेक्स आईडी एवं एफ-18 एफडीजी पीईटी मस्तिष्क अध्ययन का एसपीएम मूल्यांकन।
15. ऑटोइम्यून इंसेफेलाइटिस में मेटाबोलिक पैटर्नः एसपीएम और एफ-18 एफडीजी पीईटी मस्तिष्क अध्ययन का सीनियम मूल्यांकन।
16. प्राथमिक हाइपरपैराथाईरॉइडिज्म वाले रोगियों में घावों के स्थानीयकरण में एकीकृत ^{18}एफ-फ्लोरोकोलाइन पी.ई.टी./4डी.सी.टी की भूमिका
17. संक्रमण इमेजिंग तकनीक के रूप में 68 जीए- नोटा-यूबिक्यूसिडिन पीईटी और 99एम टीसी-यूबिक्यूसिडिन सिंटीग्राफी की तुलना
18. सिनोनासालम्यूकोर्मिकोसिस के निदान में 99एम टीसी-यूबिक्यूसिडिन सिंटीग्राफी की उपयोगिता
19. 99एम टीसी-एथाम्बुटॉल सिंटीग्राफी का उपयोग करके ट्यूबरकुलर घावों की इमेजिंग के लिए आदर्श समय बिंदु स्थापित करना
20. यूबिक्यूसिडिन लेबल वाली 99एम टीसी की किट आधारित और आंतरिक तैयारी के बीच तुलना
21. एसीटीएच पर निर्भर कुशिंग सिंड्रोम वाले रोगियों में सीआरएच प्रेरित बीआईपीएसएस का नैदानिक प्रदर्शन
22. गैर-मधुमेह हाइपोग्लाइसीमिया की एटियलॉजिकल और नैदानिक प्रोफ़ाइल: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
23. सारकॉइडोसिस में हृदय की भागीदारी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन।
24. संदिग्ध अथवा सुनिश्चित ग्रैनुलोमेटस मायोकार्डिटिस वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम
25. कोविड-19 से सुरक्षित बचे लोगों में कोविड-19 के कार्यात्मक अनुक्रम की मैपिंग में एफ-18 एफडीजी की भूमिका
26. छोटी कोशिका संबंधी फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक चरण में पीईटी-सीटी की भूमिका
27. गैस्ट्रिक एम्पटींग सिंटीग्राफी के लिए एक मानक शाकाहारी भारतीय भोजन की रेडियोलेबलिंग दक्षता

28. नियमित गैस्ट्रिक एम्पटींग सिंटीग्राफी पर छोटी आंत के पारगमन का आकलन: संदर्भ मूल्यों की स्थापना
29. संपूर्ण आंत पारगमन: संदर्भ मूल्यों की स्थापना
30. डिसक्रेट कोसाइन ट्रांसफ़ॉर्म का उपयोग करके परमाणु चिकित्सा छवियों का संपीड़न।
31. स्तन कैंसर में बनावट विश्लेषण
32. लिंफोमा रोगियों में बनावट विश्लेषण
33. न्यूक्लियर मेडिसिन छवियों का एज अवेयर कंट्रास्ट एन्हांसमेंट (ईएसीई)।
34. लिवर स्कैन की एफ-18-एफडीजी पीईटी छवियों का कंट्रास्ट संवर्धन।
35. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में 68जीए-पीएसएमए पीईटी/सीटी
36. 188पुनः-लेबल रेडियोफार्मास्यूटिकल्स के मैनुअल संश्लेषण के दौरान परमाणु चिकित्सा कर्मियों के पूरे शरीर पर विकिरण का जोखिम
37. नियमित रूप से प्रयुक्त चिकित्सीय रेडियोफार्मास्यूटिकल्स का गुणवत्ता नियंत्रण
38. लिंफोमा रोगियों में कम गतिविधि एफ18-एफडीजी का उपयोग करके संपूर्ण शरीर पीईटी/सीटी
39. 18एफ-एफईएस का संश्लेषण, उपज और जैव वितरण
40. 18एफ-एफईएस पीईटी और 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी का उपयोग करके स्तन कैंसर में एस्ट्रोजन रिसेप्टर (ईआर) अभिव्यक्ति की विविधता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन
41. संपूर्ण आंत पारगमन सिंटीग्राफी: संदर्भ मूल्यों की स्थापना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सेंटिनल लिम्फ नोड एसएलएन का पता लगाने के लिए न्यूनतम इनवेसिव नैनो सक्षम लक्षित तकनीक, ई.एन.टी विभाग
2. रिलैप्स्ड/रेफ्रैक्टरी डिफ्यूज़ लार्ज बी-सेल लिंफोमा वाले रोगियों में रीटक्सिमैब प्लस जेमिसिटाबाइन प्लस ऑक्सालिप्लाटिन (आर-जेमॉक्स) के संयोजन में पोलाटुजुमैब वेडोटिन बनाम आर-जेमॉक्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता के मूल्यांकन हेतु चरण III, ओपन-लेबल, मल्टीसेंटर, रैंडमाइज्ड अध्ययन, चिकित्सा अर्बुदविज्ञान
3. कोविड के बाद महाधमनी और फेफड़ों में सूजन: कार्डिक स्थिति संबंधी एक मार्कर, एक इंडो-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त परियोजना, हृद् विज्ञान
4. मध्यवर्ती से उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में लोको-क्षेत्रीय स्टेजिंग के लिए प्रोस्टेट के मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई के साथ 68जीए पीएसएमए पीईटी/सीटी स्कैन की तुलना, मूत्र रोग विज्ञान
5. प्रोस्टेट कैंसर में एकल स्टेजिंग पद्धति के रूप में 68जीए पीएसएमए पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, मूत्र रोग विज्ञान

6. पीसीआई के बाद रोगियों में योग आधारित कार्डियक पुनर्सुधार की प्रभावकारिताः एक अग्रदर्शी याद्दच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंड एंड-पॉइंट ट्रायल- आयुष मंत्रालय, सी.आई.एम.आर., हृद् विज्ञान
7. मानक शाकाहारी भोजन का उपयोग करके गैस्ट्रिक एम्पटींग सिंटिग्राफी (भोजन को पेट से आंत तक पहुंचाना): पोस्ट-स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के रोगियों के बीच अवधि के फॉलो-अप पर संदर्भ मूल्यों की स्थापना, शल्य चिकित्सा।
8. सारकॉइड के साथ कार्डियक की भूमिका वाले रोगियों के रोग का निदान निर्धारित करने के लिए एक अध्ययनः नैदानिक और उपचार एल्गोरिदम का विकास, हृद् विज्ञान, हृद् विकिरण विज्ञान।
9. इंफ्लेमेटरी कार्डियोमायोपैथीः नवीन प्रोटियोमिक बायोमार्कर, नॉन कंट्रास्ट एम.आर.आई और सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर आधारित पीईटी/सीटी के संयोजन वाले नैदानिक एल्गोरिदम को सुदृढ़ करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग संबंधी एक अध्ययन, हृद् विज्ञान, हृद् विकिरण विज्ञान ।

पूर्ण

1. सह-रुग्णताओं के साथ और बिना सह-रुग्णता के प्रारंभिक चरण के अल्जाइमर रोग के मूल्यांकन और निदान में मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग का मूल्यांकन, तंत्रिका विज्ञान
2. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवैसल बीमारी वाले एसटीईएमआई रोगियों में नॉन-कलप्रिट धमनियों की इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के गेटेड-स्पैक्ट एमपीआई का मान-अतंर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा अभिकरण द्वारा वित्तपोषित, हृद् विज्ञान।
3. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के निदान और फॉलो-अप में गैलियम-68 लेबल युक्त पीएसएमए के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग, मूत्र रोग विज्ञान।

पिछले तीन वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएं	12	11	10
कुल वित्त पोषण	2.75 करोड़ रुपये + 18,000 यूरो + 20,000 अमेरिकी डॉलर	187 लाख रुपये + 35,000 यूरो	620 लाख रुपये + 69000 यूरो

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 97 **सारांश: 51**

पिछले तीन वर्षों में प्रकाशन

विषय-वस्तु	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	**136**	**152**	**148**
पत्रिका संबंधी लेख	112	120	97
सारांश	22	28	51
पुस्तकों में अध्याय	2	4	0
पुस्तकें	-	-	-

नाभिकीय चिकित्सा विभाग में अप्रैल 2021 से मार्च 2022 तक पीईटी एवं डायग्नोस्टिक स्कैन और रेडियोन्यूक्लाइड थेरेपी का विवरण:

रोगी उपचार	**2022-23**
थेराप्यूटिक्स	
आई-131 थेरेपी	719
हाइपरथायरायडिज्म के लिए ^{131}आई-थेरेपी	257
^{177}एलयू-डोटा-टेट थेरेपी	120
^{177}एलयू-पीएसएमए-61 थेरेपी	152
^{177}एलयू--एफएपीआई थेरेपी	70
^{255}एसी-डोटा-टेट थेरेपी	30
^{255}एसी-पीएसएमए-617 थेरेपी	10
^{255}एसी-डीओटीए-जीए-एफएपीआई थेरेपी	10
^{131}आई-एमआईबीजी-थेरेपी	13
डायग्नोस्टिक्स	
एफ-18 एफडीजी-पीईटी	6778
एफ-18 टाऊ	52
एफ-18 एफईएस	25
एफ-18 एफसीएच पीईटी	442
एफ-18 एफडीओपीए पीईटी	10
जीए-68 डॉटानॉक पीईटी	689
जीए-68 पीएसएमए पीईटी	410
जीए-68 एफएपीआई पीईटी	123
प्लेन सीटी-स्कैन	658
जीएफआर	2006
आरएआईयू	427
ब्लड पूल स्टडीज	27
डीएमएसए स्कैन	1391
डीआरसीजी	106
ईसीडी-स्पैक्ट	600
जीईआर	200
जीईटी	176
जीएचए स्पैक्ट	4
एचआईडीए	308

लिम्फोसिंटीग्राफी	272
एमडीपी बोन स्कैन	1391
एमआईबीजी-डायग्नोस्टिक	211
मेकेल स्कैन	73
पीटीएच स्पैक्ट	297
रीनल डायनामिक स्कैन	3668
सैंटिनल लिम्फोसिंटीग्राफी	12
थायराइड स्कैन	434
टीसी-99एम टीआरओडीएटी	357
मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन	1608
आरएनवी अध्ययन	572
कार्डिएक पीईटी	219
परफ्यूजन स्टडीज (वी/क्यू स्कैन, पहला पास)	91
टीसी99एम-पीवाईपी स्कैन	41

रोगी उपचार

विषय-वस्तु	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
ओपीडी कंसल्टेशन	4908	8148	10771
रोगी-प्रवेश की कुल संख्या	329	322	446

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. सी. एस. बाल को जून 2022 में वैंकूवर, कनाडा में सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड मॉलिक्यूलर इमेजिंग की वार्षिक बैठक में "इंटरनेशनल बेस्ट रिसर्च एब्सट्रेक्ट ऑफ द ईयर 2022" के रूप में डॉ. हेनरी वैगनर जूनियर पुरस्कार मिला; दिनांक 4-5 फरवरी 2023 को बीएचयू, वाराणसी में न्यूक्लियर मेडिसिन फिजिसिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनएमपीएआई) के 7वें वार्षिक सम्मेलन में "हैल ऑस्कर एंगर ओरेशन" पुरस्कार भी प्राप्त हुआ; इन्होंने 2012 में इंसेप्शन के बाद से क्लिनिकल श्रेणी के तहत 5वीं बार एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; मेरे पीएचडी छात्र, माधव प्रसाद यादव को एक्टिनियम-225 रेडियोफार्मास्यूटिकल्स, 6वीं थेरानोस्टिक्स वर्ल्ड कांग्रेस, विस्बाडेन, जर्मनी, 2022 में उत्कृष्ट शोध और योगदान के लिए प्रतिष्ठित "आईसीपीओ मॉरिट्स डब्ल्यू गीरलिंग्स नेक्स्ट जेनरेशन अवार्ड 2022” प्राप्त हुआ; संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूक्लियर मेडिसिन (आधिकारिक जर्नल ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ न्यूक्लियर मेडिसिन, भारत); वह 60 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के समीक्षक है।

प्रो. राकेश कुमार इंडियन जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन (ऑफिशियल जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन**,** भारत) के संपादक बने**;** राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु चिकित्सा पत्रिकाओं के समीक्षक**;** दिनांक 20 फरवरी, 2023 को पीजीआईएमईआर**,** चंडीगढ़ में पीएचडी (परमाणु चिकित्सा)

मौखिक परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; दिनांक 28 नवंबर, 2022 को जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक।

प्रो. चेतन डी. पटेल न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया के कार्यकारी सदस्य बने; दिनांक 13 मई, 2022 को अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; फॉर्मेटिव असेसमेंट 2022 के लिए कार्य आधारित क्लिनिकल असेसमेंट हेतु बाह्य परीक्षक, दिनांक 30 अप्रैल, 2022 को सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली में न्यूक्लियर मेडिसिन के अनुशासन में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; डीएनबी न्यूक्लियर मेडिसिन छात्रों के राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के थीसिस का मूल्यांकन किया गया; दिनांक 23 जुलाई, 2022 को एम्स, रायपुर में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा हेतु बाह्य परीक्षक; दिनांक 28 जुलाई, 2022 को आयोजित एम्स, जोधपुर में संकाय के साक्षात्कार हेतु विषय विशेषज्ञ; दिनांक 20 अक्टूबर, 2022 को अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा के बाह्य परीक्षक; सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की भंडार प्रापण समिति के सदस्य; सीओई योजना, आयुष के तहत सीआईएमआर में मुख्य स्टाफ-सदस्यों की भर्ती हेतु चयन समिति के अध्यक्ष।

डॉ. माधवी त्रिपाठी एम्स, नई दिल्ली में आयोजित एसएनएमआईकॉन 2022 की आयोजन सचिव थीं; वे राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र (एनबीआरसी) मानेसर में इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा समर्थित "मल्टी-मोडल आईजिंग डाटा का उपयोग करके अल्जाइमर रोग के प्रारंभिक पूर्वानुमानित निदान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता" परियोजना के कार्यान्वयन हेतु परियोजना समीक्षा और संचालन समूह (पीआरएसजी) के सदस्य है।

डॉ. निशिकांत ए. दामले को 99एम-टीसी-यूबिक्यूसिडिन सिंटीग्राफी के क्लिनिकल दायरे की खोज करने वाले "ई.ए.एन.एम. 2022, बार्सिलोना, स्पेन में संक्रमण और सूजन पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर" श्रेणी में चुना गया था; संक्रमण इमेजिंग तकनीकों के रूप में 68जीए-नोटा-यूबिक्यूसिडिन पीईटी और 99एम-टीसी-यूबिक्यूसिडिन सिंटीग्राफी की तुलना संबंधी सर्वश्रेष्ठ शोध पोस्टर प्रस्तुति हेतु एसएनएमआईकॉन 2022, नई दिल्ली में प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. शमीम ए. शमीम को न्यूक्लियर हेपेटोलॉजी, एसएनएमआईकॉन 2022 में सर्वश्रेष्ठ पेपर हेतु श्रीमती शकुंतला कृष्णमूर्ति द्वितीय पुरस्कार मिला।

9.24 प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

नीरजा भाटला

आचार्य

के.के रॉय (14 सितंबर 2022 तक)	नीना मल्होत्रा	वत्सला डडवाल	जेबी शर्मा
नीता सिंह	के. अपर्णा शर्मा	गरिमा कच्छावा	रीता माहे

अपर आचार्य

विदुषी कुलश्रेष्ठ	सीमा सिंघल	राजेश कुमारी	ज्योति मीणा

सह-आचार्य

जूही भारती

सहायक आचार्य

नीलांचली सिंह	ऋचा वत्स	दीपाली गर्ग	अर्चना कुमारी
रिनचेन ज़ंगमो (4 मार्च 2023 तक)	अंजू सिंह	नेहा वरुण	सोनिया धीमान
अनुभूति राणा	निमिषा अग्रवाल (29 दिसंबर 2022 तक)	स्वाति तोमर (29.11.2022 से)	सरिता कुमारी (अनुबंध 18 जनवरी 2022 से 1 जुलाई 2022 तक)

राखी कुमारी (अनुबंध 18.01.22 से - 09.02.2023 से)	सलोनी कंबोज (अनुबंध 08.06.2022 से)	अंजलि चंद्रा (अनुबंध 01.07.2022 से)
प्रीति डिडवानिया (अनुबंध दिनांक 04.07.2022 से)	पल्लवी गुप्ता (अनुबंध दिनांक 04.07.2022 से)	नीलम मीना (अनुबंध दिनांक 06.07.2022 से)

वैज्ञानिक- I

अरुण कुमार	मोनिका सैनी (01.09.2022 से)

विशिष्टताएं:

विभाग महिलाओं के स्वास्थ्य के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्ता वाले रोगी उपचार प्रदान करने, शिक्षण में अनुसंधान और नवाचारों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। वर्ष 2022-23 में मातृ एवं शिशु ब्लॉक में सेवाओं के परिवर्तन के साथ, अत्याधुनिक प्रजनन चिकित्सा, ऑन्कोलॉजी, भ्रूण चिकित्सा, मातृत्व और मूत्र रोग विज्ञान सहित सभी पहलुओं में सेवाओं का दायरा बढ़ गया है। योग और जन्म नियोजन क्लीनिक शुरू किए गए हैं। गैर-स्केलपेल पुरुष नसबंदी और गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण नई परिवार

नियोजन पहल हैं। विभाग को "लक्ष्य" की उपलब्धि के लिए "आरएमसी कैस्केडिंग में अग्रणी" और परिवार कल्याण निदेशालय, दिल्ली सरकार के एनसीटी द्वारा सिजेरियन ऑडिट के लिए दूसरी रैंक से सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संकाय और प्रतिनिधियों (इन्फ्रा के माध्यम से) के साथ कई सीएमई तथा कौशल-उन्नयन कार्यक्रम आयोजित किए गए। भ्रूण चिकित्सा संकाय और इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट ने भ्रूण महाधमनी वाल्व के बैलून डाइलाटेशन के लिए गर्भाशय में एक चुनौतीपूर्ण प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया।

मानव प्रजनन में अनुसंधान के लिए पहले से ही नामित डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के अलावा, विभाग को सर्वाइकल कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के लिए मान्यता दी गई थी। डब्ल्यूएचओ और एमओएचएफडब्ल्यू के प्रतिनिधियों ने सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए वैश्विक कॉल-टू-एक्शन की दूसरी वर्षगांठ समारोह में भाग लिया।

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के प्रो. रंजीत मनचंदा ने इंफोसिस ऑन्कोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में 4 सप्ताह तक विभाग का दौरा किया। इससे विभाग में स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी प्रशिक्षण, पारिवारिक कैंसर क्लिनिक और अनुसंधान को काफी प्रोत्साहन मिला।

मैटरनिटी फाउंडेशन की संरक्षक डेनमार्क की एचआरएच क्राउन प्रिंसेस मैरी ने विभाग का दौरा किया। उन्होंने एक कौशल प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया और दाई के कार्य प्रशिक्षण के लिए सुरक्षित डिलीवरी ऐप के उपयोग का प्रदर्शन किया।

विभाग ने सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में नियमित रूप से प्रसूति एवं स्त्री रोग सेवाएं और झज्जर में ओपीडी सेवाएं प्रदान कीं। एनसीआई झज्जर में स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी ओपीडी और ओटी सेवाएं प्रदान की गईं। विभाग ने 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था अवधि में घातक भ्रूण विसंगतियों वाली महिलाओं के लिए गर्भावस्था की समाप्ति के लिए मेडिकल बोर्ड की सेवाएं भी प्रदान कीं।

शिक्षा

स्नातक पूर्व शिक्षण

स्नातक पूर्व को चौथे सेमेस्टर से क्लिनिकल पोस्टिंग के लिए विभाग में तैनात किया जाता है। 6वें और 8वें सेमेस्टर के छात्रों के लिए शिक्षाप्रद व्याख्यान लिए जाते हैं। उपदेशात्मक व्याख्यानों की सूची इस प्रकार है:

कुल स्नातक-पूर्व व्याख्यान - 36

स्नातकोत्तर शिक्षण

कुल पीजी सेमिनार - 37

शिक्षण कार्यक्रम में परिवर्तन एवं शिक्षण में नवाचार

1. बढ़े हुए बैच आकार के लिए पर्याप्त कौशल सुनिश्चित करने के लिए स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए कौशल प्रयोगशाला तथा सिमुलेशन प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ाया गया है।
2. व्यावहारिक और शल्य चिकित्सा कौशल को बढ़ाने के लिए शिक्षण कार्यक्रम में नई कक्षाएं जोड़ी गई हैं

3. विभाग में उप-विशिष्टताओं के छात्रों के लिए साप्ताहिक कक्षाएं (प्रजनन चिकित्सा / स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी / मूत्र रोग विज्ञान / न्यूनतम इनवेसिव स्त्री रोग विज्ञान / भ्रूण चिकित्सा)
4. सुबह 8-9 बजे जर्नल क्लबों ने प्रसूति एवं स्त्री रोग के क्षेत्र में ऐतिहासिक परीक्षणों पर चर्चा की शुरुआत की
5. प्रसवपूर्व और सिजेरियन ऑडिट के अलावा स्त्री रोग संबंधी प्रक्रियाओं का नियमित ऑडिट
6. प्रशिक्षुओं को क्लिनिकल एक्सपोजर और उनके कौशल को बढ़ाने के लिए लेबर रूम, वार्ड, ओपीडी तथा ओटी जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में तैनात किया गया। प्रशिक्षुओं के लिए व्यापक गर्भपात उपचार में योग्यता आधारित प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया।
7. कनिष्ठ, वरिष्ठ रेजीडेंट्स और स्टाफ नर्सों के लिए अंतर्गर्भाशयी उपचार, प्रसूति आपात स्थिति तथा सम्मानजनक मातृत्व उपचार से संबंधित उनके कौशल को बढ़ाने के लिए मासिक लेबर रूम पोस्टिंग की शुरुआत में ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू किया गया।
8. अल्ट्रासाउंड में कौशल को बेहतर ढंग से समझने और बढ़ाने के लिए प्रसूति एवं स्त्री रोग में अल्ट्रासाउंड के मूलभूत तत्वों पर कक्षाएं
9. संकाय, वरिष्ठ और कनिष्ठ रेज़िडेंटों तथा स्टाफ नर्सों को शामिल करते हुए सम्मानजनक गर्भपात उपचार के लिए छोटे समूह में चर्चा

सीएमई, **कार्यशालाएं**, **संगोष्ठी**, **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

विभागीय संकाय सदस्यों द्वारा निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. प्रथम तिमाही गर्भपात में व्यापक गर्भपात उपचार क्षमता-आधारित उपकरण के लिए प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण पर आभासी कार्यशाला, 19-20 जुलाई 2022, नई दिल्ली
2. प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन 2022: हार्मोन के साथ सामंजस्य, 30-31 जुलाई 2022, पुणे
3. गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी में शोभा सेठ वेंगर सीएमई श्रृंखला, 11 सितंबर 2022, नई दिल्ली
4. सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत के लिए कार्रवाई में तेजी, एफओजीएसआई - एफआईजीओ - एओजीआईएन -इंडिया - आईएससीसीपी - एजीओआई की विशेषज्ञ समूह की बैठक, 10 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
5. डब्ल्यूएचओ द्वारा वित्त पोषित बहुकेंद्रित गतिविधि के लिए डेटा सत्यापन बैठक - कोविड-19 के दौरान लिंग आधारित हिंसा अध्ययन के लिए सुविधा-आधारित डेटा और प्रदाता क्षमता निर्माण की समीक्षा, 11 अक्टूबर 2022, शिलांग
6. सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 17 नवंबर 2022, नई दिल्ली
7. स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी में मास्टरक्लास और लाइव सर्जिकल वर्कशॉप, 26-27 फरवरी 2023, नई दिल्ली

8. “एंडोस्कोपी पर लाइव एंडोस्कोपिक ऑपरेटिव प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला: युवा मस्तिष्क का कायाकल्प।“ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों के संघ के 44वें वार्षिक सम्मेलन में, 10 नवंबर 2022, नई दिल्ली
9. फीटल कार्डियक यूएसजी कार्यशाला, फीटल कार्डियोकॉन (सम्मेलन का हिस्सा- फीटल कार्डियोकॉन), 26 अगस्त 2022, नई दिल्ली
10. लाइव डेमो: 11-14 सप्ताह स्कैन फीटल कार्डियोकॉन, 26 अगस्त 2022, नई दिल्ली
11. सम्मानजनक गर्भपात उपचार पर एनएआरसीएचआई प्री-कांग्रेस कार्यशाला, डब्ल्यूएचओ-सेवर मॉड्यूल, 23 सितंबर 2022, नई दिल्ली
12. एओजीडी क्यूआई समिति और डीजीएफ एनडब्ल्यू के साथ पीपीएच पर कार्यशाला, 8 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
13. एओजीडी, क्यूआई समिति, प्रोन्टो इंटरनेशनल, डब्ल्यूएचओ, भारत द्वारा आयोजित सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यशाला, 7-6 दिसंबर 2022, नई दिल्ली
14. एओजीडी, क्यूआई समिति के तत्वावधान में दिल्ली के जिला अस्पतालों के प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यशाला, 10 दिसंबर 2022, एलएचएमसी, नई दिल्ली
15. सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर कार्यशाला, एओजीडी, क्यूआई समिति द्वारा आयोजित, 8 फरवरी 2023, बीएसए अस्पताल, नई दिल्ली
16. सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर कार्यशाला, एओजीडी, क्यूआई समिति द्वारा आयोजित, 4 मार्च 2023, एलएचएमसी अस्पताल, नई दिल्ली
17. सम्मानजनक मातृत्व उपचार पर कार्यशाला, एओजीडी, क्यूआई समिति द्वारा आयोजित, 11 मार्च 2023, डीडीयू अस्पताल, नई दिल्ली
18. कार्यशाला: डब्ल्यूएचओ सुरक्षित गर्भपात मान, साक्ष्य और अधिकार/सम्मान, 17 मार्च 2023, लखनऊ

लघु एवं दीर्घकालीन प्रशिक्षण

विभाग मातृ भ्रूण चिकित्सा, स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी, प्रजनन चिकित्सा, यूरोगायनेकोलॉजी एवं न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी जैसे विभिन्न उप-विशिष्ट रोगियों में ऑन-डिमांड लघु और दीर्घकालीन प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पर्यवेक्षक

1. डॉ. नेहा सहाय, आर्मी हॉस्पिटल, 16 मार्च 2021 से 14 मार्च 2023 (दीर्घकालिक), मातृ भ्रूण चिकित्सा
2. डॉ. श्री प्रसाद अधिकारी, एसएआरसी देश, 1 मार्च 2023 से 31 मार्च 2023 (अल्पकालिक), प्रजनन चिकित्सा
3. डॉ. मनु गोयल, एम्स, जोधपुर, 7-30 नवंबर 2022 (अल्पकालिक), प्रजनन चिकित्सा

4. डॉ. अंजना अधिकारी, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर अस्पताल, काठमांडू, 05.01.2023-31.01.2023 (अल्पावधि), यूरोगायनेकोलॉजी
5. डॉ. हेमा कुमारी प्रधान, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर अस्पताल, काठमांडू, 1-28 फरवरी 2023 (अल्पावधि), प्रजनन चिकित्सा
6. डॉ. मर्यादा मल्ला, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर हॉस्पिटल, काठमांडू, नेपाल, 1-28 फरवरी 2023 (अल्पावधि), यूरोगायनेकोलॉजी
7. डॉ बीमा शाक्य, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर हॉस्पिटल, काठमांडू, नेपाल, 15 जनवरी 2023 से 14 फरवरी 2023 (अल्पावधि), स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी
8. डॉ. सपना अमात्य वैद्य, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर हॉस्पिटल, काठमांडू, नेपाल, 15 जनवरी 2023 से 14 फरवरी 2023 (अल्पावधि), स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी
9. डॉ. श्री प्रसाद अधिकारी, इंडियाना नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, बीर अस्पताल, काठमांडू, नेपाल, 1-31 मार्च 2023 (अल्पावधि), प्रजनन चिकित्सा

उप-विशिष्टता पाठ्यक्रम (एमसीएच, डीएम, फैलोशिप)

1. डॉ. सुदय हलदर, पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य सेवाएं, 24 जनवरी 2022 से 23 जनवरी 2025, स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी
2. डॉ. दीपान्विता बनर्जी, सीएनसीआई, कोलकाता, 4 फरवरी 2021 से 3 फरवरी 2024, स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी
3. डॉ. श्वेता प्रसाद, जीटीबी अस्पताल, दिल्ली, 12 दिसंबर 2020 से 11 दिसंबर 2023, प्रजनन चिकित्सा
4. डॉ. जूही भारती, एम्स, नई दिल्ली, 1 अगस्त 2021 से 31 जुलाई 2024, प्रजनन चिकित्सा

प्रदत्त व्याख्यान: 200

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2022-23	2021-22	2020-21
200	266	259

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ: 142

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2022-23	2021-22	2020-21
142	106	53

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सर्वाइकल कैंसर को रोकने में एचपीवी वैक्सीन की 2 बनाम 3 खुराक की प्रभावशीलता और सुरक्षा: एक भारतीय बहु-केंद्र यादृच्छिक परीक्षण, आचार्य नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ-आईएआरसी, 17 वर्ष, 2009-2026, 2,73,92,897 रुपये
2. एचपीवी से जुड़ी घातक बीमारियों के उपचार का त्वरित पता लगाने का बिंदु, आचार्य नीरजा भाटला, एनसीआई, यूएसए, एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए के माध्यम से, 5 वर्ष, 2017-2023, 2,76,25,239 रुपये
3. मर्क के एचपीवी6/11/16/18 वैक्सीन (गार्डासिल®) की तुलना में समूह 1 के लिए नियत दो-खुराक (9-14 वर्ष की आयु की लड़कियां और लड़के) और समूह 2 के लिए नियत तीन-खुराक (15-26 वर्ष की आयु के महिलाएं और पुरुष) के अनुसार स्वस्थ स्वयंसेवकों में इंट्रामस्क्युलर रूप से दी गई एसआईआईपीएल के क्यूएचपीवी वैक्सीन की इम्यूनोजेनेसिटी और सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक चरण- II/III, आंशिक रूप से डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, बहुकेंद्रित अध्ययन, आचार्य नीरजा भाटला, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, पुणे, 5 वर्ष, 2018-2023, 1,01,08,596 रुपये
4. गोल्ड आईयूडी कॉपर टी375 एयू के प्रभाव और सुरक्षा का अध्ययन, आचार्य नीरजा भाटला, एसएमबी, मुंबई, 5 वर्ष, 2021-2026, 2,00,000 रुपये
5. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में दैहिक उत्परिवर्तनीय प्रोफ़ाइल का परिदृश्य, आचार्य नीरजा भाटला, शोभा सेठ वेंगर स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी में प्रतिष्ठित आचार्य, 1 वर्ष, 2023-2024, 12,00,000 रुपये
6. (जेएमआईआर रिसर्च प्रोटोकॉल में प्रकाशित) पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित भारतीय महिलाओं में व्यापकता, क्षेत्रीय फेनोटाइपिक भिन्नता, सहरुग्णता, जोखिम कारक और विभिन्न चिकित्सीय तौर-तरीकों की प्रतिक्रिया में भिन्नता का मूल्यांकन: पूरे भारत में एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018 से मई 2023, 1,26,00,000 रुपये
7. युवा कैंसर से बचे लोगों में प्रजनन संरक्षण के लिए डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन - स्लो फ्रीजिंग और विट्रीफिकेशन की तुलना, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित, 4 वर्ष, 2020-2023, 87,70,133 रुपये
8. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) के लिए योजनाबद्ध अस्पष्टीकृत बांझपन और बार-बार प्रत्यारोपण विफलता वाली महिलाओं से गर्भाशय माइक्रोबायोटा की विशेषता - एक पायलट अध्ययन", आचार्य नीना मल्होत्रा, एम्स रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये

9. गर्भधारण की इच्छा रखने वाली पीसीओएस महिलाओं में व्यक्तिगत जीवनशैली हस्तक्षेप की प्रभावशीलता- एक बहुकेंद्रीय यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2023-2028, 8,10,17,350 रुपये

10. एशरमैन सिंड्रोम वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियम को पुनर्जीवित करने के लिए ऑटोलॉगस स्टेम सेल और प्लेटलेट रिच प्लाज्मा थेरेपी की भूमिका, आचार्य नीना मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 74,14,260 रुपये

11. भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान महिलाओं का स्वास्थ्य और महिलाओं के विरुद्ध घरेलू हिंसा, आचार्य वत्सला डडवाल, डब्ल्यूएचओ, 2021-2023, 18,00,000 रुपये

12. प्रसवपूर्व उपचार (मातृ एवं भ्रूण स्वास्थ्य में सुधार) में सुधार के लिए फोन-आधारित ऐप, स्वस्थ गर्भ का विकास और सत्यापन, आचार्य वत्सला डडवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 12,81,000 रुपये

13. महिला जननांग तपेदिक के प्रारंभिक निदान में आरएनटीसीपी अनुशंसित तरीकों के विरुद्ध नए आणविक तरीकों और एंटीजन आधारित नैदानिक तौर-तरीकों का मूल्यांकन, आचार्य जेबी शर्मा, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2021-2025, 67,10,938 रुपये

14. गर्भावस्था पर मातृ और प्रसवकालीन परिणाम पर योग का प्रभाव, आचार्य जेबी शर्मा, आयुष मंत्रालय, सत्यम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2019-2023, 37,15,212 रुपये

15. तनाव मूत्र असंयम वाली महिलाओं में ऑटोलॉगस रेक्टस फैसिया प्यूबोवेजिनल स्लिंग बनाम मिड-यूरेथ्रल स्लिंग बनाम बर्च कोलपोसस्पेंशन प्रक्रिया की तुलना करने वाले एक अध्ययन का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य जेबी शर्मा, आईसीएमआर नई दिल्ली, 3 वर्ष, 2019-2023, 65,80,595 रुपये

16. प्रमुख भारतीय तकनीकी संस्थानों में युवाओं के बीच प्रजनन जागरूकता का आकलन और निर्माण, आचार्य नीता सिंह, मिलिंडा एंड गेट्स फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2020 (कोविड के कारण 2021 में शुरू), 2024, 5,00,000 रुपये

17. प्रशिक्षित स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं, अर्ध-कुशल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्वास्थ्य उपचार स्तरों में वेब आधारित एप्लिकेशन का उपयोग करके डब्ल्यूएचओ एएनसी मॉडल का कार्यान्वयन, डॉ के अपर्णा शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 66,69,320 रुपये

18. प्रीक्लेम्पसिया कांगो रेड डिटेक्शन किट (प्वाइंट-ऑफ-केयर टेस्ट) का सत्यापन: मल्टीसेंट्रिक परीक्षण, डॉ के अपर्णा शर्मा, पर्किन-एल्मर्स, 2 वर्ष, 2019-2023, 6,00,000 रुपये

19. गर्भावस्था में कोविड -19 के संपर्क में आने के बाद गर्भवती महिलाओं और उनके शिशुओं का अनुदैर्ध्य अनुवर्ती, डॉ के अपर्णा शर्मा, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2021-2023, 5,00,000 रुपये

20. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में डिम्बग्रंथि समारोह और चयापचय कारकों पर डी-चीरो इनोसिटोल और मायो-इनोसिटल संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, ओपन-लेबल, सिंगल-सेंटर, सिंगल आर्म,

पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, डॉ. गरिमा कच्छावा, एम्ब्रोसिया लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष 8 महीने, नवंबर 2019 से अगस्त 2023, 17,96,900 रुपये

21. प्रसव के बाद प्रीक्लेम्पसिया के मार्करों का आकलन और महिलाओं में कार्डियो वैस्कुलर रोग के भविष्य के जोखिम कारकों के साथ सहसंबंध, डॉ. गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2022 से नवंबर 2025, 40,40,092 रुपये

22. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ईडीसी) की भूमिका, डॉ गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 4 वर्ष 6 महीने, 2018-2023, 45,72,010 रुपये

23. एआरटी के लिए सीओएच करवाने वाले रोगियों में दो एफएसएच-आर (बीएसवी और मर्क सेरोनो द्वारा गोनल-एफ® द्वारा) की प्रभावकारिता, सुरक्षा और उपयोग में आसानी की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, बहु-केंद्र, मूल्यांकनकर्ता-ब्लाइंड चरण 3 अध्ययन, डॉ. रीता माहे, भारत सीरम एंड वैक्सीन, 2 वर्ष, 2022-2024, 20,00,000 रुपये

24. वास्तविक दुनिया के नैदानिक अभ्यास (विज़ेज अध्ययन) में एंडोमेट्रियोसिस वाली भारतीय महिलाओं के बीच डिएनोगेस्ट (विसैन) की सुरक्षा और प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए चरण IV का अध्ययन, डॉ विदुषी कुलश्रेष्ठ, बायर फार्मास्यूटिकल्स, 1 वर्ष, 2022-2023, 1,00,000 रुपये

25. "सिंगल विजिट प्रक्रिया में दृश्य निरीक्षण विधि द्वारा सर्वाइकल कैंसर की जांच में मार्गदर्शन के लिए संवर्धित वास्तविकता (एआर)-सक्षम उपकरण का विकास", कोर रिसर्च ग्रांट स्कीम के तहत आईआईटी-डी, डीएसटी एसईआरबी के साथ डॉ. सीमा सिंघल, 3 वर्ष, 2020- 2024, 38,00,000 रुपये

26. एंडोमेट्रियल कैंसर में ऑनकोमेटाबोलाइट्स की नैदानिक और रोगसूचक भूमिका, डॉ. सीमा सिंघल, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,50,000 रुपये

27. एपिथेलियल ओवेरियन कैंसर में सेल फ्री डीएनए (सीएफडीएनए) का नैदानिक और पूर्वानुमानित मूल्य - एक समूह अध्ययन, डॉ. सीमा सिंघल, आईसीएमआर-आईसीआरसी अनुदान, 3 वर्ष, 2023-2025, 78 00 000 रुपये

28. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और सीरम एडिपोनेक्टिन का स्तर, डॉ. ज्योति मीना, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अक्टूबर 2020-2022, 2,00,000 रुपये

29. एंडोमेट्रियोसिस के मार्कर के रूप में सर्कुलेटरी एक्सोसोमल माइक्रो आरएनए - एक पायलट अध्ययन, डॉ. जूही भारती, इंट्राम्यूरल-एम्स, 5 वर्ष, 2019-2023, 10,00,000 रुपये

30. आशा (मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता) और चिकित्सकों द्वारा एचपीवी स्व-सैंपलिंग के लिए ग्राहकों की काउंसलिंग: एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल, गैर-हीनता परीक्षण (आशा-अध्याय परीक्षण), डॉ. नीलंचली सिंह, एसईआरबी, 2 वर्ष, जनवरी 2023 -2025, 19,86,297 रुपये

31. ट्रैक ट्रायल - सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग के लिए एचपीवी सेल्फ-सैंपलिंग के लिए महिलाओं को परामर्श देने में मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशा) के प्रशिक्षण में टेलीमेडिसिन की भूमिका, कैंसर पर विजय - अंतर्राष्ट्रीय नवाचार अनुदान पुरस्कार, 2021

32. डॉ. नीलांचली सिंह, एएससीओ, 1 वर्ष, 2021, नवंबर 2023, 20000 यूएसडी
33. मनो-यौन स्वास्थ्य विकारों की जांच करने और स्त्री रोग विज्ञान कैंसर से बचे लोगों में न्यूरोकेमिकल सहसंबंधों को मापने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. नीलंचली सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 7,12,000 रुपये
34. प्रजनन क्षमता बढ़ाने वाली सर्जरी के चयन को सुविधाजनक बनाने के लिए एटिपिकल एंडोमेट्रियल हाइपरप्लासिया के मामलों में, सह-अस्तित्व वाले कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम की भविष्यवाणी में पाइरूवेट काइनेज एम1 और एम2 बायोमार्कर का उपयोग, डॉ. ऋचा वत्स, एम्स से अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट्स अनुदान, 2 वर्ष, सितंबर 2020 से सितंबर 2023, 5,00,000 रुपये
35. डिम्बग्रंथि एंडोमेट्रियोसिस के दौरान एंडोमेट्रियम और एक्टोपिक घाव में ईआरबीबी रिसेप्टर परिवार और एस्ट्रोजन रिसेप्टर्स (ईआर) की अभिव्यक्ति। (वित्त पोषित इंट्राम्यूरल), डॉ दीपाली गर्ग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2021-2023, 5,00,000 रुपये
36. भारत में शहरी और ग्रामीण परिवेश में गर्भकालीन मधुमेह के उपचार के लिए स्मार्टफोन ऐप: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. दीपाली गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 9,60,000 रुपये
37. प्राइमिग्रेविडा महिलाओं के बीच सामान्य योनि प्रसव के दौरान पेरिनियल चोट और पेल्विक फ्लोर डिसफंक्शन पर 'नियमित एपीसीओटॉमी' बनाम 'नो एपीसीओटॉमी' के परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक पायलट अध्ययन, डॉ. अर्चना कुमारी, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 16 फरवरी 2021, 8,80,000 रुपये
38. गर्भावस्था में तनाव बायोमार्कर का मूल्यांकन और मातृ और भ्रूण के परिणामों के साथ सहसंबंध, डॉ. अंजू सिंह, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2020-2022, 5,00,000 रुपये
39. गर्भावस्था के दौरान मातृ कॉर्टिकोट्रोपिन रिलीजिंग हार्मोन स्तर में अनुक्रमिक परिवर्तनों और प्रसव के अंतःस्रावी मध्यस्थ के रूप में इसकी भूमिका को सहसंबंधित करने के लिए अध्ययन, डॉ नेहा वरुण, एम्स अर्ली कैरियर इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2020-2022, 5,00,000 रुपये
40. भारतीय महिलाओं में गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में सीरम ऑटोटैक्सिन की भूमिका, डॉ. सोनिया धीमान, इंस्टीट्यूट इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 5,00,000 रुपये
41. एलोइम्यूनाइज्ड गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व निगरानी में मातृ प्लाज्मा से कोशिका-मुक्त भ्रूण डीएनए का उपयोग करके पैतृक RhD युग्मनजता और भ्रूण RhD जीनोटाइप का मूल्यांकन, डॉ. अनुभूति राणा, एम्स, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2023, 9,85,000 रुपये

पूर्ण

1. सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए सुविधा तत्परता और क्षमता निर्माण में सुधार के लिए डेटा संग्रह और सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग प्रोटोकॉल का मानकीकरण, डॉ. नीरजा भाटला, डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ, 1 वर्ष, जुलाई 2021, जनवरी 2022, दिसंबर 2021, जून 2022, 25,91,890 रुपये

2. मानव कोरियोनिक गोनाडोट्रोपिन (एचसीजी) के विरुद्ध पुनः संयोजक वैक्सीन की सुरक्षा इम्यूनोजेनेसिटी और जांच प्रभावकारिता पर चरण I-II नैदानिक परीक्षण, डॉ. नीरजा भाटला, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2023, 18,64,617 रुपये
3. बांझ और जननक्षम भारतीय महिलाओं में एंटी-मुलरियन हार्मोन (एएमएच) और एंट्रल फॉलिकल काउंट के आयु विशिष्ट मानदंड, डॉ. नीना मल्होत्रा, आरईसीपीडीसीएल, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित सीएसआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2016 से नवंबर 2022, 50,00,000 रुपये
4. कोविड-19 के दौरान लिंग-आधारित हिंसा अध्ययन के लिए सुविधा-आधारित डेटा और प्रदाता क्षमता निर्माण की समीक्षा। (डब्ल्यूएचओ), डॉ वत्सला डडवाल, डब्ल्यूएचओ, 7 महीने, 25 अगस्त 2022 से 31 मार्च 2023, 1,986,600 रुपये
5. गर्भवती महिलाओं में एनीमिया के गैर-आक्रामक का पता लगाने के लिए स्मार्ट फोन-आधारित ऐप का विकास और पायलट परीक्षण, डॉ. वत्सला डडवाल, एम्स, 1 वर्ष 10 महीने, 2020 से नवंबर 2022, 4,85,200 रुपये
6. स्पेंट कल्चर मीडिया पर अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस) का उपयोग करके एन्यूप्लोइडी के लिए गैर-इनवेसिव प्री-इम्प्लांटेशन आनुवंशिक परीक्षण का कार्यान्वयन, डॉ. नीता सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020- 2023, 30,00,000 रुपये
7. आरोपण विफलता में प्राकृतिक हत्यारा कोशिकाओं की भूमिका की जांच करने के लिए और ताजा गैर-दाता आईवीएफ चक्रों में बढ़ी हुई गर्भाशय प्राकृतिक हत्यारा (यू-एनके) कोशिकाओं वाली महिलाओं में इंट्रालिपिड्स के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करने के लिए - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नीता सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 40,00,000 रुपये
8. प्रीक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी में बायोकेमिकल एंडोथेलियल मार्करों और धमनी कठोरता के संयोजन का मूल्यांकन करना, डॉ गरिमा कछावा, आईसीएमआर (डीएचआर), 4 वर्ष, 2018-2022, 83,93,333 रुपये
9. आईसीएमआर-एसटीएस प्रस्ताव शीर्षक "पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज वाली महिलाओं में घुलनशील ई-सेलेक्टिन स्तर और कार्डियो-वैस्कुलर जोखिम के एक मार्कर के रूप में जेबीएस-3 स्कोर के साथ इसकी तुलना", डॉ नीलंचली सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल, 1 वर्ष, 2022-2023, 5,00,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. स्त्री रोग संबंधी कैंसर से बचे लोगों में हड्डियों के स्वास्थ्य और रजोनिवृत्ति के लक्षणों का मूल्यांकन
2. डिम्बग्रंथि, प्राथमिक पेरिटोनियल और फैलोपियन ट्यूब कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं में संज्ञानात्मक कार्य का आकलन: एक पायलट अध्ययन
3. हेमेटोलॉजिकल विकारों वाली महिलाओं में मासिक धर्म में रक्त की कमी को कम करने में लेवोनोर्गेस्ट्रेल अंतर्गर्भाशयी प्रणाली की प्रभावकारिता

4. गर्भावस्था के दौरान इंसुलिन प्रतिरोध का मूल्यांकन और मातृ एवं भ्रूण के परिणाम के साथ इसका संबंध
5. पीपीआईयूसीडी सम्मिलन के लिए केली के संदंश के साथ पारंपरिक तकनीक पर समर्पित पीपीआईयूसीडी इंसर्टर के उपयोग की तुलना करना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. एंडोमेट्रियल कैंसर के उपचार में टीसी -99 एम सल्फर कोलाइड के रेडियोन्यूक्लाइड इंजेक्शन द्वारा 18एफ-एफडीजी पीईटी-विशिष्ट मात्रात्मक ट्यूमर मापदंडों और सेंटिनल लिम्फ नोड मैपिंग का मूल्यांकन
7. उपकला डिम्बग्रंथि के कैंसर के लिए प्रीऑपरेटिव डायग्नोस्टिक और पूर्वानुमानित भविष्यवाणी उपकरण के रूप में पीओटीई ई जीन और मशीन लर्निंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
8. कार्सिनोमा एंडोमेट्रियम में रोगसूचक कारकों के साथ सीरम विस्फैटिन, एडिपोनेक्टिन और पाइरूवेट किनेज़ एम 2 की ऊतक अभिव्यक्ति का सहसंबंध
9. उन्नत चरण एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगी में कीमोथेरेपी रिस्पांस स्कोर (सीआरएस) के साथ हेमेटोलॉजिकल मापदंडों का सहसंबंध
10. जीएलआईएम मानदंड का उपयोग करके स्त्री रोग संबंधी कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं का पोषण मूल्यांकन और इंटरवल डिबल्किंग सर्जरी से गुजरने वाली महिलाओं में पोषण और पेरिऑपरेटिव परिणामों पर केंद्रित प्रीहेबिलिटेशन प्रोटोकॉल का प्रभाव।
11. वंशानुगत डिम्बग्रंथि कैंसर के पूर्वगामी जीन में सकारात्मक रोगाणु उत्परिवर्तन के साथ डिम्बग्रंथि के कैंसर रोगियों के नैदानिक परिणाम और जैविक विशेषताएं और भारतीय महिलाओं में कैस्केड परीक्षण की स्वीकृति
12. एंडोमेट्रियोसिस में सीरम प्रो-इंफ्लेमेटरी मार्करों पर कैबर्जोलिन बनाम डिएनोगेस्ट की प्रभावकारिता: एक पायलट अध्ययन
13. ओव्यूलेशन इंडक्शन चक्र से गुजरने वाली एनोवुलेटरी इनफर्टाइल पीसीओएस महिलाओं में लैप्रोस्कोपिक डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग बनाम स्टेप अप गोनाडोट्रोपिन थेरेपी के प्रभाव की तुलना करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
14. विभिन्न पीसीओएस फेनोटाइप के निदान में नव अनुशंसित एंट्रल फॉलिकल काउंट (एएफसी) कट-ऑफ का मूल्यांकन और नैदानिक, चयापचय और अंतःस्रावी मापदंडों के संदर्भ में कम एएफसी और उच्च एएफसी समूहों की तुलना।
15. पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम (पीसीओएस) के साथ और उसके बिना महिलाओं के कूपिक द्रव में अतिरिक्त सेलुलर माइक्रो-आरएनए प्रोफाइल का मूल्यांकन और आईवीएफ परिणामों के साथ उनका सहसंबंध - एक केस नियंत्रण अध्ययन
16. पारंपरिक और स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करके भ्रूण के हृदय का आकलन और नवजात परिणाम के साथ इसका संबंध

17. प्रसव के दौरान मातृ मधुमेह उपचार गाइड में संशोधित डब्ल्यूएचओ पार्टोग्राफ और श्रम कार्य की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
18. आईसीपी में भ्रूण हृदय प्रोफ़ाइल और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका संबंध
19. उत्तर भारतीय लोगों में भ्रूण के मस्तिष्क संरचनाओं के नॉमोग्राम विकसित करने और विकसित नॉमोग्राम का उपयोग करके विकास प्रतिबंधित भ्रूणों में इन भ्रूण मस्तिष्क संरचनाओं का आकलन करने के लिए एक संभावित अध्ययन
20. सिजेरियन डिलीवरी के लिए एज़िथ्रोमाइसिन-आधारित विस्तारित-स्पेक्ट्रम प्रोफिलैक्सिस: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
21. एलएससीएस में त्वचा बंद होने से पहले ऑपरेशन के बाद के दर्द को कम करने में बुपीवाकेन + एड्रेनालाईन के साथ त्वचा के नीचे के ऊतकों की एकल घुसपैठ की प्रभावकारिता का अध्ययन करना।
22. भ्रूण के विकास प्रतिबंध और प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम का पता लगाने के लिए नियमित प्रसवपूर्व देखभाल के साथ जोखिम मूल्यांकन और निगरानी प्रोटोकॉल की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
23. प्रतिकूल गर्भाशय ग्रीवा वाली गर्भवती महिलाओं में प्रसव पीड़ा शुरू करने के लिए दो डायनोप्रोस्टोन आहार (स्थानिक बनाम पारंपरिक) की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक पायलट अध्ययन
24. जनसांख्यिकी, नैदानिक और अल्ट्रासाउंड आधारित कारकों के आधार पर सिजेरियन सेक्शन के बाद सामान्य पद्धति में जन्म के लिए एक पूर्वानुमानित मॉडल का विकास और सत्यापन
25. हल्के से मध्यम आयरन की कमी वाले एनीमिया वाली गर्भवती महिलाओं में मौखिक आयरन थेरेपी के साथ अंतःशिरा फेरिक कार्बोक्सिमाल्टोज़ की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
26. गर्भावस्था में मातृ एवं प्रसवकालीन परिणामों पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना
27. गर्भाशय ग्रीवा के पूर्व-आक्रामक घावों की जांच और उपचार के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण का मूल्यांकन
28. महिलाओं में मूत्र असंयम में योग चिकित्सा की व्यवहार्यता, प्रभावकारिता और सुरक्षा- एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
29. ओव्यूलेशन प्रेरण चक्र से गुजरने वाली पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम वाली बांझ महिलाओं में लेट्रोज़ोल और गोनाडोट्रॉफ़िन की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी के लिए सीरम एएमएच के सहसंबंध का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
30. पीसीओएस वाली बांझ महिलाओं में लेट्रोज़ोल के विस्तारित आहार की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

31. गर्भकालीन आयु और उचित रूप से विकसित भ्रूणों के लिए विलंब लघु में प्रतिकूल प्रसवकालीन परिणाम की भविष्यवाणी में कार्डियोटोपोग्राफी आधारित अल्पकालिक परिवर्तनशीलता की भूमिका का मूल्यांकन
32. चयनात्मक भ्रूण वृद्धि प्रतिबंध से जटिल मोनोकोरियोनिक डायनामियोटिक जुड़वाँ बच्चों का हृदय कार्य।
33. पारंपरिक और स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी का उपयोग करके मातृ मधुमेह में भ्रूण कार्डियक मॉर्फोमेट्री और फ़ंक्शन का आकलन और नवजात परिणाम के साथ इसका संबंध
34. सिजेरियन सेक्शन में पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द को कम करने में इंट्राऑपरेटिव डेक्सामेथासोन की एकल खुराक की प्रभावकारिता पर एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
35. दूसरी तिमाही से गुजर रही महिलाओं की भावनात्मक प्रतिक्रिया और मानसिक स्वास्थ्य, भ्रूण संबंधी विसंगतियों के लिए गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन
36. ऑफिस हिस्टेरोस्कोपी के दौरान दर्द के स्कोर में सुधार करने में डिटेंशन माध्यम में लिग्नोकेन की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
37. जमे हुए भ्रूण स्थानांतरण चक्र के दौरान एंडोमेट्रियल तैयारी के लिए लेट्रोज़ोल बनाम जीएनआरएच एगोनिस्ट एचआरटी का उपयोग करके गर्भावस्था के परिणाम की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
38. इन विट्रो निषेचन और प्रतिकूल गर्भावस्था परिणाम के बाद गर्भावस्था में अपरा की मात्रा और संवहनीकरण सूचकांकों का संबंध
39. इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र करवाने वाले रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
40. डिम्बग्रंथि रिजर्व बायो-मार्कर का उपयोग करके गोनाडोटॉक्सिक कीमोथेरेपी से करवाने वाले स्तन कैंसर से पीड़ित प्रजनन आयु की महिलाओं में डिम्बग्रंथि कार्य की भविष्यवाणी- एक संभावित समूह अध्ययन
41. प्रतिबंधित भ्रूण के विकास में मध्य मस्तिष्क धमनी शिखर सिस्टोलिक वेग और प्रसवकालीन परिणाम का संबंध
42. एनआईसीयू में भर्ती समय से पहले जन्मे शिशुओं की माताओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं (चिंता, अवसाद और तनाव प्रतिक्रियाएं) की व्यापकता: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
43. मानक उपचार प्रोटोकॉल की तुलना में वेब आधारित मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके दी जाने वाली प्रसवपूर्व उपचार की गुणवत्ता की तुलना: एक पायलट अध्ययन
44. 2 अलग-अलग सर्जिकल तकनीकों के बीच एंडोमेट्रियोसिस के लिए डिम्बग्रंथि सिस्टेक्टोमी के बाद डिम्बग्रंथि रिजर्व का मूल्यांकन

45. गर्भावस्था में मातृ वजन बढ़ने और मनोवैज्ञानिक तनाव पर प्रसव पूर्व योग के प्रभाव और गर्भावस्था के परिणाम के साथ इसके संबंध का अध्ययन करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: एक पायलट अध्ययन
46. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन या आईसीएसआई चक्र करवाने वाली एंडोमेट्रियोसिस वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणाम की भविष्यवाणी के लिए एंडोमेट्रियोसिस प्रजनन सूचकांक की भूमिका: एक संभावित अध्ययन
47. डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी में पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द को कम करने में पेरिटोनियल सिंचाई के लिए इंट्रापेरिटोनियल सोडियम बाइकार्बोनेट और सामान्य सेलाइन के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
48. संपूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी के बाद योनि वॉल्ट और पैरासर्विकल क्षेत्र में बुपीवाकेन इंजेक्शन की प्रभावकारिता बनाम बुपीवाकेन के साथ योनि वॉल्ट इंफिल्ट्रेशन की तुलना में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
49. प्रसव के परिणाम और अनुभव पर जन्म योजना विजिट के माध्यम से व्यवस्थित प्रसव शिक्षा के कार्यान्वयन के प्रभाव का आकलन करना: एक गुणवत्ता सुधार परियोजना
50. गर्भावस्था के दौरान कोलेस्टेसिस में भ्रूण के मातृ परिणाम के साथ सीरम सूजन बायोमार्कर का सहसंबंध, एक पायलट अध्ययन
51. प्रसवपूर्व रोगियों में योनि और प्लेसेंटल माइक्रोबियल फ्लोरा की प्रोफ़ाइल
52. सौम्य गर्भाशय विकारों के लिए खुले बनाम लेप्रोस्कोपिक मार्गों के माध्यम से हिस्टेरेक्टॉमी के बाद यौन परिणाम की तुलना
53. महिलाओं के मासिक धर्म और प्रजनन व्यवहार पर क्रोनिक अग्नाशयशोथ और पुनर्प्राप्त तीव्र अग्नाशयशोथ का प्रभाव
54. स्त्री रोग संबंधी सर्जरी की योजना बना रही महिलाओं में अवसादग्रस्तता के लक्षणों, चिंता और तनाव की व्यापकता पर सर्जरी से पहले और बाद की काउंसलिंग का प्रभाव
55. महिला बांझपन में मनोसामाजिक तनाव और साइटोकिन स्तर के साथ इसका संबंध।
56. पीसीओएस के रोगजनन में बिस्फेनॉल ए की भूमिका: एक केस नियंत्रण अध्ययन
57. गर्भावस्था की दूसरी तिमाही की चिकित्सा समाप्ति के कारण होने वाले दर्द को कम करने में रोगी-नियंत्रित एनाल्जेसिया और फेंटेनल और मल्टीमॉडल पैरेंट्रल एनाल्जेसिया के बीच तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
58. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र से गुजरने वाली पतली एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में प्लेटलेट रिच प्लाज्मा का सब-एंडोमेट्रियल इंस्टिलेशन - एक व्यवहार्यता अध्ययन
59. डिम्बग्रंथि द्रव्यमान के मूल्यांकन में सीरम डी-डिमर, न्यूट्रोफिल/लिम्फोसाइट अनुपात, प्लेटलेट/लिम्फोसाइट अनुपात और सीए125 के नियम का मूल्यांकन करना

60. सफल प्रसव प्रेरण की भविष्यवाणी के लिए सर्वाइकल शीयर वेव इलास्टोग्राफी, बिशप स्कोर और ट्रांसवजाइनल सर्वाइकल लंबाई माप की तुलना: एक पायलट अध्ययन

61. सिजेरियन डिलीवरी में त्वचा को बंद करने की तीन तकनीकों की तुलना (सबक्यूटिक्यूलर टांके, गैर-अवशोषित नायलॉन टांके, सर्जिकल स्टेपलर): एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

62. वैकल्पिक सिजेरियन डिलीवरी करवाने वाली महिलाओं में कार्यात्मक रिकवरी पर सर्जरी के बाद बढ़ी हुई रिकवरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता और व्यवहार्यता: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण

63. लेट्रोज़ोल-एफईटी बनाम एचआर-एफईटी चक्रों में सीरम एस्ट्राडियोल स्तर की भूमिका: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

64. समय से पहले डिम्बग्रंथि परिपक्वन में ऑटोलॉगस प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा के इंट्रा-डिम्बग्रंथि इंस्टीलेशन की भूमिका: एक संभावित पायलट अध्ययन

65. बार-बार गर्भावस्था के नुकसान में पुरुष कारकों की खोज: एक मल्टीओमिक्स प्रक्रिया

66. अज्ञातहेतुक आवर्ती गर्भावस्था हानियों में वीर्य प्रोटीन की एक प्रशंसनीय भूमिका: एक प्रोटिओमिक प्रक्रिया

67. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम वाली महिलाओं में घुलनशील ई-चयन स्तर और कार्डियो-वैस्कुलर जोखिम के एक मार्कर के रूप में क्यूआरआईएसके-3 स्कोर के साथ इसकी तुलना

68. आईवीएफ/आईसीएसआई गैर-दाता चक्र से गुजरने वाली महिलाओं में पारंपरिक बेंचटॉप इनक्यूबेटर बनाम टाइम लैप्स इमेजिंग के बीच गर्भावस्था दर की तुलना करने वाला एक डबल संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

69. भारत में जननक्षम पुरुषों के लिए संदर्भ वीर्य पैरामीटर: एक बहुकेंद्रित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन

70. एंडोमेट्रियोमा वाली महिलाओं में डिम्बग्रंथि रिजर्व और प्रजनन परिणाम पर इथेनॉल स्क्लेरोथेरेपी बनाम सरल आकांक्षा की भूमिका की तुलना करने के लिए: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

71. पोस्टमेनोपॉज़ल रक्तस्राव वाले मरीजों में एंडोमेट्रियल मूल्यांकन के लिए ट्रांसवजाइनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका

72. इंट्रोइटल अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके प्रसवोत्तर महिलाओं में प्रसूति स्पिंक्टर क्षतियों (ओएसिस) की घटनाओं का अध्ययन करना

73. गर्भधारण में अपरिपक्व प्लेटलेट मापदंडों को प्री-एक्लेमप्सिया के लिए स्क्रीन पॉजिटिव के रूप में पहचाना गया: एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन

74. "मैकइंडो वैजिनोप्लास्टी करवाने वाले रोगियों में ऑक्सीकृत पुनर्जीवित सेलूलोज़ और एमनियन ग्राफ्ट का एक तुलनात्मक पायलट अध्ययन"

75. प्रसूति एवं स्त्री रोग संबंधी सर्जरी कराने वाली महिलाओं में सर्जिकल साइट संक्रमण (एसएसआई) की घटनाएं और जोखिम कारक और साक्ष्य-आधारित एसएसआई बंडल शुरू करने का प्रभाव

पूर्ण

1. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) वाली महिलाओं में चयापचय और अंतःस्रावी मार्करों के साथ आंत के एडीपोसिटी इंडेक्स (वीएआई) और लिपिड संचय उत्पादों (एलएपी) का सहसंबंध
2. गर्भावस्था के दौरान गुर्दे के कार्य मापदंडों का मूल्यांकन और मातृ एवं भ्रूण के परिणाम के साथ इसका संबंध
3. उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर के सीरम और ट्यूमर ऊतक में आणविक बायोमार्कर का विश्लेषण
4. एफ18-फ्लोरोडॉक्सीग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी द्वारा एडवांस्ड स्टेज एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर वाली महिलाओं में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया का आकलन
5. चरण **IIIC/IV** उपकला डिम्बग्रंथि, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा में अंतराल डिबल्किंग सर्जरी के समय एचआईपीईसी की व्यवहार्यता और पेरिऑपरेटिव परिणाम का मूल्यांकन: एक पायलट अध्ययन
6. गर्भाशय ग्रीवा के प्रीइनवेसिव घावों की जांच और उपचार के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण का मूल्यांकन
7. संपूर्ण लेप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी में कांटेदार सिवनी और 1-0 विक्रिल के बीच तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
8. प्रसव कक्ष में जन्म साथी अभ्यास का कार्यान्वयन: उत्तराखंड के तृतीयक उपचार केंद्र में गुणवत्ता सुधार अध्ययन
9. गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के बीच कोविड-19 वैक्सीन के संबंध में ज्ञान, प्रक्रिया, धारणा और चिंताओं का मूल्यांकन
10. बड़े मायोमा के लिए मिनिलापैरोटॉमी असिस्टेड लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी की व्यवहार्यता और परिणाम
11. विकास प्रतिबंधित और सामान्य रूप से विकसित भ्रूणों में फुफ्फुसीय शिरा स्पंदन सूचकांक कार्डियक रीमॉडलिंग (वैश्विक गोलाकार सूचकांक) और कार्य (मायोकार्डियल प्रदर्शन सूचकांक)
12. आईवीएफ से गुजरने वाली ट्यूबल और अस्पष्टीकृत बांझपन वाली महिलाओं में क्रोनिक एंडोमेट्रैटिस में हिस्टेरोस्कोपी, हिस्टोपैथोलॉजी और आणविक सूक्ष्म जीव विज्ञान की नैदानिक क्षमता का मूल्यांकन - एक संभावित समूह अध्ययन।
13. जमे हुए भ्रूण स्थानांतरण (एफईटी) चक्र के बाद गर्भावस्था और नवजात शिशु के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारक - एक पूर्वव्यापी विश्लेषण / लेखापरीक्षा
14. स्पेंट कल्चर मीडिया पर अगली पीढ़ी के अनुक्रमण (एनजीएस) का उपयोग करके एन्यूप्लोइडीज़ के लिए गैर-आक्रामक पूर्व-प्रत्यारोपण आनुवंशिक परीक्षण का कार्यान्वयन।

15. पोसीडॉन (रोगी उन्मुख रणनीतियाँ जिसमें वैयक्तिकृत ओओसाइट संख्या शामिल है) स्तरीकरण के अनुसार कम पूर्वानुमान वाली महिलाओं में आईवीएफ परिणाम का मूल्यांकन करना और भारतीय महिलाओं में डिम्बग्रंथि रिजर्व (डीओआर) में कमी के संभावित कारणों का मूल्यांकन करना।
16. गैर-दाता इन विट्रो फर्टिलाइजेशन में प्रतिपक्षी चक्रों में दोहरे बनाम एकल ट्रिगर की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
17. सर्जिकल उपचार करवाने वाले एडनेक्सल द्रव्यमान के साथ गर्भावस्था की रोग संबंधी विशेषता और प्रसूति संबंधी परिणाम देखने के लिए पूर्वव्यापी अवलोकन अध्ययन
18. पूर्ण हृदय ब्लॉक वाली महिलाओं में गर्भावस्था के परिणाम: तृतीयक उपचार अस्पताल से अनुभव
19. प्रीक्लेम्पसिया में एस्पार्टेट एमिनोट्रांस्फरेज़ टू प्लेटलेट रेशियो इंडेक्स (एपीआरआई) स्कोर और अपरिपक्व प्लेटलेट अंश (आईपीएफ) का रुझान: एक केस-नियंत्रण अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक पतन के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक क्रॉस सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (इंडो-नीदरलैंड प्रोजेक्ट), न्यूरोलॉजी
2. प्रसवोत्तर के लिए एक नीति विकसित करना, सही परीक्षण और परीक्षण की आवृत्ति का उपयोग करके गर्भावधि के दौरान मधुमेह के इतिहास वाली महिला का फॉलो अप करना और उनके विचारों को सम्मिलित करने के उपरांत महिला केंद्रित पद्धति विकसित करना, अंत:स्त्राविकी एवं चयापचय
3. हृदय-संवहनी संबंधी जोखिम के घटकों पर ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज प्रभाव का अध्ययन करने के लिए गर्भकालीन मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं की मां-संतान-पति/पत्नी का समूह स्थापित करना, अंत:स्त्राविकी एवं चयापचय
4. अधिक वजन/मोटापे से ग्रस्त महिलाओं (पिछले बच्चे के जन्म के 2 वर्ष के भीतर) में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का उस समय मूल्यांकन करना, जब उन्हें यह कार्यक्रम अकेले की तुलना में उनके पति साथ प्रदान किया गया: टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंत:स्त्राविकी एवं चयापचय
5. आईएडीपीएसजी (इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डायबिटीज एंड प्रेगनेंसी स्टडी ग्रुप्स) मानदंड, द्वारा गर्भावस्था के 24 से 32 सप्ताह में महिलाओं में ग्लाइसेमिया के लिए निरंतर ग्लूकोज निगरानी प्रणाली का उपयोग करना सामान्य के रूप में परिभाषित किया गया है, अंत:स्त्राविकी एवं चयापचय
6. प्रीक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइमों, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनिस और एमआईआर-22 की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट इंवेशन को नियंत्रित करने में उनकी भूमिका, एनाटॉमी

7. प्लेसेंटेशन के दौरान ट्रोफोब्लास्ट सेल इंवेशन में ट्रांसक्रिप्शनल मॉड्यूलेशन के एसएमएआरसीई 1 मध्यस्थ तंत्र और प्रीक्लेम्पसिया में उनकी स्थिति, एनाटॉमी

8. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में एचपीवी परिसंचारी ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच

9. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ सहसंबंध, विकृतिविज्ञान

10. भारतीय समूह में लक्षित ट्रांसक्रिपटॉमिक्स प्रक्रिया द्वारा एंडोमेट्रियल कैंसर में चयापचय गड़बड़ी की जांच करना, विकृतिविज्ञान

11. कार्डियो-वैस्कुलर रोगों (सीवीडी) के लिए सेल-फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी फॉर्मिंग सेल्स (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्सोसोम की क्षमता की खोज करना, हृद जैवरसायन

12. ऑन्कोलॉजी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: कैंसर रोगियों के लिए व्यक्तिगत निदान और उपचार प्रदान करने के लिए बड़े डेटा और उन्नत कंप्यूटिंग का उपयोग करना, जैवरसायन

13. उन्नत एपिथेलियल ओवेरियन, फैलोपियन ट्यूब या पेरिटोनियल कार्सिनोमा (फ्लोरा 5) वाले मरीजों में कीमो-इम्यूनोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-ओरेगोवोमैब) बनाम कीमोथेरेपी (पैक्लिटैक्सेल-कार्बोप्लाटिन-प्लेसबो) की तुलना करने के लिए।), एक चरण 3, डबल ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित, मल्टीसेंटर क्लिनिकल अध्ययन, डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ

14. प्लास्मोडियम विवैक्स संक्रमण में पैरासाइट लिगैंड होस्ट रिसेप्टर इंटरैक्शन की विशेषता, आणविक पैरासिटोलॉजी लैब जैव प्रौद्योगिकी विभाग,

15. गर्भावस्था ह्रास की मनोसामाजिक गतिशीलता: एक बहुआयामी पैमाने का विकास और विकास प्रभावकारिता (यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण) - आईसीएमआर, मनोचिकित्सा

16. गर्भावस्था में गैस्ट्रिक अल्ट्रासाउंड मूल्यांकन पर आसन संबंधी प्रभाव - गैर-वित्त पोषित, संवेदनाहरण

17. एंडोथेलिन रिसेप्टर जीन के मूक आनुवंशिक वेरिएंट के कार्यात्मक लक्षण वर्णन के लिए आणविक उपकरणों का निर्माण, जैव रसायन

18. प्रभावित जोड़ों के पुरुष साथी में इडियोपैथिक आवर्ती गर्भावस्था के नुकसान से जुड़े प्रोटिओमिक और जीनोमिक कारकों की खोज, जैवभौतिकी

19. फ़ेथलेट्स के पर्यावरणीय जोखिम से इंसुलिन के विकास में शामिल आणविक तंत्र, नेत्र भेषजगुणविज्ञान

20. संपूर्ण लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी करवाने वाले रोगियों में डेक्सामेथासोन, पेरासिटामोल और केटोरोलैक (डेक्सपैक) वीएस पेरासिटामोल, केटोरोलैक (पीएके) के संयोजन के ओपियोइड स्पेरिंग प्रभावों की तुलना करना: एक संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

21. एनेस्थिसियोलॉजी, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार
22. असामान्य चयापचय और गोनाडोट्रोपिन-असंतुलन: ग्रैनुलोसा कोशिकाओं में एक्सोसोमल मेटाबॉलिक प्रोफाइल और इंसुलिन प्रतिरोध के साथ और उसके बिना पॉलीसिस्टिक अंडाशय सिंड्रोम वाले रोगियों के फोलीकुलर द्रव, जूलॉजी, दिल्ली विश्वविद्यालय।
23. बार-बार गर्भावस्था के नुकसान में पुरुष कारक की खोज: एक जीनोमिक और प्रोटिओमिक आधारित प्रक्रिया, जैव-भौतिकी
24. पीसीओएस के रोगजनन में बिस्फेनॉल ए की भूमिका: एक केस नियंत्रण अध्ययन, नेत्र भेषजगुणविज्ञान
25. एलएमडब्ल्यूएच के साथ एंटीकोआग्यूलेशन पर गर्भवती रोगियों में एंटी-फैक्टर एक्सए स्तर का अध्ययन करना, कार्डियोलॉजी
26. प्रीक्लेम्पसिया की भविष्यवाणी में जैव रासायनिक और बायोफिजिकल मार्कर के संयोजन का मूल्यांकन करना, फिजियोलॉजी
27. फॉस्फोलिपेज़ सी जेटा (Zeta) अभिव्यक्ति पर मानव शुक्राणु विट्रीफिकेशन का प्रभाव, प्रजनन जैवविज्ञान
28. निम्न और मध्यम आय वाले देशों में प्रत्येक महिला अध्ययन, कोलगो टीआरजी (KoLGO TRG)
29. तृतीयक उपचार सुविधा में भर्ती समय से पहले जन्म लेने वाले शिशुओं की माताओं के बीच स्तनपान दर का आकलन करने और कम दूध की मात्रा के पूर्वानुमानकर्ताओं का विश्लेषण करने के लिए एक संभावित समूह अध्ययन, नर्सिंग कॉलेज
30. इडियोपैथिक आवर्ती गर्भावस्था हानि में एमआईआरएनएएस (miRNAs) और उनके लक्ष्यों के विकृति की पहचान करना। (आईसीएमआर वित्त पोषित), जैवभौतिकी विभाग
31. एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों, जीवनशैली की भूमिका की खोज, शरीर क्रिया विज्ञान
32. कैंसर रोगियों और बचे लोगों में गर्भावस्था के ऑन्कोलॉजिकल और प्रसूति संबंधी परिणाम: तृतीयक उपचार केंद्र से अनुभव, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
33. सर्वाइकल ऑन्कोजेनेसिस में स्पाल्ट-लाइक ट्रांस्क्रिप्शन फैक्टर 4 (SALL4) की भूमिका और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध, एनआईसीपीआर, नोएडा

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. गर्भकालीन मधुमेह के इतिहास वाली महिलाओं में जीवनशैली हस्तक्षेप कार्यक्रम की प्रभावशीलता का उस समय मूल्यांकन करना, जब उन्हें यह कार्यक्रम अकेले की तुलना में उनके पति के साथ प्रदान किया गया: दो बाजू वाला समानांतर याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अंत:स्त्राविकी एवं चयापचय

2. प्री-एक्लेमप्सिया जैसे गर्भावस्था के प्रतिकूल परिणामों में फार्माकोलॉजिकल मॉड्यूलेटर के रूप में हाइड्रोजन सल्फाइड की भूमिका, एनाटॉमी
3. डिम्बग्रंथि कैंसर स्टेम कोशिकाओं में एमआईआरएनएएस (miRNAs) के माध्यम से स्टेट3 (STAT3) विनियमन: एक चिकित्सीय प्रक्रिया, प्रजनन जैवविज्ञान
4. प्रीक्लेम्पसिया में हाइड्रोजन सल्फाइड उत्पादक एंजाइमों, मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनिस और एमआईआर-22 की स्थिति और ट्रोफोब्लास्ट आक्रमण को नियंत्रित करने में उनकी भूमिका, एनाटॉमी
5. उत्तर भारतीय लोगों में प्रोटिओमिक्स प्रक्रिया का उपयोग करकेः आईवीएफ करवाने वाली महिलाओं में सफल गर्भावस्था की भविष्यवाणी के लिए बायो-मार्कर: करना: अस्पताल-आधारित संभावित समूह अध्ययन
6. क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई, क्लिनिकल महामारी विज्ञान इकाई, बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बीवी) से संबंधित बैक्टीरिया के सियालिडेस का पता लगाने के लिए एप्टामर तकनीक की भूमिका, माइक्रोबायोलॉजी
7. न्यूनतम पहुंच वाले सर्जनों के बीच कार्यभार और मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का आकलन- एक संभावित अध्ययन, सर्जरी
8. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बी/वी) और स्वस्थ नियंत्रण वाली महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और मेटाबॉलिज्म का अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान
9. सीलिएक रोग से पीड़ित महिलाओं में मासिक धर्म पैटर्न, प्रजनन क्षमता, गर्भावस्था के परिणामों और ग्लूटेन-मुक्त आहार द्वारा इसके मॉड्यूलेशन का मूल्यांकन, जठरांत्ररोगविज्ञान
10. अंडाणु सक्रियण में एल कार्निटाइन की भूमिका, प्रजनन जैव विज्ञान, गर्भावस्था के नुकसान में मनोवैज्ञानिक आघात: एक बहुआयामी मूल्यांकन उपकरण और एक समूह हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास", मनोचिकित्सा
11. एम्स, नई दिल्ली में की जा रही कोविड-19 और गर्भावस्था (स्कोप) की मानकीकृत रिपोर्टिंग, डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र (डब्ल्यूएचओ-सीसी)

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

2022-2023	2021-22	2020-21
40	42	44
32	34	26
76	90	41

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 68 **सार: 20** **पुस्तकों में अध्याय: 7** **पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

	वर्ष 2022-23	वर्ष 2021-22	वर्ष 2020-21
पत्रिकाओं में लेख	68	133	90
सार	20	16	3
पुस्तकों में अध्याय	7	20	11
पुस्तकें/मोनोग्राफ	1	5	7

रोगी उपचार

एम्स मुख्य अस्पताल में सेवाओं के अलावा, आईआरसीएच में सप्ताह में दो बार गायनी कैंसर क्लिनिक चल रहे हैं। विभाग सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मरीजों को चौबीसों घंटे प्रसूति एवं स्त्री रोग सेवाएं प्रदान करता है। एनसीआई, झज्जर में स्त्री रोग संबंधी ऑन्कोलॉजी सेवाओं की पूरी श्रृंखला प्रदान की जा रही है।

क. **विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)**

- प्रसवपूर्व क्लिनिक
- उच्च जोखिम गर्भावस्था क्लिनिक
- प्रसवोत्तर क्लिनिक
- परिवार नियोजन क्लिनिक
- आईवीएफ क्लिनिक
- गायनी कैंसर क्लिनिक (आईआरसीएच में)
- निवारक ऑन्कोलॉजी सेवाएँ
- गायनी एंडोक्राइनोलॉजी क्लिनिक
- रजोनिवृत्ति क्लिनिक
- यूरोगायनेकोलॉजी क्लिनिक
- प्रसवपूर्व महिलाओं के लिए योग

ख. **सामुदायिक सेवाएँ/शिविर**

- परिवार नियोजन एकक द्वारा 18-21 जुलाई और 2-6 दिसंबर 2022 तक नो-स्केलपेल वेसेक्टॉमी (एनएसवी) शिविर का आयोजन किया गया। कुल 9 (26) एनएसवी किए गए।
- नो-स्केलपेल वेसेक्टॉमी (एनएसवी) पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम 25-29 जुलाई 2022, परिवार नियोजन एकक और सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित।
- 20 मार्च से 4 अप्रैल 2023 तक "पोषण पखवाड़ा" मनाया गया "गर्भावस्था और स्तनपान अवधि के दौरान आहार में बाजरा के स्वास्थ्य महत्ता पर वार्ता"।
- विभाग में 21 जून 2022 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।
- यू-विन पोर्टल (एमओएचएफडब्ल्यू) का कार्यान्वयन किया गया जिसमें टीकाकरण की स्थिति के लिए लाभार्थियों की व्यक्तिगत ट्रैकिंग की सुविधाओं के साथ प्रत्येक गर्भवती महिला के

पंजीकरण और टीकाकरण, नवजात शिशु की जन्म खुराक और उसके बाद के टीकाकरण कार्यक्रमों के पहलू शामिल होंगे।

- प्रसवपूर्व ध्यान - प्रत्येक सोमवार/बुधवार/शुक्रवार को योग कक्षाएं (दोपहर 2.00 बजे से शाम 4.00 बजे तक) मातृ एवं शिशु ब्लॉक, नई दिल्ली।
- विश्व जनसंख्या दिवस, 11 जुलाई 2022 के अवसर पर, परिवार नियोजन एकक के साथ-साथ रोगी उपचार क्षेत्रों में रोगी शिक्षा और जागरूकता संबंधी पोस्टर प्रदर्शन आयोजित किए गए।
- सूचना शिक्षा संचार (आईईसी) सामग्री का प्रदर्शन, प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और मातृ, शिशु तथा बाल मृत्यु दर एवं रुग्णता को कम करना, समय-समय पर नुक्कड़ नाटक (परिवार नियोजन, एनएसवी, एनीमिया मुक्त भारत आदि) का आयोजन करना।
- **नीरजा भाटला:**
  - पैनल चर्चा: **डॉक्टर-रोगी संबंध 'विश्वास का बंधन'।** दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों का संघ (एओजीडी), डॉक्टर दिवस पर सार्वजनिक मंच, 1 जुलाई 2022, वर्चुअल।
  - लाइव हेलो डॉक्टर प्रोग्राम, गर्भाशय ट्यूमर के लक्षण और रोकथाम, डीडी उर्दू, 22 दिसंबर 2022।
  - लाइव हेलो डॉक्टर प्रोग्राम, सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और किशोर स्वास्थ्य, 26 जनवरी 2023
  - **सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम** पर वार्ता। एम्स, नई दिल्ली में टीईडीएक्स, एम्स स्टूडेंट एसोसिएशन 2022-23, 15 जनवरी 2023।
  - **सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम** पर वार्ता, विश्व कैंसर दिवस, 4 फरवरी 2023।
  - **महिलाओं के लिए खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य और कल्याण के महत्व** पर वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्सव: लैंगिक दृष्टि से स्वच्छ खेल, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी, 6 मार्च 2023, वर्चुअल।
  - **सम्मानित अतिथि और संवादात्मक सत्र।** अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, पंजाब नेशनल बैंक मुख्यालय, नई दिल्ली, 6 मार्च 2023।
  - **महिलाओं के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों** पर वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली, 7 मार्च 2023।

वर्ष 2022-23 के दौरान की गई प्रक्रियाओं का विवरण

	2022-2023	2021-2022	2020-2021
स्त्री रोग संबंधी कैंसर सर्जरी (कुल)	314	207	207
कार्सिनोमा गर्भाशय	11	47	35
कार्सिनोमा अंडाशय	262	149	153
कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा	32	3	15
कार्सिनोमा वल्वा	9	8	4

सौम्य स्त्रीरोग संबंधी सर्जरी			
• हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय-उच्छेदन)	509	412	194
1. लेप्रोस्कोपिक (टीएलएच)	184	175	88
2. उदर	246	201	80
3. योनि	79	36	26
डिम्बग्रंथि सिस्टेक्टॉमी/ओफोरेक्टॉमी (डर्मोइड और एंडोमेट्रियोसिस सहित)	129	162	91
• ओपन (खुला)	20	5	12
• लेप्रोस्कोपिक	87	159	57
• ऊफोरेक्टोमी	22	8	22
अस्थानिक गर्भावस्था • ओपन (खुला) • लेप्रोस्कोपिक	48 19 29	24 17 7	27 - -
सरवाइकल सेरक्लेज	23	18	41
• पेट	2	2	5
• योनि	20	16	36
• लेप्रोस्कोपिक	1		
मायोमेक्टोमी/एडिनोमायोमेक्टोमी	149	92	42
• ओपन (खुला)	51	20	12
• लेप्रोस्कोपिक	56	42	16
• हिस्टेरोस्कोपिक	36	28	12
• एडिनोमायोमेक्टोमी	6	2	2
वैजिनोप्लास्टी • मैक-इंडो वैजिनोप्लास्टी • लैप्रोस्कोपिक (डेविडोव्स) वैजिनोप्लास्टी	57 18 39	13 6 7	9 9 -
दिवस उपचार सर्जरी			
डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपी +/- सीटी	317	244	49
हिस्टेरोस्कोपी (नैदानिक)	690	397	90
हिस्टेरोस्कोपिक पॉलीपेक्टॉमी	144	93	24

हिस्टेरोस्कोपिक सेप्टल रिसेक्शन	47	44	5
हिस्टेरोस्कोपिक एडिसियोलिसिस	30	24	10
हिस्टेरोस्कोपिक आईयूसीडी हटाना	20	19	9
हिस्टेरोस्कोपी + मॉक ईटी	43	9	-
हिस्टेरोस्कोपिक प्लेसेंटा हटाना	2	1	-
लेप्रोस्कोपी + हिस्टेरोस्कोपिक कैन्युलेशन	3	2	7
लेप्रोस्कोपिक सैल्पिंगेक्टॉमी/क्लिपिंग	75	98	37
लेप्रोस्कोपिक डिम्बग्रंथि ड्रिलिंग	13	19	-
लैप्रोस्कोपिक रूडिमेंटरी हॉर्न एक्सिशन	11	6	-
लेप्रोस्कोपिक गोनाडेक्टोमी/गोनाडोपेक्सी	10	5	-
एलएनजी-आईयूएस निवेशन	130	7	-
अन्य योनि सर्जरी			
सीपीटी मरम्मत	29	5	
टीवीटी-ओ	6	5	
सैक्रोस्पिनस निर्धारण	10	5	
मैनचेस्टर मरम्मत	9	4	
वेसिकोवेजिनल फिस्टुला की मरम्मत	12	3	
रेक्टोवेजिइनल फिस्टुला की मरम्मत	4	1	
लेबियल मास छांटना	-	1	
वेजिनल सिस्ट (योनि पुटी) का छांटना	6	1	
भ्रूण चिकित्सा			
एमनियोसेन्टेसिस	341	194	110
कोरियोनिक विलस सैंपलिंग (सीवीएस)	303	208	148
आईयूटी (अंतर्गर्भाशयी आधान)	195	100	59
आरएफए (रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन)	32	22	8
कॉर्डोसेन्टेसिस	20	18	5
चयनात्मक भ्रूण कमी	16	13	5
एमनियोरिडक्शन	12	7	-
फुफ्फुस द्रव आकांक्षा/शंट	-	4	1
पेरीकार्डियोसेन्टेसिस	-	2	1
लेज़र	5	2	-
वेसिकोसेंटेसिस	-	1	-
फेटल सिस्ट एस्पिरेशन	3	-	-
सेफलोसेंटेसिस	1	-	-

छोटी प्रक्रियाएं			
बार्थोलिन सिस्ट छांटना	20	13	
निशान एंडोमेट्रियोमा को छांटना	17	7	
एनेस्थीसिया के तहत जांच	12	5	
पैप स्मीयर	17803	6236	2997
एचपीवी परीक्षण	1631	1521	
वीआईए	284	208	
सरवाइकल बायोप्सी	795	456	298
कोल्पोस्कोपी	523	321	112
थर्मल एब्लेशन	18	25	8
लीप	24	10	3
क्रायोथेरेपी	-	-	-
वुल्वल बायोप्सी	33	13	
योनि बायोप्सी	7	7	
लेबियल सिस्ट एक्सिशन/लेबियल बायोप्सी	3	7	
पायोमेट्रा/हेमेटोमेट्रा ड्रेनेज	33	26	
साँचे में बदलाव	41	28	
ईए + ईसीसी	3789	888	
वीए-सीसी	133	49	
एचएसजी	673	196	
प्रसूति विज्ञान			
प्रसूतियों की कुल संख्या	2833	1931	1622
कुल योनि प्रसव	1411	921	679
कुल सिजेरियन सेक्शन	1422	1010	943

परिवार नियोजन सेवाएँ:

परिवार नियोजन कार्यक्रम भारत में महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों में से एक है जिसका उद्देश्य जनसंख्या स्थिरीकरण प्राप्त करना, प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और मातृ, शिशु और बाल मृत्यु दर तथा रुग्णता को कम करना है।

विभाग ने निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने के लिए सप्ताह में 6 दिन निर्बाध परिवार नियोजन ओपीडी जारी रखी:

- प्रसवोत्तर/अंतराल बंधन
- गर्भपात के बाद बंधन
- गर्भावस्था का चिकित्सीय समापन
- गर्भनिरोधक तरीके- आईयूसीडी, प्रत्यारोपण, एलएनजी-आईयूएस सम्मिलन

- आईयूसीडी और प्रसवोत्तर आईयूसीडी की वजह से होने वाली जटिलताओं की निगरानी/उपचार के लिए मरीज़ों की जाँच।
- नॉन-स्केलपेल वेसेक्टॉमी (एनएसवी) के लिए पुरुष रोगियों को परामर्श देना और रेफर करना
- प्रसवपूर्व क्लीनिकों के साथ-साथ नियमित प्रसवोत्तर क्लीनिक

नए शुरू किए गए गर्भ निरोधकों के साथ विभिन्न गर्भनिरोधक निःशुल्क उपलब्ध हैं: अंतरा कार्यक्रम के तहत इंजेक्टेबल गर्भनिरोधक, एमपीए (मेड्रोक्सीप्रोजेस्टेरोन एसीटेट) और छाया (पहले सहेली के रूप में विपणन किया गया) भी उपलब्ध है। कोविड-19 महामारी के दौरान आईयूसीडी और प्रसवोत्तर आईयूसीडी (पीपीआईयूसीडी) जैसी अंतर विधियों पर जोर दिया गया तथा निम्नलिखित परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान की गईं। विभाग के सदस्यों को इम्प्लानन इंसर्शन प्रशिक्षण दिया गया। इम्प्लानोन खरीद प्रक्रिया शुरू हो गई है।

वर्ष 2022-23 में की गई परिवार नियोजन प्रक्रियाओं की संख्या

पद्धति (विधि)	संख्या (2022-2023)	संख्या (2021-2022)	संख्या (2020-2021)
एमटीपी	633	418	159
मौखिक गर्भनिरोधक (पीकेटी)	2643	2031	122
डीएमपीए	264	76	24
अंतराल सीयू-टी	360	240	47
पीपीआईयूसीडी	682	356	225
गर्भपात के बाद आईयूसीडी	95	58	28
ट्यूबल बंधन	418	457	71
पुरुष नसबंदी	26	14	-
इम्प्लानोन	35	-	-

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

विभाग को सर्वाइकल कैंसर रोकथाम और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र हेतु मान्यता दी गई थी। आचार्य नीरजा भाटला को केंद्र का प्रमुख नियुक्त किया गया है।

प्रो. नीरजा भाटला को इंडियन कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी (आईसीओजी) द्वारा "गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी में प्रतिदिन के अभ्यास के लिए आईसीओजी ऑनलाइन कोर्स" (8 मॉड्यूल), जून 2022 के संयोजक के लिए सम्मानित किया गया; महिला स्वास्थ्य में असाधारण योगदान के लिए फोग्सी-धीरा पुरस्कार, सितंबर 2022; स्त्री रोग ऑन्कोलॉजी 2022-24 में शोभा सेठ वेंगर विशिष्ट अध्यक्ष से सम्मानित, दूसरा वार्षिक अनुसंधान दिवस, एम्स, अक्टूबर 2022; राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई), प्रयागराज के फेलो, नवंबर 2022; लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, AOGIN इंडिया का 11वां राष्ट्रीय सम्मेलन, कोयंबटूर, नवंबर 2022; वूमेन अचीवर्स अवार्ड 2023; उपलब्धि का प्रमाण पत्र, ज़ी डीएनए, नोएडा, मार्च 2023। **व्याख्यान** में एडनेक्सल द्रव्यमान के उपचार पर डॉ. सुधीर चंद्र बोस मेमोरियल व्याख्यान - एक चिकित्सा पहेली, बंगाल प्रसूति एवं स्त्री रोग

सोसायटी, अगस्त 2022 शामिल हैं; सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन के लिए एचपीवी टीकाकरण की वर्तमान स्थिति और कार्यान्वयन के दायरे पर 31वां आचार्य पीके देवी व्याख्यान, आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच, मुंबई, नवंबर 2022; इस दशक में सर्वाइकल कैंसर पर नियंत्रण हासिल करने के लिए स्त्रीरोग विशेषज्ञों को सशक्त बनाने पर एओजीएस एआईसीओजी 2017 व्याख्यान: एक साथ हम कर सकते हैं!, अहमदाबाद ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिकल सोसाइटी, मार्च 2023। **व्यावसायिक नियुक्तियों** में प्रमुख, डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र फॉर सर्वाइकल कैंसर प्रिवेंशन एंड रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली शामिल हैं; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एनएएमएस) के परिषद सदस्य, 2022-2024; सदस्य, उत्तर भारत स्त्री रोग विशेषज्ञ फोरम (एनआईजीएफ) मार्च, 2023; सदस्य, एफओजीएसआई के पीसीपीएनडीटी सेल, 2021-2024; निर्वाचित उपाध्यक्ष, एफओजीएसआई उत्तरी क्षेत्र (2024); पूर्व-वैज्ञानिक सलाहकार समिति, एचपीवी डोजियर विकास कार्यक्रम, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी), नई दिल्ली, मई, 2022 में ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया; सदस्य, इंडिया कैंसर रिसर्च कंसोर्टियम (आईसीआरसी), आईसीएमआर, नई दिल्ली, जुलाई, 2022 के तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी); सदस्य, शासी निकाय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र (एनएचएसआरसी), एमओएचएफडब्ल्यू, 2022-24; अध्यक्ष, वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक, आईसीएमआर-राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई, 2021-23; सदस्य, विशेषज्ञ समूह, "कैंसर अनुसंधान पर राष्ट्रीय एजेंडा" आईसीएमआर, फरवरी 2023। **क्षेत्रीय डब्ल्यूएचओ बैठकों में विशेषज्ञ:** डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ द्वारा नवजात मृत्यु दर में तेजी लाने की दिशा में निगरानी और जन्म दोषों एवं मृत शिशु जन्म की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय योजनाओं को मजबूत करना; एचपीवी चिकित्सीय वैक्सीन मॉडलिंग मीटिंग, नैरोबी, केन्या, वर्चुअल, नवंबर 2022; सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन पर डब्ल्यूएचओ की राष्ट्रीय कार्यशाला, नई दिल्ली, 17 नवंबर 2022; डब्ल्यूएचओ स्क्रीन-एंड-ट्रीट अनुशंसाओं के लिए लिविंग अनुशंसाओं और व्यवस्थित समीक्षाओं के लिए दिशानिर्देश विकास समूह, जिनेवा, स्विट्जरलैंड, वर्चुअल, दिसंबर 2022। **संकाय चयन**: संकाय (समूह ए) की भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ, एम्स बिलासपुर, अप्रैल 2022; सहायक आचार्य (ओबीजी) चिकित्सा शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग, शिमला, अप्रैल 2022; वैज्ञानिक - II (एनएम), आईसीएमआर, नई दिल्ली, मई 2022; संकाय पद, एम्स कल्याणी, अक्टूबर 2022; पीजीआई सैटेलाइट सेंटर, संगरूर, पंजाब के लिए सहायक आचार्य (प्रसूति एवं स्त्री रोग), मार्च 2023। **अध्यक्षता सत्र:** ऑन्कोलॉजी, एआईसीओजी-2022, इंदौर, अप्रैल 2022; रिसर्च मेथडोलॉजी, एओजीडी और मिड-लाइफ हेल्थ जर्नल कमेटी पर वेबिनार, आईएमएस, जून 2022; एचपीवी महामारी विज्ञान और एओगिन-इंडिया ओरेशन, 11वां एओगिन-इंडिया सम्मेलन, कोयंबटूर, नवंबर 2022; कैंसर की रोकथाम पर APOCP11 सम्मेलन, कोलकाता, दिसंबर, 2022; पूर्ण सत्र, प्रजनन और बाल स्वास्थ्य में बहुरूपदर्शक अंतर्दृष्टि पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा डॉ शांता एस राव शताब्दी समारोह, आईसीएमआर-एनआईआरआरसीएच, मुंबई, जनवरी 2023 में भाग लिया।

प्रो. नीना मल्होत्रा को 12 नवंबर 2022 को जयपुर में एनएएमएस द्वारा आयोजित नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज के फेलो (एफएएमएस) के रूप में प्रख्यात वैज्ञानिक से सम्मानित किया गया; वरिष्ठ भारतीय बायोमेडिकल वैज्ञानिकों के लिए अल्पावधि आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप

2022-23 के लिए चयनित, आचार्य माइकल ग्रिनबर्ग, अस्पताल एंटोनी बेकलेरे 157, फ्रांस के साथ 3 महीने की अवधि के लिए फेलोशिप; महामारी के बीच अप्रैल 2022-2024 में इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष का पदभार संभाला। आईएफएस राज्य अध्यायों और विशेष रुचि समूहों (एसआईजी) के लिए वर्चुअल मोड पर सम्मेलन, सीएमई, वेबिनार और जर्नल क्लब आयोजित करने में सक्रिय रही हैं। आईएफएस के लिए इस शैक्षणिक वर्ष में ऐसी 105 ऑनलाइन गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें से कुछ प्रमुख हैं; संकाय साक्षात्कार के लिए परीक्षक और विषय विशेषज्ञ थीं, जिसमें 13-15 जुलाई 2022 को जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग कार्यालय में स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग में सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू/श्रीनगर में व्याख्याता स्त्री रोग और प्रसूति विज्ञान के पद के लिए साक्षात्कार आयोजित करने के लिए विशेषज्ञ शामिल थे। सोलिना श्रीनगर; यूपीएससी, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली में 8 और 10-12 अगस्त 2022 तक संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2021 के लिए व्यक्तित्व परीक्षण (पीटी) बोर्ड में आयोग की सहायता की; 12 सितंबर 2022 को सुबह 11:00 बजे आईसीएमआर में बैठक में प्रजनन जैवविज्ञान, प्रजनन विनियमन के क्षेत्र में चल रही तदर्थ परियोजनाओं की समीक्षा की गई; 13 सितंबर 2022 को आईसीएमआर, समिति कक्ष, दूसरी मंजिल नई दिल्ली में एक बैठक में "बांझ पीसीओएस में एक व्यक्तिगत जीवनशैली हस्तक्षेप की प्रभावशीलता: एक बहु-केंद्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण" शीर्षक से नए टास्क फोर्स के प्रोटोकॉल को प्रकाशित करने के लिए अंतिम रूप दिया गया और कार्यनीति बनाई गई।

प्रो. वत्सला डडवाल को 30 अगस्त 2022 को प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ में मान्यता के लिए नई दिल्ली, दिल्ली में एक अस्पताल की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे का भौतिक मूल्यांकन करने के लिए एक मूल्यांकनकर्ता के रूप में एनबीईएमएस (नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज) द्वारा आमंत्रित किया गया; 19 से 23 सितंबर 2022 (सोमवार से शुक्रवार) तक संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा 2021 के लिए व्यक्तित्व परीक्षण (पीटी) बोर्ड में आयोग की सहायता के लिए निमंत्रण; 4 अगस्त 2022 को "स्तनपान" पर दूरदर्शन के लाइव कार्यक्रम "हैलो डॉक्टर" के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; आईसीएमआर द्वारा आयोजित विचार-मंथन सत्र के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। बैठक 31 अगस्त 2022 (बुधवार) को आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित की गई; 20 अगस्त 2022 (शनिवार) को एम्स ऋषिकेश में संकाय भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति की बैठक के लिए निमंत्रण - वर्चुअल मोड। बैठकों और रोगी उपचार कार्यक्रम में चरण-II/III के लिए एमबीबीएस पाठ्यक्रम समिति की बैठक शामिल है; एम्स में कौशल, ई-लर्निंग और टेली-मेडिसिन (एसईटी) सुविधा के लिए समितियां; आईजेजीओ, बीजेओजी, ईजेओजीआरबी. डब्ल्यूएचओ-एसईएजेपीएच, जेएफएम, आईजेएमआर के लिए समीक्षक; भ्रूण की चिकित्सा, हस्तक्षेप और चिकित्सा में अत्याधुनिक उपचार प्रदान करते हुए, 29 सप्ताह के भ्रूण में ब्रोन्कोपल्मोनरी सीक्वेस्ट्रेशन के एक मामले में आरएफए द्वारा फीडिंग धमनी को हटाने का पहला मामला बनाया; 8 जून 2022 को डॉ. रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम में बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के सीईओ श्री मार्क सुज़मैन के साथ बैठक; सरकार के अनुसार कार्यकाल अवधि (3 वर्ष) के लिए वरिष्ठ रेजीडेंटों/वरिष्ठ प्रदर्शकों के पदों पर भर्ती। एम्स, नई दिल्ली में जुलाई 2022 सत्र के लिए भारत की रेजीडेंसी योजना, जो 27-29 जून 2022 तक आयोजित होने वाली है; ओटी उपयोगकर्ता समिति की बैठक गुरुवार 20 अक्टूबर 2022 को अपराह्न

03:30 बजे रामालिंगास्वामी बोर्ड रूम में; सत्र जुलाई, 2022 के लिए 31 दिसंबर तक की अवधि के लिए भारत सरकार की रेजीडेंसी योजना के अनुसार तदर्थ आधार पर वरिष्ठ रेजीडेंटों/वरिष्ठ प्रदर्शनकारियों के रिक्त यूआर / एससी / एसटी / ओबीसी पदों के लिए 'वॉक-इन इंटरव्यू' के माध्यम से विशेष भर्ती अभियान 2022 एम्स, नई दिल्ली में, चयन समिति की बैठक 9 नवंबर 2022 को डीन समिति कक्ष, डीन कार्यालय में; सीएसआर-रेग के माध्यम से दान में प्राप्त विभिन्न उपकरणों के निरीक्षण के लिए 29 मार्च 2023 को सुबह 10:00 बजे एक निरीक्षण समिति की बैठक में भाग लिया।

प्रो. जे बी शर्मा ने "डॉ. प्राण नाथ छुट्टानी एकेडमिक ओरेशन (2023)" हासिल किया। प्रसूति एवं स्त्री रोग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान की मान्यता में शैक्षणिक उपलब्धि; सेंटर हेल्थ, बेकर्सफील्ड, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए। 20-26 फरवरी 2023 तक विजिटिंग आचार्य; एफओजीएसआई दिवंगत आचार्य डी कुट्टी वार्षिक लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2022; 8 जनवरी 2023 को एआईसीओजी कोलकाता में महिला जननांग तपेदिक में लेप्रोस्कोपिक निष्कर्षों के लिए विविध श्रेणी में डॉ. सीएल झावेरी को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त किया ।

प्रो. नीता सिंह को भारत में प्रजनन चिकित्सा के क्षेत्र में निस्वार्थ योगदान की सराहना के लिए प्रतिष्ठित 'आईएसएआर विशिष्ट सेवा पुरस्कार 2023' से सम्मानित किया गया। (इंडियन सोसाइटी फॉर असिस्टेड रिप्रोडक्शन - आईएसएआर द्वारा प्रदान किया गया पुरस्कार); उन्हें राष्ट्रीय एआरटी और सरोगेसी बोर्ड, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, सरकार के विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। अगस्त 2022 में भारत का; भारत में एआरटी और सरोगेसी के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और आईसीएमआर द्वारा स्थापित सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया (एफपीएसआई) के सचिव 2021-2023; प्रजनन पर एशिया प्रशांत पहल (एस्पायर) के सक्रिय सदस्य-2022-23; जून 2022 में यूपीएससी बैठक में भाग लिया; जुलाई 2022 में ईएसआई-पीजीआईएमएसआर, बसईदारापुर, दिल्ली में प्रजनन चिकित्सा और सर्जरी (आईवीएफ) विभाग में सुपर स्पेशलिस्ट की भर्ती के लिए साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; 10-14 अक्टूबर 2022 तक यूपीएससी, नई दिल्ली में संयुक्त चिकित्सा सेवा परीक्षा (यूपीएससी व्यक्तित्व परीक्षण बोर्ड द्वारा आयोजित) के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

प्रो. के अपर्णा शर्मा ने स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा समर्थित महिला लिफ्ट स्वास्थ्य नेतृत्व यात्रा के 2022 उद्घाटन भारत समूह को पूरा किया; सतत शिक्षा संस्थान (आईएल3), बार्सिलोना विश्वविद्यालय के सहयोग से, एफईटीएएल I+D एजुकेशन बार्सिलोना के तहत मातृ भ्रूण चिकित्सा कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय मास्टर्स पूरा किया; चिकित्सा विज्ञान एवं प्रबंधन के क्षेत्र में एम्स और संबंधित संस्थानों के लिए उन्नत प्रशिक्षण पूरा किया - ओसाका विश्वविद्यालय, जापान से चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन; डीएसटी परियोजना के तहत विकसित प्रसवपूर्व उपचार ऐप को एक संभावित तकनीक के रूप में पहचाना गया है जिसका उपयोग देश भर में डीएसटी द्वारा समर्थित कोविड केयर रेजिलिएशन केंद्रों में किया जा सकता है; पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणाली संसाधन केंद्र द्वारा संचालित राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों के लिए बाह्य मूल्यांकनकर्ता पाठ्यक्रम उत्तीर्ण किया और वर्तमान

में देश भर में सुविधाओं के लिए प्रमाणित बाह्य मूल्यांकनकर्ता हैं। राष्ट्रीय सचिव, सोसाइटी ऑफ फेटल मेडिसिन, भारत, 2022-2024; उत्तरी क्षेत्र समन्वयक, सुरक्षित मातृत्व समिति, एफओजीएसआई, 2021-2023; अध्यक्ष, एओजीडी क्यूआई समिति, 2021-2023; उप संपादक, जर्नल ऑफ फेटल मेडिसिन; सदस्य, कार्यकारी समिति, राष्ट्रीय नियोनेटोलॉजी फोरम, भारत; अनुभाग संपादक (प्रारंभिक गर्भावस्था/अल्ट्रासाउंड), जर्नल ऑफ फर्टिलिटी साइंस रिसर्च, एमओएचएफडब्ल्यू: सेंटक्रोमन को शामिल करने के लिए भारत अनुकूलित एमईसी व्हील के अद्यतनीकरण के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ, भारत, 30.5.22, नई दिल्ली; एमओएचएफडब्ल्यू; "प्रसवोत्तर उपचार को अनुकूलित करने की योजना" पर एमओएचएफडब्ल्यू दस्तावेज़ का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रसूति संबंधी एचडीयू और आईसीयू के लिए प्रसूति विज्ञान में महत्वपूर्ण उपचार (सीसीओबी) पर प्रशिक्षण मॉड्यूल विकसित करने के लिए एमओएचएफडब्ल्यू: तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी); "स्टिल बर्थ में महामारी विज्ञान" के लिए प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग और स्टीयरिंग कमेटी (पीएससी) के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ सदस्य; मातृ स्वास्थ्य (तदर्थ और टास्क फोर्स अध्ययन) परियोजनाओं की समीक्षा करने के लिए आईसीएमआर विशेषज्ञ समूह की सदस्य; इन्फ्लुएंजा वर्किंग ग्रुप और एसडब्ल्यूजी-आईवीआरसीबी, टीकाकरण पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजीआई) की संयुक्त बैठक के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य; एनएचएसआरसी (साकुशल) द्वारा रोगी सुरक्षा के लिए स्व-मूल्यांकन उपकरण का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह की सदस्य रहीं।

प्रो. गरिमा कच्छावा को यूजी मेंटरशिप में दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस (एमबीबीएस श्रेणी) (डॉ अरुणांग्शु भट्टाचार्य) में तीसरा पुरस्कार (पोस्टर) प्राप्त हुआ; दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर पोस्टर के लिए प्रथम पुरस्कार (यूएन-एसजीडी श्रेणी)। (डॉ. अपूर्व चल्ला); दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस में मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार (पीएचडी श्रेणी) (सुश्री अपूर्वा चल्ला); मेरे मार्गदर्शन में पीएचडी कार्य के लिए सुश्री अपूर्वा चल्ला को डॉ. वी. गोविंदन नायर मेमोरियल अवार्ड (**रजत पदक**) प्रदान किया गया; 9 सितंबर 2022 को आईएएसएसटीडी और एड्स (एस्टिकॉन), तेलंगाना के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के माइक्रोबायोम-आधारित निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल"। 6-7 दिसंबर 2022 को होटल लेमन ट्री वैली-1 सेक्टर 29 गुरुग्राम हरियाणा में “यौन शोषण, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न को रोकने तथा प्रतिक्रिया देने पर क्षेत्रीय कार्यशाला (पीपीएसईएएच)” में डब्ल्यूएचओ की बैठक में भाग लेने के लिए विजिटिंग साइंटिस्ट रही हैं; एम्स, नई दिल्ली के विशेषज्ञों की एक टीम की सदस्य 4-5 मार्च 2023 तक अपनी मौजूदा सुविधा का मूल्यांकन/मूल्यांकन करने के लिए बेस अस्पताल, कोटद्वार का दौरा और उसे मजबूत करने के साथ-साथ सेवाओं में सुधार के लिए टेलीमेडिसिन के उपयोग की भी खोज की।

प्रो. रीता माहे इंडियन फर्टिलिटी सोसाइटी 2022-2024 द्वारा आयोजित एसआईजी-फर्टिलिटी प्रिजर्वेशन (एसआईजी-एफपी) समूह के सह-संयोजक के रूप में काम कर रही हैं; सितंबर 2022 में एशियाई देशों में प्रजनन संरक्षण पर एएसजीओ-विशेष टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया।

डॉ. विदुषी कुलश्रेष्ठ को जर्नल ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी ऑफ इंडिया में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ केस रिपोर्ट के लिए वर्ष 2022-2023 के लिए जोगी-स्प्रिंगर पुरस्कार मिला; फैमिली प्लानिंग

एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफपीएआई), झपीगो और डब्ल्यूएचओ द्वारा 21-22 मार्च 2023, नई दिल्ली में आयोजित कार्यशाला में राष्ट्रीय टीओटी के संचालन के लिए गर्भनिरोधक प्रत्यारोपण के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया।

डॉ. सीमा सिंघल को कोषाध्यक्ष एओजीआईएन इंडिया (2022-24) के रूप में नामित किया गया; एओजीडी (दिल्ली के प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञों का संघ) की ऑन्कोलॉजी समिति के सदस्य के रूप में नामांकित: 2023-24; एजीओआई (एसोसिएशन ऑफ गायनी ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया) 2022-24 के कार्यकारी सदस्य के रूप में चुनी गईं; वैयक्तिकृत चिकित्सा पर एएसजीओ (एशियन सोसाइटी ऑफ गाइनी ऑन्कोलॉजी) टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में नामांकित; एचपीवी वैक्सीन की शुरूआत पर तकनीकी विशेषज्ञ समूह (टीईजी) के सदस्य के रूप में एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा नामित; आईएससीसीपी के एक आधिकारिक जर्नल, जर्नल ऑफ कोल्पोस्कोपी और लोअर जेनिटल ट्रैक्ट पैथोलॉजी के संपादकीय बोर्ड की सदस्य; दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) द्वारा ऑनकोकेयर लीजेंड अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ; विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य: नैदानिक परीक्षणों, नई दवाओं और नए चिकित्सा उपकरणों के अनुप्रयोगों की विभिन्न श्रेणियों के मूल्यांकन के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एसएनडी) सीडीएससीओ (मुख्यालय) द्वारा विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित; पुस्तक आईसीओजी कैंपस अंक के लिए अतिथि संपादक जिसका शीर्षक है "स्त्री रोग संबंधी कैंसर: हालिया विकास और वर्तमान अभ्यास" जून 2022, संख्या 3; भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में डब्ल्यूएचओ के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सर्वाइकल कैंसर स्क्रीनिंग सेवाओं को बढ़ाने के लिए "किफायती तकनीक का उपयोग करके क्षेत्र में सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन को प्रभावी ढंग से बढ़ाना" के लिए एफओजीएसआई-FIGO अनुदान प्राप्त हुआ; 26 मार्च 2023 को डीएमए चिकित्सा शिक्षा उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ; नेशनल को-ऑर्डिनेटर डीएनबी स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी, स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी सुपर स्पेशियलिटी छात्रों के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा संचालित साप्ताहिक आभासी कक्षाएं; आयोजन सचिव: शोभा सेठ वेंगर 11 सितंबर 2022 को एम्स नई दिल्ली में सीएमई श्रृंखला "वंशानुगत स्त्रीरोग संबंधी कैंसर: अनुसंधान से अभ्यास तक"; 23 सितंबर 2022 को आशा कार्यकर्ताओं के लिए प्री कांग्रेस कार्यशाला (लिंकेज को मजबूत करना- बुनियादी प्रसूति देखभाल, गर्भाशय ग्रीवा और स्तन कैंसर स्क्रीनिंग पर अंतराल को पाटना) की आयोजन सचिव। गर्भाशय ग्रीवा स्क्रीनिंग के कौशल सिखाने के लिए आशा कार्यकर्ताओं के व्याख्यान और व्यावहारिक प्रशिक्षण लिया। एम्स अनुसंधान परियोजना के तहत हमारे द्वारा बनाया गया मॉडल; संयुक्त आयोजन सचिव एनएआरसीएचआई विश्व कांग्रेस: एनएआरसीएचआईसीओएन 2022; आयोजन सचिव **"सरवाइकल कैंसर उन्मूलन में तेजी लाएं: सर्वाइकल कैंसर मुक्त भारत"** 10 अक्टूबर 2022 को आयोजित किया गया, जिसमें अध्यक्ष, महासचिव एफओजीएसआई, आईसीओजी एवं आईसीओजी और एफओजीएसआई के अन्य प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम एक ऐतिहासिक कार्यक्रम था और एक श्वेत पत्र जारी किया गया तथा एचपीवी टीकाकरण सहित सर्वाइकल कैंसर उन्मूलन गतिविधियों को बड़े पैमाने पर शुरू करने के लिए मंत्रालय को भेजा गया। मुझे एफओजीएसआई द्वारा श्वेत पत्र का मसौदा तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समूह का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग एम्स, नई दिल्ली द्वारा 26-17 फरवरी 2023 को आयोजित मास्टरक्लास और लाइव सर्जिकल वर्कशॉप स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी की आयोजन सचिव रहीं।

डॉ. राजेश कुमारी को 24-25 सितंबर 2022 को फ़ेलोशिप- एफआईसीएमसीएच, एनएआरसीएचआई- एफआईसीएमसीएच एनएआरसीएचआई प्राप्त हुई।

डॉ. ज्योति मीना एएसजीओ की शिक्षा समिति की सदस्य थीं और उन्हें एएसजीओ के 32वें वेबिनार में चर्चाकर्ता के रूप में आमंत्रित किया गया; इंडियन कॉलेज ऑफ मैटरनल एंड चाइल्ड हेल्थ (एफआईसीएमसीएच) की फ़ेलोशिप प्राप्त हुई; इंडियन कॉलेज ऑफ ओब्स्टेट्रिशियन एंड गायनेकोलॉजिस्ट (एफआईसीओजी) की फ़ेलोशिप प्राप्त की; बीएमजे केस रिपोर्ट की समीक्षक, क्यूरियस जर्नल रहीं।

डॉ. जूही भारती को एमआरसीओजी डिग्री, यूके से सम्मानित किया गया, वर्तमान में इन-हाउस प्रायोजित उम्मीदवार के रूप में एम्स, नई दिल्ली में डीएम प्रजनन चिकित्सा पाठ्यक्रम कर रही है।

डॉ. नीलांचली सिंह को दिसंबर 2022 में ईएसएमओ इम्यूनो-ऑन्कोलॉजी कांग्रेस 2022 में ऑनलाइन भाग लेने के लिए इंटरनेशनल कैंसर फाउंडेशन (आईसीएफ) पंजीकरण छात्रवृत्ति, 2022 प्राप्त हुई; वर्ष 2022-2026 के लिए गायनोकोलॉजिकल ऑन्कोलॉजी ग्रुप- यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार में प्रत्येक को द्विवार्षिक जीओजी बैठकों में भाग लेने के लिए दिए जाने वाले 1600 अमेरिकी डॉलर शामिल थे। पहली बैठक जुलाई 2022 में शिकागो में आयोजित की गई थी; अप्रैल/मई 2022 में सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूरा करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए धीरा प्रशिक्षण मानदेय (ओबीजीवाईएन टीओटी); इंदौर में अप्रैल 2022 में एआईसीओजी सम्मेलन में ऑन्कोलॉजी, एफओजीएसआई, 2022 में चंद्रावती देवी जगन्नाथ सिंह पुरस्कार से सम्मानित किया गया; युवा एफओजीएसआई, लुधियाना, 2022 और वार्षिक एफओजीएसआई सम्मेलन, कलकत्ता, 2023 में दिए जाने वाले प्रतिष्ठित कामिनी राव ओरेशन, एफओजीएसआई, 2021 से सम्मानित; सुरक्षित नारी है हमारी ज़िम्मेदारी श्रेणी में पेपर प्रेजेंटेशन के लिए दूसरा पुरस्कार। विषय: गुणवत्ता सुधार पहल - तृतीयक उपचार केंद्र में कोल्पोस्कोपी सेवा पर ऑडिट। (लेखक: मनिंदर कौर घोत्रा, नीलंचली सिंह, ज्योति मीना) युवा एफओजीएसआई, लुधियाना, 2022 में दिया गया; आईएससीसीपी कोल्पोस्कोपी ट्रेनर्स- 28 अगस्त 2022 को "ट्रेनर प्रोग्राम को प्रशिक्षित करें"; अप्रैल/मई 2022 के महीने में धीरा परियोजना के लिए मास्टर प्रशिक्षण पूरा किया (ओबीजीवाईएन टीओटी)।

डॉ. अर्चना कुमारी को आरईसीओजीवाईएन 2022 में यूरोगायनेकोलॉजी श्रेणी में दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया; एनएआरसीएचआईसीओएन 2022 में एफआईसीएमसीएच से सम्मानित किया गया।

डॉ. नेहा वरुण को अक्टूबर 2022 में कामिनी राव ओरेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया और उन्होंने 25 फरवरी 2023 को वाराणसी में नॉर्थ जोन युवा एफओजीएसआई सम्मेलन में व्याख्यान दिया; 7 जनवरी 2023 को एआईसीओजी सम्मेलन में एफआईसीओजी से सम्मानित; सितंबर 2022 में एनएआरसीएचआई सम्मेलन में एफआईसीएमसीएच से सम्मानित; सितंबर 2022 में एनएआरसीएचआई के सहयोग से हमदर्द इंस्टीट्यूट द्वारा "पोस्ट-पार्टम हेमरेज" पर आयोजित सीएमई में अध्यक्ष के रूप में भाग लिया; अगस्त 2023 में आरईसीओजीवाईएन सम्मेलन में एक संसाधन संकाय के रूप में भाग लिया; सितंबर 2023 में एनएआरसीएचआई सम्मेलन में स्लोगन प्रतियोगिता में भाग लिया; एओजीडी

सम्मेलन में जज पोस्टर सत्र, नवंबर 2023; नवंबर 2023 में एओजीडी सम्मेलन की आयोजन समिति का हिस्सा रहीं।

डॉ. अनुभूति राणा ने नवंबर 2022 में डब्ल्यूएचओ-सीसी गतिविधि के एक भाग के रूप में भारत के 10 मेडिकल कॉलेजों में व्यापक गर्भपात उपचार क्षमता-आधारित प्रशिक्षण के लिए, प्रशिक्षुओं के पायलट प्रशिक्षण की एक टीम का हिस्सा थे; डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ टीम के हिस्से के रूप में दिल्ली, तिमोर लेस्ते में "मातृ मृत्यु दर में कमी लाने के लिए व्यापक गर्भपात उपचार और परिवार नियोजन" पर क्षेत्रीय बैठक में भाग लिया; भ्रूण न्यूरोइमेजिंग सम्मेलन में मौखिक पोस्टर के लिए "भ्रूण में इंट्रावेंट्रिकुलर रक्तस्राव: नवजात शिशुओं के मल्टीसिस्टम सूजन सिंड्रोम का एक प्रसवपूर्व अभिव्यक्ति" के लिए "सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार" से सम्मानित किया गया।

डॉ. स्वाति तोमर को भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान द्वारा सर्वश्रेष्ठ मूल अध्ययन के लिए डॉ. सत्य पॉल पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विभाग में आगंतुक वैज्ञानिक और गणमान्य व्यक्ति

दिनाँक	आगंतुक का नाम	संबंधन	उद्देश्य
2 अप्रैल 2022	श्रीमती आरजू राणा देउबा	नेपाल के माननीय प्रधान मंत्री के साथ	एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से नेपाल में मातृ एवं महिला स्वास्थ्य सेवाओं के विकास के लिए मातृ एवं शिशु ब्लॉक की समीक्षा करना
21 अप्रैल 2022	डॉ पार्थ बसु	इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर, ल्योन, फ्रांस	व्याख्यान "एकल खुराक एचपीवी टीकाकरण"
19 मई 2022	डॉ करेन एंडरसन	एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, मेयो क्लिनिक एरिज़ोना, यूएसए	कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा में नई आणविक प्रौद्योगिकियाँ
28 अप्रैल 2022	डॉ. रूपिना संघा	जॉन पीटर स्मिथ अस्पताल, टेक्सास, यूएसए	अमेरिका में रोबोटिक स्त्री रोग संबंधी सर्जरी पर अपडेट: अतीत, वर्तमान और भविष्य
16 नवंबर 2022	डॉ निवेदिता बाजेकल	सलाहकार स्त्री रोग, लंदन, यूके	व्याख्यान "अपना हार्मोनल स्वास्थ्य पुनः प्राप्त करें-पीसीओएस"
16 दिसंबर 2022	डॉ. हरदीप सिंह पुरी	ह्यूस्टन, यूएसए	व्याख्यान "उपचार उत्कृष्टता की ओर - बहुविषयक रोगी सुरक्षा अनुसंधान को नीति और अभ्यास में अनुवाद करना"

27 फरवरी 2023	आचार्य डॉ. सोमशेखर एसपी	अध्यक्ष एमएबी, एस्टर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ऑन्कोलॉजी	स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी कार्यशाला में संचालन संकाय
27 फरवरी 2023	डॉ के राजू	वरिष्ठ सलाहकार, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एसएमटी बीआईएसीएच एंड आरआई, हैदराबाद	स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी कार्यशाला में संचालन संकाय
14 सितंबर 2022	आचार्य रंजीत मनचंदा	वोल्फसन इंस्टीट्यूट ऑफ पॉपुलेशन हेल्थ, क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, बार्ट्स हेल्थ एनएचएस ट्रस्ट, लंदन, यूके	स्त्रीरोग ऑन्कोलॉजी कार्यशाला में संचालन संकाय
10 नवंबर 2022	आचार्य अलका कृपलानी	पारस हॉस्पिटल, गुरूग्राम	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ. रेनू मिश्रा	सीता राम भारतीय अस्पताल, नई दिल्ली	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ. दिनेश कंसल	बीएलके अस्पताल, नई दिल्ली	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ बी बी दास	रिजॉइस अस्पताल	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ. सुभाष मलैया	बेबी मेमोरियल अस्पताल, कालीकट	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ. पुनीता भारद्वाज	गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
10 नवंबर 2022	डॉ मालविका सभरवाल	जीवन माला अस्पताल, नई दिल्ली	एंडोस्कोपी ऑपरेटिव वर्कशॉप में ऑपरेटिंग संकाय
28 फरवरी 2023	मैरी एलिजाबेथ डोनाल्डसन	डेनमार्क की ताज राजकुमारी	मैटरनिटी फाउंडेशन की संरक्षक। प्रसूति क्षमता वाला एक भारतीय अस्पताल देखना।

9.25 अस्थिरोग विज्ञान

आचार्य

राजेश मल्होत्रा | एचएल नाग | रवि मित्तल | शाह आलम खान
विजय कुमार | भावुक गर्ग | मोहम्मद ताहिर अंसारी

अपर आचार्य

विजय डिग्गे

सह-आचार्य

वेंकटेशन संपत कुमार | विवेक शंकर | विक्रांत मन्हास

सहायक आचार्य

साहिल बत्रा | अरुण मंजूनाथ स्वामी

विशिष्टताएं

एम्स के अस्थिरोग विभाग में जोड़ प्रतिस्थापन, खेल चिकित्सा, हाथ की सर्जरी, मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी, बाल अस्थि रोग, रीढ़ की सर्जरी और जटिल आघात के उपचार के क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले डॉक्टर मौजूद हैं। आर्थोपेडिक्स सर्जरी में नूतन नवाचार जैसे न्यूनतम इनवेसिव जोड़ प्रतिस्थापन, सतह प्रतिस्थापन आर्थोप्लास्टी, रिवीजन हिप एंड नी प्रतिस्थापन, रीढ़ की न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, नॉन-यूनियंस के लिए संवहनी ग्राफ्टिंग, अंग पुन:प्रत्यारोपण, आर्थ्रोस्कोपिक पीसीएल और कंधे की सर्जरी - सभी की प्रेक्टिस यहां की जा रही है। विभाग के पास 3डी प्रिंटिंग लैब, जेनेटिक लैब, गेट लैब नामक समर्पित अनुसंधान प्रयोगशालाएं भी हैं, जिसने इस विभाग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्रदान की है। आईसीएमआर और सीएसआईआर द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएं भी संचालित की जा रही हैं। विभाग ने पिछले वर्ष 9 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं।

शिक्षा

- तीन वर्षों के लिए एमएस (ऑर्थो) का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर रेजीडेंसी कार्यक्रम
- हड्डी रोग विभाग में कुल 6 सीनियर रेजिडेंट और 26 जूनियर रेजिडेंट हैं
- इसमें 7 गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजिडेंट और 4 गैर-शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट हैं
- आर्थोप्लास्टी में फैलोशिप
- आर्थोस्कोपी में फैलोशिप
- स्पाइन सर्जरी में फैलोशिप
- ट्यूमर सर्जरी में फैलोशिप
- पेल्विक और एसिटाबुलर सर्जरी में फ़ेलोशिप

विभाग में लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी नियमित रूप से आयोजित किये जा रहे हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. स्वास्थ्य एवं आरोग्य में संवाद: संतुलन एवं फॉल प्रिवेंशन के संबंध में कार्यशाला, 9 अप्रैल 2022, दिल्ली
2. एम्स इंटरनेशनल स्पाइन डिफॉर्मिटी प्रथम पाठ्यक्रम, 14-15 अप्रैल 2022, दिल्ली
3. दिल्ली ऑर्थोपेडिक्स एसोसिएशन मिडकॉन 2022, 3 जुलाई 2022, दिल्ली
4. टीएचए में शीतल ऊतक संतुलन - अतिथि व्याख्यान, 5 अगस्त 2022, दिल्ली
5. पीठ के निचले हिस्से में दर्द पर राष्ट्रीय वेबिनार, 1 अक्टूबर, दिल्ली
6. आर्थोप्लास्टी में वर्तमान अवधारणाएँ, 15-16 अक्टूबर, दिल्ली
7. रीढ़ के रोगियों की देखभाल में मूल्य आधारित देखभाल में नए विकास - अतिथि व्याख्यान, 24 नवंबर 2022, दिल्ली
8. वर्षों से एसीएल पुनर्निर्माण से संघर्ष, 30 दिसंबर 2022, दिल्ली
9. एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स के सर्जनों के लिए गैर-तकनीकी कौशल (एनओटीएसएस) पर परिचयात्मक पाठ्यक्रम, 13 फरवरी 2023, दिल्ली
10. एम्स इंटरनेशनल स्पाइन डिफॉर्मिटी द्वितीय पाठ्यक्रम, 30 मार्च से 1 अप्रैल 2023, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान: 149

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
55	37	149

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 28

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक/पोस्टर	1	6	28

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. घुटने की पूर्ण आर्थोप्लास्टी में पर्सोना घुटना प्रणाली का भविष्यलक्षी, बहु-केंद्र परिणाम अध्ययन, अध्ययन प्रोटोकॉल # CSA2014-02K, आचार्य राजेश मल्होत्रा, ज़िमर, 9 वर्ष, मार्च 2015 से मार्च 2024, 24 लाख रुपये
2. आघात-प्रेरित चाल हानि वाले रोगियों के लिए पुनर्वास की प्रभावकारिता पर बायोमैकेनिकल अध्ययन, आचार्य राजेश मल्होत्रा, डीआरडीओ, 2 वर्ष, सितंबर 2022 से सितंबर 2024, 280.45 लाख रुपये

3. भारतीय आबादी में एसीएल चोटों के कारणों और पैटर्न को समझना: लक्षणों, संबंधित चोटों, उपचार के विकल्पों और उनके परिणाम पर प्रभाव, डॉ. एचएल नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 83.74 लाख रुपये

4. आर्थोस्कोपी के लिए वायरलेस इमेजिंग सिस्टम और वायरलेस प्रकाश स्रोत का विकास, आचार्य आर मित्तल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, 1 वर्ष, 16-दिसंबर 2022, 5 लाख रुपये

5. पोस्ट कोविड-19 रोगियों में मस्कुलोस्केलेटल और रुमेटोलॉजिकल रोग: एक क्रॉस सेक्शनल अस्पताल आधारित अध्ययन, आचार्य शाह आलम खान, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये

6. प्रारंभिक शुरुआत वाले स्कोलियोसिस रोगियों के लिए कम लागत वाली स्वदेशी चुंबकीय विकास रॉड विकसित करना, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये

7. घुटने के ऑस्टियो-आर्थराइटिस से ग्रस्त और आयु-मिलान वाले उत्तर भारतीय रोगियों में आनुवंशिक और साइटोकिन्स प्रोफाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन: एक अनुवर्ती अध्ययन, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 124.3 लाख रुपये

8. स्कोलियोसिस के रोगियों की देखभाल में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण और अनुप्रयोग, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 84.6 लाख रुपये

9. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार के लिए पेंटोक्सिफाइलाइन और टेरीपैराटाइड के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 44.50 लाख रुपये (प्रथम वर्ष)

10. योग बनाम मानक फिजियोथेरेपी की प्रभावशीलता का आकलन करने और पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण रोगियों में एक मानक पुनर्वास कार्यक्रम के रूप में योग को मान्य करने के लिए संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ विजय कुमार डी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 23.52 लाख रुपये

11. ओस्टियोसारकोमा के ट्यूमर सूक्ष्म वातावरण में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं का मूल्यांकन, वेंकटेशन संपत कुमार, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 5 लाख रुपये

12. बड़ी मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में बायोमार्कर की भूमिका और विभिन्न एनेस्थेटिक तकनीकों और पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इसका संबंध, वेंकटेशन संपत कुमार और आचार्य लोकेश कश्यप, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

13. रोगसूचक घुटने के स्टियोआर्थराइटिस के उपचार के लिए ऑटोलॉगस वसा ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल संवहनी अंश (एसवीएफ) या हयालूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, विक्रांत मन्हास, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2021, 4.5 लाख रुपये

14. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज में बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की जांच करना, विक्रांत मन्हास, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2022-2024, 5 लाख रुपये

15. संपूर्ण घुटने की आर्थोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएं, विक्रांत मन्हास, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022- 2024, 10 लाख रुपये
16. निचले अंगों की द्विपक्षीय जेनु वाल्गम विकृति वाले बच्चों का चाल पैटर्न विश्लेषण, विक्रांत मन्हास, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 4 लाख रुपये
17. ऑस्टियोपोरोसिस में प्रथम-पंक्ति थेरेपी (बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स, टेरिपैराटाइड और डेनोसुमैब) के इम्यूनोपोरोटिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, विक्रांत मन्हास, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023-2025, 10 लाख रुपये

पूर्ण परियोजनाएं

1. कंप्यूटर सहायता प्राप्त नेविगेशन में प्रणालीगत एम्बोली बनाम घुटने के प्रतिस्थापन की पारंपरिक सर्जिकल तकनीक की तुलना करने के लिए एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, आचार्य राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, नवंबर 2018 से नवंबर 2021, 50 लाख रुपये
2. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोटिक और उम्र से मेल खाने वाली स्वस्थ महिलाओं में आनुवंशिक और जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, आचार्य राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जून 2019 से जून 2022, 139.04 लाख रुपये
3. आणविक इमेजिंग (पीईटी-सीटी) का उपयोग करके अतिरिक्त स्पाइनल मस्कुलोस्केलेटल तपेदिक में उपचार प्रतिक्रिया मूल्यांकन, आचार्य शाह आलम खान, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2022, 80,000 रुपए।
4. बाल अस्थि सारकोमा में निगरानी, आचार्य शाह आलम खान, जीव दया फाउंडेशन, यूएसए, 7 वर्ष, 2016-2022, 80,000 अमेरिकी डॉलर।
5. भारत की ट्रांसजेंडर आबादी में हड्डियों के स्वास्थ्य का आकलन, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-2021, 72 लाख रुपये
6. नियामक बी कोशिकाओं के विभेदन और कार्य को संशोधित करने में एस्ट्रोजन की नियामक क्षमता की जांच करना: हड्डी रीमॉडलिंग पर प्रभाव, डॉ भावुक गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
7. हड्डियों के स्वास्थ्य पर कोविड-19 के दीर्घकालिक प्रभाव की जांच करना, डॉ भावुक गर्ग, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
8. भारतीय आबादी के लिए रोगी विशिष्ट टोटल एल्बो रिप्लेसमेंट कृत्रिम अंग की डिजाइनिंग, डॉ भावुक गर्ग, आईसीएमआर, 30 जुलाई 2019 से 29 जुलाई 2022, 130 लाख रुपये
9. सिर की चोट वाले रोगियों में फ्रैक्चर उपचार पर ओस्टोजेनिक ह्यूमरल कारकों का अध्ययन: रहस्य को समझना, डॉ विजय कुमार डी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 46.38 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर के आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रथाओं के भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन में सह-मार्गदर्शक

2. हिप फ्रैक्चर के बाद सर्जरी में देरी: कारण और परिणामों पर प्रभाव संबंधी शोध में सह-मार्गदर्शन
3. मुख्य मार्गदर्शक "अल्ट्राकॉन्ग्रुएंट बियरिंग बनाम क्रूसिएट रिटेनिंग बियरिंग के साथ टोटल नी आर्थोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों में भूले हुए जोड़ स्कोर, नैदानिक, रेडियोलॉजिकल परिणामों और चाल मापदंडों की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन", डॉ. कुशाग्र पाठक (अप्रैल 2021 को नियुक्त)
4. प्रोस्थेटिक जोड़ संक्रमण में संशोधन जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी के क्लिनिको रेडियोलॉजिकल परिणामों में सह-मार्गदर्शक-एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
5. एमएस थीसिस में सह-मार्गदर्शक "केलग्रेन लॉरेंस ग्रेड II/III ऑस्टियोआर्थराइटिस रिफ्रैक्टरी टू ऑप्टिमल नॉन-सर्जिकल मैनेजमेंट में घुटने के दर्द वाले मरीजों में ट्रांस-कैथर जेनिक्यूलर आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"।
6. एडोलसेंट ईडियोपैथिक स्कोलियोसिस बनाम जन्मजात स्कोलियोसिस के बीच स्कोलियोसिस सर्जरी में लागत प्रभावी विश्लेषण में सह-मार्गदर्शन
7. कम खुराक वाली बाइप्लेन रेडियोग्राफी का उपयोग करते हुए घुटने के पुराने ऑस्टियो-आर्थराइटिस वाले रोगियों तथा समान उम्र की सामान्य आबादी के स्पिनोपेल्विक और निचले अंग रूपात्मक मापदंडों के तुलनात्मक मूल्यांकन में मुख्य-मार्गदर्शक
8. पुष्टिकृत मेनिनजाइटिस/मेनिंगोएंडोएप्थिस वाले रोगियों में सीएसएफ साइटोकिन्स स्तर का आकलन
9. पुरानी विधि या शल्य चिकित्सा विधि द्वारा प्रबंधित पूर्वकाल टिबिओफिबुलर लिगामेंट घायल रोगियों का चाल विश्लेषण: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन
10. आर्थ्रोस्कोपिक कंधे की सर्जरी में कंधे के जोड़ के सुपीरियर ब्रैकियल ट्रंक ब्लॉक और पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण
11. प्राथमिक एडेसिव कैप्सुलिटिस के उपचार में केवल फिजियोथेरेपी बनाम फिजियोथेरेपी के बाद इंटर स्केलीन ब्राचियल प्लेक्सस ब्लॉक के तहत कंधे के हेरफेर की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
12. महामारी विज्ञान और एसीएल पुनर्निर्माण के कार्यात्मक परिणाम पर उभयलक्षी अध्ययन
13. चरम सार्कोमा में जोड़ के शामिल होने का पता लगाने में हिस्टोलॉजिकल सहसंबंध के साथ एमआरआई और सिनोवियल द्रव विश्लेषण की तुलना
14. अस्थि ट्यूमर के लिए समीपस्थ टिबियल एंडोप्रोस्थेसिस में मेडियल गैस्ट्रोकनेमियस फ्लैप के कार्य और व्यवहार्यता का मूल्यांकन
15. अस्वाभाविक कंकाल डिसप्लेसिया की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और आणविक रूपरेखा
16. पेरिप्रोस्थेटिक जोड़ संक्रमणों में पुनरीक्षण जोड़ प्रतिस्थापन सर्जरी के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन

17. संपूर्ण घुटने और कूल्हे की आर्थोप्लास्टी के बाद ऑपरेशन कराने पर दर्द प्रबंधन के लिए ट्रांसडर्मल ब्यूप्रेनोर्फिन पैच बनाम केटोप्रोफेन पैच: एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
18. फाइव स्ट्रेंडिंग तकनीक का उपयोग करके आर्थोस्कोपिक पूर्वकाल क्रूसिएट लिगामेंट पुनर्निर्माण के बाद नैदानिक और कार्यात्मक रोगी-संबंधी परिणामों का मूल्यांकन करने वाला एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
19. छोटे अंतराल पर किए गए अनुक्रमिक द्विपक्षीय टीकेए के बाद परिणामों का मूल्यांकन
20. थोराकोलम्बर स्पाइन में फ्री हैंड, ओ-आर्म नेविगेटेड और रोबोट-असिस्टेड पेडिकल स्क्रू प्लेसमेंट के बीच सटीकता और सुरक्षा की तुलना करने वाला ट्रिपल रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
21. स्केफॉइड के नॉन-यूनियन के लिए आर्थोस्कोपिक सहायता प्राप्त हड्डी ग्राफ्ट और गैर-संवहनीकृत हड्डी ग्राफ्ट के बीच तुलनात्मक अध्ययन
22. केवल वोलर प्लेटिंग बनाम संयुक्त वोलर और पृष्ठीय प्लेटिंग के साथ उपचारित कम्यूटेड डिस्टल रेडियस फ्रैक्चर 2r3c3.1 और 2r3c3.2 के रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने के लिए एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
23. हड्डी के ट्यूमर के लिए प्रॉक्सिमल टिबियल एंडोप्रोस्थैसिस में औसत दर्जे के गैस्ट्रोकनेमियस फ्लैप के कार्य और व्यवहार्यता का मूल्यांकन
24. भारतीय आबादी के घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में कार्यात्मक परिणाम स्कोर और रेडियोग्राफ़िक ग्रेड के साथ उपकरणयुक्त चाल विश्लेषण का सह-संबंध
25. कंधे के जोड़ की आवर्ती पूर्वकाल अस्थिरता में द्विध्रुवी हड्डी के नुकसान का प्रीऑपरेटिव एमडीसीटी मूल्यांकन
26. एक्स्ट्रीमिटी सार्कोमा में जोड़ के शामिल होने का पता लगाने में हिस्टोपैथोलॉजिकल सह-संबंध के साथ एमआरआई और सिनोवियल द्रव विश्लेषण की तुलना
27. तृतीयक देखभाल केंद्र में एसीएल पुनर्निर्माण रोगियों में कार्यात्मक परिणामों और महामारी विज्ञान पर महत्वाकांक्षी अध्ययन में सह-मार्गदर्शक
28. अल्ट्रा-कॉन्ग्रुएंट बियरिंग बनाम क्रूसिएट-रिटेनिंग बियरिंग के साथ संपूर्ण घुटने की आर्थोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों में भूले हुए जोड़ स्कोर, नैदानिक, रेडियोलॉजिकल परिणामों और चाल मापदंडों की तुलना करना: एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
29. प्रत्यक्ष पूर्वकाल दृष्टिकोण बनाम पश्च दृष्टिकोण के साथ संपूर्ण हिप आर्थोप्लास्टी के नैदानिक और रेडियोलॉजिकल परिणामों की तुलना - एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण
30. युवा रोगियों में एएमओए के लिए यूनिकम्पार्टमेंटल घुटने की आर्थोप्लास्टी- एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण

पूर्ण परियोजनाएं

1. एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न सर्जिकल हस्तक्षेपों से गुजरने वाले रक्तस्राव विकारों (बीडी) से ग्रस्त रोगियों में कारक और रक्त उत्पाद की आवश्यकता के पूर्वव्यापी विश्लेषण में सह-मार्गदर्शन।

2. घुटने के ऑस्टियो-आर्थराइटिस के रोगियों में उन्नत एमआरआई और रेडियोलॉजिकल हस्तक्षेप में सह-मार्गदर्शन।
3. पीएचडी थीसिस में सह-मार्गदर्शक। "फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामोडुलरी नेलिंग से गुजरने वाले मरीजों में सीरम कॉम्प्लीमेंट सी 3 और सी 4 स्तर का अध्ययन"
4. भारतीय आबादी के घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में कार्यात्मक एवं परिणाम स्कोर और रेडियोग्राफ़िक ग्रेड के साथ उपकरणयुक्त चाल विश्लेषण का सह-संबंध
5. घातक अस्थि ट्यूमर में एक्स्ट्राकोर्पोरियल विकिरण थेरेपी की बायोमैकेनिकल जांच
6. एसिटाबुलर प्रोट्रूसियो में टीएचए के लिए पूर्वव्यापी परिणाम विश्लेषण
7. स्कोलियोसिस की महिला रोगियों में मासिक धर्म संबंधी अनियमितताओं और संबंधित विकारों की व्यापकता का निर्धारण करने वाला एक महत्वाकांक्षी अध्ययन और उनके प्रसूति तथा प्रजनन स्वास्थ्य का आकलन
8. ऑपरेशन से पहले और बाद में स्कोलियोटिक रोगियों के नैदानिक, कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन पर एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
9. प्राथमिक एडेसिव कैप्सुलिटिस के उपचार में केवल सर्जन निर्देशित फिजियोथेरेपी बनाम सर्जन निर्देशित फिजियोथेरेपी के बाद इंटर स्केलीन ब्रैकियल प्लेक्सस ब्लॉक के तहत कंधे के मनूवर की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
10. तृतीयक देखभाल केंद्र में डब्ल्यूएएलएएनटी की शुरूआत के प्रभाव का एक महत्वाकांक्षी विश्लेषण
11. भारतीय आबादी के घुटने के प्राथमिक ऑस्टियोआर्थराइटिस वाले रोगियों में कार्यात्मक परिणाम स्कोर और रेडियोग्राफ़िक ग्रेड के साथ उपकरणयुक्त चाल विश्लेषण का सह-संबंध
12. रूढ़िवादी या शल्य चिकित्सा द्वारा प्रबंधित पूर्वकाल टैलोफाइबुलर लिगामेंट (एटीएफएल) से चोटिल रोगियों का चाल विश्लेषण: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन
13. कंधे के जोड़ की आवर्ती पूर्वकाल अस्थिरता में द्विध्रुवी हड्डी के नुकसान का प्रीऑपरेटिव एमडीसीटी मूल्यांकन।
14. कम खुराक वाली बाइप्लेन रेडियोग्राफी का उपयोग करते हुए घुटने के पुराने ऑस्टियो-आर्थराइटिस वाले रोगियों तथा समान उम्र की सामान्य आबादी के स्पिनोपेल्विक और निचले अंग रूपात्मक मापदंडों के तुलनात्मक मूल्यांकन में मुख्य-मार्गदर्शक

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. आघात-प्रेरित चाल बाधा वाले रोगियों के लिए पुनर्वास की प्रभावकारिता पर बायोमैकेनिकल अध्ययन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
2. हस्तक्षेप और परामर्श के माध्यम से बिहार में अनुसूचित जाति समुदाय में फ्लोरोसिस शमन, एनाटॉमी विभाग, एम्स दिल्ली

3. स्पाइनल फ्यूजन से गुजरने वाले तंबाकू धूम्रपान करने वालों में पेरी-ऑपरेटिव ओपिओइड आवश्यकता पर निकोटीन रिप्लेसमेंट थेरेपी का प्रभाव, एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आईसीएमआर
4. पूर्ण रीढ़ हड्डी की चोट के रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के साथ-साथ दोहराए जाने वाली ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, डीबीटी
5. उंगलियों की चोट के बाद परिणामों का मूल्यांकन, प्लास्टिक सर्जरी
6. जटिल क्षेत्रीय दर्द सिंड्रोम के उपचार के लिए स्टेलेट गैंग्लियन ब्लॉक के लिए 0.25% रोपिवाकाइन के योजक के रूप में क्लोनिडाइन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा, एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक एकल ब्लाइंड अध्ययन, एनेस्थीसिया
7. क्रोनिक सूजन संबंधी गठिया के साथ छोटे और मध्यम आकार के जोड़ों में एलयू-177 टिन कोलाइड रेडियोसिनोवेक्टोमी, न्यूक्लियर मेडिसिन
8. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आने वाले मरीजों में मेटाकार्पल फ्रैक्चर का पैटर्न, प्लास्टिक सर्जरी
9. प्रमुख मस्कुलोस्केलेटल ट्यूमर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में बायोमार्कर की भूमिका और विभिन्न एनेस्थेटिक तकनीकों और पेरी-ऑपरेटिव परिणामों के साथ इसका संबंध, एनेस्थिसियोलॉजी, दर्द चिकित्सा और क्रिटिकल केयर विभाग, एम्स नई दिल्ली
10. स्वदेशी टीकेपी 2.4 के बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षण और टीकेपी 2.4 का पायलट उत्पादन, अलौह प्रौद्योगिकी विकास केंद्र, हैदराबाद, भारत
11. संपूर्ण घुटने की आर्थोप्लास्टी के बाद कंकाल की मांसपेशियों का पुनर्जनन: आंतरिक स्टेम सेल पूल की सीमाएं, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन
12. ऑस्टियोपोरोसिस में प्रथम-पंक्ति चिकित्सा (बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स, टेरिपैराटाइड और डेनोसुमैब) के इम्यूनोपोरोटिक प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
13. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के इलाज में बिसफ़ॉस्फ़ोनेट्स की इम्यूनोपोरोटिक भूमिका की जांच करना, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
14. संपूर्ण जोड़ आर्थोप्लास्टी के बाद पहनने योग्य सेंसर के साथ रोगी-जनित डेटा का उपयोग करके टेलीरिहैबिलिटेशन कार्यक्रम के परिणाम का पूर्वानुमान और अनुकूलन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
15. टोटल नी आर्थोप्लास्टी में फेमोरल एलाइनमेंट गाइड सिस्टम "एलाइनएश्योर" भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली
16. इन-विवो इम्प्लांट विफलता पर फ्रैक्टोग्राफ़िक अध्ययन (इंट्राम्यूरल अनुदान एम्स-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

17. इष्टतम गैर-सर्जिकल प्रबंधन के लिए मॉडरेट मेडियल घुटने के दर्द में ट्रांसकैथेटर आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण - एक पायलट अध्ययन, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. एडेसिव कैप्सूलिटिस में नैदानिक सुधार के लिए ट्रांस-धमनी एम्बोलिज़ेशन, कार्डियक रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
19. 99mtc एथमब्युटोल स्किन्टिग्राफी का उपयोग करके तपेदिक घावों की इमेजिंग के लिए आदर्श टाइप पाइंट की स्थापना - न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
20. पल्मोनरी और एक्स्ट्रापल्मोनरी टीबी के निदान में 99 एमटीसी एथमबुटोल की भूमिका, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण परियोजनाएं

1. भारतीय आबादी के लिए घुटने के प्रत्यारोपण का बायोमैकेनिकल डिज़ाइन मूल्यांकन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
2. जुड़े हुए कूल्हे और स्पिनो-पेल्विक विकृति वाले रोगियों के लिए कंप्यूटर आधारित सर्जिकल योजना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
3. 99 एमटीसी लेबल वाली यूबिकिसिडिन की किट-आधारित और इन-हाउस तैयारी के बीच तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन
4. ओस्टियोसारकोमा में प्रतिरक्षा जांच बिंदुओं का मूल्यांकन, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर कोविड-19 का दीर्घकालिक प्रभाव, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. पैर और टखने में कोमल ऊतकों के दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड-निर्देशित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता, रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस के मोटापा-ग्रस्त रोगियों में शरीर के ऊपरी हिस्से के व्यायाम का शरीर की संरचना और वजन पर प्रभाव, मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	8	7	28
कुल वित्तपोषण (लाख)	372 रुपये	295 रुपए	1172.1 रुपये

प्रकाशन

जर्नल: 74 **पुस्तक में अध्याय: 9**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
योग	62	39	83

जर्नल लेख	58	37	74
एब्सट्रैक्ट	0	1	0
पुस्तक में अध्याय	4	1	9
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
ओपीडी परामर्श			2,23,498
विशेष क्लिनिक परामर्श			3063
मरीजों को प्रदत्त पुनर्वास सेवाएं			
कुल रोगी प्रवेश	1905	5312	8869

क्लिनिक का नाम	**नया**	**अनुवर्ती**
हैंड क्लिनिक	523	586
स्पाइन क्लिनिक ऑर्थो	0	3
नाजुकता फ्रैक्चर क्लिनिक	3	41
खेल चोट क्लिनिक	39	26
टीबी क्लिनिक ऑर्थो	23	225
हड्डी और मुलायम ऊतक सरकोमा क्लिनिक	1	11
स्कोलियोसिस क्लिनिक	459	871
विकलांगता क्लिनिक इकाई I	1	0
सीटीईवी क्लिनिक	251	0
हड्डी रोग	67012	156486

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य राजेश मल्होत्रा को इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (आईओए कॉन 2022) के 67वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "एसिटाबुलर रिकंस्ट्रक्शन में मॉर्सेलाइज्ड एलोग्राफ़्ट और इंजेक्टेबल सिरेमिक बोन ग्राफ्ट सब्स्टीट्यूट की वैकल्पिक परतें - एक नई 'सैंडविच' तकनीक" विषय पर आईओए के स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला का हिस्सा थे, 29 नवंबर से 3 दिसंबर 2022; 10-12 फरवरी 2023 को चेन्नई में टीएनओए कॉन 2023 में "जीवन में परिवर्तन ही एकमात्र स्थिरांक है - हिप आर्थोप्लास्टी में चार दशकों की मेरी यात्रा" पर डॉ. एनएस नरसिम्हन व्याख्यान दिया; 24-26 फरवरी 2023 को गुंटूर में ओएसएसएपी कॉन 2023 में "आर्थोप्लास्टी में जटिलताएं-अनुमान करना, पता लगाना, विश्लेषण करना और समाधान करना" विषय पर आचार्य नरसिम्हा रेड्डी व्याख्यान दिया; "सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद सर्जरी का समय: एक अंतरराष्ट्रीय भविष्यलक्षी समूह अध्ययन" प्रकाशन के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ - कोविड सर्जरी कोलेबोरेटिव, ग्लोबलसर्ज कोलेबोरेटिव एनेस्थीसिया 2021 76; 748-758. डीओआई:https://doi.org/10.1111/anae.15458; शोधपत्र का उल्लेख 2021 में *वर्ल्ड*

गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी किया गया था; चंडीगढ़ में 6-8 मई 2022 को एनजेडओए कॉन वार्षिक सम्मेलन के दौरान आर्थोप्लास्टी फ्री पेपर सत्र में सर्वश्रेष्ठ पेपर की श्रेणी में "टोटल हिप आर्थोप्लास्टी से गुजरने वाले मरीजों में हिप स्पाइन रिलेशनशिप" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ; 28 अगस्त 2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर एम्स के लिए "दिल्ली एनसीआर अग्रणी स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता पुरस्कार"; ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और कोविड सुविधाएं प्रदान करने के लिए कैपिटल फाउंडेशन राष्ट्रीय पुरस्कार**,** भारत के मुख्य न्यायाधीश श्री एनवी रमना द्वारा 4 सितंबर 2022 को प्रदान किया गया**;** 15 सितंबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा के दौरान वार्षिक हिंदी श्रुतलेख 2021-2022 के लिए प्रथम पुरस्कार जीता; स्वास्थ्य सेक्टर के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धि और समाज के प्रति असाधारण योगदान के लिए राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया, 8 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आज का प्रहरी द्वारा सम्मानित किया गया; इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन्स 2021-22 के कार्यकारी बोर्ड के सदस्य रहे; एम्स में कॉटरी मशीन की खरीद के लिए अध्यक्ष, तकनीकी विशिष्टता और मूल्यांकन समिति; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट में 01.07.2021 से 30.06.2023 तक दो साल की अवधि के लिए अकादमिक परिषद के सदस्य; संस्थापक सदस्य, एशिया पैसिफिक ऑस्टियोपोरोसिस एंड फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर सोसाइटी (एपीओएफएफएस), एपीओए की नई शाखा; अध्यक्ष- निर्वाचन, एशिया पैसिफिक ऑस्टियोपोरोसिस एंड फ्रैजिलिटी फ्रैक्चर सोसाइटी (एपीओएफएस) 2021-2022; 20 **मई** 2022 को **"**एम्स में विभिन्न संकाय पदों**"** की स्क्रीनिंग के लिए गठित स्क्रीनिंग समिति के सदस्य; 14 जून 2022 को कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम के लिए एक विशेषता के रूप में ट्रॉमा और आपातकालीन नर्सिंग में एमएससी नर्सिंग शुरू करने के लिए समिति के अध्यक्ष; 2 अक्टूबर 2022 को "मां नर्मदा राहत क्लिनिक" के उद्घाटन समारोह के लिए एक वक्ता के रूप में आमंत्रित; सह-अध्यक्ष, इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन (आईएसएचकेएस) 2021-23 की अनुसंधान समिति; एओटीटीओ (राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन) में बोन बैंक संचालन के लिए गठित तकनीकी समिति के सह-अध्यक्ष; 9 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में जीवित दाता के साथ लीवर प्रत्यारोपण की सेवाएं शुरू करने वाली समिति के सदस्य; अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा प्लेटफॉर्म के लिए टास्क फोर्स की दूसरी बैठक के सदस्य (आरआरएसएफपी) डीबीटी-बिल्डर प्रोग्राम (2020-21) के तहत 25-26 अप्रैल 2022 को; सदस्य, रिसर्च रिसोर्स सर्विस फैसिलिटी प्लेटफॉर्म (आरआरएसएफपी) पर टास्क फोर्स की तीसरी बैठक (डीबीटी सहज-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोग्राम के तहत) 7 नवंबर 2022 को; सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अमरनाथ यात्रा के लिए पूर्व-निर्मित, स्व-निर्भर, कंटेनर आधारित मोबाइल अस्पताल के प्रस्ताव पर टास्क फोर्स समिति; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा 13 मई 2022 को गठित "चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन और क्रिटिकल केयर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का विकास" के अध्यक्ष; 7 जून 2022 को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जिला अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रस्तावित परिचालन और तकनीकी दिशानिर्देश पर चर्चा के लिए जेएस (पी) द्वारा आयोजित बैठक के सदस्य; सदस्य, 25 जनवरी 2023 को डब्ल्यूएचओ भारत के तकनीकी सहयोग से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय

आपातकालीन चिकित्सा टीम (एनईएमटी) पहल की बैठक, 30.07.2022 को अपराह्न 01:00 बजे संसद टीवी पर "घुटने के दर्द" पर लाइव टीवी शो आयुष्मान भव में उपस्थित रहे; 11.08.2022 को शाम 04:00 बजे डीडी उर्दू चैनल पर "स्पाइनल कॉर्ड इंजरीज़" पर लाइव टीवी शो हैलो डॉक्टर और 28 जनवरी 2023 को शाम 06:00-07:30 बजे डीडी किसान चैनल पर "ऑस्टियोपोरोसिस- कारण और उपचार" पर टीवी शो में हिस्सा लिया। उन्होंने मंगलवार 10 मई, 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल (102.6 मेगाहर्ट्ज) पर घुटने के दर्द और रिप्लेसमेंट पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम - "रेडियो डॉक्टर" में भी भाग लिया; मंगलवार 7 जून 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर जोड़ों के दर्द और रिप्लेसमेंट पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; मंगलवार 19 जुलाई 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "विभिन्न आयु समूहों में फ्रैक्चर से निपटना" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; मंगलवार 6 सितंबर, 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "बोन ट्यूमर" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; सोमवार 17 अक्टूबर, 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "दुर्घटना और आघात देखभाल" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 29 अक्टूबर 2022 को अपराह्न 03:30-04:00 बजे ऑल इंडिया रेडियो प्रसार भारती पर "सड़क दुर्घटनाएं-कारण और रोकथाम" - लाइव फोन-इन कार्यक्रम; "एक कदम और बुजुर्गों के लिए" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम बुजुर्गों में हड्डियों और जोड़ों की समस्याएं" ऑल इंडिया रेडियो, एफएम गोल्ड चैनल पर रविवार 11 दिसंबर 2022 को रात 09:30-10:00 बजे; "रेडियो डॉक्टर" गुरुवार 22 दिसंबर 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "अस्थि दान और अस्थि बैंकिंग" पर एक विशेष फोन-इन कार्यक्रम; "हड्डी टीबी - निदान और उपचार" - 24 मार्च, 2023 को अपराह्न 03:30-04:00 बजे प्रसार भारती पर लाइव फोन इन कार्यक्रम में भी वे शामिल हुए।

आचार्य एचएल नाग आईएएस की आधिकारिक पत्रिका, जर्नल ऑफ आर्थ्रोस्कोपी एंड स्पोर्ट्स मेडिसिन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं; विशेषज्ञ सदस्य, मानवाधिकार समिति; भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के लिए मानद सलाहकार; एफएनबी छात्रों के आंतरिक मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक, खेल चोट केंद्र, सफदरजंग अस्पताल; उपाध्यक्ष, आर्थोपेडिक रिसर्च सोसायटी, एम्स; बाहरी विशेषज्ञ, संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति, हड्डी रोग विभाग रिम्स, रांची; आंतरिक विशेषज्ञ, आर्थ्रोस्कोपी में फ़ेलोशिप, एम्स; सदस्य, एसआईसी (विस्तार), सफदरजंग के लिए चिकित्सा उपकरण समिति; विशेषज्ञ सदस्य, आर्थोपेडिक प्रत्यारोपण के लिए भारतीय मानक ब्यूरो; टीवी कार्यक्रम - रूमेटॉइड आर्थराइटिस पर टोटल हेल्थ पर; मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम पर कोविड के प्रभाव पर आरोग्य भारत में टीवी कार्यक्रम में भाग लिया।

आचार्य रवि मित्तल को 1 दिसंबर 2022 को अमृतसर में आयोजित इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन, "क्या हमारे पास एंटी-ट्यूबरकुलोसिस उपचार (एटीटी) की अवधि के संबंधी में मजबूत साक्ष्य हैं" में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया; भारतीय खेल प्राधिकरण में केंद्रीकृत एथलीट चोट प्रबंधन प्रणाली की कोर टीम के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

आचार्य शाह आलम खान को इंडियन मस्कुलो-स्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति से सम्मानित किया गया, "कपूर एल, कुमार वीएस, मजीद ए, खान एसए; हड्डी के ट्यूमर के इलाज के लिए एक्स्ट्राकोर्पोरियल विकिरणित ऑटोग्राफ़्ट के समावेश को प्रभावित करने वाले कारक-एक पूर्वव्यापी विश्लेषण तृतीयक रेफरल केंद्र, 3 से 5 मार्च 2023 तक आयोजित; इंडियन मस्कुलो-स्केलेटल ऑन्कोलॉजी सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2023 में सर्वश्रेष्ठ पेपर से सम्मानित किया गया, "गौतम आर, कपूर एल, कुमार वीएस, खान एसए द्वारा सह-लेखन - पेपर का विषय था- 'जीसीटीबी के लिए नव-सहायक चिकित्सा के रूप में दिया जाने वाला ज़ोलेड्रोनिक एसिड पोस्ट-ऑपरेटिव पुनरावृत्ति दर को कम करता है" चेन्नई में 3 से 5 मार्च 2023 तक आयोजित किया गया; आईसीएमआर, नई दिल्ली के दुर्लभ रोग कंसोर्टियम की स्केलेटल डिसप्लेसिया समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

आचार्य भावुक गर्ग को जैविक विज्ञान 2022 में एनएएसआई-रिलायंस 2022 पुरस्कार प्लैटिनम जुबली पुरस्कार, एओएसवाईएस एसआईसीओटी इंडिया पुरस्कार, वर्ष 2022 के लिए मेडिसिन में उभरते युवा लीडर के लिए सीताराम जयपुरिया पुरस्कार प्रदान किया गया, एसआईसीओटी बेसिक साइंसेज अवार्ड 2022, एएसएसआई बेसिक साइंसेज अवार्ड 2022 और ऑर्थोपेडिक्स के क्षेत्र में डीएमए- प्रतिष्ठित चिकित्सा सेवा पुरस्कार 2023 भी उन्हें प्राप्त हुआ।

आचार्य मोहम्मद ताहिर अंसारी ने एमआरसीएस का नवीनीकरण कराया; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के लिए हैंड सेक्शन के खंड संपादक हैं; जर्नल ऑफ हैंड सर्जरी (एशिया पैसिफिक) के लिए समीक्षक बोर्ड; एशिया पैसिफिक रिस्ट एसोसिएशन के सदस्य के रूप में शामिल हुए; इंडियन सोसाइटी ऑफ सर्जरी ऑफ हैंड की अनुसंधान समिति में उन्हें शामिल किया गया है।

डॉ विजय डिग्गे को डीएसटी, भारत सरकार से ईएमईक्यू पुरस्कार प्राप्त हुआ; वाकामत्सु अस्पताल, जापान में हिप आर्थ्रोस्कोपी और स्पोर्ट्स सर्जरी में फैलोशिप; एम्स, जोधपुर से भेजी गई एमएस थीसिस का मूल्यांकन किया और विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों (आईएएससीओएन, सीसीए) के मॉडरेटर रहे।

डॉ. वेंकटेशन संपत कुमार ने मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर, यूएसए में मस्कुलोस्केलेटल ऑन्कोलॉजी में फेलोशिप प्राप्त की और वर्ष 2022 के लिए ओमेगा मेडिकल ग्रांट्स एसोसिएशन द्वारा प्रदत्त फेलो सीएमई छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं ।

डॉ. विवेक शंकर ने 4-6 नवंबर को दिल्ली में आयोजित डीओए कॉन 2022 में फ्री पेपर सत्र की अध्यक्षता की; वे पाठ्यक्रम समिति-यूपीएससी 2022 के सदस्य हैं; एम्स नई दिल्ली में आयोजित एमएसएस (मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी) के 10वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान हड्डी के ट्यूमर पर इमेजिंग संबंधी सत्र की अध्यक्षता - 19-21 अगस्त 2022; 24-30 अप्रैल 2022 को लेह में 6 दिवसीय चिकित्सा शिविर में भाग लिया; डीडी न्यूज पर "बोन हेल्थ" पर लाइव टीवी शो टोटल हेल्थ - 25 जून 2022, डीडी न्यूज पर "सेफ स्पाइन सर्जरी" पर लाइव टीवी शो टोटल हेल्थ - 7 अगस्त 2022 और 11 फरवरी 2023 को दूरदर्शन पर "सेफ स्पाइन सर्जरी" पर लाइव टीवी शो हेल्थ शो में शामिल हुए।

अतिथि वैज्ञानिक

1. डॉ राल्फ़ वियाल, फ्रांस
2. डॉ. राजीव सेठी, यूएसए

9.26 कान, नाक एवं गला रोग विभाग

आचार्य और अध्यक्ष

आलोक ठक्कर

आचार्य

राकेश कुमार | कपिल सिक्का | चिरोम अमित सिंह

अपर आचार्य

राजीव कुमार | प्रेम सागर | अरविन्द कुमार कैरो
शुचिता सिंह पचौरी | हितेश वर्मा

सहायक आचार्य

पूनम सागर | अनूप सिंह | स्मृति पांडा (एनसीआई)
नेहा शकरावल (एनसीआई)

सहायक आचार्य (अनुबंध)

सैमुअल राजन

विशिष्टताएं

विभाग, अपने रेजीडेंट्स, विद्यार्थियों, अध्येताओं और अन्य प्रतिनिधियों को ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों तरह से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा। विभाग ने कॉक्लियर इम्प्लांट कार्यशाला और इंटरनेशनल हेड एंड नेक कैडेवरिक हैंड्स ऑन कार्यशाला सहित विभिन्न सम्मेलन और बैठकें आयोजित कीं। एंडोस्कोपिक ऑरोफरीन्जियल सर्जरी 3-डी कार्यशाला अपनी तरह की पहली कार्यशाला थी और इसमें व्यापक रूप से भाग लिया गया और इसकी खूब सराहना की गई। विभाग ने न्यूरो-ओटोलॉजी और इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसायटी पर वार्षिक सम्मेलन भी आयोजित किया। पहला एसके कक्कड़ व्याख्यान पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में ईएनटी विभाग के प्रमुख आचार्य नरेश के पांडा द्वारा दिया गया। व्याख्यान में भारत और विदेश के विभिन्न ईएनटी विशेषज्ञों और प्रो. एस.के. कक्कड़ के कई विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शिक्षा

एमबीबीएस विद्यार्थियों के लिए औपचारिक व्याख्यान कार्यक्रम छठे और 8वें सेमेस्टर में शामिल किया गया है और इसमें 1 घंटे का व्याख्यान होता है। स्नातक विद्यार्थियों को रोटेशन के आधार पर कुल 2 महीने की अवधि के लिए ईएनटी विभाग (ओपीडी और वार्ड) में तैनात किया जाता है। यहां वे बुनियादी ईएनटी परीक्षण करना सीखते हैं, सामान्य ईएनटी रोगों के निदान से परिचित होते हैं और संचार कौशल सहित प्रारंभिक प्रबंधन सीखते हैं।

क्लिनिकल प्रशिक्षण में शामिल हैं-

1. कान, नाक और गले की उचित जांच सहित ईएनटी के नैदानिक पहलुओं के परिचय पर दो कक्षाएं

2. सीएसओएम, विचलित नाक सेप्टम, नाक पॉलीप्स, कैंसर स्वरयंत्र आदि जैसी सामान्य ईएनटी स्थितियों पर बेडसाइड शिक्षण और केस चर्चा।
3. उन्हें सामान्य ईएनटी प्रक्रियाओं से भी अवगत कराया जाता है।

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए प्रमुख लक्ष्य रोगी देखभाल, शिक्षण, अनुसंधान क्षमता और टीम वर्क हैं।

पीजी विद्यार्थियों को सेमिनार/शोधपत्र की प्रस्तुति, शोध लेखन, और नैदानिक निर्णय लेने की क्षमता तथा प्रबंधन विशेषज्ञता हासिल करनी होती है। स्नातकोत्तर विद्यार्थी, किसी संकाय सदस्य/वरिष्ठ रेजीडेंट की देखरेख में बड़ी और छोटी सर्जिकल प्रक्रियाएं करते हैं। उन्हें, स्वतंत्र रूप से बड़े और छोटे ऑपरेशन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है। प्रशिक्षण के दौरान, उन्हें ऑडियोलॉजी अनुभाग और वेस्टिबुलर प्रयोगशाला में संपर्क के लिए तैनात किया जाता है। साथ ही, वार्ड में बेडसाइड इतिवृत्त जानना, ओटी एक्सपोजर, कैजुअल्टी, आईसीयू की जरूरतों और न्यूरोसर्जरी/एनेस्थीसिया जैसे संबंधित विषयक्षेत्रों की जानकारी लेना सिखाया जाता है। उन्हें अंतरंग रोगियों (मेडिकल, प्रीऑपरेटिव और पोस्टऑपरेटिव)) की देखभाल में लगाया जाता है, वे ऑपरेशन थिएटर और आपातकालीन ऑपरेशन में भाग लेते हैं, वार्ड राउंड में सहायता करते हैं और अन्य विभागों से कॉल/परामर्श में भाग लेने के लिए वरिष्ठ सहयोगियों के साथ अन्य वार्डों का दौरा करते हैं। वे बेडसाइड क्लिनिकल आयाम की जानकारी के लिए वार्ड में संचालित शिक्षण सत्रों में भी भाग लेते हैं, सेमिनार/जर्नल क्लबों में दोपहर में विशेष क्लीनिकों में और विभाग के रोस्टर के अनुसार आपातकालीन ड्यूटी करते हैं। स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को थीसिस भी संकाय के मार्गदर्शन में प्रस्तुत करनी होती है।

विभाग, एमसीएच हेड एंड नेक सर्जरी सुपर स्पेशलिटी कोर्स और स्कल बेस सर्जरी में फेलोशिप भी संचालित करता है। एमसीएच रेजीडेंट्स को ओपीडी, ओटी में संबंधित विशिष्टताओं में तैनाती दी जाती है और वे विकिरण ऑन्कोलॉजी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी, न्यूरोसर्जरी आदि विभागों के साथ संयुक्त रूप से शैक्षणिक गतिविधियों में भी भाग लेते हैं। एमसीएच रेजीडेंट्स और स्कल बेस फेलो को भी संकाय सदस्यों के साथ अनुसंधान परियोजनाओं में संयुक्त रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे बारी-बारी से सेमिनार और जर्नल क्लब प्रस्तुत करते हैं। एमसीएच रेजिडेंट्स को नैदानिक और शैक्षणिक कार्यों के लिए एनसीआई झज्जर में भी तैनात किया जाता है। इस वर्ष, रेजीडेंट्स और संकाय-सदस्यों को भी कोविड उपचार क्षेत्रों में तैनात किया गया था।

विभाग द्वारा समय-समय पर रुचि के विभिन्न हालिया विषयों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के लाभ के लिए कार्यशालाएं और सम्मेलन भी आयोजित की जाती हैं। विभाग, भारत और विदेश से अवलोकन के लिए आए प्रतिनिधियों का भी स्वागत करता है और विभागीय गतिविधियों, विशेष क्लीनिकों, सेमिनारों और ऑपरेटिव प्रक्रियाओं का निरीक्षण करने में उन्हें सहायता प्रदान करता है।

वैकल्पिक प्रशिक्षण:

- एम्स, नई दिल्ली के प्रशिक्षुओं की वैकल्पिक पोस्टिंग
- विभाग में आपातकालीन चिकित्सा, विकिरण ऑन्कोलॉजी और डॉ. आर पी केंद्र के विभागों से पर्यवेक्षक और रोटेशन पोस्टिंग पर प्रशिक्षुगण आए।

- ऑडियोलॉजी और स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी), एवाईजेएनआईएसएचडी, क्षेत्रीय केंद्र, नोएडा में स्नातक के विद्यार्थियों की इंटर्नशिप पर्यवेक्षणता पोस्टिंग भी की गई।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन*

1. टेम्पोरल बोन कोर्स (29-30 अप्रैल 2022), एम्स, नई दिल्ली
2. एनईएस कॉन - 2022 (12-14 अगस्त 2022), आईएचसी, दिल्ली
3. सर्जनों के लिए कॉकलियर इंप्लांट कोर्स, (17-18 नवंबर 2022), एम्स, दिल्ली
4. एम्स-यूसीएमएस-यूसीएचआईसीएजीओ 2022 (22-24 दिसंबर 2022), एम्स, दिल्ली
5. पहला 3डी एंडोस्कोपिक कैडेवर कोर्स (27-28 मार्च 2023), जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, दिल्ली
6. इंटरनेशनल हेड नेक डिसेक्शन कोर्स (30 मार्च से 1 अप्रैल 2023), जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर, एम्स, दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान:

आलोक ठक्कर: 30 **राकेश कुमार: 7** **कपिल सिक्का: 34** **चिरोम अमित सिंह: 11**
राजीव कुमार: 15 **प्रेम सागर: 12** **अरविंद कुमार कैरो: 8** **शुचिता सिंह पचौरी: 7**
हितेश वर्मा: 16 **पूनम सागर: 3** **स्मृति पांडा: 4**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
67	**95**	**154**

प्रस्तुत किए गए की मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची : 36

पिछले 3 वर्षों में की गई मौखिक शोधपत्र/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-21	2021-22	2022-23
4	1	36

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप, आलोक ठाकर, (एम्स बायोनेस्ट), 3 साल, चालू, 4.75 लाख रुपये
2. मजबूत और किफायती ऑडियोलॉजिकल परीक्षण (साउंड4ऑल) चरण 2 के लिए उच्च स्तर ऑडियोमेट्रिक उपकरणों की री-इंजीनियरिंग, डॉ. कपिल सिक्का, आईजीएसटीसी (इंडो जर्मन साइंस एंड टेक्नोलॉजी सेंटर), 3 साल, 2016-चालू, 36 लाख रुपये
3. "मध्य कान और सैकुलर फ़ंक्शन पर कॉक्लियर इंप्लांटेशन का प्रभाव", डॉ. कपिल सिक्का, एआईआईएसएच (सहयोगी), 3 साल, (2022-चालू), एक स्टाफ को वित्त पोषित किया गया

4. सर्वाइकल लिम्फ नोड्स में मेटास्टेटिक अज्ञात सिर और गर्दन प्राइमरीज़ का मूल्यांकन, डॉ.चिरोम अमित सिंह, एम्स, 3 साल, 2018-चालू, 5 लाख रुपये
5. टेम्पोरल हड्डी के 3डी पुनर्निर्मित मॉडल से बाहरी श्रवण कनाल की रूपात्मक संरचना का मूल्यांकन, डॉ.चिरोम अमित सिंह, एम्स, 3 वर्ष, 2018-चालू, गैर-वित्तपोषित
6. सिर और गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरोइड का विकास, हितेश वर्मा/ डॉ. आरपीसिंह (जेएनयू), डीपीआरपी योजना के तहत डीएसटी, 4 वर्ष, 2019-23, 3 लाख रुपये
7. किशोर नासॉफिरिन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में सटीक अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन, हितेश वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये
8. कोविड 19 से जुड़े म्यूकोर्मिकोसिस वाले रोगियों में साइनो-नेजल म्यूकोसा में एसीई-2 रिसेप्टर अभिव्यक्ति, हितेश वर्मा, एम्स, 1 वर्ष, 2021-22, 3.7 लाख रुपये
9. साइनसाइटिस, इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस और नॉन-इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस के मामलों में एचएलए, फागोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन, हितेश वर्मा, एम्स, 3 वर्ष, 2019-23, 10 लाख रुपये
10. स्वस्थ व्यक्तियों और निश्चित मेनियार्स रोग तथा ओटोटॉक्सिसिटी के रोगियों में कॉक्लियर बाहरी बाल कोशिका कार्यात्मक स्थिति के बायोमार्कर के रूप में प्रेस्टिन के बेसलाइन सीरम स्तर का आकलन करने के लिए चरणबद्ध पायलट अध्ययन, डॉ. प्रेम सागर, एम्स, नई दिल्ली, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, ए - 832, 3 वर्ष, 2020-23, 4.5 लाख रुपए
11. एन-एसिटाइल के अंतःस्रावी आधान द्वारा रेडियोथेरेपी प्रेरित ज़ेरोस्टोमिया की रोकथाम, डॉ. अरविंद कुमार कैरो, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020- 2023, 36 लाख रुपये
12. ओरल सबम्यूकोसलफाइब्रोसिस (ओएसएफ) के चिकित्सा प्रबंधन के लिए विशिष्ट यूनानी दवा का स्थानीय अनुप्रयोग, एक यादृच्छिक नैदानिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. अरविंद कुमार कैरो, सीसीआरयूएम, 1 वर्ष, 2023-24, 35 लाख रुपये
13. आक्रामक और जटिल लैरींगोट्रैचियल और फुफ्फुसीय आवर्तक श्वसन पेपिलोमाटोसिस वाले रोगियों में प्रणालीगत बेवाकिज़ुमैब थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन, डॉ. राजीव कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2021-23, 20 लाख रुपये
14. किशोर नासॉफिरिन्जिया एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करने के लिए अध्ययन, डॉ राजीव कुमार, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट, 1 वर्ष, 2021-23, 5 लाख रुपये
15. हकलाहट रोग के लिए डिजिटल माध्यम से स्वचालित स्पीच थेरेपी की प्रभावशीलता का नैदानिक सत्यापन, शुचिता सिंह पचौरी, बीआईआरएसी, 2 साल 3 महीने, 2020-22, 10 लाख रुपये

16. विटामिन डी की कमी वाले एलर्जिक राइनाइटिस में भविष्यलक्षी नैदानिक, रोगसूचक और पूर्वानुमानक जैव-मार्कर के रूप में नाक के म्यूकोसल एमआईआरएनए का मूल्यांकन करना, शुचिता सिंह पचौरी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-24, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. बाल आबादी में कॉक्लियर प्रत्यारोपण के परिणामों को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन, डॉ. कपिल सिक्का, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2019-2023, 35.3 लाख रुपये
2. कोलेस्टीटोमा की आक्रामकता का क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मूल्यांकन, डॉ. कपिल सिक्का, एम्स, 2 वर्ष (2018-चालू, 6.5 लाख रुपए
3. वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्तर का मूल्यांकन - आवर्तक श्वसन पैपिलोमैटोसिस के मामलों में, हितेश वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 4.7 लाख रुपये
4. स्वदेशी रूप से विकसित भारतीय श्रवण कॉकलियर इम्प्लांट की प्रभावकारिता और सुरक्षा, डीआरडीओ, आलोक ठक्कर, एसबीएमटी (सोसाइटी फॉर बायोमेडिकल टेक्नोलॉजी), डीआरडीओ, 2 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये
5. सेंटिनल लिम्फ नोड के लिए न्यूनतम इनवेसिव नैनो सक्षम लक्षित प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, आलोक ठक्कर, बीआईआरएसी -डीबीटी, 2 वर्ष, 2020-2022, 45 लाख रुपये
6. सेलिवरी माइक्रो-आरएनए: तंबाकू उपयोगकर्ताओं बनाम तंबाकू गैर-उपयोगकर्ताओं में आणविक परिवर्तन के दौरान जैव-मार्कर के रूप में उनकी उपयोगिता, शुचिता सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2016-2018, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. रेडियल धमनी अग्रबाहु मुक्त फ्लैप और इन्फ्राहाइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप के साथ जीभ के पुनर्निर्माण के बाद कार्यात्मक परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन
2. पोस्टीरियर मैंडिबुलर दोषों के लिए हड्डी बनाम नरम ऊतक पुनर्निर्माण का एक भविष्यलक्षी अध्ययन
3. सेप्टोराइनोप्लास्टी से गुजरने वाले रोगियों में उद्देश्य, व्यक्तिपरक और सौंदर्य संबंधी परिणामों को मापने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन
4. कोविड-19 से जुड़े म्यूकोर्मिकोसिस वाले रोगियों में साइनो-नासल म्यूकोसा में एसीई-2 रिसेप्टर अभिव्यक्ति
5. लैरिंजियल और हाइपोफैरिंजियल कैंसर के उपचार के बाद प्रतिकूलता और क्यूओएल तथा इसके शमन में नवीन एम्स-आईआईटी टीईपी का प्रभाव
6. सिर और गर्दन के कैंसर में सुप्राक्लेविकुलर धमनी आईलैंड फ्लैप [एससीएआईएफ] पुनर्निर्माण की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन

7. ओसीएससीसी के रोगियों में कॉन्ट्रालेटरल नोडल मेटास्टेसिस से जुड़े विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर और इप्सिलेटरल नोडल कारकों का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन
8. साइनुसाइटिस, इनवेसिव फंगल साइनुसाइटिस और गैर-इनवेसिव फंगल साइनुसाइटिस के मामलों में एचएलए, फागोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन
9. मुख गुहा के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के लिए प्रथम सोपानक के रूप में प्री-सरवाइकल (पेरीमार्जिनल और लिंगुअल) लिम्फ नोड्स का आकलन
10. इनवेसिव फंगल साइनुसाइटिस के उपचार के अंतिम बिंदु का पता लगाने में क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध
11. आंतरिक कान से सहायक कोशिका निकालने के लिए सक्शन बनाम माइक्रोडिसेक्शन विधि की तुलना
12. सिर और गर्दन के कैंसर पर ध्यान केंद्रित करते हुए कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरोइड का विकास
13. पीसीएफ घटाव में टीएल के बाद ग्रसनी बंद करने के लिए कांटेदार सिवनी बनाम विक्रिल सिवनी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन
14. स्कल बेस ऑस्टियोमाइलाइटिस में पूर्वानुमान को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन
15. इंजेक्शन लैरींगोप्लास्टी के बाद एकतरफा वोकल कॉर्ड पाल्सी वाले रोगियों में श्वसन और आवाज के परिणामों का मूल्यांकन
16. वेस्टिबुलर फ़ंक्शन पर कॉक्लियर इम्प्लांटेशन के अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभावों का मूल्यांकन
17. किशोर नासॉफिरिन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में सटीक अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन
18. किशोर एंजियोफाइब्रोमा में विटामिन डी और डब्लूएनटी/बीटा कैटेनिन सिग्नलिंग मार्ग की खोज
19. ओएसए में रुकावट की जगह को यूस्टेशियन ट्यूब डिसफंक्शन और रिफ्लक्स विकार के साथ सहसंबंधित करने के लिए अवलोकन संबंधी अध्ययन
20. स्वरयंत्र और हाइपोफेरीन्जियल घातकताओं के लिए पूर्ण स्वरयंत्र के बाद श्वासनली स्टोमल स्टेनोसिस के लिए पूर्वानुमानक कारकों का भविष्यलक्षी विश्लेषण (2021-2023, गैर वित्त पोषित अध्ययन)
21. विटामिन डी की कमी वाले एलर्जिक राइनाइटिस के उपचार में नेज़ल डूश की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन
22. प्रारंभिक जीभ कार्सिनोमा में ट्यूमर के आक्रमण और लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की गहराई का पूर्वानुमान करने में अल्ट्रासाउंड की भूमिका (2017 से अब तक, गैर-वित्तपोषित अध्ययन)
23. वेस्टिबुलर उपकरण पर कॉक्लियर इम्प्लांट के अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रभाव
24. पीसीएफ घटाव में कुल लेरिन्जेक्टोमी के बाद ग्रसनी को बंद करने के लिए कांटेदार सिवनी बनाम विक्रिल सिवनी की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने वाला अध्ययन

पूर्ण

1. रेडियोथेरेपी से गुजरने वाले ऑरोफरीन्जियल कैंसर के रोगियों के निगलने और आवाज के परिणामों पर इंट्राडक्टल एन एसिटाइल सिस्टीन के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
2. जन्मजात लैरींगो-ट्रेकिओमलेशिया वाले बाल रोगियों में ट्रेकियोमलेशिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन
3. संपूर्ण या पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगी में हाइपोकैल्सीमिया के शुरुआती पूर्वानुमानक कारकों को निर्धारित करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन
4. मुख गुहा (टी1-टी4) के जिंजीवोब्यूकल कॉम्प्लेक्स स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में गुप्त और प्रत्यक्ष लिम्फ नोडल मेटास्टेसिस पर मौखिक सबम्यूकस फाइब्रोसिस की हिस्टोलॉजिकल स्टेजिंग के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन
5. 18 वर्ष से कम उम्र के और एडेनोइडक्टोमी तथा एडेनोटोनसिलेक्टोमी से गुजरने वाले बच्चों में कोविड 19 संक्रमण की घटनाओं की गणना करने के लिए सर्वलक्षी अध्ययन
6. एडेनोइडक्टोमी/एडेनोटोनसिलेक्टॉमी के बाद के रोगियों में सार्स-कोव-2 संक्रमण की घटनाओं का मूल्यांकन करने के लिए एक सर्वलक्षी समूह नियंत्रण अध्ययन
7. स्कल बेस ऑस्टियोमाइलाइटिस में पूर्वानुमान को प्रभावित करने वाले कारकों के मूल्यांकन के लिए एक सर्वलक्षी अध्ययन
8. कार्सिनोमा स्वरयंत्र में विकिरण या कीमो विकिरण के बाद आवाज के परिणामों का विश्लेषण और आवाज मापदंडों पर एन एसिटाइल सिस्टीन का प्रभाव
9. संज्ञानात्मक हानि वाले वृद्ध रोगियों में श्रवण हानि का संबंध
10. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अतिरिक्त-नोडल विस्तार का पता लगाना
11. ऑरोफरींक्स, नासोफरींक्स और अज्ञात प्राथमिक के प्राथमिक से माध्यमिक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना
12. एलर्जिक फंगल राइनोसिनुसाइटिस में इट्राकोनाजोल का प्रभाव: एक क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध।
13. संवहनी एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर के स्तर का मूल्यांकन - आवर्तक श्वसन पैपिलोमैटोसिस के मामलों में
14. चयनात्मक गर्दन विच्छेदन के बाद रीढ़ की हड्डी की सहायक तंत्रिका का कार्यात्मक मूल्यांकन
15. पुराने प्रीलिंगुअल एसएनएचएल रोगियों में कॉकलियर इम्प्लांट के परिणाम
16. पारंपरिक ट्यूनिंग फोर्क परीक्षण की तुलना में बेहतर या खराब श्रवणशक्ति वाले कान के स्थानीयकरण में नवीन फोरहेड नक्कल टैपिंग विधि की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन

17. प्राथमिक पैरोटिड घातकता में इंट्राग्रान्युलर, पेरीपैरोटिड, गुप्त, प्रकट ग्रीवा लिम्फनोड मेटास्टेसिस की घटनाओं को निर्धारित करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन
18. मुख जीभ कार्सिनोमा के उच्छेदन के बाद पुनर्निर्माण में इन्फ्रा-हाइऑइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप की उपयोगिता का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन
19. पूर्व-भाषी बहरे बच्चों में स्कूल और शैक्षिक कार्य-निष्पादन पर कॉकलियर इम्प्लांट के प्रभाव का अध्ययन
20. जीभ के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में भाषिक लिम्फ नोड्स की व्यापकता और लिम्फ नोडल प्रसार के पैटर्न का आकलन करना
21. कॉकलियर इम्प्लांटेशन के बाद प्रीलिंगुअल डीप एसएनएचएल रोगियों में कार्यात्मक निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी पर देखी गई श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न कॉकलियर इम्प्लांटेशन परिणाम स्कोर की तुलना करना
22. ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के सर्जिकल प्रबंधन में पीईटी की भूमिका का अध्ययन करना
23. कोविड-19 के लिए नमूना लेते समय गैग रिफ्लेक्स को कम करने के लिए सामयिक लिग्नोकेन का उपयोग: क्या यह नमूने की उपज को प्रभावित करता है।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में विकिरण प्रेरित डिस्पैगिया की रोकथाम में पेंटोक्सिफाइलाइन और अल्फा टोकोफेरॉल (पीएटी) का द्वितीय चरण का परीक्षण, रेडियो-थेरेपी
2. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के इतिहास वाले रोगियों में एयरो-पाचन तंत्र के दूसरे प्राथमिक ट्यूमर की घटनाओं को कम करने के लिए करक्यूमिन और मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक चरण IIख/III अध्ययन, एनसीजी द्वारा वित्त पोषित एसपीटी परीक्षण; बहु- केंद्रित
3. एक चरण III संभावित यादृच्छिक परीक्षण जिसमें डिस्पैगिया-एस्पिरेशन से संबंधित संरचनाओं और सबमांडिबुलर ग्रंथि स्पेयरिंग तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी (एसडब्ल्यूओएआर-आईएमआरटी) बनाम मानक आईएमआरटी (एस-आईएमआरटी) की तुलना स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल और लेरिन्जियल कार्सिनोमस से की जाती है, रेडियो-थेरेपी
4. बाद में शुरू होने वाले टाइप-2 स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी वाले रोगियों जो ≥ 2 से <18 वर्ष की आयु के हैं, पहले उपचार नहीं लिया है, बैठ सकते हैं, और कभी एंबुलेटरी नहीं रहे हैं, में इंट्रा-थेकल ओएवी101 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, शैम नियंत्रित, डबल ब्लाइंड अध्ययन, नोवार्टिस फार्मास्यूटिकल्स द्वारा चरण 3 क्लिनिकल परीक्षण (एसटीईईआर), क्लिनिकल ट्रायल्स.जीओवी अभिनिर्धारक: एनसीटी05089656
5. स्तनधारी आंतरिक कान कोशिकाओं पर आनुवंशिक हेरफेर के प्रभाव पर एक अध्ययन, जैव रसायन विभाग एम्स, नई दिल्ली

6. म्यूकोर्मिकोसिस और हाइपरग्लेसेमिया से संबंधित चिंता के कोविड-19 वेरिएंट, आईजीआईबी-एम्स
7. सिर-गर्दन के कैंसर बायोमार्कर का पता लगाने के लिए नैनोमटेरियल आधारित प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का विकास, जेएनयू-एम्स
8. सिर और गर्दन के कैंसर पर फोकस के साथ कैंसर अनुसंधान में दवा की खोज के लिए एक उपकरण के रूप में एकल-कोशिका व्युत्पन्न क्लोनल स्फेरोइड का विकास, एससीएसएम, जेएनयू
9. उच्च ग्रेड लार ग्रंथि कार्सिनोमस में नैदानिक रूप से कार्रवाई योग्य लक्ष्यों का पता लगाने के लिए विशिष्ट आणविक परिवर्तन और ट्यूमर प्रतिरक्षा माइक्रोएन्वायरमेंट का मूल्यांकन, आईसीएमआर वित्त पोषित, पैथोलॉजी विभाग
10. किशोर नासॉफिरिन्जियल एंजियोफाइब्रोमा में सटीक अनुक्रमण और आणविक लक्षण वर्णन, जैव प्रौद्योगिकी
11. पूर्वानुमानक और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण वर्णन (आईसीएमआर वित्त पोषित, पैथोलॉजी विभाग), पैथोलॉजी विभाग
12. उत्तर भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आने वाले गंभीर से गहन श्रवण हानि वाले बच्चों और किशोरों में दर्दनाक दंत चोट की व्यापकता और पैटर्न, बाल दंत चिकित्सा, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली
13. एसडबल्यूओएआर परीक्षण: सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में मानक आईएमआरटी बनाम डिस्पैगिया-एस्पिरेशन से संबंधित संरचनाओं और सबमांडिबुलर ग्रंथि स्पेयरिंग तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी (एसडबल्यूओएआर-आईएमआरटी) का मूल्यांकन करने वाला चरण III परीक्षण, रेडियोथेरेपी विभाग
14. टॉन्सिल्लेक्टोमी से गुजरने वाले बच्चों में टॉन्सिलर वॉल्यूम का अल्ट्रासोनोग्राफिक मूल्यांकन: पोस्ट ऑपरेटिव रुग्णता का एक पूर्वानुमानक, एनेस्थिसियोलॉजी

पूर्ण

1. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्रों में डब्ल्यूएचओ आईसीओपीई कार्यनीति की व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए एक समूह अध्ययन, जराचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. बायोकम्पैटिबल लो-प्रेशर, समायोज्य लंबाई, लंबे समय तक टिके रहने वाले, वाल्वयुक्त ट्रेचेओसोफेजियल वॉयस बटन का निर्माण, एम्स-आईआईटी दिल्ली संयुक्त सहयोगात्मक वित्त पोषण
3. घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा की आनुवंशिक प्रोफ़ाइल का मूल्यांकन, पैथोलॉजी विभाग
4. टीसी-99एम यूबिकिसिडिन के किट आधारित और घरेलू निर्माण के बीच तुलना, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग,
5. सिनोनेजल्मुकोर्मिकोसिस के निदान में 99एम टीसी-यूबिकिसिडिन स्किंटिग्राफी की उपयोगिता, न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग,

6. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों में गामा - 68 - एनओटीए- यूबीआई की उपयोगिता, आणविक चिकित्सा विभाग
7. प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी रिकरंट/मेटास्टेटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में ईएमएफ (एर्लोटिनिब+मेथोट्रेक्सेट+सेलेकॉक्सिब) का द्वितीय चरण का अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
8. ओरल माइक्रोबायोम का आकलन और ऊपरी वायुगतिकीय पथ कैंसर में इसका महत्व, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
9. चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल से छुट्टी पाने वाले रोगियों के बीच नर्स द्वारा आरंभित, रोगी संतुष्टि का आकलन करने के लिए एक लौंगिट्यूडिनल सर्वेक्षण शुरू, नर्सिंग विभाग
10. चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल में विभिन्न अस्पताल सेवाओं के संबंध में रोगी संतुष्टि पर एक ओएमआर शीट आधारित फीडबैक सर्वेक्षण, नर्सिंग विभाग

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजना	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	16	20	16
कुल वित्तपोषण	6.0 करोड़	14.86 करोड़	10.2 करोड़

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 50 सार: 07 पुस्तक में अध्याय: 09

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
योग	98	128	66
जर्नल आलेख	86	107	50
सार	1	4	07
पुस्तकों में अध्याय	11	16	09
पुस्तकें	-	1	-

रोगी उपचार

ओपीडी, ऑपरेशन थिएटर और छोटी ऑपरेशन थिएटर सेवाओं के अलावा, विभाग ऑडियोलॉजी और स्पीच पैथोलॉजी की एक पुनर्वास इकाई और ऑडियोलॉजी तथा स्कल बेस में कॉक्लियर इम्प्लांट, राइनोलॉजी, वर्टिगो, आवाज और निगलने से जुड़े विशेष क्लीनिक चलाता है, और सप्ताह में दो बार सिर और गर्दन का कैंसर क्लिनिक संचालित करता है। विभाग, सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ और आउटरीच ओपीडी, झज्जर में ग्रामीण सेवाएं भी प्रदान करता है। आँकड़े इस प्रकार हैं:

वार्ड भर्ती : डी4 वार्ड: 1810*

*दीर्घकालिक भर्ती : 1600

* अल्पकालिक भर्ती : 210

रोगियों की संख्या जिनका ऑपरेशन किया गया

मुख्य ओटी: *बड़े मामले-2744 *छोटे मामले-431

योग-3175

माइनर ओटी: ओपीडी प्रक्रियाएं-31797

ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या

नए रोगी- 38364 पुराना पंजीकरण- 58133

योग - 96497

आरयूएएस में देखे गए रोगियों की कुल संख्या: 6513

नए रोगी: 2872 पुराने पंजीकरण: 3641

किए गए कुल ऑडियोलॉजिकल परीक्षण (पीटीए + टाइम्पेनोमेट्री + एफएफए + बीईआरए + ओएई + एएसएसआर): **22212**

टेलीपरामर्श सेवाएँ

आरयूएएस टेलीकंसल्टेशन की कुल संख्या: 984

यूडीआईडी (विशिष्ट विकलांगता आईडी)

जारी किए गए प्रमाणपत्रों की कुल संख्या: 160

विशेष क्लीनिकों में आए मामलों की संख्या

क्रमांक	क्लिनिक	नए मामले	पुराने मामले	योग
1	चक्कर आना	155	187	342
2	ओटोलॉजी और स्कल बेस	120	37	157
3	कॉकलीयर इम्प्लांट	169	252	421
4	आवाज़	260	85	345
5	राइनोलॉजी	153	58	211
6	सिर और गर्दन का कैंसर	927	3450	4377
7	एचएनआरसी (सिर और गर्दन पुनर्वास क्लिनिक)	215	146	361
8	रेडियोलॉजी सम्मेलन	1057	-	1057
9	नवजात शिशु की श्रवण जांच	2836	227	3063
10	म्यूकर क्लिनिक	27	18	45

एनसीआई (झज्जर)

ओपीडी में देखे गए रोगियों की संख्या

नये रोगी- 1253 पुराने पंजीकरण- 5863

उन रोगियों की संख्या जिनका ऑपरेशन किया गया

बड़े मामले- 427

सामुदायिक सेवा क्लीनिक

बल्लभगढ़ के सामुदायिक अस्पताल में सप्ताह में एक बार ऑपरेशन सुविधाओं के साथ सप्ताह में दो बार क्लीनिक संचालित किया जाता है।

गुड़गांव में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में साप्ताहिक क्लीनिक

आईआईटी दिल्ली में सामुदायिक अस्पताल में साप्ताहिक क्लीनिक

विभाग, आउटरीच ओपीडी झज्जर में दैनिक ओपीडी सेवाएं प्रदान कर रहा है और सप्ताह में तीन बार ओटी सेवाएं भी दे रहा है।

मद	2020-21	2021-22	2022-23
ओपीडी परामर्श	15754	40733	96497
विशेष क्लिनिक परामर्श	579	5345	10379
रोगियों की संख्या जिन्हें पुनर्वास सेवाएँ प्रदान की गईं	891	2059	6513
कुल भर्ती रोगी	1551	4030	1810

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रोफ़ेसर आलोक ठक्कर, सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई) के परियोजना प्रभारी हैं; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण में ईएनटी के लिए प्रमुख विशेषज्ञ हैं; भारत के माननीय उप राष्ट्रपति के सलाहकार (ईएनटी); राष्ट्रीय बधिरता निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम की विशेषज्ञ समीक्षा समिति में शामिल हैं; चिकित्सा उपकरणों के लिए उप-समिति, औषधियों पर स्थायी राष्ट्रीय समिति के सह-अध्यक्ष हैं; एशिया-पैसिफिक सोसाइटी ऑफ थायराइड सर्जरी (एपीटीएस) के परिषद सदस्य हैं; ग्लोबल हैल्थ हियरिंग इअर्स- सलाहकार बोर्ड के सदस्य; दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के लिए श्रवण देखभाल पर डब्ल्यूएचओ क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह-सदस्य; अमेरिकन हेड-नेक सोसाइटी- 11वीं एएचएनएस बैठक के लिए अंतरराष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड - हेड-नेक ऑन्कोलॉजी स्पेशलिटी बोर्ड-सदस्य; विजिटिंग प्रोफेसर - ओटोलैरिंजोलोजी विभाग, एम्स ऋषिकेश; डॉ. बी कुमार मेमोरियल ओरेशन-लकवाग्रस्त चेहरे का कायाकल्प-कला और विज्ञान-उत्तराखंड स्टेट एसोसिएशन ऑफ ईएनटी सर्जन (यूएसएईएस 2022)-वार्षिक बैठक, देहरादून 16 अप्रैल 2022 से सम्मानित; आचार्य एस सुकुमारन व्याख्यान- वर्टिगो के लिए पैथोफिजियोलॉजिकल कार्यनीति- केरल ईएनटी सम्मेलन (केंटकॉन) 2022, 16-18 सितंबर 2022; आचार्य सूर्यनारायण राव व्याख्यान- लकवाग्रस्त चेहरे का पुनर्जीवन- विज्ञान और कला- दक्षिण क्षेत्र एओआई सम्मेलन, मणिपाल, 5 अक्टूबर 2022; वीएलए व्याख्यान- सीएचएओएस से बाहर निकलना। लैरींगोलॉजी एंड वॉयस एसोसिएशन का वार्षिक सम्मेलन, 19 नवंबर 2022; जीएमसी श्रीनगर में एडीआईपी योजना के तहत कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम, एडीआईपी योजना के तहत कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम, 13-14 दिसंबर 2022 श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में उन्होंने भाग लिया।

प्रोफ़ेसर राकेश कुमार भारत में ईएनटी सर्जिकल उपकरणों के मानकों की देखभाल के लिए बीआईएस के एमएचडी-4 के अध्यक्ष हैं; वे, एम्स (ओआरएसए) की ओटोराइनोलारिंजोलॉजिकल रिसर्च सोसाइटी के मानद उपाध्यक्ष हैं; ओटोराइनोलारिंजोलॉजी और एचएनएस विभाग, आईजीआईएमएस पटना में मानद सलाहकार; एम्स, ऋषिकेश के ओटोराइनोलारिंजोलॉजी और एचएनएस विभाग में मानद विजिटिंग कंसल्टेंट; अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मेडिसिन संकाय के ओटोराइनोलारिंजोलॉजी विभाग अध्ययन पीठ के सदस्य; भारत में अन्य स्थानों पर नई सुविधाएं शुरू करना (ए) भारत के विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में कॉकलियर इम्प्लांट कार्यक्रम; एम्स, भोपाल में कॉकलियर कार्यक्रम और राइनोप्लास्टी/ फेशियल प्लास्टिक शुरू करना और पर्यवेक्षण करना; * एसीएसएसटी जेपीएनटीसी, एम्स में 18 से 19 सितंबर तक तीसरी एम्स हैंड्स ऑन एफईएसएस कैडवेरिक कार्यशाला के सह-निदेशक; **सह-अध्यक्ष- 9-10 अक्टूबर 2021 तक एम्स, नई दिल्ली में टेम्पोरल डिसेक्शन कोर्स; विभिन्न राष्ट्रीय नैदानिक बैठकों में अतिथि संकाय के रूप में आमंत्रित किए गए। उन्होंने इनमें शोधपत्र प्रस्तुत किए तथा पैनलों में भाग लिया।

प्रोफ़ेसर कपिल सिक्का ने, 2022 में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स, एफएसीएस से फेलोशिप प्राप्त की; वे समीक्षक, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलरींगोलॉजी, हेड एंड नेक सर्जरी, इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स, इंडियन जर्नल ऑन कैंसर, लैरींगोस्कोप इन्वेस्टिगेटिव ओटोलरींगोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोलॉजी; संयुक्त सचिव, एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा; मानद कोषाध्यक्ष, ओटोराइनोलारिंजोलॉजिकल रिसर्च सोसाइटी ऑफ एम्स (ओआरएसए), 2017-सदस्य मेडिकल बोर्ड, एम्स; सदस्य, अनुसंधान निर्देशिका संपादकीय टीम, एम्स; आंतरिक परीक्षक, एम्स, एमएस, ओटोलरींगोलॉजी; बाहरी परीक्षक, डीएनबी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, ईएनटी; सदस्य, कार्यकारी समिति, एओआई दिल्ली राज्य शाखा; सदस्य, एडीआईपी कोक्लियर इंप्लांट कार्यक्रम कार्यान्वयन सलाहकार बोर्ड; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की शैक्षणिक गतिविधियों के लिए सूचीबद्ध संकाय सदस्य; समीक्षक बीएमजे नवाचार; सहायक संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ ओटोलॉजी; नोडल अधिकारी, एम्स, राष्ट्रीय बधिरता निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम जैसी जिम्मेदारियां निभा रहे हैं।

प्रोफ़ेसर चिरोम अमित सिंह, मिजोरम राज्य चिकित्सा परिषद में राष्ट्रीय चिकित्सा परिषद के प्रतिनिधि; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तकनीकी विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं।

डॉ. राजीव कुमार ने, 26-28 अगस्त 2022 को एमएएमसी, दिल्ली में आयोजित एओआई, दिल्ली शाखा (एओआईसीओएन-2022) के 44वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "ओपीएचएल टाइप II" प्रस्तुत करने के लिए वीडियो प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया गया; 12-14 अगस्त 2022 को एम्स, नई दिल्ली और इंडिया हैबिटेट सेंटर में न्यूरो-ओटोलॉजी एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनईएससीओएन) 2022 के 40वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन के सह-आयोजन सचिव रहे; "प्रथम 3डी एंडोस्कोपिक इनसाइड-आउट हेड नेक एनाटॉमी" कैडवेरिक डिसेक्शन कोर्स के आयोजन सचिव रहे जो 27-28 मार्च 2023 को एसीएसएसटी, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली में आयोजित किया था; 30 मार्च से 3 अप्रैल 2023 तक एसीएसएसटी, जेपीएनएटीसी एम्स नई दिल्ली में आयोजित "अंतरराष्ट्रीय

सिर और गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम" के आयोजन सचिव रहे; वे, निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों और संघों के सदस्य हैं-

क. इंडियन सोसायटी ऑफ ओटोलॉजी (आईएसओ/एलएम/1134)

ख. एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एलएम - 4070)

ग. सिर और गर्दन ऑन्कोलॉजी फाउंडेशन (एलएम-280)

घ. न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसायटी ऑफ इंडिया

ङ. ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसायटी

च. एओआई दिल्ली राज्य शाखा

छ. दिल्ली मेडिकल काउंसिल (41154)

ज. यूरोपीय हेड नेक सोसायटी (ईएचएनएस)

झ. एशिया पैसिफिक थायराइड सोसायटी (एपीटीएस)

ञ. राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एमएनएएमएस);

वे, 'क्लिनिकल की नाउ', ईएनटी उप-विशेषज्ञता, एल्सेवियर (ऐप आधारित) में कार्यकारी संपादक हैं; और निम्नलिखित में समीक्षक हैं :

क. एसोसिएशन ऑफ ओटोलरींगोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के आधिकारिक प्रकाशन के लिए समीक्षक - इंडियन जर्नल ऑफ ओटोराइनोलरींगोलॉजी एंड हेड एंड नेक सर्जरी, 21/2/2013 से।

ख. जर्नल ऑफ़ मेडिकल केस रिपोर्ट्स के समीक्षक

ग. "इंडियन जर्नल ऑफ़ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग" के समीक्षक

घ. "क्लिनिकल ओटोलरिंजोलोजी" के लिए समीक्षक

ङ. "वर्ल्ड जर्नल ऑफ़ पीडियाट्रिक सर्जरी" के समीक्षक

च. "बीएमजे केस रिपोर्ट" के लिए समीक्षक

छ. क्यूरियस

डॉ. प्रेम सागर एबी-पीएमजेएवाई, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत ईएनटी के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेज की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं; मानक उपचार दिशानिर्देश, स्वास्थ्य लाभ पैकेज, गुणवत्ता आश्वासन संबंधी भारत सरकार की परियोजना/कार्य के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के चिकित्सा प्रकोष्ठ में विशेषज्ञ हैं; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में ईएनटी के लिए मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; भारतीय मानक ब्यूरो में ईएनटी सर्जरी उपकरण, एमएचडी 04 के मानक की देखभाल और स्थापना करने वाली ईएनटी अनुभागीय समिति के पैनल के सह-योजित सदस्य; राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी (एमएनएएमएस) के सदस्य; न्यूरो-इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी (एनईएस) भारत के कार्यकारी निकाय सदस्य - 2022-23; 12-14 अगस्त 2022 को एम्स, नई दिल्ली और इंडिया हैबिटेट सेंटर में न्यूरो-ओटोलॉजी एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनईएससीओएन) 2022 के 40वें राष्ट्रीय

वार्षिक सम्मेलन के आयोजन सचिव रहे हैं; निम्नलिखित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों और संघों के सदस्य हैं :

क. सिर और गर्दन ऑन्कोलॉजी फाउंडेशन (एलएम-281)

ख. न्यूरो-ओटोलॉजिकल एंड इक्विलिब्रियोमेट्रिक सोसाइटी ऑफ इंडिया (एलएम-617)

ग. ऑल इंडिया राइनोलॉजी सोसायटी (एलएम-749)

घ. फेशियल रिकंस्ट्रक्टिव एंड कॉस्मेटिक सर्जरी ट्रस्ट (भारत) - एलएम 55

ङ. इंडियन सोसायटी ऑफ ओटोलॉजी (आईएसओ/एलएम/1603)

च. एसोसिएशन ऑफ ओटोलरीन्गोलॉजिस्ट्स ऑफ इंडिया, दिल्ली राज्य शाखा (एलएम 577)

छ. कॉक्लियर इंप्लांट ग्रुप ऑफ इंडिया

ज. सोसाइटी ऑफ इयर नोज़ एंड थ्रोट एडवांसमेंट इन चिल्ड्रन, फिलाडेल्फिया, यूएसए (एसईएनटीएसी);

वे, 'क्लिनिकल की नाउ', ईएनटी उप-विशेषज्ञता, एल्सेवियर (ऐप आधारित) में कार्यकारी संपादक हैं और निम्नलिखित के लिए समीक्षक हैं :

क. ओआरएल, कार्गर पब्लिशर्स

ख. एनल्स ऑफ ओटोलॉजी, राइनोलॉजी एंड लैरींगोलॉजी, सेज जर्नल्स

ग. इंडियन पीडियाट्रिक्स जर्नल, इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) का आधिकारिक प्रकाशन, ओटोराइनोलारिंजोलॉजी के अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार में स्प्रिंगर नेचर समीक्षक

घ. डेवलपमेंटल मेडिसिन एंड चाइल्ड न्यूरोलॉजी, मैक कीथ प्रेस प्रकाशन और अमेरिकन एकेडमी फॉर सेरेब्रल पाल्सी एंड डेवलपमेंटल मेडिसिन (एएसीपीडीएम) और ब्रिटिश पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी एसोसिएशन (बीपीएनए) की आधिकारिक पत्रिका।

ङ. ओटोराइनोलारिंजोलॉजी का अंतरराष्ट्रीय अभिलेखागार (आईएओ), थिएम प्रकाशन

च. एलर्जी एवं राइनोलॉजी, सेज जर्नल्स

छ. एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर में रुझान, एल्सेवियर इनकॉरपोरेटिड।

ज. जर्नल ऑफ़ इंटरनेशनल मेडिकल रिसर्च, सेज जर्नल्स

झ. बीएमजे इनोवेशन, बीएमजे जर्नल्स

ञ. बीएमजे केस रिपोर्ट

ट. फ्रंटियर्स इन सर्जरी, सेक्शन ओटोराइनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी

ठ. क्यूरियस जर्नल ऑफ मेडिकल साइंस

ड. लाइफ जर्नल

ढ. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान जर्नल

ण. जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल मेडिसिन, ओटोलरींगोलॉजी अनुभाग

त. चिल्ड्रन

डॉ. अरविंद कुमार कैरो ने सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार - डॉ. बीएम अब्रोल जूनियर कंसल्टेंट पुरस्कार सत्र में प्राप्त किया।

डॉ. शुचिता सिंह पचौरी को एचपीवी से संबंधित कैंसर से जुड़ी यूसीएलए ग्लोबल हेल्थ सीड ग्रांट कार्यक्रम के सहयोगात्मक प्रयास में एक वैश्विक भागीदार बनने के लिए आमंत्रित किया गया ताकि वे एचपीवी और एचपीवी टीकाकरण के संबंध में चिकित्सक, प्रशिक्षु और मेडिकल विद्यार्थियों के ज्ञान और दृष्टिकोण का आकलन कर सकें, साथ ही, एचपीवी से संबंधित घातकताओं पर शैक्षिक गतिविधियों का निर्माण और अनुवर्ती कार्रवाई की तैयारी कर सकें; भारतीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्टार्टअप 'एटम 360' द्वारा एक राष्ट्रव्यापी मुख स्क्रीनिंग परियोजना में सह-अन्वेषक के रूप में उन्होंने कार्य किया है और कर्नाटक सरकार द्वारा 'एलिवेट 2018' की विजेता रही हैं। उक्त परियोजना का शीर्षक हैं- "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और पैथोलॉजिकल सहसंबंध का उपयोग करके छवि आधारित निदान का विश्लेषण"।

डॉ. हितेश वर्मा सर्वोत्तम प्रकाशन सम्मान से सम्मानित किए गए हैं। इसका शीर्षक था- सीरम ओटोलिन-1 और विटामिन-डिन सौम्य पैरॉक्सिस्मल पोजिशनल वर्टिगो का मूल्यांकन, एओआई दिल्ली शाखा, दिल्ली एओआई 26-28 अगस्त 2022।

डॉ. स्मृति पांडा को सर्वाधिक उत्कृष्ट कार्य के लिए - आईसीएचएनओ, सियोल, 4-5 नवंबर 2022 के लिए नामित किया गया; वे, यात्रा अनुदान विजेता- आईसीएचएनओ, सियोल, 4-5 नवंबर 2022 रही हैं।

डॉ. अनूप सिंह को 14-16 मई 2022 को गोवा में आयोजित पुरस्कार शोधपत्र (सीरम ओटोलिन -1 लेवल्स इन मेनियार्स डिजीज पेशेंट्स इन रेमिशन) प्रस्तुति के लिए बैलेंसकॉन-2022 में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आचार्य टेरेंस एम जोन्स, हेड एंड नेक सर्जरी आचार्य, निदेशक लिवरपूल हेड एंड नेक सेंटर, लिवरपूल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स एनएचएस फाउंडेशन ट्रस्ट ने 3-10 दिसंबर 2022 और 26 मार्च 2023 से 1 अप्रैल 2023 तक विभाग का दौरा किया। आचार्य जोन्स को एम्स एंडोमेंट फंड के तहत ऑन्कोलॉजी में इंफोसिस चेयर से सम्मानित किया गया था।
2. टीएनएमसी और बीवाईएल नायर चिल्ड्रन अस्पताल, मुंबई के प्रशिक्षुओं (ऑडियोलॉजी और स्पीच थेरेपी) ने 20 फरवरी 2023 को ईएनटी विभाग के ऑडियोलॉजी और स्पीच थेरेपी की पुनर्वास इकाई का दौरा किया।

9.27 बाल चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

डॉ. अरविंद बग्गा

(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

आचार्य

सुशील कुमार काबरा
(बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

मधुलिका काबरा
(आनुवंशिकी प्रभाग)

पंकज हरि
(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

शैफाली गुलाटी
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

राकेश लोढ़ा
(बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

रमेश अग्रवाल
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

रचना सेठ
(बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग)

वन्दन जैन
(बाल अंतःस्राविकी प्रभाग)

अपर आचार्य

अदिति सिन्हा
(बाल वृक्क विज्ञान प्रभाग)

नीरजा गुप्ता
(आनुवंशिकी प्रभाग)

एम जीवा शंकर
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

झूमा शंकर
(बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

काना राम जाट
(बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी एवं गहन उपचार प्रभाग)

बिस्वरूप चक्रवर्ती
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

रजनी शर्मा
(बाल अंतःस्राविकी प्रभाग)

अनु सचदेवा
(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

रोहन मलिक
(बाल जठरांत्र रोग विज्ञान प्रभाग)

प्रशांत कुमार जौहरी
(बाल तंत्रिका विज्ञान प्रभाग)

नरेंद्र कु. बागरी
(बाल रुमेटोलॉजी प्रभाग)

जगदीश प्रसाद मीणा
(बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग)

सह - आचार्य

आदित्य कुमार गुप्ता

(बाल अर्बुद विज्ञान प्रभाग)

सहायक आचार्य

अंकित वर्मा

(नवजात चिकित्सा प्रभाग)

वैज्ञानिक

मधुमिता रॉय चौधरी	रश्मी शुक्ला	अमिता
काजल जैन		लता सिंह

अन्य स्टाफ

सुमिता गुप्ता (फिजियोथेरेपिस्ट)	पल्लवी मिश्रा (बायोकेमिस्ट)	सविता सैनी (वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी)
डी यादव (चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)		नीना मेहता (चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)
सुशीला यादव (तकनीकी अधिकारी)		सुरेश कुमार (प्रयोगशाला तकनीशियन)

विशिष्टताएं

विभाग को जनवरी 2023 में मातृ एवं शिशु ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां यह व्यापक नैदानिक और डे-केयर सेवाएं प्रदान कर रहा है। बाल चिकित्सा विभाग अपने बाह्य रोगियों एवं स्पेशलिटी क्लीनिक तथा भर्ती रोगी एवं आउटरीच सेवाओं के माध्यम से बड़ी संख्या में रोगियों को बहु-विषयक और व्यापक नैदानिक उपचार की सुविधा प्रदान करता है।

उत्कृष्टता केंद्र

नवजात चिकित्सा प्रभाग को हाल ही में लगातार आठवीं बार 2023 से 2027 तक अगले चार वर्षों के लिए प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र के रूप में पुनः नामित किया गया है। अनुवांशिकी प्रभाग विकासशील देशों के लिए नैदानिक एवं प्रयोगशाला अनुवांशिकी में प्रशिक्षण हेतु डब्ल्यूएचओ सहयोगी केंद्र है। बाल वृक्क विज्ञान, फुप्फुसीय विज्ञान एवं बाल तंत्रिका विकास विकार में उन्नत अनुसंधान के केंद्र के रूप में तीनों प्रभागों का योगदान जारी है।

शिक्षा

विभाग सीधे तौर पर मेडिकल और नर्सिंग छात्रों के लिए स्नातक-पूर्व प्रशिक्षण में शामिल है। यह देश में सर्वश्रेष्ठ स्नातकोत्तर (एमडी) पाठ्यक्रम में से एक है, और यह 6 डीएम पाठ्यक्रम (एंडोक्रिनोलॉजी, नवजात चिकित्सा, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, पल्मोनोलॉजी और इंटेंसिव केयर, क्लिनिकल जेनेटिक्स तथा ऑन्कोलॉजी) को संचालित करता है।

अनुसंधान

संकाय-सदस्य बहु-विषयक अनुसंधान संबंधी परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बाह्य और आंतरिक निधि को आकर्षित करना जारी रखते हैं। विभाग के कार्य को मान्यता प्राप्त है तथा इसे राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा अच्छी तरह से उद्धृत किया गया है।

क्लीनिकल

एम्स में बाल-चिकित्सा में प्रारम्भिक रूप में शुरू होने वाले आईबीडी के लिए पहली अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक पूर्ण की गई। ग्लोबल कंपेशनेट एक्सेस कार्यक्रमों के हिस्से के रूप में डीएमडी और एसएमए हेतु नए उपचार (जीन थेरेपी, एक्सॉन स्किपिंग तथा एंटीसेंस ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स) रोगियों को प्रदान किए जा रहे हैं। आईएल-10 रिसेप्टर विकार, जो कि एक अत्यंत दुर्लभ बीमारी है, से पीड़ित एक बच्चे का इलाज मैच्ड असंबंधित एचएससीटी (भारत में एक दुर्लभ घटना) से किया गया। घातक और गैर-घातक विकारों वाले बाल रोगियों के लिए हाफ-मैच्ड और असंबंधित दाता एचएससीटी जैसी जटिल प्रक्रियाएं पूर्ण की गईं।

भावी कार्य योजना

विभाग क्लिनिकल सेवा, शिक्षा और भावी अनुसंधान को बढ़ावा देने से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करके देश के साथ-साथ क्षेत्रीय स्तर पर भी अपना नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास करेगा।

शिक्षा

एमबीबीएस शिक्षण कार्यक्रम के लिए, विभाग ने एसईटी सुविधा के लिए पल्स ऑक्सीमीटर, छाती संपीड़न और बाल चिकित्सा पुनर्जीवन, नवजात ऑरोगैस्ट्रिक फीडिंग और लंबर पंचर सहित स्नातक-पूर्व चिकित्सा छात्रों के लिए कौशल मॉड्यूल के विकास में योगदान दिया है।

वृक्क विज्ञान प्रभाग ने बाल वृक्क विज्ञान कोर पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में ऑनलाइन साप्ताहिक वेबिनार श्रृंखला का आयोजन किया, जिसका शीर्षक था 'नेफ्रोलॉजी एजुकेशन फ्रॉम ए पीडियाट्रिक रेजिडेंट्स आउटलुक (एनईएफपीआरओ)' जिसका नेतृत्व प्रभाग संकाय ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी (आईपीएन) की गतिविधियों के हिस्से के रूप में किया। ऑनलाइन श्रृंखला में मार्च-अक्टूबर 2023 के दौरान 32 साप्ताहिक वेबिनार शामिल थे, और इसका नेतृत्व बाल वृक्क विज्ञान में राष्ट्रव्यापी विशेषज्ञों द्वारा किया गया था और इसमें पूरे भारत में बाल चिकित्सा में ~ 200 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया। जुलाई-दिसंबर 2022 के दौरान कॉलेज, मंडल, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दौरों के रूप में स्नातकोत्तर छात्रों के लिए बाल वृक्क विज्ञान पर पहला राष्ट्रव्यापी क्विज़ आयोजित किया गया था और देश भर में 129 मेडिकल कॉलेजों या संस्थानों तथा सौ से अधिक संकाय-सदस्यों की उत्साही भागीदारी ने इसे संभव बनाया था।

नवजात चिकित्सा प्रभाग वर्तमान में स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के लिए नवजात स्वास्थ्य पर साक्ष्य-आधारित प्रथाओं के प्रसार के लिए ई-लर्निंग का उपयोग कर रहा है। वेबसाइट (www.ontop-in.org) नवजात रोगी उपचार, नवजात नर्सिंग और सीपीएपी पर तीन ई-लर्निंग पाठ्यक्रम प्रदान करती है। इस वर्ष 20वां नवजात रोगी और 10वां आवश्यक नवजात उपचार पाठ्यक्रम (www.pretermcare-eliminatingrop.org) पूरे कर लिए गए हैं। प्रीटर्म शिशु उपचार पैकेज, जो प्रीटर्म शिशुओं का साक्ष्य-आधारित उपचार प्रदान करता है, ऑनलाइन भी उपलब्ध है और इसे 5000 स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा पूरा किया गया है। प्रभाग ने विभिन्न वार्डों और विभागों में काम करने वाले नर्सिंग पेशेवरों के लिए चार स्तनपान कार्यशालाएं भी आयोजित की हैं, जिनमें डी3, सी3, एबी6, सभी निजी वार्ड, एमसीयू, ओपीडी और एबी5 वार्ड शामिल हैं। ये कार्यशालाएं विश्व प्रीमेच्योरिटी दिवस, बाल दिवस, स्तनपान सप्ताह और

नवजात सप्ताह पर आयोजित की गईं और 75 से अधिक नर्सिंग पेशेवरों और दस रेजीडेंटों को व्यावहारिक प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया। सेवाकालीन और सेवापूर्व शिक्षण हेतु शिक्षा में क्रॉस-कटिंग योगदान के संदर्भ में, डब्ल्यूएचओ-सीसी एम्स नई दिल्ली ने वर्तमान साक्ष्यों के आधार पर आवश्यक नवजात उपचार और नवजात रोगी उपचार के विभिन्न घटकों पर वेबिनार का एक नया सेट बनाया है। प्रभाग ने सभी सामान्य नवजात स्थितियों पर डीएचआर-आईसीएमआर के लिए विभिन्न कार्यप्रवाहों के विकास में भी योगदान दिया है। प्रभाग ने विभिन्न बैचों में स्नातक छात्रों के कौशल प्रशिक्षण के लिए एक नवजात पुनर्जीवन कार्यक्रम कार्यशाला का भी आयोजन किया ताकि उन्हें नवजात शिशुओं के पुनर्जीवन में बुनियादी कौशल से लैस किया जा सके।

पल्मोनोलॉजी प्रभाग, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एम्स जोधपुर और एम्स भुवनेश्वर के साथ टेलीमेडिसिन आधारित शैक्षणिक सत्रों का आयोजन करता है।

बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी विभाग द्वारा अक्टूबर 2022 में मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर और पीजीआई चंडीगढ़ में बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी अध्येताओं और संकाय के साथ नियमित संयुक्त शैक्षणिक सत्र शुरू किए गए थे। 18 मार्च 2023 को बाल चिकित्सा विभाग में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों हेतु बाल चिकित्सा एंडोक्राइनोलॉजी में स्नातकोत्तर मास्टरक्लास (7 व्याख्यानों और पीजी प्रश्नोत्तरी सत्रों की एक श्रृंखला) शुरू की गई थी।

प्रशिक्षु

1. दीर्घकालिक

- डॉ. शिवानी जयसवाल, आचार्य, जैव रसायन विभाग, गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंडीगढ़, अप्रैल 2022- अक्टूबर 2022, छह माह, साइटोजेनेटिक्स, डीबीटी उम्मीद कार्यक्रम
- डॉ. पारुल गोयल, आचार्य, जैव रसायन विभाग, आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली, जून 2022 से दिसंबर 2023, छह माह, आणविक आनुवंशिकी, डीबीटी उम्मीद कार्यक्रम
- डॉ. सूफिया नसरीन, 16 जनवरी 2023 से 15 जुलाई 2023, छह माह, आणविक आनुवंशिकी, डीबीटी उम्मीद कार्यक्रम
- डॉ. जमील मोहम्मद, सहायक आचार्य, जैव रसायन विभाग, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर, राजस्थान, 16 नवंबर से 15 मई 2023, छह माह, आणविक और जैव रासायनिक जेनेटिक्स, डीबीटी उम्मीद कार्यक्रम

2. अल्पकालिक

- डॉ. श्रुति गुप्ता (एमडी बायो-कैमिस्ट्री छात्रा), 23 फरवरी 2023 से 14 मार्च 2023, 20 दिन, पीजी शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए, आचार्य सुब्रत सिन्हा, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली
- डॉ. शेख अब्दुल मुबीन (एमडी बायो-कैमिस्ट्री छात्र), 23 फरवरी 2023 से 14 मार्च 2023, 20 दिन, पीजी शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए, आचार्य सुब्रत सिन्हा, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली

- डॉ. सचिन एस देश (एमडी बायो-कैमिस्ट्री छात्र), 23 फरवरी 2023 से 14 मार्च 2023, 20 दिन, पीजी शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए, आचार्य सुब्रत सिन्हा, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली
- डॉ. खुशबू शर्मा (एमडी बायो-कैमिस्ट्री छात्रा), 23 फरवरी 2023 से 14 मार्च 2023, 20 दिन, पीजी शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों के लिए, आचार्य सुब्रत सिन्हा, विभागाध्यक्ष, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली
- मिथिलेश चंद्र मालवीय, 10 जनवरी 2023 से 9 मार्च 2023, 2 माह, 16 फरवरी 2023 को शामिल हुए (कुल 22 दिन), जेनेटिक क्लिनिक, ओपीडी, मॉलिक्यूलर लैब, सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, एनएससीबी मेडिकल कॉलेज, 218ई, स्वास्तिक ग्रैंड, धनवंतरी नगर, जबलपुर, मध्य प्रदेश
- डॉ. प्रियंका, 1-31 अगस्त 2022, 1 माह, नवजात चिकित्सा प्रभाग, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, फ़रीदाबाद

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- नेफ्रोलॉजी प्रभाग ने 26-27 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में बाल वृक्क विज्ञान में जूनियर मास्टर क्लास और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- विश्व किडनी दिवस के अवसर पर 11-12 मार्च 2023 को नई दिल्ली में नेफ्रोलॉजी प्रभाग की ओर से दो दिवसीय शिक्षण सत्र आयोजित किया गया था।
- आनुवंशिकी प्रभाग ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में और सीएचईबी के सहयोग से 3-4 नवंबर 2022 को दुर्लभ बीमारियों के उपचार पर एक विशेषज्ञ बैठक का आयोजन किया।
- ऑन्कोलॉजी प्रभाग ने 18-20 नवंबर 2022 को एम्स नई दिल्ली और इंडियन हैबिटेट सेंटर में आईएपी के पीएचओ चैप्टर के बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी सम्मेलन (पीएचओसीओएन2022) का आयोजन किया।
- नवजात चिकित्सा प्रभाग ने 17 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली और 14 जनवरी 2023 को एम्स कल्याणी में गुणवत्ता सुधार पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया।
- पल्मोनोलॉजी प्रभाग ने निम्नलिखित का आयोजन किया
  - क.) 9 अक्टूबर 2022 को एम्स, बोर्ड रूम में आईजेपी वार्षिक समारोह और 15वां डॉ. केसी चौधरी का भाषण, 10वां डॉ. आईसी वर्मा उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ मौलिक अनुसंधान पुरस्कार और प्रतिस्पर्धी क्लिनिकल ग्रैंड राउंड।
  - ख.) 23-24 अप्रैल 2022 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार पाठ्यक्रम मॉड्यूल 11।
  - ग.) 28-29 मई 2022 को एम्स, नई दिल्ली में नर्सों के लिए एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार पाठ्यक्रम मॉड्यूल 1।
  - घ.) 29-30 अक्टूबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार पाठ्यक्रम मॉड्यूल 12।

ङ.) 26-27 नवंबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में श्वसन रोगों की एडवांस नर्सिंग केयर के लिए एम्स बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी और गहन उपचार पाठ्यक्रम, मॉड्यूल 2।

च.) 28 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में पीडियाट्रिक रेस्पिरेटरी सोसाइटी (पीआरएस) की द्विमासिक बैठक।

सीएमई/कार्यशालाओं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान

1. एंटी-फैक्टर एच एसोसिएटेड एचयूएस, 19वीं कांग्रेसी इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन, 11 सितंबर 2022, कैलगरी टेलस कन्वेंशन सेंटर, कैलगरी, कनाडा।
2. स्टेरॉयड प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम: आम सहमति दिशानिर्देश, आईपीएनए-एएसपीएनए जूनियर मास्टर क्लास और बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
3. सीएनआई प्रतिरोधी एफएसजीएस: क्या नई थेरेपी मौजूद हैं? इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी का 34वां वार्षिक सम्मेलन, 4 दिसंबर 2022, जियो वर्ल्ड सेंटर, मुंबई
4. नेफ्रोटिक सिंड्रोम: उपचार पर एक अपडेट, द्वितीय वार्षिक बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी सम्मेलन: आईपीएनए समर्थित बाल चिकित्सा नेफ्रोलॉजी वर्कशॉप सह सीएमई, 29 जनवरी 2023, एम्स, जोधपुर
5. एंटी-एफएच ऑटोएंटीबॉडीज: पैथोफिजियोलॉजी और नैदानिक प्रासंगिकता, भारत ईएमबीओ व्याख्यान पाठ्यक्रम: कंप्लीमेंट इन किडनी डिजीज, 1 फरवरी 2023, राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र, पुणे
6. नेफ्रोटिक सिंड्रोम: उपचार पर एक अपडेट, पांचवां वार्षिक बाल वृक्क विज्ञान कॉन्क्लेव, 11 मार्च 2023, एम्स, भोपाल।
7. नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम में फ्लूड थेरेपी, डब्ल्यूबीएपी ऑनलाइन शैक्षणिक: ऑनलाइन सीएमई ऑन फ्लुइड एंड इलेक्ट्रोलाइट्स, 17 मार्च 2023, वर्चुअल (पश्चिम बंगाल), कोलकाता।

प्रदत्त व्याख्यान: 319

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
236	339	319

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर की सूची: 120

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पत्र/प्रस्तुतियाँ

वर्ष	मौखिक प्रस्तुतियों की संख्या
2020-21	49
2021-22	47
2022-23	120

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. आईसीएमआर बाल किडनी रोग उन्नत अनुसंधान केंद्र के लिए प्रस्ताव, अरविंद बग्गा, पंकज हरि, अदिति सिन्हा, आईसीएमआर, 6.5 वर्ष, 2017-2023, 16,095,653/- रुपये
2. गुर्दे की ट्यूबलर विकार वाले बच्चों में रजिस्ट्री और लक्षित एक्सोम सीक्वेंसिंग की स्थापना, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 6,00,000 रुपये
3. हीमोलिटिक यूरेमिक सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों में संक्रामक और आनुवांशिक ट्रिगर्स, अरविंद बग्गा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 82,00,000 रुपये
4. सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च इन पीडियाट्रिक रिसपाइरेट्री डिजीज। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 5 वर्ष, 2018-2023, निधि 6.2 करोड़ देती है, परियोजनाएं इस प्रकार हैं:- (एनआई 1032)

   क. बच्चों में दीर्घकालिक श्वसन विकारों के उपचार के लिए क्षमता निर्माण

   ख. भारत में सिस्टिक फाइब्रोसिस: व्यापकता, म्यूटेशन प्रोफ़ाइल और रजिस्ट्री का विकास

   ग. बच्चों में अंतरालीय फेफड़ों का रोग

   घ. पॉइंट ऑफ केयर टेस्टिंग फॉर प्राइमरी सिलिअरी डिस्केनेसिया इन चिल्ड्रेन

   ङ. बच्चों में प्राथमिक और उपार्जित इम्यूनोडेफिशियेंसी विकारों की श्वसन संबंधी जटिलताएँ, एसके काबरा, राकेश लोढ़ा, काना राम जाट, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 60000000 रुपये
5. दुर्लभ और अन्य वंशानुगत विकारों के लिए आईसीएमआर रजिस्ट्री, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2025, 1.09 करोड़ रुपये
6. एस्पिरेशनल डिस्ट्रिक्ट की संरचना के साथ मानव आनुवंशिकी में आनुवंशिक निदान एकक की स्थापना के साथ नैदानिक प्रशिक्षण वंशानुगत विकारों (उम्मीद) के निदान एवं उपचार के अनूठे तरीकों के तहत पहल, मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 4 करोड़
7. एसईएआरई में जन्म दोषों के लिए क्षमता निर्माण और गुणवत्ता आश्वासन, परिणामों का मूल्यांकन और एनबीबीडी निगरानी प्रणाली को मजबूत करना। मधुलिका काबरा, नीरजा गुप्ता, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2022-2023, 12 लाख रुपये
8. टाइप 3 गौचर रोग वाले रोगियों में टैलिग्लूसेरेज़ अल्फ़ा का एक बहुकेंद्रीय, सुरक्षा और प्रभावोत्पादकता अध्ययन, मधुलिका काबरा, शारे ज़ेडेक मेडिकल सेंटर इज़राइल, 2 वर्ष, 2021-2023, 27.67 लाख रुपये
9. बच्चों में स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम की पुनरावृत्ति के लिए कम खुराक, शॉर्ट कोर्स प्रेडनिसोलोन आहार नियम की प्रभावकारिताः एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, पंकज हरि, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 1,45,67,233 रुपये

10. नॉन-सेंस म्यूटेशन डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी और ओपन लेबल एक्सटेंशन वाले रोगियों में चरण 3, रैंडमाइज्ड, डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित प्रभावकारिता और अटल्यूरेन का सुरक्षा अध्ययन, शैफाली गुलाटी (पीआई), पीटीसी थेरेप्यूटिक्स, यूएसए, 2 वर्ष, 2019-2021 (विस्तार के तहत), 50 लाख रुपये

11. 5 प्रमुख क्षेत्र में अपनी परियोजनाओं के साथ चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर पर उत्कृष्टता और उन्नत अनुसंधान केंद्र, शैफाली गुलाटी (पीआई), एम्स जीआईए (एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा समर्थित) और आईआईएफसीएल (अपने सीएसआर के हिस्से के रूप में) 5 वर्ष, 2017-2022, 11.3 करोड़ रुपये

12. ऑटिज़्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडीएस) वाले बच्चों में ओरल प्रोबायोटिक सप्लीमेंट की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करनाः एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित परीक्षण, शैफाली गुलाटी (साइट पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, (एक्सटेंशन के अंतर्गत) 33,32,868 रुपये

13. एएसडी वाले बच्चों में मोबाइल ऐप-आधारित ऑगमेंटेटिव और वैकल्पिक संचार आधारित हस्तक्षेप, शैफाली गुलाटी (मेंटर), एम्स यूजी रिसर्च मेंटरशिप स्कीम, 2 वर्ष, 2019-2021 (विस्तार के तहत), 2,00,000 रुपये

14. बच्चों में फिब्राइल इंफेक्शन-रिलेटेड एपिलेप्सी सिंड्रोम (एफआईआरईएस) के नैदानिक और न्यूरोइमेजिंग विशेषताओं और परिणामों को निर्धारित करना, डॉ. शैफाली गुलाटी (एम्स) प्रो. जे हेलेन क्रॉस (यूसीएल पीआई), एम्स-यूसीएल सहयोग, 1 वर्ष, 2020-2021, एम्स को 5 लाख रुपये

15. प्रोटोकॉल एच8एच-एमसी-एलएएचवी (क) - माइग्रेन वाले बाल रोगियों में लेसमिडिटन का चरण 3, 12-माह, ओपन लेबल अध्ययन- पायनियर पीईडीएस2, डॉ. शैफाली गुलाटी साइट पीआई सीओ-पीआई-डॉ. बिस्वरूप, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2021- 2025, 12,17,200 रुपये

16. प्रोटोकॉल एच8एच-एमसी-एलएएचवी (क) माइग्रेन राहत के लिए बाल चिकित्सा विकल्पः माइग्रेन के तीव्र उपचार के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययनः पायनियर पीईडीएस1, डॉ. शैफाली साइट पीआई सीओ-पीआई-डॉ. बिस्वरूप, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-2024, 16,90,880 रुपये

17. प्रोटोकॉल 15क्यू-एमसी-सीजीएएस(एफ)- प्रासंगिक माइग्रेन के साथ 6 से 17 वर्ष की आयु के रोगी में गैल्केनजुमैब का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित अध्ययन- रीबिल्ड-1 अध्ययन, साइट पीआई डॉ. शैफाली सीओ-पीआई-डॉ. बिस्वरूप, एली-लिली एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2021-2025, 21,39,160 रुपये

18. डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के रोगियों में 2'ओ मिथाइल एंटीसेंस ओलिगोन्यूक्लियोटाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए ओपन-लेबल एक्सटेंशन के साथ डबल ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, मल्टीसेंटर अध्ययन, (पीआई) डॉ. शैफाली गुलाटी, डिस्ट्रोफी एनीहिलेशन रिसर्च ट्रस्ट, 3 साल, 2021-2024, 20,00000 रुपये

19. बाद में शुरू होने वाले टाइप 2 स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) वाले मरीजों में इंट्राथेकल (आईटी) ओएवी101 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए, यादृच्छिक, शैम-नियंत्रित, डबल-ब्लाइंड अध्ययन, जो > 2 से <18 वर्ष की आयु के हों और कभी चलने-फिरने में असमर्थ हों, (पीआई) डॉ. शैफाली गुलाटी, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 5 वर्ष, 2021-2026, 17,00000 रुपये
20. इन्फैंटाइल हेमिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी वाले रोगियों में कम आवृत्ति दोहराव वाले ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना द्वारा कॉर्टिकल उत्तेजना और प्लास्टिसिटी का न्यूरोमॉड्यूलेशन। (सहपीआई), (सहपीआई) डॉ. शैफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 46,53,130 रुपये
21. हृदय रोगों के लिए सर्जरी कराने वाले नवजात शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक भावी बहु-केंद्र समूह अध्ययन, (सीओपीआई) डॉ शैफाली गुलाटी, आईसीएमआर, 3.9 वर्ष, 2021-2025, 228505 रुपये
22. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की भूमिका, (पीआई) डॉ शैफाली गुलाटी, डीबीटी, 2 साल, 2023-2025, 40 लाख रुपये
23. ऑटिज्म, स्पेक्ट्रम विकार और एडीएचडी और सेरेब्रल पाल्सी सहित अन्य न्यूरोडेवलपमेंटल विकार में आणविक, आनुवंशिक और पर्यावरण मार्करों के सहयोग का पता लगानाः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. शैफाली गुलाटी (पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.38 करोड़ रुपये
24. कम से कम 6 महीने के लिए मौखिक स्टेरॉयड पर ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के 5 से 18 वर्षीय रोगियों में पल्मोनरी फंक्शन और जीवन की गुणवत्ता पर प्रोत्साहन स्पिरोमेट्री के प्रभाव की खोज करना, मेंटर, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, (एक्सटेंशन के अंतर्गत) 2 लाख रुपये
25. गंभीर रूप से मोटर डिसेबिलिटी के लिए ब्रेन मशीन इंटरफ़ेस सक्षम बायोमेडिकल सहायक संचार प्रणाली, पीआई डॉ शैफाली गुलाटी, इलेक्ट्रॉनिक मंत्रालय, 3 वर्ष, 2022-2025, 53.72 लाख रुपये
26. एक्सॉन 51 स्किपिंग के लिए उत्तरदायी विलोपन उत्परिवर्तन के साथ डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी वाले मरीजों में ओपन-लेबल खुराक वृद्धि से पहले, एटेप्लिरसेन की उच्च खुराक की सुरक्षा और प्रभावकारिता का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, डोज़ फ़ाइंडिंग और तुलनात्मक अध्ययन, पीआई डॉ. शैफाली गुलाटी, एसएआरईपीटीए, 4 वर्ष, 2022-2026, रु. 17,07,509/प्रति वर्ष
27. बाद में शुरू होने वाले टाइप 2 स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) वाले रोगियों जिनकी उम्र >2 से <18 वर्ष है, उपचार अनुभवहीन, सिटींग, और एंबुलेटरी नहीं है, में इंट्राथेकल (आईटी) ओएवी101 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, शैम-कंट्रोल्ड, डबल-ब्लाइंड स्टडी पीआई डॉ. शैफाली गुलाटी, नोवार्टिस, 2 वर्ष, 2021-2024, 1797417 रुपये
28. प्राथमिक स्वास्थ्य उपचार केंद्र में बच्चों की विकासात्मक जांच और प्रारंभिक हस्तक्षेप सेवाओं के लिए रेफरल पाथवे स्थापित करना, पीआई डॉ. शैफाली गुलाटी, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2022-2023, 19,97,940 रुपये

29. होल्डिंग हैंड इन मैजिकल इयर्स - प्रारंभिक बचपन विकास और तंत्रिका पुनर्वास केंद्र, पीआई डॉ. शैफाली गुलाटी, हंस फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2023-2026, 2,31,53,428 रुपये

30. बच्चों और किशोरों में ब्रोन्कियल अस्थमा के उपचार में मानक उपचार प्रदान करने के लिए अगस्त्य हरीतकी अवलेह [शास्त्रीय आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन] और योग को शामिल करने की नैदानिक (क्लिनिकल) प्रभावकारिता। एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, आचार्य राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 40 लाख रुपये

31. डेंगू डिस्कवरी टू प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट के लिए प्रोफिलैक्टिक और चिकित्सीय रणनीतियों में सहयोग करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रौद्योगिकी की स्थापना के लिए ट्रांसलेशन रिसर्च कंसोर्टियम, डॉक्टर राकेश लोढ़ा, बाइरैक, 4 वर्ष, 2019-2023, 1,61,00,000 रुपये

32. उपचार की गुणवत्ता में सुधार के लिए क्षेत्रीय शिक्षण मंच, रमेश अग्रवाल, डब्ल्यूएचओ सीईएआरओ, 1 वर्ष, 2022-2023, 18,34,000 रुपये

33. इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा रोगी के सीरम, एक्वस ह्यूमर और ट्यूमर ऊतक (टिश्यू) में ट्यूमर बायोमार्कर का क्लिनिको-पैथोलॉजिकल महत्व, डॉ. रचना सेठ, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2024, 10,00,000 रुपये

34. कैंसर सर्वाइवरशिप ऑप्टिमाइज़ेशन में भागीदारी (पिकासो), डॉ. रचना सेठ, इंडियन कैंसर सोसायटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 12,60,000 रुपये

35. कैंसर से पीड़ित बच्चों में पोषण में सुधार, डॉ. रचना सेठ, कडल्स फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2020-2023, 11,20,000.00 रुपये

36. तीव्र ल्यूकेमिया का पहले निदान किए गए बच्चों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियो विषाक्तता का शीघ्र पता लगाने और उपचार के लिए बायोमार्कर और इमेजिंग का उपयोग, डॉ. रचना सेठ, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2019-2023, 70,68,462.00 रुपये

37. "कीमो टू क्योर (सी टू सी)" कैंसर से बचे रहने का अध्ययन, डॉ. रचना सेठ, कैनकिड्स/किड्सकैन, 15 वर्ष, 2011-2026, 1,20,00,000.00 रुपये

38. इंटीग्रेटेड मोलीक्यूलर बायोलॉजी ऑफ बायोलोजिकल मार्कर: इंडियन चाइल्डहुड बी लिनिएज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में जीन की प्रतिलिपि संख्या परिवर्तन की भूमिका, डॉ. निवेदिता पाठक के लिए डॉ रचना सेठ सलाहकार, यूजीसी वुमेन साइंटिस्ट फैलोशिप, 5 वर्ष, 2018-2023, 40 लाख रुपये

39. समय से पहले जन्मे स्वस्थ शिशुओं में जीवन के पहले छह महीनों के दौरान वसा और लीन मास का अंतर लाभ: निर्धारक और उसके बाद के स्वास्थ्य पर प्रभाव, वंदना जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 27.4 लाख रुपये

40. बचपन में शरीर की संरचना और मध्य-बचपन में इंसुलिन संवेदनशीलता पर सापेक्ष वजन बढ़ने, वसा और वसा रहित द्रव्यमान बढ़ने का प्रोग्रामिंग प्रभाव: फॉलोअप ऑफ बर्थ कोहोर्ट", वंदना जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 25 लाख रुपये

41. दो वर्ष से अधिक समय तक कैल्सिन्यूरिन अवरोधकों पर कायम स्टेरॉयड-प्रतिरोधी नेफ्रोटिक सिंड्रोम में रीमिशन बनाए रखने में आईवी रीटक्सिमैब बनाम मौखिक माइकोफेनोलेट मोफ़ेटिल की प्रभावकारिता: ओपन-लेबल याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अदिति सिन्हा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 1,52,43,910 रुपये

42. व्यापक जीनोमिक मूल्यांकन और ट्रांसलेशनल जैव सूचना विज्ञान (बायोइन्फॉर्मेटिक्स) का इस्तेमाल करके कंकाल डिसप्लेसिया वाले भारतीय रोगियों के जीनो-फेनोम का मूल्यांकन, नीरजा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, (एक्सटेंशन के अंतर्गत) 57 लाख रुपये

43. मिशन प्रोग्राम ऑन पीडियाट्रिक रेयर जेनेटिक डिसऑर्डर, नीरजा गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2022-2027, 1.01 करोड़ रुपये

44. भारत में नवजात शिशुओं में सेप्सिस से संबंधित मृत्यु दर: संदर्भ-विशिष्ट समाधानों के लिए बहु-विषयक, बहु-संस्थागत अनुसंधान कार्यक्रम (डीबीटी, भारत सरकार; 46.5 करोड़), एम. जीवा शंकर, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), भारत सरकार, 5 वर्ष, 2021-2026, 45.5 करोड़ रुपये

45. बर्डेन ऑफ मल्टीड्रग-रेजीस्टेंट नियोनैटल सेप्सिस इन डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल इन इंडिया, एम जीवा शंकर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), 4 वर्ष, 2019-2023, 9.25 करोड़ रुपये

46. सेप्सिस से पीड़ित नवजात शिशुओं में क्लेबसिएला, ई कोली, एसिनेटोबैक्टर और एस ऑरियस की सीक्वेंसिंग, एम. जीवा शंकर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ), 1 वर्ष, 2023-2024, 1.9 करोड़ रुपये

47. सेप्टिक शॉक वाले बच्चों में माइक्रोसिरिक्युलेशन और विभिन्न तरल मात्राओं पर इसकी प्रतिक्रिया का आकलन, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022- 2025, 1.5 करोड़ रुपये

48. बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में एसीटेट-आधारित, लैक्टेट-आधारित और मल्टीपल इलेक्ट्रोलाइट सॉल्यूशन बनाम सलाइन (एमईएसएलएसी परीक्षण) की तुलना- बहुकेंद्रीय याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, झूमा शंकर, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रुपये

49. सेप्टिक शॉक में विटामिन सी बनाम प्लेसिबो, झूमा शंकर, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

50. आक्रामक और जटिल लैरींगोट्रेचियल और पल्मोनरी रिकरंट रेस्पिरेटरी पैपिलोमाटोसिस वाले रोगियों में सिस्टमिक बेवाकिजुमैब थेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए संभावित अध्ययन, डॉ. कानाराम जाट और राजीव कुमार, संस्थान अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 20 लाख रुपये

51. बचपन और किशोरावस्था के मोनोफैसिक और आवर्तक अधिग्रहित डिमाइलिनेटिंग विकारों को अलग करनाः एक एचएलए टाइपिंग, सीरम और सीएसएफ इंफ्लेमेटरी बायोमार्कर आधारित अनुदैर्ध्य अवलोकन संबंधी अध्ययन, डॉ बिस्वरूप चक्रवर्ती, एम्स-आईआरजी, 2 वर्ष, 2020-2022, (विस्तार के अंतर्गत) 10 लाख रुपये

52. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेसियल एपिलेप्सी के साथ 6-17 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में व्यवहार और गतिविधि के साथ सीरम एंटीसेज्योर दवा के स्तर का एसोसिएशनः अवलोकन

संबंधी अध्ययन, मेंटर (डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती), एम्स यूजी मेंटरशिप, 1 वर्ष, 2021-2022 (विस्तार के अंतर्गत), 2 लाख रुपये

53. पीडियाट्रिक स्टेटस एपिलेप्टिकस में गंभीरता और इसके परिणाम का पूर्वानुमान लगाने के लिए बायोमार्कर सिग्नेचर और क्लिनिको-इलेक्ट्रोएन्सेफ्लोग्राफिक मापदंडों के आधार पर मॉडल विकसित करनाः एक अनुदैर्ध्य अवलोकन अध्ययन, डॉ. बिस्वरूप चक्रवर्ती, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 53.9 लाख रुपये

54. मोटे बच्चों में पारंपरिक भारतीय बाजरे के रूप में कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स आहार का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. रजनी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 34 लाख रुपये

55. आईबीडी के मोनोजेनिक रूपों का पता लगाने के लिए बाल चिकित्सा आईबीडी में संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण, रोहन मलिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 45,00,000 रुपये

56. नींद से वंचित स्लीप ईईजी के लिए बुलाए गए बच्चों में नींद लाने में मेलाटोनिन और ट्रिक्लोफोस की प्रभावकारिता तथा सुरक्षा की तुलना करना: एक डबल ब्लाइंड, समानांतर डिजाइन, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. प्रशांत जौहरी, एम्स-यूजी मेंटरशिप स्कीम, 1 वर्ष, 2019-2022, 2,00,000 रुपये

57. सबएक्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस में ब्रेन मेटाबोलिज्म, माइक्रोस्ट्रक्चरल ऑर्गनाइजेशन और न्यूरोइन्फ्लेमेशन का एक बहुपद्धति मूल्यांकनः एक क्रॉस-सेक्शनल ऑब्जर्वेशनल स्टडी, डॉ. प्रशांत जौहरी, एम्स यूजी मेंटरशिप ग्रांट, 1 वर्ष, 2021-2022, (विस्तार के अंतर्गत), 2,00000

58. बच्चों में इलेक्ट्रिकल स्टेटस एपिलेप्टिकस इन स्लीप (ईएसईएस) के न्यूरल नेटवर्क और न्यूरोइंफ्लेमेटरी नेक्सस का मल्टीमॉडल मूल्यांकन, पीआई (डॉ. प्रशांत जौहरी), अंतःविषय आईआरजी फंडिंग, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख

59. होस्ट सूजन प्रतिक्रिया और बचपन के ट्यूबरकुलर मेनिनजाइटिस में पैराडॉक्सीकल वोर्सेनिंग के साथ इसका सहसंबंध, पीआई (डॉ. प्रशांत जौहरी), इंट्रामुरल रिसर्च ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 8.75 लाख

60. ड्रग रीफ्रैक्टरी फोकल ईपीलेप्सी ऑफ चाइल्डहुड में आरटीएमएस की मध्यवर्ती और दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड नियंत्रित अध्ययन, पीआई (डॉ. प्रशांत जौहरी), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 48 लाख रुपये

61. किशोर इडियोपेथिक गठिया रोग क्रम और उपप्रकारों के अनुमान में श्लेष द्रव प्रोटिओमिक्स की भूमिका का पता लगाना, नरेंद्र कुमार बागरी, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-2023, 42,12,984 रुपये

62. पीडी-1/पीडी-एल1 पाथवे के निहितार्थः किशोर इडियोपेथिक गठिया के लिए एक नया प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिमान, नरेंद्र कुमार बागरी (सह-पीआई), विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), भारत, 2 वर्ष, 2020-2024, 3200000 रुपये

63. हेमोफैगोसाइटिक लिम्फोहिस्टियोसाइटोसिस (एचएलएच) में टी-सेल फेनोटाइप की नैदानिक उपयोगिता, डॉ. जगदीश मीना, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये

64. पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) रिलैप्स का जीनोमिक्स और क्लिनिकल परिणाम, डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-2024, 45,15,354 रुपये

65. पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया का जीनोमिक लैंडस्केप, डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

66. कैंसर से पीड़ित फिब्राइल न्यूट्रोपेनिक बच्चों में संक्रमण का पता लगाने और एंटीमाइक्रोबियल थेरेपी की प्रतिक्रिया के लिए एक नए बायोमार्कर के रूप में प्रो-एड्रेनोमेडुलिन और प्रोकैल्सिटोनिन से इसकी तुलना, डॉ. जगदीश प्रसाद मीणा, एसईआरबी (डीएसटी), 3 वर्ष, 2020-2023, 42,18,500 रुपये

67. संपूर्ण एक्सपेम सीक्वेंसिंग के अनुसार पीडियाट्रिक जुवेनिल मायोमोनोसाइटिक ल्यूकेमिया रोगियों की जीनोमिक मैपिंग, डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 44,65,550 रुपये

68. बाल चिकित्सा न्यूरोब्लास्टोमा में माइक्रो-आरएनए की भूमिका, डॉ. आदित्य कुमार गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये

69. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के निर्माण में सिलिया और सोनिक हेजहोग पाथवे जीन में कॉपी नंबर और अनुक्रम वेरिएंट का योगदान, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2022, 65 लाख रुपये

70. कार्यात्मक विशेषता और नोवेल एटीएम का एंटीसेन्स ओलिगोन्यूक्लियोटाइड (एओएन) मध्यस्थता सुधार, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 50 लाख रुपये

71. भारतीय मरीजों में एटीएम म्यूटेशन के निरर्थक दमन के लिए रीड थ्रू कंपाउंड का मूल्यांकन, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 45 लाख रुपये

72. क्लिनिकल फेनोटाइप्स से जुड़ी हुई स्पष्ट रूप से बैलेंस्ड क्रोमोसोम रीअरेंजमेंट्स की ब्रेकप्वाइंट मैपिंग, रश्मि शुक्ला, एम्स इंट्रामुरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

73. एंटीसेन्स ऑलिगोन्यूक्लियोटाइड्स का उपयोग करके एटीएम स्पलिस वेरिएंट का एक्स विवो सुधार, रश्मि शुक्ला (सुश्री अखिल शंकर को एसआरएफ फैलोशिप से सम्मानित), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 16 लाख रुपये

74. संपूर्ण जीनोम अनुक्रमण द्वारा नैदानिक (क्लिनिकल) फेनोटाइप से जुड़े स्पष्ट रूप से संतुलित क्रोमोसोमल पुनर्व्यवस्था की जटिलताओं के बारे में समझना, रश्मि शुक्ला, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2026, 65 लाख रुपये

75. आणविक निदान एसएमए रोगियों में एसएमएन हाइब्रिड जीन की उपस्थिति की खोज, अमिता, एम्स इंट्रामुरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

76. कल्चर-निगेटिव सेप्सिस वाले नवजात शिशुओं में संभावित रोगजनकों की पहचान, डॉ. काजल जैन, डीबीटी, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2021-2025, 2.41 करोड़ रुपये

77. फेरोप्टोसिस की भूमिकाः रेटिनोब्लास्टोमा के लिए एक नया उभरता हुआ चिकित्सीय दृष्टिकोण, डॉ. लता सिंह, इंट्रामुरल रिसर्च ग्रांट (आईआरजी-एम्स), 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

78. पीडी-1/पीडी-एल1 पाथवे के निहितार्थः किशोर इडियोपेथिक गठिया के लिए एक नया प्रतिरक्षाविज्ञानी प्रतिमान, डॉ. लता सिंह, डीएसटी-एसईआरबी, 2 वर्ष, 2021-2023, 32 लाख रुपये

79. इंट्राओकुलर चाइल्डहुड मैलिग्नेंसीज़ में माइटोकॉन्ड्रियल-मध्यस्थता फेरोप्टोसिस की नैदानिक प्रासंगिकता, डॉ. लता सिंह, आईसीएमआर-एक्सट्राम्यूरल फंडिंग, 3 वर्ष, 2022-2025, 50 लाख रुपये।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

वर्ष	वित्त पोषित परियोजनाओं की संख्या	निधि
2020-21	86	116,28,34,616 रुपये
2021-22	95	108,20,17,697 रुपये
2022-23	80	111,87,63,683 रुपये

पूर्ण

1. पीडियाट्रिक रेनल बायोलॉजी प्रोग्राम: नेफ्रोटिक सिंड्रोम पर शोध, अरविंद बग्गा, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2022, 800,00,000 रुपये
2. पोषण पुनर्वास केंद्रों में भर्ती गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों में फुप्फुसीय तपेदिक मामले का पता लगाना (आई 1031), एसके काबरा, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2022, 1420900 रुपये
3. आईजीआईबी के सहयोग से, ऑर्थोलॉगस सीआरआईएसपीईआर/सीएएस9 सिस्टम (FnCas9) पर आधारित एक उच्च थ्रूपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और रोग मॉडलिंग और सुधार के लिए 3डी ऑर्गेनोइड की पीढ़ी में इसका अनुप्रयोग", मधुलिका काबरा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2019-2022, 1.2 करोड़ रुपये
4. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में तीव्र जठरांत्र क्षति के बायोमार्कर, डॉ. राकेश लोढ़ा, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2019-2022, 55,84,488 रुपये
5. एनएएफएलडी के साथ अधिक वजन वाले किशोरों में यकृत वसा अंश और इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने में मेटफॉर्मिन की प्रभावकारिता: एक आरसीटी, वंदना जैन, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2022, 59.2 लाख रुपये
6. कम लागत और पेनलेस ट्रांसडर्मल स्मार्ट इंसुलिन डिलीवरी डिवाइस, वंदना जैन, एम्स-आईआईटी खड़गपुर, 2 वर्ष (1 वर्ष के लिए विस्तारित), 2020-2023, 20 लाख रुपये
7. बच्चों में सिस्टिक किडनी रोगों का आनुवंशिक आधार, अदिति सिन्हा, एम्स (इंट्राम्यूरल अनुदान), 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये

8. नेक्स्ट जेनरेशन सीक्वेंसिंग का उपयोग करके आर्थ्रोग्रिपोसिस मल्टीप्लेक्स कॉन्जेनिटा (एएमसी) वाले भारतीय रोगियों का नैदानिक और जीनोमिक लक्षण, नीरजा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 4500,000 रुपये
9. बच्चों में प्रोकैल्सिटोनिन निर्देशित एंटीबायोटिक थेरेपी, झूमा शंकर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2021, 81 लाख रुपये
10. बच्चों में सदमे के लक्षण, झूमा शंकर, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019-2021, 35 लाख रुपये
11. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में गट माइक्रोबायोटा और जीआई डिसफंक्शन, झूमा शंकर, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022 (पूरा), 10 लाख रुपये
12. अमीनो एसिड चयापचय रोगियों की जन्मजात त्रुटि के बीच एचपीएलसी विधि का उपयोग करके अमीनो एसिड की मात्रा निर्धारित करने के लिए सूखे रक्त के धब्बे और प्लाज्मा नमूनों की तुलना, पल्लवी मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. बच्चों में कैल्सीनुरिन अवरोधक आश्रित स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम में सुधार को बनाए रखने में, प्रतिदिन एक बार प्रशासित लंबे समय तक रिलीज टैक्रोलिमस की प्रभावकारिता
2. क्रोनिक किडनी रोग के एनीमिया वाले बच्चों में ओरल डेसिडुस्टेट की प्रभावकारिता और सुरक्षा
3. हाइपरफोस्फेटेमिया वाले गैर डायलिसिस पर निर्भर बाल चिकित्सा क्रोनिक किडनी रोग में सुक्रोफेरिक ऑक्सीहाइड्रॉक्साइड की अल्पकालिक प्रभावकारिता और सुरक्षा
4. नेफ्रोटिक सिन्ड्रोम और गंभीर एडिमा वाले बच्चों में पेशाब करवाने के लिए कम खुराक और मानक खुराक एल्ब्यूमिन की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
5. प्रोटीन्यूरिक क्रॉनिक किडनी रोग वाले बच्चों में प्रोटीनूरिया को कम करने में ओरल डैपाग्लिफ्लोजिन की प्रभावकारिता और सुरक्षा
6. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषणः क्रोनिक किडनी रोग वाले बच्चों में ग्लोमेरुलर निस्पंदन दर का अनुमान लगाने के लिए समीकरणों की सटीकता
7. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषणः स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में रिलैप्स को रोकने में साइक्लोफॉस्फेमाईड की प्रभावकारिता और सुरक्षा
8. जुवेनाइल इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में असामान्य फेफड़ों के कार्य की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल स्टडी
9. कंजेनिटल लैरींगोट्रेचेओमेलेशिया वाले बाल रोगियों में ट्रेकियोमलेशिया पर सुप्राग्लोटोप्लास्टी के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित पायलट अध्ययन
10. बच्चों में प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया के निदान के लिए ह्यूमन नेजल इपिथेलियल सिलिया के कार्य का आकलन करने की एक स्वदेशी विधि की उपयोगिता

11. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों में मोबाइल प्रत्यक्ष अवलोकन फिजियोथेरेपीः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में श्वासनली इंटुबेशन के लिए इंडक्शन एजेंट के रूप में केटामाइन बनाम फैंटेनाइल-मिडाज़ोलम संयोजनः एक पायलट ओपन लेबल, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
13. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया के रोगियों में विशिष्ट उत्परिवर्तन के साथ सिलिअरी फ़ंक्शन और संरचना का सहसंबंध।
14. नूनन सिंड्रोम वाले रोगियों में सामान्य स्वप्रतिरक्षी विकारों के लिए ऑटोएंटीबॉडी की व्यापकता और पीटीपीएन11 वेरिएंट के साथ उनका संबंध (डीएम थीसिस)
15. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों के सीरम में एमआईआरएनए 132 एक्सप्रेशनः विकासात्मक देरी की गंभीरता का एक संभावित मार्कर (डीएम थीसिस)
16. गहन उपचार एकक में गंभीर रूप से बीमार बच्चों में रैपिड ट्रायो संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण की उपयोगिता (डीएम थीसिस)
17. अस्वाभाविक स्केलटल डिसप्लेसिया की नैदानिक, रेडियोलॉजिकल और मोलीक्यूलर प्रोफाइलिंग (डीएम थीसिस)
18. डाउन सिंड्रोम वाले बच्चों में मेटाबॉलिक सिंड्रोम का प्रसार।
19. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी में आनुवंशिक संशोधक: जीनोटाइप-फेनोटाइप सहसंबंध अध्ययन
20. 1 माह से 18 वर्ष की आयु के बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों में निदान और उपचार का अंतर: अवलोकन संबंधी अध्ययन
21. जोखिम मूल्यांकन द्वारा चिन्हित किए गए कम जोखिम वाले उपसमूह में सिंगल कैल्सिफाइड पैरेन्काइमल न्यूरोकाइस्टिसरकोसिस के साथ 2-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में प्रारंभिक एंटीसेज़्योर दवा टेपरिंगः एक सिंगल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन
22. नवीनतम अनुवर्ती कार्रवाई और बाल चिकित्सा शुरुआत सीएनएस अधिग्रहीत डिमाइलेशन सिंड्रोम में न्यूरोबिहेवियरल परिणाम के मूल्यांकन के साथ प्रारंभिक प्रस्तुति का नैदानिक समझौता: एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन।
23. सोडियम होमियोस्टैसिस के विकारों का प्रसार और तपेदिक मैनिंजाइटिस वाले बच्चों में अल्पकालिक परिणाम के साथ इसका संबंध: अस्पताल आधारित अध्ययन
24. लेसिओनल ड्रग रिफ्रैक्टरी मिर्गी (फोकल ईपीलेपसी या ईएसईएस) के साथ 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस और कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: ओपन लेबल रैंडमाइज्ड नॉन-इनफिरियोरीटी क्रॉसओवर अध्ययन
25. सामान्यीकृत डिस्टोनिया वाले 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में बार-बार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावशीलता: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
26. गुइलेन बर्रे सिंड्रोम (उम्र 2-18 वर्ष) वाले बच्चों में निदान और पूर्वानुमान पद्धति के रूप में नर्व अल्ट्रासाउंड की भूमिका

27. वेस्ट सिंड्रोम वाले बच्चों के बीच केटोजेनिक आहार और एसीटीएच थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
28. ईपीलेप्टिक एन्सेफैलोपैथी वाले बच्चों में रोगी की ओर से बताए गए परिणाम को मापने के लिए प्रश्नावली आधारित उपकरण का विकास
29. डिस्लेक्सिया से जुड़े विशिष्ट शिक्षण विकार वाले स्कूली आयु वर्ग के बच्चों (6-18 वर्ष) में एआई उपचारात्मक हस्तक्षेप के सहायक के रूप में आरटीएमएस की प्रभावशीलता।
30. फार्माको-रेस्पॉन्सिव नॉन-लेशनल इपीलेप्सी से पीड़ित 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में नींद की संरचना और अनुभूति, व्यवहार और कार्यकारी कार्यों के बीच संबंध: अवलोकन संबंधी अध्ययन
31. तीव्र श्वसन संबंधी समस्या वाले वाले बच्चों में इम्युनोमोड्यूलेटर के रूप में एज़िथ्रोमाइसिन - यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण
32. सेप्सिस वाले बच्चों में इम्म्युन-पैरालिसिस का प्रसार
33. बचपन में फेफड़ों की बीमारी के प्रसार में पर्यावरणीय और सामाजिक कारक
34. दिल्ली के अस्थमा से पीड़ित बच्चों के अस्थमा नियंत्रण और जीवन की गुणवत्ता पर परिवेशीय वायु प्रदूषण का प्रभाव: एक संभावित अध्ययन
35. बच्चों में गैर-सिस्टिकफाइब्रोसिस ब्रोन्किइक्टेसिस पर रोगनिरोधी दीर्घकालिक एज़िथ्रोमाइसिन थेरेपी का असर
36. भारतीय प्रीमैच्योर शिशुओं में बीपीडी पूर्वानुमान मॉडल का सत्यापन: महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन
37. नाभि धमनी और शिरापरक कैथेटर सम्मिलन की लंबाई के आकलन के दो तरीकों की तुलना:यादृच्छिक परीक्षण
38. समय से पहले शिशुओं में रेटिनोपैथी स्क्रीनिंग के लिए पुतली के फैलाव के लिए दो दवा खुराकों की सुरक्षा की तुलना: यादृच्छिक क्रॉस ओवर परीक्षण
39. आरएच आइसोइम्यूनाइजेशन वाले शिशुओं में हेमेटोलॉजिकल और आयरन की स्थिति: संभावित समूह अध्ययन
40. समय से पहले नवजात शिशुओं में कटोरी चम्मच से दूध पिलाने के समय पर मां की संगठित ओरोमोटर स्टीम्यूलेशन का असर (≤32 सप्ताह)
41. प्रारंभिक सेप्सिस के जोखिम कारकों वाले स्पर्शोन्मुख नवजात शिशुओं के उपचार के लिए जोखिम कारकों और सेप्सिस स्क्रीन आधारित दृष्टिकोण (एम्स एनआईसीयू प्रोटोकॉल) और नेशनल नवजात चिकित्सा फोरम - क्लिनिकल प्रैक्टिस दिशानिर्देश (एनएनएफ-सीपीजी) की सिफारिशों की तुलना: महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन
42. एपिनेफ्रिन इनफ्यूजन की शुरुआत के बाद, फ्लुइड रीफ्रैक्टरी शॉक वाले 34 सप्ताह के गर्भकाल से पहले नवजात शिशुओं में चयनात्मक इकोकार्डियोग्राफिक मापदंडों में बदलाव: संभावित अध्ययन

43. निदान से लेकर पुनरावृत्ति तक पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया के जीनोमिक ट्रेजेक्टरी का मूल्यांकन।
44. तीव्र ल्यूकेमिया के लिए गहन कीमोथेरेपी कराने वाले बच्चों में फ़ेब्राइल न्यूट्रोपेनिया (एफएन) की घटनाओं को कम करने में मौखिक लेवोफ़्लॉक्सासिन प्रोफिलैक्सिस का प्रभाव: रैंडमाइज्ड, एकल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण
45. मेथोट्रेक्सेट-आधारित कीमोथेरेपी कराने वाले तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया वाले बच्चों में मौखिक म्यूकोसाइटिस की रोकथाम में क्रायोथेरेपी की प्रभावकारिता: यादृच्छिक परीक्षण
46. गहन कीमोथेरेपी कराने वाले बच्चों में ज्वर संबंधी न्यूट्रोपेनिया की रोकथाम में प्रोबायोटिक्स की भूमिका का मूल्यांकन: डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
47. हाइपोएल्ब्यूमिनमिया का प्रसार और बचपन में होने वाले कैंसर के परिणाम के साथ इसका संबंध
48. ग्रुप डी इंट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नेत्र संबंधी बचाव के लिए विन्क्रिस्टाइन और टोपोटेकन बनाम कार्बोप्लाटिन, एटोपोसाइड और विन्क्रिस्टाइन आधारित कीमोथेरेपी: यादृच्छिक, ओपन लेबल परीक्षण
49. हेमटोलिम्फोइड घातकताओं वाले बच्चों में मेथोट्रेक्सेट की उच्च खुराक के दौरान मौखिक पुनर्जलीकरण कार्यक्रम की व्यवहार्यता - सिंगल आर्म इंटरवेंशनल पायलट अध्ययन
50. गहन कीमोथेरेपी करने वाले कैंसर से पीड़ित बच्चों में मौखिक म्यूकोसाइटिस की रोकथाम में जिंक की प्रभावकारिता और सुरक्षा: यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
51. दीर्घकालिक तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से बचे लोगों में तंत्रिका संबंधी मूल्यांकन
52. टाइप 1 मधुमेह वाले किशोरों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर कार्बोहाइड्रेट गिनती पर ऑनलाइन शिक्षा कार्यक्रम का असर: एक पायलट
53. 46, एक्सवाई यौन विकास विकार (डीएसडी) में सीरम इनहिबिन बी और एंटी-मुलरियन हार्मोन की नैदानिक उपयोगिता
54. स्वस्थ शिशुओं में जन्म से 6 महीने तक वसा बढ़ने का प्रक्षेपवक्र और 2 वर्ष की आयु में सीरम इंसुलिन, आईजीएफ-1 और एडिपोनेक्टिन पर इसका असर
55. जन्म के समय वजन और शरीर द्रव्यमान सूचकांक में परिवर्तन का प्रभाव, जन्म से मध्य बचपन के बीच जेड-स्कोर का चयापचय प्रोफ़ाइल और मध्य बचपन में व्यायाम क्षमता पर प्रभाव: अनुदैर्ध्य समूह अध्ययन
56. समय से पहले स्वस्थ शिशुओं में जीवन के पहले छह महीनों के दौरान वसा और लीन मास का अंतर लाभ: निर्धारक और बाद में स्वास्थ्य पर प्रभाव
57. यौन विकास विकार वाले बच्चों के उपचार के लिए एक बहु-विषयक देखभाल मॉडल की स्थापना और उपचार की कथित गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करना: कार्यान्वयन शोध
58. बढ़े हुए आईसीपी वाले और बिना गंभीर रूप से बीमार बच्चों में ऑप्टिक नर्व शीथ ड़ायमीटर का ट्रांसबुलबार अल्ट्रासाउंड

59. सूजन आंत्र रोग वाले बच्चों में अस्थि खनिज घनत्व
60. किशोर इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में कम अस्थि खनिज घनत्व की व्यापकता और जोखिम कारक

पूर्ण

1. एंटी-फैक्टर एच संबद्ध एटिपिकल एचयूएस में प्लाज्मा एक्सचेंज के संक्षिप्त प्रोटोकॉल की प्रभावकारिता और सुरक्षा
2. इडियोपैथिक स्टेरॉइड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले रोगियों में एंटी-टिश्यू ट्रांसग्लूटामिनेज (टीटीजी) एंटीबॉडी की व्यापकताः एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन
3. लेविमिसोल प्राप्त करने वाले नेफ्रोटिक सिंड्रोम वाले बच्चों में एंटी-न्युट्रोफिल साइटोप्लाज्मिक एंटीबॉडी का प्रसार
4. प्राथमिक वेसिकोयूरेटिक रिफ्लक्स ग्रेड 3-4 और हल्के रीनल स्कारिंग और नो कैरिंग वाले बच्चों के बीच गुर्दे के कार्य की तुलना
5. ओसीएम-व्युत्पन्न केटी/वी और संतुलित केटी/वी (ईकेटी/वी) के बीच समझौते का आकलन, जिसे रखरखाव हेमोडायलिसिस पर बच्चों में यूरिया कमी अनुपात का उपयोग करके पारंपरिक रूप से मापा जाता है
6. व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषणः पेशाब के रास्ते में संक्रमण वाले बच्चों में यूरिन डिपस्टिक और माइक्रोस्कोपी की नैदानिक सटीकताः एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
7. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले किशोरों में उपयोग की जाने वाली अवसाद और मुकाबला करने की रणनीतियाँ: एक खोजपूर्ण सर्वेक्षण
8. 18 महीने से कम उम्र के बच्चों में पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (टाइडल ब्रीदिंग फ्लो वॉल्यूम लूप और राइज्ड वॉल्यम रैपिड थोरैसिक कम्प्रेशन) का मूल्यांकन करना और ब्रोन्कोस्कोपिक निष्कर्षों के साथ इसे सहसंबंधित करना।
9. द्रव अपवर्तक बाल चिकित्सा सेप्टिक शॉक में पहली पंक्ति एजेंट के रूप में नोरेपेनफ्रिन प्लस डोबुटामाइन की एक संयोजन चिकित्सा।
10. बच्चों में अस्थमा के अपर्याप्त उपचार हेतु एजिथ्रोमाइसिनः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. मैकेनेकली वेंटीलेटिड गंभीर रूप से बीमार बच्चों में प्रोटोकॉल आधारित निरंतर और आंतरायिक ट्यूब फीडिंग की तुलना - एक ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
12. पोलीमरेज चेन रिएक्शन और 1→ 3 बीटा डी ग्लूकेन परख द्वारा वयस्कों और ब्रोन्किइक्टेसिस वाले बच्चों के प्रेरित स्पूटम तथा ब्रोन्को-एल्वियोलर लैवेज फ्लूइड में न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी की व्यापकता।
13. संक्रमित बच्चों में एचआईवी-1 उपप्रकार सी एनवेलप का मूल्यांकन

14. न्यूमोसिस्टिस जिरोवेसी निमोनिया (पीजेपी) / न्यूमोसिस्टिस निमोनिया (पीसीपी) और रोग के परिणाम पर इसके प्रभाव के क्लीनिकली नैदानिक रोगियों के कोहोर्ट में जीवाणु संक्रमण का अध्ययन।

15. बाल चिकित्सा आबादी में गैस्ट्रो-एसोफेगल रिफ्लक्स और ऑब्सट्रक्टिव एडेनोइड या एडेनो-टॉन्सिलर हाइपरट्रॉफी के कारण संबंध पर एक प्रायोगिक अध्ययन

16. गंभीर सेप्सिस वाले बच्चों के कार्यात्मक परिणाम

17. नैदानिक सुविधाओं, प्रयोगशाला परीक्षणों और हथेलियों की जलीय झुर्रियों का उपयोग करके संसाधन सीमित सेटिंग में सिस्टिक फाइब्रोसिस के निदान के लिए एल्गोरिदम विकसित करना

18. किशोर इडियोपैथिक गठिया वाले बच्चों में अकेले मानक चिकित्सा बनाम मानक चिकित्सा के अलावा पल्स डेक्सामेथासोन की प्रभावशीलताः एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

19. गंभीर रूप से बीमार बच्चों के लिए वजन आकलन उपकरण का विकास और सत्यापन जिनका वजन नहीं किया जा सकता है।

20. हॉजकिन लिंफोमा से बचे लोगों में फुप्फुसीय रोग

21. निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग का उपयोग करके हेपेटिक ग्लाइकोजेनोज में आहार-आधारित हस्तक्षेप का मूल्यांकन

22. 6 माह -18 वर्ष की आयु के एमपीएस I और एमपीएस II के साथ ईआरटी सरल स्वभाव वाले रोगियों के सीरम में संभावित बायोमार्कर के रूप में ट्राइसैकेराइड बीएम-652 का मूल्यांकन

23. जीनोमिक दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए जन्मजात अंग दोषों का नैदानिक और आणविक लक्षण वर्णन

24. पांच दिन बनाम चौदह दिन के बच्चों और किशोरों में ओरल डेक्सामेथासोन (5-18 वर्ष की आयु) पैरेन्काइमल न्यूरोसिस्टिसकोर्सिस (5 घावों तक): एक ओपन लेबल क्लस्टर यादृच्छिक श्रेष्ठता परीक्षण

25. प्राथमिक मोनोसिम्प्टोमैटिक नॉकटरनल एन्यूरिसिस के तंत्रिका के साथ सहसंबंधः एक स्वायत्त कार्य परीक्षण और पॉलीसोम्नोग्राफी-आधारित अध्ययन

26. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के साथ 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों में कोर फंक्शन डेफिसिट में सुधार के लिए मानक चिकित्सा के सहायक के रूप में थीटा बर्स्ट ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन- एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, शैम नियंत्रित परीक्षण

27. इलाज के साथ बच्चों में हार्मोनल थेरेपी की प्रतिक्रिया के अनुमान की विश्लेषण क्यूईईजी, सीरम बायोमार्कर, एफएमआरआई और डीटीआई के साथ सामान्य वेस्ट सिंड्रोमः एक अवलोकन अध्ययन

28. 5-12 वर्ष की आयु के बच्चों में स्टेरॉयड प्रतिरोध/रिलैप्स्ड ईएसईएस में कम आवृत्ति पुनरावृत्ति ट्रांसक्रैनियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) थेरेपी का सिंगल आर्म इंटरवेंशन अध्ययन।

29. कम से कम 6 माह के लिए मौखिक स्टेरॉइड पर 5-18 वर्ष की आयु के डाइस्ट्रोफिनोपैथी वाले बच्चों में नींद संबंधी श्वसन विकारः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
30. गंभीर रूप से बीमार बच्चों में आक्रामक फंगल संक्रमण की अधिकता
31. गंभीर सेप्सिस से पीड़ित गंभीर रूप से बीमार बच्चों में थ्रोम्बोइलास्टोग्राफी (टीईजी) द्वारा जमावट की शिथिलता की तीव्रता का आकलन किया गया
32. मध्यम से गंभीर ब्रोन्कियल अस्थमा वाले बच्चों में भ्रामरी प्राणायाम और ओम जप का याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण
33. ब्रोंकोपुलमोनरी डिसप्लेसिया वाले समय पूर्व जन्मे शिशुओं (<32 सप्ताह गर्भावस्था) में सही उम्र के पहले 6 महीने तक श्वसन संबंधी सिन्सिटियल वायरस (आरएसवी) संक्रमण की घटनाएं: एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन
34. तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती सेप्सिस वाले नवजात शिशुओं में बहु-दवा प्रतिरोध की शीघ्र पहचान के लिए मशीन लर्निंग पर आधारित एक अनुमान मॉडल का विकास और सत्यापन
35. समय-पूर्व जन्मे नवजात शिशुओं में त्वचा कीटाणुशोधन के लिए 1% जलीय क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट के अनुप्रयोग के दो अलग-अलग तरीकों के बाद एंटीसेप्टिक प्रभावकारिता और प्लाज्मा क्लोरहेक्सिडिन स्तरः एक ब्लाइंडेड, समानांतर समूह, परीक्षण
36. भारत में एक तृतीयक अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के लम्बवत संचरण की घटना - एक संभावित अध्ययन।
37. गर्भनाल के ब्लड कल्चर समय-पूर्व जन्मे और समय पर जन्मे शिशुओं में सकारात्मकता- संभावित समूह अध्ययन
38. प्रीमैच्योरिटी स्क्रीनिंग के रेटिनोपैथी कराने वाले समय-पूर्व जन्मे शिशुओं में प्रक्रिया पश्चात दर्दः एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन
39. समय पूर्व जन्मे शिशुओं में जन्म के वजन को फिर से हासिल करने के लिए समय पर एसएमओएफ लिपिड बनाम इंट्रालिपिड का प्रभाव, ऑर्ट स्टडीक्वियस क्लोरहेक्सिडिन ग्लूकोनेट
40. समयपूर्व स्क्रीनिंग के रेटिनोपैथी कराने वाले समयपूर्व जन्मे शिशुओं में प्रक्रिया पश्चात दर्दः एक संभावित समूह अध्ययन
41. व्यक्तिगत रोगी डेटा मेटा-विश्लेषण का उपयोग करके बाद के रोग कोर्स पर स्टेरॉयड संवेदनशील नेफ्रोटिक सिंड्रोम के पहले एपिसोड के लिए प्रेडनिसोन के साथ प्रारंभिक चिकित्सा की तीव्रता के प्रभाव की व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
42. बाल चिकित्सा खुराक-गहन कीमोथेरेपी के बाद प्राथमिक प्रोफिलैक्सिस के रूप में लंबे समय तक चलने वाला फिल्ग्रास्टिम बनाम पारंपरिक फिल्ग्रास्टिमः एक याद्दच्छिक श्रेष्ठता परीक्षण
43. रेटिनोब्लास्टोमा में सीरम सर्वाइविन लेवल की नैदानिक उपयोगिता
44. नव निदान किए गए हॉजकिन लिंफोमा में एफडीजी-पीईटी/सीटी उपचार के अंत का महत्व -एक संभावित पर्यवेक्षणीय अध्ययन

45. मृत्यु दर को कम करने में कीमोथेरेपी के बाद उच्च जोखिम वाले फिब्राइल न्यूट्रोपेनिया में उपचार के मानक के लिए बफी कोट व्युत्पन्न विकिरणित ग्रैनुलोसाइट ट्रांसफ्यूजन का प्रभावः एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
46. भारत में असामान्य जननांग के साथ पैदा हुए बच्चों के माता-पिता और मनोवैज्ञानिक प्रभाव
47. इडियोपैथिक छोटे कद वाले भारतीय बच्चों में अनुमानित वयस्क ऊंचाई अनुमान विधियों की वैधता
48. कोविड-19 महामारी के दौरान शारीरिक गतिविधि और टाइप 1 मधुमेह वाले बच्चों में ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर इसका प्रभाव
49. अधिक वजन/मोटापे वाले स्कूली बच्चों में बॉडी मास इंडेक्स को कम करने और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में सुधार के लिए स्मार्टफोन एप्लिकेशन-आधारित हस्तक्षेप - एक नैदानिक परीक्षण
50. सिस्टिक फाइब्रोसिस वाले बच्चों में सिस्टिक फाइब्रोसिस संबंधित मधुमेह की व्यापकता और जोखिम कारकः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
51. बच्चों में महत्वपूर्ण एसोफेजियल विविधताओं के पूर्वानुमान के लिए एक नॉन-इंवेसिव मॉडल विकसित करना
52. भारत में पीआईबीडी में इम्पैक्ट III क्यूओएल उपकरण को सत्यापित करना
53. जेआईए बच्चों में आर्टिकुलर और एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर डैमेज की व्यापकता का अनुमान लगाने के लिएः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
54. जेआईए बच्चों में असामान्य फेफड़े के कार्य परीक्षणों की व्यापकता का अनुमान लगानाः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पारंपरिक तरीकों की तुलना में आयरन की कमी वाले एनीमिया और बीटा-थैलेसीमिया विशेषता में अंतर करने के लिए कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क का मूल्यांकन, प्रयोगशाला चिकित्सा, एम्स, दिल्ली
2. स्पर्म एपिजीनोम पर उन्नत पैतृक आयु और घटिया जीवनशैली का प्रभावः ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर में संभावित एटियोलॉजी, शरीररचना विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. डब्ल्यूएचओ कार्यप्रणाली के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क लोगों में विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. 18 वर्ष तक के भारतीय बच्चों और किशोरों के समग्र मूल्यांकन तथा उपचार हेतु एक वेब-आधारित मंच 'माई होल चाइल्ड; चाइल्ड हेल्थ एंड डेवलपमेंट इंटरएक्टिव सिस्टम' का उपयोग; एक तृतीयक केंद्र पायलट अध्ययन, चाडिस, यूएसए
5. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के निदान में डीएसएम आईवी टीआर तथा डीएसएम 5 की संवेदनशीलता और विशिष्टता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहु-केंद्र वाला, ओपन लेबल परीक्षण, पूरे भारत में 5 साइट्स

6. बच्चों में अपघातिक मस्तिष्क के चोटों में सेरीब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लामेशन और रक्त मस्तिष्क अवरोध में आने वाले व्यवधान का अध्ययन, न्यूरोसर्जरी
7. क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण और इडियोपैथिक इंफ्लामेटरी मायोपैथीज का रोगजनन, पैथोलॉजी
8. हृदय दोषों के लिए सर्जरी होने वाले नवजात शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक भावी बहु-केंद्र समूह अध्ययन। आईसीएमआर, 2020 से आगे का अध्ययन, बाल हृद् चिकित्सा
9. सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित बच्चों की देखभाल करने वालों और एम्स, नई दिल्ली में पीडियाट्रिक न्यूरो ओपीडी में आने वाले विशिष्ट रूप से विकसित होने वाले बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच चिंता, अवसाद और जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने के लिए एक अध्ययन, एमएससी नर्सिंग
10. "मिर्गी उपचार ऐप" के विकास पर एक अध्ययन और एम्स, नई दिल्ली, नर्सिंग कॉलेज में मिर्गी रिपोर्टिंग वाले बच्चों के माता-पिता के बीच इसकी उपयोगिता और संतुष्टि का आकलन।
11. डब्ल्यूएचओ कार्यप्रणाली के अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क लोगों में विकलांगता का समुदाय आधारित मूल्यांकन, सामुदायिक नेत्र विज्ञान
12. भारत में ल्यूकोडिस्ट्रोफी का एक बहुकेंद्रीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययनः एक पायलट परियोजना, पीजीआई, चंडीगढ़
13. कम्पास: दक्षिण एशिया परीक्षण में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए संचार-केंद्रित माता-पिता की मध्यस्थता वाला उपचार, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय और संगठ
14. स्केलेबल ट्रांसडायग्नोस्टिक अर्ली असेसमेंट ऑफ मेंटल हेल्थ (स्ट्रीम) मैनचेस्टर विश्वविद्यालय और संगठ
15. बच्चों और वयस्कों में एचआईवी-1 क्लैड सी प्रसारित करने के खिलाफ चिकित्सीय व्यापक रूप से निष्क्रिय करने वाले मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास, जैव रसायन
16. पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में आरएसवी रोग की रोकथाम के लिए जैव चिकित्सीय उपचारों को उन्नत बनानाः भारतीय केस स्टडी, सीसीएम
17. पेरिनेटली/प्रसवपूर्व संक्रमित बच्चों से स्यूडोवायरस का उत्पादन और लक्षण वर्णन, जैव रसायन
18. प्राकृतिक एचआईवी-1 संक्रमण के दौरान उत्पन्न मानव तटस्थ मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का अलगाव और लक्षण वर्णन, जैव रसायन
19. एचआईवी-1 उपप्रकार सी संक्रमित व्यक्तियों के बी कोशिका रिसेप्टर रिपेरटरी की विशेषता और एंटी एचआईवी-1 मोनोक्लोनल एंटीबॉडी का विकास, जैव रसायन
20. क्रोनिक पैन्क्रियाटाइटिस के लिए आनुवंशिक मार्करों के एक सूचनात्मक, लागत प्रभावी और कुशल पैनल को विकसित करने, परीक्षण करने और इसे मान्य करने के लिए एक जीनोमिक सुविधा की स्थापना, जठरांत्ररोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

21. गर्भवती महिलाओं और उनके नवजात शिशुओं में कोविड-19 संक्रमण पर राष्ट्रीय रजिस्ट्री- एक तीन वर्ष का आईसीएमआर अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली; मानव प्रजनन केंद्रों (एचआरआरसी) के आईसीएमआर नेटवर्क पर बहुकेंद्रित अध्ययन
22. मल्टीमॉडल थेरेपी के बाद एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा के उपचार के परिणाम- एक संभावित अध्ययन, नेत्र विज्ञान
23. भारत के एक तृतीयक उपचार केंद्र में कैंसर से पीड़ित बच्चों के उपचार करने वाले पर भार और माता-पिता के जीवन की गुणवत्ता - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, प्रशामक चिकित्सा
24. बच्चों के लिम्फो-हिस्टियोसाइटिक नियोप्लाज्म में ^{18}एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी के साथ सम्पूर्ण शरीर के एमआरआई की तुलना, रेडियोडायग्नोसिस
25. स्थानीय रूप से उन्नत रेटिनोब्लास्टोमा में कीमोथेरेपी के 3 चक्रों के उपरांत उपचार की प्रतिक्रिया के स्तरीकरण और मूल्यांकन में पीईटी-सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
26. रेटिनोब्लास्टोमा, में पीईटी सीटी की भूमिका नेत्र विज्ञान
27. एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (आईसीआईसीएलई) के साथ नव निदान रोगियों के लिए एक सहयोगी, बहुकेंद्रीय, राष्ट्रीय अध्ययन, नेशनल कैंसर ग्रिड एवं आईसीएमआर
28. भारत में टाइप 1 डायबिटीज़ मेलेटस (टी1डीएम) रोगियों में मधुमेह उपचार और नैदानिक परिणामों के पालन में सुधार के लिए एक संरचित बाल चिकित्सा से वयस्क उपचार संक्रमण हस्तक्षेप की प्रभावशीलता" - पाथवे ट्रायल, अंत:स्राविकी
29. आईसीएमआर यंग डायबिटीज रजिस्ट्री, अंत:स्राविकी
30. संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण और पशु मॉडल का उपयोग करके बाल अवस्था में शुरु होने वाली सूजन आंत्र रोग की एक मोलेक्युलर समझ, भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर
31. कीवी अध्ययन: कावासाकी रोग के बहु-केंद्रित यूरोपीय और उत्तर भारतीय समूह में कोबायाशी और केवनेट आईवीआईजी प्रतिरोध स्कोर की तुलना, बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी यूरोपीयन सोसायटी
32. भारत में दुर्लभ विकारों के लिए राष्ट्रीय रजिस्ट्री का बहुकेंद्रित सहयोगात्मक अध्ययन, आईसीएमआर
33. भारतीय बच्चों में एडेनोसिन डेमिनमिनस 2 की कमी (डीएडीए2) का स्पेक्ट्रम: एक बहुकेंद्रित अध्ययन, सीएमसी वेल्लोर और अन्य केंद्र
34. जेआईए सहित बच्चों में रोग गतिविधि और क्षति के मूल्यांकन में पूरे शरीर की मैग्नेटिक रिसोनान्स इमेजिंग, रेडियोडायग्नोसिस एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी, एम्स नई दिल्ली
35. बाल चिकित्सा ओकुलर मैलिग्नेंसी में हाइपोक्सिया मध्यस्थता सेल चयापचय की भूमिका, ओकुलर पैथोलॉजी विभाग, डॉ. रा.प्र.केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली

36. गहन उपचार एकक में सेप्सिस से पीड़ित रोगियों में प्रारंभिक नैदानिक मार्कर और मृत्यु दर के पूर्वानुमान के रूप में न्यूट्रोफिल सीडी64 और मायलोपैरोक्सीडेज का मूल्यांकन,, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार, एम्स, नई दिल्ली
37. हड्डी के विशाल सेल ट्यूमर के लिए सर्जरी करा रहे रोगियों में सूजन संबंधी बायोमार्कर के स्तर पर क्षेत्रीय संज्ञाहरण का प्रभाव और यह पेरी-ऑपरेटिव रक्तस्राव और परिणाम के साथ इसके सह-संबंध, संवेदनाहरण विभाग, पीड़ा चिकित्सा एवं गहन उपचार, एम्स, नई दिल्ली
38. यूवील मेलेनोमा में मेलेनोजेनेसिस मार्ग का आणविक तंत्र, ओकुलर पैथोलॉजी विभाग, डॉ. रा.प्र. केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
39. यूविअल मेलानोमा में हिप्पो सिग्नलिंग पाथवे और इसकी जैविक क्रिया, ओकुलर पैथोलॉजी विभाग, डॉ. रा.प्र. केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली
40. रेटिनोब्लास्टोमा में ऑक्सीजन सेंसिंग तंत्र,, ओकुलर पैथोलॉजी विभाग, डॉ. रा.प्र. केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. ऑर्थोलॉगस क्रिस्पर/कैस9 सिस्टम (एफएनसीएएस9) पर आधारित एक उच्च थ्रुपुट जीनोम एडिटिंग पाइपलाइन का विकास और आईजीआईबी के सहयोग से डिजीज मॉडलिंग और सुधार के लिए 3डी ऑर्गेनोइड्स की पीढ़ी में इसका अनुप्रयोग। आईजीआईबी, नई दिल्ली
2. कोविड-पॉजिटिव माताओं में नवजात परिणामों का पता लगाने के लिए कोविड-19 और गर्भावस्था के नैदानिक विशेषताओं और परिणामों पर साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. डब्ल्यूएचओ भारत, (डब्ल्यूएचओ सीसी- एम्स नई दिल्ली, पीजीआई चंडीगढ़, एमजीआईएमएस सेवाग्राम, केएलई बेलगावी कर्नाटक और उनके संबंधित सेटेलाइट केंद्र)
4. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार में कॉर्टिकल स्रोत और कनेक्टिविटी: एक क्यूईईजी अध्ययन, शरीरक्रिया विभाग, एम्स, नई दिल्ली
5. रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स नई दिल्ली के रोगियों में समवर्ती और सहायक टेमोज़ोलोमाइड के साथ अकेले पारंपरिक रेडियोथेरेपी बनाम हाइपोफ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी की तुलना करने वाला एक चरण 2 डबल आर्म यादृच्छिक परीक्षण, रेडियोथेरेपी विभाग, एम्स नई दिल्ली
6. दवा प्रतिरोधी मिर्गी से पीड़ित किशोरों और वयस्कों में संशोधित एटकिन्स आहार की प्रभावकारिता, सुरक्षा और सहनशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली
7. ओपन हार्ट सर्जरी, के बाद सियानोटिक जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम, बाल चिकित्सा कार्डियोलॉजी

8. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) वाले बच्चों में भावनात्मक पहचान क्षमता और सामाजिक अनुकूली व्यवहार व्यवहार और फेनोटाइपिक लिंकेज का एक अध्ययन, पीएचडी आईआईटी कानपुर

9. एटैक्सिया टेलैंगिएक्टेसिया, एरीडेल, एसपीए, इटली के रोगियों में न्यूरोलॉजिकल लक्षणों पर इंट्रा एरिथ्रोसाइट डेक्सामेथासोन सोडियम फॉस्फेट के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए बहु केंद्र यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण

10. ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्तियों के पूर्वानुमान कौशल में सुधार के लिए सुदृढीकरण आधारित एआई मॉडल का विकास, एम्स-आईआईटी दिल्ली सहयोगी अनुसंधान परियोजना

11. प्रारंभिक नवजात अवधि (<7 दिन) में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के निदान और उपचार के लिए मल्टीजीन पैनल की व्यवहार्यता का मूल्यांकन करना, आईसीएमआर

12. ग्रामीण एलएमआईसी सेटिंग्स में गर्भावस्था में एनीमिया के सुधार में उन्नत, व्यक्तिगत बनाम नियमित प्रसवपूर्ण उपचार- व्यापक एनीमिया कार्यक्रम और व्यक्तिगत उपचार (सीएपीपीटी) परियोजना, स्त्री रोग एवं प्रसूति

13. ग्रामीण हरियाणा में गर्भवती महिलाओं में आयरन की कमी से होने वाले एनीमिया प्रोफिलैक्सिस के लिए ओरल आयरन और फोलिक एसिड के साथ मल्टीपल माइक्रोन्यूट्रिएंट सप्लीमेंट (आयरन सहित) के प्रभावों की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीसीएम

14. एसएआरएस-सीओवी-2 (एमआईएससी) से संबंधित मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम वाले भारतीय बच्चों के परिणाम पर विभिन्न चिकित्सीय विकल्पों का प्रभाव, पूरे भारत में 17 केंद्र

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 171 सार: 15 पुस्तकों में अध्याय: 70 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	पत्रिका	सार	पुस्तकें	पुस्तकें और मोनोग्राफ
2020-21	189	38	4	1
2021-22	206	37	91	5
2022-23	171	15	70	4

रोगी उपचार

- परिवारों और अन्य हितधारकों को एक साथ लाने के लिए 1 अक्टूबर को गौचर रोग दिवस मनाया गया।
- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने 28 फरवरी 2023 को सीएचईबी, एम्स नई दिल्ली और एमएएमसी के सहयोग से एम्स, नई दिल्ली में दुर्लभ रोग दिवस समारोह का आयोजन किया।
- दुर्लभ बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 12.3.23 को एम्स नई दिल्ली में दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित परिवारों के समर्थन में रेस फॉर 7 का आयोजन किया गया।
- साप्ताहिक मधुमेह शिक्षा समूह कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

2020-2021

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	टेली-परामर्श	कुल उपस्थिति
बाल चिकित्सा सामान्य ओपीडी	7670	16565	19540	43775
बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक (पीएनसी)	57	124	33	214
बाल चिकित्सा न्यूरोमस्कुलर रोग	32	42	3	77
बाल चिकित्सा जठरांत्ररोग हेपेटोलॉजी और पोषण (पीजीसी)	26	58	7	91
बाल चिकित्सा स्वस्थ शिशु क्लिनिक	13	2	2	17
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नवजात चिकित्सा क्लिनिक (एचआरसी)	53	76	10	139
बाल चिकित्सा रीनल नेफ्रोलॉजी क्लिनिक (आरएमसी)	10	79	13	102
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लिनिक (पीसीसी)	32	198	3	233
बाल चिकित्सा क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस) क्लिनिक	28	48	2	78
बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी क्लिनिक (पीआरसी)	48	108	15	171
बाल चिकित्सा आनुवंशिकी और जन्म दोष क्लिनिक	11	3		14
बाल चिकित्सा आनुवंशिक प्रसवपूर्व मामले	10	10	2	22
बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	42	60	1	103
बाल चिकित्सा कैंसर उत्तरजीवी क्लिनिक (पीसीएससी)	32	78	3	113
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी और चयापचय क्लिनिक (पीईसी)	3	32	2	37
बाल विकास क्लिनिक (सीडीसी)		2	4	6
न्यूरोकाइस्टिसरकोसिस क्लिनिक (एनसीसी)			6	6
ऑटिज्म क्लिनिक			5	5
बाल चिकित्सा मनोविज्ञान क्लिनिक	22	14		36
कुल योग	**8089**	**17499**	**19651**	**45239**

2021-22

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
बाल चिकित्सा सामान्य ओपीडी	15369	32157	47526
बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक (पीएनसी)	212	513	725
बाल चिकित्सा न्यूरोमस्कुलर रोग	115	206	321
बाल चिकित्सा जठरांत्ररोग हेपेटोलॉजी और पोषण (पीजीसी)	88	334	412
बाल चिकित्सा स्वस्थ शिशु क्लिनिक	174	28	202
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नवजात चिकित्सा क्लिनिक (एचआरसी)	121	226	347
बाल चिकित्सा रीनल नेफ्रोलॉजी क्लिनिक (आरएमसी)	86	195	281
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लिनिक (पीसीसी)	124	680	804
बाल चिकित्सा क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस) क्लिनिक	85	309	394
बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी क्लिनिक (पीआरसी)	76	381	457
बाल चिकित्सा आनुवंशिकी क्लिनिक	811	1274	2085
बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	171	240	411
बाल चिकित्सा कैंसर उत्तरजीवी क्लिनिक (पीसीएससी)	95	499	594
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी और चयापचय क्लिनिक (पीईसी)	32	198	230
बाल विकास क्लिनिक (सीडीसी)	116	236	352
न्यूरोकाइस्टिसरकोसिस क्लिनिक (एनसीसी)	28	158	186
ऑटिज्म क्लिनिक	267	217	484
कुल योग	**17970**	**37851**	**55821**

2022-23

सेवा का नाम	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल उपस्थिति
बाल चिकित्सा सामान्य ओपीडी	35338	79501	114839
बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान क्लिनिक (पीएनसी)	621	2429	3050
बाल चिकित्सा न्यूरोमस्कुलर रोग	541	1194	1735
बाल चिकित्सा जठरांत्ररोग हेपेटोलॉजी और पोषण (पीजीसी)	2791	1090	1369
बाल चिकित्सा स्वस्थ शिशु क्लिनिक	816	499	1315
बाल चिकित्सा उच्च जोखिम नवजात चिकित्सा क्लिनिक (एचआरसी)	342	1326	1668
बाल चिकित्सा रीनल नेफ्रोलॉजी क्लिनिक (आरएमसी)	216	994	1210
बाल चिकित्सा चेस्ट क्लिनिक (पीसीसी)	409	2148	2557
बाल चिकित्सा क्षय रोग (ट्यूबरकुलोसिस) क्लिनिक	183	1062	1245
बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी क्लिनिक (पीआरसी)	155	1259	1414
बाल चिकित्सा आनुवंशिकी और जन्म दोष क्लिनिक	5275	1965	7240
बाल चिकित्सा कैंसर उत्तरजीवी क्लिनिक (पीसीएससी)	242	1298	1540
बाल चिकित्सा अंतःस्रावी क्लिनिक (पीईसी)	132	672	804
बाल विकास क्लिनिक (सीडीसी)	518	1039	1557
न्यूरोकाइस्टिसरकोसिस क्लिनिक (एनसीसी)	76	4261	502
ऑटिज्म क्लिनिक	714	935	1649
बाल चिकित्सा अर्बुदविज्ञान क्लिनिक	300	1336	1636
कुल योग			**145330**

फिजियोथेरेपी सेवाएँ विभिन्न क्लीनिकों (न्यूरोलॉजी, मायोपैथी, जेनेटिक्स, हाई रिस्क, एंडोरिनोलॉजी, डेवलपमेंट, चेस्ट, रूमेटोलॉजी) और सामान्य ओपीडी सेवाओं की तलाश में रोगियों की प्रदान की गई।

कुल फिजियोथेरेपी सत्र

2020-21: 1434

2021-22: 2347

2022-23: 3223

कुल आहार संबंधी परामर्श

2020-21: बाह्य रोगियों में 1032 और वार्डों में 1742

2021-22: बाह्य रोगियों में 1102 और वार्डों में 1742

2022-23: बाह्य रोगियों में 1832 और वार्डों में 1789

आंतरिक सेवाएँ

- आंतरिक सेवाओं में सामान्य वार्डों में भर्ती की सुविधाएँ, दिवस उपचार सुविधा, नवजात एकक (एनआईसीयू ए और बी), कंगारू मदर केयर यूनिट और बाल चिकित्सा गहन उपचार सुविधा शामिल हैं।
- बच्चों के वार्ड में जीवन-रक्षक और अन्य विशेष जरूरतों को पूरा करने वाले रोगियों के लिए विभाग के पास 8 बिस्तरों वाला उच्च निर्भरता एकक (हाई डिपेंडेंसी यूनिट) है।
- छोटी प्रक्रियाओं या इंटरवेशन आवश्यकता वाले बच्चों को सी5 वार्ड में स्थित दिवस उपचार एकक में एक दिन के लिए भर्ती किया जाता है, उसके बाद वहां स्थानांतरित होने के बाद मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक में डे केयर सुविधा दी जाती है।
- व्यापक स्तनपान प्रबंधन केंद्र ने 113 माताओं से 213.2 लीटर दूध एकत्र किया, जिसमें 168.7 लीटर पाश्चुरीकृत किया गया और 143.2 लीटर 172 नवजात शिशुओं को वितरित किया गया।
- इस वर्ष बाल शल्य चिकित्सा और मनोचिकित्सा विभागों के सहयोग से डीएसडी रोगियों के लिए बहुविषयक क्लिनिक की नई सुविधा शुरू की गई है।

कुल अंतः दाखिले	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
बाल चिकित्सा वार्डों में लंबे समय के लिए भर्ती:	2802	1548	2219
डे केयर सुविधा में भर्ती:	14652	13054	10
एनआईसीयू ए+बी में भर्ती:	761	1029	612

विशिष्ट जांच और सेवाएँ

बाल चिकित्सा अंतःस्राविकी

2020-21

1. पीईएपीओडी द्वारा शारीरिक संरचना विश्लेषण: 487
2. ईसीएलआईए परीक्षण: 977

   क) मानव विकास हार्मोन: 277

   ख) इंसुलिन: 100

   ग) प्रोकैल्सीटोनिन: 600

2021-22

1. हार्मोन जांच (ग्रोथ हार्मोन, 25 हाइड्रॉक्सी-विटामिन डी, पीटीएच, फ्री टी3, फ्री टी4, कोर्टिसोल और इंसुलिन): 206
2. शरीर संरचना विश्लेषण (पीईएपीओडीः 200 और बॉडीपॉड : 60)

2022-23

1. हार्मोन जांच (ग्रोथ हार्मोन, 25 हाइड्रॉक्सी-विटामिन डी, पीटीएच, फ्री टी3, फ्री टी4, कोर्टिसोल और इंसुलिन): 590
2. शरीर संरचना विश्लेषण (पीईएपीओडीः 367 और बॉडीपॉड : 70)

बाल चिकित्सा जठरांत्र विज्ञान

एंडोस्कोपिक प्रक्रियाएँ

2020-21	2021-22	2022-23
500	500	1502

आनुवंशिकी

2020-21

प्रयोगशाला परीक्षण

साइटोजेनेटिक्स लैब

1.	परीधीय रक्त और गर्भनाल ब्लड कल्चर	303
2.	एमनियोटिक फ्लूड कल्चर	116
3.	कोरियोनिक विली कल्चर	23
4.	क्यूएफ-पीसीआर	255

आणविक प्रयोगशाला

नियमित किए गए परीक्षण

1. बीटा थैलेसीमिया (बीटा थैल) उत्परिवर्तन विश्लेषण - 34 मामले

   बीटा थैल हेतु प्रसव पूर्व निदान- 33 परिवार
2. स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी (एसएमए) उत्परिवर्तन विश्लेषण- 47 मामले

एसएमए के लिए प्रसव पूर्व निदान- 11 परिवार

3. डचेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) उत्परिवर्तन विश्लेषण- 110 परिवार

   डीएमडी के लिए प्रसव पूर्व निदान- 10 परिवार
4. फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग- 59 परिवार

5. सिस्टिक फाइब्रोसिस आणविक विश्लेषण- 50 मामले
   सिस्टिक फाइब्रोसिस के लिए प्रसव पूर्व निदान- 3 परिवार
6. अचोंड्रोप्लासिया उत्परिवर्तन विश्लेषण- 6 मामले
7. गैर-सिंड्रोमिक श्रवण हानि (कनेक्सिन 26) स्क्रीनिंग- 11 मामले
8. सेक्स क्रोमैटिन संबंधी असामान्यताएँ - 8 मामले
9. आरईटीटी सिंड्रोम विश्लेषण - 6 मामलों में किया गया
   आरईटीटी सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान- 3 परिवार
10. एपीईआरटी सिंड्रोम आणविक विश्लेषण किया गया -5 मामले
11. एलएसडी (गौचर सिंड्रोम) के लिए आणविक विश्लेषण किया गया -8 मामले
    गौचर सिंड्रोम के लिए प्रसव पूर्व निदान की पेशकश- 1 परिवार
12. वॉन हिप्पेल- लिंडौ सिंड्रोम के लिए आणविक विश्लेषण किया गया -6 मामले
13. मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिस टाइप 2 के लिए आणविक विश्लेषण किया गया - 2 मामले

अनुसंधान के आधार पर किए गए परीक्षण

1. बीएलएयू सिंड्रोम के लिए प्रसवपूर्व सिंड्रोम - 1 परिवार
2. माइटोकॉन्ड्रियल म्यूटेशन विश्लेषण के लिए प्रसव पूर्व निदान - 01 मामला
3. एमपीएस (एमपीएस-I) के लिए प्रसव पूर्व निदान - 02 परिवार
4. क्रैब्स रोग के लिए प्रसव पूर्व निदान- 1 परिवार
5. गौचर रोग के लिए प्रसव पूर्व निदान- 1 परिवार
6. एमपीएस IV के लिए प्रसव पूर्व निदान- 1 परिवार
7. एमएलडी के लिए प्रसव पूर्व निदान- 1 परिवार
8. एसआरडी5ए2 जीन के लिए प्रसव पूर्व निदान- 1

बायोकेमिकल जेनेटिक्स प्रयोगशाला

प्रसवपूर्व जांचः 411

1) ट्रिपल मार्कर - 40
2) डुअल मार्कर - 371

चयापचय की जन्मजात त्रुटि के लिए एंजाइम परखः 310 (चिटोट्रियोसिडेज सहित)

1) गौचर रोग- 29
2) नीमन पिक डिजीज- 29
3) हर्लर (एमपीएस-I)- 08
4) हंटर (एमपीएस-II)- 07

5) सैनफिलिपो (एमपीएस III बी, सी, डी) - 09

6) मोर्क्विओ ए (एमपीएस-IVए)- 07

7) मोर्क्विओ बी (एमपीएस-IVबी)- 05

8) जीएम1 गैंग्लियोसिडोसिस- 19

9) मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी -11

10) एमपीएस-VI- 02

11) मैरोटॉक्स- लैमी सिंड्रोम (एमपीएस VII)- 02

12) ताई-सैक्स- 12

13) सैंडऑफ रोग- 04

14) क्रैब्स- 12

15) न्यूरोनल सेरॉइड लिपोफ्यूसिनोसिस- 15

16) पोम्पे- 14

17) बायोटिनिडेज की कमी- 30

18) गैलेक्टोसीमिया- 42

19) फेब्री- 03

एलएसडी के लिए बायोमार्कर

1) काइटोट्रियोसिडेज - 45

2) यूरिनरी जीएजी - 37

लाइसोसोमल स्टोरेज विकारों का प्रसव पूर्व निदान

1) नॉन-इम्यून हाइड्रोप्स- 4

2) एमएलडी- 02

3) अन्य-6 (जीएम1, एमपीएस1, गौचर, एमपीएसआईवीए, एमपीएसII, एमपीएसIIIबी)

चयापचय के छोटे अणु जन्मजात त्रुटियां

1) रक्त अमोनिया - 265

2) टीएलसी - 41

3) एचपीएलसी - 92

मूत्र रासायनिक परीक्षण

1) छोटे अणु- 29

2) बड़े अणु (एमपीएस, ओलिगोसेकेराइड)- 8

2021-22

साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला

परीधीय रक्त और गर्भनाल ब्लड कल्चर	472
एमनियोटिक फ्लूड कल्चर	206
कोरियोनिक विली कल्चर	24
क्यूएफपीसीआर द्वारा रैपिड एन्यूप्लोड़डी परीक्षण	614

आणविक प्रयोगशाला

	प्रसवपूर्व निदान	**म्यूटेशन टेस्टिंग (एन)**
बीटा थैलेसीमिया	54	129
स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी	15	42
ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी	9	109
फ्रैगाइल एक्स स्क्रीनिंग	-	124
सिस्टिक फाइब्रोसिस	11	41
एचोंड्रोप्लासिया हॉट स्पॉट	-	-
गैर-सिंड्रोमिक श्रवण हानि (कोनेक्सिन 26) हॉट स्पॉट	-	18
रेट्ट सिंड्रोम विश्लेषण	1	28
मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी (एमएलडी)	1	1
वॉन हिप्पेल-लिंडौ सिंड्रोम (वीएचएल)	-	6
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप I (एमपीएस I)	2	5
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप II (एमपीएस II)	2	5
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप III (एमपीएस IIIख)	-	1
मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया टाइप 2 (एमईएन2)	-	3
प्रेडर विली सिंड्रोम	1	5
एंजेलमैन सिंड्रोम	2	11
बेकविथ विडेमैन सिंड्रोम	-	9
सिल्वर रसेल सिंड्रोम	-	6
एपर्ट सिंड्रोम	-	8
बायोटिनिडेस की कमी	-	1
एक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया	-	3

फाइब्रोडिस्प्लासिया ऑसिफिकन्स प्रोग्रेसिव (एफओपी)	-	3
ग्लाइकोजन स्टोरेज डिसऑर्डर टाइप III	1	3
ग्लाइकोजन स्टोरेज डिसऑर्डर टाइप I	-	1
क्रैबे रोग	-	1
गौचर रोग	3	7
पोम्पे रोग	1	1
गैलेक्टोसीमिया	1	2
इनकॉन्टिनेंटिया पिग्मेंटी	-	2

चयापचय की जन्मजात त्रुटि के लिए एंजाइम परख:

एंजाइम परीक्षण के लिए रोगियों की कुल संख्या:

क्र.सं.	एंजाइम एसे	विकार	रोगियों की संख्या	कमी
1	बीटा - ग्लुकोसिडेज	गौचर रोग	63	12
2	स्फिंगोमाइलीनेज	नीमन पिक डिजीज	53	05
3	चिटोट्रियोसिडेज (प्लाज्मा)	चिटोट्रियोसिडेज (प्लाज्मा)	101	40
4	एमपीएस-I	हर्लर (एमपीएस-I)	21	06
5	एमपीएस-II	हंटर (एमपीएस-II)	14	09
6	एल्फा-एन-एसिटाइलग्लूकोसामिनिडेज़	सैनफिलिपो बी (एमपीएस III बी)	07	03
		सैनफिलिपो सी (एमपीएस III सी)	06	01
7	एसिटाइल-सीओएः एल्फा-ग्लूकोसामिनाइड एन-एसिटाइलट्रांसफेरेज	सैनफिलिपो सी (एमपीएस III सी)	-	-
8	गैलेक्टोजसल्फेट -6-सल्फेटेज	सैनफिलिपो डी (एमपीएस III डी)	08	05
9	गैंग्लियोसिडोसिस	जीएम 1गैंग्लियोसिडोसिस तथा मो मोर्क्विओ बी -एमपीएस)IV बी(	21	07
10	एरीलसल्फेट ए	मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी	28	08
11	एरीलसल्फेटेज-बी	एमपीएस-VI	04	-

12	बीटा - ग्लूकोरोनिडेज़	मैरोटॉक्स ए) लैमी सिंड्रोम - (एमपीएस)VII	03	-
13	हेक्सोसामिनिडेज ए	ताईसैक-'स	18	14
	टोटल हेक्सोसामिनिडेज़	सैंडहॉफ रोग	01	-
14	प्लाज्मा हेक्सए-	म्यूकोलिपिडोसिस	05	02
15	प्लाज्मा एएसए -	म्यूकोलिपिडोसिस	05	02
16	बीटा-गैलेक्टोसेरेब्रोसिडेज़ (क्रैब्स)	क्रैब्स	23	02
17	पामिलॉयल-प्रोटीन-थियोएस्टरेज (आईएनसीएल)	आईएनसीएल-1	11	01
18	ट्रिपेप्टिडिल-पेप्टिडेज़-I	एनसीएल - 2	05	01
19	एल्फा- ग्लुकोसिडेस	पोम्पे	27	06
20	फेब्री		06	01
21	बायोटिनिडेज़	बायोटिनिडेज़	48	
22	जीएएलटी	गैलेक्टोसीमिया	41	
23	फ्यूकोसिडेज़		03	02

	कुल सीवीएस पीएनडी		
1	सीवीएस (एनआईएच)	गैर-प्रतिरक्षा हाइड्रोप्स	10
2	सीवीएस (एएसए)	मेटाक्रोमैटिक- ल्यूकोडिस्ट्रॉफी	01
4	सीवीएस (एमपीएस-I)		02
5	सीवीएस (एमपीएस-II)		03
6	सीवीएस (गौचर)		02
7	सीवीएस (क्रैब्स)		01
8	कॉर्ड ब्लड (गैल्ट)		01
9	कॉर्ड ब्लड (एनआईएच)		02
10	कॉर्ड ब्लड (एनआईएच) पोम्पे		01
11	सीवीएस (पोम्पे)		01

2022-23

रोगी उपचार (साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला)

परिधीय रक्त और गर्भनाल रक्त कल्चर	668
एमनियोटिक फलूड कल्चर	308
कोरियोनिक विली कल्चर	36
क्यूएफ-पीसीआर द्वारा रैपिड एन्यूप्लोइडी परीक्षण	405

आणविक प्रयोगशाला:

रोगी उपचार (आणविक प्रयोगशाला)

	प्रसवपूर्व निदान	म्यूटेशन टेस्टिंग (एन)
बीटा थैलेसीमिया	65	180
स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी	10	109
ड्यूकेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी	23	193
फ्रैजाइल एक्स स्क्रीनिंग	2	323
सिस्टिक फाइब्रोसिस	14	67
एचोंड्रोप्लासिया हॉट स्पॉट		26
गैर-सिंड्रोमिक श्रवण हानि (कोनेक्सिन 26) हॉट स्पॉट	-	36
रेट्ट सिंड्रोम विश्लेषण	2	57
मेटाक्रोमैटिक ल्यूकोडिस्ट्रॉफी (एमएलडी)		3
वॉन हिप्पेल-लिंडौ सिंड्रोम (वीएचएल)		29
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप I (एमपीएस I)	1	
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप II (एमपीएस II)	2	2
म्यूकोपॉलीसैकरिडोसिस टाइप III (एमपीएस IIIख)		1
म्यूकोपॉलीसेकेराइडोसिस टाइप एमपीएस आईवीए	2	2
मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लासिया टाइप 2 (एमईएन2)		36
प्रेडर विली सिंड्रोम		23
एंजेलमैन सिंड्रोम		12
बेकविथ विडेमैन सिंड्रोम		9
सिल्वर रसेल सिंड्रोम		7
एपर्ट सिंड्रोम		3
बायोटिनिडेस की कमी		1
एक्टोडर्मल डिस्प्लेसिया		12

फाइब्रोडिस्प्लासिया ऑसिफिकन्स प्रोग्रेसिव (एफओपी)		3
ग्लाइकोजन स्टोरेज डिसऑर्डर टाइप I		1
क्रैबे रोग		4
गौचर रोग (एल444पी हॉटस्पॉट उत्परिवर्तन)	3	12
गैलेक्टोसीमिया		2
इनकॉन्टिनेंटिया पिग्मेंटी	1	2
होक्सडी13		5
स्टेरॉयड 5-अल्फा रिडक्टेस 2 की कमी (एसआरडी5ए2)	1	19
अंग दोष		8
रेडियल रे दोष		4
ब्लाउ सिंड्रोम		6
नूनन सिंड्रोम		1
गिल्बर्ट सिंड्रोम (यूजीटी1ए1)		6
स्केलेटल डिसप्लेसिया	1	2
कंजेनाइडल एट्रेनल हाईपरप्लेसिया	2	1

बायोकेमिकल जेनेटिक्स लैब

1. प्रसवपूर्व जांच:492

   ड्यूअल मार्कर-492

2. चयापचय की जन्मजात त्रुटि के लिए एंजाइम परीक्षण और बायोमार्कर अध्ययन: 618

एंजाइम एसे	विकार	कुल रोगी	कमी
बीटा ग्लूकोसिडेज़	गौचर रोग	55	21
स्फिंगोमाइलीनेज़	नीमनपिक रोग	53	09
चिटोट्रायोसिडेज़	बायोमार्कर	89	62
एमपीएस 1	हर्लर	19	12
एमपीएस II	हंटर	32	13
एल्फा-एन-एसिटाइलग्लुकोसामिनाइड	एमपीएस III बी	15	04
	एमपीएस III सी	14	01
गैलेक्टोज़ 6-सल्फेट सल्फेटेज़	एमपीएसआईवी ए	22	18
गैंग्लियोसिडोसिस	जीएम1/एमपीएसवीआई बी	37	14
एरिलसल्फेटेज़ ए	एमएलडी	39	06

एरिलसल्फेटेज बी	एमपीएसवीआई	08	04
बीटा ग्लूकोरीनैडसे	एमपीएसवीआई	01	
हक्सोसामिनिडेज़	ताई-सैक'स	26	04
कुल हेक्सोसामिनिडेज़	सैंडहॉफ रोग	05	02
प्लाज्मा हेक्सा	म्यूकोलिपिडोसिस	10	04
प्लाज्मा एएसए	म्यूकोलिपिडोसिस	12	06
बीटा गैलेक्टोसेरेब्रोसिडेज़	क्रैब्स	31	02
पामिटॉयल प्रोटीन थायोएस्टरेज़	आईएनसीएल 1	20	03
ट्रिपेप्टिडाइल पेप्टाइडेज़ I	एनसीएल2	18	05
अल्फा ग्लूकोसिडेज़	पोम्पे	17	05
फेब्री		07	03
बायोटिनिडेज़		33	16
जीएएलटी		49	05
फ़्यूकोसिडेज़		02	02
मैनोसिडेज़		04	03

3. मूत्र चयापचय जांच

मूत्र संबंधी जीएजी - 96

मूत्र एमपीएस स्पॉट जांच - 04

एचसीयू परीक्षण - 02

मूत्र कम करने वाले पदार्थ - 37

डीएनपीएच - 40

एफईसीआई3 - 20

सल्फाइट ऑक्सीडेज - 12

ओलिगोसेकेराइड्स के लिए टीएलसी - 29

यूएएजी के लिए टीएलसी - 24

4. लाइसोसोमल भंडारण विकारों का प्रसवपूर्व निदान -19 (प्रभावित 3)

5. चयापचय की छोटे अणु जन्मजात त्रुटियाँ

1. रक्त अमोनिया- 1714
2. एचपीएलसी- 191

नवजात विज्ञान

2020-21

इंवेसिव रक्तचाप की निगरानी : 110	लक्षित नवजात इकोकार्डियोग्राफी: 145
लक्षित नवजात अल्ट्रासोनोग्राफी:140	उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन: 34
इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड: 14	कुल पैरेंटल पोषण: 94
एएबीआर: 180	चिकित्सीय हाइपोथर्मिया:7
धमनी रक्त गैस विश्लेषण: 350	ग्लूकोज अनुमान का उपचार बिंदु: 800
हेमेटोक्रिट: 400	कुल सीरम बिलीरुबिन: 300
ग्राम स्टैनिंग: 300	आरओपी जांच: 390
लेजर थेरेपी: 5	ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबिन: 600
इंट्राविट्रियल बेवाकिजुमैब: 3	

2021-22

इंवेसिव रक्तचाप की निगरानी : 126	लक्षित नवजात इकोकार्डियोग्राफी: 178
लक्षित नवजात अल्ट्रासोनोग्राफी:195	उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन: 32
इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड: 12	कुल पैरेंटल पोषण: 102
एएबीआर: 234	चिकित्सीय हाइपोथर्मिया:8
आरओपी जांच: 162	लेजर थेरेपी: 20
ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबिन : 1300	इंट्राविट्रियल बेवाकिजुमैब: 1

2022-23

इंवेसिव रक्तचाप की निगरानी : 115	लक्षित नवजात इकोकार्डियोग्राफी: 175
लक्षित नवजात अल्ट्रासोनोग्राफी:130	उच्च आवृत्ति वेंटिलेशन: 28
इनहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड: 21	कुल पैरेंटल पोषण: 105
एएबीआर: 225	चिकित्सीय हाइपोथर्मिया:12
धमनी रक्त गैस विश्लेषण: 380	ग्लूकोज अनुमान का उपचार बिंदु: 850
हेमेटोक्रिट: 410	आरओपी जांच:145
लेजर थेरेपी:13	ट्रांसक्यूटेनियस बिलीरुबिन:-- 1400
इंट्राविट्रियल बेवाकिजुमैब: 2	

वृक्क विज्ञान

2020-21

बच्चों में गुर्दे के प्रत्यारोपण: 2	हीमोडायलिसिस: 1066
एक्यूट या पुरानी पेरिटोनियल डायलिसिस (स्वचालित सहित): 91	प्लाज्मफेरेसिस सत्र: 252
निरंतर गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी; सतत कम-दक्षता डायलिसिस: 1; 6	अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक गले, फेमोरल): 32
गुर्दे की बायोप्सी : 114	एंबुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग: 52
मॉनिटर किए गए इन्फ्यूजन (एल्ब्युमिन, साइक्लोफॉस्फेमाइड, रिटक्सिमैब): 500	कारक एच के पूरक के लिए एंटीबॉडी के लिए एलिसा; बी: 336; 409
सतह सीडी46 एक्सप्रैशन: 22	

2021-22

बच्चों में गुर्दा प्रत्यारोपण: 5	हीमोडायलिसिस*: 1091
एक्यूट या पुरानी पेरीटोनियल डायलिसिस (स्वचालित सहित): 69	प्लाज्माफेरेसिस सत्र (मेम्ब्रेंस/सेंट्रीफ्यूजेशन आधारित)*: 335 (288/47)
निरंतर गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी; सतत कम दक्षता डायलिसिस: 5; 15	अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक जुगुलर, फेमोरल): 67
रीनल बायोप्सी: 210	एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग: 150
मॉनिटर किए गए इन्फ्यूजन (एल्ब्यूमिन, साइक्लोफॉस्फेमाईड, रीटक्सिमैब): 665	कारक एच के पूरक के लिए एंटीबॉडी के लिए एलिसा: 390
सरफेस सीडी46 एक्सप्रेशन: 10	

* इसमें बाल चिकित्सा वार्डों के बाहर की जाने वाली 142 एक्स्ट्राकोर्पोरियल प्रक्रियाएं और कोविड क्षेत्रों में की जाने वाली 13 प्रक्रियाएं शामिल हैं।

2022-23

गुर्दा प्रत्यारोपण[1]: 16	हीमोडायलिसिस[2]: 1320
निरंतर कम दक्षता वाला डायलिसिस: 12	हेमोडायफिल्ट्रेशन[2]: 3
एक्यूट या पुरानी पेरीटोनियल डायलिसिस (स्वचालित सहित): 396	प्लाज्माफेरेसिस सत्र (मेम्ब्रेंस/सेंट्रीफ्यूजेशन आधारित): 314 (291/23)
निरंतर गुर्दे की रिप्लेसमेंट थेरेपी; सतत कम दक्षता डायलिसिस: 17; 34	अस्थायी हेमोडायलिसिस कैथेटर प्लेसमेंट (आंतरिक जुगुलर, फेमोरल): 65
पेरिटोनियल डायलिसिस कैथेटर का प्लेसमेंट: 78	रीनल बायोप्सी: 170

एम्बुलेटरी ब्लड प्रेशर मॉनिटरिंग: 360	मॉनिटर किए गए इन्फ्यूजन (एल्ब्यूमिन, साइक्लोफॉस्फेमाईड, रीटक्सिमैब): 1183
कारक एच के पूरक के लिए एंटीबॉडी के लिए एलिसा: 420	

1 इसमें पांच शव प्रत्यारोपण और तीन एबीओ असंगत प्रत्यारोपण शामिल हैं।

2 पहली बार, तीव्र गुर्दे की चोट वाले नवजात शिशु में 3 दिनों तक हेमोडायलिसिस किया गया, दो बच्चों में क्षेत्रीय साइट्रेट एंटीकोआग्यूलेशन का उपयोग करके हेमोडायलिसिस किया गया, मायोग्लोबिन्यूरिया और तीव्र गुर्दे की चोट के लिए हेमोडायफिल्ट्रेशन किया गया और पांच महीने तक एक शिशु में हेमोडायलिसिस का रखरखाव किया गया।

तंत्रिका विज्ञान

2020-21

1) ईईजी - 107, वीडियो ईईजी - 112, एम्बुलेटरी ईईजी 132 - (कुल ईईजी - 349)
2) एनसीएस और ईएमजी - 21
3) डायग्नोस्टिक टीएमएस- 27, थेराप्यूटिक टीएमएस- 1
4) आरएनएसटी - 04
5) पीएसजी - 06
6) दिवस उपचार प्रक्रियाएँ: लम्बर पंक्चर - 30, स्किन बायोप्सी- 02, नर्व बायोप्सी- 2, मसल बायोप्सी- 15
7) एसआईपीएचएपी (स्पिनराजा इंडिविजुअल पेशेंट ह्यूमैनिटेरियन एक्सेस प्रोग्राम) के तहत स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी रोगियों के लिए स्पिनरजा उपचार

एसएमए रोगियों को दी जाने वाली लोडिंग खुराक (पाक्षिक रूप से 4 खुराक): 12 रोगी

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक परीक्षण	
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू के लिए, कॉक्लियर इम्प्लांट)	180 (64)
विकासात्मक प्रोफाइल 3	95
बचपन व्यवहार चेकलिस्ट	160
भारतीय बच्चों के लिए मालिन्स इंटेलिजेंस स्केल	245
बच्चों के लिए वेक्सलर इंटेलिजेंस स्केल	07
हाउस ट्री पर्सन टेस्ट	75
भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक पैमान (डीएएसआईआई)	214
सेंसरी प्रोफाइल 2	00
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	155
बचपन ऑटिज़्म रेटिंग स्केल	06
एएसडी के लिए आईएनसीएलईएन उपकरण	85

एएसडी के लिए आईएसएए उपकरण	85
अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	25
एडीएचडी के लिए कॉनर का रेटिंग स्केल	21
ग्रेड लेवल असेसमेंट डिवाइस	44
लर्निंग डिसऑर्डर के लिए निमहंस बैटरी	52
इंटरवेंशन और परामर्श	
कुल मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन	
प्रारंभिक उत्तेजना चिकित्सा	260
व्यवहार इंटरवेंशन	240
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन	85
नॉक्टरनल एन्यूरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	18
टिक विकार के लिए परामर्श	04
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	130
वार्ड में अभिभावकों की काउंसिलिंग	62
आपात स्थिति में माता-पिता की काउंसलिंग	12
प्रमाणीकरण	
विकलांगता प्रमाणीकरण	
प्रमाणीकरण के लिए रोगियों का मूल्यांकन किया गया	**116**

2021-22

1) ईईजी - 1591, वीडियो ईईजी - 780, एम्बुलेटरी ईईजी-49 (कुल ईईजी - 2420)
2) एनसीएस और ईएमजी - 174
3) डायग्नोस्टिक टीएमएस- 64, चिकित्सीय टीएमएस- 138
4) आरएनएसटी- 14
5) पीएसजी- 82
6) डे केयर प्रक्रियाएँ: लम्बर पंचर - 81, त्वचा बायोप्सी -11, तंत्रिका बायोप्सी -1, मांसपेशियों की बायोप्सी - 24
7) एसआईपीएचएपी (स्पिनराजा इंडिविजुअल पेशेंट हयूमैनिटेरियन एक्सेस प्रोग्राम) के तहत स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के लिए रोगियों को स्पिनरजा उपचार प्रोटोकॉल के अनुसार एसएमए रोगियों को दिया गयाः 47 (12 पुराने + 35 नए) रोगी
8) जीन थेरेपी इंट्रावीनस इन्फ्यूजन -10 रोगी (एक दिन पहले प्राइवेट वार्ड में भर्ती)
9) मानवीय पहुंच कार्यक्रम के लिए रिसडिप्लाम 5 के रोगियों का चयन किया गया है, क्राउड फंडिंग से 2 रोगियों की व्यवस्था की गई है और 6 इस औषध का उपयोग कर रहे हैं।

1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक प्राप्त 7830 फ़ोन कॉल्स (21 प्रतिदिन के औसत से) हेतु समस्याओं का समाधान टोल फ्री 24X7 चाइल्ड न्यूरोलॉजी टेली-हेल्पलाइन के माध्यम से किया गया

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक परीक्षण	
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू के लिए, कॉक्लियर इम्प्लांट)	559
विकासात्मक प्रोफाइल 3	512
बचपन व्यवहार चेकलिस्ट	813
भारतीय बच्चों के लिए मालिन्स इंटेलिजेंस स्केल	630
बच्चों के लिए वेक्स्लर इंटेलिजेंस स्केल	07
हाउस ट्री पर्सन टेस्ट	272
भारतीय शिशुओं के लिए विकासात्मक पैमाना (डीएएसआईआई)	636
सेंसरी प्रोफाइल 2	63
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	987
बचपन ऑटिज़्म रेटिंग स्केल	457
एएसडी के लिए आईएनसीएलईएन उपकरण	59
एएसडी के लिए आईएसएए उपकरण	55
अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	35
सामाजिक संचार विकार के लिए डीएसएम-5	5
फोनोलॉजिकल प्रोसेसिंग के लिए व्यापक परीक्षण	31
बाल नींद की आदत संबंधी प्रश्नावली	79
बच्चों के लिए जीवन की गुणवत्ता	66
गैसल ड्राइंग टेस्ट	55
एडीएचडी के लिए कॉनर का रेटिंग स्केल	33
ग्रेड लेवल असेसमेंट डिवाइस	87
लर्निंग डिसऑर्डर के लिए निमहंस बैटरी	79
वार्ड और आपातकालीन मरीजों सहित कुल रोगी = 5,520	
इंटरवेंशन और परामर्श	
कुल मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन	
प्रारंभिक उत्तेजना चिकित्सा	761
व्यवहार इंटरवेंशन	818
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन	117
नॉक्टरनल एन्यूरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	51
टिक विकार के लिए परामर्श	14
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	417

वार्ड में अभिभावकों की काउंसिलिंग	66
आपात स्थिति में माता-पिता की काउंसलिंग	18
टेली परामर्श	88

विकलांगता प्रमाणीकरण	
प्रमाणन/यूडीआईडी के लिए मरीजों का मूल्यांकन किया गया	**265 मरीजों का आकलन किया गया। 29 को यूडीआईडी प्रमाणपत्र जारी किया गया**

2022-23

की गई प्रक्रियाओं की कुल संख्या

1) ईईजी -2090, वीडियो ईईजी -1839, एंबुलेटरी ईईजी-76 - (कुल ईईजी -4005)
2) एनसीएस - 336 ईएमजी - 62
3) डायग्नोस्टिक टीएमएस- 48, चिकित्सीय टीएमएस- 45 आरएनएसटी-37
4) पीएसजी-78
5) डे केयर प्रक्रियाएं: लम्बर पंचर -258, त्वचा बायोप्सी -30, तंत्रिका बायोप्सी -2, मांसपेशी बायोप्सी - 75, मांसपेशी बायोप्सी (सारेप्टा परीक्षण के तहत) - 12
6) एसआईपीएचएपी (स्पिनराज़ा इंडिविजुअल पेशेंट ह्यूमैनिटेरियन एक्सेस प्रोग्राम) के तहत स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी के रोगियों को स्पिनराजा उपचार प्रोटोकॉल के अनुसार एसएमए रोगियों को दिया गया: 47 (12 पुराने + 35 नए) रोगी।
7) जीन थेरेपी इंट्रावेनस इन्फ्यूजन-10 मरीज (प्राइवेट वार्ड में एक दिन पहले भर्ती)
8) रिसडिप्लम 5 रोगियों को मानवीय पहुंच कार्यक्रम के लिए चुना गया है, 2 ने क्राउड फंडिंग की व्यवस्था की है और 6 को दवा मिल रही है। 28 मार्च 2023 तक।

मनोवैज्ञानिक और विकासात्मक परीक्षण	
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू के लिए, कॉक्लियर इम्प्लांट)	545
विकासात्मक प्रोफाइल 3	440
बचपन व्यवहार चेकलिस्ट	715
भारतीय बच्चों के लिए मालिन्स इंटेलिजेंस स्केल	632
एसक्यू के लिए वीएसएमएस (एसक्यू के लिए, कॉक्लियर इम्प्लांट)	10
विकासात्मक प्रोफाइल 3	387
बचपन व्यवहार चेकलिस्ट	698
सेंसरी प्रोफाइल 2	60
ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	770

बचपन ऑटिज़्म रेटिंग स्केल	480
एएसडी के लिए आईएनसीएलईएन उपकरण	354
एएसडी के लिए आईएसएए उपकरण	354
अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर के लिए डीएसएम-5	256
सामाजिक संचार विकार के लिए डीएसएम-5	12
फोनोलॉजिकल प्रोसेसिंग के लिए व्यापक परीक्षण	24
बाल नींद की आदत संबंधी प्रश्नावली	175
बच्चों के लिए जीवन की गुणवत्ता	175
गैसल ड्राइंग टेस्ट	165
एडीएचडी के लिए कॉनर का रेटिंग स्केल	165
ग्रेड लेवल असेसमेंट डिवाइस	200
लर्निंग डिसऑर्डर के लिए निमहंस बैटरी	202
इंटरवेंशन और परामर्श	
कुल मनोवैज्ञानिक इंटरवेंशन	
प्रारंभिक उत्तेजना चिकित्सा	600
व्यवहार इंटरवेंशन	750
एचटीपी (कार्यात्मक) का उपयोग करके मनोवैज्ञानिक और व्यक्तित्व मूल्यांकन	400
नॉक्टरनल एन्यूरिसिस के लिए मनोवैज्ञानिक परामर्श	70
टिक विकार के लिए परामर्श	55
संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी	385
वार्ड में अभिभावकों की काउंसिलिंग	100
आपात स्थिति में माता-पिता की काउंसलिंग	25
टेली परामर्श	125
विकलांगता प्रमाणीकरण	
प्रमाणन/यूडीआईडी के लिए मरीजों का मूल्यांकन किया गया	**450 मरीजों का आकलन किया गया 342 को यूडीआईडी प्रमाणपत्र जारी किया गया**

अर्बुदविज्ञान

2020-21

क्र.सं.	जांच	संख्या
1	प्रो बीएनपी	175
3	यूरिक एसिड	144
4	एसजीओटी	84

5	एसजीपीटी	84
6	फॉस्फेट	24
7	मैग्नीशियम	144
8	बिलरुबिन (प्रत्यक्ष)	60
9	बिलरुबिन (कुल)	60
10	ट्रोपोनिन-I	175
11	टोटल प्रोटीन	24
12	एल्बुमिन	24
13	क्रिएटिनिन	24
14	यूरिया	24
15	पोटैशियम	24
16	एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के लिए फ्लोसाइटोमेट्री और एमआरडी अनुमान	100
17	हेमोग्राम I क्रिटिकल केयर लैब	4000
18	अस्थि मज्जा	700
19	सीएसएफ/आईटीएम	1100
20	बायोप्सी	600
21	पीआरपी/पीआरबीसी ट्रांसफ्यूजन	1200

2021-22

क्र.सं.	जांच	संख्या
1	प्रो बीएनपी	547
2	ट्रोपोनिन-I	547
3	यूरिक अम्ल	20
4	एसजीओटी	12
5	एसजीपीटी	12
6	मैग्नीशियम	20
7	फ्लोसाइटोमेट्री और एमआरडी	100
8	बोन मैरो कल्चर	25
9	हेमोग्राम क्रिटिकल केयर लैब	4000
10	सीएसएफआईटीएम/	1500
11	बीएम एस्पिरेशन	750
12	बायोप्सीएफएनएसी/	300
13	पीआरपीपीआरबीसी ट्रांसफ्यूजन/	2000

2022-23

क्र.सं.	परीक्षण	संख्या
1	प्रो बीएनपी	672
2	ट्रोपोनिन-I	587
3	फ्लोसाइटोमेट्री और एमआरडी	123
4	सीएसएफ/आईटीएम	1622
5	बीएम एस्पिरेशन	793
6	बायोप्सी/एफएनएसी	345

फुप्फुसीय चिकित्सा, गहन उपचार, क्षय रोग

2020-2021

1	हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपीः	10
2	नेजल ब्रश से ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपीः	15
3	पीसीडी के लिए म्यूटेशन	10
4	स्वीट क्लोराइड अनुमानः	120
5	बाल चिकित्सा फ्लैक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी	102
6	ईबीयूएस (एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड)	10
7	स्पाइरोमेट्री	340
8	शिशु पीएफटी	120
9	प्लिथस्मोग्राफी	2
10	इंपल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस)	200
11	नाइट्रिक ऑक्साइड का भिन्नात्मक उत्सर्जन (एफईएनओ)	65
12	नेजल नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ)	43
13	कुल और विशिष्ट आईजीई	43
14	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीई	30
15	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	30
16	लेंटिल के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	6
17	एवियन एंटीजन के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	6
18	व्यायाम परीक्षण	5
19	24 घंटे एसोफैगल पीएच अध्ययन	2
20	क्रायो लंग बायोप्सी	1

2021-2022

1	हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपीः	167
2	नेजल ब्रश से ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपीः	10
3	पीसीडी के लिए म्यूटेशन	25

4	स्वीट क्लोराइड अनुमान	498
5	बाल चिकित्सा फ्लैक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी	259
6	ईबीयूएस (एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड)	13
7	स्पाइरोमेट्री	650
8	इंपल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस)	600
9	नाइट्रिक ऑक्साइड का आंशिक उत्सर्जन (एफईएनओ):	231
10	नोजल नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ):	89
11	कुल और विशिष्ट आईजीई	152
12	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीई	30
13	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	30
14	लेंटिल के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	5
15	एवियन एंटीजन के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	6
16	व्यायाम परीक्षण	26
17	24 घंटे एसोफैगल पीएच अध्ययन	5
18	क्रायो लंग बायोप्सी	2

2022-23

1	हाई स्पीड वीडियो माइक्रोस्कोपीः	320
2	नेजल ब्रश से ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपीः	107
3	पीसीडी के लिए म्यूटेशन	30
4	स्वीट क्लोराइड अनुमान	650
5	बाल चिकित्सा फ्लैक्सिबल ब्रोंकोस्कोपी	200
6	ईबीयूएस (एंडोब्रोनचियल अल्ट्रासाउंड)	8
7	स्पाइरोमेट्री	820
8	इंपल्स ऑसिलोमेट्री (आईओएस)	754
9	नाइट्रिक ऑक्साइड का आंशिक उत्सर्जन (एफईएनओ):	540
10	नेजल नाइट्रिक ऑक्साइड (एनओ):	93
11	कुल और विशिष्ट आईजीई	203
12	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीई	102
13	एस्परलिगस के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	30
14	लेंटिल के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	8
15	एवियन एंटीजन के समक्ष विशिष्ट आईजीजी	15
16	व्यायाम परीक्षण	6
17	24 घंटे एसोफैगल पीएच अध्ययन	2
18	क्रायो लंग बायोप्सी	2

रुमेटोलॉजी

2020-21

रुमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से संक्रमणकालीन उपचार सेवाएँ (वयस्क उपचार में स्थानांतरित): 01

इंट्रा-आर्टिकुलर स्टेरॉइड (आईएसीएस) देना और यूजी निर्देशित आईएसीएसः 120

जोड़ो में दिए गए इंजेक्शनः 279

यूएसजी निर्देशित आईएसीएस इंजेक्शनः 14

डायग्नोस्टिक आर्थोसेंटेसिसः 06

नैदानिक त्वचा बायोप्सीः 03

विभिन्न स्वमेटिक विकार के लिए जैविक एजेंटों को देना: 55

2021-22

रुमेटोलॉजी विभाग के सहयोग से संक्रमणकालीन उपचार सेवाएँ (वयस्क उपचार में स्थानांतरित): 02

इंट्रा-आर्टिकुलर स्टेरॉइड (आईएसीएस) देना और यूजी निर्देशित आईएसीएसः 143

डायग्नोस्टिक आर्थोसेंटेसिसः 06

नैदानिक त्वचा बायोप्सीः 7

नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपीः 25

गरीब रोगियों को जैविक एजेंट प्राप्त करने में सहायता करने के लिए जीव दया फाउंडेशन के साथ सहयोग

2022-23

आईएसीएस (इंट्रा-आर्टिकुलर कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स) संयुक्त इंजेक्शन: 319

नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपी: 33

अन्य प्रक्रियाएं (आर्थ्रोसेंटेसिस/त्वचा बायोप्सी आदि): 11

डे केयर के माध्यम से जैविक और अन्य डीएमएआरडी प्रदान करना:183

डी. यादव (एमएसएसओ)

रोगी कल्याण एवं लाभ के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से प्राप्त धनराशि

2020-21

मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ)	6,00,000
अस्पताल गरीब निधि (एचपीएफ)	58 750
आरएएन अम्ब्रेला योजना	1,69,07,202
प्रधानमंत्री राहत कोष (पीएमआरएफ)	900000
ईएसआई	10,00,000
अन्य स्रोत	60,000
कुल राशि	रु.1,95,25,952

2021-22

मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ)	73,62,000
अस्पताल गरीब निधि (एचपीएफ)	2,33,000
आरएएन अम्ब्रेला स्कीम	42,00,000
प्रधानमंत्री राहत कोष (पीएमआरएफ)	52,00,000
ईएसआई	35,05,000
अन्य स्रोत	10,00,000
कुल राशि	रु.2,15,00,000

2022-23

राष्ट्रीय आरोग्य निधि (आरएएन)	96,00,000
स्वास्थ्य मंत्री विवेकाधीन अनुदान (एचएमडीजी)	12,00,000
दिल्ली आरोग्य कोष (डीएके)	1,02,77,624
प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ)	25,36,000
मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ)	5,08,14,016
एम्स गरीब फंड	1,91,800
बाल चिकित्सा किडनी फाउंडेशन (पीकेएफ)	70,501
ईएसआई	39,95,700
कुल	**7,86,85,641**

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण कार्यक्रम

आचार्य अरविंद बग्गा एशियन पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के महासचिव थे; सहायक सचिव, इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन आईपीएनए; पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी के संपादक, टेक्स्टबुक ऑफ़ द आईपीएनए; इशेंशियल पीडियाट्रिक्सएशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एंड , फ्रंटियर्स पीडियाट्रिक्स; पार्ट ऑफ एडीटोरियल बोर्ड ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ; वर्ल्ड जे पीडियाट्रिक्स।

आचार्य एसके काबरा डब्ल्यूएचओ ग्रुप फॉर डेवलपिंग गाइडलाइंस (जीडीजी) कोविड-19 संक्रमण की फार्माकोथेरेपी पर लिविंग सिफ़ारिश के सदस्य थे; डब्ल्यूएचओ ग्रुप फॉर डेवलपिंग गाइडलाइन्स (जीडीजी) जीडीजी क्लिनिकल मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्य; एनटीईपी कार्यक्रम सेंट्रल टीबी डिवीजन, भारत सरकार के विशेषज्ञ समूह सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; पल्मोनोलॉजी फ़ेलोशिप के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। भारतीय बाल रोग अकादमी; 4 दिसंबर 2022 को कोटा में आईएपी *हाड़ौती* शाखा द्वारा आयोजित “एविडेंस बेस्ड प्रैक्टिकल एप्रोच इन पीडियाट्रिक पुलमोनोलॉजी विथ स्पेशल रिफरेन्स टू रेस्पिरेटरी इन्फेक्शन्स” पर पहला आईएपी *हाड़ौती* सोसायटी व्याख्यान।

आचार्य एम काबरा को "ह्यूमन जेनेटिक्स, जीनोम इंजीनियरिंग एंड नैनोटेक्नोलॉजी एप्लीकेशन इन हेल्थकेयर" पर तकनीकी विशेषज्ञ समिति (टीईसी) की सदस्य के रूप में नामित किया गया; राष्ट्रीय परिवार कल्याण संस्थान के शासी निकाय की गैर-आधिकारिक सदस्य; यूटी राज्य एआरटी और सरोगेसी बोर्ड के एक प्रख्यात आनुवंशिकीविद्; मृत जन्म के निदान और रोकथाम पर पीएससी (प्रोजेक्ट स्क्रीनिंग और स्टीयरिंग कमेटी) की अध्यक्ष और नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली के तत्वावधान में न्यूरल ट्यूब दोष की रोकथाम पर टास्कफोर्स की सदस्य।

आचार्य पंकज हरि इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन के काउंसिल मेंबर थे; उपाध्यक्ष, बेस्ट प्रैक्टिसेज एंड स्टैंडर्ड्स कमिटी, इंटरनेशनल पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी एसोसिएशन; सदस्य, ईआरएन के दिशानिर्देशों पर यूरोपियन रेयर किडनी डिजीज रिफरेन्स नेटवर्क ईआरकेएनईटी) एक्सपर्ट पैनल के सदस्य; संपादकीय बोर्डएशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी : इंडियन जे ऑफ ट्रॉमा इमरजेंसी पीडियाट्रिक्स, जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक यूरोल, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी एंड यूरोलॉजी; समीक्षक क्लिनिकलक्लिनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी :, ब्रिटिश मेडिकल जे, पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी, नेफ्रॉन, किडनी एंड ब्लड प्रेशर रिसर्च, एक्टा पीडियाट्रिका, रीनल फेलियर, इंडियन पीडियाट्रिक्स।

आचार्य शैफाली गुलाटी को छात्रों और समाज के लिए संभावित लाभ 2021-22 के साथ देश में उत्कृष्ट शोध करने में आजीवन योगदान के लिए राष्ट्रीय महिला जैव वैज्ञानिक (वरिष्ठ श्रेणी) पुरस्कार, डीबीटी, भारत सरकार से सम्मानित किया गया; *एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार- 2020*; रॉयल कॉलेज ऑफ पीडियाट्रिक्स एंड चाइल्ड हेल्थ के फेलो के रूप में चुने गए; यूके; आहार चिकित्सा पर अंतर्राष्ट्रीय संघ (कोर केडीटी), यूके का हिस्सा; अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी (एओसीएन), भारत, 2023-2025; संस्थापक सदस्य एओसीएन (2002; आईएनएसएआर (इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर ऑटिज़्म रिसर्च) भारत के लिए वैश्विक वरिष्ठ नेता; ऑटिज़्म, सेज पत्रिकाओं के संपादक (प्रभाव कारक 6:684, 5-वर्षीय प्रभाव कारक 7.525); उपाध्यक्ष, हेल्थकेयर के लिए टेक्नोलॉजी गवर्नेंस स्टीयरिंग कमेटी, ऑल इंडिया काउंसिल फॉर रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन (एआईसीआरए); सदस्य, सलाहकार बोर्ड आईसीएनटीएन, न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर मॉड्यूल आईसीएनटीएन (आईसीएनए: इंटरनेशनल चाइल्ड न्यूरोलॉजी एसोसिएशन) के समन्वयक; संस्थापक अध्यक्ष, एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी (एओपीएन), दिल्ली; पूर्व अध्यक्ष (2021), राष्ट्रीय दिशानिर्देश समन्वयक (विकसित राष्ट्रीय मिर्गी दिशानिर्देश 2022; मिर्गी मॉड्यूल-> 15000 बार देखा गया), बाल तंत्रिका विज्ञान अकादमी, आईएपी; सह-संयोजक, बाल चिकित्सा मिर्गी उपधारा; कार्यकारी बोर्ड सदस्य, भारतीय मिर्गी सोसायटी; न्यूरोडेवलपमेंटल विकारों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए उपसमिति के अध्यक्ष; भारत में दुर्लभ बीमारी के उपचार पर अनुसंधान और विकास के लिए सह-अध्यक्ष नेशनल कंसोर्टियम: न्यूरोमस्कुलर रोग, आईसीएमआर; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा डीएमडी और एमएमए के लिए दिशानिर्देश तैयार करने वाली समिति के समन्वयक; इंडो-कैनेडियन ऑटिज्म नेटवर्क (आईसीएएन) के हिस्से के रूप में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर के क्षेत्र में नैदानिक और अनुसंधान के लिए साइट लीड; सदस्य, विकासात्मक विकलांगताओं पर वैश्विक अनुसंधान सहयोगी; सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एंड एडवांस्ड रिसर्च फॉर चाइल्डहुड न्यूरोडेवलपमेंटल डिसऑर्डर अनुसंधान, शिक्षाविदों और पेशेवरों और अभिभावकों के

सशक्तिकरण की दिशा में काम कर रहा है। टोल-फ्री 24X7 चाइल्ड न्यूरोलॉजी टेली-हेल्पलाइन प्रतिदिन 20 से 30 कॉल के लिए समस्याओं का समाधान करती है; मेडिकल रिसर्च काउंसिल, यूके के लिए परियोजनाओं की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह के सदस्य; ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया (जीसीआई) पहल, भारतीय पुनर्वास परिषद के लिए विशेषज्ञ परियोजना निगरानी समिति सदस्य (पीएमसी); आईसीएमआर, डीबीटी, बीरैक, राष्ट्रीय बहुविकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण संस्थान, एमओएसजेई की विभिन्न योजनाओं के लिए; मिर्गी की भविष्यवाणी करने के लिए एएसडी और मल्टीमॉडल इंटरफ़ेस के लिए स्मार्ट एआई-संचालित वेस्ट विकसित करने के लिए आईआईटी दिल्ली, एनआईटी दुर्गापुर के "न्यूरोकंप्यूटिंग और संज्ञानात्मक इंटेलिजेंस" पर भारत सरकार के एमईआईटीवाई प्रोजेक्ट के सहयोगी, संरक्षक; ऑटिज्म से पीड़ित बच्चों के निदान और प्रमाणीकरण में मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण देने के लिए राष्ट्रीय समन्वयक (नेशनल ट्रस्ट), एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित करना; भारत सरकार, एमसीआई, यूजीसी, सीबीएसई, एनसीईआरटी की विभिन्न विशेषज्ञ समितियों के सदस्य, विश्वविद्यालयों/संस्थानों (केरल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी और अन्य) के लिए वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, राष्ट्रीय सूची आवश्यक दवाएं (एनएलईएम), एबी पीएम-जेएवाई स्वास्थ्य लाभ पैकेज, भारतीय फार्माकोपिया मिशन- नेशनल फॉर्मूलरी ऑफ इंडिया (एनएफआई), सिग्नल रिव्यू पैनल, फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया; अध्यक्ष, विकलांगता मूल्यांकन और प्रमाणन बोर्ड। बाल रोग विभाग एम्स; 2 अप्रैल 2022 को रेडियो सिटी, एफएम रेनबो और डीडी किसान में ऑटिज्म जागरूकता पर और 3 अप्रैल 2022 को डीडी न्यूज में और 23 जुलाई 2022 को डीडी किसान में ब्रेन डे पर वार्ता देकर निम्नलिखित क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता में सक्रिय रूप से योगदान दिया। 16 मार्च 2023 को दूरदर्शन में ऑटिज्म पर केंद्रित एक लाइव शो "जस्ट जूनियर" में भाग लिया।

आचार्य राकेश लोढ़ा इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स के संपादक थे; इंडियन पीडियाट्रिक्स के एसोसिएट एडिटर; एनएमजेआई के एसोसिएट एडिटर; पीडियाट्रिक्स एंटीरेट्रोवाइरल थेरेपी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय हेतु तकनीकी संसाधन समूह के सदस्य; कई तकनीकी समितियों के सदस्य; आईसीएमआर में वैज्ञानिक सलाहकार समूह के एक सदस्य; डीजीएचएस और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बच्चों में कोविड के उपचार के लिए दिशानिर्देशों के विकास में योगदान दिया। भारत की; अस्थायी रूप से कोविड (एमआईएस-सी), डब्ल्यूएचओ, जिनेवा से संबंधित मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम पर कार्य समूह के सदस्य; ग्लोबल बर्डन ऑफ़ डिजीजेस समूह के सदस्य; कोविड-19 चिकित्सा-विधानों के लिए डब्लूएचओ लिविंग गाइडलाइन के लिए दिशानिर्देश विकास समूह के एक सदस्य; एनटीएजीआई के एचपीवी कार्यकारी समूह के एक सदस्य; एनटीएजीआई के कोविड कार्यकारी समूह के लिए विशेष आमंत्रित सदस्य; आईसीएमआर के वैक्सीन डेटा एनालिटिक्स कमेटी (वीडीएसी) और कोविड-19 वैक्सीनेशन ट्रैकर एवं ब्रेकथ्रू इन्फेक्शन एनालिटिक्स की समितियों के एक सदस्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए बच्चों में कोविड उपचार के मॉड्यूल के विकास के लिए समन्वय किया। जिला अस्पतालों (एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार) में बच्चों के उपचार को सुदृढ़ करने के लिए परिचालन दिशानिर्देशों की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह के एक सदस्य।

आचार्य रमेश अग्रवाल ने मध्य प्रदेश राज्य में एमएमआर, आईएमआर और कुपोषण को कम करने के लिए टास्क फोर्स के सदस्य के रूप में कार्य किया। सरकारों, शिक्षाविदों और गैर-सरकारी भागीदारों के एक अंतरराष्ट्रीय संघ-जीएआरडी/पी की नवजात सेप्सिस दवा विकास परीक्षणों के लिए संचालन समिति के सदस्य।

आचार्य रचना सेठ को बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी प्रभाग द्वारा दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय बचपन कैंसर नेटवर्क (एसईएआर सीसीएन) में भाग लेने वाले कुछ केंद्रों के रूप में नामित किया गया; क्योरिंग सेफली वर्किंग ग्रुप द्वारा क्योरिंग सेफली दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय संसाधन गाइड के सह-विकास में एम्स, नई दिल्ली का प्रतिनिधित्व करने के लिए नामांकित; डब्ल्यूएचओ; गैर-संचारी रोगों (एनसीडी): स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए राष्ट्रीय दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ के रूप में; भारत में पुरानी बीमारियों के उपचार के संक्रमण (टीओसी) के लिए रोग-विशिष्ट दिशानिर्देश तैयार करने के लिए केंद्रीय भारतीय बाल चिकित्सा अकादमी के विशेषज्ञ के रूप में; फैकल्टी चयन के लिए विशेषज्ञ।

आचार्य वंदना जैन को मार्च 2023 में लैंसेट, यूएन और डब्ल्यूएचओ द्वारा आयोजित बचपन के मोटापे पर लैंसेट शिखर सम्मेलन में स्वास्थ्य के विकासात्मक मूल पर शीर्षक प्रस्तुति देने के लिए और जून 2022 में आईसीएमआर और डब्ल्यूएचओ द्वारा भारत विशिष्ट विकास चार्ट की आवश्यकता पर परामर्श के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; 0-18 वर्ष के स्वस्थ भारतीय बच्चों और किशोरों के लिए विकास संदर्भों के विकास के लिए आईसीएमआर और एमओएचएफडब्ल्यू द्वारा तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य; 2023 में दिल्ली एनसीआर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित एशिया पैसिफिक पीडियाट्रिक एंडोक्राइन सोसाइटी फेलो स्कूल के दूसरे संस्करण के लिए समन्वयक और आईसीएमआर-एनआईएन के बाल स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में एसएसी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामांकित; मई 2022 में पीजीआई चंडीगढ़ में डीएम पीडियाट्रिक एंडोक्राइनोलॉजी के लिए और जनवरी 2023 में ढाका में बीसीपीएस-II परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक थे; गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग, यूथ ऑनसेट डायबिटीज रजिस्ट्री और पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) पर आईसीएमआर टास्कफोर्स के सदस्य के रूप में कार्य किया; 2022 में फ्रंटियर्स इन पीडियाट्रिक्स (आईएफ 3.56) और फ्रंटियर्स इन एंडोक्रिनोलॉजी (आईएफ: 5.6) के लिए एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. अदिति सिन्हा इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी की सचिव और कोषाध्यक्ष थीं; एसोसिएट एडिटर, एशियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक नेफ्रोलॉजी; अनुभाग संपादक (नेफ्रोलॉजी): इंडियन जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक्स; सदस्य, संपादकीय बोर्ड: बाल वृक्क विज्ञान, बाल वृक्क विज्ञान में फ्रंटियर्स; समीक्षक: इंडियन पीडियाट्रिक्स, क्लिनिकल जर्नल ऑफ अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी, किडनी इंटरनेशनल, इंडियन जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ ट्रांसप्लांटेशन, पीडियाट्रिक रिसर्च।

डॉ. नीरजा गुप्ता एम्स, नई दिल्ली 2022 में राष्ट्रीय दुर्लभ रोग नीति के तहत उत्कृष्टता केंद्र के लिए नोडल अधिकारी थीं; मार्च 2022 में आईसीएमआर "नेशनल कंसोर्टियम फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑन थेराप्यूटिक्स फॉर रेयर डिजीजेज" के तहत भंडारण विकार विशेषज्ञ समूह की सदस्य; अगस्त 2022 में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जन्म दोषों के बोझ पर तकनीकी कार्य समूह की सदस्य।

डॉ. एम जीवा शंकर कैलेंडर वर्ष, 2021 में उद्धरणों के लिए डेटा का उपयोग करके समग्र संकेतक की रैंकिंग के आधार पर सभी वैज्ञानिक क्षेत्रों में 150,000 सर्वाधिक उद्धृत लेखकों के हाल ही में संकलित वैश्विक डेटाबेस के शीर्ष 2% में शामिल हुए; 'मातृ एवं प्रसवकालीन स्वास्थ्य' में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), जिनेवा के दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) के सदस्य; समय से पहले प्रसव पीड़ा वाली महिलाओं में कम खुराक वाले प्रसवपूर्व स्टेरॉयड के उपयोग पर WHO एक्शन-III परीक्षण के 'तकनीकी सलाहकार समूह (TAG)' के सदस्य (बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित); अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए बीआईआरएसी-डीबीटी-बीएमजीएफ ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया की परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी) के विशेषज्ञ और सदस्य; वाशिंगटन विश्वविद्यालय में हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के लिए 'ग्लोबल बर्डन ऑफ़ डिसीसेस, इंजरीज, एंड रिस्क फैक्टर्स स्टडी (जीबीडी)' के लिए वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोगी - दुनिया भर में महामारी विज्ञान के स्तर और बीमारी के बोझ के रुझान को मापने का सबसे बड़ा प्रयास; 'एनएनएफ - क्लिनिकल प्रैक्टिस गाइडलांइस' के संपादकीय समूह के सदस्य; साक्ष्य-आधारित दिशानिर्देश विकसित करने में मदद करने के लिए देश भर में नियोनेटोलॉजिस्टों को शामिल करना; 'क्लिनिकल रिसर्च यूनिट (सीआरयू),' एम्स, नई दिल्ली की कार्य समिति के सदस्य, जो संस्थान में नैदानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए संसाधन और सेवाएं प्रदान करता है; एम्स, नई दिल्ली में ' फेलोशिप इन क्लिनिकल रिसर्च मेथडोलॉजी एंड एवीडेंस-बेस्ड मेडिसिन' पाठ्यक्रम के संचालन की देखरेख करने वाले तकनीकी समूह के सदस्य; 'एसटीजी विकास मैनुअल' पर विशेषज्ञ परामर्श समूह के सदस्य जो भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए मानक उपचार दिशानिर्देशों के विकास की सुविधा प्रदान करते हैं; ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, फरीदाबाद द्वारा संचालित क्लिनिकल रिसर्च कार्यक्रम में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) के संकाय।

डॉ. झूमा शंकर ने सेप्टिक शॉक में एंटीबायोटिक प्रशासन पर रोल पर शोध पत्र के लिए एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (2021-2022) में दूसरा पुरस्कार जीता; आईसीएमआर क्षणिका ओरेशन अवार्ड 2020 प्राप्त किया (2022 में प्राप्त हुआ); इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन 2021 की फ़ेलोशिप प्राप्त की (2022 में प्राप्त हुई); वर्ष 2022 में आईजेपी की सर्वश्रेष्ठ एमडी थीसिस में थीसिस छात्र को दूसरा स्थान मिला; छात्रों को रेस्पिकॉन 2022 में अवेड पेपर्स में प्रथम पुरस्कार और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ; सितंबर 2022 में स्नातकोत्तर, डीएम छात्रों और नर्सों के लिए आईएपी-बीएलएस और एएलएस पाठ्यक्रम आयोजित किया गया; नवंबर 2022 में नर्सों के लिए एम्स पीडियाट्रिक पल्मोनोलॉजी और गहन देखभाल मॉड्यूल के संचालन में मदद मिली।

डॉ. कानाराम जाट ने थीसिस मूल्यांकन किया: एमडी बाल रोग, एम्स, जोधपुर; एमडी बाल रोग जीएमसीएच, सेक्टर -32, चंडीगढ़।

डॉ बिस्वरूप चक्रवर्ती ने वर्ष 2020 के लिए एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार जीता 2022 में प्राप्त किया; एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी (एओसीएन) ऑल प्रेसिडेंट्स यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड, 2023; बाल विल्सन रोग के प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ समूह का हिस्सा; ढाका में बीसीपीएस-II परीक्षा और एमएएमसी, नई दिल्ली में एमबीबीएस परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; पीजीआईएमईआर,

चंडीगढ़ में पीएचडी बाहरी परीक्षक; एओसीएन, भारत के एजुकेशन वर्टिकल के मुख्य सदस्य; त्रिवेन्द्रम मेडिकल कॉलेज के डीएम पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी थीसिस मूल्यांकनकर्ता।

डॉ. रजनी शर्मा जर्नल ऑफ पीडियाट्रिक एंडोक्रिनोलॉजी एंड डायबिटीज (इंडियन सोसाइटी फॉर पीडियाट्रिक एंड एडोलसेंट डायबिटीज की आधिकारिक पत्रिका) **2021-2023** की प्रबंध संपादक थीं**;** निम्नलिखित संस्थानों (लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज: **3,** पीजीआईएमईआर**,** चंडीगढ़: **1)** के एमडी बाल चिकित्सा थीसिस का मूल्यांकन किया**;** केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन एजेंसी**,** नई दिल्ली और केंद्रीय जांच ब्यूरो**,** नई दिल्ली की सलाहकार समिति में थी।

डॉ. अनु ठुकराल छोटे या बीमार नवजात शिशुओं की देखभाल पाठ्यक्रम प्रशिक्षण सामग्री के सलाहकार समूह (टीएजी) का हिस्सा थीं; एवरी न्यूबॉर्न एक्शन प्लान (ईएनएपी-सी) तकनीकी कार्य समूह की सदस्य; SEARO के लिए WHO की सार्वभौमिक स्क्रीनिंग अनुशंसा पर कार्यान्वयन मार्गदर्शन के लिए तकनीकी सलाहकार समूह की सदस्य; आईसीएमआर और स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सामान्य नवजात स्थितियों के लिए एसटीडब्ल्यू के विकास के लिए नवजात चिकित्सा समूह की सदस्य; 12 जुलाई 2022 को जारी; निदेशक, एम्स द्वारा वर्ष 2022 में एसईटी सुविधा की गतिविधियों में योगदान के लिए प्रशंसा और मान्यता का प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ; नेशनल नवजात चिकित्सा फोरम, भारत के लिए "हाइपरबिलिरुबिनमिया की स्क्रीनिंग, रोकथाम और प्रबंधन" पर दिशानिर्देशों के विकास के लिए नैदानिक अभ्यास समूह के सदस्य, पिछले कुछ वर्षों में नवजात शिशु के स्वास्थ्य और देखभाल के क्षेत्र में निरंतर और उल्लेखनीय योगदान के लिए उन्हें नेशनल नवजात चिकित्सा फोरम (एफएनएनएफ) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. रोहन मलिक को सितंबर 2022 में एडिनबर्ग, यूके में आयोजित बाल चिकित्सा सूजन आंत्र रोग पर छठे अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. प्रशांत जौहरी को 2023-2025 सत्र के लिए राष्ट्रीय बाल न्यूरोलॉजी निकाय "एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड न्यूरोलॉजी, भारत" के कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया; एमबीबीएस के लिए आंतरिक परीक्षक; विभागीय एंटीबायोटिक स्टीवर्डशिप कार्यक्रम के सदस्य। डिपार्टमेंटल एंटीबायोटिक पालिसी एंड एंटीबायोटिक सर्विलांस के विकास और संशोधन में योगदान दिया; मातृ एवं शिशु ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली के लिए उपकरणों की खरीद के लिए तकनीकी विशिष्टता एवं मूल्यांकन समिति (टीएसईसी) के सदस्य।

डॉ. नरेंद्र बागरी ने ब्रिस्टल रॉयल चिल्ड्रेन हॉस्पिटल, ब्रिस्टल और वेस्टन विश्वविद्यालय, ब्रिस्टल, यूके में बाल चिकित्सा रुमेटोलॉजी में फेलोशिप सफलतापूर्वक पूरी की; बाल गठिया संबंधी विकारों के लिए इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स पेरेंटिंग दिशानिर्देश सूत्रीकरण हेतु संयोजक थे

डॉ. जेपी मीणा एसएमएस मेडिकल कॉलेज में अंतिम एमबीबीएस, एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर और जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर में थीसिस मूल्यांकन और एमडी बाल चिकित्सा के लिए बाहरी परीक्षक थे; एम्स, जोधपुर में एमडी बाल चिकित्सा के थीसिस मूल्यांकनकर्ता; नवंबर 2022 में इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 25वें PHOCON (बाल चिकित्सा हेमेटोलॉजी-ऑन्कोलॉजी सम्मेलन) में "माइलॉयड नियोप्लाज्म" पर एक सत्र की अध्यक्षता की; 26 फरवरी 2023 को राजीव

गांधी कैंसर अस्पताल, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 21वें आरजीसीओएन ("क्युरिंग कैंसर इन चिल्ड्रन एंड एडोलैसेंट्स -ए जर्नी ऑफ़ एक्सीलेंस") में अध्यक्ष; 3 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित नेशनल हेमेटोलॉजी अपडेट-XII में "नवजात थ्रोम्बोसाइटोपेनिया" पर एक सत्र की अध्यक्षता की; अंतिम एमबीबीएस व्यावसायिक परीक्षा, एम्स, नई दिल्ली के लिए बाल चिकित्सा और सामुदायिक चिकित्सा (बाल चिकित्सा) के लिए आंतरिक परीक्षक; लांसेट रीजनल हेल्थ-साउथईस्ट एशिया, बाल चिकित्सा रक्त और कैंसर, बाल चिकित्सा में फ्रंटियर्स, संक्रामक रोग में चिकित्सीय प्रगति के समीक्षक; एम्स, नई दिल्ली में एमआर (खसरा-रूबेला) टीकाकरण अभियान के लिए नोडल अधिकारी; विभागीय वेबसाइट का अद्यतन किया गया (नवम्बर 2022)।

डॉ. आदित्य गुप्ता ने एचएससीटी दिशानिर्देश संकलित किए और उन्हें दुर्लभ विकारों में एचएससीटी के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक में प्रस्तुत किया; नई दिल्ली में 25वें वार्षिक बाल हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी सम्मेलन -2022 के आयोजन सचिव थे।

डॉ. अंकित वर्मा राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, MOHFW, भारत सरकार की गर्मी संबंधी बीमारियों पर राष्ट्रीय कार्य योजना के तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के सदस्य थी।

डॉ. रश्मि शुक्ला को विशेषज्ञ सदस्य (लाइफ साइंस प्रोफेशनल) नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थ केयर प्रोफेशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली के रूप में नामित किया गया; नेशनल कमीशन फॉर एलाइड एंड हेल्थ केयर प्रोफेशन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली की करिकुलम स्टैंडर्डाइज्ड कमेटी की सदस्य।

डॉ. काजल जैन टीएचएसटीआई के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तुत इंट्राम्यूरल परियोजना प्रस्तावों की समीक्षा करने वाली समिति की सदस्य थीं।

डॉ. लता सिंह को वर्ष 2020 में 'यूवेअल मेलेनोमा में पीडी-1/पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का पूर्वानुमानात्मक महत्व: ट्यूमर-घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइटों और क्लिनिकोपैथोलॉजिकल मापदंडों के साथ सहसंबंध' शीर्षक वाले पेपर पर बेसिक साइंसेज श्रेणी में 18.10.2022 को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

- डॉ. स्कॉट हॉवर्ड, आचार्य, टेनेसी विश्वविद्यालय स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र (UTHSC.edu) सीईओ, रेजोनेंस (ResonanceHealth.org), सेंट जूड्स चिल्ड्रन हॉस्पिटल, मेम्फिस, ने बाल चिकित्सा ऑन्कोलॉजी इकाई का दौरा किया और एक वार्ता की और मेथोट्रेक्सेट विषाक्तता के फार्माकोकाइनेटिक्स और दवा स्तर की निगरानी पर रेजीडेंट्स के साथ संवादात्मक सत्र किया।

9.28 बाल शल्य चिकित्सा

आचार्य

मीनू बाजपेयी	संदीप अग्रवाला	एम श्रीनिवास

अपर आचार्य

विशेष जैन	अंजन कु. धुआ	प्रबुद्ध गोयल	देवेन्द्र कुमार यादव

सहायक आचार्य

अजय वर्मा	सचित आनंद	दिव्यागली

विशिष्टताएं

विभाग द्वारा बाल मूत्ररोग विज्ञान पर ध्यान केंद्रित करते हुए दो अंतर्राष्ट्रीय बैठकें आयोजित की गईं। ये दोनों बैठकें वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज फॉर पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (डब्ल्यूएफएसपीयू) के तत्वावधान में एशियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी (एएसपीयू) और इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलाजी (आईएसपीयू) की संयुक्त बैठकें थी। लिंग विकास में भिन्नताओं पर दिनांक 17 सितंबर 2022 को एक वर्चुअल मीट के रूप में परिचर्चा आयोजित की गई थी। अपडेट इन पीडियाट्रिक रोबोटिक यूरोलॉजिकल सर्जरी पर एक सीएमई सहित **ग्लोबल प्लेनम ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी** दिनांक 6 से 9 फरवरी 2023 तक शिकागों विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया था।

विभाग को मातृ एवं शिशु ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया गया है, साथ ही एम्स में आगामी मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र में संकाय-सदस्यों, स्थान और कर्मचारियों के विस्तार सहित, सभी उप-विशिष्टताओं का विकास किया जाएगा एवं गंभीर विकृतियों, बढ़े हुए कैंसर और अन्य रोगों से पीड़ित बच्चों का उपचार किया जाएगा। माननीय निदेशक महोदय के नेतृत्व में कार्य तीव्र गति से हो रहे हैं।

शिक्षा

विभाग एमसीएच बाल शल्य चिकित्सा प्रशिक्षुओं, स्नातकोत्तर, स्नातक, नर्सिंग छात्रों, बीएससी और एमएससी नर्सिंग छात्रों के शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है।

हमारे विभाग में शिक्षण और शैक्षिविद् तैयार करने एवं बेहतर बनाने हेतु एक नया और अभिनव विचार "सर्जरी पीडिया" नामक एक गूगल समूह का निर्माण किया जाएगा। नैदानिक अभ्यास और सेमिनारों के दौरान दिन-प्रतिदिन विभिन्न संदेह और प्रश्न उत्पन्न होते हैं। संदेह और प्रश्न उन रेजीडेंट को आबंटित किए जाते हैं जो प्रश्न के बारे में पढ़ते हैं और सभी के लाभ के लिए गूगल समूह में उत्तर देते हैं। सरल एवं तेज़ खोज और पुनर्प्राप्ति के लिए संचार प्रणाली को सूचीबद्ध करके प्लेटफ़ॉर्म को और बढ़ाया गया है।

वास्तविक रोगियों की अनुपस्थिति में इंडेक्स मामलों की वर्चुअल केस प्रस्तुतियों के लिए केस-आधारित टेम्पलेट बनाए गए हैं। इंडेक्स मामलों के नैदानिक जांच वीडियो बनाए गए हैं और क्लाउड फ़ोल्डर में

अपलोड किए गए हैं, जिन्हें सभी रेजीडेंट और संकाय द्वारा मूल्यांकित किया जा सकता है। इस पद्धति का उपयोग करके, सभी रेजीडेंट को ओपीडी में देखे गए मामलों से लाभ प्राप्त हो सकता है। यह सारा डेटा क्लाउड में सरल तरीके से व्यवस्थित किया गया है जिससे इनका उपयोग वह लोग भी कर सकें जो तकनीकी रूप से दक्ष नहीं है।

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

प्रदत्त व्याख्यान

विशेष जैन: 9 अंजन कुमार धुआ: 7 प्रबुद्ध गोयल : 16 देवेन्द्र यादव : 1

अजय वर्मा: 1 संदीप अग्रवाला: 10

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
	1	10	
संदीप अग्रवाला	6	11	10
विशेष जैन	3	3	9
अंजन कु. धुआ	3	3	7
प्रबुद्ध गोयल			16
देवेन्द्र यादव	4	4	1
अजय वर्मा	2	0	1

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टर: 32

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक/पोस्टर	107	51	32

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पित्तवाहिनी सिस्ट में पित्त का जैव रासायनिक और एंजाइमेटिक विश्लेषण और हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेटर की अभिव्यक्ति के साथ सहसंबंध।, डॉ. अजय वर्मा, एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, रु. 9,98,800/-

2. 0-14 वर्ष के आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो-टेस्टोस्टेरोन के लिए एक सामान्य संदर्भ सीमा (नोमोग्राम) स्थापित करने के लिए क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2019-24, रु. 1 करोड़
3. बच्चों में न्यूनतम चीरफाड़ वाली सर्जरी के दौरान चित्र के कंपन तथा कैमरा पकड़ने वाले सहायक की थकान को कम करने एक शीघ्रता से एडजस्ट करने योग्य कैमरा होल्डिंग को विकसित करना, डॉ. विशेष जैन, एम्स-आईआईटी दिल्ली, 2 वर्ष (विस्तारित), 2020-23, रु. 10,00,000
4. बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में स्वास्थ्य अनुसंधान तथा रोगियों के उपचार को सुगमित करने हेतु तकनीकी रूप से दक्ष डॉक्टर-रोगी इंटरफ़ेस विकसित करना, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, रु. 1 करोड़
5. संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण के माध्यम से हाइपोस्पेडिया में आनुवंशिक मार्करों की पहचान, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 1.5 करोड़
6. बाल्यवस्था के ठोस घातक ट्यूमर से उबर चुके लोगों में मनोसामाजिक और शारीरिक विकृतियों की व्यापकता एवं गंभीरता, डॉ. विशेष जैन, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2021-23, रु. 25,00,000
7. सर्जिकल साइट संक्रमण का पता लगाने हेतु बाल चिकित्सा सर्जिकल घाव थर्मोग्राफिक प्रोफाइल एवं प्रारांभिक चरण जांच-सटीकता अध्ययन के अवस्क्ल हस्ताक्षर और स्वचालित इमेज विभाजन के लिए गहन शिक्षण आधारित कृत्रिम बुद्धिमत्ता तकनीक का विकास, डॉ. धुआ एके, आईसीएमआर, 3, 2023-26, रु. 87 लाख
8. हाइपोस्पेडिया के मेटाबोलॉमिक प्रोफाइलिंग हेतु बहु-कैंद्रित अध्ययन: मेटाबोलिक अव्यवस्था की विशेषता बताने एवं रोग के विभिन्न (गंभीरता-आधारित) उप-प्रकारों में बायोमार्कर या नए चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान करने हेतु भारतीय समूह पर पहला अध्ययन, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2022 से [तकनीकी रूप से स्वीकृत] 2026, रु. 2.5 करोड़ रूपये
9. एनोरेक्टल विकृतियों की सर्जिकल योजना के लिए एबरैंट एनाटॉमी के रोगी विशिष्ट त्रि-आयामी मुद्रित मॉडल, डॉ. धुआ एके, एम्स- इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-23, रु. 3 लाख रूपये
10. ट्यूमर की प्रतिक्रिया एवं उसके दोबारा उभरने के जोखिम की पूर्वानुमान लगाने में अनुकूल विल्म्स ट्यूमर नामक सहायक हिस्टोलॉजी सहित बच्चों में नैदानिक स्तर पर अन्य मूत्रीय बायोमार्कर स्तर तथा मूत्रीय बाधा की भूमिका, डॉ. विशेष जैन, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 30 लाख रूपये
11. भारतीय परिप्रक्ष्य में हाइपोस्पेडिया मरम्मत (यूरोलॉजिकल स्थिति) हेतु साक्ष्य-आधारित हाइपोस्पेडिया मरम्मत दिशा-निर्देश को विकसित करना, डॉ. प्रबुद्ध गोयल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, रु. 1 करोड़ रूपये

विभागीय परियोजनाएँ

1. बाल चिकित्सा वंक्षण के प्रोसेससवैजिनलिस में चिकनी मांसपेशी कोशिका की विशेषताओं और मायोफाइब्रोब्लास्ट का तुलनात्मक अध्ययन।

2. भारत में एक तृतीयक देखभाल केंद्र में बाल चिकित्सा पेट के ठोस ट्यूमर सर्जरी में इंट्रा-ऑपरेटिव और प्रारंभिक पोस्ट-ऑपरेटिव जटिलताओं का एक वर्णनात्मक अध्ययन।
3. एक सर्जिकल प्रशिक्षु में आंख और हाथ के समन्वय में सुधार हेतु 3डी आभासी वास्ताविकता अभ्यास के लाभों का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन।
4. पीयूजेओ-पीटीजीआरआई में नवीन मूत्र बायोमार्कर पर एक अध्ययन।
5. एकतरफा पीयूजेओ में एक सहायक निदान पद्धति के रूप में मूत्रवाहिनी जेट्स का मूल्यांकन और अनुवर्ती पर इसकी उपयोगिता।
6. बच्चों में पित्त संबंधी जठरशोथ की तुलना हेपेटिको जेजुनोस्टॉमी के मुकाबले पेटिको डुओडेनेस्टॉमी के उपरांत कोलेडोकल सिस्ट: एक यादृच्छिक परीक्षण।
7. कीमोथेरपी से गुजर रहे बाल रोगियों में दंत क्षय को रोकने में फ्लोराइड वार्निश की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. संचालित एकतरफा विल्म्स ट्यूमर रोगी में गुर्दे के परिणामों और प्रतिपूरक अतिवृद्धि का मूल्यांकन।
9. नीयोनेंटल ट्यूमर: नैदानिक विशेषताएं प्रबंधन और परिणाम।

जारी

1. कोलेडोकल सिस्ट और रॉक्स-एन-वाई हेपेटिको जेजुनोस्टॉमी का बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक उन्मूल्न - सर्जिकल प्रबंधन का एक ऑडिट।
2. एक्स्ट्रा-क्रैनियल मैलिग्नेंट जर्म सेल ट्यूमर वाले बच्चों की प्रस्तुति, उपचार और परिणाम।

पूर्ण

1. एच19 लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) और विल्म्स ट्यूमर के भारतीय बाल रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ इसका संबंध।
2. बीईईसी में दीर्घकालिक परिणाम।
3. बाल चिकित्सा सोलिड (ठोस) ट्यूमर से उभरे रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम।
4. भारतीय बाल चिकित्सा आबादी में गुर्दे की लंबाई, पैरेन्काइमल मोटाई और गुर्दे की इलास्टोग्राफी के मानक मूल्य।
5. सूक्ष्मतक मुत्राशय चिन्हक (टीएफएफ3, एनजीएएल और माइक्रोएल्ब्यूमिन) तथा गुर्दे की चोट को दर्शाने वाले परंपरागत चिन्हकों के बीच सामयिक संबंध का अध्ययन करना ताकि मूत्राशय एक्सस्ट्रोफी पिस्पैडियास कॉम्प्लेक्स के रोगियों के फॉलो-अप के दौरान उनके संबंधित मान को 'प्वांइट ऑफ केयर' जांच के तौर पर स्पष्ट करते हुए प्रकट किया जा सके।

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. सर्जरी के उपरांत बेहतर रिकवरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल का प्रभाव, रहने की अवधि, पेरिऑपरेटिव परिणामों और बाल चिकित्सा लेप्रोस्कोपिक सर्जरी, संवेदनाहरण, गंभीर उपचार एवं पीडा काय-चिकित्सा में जटिलताओं पर प्रभाव।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	10	11	11
कुल निधीयन	रु. 2,448,28,000	रु. 5,85,98,000	रु. 74,98,900

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 33 **सार: 10** **पुस्तक में अध्याय: 4**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

	2020-21	2021-22	2022-23
प्रकाशनों			
सामान्य पत्रिकाएं	73	70	33
सारांश	38	44	10
अध्याय	6	12	4
पुस्तकें/मोनोग्राफ	शून्य	शून्य	शून्य

रोगी उपचार

बाह्य-रोगी विभाग

बाल चिकित्सा सर्जरी बाह्य रोगी विभाग प्रतिदिन कार्य करता जाता है। इसके अतिरिक्त, कुछ स्थितियों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए विशेष क्लीनिक भी चलाए जाते हैं।

विभाग और संकायगण द्वारा संचालित विभिन्न विशेष क्लीनिक :

- **सोमवार** : हाइड्रोसिफ़लस क्लिनिक (दोपहर)
- **मंगलवार:** प्रसवपूर्व निदान और फॉलो-अप (पूर्वाहन)
- **बुधवार** : बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (दोपहर)

- क्रानियोसिनेस्टोसिस क्लिनिक (दोपहर)
- **गुरुवार :** जीआई हेपेटोबिलरी (दोपहर)
- बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान, फॉलो-अप (दोपहर)
- आईआरसीएच: बाल चिकित्सा सॉलिड (ठोस) ट्यूमर क्लिनिक (दोपहर)
- बाल चिकित्सा सॉलिड (ठोस) ट्यूमर क्लिनिक (मुख्य ओपीडी, दोपहर)
- **शुक्रवार** : बाल चिकित्सा थोरैसिक सर्जरी क्लिनिक (पूर्वाह्न)
- बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (दोपहर)
- **शनिवार** : बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान, इंटरसेक्स और हाइपोस्पेडिया (**पूर्वाह्न**)

उपलब्ध सुविधाएं

- नवजात शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए गहन उपचार एकक
- बाल शल्य चिकित्सा रोगियों के लिए उच्च निर्भरता क्षेत्र
- कंप्यूटर-आधारित यूरोडायनामिक और यूरोफ्लोमेट्री अध्ययन
- कंप्यूटर-आधारित एनोरेक्टलमैनोमेट्री
- कंप्यूटर-आधारित एसोफेजियल मैनोमेट्री

सामुदायिक सेवा

- सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में साप्ताहिक बाह्य रोगी क्लिनिक और ऑपरेटिव सत्र (कोविड के कारण पिछले वर्ष के दौरान निलंबित)

पिछले 3 वर्षों में ओपीडी और स्पेशलिटी क्लीनिकों में उपस्थिति

उपस्थिति	2020-21	2021-22	2022-23
सामान्य ओपीडी	7577	17083	27718
हाइड्रोसिफ़लस क्लिनिक	शून्य	10	13
बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान क्लिनिक (बुधवार/वीरवार/शुक्रवार)	22	552	1106
इंटरसेक्स और यूरोलॉजी क्लिनिक (डीएसडी+ पीआईएसयू)	शून्य	31	37
ट्यूमर क्लिनिक (मुख्य अस्पताल)	5	187	539
ट्यूमर क्लिनिक (आईआरसीएच)	716	1404	2076
क्रानियोसिनेस्टोसिस क्लिनिक	शून्य	शून्य	शून्य
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़	शून्य	1297	1673

पिछले 3 वर्षों में दाखिले

दाखिले	2020-21	2021-22	2022-23
एबी5 वार्ड	1095	1586	**1393**
लंबी अवधि वाले दाखिले	890	1233	1077
कम अवधि वाले दाखिले	205	353	316
6बी वार्ड (**13 नवंबर 2022 से** मातृ शिशु ब्लॉक)	लागू नहीं	लागू नहीं	**625**
लंबी अवधि वाले दाखिले	लागू नहीं	लागू नहीं	544
कम अवधि वाले दाखिले	लागू नहीं	लागू नहीं	81
एबी5/आईसीयू	68	154	**128**
कुल भर्ती	**1163**	**1740**	**2148**

पिछले 3 वर्षों में सर्जिकल प्रक्रियाएं

शल्य प्रक्रियाएं	2020-21	2021-22	2022-23
मुख्य ओ.टी			
प्रमुख प्रक्रियाएँ	401	834	1485
लघु प्रक्रियाएं	108	44	16
आपातकालीन			
प्रमुख प्रक्रियाएँ	88	327	398
लघु प्रक्रियाएं	5	शून्य	1
ओपीडी प्रक्रियाएं			
कुल	1011	1648	2367
बायोप्सी	45	44	66
सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़			
प्रमुख प्रक्रियाएँ	शून्य	71	163
लघु प्रक्रियाएं	शून्य	शून्य	6

पिछले 3 वर्षों में विशेष जांचे

विशेष जांचे	2020-21	2021-22	2022-23
1. यूरोडायनामिक अध्ययन	32	245	372
2. यूरोफ्लोमेट्री	7	43	681
3. एनोरेक्टलमैनोमेट्री	शून्य	64	110

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ.विशेष जैन एसपीयूसीओएन में मेटा-विश्लेषण कार्यशाला आयोजित करने के लिए प्रमुख संकाय है; आईएजीईसी (इंडियन एसोसिएशन फॉर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपिक सर्जन) से एडवांस्ड लेप्रोस्कोपिक सर्जरी (एफएएलएस) में फेलोशिप से सम्मानित किया गया; कोविड महामारी के लिए विभाग के नोडल अधिकारी; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित चिकित्सा कक्ष में विशेष विशेषज्ञ; पीएमजेएवाई योजना के अंतर्गत बाल चिकित्सा सर्जरी पैकेज को संशोधित और समीक्षा करने वाली विशेषज्ञ टीम का हिस्सा।

डॉ अंजन कुमार धुआ पैसीकॉन 2022 के दौरान दिनांक 8-10 अप्रैल 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज जनरल सर्जरी ओटी बीएचयू वाराणसी से दिनांक 9 को आयोजित लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप में संचालन संकाय हैं; इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी का **व्याख्यान** दिया; दिनांक 2 मई 2022 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा सर्जरी विभाग के लिए वरिष्ठ रेजीडेंट के चयन के लिए विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; चिकित्सा विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के बाल चिकित्सा मूत्रविज्ञान में विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य; बाल चिकित्सा सर्जिकल ऑन्कोलॉजी एसोसिएशन के उत्तरी क्षेत्र के "सहयोजित कार्यकारी सदस्य" और "वेबमास्टर"-https://www.apso-iaps.com/; यौन विकास विकार वाले बच्चों की सोसायटी का "वेबमास्टर"-https://www.scdsd.org/; सम्मानित फ़ेलोशिप-फ़ेलो एडवांस्ड लेप्रोस्कोपी सर्जरी (एफएएलएस कोलोरेक्टल) और इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ़ रोबोटिक सर्जन (एफआईसीआरएस) की फ़ेलोशिप; अंतिम एमसीएच बाल चिकित्सा सर्जरी पाठ्यक्रम हेतु थीसिस परीक्षक, एम्स जोधपुर; पोस्ट-डॉक्टरल एग्जिट लेवल (डीएम/एमसीएच/डीआरएनबी), नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज (एनबीईएमएस) के लिए प्रश्न सैटर; "डोनेशन एंड ट्रांसप्लांट इंस्टीट्यूट", बार्सिलोना द्वारा संचालित डिप्लोमा इन ट्रांसप्लांट मैनेजमेंट प्रोक्योरमेंट (टीपीएम) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, एम्स में आयोजित दिनांक 17-18 मार्च 2023; एम्स रायपुर में दिनांक 2-3 सितंबर 2022 को आयोजित पीडियाट्रिक सर्जिकल सोसाइटी के अनुसंधान और नवाचार अनुभाग के 7वें वार्षिक सम्मेलन में आमंत्रित संकाय; दिनांक 21-23 अगस्त 2022 को काठमांडू में बिहार और झारखंड के बाल चिकित्सा सर्जनों के वार्षिक सम्मेलन के लिए आमंत्रित संकाय; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ पीडियाट्रिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एपीएसओसीओएन 2022 के चौथे राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए आमंत्रित संकाय (दिनांक 10-11 सितंबर); दिनांक 1 दिसंबर 2022 को जबलपुर में आयोजित एसपीयूसीओएन 2022 के लिए प्री-

कॉन्फ्रेंस कार्यशाला के रूप में "व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण पर व्यावहारिक कार्यशाला" के लिए कार्यशाला नेतृत्व और संकाय के रूप में आमंत्रित किया गया; दिनांक 11 से 14 मार्च तक एमएएमसी, दिल्ली में आयोजित 13वीं एमएएमसी बाल चिकित्सा सर्जरी अपडेट के लिए आमंत्रित संकाय; पीडियाट्रिक हेमेटोलॉजी ऑन्कोलॉजी चैप्टर (पीएचओसीओएन 2022) के 25वें वार्षिक सम्मेलन के एक भाग के रूप में पीडियाट्रिक सर्जिकल सीएमई-पीएचओसीओएन 2022 का सह-आयोजन, दिनांक 18 -20 नवंबर 2022, एम्स और इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली।

डॉ. देवेन्द्र कुमार यादव ने इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक यूरोलॉजी का व्याख्यान दिया और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ और एमएएमसी, नई दिल्ली से एमसीएच (बाल चिकित्सा सर्जरी) की थीसिस का मूल्यांकन किया।

अतिथि वैज्ञानिक

डॉ. रजत पिपलानी, संकाय, बाल शल्य चिकित्सा, एम्स ऋषिकेश, दिनांक 22 मार्च 2022 से 21 अप्रैल 2022 तक अवलोकन हेतु।

9.29 विकृति विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वेंकटेश्वरन अय्यर

आचार्य

रूमा रे (कार्डियो न्यूरोसाइंसेज सेंटर)

संदीप आर माथुर

प्रसेनजीत दास (डॉ. भी.रा.अ.सं.रो.कैं.अ.)

दीपाली जैन

गीतिका सिंह

सुधीर अरवा (कार्डियो न्यूरोसाइंसेज सेंटर)

असित रंजन मृधा

अपर आचार्य

शिप्रा अग्रवाल

सीमा कौशल

रजनी यादव

सौम्य रंजन मल्लिक

आदर्श बरवड़

सह-आचार्य

आंचल कक्कड़

सहायक आचार्य

कवनीत कौर

अरुणा नांबिरंजन

रुचि राठौड़

रिमली दत्ता (शल्य चिकित्सा)

लवलीन सिंह

अनुभव नरवाल (शल्य चिकित्सा)

बालमुरुगन टी

सोनाली दीक्षित

रचना मीना

रिद्धि सूद

समूह क अधिकारी

हिमेंदर सिंह तोमर

विशिष्टताएं

वर्ष 2022-23 में विकृति विज्ञान विभाग ने उच्च स्तरीय शैक्षणिक और प्रभावी चिकित्सीय सेवाओं को जारी रखा। विकृति विज्ञान विभाग ने पैथालॉजी के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान करने के अलावा शल्य चिकित्सीय रोग विज्ञान और कोशिकारोग विज्ञान की नियमित चिकित्सीय रिपोर्टिंग और स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। इस विभाग में लगभग 60,000 शल्यचिकित्सीय पैथालॉजी और 30,000 कोशिकारोग विज्ञान रोग विज्ञान नमूनों को संसाधित करके बड़ी संख्या में रोगियों को सेवाएं प्रदान की गईं।

विकृति विज्ञान विभाग नियमित रूप से आणविक विकृति विज्ञान और कोशिका जनन विज्ञान विकास से संबंधित नियमित रोगी देखभाल सेवाओं के लिए उन्नत आणविक परीक्षण प्रदान कर रहा है, जिसमें

सीटू संकरण, प्रवाह साइटोमेट्री, ऊतक माइक्रोएरे, केशिका विद्युत संवहन, वास्तविक समय पीसीआर आदि शामिल हैं। उपचारिक और पूर्वानुमानित इम्यूनोहिस्टोकेमिकल भाग का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 80,530 पट्टिकाओं को रंगा और अध्ययन किया गया है।

विकृति विज्ञान विभाग नियमित तौर पर नियमित उपचार के लिए उन्नत आणविक परीक्षण सेवाओं के साथ ही साथ रोग विज्ञान उप-विशिष्टताओं में रोगसूचक और पूर्वानुमानित उद्देश्य की भी सेवाएं प्रदान कर रहा है। कुछ उदाहरणों में स्तन कैंसर में पीआईके3ए उत्परिवर्तन, ऊतक के साथ-साथ तरल बायोप्सी पर ईजीएफआर जीन उत्परिवर्तन, फेफड़ों के कैंसर में एएलके और आरओउस-1पुनर्व्यवस्था, लिम्फोमा में टीसीआर प्रतिरूपता की परख, कई जीन संलयन और लार ग्रंथि के ट्यूमर में अन्य आणविक परिवर्तन के साथ ही नरम ऊतक सार्कोमा और बाल चिकित्सा न्यूरोब्लास्टोमा में एमवाईसीएन प्रवर्धन भी शामिल हैं।

विकृति विज्ञान विभाग ने 31 जुलाई 2022 को भाव विह्वल भागीदारी के साथ भारतीय रोगविज्ञानी एवं सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ (आईएपीएम), दिल्ली भाग का वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया। विभाग के संकाय को नियोप्लास्टिक और गैर-नियोप्लास्टिक रोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम की विकृति और आणविक विशेषताओं से संबंधित 26 एक्स्ट्राम्यूरल और 15 इंट्राम्यूरल परियोजनाओं के लिए सहायता राशि प्राप्त हुई है। विभाग के संकाय ने विभिन्न आभासी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए हैं और व्यक्तिगत या उनके लोगों को पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। सहकर्मी-समीक्षित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 201 पत्र प्रकाशित हुए हैं।

आचार्य दीपाली जैन, डॉ. आदर्श बरवाड और डॉ. बालामुरुगन टी को रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट की सहभागिता से सम्मानित किया गया है। आचार्य सुधीर अरावा स्वयंप्रभा चैनलों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लिए बड़े पैमाने पर ऑनलाइन खुले पाठ्यक्रम (एमओओसीएस) के विकास में शामिल रहे हैं। डॉ अरुणा नांबिराजन को प्रतिभाशाली युवा रोगविज्ञानी के लिए, डॉ एनसी नायक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

हमारे पास कई संकाय सदस्य हैं जो कैंसर पर अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय एजेंसी (आईएआरसी), ल्योन, फ्रांस द्वारा संपादित विभिन्न प्रणालियों के ट्यूमर के वर्गीकरण के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ब्लू बुक्स में योगदान दे रहे हैं।

शिक्षा

स्नातकोत्तर

2020-21

एमडी छात्र: 33 वरिष्ठ रेजिडेंट: 21

पीएचडी छात्र: 13

2021-22

एमडी छात्र: 34 वरिष्ठ रेजिडेंट: 20

पीएचडी छात्र: 12

2022-23

एमडी छात्र: 37 वरिष्ठ रेजिडेंट: 25

पीएचडी छात्र: 11

अल्पकालिक प्रशिक्षण/दीर्घकालिक प्रशिक्षण

1. डॉ. वरुण बजाज ने 17 अगस्त 2020 से 16 अगस्त 2022 तक दीर्घकालिक प्रेक्षकता का कार्य पूर्ण किया है।
2. डॉ. (लेफ्टिनेंट कर्नल) दिव्या गुप्ता वर्तमान में 15 जनवरी 2022 से 14 जनवरी 2024 तक दीर्घकालिक प्रेक्षरता का कार्य कर रही हैं।
3. सुश्री शिरीन ने 30 जनवरी 2023 से 26 मार्च 2023 तक अल्पावधि प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है
4. डॉ. प्रीति ने 10 फरवरी 2023 से 10 मार्च 2023 तक अल्पकालिक प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है
5. डॉ. सुमायरा खुर्शीद कादरी ने 13-28 फरवरी 2023 तक अल्पावधि प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है
6. डॉ. सौकत हुसैन वर्तमान में 17 नवंबर 2022 से 15 मई 2023 तक अल्पावधि प्रेक्षरता का कार्य कर रहे हैं।
7. डॉ. सेनजुति दास गुप्ता ने 11 जुलाई 2022 से 10 अगस्त 2022 तक लघु अवधि का प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है।
8. डॉ. मानस तालुकदार ने 11 जुलाई 2022 से 10 अगस्त 2022 तक अल्पावधि प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है।
9. डॉ. बेउला प्रिस्कुल्ला मद्दीराला ने 1 सितंबर 2022 से 31 अक्टूबर 2022 तक अल्पकालिक प्रेक्षरता का कार्य पूर्ण कर लिया है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. आईएपीएम, दिल्ली भाग का 35वां वार्षिक सम्मेलन 31 जुलाई 2022 को रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित किया गया।

प्रदत्त व्याख्यान: 91

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
46	77	91

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 48

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
23	88	48

अनुसंधान

वित्त-पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारत में आकस्मिक पित्ताशय कार्सिनोमा की व्यापकता के निर्धारण हेतु एक बहु केंद्र का अध्ययन, डॉ. पी दास (एम्स), एनसीडीआईआर-आईसीएमआर, बैंगलोर, 5 वर्ष, 2019-2024, 10 लाख रुपये।
2. भारतीय जनसंख्या में गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कार्सिनोमा के आनुवंशिक परिदृश्य को परिभाषित करने के लिए, एक एकीकृत जीनोमिक अनुक्रमण दृष्टिकोण का अध्ययन, दीपाली जैन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारत, 3 वर्ष, 2022-2025, 48,00,000 रुपये।
3. हाइपोक्सिया प्रेरक कारक-1 अल्फा पाथवे सक्रियण का आकलन और ट्यूमर प्रतिरक्षा माइक्रोएन्वायरमेंट के साथ इसका सहसंबंध तथा मायक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमास में ट्यूमर आक्रमकता के संकेतक का अध्ययन, अरुणा नांबिराजन, एम्स संस्थागत, 2 साल, 2021-2022, 10,00,000 रुपये।
4. नवजात कोलेस्टेसिस का चिकित्सीय, पैथोलॉजिकल और जेनेटिक विशेषता का अध्ययन, रजनी यादव, डीएचआर, 3 साल, 2022-2025, 51,57,604 रुपये, अल्क सकारात्मक अनाप्लास्टिक बड़ी कोशिका की जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल, सौम्यरंजन मल्लिक, आईसीएमआर, 3 साल 2020-2023, 35,00,000 रुपये।
5. हृदय अमीलोइडोसिस के मामलों में चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध और अमाइलॉइड उपप्रकार: एक अवलोकनार्थ अध्ययन, सुधीर अरावा, डीबीटी-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025,
6. गर्भाशय कार्सिनोसार्कोमा में एचईआर 2 और पी53 के साथ पीडी-एल1 का चिकित्सीय पैथोलॉजिकल सहसंबंध का अध्ययन, रुचि राठौर, स्नातक परामर्श योजना, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये।
7. सर्जिकल नमूनों पर एसएआरएस-सीओवी-2 सकारात्मक और नकारात्मक रोगियों के बीच म्यूकोर्मिकोसिस के लिए मेजबान प्रतिरक्षा और ऊतक प्रतिक्रिया का तुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन, कवनीत कौर, एम्स संस्थागत, 1 वर्ष, 2021-2023, 500,000 रुपये।
8. गर्भाशय ग्रीवा के लिम्फ नोड्स में मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सूक्ष्म सुई से एस्पिरेट्स और कोर सुई से बायोप्सी पर उच्च जोखिम वाले एचपीवी का पता लगाने के लिए क्यूपीसीआर, एमआरएनए आईएसएच और पी16 आईएचसी का तुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन, आंचल कक्कड़ और चिरोम अमित सिंह, एम्स अंतःविषय सहयोगी संस्थागत अनुदान, 2 वर्ष, 2023-2025, 20 लाख।
9. कुशिंग रोग के चिकित्सा प्रबंधन के लिए औषधीय लक्ष्यों की पहचान करने के लिए ईजीएफआर/एमएपीके/एसएचएच/एनएफकेबी मार्गों की सक्रियता और उपचार के रूप से कार्य करने वाले और मूक कॉर्टिकोट्रॉफ़ पिट्यूटरी एडेनोमा में यूएसपी8/यूएसपी48/बीआरएफ जीन की

उत्परिवर्तन स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण का अध्ययन, अरुणा नांबिराजन, आईसीएमआर, 3 साल, 2021-2023, 27,00,000 रुपये।

10. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्यूमर इम्यूनमाइक्रोएन्वायरमेंट और लक्षित एंटी-पीडी-एल1 और एंटीवेज उपचार के लक्षणों का सह-संबंध: एक संभावित अध्ययन, प्रसेनजीत दास (रोग विज्ञान) और दीपक गौतम (गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एम्स), एम्स अनुसंधान अनुभाग, 1 वर्ष, 2023 -2024, 5+5 लाख रुपये।
11. सीलिएक रोग के रोगियों से डूडेनल म्यूकोसल बायोप्सी की स्वचालित व्याख्या और ग्रेडिंग के लिए एक व्याख्या योग्य गहन शिक्षण नेटवर्क-आधारित सॉफ़्टवेयर का विकास और सत्यापन का अध्ययन। प्रस्ताव आईडी: 2022-16640, पीआई प्रसेनजीत दास (एम्स, दिल्ली), मौसम (आईआईटी, दिल्ली)।
12. पूर्व-विवो अध्ययनों के लिए मानव आंतों की बायोप्सी से आंत्रशोध का विकास और लक्षण वर्णन का अध्ययन, प्रसेनजीत दास, सीलिएक रोग पर डीबीटी कंसोर्टियम परियोजना, 3 साल, 2023-2026, 58 लाख।
13. डीएचआर-आईसीएमआर उन्नत आणविक ऑन्कोलॉजी उपचार सेवाओं का अध्ययन, डॉ. संदीप आर माथुर, डीएचआर, 5 वर्ष, 2020-2025, 10 लाख।
14. वृक्क प्रत्यारोपण अस्वीकृति में पीडीएल1 अभिव्यक्ति के लिए मूल्यांकन का अध्ययन, डॉ. आदर्श बरवाड, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 100000 रुपये।
15. मेम्ब्रेनस नेफ्रोपैथी में नवीन लक्ष्य एंटीजन का मूल्यांकन और उनका उपचारिक सहसंबंध: भारतीय आबादी में लक्ष्य एंटीजन के आधार पर मामलों को पुनर्वर्गीकृत करने के प्रयास का अध्ययन, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 38,00,000 रुपये।
16. उच्च ग्रेड लार ग्रंथि कार्सिनोमस में उपचारिक रूप से कार्रवाई योग्य लक्ष्यों का पता लगाने के लिए विशिष्ट आणविक परिवर्तन और ट्यूमर प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का मूल्यांकन का अध्ययन, आंचल कक्कड़, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, लगभग 32 लाख रुपये।
17. हाई ग्रेड बी सेल लिंफोमा एनओएस की जीनोमिक प्रोफाइल का अध्ययन, सौम्यरंजन मल्लिक, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 40,00000 रुपये।
18. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर का हिस्टोपैथोलॉजिकल और आणविक वर्गीकरण का अध्ययन, रजनी यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 9,98,000 रुपये।
19. माइक्रोबायोम-मेटाबोलोम एक्सिसिन गैर-छोटी कोशिका फेफड़े का कैंसर का अध्ययन, दीपाली जैन, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट, 3 वर्ष, 2023-2026, 40,00,000 रुपये।
20. एंडोमेट्रियल कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और चिकित्सीय पैथोलॉजिकल विशेषताओं के साथ इसका सहसंबंध का अध्ययन, डॉ. संदीप आर माथुर, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2023, 10 लाख रुपये।
21. पूर्वानुमानित और चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक उपसमूहों में वर्गीकरण के लिए घ्राण न्यूरोब्लास्टोमा का आणविक लक्षण वर्णन का अध्ययन, आंचल कक्कड़, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2020-2023, लगभग 47 लाख रुपये।

22. लार ग्रंथि कार्सिनोमस का आणविक लक्षण वर्णन: एम्स और भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन, आंचल कक्कड़ और एवरिसालिन मारबानियांग, डीबीटी एनईआर, 2 वर्ष, 2021-2023, लगभग 86 लाख रुपये।

23. ईजीएफआर उत्परिवर्ती गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कार्सिनोमा में ईजीएफआर टायरोसिन कीनेस अवरोधकों के प्रतिरोध के आणविक तंत्र का अध्ययन, अरुणा नंबिराजन, एम्स संस्थागत सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 20,00,000 रुपये।

24. चिकित्सीय विन्यास में जैविक विविधता को उजागर करने के लिए छोटे सेल फेफड़े के कार्सिनोमा (एससीएलसी) की आणविक उप-प्रकार: एक अवलोकन अध्ययन, दीपाली जैन, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), भारत, 3 वर्ष, 2020, 2023, 26 लाख।

25. एमयूसीआई ने कैंसर प्रतिरक्षा के लिए डीसी-व्युत्पन्न एक्सोसोम को स्पंदित किए जाने का अध्ययन, डॉ. आदर्श डब्ल्यू बरवाड, डीबीटी, 3+1 वर्ष, 2020-2023, 6227000 रुपये।

26. दंत और हड्डी धातु प्रत्यारोपण में सूक्ष्म-तकनीकी हस्तक्षेप: बेहतर अस्थि-संयोजक और एंटी-बैक्टीरियल गुणों की दिशा में स्मार्ट, बहुक्रियाशील अंतराफलक का अनुकूलन का अध्ययन, डॉ आदर्श डब्ल्यू बरवाड, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2023, रु 6867678।

27. गर्भाशय सार्कोमा के नवीन आणविक उपप्रकार का अध्ययन, रुचि राठौड़, एम्स संस्थागत सहायता प्राप्त, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये।

28. प्राथमिक फैला हुआ बड़ा बी सेल लिम्फोमा में पीडीएल1 और सीडी47 अभिव्यक्ति का अध्ययन, सौम्यरंजन मल्लिक, एम्स, 1वर्ष, 2022-2023, 200,000 रुपये।

29. प्रतोष एपी (आईएसआई, बेंगलुरु), आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 48 लाख रुपये।

30. 2016 विश्व स्वास्थ्य संगठन वर्गीकरण से परे केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के वयस्क निम्न ग्रेड ग्लियोन्यूरोनल ट्यूमर पर पुनः ध्यान का अध्ययन, कवनीत कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये।

31. संभावित रोगी समूह में स्व-प्रतिरक्षित आंत्रविकृति के मामलों की पहचान करने के लिए समीपस्थ छोटी आंत आंत्रविकृति वाले रोगियों में अप्रत्यक्ष प्रतिरक्षा प्रतिदीप्त विधि द्वारा एंटी-गॉब्लेट सेल और एंटी-एंटरोसाइट प्रतिरक्षी का पता लगाने की मानकीकरण तकनीक का अध्ययन, सलाहकार: प्रसेनजीत दास, एम्स पूर्वस्नातक परामर्श परियोजना, 1 वर्ष, 2023-2024, 2 लाख रुपये।

32. बाल चिकित्सा और वयस्क ग्लियोमास (2020-5232) में ट्यूमर उत्परिवर्तन बोझ और प्रतिरक्षा सूक्ष्म पर्यावरण के साथ अनुवांशिक असंगतता की मरम्मत की कमी का और इसके सहसंबंध का अध्ययन, कवनीत कौर, आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल प्रोजेक्ट, 3 साल, 2020-2023, 37,00,000 रुपये।

33. युवाओं में अचानक हृदय की मृत्यु: कारण की पहचान करने के लिए शव परीक्षण और आणविक का अध्ययन, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 70 लाख रुपये।

34. युवा व्यक्तियों में अचानक अस्पष्ट मृत्यु का अध्ययन, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 3 करोड़ रुपये।

35. फेनोटाइपिक सहसंबंध के साथ भारत में एलपोर्ट सिंड्रोम का आनुवंशिक परिदृश्य का अध्ययन, गीतिका सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50,50,000 रुपये।

36. गर्भाशय लेयोमायोसार्कोमा में बीआरसीएनेस संबंधित दैहिक उत्परिवर्तन की व्यापकता का अध्ययन, रुचि राठौड़ समीर रस्तोगी, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये।

37. अज्ञात मूकरोग कार्डियोमायोपैथी रोगियों में आनुवंशिक संबंध का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, सुधीर अरावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 86 लाख रुपये।

38. परिधीय टी सेल लिम्फोमा के आणविक उपप्रकारों का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, सौम्यरंजन मल्लिक, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00000 रुपये।

39. एक भारतीय समूह में लक्षित ट्रांसक्रिपटॉमिक्स दृष्टिकोण द्वारा गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में चयापचय गड़बड़ी की जांच करने के लिए अध्ययन, डॉ. संदीप आर माथुर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 44.5 लाख रुपये।

40. उन्नत गैर-छोटे सेल फेफड़ों के ग्रंथिकैंसर में ट्यूमर उत्परिवर्तन का बोझ: उपचार रणनीतियों की योजना बनाने के लिए निहितार्थ अध्ययन, दीपाली जैन, डीएसटी-एसईआरबी पावर फेलोशिप, 3 साल, 2021-2024, 30,00,000 रुपये।

41. अन्य कूपिक-पैटर्न वाले थायरॉयड सौम्य और घातक घावों से पैपिलरी जैसी परमाणु विशेषताओं के साथ गैर-अवेधी अंडाशय गांठ थायराइड नियोप्लाज्म को अलग करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की उपयोगिता का अध्ययन, डॉ. शिप्रा अग्रवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2023, 17,54,844 रुपये।

पूर्ण परियोजनाएं

1. प्रतिरक्षा प्रणाली की ट्यूमर घुसपैठ करने वाली कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिक प्रोफ़ाइल और ट्रिपल नेगेटिव/एचईआर-2 न्यू पॉजिटिव स्तन कैंसर के रोगियों में पीडीएल1 की अभिव्यक्ति और नियोएडज्वेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ उनका सहसंबंध का अध्ययन, 2017-2020 के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त, डॉ. संदीप आर माथुर, डीएसटी, 3 साल, 2019-2021, 21 लाख रुपये।

2. ग्लूटेन-मुक्त आहार के प्रति अनुक्रियाशील सीलिएक रोग वाले रोगियों के समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की पहचान के लिए विभिन्न उपचार के तौर-तरीकों की तुलना का अध्ययन, प्रसेनजीत दास, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2018-2022, 50 लाख रुपये।

3. एचएसए-डीक्यू8 में रोग संशोधक के रूप में माइक्रो आरएनए सीलिएक रोग के रोगियों के प्रथम-डिग्री रिश्तेदारों से मेल खाता है, का अध्ययन, प्रसेनजीत दास, डीएसटी, भारत, 3 वर्ष, 2018-2022, 45 लाख रुपये।

4. स्वचालित मूल्यांकन और मूल्यांकन के लिए व्याख्या योग्य गहन शिक्षण का अध्ययन। डुओडेनल बायोप्सी का वर्गीकरण, प्रसेनजीत दास, एम्स-आईआईटी, डी संकाय अंतःविषय परियोजना, 2 साल, 2020-2023, 10+10 लाख रुपये।

5. मृत रोगियों के फेफड़ों के ऊतकों की आरएनए-अनुक्रमण द्वारा कोविड-19 के आणविक रोगजनक तंत्र का विच्छेदन अध्ययन, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग एम्स, 3 वर्ष, 2020-2023, 25,00,000 रुपये।

6. फेफड़े के कार्सिनोमा में पीडीएल1 इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री का अध्ययन, दीपाली जैन, स्नातक अनुसंधान परियोजना अनुसंधान अनुभाग, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 2,00,000 रुपये।

7. लघु कोशिका फेफड़े का कार्सिनोमा में इम्यूनोमोड्यूलेटर का अध्ययन, दीपाली जैन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 36 लाख रुपये।

8. सिनो-नाक उपकला ट्यूमर में एचपीवी संध का अध्ययन, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 4 वर्ष, 2018-2022, 20 लाख रुपये।

9. गैर-छोटी कोशिका फेफड़े का कार्सिनोमा में प्रतिरक्षा संबंधी परिवेश और पीडी-एल1 के सहसंबंध का अध्ययन, दीपाली जैन, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली, 4 वर्ष, 2018-2022, 9 लाख।

10. बचपन के इडियोपैथिक नेफ्रोटिक सिंड्रोम में पोडोसाइटिक चोट के लिए पूर्वानुमानित जैव संकेतकों के रूप में मूत्रसंबंधी एक्सोसोम का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2021, 76,17,160 रुपये।

11. झिल्ली प्रसारक स्तवक वृक्क शोथ (वृक्क रोग पर बाल चिकित्सा गुर्दे जीव विज्ञान अनुसंधान कार्यक्रम का हिस्सा) के लिए गुर्दे का पापिरोम माध्यमिक में स्वप्रतिपिण्ड से जुड़े वैकल्पिक मार्ग विकृति का अध्ययन, गीतिका सिंह, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2021, 38,00,000 रुपये।

12. पौरुष ग्रंथि कैंसर के नए आणविक उपप्रकारों की पहचान, प्रतिरक्षी उपचार के लिए संभावित चिकित्सीय लक्ष्य का अध्ययन, सीमा कौशल, आईसीएमआर, 3 साल, 2020-2023, 45 लाख रुपये। पी13के/एकेटी/एमटीओआर और एआर संकेतक के एक नए नियामक के रूप में आर2टीपी कॉम्प्लेक्स की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पौरुष ग्रंथि कैंसर में पथ का अध्ययन, सीमा कौशल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 46 लाख रुपये, ऊपरी और निचले मार्ग का यूरोटेलियल कार्सिनोमा के आणविक उपप्रकारों में सूक्ष्म सैटेलाइटिन स्थिरता (एमएसआई) और पीडीएल1अभिव्यक्ति का मूल्यांकन का अध्ययन, सीमा कौशल, एम्स, 2 वर्ष, 2021- 2023, 10 लाख रुपये।

13. एसएआरएस-सीओवी-2 न्यूक्लियोकैप्सिड प्रोटीन का पता लगाना और कोविड-19 रोगजनन में अंतर्दृष्टि के लिए ऊतक नमूनों में ऊतकीय परिवर्तनों का मूल्यांकन का अध्ययन, आंचल कक्कड़, एम्स कोविड संस्थागत परियोजना, 1 वर्ष, 2020-2021, 10 लाख रुपये।

14. ऊतक नमूनों में घातकता की पहचान के लिए गहन शिक्षा सहित यंत्र अधिगम तकनीकों का मूल्यांकन का अध्ययन, आंचल कक्कड़ और एस श्रीरंगराजन, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये।

15. साइनोनसल स्क्वैमस स्वप्रतिजन के रोगजनन में ईजीएफआर उत्परिवर्तन, एचपीवी स्थिति और पीडी-एल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन का अध्ययन, आंचल कक्कड़, एम्स संस्थागत, 2 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख रुपये।
16. तंत्रिकाकोशिकाप्रसूअर्बुद में एएलके, एटीआरएक्स और एमवाईसी प्रतिरक्षा अभिव्यक्ति का मूल्यांकन और पूर्वानुमानित मापदंडों के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन करना, आंचल कक्कड़, एम्स यूजी मेंटरशिप प्रोग्राम, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. भारत में दुर्दम्य सीलिएक रोग पर एक संभावित अध्ययन।
2. पारंपरिक प्रतिबिंबन रूपात्मक क्रिया की तुलना में बहुल और बहुकेन्द्रिक स्तन ग्रंथि कर्कट रोग के मूल्यांकन में तुल्नात्मक संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका का आकलन करने और स्तन कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए एक संभावित अध्ययन।
3. टी सेल मध्यस्थता अस्वीकृति में केशिकागुच्छीय और परिधीय केशिका अंतर्कलीय चोट का एक अतिसंरचनात्मक मूल्यांकन अध्ययन।
4. गर्भाशय के कैंसर में आणविक जैवसंकेतकों का विश्लेषण।
5. उदरसंबंधी कार्सिनोमस में सूक्ष्म सैटेलाइट संकेतकों की अभिव्यक्ति स्थिति का आकलन।
6. सिर और गर्दन के त्वचा कोशिकाओं का कार्सिनोमा में ट्यूमर के उभरने का आकलन, और चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध का अध्ययन।
7. गर्भकला-अस्थानता के मांग के रूप में परिसंचारी एक्सोसोमल एमआई आरएनए एक प्रायोगिक अध्ययन।
8. अंतरालीय फेफड़ों की बीमारी के मामलों में चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी और विकिरण चिकित्सा विशेषताएं।
9. हृदीय अमाइलॉइडोसिस के मामलों में चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी सहसंबंध और अवरोधक उप-टाइपिंग: एक अवलोकनार्थ अध्ययन।
10. लार ग्रंथि नियोप्लाज्म में आणविक परिवर्तन के साथ प्रतिनिधि इम्यूनोहिस्टोकेमिकल संकेतकों की तुलना का अध्ययन।
11. स्तन कैंसर में प्रहरी लसिका पर्णग्रंथि बायोप्सी के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: दो हाथ खुला लेबल समानांतर डिजाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
12. दाएं और बाएं कोलोनिक अप्रासंगिक गुप्त केन्द्र का आनुवंशिक लक्षण वर्णन का अध्ययन।
13. एएलके पुनर्व्यवस्थित गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर (एनएससीएलसी) का आनुवंशिक परिदृश्य का अध्ययन।
14. द्रव्यी बायोप्सी का उपयोग करके गैर-छोटी कोशिका फेफड़ों के ग्रंथि कर्कट रोग की गुणसूत्रीय रूपरेखा।

15. स्वास्थ्य-संधान संबंधी थायराइड कार्सिनोमा का प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का अध्ययन।
16. सीलिएक रोग वाले रोगियों के प्रथम श्रेणी अनुरुपकों में रोग संशोधक के रूप में माइक्रोआरएनए का अध्ययन।
17. गर्भाशय ग्रीवा स्ट्रोमल सार्कोमा का आणविक और इम्यूनो हिस्टोकेमिकल का लक्षण वर्णन और उनका चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी सहसंबंध का अध्ययन।
18. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का आणविक लक्षण वर्णन और चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी विशेषताओं के साथ इसका सहसंबंध का अध्ययन।
19. उपचारिक परिस्थिति में जैविक विविधता को उजागर करने के लिए छोटे सेल फेफड़े के कार्सिनोमा (एससीएलसी) की आणविक उप-टाइपिंग: एक अवलोकनार्थ अध्ययन।
20. एमवाईडी88 एल256पी अवर्गीकृत परिपक्व छोटे बी-सेल लिम्फोइड नियोप्लाज्म के लक्षण वर्णन में उत्परिवर्तन अध्ययन।
21. अज्ञातहेतुक ह्रदयी मासपेशिय रोग में एमवाईएच7 उत्परिवर्तन का अध्ययन।
22. परावटु ग्रंथी कार्सिनोमा में पीडी-एल1 की भूमिका और प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण के साथ इसका संबंध का अध्ययन।
23. रजोनिवृत्ति के बाद रक्तस्राव वाले मरीजों में गर्भाशय मूल्यांकन के लिए ट्रांसवजाइनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका का अध्ययन।
24. एसईआरबी- क्या स्तन कैंसर के रोगियों को सर्जरी से बचाया जा सकता है? सर्जरी को कम करने के लिए मरीजों के चयन में एआई और वैक्यूम-असिस्टेड बायोप्सी की भूमिका का अध्ययन।
25. झिल्लीदार गुर्दा चिकित्सा में एक्सोस्टोसिन, एनईएल1 और सेमाफोरिन 3बी का अध्ययन।
26. मांसपेशी में तेजी से फैलनेवाला मूत्राशय कैंसर के आणविक उपप्रकारों में एफजीएफआर3 परिवर्तनों का अध्ययन।
27. तेजी से फैलनेवाले म्यूकोर्मिकोसिस में मेजबान ऊतक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन।
28. शल्य चिकित्सा द्वारा विच्छेदित पित्ताशय ग्रंथि कैंसर में भीतरी-ट्यूमर विविधता का अध्ययन।
29. पेरीएम्पुलरी ग्रंथी कैंसर में पी13के/एकेटी और एमएपीके संकेतन मार्ग का उपप्रकार और अध्ययन।
30. अचानक ह्रदय की मृत्यु के कारण की पहचान करने के लिए रूधिर रोग विज्ञान और आणविक अध्ययन।
31. प्रारूपी सहसंबंध के साथ भारत में एलपोर्ट सिंड्रोम का आनुवंशिक परिदृश्य का अध्ययन।
32. अज्ञात ह्रदयरोग रोगियों में आनुवंशिक संबंध का मूल्यांकन करना।
33. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में आर2टीपी संकुल की जैविक और जैव रासायनिक भूमिका को समझना।
34. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के गिलटी जनक तत्वों के निर्माण में उत्परिवर्तन का संपूर्ण एक्सोम अनुक्रमण आधारित लक्षण वर्णन का अध्ययन।

पूर्ण

1. विटिलिगो में प्रत्यारोपण के लिए एकल किण्वक (ट्रिप्सिन) और कई किण्वकों (ट्रिप्सिन, कोलेजनेज़ और रोग) का उपयोग करके तैयार किए, निकाले गए बाल कूप बाहरी जड़ म्यान कोशिका निलंबन की विभिन्न सेल आबादी की प्रभावकारिता और संरचना का तुलनात्मक अध्ययन।
2. गुदा ग्रंथि कैंसर में पूर्वानुमान के लिए एक मजबूत ऊतकीय एम्स-संशोधित व्यापक ट्यूमर सूक्ष्म पर्यावरणीय मूल्यांकन प्रणाली का अध्ययन।
3. "एफ फ्लोरेस्ट्राडियोल (एफईएस) और एफ" एफडीजी पीईटी/सीटी" का उपयोग करके स्तन कैंसर में स्त्रीमदजन संवेदक (ईआर) अभिव्यक्ति की विविधता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
4. कोष्ठात्मक अस्वीकृति में ग्लोमेरुलर केशिका एंडोथेलियल चोट का एक प्रतिरोधी हिस्टोकेमिकल और अतिसंरचनात्मक अध्ययन।
5. यकृत अवयव में संक्रमण का आकलन।
6. झिल्ली प्रजननशील ग्लोमेरुलोनेफ्राइटिस के माध्यमिक नेफ्रोटिक लक्षण में स्वतःरोगप्रतिकारक से जुड़े वैकल्पिक पूरक पथ विकृति का अध्ययन।
7. आईबीडी बनाम गैर-आईबीडी में अंतर करने के लिए बेसल प्लास्मेसीटोसिस, ईसिनोफिलिया और न्यूट्रोफिलिक समावेश: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण अध्ययन।
8. स्तन कैंसर में रोगविज्ञान संबंधी पूर्ण प्रतिक्रिया के पूर्वानुमान के लिए वैक्यूम-असिस्टेड बायोप्सी और मशीन लर्निंग मॉडल की सटीकता का निर्धारण अध्ययन।
9. कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा मूल्यांकन किए गए आणविक मानदंडों और परमाणु विशेषताओं का उपयोग करके एनआईएफटीपी का निदान: एक प्रारंभिक अध्ययन।
10. माइक्रोसैटेलाइट अस्थिरता, प्रतिरक्षा कोशिका घुसपैठ और एपिथेलियल गर्भाशय कार्सिनोमा उपप्रकारों में ओडी-एल1 की अभिव्यक्ति और चिकित्सीय-रोगविज्ञान संबंधी विशेषताओं, कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया और अस्तित्व के साथ इसके सहसंबंध के बीच संबंध को स्पष्ट करने के लिए अध्ययन।
11. गर्भाशय ग्रीवा के पूर्व-आक्रामक घावों की जांच और प्रबंधन के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपकरण का मूल्यांकन अध्ययन।
12. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर का गैर-आक्रामक पता लगाने के लिए लार में राल बी प्रोटीन की अभिव्यक्ति की खोज का अध्ययन।
13. ईएनएल प्रतिक्रियाओं के रोगियों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल और चिकित्सीय अध्ययन।
14. एचटीआर2बी एक्सप्रेशन टीएनएम चरण I और II कोलोरेक्टल कार्सिनोमस में एक मूल्यवान रोगसूचक संकेतक है, का अध्ययन।

15. आईडीएच2 उत्परिवर्ती और एसएमएआरसीए4 (बीआरजी1) की कमी वाले कार्सिनोमा में सिनोनासल अविभेदित कार्सिनोमा (एसएनयूसी) का इम्यूनोहिस्टोकेमिकल लक्षण वर्णन का अध्ययन।
16. समग्र रोग-मुक्त अस्तित्व और स्थानीय पुनरावृत्ति (स्तन कैंसर रोगियों के सर्जिकल ऑडिट के 2 दशक) के संदर्भ में स्तन कैंसर के रोगियों में दीर्घकालिक परिणाम का अध्ययन।
17. झिल्लीदार नेफ्रोपैथी: चिकित्सीय सहसंबंध के साथ इम्यूनोफ्लोरेसेंस, इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी और पीएलए2आर रूपरेखा का एक अध्ययन।
18. त्रीगुणात्मक स्तन कैंसर में पीडीएल-1 अभिव्यक्ति और ट्यूमर घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइट्स और चिकित्सीय रोग विज्ञान संबंधी विशेषताओं और कीमोथेरेपी के प्रति प्रतिक्रिया के साथ इसका संबंध (एमडी थीसिस) का अध्ययन।
19. अविभेदित बहुरूपी सार्कोमा और ट्यूमर अंतःस्पंदन करने वाले लिम्फोसाइटों में पीडीएल1 और पीडी1 प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया का अध्ययन।
20. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद स्तन कैंसर के स्थानीयकरण के लिए सिलिकॉन ट्यूब टिप की व्यवहार्यता स्थापित करने वाला मूल अध्ययन।
21. सघन स्तनों में पारस्परिक संवर्द्धित मैमोग्राफी की भूमिका का अध्ययन।
22. ग्लोमेरुलर रोगों में गैलेक्टोज की कमी वाले आईहए1 का अध्ययन।
23. जठरांत्र संबंधी स्ट्रोमल ट्यूमर में हिस्टोपैथोलॉजिकल विशेषताओं, सी-केआईटी, पीडीजीएफआरए म्यूटेशन और एसडीएचबी अभिव्यक्ति का अध्ययन।
24. अवर्गीकृत, छोटे बी-सेल लिम्फोमा के उपचार के लिए नए संकेतकों का अध्ययन, गंधक गिलटी विज्ञान में डब्ल्यूएनटी और ध्वनि हेजहोग संकेत पथों का अध्ययन।
25. झिल्ली प्रजननकारी स्तवकवृक्कशोथ में पूरक के लेक्टिन पथ के सक्रियण पर अध्ययन।
26. वयस्कों में सीलिएक रोग के निदान के लिए नो-बायोप्सी पथ का सत्यापन: एक बहुकेंद्रीय पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. स्तन कैंसर के रोगियों में आणविक मापदंडों सहित पूर्वानुमानित कारकों के जैव सांख्यिकीय पहलू: एक महामारी विज्ञान मूल्यांकन, बीआरए-आईआरसीएच अध्ययन।
2. गर्भाशय ग्रीवा रोगविज्ञान, रेडियो डायग्नोसिस के मूल्यांकन में अपरुपण लहर इलास्टोग्राफी और बहु-पैरामीटर एमआरआई की भूमिका का अध्ययन।
3. ईएमटी संबंधित प्रोटीन अभिव्यक्ति और माइक्रो आरएनए 200 ए, बी, सी", स्त्री एवं प्रसूतिशास्र द्वारा उपकला गर्भाशय कैंसर के रोगियों में रोग की गंभीरता का आकलन अध्ययन।
4. गर्भाशय के कैंसर के लिए गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक किट का विकास: पुराने पथ पर एक नई राह, जैवभौतिकी।

5. अवरक्त प्रतिबिंबन, जैवभौतिकी द्वारा जैवसंकेतकों पर आधारित प्रारंभिक निदान और स्तन कैंसर मेटास्टेसिस की समझ पर अध्ययन।

6. एफबीएक्सओ4 एक नवीन यूबिकिटिन लिगेज के रूप में जो स्तन कैंसर, जैव रसायन के रोगजनन में साइक्लिन डी1 को लक्षित करता है।

7. गर्भाशय जलीय कार्सिनोमा में पीकेसीटी संकेतन का अध्ययन, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी बीआरए-आईआरसीएच।

8. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, चिकित्सा ऑन्कोलॉजी बीआरए-आईआरसीएच।

9. प्रारंभिक गर्भाशय ग्रीवा कैंसर में एमआरआई द्वारा संचालन क्षमता, लसिका नोड स्थिति और रोग के स्थानीय विस्तार, स्त्री रोग और प्रसूति के साथ निर्धारित बैरल इंडेक्स का सहसंबंध अध्ययन।

10. सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, प्री-ऑपरेटिव बीमारी के बोझ और शोधन क्षमता का निर्धारण करने के लिए कार्सिनोमा अंडाशय में सीटी स्कैन बनाम पीईटी सीटी स्कैन की तुलना करने वाला एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

11. स्तन कैंसर, रेडियो निदान के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद अवशिष्ट ट्यूमर के बोझ के मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका अध्ययन।

12. प्रारंभिक स्तन कैंसर रोगियों, शल्य ऑन्कोलॉजी में अल्ट्रासाउंड निर्देशित सूक्ष्म सुई अवशोषण कोशिका विज्ञान (एफएनएसी) का उपयोग करके अक्षीय चरण की सटीकता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

13. उपकला गर्भाशय ट्यूमर के पूर्व शल्य चिकित्सा उपचार में कैंसर टेस्टिस एंटीजन पोटे-ई का उपयोग: एक मूल अध्ययन, स्त्रीरोग एवं प्रसूतिशास्त्र।

14. स्तन कैंसर, सर्जरी के रोगियों में ट्यूमर घुसपैठ करने वाले लिम्फोसाइटों के महत्व का अध्ययन करें।

15. ग्रंथि कर्कट रोग गर्भाशय ग्रीवा के रोगियों में सीरम विस्फैटिन और एडिपोनेक्टिन स्तर की भूमिका अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग।

16. मानवीय मस्सा वायरस के लिए स्व-नमूना द्वारा गर्भाशय कैंसर की जांच के लिए महिलाओं को परामर्श देने में आशा कार्यकर्ताओं की टेली-परामर्श की भूमिका अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग।

17. त्रीनकारात्मक स्तन कैंसर, सर्जरी वाली युवा भारतीय महिलाओं (<40 वर्ष) में बीआरसीए 1/2 जर्म लाइन म्यूटेशन की व्यापकता का अध्ययन।

18. गर्भाशय ग्रीवा कैंसर ट्यूमर सूक्ष्म-पर्यावरण प्रतिरक्षा-प्रोफाइलिंग और भारतीय रोगियों में मानक कीमोरेडियोथेरेपी की प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव अध्ययन, रेडियोथेरेपी।

19. सह-अस्तित्व वाले एंडोमेट्रियल कार्सिनोमा के पूर्वानुमान के रूप में असामान्य गर्भाशय ग्रीवा अधिवृद्धि में पाइरूवेट काइनेज एम1 और एम2 जैवसंकेतकों का अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग।

20. एससीओपीई - गर्भावस्था में कोविड की निगरानी, कोविड-19 और गर्भावस्था की नैदानिक विशेषताओं और परिणामों पर साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्रीरोग।

21. वृहद मायोमा के लिए मिनिलापैरोटॉमी सहायक लैप्रोस्कोपिक मायोमेक्टॉमी की व्यवहार्यता और परिणाम, प्रसूति एवं स्त्रीरोग।

22. गैर-मादक वसायुक्त यकृत रोग के बहु-पैरामीटर एमआरआई की भूमिका अध्ययन, रेडियोलोजी।

23. एनएएफएलडी, औषध विज्ञान के माइस प्रारूप पर अध्ययन, एम्स।

24. आईजीए एंटी-टीजी2 अभिव्यक्ति विश्लेषण और गैर सीलिएक ग्लूटेन संवेदनशीलता का ऊतकीय विश्लेषण, जठरांत्र रोगविज्ञान, एम्स।

25. व्रणकारी बृहदांत्र शोथ में रोग की गंभीरता के एक संकेतक के रूप में नेटोसिस का आकलन अध्ययन, जठरांत्र रोगविज्ञान, एम्स।

26. आरएचडी रोगियों के कराधान कपाटीय ऊतक में बहुलकेद श्रंखलाबद्ध प्रतिक्रिया के साथ स्ट्रेप्टोकोकल बैक्टीरियल डीएनए का पता लगाना, कार्डियोलॉजी, एम्स।

27. संदिग्ध हृदय मृत्यु के मामलों में हृदय संकेतकों, सकल निष्कर्षों और हृदय में रूधिर रोग विज्ञान परिवर्तनों का अध्ययन, फोरेंसिक मेडिसिन, एम्स।

28. फुप्फुसीय सारकॉइडोसिस और मध्यस्थ क्षयरोग के रोगियों में माइक्रोआरएनए रूपरेखा और साइटोकिन रूपरेखा विश्लेषण का तुलनात्मक मूल्यांकन। पल्मोनरी मेडिसिन, एम्स।

29. माइकोबैक्टीरियम टीका के प्रतिकूल प्रभाव और इंजेक्शन के दर्द को कम करने के लिए एक नए फॉर्मूलेशन और पैकेजिंग का विकास और प्रतिद्वंद्वी अनाजनित और अतिरिक्त-जननांग (सामान्य) मस्सों में इसका उपचारिक परीक्षण, त्वचाविज्ञान, एम्स।

30. चेहरे की मात्रा में कमी के उपचार में स्वयंसिद्ध गैर संवर्धित त्वचीय कोशिका निलंबन प्रत्यारोपण, त्वचाविज्ञान, एम्स।

31. चूहे में ब्लेमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय विषाक्तता में सेसमोल का अध्ययन, औषध विज्ञान, एम्स।

32. पेम्फिगस वल्गरिस के इम्यूनोपैथोजेनेसिस में पैटर्न पहचान रिसेप्टर्स (पीआरआर) के साथ $\gamma\delta$ टी सेल उपसमुच्चय की फेनोटाइपिक और कार्यात्मक भूमिका की खोज, औषध विज्ञान, एम्स।

33. वातरोग ग्रस्त हृदय वाल्व नमूनों में हिस्टोमॉर्फोलॉजिकल, प्रोटिओमिक्स और कोलेजन का अध्ययन, सीटीवीएस, नई दिल्ली।

34. प्राथमिक सिलिअरी डिस्केनेसिया में इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी और आनुवंशिक अध्ययन, बाल चिकित्सा पल्मोनोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।

35. ईएनएल प्रतिक्रियाओं के रोगियों में हिस्टोमोर्फोलॉजिकल और उपचारिक अध्ययन, त्वचाविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

36. हेलो नेवस के एटियोपैथोजेनेसिस का अध्ययन, त्वचाविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

37. फैलोट के चतुर्भुज के मामलों में फुफ्फुसीय रक्त वाहिकाओं का मॉर्फोमेट्रिक अध्ययन, सीटीवीएस, एम्स, नई दिल्ली।

38. विषाणुक हृदयपेशीय शोथ, का चिकित्सा रोगविज्ञान संबंधी मूल्यांकन, हृदयरोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

39. हृदीय अवयव में एलओएक्सएल 2 का संबंध अध्ययन, हृदयरोग विज्ञान, एम्स।

40. एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) थायराइड कैंसर के लिए संभावित जैवसंकेतकों और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में और थायराइड कैंसर में आयोडीन संभालने वाले जीन के साथ इसका संबंध अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी लैब विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

41. स्वास्थ्य-संधान संबंधी थायराइड कार्सिनोमा में ट्यूमर की गतिशीलता और प्रतिरक्षा कोशिका सम्पर्क अध्ययन, जैवरसायनिकी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

42. थायराइड कैंसर में एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआरवाई) अभिव्यक्ति के महत्व की जांच करने और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का अध्ययन करने के लिए, मेडिकल कर्करोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

43. चेहरे पर कणिकामय त्वचा के घाव और उनकी उपचारिक अनुकरण: भारतीय रोगियों में उपचारिक, डर्मोस्कोपिक और हिस्टोपैथोलॉजिकल पैटर्न का एक वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

44. उपचारिक प्रतिबिंबन विधियों का संभावित मूल्यांकन और आवर्तक विभेदित थायराइड कैंसर में नोडल रोग के प्रबंधन में सर्जिकल निर्णय लेने वाले कलनविधि पर इसका प्रभाव और उपचारिक और शल्य वर्णक्रम और परिणामों के मूल्यांकन के लिए थायराइड कैंसर डेटाबेस का ऑडिट, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

45. लैंगरहैंस कोशिका ऊतककोशिकता वाले बच्चों में त्वचीय और ऊतकीय विशेषताओं को चिह्नित करने के लिए एक संभावित वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

46. विभेदित थायरॉइड कैंसर के रोगियों में रोग की स्थिति का पूर्वानुमान करने में प्लाज्मा सेल-मुक्त डीएनए की भूमिका, आणविक मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

47. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में संभावित जैवसंकेतकों के रूप में आइक्रोआरएनए-182 और माइक्रोआरएनए-187 का अध्ययन और सीरम पीएसए, ग्लीसन स्कोर और प्रोस्टेट कैंसर के स्टेजिंग के साथ इसका संबंध, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

48. वृषण जनन कोशिका ट्यूमर के लिए जैवसंकेतकों के रूप में माइक्रोआरएनए का प्रसार: एक मूल अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

49. वृक्क कोशिका कार्सिनोमा के रोगियों में ट्यूमर के व्यवहार के लिए जैवसंकेतकों के रूप में ग्लूकोज से संबंधित प्रोटीन 78 (जीआरपी78) की पहचान, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

50. भारतीय रोगियों में लिंग कार्सिनोमा में ह्यूमन पैपिलोमावायरस की स्थिति: घटना, प्रकार का वितरण और चिकित्सीय रोग विज्ञान संबंधी चरणबद्ध के साथ सहसंबंध, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

51. आईआरसीएच में वृषण रोगाणु कोशिका ट्यूमर का पूर्वव्यापी विश्लेषण, एम्स, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।

52. पशु मॉडल में हर्बल अर्क की प्रतिरोधी-यूरोलिथियाटिक विरोधी गतिविधि का मूल्यांकन, राष्ट्रीय नवाचार प्रतिष्ठान, अहमदाबाद।

53. सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम पर आनुवंशिक अध्ययन, प्रजनन जीव विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

54. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में भोजी से जुड़े एचएमजीबी-1 और इसके संबंधित अणुओं का अध्ययन, जैवरासयनिकी, एम्स, नई दिल्ली।

55. रीनल सेल कार्सिनोमा में टीएच17 और टीआइईजी कोशिकाओं का फेनोटाइपिक और आणविक लक्षण वर्णन, जैवरासयनिकी, एम्स, नई दिल्ली।

56. हिस्टोपैथोलॉजी की भविष्यवाणी के लिए गुर्दे के द्रव्यमान का सीटी बनावट विश्लेषण, रेडियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।

57. पौरूष ग्रंथि कैंसर का पता लगाने में मानक 12 कोर व्यवस्थित टीआरयूएस निर्देशित बायोप्सी और एमआरआई-फ्यूजन बायोप्सी की तुलना-एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

58. मेटास्टैटिक आरसीसी वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं और सीएक्ससीआर1 अभिव्यक्ति की भूमिका का अध्ययन, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

59. मूत्राशय कार्सिनोमा के लिए कोल्ड कप बनाम द्विध्रुवी बायोप्सी नमूनों की तुलना, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

60. बाहरी अधोमूत्रमार्गता में आंतरिक और बाहरी प्रीपुटियल त्वचा के बीच माइक्रोवेसल घनत्व और विकास कारकों में अंतर, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स, नई दिल्ली।

61. सी11-मेथिओनिन पीईटी/सीटी के साथ वृक्क कोशिका कार्सिनोमा का मूल्यांकन और 18एफ फ्लोरोडॉक्सीग्लुकोस पीईटी/सीटी के साथ तुलनात्मक अध्ययन, नाभिकीय मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली।

62. संक्रमण के कारण होने वाले अज्ञात मूल के पाइरेक्सिया (पीयूओ) के रोगियों में निर्णय समर्थन कलनविधि की स्थापना में प्रतिबिंबन प्रतिनिधि के रूप में रेडियोलेबल प्रतिरोधक दवाओं की उपयोगिता और अल्पकालिक और दीर्घकालिक उपचारिक परिणामों पर इसका प्रभाव का अध्ययन, नाभिकीय मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली।

63. प्रोस्टेट कैंसर की प्रगति के दौरान बीटा ऑक्सीकरण के नियमन में पैकोसोम जटिल की भूमिका, जैवरासायनिकी, एम्स, नई दिल्ली।

64. प्रोस्टेट कैंसर में एकल स्टेजिंग मोडैलिटी के रूप में 68जीए-पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, नाभिकीय मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली।

65. ट्यूमर व्यवहार के पूर्वानुमान के लिए गुर्दे कोशिय कार्सिनोमा में संभावित आणविक संकेतकों (पीआरएल3 फॉस्फेट, सीएवी2, एलएएमए4) की पहचान, मूत्र रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

66. आरसीसी में असंक्राम्य मुक्त प्रक्रिया का मूल्यांकन, जैवरसायनिकी, एम्स, नई दिल्ली।
67. मूत्र मूत्राशय कार्सिनोमा में बी कोशिकाओं की भूमिका अध्ययन, जैव रसायन, एम्स, नई दिल्ली।
68. सर्टोली मात्र संलक्षण (एससीओएस) में माइक्रोआरएनए रूपरेखा का अध्ययन, प्रजनन जीवविज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
69. प्रोस्टेट कैंसर के उपचार में 12-कोर व्यवस्थित ट्रांसरेक्टल अल्ट्रासाउंड बायोप्सी के साथ एमआरआई-इनबोर लक्षित बायोप्सी की एक संभावित तुलना।, रेडियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली।
70. बेरिएट्रिक सर्जरी, सर्जिकल अनुशासन और गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के दौरान प्राप्त लिवर बायोप्सी में फाइब्रोसिस और स्टीटोसिस के लिए एसएचजी प्रतिबिंबन और एआई आधारित मात्रा का ठहराव का अध्ययन।
71. क्रोनिक अग्नाशयशोथ, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के रोगजनन में प्रतिरक्षा मार्गों का एक अध्ययन।
72. बहु-ओमिक्स दृष्टिकोण का उपयोग करके चरण-विशिष्ट गैर-अल्कोहल वसायुक्त यकृत रोग के उपचार के लिए अद्वितीय विभेदक प्रभाग की पहचान करना: एक मूल अध्ययन, जठरांत्ररोगविज्ञान।
73. उदरसंबंधी कार्सिनोमा के रोगियों में हेलिकोबैक्टर पाइलोरी और ईबीवी सहसंक्रमण।, जठरांत्ररोगविज्ञान।
74. दुबले और मोटे लोगों में चयापचयी संबद्ध यकृत रोग (एमएएफएलडी): रोग और प्रगति जैवसंकेतकों की खोज, जठरांत्ररोगविज्ञान।
75. भारतीय लक्षण रहित पित्त पथरी: प्राकृतिक पाठ्यक्रम और उनके पूर्वानुमान, जठरांत्ररोगविज्ञान।
76. कार्सिनोमा पित्ताशय के रोगजनन में परमाणु हार्मोन रिसेप्टर्स की भूमिका अध्ययन, जैव रसायन।
77. प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाले कोलोरेक्टल कैंसर के रोगजनन में आंत सूक्ष्मजीव डिस्बिओसिस और चयापचय परिवर्तनों के प्रभाव को समझना, शल्यक कर्करोग-विज्ञान।
78. उच्च और निम्न एनोरेक्टल विकृतियों में दूरस्थ गुदा थैली का हिस्टोपैथोलॉजिक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी।
79. सूक्ष्मजीव अनुक्रमण, सर्जिकल अनुशासन द्वारा जठरांत्र संबंधी वेध स्थल पर सूक्ष्मजीव के वर्णक्रम का अध्ययन।
80. गैर-अल्कोहल वसायुक्त यकृत रोग पर अल्पकालीन-संघटन कार्यदल परियोजना, जठरांत्र रोग विज्ञान।
81. विल्म्स ट्यूमर और न्यूरोब्लास्टोमा के उपचार और पूर्वानुमान में एपोप्टोसिस से संबंधित माइक्रोआरएनए की विभेदक अभिव्यक्ति, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
82. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया और फंगल रोगज़नक़ के खिलाफ इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए शीत वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, सूक्ष्मजीव विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

83. ट्यूमर और परिधीय रक्त परिसंचरण में एससीएलसी के प्रतिरक्षा परिदृश्य को चिह्नित करने के लिए अध्ययन, रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

84. पेरीएम्पुलरी कार्सिनोमा वाले रोगियों में परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की व्यापकता और पुनरावृत्ति-मुक्त और समग्र अस्तित्व के साथ इसके संबंध का अध्ययन, जीआई सर्जरी और यकृत प्रत्यारोपण विभाग।

85. डॉ. नीरज जैन के साथ बी-सेल लिंफोमा सहयोगात्मक परियोजना में एंटी-नियोप्लास्टिक कीमोइम्यूनोथेरेपी और इम्यूनोमॉड्यूलेशन को परिष्कृत करने के लिए न्यूक्लियोलिन को लक्षित करने का अध्ययन, केंद्रीय औषधि अनुसंधान संस्थान, लखनऊ।

86. किशोर एंजियोफाइब्रोमा में विटामिन-डी और डब्ल्यूएनटी/बीटा-कैटेनिन प्रेषणीय पथ की खोज, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

87. मौखिक गुहा के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा के लिए पहले सोपानक के रूप में प्रीसर्विकल (पेरी-मार्जिनल और लिंगुअल) लिम्फ नोड का आकलन अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

88. ओसीएससीसी के रोगियों में प्रतिपक्षी ग्रंथी संबंधी विक्षेप से जुड़े विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर और इप्सिलेटरल ग्रंथी संबंधी कारकों का आकलन करने के लिए महत्वाकांक्षी अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

89. तेजी से फैलनेवाले कवकसंबंधी शिरानालशोथ के उपचार के अंतिम बिंदु का पता लगाने में क्लिनिकोरेडियोलॉजिकल सह-संबंध, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

90. चिकित्सीय और रोगविज्ञान संबंधी के संदर्भ में मौखिक गुहा के ऑपरेशन योग्य स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सर्जरी बनाम अग्रिम शल्यक्रिया (कंट्रोल आर्म) के बाद ओरल मेट्रोनोमिक कीमोथेरेपी (पारंपरिक खुराक मेथोट्रेक्सेट + सेलेकॉक्सिब) की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने और रोग-मुक्त अस्तित्व और समग्र अस्तित्व के लिए एक ओपन लेबल चरण II यादृच्छिक परीक्षण प्रतिक्रिया, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स।

91. सीमित एमआर और डीएसए सहसंबंध के साथ गर्दन के द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में स्प्लिट-बोलस दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका अध्ययन, रेडियोलॉजी, एम्स।

92. साइनोनसल और खोपड़ी आधार द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में गतिशील तुल्नात्मक संवर्धित एमआर रक्तप्रवाह की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, रेडियोलॉजी, एम्स।

93. बाल चिकित्सा वंक्षण हर्निया, जलवृषण और अनवतीर्ण वृषण के प्रक्रिया वेजिनेलिस में चिकनी मांसपेशी कोशिका विशेषताओं और पेशीतंतु कोशिकाएं का तुलनात्मक अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स।

94. म्यूकोर्मिकोसिस के शीघ्र निदान के लक्ष्य के रूप में सीओटीएच जीन का उपयोग करके एक वास्तविक समय पीसीआर तकनीक का विकास, सूक्ष्मजीव विज्ञान, एम्स।

95. पूर्वरोग ग्रस्त् मौखिक स्थितियों के घातक मौखिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में परिवर्तन के दौरान संभावित जैव-संकेतकों की पहचान करने के लिए तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स विश्लेषण, जैवभौतिकी, एम्स।

96. हिप्पो संकेतन पथ और यूवील मेलेनोमा में इसका जैविक कार्य का अध्ययन, नेत्र रोगविज्ञान प्रभाग, आरपीसी, एम्स।

97. कैंसर के लिए इमेजिंग बायोबैंक, टाटा मेमोरियल अस्पताल और 4 अन्य केंद्र।

98. किशोर नाक-दांत एंजियोफाइब्रोमा के रोगजनन में एमटीओआर मार्ग की भूमिका निर्धारित करने के लिए अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

99. सर्जिकल नमूनों पर एसएआरएस-सीओवी-2 सकारात्मक और नकारात्मक रोगियों के बीच म्यूकोर्मिकोसिस के लिए मेजबान प्रतिरक्षा और ऊतक प्रतिक्रिया का तुलनात्मक विश्लेषण, रोग विज्ञान, एम्स।

100. म्यूकोर्मिकोसिस रोगियों में एसीई2 संवेदक की अभिव्यक्ति, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

101. किशोर नाक-दांत एंजियोफिब्रोमा (जेएनए) में एंजियोजेनेसिस के मूल्यांकन में गतिशील तुलना ने एमआर प्रवाह को बढ़ाया, रेडियोलॉजी, एम्स।

102. कोलेडोकल कृमि कोष में पित्त का जैव रासायनिक और किण्वक विश्लेषण और रूधिर रोग संबंधी विशेषताओं और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेटर की अभिव्यक्ति के साथ उनका सहसंबंध, बाल चिकित्सा सर्जरी, एम्स।

103. पीएसएमए न्यूक्लियोटाइड रोगोपचार, नाभिकीय मेडिसिन, एम्स।

पूर्ण परियोजनाएं

1. सारकॉइडल ऊतक प्रतिक्रिया के रूप में हिस्टोलॉजिकल रूप से उपचारित किए गए मामलों की एक चिकित्सीय-हिस्टोपैथोलॉजिकल समीक्षा: एक पूर्वव्यापी वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

2. उच्च ग्रेड गर्भाशय ग्रीवा अंतः उपकला फुलाव के उपचार के लिए एचपीवी ई6/ई7 एमआरएनए परख और उच्च जोखिम वाले एचपीवी डीएनए परीक्षण का तुलनात्मक मूल्यांकन, स्त्री रोग एवं प्रसूति विज्ञान।

3. सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए द्विचरणीय अध्ययन, इसके बाद सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्पैगिया अनुकूलित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी और स्थानीय रूप से उन्नत नाक-दांत कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीन बार वायरस डीएनए टाइट्रे के साथ उपचारिक परिणाम का सहसंबंध, विकिरण कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच, एम्स।

4. स्थानीय रूप से उन्नत मुख-ग्रसनी स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि अल्प आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने

वाला एक III चरणीय यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, विकिरण ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच, एम्स।

5. नाक एंजियोफाइब्रोमा वाले किशोर रोगियों में 68जीए-पीएसएमए - एचबीईडी-सीसी पीईटी/सीटी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक मूल अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

6. संपूर्ण या पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी से गुजरने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के प्रारंभिक पूर्वानुमानित कारकों को निर्धारित करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ई.एन.टी. विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

7. प्राथमिक कीमो-विकिरण थेरेपी द्वारा प्रबंधित स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी-कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18एफ-एफडीजी पीईटी7सीटी) स्कैन की प्रभावकारिता निर्धारित करने और CECT के साथ इसकी तुलना करने के लिए एक संभावित अध्ययन, नाभिकीय मेडिसिन, एम्स।

8. मौखिक गुहा (टी1-टी4) के मसूड़ों के बुक्कल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमा में गुप्त और प्रत्यक्ष लिम्फ नोडल मेटास्टेसिस पर मौखिक सबम्यूकोस फाइब्रोसिस के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

9. स्थानीय रूप से उन्नत स्तन कैंसर मेड ऑन्कोलॉजी के रोगियों में चिकित्सीय रोगविज्ञान संबंधी विशेषताओं का एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन, मेडिकल कर्करोग विज्ञान।

10. त्रीनाकारात्मक स्तन कैंसर का विश्लेषण, मेडिकल कर्करोग विज्ञान।

11. कैंसर मौखिक गुहा में हिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा मेजबान प्रतिरक्षाविज्ञानी ट्यूमर प्रतिक्रिया का आकलन और पूर्वानुमान पर इसका प्रभाव - पूर्वव्यापी समूह अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

12. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि के कैंसर में टी नियामक कोशिकाओं (एफओएक्सपी3) की अभिव्यक्ति और इसके नैदानिक महत्व के साथ एचआईपीईसी उपचार का संघ', सर्जिकल कर्करोग विज्ञान।

13. मुख-ग्रसनी स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा रोगियों में एक रोगसूचक संकेतक के रूप में बीआरसीसी3 अभिव्यक्ति और रेडियोथेरेपी प्रतिरोध पर इसका प्रभाव, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

14. एसोफैगल कैंसर में डाइपेप्टिडाइलपेप्टिडेज़ III के कोशकीय और प्रतिरक्षा-संयोजक कार्य, जैव रसायन।

15. कैरोटिड बॉडी ट्यूमर की आक्रामकता और ट्यूमर कोशिकाओं के माइटोकॉन्ड्रिया में सुपरऑक्साइड आयन के उत्पादन के बीच सह-संबंध और केआई-67 सूचकांक का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

16. किशोर नाक-दांत एंजियोफाइब्रोमा के कोबलेशन सहायता प्राप्त एंडोस्कोपिक छांटना: एक संभावित मूल अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

17. एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी और पारंपरिक ओपन थायरॉयड सर्जरी से गुज़रने वाले रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना, सर्जिकल अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
18. नोड पॉजिटिव मौखिक गुहा स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में एक्स्ट्रा नोडल एक्सटेंशन का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।
19. मुख-ग्रसनी, नासोफैरिंक्स और अज्ञात प्राथमिक के, प्राथमिक से माध्यमिक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक जीवाणु एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।
20. अस्थानिक एसीटीएच संलक्षण वाले रोगियों की रोगकारण विज्ञान और चिकित्सीय रूपरेखा: महत्वाकांक्षी अध्ययन, अंतःस्त्रवण विज्ञान, चयापचय और मधुमेह विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
21. एसएआरएस कोविड 19 के रोगियों के आंसुओं और नेत्रश्लेष्मला स्राव में कोरोना वायरस का मूल्यांकन, आरपी सेंटर, एम्स।
22. स्तन कैंसर में प्रहरी लिम्फ नोड बायोप्सी के लिए दोहरी डाई तकनीक का मूल्यांकन: दो हाथ खुला लेबल समानांतर डिजाइन गैर-हीनता याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जरी विभाग।
23. गंधक न्यूरोब्लास्टोमा के आनुवंशिक रूपरेखा का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।
24. कार्सिनोमा स्वरग्रंथी के स्तर में स्प्लिट-बोलस दोहरी ऊर्जा सीटी का मूल्यांकन, रेडियोलॉजी, एम्स।
25. सिर और गर्दन की अज्ञात प्राथमिक मेटास्टेटिक से ग्रीवा लिम्फ नोड्स का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।
26. गलतुण्डिका के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा के पहले सोपानक प्रहरी लिम्फ नोड अपवहन-क्षेत्र की खोज, विशेष रूप से रूविएरे के पार्श्व रेट्रोग्रसनी लिम्फ नोड के संदर्भ में, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।
27. मौखिक गुहा के कैंसर में सेंटिनल नोड का पता लगाने के लिए दोहरी तकनीक-नीली डाई और प्रतिदीप्ति इमेजिंग की व्यवहार्यता अध्ययन - एक संभावित सत्यापन अध्ययन, सर्जिकल कर्करोग विज्ञान, आईआरसीएच, एम्स।
28. मौखिक और मैक्सिलोफेशियल क्षेत्र को प्रभावित करने वाले सौम्य रेशेदार-अस्थि घावों का आणविक और प्रतिरक्षा विज्ञानी लक्षण वर्णन, मौखिक रोग विज्ञान, सीडीईआर।
29. एफडीजी पीईटी सीटी, एमआरआई और एनएमआर का उपयोग करके स्तन कैंसर का आणविक वर्गीकरण: एक मूल अध्ययन, सर्जरी विभाग।
30. स्तन कैंसर का दृष्टिगत लक्षण वर्णन, सर्जरी और जैवभौतिकी विभाग।
31. संदिग्ध नाक-दांत कार्सिनोमा रोगियों में ईबीवी डीएनए के लिए पीसीआर, सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग, एम्स।

32. मौखिक गुहा में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन और मौखिक कैंसर डेटाबेस के अद्यतन और विश्लेषण के लिए टोल्यूडीन ब्लू डाई और नैरो बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए मूल अध्ययन, सर्जिकल कर्करोग विज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स।

33. पिछले 5 वर्षों में अंतःस्रावी वार्ड में भर्ती प्राथमिक अतिपरजीविता वाले मामलों में विविध अंतःस्रावी गांठ की व्यापकता और विशेषताएं: एक पूर्वव्यापी अध्ययन, अंतः स्त्रवण विज्ञान, चयापचय और मधुमेह विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

34. गंधक न्यूरोब्लास्टोमा वाले रोगियों में गुप्त लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं के मूल्यांकन के लिए संभावित मूल अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

35. प्राथमिक पैरोटिड कार्सिनोमा वाले रोगियों में इंट्राग्लैंडुलर, पेरी-पैरोटिड, गुप्त और प्रकट ग्रीवा लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं को निर्धारित करने के लिए संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

36. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म के रोगियों में दोषी घावों के स्थानीयकरण में एकीकृत 18 एफ-फ्लोरोकोलिन पीईटी/4डीसीटी की भूमिका का अध्ययन, नाभिकीय मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

37. अग्न्याशय के सिस्टिक सूजन की अनुकूल बनाम घातक प्रकार की पहचान करने में सूक्ष्म आरएनए की भूमिका, जठरांत्र रोग विज्ञान।

38. मौखिक गुहा स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा के सर्जिकल प्रबंधन में पीईटी की भूमिका, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

39. एंडोमेट्रियल रोगविज्ञान के मूल्यांकन में शियर वेव इलास्टोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक एमआरआई की भूमिका, रेडियो उपचार विभाग।

40. गर्भाशय विकृति विज्ञान के मूल्यांकन में सोनो-इलास्टोग्राफी की भूमिका, रेडियो उपचार विभाग।

41. सिर और गर्दन के पैरागैंग्लिओमास में एसडीएचएक्स जीन उत्परिवर्तन: एक चिकित्सी रोगविज्ञान अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

42. प्रतिरोधात्मक निंद्रा अश्वसन की गंभीरता - सूजन के संकेतकों और शारीरिक कारकों के साथ सहसंबंध द्वारा सर्जरी के प्रभाव का मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

43. पित्ताशय के कार्सिनोमा के रोग हेतु विज्ञान के रूप में भारी धातुओं का अध्ययन, सर्जिकल कर्करोग विज्ञान।

44. मौखिक स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में सूक्ष्म रक्तवाहिनियां घनत्व और सीडी68 प्रतिरक्षा सकारात्मक ट्यूमर से जुड़े मैक्रोफेज का अध्ययन। ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

45. कोलेस्टीटोमा आक्रामकता का चिकित्सीय रोग विज्ञान मूल्यांकन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

46. परीक्षण को समाप्त करना: मौखिक गुहा के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमस, रेडिएशन कर्करोग विज्ञान के लिए, रोग विज्ञान सिद्ध एन0/एन1 गर्दन में ऑपरेशन के बाद रेडियोथेरेपी के चूक जाने का मूल्यांकन करने वाला एक II/III चरणीय यादृच्छिक परीक्षण, एनसीआई।

47. जीभ के स्क्वैमस कोशिका कार्सिनोमा में फैलने वाले लिंगीय लिम्फ नोड्स और लिम्फ नोडल के पैटर्न की व्यापकता का आकलन करने के लिए अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

48. कार्सिनोमा लैरिंक्स और हाइपोफरीनक्स वाले रोगियों में परामृश्य लिम्फ नोड विक्षेप की घटनाओं का निर्धारण करने के लिए आंशिक/कुल लेरिन्जेक्टोमी की योजना बनाई गई है, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

49. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में तुल्यकालिक ग्रासनी की सूजन का पता लगाने के लिए ट्रांस नेज़ल एसोफेजियल एंडोस्कोपी की भूमिका का मूल्यांकन करना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी और हेड नेक सर्जरी, एम्स।

50. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी से गुजरने वाले मरीजों की चिकित्सीय रूपरेखा, जांच और परिणाम का अध्ययन करने के लिए: एक पूर्वव्यापी और संभावित अनुभव, सर्जिकल कर्करोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तीय सहायता प्राप्त परियोजनाएँ (वर्तमान में जारी परियोजनाएँ)	55	21	41
कुल अनुदान (वर्तमान में जारी परियोजनाएं) (लाख)	4,91,74,844 रुपये	6,87,54,164 रुपये	15,94,05,126 रुपये

प्रकाशनः 188

जर्नल: 139 सार: 38 पुस्तक में अध्याय: 10 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विषयवस्तु	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	246	234	188
जर्नल आलेख	207	191	139
सार	12	19	38
पुस्तकों में अध्याय	26	23	10
पुस्तकें	1	1	1

रोगी उपचार प्रयोगशाला सेवाएँ

प्रयोगशाला सेवाएँ		2020-2021	2021-2022	2022-23
सर्जिकल पैथोलॉजी प्रयोगशाला	संसाधित नमूने	21,747	39,145	60,071
	विशेष दाग	20,200	38,800	37,800
साइटोपैथोलॉजी प्रयोगशाला	कुल नमूने	11,007	16285	28,845
	एफएनएसी (बाह्य रोगी)	3210	4319	9060
	एक्सफोलिएटिव रूटीन	4800	5730	10,005
	सर्वाइकल स्मीयर (पीएपी स्मीयर)	2997	6236	9780
	सेल ब्लॉक	-	-	9000
शव परीक्षण किए गए		9		3
इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला	डायग्नोस्टिक	32,087	50558	80,530
	अनुसंधान	211	288	-
न्यूरोपैथोलॉजी प्रयोगशाला	कुल नमूने	540	-	-
	जमे हुए भाग	32	-	-
	नियमित आईएचसी	3851	-	-
	अनुसंधान आईएचसी	2310	-	-
	स्नायु आईएचसी	460	-	-
	कुल प्राप्त मांसपेशी	56	-	-
	स्नायु एंजाइम-हिस्टोकेमिस्ट्री	151	-	-
सीटू संकरण में प्रतिदीप्ति	डायग्नोस्टिक	244	256	780
	शोध	228	230	118
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा	कुल नमूने	310	921	1157
	मांसपेशियों का नमूना	56	197	236
	तंत्रिका नमूना	15	35	7
	त्वचा का नमूना	-	30	37
	ट्यूमर का नमूना	-	70	81
	पैराफिन ब्लॉक	-	5	5
	डी2 बायोप्सी	-	10	7
	हृदय	-	14	
	किडनी	-	548	791
	अन्य	-	8	3
	इम्यूनोब्लॉट	17	-	-

रिसर्च माइक्रोटॉमी और थीसिस आईएचसी प्रयोगशाला	शोध भाग	1689	1123	2800
	थीसिस भाग	-	2824	6000
	ऑटोप्सी भाग	-	350	65
	एच एंड ई स्लाइड्स	7618	4000	36000
	यू/एस (कोटेड) स्लाइड्स	2998 + 23976	10000	20000
	ब्लॉक एंबेडेड		1473	32335
	जमे हुए अनुभाग	1789	885	1005
रेनल पैथोलॉजी सेवाएँ	मूत्र तलछट विश्लेषण	911	940	2686
	किडनी बायोप्सी की इम्यूनोफ्लोरेसेंस	354	610	745
	किडनी बायोप्सी की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	350	600	791
कार्डियक पैथोलॉजी	नियमित नमूने	165	1008	396
	अनुसंधान नमूने	196	607	140
	इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	296	720	276
	एच एंड ई स्टेन	383	2020	288
	विशेष दाग	143	2140	1608
	प्रत्यारोपण के बाद बायोप्सी का मैनुअल प्रसंस्करण	34	114	114
	ब्लॉकों को काटना (बिना दाग वाले खंड)	753	1793	776
	त्वचा बायोप्सी कटिंग	130 मामले	1825 मामले	-
	गुर्दे की बायोप्सी काटने से	200 मामले	-	-
	जमे हुए धारा	80 प्रकरण	885 प्रकरण	-
	डीआईएफ	-	805 मामले	212
	लेपित स्लाइड	3000	3300	-

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य प्रसेनजीत दास प्रश्न पत्र सेटिंग के लिए बैठक में विषय विशेषज्ञ हैं, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, 7 नवंबर 2022; प्रश्न पत्र सेटिंग के लिए विषय विशेषज्ञ आईएलबीएस, नई दिल्ली, जून 2022; प्रश्न पत्र सेटिंग के लिए विषय विशेषज्ञ, एम्स, कल्याणी, द्वितीय प्रोफेसर एमबीबीएस परीक्षा-10 जनवरी 2023; थीसिस-एमडी थीसिस के समीक्षक- पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ -1 मार्च 2023; थीसिस के समीक्षक-एम्स भुवनेश्वर, चौथा थीसिस-16 अगस्त 2022; बाहरी परीक्षक पीडीसीसी हेपेटोपैथोलॉजी एग्जिट परीक्षा, आईएलबीएस, दिल्ली, 3 जून 2022; बाहरी परीक्षक पीडीसीसी

हेपेटोपैथोलॉजी एग्जिट परीक्षा, आईएलबीएस, दिल्ली, 21 नवंबर 2022; भारतीय जर्नल ऑफ गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया था।

आचार्य दीपाली जैन को पुरस्कार प्राप्त हुए : एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड, चिकित्सा विज्ञान, तीसरा पुरस्कार, 2021; एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड, चिकित्सा विज्ञान, दूसरा पुरस्कार, 2020; प्रकाशित कार्य 2022 द्वारा फेलो रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट; अनुसंधान उत्कृष्टता (टीएआरई) के लिए टीचर्स एसोसिएटशिप के एसईआरबी विशेषज्ञ समिति की सदस्या; पावर ग्रांट की जीवन विज्ञान प्रारंभिक स्क्रीनिंग समिति के एसईआरबी सदस्या; अंतःविषय जैविक विज्ञान पर कार्यक्रम सलाहकार समिति के एसईआरबी सदस्या, वह वर्ल्डविज़न साइटोपैथोलॉजी प्रतियोगिता की निर्णयाक समीति में भी थीं। आईएससी/एएससी अगली पीढ़ी कोशिका विज्ञान सम्मेलन, बाल्टीमोर, यूएसए, 15-20 नवंबर2022; सत्र अध्यक्ष सौम्य थाइमिक विकार, वर्चुअल आईटीएमआईजी 2022, 29 सितंबर 2022 और सत्र अध्यक्ष मिनी मौखिक (रोग विज्ञान): ट्यूमर डायग्नोस्टिक्स, फेफड़ों के कैंसर पर विश्व सम्मेलन, वियना, ऑस्ट्रिया, 9 अगस्त 2022।

आचार्य सुधीर अरावा एनएमएस दिशानिर्देशों के अनुसार स्नातक शिक्षण मॉड्यूल के विकास के लिए नोडल अधिकारी हैं; स्वयं प्रभा चैनलों के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय के लिए व्यापक ऑनलाइन ओपन पाठ्यक्रम (एमओओसीएस) का विकास; फोरेंसिक विभाग के सहयोग से भारत में अचानक हृदय मृत्यु रजिस्ट्री विकसित करने के लिए कार्य करना; अंतरराष्ट्रीय मानकों के स्मार्ट स्नातक कक्षा कक्ष और व्यावहारिक हॉल का विकास; एम्स में अएईएपीमए (डीएपीसीओएन जुलाई 2022) के दिल्ली भाग के आयोजन सचिव, नई दिल्ली; एपीसीओएन 2023 वार्षिक पैथोलॉजी सम्मेलन में सह-आयोजन सचिव भी थे, एम्स. नई दिल्ली।

आचार्य गीतिका सिंह को रीनल पैथोलॉजी वर्किंग ग्रुप, अंर्तराष्ट्रीय सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया था; अंर्तराष्ट्रीय सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय बोर्ड (एसएआरबी) का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका - ग्लोमेरुलर डिजीजेज के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; भारतीय जर्नल ऑफ नेफ्रोलॉजी के संपादकीय बोर्ड का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया; जीएलओएमसीओएन आभासी सहभागिता के लिए नियमित संकाय सदस्या हैं।

डॉ. शिप्रा अग्रवाल ने दो थीसिस का मूल्यांकन किया, एमडी, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय।

डॉ. सीमा कौशल को जीयू ट्यूमर के वर्गीकरण पर डब्ल्यूएचओ की ब्लू बुक (पांचवां संस्करण) 2022 के अध्यायों के लिए लेखक के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. आदर्श बरवाड को अप्रैल 2022 में रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट (हिस्टोपैथोलॉजी) की सहभागिता प्राप्त हुई, मार्च 2023-सितंबर 2023 तक यूनिवर्सिटी ऑफ पिट्सबर्ग मेडिकल सेंटर, पिट्सबर्ग, पीए यूएसए में आईसीएमआर-डीएचआर अंतरराष्ट्रीय दीर्घकालिक सहभागिता 2022-23 भी प्राप्त हुई।

डॉ आंचल कक्कड़ को सिर और गर्दन डेटासेट लेखक समिति (डीएसी) के कैंसर रिपोर्टिंग (आईसीसीआर) म्यूकोसल मेलानोमास पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ अरुणा नांबिराजन को आईएपीएम दिल्ली भाग, 2022-23 के वार्षिक सम्मेलन में प्रतिभाशाली युवा रोगविज्ञानी के लिए डॉ एनसी नायक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. बालामुरुगन टी, दिसंबर 2022 में रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट के सहभागी थे।

छात्रों द्वारा जीते गए पुरस्कार

1. **अम्बर राठौड़**: दूसरा पुरस्कार, मौखिक प्रस्तुति, फेफड़ों के कैंसर में रिफ्लेक्स परीक्षण के रूप में तरल बायोप्सी, एनएएलसीसीओएन 2022, एम्स जोधपुर, जनवरी 2023।
2. **डॉ. उर्वशी**: प्रथम पुरस्कार पोस्टर, प्रवाह कोशिका विज्ञान में एनयूटी कार्सिनोमा, साइटोकॉन 2022, सिलीगुड़ी।
3. **डॉ. सुरभि जैन**: द्वितीय पुरस्कार, मौखिक पेपर-सीनियर रेजिडेंट श्रेणी, फुफ्फुस बहाव नमूनों के सतह पर तैरनेवाला से ईजीएफआर उत्परिवर्तन परीक्षण, एम्स, नई दिल्ली, दूसरा वार्षिक अनुसंधान दिवस, 2022।
4. **अम्बर राठौड़**: विकासशील राष्ट्र पुरस्कार: विश्व फेफड़े के कैंसर कांग्रेस 2022, गैर-लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा में प्रारंभिक ईजीएफआर उत्परिवर्तन का पता लगाने के आकलन के लिए तरल बायोप्सी का उपचारिक अनुप्रयोग।
5. **गद्दाम पी**: XXIV आईएपी वार्षिक सीएमई 2022 में को पेपर प्रेजेंटेशन के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसका शीर्षक था "ट्यूमर अनुपात स्कोर और संयुक्त अनुपात स्कोर PD- L1 द्वारा अभिव्यक्त थायराइड कार्सिनोमा में तुलनीय है।"
6. **सुरभि जैन:** ह्यूस्टन, टेक्सास में सोसायटी ऑफ रूधिर विज्ञान संबंधी, कर्करोग विज्ञान वार्षिक सम्मेलन 2022 में काम प्रस्तुत करने के लिए युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त हुआ।
7. **इशान गुप्ता**: ह्यूस्टन, टेक्सास में सोसायटी ऑफ रूधिर विज्ञान संबंधी, कर्करोग विज्ञान वार्षिक सम्मेलन 2022 में काम प्रस्तुत करने के लिए युवा अन्वेषक पुरस्कार प्राप्त हुआं।
8. **सुरभि जैन:** सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार श्रीमती गीता मित्तल पदक और बुनियादी शोध के लिए एक पुस्तक पुरस्कार स्वरूप प्राप्त हुई।
9. **आदित्य जादव,** एमबीबीएस छात्र को दिसंबर 2022 में पेपर "पीडियाट्रिक न्यूरोब्लास्टोमास में एएलके इम्यूनोएक्सप्रेशन का विश्लेषण" के लिए भारतीय रोगविज्ञानी एवं सूक्ष्मजीवविज्ञानी संघ एपीसीओएन 2022 के वार्षिक सम्मेलन में स्नातक छात्रों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
10. **कीर्ति श्रीवास्तव,** सीनियर शोध सहयोगी को नवंबर 2022 में, फाउंडेशन फॉर हेड-नेक ऑन्कोलॉजी (एफएचएनओ) की 22वीं वार्षिक बैठक में बुनियादी विज्ञान में "सिनोनासल स्क्वैमस नियोप्लाज्म में अक्सर ईजीएफआर उत्परिवर्तन लक्षित चिकित्सा के लिए निहितार्थ" विषय पर सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति के लिए सिल्वर मेडल (द्वितीय पुरस्कार) से सम्मानित किया गया।
11. **अखिला गोपकुमार,** जूनियर रेजिडेंट को नवंबर 2022 में, इंडियन भारतीय साइटोलॉजिस्ट अकादमी के 32वें वार्षिक सम्मेलन में "सूक्ष्मसुई एस्पिरेशन साइटोलॉजी ऑफ एसएमएआरसीए4

(बीआरजी1)-डिफिसिएंट सिनोनासल टेराटोकार्सीनोसर्कोमा, साहित्य में पहली रिपोर्ट" शीर्षक वाले पोस्टर के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

12. **बुर्रा शिवानी श्रीवास्तव,** एमबीबीएस छात्रा को अक्टूबर 2022 में "बाल चिकित्सा न्यूरोब्लास्टोमा में एमवाईसीएन इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री और एमवाईसीएन प्रवर्धन स्थिति का तुलनात्मक विश्लेषण" पेपर के लिए एम्स अनुसंधान दिवस 2022 पर, एमबीबीएस/बीएससी छात्रों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरे पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

13. **डॉ. हेना खंडाकर (एसआर)** ने जुलाई 2022 में एम्स, नई दिल्ली में आयोजित वार्षिक डीसी-आईएपीएम में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर के लिए एच.डी. टंडन पुरस्कार जीता।

9.30 भेषजगुण विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

वी.एल. कुमार

आचार्य

एन.आर. विश्वास (सेवानिवृत्त: 31 मई 2022) डी.एस. आर्य
जतिंदर कात्याल सुरेंद्र सिंह
के.एच. रीता जागृति भाटिया

अपर आचार्य

पूजा गुप्ता सुधीर चंद्र सारंगी हरलोकेश नारायण यादव

वैज्ञानिक

थॉमस कालेकल माधुरी गुप्ता सुंदर सिंह सैमुअल स्वाति शर्मा

देवेन्द्र सिंह (13 अगस्त 2022 को नियुक्त हुए) अजय गॉडविन पोटनुरी (29 सितंबर 2022 को नियुक्त हुए)

शिक्षा

विभाग पूरी तरह से बीएससी नर्सिंग (ऑनर्स), बीएससी ओटी तकनीशियन, एमबीबीएस, एमएससी, एमडी, पीएचडी और डीएम (चिकित्सीय भेषजगुण विज्ञान) पाठ्यक्रमों के शिक्षण कार्यक्रमों में सक्रिय है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आकस्मिक एग्रोकेमिकल विषाक्तता के निदान, प्रबंधन और उपचार के सिद्धांतों पर डॉक्टरों के लिए सीएमई वेबिनार, 25 जुलाई 2022, दिल्ली।

व्याख्यान : 16

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
6	3	16

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 20

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
3	10	20

अनुसंधान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मिर्गी प्रतिरोधी दवा लेने वाले रोगियों में दौरे के नियंत्रण पर विटामिन डी अनुपूरण की भूमिका और मिर्गीजनन के बायोमार्कर के साथ इसके संबंध की जांच करने के लिए एक अध्ययन, सुधीर चंद्र सारंगी, आईसीएमआर एसआरएफ, 3 वर्ष, 2022-2025, 8,80,000 रुपये।
2. नैदानिक एवं पूर्वानुमानक बायोमार्कर्स का पता लगाने के लिए रोग अधिकता एवं उपचारात्मक निष्कर्षों, तथा मेटाबोलॉमिक्स डाटाबेस को विकसित करने हेतु प्रोस्टेट कैंसर से ग्रसित रोगियों के मेटाबोलॉमिक्स की जांच करना, डीएस आर्य, एम्स, 2 वर्ष, 2022-24, 2 लाख रूपये।
3. अरक्तता: भारतीय जनसमुदाय में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों तथा जीवनशैली की भूमिका का पता लगाना, डॉ. हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 75 लाख रुपये।
4. सामान्य विषों से संबंधित जागरूकता, अनुभूति एवं केएपी (ज्ञान, प्रवृत्ति एवं कार्यप्रणाली) का आकलन करना तथा विषाक्तता की रोकथाम हेतु सार्वजनिक जागरूकता पैदा करने के लिए वर्ष भर चलने वाली नीति एवं जीवनशैली संबंधी उतार-चढ़ावों के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संवादनीय मापदंड विकसित करना, स्वाति शर्मा, डीएसटी, 1.5 वर्ष, 2021-23, 42,57,000
5. मिर्गी के रोग से ग्रसित लोगों में एंटीलेपटिक दवा मोनोथेरेपी पर सामाजिक अनुभूति एवं व्यावहारिक असमर्थता का संबंध: जांच परिणाम तत्वों की स्थिति तथा न्यूरोइमेजिंग परिणामों के साथ सहसंबंध, सुधीर सीएच सारंगी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 29,74,272
6. फेफड़े के कैंसर के ज़ेनोग्राफ्ट माउस मॉडल में एक चयनित यूनानी चिकित्सा का कीमोथेरेपी प्रभाव, पूजा गुप्ता, सीसीआरयूएम, 3 वर्ष, 2023-26, 27,38,694 रुपये।
7. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में लक्षित चयापचयों को एकीकृत करने वाले ऑरेक्सिनर्जिक मार्ग के साथ एंटीडिप्रेसेंट थेरेपी का सहसंबंध: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, केएच रीटा, डीएचआर-आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 54,48,000 रुपये।
8. कैंसर रोगियों में प्रतिरक्षा संबंधी प्रतिकूल घटनाओं के साथ अगली पीढ़ी के अनुक्रमण द्वारा जर्मलाइन एचएलए भिन्नता का सहसंबंध, पूजा गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-25, रु 58,15,260
9. वायरलेस कैप्सूल एंडोस्कोपी हेतु कैप्सूल प्रोटोटाइप के तौर पर नैनोस्केल समेकित प्रणाली को अनुरूप एंटीना के साथ डिजाईन विकसित करना, डॉ. हरलोकेश नारायण यादव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 74 लाख रुपये।
10. बेहतर थर्मो-कंडक्टिव, बायोकम्पैटिबल और रेडियो-अपारदर्शिता के साथ प्रबलित नैनो डिस्पर्स्ड डेंचर बेस रेजिन का विकास, माधुरी गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 36,15,624 रुपये।
11. रक्त संबंधी विकृतियों वाले रोगियों में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी के लिए प्रारंभिक बायोमार्कर, शालिनी रावल (डॉ. पूजा गुप्ता - मेंटर), डीएसटी (डब्ल्यूओएस-बी), 3 वर्ष, 2019-23, 30,24,561 रुपये।

12. अवसाद के रोगियों में न्यूरोडीजेनेरेशन और न्यूरोप्लास्टीसिटी पर अवसादरोधी दवाओं का प्रभाव, सुधीर चंद्र सारंगी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-23, 29,03670 रुपये।

13. चूहों में स्ट्रोक के मध्य सेरेब्रल धमनी आक्लूशन मॉडल में इस्किमिया रीपरफ्यूजन क्षति में डिकैनोइक एसिड का मूल्यांकन, केएच रीता (गाइड) हिमांशु शर्मा (सीनियर रिसर्च फेलो), आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021-23, 8,80,000 रुपये।

14. इस्केमिक प्रीकंडीशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन एवं विटामिन डी के साथ इसका सहसंबंध, हरलोकेश नारायण यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-26, 82,00,000 रुपये।

15. चूहों में तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के स्थायी और क्षणिक मॉडल में माइक्रोग्लियलपोलराइजेशनशिफट पर सेफिनामाइड के प्रभाव का मूल्यांकन, केएच रीता (मेंटर) हिमिका वासन (डीएचआर युवा वैज्ञानिक), डीएचआर (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2022-25, 49,03,000 रुपये।

16. मोनोएमिनर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन से संबंधित बहुरूपताओं की आनुवंशिक अभिव्यक्ति और अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में अवसादरोधी प्रतिक्रिया के साथ उनका संबंध, सुधीर चंद्र सारंगी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 43,49,520 रुपये।

17. कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) से निदान किए गए "प्रकृति" स्तरीकृत रोगियों का जीनोमिक एवं जैव रासायनिक सहसंबंध : व्यक्तिगत सीएडी उपचार के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण, केएच रीता (परामर्शदाता) पामिला दुआ (महिला वैज्ञानिक), डीएसटी, 3.5 वर्ष, 2019-23, 31 रुपये, 21,000

18. आईसीएमआर: उत्पाद विकास केंद्र, डीएस आर्य, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-24, 71,00,000 रुपये।

19. इन-सिलिको विधियों का उपयोग करके ओक्यूपेशनल जोखिम के कारण लेड विषाक्तता से जुड़े संभावित बायोमार्कर की पहचान, स्वाति शर्मा, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2022-24, 10,00,000 रुपये।

20. एएमपीए रिसेप्टर का मॉड्यूलेशन: चूहों में फोकल सेरेब्रल इस्किमिया रीपरफ्यूजन चोट के बाद स्ट्रोक के बाद की क्षति पर प्रभाव, केएच रीटा, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2019-23, 5,40,000 रुपये।

21. रुमेटॉइड गठिया में उपयोग की जाने वाली होम्योपैथिक दवाओं की औषधीय जांच, सुरेंद्र सिंह, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार। 3 वर्ष, 2019-22, रु 37,18,596, होम्योपैथिक दवाओं का सुरक्षा अध्ययन।

22. चूहों में मधुमेह मेलेटस के प्रायोगिक मॉडल में माइक्रोएल्गल बायोएक्टिव उत्पादों (क्लोरेला मिनुटिसिमा) की हाइपोग्लाइकेमिक गतिविधि का पायलट-स्केल पर उत्पादन और मूल्यांकन, हरलोकेश नारायण यादव, ट्रिनिटी इंटरनेशनल, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2023-24, 15,00,000 रुपये।

23. पशु मॉडल में कीमोथेरेपी प्रेरित कार्डियोटॉक्सिसिटी में बेरबेरीन नैनोकणों की निवारक प्रभावकारिता, पूजा गुप्ता, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 10,00,000 रुपये।

24. आयुर्वेद पर संभावित डबल ब्लाइंड याद्दच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन चरण-1 के प्रबंधन में हस्तक्षेप (सर्पगंधामिश्रण) बनाम एम्लोडिपाइन प्राथमिक उच्च रक्तचाप, डीएएआर्या, सीसीआरएएस, 3 वर्ष, 2021-24, 61,00,000 रुपये।

25. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में अस्थि खनिज घनत्व पर विटामिन के अनुपूरण के मूल्यांकन के लिए याद्दच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डीएस आर्य, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, रु 57,00,000

26. प्रायोगिक उच्च कैलोरी आहार प्रेरित स्तंभन में सिल्डेनाफिल के साथ फिसेटिन की भूमिका नर विस्तार चूहों में शिथिलता, हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 16,20,000 रुपये।

27. सुरेंद्र सिंह, केंद्रीय आर्योवेदिक अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2022-24, 29,61,840 रुपये।

28. एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर उत्परिवर्तित फेफड़े के कैंसर सेल लाइन और ज़ेनोग्राफ्ट माउस मॉडल में जियफिटिनिब के साथ आइवरमेक्टिन की कैंसर विरोधी गतिविधि का मूल्यांकन करना, पूजा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 20,12,152 रुपये

29. कार्डियक फाइब्रोसिस के विभिन्न मॉडलों में 4 ऑक्टाइल के प्रभावों का अध्ययन करने और एनएलआरपी 3 इन्फ्लेमोसोम मार्ग में इसकी भूमिका का आकलन करना, जागृति भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 27,30,640 रुपये।

30. ओवरीएक्टोमाइज्ड विस्टार चूहों पर इस्केमिक प्रीकंडीशनिंग द्वारा जीएसके-3बी के नियामक तंत्र का अध्ययन करना, हरलोकेश नारायण यादव, एम्स, 2 वर्ष, 2021-23, 10,00,000 रुपये।

पूर्ण

1. विस्टार चूहों में प्रायोगिक डायबिटिक कार्डियोमायोपैथी में विनपोसेटिन की सुधारात्मक क्षमता, हरलोकेश नारायण यादव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 16,80,000 रुपये।

2. मिर्गीजनन और न्यूरोडीजेनेरेटिव परिवर्तनों पर ट्रांस 4-ब्यूटाइलसाइक्लोहेक्सेन कार्बोक्जिलिक एसिड (4-बीसीसीए) का प्रभाव, सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स-यूसीएल सहयोगात्मक, 1 वर्ष, 2021-22, 4,60,000 रुपये।

3. कोलाइटिस के चूहे मॉडल में एज़ैथियोप्रिन के फार्माकोडायनामिक्स और फार्माकोकाइनेटिक्स पर एशियाटिकोसाइड एवं मेडेकासोसाइड के प्रभाव का मूल्यांकन, थॉमस कालेकल, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2019-22, 9,45,000 रुपये।

4. दवाओं के तर्कसंगत उपयोग पर आईसीएमआर टास्क फोर्स सेंटर, पूजा गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, रु 44,75,638।

5. अधातोवासिका के प्रभाव की जांच के लिए ब्लोमाइसिन प्रेरित फुफ्फुसीय फाइबोसिस के प्रयोगात्मक मॉडल में औषधीय और आणविक दृष्टिकोण, जागृति भाटिया, सेंट्रल यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद, आयुष विभाग, 4 वर्ष, 2018-22, रु 55,42,932

6. चूहों में इस्केमिक स्ट्रोक के स्थायी और क्षणिक मॉडल में ऑटोफैगी और एपोप्टोसिस को संशोधित करने में जीएसके3 की भूमिका, केएच रीता (मेंटर), देवेंद्र सिंह (आरए), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 21,58,000 रुपये।
7. विटामिन डी रिसेप्टर अभिव्यक्ति का अध्ययन और विटामिन डी के पूरक के बाद दवा प्रतिरोधी मिर्गी वाले व्यक्तियों में दौरे के नियंत्रण के साथ उनका संबंध, सुधीर चंद्र सारंगी, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-22, 10,000,00 रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. युवा और मध्यम आयु वर्ग के टाइप 2 मधुमेह रोगियों में संज्ञानात्मक प्रकार्य पर मुखिय हाइपोग्लाइसेमिक एजेंटों के प्रभाव का मूल्यांकन।
2. स्वस्थ मानव स्वयंसेवकों में मांसपेशियों की सहनशक्ति का परीक्षण करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक हैंड ग्रिप डायनेमोमीटर की उपयोगिता।
3. चूहों में मेथोट्रेक्सेट प्रेरित यकृत और गुर्दे की विषाक्तता पर एटोरवास्टेटिन का प्रभाव।
4. पीड़ा और सूजन के प्रायोगिक मॉडल में विल्डाग्लिप्टिन के प्रभाव पर अध्ययन।
5. फेफड़े के कैंसर के सेल लाइनों और ज़ेनोग्राफ़्ट माउस मॉडल में आइवरमेक्टिन और एस्किन का कीमोथेराप्यूटिक प्रभाव।
6. गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर रोगियों में इसके प्लाज्मा स्तर पर जियफिटिनिब देते समय के प्रभाव को समझने के लिए एक पायलट अध्ययन।
7. मिर्गी के सक्रिय रोगियों में सहायक चिकित्सा के रूप में फेनोफाइब्रेट: एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन।
8. तृतीयक चिकित्सा केंद्र में दौरे से मुक्त अवधि के बाद मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में मिर्गी-विरोधी दवाओं का टेपरिंग पैटर्न।
9. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार के साथ राइबोफ्लेविन अनुपूरण के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
10. प्राथमिक पीसीआई कराने वाले एसटीईएमआई रोगियों में सूजन के मार्करों पर रिमोट इस्केमिक प्रीकंडीशनिंग के प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन और सीरम विटामिन डी के स्तर के साथ इसका संबंध।
11. अकेले एनओएक्स1/एनओएक्स4 के एक चयनात्मक अवरोधक जीकेटी136901 का प्रभाव और मोनोक्रोटालाइन में सिल्डेनाफिल का संयोजन चूहों में उच्च रक्तचाप को प्रेरित करता है।
12. टाइप 2 के रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव पर एक सहायक दवा के रूप में बेनफोटियामाइन का प्रभाव - एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित नैदानिक परीक्षण।
13. चूहे के दिल में मायोकार्डियल रोधगलन और मधुमेह आईआर-क्षति के प्रयोगात्मक मॉडल में टेरिफ्लुनोमाइड के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का औषधीय और आणविक लक्षण वर्णन।
14. गैर एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग के प्रायोगिक मॉडल में निलोटिनिब के प्रभाव को उजागर करने के लिए औषधीय अध्ययन।

15. चूहों में आइसोप्रोटीनॉल प्रेरित मायोकार्डियल क्षति पर सेलेनियम और राइबोफ्लेविन से जुड़े रेडॉक्स चक्र के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का अध्ययन।
16. चूहों में मायोकार्डियल रोधगलन के एक प्रयोगात्मक मॉडल में कुछ चयनित पौधों के अर्क के संभावित कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभावों को रेखांकित और चिह्नित करने के लिए अध्ययन।

पूर्ण

1. स्वस्थ स्वयंसेवकों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित दर्द के लिए ओपन लेबल प्लेसीबो बनाम डबल-ब्लाइंड प्लेसीबो उपचार: एक पायलट अध्ययन।
2. प्रोस्टेटाइटिस के प्रायोगिक मॉडल में रॉक्सिथ्रोमाइसिन के प्रभाव पर अध्ययन।
3. चूहों में मेथोट्रेक्सेट प्रेरित यकृत और गुर्दे की विषाक्तता पर एटोरवास्टेटिन का प्रभाव।
4. कोविड-19 महामारी के दौरान हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग: प्राप्त टेलीफोनिक प्रश्नों पर आधारित मुद्दे और दृष्टिकोण, राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र, नई दिल्ली, भारत।
5. स्वस्थ स्वयंसेवकों में साइकोमोटर कौशल, संज्ञानात्मक और निर्णय लेने की क्षमताओं पर पेरासिटामोल की एकल खुराक के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित क्रॉसओवर अध्ययन।
6. सिस्प्लैटिन प्राप्त करने वाले सर्वाइकल कैंसर रोगियों में ओटोटॉक्सिसिटी के निर्माता एक पायलट अध्ययन।
7. चूहों में मिर्गी की स्थिति के मॉडल में दौरे के नियंत्रण और न्यूरोबिहेवियरल मापदंडों में पीपीएआर मॉड्यूलेटर की भूमिका।
8. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप पर विटामिन डी का प्रभाव।
9. चूहों में कार्डियोरेनल सिंड्रोम के एक प्रयोगात्मक मॉडल में दाएं वेंट्रिकुलर और गुर्दे के कार्य की बहाली में कैल्सीट्रियोल पूर्व-उपचार के प्रभाव।
10. चूहों में आइसोप्रोटीनॉल प्रेरित कार्डियक हाइपरट्रॉफी में मोरिंगाओलीफेरा पत्ती के अर्क की औषधीय जांच।
11. चूहों में आइसोप्रोटेरेनॉल प्रेरित कार्डियक हाइपरट्रॉफी में फ़्लोरग्लुसीनॉल की औषधीय जांच।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ऑरोफरीन्जियल मलिग्नेन्सी वाले रोगियों में एन-एसिटाइल सिस्टीन के अंतःस्रावी प्रशासन द्वारा रेडियोथेरेपी प्रेरित ज़ेरोस्टोमिया की रोकथाम: एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, ईएनटी।
2. स्टेनोसिस: इंट्राक्रानियल एथेरोस्क्लोरोटिक रोग के कारण इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी: एक यादृच्छिक परीक्षण, तन्त्रिका विज्ञान।
3. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार (एएसडीएस) वाले बच्चों में मौखिक प्रोबायोटिक्स अनुपूरण की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, बाल चिकित्सा।

पूर्ण

1. दवा प्रतिरोधी बैक्टीरिया एवं फंगल रोगज़नक़ के विरूद्ध इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि के लिए ठंडे वायुमंडलीय प्लाज्मा जेट की प्रभावकारिता: एक इन-विट्रो और इन-विवो अध्ययन, सूक्ष्मजैव विज्ञान

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ:

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	23	29	30
वित्त पोषण (लाख)	6,90,67,356	9,21,52,950	10,69,93,829

प्रकाशन

पत्रिका: 38 सार: 8 पुस्तकों में अध्याय: 2 पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 1

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	39	32	49
पत्रिका में लेख	35	24	38
सार	3	6	8
किताबों में अध्याय	-	-	2
पुस्तकें	1	2	1

रोगी उपचार

अस्पताल सेवाएँ

रेजीडेंटों द्वारा उन्हें सौंपे गए अस्पताल संबंधी कोविड कर्तव्यों के निर्वहन में सक्रिय रूप से भाग लिया गया।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी)

भेषजगुण विभाग राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र (एनपीआईसी) विषाक्तता के उपचार पर जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एनपीआईसी द्वारा प्रदान की जाने वाली चौबीस घंटे की सेवा का लाभ देश भर के उपचार प्रदान करने वाले चिकित्सकों, सरकारी एजेंसियों, गैर सरकारी संगठनों और आम जनता द्वारा उठाया जाता है।

राष्ट्रीय विष सूचना केंद्र को विष संबंधी कॉलें प्राप्त हुईं,

भेषजगुण विभाग (अप्रैल 2022 - मार्च 2023)

2022-23 के दौरान एनपीआईसी पर प्राप्त कॉल	**संख्या**	**%**
कॉल की कुल संख्या	7492	100%
विष संबंधी कॉल	7431	99.2
सूचना कॉल	61	0.8%
लिंग		
पुरुष	4520	60.8
महिला	2888	38.9
आयु के अनुसार समूह		
0-6 वर्ष	3349	45.1
>6-12 वर्ष	611	8.2
>12-18 वर्ष	759	10.2
>18-35 वर्ष	1781	24.1
>35-60 वर्ष	765	10.2
>60 वर्ष	142	1.9
श्रेणियाँ		
घरेलू उत्पाद	3202	43.1
औद्योगिक रसायन	403	5.4
कृषि रसायन	1330	19.9
दवा उत्पाद	2065	27.8
काटना एवं डंक मारना	119	1.6
पौधे	143	1.9
विविध	119	1.6

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
कुल रोगी प्रवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य डीएस आर्य केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार में विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी) के अध्यक्ष हैं; सदस्य, सीडीएससीओ, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; विशेषज्ञ सदस्य, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (एनएडीए), युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार।

आचार्य सुरिंदर सिंह भारत सरकार के संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के पैनल सलाहकार हैं; सदस्य, शासी निकाय, सीसीआरएच और सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार; प्रमाणित जीएलपी इंस्पेक्टर, राष्ट्रीय जीएलपी अनुपालन निगरानी प्राधिकरण (एनजीसीएमए), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली; सदस्य, टास्क फोर्स, होम्योपैथिक दवाओं का मानकीकरण, सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; अध्यक्ष, पशु आचार समिति, केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान संस्थान (सीआरआईएच), आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; सदस्य, आचार समिति, सीसीआरएच, आयुष विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार।

आचार्य के. एच. रीता राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी भारत (2022) की फेलो हैं। सदस्य, विषय विशेषज्ञ समिति (एसईसी), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रेबीज पर राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समिति (एनटीएसी) की सदस्य हैं।

डॉ. पूजा गुप्ता, प्रभारी आचार्य, कंप्यूटर सुविधा हैं; सदस्य सचिव: एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक परीक्षणों में प्रतिकूल घटनाओं की निगरानी के लिए संस्थान नैतिकता उपसमिति; सदस्य: कार्य समिति, एम्स, नई दिल्ली में नैदानिक अनुसंधान एकक; सदस्य, राष्ट्रीय औषधि डेटाबेस, सीडीएससीओ की तैयारी के लिए समिति; अनुसूची एच, सीडीएससीओ के संशोधन के लिए विशेषज्ञ समिति की सदस्य; आचार समिति, राष्ट्रीय मलेरिया अनुसंधान संस्थान, आईसीएमआर; पल्स समन्वय समिति; सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए एम्स संस्थान दिवस उपसमिति की सदस्य हैं।

डॉ. हरलोकेश नारायण यादव को 23-25 फरवरी 2023 तक जेएसएस कॉलेज ऑफ फार्मेसी, मैसूर में आयोजित इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी (आईपीएससीओएन-2023) के 52वें वार्षिक सम्मेलन में इंडियन फार्माकोलॉजिकल सोसायटी द्वारा कार्डियोवास्कुलर रिसर्च में महत्वपूर्ण योगदान के लिए एनएस ढ़ल्ला ओरेशन से सम्मानित किया गया; 27 से 29 अक्टूबर 2022 तक बुखारेस्ट, रोमानिया में आयोजित इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर फार्माकोथेरेपी की 27वीं वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर फार्माकोथेरेपी द्वारा डिप्लोमा प्रदान किया गया; सीवी नेटवर्क, इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ कार्डियोवास्कुलर साइंसेज, विन्निपेग, कनाडा का एक आधिकारिक बुलेटिन के संपादकीय बोर्ड के सदस्य हैं।

9.31 भौतिक चिकित्सा और पुनर्वास

आचार्य एवं अध्यक्ष

संजय वाधवा

आचार्य

एसएल यादव | गीता हांडा

अपर आचार्य

श्रीकुमार वी

सह-आचार्य

असीम रंगिता चानू | अरुण कुमार चौधरी (राष्ट्रीय वृद्धावस्था केंद्र)

समुह क अधिकारी

मुख्य भौतिक चिकित्सक

स्मिता दास

अधीक्षक भौतिक चिकित्सक

ओपी यादव

मुख्य व्यावसायिक चिकित्सक

रमन कुमार सिंह

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

अजय बब्बर

विशिष्टताएं

श्री राजेश अग्रवाल, आईएएस, सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, भारत सरकार, ने आचार्य एम श्रीनिवास, निदेशक, एम्स के साथ 17 जनवरी 2023 को कृत्रिम और विकलांगता कार्यशाला, पीएमआर विभाग का दौरा किया।

विभाग ने भविष्य में मिशन योग्यता आधारित पीएमआर शिक्षा के साथ 9-11 फरवरी 2023 तक इम्फाल, मणिपुर में आयोजित भारतीय भौतिक चिकित्सा एवं पुनर्वास संघ के 51वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

विभाग ने 12-13 नवंबर 2022 को धारूहेड़ा, दिल्ली एनसीआर में "संतुलन की बात करते हैं" विषय पर इंद्रप्रस्थ पुनर्वास चिकित्सा संघ के 17वें वार्षिक सम्मेलन और आईएपीएमआर मध्यावधि सीएमई (24-25 सितंबर 2022) में भाग लिया, एम्स, नागपुर।

विभाग ने सेवाएं प्रदान करने, संक्रमण की रोकथाम और नियंत्रण में शिक्षण प्रशिक्षण, शीघ्र पहचान, टेली-मेडिसिन और टेली-पुनर्वास परामर्श आदि के माध्यम से कोविड-19 महामारी के विरुद्ध लड़ाई में भी योगदान दिया।

कृत्रिम और विकलांगता कार्यशाला, पीएमआर विभाग शारीरिक विकलांगता और स्थायी विकलांगता वाले मरीजों को न्यूरो-स्नायु-स्केलेटल विकारों या स्थिरीकरण के लिए सहायक निवारक या सुधारात्मक उद्देश्यों के लिए कृत्रिम और विकलांगता सहायता और उपकरण प्रदान करके मूल्यवान पुनर्वास सेवाएं प्रदान करता है, कटे हुए हिस्सों के प्रतिस्थापन प्रदान करता है। कार्यात्मक और सौंदर्यवर्धक उपस्थिति को पुर्नस्थापित करने और महत्वाकांक्षा प्रदान करने के लिए, यह रोगियों को आवश्यकता के अनुसार नवीनतम हल्के, टिकाऊ और कार्यात्मक/सौंदर्यवर्धक कृत्रिम विकलांगता उपकरणों की एक श्रृंखला प्रदान करता है।

जागरूकता बढ़ाने और व्हीलचेयर गतिविधियों के वितरण के साथ 3 दिसंबर 2022 को विभाग में विकलांग व्यक्तियों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एम्स के शैक्षिक अनुभाग के संकायाध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। 5 नवंबर 2022 को कृत्रिम और विकलांगता कार्यशाला में अंतर्राष्ट्रीय कृत्रिम विकलांगता दिवस मनाया गया।

शिक्षा

इस विभाग द्वारा आठवें सत्र और छठे सत्र के लिए स्नातक शिक्षण किया गया था। बारह स्नातकोत्तर छात्र एमडी (पीएमआर) कर रहे हैं। विभाग में स्नातकोत्तर और सहचर्य प्रशिक्षण उपशामक देखभाल तथा ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी, बाल चिकित्सा तंत्रिका विज्ञान और दर्द फैलो के लिए आयोजित किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान: 19

अनुसंधान

पीआई के रूप में पीएमआर संकाय के साथ जारी है

1. वास्तविक समय बल माइओग्राफी का कार्यान्वयनः कुशल कृत्रिम पैर का विकास, डॉ. गीता हांडा, डीबीटी प्रेरित, 5 वर्ष, 2020-25, 1.1 करोड़ रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. प्राथमिक अस्थि संधि शोथ घुटने के रोगियों में दर्द, जीवन की गुणवत्ता और दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुधार के लिए अंतः लेखीय बिम्बाणु समृद्ध प्लाज्मा और एडालिमैटेब के मध्य तुलना: एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण।
2. एम्स में सीएसआर के विश्लेषण की आवश्यकता, नई दिल्ली।
3. सामान्य देखभाल के साथ ओए घुटने के रोगियों में व्यायाम सहित संरचित पुनर्वास कार्यक्रम की प्रभावशीलता की तुलना करने के लिए एक बेतरतीब नियंत्रण अध्ययन।

4. अकिलीज़ कंधा रोग पर विलक्षण व्यायाम बनाम अकेले विलक्षण व्यायाम के संयोजन में बिम्बाणु समृद्ध प्लाज्मा के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक बेतरतीब नियंत्रण परीक्षण।
5. पुरानी कमर दर्द वाले रोगियों में कार्यात्मक स्थिति और मानसिक कल्याण पर व्यायाम का प्रभाव - एक पूर्व-बाद का अंतःक्षेपी अध्ययन।
6. पीठ के निचले हिस्से में दर्द के लिए संक्षिप्त आईसीएफ कोर सेट की सामग्री का डब्ल्यूएचओडीएएस 2.0 और ओडीआई के साथ मूल्यांकन और संबद्ध करना तथा पुरानी पीठ दर्द में संक्षिप्त आईसीएफ कोर सेट में मरीजों के परिप्रेक्ष्य की अवधारण की पहचान करना।
7. घुटने के पुराने अस्थि संधि शोथ के रोगियों में कार्यात्मक परिणाम और सफल परिणाम के लिए इसके पूर्वानुमानों पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव।
8. प्राथमिक अस्थि संधि शोथ घुटने के रोगियों में दर्द, जीवन की गुणवत्ता और दैनिक जीवन की गतिविधियों में सुधार के लिए अंतःलेखीय बिम्बाणु समृद्ध प्लाज्मा और एडालिमैटेब के बीच तुलना: एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण।
9. हिरयामा रोग में चिकित्सीय-रेडियोलॉजिकल विशेषताएं और विकलांगता - एक अवलोकन अध्ययन।
10. बहुप्रजनन परीक्षण: रीढ़ की हड्डी की चोट वाले व्यक्तियों में दबाव की चोट के उपचार के लिए स्वयंसिद्ध बिम्बाणु समृद्ध फ़ाइब्रिन की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक मूल, डबल-ब्लाइंड, संभावित, बेतरतीब, नियंत्रित परीक्षण।
11. कोविड के बाद संक्रमित व्यक्तियों में कार्यात्मक स्थिति और लंबे समय तक रहने वाले कोविड रोगियों में लक्षणों का आकलन करने के लिए एक बहुकोणीय अध्ययन।
12. गंभीर कमर दर्द के रोगियों में कार्यात्मक स्थिति, मानसिक कल्याण पर व्यायाम का प्रभाव: एक पूर्व-बाद का अंतःक्षेपी अध्ययन।
13. घुटने के अस्थि संधि शोथ के रोगियों में कार्यात्मक परिणाम पर एक संरचित गृह आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव और सफल परिणाम के लिए इसके पूर्वानुमानकर्ता।

पूर्ण

1. छुट्टी होने के बाद के लक्षणों और पुनर्वास आवश्यकताओं का आकलन करने के लिए गंभीर या गंभीर बीमारी से बचे कोविड-19 से बचे लोगों की टेलीफोनिक स्क्रीनिंग: एक संभावित समूह अध्ययन।
2. रीढ़ की हड्डी की दर्दनाक चोट वाले व्यक्तियों की देखभाल करने वालों के बीच, देखभाल के बोझ और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकोणीय अध्ययन।
3. निचले अंग विच्छेदन में आसनीय नियंत्रण में दोहरे कार्य हस्तक्षेप का आकलन करने के लिए एक बहुकोणीय अध्ययन।

4. किशोर मूक रोग गठिया वाले बच्चों में कार्यात्मक स्थिति और उनके जीवन की गुणवत्ता और देखभाल करने वालों के बोझ के साथ, इसके संबंध का आकलन करने के लिए एक बहुकोणीय अध्ययन।
5. पीठ के निचले हिस्से में पुरानी दर्द और स्पिनो-पेल्विक मापदंडों के बीच सहसंबंध का आकलन करने के लिए एक मामला नियंत्रण अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. पुर्नप्राप्ति अध्ययन: छुट्टी के बाद कोविड-19 से बचे लोगों में पुनर्वास की आवश्यकता की पहचान करने के लिए एक बहु-कोणीय अवलोकन अध्ययन, गंभीर और गहन देखभाल विभाग और निश्चेतक विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
2. स्वदेशी रूप से विकसित कम लागत वाले हल्के वजन के बहुकेन्द्रिक बहुलक घुटने के जोड़ (पीपीकेजे) की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन और आघात के बाद ट्रांसफेमोरल विकलांगता पर जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर इसका प्रभाव, सर्जरी, आईआईटी दिल्ली।
3. पुरानी अवरोधक फुफ्फुसीय रोग के रोगियों में सांस की तकलीफ, मांसपेशियों की ताकत, सूजन के निशान और जीवन की गुणवत्ता पर फुप्फुसीय पुनर्वास का प्रभाव। फुप्फुसीय औषधि, एम्स, नई दिल्ली।
4. सरकोपेनिया वाले मोटे रोगियों में कंकाल की मांसपेशियों और कार्य में परिवर्तन पर व्यायाम तथा पोषण संबंधी हस्तक्षेप के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, औषधि विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
5. आमवाती गठिया में भूपर्पटी उत्तेजना और दर्द की स्थिति पर एफएमआरआई-आधारित न्यूरो प्रतिक्रिया निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
6. फाइब्रोमायल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति और भूपर्पटी उत्तेजना पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, नई दिल्ली।
8. ऑस्टियोसारकोपेनिया वाले मोटे रोगियों में हड्डी और मांसपेशियों के स्वास्थ्य पर पोषण संबंधी हस्तक्षेप के साथ वजन उठाने और प्रतिरोध व्यायाम के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, औषधि विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
9. अनुकरणीय समायोजन में न्यूनतम पहुंच वाले शल्यक कार्यो के दौरान मांसपेशी-अस्थि संबंधी लक्षणों और सर्जिकल निवासियों के प्रदर्शन पर अंतःक्रिया सूक्ष्मब्रेक का प्रभाव, शल्यक अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
10. घुटने के पुराने अस्थि संधि शोथ के रोगियों में दर्द और अल्ट्रासोनोग्राफिक कंकाल की मांसपेशी मापदंडों पर एक संरचित घर-आधारित व्यायाम कार्यक्रम का प्रभाव, रेडियो डायग्नोसिस और अंतःक्षेपी रेडियोलॉजी विभाग और नाभिकीय औषध विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

11. सार्कोपेनिक मोटापे से ग्रस्त व्यक्तियों में कंकाल की मांसपेशियों और उनके कार्य में परिवर्तन पर प्रतिरोध समूह व्यायाम के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक बेतरतीब नियंत्रित परीक्षण, मेडिसिन, एम्स, नई दिल्ली।
12. स्वदेशी रूप से विकसित कम लागत वाले हल्के वजन के बहुकेंन्द्रिक बहुलक घुटने के जोड़ (पीपीकेजे) की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन और आघात के बाद ट्रांसफ़ेमोरल विकलांगता पर जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर इसका प्रभाव, शल्यक अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
13. आईसीएमआर-एसआईबी-आईआईटी-राष्ट्रीय सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी केंद्र (एनसीएएचटी) परियोजना, हृदयरोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
14. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी के घायल रोगियों में प्रत्यारोपित आयरन ऑक्साइड नैनोकणों में आंतरायिक थीटा विस्फोट उत्तेजना की न्यूरोमॉड्यूलेटरी भूमिका की जांच करने के लिए एक अध्ययन, शरीर विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
15. सोनोन्यूरो: बायोमेक्ट्रोनिक नियंत्रण के लिए एक बहुविध सोनोमायोग्राफी - विद्युत पेशीय वर्णन आधारित प्रणाली पर अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली।

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. रीढ़ की हड्डी की चोट में अवसाद को समझने के लिए तंत्रिका तंत्र की भूमिका की खोज, आईआईटी दिल्ली।
2. पीठ के निचले हिस्से के पुराने दर्द में, दर्द और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना पर योग का प्रभाव, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
3. घुटने के पुराने अस्थि संधि शोथ वाले मोटे रोगियों में, शरीर के ऊपरी भाग के व्यायाम का शरीर की संरचना और उसके वजन पर प्रभाव, औषधि विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
4. गतिशीलता और संतुलन के दौरान संज्ञानात्मक भार का इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल विश्लेषण और स्पर्श प्रतिक्रिया का उपयोग करने के बाद निचले अंगों के विच्छेदन में गति और संतुलन में सुधार की जांच करना, जैवचिकित्सा इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी दिल्ली।
5. न्यूनतम पहुंच वाले सर्जनों के बीच कार्यभार और मांसपेशी-अस्थि संबंधी लक्षणों का आकलन - एक संभावित अध्ययन, शल्यक अनुशासन विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

महत्वपूर्ण राष्ट्रीय स्तर के तैयार किए गए दस्तावेज़:

डॉ. संजय वाधवा, आचार्य और प्रमुख, पीएमआर, ने पीएमआर विशेषज्ञों के समूह के संयोजक के रूप में इसे तैयार किया और एनएमसी को प्रस्तुत किया:

1) संशोधित एमडी (पीएमआर) पाठ्यक्रम
2) संशोधित पीजी डीपीएमआर पाठ्यक्रम
3) एमडी (पीएमआर) से संबंधित न्यूनतम मानक आवश्यकताएँ (एमएसआर)

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 15 **पुस्तक में अध्याय: 1**

रोगी उपचार

नए रोगी

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	3054	6319	21056
ओपीडी दौरा (पी एंड ओ क्लीनिक)	392	2080	3859
कुल नये रोगी	**3446**	**8399**	**24915**

पुराने रोगी

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी (चिकित्सक परामर्श)	4652 (+1394 टेलीफ़ोनिक परामर्श 23/03/2020 और 31/07/2020 के बीच)	10935	12374
ओपीडी दौरा (पी एंड ओ क्लीनिक)	898	5241	9168
विकलांगता मूल्यांकन क्लीनिक	20	03	15
रेलवे रियायत प्रमाण पत्र	28	52	149
ओपीडी दौरा (पीटी अनुभाग)	1639	9015	11896
ओपीडी दौरा (ओटी अनुभाग)	830	4000	8198
ओपीडी दौरा (एमएसडब्ल्यू)	1198	2324	एनए
माइनर ओटी प्रक्रियाएं	63	1123	3268
कुल पुराने रोगी	**10,722**	**32,693**	**45,068**

विभाग के विशेष क्लीनिक:

1. मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड निर्देशित उपचार
2. फ़ुट क्लीनिक में कस्टम मोल्डेड इनसोल
3. डब्ल्यूएचओ के दिशानिर्देशों के अनुसार अनुकूलित व्हीलचेयर वितरण के लिए व्हीलचेयर निर्देश और जांच क्लीनिक
4. मस्कुलोस्केलेटल प्रयोगशाला: कम्प्यूटरीकृत मूल्यांकन और व्यायाम उपकरण
5. फुट लैब/क्लीनिक
6. ब्रेस जांच क्लीनिक: मरीजों को अंतिम वितरण से पहले हमारी कार्यशाला में बनाए गए कृत्रिम और विकलांग उपकरणों की जांच करना।
7. केस कॉन्फ्रेंस: लक्ष्य निर्धारण और उपचार मूल्यांकन के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास रोगियों की चर्चा।

सामुदायिक सेवाएं

प्रत्येक सप्ताह गुरुवार को सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में रेजिडेंट डॉक्टरों का नियमित दौरा

लघु शल्यचिकित्सा कक्ष प्रक्रियाएं

क्रम संख्या	प्रक्रियाओं के नाम	कुल
1.	इंजेक्शन (अंतःस्रावी+बोटुलिनियम टॉक्सिन+अंतः लेखीय पीआरपी + प्रोलोथेरेपी + विस्कोसप्लीमेंटेशन आदि)	1688
2.	घाव की सफाई और ड्रेसिंग	671
3.	कैथीटेराइजेशन + सीआईसी	741
4.	पीओपी कास्ट (घाव की देखभाल के लिए कुल संपर्क, पीटीबी वॉकिंग कास्ट, सीटीईवी और सुधारात्मक कास्ट आदि)	168
कुल		**3268**

व्यायाम चिकित्सा: 11896

व्यावसायिक चिकित्सा इकाई

उपचार हेतु उपस्थित मरीज - 8198

एडीएल मार्गदर्शन के लिए उपस्थित मरीज - 6254

सेरेब्रल पाल्सी के उपस्थित हुए मरीज - 4903

प्रदर्शन हेतु मरीज - 8198

मूल्यांकन के लिए मरीज़ - 12

कृत्रित और विकलांगता कार्यशाला

विषयवस्तु	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कृत्रित और विकलांगता में वितरित कुल नौकरियाँ	534	3631	6540
कृत्रित और विकलांगता के नए रोगी	392	2080	3859
पुराने रोगी/दौरा	898	5241	9168

विद्युतचिकित्सा और निदानः 5360

क्रम संख्या	प्रमुख शीर्ष जिनके अंतर्गत रिपोर्ट मांगी गई है	2020-21	2021-22	2022-23
1.	**विभाग में पंजीकृत विद्यार्थियों/प्रशिक्षुओं की संख्या**	19	19	18
2.	**मौखिक प्रस्तुतियों और पोस्टरों की संख्या**	8	21	10

3.	**विभिन्न उप-प्रकार के प्रकाशनों की संख्या:** अ. जर्नल लेख ब. सार पत्रिकाओं में प्रकाशित स. पुस्तक में अध्याय	 4 4 1	 10 0 1	 18 0 1
4.	**अनुसंधान के लिए प्राप्त वित्तीय सहायता की कुल संख्या और राशि**	1 1000000 रुपये	1 3500000 रुपये	1 1.1 करोड़ रुपये
5.	**रोगी-उपचार संबंधी गतिविधियों की संख्या-विशेष क्लीनिक** 1. फुट क्लीनिक 2. विकलांगता क्लीनिक* 3. प्रोस्थेटिक और ऑर्थोटिक चेकआउट क्लीनिक 4. संयुक्त व्यायामशाला दौर 5. वार्ड राउंड 6. एमएसके अल्ट्रासाउंड/ हस्तक्षेप 7. घाव देखभाल क्लीनिक	5	5	7

* जून 2021 से एक भारत सरकार राजपत्र अधिसूचना के अनुपालन में, यूडीआईडी पोर्टल विकसित किया गया है - विकलांगता प्रमाणीकरण के लिए अनुरोध जमा करने, संबंधित दस्तावेजों को अपलोड करने, प्रारूपण, पहले जारी किए गए प्रमाणपत्रों का सत्यापन और नए प्रमाणपत्र तैयार करने की एक ऑनलाइन प्रणाली अभ्यास में है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य संजय वाधवा को कई वर्षों में उत्कृष्ट योगदान के लिए स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी से 'लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड' मिला। यह पुरस्कार 3 दिसंबर 2022 को नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार द्वारा प्रदान किया गया; आचार्य भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के तहत एमएचडी-09 अनुभागीय समिति के अध्यक्ष हैं; संयोजक, अंतर्राष्ट्रीय मानक संगठन तकनीकी समिति 173 कार्य समूह 12; एम्स चिकित्सा मानविकी पहल के तहत बहु-अनुशासनात्मक कोर संकाय टीम (विशेष आवश्यकताएं और स्वास्थ्य देखभाल वितरण) के भी प्रमुख सदस्य; एम्स के निदेशक के आशीर्वाद से 1 मार्च 2023 को 'एम्स मिलेट्स कैंटीन' की शुरुआत हुई; अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 26 मार्च 2023 को एम्स में एक बेहद सफल 'मिलेट्स वॉकथॉन'

का आयोजन किया गया; विभिन्न संस्थानों में संकाय सदस्यों के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ; कई जन जागरूकता व्याख्यानों और टीवी स्वास्थ्य कार्यक्रमों में भी हिस्सेदारी की।

आचार्य एस. एल. यादव आईसीएमआर, मेटाबॉलिज्म जर्नल में समीक्षक थे; कोविड हेतु विभागीय नोडल अधिकारी; विभिन्न एम्स, आरपीएससी और यूपीपीएससी में भर्ती के लिए विषय विशेषज्ञ; अध्यक्ष, सिविल सेवा परीक्षा - 2022 बेंचमार्क विकलांगता (लोकोमोटर विकलांगता) वाले व्यक्तियों के लिए मेडिकल बोर्ड, कर्मचारी और प्रशिक्षण विभाग, कर्मचारी, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार।

डॉ. श्रीकुमार वी 19 मार्च 2023 को "तीव्र रीढ़ की हड्डी की चोट में कशेरुक फ्रैक्चर और संबंधित आर्थोपेडिक आघात का प्रबंधन: सर्जन और पुनर्वसन परिप्रेक्ष्य" विषय पर सीएमई के दौरान तीव्र एससीआई के प्रबंधन के दौरान पुनर्वास-सर्जन अंतरापृष्ठ के सदस्य थे।

डॉ. असेम रंगीता चानू जर्नल ऑफ़ मेडिकल सोसाइटी, जर्नल ऑफ़ क्लीनिकल एंड डायग्नोस्टिक रिसर्च की समीक्षक; 1 एमडी थीसिस में मुख्य मार्गदर्शक; अध्यक्ष, सिविल सेवा परीक्षा - 2022 बेंचमार्क विकलांगता (लोकोमोटर विकलांगता) वाले व्यक्तियों के लिए मेडिकल बोर्ड, कर्मचारी और प्रशिक्षण विभाग, कर्मचारी, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, भारत सरकार; डब्ल्यूपी (सी) संख्या 292/06 में पारित योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए समान अवसर सेल में समन्वयक, जिसका शीर्षक है "विकलांग अधिकार समूह और अन्य बनाम यूओआई और अन्य", एम्स, नई दिल्ली।

डॉ. रक्तिम स्वर्णकार को रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए, 2022-2023), एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'उत्कृष्ट उपलब्धि, अकादमिक उत्कृष्टता, अनुसंधान कार्य' के लिए 'शैक्षणिक और अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार' प्राप्त हुआ था; एम्स, नई दिल्ली में दूसरे शोध दिवस पर सीनियर रेजिडेंट श्रेणी में क्रिटिक्स अवार्ड (द्वितीय पुरस्कार) प्राप्त हुआ; आईएपीएमआरसीओएन 2023 में पोस्टर प्रस्तुति के लिए सनथ कुमार सरकार मेमोरियल अवार्ड प्राप्त किया; स्ट्रोक जागरूकता माह पर आईएफएनआर और आईएएन द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता में तीसरा पुरस्कार जीता, डायटेटिक्स, जेपीएन, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित दो पेंटिंग प्रतियोगिताओं में प्रथम पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए आईएफएनआरसीओएन 2022 (अप्रैल) में प्रथम पुरस्कार; एओपीएमसी 2023 के लिए एमडीएसआई से आवास और पंजीकरण अनुदान पुरस्कार प्राप्त हुआ और एशियाई तथा ओशियनियन पार्किंसंस रोग और आंदोलन विकार कांग्रेस (एओपीएमसी) 2023 के लिए सोशल मीडिया राजदूत के रूप में भी चुना गया।

श्री अजय बब्बर कृत्रिम अंग, पुनर्वास उपकरण और विकलांगों के लिए उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी 09 भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली के सदस्य हैं। उन्होंने 20 सितंबर 2022 को हाइब्रिड बैठक (भौतिक/आभासी) सभा में हिस्सा लिया था।

श्री अनिल कुमार शर्मा वर्ष 2022-23 के दौरान विकलांगों के लिए कृत्रिम अंग, पुनर्वास उपकरण और उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी 09 भारतीय मानक ब्यूरो, नई दिल्ली के वैकल्पिक सदस्य रहे हैं।

9.32 शरीरक्रिया विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

किशोर कुमार दीपक (31 जनवरी 2023 को सेवानिवृत्त)	कंवल प्रीत कोचर (1 फरवरी 2023 से)

आचार्य

रत्ना शर्मा	नलिन मेहता*	सुमन जैन
अशोक कुमार जरयाल	राज कुमार यादव	अंजना तलवार

अपर आचार्य

अस्मिता पाटिल	रेनू भाटिया	सिमरन कौर
दीनू संथा चंद्रन	नसरीन अख्तर	प्रशांत तुलसीदास तायदे

सह-आचार्य

आकांक्षा सिंह	रितेश कुमार नेताम	गीतांजलि गोकर्ण बाडे

सहायक आचार्य

सूर्यप्रकाश मुथुकृष्णन	सुमन दास**

*10 सितंबर 2021 से एनईआईजीआरआईएचएमएस, शिलांग में निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर

**15 दिसंबर 2022 को संकाय के रूप में कार्यग्रहण किया

विशिष्टताएं

वर्ष 2022-2023 में, शरीरक्रिया विज्ञान विभाग, अनुसंधान और शिक्षण कार्यों में अत्यधिक सक्रिय रहा। विभाग द्वारा भारत के विभिन्न संस्थानों और एम्स में 20 विशेष संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इसके अलावा, विभाग द्वारा आयोजित एक वार्षिक कार्यक्रम "शरीरक्रिया विज्ञान में तकनीक" के अंतर्गत 2022-23 में डब्ल्यूएचओ-एसईएआर देशों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया और 58 प्रतिनिधियों के लिए 3 दिन की अवधि में 14 विशेष कार्यशालाएं आयोजित की गईं। विभाग ने अन्य विश्वविद्यालयों के 14 विद्यार्थियों/संकाय सदस्यों को अल्पकालिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया। राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अन्य संस्थानों के सहयोग से फिजियोलॉजी के विशेष क्षेत्रों या बहु-विषयक परियोजनाओं से संबंधित 33 बाहरी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की गईं। इलैक्ट्रोनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की **प्रकाशमय** परियोजना के तहत, पूरे भारत से 9000 विद्यार्थियों (6000 मेडिकल, 3000 नर्सिंग) के लिए 168 सत्रों में ऑनलाइन मोड के माध्यम से सामान्य महामारी और कोविड-19 प्रबंधन प्रशिक्षण दिया गया। अनुसंधान और चिकित्सा शिक्षा में विभाग के संकाय सदस्यों के अभिनव योगदान की सराहना करते हुए उन्हें और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं। जनवरी 2023 में एम्स, नई दिल्ली के माननीय निदेशक द्वारा बायोफीडबैक प्रयोगशाला की स्थापना और उद्घाटन कार्य किया गया था। फिजियोलॉजी विभाग द्वारा 'रीढ़ की हड्डी की चोट के लिए नवीन थेरानोस्टिक्स रणनीति' पर क्लिनिकल ग्रैंड राउंड का आयोजन किया गया।

इसके अलावा, विभाग की कई अनुसंधान गतिविधियों से प्रोत्साहित प्रथम वर्ष एमबीबीएस के अनेक विद्यार्थियों ने आईसीएमआर एसटीएस कार्यक्रम और ग्रीष्मकालीन फेलोशिप के लिए आवेदन किया। राष्ट्रीय चिकित्सा प्रयोगशाला व्यावसायिक सप्ताह के दौरान, 22 जुलाई 2022 को विभाग द्वारा 70 एम्स प्रयोगशाला कर्मचारियों के लिए **नीति योग क्रिया** और तनाव प्रबंधन पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

शिक्षा

1. **स्नातक शिक्षण** : व्याख्यान 200 घंटे और व्यावहारिक शिक्षण 240 घंटे, यूजी विद्यार्थियों की कुल संख्या: 132
2. **स्नातकोत्तर शिक्षण** : पीजी विद्यार्थियों की कुल संख्या : 65
   क. एमएससी छात्र: 18
   ख. एमडी छात्र: 21
   ग. पीएचडी शोधार्थी: 26
3. **नर्सिंग और संबद्ध पाठ्यक्रम** :
   क. बीएससी (एच) नर्सिंग: 90
   ख. बीएससी एमटीआर (रेडियोलॉजी): 11
   ग. बीएससी ओपीएच (ऑप्टोमेट्री): 16
   घ. पोस्ट-सर्टिफाइड नर्सिंग छात्र: 46
   ङ. बीएससी ऑपरेशन थिएटर तकनीशियन कोर्स: 8
   च. बीएससी डेंटल ऑपरेटिंग रूम सहायता: 7
   छ. एमएससी नर्सिंग कार्डियोलॉजी द्वितीय वर्ष: 3
   ज. एमएससी नर्सिंग न्यूरो फिजियोलॉजी द्वितीय वर्ष के छात्र: 3
   झ. एमएससी नर्सिंग नेफ्रोलॉजी: 3
4. **शैक्षणिक/अनुसंधान प्रशिक्षण**
   क. वरिष्ठ रेजिडेंट्स: 8
   ख. युवा वैज्ञानिक: 2
   ग. अनुसंधान सहयोगी: 4
   घ. वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता: 7
   ङ. अल्पावधि प्रशिक्षु: 14

5. वर्ष के दौरान शिक्षण कार्यक्रमों में परिवर्तन और नवीन शैक्षिक गतिविधियाँ

क. एमबीबीएस विद्यार्थियों के 2 बैचों को एक साथ समायोजित करने के लिए, शिक्षण कार्यक्रम में अस्थायी परिवर्तन किए गए

ख. सामान्य महामारी प्रबंधन और कोविड-19 प्रबंधन में कुशल एचसीडब्ल्यू तैयार करने के लिए आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा एमईआईटीवाई के सहयोग से **प्रकाशमय** परियोजना के तहत दी गई थी।

ग. 20 जनवरी 2023 को एम्स दिल्ली में "टीआईपीएस - 2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर नेशंस के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक" के दौरान वीडियो प्रदर्शन के माध्यम से "व्यावहारिक शरीरक्रिया विज्ञान पढ़ाने में नवाचार" पर एक वैज्ञानिक सत्र आयोजित किया गया।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

फिजियोलॉजी विभाग ने चालू वर्ष के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

1. 13 अप्रैल 2022 को एम्स दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 67वें वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 21-22" के दौरान "ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन: क्लिनिकल फिजियोलॉजी के लिए एक गैर-इनवेसिव डायग्नोस्टिक और प्रोग्नॉस्टिक टूल" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला
2. 13 अप्रैल 2022 को एम्स दिल्ली में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 67वें वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 21-22" के दौरान "स्पेस फिजियोलॉजी: काउंटरमेजर्स एंड सिमुलेशन संबंधी कार्यशाला" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला
3. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के 67वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन (एपिकॉन 2022), 13 अप्रैल 2022 के दौरान "फिजियोलॉजिस्ट के लिए मेडिकल उद्यमिता" पर कार्यशाला, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद
4. 15 अप्रैल 2022 को ईएसआईसी हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज, फ़रीदाबाद में एपीपीआई कॉन 2021-22 के दौरान "योग-आधारित जीवन शैली हस्तक्षेप के साथ स्वास्थ्य संवर्धन" पर संगोष्ठी
5. 26 अप्रैल 2022 को स्वामी विवेकानंद विश्वविद्यालय, कोलकाता के फिजियोथेरेपी विभाग द्वारा ऑनलाइन आयोजित "नॉन-इनवेसिव न्यूरोमॉड्यूलेशन: वर्तमान रुझान और भविष्य की दिशाएं" पर राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान "न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में गैर-इनवेसिव स्टीमुलेशन" पर कार्यशाला।
6. 23 मई 2022 को एम्स दिल्ली में **प्रकाशमय**, एम्स मेडिकल ह्यूमैनिटीज इनिशिएटिव और इंटरनेशनल नेचुरोपैथी ऑर्गनाइजेशन- सूर्या फाउंडेशन द्वारा आयोजित "महामारी में अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा" विषय पर एक कार्यशाला सह संगोष्ठी में "स्वास्थ्य और रोग में मैग्नेटोथेरेपी और नैनोमेडिसिन" पर कार्यशाला आयोजित की गई।
7. 24 मई 2022 को एम्स, नई दिल्ली में "महामारी में अच्छे स्वास्थ्य के लिए योग और प्राकृतिक चिकित्सा" पर कार्यशाला और संगोष्ठी आयोजित की गई।
8. 7 अक्टूबर 2022 को वाराणसी में आयोजित 28वें यूपी-यूके न्यूरोकॉन 2022 के दौरान "न्यूरो सर्जिकल मामलों में इंट्रा ऑपरेटिव न्यूरो मॉनिटरिंग" पर सजीव शल्यचिकित्सा कार्यशाला
9. 13 अक्टूबर 2022 को एम्स, नागपुर में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएसएसओपीआई कॉन) के वार्षिक सम्मेलन में "फेफड़ों की ऑसिलोमेट्री-व्याख्या, तकनीक और सिद्धांत" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला

10. 14 अक्टूबर 2022 को चेन्नई में आयोजित एशियन ओसियानियन सोसाइटी ऑफ इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिज़ियोलॉजी की चौथी कांग्रेस और भारतीय आईओएनएम उपयोगकर्ता समूह की चौथी वार्षिक कांग्रेस के दौरान "हैंड्स ऑन वर्कशॉप और तकनीशियन पाठ्यक्रम"
11. 14-16 अक्टूबर 2022 तक एम्स, नागपुर में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएसएसओपीआई कॉन) के वार्षिक सम्मेलन में "नॉन-इनवेसिव न्यूरोइमेजिंग" पर संगोष्ठी
12. आयुर्वेद दिवस, 21 अक्टूबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में "आयुर्वेद में साक्ष्य आधारित विकास के अनुसंधान और सत्यापन के योगिक संघ में प्रगति: अच्छे स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद में नवीन दृष्टिकोण और तकनीकों पर पहली राष्ट्रीय कार्यशाला" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी और कार्यशाला आयोजित की गई।
13. 21 अक्टूबर 2022 को एम्स दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी और "योगिक अनुसंधान संघ में प्रगति और आयुर्वेद में साक्ष्य-आधारित विकास के सत्यापन" पर कार्यशाला के दौरान "उन्नत तकनीकों द्वारा आयुर्वेद लाभों का साक्ष्यीकरण" पर कार्यशाला।
14. 8-10 दिसंबर 2022 तक एम्स दिल्ली में मनोचिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित छठी राष्ट्रीय सीएमई और न्यूरोमॉड्यूलेशन पर तीसरी हैंड्स-ऑन-वर्कशॉप के दौरान "ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन द्वारा न्यूरोमॉड्यूलेशन" पर कार्यशाला।
15. दिसंबर 2022 को त्रिपुरा मेडिकल कॉलेज [टीएमसी], अगरतला में ऑनलाइन "ई-टेक्नोलॉजी के साथ चिकित्सा शिक्षा" पर कार्यशाला
16. 12-15 दिसंबर 2022 को जीएमसीएच और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीआईकॉन 2022) के 68वें वार्षिक सम्मेलन में "प्रयोगशाला स्थान या महंगे उपकरण के अभाव के बिना संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना" पर कार्यशाला।
17. एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीआईकॉन 2022) के 68वें वार्षिक सम्मेलन में 12-15 दिसंबर 2022 तक 'संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना: संज्ञानात्मक कार्य के 'आवश्यकता-आधारित' वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन को डिजाइन करने के लिए एक व्यावहारिक दृष्टिकोण' पर कार्यशाला, जीएमसीएच और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में
18. 12 दिसंबर 2022 को जीएमसीएच और पीसीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 68वें वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 2022" के दौरान "ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन: रिसर्च, डायग्नोसिस और थेरेपी के लिए एक गैर-इनवेसिव इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल तकनीक" पर हैंड्स ऑन प्रशिक्षण सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला।
19. 12 दिसंबर 2022 को जीएमसीएच और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 68वें एपीपीआईसीओएन 2022 के दौरान "ध्यान पूर्वाग्रह, नेत्र ट्रैकिंग और एंकल-ब्रेकियल दबाव सूचकांक: योग अनुसंधान के लिए नवीनतर मूल्यांकन उपकरण" पर कार्यशाला

20. एपीपीआईसीओएन 2022, जीएमसीएच और पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के हिस्से के रूप में एम्स, नई दिल्ली में 12 दिसंबर 2022 को "ट्रांसक्रानियल चुंबकीय स्टीमुलेशन" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला
21. "ओवरनाइट पॉलीसोम्नोग्राफी के सिद्धांत" पर सम्मेलन-पूर्व कार्यशाला, एपिकॉन 2022, 12 दिसंबर 2022, जीएमसी चंडीगढ़
22. 12 दिसंबर 2022 को 68वें एपिकॉन के दौरान "सहानुभूति प्रशिक्षण और मानवीकरण स्वास्थ्य सेवा: फिजियोलॉजिस्ट की भूमिका" पर ऑनलाइन कार्यशाला
23. 14 दिसंबर 2022 को पीजीआईएमएस, चंडीगढ़ में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 68वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "योग और चिकित्सा: समग्रता बनाम न्यूनतावाद" पर संगोष्ठी
24. 12-15 दिसंबर 2022 को जीएमसीएच और पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपिकॉन 2022) के 68वें वार्षिक सम्मेलन में 'ध्यान के न्यूरोफिजियोलॉजिकल तंत्र' पर संगोष्ठी
25. 13-15 दिसंबर 2022 को चंडीगढ़ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 68वें वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 2022" के दौरान "बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में ट्रांसलेशनल पशु अनुसंधान" पर संगोष्ठी
26. महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के सहयोग से 9-14 जनवरी 2023 को फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली में "मानव स्वास्थ्य के लिए प्राकृतिक उत्पादों की बायोप्रोस्पेक्टिंग और सामाजिक-आर्थिक विकास" आयोजित किया गया।
27. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "कार्डियोवस्कुलर ऑटोनोमिक फ़ंक्शन का आकलन" पर कार्यशाला
28. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "संज्ञानात्मक न्यूरोफिज़ियोलॉजी लैब प्रोटोकॉल: बेरिट्सचाफ्ट्स क्षमता और एफएनआईआरएस" पर कार्यशाला
29. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टीआईपीएस- 2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "संज्ञानात्मक कार्य परीक्षण" पर कार्यशाला
30. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "मात्रात्मक ईईजी" पर कार्यशाला
31. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "अभिव्यक्ति माइक्रोएरे से कार्यात्मक जीनोमिक्स के पद्धतिगत आधार" पर कार्यशाला

32. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "पशु मॉडल में स्टीरियोटैक्टिक, इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल और व्यवहारिक तकनीक" पर कार्यशाला
33. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "स्पाइरोमेट्री और आवेग ऑसिलोमेट्री द्वारा फुफ्फुसीय कार्य परीक्षण" पर कार्यशाला
34. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स- 2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज में तकनीक" के दौरान "होल नाइट पॉलीसोम्नोग्राफी" पर कार्यशाला
35. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "मात्रात्मक संवेदी परीक्षण और ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का उपयोग करके मनुष्यों में संवेदी और मोटर कार्यों का आकलन" पर कार्यशाला
36. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स- 2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "संवहनी कार्य का आकलन" पर कार्यशाला
37. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "योग-ध्यान: वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन उपकरण" पर कार्यशाला
38. एम्स दिल्ली में 18-20 जनवरी 2023 तक "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "आई ट्रैकिंग और वायरलेस फिजियोलॉजिकल मॉनिटरिंग" पर कार्यशाला
39. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "मनुष्यों में जठरांत्री गतिशीलता का आकलन" पर कार्यशाला
40. 18-20 जनवरी 2023 तक एम्स दिल्ली में "टिप्स-2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक" के दौरान "रोडेंट्स में नींद और हृदय संबंधी मापदंडों का आकलन" पर कार्यशाला
41. 4 फरवरी 2023, भुवनेश्वर, ओडिशा में भारतीय मनोरोग सोसायटी (एएनसीआईपीएस 2023) के 74वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में एडीएचडी में न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल तंत्र और चिकित्सीय हस्तक्षेप पर संगोष्ठी।

प्रदत्त व्याख्यान: 121

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
50	93	121

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 88

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
13	24	88

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. पार्किंसंस रोग में उतार-चढ़ाव वाले रोगियों में अनुभूति और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरण की प्रभावकारिता, डॉ. केपी कोचर, डीएसटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 53,94,240 रुपये
2. सामान्य महामारी प्रबंधन और कोविड-19 प्रबंधन में कुशल एचसीडब्ल्यू तैयार करने के लिए आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा-**प्रकाशमय** (युवाओं के बीच स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए महामारी संबंधी जागरूकता, ज्ञान और संवेदनशीलता) (एमईआईटीवाई), डॉ. केपी कोचर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, 1.5 वर्ष, 2022-2023, 1,99,97,933 रुपये
3. ध्यान और तनाव के माइक्रोस्टेट हस्ताक्षर और रेस्टिंग ईईजी स्रोत, डॉ रत्ना शर्मा, डीएसटी, सत्यम, 3 वर्ष, 2020-2023, 52,86,000 रुपये
4. हाइपोबेरिक हाइपोक्सिक वातावरण में संज्ञानात्मक वृद्धि पर चिकित्सीय प्रभावकारिता और दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना के तंत्र का मूल्यांकन, डॉ सुमन जैन, एलएसआरबी, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2023-2026, 77,87,010 रुपये
5. आंतरायिक थीटा-विस्फोट उत्तेजना और आयरन ऑक्साइड नैनोकणों के आरोपण के बाद रिकवरी के बायोमार्कर का पूर्वानुमान करने के लिए चूहों की चोटिल रीढ़ की हड्डी के ऊतकों में विभेदक प्रोटीन अभिव्यक्ति का एक अध्ययन, डॉ सुमन जैन, डीएसटी-एसईआरबी पावर ग्रांट, 3 साल, 2022-2025, 44,24,640 रुपये
6. हिप्पोकैम्पस की अनुपस्थिति में प्रासंगिक भय स्मृति की प्रतिपूरक सर्किटरी के रूप में पूर्वकाल सिंगुलेट कॉर्टेक्स की सुगमित भर्ती, डॉ. सुमन जैन (मेंटर), सीएसआरआई, डीएसटी (एनपीडीएफ), 2 वर्ष, 2022-2024, 21,99,744 रुपये
7. रीढ़ की हड्डी की चोट की मरम्मत के लिए जटिल बायोमिमेटिक कृत्रिम तंत्रिका-ग्राफ्ट का विकास, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2023, 6,65,660 रुपये
8. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में आंत फिजियोलॉजी के साथ न्यूरोकॉग्निटिव और मोटर फ़ंक्शन की कमी की गंभीरता का सह-संबंध, डॉ सुमन जैन, आईसीएमआर (एसआरएफ), 2 वर्ष, 2022-2024, 4,61,167 रुपये
9. रीढ़ की हड्डी से चोटिल चूहों में बाहरी चुंबकीय क्षेत्र द्वारा कॉर्टिकल मस्तिष्क मानचित्रों का मॉड्यूलेशन, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (आरए), 2 वर्ष, 2022-2024, 14,72,560 रुपये

10. पार्किंसंस रोग में आंत-मस्तिष्क अक्ष पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टिमुलेशन (आईटीबीएस) और प्रोबायोटिक्स के संयुक्त न्यूरोमॉड्यूलेटरी प्रभावों की जांच करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (आरए), 3 वर्ष, 2022-2025, 23,00,280 रुपये
11. मस्तिष्क मेटास्टेस के इमेजिंग-निर्देशित उपचार के लिए थेरानोस्टिक्स एक्सोसोम, डॉ सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 61,26,734 रुपये
12. रीढ़ की हड्डी की पूर्ण चोट के रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक लेपित नैनोकणों के प्रत्यारोपण के साथ-साथ दोहराए जाने वाली ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, डॉ. सुमन जैन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-2024, 88,35,200 रुपये
13. शिशु हेमिप्लेजिक सेरेब्रल पाल्सी रोगियों में कम आवृत्ति दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना द्वारा कॉर्टिकल एक्साइटेबिलिटी और प्लास्टिसिटी का न्यूरोमॉड्यूलेशन, डॉ सुमन जैन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 51,34,802 रुपये
14. मोटापे और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. राज कुमार यादव, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 80,00,000 रुपये
15. नर विस्टार चूहों में वृषण आकृति विज्ञान और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और बायोडीजल मिश्रण ईंधन-इंजन उत्सर्जन के संपर्क के प्रभावों का अध्ययन करना, डॉ. अस्मिता पाटिल, एम्स-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-दिल्ली संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजना, 4 वर्ष, 2018-2022, 10,00,000 रुपए
16. चूहे में नर प्रजनन पर डीजल उत्सर्जन के संपर्क का ट्रांसजेनरेशनल प्रभाव, डॉ. अस्मिता पाटिल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 29,90,490 रुपये
17. रुमेटीइड गठिया में कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना और दर्द की स्थिति पर कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग न्यूरोफीडबैक-निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव, डॉ. रेनू भाटिया, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, 2019-2023, 26,00,000 रुपये
18. फाइब्रोमायल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, डॉ. रेनू भाटिया, डीएसटी, 3.5 वर्ष, 2020-2023, 59,00,000 रुपये
19. नशे की लत संबंधी विकारों में बायोमार्कर के रूप में ईईजी माइक्रोस्टेट्स, डॉ. सिमरन कौर, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट: एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2019-2022, 8,05,500 रुपये
20. गैर-मेटास्टैटिक ओस्टियोसारकोमा में कीमोथेरेपी प्रेरित संज्ञानात्मक घाटे का तंत्रिका सह-संबंध, डॉ. सिमरन कौर, इंडियन एसोसिएशन ऑफ सपोर्टिव केयर इन कैंसर, 2 वर्ष, 2021-2023, 3,00,000 रुपए
21. विकासात्मक डिस्लेक्सिया वाले बच्चों में भाषा प्रसंस्करण में नेत्र संबंधी जटिलता के संरचनात्मक और कार्यात्मक सह-संबंध, डॉ. सिमरन कौर, आईसीएमआर एसआरएफ परियोजना, 3 वर्ष, 2022-2025, 16,22,400 रुपये

22. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार के नियंत्रण और रोगियों में भावनाओं की पहचान तथा पुनः पहचान पर फेसमास्क का प्रभाव: एक क्यूईईजी अध्ययन, डॉ. सिमरन कौर, आईसीएमआर एसआरएफ परियोजना, 3 वर्ष, 2022-2025, 16,22,400 रुपये
23. सोराफेनीब ले रहे डेस्मॉइड ट्यूमर वाले रोगियों में संज्ञानात्मक प्रकार्य का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन, डॉ सिमरनकौर, यूजी मेंटरशिप, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 2,00,000 रुपये
24. आर्टसेंस® आयु: प्रारंभिक जांच और समय पर हस्तक्षेप के लिए नियमित नैदानिक अभ्यास में संवहनी एजिंग से संबंधित प्रारंभिक स्वास्थ्य मार्करों के विश्वसनीय मूल्यांकन के लिए एक मल्टीमॉडल विधि और प्रणाली, डॉ दीनू एस चंद्रन, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 10,63,612 रुपये
25. कोविड-19 से बचे लोगों में कार्डियोवैस्कुलर सीक्वेल का कार्यात्मक और जैव रासायनिक मूल्यांकन और रेनिन एंजियोटेंसिन एल्डोस्टेरोन मार्ग में असंतुलन के साथ इसका संबंध: एक अवलोकन अध्ययन, डॉ दीनू एस चंद्रन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 48,92,370 रुपये
26. रेनिन-एंजियोटेंसिन मार्ग के घटकों, सूजन, धमनी कठोरता और एंडोथेलियल फ़ंक्शन के बीच संतुलन पर कोविड -19 का मध्यम और दीर्घकालिक प्रभाव", डॉ दीनू एस चंद्रन (मेंटर), युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 47,88,000 रुपये
27. नींद की गुणवत्ता, मस्तिष्क मॉर्फोमेट्री और अनुभूति के बीच अंतर्संबंधों को समझने के लिए एक बहु-विषयक दृष्टिकोण (एक सोलेस अध्ययन): यूके बनाम भारत में रहने वाले भारतीय व्यक्तियों के बीच तुलना, डॉ. नसरीन अख्तर, एम्स-यूसीएल, 1 वर्ष, 2022-2023, 9,90,780 रुपये
28. पुरानी अनिद्रा के लिए आयुष द्वारा 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' की प्रभावकारिता: एक ओपन लेबल, टू आर्म, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. नसरीन अख्तर, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, सत्यम, 3 वर्ष, 2022-2025, 31,97,502 रुपये
29. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया वाले वयस्कों के सीरम द्वारा मानव संवहनी एंडोथेलियल कोशिकाओं में न्यूक्लियर फैक्टर कप्पा बी सक्रियण, हाइपोक्सिया प्रेरक फैक्टर -1 और प्रेरक नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़ अभिव्यक्ति, डॉ. नसरीन अख्तर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 29,82,714 रुपये
30. करोलिंस्का स्लीपीनेस स्केल, दिन के समय ईईजी और साइकोमोटर सतर्कता कार्य के बीच सह-संबंध, डॉ. नसरीन अख्तर, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2023-2024, 1,99,900 रुपये
31. दृश्य-स्थानिक रूप से जटिल हिंदी भाषा में ईईजी माइक्रोस्टेट्स और कॉर्टिकल स्रोतों का अध्ययन, डॉ. प्रशांत तायडे, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट: एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2021-2022, 4,92,000 रुपये
32. फैंटम अंग दर्द वाले रोगियों में डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (डीएलपीएफसी) की दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव, डॉ आकांक्षा सिंह, इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट: एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2021-2023, 6,75,000 रुपये

33. चूहों में आर्कुएट न्यूक्लियस में ग्लूकोज संवेदनशील न्यूरॉन्स पर नींद की कमी का प्रभाव, डॉ. रितेश कुमार नेताम, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल), 2 साल, 2021-2023, 8,78,000 रुपये
34. नींद से वंचित अल्जाइमर रोग चूहा मॉडल में सिनैप्टिक डिसफंक्शन और अमाइलॉइड प्रीकर्सर प्रोटीन प्रसंस्करण पर ग्रेडेड क्रोनिक व्यायाम का प्रभाव, डॉ. रितेश कुमार नेताम (मेंटर), युवा वैज्ञानिक पुरस्कार आईसीएमआर-डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50,25,838 रुपये
35. नींद से वंचित अल्जाइमर रोग चूहा मॉडल में सिनैप्टिक असामान्यताओं पर दीर्घकालिक व्यायाम का प्रभाव, डॉ.रितेश कुमार नेताम, कोर रिसर्च ग्रांट, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2023-2026, 27,26,520 रुपये
36. आरईएम नींद से वंचित अल्जाइमर रोग चूहा मॉडल में संज्ञानात्मक और न्यूरोकेमिकल व्यवधानों पर नियमित व्यायाम का प्रभाव, डॉ. रितेश कुमार नेताम, आईसीएमआर (एसआरएफ), 3 वर्ष, 2023-2026, 15,90,000 रुपये
37. चूहों में नींद वंचन प्रेरित चयापचय परिवर्तन का तंत्रिकीय तंत्र, डॉ.रितेश कुमार नेताम, आईसीएमआर एडहॉक प्रोजेक्ट प्रोग्राम, 3 वर्ष, 2023-2026, 37,63,208 रुपए
38. पोस्ट कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस में आरएनए सीक्वेंसिग और मेटाबोलॉमिक्स हस्ताक्षर द्वारा जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग, डॉ.गीतांजलि गोकर्ण बाडे, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 63,99,035 रुपये
39. दृश्य वस्तु पहचान के प्रभावी मानव मस्तिष्क संयोजक का मानचित्रण, डॉ सूर्य प्रकाश एम, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 4,78,000 रुपये
40. बीएमआई इंटरफेस के साथ ऊपरी अंग की मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाने के लिए पहनने योग्य सॉफ्ट रोबोटिक्स, डॉ सूर्या प्रकाश एम, डीआरडीओ-भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानडी 'जेएटीसी', 4 वर्ष, 2021-2025, 56,34,000 रुपये

पूर्ण परियोजनाएं

1. नवीन निदान उपकरण ग्लूसैस्ट द्वारा जैव रासायनिक और कार्यात्मक परिवर्तनों की जांच करने और स्ट्रेप्टोजोटोसिन (एसटीजेड) प्रेरित चूहा मॉडल में गैर-इनवेसिव चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना थेरेपी द्वारा अल्जाइमर रोग की प्रगति को रोकना, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (आरए), 3 वर्ष, 2019-2022, 21,58,080 रुपये
2. स्पाइनल कॉर्ड ट्रांजेक्टिड चूहों में एंटीग्रेविटी मांसपेशी का कार्यात्मक और रूपात्मक अध्ययन: विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र के संपर्क और आयरन ऑक्साइड नैनोकण प्रत्यारोपण का संयोजनात्मक प्रभाव, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (एसआरएफ), 3 वर्ष, 2019-2022, 13,20,000 रुपये
3. चूहों में स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन प्रेरित सिनैप्टिक डिसफंक्शन और अमाइलॉइड प्रीकर्सर प्रोटीन प्रसंस्करण पर कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के दीर्घकालिक संपर्क का प्रभाव, डॉ. सुमन जैन, आईसीएमआर (एसआरएफ), 3 वर्ष, 2019-2022, 13,20,000 रुपये

4. तपेदिक से गुजर चुके रोगियों में प्रणालीगत सूजन वाले बायोमार्कर और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग की मात्रा, डॉ. गीतांजलि गोकर्ण बाडे, एम्स, नई दिल्ली (आईआरजी), 3 वर्ष, 2019-2022, 10,00,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. तीन अलग-अलग तापमानों पर कोल्ड प्रेसर परीक्षण के दौरान स्वायत्त और संवहनी प्रतिक्रियाएं
2. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में परिणाम के पूर्वसूचकों के रूप में स्वायत्त कार्य और संवहनी पैरामीटर: एक व्यक्तिगत रोगी डेटा मेटा-विश्लेषण
3. मध्यम आयु वर्ग और बुजुर्ग मानव रोगियों की बाहु धमनी में रेस्टिंग रेट्रोग्रेड शीयर पर सहानुभूति-निरोधात्मक मनूवर का प्रभाव
4. निचले शरीर के नकारात्मक दबाव अनुरूपित गैर-हाइपोटेंसिव हाइपोवोल्मिया में बैरोफ़्लेक्स की भूमिका
5. पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन चूहा मॉडल में **सं**ज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक्स और दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
6. एम्स में चिकित्सा मानविकी केंद्र के विकास की दिशा में एम्स चिकित्सा मानविकी पहल
7. एसएसबी-एम्स वेलनेस सेंटर परियोजना
8. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्स: एक एंडोफेनोटाइपिक मार्कर
9. ईईजी कॉर्टिकल स्रोत और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में कार्यशील मेमोरी और भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी
10. सहायक एक्सोसूट के साथ स्वैच्छिक ऊपरी अंग संचलन के लिए मोटर योजना के तंत्रिका सह-संबंध
11. सारकोमा के रोगियों में कीमोथेरेपी-प्रेरित संज्ञानात्मक न्यूनता का तंत्रिकीय संबंध
12. रीढ़ की हड्डी की अपूर्ण चोट के रोगियों में चाल पैथोमैकेनिक्स और मूत्र परीक्षण शिथिलता पर आंतरायिक थीटा विस्फोट उत्तेजना के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
13. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी के ट्रांसेक्शन चूहे के मॉडल में अनुमस्तिष्क पुनर्गठन: आंतरायिक थीटा विस्फोट उत्तेजना का प्रभाव
14. पोस्ट-पोलियो सिंड्रोम पर डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स के आंतरायिक थीटा बर्स्ट स्टीमुलेशन का एक अध्ययन
15. रीढ़ की हड्डी से चोटिल चूहों में आंतरायिक थीटा-विस्फोट उत्तेजना और नैनोकणों के आरोपण के बाद विभेदक प्रोटिओम अभिव्यक्ति का एक अध्ययन

16. रीढ़ की संपूर्ण हड्डी के चोटिल रोगियों में प्रत्यारोपित आयरन ऑक्साइड नैनोकणों में आंतरायिक थीटा-बर्स्ट उत्तेजना की न्यूरोमोड्यूलेटरी भूमिका की जांच करने के लिए एक अध्ययन
17. ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना मेट्रिक्स का उपयोग करके एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस में कॉर्टिको-स्पाइनल एक्साइटेबिलिटी और प्लास्टिसिटी का आकलन करने के लिए एक लोंगिट्यूडिनल अध्ययन
18. मोटापे और प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले प्रतिभागियों में 6 महीने के योग-आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप के बाद आनुवंशिक और सेलुलर परिवर्तन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
19. मोटापे में अनुभूति, न्यूरोमॉड्यूलेशन और तनाव पर योग-आधारित हस्तक्षेप और ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
20. मोटापे में कैरोटिड इंटिमा-मीडिया मोटाई और भोजन व्यवहार पर बायोफीडबैक निर्देशित प्राणायाम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
21. सामान्य, ध्यानपूर्ण, तनावग्रस्त और मानसिक मस्तिष्क स्थितियों को मापने और वर्गीकृत करने के लिए क्यूईईजी उपकरण के रूप में माइक्रोस्टेट्स और कॉर्टिकल स्रोत
22. फाइब्रोमायल्गिया के रोगियों में दर्द की धारणा और स्वायत्त प्रोफ़ाइल पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव
23. पार्किंसंस रोग में उतार-चढ़ाव से ग्रस्त मरीजों में अनुभूति और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरक का प्रभाव
24. सीओपीडी में परिधीय नियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन
25. युवा वयस्कों के प्रमुख सोमाटोटाइप में फेफड़ों के आयतन और एअरवे बाधा पर व्यायाम का प्रभाव
26. मेटाबोलिक सिंड्रोम के साथ और उसके बिना ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में श्वसन प्रतिबाधा, फेफड़ों के आयतन और व्यायाम क्षमता
27. पोस्ट कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस में आरएनए सीक्वेंसिंग और मेटाबोलॉमिक्स हस्ताक्षर द्वारा जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग
28. नर वयस्क विस्टार चूहे में प्रजनन प्रणाली और स्वायत्त तंत्रिका तंत्र परिवर्तनों के संरचनात्मक और कार्यात्मक घटकों पर उच्च वसा आहार (एचएफडी) के प्रभाव का अध्ययन करना
29. प्रदूषण अनुसंधान: हृदय, श्वसन, मस्तिष्क के लिए पशु मॉडल का विकास
30. एनेस्थेटाइज़्ड चूहे के मॉडल में कैप्साइसिन-प्रेरित वक्ष-फुफ्फुसीय रिफ्लेक्स प्रतिक्रियाओं पर फ़िल्टर किए गए डीजल उत्सर्जन-एक्सपोज़र के प्रभाव का अध्ययन करना
31. एंडोमेट्रियल स्ट्रोमल कोशिकाओं में एंडोमेट्रियोसिस से जुड़े एस्ट्रोजेनिक क्रिया की सेलुलर फिजियोलॉजी पर एक अध्ययन
32. प्रयोगशाला चूहे में नर प्रजनन पर डीजल उत्सर्जन के प्रभाव का अध्ययन करना
33. नर विस्टार चूहों में वृषण आकृति विज्ञान और शुक्राणुजनन पर डीजल, बायोडीजल और मिश्रित ईंधन इंजन उत्सर्जन के प्रभावों का अध्ययन

34. रुमेटीइड गठिया रोगियों में कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना और दर्द की स्थिति पर कार्यात्मक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग न्यूरोफीडबैक-निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव
35. फाइब्रोमायल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकल उत्तेजना पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव
36. कैटेचोल-ओ-मिथाइल ट्रांसफ़ेज़ में Val158Met बहुरूपता और रुमेटोइड गठिया में दर्द की धारणा के बीच संबंध
37. स्वस्थ नियंत्रण में कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना और दर्द धारणा पर लंबे समय तक थीटा विस्फोट उत्तेजना प्रोटोकॉल का प्रभाव
38. रुमेटोइड गठिया में दर्द की स्थिति, संयुक्त गतिशीलता और कॉर्टिकल उत्तेजना पर कम आवृत्ति दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
39. कोविड-19 से बचे लोगों में हृदय संबंधी स्वायत्त कार्यों का आकलन
40. स्तन कैंसर के रोगियों में केंद्रीय धमनी कठोरता पर एंथ्रासाइक्लिन-आधारित कीमोथेरेपी का प्रभाव
41. हाइड्रोस्टैटिक दबाव ढाल मॉडल का उपयोग करके मानव विषयों में महाधमनी नाड़ी तरंग वेग की दबाव निर्भरता पर एक अध्ययन।
42. युवा और वृद्ध वयस्कों में कोल्ड प्रेसर परीक्षण के लिए कैरोटिड धमनी प्रतिक्रियाशीलता का नॉन-इनवेसिव आकलन।
43. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में रक्तचाप परिवर्तनशीलता और नींद विखंडन का एक अध्ययन
44. वृद्ध वयस्कों में नींद की संरचना, मस्तिष्क आकारमिति और अनुभूति का एक अध्ययन
45. सार्स-कोव-2 संक्रमण के बाद शारीरिक गतिविधि और नींद की गड़बड़ी में सुधार
46. फैंटम अंग दर्द वाले रोगियों में डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (डीएलपीएफसी) की दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव

पूर्ण परियोजनाएं

1. स्वायत्त, संवहनी और जीनोमिक चर के साथ शारीरिक सोमाटोटाइप का सह-संबंध
2. पार्किंसंस रोग के एक प्रायोगिक मॉडल में व्यवहारिक गतिविधि और जैव मार्कर स्तर पर मुख्य फाइटोकंपाउंड का प्रभाव: एक इन-सिलिको, इन-विवो अध्ययन
3. पार्किंसंस रोग के रोगियों में न्यूरोजेनिक ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन पर आंतरायिक थीटा विस्फोट उत्तेजना का प्रभाव
4. लो थोरेसिक एससीआई रैट मॉडल में कंकाल की मांसपेशियों के गुणों पर व्यायाम का प्रभाव
5. कार्यशील स्मृति प्रकार्य में दृश्य वस्तुओं की पुनर्प्राप्ति पर स्नेहपूर्ण शब्दों का प्रभाव
6. उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत सुनने के कॉर्टिकल स्रोत: एक क्यूईईजी अध्ययन
7. चूहों में बैरोफ़्लेक्स संवेदनशीलता और कैरोटिड धमनी संरचना पर सिम्युलेटेड माइक्रोग्रैविटी के प्रभाव का अध्ययन करना

8. अल्जाइमर रोग के इंट्रासेरेब्रोवेंट्रिकुलर स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन-प्रेरित चूहे मॉडल पर एक रूपात्मक और कार्यात्मक अध्ययन: चुंबकीय क्षेत्र उत्तेजना का प्रभाव
9. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट में मांसपेशियों का पुनर्जनन: चूहों में चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क के साथ-साथ आयरन ऑक्साइड नैनोकण प्रत्यारोपण का प्रभाव
10. कॉर्टिकल पुनर्गठन अपूर्ण रीढ़ की हड्डी से चोटिल चूहे: सुपरपैरामैग्नेटिक नैनोकणों और कम तीव्रता वाले चुंबकीय क्षेत्र के संपर्क का प्रभाव
11. संपूर्ण निम्न वक्ष एससीआई चूहों में बाएं वेंट्रिकुलर संरचना और हृदय संबंधी चर पर आरटीएमएस न्यूरोमॉड्यूलेशन का प्रभाव।
12. एलबीएनपी सिम्युलेटेड नॉन-हाइपोटेंसिव हाइपोवोलेमिया में बैरोरेफ़्लेक्स की भूमिका
13. प्री-फ्रंटल लोब में न्यूरोसाइकोलॉजिकल न्यूनता और सफेद फाइबर बंडल के घावों के बीच सह-संबंध
14. पुराने पीठ दर्द के रोगियों में दर्द की स्थिति और कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना पर योग का प्रभाव
15. मोटापे से ग्रस्त भारतीय लोगों में तनाव, सूजन और एजिंग जीन अभिव्यक्ति को संशोधित करने में योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. फेंटम अंग दर्द पर दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
17. सीज़ेरियन सेक्शन से गुजरने वाली महिलाओं के सीएसएफ और रक्त में दर्द निरोधात्मक न्यूरोट्रांसमीटर का एक अध्ययन
18. मास्टेक्टॉमी के बाद दर्द सिंड्रोम के रोगियों में दर्द की स्थिति पर दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव
19. कम प्रवाह मध्यस्थ संकुचन की धमनी दीवार यांत्रिकी की जांच करना
20. वृद्ध वयस्कों में नींद की गुणवत्ता का ब्रेन मॉर्फोमेट्रिक सह-संबंध
21. क्रोनिक अग्नाशयशोथ में केंद्रीय दर्द मॉड्यूलेशन का एक अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. सामान्य सर्जनों के बीच मस्कुलोस्केलेटल डिसफंक्शन का प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण और सतह इलेक्ट्रोमोग्राफी, सर्जरी का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान विशेषज्ञ और नौसिखिए सर्जनों के बीच मांसपेशियों की गतिविधि और थकान की तुलना
2. एमआर और अन्य तकनीक आधारित फेनोटाइपिंग और स्वस्थ आबादी में प्रकृति प्रकार के साथ सह-संबंध, एनएमआर, एम्स
3. मानव शरीर की गर्मी और थर्मल विनियमन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
4. स्पैटियो-टेम्पोरल फोटोप्लेथिस्मोग्राफी (पीपीजी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
5. कार्डियोवास्कुलर सिमुलेशन: वलसाल्वा मनूवर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास

6. भारतीय परिवेश में फैलोपियन ट्यूब कैंसर के डिम्बग्रंथि प्राथमिक पेरिटोनियल वाली महिलाओं में संज्ञानात्मक कार्य का आकलन: एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग
7. ओपिओइड प्रतिपक्षी उपचार आरंभ किए जाने के बाद ओपिओइड पर निर्भर रोगियों पर ईईजी फीडबैक प्रशिक्षण का प्रभाव, एनडीडीटीसी
8. ओपिओइड निकासी के पूरक नैदानिक मूल्यांकन के लिए हृदय गति परिवर्तनशीलता एचआरवी और स्वायत्त पैरामीटर, एनडीडीटीसी
9. स्ट्रोक के बाद गैर-धाराप्रवाह वाचाघात में पुनर्वास के लिए संगीत चिकित्सा: भारतीय अनुकूलन, तंत्रिका विज्ञान
10. मन शरीर और अनुभूति: संज्ञानात्मक कार्यों पर सांस विनियमन के प्रभाव की खोज, पीएमआर
11. फाइब्रोमायल्गिया सिंड्रोम में बेरिट्सचाफ्ट्स पोटेंशिअल (एमआरसीपी) में परिवर्तन का अध्ययन करना, पीएमआर
12. 6-11 वर्ष की आयु के एडीएचडी वाले बच्चों पर एम्स संज्ञानात्मक प्रशिक्षण टूलकिट (सीटीटी) और कंप्यूटर आधारित संज्ञानात्मक प्रशिक्षण (पीएसएस कॉगरिहैब) के संज्ञानात्मक और मनो-शारीरिक प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण पायलट अध्ययन, मनोचिकित्सा
13. बीएमआई इंटरफेस के साथ ऊपरी अंग की मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाने के लिए पहनने योग्य सॉफ्ट रोबोटिक्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
14. शारीरिक संकेतों से संयुक्त टॉर्क के ऑनलाइन अनुमान के लिए पहनने योग्य सॉफ्ट सेंसर का विकास: संचालित सॉफ्ट सहायक उपकरण के न्यूरो-मस्कुलर नियंत्रण की दिशा में अनुप्रयोग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
15. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, मनोचिकित्सा वाले बच्चों और किशोरों में मिथाइलफेनिडेट के प्रति प्रतिक्रिया के न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल पूर्वसूचकों का एक अध्ययन
16. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में भाग लेने वाले कैंसर रोगियों के बीच ओपिओइड के उपयोग के कारण संज्ञानात्मक परिवर्तनों का आकलन- एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन
17. गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल स्ट्रोमल ट्यूमर वाले रोगियों में रोगी सूचित जीवन गुणवत्ता और संज्ञानात्मक हानि का एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, मेडिसिन
18. फाइब्रोमैटोसिस के रोगियों में अनुभूति, हृदय और प्रजनन कार्यों पर सोराफेनीब के प्रारंभिक प्रभाव को देखना, मेडिकल ऑन्कोलॉजी
19. लेसिओनल ड्रग रिफ्रैक्टरी मिर्गी (नींद में फोकल मिर्गी या विद्युत स्थिति मिर्गी) के साथ 5-14 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में कॉर्टिकल उत्तेजना पर सीटीबीएस और कम आवृत्ति आरटीएमएस के मॉड्यूलेटिंग प्रभाव की तुलना: एक ओपन-लेबल यादृच्छिक गैर-हीनता क्रॉसओवर अध्ययन, बाल न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
20. हाइपोक्सिक कार्डियक अरेस्ट में सोडियम-हाइड्रोजन चैनल (एनएचई-1) अवरोधक का प्रभाव, आपातकालीन चिकित्सा, ट्रॉमा सेंटर

21. अल्जाइमर रोग (एडी) पैथोलॉजी में लिपोक्सीजेन्स, बायोफिज़िक्स को लक्षित करने वाले अमाइलॉइड बीटा (एबी) की एंटी-न्यूरोटॉक्सिसिटी का विश्लेषण, एम्स दिल्ली
22. बचपन की दवा दुर्दम्य फोकल मिर्गी में आरटीएमएस की मध्यवर्ती और दीर्घकालिक चिकित्सीय प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड शाम नियंत्रित अध्ययन, बाल रोग, न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
23. ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का उपयोग करके गैर-मिर्गी वाले स्वस्थ बच्चों की तुलना में नींद में विद्युत स्थिति मिर्गी वाले बच्चों में कॉर्टिकल उत्तेजना, पीडियाट्रिक्स न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
24. सामान्यीकृत डिस्टोनिया से ग्रस्त 5-18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक शाम नियंत्रण परीक्षण, बाल न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
25. 5-12 वर्ष की आयु के बच्चों में स्टेरॉयड प्रतिरोधी/पुनरावृत्त ईएसईएस में कम आवृत्ति दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का सिंगल आर्म हस्तक्षेप अध्ययन, बाल न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
26. पल्पोटॉमी के बाद दांत की विद्युत चालन पर बहाली का प्रभाव- एक प्रारंभिक जांच, सीडीईआर एम्स दिल्ली
27. अनुभूति पर पर्यावरण और व्यावसायिक शोर का प्रभाव, एनएमआर एम्स दिल्ली
28. अंतर्निहित लिंग अंतर के साथ रॉडेंट आयोवा गैंबलिंग टास्क द्वारा प्रभावशाली विकारों में निर्णय लेने में व्यवहारिक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों की जांच करना, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
29. स्ट्रेप्टोज़ोटोसिन (एसटीजेड) प्रेरित एडी चूहा मॉडल में रोडेंट-आयोवा गैंबलिंग टास्क का उपयोग करके निर्णय लेने और अंतर्निहित तंत्र पर एजिंग और न्यूरोडीजेनेरेशन के प्रभाव की खोज, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली, जेएनयू दिल्ली
30. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम के रोगियों में रिमोट इस्केमिक प्रीकंडीशनिंग के कार्डियोप्रोटेक्टिव प्रभाव का मूल्यांकन और विटामिन डी के साथ इसका सह-संबंध, फार्माकोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
31. सर्जनों के बीच तीव्र और दीर्घकालिक तनाव पर ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन (टीएम) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सर्जिकल विषयक्षेत्र विभाग, एम्स, नई दिल्ली
32. जीएलआईएम मानदंड का उपयोग करके स्त्री रोग संबंधी कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं का पोषण मूल्यांकन और अंतराल डिबल्किंग सर्जरी से गुजरने वाली महिलाओं में पोषण और पेरीऑपरेटिव परिणामों पर केंद्रित पुनर्वास प्रोटोकॉल का प्रभाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग
33. तीव्र कोरोनरी सिंड्रोम से पीड़ित सामान्य और विटामिन डी की कमी वाले रोगियों में थ्रोम्बोलिसिस के दौरान सूजन के मार्करों और मायोकार्डियल चोट पर रिमोट इस्केमिक पोस्टकंडीशनिंग का प्रभाव, फार्माकोलॉजी

34. चूहों में मोनोक्रोटेलिन प्रेरित फुफ्फुसीय धमनी उच्च रक्तचाप पर विटामिन डी का प्रभाव, फार्माकोलॉजी

35. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग और मोटापे से ग्रस्त उत्तर भारत के व्यक्तियों में शरीर की संरचना, कई चयापचय उपायों पर 6 महीने के योग व्यायाम बनाम नियमित शारीरिक गतिविधि का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मेडिसिन

36. दिल्ली ग्लूकोमा महामारी विज्ञान अध्ययन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली

37. अवसाद के रोगियों में सेलुलर एजिंग के बायोमार्कर पर योग-आधारित जीवनशैली हस्तक्षेप का प्रभाव, शरीर-रचना विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

38. ग्लूकोमा रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार में सहायक के रूप में योग आधारित हस्तक्षेप की भूमिका, आरपीसी, एम्स, नई दिल्ली

39. वयस्क भारतीय मोटे रोगियों में वजन घटाने, शरीर में वसा वितरण और इंसुलिन प्रतिरोध पर पर्यवेक्षित आहार और जीवनशैली में संशोधन का प्रभाव, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

40. अधिक वजन वाले बच्चों और किशोरों के बीच वजन घटाने के लिए परिवार आधारित व्यापक योग कार्यक्रम की प्रभावशीलता, बाल रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

41. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया और मेटाबोलिक सिंड्रोम में पल्मोनरी फ़ंक्शन परीक्षण, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग

42. पोस्ट कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस में आरएनए सीक्वेंसिंग और मेटाबोलॉमिक्स हस्ताक्षर द्वारा जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग, पल्मोनरी विभाग, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन, एनएमआर और सीसीआरएफ

43. तपेदिक से ग्रस्त सिकेली रोगियों में प्रणालीगत सूजन वाले बायोमार्कर और प्रतिरक्षा कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग की मात्रा, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग

44. गर्भावस्था पर मातृ एवं प्रसवकालीन परिणामों पर योग का प्रभाव, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

45. सिजेरियन सेक्शन के दौरान प्रसव पीड़ा के साथ मस्तिष्कमेरु द्रव में नॉरएड्रेनालाईन, सेरोटोनिन, जीएबीए और ग्लाइसीन के बीच सहसंबंध: एक प्रारंभिक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

46. निचले अंग विच्छेदन के रोगियों में फैंटम अंग दर्द पर आरटीएमएस बनाम ड्रग थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जेपीएनएटी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स, नई दिल्ली

47. लेप्रोस्कोपिक और ओपन रिपेयर के बाद चीरा लगाने वाले हर्निया ग्रस्त रोगियों में पेट की दीवार की गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित तुलनात्मक अध्ययन, सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली

48. पैक्लिटैक्सेल ले रहे रोगियों में संवेदी न्यूरोपैथी की रोकथाम के लिए मौखिक गैबापेंटिन का यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, डॉ. बीआर एआईआरसीएच, एम्स, दिल्ली
49. यूस्टेशियन ट्यूब डिसफंक्शन और रिफ्लक्स विकारों के साथ ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया में रुकावट के स्थान को सह-संबंधित करने के लिए एक अवलोकन अध्ययन, ओटोलेरिंजोलॉजी विभाग,
50. हाल ही में कार्डियोसेरेब्रोवास्कुलर घटनाओं वाले रोगियों में नींद की गुणवत्ता पर आयुर्वेदिक तेल ड्रिपिंग उपचार (शिरोधारा) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोलॉजी विभाग

पूर्ण

1. बच्चों में कैलोरीजेनिक बनाम गैर-कैलोरीजेनिक भोजन के प्रति अटेंशनल बीआईएएस का आकलन, सीडीईआर
2. डेंटिस्ट और डेंटल ऑपरेटरी से संबंधित बच्चों और किशोरों के दृश्य ध्यान और प्राथमिकताओं का आकलन - नेत्र ट्रैकिंग विश्लेषण, सीडीईआर
3. अल्जाइमर रोग के चूहा मॉडल पर सिर्टुइन के छोटे अणु आधारित नवीन उत्प्रेरक का चिकित्सीय हस्तक्षेप, बायोफिज़िक्स, एम्स दिल्ली
4. प्रारंभिक जीवन में तनाव-प्रेरित आक्रामक व्यवहार का न्यूरोबायोलॉजिकल आधार, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, दिल्ली
5. बालों के विकास और घावों वाले टी-हेल्पर और टी-रेगुलेटरी कोशिकाओं के अभिव्यक्ति मार्करों पर ऑटोलॉगस प्लेटलेट-समृद्ध प्लाज्मा के प्रभावों का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, स्प्लिट-हेड परीक्षण, त्वचा विज्ञान और वेनेरोलॉजी, एम्स दिल्ली
6. मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के उन्नत न्यूरोनल विभेदन और रैट पार्किंसंस रोग मॉडल में उपयोग के लिए ग्राफीन कार्यात्मक 3 डी मचान की खोज, स्टेम सेल केन्द्र, आईआरसीएच एम्स दिल्ली
7. सर्जरी के बाद होने वाले क्रोनिक दर्द के चूहे के मॉडल में सिनैप्टिक प्लास्टिसिटी का अध्ययन, शरीर-रचना विज्ञान, एम्स दिल्ली
8. मॉर्फिन से उपचारित चूहों की रीढ़ की हड्डी में चयनात्मक न्यूरोपेप्टाइड्स की भूमिका, शरीर-रचना विज्ञान, एम्स दिल्ली
9. 5-18 वर्ष की आयु के हेमिपेरेटिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में ऊपरी अंग के कार्यकरण में सुधार के लिए संशोधित बाधा प्रेरित संचलन थेरेपी के सहायक के रूप में दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली
10. फोकल ऑनसेट रिफ्रैक्टरी मिर्गी से ग्रस्त बच्चों और किशोरों में लक्षित कम-आवृत्ति दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना थेरेपी का यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल न्यूरोलॉजी, एम्स दिल्ली

11. एम्स, नई दिल्ली में कोविड -19 रोगी देखभाल में शामिल स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं में तनाव और प्रतिरक्षा पर ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन का प्रभाव, सर्जिकल डिसिप्लिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
12. परिधीय और इन-विट्रो प्रेरित टी नियामक कोशिकाओं की इम्यूनोफेनोटाइपिंग और कार्यात्मक लक्षण वर्णन: सीओपीडी के रोगजनन में अनुमानित भूमिका, फुफ्फुसीय, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग
13. पुरानी अग्नाशयशोथ में दर्द प्रबंधन के लिए सहायक वृद्धिशील प्रीगैबलिन थेरेपी बनाम प्लेसिबो का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरांत्र रोग विज्ञान और मानव पोषाहार विभाग, एम्स, नई दिल्ली
14. शारीरिक चर पर सूर्यनमस्कार अभ्यास का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन, एकीकृत चिकित्सा और अनुसंधान केंद्र विभाग, एम्स, नई दिल्ली
15. कार्य विशिष्ट फोकल हाथ डिस्टोनिया में अवर पार्श्विका लोब्यूल के लिए दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना: ब्लाइंडेड परिणाम आकलन अध्ययन पर एक यादृच्छिक क्रॉसओवर, न्यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
16. सतह ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस मरम्मत के बाद चीरे वाले हर्निया रोगियों में पेट की दीवार की गतिशीलता की बहाली का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन, सर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
17. बुजुर्गों में पोस्ट ऑपरेटिव संज्ञानात्मक शिथिलता की घटनाओं पर लिग्नोकेन बनाम डेक्समेडेटोमिडाइन आधान के प्रभावों का तुलनात्मक अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी, दर्द चिकित्सा और क्रिटिकल केयर विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. 12 आइटम प्रुरिटस गंभीरता स्केल और 5-डी इच स्केल का उपयोग करके क्रोनिक प्रुरिटस की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, त्वचाविज्ञान और रतिजरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
19. पोस्टीरियर क्रॉसबाइट के लिए तीव्र मैक्सिलरी विस्तार से उपचारित बढ़ती उम्र वाले रोगियों में जबड़े की मांसपेशियों की इलेक्ट्रोमायोग्राफिक गतिविधि पर तत्काल और ऑक्लूजल पैटर्न में बदलाव तथा उनके प्रभाव का मूल्यांकन - एक भविष्यलक्षी नैदानिक अध्ययन, ऑर्थोडॉन्टिक्स और डेंटोफेशियल विकृति विभाग (सीडीईआर), एम्स, नई दिल्ली
20. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त प्रतिस्थापन के दौर से गुजर रहे मरीजों की मासेटर और टेम्पोरलिस मांसपेशियों की ईएमजी गतिविधि में लोंगिट्यूडिनल परिवर्तन, मौखिक और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग (सीडीईआर), एम्स, नई दिल्ली
21. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के अनूठे पहलू, एंडोक्रिनोलॉजी और मेटाबॉलिज्म विभाग, एम्स दिल्ली
22. ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्राओकुलर दबाव और स्वायत्त कार्यों पर '365 श्वास तकनीक' का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स दिल्ली
23. कोरोनरी धमनी रोग और नींद की गुणवत्ता में योग (योग-कैडेट्स), कार्डियोलॉजी विभाग

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	42	47	44
कुल वित्तपोषण (लाख)	958.61 रुपये	1340.89 रुपये	1467.01

प्रकाशन

जर्नल: 52 सार: 14 पुस्तक में अध्याय: 1 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
योग	**70**	**50**	**69**
जर्नल आलेख	51	46	55
सार	11	2	14
पुस्तकों में अध्याय	8	2	1
पुस्तकें	0	0	2

रोगी उपचार

ऑटोनोमिक और वैस्कुलर फंक्शन लैब द्वारा, रेफर किए गए मरीजों के लिए नैदानिक सुविधा प्रदान की जाती है। प्रयोगशालाएँ स्वायत्त स्वर परिमाणीकरण के साथ-साथ स्वायत्त प्रतिक्रियाशीलता का नियमित परीक्षण प्रदान करती हैं। ऑटोनोमिक कार्य के लिए कुल 821 रोगियों का परीक्षण किया गया है।

इंट्राऑपरेटिव न्यूरोफिज़ियोलॉजी: इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग ने न्यूरोसर्जरी विभाग और ऑर्थोपेडिक्स विभाग में लगभग 390 सर्जरी के लिए सहायता प्रदान की।

इंटीग्रल हेल्थ एंड वेलनेस क्लिनिक (आईएचसी): एक तनाव-मोचक केन्द्र के रूप में, आईएचसी संकाय, विद्यार्थियों, रेजिडेंट्स और कर्मचारियों सहित एम्स कर्मचारियों को तनाव-मुक्त करने के लिए एक सहायक केन्द्र है। 2022-23 के दौरान आईएचसी में कुल 329 प्रतिभागियों को पंजीकृत और प्रशिक्षित किया गया। प्रत्येक प्रतिभागी 2 सप्ताह तक प्रतिदिन लगभग 1 घंटे आईएचसी में रहता है और प्रत्येक फाइब्रोमायल्जिया रोगी 4 से 6 सप्ताह तक प्रतिदिन लगभग 1 घंटा आईएचसी में रहता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य किशोर कुमार दीपक ने फिजियोलॉजी विभाग (कमरा संख्या 2050) में बायोफीडबैक क्लिनिक की स्थापना की और इसका उद्घाटन 30 जनवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली के निदेशक द्वारा किया गया; न्यूरोफिज़ियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोध के लिए बीके आनंद पुरस्कार सेरेबेलर एटैक्सिया में ऑटोनोमिक अध्ययन पर काम के लिए पीएचडी छात्र को दिसंबर 2022 में मिला; योग के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए सुशीला ठाकर प्रकृति मंदिर पुरस्कार दिसंबर 2022 में पीएचडी छात्र को प्राप्त हुआ; एशियाई मनश्चिकित्सा की विश्व कांग्रेस द्वारा आचार्य मुरुगप्पन पुरस्कार; पोस्टर पेपर, इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, खंड 65, सप्लीमेंट 1, 2023 को विश्व मनोरोग एसोसिएशन अवार्ड

द्वारा युवा छात्रवृत्ति प्रदान की गई; आचार्य दीपक, प्रधान मंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ), पीएमओ कार्यालय, भारत सरकार, 2022 के तहत चिकित्सा मामलों पर विचार करने वाली समिति के अध्यक्ष रहे; डीन (परीक्षा) एम्स दिल्ली; परिषद सदस्य और एफएओपीएस के अधिकारी (2023-2027 की अवधि के लिए) रहे; कार्यकारी संपादक, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया (आईजेपीपी, सदस्य, इंस्टीट्यूट रिसर्च सेल (आईआरसी), एम्स, रायपुर, एमपी, 2022; सदस्य पाठ्यक्रम समिति, एम्स बिलासपुर; सदस्य, स्क्रीनिंग कमेटी, सेंटर फॉर मेडिकल इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीएमआईई), डीबीटी-एम्स इनक्यूबेशन सेल, एम्स, नई दिल्ली, 2022 एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, अध्यक्ष, आचार समिति, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी), नई दिल्ली; अध्यक्ष, आचार समिति ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज फरीदाबाद 2022; विशेषज्ञ, एनआरडीसी विशेषज्ञ स्क्रीनिंग समिति, राष्ट्रीय अनुसंधान विकास परिषद (एनआरडीसी), नई दिल्ली; आचार्य प्रभारी (बुनियादी विज्ञान और संकाय विकास), सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली; एमडी परीक्षक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, वाराणसी और एसएन मेडिकल कॉलेज, आगरा; सभी कोविड गतिविधियों के लिए विभाग समन्वयक और उन्होंने इस संबंध में आयोजित प्रात:कालीन संयुक्त बैठकों में भाग लिया; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली में "स्ट्रोक रिहैबिलिटेशन के लिए वर्चुअल रियलिटी एप्लिकेशन" शीर्षक से पीएचडी विद्यार्थियों के लिए अनुसंधान समिति के विशेषज्ञ; एनआरडीसी राष्ट्रीय नवाचार पुरस्कार, राष्ट्रीय सामाजिक नवाचार पुरस्कार और राष्ट्रीय नवोदित नवप्रवर्तक पुरस्कार समिति के सदस्य; सदस्य, बायोमेडिकल डिवाइस और प्रौद्योगिकी विकास (बीडीटीडी) विशेषज्ञ सलाहकार समूह (ईएजी), डीएसटी; राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमी (एनएएमएस) में सलाहकार पैनल के सदस्य; अध्यक्ष, चरण-I के लिए शिक्षण समय-तालिका समिति; सदस्य पीएचडी बोर्ड, ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, फ़रीदाबाद; आईसीएमआर टास्कफोर्स प्रोजेक्ट (समिति (आचार्य एससी मनचंदा की अध्यक्षता में गठित समिति) के तहत योग-केयर एचएफ इंटरवेंशन के सदस्य; 2022 के लिए एसके मनचंदा एफआईपीएस व्याख्यान से सम्मानित। काउंसलिंग समिति, एम्स, नई दिल्ली के पदेन सदस्य; 1 मार्च 2023, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली के सेंटर फॉर बायोमेडिकल इंजीनियरिंग और एम्स, नई दिल्ली की बायोमेडिकल इंजीनियरिंग यूनिट में पूर्णकालिक विजिटिंग आचार्य के रूप में नियुक्त; उन्होंने सैयद शारिक नईम, वसीम रिज़वी, यासर रफात के साथ, "ओ" एंड्यूरिमीटर (रैट एक्सरसाइज़र), Temp/E-119085/2022-DEL, 2022 पर पेटेंट दायर किया।

आचार्य कंवल प्रीत कोचर पीएचडी छात्र को आईबीआरओ-एपीआरसी, गट माइक्रोबायोटा और गट ब्रेन कनेक्शन के दौरान पीपुल्स च्वाइस अवार्ड प्राप्त हुआ: गट फीलिंग का भी अपना विज्ञान है; द्वितीय वार्षिक अनुसंधान दिवस, एम्स, नई दिल्ली के दौरान पीएचडी श्रेणी के तहत प्रथम पुरस्कार समीक्षक अवार्ड।

आचार्य रत्ना शर्मा को फिजियोलॉजी में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए एपिकॉन से "बीके आनंद पुरस्कार" प्राप्त हुआ।

आचार्य सुमन जैन ने 7 मार्च 2023 को एम्स दिल्ली में "स्पाइनल कॉर्ड इंजरी में ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन और नैनोटेक्नोलॉजी आधारित नोवेल थेरानोस्टिक्स" पर क्लिनिकल ग्रैंड राउंड का आयोजन किया; उन्हें 11 से 13 नवंबर 2022 तक मुंबई में आयोजित "इंटरनेशनल न्यूरोमॉड्यूलेशन

सोसाइटी अंतरिम बैठक" के दौरान सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ; शिलांग में आयोजित इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज के वार्षिक सम्मेलन के दौरान वरिष्ठ शोधार्थी को "सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति के लिए तुलसाभाई सोमानी पुरस्कार" प्राप्त हुआ; एम्स दिल्ली द्वारा आयोजित दूसरे वार्षिक शोध दिवस के दौरान वरिष्ठ शोधार्थी को "पीपुल्स च्वाइस अवार्ड" प्राप्त हुआ; पूर्व पीएचडी छात्र को एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया द्वारा जनवरी 2023 में फिजियोलॉजी/फार्माकोलॉजी/एलाइड साइंसेज में नई तकनीकों के विकास पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए "देव राज बजाज पुरस्कार" प्राप्त हुआ; एम्स गोरखपुर, एम्स मदुरै और एचआईएमएसआर में संकाय भर्ती और एपीएस के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ; पीएचडी परीक्षा का मूल्यांकन और संचालन करने के लिए मलेशिया विश्वविद्यालय द्वारा बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया; फ़ंडिंग रिसर्च कमेटी, नॉर्थ अमेरिकन स्पाइन सोसाइटी के सदस्य और समीक्षक रहे; उपाध्यक्ष, भारतीय तंत्रिका विज्ञान अकादमी; इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोसाइंसेज के दिल्ली-एनसीआर चैप्टर के सचिव; आईएनएसए की आईयूपीएस-आईयूपीएचएआर समिति के सदस्य; गैर शैक्षणिक जूनियर रेजिडेंट्स, एम्स दिल्ली की काउंसलिंग के लिए समिति के सदस्य; ई-स्टूडेंट वेलफेयर कुकिंग क्लब, एम्स दिल्ली के फैकल्टी मेंटर; अध्यक्ष, वैज्ञानिक समिति, टिप्स 2022, एम्स दिल्ली; 13-15 दिसंबर 2022 को चंडीगढ़ में आयोजित एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी ऑफ इंडिया के 68वें वार्षिक सम्मेलन "एपिकॉन 2022" के दौरान "बुनियादी चिकित्सा विज्ञान में ट्रांसलेशनल पशु अनुसंधान" पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य अशोक के जरयाल को 67वें एपीपीआईसीओएन, ईएसआईसी फरीदाबाद के दौरान एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का **सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला;** 15 अप्रैल 2022; एक स्नातकोत्तर विद्यार्थी द्वारा सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया का आर. श्रीनिवासन पुरस्कार) प्राप्त किया गया - 67वें एपीकॉन, ईएसआईसी फ़रीदाबाद; 15 अप्रैल 2022 में; XIII पंचवर्षीय योजना परियोजनाओं और कार्यों के लिए परियोजना निगरानी और समीक्षा समिति के लिए बाहरी विशेषज्ञ रहे; डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस); सदस्य, पांचवीं सलाहकार बॉडी, एनईईटी (यूजी) 2023; राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए); सदस्य, परीक्षा आचार समिति, राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएस); महासचिव, सोसाइटी फॉर इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोफिज़ियोलॉजी (एसआईओएन)।

आचार्य राजकुमार यादव एसोसिएट एडिटर हैं: फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी (फ्रंटियर्स मीडिया द्वारा प्रकाशित); संपादक: इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड एक्सपेरिमेंटल फिजियोलॉजी; संपादकीय बोर्ड: एनल्स ऑफ योगा एंड फिजिकल थेरेपी; उप छात्रावास अधीक्षक, एम्स, नई दिल्ली; उपाध्यक्ष (उत्तर क्षेत्र): एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एएसएसओपीआई); सचिव, फैकल्टी क्लब, एम्स, नई दिल्ली; सचिव, एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया (एपीपीआई), दिल्ली चैप्टर; वित्त सचिव, टिप्स 2022, डब्ल्यूएचओ एसईएआर राष्ट्रों के लिए शारीरिक विज्ञान में तकनीक, एम्स, नई दिल्ली, 18-20 जनवरी 2023; अध्यक्ष: एम्स (अनुसंधान अनुभाग), नई दिल्ली में अनुसंधान परियोजनाओं में सलाहकार/अध्येताओं/कंप्यूटर प्रोग्रामर आदि की नियुक्ति के लिए चयन समिति; अध्यक्ष: क्यूसीबीएस आधार (एम्स हॉस्टल) पर निविदाओं के मूल्यांकन संबंधी समिति;

अध्यक्ष: एम्स छात्रावास के सामान के लिए निरीक्षण समिति; अध्यक्ष: जीईएम पोर्टल (एम्स हॉस्टल) के माध्यम से खरीद के लिए तकनीकी विनिर्देश और मूल्यांकन समिति; अध्यक्ष: मार्च 2023 से 'ग्रीन एम्स क्लीन एम्स' के लिए एम्स परिसर के भीतर साइकिल उपलब्धता संबंधी समिति; सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के तहत केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ), छात्रावास अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली; 16 अप्रैल 2022 को ईएसआईसी, फरीदाबाद में एपीपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया) 2021-22 द्वारा 'प्राकृतिक स्वास्थ्य, प्राकृतिक चिकित्सा और योग' (सुशीला ठाकुर प्रकृति मंदिर के नाम से स्थापित) में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में); 15 अक्टूबर 2022 को एम्स में 8वें एएसएसओपीआई कॉन 2022 के दौरान एएसएसओपीआई (एसोसिएशन ऑफ फिजियोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया) 2021-22 द्वारा 'योग और प्राकृतिक चिकित्सा' (श्री राम मूर्ति स्मारक पुरस्कार के नाम से स्थापित) में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में), नागपुर; 21 जून 2022 को एम्स, नई दिल्ली में 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के दौरान मौखिक प्रस्तुति के रूप में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र (सह-लेखक के रूप में) पुरस्कार, 'एम्स, नई दिल्ली में योग में अनुसंधान'; पेशेवर परामर्श: एम्स बठिंडा में संकाय भर्ती/एपीएस साक्षात्कार के लिए बाहरी विशेषज्ञ; पेशेवर परामर्श: तकनीकी सह विशेषज्ञ समिति के सदस्य, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली; पेशेवर परामर्श: नर्सिंग स्टाफ, अधीक्षक की स्क्रीनिंग/चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ लिवर और पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस), नई दिल्ली में प्रबंधक आदि; 5 सितंबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में 'वार्षिक दिवस और सीएमई 2022' के दौरान विभाग द्वारा आयोजित एक वैज्ञानिक सत्र, 'बियॉन्ड सर्जरी' की अध्यक्षता की, सर्जिकल डिसिप्लिन, एम्स, नई दिल्ली, 3-5 सितंबर 2022; नोडल अधिकारी, हॉस्टल, एम्स: कोविड 19 महामारी के दौरान हॉस्टलर्स/रेजिडेंट्स के बीच संक्रमण नियंत्रण के लिए; सदस्य, यूजी विद्यार्थियों के लिए एम्स छात्र हितैषी निधि समिति; डीआरडीओ लैब पुरस्कार और नकद पुरस्कार 2021 के लिए बाहरी विशेषज्ञ, डीआईपीएएस, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली, सितंबर 2022।

डॉ. रेनू भाटिया एम्स यूजी पाठ्यक्रम आयोजन समूह, एम्स नई दिल्ली की सदस्य हैं; लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, एम्स नई दिल्ली के लिए ई-कंटेंट के लिए नोडल अधिकारी हैं।

डॉ. सिमरन कौर को देव राज बजाज पुरस्कार (फिजियोलॉजी/फार्माकोलॉजी या संबद्ध विज्ञान में नई तकनीकों/इंस्ट्रूमेंटेशन के विकास के संबंध में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र) मिला; विभागीय नोडल अधिकारी: नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क; सदस्य, पुरस्कारों के लिए विभिन्न एजेंसियों के साथ सूचना संकलन और समन्वय समिति; एमबीबीएस और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में प्रश्न बैंकिंग के लिए विषय विशेषज्ञ।

डॉ दीनू एस चंद्रन इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी के कार्यकारी संपादक हैं और उन्हें 3 साल (2022-2025) की अवधि के लिए जनरल असेंबली इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजियोलॉजिकल साइंसेज (आईयूपीएस) के बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया है।

डॉ. नसरीन अख्तर 'स्लीप एंड विजिलेंस' पत्रिका की एसोसिएट एडिटर, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी पत्रिकाओं की समीक्षक हैं; एसोसिएशन ऑफ

फिजियोलॉजिस्ट एंड फार्माकोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया द्वारा पीएचडी छात्र श्री बिन्नी शर्मा को फिजियोलॉजी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र के लिए डॉ. बीके आनंद पुरस्कार, दिसंबर 2022 प्राप्त हुआ; 15 अप्रैल 2022 को द साइंटिफिक सोसाइटी, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मेडिकल एंड साइंटिफिक फेस्ट इनसाइट 2022 के दौरान एमबीबीएस छात्र ईशान गुप्ता को मौखिक पेपर प्रेजेंटेशन में तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ; दिल्ली विश्वविद्यालय (साउथ कैंपस) के फिजियोलॉजी में पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक रहीं; वे, संकाय प्रभारी एमबीबीएस शिक्षण भी हैं।

डॉ. आकांक्षा सिंह ने इस अवधि के दौरान संस्थान की कोविड नोडल टीम के साथ कोविड निवारक प्रशिक्षण और गतिविधियों के समन्वय के लिए विभागीय कोविड नोडल अधिकारी के रूप में कार्य किया; एम्स द्वितीय वार्षिक अनुसंधान दिवस, 18 अक्टूबर 2022 के दौरान शोध कार्य के लिए तीसरा पुरस्कार क्रिटिक्स च्वाइस अवार्ड (एमएससी श्रेणी) प्राप्त हुआ।

डॉ. सूर्या प्रकाश की संपादकीय भूमिका है: विषय संपादक, फ्रंटियर्स इन ह्यूमन न्यूरोसाइंस (प्रभाव कारक: 3.473); इवेंट समन्वयक, डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र (एसईएआर) देशों के लिए फिजियोलॉजिकल साइंसेज कार्यशाला 2022 (टीआईपीएस 2022) में तकनीक, एम्स, दिल्ली; सदस्य, एमबीबीएस पाठ्यचर्या सुधार समिति, एम्स, नई दिल्ली।

सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम:

क्र.सं.	**मीडिया/स्थल**	**कार्यक्रम विवरण**	**तारीख**	**समय**
1	टीवी: डीडी न्यूज़	मेडिकल एक्सपर्ट के तौर पर डॉ. राज कुमार यादव ने लाइव शो 'टोटल हेल्थ' में 'साइकिलिंग और स्वास्थ्य' पर चर्चा की।	5 जून 2022	प्रातः 8.30 से 9.30 बजे तक
2	रेडियो: एफएम इंद्रधनुष 102.6 मेगाहर्ट्ज	लाइव शो 'रेडियो डॉक्टर' (फोन-इन) में एक चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राज कुमार यादव; विषय: सामान्य स्वास्थ्य के लिए योग	9 जून 2022	दोपहर 3 से 3.45 बजे तक
3	टीवी: डीडी इंडिया/ डीडी भारती	एक चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में, डॉ. राज कुमार यादव, लाइव शो, 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह' में, दुनिया भर में योग, स्वास्थ्य और बीमारियाँ	21 जून 2022	प्रातः 4.30 से 5.30 बजे तक
4	जेएल ऑडिटोरियम, एम्स, नई दिल्ली	'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' समारोह के एक भाग के रूप में संक्षिप्त सार्वजनिक व्याख्यान	21 जून 2022	सुबह 6 से 6.30 बजे तक

5	न्यूज एक्स, एक आईटीवी न्यूज़ चैनल	लाइव शो (ऑनलाइन मोड) में चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राज कुमार यादव, 'बीमारियों में योग'	21 जून 2022	सुबह 8.30 से 9 बजे तक
6	टीवी: डीडी किसान	चिकित्सा विशेषज्ञ के रूप में डॉ. राज कुमार यादव ने डॉ. एसके शर्मा और डॉ. राजीव नारंग के साथ लाइव शो में 'सर्दी, बीमारियाँ और उससे बचाव' पर चर्चा की।	24 दिसंबर 2022	शाम 6 से 6.55 बजे तक

अतिथि वैज्ञानिक

आचार्य यूरीगिड्रोन, चिकित्सा मनोविज्ञान के आचार्य, नर्सिंग विभाग, कल्याण और स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, हाइफ़ा विश्वविद्यालय, इज़राइल ने 30 जनवरी 2023 को एम्स दिल्ली में "बायोफीडबैक हस्तक्षेप" पर एक व्याख्यान दिया।

डॉ. रत्ना सरकार, मनोविज्ञान (क्लिनिकल) की आचार्य और न्यूरोसाइकोफार्माकोलॉजी प्रयोगशाला की निदेशक, न्यूयॉर्क सिटी कॉलेज, न्यूयॉर्क, यूएसए ने कमला बीके आनंद ओरेशन पुरस्कार प्राप्त किया और 9 मार्च 2023 रामलिंगास्वामी बोर्ड रूम में "द एडोलसेंट ब्रेन: वर्क इन प्रोग्रेस" पर भाषण दिया।

9.33 प्लास्टिक सर्जरी

आचार्य एवं अध्यक्ष
मनीष सिंघल

सह-आचार्य

राजा तिवारी | शशांक चौहान | राजकुमार मानस

सहायक आचार्य

शिवांगी साहा | सुवाशीष दास | अपर्णा सिन्हा

विशिष्टताएं

एम्स, नई दिल्ली का प्लास्टिक, पुनर्संरचना एवं दग्ध शल्य चिकित्सा विभाग अब अपनी स्थापना के आठवें वर्ष में प्रवेश कर चुका है तथा अब यह नव निर्मित बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक में स्थापित है। पिछले वर्ष से इस ब्लॉक में सभी सेवाऐं पूर्णतः शुरु हो चुकी हैं, जिसमें 24 घंटे चालू रहने वाली अत्याधुनिक बर्न्स आईसीयू सेवा के साथ-साथ गंभीर स्थिति वाले रोगियों का उपचार करने वाला विशिष्ट, अत्याधुनिक बर्न्स आईसीयू भी शामिल है। हमारे बाह्य रोगी विभाग वाली में प्रतिमाह रोगियों की संख्या में वृद्धि होने के साथ ही भर्ती होने वाले रोगियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्ष 2022 में कुल रोगियों की संख्या 26,348 थी। प्रतिदिन लगभग 140 रोगी ओपीडी में आते हैं तथा औसतन 13 रोगियों को प्रतिदिन भर्ती किया जाता है। प्रतिदिन दस बड़ी तथा पांच छोटे ऑपरेशन किए जाते हैं। यह विभाग तंत्रिका शल्य चिकित्सा, हृदय शल्यचिकित्सा तथा अस्थिरोग शल्यचिकित्सा आदि जैसी कई अन्य विशिष्टताओं के सहयोग से उपचार कर रहा है और स्वतंत्र रूप से यह लगभग सभी आपातकालीन दग्ध तथा ट्रॉमा संबंधी जटिलताओं के उपचार की सुविधा प्रदान करता है।

हम निम्नलिखित अति-विशिष्ट सेवाएं प्रदान करते हैं:

- जले हुए भाग की पुनर्संरचना करना।
- गंभीर बहु-विषयक ट्रॉमा वाले अंग की पुनर्संरचना।
- हाथ तथा सूक्ष्म वाहिका शल्यचिकित्सा।
- गंभीर क्रनियोमैक्सिलोफेशियल की पुनर्संरचना।
- लिम्फेटिक पुनर्संरचना।
- अबुर्दविज्ञान संबंधी पुनर्संरचना।
- जन्मजात विकार पुनर्संरचना
- लिंग बदलवाने संबंधी शल्यचिकित्साएं।
- सौन्दर्य संबंधी शल्यचिकित्सा, शरीर की बनावट बदलने संबंधी शल्यचिकित्सा आदि।

यह ब्लॉक 100 इनडोर बेड, एक समर्पित बर्न्स आपातकालीन चिकित्सा तथा आईसीयू की सुविधा सहित अत्याधुनिक उपचार सुविधा से लैस है एवं उच्च प्रशिक्षित संकाय, समर्पित रेजिडेन्टों तथा स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा संचालित यह ब्लॉक बर्न्स एवं विभिन्न पुनर्रचना उपचार हेतु आने वाले समय में एकमात्र उत्कृष्ट सुविधा केंद्र बन सकता है। एमसीएच रेजीडेंटों को औपचारिक प्रशिक्षण प्रदान करने के अतिरिक्त यह विभाग राष्ट्र के लिए क्षमता निर्माण करके, विभिन्न गठजोड़ स्थापित करके अनुभवों में वृद्धि करने तथा उन्हें साझा करने में अग्रणी बन चुका है। यह ब्लॉक एनएसीओ, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा वर्ल्ड प्रोफेशनल एसोसिएशन फॉर ट्रांसजेंडर हेल्थ के सहयोग से जेंडर अफर्मेटिव उपचार हेतु देश का पहला राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

शिक्षा

स्नातकपूर्व छात्रों के लिए शैक्षिक गतिविधियाँ

घाव तथा जले हुए भाग का उपचार - छठा सेमेस्टर स्नातकपूर्व व्याख्यान।

स्नातकोत्तर छात्रों के लिए शैक्षिक गतिविधियाँ

1. स्नातकोत्तर शिक्षण:
   i) सामान्य शल्यचिकित्सा में स्किन ग्राफ्ट एवं फ्लैप-एमएस (सामान्य शल्यचिकित्सा) संगोष्ठी।
   ii) सिर तथा गले की पुनर्संरचना करने में फ्री फ्लैप पुनर्संरचना - एमसीएच (शल्यचिकित्सा अबुर्दविज्ञान) संगोष्ठी।
2. पराचिकित्सा शिक्षण: घाव तथा जले हुए भाग का उपचार: बीएससी नर्सिंग व्याख्यान।

सीएमईएस/कार्यशालाए/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. अर्द्धवार्षिक सीएमई-एनएबीआई (नेशनल एकेडमी ऑफ बर्न्स, भारत), 18-19 जनवरी, 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स।
2. चिकित्सकों के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 11-13 जनवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली
3. चिकित्सकों के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 8-10 फरवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली
4. नर्सों के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 18-20 जनवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली
5. नर्सों के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 15-17 फरवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली
6. ड्रेसर्स के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 1-3 फरवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली
7. ड्रेसर्स के लिए एडवांस इमरजेंसी बर्न्स मैनेजमेंट पाठ्यक्रम, 22-24 फरवरी 2023, बीपीएस ब्लॉक, एम्स, नई दिल्ली

सीएमईएस, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान: 46

मनीष सिंघल: 11 **राजा तिवारी: 11** **शशांक चौहान: 4**

राजकुमार मानस: 9 **शिवांगी साहा: 11**

पिछले 2 वर्षों में दिए गए व्याख्यानों की संख्या

संकाय-सदस्य का नाम	**2021-2022**	**2022-2023**
डॉ. मनीष सिंघल	11	
डॉ. राजा तिवारी	17	11
डॉ. शशांक चौहान	7	4
डॉ. राजकुमार मानस	15	9
डॉ. शिवांगी साहा	3	11
डॉ. सुवाशीष दास	3	
डॉ. अपर्णा सिन्हा	लागू नहीं	लागू नहीं

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 13

1. चेतन्य बीके, सिंघल एम, तिवारी आर, साहा एस, श्रुति, एक्वायर्ड कॉन्स्ट्रिक्शन रिंग सिंड्रोम: 2 मामलों की केस रिपोर्ट, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
2. चेतन्य बीके, सिंघल एम, चौहान एस, साहा एस, बजाज आर, फोरन बॉडी इम्पेलमेंट: एक एम्बुलेंस पैरामेडिक की आश्चर्यजनक कहानी, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
3. चौहान एस, तिवारी आर, सबापति एस, वेंकटरमाणि एच, सिंघल एम, क्रैनियोपैगस को पृथक्क करने हेतु शल्यचिकित्सा में प्लास्टिक एवं पुनर्संरचना शल्यचिकित्सा की भूमिका: भारतीय अनुभव, न्यूजीलैंड एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन और न्यूजीलैंड सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ हैंड (एनजेडएपीएसएनजेडएसएसएच 2022), 1-3 दिसंबर 2022, वेलिंग्टन, न्यूज़ीलैंड
4. हती पी, साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, ट्रॉमा एवं बर्न्स वाले रोगियों द्वारा किए गए खर्च का मूल्यांकन और स्वास्थ्य की सामाजिक अवधारणा पर इसका प्रभाव, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
5. मानस आरके, एडल्ट ब्रेकियल प्लेक्सस पेल्सी तथा नर्वस ट्रांसफर का देरी से उपचार, आईएसएसएचसीओएन 2022, 7 अक्टूबर 2022, जयपुर
6. मानस आरके, वयस्क में होने वाले ब्रेकियल प्लेक्सस आघात और नर्वस ट्रांसफर का देरी से उपचार, एपीएसआईसीओएन 2022, 12 नवंबर 2022, अमृतसर
7. साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, बर्न्स की स्थिति में प्वाइंट ऑफ केयर अल्ट्रासाउंड, एपीएसआईओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर

8. साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, टेस्सियर 30 - एक केस रिपोर्ट, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
9. सिंह ए, साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, 'एफएवीए: क्लिनिकल क्वांडरी में होने वाले विलम्ब को अनटैंगलिंग द्वारा कम करना, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
10. सिंह ए, साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, 'क्या अधिक खतरनाक है, पटाखा या दीया?' दिवाली पर होने वाली जलने संबंधी घटनाओं पर एक ऑडिट', एनएबीआईसीओएन, 2023, 21-23 जनवरी 2023, कोयंबटूर
11. सिंघल एम, साहा एस, श्रुति, जैन एम, सुस्मिता, कुष्ठ रोग के बाद गंभीर नाक संबंधी विकृति होने पर नाक की पुनर्संरचना हेतु एक नया दृष्टिकोण, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
12. तंवर एनएस, साहा एस, चौहान एस, सिंघल एम, हर्पीस में केलॉइड - उपचार हेतु एक प्रणाली, एपीएसआईसीओएन 2022, 9-13 नवंबर 2022, अमृतसर
13. तिवारी आर, चौहान एस, दास एस, नाक में होने वाले गंभीर दोषों की माइक्रोसर्जिकल पुनर्संरचना करने के लिए रेडियल फोरआर्म फ्लैप की उपयोगिता, वर्ल्ड सोसाइटी ऑफ रिकंस्ट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी कांग्रेस 2022, 4-6 जून 2022, कैनकुन, मैक्सिको
14. तिवारी आर, चौहान एस, सिंघल एम, दास एस, साहा एस, हाथ को टूटने के अत्यधिक जोखिम से बचाने के लिए अस्थायी रूप से हाथ प्रत्यारोपण के बाद पूरी कलाई की पुनर्संरचना, न्यूजीलैंड एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन एवं न्यूजीलैंड सोसाइटी फॉर सर्जरी ऑफ हैंड (एनजेडएपीएसएनजेडएसएसएच 2022), 1-3 दिसंबर 2022, वेलिंग्टन, न्यूज़ीलैंड

पिछले 2 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की संख्या

प्रस्तुति	**2021-2022**	**2022-2023**
मौखिक/पोस्टर	32	14

अनुसंधान

जारी

1. जलने संबंधी क्षति तथा ट्रामा संबंधी स्थिति का उपचार करने हेतु कृत्रिम त्वचा (बायो-इन्सपायर्ड बाई-लेयर पोलीमेरिक हाईब्रिड स्केफ्फोल्ड), डॉ. मनीष सिंघल, डीएसटी इम्प्रिंट, 1 वर्ष, 2021-22, रु. 44,96,600
2. चेहरे तथा हाथ की पुनर्संरचना शल्यचिकित्सा प्रक्रियाओं से संबंधित वैस्कुलर सप्लाई की रूपरेखा बनाने के लिए प्रशिक्षण मॉडल विकसित करना: कैडेवर प्रोसेसिंग की एक नवीन प्रक्रिया, डॉ. मनीष सिंघल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, रू. 81,82,320

3. ब्रैकियल प्लैक्स की पुनर्संरचना हेतु रोबोटिक सर्जरी की उपयोगिता पर प्रायोगिक अध्ययन, डॉ. राजा तिवारी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2021, जारी, रू 29,50,000
4. सिलिकोन डाई इंजेक्शन का उपयोग करके एक्सट्रा - कार्नियल सिर तथा गर्दन की वैस्कुलरलेबलिंग पर प्रयोगिक अध्ययन: इंटरवेंशन के दौरान खतरनाक स्थितियों से बचना, डॉ. राजा तिवारी, एम्स इन्ट्राम्यूरल 01, 2022, जारी, रू 4,95,300
5. ट्रॉमा के बाद होने वाली नाक संबंधी विकृति को सुधारने हेतु त्रिआयामी प्रिंटिंग मॉडल एवं सिमुलेशन प्रोग्राम के परिणाम का मूल्यांकन करना, डॉ. राजकुमार मानस्, एम्स इन्ट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, रू 5,00,000
6. जलने के बाद के निशान तथा त्वचा का सिकुड़ना: रोगों का बढ़ना, सामाजिक-आर्थिक एवं नैदानिक कारकों द्वारा प्रभावित परिणाम तथा उन्हें कम करने के सोपानों का अस्पताल-आधारित अध्ययन, डॉ. शशांक चौहान, आईसीएमआर, 2 वर्ष 2022-2024, रू 68,28,678
7. पोर्टेबल नेगेटिव प्रेशर थेरपी से ट्रॉमा के पश्चात् होने वाले घावों पर स्किन ग्राफ्ट का तुलनात्मक विश्लेषण। एक ओपन लेबल, पेरलल आर्म-कोहार्ट, डॉ. शशांक चौहान, ट्राइऐज मेडिटेक प्राइवेट लिमिटेड, 6 माह, मई 2020, जारी, रू 7,26,264

पूर्ण

सुपरफिशियल बाहरी घावों पर सी1 हर्बल तेल को ऊपरी सतह पर लगाने से होने वाले लाभ का मूल्यांकन करने हेतु नियंत्रित नैदानिक परीक्षण। (फेज II), डॉ. मनीष सिंघल, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, 01 वर्ष, 2018-2020, रू 16,72,800

भारत में बर्न्स का स्थितिपरक विश्लेषण, डॉ. मनीष सिंघल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 04 वर्ष, 2015-2020, रू 38,50,000

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. जख्मी उगंली के विच्छेदन के पश्चात् संवेग संबंधी परिणामों का मूल्यांकन।
2. फ्री माइक्रोवैस्कुलर टिसू टांस्फर करने में टिसू परफ्यूजन के ऑपरेशन के पश्चात मॉनिटरिंग स्मार्टफोन थर्मोग्राफी तथा नैदानिक पद्धति की तुलना - एक दूरदर्शी कोहार्ट अध्ययन।
3. एम्स के आपातकालीन विभाग में आने वाले गंभीर रूप से अंगविच्छेदित रोगियों की पुनःस्थापन के संबंध में जानकारी का मूल्यांकन करना।
4. उत्तर भारत में तृतीयक उपचार केंद्र में आने वाले रोगियों में मेटाकार्पल फैक्चर का पैटर्न।
5. एकल केंद्र में ऊपरी अंग की जन्मजात विसंगातियों का महामारी विज्ञान: एक महत्वकांक्षी अध्ययन।
6. हाइपरट्रॉफिक निशानों के परिपक्व होने पर पीआरपी इंफ्लिटिरेशन द्वारा अथवा उसके बगैर माइक्रो-निड़लिंग के बाद के परिणामों की तुलना करने हेतु एक भावी अध्ययन।

7. ऑपरेशन से पूर्व एएलटी प्रीफोरेटर का पता लगाने में एफएलआईआर बनाम डोपलर की सटीकता एवं इन्ट्रॉओपरटिव तरीके से इसकी तुलना करना।
8. ऊपरी अंग की पुनर्संरचना शल्यचिकित्सा प्रक्रिया से संबंधित वैस्कुलर सप्लाई हेतु रूपरेखा के लिए प्रशिक्षण मॉडल का विकास: कैडेवर प्रोसेसिंग की एक नवीन पद्धति।
9. ब्रेकीयल प्लेक्सस की जांच करने तथा पुनर्संरचना हेतु डाविंसी XI रोबेटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने के लिए एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।

पूर्ण

1. फाइब्रोडिपोज वैस्कुलर एनोमली (एफएवीए) के ऑपरेटिव उपचार में शल्यचिकित्सीय दृष्टिकोण तथा चुनौतियां।
2. जख्मी होने के बाद अंगूठे में आए विकारों के उपचार के पश्चात् आने वाले परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
3. एन्ट्रोलेटरल थाई फ्लैप में परफोरेटर का पता लगाने में इन्ट्राऑपरेटिव विज़ुअलाइजेशन सहित स्मार्टफोन थर्मोग्राफी की तुलना करने हेतु एक भावी अध्ययन - एक भावी कोहार्ट अध्ययन।
4. एकल केंद्र (ज.प्र.ना.ऐ.ट्रॉ. केंद्र, एम्स) में हाथ की चोट का महामारी विज्ञान - एक भावी एवं पूर्वव्यापी अध्ययन।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

भारत-जापान सहयोगात्मक कार्यक्रम (आईजेसीएसपी) **- (**भारतीय पक्ष) के तहत "प्रतिरोपित ऊतक पर वैस्कुलर परफ्यूजन की मॉनीटरिंग हेतु एक उपकरण का विकास एवं मूल्यांकन**"** हिरोशिमा विश्वविद्यालय, कोस्यूमी, मीनमी-कू, हिरोशिमा जापान।

रोगी उपचार, शिक्षा तथा अनुसंधान में विकास करने हेतु सर्जिकल इनोवेशन लेबोरेटरी (एसआईएल), ज.प्र.ना.ऐ.ट्रा. केंद्र, एम्स - आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित

रोगग्रसित घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस का उपचार करने हेतु आटोलोगस एडीपोज डिराडवड स्ट्रोमल वैस्कुलर फ्रैक्शन अथवा हायल्यूरोनिक एसिड द्वारा निर्मित इंट्राआर्टिकुलर इंजेक्शन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थिरोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षो की अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	6	8	9
कुल वित्तपोषण	रु. 1,41,95,664	रु. 2,28,73,284	रु. 2,50,61,582

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 13 सार: 05 पुस्तकों में अध्याय: 01

कुल	**38**	**18**
पत्रिकाओं में लेख	37	13
सार	0	5
पुस्तकों में अध्याय	1	0
पुस्तकें	0	0

रोगी उपचार

मद	**2022-2023**
ओपीडी परामर्श	27592
विशेष नैदानिक परामर्श	
रोगियों को प्रदान की गई पुनर्वास सेवाएं	7842
कुल भर्ती रोगी	3337

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

संस्थान के स्थापना दिवस पर आयोजित, प्लास्टिक सर्जरी: अतीत, वर्तमान तथा दृष्टिकोण - 2047 पर पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. शिवांगी साहा ने एसोसिएशन ऑफ प्लास्टिक सर्जन्स ऑफ इण्डिया द्वारा इण्डियन सोसाइटी ऑफ रिकन्सट्रक्टिव माइक्रोसर्जरी ट्रेवलिंग फेलोशिप 2022-2023 तथा वसुधन अर्जिन लेजर सर्जरी फेलोशिप-2023 प्राप्त की है।

9.34 मनोचिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

राकेश कुमार चड्ढा

आचार्य

प्रताप शरण	राजेश सागर	नन्द कुमार
ममता सूद	रमन दीप	सुजाता सतपथी (नैदानिक मनोविज्ञान)

अपर आचार्य

कौशिक सिन्हा देब	रोहित वर्मा	बिचित्र नन्दा पात्रा

सह-आचार्य

गगन हंस

सहायक आचार्य

बर्रे विजय प्रसाद (नैदानिक मनोविज्ञान)	वैभव पाटिल (तंत्रिका मनोविज्ञान, तंत्रिका विज्ञान केंद्र)
स्वाति केडिया गुप्ता (नैदानिक मनोविज्ञान, नेशनल सेंटर फॉर एजिंग)	प्रीति के (नेशनल सेंटर फॉर एजिंग)

निष्ठा चावला
(जेपीएनएटीसी)

बाल मनोवैज्ञानिक

रेणु शर्मा

विशिष्टताएँ

मनोचिकित्सा विभाग एमडी (मनोचिकित्सा), पीएचडी (मनोविज्ञान) और एमबीबीएस छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करने में सबसे अग्रणी रहा है और बीएससी/एमएससी नर्सिंग के साथ-साथ मेडिसिन, जेरिएट्रिक मेडिसिन, आपातकालीन चिकित्सा, प्रशामक चिकित्सा, और डीएम न्यूरोलॉजी विभागों के रेजिडेंटों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लेता है। मनोचिकित्सा विभाग के पास अनुसंधान की एक समृद्ध परंपरा है और वर्तमान में यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत (डीएसटी) और आईसीएमआर के सहयोग से कई प्रमुख वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं का निष्पादन कर रहा है। विभाग ने इस वर्ष कई प्रमुख कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें सार्वजनिक व्याख्यान और रेजिडेंट्स वेलनेस वर्कशॉप जैसे कुछ अन्य प्रमुख कार्यक्रमों के अलावा 4 सितंबर 2022 को 'इंटरडिसिप्लिनरी डायलॉग्स अराउंड सोशल साइकियाट्री' पर इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री की तीसरी राष्ट्रीय सीएमई और 8 से 10 दिसंबर 2022 तक रिपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मेगेन्टिक स्टिमुलेशन पर छठी राष्ट्रीय सीएमई और तीसरी हैंड्स-ऑन-ट्रेनिंग कार्यशाला शामिल है।

विभाग साप्ताहिक स्पेशलिटी क्लीनिकों के अलावा दैनिक वॉक-इन और फॉलो-अप क्लीनिक भी चलाता है। विभाग सीआरएचएसपी, बल्लबगढ़ और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में सप्ताह में 6 दिन सामुदायिक आउटरीच सेवाएं और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर में सप्ताह में एक बार सेवा (वन्स-ए-वीक) भी प्रदान करता है। विभाग ने वर्ष 2022-23 में 345 रोगियों के लिए इन-पेशेंट प्रबंधन के साथ कुल 17,113 नए मामलों और 59,065 फॉलोअप मामलों में एम्स, नई दिल्ली में बाह्य रोगी परामर्श सेवाएं प्रदान की। 2129 रोगियों को परामर्श संपर्क मनोचिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं। विभाग ने हॉस्पिटल इमर्जेंसी में 1500 मरीजों को, 752 मरीजों को एमईसीटी (mECT), 631 मरीजों को एचडी-टीडीसीएस (HD-tDCS) और 150 मरीजों को आरटीएमएस (rTMS) सेवाएं प्रदान की।

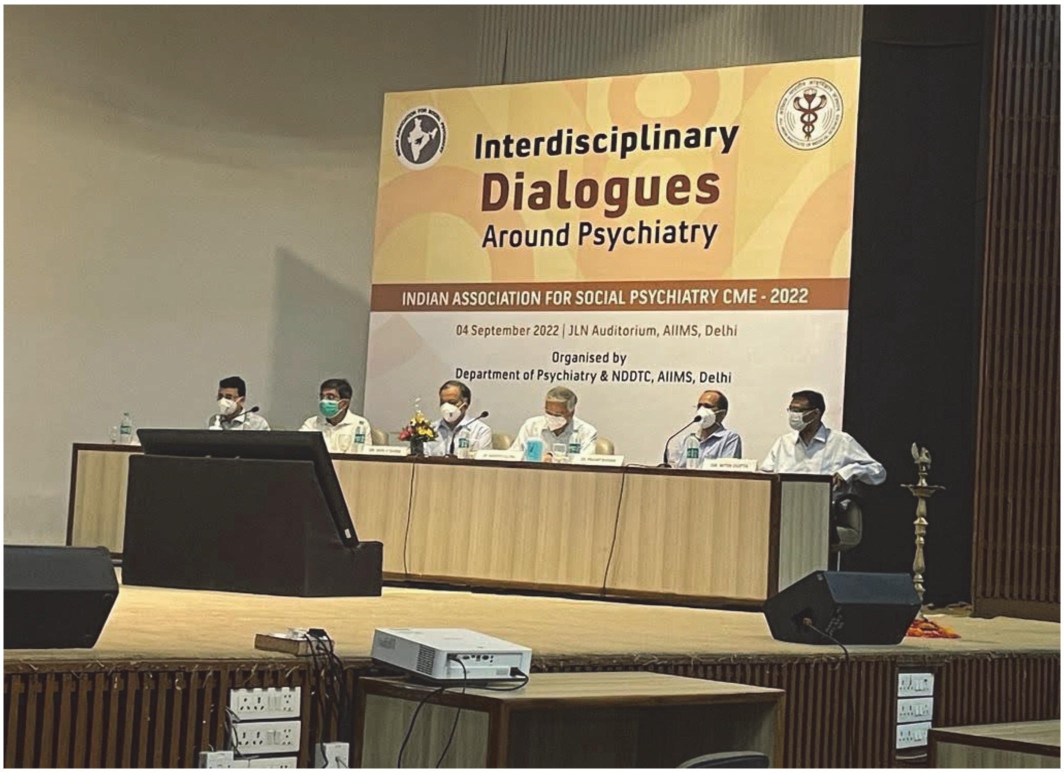

राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान (एनआईएचआर), यूके की टीम का विभाग का दौरा, 31 जनवरी 2023

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

सिद्धांत व्याख्यान छठा सेमेस्टर - 20 घंटे

नैदानिक शिक्षण/तैनाती तीसरा सेमेस्टर - 7 घंटे

चौथा-पांचवा सेमेस्टर - 25 दिन

छठा-आठवां सेमेस्टर - 40 दिन

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में समुदाय में शिक्षण

सातवां सेमेस्टर - 12 घंटे (सामुदायिक मनोचिकित्सा)

बीएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान

प्रथम वर्ष (मनोविज्ञान) 15 घंटे के लिए

तृतीय वर्ष (मनोचिकित्सा) 8 घंटे के लिए

क्लीनिक पोस्टिंग

तृतीय वर्ष मनोरोग वार्ड में 2 महीने के लिए

एमएससी नर्सिंग

सिद्धांत व्याख्यान

प्रथम वर्ष 8 घंटे के लिए

क्लीनिक पोस्टिंग

प्रथम वर्ष - मनोरोग वार्ड में 8 महीने और मनोरोग ओपीडी में एक महीने

दूसरा वर्ष - मनोरोग वार्ड में 3-4 महीने

थीसिस कार्य

अपने थीसिस कार्य का संचालन मनोरोग ओपीडी और वार्ड में करते हैं

अन्य विभागों से तैनात जूनियर रेजिडेंट का प्रशिक्षण।

कायचिकित्सा, जेरिएट्रिक मेडिसिन, इमरजेंसी मेडिसिन, आपात चिकित्सा और पैलिएटिव मेडिसिन विभागों से जूनियर रेजीडेंटों को और न्यूरोलॉजी में डीएम प्रशिक्षुओं को 2-4 सप्ताह की अवधि के लिए मनोचिकित्सा में प्रशिक्षण के लिए मनोचिकित्सा विभाग में तैनात किया जाता है।

एमडी (मनोचिकित्सा) और पीएचडी शिक्षण

- सप्ताह में एक बार संगोष्ठी
- सप्ताह में एक बार केस कांफ्रेंस
- सप्ताह में एक बार जर्नल चर्चा
- सप्ताह में एक बार थीसिस प्रोटोकॉल और मध्यकालीन प्रस्तुत
- सप्ताह में एक बार ट्यूटोरियल
- स्नातकोत्तर मनोचिकित्सा और डॉक्टरेट स्तर के नैदानिक मनोविज्ञान के छात्रों के लिए मनोचिकित्सा पर्यवेक्षण
- मनोरोग में जूनियर रेजिडेंटों के लिए परामर्श-संपर्क प्रशिक्षण का पर्यवेक्षण

निम्नलिखित सम्मेलनों/कार्यशालाओं का आयोजन किया

- 'इंटरडिसिप्लिनरी डायलॉग्स अराउंड सोशल साइकियाट्री' पर **इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री की तीसरी राष्ट्रीय सीएमई** 4 सितंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को वैश्विक प्राथमिकता बनाना, विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2022 पर **सार्वजनिक व्याख्यान और पैनल चर्चा**, 10 अक्टूबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- **रेजिडेंट्स वेलनेस वर्कशॉप (एसडब्ल्यूसी),** 20-21 अक्टूबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- नए शामिल होने वाले बीएससी नर्सिंग छात्रों (कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड स्टूडेंट्स वेलनेस सेंटर) की स्व-संवर्धन कार्यशाला (ओरिएंटेशन प्रोग्राम), 20-21 अक्टूबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- **एमबीबीएस छात्रों के लिए स्व-संवर्धन कार्यशाला** (शैक्षणिक अनुभाग और एसडब्ल्यूसी), 4-10 नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- फैकल्टी मेंटरों के लिए **टीचर मेंटर प्रोग्राम** (शैक्षणिक अनुभाग और एसईसी), 11 नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
- **रिपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मेगेन्टिक स्टिमुलेशन पर छठी राष्ट्रीय सीएमई और तीसरी व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला,** 8-10 दिसंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यानः 140

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2021-21	2021-22	2022-23
106	149	140

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूचीः 33

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
20	25	33

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. घबराहट और एनजाइटी भारतीय प्रश्नावली (पीएएनआईक्यू) का विकास, प्रोफेसर प्रताप शरण, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 4 वर्ष, 2018-2022, रु. 180,00,000
2. अवसाद से ग्रस्त उपशामक देखभाल रोगियों में प्रतिरक्षा प्रणाली नेटवर्क, प्रोफेसर प्रताप शरण, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 51,00,000

3. जीवनकाल में सामान्य मानसिक विकारों (सीएमडी) का तुलनात्मक मानचित्रण, प्रोफेसर प्रताप शरण, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 51,00,000
4. सीएआरई, प्रोफेसर नंद कुमार, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, रु. 4,50,00,000
5. सामान्य अवसाद रोधी थेरेपी के विरुद्ध रेस्पोन्डर बनाम गैर-रेस्पोन्डर का अनुमान लगाने के लिए एक व्यापक जीनोमिक दृष्टिकोण, प्रोफेसर नंद कुमार, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2025, रु. 87,09,763
6. सिज़ोफ्रेनिया में भावना पहचान के निर्धारक के रूप में श्रवण अर्थ-संबंधी और प्रोसोडिक सामग्री, भाषा अधिग्रहण और चेहरा पहचान के मूल्यांकन के लिए डिफ्यूज़ ऑप्टिकल टोमोग्राफी आधारित कॉर्टिकल विश्लेषण, डॉ. रोहित वर्मा, डीएसटी सीएसआरआई रिसर्च ग्रांट, 4 वर्ष, 2018-2023, रु. 51,98,660
7. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार वाले बच्चों और किशोरों में अतिरिक्त योग कार्यकलाप के प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ विचित्र नंदा पात्रा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, रु. 38,29,560
8. अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर एडीएचडी वाले बच्चों और किशोरों में संज्ञानात्मक कार्य, लक्षण और कार्यप्रणाली पर ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन टीडीसीएस का प्रभाव एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। डॉ. विचित्र नंदा पात्रा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 50,85,170
9. इलेक्ट्रोकोनवल्सिव थेरेपी से उपचारित अवसादग्रस्त विषयों में मेग्नेटिक रिजोनेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी, डॉ. गगन हंस, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 26,04,132
10. सामान्यीकृत एनजाइटी विकार में पेरिफेरल इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स: एक केस-नियंत्रित अध्ययन, डॉ. गगन हंस, एम्स इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2021-2023, रु. 9,36,000
11. यूनिपोलर और बाइपोलर अवसाद वाले अनुभवहीन रोगियों और पेरिफेरल ग्लूटामिनेज के साथ इसके संबंध के उपचार में एंटेरियर सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला में मेटाबोलिक असामान्यताओं का एच1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन, डॉ. गगन हंस, एम्स इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 3,60,000
12. एडीएचडी के साथ ऑटिज्म और एएसडी सह-रुग्णता (को-मॉर्बिड) वाले 3-11 वर्ष की आयु के बच्चों की शीघ्र पहचान के लिए द्विभाषी मोबाइल ऐप आधारित न्यूरो-संज्ञानात्मक स्क्रीनिंग टूल का विकास, प्रोफेसर सुजाता सतपती, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, रु. 27,74,506
13. कैंसर से पीड़ित बच्चों में न्यूरो-संज्ञानात्मक और मनो-व्यवहार संबंधी कमियों का शुरुआत में ही पता लगाना और पुनर्वासः एक स्क्रीनिंग स्केल और एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन का विकास, प्रोफेसर सुजाता सतपती, आईसीएमआर, 3 वर्ष,, 2023-2026, रु. 67,75,544

14. शिशु के विकास पर प्रसवोत्तर अवसाद और एनजाइटी का प्रभाव: एक सामुदायिक समूह अध्ययन, प्रोफेसर राजेश सागर, स्वयं (पिछले परियोजना का विस्तार), 3 वर्ष, 2016-2023, रु. 8,57,940
15. नई दिल्ली जन्म समूह (Birth Cohort) में मानसिक रुग्णता और इसके प्रारंभिक पूर्ववृत्त, प्रोफेसर राजेश सागर, क्यूईडी और डब्ल्यूएचओ-एसईएआरओ, 3 वर्ष, 2018-2023, रु. 8,67,850
16. भारत में कोविड-19 वैक्सीन एनजाइटी, झिझक और इसके सहसंबंधों का बोझ और परिमाण, प्रोफेसर राजेश सागर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2022-2025, रु. 49,74,554

पूर्ण

1. छठी से आठवीं के छात्रों के लचीलेपन को बढ़ाने के लिए बायो-साइको एवं सामाजिक-सांस्कृतिक मॉडल पर ऑडियो-विज़ुअल एवं डिजिटल सामग्री विकसित करना, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य, प्रोफेसर नंद कुमार, एएआई, 2 वर्ष, 2019-2021, 98,00,000 रुपये
2. अवसाद और सिज़ोफ्रेनिया के उपचार में मस्तिष्क उत्तेजना के तीव्र और अनुदैर्ध्य प्रभावों का अध्ययन, डॉ. रोहित वर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 3 वर्ष, 2018-2022, 10,00,000 रुपये
3. किशोरों द्वारा स्वयं को जानबूझकर नुकसान पहुंचानाः स्कूल-आधारित अध्ययन, डॉ. बिचित्रा नंद पात्रा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-2022, 26,25,015 रुपये
4. फटे होंठ और तालु वाले बच्चों और किशोरों के बीच भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, प्रोफेसर राजेश सागर, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2020-2023, 39,89,890 रुपये
5. कुष्ठ रोग से प्रभावित लोगों के व्यापक मानसिक स्वास्थ्य और मनोवैज्ञानिक-सामाजिक प्रभाव को सुदृढ़करण के लिए डेस्क समीक्षा करके पृष्ठभूमि दस्तावेज समावेशी नीति दस्तावेज विकसित करना, प्रोफेसर राजेश सागर, डब्ल्यूएचओ-भारत, 6 माह, 2022-2023, रु. 1,50,000
6. मेट्रीलिनियल बाइपोलर विकार में क्लिनिकल प्रोफाइल, माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए 10398, पेरिफेरल ग्लूकोज उपयोग और इनफ्लेमेशन (टीएनएफ-α) का आकलन, प्रोफेसर रमन दीप, एम्स इंट्रामुरल, 2 साल विस्तार के साथ, 2019-2023, रु. 3,90,000

विभागीय परियोजनाएँ

1. साइबरेरोटिका के समस्याग्रस्त उपयोग पर खोजपूर्ण अध्ययन
2. बाइपोलर विकार रोगियों में मासिक धर्म से पहले बेचैनी संबंधी विकार पर खोजपूर्ण अध्ययन
3. ऑब्सेसिव कम्पल्सिव बाध्यकारी विकार के लिए समूह संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपीः विकास और व्यवहार्यता अध्ययन
4. सिजोफ्रेनिया में नकारात्मक लक्षणों एवं संज्ञानात्मक क्रिया पर इंटरमिटेंट थीटा-बर्स्ट मैग्नेटिक स्टिम्यूलेशन (आईटीबीएस) की सहनक्षमता एवं प्रभावशीलता का प्राथमिक आकलनः एक डबल-ब्लाइंड -नियंत्रित अध्ययन

5. दवा में गैर-उत्तरदायी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर में दोहराए जाने वाले ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशनः उत्तेजना के विभिन्न साइटों की तुलना करने के लिए एक रैंडोमाइज्ड डबल ब्लाइंड समानांतर समूह शम नियंत्रित परीक्षण
6. नई दिल्ली के एक चयनित तृतीयक देखभाल अस्पताल में दयालुतापूर्वक प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं के बीच नर्स के नेतृत्व वाले कार्यकलाप स्व-देखभाल व्यवहार की प्रभावशीलता, मनोवैज्ञानिक लक्षण और जीवन की गुणवत्ता
7. सीडीएसीः एनईआर मेडिकल कॉलेजों के लिए चिकित्सा विज्ञान शिक्षा में पाठ्यक्रमों की प्रौद्योगिकी संबद्ध वितरण
8. बच्चों और किशोरों में मनोवैज्ञानिक आघात का लचीलापनः एक बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक गुण
9. एफएनआईआरएस का उपयोग करते हुए कॉर्टिकल एक्टिवेशन और कनेक्टिविटी का आकलन
10. कार्यकारी कार्यप्रणाली पर कार्य निर्भर प्रभाव की जांच के लिए एनोड ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (टीडीसीएस) के साथ लक्षित प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स मॉड्यूलेशन का एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
11. उपचार-रोधी डिप्रेशन में बेहतर न्यूरोसाइकोलॉजिकल एवं क्लिनिकल परिणामों के लिए कीटामाइन बनाम मोडिफाइड इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थिरेपी का रैंडमाइज्ड कंट्रोल्ड सिंगल ब्लाइंड ट्रायल
12. अवसाद में हाई-डेफिनिशन ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (एचडी-टीडीसीएस) की प्रभावशीलता और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड शम-नियंत्रित परीक्षण
13. एडीएचडी वाले बच्चों और किशोरों में मिथाइलफेनिडेट की प्रतिक्रिया के न्यूरोफिज़ियोलॉजिकल प्रीडिक्टर्स का एक अध्ययन
14. प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार में मेग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और नॉन-इंवेसिव बायोमार्कर की पहचान को स्पष्ट करना
15. पहले एपिसोड में पेरिफेरल इंफ्लेमेट्री मार्कर अनुपचारित अवसाद- एक मामला नियंत्रण अध्ययन
16. न्यूरोकॉग्निटिव कार्यप्रणाली और प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल हेमोडायनामिक गतिविधि के साथ ओसीडी में मुख्य प्रेरणाओं का सहसंबंध
17. पार्किंसंस रोग में सबथैलेमिक न्यूक्लियस के डीप ब्रेन स्टिमुलेशन के बाद कॉग्निटिव कार्यप्रणाली में परिवर्तन का एक मामला नियंत्रण अध्ययन
18. मॉडरेट ट्रामेटिक ब्रेन इंजरी (टीबीआई) वाले रोगियों में कॉग्निटिव कार्यप्रणाली पर ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट ट्रांसक्रानियल का प्रभाव
19. बाइपोलर विकारों से पीड़ित विषयों में कालक्रम (क्रोनोटाइप) और उसके सहसंबंधों का मूल्यांकन
20. डिसोसिएटिव डिसऑर्डर के रोगियों की देखभाल के रास्ते और उपचार में बाधाएँ

21. गंभीर अवसाद के उपचार के लिए डिजिटल कॉग्निटिव भावनात्मक प्रशिक्षण के साथ संयुक्त ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन (tDCS) की प्रभावशीलता
22. रेमिशन में बाइपोलर विकार वाले रोगियों में कालक्रम (क्रोनोटाइप) से जुड़े नैदानिक कारकों का आकलन
23. महिलाओं के लिए गर्भधारण पूर्व एकीकृत स्वास्थ्य देखभालः एक कथित गर्भधारण पूर्व स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन टूल का विकास और समुदाय-आधारित स्वास्थ्य जोखिम - कमी संवेदीकृत कार्यक्रम
24. स्मार्टफोन ऐप के माध्यम से अवसाद उपचार प्रतिक्रिया का प्रारंभिक अनुमान - एक संभावित, समूह अध्ययन
25. मानसिक विकार वाले बच्चों और किशोरों के माता-पिता के बीच तनाव और बोझ के साथ एसोशिएटिव स्टिग्मा और इसके संबंधों पर एक अध्ययन
26. भारत के तृतीयक देखभाल केंद्र में स्वास्थ्य कर्मियों के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव
27. कोविड-19 महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य सहसंबंध और अनिश्चितता पर एक बहुसमूह सहसंबंध अध्ययन
28. पूरे देश में समान संयम रिपोर्टिंग के लिए एक ढांचे के विकास के माध्यम से भारत में रोगी संयम और एकांत प्रथाओं की मात्रा का आकलन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन
29. ऑटिज्म और एडीएचडी के साथ एएसडी सह-रुग्णता वाले 3-11 वर्ष की आयु के बच्चों की शीघ्र पहचान के लिए एक द्विभाषी मोबाइल-ऐप आधारित न्यूरो-कॉग्निटिव स्क्रीनिंग टूल का विकास
30. कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मनो-सामाजिक और व्यवहारिक डोमेन की जांच करने के लिए एक अध्ययनः मिश्रित अध्ययन डिजाइन
31. कोविड के बाद के बच्चों और किशोरों में व्यवहार, मानसिक रुग्णता और कॉग्निटिव कार्यप्रणाली का अध्ययन
32. सैकैडिक मूवमेंट के दौरान एफएनआईआरएस (fNIRS) का उपयोग करते हुए एडीएचडी वाले बच्चों और किशोरों में प्रीफ्रंटल कॉर्टिकल सक्रियकरण पर मिथाइलफेनिडेट का तीव्र प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

पूर्ण

1. आत्महत्या रोकथाम के लिए संक्षिप्त कॉग्निटिव व्यवहार थेरेपी का अनुकूलन
2. एडीएचडी से प्रभावित 6-11 वर्ष की आयु के बच्चों पर कॉग्निटिव ट्रेनिंग टूलकिट (सीटीटी) और कंप्यूटर बेस्ड कॉग्निटिव ट्रेनिंग (पीएसएस कोगरिहैब) के संज्ञानात्मक और मनो-शारीरिक प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण प्रायोगिक अध्ययन
3. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया से पीड़ित बच्चों का मनो-व्यवहार और संज्ञानात्मक कार्यः समग्र मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास और व्यवहार्यता

4. पैसिव इमर्सिव वर्चुअल रियलिटी वातावरण में उपयोगकर्ता अनुभव को मापने के लिए शेल्फ-रेटेड प्रश्नावली का प्रस्ताव और सत्यापन
5. एंटीसाइकोटिक दवा की एक खुराक के बाद मनोविकृति वाले रोगियों में सैकेड और स्मूथ परसूट मूवमेंट का एक अध्ययन
6. अवसाद और मनोविकृति में सैकेड्स और परसूट आई मूवमेंट का एक क्रॉस-सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन
7. भारत में तृतीयक देखभाल कोविड-19 अस्पताल में परामर्श-संपर्क मनोचिकित्सा सेवा रेफरल पैटर्न की पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा
8. कोविड-19 टीकाकरण प्राप्त करने वाले लोगों के बीच मनोवैज्ञानिक अवसाद और उससे जुड़े कारकों का आकलन
9. कॉग्निटिव मूल्यांकन के लिए एंड्रॉइड-आधारित ट्रेल मेकिंग टेस्ट एप्लिकेशन (टीएमटी ऐप) का विकास और सत्यापन
10. दीर्घकालिक थेरेपी पर बाइपोलर विकार वाले रोगियों में थायरॉयड ग्रंथि की इकोजेनेसिटी, मात्रा और कार्यों का आकलन
11. गर्भावस्था के नुकसान की मनोसामाजिक गतिकीः एक बहुआयामी पैमाने का विकास और सामूहिक मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉडल का विकास एवं प्रभावकारिता (रैंडोमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल)
12. बच्चों के ड्रॉ-ए-पर्सन-टेस्ट (डीएपीटी) में पेनेट्रेटिव सीएसए के संकेतकों/मार्कर्स का वैधांकन एवं मानकीकरण
13. किशोरों में जानबूझकर खुद को नुकसान पहुंचानाः एक स्कूल-आधारित अध्ययन
14. अब्सेसिव कम्पल्सिव विकार के लिए समूह कॉग्निटिव व्यवहार थेरेपी; विकास और व्यवहार्यता अध्ययन-इंट्राम्यूरल फंड
15. स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच स्क्रीन टाइम और मानसिक, व्यवहार और सामाजिक पहलुओं के बीच संबंध
16. हेमोफिलिया वाले किशोरों में मनोरोग संबंधी पहलुओं, मनो-सामाजिक और कॉग्निटिव कार्यप्रणाली पर अध्ययन
17. मनोवैज्ञानिक आघात का लचीलापनः एक बहुआयामी पैमाने का विकास और मनोवैज्ञानिक गुण
18. कैंसर से पीड़ित बच्चों में न्यूरो-कॉग्निटिव और व्यवहार संबंधी कमियों का प्रारंभिक निदान और कार्यकलापः एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
19. बच्चों को कोविड-19 के विरूद्ध टीका लगाने से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सुरक्षा मिलती है: एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन
20. कॉग्निटिव कार्यों पर विपासना और ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन प्रशिक्षण का प्रभाव।
21. विकास डिस्लेक्सिया वाले बच्चों में भाषा प्रसंस्करण में दृष्टि संबंधी जटिलता का संरचनात्मक और कार्यात्मक संबंध।

22. कैंसर से पीड़ित बच्चों में न्यूरो- कॉग्निटिव और व्यवहार संबंधी कमियों का शुरुआत में ही पता लगाना और पुनर्वासः स्क्रीनिंग स्केल का विकास और एक डबल-ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
23. मिर्गी (पीडब्ल्यूई) से पीड़ित व्यक्तियों में हल्के से मध्यम अवसाद में अवसादरोधी दवाओं की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
24. चरण-I प्राथमिक उच्च रक्तचाप के प्रबंधन के लिए आयुर्वेदिक कार्यकलाप (सर्पगंधा मिश्रण) बनाम एम्लोडिपिन पर संभावित डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक अध्ययन।
25. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले बच्चों और किशोरों में अतिरिक्त योग कार्यकलाप के प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. अंतर्राष्ट्रीय सेक्स सर्वेक्षण, मॉन्ट्रियल विश्वविद्यालय, कनाडा
2. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार में मेग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए संरचनात्मक, न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों और गैर-आक्रामक बायोमार्कर की पहचान को स्पष्ट करना, परमाणु मेग्नेटिक रेजोनेंस विभाग
3. शराब और ओपिओइड वाले व्यक्तियों के बीच एडिक्शन सवेरिटी इंडेक्स-लाइट के हिंदी संस्करण की आंतरिक निरंतरता और डायवर्जेंट वैधता, राष्ट्रीय औषधि निर्भरता उपचार केंद्र (एनडीडीटीसी)
4. टेस्टिकुलर और एड्रेनल कार्यों पर अवसादरोधी दवा (एस्सिटालोप्राम) का प्रभाव, प्रजनन जीव विज्ञान विभाग
5. मेग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग और स्पेक्ट्रोस्कोपी का उपयोग करते हुए गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में संरचनात्मक और न्यूरोबायोलॉजिकल परिवर्तनों को समझना, परमाणु मेग्नेटिक रेजोनेंस विभाग
6. मनोवैज्ञानिक गैर-मिर्गी दौरे वाले व्यक्तियों में कॉग्निटिव व्यवहार थेरेपी बनाम योग निद्रा की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोलॉजी विभाग
7. स्टेजेज ऑफ चेंज रेडीनेस एंड ट्रीटमेंट इगरनेस स्केल (एसओसीआरएटीईएस) के चरणों का हिंदी अनुवाद और साइकोमेट्रिक सत्यापन, एनडीडीटीसी
8. भारतीय परिवेश में कम जोखिम बनाम उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में एनजाइटी और अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग
9. पहले एपिसोड का नैदानिक सत्यापन और पेडियाट्रिक ऑनसेटसेंट्रल नर्वस सिस्टम एक्वायर्ड डिमाइलेशन सिंड्रोम में क्रोनिक न्यूरोबिहेवियरल परिणामः एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी विभाग

10. फार्माको-रेस्पॉन्सिव गैर-घावयुक्त मिर्गी वाले 5 से 18 वर्ष की आयु के बच्चों और किशोरों में अनुभूति, व्यवहार और एक्जेक्यूटिव फंक्शन के साथ स्लीप आर्किटेक्चर का सहसंबंध, बाल चिकित्सा न्यूरोलॉजी विभाग

11. स्ट्रोक रिकवरी में न्यूरो सहायक प्रौद्योगिकियों में सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च एंड एक्सीलेंस (सीएआरई), आईआईटी, नई दिल्ली

12. यह परीक्षण करना कि मन का भटकना किस प्रकार क्रिया-निषेध को प्रभावित करता है, आईआईटी, नई दिल्ली

13. संपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट के रोगियों में न्यूरोट्रॉफिक कोटेड नैनोकणों के आरोपण के साथ-साथ रिपिटिटिव ट्रांसक्रानियल मेग्नेट स्टिमुलेशन की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए नैदानिक अनुसंधान, फिजियोलॉजी विभाग

14. सामान्य महामारी प्रबंधन और कोविड 19 प्रबंधन में कुशल एचसीडब्ल्यू तैयार करने के लिए आईटी सक्षम प्रशिक्षण की सुविधा - प्रक्षम्य प्रशिक्षण, फिजियोलॉजी विभाग

15. पाआरओएमआईएस की मान्यताः कैंसर से बचे लोगों के लिए उपकरण, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

16. विटिलिगो रोगियों में उपचार प्रतिक्रिया की अवधारणा संबंधी गुणात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग

17. विटिलिगो के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और रोगी द्वारा समझे जाने वाले कलंक पर कॉस्मेटिक केमेफ्लॉज के प्रभाव का एक संभावित समूह अध्ययन, त्वचाविज्ञान विभाग

18. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित बांझ महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता, नींद, यौन क्रियाकलाप और अवसादः हिंदी अनुवाद और साइकोमेट्रिक टूल्स का सत्यापन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

19. डिप्रेशन के रोगियों के संज्ञानात्मक कार्यों का एफएमआरआई और एफएनआईआरएस का उपयोग करके कोर्टिकल एक्टिवेशन का तुलनात्मक अध्ययन, एनएमआर विभाग

20. निर्णय लेने के न्यूरोसाइकोलॉजिकल आधारः मेडियल टेम्पोरल लोब एपिलेप्सी में संज्ञानात्मक कार्य का परीक्षण, न्यूरोलॉजी और मनोविज्ञान विभाग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली एवं मनोविज्ञान विभाग। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान**,** दिल्ली

21. मनोचिकित्सा रुग्णता के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन करने के लिए और बाल चिकित्सा में गंभीर समस्याओं लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उत्तरजीवी, फिजियोलॉजी विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली एवं मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

22. सेवोफ्लुरेन बनाम कुल इंट्राविनस एनेस्थेसिया के साथ उद्भव विभ्रम का पता लगाने के लिए बच्चों में कार्यात्मक नियर-इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक संभावित अवलोकन अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग

23. ग्लूकोमा के रोगियों में कॉग्निटिव हानि का मूल्यांकन करना, नेत्र विज्ञान विभाग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

24. भावनात्मक विकारों में तनाव और कॉग्निटिव-प्रभावी प्रसंस्करण की जांच करना, मनोविज्ञान विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली

25. तनाव से ग्रसित रोगियों के न्यूरोडीजनरेशन पर एंटीडिप्रेजेंट के प्रभाव की तुलना, फार्माकोलॉजी विभाग

26. किशोरों में आत्मघाती फांसी में शव परीक्षण के निष्कर्ष और मनोवैज्ञानिक प्रोफाइलिंग, फोरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग

27. भारतीय जनसंख्या में आत्मघाती व्यवहार के साथ साइटोकिन्स की आनुवंशिक संगति, फोरेंसिक मेडिसिन एवं विष विज्ञान

28. गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले व्यक्तियों में अवसादरोधी उपचार के साथ राइबोफ्लेविन अनुपूरण के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, फार्माकोलॉजी विभाग

29. भारतीय लोगों में आत्महत्या करने वालों में एपिजेनेटिक संशोधन की भूमिका का अध्ययन करने के लिए जीनोम वाइड डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग, फोरेंसिक मेडिसिन एवं टॉक्सिकोलॉजी विभाग

30. अवसादग्रस्त रोगियों के बीच स्वयं को हानि और आत्महत्या के प्रयासों के अनुमान के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित विधियों का विकास और मूल्यांकन, शरीर रचना विज्ञान विभाग

31. बचपन के ठोस घातक ट्यूमर के बचे लोगों में मनो-सामाजिक और दैहिक विकारों की घटना और गंभीरता। बाल चिकित्सा-कैंसर विज्ञान

32. रक्त दाताओं के बीच एनजाइटी संबंधी घटनाओं के लिए मदों का आकलन करने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन और तृतीयक देखभाल अकादमिक में उनकी स्थिति और सामग्री की वैधता स्थापित करना, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन

33. सिर और गर्दन के कार्सिनोमा के लिए नियत कीमो विकिरण प्राप्त करने वाले रोगियों में कॉग्निटिव क्षीणता को कम करने में सेलेकॉक्सिब की भूमिकाः एक चरण II यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण, मेडिकल ऑन्कोलॉजी

34. पंजाब ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा केंद्रों में टेक-होम ब्यूप्रेनोर्फिन का अनुभव, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स जोधपुर

35. एम्स जोधपुर, मनोचिकित्सा विभाग, एम्स जोधपुर में बाइपोलर भावात्मक विकार के बीच ग्लोबल फंक्सनिंग, चिकित्सा अनुपालन, पुनरावृत्ति दर पर सामुदायिक री-एंट्री कार्यक्रम की प्रभावशीलता

36. प्रोथेसिस अनुकूलनशीलता और चाल (Gait) के संबंध में आघात के बाद घुटने के ऊपर के विच्छेदन वाले रोगियों में पारंपरिक व्यायाम के साथ आइसोकिनेटिक प्रशिक्षण के प्रभाव की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

37. घुटने के ऊपर के विच्छेदन के बाद लक्षित मांसपेशी पुनर्जीवन बनाम पारंपरिक स्टंप तैयारी से गुजर रहे रोगियों में दर्द की स्थिति की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

38. आघात के बाद घुटने के विच्छेदन के रोगियों में संतुलन, क्यूओएल और मनोवैज्ञानिक स्थिति पर तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस (आईपीओपी) बनाम पारंपरिक प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग

39. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के रोगियों में पारंपरिक चिकित्सा का पालन करने के 10 वर्षों के बाद इसके प्राकृतिक कोर्स हाइपोपैराथायरायडिज्म में न्यूरोसाइकिएट्रिक और कॉग्निटिव शिथिलता और उनके कैल्सेमिक नियंत्रण पर इन विकारों के प्रभाव, एंडोक्रिनोलॉजी विभाग

40. क्रोनिक अनिद्रा के लिए आयुष द्वारा 'सामान्य योग प्रोटोकॉल' का प्रभावः एक ओपन लेबल, दो हाथ, समानांतर यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण-एक प्रोटोकॉल, फिजियोलॉजी विभाग

41. लॉन्ग-कोविड और नई दिल्ली की शहरी पुनर्वास कॉलोनी में चुनिंदा स्वास्थ्य स्थितियों के साथ इसका संबंधः एक समुदाय-आधारित, क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

42. बचपन के अवसाद पर योग-आधारित जीवनशैली के कार्यकलाप के प्रभाव का अध्ययन, एनाटॉमी विभाग

43. मोटापे और गंभीर अवसादग्रस्तता विकार वाले मरीजों में योग-ध्यान-आधारित जीवनशैली कार्यकलाप की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, फिजियोलॉजी विभाग

44. विशिष्ट अधिगम विकार (सीएबीएसएलडी) के लिए व्यापक मूल्यांकन बैटरी का विकास, मनोचिकित्सा विभाग

45. भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान महिलाओं का स्वास्थ्य और महिलाओं के खिलाफ घरेलू हिंसाः डब्ल्यूएचओ और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग द्वारा वित्त पोषित एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

46. भारत में प्राथमिक देखभाल में बहुरुग्णता से निपटने के लिए एक डिजिटल स्वास्थ्य-सक्षम कार्यकलाप विकसित करना, पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीएचएफआई)

47. भारत में प्रमुख अवसादग्रस्तता विकार (एमडीडी) उपचार के लिए योग-आधारित जीवन शैली के हस्तक्षेप का एक आनुवादिक रेंडोमाइज्ड परीक्षण और इसके साथ जुड़े सेलुलर बुढ़ापे के बायोमार्कर का विश्लेषण, शरीर रचना विभाग

48. पीसीओएस वाले किशोर और प्रजनन आयु की महिलाओं के बीच जोखिम कारकों, सह-रुग्णताओं और विभिन्न कार्यकलापों के प्रभाव का मूल्यांकन करने वाला बहुकेंद्रित संभावित समूह अध्ययन आईसीएमआर पीसीओएस टास्क फोर्स अध्ययन-चरण 2, ओबीजी विभाग

49. वेलकम ट्रस्ट-डीबीटी एलायंस फैलोशिप जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली के लिए व्यवस्थित चिकित्सा मूल्यांकन, रेफरल और उपचार (स्मार्ट) मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

50. तम्बाकू समाप्ति हेतु चिकित्सा के रूप में योगः एक जांच परीक्षण, सीआईएमआर विभाग

51. एक वर्ष से भी अधिक समय पहले कीनोटिक कंजेनिटल हार्ट डिजीज (सीसीएचडी) का इलाज किए गए किशोरों और वयस्क रोगियों के बीच जीवन की गुणवत्ता और मनोदैहिक मापदंडों पर योग की व्यवहार्यता और प्रभावकारिताः एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, कार्डियोलॉजी विभाग

52. अवसाद से पीड़ित भारतीय रोगियों में एंटीडिप्रजेंट प्रतिक्रिया के साथ मोनोएमिनेर्जिक न्यूरोट्रांसमिशन संबंधी पॉलीमॉर्फिज्म और उनके सहयोग की आनुवंशिक अभिव्यक्ति, फार्माकोलॉजी विभाग

53. एडोलेसेंट्स रेसिलिएंस एंड ट्रीटमेंट नीड्स फॉर मेंटल हेल्थ इन इंडियन स्लम्स (आर्टेमिस), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली

54. डिप्रेशन के रोगियों में न्यूरोडिजेनरेशन और न्यूरोप्लास्टिसिटी पर एंटीड्रिपेसेंट्स का प्रभाव, फार्मेकोलॉजी

55. क्यूईईजी आधारित तंत्रिका सहसंबंध और एडीएचडी में ध्यान और हस्तक्षेप के माइक्रोस्टेट्सः एक एन्डोफेनोटाइपिक मार्कर, फिजियोलॉजी विभाग

56. ईईजी कॉर्टिकल सोर्सेज और अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर में क्रियात्मक स्मृति एवं भाषा प्रसंस्करण की कनेक्टिविटी, फिजियोलॉजी विभाग

57. मस्तिष्क में गंभीर मानसिक चोट के बाद पेरिफेरल ब्लड एवं ब्रेन में अल्टर्ड माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन, लैब मेडिसिन विभाग, जेपीएनएटीसी

58. मानसिक बीमारी पर व्यय का वित्तपोषण- एक मामले का अध्ययन, इग्नू, दिल्ली

59. बचपन के अवसाद पर योग आधारित जीवनशैली के कार्यकलाप के प्रभाव का अध्ययन करना - रिसर्च एसोसिएट फेलोशिप के रूप में, एनाटॉमी विभाग

60. कोविड महामारी के दौरान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं पर तनाव संबंधी संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

61. एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा एचआईवी सेवाओं में भाग लेने वाले एचआईवी (एएलएचआईवी) के साथ रहने वाले किशोरों में सामान्य मानसिक विकारों का अध्ययन: एक केस-नियंत्रण अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा विभाग

62. आघात के बाद अंग/अंगों के विच्छेदन वाले मरीजों में जीवन की गुणवत्ता पर मनोसामाजिक कार्यकलाप का प्रभावः- एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी

63. मोटापे और गंभार अवसादग्रस्तता विकार वाले रोगियों में योग-ध्यान आधारित जीवनशैली कार्यकलाप बनाम रिपिटिटिव ट्रांसक्रानियल स्टिमुलेशन (आरटीएमएस) की प्रभावकारिता: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी), फिजियोलॉजी विभाग

64. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-चरण 2 मेगासिटी सर्वेक्षण, निमहंस, बैंगलोर

65. दिल्ली में लक्षित कार्यकलाप साइटों पर नामांकित ट्रांसजेंडर व्यक्तियों में अवसाद और एनजाइटी, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र

66. निचले अंग विच्छेदन के रोगियों में फैंटम लिंब पेन पर आरटीएमएस (rTMS) बनाम ड्रग थेरेपी का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी

67. ट्रॉमेटिक अंग विच्छेदन/नों वाले मरीजों में जीवन की गुणवत्ता और तनाव बायोमार्कर संबंधी मनोसामाजिक कार्यकलाप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी

68. घुटने से ऊपर के विच्छेदन वाले रोगियों (पोस्ट-ट्रॉमेटिक) में सर्जरी के बाद के परिणाम, संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययनः एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी

69. यौन विकास विकार वाले बच्चों के प्रबंधन के लिए बहु-विषयक क्लिनिक और बोर्ड के कार्यान्वयन और देखभाल की गुणवत्ता पर इसके प्रभाव का आकलन करना डीएम, बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी विभाग

70. एशियन बाइपोलर जेनेटिक्स नेटवर्क (ए-बीआईजी-नेट) - वित्तपोषण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ (एनआईएमएच), यूएसए, निमहंस, बैंगलोर

71. एनीमियाः भारतीय जनसंख्या में विटामिन डी, आवश्यक तत्वों और जीवनशैली की भूमिका की खोज, फार्माकोलॉजी विभाग

पूर्ण

1. कोविड-19 के कारण भारत में स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच एनजाइटी का आकलन करने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल प्रश्नावली-आधारित अध्ययन, एनडीडीटीसी

2. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता स्कोर और परिसंचारी ट्यूमर कोशिकाओं पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थेसिया का प्रभाव, एनेस्थीसिया विभाग

3. कोरोसिव फारिंगोसोफेगल स्ट्रक्चर के लिए सर्जरीः जीवन की गुणवत्ता का आकलन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी विभाग

4. मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए मनोवैज्ञानिक प्राथमिक चिकित्सा (पीएफए) मॉडल की एक प्रौद्योगिकी संचालित हस्तक्षेप विकसित करना। मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत)

5. हल्के और मध्यम अवसादग्रस्तता विकारों वाले व्यक्ति पर मानक उपचार की तुलना में योग और ध्यान और जीवन शैली संशोधन के 30 मिनट का प्रभाव, मानसिक स्वास्थ्य फाउंडेशन (भारत)

6. चरम अस्थि सार्कोमा से बचे लोगों में मनोसामाजिक, कार्यात्मक, यौन, शैक्षिक और व्यावसायिक परिणाम, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग

7. गर्भावस्था एवं पोस्टपार्टम अवधि में वजन बढ़ने, मनोवैज्ञानिक तनाव, जीवन की गुणवत्ता, गर्भावस्था में पल्मनकरी फंक्शंस पर प्रीनैटल एवं पोस्टनैटल योग का प्रभाव, और गर्भावस्था के परिणाम से इसके संबंध पर प्रत्याशित अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग

8. हो चुकी आत्महत्याओं में सुसाइड नोट लेखकों और गैर-सुसाइड नोट लेखकों के बीच मनोसामाजिक जोखिम कारकों और व्यक्तित्व-व्यवहार संबंधी आयामों का तुलनात्मक अध्ययन। मामला मनोवैज्ञानिक शव परीक्षण, फोरेंसिक विज्ञान और विष विज्ञान विभाग

9. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत रीढ़ की हड्डी की सर्जरी करा रहे बुजुर्ग रोगियों में प्री-ऑपरेटिव कमजोरी और पोस्ट-ऑपरेटिव डिलीरियम और कॉग्निटिव शिथिलता के बीच संबंधः एक संभावित अवलोकन अध्ययन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग

10. सिज़ोफ्रेनिया में कॉग्निटिव अंतर्दृष्टि और कामकाजी स्मृति की कमी पर बाएं डोरसोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन का प्रभाव - एकल ब्लाइंड यादृच्छिक शम (sham) - नियंत्रित अध्ययन, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश

11. एम्स, नई दिल्ली, कॉलेज ऑफ नर्सिंग के स्नातक नर्सिंग छात्रों के बीच बॉडी इमेज, सामाजिक सामर्थ्य, नींद की गुणवत्ता और आत्मसम्मान पर सोशल मीडिया के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

12. बाह्य रोगी मनोचिकित्सा विभाग, नर्सिंग कॉलेज में आने वाले अवसादग्रस्त लोगों के बीच दैनिक जीवन की गतिविधियों, औषध अनुपालन और बीमारी की गंभीरता के संबंध में मोबाइल ऐप-आधारित मनोशिक्षा कार्यक्रम की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन

13. पोस्ट-कोविड फॉलोअप रोगियों में मानसिक स्वास्थ्य सह-रुग्णताओं के पैटर्न की पूर्वव्यापी चार्ट समीक्षा, पल्मोनोलॉजी विभाग

14. प्राथमिक ग्लूकोमा में एफएनआईआरएस (fNIRS) का उपयोग करते हुए दृश्य कॉर्टेक्स गतिविधि का मूल्यांकन, नेत्र विज्ञान विभाग, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

15. कोक्लियर इम्प्लांटेशन के बाद कम से कम 3 वर्ष के बाद, प्रारंभिक गहन सेंसिरिनुरल हियरिंग लॉस रोगियों में अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी के पास कार्यात्मक पर देखे गए श्रवण कॉर्टिकल गतिविधि के साथ विभिन्न कर्णावत आरोपण परिणाम स्कोर की तुलना करना, ऑटोरहिनोलेरिंगोलाजी विभाग

16. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी ले रहे रोगियों में दौरे की गतिविधि की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी समय और कॉर्टिकल गतिविधि (एफएनआईआरएस का उपयोग करते हुए) पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन, एनेस्थिसियोलॉजी विभाग

17. शराब पर निर्भर विषयों में क्रेविंग के संबंध में लेफ्ट डोरसोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स पर सहायक ट्रांसक्रानियल डायरेक्ट करंट स्टिमुलेशन का प्रभाव, मनोचिकित्सा विभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश

18. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजर रहे रोगियों में मनोवैज्ञानिक तनाव और डिम्बग्रंथि रिजर्व मार्करों पर एकीकृत योग का प्रभावः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, स्त्री रोग और प्रसूति विभाग

19. उत्तर भारत के ग्रामीण समुदाय में 10-19 वर्ष की आयु के किशोरों के बीच चयनित क्रोनिक स्थितियों की व्यापकता और निर्धारक, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र, एम्स
20. फरवरी 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली सांप्रदायिक दंगों में बचे लोगों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतें, बाल उमंग दृश्य संस्था (बीयूडीएस)
21. फटे होंठ और तालु वाले बच्चों और किशोरों के बीच भावनात्मक और व्यवहार संबंधी समस्याओं और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, दंत चिकित्सा
22. भारत में असामान्य जननांगों के साथ पैदा हुए बच्चों के माता-पिता पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव, बाल रोग विभाग
23. मल्टी-मॉडल एमआरआई, एनएमआर का उपयोग करके प्रारंभिक-ऑनसेट सिज़ोफ्रेनिया (ईओएस) में संज्ञानात्मक घाटे के साथ जुड़े मस्तिष्क व्यवहार संबंध का मूल्यांकन- डीबीटी द्वारा वित्त पोषित शहरी मलिन बस्तियों में रहने वाले पुराने किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य जोखिम कारकः एक हस्तक्षेप करने के लिए सुधार लचीलापन (एएनयूएमएटीआई), जॉर्ज इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल हेल्थ, नई दिल्ली
24. फरवरी 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली सांप्रदायिक दंगों में बचे लोगों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी ज़रूरतें, बाल उमंग दृश्य संस्था (बीयूडीएस)
25. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में प्रसवोत्तर परिणाम, व्यवहार और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में आघात के बाद निचले पैर के एम्प्यूटीज में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक रैंडोमाइज्ड नियंत्रण परीक्षण - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित, ट्रॉमा सर्जरी विभाग - जेपीएनएटीसी
26. क्रोनिक अनिद्रा विकार, सीआईएमआर वाले विषयों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक तेल छोड़ने वाले उपचार) की प्रभावकारिता की जांच के लिए ट्रायल पर दो हाथ समानांतर ओपन-लेबल रैंडोमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण - आयुष, सीआईएमआर विभाग द्वारा वित्त पोषित
27. नैदानिक अवसाद वाले वयस्कों पर योग थेरेपी के ऐड-ऑन एकीकृत दृष्टिकोण का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सीआईएमआर विभाग
28. कोविड-19 के प्रकोप के दौरान भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच मनोवैज्ञानिक संकटः एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण, सीआईएमआर विभाग
29. लैप्रोस्कोपिक या एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक जल निकासी के बाद अग्नाशयशोथ, द्रव संग्रह और कार्यात्मक परिणामों की पुनरावृत्ति के मामले में अग्न्याशय के नेक्रोसिस / स्यूडोसिस्ट के साथ रोगियों के दीर्घकालिक परिणाम- एम्स द्वारा वित्त पोषण, सर्जिकल अनुशासन विभाग
30. पार्किंसंस रोगी के दिमाग में कार्यात्मक और जैव रासायनिक सहसंबंधी माइल्ड संज्ञानात्मक प्रभाव, एनएमआर विभाग
31. लैप्रोस्कोपिक इनसिजनल हर्नियर रिपेयर में क्यूओएल पर योग उपचार का प्रभाव, सर्जिकल डिसिप्लिन्स

32. मनोचिकित्सा रुग्णता के प्रसार और जोखिम कारकों का अध्ययन करने के लिए और बाल चिकित्सा में गंभीर समस्याओं लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उत्तरजीवी, बाल चिकित्सा विभाग
33. मिर्गी के रोगियों में हल्के और मध्यम अवसाद में अवसादरोधी दवाओं के प्रभावों का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण-डीएम, न्यूरोलॉजी विभाग
34. लैप्रोस्कोपिक असंगत हर्निया और उदर हर्निया की मरम्मत के दौर से गुजर रहे रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग चिकित्सा का प्रभाव- एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सर्जिकल अनुशासन विभाग
35. सर्फेस एनर्जी ईएमजी का उपयोग करके हेल्दी कंट्रोल्स की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम एवं रिपेयर के बाद इनसिजनल हर्निया वाले मरीजों में एब्डोमिनल वॉल डाइनैमिक्स के रिस्टोरेशन के मूल्यांकन हेतु प्रत्याशित अध्ययन, सर्जिकल अनुशासन विभाग
36. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में फेशियल फ्रैक्चर्स के लिए 3डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी असिस्टेड सर्जरी बनाम परंपरागत सर्जरी से उपचार किये गये मरीजों के सर्जिकल परिणाम एवं वित्तीय बोझ के मूल्यांकन हेतु खोजपूर्ण अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली -पीएचडी, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी
37. डीएसटी, सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा वित्त पोषित दिल्ली की एक शहरी पुनर्वास कॉलोनी में सामुदायिक स्तर पर तनाव, कल्याण और चयनित बायोमार्कर पर संरचित योग कार्यक्रम का प्रभाव
38. लैप्रोस्कोपिक डोनर नेफरेक्टोमी और ओपन डोनर नेफरेक्टोमी के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम: एंबिस्पेक्टिव तुलनात्मक अध्ययन, सर्जिकल विषय विभाग
39. घुटने के नीचे के विच्छेदन वाले रोगी में प्रोस्थेसिस के तत्काल बनाम विलंबित अनुप्रयोग के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, ट्रॉमा सर्जरी विभाग, जेपीएनएटीसी
40. विशिष्ट अधिगम विकार (सीएबीएसएलडी) के लिए व्यापक मूल्यांकन बैटरी का विकास, मनोचिकित्सा विभाग
41. एंटीएपिलेप्टिक ड्रग मोनोथेरेपी करा रहे एपिलेप्सी के शिकार लोगों में सामाजिक अनुभूति एवं व्यवहारजन्य विकार का संबंधः न्यूरोइमेजिंग निष्कर्षों और ट्रेस तत्वों की स्थिति के साथ सहसंबंध-डीएसटी-सीएसआरआई, फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा वित्त पोषित

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	19	18	16
कुल निधियन (रु.)	रु. 210,950,586	रु. 209,335,657	रु. 168,009,679

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 108 सार:12 पुस्तक में अध्याय: 29 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
कुल	**147**	**170**	**151**
जर्नल लेख	114	130	108
सार	6	8	12
पुस्तकों में अध्याय	22	24	29
पुस्तक	5	8	2

रोगी उपचार

विशेष क्लीनिक

साइकोसोमैटिक क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

सामान्य मानसिक विकार क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

बाल एवं किशोर मनोरोग विशेषज्ञ सेवाएँ

गंभीर मानसिक विकार क्लिनिक: सप्ताह में एक बार

सप्ताह में एक बार गुरुवार को ब्रेन स्टिमुलेशन/टीएमएस क्लिनिक

सीएन सेंटर में मंगलवार को न्यूरोसाइकिएट्री ओपीडी। एक सप्ताह में एक बार

सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में मनोरोग सेवाएं

डुअल डायग्नोसिस क्लिनिकः सप्ताह में एक बार

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक/विशेष प्रयोगशालाएं/विशेष चिकित्सा)

1. सप्ताह में एक बार नॉन-इनवेसिव ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिक (टीएमएस क्लिनिक)। प्रति सप्ताह 10-12 मरीज
2. **ब्रेन मैपिंग लैब सुविधा का अपग्रेडेशन** - ब्रेन मैपिंग के लिए अत्याधुनिक सुविधा के विकास के लिए मौजूदा एफएनआईआरएस (fNIRS), क्यूईईजी और आई ट्रैकिंग सिस्टम में डिजिटल कॉग्निटिव परीक्षण जोड़ा गया
3. **एमईसीटी सुविधा का अपग्रेडेशन** - ईसीटी के कामकाज में बेहतर डेटा संग्रह/डिजिटलीकरण; कम्प्यूटरीकृत कॉग्निटिव परीक्षण जोड़ा गया; ईसीटी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ केटामाइन, केटोफोल और एटोमिडेट की अतिरिक्त उपयोगिता
4. **केटामाइन थेरेपी** - जोखिम वाले आत्मघाती रोगियों और उपचार प्रतिरोधी अवसादग्रस्त व्यक्तियों में अनुसंधान के उपयोग के लिए एक अवसादरोधी एजेंट के रूप में केटामाइन को उपयोग

5. **हाई-डेफिनिशन ट्रांसक्रानियल इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन की शुरुआत** - कम्प्यूटरीकृत कॉग्निटिव परीक्षण और साथ-साथ ईईजी की उपयोगिता के साथ संयुक्त न्यूरोमॉड्यूलेशन सुविधा के रूप में एचडी-टीडीसीएस विकसित किया गया।
6. **इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी का उन्नत सिग्नल विश्लेषण** - कंप्यूटर विज्ञान विभाग, आईआईटी, दिल्ली और आईआईआईटी, दिल्ली के सहयोग से

सामुदायिक सेवाएँ

- **सामुदायिक कल्याण के लिए वेलनेस सेंटर परियोजना (एसएसबी कार्मिक) -**
  - जवानों के ऑन-साइट मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन का विश्लेषण और पेरिफेरल बटालियन चौकियों पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के चिकित्सा अधिकारियों के साथ समूह चर्चा
- **सामुदायिक लाभ के लिए मोबाइल ऐप विकास**
  - मोबाइल/टैबलेट आधारित कॉग्निटिव परीक्षण (ट्रेल मेकिंग टेस्ट - टीएमटी ऐप) के लिए एक एंड्रॉइड एप्लिकेशन विकसित और परीक्षित
  - सिस्टम उपयोगिता स्केल (एसयूएस) का एक मोबाइल आधारित डिजिटल प्रारूप विकसित

हिंदी और अंग्रेजी भाषा में अवसाद की मनोशिक्षा के लिए मोबाइल ऐप

पुरस्कार, **सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं**

प्रोफेसर राकेश कुमार चड्ढा वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के महासचिव (2019-2022) थे; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के अध्यक्ष चुने गए (2022-2025); वे ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकाइट्री के एसोसिएट एडिटर रहे; बी.जे. साइक इंटरनेशनल और रॉयल कॉलेज ऑफ साइकियाट्रिस्ट्स, यूके के एक और जर्नल के हैंडलिंग एडिटर रहे; उपाध्यक्ष, एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया; नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत) की कार्यकारी परिषद 2021-2023 के सदस्य रहे; जनवरी 2023 में मानद अंतरिम कोषाध्यक्ष मनोनीत हुए; संयोजक, भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की पीजी पाठ्यक्रम समिति; संयोजक, मनोरोग विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री; डीन, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी एकेडमी फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च, 2023-26; अध्यक्ष, सीएमई, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, उत्तरी क्षेत्र, 2021-23; नामांकित सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मनोनीत सदस्य, शासी निकाय, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, डीन समिति, एम्स; सदस्य, 'जेल की व्यवस्था में मादक द्रव्यों के उपयोग की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी समूह' पर कार्यकारी सदस्य, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय; 18-20 जनवरी 2023 को विश्व स्वास्थ्य संगठन मुख्यालय, जिनेवा में ग्लोबल अल्कोहल एक्शन प्लान (जीएएपी) 2022-2030 के कार्यान्वयन पर व्यावसायिक संघों और शिक्षाविदों के साथ वैश्विक परामर्श में देश का प्रतिनिधित्व किया; एम्स में सीमा सुरक्षा बल कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन आरंभ करने के लिए समन्वय किया; शराब, मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों और व्यवहार संबंधी व्यसनों पर एनएएमएस टास्क फोर्स के अध्यक्ष थे, और उन्होंने टास्क फोर्स के सदस्यों के परामर्श पर टास्क फोर्स के लिए संस्तुतियाँ विकसित

कीं; वे एम्स, गुवाहाटी, एम्स, जोधपुर, एसजीपीजीआई, लखनऊ एम्स, जम्मू एम्स, हरियाणा लोक सेवा आयोग और अन्यों सहित कई संस्थानों की चयन समितियों में भी रहे हैं।

प्रोफेसर प्रताप शरण एम्स में छात्र कल्याण के प्रभारी आचार्य हैं; एम्स में एमबीबीएस पाठ्यक्रम सुधार समिति के मुख्य समन्वयक हैं; आईसीडी-11 मानसिक, व्यवहारिक और न्यूरो-डेवलपमेंटल विकारों के लिए प्रशिक्षण और कार्यान्वयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समूह के सदस्य हैं, यह समूह आईसीडी-11 के लिए संरचित नैदानिक साक्षात्कार और आईसीडी-11 के फ़्लायर साक्षात्कार संस्करण के विकास के लिए है; डब्ल्यूएचओ के एमएचजीएपी दिशानिर्देश अद्यतन बाह्य समीक्षा समूह, मानसिक स्वास्थ्य में सेवा-पूर्व प्रशिक्षण के लिए डब्ल्यूएचओ के विषय विशेषज्ञ समूह और एमबीबीएस पाठ्यक्रम समीक्षा पर डब्ल्यूएचओ एसईएआरओ के विशेषज्ञ समूह के सदस्य हैं; काउंटडाउन ग्लोबल मेंटल हेल्थ 2030 के तकनीकी कार्य समूह (मानसिक स्वास्थ्य) के भी एक सदस्य हैं, जो डब्ल्यूएचओ और यूनिसेफ के नेतृत्व में एक पहल है; भारत में मानसिक स्वास्थ्य अनुसंधान के लिए विषयों को प्राथमिकता देने के लिए आईसीएमआर के विशेषज्ञ समूह के सदस्य; इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री (2021-22) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया और आईएसएसपी के 29वें राष्ट्रीय सम्मेलन (आगरा, 18-20 नवंबर 2022) में 'आत्महत्या करने वाले रोगियों की चिकित्सीय देखभाल में नैतिक चुनौतियां' शीर्षक से अध्यक्षीय भाषण दिया; वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री (डब्ल्यूएएसपी) यवेस पेलिसिएर अवार्ड 2022 के पुरस्कार समिति के सदस्य रहे हैं; भारतीय मनोरोग सोसायटी के मनोचिकित्सा अनुभाग के अध्यक्ष और समाज के लिए अस्थिर व्यक्तित्व से ग्रस्त विकारों के लिए चिकित्सीय अभ्यास दिशानिर्देशों के विकास का नेतृत्व कर रहे हैं; इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री के लोकपाल हैं; जर्नल फॉर ईटिंग डिसऑर्डर के वरिष्ठ संपादक के रूप में कार्यरत हैं; नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया के एसोसिएट एडिटर और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकेट्री और जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में कार्यरत पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया के मानसिक स्वास्थ्य क्षमता निर्माण कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञ इंडियन एसोसिएशन फॉर चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ अकादमी के परीक्षा कक्ष के प्रभारी पुलिस अधिकारियों के मानसिक स्वास्थ्य के मूल्यांकन हेतु स्क्रीनिंग टूल का चयन करने के लिए गृह मंत्रालय समिति के नेतृत्व के रूप में कार्य किया; आईसीएमआर और एम्स अनुसंधान परियोजनाओं के लिए समीक्षक और जम्मू एवं कश्मीर लोक सेवा आयोग और एम्स ऋषिकेश में संकाय चयन के लिए एक विशेषज्ञ; मैंने जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में पीएचडी के लिए; एम्स में डीएम व्यसन मनोचिकित्सा के लिए; एम्स पटना और एम्स जोधपुर में एमडी मनोचिकित्सा; और पीजीआईएमआर, चंडीगढ़ में एमडी थीसिस के लिए एक परीक्षक के रूप में कार्य किया; बीएमसी मेडिसिन, वर्ल्ड सोशल साइकेट्री, बीएमसी साइकोलॉजी, एसएसएम - मानसिक स्वास्थ्य, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेंटल हेल्थ सिस्टम्स, जर्नल ऑफ ईटिंग डिसऑर्डर, सीएनएस डिसऑर्डर के लिए प्राइमरी केयर कंपेनियन, इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन जर्नल ऑफ साइकियाट्री, और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकियाट्री के लिए एक सहकर्मी समीक्षक के रूप में कार्य किया; आईएएसपी के 29वें सम्मेलन (आगरा, 18-20 नवंबर 2022); आईपीएस के 74वां सम्मेलन (भुवनेश्वर,

2-5 फरवरी 2023); और सोसायटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी के प्रथम सम्मेलन (गाजियाबाद, 10-11 मार्च 2023) में विभिन्न संगोष्ठियों और व्याख्यानों की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर राजेश सागर "समकालिक समय में मानसिक स्वास्थ्य" विषय की जाँच और संसदीय सौध, नई दिल्ली में संसद के विभिन्न माननीय सदस्यों के साथ बैठक के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण पर हाल ही में गठित विभाग से संबंधित संसदीय स्थायी समिति (डीआरपीएससी) के विशेषज्ञ सदस्य हैं; केंद्रीय मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण (सीएमएचए), मानसिक स्वास्थ्य देखभाल अधिनियम, 2017 के अंतर्गत नियामक निकाय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सदस्य के रूप में चयनित और नामांकित, और इसका उल्लेक्ष भारत के राजपत्र अधिसूचना, 11 नवंबर 2022 में विधिवत किया गया है; भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के नवगठित वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) के सदस्य के रूप में माननीय एचएफएम द्वारा नामांकित; बच्चों और किशोरों में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाने में योगदान देने के लिए दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) से राष्ट्रीय स्तर पर अखिल भारतीय बाल चैंपियन पुरस्कार प्राप्त किया, जिसमें 75000/- का नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और पट्टिका सम्मिलित है, प्रतिष्ठित जूरी द्वारा "स्वास्थ्य एवं पोषण" श्रेणी में व्यक्तिगत स्तर पर उनका एकमात्र चयन; इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी द्वारा जर्नल - उप-समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में नामांकित; वर्ष 2021 के लिए स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रकाशन द्वारा विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की रैंकिंग में उनका नाम सूचीबद्ध; उन्होंने एलजीबी क्षेत्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान, तेजपुर, असम (भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत) के बोर्ड ऑफ गवर्नर (बीओजी) के सदस्य और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री की अध्यक्षता में 9 मई 2022 को इसकी 9वीं बैठक में भाग लिया; मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान और विशिष्ट सेवा के लिए रोटरी क्लब ऑफ़ दिल्ली से 2 जून 2022 को व्यावसायिक उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया; डब्ल्यूएचओ (भारत) द्वारा समर्थित कार्यकारी निदेशक, स्टेट इनोवेशन इन फैमिली प्लानिंग सर्विसेज प्रोजेक्ट एजेंसी (एसआईएफपीएसए)/ मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) द्वारा मानसिक स्वास्थ्य और जीवन कौशल पर युवाओं के लिए प्रशिक्षण और संचार पैकेज के विकास के लिए तकनीकी सलाहकार समिति (टीएसी) के सदस्य के रूप में कई बैठकों में भाग लिया; एनआईएमएस यूनिवर्सिटी राजस्थान, जयपुर से अक्टूबर 2022 को प्रशंसा पट्टिका प्राप्त किया और "लिविंग लीजेंड्स ऑफ मेडिसिन' श्रृंखला पर एक अतिथि व्याख्यान प्रस्तुत किया; जनवरी 2023 को विकासशील मानसिक स्वास्थ्य देखभाल योजना के लिए दिल्ली पुलिस द्वारा सम्मान प्राप्त; मानद विजिटिंग प्रोफेसर, लीसेस्टर विश्वविद्यालय, यूके; सदस्य, यूकेआरआई इंटरनेशनल डेवलपमेंट पीयर रिव्यू कॉलेज, यूके; सदस्य, नॉर्थ ईस्ट इंग्लैंड साउथ एशिया मेंटल हेल्थ एलायंस (एनईईएसएएमए) - न्यूकैसल यूनिवर्सिटी, ब्रिटिश काउंसिल और एनटीडब्ल्यू एनएचएस ट्रस्ट, यूके द्वारा समर्थित; एडिनबर्ग के रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन की फैलोशिप, एफआरसीपी (एडिनबर्ग), 2019 - अब तक; आईसीएमआर, पीएचएफआई, आईएचएमई (यूएसए) द्वारा भारत के राज्य-स्तरीय रोग दायित्व के पहल के लिए मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ समूह के वैश्विक रोग दायित्व (जीबीडी) भारत के अध्यक्ष - अभी भी बने हुए हैं; स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के मानसिक स्वास्थ्य के लिए मानद सलाहकार, 2013 और अभी भी

बने हुए हैं; आईसीएमआर, डीबीटी की महिला एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए परियोजना समीक्षा समिति के विशेषज्ञ सदस्य; मानद वरिष्ठ तकनीकी सलाहकार - विश्व स्वास्थ्य भागीदारों के लिए मानसिक स्वास्थ्य; स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के संबंध में नवगठित राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकार समूह (एनटीएजी) और उप-समिति - मानसिक स्वास्थ्य सेवा वितरण क्षेत्र में सदस्य; अध्यक्ष, अंडर-ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (यूजीएमईबी), राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग, दिल्ली से संशोधित न्यूनतम मानक आवश्यकताओं (एमएसआर) के प्रारुप की समीक्षा के लिए रेफरल समिति के संयोजक के रूप में नामांकित।

प्रोफेसर नंद कुमार को इंडियन साइकेट्री सोसायटी में संसदीय मामलों की उप समिति (2023-2024) के अध्यक्ष के रूप में नामांकित किया गया।

प्रोफेसर ममता सूद इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकियाट्री (2022-2024) की उपाध्यक्ष हैं; अध्यक्ष के साथ-साथ उपाध्यक्ष भी निर्वाचित, भारतीय मनोरोग सोसायटी उत्तरी क्षेत्र (2022-2023)।

प्रोफेसर रमन दीप अनुसंधान एवं प्रशिक्षण फाउंडेशन की उप-समिति (2023-24), इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी (आईपीएस) के संयोजक हैं; मानसिक और व्यवहार संबंधी विकारों में अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मनोचिकित्सा विभाग और एनडीडीटीसी द्वारा गठित एसपीआरईएमएच (मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्यों के उपयोग में अनुसंधान और शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु सोसायटी) के माननीय महासचिव हैं।

प्रोफेसर सुजाता सत्पथी ने सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र - ट्रॉमा साइकोलॉजी प्रस्तुत किया।

डॉ. रोहित वर्मा जर्नल - एशियन जर्नल ऑफ कॉग्निटिव न्यूरोलॉजी के सहायक संपादक हैं; न्यूरोमॉड्यूलेशन सोसाइटी (भारत) के महासचिव और संस्थापक सदस्य हैं; इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकेट्री (आईएएसपी) की कार्यकारी समिति के सदस्य हैं; यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूशनल एथिकल कमेटी (आईईसी), एसआरएम यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर, सोनीपत, हरियाणा की नैतिक समिति के सदस्य हैं; एम्स, रायपुर में नेत्र ट्रैकिंग के लिए तकनीकी विशेषज्ञ; समापन का प्रमाण-पत्र - अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के सहयोग से डीबीटी के अंतर्गत, एक स्वायत्त संस्थान, ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के एक केंद्र, क्लिनिकल डेवलपमेंट सर्विसेज एजेंसी (सीडीएसए) द्वारा आयोजित गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस (जीसीपी) प्रशिक्षण कार्यक्रम, नई दिल्ली; क्वींसलैंड विश्वविद्यालय - आईआईटी दिल्ली अनुसंधान अकादमी (यूक्यूआईडीएआर) - एम्स के संयुक्त पीएचडी कार्यक्रम के लिए बाहरी पर्यवेक्षक; अवसाद और संज्ञानात्मक कमी के प्रबंधन के लिए मेक-इन-इंडिया टीडीसीएस डिवाइस विकसित करने के लिए एक भारतीय स्टार्ट-अप कंपनी (स्टिमवेडा न्यूरोसाइंसेज प्राइवेट लिमिटेड) के लिए मानद परामर्शदाता; पीएचडी के लिए डाक्टरल समिति के सदस्य - पार्किंसंस रोग के 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन चूहे के मॉडल में संज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक्स और रिपीटेटिव ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन का प्रभाव, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली; थीसिस मूल्यांकन - एमडी थीसिस, एम्स ऋषिकेश; सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर, राजस्थान में एमडी मनोचिकित्सा के लिए बाहरी पर्यवेक्षक; यूजी मेडिकल/ नर्सिंग शिक्षण व्याख्यान - सिज़ोफ्रेनिया; एम्स, रायपुर में आई ट्रैकिंग के लिए तकनीकी विशेषज्ञ।

डॉ. गगन हंस इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री (आईएएसपी) द्वारा 4 सितंबर 2022 को "मनोचिकित्सा पर अंतःविषयक संवाद" शीर्षक से आयोजित सीएमई के संयुक्त आयोजक सचिव थे; उन्होंने वर्ष 2023-2026 के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में आईसीएमआर एडहॉक परियोजना कार्यक्रम के लिए अतिरिक्त अनुदान प्राप्त किया; वे वर्ष 2021-2023 के लिए प्रधान अन्वेषक के रूप में 2 एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च अनुदान पर कार्य कर रहे हैं; वे सीआरएचएसपी, बल्लबगढ़ में मेडिकल स्नातक छात्रों के लिए विकास, शिक्षण और प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रभारी संकाय हैं; सहकर्मी के रूप में समीक्षित उनके 5 शोधपत्रों और अध्यायों को विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं और प्रमुख प्रकाशकों की पुस्तकों में प्रकाशित किया गया है; जर्नल ऑफ़ मेंटल हेल्थ एंड ह्यूमन बिहेवियर और इंडियन जर्नल ऑफ़ सोशल साइकेट्री के लिए सहकर्मी समीक्षक के रूप में कार्य किया; उन्होंने भारतीय मनोरोग सोसायटी के तत्वावधान में अस्थिर व्यक्तित्व वाले रोगियों के मूल्यांकन और प्रबंधन के लिए चिकित्सीय अभ्यास के दिशानिर्देशों पर एक विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

डॉ. बर्रे विजय प्रसाद 27 मई 2022 को "सीआईएसएफ कर्मियों में आत्महत्या और भ्रातृहत्या का समाधान करने के लिए संभावित उपाय - नई दिल्ली" विषय पर एक परियोजना रिपोर्ट विकसित करने वाली टीम के विषय विशेषज्ञ थे; व्यवहार विज्ञान संकाय, श्री गुरु गोविंद सिंह ट्राइसेंटेनरी यूनिवर्सिटी (एसजीटी), गुरुग्राम, भारत द्वारा 2 नवंबर 2022 को "स्वास्थ्य और कल्याण पर मनोसामाजिक प्रभाव: सीमाओं से बाहर जाकर सोचना" विषय पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; उन्होंने 4 सितंबर 2022 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (आईएसीपी) से फेलो सदस्यता प्राप्त किया; 29 सितंबर 2022 को अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी (एएससीओ), एसोसिएशन फॉर क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी 2318, मिल रोड, सुइट 800, अलेक्जेंड्रिया, वीए 22314 यूएसए 571-483-1300, ASCO.org से सदस्यता प्राप्त किया; 21 फरवरी 2023 को यूरोपियन सोसाइटी फॉर मेडिकल ऑन्कोलॉजी (ईएसएमओ), ईएसएमओ मुख्यालय, वाया जिनेवा, 46900 लूगानो, स्विट्जरलैंड से सदस्यता प्राप्त किया; उन्होंने 10-12 जनवरी 2023 को व्यवहार विज्ञान संकाय, श्री गुरु गोविंद सिंह ट्राइसेंटेनरी यूनिवर्सिटी (एसजीटी), गुरुग्राम, भारत द्वारा "मनोचिकित्सा और पर्यवेक्षण में नवीनतम चुनौतियाँ" विषय पर आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट (49वें एनएसीआईएसीपी 2023) के राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में दो वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता की; सेंटर फॉर स्पेशल नीड्स, डीईजीएसएन, एनसीईआरटी परिसर, नई दिल्ली में जीईजीएसएन, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा 20-24 फरवरी 2023 के बीच आयोजित "स्कूलों में विकलांग बच्चों के लिए उचित आवास की प्रभावकारिताः एक अध्ययन" के अंतर्गत, पांच दिवसीय उपकरणों (टूल्स) की समीक्षा और समापन कार्यशाला में उन्हें एक संसाधन व्यक्ति/विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. रेनू शर्मा सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तत्वाधान में, एम्स, नई दिल्ली के मनोचिकित्सा विभाग में ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार के लिए मेडिकल बोर्ड की सदस्य हैं; वे एमबीबीएस, बीएससी नर्सिंग के छात्रों और पूर्वोत्तर क्षेत्र के मेडिकल कॉलेजों के लिए व्याख्यान प्रदान कर रही हैं।

डॉ. प्रीति के. अर्ली करियर नेटवर्क, इंटरनेशनल साइकोजेरियाट्रिक एसोसिएशन की सदस्य हैं; वे वेबसाइट समिति, इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ की अध्यक्षा हैं; वे नैविगेट-मेडिको सीएमई, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज संगठन की मुख्य समन्वयक हैं।

डॉ. निष्ठा चावला ने एएनसीआईपीएस 2023 में भागवत पुरस्कार प्राप्त किया (एएनसीआईपीएस 2022 में शोधपत्र प्रस्तुत किया); उन्होंने 3 फरवरी 2023 को मनोरोग परामर्श/चिकित्सा की आवश्यकता वाले जेपीएनएटीसी में भर्ती रोगियों के फॉलो-अप के लिए जेपीएनएटीसी की ओपीडी में साप्ताहिक ट्रॉमा मनोचिकित्सा क्लिनिक का संचालन आरंभ किया।

9.35 पल्मनरी, गहन उपचार एवं निद्रा चिकित्सा

आचार्य एवं अध्यक्ष

अनंत मोहन

अपर आचार्य

करण मदान | विजय हड्डा

सहायक आचार्य

सौरभ मित्तल | पवन तिवारी | इरफान शेख

वैज्ञानिक I

ए. सुरेंद्रनाथ

विशिष्टताएँ

दिनांक 06 मई, 2022 को, सीटीवीएस, हृद् संवेदनाहरण, हृद् रोग विज्ञान, शल्य चिकित्सा और अन्य विभागों के सहयोग से एम्स, नई दिल्ली में पहला द्विपक्षीय फेफड़े संबंधी प्रत्यारोपण किया गया। इस वर्ष दो फेफड़ों का प्रत्यारोपण किया गया है। इसके साथ, एम्स, नई दिल्ली फेफड़ों की प्रत्यारोपण सेवाएं प्रदान करने वाला देश का एकमात्र सार्वजनिक क्षेत्र का अस्पताल बन गया।

विभाग ने दिनांक 02 से 05 फरवरी, 2023 तक **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पल्मोक्रिट 2023** का आयोजन किया। जिसमें यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी के सहयोग से स्पिरोमेट्री पर दो दिवसीय कार्यशाला की गई। विभाग के नेतृत्व में तैयार किए गए एंडोब्रों्‌कियल अल्ट्रासाउंड दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया गया और प्रकाशन के लिए स्वीकार किया गया।

शिक्षा

विभाग व्याख्यान, प्रदर्शन, संगोष्ठी और बेडसाइड शिक्षण सहित स्नातक, स्नातकोत्तर और पैरामेडिकल शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल है। विभाग में वर्तमान में 13 डीएम प्रशिक्षु, 2 गैर-डीएम वरिष्ठ रेज़ीडेंट और तीन पीएचडी स्कॉलर हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एंडोब्रोनकाइल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस) दिशानिर्देशों के विकास के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक, दिनांक 16-17 अप्रैल 2022, नई दिल्ली
2. लंग्स कैंसर कनेक्ट: एम्स 2022, 20 अगस्त 2022, नई दिल्ली
3. अंतरालीय फेफड़े संबंधी रोगों के निदान और उपचार पर कार्यशाला, दिनांक 9 सितंबर 2022, नई दिल्ली
4. स्लीप वर्कशॉप: स्लीप स्टडी कैसे करें, 19 नवंबर 2022, नई दिल्ली
5. पुल्मोक्रिट 2023, दिनांक 2-5 फरवरी 2023, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान: 74

प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या

2020-2021	2021-2022	2022-2023
56	45	74

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 3

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
5	0	3

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड एक्सीलेंस इन एक्सहेल्ड ब्रीथिंग कंडेनसेट, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 1 मार्च 2019 से 29 फरवरी 2024, 5 करोड़ रुपये
2. छाती/सीने के एक्स-रे का उपयोग करके पल्मोनरी टीबी और अन्य फेफड़ों के रोगों की जांच/पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का विकास और सत्यापन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 30 मार्च 2022 से 29 मार्च 2023, 41,46015 रुपये
3. ब्रोन्कियल अस्थमा (तमकश्वास) के उपचार में आयुर्वेदिक कोडित दवा "आयुष-ए" का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक अध्ययन - एक सहयोगात्मक अध्ययन, डॉ अनंत मोहन, आयुष, 5 वर्ष, 16 जुलाई 2018 से 5 जुलाई 2023, 60.4 लाख रुपये
4. फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक निदान एवं पूर्वानुमान हेतु बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका का मूल्यांकन: एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेनसेट, थूक, रक्त और ब्रोन्कियल ब्रशिंग का उपयोग करके एक तुलनात्मक अध्ययन, डॉ अनंत मोहन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025, 37 लाख रुपये
5. कोविड-19 संक्रमण के बाद क्रोनिक सीक्वेल के लिए घटनाओं और जोखिम कारकों का एक अनुदैर्ध्य मल्टीसिस्टम और आनुवंशिक मूल्यांकन, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 25 मार्च 2022 से 24 मार्च 2025, 9.7 करोड़ रुपये
6. टीकाकरण वाले और प्राकृतिक रूप से संक्रमित व्यक्तियों में सार्स-कोव-2 वेरिएंट के लिए ह्यूमोरल और सेलुलर प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं के परिमाण, गतिशीलता और दीर्घायु का मूल्यांकन, डॉ अनंत मोहन, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 1 फरवरी 2022 से 31 जनवरी 2024, 1.4 करोड़ रुपये
7. शहरी बच्चों में फेफड़े की कार्यक्षमता में कमी के बायोमार्कर के विकास और फेफड़ों की वृद्धि पर वायु प्रदूषण के जोखिम के अनुदैर्ध्य प्रभाव, डॉ अनंत मोहन, डीबीटी, 5 वर्ष, 1 अक्टूबर 2020 से 30 सितंबर 2025, 1.37 करोड़ रुपये

8. राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल- पीएमयू, डॉ. अनंत मोहन, स्वास्थ्य मंत्रालय, 6 वर्ष, 15 अक्टूबर 2018 से 14 मार्च 2024, 16.6 लाख रुपये

9. नव निदान किए गए स्प्यूटम पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्क हेतु तपेदिक (टीबी) की रोकथाम में दो टीकों वीपीएम 1002 और इम्मुवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, तीन आर्म प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, डॉ. अनंत मोहन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 20 मार्च 2019 से 22 अप्रैल 2023, 3,74,51,974/- रुपये

10. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) में प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं (पीएसीई) की रोकथाम, डॉ. अनंत मोहन, जॉर्ज इंस्टीट्यूट फॉर गोबल हेल्थ, ऑस्ट्रेलिया, 3 वर्ष, 2 फरवरी 2022 से 1 फरवरी 2025

11. सार्स-कोव-2 (आईएनएसआईडीई सार्स-कोव-2) के प्रति सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया हेतु जीनोमिक साक्ष्य की जांच और अनुवाद, डॉ. अनंत मोहन, इंडो-इटली, 3 वर्ष, 21 दिसंबर 2022 से 20 दिसंबर 2025, 2,01,76,334/- रुपये

12. 20 शहरों में राष्ट्रीय पर्यावरणीय स्वास्थ्य प्रोफ़ाइल अध्ययन, डॉ विजय हड्डा, एमईएफसीसी, 5 वर्ष, 2019- 2024, 62.67 लाख रुपये

13. नए पैथोलॉजिकल और चिकित्सीय मार्गों की पहचान करने के लिए इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस (आईपीएफ) और पोस्ट-कोविड पल्मोनरी फाइब्रोसिस (पीईपीएफ) का एक तुलनात्मक प्रोटिओमिक्स और मेटाबोलॉमिक्स अध्ययन, डॉ. विजय हड्डा, आईसीएमआर, 2 साल, 2022-2024, 86.60 लाख रुपये

14. आईसीएमआर का पल्मोनरी फाइब्रोसिस नेटवर्क (आईएनपीएफ) [4 मार्च 2022 से 3 मार्च 2025], डॉ. विजय हड्डा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 82.70 लाख रुपये

15. पोस्ट कोविड-19 पल्मोनरी फाइब्रोसिस के दौरान प्रतिरक्षा कोशिकाओं में माइटोकॉन्ड्रियल विकल्पों का वर्णन करना, डॉ. विजय हड्डा, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

16. नॉन-इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस डिफ्यूज़ पैरेन्काइमल फेफड़े के रोगों के एटियलजि, गंभीरता और प्रगति में भारी धातुओं और विषाक्त तत्वों की भूमिका, डॉ. विजय हड्डा, एम्स, 2 साल, 2022- 2024, 10 लाख रुपये

17. भारत में इओसिनोफिलिक फेनोटाइप के साथ गंभीर अस्थमा के वयस्क रोगियों में फेसेनरा® (बेनरालिज़ुमैब) की सुरक्षा का आकलन करने के लिए एक पोस्टमार्केटिंग, चरण 4, बहुकेंद्रीय, अग्रदर्शी, एकल-आर्म अध्ययन, डॉ. सौरभ मित्तल, एस्ट्राजेनेका प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2022-2023, 11 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक निदान और पूर्वानुमान हेतु बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए की भूमिका का मूल्यांकन: एक्सहेल्ड ब्रीथ कंडेनसेट और ब्रोन्कियल ब्रशिंग का उपयोग करके एक तुलनात्मक अध्ययन
2. खराब प्रदर्शन की स्थिति वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों की प्रदर्शन स्थिति में सुधार करने के लिए साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: एकल-आर्म चरण दो परीक्षण
3. बाल्यावस्था के अंतरालीय फेफड़ों के रोग के तीव्र प्रकोपन में पोषक एवं पर्यावरणीय कारक।
4. बीएम एस्पआईसीयू मानदंड का उपयोग करके इनवेसिव पल्मोनरी एस्परगिलोसिस के निदान के लिए मिनी ब्रोन्कोएल्वियोलर लैवेज फ्लूइड पर एस्परगिलस पीसीआर का प्रदर्शन : एक क्रॉस सेक्शनल डायग्नोस्टिक परीक्षण सत्यापन अध्ययन
5. एमडीआर-टीबी रोगियों के घरेलू संपर्कों की सूक्ष्मजैविक अनुवर्ती और जीनोटाइपिक जांच। (पीएचडी माइक्रोबायोलॉजी)
6. एक्स्ट्रा-फुफ्फुसीय तपेदिक (डीएम पल्मनरी) में उपचार के परिणामों के पूर्वसूचक के रूप में तपेदिक रोधी दवाओं के सीरम स्तर का निर्धारण करना
7. तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य सुविधा (डीएम पल्मनरी) में फेफड़े के प्रत्यारोपण हेतु रोगियों का मूल्यांकन करना
8. हृदय रोगियों में संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन के साथ हृदय विफलता की व्यापकता (डीएम कार्डियोलॉजी)
9. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में ऑनकॉ-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन और पल्मनरी मेडिसिन तथा नींद संबंधी विकारों के विभागों में आने वाले कैंसर रोगियों में डिस्पेनिया के लिए निर्धारित मौखिक मॉर्फिन के प्रभाव का अध्ययन करना : एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन (एमडी प्रशामक चिकित्सा)
10. पीएचडी की ऑनलाइन मौखिक परीक्षा (माइक्रोबायोलॉजी) के संबंध में अपडेट और जेंटल रीमान्डर
11. एथेमब्यूटॉल प्रेरित ऑप्टिक तंत्रिका विषाक्तता में दृश्य कार्यों और ओसीटी मापदंडों का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन (डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र)
12. लघु कोशिका कार्सिनोमा फेफड़े के रोगियों में ^{18}एफ एफडीजी पीईटी/सीटी और ^{68}जीए डोटानोक पीईटी/सीटी के बीच तुलना (नाभिकीय चिकित्सा विभाग)
13. मोटापे और मधुमेह वाले भारतीय रोगियों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली और फेफड़ों के वॉल्यूम का मूल्यांकन करना (काय-चिकित्सा विभाग)
14. लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा का उपप्रकार: एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन (विकृति विज्ञान विभाग)

पूर्ण

1. प्रारंभिक विफलता वाले रोगियों के बीच लघु बनाम दीर्घ सहज श्वास परीक्षण (एसएल-एसबीटी परीक्षण)
2. अस्थमा का इलाज करने में कठिनाई वाले रोगियों में अस्थमा फेनोटाइप और एंडोटाइप का अध्ययन तथा गंभीर अस्थमा उपसमूह में दिशानिर्देश आधारित अतिरिक्त चिकित्सा का मूल्यांकन
3. फेफड़ों के कैंसर के निदान और पूर्वानुमान उपकरण के रूप में इलेक्ट्रॉनिक नाक का उपयोग करके छोड़ी गई सांस के विश्लेषण की उपयोगिता

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

जारी

1. एमडीआर-टीबी रोगियों के घरेलू संपर्को की माइक्रोबायोलॉजिकल अनुवर्ती और जीनोटाइपिक जांच, सूक्ष्म जैव विज्ञान
2. हृदय रोगियों में संरक्षित इजेक्शन फ्रैक्शन के साथ हृदय विफलता की व्यापकता, हृद् रोग विज्ञान
3. भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल में ऑनकॉ-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन और पल्मनरी मेडिसिन तथा नींद संबंधी विकारों के विभागों में आने वाले कैंसर रोगियों में डिस्पेनिया के लिए निर्धारित मौखिक मॉर्फिन के प्रभाव का अध्ययन करना : एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन, प्रशामक चिकित्सा
4. एथेमब्यूटॉल प्रेरित ऑप्टिक तंत्रिका विषाक्तता में दृश्य कार्यों और ओसीटी मापदंडों का मूल्यांकन करने के लिए एक अनुदैर्ध्य अध्ययन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र
5. लघु कोशिका कार्सिनोमा फेफड़े के रोगियों में ^{18}एफ एफडीजी पीईटी/सीटी और ^{68}जीए डोटानोक पीईटी/सीटी के बीच तुलना करना, नाभिकीय चिकित्सा विभाग
6. मोटापे और मधुमेह के भारतीय रोगियों में फेफड़ों की कार्यप्रणाली और फेफड़ों के वॉल्यूम का मूल्यांकन करना, काय-चिकित्सा विभाग
7. लघु कोशिका फेफड़े के कार्सिनोमा का उपप्रकार: एक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन वाई, विकृति विज्ञान

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	25	15	17
कुल फंडिंग (करोड़)	16.49 करोड़	11.69 करोड़	11.68 करोड़

प्रकाशन

पत्रिका : 69

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मदें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल			
पत्रिका संबंधी लेख	79	168	69
सारांश	5	3	0
पुस्तकों में अध्याय	-	-	0
पुस्तकें	-	-	0

पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार

मदें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	6836	13625	32965
विशेष क्लिनिक परामर्श	411	2460	3872
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	978	2558	3172
कुल रोगी भर्ती	3345	4452	5077

- **पल्मोनरी मेडिसिन ओपीडी (सोमवार/गुरुवार)**

  नए रोगी 9569

  पुराने रोगी 23396

- **फेफड़े का कैंसर क्लिनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए रोगी 380

  पुराने रोगी 864

- **कंबाइंड पल्मनरी सर्जरी क्लिनिक (बुधवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए रोगी 261

  पुराने रोगी 488

- **स्लीप डिसऑर्डर क्लिनिक (शुक्रवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए रोगी 155

  पुराने रोगी 281

- **आईएलडी/पीएएच क्लिनिक (शुक्रवार, दोपहर 2.00 बजे)**

  नए रोगी 341

  पुराने रोगी 1102

- ***प्रयोगशालाएं***

  (क) श्वसन संबंधी प्रयोगशाला

  पीएफटी+बीडीआर 11488

  डीएलसीओ 2813

	बॉडी प्लीथिस्मोग्राफी (बॉडी बॉक्स)	218
	आईओएस	115
(ख)	**ब्रोंकोस्कोपी प्रयोगशाला**	
	फाइबरऑप्टिक ब्रोंकोस्कोपी प्रक्रियाएं	1571
	रेडियल ईबीयूएस	103
	एंडोब्रोनकियल अल्ट्रासाउंड (ईबीयूएस)	663
	थोरैकोस्कोपी	18
	क्रायोथेरेपी	18
	स्टेंटिंग	32
	इलेक्ट्रोकॉटरी	22
	रिज़िड ब्रोंकोस्कोपी	90
	बैलून डाइलेटेशन	67
	स्पिगोट	01
	एपीसी	11
(ग)	**निद्रा प्रयोगशाला**	
	पॉलीसोम्नोग्राफी अध्ययन	440
	एक्टिग्राफी	09
	वॉच पीएटी	57
	एमएसएलटी	03
(घ)	**एलर्जी परीक्षण प्रयोगशाला**	
	कुल आईजीई स्तर	6030
	विशिष्ट एस्परगिलस आईजीई स्तर	4350
	विशिष्ट एस्परगिलस आईजीजी स्तर	3980
	स्किन प्रिक टेस्ट	29
	एडीए लेवल	158
	सीपीईटी	116
(ङ)	**पुनर्वास प्रयोगशाला**	
	छह मिनट वाला वॉक टेस्ट	3096
	इंहेलर तकनीक	76
(च)	**डॉट्स केंद्र**	
	कुल रेफरल पेशेंट	2023
(छ)	**इनडोर आउटडोर रोगी**	
	आईसीयू/वार्ड	163
	डे-केयर	3126

(ज) **कीमोथेरेपी प्रक्रिया**

कुल प्रक्रिया	1788

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

जुलाई 2022 में एम्स और यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-डेविस (यूसीडी) के बीच एक संयुक्त समझौता ज्ञापन में शामिल होने के लिए ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी विभाग के साथ, पीसीसीएसएम प्राथमिक पहल विभाग था।

प्रो. अनंत मोहन को दिनांक 01-31 जुलाई 2022 तक लंग ट्रांसप्लांट डिवीजन, टेम्पल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल्स, फिलाडेल्फिया में एक महीने के लिए विजिटिंग प्रोफेसरशिप से सम्मानित किया गया।

प्रो. अनंत मोहन को विभिन्न महत्वपूर्ण निकायों अर्थात् राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के विशेषज्ञ पैनल, उभरते संक्रमणों हेतु संयुक्त निगरानी समूह, स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली राज्य अंग प्रत्यारोपण प्रकोष्ठ और केंद्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन में विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। डॉ. करण मदान को इंडियन चेस्ट सोसाइटी की आधिकारिक पत्रिका लंग इंडिया के सहायक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया।

9.36 विकिरण विज्ञान (विकिरण निदान)

आचार्य एवं अध्यक्ष

राजू शर्मा (1 मार्च 2023 से)

दीप एन श्रीवास्तव (1 अप्रैल 2022 से 28 फरवरी 2023 तक)

आचार्य

संजय थुलकर (आईआरसीएच)
संजय शर्मा (आरपीसी)
आशू सेठ भल्ला
स्मृति हरि
शिवानंद गाममाटी (ट्रॉमा केंद्र)
अतिन कुमार (ट्रॉमा केंद्र)
चंदन जे. दास
मधुसुधन के.एस.
सुरभि व्यास
मनीषा जाना
देवसेनापति कांडासामी
चन्द्रशेखर एस.एच. (आईआरसीएच)

अपर आचार्य

स्मिता मनचंदा
अँकुर गोयल
प्रियंका नारंजे
मुकेश यादव (आईआरसीएच)
एकता धमीजा (आईआरसीएच)

सह-आचार्य

कृतिका रंगराजन (आईआरसीएच)

अमरिन्दर सिंह माल्ही (29 नवंबर 2022 से सर्जिकल ब्लॉक में नियुक्त किए गए)

अंकिता अग्रवाल (13.12.2022 को सर्जिकल ब्लॉक में नियुक्त किए गए)

राजेंद्र बेहरा (18.01.2023 को राष्ट्रीय एजिंग केंद्र में नियुक्त किए गए)

ऋचा यादव (संविदा - ट्रॉमा केंद्र) (1 अप्रैल 2022 से 27 मार्च 2023 तक)

अमित गुप्ता (संविदा - 7 जून 2022 को सर्जिकल ब्लॉक में नियुक्त किए गए)

स्टैनज़िन स्पल्किट (संविदा 31 जनवरी 2022 से 31 मार्च 2023 पूर्वाहन), 31 मार्च 2023 को मुख्य एम्स में नियुक्त किए गए)

वैज्ञानिक -IV

शशि बी. पॉल (31 जुलाई 2022 को सेवानिवृत्त)

मुख्य तकनीकी अधिकारी (समूह क)

ब्रहम सिंह (सेवानिवृत्त)
अनिल कुमार शर्मा
अश्वनी वोहरा (सेवानिवृत्त)
भूषण शरण (सेवानिवृत्त)
पवन कुमार पोपली
अरुण केरकेट्टे
पूनम मुखी
भानू पी. सिंह

विशिष्टताएं

4 नये सहायक आचार्यों के शामिल होने से संकाय सदस्यों की संख्या के मामले में विभाग में वृद्धि हुई है। इस अवधि के दौरान नई राजकुमारी अमृत कौर ओपीडी, आउटरीच ओपीडी झज्जर, सर्जिकल ब्लॉक, नेशनल एजिंग केंद्र (एनसीए), एनपीडब्ल्यू-3 और मातृ एवं शिशु ब्लॉक (एमसीएच) में मुख्य विकिरण विज्ञान विभाग द्वारा विकिरण विज्ञान संबंधी सेवाएं स्थापित और संचालित की जाती हैं। सभी जांचों की रिपोर्टिंग वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक है और कार्यस्थल पर की जाती है। नई राजकुमारी ओपीडी में सेवाओं की व्यवस्था एवं संवर्द्धन के परिणामस्वरूप विकिरण विज्ञान सेवाओं हेतु प्रतीक्षा करने के समय में उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है। इनमें से कुछ की जाँच बिना किसा प्रतीक्षा के उसी दिन की जा सकती है, जैसे रेडियोग्राफ। विभाग के संकाय रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान में सक्रिय रूप से सम्मिलित रहे हैं। संकाय सदस्यों ने विभिन्न सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में 181 से अधिक व्याख्यान दिए। संकाय सदस्य अनुसंधान में सक्रिय रूप से शामिल थे और विभिन्न अनुक्रमित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 200 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए और विकिरण विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों में 2 अध्यायों का योगदान दिया। विभिन्न सम्मेलनों में कुल 61 पोस्टर और मौखिक पत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 9 को विभिन्न मंचों पर पुरस्कार प्राप्त हुए। विभाग के संकाय-सदस्य 3 वित्त पोषित परियोजनाओं में प्रधान अन्वेषक थे। इसके अतिरिक्त, वे अन्य नैदानिक विभागों सहित 33 विभागीय परियोजनाओं में और लगभग 39 सहयोगी परियोजनाओं में सम्मिलित थे।

शिक्षा

स्नातकपूर्व:

विभाग के संकाय-सदस्यों स्नातक छात्रों के शिक्षण में सक्रिय रूप से शामिल थे। इस दौरान संकाय-सदस्यों द्वारा उनको कुल 40 व्याख्यान दिए गए।

स्नातकोत्तर:

इस अवधि के दौरान विभाग में कुल 39 कनिष्ठ रेजीडेंट थे, जिनमें विभाग में शामिल हुए 23 नए रेजीडेंट भी शामिल हुए थे। इस अवधि के दौरान विभाग में छह फेलो अपनी फेलोशिप कर रहे थे। स्नातकोत्तर छात्रों हेतु शैक्षिक गतिविधियाँ नियमित रूप से ऑनलाइन माध्यम में आयोजित की गईं और इसमें लगभग 31 जर्नल क्लब, 28 सेमिनार, 28 केस चर्चाएँ, 98 रूचिकर फिल्म सत्र और 20 शिक्षाप्रद व्याख्यान शामिल थे। शैक्षिक सत्रों के लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों प्लेटफार्मों का उपयोग किया गया।

बीएससी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी में चिकित्सा प्रौद्योगिकी (एमटीआर/बीएमआरआईटी):

इस पाठ्यक्रम की अवधि और संरचना को अद्यतन किया गया है। नाम को बीएससी (एच) मेडिकल टेक्नोलॉजी इन रेडियोग्राफी (एमटीआर) पाठ्यक्रम से बदलकर बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी (बीएमआरआईटी) कर दिया गया है; तथा इसकी अवधि एक वर्ष की इंटर्नशिप सहित चार वर्ष होगी। वर्तमान में कुल 34 छात्र इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन :

- विभाग ने *शैक्षिक, उद्यमिता और रेडियोलॉजी में उत्कृष्टता की खोज* विषय पर 17 अक्टूबर 22 को ऑनलाइन मोड में *दूसरा अनूप मेमोरियल व्याख्यान आयोजित किया।*
- विभाग ने दिनांक 19-21 अगस्त 2022 को एम्स, नई दिल्ली में *मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी (एमएसएस)* के साथ *मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी ऑफ इंडिया के 10वें वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया।*

प्रदत्त व्याख्यान: 179

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
130	151	179

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:61

मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों की कुल संख्या

प्रस्तुति	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक प्रस्तुतियाँ+पोस्टर	36	22	61

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. जुवेनाइल नासोफेरींजल एंजियोफिब्रोमा (जेएनए) में एंजियोजेनेसिस के मूल्यांकन में डायनामिक कंट्रास्ट ने एमआर परफ्यूज़न को बढ़ाना, 7,65,000 रुपये, डॉ. स्मिता मनचंदा, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 3 वर्ष, 2020-2023।
2. तपेदिक (टीबी) की मानक छाती रेडियोग्राफिक छवियों के एटलस का विकास, डॉ. आशु सेठ भल्ला, दिल्ली राज्य राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम (एनटीईपी), 2 वर्ष, 2021-2023, 2,00,000 रुपये।
3. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग और इसके संभावित सत्यापन का उपयोग करके सारकोमा में फुप्फुसीय नोड्यूल की घातक क्षमता का पता लगाने हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता-आधारित मॉडल विकसित करना, डॉ. देवसेनापति कंडासामी, एम्स-आईआईटीडी अनुदान 2022, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. तीव्र अग्नाशयशोथ में दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका।
2. पुल्मोनरी धमनी स्यूडोएन्यूरिज्म के वर्गीकरण में प्रक्रिया से पूर्ण सीटी एंजियोग्राफी की उपयोगिता एवं इसके उपचार में इंटरवेंशनल विकिरण विज्ञान तकनीकों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना।
3. सीमित एमआर और डीएसए सहसंबंध सहित गर्दन के द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में स्प्लिट बोलस दोहरी ऊर्जा सीटी की भूमिका।
4. मैमोग्राफी रिपोर्टिंग और रेज़ीडेंट प्रशिक्षण हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता एकीकृत कार्य प्रगति।
5. स्तन कैंसर के उपचार पर कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका एवं प्रभाव का अध्ययन करना।
6. सघन स्तनों में कंट्रास्ट-एन्हांस्ड मैमोग्राफी की भूमिका।
7. मूत्राशय के कैंसर के मूल्यांकन में गहन शिक्षण विकिरण विज्ञान।
8. रेटिनोब्लास्टोमा में कंट्रास्ट अल्ट्रासाउंड की भूमिका।
9. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट आणविक लक्षित थेरेपी की प्रतिक्रिया का आकलन करने में स्पेक्ट्रल दोहरी ऊर्जा सीटी।
10. हाथों के छोटे जोड़ों के प्रारंभिक गठिया के मूल्यांकन में डीईसीटी की भूमिका: अल्ट्रासाउंड और एमआरआई के साथ सहसंबंध।
11. प्राथमिक स्जोग्रेन सिंड्रोम में पैरोटिड और सबमांडिबुलर ग्रंथियों की मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग।
12. चुंबकीय अनुनाद (अनुकंपन) इमेजिंग पर एम-आरईसीआईएसटी मानदंड का उपयोग करके ट्रांसआर्टेरियल केमोएम्बोलाइजेशन थेरेपी हेतु हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा की प्रारंभिक प्रतिक्रिया मूल्यांकन।
13. कंधे के जोड़ की आवर्ती पूर्वकाल स्थिरता वाले रोगी में बाईपोलर हड्डी की क्षति का पूर्व-ऑपरेटिव एमडीसीटी मूल्यांकन।
14. शुरुआती और अनुवर्ती बाल चिकित्सा अर्जित डिमाइलेटिंग सिंड्रोम के विभिन्न उपप्रकारों में एमआरआई पैटर्न का वर्णन करना।
15. सिनोनासल और सिर आधार द्रव्यमान के लक्षण वर्णन में गतिशील कंट्रास्ट संवर्धित एमआर परफ्यूज़न की भूमिका का मूल्यांकन करना।
16. तपेदिक (टीबी) की मानक छाती रेडियोग्राफिक छवियों के एटलस का विकास।
17. क्रोहन रोग के मूल्यांकन में संक्षिप्त एमआर एंटरोग्राफी।
18. गैर-एल्कोहल फैटी लीवर रोग में उन्नत एमआर तकनीकों की भूमिका।
19. गैर-एल्कोहल फैटी लीवर रोग की एमआर इलास्टोग्राफी।
20. हेमोप्टाइसिस की पुनरावृत्ति हेतु जिम्मेदार कारकों की पहचान करने और बीएई प्रक्रिया को दोहराने के बाद परिणामों का विश्लेषण करने में सीटीबीए की भूमिका का मूल्यांकन करना।

पूर्ण

1. पित्त संबंधी दुर्दमताओं में स्प्लिट बोलस दोहरी ऊर्जा मल्टीफ़ेज़ सीटी की भूमिका।
2. मैमोग्राफी रिपोर्टिंग और रेज़ीडेंट प्रशिक्षण हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता एकीकृत कार्य प्रगति।
3. रेक्टल कार्सिनोमा में उन्नत एमआरआई की भूमिका।
4. जबड़े के ट्यूमर और सिस्ट: सीमित एमआरआई सहसंबंध के साथ दोहरी ऊर्जा सीटी द्वारा मूल्यांकन।
5. दोहरी ऊर्जा कंप्यूटेड टोमोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक चुंबकीय अनुनाद (अनुकंपन) इमेजिंग और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध के साथ रीनल सेल कार्सिनोमा की विशेषता।
6. ऑर्बिटल लिम्फैन्जियोमा में मौखिक सिल्डेनाफिल के परिणाम का मूल्यांकन।
7. मौखिक प्रोप्रानोलोल की तुलना में पेरीओकुलर कोशिका हेमांगीओमा के उपचार हेतु सामयिक टिमोलोल की भूमिका का मूल्यांकन करना।
8. पलकों की वसामय ग्रंथि कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी।
9. फुप्फुसीय पैरेन्काइमल रोगों के मूल्यांकन में नए एमआरआई अनुक्रमों की व्यवहार्यता और भूमिका।
10. सीटी स्कैन पर पसली फ्रैक्चर के स्वचालित पता लगाने, स्थानीयकरण और लक्षण वर्णन हेतु मशीन लर्निंग (एमएल) मॉडल का मूल्यांकन और विकास।
11. पैर और टखने में कोमल ऊतकों के दर्द हेतु अल्ट्रासाउंड-निर्देशित इंटरवेंशन की प्रभावशीलता।
12. बच्चों में थोरैसिक तपेदिक (टीबी) के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में एमआरआई की भूमिका।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्त्री रोग के मूल्यांकन में आईओटीए-सरल नियम, आईओटीए-एडनेक्स, जीआई-आरएडीएस और ओ-आरएडीएस यूएसजी रिपोर्टिंग प्रणाली का नैदानिक प्रदर्शन।
2. मोटापे से ग्रसित रोगियों में चयापचय रूप से स्वस्थ मोटापा (एमएचओ) और चयापचय रूप से अस्वस्थ मोटापा (एमयूओ) की व्यापकता का आकलन करने हेतु अध्ययन, आंतरिक चिकित्सा।
3. किशोर एंजियोफाइब्रोमा में विटामिन-डी और डब्लूएनटी/बीटा-कैटेनिन सिग्नलिंग मार्ग की खोज, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
4. ओसीएससीसी वाले रोगियों में कॉन्ट्रैटरल नोडल मेटास्टेसिस से जुड़े विभिन्न प्राथमिक ट्यूमर और इप्सिलेटरल नोडल कारकों का आकलन करने हेतु एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
5. विभिन्न पीसीओएस फेनोटाइप के निदान में नव अनुशंसित एंट्रल फॉलिकल काउंट (एएफसी) कट-ऑफ का मूल्यांकन और उनकी अंतःस्रावी और चयापचय प्रोफाइल, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान की तुलना।

6. सिर और गर्दन के कैंसर में सुप्राक्लेविकुलर धमनी आईलैंड फ्लैप [एससीएआईएफ] पुनर्निर्माण की उपयोगिता का मूल्यांकन करने हेतु महत्वाकांक्षी अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
7. ऑस्टियोसारकोपेनिक मोटापे से ग्रस्त वयस्कों की व्यापकता और क्लिनिको -चयापचय प्रोफ़ाइल का अध्ययन, आंतरिक चिकित्सा।
8. कैंसर हेतु इमेजिंग बायोबैंक, विकृति विज्ञान।
9. कपाल तंत्रिका लकवा के माध्यमिक निचले क्रैनियन तंत्रिका पक्षाघात वाले रोगियों में निगलने, खांसी और बोलने की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन पर एक महत्वाकांक्षी समूह अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी - सिर और गर्दन की सर्जरी।
10. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी हेतु इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू आर्म लेबल समानांतर डिजाइन गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, सामान्य सर्जरी।
11. सेप्टोरहिनोप्लास्टी कराने वाले रोगियों में उद्देश्य, व्यक्तिपरक और सौंदर्य संबंधी परिणामों को मापने हेतु एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
12. इंट्रो-आईटल अल्ट्रासाउंड का उपयोग करके प्रसवोत्तर महिलाओं में प्रसूति गुदा दबानेवाला यंत्र एलेन सहिचर क्षति (ओएएसआईएस) की घटनाओं का अध्ययन करना, स्त्री रोग विज्ञान।
13. असामान्य गर्भाशय रक्तस्राव वाली महिलाओं में एंडोमेट्रियल घावों के आकलन में आईईटीए अल्ट्रासाउंड मानदंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका, प्रसूति और स्त्री रोग।
14. रेडियल धमनी अग्रबाहु मुक्त फ्लैप और इन्फ्राहाइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप सहित जीभ के पुनर्निर्माण के बाद कार्यात्मक परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
15. ग्राफी हेतु पहने जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स, तंत्रिका विज्ञान।
16. थाइरॉइड सर्जरी करवाने वाले रोगियों में स्वर तंत्रि की गतिशीलता के मूल्यांकन में प्रीऑपरेटिव और पोस्ट-ऑपरेटिव ट्रांसक्यूटेनियस लेरिन्जियल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीएलयूएसजी) की सटीकता का आकलन करने हेतु एक संभावित अवलोकन अध्ययन, अमरिन्दर सिंह माल्ही) सर्जरी।
17. संक्रामक और गैर-संक्रामक घावों के विभेदन में 68जीए-एनओटीए-यूबीक्वूईसिडिन की उपयोगिता, नाभिकीय चिकित्सा।
18. स्तन कैंसर में हड्डी के मेटास्टेसिस का पता लगाने हेतु पूरे शरीर में कम खुराक वाले सीटी स्कैन की नैदानिक अनुप्रयोज्यता: एक संभावित समूह अध्ययन, शल्य-चिकित्सा।
19. सुसाध्य फेफड़ों के रोगों में पूर्व-ऑपरेटिव फुफ्फुसीय कार्य का पता लगाने हेतु 3डी-सीटी वॉल्यूमेट्री और रूटीन स्पिरोमेट्री की तुलना - संभावित अवलोकन समूह अध्ययन, शल्य-चिकित्सा।
20. स्केफॉइड फ्रैक्चर के गैर-यूनियन हेतु आर्थोस्कोपिक हड्डी ग्राफ्टिंग और नॉनवैस्कुलराइज्ड हड्डी ग्राफ्टिंग के बीच तुलनात्मक अध्ययन : एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, अस्थि रोग विज्ञान।

21. प्राथमिक एक्स्ट्रा-ओक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा।

22. मौखिक प्रोप्रानोलोल के प्रति अनुत्तरदायी पेरीओकुलर केशिका हेमांगीओमास में इंट्रालेसियोनल ब्लोमाइसिन की भूमिका का मूल्यांकन करने हेतु, आरपीसी।

पूर्ण

1. कार्सिनोमा स्तन के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी रोगियों की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने हेतु पेट/सीटी का उपयोग करके मिस्टरएंडपर्सिस्ट 1.0 का उपयोग करते हुए रेसिस्ट 1.1 के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन, शल्य चिकित्सक।

2. फ्लोरेसिन स्पेक्ट्रोमेट्री, इंडोसायनिन ग्रीन इमेजिंग, रमन स्पेक्ट्रोमेट्री और डॉपलर फ्लोमेट्री विश्लेषण का एक अध्ययन जिसमें स्तन के घातक और सुसाध्य घावों की तुलना की गई, शल्य-चिकित्सा विभाग।

3. मैन्सट्रअल डिसफंक्शन से पीड़ित किशोर एवं युवा भारतीय लड़कियों में हार्मोनल और चयापचय मापदंडों का मूल्यांकन, स्त्री रोग ।

4. ओरल कैविटी के जिंजिवो -बुक्कल कॉम्प्लेक्स कार्सिनोमस (जीबीसीसी) (टी1-टी4) में गुप्त और प्रत्यक्ष लिम्फ नोडल मेटास्टेसिस पर ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस (ओएसएमएफ) के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।

5. गैर-शल्य चिकित्सक उपचार के उपरांत आर्टिकुलर डिस्क की स्थिति की तुलना और मेडिबल कंडीलर फ्रैक्चर में ओपन रिडक्शन - एमआरआई अध्ययन, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी।

6. प्राथमिक पैरोटिड कार्सिनोमस वाले रोगियों में इंट्राग्लैंडुलर, पेरिपैरोटिड, गुप्त और प्रकट ग्रीवा लिम्फ नोड मेटास्टेसिस की घटनाओं को निर्धारित करने हेतु संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।

7. ऑरोफरीनक्स, नासोफरीनक्स और अज्ञात प्राथमिक से माध्यमिक ग्रीवा लिम्फ नोड्स में इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री द्वारा ऑन्कोजेनिक वायरस एचपीवी और ईबीवी का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।

8. एकतरफा कुल संयुक्त प्रतिस्थापन के उपरांत गैर-संचालित टेम्पोरोमैंडिबुलर जोड़ पर हड्डी संबंधी परिवर्तनों का मूल्यांकन करने हेतु, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी।

9. बिना न्यूनीकरण के टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त डिस्क विस्थापन के प्रबंधन में आर्थ्रोसेन्टेसिस और मैंडिबुलर परिचालन बनाम आर्थ्रोसेन्टेसिस और पूर्वकाल रिपोजिशनिंग स्प्लिंट सहित आर्थ्रोसेन्टेसिस की प्रभावकारिता की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी।

10. ऑपरेटिव और गैर-ऑपरेटिव तरीकों का उपयोग करके निचले जबड़े के सबकोंडाइलर फ्रैक्चर के किए गए इलाज के परिणामों का मूल्यांकन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी।

11. पोस्टमेनोपोज़ल ब्लीडिंग के रोगियों में एंडोमेट्रियल मूल्यांकन हेतु ट्रांसवजाइनल 3डी पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड और हिस्टेरोस्कोपी की भूमिका, स्त्री रोग।
12. मौखिक जीभ कार्सिनोमा के उच्छेदन उपरांत पुनर्निर्माण में इन्फ्रा-हयॉइड मायोक्यूटेनियस फ्लैप की उपयोगिता का मूल्यांकन करने हेतु संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
13. कुल या पूर्ण थायरॉयडेक्टॉमी से कराने वाले रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया के शुरुआती पूर्वानुमानित कारकों को निर्धारित करने हेतु एक संभावित अध्ययन, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी।
14. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) में एक्स्ट्रा-नोडल एक्सटेंशन (ईएनई) का पता लगाना, ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी- सिर और गर्दन की सर्जरी ।
15. स्कोलियोसिस की महिला रोगियों में मासिक धर्म संबंधी अनियमितताओं और संबंधित विकारों की व्यापकता का निर्धारण करने वाला एक महत्वाकांक्षी अध्ययन और उनके प्रसूति और प्रजनन स्वास्थ्य का आकलन, अस्थि रोग विज्ञान।
16. बच्चों में जन्मजात और अधिग्रहीत संवहनी घावों में डर्मोस्कोपिक विशेषताओं का एक क्रॉस सेक्शनल वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचाविज्ञान।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	5	4	3
कुल अनुदान	19,58,000 रूपये + 10,000 यूएसडी	10,65,000 रूपये +10,000 यूएसडी	19,65,000 रुपये

प्रकाशन

पत्रिका: 183 सार: 1 पुस्तक में अध्याय : 5

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	215	219	189
पत्रिका में लेख	189	202	183
सार	0	0	1
किताबों में अध्याय	26	16	5
पुस्तकें	0	1	0

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि हेतु जांच का विवरण

क्र.सं.	जांच/विशेष प्रक्रियाओं का नाम	जांच की कुल संख्या
1	**रूटीन एक्स-रे**	
	• ओपीडी	252829
	• इनडोर (आंतरिक)	29483
	• दुर्घटना	53154
	• पोर्टेबल	57447
2	**विशेष जांच**	
	• एरियम अध्ययन	1567
	• अंतःशिरा पाइलोग्राफी	1386
	• मिक्चरेटिंग सिस्टोउरेथ्रोग्राफी	2115
	• हिस्टेरोसाल्पिंगोग्राफी	654
	• ऑपरेशन थियेटर अध्ययन	52
	• अन्य कॉन्ट्रास्ट अध्ययन	486
3	**मैमोग्राफी**	3927
4	**डेक्सा स्कैन**	930
5	**अल्ट्रासाउंड**	
	• रूटीन	56761
	• आपातकालीन	24767
	• डॉपलर (नियमित + आपात)	5675
6	**सीटी**	
	• शरीर	25750
	• सिर	9412
7	**एमआरआई (मुख्य + एनएमआर)**	9744
8	**इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं**	
	• इंटरवेंशनल वैस्कुलर अध्ययन	3141
	इंटरवेंशनल गैर-संवहनी अध्ययन	
	• निर्देशित सीटी	609
	• निर्देशित अल्ट्रासाउंड	6242
	• निर्देशित फ्लोरोस्कोपी	3167
	• निर्देशित मैमोग्राफी	26
	कुल योग	**549324**

रोगी उपचार

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल इमेजिंग जांच	185522	343675	549324

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य आशू सेठ भल्ला को दिनांक 3 फरवरी 2023 को इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग, आईआरआईए के वार्षिक सम्मेलन द्वारा अध्यक्ष प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया गया; सोसाइटी ऑफ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन एससीIII (2019-22) के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत; इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के सह-संपादक हैं।

आचार्य मधुसूदन केएस को आईजेआरआई 2022 के समीक्षक हेतु संपादक पुरस्कार मिला। इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन द्वारा; एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2021: प्रशस्ति प्रमाण पत्र। प्रकाशन हेतु 2022 में पुरस्कृत; "जेसीआईआर सर्वश्रेष्ठ समीक्षक पुरस्कार 2019" (जर्नल ऑफ क्लिनिकल इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के लिए) इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी द्वारा गोवा में दिनांक 31 मार्च से 3 अप्रैल 2022 तक आयोजित वार्षिक सम्मेलन में किया गया।

आचार्य चंदन जे दास को एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2021: प्रशस्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रकाशन हेतु "कुष्ठ रोग में उलनार तंत्रिका भागीदारी के मूल्यांकन में प्रसार टेंसर इमेजिंग की भूमिका। ब्रि. जे. रेडिओला 2022 जनवरी 1;95(1129):20210290"। 2022 में पुरस्कृत; शिकागो विश्वविद्यालय द्वारा "विजिटिंग आचार्य" के रूप में विकिरण विज्ञान विभाग, शिकागो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका का दौरा करने और दिनांक 15-30 जून 2023 के बीच "भारत में प्रोस्टेट अनुसंधान की स्थिति" पर एक भव्य सत्र और तपेदिक (टीबी) के उपचार पर एक भव्य सत्र प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

आचार्य शिवानंद गामनगट्टी को दिनांक 14 जून 2022 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में एसआईआर 2022 वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में उत्कृष्ट नैदानिक अध्ययन हेतु जेवीआईआर 2021 संपादक का पुरस्कार मिला।

आचार्य अतीन कुमार अमेरिकन सोसायटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी 2023 की अनुसंधान समिति के सदस्य हैं; इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) के उप- विशेषता अध्याय प्रमुख (आपातकालीन विकिरण विज्ञान); इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; आपातकालीन विकिरण विज्ञान सोसायटी के उपाध्यक्ष के रूप में चुने गए; आईआरआईए ओलंपिक में टेनिस (युगल) में रजत पदक और टेनिस (एकल) में कांस्य पदक - अमृतसर में आईआरआईए के वार्षिक सम्मेलन में वार्षिक खेल कार्यक्रम, दिनांक 1-5 मार्च 2023।

आचार्य संजय शर्मा को दिनांक 9-12 फरवरी 2023 को हैदराबाद में आईएसवीआईआर 2023 के 23वें वार्षिक सम्मेलन में 'सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार' प्राप्त हुआ ; एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2021: प्रशस्ति प्रमाण पत्र। शोधपत्र प्रकाशन हेतु (2022 में पुरस्कार); 2022-2024 से प्रभावी, इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के दिल्ली-एनसीआर चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में चुने गए।

आचार्य सुरभि व्यास को दिनांक 27 अगस्त 2022 को नई दिल्ली में बायोमेडिकल उत्कृष्टता पुरस्कार 2022, वुमन इन लीडरशिप कॉन्क्लेव 2022 प्रदान किया गया।

डॉ स्मिता मनचंदा को "एससीआईआईसीओएन 2022" में सोसाइटी ऑफ चेस्ट इमेजिंग एंड इंटरवेंशन द्वारा सर्वश्रेष्ठ संयुक्त सचिव (2022) हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार (मान्यता प्रमाण पत्र) प्रदान किया गया।

डॉ. अंकुर गोयल को दिनांक 9-12 फरवरी 2023 को हैदराबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी (आईएसवीआईआर) के 23वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में आईएसवीआईआर यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड 2022 से सम्मानित किया गया; दिनांक 2-5 फरवरी 2023 को अमृतसर में आयोजित आईआरआईए के 75वें वार्षिक सम्मेलन में अल्ट्रासाउंड 2023 में सर्वश्रेष्ठ प्रतिस्पर्धी पेपर हेतु प्राप्तकर्ता डॉ. किशोर ताओरी स्वर्ण पदक; आईआरआईए 2023-2024 के दिल्ली राज्य चैप्टर के सचिव, आईआरआईए 2021-2022 के दिल्ली राज्य चैप्टर के सचिव; एम्स नई दिल्ली (19-21 अगस्त 2022) में आयोजित मस्कुलोस्केलेटल सोसाइटी (एमएसएस 2022) के 10वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजन सचिव रहे।

9.37 प्रजनन जैवविज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष
आशुतोष हल्दर

आचार्य एवं प्रभारी-अधिकारी सीआरआईए सुविधा
प्रदीप कुमार चतुर्वेदी

अपर आचार्य
सुरभि गुप्ता   मोना शर्मा

वैज्ञानिक II
दीपक पाण्डेय   नीरज कुमार

वैज्ञानिक I
मनीष जैन

समूह-क अधिकारी
मरियमा मैथ्यू

विशिष्टताएँ

विभाग नैदानिक सेवाओं (प्रजनन हार्मोन और कैंसर बायोमार्कर; वीर्य विश्लेषण; विभिन्न आनुवंशिक विकारों के लिए एफआईएसएच और क्यूएफ पीसीआर) और प्रजनन आनुवंशिक परामर्श के अलावा मुख्य रूप से शिक्षण, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य में संलग्न है। अधिकांश प्रजनन आनुवंशिक परामर्श, सेल्फ रेफरल थे। अधिकांश मामले प्रजनन संबंधी विकारों, विकृति, कैंसर, बांझपन आदि के थे। सी.आर.आई.ए. सुविधा में कैंसर मार्करों, प्रजनन हार्मोन कोविड-19 आईजी**जी** एंटीबॉडी आदि सहित 56 से अधिक मापदंडों के लिए परीक्षण प्रदान किए जाते हैं। विभाग ने सी.आर.आई.ए. परीक्षणों के लिए ऑनलाइन रिपोर्टिंग शुरू कर दी है। सी.आर.आई.ए. सुविधा ने इस साल 2,65,857 परीक्षण किए हैं। एंड्रोलॉजी प्रयोगशाला विस्तृत वीर्य विश्लेषण प्रदान करती है जबकि विभाग की आणविक प्रयोगशाला एफआईएसएच, क्यूएफ पीसीआर आदि तकनीकों का उपयोग करके विभिन्न आनुवंशिक परीक्षण प्रदान करती है। एम्स के अन्य विभागों के अलावा हमारे अपने पीएच.डी. छात्रों, एम.एससी. छात्रों और विभाग के विभिन्न प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण और शिक्षण प्रदान किया गया। इस वर्ष विभाग ने आण्विक साइटोजेनेटिक्स पर 6 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया जिसमें एम्स और अन्य संस्थानों के दो बैचों में 22 प्रतिभागियों ने भाग लिया। विभाग के संकाय-सदस्यों को विभिन्न शैक्षणिक योगदान (एन.ए.बी.एल./क्यू.सी.आई., आई.सी.एम.आर., एम.सी.आई./एन.एम.सी., एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू., डी.बी.टी., एन.आई.आर.आर.एच. आदि) के लिए कई राष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा आमंत्रित किया गया था। डॉ. हल्दर को इस वर्ष इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया। वर्ष 2022-23 के लिए विभाग के प्रो. के. आर. लौमास मेमोरियल ओरेशन का पुरस्कार, डॉ. सुरेंद्र

शर्मा, आचार्य बाल चिकित्सा विभाग, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रिप्रोडक्टिव हेल्थ, महिला एवं शिशु अस्पताल और द वॉरेन अल्परट मेडिकल स्कूल, ब्राउन यूनिवर्सिटी, आर.आई., यू.एस.ए. को दिया गया।

शिक्षा

पीएच.डी. छात्र (पंजीकृत/जारी)	13
एम.एससी. छात्र	12
जे.आर.एफ./एस.आर.एफ./आर.ए./आर.ओ.	06

साप्तहिक सेमिनार एवं साप्ताहिक पत्रिका क्लब

द्विसाप्ताहिक प्रयोगशाला डाटा प्रस्तुति

प्रतिदिन केसवार/प्रयोगशाला संबंधी कार्य पर चर्चा

स्नातकोत्तर- एम.डी. प्रयोगशाला चिकित्सा छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

एम.डी. बायोकैमिस्ट्री छात्र (15 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

डी.एम. प्रजनन चिकित्सा छात्र (60 दिनों के लिए प्रयोगशाला प्रशिक्षण)

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

आणविक साइटोजेनेटिक्स पर राष्ट्रीय कार्यशाला (9-14 जनवरी, 2023), एम्स, नई दिल्ली

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यान:

आशुतोष हल्दर : 12 **मोना शर्मा : 3**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यानों की कुल संख्या

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
आशुतोष हल्दर	8	15	12
मोना शर्मा	-	2	3

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरः19

पिछले 3 **वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्र/पोस्टर**

प्रस्तुति	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
मौखिक पत्र/पोस्टर	4	5	19

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों और बायोमार्कर खोज की पहचान करने हेतु डिम्बग्रंथि के कैंसर ट्रांसस्क्रिप्टोम का एकीकृत विश्लेषण, आशुतोष हल्दर, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2020-2023, 54 लाख रुपये

2. अंतःस्रावी विघटनकारी रसायन (एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स) (बिस्फेनॉल ए और उन्नत ग्लाइकेशन अंतिम उत्पाद) के सहयोग से पीसीओएस के अंतर्निहित तंत्र पर एक जांच, आशुतोष हल्दर, डी.बी.टी., 3 वर्ष, 2022-2025, 69 लाख रुपये

3. हल्के उच्च बेसल 17-ओ.एच.-प्रोजेस्टेरोन स्तर वाले पी.सी.ओ.एस. रोगियों में स्टेरॉयड बायोसिंथेसिस मार्ग के जीन की भूमिका पर एक जांच, आशुतोष हल्दर, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, फंड जारी किया जाएगा (अभी शुरू होने वाली है), 67 लाख रुपये

4. एच.सी.जी. किट के लिए गुणवत्ता नियंत्रण, पी. के. चतुर्वेदी, एच.एल.एल. लाइफकेयर लिमिटेड/स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, वार्षिक, 9 लाख रुपये प्रति वर्ष

5. माइक्रोआरएनए की मध्यस्थता वाली लेडिग कोशिकाओं में स्टेरॉयडोजेनेसिस और एपोप्टोसिस पर अंतःस्रावी विघटनकारी पदार्थ बिस्फेनोल ए के प्रभाव का अध्ययन, पी. के. चतुर्वेदी, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2021-2023, 76 लाख रुपये

6. टेस्टीकुलर कार्यों पर चयनात्मक सेरोटोनिन रीपटेक इनहिबिटर (एस.एस.आर.आई.) के प्रभाव का अध्ययन करना, पी. के. चतुर्वेदी, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2022-25, 78 लाख रुपये।

7. छोटे मॉलेक्यूल्स का अवशोषण करने वाले ई. आर. चैपरोन्स का थैराप्यूटिक लक्ष्य निर्धारणः प्रीक्लेम्पसिया में ई. आर. तनाव को कम करने के लिए एक वर्चुअल स्क्रीनिंग दृष्टिकोण, सुरभि गुप्ता, जैवप्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), 3 वर्ष, 8 महीने 2019-2023, 55.52 लाख रुपये

8. सीआरआईएसपीआर-आधारित तकनीकों का उपयोग कर निदान और प्रायोगिक चिकित्सीय विकास, सुरभि गुप्ता, डीबीटी, 3 वर्ष, 6 महीने, 2020-2023, 288.34 लाख रुपये

9. प्री-एक्लेमप्सिया के रोगजनन के अंतर्निहित तंत्र का अध्ययन करना, सुरभि गुप्ता, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2021-2024, 76.12 लाख रुपये

10. समय पूर्व डिम्बग्रंथि विफलता में माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल सिस्टम की भूमिका, मोना शर्मा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2021-24, 44 लाख रुपये

11. पुरुष कैंसर रोगियों में वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन और शुक्राणु मापदंडों पर इसके प्रभावों का अध्ययन, मोना शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

12. शुक्राणु टेलोमेयर बायोलॉजी पर वीर्य क्रायोप्रिजर्वेशन का प्रभाव तथा निषेचन क्षमता, मोना शर्मा, आई.सी.एम.आर., 3 वर्ष, 2022-25, 58 लाख रुपये

13. गोनाड्स में टीजीएफ-बीटा और इंसुलिन सिग्नलिंग द्वारा प्रेरित ट्रांसक्रिप्शनल लक्ष्यों को विनियमित करने वाले प्रजनन दीर्घायु के कार्यात्मक अंतःक्रिया की व्याख्या, नीरज कुमार, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50 लाख रुपये

14. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड की मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथैलियल की परस्पर क्रिया पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन के प्रभाव को स्पष्ट करनाः सामान्य प्रोस्टेट फिज़ियोलॉजी के रखरखाव में भूमिका, दीपक पांडेय, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2021-2024, 41.56 लाख रुपये

15. प्रोस्टेट कोशिकाओं में हार्मोन की मध्यस्थता वाले स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरैक्शन पर चयनात्मक एस्ट्रोजन रिसेप्टर मॉड्यूलेटर (एसईआरएम) के प्रभाव को चित्रित करना, दीपक पांडेय, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 9.7 लाख रुपये
16. इडियोपैथिक सर्टोली सेल ओनली सिन्ड्रोम (एस.सी.ओ.एस): एपिजेनोमिक एटियोलॉजी का पता लगाने के लिए एक जाँच, मनीष जैन, आई.सी.एम.आर, 3 वर्ष, 2021-2023, 45 लाख रुपये
17. सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) मामलों में माइक्रोआरएनए एक्सप्रेशन प्रोफाइल, मनीष जैन, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2023-25, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. मानव स्वास्थ्य (रेफरल केंद्र) पर गैर-आयनकारी विद्युत चुम्बकीय क्षेत्र (ईएमएफ) का प्रभाव, पीके चतुर्वेदी, आई.सी.एम.आर, 5 वर्ष, 2017-2022, 32.7 रुपये प्रति वर्ष
2. पुरुष प्रजनन प्रणाली पर इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक क्षेत्र के प्रभावों का इन विट्रो मूल्यांकन, पी.के. चतुर्वेदी, आई.सी.एम.आर, 5 वर्ष, 2019-2023, 58 लाख रुपये
3. एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित महिलाओं के सतही रक्त में एंडोमेट्रियल कोशिकाओं को संचारित करने की गैर-इनवेसिव बायोमार्कर क्षमता का मूल्यांकन, नीरज कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम से जुड़े एटियलॉजिकल कारकों की जांच करना।
2. अज्ञातहेतुक समयपूर्व डिम्बग्रंथि विफलता के आनुवंशिक निर्धारक।
3. एंडोक्राइन डिसरप्टिंग केमिकल्स के सहयोग से पी.सी.ओ.एस. के एपिजेनेटिक तंत्र संबंधी अन्वेषण।
4. कैनोरहेबडाइटिससेलेगन्स प्रजनन उम्र बढ़ने में इंसुलिन/इंसुलिन जैसे ग्रोथ फैक्टर सिग्नलिंग (आईआईएस) की भूमिका को चित्रित करना।
5. प्रोस्टेट कैंसर सेल लाइन्स पर हर्बल एक्सट्रैक्टस की कैंसर-विरोधी गतिविधि का विश्लेषण करना।
6. वृषण और अधिवृक्क कार्यों पर अवसादरोधी दवा (एस्किटालोप्राम) का प्रभाव।
7. बार-बार गर्भावस्था हानि वाली महिलाओं में डिकिड्यूलाइज़ेशन में प्लेसेंटा व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका।
8. स्तनधारी निषेचन में संभावित भूमिका निभाने वाले वृषण-समृद्ध प्रोटीनों की व्याख्या करना।
9. समय से पहले डिम्बग्रंथि अपर्याप्तता में फॉलिक्यूलर डाइनामिक्स पर माइटोकॉन्ड्रियल फैटी एसिड शटल मध्यस्थ एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस का प्रभाव।
10. शुक्राणु टेलोमेयर की उम्र पर निर्भर डाइनामिक्स और डी.एन.ए. क्षति प्रतिक्रिया के साथ अंतर-संबंध।

11. प्रोस्टेट स्ट्रोमल-एपिथेलियल इंटरैक्शन के मॉड्यूलेशन में सूक्ष्म पोषक तत्वों और फ्लेवोनोइड की भूमिका।
12. मॉडल सिस्टम के रूप में कैनोरहेबडाइटिससेलेगन्स का उपयोग करके दीर्घायु और प्रजनन में एच.डी.ए.सी. इनहिबिटर मीडिएटिड जीनोम-वाइड ट्रांसक्रिप्शनल नेटवर्क।
13. स्पष्ट इडियोपैथिक हाइपोस्पर्मेटोजेनेसिस में एटिऑलॉजिकल कारकों को निर्धारित करने के लिए एक जांच।
14. एंडोमेट्रियोटिक महिलाओं के परिधीय रक्त से परिसंचारी एंडोमेट्रियल कोशिकाओं को समृद्ध करने की क्षमता वाले कोशिका सतह मार्करों का मूल्यांकन करना।
15. प्लेसेंटल एंडोक्राइन फ़ंक्शन पर एंटीडिप्रेसेंट का प्रभाव।
16. सामान्य गर्भवती महिलाओं और बार-बार गर्भावस्था की हानि वाली महिलाओं से पृथक एक्सोसोम की तुलना करना।
17. ओसाइट सक्रियण पर माइटोकॉन्ड्रियल ट्रांसफ़ेज़ मध्यस्थता वाले एंडोप्लाज्मिक रेटिकुलम स्ट्रेस का प्रभाव।
18. प्राथमिक माउस प्रोस्टेट कोशिकाओं पर एस्ड्रोजन,एण्ट्रोजन के बढ़ते अनुपात का प्रभाव.
19. अपरेन्ट इडियोपैथिक सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम (एस.सी.ओ.एस) मामलों के वृषण एफ.एन.ए.सी. नमूनों में डी.एन.ए. मिथाइलेशन अध्ययन।

पूर्ण

1. सार्स-कोव-2 पॉजिटिव मामलों, परीक्षण न किए गए स्वास्थ्य कर्मियों और गैर-स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच सीरो-व्यापकता तथा/अथवा गंभीर तीव्र श्वसन सिंड्रोम कोरोनावायरस 2 (सार्स-कोव-2) आईजीजी एंटीबॉडी की निरंतरता।
2. शारीरिक और रोग संबंधी स्थितियों के तहत ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं में एपिथेलियल मेसेनकाइमल संक्रमण के दौरान एपिजेनेटिक परिवर्तन।
3. एंडोमेट्रियोसिस वाली महिलाओं के परिधीय रक्त से परिसंचारी एंडोमेट्रियल कोशिकाओं का अलगाव
4. वृषण कैंसर के रोगियों में शुक्राणु के विट्रीफिकेशन का उसकी टेलोमेयर लंबाई पर प्रभाव
5. प्रोस्टेट कोशिकाओं में हार्मोन मध्यस्थ स्ट्रोमल एपिथेलियल इंटरैक्शन पर कैटेचिन का प्रभाव
6. सामान्य गर्भवती और आर.पी.एल. वाली महिलाओं द्वारा ट्रोफोब्लास्ट कोशिकाओं पर पृथक परिसंचारी एक्सोसोम का प्रभाव
7. अपरेन्ट इडियोपैथिक सरटोली सेल ओनली सिंड्रोम (एस.सी.ओ.एस) मामलों के वृषण एफ.एन.ए.सी नमूनों में माइक्रोआर.एन.ए. एक्सप्रेशन प्रोफाइल
8. नॉन-ऑब्सट्रक्टिव एज़ोस्पर्मिया (एन.ओ.ए.) के विभेदक निदान के लिए संभावित बायोमार्कर की जांच
9. भारतीय आबादी में एंडोमेट्रियोसिस के लिए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआर.एन.ए. प्रसारित करने की क्षमता का मूल्यांकन करना

10. बांझ पुरुषों में शुक्राणु संरक्षक एक्सप्रेशन और क्रोमैटिन फ़ंक्शन पर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का अध्ययन
11. बांझ पुरुषों में शुक्राणु टेरा अभिव्यक्ति और क्रोमैटिन फ़ंक्शन पर ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस का अध्ययन
12. प्रोस्टेट कैंसर कोशिकाओं पर नवीन बेंज़ोक्साज़ोल डेरिवेटिव की कैंसर विरोधी गतिविधि का विश्लेषण
13. ट्रोफोब्लास्ट कार्यों को संशोधित करने में डी.एन.ए. मिथाइलेशन की भूमिका

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. अस्पष्टीकृत मृत जन्म का आणविक आनुवंशिक मूल्यांकन, जेनेटिक्स यूनिट, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स
2. इडियोपैथिक हाइपोपैराथायरायडिज्म के अनूठे पहलू, अंतः स्राविकी विज्ञान, एम्स
3. तपेदिक में प्रतिरक्षा की दबी हुई स्थिति पर चेकपॉइंट अवरोधकों का प्रभाव, प्रत्यारोपण प्रतिरक्षा विज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी, एम्स
4. हृदय आघात के रोगियों में प्रतिकूल हृदय-संवहनी संबंधी घटनाओं की भविष्यवाणी में कार्डियक मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) पर फेफड़ों के पानी के आकलन की व्यवहार्यता और प्रभावकारिता, हृद् विकिरण विज्ञान विभाग, एम्स
5. गैर-अल्कोहलिक फैटी लीवर रोग वाले रोगियों में छोटी आंत में बैक्टीरिया की अतिवृद्धि और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल लक्षणों का संबंध, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स
6. एडेनोइडेक्टॉमी के बाद रोगियों में सार्स-कोव-2 संक्रमण के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी समूह नियंत्रण अध्ययन, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग, एम्स
7. पी.एल.एच.आई.वी. आबादी में एड्रेनो-कॉर्टिकल फ़ंक्शन और इसके क्लिनिको-मेटाबोलिक निहितार्थ का आकलन, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स
8. भारतीय वयस्कों में सरकोपेनिया की व्यापकता, जोखिम कारकों और चयापचय प्रोफ़ाइल का अध्ययन, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स
9. प्रीऑपरेटिव चिंता को कम करने में मेलाटोनिन, गैबापेंटिन और अल्प्राजोलम का तुलनात्मक अध्ययन, संवेदनाहरण विज्ञान विभाग, एम्स
10. गंभीर ट्यूमर से बचे बच्चों में बीमारी के दीर्घकालिक प्रभावों और इसके उपचार का अध्ययन करना, बाल शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स
11. गर्भावस्था के इंट्राहेपेटिक कोलेस्टेसिस में भ्रूण हृदय प्रोफ़ाइल और प्रसवकालीन परिणाम के साथ इसका संबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स
12. गर्भावस्था के आई.एच.सी.पी. में भ्रूण-मातृ परिणाम के साथ जैव इंफ्लैमेट्री मार्करों का सहसंबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स

13. एनीमिया: भारतीय जनसंख्या में जीवनशैली, आवश्यक तत्वों और विटामिन डी की भूमिका की खोज, भेषजगुण विज्ञान विभाग और रूधिर विज्ञान विभाग
14. कैंसर से बचे लोगों में प्रजनन संरक्षण के लिए डिम्बग्रंथि ऊतक क्रायोप्रिजर्वेशन में धीमी फ्रीजिंग और विट्रीफिकेशन तकनीकों की तुलना करना, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग, एम्स
15. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक पूर्वानुमान संबंधी सिग्नेचर, मूत्र रोग विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

1. एक बहुकेंद्रीय नोवल कोरोना वायरस की आबादी आधारित आयु स्तरीकृत सीरो महामारी विज्ञान संबंधी अध्ययन, डब्ल्यू.एच.ओ. सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसिन
2. 0 से 14 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों में टेस्टोस्टेरोन और डायहाइड्रो टेस्टोस्टेरोन हेतु एक सामान्य संदर्भ श्रृंखला (नोमोग्राम) की स्थापना, बालशल्य चिकित्सा विभाग, एम्स
3. कोविड-19 से ठीक हुए स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में एंटीबॉडी प्रतिक्रिया, काय-चिकित्सा विभाग, एम्स

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	20	23	22
कुल फंडिंग (रु)	**747.16** लाख रुपये	**1126.14** लाख रुपये	**1141.94** लाख रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएं: 14 **सारांशः 01** **पुस्तक में अध्याय: 04**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020–2021**	**2021–2022**	**2022–2023**
कुल	**17**	**18**	**19**
पत्रिका लेख	13	17	14
सारांश	1	-	01
पुस्तकों में अध्याय	2	1	4
पुस्तकें	2	-	-

रोगी उपचार

बाह्य रोगी सेवा विभाग में रोगी की देखभालः मानक बाह्य रोगी सेवा का हिस्सा नहीं

डॉ. हल्दर को मुख्य रूप से दिल्ली के अन्य अस्पतालों से अथवा परामर्श/उपचार योजना/सलाह के लिए स्वयं रेफरल और विशेष रूप से पुरुष प्राथमिक हाइपोगोनैडिज्म, बार-बार गर्भपात, बार-बार आईवीएफ विफलता, आनुवंशिक विकार और विकृति सिंड्रोम में प्रजनन आनुवंशिकी से संबंधित 100 मामलों को सौंपा जा चुका है।

प्रयोगशाला सेवा के रूप में कार्यभार

एस.टी.आर/माइक्रोसैटेलाइट मार्करों का उपयोग करके मानकीकृत अतिरिक्त मॉलेक्यूलर साइटोजेनेटिक तकनीक (स्थानीय तौर पर हाईब्रिडाइजेशन सेवाओं में जारी फ्लोरोसेंट के अतिरिक्त) और रोगी देखभाल हेतु उपयोग।

प्रजनन जैवविज्ञान (आण्विक साइटोजेनेटिक्स प्रयोगशाला) विभाग में विशेष प्रयोगशाला सुविधाएँ, एम्स रक्त (इंटरफेज़/मेटाफेज़ कोशिका), बक्कल कोशिका, मूत्र कोशिका, ठोस ऊतक इत्यादि पर माइक्रोडिलीशन एफआईएसएच

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम के कुल 300 संदिग्ध रोगियों को भर्ती किया गया। हमने अपनी मॉलिक्यूलर साइटोजेनेटिक्स लैब में सभी मामलों का एफआईएसएच और क्यूएफ-पीसीआर किया है और सभी मरीजों को रिपोर्ट दी है। विभाग ने पीडब्ल्यूएस मामलों के लिए मिथाइल स्पेसिफिक पी.सी.आर. को मानकीकृत किया है और अपनी प्रयोगशाला में मिथाइल स्पेसिफिक पी.सी.आर. की सुविधा शुरू की है। विभाग शीघ्र-अतिशीघ्र हमारे विभाग में सभी माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम के माइक्रोएरे की सुविधा शुरू करने जा रहा है (निविदा पहले ही अपलोड हो चुकी है)।

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम की सूचीः

- डीजॉर्ज सिंड्रोम (22q11.2)
- विलियम सिंड्रोम (7q11.23)
- प्रेडर विली सिंड्रोम (15q11.13)
- रेटिनोब्लास्टोमा (13q)
- मिलर डेकर सिंड्रोम (17p13.3)
- लैंगर गिडियन्स सिंड्रोम (8q24.11)
- 1p36.13
- वोल्फ हिर्शहॉर्न (4p16.3)

प्रसवपूर्व एफआईएसएच (एम्नीओटिक द्रव कोशिकाएँ/कोरियोनिक ऊतक)

- ट्राईसोमी 21 (डाउन सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 18 (एडवर्ड सिंड्रोम)
- ट्राईसोमी 13 (पटौ सिंड्रोम)
- कोई भी ऑटोसोमल एन्यूप्लॉइडीस (अनुरोध पर)

कैरियोटाइपिंग (केवल अनुसंधान के उपयोग हेतु)

सेक्स क्रोमोसोम एफ.आई.एस.एच. (एक्स, वाई, एसआरवाईः केवल शोध और बांझपन)

वाईक्यू माइक्रोडिलिशन पी.सी.आर. (लगभग 20 प्राइमर पूरे हुए)

पी.आर.आई.एन.एस. (गुणसूत्र 13, 18, 21, एक्स, वाई)

क्यूएफ-पी.सी.आर. (डी.जी., डब्ल्यू.एस., पी.डब्ल्यू.एस., आर.बी., एम.डी., लैंगर-गिडियंस, ट्राइसोमी 13, 18, 21 आदि)

मिथाईल विशिष्ट पी.सी.आर. (पी.डब्ल्यू.एस.)

माइक्रोडिलीशन सिंड्रोम/प्राइमरी टेस्टिकुलर फेलियर हेतु **डी.एन.ए. माइक्रोऐरे**

सी.आर.आई.ए. सुविधाः

इस सुविधा में भर्ती किए गए और ओ.पी.डी. रोगियों के रक्त के नमूनों में 56 से अधिक मापदंडों की नियमित जांच की गई। कोविड-19 महामारी में, हमने नया परीक्षण सार्स कोव-2 आईजीजी परीक्षण शुरू किया और स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों और कर्मचारियों का सार्स कोव-2 आईजीजी (आईजीजी) परीक्षण किया है।

वर्ष 2022-23 हेतु कुल जांचों की संख्या		
क्र.सं.	**जांच का नाम**	**जांचों की कुल संख्या**
1	17-ओएच प्रोजेस्टेरोन	600
2	ए.सी.टी.एच.	556
3	एक्टिव बी12	19330
4	ए.एफ.पी.	3163
5	ए.एम.एच.	6128
6	एंटी-सी.सी.पी.	6790
7	एंटी-टी.जी.	441
8	एंटी-टी.पी.ओ.	3089
9	बीटा-एचसीजी	2358
10	बी.एन.पी.	3186
11	सी.ए.125	4093
12	सी.ए.15.3	3
13	सी.ए.19.9	6133
14	सी.ई.ए.	5820
15	सी.के.एम.बी.	53
16	सी.एम.वी.-आईजीजी	27

17	सी.एम.वी.-आईजीएम	28
18	कोर्टीसोल	1845
19	सी-पेप्टाइड	255
20	सी.आर.पी.	242
21	साइक्लोस्पोरिन	1336
22	डीएचईएएस	1488
23	डीएचटी	243
24	एस्ट्राडियोल	1736
25	फेरिटिन	8040
26	फोलेट	13362
27	फ्री पी.एस.ए.	253
28	फ्री टी3	4452
29	फ्री टी4	5789
30	एफ.एस.एच.	9988
31	ग्रोथ हार्मोन (जी.एच.)	637
32	एचबीए1सी	3809
33	एच.ई.4	16
34	होमोसिस्टीन	222
35	इनहिबिन-बी	630
36	इंसुलिन	1167
37	इंटेक्ट पी.टी.एच.	7274
38	एल.एच.	9169
39	एम.टी.एक्स.	402
40	पी.सी.टी.	11798
41	पी4	503
42	पी.आर.एल.	8761
43	पी.एस.ए.	3606
44	रूबेला-आईजीजी	23
45	रूबेला-आईजीएम	22
46	सार्स-कोव-2 आईजीजी	70

47	एस.एच.बी.जी.	560
48	टेस्टोस्टेरोन	3671
49	थायराइड प्रोफाइल	9386
50	टी3	12159
51	टी4	13963
52	टोक्सो-आईजीजी	10
53	टोक्सो-आईजीएम	11
54	ट्रोपोनिन-I	1306
55	टीएसएच	37454
56	विटामिन-डी	28401
	जांचों की कुल संख्या	**265857**

जे.एस.एस.के. रोगियों के लिए परीक्षणों की संख्या	**बी.पी.एल. रोगियों के लिए परीक्षणों की संख्या**	**एबी-पीएमजेएवाई रोगियों के लिए परीक्षणों की संख्या**
1699	5360	716

इसके अलावा, अनुसंधान परियोजना के अध्ययनों के लिए 2280 से अधिक परीक्षण किए गए।

एंड्रोलॉजी लैब

एंड्रोलॉजी लैब ने 995 रोगियों को वीर्य विश्लेषण सेवाएं प्रदान कीं।

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रोफेसर आशुतोष हल्दर को इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया। वह मानव विकास और रोग जीव विज्ञान - डी.बी.टी. के मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम के टास्क फोर्स के सदस्य हैं; सलाहकार पैनल- एन.ए.एम.एस. के विशेषज्ञ सदस्य (आनुवांशिकी); एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू. की कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी.ए.सी) और संस्थागत समीक्षा बोर्ड (आई.आर.बी) के सदस्य; जेनेटिक्स और साइटोजेनेटिक्स पर एन.ए.बी.एल की प्रत्यायन समिति के सदस्य; एस.ए.सी/पी.ए.सी. समिति के सदस्य, आई.सी.एम.आर. मुख्यालय, एन.आई.आर.आर.एच.। उन्होंने सोसाइटी फॉर इंडियन एकेडमी ऑफ मेडिकल जेनेटिक्स का 7वां वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, दिसंबर, 2022, एस.जी.पी.जी.आई., लखनऊ में प्रिसिजन मेडिसिन: आर वी देयर येट? पर एक सत्र की अध्यक्षता की और इंडियन सोसाइटी फॉर असिस्टेड रिप्रोडक्शन के 27वें वार्षिक सम्मेलन, फरवरी, 2023 आई.एस.ए.आर., एम.पी. चैप्टर भोपाल में गर्भाशय विसंगति में हिस्टेरोस्कोपिक सर्जरी पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

प्रोफेसर पी. के. चतुर्वेदी पी.जी, एम्स की नीति-विषयक समिति के सदस्य, आईएमटेक चंडीगढ़, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, कलकत्ता विश्वविद्यालय, एनडीआरआई करनाल के पीएच.डी. और एम.एससी. के परीक्षक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) की परियोजनाओं के समीक्षक, चयन समिति (आईसीएमआर) के सदस्य, समीक्षा के लिए हैं। सेंटर फॉर एडवांस रिसर्च की परियोजनाओं और तदर्थ परियोजनाओं की समीक्षा हेतु आई.सी.एम.आर. विशेषज्ञ समिति के सदस्य, जर्नल ऑफ एंड्रोलॉजी के समीक्षक हैं।

डॉ. सुरभि गुप्ता ने द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस पर प्रस्तुत किए गए पोस्टरों में तीसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार (एम.एससी श्रेणी) जीता।

डॉ. मोना शर्मा को दिनांक 6-7 सितंबर, 2022 को एग्जिट परीक्षा के दौरान "डिप्लोमा क्लिनिकल एम्ब्रियोलॉजी" के लिए बाहय परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।
उन्हें दिनांक 18 अक्टूबर, द्वितीय अनुसंधान दिवस, 2022 को एम्स अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार में तृतीय सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
ई-लर्निंग मॉड्यूल (एन.एम.सी.एन.) के लिए 4 माइक्रोटीचिंग व्याख्यान दिए।

9.38 रुमेटोलॉजी

आचार्य एवं अध्यक्ष

उमा कुमार

सह-आचार्य

दानवीर भादू | रंजन गुप्ता

सहायक आचार्य

रूद्र प्रसाद गोस्वामी

समूह ख अधिकारी:

सहायक नर्सिंग अधीक्षक [19/1/2023 तक]

करुणा वी माणिक

विशिष्टताएं

रुमेटोलॉजी विभाग अगस्त 2015 में बनाया और अधिसूचित किया गया था। यह विभाग अत्याधुनिक रोगी उपचार सेवाएं प्रदान कर रहा है और संसाधनों के निर्माण में भी सहायक है, जो तीव्र एवं पुरानी गठिया संबंधी बीमारियों वाले रोगियों के अत्यधिक भार से निपटने के लिए आवश्यक हैं। इसकी 6-बेड वाली रुमेटोलॉजी डे केयर सेवा, जो वर्ष 2012 में शुरू की गई थी, भारत में अपनी तरह की पहली सेवा है और लागत प्रभावी तरीके से विभिन्न इंटरवेशनों, उपचारों और प्रक्रियाओं की आवश्यकता वाले रोगियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए जारी है। जनता और चिकित्सा पेशेवरों के बीच गठिया और संबंधित विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न शैक्षिक गतिविधियाँ नियमित सुविधाएँ हैं। अनुसंधान में भी विभाग अग्रणी रहा है; इसमें कुल 4,73,90,780 रुपये का अनुसंधान अनुदान है और कई सहयोगी परियोजनाएं भी चल रही हैं। विभाग के संकाय के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिकाओं में कई प्रकाशन थे। सहयोगात्मक अनुसंधान गतिविधियों के कारण तीन पेटेंट दाखिल किए गए हैं (प्रक्रियाधीन हैं)। विभागीय क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी प्रयोगशाला विभिन्न प्रतिरक्षाविज्ञानी जांच करने के मामले में पूरे अस्पताल को सेवा प्रदान करती है।

रोगी उपचार सेवाओं, शिक्षा एवं अनुसंधान में सुधार के लिए की गई गतिविधियाँ/कार्य :

1. प्रशिक्षित रुमेटोलॉजी विशेषज्ञों की आवश्यकता को महसूस करते हुए, विभिन्न सरकारी संगठनों से चिकित्सा विशेषज्ञों को नियमित आधार पर अल्पकालिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
2. गुणवत्ता से समझौता किए बिना यथाशीघ्र विशेष प्रतिरक्षाविज्ञानी जांच परिणाम प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जाते हैं।
3. सूची में नए विशेष परीक्षण जोड़े गए हैं जैसे नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपी, मस्कुलोस्केलेटल अल्ट्रासाउंड और शिमर टेस्ट, जो निःशुल्क किए जा रहे हैं।

4. मरीजों के अस्पताल दौरे को तथा अस्पताल में ठहरने की अवधि को यथासंभव कम करने के लिए सेवाएं शुरू की गई हैं जैसे ओपीडी में ही संभव होने पर इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन देना, 6MWT, नेल फोल्ड कैपिलारोस्कोपी, मस्कुलोस्केलेटल यूएसजी, शिमर परीक्षण और बायोप्सी (जो भी संभव हो) जैसे परीक्षण करना।

कार्य योजना: विभाग सक्रिय शिक्षण कार्यक्रम करता है और जब अंतरंग रोगी सुविधा आरंभ हो जाएगी तब रुमेटोलॉजी में सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम 'डीएम' शुरू करने का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षा

स्नातक-पूर्व

1. रुमेटॉइड गठिया और स्पोंडिलोआर्थराइटिस
2. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस
3. प्राथमिक नेक्रोटाइज़िंग वैस्कुलाइटिस
4. जोड़ों और कोमल ऊतकों में दर्द वाले रोगियों से संपर्क करना
5. पॉलीआर्थराइटिस के प्रति दृष्टिकोण
6. इडियोपैथिक सूजन संबंधी मायोपैथी
7. रुमेटॉइड गठिया का उपचार
8. ऑटोइम्यूनिटी के प्रति दृष्टिकोण

स्नातकोत्तर: सेमिनार, बेडसाइड शिक्षण, मृत्यु दर समीक्षा, जर्नल स्कैन एवं जर्नल क्लब तथा हर हफ्ते केस चर्चा

नर्सिंग व्याख्यान: नर्सिंग स्टाफ के विभिन्न संवर्गों के लिए रुमेटोलॉजिकल विकारों पर व्याख्यान श्रृंखला

अल्पकालिक/दीर्घकालिक प्रशिक्षुओं की संख्या: छह गैर-शैक्षणिक वरिष्ठ रेजिडेंट

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
(विभाग द्वारा आयोजित):

1. **दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन के तत्वावधान में रुमेटोलॉजी अपडेट दिनांक 1 मई 2023 को आयोजित किया गया था**
2. **दिनांक 30 अप्रैल 2023 को कार्यशालाएँ क. इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन ख. नेल-फोल्ड कैपिलारोस्कोपी ग. आरए एवं एसपीए में रोग गतिविधि मूल्यांकन**

प्रदत्त व्याख्यान:

उमा कुमार : 20 **रंजन गुप्ता : 3**
दानवीर भादू : 3 **रूद्र प्रसाद गोस्वामी : 7**

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
19	19	33

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 18

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-21	2021-22	2022-23
8	0	2

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. स्कूलों, कॉलेजों और आईटी क्षेत्र में पढ़ने वाली या काम करने वाली महिलाओं के बीच व्यावसायिक स्वास्थ्य खतरों को कम करने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाना, उमा कुमार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2020-2023, रु.3019680
2. क्लिनिकल और जीनोमिक्स दृष्टिकोण के माध्यम से पॉलीएंजाइटिस के साथ ग्रैनुलोमैटोसिस का अध्ययन करने की एक भारतीय पहल, उमा कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, रु.1868532
3. जनानुसंधिगतवता (प्राथमिक घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस) में मल्टीमॉडल आयुर्वेद हस्तक्षेप हस्तक्षेपों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, नियंत्रित परीक्षण, उमा कुमार, आयुष, 3 वर्ष, 2022-2024, रु.6242900
4. उन रोगियों के लिए एक ओपन-लेबल, मल्टी-सेंटर प्रोटोकॉल, जिन्होंने पिछले नोवार्टिस प्रायोजित सेकुकिनुमाब अध्ययन पूरा कर लिया है और जांचकर्ता द्वारा उन्हें निरंतर सेकुकिनुमाब उपचार से लाभान्वित होने का निर्णय लिया गया है। सी ए आई एन 457ए02001बी, उमा कुमार, नोवार्टिस, 3 वर्ष, 2022-2025, रु.454385
5. जीएस-यूएस-417-0304 प्रोटोकॉल शीर्षक: "रूमेटाइड गठिया वाले रोगियों में फिल्गोटिनिब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, दीर्घकालिक विस्तार अध्ययन", उमा कुमार, गैलापागोस, 5 वर्ष, 2019- 2024, रु3412404
6. रूमेटॉइड आर्थराइटिस में उपचार प्रतिक्रिया के बायोमार्कर के रूप में मैक्रोफेज माइग्रेशन इनहिबिटरी फैक्टर (MIF) और CD74/CD44 सिस्टम, रंजन गुप्ता, इंस्टीट्यूशनल इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2023, रु.1000000
7. रुमेटॉइड गठिया और सूचना पाठ्यक्रम के प्रभाव के बारे में रोगियों और स्वास्थ्य उपचार प्रदाताओं की मान्यताओं, ज्ञान और धारणा का आकलन, रंजन गुप्ता, फाइजर इंक, 1 वर्ष, 2021-2023, रु 1386000
8. रुमेटॉइड गठिया के निदान एवं उपचार तथा अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रभाव में प्राथमिक उपचार चिकित्सकों के ज्ञान अंतराल का आकलन, रंजन गुप्ता, फाइजर इंक, 2 वर्ष, 2021-2023, यूएसडी 46111

9. लंदन और नई दिल्ली में प्रोलिफेरेटिव और मेम्ब्रेनस ल्यूपस नेफ्राइटिस वाले मरीजों के बीच मेटाबोलॉमिक्स प्रोफाइल की तुलना, रंजन गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल एम्स-यूसीएल अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2023, रु 500000
10. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस के रोगियों में कोविड-19 टीकाकरण के प्रति प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की तीव्रता, विशेषताएं और सहनशक्ति: एक बहुकेंद्रित समूह अध्ययन, रंजन गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, रु.7459320
11. पैर के गठिया रोग के निदान और रुमेटॉइड गठिया में उपचार की निगरानी के लिए पहनने योग्य दबाव इनसोल का उपयोग करके पैर के दबाव वितरण का आकलन, रंजन गुप्ता, दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन, 1 वर्ष, 2022-2023, रु.500000
12. पैर के जोड़ के गठिया का पता लगाने और लोकालाइजेशन के लिए पैर-दबाव वितरण विधि: पारंपरिक रेडियोग्राफ के साथ तुलना, रंजन गुप्ता, एम्स यूजी अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, रु.200000
13. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस पर बहु-संस्थागत नेटवर्क कार्यक्रम: एसएलई की विविधता को समझना, रंजन गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2018-2023, रु.9985000
14. पोस्ट कोविड -19 रोगियों में मस्कुलोस्केलेटल तथा रुमेटोलॉजिकल रोग: एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, दानवीर भादू, संस्थागत अंतःविषय सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, रु 1000000

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ:

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-21	2021-22	2022-23
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	16	17	15
कुल निधिकरण (लाख)	रू. 3,09,49,000	रू. 4,21,22,541	रू. 4,73,90,780

वित्तपोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. प्लेसिबो के साथ 16 सप्ताह में प्रभावकारिता की तुलना करने और सक्रिय एंकिलॉज़िंग स्पॉन्डिलाइटिस या गैर रेडियोग्राफिक एक्सियल स्पोंडिलोआर्थराइटिस वाले रोगियों में 52 सप्ताह तक सुरक्षा एवं सहनशीलता का आकलन करने के लिए अंतःशिरा सेकुकिनुमाब का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित, समानांतर समूह, चरण III बहुकेंद्रीय अध्ययन, उमा कुमार, नोवार्टिस फार्मास्यूटिकल्स, 1 वर्ष 6 महीने, 2020-2022, रु 624600
2. प्लेसिबो के साथ 16 सप्ताह में प्रभावकारिता की तुलना करने तथा सक्रिय सोरियाटिक गठिया वाले रोगियों में 52 सप्ताह तक सुरक्षा और सहनशीलता का आकलन करने के लिए अंतःशिरा सेकुकिनुमाब का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो -नियंत्रित, समानांतर समूह, चरण III बहुकेंद्रीय अध्ययन। उमा कुमार, नोवार्टिस फार्मास्यूटिकल्स, 1 वर्ष 6 महीने, 2020- 2022, 156150 रुपये

3. चरण IV, ओपन लेबल, गैर-तुलनात्मक, बहुकेंद्रीय अध्ययन, जाइंट सेल आर्टेराइटिस (जीसीए) वाले रोगियों में त्वचा के नीचे के टोसीलिज़ुमैब की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना, सिप्ला लिमिटेड द्वारा अनुबंधित दानवीर भादू, सीबीसीसी, 1 वर्ष, 2021-2022, 55,000 रुपये /मरीज़
4. एक्यूट गाउटी आर्थराइटिस में टीएलआर-4 की भूमिका, दानवीर भादू, इंस्टीट्यूशनल इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 साल, 2020 (नई शुरुआत तिथि)-2022, 2,30,000 रुपये

विभागीय परियोजना

जारी: स्पोंडिलोआर्थराइटिस में टोफैसिटिनिब की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. प्राथमिक स्जोग्रेन सिंड्रोम में रीनल ट्यूबलर एसिडोसिस से पीड़ित मरीजों का नैदानिक और आनुवंशिक लक्षण वर्णन, रुमेटोलॉजी विभाग/सेंट स्टीफन अस्पताल
2. अक्षीय स्पोंडिलर्थराइटिस में टोफैसिटिनिब एवं एडालिमैटेब की प्रभावकारिता की तुलना: एक पूर्वव्यापी समूह अध्ययन, रुमेटोलॉजी विभाग, न्यूरोसाइंसेज संस्थान-कोलकाता, कोलकाता, पश्चिम बंगाल, भारत
3. प्रणालीगत ऑटोइम्यून विकारों वाले रोगियों में अश्रु प्रदाहक मध्यस्थों एवं सीरम ऑटोएंटीबॉडी का सहसंबंध, आरपी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली
4. रुमेटॉइड गठिया वाले रोगियों में कॉर्टिकोमोटर उत्तेजना एवं दर्द की स्थिति पर मोटर इमेजरी का प्रभाव, फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
5. 5. रुमेटॉइड गठिया में कॉर्टिकल उत्तेजना तथा दर्द की स्थिति पर एमआरआई आधारित न्यूरोफीडबैक निर्देशित मोटर इमेजरी प्रशिक्षण का प्रभाव। फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
6. फाइब्रोमाइल्गिया रोगियों में दर्द एवं स्वायत्त प्रोफ़ाइल पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
7. फाइब्रोमायल्गिया के रोगियों में दर्द की स्थिति तथा कॉर्टिकल उत्तेजना पर योगिक हस्तक्षेप का प्रभाव, फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
8. भारतीय रुमेटोलॉजी एसोसिएशन में महामारी विज्ञान अध्ययन एवं रुमेटॉइड रोगों की रजिस्ट्री विकास
9. ल्यूपस परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में रिसेप्टर सिग्नलिंग अवरोधकों जैसे टोल की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों का मूल्यांकन, जैव प्रौद्योगिकी एम्स, नई दिल्ली
10. सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस में फ्लेयर एपिसोड की पूर्वसूचना देने के लिए miRNA के नए वर्ग की पहचान करने के लिए साइक्लोफॉस्फेमाइड/हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन/माइकोफेनोलेट मोफ़ेटिल और रिटक्सिमैब के उत्तरदाताओं बनाम गैर-उत्तरदाताओं को स्तरीकृत करने के लिए जीनोमिक दृष्टिकोण, बायोकैमिस्ट्री, एम्स, नई दिल्ली

11. रुमेटॉइड गठिया रोगियों की टीएलआर एंटागोनिस्टिनमोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं की सूजन-रोधी गतिविधियों पर अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी, एम्स, नई दिल्ली
12. निष्क्रिय प्रणालीगत ल्यूपस एरिथेमेटोसस में टोल जैसे रिसेप्टर्स, जैव प्रौद्योगिकी एम्स, नई दिल्ली

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 12 **सार: 10** **पुस्तकों में अध्याय: 06**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

संकाय	2020-21	2021-22	2022-23
कुल	35	17	28
जर्नल लेख	28	16	12
सार	4	0	10
पुस्तकों में अध्याय	2	1	6
पुस्तकें	1	0	0

रोगी उपचार

ओपीडी: कुल: 40,718

नये रोगी : 6232

फॉलो अप रोगी: 34486

रुमेटोलॉजी क्लिनिक: 2918

पिछले 3 वर्षों में रोगी का उपचार

मद	2020-21	2021-22	2022-23
ओपीडी परामर्श	6768	13550	40718
विशेष क्लिनिक परामर्श	1189	1890	2918
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	1311	3376	7041
दिवस उपचार प्रक्रियाएं	3424	4077	5765
किए गए प्रयोगशाला परीक्षणों की कुल संख्या	18889	37300	53277

दिवस उपचार सुविधा: कुल: 5765

बायोलॉजिक्स/इम्यूनोसप्रेसिव ड्रग इन्फ्यूजन: 1596

इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: 791

एससी/आईएम इंजेक्शन (बायोलॉजिकल, स्टेरॉयड, आदि): 629

बायोप्सी: 121

अल्ट्रासाउंड: 1229

केस चर्चा: 1382

अन्य: 17

क्लिनिकल इम्यूनोलॉजी लैब:

किए गए परीक्षणों की कुल संख्या: 53277 परीक्षण किए गए रोगियों की कुल संख्या: 21764

किए गए परीक्षणों की संख्या:

आरएफ: 7348

एएनए: 16533

एंट-डीएसडीएनए एंटीबॉडी: 4606

ईएनए प्रोफाइल: 4721

एएनसीए: 6179

एंटी एलकेएम1 एंटीबॉडी: 4218

एएसएमए:4348

सीएल आईजी एम:2498

एसीएल आईजीजी: 2498

क्रायोग्लोबुलिन/क्रायोफाइब्रिनोजेन: 127

पोलोराइज्ड माइक्रोस्कोपी: 201

सामुदायिक सेवा/शिविर:

अनेक सार्वजनिक/रोगी रुमेटोलॉजिकल रोग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए

उमा कुमार: एर्गोनॉमिक्स स्वास्थ्य जागरूकता शिविर

1. एडेप्टिया सॉफ्टवेयर डी74, सेक्टर 63, नोएडा, उत्तर प्रदेश, 25 जुलाई 2022
2. दौलत राम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली 4, अगस्त 2022
3. शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज, नई दिल्ली, 24 अगस्त 2022
4. सरस्वती बाल मंदिर, लाजपत नगर, नई दिल्ली, 1 सितंबर 2022
5. जीएलटी सरस्वती बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल, नेहरू नगर, नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 2022

रुद्र प्रसाद गोस्वामी: निःशुल्क चिकित्सा शिविर, तिब्बती कॉलोनी, हुबली, कर्नाटक, दिनांक 10-16 जनवरी 2023

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

प्रो. उमा कुमार को स्वस्थ भारत न्यास द्वारा स्वास्थ्य प्रतिपालन के लिए डॉ. केके अग्रवाल स्वस्थ भारत उत्कृष्ट चिकित्सक सम्मान 2022 प्राप्त हुआ; आत्मनिर्भर भारत भागीदारी समिट इंडिया में योगदान के लिए वाचस्पति पुरस्कार 2022; चिकित्सा एवं संबद्ध विज्ञान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए पुडुचेरी के माननीय मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में गठित संचालन/सलाहकार समिति का 5 वर्षों के लिए सदस्य नामित किया गया।

डॉ. रंजन गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार (संवाददाता लेखक) प्राप्त हुआ: क्लिनिकल रूमेटोलॉजी कॉन्फ्रेंस, हैदराबाद, 2022।

डॉ. दानवीर भादू को जेसीआर-2023, फुकुओका, जापान के 67वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए जापानी कॉलेज ऑफ रुमेटोलॉजी द्वारा यात्रा सहायता पुरस्कार प्राप्त हुआ। वह दिल्ली रुमेटोलॉजी एसोसिएशन 2022 के कार्यकारी सदस्य हैं।

9.39 शल्य चिकित्सा विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुनील चुंबर

आचार्य

राजिंदर प्रसाद, वी सीनू, संदीप अग्रवाल, वीरेन्द्र कुमार बंसल, अनिता धर, हेमंगा के. भट्टाचार्जी

अपर आचार्य

असूरी कृष्ण, पीयूष रंजन, मंजूनाथ मारुति पोल, मोहित जोशी, कमल कटारिया, सुहानी, यशवन्त राठौर

सह-आचार्य

ओम प्रकाश

सहायक आचार्य

अंकिता सिंह, संजीत कुमार राय, आदित्य कुमार, उत्तम कुमार ठाकुर, देवेन्द्र सिंह, बृजेश कुमार सिंह, सुशांत सोरेन, नेल्सन टी, गीता प्रसाद, वाशिम फ़िरोज़ खान (एनसीए)

निजी सचिव

अजय पाल सिंह (समूह-क अधिकारी), राजीव गोसाईं

विशिष्टताएं

विभाग ने अपनी सेवाओं का विस्तार किया और विकिरणविज्ञान और रक्त बैंक सेवाओं की शुरुआत के साथ सर्जरी ब्लॉक में पूर्णत: ऑपरेशनल बन गया है। विभाग में मिनिमल एक्सेस, थोरैसिक, वैस्कुलर और रीनल ट्रांसप्लांट, ब्रेस्ट, एंडोक्राइन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, बेरिएट्रिक, कोलोरेक्टल एवं सामान्य सर्जरी की जाती है। विभाग स्तन कैंसर, बेरिएट्रिक, गुर्दे प्रत्यारोपण हेतु विशेष और अनुवर्ती क्लीनिकों का संचालन करता है। पिछले वर्ष विभाग ने देश में सबसे कम उम्र के रोगी के गुर्दे का प्रत्यारोपण किया। हमारे विभाग की टीम ने एम्स नई दिल्ली में पहले गुर्दे के प्रत्यारोपण कार्यक्रम में भी भाग लिया। विभाग ने एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली राज्य चैप्टर की सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक को आयोजित करने के लिए लगातार चौथी रोलिंग ट्रॉफी जीती। विभाग ने स्नातक-पूर्व, स्नातकोत्तर और एम.सीएच. रेजिडेंट्स को प्रायोगिक प्रशिक्षण के रूप में आपने एवं लेप्रोस्कोपिक प्रक्रियाओं पर सिमुलेशन-आधारित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कौशल प्रयोगशाला और वेट लैब में कई पाठ्यक्रम आयोजित किए। विभाग ने क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सीएमई, कार्यशालाओं तथा सम्मेलन आयोजित किए।

हमारे रेजिडेंट्स और संकाय-सदस्य नियमित रूप से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अनुसंधान कार्य प्रस्तुत करते रहे हैं एवं उन्हें पुरस्कार के साथ सराहना भी मिली है। विभाग ने स्तन कैंसर, परिधीय धमनी रोगों और मोटापे जैसी बीमारियों के लिए जन-जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

शिक्षा

1. स्नातकोत्तर संगोष्ठी: साप्ताहिक
2. एमसीएच संगोष्ठी: सप्ताह में दो बार
3. रीनल ट्रांसप्लांट फ़ेलोशिप संगोष्ठी: सप्ताह एक बार
4. प्रत्येक इकाई में सप्ताह में एक बार कनिष्ठ/वरिष्ठ रेजिडेंट द्वारा मृत्यु दर एवं मॉर्टेलिटी पर चर्चा।
5. एमबीबीएस छात्रों के लिए ओपीडी/वार्ड में व्याख्यान, शिक्षण कार्यक्रम।
6. जूनियर और एमसीएच रेजिडेंट्स (06 मासिक), एमबीबीएस छात्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन।
7. नर्सिंग छात्रों के लिए व्याख्यान।
8. बीएससी ओटी तकनीशियन के लिए व्याख्यान।
9. विभाग द्वारा प्रस्तुत सीसीआरएस:
    - (क) 11 अप्रैल 2023 (यूनिट I) को जो ड्रोपिंग ट्यूमर तथा प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म
    - (ख) 13 सितंबर 2022 (यूनिट I) नोवेयर, नोवेयर, ऐवरीवेयर
    - (ग) द मेनैसिंग एमसी4आर - बीटिंग द ऑड्स 15 मार्च 2022
    - (घ) 29 नवंबर 2022 (यूनिट II) भारत में सबसे कम उम्र का एन-ब्लॉक किडनी प्रत्यारोपण
    - (ङ) 8 फरवरी 2022 (यूनिट III) एक सामान्य सर्जिकल स्थिति का एक असामान्य कारण
    - (च) 25 अक्टूबर 2022 (यूनिट III) जितना आप चबा सकते हैं उससे अधिक न काटें
    - (छ) 16 अगस्त 2022 (यूनिट IV) टू इन वन
10. 10. विभाग द्वारा सीजीआरएस:
    - (क) एक्लेसिया कार्डिया के उपचार में विकसित हो रहे रुझान: 15 फरवरी 2022 (यूनिट III) को दो दशकों का अनुभव
    - (ख) 4 अक्टूबर 2022 (यूनिट I) को द लिटिल बिग बोन ब्रेकर्स

सीएमईएस/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 2 अप्रैल 2022 को बेरिएट्रिक सर्जरी रोगी सहायता समूह की बैठक।
2. 15 जुलाई 2022 को 3डी लंग्स के मॉडल में वीएटीएस लोबेक्टोमी पर कार्यशाला।
3. 26 जुलाई 2022 को नॉन-स्केलपेल वेसेक्टोमी पर शिविर।
4. 27 अगस्त 2022 को बेसिक लेप्रोस्कोपिक कार्यक्रम।

5. 3-5 सितंबर 2022 तक सर्जरी 2022 पर वार्षिक दिवस और सीएमई।
6. 23 सितंबर 2022 को प्रथम वर्ष एमएस (सर्जरी) के छात्रों के लिए ओरिएंटेशन कार्यशाला
7. 24 सितंबर 2022 को आंत और धमनी के एनैस्टमोसिस पर कौशल पाठ्यक्रम
8. बेरियाट्रिक सर्जरी पर शवों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया और एम्स बैरिकॉन 2022 में प्रतिभागियों को तीनों प्रक्रियाओं - लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी, रॉक्स-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास तथा ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास के लिए 28 सितंबर 2022 से 1 अक्टूबर 2022 तक प्रशिक्षित किया गया।
9. 11 अक्टूबर 2022 को स्तन स्वास्थ्य एवं स्तन कैंसर संबंधी जागरूकता कार्यक्रम।
10. 14 अक्टूबर 2022 को थीसिस राइटिंग कार्यशाला ।
11. स्वस्थ हो चुके लोगों तथा देखभालकर्ताओं से सीखना: 18 अक्टूबर 2022 को लेसर-नोन ओरीडियल्स।
12. 21 अक्टूबर 2022 को प्रोटोकॉल राइटिंग संबंधी कार्यशाला।
13. स्तन रोग संबंधी जागरूकता श्रृंखला आधारित अभियान-सर्वाइवरों की बैठक के बाद 27 अक्टूबर 2022 को एक साइकिल रैली।
14. 10 नवंबर 2022 को बेरिएट्रिक सर्जरी रोगी सहायता समूह की बैठक।
15. 10 दिसंबर 2022 को चिरकालिक घाव के उपचार पर पुनर्विचार करने हेतु वेबिनार।
16. एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स, 44वां प्रोवाइडर कोर्स, 14वां इंस्ट्रक्टर कोर्स- 30-31 जनवरी 2023।
17. 4 फरवरी 2023 को कैंसर सर्वाइवरों के लिए हेयर डोनेट करने हेतु शिविर।
18. 24-26 फरवरी 2023 को वंशानुगत स्तन कैंसर पर संगोष्ठी।
19. 24-26 मार्च 2023 को थोरेसिक सर्जरी पर संगोष्ठी।

प्रदत्त व्याख्यान:

सुनील चुंबर : 4	**राजिंदर पार्षद: 11**	**वी सीनू : 5**
संदीप अग्रवाल : 24	**वीरेंद्र कुमार बंसल: 13**	**अनिता धर: 1**
हेमंगा के. भट्टाचार्जी :8	**आसुरी कृष्णा: 3**	**पीयूष रंजन : 6**
मंजूनाथ मारुति पोल :11	**मोहित जोशी : 20**	**कमल कटारिया : 4**
सुहानी : 19	**यशवन्त राठौड़ : 7**	**ओम प्रकाश : 4**
अंकिता सिंह : 4	**संजीत कुमार राय : 1**	**आदित्य कुमार : 2**
देवेन्द्र सिंह : 4	**बृजेश कुमार सिंह : 1**	**नेल्सन टी : 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
69	102	154

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 103

पिछले 3 वर्षों में मौखिक पत्र/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
63	41	103

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने के लिए अनुमानित कारकों की पहचान: परिणामों में सुधार तथा घटे हुए वजन को बनाए रखने के लिए एक मॉडल का निर्माण, प्रो. संदीप अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 साल, 2022-2024, 71 लाख रुपये
2. परिधीय धमनी रोग वाले रोगियों में काफ स्केलिटल मांसपेशियों की शिथिलता में क्षीण एनएडी + जैवसंश्लेषण की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकनात्मक अध्ययन, प्रो. अनीता धर, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2022-2026, 40 लाख रुपये
3. नियो एडजंक्ट कीमोथेरेपी के साथ-साथ सहायक चिकित्सा के रूप में स्तन कैंसर पर महर्षि अमृत कलश की प्रभावशीलता का अध्ययन: एक ओपन यादृच्छिक नियंत्रित क्लीनिकल परीक्षण, प्रो. अनीता धर, महर्षि आयुर्वेद कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2023, छूट प्राप्त।
4. मीनिमल एक्सेस (लैप्रोस्कोपिक) सर्जरी के लिए वीआर सुविधा वाली 3डी एंडोस्कोप, प्रो. हेमंगा के. भट्टाचार्जी, एम्स- आईआईटी दिल्ली अंतर-संस्थागत सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, 100000 रुपये
5. लेप्रोस्कोपिक, ओपन सर्जरी और एंडोस्कोपिक प्रक्रियाओं से गुजरने वाले 2 सकारात्मक/संदिग्ध सार्स-कोव-2 के रोगियों में विभिन्न शारीरिक तरल पदार्थों में सार्स-कोव-2 की उपस्थिति का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, डॉ. असुरी कृष्णा, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, रु 1 लाख रूपये
6. पित्ताशय कार्सिनोमा वाले रोगियों में गट माइक्रोबायोम का अध्ययन - एम्स अनुसंधान अनुदान के तहत इंट्राम्यूरल परियोजना, डॉ. असूरी कृष्णा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

7. कोलोरेक्टल एडेनोकार्सिनोमा में वैकल्पिक रूप से विभाजित घटनाओं की पहचान करने के लिए आरएनए-सीक्वेंसिंग आधारित केस-कंट्रोल अध्ययन - जैव सूचना विज्ञान और जीनोमिक्स आधारित अध्ययन [2021-12417], डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल, आईसीएमआर- एक्स्ट्रा-म्यूरल स्वीकृत फंड, 2 साल, 2023-2025, 88,01,820 रुपये
8. सेप्टिक शॉक से पीड़ित सर्जिकल रोगियों के पेरिऑपरेटिव उपचार में प्रारम्भ में ही एस्कॉर्बिक एसिड, थियामिन और हाइड्रोकार्टिसोन का उपयोग करके मेटाबोलिक रीससिटेशन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसांधन अनुदान, 2 साल, 2021-2023, 10,00,000 रुपये
9. स्वदेश विकसित कम लागत वाले हल्के वजन वाले पॉलीसेंट्रिक पॉलीमेरिक (पीपीकेजे) की अनुकूलनशीलता का मूल्यांकन एवं पोस्ट-ट्रॉमेटिक ट्रांसफेमोरल एम्प्यूटीज़ का जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर प्रभाव, डॉ मोहित कुमार जोशी, एम्स-आईआईटी, दिल्ली, 2 साल, 2022, जारी, 10 लाख रूपये
10. पैराथाइरॉइड ऊतक की ओटोफ्लोरेसेंस पर निर्भर इंट्राऑपरेटिव पहचान के लिए डिटेक्टर के रूप में स्मार्टफोन कैमरे वाली टीआईआरएफ आधारित सूक्ष्म प्रणाली का विकास (एम्स-आईआईटी सहयोगात्मक परियोजना), डॉ. कमल कटारिया, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2022-2024, 20 लाख रुपये
11. स्तन तपेदिक (स्तन टीबी) के निदान के लिए एप्टामर-आधारित परख का विकास, (एम्स-टीएचएसटीआई सहयोगी परियोजना), डॉ. कमल कटारिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स और टीएचएसटीआई फरीदाबाद, 2 वर्ष, 2020-2022, 20 लाख रुपये
12. "पित्ताशय के कैंसर और कोलेलिथियसिस रोगियों में भारी धातुओं और ट्रेस तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, और निकल, सेलेनियम, जस्ता, तांबा, सीसा, पारा, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन", डॉ. कमल कटारिया, अनुसंधान अनुभाग, एम्स एवं टीएचएसटीआई, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रूपये
13. "स्तन कैंसर और सामान्य स्तन रोग के रोगियों में भारी धातुओं और ट्रेस तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम और निकल, सेलेनियम, जस्ता, तांबा, सीसा, पारा, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन", डॉ. कमल कटारिया, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रूपये
14. स्तन कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं में के लिए तरल बायोप्सी में प्रोटिओमिक्स का नैदानिक महत्व: एक अन्वेषी अध्ययन, डॉ. सुहानी, एम्स सहयोगी परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
15. लो प्रेसर बनाम स्टेन्डर प्रेसर लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में इनफ्लेमेंटरी मार्करों की भूमिका का अध्ययन करना। आरसीटी, डॉ. यशवंत सिंह राठौड़, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये
16. स्तन कैंसर में भारी धातुओं की भूमिका, डॉ. कमल कटारिया, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

17. लेप्रोस्कोपिक अथवा एंडोस्कोपिक विधि द्वारा आंतरिक डेमेज के बाद तीव्र अग्नाशयशोथ, फ्लूड क्लेकशन एवं कार्यात्मक परिणामों की पुनरावृत्ति के संदर्भ में अग्न्याशय की वोल्ड ऑफ निक्रीसिस/स्यूडोसिस्ट वाले रोगियों पर दीर्घकालिक परिणाम, डॉ. ओम प्रकाश, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख रूपये
18. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर से पीड़ित युवा भारतीय महिलाओं में बीआरसीए1/2 जर्म लाइन म्यूटेशन की व्यापकता, डॉ. ओम प्रकाश, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 साल, 2022-2024, 10 लाख रुपये
19. "होमिंग पेप्टाइड्स और प्लास्मोनिक फोटोथर्मल तकनीक का उपयोग करके ठोस ट्यूमर लक्ष्यीकरण", डॉ. पीयूष रंजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-2022, 2.72 करोड़ रुपये
20. दिल्ली में यमुना नदी के आसपास के जोखिम क्षेत्र वाले स्कूलों के छात्रों को डुबने संबंधी जानपदिक रोग विज्ञान, आवश्यकता की पूर्ति करने तथा आईईसी सामग्री विकसित करने तथा इससे संबंधित प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए - संभावित, गैर-यादृच्छिक, पारंपरिक अध्ययन, डॉ. पीयूष रंजन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2025, 65 लाख रुपये

पूर्ण

1. एक लेबल एक्सटेंशन, सिंगल आर्म मल्टीसेंट्रिक चरण III अध्ययन बुर्जर रोग के कारण क्रिटिकल लिम्ब इस्किमिया वाले रोगियों में एप्रुव्ड स्टैम्प्यूसेल® की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए, आचार्य अनीता धर, स्टेमप्यूटिक्स प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2022, 33,075 रूपये
2. कोविड-19 महामारी के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के तनाव को कम करने तथा उनकी प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ाने के लिए ट्रान्सेंडैंटल मेडिटेशन (टीएम): एक यादृच्छिक परीक्षण (टरमोटिक परीक्षण), डॉ. हेमंगा के. भट्टाचार्जी, सत्यम, डीएसटी, भारत सरकार, 1 वर्ष 6 माह, 2020-2022, 14,70182 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. कोलेडोकोलिथियासिस के लिए एंडोस्कोपिक रेट्रोग्रेड कोलेंजियोपैंक्रेटोग्राफी के बाद लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करने का उचित समय (प्रारम्भ बनाम विलंबित): एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल हर्निया के उपचार में ऑपरेशन के पश्चात् होने वाली पीड़ा के नियंत्रण के लिए लेप्रोस्कोपिक रूप से दी गई ट्रांसवर्सस-एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए - एक प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक अध्ययन
3. बेरियाट्रिक सर्जरी करवाने वाले गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग से पीड़ित रूग्ण रूप से मोटे रोगियों में फाइब्रोसिस की हद तक लिवर बायोप्सी के साथ सबसे सहसंबंध हेतु सबसे अच्छे गैर-इनवेसिव मार्करों अथवा उनके एक संयोजन का निर्धारण करना।

4. प्लाज्मा मेमरेन एटीपी बाइंडिंग ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) की मध्यस्थता वाले इंसुलिन प्रतिरोध सम्मिलन का अन्वेषण
5. गैर-अल्कोहल फैटी लीवर रोग में माइटोकॉन्ड्रियल संलयन प्रोटीन की अभिव्यक्ति और आरएनए व्युत्पन्न आरएनए अंशों के स्थानांतरण का आणविक लक्षण वर्णन।
6. दीर्घ मानव गैर-कोडिंग आरएनए (आरएनए) का कार्यात्मक विश्लेषण तथा स्तन कैंसर में स्पेटिकल जीनोम संगठन से उनका संबंध
7. मोटापे के लिए लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी करवा रहे मरीजों में गर्ड क्यू स्कोर पर सहवर्ती हाइटल हर्निया के उपचार का प्रभाव: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
8. मोटापे से ग्रसित रोगियों में टाइप-II मधुमेह मेलिटस के समाधान के लिए ओमेगा लूप गैस्ट्रिक बाईपास (मिनी गैस्ट्रिक बाईपास) बनाम रूज-एन-वाई गैस्ट्रिक बाईपास: एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. डीप न्यूरोमस्कुलर ब्लॉक के तहत मानक बनाम कम दबाव वाली लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की तुलना करना: आरसीटी
10. पैराथाइरॉइडेक्टॉमी करवा रहे रोगियों की क्लीनिकल प्रोफ़ाइल, जांच और परिणाम का अध्ययन करने के लिए एक पूर्वव्यापी और अग्रदर्शी अनुभव।
11. सबटोटल कोलेसिस्टेक्टोमी के बाद कोलेलिथियसिस से पीड़ित रोगियों में परिणामों का अध्ययन करना
12. लक्षणहीन पित्त पथरी रोग के लिए पहले से लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करवा रहे रोगियों में क्लीनिकल कोर्स पाठ्यक्रम के साथ सर्जरी से पहले और बाद के सर्जिकल निष्कर्षों का सहसंबंध
13. थायरॉयडेक्टॉमी करवा रहे रोगियों में हाइपोकैल्सीमिया की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी स्टेरॉयड का उपयोग
14. आपातकालीन विभाग में आने वाले गंभीर कैलकुलस कोलेसिस्टेक्टिस से पीड़ित रोगियों के सूचकांक मामलों में फास्ट ट्रैक आपातकालीन लैप कोलेसिस्टेक्टोमी बनाम आपातकालीन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी - आरसीटी
15. वेंट्रल एब्डोमिनल हर्निया के सफल उपचार हेतु पूर्वानुमान लगाने के साथ-साथ हर्निया के आस-पास के नाजुक भाग का पता लगाने में एब्डोमिनल-वॉल और मांसपेशियों की ऑपरेशन से पूर्व शीयर वेव इलास्टोग्राफी की उपयोगिता संबंधी एक अग्रदर्शी तुलनात्मक पारंपरिक अध्ययन
16. ऐच्छिक लैप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी करवा रहे मध्यम और अधिक पैमाने पर स्प्लेनोमेगाली से पीड़ित रोगियों में अकेले ऑपरेशन से पूर्व स्प्लेनिक आटरी एम्बोलिज़ेशन बनाम लेप्रोस्कोपिक स्प्लेनेक्टोमी के परिणामों की ऑपरेशन से पूर्व तुलना करना: एक लेबल खोजपूर्ण आरसीटी
17. मामूली थायरॉयड सूजन से पीड़ित रोगियों में एंडोस्कोपिक थायरॉयडेक्टॉमी के लिए एक्सिलो - ब्रेस्ट एप्रोच और बाईलटेरल एक्सिलो -ब्रेस्ट एप्रोच के बीच जीवन की गुणवत्ता की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

18. थायरॉयड सर्जरी करवाले वाले रोगियों में वोकल कॉर्ड की गतिशीलता के मूल्यांकन में ऑपरेशन पूर्व तथा और ऑपरेशन पश्चात् ट्रांसक्यूटेनियस लेरिन्जियल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीएलयूएसजी) की सटीकता का आकलन करने के लिए एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन

19. पित्ताशय के कैंसर और कोलेलिथियसिस के रोगियों में भारी धातुओं और ट्रेस तत्वों (आर्सेनिक, कैडमियम, क्रोमियम, और निकल, सेलेनियम, जस्ता, तांबा, सीसा, पारा, सीसा, कोबाल्ट) का अध्ययन

20. मामूली स्तन रोग से पीड़ित रोगियों पर पड़ने वाले दीर्घकालिक परिणाम को रिकॉर्ड करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अध्ययन

21. मामूली फेफड़ों के रोगों में पोस्ट रिसेक्शन पल्मोनरी फंक्शन के पूर्वानूमान के लिए 3डी-सीटी वॉल्यूमेट्री और रूटीन स्पिरोमेट्री की तुलना

22. स्तन कैंसर में बोन मेटास्टासिस की पहचान करने हेतु पूरे शरीर की ला बॉडी डोज सीटी स्कैन की नैदानिक प्रयोज्यता - एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन?

23. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड के लिए इंडोसायनिन ग्रीन का मूल्यांकन: टू आर्म ओपन लेबल पेरलल डिजाइन गैर-हीनता याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण

24. डीप इन्फीरियर इपरिास्ट्रीक आर्टरी प्रिफोरेटर फ्लैप एवं मेम्मरी आर्टरी प्रिफोरेटर फ्लैप आधारित शरीर रचना: एक सीटी एंजियोग्राफिक एवं शव परीक्षण संबंधी अध्ययन

25. मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों पर इंट्रा ऑपरेटिव माइक्रोब्रेक का प्रावधान तथा सिम्युलेटेड सेटिंग में न्यूनतम एक्सेस वाले सर्जिकल कार्यों के दौरान सर्जिकल रेजिडेन्टों की

26. लैप्रोस्कोपिक रूप से निदेशित ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लान ब्लॉक से पीड़ित तथा स्टेन्डर प्रेसर न्यूमोपेरिटोनियम से पीड़ित प्रोर्ट साइट इन्फिल्टरेशन बनाम लो प्रेस्र न्यूमोपेरिटोनियम से पीड़ा में आराम होने की तुलना करने हेतु लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी में एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

27. गंभीर एपेंडिसाइटिस में लैप्रोस्कोपिक एपेंडेक्टोमी बनाम नॉन-ऑपरेटिव उपचार। एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

28. एकल सर्जिकल यूनिट में एक दशक के पैराथाइरॉइडेक्टॉमी संबंधी डाटा का सर्जिकल जांच।

29. ओमेन्टेक्टोमी बनाम ओपन सीएपीडी के साथ लैप सीएपीडी सम्मिलन।

30. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात रोगसूचक और पूर्वाप्रीडिक्टिट कारकों के साथ इसके संबंध को मापने के लिए एक अध्ययन।

31. सभी स्वस्थ सवाईकल और लोकोरिजन्ल रिक्यूरन्स के संदर्भ में स्तन कैंसर के रोगियों पर पडने वाले दीर्घकालिक परिणाम (स्तन कैंसर रोगियों के सर्जिकल ऑडिट के 2 दशक)।

32. पिछले दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के गुर्दा प्रत्यारोपण डाटा का सर्जिकल ऑडिट।

33. थोराकोडोर्सल आर्टरी प्रोफोरेट फ्लैप तथा लेटरल इंटरकोस्टल आर्टरी प्रोफोरेट फ्लैप एवं लेटरल इंटरकोस्टल आर्टरी प्रोफोरेट फ्लैप का शरीर रचना संबंधी आधार: सीटी एंजियोग्राफिक तथा शव परीक्षण अध्ययन।

34. जटिल लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी के परिणाम - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

35. सर्जरी के बाद नियो-एडजुवेंट कीमोथेरेपी स्तन कैंसर के दीर्घकालिक परिणामों का पूर्वानुमान लगाने में रेसिडयुल कैंसर के बर्डन की भूमिका: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

36. गुर्दा प्रत्यारोपण से गुजरने वाले रोगियों में उन्नत रिकवरी एडवांस्ड प्रोटोकॉल (ईआरएएस) की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए एक अध्ययन।

37. लेप्रोस्कोपिक और ओपन रिपेयर के बाद चीरा लगावाकर उपचार करवाने से ग्रसित हर्निया वाले रोगियों में एब्डोमिनल वाल की गतिशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी तुलनात्मक अध्ययन।

38. इमरजेंसी मिडलाइन लैपरोटॉमी में पॉली 4 हाइड्रोक्सी ब्यूटायरेट सूटर का उपयोग करके एब्डेमिनल वाल पर टांके लगाने का परिणाम: एक महत्वाकांक्षी अध्ययन।

39. 3डी एचडी तथा 4के एचडी एंडोविजन सिस्टम से 2डी एचडी एंडोविजन सिस्टम पर अर्जित कौशल में अंतरण करने हेतु आकलन : एक एक्स-विवो अध्ययन।

40. 3डी एंडोविज़न सिस्टम का उपयोग करके ग्रोइन हर्निया की लैप्रोस्कोपिक ट्रांसएब्डोमिनल प्री-पेरिटोनियल (टीएपीपी) उपचार हेतु सीखने का पैटर्न।

41. थोरासिस सर्जरी के बाद ऑपरेशन के पश्चात होने वाली जटिलताओं की ग्रेडिंग हेतु क्लैविएन-डिंडोक्लासिफिकेशन (सीडीसी) तथा व्यापक जटिलता सूचकांक (सीसीआई) की तुलना-एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

42. मध्यम और गंभीर तीव्र पित्त अग्नाशयशोथ में शीघ्र बनाम विलंबित लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ईएलसीएपी परीक्षण)

43. सामान्य शल्यचिकित्सों के बीच मस्कुलोस्केलेटल डिसफंक्शन का प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण सरफेस इलेक्ट्रोमोग्राफी का उपयोग करके लेप्रोस्कोपिक सर्जरी के दौरान विशेषज्ञ और नौसिखिए सर्जनों के बीच मांसपेशियों की गतिविधि और थकान की तुलना करना

44. एब्डोमिनल वॉल के चीरों को बंद करने के लिए बाधित डबल 'एक्स' सूचर बनाम सतत नियर फार-फार नियर के शुरुआती परिणामों की तुलना: एक डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

45. पित्ताशय की त्वचा की मोटाई या पित्त पथरी रोग से जुड़े पॉलीप से पीडित रोगियों में रेडिकल सर्जरी द्वारा बचने में प्री-ऑपरेटिव यूएसजी निर्देशित एफएनएसी की उपयोगिता का अध्ययन करना।

46. लेप्रोस्कोपिक इंसिज़नल और वेंट्रल हर्निया का उपचार करा रहे रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर योग थेरेपी का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

47. लेप्रोस्कोपिक तथा नेफरेक्टोमी करवाने के बाद अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिणाम : एक महत्वाकांक्षी तुलनात्मक अध्ययन

48. हाई ग्रेड ब्लंट लिवर ट्रॉमा के परिणाम के पूर्वानुमानकर्ताओं का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन

49. लेप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया का उपचार करा रहे रोगियों में विजुअल एनालॉग स्कोर का उपयोग करके पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द के स्कोर के साथ क्वान्टिटेटिव सेन्सरी टेस्टिंग का उपयोग करके मापा गया प्री-ऑपरेटिव से पूर्व होने वाले दर्द की सीमा के बीच संबंध का अध्ययन करने के लिए - एक केस नियंत्रण अध्ययन

50. सर्फेस ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस से उपचार करवाने के बाद इंसिजनल हर्निया वाले रोगियों में एब्डोमिनल वॉल की सक्रियता आरोग्यता का मूल्यांकन करने के लिए एक अग्रदर्शी अध्ययन

51. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की जटिलताएं को ग्रेड करने के लिए एक अब्जेक्टिव स्कोरिंग सिस्टम विकसित करने के लिए अध्ययन

52. बेरिएट्रिक सर्जरी से पहले और बाद में रुग्ण रूप से मोटे रोगियों में लिवर बायोप्सी के साथ सहसंबंध में नोन-इन्वेसिव परीक्षणों और स्कोरिंग सिस्टम मे लिवर फाइब्रोसिस का आकलन

53. लेप्रोस्कोपिक वेंट्रल हर्निया उपचार में ऑपरेशन के बाद पीडा नियंत्रण के लिए लेप्रोस्कोपिक डिलिवर्ड ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक प्लेसबो नियंत्रित यादृच्छिक अध्ययन

54. वृक्क प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं में 24 घंटे बनाम मानक 7 दिवसीय रोगनिरोधी एंटीबायोटिक आहार के प्रभाव का अध्ययन एक अग्रदर्शी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

55. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने की पूर्वानुमान लगाने वाले कारकों की पहचान

56. बेरिएट्रिक सर्जरी के बाद वजन घटाने की प्रभावित करने वाले मनोसामाजिक कारक - एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन

57. रुग्ण रूप से मोटापे से ग्रस्त जनसमुदाय के बीच बेरिएट्रिक सर्जरी के संबंध में जानकारी, दृष्टिकोण तथा चिंताएं

58. बेरिएट्रिक सर्जरी के दीर्घकालिक परिणाम: एक एकल केंद्र पूर्वव्यापी विश्लेषण

59. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करा रहे रोगियों में पोर्ट साइट लोकल एनेस्थीसिया इन्फिल्ट्रोशन को मानकीकृत करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

60. क्रोनिक वेनस हाइपरटेंशन से पीडित रोगियों में पैर के अल्सर के पूर्ण उपचार करने पेनिसिलिन तथा उपचार के मानक बनाम उपचार मानक के बिना की तुलना करने हेतु यादृच्छिक परीक्षण।

61. फीलोड्स ट्यूमर में 1 सेमी बनाम 2 सेमी रिसेक्शन मार्जिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

62. "मामूली और अनिश्चित थायरॉयड घावों से पीडित रोगियों में एंडोस्कोपिक हेमीथायरॉइडेक्टॉमी के लिए ट्रांस-ओरल वेस्टिबुलर और एक्सिलो -ब्रेस्ट दृष्टिकोण के परिणामों की तुलना- एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।"

63. 2.5 सेमी बनाम 5 सेमी लंबाई वाले डक्ट एक्सिशन करवा रहे इंट्राडक्टल पेपिलोमा से पीडित रोगियों में परिणामों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित अन्वेशणात्मक अध्ययन

64. नैदानिक प्रगति के साथ सहसंबंध में क्रोनिक लिम्ब थेटिनिंग वाले इस्किमिया के मामलों में मानक प्रक्रिया की तुलना में लिम्ब प्राफ्यूजन पूर्वानुमान लगाने में इंडोसायनिन ग्रीन की भूमिका
65. दुर्गम स्तन ट्यूमर को फ़्लोरेसेंस तथा हेमेटोमा का उपयोग करके बताए अनुसार काट कर हटाना
66. मल्टिपल रेनल आर्टरी वाले जीवित गुर्दा दाताओं के परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
67. एक यादृच्छिक परीक्षण- ओमेंटेक्टोमी बनाम ओपन सीएपीडी इंसर्शन वाले लेप्रोस्कोपिक सीएपीडी इंसर्शन में कैथेटर की खराबी की तुलना करना।
68. पित्ताशय की थैली के कैंसर रोगियों के साथ पित्त पथरी रोग (लक्षणहीन और लक्षणसूचक) में मल तथा बाइल माइक्रोबायोम डिस्बिओसिस के संबंध को समझने के लिए एक अध्ययन
69. डीप इनफिरिअर एपिगैस्ट्रिक आर्टरी पर्फोरेटर फ्लैप तथा इन्टनेल ममेरी आर्टरी पर्फोरेटर फ्लैप का शरीर-रचना संबंधी आधार: ए सीटी सी तथा शव संबंधी अध्ययन
70. दूरसंचार: कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान शीघ्र संचालन के लिए एक प्रभावी उपकरण।
71. इलरेश-वेलनेश स्केल: वैश्विक महामारी के दौरान कोविड तथा गैर-कोविड सर्जिकल रोगियों के स्वस्थ होने की स्थिति का आकलन करने के लिए एक नई ग्रेडिंग प्रणाली
72. वेंट्रल हर्निया के मूल्यांकन में शियर वेव इलास्टोग्राफी की भूमिका: अग्रदर्शी इंटरवेंशनल अध्ययन।
73. लेप्रोस्कोपिक सर्जरी करा रहे बुजुर्ग कमजोर रोगियों के बीच ऑपरेशन के पश्चात् संज्ञानात्मक अक्षमता में ओपिओइड-स्पारिंग एनेस्थेसिया की भूमिका, एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
74. ऑपरेशन परिणामों पर एडरेनल मेडला तथा न्यूरल किरिस्ट कोशिकाओं के न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर में ऑपरेशन से पूर्व की तैयारी का प्रभाव- एक महत्वाकांक्षी कोहार्ट अध्ययन
75. लेप्रोस्कोपिक हर्निया का उपचार और लिचेंस्टीन ओपन मेश उपचार के बाद प्राथमिक ग्रोइन हर्निया से पीडित रोगियों में क्वेटिटेटिव सेन्सरी टेस्टिंग का उपयोग करके पीड़ा की सीमा की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक परीक्षण
76. फिस्तुला-इन-एनो से पीडित रोगियों के नैदानिक परिणामों में "क्षारसूत्र" थेरेपी बनाम पारंपरिक सर्जिकल उपचार की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक बहुकेंद्रित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी करा रहे रोगियों में अम्बिलिकल पोर्ट साइट जटिलताओं की घटनाओं को कम करने के लिए सर्जरी से पहले यूनिफॉर्म अम्किलिकल हाइजीन का उपयोग करने की प्रभावकारिता का अध्ययन करने के लिए एक आरसीटी।
2. गैस्ट्रोडोडोडेनल पर्फरेशन से पीडित रोगियों के एटियलजि, क्लिनिकल प्रेजंटेशन एवं परिणामों का अध्ययन करना

3. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में गर्दन संबंधी ट्रामा के पैटर्न तथा इसके परिणामों का विश्लेषण: एक महत्वाकांक्षी अवलोकनात्मक अध्ययन
4. विभिन्न इलेक्ट्रोसर्जिकल उपकरणों के उपयोग से संबंधित लेटरल थर्मल स्प्रेड तथा रिनल्टेंट टिशु डेमेज का बढ़ना।
5. दिल्ली महानगर में साक्षर महिलाओं के बीच स्तन कैंसर जागरूकता और स्तन स्व-परीक्षण के मौजूदा ज्ञान, दृष्टिकोण और प्रथाओं पर आभासी मंच पर प्रशासित वीडियो आधारित हस्तक्षेप की प्रभावशीलता का आकलन : एक अर्ध-प्रायोगिक समुदाय आधारित पारंपरिक अध्ययन
6. प्रारंभिक चरण के स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए नए रक्त-आधारित बायोमार्कर की खोज करने के लिए विभिन्न चरण के कैंसर रोगियों के बीच तुलनात्मक विश्लेषण- एक पायलट अध्ययन
7. मामूली फुफ्फुसीय तथा फुफ्फुस रोगों के लिए थौरैसिक सर्जरी कराने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एक एंबिस्पेक्टिक कोहार्ट अध्ययन
8. स्तन कैंसर में संभावित बायोमार्कर के रूप में गामा सिन्यूक्लिन की भूमिका का पता लगाने के लिए एक अध्ययन
9. न्यूनतम एसेस वाले सर्जनों के बीच कार्यभार और मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का आकलन - एक संभावित अध्ययन
10. लैप्रोस्कोपिक हेलर मायोटॉमी तथा उसके उच्चारण के एंग्ल के बाद एकेलेसिया कार्डिया के परिणाम संबंधी उपायों एवं वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन की सूचना रोगियों को देना
11. इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस निर्देशित बनाम टोटल थायरॉयडेक्टॉमी के बाद पैराथाइरॉइड फ़ंक्शन के पारंपरिक मूल्यांकन के बाद ऑपरेशन पश्चात् और दीर्घकालिक हाइपोकैल्सीमिया की घटना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
12. वेंट्रल हर्निया की लेप्रोस्कोपिक उपचार के दौरान पेनट्रैटिंग का उपचार करने वाना उपकरण बनाम फाइब्रिन सीलेंट से मेश का सुधार: एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
13. स्तन कैंसर का ऑप्टिकल आधरित लक्षण वर्णन
14. लोकली एडवांसड रेक्टल कैंसर के लिए शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी के साथ नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी: एक पायलट अध्ययन
15. थायरॉइड सर्जरी के दौरान पैराथाइरॉइड ग्रंथियों के प्रफ्यूजन की पहचान और मूल्यांकन के लिए इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस इमेजिंग - एक पायलट अध्ययन
16. कार्सिनोमा स्तन कैंसर के रोगियों में सर्वाइवल के साथ 10 और माइक्रो आरएनए 106ए सहसंबंध
17. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में एब्डोमिनल वाले रोगियों में प्रारंभिक मेश लैपरोटॉमी का परिणाम
18. प्राथमिक हाइपरपैराथायरायडिज्म से पीडित रोगियों में नैदानिक तथा जैव रासायनिक परिणामों के साथ इमेजिंग और ऑपरेटिव फाइनडिंगस के सहसंबंध का मूल्यांकन करने के लिए अनुवर्ती अध्ययन।

19. हेपेटोबिलरी रोगों (मामूली और घातक) के लेप्रोस्कोपिक उपचार पर लेप्रोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड का प्रभाव, एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन
20. जीवित संबंधित गुर्दे के प्रत्यारोपण के दौरान प्रारंभिक ग्राफ्ट फ़ंक्शन पर इंट्राऑपरेटिव फल्यूड थेरेपी की विभिन्न दरों की तुलना।
21. मोआपे से ग्रस्त रोगियों में टाइप II डायबटिक मेलिटस के सुधार के लिए ओएजीबी बनाम आरवाईजीबी: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
22. गभीर रूप से मोटापे से ग्रस्त लोगों में एंट्रल प्रिजर्विंग और एंट्रल रिसेक्टिंग लेप्रोस्कोपिक स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी के बाद गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स की तुलना : एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
23. प्रारंभिक स्तन कैंसर के रोगियों के बीच ऑटोलॉगस वसा ग्राफ्टिंग का प्रयोग करके सकल स्तन पुनर्निर्माण के साथ स्किन स्पेयरिंग मास्टेक्टॉमी बनाम सिलिकॉन इम्प्लांट पुनर्निर्माण के साथ स्किन स्पेयरिंग मास्टक्टोमी बनाम ब्रेस्ट कंजर्वेटिव थेरेपी के पश्चात् जीवन की गुणवत्ता, कासमेसिस एवं आन्कोलॉजिकल परिणामों की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
24. आरईसीआईएसटी से पीईआरसीआईएसटी तक: स्तन कार्सिनोमा में पीईटी प्रतिक्रिया मानदंड पर विचार करना
25. संवहनी रोग से पीड़ित रोगियों के उपचार में डॉपलर अध्ययन के साथ नैदानिक जाचों की मान्यता: एक अग्रदर्शी अध्ययन
26. मानक चिकित्सा देखभाल की तुलना में चिरकालिक मधुमेह और परिधीय धमनी रोग अल्सर के उपचार में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा की भूमिका का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
27. स्तन कैंसर में सेंटिनल लिम्फ नोड की पहचान फ्लोरेसेंस और मिथाइलीन ब्लू दोनों द्‌वारा दोहरी विधि से स्तन कैंसर में सेन्टिनल लिम्फ नोड की पहचान करना।
28. सीबीडी स्टोन के साथ सहवर्ती पित्त पथरी के उपचार करने के लिए आरसीटी एकल चरण एलसीबीडीई + एलसी बनाम दो चरण ईआरसीपी और एलसी के बाद जीवन की गुणवत्ता की तुलना करना
29. जनवरी 2010 से एकल सर्जिकल यूनिट के पैराथाइरॉइडेक्टॉमी डेटा का सर्जिकल ऑडिट

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. अन्य कूपिक-पैटर्न वाले थायरॉयड मामूली और घातक घावों से पैपिलरी जैसी परमाणु विशेषताओं के साथ गैर-आक्रामक फोलिकूलर थायराइड नियोप्लाज्म को अलग करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता। (एक्स्ट्रामुरल प्रोजेक्ट, डीबीटी), विकृति विज्ञान, एम्स
2. वेरिकोस वेन से पीडित रोगियों में अक्षम परफोरेटर्स अल्ट्रासाउंड गाइडिउ फोम स्क्लेरोथेरेपी (पोलिडोकैनोल) के साथ रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक एकल केंद्र यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, हृद विकिरण विज्ञान, एम्स।

3. ग्रेट सेफेनस वेन के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा उपचार करा रहे वैरिकाज़ नसों वाले रोगियों के एनाल्जेसिया के लिए फेमोरल नर्व ब्लॉक के साथ संयुक्त ओबट्यूरेटर नर्वस की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन हेतु डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण, हृद विकिरण विज्ञान, एम्स
4. ट्रैस्टुज़ुमैब (टेस्ट, हेटेरो) के इंट्रावेन्यिस की सुरक्षा तथा फार्माकोकाइनेटिक विशेषतओं का मूल्यांकन एवं एचईआर2 पॉजिटिव मेटास्टैटिक स्तन कैंसर (टीआरयूएमएबी अध्ययन) से ग्रस्त रोगियों में मानक किमोथेरेपी के साथ समायोजन में संबंधित चिकित्सीय उत्पाद (रेफरेंस, रॉशे) हेतु एक याद्दच्छिक मल्टी डोज, बहुकेंद्रीय, तुलनात्मक, प्रभावकारिता, समानांतर अध्ययन, विकिरण अर्बुदविज्ञान।
5. शुरूआती स्तन कैंसर में आंशिक स्तन संबधी इरेडिएशन की गति में वृद्धि हेतु इंटरस्टिशियल मल्टीकैथेटर ब्रैकीथेरेपी (आईएमबी) बनाम वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलेटेड आर्क थेरेपी (वीएमएटी) की तुलना करने हेतु एक पायलट अध्ययन: एक अनुकूलन, विषाक्तता और कोस्मेसिक-कम्पेरिजन, विकिरण अर्बुदविज्ञान
6. स्तन कैंसर कोशिकाओं में एमईजी3 प्रेरित जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन पैटर्न का विश्लेषण, विकृतिरोग विज्ञान राष्ट्रीय संस्थान (आईसीएमआर)
7. एमएजीईसी1-एक्सॉन-4 आनुवंशिक परिवर्तन की जांच तथा स्तन कैंसरजनन में इसकी क्रियात्मक भूमिका का अध्ययन, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर)
8. मेटास्टैटिक मूल्यांकन के लिए कोलोरेक्टल कार्सिनोमस के ट्यूमर कोशिकाओं के फैलाव की पहचान हेतु लेबियरनिथ आधारित यांत्रिक तीव्र अलगाव तकनीक का विकास, विकृति विज्ञान विभाग
9. सहमति आणविक उपप्रकारों के अनुसार वर्गीकृत करने हेतु मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमस के आणविक और इम्यूनोहिस्टोकेमिकल अध्ययन एवं इसकी रोग सूचक एवं चिकित्सीय प्रासंगिकता का मूल्यांकन करना, विकृति विज्ञान विभाग
10. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों में प्रतिरक्षा दमन में नियामक टी कोशिकाओं की भूमिका का अध्ययन करने के लिए, ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी और इम्यूनोजेनेटिक्स विभाग
11. लिविंग डोनर रेनल ट्रांसप्लांट प्राप्तकर्ताओं में एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग: प्रासंगिकता एक्यूट ग्राफ्ट डिसफंक्शन, वृक्क विज्ञान
12. बेरियाट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले मोटे व्यक्तियों में मानक आंत माइक्रोबायोटा (जीएम) में परिवर्तन और इंसुलिन संवेदनशीलता के साथ इसके संबंध का एक अग्रदर्शी अध्ययन, जैव रसायन विज्ञान
13. श्रेणी I मोटापे में वजन घटाने हेतु बाईं गैस्ट्रिक धमनी एम्बोलिज़ेशन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए अग्रदर्शी ओपन-लेबल नैदानिक परीक्षण, हृद विकिरण विज्ञान
14. पित्ताशय के कैंसर के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर्स की भूमिका का अध्ययन करना, जैव रसायन विज्ञान

15. मोटापे में टी नियामक कोशिकाओं की भूमिका और टाइप 2 मधुमेह और चिरकालिक गुर्दा रोग (सीकेडी) में मोटापे से होने वाले इन्फलेमेशन के साथ इनका नैदानिक सहसंबंध, वृक्क विज्ञान
16. मोटापे में सह-रुग्णताओं के मोड्यूलेटर के रूप में वेसिरल एडिपोस टिशु (वीएटी) व्युत्पन्न कारकों का अध्ययन, जैव रसायन विज्ञान
17. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता में ईसीएम-एडिपोसाइट काम्यूनिकेशन की भूमिका को स्पष्ट करना, जैव रसायन विज्ञान
18. मोटापे में कार्डियोवैस्कुलर स्वास्थ्य के विसरल एडिपोज टिशु डिराईव मॉड्यूलेटर के रूप में एम्फिरेगुलिन और सीआरआईएसपीएलडी 1 का आकलन, जैव रसायन
19. वसा ऊतक मध्यस्थ इंसुलिन प्रतिरोध, प्लाज्मा झिल्ली एटीपी बाइंडिंग कैसेट ट्रांसपोर्टर ए1 (एबीसीए1) की भागीदारी का अन्वेषण, जैव रसायन विज्ञान
20. स्तन कैंसर के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता के स्कोर एवं ट्यूमर कोशिकाओं के प्रसार पर पैरावेर्टेब्रल एनेस्थीसिया का प्रभाव (एनेस्थीसिया विभाग के साथ), संवेदनाहरण विज्ञान तथा गंभीर उपचार, एम्स, नई दिल्ली
21. एस्ट्रोजन रिसेप्टर पॉजिटिव, एचईआर2-नेगेटिव उन्नत स्तन कैंसर वाले प्रतिभागियों जिनकी बीमारी गंभीर बीमारी के लिए पूर्व अंतःस्रावी आधारित उपचार के बाद बढ़ी है (वेरिटैक-2) में एआरवी-471 (पीएफ-07850327) बनाम फुलवेस्ट्रेंट बहुकेंद्रीय परीक्षण, प्रोटोकॉल नंबर: सी4891001, विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
22. परियोजना का शीर्षक विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग स्टडी मॉडल के रूप में 3डी ब्रेस्ट ट्यूमर ऑर्गेनॉइड का निर्माण, स्टेम सेल सुविधा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
23. आपातकालीन विभाग में आने वाले एक्यूट कालक्यूलस कोलेसिस्टेक्टिस रोगियों के सूचकांक मामलों में फास्ट ट्रैक आपातकालीन लैप कोलेसिस्टेक्टोमी बनाम आपातकालीन लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी - आरसीटी, आपातकालीन चिकित्सा विभाग
24. एमएजीईसी1 - एक्सॉन-4 आनुवंशिक परिवर्तन और स्तन कैंसरजनन में इसकी क्रियात्मक भूमिका की जांच पर अध्ययन, आईसीएमआर राष्ट्रीय संस्थान विकृति विज्ञान
25. स्तन कैंसर कोशिकाओं में एमईजी3 प्रेरित जीनोम-वाइड डीएनए मिथाइलेशन पैटर्न का विश्लेषण, आईसीएमआर राष्ट्रीय संस्थान विकृति विज्ञान
26. स्तन कैंसर से पीडित वंशानुगत स्तन एवं ओवरिएन कैंसर (एचबीओसी) सिंड्रोम वाले परिवारों तथा उनके बीआरसीए1 और बीआरसीए2 "एनईआर जनसमूह में जीन उत्परिवर्तन प्रोफाइलिंग", की पहचान करना, एनसीडीआईआर, आईसीएमआर

पूर्ण

1. मोटापे से प्रेरित वसा ऊतकों की शिथिलता और इंसुलिन प्रतिरोध में बाह्यकोशिकीय मैट्रिक्स रीमॉडलिंग, जैव रसायन
2. मोटापे से संबंधित वसा ऊतकों की शिथिलता में वेस्कुल्र एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ) एवं इसके आइसोफॉर्म का अध्ययन, जैव रसायन

3. बेरिएट्रिक सर्जरी से गुजरने वाले मोटे व्यक्तियों में मानव माइक्रोबायोटा (जीएम) में परिवर्तन और इंसुलिन सेन्सविटि के साथ इसके संबंध का एक अग्रदर्शी अध्ययन, जैव रसायन
4. मोटापे में वैस्कुल्र एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर (वीईजीएफ-ए) और इसके आइसोफोर्म का अध्ययन और इंसुलिन सेन्सविटि के साथ उनका संबंध, जैव रसायन
5. मोटे व्यक्तियों के वसा ऊतक रोग में एक्स्ट्रासेलुलर मैट्रिक्स रीमॉडलिंग, जैव रसायन
6. पोस्टऑपरेटिव पेट के घावों में जीवाणु संबंधी संक्रमण (आईसीएमआर), सूक्ष्म जैव विज्ञान

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं

अनुसंधान परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएं (जारी)	14	21	20
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ (पूर्ण)	1	2	2
कुल निधिकरण (जारी)	4,33,82,075 रुपये	3,13,09,895 रुपये	5,75,00,000 रुपये
कुल निधिकरण (पूर्ण)	22,050 रुपये	45,000 रुपये	15,03,257 रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 55 **सार:** 13 **पुस्तक में अध्याय: 05**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	133	135	73
पत्रिका संबंधी लेख	106	112	55
सार	22	18	13
पुस्तक में अध्याय	5	5	5
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

यह विभाग विभिन्न उप-विशेषज्ञता वाले क्षेत्रों में नियमित सेवाएं प्रदान कर रहा है, जिसमें स्तन कैंसर के रोगियों के लिए बहु-विषयक उपचार, न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी, गुर्दे का प्रत्यारोपण, हेपेटाबाइलरी और अग्नाशय की सर्जरी, अंतिम चरण के गुर्दे की बीमारी के रोगियों में संवहनी पहुंच और कैंसर सर्जरी सहित वैस्कुलर सर्जरी शामिल है यह विभाग नियमित सामान्य शल्य चिकित्सा ओपीडी के अलावा निम्नलिखित विशेष क्लिनिक चलाता है:

- बेरिएट्रिक क्लिनिक
- स्तन कैंसर क्लिनिक
- संयुक्त पल्मोनरी सर्जरी क्लिनिक

- फॉलोअप क्लिनिक
- गुर्दा प्रत्यारोपण क्लिनिक
- संवहनी प्रयोगशाला सहित संवहनी सेवाएं
- नेशनल सेंटर ऑफ एजिंग में ज़राचिकित्सा सर्जरी क्लिनिक

विभाग के संकाय सदस्य स्तन कैंसर, चिरकालिक गुर्दा रोग, गुर्दा प्रत्यारोपण, बेरिएट्रिक सर्जरी जैसी विभिन्न बीमारियों के लिए सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रमों में शामिल रहे हैं। विभाग ने सुरक्षाकर्मियों हेतु स्तन कैंसर जागरूकता एवं सर्वाइवरशिप कार्यक्रम, बेरिएट्रिक सहायता समूह की बैठकें, स्वास्थ्य संवर्धन कार्यशाला (हेल्दी लेग्स पार्ट-II) तथा नो स्केलपेल पुरुष नसबंदी शिविरों का आयोजन किया।

रोगी उपचार (विभाग की गतिविधि के अनुसार अन्य मदें जोड़ी/हटाई जा सकती हैं)

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	1781	19085	93537
विशेष क्लिनिक परामर्श	128	2143	13275
मरीजों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	-	-	-
कुल रोगी भर्ती	2057	4584	7459

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

विभाग ने एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (एएसआई) के दिल्ली राज्य चैप्टर की सर्वश्रेष्ठ मासिक बैठक आयोजित करने के लिए रोलिंग ट्रॉफी जीती। भारत में सबसे कम उम्र के प्राप्तकर्ता के लिए पीडियाट्रिक गुर्दा प्रत्यारोपण और फेफड़े के प्रत्यारोपण सेवाओं की शुरुआत की गई। डॉ. राजशेखर आर.ओ.एम. (जूनियर रेजिडेंट) तथा डॉ. गोपाल पुरी (सीनियर रेजिडेंट) ने एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी ट्रैवलिंग फेलोशिप जीती। जूनियर रेजिडेंट डॉ. मेहुल गुप्ता को एसयूआरजीआईसीओएन 2022 में एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया के दिल्ली स्टेट चैप्टर द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया गया। डॉ. जॉयनर अब्राहम को विदेश में शोध प्रस्तुतियाँ देने के लिए एसईआरबी और सीएसआईआर से अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया। डॉ. जॉयनर अब्राहम और डॉ. सोनाली मित्तल को 2023 के लिए ईएईएस ट्रैवलिंग फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया है।

प्रो. सुनील चुंबर ने 110वें स्थापना दिवस, सर्जरी विभाग केजीएमयू 2022; 2 अप्रैल 2022; को 'सर्जरी इन द इम्पॉसिबल' में पी.सी. दूबे ने भाषण दिया; वे आईजीआईएमएस, पटना, एम्स कल्याणी और एम्स जम्मू में सर्जरी विभाग में संकाय के चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ थे तथा चिकित्सा कर्मियों और शिक्षकों के चयन के लिए विशेषज्ञ थे - केंद्रीय विद्यालय, सादिक नगर, नई दिल्ली।

प्रो. राजिंदर प्रसाद, वंशानुगत स्तन कैंसर पर 25-26 फरवरी 2023 को आयोजित संगोष्ठी हेतु आयोजक अध्यक्ष; 25-26 मार्च 2023 को वक्ष सर्जरी पर संगोष्ठी का आयोजन करने हेतु आयोजन अध्यक्ष; इटली के पाविया विश्वविद्यालय में 12 सितंबर से 7 नवंबर 2022 तक सीआईसीओपीएस छात्रवृत्ति-2020 में फेलोशिप।

प्रो. वी सीनू ने स्तन कैंसर, वैरिकाज़ नसों और सर्जिकल विशिष्टताओं पर डीडी दूरदर्शन राष्ट्रीय चैनल पर विभिन्न लाइव टॉक शो में भाग लिया; 7 से 9 अक्टूबर 2022 तक मणिपुर में आयोजित एएसआईएमएएनआईसीओएन-22 में डॉ. एच. लाल मोहन सिंह मेमोरियल व्याख्यान दिया; 13 नवंबर, 2022 को दिल्ली में एएसआई के दिल्ली चैप्टर में डॉ. एस.के. सेन मेमोरियल ओरेशन दिया।

प्रो. संदीप अग्रवाल को जर्नल ऑफ बेरिएट्रिक सर्जरी, ओबेसिटी एंड मेटाबोलिक सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया की आधिकारिक पत्रिका का सह-संपादक और जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी (जेएमएएस) का संपादक नियुक्त किया गया ।

प्रो. अनीता धर ने 25 फरवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली के सर्जिकल अनुशासन विभाग में वंशानुगत स्तन कैंसर पर संगोष्ठी की अध्यक्षता की; 18 फरवरी 2023 को वैस्कुलर सत्र के लिए गुरुकुल स्क्रब्स 2023 (सर्जिकल क्लीनिक और रेजिडेंट्स अपडेट बियॉन्ड स्केलपेल) पर संकाय विशेषज्ञ और मॉडरेटर; संकाय एएसआई - टीवाईएसए जोन-6, 20 सितंबर 2022 (वर्चुअल)।

प्रो. वीके बंसल शीर्ष तकनीकी समिति - किडनी ऑफ नेशनल आर्गन एण्ड टिशु ओरगनाइजेशन 2020-2023 के सदस्य; मानक उपचार कार्यगति और राष्ट्रीय स्वास्थ्य सर्जरी समूह के लिए सह-अध्यक्ष; प्राधिकारी, आईसीएमआर नई दिल्ली 2019 में आयुष्मान भारत और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय का आयुष्मान भारत; सदस्य, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की मिनिमल एक्सैस सर्जरी के अनुशासन में विशेषज्ञ बोर्ड, 2021-2026; सदस्य, संस्थान निकाय एवं शासी निकाय, एम्स, ऋषिकेश, मई 2020 से मई 2025 तक; अध्यक्ष, स्थायी चयन समिति, एम्स ऋषिकेश, मई 2020 से मई 2025 तक; सदस्य, स्थायी शैक्षणिक समिति, एम्स, ऋषिकेश और जिपमर, पुडुचेरी; सदस्य स्थायी वित्त समिति, एम्स, ऋषिकेश मई 2020 से मई 2025 तक; सदस्य, अस्पताल मामलों की समिति, जिपमर, पुडुचेरी मई 2019 से मई 2024 तक; सदस्य, संस्थान निकाय, जिपमर, पुडुचेरी मई 2019 से मई 2024 तक।

प्रो. हेमंगा के. भट्टाचार्जी को ऑस्ट्रिया के विएना मेडिकल यूनिवर्सिटी के थोरैसिक सर्जरी विभाग में वरिष्ठ भारतीय जैव-चिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए आईसीएमआर-डीएचआर अंतर्राष्ट्रीय फैलोशिप 2022-23 प्राप्त हुई; 20 जून 2022 को एनएसवी स्टरलाइज़ेशन के लिए पैनल में शामिल होने का प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ; हमारे विभाग में मल असंयम के लिए सेकरल नर्व न्यूरोमॉड्यूलेशन थेरेपी और मलाशय के कैंसर के लिए ट्रांसनल टोटल मेसोरेक्टल एक्सिशन (टीएटीएमई) शुरू की गई; चिकित्सा पेशेवरों, इंजीनियरों और तकनीशियनों हेतु चिकित्सा उपकरणों का विकास, सत्यापन और कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से संबद्ध राष्ट्रीय केंद्र की स्थापना के नोडल अधिकारी ।

डॉ. पीयूष रंजन, डीएनबी परीक्षा- सर्जरी - दिसंबर 2022 के परीक्षक हैं; वार्षिक दिवस एवं सीएमई सितंबर 2022 के आयोजक सचिव; स्तन जागरूकता - विश्व कैंसर दिवस और अक्टूबर 2022; लिम्पेडेमा संगोष्ठी का आयोजन - 25 जनवरी 2023; एनसीआर में विभिन्न स्थानों पर रोटरी क्लब के साथ कैंसर जांच शिविर; जनसाधारण एवं चिकित्सा अधिकारियों के लिए प्रथम उत्तरदाता प्रशिक्षण; एशियन सोसाइटी ऑफ मास्टोलॉजी में मुख्यालय सचिव नियुक्त किया गया; सीबीएसई में स्कूलों को ऑनलाइन फिर से खोलने हेतु स्कूलों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए विशेषज्ञ समिति के

सदस्य; दिल्ली मेडिकल काउंसिल, नई दिल्ली में चिकित्सा अधिकारी; नई दिल्ली में डीजीएचएस में ड्राउनिंग विशेषज्ञ समूह की बैठक; लेह- लद्दाख में चिकित्सा शिविर; जापान में जेआईसीए और ओसाका विश्वविद्यालय में ऑन-साइट प्रशिक्षण कार्यशाला; भोपाल में एनएमसी निरीक्षण; रायपुर में एनएमसी निरीक्षण; नई दिल्ली में सर्जिकॉन 2023 में पोस्टर प्रस्तुति को जज करना; नई दिल्ली में थोरैसिक संगोष्ठी 2023 में पेपर प्रस्तुति को जज करना; जयपुर में एएसओएमएसीओएन 2020 में प्रतियोगी पत्रों का मूल्यांकन करना।

डॉ. मंजूनाथ मारुति पोल ने दक्षिण ऑस्ट्रेलिया सरकार के रॉयल ऑस्ट्रेलियन अस्पताल की यात्रा करने और किडनी-अग्न्याशय प्रत्यारोपण शल्यचिकित्सा में प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु आईसीएमआर-डीएचआर इंटरनेशनल फ़ेलोशिप 2022 पुरस्कार प्राप्त किया।

डॉ. मोहित जोशी ने 4 सितंबर, 2022 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में शिक्षक दिवस पर दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा 'विशिष्ट चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार' प्राप्त किया; उन्हें पुरुष और महिला नसबंदी सेवाओं के लिए 'राज्य गुणवत्ता आश्वासन समिति' के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; गैर-स्केलपेल पुरुष नसबंदी के लिए 'राज्य स्तरीय प्रशिक्षक' के रूप में मान्यता दी गई; 4 जुलाई, 2022 को डिजिटल इंडिया सप्ताह के अवसर पर 'वेट लैब गतिविधियों' पर प्रकाश डालने के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया; थोरेसिक सर्जरी-2023 पर संगोष्ठी के आयोजन सचिव थे; एम्स और संबंधित संस्थानों- चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन फरवरी 2022 के लिए चिकित्सा विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण हेतु जापान जाने के लिए प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में चुना गया; सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में ई-लर्निंग के लिए उपसमिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए; अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्रों के शिक्षण, प्रशिक्षण और मूल्यांकन में सुधार का सुझाव देने के लिए समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किए गए; आदेश विश्वविद्यालय, भटिंडा और दिल्ली विश्वविद्यालय के लिए शोधपत्र का मूल्यांकन किया गया।

डॉ. कमल कटारिया स्तन घावों की कोर बायोप्सी पर कार्यशाला के आयोजन सचिव थे (25 मार्च, 2023); पुराने घाव के प्रबंधन पर सीएमई के आयोजन सचिव अर्थात् "पुराने घाव के उपचार में पुनर्विचार" (10 दिसंबर, 2022) एवं सीएमसी वेल्लोर में आईएईएससीओएन 2022 में "इंट्राऑपरेटिव तंत्रिका निगरानी के नियमित उपयोग" पर बहस के लिए मॉडरेटर (15 -17 सितंबर, 2022)।

डॉ. सुहानी: आनुवंशिकी कैंसर कार्यशाला और वंशानुगत स्तन कैंसर पर संगोष्ठी आयोजन सचिव 24-26 फरवरी, 2023; अक्टूबर 2022 में ईएचएस लाभार्थी और स्तन कैंसर सर्वाइवरशिप कार्यक्रम के लिए स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया; अक्टूबर 2022 में स्तन कैंसर के प्रति जन जागरूकता के हिस्से के रूप में एम्स के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से अक्टूबर 2022 में एक लाइव ट्विटर स्पेस का आयोजन किया; राष्ट्रीय रोगी सुरक्षा कार्यान्वयन ढांचे (एमओएचएफडब्ल्यू) के तहत सर्जिकल सुरक्षा विकसित करने के लिए मुख्य सदस्य; सेट सुविधा में कौशल प्रयोगशाला की कोर समिति की सदस्य।

डॉ. यशवंत राठौड़ 27 मई, 2022 को एमआईएससीओएन कोच्चि में टीईपी रिपेयर में तकनीक और फिक्सेशन के निर्धारण में पैनल सदस्य; 25 फरवरी, 2023 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित

वंशानुगत स्तन कैंसर सम्मेलन के प्रतियोगी पेपर मूल्यांकन में जज (निर्णायक); 23 मार्च, 2023 को एम्स, नई दिल्ली में थोरेसिक सर्जरी पर चेयरपर्सन संगोष्ठी के अध्यक्ष; 10 दिसंबर, 2022 को विभाग में चिरकालिक घावों के उपचार पर सीएमई का आयोजन किया।

डॉ. अंकिता सिंह एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स (एसीसीसी) 44वां प्रोवाइडर कोर्स, सह-आयोजित, सर्जरी रजिडेंट हेतु सर्जरी ब्लॉक, एम्स, दिल्ली में 14वां इंस्ट्रक्टर कोर्स (30-31 जनवरी, 2023); अध्यक्ष - ई-पोस्टर प्रस्तुति, वंशानुगत स्तन कैंसर पर संगोष्ठी (25 फरवरी, 2023)।

डॉ. देवेन्द्र सिंह ने एसीसीसी पाठ्यक्रम (स्नातकोत्तर रेजिडेंटों के लिए एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स) का आयोजन किया।

डॉ. नेल्सन टी. एम्स, एनडी में आयोजित वंशानुगत स्तन कैंसर सम्मेलन में ई-पोस्टर सत्र के निर्णायक; आईसीएमआर/एनआईईई द्वारा आयोजित प्रॉक्टर्ड परीक्षा में 82% स्कोर के साथ जैवचिकित्सा अनुसंधान में बेसिक कोर्स पूरा किया; ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज, चेन्नई में चिकित्सा शिक्षा प्रौद्योगिकियों पर बेसिक कोर्स कार्यशाला आयोजित की।

डॉ. **वाशिम फ़िरोज़ खान** प्रख्यात जापानी प्रोफेसर ताइची इनो और डॉ मोहसिन कुकर, बफ़ेलो, एनवाई द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया।

अतिथि वैज्ञानिक

1. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और शल्यचिकित्सीय प्रशिक्षण के क्षेत्र में भविष्य के सहयोग के लिए निकोलस पाडोय, कंप्यूटर विज्ञान के प्रोफेसर स्ट्रासबर्ग विश्वविद्यालय, आईएचयू स्ट्रासबर्ग के वैज्ञानिक निदेशक, सीएस और एआई अनुसंधान के निदेशक द्वारा अतिथि व्याख्यान (1 फरवरी, 2023)
2. 22 फरवरी, 2022 को डॉ. मोहसिन कुकर, बफ़ेलो, एनवाई द्वारा अतिथि व्याख्यान। विषय: गैस्ट्रो-एसोफेजियल जंक्शन कैंसर का समकालीन प्रबंधन: वर्तमान और भविष्य
3. 21 फरवरी, 2023 को "आयुवृद्ध समाज, सामाजिक व्यवस्था और बुजुर्गों की देखभाल: जापान के अनुभव से निहितार्थ" विषय पर टोक्यो, जापान से प्रोफेसर ताइची ओनो द्वारा अतिथि व्याख्यान

9.40 आधान चिकित्सा

चिकित्सा अधीक्षक एवं अध्यक्ष

डी.के. शर्मा

सह-आचार्य

हेम चंद्र पांडेय   गोपाल पाटीदार   राहुल चौरसिया

सहायक आचार्य

भारत सिंह

समूह-क अधिकारी

पूनम कौशिक

विशिष्टताएं

विभाग, रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाले एवं सुरक्षित रक्त घटकों को प्रदान करने के लिए समर्पित है। साथ ही उसने "जरूरतमंद रोगी को सही समय पर सही रक्त" उपलब्ध कराना प्राथमिकता बना लिया है। महामारी की चुनौतियों के बावजूद, विभाग ने सुनिश्चित किया कि उसकी सेवाएं निर्बाध रहें तथा रक्त उत्पादों की पर्याप्त सूची को भी बनाए रखा जाए। वर्ष 2022-2023 के दौरान, विभाग ने 54,000 से अधिक रक्त इकाइयाँ एकत्र कीं और लगभग 100 रक्तदान शिविर आयोजित किए। अगस्त 2022 में, एक सप्ताह तक चलने वाला "रक्तदान अमृत महोत्सव" आयोजित किया गया था और अभियान के दौरान 2400 से अधिक इकाइयाँ एकत्र की गईं। (चित्र संलग्न)

विभाग की प्रतिबद्धता अपने संचालन में रक्त सुरक्षा और गुणवत्ता पर बल देना है। सभी इकाइयों का परीक्षण पूरी तरह से स्वचालित केमिलुमिनेसेंस एनालाइज़र और एन.ए.टी. का उपयोग करके किया गया। इंटरफ़ेस वाले स्वचालित उपकरण और रक्त बैंक प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करके रोगी उपचार गतिविधियों को रोगी का नमूना प्राप्त करने से लेकर रक्त घटक देने तक, पूरी तरह से स्वचालित कर दिया गया है। इन प्रयासों के अलावा, विभाग ने चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, पीबीएससी संग्रह और ग्रैनुलोसाइट संग्रह की शुरुआत हेतु सुविधाओं का विस्तार करके अपनी रोगी उपचार गतिविधियों को बढ़ाया है। विभाग यह सुनिश्चित करने के लिए विस्तारित फेनोटाइप्ड लाल कोशिकाओं की आंशिक सूची भी बनाए रखता है कि एलोएंटीबॉडी वाले रोगियों को भी समय पर रक्त मिलना सुनिश्चित हो सके।

इसके अलावा, विभाग हेमेटो-ऑन्कोलॉजिकल रोगियों, गुर्दे के प्रत्यारोपण के रोगियों और यकृत प्रत्यारोपण के रोगियों को भी सहायता प्रदान करता है। रोगी उपचार सेवाओं और रक्त घटकों के गुणवत्ता नियंत्रण को बढ़ाने के लिए एक फ्लो साइटोमेट्री मशीन भी खरीदी गई थी। प्रयोगशाला सेवाओं ने यह सुनिश्चित किया है कि सभी रोगियों को एंटीबॉडी जांच और पूर्ण क्रॉस मैच के बाद रक्त प्राप्त हो। विभाग द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ प्राथमिकता पर रही हैं, जिसमें विभागीय संकाय-सदस्य

विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। विभाग द्वारा नियमित शिक्षण गतिविधियाँ और एक एमडी कार्यक्रम भी आयोजित किया जाता है।

चित्र 1 : राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस (1 अक्तूबर, 2022) के अवसर पर रक्तदान अमृत महोत्सव समारोह

चित्र 2 : "हर घर तिरंगा, हर घर रक्तदान : आजादी का अमृत महोत्सव" के अवसर पर साइक्लोथॉन।

शिक्षा

1. एम्स नर्सिंग छात्रों के लिए नियमित ओरिएंटेशन और प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. एमडी आधान चिकित्सा : वर्तमान में सात छात्र इसके अंतर्गत शिक्षारत हैं।
3. विकृति विज्ञान विभाग, प्रयोगशाला चिकित्सा एवं रूधिर विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों का शिक्षण उनकी तैनाती के दौरान किया जा रहा है।

सीएमई, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में प्रदत्त व्याख्यान

प्रदत्त व्याख्यान :

हेम चंद्र पांडेय: 11 **गोपाल कुमार पाटीदार**: **11** **राहुल चौरसिया**: **4**

पिछले तीन वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

	2020-2021	2021-2022	2022-2023
हेम चंद्र पांडेय	3	7	11
गोपाल कुमार पाटीदार	3	9	11
राहुल चौरसिया	0	0	4

प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची : 4

पिछले तीन वर्षों में प्रस्तुत किए गए मौखिक पत्रों/पोस्टरों की कुल संख्या

प्रस्तुतीकरण	2020-2021	2021-2022	2022-2023
मौखिक पत्र/पोस्टर	8	4	4

अनुसंधान

जारी

1. सामान्यीकृत अवसाद संबंधी विकार में परिधीय इंफ्लेमटरी साइटोकिन्स: एक केस-नियंत्रित अध्ययन, हेम चंद्र पांडेय, एम्स (सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल), 2, 2021-23, 10 लाख रुपये
2. कॉर्ड ब्लड में सीरोलॉजिकल परीक्षणों का उपयोग करते हुए डी स्थिति का निर्धारण करने की तुलना में प्रसव काल के दौरान भ्रूण की आरएच डी स्थिति के निर्धारण के लिए मां के प्लाज्मा से पृथक सेल मुक्त भ्रूण डीएनए का उपयोग करने की नैदानिक सटीकता, हेम चंद्र पांडे, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
3. गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेटेड रक्त ट्रांसफ़्यूज़न के प्रभावों के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, राहुल चौरसिया, एम्स, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये

पूर्ण

1. स्वस्थ रक्त दाताओं में सार्स-कोव-2 एंटीबॉडी के महामारी विज्ञान और ट्रांसफ्यूजन की सुरक्षा में इसकी जटिलता, राहुल चौरसिया, एम्स, 1 वर्ष, 2020-22, 10 लाख रुपये।
2. मेनिन्जियोमा वाले रोगियों में ट्रांसफ़्यूज़न संबंधित इम्यूनो-मॉड्यूलेशन के मूल्यांकन के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, गोपाल कुमार पाटीदार, एम्स (आंतरिक), 3 साल, 2019-2022, 10 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्लेटलेटफेरेसिस दाताओं में प्रतिकूल साइट्रेट प्रतिक्रिया की रोकथाम के लिए मौखिक कैल्शियम अनुपूरण की समय-सारणी और प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

2. उत्तर भारत के तृतीयक उपचार शैक्षणिक संस्थान में रक्त दाताओं के बीच चिंता संबंधी घटनाओं के लिए वस्तुओं का आकलन करने और उनके चेहरे और कंटेट की वैधता स्थापित करने के लिए एक पायलट अध्ययन।

3. स्कोलियोसिस सर्जरी वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव रक्त प्रबंधन के लिए एक्यूट नॉर्मोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (ए.एन.एच.) की तुलनात्मक प्रभावशीलता निर्धारित करने हेतु यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

4. एंजाइम परिवर्तित लाल रक्त कोशिकाओं के साथ बॉम्बे एच. सीरम की प्रतिरक्षा संबंधी अनुकूलता की जांच।

5. रक्त का बल्क ट्रांसफर: रक्त केंद्र में इन्वेंट्री प्रबंधन की व्यवस्था करना।

6. रक्तदान से पूर्व हीमोग्लोबिन मूल्य और अंतर-दान अंतराल के संबंध में दाता के चयन संबंधी मानदंड की उपयुक्तता का आकलन।

7. लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में बाल चिकित्सा आघात रोगियों में आधान संबंधी कार्यों की अग्रदर्शी समीक्षा।

8. हृदय की शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्लेटलेट सांद्रण का आधान: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण

9. सुधारात्मक जन्मजात सियानोटिक हृदय सर्जरी में रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिए एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

10. प्रतिकूल आधान प्रतिक्रियाओं की घटना और इन प्रतिक्रियाओं से जुड़े कारकों का विश्लेषण करना: भारत के तृतीयक उपचार अस्पताल से चार साल का अनुभव।

पूर्ण

1. प्लेटलेट अपवर्तन की व्यापकता और कई प्लेटलेट ट्रांसफ़्यूज़न प्राप्त करने वाले रोगियों में इसके कारण का आकलन करने के लिए अग्रदर्शी अवलोकनात्मक अध्ययन।

2. 28 दिन तक की आयु के नवजात रोगियों में वर्तमान ट्रांसफ्यूजन संबंधी प्रक्रियाओं का विश्लेषण।

3. भारतीय परिवेश में संपूर्ण रक्तदान के बाद रक्त दाताओं में देरी से प्रतिकूल घटनाओं के घटित होने की घटना।

4. परिवेश के तापमान पर रात भर संग्रहित किए गए प्लेटलेट सांद्रण के लिए गुणवत्ता संबंधी मापदंडों का विश्लेषण।

5. हृदय की शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों के परिणाम पर संपूर्ण रक्तदाता संबंधी मापदंडों (आयु, लिंग और बी.एम.आई.) का प्रभाव।

6. भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर बहु-केंद्र क्रॉस-सेक्शनल प्रश्नावली सर्वेक्षण।

7. भारत के राष्ट्रीय रक्तदाता सतर्कता कार्यक्रम के माध्यम से दाता की प्रतिकूल प्रतिक्रिया की गंभीरता के ग्रेडिंग उपकरण का सत्यापन।

8. रक्त और सी.सी.पी. की मांग को कैसे पूरा करें (मॉडलिंग/कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके आपूर्ति की मांग को पूरा करने सहित)।
9. पुनः स्वस्थ प्लाज्मा प्राप्त करने के संबंध में अस्पताल में पहले से भर्ती रोगियों एवं बाहरी मरीजों को कैसे व्यवस्थित किया जाए।
10. आधान-संचरित संक्रामक रोगों के लिए विभिन्न स्क्रीनिंग तकनीकों की तुलना करना।
11. भारत में रक्तदान के लिए के.ए.पी. अध्ययन का समालोचनात्मक मूल्यांकन।
12. शहरी लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में बड़े पैमाने पर रक्तस्राव प्रोटोकॉल का एक वर्ष का अनुभव।
13. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में आधान संबंधी कार्यों की पूर्वव्यापी समीक्षा।
14. हेपेटाइटिस-बी और हेपेटाइटिस-सी हेतु रक्तदाता की जांच के दौरान केमिलुमिनसेंस (सी.एल.आई.ए.) और न्यूक्लिक एसिड परीक्षण (एन.ए.टी.) द्वारा परीक्षण किए गए प्रारंभिक प्रतिक्रियाशील असंगत परिणामों का विवरण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एकध्रुवीय और द्विध्रुवी अवसाद से पीड़ित रोगियों के उपचार में पूर्ववर्ती सिंगुलेट कॉर्टेक्स, हिप्पोकैम्पस और एमिग्डाला में चयापचय असामान्यताओं का एच 1-एमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी आधारित मूल्यांकन और परिधीय ग्लूटामिन के साथ इसका संबंध, मनोचिकित्सा विभाग
2. रुमेटॉयड गठिया के रोगियों की मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टी.एल.आर. प्रतिपक्षी की एंटी-इंफ्लेमेटरी गतिविधि का अध्ययन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
3. स्वस्थ पी.बी.एम.सी. में इंटरल्यूकिन-1 बीटा प्रतिक्रिया पर पायराज़ोल आधारित छोटे अणु का प्रभाव, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
4. ल्यूपस परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं में टोल-जैसे रिसेप्टर सिग्नलिंग अवरोधकों की इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गतिविधियों का मूल्यांकन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग
5. एलोइम्यूनाइज्ड गर्भवती महिलाओं की प्रसवपूर्व निगरानी में मातृ प्लाज्मा से कोशिका-मुक्त भ्रूण डीएनए का उपयोग करके पैतृक आर.एच.डी.जाइगोसिटी और गैर-आक्रामक भ्रूण आर.एच.डी. जीनोटाइपिंग के निर्धारण के संभावित प्रभाव का मूल्यांकन: लागत-लाभ संबंधी विश्लेषण पर एक पायलट अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग
6. भारतीय आबादी में नई लाल रक्त कोशिका और रेटिकुलोसाइट मापदंडों हेतु स्वस्थ व्यक्तियों के लिए संदर्भ सीमाओं का निर्धारण, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग
7. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन चक्र से गुजरने वाली पतले एंडोमेट्रियम वाली महिलाओं में प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा का सब-एंडोमेट्रियल इन्सटिलेशन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान विभाग

पिछले तीन वर्षों में अनुसंधान संबंधी परियोजनाएं

अनुसंधान संबंधी परियोजनाएं	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएं	4	4	3
कुल वित्तपोषण	40 लाख	40 लाख	30 लाख

प्रकाशन

पत्रिकाएं : 12 सार: 04

पिछले 03 वर्षों में प्रकाशन

मदें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल	**25**	**16**	**16**
पत्रिका संबंधित लेख	14	15	12
सार	10	0	4
पुस्तकों में अध्याय	1	1	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

(क) विभाग में निम्नलिखित सुविधाएं (विशेष क्लीनिक तथा/अथवा विशेष प्रयोगशाला संबंधी सुविधाओं सहित) उपलब्ध हैं :-

- ऑटोलॉगस रक्तदान
- स्वैच्छिक रक्तदान शिविर की सुविधा
- एफेरेसिस प्रक्रियाएं (प्लेटलेटफेरेसिस, ग्रैनुलोसाइटाफेरेसिस, चिकित्सीय प्लाज्मा एक्सचेंज, पीबीएससी संग्रह)
- स्वचालित रक्त समूहन और सीरोलॉजी
- स्वचालित संक्रामक मार्करों का परीक्षण
- आई.डी.-एन.ए.टी. परीक्षण
- 100% रक्त घटक तैयार करना
- एंटीबॉडी स्क्रीनिंग तथा पहचान
- एंटीबॉडी टिटर्स (ए.बी.ओ. और सभी एलोएंटीबॉडी)
- आर.एच. (डी.सी.सी.ई.ई) और लाल कोशिकाओं की के. फेनोटाइप्स सूची
- ल्यूकोडेप्लेटेड रक्त/घटक
- इरेडिएशन सुविधा

(ख) रक्त संग्रह

1.	कुल एकत्रित रक्त इकाइयाँ • स्वैच्छिक दानकर्ता • रिप्लेसमेंट डॉनर्स • एफेरेसिस घटक	54093 12562 41531 2617
2.	आयोजित किए गए स्वैच्छिक रक्तदान शिविर	100
3.	चिकित्सीय संबंधी प्लाज्मा का आदान-प्रदान	344
4.	परिधीय रक्त स्टेम सेल संग्रह	44
5.	ग्रैनुलोसाइट संग्रह	14

(ग) रक्त घटक तैयार करना

1.	पैक्ड लाल रक्त कोशिकाएं	52673
2.	हॉल ब्लड ड्राइव प्लेटलेट कॉन्संट्रेट	46027
3.	ताजा जमा हुआ प्लाज्मा	28823
4.	ताजा प्लाज्मा	22569
5.	क्रायोप्रेसिपिटेट	506
6.	कम्पॉनेंट क्वालिटी कंट्रोल	432

(घ) रक्त घटकों का वितरण एवं नियमित और आपातकालीन प्रयोगशाला गतिविधियाँ

1.	रक्त समूहन (रोगी + रक्तदाता)	120391
2.	एंटीबॉडी स्क्रीनिंग (रोगी + रक्तदाता)	112608
3.	लाल कोशिकाओं का विस्तारित फेनोटाइप (रक्तदाता)	4946
4.	कुल प्राप्त रोगी अनुरोध	65104
5.	क्रॉस मैच (नियमित + आपातकालीन)	57779
6.	जारी किया गया कुल रक्त (पीआरबीसी + एलडी-पीआरबीसी)	47716
7.	अन्य रक्त केंद्रों/अस्पतालों को पीआरबीसी जारी किया गया	1934
8.	रक्तदाता का कमजोर आर (डी) परीक्षण	3178
9.	फ्रैक्शनेटरों को सरप्लस प्लाज्मा जारी किया गया	31351

(ड.) इम्यूनोहेमेटोलॉजी प्रयोगशाला

1.	अप्रत्यक्ष कॉम्बस परीक्षण	2268
2.	प्रत्यक्ष कॉम्बस परीक्षण	3999
3.	एंटीबॉडी टाइट्रे (ए.बी.ओ. + एलोएंटीबॉडी)	1050
4.	लघु रक्त समूह के लिए फेनोटाइप	2255
5.	क्रॉसमैच इनकम्पेटिबिलिटी का समाधान	1057
6.	रक्त समूह विसंगति का समाधान	79
7.	एंटीबॉडी की पहचान (रोगी + दाता)	1661
8.	ट्रांसफ्यूजन रिएक्शन का वर्क-अप	51
9.	अभिकर्मकों का गुणवत्ता नियंत्रण	19
10	ई.क्यू.ए.एस.	4

(च) संक्रामक रोग स्क्रीनिंग प्रयोगशाला

(i) रक्त आधान से फैलने वाले संक्रामक रोगों की जांच = 270465

संक्रामक रोग मार्कर	परीक्षणों की संख्या
एचआईवी 1 और 2	54093
एचबीवी	54093
एचसीवी	54093
सिफलिस	54093
मलेरिया	54093

(ii) एकत्रित इकाइयों की एन.ए.टी. स्क्रीनिंग = 82814

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. गोपाल कुमार पाटीदार को आईएसबीटी हेमोविजिलेंस वर्किंग पार्टी के सचिव के रूप में चुना गया; आईएसबीटी विकिपीडिया वर्किंग पार्टी के सह-अध्यक्ष के रूप में चुने गए; वह आईएसबीटी हीमोग्लोबिनोपैथी वर्किंग पार्टी के सचिव के रूप में भी चुने गए; वे डोनर रिएक्शन की रिपोर्टों की समीक्षा और विश्लेषण के सदस्य है, जिन्होंने नेशनल ब्लड डोनर हेमोविजिलेंस प्रोग्राम, इंडिया के तहत एक डोनर-विजिल सॉफ्टवेयर प्रस्तुत किया तथा उन्हें राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, नई दिल्ली में रक्त दाता प्रेरक कार्यक्रम के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

हेम चंद्र पांडेय चार पीएचडी छात्रों के लिए डॉक्टरेट समिति के सदस्य हैं।

9.41 प्रतिरोपण प्रतिरक्षाविज्ञान एवं प्रतिरक्षा आनुवंशिकी

आचार्य एवं अध्यक्ष

डी के मित्रा

सह-आचार्य

उमा कांगा | राकेश कुमार दीपक

वैज्ञानिक II

सुनील कुमार | लता कुमारी

वैज्ञानिक I

संजीव गोस्वामी | प्रबीन कुमार

विशिष्टताएं

रोगी-उपचार में सुधार हेतु कृत गतिविधियाँ/उठाए गए कदम: विभाग ने फ्लोसाइटोमेट्री आधारित इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके प्राथमिक प्रतिरक्षा कमियों के लिए प्रसव पूर्व निदान की शुरुआत की। प्राथमिक इम्यूनोडेफिशिएन्सी (पीआईडी) प्रतिरक्षा प्रणाली की विरासत में मिली बीमारियों का एक विषम समूह है। फ्लोसाइटोमेट्री का उपयोग करके हम विशिष्ट कोशिका पॉपुलेशंस और सब-पॉपुलेशंस, कोशिका सतह, इंट्रासेल्युलर और इंट्रान्यूक्लियर प्रोटीन, विशिष्ट प्रतिरक्षा दोषों से जुड़े जैविक प्रभावों और कुछ कार्यात्मक प्रतिरक्षा विशेषताओं का तेजी से मूल्यांकन कर सकते हैं। यदि गर्भावस्था की पहली तिमाही में प्राथमिक इम्यूनोडेफिशियेंसी पाई जाती है तो इसकी सहायता से प्रारंभिक निदान और बाद में परामर्श संभव हो सकेगा।

भविष्य की कार्य योजना: एम्स में एचएससीटी प्राप्तकर्ताओं और दाताओं के लिए नेक्स्ट जनरेशन सीक्वेंसिंग (एनजीएस) आधारित एचएलए टाइपिंग शुरू करना।

शिक्षा

वर्ष 2022-2023 के दौरान, हमारे विभाग ने भारत और विदेशों के विभिन्न अस्पतालों और संस्थानों से 15 विद्यार्थियों/डॉक्टरों को प्रशिक्षित किया। इन उम्मीदवारों ने प्रतिरक्षा की कमी के लिए प्रत्यारोपण इम्यूनोलॉजी, इम्यूनोजेनेटिक्स-एचएलए परीक्षण, पोस्ट-ट्रांसप्लांट मॉनिटरिंग और अन्य इम्यूनोलॉजिकल जांच में प्रयोगशाला तकनीक संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त किया।

पिछले 3 वर्षों में अल्पकालिक प्रशिक्षण-एम्स (1-2 सप्ताह):

विभाग ने निम्नलिखित रेजिडेंट्स/विद्यार्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण प्रदान किया:

विभाग / विशिष्टता	**2022-23**	**2021-22**	**2020-2021**
जूनियर रेजिडेंट्स रूधिर-विकृति विज्ञान	02	04	00
विकृति विज्ञान	00	00	05
प्रयोगशाला चिकित्सा	03	03	03
रूधिर विज्ञान	02	03	06
जैव रसायन	02	01	03
आधान चिकित्सा	03	04	03
वृक्कविज्ञान (वरिष्ठ रेजिडेंट्स-प्रतिरोपण)	00	00	01
बाल चिकित्सा वृक्कविज्ञान	00	01	00
बाल चिकित्सा	00	01	00
कनिष्ठ रेजिडेंट्स (शैक्षिक)	01	04	00
कनिष्ठ रेजिडेंट्स प्रयोगशाला चिकित्सा	02	02	00
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	00	00	03

क्रमिक आयुर्विज्ञान शिक्षा (सीएमई)

वर्ष के दौरान, विभाग के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और कई व्याख्यान दिए। हमारा विभाग विद्यार्थियों और आने वाले प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से विभिन्न कोशिका संवर्धन क्रियाओं पर प्रशिक्षण प्रदान करता है, जिसमें फ्लोसाइटोमेट्री-आधारित जांच भी शामिल है। हमारा विभाग भारत में अन्य एचएलए प्रयोगशालाओं द्वारा परीक्षण की गुणवत्ता के आकलन के लिए एचएलए जीन के डीएनए-आधारित टाइपिंग के लिए एक राष्ट्रीय स्तर के गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम का समन्वय करता है। संकाय-सदस्यों ने एम्स के जैव प्रौद्योगिकी और पैथोलॉजी विभागों में, इन विभागों के शैक्षणिक पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में विशेष व्याख्यान भी दिए। संकाय/वैज्ञानिकों ने पीडियाट्रिक्स, हेमेटोलॉजी, एनाटॉमी, नेफ्रोलॉजी, बायोकैमिस्ट्री, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, पैथोलॉजी और लेबोरेटरी मेडिसिन से आए एमडी/डीएम रेजिडेंट्स को व्याख्यान दिए। हमारे संस्थान के कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों को ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी पर कई व्याख्यान भी दिए गए।

प्रदत्त व्याख्यान

डी.के. मित्रा: 3 **उमा कांगा: 14**

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

	2020-2021	**2021-22**	**2022-2023**
डी.के. मित्रा	00	01	03
उमा कांगा	04	09	14

अनुसंधान

वित्तपोषित जारी परियोजनाएं

1. तपेदिक वैक्सीन विकास के लिए सिलिको परीक्षण (STriTuVaD), यूरोपीय आयोग हॉरीजन 2020, प्रो. डीके मित्रा, डीबीटी, 4 वर्ष, 2020-24, 398.36 लाख
2. मल्टी ड्रग रेसिस्टेंट (एमडीआर) ट्यूबरकुलोसिस की एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग", प्रो. डीके मित्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 70 लाख
3. "तपेदिक रोगियों में सहायक इम्यूनोथेरेपी के रूप में α PD-1 की प्रभावकारिता", प्रो. डीके मित्रा, एज़्योर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2021-24, 140.20 लाख
4. इम्यूनोजेनेटिक वेरिएंट एचएलए-केआईआर रेपर्टोयर और हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण परिणाम में उनकी कार्यात्मक प्रासंगिकता, डॉ. उमा कांगा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-25, 28.3 लाख
5. ठोस अंग प्रत्यारोपण के दौरान प्रतिरक्षा सहनशीलता उत्पन्न करने में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं की ट्रांसलेशनल क्षमता, डॉ. उमा कांगा, एम्स-अंत: विभागीय, 2 वर्ष, 2023-25, 20 लाख
6. उत्तर भारतीयों में आइलेट-एंटीबॉडी नेगेटिव प्रकार 1 मधुमेह (टाइप 1बी): नैदानिक निहितार्थ और रोगजनन, डॉ. उमा कांगा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 56 लाख
7. कोविड-19 में एचएलए एलील, टी-सेल एपिटोप पहचान और वायरस विविधताओं का अध्ययन: जैव सूचना विज्ञान एवं इम्यूनो सूचनात्मक दृष्टिकोण, डॉ. उमा कांगा, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई)-आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021-22, 23.2 लाख
8. कार्डियक एलोग्राफ़्ट रिजेक्शन में लिक्विड बायोप्सी की नैदानिक उपयोगिता, डॉ. राकेश दीपक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 101.65 लाख
9. पित्ताशय के कैंसर में प्रतिरक्षा जांच बिंदु अवरोधकों (टिम-3, एलएजी-3, टीआईजीआईटी, पीडी-1 और सीटीएलए-4) की प्रोफाइलिंग, डॉ. लता कुमारी, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-24, 10.00 लाख
10. इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) के नैदानिक, सीरोलॉजिकल और हिस्टोलॉजिकल रूप से परिभाषित उपसमूहों में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन आनुवंशिक वेरिएंट की जांच, डॉ. राकेश दीपक, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2020-23, 20.00 लाख
11. हृदय प्रत्यारोपण अस्वीकृति स्थिति के परिणाम में पैनल प्रतिक्रियाशील एंटीबॉडी (पीआरए), प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी) और दाता विशिष्ट एंटीबॉडी का मूल्यांकन: क्लिनिकोपैथोलॉजिकल अध्ययन, डॉ. राकेश दीपक, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2019-22, 10.00 लाख
12. न्यूट्रोफिल में पैराबेंस मॉड्यूलेटेड सेल्युलर सिग्नलिंग पाथवे की पहचान, डॉ. राकेश दीपक, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 साल, 2019-22, 10.00 लाख

पूर्ण परियोजना

1. पीडी-एल1/पीडी-1 मार्ग की इम्यूनोरेगुलेटरी भूमिका को चित्रित करने और इसे विसेरल लीशमैनियासिस के खिलाफ टीकाकरण नीतियों के लिए एक संभावित माध्यम के रूप में तलाशने के लिए अध्ययन", प्रो. डीके मित्रा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-21, 70.00 लाख
2. "एनकेटी सेल सबसेट: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विशिष्ट प्रभावकों टी सेल प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव", प्रो. डीके मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, 70.00 लाख
3. "एनकेटी सेल सबसेट: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस विशिष्ट प्रभावकों टी सेल प्रतिक्रियाओं पर प्रभाव", प्रो. डीके मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2018-21, 70 लाख
4. डीआर एमटीबी में जीनोम वाइड ट्रांसक्रिप्शन विश्लेषण: नए लक्ष्यों की पहचान और इम्यूनोमॉड्यूलेशन। प्रो. डीके मित्रा, डीबीटी, 3 वर्ष + 1 वर्ष विस्तार, 2018-21, 148 लाख
5. गैर-संचारी रोगों पर उपचार एवं मशीन लर्निंग आधारित पूर्वसूचक मॉडलिंग की स्क्रीनिंग के लिए एकीकृत चिकित्सा उपकरणों पर आधारित एक मॉडल हेल्थकेयर नेटवर्क का विकास, प्रो. डीके मित्रा, इंप्रिंट (एचआरडी + आईसीएमआर), 2 साल, 2021-23, 25 लाख
6. कोविड-19 में एचएलए एलील, टी-सेल एपिटोप पहचान और वायरस विविधताओं का अध्ययन: जैव सूचना विज्ञान और इम्यूनो सूचनात्मक दृष्टिकोण, डॉ. उमा कांगा, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया + आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021-22, 23.2 लाख
7. उत्तर भारतीयों में आइलेट-एंटीबॉडी नकारात्मक प्रकार 1 मधुमेह (टाइप 1बी): नैदानिक निहितार्थ और रोगजनन, डॉ. उमा कांगा (सह-पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 56 लाख
8. फोरेंसिक स्थितियों में बीएमटी के बाद सेमिनल सैंपल की विश्वसनीयता, डॉ. उमा कांगा (सीओ-पीआई), एम्स इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020-22, 10.00 लाख
9. उत्तर भारतीयों में ओरल सब म्यूकस फाइब्रोसिस की अभिव्यक्ति के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति, डॉ. उमा कांगा (सह-पीआई), एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 10.00 लाख
10. उत्तर भारतीयों में मिर्गीरोधी दवाओं के प्रति अतिसंवेदनशीलता के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति: एक केस नियंत्रण अध्ययन, डॉ. उमा कांगा (सह-पीआई), एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-22, 10.00 लाख
11. हृदय प्रत्यारोपण अस्वीकृति स्थिति के परिणाम में पैनल प्रतिक्रियाशील एंटीबॉडी (पीआरए), प्रमुख हिस्टोकम्पैटिबिलिटी कॉम्प्लेक्स (एमएचसी) और दाता विशिष्ट एंटीबॉडी का मूल्यांकन: क्लिनिको पैथोलॉजिकल अध्ययन, डॉ. राकेश दीपक, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2019-22, 10.00 लाख
12. न्यूट्रोफिल में पैराबेंस मॉड्यूलेटेड सेल्युलर सिग्नलिंग पाथवे की पहचान, डॉ. राकेश दीपक, एम्स इंट्राम्यूरल, 3 साल, 2019-22, 10.00 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. तपेदिक में एनकेटी कोशिकाएं: सुरक्षात्मक टी कोशिका प्रतिक्रिया पर प्रभाव
2. तपेदिक में प्रतिरक्षा की दबी हुई स्थिति पर चेकपॉइंट अवरोधकों का प्रभाव
3. "हैप्लोआइडेंटिकल हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण के बाद प्रतिरक्षा पुनर्गठन"
4. तपेदिक में चेक प्वाइंट अणुओं को रोकना: माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस में इफ्लक्स पंप पर प्रभाव”
5. "गुर्दे के प्रत्यारोपण के मरीजों में एक्सोसोम आधारित प्रतिरक्षा प्रोफाइलिंग: तीव्र ग्राफ्ट डिसफंक्शन में प्रासंगिकता"
6. तपेदिक में पीडी-1 को रोकना: दवा प्रतिरोधी और दवा संवेदनशील रोगियों में प्रतिरक्षाविज्ञानी और नैदानिक परिणाम पर प्रभाव
7. वृक्क प्रत्यारोपण में अस्वीकृति के पूर्वसूचकों हेतु सिग्नेचर की पहचान
8. उत्तर पूर्व भारतीय जनजातीय आबादी में एचएलए जीन का चरणबद्ध बहुरूपता विश्लेषण
9. आनुवंशिक मार्करों में विविधता की स्थापना: प्रत्यारोपण निगरानी में संभावित उपयोग
10. एचएलए डायग्नोस्टिक सेवाओं के लिए लागत प्रभावी इन-हाउस जांच का विकास
11. इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का क्लिनिको-सीरो-पैथोलॉजिकल वर्गीकरण और रोगजनन
12. पित्ताशय के कैंसर के लिए सर्जरी कराने वाले रोगियों में एंटी-ट्यूमर प्रतिरक्षा और इसके मार्करों पर संवेदनाहारी तकनीक का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन
13. उत्तर भारत में एक तृतीयक उपचार केंद्र से रूमेटिक हृदय रोग वाले बच्चों और किशोरों में एचएलए वर्ग II डीआर/डीक्यू एलील्स का संबंध

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. रिमोट हेल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम का विकास: एनसीडी (कार्डियो-पल्मोनरी), आईसीएमआर, आईआईटी-खड़गपुर, आईआईटी-मुंबई और एम्स, नई दिल्ली के लिए प्रारंभिक निदान, थेरेपी, फॉलो-अप और निवारक देखभाल
2. क्लाउड आधारित इंटीग्रेटेड मेडिकल डिवाइस (आईएमडी) का कार्यान्वयन और सत्यापन: दूर-दराज की वंचित आबादी के लिए विशेषीकृत नैदानिक, चिकित्सीय और फॉलो-अप उपचार प्रदान करना, एम्स, नई दिल्ली और एज़्योर सॉफ्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड।
3. मल्टीवेलेंट लीशमैनिया वैक्सीन विकास, बीआईआरएसी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, और ज़ाइडस कैडिला
4. नए निदान किए गए थूक पॉजिटिव पल्मोनरी टीबी रोगियों के स्वस्थ घरेलू संपर्कों में तपेदिक (टीबी) की रोकथाम में दो टीकों वीपीएम 1002 और इम्यूवैक (एमडब्ल्यू) की प्रभावकारिता और

सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, थ्री आर्म प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र विभाग, एम्स, नई दिल्ली

5. कुपोषित नव निदान बलगम पॉजिटिव फुफ्फुसीय तपेदिक वयस्क रोगियों में उपचार के परिणामों में सुधार करने में मानक डॉट्स थेरेपी के सहायक के रूप में एनर्जी डेंस न्यूट्रिशनल सप्लीमेंट (ईडीएनएस) की प्रभावकारिता, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र विभाग एम्स, नई दिल्ली
6. भारत में कोविड-19 हॉटस्पॉट में बुजुर्ग व्यक्तियों में रुग्णता और मृत्यु दर को कम करने में बीसीजी वैक्सीन की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए अध्ययन, पल्मोनरी, क्रिटिकल केयर और स्लीप मेडिसिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
7. भारतीय रोगियों में प्राथमिक आईजीएएन में एचएलए एंटीजन की भूमिका: एक केस नियंत्रण अध्ययन, वृक्क विज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. चिमर्सम स्थिति में नवीन फोरेंसिक प्रदर्शन और वाई-एसटीआर मार्करों की सूचनात्मकता का मूल्यांकन, न्यायचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
9. उत्तर पूर्व भारत के नागाओं में नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा की आनुवंशिक प्रवृत्ति, नागा अस्पताल और प्राधिकरण, नागालैंड
10. एचएलए एलील, टी-सेल एपिटोप पहचान और सीओवीआईडी -19 में वायरस विविधताओं का अध्ययन: जैव सूचना विज्ञान और इम्यूनो सूचनात्मक दृष्टिकोण, सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे और राष्ट्रीय एड्स अनुसंधान संस्थान (आईसीएमआर), पुणे
11. दार्जिलिंग हिमालय से भारतीय गोरखाओं के बीच आनुवंशिक विविधता: एचएलए मिनिजेनोम का अगली पीढ़ी अनुक्रमण (एनजीएस) इनफेज आधारित बहुरूपता विश्लेषण, सिक्किम विश्वविद्यालय
12. कोविड-19 से संबंधित पीडियाट्रिक मल्टीसिस्टम इंफ्लेमेटरी सिंड्रोम की व्यापकता और नैदानिक विशेषताओं का अध्ययन करना, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
13. अलक्षित एलसी/एमएस आधारित मेटाबोलिक दृष्टिकोण का उपयोग करके आर्टियल फिब्रिलेशन के साथ रूमेटिक हृदय रोग (आरएचडी) में मेटाबोलिक मार्करों की पहचान, विकृतिविज्ञान विभाग, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली
14. साइनसाइटिस, इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस और गैर-इनवेसिव फंगल साइनसाइटिस के मामलों में एचएलए, फागोसाइटिक फ़ंक्शन और ट्रेस तत्वों का मूल्यांकन, ईएनटी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
15. कोविड-19 रोगियों में प्रतिरक्षा संबंधी विशेषताओं और नैदानिक परिणामों के बीच संबंध, कायचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
16. सीलिएक रोग के गैर-प्रतिक्रियाशील रोगियों के एक समूह में दुर्दम्य सीलिएक रोग की व्यापकता और प्रकारों का अध्ययन करने के साथ-साथ सर्वोत्तम संभव लागत प्रभावी निदान पैनल तैयार करना, विकृतिविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

17. फोरेंसिक स्थितियों में बीएमटी के बाद सेमिनल सैंपल की विश्वसनीयता, न्यायचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. ट्यूबरकुलस मैनिंजाइटिस के निदान के लिए मूत्र और सीएसएफ में लाइपोराबिनोमैनन एंटीजन डिटेक्शन की उपयोगिता, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजना

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएं	12	16	10
कुल निधिकरण	1017.56 लाख	1107.41 लाख	808.51 लाख

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 12 **सार: 05**

पिछले 3 वर्ष के प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	**35**	**11**	**17**
पत्रिकाओं में लेख	35	11	12
सार	0	0	5
पुस्तकों में अध्याय	0	0	0
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

रोगी उपचार/प्रयोगशाला सेवाओं का सांख्यिकीय आंकडा (विभिन्न अध्ययन/जांचों की संख्या)

अंग प्रत्यारोपण

वृक्कविज्ञान, हृदरोगविज्ञान, फुप्फुसीय चिकित्सा एम्स एवं अन्य रेफरल

अंग प्रत्यारोपण सेवा (किडनी, फेफड़े, हृदय)	2020-2021	2021-2022	2022-2023
एचएलए- लाइव रिलेटिड/अनरिलेटिड एवं मृतदाता ट्रांसप्लांट	234	461	668
क्रॉस मैच टेस्ट - सीडीसी (सीरोलॉजी)	141	832	868
क्रॉस मैच टेस्ट - (फ्लोसाइटोमीटरी)	112	213	291
लूमिनैक्स पीआरए	147	301	418
लूमिनैक्स एसएबी (डीएसए मॉनीटरिंग)	128	247	302

अस्थिमज्जा / हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल ट्रांसप्लांटेशन

रूधिर विज्ञान, एम्स एवं अन्य रेफरल

निदान	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
एप्लास्टिक एनीमिया	184	279	537
एक्यूट ल्यूकीमिया (एएमएल+एएलएल)	191	200	329
थैलेसीमिया	32	133	213
क्रोनिक ल्यूकेमिया (सीएमएल+जेएमएमएल)	28	50	64
अन्य	71	142	243
योग	**506**	**804**	**1396**

क्रम संख्या	**निदान**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
क	**लो रेजोल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एसएसओ ल्यूमिनेक्स आधारित)			
1.	एचएलए-ए लोकस	506	883	1541
2.	एचएलए-बी लोकस	506	941	1541
3.	एचएलए-सी लोकस	300	890	1541
3.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	126	170	422
4.	एचएलए-डीआरबी3/4/5 loci	5	80	35
ख	**हाई रेजोल्यूशन एचएलए टाइपिंग** (अनुक्रम आधारित टाइपिंग (एसबीटी)/अगली पीढ़ी की सीक्वेंसिंग (एनजीएस)/एसएसओ लूमिनैक्स)			
5.	एचएलए-ए लोकस	15	35	38
6.	एचएलए-बी लोकस	18	35	38
7.	एचएलए-सी लोकस	15	35	38
8.	एचएलए-डीआरबी1	15	35	38
9.	एचएलए-डीक्यूबी1	15	35	38
10.	एचएलए-डीक्यूए1	15	35	38
ग	**दाता विशिष्ट एंटीबॉडी (डीएसए) जाँच - लूमिनैक्स**			
11.	मिश्रित स्क्रीन (एचएलए श्रेणी I और II)	29+29	23+23	50
12.	एचएलए श्रेणी I (एसएबी)	8	20	36
13.	एचएलए श्रेणी II (एसएबी)	8	15	34
घ	**बीएमटी में किमेरिजम अध्ययन**			
14.	पोस्ट एचएससीटी प्राप्तकर्त्ता	12	36	113

15.	प्री-एचएससीटी प्राप्तकर्ता	10	31	49
16.	एचएससीटी दानकर्ता	10	48	59
	कुल परीक्षण	**1528**	**3347**	6493
ड	**बीएमटी के लिए असंबधित दानकर्ता की तलाश** *वर्ष के दौरान एचएलए मैच्ड डोनर्स के लिए एशियन इंडियन डोनर मैरो रजिस्ट्री द्वारा प्राप्त अनुरोध	**5***	**6***	6*

रोग संबंधित एच एल ए स्क्रीनिंग परीक्षण

	रोग	**एचएलए परीक्षण**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
1.	एंकिलोज़िंग स्पोंडिलिटिस और अन्य स्पोंडिलोआर्थ्रोपैथी	एचएलए- बी-27	208	281	520
2.	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूए1	2	6	6
3.	सीलिएक रोग	एचएलए-डीक्यूबी1	2	6	6
4.	नार्कोलेप्सी/केटेप्लेक्सी	एचएलए-डीक्यूबी1	1	2	2
5.	बेहसेट्स रोग	एचएलए- बी*51	31	44	76
6.	ड्रग अतिसंवेदनशीलता स्क्रीनिंग	एचएलए- बी *57:01, बी*15:02	3	4	2
	योग		**247**	**343**	**606**

समस्त रोगी उपचार सेवाएं	**2022-23**	**2021-22**	**2020-21**
एचएससीटी रिलेटिड और गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम	6505	3368	1528
रोग सहसंबंध स्क्रीनिंग	606	343	247
योग	**7111**	**3711**	**1775**

अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण- आईआरसीएच, एम्स रेफरल

निदान	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
गंभीर ल्यूकेमिया- एएलएल	28	31	38
गंभीर ल्यूकेमिया- एएमएल	57	42	75
क्रोनिक ल्यूकेमिया - (सीएमएल+जेएमएमएल)	09	5	12
अन्य	07	5	27
दानकर्ता	279	83	463
योग	**380**	**116**	**615**

क्रम संख्या	निदान	परीक्षणों की संख्या 2020-21	परीक्षणों की संख्या 2021-22	परीक्षणों की संख्या 2022-23
क	**लो रेजोल्यूशन एचएलए टाइपिंग (पीसीआर-एसएसपी या पीसीआर-एसएसओ लूमिनैक्स आधारित)**			
1.	एचएलए-ए लोकस	426	322	696
2.	एचएलए-बी लोकस	424	324	690
3.	एचएलए-सी लोकस	25	121	687
4.	एचएलए-डीआरबी1 लोकस	72	62	130
5.	एचएलए-डीक्यूबी1 लोकस	नहीं	नहीं	130
ख	**हाई रेजोल्यूशन एचएलए टाइपिंग (सीक्वेंस बेस्ड टाइपिंग (एसबीटी) / -एसएसओ लूमिनैक्स)**			
6.	एचएलए-ए लोकस	08	10	06
7.	एचएलए-बी लोकस	08	12	06
8.	एचएलए-सी लोकस	08	11	06
9.	एचएलए-डीआरबी1	08	8	06
10.	एचएलए-डीक्यूबी1	08	6	06
11.	एचएलए-डीक्यूए1	08	4	06
ग	**डोनर स्पेसिफिक एंटीबॉडी (डीएसए) मॉनिटरिंग लूमिनैक्स आधारित जांच**			
12.	एचएलए श्रेणी I (एसएबी)	04	03	35
13.	एचएलए श्रेणी II (एसएबी)	04	03	35
घ	**बीएमटी में किमेरिजम अध्ययन**			
14.	पोस्ट एचएससीटी रिसीपिएंट	01	01	31
15.	प्री-एचएससीटी रिसीपिएंट	01	01	31
16.	एचएससीटी डोनर्स	01	01	31
	कुल परीक्षण	**1006**	**889**	**2532**

<u>रोग सहसंबंध एचएलए स्क्रीनिंग परीक्षण</u>

क्रम संख्या	रोग	एचएलए परीक्षण	2020-21 में जांचों की संख्या	2021-22 में जांचों की संख्या	2022-23 में जांचों की संख्या
17.	एंकिलोज़िंग स्पोंडिलिटिस एवं अन्य स्पोंडिलोआर्थ्रोपैथीज	एच एल ए-बी-27	85	127	270
18.	सीलिएक रोग	एच एल ए-डीक्यूए1	02	3	00

	सीलिएक रोग	एच एल ए - डीक्यूबी1	02	3	00
19.	बेहसेट रोग	एच एल ए - बी*51	15	9	46
	योग		**104**	**142**	**316**

प्राथमिक इम्यूनो-डायग्नोस्टिक्स

डायग्नोस्टिक्स	**2020-21**	**2021-22**	**20222-23**
इम्यून न्यूनता विकार प्रति वर्ष परीक्षणों की संख्या*	**6237**	**5664**	**5266**

प्राथमिक एवं माध्यमिक इम्यूनोडेफिशिएंसी रोग के लिए प्रदान की गई नि:शुल्क सेवा

क्रम संख्या	**निदान**	**मार्कर्स/जांच**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
1.	टी सैल फ्रीक्वेंसी	सीडी3$^+$/सीडी4$^+$/सीडी8$^+$	1052	1132	764
2.	बी सैल फ्रीक्वेंसी	सीडी19$^+$/सीडी20$^+$	1321	1251	853
3.	एनके सैल फ्रीक्वेंसी	सीडी3$^-$/सीडी16$^+$/सीडी56$^+$	631	571	463
4.	एनके सैल एक्टिविटी	सीडी3$^-$ /सीडी56^{dim}/परफोरिन$^+$	329	228	241
5.	एनके सैल एक्टिविटी	सॉल्यूबल IL2R	18	12	15
6.	एएलपीएस	सीडी3$^+$/सीडी4/8$^-$/TCR$\alpha\beta^+$	52	11	32
7.	ल्यूकोसाइट्स एडेसन डेफिसिएंशी	सीडी18$^+$/सीडी11a$^+$/ सीडी11b$^+$	251	183	383
8.	क्रोनिक ग्रेनुलोमेटस रोग	डीएचआर	1123	1085	1263
9.	हाइपर IgM	सीडी3$^+$/सीडी8$^-$ /सीडी69$^+$/सीडी154$^+$	15	2	16
10.	टी सैल फंक्शन (आईएफएन-जी)	सीडी3$^+$/सीडी4$^+$/आईएफएन-γ^+/IL-2$^+$	125	68	68
11.	श्रेणी स्विच मेमोरी	सीडी19$^+$/सीडी27$^+$/IgD$^-$	59	13	17
12.	डीग्रेनुलेशन जांच	सीडी3$^-$ /सीडी56^{dim}/सीडी107a$^+$	9	17	32
13.	आई एल-12 असे	सीडी14$^+$/आई एल-12$^+$	13	6	37
14.	मेमोरी टी सैल	सीडी3$^+$/सीडी45 आरए$^+$/सीडी45आरओ$^+$	16	3	245
15.	सीरम IgA		325	245	302

16.	सीरम IgM		362	302	359
17.	सीरम IgG		351	359	148
18.	सीरम IgE		156	148	28
19.	सीरम IgG उप श्रेणियां		29	28	32
योग			**6237**	**5266**	**5664**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. उमा कांगा को अंतर्राष्ट्रीय एचएलए और इम्यूनोजेनेटिक्स कार्यशाला और परिषद (आईएचआईडब्ल्यूसी) (2022 से आगे) के परिषद सदस्य के रूप में चुना गया था; अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एएसएचआई) (2022-2024) की "अंतर्राष्ट्रीय समिति" के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया था; अमेरिकन सोसाइटी ऑफ हिस्टोकोम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एएसएचआई) (2020-2022) की "अंतर्राष्ट्रीय समिति" के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (2022-25) का प्रतिनिधित्व करने के लिए इंटरनेशनल यूनियन ऑफ इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटीज (आईयूआईएस) की 'सामान्य सभा' के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; ट्रांसप्लांट इम्यूनोलॉजी (2021 से आगे) में यूरोपियन बोर्ड ऑफ सर्जरी (एफईबीएस) के फेलो की उपाधि से सम्मानित किया गया; "एशिया पैसिफिक रीजन-काउंसलर" (2020-2022) और एशिया पैसिफिक हिस्टोकम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स एसोसिएशन (एपीएचआईए) के उपाध्यक्ष (2021-2022) के रूप में कार्य किया; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (आईआईएस) के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया - (2018-2020) (2020-2022); और उन्हें इंडियन सोसाइटी फॉर हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (INSHLT) (2022-24) की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें अकादमिक कार्यक्रम के लिए एक संकाय के रूप में नामांकित किया गया है- इंडियन सोसाइटी फॉर हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (आईएनएसएचएलटी) की हार्ट ट्रांसप्लांट फ़ेलोशिप और उन्होंने (i)बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी और (ii) पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़, के उम्मीदवारों के लिए पीएचडी थीसिस समीक्षक और पीएचडी मौखिक परीक्षक के रूप में कार्य किया है।

9.42 मूत्ररोग विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

डॉ. अमलेश सेठ

आचार्य

डॉ. राजीव कुमार

डॉ. प्रभजोत सिंह
(अगस्त 2022 से लंबी छुट्टी पर)

अपर आचार्य

डॉ. ऋषि नायर

डॉ. वृषभानु नायक

सह-आचार्य

डॉ. सिद्धार्थ जैन

डॉ. मनोज कुमार

डॉ. संजय कुमार

सहायक आचार्य

डॉ. श्रीधर पी
(नवंबर 2022 में कार्यभार ग्रहण)

विशिष्टताएँ

क) डॉ. जेम्स ईस्टहैम, एमएसकेसीसी, यूएसए ने दिनांक 16 अप्रैल 2022 को क्लिनिकल राउंड हेतु विभाग का दौरा किया।

ख) डॉ. लॉरेंस क्लॉट्ज़ (आचार्य, सर्जरी विभाग, टोरंटो विश्वविद्यालय; मूत्रविज्ञान प्रभाग, सनीब्रूक हेल्थ साइंसेज सेंटर के प्रमुख; कैनेडियन यूरो-ऑन्कोलॉजी ग्रुप और एनसीआईसी जीयू साइट ग्रुप के अध्यक्ष; कैनेडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी के प्रधान संपादक (संस्थापक); ग्लोबल जीयू ऑन्कोलॉजी ग्रुप के अध्यक्ष), कनाडा ने "एक्टिव सर्वेलेंस इन कैंसर प्रोस्टेट - फ्रॉम बेंच टू बेडसाइड" विषय पर दिनांक 28 अप्रैल 2022 को एम्स, नई दिल्ली में मूत्रविज्ञान में छठा सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन दिया (ऑनलाइन)।

ग) डॉ. जीन डे ला रोसेट (महासचिव, एसआईयू; एम्स्टर्डम यूएमसी विश्वविद्यालय हॉस्पिटल, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड और इस्तांबुल मेडिपोल विश्वविद्यालय, इस्तांबुल, तुर्की) और डॉ. रेनाल्डो गोमेज़ (अध्यक्ष, एसआईयू; हॉस्पिटल डेल ट्रैबजाडोर, सैंटियागो, चिली) ने दिनांक 11 अगस्त 2022 को विभाग का दौरा किया।

घ) विभाग ने 1 सितंबर 2022 को ओपीडी में पथरी विश्लेषण प्रयोगशाला शुरू की

ङ) डॉ. राजीव कुमार को अक्टूबर 2022 में सोसायटी इंटरनेशनल यूरोलॉजी का निर्वाचित अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

च) डॉ. ऋषि नायर को अक्टूबर 2022 में 2 वर्ष के कार्यकाल (2023-25) के लिए एनजेडयूएसआई के मानद सचिव के रूप में चुना गया था

छ) 26-27 नवंबर 2022 को डीएनबी यूरोलॉजी फाइनल प्रैक्टिकल परीक्षा

ज) डॉ. ऋषि नायर को जनवरी 2023-27 में इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी के एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त किया गया था

झ) डॉ. अमलेश सेठ को परिषद सदस्य के रूप में चुना गया - यूएसआई में उत्तरी क्षेत्र प्रतिनिधि, 2023-25, फरवरी 2023

ञ) विभाग ने मार्च 2023 में अपनी ऑपरेशन थिएटर सेवाओं को दोगुना कर दिया

डॉ. जेम्स ईस्टम, एमएसकेसीसी, विभाग में वार्ड राउंड पर यूएसए, 16 अप्रैल 2022

डॉ. लॉरेंस क्लॉट्ज़ (आचार्य, सर्जरी विभाग, टोरंटो विश्वविद्यालय) ने दिनांक 28 अप्रैल 2022 को मूत्रविज्ञान में छठा सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन दिया।

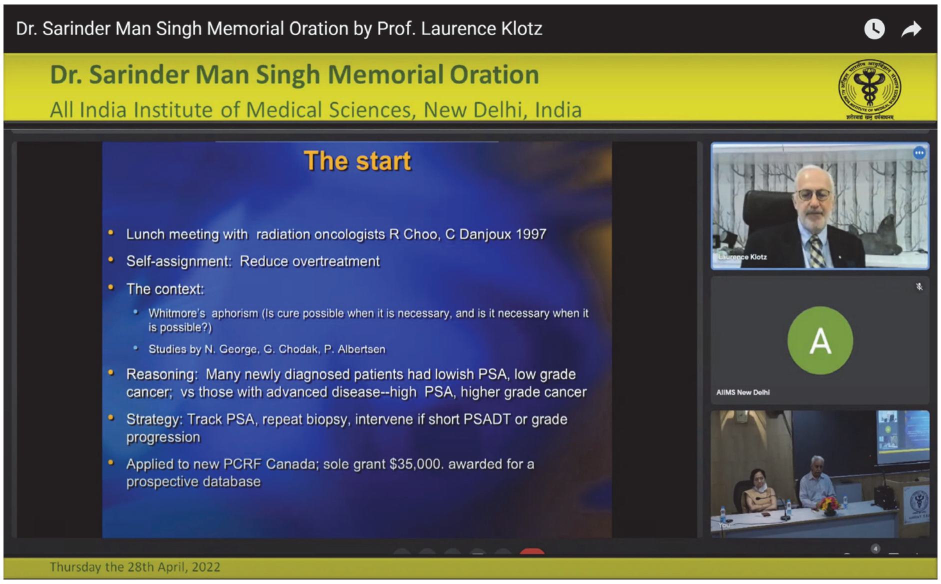

डॉ. जीन डे ला रोसेट (एम्स्टर्डम यूएमसी विश्वविद्यालय हॉस्पिटल, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड्स) और डॉ. रेनाल्डो गोमेज़ (हॉस्पिटल डेल ट्रैबजाडोर, सैंटियागो, चिली) ने दिनांक 11 अगस्त 2022 को विभाग का दौरा किया।

दिनांक 26 और 27 नवंबर 2022 को डीएनबी का अंतिम व्यावहारिक परीक्षा के दौरान डॉ. एस के सिंह, डॉ. एन पी गुप्ता और डॉ. राजेंद्र सिंह सिनम

दिनांक 1 सितंबर 2022 को ओपीडी में स्टोन लैब का उद्घाटन

शिक्षा

वर्ष के दौरान विभाग के संकाय-सदस्यों ने निरंतर चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों, संगोष्ठियों, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और व्याख्यान दिए। वरिष्ठ संकाय-सदस्य विभिन्न विश्वविद्यालयों में एनबीई और एम.सीएच मूत्रविज्ञान के परीक्षक हैं। विभाग के संकाय-सदस्यों ने अन्य आगामी संस्थानों के मूत्रविज्ञान में एम.सीएच और डीएनबी प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए पाठ्यक्रम के पुनः संरचना और इसे पुनः तैयार करने में सक्रिय भाग लिए। विभाग के संकाय-सदस्य यूरोलॉजिकल

सोसायटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में विभिन्न भारतीय दिशानिर्देशों के विकास में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं।

स्नातकपूर्व और नर्सिंग छात्रों (बीएससी और एमएससी) के लिए विभाग द्वारा व्याख्यान दिया गया। विभाग के संकाय-सदस्य स्नातकपूर्व छात्रों के लिए पाठ्यक्रम संबंधी संशोधन कार्य में सक्रिय रूप से शामिल हैं। तीन वर्षों की अवधि में मूत्रविज्ञान में एमसीएच की डिग्री के लिए विभाग द्वारा 11 स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित किया गया है। मिनिमली इनवेसिव यूरोलॉजी, यूरो-ऑन्कोलॉजी, रिकंस्ट्रक्टिव यूरोलॉजी और यूरोगायनेकोलॉजी (प्रत्येक में दो सीटें) सहित पोस्ट एम.सीएच फेलोशिप प्रशिक्षण उप-विशिष्टताओं के लिए उपलब्ध है। वर्ष के लिए विभाग द्वारा 2 गैर-शैक्षणिक स्थानिकों की भी भर्ती की गई। एमएस (जनरल सर्जरी) स्थानिकों को भी उनके पाठ्यक्रम के अनुसार मूत्र संबंधी प्रशिक्षण के लिए रोटेट किया गया।

विभाग के संकाय-सदस्यों ने विद्यार्थियों के लिए कौशल सेट के विभिन्न मॉड्यूल के विकास में सक्रिय रूप से भाग लिया है, जो ई-लर्निंग की दिशा में एक कदम आगे है। संकाय ने अपने संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एसईटी सुविधा के लिए व्याख्यान भी लिया। कौशल सिमुलेटर (यूआरओ/पीईआरसी मेंटर) पर प्रशिक्षण स्थानिकों के प्रशिक्षण का नियमित पाठ्यक्रम का एक भाग है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

विभाग द्वारा निम्नलिखित वेबिनार/सम्मेलन आयोजित किये गए।

- 28 अप्रैल 2022 को छठा सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन (ऑनलाइन)

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में दिए गए व्याख्यानः 121

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
116	**70**	**121**

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूचीः 35

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	2020-21	2021-22	2022-23
मौखिक/पोस्टर	11	23	35

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास के लिए क्लिनिको-जेनेटिक पूर्वानुमान संबंधी हस्ताक्षर, प्रभजोत सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 100,00,000 रुपये
2. रीनल सेल कार्सिनोमा (आरसीसी) में रिसेप्टर टायरोसिन कीनेस इनहिबिटर (टीकेआई) के खिलाफ प्रतिरोध का पता लगाने के लिए आणविक विश्लेषण और मेटास्टैटिक आरसीसी

(एमआरसीसी), बृषभानु नायक के रोगियों में सर्कुलेटिंग ट्यूमर कोशिकाओं (सीटीसी) की पूर्वानुमानित भूमिका, बृषभानु नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 59,00,000

3. पूर्वकाल मूत्रमार्ग सख्ती वाले रोगियों के मूल्यांकन में रियल टाइम कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड और शियर वेव इलास्टोग्राफी, मनोज कुमार, एम्स इंट्रामुरल, 1 वर्ष, 2023-2024, 4,87,000 रुपये
4. संदिग्ध प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में सेमिनल एमआईआरएनए और इंफ्लेमेटरी मार्करों की भूमिका का मूल्यांकन करने और एम पीएमआरआई और बायोप्सी से प्राप्त निष्कर्षों के साथ सहसंबंध बनाने हेतु, सिद्धार्थ जैन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2021, 5,00,000 रुपये
5. प्रोस्टेट कैंसर में स्टेजिंग मोडैलिटी के रूप में 68जीए- पीएसएमए-पीईटी/सीटी स्कैन की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्षीय +1 वर्ष का विस्तार, 2019-2023, 48,85,740 रुपये
6. गुर्दे की पथरी (रीनल स्टोन) रोग में ट्रेस तत्वों की भूमिका, संजय कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 97,61,605 रुपये

पूर्ण

1. मूत्राशय कैंसर में एंटी-बी7एच4 थेरेपी का एक नया चिकित्सीय दृष्टिकोण, प्रभजोत सिंह, एम्स इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2019-2021, 10,00,000 रुपये
2. भारी धातुओं, विषाक्त पदार्थों का पर्यावरणीय जोखिम और वृक्क कोशिका कार्सिनोमा प्रेरण और प्रगति पर उनका प्रभाव, बृषभानु नायक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022 (जुलाई 2022 को पूरा किया गया), 43,05,000 रुपये
3. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा (आरसीसी) में संभाव्य आणविक संकेतकों (पीआरएल3 फॉस्फेट, सीएवी2, एलएएमए4, और जी आर पी 78) की पहचान करना: ट्यूमर के व्यवहार की भविष्यवाणी करना, मनोज कुमार, एम्स, इंट्रामुरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10,00,000 रुपये

विभागीय

जारी

1. भारतीय पुरुषों में महत्वपूर्ण प्रोस्टेट कैंसर हेतु चुंबकीय अनुकंपन इमेजिंग का नकारात्मक भविष्यसूचक मानः एक महत्वाकांक्षी अध्ययन
2. पीसीएनएल के दौरान सुपीरियर कैलीसील एक्सेस के लिए क्रैनियो-कॉडल बुल्स आई (सीसीबी) तकनीक: प्रभावकारिता और जटिलताओं का मूल्यांकन
3. फियोक्रोमोसाइटोमा सर्जरीः नैदानिक परिणाम
4. इफेक्ट ऑफ एंड्रोजन डिप्रिवेशन थैरपी ऑन कार्डियोवास्कुलर फंक्शन इन पेशंट विद एडवांस कार्सिनोमा प्रोस्टेटः ए प्रोस्पेक्टिव कॉहोर्ट स्टडी
5. लिम्फोर्डिया आफ्टर लिम्फेटिक लिगेशन विद टाइटेनियम क्लिप्स वर्सेज अल्ट्रासोनिक डिसेक्टर ड्यूरिंग रेडिकल सिस्टेक्टोमी रेडिकल सिस्टेक्टॉमीः एक अग्रदर्शी, डबल-ब्लाइंडेड, यादृच्छिक परीक्षण।

6. तीव्र गुर्दे की चोट के साथ प्रतिरोधी यूरोपैथी से पीड़ित स्थानीय रूप से उन्नत सीए मूत्राशय के रोगियों के परिणाम।
7. मूत्राशय के ट्यूमर का तत्काल दूसरा उच्छेदन बनाम पुनः-चरण ट्रांसयूरेथ्रल उच्छेदन: एक यादृच्छिक, नॉन-इन्फीरियरिटी, प्रायोगिक परीक्षण
8. सौम्य प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया वाले मरीजों के लिए ट्रांसयूरेथ्रल प्रोस्टेट रिसेक्शन के बाद दवा थेरेपी की अवधि और परिणाम।
9. पेल्विक फ्रैक्चर से संबंधित मूत्रमार्ग की चोट में एमआरआई में प्रीऑपरेटिव ज्यामितीय मापदंडों के साथ सर्जिकल जटिलता और परिणाम का सहसंबंधः एक संभावित समूह अध्ययन
10. नियमित यूरोलॉजिकल सर्जरी में कैथीटेराइजेशन से पहले यूरेथ्रल पोविडोन-आयोडीन इंस्टिलेशन की भूमिका
11. पंचर जोन की पीसीएनएल अवधारणा
12. एनएमआईबीसी की मध्यवर्ती जोखिम के लिए रीसर्क्युलैंथिपरथर्मिसिनट्रावेसिकल कीमोथेरेपी बनाम इंट्रावेसिकल बीसीजी बनाम पारंपरिक इंट्रावेसिकल माइटोमाइसिन सी थेरेपी की प्रभावकारिता की तुलना करने के लिए एक 3-आर्म यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
13. गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा के मूल्यांकन में 68 गैलियम पीएसएमए पीईटी स्कैन की भूमिका
14. बिनाइन प्रोस्टेटिक हाइपरप्लासिया से ग्रसित रोगियों की स्मार्ट फोन-आधारित गृह निगरानीः कोविड-19 के दौर में एक उभरता हुआ टेलीमेडिसिन साधन।
15. बिनाइन गुर्दे के ठोस द्रव्यमान को अधिक आक्रामक घातक आरसीसी से अलग करने के लिए टीसी99एम सेस्टा एमआईबीआई स्कैन का अग्रदर्शी आकलन
16. पुरुष मूत्रमार्ग पुनर्निर्माण सर्जरी के लिए न्यूरैक्सियलएनेस्थीसिया के विकल्प के रूप में अंतःशिरा डेक्समेडेटोमिडाइन के साथ अल्ट्रासाउंड निर्देशित पुडेंडल तंत्रिका ब्लॉक
17. स्पष्ट इडियोपैथिक (अज्ञातहेतुक) सर्टोली सेल-ओनली सिंड्रोम (एससीओएस) मामलों के वृषण एफएनएसी नमूनों में सूक्ष्म आरएनए अभिव्यक्ति रूपरेखाएँ
18. इडियोपैथिक (अज्ञातहेतुक) सर्टोली सेल ओनली सिंड्रोम (एससीओएस): एपिजेनोमिक अज्ञातहेतुक का पता लगाने के लिए एक जांच
19. हाइपोस्पर्मेटोजेनेसिस (एचपी) में जीनोमिक और एपिजेनोमिक अज्ञातहेतुक का पता लगाने के लिए एक जांच
20. डीजे स्टेंटिंग के बाद मूत्रविज्ञान संबंधी रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और यौन रोग का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन
21. यादृच्छिक जनसंख्या में Yq सूक्ष्म-विलोपन का प्रचलन
22. गुर्दे की पथरी के गठन की संरचना और जोखिम पर सीरम विटामिन-डी के स्तर के प्रभाव की जांच करने हेतु एक केस नियंत्रण अध्ययन।

पूर्ण

1. एकपक्षीय बनाम द्विपक्षीय वासोएपिडिडिमल एनास्टोमोसिसः अग्रदर्शी यादृच्छिक परीक्षण
2. कैंसर की नामौजूदगी वाले प्रोस्टेट बायोप्सी से ग्रसित रोगियों के चिकित्सीय परिणाम।
3. रेस्टेज टर्बीटी (TURBT) के लिए कोल्ड कप बायोप्सी बनाम लूप बायोप्सी के लिए तुलनात्मक अध्ययन।
4. गैर-मांसपेशी आक्रामक मूत्राशय कैंसर के पूर्ण उच्छेदन के पश्चात इंट्रावेसिकल जेमिसिटाबाइन बनाम माइटोमाइसिन-सी की एकल खुराक पेरिऑपरेटिव इंस्टिलेशन पर यादृच्छिक परीक्षण: प्रभावकारिता और सहनशीलता का मूल्यांकन।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. योग मध्यवर्तन पश्चात बांझ पुरुषों में जीन की अभिव्यक्ति, पश्चजात बदलाओं, डीएनए की जारणकारी क्षति का अध्ययन करना और कैंसर कोशिका लाइनों पर उनके सीरम के प्रभाव का विश्लेषण करना, शरीररचना, एम्स
2. अज्ञातहेतुक पुरुष बांझपन में अंतखंड स्थिति और डीएनए मरम्मत करने वाली तंत्र, शरीररचना, एम्स
3. फियोक्रोमोसाइटोमा/पैरागैंग्लियोमा से ग्रसित रोगियों की आणविक प्रोफाइलिंग एवं फेनोटाइप-जीनोटाइप सहसंबंधः प्रबंधन और पूर्वानुमान में निहितार्थों को समझना, पैथोलॉजी, एम्स
4. न्यून खुराक वाले डिल्टियाजेम सम्मिश्रण समेत और उसके बिना फियोक्रोमोसाइटोमा तथा पैरागैन्ग्लिओमा सर्जरी करवाने वाले रोगियों में पेरीऑपरेटिव अवधि में हेमोडायनामिक प्रोफाइल, संवेदनाहरण (एनेस्थीसिया), एम्स
5. परक्यूटेनियस नेफ्रोलिथोटॉमी सर्जरी करवाने वाले रोगियों में अल्ट्रासाउंड-निदेशित त्रि-स्तरीय इरेक्टर स्पिना प्लेन ब्लॉक बनाम ट्रिपल-लेवल कॉस्टोट्रांसवर्स फोरामेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक समानांतर-समूह डबल-ब्लाइंडेड गैर-हीनता परीक्षण, संवेदनाहरण (एनेस्थीसिया), एम्स
6. ब्रेकियल प्लेक्सस अन्वेषण और पुनर्निर्माण के लिए दा विंची™ रोबोटिक प्रणाली की उपयोगिता का आकलन करने के लिए संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी, एम्स
7. प्राथमिक और आवर्ती जेनिटोरिनरी फिस्टुला के लिए सर्जरी के समसामयिक परिणाम और जीवन की गुणवत्ता का आकलन, प्रसूति और स्त्रीरोग, एम्स
8. द्वि ऊर्जा परिकलित टोमोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक चुंबकीय अनुकंपन इमेजिंग समेत गुर्दे की कोशिका कैंसर का लक्षण वर्णन तथा हिस्टोपैथोलॉजी के साथ सहसंबंध, रेडियोलोजी, एम्स

9. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेट प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर हर्बोरिंग सोमेटिक दैहिक वाले रोगियों में कार्बोप्लाटिन या जर्म लाइन समजात पुनर्संयोजन मरम्मत जीन का उत्परिवर्तनः एक चरण II एकल बहु परीक्षण, चिकित्सा अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स

10. प्रोस्टेट कैंसर के खतरे और इसकी प्रगति को प्रभावित करने वाले उत्परिवर्तनों की व्यापकता, चिकित्सा अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल नेटवर्क, टोरंटो

11. पीटीईएन अल्पता (कैपिटेलो-281) द्वारा चिह्नित डे नोवो मेटास्टेटिक हार्मोन संवेदनशील प्रोस्टेट कैंसर के उपचार हेतु प्लेसीबो + एबीराटेरोन बनाम कैपिवासेर्टिब+अबीराटेरोन का चरण III डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, चिकित्सा अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स

12. एण्ड्रोजन क्षय उपचार प्राप्त करने वाले मेटास्टैटिक कार्सिनोमा प्रोस्टेट से ग्रसित रोगियों में चयापचयी प्रोफ़ाइल और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, चिकित्सा अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स

13. मेटास्टेटिक हार्मोन सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर (एआरएएनओटी) से ग्रसित पुरुषों में प्लेसीबो + एडीटी के विरुद्ध एण्ड्रोजन क्षय उपचार (एडीटी) के साथ-साथ डारोलुटामाइड का एक यादृच्छिक**,** डबल ब्लाइंडेड, प्लेसबो-नियंत्रित फेज 3 अध्ययन, विकिरण अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

14. मांसपेशी आक्रामक मूत्राशय कैंसर (एमआईबीसी) के उपप्रकारों में ट्यूमर म्यूटेशनल दबाव (टीएमबी) तथा पीडीएल1 अभिव्यक्ति का मूल्यांकन, विकृतिविज्ञान (पैथोलॉजी), एम्स

15. प्रोस्टेट कैंसर में डीएनए क्षति प्रतिक्रिया (डीडीआर) मार्गों का मूल्यांकन, विकृतिविज्ञान (पैथोलॉजी), एम्स

16. मेटास्टैटिक गुर्दे की कोशिका कार्सिनोमा में टायरोसिन कीनेज़ इनहिबिटर (टीकेआई) की प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने में द्वि ऊर्जा परिकलन टोमोग्राफी (डीईसीटी), रेडियोलॉजी, एम्स

17. भारत में उच्च जोखिम वाले गैर-मेटास्टेटिक प्रोस्टेट कैंसर वाले प्रतिभागियों के लिए मानक एण्ड्रोजन अभाव चिकित्सा के अतिरिक्त डारोलुटामाइड का एक एकल बहु, खुला लेबल चरण 4 का अध्ययन, विकिरण अबुर्दविज्ञान (ऑन्कोलॉजी), एम्स

18. भारत में यूटीआई के रोगियों से यूरोपैथोजेनिक एस्चेरिचिया कोली (यूपीईसी) का आणविक लक्षण वर्णन और रोगाणुरोधी प्रतिरोध रूपरेखाः एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान (माइक्रोबायोलॉजी), एम्स

19. मूत्राशय के यूरोथेलियल कार्सिनोमा में आरएएसएसएफ1ए मॉड्यूलेशन पर एमआईआरएनए के प्रभावों का अध्ययन करना, जैव रसायन, एम्स

20. रोग के दबाव और चिकित्सीय परिणाम के लिए नैदानिक और रोगसूचक बायोमार्कर की पहचान करने और मेटाबोलॉमिक्स डेटाबेस के विकास हेतु प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों के मेटाबोलॉमिक्स की जांच, भेषजगुण विज्ञान (फार्माकोलॉजी), एम्स

21. ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना के बाद अपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट से ग्रसित रोगियों में गेट कीनेमेटिक्स और न्यूरोजेनिक मूत्राशयः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान (फिजियोलॉजी), एम्स

पूर्ण

1. मेटास्टैटिक गुर्दे की कोशिका कैंसर में 68 गैलियम पीएसएमए पीईटी/सीटी, न्यूक्लियर मेडिसिन, एम्स
2. एडवांस प्रोस्टेट कैंसर से प्रेरित कैथेटर आश्रित मूत्राशय आउटलेट अवरोध से ग्रसित रोगियों में प्रोस्टेट धमनी एम्बोलिज़ेशन की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता, हृदय-रेडियोलॉजी, एम्स
3. प्रसवोत्तर रोगियों में विभिन्न प्रकार की यूरो-स्त्री रोग संबंधी समस्याओं की घटना और प्रसव के तरीके के साथ उसका संबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग/एम्स
4. मूत्रविज्ञान ओपीडी, नर्सिंग कॉलेज में आने वाली महिलाओं में मूत्र असंयम के लक्षणों की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर केगेल के व्यायाम के वीडियो-सहायता शिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने हेतु एक अध्ययन, एम्स
5. प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में अस्थि खनिज सघनता पर विटामिन के अनुपूरण के प्रभाव के मूल्यांकन के लिए यादृच्छिक डबल ब्लाइंडेड प्लेसबो नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, भेषजगुण विज्ञान (फार्माकोलॉजी)/एम्स
6. प्रोस्टेट कैंसर से ग्रसित रोगियों के निदान और अनुवर्ती कार्रवाई में गैलियम-68 लेबल वाले प्रोस्टेट विशिष्ट झिल्ली एंटीजन के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग, न्यूक्लियर मेडिसिन, एम्स

3 वर्षों से अधिक अनुसंधान परियोजनाएँ

	2020-21	2021-22	2022-23
कुल वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाएँ	8	6	6
एक्स्ट्रामुरल/इंट्राम्यूरल फंडिंग की कुल राशि (रु.)	3,17,52,345	3,81,52,345	3,15,34,345

प्रकाशन

जर्नलः 27 **सारः 09** **पुस्तक में अध्यायः 03**

पिछले 3 वर्षों में कुल प्रकाशन

मद	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
कुल	**54**	**44**	**39**
पत्रिकाओं के लेख	41	33	27
सार	05	06	9
पुस्तकों में अध्याय	07	05	3
पुस्तकें	01	-	-

रोगी उपचार

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

रोगी से संबंधित कार्यों की कुल संख्या सारणीबद्ध रूप में

	2020-21	2021-22	2022-23
मुख्य ओपीडी नए मामले	3715	7688	20051
मुख्य ओपीडी पुराने मामले	6640 + 1526 (टेलीपरामर्श)	14075	37392
बीआरएआईआरसीएच यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक में नए मामले	270	437	581
बीआरएआईआरसीएच यूरो-मैलिग्नेंसी क्लिनिक में पुराने मामले	2519	5155	7740
एंड्रोलॉजी और इनफर्टिलिटी क्लिनिक में नए मामले	59	323	861
एंड्रोलॉजी और इनफर्टिलिटी क्लिनिक में पुराने मामले	48	277	1014
लंबी अवधि वाले प्रवेश	834	1051	1437
छोटी अवधि वाले प्रवेश	365	513	649
डिस्चार्ज	1199	1367	2081
एनसीआई झज्जर ओपीडी, नए मामले	-	-	328
एनसीआई झज्जर ओपीडी, पुराने मामले	-	-	630
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - ओपन	139	269	368
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - एंडोरोलॉजी	435	675	782
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - लेप्रोस्कोपिक	26	65	149
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - रोबोटिक	33	105	130
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - माइक्रोसर्जरी	3	11	20
मुख्य ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं - लोकल एनेस्थीसिया	-	-	495
माइनर ओटी	3928	9363	15982
ईएसडब्ल्यूएल	151	390	682

अल्ट्रासाउंड निर्देशित प्रक्रियाएं	55	366	650
एनसीआई झज्जर, ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं	-	185	412
ट्रॉमा सेंटर, ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं	-	-	72

मुख्य ओटी सर्जिकल प्रक्रियाओं का विवरणः 1426

ओपन शल्यचिकित्साः 368

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	33	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफ्रोक्टोमी	33
नेफ्रोएटेरेक्टॉमी के साथ रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	8	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल नेफ्रेक्टोमी	13
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	13	सरल नेफरेक्टोमी	33
एंटीरियर लाइ ओपन	5	आंशिक नेफरेक्टोमी	15
प्रगतिशील पेरिनियल यूरेथ्रोप्लास्टी	12	हेमिनेफ्रेक्टोमी	1
ऑग्मेंटेशन सिस्टोप्लास्टी	8	ग्राफ्ट यूरेथ्रोप्लास्टी	27
एड्रेनालेक्टोमी	11	द्वीतीय अवस्था का समापन	18
वीवीएफ मरम्मत	48	पाइलोप्लास्टी	12
एयूएस इम्प्लांटेशन/पेनाइल प्रोस्थेसिस	4	यूरेटेरोलिथोटॉमी/सिस्टोलिथोटॉमी	1
पेरिनियल यूरेथ्रोस्टॉमी	18	पायलोलिथोटॉमी	1
		अन्य	54

***एंडोयूरोलॉजीः* 782**

ऊपरी पथः 489		**निचला पथः 293**					
पीसीएनएल	247	टीयूआरपी/ टीयूआईपी/टीयूईबी	91	सीएलटी/ पीसीसीएलटी	17	डीजएस/डीजेआर	13
यूआरएस	168	टीयूआरबीटी	126	पीवीपी	0	क्लोट इवैक्यूएशन	0
आरआईआरएस	54	टीयूआर फुलगुरेशन	5	एचओएलईपी	0	ओआईयू/बीएनआई/ अंतःविस्तार	8
एंडोपाइलोटॉमी	6	एंडोइवैल्यूएशन/ आरजीपी	-	यूरेटेरोसेल इंसीजन	7	अन्य	26
अन्य	14	टीयूआरईडी	4				

***लैप्रोस्कोपिकः* 149**

रेडिकल या साइटोरेक्युटिवेनेफरेक्टोमी	16	आंशिक नेफ्रेक्टोमी	11
सरल नेफरेक्टोमी	53	एड्रेनालेक्टोमी	38
पाइलोप्लास्टी	4	यूरेटेरोलिथोटॉमी	5
यूरेटेरिक रीइम्प्लांट	3	डायग्नोस्टिक लैप / ऑर्किओपेक्सी	6
		अन्य	13

रोबोटिकः **130**

रेडिकल प्रोस्टेटक्टोमी	40	पाइलोप्लास्टी	41
इनगुइनल लिम्फ नोड डिससेक्शन	5	यूरेटेरिक रीइम्प्लांट Ureteric reimplant	4
आंशिक नेफ्रेक्टोमी	34	Others	6

माइक्रोसर्जरीः **16**

वीईए	8	वीवीए	4	एमवीएल	4
स्क्रोटैल एक्सप्रोरेशन	0	टीईएसई	0		

स्थानीय संज्ञाहरण प्रक्रियाएं: 495

डीजेएस/डीजेआर	226	सिस्टोलिथोट्रिप्सी	30
बी/एल ऑर्किडेक्टोमी	70	सर्कमसिजन	52
फ्रेन्युलोप्लास्टी	20	स्क्लेरोथेरेपी	9
रेट्रोग्रेड पाइलोग्राफी	39	सिस्टोस्कोपी	27
डोर्सल स्लिट	6	नेफ्रोस्टोग्राम	7
आंशिक पेनेक्टोमी	4	हाई इंगुइनल ऑर्किएक्टोमी	5

माइनर ओटी: 15982

एंडोस्कोपिक	2628
ओपन	35
माइनर मामले	6544
यूरोफ्लोमेट्री	6401
यूरोडायनेमिक अध्ययन	374

ईएसडब्ल्यूएलः 682

नए मामले	264	पुराने मामले	418

अल्ट्रासाउंड कक्ष प्रक्रियाएं: 650

प्रोस्टेट टीआरयूएस बायोप्सी	200	एसपीसी	0	पीयूसी	15
एमआरआई- टीआरयूएस फ्यूजन बायोप्सी	60	पीसीएन	0	एचआईवीईसी	365
इन बोर बायोप्सी	0	यूएसजी	10		

एनसीआई झज्जर ओटी शल्य चिकित्सा प्रक्रियाएं: 412

ओपन सर्जरीः **50**

रेडिकल सिस्टेक्टॉमी	23	रेडिकल या साइटोरिडक्टिव नेफ्रेक्टोमी	1
नेफ्रोएटेरेक्टॉमी के साथ रेडिकल	4	आईवीसी थ्रोम्बेक्टोमी के साथ रेडिकल	0

सिस्टेक्टॉमी		नेफ्रेक्टोमी	
साल्वेज सिस्टेक्टोमी	0	रेडिकल नेफ्रोएटेरेक्टॉमी	0
इलियोइंगुइनल लिम्फ नोड डिससेक्शन	1	आरपीएलएनडी	1
हाई इंगुइनल ऑर्किएक्टोमी	5	कुल पेनेक्टोमी	3
मैलिग्नेंट वीवीएफ मरम्मत	1	आंशिक पेनेक्टोमी	8
द्विपक्षीय ऑर्किडेक्टोमी	3	अन्य	0

***लेप्रोस्कोपिक:* 21**

रेडिकल नेफ्रेक्टोमी	20
रेडिकल नेफ्रूएटेरेक्टोमी	1

***एंडोयूरोलॉजीः* 336**

टीयूआरबीटी	312
चैनल टीयूआरपी	2
सीपीई + क्लॉट इवैक्यूएशन	3
डीजे स्टेंटिंग	18
डीजे रिमूवल	1

***यूएसजी निर्देशित प्रक्रियाएं:* 5**

पीसीएन इंसर्सन	4
रिटेंड फोले कैथेटर रिमूवल	1

ट्रॉमा सेंटर ओटी सर्जिकल प्रक्रियाएं: 72

ओपन शल्यचिकित्साएँ: 35

पेरिनियल यूरेथ्रोप्लास्टी	23	ट्रांसप्यूबिक यूरेथ्रोप्लास्टी	2
एंड टू एंड यूरेथ्रोप्लास्टी	1	रेक्टोरेथ्रल फिस्टुला की मरम्मत	1
सरल नेफरेक्टोमी	1	मूत्राशय की मरम्मत	4
मूत्रमार्ग (यूरेटेरिक) की चोट की मरम्मत	1	जननांग की चोट	2

एंडोयूरोलॉजी: 37

सिस्टोस्कोपी	3
सिस्टोलिथोट्रिप्सी	3
एंडोडिलेटेशन±ओआईयू	7
आरजीपी + डीजेएस	22
अन्य	4

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

आचार्य अमलेश सेठ को फरवरी 2023 में यूएसआई के परिषद सदस्य (उत्तरी क्षेत्र प्रतिनिधि) के रूप में चुना गया; सदस्य- डीसीजीआई के तहत मूत्रविज्ञान और प्रजनन पर विषय विशेषज्ञ समिति।

आचार्य राजीव कुमार को अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ जेनिटोयूरिनरी सर्जन (एएजीयूएस) का सदस्य चुना गया। यह एक सहकर्मी-निर्वाचित सदस्यता वाली 137 वर्ष पुराना यूरोलॉजिकल एसोसिएशन है जिसमें 50 से कम अंतर्राष्ट्रीय सदस्य हैं और उसमें केवल 2 भारत से हैं; सोसाइटी इंटरनेशनल' यूरोलॉजी के निर्वाचित अध्यक्ष के रूप में नियुक्त; एशिया के यूरोलॉजिकल एसोसिएशन के सहायक महासचिव के रूप में नियुक्त; वट्टीकुटी रोबोटिक सर्जरी पुरस्कार, मियामी, यूएसए के लिए अंतर्राष्ट्रीय जूरी सदस्य के रूप में नियुक्त; बेली एंड लव की सर्जरी की लघु पाठ्यपुस्तक (28वां संस्करण) में एक अध्याय का योगदान दिया।

आचार्य प्रभजोत सिंह को अगस्त 2022 से पेन स्टेट हेल्थ कम्युनिटी मेडिकल ग्रुप, पेंसिल्वेनिया, यूएसए में मूत्रविज्ञान चिकित्सक का पद (विजिटिंग) प्राप्त हुआ है।

डॉ. ऋषि नैय्यर डीसीजीआई के अंतर्गत मूत्रविज्ञान और प्रजनन पर विषय विशेषज्ञ समिति के सदस्य थे; अप्रैल 2022 में सीए टेस्टिस में कीमो के बाद के अवशिष्ट द्रव्यमान के लिए रोबोटिक आरपीएलएनडी उनके द्वारा शुरू किया गया; सीए लिंग में इलियो-वंक्षण लिम्फ नोड विच्छेदन के लिए रोबोटिक वेल को फिर से स्थापित किया गया, अगस्त 2022; शिक्षक दिवस के अवसर पर दिल्ली यूरोलॉजिकल सोसाइटी की बैठक में एक प्रतिष्ठित शिक्षक के रूप में उन्हें सम्मानित किया गया, सितंबर 2022; वैज्ञानिक समीक्षा समिति, एसआईयू; मानद सचिव-(एनजेडयूएसआई) के रूप में निर्वाचित, अक्टूबर 2022; एम्स, नई दिल्ली में 'लिंग पुष्टि क्लिनिक' की सुविधा शुरू करने के लिए संस्थापक समिति के सदस्य, दिसंबर 2022; इंडियन जर्नल ऑफ यूरोलॉजी में एसोसिएट एडिटर के रूप में नियुक्त, जनवरी 2023; भारत में शिक्षण गतिविधियों और कौशल प्रशिक्षण में योगदान के लिए आईएसयू-यूएसआई द्वारा 'फैकल्टी ऑफ एमिनेंस' पुरस्कार, फरवरी 2023; यूएसआई द्वारा एमआईयूसी इंटरनेशनल ट्रैवल फेलोशिप अवार्ड, मार्च 2023.

डॉ. बृषभानु नायक को एम्स अनुसंधान अनुभाग द्वारा एम्स अंतर्राष्ट्रीय यात्रा फेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ; एम्स, अनुसंधान अनुभाग द्वारा सर्वश्रेष्ठ ऑन्कोलॉजी अनुसंधान पुरस्कार के लिए दूसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ; नॉर्थ जोन यूएसआई द्वारा सर्वश्रेष्ठ बुनियादी शोध के लिए डस्कॉन गोल्ड मेडल, नवंबर 2022; उत्तरी क्षेत्र यूएसआई द्वारा एमआईयूसी राष्ट्रीय 2000 यात्रा पुरस्कार, नवंबर 2022; यूएसआई द्वारा एमआईयूसी इंटरनेशनल ट्रैवल फ़ेलोशिप पुरस्कार प्राप्त हुआ, फरवरी 2023 में; यूएसआई बेस्ट पेपर अवार्ड, यूएसआईसीओएन, 2-5 फरवरी 2023 को प्राप्त हुआ।

डॉ. मनोज कुमार को 19वीं यूएए कांग्रेस, सिडनी, ऑस्ट्रेलिया में "यंग यूरोलॉजिस्ट फेलोशिप अवार्ड-2022" प्राप्त हुआ, 5-8 अक्टूबर 2022.

10.1 हृद् वक्ष केंद्र

रक्त आधान सेवाएँ

आचार्य

आर लक्ष्मी

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

अंजलि हजारिका

सह-आचार्य

गोपाल पाटीदार

मुख्य तकनीकी अधिकारी

बिजय माझी
गुलशन मेहता
गजेंद्र सिंह चौहान
पी एस राजपूत
सुषमा माकन

हृद् विज्ञान

आचार्य एवं अध्यक्ष

बलराम भार्गव

आचार्य

आर नारंग
एस सेठ
एन नायक
राकेश यादव
एस सिंह
जी कार्तिकेयन
गौतम शर्मा
अंबुज रॉय
एस रामकृष्णन
सौरभ के गुप्ता

सह-आचार्य

नीरज पारख

सहायक आचार्य

दीप्ति सिद्धार्थन
सत्यवीर यादव
निर्मल जी
नितिन पाराशर
जिया अब्दुल्ला
सौरभ अगस्तम
राघवेंद्र राव के
असीम बाशा

हृद् संवेदनाहरण एवं गम्भीर उपचार

आचार्य एवं विभागाध्यक्ष

संदीप चौहान

आचार्य

नीति माखीजा
पूनम मल्होत्रा
मिनाती चौधरी
संभुनाथ दास
पराग घरडे
विश्वास मलिक
(9 अगस्त 2022 को निधन)

अपर आचार्य

सुरुचि हसीजा
अरिंदम चौधरी

हृद जैवरसायन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

लक्ष्मी रामकृष्णन

वैज्ञानिक

मनोज कुमार तेंभरे रांसी एन अब्राहम

तकनीकी अधिकारी

राजीव कुमार सरोज राणा

हृद वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

एस के चौधरी

आचार्य

ए के बिसोई वी देवगुरू मिलिंद पी होते सचिन तलवार

यू के चौधरी पी राजशेखर मनोज कुमार साहू

(अक्टूबर 2022 तक अनुबंध पर)

अपर आचार्य

सर्वेश पाल सिंह रमेश पी मेनन

सहायक आचार्य

प्रदीप रामकृष्णन उम्मेद सिंह धत्तरवाल मयंक यादव रंजीत एस

अमिताभ सत्संगी नवनीता किस्कू सुषमा गायत्री भारत एच.वी

(22 जुलाई 2022 तक अनुबंध पर):

नियमित संकाय के रूप में नियुक्ति से पहले

कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

प्रिया जगिया

अपर आचार्य

संजीव कुमार

सहायक आचार्य

नीरज निर्मल पांडे

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग

आचार्य

चेतन डी पटेल

स्टेम सेल सुविधा

आचार्य एवं अध्यक्ष

सुजाता मोहंती

विशिष्टताएं

रक्त आधान सेवा

हृद् तंत्रिका केंद्र की रक्त आधान सेवाएं एम्स के हृद् तंत्रिका केंद्र में भर्ती रोगियों की चौबीसों घंटे रक्त आधान की आवश्यकताओं को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण रक्त और रक्त घटकों को एकत्रित करके, उसे संसाधित और प्रदान करके पूरी की जाती है। इन गतिविधियों में घरेलू और बाहरी रक्त संग्रह, रक्त दाता प्रेरणा और दान-पूर्व और दान-पश्चात परामर्श, रक्त घटक तैयार करना, विभिन्न सीरोलॉजिकल परीक्षण और एफेरेसिस और चिकित्सीय फ़्लेबोटॉमी जैसी विशेष प्रक्रियाएं शामिल हैं।

पैक्ड लाल कोशिकाएं, प्लाज्मा, ताजा जमे हुए प्लाज्मा, प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा, प्लेटलेट कॉन्संट्रेट, क्रायोप्रेसिपिटेट, ल्यूकोडिप्लेटेड लाल कोशिकाएं और प्लेटलेट्स जैसे घटक हमेशा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध होते हैं। एफेरेसिस प्रक्रियाओं और ऑटोलॉगस दान की सुविधा यहाँ उपलब्ध है। प्लाज़्मा उत्पाद विभाजन हेतु अधिशेष प्लाज़्मा को भेजा जा रहा है। हृदय प्रत्यारोपण वाले रोगियों के लिए रक्त घटकों को विकिरण के अधीन किया जाता है।

बीटीएस में किए गए सीरोलॉजिकल परीक्षणों में रक्त समूहन परीक्षण, अनियमित एंटीबॉडी के लिए जांच, कॉलम एग्लूटिनेशन और एसपीआरसीए जांच जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी का उपयोग करके संगतता परीक्षण शामिल हैं। संग्रह किए गए रक्त की प्रत्येक यूनिट का परीक्षण हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, एचआईवी-1 और 2, सिफलिस और मलेरिया जैसे आधान से फैलने वाले संक्रमण संक्रमणों के लिए किया जाता है। बेहतर आउटपुट और गुणवत्ता हेतु विभाग की अधिकांश प्रयोगशालाओं में स्वचालन का उपयोग किया जाता है। एचआईवी/एचसीवी/एचबीवी का पता लगाने और इस प्रकार रक्त सुरक्षा में सुधार करने के लिए एक अतिरिक्त स्क्रीनिंग परीक्षण के रूप में दाता रक्त के नमूनों को एनएटी (न्यूक्लिक एसिड एम्प्लीफिकेशन टेस्ट) स्क्रीनिंग के अध्यधीन भी किया जा रहा है।

गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली रक्त और रक्त घटकों, उपकरणों, प्रक्रियाओं और सेवाओं जैसे अपने उत्पादों के लिए लागू है। बीटीएस अपने विभिन्न प्रकार के प्रयोगशाला संबंधी परीक्षणों के लिए एसडीएमएच जयपुर और आईआरसीएस मुंबई द्वारा बाहरी गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में भी भाग लेता है।

हीमोविजिलेंस, विभाग नियमित आधार पर प्राप्तकर्ता और दाता दोनों हीमोविजिलेंस के लिए भारत के हैमोविजिलेंस कार्यक्रम (एचवीपीआई) में भाग लेता है।

न्यूमेटिक ट्यूब सिस्टम रोगी के रक्त के नमूनों और फॉर्मों को ले जाने के लिए उपलब्ध है।

वास्तविक समय डेटा उत्पादन और एचआईएस के साथ एकीकरण के लिए एनआईसी द्वारा ई-ब्लड बैंक सॉफ्टवेयर मॉड्यूल के माध्यम से ब्लड बैंक प्रक्रियाओं का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है।

हृद् विज्ञान

वर्ष 2022-2023 में, हृद् विज्ञान विभाग ने महामारी के दौरान भी आने वाले लगभग 1,00,000 बाह्य रोगियों और बड़ी संख्या में टेली-परामर्श की सेवाएँ प्रदान कीं। 6500 से अधिक रोगियों को एंजियोप्लास्टी, पेसमेकर, डिवाइस इम्प्लांटेशन और बैलून वाल्वोप्लास्टी सहित इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा।

इस अवधि के दौरान, विभाग ने हृदय रोगों के व्यापक स्पेक्ट्रम के रोगियों का अध्ययन करने वाली कई अनुसंधान परियोजनाओं में भाग लिया। आरएचडी, एसटीईएमआई, उच्च रक्तचाप, दिल की धड़कन रुकना (हृदय विफलता) और जन्मजात हृदय रोग में विटामिन के प्रतिपक्षी से संबंधित महत्वपूर्ण प्रकाशनों को उच्च प्रभावी वैज्ञानिक पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए थे। विभाग के संकाय सदस्य प्रमुख कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं का हिस्सा हैं जिनमें इंडियन हार्ट जर्नल, एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी और जेपीसीवीएस शामिल हैं। विभिन्न संकाय सदस्य महत्वपूर्ण समितियों का हिस्सा थे।

रोगी उपचार, अनुसंधान और शिक्षण के अलावा, विभाग देश में कार्डियोलॉजी में शैक्षिक प्रवचन को आगे बढ़ाने में प्रमुख रूप से शामिल था। विभाग के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्डियोलॉजी निकायों में कार्यकारी पदों पर कार्य करने के लिए चुना गया है और उन्होंने शैक्षिक कार्यसूची पर फिर से ध्यान केंद्रित करने में मदद की है।

हृद् संवेदनाहरण एवं गम्भीर उपचार

- हृद् संवेदनाहरण विभाग के संकाय-सदस्य और रेजीडेंट डॉक्टरों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में सम्मानित किया गया।
- सभी आचार्य और अपर आचार्य पूरे भारत में विभिन्न डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया, एमडी एनेस्थीसिया और डीएनबी एनेस्थीसिया पाठ्यक्रम के परीक्षक थे।
- पीडियाट्रिक कार्डियक एनेस्थीसिया में फेलोशिप शुरू करने में विभाग अग्रणी रहा है और शीघ्र ही वैस्कुलर एनेस्थीसिया में फेलोशिप शुरू करने की संस्वीकृति मिल गई है।
- विभाग के सभी संकाय सदस्य विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कार्डियक एनेस्थीसिया, एनेस्थीसिया और इकोकार्डियोग्राफी पत्रिकाओं के संपादक, संपादकीय बोर्ड/समीक्षा सदस्य हैं।
- डॉ. नीति मखीजा एनबीई कार्डियक एनेस्थीसिया पाठ्यक्रम के शिक्षक के रूप में डीएम एग्जिट परीक्षा के लिए एक बाहरी व्यावहारिक परीक्षक थीं।
- वह जोधपुर में दिनांक 17-19 फरवरी 2023 तक आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर एंड थोरेसिक एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के 26वें वार्षिक सम्मेलन में "इंटरेस्टिंग ईसीएचओ इमेजेज" विषय पर प्रतिस्पर्धी पेपर प्रस्तुति सत्र में जज के रूप में थीं।
- उन्होंने एनएच-नारायण हेल्थ सिटी, बैंगलोर में दिनांक 24-28 अगस्त 2022 तक आयोजित 16वीं राष्ट्रीय और 7वीं अंतर्राष्ट्रीय टीईई कार्यशाला और सीएमई में एक सत्र की अध्यक्षता की जिसमें निम्नलिखित व्याख्यान (i) महाधमनी की इमेजिंग के लिए टीईई (ii) ओपी सीएबीजी/अप्रत्याशित खोज (पीएफओ, एमआर, एथेरोमा इत्यादि) में टीईई (iii) एपिकार्डियल इकोकार्डियोग्राफी (iv) फेट प्रोटोकॉल और (v) ट्राइकसपिड रेगुर्गिटेशन शामिल थे। उन्होंने साउथ वेस्ट एशिया एंड अफ्रीका चैप्टर ऑफ़ एक्स्ट्राकोर्पोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एसडब्ल्यूएएसी ईएलएसओ) द्वरा जून 2022 में आयोजित ईसीएमओ सिमुलेशन पर ऑनलाइन सीएमई के लिए "ईसीएमओ की फिजियोलॉजी" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की।

- डॉ. पूनम मल्होत्रा कपूर जेएपीआई - मेडिसिन और हेल्थकेयर में एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के अतिथि संपादक के रूप में बनी हुई हैं।
- वर्ष 2022-23 के लिए साउथ वेस्ट एशिया एंड अफ्रीका चैप्टर ऑफ़ एक्स्ट्राकोर्पोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (एसडब्ल्यूएएसी ईएलएसओ) के अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया।
- इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईएससीयू) सोसाइटी, अलबामा यूएसए द्वारा इकोकार्डियोग्राफी में मेरे योगदान के लिए "फेलो ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर अल्ट्रासाउंड: 2022-23" के रूप में फिर से नामांकित किया गया।
- एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के अध्यक्ष (गैर-निर्वाचित) के रूप में बने रहेंगे।
- "द सिमुलेशन सोसाइटी" के संस्थापक सचिव और चेयरमैन एकेडमिक्स के रूप में बने रहेंगे।
- वह द सिमुलेशन सोसाइटी (टीएसएस) और जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन फेलोशिप इन कार्डियक क्रिटिकल केयर (एफआईसीसीसी), फेलोशिप इन एडवांस्ड इकोकार्डियोग्राफी (एफआईएई) और फेलोशिप इन बेसिक इकोकार्डियोग्राफी (एफआईबीई) ऑनलाइन परीक्षा के लिए अकादमिक सामग्री प्रदाता है।
- वह दिनांक 23 फरवरी 2023 को नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय में डीएम क्रिटिकल केयर की अंतर्राष्ट्रीय परीक्षक थीं।
- वह जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर, जेसीसीसी के 6.1, 6.2, 6.3, 7.1 अंक का मुख्य संपादक है।
- वह वर्ष 2023 में डॉ. एचके चोपड़ा द्वारा संपादित और जेपी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित, "एडवांस इन क्लॉट ट्रीटमेंट: टेक्स्टबुक ऑफ कार्डियोलॉजी" नामक पुस्तक की प्रधान संपादक हैं।
- डॉ. मिनाती चौधरी को रॉयल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल लिवरपूल, यूके द्वारा व्याख्यान [ऑन-लाइन] देने के लिए एक संकाय सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- उन्हें जर्नल ऑफ़ पेरिऑपरेटिव ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी के संपादक के रूप में चुना गया था।
- उन्हें इंडियन कॉलेज ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की कई बैठकों में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- "हृदय रोग और आनुवंशिक सिंड्रोम वाले नवजात शिशुओं का एनेस्थेटिक प्रबंधन" शीर्षक वाले उसकी रचना को पहले नवजात एनेस्थीसिया सम्मेलन (एलएचएमसी, नई दिल्ली, 31 जुलाई 2022) में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।
- वह आईसीएसीओएन 2022, नवंबर (चंडीगढ़), आईएसीटीएसीओएन 2023 फरवरी (जोधपुर) और टीईईपीजीआई 2023 मार्च (पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़) में प्रतिस्पर्धी अनुभाग में जजों में से एक थीं।
- डॉ. सुरुचि हसीजा को फरवरी 2023 से जर्नल ऑफ कार्डियोवस्कुलर एनेस्थीसिया के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

- कार्डिएक एनेस्थीसिया विभाग द्वारा 45 पेपर विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
- विभाग के संकाय सदस्यों ने कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोधपत्र प्रस्तुत किये/व्याख्यान दिये।

आचार्य संदीप चौहान, प्रमुख, कार्डिएक एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर, जो अब सीटी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली के प्रमुख हैं, के दृढ़ नेतृत्व में, विभाग के संकाय सदस्यों और निवासियों ने कोविड-19 महामारी के चरण II और चरण III दोनों में, पीपीई और सभी सार्वभौमिक सावधानियों के साथ कोविड-19 रोगियों के लिए चौबीसों घंटे आईसीयू और वार्ड प्रबंधन सेवाएं प्रदान कीं।

हृद् जैव रसायन विभाग

विभाग के संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों के पास मुख्य जांचकर्ताओं के रूप में 8 एक्स्ट्रामुरल अनुदान और 2 इंट्राम्यूरल अनुदान हैं। वर्तमान में तीन छात्र पीएचडी पाठ्यक्रम कर रहे हैं और हृदय जैव रसायन (कार्डियक बायोकैमिस्ट्री) के संकाय सदस्य सह-मार्गदर्शक के रूप में 10 अन्य पीएचडी थीसिस में शामिल हैं। विभाग के संकाय सदस्य हृदय रोगों के क्षेत्र में और एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं। विभाग के संकाय सदस्य एनसीडीआईआर, बैंगलोर के लिए मधुमेह के क्षेत्र में अनुसंधान क्षेत्र पैनल के सदस्य हैं। विभाग के संकाय सदस्य और वैज्ञानिकों ने सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में आठ पेपर प्रकाशित किए हैं और पुस्तकों में 4 अध्यायों के लिए योगदान दिया है। वर्ष 2023 में विभाग ने रोगी देखभाल के लिए कई परीक्षण शुरू किए जिनमें बीएनपी, टैक्रोलिमस, साइक्लोस्पोरिन, प्रोकैल्सीटोनिन, एचबीए1सी, ट्रोपोनिन I, सीके-एमबी मास, डिगॉक्सिन और कैटेकोलामाइन का परीक्षण शामिल है।

हृद् वक्ष वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

वर्ष 2021 के बाद, जब कोविड-19 महामारी कम हुई, तो पूरे एम्स में क्लिनिकल कार्य धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आने लगा। इन रुझानों को ध्यान में रखते हुए, दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच की अवधि के दौरान, सीटीवीएस विभाग कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी की उप-विशेषता में रोगी देखभाल, अध्यापन कार्य और अनुसंधान के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सक्रिय रूप से शामिल था। लगभग 3000 रोगियों को विभिन्न हृदय शल्य चिकित्सा प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। कार्डियोथोरेसिक और वैस्कुलर सर्जरी का संपूर्ण स्पेक्ट्रम इनमें शामिल है। इनमें से 1250 से अधिक पांच वर्ष से कम उम्र के थे और वे जन्म से ही हृदय संबंधी गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बात यह थी कि भारत सरकार की जेएसएसके योजना के सक्रिय समर्थन से, सर्जरी कराने वाले 1 वर्ष से कम उम्र (एन = 363) के रोगियों की संख्या में वृद्धि हुई। बहु-विषयक टीम दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए, विभाग ने सक्रिय रूप से प्रत्यारोपण कार्यक्रम चलाया; इस दौरान छह रोगियों का हृदय प्रत्यारोपण किया गया। प्रथम सफल फेफड़ा प्रत्यारोपण एम्स में किया गया था जो किसी सार्वजनिक अस्पताल में किया जाने वाला पहला प्रत्यारोपण है; इनकी संख्या अब दो हो गई है। बाद के प्रोटोकॉल पिछले वर्ष में विकसित हुए हैं। ईसीएमओ के संचालन के प्रोटोकॉल ने अधिक जटिल हृदय संबंधी विकारों के सर्जिकल प्रबंधन की अनुमति दी है।

हृद् विज्ञान विभाग के सहयोग से, 4330 रोगियों का इन-पेशेंट आधार पर उपचार किया गया, जिसमें 5 वर्ष से कम उम्र के 1146 रोगी इसमें शामिल थे। बाह्य रोगी सेवाओं में लगभग 85,000 रोगियों की देखभाल की गई।

विभागीय संकाय सदस्य ने वेबिनार में सक्रिय रूप से भाग लिया और जब भी संभव हुआ, आमंत्रित व्याख्यानों में शारीरिक रूप से भाग लिया और व्याख्यान दिया और वेबिनार के भाग के अनुसार पेपर प्रस्तुतियाँ विशेष रूप से ऑनलाइन थीं। विभागीय संकाय सदस्य ने विभिन्न सम्मेलनों में 115 आमंत्रित व्याख्यान और पेपर दिए और प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 25 से अधिक प्रकाशन किए।

रोगी उपचार संबंधी गतिविधियों को बेहतर बनाने के लिए उठाए गए कदम:

विभाग में रविवार को साप्ताहिक रूप से आयोजित होने वाले "एंटीकोएग्यूलेशन क्लिनिक" में रोगियों की संख्या में निरंतर वृद्धि देखी जा रही है, जो वाल्वुलर हृदय सर्जरी के उन मरीजों के फॉलो-अप की सुविधा प्रदान करता है, जो ज्यादातर समाज के वंचित वर्गों से हैं। यह न केवल एक ही दौरे में सभी वांछित सुविधाएं प्रदान करता है, बल्कि मरीजों को होने वाले अंतिम नुकसान से भी बचाता है। यह भारत में अपनी तरह की पहली पहल है जो वॉक-इन आधार पर रोगियों के फॉलो-अप के लिए सभी आवश्यक सेवाएं प्रदान करती है। महाधमनी और संवहनी वृक्ष के रोगों वाले रोगियों के प्रोटोकॉल-आधारित प्रबंधन की सुविधा के लिए एक समर्पित महाधमनी क्लिनिक आयोजित किया जाता है।

2023-24 हेतु कार्य योजना

सभी वर्तमान गतिविधियों के अलावा, विभाग द्वारा निम्नलिखित तीन पहलें शुरू करने की योजना बनाया जा रहा है:

1. फेफड़े के प्रत्यारोपण कार्यक्रम को सुदृढ़ करना।
2. हृदय-फेफड़ा प्रत्यारोपण कार्यक्रम स्थापित करने का प्रयास करना।
3. सीटीवीएस ओटी में हाइब्रिड महाधमनी हस्तक्षेप शुरू करने हेतु कार्डियोलॉजी विभाग और कार्डियक रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग के सहयोग से परक्यूटेनियस वाल्वुलर हृदय प्रतिस्थापन और एंडोवास्कुलर हस्तक्षेप की संख्या को सक्रिय रूप से बढ़ाना।
4. न्यूनतम इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी विकसित करना।

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

शिक्षा:

- विभाग के संकाय ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक बैठकों में व्याख्यान दिया।
- विभाग ने भारत और विदेश के विभिन्न स्थानों से पर्यवेक्षकों की मेजबानी की। वे कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग और एंडोवास्कुलर अन्तःक्षेप के विभिन्न पहलुओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे थे/प्राप्त कर रहे हैं। विभाग के संकाय सदस्य कई वैज्ञानिक पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड और समीक्षकों के सदस्य हैं

अनुसंधान:

- विभाग के संकाय सदस्य अनुसंधान परियोजनाएं और थीसिस चला रहे हैं। उन्होंने विभिन्न सहकर्मी-समीक्षित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए। एक अंतरराष्ट्रीय बैठक में पेपर प्रस्तुत किये गये। इसके अलावा, अध्याय पुस्तकों में इसे प्रकाशित किए गए थे।

चिकित्सा उपचार:

- विभाग अस्पताल के विभिन्न विशेष विभागों से रेफर किए गए रोगियों को कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर इंटरवेंशनल उपचार संबंधी सेवाएं प्रदान करना जारी रखता है।

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

हृद् वक्ष केन्द्र (सीटीसी) में न्यूक्लियर मेडिसिन डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी प्रक्रियाएं निष्पादित करता है और यह डुअल हेड एसपीईसीटी-सीटी गामा कैमरा से सुसज्जित है। मायोकार्डियल परफ्यूजन के मूल्यांकन हेतु एसपीईसीटी इमेजिंग और मायोकार्डियल व्यवहार्यता और संक्रामक/सूजन संबंधी कार्डियोमायोपैथी के मूल्यांकन के लिए पीईटी अध्ययन नियमित रूप से किए जाते हैं। यह इकाई शिक्षण और अनुसंधान कार्यों में भी सक्रिय रूप से शामिल है। न्यूक्लियर मेडिसिन और एमएससी, न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी में एमडी की डिग्री हासिल करने वाले स्नातकोत्तर छात्रों को रोटेशनल आधार पर पदस्थापित किया जाता है और उन्हें क्रमशः न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी अध्ययन के तकनीकी पहलुओं की रिपोर्टिंग और समझने में प्रशिक्षित किया जाता है। विभाग 26 डीएम, एमडी, पीएचडी और एमएससी (न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी) के विद्यार्थियों के थीसिस या शोध पत्र कार्य में भी शामिल है। हमने कार्डियक सारकॉइडोसिस और सूजन संबंधी विकृति के लिए गैलियम-68 डोटानोक जैसे गैर-एफडीजी ट्रेसर के उपयोग को मानकीकृत किया है। हम "ट्रांसथायरेटिन अमाइलॉइड कार्डियोमायोपैथी अध्ययन (आईटीएसी अध्ययन)" नामक एक बहुराष्ट्रीय परियोजना में भाग ले रहे हैं, जो कार्डियक अमाइलॉइडोसिस के निदान में टीसी99एम-पीवाईपी की भूमिका का मूल्यांकन करेगा। अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, ऑस्ट्रिया द्वारा इस परियोजना को वित्त पोषित किया गया है। विभाग प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, ऑस्ट्रिया द्वारा वित्त पोषित " इंटरनेशनल स्टडी ऑन इमेजिंग इन कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी (आईसीओएस)" नामक अंतर्राष्ट्रीय बहु-केंद्र अनुसंधान परियोजना में मुख्य अन्वेषक भी हैं।

स्टेम सेल सुविधा

स्टेम सेल सुविधा (एससीएफ) पिछले वित्तीय वर्ष, 2022-2023 के दौरान स्टेम सेल और रीजनरेटिव मेडिसिन में बुनियादी, प्रीक्लिनिकल और क्लिनिकल अनुसंधान के लिए समर्पित एक अभिन्न अंग के साथ उत्कृष्ट रोगी उपचार सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) ने इस सुविधा को स्टेम सेल अनुसंधान में उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु जुलाई 2017 से दिसंबर 2022 तक चरण II में अपना वित्तीय समर्थन बढ़ाया है। कुल मिलाकर, सुविधा वर्तमान में एम्स के अन्य विभागों के सहयोग से और डीबीटी, आईसीएमआर, डीएसटी, आईयूएसएसटीएफ, एम्स आदि द्वारा वित्त पोषित 13 चल रही परियोजनाओं में लगी हुई है। तदर्थ जनशक्ति के संदर्भ में, 07 पीएचडी अनुसंधान स्कॉलर, 05 एमडी और डीएम विद्यार्थियों और 05 प्रशिक्षुओं की एक समर्पित टीम को डिग्री के लिए पंजीकृत किया गया है, और साथ ही वर्तमान में

04 वैज्ञानिकों की एक टीम को सुविधा में सरकार द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं में भर्ती की गई है। चालू वर्ष में, सुविधा ने उच्च प्रभाव वाली सहकर्मी समीक्षा वाली पत्रिकाओं में कुल 18 शोध प्रकाशन सफलतापूर्वक प्रकाशित किए हैं। डॉ. सुजाता मोहंती ने विभिन्न राष्ट्रीय (15 संख्या) और अंतर्राष्ट्रीय (01 संख्या) वैज्ञानिक मंचों पर अपने शोध निष्कर्ष प्रस्तुत किए हैं। वह प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिकाओं, नामतः साइंटिफिक रिपोर्ट्स (नेचर पब्लिशिंग ग्रुप), ट्रांसलेशनल सर्जरी, करंट ट्रेंड्स इन स्टेम सेल्स एंड रीजनरेटिव मेडिसिन, इनसाइट इन स्टेम सेल्स आदि की संपादकीय बोर्ड समितियों का हिस्सा हैं। वह इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेल्युलर थेरेपी (आईएससीटी), इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर), इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (आईएसबीसी), द इंडियन साइंस कांग्रेस (टीआईएससी), इंडियन इम्यूनोलॉजिकल सोसाइटी (टीआईआईएस), और इंडियन सोसाइटी ऑफ एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स (आईएसईवी) जैसे विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिक निकायों की सक्रिय सदस्य भी हैं। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, फैसिलिटी ने छह अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों (मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए; ब्रिजपोर्ट यूनिवर्सिटी, यूएसए; इंडियाना यूनिवर्सिटी, यूएसए; पर्ड्यू यूनिवर्सिटी, यूएसए; ईरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज, ईरान; और यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन, युके) के साथ वैज्ञानिक सहयोग शुरू किया है।

रोगी उपचार संबंधी सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार हेतु की गई गतिविधियाँ/उठाये गए कदम:

स्टेम सेल सुविधा (एससीएफ) एम्स और एम्स के बाहर के अस्पतालों में रोगी उपचार संबंधी सेवाओं के लिए ट्रॉमा सेंटर, आरपीसी को एमनियोटिक झिल्ली ग्राफ्ट प्रदान कर रहा है। हम आरपीसी के सहयोग से कॉर्निया पुनर्जनन के लिए रोगियों से लिम्बल स्टेम कोशिकाओं को भी अलग कर रहे हैं। हाल ही में हमने एम्स के आर्थोपेडिक्स विभाग के सहयोग से स्ट्रोमल वैस्कुलर फ्रैक्शन-आधारित ऑस्टियोआर्थराइटिस उपचार का प्रावधान शुरू किया है। अनुसंधान के संबंध में, हम ज्ञान हस्तांतरण के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग कर रहे हैं।

शिक्षा

हृदय रोग विज्ञान

हृदय रोग विज्ञान विभाग द्वारा स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को शिक्षित और प्रशिक्षित किया जा रहा है। दैनिक ऑनलाइन शैक्षणिक गतिविधियों में जर्नल क्लब, मृत्यु दर बैठक, कैथ सम्मेलन, लघु एवं दीर्घ सेमिनार, चर्चा, नैदानिक मामले पर चर्चा और संकाय सदस्य द्वारा स्पॉटर्स शामिल हैं।

कार्डिएक एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर

- मुख्य एनेस्थीसिया विभाग के 1 प्रायोजित और 4 अन्य एमडी-जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों सहित 6 डीएम उम्मीदवारों ने कार्डियक-थोरेसिक-एनेस्थीसिया में सुपर स्पेशलिटी प्रशिक्षण प्राप्त किया है।
- 11 उम्मीदवार विभाग में डीएम की पढ़ाई कर रहे हैं
- 2 गैर-डीएम उम्मीदवार
- 1 उम्मीदवार पीडियाट्रिक कार्डिएक एनेस्थीसिया में फेलोशिप प्राप्त कर रहा है

हृद् जैव रसायन विभाग

- विभाग में एक सक्रिय पीएचडी कार्यक्रम है और 3 छात्र वर्तमान में विभाग में पीएचडी कर रहे हैं
- एक एमडी छात्र विभाग में थीसिस का अध्ययन कर रहा है
- सह-मार्गदर्शक के रूप में 10 विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करना
- स्नातक शिक्षण में भी शामिल

कार्डियो-थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग

यह विभाग स्नातकपूर्व, स्नातकोत्तर, एमसीएच विद्यार्थियों, बीएससी और एमएससी नर्सिंग के विद्यार्थियों के अध्यापन में सक्रिय रूप से शामिल था। इन शैक्षिक गतिविधियों में नियमित कक्षा और ऑनलाइन शिक्षण गतिविधियाँ शामिल थीं जिनमें जर्नल क्लब प्रस्तुतियाँ, मृत्यु दर बैठकें, सेमिनार, चर्चा, क्लिनिकल मामले पर चर्चा आदि शामिल थी। विभागीय संकाय सदस्य प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों के परीक्षक पैनल में सक्रिय रूप से शामिल थे।

वर्तमान समय में, सीटीवीएस में 25 विद्यार्थी एमसीएच का अध्ययन कर रहे हैं, और 4 कार्डियक सर्जिकल गहन देखभाल में डीएम का अध्ययन कर रहे हैं। सीटीवीएस में एमसीएच में 10 छात्रों ने पढ़ाई पूरी की और उत्तीर्ण हुए। तीन ने कार्डियक सर्जिकल इंटेंसिव केयर में डीएम उतीर्ण किया है। दिनांक 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि में, 8 योग्य पोस्ट-एमसीएच सीनियर रेजिडेंट्स ने विभिन्न चरणों में विभाग की क्लिनिकल और शैक्षिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। विभाग सामान्य सर्जरी विभाग, कार्डियोलॉजी विभाग और फिजियोथेरेपिस्ट के स्नातकोत्तरों को सक्रिय रूप से प्रशिक्षण दे रहा है।

सेमिनार

1. सेमिनार रूम, सीटी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 21 अगस्त 2022 को "एयरवे मैनेजमेंट इन आईसीयू पेशेंट्स" पर कार्यशाला आयोजित की गई।
2. सेमिनार रूम, सीटी सेंटर, एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 16 अक्टूबर 2022 को "आईएबीपी प्रबंधन" पर कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्डियोवैस्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवस्कुलर इंटरवेंशन विभाग

अध्यापन:

अतिरिक्त-विभागीय

- **स्नातकपूर्व:** कार्डियोवास्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर उपचार के मूल आधारों पर व्याख्यान।
- **स्नातकोत्तर:** कार्डियक रेडियोलॉजी प्रश्नोत्तरी, संबद्ध विशिष्टताओं जैसे चिकित्सा के विभागों में सेमिनार का संचालन करना

सर्जरी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और कार्डियोथोरेसिक सर्जरी

कार्डियोलॉजी और सीटीवीएस विभाग के साथ क्लिनिको-रेडियोलॉजी बैठकें आयोजित की गई

संबद्ध विशिष्टताओं के साथ क्लिनिकल कंबाइंड राउंड्स और क्लिनिकल ग्रैंड राउंड्स में भागीदारी

अंतर-विभागीय

- दैनिक मामलों की प्रस्तुतियाँ
- साप्ताहिक जर्नल क्लब एवं सेमिनार

प्रशिक्षण:

- जूनियर और सीनियर रेडियोलॉजी रेजिडेंट्स, कार्डियोलॉजी, सीटीवीएस और कार्डियक एनेस्थीसिया में सीनियर रेजिडेंट्स और कार्डियोवस्कुलर इमेजिंग और वैस्कुलर इंटरवेंशन की तकनीकों में बाहरी पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण।

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

स्नातकपूर्व विद्यार्थियों के लिए आवंटित एवं प्रदत्त व्याख्यानों की संख्या: 1

स्नातकोत्तर विद्यार्थियों की संख्या: 66 (एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन 29 छात्र एवं न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में रोटेशनल आधार पर 37 एमएससी न्यूक्लियर मेडिसिन टेक्नोलॉजी छात्र)

पूर्ण की गई थीसिस/शोध पत्रों की संख्या: 14

जर्नल क्लब/सेमिनार/अंतर-विभागीय व्याख्यान में मॉडरेटर: 8

शुरू की गई नई थीसिस की संख्या: 7

क्लिनिकल अध्ययनों की रिपोर्टिंग करते हुए एमडी छात्रों का 'ऑन साइट' शिक्षण

स्टेम सेल सुविधा

क्र.सं.	**कार्यक्रम**	**विद्यार्थियों की संख्या**
1	एमएससी	लागू नहीं
2	पीएचडी	07
3	डीएम एवं एमडी	05
4	**प्रशिक्षण:**	
	क. लघु अवधि	05
	ख. दीर्घकालिक	लागू नहीं

सीएमईएस/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

हृद्‌विज्ञान

सीएसआई-दिल्ली शाखा बैठक, 26-27 मार्च 2023, नई दिल्ली

कार्डिएक एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर

1. ईसीएमओ कार्यशाला में 5वें टीएसएस डॉ. केके मल्होत्रा का भाषण 19 जून 2022, एम्स, नई दिल्ली
2. ईसीएमओ सिमुलेटर पर हैंड्स-ऑन टीईई सीएमई कार्यशाला, 4 दिसंबर 2022, नई दिल्ली
3. शैक्षणिक प्रशासनिक प्रभारी, के रूप में टीएसएस और एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के अंतर्गत 6 सेमिनार, 5 वेबिनार और 5 कार्यशालाएं आयोजित की गईं, 2022-2023, नई दिल्ली

4. एनआईईजीआरईएमएस, आईएसएसीओएन में पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में ट्रान्सथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला, 22-26 नवंबर-2022, मेघालय, आईएसएसीओएन
5. एनआईईजीआरईएमएस में पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में फेफड़े का अल्ट्रासाउंड कार्यशाला, 22-26 नवंबर 2022, मेघालय, आईएसएसीओएन
6. मार्च 2023, नई दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन सीसीआईएलबीएस, पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में फेफड़े का अल्ट्रासाउंड और डायाफ्रामिक, मार्च 2023, नई दिल्ली
7. पीबीएलडी के लिए पाठ्यक्रम निदेशक, नारायण हृदयालय, बेंगलुरु, 13वीं राष्ट्रीय टीईई कार्यशाला, 20-26 अगस्त 2022, बेंगलुरु
8. ईसीएमओ पर एंटीकोएग्यूलेशन पर व्यावहारिक कार्यशाला(कार्यशालाएं), कैनुला और हाइब्रिड कैनुलेशन के प्रकार, सिम्युलेटर पर चैटिंग, समस्या निवारण में ईसीएमओ में ऑक्सीजनेटर परिवर्तन, हैंड्स-ऑन सीएमई ईसीएमओ सिमुलेशन, 19 जून 2022, एसईटी सुविधा, एम्स, नई दिल्ली

स्टेम सेल सुविधा

1. टिश्यू इंजीनियरिंग के लिए 3डी बायोप्रिंटिंग पर व्यावहारिक कार्यशाला, 21-22 मार्च 2023, नई दिल्ली
2. एक्सोटेक-2022, एक्सोसोम्स पर कार्यशाला और व्यावहारिक प्रशिक्षण: नवीन चिकित्सा और निदान के लिए एक मंच, 10-12 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली

दिए गए व्याख्यान: 308

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 23

अनुसंधान

रक्त आधान सेवाएँ

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. प्लेटलेटफेरेसिस दाताओं में प्रतिकूल साइट्रेट प्रतिक्रिया की रोकथाम के लिए मौखिक कैल्शियम अनुपूरण की प्रभावकारिता और अनुसूची निर्धारित करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
2. उत्तर भारत में एक तृतीयक देखभाल शैक्षणिक संस्थान में रक्त दाताओं के बीच चिंता संबंधी घटनाओं के लिए वस्तुओं का आकलन करने और उनके चेहरे और सामग्री की वैधता स्थापित करने के लिए एक पायलट अध्ययन
3. स्कोलियोसिस सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पेरिऑपरेटिव रक्त प्रबंधन के एक्यूट नॉर्मोवोलेमिक हेमोडायल्यूशन (एएनएच) की तुलनात्मक प्रभावशीलता निर्धारित करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. एंजाइम परिवर्तित लाल रक्त कोशिकाओं के साथ बॉम्बे एच सीरम की प्रतिरक्षाविज्ञानी अनुकूलता की जांच

5. रक्त का थोक स्थानांतरण: रक्त केंद्र में इन्वेंट्री प्रबंधन के लिए आगे बढ़ने का एक तरीका
6. दान-पूर्व हीमोग्लोबिन मूल्य और अंतर-दान अंतराल के संबंध में दाता चयन मानदंड की उपयुक्तता का आकलन

पूर्ण

1. एकाधिक प्लेटलेट आधान प्राप्त करने वाले रोगियों में प्लेटलेट अपवर्तकता की व्यापकता और इसके कारणों का आकलन करने के लिए संभावित अवलोकन अध्ययन
2. 28 दिन की आयु के नवजात शिशु रोगियों में वर्तमान ट्रांसफ्यूजन प्रथाओं का विश्लेषण
3. भारतीय परिवेश में संपूर्ण रक्तदान के बाद रक्त दाताओं में प्रतिकूल घटनाओं में देरी की घटना
4. विभिन्न घटक तैयारी तकनीकों का उपयोग करके तैयार किए गए प्लेटलेट सांद्रण के लिए गुणवत्ता मापदंडों का विश्लेषण
5. हृदय शल्य चिकित्सा से गुजरने वाले रोगियों के परिणाम पर संपूर्ण रक्त दाता मापदंडों (आयु, लिंग और बीएमआई) का प्रभाव
6. भारत के हीमोविजिलेंस कार्यक्रम की प्रभावशीलता पर बहु-केंद्र क्रॉस-अनुभागीय प्रश्नावली सर्वेक्षण
7. भारत के राष्ट्रीय दाता सतर्कता कार्यक्रम द्वारा दाता प्रतिकूल प्रतिक्रिया गंभीरता ग्रेडिंग उपकरण का सत्यापन
8. रक्त और सीसीपी की मांग को कैसे पूरा करें (मॉडलिंग/कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके आपूर्ति की मांग के मिलान सहित)
9. स्वास्थ्य लाभ प्लाज्मा प्राप्त करने के संबंध में पूर्व-अस्पताल में भर्ती मरीजों को कैसे व्यवस्थित किया जाए
10. आधान-संचारित संक्रामक रोगों के लिए विभिन्न स्क्रीनिंग प्रौद्योगिकियों की तुलना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. रुमेटाइड हृदय रोग में एफसी रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना, कार्डियक-बायोकैमिस्ट्री विभाग, सीएनसी, एम्स
2. कार्डियो वैस्कुलर रोगों (सीवीडी) के लिए सेल फ्री थेरेपी के रूप में मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाओं (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्स्ट्रासेलुलर वेसिकल्स की क्षमता की खोज, कार्डियक-बायोकैमिस्ट्री विभाग, सीएनसी, एम्स
3. $\gamma\delta$ टी-कोशिकाओं पर ट्यूमर-व्युत्पन्न एक्सोसोम के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी प्रभाव का अध्ययन करना, जैव रसायन विभाग, एम्स
4. मानव क्रोनिक अग्नाशयशोथ के पैथोफिजियोलॉजी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स
5. लीवर और हृदय रोग के पशु मॉडल में न्यूट्रोफिल-प्रेरित ऊतक क्षति पर मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, स्टेम सेल सुविधा, एम्स

6. पल्मोनरी टीबी के पैथोफिज़ियोलॉजी में मैक्रोफेज फ़ंक्शन पर हाइपरग्लेकेमिया का प्रभाव, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स
7. नॉरमोक्सिया और हाइपोक्सिया के तहत मानव ओईसी के साथ मोनोकल्चर और कोकल्चर सिस्टम में एमएससी और एमएपीसी की संवहनी क्षमता की तुलना, स्टेम सेल सुविधा, एम्स
8. ऊतक विशिष्ट मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं द्वारा एचएलए-जी मध्यस्थता इम्यूनोमॉड्यूलेशन की संभावित भूमिका का अध्ययन, स्टेम सेल सुविधा, एम्स
9. ऑटोफैगी के माध्यम से एचआईवी जलाशयों का विनियमन, जैव रसायन विभाग, एम्स
10. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के परिधीय रक्त मोनोन्यूक्लियर कोशिकाओं को अमर बनाने के लिए टेलोमेरेज़ रिवर्स ट्रांसक्रिपटेस (टीईआरटी) जीन को लक्षित करना, स्टेम सेल सुविधा, एम्स
11. पूरक कारक एच (सीएफएच)-संबंधित प्रोटीन 1 (सीएफएचआर1) और प्रतिरक्षाविज्ञानी सहिष्णुता के रखरखाव में इसकी भूमिका", क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र, फरीदाबार
12. सीआरआईएसपीआर-आधारित प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके निदान और प्रयोगात्मक चिकित्सा विज्ञान का विकास, जैव रसायन विभाग, एम्स

हृद्‌विज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क, डॉ अंबुज रॉय, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2026, रु 2,00.000.000/वर्ष
2. भारत में हृदय रोग की रोकथाम के लिए एक सहयोगात्मक गुणवत्ता सुधार पहल का विकास और परीक्षण (सी-क्यूआईपी अध्ययन), डॉ अंबुज रॉय, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 5 वर्ष, 2019-2024, 10,05,040 रुपये
3. हृदय विफलता के रोगियों की जनसांख्यिकी, सामाजिक आर्थिक और नैदानिक कारकों, एटियोलॉजी, पैथोफिजियोलॉजी, प्रबंधन, परिणामों की बाधाओं का अध्ययन करने के लिए एक वैश्विक रजिस्ट्री। (जी-सीएचएफ), डॉ. अंबुज रॉय, जनसंख्या स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, कनाडा, 7 वर्ष, 2016-2023, रु. 98,00,000
4. तृतीयक अस्पताल में एंजियोग्राफी कराने वाले रोगियों के एक समूह पर कोरोनरी धमनी रोग के लिए जैविक नमूनों का भंडार स्थापित करना, डॉ. अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 87,12,580 रुपये
5. "कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में आहार सूजन सूचकांक पर भूमध्यसागरीय आहार बनाम कम वसा वाले आहार के भारतीय अनुकूलन का प्रभाव", डॉ अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 38,50,000 रुपये

6. हृदय विफलता में योग आधारित हृदय पुनर्वास (योग-केयर) की प्रभावशीलता: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, डॉ अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30,00,000 रुपये
7. भारत में एकल-पिल संयोजन के साथ रक्तचाप के लिए उपचार अनुकूलन (टॉपस्पिन), डॉ अंबुज रॉय, इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये
8. कोरोनरी धमनी रोग में अभ्यर्थी माइक्रोआरएनए बायोमार्कर की पहचान और कार्यात्मक सत्यापन: एक खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ अंबुज रॉय, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 23,00,000 रुपये
9. अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त लोगों में हृदय संबंधी परिणामों पर सेमाग्लूटाइड प्रभाव। (सेलेक्ट), डॉ अंबुज रॉय, नोवो नॉर्डिस्क, 5 वर्ष, 2019-2024, 38,00,000 रुपये
10. सीएबीजी के बाद के रोगियों में मानक उपचार देखभाल के लिए अर्जुन क्षीरपाक की नैदानिक प्रभावकारिता [टर्मिनालिया अर्जुन (रॉक्सब. पूर्व डीसी.) वाइट और अर्न. के तने की छाल का एक पारंपरिक आयुर्वेदिक सूत्रीकरण]। एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसबो नियंत्रित पायलट अध्ययन, डॉ गौतम शर्मा, डाबर इंडिया लिमिटेड, 3 वर्ष, 2019-2023, रु 17,18,640 रुपये
11. 11. वेंट्रिकुलर प्रीमेच्योर कॉम्प्लेक्स (वीपीसी) वाले रोगियों में वीपीसी बोझ, जीवन की गुणवत्ता और एलवी कार्यों पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ गौतम शर्मा, डीएसटी-सत्यम, 3 वर्ष, 2021-2024, 3,11,6064 रुपये
12. जन्मजात हृदय दोषों के लिए सर्जरी कराने वाले शिशुओं में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणाम - एक संभावित बहुकेंद्रीय समूह अध्ययन, सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, 4 वर्ष, 2021-2023, 22.85 लाख रुपये
13. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक डेटासेट का एआई-आधारित 3डी विज़ुअलाइज़ेशन, सौरभ के गुप्ता, एसईआरबी, पीआई (क्लिनिकल साइट), अगस्त 2021, 15 लाख रुपये
14. डाउन सिंड्रोम में एवीएसडी के निर्माण में सिलिया और सोनिक हेजहोग पाथवे जीन में कॉपी नंबर और अनुक्रम वेरिएंट का योगदान, सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, सह-पीआई, सितंबर 2019, 65 लाख रुपये
15. मस्तिष्क के ऊतकों का भौतिक लक्षण वर्णन और ऊतक-डिवाइस इंटरेक्शन आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन टूल का विकास, सौरभ के गुप्ता, आईसीएमआर, सह-पीआई, 2019, जारी

पूर्ण

1. नेशनल हार्ट फेलियर रजिस्ट्री (एनएचएफ), डॉ अंबुज रॉय, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च, 3 वर्ष, 2018-2021, 24,00,000 रुपये
2. संवहनी की प्रतिकूल घटनाओं (आईवीवीई) को रोकने के लिए इन्फ्लूएंजा वैक्सीन का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ अंबुज रॉय, एमआरसी (यूके)/मैकमास्टर यूनिवर्सिटी, 4 वर्ष, 2016-2020, 2,16,00,000 रुपये

3. नई दिल्ली और वेल्लोर जन्म समूह, भारत में 45 वर्ष की आयु में मायोकार्डियल संरचना और उसके क्रियाकलाप के बाल और युवा वयस्क भविष्यवक्ता, डॉ अंबुज रॉय, ब्रिटिश हार्ट फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2016-2020, 20,00,000 रुपये

4. एनपीसीडीएस के अंतर्गत, जिला अस्पताल की गहन देखभाल इकाइयों में सामान्य हृदय संबंधी आपात स्थितियों और संबंधित जटिलताओं के प्रबंधन के लिए दिशानिर्देशों का विकास,, डॉ अंबुज रॉय, विश्व स्वास्थ्य संगठन, 7 महीने, मई 2019 से दिसंबर 2019, 6,15,000 रुपये

5. शहरी और ग्रामीण दिल्ली में विटामिन डी की कमी से पीड़ित लोगों की व्यापकता और हृदय-संवहनी रोग के जोखिम कारकों के साथ इसका संबंध,डॉ अंबुज रॉय, स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2016-2019, 28,00,000 रुपये

6. हृदय-संवहनी के स्वास्थ्य पर योग-आधारित हृदय सम्बंधित पुनर्वास कार्यक्रम (योग-केयर) का प्रभाव: एक नैदानिक परीक्षण (भारत) और यंत्रवत अध्ययन (यूके), डॉ अंबुज रॉय, आईसीएमआर-एमआरसी (यूके, 4 वर्ष, 2014-2018, 24,00,000 रुपये

7. स्वस्थ वयस्क भारतीयों में एचडीएल की गुणवत्ता और अधिक ऊंचाई के प्रभाव का आकलन, डॉ. अंबुज रॉय, द डिफेंस इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोलॉजी एंड अलाइड साइंसेज (डीआईपीएएस), 2 वर्ष, 2017-2019, 49,00,000 रुपये

8. 8. इंटर-सीएचएफ अफ्रीका, एशिया और दक्षिण अमेरिका में हृदयाघात से पीड़ित लगभग 5000 रोगियों की एक संभावित, अंतर्राष्ट्रीय, बहुकेंद्रीय पंजीयन था, नोवार्टिस के शैक्षिक गैंट डॉ अंबुज रॉय, 4,00,000 रुपये

9. यूएमपीआईआरई परीक्षण - एक अंतरराष्ट्रीय, बहु-केंद्रित परीक्षण जिसका उद्देश्य हृदय-संवहनी सम्बंधित (कार्डियोवैस्कुलर) रोग के उच्च जोखिम वाले लोगों में सामान्य देखभाल की तुलना में निश्चित मात्रा वाली संयोजन औषधि, पॉलीपिल के उपयोग की जांच करना है, डॉ अंबुज रॉय, यूरोपीय आयोग, ब्रुसेल्स, बेल्जियम, रु। 10,00,000

10. अस्पताल के कार्य की लागत और चिकित्सा देखभाल के कल्याण अर्थशास्त्र का अनुमान लगाना: एम्स का प्रकरण, डॉ अंबुज रॉय, 2016

11. टेक्स्ट2हार्ट मार्गदर्शी अध्ययन: कार्डियोवैस्कुलर द्वितीयक रोकथाम में औषधियों के अनुपालन में सुधार के लिए अनुकूलित टेक्स्ट सन्देश को विकसित करने और उसका मार्गदर्शन करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन", डॉ अंबुज रॉय, मेडिकल रिसर्च काउंसिल यूके, 1 वर्ष, 2017-2018, 21,00,000 रुपये

12. कोविड के बाद महाधमनी और फेफड़ों में सूजन: हृदय संबंधी घटनाओं का एक मार्कर, डॉ. अंबुज रॉय, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 1.5 वर्ष, 2022-2023, 17,00,000 रुपये

13. प्रणालीगत बाएं वेंट्रिकल के सिस्टोलिक डिसफंक्शन के कारण हृदयाघात से पीड़ित 1 महीने से <18 वर्ष की आयु के बाल रोगियों में एनालाप्रिल की तुलना में LCZ696 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए 52 सप्ताह का यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, सक्रिय-नियंत्रित अध्ययन के पश्चात LCZ696 की सुरक्षा, सहनशीलता, फार्माकोकाइनेटिक्स और

फार्माकोडायनामिक्स का मूल्यांकन करने के लिए मल्टीसेंटर, ओपन-लेबल अध्ययन, डॉ एस रामकृष्णन, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 3 वर्ष, 2019, 11,38,720 रुपये

14. प्रणालीगत बाएं वेंट्रिकल के सिस्टोलिक डिसफंक्शन के कारण सीएलसीजेड696बी2319 अध्ययन पूरा करने वाले हृदयाघात से पीड़ित बाल रोगियों में ओपन लेबल सैक्यूबिट्रिल/ वलसार्टन की दीर्घकालिक सुरक्षा और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय अध्ययन, डॉ एस रामकृष्णन, नोवार्टिस हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 2020, 14,38,200 रुपये
15. डबल आउटलेट राइट वेंट्रिकल (डीओआरवी) की मॉर्फ़ोलॉजी को स्पष्ट करने में आभासी विच्छेदन की भूमिका, सौरभ के गुप्ता, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ईसेनमेंजर सिंड्रोम में मेटोप्रोलोल - एक डबल-ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण
2. पोस्ट-पर्क्युटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक प्रोब परीक्षण
3. मेडिसिन वार्डों में भर्ती मरीजों के बीच एचएफपीईफैएफ की व्यापकता
4. हृदय विफलता वाले बच्चों में दापा
5. रूमेटिक माइट्रल वाल्व रोग की इकोकार्डियोग्राफिक विशेषताएं
6. तीव्र आमवाती बुखार में कार्डिएक एमआरआई
7. एबस्टीन की विसंगति में नैदानिक विशेषताओं के साथ इमेजिंग और अन्य विशेषताओं का सहसंबंध
8. आलिंद कार्यात्मक माइट्रल रेगुर्गिटेशन की विशेषता
9. पीडीए डिवाइस बंद होने से पहले और बाद में फेफड़े का अल्ट्रासाउंड

पूर्ण

1. कोरोनरी धमनी रोग और नींद की गुणवत्ता में योग। योग-कैडेट्स
2. सीसीटीजीए की इमेजिंग विशेषताएँ
3. पीएचवीटी में सीटी की उपयोगिता

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. एकीकृत ट्रैकिंग, रेफरल, और इलेक्ट्रॉनिक निर्णय समर्थन, और देखभाल समन्वय (I-TREC) प्लेटफ़ॉर्म (सीओ-पीआई), एंडोक्रिनोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, एमोरी यूनिवर्सिटी, अटलांटा, यूएसए
2. एनसीआर में तीव्र हृदय देखभाल में देरी और बाधाओं की पहचान। (सह-पीआई), सामुदायिक चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

3. एचडीएल (सीओ-आई) की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता के मापन के लिए मैक्रोफेज-आधारित इफ्लक्स परख के मुकाबले लिपोसोम-आधारित कोलेस्ट्रॉल इफ्लक्स परख का मूल्यांकन, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
4. मिशन दिल्ली, आपातकालीन चिकित्सा विभाग और आईसीएमआर
5. एसटीईएमआई अधिनियम, आपातकालीन चिकित्सा विभाग और आईसीएमआर

हृद् संवेदनाहरण एवं गम्भीर उपचार

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सीएबीजी रोगियों में सुपर और फिबटेम की प्रभावकारिता, पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2022-2023, 2 लाख रुपये
2. फैलोट के टेट्रालॉजी की वैकल्पिक मरम्मत के दौर से गुजर रहे बाल रोगियों में डेल निडो कार्डियोप्लेजिया समाधान और माइक्रोप्लेजिया की तुलना - एक संभावित, यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, जयदीप मालाकार, पीआई: सचिन तलवार सह-पीआई: पूनम मल्होत्रा कपूर, जेसीसीसी-टीएसएस अनुसंधान अनुदान, 2022-2024, 2 लाख रु
3. सुधारात्मक जन्मजात सायनोटिक हृदय सर्जरी में रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन, संदीप चक्रवर्ती पीआई: पी। राजशेखर, सह-पीआई: पूनम मल्होत्रा कपूर, एम्स, 2022-2024, 2 लाख रुपये

पूर्ण

1. हृदय रोग में SUPAR की प्रभावकारिता, पूनम मल्होत्रा कपूर, JCCC-TSS अनुसंधान अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. माइट्रल स्टेनोसिस के लिए माइट्रल वाल्व प्रतिस्थापन के बाद पोस्टऑपरेटिव एट्रियल फाइब्रिलेशन के पूर्वसूचक के रूप में बाएं आलिंद का तनाव- एक संभावित अवलोकन अध्ययन
2. प्रतिबाधा कार्डियोमेट्री द्वारा ऑफ पंप और ऑन पंप कोरोनरी आर्टरी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी में वक्षीय द्रव सामग्री की तुलना
3. सीएबीजी से गुजरने वाले मरीजों में बाएं वेंट्रिकुलर अंत-डायस्टोलिक दबाव के आकलन के लिए टीईई व्युत्पन्न फुफ्फुसीय शिरापरक प्रवाह मंदी समय, ऊतक डॉपलर और डायस्टोलिक तनाव सूचकांक की तुलना
4. कार्डियक सर्जरी से गुजर रहे बाल रोगियों में स्टर्नोटॉमी के बाद दर्द से राहत के लिए मल्टीपल इंजेक्शन कॉस्टो-ट्रांसवर्स ब्लॉक (एमआईसीबी) और इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक (ईएसपीबी) की तुलना- एक संभावित, यादृच्छिक, तुलनात्मक अध्ययन

5. निम्न प्रवाह ईसीएमओ में परिणाम - छिड़काव आधारित परियोजना
6. वाल्वुलर हृदय रोग वाले और उसके बिना रोगियों में अंतःशिरा थियोपेंटोन के साथ प्रेरण समय की तुलना

पूर्ण

1. फैलोट के टेट्रालॉजी के लिए इंट्राकार्डियक मरम्मत से गुजरने वाले बच्चों में पेरिऑपरेटिव दाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन के मूल्यांकन के लिए पीआरवी/एलवी अनुपात की तुलना में इकोकार्डियोग्राफी से प्राप्त दाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन पैरामीटर की भूमिका
2. तीन बिंदु-देखभाल परीक्षण उपकरणों का तुलनात्मक मूल्यांकन; सियानोटिक जन्मजात कार्डियक सर्जरी में थ्रोम्बोएलास्टोग्राफ (टीईजी), रोटेशनल थ्रोम्बोएलास्टोमीटर (आरओटीईएम) और सोनोक्लोट विश्लेषक: नियमित प्रयोगशाला परीक्षणों और पोस्टऑपरेटिव रक्तस्राव के साथ सहसंबंध
3. सायनोटिक कार्डियक बच्चों में देखभाल परीक्षण के बिंदु के रूप में FLEV और FIBTEM A5
4. ऑन पंप और ऑफ पंप बीडी ग्लेन के लिए बीएनपी माप - एमसीएच थीसिस
5. इन्फ्लेमेटरी मार्कर IL6, IL-18 और TNF α के साथ डेल निडो कार्डियोप्लेजिया आधारित बीडी ग्लेन सर्जरी
6. सुधारात्मक जन्मजात सियानोटिक हृदय सर्जरी में रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता का अनुमान लगाने के लिए एक संभावित अवलोकन अध्ययन
7. सायनोटिक कार्डियक बच्चों में देखभाल परीक्षण के बिंदु के रूप में FLEV और FIBTEM A5 - डीएम थीसिस
8. प्रतिबाधा कार्डियोमेट्री द्वारा ऑफ पंप और ऑन पंप कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्ट सर्जरी में वक्ष द्रव सामग्री की तुलना

हृद् जैवरसायन विभाग

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. सीएडी रोगियों से ईसीएफसी में नाइट्रिक ऑक्साइड सिंथेज़ गतिविधि, प्रोटीन स्तर और डिमराइजेशन पर जीटीपीसीएच-1 जीन स्थानांतरण द्वारा इंट्रासेल्युलर बीएच 4 स्तर की वृद्धि का प्रभाव और ईसीएफसी कार्यक्षमता पर इसका प्रभाव, आर. लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023- 2025, 43,83,288 रुपये
2. वयोवृद्ध वयस्कों में परिसंचारी एंडोथेलियल प्रोजेनिटर कोशिकाओं (ईपीसी) के का आंतरिक क्षमता (आईसी) के साथ संबंध का अध्ययन करना, आर लक्ष्मी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, 63,40,005 रुपये
3. डायबिटीज नेशनल मॉडल स्टडी एनसीडीआईआर के लिए रक्त के नमूनों के परीक्षण के लिए बाह्य गुणवत्ता आश्वासन (ईक्यूए), आर लक्ष्मी, एनसीडीआईआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 15,00,000 रुपये

4. आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित कोशिका-मुक्त थेरेपी के रूप में कार्डियो-वैस्कुलर डिजीज (सीवीडी) के लिए मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल्स (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी फॉर्मिंग सेल्स (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्जोसोम्स की क्षमता की खोज करना, आरलक्ष्मी, आईसीएमआर द्वारा वित्त पोषित सेल-मुक्त थेरेपी के रूप में, 3 वर्ष, 2021-2024, 49,00,000 रुपये
5. प्रजनन आयु में लौह की कमी से पीड़ित महिलाओं में लौह अवशोषण पर प्रोबायोटिक फॉर्मूलेशन का प्रभाव: एक डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, आर. लक्ष्मी, यूनिक बायोटेक, 2 वर्ष, 2021-2023, 45,00,000 रुपये
6. जन्मजात हृदय रोगों से पीड़ित भारतीय रोगियों में संपूर्ण एक्जोम अनुक्रमण आधारित आनुवंशिक निर्धारकों को परिभाषित करना, डॉ. मनोज के टेंभरे, डीएचआर (आईसीएमआर), परियोजना फरवरी 2023 में स्वीकृत, स्वीकृत, 50 लाख रुपये
7. सोरायसिस में सूजन और त्वचा होमियोस्टैसिस को विनियमित करने में TNIP1, IL2B और NFkBIA और उनके लक्षित माइक्रो RNA की भूमिका को स्पष्ट करना। (आईसीएमआर-1125), PI* के रूप में, डॉ. मनोज के टेंभरे, आईसीएमआर, नई दिल्ली (एक्सट्राम्यूरल ग्रांट), 3 वर्ष, 2023-2025, 50 लाख रु
8. सोरायसिस में सूजन और त्वचा होमियोस्टैसिस को विनियमित करने में टीएनआईपी1, आईएल2बी और एनएफकेबीआईए और उनके लक्षित माइक्रो आरएनए की भूमिका को स्पष्ट करना। (आईसीएमआर-1125) पीआई* के रूप में, डॉ. मनोज के टेंभरे, आईसीएमआर, नई दिल्ली (अतिरिक्त अनुदान), 3 वर्ष, 2019-2022, 45 लाख रुपये
9. न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेल्युलर ट्रैप (एनईटी) को ट्रिगर करने में अलार्मिन्स की भूमिका को स्पष्ट करना: सोरायसिस में प्रतिरक्षा विनियमन और त्वचा होमियोस्टैसिस में निहितार्थ, डॉ. मनोज के टेंभरे, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
10. वृद्ध लोगों में एंजियोजेनेसिस पर आयु बढ़ने के प्रभाव को समझने के लिए एंजियोजेनेसिस से संबंधित प्रोटीनों की अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल का विश्लेषण करना, डॉ. रांसी एन अब्राहम, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये

पूर्ण

1. नई दिल्ली जन्म समूह में गर्भकालीन आयु के लिए उपयुक्त पैदा हुए वयस्कों की तुलना में गर्भकालीन आयु के लिए छोटे पैदा हुए वयस्कों में एंडोथेलियल कॉलोनी बनाने वाली कोशिकाएं (ईसीएफसी) की कार्यक्षमता: वयस्क क्रोनिक बीमारियों में भ्रूण के विकास प्रतिबंध को जोड़ने वाला एक संभावित तंत्र, आर. वर्ष, 2020-2022, 40 लाख रुपये
2. प्रतिरक्षा विनियमन और सूजन में न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेलुलर ट्रैप्स (एनईटी) की भूमिका को परिभाषित करना, डॉ. मनोज के टेंभरे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल अनुदान), 2 वर्ष, 2017-2019, 10 लाख रुपये

3. अलार्मिन प्रेरित नेक्रोप्टोसिस के तंत्र और एथेरोस्क्लेरोसिस में प्रतिरक्षा होमियोस्टेसिस और सूजन में इसकी भूमिका को समझना, डॉ. मनोज के टेंभरे, डीएसटी-एसईआरबी (प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान पुरस्कार-एक्स्ट्रामुरल), 3 वर्ष, 2018-2021, 50 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. एक कोशिका-मुक्त चिकित्सा के रूप में हृदय-संवहनी रोगों (सीवीडी) के लिए मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं (एमएससी) से युक्त एंडोथेलियल कॉलोनी फॉर्मिंग सेल्स (ईसीएफसी) से प्राप्त एक्सोसोम की क्षमता की खोज करना।
2. "कार्डियोमायोपैथी में सूजन, प्रतिरक्षा विनियमन और कार्डियक होमियोस्टैसिस को चलाने में अलार्मिन-ऑटोफैगी-नेक्रोप्टोसिस के जटिल नेटवर्क को स्पष्ट करना"
3. “रूमेटॉइड हृदय रोग में एफसीγ रिसेप्टर आधारित प्रतिरक्षा परिदृश्य को परिभाषित करना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. तृतीयक देखभाल सुविधा, नर्सिंग कॉलेज में भर्ती समय से पहले जन्म लेने वाली माताओं में कम दूध की मात्रा के पूर्वानुमानकर्ता
2. तृतीयक अस्पताल, कार्डियोलॉजी में एंजियोग्राफी कराने वाले रोगियों के एक समूह पर कोरोनरी धमनी रोग के लिए जैविक नमूनों का भंडार स्थापित करना
3. अनुदैर्ध्य विकास संदर्भ का विकास और विकास वेग का मूल्यांकन, कार्डियो चयापचय उपाय और भारत में बच्चों के बीच इसका सहसंबंध एक संभावित अध्ययन, बायोस्टैटिस्टिक्स
4. कोरोनरी धमनी रोग, कार्डियोलॉजी के रोगियों में आहार सूजन सूचकांक पर भूमध्यसागरीय आहार बनाम कम वसा वाले आहार के भारतीय अनुकूलन का प्रभाव
5. मध्यम एटोपिक जिल्द की सूजन, वाले बच्चों में फिलाग्रीन अभिव्यक्ति और रोग की गंभीरता को नियंत्रित करने वाली Th2/Th17 सूजन, त्वचाविज्ञान एवं वेनेरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली (लोरियल वित्त पोषित आईएडीवीएल परियोजना)
6. रिटक्सिमैब के साथ इलाज किए गए पेम्फिगस वाले रोगियों में पुनरावृत्ति की भविष्यवाणी करने वाले नैदानिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी कारक: एक संभावित समूह अध्ययन (संदर्भ संख्या IEC-738/07.02.2020, आरपी-46/2020, त्वचा विज्ञान और वेनेरोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली (एम्स इंट्राम्यूरल) परियोजना)

पूर्ण

1. जन्मजात हृदय रोग, कार्डियक एनेस्थीसिया के लिए सर्जिकल मरम्मत के रोगियों में हृदय पुनर्वास के जैव रासायनिक और संज्ञानात्मक सहसंबंधों पर राजयोग ध्यान के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक एकल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
2. एचडीएल, बायोकैमिस्ट्री की रिवर्स कोलेस्ट्रॉल परिवहन क्षमता की माप के लिए मैक्रोफेज आधारित रिफ्लेक्स परख के विरुद्ध लिपोसोम आधारित कोलेस्ट्रॉल प्रवाह परख का मूल्यांकन

3. विटिलिगो और त्वचा रंजकता में miRNA हस्ताक्षर को परिभाषित करना (सह-अन्वेषक के रूप में), (लोरियल द्वारा वित्त पोषित IADVL परियोजना)
4. एलोपेसिया एरीटा के रोगजनन में शामिल आनुवंशिक, एपिजेनेटिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी घटकों की भूमिका को परिभाषित करना (सह-अन्वेषक के रूप में), आईसीएमए, नई दिल्ली
5. 3 महीने में चयनित स्वास्थ्य संबंधी परिणाम चर पर नर्स के नेतृत्व में संरचित टेलीफोनिक हृदय विफलता प्रबंधन कार्यक्रम की प्रभावशीलता तक पहुंचने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, नर्सिंग कॉलेज, एम्स, नई दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	4	5	10
कुल धनराशि (लाख)	रु. 3,23,00,000	रु. 1,55,00,000	रु. 3,51,23,293

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. डैफोडिल-1: उन रोगियों में डैफोडिल पेरीकार्डियल बायोप्रोस्थेसिस की सुरक्षा और प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, बहुकेंद्रीय, सिंगल आर्म नैदानिक अध्ययन, जिन्हें अपने प्राकृतिक या कृत्रिम महाधमनी या माइट्रल वाल्व के प्रतिस्थापन की आवश्यकता होती है, डॉ. एसके चौधरी, मेरिल लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, सर्वे नंबर 135/139, बिलखिया हाउस, मुक्तानंद मार्ग, चला, वापी-396191, 5 वर्ष, 2019-2024, 30 लाख रुपये

पूर्ण

1. माइट्रल वाल्व ओपन हार्ट सर्जरी के बाद क्लिनिकल रिकवरी और पोस्ट-ऑपरेटिव परिणामों पर आयुष कार्ड चाय राज योग ध्यान बनाम पारंपरिक उपचार की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डॉ एस के चौधरी, आयुष मंत्रालय, आयुष भवन, आईएनए, नई दिल्ली- 23, 3 साल, 2019-2022, 55 लाख रुपये
2. स्कूली बच्चों में एर्गोनॉमिक्स और मस्कुलोस्केलेटल और श्वसन प्रणाली पर इसके प्रभाव के बारे में वैज्ञानिक जागरूकता और स्वास्थ्य प्रथाओं पर केएपी अध्ययन, डॉ एस के चौधरी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2019-2022, 48.2 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

पूर्ण

1. फ़ॉन्टन ऑपरेशन से गुजरने वाले रोगियों में हृदय की शारीरिक रचना
2. आयु का सहसंबंध, एलवी मास इंडेक्स, इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम की मोटाई, इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम की गति की दिशा और प्रारंभिक रिकवरी के साथ एलवी स्ट्रेन पैटर्न, अक्षुण्ण इंटरवेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ महान धमनियों के स्थानांतरण में धमनी स्विच ऑपरेशन में रुग्णता और मृत्यु दर"

3. प्लास्मालाइट-ए आधारित डेल निडो कार्डियोप्लेजिया बनाम प्लेन रिंगर आधारित डेल निडो कार्डियोप्लेजिया: डबल ब्लाइंड यादृच्छिक परीक्षण
4. द्विदिश ग्लेन एनास्टोमोसिस: 6 महीने तक के रोगियों बनाम 6 महीने से अधिक से एक वर्ष की आयु के रोगियों के परिणामों की तुलना
5. फैलोट के टेट्रालॉजी की वैकल्पिक मरम्मत से गुजरने वाले बाल रोगियों में डेल निडो कार्डियोप्लेजिया सॉल्यूशन और मोक्रोप्लेजिया की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण
6. ग्लूटाराल्डिहाइड फिक्स्ड ऑटोलॉगस पेरीकार्डियम का उपयोग करके पृथक महाधमनी वाल्व पुनर्निर्माण के प्रारंभिक परिणाम - ओज़ाकी प्रक्रिया
7. रूमेटिक वाल्वुलर हृदय रोग के निदान और पूर्वानुमान में मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग का पूर्वानुमानित मूल्य
8. पंप बनाम ऑफ पंप पर सीएबीजी से गुजरने वाले एलवी डिसफंक्शन वाले मरीजों में फुफ्फुसीय कार्य की स्वास्थ्य लाभ की तुलना
9. 2 महीने से अधिक या उसके बराबर उम्र में अक्षुण्ण वेंट्रिकुलर सेप्टम संचालित बड़ी धमनियों के स्थानांतरण के लिए धमनी स्विच ऑपरेशन के बाद दीर्घकालिक परिणाम
10. बायो प्रोस्थेटिक वाल्व के परिणाम - 20 वर्ष
11. सीएबीजी से गुजर रहे रोगियों में सीरम विटामिन डी का स्तर और स्टर्नो उपचार पर इसका प्रभाव
12. ऑनपंप बनाम ऑफपंप सीएबीजी से गुजरने वाले मरीजों में फुफ्फुसीय कार्य परीक्षणों की तुलना

जारी

1. फ़ॉन्टन ऑपरेशन के बाद प्यूरल एफ्यूजन पर वैसोप्रेसिन के पेरी-ऑपरेटिव उपयोग का प्रभाव: एक संभावित परीक्षण।
2. प्रकाशित अध्ययनों का एक मेटा-विश्लेषण जिसमें कुल कैवोपल्मोनरी संयोजन एक्स्ट्राकोर्पोरियल परिसंचरण के साथ या उसके बिना किया गया था।
3. पैलिएटिव एट्रियल स्विच प्रक्रिया, महाधमनियों के d-ट्रांसपोज़िशन, वेंट्रिकुलर सेप्टल के दोषों और गंभीर आर्टरियल हाइपरटेंशन से पीड़ित रोगियों में वेंट्रिकुलर सेप्टल के दोष को खुला छोड़ देता है।
4. एक्स्ट्राकार्डियक फ़ॉन्टन प्रक्रिया से गुजरने वाले रोगियों में मुख मार्ग से सिल्डेनाफिल का सेवन - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन।
5. महाधमनियों के सामान्य रूप से संबंधित और संरचनात्मक रूप से संशोधित दुरूह स्थिति में सुसंगत वेंट्रिकुलोआर्टेरियल संयाजनों के साथ प्रतिकूल एट्रियोवेंट्रिक्यूलर।

6. फैलोट के टेट्रालॉजी की वैकल्पिक मरम्मत से गुजरने वाले बच्चों में परिणामों की भविष्यवाणी करते समय न्यूट्रोफिल लिम्फोसाइट अनुपात (NIR) और लिम्फोसाइट मोनोसाइट अनुपात (LMR) की भूमिका।
7. एक्स्ट्राकार्डियक फ़ॉन्टन ऑपरेशन से गुजरने वाले रोगियों में एनाटॉमी और हीमोडायनामिक्स - इकोकार्डियोग्राफी, कंप्यूटेड टोमोग्राफी और कार्डियक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग की तुलना: एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
8. पल्मोनरी रूट ट्रांसफर सर्जरी के तत्काल और अल्पकालिक परिणामों का विश्लेषण- एक पूर्वव्यापी।
9. जंक्शनल एक्टोपिक टैकिकार्डिया को साइनस लय में बदलने या पोस्टऑपरेटिव कार्डियक सर्जरी के रोगियों में हृदय गति को नियंत्रित करने में डेक्समेडेटोमिडिन और एमियोडरोन की प्रभावकारिता
10. tof के रोगियों की पल्मोनरी स्थिति में मैकेनिकल बनाम बायोप्रोस्थेटिक वाल्व के प्रारंभिक और मध्यावधि परिणामों की तुलना - प्राथमिक सर्जरी और रीडू सर्जरी (संशोधित tof)।
11. फैलट के टेट्रालॉजी की वैकल्पिक मरम्मत से गुजरने वाले बाल रोगियों में डेल-निडो कार्डियोप्लेजिया समाधान और माइक्रोप्लेजिया की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
12. कार्डियक सर्जरी में फेबक्सोस्टैट का प्रीऑपरेटिव उपयोग- एक डबल ब्लाइंड संभावित यादृच्छिक चरण II का परीक्षण।
13. रूमेटिक माइट्रल वाल्व स्टेनोसिस (विल्किन्स स्कोर <8vs>10) से पीड़ित रोगियों के 2 समूहों में बाएं वेंट्रिक्यूलर मायोकार्डियल इंटरस्टिशियल फाइब्रोसिस की तुलना और उनके प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव परिणाम।
14. एऑर्टिक वाल्व प्रतिस्थापन प्रक्रिया के 6 महीने बाद रोगियों में हृदयघात के लिए बायोमार्करों के रूप में कोपेप्टिन और BNP के स्तरों की तुलना और मायोकार्डियल फाइब्रोसिस के साथ इसका परस्पर संबंध।
15. कार्डियक एलोग्राफ़्ट की अस्वीकृति में तरल बायोप्सी की चिकित्सीय उपयोगिता।
16. फुफ्फुसीय धमनी के उच्च रक्तचाप के साथ जन्मजात हृदय रोग के लिए सुधारात्मक सर्जरी से गुजर रहे बाल रोगियों में फुफ्फुसीय धमनी के दबाव पर लेवोसिमेंडन और मिल्रिनोन का तुलनात्मक प्रभाव: एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड क्लिनिकल परीक्षण।
17. BT शंट सर्जरी से गुजरने वाले जन्मजात हृदय रोग वाले शिशुओं में प्रतिबाधा कार्डियोमेट्री द्वारा थोरेसिक फ्लूइड की मात्रा में परिवर्तन का मापन: एक संभावित देशांतरीय अवलोकनात्मक अध्ययन।
18. CABG से गुजर रहे रोगियों में सीरम विटामिन D का स्तर: 2 महीनों के बाद स्टर्नल हीलिंग के साथ इसका परस्पर सम्बन्ध।

19. उम्र का प्रभाव, lv मास इंडेक्स, ivs की मोटाई, शीघ्र स्वास्थ्य लाभ करने पर ivs की गति की दिशा: TGA के aso में रुग्णता और मृत्यु दर।
20. कार्डियक सर्जरी के बाद बच्चों में वेंटिलेटर से जुड़े निमोनिया का परिणाम - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
21. ऑफ-पंप से गुजरने वाले सीएबीजी से पीड़ित रोगियों में एट्रियल फिब्रिलेशन के भविष्यवक्ता के रूप में Bnp- एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन।
22. हृदय प्रत्यारोपण के प्राप्तकर्ताओं में स्पेकल ट्रैकिंग इकोकार्डियोग्राफी के साथ साइलेंट कार्डियक एलोग्राफ़्ट वैस्कुलोपैथी का पता लगाना: पारंपरिक एंडोमायोकार्डियल बायोप्सी के साथ एक तुलनात्मक अध्ययन।
23. कोविड संक्रमण वाले हृदय प्रत्यारोपण के रोगियों की चिकित्सीय अवधि और परिणाम।
24. बाल हृदय शल्य-चिकित्सा के रोगियों में ट्रैकियोस्टोमी के परिणाम।
25. बाइकस्पिड एऑर्टिक वाल्व और ट्राइकसपिड एऑर्टिक वाल्व के रोगियों में पल्मोनरी ट्रंक और आरोही महाधमनी में अपक्षयी परिवर्तनों की पैथोलॉजिकल तुलना।
26. ग्लूटाराल्डिहाइड फिक्स्ड ऑटोलॉगस पेरीकार्डियम से गुजरने वाले का उपयोग करके पृथक किए गए एऑर्टिक वाल्व पुनर्निर्माण के प्रारंभिक परिणाम - ओज़ाकी प्रक्रिया।
27. अखंड वेंट्रिक्यूलर सेप्टम के साथ महान धमनियों के रूपांतरण से पीड़ित बच्चों में न्यूरोडेवलपमेंटल परिणामों का आकलन, जो एकीकृत ईसीएमओ रक्षा के बिना सर्जरी कराने वाले बच्चों की तुलना में एकीकृत ईसीएमओ सुरक्षा के साथ बचपन में प्राथमिक आर्टरियल स्विच ऑपरेशन से गुजरे थे।
28. बच्चों के माइट्रल वाल्व रोगों की सर्जिकल प्रबंधन के प्रस्तुतीकरण और परिणामों का एक अध्ययन।
29. रूमेटिक वाल्वुलर हृदय रोग के निदान और पूर्वानुमान में मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग का पूर्वानुमानित मूल्य।
30. बाईडायरेक्शनल सुपीरियर कावोपल्मोनरी एनास्टोमोसिस: 6 महीने से अधिक की आयु से लेकर एक वर्ष की आयु के रोगियों की तुलना में 6 वर्ष तक की आयु के रोगियों के परिणामों का एक तुलनात्मक अध्ययन।
31. 2 महीने से अधिक या उसके बराबर की आयु में ऑपरेट किए गए अखंड वेंट्रिकुलर सेप्टम के साथ महान धमनियों के रूपांतरण के लिए आर्टरियल स्विच ऑपरेशन के बाद दीर्घकालिक परिणाम।
32. बायो प्रौस्थेटिक वाल्व के परिणाम - 20 वर्षों का अध्ययन।
33. पंप बनाम ऑफ पंप पर सीएबीजी से गुजरने वाले lv डिसफंक्शन के साथ रोगियों में पल्मोनरी कार्यप्रणाली के फिर से सक्रिय होने की तुलना।
34. वयस्कों में महाधमनी के संकुचन के सर्जिकल सुधार के परिणाम-एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

35. tof से पीड़ित रोगियों की पल्मोनरी स्थिति में मैकेनिकल बनाम बायोप्रोस्थेटिक वाल्व के प्रारंभिक और मध्यावधि परिणामों की तुलना - प्राथमिक सर्जरी और रीडू सर्जरी (संशोधित tof)।
36. पल्मोनरी रूट ट्रांसफर सर्जरी के तात्कालिक और अल्पकालिक परिणामों का विश्लेषण - एक पूर्वव्यापी अध्ययन।
37. जंक्शनल एक्टोपिक टैकिकार्डिया को साइनस लय में बदलने या पोस्टऑपरेटिव कार्डियक सर्जरी के रोगियों में हृदय गति को नियंत्रित करने में डेक्समेडिटोमिडिन और एमियोडरोन की प्रभावकारिता।

कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. उत्तरजीविता में सुधार के लिए भारत में थैलेसीमिया रोगियों में आयरन की अधिकता को मापना और उसका इलाज करना, डॉ प्रिया जगिया, एम्स - यूसीएल अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 5 लाख रुपये
2. सीएआरआरएस समूह में प्रिसिजन कार्डियोवास्कुलर डिजीज फेनोटाइपिंग और पैथोफिजियोलॉजिकल पाथवे (प्रिसिजन-सीएआरआरएस), डॉ. निखिल टंडन (अन्वेषक के रूप में डॉ. प्रिया जगिया), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए
3. परिधीय धमनी रोग के कारण गैर-पुनर्जीवित गंभीर अंग इस्किमिया में इंट्रामस्क्युलर ऑटोलॉगस प्लेटलेट समृद्ध प्लाज्मा द्वारा प्रेरित चिकित्सीय एंजियोजेनेसिस का मूल्यांकन, डॉ. संजीव कुमार, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष के विस्तार के साथ, 2019-2022, 4.9 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. रोग गतिविधि का आकलन करने और ताकायासु के धमनीशोथ में मृत संवहनी खंडों का पता लगाने में 4डी फ्लो एमआरआई मापदंडों (वॉल शीयर स्ट्रेस और पल्स तरंग वेग परिवर्तन) की भूमिका
2. मल्टीडिटेक्टर सीटी एंजियोग्राफी छवियों के आभासी विच्छेदन का उपयोग करके डीओआरवी के रोगियों में इंटरवेंट्रिकुलर संचार/वीएसडी की नियमितता का मूल्यांकन
3. कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं की भविष्यवाणी में मात्रात्मक और गुणात्मक कोरोनरी प्लाक विश्लेषण के पूर्वानुमानित मूल्य का मूल्यांकन
4. बाइसीपिड महाधमनी वाल्व वाले रोगियों में 4डी-प्रवाह हृदय चुंबकीय अनुनाद द्वारा महाधमनी प्रवाह पैटर्न और वॉल शीयर स्ट्रेस मैप का आकलन
5. मायोकार्डियल आयरन अधिभार में कार्डियक चुंबकीय अनुनाद तनाव विश्लेषण की भूमिका
6. एडहेसिव कैप्सुलिटिस में नैदानिक सुधार के लिए ट्रांसएटेरियल एम्बोलिज़ेशन

7. एडवांस्ड कैल्शियम-अवेयर छवि पुनर्निर्माण तकनीक के साथ कम ट्यूब वोल्टेज और टिन निस्पंदन का उपयोग करके कोरोनरी धमनी कैल्शियम स्कोरिंग पर खुराक में कमी
8. कोरोनरी धमनी रोग और प्रमुख प्रतिकूल हृदय संबंधी घटनाओं की उपस्थिति और गंभीरता के साथ इंट्राथोरेसिक वसा मापदंडों और अतिरिक्त कोरोनरी कैल्शियम का सहसंबंध
9. कार्डिएक मैग्नेटिक रेज़ोनेंस इमेजिंग का उपयोग करके रूमेटिक हृदय रोग (प्रोग्रेसिव एंड असिम्पटोमैटिक सेवेरर कम्पेंसेटेड वाल्वुलर हार्ट) में बाएं वेंट्रिकुलर मायोकार्डियल भागीदारी का मूल्यांकन
10. चार-आयामी चरण कंट्रास्ट एमआरआई का उपयोग करके हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी में बाएं वेंट्रिकुलर आउटफ्लो ट्रैक्ट और माइट्रल रेगुर्गिटेशन की प्रत्यक्ष मात्रा का ठहराव का मूल्यांकन
11. ग्रेट सैफनस नस के एंडोवेनस लेजर एब्लेशन द्वारा वैरिकाज़ नसों के इलाज वाले रोगियों में एनाल्जेसिया के लिए ऊरु तंत्रिका ब्लॉक के साथ संयुक्त ऑबट्यूरेटर नर्व की व्यवहार्यता, सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला डबल ब्लाइंडेड रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण
12. ग्रेड II/III बवासीर के लिए सुपीरियर रेक्टल आर्टरी एम्बोलिज़ेशन- एक पायलट अध्ययन
13. वेंट्रिकुलर सेप्टल दोष वाले रोगियों में फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप के मूल्यांकन में 4डी प्रवाह और 2डी चरण कंट्रास्ट एमआरआई की तुलना
14. हाइपरट्रॉफिक कार्डियोमायोपैथी वाले रोगियों के पूर्वानुमान के लिए कार्डियक एमआरआई द्वारा विभिन्न मायोकार्डियल निशान परिमाणीकरण विधि का सहसंबंध
15. कार्डियक डायस्टोलिक फ़ंक्शन के मूल्यांकन में सीटी कोरोनरी एंजियोग्राफी की पूरक भूमिका
16. सीएचडी वाले बड़े बच्चों में कोरोनरी धमनियों के मूल्यांकन में छवि गुणवत्ता, विकिरण खुराक और रेट्रोस्पेक्टिव गेटेड सीटीवीएस गेटेड फ्लैश की नैदानिक सटीकता की तुलना

पूर्ण

1. कंप्यूटेड टोमोग्राफी पर फ़ॉन्टन सर्कुलेशन में टेस्ट बोलस तकनीक: छवि गुणवत्ता, कंट्रास्ट खुराक और विकिरण खुराक (डीएलपी) का आकलन
2. मरम्मत किए गए टीओएफ रोगियों में 2डी और 4डी चरण कंट्रास्ट सीएमआर के बीच रक्त प्रवाह माप की तुलना
3. जन्मजात हृदय रोग में कोरोनरी धमनियों के मूल्यांकन के लिए कोरोनरी सीटी एंजियोग्राफी के साथ स्व-निर्देशित मुक्त श्वास 3डी कोरोनरी एमआर एंजियोग्राफी की तुलना
4. उन्नत हाइब्रिड पुनरावृत्त पुनर्निर्माण के साथ कम ट्यूब करंट और कम किलोवोल्टेज शिखर का उपयोग करके कोरोनरी धमनी कैल्शियम स्कोरिंग पर निदान सटीकता और विकिरण खुराक में कमी
5. कोविड-19 से बचे लोगों में मायोकैन्डिड चोट की उपस्थिति और परिणामों का आकलन: एक कार्डियोवास्कुलर चुंबकीय अनुनाद अध्ययन

6. रोगसूचक वैरिकाज़ नस और सेफेनोफेमोरल जंक्शन अक्षमता वाले रोगियों में उच्च और निम्न ऊर्जा 1940 नैनोमीटर रेडियल फाइबर का उपयोग करके ग्रेट सैफेनस वेन एंडोवेनस लेजर एब्लेशन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
7. दाएं वेंट्रिकुलर आयतन और कार्य का विश्लेषण: अक्षीय, लघु अक्ष और चार कक्ष दृश्य और इकोकार्डियोग्राफी में हृदय चुंबकीय अनुनाद के बीच तुलना

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. स्टैनफोर्ड टाइप बी महाधमनी विच्छेदन के विकास की भविष्यवाणी और ऐसी स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकी के वास्तविक विकल्प वित्तीय मूल्यांकन के लिए सीटी इमेजिंग सुविधाओं पर लागू नवीन सांख्यिकीय शिक्षण और मॉडलिंग तकनीक, एम्स-आईआईटी परियोजना
2. रुग्ण मोटापे में हृदय संबंधी जोखिम को कम करने में बेरिएट्रिक सर्जरी का प्रभाव, सर्जरी
3. चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए विकिरण डोसीमीटर के रूप में रेडियोक्रोमिक फिल्म की तैयारी और अध्ययन, विकिरण भौतिकी
4. सीएडी और एलवी डिसफंक्शन, कार्डियोलॉजी के रोगियों में व्यवहार्यता के आकलन और कार्यात्मक सुधार की भविष्यवाणी के लिए एफडीजी-पीईटी के साथ डीई-सीएमआर की तुलना
5. कार्डियक सारकॉइडोसिस में 68 Ga-DOTANOC PET/CT की भूमिका; कार्डियक एमआर, न्यूक्लियर मेडिसिन के साथ तुलना

पूर्ण

1. नॉनस्केमिक डाइलेटेड कार्डियोमायोपैथी, कार्डियोलॉजी के रोगियों में मायोकार्डियल फाइब्रोसिस और आकृति विज्ञान दीवार की पहचान में कार्डियक चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की भूमिका

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. कार्डियो-ऑन्कोलॉजी स्टडी (आईसीओएस) में इमेजिंग पर अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन, डॉ. चेतन डी पटेल, अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, सितंबर 2019-जारी, 25,000 यूरो
2. ट्रान्सथायरेटिन अमाइलॉइड कार्डियोमायोपैथी अध्ययन (आईटीएसी अध्ययन), डॉ बंगकिम चंद्रा (पीआई) और डॉ चेतन डी पटेल (सह-पीआई), अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए), 5 वर्ष, 2021-जारी, 25,000 यूरो

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. योगीकैड अध्ययन का डिज़ाइन और तरीके- पोस्ट पीसीआई रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक जांच परीक्षण
2. पीवाईपी स्कैन द्वारा गंभीर महाधमनी स्टेनोसिस वाले बुजुर्ग रोगियों में सहवर्ती ट्रान्सथायरेटिन अमाइलॉइडोसिस की व्यापकता का अध्ययन

3. प्राथमिक एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में नव सहायक कीमोथेरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में पीईटी-सीटी की भूमिका
4. उच्च जोखिम वाली आबादी में ट्रान्सथायरेटिन कार्डियक अमाइलॉइडोसिस (एटीटीआर-कार्डियक अमाइलॉइडोसिस) का पता लगाने में 99mTc-पाइरोफॉस्फेट इमेजिंग की भूमिका
5. अस्थि सिंटिग्राफी में कंकाल मेटास्टेसिस को वर्गीकृत करने के लिए एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण
6. प्रोस्टेट कैंसर जोखिम स्तरीकरण के लिए रेडियोनॉमिक्स: एक मशीन लर्निंग दृष्टिकोण
7. वसायुक्त भोजन प्रोटोकॉल का उपयोग करके पित्ताशय इजेक्शन अंश का हेपेटोबिलरी स्किंटिग्राफी मूल्यांकन: भारतीय आबादी में संदर्भ मूल्यों की स्थापना
8. गतिशील लार स्किंटिग्राफी: भारतीय जनसंख्या में सामान्य पैटर्न और संदर्भ मूल्य
9. कशेरुका घावों के मूल्यांकन में SPECT-CT हड्डी स्कैन की भूमिका और प्लेनर हड्डी सिन्टीग्राफी पर इसके फायदे
10. हड्डी के सिंटिग्राफी पर अकेले घाव के मूल्यांकन में प्लेनर और एसपीईसीटी पर सीटी का वृद्धिशील मान
11. कम गिनती वाली परमाणु चिकित्सा छवि को उच्च गिनती वाली छवि में परिवर्तित करने के लिए गतिशील स्टोकेस्टिक अनुनाद का सत्यापन: एक प्रेत अध्ययन

पूर्ण

1. सारकॉइडोसिस में हृदय की भागीदारी के स्पेक्ट्रम का मूल्यांकन करना।
2. संदिग्ध या पुष्टि किए गए ग्रैनुलोमेटस मायोकार्डिटिस वाले रोगियों की नैदानिक प्रोफ़ाइल और परिणाम
3. कोविड-19 से बचे लोगों में कोविड-19 के कार्यात्मक अनुक्रम की मैपिंग में एफ-18 एफडीजी की भूमिका
4. छोटे सेल फेफड़ों के कैंसर के प्रारंभिक चरण में पीईटी-सीटी की भूमिका
5. गैस्ट्रिक खाली करने वाली स्किंटिग्राफी के लिए एक मानक शाकाहारी भारतीय भोजन की रेडियोलेबलिंग दक्षता
6. नियमित गैस्ट्रिक खाली करने वाली स्किंटिग्राफी पर छोटी आंत के पारगमन का आकलन: संदर्भ मूल्यों की स्थापना
7. संपूर्ण आंत पारगमन: संदर्भ मूल्यों की स्थापना
8. सिंगुलर वैल्यू डीकंपोजिशन का उपयोग करके सिंटिग्राफिक छवियों का संपीड़न
9. फ़ज़ी लॉजिक का उपयोग करके सिंटिग्राफ़िक छवि कंट्रास्ट संवर्द्धन
10. असतत कोसाइन ट्रांसफ़ॉर्म का उपयोग करके परमाणु चिकित्सा छवियों का संपीड़न
11. ब्लाइंड डीकोनवोल्यूशन विश्लेषण का उपयोग करके छवि पुनर्स्थापना
12. स्तन कैंसर में बनावट विश्लेषण

13. लिंफोमा रोगियों में बनावट विश्लेषण
14. न्यूक्लियर मेडिसिन छवियों का एज अवेयर कंट्रास्ट एन्हांसमेंट (ईएसीई)।
15. लिवर स्कैन की एफ-18-एफडीजी पीईटी छवियों का कंट्रास्ट संवर्द्धन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कोविड के बाद महाधमनी और फेफड़ों में सूजन: हृदय संबंधी घटना का एक मार्कर, एक भारत-ऑस्ट्रेलियाई संयुक्त परियोजना- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
2. पोस्ट-पीसीआई रोगियों में योग-आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता: एक संभावित यादृच्छिक, ओपन-लेबल, ब्लाइंड एंड-पॉइंट परीक्षण- आयुष मंत्रालय, सीआईएमआर, कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
3. एक मानक शाकाहारी भोजन का उपयोग करके गैस्ट्रिक खाली करने वाली सिंटिग्राफी: मध्यावधि अनुवर्ती, सर्जरी के बाद स्लीव गैस्ट्रेक्टोमी रोगियों में संदर्भ मूल्यों की स्थापना
4. सारकॉइड से जुड़े हृदय संबंधी रोगियों के रोग का निदान निर्धारित करने के लिए एक अध्ययन: निदान और उपचार एल्गोरिदम का विकास, कार्डियोलॉजी, कार्डियक रेडियोलॉजी
5. इंफ्लेमेटरी कार्डियोमायोपैथी: नवीन प्रोटिओमिक बायोमार्कर, गैर-विपरीत एमआरआई और सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर आधारित पीईटी/सीटी, कार्डियोलॉजी, कार्डियक रेडियोलॉजी के संयोजन वाले डायग्नोस्टिक एल्गोरिदम को मान्य करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करने वाला एक अध्ययन।
6. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर रोगियों (PROCA अध्ययन), यूरोलॉजी के प्रारंभिक चरण के लिए 68Ga PSMA-11 PET-CT और पारंपरिक इमेजिंग की नैदानिक सटीकता

पूर्ण: दो

1. प्राथमिक पीसीआई के बाद मल्टीवेसल रोग वाले एसटीईएमआई रोगियों में गैर-अपराधी वाहिकाओं के इस्केमिया-निर्देशित पीसीआई के लिए गेटेड-स्पेक्ट एमपीआई का मूल्य- अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, कार्डियोलॉजी द्वारा वित्त पोषित
2. प्रोस्टेट कैंसर, यूरोलॉजी के रोगियों के निदान और अनुवर्ती कार्रवाई में गैलियम-*68* लेबल वाले पीएसएमए के साथ पीईटी-सीटी का उपयोग

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ	**2020 - 2021**	**2021- 2022**	**2022 - 2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	1	1	2
कुल वित्त पोषण परियोजना 1 - 25,000 यूरो परियोजना2 - 25,000 यूरो	5000 यूरो/वर्ष -	5000 यूरो/वर्ष -	5000 यूरो/वर्ष 5000 यूरो/वर्ष

स्टेम सेल सुविधा

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ऊतक पुनर्जनन के लिए एमनियोटिक मेम्ब्रेन और नैनो-फाइबर कम्पोजिट स्कैफोल्ड का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 2 वर्ष, 2022-2024, 82 लाख रुपये
2. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लक्षणों में सुधार के लिए सेल फ्री थेरेपी दृष्टिकोण के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका की जांच करने के लिए, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 73 लाख रुपये
3. ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों के लक्षणों में सुधार के लिए सेल मुक्त चिकित्सीय दृष्टिकोण के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम सेल व्युत्पन्न एक्सोसोम की भूमिका की जांच करने के लिए, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 75 लाख रुपये
4. घाव भरने के लिए शेल्फ उत्पाद पर आधारित एक्सोसोम का विकास, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी-बीआईआरएसी, 2 वर्ष, 2020-2022, 50 लाख रुपये
5. भारत-अमेरिका संयुक्त केंद्र: इंडियाना विश्वविद्यालय, डॉ. सुजाता मोहंती, आईयूएसएसटीएफ के साथ "पुनर्योजी चिकित्सा में सेलुलर रिप्रोग्रामिंग", 3 वर्ष, 2019-2022, 38 लाख रुपये
6. स्टेम सेल अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र: बेसिक और ट्रांसलेशनल (चरण- II), डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 5 वर्ष, 2017-2022, 292 लाख रुपये
7. आयरन ऑक्साइड नैनोपार्टिकल का उपयोग करके रेटिना तक स्टेम सेल डिलीवरी बढ़ाने की रणनीतियाँ, डॉ. सुजाता मोहंती, डीबीटी, 4 वर्ष, 2019-2023, 85 लाख रुपये
8. रोगसूचक घुटने OA के उपचार के लिए ऑटोलॉगस ऊतक-व्युत्पन्न स्ट्रोमल वैस्कुलर अंश या हयालूरोनिक एसिड का इंट्रा-आर्टिकुलर इंजेक्शन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ सुजाता मोहंती, एम्स, 1 वर्ष, 2020-2021, 5 लाख रुपये
9. नेत्र संबंधी जलन के कारण एकतरफा लिम्बल स्टेम सेल की कमी के उपचार के लिए ऑटोलॉगस पूर्व-विवो संवर्धित लिम्बल एपिथेलियल प्रत्यारोपण: एक बहु-केंद्र यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. राधिका टंडन (पीआई) डॉ. सुजाता मोहंती (सह-पीआई), डीएचआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 90 लाख रुपये
10. तीव्र जीवीएचडी में प्रतिरक्षादमनकारी क्षमता पर ध्यान देने के साथ, विभिन्न स्रोतों से प्राप्त मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के स्राव का तुलनात्मक विश्लेषण, डॉ. रंजीत साहू (पीआई) डॉ. सुजाता मोहंती (सह-पीआई), आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 61 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. त्वचा की चोट मॉडल में ऊतक विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एक्सोसोम की पुनर्योजी क्षमताओं को स्पष्ट करना

2. यकृत रोग के लिए चिकित्सीय हस्तक्षेप के रूप में मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त बायोइंजीनियर्ड बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं का विकास
3. स्टेम कोशिकाओं और पुनर्योजी चिकित्सा के लिए मानव एमनियोटिक झिल्ली और रेशम आधारित 3डी मुद्रित मचानों का विकास

पूर्ण

1. मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणों का मूल्यांकन
2. लीवर फाइब्रोसिस मॉडल में मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से प्राप्त एक्सोसोम की हेपेटिक पुनर्योजी क्षमता

सहयोगात्मक परियोजनाएँ

पूर्ण

1. पुनर्योजी अनुप्रयोगों के लिए 3डी मुद्रित श्वासनली ग्राफ्ट
2. ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट-रोग में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण
3. डेंगू रोगजनन में प्लेटलेट-न्यूट्रोफिल इंटरैक्शन की भूमिका को समझना
4. स्टेम सेल विभेदन के लिए जैव-अपशिष्टों से कार्बन-आधारित नैनोस्ट्रक्चर का संश्लेषण और लक्षण वर्णन

2020-2021, 2021-2022 और 2022-2023 की परियोजना का विवरण

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
वित्त पोषित परियोजनाओं की कुल संख्या	17	08	11
एक्स्ट्रामुरल/इंट्राम्यूरल फंडिंग की कुल राशि (लाख)	रु. 66,800,000	रु. 64,500,000	रु. 85,110,797

प्रकाशन

रक्त आधान सेवाएँ

पत्रिका: 2

हृद्विज्ञान

पत्रिका: 96 **पुस्तक में अध्याय: 1**

हृद् संवेदनाहरण एवं गम्भीर उपचार

पत्रिका: 43 **पुस्तक में अध्याय: 34** **पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1**

हृद् जैवरसायन विभाग

पत्रिका: 8 सार: 2

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल			
पत्रिका लेख	16	10	8
सार	-	-	2
किताबों में अध्याय	3	2	-
पुस्तकें	-	-	-

कार्डियो-थोरेसिक एवं वैस्कुलर सर्जरी विभाग

पत्रिका: 22

कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग

पत्रिका: 104 **सार: 1** **पुस्तक में अध्याय: 1**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	63	62	106
पत्रिका लेख	62	61	104
सार	0	1	1
किताबों में अध्याय	1	1	1
पुस्तकें	0	0	0

न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग

पत्रिका: 10 **सार: 15**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल			
पत्रिका लेख	13	14	10
सार	3	5	15
किताबों में अध्याय	-	-	-
पुस्तकें	-	-	-

स्टेम सेल सुविधा

पत्रिका: 17 **पुस्तक में अध्याय: 5**

पेटेंट:

1. बायोमेडिकल अनुप्रयोग और उसके साथ लेबल किए गए बायोमटेरियल के लिए बायोकम्पैटिबल फ्लोरोसेंट चुंबकीय नैनोकण को संश्लेषित करने के लिए एकल-चरण विधि। दाखिल करने की तिथि: 30 जून 2022, आवेदन संख्या: 202211037664, ओ/संदर्भ: SUJA002INP
2. एक जैव सम्मिश्र, उसकी संरचना और उसे तैयार करने की विधि। दाखिल करने की तारीख: 8 जुलाई 2022, आवेदन संख्या: 202211039429, ओ/संदर्भ: SUJA003INP
3. दोहरे छिद्र वाला स्कैफल्ड और उसकी तैयारी की विधि। दाखिल करने की तिथि: 11 मार्च 2023, आवेदन संख्या: 202311026724, ओ/संदर्भ: SUJA004INP

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	2020-2021	2021-2022	2022-2023
प्रकाशनों की कुल संख्या	38	27	22
पत्रिका आलेखों की कुल संख्या	33	25	17
सार की कुल संख्या	NIL	NIL	NIL
पुस्तक में अध्यायों की कुल संख्या	05	02	05

रोगी देखभाल

रक्त आधान सेवाएँ

रक्त इकाइयाँ एकत्रित की गईं	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
प्रतिस्थापन दाताओं	3939	9090	12318
विभाग में स्वैच्छिक दानदाता	175	241	399
ब्लड मोबाइल में स्वैच्छिक रक्त	458	683	693
पारिवारिक स्वैच्छिक दाता	3598	5995	5865
ब्लड बैंक, एम्स अस्पताल से प्राप्त हुआ रक्त	224	63	94
जेपीएनएटीसी, एम्स से प्राप्त हुआ रक्त	74	29	41
दूसरे अस्पताल से प्राप्त हुआ रक्त	188	68	87
एकत्रित रक्त इकाइयों की कुल संख्या	8795	16169	19544
जारी की गईं रक्त इकाइयाँ			
सीटीवीएस/एनएस को जारी की गईं रक्त इकाइयां	9199	16832	20471
ब्लड बैंक, एम्स अस्पताल को जारी किया गया रक्त	153	308	396
जेपीएनएटीसी को जारी किया गया रक्त	98	215	469
अन्य अस्पतालों को जारी किया गया रक्त	743	910	1974
HIV/HBsAg/HCV रिएक्टिव यूनिट डिसकार्ड	243	504	696
जारी की गई रक्त इकाइयों की कुल संख्या	**10193**	**18265**	**23310**

प्रयोगशाला प्रक्रियाएं			
रक्त समूहन (एबीओ) की कुल संख्या	26836	66142	89425
रक्त समूहन (आरएच) की कुल संख्या	26836	66142	89425
क्रॉस मिलान की कुल संख्या	51325	97981	127806
संक्रामक मार्कर			
एचआईवी परीक्षण	11233	19437	22316
एचबीवी परीक्षण	11254	18521	21655
एचसीवी परीक्षण	11319	18491	21539
सिफलिस परीक्षण	10232	18637	21244
एमपी परीक्षण	10258	17300	20800
कुल टीटीआई परीक्षण	**54296**	**92386**	**107554**
जारी किए गए रक्त घटकों की संख्या			
ताजा जमे हुए प्लाज्मा (एफएफपी)	7513	15858	20158
प्लेटलेट कॉन्सन्ट्रेट	5655	9907	10663
क्रायोप्रेसिपिटेट	566	1326	1798
पैक्ड लाल कोशिकाएँ	10193	18265	23310
एकल दाता प्लेटलेटफेरेसिस	17	55	47
कुल	**23944**	**45411**	**55976**

हृद्विज्ञान

कुल संख्या

नए ओपीडी मामले	32,012	पुराने कार्डियोलॉजी मामले	77,411
रोगी सेवाएँ		• टीएमटी	1180
• होल्टर	2840	• इकोकार्डियोग्राफी	35,491
• ईसीजी	19,286	• एबीपी	51
• टीईई	168	• एचयूटीटी	140

कैथ लैब सेवाएँ

कार्ट 1363	कैथ 731
बैलून डायलेशन 56	पीटीएमसी 289
पीडीए डिवाइस 92	एएसडी डिवाइस 86
वीएसडी डिवाइस 05	पीटीसीए 1055
पेसमेकर 165	आईसीडी 51
सीआरटी 35	आरएफए 189
कार्टो 19	डीएसए 100

कॉइल एम्बोलिज़ेशन 80	बीएएस 77
ईएम बायोप्सी 35	

हृद् संवेदनाहरण एवं गम्भीर उपचार

1. नियमित, आपातकालीन और उच्च जोखिम वाले कार्डियक सर्जिकल रोगियों के प्रबंधन के लिए उन्नत निगरानी सुविधाएं (टीईई, टीटीई, एनआईआरएस, एनआईसीओ मॉनिटरिंग) सभी स्पेक्ट्रम से संबंधित हैं।
2. हृदय विफलता, हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी रोगियों के लिए विशेष संज्ञानात्मक पुनर्वास कार्यक्रम
3. ऑपरेशन से पहले और बाद के रोगियों के लिए नियमित तनाव प्रबंधन कार्यक्रम
4. संकायों द्वारा विभिन्न सामुदायिक कार्यक्रम।
5. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा के लिए एनेस्थीसिया के साथ विशेष भागीदारी
6. हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी जैसे हृदय विफलता उपचार की टीम के सदस्य
7. ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी
8. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा
9. जटिल जन्मजात हृदय शल्य चिकित्सा और ओपीसीएबी के लिए एनेस्थीसिया में विशेष भागीदारी
10. हृदय प्रत्यारोपण और एलवीएडी जैसे हृदय विफलता उपचार की टीम के सदस्य
11. ट्रांससोफेजियल इकोकार्डियोग्राफी
12. सामुदायिक सेवा- धर्मार्थ स्वास्थ्य शिविर और स्वास्थ्य शिक्षा

हृद् जैवरसायन विभाग

हृद् जैवरसायन प्रयोगशाला रोगी उपचार की सेवाओं में अत्याधुनिक नैदानिक परीक्षण की सुविधाएं प्रदान करता है और परीक्षण की सुविधाएं सीएन सेंटर के रोगियों के साथ-साथ संस्थानों के अन्य विभागों और बाहरी रोगियों के लिए भी उपलब्ध हैं। लैब सीएन सेंटर के लिए संयुक्त केंद्रीकृत प्रयोगशाला के रूप में संचालित होता है और ब्लड बायोकेमिस्ट्री (रक्त शर्करा - फास्टिंग, पीपी, रैंडम, एलएफटी, केएफटी), हीमेटोलॉजी (हीमोग्राम, पीटी/आईएनआर, ईएसआर), लिपिड प्रोफाइल, हार्मोन (टी 3, टी 4, टीएसएच, टेस्टोस्टेरोन, एफएसएच, एलएच, प्रोलेक्टिन, रेनिन, एल्डोस्टेरोन) और विटामिन प्रोफाइल (विटामिन डी, बी 12, फोलेट), औषध परीक्षण (साइक्लोस्पोरिन, टैक्रोलिमस), मिर्गी-रोधी औषध परीक्षण (वैल्प्रोइक एसिड, कार्बामाज़ेपिन, फेनिटॉयन, फ़ेनोबार्बिटल, डाइजॉक्सिन) और केंद्रीकृत प्रयोगशाला (वर्तमान में स्मार्ट लैब के साथ समन्वय में कार्य कर रहे हैं) में विभिन्न अन्य विशेष परीक्षण {एचबीए1सी, आयरन प्रोफाइल (सीरम आयरन, यूआईबीसी, टीआईबीसी, फेरिटिन, कैटेकोलामाइन)} की सुविधाएँ प्रदान करता है। कार्डियक बायोकैमिस्ट्री विभाग सीएनसी प्रयोगशाला में सेप्सिस मार्करों प्रोकैल्सीटोनिन, आईएल-6 आदि सहित, कार्डियक मार्करों (ट्रोपोनिन टी, एनटी-प्रो-बीएनपी आदि) की विस्तृत श्रृंखला के लिए नैदानिक परीक्षण की सुविधाएं प्रदान कर रहा है। हम वार्ड के रोगियों के लिए नियमित क्लिनिकल केमिस्ट्री और हीमैटोलॉजी का इन-हाउस लैब परीक्षण आरंभ करने की प्रक्रिया में हैं।

2022-2023 में संभाले गए/विश्लेषण किए गए नमूनों की कुल संख्या

क्र.सं.	परीक्षण का नाम	नमूने एकत्र/विश्लेषण किए गए (वार्षिक)
1.	ओपीडी रक्त संग्रह	51,840
2.	वार्ड संग्रह	47,000
3.	पीटी	45,500
4.	एपीटीटी	12,500
5.	एचबीए 1 सी	16,640
6.	एनटी-प्रो बीएनपी	1572
7.	प्रोकैल्सीटोनिन	1644
8.	सीके-एमबी	132
9.	टैक्रोलिमस	600
10.	ट्रॉप-टी	60
11.	इल-6	30
12.	मायोग्लोबिन	20
13.	कैटेकोलामाइंस	100

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

कुल 2824 रोगियों की विभिन्न प्रकार की हृदय संबंधी सर्जरी की गईं। इनमें वे लोग शामिल थे जिनकी कोरोनरी धमनी बाईपास ग्राफ्टिंग, वाल्वुलर हृदय रोग, महाधमनी और वैस्कुलर ट्री की सर्जरी हुई थी। कुल सर्जरी में से 1251 सर्जरी 5 वर्ष से कम उम्र के मरीजों की गई थीं, जिनमें 363 नवजात शिशु और शिशु शामिल थे और इसमें गंभीर रूप से बीमार नवजात शिशुओं से लेकर शैशवावस्था के रोगी और उपेक्षित जन्मजात हृदय रोग के गंभीर रूपों वाले वयस्क शामिल थे। ध्यान देने वाली बात यह थी कि छह रोगियों का हृदय प्रत्यारोपण किया गया और दो का फेफड़ों का प्रत्यारोपण किया गया। फेफड़े का प्रत्यारोपण न केवल सरकारी अस्पताल में पहला था, बल्कि एम्स में भी पहला था।

हृद्‌विज्ञान के सहयोग से, 6500 से ज़्यादा रोगियों का इलाज आंतरिक रोगी के आधार पर किया गया और लगभग 85281 रोगियों की देखभाल बाहय रोगी सेवाओं में की गई; इनमें से 5500 से अधिक रोगियों को विशेष क्लीनिकों में देखा गया। 4330 रोगियों का उपचार आंतरिक रोगी के आधार पर किया गया, जिनमें 5 वर्ष से कम उम्र के 1146 रोगी शामिल थे। विशेष टेलीफोन नंबर पर असीमित संख्या में रोगियों को टेलीफोन पर परामर्श दिया गया। विभाग में रविवार को साप्ताहिक "एंटीकोएग्युलेशन क्लिनिक" में मरीजों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी जा रही है, जो वाल्वुलर हृदय सर्जरी के उन मरीजों के फॉलो-अप की सुविधा प्रदान करता है, जो ज्यादातर समाज के वंचित वर्ग से हैं। यह न केवल एक ही बार में सभी वांछित परिणाम प्रदान करता है, बल्कि वेतन हानि से भी बचाता है। यह भारत में अपनी तरह की पहली पहल है। यह वॉक-इन आधार पर मरीजों के फॉलो-अप के लिए सभी ज़रूरी सेवाएं प्रदान करती है। महाधमनी और संवहनी वृक्ष के रोगों के रोगियों के प्रोटोकॉल आधारित प्रबंधन की सुविधा के लिए समर्पित महाधमनी क्लिनिक की स्थापना की जाती है।

सुविधाएं और संरचनाएं

ऑपरेटिंग रूम (अेआर): सीटीवीएस विभाग में 8 पूरी तरह कार्यात्मक ऑपरेटिंग कमरे हैं। इनमें से हरेक के पास, महाधमनी और बाल चिकित्सा हृदय सर्जरी करने के लिए सभी आवश्यक उपकरण हैं। इनमें अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और एनेस्थीसिया स्टेशन, NIRS, BIS, EEG, 3-D इकोकार्डियोग्राफी, सेल सेवर, सीपीबी मशीन, वैक्यूम असिस्टेड वेनस ड्रेनेज, सेंट्रीफ्यूगल पंप, ब्रोंकोस्कोप और इंट्रा-ऑपरेटिव न्यूरोमोनिटोरिंग शामिल हैं।

आईसीयू बेड: विभाग में पोस्टऑपरेटिव कार्डियोवस्कुलर सर्जिकल देखभाल के लिए सभी उन्नत सुविधाओं से सुसज्जित 4 आईसीयू (54 बेड) हैं।

आईसीयू-ए: 16 बेड आईसीयू-बी: 18 बेड नवजात शिशु आईसीयू: 8 बेड सीटी-5 आईसीयू: 12 बेड

सभी बेड पूरी तरह सुसज्जित हैं और हृदय गहन देखभाल के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

जर्नल बेड: वार्डों में बिस्तरों की संख्या इस प्रकार है:

सीटी-4 वार्ड: 42 बेड + 2 आइसोलेशन बेड

सीटी-5 वार्ड: 24 बेड (इसके अलावा, ऊपर बताए अनुसार सीटी 5 आईसीयू में 12 बेड) + 2 आइसोलेशन बेड

सीटी-6 वार्ड: 12 बेड

सीएन टावर (प्राइवेट वार्ड): कार्डियोलॉजी विभाग से संबद्ध प्राइवेट/पेइंग वार्ड में बत्तीस (32) बेड

होमोग्राफ़्ट वाल्व बैंक: विभाग देश का सबसे सफल वाल्व बैंक चलाता है। यह जटिल बाल चिकित्सा हृदय शल्य चिकित्सा समस्याओं के प्रबंधन के लिए होमोग्राफ्ट की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करता है।

सहायक सेवाएन: उन्नत सीटी स्कैन, एमआरआई, न्यूक्लियर मेडिसिन, अल्ट्रा-साउंड और इकोकार्डियोग्राफी लैब, अत्याधुनिक ब्लड बैंक और प्रयोगशाला सेवाओं सहित पांच कार्डियक कैथीटेराइजेशन लैब।

कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
एमआरआई	391	819	1105
सीटी	1734	4597	6564
डीएसए/वेनोग्राम	174	713	1275
डॉपलर और अल्ट्रासाउंड	1493	4027	6830

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

विभाग ने डायग्नोस्टिक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल प्रक्रियाएं कीं, जिनमें से मायोकार्डियल परफ्यूजन SPECT इमेजिंग कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों के निदान और प्रबंधन में एक अभिन्न जांच है। हमने कार्डियोमायोपैथी के इस्केमिक और गैर-इस्केमिक दोनों कारणों के लिए कार्डियक पैट इमेजिंग भी की। मायोकार्डियल व्यवहार्यता, संक्रामक अन्तर्हृद्शोथ के मूल्यांकन के लिए एफ-18 एफडीजी और सूजन संबंधी कार्डियोमायोपैथी के लिए गैलियम-68 डोटानोक का नियमित प्रदर्शन किया गया। कार्डियक अमाइलॉइडोसिस के लिए संदर्भित रोगियों के लिए टेक्नेटियम-PYP स्कैन भी किए गए। विभाग ने कीमोथेरेपी कराने वाले मरीजों में हृदय मूल्यांकन के लिए केंद्र और आईआरसीएच से रेफर किए गए मरीजों में बाएं वेंट्रिकुलर फ़ंक्शन का आकलन करने के लिए रेडियोन्यूक्लाइड वेंट्रिकुलोग्राफी की।

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक न्यूक्लियर कार्डियोलॉजी में जांच किए गए रोगियों की कुल संख्या

मायोकार्डियल परफ्यूजन अध्ययन:	1608
आरएनवी अध्ययन:	572
कार्डियक पीईटी	219
विविध (वी/क्यू स्कैन, प्रथम पास):	91
टीसी99एम-पीवाईपी स्कैन	41
किए गए अध्ययनों की कुल संख्या-	2,531

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श (नैदानिक प्रक्रियाएं)	686	1613	2531

स्टेम सेल सुविधा

1. नैदानिक अनुसंधान: विभिन्न विकारों, जैसे कॉर्नियल अपारदर्शिता (नेत्र सतह विकार), विटिलिगो, अस्थि पुनर्जनन में उनकी सुरक्षा और व्यवहार्यता का मूल्यांकन करने के लिए ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा व्युत्पन्न मोनोन्यूक्लियर सेल का उपयोग करके चल रहे नैदानिक परीक्षणों में सक्रिय रूप से शामिल है।
2. नैदानिक अनुसंधान और रोगी देखभाल के लिए समर्पित cGMP (वर्तमान अच्छी विनिर्माण पद्धतियां) प्रयोगशाला।
3. स्टेम सेल का उपयोग करके पूर्व-नैदानिक अध्ययन के लिए विभिन्न बीमारियों, जैसे लिवर फाइब्रोसिस, त्वचा घाव मॉडल आदि के लिए पशु मॉडल की स्थापना।
4. स्टेम सेल के अलगाव और प्रसंस्करण में शामिल सभी प्रक्रियाओं की गुणवत्ता आश्वासन और गुणवत्ता नियंत्रण बनाए रखना।
5. अस्थि मज्जा और गर्भनाल रक्त से स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन।

6. स्वस्थ और मेगालेन्सफैलिक ल्यूकोएन्सेफालोपैथी रोगियों से आईपीएससी का निर्माण और दर्दनाक रक्तस्राव शॉक सिंड्रोम के इनविट्रो मॉडल का विकास।

7. एमनियोटिक झिल्ली ग्राफ्ट: हाल ही में, हमने आरपीसी, एम्स से एमनियोटिक मेम्ब्रेन ग्राफ्ट वितरण सेवाओं को एम्स के अन्य विभागों (बाल चिकित्सा सर्जरी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स) और दिल्ली के भीतर और बाहर के अन्य अस्पतालों (ईएसआई अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पताल, वगैरह।) तक बढ़ा दिया है।

क्र.सं.	प्रदान की गई सेवा	संसाधित किये गये नमूनों की संख्या		
		2020-2021	2021-2022	2022-2023
1.	अस्थि मज्जा से स्टेम सेल पृथक्करण	30	25	22
2.	वसा ऊतक से स्टेम सेल पृथक्करण	05	05	06
3.	व्हार्टन जेली से स्टेम सेल पृथक्करण	10	12	20
4.	अस्थि मज्जा से एमएनसी पृथक्करण	02	02	06
5.	एमएनसी पृथक्करण और गर्भनाल रक्त से क्रायोप्रिजर्वेशन	04	04	03
6.	एफेरेसिस नमूने का क्रायोप्रिजर्वेशन	08	09	20
7.	संवर्धित मौखिक म्यूकोसा एपिथेलियल प्रत्यारोपण	04	04	28
8.	कल्चर लिम्बल एपिथेलियल ट्रांसप्लांट	03	03	05
9.	स्टेम कोशिकाओं की व्यवहार्यता (प्रत्यारोपण से पहले और बाद में/इनफ्यूजन)	15	15	06
10.	ग्राफ्टिंग के लिए एम्नियोटिक मेम्ब्रेन की तैयारी	19 बैच (470 शीशियाँ)	20 बैच (500 शीशियाँ)	14 बैच (420 शीशियाँ)
11.	स्टेम सेल गणना	05	06	05

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएं

रक्त आधान सेवाएँ

आचार्य अंजलि हजारिका ने 22 जुलाई 2022 को इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलीरी साइंसेज, वसंत कुंज में "ट्रांसफ्यूजन ट्रांसमिसिबल इन्फेक्शन के स्क्रीनिंग पर अपडेट" पर एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की।

हृद्‌विज्ञान

आचार्य बलराम भार्गव महानिदेशक, आईसीएमआर और सचिव, डीएचआर हैं।

आचार्य संदीप सेठी, जेपीसीएस के प्रधान संपादक हैं।

आचार्य नीतीश नाइक सीएसआई दिल्ली शाखा के सचिव और सीएसआई की एसटीईएमआई परिषद के संयोजक हैं

आचार्य राकेश यादव इंडियन हार्ट जर्नल के संपादक और सीएसआई दिल्ली शाखा के कोषाध्यक्ष हैं।

आचार्य अनदीप सिंह स्कूल ऑफ इंटरनेशनल बायोडिजाइन के कार्यकारी निदेशक हैं।

आचार्य कार्तिकेयन जी हार्ट और एसोसिएट संपादक, यूरोपियन हार्ट जर्नल, दक्षिण एशिया के कार्यकारी संपादक है।

आचार्य गौतम शर्मा स्वामी विवेकानन्द योग "अनुसंवधन संस्थान" (एस-व्यासा), बेंगलुरु, कर्नाटक के योग और जीवन विज्ञान विभाग में प्रतिष्ठित आचार्य (मानद) हैं; टोरेंट आईएसएचआर ओरेशन में भाग लिया; 13वां कार्डियोलॉजी चेयर ओरेशन, एसवीआईएमएस, 5 जुलाई 2022, तिरूपति, एपी और सतीश के पाराशर ओरेशन - इकोकार्डियोग्राफी इन आरएचडीः अवर जर्नी यंग अडल्ट विद कंजेनेटिल हार्ट डिजीज प्रेजिटंग विद हार्ट फेलियर, इंडियन एकेडमी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी का वार्षिक सम्मेलन (इको इंडिया 2022), 18-19 नवंबर 2022, हैदराबाद।

आचार्य एस रामकृष्णन एनल्स ऑफ पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी के मुख्य संपादक हैं; राष्ट्रीय रूमेटिक हार्ट कंसोर्टियम के कोषाध्यक्ष; जेपीसीएस के एसोसिएट संपादक; सह-पीआई और टास्क फोर्स सदस्य, भारत उच्च रक्तचाप प्रबंधन पहल (आईएचएमआई); राष्ट्रीय समन्वयक, STEMI-ACT, एक आईसीएमआर पहल; सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान पुरस्कार समिति, आईसीएमआर; सदस्य, भारत में STEMI के प्रबंधन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यक्रम; एफपीआईसीएस (बाल चिकित्सा और जन्मजात इंटरवेंशनल कार्डियोवास्कुलर सोसायटी के फेलो); पहला भ्रूण महाधमनी वाल्व गुब्बारा फैलाव का प्रदर्शन किया; टोरेंट आईएसएचआर ओरेशन 2023 में भाग लिया; तिरुपति SKIMS कार्डियोलॉजी ओरेशन 2022 और IAE 2022 के दौरान डॉ. सतीश के पाराशर ओरेशन।

आचार्य अंबुज रॉय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नेशनल मेडिकल कॉलेज नेटवर्क के राष्ट्रीय संसाधन केंद्र के नोडल अधिकारी हैं; सदस्य, संस्थान निकाय, जिपमेर, पुडुचेरी; एम्स पटना द्वारा विशेषज्ञ, स्थायी चयन समिति की बैठक; विशेषज्ञ चयन समिति, रिम्स, रांची; निर्वाचित फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत); संचालन समिति के सदस्य और जी-सीएचएफ (ग्लोबल कंजेस्टिव हार्ट फेल्योर) रजिस्ट्री के राष्ट्रीय प्रधान अन्वेषक; राष्ट्रीय हृदय विफलता रजिस्ट्री की संचालन समिति के सदस्य; एनआईएच-प्रायोजित आई-टीआरईसी अध्ययन की संचालन समिति के सदस्य; टॉपस्पिन ट्रायल की संचालन समिति के सदस्य; जीबीडी इंडिया सीवीडी विशेषज्ञ समूह के सदस्य; फैलोशिप, रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन, एडिनबर्ग (यूके); सदस्य, भारत में हृदय अनुसंधान के लिए आईसीएमआर की टास्क फोर्स समिति; अध्यक्ष, परियोजना समीक्षा समिति (हृदय रोग), आईसीएमआर, नई दिल्ली; सदस्य, प्रबंध समिति, केएल विग सेंटर फॉर मेडिकल एजुकेशन एंड टेक्नोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली, भारत; सदस्य, डीन समिति, एम्स, नई दिल्ली, भारत; सदस्य, डीन अनुसंधान समिति, एम्स, नई दिल्ली; सदस्य, संस्थान आचार समिति (स्नातकोत्तर), एम्स, नई दिल्ली, भारत; सुविधा समन्वयक प्रभारी, कौशल, ई-लर्निंग और टेलीमेडिसिन (एसईटी) सुविधा, एम्स, नई

दिल्ली, भारत; सदस्य, संस्थान आचार समिति- नैदानिक परीक्षणों में गंभीर प्रतिकूल घटनाओं के लिए उपसमिति।

आचार्य सौरभ के गुप्ता आईसीएमआर के एआई फॉर हेल्थकेयर सेल के मुख्य सदस्य हैं; स्वास्थ्य देखभाल के लिए एआई के लिए नैतिक दिशानिर्देशों के लिए लेखन समिति के विशेषज्ञ सदस्य; मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी प्रस्तावों के लिए डीबीटी तकनीकी विशेषज्ञ समीक्षा के विशेषज्ञ सदस्य; 2015 से पीडियाट्रिक कार्डियक सोसाइटी ऑफ इंडिया के कोषाध्यक्ष।

कार्डिएक एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर

आचार्य नीति माखीजा को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 11-3 मार्च 2022 तक 16वीं वार्षिक पेरीऑपरेटिव और क्रिटिकल केयर इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में सम्मानित किया गया; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में 11 मार्च 2022 से 13 मार्च 2022 तक 16वीं वार्षिक पेरिऑपरेटिव और क्रिटिकल केयर इकोकार्डियोग्राफी कार्यशाला में "हेमोडायनामिक्स और सीपीबी वीनिंग में ईसीएचओ" और "जन्मजात हृदय रोग" शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की, जिसमें निम्नलिखित विषय शामिल थे: टीईई का उपयोग करके हेमोडायनामिक गणना, तनाव और धब्बेदार ट्रैकिंग - तकनीक, प्रगति और सीमाएं, सीपीबी वीनिंग में इको, और जन्मजात हृदय रोग में खंडीय विश्लेषण के लिए व्यवस्थित दृष्टिकोण; 22 अक्टूबर को पीडियाट्रिक कार्डियक सोसाइटी ऑफ इंडिया के 21वें वार्षिक सम्मेलन - पीसीएसआई 2021 में 16 और 24 अक्टूबर 2021 को हाइब्रिड मोड में आयोजित "विशेषज्ञ विरोधियों से कैसे निपटते हैं?" विषय पर एक सत्र की अध्यक्षता की। सत्र में निम्नलिखित व्याख्यान शामिल थे: वेंटिलेटर से छुटकारा पाने में विफलता, पोस्ट ऑप अपवर्तक कम कार्डियक आउटपुट और एक्सट्यूबेशन विफलता के साथ गंभीर फुफ्फुसीय उच्च रक्तचाप; पेपर "मल्होत्रा आर, दास एसएन, चौहान एस, मखीजा एन, चौधरी एम, लक्ष्मी आर। वयस्क कार्डियक सर्जरी में पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों पर प्रीऑपरेटिव विटामिन डी की कमी का प्रभाव। 25-27 मार्च 2022 तक तमिलनाडु की सांस्कृतिक राजधानी मदुरै में आयोजित इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियो थोरेसिक एंड वैस्कुलर एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (IACTACON 2022) के 25वें वार्षिक सम्मेलन में सर्जरी पेपर प्रस्तुत किया गया, उन्हें उनके सह-मार्गदर्शक के रूप में मौखिक निःशुल्क पेपर सत्र में तृतीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आचार्य पूनम मल्होत्रा कपूर जेएएपीआई की अतिथि संपादक हैं - जो संयुक्त राज्य अमेरिका से मेडिसिन और हेल्थकेयर में एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका है; वर्ष 2022-23 के लिए एक्स्ट्राकोर्पोरियल लाइफ सपोर्ट ऑर्गनाइजेशन (SWACELSO) के दक्षिण पश्चिम एशिया और अफ्रीका चैप्टर की अध्यक्ष; कार्डियक विज्ञान में इकोकार्डियोग्राफी में मेरे योगदान के लिए इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईएससीयू) सोसाइटी, अलबामा यूएसए द्वारा "फेलो ऑफ इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ कार्डियोवास्कुलर अल्ट्रासाउंड: 2022-23" के रूप में फिर से नामांकित किया गया; लगातार चौथे वर्ष एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के अध्यक्ष; "द सिमुलेशन सोसाइटी" के संस्थापक सचिव और अध्यक्ष अकादमिक; संस्थापक प्रधान संपादक। 2016 से आज तक वर्ष 2022-2023 में जेसीसीसी टीएसएस के जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर, 6.2, 6.3 और 7.1 अंक; जेपी पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित डॉ. एच. के. चोपड़ा द्वारा संपादित "हाइपरटेंशन: न्यू फ्रंटियर्स - कार्डियोलॉजी

की पाठ्यपुस्तक" नामक पुस्तक के प्रधान संपादक, दिसंबर 2022 को जारी; द सिमुलेशन सोसाइटी (टीएसएस) और जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) द्वारा आयोजित ऑनलाइन फेलोशिप इन कार्डियक क्रिटिकल केयर (एफआईसीसीसी), फेलोशिप इन एडवांस्ड इकोकार्डियोग्राफी (एफआईएई) और फेलोशिप इन बेसिक इकोकार्डियोग्राफी (एफआईबीई) ऑनलाइन परीक्षा के लिए अकादमिक सामग्री प्रदाता; फरवरी 2023 में इंदौर आईएससीसीएम सम्मेलन में टीसीसी (कार्डियक क्रिटिकल केयर की पाठ्यपुस्तक) के मुख्य संपादक का विमोचन; 23 फरवरी 2022 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल में डीएम क्रिटिकल केयर की अंतर्राष्ट्रीय परीक्षक; दिसंबर 2022 में एम्स के माननीय निदेशक द्वारा जारी कार्डियक क्रिटिकल केयर की पाठ्यपुस्तक की प्रधान संपादक। 2022 (जुलाई 2022 से मार्च 2023) में की गई गतिविधियाँ: 2021-22 एक कोविड-19 महामारी युग होने के कारण, उन्होंने अप्रैल से जून 2022 में "कार्डियक न्यूट्रिशन" पर विशेष अंक के साथ जर्नल ऑफ़ कार्डियक क्रिटिकल केयर का 1 अंक निकाला, जिसे खूब सराहा गया; रोजाना 8-10 घंटे कार्डियक ओटी और आईसीयू में काम किया। वह विभाग में मेडिकल रिकॉर्ड और वार्षिक रिपोर्ट प्रदाता है। सप्ताहांत पर सम्मानपूर्वक सामाजिक एवं धर्मार्थ कार्य किये। एक कार्यशाला में "कार्डियक क्रिटिकल केयर और ईसीएमओ की पाठ्यपुस्तक" नामक पुस्तक और जर्नल ऑफ कार्डियक क्रिटिकल केयर (जेसीसीसी) के 7.1 अंक का विमोचन किया, जिसे उन्होंने टीएसएस अकादमिक अध्यक्ष के रूप में आयोजित किया। 4 दिसंबर 2022 को इस कार्यशाला के दौरान 10 ऑनलाइन सत्र आयोजित किए गए; 19 जून 2022 को एम्स में आयोजित ईसीएमओ कार्यशाला में 5वें टीएसएस डॉ. केके मल्होत्रा भाषण का आयोजन किया गया और एम्स के माननीय निदेशक आचार्य रणदीप गुलेरिया ने सम्मान दिया।

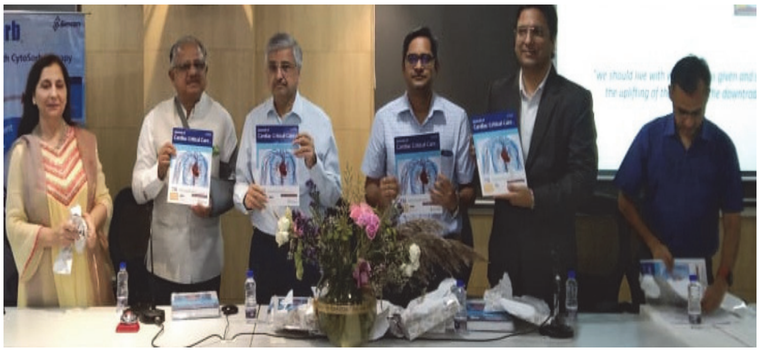

वह वर्ष 2022-23 में निम्नलिखित शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल रही थीं: कार्डियक क्रिटिकल केयर, ईसीएमओ, इकोकार्डियोग्राफी और कार्डियो डायबिटीज में ऑनलाइन टीएसएस जेसीसीसी फेलोशिप और

परीक्षाएं; जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर के 3 अंक (6.2, 6.3 और 7.1 अंक) की प्रधान संपादक और सह-संस्थापक और 2022-23 में इसे उच्च अनुक्रमण प्राप्त करना; शैक्षणिक प्रशासनिक प्रभारी के रूप में टीएसएस और एससीए-दिल्ली और एनसीआर शाखा के तहत 6 सेमिनार, 5 वेबिनार और 5 कार्यशालाएं आयोजित की गईं; जर्नल के तहत जेसीसीसी जर्नल रिसर्च फंड और वर्चुअल "कॉलेज ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर" में निरंतर शोध; पिछले 20 वर्षों से नई दिल्ली में गुरुकुल और राम मेमोरियल क्लिनिक में धर्मार्थ कार्य जारी रखा और 2022 में यह अपने चरम पर पहुंच गया, जब गुरुकुल में 15 से अधिक छात्र निःशुल्क निवास करते थे और "काशीविद्या" का अध्ययन करते थे; ईसीएमओ सिमुलेटर पर 10 संकायों और 4 लाइव कार्यशाला सत्रों के साथ एक हैंड्स-ऑन टी सीएमई कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्ष भारत और विदेश के विभिन्न कॉलेजों और मेडिकल विश्वविद्यालयों से 158 से अधिक ईसीएमओ फेलो ने टीएसएस में दाखिला लिया। 5 वर्षों के भीतर सिमुलेशन सोसाइटी (टीएसएस) ने भारत में अधिकतम ईसीएमओ और कार्डियक क्रिटिकल केयर फेलो को प्रशिक्षित किया है। इसमें प्रमुख रूप से डॉक्टर, नर्स और परफ्यूजन भी शामिल हैं। छोटे ऑनलाइन कॉन्सेप्ट ने बड़े नतीजे दिए। भगवान की कृपा।

परीक्षक थीं: डीएम क्रिटिकल केयर, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल; डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया, केईएम मुंबई; डीएम कार्डिएक एनेस्थीसिया (यूएन मेहता); डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया, पीजीआईएमईआर, कोलकाता; डीएनबी कार्डियक एनेस्थीसिया के लिए मॉडरेट और परीक्षक। एमडी, कार्डियक एनेस्थीसिया, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (ऑनलाइन) के लिए शोध प्रबंध और थीसिस की जाँच; एमडी, कार्डिएक एनेस्थीसिया, पीजीआईएमईआर, कोलकाता (ऑनलाइन); एमडी, कार्डियक एनेस्थीसिया, यू. एन मेहता, अहमदाबाद (ऑनलाइन)। अध्यक्षता वाले सत्र: "एसीनेटोबैक्टर निमोनिया", आईएससीसीएम, क्रिटिकेयर 2022, 8 अप्रैल 2022, गांधीनगर, गुजरात; "एमआरएसए इन ब्लड", आईएससीसीएम, क्रिटिकेयर 2022, 8 अप्रैल 2022, गांधीनगर, गुजरात; "क्लेबसिएला न्यूमोनिया", आईएससीसीएम, क्रिटिकेयर 2022, 8 अप्रैल 2022, गांधीनगर, गुजरात

"स्यूडोमोनास", आईएससीसीएम, क्रिटिकेयर 2022, 8 अप्रैल 2022 गांधीनगर, गुजरात; प्रोकॉन, आईएससीसीएम, क्रिटिकेयर 2022, 9 अप्रैल 2022, गांधीनगर, गुजरात; वीवी ईसीएमओ के बारे में सब कुछ, सीएमई ईसीएमओ सिमुलेशन पर हाथ, 18 जून 2022, सीएमईटी, एम्स, नई दिल्ली; फोकस्ड ईसीएमओ केस, आईएससीसीएम, यूरोएशिया 2022, 1 जुलाई 2022, पुलमैन होटल एयरो सिटी, नई दिल्ली; डायबिटीज मेलेटस - पेरिऑपरेटिव प्रबंधन, आईसीए वेबिनार, 9 सितंबर 2022, नई दिल्ली; वाक विद द वियरीः ऑन डाईंग विद डिग्निटी, आईसीए वेबिनार, 13 अप्रैल 2022, नई दिल्ली; भारत में उच्च रक्तचाप की देखभाल बहुत ही सावधानीपूर्वक तरीके से, राष्ट्रीय वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड की बैठक, 24 अप्रैल 2022, इरोज होटल, नई दिल्ली; कार्डियक एनेस्थीसिया की मूल बातें, आईसीए वेबिनार, 5 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली; बाल चिकित्सा एनेस्थीसिया आगे क्या है? आईसीए वेबिनार, 30 नवंबर 2022, नई दिल्ली; गंभीर रूप से बीमार को क्या और कैसे खिलाएं, आईसीए वेबिनार, 12 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली; पेरिऑपरेटिव पिंट ऑफ केयर (पीओसी) परीक्षण, आईसीए वेबिनार, 19 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली; "क्लिनिकल कार्डियोलॉजी सत्र", महिला कार्डियक केयर (डब्ल्यूसीसी) - 2023, 4 मार्च 2023, इंदौर

आचार्य मिनाती चौधरी को रॉयल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, लिवरपूल में आमंत्रित संकाय नियुक्त किया गया; परीक्षक/विशेषज्ञ: पीसीएसआई 2021; डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, अप्रैल 2021 में एक बाहरी परीक्षक के रूप में प्रतियोगी सत्र में जज, पीडीसीसी कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा के एक बाहरी परीक्षक के रूप में, आईएमएस,बीएचयू, 27 अगस्त 2021, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा के एक बाहरी परीक्षक के रूप में प्रतिस्पर्धी सत्र में जज, एनआरएस मेडिकल कॉलेज, कोलकाता, 2 सितंबर 2021, डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया एग्जिट परीक्षा के लिए एक बाहरी परीक्षक के रूप में, आरजी कर मेडिकल कॉलेज, कोलकाता 15 सितंबर 2021, आंतरिक मूल्यांकन के लिए एक आंतरिक परीक्षक के रूप में: बीएससी ओटी तकनीशियन पाठ्यक्रम सितंबर 2021। एम्स कोविड हेल्पलाइन के माध्यम से 100 से अधिक कोविड-19 रोगियों का ऑनलाइन परामर्श और प्रबंधन।

आचार्य शंभुनाथ दास के 5 पेपर प्रकाशन थे; 1 सम्मेलन प्रस्तुति; 5 परीक्षाओं के लिए बाह्य परीक्षक; संकाय को चार स्थानों पर आमंत्रित किया गया; सम्मेलनों में 2 सत्रों की अध्यक्षता की।

हृद् जैवरसायन विभाग

आचार्य आर लक्ष्मी हृदय रोगों के क्षेत्र में और एंडोक्रिनोलॉजी के क्षेत्र में आईसीएमआर के लिए परियोजना समीक्षा समिति के सदस्य हैं; दीर्घकालिक रोग नियंत्रण केंद्र (CCDC) की आचार समिति के सदस्य; NCDIR, बैंगलोर के लिए मधुमेह के क्षेत्र में अनुसंधान क्षेत्र पैनल के सदस्य; भारती विद्यापीठ, पुणे से पीएचडी थीसिस के लिए परीक्षक; आईसीएमआर यंग डायबिटीज रजिस्ट्री (YDR) और YDR कॉहोर्ट चरण-III के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; संपूर्ण आहार अध्ययन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; फ्रंटियर्स इन कार्डियोवास्कुलर मेडिसिन, JoVE, IJMR, जे ओड डायबिटीज इन डेवलपिंग कंट्रीज (JDDC) और PLoS वन के लिए समीक्षित लेख; आईसीएमआर-INDIAB अध्ययन के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य; फरवरी 2023 में जयपुर में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में पोस्टर प्रेजेंटेशन में पीएचडी छात्र को चौथी रैंक प्राप्त हुई।

डॉ. मनोज के थेम्बेरे को एमडीपीआई पत्रिकाओं (एप्लाइड साइंसेज, बायोइंजीनियरिंग, डायग्नोस्टिक्स, जर्नल ऑफ क्लिनिकल मेडिसिन, हेल्थकेयर, मेडिसिना, IJMS, सेंसर इत्यादि), PLOS वन, फ्रंटियर्स इन इम्यूनोलॉजी, कैंसर इंटरनेशनल इत्यादि के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया गया था। जर्नल ऑफ़ इम्यूनोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, जर्नल ऑफ़ एक्सपेरिमेंटल इम्यूनोलॉजी (विली प्रकाशन) में उभरते संपादकों के रूप में; उन्हें इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी (IJDVL) के समीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में भी नामित किया गया था; राष्ट्रीय (IJDVL, इम्पैक्ट फैक्टर = 3) और अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (ब्रिटिश जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, इम्पैक्ट फैक्टर = 11.11) के समीक्षक; इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसाइटी (IIS), इंडियन एसोसिएशन ऑफ डर्मेटोलॉजिस्ट्स, वेनेरोलॉजिस्ट्स एंड लेप्रोलॉजिस्ट्स (IADVL) और अमेरिकन सोसाइटी ऑफ नेफ्रोलॉजी (ASN) के सदस्य।

हृद् वक्ष एवं वाहिका शल्यचिकित्सा विभाग

आचार्य एस के चौधरी को कार्डियो वैस्कुलर और थोरैसिक सर्जरी की विशेषज्ञता में राष्ट्रीय NBEMS वेबिनार समन्वयक के रूप में नामित किया गया था; सेक्शन एडिटर: इंडियन जर्नल ऑफ कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जरी के लिए महाधमनी; इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोथोरेसिक एंड वैस्कुलर सर्जन के डेटाबेस प्रोजेक्ट के लिए राष्ट्रीय समन्वयक; CTVS में मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (STW) के विकास के लिए विशेषज्ञ समूहों के अध्यक्ष, भारत सरकार, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग), नई दिल्ली; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी की विशेषज्ञता में सदस्य विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; पात्र संकाय सदस्यों की पदोन्नति के लिए संस्थान के शासी निकाय को सिफारिश करने के लिए बाहरी विषय विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था। श्री चित्रा तिरुनल इंस्टीट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी, त्रिवेंद्रम, केरल, 20 अप्रैल 2022; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग में संकाय के चयन के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर की स्थायी चयन समिति की सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में, 12 अप्रैल 2022; 22 अप्रैल 2022 को कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग, एम्स, गुवाहाटी में संकाय पदों के चयन के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में; 28 अप्रैल 2022 को कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग, AIIMS, रायपुर में संकाय पदों के चयन के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग में संकाय के चयन के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर की स्थायी चयन समिति की सहायता के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में, 27 जुलाई 2022; 29 अक्टूबर 2022 को कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग, एम्स, रायपुर में संकाय पदों के चयन के लिए एक बाहरी विशेषज्ञ के रूप में; 5 नवंबर 2022 को कार्डियोथोरेसिक सर्जरी विभाग, एम्स, पटना में संकाय पदों के चयन के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में।

आचार्य मिलिंद होते नोटो एपेक्स टेक्निकल कमिटी फॉर हार्ट ट्रांसप्लांट एंड कमिटी फॉर लॉंग ट्रांसप्लांट के सदस्य हैं।

आचार्य सचिन तलवार सोसाइटी ऑफ पेडफियाट्रिक और जन्मजात हेफर्ट सर्जन के कार्यकारी निदेशक थे; वर्ल्ड सोसाइटी ऑफ़ पेडैट्रिक एंड कॉन्जेंटल हार्ट सर्जरी के गवर्निंग काउंसिल सदस्य; एशियन सोसाइटी ऑफ पेडैट्रिक एंड कंजेनिटल हार्ट सर्जरी (APCHS) के गवर्निंग काउंसिल सदस्य; एशियन सोसाइटी ऑफ पेडैट्रिक एंड कंजेनिटल हार्ट सर्जरी (ASVTS) के गवर्निंग काउंसिल सदस्य; जर्नल ऑफ थोरैइक एंड कार्डियोवास्कुलर सर्जरी के लिए अतिथि समीक्षक; एनल्स ऑफ थोरेसिक सर्जरी के लिए अतिथि समीक्षक; अतिथि समीक्षक वर्ल्ड जर्नल पेडैट्रिक और कंजेंटल हार्ट सर्जरी; थोरैसिक सर्जरी के यूरोपीय जर्नल के लिए अतिथि समीक्षक; कार्डियोवास्कुलर और थोरैसिक एनल्स के लिए अतिथि समीक्षक; एनल्स ऑफ प्रीडिएट्रिक कार्डियोलॉजी के लिए अतिथि समीक्षक; एम्स पटना में फैकल्टी के चयन के लिए विशेषज्ञ; एम्स भुवनेश्वर में फैकल्टी के चयन के लिए विशेषज्ञ; एम्स भटिंडा में चयन के लिए विशेषज्ञ; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए डीएनबी परीक्षा के लिए व्यावहारिक परीक्षक; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी की विशेषज्ञता में ओएससीई प्रश्न बैंक; कार्डियो थोरेसिक सर्जरी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की विशेषज्ञता में थ्योरी प्रश्न पत्र सेट करना; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए डीएनबी परीक्षा के लिए व्यावहारिक परीक्षक; कार्डियोथोरेसिक सर्जरी के लिए वर्कशॉप, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; एसजीपीजीआईएमएस, लखनऊ में एम.सीएच (सीटीवीएस) की व्यावहारिक परीक्षा; शेर-ए-कश्मीर

इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस), श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में 23-24 सितंबर 2022 को एम.सीएच (सीटीवीएस) विषय में व्यावहारिक परीक्षा; 25 सितंबर 2022 से 1 अक्टूबर 2022 तक कारगिल में चिकित्सा शिविर में भाग लिया; 27 अप्रैल 2022 को मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी), दिल्ली में नवजात शिशुओं और जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों के प्रबंधन को सुव्यवस्थित करने के लिए बहु-हितधारकों की बैठक के विशेषज्ञ; विकसित नई तकनीकें: टोटल कैवोफुफ्फुसीय कनेक्शन, द्विदिशात्मक ग्लेन को पूरा करने के लिए ओपन टेकनीक: कार्डियोपल्मोनरी बाईपास पर एनास्टोमोसिस की खुली तकनीक, वयस्कों में पल्मोनरी धमनी (एएलसीएपीए) से निकलने वाली असामान्य बाईं कोरोनरी धमनी के लिए टेकुची मरम्मत, सीधे आईवीसी से पीए कनेक्शन के साथ ऑटोलॉगस एक्स्ट्रा-कार्डियक फॉन्टन, रेडो पल्मोनरी वाल्व प्रतिस्थापन तकनीक, इंट्रा की सरलीकृत तकनीक- एक्स्ट्राकार्डियक फ़ॉन्टन, उप-महाधमनी झिल्ली उच्छेदन की सरलीकृत तकनीक।

आचार्य मनोज साहू इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट (M-1077), इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डियोवस्कुलर एंड थोरेसिक एनेस्थीसिया (CLS 171), इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (S-1197), पीडियाट्रिक कार्डियोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (L-678), इंडियन सोसाइटी ऑफ इकोकार्डियोग्राफी और इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन के आजीवन सदस्य हैं। इसके अलावा वह जर्नल ऑफ कार्डिएक क्रिटिकल केयर के एसोसिएट एडिटर भी हैं।

डॉ. सर्वेश पाल सिंह अक्टूबर 2020 से अक्टूबर 2022 तक "इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (INSHLT)" के महासचिव और 2021 एम्स, नई दिल्ली में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ हार्ट एंड लंग ट्रांसप्लांटेशन (INSHLT) के वार्षिक सम्मेलन की आयोजन समिति के सदस्य हैं।

कार्डियोवास्कुलर रेडियोलॉजी और एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन विभाग

सभी संकाय- गंभीर परिधीय धमनी रोग वाले मरीजों में इंट्राआर्टरियल ऑटोलॉगस अस्थि मज्जा-व्युत्पन्न स्टेम कोशिकाओं द्वारा प्रेरित एंजियोजेनेसिस की सुरक्षा और चिकित्सीय प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण के लिए उत्कृष्ट नैदानिक शोध पत्र के लिए जेवीआईआर संपादक का पुरस्कार।

आचार्य प्रिया जगिया कार्डिएक इमेजिंग पर खंड III के लिए रेडियोलॉजी आईआरआईए पाठ्यपुस्तक की संपादक (वॉल्यूम एडिटर) हैं; इंडियन रेडियोलॉजिकल एसोसिएशन आईआरआईए द्वारा "कार्डियक रेडियोलॉजी" के लिए दूसरी बार 2 वर्ष के लिए उपविशेषज्ञता प्रमुख चुने गए; इंडियन रेडियोलॉजिकल एसोसिएशन आईआरआईए द्वारा कार्डिएक रेडियोलॉजी में छह महीने के लंबे शिक्षण पाठ्यक्रम की संकल्पना और संचालन किया गया (देशव्यापी प्रसारण के लिए कुल 26 साप्ताहिक सेमिनार किए गए); विशेष कार्यकारी सदस्य, इंडियन एसोसिएशन ऑफ कार्डिएक इमेजिंग; अध्यक्ष, CVREF (कार्डियोवस्कुलर रिसर्च एंड एजुकेशन फोरम); एससीटीआईएमएसटी, त्रिवेन्द्रम में सीवीआर और आईआर में डीएम परीक्षा के लिए परीक्षक; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा थ्योरी और प्रैक्टिकल DNB रेडियोलॉजी परीक्षाओं के लिए परीक्षक; एम्स, जोधपुर में कार्डियक इमेजिंग में फेलोशिप के लिए परीक्षक; कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी जर्नल के समीक्षक

डॉ. संजीव कुमार कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी और कार्डियोलॉजी पत्रिकाओं के समीक्षक थे; सचिव, सोसाइटी ऑफ इमेज गाइडेड थेरेपी; विभिन्न राष्ट्रीय सम्मेलनों में अध्यक्ष के रूप में और पोस्टर और पेपर सत्र के लिए आईएसवीआईआर वार्षिक सम्मेलन 2022 के न्यायाधीश के रूप में आमंत्रित किया गया।

नाभिकीय चिकित्सा विभाग

आचार्य चेतन डी पटेल संपादक थे, इंडियन जर्नल ऑफ़ न्यूक्लियर मेडिसिन (आधिकारिक जर्नल ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ न्यूक्लियर मेडिसिन, भारत); राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अकादमिक पत्रिकाओं के समीक्षक; कार्यकारी सदस्य, न्यूक्लियर कार्डियोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया; 13 मई 2022 को अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा के बाहरी परीक्षक; फॉर्मेटिव असेसमेंट 2022 में कार्य आधारित क्लिनिकल असेसमेंट के बाहरी परीक्षक, 30 अप्रैल 2022 को सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली में न्यूक्लियर मेडिसिन के अनुशासन में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; डीएनबी न्यूक्लियर मेडिसिन छात्रों के राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड के लिए थीसिस का मूल्यांकन किया गया; 23 जुलाई 2022 को एम्स, रायपुर में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा के बाहरी परीक्षक; 28 जुलाई 2022 को आयोजित एम्स, जोधपुर में संकाय साक्षात्कार के लिए विषय विशेषज्ञ; 20 अक्टूबर 2022 को अमृता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, कोच्चि में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा के बाहरी परीक्षक; 28 नवंबर 2022 को जिपमेर, पुडुचेरी में एमडी न्यूक्लियर मेडिसिन परीक्षा के बाहरी परीक्षक; 20 फरवरी 2023 को पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में पीएचडी (परमाणु चिकित्सा) मौखिक परीक्षा के बाहरी परीक्षक; सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (सीआईएमआर) की स्टोर खरीद समिति के सदस्य; सीओई योजना, आयुष के अंतर्गत सीआईएमआर में मुख्य कर्मचारियों की भर्ती के लिए चयन समिति के अध्यक्ष।

स्टेम सेल सुविधा

आचार्य सुजाता मोहंती को एम्स रिसर्च डे 2022 में "टिश्यू-स्पेसिफिक मेसेनकाइमल स्टेम सेल-डिपेंडेंट ओस्टोजेनेसिस इन हाइली पोरस चिटसन-बेस्ड बोन अनलॉग्स" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार 2020 मिला; एम्स अनुसंधान दिवस 2022 में "CCl4 प्रेरित क्रोनिक लीवर की चोट के सुधार के लिए ऊतक-विशिष्ट मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के व्युत्पन्न बाह्यकोशिकीय पुटिकाओं के एंटी-फाइब्रोटिक प्रभाव का तुलनात्मक मूल्यांकन" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार 2021; एम्स अनुसंधान दिवस 2022 में "सुविधाजनक इंजीनियर्ड लोड-बेयरिंग 3डी बायोएक्टिव स्कैफोल्ड का उपयोग करके इन-विवो हड्डी पुनर्जनन को बढ़ावा देना" शीर्षक वाले कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार 2022; एम्स अनुसंधान दिवस 2022 में "मेसेनकाइमल स्ट्रोमल सेल एक्सोसोम एम्बेलिश्ड इम्प्लांटेबल बायोमटेरियल कंस्ट्रक्शन फॉर रीजनरेटिव मेडिसिन" शीर्षक वाले काम के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार 2022; आईआईटी-जी, 2022 में आयोजित बायो-रेमेडी सम्मेलन में "रैपिड 3डी त्वचा पुनर्जनन के लिए प्राइमेड एमएससी व्युत्पन्न वातानुकूलित माध्यम" शीर्षक वाले काम के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार 2022। समीक्षा की गई थीसिस में शामिल हैं: मानव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं से तंत्रिका कोशिका विभेदन के दौरान साइटोकाइन सिग्नलिंग (एसओसीएस) प्रोटीन के दमन का अभिव्यक्ति विश्लेषण, एमिटी विश्वविद्यालय, जयपुर; एक चूहे के

मॉडल में मधुमेह न्यूरोपैथी को कम करने में अंतर्जात अस्थि मज्जा मेसेनकाइमल स्ट्रोमल कोशिकाओं और मानव दंत पल्प स्टेम कोशिकाओं और मानव दंत पल्प स्टेम कोशिकाओं के न्यूरोप्रोटेक्टिव तंत्र का मूल्यांकन, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलोर; नॉनअल्कोहलिक फैटी लीवर रोग में सिर्टुइनसैंड क्लॉक जीन के बीच क्रॉसस्टॉक का मूल्यांकन, इंस्टीट्यूट ऑफ लीवर एंड बिलीरी साइंसेज, नई दिल्ली; बायोमेडिकल अनुप्रयोगों के लिए ग्राफीन क्वांटम डॉट्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा; चूहों के वृषण स्टेम कोशिकाओं पर नवजात शिशुओं में एस्ट्रोजन के संपर्क के प्रभावों की जांच, आईसीएमआर - राष्ट्रीय प्रजनन और बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान, मुंबई। उन्हें विभिन्न वैज्ञानिक निकायों में सदस्य के रूप में भी नामांकित किया गया: स्टेम सेल अनुसंधान के लिए संस्थान समिति के सदस्य-राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान, नई दिल्ली; लीवर और पित्त विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली; राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र, मानेसर; टीएचएसटीआई, फ़रीदाबाद; आईआईटी, इंदौर; दिल्ली विश्वविद्यालय; सीएसआईआर-इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी (आईजीआईबी); इंडियन स्पाइनल इंजरीज़ सेंटर, नई दिल्ली; कविकृष्ण लैब आईआईटी - गुवाहाटी; जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय; श्री गोविंद सिंह ट्राय-सेंटेनरी-शताब्दी विश्वविद्यालय; जवाहरलाल इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जिपमेर), पुडुचेरी; क्षेत्रीय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र (आरसीबी), फ़रीदाबाद; एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा; आईआईएसईआर भोपाल; सदस्य: अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय निकाय- इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सेल्युलर थेरेपी (आईएससीटी); इंटरनेशनल सोसायटी फॉर स्टेम सेल रिसर्च (आईएसएससीआर); सोसायटी ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्स (एसबीसी); इंडियन इम्यूनोलॉजी सोसायटी; इंडियन सोसायटी ऑफ नैनोमेडिसिन; भारतीय विज्ञान कांग्रेस एसोसिएशन; स्टेम सेल रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया; साइटोमेट्री सोसायटी, भारत; इंडियन सोसायटी फॉर ट्रांसलेशनल रिसर्च; बायोमेडिकल इंजीनियरिंग सोसायटी (बीएमईएस); इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ एक्स्ट्रासेल्युलर वेसिकल्स (आईएसईवी); सलाहकार निकायों के सदस्य - भारत में अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के लिए स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री के लिए कोर समिति; स्टेम सेल डोनर रजिस्ट्री, विज्ञान एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उच्चाधिकार प्राप्त समिति; बायो-फैब्रिकेशन एवं 3डी बायो-प्रिंटिंग पर विचार-मंथन बैठक; विशेषज्ञ समूह समिति- लिम्बल स्टेम सेल प्रत्यारोपण- आईसीएमआर; प्रेरित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल अनुसंधान और अनुप्रयोग केंद्र (सीआईआरए) - सहयोग के लिए; सीडीएससीओ-डेंड्राइटिक सेल वैक्सीन स्कैंडल की जांच टीम; बायोइंजीनियरिंग पर जैव प्रौद्योगिकी विभाग टास्क फोर्स; इंडो-ऑस्ट्रेलियाई करियर बूस्टिंग गोल्ड फ़ेलोशिप (आईएसीबीजी-फ़ेलोशिप) के लिए डीबीटी विशेषज्ञ समिति; प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, डीएसटी; यौन उत्पीड़न सेल के लिए आंतरिक समिति: शिकायतों का निवारण एनआईआई; जीवन विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर; राष्ट्रीय कोशिका विज्ञान केंद्र; इंडियन एसोसिएशन फॉर कैंसर रिसर्च; आदित्य ज्योति नेत्र अस्पताल, नई दिल्ली; फ्रंटियर लाइफलाइन हॉस्पिटल, नई दिल्ली; एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा; गंगाराम अस्पताल, नई दिल्ली; यशराज बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली; वल्लभाई चेस्ट इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली; मेदांता, गुरूग्राम; सदस्य- अनुसंधान अनुदान समीक्षा समिति- परियोजना निगरानी समिति (बीआईआरएसी), डीबीटी, भारत सरकार; महिला वैज्ञानिकों के लिए जैव प्रौद्योगिकी कैरियर उन्नति और पुनर्अभिविन्यास कार्यक्रम (बायोकेयर), डीबीटी; जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान

सहायता परिषद (बीआईआरएसी); भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली; वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; सहकर्मी समीक्षा समिति- डीआरडीओ-अपोलो अस्पताल, हैदराबाद; एसपीएआरसी (अकादमिक और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने की योजना), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, आईआईटी-खड़गपुर; एसईआरबी-विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग; डीबीटी तकनीकी/सलाहकार कोर समिति (टीएसीसी); परियोजना निगरानी समिति (पीएमसी); सदस्य-जर्नल समीक्षा समिति-स्टेम सेल रिसर्च ओपन लाइब्रेरी (एससीआरओएल); जीवन विज्ञान; जर्नल ऑफ़ बायोसाइंसेज; बायोमेडिकल रिसर्च जर्नल; स्टेम सेल में अंतर्दृष्टि; वर्ड जर्नल ऑफ स्टेम सेल; CEINCIA प्रकाशन समूह; ट्रांसलेशनल सर्जरी; आणविक और सेलुलर जैव रसायन; इंडियन हार्ट जर्नल; बीएमसी नेत्र विज्ञान; भविष्य विज्ञान OA; जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंड ट्रांसलेशनल रिसर्च; एशियन जर्नल ऑफ डेंटल साइंसेज; नैदानिक अभ्यास में पूरक उपचार; फ्रंटियर्स सेल्यूलर न्यूरोसाइंस; संक्रामक रोगों का अनुसंधान और समीक्षा; इंटरनेशनल वाउंड जर्नल; बायोइंजीनियरिंग और बायोटेक्नोलॉजी की सीमाएं; सदस्य- संपादकीय समिति-जर्नल- स्टेम सेल और पुनर्योजी चिकित्सा (सीटीएसआर) में वर्तमान रुझान; जैकब्स जर्नल ऑफ़ बोन मैरो एंड स्टेम सेल रिसर्च; वैज्ञानिक रिपोर्ट, नेचर पब्लिशिंग हाउस; स्ट्रोक अनुसंधान एवं उपचार; भारतीय बाल चिकित्सा।

अतिथि वैज्ञानिक

स्टेम सेल सुविधा

1. डॉ. जस्टिन कोलासिनो (एसोसिएट आचार्य), मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए
2. डॉ डीन ई ब्रेनर (आचार्य), मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए
3. डॉ करेन एंडरसन (आचार्य), एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी, यूएसए
4. डॉ. किर्क हरमन (क्लिनिकल परियोजना प्रबंधक), मिशिगन विश्वविद्यालय, यूएसए
5. डॉ चंदन के सेन (आचार्य), इंडियाना यूनिवर्सिटी, यूएसए

10.2 दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र

प्रमुख

रितु दुग्गल
(ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

आचार्य

अजॉय रॉय चौधरी (ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
वीना जैन (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
ओंकिला भूटिया (ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
विजय प्रकाश माथुर (पेडोडॉन्टिक्स)
अजय लोगानी (ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
दालिम कुमार बैद्य (संवेदनाहरण)
देवलीना गोस्वामी (संवेदनाहरण)

अपर आचार्य

दीपिका मिश्रा (ओरल पैथोलॉजी एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान)
कल्पना बंसल (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
राहुल यादव (ओरल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
धीरज कोली (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
नितेश तिवारी (पेडोडॉन्टिक्स)
अमृता चावला (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंडोडोन्टिक्स)
विजय कुमार (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एंडोडोन्टिक्स)
शालिनी गुप्ता (ओरल मेडिसिन)
हर्ष प्रिया (जन स्वास्थ्य डेंटिस्ट्री)
कुणाल ढींगरा (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
प्रभात कुमार चौधरी (ऑर्थोडॉन्टिक्स डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)

सह-आचार्य

विलास समृत (ऑर्थोडॉन्टिक्स डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)
विकेंदर सिंह (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)

सहायक आचार्य

कृष्णा भट्ट (ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी)
अदिति नंदा (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
राहुल मोरंकर जी. (पेडोडॉन्टिक्स)
सिद्धार्थ शर्मा (कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स)
अनिका दावर (पीरियोडॉन्टिक्स)
भारती एम. पुरोहित (जन स्वास्थ्य डेंटिस्ट्री)
राजीव बी. (ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल डीफॉरमेटिज)
वरुण सूर्या (ओरल पैथोलॉजी एवं सूक्ष्म जैव विज्ञान)
अरुण कुमार (प्रोस्थोडॉन्टिक्स)
खुशबू सिंह (ओरल मेडिसिन)

विशिष्टताएँ

दंत शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा ओपीडी में आने वाले रोगियों तथा अन्य विभागों/केंद्रों /ब्लॉकों से रेफर किए गए रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाला दंत उपचार प्रदान किया जाता है। ऑर्थोडॉन्टिक्स प्रभाग द्वारा आईसीएमआर, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, जैसे विभिन्न सरकारी/अनुसंधान संगठनों तथा अन्य संस्थानों को पेशेवर एवं शैक्षणिक विशेषज्ञता प्रदान की गई। ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी प्रभाग में पूर्ण टेम्पोरोमैंडिबुलर जाइंट प्रतिस्थापन प्रोटोकॉल मौजूद था। विभाग में तथा रोगी विशिष्ट 3डी-मुद्रित प्रत्यारोपण द्वारा अत्याधुनिक वर्चुअल सर्जिकल योजना बनाकर चेहरे की विकृति सुधारने कार्य नियमित रूप से जारी थी। कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडॉन्टिक्स प्रभाग ने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहकर्मी-समीक्षित पत्रिकाओं में दस शोधपत्र प्रकाशित किए तथा पिछले वर्ष एक पेटेंट और दो एक्स्ट्रामुरल वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाओं हेतु सफलतापूर्वक आवेदन किया है। पेडोडोंटिक्स प्रभाग के संकाय-सदस्यों ने पेशेवर रूप से विभिन्न के राष्ट्रीय अनुसंधानों एवं विनियामक निकायों में विशेषज्ञों के रूप में कार्य किया। ओरल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी प्रभाग ने दो राष्ट्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान एवं शैक्षिक कार्यक्रमों की मेजबानी की। आईआईटी, दिल्ली के सहयोग से, प्रभाग ने मुख कैंसर का शीघ्र पता लगाने हेतु फ्लोरोसेंस एवं ऑटोफ्लोरेसेंस स्पेक्ट्रोस्कोपी उपकरणों का निर्माण एवं सत्यापन किया। प्रभाग ने सीडीईआर में रिपोर्ट किए गए नियमित रोगियों की हेमेटोलॉजी रिपोर्टिंग भी आरंभ की। ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी विभाग ओरल अल्सर क्लिनिक एवं सॉफ्ट टिश्यू लेजर क्लिनिक जैसे विशेष क्लिनिक चलाते हैं, जहां सभी प्रकार के मुखीय म्यूकोस लेशन का उपचार किया गया। संवेदनाहरण संकाय-सदस्य ने सभी आयु वर्ग के सभी प्रकार की जटिल मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के रोगियों एवं टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त विकारों, आघात, ट्यूमर एवं विकृति सहित सर्जरी हेतु व्यापक पेरिऑपरेटिव उपचार प्रदान किया।

शिक्षा

ऑर्थोडॉन्टिक्स

- **स्नातकपूर्व**
- डेंटल ऑपरेशन रूम असिस्टेंट (डीओआरए) तथा डेंटल हाइजीन (डीएच) में बी.एससी. पाठ्यक्रम।
- **स्नातकोत्तर**
- ऑर्थोडॉन्टिक्स में एमडीएस, क्लेफ्ट लिप एवं पेलेट में पीएच.डी. एवं फेलोशिप।

पराचिकित्सा शिक्षण

लघु अवधि/दीर्घकालिक प्रशिक्षण/ सतत चिकित्सा शिक्षा

- 22 से 27 सितंबर 2022 तक "डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स: फ्रॉम बेसिक्स टू बियॉन्ड" पर हाई-एंड प्रशिक्षण कार्यशाला।

ओरल एवं मैक्सिलोफ़ेसियल सर्जरी

शिक्षण में स्नातकोत्तर सेमिनार, जर्नल क्लब, बेडसाइड केस चर्चा तथा सर्जिकल प्रशिक्षण शामिल हैं। स्नातकोत्तर प्रशिक्षण हेतु निम्नलिखित नवीन शिक्षण पद्धतियों का उपयोग किया गया:

- समस्या आधारित शिक्षण।

- बताओ-दिखाओ-करो- समीक्षा मॉडल शिक्षण।
- लॉगबुक एवं रिकॉर्ड रखना।
- क्या सही हुआ? क्या बेहतर हो सकता था? सेमिनार में मॉडल।

प्रोस्थोडोन्टिक्स

- **स्नातकपूर्व**
  - सातवें सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों को क्लिनिकल शिक्षण।
  - शिक्षण बीएससी डोरा एवं बीएससी डीएच का क्लिनिकल एवं सिद्धांत।
- **स्नातकोत्तर**
  - एमडीएस प्रोस्थोडॉन्टिक्स छात्रों के लिए सेमिनार, जर्नल क्लब, क्लिनिकल केस चर्चा का आयोजन एवं संचालन किया गया।
  - क्लीनिक और प्रयोगशाला कार्य में स्नातकोत्तर छात्रों का पर्यवेक्षण एवं मार्गदर्शन किया।

कंजर्वेटिव डेंटिस्ट्री एवं एंडोडोंटिक्स

स्नातकोत्तर शिक्षण: एमडीएस पाठ्यक्रम।

- **पूर्व- नैदानिक प्रशिक्षण**:
  - पूर्ण किए जाने वाले अभ्यासों का वन-टू-वन प्रदर्शन।
  - कास्टिंग एवं फिनिशिंग आदि सहित बताओ-दिखाओ-करो प्री-क्लिनिकल प्रयोगशाला कार्य।
  - थीसिस के विषय का चयन, साहित्य खोज्न, थीसिस प्रोटोकॉल लेखन आदि।
- **नैदानिक प्रशिक्षण**:
  - केस का चयन, उपचार की योजना तथा उसका निष्पादन।
  - नैदानिक कार्य का प्रदर्शन।
- **शैक्षिक प्रशिक्षण**: वरिष्ठ संकाय-सदस्यों के मार्गदर्शन में:
  - सेमिनार,जर्नल क्लब एवं केस प्रेजेंटेशन की तैयारी।
  - राष्ट्रीय सम्मेलनों हेतु पोस्टर, निबंध एवं पावर-पॉइंट प्रस्तुतियाँ बनाना।
  - व्याख्यान तथा उनके आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा हेतु सिद्धांत प्रश्नों तथा एमसीक्यू की तैयारी।
  - तीन चिकित्सीय रूप से प्रासंगिक विषयों पर शैक्षिक वीडियो।

स्नातकपूर्व शिक्षण:

- बीएससी डीओआरए तथा डीएच छात्रों हेतु व्याख्यान एवं चेयर साइडिड प्रदर्शन।

पेडोडोंटिक्स

एमडीएस पाठ्यक्रम

एमबीबीएस, डेंटल हाइजीन में बीएससी, डोरा, नर्सिंग जैसे अन्य पाठ्यक्रमों तथा संबद्ध व्यावसायिक पाठ्यक्रमों हेतु सीडीईआर के भीतर अंतःविषय प्रशिक्षण।

ओरल पैथोलॉजी एवं माइक्रोबायोलॉजी

- **स्नातकपूर्व**
  - 8वें सेमेस्टर के एमबीबीएस छात्रों हेतु व्याख्यान।
- **पराचिकित्सा शिक्षण**
  - डेंटल ऑपरेशन रूम असिस्टेंट (डीओआरए) का बीएससी पाठ्यक्रम।

ओरल मेडिसिन

- डेंटल रेडियोलॉजी, डेंटल फार्माकोलॉजी, मुख एवं दंत रोगों संबंधी विषयों में सभी शैक्षिक वर्षों में बीएससी डीओआरए तथा बीएससी डीएच हेतु नैदानिक प्रशिक्षण, व्याख्यान एवं आंतरिक मूल्यांकन।
- बीएससी नर्सिंग द्वितीय वर्ष हेतु मुख कैंसर एवं प्री-कैंसर पर व्याख्यान।

पीरियोडॉन्टिक्स

- **स्नातकपूर्व**
  - सेमेस्टर एमबीबीएस छात्रों के लिए व्याख्यान।
- **पराचिकित्सा शिक्षण**: डेंटल हाइजीन (डीएच) बीएससी पाठ्यक्रम तथा डेंटल ओपरेटरी रूम असिस्टेंट बीएससी।

सीडीईआर के संकाय-सदस्यों द्वारा आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी पर पहली एशियाई क्षेत्रीय कांग्रेस 17 से 18 दिसंबर 2022 तक आगरा, भारत।
2. डेंटल रिसर्च पर इंडियन सोसायटी ऑफ डेंटल रिसर्च-आईएडीआर इंडिया डिवीजन का 33वां वार्षिक सम्मेलन, 17 से 19 फरवरी 2023 तक नई दिल्ली, भारत।
3. म्यूकोसलफेनेस्ट्रेशन सहित गैर-महत्वपूर्ण दांतों का उपचार: हाथ - पशु मॉडल पर व्यवहारिक अभ्यास, 14 अक्टूबर 2022, इंडियन एंडोडोंटिक सोसाइटी का 30वां राष्ट्रीय सम्मेलन, सेट सुविधा, एम्स, नई दिल्ली।
4. द्वितीय एम्स ओरल पैथोलॉजी संगोष्ठी, 27-28 जनवरी 2023, एम्स नई दिल्ली।
5. द्वितीय एम्स पीरियोडॉन्टल एंड पेरी-इम्प्लांट प्लास्टिक सर्जरी संगोष्ठी, 23-24 सितंबर 2022, नई दिल्ली।
6. 28 फरवरी 2023 को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन रिसर्च एंड पेशेंट मैनेजमेंट विषय पर कार्यशाला, दिल्ली।
7. 22 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली में आयोजित इंडियन एंडोडोंटिक सोसाइटी के 30वें वार्षिक सम्मेलन का वैज्ञानिक कार्यक्रम।
8. राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत जिला नोडल अधिकारियों हेतु मुख स्वास्थ्य संवर्धन प्रशिक्षण, 1-2 मार्च 2023, एम्स, नई दिल्ली।

9. राष्ट्रीय मुख स्वास्थ्य कार्यक्रम की राष्ट्रीय समीक्षा बैठक, 17-19 जनवरी 2023, एम्स, नई दिल्ली।
10. जन स्वास्थ्य विशेषज्ञों हेतु गुणात्मक अनुसंधान कार्यशाला, 20 दिसंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली।

प्रदत्त व्याख्यान: 140

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
106	106	140

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 52

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
15	57	52

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. कार्यात्मक अवरोधन की वियना अवधारणा के आधार पर टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त विकारों का उपचार, डॉ. रितु दुग्गल, ऑस्ट्रिया-साइंटिफिक एंड टेक्नोलॉजिकल कॉपरेशन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2020-2022, यूरो 15,000 (ऑस्ट्रिया)।
2. व्यावसायिक रूप से उपलब्ध बेबी फूड सप्लीमेंट के लिए फ्लोराइड और शुगर का स्तर उपयुक्त है, डॉ. रितु दुग्गल, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
3. उत्तर भारतीयों में ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस की अभिव्यक्ति के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति, डॉ. रितु दुग्गल, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
4. अत्याधुनिक स्माइल डिजाइनिंग उपकरण के रूप में 3डी प्रिंटेड एलाइनर, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2022-2025, 38.26 लाख रुपये।
5. एलाइनवाइज क्लियर एलाइनर सिस्टम के साथ दांतों के मूवमेंट की प्रभावकारिता का मूल्यांकन, डॉ. विलास समृत, एलाइनवाइज स्माइल टेक्नोलॉजीज (निजी फंडिंग), 2 वर्ष, 2019-2021, 4 लाख रुपये।
6. जैव प्रौद्योगिकी से प्रेरित कार्यात्मक जाली संरचनाओं के साथ रोगी विशिष्ट योगात्मक रूप से निर्मित मैंडिबुलर प्रत्यारोपण का विकास, डॉ. अजॉय रॉयचौधरी, इंडो जर्मन साइन्स एंड टेक्नालजी, 3 वर्ष, 2022-2025, 90 लाख रुपये।
7. भारतीयों में ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस की अभिव्यक्ति के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति, डॉ. भारती एम. पुरोहित, एम्स इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये।

8. इंट्राट्यूमोरल विविधता और नए बायोमार्कर का अनावरण करने के लिए बहुक्षेत्रीय अनुक्रमण: केस कंट्रोल स्टडी, दीपिका मिश्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 52 लाख रुपये।

9. मौखिक संभावित घातक विकारों में उनकी नैदानिक और आणविक विशेषताओं के साथ गैर-आक्रामक विधि का उपयोग करके वर्तमान और लगातार मौखिक एचपीवी संक्रमण का पता लगाना, डॉ. शालिनी गुप्ता, आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल, 3 वर्ष, 2021-2024, 49.38 लाख रुपये।

10. वर्तमान एवं पुराने सुपारी उपयोगकर्ताओं में सुपारी एल्कलॉइड और कैटेचिन की सांद्रता और प्रो-ऑन्कोजेनिक साइटोकिन्स और मौखिक संभावित घातक विकारों के साथ उनके संबंध का निर्धारण करना, डॉ. शालिनी गुप्ता, एम्स इंट्रामुरल रिसर्च फंड, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये।

11. मैक्सिलरी पूर्वकाल क्षेत्र में सॉकेट शील्डिंग तकनीक (एसएसटी) और पारंपरिक तकनीक (सीटी) के साथ रखे गए तत्काल दंत प्रत्यारोपण के आसपास पेरिम्प्लांट क्रेविकुलर तरल पदार्थ (पीआईसीएफ) में ओस्टियोकैल्सिन और मेटालोप्रोटीनेज 8 स्तर का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन, धीरज कुमार कोली, इंट्रा म्यूरल परियोजना, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 8.60 लाख रुपये।

12. डेन्चर की गुणवत्ता, रोगी की संतुष्टि और पोषण संबंधी स्थिति पर संपूर्ण डेन्चर के निर्माण के लिए नए सरलीकृत प्रोटोकॉल के प्रभाव का मूल्यांकन, डॉ. अदिति नंदा, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 4.89 लाख रुपये।

13. विभिन्न आसन्न मसूड़ों के रसेसन उपचार हेतु संशोधित कोरोनली उन्नत फ्लैप के साथ ऊतक ग्राफ्ट बनाम वॉल्यूम-स्थिर कोलेजन मैट्रिक्स का उपयोग करने के परिणामों की तुलना: आणविक विश्लेषण के साथ एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, डॉ. विकेंदर सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 42.97 रुपये लाख।

14. परमाणु चुंबकीय अनुनाद स्पेक्ट्रोस्कोपी द्वारा पेरियोडोंटाइटिस में सीरम और लार मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग और संभावित बायोमार्कर की पहचान, डॉ. अनिका दावर, एम्स इंट्राम्यूरल शुरुआती करियर, 2 वर्ष, 2022-2024, 9.2 लाख रुपये।

15. बच्चों में दंत रोगों की रोकथाम हेतु मोबाइल ऐप का विकास, डॉ. कल्पना बंसल, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 8 लाख रुपये।

16. स्कूल शिक्षकों हेतु डेंटल ट्रॉमा जागरूकता उपकरण का विकास एवं सत्यापन, डॉ. नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2023, 15 लाख रुपये।

17. स्पोर्ट्स डेंटल इंजरी प्रिवेंशन (एमएसआईपी) के लिए मॉड्यूल का तुलनात्मक मूल्यांकन और एक खेल सत्र में दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के 10-18 वर्ष की आयु के कबड्डी खिलाड़ियों में दर्दनाक दंत चोटों की रोकथाम के लिए कस्टम-फैब्रिकेटेड माउथ-गार्ड के साथ एमएसआईपी का संयोजन: एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. नितेश तिवारी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 42 लाख रुपये।

18. इंट्राम्यूरल परियोजना जिसका शीर्षक है "रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए उपयोग की जाने वाली इंट्राकैनल औषधियों की साइटोटॉक्सिसिटी और एपिकल पैपिला-इन-विट्रो अध्ययन से स्टेम कोशिकाओं के प्रसार और विभेदन क्षमता पर उनका प्रभाव", डॉ. मोरंकर राहुल, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2020-2023, रु. 10 लाख।
19. पारंपरिक गैर-इनवेसिव पल्प जीवन शक्ति परीक्षण विधियों के विकल्प के रूप में एक वस्तुनिष्ठ बायोइम्पेडेंस आधारित गैर-इनवेसिव पल्प जीवन शक्ति परीक्षण उपकरण का विकास, डॉ. मोरंकर राहुल, एम्स-आईआईटीडी सहयोगी अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये।
20. पेडोडौंटिक्स में दांतों को पुनः कार्यात्मक बनाने हेतु पारदर्शी स्ट्रिप क्राउन का विकास, डॉ. विजय माथुर, एम्स-आईआईटीडी सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये।
21. दर्दनाक प्रत्यारोपण चोट: परिमित तत्व विश्लेषण और इसकी यांत्रिक मान्यता, डॉ. नितेश तिवारी, एम्स-आईआईटीडी सहयोगात्मक अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये।

पूर्ण

1. 3-डी स्कैफोल्ड मैट्रिसेस का उपयोग करके मानवों में पेरियोडौंटल रिज संरक्षण: क्लिनिकल ट्रायल फॉर पेरियोडॉन्टलरिज ऑग्मेंटेशन, डॉ. अजॉय रॉय चौधरी, आईआईटी मुंबई, 3 वर्ष, 2019-2022, 25 लाख रुपये।
2. मुख कैंसर एवं डिसप्लेसिया हेतु फ्लोरेन्स आधारित माइक्रोएंडोस्कोपी और रैमनस्पेक्ट्रोस्कोपी के नए इस्तेमाल की खोज करना, डॉ. दीपिका मिश्रा, एम्स-आईआईटी-दिल्ली इंटरइंस्टीट्यूशनल कोलैबोरेटिव रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 20 लाख रुपये।
3. मॉलिक्यूलर और इम्यूनोलॉजिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ फिब्रो-ऑसियस लेसियन्स इफेक्टिंग ओरल और मैक्सिलोफेशियल रीजन, डॉ. दीपिका मिश्रा, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
4. परफोर्मर के ज्ञान, एयरोसोल उत्पन्न करने वाली प्रक्रियाओं के वास्तविक आचरण तथा कोविड-19 रोगियों के उपचार के दौरान आत्मविश्वास पर सिमुलेशन आधारित शिक्षण का प्रभाव, डॉ. देवलीना गोस्वामी, एम्स, इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 4.58 लाख रुपये।
5. पॉलिमर नैनो कंपोजिट पर आधारित नवीन दवा वितरण प्रणाली का निर्माण तथा इन-विवो (रेट मॉडल) मूल्यांकन पीरियडोंटाइटिस का उपचार, डॉ. कुणाल ढींगरा, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 3 साल, 2019-2022, 42 लाख रुपये।
6. धूम्रपान करने वालों में मल्टीपल मसूड़ों के घिसने का उपचार करने हेतु इनेमल मैट्रिक्स व्युत्पन्न के साथ अथवा उसके बिना संयोजी ऊतक ग्राफ्ट एवं इंजेक्टेबल प्लेटलेट फाइब्रिन का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कुणाल ढींगरा, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये।
7. फिनीट एलिमंट विश्लेषण तथा ट्रू एसिमेट्रिक मैक्सिलरी एक्सपेंशन हेतु मिनीस्क्रूइम्प्लांट-आधारित बाई-हेलिक्स उपकरण (एमआईएसबीए) का निर्माण करना, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, एम्स, नई दिल्ली और आईआईटी-दिल्ली, 2020-2022, 10.00 लाख रुपये।

8. ऑर्थोडॉन्टिक अदृश्य उपकरण मामलों हेतु स्वचालित निदान एवं निगरानी, डॉ. प्रभात कुमार चौधरी, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विभाग (डीएसटी), 2 वर्ष, 2020-2022, 19.87 लाख रुपये।
9. डिजिटल ऑर्थोडॉन्टिक्स पर हाई-एंडवर्कशॉप से आगे, डॉ प्रभात कुमार चौधरी, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2022-2022, 5 लाख रुपये।
10. कैरियस प्राइमरी मोलर्स पर कन्वेंशनल रिस्टोरेटिव तकनीक के साथ सिल्वर मॉडिफाइड ड्रू मैटिक रिस्टोरेटिव तकनीक की सफलता का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कल्पना बंसल, एम्स इंट्रा-म्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 1.26 लाख रुपये।
11. क्रैनबेरी एक्सट्रेक्ट माउथ की प्रभावशीलता - बच्चों में माइक्रोबियल काउंट पर रिंस बनाम सोडियम फ्लोराइड माउथ रिंस - एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, डॉ. कल्पना बंसल, आईसीएमआर, 2.5 वर्ष, 2019-2021, 29 लाख रुपये।

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. आर्थ्रोसेन्टेसिस, मैंडिबुलर मैनीपुलेशन और एन्टीरियर रिपोजिशनिंग स्प्लिंटवर्सस बनाम टेम्पोरोमैंडिबुलर जाइंट के उपचार में आर्थ्रोसेन्टेसिस एवं मैंडिबुलर डिस्क विस्थापन की प्रभावशीलता की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
2. मेंडिबल के कोंडीलर फ्रैक्चर में क्लोज्ड फंक्शनल उपचार तथा ओपन रिडक्शन करने के बाद आर्टिकुलर डिस्क स्थिति की तुलना -एमआरआई अध्ययन
3. ऑपरेटिव विधि द्वारा उपचार किए गए सबकॉन्डिलर फ्रैक्चर के परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
4. यूनिलेटरल टीजेआर के बाद कोंट्रालेटरल साइड पर ओसियस एवं मुलायम ऊतक परिवर्तन का क्रॉस सेक्शनल अध्ययन।
5. बिना टीएमजे प्रतिस्थापन के टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट टैंक्यलोस के रोगियों में फैरेंजियल वायुमार्ग की मात्रा में परिवर्तन का मूल्यांकन करने हेतु एक महत्वाकांक्षी दृष्टिकोण।
6. डेंटल ट्रामा स्पिलिंट ऐड: स्थायी दांतों की लूक्सेशन चोटों में तार मिश्रित स्प्लिंट की स्थिति हेतु एक चिपकने वाला टेप।
7. पोस्ट-ऑपरेटिव सर्जरी तथा ट्रिस्मस के प्रभाव के लिए लिंगुअल स्प्लिट बोन तकनीक और बर तकनीक की तुलना करने हेतु एक गैर-हीनता यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
8. उपचार समूहों के बीच मैंडिबुलर थर्ड मोलर सर्जरी में बुक्कल डिलीवरी दृष्टिकोण में पोस्ट ऑपरेटिव दर्द की तुलना करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
9. आभासी सर्जिकल योजना तथा रोगी विशिष्ट प्रत्यारोपण का उपयोग बनाम लेफोर्ट आई ओस्टियोटॉमी की पारंपरिक योजना एवं निर्धारण करने में असंभावित पोस्ट-ऑपरेटिव सटीकता की तुलना करने के लिए कोहोर्ट अध्ययन।

10. 5एफएफयू के सामयिक अनुप्रयोग के बाद 1 वर्ष के भीतर हड्डी के उपचार एवं पुनरावृत्ति का मूल्यांकन करने हेतु अवलोकनात्मक अध्ययन।

11. दर्दनाक दंत चोटों से प्रभावित बच्चों और किशोरों में मौखिक स्वास्थ्य संबंधी जीवन गुणवत्ता का मूल्यांकन।

12. प्राथमिक दाढ़ों में एकल बनाम दो-विज़िट प्रोटोकॉल की सफलता का मूल्यांकन करने के लिए यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

13. एक इंट्राकैनल औषधि के रूप में कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड और ट्रिपल एंटीबायोटिक पेस्ट का उपयोग करके अपरिपक्व गैर-महत्वपूर्ण स्थायी दांतों के पुनरुत्पादन के परिणामों की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण-एक पायलट खोजपूर्ण अध्ययन” (एथिकल क्लियरेंस संदर्भ संख्या आईईसी-330/04.06.2021, आरपी -07/2021)

14. एंटी-कैंसर थेरेपी के एक भाग के रूप में कीमोथेरेपी तथा/अथवा रेडियोथेरेपी प्राप्त करने वाले कैंसर से बचे लोगों में डेंटल पल्प कैल्सीफिकेशन का मूल्यांकन।

15. नवजात शिशुओं में समय से पहले फूटे दांतों की ऊतकीय विशेषताओं का मूल्यांकन - एक प्रायोगिक अन्वेषण।

16. भारतीय आबादी में स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा और डिसप्लेसिया का पता लगाने के लिए फ़्लोरोसेंस आधारित माइक्रो एंडोस्कोपी, डेवलपिंग इमेज रिपॉजिटरी और कृत्रिम बुद्धि आधारित गहन शिक्षण के उपयोग की जांच करना।

17. म्यूकोक्यूटेनियस घावों के वर्गीकरण के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: एक संभावित अध्ययन।

18. पीड़ित का डेटा, लिंग एवं पहचान निर्धारण करने हेतु सीटी स्कैन से इमेज कैप्चर करने के लिए एआई आधारित एल्गोरिथम का विकास एवं अनुप्रयोग।

19. पेट की सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में उच्च एफआईओ2 अथवा मानक एफआईओ2 के साथ पोस्ट-ऑपरेटिव पुल्मोनरी जटिलता: एक गैर- हीनता परीक्षण।

20. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में परक्यूटेनियस डिलाटेशनल ट्रेचियोस्कोमी के बाद जटिलता को कम करने के लिए एक नए उपचार बंडल की प्रभावशीलता।

21. सबराचोनोइड ब्लॉक की स्थिति हेतु एसिटाबुलर वाले रोगियों में उच्च वॉल्यूम पेरिकैप्सुलर नर्व ग्रुप (पीईएनजी) ब्लॉकिंग की प्रभावकारिता: एक भावी अवलोकनात्मक अध्ययन।

22. स्कोलियोसिस सर्जरी करवाने वाले रोगियों में पोस्टऑपरेटिव फुप्फुसीय जटिलताओं पर ड्राइविंग दबाव निर्देशित पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

23. तीव्र अग्नाशयशोथ में नैदानिक परिणामों एवं अंग विफलता पर पैरेंट्रल ओमेगा-3 फैटी एसिड अनुपूरण का प्रभाव - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

24. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में परक्यूटेनियस डिलेटेशनल ट्रेकियोस्टोमी की एक नवीन तकनीक की प्रभावकारिता।

25. आईसीयू में तीव्र संचार विफलता वाले रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट का पूर्वानुमान लगाने हेतु रेनल डॉपलर अल्ट्रासाउंड: एक भावी अवलोकन अध्ययन।

26. सेप्सिस वाले रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट के पूर्वानुमान में वृक्क धमनी शिरापरक युग्मन की भूमिका: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

27. रोगियों में सेप्सिस के डी-पुनर्जीवन चरण के दौरान फ़्यूरोसेमाइड बनाम फ़्यूरोसेमाइड सहित एल्ब्यूमिन ड्यूरिसिस की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

28. गंभीर मेटाबोलिक एसिडोसिस वाले रोगियों में आइसोटोनिक बाइकार्बोनेट बनाम पुनर्जीवन द्रव के रूप में संतुलित साल्ट समाधान: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

29. पर्फ़ोरेशन पेरिटोनिटिस सर्जरी के बाद तीव्र किडनी चोट का शीघ्र पता लगाने के लिए डॉपलर रीनल रेसिस्टिव इंडेक्स एवं सेमी क्वांटिटेटिव पावर डॉपलर अल्ट्रासाउंड।

30. इमर्जेंसी लेप्रोटोमी में पोस्ट ऑपरेटिव परिणामों के साथ अंतःऑपरेटिव रक्त ग्लूकोज परिवर्तनशीलता का जुड़ाव।

31. पेट के निचले हिस्से की लैप्रोस्कोपिक सर्जरी करा रहे पोस्ट ऑपरेटिव ऑक्सीजनेशन रोगियों पर मानक बनाम ट्रांसपल्मोनरी प्रेशर गाइडेड इंट्राऑपरेटिव पीईईपी की तुलना।

32. टेम्पोरोमैंडिबुलर संयुक्त एंकिलोसिस वाले बच्चों एवं किशोरों में फाइबर-ऑप्टिक इंट्यूबेशन एनेस्थेटाइज्ड के दौरान सहज श्वास बनाम लकवाग्रस्त तकनीक की तुलना: एक यादृच्छिक समानांतर समूह परीक्षण।

33. सीमित मुंह खुलने वाले रोगियों में नेसोट्रेशल इंट्यूबेशन हेतु सीमैक-डी ब्लेड तथा सीमैक-मैकिंटोश ब्लेड की तुलना- एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

34. वेलोसिटी- सहजता से सांस लेने वाले रोगियों में समय इंटीग्रल एवं आघात वॉल्यूम को आरोही क्रम में मापा जाना ताकि वॉल्यूम प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाया जा सके।

35. गंभीर रूप से बीमार यांत्रिक रूप से वेंटीलेटेड रोगियों में वीनिंग परिणामों का पूर्वानुमान लगाने हेतु डायाफ्रामिकपल्स-वेव टिश्यू डॉपलर इमेजिंग पैरामीटर निदान की सटीकता।

36. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराने वाले बुजुर्ग रोगियों में ऑपरेशन से पहले की कमज़ोरी और ऑपरेशन के बाद के प्रलाप और संज्ञानात्मक अक्षमताओं के बीच संबंध: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन।

37. ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन के दौरान कफ रिफ्लेक्स के क्षीणन में इंट्राट्रैचियल डेक्समेडेटोमिडाइन बनाम इंट्राट्रैचियल लिग्नोकेन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

38. नए एनेस्थिसियोलॉजी रेजीडेंटों के हाई फाइडेलिटी पुतला प्रशिक्षण बनाम व्यावहारिक ओआरएसआईएम सिम्युलेटर प्रशिक्षण में फाइबर ऑप्टिक इंट्यूबेशन की प्रवीणता एवं अवधारण क्षमता तुलना -एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

39. बाल रोगियों में पाइलोप्लास्टी हेतु मल्टीपल इंजेक्शन कॉस्टोट्रांसवर्स ब्लॉक के साथ कॉडल एपिड्यूरल ब्लॉक की तुलना: एक संभावित यादृच्छिक, ब्लाइंड नैदानिक परीक्षण।

40. पीडियाट्रिकनो रेक्टल सर्जरी में सेक्रल इरेक्टर स्पाइना ब्लॉक एवं कॉडल ब्लॉक के बीच एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

41. डिवाइस समूह और निरंतर सकारात्मक वायुमार्ग दबाव के बीच इंटरल्यूकिन 6 स्तर और एएचआई स्कोर का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक पायलट अध्ययन।

42. थ्री डेंचर क्लीनसिंग एजेंट में डेन्चर बेस सामग्री की सतह के खुरदरेपन को दैनिक सफाई के बाद तीन अलग-अलग तकनीकों का उपयोग करके संसाधित करने का एक तुलनात्मक मूल्यांकन - एक इन विट्रो अध्ययन।

43. स्प्लिट माउथ के साथ लगाए गए प्रत्यारोपण की सटीकता की तुलना।

44. ओसियो डेंसिफिकेशन एवं पारंपरिक ड्रिलिंग तकनीक के बीच हड्डी के घनत्व और प्रत्यारोपण स्थिरता की तुलना - एक स्प्लिट माउथ रैंडमाइज्ड नियंत्रित परीक्षण।

45. मैक्सिलरी एंटीरियर क्षेत्र में सॉकेट शील्ड तकनीक एवं कन्वेंशनल तकनीक द्वारा लगाए गए तत्काल प्रत्यारोपणों में एल्कालाइन फॉस्फेट के स्तर तथा प्रत्यारोपण स्थिरता कोटेंट का मूल्यांकन करने हेतु एक तुलनात्मक अध्ययन - यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

46. सीएडी सीएएम निर्मित पॉलिश मोनोलिथिक पीईईके, ज़िरकोनिया क्राउन एवं प्राकृतिक प्रतिपक्षी दांतों को धारण करने का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक इन विवो अध्ययन।

47. प्राथमिक दांतों में गहरी सड़न के निदान एवं उपचार हेतु एएपीडी दिशानिर्देशों के आधार पर नैदानिक निर्णय समर्थन उपकरण (सीडीएसटी) को विकसित एवं सत्यापित करना।

48. चांदी के नैनोकणों तथा दाढ़ों में पारंपरिक विदर सीलेंट के साथ नए सीलेंट की अवधारण दरों का तुलनात्मक मूल्यांकन- यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

49. इंट्राकैनल औषधि के रूप में कैल्शियम हाइड्रॉक्साइड एवं ट्रिपल एंटीबायोटिक पेस्ट का उपयोग करके अपरिपक्व गैर-महत्वपूर्ण स्थायी दांतों के पुनरुद्धार के परिणामों की तुलना करने वाला एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण - एक पाइलेट अन्वेषण अध्ययन।

50. भारत में विभिन्न भौगोलिक स्थानों एवं कार्यान्वयन क्षेत्रों में मौजूदा थूकने विरोधी कानूनों का विश्लेषण।

51. विकिरण क्षरण की रोकथाम हेतु सिर और गर्दन के क्षेत्रों की रेडियोथेरेपी करा रहे वयस्क रोगियों में सामयिक फ्लोराइड वार्निश अनुप्रयोग के दो प्रोटोकॉल का तुलनात्मक मूल्यांकन।

52. उपभोग की इच्छा पर पैक पोषण लेबलिंग प्रणाली के विभिन्न पहलुओं का प्रभाव।

53. डेंटल अस्पताल में आने वाले व्यक्तियों के बीच तंबाकू डेंटिफ्राइस के उपयोग से जुड़ी राय एवं मान्यताओं का विश्लेषण।

54. पोषण और आहार विज्ञान में शीर्ष 100 सर्वाधिक उद्धृत लेखों का ग्रंथ सूची विश्लेषण।

55. मौखिक स्वास्थ्य मूल्यों के पैमाने के साइकोमेट्रिक गुण और भारतीय जनसंख्या में इसकी मान्यता।

56. श्रवण बाधित व्यक्तियों के मौखिक स्वास्थ्य में सुधार हेतु अन्य शैक्षिक हस्तक्षेपों के साथ सांकेतिक भाषा की प्रभावशीलता: एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण।

57. भारत में दंत शिक्षा एवं अनुसंधान के लिए तृतीयक उपचार केंद्र में तंबाकू छोड़ो क्लिनिक में भाग लेने वाले व्यक्तियों में तंबाकू छोड़ने के पूर्वानुमानक।

58. मौखिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाली वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन -ई दंत सेवा का मूल्यांकन एवं विश्लेषण।

पूर्ण

1. टोटल टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट रिप्लेसमेंट के रोगियों में सीरम धातु के स्तर की लोंगिट्यूडनल निगरानी।
2. कस्टममेड टीएमजे प्रोस्थेसिस की सटीकता- एक संभावित अध्ययन।
3. बचपन के कैंसर से लंबे समय तक बचे रहने वाले लोगों में दंत चिकित्सा के विकास पर एंटी-कैंसर थेरेपी के प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए एक अवलोकन-क्रॉस-सेक्शन विश्लेषणात्मक अध्ययन।
4. प्राथमिक मोलर्स में फर्केशन क्षेत्र पर 940 एनएम डायोड लेजर विकिरण और डेंटिन बॉन्डिंग एजेंट का प्रभाव।
5. स्थायी दांत की गतिशीलता पर वायर-कंपोजिट प्लिंटन की अंतिम-सरवाइकल स्थिति का प्रभाव: एक केडवेरिक मॉडल अध्ययन।
6. भारतीय बच्चों द्वारा उपभोग की जाने वाली सामान्य खाने योग्य सामग्रियों के कारण पुनर्स्थापनात्मक सामग्रियों में रंग परिवर्तन का तुलनात्मक मूल्यांकन।
7. प्राइमरी मोलर्स में सिम वेस्टेटिंग एंड डियोडेलसेरिन पल्पोटॉमी का तुलनात्मक मूल्यांकन।
8. फ्रैगमेंटरी अटैचमेंट में दो पुनर्जलीकरण प्रोटोकॉल का तुलनात्मक मूल्यांकन।
9. 60 मिनट से अधिक एक्स्ट्रा ओरल ड्राई टाइम वाले दांतों में विभिन्न मूल सतह जैवसंशोधन विधियों का तुलनात्मक मूल्यांकन।
10. अंतर्राष्ट्रीय कैरीज़ वर्गीकरण एवं उपचार प्रणाली (आईसीसीएमएस) प्रोटोकॉल-अस्पताल-आधारित सेटिंग की व्यवहार्यता।
11. पूर्ववर्ती दांतों में सीधी क्राउन फ्रैक्चर की प्रत्यक्ष समग्र बहाली हेतु पुट्टी इंडेक्स एवं कस्टम टेम्पलेट का तुलनात्मक मूल्यांकन।
12. पूर्व-स्कूली बच्चों में ईसीसी की गंभीरता एवं पैटर्न तथा विभिन्न व्यवहार कारकों के साथ इसका जुड़ाव-अस्पताल-आधारित अध्ययन।
13. कैरियस डेंटिन हेतु मिश्रित राल की सूक्ष्म तन्यता बंधन शक्ति पर एसडीएफ और पोटेशियम आयोडाइड के अनुप्रयोग का प्रभाव - एक प्रयोगात्मक इन-विट्रो अध्ययन।

14. सीलिएक रोग से पीड़ित बच्चों में फेनामेलिन के विकासात्मक दोषों की व्यापकता, एक अस्पताल आधारित अवलोकन अध्ययन।
15. शिशुओं में दांतों की समस्याओं की व्यापकता: एक पायलेट एक्सप्लोरेटरी अध्ययन।
16. रेसिंटैग के प्रवेश की गहराई, कन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी का उपयोग करके दो पुनर्जलीकरण प्रोटोकॉल का मूल्यांकन।
17. दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में 10-16 वर्ष के मुक्केबाजों में दर्दनाक मैक्सिलोफेशियल एवं दंत क्षति से संबंधित भय और चिंता के लिए एक मूल्यांकन उपकरण का विकास और सत्यापन।
18. प्राइमरी मोलर्स में पीएमएमए एंडोक्राउन के फ्रैक्चर प्रतिरोध और विफलता के दो सॉफ्ट मोड डिजाइन का एक इन विट्रो मूल्यांकन।
19. एस्थेटिक क्राउन वाले प्राथमिक पूर्वकाल के दांतों में आघात प्रेरित तनाव वितरण: एक अनंत तत्व विश्लेषण।
20. बच्चों में केरियस दांतों पर सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड के अनुप्रयोग के बाद लार एवं मूत्र में फ्लोराइड और सिल्वर आयन सांद्रता का आकलन -अन्वेषणात्मक अध्ययन।
21. बच्चों को कैरोजेनिक बनाम गैर कैरोजेनिक खाद्य देने में जानबूझकर किए गए भेदभाव का आकलन: एक दृश्य ट्रैकिंग अध्ययन।
22. एम्स, नई दिल्ली में जन्मजात हृदय रोग वाले बच्चों के माता-पिता में मौखिक स्वच्छता के संबंध में ऐप आधारित शैक्षिक हस्तक्षेप के ज्ञान, दृष्टिकोण, अभ्यास की प्रभावशीलता का आकलन करने हेतु एक अध्ययन।
23. बच्चों में केरियस दांतों पर सिल्वर डायमाइन फ्लोराइड के अनुप्रयोग के बाद लार एवं मूत्र में फ्लोराइड और सिल्वर आयन सांद्रता का आकलन-अन्वेषणात्मक अध्ययन।
24. प्राथमिक दंत चिकित्सा में गहरे हिंसक घाव के उपचार हेतु नैदानिक निर्णय सहायता उपकरण का विकास एवं सत्यापन।
25. मोबाइल क्षतिग्रस्त दांतों की स्प्लिंटिंग के लिए चिपकने वाली टेप आधारित पोजिशनर का विकास।
26. दांतों के फूटने के दौरान दांतों की समस्याओं की व्यापकता: एक भावी समूह अध्ययन।
27. राल आधारित सीलेंट इनमोलर्स की तुलना में चांदी के नैनोकणों के साथ सीलेंट की अवधारण दरों का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
28. उत्तर भारत में गंभीर से गहन श्रवण हानि वाले बच्चों और किशोरों में दर्दनाक दंत चोटों की व्यापकता के पैटर्न, धमनी उपचार हेतु रिपोर्ट।
29. बच्चों में पारंपरिक और पूर्वनिर्मित बैंड और लूप स्पेस मेंटेनर्स के लिए रोगी की स्वीकृति का तुलनात्मक मूल्यांकन: अनियमित नैदानिक परीक्षण।
30. प्राथमिक दाढ़ों में सिल्वर मॉडिफाइड एट्रूमैटिक रिस्टोरेटिव ट्रीटमेंट (स्मार्ट) के एकल बनाम दो विजिट प्रोटोकॉल की सफलता का तुलनात्मक मूल्यांकन।

31. ओरल पैथोलॉजी नमूने का पूर्वव्यापी अध्ययन: इंसिशनल बनाम एक्सिजनल नमूना तथा साइटोपैथोलॉजी बनाम शिस्टोपैथोलॉजी।

32. 30 वर्ष से कम उम्र की भारतीय आबादी में मुँह के कैंसर की इटियोलॉजी।

33. एआरएसडी वाले सार्स-कोव-2 से संक्रमित वयस्क रोगियों में लेटेंट क्लास विश्लेषण द्वारा उप-फेनोटाइप की पहचान: एक पूर्वव्यापी अध्ययन।

34. मध्यम से गंभीर सार्स-कोव-2 संक्रमित रोगियों में एस्पिरिन की कम खुराक: एक पायलेट याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

35. प्रतिकूल परिणाम के पूर्वसूचक के रूप में ब्रैकियल धमनी की प्रतिक्रियाशीलता का अल्ट्रासोनोग्राफिक आकलन।

36. एयरक्यू एवं एलएमए ब्लॉक बस्टर के माध्यम से वयस्क रोगियों में ब्लाइंड ट्यूबेशन की सफलता दर की तुलना।

37. ऐच्छिक पेट की सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव लंग लेक्टासिस पर पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

38. आईसीयू में तीव्र संचार विफलता वाले रोगियों में तीव्र गुर्दे की चोट हेतु रेनल डॉप्लर: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

39. तीव्र गुर्दे की चोट वाले गंभीर रूप से बीमार रोगियों में सोडियम इन्फ्युरोसेम स्पॉट यूरीन तनाव परीक्षण की भूमिका- एक संभावित अध्ययन।

40. आपातकालीन लैपरोटॉमी कराने वाले गुर्दे की चोट से ग्रसित वयस्क रोगियों में घटना, जोखिम कारक एवं परिणाम- एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

41. ऐच्छिक पेट की सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव लंग लेक्टासिस पर पीईईपी अनुमापन का प्रभाव: एक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

42. पेरीटोनाइटिस वाले रोगियों में पेरी-ओपरेटिव एसिड आधारित सामान्यताओं तथा किडनी रोग के बीच संबंध: एक संभावित सह-अध्ययन।

43. सहजता से सांस लेने वाले रोगियों में समय इंटीग्रल एवं आघात वॉल्यूम को आरोही क्रम में मापा जाना ताकि वॉल्यूम प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान लगाया जा सके।

44. आईसीयू में सकारात्मक दबाव वाले लोगों के साथ पारंपरिक एक्सट्यूबेशन करा रहे रोगियों की तुलना: एक याद्दच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

45. आपातकालीन लैपरोटॉमी से कराने वाले वयस्क रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव ऑक्सीजनेशन की स्थिति पर डिक्रीमेंटल पीईईपी परीक्षण की प्रभावकारिता: एक पायलट याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

46. कैरीयोटिड आर्टरी प्रवाह हेतु ऐच्छिक सर्जरी करा रहे वयस्क रोगियों में सामान्य एनेस्थीसिया के प्रेरण के बाद हाइपोटेंशन के पोर्वनुमान के लिए चरम रक्त प्रवाह वेग का समय एवं श्वसन विविधता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

47. टॉपिकल लोकल एनेस्थीसिया एवं डेक्समेडेटोमिडीन सेडेशन के तहत प्रत्याशित जटिल वायुमार्ग वाले रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी ब्लेड सीएमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप का उपयोग करके अवेक नासोट्रैचियल इंटुबेशन की तुलना।

48. जनरल एनेस्थीसिया के अंतर्गत आपातकालीन लैपरोटोमी करा रहे रोगियों में ऑक्सीजनेशन सूचकांक और ऑक्सीजन संतृप्ति सूचकांक का सह-संबंध: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

49. आईसीयू में कार्डियोमेट्री द्वारा वीनिंग असफलता का पूर्वानुमान लगाने में थोरैसिक द्रव सामग्री की प्रभावकारिता: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।

50. पोस्ट-एक्सक्यूबेशन रेस्पिरेटरी फेलियर में हाई फ्लो नेजल ऑक्सीजनेशन के रिसपोन्स के पूर्वानुमानक के रूप में आरओएस इंडेक्स एवं आरओएस-एचआर इंडेक्स के अनुप्रयोग।

51. मेजर मैक्सिलोफेशियल सर्जरी में दो अलग-अलग एनेस्थीसिया तकनीकों का पालन करने वाले रोगियों की रिकवरी संबंधी विशेषताएं: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

52. अवसाद के उपचार हेतु इलेक्ट्रोकन्वल्सिव थेरेपी करा रहे रोगियों में केटोफोलैंड केटोडेक्सोन के प्रभाव का मूल्यांकन, दौरे की गतिविधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी का समय एवं कॉर्टिकल गतिविधि (एफएनआईआरएस का उपयोग)।

53. एक इन विट्रो तुलनात्मक अध्ययन में कैड कैम निर्मित मोनोलिथिक ज़िरकोनिया और पीक क्राउन की फ्रैक्चर ताकत का मूल्यांकन।

54. कैड कैम मोनोलिथिक पीक और ज़िरकोनिया क्राउन के सीमांत अनुकूलन का मूल्यांकन और तुलना- एक इन विट्रो पायलट अध्ययन।

55. प्राकृतिक दांतों के मुक़ाबले पॉलिश मोनोलिथिक ज़िरकोनिया और अपारदर्शी मोनोलिथिक ज़िरकोनिया को धारण करने का तुलनात्मक मूल्यांकन- इन विवो अध्ययन।

56. पारंपरिक पूर्ण डेन्चर और इम्प्लांट समर्थित ओवर डेन्चर का तुलनात्मक कम्प्यूटरीकृत ऑक्लुसल विश्लेषण।

57. स्थायी दांत की गतिशीलता के तार-मिश्रित स्प्लिंट की अंतिम-सरवाइकल स्थिति का प्रभाव: एक केडवेरिक मॉडल अध्ययन।

58. पूर्व-स्कूली बच्चों में ईसीसी की गंभीरता और पैटर्न और विभिन्न व्यवहार कारकों के साथ इसका जुड़ाव- एक अस्पताल-आधारित अध्ययन।

59. एस्थेटिक क्राउन वाले प्राथमिक पूर्वकाल के दांतों में आघात प्रेरित तनाव वितरण: एक अनंत तत्व विश्लेषण।

60. खाद्य उपभोग पैटर्न पर ऊर्जा एवं वसा सामग्री लेबलिंग का प्रभाव: व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण।

61. वयस्कों में विकिरण रोकथाम पर सामयिक फ्लोराइड की प्रभावशीलता: व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण।

62. तृतीयक स्वास्थ्य उपचार केंद्र में काम करने वाले सुरक्षाकर्मियों में दृश्य जांच के माध्यम से मौखिक प्रीमैलिग्नेंट घाव की व्यापकता।

63. वर्तमान तम्बाकू उपयोगकर्ताओं में मौखिक संभावित घातक विकारों और तम्बाकू छोड़ने पर व्यवहारिक परामर्श की व्यक्तिगत इंट्राओरल तस्वीरों की प्रभावशीलता का तुलनात्मक मूल्यांकन।

64. सुनने में कठिनाई महसूस करने वाले व्यक्तियों में दंत क्षय की स्थिति: एक व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण।

65. मौखिक स्वास्थ्य उपचार प्रदान करने वाले पेशेवरों में मौखिक कैंसर का शीघ्र पता लगाने में एक नियमित मॉड्यूल की दक्षता का विश्लेषण करना।

66. नर्सिंग पेशेवरों हेतु मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर वेब आधारित शिक्षण मॉड्यूल की प्रभावशीलता।

67. मौखिक एवं सामान्य स्वास्थ्य में शर्करा की भूमिका पर स्कूल शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रभावशीलता।

68. दंत चिकित्सा पेशेवरों में तंबाकू छोड़ने संबंधी हस्तक्षेप पर ज्ञान, दृष्टिकोण एवं अभ्यास की वैश्विक स्थिति: एक व्यवस्थित समीक्षा।

69. सुनने में कठिनाई महसूस करने वाले व्यक्तियों में मौखिक स्वच्छता की स्थिति: एक व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण।

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. एफटीआईआर आधारित अल्ट्रा फास्ट एवं कोविड-19 वायरल लोड का मात्रात्मक मूल्यांकन, आईआईटी खड़गपुर, काय चिकित्सा विभाग, एम्स।

2. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोसिस के उपचार में एनज़ाइन बायोसाइंसेज लिमिटेड बनाम इनोवेटर डीनोसुमैब के बायोसिमिलर डीनोसुमैब की सुरक्षा एवं प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु एक संभावित, सक्रिय नियंत्रित, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, मल्टीसेंटर, चरण III अध्ययन, अस्थिरोग, अंतःस्राविकी, विकिरण विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

3. बचपन कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम (सीसीएसपी) में सह-अन्वेषक के रूप में कैंसर से संबंधित कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी तथा डेंटोफेशियल एवं मौखिक संरचनाओं के अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के प्रभाव शामिल थे (आईआरसीएच विभाग, मेडिकल ऑन्कोलॉजी एम्स, नई दिल्ली के साथ अंतःविषय सहयोगी परियोजना)

4. वंशानुगत एपिडर्मोलिसिस बुलोसा वाले बच्चों में त्वचा के अतिरिक्त और प्रणालीगत भागीदारी का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्णनात्मक अध्ययन, त्वचा एवं रतिज रोग विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।

5. सिर और गर्दन के इविंग सारकोमा परिवार के ट्यूमर से बचे वयस्क लोगों के बीच जीवन की गुणवत्ता का आकलन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स नई दिल्ली।

6. उत्तर भारत की बुजुर्ग आबादी में दंत संबंधी स्थितियां एवं सह-रुग्णताएं, जराचिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
7. तीव्र अग्नाशयशोथ की गंभीरता को कम करने के लिए पेरेकॉक्सिब, एक चयनात्मक साइक्लोऑक्सीजिनेज-2 अवरोधक, की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जठरान्त्र एवं मानव पोषण विभाग।
8. 30 दिनों की मृत्यु दर पर गंभीर कोलेंजाइटिस वाले रोगियों में पित्त जल निकासी (तत्काल बनाम प्रारंभिक) के समय का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एसीटी परीक्षण), जठरान्त्र एवं मानव पोषण विभाग।
9. भारतीय सुपारी उपयोगकर्ताओं में निर्भरता, नुकसान की धारणा और छोड़ने की प्रेरणा की जांच करने के लिए एक अध्ययन एवं एक हस्तक्षेप मॉड्यूल का पायलट परीक्षण, मनोचिकित्सा एवं एनडीडीटीसी, एम्स।
10. मुख कैंसर एवं पेरियोडोंटाइटिस के विकास में जीवनशैली कारक से जुड़े जोखिम को समझने के लिए आंत और मौखिक माइक्रोबायोम का विश्लेषण, स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज (जेएनयू)।
11. मौखिक स्वास्थ्य एवं मुख कैंसर पर एमओओसी का विकास, विश्व स्वास्थ्य संगठन।
12. मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन हेतु आयुष स्वास्थ्य पेशेवरों को सशक्त बनाना, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
13. भारत में स्कूली शिक्षकों के बीच मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन पर प्रशिक्षण पैकेज का प्रभाव: एक पारंपरिक अध्ययन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
14. भारत में नर्सिंग पेशेवरों के बीच मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन प्रशिक्षण का प्रभाव- एक पारंपरिक अध्ययन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।
15. ओरल डिसप्लेसिया के घातक परिवर्तनों में आईजीएफ-1आर के नकारात्मक नियामकों की भूमिका, जैव रसायन, एम्स।
16. एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन जिसमें स्थानीय स्तर पर उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले मानक आईएमआरटी रोगियों की तुलना में ट्यूबरियल लार ग्रंथि आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना की गई, विकिरण ऑन्कोलॉजी, एम्स।
17. मौखिक कैंसर में डाइपेप्टिडाइल पेप्टिडेज़ III (डीपीपी III) के सेलुलर कार्यों एवं नैदानिक महत्व को स्पष्ट करना, जैव रसायन विभाग, एम्स।
18. फ्लोरोसेंस यूवी इमेजिंग का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन I, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग।
19. संभावित रूप से मुखीय मेलिग्नेंट घाव एटलस परियोजना: एक नवीन, पॉइंट-ऑफ़ केयर डायग्नोस्टिक्स की प्रभावकारिता को सत्यापित करना तथा एक एकीकृत बहुआयामी, पूर्वानुमानित नॉमोग्राम विकसित करना, एनसीआई झज्जर।

20. स्ट्रोक एवं संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित संभावित समूह अध्ययन: एक अंतर सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, न्यूरोलॉजी - क्लिनिकल महामारी विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली।
21. ऑसियोइंटेग्रेटिव एवं एंटी-बैक्टीरियल गुणों की दिशा में स्मार्ट, बहुक्रियाशील इंटरफेस तैयार करना, आईआईटी गुवाहाटी।
22. मुख कैंसर एवं पेरियोडोंटाइटिस के विकास में जीवनशैली कारक से जुड़े जोखिम को समझने हेतु आंत और मौखिक माइक्रोबायोम का विश्लेषण, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, जवाहरलाल राष्ट्रीय विश्वविद्यालय।
23. एनएलआरपी3 इन्फ्लेमसोम जीन बहुरूपता और पेरियोडोंटाइटिस में उनकी अभिव्यक्ति- उत्तर भारतीय आबादी में एक आनुवंशिक अध्ययन, जैव रसायन विभाग, एम्स।

सहयोगी परियोजनाएँ

पूर्ण

1. व्यवहार्यता, प्रसार क्षमता एवं मानव पीरियडोंटल की विभेदन लिगामेंट्स स्टेम कोशिकाओं पर विभिन्न दंत भंडारण मीडिया का प्रभाव - एक इन-विट्रो प्रारंभिक अध्ययन, स्टेमसेल सुविधा, एम्स, नई दिल्ली।
2. आर्थ्रोप्लास्टी कराने वाले रोगियों में रुग्णता एवं मृत्यु दर का पूर्वानुमान लगाने के लिए तथा एएसए वर्गीकरण हेतु 5-कारक संशोधित कमजोरी सूचकांक की तुलना - एक संभावित अवलोकन अध्ययन, अस्थिरोग विभाग।
3. एम्स के आईसीयू में भर्ती पोस्टटेक्स्टुबेटेड रोगियों में डिसफैगिया पर निगलने के व्यायाम की प्रभावकारिता का आकलन करने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, नर्सिंग कॉलेज।
4. ओरल कैंसर में मानव विषम न्यूक्लियर रिबोन्यूक्लियो प्रोटीन डी (एचएनआरएनपीडी) की भूमिका, बायोकैमिस्ट्री, एम्स।
5. ओरल स्क्वेम सेल कार्सिनोमा एवं ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस में सीरोलॉजिकल स्तर और क्लिनिको पैथोलॉजिकल के साथ वीईजीएफए और सी के आनुवंशिक बहुरूपता के बीच संबंध लक्षण- एक पायलट अध्ययन, बायोकैमिस्ट्री, एम्स।
6. ओरल स्पेक्ट्रम के म्यूको सलेक्शन में अंतःविषय विविधताएं, त्वचा विज्ञान एवं सीडीईआर, एम्स।
7. कैंसर से पहले के घावों- ल्यूकोप्लाकिया, सबम्यूकोस फाइब्रोसिस, लाइकेनप्लानुस के रोगियों में दीर्घकालिक अनुवर्ती (10-15 वर्ष) सहित मुख कैंसर के रूपांतरण जोखिम का आकलन, जनरल सर्जरी, सीडीईआर एम्स एवं एनआईसीपीआर, नोएडा।
8. कैंसर के बायोमार्कर के रूप में कैथेप्सिन लैंड कैथेप्सिन बी की संभावित क्षमता का आकलन करना, बायोकेमिस्ट्री, एम्स।

9. क्लेफ्ट लिप एंड पैलेट एनोमलि इन इंडिया: क्लिनिकल प्रोफ़ाइल जोखिम कारक तथा उपचार की वर्तमान स्थिति: एक अस्पताल आधारित अध्ययन-सीएसआईआर-आईजीआईबी।
10. ह्यूमन टेम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट का एक मोर्फोलोजिकल अध्ययन, शरीर रचना, एम्स।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	35	49	41
कुल फंडिंग	7,01,09,658 रुपये	6,73,16,749 रुपये	6,78,40,186 रुपये

प्रकाशन

पत्रिका: 114 सार: 7 पुस्तक में अध्याय: 10

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	**165**	**165**	**131**
पत्रिका में लेख	152	149	114
सार	5	10	7
किताबों में अध्याय	8	6	10
पुस्तकें	0	0	0

रोगी उपचार

अंतःरोगी उपचार/ सहायक गतिविधियों संबंधी जानकारी सहित

ऑर्थोडॉन्टिक्स एवं डेंटोफेशियल विकृति प्रभाग

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान हमने कटे होंठ एवं तालु के रोगियों के अंतःविषयक उपचार पर अधिक जोर दिया है तथा चेहरे की विकृति वाले रोगियों की संयुक्त ऑर्थोग्नैथिक सर्जरी की।

ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी

विभाग में 1500 से अधिक बड़े मामलों में ऑपरेशन किया गया।

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लिनिक तथा/अथवा विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी ओपीडी और अंतः रोगी सेवाएँ

1. एक्सोडोंटिया, सरल और जटिल
2. टम्पोरोमैंडिबुलर जॉइंट सर्जरी
3. क्रैनियो- फेशियल ट्रामा
4. चेहरे की ऑर्थोग्नेथिक एवं एस्थेटिक सर्जरी
5. ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजी
6. मैक्सिलोफेशियल संक्रमण

7. स्लीप एपनिया के लिए सर्जरी
8. ट्राइजेमिनलन्यूरलजिया क्लिनिक
9. ओस्टे-ओडोन्टोकेराटोप्लास्टी

प्रोस्थोडोन्टिक्स प्रभाग

हम पूर्णतः एवं आंशिक दंत रोगों से ग्रसित रोगियों के दंत पुनर्वास हेतु बाह्य रोगी सेवा कर्तव्यों का निर्वहन करते रहे हैं। हम ओरल और मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थोडॉन्टिक्स, इम्प्लांट दंत चिकित्सा और टेम्पोरोमैंडिबुलर विकारों पर विशेष क्लिनिक चला रहे हैं। विभिन्न प्रकार के प्रोस्थेसिस जो हम रोगियों के लिए बना रहे हैं, वे हैं पूर्ण डेन्चर, रिमूवेबल आंशिक डेन्चर, क्राउन और ब्रिज वर्क, लैमिनेट्स, ऑक्लूसल स्प्लिंट्स, इम्प्लांट समर्थित प्रोस्थेसिस (रिमूवेबल एवं फिक्स्ड), तथा मैक्सिलोफेशियल प्रोस्थेसिस (एक्स्ट्रा - ओरल/फेशियल और इंट्रा-ओरल)।

हम विभाग में दो प्रयोगशालाएँ चला रहे हैं ताकि फिक्स्ड एवं रिमूवेबल प्रोस्थोडॉन्टिक उपकरणों का निर्माण किया जा सके।

पीरियोडॉन्टिक्स प्रभाग

पीरियोडॉन्टिक्स प्रभाग में निम्नलिखित विभिन्न उपचार प्रक्रियाएं की गई थीं:

- परम्परागत गैर-सर्जिकल एवं सर्जिकल पेरियोडॉन्टल थेरेपी
- पेरियोडोंटल प्लास्टिक सर्जरी
- नरम एवं कठोर ऊतक पुनर्योजी प्रक्रियाएं
- डायोड लेजर आधारित नरम ऊतक उच्छेदन एवं सहायक पॉकेट क्षतशोधन प्रक्रियाएं

पेडोडोंटिक्स प्रभाग

यह प्रभाग बच्चों की औसतन 20,000 प्रक्रियाएं करता है, जिनमें सरल से लेकर जटिल बाल दंत चिकित्सा प्रक्रियाएं शामिल हैं। प्रभाग अन्य चिकित्सा एवं दंत विशिष्टताओं के साथ सहयोग करके अपने रोगियों के समग्र और अंतःविषयक उपचार पर जोर देता है। हम लगभग सभी रोगियों में निवारक प्रोटोकॉल का पालन करते हैं तथा जटिल प्रक्रियाओं जैसे डिसाइड्यूस एवं स्थायी एंडोडॉन्टिक उपचार, स्टेनलेस स्टील क्राउन, स्पेस मेंटेनर, आदत छुड़ाने वाले साधान एवं नाबालिग सर्जरी से लेकर पुनर्स्थापन जैसी सभी सरल प्रक्रियाएं करते हैं। हमारा प्रभाग उत्तर भारत में बाल दंत चिकित्सा में सर्जिकल एवं जैव-उत्तेजना प्रक्रियाओं के लिए नरम ऊतक लेजर का उपयोग शुरू करने वाले अग्रणी संस्थानों में से एक है। प्रारंभिक बचपन के क्षय, गंभीर रूप से विकृत विभिन्न दांतों वाले बच्चों में पूरे मुंह का पुनर्वास अक्सर किया जाता है। माता-पिता और बच्चों की शिक्षा के लिए "हेल्दी स्माइल" नाम से एक सॉफ्टवेयर मोबाइल एप्लिकेशन गूगल प्ले स्टोर पर उपलब्ध है, जिसका उद्देश्य भविष्य में दंत क्षय को नियंत्रित करने हेतु रोगी शिक्षा एवं प्रेरणा प्रदान करना है।

सार्वजनिक दंत स्वास्थ्य चिकित्सा प्रभाग

- सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली, ओपीडी में तंबाकू छुड़ाने संबधी परामर्श।
- पेशेंट केयर कॉम्प्रिहेंसिव रूरल हेल्थ केयर प्रोजेक्ट- बल्लभगढ़।

- त्रिलोकपुरी सेंटर एम्स, नई दिल्ली में रोगी उपचार।
- सुरक्षा गार्डों हेतु मुख स्वास्थ्य स्क्रीनिंग एवं संवर्धन।
- इंडिया इंटरनेशनल ट्रेडफेयर-नवंबर 2022 में मुख स्वास्थ्य संवर्धन एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम।
- 7 अप्रैल 2022 को राजकुमारी अमृतकौर ओपीडी में मुख स्वास्थ्य जागरूकता एवं प्रचार।

उपलब्ध ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी सुविधाएँ:

- ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी ओपीडी सेवाएं
- स्पेशलिटी क्लिनिक: ओरल अल्सर क्लिनिक (बुधवार दोपहर 2.00 बजे)
- ओरल कैंसर स्क्रीनिंग
- संभावित घातक मौखिक विकारों का उपचार
- डेंटल क्लीयरेंस
- डेंटल रेडियोलॉजी (आईओपीए, ऑक्लूसल, ओपीजी, सेफलोमेट्री)
- ओरल मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी सीडीईआर में कोनबीम कंप्यूटेड टोमोग्राफी सुविधा
- सीडीईआर में ओरल पोटेंशियली प्रीमैलिग्नेंट लेजन हेतु रजिस्ट्री का विकास
- सॉफ़्ट टिशू लेज़र क्लिनिक

रोगी उपचार

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	59,869	1,39,592	2,63,903
विशेष क्लिनिक परामर्श/ की गईं प्रक्रियाएँ	32,375	60,330	1,10,216
सर्जरी (छोटे/बड़े ऑपरेशन/ प्रक्रियाएं)	1046	1048	1155
कुल भर्ती रोगी	255	707	936

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर रितु दुग्गल को तमिलनाडु के कोयंबटूर में श्री रामकृष्ण डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (आईएसडीटी) द्वारा आयोजित छठी राष्ट्रीय संगोष्ठी - दंत ट्रामा में मुख्य अतिथि बनाया गया था। डॉ. दुग्गल ईएसआईसी डेंटल कॉलेजों में संकायाध्यक्ष के पद हेतु चयन बोर्ड में विशेषज्ञ सदस्य थीं। वे मौलाना आज़ाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, लखनऊ, किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू), कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर, जेआईपीएमईआर, पुडुचेरी में परीक्षक थीं। प्रोफेसर रितु दुग्गल को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए दंत विज्ञान विषय में अध्ययन बोर्ड की सदस्य के रूप में नामित किया गया था। उन्हें महाराष्ट्र, पुणे में 56 वें भारतीय ऑर्थोडॉन्टिक सम्मेलन में सम्मानित किया गया था। प्रोफेसर दुग्गल को महिला दंत परिषद द्वारा दिल्ली डेंटल शो में लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है। डॉ. दुग्गल को इंडियन ऑर्थोडॉन्टिक सोसाइटी (आईओएस) द्वारा वर्ष 2022 के लिए डॉ. एवी अरुण उत्कृष्ट प्रोफेसर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। उन्हें गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश के सीडीई कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि के रूप में

आमंत्रित किया गया था। उन्हें फ़रीदाबाद, हरियाणा में छोटे मेंडिबल्स के अंतःविषय उपचार पर संगोष्ठी कार्यक्रम में समिति सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्हें स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा बैंकॉक, थाईलैंड में "मौखिक स्वास्थ्य हेतु कार्य योजना 2022-2030 के क्रियान्वयन हेतु क्षेत्रीय बैठक" हेतु नामित किया गया था।

प्रोफेसर अजॉय रॉय चौधरी ट्रॉमा सेक्शन: जर्नल ऑफ ओरल बायोलॉजी एंड क्रैनियोफेशियल रिसर्च के सह-संपादक हैं। वह ब्रिटिश जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी, नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, तथा नेशनल जर्नल ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जरी के समीक्षक हैं। वह स्नातकोत्तर शिक्षा हेतु डेंटल काउंसिल इंस्पेक्टर हैं। वह भारत में विभिन्न डेंटल कॉलेजों को मान्यता प्रदान करने से संबंधित डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया के निर्णयों की समीक्षा करने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की समिति में शामिल थे। उन्होंने पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एम्स भटिंडा तथा एम्स बिलासपुर की विशेषज्ञ चयन समिति में भी कार्य किया।

प्रोफेसर वीणा जैन रिम्स रांची में चयन समिति में विशेषज्ञ थीं; तथा ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी अलायंस (जीआईटीए) के लिए डीएसटी की ओर से भारत- इजरायल आर एंड डी तथा तकनीकी नवाचार प्रस्ताव (सीएफपी-9) 2022 हेतु ऑनसाइट तकनीकी वित्तीय मूल्यांकन करने के लिए विषय विशेषज्ञ थीं। वह आईसीएमआर की विषय विशेषज्ञ भी हैं। वह केजीएमयू, लखनऊ, आरयूएचएस, सीडीएस, जयपुर तथा केआईडीएस, भुवनेश्वर की बाह्य परीक्षक थीं। वह 2023 में आईसीएमआर में प्रस्तुत एडहॉक अनुसंधान परियोजनाएं की अंतिम रिपोर्ट पर टिप्पणी करने हेतु अध्यक्ष थीं।

प्रोफेसर ओंकिला भूटिया अस्पताल संक्रमण नियंत्रण समिति की अध्यक्ष थीं। उन्हें गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, ग्रेटर नोएडा में संकाय पदोन्नति साक्षात्कार हेतु एक विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में ट्रॉमा 22 के लिए एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की थी।

प्रोफेसर विजय प्रकाश माथुर नेशनल स्टीयरिंग ग्रुप, नेशनल ओरल हेल्थ प्रोग्राम के सदस्य हैं; राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य नीति का मसौदा तैयार करने वाली समिति तथा राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम हेतु परिचालन दिशानिर्देशों का मसौदा तैयार करने वाली समिति के सदस्य हैं। उन्हें 3 वर्ष (2021-24) के लिए ग्लोबल ओरल हेल्थ इन इक्वलिटीज रिसर्च नेटवर्क (जोओएचआईआरएन), इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) का काउंसलर नियुक्त किया गया था। वह काउंसिल इन कंटिन्यूइंग एजुकेशन (2021-23 हेतु), अमेरिकन एकेडमी ऑफ पेडीएट्रिक्स, आईएडीआर/एएडीआरपी प्रकाशन समिति, जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च आईएडीआर प्रतिनिधि; तथा आईएडीआर पुरस्कार समीक्षा समिति (2022-24 हेतु) के सदस्य हैं। वह इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के अध्यक्ष हैं; इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च (आईएडीआर-इंडिया डिवीजन) के उपाध्यक्ष हैं; इंडियन सोसायटी ऑफ पेडोडॉन्टिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री के माननीय कोषाध्यक्ष; जर्नल ऑफ इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ डेंटिस्ट्स (सेक्शन VI) के वैज्ञानिक संपादक हैं, तथा एडिटर इन चीफ जर्नल ऑफ साउथ एशियन एसोसिएशन ऑफ पीडिएट्रीक डेंटिस्ट्री के मुख्य संपादक हैं।

प्रोफेसर अजय लोगानी ने "एस्प्लिंटडिवाइस" पर एक पेटेंट फाइल किया है।

प्रोफेसर दालीम कुमार बैद्य को आईएसए दिल्ली बेस्ट रिसर्चर अवार्ड 2022 प्रदान किया गया। वह एनडीडीटीसी, गाजियाबाद में एम्स कार्डियक रिससिटेशन वर्कशॉप के संयोजक तथा मुख्य संसाधन संकाय थे। वह कार्डियक लंग अल्ट्रासाउंड एवं इको (सीएलयू) तथा हेमोडायनामिक सम्मेलन में तथा इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज, शिमला में आयोजित नॉर्थ जोन में कानूनी पहलुओं एवं एनेस्थिसियोलॉजी हेतु आईएसएसीओएन 2022 में अध्यक्ष थे। वह वर्कशॉप एट न्यूरो क्रिटिकल केयर कॉन्फ्रेंस 2022 में मैकेनिकल वेंटिलेशन पर कार्यशाला के संयोजक थे। वह एम्स भुवनेश्वर में एनेस्थिसियोलॉजी तथा वेस्ट बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज तथा श्री रामचंद्र इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ साइंसेज में डीएम क्रिटिकल केयर मेडिसिन हेतु परीक्षक थे।

डॉ. प्रभात कुमार चौधरी को आरसीपीएसजी, ग्लासगो द्वारा टीसी व्हाइट ऑब्जर्वरशिप -2022 से सम्मानित किया गया। उन्हें अमेरिका के फोर्सिथ इंस्टीट्यूट में वर्ष 2022-2023 के लिए एसईआरबी इंटरनेशनल रिसर्च एक्सपीरियंस फेलोशिप अवार्ड के लिए चुना गया था। उन्हें 2022 में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) सेंटेनियल ट्रैवल अवार्ड तथा 2022 में ऑर्थोडॉन्टिक्स रिसर्च में उत्कृष्टता के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च (आईएडीआर) इनोवेशन अवार्ड भी प्रदान किया गया।

डॉ. धीरज कुमार कोली को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आईसीएमआर-एसटीएस 2022 कार्यक्रम के लिए एक ऑनलाइन बीडीएस प्रस्ताव समीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. कल्पना बंसल को फेलो ऑफ इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया गया। एक सॉफ्टवेयर, स्वस्थ मुस्कान- क्षय निवारण हेतु रोगी/जनसाधारण शिक्षा हेतु एक डिजिटल टूल, के लिए एम्स के नाम पर कॉपीराइट प्राप्त करने के लिए भी उत्तरदायी थे।

डॉ. नितेश तिवारी को इंडियन जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च में सर्वोत्तम प्रकाशित पेपर के लिए जे.जी.के. कन्नप्पन पुरस्कार दिया गया; किंग्स कॉलेज लंदन की यात्रा हेतु यूके के ग्लासगो रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन एंड सर्जन के दंत चिकित्सा संकाय का टीसी व्हाइट ऑब्जर्वरशिप अवार्ड -2022 प्रदान किया गया। उन्हें फ्रंटियर्स इन ओरल हेल्थ के संपादकीय बोर्ड के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें बायोमेडिकल एंड हेल्थ साइंस पर एसईआरबी कार्यक्रम सलाहकार समिति के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च द्वारा लार एवं मुख माइक्रोबायोम अनुसंधान हेतु विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी बोर्ड के निदेशक के रूप में चुना गया था। उन्हें वर्ष 2021-22 के लिए डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी, स्पेशल केयर इन डेंटिस्ट्री तथा जर्नल ऑफ पीरियडोंटल रिसर्च में उद्धृत अधिकांश शोधपत्रों के लिए मान्यता प्रदान की गई। उन्हें डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी के लिए व्यवस्थित समीक्षा एवं मेटा-विश्लेषण अनुभाग के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल रिसर्च के साक्ष्य आधारित दंत चिकित्सा नेटवर्क के सचिव/कोषाध्यक्ष के रूप में भी नियुक्त किया गया था।

डॉ. अमृता चावला को इंडियन सोसाइटी ऑफ डेंटल रिसर्च द्वारा फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया।

डॉ. हर्ष प्रिया को मोंटपेलियर में 26वें यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ डेंटल पब्लिक हेल्थ (ईएडीपीएच) कांग्रेस के लिए श्री बॉरो फाउंडेशन ट्रैवल ग्रांट प्रदान किया गया। उन्हें 67वें संस्थान दिवस पर डेंटल हेल्थ चेकअप बूथ एंड एक्जीबिट के लिए प्रशंसा प्रमाणपत्र दिया गया। उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया। वह इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च के 33वें वार्षिक सम्मेलन में आयोजित वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्ष थीं। उन्हें वर्ष 2020-2023 के लिए आईएडी री-ओरल हैल्थ नेटवर्क ग्रुप के लिए काउन्सलर के रूप में चुना गया था। वह उत्कल विश्वविद्यालय में पेपर सेटर बोर्ड की सदस्य हैं और उन्हें सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, दंत चिकित्सा विज्ञान संकाय, एसजीटी यूनिवर्सिटी के बोर्ड ऑफ स्टडीज कमेटी में एक बाह्य विषय विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया था।

डॉ. दीपिका मिश्रा को इंडियन एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल पैथोलॉजिस्ट (आईएओएमपी) के कार्यकारी परिषद सदस्य के रूप में चुना गया। वह मल्टी-मोडल ऑप्टिकल स्पेक्ट्रोस्कोपी और स्मार्ट-फोन इमेजिंग का उपयोग करके मौखिक कैंसर एपिथेलिया की इन-विवो फास्ट स्क्रीनिंग: एक पॉइंट ऑफ केयर डिवाइस जिसने बीआईआरएसीबीआईजी19 अनुदान 2023 सुरक्षित किया, तथा निदान के प्रस्ताव के लिए वैज्ञानिक सलाहकार हैं; शॉर्ट टर्म स्टूडेंटशिप (एसटीएस) 2022 कार्यक्रम के लिए बीडीएस- संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा के लिए उन्हें कई बार आईसीएमआर में एक विशेषज्ञ और समीक्षक के रूप में भी मान्यता डी गई। तीन एडहॉक परियोजनाओं की समीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा हेतु विशेषज्ञ तथा ओरल हेल्थ नवाचार क्षेत्र के लिए आईसीएमआर प्रस्ताव 2022 में विशेषज्ञ। उन्होनें आईएसडीआर सम्मेलन में वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की। वह ओरल केयर सत्रों के लिए एक विशेषज्ञ संसाधन सदस्य हैं; राष्ट्रीय स्वास्थ्य संसाधन प्रणाली केंद्र (एनएचएसआरसी) दिल्ली द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और स्टाफ नर्सों के लिए प्रशिक्षकों का राष्ट्रीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। वह दंत चिकित्सकों के लिए आईसीएमआर एनआईसीपीआर-ईसीएचओ के उन्नत कैंसर स्क्रीनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसीएसटीपी-ओ6 और एसीएसटीपी-ओ7) में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग सत्रों पर एक विशेषज्ञ संसाधन संकाय हैं। सिर और गर्दन की पैथोलॉजी के समन्वय में एम्स के सामान्य पैथोलॉजी विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को पढ़ाने में हमारे विभाग की भागीदारी शुरू की गई। उन्हें केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए विषय विशेषज्ञ समिति के लिए भी चुना गया था। वह एक फॉरेंसिक डोंटोलॉजी विशेषज्ञ है, और उन्हें एम्स के मेडिकल बोर्ड की सदस्य बनने का अवसर मिला।

डॉ कुणाल ढींगरा डेंटल मेडिसिन में बीएमसी बायोटेक्नोलॉजी और फ्रंटियर्स के सह-संपादक थे; नैनोमटेरियल्स एवं नैनोटेक्नोलॉजी के लिए अतिथि संपादक; कंपोजिट्स और एडवांस्ड मटेरियल्स के लिए अतिथि संपादक; अकादमिक संपादक के रूप में नियुक्त किया गया। प्लोसोन जर्नल और एविडेंस बेस्ड डेंटिस्ट्री के समीक्षक। वह इंडियन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी एंड फार्माकोलॉजी, यूरोपियन जर्नल ऑफ डेंटिस्ट्री, वर्ल्ड जर्नल ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, डायबिटीज एंड मेटाबोलिक सिंड्रोम: क्लिनिकल रिसर्च एंड रिव्यूज, जेबीआई एविडेंस सिंथेसिस के समीक्षक हैं। वह प्रतिष्ठित आईएडीआरकेयूएलज़ेडईआर यात्रा पुरस्कार समिति के सदस्य थे। उन्हें प्रतिष्ठित नेशनल एकेडिमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एमएएमएस) द्वारा सदस्यता से सम्मानित किया गया; कोक्रेन (भारत) के सदस्य; सहबद्ध केंद्र एम्स,

नई दिल्ली, भारत एवं कोक्रेन इंडिया नेटवर्क; सदस्य कोक्रेन मेथड्स, पेरियोडोंटोलॉजी स्पेशल इंटरेस्ट वर्किंग ग्रुप एंड टास्क लैंड के सदस्य; फ़िनिश ग्रुप ऑफ़ यूरोपियन एसोसिएशन डेंटल पब्लिक हेल्थ, सदस्य; विषय समूह: डेंटल डायग्नोस्टिक्स एंड डिजिटल डेंटिस्ट्री ऑफ़ इंटरनेशनल टेली कम्यूनिकेशन यूनियन। उन्हें विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) फोकसग्रुप "आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फॉर हेल्थ" में भी नियुक्त किया गया था। वह एम्स बायोनेस्ट के साथ समन्वय हेतु सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली, भारत में नोडल अधिकारी हैं। उन्हें रॉयल सोसायटी फॉर पब्लिक हैल्थ फेलोशिप (एफआरएसपीएच), यूके से सम्मानित किया गया। वह अनुशंसा मूल्यांकन की ग्रेडिंग, विकास एवं मूल्यांकन (ग्रेड) वर्किंग ग्रुप के सदस्य भी हैं तथा उन्होनें जर्नल ऑफ डेंटल रिसर्च में प्रकाशित ओरल हेल्थ में व्यवहार एवं सामाजिक विज्ञान हेतु भविष्य की दिशाओं पर आम सहमति संबंधी वक्तव्य के विकास में सक्रिय रूप से योगदान दिया है। उन्हें गाइडलाइंस इंटरनेशनल नेटवर्क कॉन्फ्रेंस 2022 की सार समीक्षा उप-समिति के सदस्य के रूप में भी चुना गया था।

डॉ. विकेन्दर सिंह इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड केयर में संपादकीय बोर्ड सदस्य के रूप में अनुभाग संपादक (दंत चिकित्सा) के रूप में नियुक्त किया गया था; इंडियन सोसाइटी ऑफ पीरियोडोंटोलॉजी की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया। वह पेरियोडोंटिक्स प्रभाग, सीडीईआर द्वारा आयोजित दूसरे एम्स पेरियोडॉन्टल एवं पेरी-इम्प्लांट प्लास्टिक सर्जरी संगोष्ठी में वैज्ञानिक सत्र के अध्यक्ष थे। वह ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडोंटोलॉजी के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन में पोस्टर सत्र के अध्यक्ष भी थे।

डॉ. अदिति नंदा को डेंटल सर्जरी (ग्लासगो) संकाय की सदस्यता प्राप्त हुई।

डॉ. मोरंकर राहुल को इंडियन सोसाइटी फॉर डेंटल रिसर्च के 33 वें वार्षिक सम्मेलन में "रूट कैनाल कीटाणुशोधन के लिए प्रयुक्त इंट्राकैनल औषधियों की साइटोटॉक्सिसिटी और एपिकल पैपिला से स्टेम कोशिकाओं के प्रसार और विभेदन क्षमता पर उनका प्रभाव" शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए स्टार शोधकर्ता के रूप में चुना गया था तथा उन्हें जर्नल ऑफ एंडोडोंटिक्स अवार्ड में माननीय उल्लेख के लिए चुना गया था।

डॉ. सिद्धार्थ शर्मा को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी (एफआईएडीटी) से फेलोशिप से सम्मानित किया गया तथा उन्हें डेंटल ट्रॉमेटोलॉजी की पहली एशियाई क्षेत्रीय कांग्रेस के दौरान प्रतिनिधि श्रेणी में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

डॉ. वरुण सूर्या ने एनएबीएच मान्यता के उद्देश्य से सीडीईआर, एम्स के लिए "अस्पताल संक्रमण नियंत्रण मैनुअल" विकसित किया।

विशेष घटनाएँ

राष्ट्रीय मौखिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की गई हैं:

वर्ष 2022 में विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम

1. नवोदय विद्यालय समिति (एनवीएस) स्टाफ नर्सों के लिए ओरल हेल्थ प्रमोशन पर दिसंबर 2021 से अप्रैल 2022 तक वेबिनार श्रृंखला। (सीडीईराष्ट्रीय ओरल स्वास्थ्य के कार्यान्वयन हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्वास्थ्य परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा कार्यक्रम)
2. केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) शिक्षकों (प्राथमिक शिक्षकों (पीआरटी), स्नातकोत्तर शिक्षकों (पीजीटी) और प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों (टीजीटी) के लिए) पर 21 अगस्त 2021 से 24 अगस्त 2022 तक वेबिनार श्रृंखला।
3. विशिष्ट बच्चों, किशोर दोषियों तथा अनाथों के लिए मौखिक स्वास्थ्य संवर्धन के लिए आउटरीच गतिविधियाँ।
4. सीडीईआर तथा पेरिफेरल सेंटर (बल्लभगढ़) दोनों के लिए सप्ताह भर चलने वाली गतिविधियों को चिह्नित करना। मार्च 2022 में माई गॉव ऑनलाइन के अवसर पर स्लोगन, पोस्टर, मीम तथा छोटी वीडियो प्रतियोगिताएं।
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र- दयालपुर में आशा कार्यकर्ता के लिए मौखिक स्वास्थ्य पर ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 2022।
6. मुँह के कैंसर के प्रति जागरूकता स्क्रीनिंग कार्यक्रम- बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स तिगरी, भोंडसी और छावलेन 2022।
7. पीएचसी, छैसा, सीआरएचएसपी, बल्लभगढ़ में पिट एंड फिशर सीलेंट कार्यक्रम, 2022।
8. ग्रामीण स्वास्थ्य शिविर, फ़रीदाबाद में ओरल हेल्थ स्क्रीनिंग कैम्प, अगस्त 2022।
9. मौखिक स्वास्थ्य एवं कम्युनिटी क्लिनिक, त्रिलोकपुरी और सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ में ओरल कैंसर स्क्रीनिंग कैंप, मई 2022।

दंत चिकित्सा में विशेष उपचार पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

इंडियन सोसाइटी ऑफ पेडोडोंटिक्स एंड प्रिवेंटिव डेंटिस्ट्री (आईएसपीपीडी) ने विशेष स्वास्थ्य उपचार की आवश्यकताओं वाले बच्चों को बेहतर उपचार हेतु ज्ञान एवं नैदानिक कौशल में सुधार करने के लक्ष्य के साथ, जुलाई से नवंबर तक दंत चिकित्सा में विशेष स्वास्थ्य उपचार आवश्यकताओं पर पहला प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया गया और इस पाठ्यक्रम में 3 मॉड्यूल शामिल थे। ज्ञान एवं मूल्यांकन का तीसरा और अंतिम मॉड्यूल बाल चिकित्सा और निवारक दंत चिकित्सा विभाग द्वारा केंद्र में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, दंत शिक्षा एवं अनुसंधान, एम्स, नई दिल्ली 6 नवंबर 2022। इसमें देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 30 प्रतिभागी थे और उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन 8 मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया गया था। कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष दंत चिकित्सा उपचार की मूल अवधारणाओं के बारे में प्रतिभागियों और मूल्यांकनकर्ताओं के बीच चर्चा को प्रोत्साहित करना था। यह विभिन्न प्रकार की केस प्रस्तुतियों के माध्यम से पूरा किया गया। सभी प्रतिभागियों को चार प्रेजेंटेशन कक्षों में समान रूप से वितरित किया गया, प्रत्येक प्रस्तुति के लिए दस मिनट की समय सीमा थी। प्रत्येक प्रस्तुति के अंत में, प्रस्तुतकर्ता ने मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर दिए, जिससे सूचना और ज्ञान के सफल आदान-प्रदान में सहायता मिली। कार्यक्रम में दोपहर के भोजन

के लिए एक घंटा और सुबह और दोपहर के ब्रेक के लिए 15 मिनट भी शामिल थे ताकि प्रतिभागियों को प्रत्येक सत्र के बाद अपनी चर्चा जारी रखने का अवसर मिल सके।

बाल दिवस पर गतिविधियाँ

बच्चों और माता-पिता के बीच मौखिक स्वास्थ्य के बारे में ज्ञान बढ़ाने और जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से, बाल चिकित्सा एवं निवारक दंत चिकित्सा विभाग ने 14 नवंबर 2022 को बाल दिवस पर सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए थे। 'हर दिन स्वस्थ मुस्कुराहट' का संदेश फैलाने और जागरूकता पैदा करने के लिए मौखिक स्वास्थ्य के बारे में, बच्चों और माता-पिता को ब्रश करने की तकनीक और मुंह धोने की विधि के बारे में सिखाया गया। डीओआरए के छात्रों ने बच्चों को विभिन्न स्वास्थ्य संवर्धन वीडियो और ब्रशिंग वीडियो प्रदर्शित करके कार्यक्रम को सफल बनाया। बच्चों का मूल्यांकन एवं मौखिक स्वास्थ्य के महत्व पर उनका ज्ञानवर्धन किया गया।

अतिथि वैज्ञानिक

दिसंबर 2022 में डॉ. ब्रायन ओ'कोनेल, संकायाध्यक्ष, हेल्थ साइंसेज, ट्रिनिटी कॉलेज डबलिन तथा प्रेसिडेंट इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर डेंटल रिसर्च और श्रीमती डॉ. ऐनी ओ'कोनेल।

10.3 डॉ. भीम राव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल

आचार्य और अध्यक्ष

ललित कुमार

(1 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022)

आचार्य और अध्यक्ष

सुषमा भटनागर (ओन्को-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन)

अतुल शर्मा (मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

एसवीएस देव (सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

डी एन शर्मा (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

एसवीएस देव (डीसीआर)

आचार्य

सुषमा भटनागर (1 जुलाई 2022 से अब तक)

सिद्धार्थ सतपथी (अस्पताल प्रशासन) (1 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022)

महेश आर (1 जुलाई 2022 से आज तक)

सीमा मिश्रा (ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

राकेश गर्ग (ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

निष्कर्ष गुप्ता (ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

विनोद कुमार (ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

सच्चिदानंद जी भारती (ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

ललित कुमार (मेडिकल अर्बुदविज्ञान) (जून 2022 को अधिवर्षिता)

समीर बख्शी (मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

सुषमा भटनागर (मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग डॉ. बीआरएआईआरसीएच) (1 जुलाई 2022 से अब तक)

सुनील कुमार (सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

मुकुरदीपी रे (सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

सुमन भास्कर (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सुष्मिता पाधी (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सुभाष गुप्ता (विकिरण अर्बुदविज्ञान)

हरेश केपी (रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

संजय थुलकर (रेडियोलॉजी यूनिट, डॉ. बी आर एआईआरसीएच)

चन्द्रशेखर एसएच (रेडियोलॉजी यूनिट, डॉ. बी आर एआईआरसीएच)

रितु गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

संजीव कुमार गुप्ता (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

अनिता चोपड़ा (प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

प्रणय तंवर
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

प्रतीक कुमार
(चिकित्सा भौतिकी)

सिद्धार्थ सत्पथी
(मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग
डॉ. बी आर एआईआरसीएच)
अस्पताल प्रशासन (1 अप्रैल 2022 से 30 जून 2022)

महेश आर
(मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग
डॉ. बी आर एआईआरसीएच)
(1 जुलाई 2022 से अब तक)

सहायक आचार्य

ब्रजेश कुमार रात्रे
(ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा)

अनुजा पंडित
(एनसीआई, झज्जर)

सौरभ विज
(एनसीआई, झज्जर)

श्वेता भोपले
(एनसीआई, झज्जर)

बलबीर कुमार
(एनसीआई, झज्जर)

राघव गुप्ता
(एनसीआई, झज्जर)

प्रशांत सिरोहिया
(एनसीआई, झज्जर)

दीपम पुष्पम
(मेडिकल कैंसर विज्ञान)

आकाश झा
(मेडिकल कैंसर विज्ञान)

चेतन आर
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

बबीता कटारिया
(मेडिकल कैंसर विज्ञान)

अपर्णा शर्मा
(मेडिकल कैंसर विज्ञान)

आशुतोष मिश्रा
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

संदीप कुमार भोरीवाल
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

बाबुल बंसल
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

ज्योति शर्मा (एनसीआई, झज्जर)
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

नवीन कुमार (एनसीआई, झज्जर)
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

ज्योतिषमान सैकिया (एनसीआई, झज्जर)
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

अमिताभ मंडल (एनसीआई, झज्जर)
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

मनीष कुमार गौड़ (एनसीआई, झज्जर)
(सर्जिकल अर्बुदविज्ञान)

सुरेंद्र कुमार सैनी
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

सुब्रमणि वी (मेडिकल फिजिक्स)
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

गोपीशंकर एन (मेडिकल फिजिक्स)
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

धनबलन आर (मेडिकल फिजिक्स)
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

अभिषेक शंकर (14 दिसंबर 2022 को कार्यग्रहण किया)
(विकिरण अर्बुदविज्ञान)

अंजलि वीआर
(विकिरण अर्बुदविज्ञान) (7 दिसंबर 2022 को कार्यग्रहण किया)

अमन शर्मा (एनसीआई-एम्स, झज्जर)
(रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

सुप्रिया मलिक (एनसीआई-एम्स, झज्जर)
(रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

करुण कम्बोज (24 जनवरी 2023 को कार्यग्रहण किया)
(एनसीआई-एम्स, झज्जर) (रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

कृतिका रंगराजन
(रेडियोलॉजी यूनिट, डॉ. बी आर एआईआरसीएच)

स्मिता जी
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

राज किशोर बिष्ट (10 फरवरी 2023 को कार्यग्रहण किया)
(मेडिकल भौतिकी)

अपर आचार्य

अजय गोगिया
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

रंजीत कुमार साहू
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

प्रभात सिंह मलिक
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

समीर रस्तोगी
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

रंभा पांडे
(रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

अहिताग्नि विश्वास
(रेडिएशन अर्बुदविज्ञान)

एकता धमीजा
(रेडियोलॉजी यूनिट, डॉ. बी आर एआईआरसीएच)

मुकेश कुमार
(रेडियोलॉजी यूनिट, डॉ. बी आर एआईआरसीएच)

अमर रंजन सिंह
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

सह-आचार्य

राजा प्रमाणिक
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

अतुल बत्रा
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

सचिन खुराना
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

चंद्र प्रकाश प्रसाद
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

थौदम देबराज सिंग
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

मयंक सिंह
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

वैज्ञानिक

भारत भूषण
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

सचिन कुमार
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

शम्पा घोष
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

सुरेंद्र के शहरावत
(मेडिकल अर्बुदविज्ञान)

गुरविंदर कौर
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

दीपशी ठकराल
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

विवेक कुमार सिंह सुसामा
(प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान, आईआरसीएच)

रानी मंडल (वैज्ञानिक-**II**)
(चिकित्सा भौतिकी)

एन मनोहरन (वैज्ञानिक-**IV**)
(डीसीआर)

राजीव कुमार मल्होत्रा (वैज्ञानिक-**II**)
(डीसीआर)

विशिष्टताएं

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री

दिल्ली कैंसर रजिस्ट्री एक जनसंख्या आधारित कैंसर रजिस्ट्री है जो 172 से अधिक सरकारी या निजी अस्पतालों/केंद्रों और 250 नर्सिंग होम तथा एमसीडी और एनडीएमसी के महत्वपूर्ण सांख्यिकी प्रभाग से कैंसर रोगियों का डेटा एकत्र करती है और दिल्ली शहरी निवासियों में विभिन्न प्रकार के कैंसर की घटनाओं की रिपोर्ट करती है तथा 2011 की जनगणना के अनुसार दिल्ली की 97.5% जनसंख्या को कवर करती है। 1988 में जब रजिस्ट्री की स्थापना हुई थी, तब इसमें कैंसर के 5854 नए मामले दर्ज किए गए थे। पिछले कुछ वर्षों में कैंसर की नई घटनाओं में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2015 में पंजीकृत कैंसर घटनाएं 21538 (11435 पुरुष और 10103 महिलाएं) थीं। दिल्ली के पुरुषों में कैंसर के सामान्य स्थान फेफड़े, मुख गुहा, प्रोस्टेट, जीभ और स्वरयंत्र हैं और महिलाओं में कैंसर के सामान्य स्थान स्तन, गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय, पित्ताशय और कॉर्पस गर्भाशय हैं। पुरुषों में कैंसर के निदान की औसत आयु 58.0 और महिलाओं में 55 वर्ष है। कैंसर के शीर्ष दस अग्रणी स्थानों से क्रमशः पुरुषों और महिलाओं में कुल कैंसर के 54.3% और 66.1% मामले आते हैं। रजिस्ट्री द्वारा तैयार रिपोर्ट का प्रयोग व्यापक रूप से मेडिकल विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, सरकारी संगठनों द्वारा किया जा रहा है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान यूनिट रक्त और अस्थि मज्जा आकृति विज्ञान तथा अगली पीढ़ी के प्रवाह साइटोमेट्रिक इम्यूनोफेनोटाइपिंग का उपयोग करके ल्यूकेमिया निदान करने वाली एक उन्नत कैंसर प्रयोगशाला है। नियमित नैदानिक अनुप्रयोगों के अलावा, न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) का पता लगाना, मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, सीएसएफ, शरीर के तरल पदार्थ और फाइन नीडल एस्पिरेट इम्यूनोफेनोटाइपिंग के लिए चिकित्सीय निगरानी जैसी विशेष सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। रोगियों को सभी हेमटोलॉजिकल विकृतियों के लिए अत्याधुनिक आणविक निदान सुविधाएं भी प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा, प्रयोगशाला ने एनसीआई, झज्जर में 'रोबोटिक कोर लैब' में चौबीसों घंटे सेवाएं स्थापित करने और संचालित रखने में भी अग्रणी भूमिका निभाई। कोविड महामारी के दौरान, हमारी प्रयोगशाला ने एम्स, नई दिल्ली में काम करने वाले सभी स्वास्थ्य कर्मियों के लिए कोविड एंटीबॉडी के स्वैच्छिक परीक्षण की व्यवस्था और पेशकश की। प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान यूनिट कई इंट्राम्यूरल, एक्स्ट्राम्यूरल, अंतर-संस्थागत और अंतःसंस्थागत अनुसंधान परियोजनाओं और अनुसंधान सहयोगों में सक्रिय रूप से शामिल रही है, और पिछले 5 वर्षों में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 250 से अधिक शोधपत्र प्रकाशित किए हैं। विभिन्न अंतर-संस्थागत सहयोगों में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी, दिल्ली), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी, दिल्ली), राष्ट्रीय इम्यूनोलॉजी संस्थान (एनआईआई), जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय, दिल्ली, जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी संस्थान (आईजीआईबी), नई दिल्ली, एनआईपीसीआर-नोएडा, एनआईओपी-सफदरजंग शामिल हैं। प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान यूनिट में एक सक्रिय पीएचडी कार्यक्रम संचालित है जिसमें कई पीएचडी विद्यार्थी, अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। प्रयोगशाला, विद्यार्थियों को अल्पकालिक अनुसंधान प्रशिक्षण हेतु आवेदन करने के लिए प्रोत्साहित करती है।

मेडिकल अर्बुदविज्ञान

मेडिकल अर्बुदविज्ञान विभाग, अपने उच्च स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम, व्यस्त नैदानिक सेवा, स्टेम सेल प्रत्यारोपण कार्यक्रम और अनुसंधान गतिविधि के लिए जाना जाता है। इसके शैक्षणिक कार्यक्रम पीएचडी, डीएम और बीएमटी फेलोशिप बहुत प्रतिस्पर्धी और मांग वाले कार्यक्रम हैं। विभाग, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को भी आकर्षित करता है। उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशन, अनुसंधान अनुदान और विभिन्न सरकारी/अनुदान एजेंसियों द्वारा संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों की सराहना उनके गुणवत्तापूर्ण योगदान के साक्षी हैं।

आईआरसीएच में 3 दशकों की सेवा के बाद, आचार्य ललित कुमार (एचओडी), जून 2022 में अधिवर्षिता पर सेवानिवृत्त हुए। वे, आईआरसीएच के अध्यक्ष और एनसीआई-एम्स, झज्जर के भी अध्यक्ष थे। आचार्य अतुल शर्मा ने जुलाई 2022 में मेडिकल कैंसर विज्ञान के विभाग अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला।

कोविड-19 महामारी के बाद, विभाग ने रोगियों की देखभाल, प्रयोगशाला सेवाएं और टेलीफोनिक/ईमेल परामर्श प्रदान करना जारी रखा। मेडिकल कैंसर विज्ञान संकाय ने एनसीआई झज्जर में नियमित रोगियों (बहिरंग रोगियों/अंतरंग रोगियों और डे केयर) को देखभाल सेवाएं प्रदान की हैं।

रोगी उपचार सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार के लिए की गई गतिविधियाँ/उठाये गए कदम

1. आरईएसएमओ का वार्षिक सम्मेलन और मेडिकल अर्बुदविज्ञान विभाग के पूर्व विद्यार्थियों की बैठक 11-12 फरवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली और एनसीआई झज्जर में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।
2. 28 जून 2022 को एम्स के जेएलएन ऑडिटोरियम में डॉ. ललित कुमार, अध्यक्ष, डॉ. बी आर एआईआरसीएच और अध्यक्ष एनसीआई, एम्स की सेवानिवृत्ति पर एक हार्दिक विदाई समारोह आयोजित किया गया।
3. 'प्रतिष्ठित वक्ता' सेमिनार श्रृंखला के अंतर्गत आयोजित नियमित सेमिनार में प्रख्यात वक्ताओं (भारत और विदेश दोनों से) ने कई विषयों पर आमंत्रित सेमिनार दिए गए हैं, इन्हें युवा संकाय सदस्यों द्वारा पसंद किया गया है। वे नए अनुसंधान विचारों और बेहतर रोगी देखभाल सेवाओं से प्रेरित और उत्साहित महसूस करते हैं।

2022-2023 के दौरान विभाग में उपचारित रोगियों की संख्या

क्रम संख्या		2022-23
1.	अंतरंग रोगियों के रूप में उपचारित रोगी	12514
2.	डे केयर सुविधा में उपचारित रोगी	31987
3.	चिकित्सा प्रक्रियाएं	6177
4.	बाह्य रोगी कीमोथेरेपी	6836
5.	आउट पेशेंट IV एंटीबायोटिक्स	25861
6.	हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण	121

मेडिकल कैंसर विज्ञान (लैब) में रोगी उपचार सेवाएँ

क्रम संख्या		2022-23
1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	597
2.	काइमेरिज़्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	04
3.	पी210 और पी190 का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर सीएमएल (गुणात्मक) में स्थानांतरण	07
4.	पी210 और पी190 का पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर सीएमएल (मात्रात्मक) में स्थानांतरण	588
5.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	175
6.	फ्लो साइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	22
7.	एमएनसी गणना	156
8.	स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन -80°C पर	112
9.	पर स्टेम कोशिकाओं का भंडारण 4°C पर	70
10.	स्टेम कोशिकाओं का आधान	146
11.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	141
12.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	1038
13.	ईबीवी का पता लगाने के लिए ईबीवी डीएनए का पता लगाना	36

एफ़ेरेसिस लैब (2022-23)

क्रम संख्या		2022-23
1.	पीबीएससी निकालना	163
2.	एसडीपी एफेरेसिस	2021
3.	ग्रैनुलोसाइट एफेरेसिस	98
4.	हेमोग्राम	553
5.	प्लाज्मा विनिमय	07

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी यूनिट, आईआरसीएच एम्स और एनसीआई झज्जर के लगभग 20 विभागों/केंद्रों/अनुभागों में लगभग 150 विकिरण उपकरणों और सुविधाओं से संबंधित मेडिकल रेडियोलॉजिकल इमेजिंग और चिकित्सा में विकिरण अनुप्रयोग में विकिरण सुरक्षा और छवि गुणवत्ता की देखभाल करती है। यहां, एक्स-रे उपकरणों को नियमित गुणवत्ता आश्वासन सेवाएं प्रदान की जाती है, परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (एईआरबी) के नियमों के अनुसार इन एक्स-रे उपकरणों और सुविधाओं के नियामक अनुपालन का ख्याल रखा जाता है, रोगियों, कर्मचारियों और जनता को विकिरण सुरक्षा के लिए परामर्श प्रदान किया जाता है, रक्त थैलियों को विकिरण-मुक्त बनाया जाता है, विकिरण डोसिमेट्री

और इमेजिंग के अनुकूलन से संबंधित अनुसंधान और नैदानिक चिकित्सा भौतिकी क्षेत्र में शिक्षा प्रदान की जाती है। 2022-2023 के दौरान विभाग ने रक्त आधान के लिए 6789 माप, परीक्षण, परामर्श, प्रयोग और रक्त बैग को विकिरण-मुक्त करने के कार्य किए।

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा विभाग ने एनसीआई में 9 नए ऑपरेशन थिएटर, 50-बेड वाली गहन देखभाल इकाई (आईसीयू), राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर में 40-बेड वाले पैलिएटिव केयर वार्ड (पीसीयू) में सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है। एनसीआई, झज्जर में एक समर्पित इंटरवेंशनल कैंसर पेन प्रोग्राम भी शुरू किया गया है। रोगी देखभाल और रोगियों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए पल्मोनरी मेडिसिन, कार्डियोलॉजी, आपातकालीन चिकित्सा, न्यूरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी और जराचिकित्सा की विशिष्टताओं में उपशामक देखभाल की अवधारणा को एकीकृत करने की पहल शुरू हो गई है। विभिन्न नैदानिक हस्तक्षेपों के लिए शुरू की गई अन्य नई सेवाओं में एनसीआई में एंडोस्कोपी के लिए एनेस्थीसिया, ईआरसीपी और स्टेंटिंग और पेडिएट्रिक सिडेशन शामिल हैं। उच्च जोखिम वाले मामलों की पेरिऑपरेटिव स्क्रीनिंग के लिए एक कार्डियोरेस्पिरेटरी एक्सरसाइज टेस्टिंग (सीपीईटी) लैब शुरू की गई है। विभाग ने बेहतर रोगी प्रबंधन के लिए प्रोटोकॉल और एसओपी संकलन तैयार और प्रकाशित किया है।

निवारक अर्बुदविज्ञान

- जागरूकता कार्यक्रम: गुरु गोबिंद सिंह आईपी विश्वविद्यालय और विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए व्यापक कैंसर जागरूकता सृजन कार्यक्रम।
- 4 फरवरी 2023 को एम्स में वॉकथॉन, कैंसर स्क्रीनिंग शिविर और पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन करके विश्व कैंसर दिवस मनाया।
- आईआरसीएच में स्वास्थ्य वार्ता, पोस्टर प्रतियोगिता, सेमिनार और संगोष्ठियों का आयोजन करके अक्टूबर 2022 में स्तन कैंसर जागरूकता माह मनाया गया।
- ऑनलाइन विधि से जागरूकता कार्यक्रम: श्री अंजनेय कॉलेज ऑफ नर्सिंग, केरल द्वारा सर्वाइकल कैंसर पर राष्ट्रीय स्तर के वेबिनार और नर्सिंग स्कॉलर सोसाइटी, राजकीय मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, चंडीगढ़ द्वारा प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान पर अंतरराष्ट्रीय वर्चुअल सम्मेलन।
- रोगी देखभाल: सप्ताह में दो बार, निवारक कैंसर विज्ञान क्लिनिक अप्रैल 2022 में शुरू किया गया। क्लिनिक में एक वर्ष में कुल 279 लोगों के मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर की जांच की गई है। 50 ईएचएस लाभार्थियों के लिए एचपीवी टीकाकरण किया गया है।
- आउट-रीच स्क्रीनिंग कार्यक्रम: हरियाणा के दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों में, एम्स के कई विभागों के सहयोग से आउट-रीच सामान्य कैंसर स्क्रीनिंग शिविर आयोजित किए गए। तिगांव और बाढ़सा जिले में में शिविर आयोजित किए गए।
- इंडिया इंटरनेशनल सेंटर के कार्यरत कर्मचारियों के लिए आउट-रीच शिविर भी आयोजित किए गए। एनसीआई, झज्जर में एम्स कर्मचारियों के लिए पखवाड़े का शिविर आयोजित किया गया।

- प्रशिक्षण कार्यक्रम: कैंसर से संबंधित राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनपीसीडीसीएस) का समर्थन करने के लिए दिल्ली और एनसीआर के जिलों में सामान्य कैंसर की जांच और रोकथाम में सार्वजनिक क्षेत्र के डॉक्टरों और नर्सों को प्रशिक्षण दिया गया।
- नई दिल्ली जिले के चिकित्सा अधिकारियों के लिए तंबाकू समाप्ति पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- 1 विद्यार्थी के लिए प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच में अल्पकालिक ऑब्जर्वरशिप दी गई।
- अल्पकालिक विद्यार्थी प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत एक एमबीबीएस विद्यार्थी को मेंटरशिप की गई।
- 3 एमएस विद्यार्थियों को उनके थीसिस कार्य में सह-मार्गदर्शक के रूप में सलाह प्रदान की गई।

विकिरण निदान

विभाग में की जाने वाली नैदानिक और इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। विभाग कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग और मेडिकल रोबोटिक्स की अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल है। डॉ. बी आर ए आईआरसीएच में कार्य के अलावा, विभागीय संकाय सदस्यों ने एनसीआई-एम्स, झज्जर में रेडियोलॉजी सेवाएं प्रदान करने के लिए रोटेशन पर काम में भी भाग लिया। विभाग की कैंसर उपचार सेवाएँ कोविड काल के दौरान भी क्लिनिकल कार्यभार के लगभग सामान्य स्तर के साथ निर्बाध रूप से जारी रहीं।

विभाग ने विशेष रूप से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकृतियों, फेफड़ों के कैंसर और सारकोमा के बारे में साप्ताहिक बहु-विषयक चर्चा/ट्यूमर बोर्ड आयोजित किए। इसके अतिरिक्त इस वर्ष राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में अन्य विभागों के साथ कार्यशालाओं के आयोजन में भी सक्रिय भागीदारी रही।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विकिरण अर्बुदविज्ञान विभाग उच्च गुणवत्ता वाली व्यापक कैंसर देखभाल सेवाएं प्रदान कर रहा है। विभाग, कैंसर रोगियों की देखभाल के साथ-साथ शिक्षण और अनुसंधान कार्य में भी लगा हुआ है। विभाग ने हमेशा डॉ. बी आर ए आई आर सी एच और एम्स के अन्य विभागों के साथ सहयोग करके कैंसर देखभाल के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने का लक्ष्य रखा है। विभाग के पास एक उत्कृष्ट टीम और विभिन्न प्रकार के अनुभव वाले संकाय सदस्य हैं। इस प्रकार विभाग मार्गदर्शन और सलाह के मामले में अधिक संतुलित कार्यबल से युक्त है।

वर्तमान में, विभाग आईएमआरटी, वीएमएटी, एसबीआरटी और ब्रैकीथेरेपी जैसे उन्नत विकिरण उपचार प्रदान करने के लिए लीनियर एक्सेलेरेटर और ब्रैकीथेरेपी इकाइयों के साथ उच्च-स्तरीय अत्याधुनिक विकिरण चिकित्सा सुविधाओं से युक्त है। हमारे विभाग ने नैदानिक देखभाल, शिक्षण मानकों और अनुसंधान योगदान के मामले में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और आने वाले वर्षों में हमेशा बेहतर करते रहने का प्रयास कर रहा है। विभाग, एमडी और पीएचडी जैसे स्नातकोत्तर शैक्षणिक पाठ्यक्रम चलाता है। यहां लगभग 21 स्नातकोत्तर रेजिडेंट्स और 23 सीनियर रेजिडेंट्स हैं। हमारे विभाग में अत्यधिक प्रेरित संकाय सदस्य हैं जो नैदानिक देखभाल, शिक्षाविदों और अनुसंधान गतिविधियों में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। भारतीय वित्तपोषण एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान संगठनों के अनुसंधान अनुदान के साथ कई चल रहे अनुसंधान अध्ययन और नैदानिक परीक्षण आयोजित किए जा

रहे हैं। ब्रैकीथेरेपी पर केंद्रित हमारे शोध कार्य को कई अवसरों पर विश्व स्तर पर मान्यता मिली है और दुनिया भर में इन्हें सराहा गया है। विभाग, कैंसर विज्ञान में नवाचार पर भी काम कर रहा है और बेहतर एवं व्यक्तिगत रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा मशीन लर्निंग की भूमिका पर एक परियोजना भी संचालित की जा रही है।

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

वर्ष 2022-23 के दौरान सर्जिकल कैंसर विज्ञान विभाग ने रोगी देखभाल, प्रशिक्षण और अनुसंधान कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विभाग ने एनसीआई में सर्जिकल सेवाओं का विस्तार किया है और एनसीआई में उन्नत एवं जटिल कैंसर सर्जिकल सेवाएं तथा व्यापक एंडोस्कोपी सेवाएं शुरू की हैं। विभाग के संकाय सदस्यों ने सरकारी संगठनों और गैर सरकारी संगठनों के सहयोग से विभिन्न कैंसर रजिस्ट्रियों, कैंसर जागरूकता और रोकथाम गतिविधियों में भाग लिया। चालू वर्ष के दौरान 11023 नैदानिक और चिकित्सीय एंडोस्कोपी प्रक्रियाओं और छोटी कैंसर सर्जरी के साथ कुल 2968 जटिल प्रमुख कैंसर सर्जरी की गईं।

रोगी उपचार सेवाओं, शिक्षा और अनुसंधान में सुधार के लिए की गई गतिविधियाँ/उठाए गए कदम:

1. 14000 से अधिक बड़ी और छोटी कैंसर सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। (सर्वोत्तम वैश्विक परिणामों के बराबर रुग्णता और मृत्यु दर बेंचमार्क)
2. एम्स (आईआरसीएच और एनसीआई) में सामान्य कैंसर सर्जरी रोगियों के लिए प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया गया।
3. सर्जिकल रोगियों के अस्पताल में ठहराव की अवधि कम करने और अस्पताल संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने के लिए ईआरएएस कार्यक्रम लागू किया गया।
4. रुग्णता और मृत्यु दर संपरीक्षा तथा गुणवत्ता मीट्रिक मूल्यांकन सहित विभागीय गुणवत्ता नियंत्रण कार्यक्रम लागू किया गया।
5. एक मजबूत क्लिनिकल डेटा बेस प्रोग्राम लागू किया गया और रोगी संबंधित डेटा को कम्प्यूटरीकृत व्यवस्थित प्रारूप में कैप्चर किया गया।
6. एम.सीएच और गैर-शैक्षणिक सीनियर रेजिडेंट्स सहित सभी रेजिडेंट्स को अंग विशिष्ट नैदानिक डेटाबेस सौंपा गया और सम्मेलनों में प्रस्तुतियों के डेटा विश्लेषण तथा पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए संकाय सदस्यों द्वारा सलाह दी गई।
7. दो परिसरों (आईआरसीएच और एनसीआई) को जोड़ने के लिए हाइब्रिड शिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया।
8. विभाग ने आईआईटी, आईसीएमआर, डीबीटी और आईआईएससी जैसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठनों के साथ कई सहयोगी अनुसंधान परियोजनाएं शुरू की हैं।
9. विभाग ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय वैज्ञानिक कार्यक्रम आयोजित किए।
10. जहां तक शोध का सवाल है, वर्ष 2022-23 विभाग के लिए बहुत सफल रहा और हम उच्च प्रभाव वाली वैज्ञानिक पत्रिकाओं में 50 से अधिक लेख प्रकाशित करने में कामयाब रहे।

आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना:

विभाग, वर्ष 2023-24 के दौरान कैंसर रोगी देखभाल गतिविधियों को और अधिक विस्तारित तथा मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध और दृढ़ है। हमारा लक्ष्य रोबोटिक सर्जरी और आईओआरटी जैसी उभरती सर्जिकल तकनीकों को पेश करना और टेली-कैंसर विज्ञान सेवाओं, कम्प्यूटरीकृत क्लिनिकल डेटा बेस, ईआरएएस के कार्यान्वयन और फास्ट-ट्रैक सर्जरी कार्यक्रमों के माध्यम से रोगी देखभाल सेवाओं में सुधार करना है। विभाग के संकाय सदस्य, भारतीय कैंसर रोगियों के लिए लागू की जाने वाली कई नवीन अनुसंधान परियोजनाओं की भी योजना बना रहे हैं।

सारांश: कुल मिलाकर वर्ष 22-23 चुनौतीपूर्ण था लेकिन रोगी देखभाल, शिक्षण और अनुसंधान गतिविधियों के लिए विभाग द्वारा विभिन्न उल्लेखनीय योगदानों के कारण सफल वर्ष रहा।

शिक्षा

डीसीआर

डॉ. राजीव कुमार मल्होत्रा जुलाई 2022 से जनवरी 2023 तक शैक्षणिक कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान दे रहे हैं और रेडियो-थेरेपी तथा ओन्को-एनेस्थीसिया एमडी थीसिस में सह-पर्यवेक्षक के रूप में भी शामिल हैं।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान के अंतर्गत पैथोलॉजी, हेमेटोलॉजी और लैब मेडिसिन के रेजिडेंट्स को परिधीय रक्त और अस्थि मज्जा आकृति विज्ञान, मायलोमा और प्रवाह साइटोमेट्री प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इसके अलावा, मेडिकल कैंसर विज्ञान, पीडियाट्रिक कैंसर विज्ञान के रेजिडेंट्स भी यहां प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। पूरे भारत के विभिन्न कॉलेजों के एम.एससी. विद्यार्थियों को अल्पावधि प्रशिक्षण दिया जाता है।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान विभाग निम्नलिखित कार्यक्रम सफलतापूर्वक चला रहा है-

1. डीएम कार्यक्रम
2. चिकित्सा कैंसर विज्ञान में पीएचडी
3. बीएमटी फैलोशिप
4. ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप/प्रशिक्षण

नियमित कक्षाएँ एवं सेमिनार

विभागीय संकाय संगोष्ठी	प्रत्येक सोमवार प्रातः 8.30-9.30 बजे
जर्नल क्लब/केस चर्चा	प्रत्येक बुधवार प्रात: 8.30-9.30 बजे
आईआरसीएच सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार प्रात: 8.30-9.30 बजे
आणविक कैंसर विज्ञान कक्षा	प्रत्येक मंगलवार दोपहर 2.00-3.00 बजे

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के निदान और उपचार में बीटा-कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों की भूमिका (उमर शेख)
2. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में डियूबिकिटिनेटिंग एंजाइम (डीयूबी) की ऑन्कोजेनिक क्षमता को समझना (रवि चौहान)
3. ग्राफ्ट-बनाम-होस्ट-रोग में मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं के इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुणधर्म (मोहिनी मेंदीरत्ता)
4. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए हॉटएअर एम1 की भूमिका (क्रिस्टीन विल्सन)
5. मानव डिम्बग्रंथि कार्सिनोमा में पैक्लिटैक्सेल की बहुसंयोजी लक्ष्य**-**आधारित डिलीवरी के लिए एपी**1-**कार्यात्मक इलास्टिन लाइक पॉलीपेप्टाइड नैनोकैरियर्स की क्षमता का मूल्यांकन **(**रिधिमा गोयल)
6. मल्टीपल मायलोमा में चिकित्सीय बीसीएमए (बी सेल परिपक्वता एंटीजन) विशिष्ट एंटीबॉडी का निर्माण और लक्षण वर्णन (आशना गुप्ता)
7. थायराइड कैंसर में एस्ट्रोजेन-संबंधित रिसेप्टर गामा (ईआरआर***γ***) अभिव्यक्ति के महत्व की जांच करना और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में इसकी क्षमता का अध्ययन करना (दीपक गुलवानी)
8. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में मानव एंटीजन आर (एचयूआर) की पूर्वानुमानात्मक और चिकित्सीय प्रासंगिकता (अरुंधति देव जेआर)
9. फेफड़ों के कैंसर में लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका की खोज (अभिरूप मुखोपाध्याय)
10. पित्ताशय के कैंसर में कैननीकल और गैर-कैननीकल डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग की चिकित्सीय क्षमता का मूल्यांकन करना (आकांक्षा कश्यप)
11. छोटे सेल लंग कैंसर में वन कट होमोबॉक्स 2 प्रतिलेखन कारक की भूमिका पर क्रियाविधिक अंतर्दृष्टि (हर्षल कपूर)

स्नातकोत्तर (अध्येताओं) द्वारा किए जा रहे अनुसंधान

1. स्तन और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में कैपेसिटाबाइन प्राप्त करने वाले रोगियों में सामयिक डाइक्लोफेनाक का यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन (डॉ अखिल पी संतोष)
2. कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य और अंतरंगता का आकलन: रोगी और स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ताओं के परिप्रेक्ष्य में (डॉ अमन चौधरी)
3. उपचार के एक वर्ष के बाद सोराफेनीब के बंद होने के बाद चरम फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों के क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल परिणामों का विश्लेषण (डॉ भरत बीजी)
4. भारत में बचपन की घातक बीमारियों के लिए कैंसर विज्ञान हेल्थकेयर सेवाओं के उपयोग में लैंगिक असमानता (डॉ कनु प्रिया भाटिया)

5. कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों के प्रथम श्रेणी रिश्तेदारों में आक्रामक कोलन कैंसर और कोलन पॉलीप्स की घटना (डॉ श्रवण कुमार)
6. कीमोथेरेपी आहार युक्त कार्बोप्लाटिन (एयूसी≥4) प्राप्त करने वाले रोगियों में कीमोथेरेपी-प्रेरित मतली और उल्टी की रोकथाम के लिए ओलंज़ापाइन बनाम फोसाप्रेपिटेंट: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण (डॉ स्नेह बी)
7. स्तन कैंसर के रोगियों में सर्वाइवल परिणामों पर रोगाणु उत्परिवर्तन का प्रभाव-एक केस नियंत्रण अध्ययन (डॉ नितिन एसजी)
8. चरम अस्थि सार्कोमा से बचे लोगों में मनोसामाजिक, कार्यात्मक, यौन, शैक्षणिक, व्यावसायिक, परिणाम (डॉ. राघवेंद्र राव)
9. हेमेटोलॉजिक मैलिग्नेंसीज़ के इलाज से गुजर रहे रोगियों में सीएमवी पुनर्सक्रियन की निगरानी (डॉ. अर्चना ससी)
10. उन्नत, दुर्दम्य सिनोवियल सार्कोमा में रेगोराफेनीब का चरण 2 अध्ययन (डॉ. सनल फर्नांडीस)
11. पैक्लिटैक्सेल प्राप्त करने वाले रोगियों में न्यूरोपैथी की रोकथाम के लिए मौखिक गैबापेंटिन का यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित अध्ययन (डॉ प्रफुल्ल पांडे)
12. तरल बायोप्सी-आधारित जोखिम स्तरीकरण और ईजीएफआर उत्परिवर्ती उन्नत एनएससीएलसी में उपचार की गहनता (डॉ हेमावती)
13. प्लैटिनम प्रतिरोधी/दुर्दम्य उपकला डिम्बग्रंथि या प्राथमिक पेरिटोनियल कैंसर में एकल एजेंट पेमेट्रेक्स्ड का एकल आर्म चरण II अध्ययन (डॉ स्वास्तिक उपाध्याय)
14. जीआई पथ की घातकताओं में सीएफडीएनए का आकलन (डॉ. अनुरा कंटक)
15. स्थानीयकृत ट्रिपल नेगेटिव और हर2न्यू पॉजिटिव स्तन कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ मेटफॉर्मिन" (मैकबीईटीएच) - संभावित चरण-2 ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (डॉ मौना मंजूनाथ)
16. अंतःस्रावी कार्य और प्रजनन क्षमता पर टायरोसिन कीनेस अवरोधकों के प्रभाव का अध्ययन (डॉ राजीव मोहन)
17. एम्स दिल्ली में हेमेटोपोएटिक स्टेम सेल प्रत्यारोपण की नैदानिक विशेषताएं और परिणाम: 15 साल का पूर्वव्यापी विश्लेषण (डॉ. सुशांत चिब)
18. एएमएल रोगियों में रेमिशन प्रेरण के लिए कीमोथेरेपी के साथ वेनेटोक्लैक्स, एक चरण प्रथमबी/द्वितीय अध्ययन (डॉ सबिता पी)
19. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (ईएसीओडीई-एएमएल) में इंडक्शन कीमोथेरेपी के दौरान विलंबित वमन के नियंत्रण में विस्तारित एप्रेपिटेंट (डॉ. संतोष कुमार केएन)
20. हार्मोन पॉजिटिव स्तन कैंसर की क्लिनिको-पैथोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और परिणाम: 10 साल का पूर्वव्यापी विश्लेषण (डॉ आस्था गोयल)

चिकित्सा भौतिकी

मेडिकल फिजिक्स यूनिट ने एमडी रेडियोलॉजी, एमबीबीएस और बीएससी (ऑनर्स) रेडियोग्राफी और नर्सिंग के विद्यार्थियों के लिए मेडिकल इमेजिंग की विकिरण भौतिकी, विकिरण सुरक्षा, विकिरण खुराक माप और मेडिकल इमेजिंग में गुणवत्ता आश्वासन के संबंध में शिक्षण कार्य किया। वर्तमान में विभाग में 3 पीएचडी विद्यार्थी अपना शोध कार्य कर रहे हैं।

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

विभाग सफलतापूर्वक दो शैक्षणिक पाठ्यक्रम चला रहा है: डीएम और एमडी। पहले बैच को जनवरी 2016 में प्रवेश दिया गया था। विभाग, साल में दो बार अर्थात जून और नवंबर के महीनों में प्रशामक देखभाल पर सर्टिफिकेट कोर्स और मार्च के महीने में साल में एक बार प्रशामक देखभाल पर फाउंडेशन कोर्स भी आयोजित करता है।

विभागीय सेमिनार	प्रत्येक सोमवार एवं शुक्रवार प्रातः 8-9 बजे (हाइब्रिड मोड)
आईआरसीएच सेमिनार	प्रत्येक गुरुवार सुबह 8.30-9.30 बजे (हाइब्रिड मोड)
ट्यूटोरियल:	प्रत्येक मंगलवार अपराह्न 3-5 बजे (प्रत्यक्ष)
रेडियो सम्मेलन	प्रत्येक शनिवार प्रातः 9-10 बजे (प्रत्यक्ष)
जर्नल क्लब/ऑडिट/केस चर्चा	प्रत्येक शनिवार को दोपहर 10-12 बजे (हाइब्रिड मोड)

स्नातक, स्नातकोत्तर और सीनियर रेजिडेंट्स शिक्षण के लिए एम्स, नई दिल्ली के 'सरल' प्लेटफॉर्म पर प्रशामक देखभाल और कैंसर दर्द के परिचय और अवधारणा का एक संपूर्ण और व्यापक वीडियो अपलोड किया गया है।

प्रशिक्षुओं की कुल संख्या

2022-2023
अकादमिक जेआर (एमडी) **- 17**
अकादमिक एसआर (डीएम) **- 22**
गैर-अकादमिक एसआर**-3**
गैर-अकादमिक एसआर (पीएम) **- 8**

निवारक अर्बुदविज्ञान

1. स्नातक:

विभाग नियमित रूप से एमबीबीएस प्रशिक्षण में संलग्न नहीं है। हालाँकि, 1 विद्यार्थी को एसटीएस मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत मार्गदर्शन दिया गया।

स्नातकोत्तर:

यूनिट में कोई पीजी विद्यार्थी नहीं है। संकाय सदस्य, डीएम विद्यार्थियों के लिए निम्नलिखित विषयों पर सामान्य व्याख्यान देते हैं-

- भारत में कैंसर का आर्थिक रूप से प्रबंधन- डॉ. पल्लवी शुक्ला
- कैंसर के लिए इम्यूनोथेरेपी- डॉ. पवन कुमार

- कैंसर में मेटाबॉलिक रिप्रोग्रामिंग- डॉ. सुजाता पाठक

3 एमएस विद्यार्थियों के लिए सह-मार्गदर्शन किया गया।

पैरा-मेडिकल

- एनपीसीडीसीएस में नई दिल्ली जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण
- एनपीसीडीसीएस में उत्तरी दिल्ली जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण
- एनपीसीडीसीएस में झज्जर जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण
- एनपीसीडीसीएस में गुरुग्राम जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण
- एनपीसीडीसीएस में नई दिल्ली जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण
- तम्बाकू छुड़वाने पर नई दिल्ली जिला चिकित्सा अधिकारियों और एएनएम का प्रशिक्षण

2. अल्पकालिक प्रशिक्षण: 1 विद्यार्थी के लिए प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच में अल्पकालिक ऑब्जर्वजरशिप प्रदान की गई।

विकिरण निदान

संकाय सदस्यों ने स्नातक, स्नातकोत्तर और सुपर स्पेशियलिटी शिक्षण, रेडियो-सम्मेलन, ट्यूमर बोर्ड बैठक, क्लिनिकल कंबाइंड राउंड, क्लिनिकल ग्रैंड राउंड में भाग लिया। संकाय सदस्यों ने आईआरसीएच और संस्थान में आयोजित विभिन्न संगोष्ठियों और सीएमई में भी भाग लिया था।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

शैक्षणिक कार्यक्रम संलग्न है

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

क. स्नातक शिक्षण: संकाय, उपदेशात्मक व्याख्यान देकर और ऑन्कोलॉजिकल विषयों पर सेमिनारों में भाग लेकर/संगोष्ठियों का संचालन करके स्नातक शिक्षण में शामिल रहा।

ख. स्नातकोत्तर शिक्षण: संकाय, 17 एम.सीएच सर्जिकल कैंसर विज्ञान विद्यार्थियों और 12 सर्जिकल कैंसर विज्ञान सीनियर रेजिडेंट्स, डीएम मेडिकल कैंसर विज्ञान रेजिडेंट्स और एमडी रेडियोथेरेपी जूनियर रेजिडेंट्स को उपदेशात्मक व्याख्यान, मॉडरेटिंग सेमिनार, जर्नल क्लब आदि और वार्ड राउंड के दौरान नैदानिक शिक्षण तथा आईआरसीएच के विशेष कैंसर क्लीनिकों में पढ़ाकर शिक्षण एवं प्रशिक्षण गतिविधियों में शामिल रहा। संकाय सदस्यों ने एमसीएच सर्जिकल कैंसर विज्ञान, डीएम मेडिकल कैंसर विज्ञान, एमडी रेडियो डायग्नोसिस, एमडी रेडिएशन कैंसर विज्ञान थीसिस परियोजनाओं और बीआरए-आईआरसीएच एवं एम्स के विभिन्न विभागों की पीएचडी परियोजनाओं के लिए मार्गदर्शक और सह-मार्गदर्शक के रूप में काम किया। संकाय सदस्य, रोटेशन पर सामान्य सर्जरी और डेंटल सर्जरी रेजिडेंट्स और एमसीएच स्त्री रोग कैंसर विज्ञान प्रशिक्षुओं के शिक्षण और प्रशिक्षण में भी शामिल रहा।

ग. पैरा क्लिनिकल शिक्षण/प्रशिक्षण: संकाय सदस्य, एमएससी नर्सिंग कैंसर विज्ञान विद्यार्थियों के शिक्षण में शामिल रहे।

सीएमई/कार्यशाला/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

निवारक कैंसर विज्ञान

- कैंसर जागरूकता कार्यक्रम- गुरु गोबिंद सिंह आईपी विश्वविद्यालय के लिए
- कैंसर जागरूकता कार्यक्रम-विवेकानंद इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के लिए
- वैज्ञानिक सलाहकार समिति के रूप में गुणात्मक अनुसंधान पर कार्यशाला
- 4 फरवरी 2023 को कैंसर जागरूकता दिवस का आयोजन - "देखभाल अंतर को समाप्त करना" विषय पर।

प्रदत्त व्याख्यान:

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान: 22

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
4	14	22

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 71

चिकित्सा भौतिकी: 5

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा: 86

निवारक अर्बुदविज्ञान: 10

रेडियो निदान: 33

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
9	68	33

विकिरण अर्बुदविज्ञान: 49

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
30	29	33

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान: 70

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
41	64	70

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची

डीसीआर: 1

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
1	2	1

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान: 27

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
5	7	5

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान: 19

चिकित्सा भौतिकी : 4

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा: 11

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
10	16	11

निवारक अर्बुदविज्ञान: 1

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
00	4	1

विकिरण निदान: 5

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
6	13	5

विकिरण अर्बुदविज्ञान: 8

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-21	2021-22	2022-23
10	3	7

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान: 53

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
16	26	53

अनुसंधान

डीसीआर

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. अस्पताल आधारित कैंसर रजिस्ट्री की स्थापना और स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर और सिर तथा गर्दन के कैंसर पर देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ एसवीएस देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, 10 वर्ष, 2014, 47,00,000/- रुपए प्रति वर्ष (लगभग)
2. बचपन, लिम्फोइड और हेमेटोपोएटिक दुर्दमताओं और स्त्रीरोग संबंधी दुर्दमताओं (गर्भाशय ग्रीवा को छोड़कर) पर देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. एसवीएस देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, 6 वर्ष, 2017, 2,00,000/- रुपए प्रति वर्ष (लगभग)
3. स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा और सिर एवं गर्दन के कैंसर पर जनसंख्या आधारित उत्तरजीविता अध्ययन, डॉ. एसवीएस देव, राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम, राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, बैंगलोर, 6 वर्ष, 2017, 6,80,000/- रुपए प्रति वर्ष (लगभग)

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

रितु गुप्ता

1. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) कोशिकाओं के लिए क्रायोप्रिजर्वेशन प्रणाली स्थापित करना, डॉ. रितु गुप्ता, एफएमईआर, संयुक्त राज्य अमेरिका, 2 वर्ष, 2023-2025, 4,000,925 रुपये
2. मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में नई चिकित्सीय कार्यनीति के लिए ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट को लक्षित करना, डॉ. रितु गुप्ता, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 59,78,368 रुपए
3. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में रोग निदान और उपचार (केयर-एलएससीपीटी) के लिए ल्यूकेमिक स्टेम सेल (एलएससी) में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. रितु गुप्ता, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2019-2024, 5,63,97,360 रुपये

संजीव कुमार गुप्ता

1. विस्तृत आनुवंशिक विश्लेषण के लिए बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बाल बी-एएलएल रोगियों का चयन करने के लिए जोखिम-स्तरीकरण एल्गोरिदम का विकास- अगली पीढ़ी के अनुक्रमण मंच के इष्टतम उपयोग की दिशा में एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 49,50,000 रुपये

2. बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) में पूर्वसूचक और पूर्वानुमानक आणविक आनुवंशिक विपथन की व्यापकता और प्रोफ़ाइल का अध्ययन: व्यक्तिगत चिकित्सा की ओर एक कदम, संजीव कुमार गुप्ता, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30,00,000 रुपये

अनिता चोपड़ा

1. डीबीटी-वेलकम ट्रस्ट इंटरमीडिएट करियर फेलोशिप, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीबीटी वेलकम इंडिया अलायंस, 5 साल, 2018-2023, 3.86 करोड़ रुपये
2. एनआरएफ2 सिग्नलिंग टी-एएल के सेलुलर कार्य और नैदानिक महत्व, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2023, 52 लाख रुपये
3. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में डीएनए क्षति मरम्मत मार्ग जीन की अभिव्यक्ति, कार्य और नैदानिक महत्व का अध्ययन, डॉ. अनीता चोपड़ा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 56 लाख रुपये
4. तीव्र मायलॉयड ल्यूकेमिया में आरएचओ बीटीबी2 की भूमिका को समझना, डॉ. अनीता चोपड़ा, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 51 लाख रुपये
5. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिधीय रक्त मेगाकार्योपोइज़िस का अध्ययन, डॉ. अनीता चोपड़ा और आचार्य एसएस चौहान, एम्स अंतःविषयी परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 20 लाख रुपये

प्रणय तंवर

1. आईसीएमआर टास्क फोर्स - भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा के जीनोमिक्स, डॉ. प्रणय तंवर, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 1,99,00,000 रुपये (एक करोड़ निन्यानवे लाख)
2. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा में आनुवंशिकी, नैदानिक और आणविक कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन, डॉ. प्रणय तंवर, कैंसर फाउंडेशन, 7 वर्ष, 2017-2024, 40,00,000 रुपये (चालीस लाख)
3. सिर और गर्दन के कैंसर में सीटी-डीएनए का पता लगाने के लिए नवीन विधि के रूप में डीडीपीसीआर की उपयोगिता, डॉ. प्रणय तंवर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2026, 43,00,000 रुपए (तवालीस लाख)
4. इन विट्रो ड्रग स्क्रीनिंग स्टडी मॉडल के रूप में 3डी ब्रेस्ट ट्यूमर ऑर्गेनॉइड का निर्माण, डॉ. प्रणय तंवर, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 8,91,106 रुपये (अस्सी लाख इक्यानवे हजार)

अमर रंजन

1. डिम्बग्रंथि के कैंसर में बायोमार्कर की अभिव्यक्ति का विश्लेषण, डॉ. अमर रंजन, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख रुपये

जी स्मिता

1. मल्टीपैरामेट्रिक फ्लोसाइटोमेट्री द्वारा एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में न्यूनतम अवशिष्ट रोग की निगरानी के लिए नवीन मार्करों की पहचान, डॉ. जी स्मीता, इंट्राम्यूरल (एम्स, नई दिल्ली), 2 साल, 2022-2024, 10,00,000 रुपये (दस लाख)

दीपशी ठकराल

1. एएमएल में पुनरावृत्ति का शीघ्र पता लगाने और निगरानी के लिए प्लाज्मा-व्युत्पन्न सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड-आधारित मार्करों की पहचान और लक्षण वर्णन, दीपशी ठकराल, डीएचआर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2022-2025, 55,80,647 रुपये (पचपन लाख, अस्सी हजार छह सौ सैंतालीस)
2. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिसंचारी ट्यूमर डीएनए उत्परिवर्तन का पता लगाने के लिए पेप्टाइड न्यूक्लिक एसिड-आधारित बायोसेंसर की डिजाइनिंग, दीपशी ठकराल, एम्स नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये (दस लाख)
3. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में सर्कुलेटिंग ट्यूमर डीएनए म्यूटेशन का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल बायोसेंसर का विकास*,* दीपशी ठकराल, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2022-2025, 41,00,000 रुपये (इकतालीस लाख)

गुरविंदर कौर

1. क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकेमिया (सीएलएल) में टी सेल थेरेपी के लिए नियो-एंटीजन की पहचान, गुरविंदर कौर, आईसीएमआर, 3 साल, 2022-2025, 1,08,20,376 रुपये

पूर्ण

रितु गुप्ता

1. मल्टीपल मायलोमा संबंधी कैंसर अनुसंधान पर उत्कृष्टता इकाई, डॉ. रितु गुप्ता, डीबीटी, 5 वर्ष, 2016-2022, 3,14,00000 रुपये
2. डीप लर्निंग का उपयोग करके एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में दवा लक्ष्यीकरण के लिए नेटवर्क मार्गों की पहचान, (डीएसटी) द्वारा वित्त पोषित, डॉ. रितु गुप्ता, डीएसटी, 3 वर्ष, 2019- 2022, 33,18,640 रुपये
3. कोविड-19 के लिए इम्यूनोप्रोफाइलिंग (आईपी) कंसोर्टियम: कोविड-19 पूर्वानुमान में सुधार के लिए रोग प्रक्षेपवक्र/प्रगति, उपचार योजना और प्रोफिलैक्सिस के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए विस्तारित प्रतिरक्षा निगरानी (एक्सआईएमएम) और नैदानिक मापदंडों का एकीकरण, डॉ. रितु गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, 72,06,370 रुपये

संजीव कुमार गुप्ता

1. तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईटीएस से संबंधित जीन विलोपन की व्यापकता और महत्व, संजीव कुमार गुप्ता, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 10,00,000 रुपये

अनिता चोपड़ा

1. साइटोजेनेटिक रूप से सामान्य एएमएल का आणविक जीव विज्ञान, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2014-2018, 55 लाख रुपये
2. बाल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में प्रेडनिसोलोन संवेदनशीलता के आणविक निर्धारक, डॉ. अनीता चोपड़ा, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2016-2019, 8 लाख रुपये

3. प्रारंभिक अपरिपक्व टी-लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल): प्रारंभिक थाइमिक प्रिकर्सर टी-एएल इम्युनोफेनोटाइप का मूल्यांकन, टीसीआर γ श्रृंखलाओं (एबीडी) के द्विवार्षिक विलोपन की अनुपस्थिति और न्यूनतम अवशिष्ट रोग निर्धारण द्वारा मूल्यांकन के अनुसार उपचार प्रतिक्रिया के पूर्वसूचक के रूप में एमईएफ2सी की अभिव्यक्ति, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएसटी, 3 साल, 2015-2019, 20.16 लाख रुपये
4. टी-ऑल में टीओएक्स की भूमिका का स्पष्टीकरण, डॉ. अनीता चोपड़ा, डीएचआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 30 लाख रुपये

प्रणय तंवर

1. आईसीएमआर टास्क फोर्स - भारतीय जनसंख्या में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान कारकों का तुलनात्मक अध्ययन
2. ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी): भारतीय जनसंख्या में ओरल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा की एटियलजि में प्रासंगिकता, डॉ. प्रणय तंवर, डीएचआर, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, 3 वर्ष, 2017-2021, 45,00,000 रुपये (पैंतालीस लाख)

अमर रंजन

1. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में उपचार के निदान और निगरानी के लिए एचई4 स्तर का मूल्यांकन, डॉ. अमर रंजन, आईसीएमआर, नई दिल्ली, 5 वर्ष, 2017-2022, 70 लाख रुपये

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

अतुल शर्मा

जारी

1. ड्यूक्स सी और हाई रिस्क ड्यूक्स बी कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एस्पिरिन - एक अंतरराष्ट्रीय, मल्टी-सेंटर, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित चरण III परीक्षण, डॉ. अतुल शर्मा, सिंगापुर क्लिनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, सिंगापुर, 10 साल, 2013 से अब तक जारी, 500 अमेरिकी डॉलर प्रति रोगी
2. मेटास्टैटिक गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा रोगियों में डोसेक्वालिप (इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, भारत के इंजेक्शन के लिए डोकेटेक्सेल लिपिड सस्पेंशन) आधारित आहार का एकल आर्म, बहुकेंद्रित, ओपन लेबल, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, लैम्ब्डा थेरेप्यूटिक्स रिसर्च लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018 - अब तक जारी, प्रति रोगी 4.79 लाख + 1.72 लाख रुपये
3. सिर और गर्दन के स्थानीय रूप से उन्नत निष्क्रिय स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसीएचएन) वाले रोगियों में इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, भारत के इंजेक्शन के लिए डोकेटेक्सेल लिपिड सस्पेंशन का एकल आर्म, बहुकेंद्रित, ओपन लेबल, प्रभावकारिता और सुरक्षा अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, लैम्ब्डा थेरेप्यूटिक्स रिसर्च लिमिटेड, 2 वर्ष, 2018 - अब तक जारी, 4.79 लाख रुपये + 1.72 लाख प्रति रोगी

4. पूर्व में उपचारित वाइल्ड-टाइप आरएएस (केआरएएस और एनआरएएस), मेटास्टेटिक कोलोरेक्टल कैंसर से ग्रस्त भारतीय रोगियों में पैनिटुमैब की सुरक्षा, सहनशीलता और गतिविधि को दर्शाने के लिए इसका एक ओपन लेबल, मल्टीसेंटर, गैर-तुलनात्मक, चरण IV अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, डॉ. रेड्डीज लैब और पीपीडी, 2 वर्ष, 2019 - अब तक जारी, 400000 रुपये
5. मेटास्टैटिक कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों में केपियोक्स के संयोजन में एनजीन बायोसाइंसेज लिमिटेड बनाम इनोवेटर बेवाकिज़ुमैब के बायोसिमिलर ईएनजेड137 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक भविष्यलक्षी, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, चरण III अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, अल्केम लैब, 1.5 वर्ष, 2021 - अब तक जारी, 787600 रुपए
6. सिर और गर्दन के बार-बार होने वाले स्थानीय या मेटास्टैटिक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (एससीसीएचएन) वाले रोगियों में प्लैटिनम-आधारित कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में बायोसिमिलर सेतुक्सिमैब बनाम इनोवेटर सेतुक्सिमैब की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक भविष्यलक्षी, बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल ब्लाइंड, समानांतर समूह अध्ययन, डॉ. अतुल शर्मा, अल्केम लैब, 1 वर्ष, 2021-2022, 1741200 रुपये

समीर बख्शी

जारी

1. नव निदानित तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (एएलएल) के लिए भारतीय बचपन सहयोगात्मक ल्यूकेमिया समूह बहुकेंद्रीय राष्ट्रीय मानकीकरण अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, एनसीजी, 3 वर्ष, 2017, जारी, 57.6 लाख रुपये
2. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया वाले रोगियों में जिन्होंने सेकेंड-लाइन साल्वेज थेरेपी के बाद पूर्ण रेमिशन प्राप्त की है, जांचकर्ता की सर्वोत्तम उपलब्ध थेरेपी की तुलना में गैलिनपेपिमुट-एस (जीपीएस) रखरखाव मोनोथेरेपी की प्रभावकारिता और सुरक्षा का एक यादृच्छिक, ओपन-लेबल अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, फार्मास्युटिकल डेवलपमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 5 साल, 2022, जारी, प्रति रोगी 8.13 लाख रुपये
3. ठोस ट्यूमर से अस्थि मेटास्टेसिस वाले रोगियों में डेनोसुमैब (हेटेरो) और संदर्भ औषधीय उत्पाद (डेनोसुमैब, एमजेन इंक) के चमड़ी के नीचे के इंजेक्शन की फार्माकोकाइनेटिक, फार्माकोडायनामिक, प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, बहु-खुराक, बहुकेंद्रीय, तुलनात्मक समानांतर अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, हेटेरो बायोफार्मा लिमिटेड, 2 साल, 2022, चालू, 2.96 लाख रुपये प्रति रोगी
4. मायलोस्प्रेसिव कीमोथेरेपी (सीएमटी) रेजिमेन पर चल रहे रबडोमायोसारकोमा या विल्म्स ट्यूमर से पीड़ित 6 साल से कम उम्र के बाल रोगियों में न्यूपोजेन® इंजेक्शन की तुलना में इंटास फार्मास्युटिकल लिमिटेड के पेगफिलग्रैस्टिम पीएफएस की सुरक्षा, प्रभावकारिता, फार्माकोडायनामिक्स और फार्माकोकाइनेटिक्स का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, मल्टीसेंटर, ओपन लेबल, दो आर्म अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, इंटास फार्मास्युटिकल लिमिटेड, 2 साल, 2022, चालू, प्रति रोगी 7.12 लाख रुपये

5. भारतीय बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार की विषाक्तता और नैदानिक प्रतिक्रिया के संबंध में आणविक और फार्माकोजेनेटिक मार्कर मूल्यांकन (एमपीजीएक्स-इंडाल), डॉ. समीर बख्शी, डीबीटी, 4 वर्ष, 2023- चालू, 69.252 लाख रुपये

6. भारतीय उपमहाद्वीप में आक्रामक परिपक्व बी-नॉन-हॉजकिन लिंफोमा में एपस्टीन बर्र वायरस की सकारात्मकता की व्यापकता का अनुमान और रोग जीव विज्ञान तथा अस्तित्व पर इसके प्रभाव के आनुवंशिक आधार को समझना, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 3 साल, 2023- जारी, 76.87 लाख रुपए (एक वर्ष)

7. कंप्यूटेड टोमोग्राफिक इमेजिंग और इसके संभावित सत्यापन का उपयोग करके सारकोमा में फुफ्फुसीय नोड्यूल की घातक क्षमता का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित मॉडल विकसित करना, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 2 साल, 2023 - चालू, 13.95 लाख रुपये (एक वर्ष)

8. बाल चिकित्सा तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में माइटोकॉन्ड्रियल विविधता को डिकोड करना और संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों को समझना, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 3 साल, 2023 - चालू, 20.83 लाख (एक वर्ष)

9. बाल चिकित्सा एएमएल में नए संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों की पहचान के लिए परिवर्तित माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए कॉपी नंबर से जुड़े जीन नेटवर्क को समझना, डॉ. समीर बख्शी, डीएसटी एसईआरबी, 3 साल, 2022- चालू, 8 लाख रुपये

10. कैंसर से पीड़ित बाल रोगियों में पोषण संबंधी परामर्श कार्यक्रम स्थापित करना और पोषण संबंधी डेटाबेस विकसित करना, डॉ. समीर बख्शी, कडल फाउंडेशन, 3 साल, 2016 - चालू, 13.37 लाख रुपये

11. हेटेरो-रिटक्सिमैब के विपणन फॉर्मूलेशन की सुरक्षा, इम्यूनोजेनेसिटी और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला एक चरण IV मल्टी-सेंट्रिक पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, डॉ . समीर बख्शी, हेट्रो फार्मा लिमिटेड, 6 साल, 2018- जारी, 2 साल के लिए 12 लाख रुपये

12. अत्यधिक इमेटोजेनिक कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले बाल रोगियों में एकल-दिवसीय अंतःशिरा फोसाप्रेपिटेंट बनाम 3-दिवसीय मौखिक एप्रेपिटेंट एंटी-इमेटिक आहार: जांचकर्ता द्वारा शुरू किया गया, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, गैर-हीनता परीक्षण, डॉ. समीर बख्शी, ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, 3 साल, 2020- चालू, 2 साल के लिए 5.52 लाख रुपये

13. चाइल्डहुड कैंसर सर्वाइवरशिप प्रोग्राम, डॉ. समीर बख्शी, कैनकिड्स किडस्कैन, 5 वर्ष, 2020- चालू, 12 लाख रुपये

14. "चरण III, ओपन-लेबल, मल्टीसेंटर, यादृच्छिक अध्ययन, जिसमें रीटक्सिमैब प्लस जेमिसिटाबाइन प्लस ऑक्सालिप्लाटिन (आर-जेमॉक्स) बनाम आर-जेमॉक्स के साथ संयोजन में पोलाटुजुमैब वेडोटिन की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन अकेले रिलैप्स्ड/रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी सेल लिंफोमा वाले रोगियों में किया गया है।" स्टेज 2)", डॉ. समीर बख्शी, रोश प्रोडक्ट्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2021- चालू, प्रति रोगी 1.95 लाख रुपये

पूर्ण

1. नेशनल मल्टीसेंटर चाइल्डहुड ल्यूकेमिया प्रोग्राम, डॉ. समीर बख्शी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2020-2022, 23.7 लाख रुपये
2. सैडल: रिलैप्स्ड/रिफ्रैक्टरी डिफ्यूज लार्ज बी-सेल लिंफोमा (डीएलबीसीएल) वाले रोगियों में सेलिनेक्सोर (केपीटी-330) का चरण 2 बी ओपन लेबल अध्ययन, डॉ. समीर बख्शी, एक्सेल लाइफ साइंसेज, 5 साल, 2018-2023, 15 लाख रुपये
3. एक चरण 2, ओपन-लेबल परीक्षण, चयनित रिलैप्स्ड एडवांस्ड ट्यूमर (एएसआईएडी) वाले रोगियों में एक बार दैनिक ओरल सीए-170 की दो खुराक की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन, डॉ.समीर बख्शी, वीडा क्लिनिकल रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, 5 साल, 2018-2023, 15 लाख रुपए

समीर रस्तोगी

जारी

1. गर्भाशय लेयोमायोसारकोमा में बीआरसीए और एचआरआर जीन का मूल्यांकन, डॉ. समीर रस्तोगी/डॉ. रुचि - सह प्रधान अन्वेषक, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2022-2023, 10 लाख रुपये

प्रभात सिंह मलिक

जारी

1. भारत में फेफड़ों के कैंसर के मूल्य-आधारित उपचार के लिए सटीक इम्यूनोथेरेपी विकसित करना, एम्स से- डॉ. प्रभात सिंह मलिक, डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया एलायंस, 5 वर्ष, 2021-2025, 18000000.00 रुपए
2. एपिडर्मल ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर म्यूटेशन पॉजिटिव, रिसेक्टेबल नॉन-स्मॉल सेल फेफड़े का कैंसर (नियोएडौरा) वाले रोगियों के इलाज के लिए अकेले मोनोथेरेपी के रूप में या कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में नियोएडजुवेंट ओसिमर्टिनिब का एक चरण III, यादृच्छिक, नियंत्रित, मल्टी-सेंटर, 3-आर्म अध्ययन,, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 5 वर्ष, 2021-2025, लगभग 50 लाख रुपये
3. गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में पारिवारिक एकत्रीकरण का एक अध्ययन, डॉ. प्रभात एस. मलिक, लेडी टाटा मेमोरियल ट्रस्ट: इंस्टीट्यूट रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2023-2025, 37,00,000 रुपये
4. नॉन स्मॉल सेल लंग कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ कम खुराक वाले निवोलुमेब का मूल्यांकन, डॉ. प्रभात सिंह मलिक, आईसीएमआर-आईसीआरसी, 3 वर्ष, 2023-2026, 87,00,000 रुपये

पूर्ण

1. चरण III, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो-नियंत्रित, बहुकेंद्रीय, स्थानीय स्तर पर उन्नत, अनपेक्टेबल ईजीएफआर उत्परिवर्तन-पॉजिटिव गैर-लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर (चरण III) वाले

रोगियों, जिनकी बीमारी डेफिनिटिव प्लैटिनम-आधारित केमोराडिएशन थेरेपी (एलएयूआरए) लेने पर आगे नहीं बढ़ी है, में रखरखाव चिकित्सा के रूप में ओसिमर्टिनिब का अंतरराष्ट्रीय अध्ययन डॉ. प्रभात सिंह मलिक, एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 5 वर्ष, 2021-2025, लगभग 50 लाख रुपये

अतुल बत्रा

जारी

1. पीटीईएन की कमी (सीएपीआईटेलो-281) के लक्षण वाले डी नोवो मेटास्टेटिक हार्मोन-सेंसिटिव प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) वाले रोगियों के इलाज के रूप में कैपिवासेर्टिब + अबीराटेरोन बनाम प्लेसीबो + अबीराटेरोन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2020-2023, 50,49,000 रुपये
2. अनरिसेक्टेबल स्थानीय रूप से उन्नत या मेटास्टैटिक यूरोथेलियल कैंसर (एनआईएलई) के रोगियों में मानक देखभाल कीमोथेरेपी के संयोजन में फर्स्ट-लाइन ड्यूरवैलुमैब और ट्रेमेलीमैब एवं मानक देखभाल कीमोथेरेपी के संयोजन में ड्यूरवैलुमैब बनाम मानक केवल मानक देखभाल कीमोथेरेपी का, चरण III, यादृच्छिक, ओपन-लेबल, नियंत्रित, मल्टी-सेंटर, वैश्विक अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल, 2 फरवरी 2021 से 3 फरवरी 2024, 17,54,456 रुपये
3. एस्ट्रोजन रिसेप्टर-पॉजिटिव, एचईआर2-नकारात्मक उन्नत स्तन कैंसर वाले रोगियों जिन्हें उन्नत अवस्था रोग के लिए कोई व्यवस्थित उपचार नहीं मिला है, के लिए एजेडडी9833 (एक मौखिक एसईआरडी) प्लस पाल्बोसिक्लिब बनाम एनास्ट्राज़ोल प्लस पाल्बोसिक्लिब का एक यादृच्छिक, बहुकेंद्रीय, डबल-ब्लाइंड, चरण III अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 8 वर्ष, 3 जनवरी 2022 से 2 जनवरी 2030, 36,46,000 रुपये
4. हिस्टोलॉजिकल रूप से पुष्ट, स्थानीय रूप से उन्नत अवस्था (निष्क्रिय) या मेटास्टैटिक ट्रिपल-नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) (कैपिटेलो-290) वाले रोगियों के लिए प्रथम उपाय उपचार के रूप में कैपिवासर्टिब + पैक्लिटैक्सेल बनाम प्लेसिबो + पैक्लिटैक्सेल की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने वाला एक चरण III डबल ब्लाइंड यादृच्छिक अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका प्राइवेट लिमिटेड, 2 वर्ष, 5 अगस्त 2021 से 4 अगस्त 2023, 15,61,499 रुपये
5. केमोरेसिस्टेंस के तंत्र को समझने और नवीन उपचार लक्ष्य विकसित करने के लिए ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर की युग्मित लक्षित जीनोमिक प्रोफाइलिंग, (आईसीएमआर वित्त पोषित परियोजना), डॉ. अतुल बत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 12 दिसंबर 2022 से 11 दिसंबर 2025, 80,00,000 रुपये
6. भारतीय स्तन कैंसर रोगियों में बीआरसीए1 और बीआरसीए2 उत्परिवर्तन की व्यापकता: एक बहुकेंद्रीय क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन बीआरसीए अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 30 अगस्त 2022 से 29 अगस्त 2023, 3,85,000 रुपये

7. एण्ड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी प्राप्त करने वाले मेटास्टैटिक कार्सिनोमा प्रोस्टेट के रोगियों में मेटाबोलिक प्रोफाइल और जीवन की गुणवत्ता का मूल्यांकन, एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 24 फरवरी 2023 से 23 फरवरी 2024, 2,00,000 रुपये
8. कैंसर से पीड़ित भारतीय रोगियों के लिए एक किफायती, उन्नत मेडिसिन रिमाइंडर-कम-डिस्पेंसर का विकास", डॉ. अतुल बत्रा, एम्स-आईआईटी सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2023-2025, 10,00,000 रुपये
9. दैहिक या जर्मलाइन होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन उत्परिवर्तन वाले मेटास्टैटिक कैस्ट्रेट प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में कार्बोप्लाटिन: एक चरण II सिंगल-आर्म परीक्षण (सीआईपीएचईआर), डॉ. अतुल बत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 16 फरवरी 2023 से 15 फरवरी 2026*,* 59,57,643 रुपये
10. प्रोस्टेट कैंसर के खतरे और प्रगति को प्रभावित करने वाले उत्परिवर्तनों की व्यापकता, डॉ. अतुल बत्रा, प्रोस्टेट कैंसर के जोखिम और प्रगति को प्रभावित करने वाले उत्परिवर्तनों की व्यापकता, 1 वर्ष, 2023-2024, 41,25,000 रुपये

पूर्ण

1. पहले डॉकेटेक्सेल आधारित कीमोथेरेपी के साथ उपचारित प्रोग्रेसिव मेटालैस्टिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर वाले भारतीय रोगियों में एन्ज़ालुटामाइड का एक मल्टी सेंटर चरण 4, ओपन लेबल, सिंगल आर्म, सुरक्षा और प्रभावकारिता अध्ययन, डॉ अतुल बत्रा, आईक्यूवीआईए आरडीएस (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, 4 साल, 2019-2023, 4,00,000 रुपये
2. भारत में मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में होमोलॉगस रीकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन उत्परिवर्तन की व्यापकता निर्धारित करने के लिए एक गैर-पारंपरिक, बहुकेंद्रीय अध्ययन, प्रॉस्पेक्ट स्टडी, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, 1 वर्ष, 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2023, 9,30,000 रुपये
3. कैपेसिटाबाइन प्राप्त करने वाले रोगियों में हाथ-पैर सिंड्रोम की रोकथाम में सामयिक डाइक्लोफेनाक का यादृच्छिक चरण II ओपन-लेबल अध्ययन। (डी-टॉर्च), डॉ. अतुल बत्रा, नाग फाउंडेशन, पुणे, 2 वर्ष, 12 मई 2021 से 11 मई 2023, 10,00,000 रुपये
4. स्थानीय उन्नत अवस्था वाले स्तन कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया में सीरम ट्यूमर मार्करों का आकलन, डॉ. अतुल बत्रा, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2020-2022, 10,00,000 रुपये
5. रेमप्रो रजिस्ट्री- मेटास्टैटिक कैस्ट्रेशन-प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर के रोगियों में वास्तविक -उपचार पैटर्न और संबद्ध नैदानिक परिणामों का वर्णन करने के लिए एक बहु-देशीय, बहु-केंद्र, गैर-पारंपरिक, पूर्वव्यापी अध्ययन, डॉ. अतुल बत्रा, एस्ट्रा ज़ेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड*,* 1 साल, 5 सितंबर 2022, 4 सितंबर 2023, 1,98,000 रुपये

राजा प्रमाणिक

1. वंशानुगत कैंसर पूर्वसूचक जीन में उत्परिवर्तन के साथ स्तन और डिम्बग्रंथि कैंसर के लिए एक रजिस्ट्री और एम्स, नई दिल्ली में एक जर्मलाइन डीएनए भंडार की स्थापना, डॉ. राजा प्रमाणिक, (डीएचआर)-आईसीएमआर, भारत सरकार, 5 वर्ष, 17 जनवरी 2022, 85,51,466 रुपये

दीपम पुष्पम

जारी

1. बाल सीएमएल रोगियों में इमैटिनिब को बंद करना, दीपम पुष्पम, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2021

चंद्र प्रकाश प्रसाद

जारी

1. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के निदान और उपचार के लिए फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज -1 (पीएफके -1) प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का उपयोग कैसे किया जा सकता है, इसकी खोज करना, डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2019-2023 (विस्तार सहित), 24 लाख रुपए
2. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) में एचयूआर की मध्यस्थता वाले चयापचय परिवर्तनों का अध्ययन, डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2020-2024, 46.65 लाख रुपये
3. कैंसर की प्रगति में बाह्यकोशिकीय लैक्टेट के महत्व का मूल्यांकन करना, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2023, 10.00 लाख रुपए
4. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर में प्रोपोफोल मध्यस्थ एंटी-मेटास्टेटिक प्रभावों की व्याख्या, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-यूजी रिसर्च मेंटरशिप, 2 वर्ष, 2021-2023, 2.00 लाख रुपये
5. पित्ताशय के कैंसर में कैनोनिकल और गैर-कैनोनिकल डब्ल्यूएनटी सिग्नलिंग की चिकित्सीय क्षमता का मूल्यांकन, डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), 3 वर्ष, 2023-2026, 46 लाख रुपये

पूर्ण

1. स्तन कैंसर में फॉस्फोफ्रक्टोकिनेज-पी (पीएफकेपी) की भूमिका, डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष**,** 2017-2019, 10 लाख रुपये
2. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के निदान और उपचार के लिए β-कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का उपयोग कैसे किया जा सकता है, इसकी खोज करना, डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), 3 वर्ष, 2018-2021, 44.85 लाख रुपये

थौदम देबराज सिंह

जारी

1. थायराइड कैंसर के लिए एक संभावित बायोमार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा (ERRγ) और थायराइड में आयोडीन संभालने वाले जीन के साथ इसका सहसंबंध**,** डॉ थौदम देबराज सिंह, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, (2020-2023), 50 लाख रुपये

2. ओवेरियन कैंसर थेरेपी के लिए आईएल-4 रिसेप्टर टारगेटिंग पेप्टाइड (एपी1-ईएलपी) युक्त इलास्टिन जैसे पॉलीपेप्टाइड का उपयोग करके पैक्लिटैक्सेल की मल्टीवेलेंट टारगेटिंग-आधारित डिलीवरी, डॉ. थौडम देबराज सिंह, आईसीएमआर, 3 साल, 2019-2022, 36 लाख रुपये
3. मानव कोलोरेक्टल कैंसर के लिए एक संभावित बायोमार्कर तथा उपचारात्मक लक्ष्य के रूप में एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर गामा वाई और कोलन कैंसर में इन-विवो एमके2206 (एक नया एक्ट अवरोधक) के साथ संयोजन में जीएसके5182 (एस्ट्रोजन संबंधित रिसेप्टर- γ व्युत्क्रम एगोनिस्ट) की एंटीट्यूमर प्रभावकारिता की जांच करना, डॉ थौदम देबराज सिंह, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 49 लाख रुपये

मयंक सिंह

जारी

1. सर्वाइकल कैंसर के निदान के लिए लिक्विड बायोप्सी, सीएफ (सेल फ्री) डीएनए आधारित परख का विकास, डॉ. मयंक सिंह, एम्स, 2 साल, 2021-2024, 10,00,000 रुपये
2. मल्टीपल मायलोमा के खिलाफ बीसीएमए आधारित काइमेरिक एंटीजेनिक रिसेप्टर टी सेल (सीएआर टी) सेल का विकास, डॉ. मयंक सिंह, डीबीटी, 3 साल, 2021-2024, 100,00,000 रुपये

पूर्ण

1. ओस्टियोसारकोमा में डायग्नोस्टिक प्रोग्नॉस्टिक मार्कर के रूप में यूएसपी37 की मान्यता, डॉ. मयंक सिंह, एम्स, 2 वर्ष, 2017-2019, 10,00,000 रुपये
2. कार्बन नैनोडॉट्स एंबेडेड 3डी सेल कल्चर प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिम्बग्रंथि के कैंसर के ऑन्कोजेनेसिस में यूएसपी37 की भूमिका का अध्ययन करना, डॉ. मयंक सिंह, एम्स आईआईटीडी, 2 वर्ष, 2019-2021, 20,00,000 रुपये

सचिन कुमार

जारी

1. स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर के रोगजनन में सर्कुलर आरएनए सर्क एलआईएफआर की भूमिका को स्पष्ट करना, डॉ. सचिन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, लगभग 41 लाख रुपए
2. फेफड़ों के ट्यूमर जनन में बायोमार्कर के रूप में लंबे नॉनकोडिंग आरएनए की भूमिका का स्पष्टीकरण, डॉ. सचिन कुमार, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, लगभग 89 लाख रुपए (डॉ. मानस के संत्रा, एनसीसीएस, पुणे के सहयोग से)

पूर्ण

1. फेफड़ों के कैंसर में माइक्रो आरएनए द्वारा प्रोग्राम्ड डेथ-लिगैंड 1 (पीडी-एल1) अभिव्यक्ति के विनियमन का मूल्यांकन, डॉ. सचिन कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 39 लाख रुपये
2. स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर में सर्कुलर आरएनए की वैश्विक प्रोफाइलिंग: एक पायलट अध्ययन, डॉ. सचिन कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 साल, 2020-2022, 10 लाख रुपये

शंपा घोष

जारी

1. एपीपी-डीआईपी: कमजोर प्रतिरक्षा वाले रोगियों में संक्रमण का शीघ्र पता लगाने के लिए एआई आधारित रोगसूचक मंच का विकास, सेल्फ (पीआई), डीबीटी (इंडो-स्वीडन), 3 वर्ष, 2022-2025, 90 लाख रुपये
2. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिवर्तित मैक्रोफेज प्लास्टिसिटी के साथ ल्यूकेमिक और एंजियोजेनेसिस क्षमता का उन्मूलन, स्व (पीआई), एम्स इंट्राम्यूरल, 4 साल (समय विस्तार मिला), 2019-2023, 10 लाख रुपये

सुरेंद्र के सहरावत

जारी

1. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया के कीमो प्रतिरोध में एचओटीएआईआरएम1 लंबे गैर-कोडिंग आरएनए की भूमिका, डॉ सुरेंद्र के सहरावत, डीएसटी-एसईआरबी, 3 वर्ष, 2019-2022, 48.49 लाख रुपये
2. बाल रोगी तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में यूसीए1 लंबे गैर-कोडिंग आरएनए का महत्व, डॉ. सुरेंद्र के सहरावत, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये
3. ल्यूकेमिया रोगियों के उच्च-रिज़ॉल्यूशन साइटोजेनेटिक्स के लिए विभिन्न इंटरकेलेटिंग एजेंटों का मूल्यांकन, डॉ. सुरेंद्र के सहरावत, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2024, 10 लाख रुपये

चिकित्सा भौतिकी

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. बेहतर डोसिमेट्री के लिए आयन इम्प्लांटेशन तकनीक और रासायनिक तरीकों द्वारा नई और नवीन विकिरण डोसिमेट्रिक ओएसएल सामग्रियों का विकास, डॉ. प्रतीक कुमार, डीआरडीओ, 3 वर्ष, 2019-2023, 23,65828 रुपये

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. पुरानी दुर्बल दशाओं वाले रोगियों की पीड़ा को कम करने के लिए उत्तर भारत के 10 अस्पतालों में प्रशामक देखभाल सेवाओं की क्षमता का निर्माण करना, डॉ. सुषमा भटनागर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, फरवरी 2023-2026, 2 करोड़ रुपये
2. स्तन कैंसर सर्जरी में प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया, पुनरावृत्ति और मेटास्टेसिस पर क्षेत्रीय एनेस्थीसिया का प्रभाव : एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, डॉ निष्कर्ष गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 1 जनवरी 2022 से 31 दिसंबर 2024, 36,89,048 रुपए
3. मुंह के कम खुलाव वाले रोगियों में एंडोट्रैचियल इंट्यूबेशन के लिए नवीन वीडियो लैरिंजोस्कोप, डॉ निष्कर्ष गुप्ता, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 31 मार्च से 2023, 10,00,000 रुपये

पूर्ण

1. मेडिकल विद्यार्थियों द्वारा पुतले में इंट्यूबेशन के लिए प्रत्यक्ष लेरिंजोस्कोप के साथ किंग विजन वीडियोलैरिंजोस्कोप चैनल और गैर-चैनल ब्लेड की तुलना: एक यादृच्छिक पुतला अध्ययन, डॉ निष्कर्ष गुप्ता, एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 2 लाख रुपये
2. एम्स-आईआईटी - एक वीडियो लैरींगोस्कोप का विकास, एम्स-आईआईटी, 2 साल, 2021-2023, प्रत्येक 5 लाख रुपये
3. कोविड -19 रोगियों के लिए एयरोसोल-रोकथाम इंट्यूबेशन बॉक्स में श्वासनली इंट्यूबेशन के लिए सी-मैक और किंग विजन वीडियो लैरींगोस्कोप (चैनल ब्लेड) के बीच तुलना: पुतला-आधारित अध्ययन, डॉ बलबीर, एम्स नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल), 3 वर्ष, 2020-2022, 5.5 लाख रुपए

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	5	3	3
कुल वित्तपोषण	45 लाख	20 लाख	2.45 करोड़

निवारक अर्बुदविज्ञान

वित्तपोषित परियोजनाएं (संपूर्ण विभाग के लिए)

जारी

1. स्तन कैंसर वाली महिलाओं में इंसुलिन प्रतिरोध के बोझ को मापने और स्तन कैंसर के अन्य ज्ञात पूर्वानुमानित और पूर्वसूचक कारकों के साथ इसके संबंध को मापने के लिए एक अध्ययन, डॉ. पल्लवी शुक्ला, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 3.25 लाख रुपये
2. ड्रॉपलेट डिजिटल पीसीआर द्वारा कीमोरेडियोथेरेपी से पहले और बाद में सर्वाइकल कैंसर के रोगियों में एचपीवी सर्कुलेटिंग ट्यूमर डीएनए का पता लगाना, डॉ. सुजाता पाठक, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2019-2021, 9.5 लाख रुपये
3. मल्टीड्रग-प्रतिरोधी स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर में सेल लाइनों पर क्लोरोक्वीन और आर्टीमिसिनिन का संवेदीकरण प्रभाव, डॉ असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 3 वर्ष, 2019-2022, 10 लाख रुपए
4. मजबूत ह्यूमोरल प्रतिक्रिया प्राप्त करने में सक्षम सार्स- कोव-2 स्पाइक प्रोटीन से इम्युनोजेनिक क्षेत्रों की पहचान, डॉ. असरार आलम, एम्स-इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपए
5. माउस मॉडल का उपयोग करते हुए ट्यूमर एंटीजन टीआरपी-2 को माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानी के साथ एकीकृत करना और इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता और प्रतिरक्षा-तंत्र का विश्लेषण करके एक नए कैंसर इम्यूनोथेराप्यूटिक एजेंट का विकास, डॉ. पवन कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 2 वर्ष, 2019-2021, 10 लाख रुपये

6. एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानी में इसके स्पाइक प्रोटीन को शामिल करके सार्स-कोव-2 वैक्सीन का विकास, डॉ. पवन कुमार, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये
7. माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानी में कैंसर/वृषण एंटीजन एनवाई-ईएसओ-1 को शामिल करके नवीन कैंसर इम्यूनोथेरेपी का विकास और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता तथा प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन, डॉ. पवन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 36 लाख रुपये
8. पुनः संयोजक माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानी (एमआईपी)-आधारित कार्यनीति के साथ कैंसर इम्यूनोथेरेपी के लिए अनेक एंटीजन को लक्षित करना और माउस ट्यूमर मॉडल का उपयोग करके इसका मूल्यांकन करना, डॉ. पवन कुमार, एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 40.74 लाख रुपये

पूर्ण

1. कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर का शीघ्र और विलंबित विकास और एण्ड्रोजन रिसेप्टर लिगैंड बाइंडिंग डोमेन म्यूटेशन के साथ इसका संबंध, डॉ. कुमार संदीप, एम्स अनुसंधान अनुभाग, 3 वर्ष, 2017-2020, 7 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	06	09	08
कुल वित्तपोषण लाख रुपए में	52.75	126.75	129.49

विकिरण निदान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. लेजर पाउडर-बेड फ्यूजन तकनीक का उपयोग करके ऑक्सेटिक वैस्कुलर स्टेंट का स्वदेशी डिजाइन और निर्माण - एक पायलट अध्ययन, चन्द्रशेखर एसएच, एम्स-आईआईटी दिल्ली परियोजना, 2 साल, 2022-2024, 10,00,000 रुपये
2. भारतीय परिदृश्य में मैमोग्राफी पर कैंसर का पता लगाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कृतिका रंगराजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020 - 2023, 80,00,000 रुपये

पूर्ण

1. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की शुरुआती प्रतिक्रिया का पता लगाने में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड की नैदानिक सटीकता, एकता धमीजा, एम्स दिल्ली इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट, 2 साल, 2019 -2021, 8,00,000 रुपये
2. कोविड में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: किसका इलाज करें, किसका परीक्षण करें, कैसे इलाज करें, कृतिका रंगराजन, एम्स इंट्रामुरल, 1 वर्ष, 2020-2021, 2,00,000 रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	3	3	2
कुल वित्तपोषण	95,00,000	30,27,000	90,00,000

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

1. विकिरण निदान के लिए नवीन फिल्म डोसीमीटर का विकास और ब्रैकीथेरेपी में नियोजित एवं वितरित खुराक संवितरण की तुलना, डॉ अपूर्वा मित्तल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 27,50,000 रुपये
2. स्तन संरक्षण सर्जरी के बाद सम्मिलित चतुर्भुज निर्विकिरण (आईक्यूआई): एक चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन, आचार्य डीएन शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 61,64,550 रुपये

हरेश के.पी

1. उन्नत हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा (एचसीसी) (डीएचआर ग्रांट) वाले रोगियों में पोर्टल वेन थ्रोम्बोसिस के लिए स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की प्रभावशीलता और विषाक्तता का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन, डॉ हरेश केपी, डीएचआर, 3 वर्ष, 2019 -2022, 31,00,000 रुपये
2. एआरएएनओटीई अध्ययन (प्रोटोकॉल बे 1841788/21140): मेटास्टैटिक हार्मोन-संवेदनशील प्रोस्टेट कैंसर (एमएचएसपीसी) वाले पुरुषों में एण्ड्रोजन डेप्रिवेशन थेरेपी (एडीटी) बनाम प्लेसिबो प्लस एडीटी के अलावा डारोलुटामाइड का एक यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसिबो-नियंत्रित चरण 3 अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, बायर फार्मास्यूटिकल्स, 5 वर्ष, 2021 - 2025, 60,00,000 रुपये
3. नेविगेट अध्ययन (प्रोटोकॉल बे संख्या 2757556/20289): एनटीआरके फ्यूजन-पॉजिटिव ट्यूमर वाले रोगियों में ओरल टीआरके इनहिबिटर लैरोट्रेक्टिनिब का चरण 2 बास्केट अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, बायर फार्मास्यूटिकल्स, 4, 2021, 2024, यदि रोगी की जांच की जाती है तो प्रति रोगी 6 लाख रुपये, प्री-स्क्रीनिंग के लिए प्रति रोगी 15,345 रुपये
4. मध्यवर्ती और उच्च जोखिम वाले प्रोस्टेट कैंसर में मध्यम हाइपो फ्रैक्शनेटेड रेडियोथेरेपी बनाम स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी (एसबीआरटी) की तुलना करने के लिए पायलट अध्ययन, विषाक्तता और जीवन गुणवत्ता की तुलना, डॉ हरेश केपी, आईसीएमआर, 3 साल, 2022-2025, 35,07,462 रुपए
5. उन्नत अनरिसेक्टेबल या मेटास्टेटिक स्तन कैंसर को ठीक करने में उच्च खुराक साप्ताहिक हाइपोफ्रैक्शनेटेड पैलिएटिव स्तन रेडियोथेरेपी की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक संस्थागत चरण I/II अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 35,07,462 रुपये

6. स्तन कैंसर के प्रबंधन के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंच विकसित करने और मान्य करने के लिए एक पायलट अध्ययन, डॉ. हरेश केपी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 66,13,008 रुपए

रंभा पांडे

1. घातक वायुमार्ग अवरोध में एंडोब्रोनचियल ब्रैकीथेरेपी का संभावित पायलट अध्ययन, डॉ रंभा पांडे, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 साल, 2020, अभी तक पूरा नहीं हुआ, 10,00,000 रुपये

सुरेंद्र कुमार सैनी

1. गहन शिक्षण मॉडल द्वारा सर्वाइकल कैंसर की पुनरावृत्ति का पूर्वानुमान, डॉ. सुरेंद्र कुमार सैनी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 25,00,000 रुपये

सुप्रिया मलिक

1. सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में शिथिलता के लिए इष्टतम विकिरण खुराक - चरण 3 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (ओपीआरएएच), डॉ. सुप्रिया मलिक, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 22,00,000 रुपये

पूर्ण

डी एन शर्मा

1. कोविड-19 निमोनिया के लिए कम खुराक विकिरण थेरेपी: एक पायलट अध्ययन, आचार्य डीएन शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल कोविड वित्तपोषण

हरेश के.पी

1. एचईआर2 के रोगियों में मानक कीमोथेरेपी के साथ संयोजन में ट्रैस्टुज़ुमैब (टेस्ट, हेटेरो) और संदर्भ औषधीय उत्पाद (संदर्भ, रोश) के अंतःशिरा जलसेक की प्रभावकारिता, सुरक्षा और फार्माकोकाइनेटिक विशेषताओं का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक, बहु-खुराक, बहुकेंद्रीय, तुलनात्मक, समानांतर अध्ययन - पॉजिटिव मेटास्टेटिक स्तन कैंसर (टीआरयूएमएबी अध्ययन), डॉ. हरेश केपी, हेटेरो फार्मा, 3 वर्ष, 2019 - 2022, 17,00,000 रुपये

सुप्रिया मलिक

1. नव निदान आईडीएचडब्ल्यूटी एनाप्लास्टिक एस्ट्रोसाइटोमा (एनसीआई-आर-01-एचवाईआरएए) में समवर्ती और रखरखाव टेमोज़ोलोमाइड के साथ हाइपो-फ्रैक्शनेटेड त्वरित रेडियोथेरेपी का चरण II अध्ययन, डॉ सुप्रिया मलिक, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये
2. भारतीय रोगियों में सर्वाइकल कैंसर ट्यूमर सूक्ष्म-पर्यावरण प्रतिरक्षा-प्रोफाइलिंग और मानक कीमोरेडियोथेरेपी की प्रारंभिक प्रतिक्रिया पर प्रभाव, डॉ. सुप्रिया मलिक, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-2023, 10,00,000 रुपये

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
परियोजनाओं की संख्या		3	11
कुल वित्तपोषण		27,50,000/-	3.72 करोड़

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

वित्त पोषित परियोजनाएँ

जारी

1. एचबीसीआर और स्तन, सिर एवं गर्दन तथा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर में देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन का पैटर्न, एसवीएस देव, आईसीएमआर, एनसीडीआईआर, 8 वर्ष, 2014, चालू, 47,00,000/ रुपए प्रति वर्ष
2. पीबीसीआर-सिर और गर्दन, स्तन तथा गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए पीओसीएसएस, एसवीएस देव, आईसीएमआर, एनसीडीआईआर, 7 वर्ष, 2019-2023, 200000 रुपए
3. भारतीय स्तन कैंसर जीनोम एटलस (एक आईसीजीए परियोजना), एसवीएस देव, सीएसआईआर बहु-कैंद्रित, 3 वर्ष, 2023-2026, 50 लाख रुपए
4. सामान्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में सेल फ्री डीएनएएस (सीएफ-डीएनए) का आकलन, डॉ. सुनील कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 3 साल, 2021-2023, 10 लाख रुपये
5. आईसीएमआर- राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) के तहत पित्ताशय के कैंसर पर देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, डॉ. सुनील कुमार, एनसीडीआईआर (आईसीएमआर), बेंगलुरु, 5 वर्ष, 2020-2024, 13.75 लाख रुपये
6. "शीघ्र शुरुआत (ईओसीआरसी) कोलोरेक्टल कैंसर (सीआरसी) के रोगजनन में आंत माइक्रोबायोम डिस्बिओसिस और चयापचय परिवर्तनों के प्रभाव को समझना", ज्योति शर्मा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये
7. सेल्फ रिटेनिंग वैस्कुलर फोर्सेप्स की डिजाइनिंग, आचार्य एमडी रे, डीएसआईआर का प्रिज्म, डीएसटी, 2 साल, 2021-2023, 6,00,000 रुपये

पूर्ण

1. अन्नप्रणाली के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक्सोम और ट्रांसक्रिप्टोम के विश्लेषण द्वारा नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया का पूर्वानुमान करना, डॉ. सुनील कुमार, 4 बेसकेयर, 2 वर्ष, 2020-2022, वास्तविक लागत पर
2. "संभावित मेटास्टैटिक बायोमार्कर की पहचान के लिए स्तन कैंसर कोशिका और ऊतक प्रकारों की तुलनात्मक स्फिंगोलिपिड प्रोफाइलिंग", एसवीएस देव, डीएसटी, 5 वर्ष, 2017-2022, 4715480 रुपए
3. “बचपन में कैंसर, लिम्फोइड और हेमेटोपोएटिक घातकताओं, अन्य स्त्री रोग संबंधी विकृतियों पर देखभाल और उत्तरजीविता अध्ययन के पैटर्न, एसवीएस देव, आईसीएमआर, एनसीडीआईआर, 5 वर्ष, 2017 -2022, 500,000 रुपए
4. सर्जिकल पैथोलॉजी के साथ पीईटी-सीटी बनाम एनसीसीटी चेस्ट के साथ पाए गए फुफ्फुसीय मेटास्टेसिस की तुलना, डॉ. सुनील कुमार, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020 - 2022, वास्तविक लागत के आधार पर

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	3	11	11
कुल वित्तपोषण	22115480	16590480	रु. 24990480

विभागीय परियोजनाएँ

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

रितु गुप्ता

1. प्लाज्मा सेल प्रसार संबंधी विकारों (पीसीपीडी) में प्लाज्मा सेल और बी-सेल कंपार्टमेंट का एक अध्ययन (सुश्री मीतू दहिया)
2. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया (सीएमएल) में न्यूनतम अवशिष्ट रोग (एमआरडी) की निगरानी और एबीएल किनेसे डोमेन उत्परिवर्तन की पहचान के लिए मानक और अत्याधुनिक आणविक प्रक्रियाओं की स्थापना (सुश्री मेधावी पांडे)
3. मल्टीपल मायलोमा में जीनोमिक विपथन का नॉन-इनवेसिव मूल्यांकन (श्री अतुल बसनाल)
4. एएमएल में दवा प्रतिरोध पर काबू पाने के लिए ऑटोफैगी-संबंधित मार्गों का मूल्यांकन (सुश्री आफरीन खान)

संजीव कुमार गुप्ता

1. बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में कोशिका आसंजन अणुओं के साथ आईकेजेडएफ1 परिवर्तनों की अंत:क्रिया का अध्ययन करना
2. एएमएल में ट्यूमरजेनेसिस और केमोरेसिस्टेंस का अध्ययन करने के लिए ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग
3. बीसीआर में पूर्वानुमानक और पूर्वसूचक आणविक आनुवंशिक विपथन की रूपरेखा: एबीएल नकारात्मक बी-एएलएल

अनिता चोपड़ा

1. भारतीय बाल पीएच-जैसे तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में आनुवंशिक परिवर्तनों की पहचान, पीएचडी थीसिस (पूर्ण)
2. डक्स4-पुनर्व्यवस्थित बी-एएलएल में आणविक मार्गों का विच्छेदन, पीएचडी थीसिस (जारी)
3. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में एनआरएफ2 सिग्नलिंग मार्ग की भूमिका को स्पष्ट करना, पीएचडी थीसिस (जारी)
4. बी-एएलएल में पीएएक्स5आर की भूमिका का स्पष्टीकरण (अन्य अध्ययन)
5. बी-एएलएल में वृत्ताकार आरएनए के परिदृश्य को समझना (अन्य अध्ययन)

प्रणय तंवर

1. पित्ताशय कार्सिनोमा के डाउनस्ट्रीम सिग्नलिंग मार्गों में शामिल विभेदित रूप से व्यक्त प्रोटीन आधारित बायोमार्कर की पहचान
2. भारतीय महिलाओं में स्तन कैंसर के विकास में शामिल मार्गों का एनजीएस आधारित लक्षण वर्णन
3. पित्ताशय कार्सिनोमा में जैव सूचना विज्ञान आधारित उत्परिवर्तनीय प्रोफाइलिंग और संरचनात्मक विविधताओं का विश्लेषण
4. एएमएल में डब्ल्यूटी जीन अभिव्यक्ति की प्रासंगिकता
5. उत्तर भारतीय आबादी के स्तन और डिम्बग्रंथि कैंसर के मामलों में एफटीओ जीन बहुरूपता का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन
6. स्तन कैंसर के मामलों में चिकित्सीय निगरानी और रोग निदान के लिए एक नैदानिक उपकरण के रूप में तरल बायोप्सी का डीडीपीसीआर आधारित लक्षण वर्णन

दीपशी ठकराल

1. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में निदान और उपचार के लिए ल्यूकेमिक स्टेम सेल (एलएससी) में उन्नत अनुसंधान और उत्कृष्टता केंद्र (केयर-एलएससीपीटी)- आईसीएमआर
2. "मल्टीपल मायलोमा (एमएम) में नवीन चिकित्सीय कार्यनीति के लिए ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट को लक्षित करना" - एसईआरबी डीएसटी
3. मल्टीपल मायलोमा में जीनोमिक विपथन का न्यूनतम आक्रामक मूल्यांकन (थीसिस)
4. एएमएल में ट्यूमरजेनसिस और केमोरेसिस्टेंस का अध्ययन करने के लिए ल्यूकेमिक स्टेम सेल (एलएससी) की ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग (थीसिस)

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

अतुल शर्मा

जारी

1. समवर्ती कीमोथेरेपी और बाहरी विकिरण थेरेपी: स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में साप्ताहिक बनाम त्रि-साप्ताहिक सिस्प्लैटिन और रेडिकल रेडियोथेरेपी का एक ओपन लेबल गैर-हीनता चरण III यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
2. पित्ताशय के कैंसर में सहायक कीमोथेरेपी या कीमो-विकिरण: एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन (एसीसीलेरेट परीक्षण)
3. हॉजकिन के लिंफोमा में उच्च खुराक कीमोथेरेपी और स्टेम सेल प्रत्यारोपण के परिणामों का पूर्वव्यापी अध्ययन
4. अनरिसेक्टेबल गॉलब्लैडर कैंसर के प्रबंधन में संशोधित जेमिसिटाबाइन + ऑक्सालिप्लाटिन (एमजेमओएक्स): एक पूर्वव्यापी अध्ययन

5. पेरी-ऑपरेटिव कीमोथेरेपी प्राप्त करने वाले गैस्ट्रिक कैंसर के रोगियों में माइक्रोसेटेलाइट अस्थिरता के निहितार्थ पर वास्तविक विश्व डेटा
6. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया में प्रेरण संबंधी मृत्यु दर स्कोर: भविष्यलक्षी सत्यापन अध्ययन
7. वायरस से जुड़े लिम्फोप्रोलिफेरेटिव विकारों के स्पेक्ट्रम और वास्तविक परिणाम

पूर्ण

1. प्रथम पंक्ति कीमोथेरेपी पर प्रगति करने वाले उन्नत अनरिसेक्टेबल या मेटास्टैटिक पित्ताशय कैंसर में मोनोथेरेपी बनाम डबल दूसरी पंक्ति कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए टू आर्म, यादृच्छिक ओपन लेबल भविष्यलक्षी समानांतर डिजाइन श्रेष्ठता चरण II बहुकेंद्रित नैदानिक परीक्षण
2. अनरिसेक्टेबल गॉल ब्लैडर कैंसर में संशोधित फोल्फिरिनोक्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक पायलट अध्ययन

समीर बख्शी

जारी

1. भारतीय बच्चों में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया उपचार की विषाक्तता और नैदानिक प्रतिक्रिया के संबंध में आणविक और फार्माकोजेनेटिक मार्कर मूल्यांकन (एमपीजीएक्स-आईएनडी एएलएल)
2. सिर और गर्दन के इविंग सारकोमा ट्यूमर परिवार के वयस्क सर्वाइवर्स के बीच जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
3. बच्चों/किशोरों/युवा वयस्क आयु वर्ग के कैंसर रोगियों में सार्स-कोव-2 के विरुद्ध टीकाकरण के बाद प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया
4. तृतीयक देखभाल केंद्र में उपचारित ओस्टियोसारकोमा वाले रोगियों में पूर्वानुमानक कारक परिणाम: एक पूर्वव्यापी विश्लेषण
5. बच्चों और युवा वयस्कों में इविंग सारकोमा के रोगियों में क्लिनिक-पैथोलॉजिकल विशेषताओं, पूर्वानुमान संबंधी कारकों और उपचार परिणामों का मूल्यांकन
6. बाल रोगी तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) में माइटोकॉन्ड्रियल आकृति विज्ञान और माइटोकॉन्ड्रियल जैवजनन के बीच की रेखा
7. भारत में तृतीयक देखभाल कैंसर विज्ञान केंद्र से बचपन के कैंसर में उपचार परित्याग में लिंग पूर्वाग्रह का आकलन
8. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) (ईएसीओडीई-एएमएल) के लिए प्रेरण कीमोथेरेपी के दौरान विलंबित उल्टी के नियंत्रण में विस्तारित एप्रेपिटेंट

प्रभात सिंह मलिक

जारी

1. ईजीएफआर उत्परिवर्ती एनएससीएलसी में तरल बायोप्सी-आधारित जोखिम स्तरीकरण और उपचार की गहनता

पूर्ण

1. गैर लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर में पारिवारिक एकत्रीकरण का एक अध्ययन

राजा प्रमाणिक

जारी

1. प्रोस्टेट कैंसर वाले भारतीय पुरुषों में वंशानुगत कैंसर प्रवृत्ति का निदान: एक पायलट अध्ययन
2. डिम्बग्रंथि के कैंसर के परवर्ती रोगियों के रोगाणु उत्परिवर्तन प्रोफाइल पर एक संभावित अध्ययन
3. सामान्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर में बायोमार्कर के रूप में सेल मुक्त डीएनए (सीएफ-डीएनए)।

पूर्ण

1. कीमोथेरेपी से गुजर रहे कैंसर रोगियों में यौन स्वास्थ्य और अंतरंगता संबंधी समस्याओं का आकलन

अतुल बत्रा

जारी

1. मेटास्टैटिक कैस्ट्रेट प्रतिरोधी प्रोस्टेट कैंसर वाले रोगियों में, जिनमें सोमैटिक या जर्मलाइन होमोलॉगस रीकॉम्बिनेशन रिपेयर (एचआरआर) जीन उत्परिवर्तन हो रहा है, में कार्बोप्लाटिन: एक चरण II सिंगल-आर्मट्रायल (सीआईपीएचईआर)

पूर्ण

1. कैपेसिटाबाइन (डी-टीओआरसीएच) प्राप्त करने वाले रोगियों में हाथ-पैर सिंड्रोम की रोकथाम में सामयिक डाइक्लोफेनाक का यादृच्छिक चरण II ओपन-लेबल अध्ययन

मयंक सिंह

जारी

1. प्लैटिनम प्रतिरोध, प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी और उन्नत डिम्बग्रंथि कैंसर में पाज़ोपानिब आधारित संयोजन मौखिक मेट्रोनोमिक थेरेपी: एक यादृच्छिक चरण 2 अध्ययन
2. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी के साथ साइटोरिडक्टिव सर्जरी में लक्ष्य निर्देशित बनाम मानक द्रव थेरेपी का एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. प्लैटिनम रिफ्रैक्टरी आर/एम एचएनएससीसी में ईएमएफ (एर्लोटिनिब/एमटीएक्स/5-एफयू) का एकल आर्म व्यवहार्यता चरण II अध्ययन
4. डिम्बग्रंथि के कैंसर में सिस्प्लैटिन संवेदनशीलता और डीएनए मिथाइलेशन पर पीएआरपी 1 और γ-ग्लूटामाइल सिस्टीन सिंथेटेज़ (जीसीएस) अवरोधकों की भूमिका
5. स्त्री रोग संबंधी कैंसर में डियूबिकिटिनेटिंग एंजाइम (डीयूबी) की ऑन्कोजेनिक क्षमता को समझना

चिकित्सा भौतिकी

जारी

1. डोसिमेट्री प्रयोजन के लिए नई ल्यूमिनसेंस सामग्री का विकास
2. विकिरण उपचार के लिए बोलस सामग्री का विकास

जारी

1. एकतरफा थोरैकोटॉमी से गुजरने वाले ऑन्को-सर्जिकल रोगियों में रिकवरी की पेरिऑपरेटिव गुणवत्ता पर इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम थोरैसिक एपिड्यूरल एनाल्जेसिया के प्रभाव की तुलना: एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रण, ओपन-लेबल, गैर-हीनता, प्रारंभिक परीक्षण (सीपेट परीक्षण)
2. ओपन थोरैकोटॉमी सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव ओपिओइड खपत पर ओपिओइड आधारित एनेस्थेसिया के साथ ओपिओइड मुक्त एनेस्थेसिया की प्रभावकारिता की तुलना करना : एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. पेट की सर्जरी में इंट्रा-ऑपरेटिव मैकेनिकल वेंटिलेशन के लिए ऑक्सीजनेशन, वेंटिलेटरी पैरामीटर और ऑप्टिक तंत्रिका शीथ व्यास (ओएनएसडी) का सहसंबंध, पारंपरिक वेंटिलेशन के साथ रिक्रूटमेंट मनूवर की तुलना, एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. घातक केंद्रीय वायुमार्ग बाधा के लिए इंटरवेंशनल कठोर ब्रोंकोस्कोपी के बाद विद्युत प्रतिबाधा टोमोग्राफी का उपयोग करके चरम श्वसन दबाव और गतिशील अनुपालन पर दो वेंटिलेटरी रणनीतियों (पारंपरिक बैग मास्क वेंटिलेशन और मैनुअल जेट वेंटिलेशन) के प्रभाव का मूल्यांकन करना।
5. इंटरवेंशनल ब्रैकीथेरेपी के दौरान इंट्राथेकल हाइपरबेरिक बुपिवाकेन (0.5%), हाइपरबेरिक लेवोबुपिवाकेन (0.5%) और हाइपरबेरिक रोपाइवाकेन (0.75%) के प्रभाव की तुलना: एक भविष्यलक्षी, डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
6. तृतीयक देखभाल केंद्र में उपशामक देखभाल वार्ड में भर्ती गैर-हेमेटोलॉजिकल घातक रोगियों में स्पर्शोन्मुख ल्यूकोसाइटोसिस के लिए अनुभवजन्य एंटीबायोटिक दवाओं की भूमिका - एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन
7. भारत के तृतीयक देखभाल केंद्र में उपशामक देखभाल प्राप्त करने वाले प्राथमिक मस्तिष्क ट्यूमर के रोगियों में लक्षण बोझ और "जीवन की गुणवत्ता" का आकलन: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
8. स्तन कैंसर के रोगियों में मानक देखभाल के अलावा सर्वोत्तम सहायक देखभाल के प्रारंभिक एकीकरण का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
9. तृतीयक कैंसर केंद्र के उपशामक चिकित्सा क्लिनिक में आने वाले उन्नत सार्कोमा रोगियों में उपशामक देखभाल की जरूरतों, लक्षण बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना - एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
10. तृतीयक देखभाल केंद्र, भारत में उपशामक देखभाल प्राप्त करने वाले उन्नत सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में लक्षण बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

11. भारत में एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में ओन्को-एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन तथा पल्मोनरी मेडिसिन और निद्रा विकार विभागों में आने वाले कैंसर रोगियों में डिस्पेनिया के लिए निर्धारित मौखिक मॉर्फिन के प्रभाव का अध्ययन करना : एक भविष्यलक्षी अवलोकन संबंधी अध्ययन

12. तृतीयक देखभाल केंद्र के प्रशामक देखभाल क्लिनिक में भाग लेने वाले फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में लक्षण भार और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: भविष्यलक्षी अध्ययन

13. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में बाल कैंसर रोगियों में लक्षण बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन: एक भविष्यलक्षी अध्ययन

14. पारंपरिक सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोपी के साथ बेड-अप-हेड-एलिवेटेड स्थिति मैकिंटोश लैरींजोस्कोपी में लेरिंजियल एक्सपोज़र की तुलना: एक यादृच्छिक गैर-हीनता परीक्षण

15. भारतीय जनसंख्या में डीएलटी आकार का पूर्वानुमान करने के लिए क्रिकॉइड अल्ट्रासाउंड और सीटी - एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

16. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में वायुमार्ग प्रबंधन पर उन्नत वायुमार्ग इमेजिंग (3डी सीटी पुनर्निर्माण और वायुमार्ग की आभासी एंडोस्कोपी) के प्रभाव का आकलन करना : भविष्यलक्षी यादृच्छिक अध्ययन

17. अस्पताल में ठहराव की अवधि पर सामान्य एनेस्थीसिया के तहत सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी कराने वाले वयस्क रोगियों में सर्जरी के बाद बेहतर रिकवरी (ईआरएएस) प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन के प्रभाव का मूल्यांकन करना : एक भविष्यलक्षी पारंपरिक अध्ययन।

18. भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र में आने वाले वृद्धावस्था रोगियों में उपशामक देखभाल आवश्यकताओं, लक्षण बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन करना - एक क्रॉस सेक्शनल अवलोकन अध्ययन

19. घातक फुफ्फुस बहाव वाले वयस्क रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित पिगटेल कैथेटर सम्मिलन के बाद फुफ्फुसावरण की प्रभावशीलता पर श्वसन फिजियोथेरेपी के प्रभाव का आकलन करना : एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक पारंपरिक अध्ययन

20. सामान्य एनेस्थीसिया के तहत ऑरोफरीन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में नासोट्रैचियल इंट्यूबेशन: फ़ाइब्रोऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप और सी-मैक डी ब्लेड वीडियो लैरींजोस्कोप के बीच एक तुलनात्मक मूल्यांकन

21. अनुभवी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा कठिन वायुमार्ग वाले मैनिकिन में नासोट्रैचियल इंट्यूबेशन के लिए विभिन्न वीडियो लैरींजोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण

22. सीए स्तन कैंसर के रोगियों में क्यूओएल पर उपशामक देखभाल के प्रारंभिक एकीकरण का प्रभाव

23. रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर कोविड-19 का प्रभाव

24. भारत में तृतीयक देखभाल कैंसर केंद्र में प्रशामक देखभाल की शुरुआत और आईसीयू में प्रशामक देखभाल प्रथाओं के सिद्धांतों के कार्यान्वयन के ट्रिगर- एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

25. लक्षणों के बोझ, बीमारी की धारणा और जीवन की गुणवत्ता के लोंगिट्यूडिनल मूल्यांकन द्वारा वृद्धावस्था प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के बीच उपशामक देखभाल परिणामों की तुलना: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन

26. तृतीयक देखभाल केंद्र में हेमेटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों के बीच मानक कैंसर विज्ञान देखभाल बनाम मानक कैंसर विज्ञान देखभाल के साथ उपशामक देखभाल का प्रारंभिक एकीकरण: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

27. कैंसर से संबंधित एनोरेक्सिया/कैशेक्सिया में रोगियों के वजन, भूख और जीवन की गुणवत्ता में परिवर्तन के लिए अकेले मेजेस्ट्रोल एसीटेट बनाम डेक्सामेथासोन बनाम आहार परामर्श की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

28. क्रमिक रेडियोथेरेपी सत्रों से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्रोपोफोल के साथ सहनशीलता का मूल्यांकन- एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

29. कार्सिनोमा पित्ताशय के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और लक्षण बोझ की तुलना - पीटीबीडी बनाम गैर-पीटीबीडी, एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

30. प्राथमिक मस्तिष्क ट्यूमर के रोगियों के प्रबंधन में उपशामक देखभाल के प्रारंभिक एकीकरण का परिणाम मूल्यांकन - एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

31. सामान्य एनेस्थीसिया से गुजर रहे रोगियों में पेरिऑपरेटिव सेटिंग में संशोधित फेफड़े के अल्ट्रासाउंड स्कोर की अंतर-पर्यवेक्षक और अंत:-पर्यवेक्षक परिवर्तनशीलता - एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

32. पैलिएटिव मेडिसिन आउटडोर रोगी विभाग में भाग लेने वाले रोगियों में अवसाद और चिंता का आकलन- एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

पूर्ण

1. 3 महीनों के अनुवर्ती अवलोकन में दर्द से राहत और जीवन की गुणवत्ता के संदर्भ में सिर और गर्दन की दुर्दम्यता वाले रोगियों में अकेले एनाल्जेसिक बनाम एनाल्जेसिक के साथ हस्तक्षेप की तुलना: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक अध्ययन
2. भारत में तृतीयक कैंसर केंद्र में प्रशामक देखभाल इकाई में मौजूद घातक आंत्र रुकावट के रोगियों में लक्षण बोझ और जीवन की गुणवत्ता का आकलन।
3. भारत के तृतीयक देखभाल केंद्र में प्रशामक देखभाल इकाई में रीढ़ की हड्डी के घातक संपीड़न वाले रोगियों का पैटर्न- एक अवलोकन अध्ययन।
4. स्तन कैंसर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव मॉर्फिन खपत पर ओपियोइड आधारित सामान्य एनेस्थेसिया के साथ ओपियोइड मुक्त सामान्य संज्ञाहरण की प्रभावकारिता की तुलना करना : एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन।
5. सकल अंतःशिरा एनेस्थीसिया और इनहेलेशनल एनेस्थेसिया की तुलना: एक भविष्यलक्षी, यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

6. विद्युत प्रतिबाधा टोमोग्राफी निर्देशित पीईईपी बनाम पारंपरिक पीईईपी के साथ वेंटिलेशन के बाद पेट की खुली ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी में फेफड़ों के वातन हानि की तुलना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
7. अनुभवी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा कठिन वायुमार्ग वाले मैनिकिन में नासोट्रैचियल इंट्यूबेशन के लिए विभिन्न वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण।
8. पेट की सर्जरी में इंट्रा-ऑपरेटिव मैकेनिकल वेंटिलेशन के लिए ऑक्सीजनेशन, वेंटिलेटरी पैरामीटर और ऑप्टिक तंत्रिका शीथ व्यास (ओएनएसडी) का सहसंबंध, पारंपरिक वेंटिलेशन के साथ रिक्रूटमेंट मनूवर की तुलना, एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
9. पित्ताशय कैंसर के लिए सर्जरी कराने वाले रोगियों में एंटी-ट्यूमर प्रतिरक्षा और इसके मार्करों पर संवेदनाहारी तकनीक का प्रभाव: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
10. उपशामक देखभाल के रोगियों में थकान और जीवन की गुणवत्ता पर अंतःशिरा लौह चिकित्सा की भूमिका: एक भविष्यलक्षी पारंपरिक अध्ययन।
11. संशोधित रेडिकल मास्टेक्टॉमी में पोस्टऑपरेटिव एनाल्जेसिया के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम पूर्ण पूर्वकाल थोरैसिक ब्लॉक की प्रभावकारिता की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।
12. सिर और गर्दन की सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में सामान्य एनेस्थीसिया और फाइबर-ऑप्टिक नेजल इंट्यूबेशन को शामिल करने के लिए गर्म आर्द्रीकृत उच्च-प्रवाह नाक प्रवेशनी मानक तकनीक के साथ प्री-ऑक्सीजनेशन की तुलना
13. स्तन कैंसर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में पोस्ट-ऑपरेटिव मॉर्फिन खपत पर ओपियोड आधारित सामान्य एनेस्थेसिया के साथ ओपियोइड मुक्त सामान्य एनेस्थेसिया की प्रभावकारिता की तुलना करना : एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
14. कठिन वायुमार्ग में इंट्यूबेशन के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि
15. कोविड-19 महामारी के दौरान एक इंट्यूबेशन बॉक्स का उपयोग करने वाले एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा पुतले में इंट्यूबेशन के लिए मैक ग्राथ-मैक और सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक अध्ययन
16. तृतीयक कैंसर देखभाल केंद्र में प्रीएनेस्थेसिया क्लिनिक में टेलीमेडिसिन लागू करना: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन।
17. प्रशामक देखभाल इकाई में भाग लेने वाले रोगियों में लक्षणों के मूल्यांकन के लिए स्मार्टफोन आधारित टेलीमेडिसिन सेवा: तृतीयक देखभाल कैंसर अस्पताल में एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
18. ऑन्कोलॉजिकल सर्जरी के बाद तीव्र न्यूरोपैथिक दर्द की व्यापकता और जोखिम कारक: तृतीयक कैंसर केंद्र में एक भविष्यलक्षी अध्ययन
19. सामाजिक समर्थन, अवसाद और उन्नत जीवन की गुणवत्ता का संभावित मूल्यांकन

विकिरण निदान

जारी

1. आईआईटी दिल्ली के सहयोग के साथ दूर से अल्ट्रासाउंड करने के लिए रोबोटिक आर्म का विकास और उपयोग
2. ऊपरी पेट के कैंसर के दर्द में कंट्रास्ट उन्नत अल्ट्रासाउंड-निर्देशित सीलिएक प्लेक्सस ब्लॉक
3. पीटीबीडी से गुजरने वाले रोगियों में हेपेटिक हिलर तंत्रिका ब्लॉक की सुरक्षा और प्रभावकारिता का मूल्यांकन करना
4. पित्ताशय के कार्सिनोमा से पीड़ित रोगियों के जीवन की गुणवत्ता पर परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी के प्रभाव का आकलन करना
5. दुर्दम्यता वाले रोगियों में फ्लूरोस्कोपिक मार्गदर्शन के अंतर्गत परिधीय रूप से डाले गए केंद्रीय कैथेटर की जटिलताओं और विफलताओं की घटनाओं का विश्लेषण करना
6. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा (एमआरसीसी) में टायरोसिन कीनेस इनहिबिटर (टीकेआई) की प्रतिक्रिया का आकलन करने में दोहरी ऊर्जा सीटी
7. घने स्तनों में कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका
8. स्तन कैंसर के रोगियों की प्रीऑपरेटिव स्टेजिंग में कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका
9. मेडिकल थेरेपी पर डेस्मॉइड फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों के प्रतिक्रिया मूल्यांकन में कंट्रास्ट संवर्धित अल्ट्रासाउंड की भूमिका
10. स्तन रोगों का क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल सहसंबंध
11. डिजिटल स्तन टोमोसिंथेसिस से संश्लेषित मैमोग्राम बनाम पूर्ण क्षेत्र डिजिटल मैमोग्राफी, टोमोसिंथेसिस के साथ और उसके बिना: एक भविष्यलक्षी तुलनात्मक अध्ययन
12. सीटी छवियों का कम्प्यूटेशनल विश्लेषण

पूर्ण

1. फेफड़ों के कैंसर के मूल्यांकन में पूरे शरीर के एमआरआई की भूमिका
2. पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में पर्क्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी में दर्द से राहत के लिए ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन (टीएपी) ब्लॉक की प्रभावशीलता का आकलन - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. प्राथमिक थोरैसिक सार्कोमा की इमेजिंग विशेषताएं और सीटी पर कार्सिनोमा से पल्मोनरी सार्कोमा की विभेदक विशेषताएं - एक रेट्रो-भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

डी एन शर्मा

1. स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल कैंसर के लिए एकाधिक सत्र बनाम एकल सत्र छवि-आधारित इंट्राकेवेटरी ब्रैकीथेरेपी - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

2. प्रारंभिक चरण के स्तन कार्सिनोमा में हाइपोफ्रैक्शनेटेड संपूर्ण स्तन विकिरण बनाम त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के बीच तुलना

सुमन भास्कर

1. उपचारात्मक उपचार के लिए अनुपयुक्त, स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन के स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों के लिए समवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ "क्वाडशॉट रेजिमेन" का उपयोग करके हाइपोफ्रैक्शनेटेड पैलिएटिव रेडियोथेरेपी।
2. बार-बार होने वाले सिर और गर्दन के कार्सिनोमा के प्रबंधन में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी: उपचार के परिणाम और विषाक्तता का आकलन

अहिताग्नि विश्वास

1. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना करने वाला एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
2. 2011-21 तक एम्स, नई दिल्ली में उपचारित एकान्त प्लास्मेसीटोमा वाले रोगियों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

सुरेंद्र कुमार सैनी

1. प्रारंभिक चरण की महिला स्तन कार्सिनोमा में स्तन-संरक्षण सर्जरी के बाद इंटरस्टिशियल ब्रैकीथेरेपी बनाम अत्यधिक हाइपो-फ्रैक्शनेटेड बाहरी बीम आंशिक स्तन विकिरण
2. पैरा-महाधमनी लिम्फैडेनोपैथी के साथ गर्भाशय ग्रीवा कार्सिनोमा में डोज-डैंस नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ विस्तारित क्षेत्र अस्थि मज्जा स्पेयरिंग छवि-निर्देशित तीव्रता-संग्राहक (बीएमएस आईजी-आईएमआरटी) कीमोरेडिएशन: एक चरण II अध्ययन

वी सुब्रमणि

1. उच्च परिशुद्धता रेडियोथेरेपी उपचार तकनीकों के लिए उन्नत इमेजिंग प्रणाली के प्रभाव का अध्ययन
2. सर्वाइकल कैंसर की उच्च खुराक दर ब्रैकीथेरेपी की उपचार योजना विधियों का डोसिमेट्रिक विश्लेषण
3. अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में सुश्री शोभना द्वारा थर्मल इमेजिंग का उपयोग करके प्रारंभिक स्तन कैंसर का पता लगाने संबंधी मूल्यांकन

सुप्रिया मलिक

1. केवल हड्डी वाले ऑलिगोमेटास्टेटिक स्तन कैंसर में एसएबीआर के साथ उपचारात्मक दृष्टिकोण उपचार
2. सिर और गर्दन की घातक बीमारियों में हाइपो फ्रैक्शनेटेड सहायक विकिरण चिकित्सा: एक यादृच्छिक चरण II अध्ययन
3. स्थानीयकृत ट्रिपल-नेगेटिव और एचईआर2 न्यू पॉजिटिव स्तन कैंसर में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के साथ मेटफॉर्मिन- एक भविष्यलक्षी अन्वेषक आरंभित चरण-2 ओपन-लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

हरेश के.पी

1. हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा वाले रोगियों में पोर्टल शिरा घनास्त्रता में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडियोथेरेपी की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन

रंभा पांडे

1. नॉन-स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर के लिए चार आयामी कंप्यूटेड टोमोग्राफी (4डीसीटी) आधारित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी/वॉल्यूमेट्रिक मॉड्यूलेटेड आर्क थेरेपी (आईएमआरटी/वीमैट) योजना और 3डी सीआरटी योजना-डोसिमेट्रिक तुलना और प्रारंभिक नैदानिक परिणाम का मूल्यांकन
2. एकाधिक सत्र बनाम एकल सत्र: स्थानीय रूप से उन्नत सर्वाइकल कैंसर के लिए छवि-आधारित इंट्राकेवेटरी ब्रैकीथेरेपी - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
3. हिप्पोकैम्पल परिहार - एकाधिक मस्तिष्क मेटास्टेसिस वाले रोगियों के लिए संपूर्ण मस्तिष्क रेडियोथेरेपी (एचए-डब्लूबीआरटी) प्लस समवर्ती एकीकृत बूस्ट (एसआईबी) के साथ मेमनटाइन बनाम एसआईबी के बिना संपूर्ण मस्तिष्क रेडियोथेरेपी (एचए-डब्लूबीआरटी)- एक चरण 2 यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

अहिताग्नि विश्वास

1. सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्पैगिया-अनुकूलित तीव्रता-संग्राहक रेडियोथेरेपी के बाद सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन-आधारित नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए द्वितीय चरण अध्ययन और स्थानीय रूप से उन्नत नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीन बर्र वायरस डीएनए टिटर के साथ नैदानिक परिणाम का सहसंबंध।
2. 2010-19 तक एम्स, नई दिल्ली में उपचारित ऑर्बिटल रेबडोमायोसारकोमा वाले रोगियों का पूर्वव्यापी विश्लेषण

सुप्रिया मलिक

1. प्रारंभिक चरण के स्तन कार्सिनोमा में हाइपोफ्रैक्शनेटेड संपूर्ण स्तन विकिरण बनाम त्वरित आंशिक स्तन विकिरण के बीच तुलना, उत्तरी भारत में स्थानीय रूप से उन्नत नॉन-स्माल सेल फेफड़ों के कैंसर के रोगियों में देखभाल और परिणाम का पैटर्न- तृतीयक देखभाल केंद्र से विकिरण कैंसर विज्ञान परिप्रेक्ष्य

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

जारी

1. तृतीयक देखभाल केंद्र में हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) के साथ साइटोरेडेक्टिव सर्जरी (सीआरएस) में "सर्जरी के बाद बेहतर रिकवरी (ईआरएएस)" प्रोटोकॉल के कार्यान्वयन और अनुपालन की व्यवहार्यता - एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन और डिम्बग्रंथि के कैंसर डेटाबेस का ऑडिट तथा विश्लेषण

2. रेडियोलॉजिकल रूप से नोड नकारात्मक प्राथमिक उन्नत उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर (पीएईओसी) (एफआईजीओ स्टेज II-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - अंडाशयी कैंसर के उपचारित प्राथमिक उन्नत उपकला में केआई-67 और पी53 के पूर्वानुमानक और पूर्वसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण
3. क्लिनिकल प्रोफाइल, सर्जिकल प्रबंधन, रुग्णता और परिणाम विश्लेषण तथा थायरॉयड कैंसर डेटाबेस के अद्यतनतीकरण और विश्लेषण के लिए कक्षीय और लार ग्रंथि ट्यूमर का महत्वाकांक्षी अध्ययन
4. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा एसोफैगस में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी और नियोएडजुवेंट समवर्ती केमोरेडिएशन के बीच प्रभावकारिता की तुलना: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन
5. ग्रासनली कैंसर सर्जरी में गैस्ट्रिक या कोलोनिक कंड्यूट परफोरेशन के अंतःक्रियात्मक मूल्यांकन के लिए इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरेसेंस डाई की व्यवहार्यता का अध्ययन - एक भविष्यलक्षी सत्यापन अध्ययन और हेपेटोबिलरी और अग्नाशय कैंसर डेटाबेस का अद्यतनीकरण तथा विश्लेषण
6. एसोफेजेक्टॉमी के बाद एसोफेजियल कैंसर रोगियों में जीवन की स्वास्थ्य संबंधी गुणवत्ता के पूर्वानुमान के लिए नॉमोग्राम
7. चरम नरम ऊतक सार्कोमा में इष्टतम मार्जिन का मूल्यांकन करने वाला एक भविष्यलक्षी अध्ययन और नरम ऊतक सार्कोमा के कम्प्यूटरीकृत नैदानिक डेटाबेस का सर्वलक्षी विश्लेषण
8. शीघ्र शुरुआत वाले कोलोरेक्टल कैंसर के रोगियों में माइक्रोबायोम गतिशीलता और आंत डिस्बिओसिस पर एक भविष्यलक्षी अध्ययन और निचले रेक्टल कैंसर के रोगियों में स्फिंक्टर कॉम्प्लेक्स के महत्वपूर्ण शारीरिक मूल्यांकन पर एक भविष्यलक्षी अध्ययन
9. सर्जरी के साथ ओरल मेट्रोनोमिक थेरेपी के साथ ऑपरेशन योग्य मुख गुहा कैंसर बनाम कीमोथेराप्यूटिक प्रतिक्रिया के पी53 विश्लेषण के साथ केवल सर्जरी का चरण 2 यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. प्राथमिक एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर (पीईओसी) (एफआईजीओ स्टेज I-III) में एसएलएनबी की व्यवहार्यता और सटीकता - उपचारित प्राथमिक उन्नत एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में केआई-67 और पी53 के पूर्वानुमानक और पूर्वसूचक महत्व का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी पायलट अध्ययन और पूर्वव्यापी विश्लेषण
11. मल्टीफोकल और मल्टीसेंट्रिक स्तन कार्सिनोमा के मूल्यांकन में पारंपरिक इमेजिंग तौर-तरीकों की तुलना में कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन और स्तन कैंसर का अपडेट तथा विश्लेषण
12. मुख गुहा में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन के लिए प्रतिदीप्ति यूवी इमेजिंग का मूल्यांकन करने के लिए एक पायलट अध्ययन और जीभ कैंसर डेटाबेस का अपडेट तथा विश्लेषण

पूर्ण

1. सर्जिकल कैंसर विज्ञान डेटाबेस का ऑडिट - दो दशकों का अनुभव
2. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (एचआईपीईसी) और प्रारंभिक पोस्टऑपरेटिव इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी (ईपीआईसी) के बीच पेरीटोनियल सतह घातक डेटाबेस के ऑडिट और विश्लेषण के साथ पेरिऑपरेटिव परिणामों की तुलना करने वाला सर्वलक्षी अध्ययन
3. घातक थोरैसिक रोगों वाले रोगियों में थोरैसिक सर्जरी के बाद कार्यात्मक बहाली और काम पर वापसी: एक भविष्यलक्षी अध्ययन
4. हाइपरथर्मिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपी से गुजरने वाले उन्नत एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर के रोगियों में कैंसर-टेस्टिस एंटीजन (सीटी45) की अभिव्यक्ति और प्लैटिनम आधारित कीमोथेरेपी की प्रतिक्रिया के साथ इसके सहसंबंध पर भविष्यलक्षी अध्ययन
5. मुख गुहा में घातक और संभावित घातक विकारों के आकलन के लिए टोलुइडिन ब्लू डाई और नैरो बैंड इमेजिंग की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए पायलट अध्ययन और ओरल कैंसर डेटाबेस का अपडेट तथा विश्लेषण
6. कोलोरेक्टल कैंसर रोगियों के लिए एमआईएस का मूल्यांकन करने वाला एक अध्ययन और कोलन तथा रेक्टल कैंसर रोगियों में एमआईआरएनए निष्कर्षण के लिए आणविक जीव विज्ञान की बुनियादी प्रयोगशाला तकनीकों को सीखना
7. व्यक्तिगत बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवंशिक परामर्श का भविष्यलक्षी अध्ययन और जोखिम कम करने वाली सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों का सर्वलक्षी मूल्यांकन
8. स्थानीय रूप से उन्नत/आवर्ती चरम नरम ऊतक सार्कोमा में प्रीऑपरेटिव केमोरेडियोथेरेपी की भूमिका का आकलन करने और नरम ऊतक सार्कोमा डेटाबेस के ऑडिट के लिए एक पायलट अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएँ

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जारी

रितु गुप्ता

1. मल्टीपल मायलोमा में टी सेल सक्रियण और फॉलिक्युलर हेल्पर टी सेल की भूमिका (आईसीएमआर), एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी, नोएडा द्वारा वित्त पोषित
2. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया, ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं में टीईटीआई के नवीन वैकल्पिक स्प्लिस फॉर्म की कमी वाले डीएनए बाइंडिंग डोमेन की कार्यात्मक भूमिका की विशेषता का और इसे रासायनिक रूप से लक्षित किए जा सकने की संभावना का पता लगाना, आईसीएमआर, एससीएमएम, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित

संजीव कुमार गुप्ता

1. सामान्य विकास और पैथोलॉजिकल मायलोप्रोलिफरेशन के तहत एरिथ्रोइड और मेगाकार्योसाइटिक वंशावली का अध्ययन, आईआईटी, दिल्ली

प्रणत तंवर

1. हेपेटोबिलरी कैंसर के कार्यात्मक जीनोमिक्स, आईआईटी, दिल्ली
2. आईसीएमआर टास्क फोर्स - भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा का जीनोमिक्स, जीबी पंत अस्पताल, दिल्ली
3. आईसीएमआर टास्क फोर्स - भारतीय आबादी में स्तन कैंसर के आनुवंशिक, नैदानिक और महामारी विज्ञान कारकों का तुलनात्मक अध्ययन" आईसीएमआर टास्क फोर्स, एनआईपी, दिल्ली के रूप में।

दीपशी ठकराल

1. वंशानुगत प्रवृत्ति वाले स्तन और डिम्बग्रंथि के कैंसर की एक रजिस्ट्री और जर्मलाइन डीएनए भंडार की एम्स, नई दिल्ली, मेडिकल कैंसर विज्ञान, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में स्थापना।
2. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया, ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं में टीईटी 1 के नवीन वैकल्पिक स्प्लिस फॉर्म की कमी वाले डीएनए बाइंडिंग डोमेन की कार्यात्मक भूमिका को चिह्नित करना और पता लगाना कि क्या इसे रासायनिक रूप से लक्षित किया जा सकता है? स्पेशल स्कूल ऑफ मॉलिक्यूलर मेडिसिन, जे.एन.यू
3. तीव्र माइलॉयड ल्यूकेमिया (एएमएल) रोगियों में उन्नतीकृत एस100 प्रोटीन के साथ आवर्ती आनुवंशिक उत्परिवर्तन का सहसंबंध और एंटी-कैंसर दवा विकसित करने के लिए चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में एस100 प्रोटीन का हस्तक्षेप, बायोफिज़िक्स विभाग, एम्स, नई दिल्ली

पूर्ण

रितु गुप्ता

1. डीप लर्निंग का उपयोग करके एनजीएस डेटा से मल्टीपल मायलोमा में दवा लक्ष्यीकरण के लिए नेटवर्क मार्गों की पहचान, (डीएसटी), आईआईआईटी-दिल्ली द्वारा वित्त पोषित
2. इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करके मल्टीपल मायलोमा में न्यूनतम अवशिष्ट रोग का आकलन: मायलोमा इमेजर - एक स्वचालित कंप्यूटर सहायता प्राप्त उपकरण का डिजाइन और विकास, (डीएसटी), आईआईआईटी- दिल्ली द्वारा वित्त पोषित।

मेडिकल अर्बुदविज्ञान

अतुल शर्मा

जारी

1. पुनरावृत्ति का शीघ्र पता लगाने और निगरानी के लिए प्लाज्मा-व्युत्पन्न सेल मुक्त न्यूक्लिक एसिड आधारित मार्करों की पहचान और लक्षण वर्णन : एएमएल, लैब कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच एम्स नई दिल्ली
2. क्रोनिक माइलॉयड ल्यूकेमिया में परिधीय रक्त मेगाकार्योपोइज़िस का अध्ययन, लैब कैंसर विज्ञान, आईआरसीएच एम्स नई दिल्ली

3. आईकेजेडएफ1 परिवर्तनों के साथ बी-सेल तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया (बी-एएलएल) में रोगसूचक और पूर्वानुमानक मार्कर के रूप में कोशिका आसंजन अणुओं का मूल्यांकन, लैब ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच एम्स नई दिल्ली
4. एलिमिनेट ट्रायल: ओरल कैविटी कार्सिनोमस के लिए पीएन0/एन1 गर्दन में क्षेत्रीय लसीका में रेडियोथेरेपी की चूक का मूल्यांकन करने वाला एक चरण II/III यादृच्छिक परीक्षण, रेडियोथेरेपी, आईआरसीएच/एनसीआई, एम्स नई दिल्ली
5. एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में आरएचओबीटीबी2 की भूमिका को समझना, लैब कैंसर विज्ञान आईआरसीएच एम्स नई दिल्ली

अतुल बत्रा

जारी

1. कैंसर से पीड़ित भारतीय रोगियों के लिए एक किफायती, उन्नत चिकित्सा अनुस्मारक-सह-डिस्पेंसर का विकास, एम्स-आईआईटी सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना

दीपम पुष्पम

जारी

1. आईसीआईसीएलई 2, बहु-संस्थागत सहयोग

राजा प्रमाणिक

जारी

1. वंशानुगत डिम्बग्रंथि के कैंसर के पूर्वगामी जीन में सकारात्मक रोगाणु उत्परिवर्तन के साथ डिम्बग्रंथि के कैंसर रोगियों के नैदानिक परिणाम और जैविक विशेषताएं तथा भारतीय महिलाओं में कैस्केड परीक्षण की स्वीकृति, स्त्री रोग और प्रसूति, मेडिकल कैंसर विज्ञान

पूर्ण

1. स्थानीय रूप से उन्नत रेक्टल कैंसर में शॉर्ट कोर्स रेडियोथेरेपी के बाद नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी की तुलना लंबे समय की समवर्ती कीमोरेडियोथेरेपी के साथ: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, विकिरण कैंसर विज्ञान, मेडिकल कैंसर विज्ञान, सर्जिकल कैंसर विज्ञान, जीआई सर्जरी, रेडियोलॉजी
2. सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्पैगिया अनुकूलित तीव्रता मॉड्यूलेटेड रेडियोथेरेपी के बाद सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नव-सहायक कीमोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए द्वितीय चरण का अध्ययन और स्थानीय रूप से उन्नत नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एप्सटीन बार वायरस डीएनए टाइटर के साथ नैदानिक परिणाम का सहसंबंध, विकिरण कैंसर विज्ञान, मेडिकल कैंसर विज्ञान, रेडियोलॉजी, ईएनटी
3. स्थानीय रूप से उन्नत ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में ट्यूबरियल लार ग्रंथि स्पेयरिंग आईएमआरटी बनाम मानक आईएमआरटी के बाद ज़ेरोस्टोमिया की तुलना

करने वाला एक चरण III यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, रेडिएशन कैंसर विज्ञान, मेडिकल कैंसर विज्ञान, रेडियोलॉजी, ईएनटी

4. भारत में व्यक्तिगत बनाम ऑनलाइन कैंसर आनुवंशिक शिक्षा और परामर्श का भविष्यलक्षी अध्ययन, जोखिम कम करने वाली सर्जरी से गुजरने वाले स्तन कैंसर के रोगियों का सर्वलक्षी मूल्यांकन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान, मेडिकल कैंसर विज्ञान, रेडियोलॉजी

5. उपचारात्मक उपचार के लिए अनुपयुक्त स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा वाले रोगियों में समवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ "क्वाडशॉट आहार" का उपयोग करके हाइपोफ्रैक्शनेटेड प्रशामक रेडियोथेरेपी, विकिरण कैंसर विज्ञान, मेडिकल कैंसर विज्ञान, रेडियोलॉजी

चंद्र प्रकाश प्रसाद

जारी

1. किशोर/युवा मादा कृंतकों में 7,12-डाइमिथाइलबेन्ज़ (ए) एन्थ्रेसीन, मोबाइल फोन विकिरण और फ्रुक्टोज-पीने से प्रेरित स्तन कैंसर के खिलाफ औषधीय पौधों की सुरक्षात्मक भूमिका का मूल्यांकन करना। वित्तपोषण एजेंसी: आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल ग्रांट; अवधि: 2021-2024 - सह-पीआई, पीआई के रूप में: डॉ. रजनी माथुर, डीआईपीएसएआर, नई दिल्ली

मयंक सिंह

जारी

1. "भारत की सबसे आम वंशानुगत एटैक्सिया में चिकित्सीय कार्यनीति के रूप में विनियामक क्षेत्र का सीआरआईएसपीआर-आधारित संपादन और विस्तारित ट्रिपलेट दोहराव", जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी) (2018-2021) सह-पीआई, पीआई के रूप में: आचार्य अचल श्रीवास्तव, आचार्य, न्यूरोलॉजी विभाग एम्स

2. "यह पता लगाना कि ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर (टीएनबीसी) के निदान और उपचार के लिए β-कैटेनिन प्रेरित चयापचय परिवर्तनों का कैसे फायदा उठाया जा सकता है" इंडियन काउंसिल फॉर मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) (2019-2022) सह पीआई, पीआई के रूप में: डॉ. चंद्र प्रकाश प्रसाद, सहायक आचार्य, मेडिकल कैंसर विज्ञान लैब विभाग, डॉ. बीआरए आरआईसीएच, एम्स।

शंपा घोष

जारी

1. ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में बाह्य कोशिकीय मैट्रिक्स प्रोटीन लिसिल ऑक्सीडेज (एलओएक्स) के मॉड्यूलेशन के माध्यम से हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा को कम करने के लिए ट्रांसलेशनल कार्यनीति, सह-पीआई, डीएसटी, 3 वर्ष +, 2019-2023 (विस्तार पर), 87 लाख रुपए

2. कार्सिनोजेनेसिस की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए उत्तरजीविता संकेतों को बदलकर हेपेटोमा सेल स्टेमनेस को रोकने के लिए ट्रांसलेशनल कार्यनीति, सह-पीआई, आईसीएमआर, 3 वर्ष +, 2019-2023, (विस्तार पर), 73 लाख रुपए।

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

जारी

1. मुंह के कम खुलाव वाले वाले रोगियों में एंडोट्रैचियल इंट्यूबेशन के लिए नवीन वीडियो लैरिंजोस्कोप को एम्स-आईआईटी प्रोजेक्ट वित्तपोषण (चालू) के लिए मंजूरी दे दी गई, आईआईटी दिल्ली
2. लक्षणों के बोझ, रोग की धारणा और जीवन की गुणवत्ता के लौंगिट्यूडिनल मूल्यांकन द्वारा वृद्धावस्था प्रोस्टेट कैंसर रोगियों के बीच उपशामक देखभाल परिणामों की तुलना: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान और जराचिकित्सा
3. तृतीयक देखभाल केंद्र में हेमेटोलॉजिकल विकृतियों वाले रोगियों के बीच मानक कैंसर देखभाल बनाम मानक कैंसर देखभाल के साथ उपशामक देखभाल का प्रारंभिक एकीकरण: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मेडिकल कैंसर विज्ञान
4. क्रमिक रेडियोथेरेपी सत्रों से गुजरने वाले बाल रोगियों में प्रोपोफोल के साथ सहनशीलता का मूल्यांकन- एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन, विकिरण कैंसर विज्ञान
5. ओपिओइड पर चल रहे स्तन कैंसर के रोगियों में संज्ञानात्मक कार्य, फिजियोलॉजी
6. स्वायत्त कार्य और स्तन कैंसर, फिजियोलॉजी
7. कठिन वायुमार्ग में इंट्यूबेशन के दौरान मांसपेशियों की गतिविधि, फिजियोलॉजी

पूर्ण

1. मास्टेक्टॉमी के बाद दर्द सिंड्रोम में दर्द और जीवन की गुणवत्ता पर दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी

निवारक अर्बुदविज्ञान

जारी

1. मेटास्टेटिक कैस्ट्रेशन रेसिस्टेंट प्रोस्टेट कैंसर के विकास में क्लिनिको-जेनेटिक पूर्वानुमान संबंधी हस्ताक्षर, यूरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. भारतीय रोगियों में पित्ताशय कार्सिनोमा की जीनोमिक्स, प्रयोगशाला कैंसर विज्ञान यूनिट, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
3. प्रोस्टेट कोशिकाओं में सेक्स-स्टेरॉयड मध्यस्थ स्ट्रोमल एपिथेलियल इंटरैक्शन पर सूक्ष्म पोषक तत्वों और विटामिन के प्रभाव को स्पष्ट करना: सामान्य प्रोस्टेट फिजियोलॉजी के रखरखाव में भूमिका, प्रजनन जीव विज्ञान, एम्स, नई दिल्ली
4. एनवाई-ईएसओ-1 को माइकोबैक्टीरियम इंडिकसप्रानी में शामिल करके एक नए कैंसर इम्यूनथेराप्यूटिक एजेंट का विकास और ट्यूमर के माउस मॉडल का उपयोग करके इसकी एंटीट्यूमर प्रभावकारिता/प्रतिरक्षा तंत्र का मूल्यांकन, प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, डॉ. बी आर एआईआरसीएच, एम्स नई दिल्ली

5. कैंसर-टेस्टिस जर्मलाइन पीओटीई एंटीजन और नॉच सिग्नलिंग के बीच परस्पर क्रिया और डिम्बग्रंथि के कैंसर में वैश्विक डीएनए मिथाइलेशन के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना, बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली
6. पित्ताशय कैंसर के रोगियों में आंत (मौखिक, मल और पित्त) माइक्रोबायोम का एक अध्ययन, सर्जिकल डिसिप्लिन विभाग, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, ट्रांसलेशनल स्वास्थ्य विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, फरीदाबाद
7. ट्रिपल नेगेटिव स्तन कैंसर वाली युवा भारतीय महिलाओं (<40 वर्ष) में बीआरसीए1/2 जर्मलाइन म्यूटेशन की व्यापकता, सर्जिकल डिसिप्लिन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. हरियाणा के चयनित जिला अस्पतालों में चिकित्सा अधिकारियों/विशेषज्ञों के लिए कैंसर जागरूकता और रेफरल एंगेजमेंट (केयर) कार्यक्रम, प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, एनसीआई
9. घातक स्तन ट्यूमर के इलाज वाली महिलाओं में टोपोइज़ोमेरेज़ 2β और एन्थ्रासाइक्लिन प्रेरित कार्डियो विषाक्तता (टीएसीटी), निवारक कैंसर विज्ञान, एनसीआई
10. स्तन कैंसर से पीड़ित भारतीय महिलाओं और उनके परिवार के निकट सदस्यों के बीच विभिन्न बीआरसीए परीक्षण पात्रता मानदंड उपकरणों के उत्परिवर्तन संसूचन कार्य-निष्पादन का मूल्यांकन करना, प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, एनसीआई
11. तृतीयक कैंसर अस्पताल में कैंसर रोगियों के परिचारकों के बीच सेकेंड-हैंड तंबाकू के धुएं (एसएचएस) के जोखिम का आकलन और एम-हेल्थ प्रमोशन रणनीति का मूल्यांकन, प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान, एनसीआई
12. एम्स, नई दिल्ली में काम करने वाले सुरक्षा कर्मियों के बीच विजुअल स्क्रीनिंग के माध्यम से मौखिक-प्रीमैलिग्नेंट घावों की व्यापकता और जोखिम कारकों की पहचान करने के लिए एक वर्णनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन, सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा, सीडीईआर, एम्स, नई दिल्ली

विकिरण निदान

जारी

1. बार-बार होने वाले सिर और गर्दन के कार्सिनोमा के प्रबंधन में स्टीरियोटैक्टिक बॉडी रेडिएशन थेरेपी: उपचार के परिणाम और विषाक्तता का आकलन, विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग
2. संवहनी रोग से पीड़ित रोगियों के प्रबंधन में डॉपलर अध्ययन के साथ नैदानिक परीक्षा की मान्यता: एक भविष्यलक्षी अध्ययन, सर्जरी विभाग
3. एलओआई-कैंसर इम्यूनोथेरेपी और एपिजेनेटिक्स रिसर्च नेटवर्क (सीआईईआरईएन): आईईआर-टीएमई (इम्यूनोथेरेपी आधारित एपिजेनेटिक रिप्रोग्रामिंग ऑफ ट्यूमर इम्यून माइक्रो एनवायरनमेंट) के लिए केंद्रीकृत ई-प्लेटफॉर्म, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग
4. एपिथेलियल डिम्बग्रंथि कैंसर में सेल मुक्त डीएनए (सीएफ-डीएनए) का नैदानिक और पूर्वानुमानक मूल्य - एक पायलट अध्ययन, स्त्री रोग-कैंसर विज्ञान

5. ओस्टोजेनिक सार्कोमा में ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट का मूल्यांकन, पैथोलॉजी
6. एंडोमीट्रियल कैंसर में ओंकोमेटाबोलाइट्स की नैदानिक और पूर्वानुमानक भूमिका, स्त्री रोग-कैंसर विज्ञान
7. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका, पैथोलॉजी
8. सिर और गर्दन के कैंसर की सर्जरी से गुजर रहे रोगियों में वायुमार्ग प्रबंधन पर उन्नत वायुमार्ग इमेजिंग (3डी सीटी पुनर्निर्माण और वर्चुअल एंडोस्कोपी) का प्रभाव- संभावित याद्दच्छिक अध्ययन, ऑन्को- एनेस्थीसिया
9. मल्टीफोकल और मल्टीसेंट्रिक स्तन कार्सिनोमा के मूल्यांकन में पारंपरिक इमेजिंग विधियों की तुलना में कंट्रास्ट संवर्धित मैमोग्राफी की भूमिका का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान
10. एडनेक्सल मासिज के मूल्यांकन में आईओटीए-सरल नियम, आईओटीए-एडनेक्स, जीआई-आरएडीएस और ओ-आरएडीएस यूएसजी रिपोर्टिंग प्रणाली का नैदानिक कार्य-निष्पादन- प्रसूति और स्त्री रोग
11. बचपन कैंसर उत्तरजीविता कार्यक्रम, मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग
12. सामान्य गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक कैंसर में बायोमार्कर के रूप में सेल फ्री डीएनएएस (सीएफ-डीएनए) का आकलन, मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग
13. बाल सार्कोमा वाले रोगियों में ग्रैनुलोमा से मेटास्टेसिस को अलग करने में एआई की भूमिका की खोज, मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग, आईआईटी दिल्ली
14. भारतीय आबादी में डबल लुमेन ट्यूब के आकार का पूर्वानुमान करने के लिए क्रिकॉइड अल्ट्रासोनोग्राफी और सीटी स्कैन - एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन, ओन्को एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा विभाग
15. नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद सर्जरी बनाम सर्जरी के बाद रीसेक्टेबल गैस्ट्रिक एडेनोकार्सिनोमा के लिए सहायक कीमोथेरेपी - चरण 3 मल्टीसेंट्रिक याद्दच्छिक नियंत्रित परीक्षण (एनएजीए अध्ययन), मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग
16. ऑन्कोपैलिएटिव रोगियों में पॉइंट ऑफ केयर अल्ट्रासोनोग्राफी (पीओसीयूएस) का प्रारंभिक एकीकरण, ऑन्को एनेस्थीसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग

पूर्ण

1. कोलोरेक्टल कार्सिनोमा में प्रतिक्रिया मूल्यांकन के लिए मल्टीमॉडलिटी इमेजिंग और तरल बायोप्सी की भूमिका: एक सर्वलक्षी अध्ययन, रेडियो-निदान विभाग
2. उन्नत एनएससीएलसी में मस्तिष्क मेटास्टेसिस का आकलन, मेडिकल कैंसर विज्ञान विभाग

3. स्टेजिंग की सटीकता, रोग के बोझ और विच्छेदन के पूर्वानुमान तथा पीसीआई के निर्धारण के लिए सीए अंडाशय में सीटी बनाम पीईटी सीटी की तुलना, एक भविष्यलक्षी अध्ययन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान

4. प्राथमिक कीमो-रेडिएशन थेरेपी से प्रबंधित स्थानीय रूप से उन्नत सिर और गर्दन स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में अवशिष्ट रोग का पता लगाने में पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी (पीईटी/सीटी) की प्रभावकारिता निर्धारित करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन, परमाणु चिकित्सा से किया गया

5. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका- डीसी सदस्य, एनएमआर

6. स्तन कैंसर के रोगियों में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के बाद सेंटिनल लिम्फ नोड बायोप्सी की नैदानिक सटीकता बढ़ाने में अल्ट्रासाउंड निर्देशित तार स्थानीयकरण और क्लिप्ड प्रीट्रीटमेंट पॉजिटिव एक्सिलरी लिम्फ नोड्स को शल्यक्रिया से हटाने की भूमिका, रेडियोलॉजी

7. सर्जिकल रिसेक्शन से गुजर रहे, ऊपरी गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल और फेफड़ों की घातकता वाले रोगियों में सरकोपेनिया की व्यापकता और तत्काल पोस्टऑपरेटिव परिणामों पर इसका प्रभाव: एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान

8. भारतीय तृतीयक देखभाल केंद्र से आए उन्नत अनरिसेक्टेबल सिनोवियल सेल सार्कोमा का परिणाम: पूर्वव्यापी अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान

9. ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक के तहत परक्यूटेनियस ट्रांसहेपेटिक पित्त जल निकासी से गुजरने वाले पित्ताशय के कैंसर के रोगियों में दर्द के स्कोर की तुलना बिना ट्रांसवर्सस एब्डोमिनिस प्लेन ब्लॉक से करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, रेडियोलॉजी

10. आनुवंशिक परीक्षण के लिए एनसीसीएन 2018 मानदंड पर अर्हता प्राप्त करने और अर्हता प्राप्त न करने वाले स्तन कैंसर रोगियों के बहुजीनीय वंशानुगत पैनल परीक्षण की प्रोफ़ाइल की तुलना : एक भविष्यलक्षी अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान

11. कार्सिनोमा स्तन के एक्सिलरी प्रबंधन को अनुकूलित करने में इंडोसायनिन ग्रीन डाई-आधारित नेविगेशन सर्जरी का मूल्यांकन, सर्जिकल कैंसर विज्ञान

12. डेस्मॉइड प्रकार के फाइब्रोमैटोसिस वाले रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन गुणवत्ता (एचआरक्यूओएल) का मूल्यांकन करने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अवलोकन अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान

13. प्रारंभिक चरण ग्रीवा कैंसर वाली महिलाओं में ट्यूमर विशेषताओं का आकलन करने में ट्रांस रेक्टल अल्ट्रासोनोग्राफी (टीआरयूएस) और चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग (एमआरआई) की प्रभावकारिता की तुलना, गाइनी-कैंसर विज्ञान

14. कंप्यूटेड टोमोग्राफी आधारित रिपोर्टिंग सिस्टम का उपयोग करके एपिथेलियल डिम्बग्रंथि, फैलोपियन ट्यूब और प्राथमिक पेरिटोनियल कार्सिनोमा की सर्जिकल रिसेक्टेबिलिटी का मूल्यांकन, गाइनी-कैंसर विज्ञान

15. चिकित्सा विकिरण की कम खुराक की माप के लिए ऊतक समकक्ष ऑप्टिकली उत्तेजित ल्यूमिनसेंट सामग्री का विकास, चिकित्सा भौतिकी इकाई, डॉ. बीआरए आईआरसीएच और स्वास्थ्य भौतिकी विभाग अंतर विश्वविद्यालय त्वरक केंद्र, नई दिल्ली

16. नोड पॉजिटिव ओरल कैविटी स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा (ओएससीसी) में एक्सट्रानोडल-एक्सटेंशन (ईएनई) का पता लगाना, ईएनटी-एचएसएनओ विभाग

17. खराब कार्य-निष्पादन स्थिति वाले उन्नत एनएससीएलसी रोगियों की कार्य-निष्पादन स्थिति में सुधार के लिए साप्ताहिक पैक्लिटैक्सेल की व्यवहार्यता: एकल आर्म चरण दो परीक्षण, मेडिकल कैंसर विज्ञान

18. रीलैप्स्ड मेटास्टैटिक सिनोवियल सार्कोमा वाले रोगियों में जेमिसिटाबाइन/डोसेटेक्सेल का द्वितीय चरण का अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान

19. 18एफ-एफडीजी पीईटी/सीटी और इविंग परिवार के ट्यूमर के लिए पारंपरिक तौर-तरीकों के बीच भविष्यलक्षी तुलना, परमाणु चिकित्सा

20. टीपी53 के आनुवंशिक परिवर्तन और उन्नत नरम ऊतक सार्कोमा वाले रोगियों के उपचार प्रबंधन में इसकी भूमिका, पैथोलॉजी

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जारी

डीएन शर्मा

1. एफएमआईएसओ पीईटी के साथ सर्वाइकल कैंसर में ट्यूमर हाइपोक्सिया का नॉन-इनवेसिव संसूचन और निर्देशित बायोप्सी पर हाइपोक्सिक जीन हस्ताक्षर के साथ सहसंबंध और कीमो-रेडियोथेरेपी के बाद पूर्वानुमानक अंतर का मूल्यांकन करना, न्यूक्लियर मेडिसिन

अहिताग्नि विश्वास

1. सिर और गर्दन के कैंसर के रोगियों में विकिरण के बाद होने वाले क्षय की रोकथाम में नवीन स्व-संयोजन पेप्टाइड मैट्रिक्स (एसएपीएम) की भूमिका: यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण, कंजर्वेटिव दंत चिकित्सा और एंडोडॉन्टिक्स विभाग, दंत चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान केंद्र (सीडीईआर) और विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली
2. क्या प्रत्येक व्हार्टन डक्ट में एन एसिटाइल-सिस्टीन का प्री-सेशन इंट्रा-डक्टल आधान ज़ेरोस्टोमिया को कम कर सकता है और रेडिकल एक्सटर्नल बीम रेडियोथेरेपी उपचार के एकल तरीके से उपचारित ऑरोफरीन्जियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा के वयस्क रोगियों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है? ओटोराइनोलारिंजोलॉजी और सिर-गर्दन सर्जरी विभाग, विकिरण कैंसर विज्ञान और फार्माकोलॉजी, एम्स नई दिल्ली

पूर्ण

अहिताग्नि विश्वास

1. प्लैटिनम विफलता के बाद अनरिसेक्टेबल या आवर्ती/मेटास्टैटिक हेड नेक स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में एक प्रभावकारी चिकित्सा के रूप में ईएमएफ (एर्लोटिनिब/मेथोट्रेक्सेट/5-एफयू) की खुराक: जांचकर्ता द्वारा आरंभित सिंगल आर्म चरण II परीक्षण, मेडिकल कैंसर विज्ञान और रेडिएशन कैंसर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली
2. हॉजकिन्स लिंफोमा के रोगियों की क्लिनिको-पैथोलॉजिकल विशेषताएं और परिणाम: एक सर्वलक्षी अध्ययन, मेडिकल कैंसर विज्ञान और रेडिएशन कैंसर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली
3. एच19 लंबे गैर-कोडिंग आरएनए (एलएनसीआरएनए) और विल्म्स ट्यूमर के भारतीय बाल रोगियों में नैदानिक परिणामों के साथ इसका संबंध, बाल सर्जरी, पैथोलॉजी, मेडिकल कैंसर विज्ञान और विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग, एम्स नई दिल्ली

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

जारी

1. फेफड़ों के कैंसर में 18-एफडीजी-पीईटी/सीटी पर सूजन और मेटास्टैटिक मीडियास्टिनल लिम्फैडेनोपैथी में भेद करना: स्टेरॉयड दमन की भूमिका, परमाणु चिकित्सा विभाग
2. कार्सिनोमा पित्ताशय के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर्स की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. भारतीय आबादी में पित्ताशय कार्सिनोमा के आणविक आनुवंशिक जोखिम कारकों को स्पष्ट करने के लिए एक भविष्यलक्षी अध्ययन, लैब कैंसर विज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
4. डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान में मानव एपिडीडिमिस प्रोटीन 4 (एचई4) स्तर का मूल्यांकन, लैब कैंसर विज्ञान विभाग, आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली
5. एचआईपीईसी तथा आईपी कीमोथेरेपी के बीच तुलना करते हुए एचआईपीईसी के चरण 2 का अध्ययन और प्रस्तावित चरण 3 आरसीटी, टीएमसी, कोलकाता
6. सजातीय पुनर्संयोजन स्तरीकृत उपकला डिम्बग्रंथि कैंसर में हाइपरथर्मिया और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन: लक्षित चिकित्सीय दृष्टिकोण का विकास, टीएमसी, कोलकाता
7. भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर के वैकल्पिक उपचार तरीकों का एक आर्थिक विश्लेषण: आर्थिक बोझ, जीवन गुणवत्ता और मृत्यु दर जोखिम का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
8. फेफड़ों के कैंसर में माइक्रोआरएनए द्वारा प्रोग्राम्ड डेथ-लिगैंड 1 (पीडी-एल1) अभिव्यक्ति के विनियमन का मूल्यांकन (मेडिकल कैंसर विज्ञान के सहयोग से), मेडिकल कैंसर विज्ञान (एम्स, नई दिल्ली)

9. पित्ताशय के कार्सिनोमा की एटियलजि के रूप में भारी धातुओं की भूमिका, प्रारंभिक कैरियर इंट्राम्यूरल अनुसंधान अनुदान, बायो केमिस्ट्री
10. अग्नाशय के कैंसर के रोगियों के पूर्ववर्ती और परवर्ती उपचार के दौरान रक्त में ट्यूमर व्युत्पन्न एक्सोसोम का मूल्यांकन, इंट्राम्यूरल सहयोगात्मक-अनुसंधान परियोजना, जैव रसायन
11. कोलोरेक्टल कैंसर में दो ट्यूमर शमन जीन पी53 के बीच परस्पर क्रिया का निर्धारण, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, नई दिल्ली
12. स्तन कैंसर के आणविक उप प्रकार -लिपिडोमिक्स के साथ सहसंबंध, एमिटी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली।
13. स्तन कैंसर - जेनेटिक्स अध्ययन, जामिया मिल्लिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
14. एम्स स्टेम सेल केंद्र, एम्स में रोगी विशिष्ट 3डी ऑर्गेनॉइड बायोबैंकिंग की स्थापना
15. आम सहमतिप्राप्त आणविक उपप्रकार और नैदानिक सहसंबंध के अनुसार मानव कोलोरेक्टल कार्सिनोमस को वर्गीकृत करने के लिए इम्यूनोहिस्टोकेमिकल और आणविक मार्करों के एक सरोगेट पैनल का अध्ययन, पैथोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
16. नॉन-स्माल सेल फेफड़ों के कार्सिनोमा में रैपामाइसिन (एमटीओआर) और माइटोजेन सक्रिय प्रोटीन (एमएपी) किनेज़ सिग्नलिंग मार्गों के स्तनधारी लक्ष्य का एक व्यापक विश्लेषण, पैथोलॉजी विभाग
17. कार्सिनोमा पित्ताशय के रोगजनन में परमाणु रिसेप्टर्स की भूमिका, जैव रसायन विभाग, एम्स, नई दिल्ली
18. भारत में डिम्बग्रंथि के कैंसर के वैकल्पिक उपचार तरीकों का एक आर्थिक विश्लेषण: आर्थिक बोझ, जीवन गुणवत्ता और मृत्यु दर जोखिम का मूल्यांकन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली
19. टीएनबीसी का आणविक और आनुवंशिक विश्लेषण, पैथोलॉजी विभाग

पूर्ण

1. फेफड़ों की सर्जरी के लिए थोरैकोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में तीव्र पोस्टऑपरेटिव दर्द के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित थोरैसिक पैरावेर्टेब्रल ब्लॉक बनाम सर्जन निर्देशित सेराटस पूर्वकाल प्लेन ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता की तुलना- एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक अध्ययन, ओन्को-एनेस्थीसिया विभाग
2. 15 वर्षों में मेटास्टैटिक कोलोरेक्टल कैंसर के परिणाम- तृतीयक देखभाल केंद्र, चिकित्सा कैंसर विज्ञान विभाग से अनुभव

प्रकाशन

डीसीआर

जर्नल: 11

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

जर्नल: 69 सार: 18

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

जर्नल: 147 सार: 7

चिकित्सा भौतिकी

जर्नल: 3

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

जर्नल: 85 सार: 1 पुस्तक में अध्याय: 21 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 3

निवारक अर्बुदविज्ञान

जर्नल: 7 सार: 1 पुस्तक में अध्याय: 1

रेडियो निदान

जर्नल: 36 सार: 3 पुस्तक में अध्याय: 3

विकिरण अर्बुदविज्ञान

जर्नल: 41 सार: 10 पुस्तक में अध्याय: 2

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

जर्नल: 29 सर्जिकल कैंसर विज्ञान: 1 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 6

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

विकिरण निदान

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
योग			
जर्नल आलेख	46	91	36
सार	8	20	3
पुस्तकों में अध्याय	2	5	3
पुस्तकें	0	0	0

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
जर्नल आलेख	15	27	29
पुस्तकों में अध्याय	0	2	1
पुस्तकें	0	1	6
योग	15	30	36

रोगी उपचार

(मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग)

अप्रैल-2022 से मार्च-2023 तक वर्ष के लिए वार्षिक रिपोर्ट

1. **कुल बिस्तर क्षमता = 182**
   - क. मेडिकल अर्बुदविज्ञान = 78
   - ख. विकिरण अर्बुदविज्ञान = 37
   - ग. सर्जिकल अर्बुदविज्ञान = 61
   - घ. प्रशामक उपचार इकाई = 06
2. **कुल ओपीडी उपस्थिति - (2022-23) (कुल = 179741)**
   - क. नए मरीज़ पंजीकृत = 14614
   - **ख.** पुनरीक्षण = 165127
3. **डॉ. बीआरए आईआरसीएच में विभिन्न ओपीडी/क्लिनिकों का विवरण (वर्ष 2022-2023)**

क्रम संख्या	ओपीडी/क्लिनिक का नाम	नए रोगी			पंजीकृत पुनरावलोकन		
		पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
1.	वयस्क मेडिकल कैंसर विज्ञान क्लिनिक	1133	1273	2406	12926	28919	41845
2.	वयस्क लिंफोमा ल्यूकेमिया क्लिनिक	-	-	-	-	-	-
3.	एएमएल/एचएल क्लिनिक	151	96	247	2718	1935	4653
4.	एएलएल/सीएमएल क्लिनिक	42	28	70	3217	2480	5697
5.	स्तन कैंसर क्लिनिक	43	958	1001	626	10153	10779
6.	हड्डी एवं मुलायम (ऊतक) क्लिनिक	129	97	226	653	568	1221
7.	कैंसर रोकथाम और स्क्रीनिंग क्लीनिक	09	223	232	-	-	-
8.	पारिवारिक कैंसर क्लिनिक	09	25	34	003	041	44
9.	जठर-आंत्र क्लिनिक	433	309	742	2098	1602	3700
10.	स्त्री रोग क्लिनिक - `ए`	-	122	122	-	591	591
11	स्त्री रोग क्लिनिक - `बी`	-	252	252	-	1238	1238
12.	स्त्री रोग क्लिनिक - `सी`	-	222	222	-	1057	1057
13.	जेनिटोरिनरी एवं गायनी क्लिनिक	51	149	200	516	1609	2125

14.	जेनिटोरिनरी और पीएसएम क्लिनिक	61	120	181	087	271	358
15.	सिर एवं गर्दन (सर्जरी) - ए	286	86	372	1491	626	2117
16.	सिर एवं गर्दन (ईएनटी) - बी	780	147	927	2644	806	3450
17.	हेपेटोबिलयरी और अग्नाशय क्लिनिक	70	90	160	495	507	1002
18.	फेफड़ा कैंसर क्लिनिक	603	206	809	5005	3424	8429
19.	एनएचएल/एमएम/सीएलएल क्लिनिक	86	83	169	1185	2023	3208
20.	न्यूरो कैंसर विज्ञान क्लिनिक	267	152	419	1392	950	2342
21.	ऑप्थेल्मिक ट्यूमर क्लिनिक	04	03	07	-	-	00
22.	बाल कैंसर विज्ञान क्लिनिक	259	132	391	6279	5357	11636
23.	बाल लिंफोमा ल्यूकेमिया क्लिनिक	217	108	325	3704	2848	6552
24.	बाल चिकित्सा (सर्जरी)	62	44	106	1514	1454	2968
25.	दर्द निवारक क्लिनिक	860	627	1487	8270	9868	18138
26.	दर्द एवं प्रशामक देखभाल क्लिनिक (आरटी-II)	-	-	-	-	-	-
27.	बाल प्रशामक देखभाल क्लिनिक	-	-	-	-	-	-
28.	रेडियोथेरेपी क्लिनिक	796	792	1588	6567	9732	16299
29.	सर्जिकल कैंसर विज्ञान (क्लिनिक)	414	314	728	1087	1159	2246
30.	थोरैसिक कैंसर विज्ञान क्लिनिक	188	108	296	1023	690	1713
31.	प्रत्यारोपण क्लिनिक	52	36	88	1165	995	2160
32.	यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी क्लिनिक	512	69	581	5188	2552	7740
33.	एंडो मैलिग्नेंसी क्लिनिक	148	78	226	886	933	1819
	योग =	**7665**	**6949**	**14614**	**70739**	**94388**	**165127**

सकल योग = 14614 + 165127 = 179741

भर्ती (2022-23)	
नियमित भर्ती	12415
अल्पकालिक/दिवसीय उपचार प्रवेश	31987
कुल भर्ती	**44402**

छुट्टी (2022-23)	
नियमित छुट्टी	12136
अल्पकालिक/दिवसीय उपचार छुट्टी	31268
कुल डिस्चार्ज	**43404**

कुल मृत्यु - (2022-23)	**323**

ऑपरेशन थिएटर सेवाएँ - (2022-23)	
बड़े ऑपरेशन	1720
छोटे ऑपरेशन	8711
कुल ऑपरेशन	**10431**

इलेक्ट्रो-कार्डियोग्राम (ईसीजी) - (2022-23)	**5566**

ओपीडी प्रक्रियाएं (उपचार कक्ष क्रमांक 15)	**6177**

ओपीडी कीमोथेरेपी सेवाएं (उपचार कक्ष संख्या 15)	
पुरुष सी.टी	4210
महिला सीटी	2626
पुरुष बाल सीटी (बाल चिकित्सा)	4461
महिला बाल सीटी (बाल चिकित्सा)	1690
कुल मामले	**12987**

ओपीडी उपस्थिति - नए पंजीकृत रोगी (पुरुष और महिला) - (2022-23)

पंजीकृत नये रोगी	पुरुष	महिला	योग
अप्रैल- 2022	677	578	1255
मई- 2022	673	632	1305
जून - 2022	724	611	1335
जुलाई- 2022	621	606	1227
अगस्त- 2022	572	573	1145
सितंबर- 2022	701	622	1323
अक्टूबर- 2022	650	552	1202
नवंबर- 2022	649	541	1190
दिसंबर- 2022	634	612	1246
जनवरी- 2023	559	515	1074

फरवरी- 2023	579	529	1108
मार्च- 2023	626	578	1204
योग	**7665**	**6949**	**14614**

कुल (पुरुष एवं महिला) **= 14614**

ओपीडी उपस्थिति पुनरीक्षण (पुरुष और महिला) **- (2022-23**)

पुनरावलोकन	**पुरुष**	**महिला**	**योग**
अप्रैल = 2022	5173	6787	11960
मई- 2022	5236	6704	11940
जून - 2022	5704	7580	13284
जुलाई- 2022	5729	8240	13969
अगस्त- 2022	6183	8724	14907
सितंबर- 2022	6396	8631	15027
अक्टूबर- 2022	5794	8142	13936
नवंबर- 2022	6263	8154	14417
दिसंबर- 2022	6357	8492	14849
जनवरी- 2023	5421	7233	12654
फरवरी- 2023	5672	7658	13330
मार्च- 2023	6811	8043	14854
योग	**70739**	**94388**	**165127**

योग (पुरुष एवं महिला) **= 165127**

रोगियों के निवास के अनुसार उनका भौगोलिक वितरण = 14614

क्रम संख्या		**योग**
1.	आंध्र प्रदेश	05
2.	अंडमान निकोबार	00
3.	असम	30
4.	अरुणाचल प्रदेश	08
5.	बिहार	1597
6.	चंडीगढ़	46
7.	छत्तीसगढ	176
8	दादरा एवं नगर हवेली	01
9.	दमन और दीव	01
10.	दिल्ली	5296
11	गोवा	00

12.	गुजरात	17
13.	हरियाणा	1066
14.	हिमाचल प्रदेश	59
15.	जम्मू एवं कश्मीर	99
16.	झारखंड	151
17.	केरल	11
18.	कर्नाटक	15
19.	लद्दाख	28
20.	मध्य प्रदेश	252
21.	महाराष्ट्र	24
22.	मेघालय	12
23.	मणिपुर	42
24.	मिजोरम	04
25.	नगालैंड	06
26.	ओडिशा	36
27.	पांडिचेरी	01
28.	पंजाब	62
29.	राजस्थान	193
30.	सिक्किम	05
31.	तमिलनाडु	05
32.	तेलंगाना	08
33.	त्रिपुरा	03
34.	उत्तर प्रदेश	4792
35.	उत्तरांचल	414
36.	पश्चिम बंगाल	125
	योग	**14590**

अन्य देश

1.	अफ़ग़ानिस्तान	00
2.	बांग्लादेश	04
3.	मॉरीशस	-
4.	नेपाल	19
5.	दक्षिण अफ्रीका	01
	योग	**24**

कुल योग = 14614

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान सेवाएँ - (2022-23)

1.	हेमोग्राम (एचएमजी) - (एचबी, टीएलसी, प्लेटलेट्स)	124533
2.	परिधीय रक्त स्मीयर (पीबीएस)	4533
3.	अस्थि मज्जा एस्पिरेशन (बीएम)	4389
4.	साइटो-रसायन विज्ञान	949
5.	सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन (एसपीई)	6181
6.	इम्यूनोफिक्सेशन (आईएफएक्स)	4330
7.	मूत्र वैद्युतकणसंचलन (यूई)	1669
8.	ट्यूमर मार्कर	00
9.	फ़्लो साइटॉमेट्री	87402
10.	सीएसएफ	1870
11	आणविक जीवविज्ञान	15775
12.	सीरम फ्रीलाइट चेन	8167
13.	बीटा 2 - माइक्रोग्लोबुलिन	1136
14.	कोशिका विज्ञान	530
15.	एचपीबी डीएनए	2910
16.	इम्यूनोग्लोबुलिन	383
	योग	**264757**

कुल योग = 264757

एफेरेसिस - (2022-23)

1.	एकल दाता प्लेटलेट्स (एसडीपी)	2017
2.	परिधीय रक्त स्टेम सेल - हार्वेस्ट (पीबीएससी)	161
3.	हेमोग्राम	548
4.	प्लाज्मा	00
5.	ग्रैन्यूलोसाइट्स की संख्या	101
6.	प्लाज्मा एक्सचेंज	07
7.	स्टेम सेल हार्वेस्ट	00
	योग	2834

कुल योग = 2834

मेडिकल अर्बुदविज्ञान प्रयोगशाला सेवाएँ - (2022-23)

1.	फिलाडेल्फिया क्रोमोसोम का पता लगाने के लिए साइटोजेनेटिक्स	597
2.	काइमेरिज़्म के लिए साइटोजेनेटिक्स	07
3.	सीएमएल में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरटी-पीसीआर (गुणात्मक)	06
4.	सीएमएल में पी210 और पी190 ट्रांसलोकेशन का पता लगाने के लिए आरक्यू-पीसीआर (मात्रात्मक)	588
5.	प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा सीडी 34 गणना	175
6.	प्रवाह साइटोमेट्री द्वारा सीडी 3 गणना	22
7.	ल्यूकेमिया के लिए इम्यूनो फेनोटाइपिंग	00
8.	एमएनसी गणना	156
9.	स्टेम कोशिकाओं का क्रायोप्रिजर्वेशन - 80	112
10.	स्टेम सेल का भंडारण एटी 4	70
11।	अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण	00
12.	स्टेम कोशिकाओं का आधान	146
13.	स्टेम सेल की व्यवहार्यता	141
14.	एस्परगिलोसिस का पता लगाने के लिए एलिसा	1038
15.	एलडीएच	01
16.	मैगनीशियम	01
17.	ईबीवी - ईबीवी संक्रमण के लिए डीएनए जांच	36
	योग =	**3096**

कुल योग = 3096

चिकित्सा भौतिकी सेवाएँ - (2022-23)

1.	निर्विकिरणित रक्त थैलियों की संख्या	2045
2.	एक्स-रे मशीनों पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	3727
3.	डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	00
4.	रेडियोलॉजी (मुख्य) में फिल्म प्रोसेसर पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	00
5.	एक्स-रे इकाइयों में विकिरण आउटपुट माप	788
6.	एम्स में फिल्म प्रोसेसर पर किए गए गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	00
7.	विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	104

8.	गर्भावस्था के अनजाने जोखिम में सलाह	04
9.	एम्स में किए गए क्यूसी टेस्ट फ्लोरोस्कोपी	00
10.	लीड एप्रन पर किए गए क्यूए परीक्षण	121
	योग =	**6789**

सकल योग = 6789

रेडियोथेरेपी सेवाएँ - (2022-23)

1.	रेडियोथेरेपी संबंधी मामले	85928
2.	कुल फील्ड ऑन रेडियोथेरेपी	00
3.	ब्रैकीथेरेपी संबंधी मामले	964
4.	उपचार योजना और सिमुलेशन	4060
5.	दो और तीन आयामी खुराक वितरण	3960
6.	कंपेंसेटर्स	364
7.	परिरक्षण ब्लॉक स्थिरीकरण डिवाइसिज और ओरिफ़िट्स	2915
8.	विकिरण समीक्षा क्लिनिक	7736
9.	सीटी आयोजना	2092
	योग	**108019**

सकल योग = 108019

रेडियो-निदान सेवाएँ **- (2022-23)**

1.	सीटी स्कैन	8613
2.	अल्ट्रा-साउंड	7889
3.	मैमोग्राफी	2584
4.	एक्स-रे (नियमित)	19182
5.	डॉपलर	359
6.	इंटरवेंशन	1947
7.	विशेष जांच (बीए,आई)	849
8.	इंटरवेंशन एम.ए	00
	योग =	**41423**

कुल योग = 41423

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

क्रम संख्या	**विवरण**	**परीक्षण की संख्या**
1	हेमोग्राम	124533
2	अस्थि मज्जा	4389
3	परिधीय रक्त धब्बा	4533

4	सीरम प्रोटीन वैद्युतकणसंचलन	6181
5	मूत्र वैद्युतकणसंचलन	1669
6	प्रतिरक्षण	4330
7	एसएफएलसी	8167
8	इम्युनोग्लोबुलिन	383
9	बीटा 2 माइक्रोग्लोबुलिन	1136
10	साइटोकैमिस्ट्री	949
11	साइटोस्पिन/सीएसएफ	1870
12	आणविक जीव विज्ञान	15775
13	फ़्लो साइटॉमेट्री	87402
14	एचपीवी	2910
15	कोशिका विज्ञान	530
	योग	**264757**

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

प्रभात सिंह मलिक बहुविषयी फेफड़ा कैंसर क्लिनिक, वयस्क चिकित्सा कैंसर विज्ञान क्लिनिक और ल्यूकेमिया लिंफोमा क्लिनिक में कार्य करते रहे हैं। इसके अलावा वे, मेडिकल कैंसर विज्ञान वार्ड और स्टेम सेल प्रत्यारोपण सुविधा में भर्ती रोगियों के प्रबंधन में भी शामिल रहे हैं।

मयंक सिंह

1. पिछले 3 वर्षों से सीएमएल रोगियों के लिए बीसीआर एबीएल ट्रांसक्रिप्ट की मात्रा निर्धारित करने के लिए कैंसर रोगियों के लिए पीसीआर आधारित सेवाएं (वास्तविक समय और नेस्टेड पीसीआर) देते आ रहे हैं, (कोविड महामारी के प्रकोप के दौरान सीमित कर्मचारियों और रीएजेंट अवरोध के साथ इस सेवा को चलाते रहे)
2. प्रोजेक्ट मोड में रोगियों के लिए एलिसा आधारित वीईजीएफ अनुमान सेवाएं (कोई शुल्क नहीं)

शंपा घोष

1. इंडक्शन कीमो थेरेपी और अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण के दौरान रोगियों में फंगल संक्रमण की निगरानी के लिए सीरम और ब्रोन्कोएल्वियोलर लैवेज (बीएएल) तरल पदार्थ में गैलेक्टोमैनन एंटीजन का पता लगाने के लिए प्रयोगशाला में पर्यवेक्षित एलिसा तकनीक। अप्रैल 2022 - मार्च 2023 के दौरान एस्परगिलस संक्रमण के लिए रोगियों के कुल 1038 नमूनों (सीरम) का परीक्षण किया गया है।
2. नेसोफेरींजल कार्सिनोमा में कीमो/विकिरण चिकित्सा के दौरान विभिन्न समय बिंदुओं पर एपस्टीन बार वायरस लोड के अनुमान को मानकीकृत किया है। अप्रैल 2022 - मार्च 2023 के दौरान सेल मुक्त ईबीवी डीएनए के लिए कुल 36 रोगियों के नमूने (प्लाज्मा) का परीक्षण किया गया है।

सुरेंद्र के सहरावत

1. 597 ल्यूकेमिया रोगियों के लिए पारंपरिक और आणविक कैंसर साइटोजेनेटिक

चिकित्सा भौतिकी

चिकित्सा भौतिकी सेवाएँ

विकिरणित रक्त थैलियों की संख्या	2045
एक्स-रे मशीनों पर गुणवत्ता आश्वासन परीक्षण	3727
एक्स-रे इकाइयों में विकिरण आउटपुट माप	788
गर्भावस्था में अनजाने जोखिम के बारे में सलाह	04
विकिरण सुरक्षा सर्वेक्षण माप	104
एम्स में लीड एप्रन पर किए गए क्यूए परीक्षण	121
योग	**6789**

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

1. ओपीडी, आईपीडी, ओन्को-आईसीयू, डे केयर, पैलिटिव केयर क्लिनिक, पीएसी क्लिनिक, कैंसर पेन क्लिनिक, सीपीईटी लैब।
2. वयस्क और बाल रोगियों के लिए सामुदायिक सेवाएँ (कैन सपोर्ट, कैनकिड्स)

निवारक अर्बुदविज्ञान

प्रिवेंटिव कैंसर विज्ञान क्लिनिक अप्रैल 2022 में शुरू किया गया

परीक्षित प्रतिभागियों की संख्या : 279 मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए

प्रतिभागियों को टीका लगाया गया: एचपीवी के खिलाफ 50

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर: 3 स्क्रीनिंग शिविर, 2 जागरूकता शिविर, 7 प्रशिक्षण कार्यक्रम

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	0	0	329
विशेष क्लिनिक परामर्श			
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं			
कुल रोगी प्रवेश			

विकिरण निदान

1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक

मद	2020-2021	2021-22	2022-23
एक्स-रे	11352	16179	**19182**
अल्ट्रासाउंड	3739	5720	**7889**
डॉपलर	233	309	**359**
सीटी स्कैन	4435	5841	**8613**

मैमोग्राफी	676	1730	**2584**
फ्लोरोस्कोपी प्रक्रियाएं और इंटरवेंशन	362	259	**849**
इंटरवेंशन (यूएसजी, सीटी निर्देशित)	967	1477	**1947**
योग	21764	31515	**41423**

विकिरण अर्बुदविज्ञान

विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल प्रदान करने के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं।

1. रैखिक त्वरक (आईआरसीएच में तीन और एनसीआई में 2)
2. टेलीकोबाल्ट (आईआरसीएच में एक और मुख्य आरटी में दो)
3. ब्रैकीथेरेपी (आईआरसीएच में दो और एनसीआई में 1)
4. सीटी सिम्युलेटर (आईआरसीएच में एक और एनसीआई में 1)
5. एक एक्स-रे सिम्युलेटर

विभाग, विभिन्न संबंधित विभागों के साथ हेड एंड नेक कैंसर क्लिनिक, न्यूरो-कैंसर विज्ञान क्लिनिक, ब्रेस्ट कैंसर क्लिनिक, जीआई मैलिग्नेंसी क्लिनिक, जीयू मैलिग्नेंसी क्लिनिक, गायनोकोलॉजिकल मैलिग्नेंसी क्लिनिक, फेफड़ा कैंसर क्लिनिक चलाता है।

क. विभागीय सांख्यिकी (आईआरसीएच)

1. बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल अंश : 85928
2. ब्रैकीथेरेपी के कुल मामले : 964
3. उपचार योजना और सिमुलेशन : 4060
4. 2डी और 3डी वितरण : 3960
5. कंपेंसेटर्स : 364
6. परिरक्षण ब्लॉक, स्थिरीकरण उपकरण, सांचे : 2915
7. विकिरण समीक्षा क्लिनिक : 7736
8. सीटी आयोजना : 2092

ख. विभागीय सांख्यिकी (एनसीआई-एम्स, झज्जर)

1. बाहरी बीम रेडियोथेरेपी के कुल अंश : 28720
2. ब्रैकीथेरेपी के कुल मामले : 548
3. सीटी आयोजना : 3065
4. उपचार योजना और सिमुलेशन : 2065
4. स्थिरीकरण और मोल्ड की कुल संख्या : 1829

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं:

1. आंतरिक रोगी बिस्तर 45 (बीआरए-आईआरसीएच) और 60 (एनसीआई)
2. बड़े ऑपरेशन थिएटर - 4 (आईआरसीएच) और 3 (एनसीआई)

3. एंडोस्कोपी और माइनर ओटी कॉम्प्लेक्स - आईआरसीएच और एनसीआई में प्रत्येक में 1-1
4. एमडीटी अंग आधारित विशेष क्लिनिक और ओपीडी (आईआरसीएच और एनसीआई में प्रत्येक में 10)।

विशेष उन्नत अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम

1. पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी और एचआईपीईसी कार्यक्रम।
2. मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल कैंसर विज्ञान प्रोग्राम
3. कैंसर आनुवंशिकी और जोखिम कम करने वाला सर्जरी कार्यक्रम
4. प्रशामक सर्जिकल कैंसर विज्ञान कार्यक्रम
5. छवि निर्देशित सर्जरी कार्यक्रम
6. ऑन्कोप्लास्टी और रिकंस्ट्रक्टिव कैंसर विज्ञान कार्यक्रम

गणना (रोगी उपचार सेवाएँ)

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
ओपीडी परामर्श	3575	4234	6867
विशेष क्लिनिक परामर्श	11162	22491	34154
रोगियों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	1200	1600	2200
कुल रोगी प्रवेश	1412	2325	3671
की गई सर्जरी की कुल संख्या	4321	7540	15872
बड़ी सर्जरी की कुल संख्या	977	1697	2968
एंडोस्कोपी और छोटी सर्जरी की कुल संख्या	3344	5843	11023

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर

वर्ष 2022-2023 के लिए राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, झज्जर, एम्स से संबंधित रोगी देखभाल डाटा नीचे दिया गया है:

कुल बिस्तर क्षमता	:	710
कुल क्रियाशील बिस्तर	:	317
ओपीडी उपस्थिति	:	66598
नये दर्ज मामले	:	8395
पुनर्विलोकन/पुराने मामले	:	58203

ओपीडी उपस्थिति का विवरण

क्रम संख्या	विषयक्षेत्र	नए मामले			री-विजिट/पुराने मामले			सकल योग
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
1	मेडिकल अर्बुदविज्ञान	920	665	**1585**	11060	12952	**24012**	**25597**
2	सर्जिकल अर्बुदविज्ञान	1137	1037	**2174**	5674	5802	**11476**	**13650**
3	विकिरण अर्बुदविज्ञान	905	617	**1522**	5339	5090	**10429**	**11951**
4	अर्बुदविज्ञान एनेस्थिसियोलॉजी और प्रशामक चिकित्सा	589	448	**1037**	1820	1592	**3412**	**4449**
5	ईएनटी अर्बुदविज्ञान	850	181	**1031**	5182	1044	**6226**	**7257**
6	स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	0	469	**469**	0	1928	**1928**	**2397**
7	मूत्रचिकित्सा अर्बुदविज्ञान	450	60	**510**	577	106	**683**	**1193**
8	ऑर्थो अर्बुदविज्ञान	23	10	**33**	13	4	**17**	**50**
9	न्यूरो अर्बुदविज्ञान	19	15	**34**	10	10	**20**	**54**
योग		**4893**	**3902**	**8395**	**29675**	**28528**	**58203**	**66598**

अन्य सेवाएं							
	नए मामले			री-विजिट/पुराने मामले			सकल योग
	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	
आपातकालीन/कैजुअल्टी	629	417	**1046**	2671	2268	**4939**	**5985**

सीटी	1319	1017	**2336**	0	0	**0**	**2336**
लिनाक-I और II	0	0	**0**	16695	12044	**28739**	**28739**
ब्रेकी-थेरेपी	0	203	**203**	0	331	**331**	**534**

पीईटी-सीटी	1721	1308	**3029**	0	0	**0**	**3029**
एसपीईसीटी	199	236	**435**	0	0	**0**	**435**

भौतिक चिकित्सा	1573	1398	**2971**	2046	1244	**3290**	**6261**
पोषण परामर्श	727	539	**1266**	0	0	**0**	**1266**
सीपीईटी	**12**	**9**	**21**	**0**	**0**	**0**	**21**

विभागवार भर्ती और छुट्टी

विषयक्षेत्र	**भर्ती**	**छुट्टी (एलएएमए, छोड़ के चले गए रोगियों और मृत्यु सहित)**	**देखभाल के कुल दिन**	**ठहराव की औसत अवधि**
मेडिकल अर्बुदविज्ञान	2259	2062	12987	**6.29**
सर्जिकल अर्बुदविज्ञान	1480	1441	13604	**9.44**
विकिरण अर्बुदविज्ञान	1296	1247	11235	**9**
ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी	1491	1461	6416	**4.39**
ईएनटी अर्बुदविज्ञान	637	622	5513	**8.86**
स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	338	343	2000	**5.83**
मूत्रचिकित्सा	430	423	2291	**5.41**
ऑर्थो अर्बुदविज्ञान	10	10	45	**4.5**
योग	**7938**	**7609**	**54091**	**7.10**

डे-केयर/अल्पकालिक प्रवेश

विषयक्षेत्र	**प्रवेश**	**छुट्टी**
चिकित्सा अर्बुदविज्ञान	**23045**	**23045**

विभागवार मृत्यु सूचकांक

विषयक्षेत्र	**कुल छुट्टी + मौतें**	**कुल मौतें**	**48 घंटे से कम समय में मौतें**	**48 घंटे से अधिक समय में मौतें**	**सकल मृत्यु दर %**	**निवल मृत्यु दर %**
मेडिकल अर्बुदविज्ञान	2062	169	45	124	8.19	6.14
सर्जिकल अर्बुदविज्ञान	1441	21	6	15	1.45	1.04
विकिरण अर्बुदविज्ञान	1247	29	8	21	2.32	1.69
ओन्को-एनेस्थिसियोलॉजी	1461	319	130	189	21.83	14.19
ईएनटी	622	4	2	2	0.64	0.32
स्त्रीरोग अर्बुदविज्ञान	343	4	1	3	1.16	0.87
यूरोलॉजी	423	1	1	0	0.23	0
ऑर्थो अर्बुदविज्ञान	10	0	0	0	0	0
योग	**7609**	**547**	**193**	**354**	**7.18**	**4.77**

बिस्तर अधिभोग दर : 59.84 % (कार्यशील बिस्तरों के आधार पर)

सर्जिकल प्रक्रियाएं (बड़ी और छोटी)

बड़ी	आईपीडी में छोटी प्रक्रियाएं	ओपीडी में छोटी प्रक्रियाएं	योग
2303	1896	19276	23475

एंडोस्कोपी

यूजीईई (गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल एंडोस्कोपी)	468
सिस्टोस्कोपी	117
ब्रोंकोस्कोपी	55
सिग्माइडोस्कोपी	80
कोलोनोस्कोपी	266
आईडीएल (अप्रत्यक्ष लैरिंजोस्कोपी)	32
आईएलआरटी (इंट्राल्यूमिनल रेडियोथेरेपी)	3
कोर बायोप्सी	1
योग	**1022**

रोबोटिक कोर प्रयोगशाला

महीना	किए गए परीक्षणों की संख्या
अप्रैल, 2022	334996
मई, 2022	373921
जून, 2022	400091
जुलाई, 2022	399002
अगस्त, 2022	441977
सितंबर, 2022	469083
अक्टूबर, 2022	428405
नवंबर, 2022	426910
दिसंबर, 2022	424849
जनवरी, 2023	437620
फरवरी, 2023	422951
मार्च, 2023	485468
योग	**5045273**

सूक्ष्मजैव विज्ञान प्रयोगशाला

क्रम संख्या	परीक्षण/परख का नाम	किए गए परीक्षणों की संख्या
1	सार्स-कोव-2 (कोविड-19) के लिए जीन एक्सपर्ट	6536
2	कल्चर और संवेदनशीलता के लिए रक्त परीक्षण	2001
3	कल्चर और संवेदनशीलता के लिए मूत्र परीक्षण	3349
4	अन्य नमूनों के लिए एरोबिक कल्चर और संवेदनशीलता	1219
5	ग्राम स्टेनिंग	725
6	फंगल कल्चर और संवेदनशीलता	64
7	केओएच माउंट परीक्षा	71
8	भारत इंक माउंट परीक्षा	5
9	जीन एक्सपर्ट एमटीबी/आरआईएफ अल्ट्रा	319
10	एसिड फास्ट बेसिली के लिए ज़ील नील्सन स्टैनिंग	442
11	मल की नेमी जांच	285
12	क्रिप्टोकोकल रैपिड एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट	6
13	स्क्रब टाइफस के लिए आईसीटी	15
14	मलेरिया एंटीजन डिटेक्शन टेस्ट	308
15	लीशमैनियासिस (काला-अजार) के लिए आरके39 एंटीबॉडी डिटेक्शन टेस्ट	11
16	डेंगू एनएस1/आईजीएम/आईजीजी रैपिड टेस्ट	205
17	स्वचालित मूत्र नेमी विश्लेषण	2954
	योग	**18515**

विकृतिविज्ञान प्रयोगशाला

राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में विकृतिविज्ञान विभाग का उद्‌घाटन 1 अगस्त 2022 को किया गया था। वर्तमान में विभाग, विकृतिविज्ञान के मुख्य विभाग की मदद से सर्जिकल विकृतिविज्ञान, साइटोपैथोलॉजी और आणविक विकृतिविज्ञान सेवा की नियमित निदान रिपोर्टिंग प्रदान करता है। राष्ट्रीय कैंसर संस्थान फॉर्मेलिन तैयारी में, ऊतक फिक्सेशन किया गया, और आगे की प्रक्रिया एम्स, नई दिल्ली में की गई। साइटोपैथोलॉजी में फाइन नीडल एस्पिरेशन, अल्ट्रासाउंड निर्देशित एस्पिरेशन, द्रव कोशिका विज्ञान (शरीर के तरल पदार्थ और सीएसएफ) प्रसंस्करण और स्टैनिंग एनसीआई में किया जाता है। सीएसएफ मामलों की रिपोर्टिंग राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में की गई।

	साइटोपैथोलॉजी			हिस्टोपैथोलॉजी (बायोप्सी+उत्पाद नमूना)
	एफएनएसी	द्रव कोशिका विज्ञान	गर्भाशय ग्रीवा स्मीयर	हिस्टोपैथोलॉजी नमूना
अप्रैल, 2022	38	-	-	469
मई, 2022	35	-	-	652
जून, 2022	25	-	-	760
जुलाई, 2022	20	-	-	497
अगस्त, 2022	34	24	24	1333
सितंबर, 2022	64	70	57	1752
अक्टूबर, 2022	89	76	26	1671
नवंबर, 2022	115	92	34	1965
दिसंबर, 2022	95	91	36	1890
जनवरी, 2023	63	99	67	1897
फरवरी, 2023	78	86	34	1799
मार्च, 2023	121	88	48	1936
कुल	**777**	**626**	**326**	**16621**

रक्त केंद्र एवं आधान चिकित्सा

प्रदान की गईं रोगी उपचार सेवाएँ

रक्तदान कक्ष

1.	कुल संग्रह	**11600**
2.	स्वैच्छिक दाता	**10919**
3.	प्रतिस्थापन दाता	**681**
4.	एफ़ेरेसिस प्रक्रिया	**185**
5.	आयोजित किये गये कुल स्वैच्छिक दान शिविर	**189**
6.	टीपीई	**0**
7.	पीबीएससी	**0**

नियमित प्रयोगशाला और आपातकालीन काउंटर

1.	प्राप्त हुए कुल रोगी अनुरोध	**10549**
2.	कुल रक्त समूह (एबीओ और आरएच) (दाता + रोगी)	**22091**
3.	किये गए कुल क्रॉस-मैच (आपातकालीन और नियमित)	**5733**
4.	किये गए कुल आईसीटी	**9895**
5.	किये गए कुल डीसीटी	**59**
6.	किये गए कुल टिटर (आईसीटी+एबीओ)	**0**
7.	की गई कुल एंटीबॉडी स्क्रीनिंग	**0**

जारी/परित्यक्त

1.	जारी की गई कुल पीआरबीसी यूनिट	**5643**
2.	बाहरी अस्पताल को जारी कुल पीआरबीसी	**4299**
3.	टीटीआई प्रतिक्रियाशील स्थिति के कारण त्यक्त कुल यूनिट्स	**1557**
4.	प्लाज्मा फ्रैक्शनेशन सेंटर को जारी किया गया कुल अधिशेष प्लाज्मा	**10178**

विशेष प्रक्रिया प्रयोगशाला

1.	लघु समूहन	**0**
2.	क्रॉस मिलान विसंगति	**159**
3.	समूह विसंगति	**60**
4.	एबी पहचान	**213**
5.	एंटी सेरा क्यूसी	**970**
6.	आधान प्रतिक्रिया वर्क अप	**17**

घटक प्रयोगशाला

1.	प्लेटलेट सांद्रण	**11128**
2.	ताजा जमा हुआ प्लाज्मा	**11242**
3.	तरल प्लाज्मा	**0**
4.	क्रायोप्रेसिपिटेट	**0**
5.	लाल रक्त कोशिकाएं	**11259**
6.	घटक क्यूसी	**500**
7.	बफ़ी कोट	**11128**

संक्रमण प्रयोगशाला

1.	एचआईवी परीक्षण	**11600**
2.	एचबीवी परीक्षण	**11600**
3.	एचसीवी परीक्षण	**11600**
4.	वीडीआरएल टेस्ट	**11600**
5.	मलेरिया परजीवी	**11600**
6.	एनएटी	**11415**

रेडियो-डायग्नोसिस विभाग का माहवार डाटा

माह	एक्स-रे	सीटी	अल्ट्रा-साउंड	यूएसजी डॉपलर	मैमो-ग्राफी	एमआर आई	बायोप्सी	डीआर एफ	आरएफ ए	डीएस ए	योग
अप्रैल, 2022	1142	285	314	11	78	12	76	5	0	13	**1936**
मई, 2022	1168	336	330	19	78	13	85	5	0	16	**2050**
जून, 2022	1112	306	296	15	69	8	55	5	0	18	**1884**
जुलाई, 2022	1331	273	335	6	88	3	51	6	0	15	**2108**
अगस्त, 2022	1369	300	322	5	74	1	55	7	0	0	**2133**
सितंबर, 2022	1535	338	388	11	97	0	78	7	0	0	**2454**
अक्टूबर, 2022	1435	320	385	22	80	0	91	9	0	0	**2342**
नवंबर, 2022	1641	553	411	21	97	0	110	13	0	0	**2846**
दिसंबर, 2022	1620	541	399	15	104	0	78	10	0	0	**2767**
जनवरी, 2023	1808	459	433	16	115	0	50	11	0	0	**2892**
फरवरी, 2023	1812	574	455	30	116	26	97	6	0	12	**3128**
मार्च, 2023	1938	510	521	23	121	47	137	8	0	23	**3328**
योग	**17911**	**4795**	**4589**	**194**	**1117**	**110**	**963**	**92**	**0**	**97**	**29868**

संक्षिप्ताक्षर

डीआरएफ: डिजिटल रेडियोग्राफी और फ्लोरोस्कोपी

आरएफए: रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन

डीएसए : डिजिटल सबट्रैक्शन एंजियोग्राफी

चिकित्सा समाज सेवा

क्रम संख्या	कार्य की प्रकृति	लाभार्थियों की संख्या
1.	कुल छूट	4646
2.	रेलवे रियायतें	2218
3.	परामर्श/अनुरोध (बीपीएल)	540
4.	परामर्श/अनुरोध (गरीब रोगी)	72
5.	आयुष्मान भारत	433
6.	वित्तीय सहायता (आरएएन)	5
7.	वित्तीय सहायता (सीएमएफ)	6
8.	वित्तीय सहायता (पीएमआरएफ)	41
9.	वित्तीय सहायता (सीएसआर)	1
10.	वित्तीय सहायता (एचएमडीजी)	3
11	गरीब रोगी निधि	12
	योग	**7977**

संक्षिप्ताक्षर

आरएएन: राष्ट्रीय आरोग्य निधि

सीएमएफ: मुख्यमंत्री निधि

पीएमआरएफ : प्रधान मंत्री राहत कोष

सीएसआर : कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

एचएमडीजी : स्वास्थ्य मंत्री विवेकाधीन अनुदान

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

आउट-रीच ओपीडी, बाढ़सा, झज्जर

बाहय रोगी सेवाएँ एक नज़र में

माहवार ओपीडी विवरण

माह	नए मामले	री विजिट्स/पुराने मामले	योग
अप्रैल, 2022	3716	2095	**5811**
मई, 2022	4098	2831	**6929**
जून, 2022	4921	3441	**8362**
जुलाई, 2022	4521	3286	**7807**
अगस्त, 2022	5216	4104	**9320**
सितंबर, 2022	5528	4560	**10088**

अक्टूबर, 2022	3852	3690	**7542**
नवंबर, 2022	5093	3997	**9090**
दिसंबर, 2022	4877	3433	**8310**
जनवरी, 2023	4219	3414	**7633**
फरवरी, 2023	4949	4197	**9146**
मार्च, 2023	5689	5063	**10752**
योग	**56679**	**44111**	**100790**

विकिरण-निदान विभाग

माह	**एक्स-रे**	**अल्ट्रा-साउंड**	**कुल**
अप्रैल, 2022	484	298	**782**
मई, 2022	613	437	**1050**
जून, 2022	586	576	**1162**
जुलाई, 2022	584	538	**1122**
अगस्त, 2022	701	607	**1308**
सितंबर, 2022	857	711	**1568**
अक्टूबर, 2022	743	488	**1231**
नवंबर, 2022	764	531	**1295**
दिसंबर, 2022	728	604	**1332**
जनवरी, 2023	601	352	**953**
फरवरी, 2023	729	443	**1172**
मार्च, 2023	735	510	**1245**
योग	**8125**	**6095**	**14220**

रोबोटिक कोर प्रयोगशाला

माह	**किए गए परीक्षणों की संख्या**
अप्रैल, 2022	1625
मई, 2022	**2335**
जून, 2022	**2601**
जुलाई, 2022	**1857**
अगस्त, 2022	**2759**
सितंबर, 2022	**5828**
अक्टूबर, 2022	**7618**
नवंबर, 2022	**2282**

दिसंबर, 2022	**2053**
जनवरी, 2023	**1522**
फरवरी, 2023	**2128**
मार्च, 2023	**2898**
योग	**35506**

सर्जिकल प्रक्रियाएं (छोटी)

विभाग	**छोटी प्रक्रियाओं की संख्या**
जनरल सर्जरी	528
हड्डी रोग	375
प्रसूति एवं स्त्री रोग	222
योग	**1125**

चिकित्सा समाज सेवा

क्रम संख्या	**कार्य की प्रकृति**	**लाभार्थियों की संख्या**
1.	पूर्ण छूट	86

उपरोक्त डाटा एनसीआई में रोगी सेवाओं से संबंधित है।
अनुसंधान, उपलब्धियों, शिक्षण कार्यों के संबंध में अन्य पहलू अलग-अलग विभागों, जो एम्स मुख्य परिसर में उनके विभागों के साथ एकीकृत हैं, द्वारा भेजे जा रहे हैं।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डीसीआर

डॉ. राजीव कुमार मल्होत्रा को वर्ष 2023-2025 के लिए मेडिकल जर्नल "इंडियन जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी, वेनेरोलॉजी एंड लेप्रोलॉजी" के सांख्यिकीय संपादक के रूप में नियुक्त किया गया है।

प्रयोगशाला अर्बुदविज्ञान

आचार्य रितु गुप्ता को रॉयल कॉलेज ऑफ पैथोलॉजिस्ट (एफआरसी पैथ), लंदन, यूके के फेलो के रूप में शामिल किया गया है; वे, "वरिष्ठ भारतीय जैव-चिकित्सा वैज्ञानिकों के लिए लघु अवधि आईसीएमआर-डीएचआर अंतरराष्ट्रीय फैलोशिप 2022-23" (मार्च - जून 2023 मेयो क्लिनिक, रोचेस्टर, यूएसए में); “एम्स एंडोमेंट के तहत एम्स इंटरनेशनल फेलोशिप” (सितंबर-अक्टूबर 2022 डीएफसीआई, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, बोस्टन, यूएसए में); उन्होंने, एम्स रिसर्च डे पर "ब्रांचिंग क्लोनल इवोल्यूशन पैटर्न प्रीडोमिनेट म्यूटेशनल लैंडस्केप इन मल्टीपल मायलोमा" पर काम के लिए बेसिक साइंसेज 2021 में इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर लेबोरेटरी हेमेटोलॉजी (आईएसएलएच), बोलोग्ना, इटली से बेरेन्ड हाउवेन ट्रैवल अवार्ड प्राप्त किया (अक्टूबर 2022) और एम्स रिसर्च डे (अक्टूबर 2022) में "सीएलएल में डीरेग्युलेटेड एमआईआर की आरएनए-सिक्वेंसिंग प्रोफाइलिंग और नैदानिक परिणाम पर उनके प्रभाव" पर काम के

लिए बेसिक साइंसेज में एम्स कैंसर विज्ञान रिसर्च अवार्ड (प्रथम पुरस्कार) 2020 भी उन्होंने प्राप्त किया है।

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता को "एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड 2021" से सम्मानित किया गया - 18 अक्टूबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में उत्कृष्ट प्रकाशन (क्लिनिकल साइंसेज) के लिए तीसरा पुरस्कार उन्हें प्राप्त हुआ, प्रकाशन का शीर्षक था, "बीसीआर-एबीएल1 नकारात्मक बाल बी सेल एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया- के लिए आणविक आनुवंशिक जोखिम स्कोरिंग प्रणाली एमआरप्लस का प्रस्ताव और नैदानिक अनुप्रयोग"- एकल केंद्र से रिपोर्ट"; उन्हें, 3-6 नवंबर 2022 को इंडियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी एंड ब्लड ट्रांसफ्यूजन, कोलकाता के 63वें वार्षिक सम्मेलन हेमाटोकोन 2022 में पोस्टर पेपर सत्र के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया था; 14वीं वार्षिक टीसीएस बैठक 2022, हैदराबाद, 13-16 अक्टूबर 2022 में "तकनीकी और नैदानिक कार्यान्वयन दोनों के लिए एएमएल में मापने योग्य अवशिष्ट रोग का आविर्भाव" विषय पर सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; 17 से 19 फरवरी 2023 तक लखनऊ में मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एमपीएआई कॉन 2023) के 10वें वार्षिक सम्मेलन में पोस्टर सत्र के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया; निम्नलिखित बैठकों में मुंबई हेमेटोलॉजी समूह द्वारा पैनल चर्चा के लिए आमंत्रित किया गया: (ए) "क्लिनिकल हेमेटोलॉजिस्ट के लिए फ्लो साइटोमेट्री की मूल बातें" (26 मार्च 2023), (बी) "तीव्र माइलॉयड नियोप्लाज्म (पैथोलॉजी) में नया क्या है", 10 दिसंबर 2022, (सी) "बेस्ट इन ईएचए 2022 - हेमेटोलॉजी में चुनौतियाँ", 4-7 जुलाई 2022, (डी) "10 काम जो हेमेटोलॉजिस्ट को नहीं करने चाहिए" (2 जुलाई 2022) और (ई) "स्ट्राइकिंग एरिथ्रोइड हाइपरप्लासिया के साथ माइलॉयड नियोप्लाज्म: एक केस-आधारित कार्यनीति", 26 जून 2022।

डॉ. अनीता चोपड़ा को कोरियाई सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस और 65वीं वार्षिक बैठक, 31 मार्च से 2 अप्रैल 2023, सियोल, कोरिया में योगदान पुरस्कार प्राप्त हुआ; एम्स रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड, 2021, फ्रंटियर्स इन ऑन्कोलॉजी जर्नल में प्रकाशित, "पेड्रिएटिक बी-लीनिएज एक्यूट लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया में ईएमपी1, सीएएसपी1 और एनएलआरपी3 जीन की अभिव्यक्ति की पूर्वानुमान संबंधी प्रासंगिकता" शीर्षक वाले प्रकाशन के लिए क्लिनिकल साइंस श्रेणी के तहत तीसरा पुरस्कार प्राप्त हुआ; बेरेन्ड होवेन ट्रैवल अवार्ड, प्रयोगशाला हेमेटोलॉजी में तकनीकी नवाचारों पर XXXVवां अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, बोलोग्ना, इटली, 8-10 सितंबर 2022, बोलोग्ना, इटली और मौखिक प्रस्तुति के लिए विदेशी योगदान पुरस्कार, रक्त और मज्जा प्रत्यारोपण की 6वीं वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीबीएमटी 2022), 1-3 सितंबर 2022, बुसान, कोरिया में उन्हें प्राप्त हुआ।

डॉ. प्रणय तंवर को कोरियाई सोसायटी ऑफ हेमेटोलॉजी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और 65वीं वार्षिक बैठक, 31 मार्च 2 अप्रैल, 2023, सियोल, कोरिया में योगदान पुरस्कार प्राप्त हुआ; मौखिक प्रस्तुति के लिए विदेशी योगदान पुरस्कार, रक्त और मज्जा प्रत्यारोपण की छठी वार्षिक अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस (आईसीबीएमटी 2022), 1-3 सितंबर 2022, बुसान, कोरिया में प्राप्त हुआ; वे, आईसीकेएसएच आयोजन समिति का हिस्सा रहे; कोरियन सोसाइटी ऑफ हेमेटोलॉजी (केएसएच) द्वारा आयोजित 63वीं वार्षिक बैठक, 31 मार्च से 2 अप्रैल 2022 तक, आभासी सम्मेलन में भाग लिया और यूरोगिन इंटरनेशनल

मल्टीडिसिप्लिनरी एचपीवी कांग्रेस में भाग लिया; बिलबाओ, स्पेन में यूरोगिन सम्मेलन में बुधवार, फरवरी 8, 17-18 को युवा वैज्ञानिक पिच कम्पलीशन के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

डॉ. अमर रंजन ने एआर सिंह, एच दुबे, पी तंवर के साथ डिम्बग्रंथि के कैंसर में म्यूसिन के सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, प्रिसिजन ऑन्कोलॉजी कांग्रेस, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड के लिए आणविक विश्लेषण, 14-16 अक्टूबर 2022 तक में योगदान दिया। और अमर रंजन, हर्षिता दुबे, प्रणय तंवर प्रस्तुत, डिम्बग्रंथि के कैंसर के निदान के लिए डब्ल्यूटी1 का सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, एमवीआर कैनकॉन 2022, 2-4 सितंबर 2022, वायनाड का सहलेखन किया। उन्हें, "त्वचा घावों के रूप में पुनरावृत्ति के साथ जेजुनम का एएलके+ लार्ज बी-सेल लिंफोमा" छठा कोरिया पाचन रोग सप्ताह (केडीडीडब्लु 2022), 1-3 दिसंबर 2022, इंचियोन, कोरिया में अकादमिक अनुदान प्राप्त हुआ। हर्षिता डी, अमर आर, प्रणय टी द्वारा सहलिखित “डिम्बग्रंथि के कैंसर में बायोमार्कर के रूप में एचई4 का नैदानिक महत्व”, प्रिसिजन कैंसर विज्ञान कांग्रेस के लिए आणविक विश्लेषण, 14-16 अक्टूबर 2022, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में भी योगदान दिया। उन्हें यात्रा पुरस्कार: जेएसएमओ 2023 भी प्राप्त हुआ; "डिम्बग्रंथि के कैंसर में म्यूसिन्स की नैदानिक और रोगसूचक भूमिका", 16-18 मार्च 2023, फुकुओका, जापान और मेरिट ट्रैवल ग्रांट: ईएसएमओ एमएपी 2022 "सीरम स्तर डब्ल्यूटी1 जीन की तुलना और डिम्बग्रंथि के कैंसर में इसकी अभिव्यक्ति" 14-16 अक्टूबर 2022, एम्स्टर्डम, नीदरलैंड में प्रस्तुत करने के लिए प्राप्त किया।

डॉ विवेक कुमार सिंह को वर्ष 2023 के लिए इंटरनेशनल मायलोमा सोसाइटी (आईएमएस) कैरियर डेवलपमेंट अवार्ड प्राप्त हुआ।

डॉ. जी स्मिता मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सदस्य रहीं और उन्हें आईसीबीएमटी 2022 पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. दीपशी ठकराल को 9वीं मॉलिक्यूलर पैथोलॉजिस्ट एसोसिएशन ऑफ इंडिया, 6-7 में "पीडियाट्रिक एक्यूट माइलॉयड ल्यूकेमिया में ल्यूकेमिक स्टेम कोशिकाओं की सिंगल सेल ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग" के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार, अगस्त 2022, अहमदाबाद, गुजरात में प्राप्त हुआ।

डॉ. गुरविंदर कौर, अमेरिकन सोसायटी ऑफ हिस्टोकम्पैटिबिलिटी एंड इम्यूनोजेनेटिक्स (एएसएचआई) अंतरराष्ट्रीय उप-समिति की सदस्य रहीं।

चिकित्सा अर्बुदविज्ञान

आचार्य अतुल शर्मा, 10-11 फरवरी 2023 को रिसर्च एंड एजुकेशनल सोसाइटी ऑफ मेडिकल कैंसर विज्ञान की वार्षिक बैठक के आयोजक रहे, यह ऑनलाइन बैठक थी। वे, "इंटरनेशनल पीयर रिव्यू 2022-23 रोग प्रबंधन समूह (डीएमजी)", 27 फरवरी से 1 मार्च 2023, टाटा मेमोरियल सेंटर, मुंबई के समीक्षक रहे।

आचार्य समीर बख्शी को मेडिकल साइंसेज-क्लिनिकल रिसर्च के लिए सन फार्मा साइंस फाउंडेशन रिसर्च अवार्ड्स, 2022 प्राप्त हुआ।

डॉ. राजा प्रमाणिक, 10-15 जनवरी 2023 को पेशेंट केयर ट्रस्ट, हुबली द्वारा हुबली, कर्नाटक में आयोजित वर्चुअल मेडिकल कैंप में तिब्बती शरणार्थियों के कार्यक्रम में मेडिकल ऑन्कोलॉजिस्ट के रूप में शामिल हुए: उन्होंने एचबीओसी के प्रबंधन के लिए आम सहमति दस्तावेज़ को संशोधित करने के लिए आईएसएमपीओ उपसमिति की बैठक में भी भाग लिया।

डॉ चंद्र प्रकाश प्रसाद को 8-10 दिसंबर 2022 तक 11वें एपीओसीपी सम्मेलन, कोलकाता में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए वेस्ट एशिया आर्गेनाइजेशन फॉर कैंसर प्रिवेंशन (डब्ल्यूएओसीपी) द्वारा स्थापित युवा अन्वेषक पुरस्कार और एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार (प्रशंसा के लिए प्रमाण पत्र) - वर्ष 2021 प्राप्त हुआ। 18 अक्टूबर 2022 को एम्स अनुसंधान दिवस; जुलाई 2022 से, इंडियन सोसाइटी ऑफ सेल बायोलॉजी (आईएससीबी) के आजीवन सदस्य बने, सदस्यता संख्या 6601; जून 2022 से आगे इंडियन एकेडमी ऑफ बायोमेडिकल साइंसेज (आईएबीएस) के आजीवन सदस्य, सदस्यता संख्या 333/22; और मई 2022 से औषधीय पादप एवं प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान सोसायटी के सदस्य; सदस्यता सं. 105070।

डॉ. थौदम देबराज सिंह राष्ट्रीय निकायों में समीक्षा समिति का हिस्सा रहे: (ए) विशेषज्ञ परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी): नैनोटेक्नोलॉजी/नैनोमेडिसिन (आईसीएमआर) और (बी) विशेष विशेषज्ञ समिति (पीआरसी): नैनोटेक्नोलॉजी (डीबीटी)। वे, अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में भी संपादक रहे: (ए) फ्रंटियर इन ऑन्कोलॉजी में समीक्षा संपादक और (बी) बायोमेडिकल और फार्माकोलॉजी जर्नल में समीक्षा संपादक।

डॉ मयंक सिंह को भारत सरकार के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा ट्रैक चिमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी (सीएआर टी) सेल थेरेपी पर एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था और उन्हें "न्यू एज टेक्नोलॉजीज" इंडिया इंटरनेशनल साइंस फेस्टिवल 2022" में 10 जनवरी 2023 को विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के पैनल का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया। यह समारोह 21-23 जनवरी तक एमएएनएचआईटी भोपाल मध्य प्रदेश में आयोजित किया गया था।

डॉ. सचिन कुमार को वर्ष 2020 के लिए बुनियादी विज्ञान में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार के अंतर्गत प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

डॉ. सुरेंद्र के सहरावत ने "पोस्ट ग्रेजुएट डीएम विद्यार्थी के लिए 11वीं और 12वीं कैंसर साइटोजेनेटिक कार्यशाला", कक्ष # 410, चौथी मंजिल, मेडिकल कैंसर विज्ञान प्रयोगशाला, डॉ. बीआर अंबेडकर आईआरसीएच, एम्स में कार्यशाला का आयोजन किया

चिकित्सा भौतिकी

आचार्य प्रतीक कुमार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), हैदराबाद में मेडिकल भौतिकी पाठ्यक्रम में एम.एससी. के लिए राष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित किया गया; राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गठित नैदानिक रेडियोलॉजी परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए कोर प्रत्यायन समिति में विशेषज्ञ नामित किया गया; जैव प्रौद्योगिकी औद्योगिक साझेदारी कार्यक्रम (बीआईपीपी), लघु व्यवसाय नवाचार

अनुसंधान पहल (एसबीआईआरआई) और अकादमिक अनुसंधान का रूपांतरण एंटरप्राइज़ के रूप में (पीएसीई) किये जाने सम्बन्धी कार्यक्रमों के लिए बीआईआरएसी, डीबीटी को वित्तपोषण के लिए प्रस्तुत परियोजनाओं के लिए समीक्षक नियुक्त किया गया; नए कोबाल्ट-60 स्रोत की स्थापना, अप्रयुक्त/रिक्त कोबाल्ट-60 स्रोत के निपटान और कोबाल्ट-60 स्रोत कंटेनर/पैकेज के परिवहन के लिए बनाई गई विनिर्देश/कार्य-व्याप्ति समिति, परमाणु चिकित्सा और संबद्ध विज्ञान संस्थान (आईएनएमएएस), डीआरडीओ, दिल्ली के सदस्य; विज्ञान अनुसंधान योजना के तहत वित्तीय सहायता के लिए केरल राज्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और पर्यावरण परिषद (केएससीएसटीई) को प्रस्तुत प्रस्ताव के मूल्यांकनकर्ता; आईएनएमएएस, दिल्ली में डीआरडीओ जेआरएफ (भौतिकी/अनुप्रयुक्त भौतिकी) के वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए बाहरी विशेषज्ञ; बीएससी मेडिकल रेडियोलॉजी और इमेजिंग टेक्नोलॉजी, एसजीपीजीआई, लखनऊ के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) के बाहरी विशेषज्ञ; एएमपीआई के 43वें वार्षिक सम्मेलन, 5-7 नवंबर 2022, नई दिल्ली में "भारत में चिकित्सा भौतिकी अनुसंधान को मजबूत करना: वर्तमान स्थिति, चुनौतियां और कार्य योजना" पर एक पैनल चर्चा के मॉडरेटर; अंतरराष्ट्रीय मेडिकल फिजिक्स दिवस (आईडीएमपी) मिनी-संगोष्ठी की अध्यक्षता: मेडिकल फिजिक्स के अंतर-व्यावसायिक सहयोग, 7 नवंबर 2022 को एएमपीआई, नई दिल्ली के 43वें वार्षिक सम्मेलन में; "भारत में चिकित्सा भौतिकी शिक्षा और प्रशिक्षण: आगे का रास्ता क्या है?" विषय पर एआरओआई के 42वें वार्षिक सम्मेलन 1-4 दिसंबर 2022, नई दिल्ली में एक पैनल चर्चा के मॉडरेटर भी रहे; एम्स, विजयपुर, जम्मू में आगामी रेडियो-इमेजिंग की स्थापना में विकिरण सुरक्षा से संबंधित सलाह/इनपुट प्रदान करने के लिए विशेषज्ञ; सेल फोन टावरों से मौजूदा ईएमएफ उत्सर्जन मानदंडों की समीक्षा के लिए दूरसंचार विभाग द्वारा गठित अंतर-मंत्रालयी समिति के सदस्य; शोभित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मेरठ (यूपी) में पीएचडी थीसिस के परीक्षक; मेडिकल फिजिक्स (एसोसिएशन ऑफ अमेरिकन फिजिसिस्ट्स इन मेडिसिन एएपीएम), रेडिएशन फिजिक्स एंड केमिस्ट्री (एल्सेवियर), जर्नल ऑफ मेडिकल फिजिक्स, एप्लाइड रेडिएशन एंड आइसोटोप्स (एल्सेवियर), और इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) को सौंपी गई पांडुलिपियों के समीक्षक; (i) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, आईजेआरआई (ii) सदस्य, इलेक्ट्रोमेडिकल और डायग्नोस्टिक इमेजिंग एंड रेडियोथेरेपी उपकरण अनुभागीय समिति, एमएचडी-15, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), नई दिल्ली (iii) सदस्य, संपादकीय बोर्ड, जर्नल ऑफ़ मेडिकल फिजिक्स (जेएमपी) (iv) संस्थापक संपादक, मेडिकल फिजिक्स गजट, एएमपीआई का समाचार पत्र (v) सोसायटी फॉर एप्लाइड माइक्रोवेव इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एंड रिसर्च (एसएएमईईआर), आईआईटी मुंबई द्वारा स्वदेशी आत्म निर्भर एक्स-रे रक्त विकिरणक के विकास परियोजना के लिये इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा गठित परियोजना समीक्षा और संचालन समूह के सदस्य रहे।

ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक चिकित्सा

आचार्य सुषमा भटनागर को डॉ. एमजे जोशी आईएमए भूषण पुरस्कार और ओरेशन 2023 प्राप्त हुआ; वे, एनसीआई, झज्जर, एम्स, नई दिल्ली में कोविड टास्क फोर्स की नैदानिक सेवाओं के अध्यक्ष रहीं; एम्स, नई दिल्ली में दो महत्वपूर्ण नीतियों - पेन पॉलिसी और एंड ऑफ लाइफ केयर पॉलिसी की संस्थापक; एम्स, नई दिल्ली में डीएम, ओन्को-एनेस्थीसिया और एमडी, पैलिएटिव मेडिसिन नामक दो

महत्वपूर्ण पाठ्यक्रमों की संस्थापक; इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ स्टडी ऑफ पेन (आईएएसपी) काउंसिल में 'काउंसिल सदस्य' 2023 तक की छह साल की अवधि के लिए; एशिया पैसिफिक होस्पिस नेटवर्क की परिषद सदस्य; कार्यान्वयन समूह की सदस्य - लैंसेट कमीशन ग्लोबल एक्सेस टू पेन कण्ट्रोल एंड पैलिएटिव केयर; अध्यक्ष - इंडियन एसोसिएशन ऑफ पेलिएटिव केयर; एशिया पैसिफिक हॉस्पिस पैलिएटिव केयर नेटवर्क द्वारा प्रशामक देखभाल कार्यक्रम में प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण की 'डिप्टी टीम लीडर' रहीं और उन्हें भारत में प्रशामक देखभाल कार्यक्रम की 'मास्टर मेंटर' के रूप में नियुक्त किया गया।

आचार्य राकेश गर्ग को 13वीं नेशनल एयरवे कॉन्फ्रेंस 2022, ऑल इंडिया डिफिकल्ट एयरवे एसोसिएशन (एआईडीएए), बेंगलुरु में ऑल इंडिया डिफिकल्ट ओरेशन "एनआईटीटीई ओरेशन- एयरवे-गुड, बैड एंड अग्ली" के प्रतिष्ठित व्याख्यान का अवसर देकर सम्मानित किया गया। वह, इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट्स के इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया के पबमेड इंडेक्स्ड आधिकारिक प्रकाशन के प्रधान संपादक हैं; आईएसए दिल्ली में अनुकरणीय योगदान के लिए उन्हें आईएसए कॉन दिल्ली 2022 में राष्ट्रपति का प्रशंसा पुरस्कार मिला; एससीसीएम दिल्ली नोएडा द्वारा क्रिटिकल केयर मेडिसिन की विशेषज्ञता में उत्कृष्ट योगदान के लिए उत्कृष्टता प्रमाण पत्र के साथ "चेयरमैन अवार्ड" से सम्मानित किया गया, सिंगापुर मेडिकल जर्नल समीक्षक मान्यता पुरस्कार 2022 प्राप्त हुआ**;** आईएससीसीएम अनुसंधान समिति 2022-23 के सदस्य के रूप में योगदान के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया**।** वह एम्स, नई दिल्ली, पैलिएटिव मेडिसिन में राष्ट्रीय फेलोशिप (इंस्टीट्यूट ऑफ पैलिएटिव मेडिसिन और क्रिश्चियन मेडिकल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा संयुक्त रूप से संचालित), एम्स ऋषिकेश, एम्स भोपाल, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, एम्स, जोधपुर के परीक्षक और शोध प्रबंध मूल्यांकनकर्ता रहे हैं।

आचार्य निष्कर्ष गुप्ता को आईजेपीसी, आईजेए (उत्तरी सप्लिमेंट) का संपादकीय बोर्ड सदस्य, डॉ. डीवाई पाटिल विद्यापीठ मेडिकल जर्नल और इंडियन जर्नल ऑफ पेन का एसोसिएट एडिटर नियुक्त किया गया और नवंबर 2022 में आईसीए से उन्हें एमके डे पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आचार्य सचिदानंद जी भारती को एनएएमएस, नई दिल्ली की सदस्यता से सम्मानित किया गया और आईएसए दिल्ली द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के लिए प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. बलबीर ने मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर केयर सेंटर, न्यूयॉर्क यूएसए में एनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर विभाग (23 अगस्त 2022 से 19 सितंबर 2022) में आब्जर्वरशिप में योगदान दिया और 29 मार्च 2022 को जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल इंटरनेशनल से उत्कृष्ट समीक्षा का प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

डॉ. राघव गुप्ता को एनएएमएस, नई दिल्ली द्वारा एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (एएफएएमएस) के एसोसिएट फेलो के सम्मान से सम्मानित किया गया; आईएपी कॉन, 2022 डिबेट में दूसरा पुरस्कार और यूपी-यूके क्रिटिकॉन क्विज़ में प्रथम पुरस्कार उन्होंने प्राप्त किया।

निवारक अर्बुदविज्ञान

डॉ पल्लवी शुक्ला ने यूटी हेल्थ ह्यूस्टन द्वारा संचालित इंट्रोडक्शन टू डिसेमिनेशन एंड इम्प्लीमेंटेशन रिसर्च इन हेल्थ का प्रशिक्षण प्राप्त किया और डब्ल्यूएचओ की सलाहकार समितियों आदि की सदस्यता प्राप्त की और राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत तकनीकी संसाधन समूह की सदस्य रहीं।

विकिरण निदान

आचार्य चन्द्रशेखर एसएच को ग्लोबल एसोसिएशंस ऑफ़ फिजिशियंस ऑफ़ इंडियन ओरिजिन द्वारा वर्ष 2023 के लिए 'यंग क्लिनिशियन श्रेणी में रेडियोलॉजी/रेडिएशन थेरेपी पुरस्कारों में गोपिओ उत्कृष्टता पुरस्कार' से सम्मानित किया गया; वे, 2022-23 के लिए सोसाइटी ऑफ इमेज गाइडेड थेरेपी के संयुक्त सचिव थे और उन्होंने 12-19 फरवरी 2023 तक, जापान इंटरनेशनल कोऑपरेटिव एजेंसी (जेआईसीए) द्वारा संचालित जापान में 'एम्स और संबंधित संस्थानों के लिए चिकित्सा विज्ञान और प्रबंधन के क्षेत्र में उन्नत प्रशिक्षण - चिकित्सा उपकरण विकास और सामाजिक कार्यान्वयन' को सफलतापूर्वक पूरा किया।

डॉ. मुकेश कुमार को 2022-23 के लिए सोसाइटी फॉर इमरजेंसी रेडियोलॉजी इंडिया के कोषाध्यक्ष के रूप में फिर से नियुक्त किया गया और वे, 2022-23 के लिए दिल्ली आईएसवीआईआर के सचिव थे।

डॉ. एकता धमीजा ऑन्कोलॉजिकल इमेजिंग प्रोटोकॉल तैयार करने और कार्सिनोमा गर्भाशय ग्रीवा, अंडाशय, एंडोमेट्रियम और सार्कोमा में रिपोर्टिंग चेकलिस्ट के लिए ऑन्को-इमेजिंग सबस्पेशलिटी टास्क फोर्स की टीम की सदस्य हैं; स्तन इमेजिंग श्रृंखला में एनबीई द्वारा आयोजित कई वेबिनार के लिए उन्हें आमंत्रित किया गया है और आईआरआईए-आईसीआरआई के तत्वावधान में महिला इमेजिंग पर उन्होंने सत्र संचालित किया है।

डॉ. कृतिका रंगराजन को जेआईपीएमईआर, पांडिचेरी द्वारा 8वें शोध दिवस समारोह में "युवा अन्वेषक और चिकित्सक" के रूप में आमंत्रित किया गया था और भारत में फ्रांसीसी दूतावास द्वारा "मेडिकल एप्लाइड रिसर्च एंड प्रैक्टिस" फेलोशिप प्रदान की गई थी।

सर्जिकल अर्बुदविज्ञान

विभाग में उपलब्ध सुविधाएं:

1. आंतरिक रोगी बिस्तर 45 (बीआरए-आईआरसीएच) और 60 (एनसीआई)
2. बड़ा ऑपरेशन थिएटर - 4 (आईआरसीएच) और 3 (एनसीआई)
3. एंडोस्कोपी और माइनर ओटी कॉम्प्लेक्स - आईआरसीएच और एनसीआई में प्रत्येक में 1
4. एमडीटी अंग आधारित विशेष क्लिनिक और ओपीडी (आईआरसीएच और एनसीआई में प्रत्येक में 10)

विशेष उन्नत अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम

1. पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसी और एचआईपीईसी कार्यक्रम
2. मिनिमली इनवेसिव सर्जिकल अर्बुदविज्ञान प्रोग्राम
3. कैंसर आनुवंशिकी और जोखिम कम करने वाला सर्जरी कार्यक्रम
4. प्रशामक सर्जिकल अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम
5. छवि निर्देशित सर्जरी कार्यक्रम
6. ऑन्कोप्लास्टी और रिकंस्ट्रक्टिव अर्बुदविज्ञान कार्यक्रम

सांख्यिकी (रोगी देखभाल सेवाएँ)

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	3575	4234	6867
विशेष क्लिनिक परामर्श	11162	22491	34154
रोगियों को प्रदान की गईं पुनर्वास सेवाएं	1200	1600	2200
कुल भर्ती रोगी	1412	2325	3671

की गई सर्जरी की कुल संख्या	4321	7540	15872
बड़ी सर्जरी की कुल संख्या	977	1697	2968
एंडोस्कोपी और छोटी सर्जरी की कुल संख्या	3344	5843	11023

डॉ एसवीएस देव को इंडियन एसोसिएशन ऑफ सर्जिकल ऑन्कोलॉजी के अध्यक्ष के रूप में चुना गया; मलाया विश्वविद्यालय, मलेशिया के लिए सर्जिकल कैंसर विज्ञान की विशेषज्ञता के लिए बाहरी मूल्यांकनकर्ता के रूप में नामांकित किया गया; "एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन्स ऑफ इंडिया" के अध्यक्ष के रूप में वे चुने गए; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में नामांकित किया गया; सशस्त्र बल चिकित्सा अनुसंधान समिति के सदस्य के रूप में नामांकित; भारतीय कैंसर जीनोम एटलस (आईसीजीए) परियोजना के बोर्ड सदस्य के रूप में चुने गए; सदस्य वैज्ञानिक समिति "ब्रेस्ट सर्जरी इंटरनेशनल", स्विट्जरलैंड के रूप में चुने गए; और "इंडियन सोसाइटी ऑफ़ पेरिटोनियल सरफेस मैलिग्नेंसीज़" के अध्यक्ष के रूप में चुने गए; "एनसीआर कैंसर विज्ञान फोरम" के अध्यक्ष के रूप में चुने गए; उत्तर पूर्व, जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड और महाराष्ट्र, तेलंगाना सहित पूरे भारत में स्तन कैंसर से संबंधित जागरूकता और स्क्रीनिंग गतिविधियों के आयोजन में एसोसिएशन ऑफ ब्रेस्ट सर्जन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष के रूप में अग्रणी भूमिका निभाई; विभिन्न सरकारी संगठनों द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता और कैंसर नियंत्रण गतिविधियों के विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया, टीवी कार्यक्रमों में भाग लिया और प्रिंट मीडिया में जनता के लिए आलेख प्रकाशित कर योगदान दिया।

डॉ आशुतोष मिश्रा को ईसी सदस्य आईएएसओ और ईसी सदस्य एबीएसआई के रूप में चुना गया।

डॉ. सुनील को कैंसर विज्ञान फोरम के ईसी सदस्य के रूप में चुना गया; बिहार के वंचित क्षेत्रों में सामुदायिक कैंसर विज्ञान और कैंसर स्क्रीनिंग सेवाओं और लद्दाख राज्य में सामुदायिक कैंसर विज्ञान और कैंसर स्क्रीनिंग सेवाओं में उन्होंने भाग लिया।

विकिरण अर्बुदविज्ञान

ओपीडी परामर्श

नए मामले - 1588, पुराने मामले - 16299

विशेष क्लिनिक परामर्श

स्तन कैंसर क्लिनिक: नए - 1001, पुराने - 10779

हड्डी एवं मुलायम ऊतक क्लिनिक: नए - 226, पुराने - 1221

गैस्ट्रो इंटेस्टाइनल क्लिनिक: नए - 742, पुराने - 3700

स्त्री रोग क्लिनिक ए: नए - 122, पुराने - 591

स्त्री रोग क्लिनिक बी: नए - 252, पुराने - 1238

स्त्री रोग क्लिनिक सी: नए - 222, पुराने - 1057

जेनिटोरिनरी और गायनी क्लिनिक: नए - 200, पुराने - 2125

हेड एंड नेक क्लिनिक ए:	नए - 372, पुराने - 2117
हेड एंड नेक क्लिनिक बी:	नए - 927, पुराने - 3450
फेफड़े का कैंसर क्लिनिक:	नए - 809, पुराने - 8429
न्यूरो-कैंसर विज्ञान क्लिनिक:	नए - 419, पुराने - 2342
बाल कैंसर क्लिनिक:	नए - 106, पुराने - 2968
यूरोलॉजी मैलिग्नेंसी क्लिनिक:	नए - 581, पुराने - 2552

कुल भर्ती रोगी

2022-23: 2909

आचार्य डीएन शर्मा को एसोसिएशन ऑफ रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट ऑफ इंडिया के जर्नल, जर्नल ऑफ कैंसर रिसर्च एंड थेरेप्यूटिक्स (जेसीआरटी) के प्रधान संपादक के रूप में चुना गया।

आचार्य हरेश केपी को 31 मई 2022 को गोल्डन एआईएम कॉन्फ्रेंस अवार्ड्स में आइकॉनिक हेल्थकेयर लीडर अवार्ड - यूरो-रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट" प्राप्त हुआ; वे, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी के लिए ओएससीई कार्यशाला के समन्वयक और विशेषज्ञ थे; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड में रेडियोथेरेपी में डीएनबी व्यावहारिक परीक्षा के लिए समन्वयक; सिद्धांत और व्यावहारिक के लिए राष्ट्रीय बोर्ड में डीएनबी रेडियोथेरेपी पेपर के मूल्यांकन के लिए परीक्षक; एनबीईई, द्वारका, नई दिल्ली में विदेशी चिकित्सा योग्यता वाले भारतीय नागरिकों के लिए स्क्रीनिंग टेस्ट के एमसीक्यू प्रश्न बैंक के सत्यापन/संयम के लिए संकाय सदस्य; भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली की कैंसर विज्ञान परियोजना समीक्षा समिति (पीआरसी) के सदस्य; प्रोस्टेट कैंसर में एआरएएनओटीई अध्ययन-डारोलुटामाइड के लिए अंतरराष्ट्रीय संचालन समिति के सदस्य; प्रोस्टेट कैंसर में डारोलुटामाइड के अंतरराष्ट्रीय एआरएएनओटीई अध्ययन के लिए भारत के प्रमुख प्रधान अन्वेषक रहे।

डॉ अहिताग्नि बिस्वास: डॉ विवेक घोष (थीसिस विद्यार्थी) को उनकी थीसिस के लिए अक्टूबर 2022 में एम्स के दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर प्रशस्ति प्रमाण पत्र (पोस्टर- जूनियर रेजिडेंट श्रेणी) से सम्मानित किया गया। थीसिस का विषय था - 'सिस्प्लैटिन और जेमिसिटाबाइन आधारित नियो एड्जुवेंट कीमोथेरेपी के बाद सहवर्ती सिस्प्लैटिन के साथ डिस्पैगिया अनुकूलित तीव्रता-संग्राहक रेडियोथेरेपी की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक चरण II अध्ययन और स्थानीय रूप से उन्नत नासॉफिरिन्जियल कार्सिनोमा वाले रोगियों में सीरियल प्लाज्मा एपस्टीन बर्र वायरस डीएनए टाइटर के साथ नैदानिक परिणाम का सहसंबंध। डॉ. बिस्वास की अतिरिक्त शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल हैं: 2022-23 में पब्मेड-अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए 10 पांडुलिपियों की सहकर्मी-समीक्षा; 5 अप्रैल 2022 को आरसीसी त्रिवेन्द्रम द्वारा आयोजित 'स्थानीय रूप से उन्नत कार्सिनोमा स्वरयंत्र में अंग संरक्षण' पर ऑनलाइन सिर और गर्दन क्लिनिकल कैंसर विज्ञान संगोष्ठी में एक सत्र (स्थानीय रूप से उन्नत कार्सिनोमा स्वरयंत्र में रसायन विकिरण) की अध्यक्षता की; दिल्ली में एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया (एएमपीआई कॉन 2022) के 43वें वार्षिक सम्मेलन में 6 नवंबर 2022 को मेडिकल फिजिक्स सत्र की अध्यक्षता की और 29 मार्च 2023 को आरसीसी त्रिवेन्द्रू द्वारा

आयोजित कार्सिनोमा नासोफरीनक्स पर ऑनलाइन हेड एंड नेक क्लिनिकल कैंसर विज्ञान संगोष्ठी में एक सत्र (कार्सिनोमा नासोफरींक्स में लक्ष्य मात्रा चित्रण) की अध्यक्षता की।

डॉ. वी. सुब्रमणि 5-7 नवंबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में एएमपीआई के 43वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन सचिव थे**;** जुलाई, 2022 से मेडिकल फिजिक्स के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईओएमपी) की शिक्षा और प्रशिक्षण समिति में सदस्य; फरवरी, 2023 से मेडिकल फिजिक्स (एएफओएमपी) न्यूज़लेटर के लिए संगठनों के एशिया-ओशिनिया फेडरेशन के मुख्य संपादक; निदेशक एम्स, नई दिल्ली द्वारा गठित एम्स विकिरण सुरक्षा समिति के सदस्य सचिव; विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में चिकित्सा भौतिकी सेवा का पर्यवेक्षण; विकिरण चिकित्सा उपकरण संबंधी गतिविधियों के लिए मई 2022 से विभाग की मशीनरी और उपकरण के प्रभारी; एनसीआई झज्जर में विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में मेडिकल भौतिकी सेवा के लिए परामर्शदाता संकाय; एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोसाइंस गामा नाइफ सेंटर में गामा नाइफ आईसीओएन रेडियोसर्जरी कार्यक्रम की स्थापना की; डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली के विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में "इलेक्ट्रॉन बीम थेरेपी के साथ संपूर्ण शारीरिक विकिरण" की स्थापना की; 19 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली में ईएसआईसी अस्पताल के प्रधान कार्यालय में भारत सरकार के श्रम और रोजगार मंत्रालय के तहत ईएसआईसी अस्पतालों में विकिरण कैंसर विज्ञान और परमाणु चिकित्सा सुविधाओं की स्थापना के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में निदेशक एम्स द्वारा उन्हें नामित किया गया था; एचआईटीईएस खरीद एजेंसी के माध्यम से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत पीएमएसएसवाई IV और V योजना के तहत आगामी एम्स संस्थानों के लिए रेडियोथेरेपी उपकरणों की खरीद में तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में निदेशक एम्स द्वारा भी नामित किया गया था; अत्याधुनिक उच्च-ऊर्जा रैखिक त्वरक प्रणाली के लिए तकनीकी विशिष्टता विकसित की और विभाग की ओर से उसी उपकरण की खरीद प्रक्रिया में शामिल किया गया; 18 अक्टूबर, 2022 को डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में ग्लोबल प्रोटोन थेरेपी विक्रेताओं के साथ हाइब्रिड मोड के माध्यम से रेडिएशन कैंसर विज्ञान विभाग में "प्रोटॉन थेरेपी स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी मूल्यांकन" पर मिनी-संगोष्ठी का आयोजन किया; 22 मई 2022 को अपोलो प्रोटोन थेरेपी सेंटर, चेन्नई द्वारा आयोजित दूसरे "प्रोटॉन थेरेपी प्रैक्टिकम के वार्षिक प्रैक्टिकम" में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित रूप में भाग लिया; अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई में डॉ. ए राजा पीएचडी परीक्षक अगस्त 2022 में; विभाग के शैक्षणिक कार्यक्रम में मेडिकल भौतिकी और रेडियोबायोलॉजी भाग की तैयारी की; एक संकाय प्रभारी के रूप में, डॉ. बीआरए आईआरसीएच, एम्स, नई दिल्ली में विकिरण कैंसर विज्ञान विभाग में "बीएससी रेडियोथेरेपी प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव" तैयार और प्रस्तुत किया।

डॉ. अभिषेक शंकर इंटरनेशनल पैपिलोमा वायरस सोसाइटी (आईपीवीएस) के भारत राजदूत हैं; सदस्य, तंबाकू नियंत्रण एवं धूम्रपान निषेध समिति, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी); लीड, वर्किंग ग्रुप ऑन एंगेजमेंट, तंबाकू नियंत्रण और धूम्रपान निषेध समिति, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी); सदस्य, अनुसंधान कार्य समूह, तंबाकू नियंत्रण और धूम्रपान निषेध समिति, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी); सदस्य, सहयोग कार्य समूह, तंबाकू नियंत्रण और धूम्रपान निषेध समिति, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ लंग कैंसर (आईएएसएलसी); सदस्य, इंटरनेशनल गायनोकोलॉजिकल

कैंसर सोसाइटी एडवोकेसी नेटवर्क (आईजीसीएएन), इंटरनेशनल गायनोकोलॉजिकल कैंसर सोसाइटी (आईजीसीएस); सदस्य, एशियाई राष्ट्रीय कैंसर केंद्र गठबंधन (एएनसीसीए); अध्यक्ष, क्लिनिकल कैंसर समिति, एशियन पैसिफिक ऑर्गनाइजेशन फॉर कैंसर प्रिवेंशन (एपीओसीपी); अतिथि संपादक, ड्रग इंटरेकशंस इन कैंसर थेरेपी फॉर लाइफ सम्बन्धी विशेष संस्करण, एमडीपीआई; प्रधान संपादक, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर केयर (एपीजेसीसी); एसोसिएट एडिटर, एशियन पैसिफिक जर्नल ऑफ कैंसर प्रिवेंशन (एपीजेसीपी); एसोसिएट एडिटर, साउथ एशिया जर्नल ऑफ कैंसर (एसएजेसी); पब्मेड-अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए 17 पांडुलिपियों की सहकर्मी-समीक्षा भी उन्होंने की।

डॉ. सुप्रिया मलिक को एम्स कैंसर विज्ञान रिसर्च अवार्ड 2021-प्रथम पुरस्कार, एसोसिएशन ऑफ मेडिकल फिजिसिस्ट ऑफ इंडिया का 43वां वार्षिक सम्मेलन, एम्पिकॉन 2022, 5-7 नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली में प्राप्त हुआ।

10.4 डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र

प्रमुख एवं आचार्य नेत्र विज्ञान

जीवन एस. तितियाल

आचार्य

डी.के. शर्मा (चिकित्सा अधीक्षक)

राधिका टंडन (नेत्र विज्ञान)

एस.के. खोखर (नेत्र विज्ञान)

दिलीप आर. शिंदे (संवेदनाहरण विज्ञान)

मनदीप सिंह बजाज (नेत्र विज्ञान)

राजपाल (नेत्र विज्ञान)

सीमा सेन (नेत्र विकृतिविज्ञान)

संजय शर्मा (विकिरण-निदान)

सीमा कश्यप (नेत्र विकृतिविज्ञान)

नम्रता शर्मा (नेत्र विज्ञान)

प्रदीप वेंकटेश (जांच प्रयोगशाला)

तनुज दादा (नेत्र विज्ञान)

नीलम पुष्कर (नेत्र विज्ञान)

टी. वेलपांडियन (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)

प्रवीण वशिष्ठ (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)

जसबीर कौर (नेत्र जैवरसायन)

रोहित सक्सेना (नेत्र विज्ञान)

विनय गुप्ता (नेत्र विज्ञान)

रेनु सिन्हा (संवेदनाहरण विज्ञान)

तुषार अग्रवाल (नेत्र विज्ञान)

एम. वनाति (नेत्र विज्ञान)

राजेश सिन्हा (नेत्र विज्ञान)

भावना चावला (नेत्र विज्ञान)

पारिजात चंद्र (नेत्र विज्ञान)

सेंजम सूरज सिंह (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)

आलोक कुमार रवि (नेत्र जैवरसायन)

नबनिता हलदर (नेत्र भेषजगुण विज्ञान)

अपर आचार्य

नूपुर गुप्ता (नेत्र विज्ञान)

रोहन चावला (नेत्र विज्ञान)

विनोद कुमार (नेत्र विज्ञान)

स्वाति फुलझले आलोक (नेत्र विज्ञान)

रचना मील (नेत्र विज्ञान)

विवेक गुप्ता (सामुदायिक नेत्र विज्ञान)

निशात हुसैन अहमद (नेत्र सूक्ष्म जीव विज्ञान)

सह-आचार्य

शिखा गुप्ता (नेत्र विज्ञान)

शौर्य वर्धन आजाद (नेत्र विज्ञान)

देवांग एंग्मो (नेत्र विज्ञान)

कनिल रंजीत कुमार (संवेदनाहरण विज्ञान)

नीवेते लोमी (नेत्र विज्ञान)

प्रफुल्ल कुमार (नेत्र विज्ञान)

महाराणा अरशद अयूब (संवेदनाहरण विज्ञान)

सहायक आचार्य		
मनप्रीत कौर (नेत्र विज्ञान)	रेबिका (नेत्र विज्ञान)	अमर पुजारी (नेत्र विज्ञान)
श्रीदेवी नायर (नेत्र विज्ञान)	देवेश कुमावत (नेत्र विज्ञान)	साहिल अग्रवाल (नेत्र विज्ञान)
अनु मलिक (नेत्र विज्ञान)	सौरभ वर्मा (नेत्र विज्ञान)	कार्तिकेयन एम. (नेत्र विज्ञान)
	कर्णिका सहगल (नेत्र सूक्ष्म जीव विज्ञान)	

विशिष्टताएँ

देश में नेत्र चिकित्सा उपचार का शीर्ष केंद्र, डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स अत्याधुनिक उपकरणों और रोगियों के उपचार, शिक्षण और अनुसंधान के लिए विश्व स्तरीय सुविधाओं वाला एक प्रमुख सुपर-स्पेशियलिटी संस्थान के रूप में जाना जाता है। सम्पूर्ण शैक्षणिक वर्ष के दौरान, जूनियर रेजिडेंट्स के साथ-साथ, वरिष्ठ रेजिडेंट्स को हमारी विशेषज्ञता के सभी व्यावहारिक और सर्जिकल पहलुओं में व्यापक रूप से प्रशिक्षित किया गया। डॉ. आरपी सेंटर की कुछ प्रमुख विशेषताओं में सम्मिलित हैं:

यूनिट-I बच्चों के कैटरेक्ट (मोतियाबिंद), रिफ्रैक्टिव सर्जरी, विट्रियो-रेटिना, यूविया, स्क्विंट (भेंगापन) और न्यूरो-नेत्र चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएँ प्रदान करती है। यह इकाई पीडियाट्रिक कैटरेक्ट सर्जरी और शल्यक्रिया के पश्चात दृष्टि के पुनर्वास में विशेषज्ञता रखती है। यह इकाई नवीनतम टांका मुक्त 27जी विट्रियोरेटिनल सर्जरी, स्कुइन्ट सर्जरी और ऑप्टिक नर्व शीथ डिकंप्रेशन जैसी न्यूरो-नेत्र चिकित्सा संबंधी स्थितियों के लिए शल्यक्रिया करती है। इसमें अत्याधुनिक इमेजिंग और जांच उपकरणों और लेजर डिलीवरी प्रणालियों द्वारा सहयोग दिया जाता है।

यूनिट-II विट्रियोरेटिनल रोगों, वीआर सर्जरी, यूवियल रोगों, ऑक्यूलर ट्रॉमा, स्टेम सेल, रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (आरओपी) और ग्लूकोमा में प्रभावशाली निदान, उपचार और अनुसंधान के लिए सेवाएँ प्रदान करता है। यूनिट वाइड-एंगल व्यूइंग सिस्टम, 23जी/25जी/27जी स्मॉल गेज सुचरलेस विट्रेक्टोमी, आधुनिक सर्जिकल माइक्रोस्कोप और अन्य उन्नत विट्रियोरेटिनल सर्जरी उपकरणों के उपयोग के साथ-साथ, अत्याधुनिक विट्रियोरेटिनल सर्जरी में संलग्न रहता है, जिससे सर्जरी की तकनीकों में क्रांति का संचार हुआ है और इनकी तुलना दुनिया के सबसे उत्तम परिणामों से की जाती है।

यूनिट-III सभी समुदाय के रोगियों को कॉर्निया, कैटरेक्ट और रिफ्रैक्टिव सर्जरी के क्षेत्र में अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करती है। यहां रेजिडेंटों को नेत्र बैंकिंग के साथ-साथ केराटोप्लास्टी निष्पादन करने का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है। नए स्वचालित माइक्रोकेराटोमेस खरीदे गए हैं जो एंटीरियर लैमेलर केराटोप्लास्टी और एंडोथेलियल केराटोप्लास्टी दोनों में उपयोग के लिए उच्च गुणवत्तायुक्त डोनर

लेंटिक्यूल प्राप्त करने में सहायता प्रदान करते हैं। अत्याधुनिक रिफ्रैक्टिव सर्जरी तकनीक का उपयोग किया जा रहा है; ब्लेडलेस फेमटोसेकंड लेजर-असिस्टेड एलएएसआईके (लेसिक) से लेकर फ्लैपलेस स्मॉल इनसीज़न लेंटिक्यूल एक्सट्रैक्शन (स्माइल) तक। इम्प्लांटेबल कोलामर लेंस (आईसीएल वी4सी) के नवीनतम संस्करण को जो परिधीय इरिडोटॉमी (पीआई) की आवश्यकता को समाप्त करते हैं, नियमित रूप से प्रत्यारोपित किया जा रहा है।

यूनिट-IV आम लोगों को न्यूनतम लागत पर मोतियाबिंद, कॉर्निया और रिफ्रैक्टिव सर्जरी में नवीनतम तकनीक प्रदान कर रही है। यहाँ पर एक अत्याधुनिक ग्लूकोमा सुविधा केंद्र है जिसमें उच्च स्तरीय अनुसंधान और चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए नवीनतम उपकरण, जैसे कि स्वेप्ट सोर्स ओसीटी, एचआरटी, जीडीएक्सवीसीसी, यूबीएम और एएसओसीटी उपलब्ध हैं।

यूनिट-V ने वर्ष 2022-23 के दौरान, समर्पित ऑक्युलोप्लास्टी, ऑन्कोलॉजी, स्ट्रैबिस्मस और न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सेवाएँ और करुणामयी रोगियों की उपचार प्रदान करना जारी रखा। यह इकाई टोसिस, जन्मजात संरचनात्मक विसंगतियों सहित, विभिन्न प्रकार के विकारों के लिए ऑप्थाल्मिक प्लास्टिक और रिकंस्ट्रक्टिव सर्जरी की सुविधा प्रदान करती है, जिसमें जन्मजात कॉन्ट्रैक्टेड सॉकेट में विस्तारकों का उपयोग, कॉस्मेटिक ब्लेफेरोप्लास्टी, आइलिड रिट्रैक्शन सर्जरी, लैक्रिमल ड्रेनेज प्रणाली से संबंधित समस्याएँ, आघात से संबंधित ऑर्बिटल और पेरिऑर्बिटल विकृतियाँ सम्मिलित हैं। इस इकाई में ऑर्बिटल डिकंप्रेसन सर्जरीज, एविसेरेशन, एन्युक्लिएशन, एक्सेंटरेशन, इम्प्लांट प्लेसमेंट, बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन और स्कार रिवीजन सर्जरी आदि जैसी प्रक्रियाएँ भी नियमित रूप से संपन्न की जाती हैं। चिकित्सीय और साथ ही आधारभूत अनुसंधान क्षेत्रों में वर्तमान कमियों को दूर करने के लिए नवीन शल्य चिकित्सा तकनीक, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण और बहुकेंद्रित परीक्षण यहाँ संपन्न किए जाते हैं। मायोपिया की प्रगति को रोकने में एट्रोपिन आई ड्रॉप्स का प्रभाव, एम्ब्लियोपिक आईज में वैस्कुलर विसंगतियों के लक्षण (ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी एंजियोग्राफी पर) और रोगी की बेहतर चिकित्सा के लिए नई सर्जिकल तकनीकों का वर्तमान में यहाँ पर पता लगाया जा रहा है। प्रशिक्षण के स्वरुप को बेहतर बनाने के लिए यहाँ पर पशु मॉड्यूल भी बनाए जा रहे हैं। सर्जिकल सीमाओं का समाधान करने के लिए, असामान्य प्रकार के स्ट्रैबिस्मस में नई शल्यक्रिया, वर्तमान तकनीक में संशोधन और नई अवधारणाओं का भी पता लगाया जा रहा है।

यूनिट-VI में ऑक्यूलर मेलेनोमा के लिए गामा नाइफ उपचार, जैसी नई सुविधाएं आरंभ की गई हैं और ऑक्यूलर मेलिग्नेंसीज के उपचार के लिए आईआरसीएच के सहयोग और अल्प दृष्टि सेवाओं के उन्नयन के साथ प्लाक ब्रैकीथेरेपी की सुविधा आरंभ की गई। डॉ. राधिका टंडन ने नेत्र विज्ञान में एबीपीएमजेएवाई पैकेज के लिए दिशानिर्देश तैयार करने में राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की सहायता की। जैसलमेर (राजस्थान) के रेगिस्तानी क्षेत्र के लोगों में नेत्र रोगों के लिए सामुदायिक सर्वेक्षण किया गया।

नेत्र विकिरण विज्ञान

रेडियोलॉजी अनुभाग ऑन्कोलॉजी, ऑक्यूलोप्लास्टी और न्यूरो-नेत्र विज्ञान के क्षेत्रों में नियमित साप्ताहिक रेडियोलॉजी-ऑप्थाल्मोलॉजी सम्मेलनों में सम्मिलित होता है। यह वन-टू-वन स्नातकोत्तर शिक्षण के लिए एक मंच के रूप में सेवा करते हुए चिकित्सीय प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने में

रेडियोलॉजी के आधार पर निर्णय लेने के लिए, जहाँ कहीं भी उपयुक्त हो, अवसर प्रदान करता है। इस अनुभाग ने पिछले एक दशक में लगभग 15000 आतंरिक सीटी स्कैन की जाँच संपन्न की हैं।

नेत्र सूक्ष्म जीव विज्ञान

सभी रोगजनकों के लिए लाइट माइक्रोस्कोपी और कल्चर, क्लैमाइडिया और हर्पीस सिमप्लेक्स वायरस के लिए इम्यूनो-फ्लोरेसेंस और आणविक परख की सेवाओं के अतिरिक्त, हमने नेत्र के ऊतकों में फंगल तत्वों के लिए फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोपी करना आरंभ कर दिया है। इसके अतिरिक्त, एंटी-फंगल संवेदनशीलता परीक्षण को मानकीकृत किया गया है और इसका उपयोग ऑक्यूलर माइकोसिस के रिफ्रैक्टरी प्रकरणों के लिए किया जा रहा है। स्वचालित प्रणाली का उपयोग करके पहचान और रोगाणुरोधी संवेदनशीलता परीक्षण कठिन बैक्टीरिया और यीस्ट के निदान हेतु अब उपलब्ध है। यह अनुभाग केंद्र में संक्रमण पर नियंत्रण और संक्रमणों के समूहों और प्रकोपों के जाँच और नियंत्रण में सम्मिलित है। संक्रमण के संचरण और प्रक्रिया के बाद के संक्रमणों की घटना को कम करने के लिए प्रोटोकॉल और एसओपी तैयार किए गए हैं। ऑक्यूलर माइक्रोबायोलॉजी अनुभाग की एनएबीएल की मान्यता के नवीनीकरण की तैयारी प्रगति पर है।

नेत्र विकृति विज्ञान

यह अनुभाग मानव यूवियल मैलिग्नेंट मेलेनोमा की जीन अभिव्यक्ति प्रोफ़ाइल, मैलिग्नेंट लैक्रिमल ग्लैंड (नॉच सिग्नलिंग) ट्यूमर के आणविक लक्षण वर्णन, ऑक्यूलर मैलिग्नैंसीज में रिसेप्टर टायरोसिन काइनेस सम्मिलित है: नवीन रोगसूचक मार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य, ऑक्यूलर लिम्फोमा में प्रतिरक्षा जांच बिंदु नियामक और एडिनॉयड सिस्टिक कार्सिनोमा में ट्रांसक्रिपटोम विश्लेषण।

नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी प्रभाग

प्रत्यारोपण के लिए कॉर्निया संरक्षण (पीईसीपीटी) को सक्षम करने का प्रावधान - यह एम्स-एमएचएफडब्ल्यू के सहयोग के माध्यम से सक्षम प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। यह परियोजना कॉर्निया ट्रांसपोर्ट मीडिया प्रदान करके 4000 से अधिक कॉर्निया के प्रत्यारोपण को दृष्टिहीन आँखों के लिए सक्षम बनाती है। वर्तमान में, यह 2010 से आज तक भारत के 24 राज्यों में 108 सरकारी नेत्र बैंकों को यह सेवा प्रदान कर रहा है। वर्तमान में, सरकारी नेत्र बैंकों के लिए लंबे समय तक स्टोर करने वाले मीडिया आरपीसी एक्सस्ट्रोसोल को प्रस्तुत किया गया। ट्रांसरिकॉन, एक नवीन पुनर्गठन उपकरण का आविष्कार आपातकालीन नेत्र चिकित्सा अभ्यास के लिए अस्थिर औषधियों को सक्षम करने के लिए अपना रास्ता तैयार कर रहा है। ठोस या अर्ध-ठोस औषधीय संरचना के पुनर्गठन के लिए एक उपकरण, पद्धति और किट (डब्ल्यू.ओ.2018163201ए1 डब्ल्यू.आई.पी.ओ. (पी.सी.टी) और चीनी पेटेंट (प्रदत्त) चीनी पेटेंट संख्या जेडएल 2018900007835 वाई/आर: एफ.पी.0171/सी.ए. ओ/आरः वी.यू-195029-5955 (व्यावसायीकरण के अंतर्गत)।

नेत्र जैव रसायन

चिकित्सीय जैव-रसायन प्रयोगशाला और अनुसंधान प्रयोगशाला की सुविधा को अत्याधुनिक उपकरणों के साथ उन्नत किया गया है। हमने कुछ बायोमार्कर की पहचान की है, जिनका उपयोग नेत्र सम्बंधित

ट्यूमर के पूर्वानुमान/चिकित्सीय लक्ष्य के रूप में किया जा सकता है ऑक्यूलर बायोकैमिस्ट्री के शोध विद्यार्थी को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगठन द्वारा पुरस्कृत किया गया है और मान्यता प्रदान किया गया है।

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

सामुदायिक नेत्र विज्ञान विभाग वंचित क्षेत्रों में 17 दृष्टि केंद्रों के माध्यम से कई गतिविधियों में सम्मिलित है, जैसे कि व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवा, नेत्रहीनों के लिए समुदाय के साथ-साथ स्कूलों में आउटरीच नेत्र शिविर, स्कूलों में दृष्टि की जाँच, अल्प दृष्टि के लिए पुनर्वास और शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त, महामारी विज्ञान सम्बंधित अनुसंधान और सर्वेक्षण, प्रशिक्षण, क्षमता निर्माण, सामुदायिक जागरूकता और गतिशीलता। सामुदायिक नेत्र चिकित्सा विभाग वर्तमान में एनपीसीबी और वीआई, आईसीएमआर, डीएचआर, सीबीएम, हरियाणा सरकार जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों की साझेदारी में नेत्र उपचार अनुसंधान और सेवाओं पर 15 परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन यूके, ओआरबीआईएस, साइटसेवर्स, विजनस्प्रिंग, ऑपरेशन आईसाइट यूनिवर्सल, सीबीएम आदि जैसी अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ घनिष्ठ सहयोग विकसित किया गया है। इस पहल के अंतर्गत, दृष्टिहीन लोगों को सामुदायिक नेत्र चिकित्सा की एक पुनर्वास टीम द्वारा दृष्टि पुनर्वास सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं। अनुकूलता एवं गतिशीलता, पढ़ाई और लिखाई के लिए पुनर्वास सेवाएँ, कम दृष्टि का मूल्यांकन, व्यावसायिक प्रशिक्षण पर परामर्श, दैनिक जीवन की गतिविधियां (एडीएल), इंस्ट्रुमेंटल एडीएल, विकलांगता प्रमाण पत्र जारी करना, पर्यावरण सम्बंधित और प्रकाश संशोधन के लिए परामर्श आदि सेवाओं के विभिन्न घटकों को अभावग्रस्त रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों आदि को प्रदान किया जा रहा है।

सामुदायिक नेत्र चिकित्सा विभाग हरियाणा राज्य में कॉर्नियल ओपैसिटी के कारण नेत्रहीनता और दृष्टि दोष के व्यापकता का आकलन करने के लिए उष्णकटिबंधीय आँकड़ों और सर्वेक्षण के लिए साझेदार एजेंसियों के रूप में डब्ल्यूएचओ के साथ सम्पूर्ण भारत के 200 जिलों में आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय ट्रेकोमा ट्राइकियासिस सर्वेक्षण में सम्मिलित रहा है। यह विभाग भारत में बाल नेत्र उपचार सेवाओं के लिए मानव संसाधन और आधारभूत ढाँचे की मैपिंग का रिपोर्ट जारी करता है।

शिक्षा

यह केंद्र स्नातक एमबीबीएस, बीएससी (ऑप्टोमेट्री) और नेत्र विज्ञान में स्नातकोत्तर के शिक्षण और प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलित है।

विवरण	**संख्या**
संकाय एवं चिकित्सा अधीक्षक	52
वरिष्ठ रेजिडेंट्स	52
कनिष्ठ रेजिडेंट्स	103
स्नातक-पूर्व छात्र	156
इंटर्न	92

ऑप्टोमेट्री छात्र	79
अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रशिक्षु	21

- स्नातक एमबीबीएस, बीएससी ऑप्टोमेट्रिस्ट, बीएससी नर्सिंग छात्र, पीएचडी प्रोग्राम संबंधी शिक्षण।
- स्नातकोत्तर (पीजी) शिक्षणः 103 स्नातकोत्तर छात्रों को इकाइयों के माध्यम से संगोष्ठी कक्षाओं, वार्ड शिक्षण, क्लिनिकल और शल्य चिकित्सा शिक्षण में रोटेट करना।
- वरिष्ठ रेजिडेंट: शैक्षिक वार्ता और शल्य चिकित्सा संबंधी सहायता

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 17 अप्रैल, 2022 को कॉर्निया कार्यशाला आयोजित की गई
2. विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह दिनांक 8-14 मई 2022 को आयोजित किया गया
3. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 23-24 जुलाई 2022 को लेन्स पायसीकरण (फैकोइमल्सीफिकेशन) और अपवर्तक सर्जरी कार्यशाला आयोजित की गई।
4. एम्स, नई दिल्ली में दिल्ली जून 2022 में ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी की मासिक क्लिनिकल बैठक आयोजित की गई।
5. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 19 जून, 2022 को सामुदायिक नेत्र विज्ञान और कम दृष्टि पर कार्यशाला आयोजित की गई
6. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 21 अगस्त, 2022 को बुनियादी एवं संबद्ध नेत्र विज्ञान पर कार्यशाला आयोजित की गई।
7. एम्स, नई दिल्ली में सितंबर 2022 में 37वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा समारोह आयोजित किया गया।
8. एम्स, नई दिल्ली में सितंबर 2022 में शिक्षक दिवस समारोह सहायता का आयोजन किया गया।
9. ओआरए आरपीसी सीएमई और इंटर-हाउस प्रश्नोतरी का आयोजन दिनांक 20 दिसंबर, 2022 (मंगलवार) को एम्स, नई दिल्ली में किया गया।
10. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 24 जुलाई, 2022 को लेन्स पायसीकरण (फैकोइमल्सीफिकेशन) और अपवर्तक सर्जरी पर कार्यशाला आयोजित की गई
11. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 21 अगस्त, 2022 को बुनियादी एवं संबद्ध नेत्र विज्ञान पर कार्यशाला आयोजित की गई
12. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 18 सितंबर, 2022 को न्यूरो-नेत्र विज्ञान कार्यशाला आयोजित की गई
13. एमजीडी और संबद्ध मुद्दों ओएसडी और एमजीडी पर सीएमई और पैनल चर्चाः इवॉल्विंग अंडरस्टैंडिंग दिनांक 21 सितंबर 2022 को आयोजित आयोजित हुई
14. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 6 नवंबर, 2022 को बाल चिकित्सा नेत्र विज्ञान और स्ट्रैबिस्मस पर एक कार्यशाला आयोजित की गई
15. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 27 नवंबर, 2022 को ओकुलोप्लास्टी और नेत्र संबंधी ट्यूमर पर एक कार्यशाला आयोजित की गई

16. ओआरए आरपीसी मोतियाबिंद सीएमई दिनांक 30 दिसंबर, 2022 (शुक्रवार) को आयोजित की गई। वर्चुअल
17. ओआरए आरपीसी मोतियाबिंद सीएमई दिनांक 29 दिसंबर, 2022 (शुक्रवार) को आयोजित की गई। वर्चुअल
18. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 20 दिसंबर, 2022 को आरपी सेंटर- ओआरए आरपीसी सीएमई और प्रश्नोतरी का आयोजन किया गया
19. दिनांक 10 जनवरी, 2022 को आयोजित क्लियर विजन इंडिया के लिए पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप 2023 पर तृतीय लीडरशिप एक्सचेंज
20. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 22 जनवरी, 2023 को लेन्स पायसीकरण (फेकोइमल्सीफिकेशन) और अपवर्तक सर्जरी कार्यशाला आयोजित की गई
21. राष्ट्रीय टीटी सर्वेक्षण की वर्तमान स्थिति पर एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 07 फरवरी, 2023 को डब्ल्यूएचओ ट्रेकोमा की समीक्षा पर एक बैठक हुई
22. अंतर्राष्ट्रीय बाल्यावस्था कैंसर दिवस रेटिनोब्लास्टोमाः एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 15 फरवरी, 2023 को आयोजित किया गया
23. जेएलए, एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 10-12 मार्च 2023 को आरपीसी स्थापना दिवस और वैज्ञानिक सत्र का आयोजन किया गया
24. एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 28 मार्च, 2023 को आयोजित नेत्र संक्रमण पर आरपी सेंटर सीएमई का अद्यतन
25. डीआईपीएसआरयू, नई दिल्ली में दिनांक 1 मार्च, 2023 को दिल्ली फार्माकोलॉजिकल सोसायटी का दूसरा वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया गया

प्रदत्त व्याख्यानः 718

पिछले 3 वर्षों में प्रदत्त व्याख्यान

वर्ष	प्रदत्त व्याख्यानों की कुल संख्या
2020-2021	331
2021-2022	463
2022-2023	718

प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरों की सूची: 165

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

वर्ष	प्रस्तुत मौखिक पत्र/पोस्टरों की सूची
2020-2021	46
2021-2022	92
2022-2023	165

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मध्यम मायोपिया और हाइपरोपिया के साथ प्रेसबायोपिया के सुधार के लिए प्रेसबायोपिक आईपीसीएल की सुरक्षा और प्रभावकारिता, प्रो. जेएस तितियाल, केयर ग्रुप इंडिया लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2023, 41,95,180 रुपये
2. स्माइल और लेसिक से गुजरने वाले प्रकरणों में दीर्घकालिक परिणाम और टीयर इंफ्लेमेटरी मीडिएटर एनालिसिस, प्रो. जे. एस. तितियाल, मैसर्स कार्ल जीस मेडिटेक, 3 वर्ष, 2021-2024, 33,78,254 रुपये
3. द्विपक्षीय सिकाट्राईजिंग ऑक्यूलर सरफेस रोगों, अर्थात् स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम और केमिकल बर्न्स से पीड़ित रोगियों में संवर्धित ओरल म्यूकोसल एपिथेलियल प्रत्यारोपण के साथ, कंजंक्टिवल स्टेम सेल प्रत्यारोपण की प्रभावकारिता का तुलनात्मक मूल्यांकन (प्रोजेक्ट कोड सं. बीटी-1829), डॉ. राधिका टंडन, डीबीटी, 5 वर्ष, 29 दिसंबर 2017 से 30 अप्रैल 2023, 59,16,104 रुपये
4. भारत में नेत्र संबंधी स्वास्थ्य पर पराबैंगनी विकिरण (यूवीआर) और एयरोसोल एक्सपोजर के प्रभाव का बहु-केंद्रित अध्ययन, चरण-II (परियोजना कोड सं. I-995), डॉ. राधिका टंडन, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 1 मार्च 2018 से 31 अगस्त 2023, 428,42,697 रुपये
5. भारत में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम के विकास पर एक परिचालनात्मक अनुसंधान [परियोजना कोड सं. एन-1714 (आरएस)] डॉ. सूरज सेंजमसिंह (पीआई), डॉ. राधिका टंडन (अध्यक्ष), क्रिस्टोफेल ब्लाइंड मिशन (सीबीएम), 3 वर्ष, जनवरी 2021 से दिसंबर 2023, रु. 37,61,475.97
6. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा से पीड़ित रोगियों में आइलिया की तुलना में सीटी-पी42 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक, सक्रिय-नियंत्रित, डबल-मास्कड, समानांतर-समूह, चरण 3 का अध्ययन, प्रो. राजपाल, सिनेओस हेल्थ, सितंबर 2021-जारी, 10 लाख रुपये
7. प्रोलिफरेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी (सी.ओ.एन.डी.ओ.आर) से पीड़ित रोगियों में पैन रेटिनल फोटोकोआगुलेशन लेजर की तुलना में ब्रोलुसीज़ुमैब 6 मिलीग्राम की प्रभावकारिता और सुरक्षा का आकलन करने वाला एक 96 सप्ताह वाला, टू आर्म, यादृच्छिक, सिंगल-मास्क्ड, बहु-केंद्र, चरण III वाला अध्ययन, मई 2022- जारी, 50,000 रुपये
8. कक्षीय ट्यूमर में आणविक लक्ष्यों की पहचान और लक्षण वर्णनः नवीन चिकित्सीय रणनीतियों का आधार, डॉ. सीमा सेन यूजीसी, 5 वर्ष, 2017-22, 33 लाख रुपये
9. ऑक्यूलर मैलिग्नेंसीज़ में रिसेप्टर टायरोसिन काइनेजः नोवेल प्रोग्नॉस्टिक मार्कर एंड थेराप्युटिक, डॉ. सीमा सेन, सीएसआईआर, 3 वर्ष, 2022-24, 27 लाख रुपये

10. एडिनॉयड सिस्टिक कार्सिनोमा में नए मार्गों को परिभाषित करने और चिकित्सीय परिणामों के साथ सहसंबंध बनाने के लिए ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण, डॉ. सीमा सेन, डॉ. कुंजैंग, अंतर्संस्थागत, सहयोगात्मक, 3 वर्ष, 2022-2024, 20 लाख रुपये

11. ऑक्यूलर लिम्फोमास में इम्यून चेकपॉइंट रेगुलेटर और इम्यूनोसप्रेसिव ट्यूमर का सूक्ष्म वातावरणः नया प्रोग्नॉस्टिक मार्कर और चिकित्सीय लक्ष्य, डॉ. सीमा सेन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 36 लाख रुपये

12. आक्रामक ऑक्यूलर मैलिग्नैंसीज में नए आणविक लक्ष्यों के रूप में एबर्रेंट लिपिड मेटाबॉलिज्म मार्ग, डॉ. सीमा सेन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 30 लाख रुपये

13. यूवियल मेलानोमा में कोशिका चक्र की प्रगति के दौरान हिप्पो सिग्नलिंग मार्ग का जीन नियंत्रण, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जनवरी 2023 से दिसंबर 2026, 30 लाख रुपये

14. यूवियल मेलेनोमा के ट्यूमर माइक्रोएन्वायरमेंट में पिग्मेंटेशन के साथ हिप्पो मार्ग का जुड़ाव और इसकी चिकित्सीय प्रासंगिकता, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, जून 2019 से फरवरी 2023, 30 लाख रुपये

15. यूवियल मेलेनोमा में ट्यूमर से जुड़े मैक्रोफेज के साथ पिग्मेंटेशन मार्करों की विभेदक भूमिका, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 35 लाख रुपये

16. पीडियाट्रिक ऑक्यूलर मैलिग्नैंसीज में हाइपोक्सिया मध्यस्थ कोशिका के चयापचय की भूमिका, सीमा कश्यप, आईसीएमआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2020 से नवंबर 2023, 35 लाख रुपये

17. इंट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित रोगियों के सीरम, एक्वस ह्यूमर और ट्यूमर के ऊतक में ट्यूमर बायोमार्कर का क्लिनिक-पैथोलॉजिकल महत्त्व, सीमा कश्यप और रचना सेठ, आईआरजी सहयोगात्मक परियोजना, 4 वर्ष, 2021-2024, 10 लाख रुपये

18. दृष्टि की तीक्ष्णता और सुरक्षा के लिए एक नए ट्राइफोकल इंट्राऑक्यूलर लेंस के दृष्टिगत प्रदर्शन का आकलन (ऑप्टिफ्लेक्स ट्रायो, बायोटेक यूरोप मेडिटेक), प्रो. नम्रता शर्मा, बायोटेक विजन केयर प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष 9 माह, दिसंबर 2021 से सितंबर 2023, 13,62,000 रुपये

19. एपिडर्मल नेक्रोलाइसिस से पीड़ित रोगियों में अंतर्निहित विभेदक अभिव्यक्ति और विशिष्ट रोग के हस्ताक्षर प्रोफ़ाइल की पहचान करना, प्रो. नम्रता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, जुलाई 2019 से जुलाई 2022, 48 लाख रुपये

20. कॉर्नियल ग्राफ्ट अस्वीकृति की भविष्यवाणी के लिए एक नए बायोमार्कर के रूप में माइक्रोआरएनए, प्रो. नम्रता शर्मा, सीएसआईआर, 3 वर्ष, दिसंबर 2019 से दिसंबर 2022, 25 लाख रुपये

21. स्टीवन जॉनसन सिंड्रोम (एसजेएस) के दीर्घस्थायी नेत्र संबंधी प्रकरणों में कम खुराक वाले हेपरिन आई ड्रॉप की भूमिका और प्रतिरक्षा के साथ इसका संबंधः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रो. नम्रता शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष 5 महीने, सितंबर 2019 से फरवरी 2023, 47 लाख रुपये

22. ग्लूकोमा के रोगियों में इंट्रा ऑक्यूलर दबाव में जीवन की गुणवत्ता, इंफ्लेमेटरी मार्कर्स और अभिव्यक्ति प्रोफाइल में योग-आधारित चिकित्सा का प्रभावः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रो. तनुज दादा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, अक्टूबर 2019 से सितंबर 2022, 536536,71,260 रुपये

23. स्वास्थ्य मंत्रालय के अंतर्गत, भारतीय नेत्र बैंकों में कॉर्निया प्रत्यारोपण संरक्षण के लिए गुणवत्ता नियंत्रण के मापदंडों को विकसित करना और एम.के. मीडिया को वितरित करना, डॉ. टी वेलपांडियन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, 14 वर्ष, 2009-2025, 129 लाख रुपये

24. विसंक्रमित फार्मास्युटिकल की तैयारी के लिए ट्रांस-रीकॉन तकनीक का विकास और सत्यापन, डॉ. टी वेलपांडियन, बीआईआरएसी (बिग ग्रांट), वेंचर सेंटर, 3 वर्ष, 2019-2022, 28.3 लाख रुपये

25. पर्यावरण में एंटीबायोटिक के फैलाव और एएमआर पर उनके प्रभाव की निगरानी के लिए उच्च प्रवाह क्षमता की तकनीक, डॉ. टी. वेलपांडियन, डीबीटी और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 2 वर्ष, 2020-2023, 41.3 लाख रुपये

26. दिल्ली और एनसीआर में फैलेट्स और मेटाबोलाइट्स सहित उच्च मात्रा वाले रसायनों की जलीय भेद्यता, डॉ. टी वेलपांडियन, डीएसटी, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2020-2023, 57.13 लाख रुपये

27. नेत्र संबंधी उपयोग के लिए डिपाइरिडामोल के फार्माकोलॉजी को समझना, डॉ. टी. वेलपांडियन, ओडी ओकुलर डिस्कवरी लिमिटेड, इज़राइल, 2 वर्ष, 2020-2023, 13.31 लाख रुपये

28. कुछ अंतःस्रावी अवरोधकों (उच्च मात्रा वाले रसायन) के जलीय संपर्क की सीमा, डॉ. टी. वेलपांडियन, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 46.50 लाख रुपये

29. प्रायोगिक पशुओं का उपयोग करके नेत्र की कार्यप्रणाली पर मिलीमीटर तरंगों के प्रभाव का मूल्यांकन, डॉ. टी वेलपांडियन, डीआरडीओ, 2 वर्ष, 2021-2023, 40.08 लाख रुपये

30. भारत के 200 जनपदों में केवल एनपीसीबी का राष्ट्रीय ट्रैकोमैटस ट्राइकियासिस सर्वेक्षण (केवल टीटी सर्वेक्षण), प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, एनपीसीबी, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 2 वर्ष, 2021-2023, 5,23,15,425 लाख रुपये

31. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र उपचार सेवा के लिए एक दीर्घस्थायी मॉडल, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 8 वर्ष, 2017-2025, 77,12,242 रुपये

32. एनसीआर में व्यापक आउटरीच नेत्र उपचार सेवा के लिए एक दीर्घस्थायी मॉडल, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, हीरो मोटोकॉर्प, 5 वर्ष, 2018-2023, 37,04,530 रुपये

33. दिल्ली की मलिन बस्तियों और पुनर्वास कालोनियों में वंचित आबादी के लिए व्यापक आउटरीच नेत्र उपचार सेवा के लिए एक दीर्घस्थायी मॉडल, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दीपालय, 7 वर्ष, 2018-2025, 1,25,10,800 रुपये

34. भारत में विकलांगता समावेशी नेत्र स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करने पर एक परिचालनात्मक अनुसंधान, डॉ. सूरज सिंह सेंजम/ प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, क्रिस्टोफेल ब्लाइंडेन मिशन (सीबीएम), 3 वर्ष, 2021-2023, 33,99,387 रुपये

35. भारत में नेत्र स्वास्थ्य पर अल्ट्रा वायलेट रेडिएशन (यूवीआर) और एयरोसोल एक्सपोज़र के प्रभाव का बहुकेंद्रित अध्ययन, डॉ. राधिका टंडन/प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2018-2023, 4,50,00,000 रुपये

36. नए संशोधित डब्ल्यूएचओ आई केयर सिचुएशन एनालाइजिस टूल (ईसीएसएटी) इंडिया परियोजना सं. 128/आरपीसी/प्रोजेक्ट/ 2021 के संचालन में सहायता, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, डब्ल्यूएचओ, 1 वर्ष, 2021-2022, रु. 2,25,570

37. दिल्ली में स्टेटिक बनाम मोबाइल विजन केंद्रों की लागत प्रभावशीलता का विश्लेषण (प्रोजेक्ट कोड डीएचआर-1400), प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, डीएचआर, 1 वर्ष, 2022-2023, रु. 14,00,344

38. प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, दिव्य ज्योति, जाग्रति संस्थान की साझेदारी में दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएँ, परियोजना सं. 130/आरपीसी/परियोजना/2022, 5 वर्ष, 2022-2027, रु. 50,00,000

39. कॉर्नियल अपारदर्शिता और दृष्टिहीनता सर्वेक्षण, हरियाणा 2021-22, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, हरियाणा राज्य दृष्टिहीनता नियंत्रण समिति, 1 वर्ष, 2023, रु. 10,50,420

40. नेशनल कॉर्नियल ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट सर्वेक्षण - भारत में एक क्रॉस सेक्शनल स्थितिजन्य विश्लेषण का अध्ययन, प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2023-2024, रु. 7657615

41. रोशनीः समावेशी व्यापक नेत्र उपचार सेवाओं के लिए सम्पूर्ण भारत में पहल - क्रिस्टोफेल ब्लाइंडेन मिशन (सीबीएम), प्रो. प्रवीण वशिष्ठ, सीबीएम, 3 वर्ष, 2023-2025, रु. 6,89,40,430

42. शल्यक्रिया से पहले और बाद में स्ट्रैबिस्मस में 3-डी बायनोकुलर मोटर नियंत्रण, डॉ. रोहित सक्सेना, सीईएफआईपीआरए (भारत-फ्रांस सहयोगात्मक अध्ययन), 3 वर्ष, जून 2022 से जून 2025, रु. 20,00,000

43. मोतियाबिंद सर्जरी के बाद टॉपिकल एनएसएआईडी बनाम टॉपिकल कॉर्टिकोस्टेरॉइड के प्रभावकारिता की तुलना, डॉ. रोहित सक्सेना, सन फार्मास्यूटिकल्स, 2 वर्ष, जनवरी 2022 से दिसंबर 2023, रु. 8,00,000

44. स्कूली बच्चों में मायोपिया की घटनाओं और प्रगति पर बढ़ती हुई बाहरी गतिविधियों के प्रभाव का मूल्यांकन करना, डॉ. रोहित सक्सेना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 5 वर्ष, जून 2016 से मई 2022, रु. 31,10,462

45. बचपन के मायोपिया (निकट दृष्टिदोष) के लिए कम खुराक वाली एट्रोपिन आई ड्रॉप के प्रभाव का मूल्यांकन करना, डॉ. रोहित सक्सेना, एंटोड फार्मास्युटिकल्स, 3 वर्ष, सितंबर 2019 से जून 2022, रु. 16,01,000

46. दृश्य क्षेत्र के दोषों को चिह्नित करने के लिए एक उपकरण के रूप में नेत्र की गति का मूल्यांकन करना, डॉ. रोहित सक्सेना, एम्स-आईआईटी परियोजना, 2 वर्ष, जनवरी 2019 से दिसंबर 2022, 10 लाख रुपये

47. 18 वर्ष और उससे अधिक उम्र के व्यक्तियों में जो कोविड-19 से ठीक हो गए हैं, कोविड के बाद के लक्षणों और पहले से विद्यमान स्वास्थ्य दोषों का आकलन (प्रोजेक्ट कोड I-1391), प्रो. सूरज सिंह सेंजम, आईसीएमआर, 2022-2024, रु. 68,09,418
48. ग्लूकोमा में एंडोथेलिन और रेटिनल रेनिन एंजियोटेंसिन सिस्टम (आरआरएएस) का मूल्यांकन, डॉ. नबोनीता हल्दर, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 4.9 लाख रुपये
49. मायोपिया की प्रगति में न्यूरोमॉड्यूलेटर की भूमिकाः एक केस नियंत्रित सहयोगात्मक अध्ययन, नुपुर गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 10331704
50. शुष्क नेत्र रोग और लिम्बल स्टेम सेल की कमी से पीड़ित रोगियों में मानव ऑक्यूलर माइक्रोबायोम का मूल्यांकन करने के लिए एक मेटाजीनोमिक प्रक्रिया, नुपुर गुप्ता, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2023-2025, रु. 4694736
51. यूविआइटिस में फ्लोसाइटोमेट्री, डॉ. रोहन चावला, एम्स, 3 वर्ष, 2020-2023, रु. 800000
52. आर्म्ड में ब्रोलिसिज़ुमैब के उपयोग के चरण 4 का अध्ययन, डॉ. रोहन चावला, एम्स, 3 वर्ष, 2022-जारी
53. आर्म्ड में बायोसिमिलर की भूमिका, डॉ. विनोद कुमार, एम्स, 3 वर्ष, 2022-जारी
54. लीबर्स हेरेडिटेरी ऑप्टिक न्यूरोपैथी से पीड़ित रोगियों में प्लेसिबो की तुलना में आइडेबिनोन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक तुलनात्मक अध्ययन - एक मार्गदर्शी अध्ययन, स्वाति फुलझेले आलोक, अन्तर्संस्थानिक अनुदान, 4 वर्ष, 2019 - जारी, रु. 4,32,000 प्रति वर्ष
55. भारत में रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित नए निदानित रोगियों के लिए एक संभावित सहयोगात्मक अध्ययन, कैंकिड्स द्वारा वित्तपोषित बाह्यसंस्थानिक परियोजना, रचना मील, एनजीओः कैंकिड्स, 3 वर्ष, 2021-2024, रु. 6,15,483.00
56. मोतियाबिंद और सामान्य नेत्र संबंधी रुग्णताओं की उपचार के तरीके एवं रास्ते और पश्चिमी दिल्ली की शहरी संवेदनशील लोगों में उन रास्तों पर स्थानीय स्वयंसेवकों का प्रभाव, डॉ. विवेक गुप्ता, स्वामी शिवानंद मेमोरियल, 7 वर्ष, 2017-2024, रु. 79,40,000
57. नेत्र संक्रमणों से कैंडिडा प्रजातियों के आइसोलेट्स प्रजातियों, एंटीफंगल संवेदनशीलता प्रोफाइल की पहचान और उनके विरुलेंस घटक, डॉ. निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली, संस्थागत अनुदान, 24 माह, 2021-2023, 5 लाख रुपये
58. एक्सेनफेल्ड रीगर सिंड्रोम प्रकरणों में ज्ञात और नवीन उत्परिवर्तनों के एक्जोम अनुक्रमण के आधार पर पता लगाना (समीक्षा 2021 के लिए भेजा गया), डॉ. शिखा गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल, जारी, नवम्बर 2021 से अब तक, 10 लाख रुपये
59. एक्सेनफेल्ड रीगर सिंड्रोम पैथोजेनेसिस में नए जीन्स, डॉ. शिखा गुप्ता, आईसीएमआर, जारी, फरवरी 2023 से अब तक, 55 लाख रुपये
60. एंजियोग्राफिक बहिर्प्रवाह का मूल्यांकनः बच्चों से वयस्कों में ग्लूकोमा की शुरुआत, डॉ. शिखा गुप्ता, एआरवीओ रॉश सहयोगात्मक अनुसंधान अध्येतावृत्ति (फेलोशिप), जारी, मार्च 2022 से अब तक, रु. 800,000

61. संक्रामक कॉर्निया में कॉर्नियल स्क्रैपिंग के लिए 26 गेज की सुई बनाम किमुरा स्पैटुला का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन, प्रफुल्ल के. महाराणा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रु. 500000.00

62. वर्नल केराटोकंजक्टिवाइटिस में केराटोकोनस के विकास को रोकने में 0.05% साइक्लोस्पोरिन आई ड्रॉप के साथ दीर्घकालिक सूजन नियंत्रण की प्रभावकारिताः एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, प्रफुल्ल के. महाराणा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, रु. 900000.00

63. एएमएल से पीड़ित रोगियों में सिस्टमिक साइटाराबाइन अरेबिनोसाइड (एआरए-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन, देवांग एंग्मो, सहयोगात्मक, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अप्रैल 2023 से अप्रैल 2025 तक, रु. 20,00,000

64. 18एफ-एफडीजी रेडियोमिक्स और रेटिनोब्लास्टोमा में रेडियोजेनोमिक्स प्रोफाइलिंग, नेइवेटे लोमि, अन्तर्संस्थानिक, एम्स अंतर्विषयक सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

65. रेटिनोब्लास्टोमा के उत्तरजीविताओं का दृष्टि आकलन (वीएआरएस) अध्ययन, नेइवेटे लोमि, एम्स स्नातक अनुसंधान परियोजना, 1 वर्ष, 2021-22, रु. 185000

66. एफएमआरआई और डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग का प्रयोग करके एनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोप्स में ऑक्लूजन थेरेपी के साथ संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन, रेबिका

67. अंतःविषय सहयोगात्मक इंट्राम्यूरल वित्त पोषित अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 21 मार्च 2023, रु. 1,40,000

68. नई पीढ़ी के मल्टीफोकल इंट्राऑक्यूलर लेंस के द्विपक्षीय प्रत्यारोपण के बाद क्लिनिकल स्टीरियोएक्विटी और दृष्टि की गुणवत्ता के साथ कार्यात्मक एमआरआई पर न्यूरोएडेप्टिव परिवर्तनों का सहसंबंध, डॉ. मनप्रीत कौर, एम्स अन्तर्विभागीय अन्तर्संस्थानिक, 2 वर्ष, 2021-23, 10 लाख रुपये

69. मीबोमियान ग्लैंड डिसफंक्शन में टीयर फिल्म लिपिड प्रोफाइल और इंफ्लेमेटरी मीडिएटरों पर वेक्टरेड थर्मल पल्सेशन उपचार का प्रभाव, डॉ. मनप्रीत कौर, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2022-2023, 5 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में जारी वित्तपोषित परियोजना

वर्ष	जारी वित्तपोषित परियोजनाओं की सूची
2020-2021	66
2021-2022	79
2022-2023	69

पूर्ण

1. एम्स-आईआईटी, दिल्ली सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक था- बायो इंजीनियर्ड कॉर्निया (केराटाइटिस रोगियों में संभावित चिकित्सीय उपयोग के लिए) का व्यवहार्यता आँकड़ा (मानव चिकित्सीय परीक्षण के लिए) उत्पन्न करना - *एक इन-विट्रो अध्ययन* (परियोजना कोड नंबर एआई-23), डॉ. राधिका टंडन, एम्स, 2 वर्ष, 2019-2020, 5 लाख रुपये
2. बैक्टीरियल केराटाइटिस के प्रबंधन के लिए मानक संयोजन चिकित्सा के साथ उच्च शक्ति वाले टॉपिकल लिवोफ़्लॉक्सासिन (1.5%) मोनोथेरेपी की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रो. नम्रता शर्मा, सैंटेन फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, 2 वर्ष, 2 माह, सितंबर 2020 से नवंबर 2022, 8.19 लाख रुपये
3. असंक्रमित औषधीय सामग्री के लिए ट्रांसरेकोन तकनीक का विकास और सत्यापन, डॉ. टी. वेलापांडियन, बीआईआरएसी (बिग ग्रांट), वेंचर सेंटर, 3 वर्ष, 2019-2022, 28.3 लाख रुपये
4. भारत में बच्चों की नेत्र उपचार सेवाओं के लिए मानव संसाधन और आधारभूत संरचना का मानचित्रण, डॉ. प्रवीण वशिष्ठ, ओआरबीआईएस, 1 वर्ष 6 महीने, 2020-2022, रु. 25,13,747
5. स्वस्थ हो चुके कोविड-19 से पूर्व में पीड़ित व्यक्तियों में पहले से विद्यमान दृष्टि की विकलांगता और अन्य स्वास्थ्य दोषों और उसके बाद के स्वास्थ्य का आकलन, डॉ. सूरज सिंह सेनजम, एम्स-यूजी योजना, 1 वर्ष, 2021-2022, रु. 1,60,000
6. कोविड युग में राइनो सिनो-ऑर्बिटल म्यूकोर्माइकोसिस प्रबंधन (आरएसओएम) के प्रकरणों में लक्षित कक्षीय हस्तक्षेप का मूल्यांकन, रचना मील, फास्ट ट्रैक इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट्सः म्यूकोर्माइकोसिस और कोविड-19, जुलाई 2021 से अगस्त 2022, 2021-2022, रु. 147500.00
7. मोतियाबिंद सर्जरी के लिए क्षमता से अधिक का भुगतानः एक सर्वेक्षण उपकरण का अनुकूलन और मार्गदर्शी परीक्षण, विवेक गुप्ता, एलएसएचटीएम, 1 वर्ष, जून 2022 से सितंबर 2022, 2 लाख रुपये
8. प्रजातियों की पहचान, एंटीफंगल संवेदनशीलता प्रोफ़ाइल और ऑक्यूलर संक्रमणों से रोडोटोरुला प्रजातियों के आइसोलेट्स से बायोफिल्म का निर्माण, डॉ. निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली, संस्थागत अनुदान, 12 माह, 2019-2020, 5 लाख रुपये
9. नेत्र संबंधी वायरल संक्रमणों में हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस टाइप 1 और टाइप 2, साइटोमेगालोवायरस, वैरिसेला-ज़ोस्टर वायरस और एडिनोवायरस का पता लगाने के लिए मल्टीप्लेक्स पीसीआर की स्थापना, डॉ. निशात हुसैन अहमद, एम्स, नई दिल्ली। संस्थागत अनुदान, 24 महीने, 2016-2018, 7.7 लाख रुपये
10. सार्स कोविड-19 के रोगियों के आंसुओं और कंजंक्टिवल स्रावों में कोरोना वायरस का मूल्यांकन, देवांग एंग्मो, एम्स, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, अप्रैल 2020 से अप्रैल 2022, रु. 10,00,000
11. यूवियल मेलेनोमा में मेटास्टेटिक क्षमता की ग्रेडिंग के लिए जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग, डॉ. नीवेटे लोमि, एम्स इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2020-2022, 10 लाख रुपये

पिछले 3 वर्षों में पूर्ण वित्तपोषित परियोजना

वर्ष	पूर्ण वित्तपोषित परियोजनाओं की सूची
2020-2021	16
2021-2022	22
2022-2023	11

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. मध्यम से गंभीर फंगल केराटाइटिस में एक सहायक उपचार के रूप में त्वरित कॉर्नियल कोलेजन क्रॉस-लिंकिंग का आकलन
2. मध्यम से अत्यंत शुष्क नेत्र रोग के उपचार में जलीय आधारित और तेल आधारित 0.05% साइक्लोस्पोरिन आई ड्रॉप का तुलनात्मक मूल्यांकन
3. समकालिक द्विपक्षीय सक्रिय केराटाइटिस की जनसांख्यिकी, जोखिम के घटक, चिकित्सीय एवं सूक्ष्मजीवविज्ञान सम्बन्धी विशेषताएँ और दृष्टिगत परिणाम
4. एएमआरडी और डायबिटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित रोगियों में कैटरेक्ट सर्जरी के दृश्यगत परिणामों, शल्यक्रिया से पूर्व भविष्यवक्ताओं और रोगियों की संतुष्टि का मूल्यांकन
5. एकपक्षीय तीव्र रसायनिक घावों में मानव एमनियोटिक मेम्ब्रेन (एचएएम) ग्राफ्ट के एक विकल्प के रूप में संशोधित पॉली-कैप्रोलैक्टोन (पीपीसीएल) का मूल्यांकनः एक मार्गदर्शी चिकित्सीय परीक्षण
6. लक्षित उपचार और चेकपॉइंट अवरोधकों के नेत्र संबंधी प्रतिकूल प्रभाव
7. ट्राइकियासिस से पीड़ित रोगियों में मीबोग्राफीः एटियोलॉजी के निर्धारण में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज करना
8. केराटोकोनस में इंट्रास्ट्रोमल केराटोप्लास्टी का कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स
9. प्राथमिक कॉर्नियल पैथोलॉजी के साथ एएसडीए का आनुवंशिक मूल्यांकन
10. केराटोप्लास्टी में कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स
11. कृत्रिम बुद्धिमता की सहायता से कॉर्नियल ब्लाइंडनेस के बोझ का अनुमान लगाना और केराटोप्लास्टी की आवश्यकता की भविष्यवाणी करना
12. ट्रैकोमैटस केराटोपैथी से पीड़ित रोगियों में कॉर्नियल प्रत्यारोपण के परिणाम
13. छोटे कॉर्नियल छिद्रों के प्रबंधन में टेनन के पैच ग्राफ्ट और स्माइल लेंटिक्यूल की तुलना
14. म्यूकोपॉलीसैकरिडोसेज से पीड़ित रोगियों में नेत्र संबंधी प्रदर्शनः मूल्यांकन के तौर-तरीकों की भूमिका
15. लिम्बल स्टेम सेल की हल्के से मध्यम कमी में मल्टीफेजिक माइकेलर नैनो पार्टिकल (एमएनपी) साइक्लोस्पोरिन

16. ट्राइकियासिस से पीड़ित रोगियों में मीबोग्राफीः ट्राइकियासिस के एटियोलॉजी का निर्धारण करने में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज करना
17. कोरॉइडल मेलेनोमा में संयुक्त प्लाक ब्रैकीथेरेपी और ट्रांसप्युपिलरी थर्मोथेरेपी के परिणामों का आकलन करना
18. उन्नत इंट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में संयुक्त पेरीऑक्यूलर टोपोटेकन और सिस्टमिक कीमोथेरेपी की भूमिका
19. 18-फ्लोरोडॉक्सी-ग्लूकोज पॉज़िट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी/कंप्यूटेड टोमोग्राफी (18-एफडीजी पीईटी/सीटी) स्कैन पर प्राथमिक यूवियल मेलेनोमा की चयापचय गतिविधि का ज्ञात चिकित्सीय और पैथोलॉजिकल पूर्वानुमानित घटकों के साथ परस्पर सम्बन्ध स्थापित करना
20. यूविअल मेलेनोमा में प्रोफाइलेक्टिक इंट्राविट्रियल बेवाकिज़ुमैब के साथ और उसके बिना प्लाक ब्रैकीथेरेपी के पश्चात, ओसीटीए पर आधारित मैक्यूलर और पेरिपैपिलरी रेटिनल सर्कुलेशन का मात्रात्मक मूल्यांकन
21. ऑक्यूलर सरफेस स्क्वैमस नियोप्लासिया में पेरिलेज़नल इंजेक्शन बनाम टॉपिकल इंटरफेरॉन अल्फा-2बी
22. बच्चों के मोतियाबिंद में विज़ुअल एक्सिस ओपैसिफिकेशन की घटना से जुड़े घटकों पर महत्त्वाकांक्षी अध्ययन
23. मायोपिया और कंपाउंड मायोपिक एस्टिग्मैटिस्म में 80 बनाम 100 माइक्रोन फ्लैप लेसिक के परिणामों की तुलना करना
24. कॉर्नियल अपारदर्शिता के रोगियों में लेजर रिफ्रैक्टिव सर्जरी के परिणाम
25. मायोपिक एस्टिग्मैटिस्म के रोगियों में साइक्लोटॉरसन की क्षतिपूर्ति के साथ स्माइल के परिणाम
26. सीएनएस के डिमाइलिनेटिंग रोगों की रेटिनल अभिव्यक्तियाँ
27. डायबिटिक रेटिनोपैथी के साथ टाइप 1 और टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस से पीड़ित रोगियों में सीरम और विट्रियस बायोमार्कर की तुलना
28. पीवीआर के साथ रेटिनल डिटैचमेंट में सहायक के रूप में इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट का उपयोग
29. रेटिना डिटैचमेंट के साथ फंडल कोलोबोमा में 25 जी विट्रेक्टॉमी के शारीरिक और कार्यात्मक परिणाम
30. आरओपी की एनाटोमिकल जाँच-पड़ताल और प्लस रोग की मात्रा का निर्धारण
31. रेटिनल केपिलरी एंजियोमैटोसिस की अल्ट्रावाइडफील्ड ओसीटी विशेषताएँ
32. अधिक या कम वजन वाले बाल रोगी में एलएमए के आकार के अनुसार वजन बनाम आयु के अनुसार वजन के चयन की यादृच्छिक तुलना
33. इलेक्टिव आर्थ्रोस्कोपिक घुटने की सर्जरी से गुजरने वाले मरीजों में अकेले एडक्टर कैनाल ब्लॉक की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और आईपैक ब्लॉक के साथ एडक्टर कैनाल ब्लॉक के संयोजन की तुलना। एक रेंडमाइज्ड डबल ब्लाइंडेड नियंत्रित परीक्षण

34. इन्फीरियर वेना कावा के व्यास, रीनल वेन फ्लो, हेपेटिक वेनस फ्लो और पोर्टल वेन फ्लो का संयोजनः आईसीयू में सेप्सिस/सेप्टिक शॉक वाले रोगी में एकेआई की भविष्यवाणी करने में वीनस एक्सेस अल्ट्रासाउंड स्कोर (वेक्सस स्कोर): एक संभावित कोहोर्ट अध्ययन।

35. वृक्क प्रतिरोधी सूचकांक का उपयोग करके संवर्धित वृक्क निकासी की भविष्यवाणी - एक संभावित अवलोकनात्मक अध्ययन

36. ऑर्बिटल लिम्फैन्जियोमा में ओरल सिल्डेनाफिल के परिणाम का मूल्यांकन

37. ओरल प्रोप्रैनोलोल की तुलना में पेरिऑक्यूलर कैपिलरी हीमैनजियोमास के उपचार के लिए टॉपिकल टिमोलोल की भूमिका का मूल्यांकन करना

38. अधिग्रहित टोसिस के उपचार में टॉपिकल ऑक्सीमेटाज़ोलिन 0.1% का मूल्यांकन

39. हल्के से मध्यम टोसिस के प्रकरणों में लेवेटर प्लिकेशन की तुलना में मुलर की मशल कंजंक्टिवल रिसेक्शन का मूल्यांकन

40. पेरिऑक्यूलर पायोजेनिक ग्रैनुलोमा के उपचार में टॉपिकल टिमोलोल का मूल्यांकन

41. थायरॉयड से संबंधित ऊपरी पलक के संकुचन से पीड़ित रोगियों में बोटुलिनम टॉक्सिन ए इंजेक्शन की चिकित्सीय प्रतिक्रिया के साथ यूबीएम पर लेवेटर-मुलर की जटिल मोटाई के सहसंबंध पर एक संभावित अन्तःक्षेपी अध्ययन

42. कोविड महामारी के दौरान पेरिऑक्यूलर और ऑक्यूलर मैलिग्नैंसी से पीड़ित रोगियों में चिकित्सीय गंभीरता और संकट

43. कोविड युग बनाम पूर्व कोविड के युग में पलकों के मैलिग्नैंसी की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रस्तुतियाँ

44. स्टेरॉयड प्रतिरोधी एसएसटीआर (सोमैटोस्टैटिन रिसेप्टर) पॉजिटिव ग्रेव्स ऑर्बिटोपैथी में उपचार के लिए एक संभावित एजेंट के रूप में ऑक्ट्रियोटाइड का मूल्यांकन

45. एक्स्ट्राऑक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक तंत्रिका की बेसलाइन और पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई पूर्वानुमान लगा सकता है?

46. कोविड-19 के युग में संक्रामक पेरिऑर्बिटल और ऑर्बिटल रोग

47. पलक की विकृति में सुधार के लिए पूरे मोटाई की त्वचा के ग्राफ्ट के निर्धारण में फाइब्रिन ग्लू बनाम टाँके का उपयोग

48. मध्यम से गंभीर सिम्बलफेरॉन के लिए नेत्र की सतह के पुनर्निर्माण में कोलेजन मैट्रिक्स इम्प्लांट का मूल्यांकनः- एक मार्गदर्शी अध्ययन

49. रेटिनोब्लास्टोमा में मोटे ट्यूमर के उपचार के लिए आईसीजी द्वारा संवर्धित टीटीटी बनाम टीटीटी - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

50. एनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया में कार्यात्मक एमआरआई और ओसीटी एंजियोग्राफी ऑक्लूजन थेरेपी में उपचार से पहले और बाद में परिवर्तन लाता है

51. स्ट्रैबिस्मस से पीड़ित बच्चों में नेत्र सम्बंधित जीवन की गुणवत्ता (ईआरक्यूओएल) का आकलन

52. एनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोपिया के प्रकरणों में सक्रिय डाइकोप्टिक थेरेपी का मूल्यांकन

53. अल्ट्रा-वाइड फील्ड फ्लोरेसिन एंजियोग्राफी का उपयोग करके सेंट्रल रेटिनल वेन ऑक्लूज़न के प्रकरण का आकलन

54. निकासी के साथ और बिना सीडी के आरडी

55. प्रोलिफ़रेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित रोगियों में प्राथमिक एंटी-वीईजीएफ थेरेपी बनाम पैन रेटिनल फोटोकोआगुलेशन की तुलना करने वाला मार्गदर्शी अध्ययन - पूर्ण

56. ऑप्टिक डिस्क पिट की जनसांख्यिकी और नैदानिक प्रोफ़ाइल

57. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा के ओसीटी बायोमार्कर

58. यूवियल मेलेनोमा में मेलानोजेनेसिस पाथवे का आणविक तंत्र

59. यूवियल मेलानोमा में हिप्पो सिग्नलिंग पाथवे और इसकी जैविक कार्यप्रणाली

60. मैलिग्नैंट लैक्रिमल ग्रंथि ट्यूमर का आणविक लक्षण वर्णन

61. मेटास्टैटिक रीनल सेल कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट आणविक लक्षित थेरेपी की प्रतिक्रिया के आकलन में स्पेक्ट्रल डुअल एनर्जी सीटी

62. रेटिनोब्लास्टोमा में कंट्रास्ट एनहांस्ड अल्ट्रासाउंड

63. तीव्र पैन्क्रिएटाइटिस में डुअल एनर्जी सीटी की भूमिका

64. इंट्राऑपरेटिव ऑक्यूलर कोहरेंस टोमोग्राफी (आई-ओसीटी) निर्देशित कैटरेक्ट सर्जरी

65. केराटोकोनस की गंभीरता और कॉर्नियल बायोमैकेनिक्स के साथ उनके सह-संबंध की ग्रेडिंग में पेंटाकैम-कॉर्विस, सीरिअस, कैसिनी और एमएस-39 (यदि उपलब्ध हो) का उपयोग करके स्थलाकृति सम्बंधित मापदंडों का तुलनात्मक मूल्यांकन।

66. इंट्राऑपरेटिव ऑक्यूलर कोहरेंस टोमोग्राफी (आई-सीओटी) निर्देशित मोतियाबिंद की शल्यक्रिया

67. फंगल केराटाइटिस के प्रकरणों में एक सहायक के रूप में साइक्लोस्पोरिन ए की भूमिका का मूल्यांकन

68. कॉर्नियल एक्टेसिया में बायोसिंथेटिक कॉर्निया का मूल्यांकन

69. माइक्रोबियल केराटाइटिस में कोलाजेन क्रॉस-लिंकिंग

70. *एकैंथअमीबा केराटाइटिस* के तत्काल निदान के लिए एक डिटेक्शन किट का विकास

71. एस्टिग्माटिज्म की उपस्थिति में उन्नत मोनोफोकल इंट्राऑक्यूलर लेंस का ऑप्टिकल प्रदर्शन

72. फैलेट्स के पर्यावरणीय खतरे के कारण इंसुलिन प्रतिरोध के विकास में सम्मिलित आणविक तंत्र

73. जैव-चिकित्सा शास्त्र की नेत्र संबंधित प्रकृति और नेत्र संबंधित रक्त अवरोधों में पेप्टाइड ट्रांसपोर्टरों की भूमिका

74. केराटोमायकोसिस में रात्रि खुराक के लिए एप्लिकेटर के साथ 3डी प्रिंटेड प्री-कॉर्नियल ड्रग एल्यूटिंग पॉलिमेरिक इंसर्ट

75. तंत्रिका संबंधी विकारों पर चयनित पर्यावरणीय प्रदूषकों की संलिप्तता का मूल्यांकन

76. डब्ल्यूएचओ-आईसीएफ (कार्य पद्धति, विकलांगता और स्वास्थ्य का अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण) का उपयोग करके दिल्ली के वयस्क लोगों में विकलांगता का समुदाय आधारित आकलन
77. कार्यप्रणाली के डब्ल्यूएचओ अंतर्राष्ट्रीय वर्गीकरण का उपयोग करके दिल्ली में वयस्क लोगों में विकलांगता का समुदाय-आधारित आकलन
78. कॉकलियर इम्प्लांट सर्जरी से गुजरने वाले बाल रोगियों में शल्यक्रिया के पश्चात होने वाले दर्द, स्कोर, ओपिऑयड के खपत और अंतःस्रावी तनाव प्रतिक्रिया पर पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया नॉकिसेप्शन इंडेक्स (एएनआई) निर्देशित ओपिऑयड खपत का प्रभावः एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
79. बच्चों के स्ट्रैबिस्मस सर्जरी के लिए ओपिऑयड-मुक्त एनेस्थीसिया प्रोटोकॉल की तुलनाः एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
80. जोन 3 रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी में प्रोफ़ाइल और परिणामों का एक महत्त्वाकांक्षी अध्ययन
81. समय पूर्व नवजात शिशुओं में आक्रामक रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (एआरओपी) के प्रबंधन में रिपीट इंजेक्शन रैनिबिज़ुमैब की भूमिकाः यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
82. डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा में एसटीएल की भूमिका
83. यूवाइटिस में इंट्राविट्रियल मेथोट्रेक्सेट
84. डायबिटिक विट्रोक्टोमी में इंट्राविट्रियल एंटी-वेजफ
85. मधुमेह के रोगियों में माइक्रोपरिमेट्री
86. नेत्र में संक्रमण उत्पन्न करने वाले ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया में औषध का प्रतिरोध
87. आँखों में संक्रमण उत्पन्न करने वाले यीस्ट की सूक्ष्मजीवविज्ञान सम्बंधित प्रोफ़ाइल
88. एकपक्षीय प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा से पीड़ित व्यक्ति की आँखें: अनुवर्ती कार्रवाई पर ग्लूकोमा के विकास की घटना और खतरे के घटक
89. प्राथमिक जन्मजात ग्लूकोमा के प्रबंधन में 360° बनाम 180° गोनियोस्कोपी असिस्टेड ट्रांसल्यूमिनल ट्रैबेकुलोटॉमी की प्रभावकारिता की तुलना करना
90. ग्लूकोमा के साथ नैनोथाल्मोसः विभिन्न शल्यक्रियाओं के साथ उपचार के परिणाम
91. जन्मजात ग्लूकोमा में ऑप्टिक डिस्क मॉर्फ़ोलॉजी
92. मोनोजेनिक बनाम नॉन-मोनोजेनिक जुवेनाइल ओपन ग्लूकोमा के बीच गंभीरता की तुलना करना
93. प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में एंडोस्कोपिक साइक्लोफोटोकोएगुलेशन के साथ-साथ फैकोमल्सिफिकेशन बनाम अकेले फैकोमल्सिफिकेशन का तुलनात्मक मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
94. प्रीपेरिमेट्रिक और प्रारंभिक ग्लूकोमा में ओसीटीए वेसल के घनत्व पर डॉरजोलामाइड बनाम नेटारसुडिल के प्रभाव का मूल्यांकन - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
95. पीसीजी में 360 डिग्री गोनियोटॉमी के परिणामों का मूल्यांकन

96. प्रिजर्वेटिव बनाम प्रिजर्वेटिव रहित एंटीग्लौकोमा की औषधियों पर निर्भर ग्लूकोमा से पीड़ित रोगियों में नेत्र के सतह में परिवर्तनों के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन

97. जेएओजी में ऑक्सीडेटिव फॉस्फोरिलेशन में आए जटिल परिवर्तनों की पहचान

98. ग्लूकोमा में यूनानी फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता को स्पष्ट करना

99. जेओएजी के पैथोजेनेसिस में माइटोकॉन्ड्रियल जीनोम के विभिन्न प्रकार और मातृ विरासत

100. ग्लूकोमा में पादप आधारित फॉर्मूलेशन की चिकित्सीय क्षमता

101. एक अभिनव रोबोटिक प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैकियल इंट्यूबेशन की सफलता और सुरक्षा में वृद्धि करनाः एक मार्गदर्शी परियोजना

102. इलेक्टिव प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित बाल रोगियों में सुप्राहायोइड एयरवे पैरामीटर्स का सोनोग्राफिक मूल्यांकन - एक मार्गदर्शी, अवलोकनात्मक अध्ययन

103. कुपोषित बच्चों में लैरिंगियल मास्क एयरवे के आकार चयन के लिए केवल वजन बनाम आयु के अनुसार वजन की तुलना - एक संभावित यादृच्छिक क्रॉसओवर परीक्षण

104. ऊपरी अंग के शल्यक्रियाओं के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित कॉस्टोक्लैविकुलर ब्रैकियल प्लेक्सस ब्लॉक के मीडियल और लेटरल प्रक्रियाओं के बीच तुलना - एक पायलट इंटरवेंशनल यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

105. बाल शल्य चिकित्सा में शल्यक्रिया के बाद फेफड़े के एटेलेक्टैसिस पर फेफड़ों के अनुपालन द्वारा निर्देशित सर्वोच्च पीईईपी बनाम निर्धारित पीईईपी का प्रभावः डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

106. वैकल्पिक/आपातकालीन शल्यक्रिया से गुजरने वाले 1 से 10 वर्ष के रोगियों में जटिल वायुमार्ग की भविष्यवाणी करने के लिए सोनोग्राफिक वायुमार्ग के मूल्यांकन मापदंडों के पूर्वानुमानित प्रदर्शन का मूल्यांकन और स्थापित मापदंडों के साथ उनकी प्रभावकारिता की तुलना

पिछले 3 वर्षों में जारी विभागीय परियोजनाएँ

वर्ष	जारी विभागीय परियोजनाओं की सूची
2020-2021	128
2021-2022	131
2022-2023	107

पूर्ण

1. शिशुओं में कॉर्निया की अपारदर्शिता के साथ प्रस्तुत होने वाले एंटीरियर सेगमेंट डिसजेनेसिस के विकास सम्बन्धी वेरिएंट को पृथक करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की खोज करना

2. प्राथमिक रीनल ट्यूबलर एसिडोसिस से पीड़ित रोगियों में मध्यम अवधि के परिणामः क्रॉस-सेक्शनल अवलोकनात्मक अध्ययन

3. दिल्ली में नेत्रहीन स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों में दृष्टि दोष के कारणों और जीवन की गुणवत्ता का व्यापक मूल्यांकन

4. क्रोनिक वर्नल केराटोकंजक्टिवाइटिस में 0.1% क्युटेनियस टैक्रोलिमस की भूमिका का मूल्यांकन
5. क्रोनिक ऑक्यूलर ग्राफ्ट बनाम होस्ट रोग में गंभीर शुष्क नेत्र रोग के लिए टॉपिकल ऑटोलॉगस प्लेटलेट लाइसेट ड्रॉप्स
6. फंगल केराटाइटिस में 1% टॉपिकल पोसाकोनाज़ोल
7. डीईडी में टॉपिकल एडजंक्ट आईवीआईजी थेरेपी
8. ट्राइकियासिस के फेनोटाइप, कारणों और सहसंबंधों के लेखापरीक्षणः एक डब्ल्यूएचओ ट्रैकोमा सहयोगात्मक अध्ययन
9. ट्राइकियासिस से पीड़ित रोगियों में मेइबोग्राफीः एटियोलॉजी के निर्धारण में मशीन लर्निंग की भूमिका की खोज करना
10. पोस्ट पेनिट्रेटिंग केराटोप्लास्टी से पीड़ित रोगियों में कॉर्निया एंडोथेलियम पर टॉपिकल ब्रिनज़ोलामाइड का प्रभाव
11. मीबोमियन ग्रंथि की निष्क्रियता का अस्पताल आधारित प्रसार
12. स्टैटिन के उपयोग से लेंटिक्यूलर परिवर्तन - एक अस्पताल आधारित संभावित कोहोर्ट अध्ययन
13. वर्नल केराटोकंजक्टिवाइटिस में नेत्र की सतह का मूल्यांकन
14. मीबोमियन ग्रंथि की निष्क्रियता वाले विषयों में इवोल्व™ प्योर आईलिड वाइप्स के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक तुलनात्मक डबल-आर्म यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
15. निकट इन्फ्रा रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एन.आई.आर.एस.) का उपयोग करके सेरेब्रल ऑक्सीजन सैचुरेशन की इंट्रा ऑपरेटिव निगरानी और विट्रो रेटिनल सर्जरी के दौरान प्रीमैच्योर रेटिनोपैथी से पीड़ित अपरिपक्व और अधिक अपरिपक्व शिशुओं में कम सेरेब्रल ऑक्सीजन सैचुरेशन के लिए जोखिम के घटकों का आकलनः एक अवलोकनात्मक संभावित अध्ययन
16. वयस्क रोगियों में वीडियो असिस्टेड थोराकोस्कोपिक सर्जरी में इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम स्थानीय इंफिल्ट्रेशन की एनाल्जेसिक प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना
17. इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉक बनाम स्थानीय इंफिल्ट्रेशन के साथ वीएटीएस से गुजरने वाले रोगियों में डायाफ्रैग्मैटिक मोटाई के अंश की तुलना करना
18. म्यूकस मेम्ब्रेन ग्राफ्टिंग के साथ एनोथाल्मिक कॉन्ट्रैक्टेड सॉकेट के पुनर्निर्माण में मिटोमाइसिन-सी का मूल्यांकन
19. ऑर्बिटल और पेरिऑर्बिटल कैवर्नस हिमैन्जिओमा के उपचार के लिए ब्लियोमाइसिन के इंट्रालीजनल इंजेक्शन की प्रभावकारिता की जांच करना
20. ऑर्बिटल लिम्फैन्जिओमा पर इंट्रालीजनल ब्लियोमाइसिन के प्रभाव का मूल्यांकन
21. गैर-जटिल पलक की सर्जरी में नियमित प्रणालीगत एंटीबायोटिक की भूमिका का मूल्यांकन करना
22. गंभीर जन्मजात टॉसिस में फ्रंटैलिस स्लिंग की तुलना में लेवेटर प्लिकेशन का मूल्यांकन

23. समूह सी और डी के रेटिनोब्लास्टोमा में लगातार/आंशिक रूप से प्रतिगामी विट्रिअस बीजकों के लिए मानक इंटरवेनस कीमोथेरेपी के संयोजन में इंट्राविट्रियल मेलफ़लान का उपयोग करके विट्रिअस बीजकों के प्रतिगमन का मूल्यांकन करना
24. दिखाई ना देने वाली छोटी आँखों के सॉकेट में कक्षीय आयतन वृद्धि के लिए ऑटोलोगस वसा का स्थानांतरण
25. कक्षीय विस्तार से गुजरने वाले रोगियों में मनोसामाजिक घटक
26. ऊपरी पलक के गंभीर थायरॉइड संबंधी संकुचन से पीड़ित रोगियों में बोटुलिनम टॉक्सिन ए इंजेक्शन की चिकित्सीय प्रतिक्रिया के साथ यूबीएम पर लेवेटर-मुलर की जटिल मोटाई का परस्पर संबंध
27. एन्युक्लिएशन की मायोकंजंक्टिवल तकनीक के पश्चात सिलिकॉन बनाम पीएमएमए (म्यूल्स) इम्प्लांट की एक्सट्रूज़न दर की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
28. पलक की सिबैसियस ग्रंथि कार्सिनोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी
29. कोविड युग बनाम प्री-कोविड युग में पलकों की मैलिग्नैंसीज की क्लिनिकोपैथोलॉजिकल प्रस्तुतियाँ
30. ऑप्टिक न्यूराइटिस में रेटिना की संवेदनशीलता और संरचनात्मक प्रामाणिकता का आकलन
31. प्रोलिफ़रेटिव डायबिटिक रेटिनोपैथी से पीड़ित रोगियों में प्राथमिक एंटी-वीईजीएफ थेरेपी बनाम पैन-रेटिनल फोटोकोआग्युलेशन की तुलना करने वाला मार्गदर्शी अध्ययन
32. आईएलएम पीलिंग के साथ या उसके बिना सीडी के साथ आरडी में वीआर सर्जरी के एनाटोमिकल परिणाम का मूल्यांकन करने के लिए संभावित यादृच्छिक अध्ययन
33. चरण 4 के रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी (आरओपी) में विट्रेक्टोमी के साथ एंटी-वीईजीएफ के शल्यक्रिया सम्बंधित परिणाम
34. डुअल एनर्जी कंप्यूटेड टोमोग्राफी और मल्टीपैरामीट्रिक मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग के साथ रीनल सेल कार्सिनोमा का लक्षण वर्णन और हिस्टोपैथोलॉजी के साथ इसका परस्पर संबंध
35. क्रोनिक पैंक्रिएटाइटिस के मूल्यांकन में डुअल एनर्जी कंप्यूटेड टोमोग्राफी (डीईसीटी) और मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) की भूमिका
36. कार्सिनोमा गॉल ब्लैडर और हाइलर कोलैंजियोकार्सिनोमा के मूल्यांकन में स्प्लिट बोलस स्पेक्ट्रल सीटी की भूमिका
37. कार्सिनोमा यूरिनरी ब्लैडर के पूर्वानुमान में उन्नत एमआरआई की भूमिका
38. ग्लूकोमा के संदिग्धों और प्रारंभिक ग्लूकोमा में मैक्यूलर इमेजिंग
39. नेत्र के उच्च रक्तचाप बनाम आयु के अनुकूल नियंत्रणों में मैक्युला ओवरटाइम का संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन
40. रिफ्रैक्टरी ग्लूकोमाज में अहमद ग्लूकोमा वाल्व (एजीवी) के दीर्घकालिक परिणामों का मूल्यांकन
41. सजातीय विवाह में ग्लूकोमा की गंभीरता का मूल्यांकन करना

42. किशोरोवस्था के प्रारंभ में प्राइमरी ओपन एंगल ग्लूकोमा (जेओएजी) से पीड़ित रोगियों में एंटीरियर सेगमेंट ओसीटी की विशेषताओं के साथ चयनात्मक लेजर ट्रैबेकुलोप्लास्टी के परिणामों का परस्पर सम्बन्ध
43. जन्मजात ग्लूकोमा की घटना - एक बहुकेंद्रित परीक्षण
44. प्राथमिक ग्लूकोमा में एफ.एन.आई.आर.एस का उपयोग करके विज़ुअल कॉर्टेक्स गतिविधि का मूल्यांकन
45. ग्लूकोमा के रोगियों में नेत्र के अन्दर दबाव और इसके स्वायत्त क्रियाओं पर 365 श्वसन तकनीक का प्रभाव
46. नेत्र के उच्च रक्तचाप से पीड़ित रोगियों में आईओपी पर सचेतन ध्यान का प्रभाव
47. प्राथमिक ओपन एंगल ग्लौकोमा एवं प्राथमिक एंगल क्लोजर ग्लूकोमा से पीड़ित रोगियों में एंडोजेनस कॉर्टिसोल प्रोफाइल और मनोवैज्ञानिक तनाव के साथ इसका परस्पर सम्बन्ध
48. प्राइमरी एंगल क्लोजर ग्लूकोमा में माइक्रोपल्स की प्रभावकारिता
49. पीडियाट्रिक ग्लौकोमास में आई.केयर आई.सी.200 और पर्किन टोनोमेट्री की तुलना
50. ग्लूकोमा थेरेपी का मेटाबोलोमिक्स और फार्माकोजेनोमिक मूल्यांकन
51. उत्तर भारत में नेत्रहीन स्कूलों के बच्चों में अंधेपन और गंभीर दृश्य दोष के कारण - एक स्थितिजन्य विश्लेषण अध्ययन
52. बच्चों में सबलिंगुअल और इंट्रानैजल डेक्समेडिटोमिडाइन के फार्माकोकाइनेटिक्स और सेडेटिव प्रभाव की तुलनाः एक डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
53. वयस्क रोगियों में सिम्युलेटेड सर्वाइकल स्पाइन इम्मोबिलाइजेशन में वीडियो लैरिंगोस्कोपी के दौरान फ्लेक्सिबल टिप बूजी बनाम मानक बूजी के साथ एंडोट्रैकियल इंट्यूबेशन लिए समय की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
54. चरण 5 आरओपी में प्रोफ़ाइल, उपचार में अंतराल और परिणामों का एक महत्त्वाकांक्षी अध्ययन
55. डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के कोविड-19 से स्वस्थ हो चुके स्वस्थ्य कर्मियों में चिकित्सीय अपंगता
56. एकैंथअमीबा केराटाइटिसः उत्तर भारत में तृतीयक नेत्र उपचार केंद्र के अनुभव
57. उत्तर भारत में बैक्टीरियल केराटाइटिस का स्पेक्ट्रम - तृतीयक उपचार नेत्र केंद्र से छह वर्ष का पूर्वव्यापी अध्ययन
58. बायोफिल्म निर्माण और प्रतिरोध के पैटर्न के विशिष्ट संदर्भ के साथ, सेंट्रल लाइन से जुड़े रक्त प्रवाह के संक्रमणों की बैक्टीरियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और इसकी प्रतिक्रिया एवं परिणाम के साथ इनका परस्पर सम्बन्ध
59. कल्चर नेगेटिव संक्रमणों के सूक्ष्म जीव विज्ञान में उन्नत जीनोमिक्स का उपयोग
60. नेत्र संबंधी संक्रमणों में कोआगुलेज़ नेगेटिव स्टैफिलोकोकाइ प्रजाति की पहचान और विषाणु के घटकों का निर्धारण

61. माइकोटिक केराटाइटिस और आक्रामक संक्रमणों के फंगाई का आणविक लक्षण वर्णन और प्रत्यक्ष जाँच एवं कल्चर जैसे पारंपरिक पद्धतियों के साथ इसकी तुलना

62. अस्पताल में भर्ती रोगियों में ऑक्यूलर बैक्टीरियल आइसोलेट्स और एंटीबायोटिक के उपयोग के एंटीबायोटिक प्रतिरोध के स्वरूपों के साथ इसका परस्पर सम्बन्ध - रोगाणुरोधी प्रबंधन की दिशा में एक कदम

63. दर्दनाक रीढ़ की शल्यक्रिया में शल्यक्रिया के पश्चात दर्द से राहत के लिए द्विपक्षीय अल्ट्रासाउंड निर्देशित इरेक्टर स्पाइना प्लेन ब्लॉकः एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

64. विभिन्न वर्टिब्रल स्तरों पर बाल रोगियों में एपिड्यूरल स्पेस की गहराई और अभिविन्यास का सोनोग्राफिक मूल्यांकनः एक अवलोकनात्मक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

65. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित वयस्क रोगियों में सुप्राहाइऑयड एयरवे के मापदंडों का सोनोग्राफिक मूल्यांकन - एक मार्गदर्शी, अवलोकनात्मक अध्ययन

66. रेटिनोब्लास्टोमा से पीड़ित बच्चों में एनेस्थेटिक चिंताओं, प्रबंधन और ब्रैकीथेरेपी के परिणामों पर एक पूर्वव्यापी अध्ययन

67. टॉपिकल स्थानीय एनेस्थेसिया और डेक्समेडिटोमिडाइन इन्फ्यूजन के अंतर्गत, अनुमानित दुष्कर वायुमार्ग से पीड़ित रोगियों में लचीले फाइबर-ऑप्टिक ब्रोंकोस्कोप बनाम डी.ब्लेड सीएमएसी वीडियो लैरिंगोस्कोप का उपयोग करके जागृत नैसोट्रैकियल इंट्यूबेशन की तुलना

68. इन विट्रो फर्टिलाइजेशन प्रक्रियाओं के दौरान, अंडाणु की पुनर्प्राप्ति के लिए प्रक्रियात्मक सेडेशनके रूप में किटोफॉल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना - एक यादृच्छिक परीक्षण

69. अवसाद के लिए इलेक्ट्रोकंवल्सिव थेरेपी से गुजरने वाले रोगियों में उद्वेग की गतिविधि की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफाइल, रिकवरी टाइम्स और कॉर्टिकल गतिविधि (एफ.एन.आई.आर.एस के उपयोग) पर किटोफॉल और किटोडेक्स के प्रभाव का मूल्यांकन - सह-गाइड

70. लेप्रोस्कोपिक गायनोकोलॉजिकल सर्जरी में फेफड़ों के अनुपालन द्वारा निर्देशित सर्वोच्च पीईईपी बनाम पोस्टऑपरेटिव लंग एटिलेक्टैसिस पर निश्चित पीईईपी का प्रभावः डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण - सह-गाइड

71. सिम्युलेटर का उपयोग करके संरचित समस्या आधारित अनुभवी पाठ्यक्रम के साथ या उसके बिना ट्रान्सथोरेसिक इकोकार्डियोग्राफी करने में नौसिखिए एनेस्थीसिया रेजिडेंट की क्षमता - एक यादृच्छिक नियंत्रित आंकलनकर्ता परीक्षण - सह-गाइड

पिछले 3 वर्षों में पूर्ण विभागीय परियोजनाएँ

वर्ष	पूर्ण विभागीय परियोजनाओं की सूची
2020-2021	85
2021-2022	63
2022-2023	71

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कार्यात्मक चुंबकीय अनुकंपन इमेजिंग का उपयोग करते हुए नेत्रहीन व्यक्तियों में धारणा, स्थानिक अभिविन्यास और उसके समन्वय से जुड़े तंत्रिकासंज्ञानात्मक संबंधित परिवर्तन, एनएमआर विभाग, एम्स
2. एफएमआरआई और डिफ्यूजन टेन्सर इमेजिंग का उपयोग करते हुए एनिसोमेट्रोपिक एम्ब्लियोप्स में नेत्र चिकित्सा के साथ संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तन, एनएमआर, एम्स, नई दिल्ली
3. तीव्र एकपक्षीय डिमाइलेटिंग ऑप्टिक न्यूरिटिस में डैल्फैम्प्रिडीन- एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान विभाग।
4. ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस में ऑप्टोचियास्मैटिकाराचडोनाइटिस के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड का प्रयोग, एक अग्रदर्शी यादृच्छिक ओपन ब्लाइंड एंडपॉइंट अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग
5. अस्थिजनन (ऑस्टियोजेनेसिस) (आईजीआईबी के सहयोग से आईसीएमआर परियोजना सह-अन्वेषक), में नॉनकोडिंग आरएनए की भूमिका को समझना, आईजीआईबी
6. आइसोफ्लुरेन या डिफ्लुरेन का उपयोग करके सामान्य एनेस्थीसिया के अंतर्गत खुली सर्जरी कराने वाले बुजुर्ग व्यक्तियों में ऑपरेशन के बाद संज्ञानात्मक ह्रास की घटनाएं देखी जाती है: एक अग्रदर्शी अवलोकनात्मक प्रायोगिक अध्ययन, संवेदनाहरण
7. गंभीर रूप से बीमार वयस्क रोगियों में सेप्सिस की गंभीरता और मृत्यु दर की भविष्यवाणी करने में मेटेलोप्रोटीनेज1 के न्यूक्लियोसोम और ऊतक प्रावरोधक की तुलनाः एक प्रायोगिक अध्ययन, एनेस्थीसिया
8. आरबी में सीरम सर्वाइविन स्तर की नैदानिक उपयोगिता, बाल चिकित्सा
9. रेटिनोब्लास्टोमा डायग्नोस्टिक और चिकित्सीय दृष्टिकोण के लिए संभावित आणविक मार्कर के रूप में सेल-मुक्त डीएनए, नेत्र जैवरसायन
10. पेल्विक फ्रैक्चर मूत्रमार्ग विकर्षण संबंधी दोषों में एमआर यूरेथ्रोग्राफी में प्रीऑपरेटिव ज्यामितीय मापदंडों के साथ सर्जिकल जटिलता और परिणाम का सहसंबंधः एक अग्रदर्शी समूह अध्ययन, मूत्र रोग विज्ञान
11. पीसीएनएल के बाद पथरी की निकासी और जटिलताओं की भविष्यवाणी करने में पेल्विकैलिसियल सिस्टम और इन्फंडिबुलर एनाटॉमी का प्रभाव, मूत्रविज्ञान
12. भारतीय पुरुषों में महत्वपूर्ण प्रोस्टेट कैंसर के लिए एमआरआई का नकारात्मक पूर्वानुमानित मानः एक महत्वाकांक्षी अध्ययन, मूत्रविज्ञान
13. प्राथमिक एक्स्ट्रा-ओक्यूलर रेटिनोब्लास्टोमा में नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी के उपचार की प्रतिक्रिया के मूल्यांकन में 18एफ एफडीजी पीईटी/सीटी की भूमिका, नाभिकीय चिकित्सा
14. एएमएल रोगियों में सिस्टमिक साइटाराबिन अरेबिनोसाइड (एआरए-सी) द्वारा प्रेरित नेत्र विषाक्तता पर डेक्सामेथासोन बनाम प्रेडनिसोलोन के प्रभाव का मूल्यांकन करना, रुधिर विज्ञान विभाग, एम्स

15. क्विनिडाइन सल्फेट टैबलेट/कैप्सूल/पाउच की तैयारी, हृद् रोग विज्ञान/एम्स
16. ऑपरेशन से पहले का पेय हेतु पाउच तैयार करना (डॉ. भावना), संवेदनाहरण विज्ञान/एम्स
17. ल्यूकोसाइट सिस्टीन का अनुमान करके सिस्टिनोसिस का मूल्यांकन करना, बाल रोग विभाग/एम्स
18. एडिपोसाइट्स में सेरामाइड चयापचय और इंसुलिन संवेदनशीलता को संशोधित करने में हाइपोक्सिया की भूमिका एक्सप्लोर करना, जैव रसायन/एम्स
19. ऑटिस्टिक बच्चों में एन-कार्बोक्सिमिथाइल लाइसिन, आर्जिनिन और डी-टायरोसिन के स्तर का अनुमान लगाना, बाल चिकित्सा/एम्स
20. ऑस्टियोपोरोटिमिया मॉडल में अलक्षित चयापचय, जैव प्रौद्योगिकी/एम्स
21. अतिरिक्त फुफ्फुसीय तपेदिक परिणामों वाले रोगियों में एंटीट्यूबरकुलर दवाओं के प्लाज्मा दवा के स्तर का निर्धारण, काय-चिकित्सा/एम्स
22. भारतीय आबादी में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन सी और थियामिन के प्रभाव का अध्ययन करना, काय-चिकित्सा, एम्स
23. आक्रामक एस्परगिलोसिस प्रयोशाला के संभावित मार्कर के रूप में एफएपीसी, काय-चिकित्सा/एम्स
24. पीसीओएस रोगियों के मूत्र में बिस्फेनोल का अनुमान, स्त्री रोग विज्ञान/एम्स।
25. वर्तमान और पूर्व सुपारी उपयोगकर्ताओं में सुपारी एल्कलॉइड और कैटेचिन की सांद्रता और प्रो-ऑन्कोजेनिक साइटोकिन्स और मौखिक संभावित घातक विकारों के साथ उनके संबंध का निर्धारण करना, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र/ एम्स
26. कैंसर चयापचय, एच1299 कोशिकाएं, ग्लूकोज और ग्लूटामेट भुखमरी, दिल्ली विश्वविद्यालय
27. क्रोनिक अग्नाशयशोथ में मूत्र मैट्रिक्स द्वारा आंतों की पारगम्यता, जठरांत्र रोग विज्ञान/एम्स
28. गैर लघु कोशिका फेफड़ों के कैंसर रोगियों में रक्त के स्तर पर गेफिटिनिब प्रशासन के समय के प्रभाव का मूल्यांकन करने हेतु एक प्रायोगिक अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान/एम्स
29. प्रारंभिक जीवाणु की गतिविधि और नव निदान स्मीयर पॉजिटिव रिफैम्पिसिन ग्रहणक्षम टीबी की बीमारियों में क्लैवुलनेट के साथ रिफैम्पिसिन, फैरोपेनेम और सेफडिनिर बनाम उपचार के मानक का पीके/पीडी अध्ययन, सूक्ष्म जीव विज्ञान/एम्स
30. टीबी से ग्रसित रोगियों में पहली पंक्ति की एंटीट्यूबरकुलर दवाओं के फार्माकोकाइनेटिक्स, दूषित मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों और बिना मेलिटस वाले रोगियों में एक तुलनात्मक अध्ययन/एमएएमसी
31. जैविक नैनोकणों से पृथक लिपिड, आईआईटी दिल्ली
32. शिशु के लिए आहार-उत्पादों में शर्करा का विश्लेषण, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र/एम्स
33. आरएचडी से ग्रसित रोगियों के प्लाज्मा में पेनिसिलिन का पता लगाना, हृद् रोग विज्ञान, आरएमएल हॉस्पिटल

पिछले 3 वर्षों में जारी सहयोगात्मक परियोजनाएँ

वर्ष	प्रस्तुत मौखिक पेपर/पोस्टरों की सूची
2020-2021	69
2021-2022	81
2022-2023	33

पूर्ण

1. एम्स-आईआईटी दिल्ली का सहयोगात्मक अनुसंधान परियोजना जिसका शीर्षक है - जैव इंजीनियर कॉर्निया (केराटाइटिस के रोगियों में संभावित नैदानिक अनुप्रयोग हेतु) का व्यवहार्यता डाटा (मानव नैदानिक परीक्षण हेतु) तैयार - एक इन-विट्रो अध्ययन (परियोजना कोड संख्या एआई-23), एम्स/आईआईटी दिल्ली
2. कोविड महामारी के दौरान पेरिओकुलर और नेत्र संबंधी दुर्दमता के रोगियों में चिकित्सीय गंभीरता और परेशानी, मनोरोग चिकित्सा
3. एक्स्ट्राओकुलर रेटिनोब्लास्टोमा में ऑप्टिक तंत्रिका की बेसलाइन और पोस्ट नियोएडजुवेंट कीमोथेरेपी इमेजिंग। क्या एमआरआई से रोग का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है?, भीमराव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
4. आँख की पलक की वसामय ग्रंथि कार्सिनोमा में नियोएडज्वेंट कीमोथेरेपी (सहयोगात्मक), भीमराव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल
5. इडियोपैथिक इंट्राक्रानियल हाइपरटेंशन (आईआईएच) के मरीजों में ऑप्टिक नर्व शीथ फेनेस्ट्रेशन सर्जरी (ओएनएसएफ) के परिणाम को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन, तंत्रिका विज्ञान विभाग
6. दृष्टि की हानि के साथ या उसके बिना इडियोपैथिक इंट्राक्रानियल उच्च रक्तचाप में उम्मीदवार सीएसएफ बायोमार्कर की पहचान करने हेतु एक अनुसंधानमूलक अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान विभाग
7. आरबी (आईसीएमआर परियोजना) में एंडोथेलियल पूर्वज कोशिका मार्करों की पहचान, जैव रसायन
8. सिनोनासल म्यूकोर्मिकोसिस के निदान में 99एमटीसी-यूबिक्विसिडिन स्किन्टिग्राफी की उपयोगिता, नाभिकीय चिकित्सा
9. प्रोस्टेट कैंसर का पता लगाने में एमआर निर्देशित बायोप्सी की भूमिका, एनएमआर
10. मृत लक्षण रहित कोविड-19 दाताओं के कॉर्नियल ऊतक में सार्स-कोव-2 का विश्लेषण
11. 2 अलग-अलग तरीकों से एंटीसेप्टिक प्रभावकारिता और प्लाज्मा क्लोरहेक्सिडिन स्तर, यादृच्छिक परीक्षण, बाल चिकित्सा विभाग/एम्स
12. विशेषज्ञों में ग्लिबेंक्लामाइड के साथ आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन (बीजीआर-34) का फार्माकोडायनामिक और फार्माकोकाइनेटिक इंटरैक्शन, भेषजगुण विज्ञान/एम्स

13. एनएमआर और एलसीएमएस/एमएस द्वारा बैक्टेरिमिया एएमआर और एचएआई के लिए बायोमार्कर, सूक्ष्म जीव विज्ञान/एम्स
14. कोविड-19 के संक्रमण से संक्रमित रोगियों में एकल खुराक मौखिक आइवरमेक्टिन का यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, पल्मोनरी काय-चिकित्सा/एम्स
15. समय से पहले नवजात शिशुओं में कैफीन थेरेपी की विफलता के लिए जोखिम कारक। प्लाज्मा कैफीन और एल्बुमिन स्तर, नवजात विज्ञान/एम्स
16. प्रोस्टेट कैंसर कोशिका रेखा पर क्रूड हाइड्रोअल्कोहलिक हर्बल अर्क की कैंसर विरोधी गतिविधि का विश्लेषण, प्रजनन जीव विज्ञान/ एम्स
17. जानवरों में बेरबेरीन और बेरबेरीन से भरे नैनोकणों के फार्माकोकाइनेटिक्स और जैव वितरण का अध्ययन, भेषजगुण विज्ञान/एम्स
18. स्तन कैंसर वाले रोगियों में अमीनो एसिड का मूल्यांकन, जैव रसायन
19. सिड्रलाइन अनुमान, जठरांत्र रोग विज्ञान विभाग/एम्स
20. भारतीय आबादी में सेप्सिस के रोगियों में विटामिन-सी और थायमिन के प्रभाव का अध्ययन करना, आरसीटी, काय-चिकित्सा/ एम्स।
21. रूमेटिक हृदय रोग से पीड़ित भारतीय बच्चों और किशोरों में सीरम बेंज़ाथिन पेनिसिलिन जी का स्तर, बाल हृद् रोग विज्ञान/ आरएमएल
22. फैटी एसिड भोजन के साथ निलोटिनिब दवा के अंतःक्रिया का अध्ययन करना, भीमराव अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल/ एम्स

पिछले 3 वर्षों में पूर्ण सहयोगात्मक परियोजनाएँ

वर्ष	प्रस्तुत मौखिक पेपर/पोस्टरों की सूची
2020-2021	21
2021-2022	32
2022-2023	22

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजना निधि (रुपये)

अनुसंधान परियोजनाएँ	2020-2021	2021-2022	2022-2023
जारी	32,12,86,002	27,76,96,395	40,22,34,277
पूर्ण	3,52,56,227	7,62,03,603	1,04,40,247

प्रकाशन

पत्रिका: 333 सार: 9 पुस्तक में अध्यायः 9

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

वर्ष	प्रकाशनों की सूची
2020-2021	368
2021-2022	544
2022-2023	351

रोगी उपचार

मेडिकल रिकार्ड अनुभाग

		नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
1.	जनरल ओपीडी	1,65,844	1,58,854	3,24,698
2.	आपातकालीन	7,306	32,850	40,156
3	सामुदायिक आउटरीच	41,674	11,950	53,624
	कुल रोगी	**2,14,824**	**2,03,654**	**4,18,478**
1.	कॉर्निया क्लिनिक	4633	6049	10682
2.	लेंस क्लिनिक	779	1793	2572
3.	यूविया क्लिनिक	1060	3312	4372
4.	कोंटेक्ट लेंस क्लिनिक	667	617	1284
5.	ग्लूकोमा क्लिनिक	3840	9128	12968
6.	ऑप्थाल्मोप्लास्टी क्लिनिक	2224	1620	3844
7.	बाल रोग नेत्र विज्ञान क्लिनिक	0	0	0
8.	रेटिना क्लिनिक	2454	3702	6156
9.	न्यूरो-ऑप्थाल्मोलॉजी क्लिनिक	1917	2128	4045
10.	विट्रियो रेटिनल क्लिनिक	3158	4437	7595
11.	आरओपी	1521	3281	4802
12.	आरओपी रिफ्रेक्शन	0	222	222
13.	ऑक्यूलर ऑन्कोलॉजी क्लिनिक	253	231	484
14.	आरबी	352	566	918
15	लो विजुअल एड	2894	1633	4527
16.	ऑर्थोप्टिक क्लिनिक/स्क्विंट क्लिनिक	6472	31161	37633
17.	रिफ्रेक्शन	0	47017	47017
	कुल रोगी	32224	116897	149121

प्रवेश		
1.	जनरल प्रवेश	15370
2.	कैजुअल्टी प्रवेश	2559
3.	निजी प्रवेश	1049
4.	लघु प्रवेश	15730
5.	डे केयर प्रवेश	14007
	कुल	**48715**
ऑपरेशन		
1.	बड़े	18550
2.	डे केयर	12245
	कुल	**30795**
3.	छोटे	15758
	कुल योग	**46553***
	मृत्यु	शून्य
	वार्षिक अन्य आंकड़े	
1.	औसत बिस्तर अधिभोग अनुपात	75%
2.	ठहरने की औसत अवधि	04 दिन
3.	प्रति कार्य दिवस औसत ओपीडी उपस्थिति	1713 रोगी
4.	प्रति दिन इनडोर प्रवेश की औसत संख्या	133 प्रति दिन
5.	प्रति दिन सर्जरी की औसत संख्या	128 प्रति दिन

***इसमें छोटे ऑपरेशन भी शामिल है**

माह	स्माइल	फेम्टो लेसिक	पीआरके	पीटीके	कुल सर्जरी
1 अप्रैल-22 से 31 मार्च-23 तक	755	2390	193	36	3374

आपातकालीन सेवाएँ

आपातकालीन में देखे गए मामलों की कुल संख्या (नए + पुराने)	40156
नए पंजीकरण की कुल संख्या	7306
आपातकालीन वार्ड में भर्ती मरीजों की कुल संख्या	2559
आपातकालीन परिचालन कक्ष में की गई छोटी-मोटी प्रक्रियाएँ	6043
आपातकालीन ऑपरेशन कक्ष में इंट्राविट्रियल इंजेक्शन लगाए गए	5481
ब्रैकीथेरेपी के मामले कैजुअल्टी ऑपरेटिंग रूम में किए गए	18
एनेस्थीसिया के तहत जांच	शून्य

जांच प्रयोगशालाएँ

क्र.सं.	जांच एवं प्रक्रियाएं	कुल
1	टोनोमेट्री (एनसीटी + एटी + टोनोपेन + पर्किन्स + आईकेयर)	46235
2	आईओएल वर्क-अप	25748
3	रिफ्रेक्शन	99595
4	एआर (ऑटो रिफ्रेक्शन)	81396
5	पीएस-ओसीटी	41127
6	यूएसजी ए स्कैन- अक्षीय लंबाई	6044
7	यूएसजी बी स्कैन	27652
8	यूबीएम	886
9	अनुकूली प्रकाशिकी	24
10	फ्लेरीमेट्री	259
11	पेरीमेट्री (जीवीएफ+एचएफए+एमपी)	10434
12	इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल टेस्ट (वीईआर + ईआरजी + एमएफईआरजी + ईओजी)	3741
13	मेडिकल बोर्ड जांच	2698
14	फंडस ऑटो-फ्लोरोसेंस	3168
15	ड्राई आई वर्क-अप	1186
16	कॉन्टैक्ट लेंसवर्क-अप (नया + पुराना)	3697
17	पूर्ववर्ती खंड सीपी	7435
18	पश्च खंड सीपी	13818
19	आरओपी वर्कअप	4802
20	टोपोग्राफी (वीकेजी + कैसिनी + सीरियस + आई-ट्रेस)	6312
21	पोस्ट सेगमेंट लेजर	5433
22	वाईएजी लेजर	1815
23	विपरीत संवेदनशीलता	4189
24	ओसीटी एंजियोग्राफी	3921
25	एचआरटी-III	5386
26	ईसीजी	3572
27	कम दृष्टि संबंधी सहायता के मामले (नए + पुराने)	4527
28	कलर विजन मूल्यांकन	4728
29	लेजर इंटरफेरोमेट्री	4528
30	एफएफए + आईसीजी	3959
31	स्पेक्युलर माइक्रोस्कोपी	16548

32	एएसओसीटी	14960
33	पेंटाकैम + कोर्विस	17698
34	ऑटोलेन्सोमेट्री (पीओजी)	4603
35	सीसीटी/एनसीसीटी (पैचीमेट्री)	28902
36	ओकुलर सरफेस एनालाइज़र (ओएसए)	1211
37	ऑर्थोप्टिक्स (नए + पुराने मामले)	37162
38	एलआईपीआई (व्यू + स्कैन + प्रवाह)	1401
39	मेइबो थर्मल फ्लो	80
40	एम्स कर्मचारियों का नेत्र स्वास्थ्य परीक्षण	39
	कुल योग	**5,50,919**

सामुदायिक नेत्र विज्ञान

प्राथमिक नेत्र उपचार सेवाएँ	
प्राथमिक नेत्र उपचार क्लिनिक	17
मलिन बस्तियों में पीईसी काउंटरों पर उपस्थित लोग	53624
मलिन बस्तियों के पीईसी केंद्रों में अपवर्तन किया गया	25881
मलिन बस्तियों में चश्मा लगाने की सलाह दी गई	24152
मरीजों को आर.पी. सेंटर में रेफर किया गया	8204
प्राथमिक नेत्र उपचार स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम	
स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया	31
स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया गया	312
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम - समुदाय	
आयोजित किया गया नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	709
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों के प्रतिभागी	18211
नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम- आरपी सेंटर	
आयोजित किया गया नेत्र स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रम	260
स्वास्थ्य शिक्षा कार्यक्रमों के प्रतिभागी	6126
ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में मोतियाबिंद सर्जरी के लिए रीच-इन-प्रोग्राम	
वयस्क जांच शिविर का आयोजन किया गया	07
लोगों को जांच की गई	824
आरपी सेंटर में रेफर किए गए रोगी	105
स्कूल नेत्र जांच कार्यक्रम	
एसईएस कार्यक्रम के अंतर्गत आने वाले स्कूल	19
जांचे गए बच्चों की संख्या	6377
जिन बच्चों को चश्मा दिया गया	1071

मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी जांच शिविर	
आयोजित किये गये डीआर जांच शिविरों की कुल संख्या	216
शिविर में जांच की गई मधुमेह रोगियों की संख्या	2442
पहचान की गई कुल डीआर रोगियों की संख्या	347
आरपी सेंटर में रेफर किये गये कुल डीआर रोगी	347
आगे के उपचार हेतु आरपी सेंटर में रिपोर्ट किए गए कुल रोगी	49
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत डॉ. आरपी सेंटर में इलाज के लिए आए मरीज	
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के अंतर्गत आए कुल रोगियों की संख्याः	5362
सामुदायिक नेत्र विज्ञान के तहत मोतियाबिंद सर्जरी के लिए ऑपरेशन कराये गए कुल रोगी	2518
अनुवर्ती शिविरों का आयोजन किया गया	52
अनुवर्ती शिविरों में जांच की गई रोगियों की संख्या	1413
सामुदायिक नेत्र विज्ञान में पुनर्वास सेवाएं	
पुनर्वास सेवाओं के लिए रोगियों का पंजीकरण किया जाता है	2567
व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिए रोगियों का प्रवेश किया गया	06
एडीएल प्रशिक्षण से रोगियों को लाभ होता है	2565
गतिशीलता प्रशिक्षण से रोगियों को लाभान्वित किया जाता है	542
बच्चों का विशेष विद्यालयों में सफल प्रवेश कराया गया	10
एम्स में रोगियों को दृष्टि दिव्यांगता प्रमाण पत्र बनाया जाता है और दृष्टि दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लाभ के लिए काउंसलिंग की जाती है	489
अंध विद्यालय (ब्लाइंड स्कूल) में सहायक प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	
एटी (डेज़ी बुक, स्मार्टफ़ोन ऐप, विक्टर रीडर, गतिशीलता और अभिविन्यास और यूएसबी रीडर) के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया गया	112

नेत्र विकिरण विज्ञान

एक्स रे के लिए रोगियों की संख्या	5267
सीटी की संख्या	2136
मुख्य रेडियोलॉजी विभाग द्वारा एमआरआई और डीएसए किया जाता है	लागू नहीं

नेत्र सूक्ष्म जीव विज्ञान

क्र.सं.	**नैदानिक प्रक्रियाएँ**	**वर्ष**		
		2022-23	**2021-22**	**2020-21**
1.	जीवाणु कल्चर और संवेदनशीलता	13440	7959	8340
2.	कवक कल्चर	4960	6695	2890
3.	कोशिका विज्ञान के लिए संसाधित नमूने	3524	2234	1638
4.	डीएफए का उपयोग करके क्लैमाइडिया एजी का	28	14	32

	पता लगाने के लिए नमूनों को संसाधित किया गया			
5.	डीएफए का उपयोग करके एचएसवी एजी का पता लगाने के लिए नमूनों को संसाधित किया गया	01	02	शून्य
6.	हर्पीस सिम्प्लेक्स वायरस, एडेनो और कॉक्ससेकी वायरस (नेत्रश्लेष्मलाशोथ/कॉर्नियल अल्सर) के लिए वायरल पीसीआर	33	20	59
7.	माइक्रोस्पोरिडिया के लिए संसाधित नमूने	09	09	07
8.	माइकोबैक्टीरिया के लिए संसाधित नमूने	12	04	09
9.	अकैंथअमीबा के लिए कल्चर	13	16	18
10.	एंडोफथालमिटिस के लिए स्वचालित (बैक्टेक) कल्चर	शून्य	05	02
11.	एंडोफथालमिटिस के लिए ब्रॉड रेंज पीसीआर	शून्य	05	02
कुल		22,020	16,963	12,997

नेत्र विकृति विज्ञान

जांच की कुल संख्या	86,083
रक्त	58,639
यूरिन	314
साइटो + साइटो रिसर्च	1,683
हिस्टो + हिस्टो रिसर्च	23,953
आईएचसी	1,494

नेत्र भेषजगुण विज्ञान

ऑक्यूलर फार्मेसी में फोर्टिफाईड एवं कंपाउंडेड दवाएं	
दवा	**शीशियों की संख्या (5 मिली)**
1. एसिटाइल सिस्टीन (10, 20%, 2.5%, 5%)	178
2. एम्फोटेरिसिन बी (0.25%, 0.15%, 0.1%)	172
3. बीटाक्सोलोल (0.25%)	270
4. कैस्पोफुंगिन एसीटेट 0.5%	118
5. सेफ़ाज़ोलिन (5%)	754
6. कोंस. टोब्रामाइसिन (1.3%)	4526
7. मिटोमाइसिन (0.02%, 0.04%)	97
8. पिलोकार्पिन (0.125%- 1%)	180
9. पॉलीमिक्सिन बी (10k-30k Iu)	220
10. पोविडोनियोडीन 5%, 2%	17

11. वैनकोमाइसिन (5%)	3670
12. टिमोलोल 0.25	8
13. सेफ्टाज़िडीन 5%	291
14. वोरिकोनाज़ोल (1%)	782
15. जेंटामाइसिन 1.3%	25
16. प्रोपेराकेन (0.5%, प्रिजर्वेटिव फ्री)	0
17. हेपरिन (1300 Iu/Ml)	0
18. एमिकासिन (1.3%, 2.5%, 1.4%)	73
19. लेवोफ़्लॉक्सासिन 0.5%	2
20. लिंज़ोलिन 0.2%	0
21. सेफ्ट्रिएक्सोन 5%	0
22. कोलिस्टेमेथेट 0.19 मि.ग्रा./मि.ली	50 मि.ली - 1 शीशी
23. क्लेरिथ्रोमाइसिन 0.25%	0
24. ऑग्म्यूटिन 625 मिलीग्राम - ¼ पाउच	0
25. एसिटाज़ोलमाइड 30 मिलीग्राम, 10, 25, 40, 50, 60, 80 मिलीग्राम	337
26. पाइपरसिलिन 10%	52
27. इंटरफेरॉन	297
28. मेरोपेनेम (10%, 20%)	1
28. क्लोरहेक्सिडिन 0.02%	1
दवाएँ रोगियों को सीधे (निःशुल्क) और अस्पताल में उपयोग के लिए भी वितरित की जाती हैं	
दवा	**शीशियों की संख्या**
1. आर्टीफिशियल टीयर्स	38,032
2. सिप्रोफ्लोक्सासिन (0.3%)	10,899
3. साइक्लोस्पोरिन 2%, 1%	95
4. एडटा (1.1%)	125
5. होमेट्रोपिन (2%)	10126
6. हाइपरटोनिक्सलाइन (5%)	4895
7. मिथाइल सेलूलोज़ (2%)	907
8. पिलोकार्पिन(2%)	10
9. सोडियम एस्कॉर्बेट (10%)	405
10. सोडियम साइट्रेट (10%)	484
11. थिमेरोसल सॉल्यूशन (0.005%)	60 लीटर
12. ट्रॉपिकैमाइड (1%)	36342

13. ट्रोपैक+फेनिलफेरिन (0.5%+2.5% (आरओपी)	9936
14. गैनसाइक्लोवेयर शीशियाँ 100 मिलीग्राम	65
15. पाइलोक्लोनिडाइन	0
16. ओलोपाटाडिन	6440
17. ग्लिसरीन 50%	0
18. पीएचएमबी	50
19. मिथाइलसेलुलोज 2%	55 लीटर
20. हाइपरटोनिक सेलाइन 20%	250 मिली

वितरित (मांग पर) की गई किट एवं अन्य वस्तुएं

दवा	मात्रा	
1. इथाइलअल्कोहल 20%	615 x 5 मिली	
2. गोल्ड क्लोराइड	200	शीशियां
3. हाइड्राज़ीन हाइड्रेट	200	शीशियां
4. लिपोसोमल एम्फोटेरेसिन बी (0.15%)	03	शीशियां
5. टीपीए (इंजेक्शन, 1एमजी/एमएल)	30	एम्पुल (इंजेक्शन की शीशियां)
6. इन्फ्लिक्सिमाब इंजे. 10एमजी	0	शीशियां
7. टिमोलोलमेलिएटोइंट. 0.5%	122	मलहम
8. एसाइक्लोविर 120 मिलीग्राम	0	पाउच
9. वैल्गैन्सिक्लोविर टैबलेट	163	पाउच
10. सिरोलिमस पाउडर	0	पाउच
11. लिवोफ्लोक्सोसिन 0.5%	4	शीशियां
12. वोरिकोनाज़ोल इन पार्ट्स	8	पाउच
13. प्रोपेनोलोल इन पार्ट्स	15	पाउच
14. वालगैन्सीक्लोविर	0	पाउच
15. हाइड्रोजन पेरोक्साइड 3%	0	
16. सोड. हाइपोक्लोराइट 1%	0	
17. इमेपेनम 1%	3	शीशियां
18. पोन्क्रेफ्लोज़्ट ¼ पाउच	0	पाउच
19. हाइड्रोकार्टिसोन 5 मि.ग्रा	0	शीशियां
20. सेफ्ट्रिएक्सोन 5%	0	शीशियां
21. आइसोनियाज़िड	05	शीशियां
22. क्विनिडाइन 300 मि.ग्रा	1200	शीशियां
23. क्विनिडाइन 400 मि.ग्रा	700	शीशियां

24. टैब. क्विनिडाइन 200 मिलीग्राम	0	शीशियां
25. कैप. क्विनिडाइन 200 मिलीग्राम	1600	शीशियां
26. इडेबेनोन	550	कैप्सूल
27. हाइड्रोकार्टसोन	0	पाउच
28. प्रोप्रानोलोल	0	पाउच
29. सोडियम बेंज़ोइड	58	पाउच
30. हेलोपैरिडोल	0	पाउच
31. क्विनिडाइन सल्फेट	0	पाउच
32. पॉसकोनाज़ोल सस्पेंशन (1%)	167	आँख की दवा
33. आईजीजी	204	आँख की दवा
34. अल्फामिनो पावर	0	पाउच
35. क्विनिडाइन सल्फेट 100 मि.ग्रा	0	कैप्सूल
36. एब्सोल्यूट एल्कोहोल 100%	1.5 मिली X 2	शीशियां
37. यूरोकाइनेज 25000 आईयू/एमआई	1	शीशियां
38. ज़िनेज़-डी ¼ इन पार्ट्स	8	पाउच
39. पीसीएम 500एमजी ¾ इन पार्ट्स	8	पाउच
40. पोसाकोनाज़ोल1% (300 मिलीग्राम/16.7 मी.)	1	शीशियां
41. डॉक्सीसाइक्लिन ¼ इन पार्ट्स	4	पाउच
स्टेरलाइज्ड औषधियाँ वितरित की गईं		
1. बोटॉक्स	351	एम्पुल (इंजेक्शन की शीशियां)
2. बेवाकिजुमैब (अवास्टिन)	4683	एम्पुल (इंजेक्शन की शीशियां)
बायोलॉजिकल वितरण किया गया		
1. ऑटोलॉगस सीरम	25	शीशियां
2. ऑटोलॉगस पीआरपी	0	शीशियां
3. प्लेटलेट रिच प्लाज्मा	0	शीशियां

राष्ट्रीय सेवा

मद	**शीशियों की संख्या (10 मिली)**
कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया (भारत में 24 राज्यों में 106 सरकारी नेत्र बैंकों को आपूर्ति)	697
लम्बा कॉर्नियल स्टोरेज मीडिया	4245

राष्ट्रीय नेत्र बैंक

कॉर्निया का कुल संग्रह	1660
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	1470
अन्य नेत्र बैंक (ओईबी):	

कॉर्निया का कुल संग्रह	111
कॉर्निया प्रत्यारोपण के लिए कुल उपयोग	105
सर्जरी	
ऑप्टिकल पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी	409
थेरेप्यूटिक पेनेट्रेटिंग केराटोप्लास्टी	803
डीएसएईके	105
ट्रिपल प्रक्रिया	54
डीएमईके	4
लामेलर केराटोप्लास्टी	109
कुल	1484

चिकित्सा समाज सेवा इकाई

क्र.सं.	श्रेणी	मामलों की कुल संख्या	कुल राशि
1.	गरीब रोगी निधि के माध्यम से गरीब और निर्धन आउटडोर (ओपीडी) मरीजों के लिए मुफ्त दवाएँ	101	रु. 74,598
2.	पुअर पेशेंट फण्ड के माध्यम से रोगियों को नि:शुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए	173	रु. 1,10,502
3.	परामर्श के माध्यम से मुफ़्त सर्जरी	129	रु. 3192755
4.	अस्पताल एवं जांच शुल्क से छूट (आईपीडी एवं ओपीडी)	739	रु. 707117
5.	जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत लाभार्थी	1566	रु. 76,84,088
6.	आयुष्मान भारत-पीएमजेएवाई के तहत लाभार्थी	756	रु. 1,69,88,059
7.	रोगियों को सीधे दान के माध्यम से मदद मिली	38	रु. 2,17,082
8.	आरसीसी (रेलवे रियायती प्रमाणपत्र जारी)	373 (स्थायी-101) (अस्थायी-272)	
9.	परामर्श देना/आयुष्मान भारत परामर्श/जारी किए गए दिव्यांगता प्रमाणपत्र के लाभों के लिए उन रोगियों की संख्या जिन्हें मार्गदर्शन और परामर्श दिया गया/विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभों के लिए उन रोगियों की संख्या जिन्हें मार्गदर्शन और परामर्श दिया गया।	1628	
	चिकित्सा सामाज सेवा एकक के माध्यम से सहायता प्राप्त रोगियों की कुल संख्या	**5503**	**रु. 2,89,74,201 (दो करोड़ नवासी लाख चौहत्तर**

			हजार दो सौ एक मात्र)
	ईएचएस (ईएचएस रोगियों के लिए समन्वय)	823	रु. 2,17,34,888

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण कार्यक्रम

प्रो. जीवन एस. तितियाल को दिसंबर 2022 में रॉयल कॉलेज ऑफ ऑप्थल्मोलॉजिस्ट, लंदन यूके द्वारा एफआरसीओफथ की फेलोशिप सदस्यता प्राप्त हुई; पी शिवा रेड्डी अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार (2022) - अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी; स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विश्व के शीर्ष 2% शोधकर्ता वैज्ञानिक (2020-21) के रूप में उन्हें मान्यता प्राप्त हुई है; एमटीसी परिसर, एलवीपीईआई भुवनेश्वर में विजिटिंग प्रो. थे, जुलाई 2022, भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत; इंट्रा ऑक्यूलर इंप्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया, (आईआईआरएसआई) की वार्षिक बैठक में उन्हें जे अग्रवाल ग्लोबल आइकन गोल्ड मेडल प्राप्त हुआ, जुलाई 2022, चेन्नई, तमिलनाडु; केरल सोसाइटी ऑफ ऑप्थैल्मिक सर्जन्स - दृष्टि 2022 के 49वें वार्षिक सम्मेलन में केरल सोसाइटी ऑफ ऑप्थैल्मिक सर्जन्स (केएसओएस) द्वारा हीरो ऑफ इंडियन ऑप्थल्मोलॉजी पुरस्कार से सम्मानित किया गया, नवंबर 2022, कोझिकोड (केरल)। उनके भाषणों में क्षेत्रीय नेत्र विज्ञान संस्थान (आरआईओ), आईजीआईएमएस, पटना का स्थापना दिवस भाषण शामिल हैं, अगस्त 2022, पटना, बिहार, भारत; बारहवें प्रो. सीएस भास्करन एंडोमेंट व्याख्यान, एलवीपीईआई भुवनेश्वर, जुलाई 2022, भुवनेश्वर, ओडिशा, भारत; एआईओएस पी शिवा रेड्डी इंटरनेशनल ओरेशन लेक्चर (नेत्र विज्ञान के दिग्गज), 80वां अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी सम्मेलन, जून 2022; मुंबई, महाराष्ट्र, भारत।

प्रो. राधिका टंडन को कॉर्निया में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जन (आईएससीकेआरएस) द्वारा आईएससीकेआरएस उत्कृष्टता पुरस्कार, दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (डीओएस) द्वारा डॉ. पीके जैन ओरेशन अवार्ड 2022 और नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एनएएसआई) की फैलोशिप से सम्मानित किया गया; एनओटीटीओ द्वारा प्रदत्त राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एनओटीटीओ) के सदस्य; आईसीएमआर द्वारा प्रदत्त मानक उपचार वर्कफ़्लोज़ (एसटीडब्ल्यू) समिति के अध्यक्ष; राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) द्वारा आयोजित योजना के निर्बाध कार्यान्वयन हेतु स्वास्थ्य लाभ पैकेज, मानक उपचार दिशानिर्देश, मेडिकल ऑडिट और उपचार की गुणवत्ता आदि पर विशेषज्ञता के क्षेत्रों में मूल्यवान इनपुट प्रदान करने हेतु आयुष्मान भारत प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएम-जेएवाई) के लिए तकनीकी विशेषज्ञ थे; ऑनलाइन/वर्चुअल मोड के माध्यम से दिनांक 15 जुलाई 2022 को जर्नल की प्रगति पर चर्चा करने हेतु आईएचओपीईजेओ संपादकीय बोर्ड की बैठक के लिए संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया था; एम्स (जोधपुर), एम्स (ऋषिकेश), एनईआईजीआरआईएचएमएस (शिलांग), जेआईपीएमईआर पुडुचेरी, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (द्वारका, नई दिल्ली) के लिए विशेषज्ञ थे, जेआईपीएमईआर पुडुचेरी, आई 7 हॉस्पिटल्स प्राइवेट लिमिटेड (नई दिल्ली), एएमविजन आई एंड चाइल्ड केयर (दिल्ली), बेस हॉस्पिटल दिल्ली कैंट, एडवांस्ड आई सेंटर (पीजीआईएमईआर चंडीगढ़), आई मंत्रा हॉस्पिटल प्राइवेट

लिमिटेड (दिल्ली) के निरीक्षण हेतु डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान (लखनऊ) के निरीक्षणसमिति के सदस्य; अप्रैल 2022 हैदराबाद, तेलंगाना में ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस (जीआईटीए) और भारत-कोरिया गणराज्य संयुक्त एप्लाइड आर एंड डी प्रोग्राम, 2019 के तहत विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अंतर्गत वित्त पोषित वंशानुगत रेटिना रोगों के लिए डायग्नोस्टिक पैनल के प्रोजेक्ट डेवलपमेंट के लिए ऑनसाइट समीक्षा बैठक के लिए तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बीआईआरएसी) द्वारा आयोजित परियोजना निगरानी समिति की बैठक - नेत्र विज्ञान सीटीएन के लिए पीएमसी विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया; आईसीएमआर, नई दिल्ली में आईसीएमआर द्वारा दिनांक 29 अगस्त 2022 को आयोजित फंगल केराटाइटिस के निदान के लिए रैपिड टेस्ट: नए और चुनौतीपूर्ण दृष्टिकोण नामक आईसीएमआर टास्क फोर्स प्रस्ताव की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समूह की बैठक के लिए समिति के सदस्य हैं; नई दिल्ली में दिनांक 7 सितंबर 2022 को डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आयोजित दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) के लिए मुख्य न्यायालय आयुक्त के संबंध में आयोजित बैठक हेतु समिति के सदस्य; डीजीएचएस, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दिनांक 17 सितंबर 2022 को स्टेम सेल थेरेपी और स्टेम सेल उद्योग के समक्ष आने वाली समस्या पर विशेषज्ञों की वीसी बैठक के लिए समिति के विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया; टीएचएसटीआई, फरीदाबाद द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दिनांक 4 अक्टूबर 2022 को आयोजित ट्रांसलेशनल हेल्थ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट (टीएचएसटीआई) के गढ़बिनी नामक परियोजना के तहत परियोजना तकनीकी अधिकारी (ऑप्टोमेट्रिस्ट) के पद के लिए चयन समिति की बैठक के सदस्य के रूप में; आईसीएमआर, नई दिल्ली में दिनांक 30 नवंबर 2022 को आयोजित वैश्विक जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर उच्चाधिकार प्राप्त समिति की बैठक में पीआई के रूप में; मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार, नई दिल्ली में 2023 की कक्षा के विदाई समारोह के लिए मुख्य अतिथि और वर्ष 2023 के लिए एम्स छात्र संघ चुनावों की सलाहकार परिषद के लिए पत्रिका के सलाहकार के रूप में आमंत्रित किया गया था।

प्रो. राजपाल ऑल इंडिया ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसायटी ऑफ इंडिया के सदस्य हैं। उन्होंने थीसिस का मूल्यांकन किया। वे विट्रेओ रेटिना सोसाइटी ऑफ इंडिया के सदस्य; संपादकीय बोर्ड डीजेओ के सदस्य हैं; ईएसआईसी, फ़रीदाबाद में नेत्र विज्ञान में विशेषज्ञ के पद के लिए नेत्र विज्ञान में विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; बाल चिकित्सा उच्च निर्भरता इकाई (आईवीए वार्ड) के अध्यक्ष; रेटिना सर्विसेज के अध्यक्ष; आरओपी सेवाओं के अध्यक्ष; इकाई-I में विट्रेओ रेटिना कार्य के प्रभारी; सभी जांच लैब, डॉ. आरपी सेंटर के प्रभारी; स्टेशनरी स्टोर, डॉ. आरपी सेंटर, एम्स के प्रभारी; विभिन्न चयन समिति, एम्स, दिल्ली के सदस्य; एम्स, जम्मू के लिए एससी/एसटी चयन समिति के सदस्य; एम्स के संकाय सदस्य के आरक्षण रोस्टर समिति के सदस्य; रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमैच्योरिटी, डायबिटिक रेटिनोपैथी, एआरएमडी, एंडोफथालमिटिस, यूवाइटिस और मैक्यूलर होल में सक्रिय रूप से अनुसंधान में शामिल है। उनके प्रशासनिक गतिविधियों में एससी/एसटी के संपर्क अधिकारी, एससी/एसटी समिति की शिकायत के सदस्य, निदेशक, एम्स द्वारा नियुक्त चयन समिति और डीपीसी के सदस्य शामिल हैं। वे सतर्कता और जांच समिति, स्टोर खरीद समिति, उप-तकनीकी समिति, स्थायी मेडिकल बोर्ड, मुख्य तकनीकी

मूल्यांकन समिति के सदस्य भी हैं; वार्षिक रिपोर्ट समिति, बजट एवं लेखा के सह-अध्यक्ष; एम्स नेत्र विज्ञान विषय के लिए पीएचडी कार्यक्रम प्रवेश परीक्षा हेतु प्रश्न बैंक के लिए बहुविकल्पीय प्रश्नों की तैयारी में सम्मिलित थे।

डॉ. सीमा सेन ओकुलर पैथोलॉजी/ऑक्यूलर ऑन्कोलॉजी और ट्यूमर सत्र, एसएओ 2022, नई दिल्ली, 12 नवंबर 2022 की अध्यक्ष हैं।

प्रो. संजय शर्मा को 2022 डेटाबेस (#11,215), स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी/एल्सेवियर बीवी (स्कोपस), https://elsevier.digitalcommonsdata.com/datasets/btchxktzyw में 'शीर्ष 2% विश्व रैंकिंग वैज्ञानिकों' में चित्रित किया गया था; एम्स एक्सीलेंस इन रिसर्च अवार्ड 2021 प्राप्त हुआ, जो वर्ष 2022 में दिया गया; आईएसवीआईआर, 2023, हैदराबाद के 23वें वार्षिक सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ प्रकाशन पुरस्कार, 9-12 फरवरी 2023; मेरे एमडी के छात्र (सेन श्रेणी) को 'अग्नाशय फाइब्रोसिस के इमेजिंग मूल्यांकन' के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 18 अक्टूबर 2022 को दूसरे एम्स अनुसंधान दिवस पर; 'इंडियन सोसाइटी ऑफ वैस्कुलर एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी' (आईएसवीआईआर) के 2-वर्षीय कार्यकाल (2022-24) के दिल्ली-एनसीआर चैप्टर के अध्यक्ष चुने गए; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, दिल्ली विश्वविद्यालय, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के लिए थीसिस परीक्षक; यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली में संकाय भर्ती के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ सदस्य, 5 नवंबर 2022; दिनांक 13 सितंबर 2022 को जेआईपीएमईआर में प्रो. पद पर पदोन्नति के लिए एपीएस साक्षात्कार के लिए बाह्य विषय विशेषज्ञ; दिल्ली में आईएसवीआईआर के दिल्ली-एनसीआर चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में दो बार अर्थात दिनांक 26 नवंबर 2022 और 1 अप्रैल 2023 को बैठक आयोजित की; आरपीसी में टीएसईसी के सदस्य, पीजीआई चंडीगढ़ और एसजेएच नई दिल्ली के बाह्य विशेषज्ञ; पिछले 14 वर्षों से डॉ. आरपी सेंटर में ऑन्कोलॉजी, न्यूरो-नेत्र विज्ञान और ऑक्युलोप्लास्टी क्लिनिकल सेवाओं (औपचारिक शिक्षण में नहीं गिना जाता) के लाभ हेतु 4-5 घंटे के 'रेडियोलॉजी सम्मेलन' में लगातार शामिल थे।

प्रो. सीमा कश्यप को वर्ष 2022 में एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार-बेसिक साइंसेज श्रेणी से सम्मानित किया गया, प्राथमिक और केमोरेड्यूस्ड रेटिनोब्लास्टोमा से ग्रसित रोगियों में क्लिनिकोपैथोलॉजिकल निष्कर्षों के साथ प्रतिरक्षा चेकपॉइंट मार्करों की तुलनात्मक अभिव्यक्ति की नैदानिक प्रासंगिकता।

प्रो. नम्रता शर्मा को एशिया-प्रशांत क्षेत्र और उससे परे नेत्र विज्ञान में उत्कृष्ट उपलब्धि और महत्वपूर्ण योगदान हेतु एशिया-पैसिफिक जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी द्वारा वर्ष 2022 के शीर्ष 100 सबसे प्रभावशाली नेत्र रोग विशेषज्ञों में शामिल किया गया था; जयपुर, राजस्थान में जयपुर ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी द्वारा फेस्टिवल डू फिल्म ड्यून्स 2023 में एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी (2023) द्वारा एपीएओ सीनियर अचीवमेंट अवार्ड, ड्यून्स आयरन लेडी ऑफ द ईयर अवार्ड, सर्वश्रेष्ठ टीम विजेता (जजों की पसंद), सबसे शिक्षाप्रद विजेता (जजों की पसंद), सर्वश्रेष्ठ टीम विजेता (दर्शकों की पसंद) और सबसे इनोवेटिव विजेता (दर्शकों की पसंद) 2023 प्राप्त हुआ। उन्हें पुणे, महाराष्ट्र में महाराष्ट्र ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी (2023) द्वारा अपवर्तक सर्जरी में शिक्षाविदों के लिए

आजीवन योगदान के लिए एशियन आई पल्लीकारिस ओरेशन अवार्ड, नई दिल्ली में दक्षिण एशियाई नेत्र विज्ञान अकादमी (2022) द्वारा एसएओ क्षेत्र में नेतृत्व के लिए मोदस्सर-दाउद-मल्ला एसएओ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था। उन्होंने कोलंबो, श्रीलंका में आयोजित श्रीलंका के नेत्र रोग विशेषज्ञों के कॉलेज की 30वीं वार्षिक कांग्रेस में माइक्रोबियल केराटाइटिस: बीटिंग द बग्स पर कॉलेज व्याख्यान दिया - (2022); ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ वेस्ट बंगाल (ओएसडब्ल्यूबी) में मेजर एससी दत्त मेमोरियल ओरेशन अवार्ड प्राप्त हुआ - (2022); इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ मैनुअल स्मॉल इंसीजन मोतियाबिंद सर्जन (आईएसएमएसआईसीएस) द्वारा ग्लोबल इन्फ्लुएंसर ऑफ द ईयर पुरस्कार (2022); 18वें उत्तरा आईकॉन (2022) में डॉ. विनोद अरोड़ा ओरेशन अवार्ड; आंध्र प्रदेश ऑप्थेलमिक सोसाइटी (एपीओएस) द्वारा डॉ. यूवी रमन राजू के व्याख्यान 2022 से भी सम्मानित किया गया - (2022); इंट्राओकुलर इंप्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी (आईआईआरएसआई) द्वारा श्रीमती ताहिरा अग्रवाल स्वर्ण पदक प्रदान किया गया -(2022)। वे अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी (एआईओएस) की मानद महासचिव हैं; अध्यक्ष, कॉर्निया सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई); उपाध्यक्ष, आई बैंक एसोसिएशन ऑफ इंडिया (ईबीएआई); उपाध्यक्ष, नेशनल सोसाइटी फॉर द प्रिवेंशन ऑफ ब्लाइंडनेस (एनएसपीबी); क्षेत्रीय सचिव, एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी; महासचिव, ऑप्थेलमिक रिसर्च एसोसिएशन (ओआरए), आरपी सेंटर, एम्स; इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जन, (आईएससीकेआरएस) की वैज्ञानिक समिति के अध्यक्ष; एम्स के डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र में अकादमिक एवं अनुसंधान समिति के अध्यक्ष; डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स में ऑपरेशन थिएटर कमेटी (मुख्य ओटी और डे केयर) के अध्यक्ष और ओटी प्रभारी; डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स में संक्रमण निरीक्षण और निगरानी समिति के सह-अध्यक्ष; डॉ. राजेंद्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र, एम्स के नेत्र बैंकिंग एवं नेत्र दान के सह-अध्यक्ष; कॉर्निया सोसाइटी ऑफ इंडिया (सीएसआई) के कार्यकारी सदस्य; वूमेन ऑप्थेलमिक सोसाइटी (डब्ल्यूओएस) और इंट्राओकुलर इंप्लांट एंड रिफ्रैक्टिव सोसाइटी ऑफ इंडिया (आईआईआरएसआई) की सदस्य हैं।

प्रो. नीलम पुष्कर को 15वें द्विवार्षिक एसएओ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022 में 'सर्वश्रेष्ठ वीडियो पुरस्कार' और स्टीवंस-जॉनसन सिंड्रोम में ढक्कन मार्जिन पैथोलॉजी के लिए श्लेष्मा झिल्ली ग्राफ्टिंग (फाइब्रिन गोंद बनाम सिवनी) नामक शीर्षक अध्ययन के लिए क्लिनिकल साइंस श्रेणी के तहत 'एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार' प्राप्त हुआ: यादृच्छिक तुलनात्मक अध्ययन। वे इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में नवंबर 2022 में आयोजित 15वें द्विवार्षिक एसएओ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2022-'ऑप्थल्मोलॉजी बिऑन्ड बॉर्डर्स' में आयोजित 'टैकलिंग आईलिड मार्जिन पैथोलॉजी- द ओकुलोप्लास्टिक क्लासरूम पर निर्देश पाठ्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक थीं। उन्होंने मार्च 2023 में जेएलएन सभागार में आयोजित 56वें आरपीसी वार्षिक स्थापना दिवस - वैज्ञानिक शिक्षण कार्यक्रम में 2 सत्रों की अध्यक्षता की, उन्होंने यूएसआईआई, दिल्ली में मार्च 2023 में आयोजित आईफोकस नेशनल पीजी टीचिंग प्रोग्राम इन ऑप्थल्मोलॉजी में ओकुलोप्लास्टी, ऑन्कोलॉजी और पैथोलॉजी सत्र की भी अध्यक्षता की है। वह इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी और दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के अनुभाग संपादक - ओकुलोप्लास्टी अनुभाग के रूप में कार्यरत हैं। वह हरियाणा जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के संपादकीय

सलाहकार बोर्ड में भी हैं। उन्होंने फरवरी 2023 में पं. बीडी शर्मा यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, रोहतक से एमएस थीसिस (नेत्र विज्ञान) का मूल्यांकन किया है।

प्रो. टी. वेलपांडियन आचार समिति (बुनियादी विज्ञान), एम्स के सदस्य (2016 से अब तक) हैं; सदस्य (फार्माकोलॉजिस्ट) इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय (2019 से अब तक); सदस्य (फार्माकोलॉजिस्ट) दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (2020 से अब तक); सदस्य (फार्माकोलॉजिस्ट) आईएनएमएएस, डीआरडीओ, दिल्ली (2019 से अब तक); सदस्य, पशु एथिक्स समिति-दक्षिण एशियाई विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (2016 से अब तक); सदस्य - नवाचार और अनुवाद अनुसंधान पर आईसीएमआर टास्क फोर्स- 2018 से अब तक; सदस्य, एफएसएसएआई (जीओआई), एफडीए भवन, नई दिल्ली के जैव-खतरा पैनल 2017 से अब तक (दूसरा कार्यकाल); परियोजना निगरानी समिति में विशेषज्ञ सदस्य - बीआईआरएसी, 2019 से अब तक है।

प्रो. प्रवीण वशिष्ठ को 23-25 फरवरी 2023 के दौरान कुआलालंपुर, मलेशिया में 38वें एपीएओ कांग्रेस में एपीएओ उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया; भारत में नेत्र उपचार संबंधी सेवाओं के लिए मानव संसाधन और अवसंरचना के मानचित्रण हेतु सर्वश्रेष्ठ पेपर राष्ट्रीय सर्वेक्षण। आरपी सेंटर में अंधेपन की रोकथाम के लिए डब्ल्यूएचओ सहयोग केंद्र से संबंधित गतिविधियों का प्रबंधन करना। चार वर्ष 2020-2024 की अवधि के लिए डॉ. आरपी सेंटर, एम्स नई दिल्ली को डब्ल्यूएचओ सीसी के रूप में पुनः नामित करने हेतु कार्य योजना विकसित करने में शामिल रहे; उन्हें डब्ल्यूएचओ डायग्नोस्टिक तकनीकी सलाहकार समूह के लिए ट्रैकोमा उपसमूह में विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया था; प्रोजेक्ट रोशिनी: समावेशी व्यापक नेत्र उपचार सेवाओं के लिए अखिल भारत स्तर पर पहल के लिए इतालवी सीबीएम समूह द्वारा साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया गया। एनपीसीबी को ट्रैकोमा उन्मूलन और निगरानी फॉर्म (टीईएमएफ) पर डब्ल्यूएचओ प्रधान कार्यालय के लिए ट्रैकोमा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की गई; भारत के 200 जिलों में ट्रैकोमैटस ट्राइकियासिस (केवल टीटी सर्वेक्षण) पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण आयोजित करने हेतु एनपीसीबी और वीआई द्वारा प्रधान निरीक्षक थे। उन्होंने सर्वेक्षण के लिए कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए; एनपीसीबी एवं VI के तहत वर्ष 2020 तक देश से ट्रेकोमा के उन्मूलन के लिए नीति नियोजन एवं कार्यान्वयन हेतु राष्ट्रीय स्तर पर केंद्रीय टास्क फोर्स के सदस्य सचिव; होटल ली-मेरिडियन में प्रधान मंत्री मोतिया बिंद मुक्ति अभियान कार्यक्रम योजना बैठक में एनपीसीबी और वीआई द्वारा आमंत्रित किया गया था और उनके द्वारा तीन सत्रों की अध्यक्षता की गई थी; राष्ट्रीय अंधता और दृष्टि हानि नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबीवीआई) के संशोधित दिशानिर्देशों पर एनपीसीबीएंडवीआई समिति के सदस्य; वर्ष 2020-2023 की अवधि के लिए विज़न 2020 राइट टू साइट इंडिया के उपाध्यक्ष थे। इसके अलावा, विज़न 2020 के सदस्य - आरपी सेंटर, एम्स का प्रतिनिधित्व करने के लिए शासी निकाय; भारत में सामुदायिक नेत्र रोग विशेषज्ञों के संघ में अनुसंधान और शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष; इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; एआईओएस एंडोफ्थालमिटिस दिशानिर्देश समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त; अंधेपन की रोकथाम पर एआईओएस की अध्यक्षीय समिति के सदस्य सचिव के रूप में नामांकित; एम्स अनुसंधान अनुभाग चयन समिति के सदस्य; पदों के सृजन के लिए स्थायी वित्त समिति के प्रस्ताव के मूल्यांकन के लिए एम्स समिति के सदस्य; भर्ती प्रकोष्ठ, एम्स नई दिल्ली के प्रभारी-आचार्य; भर्ती

प्रकोष्ठ एम्स के लिए केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी, केंद्रीय सहायक लोक सूचना अधिकारी और प्रथम अपीलीय प्राधिकारी के रूप में नामांकित; वार्षिक रिपोर्ट समिति, एम्स में आरपी सेंटर के लिए नोडल अधिकारी थे।

प्रो. रोहित सक्सेना को आंध्र प्रदेश ऑप्थल्मोलॉजी सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा अक्टूबर 2022 में पीएल राव व्याख्यान से सम्मानित किया गया; आचार समिति एम्स के सदस्य सचिव; डीसीजीआई के लिए सदस्य विषय समिति नेत्र विज्ञान; अखिल भारतीय नेत्र विज्ञान सोसायटी हेतु शैक्षिक और अनुसंधान समिति के लिए उत्तरी क्षेत्र के प्रतिनिधि; एआईओएस के कॉलेजियम की उपविशेषता उपसमिति (न्यूरो-नेत्र विज्ञान) के सदस्य; एफएआईसीओ सलाहकार बोर्ड - यूविया और न्यूरो के सदस्य; एआईओएस के कॉलेजियम की उपविशेषता उपसमिति (यूविया और न्यूरो) के सदस्य थे।

प्रो. तुषार अग्रवाल राष्ट्रीय सर्जिकल कौशल विकास केंद्र के अध्यक्ष हैं (17 सितंबर 2021 से); अध्यक्ष - आंतरिक भंडार समीक्षा समिति (13 सितंबर 2021 से); सदस्य-संक्रमण निरीक्षण एवं निगरानी समिति (17 सितंबर 2021 से); सदस्य- ऑपरेशन थिएटर समिति (मुख्य ओटी और डे केयर) 17 सितंबर, 2021 से; एम्स के नए मास्टर प्लान के तहत न्यू मस्जिद मोठ परिसर में आरपीसी ओपीडी के लेआउट की योजना हेतु सदस्य; स्मारिका समिति, डॉ. आरपी सेंटर के 55वें स्थापना दिवस समारोह के सदस्य है।

प्रो. एम वनाति को सर्वश्रेष्ठ पीजी थीसिस एआईओसी - एआरसी - तृतीय पुरस्कार (पी बोरदोलोई, एम वनथी, टी वेलपांडियन, एन लोमी, एन गुप्ता, आर टंडन टैक्रोलिमस 0.1% त्वचीय अनुप्रयोग क्रोनिक वर्नल केराटोकोनजक्टिवाइटिस में ऊपरी पलक की त्वचा पर प्राप्त हुआ; आईजेओ के सर्वश्रेष्ठ - सिल्वर अवार्ड 2022 (अनीता वी, वनथी एम, राघवन ए, राजारमन आर, रवींद्रन एम, टंडन आर, बाल चिकित्सा केराटोकोनस - वर्तमान परिप्रेक्ष्य और नैदानिक चुनौतियाँ पर प्राप्त हुआ। इंडियन जे ओफ्थाल्मोल 2021 फ़रवरी; 69(2): 214-225); सर्वश्रेष्ठ फिजिकल पोस्टर: प्रियदर्शना बोरदोलोई, एम वनथी, टी वेलपांडियन, एन लोमी, एन गुप्ता, आर टंडन को प्राप्त हुआ। क्रोनिक वर्नल केराटोकोनजक्टिवाइटिस में त्वचीय अनुप्रयोग के बाद आंसू टैक्रोलिमस का स्तर। एआईओसी 2022 4 जून, 2022 | 10:30 - 11:55; कॉर्निया सोसायटी, यूएसए के आजीवन सदस्य हैं; स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मानक उपचार वर्कफ़्लो दिशानिर्देशों के सदस्य; एफएआईसीओ की कॉर्निया विशेषज्ञ समिति के सदस्य - कॉर्निया, एआईओएस कॉलेजियम 2021- 2022; 2 एमएस थीसिस मूल्यांकन में शामिल - दिल्ली विश्वविद्यालय (जनवरी 2022); सदस्य हैं - आरपी सेंटर, एम्स की अकादमिक अनुसंधान समिति; दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी की जर्नल एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष; एआईओसी 2022 के वैज्ञानिक सबमिशन (मुफ्त पेपर, वीडियो और निर्देश पाठ्यक्रम) के मूल्यांकनकर्ता; एआईओएस 2020-2023 के लिए डॉस प्रतिनिधि; एआईओएस 2020-23 की सदस्य प्रबंध समिति; आईजेओ, वर्ल्ड ऑप्थल्मोलॉजी, दिल्ली जर्नल ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य है।

प्रो. राजेश सिन्हा को एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी द्वारा विशिष्ट सेवा पुरस्कार प्राप्त हुआ; एलुरु में आंध्र प्रदेश ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी कॉन्फ्रेंस 2022 में डॉ अनापर्थी नारायण रेड्डी

का भाषण; राजकोट में ऑल गुजरात ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी कॉन्फ्रेंस 2022 में डॉ. अमित शाह का भाषण में शामिल हुए।

प्रो. भावना चावला को डॉ. पीएन सिन्हा ओरेशन अवॉर्ड, बिहार ऑप्थैल्मोलॉजिकल सोसाइटी (पटना) और भारत के नेत्र शिक्षकों के फोरम ऑफ ऑप्थल्मोलॉजी फोरम में असाधारण अकादमिक उत्कृष्टता प्राप्त हुई।

प्रो. पारिजात चंद्रा मॉडरेटर-रेटिना सत्र - 6, दिल्ली ऑप्थेलमिक सोसाइटी, दिल्ली के मध्यावधि सम्मेलन [2-3 अप्रैल 2022]; सह-संयोजक - रेटिना सत्र - 2, दिल्ली ऑप्थेलमिक सोसाइटी, दिल्ली का मध्यावधि सम्मेलन [2-3 अप्रैल 2022]; पैनलिस्ट - आरओपी, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड, दिल्ली पर एनबीई वेबिनार [23 जुलाई, 2022]; जज थे। वीडियो पोडियम प्रेजेंटेशन, वर्ल्ड आरओपी कांग्रेस, दुबई यूएई, [1-4 सितंबर 2022]; पैनलिस्ट - मास्टर क्लास: प्रशिक्षण, सर्जरी और टेलीमेडिसिन, वर्ल्ड आरओपी कांग्रेस, दुबई यूएई, [1-4 सितंबर 2022]; पैनलिस्ट - प्रीमैच्योरिटी के लिए रेटिनोपैथी (आरओपी) स्क्रीनिंग पर परामर्शदात्री बैठक, मिशन एनईईवी प्रोजेक्ट, आरएमएल अस्पताल, दिल्ली [23 सितंबर, 2022]; सदस्य तकनीकी विशेषज्ञ समूह - एमओएचएफडब्ल्यू, भारत सरकार के तहत आरओपी के कारण अंधेपन की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय आरओपी टास्क फोर्स; परीक्षक - बीएससी (ऑप्टोमेट्री) परीक्षा चरण II द्वितीय वर्ष प्रो. परीक्षा (जुलाई 2022); बाह्य परीक्षक थीसिस (एमडी बाल रोग), पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ (अक्टूबर 2022); बाह्य परीक्षक थीसिस (एमएस नेत्र विज्ञान), जीएमसी चंडीगढ़, (जनवरी 2023); बाह्य परीक्षक थीसिस (एमएस नेत्र विज्ञान), दिल्ली विश्वविद्यालय, (जनवरी 2023); मूल्यांकनकर्ता - निःशुल्क पेपर (बाल चिकित्सा) - एआईओसी 2022, मुंबई [2-6 जून 2022]।

प्रो. सूरज सेनजम सिंह ने एशिया पैसिफिक ऑप्थेलमिक कांग्रेस 2023, एपीएओ कुआलालंपुर में एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता की; डब्ल्यूएचओ रैपिड असिस्टिव टेक्नोलॉजी असेसमेंट (आरएटीए) अध्ययन समूह जिनेवा का एक विशेषज्ञ सदस्य है; नीति आयोग भारत के तत्वावधान में डब्ल्यूएचओ देश कार्यालय द्वारा विकसित की जाने वाली सहायक प्रौद्योगिकी के लिए भारत की राष्ट्रीय रणनीतिक कार्य योजना का एक विशेषज्ञ सदस्य; एआईओसी-2022 (एफपी 1836) में मानव संसाधनों और नेत्र उपचार के बुनियादी ढांचे के लिए राष्ट्रीय मानचित्रण पर सामुदायिक नेत्र विज्ञान के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर के सह-लेखक; एडीके आई हॉस्पिटल बागपत द्वारा दिनांक 3 नवंबर 2022 को विशेष अतिथि का निमंत्रण मिला।

डॉ. नूपुर गुप्ता को दिसंबर 2022 में केप टाउन, दक्षिण अफ्रीका में आयोजित ट्रैकोमैटस ट्राइकियासिस पर तीसरी वैश्विक वैज्ञानिक बैठक में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रैकोमा विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था, जिसमें दक्षिण अफ्रीकी देशों, दक्षिण अमेरिका और डब्ल्यूएचओ के विशेषज्ञों ने भाग लिया था; वार्षिक विज़न 2020 पुरस्कारों के लिए पुरस्कारों की जूरी के रूप में आमंत्रित थे ; एसपी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, बीकानेर में थीसिस मूल्यांकन आयोजित करने हेतु राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, जयपुर द्वारा आमंत्रित मास्टर ऑफ सर्जरी - नेत्र विज्ञान के थीसिस मूल्यांकन में शामिल थे; ए लाइफस्टाइल एपिडेमिक: ओकुलर सरफेस डिजीज नामक टीएफओएस कार्यशाला के लिए ड्राई आई पर वैश्विक विशेषज्ञ के रूप में उन्हें आमंत्रित किया गया था। वे सभी टीएफओएस

लाइफस्टाइल वर्कशॉप उपसमिति रिपोर्टों के रचनात्मक आलोचना मसौदे में शामिल थे। इनमें कथात्मक और व्यवस्थित समीक्षा दोनों शामिल होंगी, यह कार्यशाला टीएफओएस की सबसे हालिया पहलों में से एक है, जिसे आंसू फिल्म और ओकुलर सतह के वैज्ञानिक क्षेत्र के अनुसंधान, साक्षरता और शैक्षिक पहलुओं को आगे बढ़ाने के लिए बनाया गया था जो डब्ल्यूएचओ आधारित प्रभावी मोतियाबिंद सर्जिकल कवरेज पर डब्ल्यूएचओ, जिनेवा के विशेषज्ञों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग है; एसईएआरओ के लिए एक अनुक्रमित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका कम्युनिटी आई हेल्थ जर्नल के लिए परामर्श संपादक के रूप में नामांकन और दक्षिण एशिया सलाहकार समिति के बोर्ड सदस्य के रूप में कार्य करते हुए पत्रिका के लिए परामर्श सलाहकार के रूप में नियुक्त किया जाना; परिभाषा, नैदानिक मानदंड और चिकित्सीय परिणामों को एकीकृत करने के उद्देश्य से बाल चिकित्सा ब्लेफेरोकेरटोकोनजक्टिवाइटिस (बीकेसी) पर एक अंतर्राष्ट्रीय डेल्फी विधि आम सहमति अध्ययन में भाग लेने के लिए उन्हें बाल चिकित्सा और नेत्र सतह रोग के क्षेत्र में पीबीकेसी अध्ययन समूह के लिए वैश्विक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया था।

डॉ. रोहन चावला ने अनुमानित ओकुलर ट्यूबरकुलोसिस के मामलों में नेत्र संबंधी तरल पदार्थ और रक्त के ट्यूबरकुलर डीएनएपीसीआर पर पेपर में योगदान दिया: दिनांक 6 नवंबर 2022 को एक प्रायोगिक अध्ययन-डीआरएफए की वार्षिक बैठक में प्रस्तुति - सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार जीता; अमेरिका के एआरवीओ 2021-2022 के सदस्य हैं; यूरो रेटिना 2022-2023 के सदस्य है।

डॉ. स्वाति फुलझले को दिनांक 2-5 जून 2022 में भारतीय न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सोसाइटी के वार्षिक सम्मेलन न्यूरो-नेत्र विज्ञान में सर्वश्रेष्ठ पेपर हेतु एसडी आठवले पुरस्कार 2022; ऑप्टिक न्यूरिटिस में रेटिनल संवेदनशीलता और संरचनात्मक अखंडता के थीसिस मूल्यांकन में शामिल होकर, मार्च 2023 में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय उत्तरी अमेरिकी न्यूरो-ऑप्थल्मोलॉजी सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ सार प्रस्तुति पुरस्कार का विजेता बनी।

डॉ. विवेक गुप्ता को लंदन स्कूल ऑफ हाइजीन एंड ट्रॉपिकल मेडिसिन (एलएसएचटीएम), लंदन विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट योग्यता के साथ नेत्र उपचार के लिए एमएससी पब्लिक हेल्थ की डिग्री से सम्मानित किया गया और हूपर पुरस्कार और गॉर्डन झोंसन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. निशात हुसैन अहमद ने अखिल भारतीय नेत्र रोग सोसायटी (एआईओएस) (एन26015) की आजीवन सदस्यता प्राप्त की; एम्स, विजयपुर, जम्मू-भारत में वरिष्ठ स्थानिक (सूक्ष्म जीव विज्ञान) के पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों के चयन के लिए साक्षात्कार आयोजित किया गया।

डॉ. शिखा गुप्ता को वर्ष 2022 में ग्लूकोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया में एजीवी जटिलता के लिए सर्वश्रेष्ठ वीडियो पुरस्कार प्राप्त हुआ; वर्ष 2022 में एआईओएस सम्मेलन में एआईओएस फोटोग्राफी पुरस्कार (दूसरा पुरस्कार); 2022 में ग्लूकोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया में जीएसआई अंतर्राष्ट्रीय सम्मान पुरस्कार; 2022 में एम्स इंटरनेशनल रिसर्च फेलोशिप; वर्ष 2022 में एआरवीओ में रोश सहयोगात्मक अनुसंधान फ़ेलोशिप; जनवरी 2023 में यूकेपीजीएस यूके ग्लूकोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया में डॉ. आयुष मजूमदार (थीसिस उम्मीदवार) को सर्वश्रेष्ठ पेपर ट्रेनी पुरस्कार; वर्ष 2023 में योसी-एआईओएस यंग ऑप्थल्मोलॉजिस्ट सोसाइटी ऑफ इंडिया में सर्वश्रेष्ठ मुफ्त पेपर के लिए डॉ. आयुष मजूमदार (थीसिस

कैंडिडेट) को योसी-एआईओएस पुरस्कार; वर्ष 2022 में जीएसआई में ग्लूकोमा सोसाइटी ऑफ इंडिया के लिए उत्तरी क्षेत्र के प्रतिनिधि के रूप में चुना गया था।

डॉ. प्रफुल्ल महाराणा को दिनांक 28 जनवरी 2023 को नई दिल्ली के चाणक्यपुरी में पुरस्कार समारोह में दिल्ली ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी की ओर से 100 से अधिक डीसीआरएस क्रेडिट प्राप्त करने हेतु उत्कृष्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ; दिनांक 21 जनवरी 2023 को एचओएस के वार्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में नेत्र विज्ञान में निस्वार्थ सेवा और नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए हरियाणा नेत्र रोग सोसायटी (एचओएस) से राष्ट्रीय आइकन नेत्र विज्ञान पुरस्कार प्राप्त किया; चाणक्यपुरी, नई दिल्ली, भारत में दिनांक 7-9 अक्टूबर 2022 को 73वें वार्षिक दिल्ली डॉस कॉन्फ्रेंस 2022 में डॉस ऑप्थेलमिक प्रीमियर लीग में सर्वश्रेष्ठ मनोरंजक सर्जिकल वीडियो का विजेता थे।

डॉ. देवांग एंग्मो को एपीएओ-लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम (एलडीपी) 23-24 में सम्मानित किया गया और शामिल किया गया; एपीएओ इंटरनेशनल फेलोशिप 2022-23 के लिए स्वीकृत किया गया; कुछ अनुक्रमित पत्रिकाओं के लिए समीक्षक; 1 सहयोगात्मक एम्स-आईआरजी परियोजना और 2 थीसिस शोध प्रबंधों के लिए मुख्य अन्वेषक; 14 थीसिस/परियोजनाओं के सह-अन्वेषक थे।

डॉ. नीवेते लोमी को श्रेणीः बेसिक साइंसेज शीर्षक प्रोग्नॉस्टिक इम्पैक्ट ऑफ एचईआरसी2 प्रोटीन एंड पिंक-आइड डाइल्यूशन प्रोटीन इन यूवेअल मेलेनोमा के तहत उत्कृष्ट प्रकाशन की मान्यता में वर्ष 2020 के लिए एम्स ऑन्कोलॉजी रिसर्च अवार्ड से सम्मानित किया गया; दिनांक 15 जून 2022 से 14 जुलाई 2022 तक ओकुलर ऑन्कोलॉजी में अल्पकालिक ऑब्जर्वरशिप प्रशिक्षण के लिए पीजीआई चंडीगढ़ से एमसीएच के अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षक; ज़ोरम मेडिकल कॉलेज, मिज़ोरम में 6-8 अप्रैल 2022 के दौरान आयोजित नेत्र विज्ञान पेपर में एमबीबीएस तीसरे व्यावसायिक परीक्षा के पहले बैच का संचालन करने हेतु बाहय परीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था; दिनांक 24-30 अप्रैल 2022 तक गंभीर और पुराने रोगियों के उपचार के लिए लेह, लद्दाख में विशेष स्वास्थ्य शिविर में भाग लिया; दिनांक 18 से 22 जुलाई 2022 को ऑनलाइन/वर्चुअल मोड के माध्यम से आयोजित सीबीएम ग्लोबल सलाहकार डॉ कैरिन वान डिज्क द्वारा आयोजित टीम सदस्य के रूप में कम दृष्टि सहायता प्रशिक्षण में भाग लिया; दिसंबर 2022 में आयोजित डॉ. आर पी सेंटर में पेपर-IV ऑप्टिक्स (फिजिकल और फिजियोलॉजिकल) परीक्षा में बैचलर ऑफ ऑप्टोमेट्री चरण-I के लिए परीक्षक बोर्ड के आंतरिक परीक्षक; उन्होंने दिनांक 8 से 14 मई 2022 तक विश्व रेटिनोब्लास्टोमा जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया।

डॉ. मनप्रीत कौर को ली. मेरिडियन, नई दिल्ली में 12-14 अगस्त 2022 को यंग अचीवर्स अवार्ड, इंडियन सोसाइटी ऑफ कॉर्निया एंड केराटोरेफ्रैक्टिव सर्जन प्राप्त हुआ; मुख्य भाषण- 'रिफ्रैक्टिव लेंटिक्यूल एक्सट्रैक्शन- भावी रास्ता!', ऑल इंडिया ऑप्थल्मोलॉजिकल सोसायटी वार्षिक सम्मेलन (एआईओसी 2022), 2-5 जून 2022, मुंबई, भारत; सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर (उपविजेता), कौर एम, टिटियाल जेएस, नायर एस, पोस्ट-लेसिक एपिथेलियल इनग्रोथ का स्पेक्ट्रम - इंट्राऑपरेटिव ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी के साथ परिणामों का अनुकूलन, 34वीं एपीएसीआरएस-2022 केएससीआरएस संयुक्त बैठक | 11-12 जून 2022; सर्वश्रेष्ठ पोडियम पोस्टर, कौर एम, नायर एस, टिटियाल जेएस, एपिथेलियल इनग्रोथ के साथ लंबे समय तक पोस्ट-लेसिक फ्लैप डिस्लोकेशन के लिए फ्लैप विच्छेदन। अखिल

भारतीय नेत्र रोग सोसायटी वार्षिक सम्मेलन (एआईओसी 2022), 2-5 जून 2022, मुंबई, भारत; बाह्य परीक्षक- एआईओएस एफएआईसीओ परीक्षा - मोतियाबिंद/फेको-4 जनवरी 2022 और बाह्य परीक्षक- एआईओएस एफएआईसीओ परीक्षा - व्यापक नेत्र विज्ञान- 4 जनवरी 2022 थे।

डॉ. रेबिका धीमान ने दिनांक 26-27 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में आईएनओएस 2022 में ग्लूकोमाटस और गैर-ग्लूकोमेटस ऑप्टिक न्यूरोपैथी में कोन मोज़ेक विशेषताओं पर निःशुल्क पेपर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार जीता।

डॉ. अमर पुजारी ने एआईओसी 2022 - स्ट्रैबिस्मस श्रेणी और हनुमंत रेड्डी पुरस्कार-2022 एसपीओएसआई के तहत सर्वश्रेष्ठ भौतिक पोस्टर जीता।

डॉ. साहिल अग्रवाल को इंटरनेशनल हीरोज टाइटल, एआईओसी 2023 से सम्मानित किया गया।

10.5 जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र

प्रमुख

आचार्य राजेश मल्होत्रा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

आचार्य संजीव लालवानी

आचार्य

संवेदनाहरणविज्ञान
बबिता गुप्ता
छवि साहनी

प्रयोगशाला चिकित्सा
अरुलसेल्वी एस
पूर्वा माथुर

न्याय चिकित्सा
संजीव लालवानी
आदर्श कुमार

ट्रॉमा सर्जरी
सुषमा सागर
सुबोध कुमार
अमित गुप्ता
बिप्लब मिश्रा

तंत्रिका शल्यचिकित्सा
दीपक अग्रवाल
दीपक के गुप्ता
जीडी सत्यार्थी
पंकज कु. सिंह

अस्थिरोग विज्ञान
कामरान फारूक
विजय शर्मा
बुद्धदेव चौधरी
विवेक त्रिखा

विकिरण निदान
शिवानंद जी.
अतिन कुमार

तंत्रिका संवेदनाहरण
आशीष बिंद्रा
ज्ञानेंद्र पाल सिंह
नीरज कुमार
केशव गोयल
नवदीप सोखल

गंभीर एवं गहन उपचार
कपिल देव सोनी
ऋचा अग्रवाल

बाल शल्यचिकित्सा
शिल्पा शर्मा
वृक्क विज्ञान
बागची सौमिता के.

आपात चिकित्सा
संजीव के. भोई

प्रसूति एवं स्त्रीरोग
गरिमा कछावा

अपर आचार्य

आपात चिकित्सा

तेज प्रकाश सिन्हा

सह-आचार्य

अस्थिरोग विज्ञान
समर्थ मित्तल

ट्रॉमा सर्जरी
प्रत्युषा प्रियदर्शिनी
अभिनव कुमार
नरेंद्र चौधरी
दिनेश कुमार बगारिया

आधान चिकित्सा
राहुल चौरसिया

मूत्ररोग विज्ञान
सिद्धार्थ जैन

सहायक आचार्य

ट्रॉमा सर्जरी	**मनोचिकित्सा**	**प्लास्टिक सर्जरी**
जुनैद आलम	निष्ठा चावला	सुवाशीष दास
प्रयोगशाला चिकित्सा	**अस्थिरोग**	**संवेदनाहरण**
तपस्या मुखोपाध्याय (सी)	निशांक मेहता	युद्धवीर सिंह
अपर्णा निंगोम्बाम (सी)	असजद महमूद	अभिषेक सिंह
	अरविंद कुमार	शर्मिष्ठा पाठक
	गरिका शिवा श्रीवास्तव	रिनिकी सरमा
		अंजिष्नुजीत बंद्योपाध्याय
आपात चिकित्सा	**अस्पताल प्रशासन**	**तंत्रिका शल्यचिकित्सा**
रितिन मोहिंदरा	अनंत गुप्ता	कोक्कुला प्रणीत
विनीत चंद्रन के.पी.	मोहम्मद कौसर	राघव सिंगला

न्याय चिकित्सा
स्वाति त्यागी

विशिष्टताएं

जय प्रकाश नारायण एपेक्स ट्रॉमा केंद्र (जेपीएनएटीसी) ट्रॉमा पीड़ितों को समग्र उपचार प्रदान करना जारी रखा है। जेपीएनएटीसी में 9 कार्यशालाएं आयोजित की गईं और कैडवेरिक स्किल प्रयोगशाला में रेजीडेंटों के लिए कई व्यावहारिक प्रशिक्षण से संबंधित कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

वर्ष 2022-23 में रेजीडेंट और संकाय सदस्य 200 से अधिक चालू और पूर्ण परियोजनाओं और 300 से अधिक प्रकाशनों में शामिल रहे हैं।

लगभग 2000 अंतः रोगी भर्ती किए गए, 8,64,752 प्रयोगशाला परीक्षण किए गए और 1,76,665 इमेजिंग (सीटी, यूएसजी, एक्स-रे, फ्लोरोस्कोपी) की गईं।

विभिन्न विभागों में तेरह नए संकाय सदस्य केंद्र में शामिल हुए और सेवाओं और बुनियादी ढांचे में नए विकास हुए, जैसा कि नीचे बताया गया है:

1. **अंग दान:** जेपीएनएटीसी में एक सुदृढ़ ऑर्गन प्रॉक्योरमेंट टीम (ओपीटी) है, जिसमें तंत्रिका शल्य चिकित्सा, तंत्रिका संवंदनाहरण, सूक्ष्मजैव विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, गहन उपचार, ट्रॉमा सर्जरी, न्याय चिकित्सा, नर्स ट्रांसप्लांट समन्वयक और अस्पताल प्रशासन के संकाय सदस्य शामिल हैं। ओपीटी टीम ऑर्बो, एम्स के ट्रांसप्लांट कोर्डिनेटर /ग्रीफ़ काउंसलर के साथ मिलकर कार्य करती है। वर्ष 2022 में अंगदान की दर 31.2% (2019) से बढ़कर 39.5% (2022) हो गई। हमारी मस्तिष्क मृत्यु रूपांतरण दर 42% थी [90 संभावित दाताओं में से 38 को ओपीटी

टीम द्वारा समय पर मस्तिष्क मृत्यु प्रमाणन मानदंड के अनुसार मस्तिष्क मृत घोषित किया गया था]। एक वर्ष में कुल 50 अंग दान किए गए, जिनमें 12 लीवर, 06 हृदय, 30 किडनी और 02 फेफड़े शामिल हैं (चित्र नीचे दिए गए हैं)। कुल 162 कॉर्निया और 7 हृदय वाल्व निकाले गए। हमारे पास 5 बाल अंगदाता भी थे (सबसे कम उम्र 16 महीने की थी)। पहली बार एम्स में फेफड़े को निकाला गया और उसके बाद फेफड़े के प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू की गई।

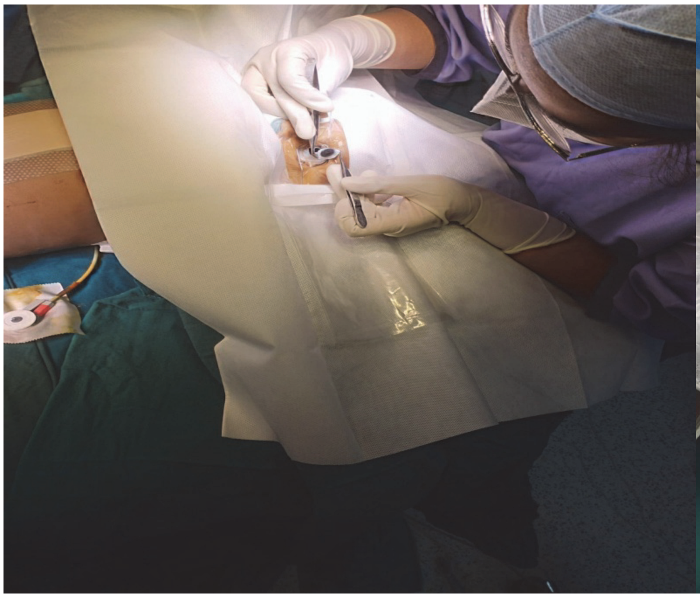

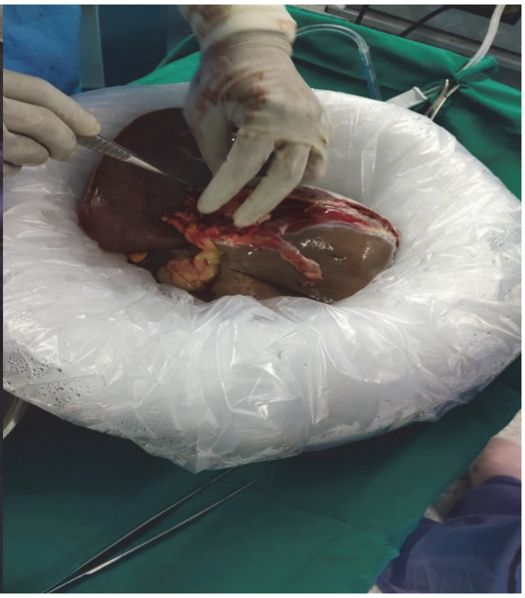

2. मैनीफोल्ड का विकास।
3. रिससिटैशन बे का विस्तार।
4. हाइब्रिड ओटी की प्रगतिशील स्थापना।
5. प्रथम तल में नये ओटी का विस्तार।
6. "रैन बसेरा" में सीआरपीएफ फ्लोर।
7. आईसीयू बिस्तर की संख्या में वृद्धि (टीसी2ए, और टीसी3ए)
8. आघात रोगियों के लिए मनोरोग फोलोअप ओपीडी की शुरुआत।
9. वैकल्पिक चिकित्सा (योग) क्लिनिक की शुरूआत।

न्याय चिकित्सा: वार्षिक एसीएसएसटी सांख्यिकी: अप्रैल 2022-मार्च 2023 के दौरान आयोजित कैडवेरिक पाठ्यक्रम/कार्यशालाएं।

1. पहला अंतर्राष्ट्रीय एम्स रीढ़ विकृति पाठ्यक्रम, ऑर्थो, एम्स, 14 अप्रैल 2022
2. मल्टी-ऑर्गन हार्वेस्ट तकनीक, सर्जरी, एम्स, 1 जून 2022
3. अल्ट्रासाउंड निर्देशित लोकल एनेस्थीसिया, एनेस्थीसिया, जेपीएनएटीसी, 11 जून 2022

4. एसीएससीओएन-22 सर्जिकल कैडवेरिक वर्कशॉप, सर्जरी, जेपीएनएटीसी, 3 अगस्त 2022
5. रेडियोलॉजी (मस्कुलोस्केलेटल सोसायटी), रेडियोलॉजी एम्स (एसईटी), 19 अगस्त 2022
6. एम्स वार्षिक स्पाइन कॉन्फ्रेंस (स्पिनकॉन), न्यूरोसर्जरी, एम्स, 7 सितंबर 2022
7. दूसरा एम्स पेरियोडोंटल और पेरीइम्प्लांट प्लास्टिक माइक्रोसर्जरी, डेंटल, एम्स, 24 सितंबर 2022
8. एम्स बैरिकॉन-बेरिएट्रिक और मेटाबोलिक सर्जरी पर तीसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सर्जरी, एम्स (एसईटी), 28 सितंबर 2022
9. प्री कॉन्फ्रेंस करंट कॉन्सेप्ट इन आर्थ्रोप्लास्टी-2022, ऑर्थो, एम्स, 14 अक्टूबर 2022
10. पेल्विक एसिटाबुलर ट्रॉमा, ऑर्थो, जेपीएनएटीसी, 4 नवंबर 2022
11. ट्रॉमा एक्सपोज़र (ट्रॉमाकॉन-2022), सर्जरी, जेपीएनएटीसी, 17 नवंबर 2022
12. एओ स्पाइन-एमआईएसएस (मिनिमल इनवेसिव स्पाइनल सर्जरी), ऑर्थो+ न्यूरोसर्जरी, एम्स, 26 नवंबर 2022 और 27 नवंबर 2022
13. एपीपीआरए कैडवेरिक फ्लोरोस्कोपिक गाइडेड पेन इंटरवेंशनल वर्कशॉप, एनेस्थीसिया, एम्स, 4 दिसंबर 2022
14. रेट्रोग्रेड इंटुबेषन, के लिए लाइव प्रदर्शन, एनेस्थीसिया जेपीएनएटीसी, 2 फरवरी 2023
15. अल्ट्रासाउंड निर्देशित लोकल एनेस्थीसिया, एनेस्थीसिया जेपीएनएटीसी, 11 फरवरी 2023
16. स्त्री रोग कार्यशाला, स्त्रीरोग, एम्स (एसईटी), 28 फरवरी 2023
17. एनेस्थेसियोलॉजिस्ट के लिए अल्ट्रासाउंड पर व्यापक संगोष्ठी (सीयूएसए 2023), एम्स (एसईटी), 24-26 अप्रैल 2023
18. एम्स-एनसीआई मिनिमल इनवेसिव थोरेसिक सर्जिकल ऑन्कोलॉजी वर्कशॉप, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एम्स, 1 मार्च 2023
19. ब्रैचियल प्लेक्सस कैडवेरिक वर्कशॉप, न्यूरोसर्जरी, एम्स, 3 मार्च 2023
20. एफयूई एशिया हेयर ट्रांसप्लांट कार्यशाला, चर्मरोग एम्स, 12 मार्च 2023
21. थोरेसिक सर्जरी, सर्जरी, एम्स (एसईटी), 26 मार्च 2023
22. पहला 3डी इनसाइड-आउट हेड एंड नेक एनाटॉमी कैडवेरिक डिसेक्शन कोर्स, ईएनटी, एम्स, 27-28 मार्च 2023
23. दूसरा एम्स इंटरनेशनल स्पाइन डिफॉर्मिटी कोर्स, ऑर्थो, एम्स, 30 मार्च 2023 (शाम)
24. अंतर्राष्ट्रीय सिर और गर्दन विच्छेदन पाठ्यक्रम, ईएनटी, एम्स, 30 मार्च 2023 से 2 अप्रैल 2023

आयोजित सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. एनएबीएच मान्यता प्रक्रिया (कार्यशाला) के एक भाग के रूप में हेल्थकेयर एसोसिएटेड संक्रमण प्रशिक्षण की निगरानी, 2 और 3 मार्च 2023, दिल्ली
2. वार्षिक एएमआर निगरानी समीक्षा बैठक और एचएआई निगरानी संवेदीकरण कार्यशाला एएमआर रोकथाम पर राष्ट्रीय कार्यक्रम, 30-31 जनवरी 2023, नई दिल्ली

3. एनएबीआई मिड टर्म सीएमई "बर्न केयर में नीति और नवाचार" पीजी सेमिनार का आयोजन: प्लास्टिक, पुनर्निर्माण और बर्न्स सर्जरी विभाग द्वारा, एम्स, नई दिल्ली, 18 जनवरी 2023, दिल्ली
4. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की पहली कार्यशाला क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण: चरण 2, 14-15 नवंबर 2022, नई दिल्ली।
5. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण का क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण: चरण 2, की द्वितीय प्रधान अन्वेषक की बैठक, 7 नवंबर 2022, नई दिल्ली
6. 10वीं एम्स वार्षिक स्पाइन कार्यशाला 2022, 7-10 सितंबर 2022, नई दिल्ली
7. न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, 7-10 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
8. छठी आईएसएमआईएनएस कांग्रेस 2022, 27-28 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
9. डीएनएसीओएन-रजत जयंती वर्ष, 11-12 फरवरी 2023, नई दिल्ली
10. 25वीं वार्षिक माइक्रो-सर्जरी कार्यशाला और पूर्व छात्र बैठक, 16-18 फरवरी 2023, नई दिल्ली
11. 7वां वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन, 16-18 मार्च 2023, नई दिल्ली
12. कैडवेरिक स्किल लैब में अल्ट्रासाउंड गाइडेड रीजनल एनेस्थीसिया - 11 जून 2022 और 11 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में रेजीडेंट्स के लिए दो व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित कीं।
13. विश्व एनेस्थीसिया दिवस पर जन जागरूकता कार्यक्रम- एक नुक्कड़ नाटक, 17 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
14. इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) का वार्षिक सम्मेलन "ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस 17-20 नवंबर 2022, कन्वेंशन सेंटर, जेएनयू, नई दिल्ली
15. नर्सों का प्रशिक्षण - विभिन्न अस्पतालों की नर्सों के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तत्वावधान में ट्रॉमा नर्स समन्वयक प्रशिक्षण कार्यक्रम, मई 2022 में नई दिल्ली में आयोजित किया गया।
16. प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी 2022: हार्मोन के साथ सामंजस्य का राष्ट्रीय सम्मेलन, 30-31 जुलाई 2022, पुणे।
17. प्रजनन एंडोक्रिनोलॉजी 2022 के राष्ट्रीय सम्मेलन में इंटरसेक्स: निदान और उपचार पर प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला, 29 जुलाई 2022, पुणे
18. "एंडोस्कोपी: युवा दिमाग का कायाकल्प पर लाइव एंडोस्कोपिक ऑपरेटिव प्रीकॉन्फ्रेंस कार्यशाला।" एसोसिएशन ऑफ ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिस्ट के 44वें वार्षिक सम्मेलन में, 10 नवंबर 2022, एम्स, नई दिल्ली
19. स्वास्थ्य एवं कल्याण में संवाद: संतुलन और पतन की रोकथाम के संबंध में कार्यशाला (आयोजन अध्यक्ष: आचार्य राजेश मल्होत्रा), 9 अप्रैल 2022, आईआईसी, दिल्ली
20. दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन का मिडकॉन 2022 (आयोजन अध्यक्ष: आचार्य राजेश मल्होत्रा), 3 जुलाई 2022, नई दिल्ली

21. एएओएस की शैक्षिक गतिविधि ओएएसआईएस - वैज्ञानिक नवाचार और विशेषज्ञता के लिए आर्थोपेडिक अकादमी (पाठ्यक्रम निदेशक: आचार्य राजेश मल्होत्रा), 23-24 जुलाई 2022, गोवा
22. 5 अगस्त 2022 को एम्स, नई दिल्ली में "टीएचए में सॉफ्ट टिश्यू बैलेंसिंग" विषय पर डॉ. आदित्य माहेश्वरी, यूएसए द्वारा अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया।
23. पीठ के निचले हिस्से में दर्द पर राष्ट्रीय वेबिनार (आयोजन अध्यक्ष: आचार्य राजेश मल्होत्रा), 1 अक्टूबर 2022
24. आर्थ्रोप्लास्टी 2022 में वर्तमान अवधारणाएँ, (आयोजन अध्यक्ष: आचार्य राजेश मल्होत्रा) 15-16 अक्टूबर 2022

प्रदत्त व्याख्यान: 471

पिछले 3 **वर्षों में दिए गए व्याख्यान**

2020-2021	2021-2022	2022-2023
219	271	471

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 108

पिछले 3 **वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ**

वर्ष	मौखिक प्रस्तुतियों की कुल संख्या
2022-2023	**108**
2021-2022	**91**
2020-2021	**84**

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ट्रॉमा के बाद मेटाबोलॉमिक प्रोफ़ाइल और क्रमिक परिवर्तन - एक संभावित समूह व्यवहार्यता और पायलट अध्ययन (एक्स्ट्रा म्यूरल प्रोजेक्ट), अभिनव कुमार, एक्स्ट्रा म्यूरल ग्रांट। (एसईआरबी), 2 वर्ष, 2022-24, 32.35 लाख रुपये
2. भारत में मजबूत ट्रॉमा केयर सिस्टम विकसित करने का एक हस्तक्षेप अध्ययन, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 3 साल, सितंबर 2019, अगस्त 2022, 53 लाख रुपये
3. भारत में तृतीयक उपचार अस्पतालों में ट्रॉमा उपचार परिणामों को बेहतर बनाने में ट्रॉमा गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (टीक्यूआईपी) की प्रभावशीलता का अध्ययन करने के लिए, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 73 लाख रुपए
4. रोगियों की पहचान को सरल और त्वरित बनाने के लिए प्वाइंट ऑफ केयर स्मार्टफोन आधारित पीटी/आईएनआर टेस्ट का विकास? जमावट की स्थिति और पारंपरिक कॉग्युलेशन विधि, अरुलसेल्वी के साथ इसकी तुलना। एम्स, 2 वर्ष, 2023-25, 10,00,000/- रुपये

5. पृथक अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों के परिधीय रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और अभिव्यक्ति और चोट की गंभीरता के साथ सहसंबंध, अरुलसेल्वी, आईसीएमआर आईडी 2020-3513, 3 वर्ष, 2021-24, 51,58,440/- रुपये
6. मध्यम से गंभीर सिर की चोट वाले बच्चों में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी: बोझ और परिणाम के साथ संबंध, आशीष बीना, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2023-25, 58,23000 रुपये
7. अभिनव इंटुबेषन प्रणाली के विकास के माध्यम से एंडोट्रैचियल इंटुबैषेण की सफलता और सुरक्षा में सुधार: पायलट प्रोजेक्ट, बबीता गुप्ता, आईसीएआर, 2 साल, 2021-23, 55 लाख रुपये
8. तीव्र बाल चिकित्सा टीबीआई परीक्षण में दृष्टिकोण और निर्णय, (एडीएपीटी) यूएसए, दीपक कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 10 वर्ष।, 2015-25, 2,65,49,336 रुपये
9. टीबीआई में सहयोगात्मक यूरोपीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान टीबीआई (सेंटर टीबीआई) में सहयोगात्मक भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान, दीपक कुमार गुप्ता, यूनिवर्सिटेयरज़ीकेनहुइस एंटवर्पेन (यूज़ेडए), बेल्जियम, 8 वर्ष, 2015-23, 5000 यूएसडी प्रति वर्ष।
10. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक चोट के रोगियों में कार्यात्मक मूल्यांकन और जीवन की गुणवत्ता पर योग हस्तक्षेप का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, दिनेश बगारिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 37 लाख रुपये
11. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक चोट के रोगियों में कार्यात्मक मूल्यांकन और जीवन की गुणवत्ता पर योग हस्तक्षेप का प्रभाव- यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, दिनेश बगारिया, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, 37 लाख रुपये
12. पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम (पीसीओएस) से पीड़ित महिलाओं में डिम्बग्रंथि और चयापचय कारकों पर डी-चिरो इनोसिटॉल और मायो-इनोसिटॉल संयोजन की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित, ओपन-लेबल, सिंगल-सेंटर, सिंगल-आर्म, पोस्ट-मार्केटिंग अध्ययन, गरिमा कछावा, एम्ब्रोसिया लाइफ साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड, 3 साल 8 महीने, 2019-23, 17,96,900/- रुपये
13. प्रसव के बाद प्रीक्लेम्पसिया के संकेतों का आकलन और महिलाओं में कार्डियो वैस्कुलर रोग के भावी जोखिम कारकों के साथ सहसंबंध, गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 40,400,92/- रुपये
14. मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में अंतःस्रावी विघटनकारी रसायनों (ईडीसी) की भूमिका, गरिमा कछावा, आईसीएमआर, 4 वर्ष 6 महीने, 2018-23, 45,72,010/- रुपये
15. उपर के घुटने के विच्छेदन वाले रोगियों (ट्रॉमा के बाद) में सर्जरी के बाद के परिणाम, संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययन: पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जुनैद आलम, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-26, 65 लाख रुपये

16. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर की ट्रॉमा गहन देखभाल इकाई में भर्ती गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए ट्रॉमा आईसीयू रजिस्ट्री के विकास और संचालन और व्यापक महत्वपूर्ण देखभाल पर एक अध्ययन:संभावित अवलोकन अध्ययन।", कपिल देव सोनी (पीआई), आईसीएमआर,, 3 वर्ष, 2022-25, 33,15100 रुपये
17. मस्तिष्क की चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के विकास के पूर्वानुमान में बायोमार्कर की भूमिका, कोक्कुला प्रणीत, एम्स, 2 वर्ष, 2020-23, 9,02,000 रुपये
18. माध्यमिक अनुदान स्वीकृत, आघात के रोगियों में दीर्घकालिक सहायता प्राप्त एंटरल फीड के लिए लेप्रोस्कोपिक फीडिंग गैस्ट्रोस्टॉमी बनाम परक्यूटेनियस एंडोस्कोपिक गैस्ट्रोस्टॉमी की तुलना - यादृच्छिक पायलट अध्ययन, नरेना चौधरी, इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट (एम्स, नई दिल्ली), 2 साल, 2019-21, 4.75 लाख रुपये
19. विभिन्न पसलियों के फ्रैक्चर वाले ट्रॉमा रोगी में टूटी हुई पसलियों के सर्जिकल रिब स्थिरीकरण की भूमिका - यादृच्छिक पायलट अध्ययन, नरेना चौधरी, इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट (एम्स, नई दिल्ली), 2 साल, 2021-23, 8.75 लाख रुपये
20. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, पूर्वा माथुर, रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र, 5 वर्ष, 2021-26, 2.5 करोड़ रुपये
21. सेंटर फॉर एडवांस्ड रिसर्च (सीएआर) इन हॉस्पिटल एक्वायर्ड इंफेक्शन-प्रीवेंशन एंड कंट्रोल, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 5 मार्च, 2020-25, 7,53,35,152 रुपये
22. माध्यमिक उपचार अस्पतालों में आईसीएमआर के रोगाणुरोधी उपचार (एएमएसपी) और संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम (आईसीपी) का विस्तार, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर (फाइज़र), 2 वर्ष, 2020-22, 31,36,390 रुपये
23. संक्रमण रोकथाम और नियंत्रण (आईपीसी)-कोविड-19 की तैयारी के लिए क्षमता निर्माण-अभिमुखीकरण प्रशिक्षण और स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं के लिए आईपीसी, पूर्वा माथुर, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, 3 वर्ष, 2020-23, 2,56,37,106 रुपये
24. ग्रामीण और शहरी समुदाय में रहने वाले व्यक्तियों की स्वस्थ आंतों में मल्टीड्रग-प्रतिरोधी जीवों का प्रसार, पूर्वा माथुर, रिसर्च फेलोशिप (इंट्रा-म्यूर सहयोग), 2 साल, 2020-23, 9,50,000 रुपये
25. कोविड-19 रैपिड एंटीजन टेस्ट किट टी-240 का गुणवत्ता मूल्यांकन, पूर्वा माथुर, आईसीएमआर, 1 वर्ष, 2021, 3,00,000 रुपये
26. घुटने की आर्थ्रोप्लास्टी में पर्सोना घुटना प्रणाली के परिणामों पर संभावित और बहुकेंद्रीय अध्ययन। स्टडी प्रोटोकॉल # सीएसए2014-02K, राजेश मल्होत्रा, ज़िमर, 9 वर्ष, 2015-24, 24 लाख रुपये
27. अभिघातजन्य तनाव विकार वाले लोगों के लिए पुनर्वास की प्रभावकारिता पर बायोमैकेनिकल अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, डीआरडीओ, 2 वर्ष, 2022-24, 280.45 लाख रुपये

28. पूरे भारत में विभिन्न तृतीयक उपचार केंद्रों में एएमएसपी लागू करना, ऋचा अग्रवाल, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-25, 81 लाख 50 हजार रुपये

29. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट (एसटीबीआई) के बाद सफेद पदार्थ विकृति विज्ञान में माइलिनेशन और ऑलिगोडेंड्रोसाइट परिवर्तनों का अध्ययन, संजीव लालवानी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 27 लाख रुपये

30. 'संदिग्ध प्रोस्टेट कैंसर के मामलों में सेमिनल एमआईएमआरआई और सूजन मार्करों की भूमिका का मूल्यांकन करना और एमपीएमआरआई और बायोप्सी निष्कर्षों के साथ सहसंबंध।' सिद्धार्थ जैन, इंट्राम्यूरल अनुदान एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 5 लाख रुपये

31. प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए बहु-केंद्र, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसीबो नियंत्रित, समानांतर समूह, चरण III अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2021-24, प्रति रोगी 200000 रुपये

32. पूरक 3 ग्लोमेरुलोपैथी में इप्टाकोपन (एलएनपी023) की प्रभावकारिता और सुरक्षा का मूल्यांकन करने के लिए एक बहुकेंद्रीय, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर समूह, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2022-24, प्रति वर्ष 559000 रुपये (सीआरसी वेतन) + 224275 रुपये प्रति रोगी

33. इडियोपैथिक झिल्लीदार नेफ्रोपैथी वाले रोगियों के उपचार में रीटक्सिमैब की तुलना में एलएनपी023 की प्रभावकारिता और सुरक्षा की जांच करने के लिए यादृच्छिक, उपचार ओपन-लेबल, डोज़ ब्लाइंडेड समानांतर समूह, थ्री हैंड, अवधारणा का प्रमाण नैदानिक परीक्षण, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-23, 588000 रुपये प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन) + 200000 रुपये प्रति रोगी

34. ट्रॉमैटिक लिंब एम्पयूटेशन वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और तनाव बायोमार्कर पर मनोसामाजिक हस्तक्षेप के प्रभाव: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुबोध कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 63 लाख रुपये

35. राष्ट्रीय सहायक स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी केंद्र (एनसीएचएटी) की स्थापना, सुषमा सागर (सह-पीआई), आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2021-25, 45 करोड़ रुपये

36. रोगी उपचार, शिक्षा और अनुसंधान को आगे बढ़ाने के लिए सर्जिकल इनोवेशन लेबोरेटरी (एसआईएल), सुषमा सागर, आईसीएमआर-एमडीएमएस, 3 साल, 2022-25, 4.5 करोड़ रुपये

37. निचले अंग विच्छेदन वाले रोगियों में फैंटम लिंब पेन पर आरटीएमएस और यूजी थेरेपी के प्रभाव: यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, सुषमा सागर, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 55 लाख रुपये

38. मस्तिष्कमेरु द्रव में नोरेनालाइन, सेरोटोनिन, जीएबीए और ग्लाइसिन और सिजेरियन डिलीवरी कराने वालों में प्रसव पीड़ा के बीच संबंध: प्रारंभिक अध्ययन, युद्धवीर सिंह, एम्स रिसर्च सेक्शन, 2021-2023, 878456 रुपये

39. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कार्यान्वयन के आधार पर भारतीय आबादी में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर का पूर्वानुमानित पता लगाना, विजय शर्मा, डीबीटी, 3 वर्ष, 2020-23, 86,53,660 रुपये

40. कॉम्प्लेक्स रीज़नल पेन सिंड्रोम (सीआरपीएसआई) विकसित करने वाले ट्रॉमैटिक लिंब फ्रैक्चर के उपचार में योग हस्तक्षेप के प्रभाव का मूल्यांकन करने और उनके जीवन की गुणवत्ता का आकलन करने वाला एक पायलट पैरेलल आर्म रैंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, विजय शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24,। 64,71,108 रुपये

41. बुजुर्गों में हिप फ्रैक्चर की माध्यमिक रोकथाम में योग की भूमिका, विजय शर्मा, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-24, 12.40 लाख रुपये।

वर्ष	वित्तपोषित परियोजनाएँ							
	जारी				पूर्ण			
	आंतरिक	बजट (लाख)	बाह्य	बजट (करोड़)	आंतरिक	बजट (लाख)	बाह्य	बजट (करोड़)
2022-2023	7	55.80	34	68.98	13	78.53	10	39
2021-2022	7	121.46	21	20.62	6	31.45	2	1.07
2020-2021	13	113.95	36	25.34	8	54.2	16	4.3
कुल	27	291.21	91	114.94	27	164.18	28	44.37

पूर्ण

1. आइसोलेटेड ब्लंट हृदय आघात वाले रोगियों में मेटाबोलॉमिक प्रोफाइलिंग और क्रमिक बदलावों का एक संभावित, समूह, व्यवहार्य और खोजपूर्ण अध्ययन, एम्स एनडी इंट्रा म्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2019-21, 5 लाख रुपये

2. भारत में एक व्यापक ट्रॉमा उपचार प्रणाली विकसित करने का पारंपरिक अध्ययन: एक संभावित समूह अध्ययन, अमित गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-23, 1.2 करोड़ रुपये

3. हल्के और मध्यम टीबीआई-प्रेरित न्यूरोसाइकिएट्रिक नुकसान की बेहतर पहचान को बढ़ाने हेतु नवीन नैदानिक रूप से सुलभ प्रेडीकेटर्स शोध का उपयोग, अरुलसेल्वी, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2019-22 एक्सटेंशन के साथ, 4223108 रुपये

4. कोविड 19 रोगियों में जीआरपी78, जिंक, आयरन और विटामिन सी का स्तर और म्यूकर माइकोसिस की व्यापकता, अरुलसेल्वी/रणवीर सिंह, इंस्टीट्यूट ए कोविड-19, 1 वर्ष, 2021-22, रु 979600

5. गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट के परिणाम में पैरॉक्सिस्मल सिम्पैथेटिक हाइपरएक्टिविटी (पीएसएच) की भागीदारी, अरुलसेल्वी/दीपक अग्रवाल, इंस्टीट्यूट, एक्सटेंडिड

6. क्रैनिएक्टोमी के मरीजों जिनका सर्जरी के द्वारा एक्यूट सबड्यूरल हेमेटोमा निकाला जाना है, का एक यादृच्छिक मूल्यांकन (आरईएससीयूई-एएसडीएच), दीपक कुमार गुप्ता, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, 3 वर्ष, 2017-20, उपभोग्य वस्तुएं : 144 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी सीआरएफ पूर्णता लागत: 213 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी

7. उन रोगियों में पैराथाइरॉइड हार्मोन का उपयोग एक पुनर्जीवन एंडप्वाइंट के रूप में करना जिन्हें ट्रामा हेमरैजिक शॉक हुआ है, दिनेश बगारिया, इंट्रा म्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली,

8. प्रीक्लेम्पसिया का अनुमान लगाने में जैव रासायनिक एंडोथेलियल मार्करों और धमनी कठोरता के संयोजन की प्रभावशीलता का आकलन करना (सार्वजनिक स्वास्थ्य (मातृ स्वास्थ्य) पर जोर देने वाले अनुसंधान अध्ययनों के लिए डीएचआर विशेष अनुदान 2018, गरिमा कछावा, आईसीएमआर (डीएचआर), 4 वर्ष, 2018-22, 83,93,333/- रुपये

9. उन रोगियों में तत्काल बनाम विलंबित कृत्रिम अंग अनुप्रयोग के प्रभाव की जांच करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण करना जिनके घुटने के निचले हिस्से का विच्छेदन किया गया है, जुनैद आलम, इंट्रा म्यूरल ग्रांट,

10. गहन उपचार एकक में भर्ती के बाद कोविड-19 रोगियों के डिस्चार्ज होने के बाद के परिणाम, संभावित समूह अध्ययन, कपिल देव सोनी, इंट्राम्यूरल एम्स, 2 वर्ष, 2020-22, 640000 रुपये

11. कोविड आईसीयू स्वास्थ्य कर्मियों में पारंपरिक गोगल्स की तुलना में फैन युक्त स्वदेशी गोगल्स की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करना, नवदीप सोखल, एम्स, 2 वर्ष, 2021-22, 2,95,000/- रुपये

12. अल्ट्रासाउंड जांच के दौरान आंतरिक जुगुलर नस पर पड़ने वाले दबाव को महसूस करने के लिए एक नए दबाव मापी उपकरण का विकास और सत्यापन, नीरज कुमार, एम्स + आईआईटी दिल्ली, 2+1 वर्ष, 2019, 20,00000/- रुपये

13. एंटीबायोटिक प्रतिरोध की पहचान करने और उसे रोकने के लिए भारत में क्षमता निर्माण और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण को मजबूत करना, पूर्वा माथुर, रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र, 6 वर्ष, 2015-21, 35 करोड़ रुपये

14. पारंपरिक घुटने की रिप्लेसमेंट सर्जरी की कंप्यूटर-सहायता नेविगेशन में प्रणालीगत एम्बोली की तुलना करने वाला एक संभावित यादृच्छिक अध्ययन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2018-21, 50 लाख रुपये

15. पोस्टमेनोपॉज़ल ऑस्टियोपोरोटिक और उसकी सम-उम्र स्वस्थ महिलाओं में आनुवंशिक और जैव रासायनिक प्रोफ़ाइल का तुलनात्मक मूल्यांकन, राजेश मल्होत्रा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 1,39,03,260 रुपये

16. कोविड सेंटर से डिस्चार्ज किए गए रोगियों में म्यूकोर्मिकोसिस की व्यापकता और इससे जुड़े कारक, ऋचा अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2021-22, 3.7 लाख रुपये

17. कॉर्पस कॉलोसम, ब्रेन स्टेम और थैलेमस में सिल्वर और बीटा-एपीपी स्ट्रेन्स का उपयोग करते हुए टीबीआई प्रेरित एक्सोनल चोट का पोस्टमॉर्टम हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन, संजीव लालवानी, एम्स, 2 वर्ष, 2017-19, 4.80 लाख रुपये

18. एसएआरएस सीओवी-2 वायरस और अन्य श्वसन रोगजनक जीवाणु सह-संक्रमणों के आरएनए का पता लगाने के लिए पोस्टमॉर्टम समय अंतराल का अध्ययन करना जिनकी पुष्टि कोविड-19 मामलों में की गई, संजीव लालवानी, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट विषय: एसएआरएस सीओवी-2 और कोविड-19 पर शोध, 2 वर्ष, 2020-22, 9.99 लाख रुपये

19. भारतीय रोगियों में गुर्दे के प्रत्यारोपण के बाद पहले वर्ष में बीके वायरस प्रतिरूप की संभावित निगरानी, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2014-16, 620000 रुपये
20. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले भारतीय रोगियों में सीरम गैलेक्टोज की कमी आईजीए1 वाली व्यापकता और प्रासंगिकता का मूल्यांकन: केस नियंत्रण अध्ययन, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 1 वर्ष, 2017-18, 500000 रुपये
21. भारतीय रोगियों में एचएलए एंटीजन और प्राइमरी आईजीए नेफ्रोपैथी के बीच संबंध, सौमिता बागची, इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2017-18, 970000 रुपये
22. प्राइमरी आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में एलएनपी023 की प्रभावशीलता और सुरक्षा की जांच करने के लिए एक अनुकूली निर्बाध याद्दच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित, खुराक-रेंजिंग अध्ययन, सौमिता बागची, नोवार्टिस लिमिटेड, 2 वर्ष, 2019-21, रू. 198000 प्रति रोगी + 588000 रुपये प्रति वर्ष (सीआरसी वेतन)
23. हृदय आघात के रोगियों के परिणामस्वरूप में न्यूट्रोफिल और नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, सुबोध कुमार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-22, 36 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. युवा वयस्कों में फीमर फ्रैक्चर गर्दन में कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम का आकलन करने के लिए एक संभावित समूह अध्ययन
2. तृतीयक उपचार केंद्र में मूत्र आइसोलेट्स में कार्बापेनम और कोलिस्टिन प्रतिरोध पर अध्ययन
3. मध्यम गंभीर प्राथमिक आईजीए नेफ्रोपैथी (समानता अध्ययन) वाले रोगियों में प्रोटीनूरिया को कम करने में हाइड्रोक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) की प्रभावशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित बहु-केंद्रित याद्दच्छिक ओपन लेबल परीक्षण।
4. बाल रोगियों में न्यूरो एंडोवास्कुलर प्रक्रियाओं के एनेस्थेटिक उपचार और पेरी प्रक्रियात्मक जटिलताओं का विश्लेषण-एक एकल केंद्र पूर्वव्यापी अध्ययन
5. ब्लंट स्प्लेनिक चोट वाले रोगियों में स्प्लेनिक फ़ंक्शन का आकलन: संभावित अवलोकन अध्ययन
6. नकारात्मक दबाव घाव थेरेपी बनाम दर्दनाक घावों के लिए पारंपरिक ड्रेसिंग चाहने वाले रोगियों में घाव से निकलने वाले जैव रासायनिक अध्ययन, सी3 ग्लोमेरुलोपैथी के क्लीनिकोपैथोलॉजिक विशेषताओं और पूर्वानुमान: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
7. आवर्ती पूर्वकाल कंधे की अस्थिरता के लिए आर्थोस्कोपिक सुधार का क्लीनिको-रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन
8. नई दिल्ली, भारत में एक तृतीयक उपचार अस्पताल में कोविड पॉजिटिव, कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगियों का तुलनात्मक मेडिकल रिकॉर्ड ऑडिट

9. नई दिल्ली, भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल, कोविड पॉजिटिव कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगियों के स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यमिक आघात, जलन, संवेदना थकान के लिए तुलनात्मक अध्ययन

10. चयनात्मक कफ रिलीज प्रक्रिया के साथ पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) ट्यूबों को नियोजित करते समय से संबंधित जटिलताओं की घटना बनाम पार्श्व स्थिति सर्जरी वाले न्यूरोसर्जिकल रोगियों में आर्मोर्डफ्लेक्सोमेटेलिक एंडोट्रैचियल ट्यूब की घटनाओं पर तुलनात्मक अध्ययन: एक नॉन-इंफिरियोरिटी परीक्षण

11. मध्यम से गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क की चोट वाले रोगियों में तीन महीने में विस्तारित ग्लासगो परिणाम पैमाने पर आईसीयू बेहोश करने की क्रिया के लिए फेंटेनल, मिडाज़ोलम और केटोफोल के प्रभावों की तुलना करने वाला-संभावित यादृच्छिक अध्ययन

12. न्यूरेक्सियल ब्लॉक से पहले हिप फ्रैक्चर के रोगियों में प्लेसमेंट के लिए पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक की फासिशिया इलियाका ब्लॉक के साथ तुलना करने वाला - यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

13. पेट की बड़ी सर्जरी वाले मरीजों में पोस्ट ऑपरेटिव एटेलेक्टैसिस की घटनाओं को कम करने में प्रेशर सपोर्ट वेंटिलेशन और सहज श्वास और एक्सट्यूबेशन के दौरान सहज वेंटिलेशन के बीच तुलना

14. कंधे की सर्जरी में एनाल्जेसिया के लिए सुपीरियर ट्रंक ब्लॉक और मोडिफाइड सुप्राक्लेविकुलर ब्रैकियल प्लेक्सस ब्लॉक की तुलना करने वाला एक पायलट अध्ययन

15. डी-ब्लैड के साथ सी-एमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप, मानक ब्लेड के साथ सी-एमएसी वीडियो-लेरिंजोस्कोप की तुलना

16. सर्वाइकल स्पाइन स्थिरीकरण के साथ इंटुबेषन के लिए मैकिंटोश लैरींगोस्कोप का एक यादृच्छिक अध्ययन।

17. हिप फ्रैक्चर सर्जरी वाले रोगियों में पूर्व केंद्रीय न्यूरैक्सियल ब्लॉकेड की स्थिति की सुविधा के लिए प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक और फेमोरल तंत्रिका ब्लॉक की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

18. हिप फ्रैक्चर सर्जरी वाले रोगियों में पूर्व केंद्रीय न्यूरैक्सियल ब्लॉकेड की स्थिति की सुविधा के लिए प्रीऑपरेटिव अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक और फेमोरल तंत्रिका ब्लॉक की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन

19. ऊपरी अंग की सर्जरी में एकल प्वाइंट बनाम ट्रिपल एलिकोट कोस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

20. ऊपरी अंग की सर्जरी में सिंगल बनाम ट्रिपल इंजेक्शन कॉस्टोक्लेविकुलर ब्लॉक की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

21. इन विट्रो फर्टिलाइज़ेशन प्रक्रियाओं के दौरान ओओसाइट रिट्रीवल के लिए प्रक्रियात्मक बेहोश करने की क्रिया और एनाल्जेसिया के रूप में केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभाव की तुलना - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
22. सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के बाद रोगियों में होने और रिकवरी प्रोफ़ाइल के संदर्भ में तीन संवेदनाहारी तकनीकों की तुलना
23. कम खुराक वाले बाइप्लेन रेडियोग्राफी का इस्तेमाल करके घुटने के पुराने ऑस्टियोआर्थराइटिस और सम-आयु वाले रोगियों में स्पिनोपेल्विक और निचले अंग मॉर्फोलॉजीकल मापदंडों का तुलनात्मक मूल्यांकन क्या सामान्य आबादी से मेल खाता है।
24. सीटी पर चोट मॉर्फोलॉजी और सब एक्सियल सर्विकल स्पाइनल चोट में मूत्र संबंधी परिणामों के बीच सहसंबंध
25. एमआरयू में प्रीऑपरेटिव ज्योमैट्रिक पैरामीटर्स के साथ पेल्विक फ्रैक्चर यूरेथ्रल डिस्ट्रेक्शन दोषों में सर्जिकल कठिनाई और पूर्वानुमान का सहसंबंध: एक संभावित समूह अध्ययन
26. किशोर इडियोपैथिक स्कोलियोसिस बनाम जन्मजात स्कोलियोसिस के बीच स्कोलियोसिस सर्जरी में लागत प्रभावी विश्लेषण
27. हिप के फ्रैक्चर के बाद सर्जरी में देरी: कारण और परिणामों पर प्रभाव
28. भारतीय आबादी के लिए रोगी विशिष्ट टोटल एल्बो रिप्लेसमेंट प्रोस्थेसिस अंग की डिजाइनिंग (जारी)
29. उन वयस्क रोगियों में अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा सेलीन से भरे कफ का पता लगाना जिनमें एंडोट्रैचियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि की गई है: एक संभावित अवलोकन अध्ययन।
30. वैकल्पिक इंट्राक्रानियल ट्यूमर को हटाने के लिएक्रैनियोटॉमी के बाद रोगियों में पोस्टऑपरेटिव लैरिंजियल एडिमा का विकास: एक संभावित, अवलोकन संबंधी, प्रारंभिक अध्ययन। (सह-गाइड-डीएम थीसिस)
31. वयस्क सर्जिकल रोगियों में अल्ट्रासाउंड-निर्देशित आंतरिक जुगुलर नस कैनुलेशन के लिए डायनेमिक सुई टिप प्लेसमेंट बनाम शॉर्ट एक्सिस तकनीक का एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
32. डीकंप्रेसिव क्रैनिएक्टोमी का गंभीर टीबीआई वाले रोगियों में जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री पर पड़ने वाला प्रभाव
33. सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी के बाद फेफड़े के एरियेशन स्कोर पर सुगमडेक्स बनाम नियोस्टिग्माइन रिवर्सल का प्रभाव: एक संभावित, डबल-ब्लाइंड, यादृच्छिक नियंत्रित प्रयोग (सीयूएन परीक्षण)।
34. पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर सिस्टमेटिक लिडोकेन और डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव और इनहेलेशन एनेस्थीसिया के अंतर्गत सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी वाले रोगियों में 3 महीने का परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

35. पेरिऑपरेटिव एनाल्जेसिया पर सिस्टमेटिक लिडोकेन और डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव और इनहेलेशन एनेस्थीसिया के अंतर्गत सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी वाले रोगियों में 3 महीने का परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

36. स्पाइन सर्जरी के दौरान मोटर उत्पन्न क्षमताओं पर नाइट्रस ऑक्साइड की अलग-अलग सांद्रता के प्रभावों का मूल्यांकन करने वाला एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन। (गाइड डीएम थीसिस)।

37. सबराचोनोइड ब्लॉक पोजिशनिंग के लिए एसिटाबुलर फ्रैक्चर वाले मरीजों में उच्च मात्रा पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह (पीईएनजी) ब्लॉक प्रभावकारिता: एक संभावित अवलोकन वाला अध्ययन

38. हेमटोलॉजिकल विकार वाली महिलाओं में मासिक धर्म में रक्त की कमी को कम करने में अंतर्गर्भाशयी लेवोनोर्गेस्ट्रेल डिवाइस की प्रभावशीलता।

39. रेजिडेंट मैनुअल के लिए ईएचएस मॉड्यूल, उत्तर भारतीय आबादी में सुची ब्रुक की विधि का उपयोग करके प्यूबिक सिम्फिसिस के सीटी स्कैन द्वारा उम्र का अनुमान- एक डिज़ीटल ऑटोप्सी आधारित अध्ययन।

40. उन रोगियों में दौरे की अवधि, हेमोडायनामिक प्रोफ़ाइल, रिकवरी समय और मस्तिष्क गतिविधि (जैसा कि एफएनआईआरएस द्वारा मापा जाता है) पर केटोफोल और केटोडेक्स के प्रभावों का अध्ययन जिनके अवसाद का उपचार इलेक्ट्रोकोनवल्सी थेरेपी के द्वारा से किया जा रहा है।

41. डुप्लेक्स डॉपलर अल्ट्रासाउंड का इस्तेमाल करके रेडियल धमनी विच्छेदन के बाद बेसलाइन पर ठीक होने के लिए रेडियल और उलनार धमनी रक्त प्रवाह के लिए आवश्यक समय का मूल्यांकन

42. डुप्लेक्स डॉपलर अल्ट्रासाउंड का इस्तेमाल करके रेडियल धमनी विच्छेदन के बाद बेसलाइन पर ठीक होने के लिए रेडियल और उलनार धमनी रक्त प्रवाह के लिए आवश्यक समय का मूल्यांकन

43. क्रोनिक लिंब अल्सर और प्रेशर अल्सर के इलाज के लिए एक नए एंटीसेप्टिक फॉर्मूलेशन-एसईपीआईएल का मूल्यांकन: यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, प्लेसबो-नियंत्रित अध्ययन एओ33-सी2 और एओ33-सी3 फेमोरल फ्रैक्चर के उपचार में दोहरी प्लेटिंग के बाद कार्यात्मक और रेडियोलॉजिकल परिणाम - एक संभावित समूह अध्ययन

44. तृतीयक उपचार केंद्र में गुर्दे के प्रत्यारोपण रोगी में गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट और माइक्रोस्पोरिडिया का संक्रमण

45. एन्यूरिज्मल सबराचोनोइड रक्तस्राव के बाद एंडोवास्कुलर चिकित्सीय प्रक्रियाओं के दौरान लक्ष्य निर्देशित फ्लूइड थेरेपी: भविष्य में एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

46. उन वयस्क रोगियों में स्वास्थ्य संबंधी जीवन की गुणवत्ता जो भारत में प्राइमरी ग्लोमेरुलर नामक रोग से पीड़ित हैं

47. तृतीयक उपचार केंद्र में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं पर कोविड का प्रभाव

48. पिट्यूटरी सर्जरी के बाद लंबे समय तक आईसीयू में भर्ती रहने की घटना और जोखिम कारक: एक अवलोकन संबंधी अध्ययन

49. भारत के तृतीयक अस्पताल में कोविड-19 संक्रमण के वर्टिकल ट्रांमिशन की घटना-एक संभावित अध्ययन

50. न्यूरेक्सियल ब्लॉकेड से पहले हिप फ्रैक्चर के रोगियों के प्लेसमेंट के लिए 0.25% रोपाइवाकेन की औसत प्रभावी मात्रा के साथ सुप्रिंगुइनल फेसीसिया इलियाका कम्पार्टमेंट ब्लॉक [एफआईसीबी]: एक संभावित खुराक के अनुमान का अध्ययन।

51. ट्रामा रोगियों में परिणाम के अनुमान के लिए मार्कर के रूप में न्यूट्रोफिल-लिम्फोसाइट अनुपात और प्लेटलेट से लिम्फोसाइट अनुपात: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

52. आईजीए नेफ्रोपैथी में प्रैक्टिस पैटर्न: एक प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण

53. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इम्प्लीमेंटेशन ग्रांट संख्या बीटी/पीआर38731/अएआई/133/28/2020 (जारी) भारतीय आबादी में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर की पूर्वानुमानित पहचान का पता लगाना

54. उन रोगियों में न्यूरोसाइकिएट्रिक को-मॉर्बिडिटीज़ की व्यापकता जिन्हें ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी है

55. ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी वाले कमजोर और गैर-कमजोर रोगियों को अलग करने की तकनीक के रूप में ट्राइसेप्स गहराई का प्वाइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड माप: एक संभावित अवलोकन अध्ययन (सह-गाइड-डीएम थीसिस)

56. भारतीय आबादी में बढ़ते आईजीए नेफ्रोपैथी के नैदानिक पाठ्यक्रम और परिणाम के मूल्यांकन के लिए पूर्वव्यापी बहु-केंद्रित अध्ययन

57. न्यूरोट्रॉमा रोगियों में सेप्सिस के शुरुआती संकेतक के रूप में एक्स्ट्रावास्कुलर फेफड़ों के पानी का आकलन करने में फेफड़े के अल्ट्रासोनोग्राफी की भूमिका की जांच करने वाला एक अवलोकन संबंधी अध्ययन।

58. वैकल्पिक सर्जरी के लिए निर्धारित ट्रामा और गैर-ट्रामा वाले रोगियों में गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा का आकलन करने में पॉइंट-ऑफ-केयर अल्ट्रासाउंड (पीओसीयूएस) की भूमिका - एक संभावित समूह अध्ययन।

59. गहन उपचार की आवश्यकता वाले ट्रामा रोगियों में नींद की गुणवत्ता का आकलन-एक पायलट अध्ययन

60. गहन देखभाल की आवश्यकता वाले ट्रामा रोगियों में नींद की गुणवत्ता का आकलन- एक संभावित अवलोकन अध्ययन

61. वैकल्पिक प्रोसील प्लेसमेंट के लिए नियोजित वयस्क रोगियों में सुप्राहाइडॉइड एयरवे पैरामीटर्स का सोनोग्राफिक मूल्यांकन: एक पायलट अवलोकन अध्ययन

62. फिक्सिंग के बाद ट्रामा के रोगियों में स्पाइनल का अलाइनमेंट

63. पेडियाट्रिक ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोटों में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ब्लड ब्रेन बैरियर व्यवधान के विकास का अध्ययन

64. पेडियाट्रिक ट्रॉमैटिक मस्तिष्क चोटों में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ब्लड ब्रेन बैरियर व्यवधान के विकास का अध्ययन

65. सिर की चोट के मामलों में मस्तिष्क के ऊतकों में ओलिगोडेंड्रोग्लिअल लाइनेज़, माइलिनेशन और डिमाइलिनेशन का अध्ययन।

66. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग वाले मरीजों में सी3 और सी4 सीरम पूरक स्तरों पर स्टेनलेस स्टील और टाइटेनियम बायोमटेरियल्स के प्रभाव का अध्ययन

67. ट्रॉमैटिक के बाद सीएसएफ लीक वाले मरीजों में खोपड़ी के फ्रैक्चर में शारीरिक रचना और पैटर्न में अंतर का अध्ययन

68. एंडोमेट्रियोसिस में प्रो-इंफ्लेमेटरी मार्करों पर कैबर्जोलिन और डायनेजेस्ट का प्रभाव: एक पायलट अध्ययन

69. लोअर सेगमेंट की सीजेरियन सर्जरी वाले पूर्ण अवधि के प्रसव में एनआईआरएस और नियोनेशल परिणामों का उपयोग करके सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर पोस्ट-स्पाइनल हाइपोटेंशन का प्रभाव।

70. ट्रामैटिक लोअर एक्सट्रीमिटी की वास्कुलर क्षति के उपचार में एन-एसिटाइलसिस्टीन (एनएसी) की प्रभावशीलता का आकलन करना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

71. ट्रामा रक्तस्राव में पुनः होश में लाने वाले रोटेम का उपयोग

72. सरफ़ेस ईएमजी का उपयोग करके स्वस्थ नियंत्रण की तुलना में लैप्रोस्कोपिक आईपीओएम प्लस रिपेयर के बाद आकस्मिक हर्निया वाले रोगियों में उदर वाल की गतिशीलता प्रत्यावर्तन का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित अध्ययन।

73. थोरैसिक ट्रामा के रोगियों में केवल वाटर सील के नीचे वाटर ड्रेनेज के साथ निम्न प्रेशर निगेटिव प्लेयूरल सक्शन के प्रभाव की तुलना करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण (मुख्य मार्गदर्शक)

74. वे मरीज़ जो पोस्ट ट्रॉमेटिक मीडियम साइज़ वेसल रिपेयर करा रहे हैं उनमें पोस्ट-ऑपरेटिव सिस्टमिक एंटीकोएग्यूलेशन के प्रभाव को देखने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

75. पोस्ट ट्रॉमेटिक मीडियक साइज वेजल रिपेयर करा रहे रोगियों में ऑपरेशन के बाद सिस्टेमेटिक एंटी-कोडयूलेशन के प्रभाव देखने हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।

76. लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र में चेस्ट ट्रॉमा के रोगियों में पारंपरिक ट्रॉमा स्कोर के साथ थोरैसिक ट्रॉमा गंभीरता स्कोर (टीटीएसएस) की तुलना और सहसंबंध बनाने का अध्ययन

77. लेवल I ट्रॉमा केंद्र में गर्दन ट्रॉमा पैटर्न और संबंधित प्रभावों का विश्लेषण- एक महत्वाकांक्षी अवलोकन अध्ययन

78. प्रोस्थेटिक ज्वाइंट संक्रमण में रिवीजन ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जरी के क्लीनिको रेडियोलॉजिकल परिणाम-एक महत्वाकांक्षी अध्ययन

79. घुटने के ऊपर के अंग-विच्छेदन के बाद लक्षित मांसपेशी प्रत्यावर्तन बनाम पारंपरिक स्टंप तैयारी वाले रोगियों में दर्द की स्थिति की तुलना: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

80. लेवल I ट्रॉमा केंद्र में मोरेल-लावल्ली लेज़िन्स के परिणामों में क्लीनिकल और रेडियोलॉजिकल पैरामीटर्स का सहसंबंध

81. उन मरीजों में जीवन की गुणवत्ता पर मनोसामाजिक व्यवधान का प्रभाव जिनका पोस्ट ट्रामैटिक अंग विच्छेदन किया गया है: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

82. जो मरीज़ ऑपरेटिव इंटरवेंशन करा रहे हैं उनके उदर ट्रामा प्रोफिलैक्सिस एंटीबायोटिक का इस्तेमाल-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

83. लेवल 1 ट्रॉमा केंद्र के आपातकालीन विभाग में गंभीर रूप से घायल ट्रॉमा रोगियों में आधान प्रैक्टिसिस: एक संभावित अवलोकन अध्ययन

84. वे मरीज़ जो घुटने के दर्द से पीड़ित हैं, उनमें केलग्रेन लॉरेंस ग्रेड II/III ऑस्टियोआर्थराइटिस रिफ्रैक्टरी टू ऑप्टिमल नॉन-सर्जिकल मैनेजमेंट में ट्रांस-कैथर जेनिक्यूलर आर्टेरियल एम्बोलिज़ेशन की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने वाला यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण।

85. ब्लंट एब्डोमिनल ट्रॉमा वाले रोगियों में ऑपरेशन रहित तरीके से हीमोग्लोबिन और हेमाटोक्रिट के साथ मॉनिटरिंग की आवृत्ति की जांच की तुलना: यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण आयोजित किया गया था - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

86. उन रोगियों के पारंपरिक व्यायाम के साथ आइसोकिनेटिक प्रशिक्षण के प्रभाव की तुलना करना जिनका प्रोथेसिस अनुकूलन और चाल के संबंध में ट्रामा के बाद घुटने से ऊपर का विच्छेदन किया गया है

87. ट्रामा के रोगियों में नीचे के लिम्ब फैसीओटॉमी घावों के परिणाम या संशोधित शूलेस तकनीक बनाम नकारात्मक प्रेशर घाव थेरेपी (एनडबल्यूटी) की सहायता से त्वचा की तुलना करना - लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर में एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

88. एन-एसिटाइलसिस्टीन (एनएसी) के इस्तेमाल के प्रभाव का मूल्यांकन ट्रामैटिक लोअर सिरा वास्कुलर चोट के उपचार में करना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

89. गैस्ट्रोडोडोडेनल परफॉर्मेशन वाले रोगियों की एटियोलॉजी, क्लीनिकल प्रजेंटेशन और परिणाम का अध्ययन करना।

90. लेप्रोस्कोपिक ग्रोइन हर्निया रिपेयर वाले रोगियों में दृश्य एनालॉग स्कोर द्वारा मापे गए मात्रात्मक संवेदी परीक्षण और पोस्ट-ऑपरेटिव दर्द स्तरों द्वारा मूल्यांकन किए गए प्री-ऑपरेटिव दर्द थ्रेसहोल्ड के बीच सहसंबंध का अध्ययन करना - एक केस नियंत्रण अध्ययन।

91. बड़े पोस्ट-ट्रॉमैटिक घावों पर अकेले निगेटिव प्रेशर घाव थेरेपी (एनपीडबल्यूटी) बनाम संयोजन चिकित्सा (एनपीडबल्यूटी + ट्रॉपिकल ऑक्सीजन) के प्रभाव का अध्ययन करना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण

92. ट्रामैटिक हेमोथोरैक्स वाले रोगियों के परिणाम पर प्रारंभिक इरिगेशन और सक्शन के प्रभाव का अध्ययन करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

93. गंभीर ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी के बाद पेरिफेरल ब्लड और मस्तिष्क में परिवर्तित माइक्रो आरएनए एक्सप्रेशन

94. इम्प्लांट सर्जरी वाले लोअर अंग के फ्रैक्चर वाले रोगियों में सीरम पूरक स्तर (सी3 और सी4) का विश्लेषण और तुलना

95. एक्यूट ब्लीडिंग के एक केस के दौरान गट बेरियर डाइसफंक्शन, एंडोटॉक्सिमिक और इनफ्लेमेटरी मिडियेटर्स का आकलन: संभावित अवलोकन अध्ययन

96. क्रोनिक किडनी रोग के निदान और निगरानी के लिए स्पॉट यूरीन में यूरीन एल्बुमिन क्रिएटिनिन अनुपात (एसीआर) के आकलन के लिए पॉइंट-ऑफ-केयर इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सेंसिंग प्लेटफॉर्म का विकास और सत्यापन

97. मनुष्यों में हेमोस्टैटिक एजेंटों की प्रभावकारिता टीईजी के साथ : एक इन-विट्रो अध्ययन

98. मेटाबॉलिक एसोसिएटेड फैटी लीवर डिजीज (एमएएफएलडी) और हेपेटोसेलुलर कार्सिनोमा में ट्रांसक्रिप्टोमिक लिपिडोमिक और माइटोकॉन्ड्रियल चुनौतियों की पहचान

99. मेटाबोलिक संबंधित फैटी लीवर रोग में एंडोथेलियल जीएटीए 4 और प्लेटलेट व्युत्पन्न वृद्धि कारक-बी की भूमिका

100. गैर-एल्कोहलिक फैटी लीवर रोग और टाइप-2 डायबिटीज़ के रोगियों में ग्लूकोज रेगुलेटिड प्रोटीन-78 और फैटी एसिड बाइंडिंग प्रोटीन-4 की भूमिका

101. जीन एक्सप्रेशन, सेलुलर सिग्नलिंग पाथवे की सक्रियता और ट्रामा हैमोरेजिक शॉक टी/एचएस (आईसीएमआर) के बीच क्लीनिकल परिणाम के साथ इसके सहसंबंध का अध्ययन

102. टीएचएस रोगियों के बीच सेल फ्री डीएनए की भूमिका और क्लीनिकल परिणाम और चोट की गंभीरता के साथ इसके संबंध का अध्ययन करना (आईसीएमआर)

103. सेरेब्रल एडिमा, ब्लड ब्रेन व्यवधान और उसके बाद की रिकवरी के विकास में एपीओ ई 4 जीन की ट्रांसक्रिप्शनल भागीदारी के साथ-साथ पेडियाट्रिक टीबीआई रोगियों में इक्वी ऑस्मोलर समाधान की तुलना।

104. नई दिल्ली, भारत में एक तृतीयक उपचार अस्पताल में कोविड पॉजिटिव कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगियों का तुलनात्मक मेडिकल रिकॉर्ड ऑडिट

105. नई दिल्ली, भारत में तृतीयक उपचार अस्पताल, कोविड पॉजिटिव कोविड संदिग्ध और गैर-कोविड रोगियों के स्वास्थ्य कर्मियों के माध्यमिक ट्रॉमा, बर्नआउट, कंपेशन थकान के लिए तुलनात्मक अध्ययन

106. रेसिडेंट मैनुअल के लिए ईएचएस मॉड्यूल

107. शिक्षण-प्रशिक्षण की हाईब्रिड पद्धति संचार को बेहतर बनाने में प्रभावी है- नर्सों के लिए संचार कार्यशाला के माध्यम से एक इंटरवेंशनल प्री-पोस्ट सिंगल-आर्म अध्ययन का अनुभव। (प्रकाशनाधीन)

108. सीटी पर चोट मॉर्फोलॉजी और सब एक्शियल सर्विकल स्पाइन में यूरोलॉजीकल परिणामों के बीच सहसंबंध

109. तृतीयक उपचार केंद्र में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं पर कोविड का प्रभाव

110. उन रोगियों में न्यूरोसाइकिएट्रिक को-मॉर्बिडिटीज़ की व्यापकता जिन्हें ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी हुई है

111. पेडियाट्रिक ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ब्लड ब्रेन बेरियर व्यवधान के विकास का अध्ययन

112. ट्रॉमैटिक के बाद सीएसएफ लीक वाले मरीजों में खोपड़ी के फ्रैक्चर में शारीरिक रचना और पैटर्न में अंतर का अध्ययन

113. फिक्सिंग के बाद ट्रॉमा के रोगियों में स्पाइनल का अलाइनमेंट

114. पेडियाट्रिक ट्रॉमैटिक ब्रेन इंजरी में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और ब्लड ब्रेन बेरियर व्यवधान के विकास का अध्ययन

115. अल्ट्राकॉन्ग्रुएंट बियरिंग बनाम क्रूसिएट रिटेनिंग बियरिंग के साथ टोटल घुटने की आर्थ्रोप्लास्टी कराने वाले मरीजों में भूले हुए संयुक्त स्कोर, क्लीनिकल, रेडियोलॉजिकल परिणामों और गेट पैरामीटर्स की तुलना करना: एक यादृच्छिक नियंत्रण अध्ययन

पूर्ण

1. पूर्ण अंतःशिरा एनिसथीसिया के तहत ट्रांस-स्फेनोइडल पिट्यूटरी सर्जरी वाले रोगियों में सेरेब्रल ऑक्सीजनेशन पर केटोफोल और प्रोपोफोल के प्रभावों की जांच के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन

2. घुटने के ऑस्टियोआर्थराइटिस के रोगियों में उन्नत एमआरआई और रेडियोलॉजिकल इंटरवेंशन।

3. डिस्टल थर्ड ह्यूमरल डायफिसियल/मेटाफिसियल फ्रैक्चर के उपचार में एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर लॉकिंग कंप्रेशन प्लेट (ईएएलसीपी) के साथ रिवर्स फिलोस बनाम पोस्टीरियर ओपन रिडक्शन और इंटरनल फिक्सेशन (ओआरआईएफ) का इस्तेमाल करते हुए पूर्वकाल न्यूनतम इनवेसिव प्लेटिंग - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

4. नई दिल्ली में एम्स के नेफ्रोलॉजी ओपीडी में आने वाले मरीजों में अज्ञात मूल की क्रोनिक किडनी रोग की विशेषता बताने के लिए एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन

5. आईजीए नेफ्रोपैथी वाले रोगियों में नैदानिक और हिस्टोलॉजिक गंभीरता के साथ सीरम इम्युनोग्लोबुलिन ए/पूरक कारक 3(आईजीए/C3) का सहसंबंध, थोरैकोलम्बर बस्ट फ्रैक्चर में रेट्रोपल्स्ड फ्रेगमेंट की पोस्टीरियर वाल की कमी का इस्तेमाल करके स्पाइनल कैनल के डिकंप्रैशन का सीटी-आधारित मूल्यांकन।

6. हिप फ्रैक्चर सर्जरी में देरी: कारण और परिणामों पर प्रभाव

7. थोरैकोलम्बर बर्स्ट फ्रैक्चर के लिए कैनाल क्लीयरेंस में आंशिक कॉरपेक्टॉमी की प्रभावकारिता: एक सीटी आधारित रेडियोलॉजिकल मूल्यांकन।

8. टेम्पोरल/पेरियेटल ग्रस्त रोगियों के सेरेब्रल हेमोडायनामिक पर डेक्समेडेटोमिडाइन लोडिंग खुराक के प्रभावों का मूल्यांकन करना ट्रांसक्रानियल डॉपलर के माध्यम से ग्लियोमा - एक संभावित सिंगल-आर्म परीक्षण

9. सीटी स्कैन पर दर्दनाक पसली फ्रैक्चर के ऑटोमैटिक पता लगाने, लोकेलाइज़ेशन और करेक्टराइज़ेशन के लिए मशीन लर्निंग (एमएल) मॉडल का मूल्यांकन और विकास
10. बैठने की स्थिति में पोस्टीरियर फोसा सर्जरी के दौरान पेरिऑपरेटिव जटिलताएँ: एक एकल केंद्र रेट्रोस्पेक्टिव अध्ययन
11. प्रॉक्सिमल टिबिया फ्रैक्चर में यूनिएक्सियल बनाम पॉलीएक्सियल प्लेटिंग के बाद क्लीनिकल, रेडियोलॉजिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण और भारतीय आबादी में प्रॉक्सिमल टिबिया फ्रैक्चर की सीटी निर्देशित मैपिंग
12. भारतीय आबादी में एक्स्ट्रा-आर्टिकुलर टिबियल शाफ्ट फ्रैक्चर के इलाज़ में सुप्रा-पेटेलर और इंफ्रा-पेटेलर नेल इंसर्शन तकनीकों के बाद रेडियोलॉजिकल, क्लीनिकल और कार्यात्मक परिणामों की तुलना करने वाला यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।
13. आईजीए नेफ्रोपैथी का सपोर्टिव उपचार-एक संभावित अध्ययन
14. एल्वियोलो - आईसीयू में भर्ती कोविड रोगियों में आर्टियल ग्रेडियेंट और रेसपिरेटरी इंडेक्स
15. विकासशील देश में न्यूरोसर्जिकल टेलीकंसल्टेशंस की चुनौतियाँ और संभावनाएँ: एक वास्तविकता की जाँच
16. कोविड-19 के कारण एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की क्लीनिकल प्रैक्टिस में परिवर्तन
17. टीबी वाले कोविड-19 रोगियों की क्लीनिकल विशेषताएं और परिणाम
18. हिप फ्रैक्चर वाले रोगियों में न्यूरैक्सियल ब्लॉक से पहले स्थिति के लिए पेरिकैप्सुलर नर्व ग्रुप ब्लॉक और फेसिया इलियाका ब्लॉक के बीच तुलना:- यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन।
19. पेल्विक-एसिटाबुलर फ्रैक्चर में ट्रैनेक्सैमिक एसिड की विभिन्न खुराक का प्रभाव - एक यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण।
20. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर सर्जरी वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन प्रतिक्रिया पर सामयिक रोपाइवाकेन का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसबो-नियंत्रित परीक्षण। (गाइड - डीएम थीसिस)
21. आईसीयू में रहने के दौरान सिर में चोट लगने वाले मरीजों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
22. हैमोरैजिक शॉक वाले ट्रामा रोगियों में ब्लड घटकों के इस्तेमाल के बारे में क्रायोप्रेसिपिटेट के प्रारंभिक उपयोग के प्रभाव का मूल्यांकन
23. गर्भावस्था के दौरान किडनी फंक्शन पैरामीटर्स का मूल्यांकन और मातृ एवं भ्रूण के परिणाम के साथ इसका संबंध
24. कोविड-19 के रोगियों में ट्रांसफ्यूजन प्रैक्टिस का मूल्यांकन और ट्रांसफ्यूजन प्राप्त करने वाले रोगियों के परिणाम
25. सर्जरी के दौरान वृद्धावस्था ट्रामा के रोगियों में प्रतिकूल डिस्चार्ज परिणामों के प्रेडीकेटर के रूप में कमजोरी: एक संभावित केस नियंत्रण अध्ययन

26. तृतीयक उपचार केंद्र में किडनी ट्रांसप्लांटेशन वाले रोगियों में माइक्रोस्पोरिडिया और इंटेस्टाइनल पैरासाइटिक संक्रमण
27. कोविड में ट्रेकियोस्टोमाइज्ड रोगियों का परिणाम
28. मेजर ऑर्थोपेडिक ट्रॉमा सर्जरी वाले मरीजों में विभिन्न एनेस्थैटिक तकनीकों के साथ पेरिऑपरेटिव इंफ्लेमेटरी साइटोकिन्स परिवर्तन और न्यूट्रोफिल एक्स्ट्रासेल्यूलर ट्रैप फॉर्मेशन।
29. कोविड सेंटर से डिस्चार्ज हुए मरीजों में म्यूकोर्मिकोसिस की व्यापकता और इससे जुड़े कारक।
30. वयस्क रोगियों में दाहिनी ब्रैकियोसेफेलिक नस के अल्ट्रासाउंड निर्देशित कैथीटेराइजेशन की फिज़ेबलिटी का अध्ययन
31. परिवेशी तापमान पर रात भर स्टोर ब्लड से तैयार रक्त घटकों के लिए गुणवत्ता मापदंडों का विश्लेषण
32. विभिन्न घटक तैयारी तकनीकों का इस्तेमाल करके तैयार किए प्लेटलेट कंस्नट्रेट के लिए गुणवत्ता पैरामीटर्स का विश्लेषण।
33. स्टेज़ 4-5 क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) रोगियों में विटामिन डी रिसेप्टर (वी) जीन, विटामिन डी और पैराथाइरॉइड हार्मोन के स्तर के एफओकेएल पॉलीफॉर्मिज़्म बहुरूपता का आकलन
34. हैमोरैजिक शॉक वाले ट्रामा रोगियों में पूरक स्तर
35. गैस्ट्रिक कैंसर में असाइमेट्रिक डाइमिथाइल आर्जिनिन डिसरेग्यूलेशन और टाइट जंक्शनों (क्लॉडिन्स) की मॉलीक्यूलर एक्सप्रेशन और प्रोग्राम्ड कोशिका डैथ लिगैंड -1
36. थायरॉइड फ़ंक्शन में कोविड-19 संक्रमण के एक्यूट और दीर्घकालिक परिणाम का मूल्यांकन
37. गंभीर ट्रामैटिक ब्रेन इंजरी (एसटीबीआई) में माइलिन नुकसान और ओलिगोडेंड्रोसाइट पैथोलॉजी का मूल्यांकन
38. सूक्ष्म पोषक तत्व एंटी-ऑक्सीडेंट की मॉलीक्यूलर एक्सप्रेशन और डायबिटीज और मैटाबोलिक सिंड्रोम में सीडीएफ-15 और आयरन ट्रैफिकिंग प्रोटीन की परस्पर क्रिया
39. अस्पताल में भर्ती कोविड-19 रोगियों में पूरक स्तरों का अध्ययन और कोगुलोपैथी और सरवाइवल के साथ इसका संबंध
40. ट्रॉमा रोगियों में आयोनाइज़्ड हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता का निर्धारण करना और लेवल I ट्रॉमा सेंटर में मृत्यु दर की संभावना करने में इसकी भूमिका का अध्ययन करना।
41. गामा नाइफ के साथ प्रबंधित इंट्राक्रैनियल एवीएमएस में क्लीनिकल सिम्पट्रोमैटिक रेडियेशन प्रेरित परिवर्तनों (आरआईसी) के लिए पूर्वानुमानित कारक के रूप में सीरम वीईजीएफ और एंडोस्टैटिन का अध्ययन करना
42. ब्लंट लीवर और/या स्पलेनिक इंजरी वाले रोगियों में संक्षिप्त डिस्चार्ज प्रोटोकॉल का अध्ययन
43. ब्लंट लीवर ट्रामा रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमान करने वालों का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन।
44. परिणाम पर डैथ के ट्रॉमा ट्रायड के विभिन्न घटकों की क्षमता का निर्धारण करना

45. 3डी प्रिंटिंग तकनीक का इस्तेमाल करके मिड फ़ेस के दोषों के लिए रोगी विशिष्ट इम्प्लांट्स का दस्तावेज़ीकरण और सत्यापन: एक खोजपूर्ण अध्ययन।
46. थोरैकोलम्बर बर्स्ट फ्रैक्चर के लिए कैनाल क्लीयरेंस का आकलन करने में आंशिक कॉर्पेक्टॉमी की प्रभावकारिता: एक सीटी-आधारित अध्ययन।
47. फेंटम लिम्ब पेन रिपीटेटिव ट्रांस क्रानियल मैग्नेटिक सिमुलेशन (आरटीएमएस) का प्रभाव
48. इम्यून एफेक्टर कोशिकाओं (टीएच1, टीएच 2, टीएच 9, टीएच 7, टीएच 22) और न्यूट्रोफिल की गतिशीलता पर चोट की गंभीरता का प्रभाव और ब्लंट थोरैसिक ट्रॉमा वाले मरीजों में परिणाम के साथ उनका सहसंबंध।
49. हेल्थ केयर व्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों के लिए अस्पताल आधारित ट्रॉमा रजिस्ट्री की व्यवहार्यता और कार्यान्वयन और ट्रॉमा उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
50. हेल्थ केयर व्यवस्था के विभिन्न स्तरों पर सड़क यातायात चोटों के लिए अस्पताल आधारित ट्रॉमा रजिस्ट्री की व्यवहार्यता और कार्यान्वयन और ट्रॉमा उपचार की गुणवत्ता पर इसका प्रभाव।
51. ट्रॉमा केयर आईसीयू में भर्ती हैमोरैजिक शॉक वाले रोगियों में ट्रॉपिक फ़ीड की व्यवहार्यता और सुरक्षा का आकलन करने के लिए संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
52. ट्रामा रोगियों में आयनित हाइपोकैल्सीमिया की व्यापकता और स्तर I ट्रॉमा सेंटर में मृत्यु दर की संभाविकता करने में इसकी भूमिका- एक संभावित अवलोकन अध्ययन
53. एम्स, नई दिल्ली में विभिन्न सर्जिकल व्यवधान वाले रक्तस्राव विकारों (बीडीएस) वाले रोगियों में कारक और ब्लड प्रोडक्ट की आवश्यकता का पूर्वव्यापी विश्लेषण।
54. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग वाले मरीजों में सीरम पूरक सी3 और सी4 लेवल्स का अध्ययन"
55. लैप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टोमी की कठिनाई को ग्रेड करने के लिए एक वस्तुनिष्ठ स्कोरिंग सिस्टम का विकास करने हेतु अध्ययन।
56. पिछले दशक में एकल सर्जिकल यूनिट के रेनल ट्रांसप्लांटेशन डेटा का सर्जिकल ऑडिट।
57. लेवल I ट्रॉमा सेंटर में ग्रेड III और IV पैनक्रियाज़ ट्रॉमा के ऑपरेशन नहीं किए गए मरीज़ों के उपचार के बाद रोगियों के परिणाम और पैनक्रियाज़ की स्थिति का मूल्यांकन करना।
58. ट्रॉमैटिक हेमोथोरैक्स निकालने के लिए प्रारंभिक वैट बनाम वैकल्पिक प्रस्ताव के परिणाम की तुलना करने के लिए - लेवल I ट्रॉमा सेंटर में एक यादृच्छिक पायलट अध्ययन

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

संवेदनाहरण

1. गंभीर टीबीआई, वाले रोगियों में निकट इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी **(NIRS)** द्वारा सेरेब्रल ऑटो व्यवस्थापन का आकलन न्यूरोसर्जरी

2. अस्पताल में एक्वायर्ड संक्रमण-रोकथाम और नियंत्रण, में उन्नत अनुसंधान केंद्र (CAR) लैब मेडिसिन।

3. गंभीर टीबीआई, वाले रोगियों में जुगुलर वेनयस ऑक्सीमेट्री पर डीकंप्रेसिव क्रैनियोटॉमी का प्रभाव न्यूरोसर्जरी

4. आइसोलेटिड ट्रामैटिक ब्रेन इंजरी वाले रोगियों के पेरीफेरल ब्लड में कैथेप्सिन B का मूल्यांकन और इसका सहसंबंध, लैब मेडिसिन विभाग

5. एम्स में डैथ चिकित्सा प्रमाणन का मूल्यांकन और सीसीएम विभाग, सीसीएम के सहयोग से एक प्रशिक्षण प्रोग्राम तैयार करना

6. सेकंडरी केयर अस्पतालों, में आईसीएमआर के एंटमाइक्रोबियल स्टीवार्डशिप (एएमएसपी) और संक्रमण नियंत्रण प्रोग्राम (आईसीपी) का विस्तार लैब मेडिसिन

7. भारत में लेवल-1 ट्रॉमा केंद्र, में गंभीर टीबीआई में नॉन-कन्वलसिव स्थिति एपिलेप्टिकस के मूल्यांकन में एक क्लीनिकल उपकरण के रूप में इन्फ्रारेड प्यूपिलोमेट्री न्यूरोसर्जरी

8. गंभीर रूप से बीमार रोगियों में आईसीयू प्रलाप में मेलाटोनि की भूमिका, एनेस्थीसिया

9. चेस्ट ट्रॉमा रोगियों, और गंभीर उपचार में टी - हेल्पर्स कोशिकाओं की भूमिका ट्रॉमा सर्जरी

10. पूर्ण लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी वाले रोगियों में, पेरासिटामोल, डेक्सामेथासोन, पेरासिटामोल और केटोरोलैक (डीईएक्सपीएकके) बनाम पेरासिटामोल, केटोरोलैक (पीएकके) के संयोजन ओपियोइड अपर्याप्त प्रभावों की तुलना की गई। पूर्ण लैप्रोस्कोपिक हिस्टेरेक्टॉमी एक संभावित डबल ब्लाइंड अध्ययन, एम्स, नई दिल्ली, एनेस्थीसिया, क्रिटिकल एवं पेन मिडिसियन विभाग, एम्स, नई दिल्ली

11. प्रीक्लेम्पसिया की संभावना में बायोकेमिकल और बायोफिजिकल मार्कर के संयोजन का मूल्यांकन करना, फिजियोलॉजी विभाग/एम्स, नई दिल्ली

12. वैकल्पिक लम्बर स्पाइनल सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव पेन और ब्लड लॉस पर स्थानीय रूप से प्रबंधित बहुक्रियाशील कॉकटेल के प्रभाव का अध्ययन करना: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा

न्याय चिकित्सा

1. जैविक मैट्रिक्स में ज़ेड-यूजीएस और ट्रामाडोल विश्लेषण हेतु विकास और विधि का सत्यापन, राष्ट्रीय न्याय (फोरेंसिक) विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।

2. जीनोटाइप और जियोलोकेशन के बीच सह-संबंध का पता लगाने के लिए विभिन्न वैश्विक और भारतीय आबादी में एसटीआर मार्करों का मूल्यांकन, राष्ट्रीय न्याय (फोरेंसिक) विज्ञान विश्वविद्यालय, दिल्ली परिसर।

अस्पताल प्रशासन

1. एम्स में मृत्यु के चिकित्सा प्रमाणन का मूल्यांकन और सीसीएम विभाग के सहयोग से एक प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करना।

प्रयोगशाला चिकित्सा

1. "निचले अंग विच्छेदन के रोगियों में फैंटम अंग दर्द पर आरटीएमएस बनाम यूजी थेरेपी का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण" - (सीओ-पीआई), (पीआई- सुषमा सागर), सर्जरी का बजट:- 60,00,000/- 2022-25, निधियन एजेंसी - आईसीएमआर परियोजना।
2. "लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में पेल्विक चोट से ग्रसित रोगियों में कार्यात्मक मूल्यांकन और जीवन की गुणवत्ता पर योग के हस्तक्षेप का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण।" - (सीओ-पीआई), (पीआई- दिनेश बगारिया), सर्जरी का बजट:-35,98,960/- रुपये, 2021-24, निधियन एजेंसी - सत्यम परियोजना।
3. "अभिघातजन्य मस्तिष्क की चोट के पश्चात सेरेब्रल एडिमा के विकास का पूर्वानुमान लगाने में बायोमार्कर की भूमिका" (सीओ पीआई के रूप में), (पीआई- कोक्कुला प्रणीथ), न्यूरोसर्जरी, बजट:-9,00,000/, 2020- 2023, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट।
4. ऑपरेशन से पूर्व की चिंता को कम करने में मेलाटोनिन, गैबापेंटिन और अल्प्राजोलम का तुलनात्मक अध्ययन, केलिका प्रकाश, एनेस्थीसिया।
5. अस्पताल में भर्ती उन रोगियों में, जिन्हें स्थानीय स्तर मानक की देखभाल मिल रही है, उनमें कोविड-19 के अतिरिक्त उपचार का एक अंतरराष्ट्रीय यादृच्छिक परीक्षण, मेडिसिन।
6. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य उपचार कर्मियों में पंखे बनाम मानक चश्मे वाले स्वदेशी व्यक्तियों की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना, वाले एनेस्थीसिया जेपीएनएटीसी।
7. टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले या उसके बिना फुफ्फुसीय तपेदिक (पीटीबी) से ग्रसित रोगियों में सीडी 4 टी-कोशिका के कार्य का मूल्यांकन और एंटी-ट्यूबरकुलर थेरेपी (एटीटी) प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध: एक अग्रदर्शी ब्लाइंडेड अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा विभाग, मुख्य अस्पताल।
8. बचे हुए नमूनों, में सार्स-कोव-2 (कोविड-19) के निदान और पूर्वानुमान के लिए नवीन प्रौद्योगिकियों और बायोमार्कर का मूल्यांकन लैब मेडिसिन।
9. आघात-रक्तस्रावी सदमे से ग्रसित रोगियों में पुनर्जीवन के समापन बिंदु के रूप में पैराथाइरॉइड हार्मोन का मूल्यांकन, पीआई-दिनेश बगरिया, सर्जरी हेतु 5 लाख रुपये।
10. अभिघातजन्य मस्तिष्क की गंभीर चोट से जुड़े माइलिनेशन और ऑलिगोडेंड्रोसाइट पैथोलॉजी की जांच, संजीव लालवानी, न्याय चिकित्सा विभाग टीसी।
11. ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना के बाद अपूर्ण रीढ़ की हड्डी की चोट वाले रोगियों में गेट कीनेमेटिक्स और न्यूरोजेनिक मूत्राशय: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, शरीर क्रिया विज्ञान विभाग।
12. पूरे भारत के विभिन्न तृतीयक केंद्रों में एएमएसपी का कार्यान्वयन, संवेदनाहरण एवं गहन चिकित्सा, जेपीएनएटीसी।

13. वेंटिलेटर से जुड़ी घटनाओं की घटनाएं और बंडल केयर का प्रभाव: अद्यतन राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल सुरक्षा नेटवर्क निगरानी मानदंड को लागू करना, संवेदनाहरण एवं गहन उपचार, जेपीएनएटीसी।

14. गर्भावस्था के विभिन्न चरणों में कोविड-19 के संपर्क में आने के बाद मातृ एवं भ्रूण संबंधी परिणाम: सेरोकनवर्ज़न के लिए एक अनुदैर्ध्य मूल्यांकन और ओमोस के साथ इसका सहसंबंध, प्रसूति एवं स्त्री रोग।

15. आइसोलेटेड ब्लंट चेस्ट ट्रॉमा वाले मरीजों में मेटाबॉलिक प्रोफाइलिंग और सीरियल परिवर्तन- एक संभावित, समूह, व्यवहार्य और अनुसंधानमूलक अध्ययन, अभिनव कुमार, सर्जरी, टीसी

16. आर्टिफीसियल इंटेलिजेंस कार्यान्वयन पर आधारित भारतीय आबादी में ऑस्टियोपोरोटिक फ्रैक्चर का पूर्वानुमानित पता लगाना, अस्थिरोग (आर्थोपेडिक्स), जेपीएनएटीसी

17. बाह्य रोगी सेटिंग में सेफिड एक्सपर्ट एक्सप्रेस सार्स कोव-2 का उपयोग करते हुए लक्षण वाले रोगियों में सार्स-कोव-2 का पता लगाने के लिए एक वैकल्पिक नमूना स्रोत के रूप में लार, लैब मेडिसिन विभाग, मुख्य अस्पताल।

18. गर्भावस्था में कोविड की स्कोप-निगरानी-कोविड-19 और गर्भावस्था की नैदानिक विशेषताओं और परिणामों पर साक्ष्य की गुणवत्ता में सुधार के लिए डेटा संग्रह और प्रोटोकॉल का मानकीकरण, प्रसूति एवं स्त्री रोग।

19. कोविड-19 रोगियों में डेंगू और परिणाम की व्यापकता, न्याय चिकित्सा।

20. कपालीय धमनी-शिरापरक विकृतियों वाले रोगियों में गामा नाइफ के बाद रोगसूचक विकिरण प्रेरित परिवर्तनों के उपचार में नैदानिक निर्णय लेने के सहायक के रूप में सीरम वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर और एंडोस्टैटिन: अवलोकन संबंधी अध्ययन, श्वेता केडिया, एनएस इंस्टीट्यूट परियोजना।

21. फ्रैक्चर शाफ्ट फीमर के लिए इंट्रामेडुलरी नेलिंग करवाने वाले रोगियों में सीरम पूरक सी3 और सी4 स्तर का अध्ययन, प्रयोगशाला चिकित्सा, जेएनएटीसी, एम्स।

22. शीर्षक:- "घुटने के विच्छेदन के बाद (अभिघातज के बाद) रोगियों में सर्जरी के बाद के परिणाम, संतुलन और जीवन की गुणवत्ता के संबंध में तत्काल पोस्ट ऑपरेटिव प्रोस्थेसिस के प्रभाव का अध्ययन करना: एक प्रायोगिक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण"- (सीओ-पीआई), (पीआई- जुनैद आलम), सर्जरी, बजट:- 65,00,000/- रुपये, 2023-2025, निधियन एजेंसी- आईसीएमआर परियोजना।

23. प्रीक्लेम्पसिया के पूर्वानुमान में जैव रासायनिक और बायोफिजिकल मार्कर के संयोजन का मूल्यांकन करना, फिजियोलॉजी विभाग/एम्स, नई दिल्ली।

24. जीन अभिव्यक्ति, सेलुलर सिग्नलिंग मार्ग की सक्रियता और ट्रॉमा हेमोरेजिक शॉक टी/एचएस (आईसीएमआर) में नैदानिक परिणाम के साथ इसका सहसंबंध का अध्ययन करना, संजीव भोई, आपातकालीन विभाग, टीसी

25. टीएचएस रोगियों में सेल मुक्त डीएनए की भूमिका और नैदानिक उम्र और चोट की गंभीरता (आईसीएमआर) के साथ इसके सहसंबंध का अध्ययन करना, संजीव भोई, आपातकालीन विभाग, टीसी
26. हेमटोलॉजिकल विकृति से ग्रसित रोगियों में आक्रामक फुफ्फुसीय एस्परगिलोसिस के शीघ्र निदान के लिए संभावित बायोमार्कर के रूप में मूत्र/सीरम में ट्राइएसिटाइलफ्यूसेरिनिन सी (टीएएफसी), लैब मेडिसिन विभाग, मुख्य अस्पताल।

तंत्रिका शल्यचिकित्सा

1. पृथक अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट से ग्रसित रोगियों के परिधीय रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और इसका सहसंबंध, प्रयोगशाला मेडिसिन विभाग।
2. हिरयामा रोग के उपचार हेतु पोस्टीरियर सर्वाइकल फिक्सेशन बनाम दीर्घकालिक सर्वाइकल कॉलर: संभावित रैंडमाइज्ड ओपन ब्लाइंडेड एंडपॉइंट (प्रोब), चरण III अध्ययन, न्यूरोलॉजी और न्यूरोसर्जरी, एम्स, नई दिल्ली।

तंत्रिका संवेदनाहरण

1. अल्ट्रासाउंड जांच के समय आंतरिक गले की नस के दबाव को मापने हेतु नए दबाव मापने वाले उपकरण का विकास और सत्यापन, एम्स+आईआईटी दिल्ली।
2. डी-ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप, मानक ब्लेड के साथ सी-मैक वीडियो-लेरिंजोस्कोप और सर्वाइकल स्पाइन गतिहीनता के साथ इंटुबैशण के लिए मैकिंटोश लैरिंजोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार।
3. वयस्क रोगियों में एंडोट्रैचियल ट्यूब की सही स्थिति की पुष्टि करने हेतु अल्ट्रासोनोग्राफी द्वारा सलाइन से भरे कफ का पता लगाना: एक संभावित अवलोकन संबंधी अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार ।

अस्थिरोग

1. आघात-प्रेरित गति हानि वाले रोगियों के लिए पुनर्वास की प्रभावकारिता पर बायोमैकेनिकल अध्ययन, आईआईटी।

ट्रॉमा सर्जरी

1. दिल्ली रेफरल ट्रॉमा अस्पतालों, पोस्टमार्टम केंद्रों और शहर-व्यापी एम्बुलेंस सेवाओं, परिवहन अनुसंधान और चोट निवारण कार्यक्रम (टीआरआईपीपी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में सड़क पर होने वाले चोटों और मौतों का पूर्वव्यापी मूल्यांकन।
2. भारत (सीडीसी) में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण, पूर्वा माथुर, आचार्य, लैब मेडिसिन विभाग, जेपीएनएटीसी, एम्स, नई दिल्ली।
3. स्वदेशी रूप से विकसित कम लागत वाले हल्के वजन वाले पॉलीसेंट्रिक पॉलिमरिक घुटने के जोड़ (पीपीकेजे) की अनुकूलन क्षमता का मूल्यांकन और पोस्ट-ट्रॉमेटिक ट्रांसफ़ेमोरल एम्प्यूटीज़ पर

जीवन की गुणवत्ता और पुनर्वास पर इसका प्रभाव, मोहित जोशी, शल्य चिकित्सा विभाग, एम्स दिल्ली, आचार्य नरेश भटनागर, आईआईटी दिल्ली।

4. क्रोनिक लिंब अल्सर और प्रेशर अल्सर के उपचार के लिए एक नवीन हर्बल एंटीसेप्टिक फॉर्मूलेशन-एसईपीआईएल का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक, डबल ब्लाइंडेड, प्लेसीबो-नियंत्रित परीक्षण, विजय शर्मा, अस्थिरोग विभाग के आचार्य, एम्स, आचार्य विवेक वर्मा, आईआईटी कानपुर।
5. फैंटम अंग दर्द वाले रोगियों में डॉर्सोलेटरल प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स (डीएलपीएफसी) के दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) का प्रभाव, आकांशा सिंह, शरीर क्रिया विभाग, एम्स दिल्ली।
6. ट्रॉमेटिक इंजरी के बाद नाक की विकृति के सुधार के लिए त्रि-आयामी प्रिंटिंग मॉडल और उत्तेजना कार्यक्रम का मूल्यांकन, राज मानस, प्लास्टिक पुनर्निर्माण एवं बर्न्स सर्जरी विभाग, एम्स दिल्ली।

पूर्ण

संवेदनाहरण

1. न्यूनतम पहुंच वाले सर्जनों में कार्यभार और मस्कुलोस्केलेटल लक्षणों का मूल्यांकन - एक अग्रदर्शी अध्ययन, सर्जरी विभाग (एमएएस)/एम्स, नई दिल्ली।
2. कोविड के रोगियों में परिणाम के साथ कैल्शियम के स्तर का संबंध, प्रयोगशाला चिकित्सा।
3. कोविड-19 में नैदानिक प्रोफ़ाइल और द्वितीयक संक्रमण, प्रयोगशाला चिकित्सा।
4. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में पंखे वाले बनाम मानक चश्मे के साथ स्वदेशी चश्मे की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करना, एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर, लैब मेडिसिन, अस्पताल प्रशासन
5. अनुभवी एनेस्थेसियोलॉजिस्ट द्वारा कठिन वायुमार्ग वाले मैनिकिन में नासोट्रैचियल इंटुबैशण के लिए विभिन्न वीडियो लैरींगोस्कोप की तुलना: एक यादृच्छिक, स्व-नियंत्रित, क्रॉसओवर परीक्षण, ऑन्कोएनेस्थेसिया और पैलिएटिव मेडिसिन विभाग, एम्स नई दिल्ली।
6. अल्ट्रासाउंड द्वारा निर्धारित गैस्ट्रिक अवशिष्ट मात्रा और मेडिकल/सर्जिकल आईसीयू में एंटरल ट्यूब द्वारा फीड की गई स्वीकृति का सहसंबंध - एक अवलोकन अध्ययन, एनेस्थीसिया।
7. आईसीयू में रहने के दौरान सिर में चोट लगने वाले रोगियों में इलेक्ट्रोलाइट असामान्यताएं: एक अग्रदर्शी अवलोकन संबंधी ध्ययन, लैब मेडिसिन, जेपीएनएटीसी, एम्स।
8. एक अभिनव इंटुबैशण प्रणाली के विकास द्वारा एंडोट्रैचियल इंटुबैशण की सफलता और सुरक्षा को बढ़ाना: एक प्रायोगिक परियोजना।
9. सीलिएक रोग से पीड़ित महिलाओं में माहवारी का पैटर्न, प्रजनन क्षमता, गर्भावस्था की स्थिति और ग्लूटेन-मुक्त आहार द्वारा इसके मॉड्यूलेशन का मूल्यांकन, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

10. गर्भावस्था के दौरान गुर्दे के कार्य संबंधी मापदंडों का मूल्यांकन और मातृ एवं परिणाम के साथ इसका सह-संबंध।
11. एक संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम के बाद सिम्युलेटेड वेकफाइबरऑप्टिक निर्देशित मौखिक इंटुबैशण में नए एनेस्थिसियोलॉजी रेजीडेंटों की दक्षता का मूल्यांकन - एक मैनिकिन-आधारित अध्ययन।
12. एनेस्थिसियोलॉजी, क्रिटिकल केयर और दर्द चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
13. छाती के आघात वाले रोगियों के शरीर में न्यूट्रोफिल और नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं की भूमिका, ट्रॉमा सर्जरी।
14. बैक्टीरियल वेजिनोसिस (बी/वी) और स्वस्थ नियंत्रण वाली महिलाओं में योनि माइक्रोबायोम और मेटाबोलोम का अध्ययन, एवं रतिज रोग विभाग/एम्स, नई दिल्ली।
15. इन्फ्राम्बिलिकल सर्जरी कराने वाले रोगियों में सबराचोनोइड ब्लॉक की अवधि पर अंतःशिरा डेक्सामेथासोन की दो अलग-अलग खुराक की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए: एक यादृच्छिक नियंत्रण डबल ब्लाइंडेड अध्ययन, एनेस्थीसिया, गंभीर एवं पीड़ा चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली।
16. फीमर की गर्दन और इंटर ट्रोकेनटेरिक फ्रैक्चर की सर्जरी करा रहे रोगियों में केंद्रीय न्यूरैक्सियल ब्लॉक से पहले स्थिति में सुधार के लिए अल्ट्रासाउंड निर्देशित पेरिकैप्सुलर तंत्रिका समूह ब्लॉक- एक यादृच्छिक नियंत्रित पायलट अध्ययन। एनेस्थीसिया, गंभीर एवं पीड़ा चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली

न्याय चिकित्सा

1. रिज विशेषताओं में भिन्नता की सीमा का अध्ययन करना और जुड़वां बच्चो की उनकी फिंगरप्रिंट विशेषताओं का उपयोग करके उनके बीच लिंग का निर्धारण करना, न्याय चिकित्सा विभाग, केएमसी, मणिपाल।

प्रयोगशाला चिकित्सा

1. छाती के आघात वाले रोगियों के शरीर में टी-हेल्पर कोशिकाओं और न्यूट्रोफिल की भूमिका, ट्रॉमा सर्जरी।
2. फुफ्फुसीय कार्यों, श्वसन मांसपेशियों की ताकत और सहनशक्ति, छाती की गतिशीलता, सूजन के निशान और कुंद छाती के आघात के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, स्तर- I ट्रॉमा सेंटर, ट्रॉमा सर्जरी में थोरैसिक ट्रॉमा गंभीरता स्कोर के साथ उनके सहसंबंध का अध्ययन करना।
3. ट्रॉमा सर्जरी में भर्ती पॉलीट्रॉमा रोगियों में अल्पकालिक परिणाम की भविष्यवाणी करने में नैदानिक और प्रतिरक्षाविज्ञानी मापदंडों का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी।
4. लेवल-1 ट्रॉमा सेंटर में कुंद प्लीनिक आघात के बाद प्लीनिक कार्यों और जटिलताओं का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी।

5. लेवल-I ट्रॉमा सेंटर में छाती के आघात के रोगियों में फुफ्फुसीय कार्यों, प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव का अध्ययन करना, ट्रॉमा सर्जरी।
6. चूहों में प्रयोगात्मक रूप से प्रेरित लिवर फाइब्रोसिस में करक्यूमिन का प्रभाव और पिपेरिन के साथ इसका संयोजन: एक तुलनात्मक विश्लेषण।", शिल्पा शर्मा, बाल शल्य चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स, इंट्राम्यूरल अनुदान।
7. एमनियोटिक द्रव मेसेनकाइमल स्टेम कोशिकाओं को 3डी बायोप्रिंटिंग के साथ त्वचा प्रतिस्थापन पीएएच के लिए इंजीनियर किया गया, शिल्पा शर्मा, बाल शल्य चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स, यूसीएल-एम्स, नई दिल्ली।
8. चूहों में कार्बन टेट्राक्लोराइड-प्रेरित सिरोसिस के दो प्रोटोकॉल की तुलना - उपज और प्रजनन क्षमता में सुधार, शिल्पा शर्मा, बाल शल्य चिकित्सा, जेपीएनएटीसी, एम्स।
9. "गंभीर रूप से घायल आघात के रोगियों में संक्रमण के जोखिम पर ल्यूकोरेड्यूस्ड रक्त आधान के प्रभावों के मूल्यांकन हेतु एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण", एफ.5-59/आईआरजी/2010/आरएस, राहुल चौरसिया, ब्लड बैंक।
10. सर्वाइकल स्पाइन इमोबिलाइजेशन वाले रोगियों में श्वासनली इंटुबैषेण के लिए सी-मैक वीडियो लैरींगोस्कोप बनाम डायरेक्ट लैरींगोस्कोपी पर तनाव प्रतिक्रिया, छवि, एनेस्थीसिया।
11. कॉर्पस कॉलोसम, थैलेमस और ब्रेन स्टेम में सिल्वर और एबीटापीपी स्टेन का उपयोग करके टीबीआई प्रेरित एक्सोनल चोट के बाद का पोस्टमार्टम हिस्टोपैथोलॉजिकल अध्ययन। संजीव लालवानी, एफएम।

तंत्रिका संवेदनाहरण

1. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य कर्मियों में पंखे वाले बनाम मानक चश्मे के साथ स्वदेशी चश्मे की प्रभावकारिता और सुरक्षा की तुलना: एक पायलट अध्ययन, तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गहन उपचार

अस्थिरोग

1. भारतीय आबादी के लिए घुटने के प्रत्यारोपण का बायोमैकेनिकल डिज़ाइन मूल्यांकन, आईआईटी
2. जुड़े हुए कूल्हे और स्पिनो-पेल्विक विकृति वाले रोगियों के लिए कंप्यूटर आधारित सर्जिकल योजना, आईआईटी

ट्रॉमा सर्जरी

1. दिल्ली में दुर्घटना के बाद ट्रॉमा उपचार सुविधा तक पहुंच का अनुमान, अमित गुप्ता, परिवहन अनुसंधान एवं चोट निवारण कार्यक्रम (टीआरआईपीपी), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली।

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 265 **सार: 10** **पुस्तक में अध्याय: 32** **पुस्तकें और मोनोग्राफ: 02**

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

वर्ष	प्रकाशन				
	आलेख	सार	अध्याय	पुस्तक/मोनोग्राफ	कुल
2022-2023	265	10	32	2	309
2021-2022	171	3	9	0	183
2020-2021	377	18	18	0	413

रोगी उपचार

जेपीएनएटीसी के समग्र आँकड़े एक नज़र में:

I. क. सुविधा में कुल बेड क्षमता : **265⁎**

वार्ड के बेड : 172

आईसीयू बेड : 032

निजी बेड : 022

ईएम विभाग (ट्राएज) : 018

कोविड बेड : 011

ख. कुल प्रवेश बेड : 226

वार्ड बेड : 172

दूसरी मंजिल पर आईसीयू बेड : 12

तीसरी मंजिल पर आईसीयू बेड : 20

निजी बेड : 22

ग. विभागवार बेड वितरण

अस्थिरोग : 060

टीएससीसी : 044

न्यूरोसर्जरी : 072

प्राइवेट बेड : 022

आपातकालीन विभाग : 018

कोविड : 011

अन्य [आपदा+ईएचएस+एमएसपूल,जी.आईसीयू] : 028

कुल बेड : **255⁎**

⁎25 अक्टूबर 2022 वार्ड टीसी-01 का नवीनीकरण से एएमएस-कार्यालय संख्या द्वारा जारी परिपत्र के तहत किया जा रहा है:

एफ.नं.**100/**एमएस/जेपीएनएटीसी/22 दिनांक. 25/10/2022**.** इसलिए**,** टीसी में कुल बेड = 237 + 18 ईडी (ट्राएज) = 255

II एक नज़र में आँकड़े

ई.डी. उपस्थिति की कुल संख्या	: 60430 रोगी
प्रतिदिन औसत रोगी	: 165.56
प्रवेश की कुल संख्या	: 7515
प्रतिदिन औसत प्रवेश	: 20.58
ठहरने की औसत अवधि (एलओएस) दिन	: 8.91 दिन
फॉलो-अप ओपीडी मामलों की कुल संख्या	: 42800 रोगी
औसत फॉलोअप ओपीडी रोगी प्रति दिन उपस्थिति	: 144.10

III ईडी में रोगियों की कुल संख्या	**:** 60430
पुरुष	: 39929
महिलाएं	: 14836
बच्चे	: 03696
बच्चियां	: 01956
अन्य	: 00013
एमएलसी	: 34032
एनएमएलसी	: 26398

ट्राएज श्रेणी

हरा	: 17977
पीला	: 33045
लाल	: 05653
काला	: 00135
ओपीडी	: 03614
रेडियोलॉजी	: 00004
अन्य	: 00002

IV फॉलो-अप ओपीडी रोगियों की कुल संख्या	**:** 42800
नए	: 18269
पुराने (पुनः आए)	: 24531
पुरुष	: 28220
महिला	: 10315
बच्चे	: 02894
बच्चियां	: 01371

विशिष्टता-वार ब्रेक-अप

अस्थिरोग	: 30675
टीएससीसी	: 04844

	न्यूरोसर्जरी		: 06217
	ओएमएस		: 01017
	यूरोलॉजी		: 00047
V	**प्रवेश की कुल संख्या**		**: 7515**
	नियमित	: 7501 लघु	: 14
	एमएलसी	: 5544	: 08
	एनएमएलसी	: 1957	: 06
	पुरुष	: 5490	: 09
	महिला	: 1310	: 03
	बच्चे	: 0438	: 02
	बच्चियां	: 0262	: 00
	अन्य	: 0001	: 00
	विशिष्टता-वार ब्यौरा		
	अस्थिरोग	: 3166	: 05
	टीएससीसी	: 1936	: 08
	न्यूरोसर्जरी	: 2142	: 01
	पीआरएस	: 0235	: 00
	ईएनटी	: 0005	: 00
	बाल चिकित्सा	: 0017	: 00
VI	**किए गए ऑपरेशनों की कुल संख्या**	**: 8001**	
	बड़े	: 7896	
	छोटे	: 0105	
	पुरुष	: 6112	
	महिला	: 1156	
	बच्चे	: 0544	
	बच्चियां	: 0189	
	विशिष्टता-वार ब्यौरा		
	अस्थिरोग	: 3916	
	टीएससीसी	: 2135	
	न्यूरोसर्जरी	: 1486	
	पीआरएस	: 0464	
VII	**कुल डिस्चार्ज**	**: 7224**	
	पुरुष	: 5334	
	महिला	: 1260	

बच्चे : 0399

बच्चियां : 0231

अन्य : 0000

विभागवार वितरण विभागवार: एलओएस

अस्थिरोग	: 3121	: 06.46
टीएससीसी	: 1912	: 10.05
न्यूरोसर्जरी	: 1945	: 11.79
पीआरएस	: 0224	: 08.14
ईएनटी	: 0003	: -
बाल चिकित्सा	: 0019	: 11.00

VIII उपचार के दिन : 64379

अस्थिरोग : 20171

टीएससीसी : 19227

न्यूरोसर्जरी : 22947

पीआरएस : 01825

बाल चिकित्सा : 00209

IX कुल पंजीकृत मृत्यु : 865 (एम-686, एफ-121, एमसी-30, एफसी-28)

लाए गए मृत मामले : 351

टीसी में कुल मृत्यु

(पंजीकृत मृत्यु - मृत लाए गया) : 514 (865-351=514)

48 घंटे के भीतर मृत्यु : 137

48 घंटों के बाद मृत्यु : 377

सकल मृत्यु दर : 7.11%

शुद्ध मृत्यु दर : 5.31%

बिस्तर अधिभोग दर : 78.04%

रोगी के ठहरने की औसत अवधि : 8.91 दिन

बिस्तर टर्नओवर दर : 2.66 रोगी

X अप्रैल 2022 से मार्च 2023 जेपीएनएटीसी में ईडी रोगी प्रवेश का राज्यवार वितरण

वर्ष	**दिल्ली**	**यूपी**	**हरियाणा**	**पंजाब**	**राजस्थान**	**गुजरात**	**एपी**	**एमपी**	**महाराष्ट्र**	**यूके**
अप्रैल-22 से मार्च-23 तक	48830	4962	3285	65	450	17	18	255	48	00
वर्ष	**हिमाचल प्रदेश**	**बिहार**	**झारखंड**	**जम्मू एवं कश्मीर**	**पश्चिम बंगाल**	**उड़ीसा**	**तमिलनाडु**	**अन्य राज्य**	**विदेशी**	**कुल**
अप्रैल-22 से मार्च-23 तक	31	1322	151	63	186	53	26	639	29	60430

XI 2022 से मार्च 2023 तक जेपीएनएटीसी में रोगी प्रवेश का राज्यवार वितरण अप्रैल

वर्ष	दिल्ली	यूपी	हरियाणा	पंजाब	राजस्थान	गुजरात	एपी	एमपी	महाराष्ट्र	यूके
अप्रैल-22 से मार्च-23 तक	4472	1498	882	08	80	02	02	89	05	00
वर्ष	**हिमाचल प्रदेश**	**बिहार**	**झारखंड**	**जम्मू एवं कश्मीर**	**पश्चिम बंगाल**	**उड़ीसा**	**तमिलनाडु**	**अन्य राज्य**	**विदेशी**	**कुल**
अप्रैल-22 से मार्च-23 तक	03	263	39	13	18	09	00	127	05	7515

संवेदनाहरण

ओटी

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
दिया गया सामान्य एनेस्थिसिया	लागू नहीं		2371
दिया गया क्षेत्रिय एनेस्थिसिया			3504
आरए के साथ जीए			287
निगरानी की गई एनेस्थीसिया			28
पीड़ासेवाएँ (तीव्र एवं जीर्ण)			1492
परिधीय सेवाएँ			138

सामान्य आईसीयू

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
प्रवेश	लागू नहीं		595
ब्रोंकोस्कोपी			227
ट्रेकियोस्टोमी			86
डायलिसिस			170

गंभीर एवं गहन उपचार

जेपीएनएटीसी में मरीजों की नियमित एवं आपातकालीन आईसीयू तथा ओटी उपचार। जेपीएनएटीसी में समर्पित पीड़ा क्लिनिक और प्री-एनेस्थीसिया क्लिनिक।

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
विशेष क्लिनिक परामर्श	कोविड काल	कोविड काल	1490

(पीएसी/दर्द)			
ऑपरेटिंग रूम की प्रक्रियाएँ	30 (कोविड)	403 (कोविड)	1490
टीसी-3 आईसीयू रोगी उपचार	कोविड काल	कोविड काल	1160

न्याय चिकित्सा

- फोरेंसिक हिस्टोपैथोलॉजी
  - रोगियों की संख्या: 212
  - संसाधित नमूनों की संख्या: 543
- डीएनए परीक्षण के लिए नमूने का संग्रह
  - श्री अंकित करण सिंह, सिविल जज-01(पश्चिम), दिल्ली द्वारा दिनांक 3/1/2023 को अग्रेषित मामले में।
  - इसे शीघ्र ही पूरी तरह से प्रचालनरत बनाने की प्रक्रिया में कुछ महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपकरणों की प्रतीक्षा है।
- **चिकित्सा संबंधी कानूनी कार्य**
  - एमएलसी पर राय: 520
  - अन्य अस्पताल एमएलसी पर राय: 14
  - पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर राय: 18
  - रायों की कुल संख्या : 552
  - पोस्टमॉर्टम की संख्या (अप्रैल 22-मार्च 23): 1103
- **आपातकाल:**
  - जेपीएनएटीसी की आपातकालीन सेवाओं को सूचित की गई चोट, यौन अपराध जैसे मामलों में जेपीएनएटीसी में फॉरेंसिक पैथोलॉजी और आणविक डीएनए प्रयोगशाला प्रभाग चौबीसों घंटे की चिकित्सीय-कानूनी सेवाएं प्रदान कर रहा है।
- जेपीएनएटीसी की शव-परीक्षण सेवाएँ - मुर्दाघर में कुल 1103 चिकित्सीय-कानूनी शव-परीक्षाएँ की गईं।
- दिल्ली और अन्य राज्यों के मामलों में प्रभाग के सम्मन डॉक्टर अदालत में उपस्थित हुए।
- **सामुदायिक सेवा**
- प्रभाग ने पूरे देश से सीबीआई अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और लोक अभियोजकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेना जारी रखा है।
- **चिकित्सीय प्रत्यारोपण के लिए अंग पुनर्प्राप्ति**
  - जेपीएनएटीसी का प्रभाग राष्ट्रीय नेत्र बैंक और ओआरबीओ द्वारा प्रत्यारोपण के लिए मस्तिष्क-मृत आघात रोगियों में नेत्रदान, हृदय वाल्व दान और अंग पुनर्प्राप्ति की सुविधा प्रदान करता है।
- **डीएनए प्रयोगशाला**
  - आपदा पीड़ितों की पहचान के एक भाग के रूप में जेपीएनएटीसी में आणविक डीएनए प्रयोगशाला स्थापित करने हेतु प्रभाग प्रक्रियाधीन है।

स्त्रीरोग

- स्त्री रोग विशेषज्ञ और उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं के नियमित उपचार के अलावा, जटिल रेफरल मामलों में न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी की जा रही है।
- डीएसडी मामलों और स्त्रीरोग एंडोक्राइन क्लिनिक को विशेषीकृत उपचार प्रदान किया गया।
- डॉ. गरिमा कच्छावा द्वारा लेबर रूम एवं उच्च जोखिम वाली प्रसूति सेवाओं को नये एमसीएच ब्लॉक में स्थानांतरित कर दिया गया।
- रजोनिवृत्ति उपरांत महिलाओं में होने वाली चिंताओं को दूर करने के लिए नए विशेष रजोनिवृत्ति क्लिनिक की शुरुआत की।

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	25 प्रति सप्ताह	70 प्रति सप्ताह	70 प्रति सप्ताह
विशेष क्लिनिक परामर्श	5 प्रति सप्ताह	5 प्रति सप्ताह	5 प्रति सप्ताह
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की	30 प्रति सप्ताह	75 प्रति सप्ताह	75 प्रति सप्ताह
कुल आंतरिक रोगी प्रवेश	5 प्रति सप्ताह	10 प्रति सप्ताह	10 प्रति सप्ताह

प्रयोगशाला चिकित्सा

जैव रसायन (एलएफटी, आरएफटी, शुगर, इलेक्ट्रोलाइट्स, एंजाइम, लिपिड प्रोफाइल, सीके, सीके एमबी, एलडीएच, सीआरपी) में की गई कुल जांचें = 8,64,752

हेमेटोलॉजी (हीमोग्राम, कोग्यूलेशन और क्लिनिकल पैथोलॉजी) में की गई कुल जांचें = 6,88,055

इम्यूनोलॉजी (आईएल 6, फेरिटिन, ट्रोपोनिन, बीएनपी, पीसीटी, वीआईटी डी, पीटीएच, टीएफटी, कोर्टिसोल) में की गई कुल जांचें = 4493

हिस्टोपैथोलॉजी (नियमित और फोरेंसिक/साइटोलॉजी) में की गई कुल जांचें = 6591

प्रयोगशाला चिकित्सा की गई कुल जांचें = 9,78,362

जांचों की संख्या	2020-2021	2021-2022	2022-2023
बायोकैमिस्ट्री/इम्यूनोलॉजी	443018	487329	8,64,752
हेमेटोलॉजी (रुधिर विज्ञान), कोग्यूलेशन, क्लीनिकल पैथोलॉजी	325972	459704	6, 88,055
इम्यूनोलॉजी	17611	26985	8,542
हिस्टोपैथोलॉजी	2238	4353	6571

माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला, जेपीएनए ट्रॉमा केंद्र में संसाधित नमूने: 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023

क्र.सं.	विवरण	परीक्षण
माइक्रोबायोलॉजी		
1	कुल माइक्रोबायोलॉजी नमूना	20541
2	सकारात्मक नमूना	4516
3	संवेदनशीलता	4516
4	अस्पताल संक्रमण नियंत्रण	5540
5	गुदा नमूना	277
6	केओएच/फंगल	91
	कुल	35481
सीरोलॉजी		
1	एचआईवी (स्पॉट)	1800
2	एचबीएसएजी (स्पॉट)	1800
3	एचसीवी (स्पॉट)	1875
4	एचआईवी (विदास)	1800
5	एचबीएसएजी (विदास)	1800
6	पीसीटी (विदास)	4330
7	एंटी एचबी	26
8	आईजीजी	25
9	आईजीएम	25
	कुल	13,481

तंत्रिका शल्य चिकित्सा

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	1000
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	40
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की	लागू नहीं	लागू नहीं	200
कुल रोगी प्रवेश	लागू नहीं	लागू नहीं	250

मनोचिकित्सा

मनोचिकित्सा संकाय सदस्य (डॉ. निष्ठा चावला) को दिनांक 03 दिसंबर 2022 को नियुक्त किया गया। एक कनिष्ठ और एक वरिष्ठ रेजीडेंटों के साथ मनोरोग परामर्श की आवश्यकता वाले सभी रोगियों के लिए मंगलवार और शुक्रवार को मनोचिकित्सा संकाय द्वारा वार्ड राउंड किए जाते हैं। दिनांक 3 फरवरी 2023 से प्रत्येक शुक्रवार को लंबे समय तक मनोरोग उपचार की आवश्यकता वाले डिस्चार्ज किए गए रोगियों के लिए फॉलोअप मनोरोग क्लिनिक शुरू किया गया।

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	22

विकिरण विज्ञान

ट्रॉमा केंद्र में रेडियोलॉजी अनुभाग अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है जिसमें दो फ्लैट पैनल रेडियोग्राफी एकक (एक आपातकालीन बे में), 6 मोबाइल डिजिटल रेडियोग्राफी एकक (आपातकालीन, आईसीयू और वार्डों में स्थापित), एक डिजिटल फ्लोरोस्कोपी एकक, एक डेंटल यूनिट, एक दोहरी ऊर्जा एकक है, सभी उन्नत अनुप्रयोगों के साथ एक 3टी चुंबकीय अनुकंपन इमेजिंग (एमआरआई) एकक, 3 अल्ट्रासाउंड एकक और एक इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के लिए एक डिजिटल सब्स्ट्रैक्शन (डीएसए) एकक सहित दो अत्याधुनिक 128 स्लाइस मल्टीडिटेक्टर सीटी स्कैनर शामिल हैं। उपर्युक्त के अलावा, रेडियोलॉजी अनुभाग ओटी में सी आर्म इकाइयों और आईसीयू में पोर्टेबल हेड सीटी स्कैनर को भी सेवाएं प्रदान करता है। रेडियोलॉजी अनुभाग में एक पूर्ण पैक्स और आरआईएस है और यह पिछले 12 वर्षों से यह एक फिल्म रहित विभाग है।

पिछले वर्ष 1 अप्रैल 2022 - 31 मार्च 2023 में की गई जांच का विवरण इस प्रकार है

क्र. सं.	माह	सीटी स्कैन	एमआरआई	अल्ट्रासाउंड	एक्स-रे कैजुअल्टी	एक्स-रे ओपीडी कक्ष सं.-53	एक्स-रे वार्ड कक्ष सं.-53	पोर्टेबल एक्स-रे	डीएसए	फ्लोर	पोर्ट सीटी	डेंटल
1	अप्रैल 2022	2015	121	2448	4908	584	204	1756	17	14	30	00
2	मई 2022	2095	116	2796	6000	511	196	1745	16	09	34	05
3	जून 2022	2050	126	2397	5807	1249	230	1679	09	14	57	04
4	जुलाई 2022	2188	147	2647	5917	1276	217	1893	09	14	54	03
5	अगस्त 2022	2560	135	2777	6329	1332	198	1873	00	12	48	01
6	सितम्बर 2022	2456	155	3242	5819	1361	201	1555	04	14	72	00
7	अक्टूबर 2022	2859	133	3658	6455	1337	218	1688	13	11	96	00
8	नवंबर 2022	2552	203	3143	5892	1557	205	1892	08	14	95	00
9	दिसंबर 2022	2418	185	3265	6341	1588	193	1950	08	20	46	07

10	जनवरी 2023	2142	175	3046	5369	1500	201	1907	12	09	87	00
11	फरवरी 2023	2365	176	3116	5122	1654	166	1980	10	10	89	00
12	मार्च 2023	2548	192	3291	6332	1397	167	1815	06	03	87	00
	कुल	**28248**	**1764**	**35826**	**70291**	**15346**	**2396**	**21733**	**102**	**144**	**795**	**20**

शल्य चिकित्सा एवं गहन उपचार

- अंग-विच्छेदन रोगियों के लिए अंग-विच्छेदन क्लिनिक चलाया जा रहा है।
- एनजीओ समूहों द्वारा कृत्रिम अंग/सहायक उपकरणों का निःशुल्क वितरण नियमित रूप से आयोजित किया गया।
- प्रभागीय अनुसंधान परियोजना के एक भाग के रूप में योग प्रशिक्षक द्वारा वार्डों में भर्ती रोगियों के लिए योग जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया।
- ट्रॉमा सर्जरी वार्ड में भर्ती बच्चों को प्रभाग के कर्मचारियों द्वारा शिक्षण पुस्तकें, खिलौने, रंग सामग्री का नियमित वितरण किया गया।

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

- आईआरएससी के सहयोग से सड़क यातायात और राजमार्ग मंत्रालय के लिए गणतंत्रता दिवस 2023 के अवसर पर भारत पर्व मेला, इंडिया गेट पर ट्रॉमा सर्जरी टीम द्वारा बुनियादी जीवन समर्थन और सड़क सुरक्षा जागरूकता स्टॉल का आयोजन किया गया।

मद	2020	2021	2022-23
ओपीडी परामर्श	1278	275	4844
विशेष क्लिनिक परामर्श	लागू नहीं	लागू नहीं	1649
कुल रोगी प्रवेश	1109	1091	1780

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

डॉ. अभिनव कुमार को एसीएससीओएन 2022 की प्री-कॉन्फ्रेंस कैडवेरिक कार्यशाला के लिए पाठ्यक्रम संकाय और संयोजक के रूप में आमंत्रित किया गया। एचआईएमएसआर, एनडी में अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स का वार्षिक सम्मेलन; 10-12 नवंबर 2023 को जेपीएनएटीसी, एम्स, एनडी में अस्पतालों के लिए एनएबीएच के 5वें संस्करण मानक का प्रशिक्षण लिया; अटल इनक्यूबेशन सेंटर-जेएनयू फाउंडेशन फॉर इनोवेशन (एआईसीजेएनयूएफआई-1081), जेएनयू, नई दिल्ली में जैव सुरक्षा अधिकारी के रूप में नामित किया गया; एम्स पटना, बिहार के ट्रॉमा और आपातकालीन विभाग के अध्ययन बोर्ड के सदस्य के रूप में आमंत्रित; आपदा तैयारी के लिए राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सह कार्यशाला के लिए नोडल अधिकारी के रूप में नामित; स्नातकोत्तर शिक्षण कार्यक्रम में संकाय व्याख्यान के लिए राष्ट्रीय परीक्षा

बोर्ड (एनबीई) द्वारा आमंत्रित; गोपाल नारायण विश्वविद्यालय, जमुहार, बिहार में फाइनल एमबीबीएस (सामान्य सर्जरी) के प्रैक्टिकल/क्लिनिकल के लिए बाह्य परीक्षक; दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में फाइनल एमबीबीएस (सामान्य सर्जरी) की थ्योरी/मौखिक /प्रैक्टिकल/नैदानिक परीक्षा के लिए बाह्य परीक्षक।

आचार्य आदर्श कुमार ने 22 जनवरी 2023 को जुबली मिशन मेडिकल कॉलेज, त्रिशूर, केरल में आयोजित केरल मेडिकोलीगल सोसाइटी के पहले राज्य सम्मेलन **"केएमएलईसीओएन-2023"** के दौरान **"वर्चुअल ऑटोप्सी"** पर **फर्स्टएमआर चंद्रन भाषण** दिया; इंडो-पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ लॉ, मेडिसिन एंड साइंस (आईएनपीएएलएमएस) के महासचिव चुने गए। इंडियन एकेडमी ऑफ फॉरेंसिक मेडिसिन के उपाध्यक्ष चुने गए। एशिया पैसिफिक एसोसिएशन ऑफ मेडिकोलीगल एजेंसीज (एपीएमएलए) के मनोनीत प्रबंधन समिति के सदस्य; बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य-मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल में फॉरेंसिक मेडिसिन में बाह्य विशेषज्ञ, अध्ययन बोर्ड के सदस्य-पश्चिम बंगाल यूनिवर्सिटी ऑफ ज्यूरिडिकल साइंसेज, कोलकाता में फोरेंसिक विज्ञान में बाहरी विशेषज्ञ, जैन विश्वविद्यालय, बेंगलुरु के फोरेंसिक विज्ञान और संबद्ध विषयों में अनुसंधान सलाहकार बोर्ड के सदस्य। राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, अहमदाबाद और नई दिल्ली परिसरों की अनुसंधान सलाहकार समिति के सदस्य; जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में विकलांगता चिकित्सा मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष।

आचार्य अमित गुप्ता एशियन कोलैबोरेशन फॉर ट्रॉमा (एसीटी) के अध्यक्ष थे। नवंबर 2022 से आज तक; ट्रॉमा और एक्यूट केयर सर्जरी में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एफएनबी) की फैलोशिप के लिए वेबिनार के राष्ट्रीय समन्वयक। नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन इन मेडिकल साइंसेज, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार। जनवरी 2021- आज तक; ट्रॉमा पर एशियाई सहयोग की शिक्षा समिति के अध्यक्ष। दिसंबर 2020-अब तक; ट्रॉमा के लिए एशियाई सहयोग अकादमी (एसीटी) के अध्यक्ष दिसंबर 2020 - नवंबर 2022; सदस्य: वरिष्ठ अस्पताल प्रशासकों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी पर पाठ्यक्रम के लिए विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू। 2018 - आज तक; सदस्य: जिला स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए स्वास्थ्य आपात स्थितियों के लिए अस्पताल की तैयारी पर प्रशिक्षण के लिए विशेषज्ञ समूह एनआईएचएफडब्ल्यू। 2018 - आज तक; अंटार्कटिक अभियान दल के लिए एम्स में मेडिकल/मनोवैज्ञानिक परीक्षा के लिए मेडिकल बोर्ड के सदस्य। 2016 से अब तक; 12 नवंबर 2022 को एम्स, पटना में संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के लिए आघात और आपातकाल के विषय विशेषज्ञ; 20 नवंबर 2022 को एम्स, नागपुर में संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के लिए आघात और आपातकाल के विषय विशेषज्ञ; 11 फरवरी 2023 को एम्स गोरखपुर में संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के लिए ट्रॉमा और इमरजेंसी के विषय विशेषज्ञ; सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज, पुणे में 10-12 फरवरी 2023 को सामान्य सर्जरी प्रैक्टिकल परीक्षा के लिए परीक्षक; 17 फरवरी 2023 को एम्स, पटना में संकाय साक्षात्कार के लिए स्थायी चयन समिति के लिए आघात और आपातकाल के विषय विशेषज्ञ।

डॉ. अनंत गुप्ता को डीएमए विशिष्ट सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया; जेपीएनएटीसी में एनएबीएच 5 संस्करण की दो प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया; संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी; जेपीएनएटीसी के एसपीसी के सदस्य; मुख्य

अस्पताल के एसपीसी के सदस्य; आईआईएम जम्मू के लिए अतिथि व्याख्यान; वह संस्थान के साथ-साथ सीबीआरएन सुविधा, मॉड्यूलर ओटी, हाइब्रिड ओटी, सीएपीएफआईएमएस, क्रिटिकल केयर ब्लॉक, एनएबीएच आदि जैसी कई परियोजनाओं में शामिल रहे हैं। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक की ओर है, जिससे उपर्युक्त ब्लॉक को डिजाइन करने और इसे एक मॉडल ब्लॉक बनाने के लिए अस्पताल की योजना और डिजाइनिंग संबंधी ज्ञान लागू किया गया। इसके अलावा, उनका दूसरा योगदान जेपीएनएटीसी के लिए एनएबीएच समन्वयक के रूप में है, जिसने मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुनिश्चित करने की दिशा में पहला कदम उठाया है; जेपीएनएटीसी में स्थान आवंटन समिति के सदस्य। आईसीयू, इमरजेंसी के लिए जगह। टीसी3 ए आईसीयूएल का परिचालन मॉड्यूलर ओटी परियोजना में शामिल थे जो पूरा होने के करीब है; निर्माण से लेकर एसएफसी एजेंडे तक हाइब्रिड ओटी परियोजना (47 करोड़) में शामिल। अभी निविदा चरण में है; डॉ. एंजेल के साथ एम्स नई दिल्ली द्वारा सीएपीएफआईएमएस मेडिकल कॉलेज के अधिग्रहण के लिए मसौदा रिपोर्ट; जेपीएनएटीसी में सीबीआरएन सुविधा की योजना और डिजाइनिंग। साइट और व्यवहार्यता रिपोर्ट निर्माण; ओपीडी कक्षों को बढ़ाने के लिए जेपीएनएटीसी में ओपीडी की योजना और डिजाइनिंग; आपदा बिस्तरों में उपयोग किए जाने वाले 5 बिस्तरों वाले आईसीयू की योजना और डिजाइन और संचालन; बिलिंग अनुभाग को मुख्य अस्पताल के पास किसी स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए स्थान की योजना बनाना; एनएबीएच प्रवेश स्तर के समन्वयक। प्रवेश स्तर एनएबीएच के लिए आवेदन दाखिल। 10 से अधिक मैनुअल और विभिन्न प्रक्रियाएं बनाई गईं; एनएबीएच और एनएबीएल के लिए एम्स की मदद के लिए एजेंसी नियुक्त करने की निविदा में शामिल; वेक्टर बोर्न रोगों की रोकथाम के लिए जेपीएनएटीसी में नोडल व्यक्ति; गुड सेमेरिटन योजना के कार्यान्वयन में सदस्य; त्वरित प्रतिक्रिया टीम के सदस्य; सुचारू रेफरल के लिए दिल्ली के अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षक के साथ एम्स निदेशक की बैठक की योजना और संचालन; संक्षिप्त अवधि के लिए मुख्य अस्पताल में आपातकालीन और परिवहन के प्रभारी अधिकारी; जांच समितियों में शामिल; जेपीएनएटीसी में मेडिकल रिकॉर्ड समिति के सदस्य; एम्स के विभागों की उपलब्धियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए निदेशक एम्स के लिए ड्राफ्ट केपीआई का निर्माण; विभाग शैक्षणिक समिति के सदस्य; संबंधित कंप्यूटर सुविधा के समन्वय से मुख्य अस्पताल और जेपीएनएटीसी की आपात स्थिति के लिए डैशबोर्ड का निर्माण; संक्रामक रोग और क्रिटिकल केयर ब्लॉक के सदस्य सचिव और परियोजना अधिकारी; जेपीएनएटीसी के एसपीसी के सदस्य; मुख्य अस्पताल के एसपीसी के सदस्य।

आचार्य अरुल सेल्वी भारतीय चिकित्सा परिषद के इम्यूनोहेमेटोलॉजी ट्रांसफ्यूजन/ट्रांसफ्यूजन और रक्त चिकित्सा विषय में पीजी के योग्यता-आधारित पाठ्यक्रम की तैयारी में सदस्य हैं; भारत में पीजी मेडिकल पाठ्यक्रम शुरू करने या अपग्रेड करने के लिए कॉलेजों के चयन में मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया की पीजी विशेषज्ञ समिति के सदस्य; चेन्नई में मेट्रो ब्लड बैंक के लिए परियोजना कार्यान्वयन समिति के सदस्य; कोटला रोड नई दिल्ली स्थित केंद्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (सीएचईबी) के परिसर में मेट्रो ब्लड बैंक तैयार करने वाली समिति के सदस्य; भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के वैज्ञानिक उपकरणों (चरण III) के डेटाबेस के दीर्घकालिक विकास और रखरखाव में परियोजना समीक्षा और सलाहकार समिति की बैठक के सदस्य; एसओपी तैयार करना और तकनीकी

कर्मचारियों, रेजीडेंटों को प्रत्येक प्रयोगशाला तकनीक पर प्रशिक्षण देना, एनएबीएच और एनएबीएल मान्यता के लिए प्रयोगशाला तैयार करना; प्रयोगशाला उपभोग्य सामग्रियों/वस्तुओं के लिए तकनीकी विशिष्टता समिति के अध्यक्ष; जेमिन जेपीएनएटीसी, एम्स के माध्यम से विभिन्न सामान्य स्टेशनरी, लिनन, कंप्यूटर बाह्य उपकरणों में अस्पताल खरीद समिति के सदस्य; जेपीएनएटीसी में हॉस्पिटल ट्रांसफ्यूजन समिति की बैठक का समन्वय; जेपीएनएटीसी आघात रोगियों के उपचार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न इनडोर और आउटडोर स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों की व्यवस्था करना; जर्नल ऑफ़ लेबोरेटरी फिजिशियन (थिएम प्रकाशन) में सह संपादक, बीएमसी, विली, एमडीपीआई पत्रिकाओं की श्रृंखला के अंतर्गत कई पबमेड अनुक्रमित पत्रिकाओं जैसे आईजेएचबीटी, आईजेएचबी, आईजेओ के समीक्षक।

आचार्य आशीष बिंद्रा न्यूरोलॉजी इंडिया के अनुभाग संपादक हैं**;** अनुभाग संपादक**,** फ्रंटियर्स इन एनेस्थिसियोलॉजी**;** 18 अक्टूबर 2022 को जेपीएनए ट्रॉमा सेंटर में विश्व खाद्य दिवस समारोह का आयोजन किया। स्वस्थ भोजन स्टालों**,** पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया और बाजरा-आधारित व्यंजन बनाए**;** न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर में डीएम के संचालन के लिए बाहरी परीक्षक- भाग **II** वार्षिक परीक्षा जून 2022 के दौरान आयोजित की जाएगी**;** न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर में डीएम के संचालन के बाहरी परीक्षक- भाग II वार्षिक परीक्षा दिसंबर 2022 के दौरान आयोजित की जाएगी; सदस्य वैज्ञानिक समिति, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया का वार्षिक सम्मेलन 2022; अध्यक्ष: मौखिक पुरस्कार पेपर प्रस्तुति, ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस 2022; सदस्य वैज्ञानिक समिति, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर का वार्षिक सम्मेलन 2023; अध्यक्ष: मस्तिष्क मृत्यु प्रमाणीकरण और मस्तिष्क मृत से अंग दान में ज्ञान अंतराल को संबोधित करना, वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2023; आयोजन समिति 8वीं वार्षिक एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट और तीसरी न्यूरोक्रिटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया कॉन्फ्रेंस 2023; सदस्य शिक्षा समिति सोसायटी फॉर न्यूरोसाइंस इन एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएसीसी); उपाध्यक्ष इंडियन सोसायटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, ई-एजुकेशन प्लेटफॉर्म।

आचार्य अतिन कुमार अमेरिकन सोसायटी ऑफ इमरजेंसी रेडियोलॉजी 2023 की रिसर्च कमेटी के सदस्य हैं, इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन (आईआरआईए) के सब-स्पेशियलिटी चैप्टर हेड (इमरजेंसी रेडियोलॉजी); इंडियन जर्नल ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईजेआरआई) के संपादकीय बोर्ड के सदस्य; आईआरआईए ओलंपिक - 1-5 मार्च 2023 को अमृतसर में भारतीय रेडियोलॉजी और इमेजिंग एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में वार्षिक खेल कार्यक्रम में टेनिस (युगल) में रजत पदक और टेनिस (एकल) में कांस्य पदक।

आचार्य बबिता गुप्ता को राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा एफएनबी 'ट्रॉमा एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर' के लिए पाठ्यक्रम/पाठ्यचर्या का मसौदा तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया; राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की आचार समिति में विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान और बाबा फरीदकोट विश्वविद्यालय में थीसिस मूल्यांकन के लिए बाह्य परीक्षक; शिलांग में 25 से 28 नवंबर 2022 तक

आयोजित "आईएसएकॉन" (राष्ट्रीय सम्मेलन) में ट्रॉमा सत्र में अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; दिल्ली में 18 से 20 नवंबर 2022 तक आयोजित "ट्रॉमा 2022" सत्र के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; एयरवे मैनेजमेंट फाउंडेशन द्वारा ई-पोस्टर प्रस्तुति एडवांस्ड एयरवे कार्यशाला के लिए जज; 25 फरवरी 2023 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "एनेस्थिसियोलॉजी के लिए अल्ट्रासाउंड पर व्यापक संगोष्ठी" में अध्यक्ष; "एफएनबी ट्रॉमा एनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर" कोर्स के निरीक्षण और अनुमोदन के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया।

आचार्य बिप्लब मिश्रा सर्जरी जनरल सर्जरी और एंडोक्राइन सर्जरी में वार्षिक दिवस और सीएमई के अध्यक्ष: 3 सितंबर 2022, नई दिल्ली; सत्र अध्यक्ष: ट्रॉमा 2022 में संवहनी आघात और एशियाई ट्रॉमा कांग्रेस 2022: 18 नवंबर 2022, नई दिल्ली; अध्यक्ष: ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस 2022 में गर्दन और छाती में चोटें: **18** नवंबर 2022, नई दिल्ली।

डॉ. दिनेश कुमार बगारिया इंटरनेशनल रोड फेडरेशन पायलट प्रोजेक्ट के विशेषज्ञ हैं - "राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ-साथ दर्शक प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम और स्वास्थ्य उपचार सुविधाओं की क्षमता का आकलन"; ऑरेब्रो यूनिवर्सिटी, स्वीडन में एम्स एंडोम्वंत फंड फ़ेलोशिप पूरी की और "वैस्कुलर और एंडोवास्कुलर सर्जरी और प्रायोगिक पशु आरईबीओए कार्यक्रम में फ़ेलोशिप प्राप्त की; एसोसिएशन ऑफ एकेडमिक जनरल सर्जरी एजुकेशन कमेटी के सदस्य; जर्नल ऑफ़ ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर सर्जरी की संपादकीय टीम के सदस्य; ट्रॉमा दिशानिर्देश समिति की सर्जरी के लिए ईस्टर्न एसोसिएशन के सदस्य; ट्रॉमा की सर्जरी के लिए अमेरिकन एसोसिएशन की अंतर्राष्ट्रीय संबंध समिति के सदस्य; जेपीएनएटीसी में बड़े पैमाने पर रक्तस्राव प्रोटोकॉल के दिशानिर्देश तैयार किए गए; 31 अक्टूबर - 02 नवंबर 2022 को जेपीएनएटीसी में एनएबीएच अस्पताल के 5वें संस्करण मान्यता मानकों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रम में भाग लिया; 3-4 दिसंबर 2022 को चोइथराम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, इंदौर में हर्निया कॉन्क्लेव में सत्र की अध्यक्षता की - "मास्टर्स द्वारा मैं इसे कैसे करूं सत्र"; 25-27 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में जी20 बैठक के दौरान त्वरित प्रतिक्रिया टीम के सदस्य।

आचार्य गरिमा कच्छावा ने दिनांक 18 अक्टूबर, 2022 को एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "गर्भावधि मधुमेह मेलिटस हेतु प्रारंभिक निदान मार्कर के रूप में सीरम क्षारीय फॉस्फेट" विषय पर दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस (एमबीबीएस श्रेणी) में तीसरा पुरस्कार (पोस्टर) प्राप्त किया। (डॉ. अरूणांगशु भट्टाचार्य)। एमडी मेंटरशिप में, डॉ. सिउली रुद्र सिन्हा ने एंडोस्कोपी में सर्वश्रेष्ठ पेपर जीता, देवघरे एम, कछवा जी, रापाका जी, माहे आर, शर्मा जेबी, भाटला एन, "एमआरकेएच सिंड्रोम वाली महिलाओं में योनि बनाम लेप्रोस्कोपिक पेरिटोनियल वैजिनोप्लास्टी की प्रभावकारिता की तुलना करने हेतु" 4 पर - 8.1.2023 कोलकाता में आयोजित 65वें एआईसीओजी में (डॉ. मानसी डी); एंडोस्कोपी में सर्वश्रेष्ठ पेपर हेतु डॉ. यूपी झा और राज सोनी का पदक देवघरे एम, अरोरा बी, कछवा जी, माहे आर, भाटला एन को दिया गया। एबसेंट योनि वाली महिला रोगियों में लेप्रोस्कोपिक डेविडॉव की वैजिनोप्लास्टी की प्रभावकारिता: एक अनुवर्ती अध्ययन" एओजीडी के 44वें वार्षिक सम्मेलन में 12-13.11.2022 इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में (डॉ. मानसी डी); डॉ. सी.एल. कुमारी एस, भाटला एन, सिंह ए, वरुण एन, माहे आर, कछावा जी, कुमारी आर, शर्मा जेबी, शरण पी सिंह को झावेरी पुरस्कार। 4-8 जनवरी 2023 को बंगाल, कोलकाता में आयोजित 65वीं अखिल भारतीय प्रसूति एवं स्त्री रोग कांग्रेस में भारत में कम

जोखिम बनाम उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं में चिंता एवं अवसाद का तुलनात्मक अध्ययन। पीएचडी उम्मीदवार के रूप में, "इनटीमेट स्टोरी: योनि डिस्बिओसिस के घटक और विशेषताएं" विषय पर दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर पोस्टर हेतु प्रथम पुरस्कार (यूएन-एसजीडी श्रेणी) प्राप्त किया। एम्स, नई दिल्ली में दिनांक 18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया गया। (डॉ. अपूर्व चल्ला); "प्रजनन आयु की भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के ओमिक्स-आधारित बायोमार्कर" विषय पर दूसरे वार्षिक अनुसंधान दिवस पर मौखिक प्रस्तुति के लिए दूसरा पुरस्कार (पीएचडी श्रेणी)। एम्स, नई दिल्ली में 18 अक्टूबर, 2022 को आयोजित। (सुश्री अपूर्वा चल्ला); सुश्री अपूर्वा चल्ला के मार्गदर्शन में पीएचडी कार्य हेतु डॉ. वी गोविंदन नायर मेमोरियल अवार्ड (सिल्वर मेडल) प्रदान किया गया; 9-11 सितंबर 2022 को आईएएसएसटीडी और एड्स (एस्टिकॉन), तेलंगाना के 46वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय महिलाओं में बैक्टीरियल वेजिनोसिस के माइक्रोबायोम-आधारित निदान हेतु मशीन लर्निंग मॉडल"।

आचार्य ज्ञानेंद्र पाल सिंह को 9 अक्टूबर 2022 को इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थिसियोलॉजिस्ट, दिल्ली शाखा द्वारा एनेस्थिसियोलॉजी के क्षेत्र में शिक्षण और प्रशिक्षण में अनुकरणीय प्रयासों की मान्यता में प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त हुआ; 6 जनवरी 2023 को इंस्टीट्यूट ऑफ सेल्फ रिलायंस, भुवनेश्वर द्वारा "भारत विकास पुरस्कार" से सम्मानित किया गया; अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन द्वारा 2 साल की अवधि (2022-2024) के लिए भारत के क्षेत्रीय संकाय के रूप में नियुक्त किया गया।

डॉ. जुनैद आलम ने 21-23 अप्रैल 2022 को आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली में ट्रॉमा पर अमेरिकन कॉलेज ऑफ सर्जन्स कमेटी द्वारा एडवांस ट्रॉमा लाइफ सपोर्ट (एटीएलएस) प्रदाता कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया; एओसीआर 2022 और केसीआर 2022, सियोल, कोरिया में वैज्ञानिक प्रदर्शनी (ई-पोस्टर प्रस्तुति) के लिए सार स्वीकार कर लिया गया है- "पेरिपोर्टल कॉलर" आघात सेटिंग में जोरदार द्रव पुनर्जीवन का एक इमेजिंग अलार्म; ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस की आयोजन टीम के सदस्य; 17 नवंबर 2023 को कैडवेरिक लैब, जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (एम्स) में "हैंड्स-ऑन कैडवेरिकॉन ट्रॉमा रिससिटेशन - सर्जिकल एक्सपोजर" पर कार्यशाला के लिए कार्यशाला संयोजक; मौखिक प्रस्तुति के लिए चयनित पोस्टर, आघात के बाद चरम विच्छेदन वाले रोगियों के परिणाम पूर्वानुमानक: लेवल 1 ट्रॉमा सेंटर से पांच वर्ष का अनुभव, 26-30 अप्रैल 2023 को सह-लेखक के रूप में एसएडब्ल्यूसी, यूएसए में पेपर प्रस्तुति के लिए चुना गया।

कामरान फारूक के पास अध्यक्ष के रूप में प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ हैं, टीएसईसी प्रभारी अधिकारी-सर्जिकल स्टोर्स, टीएनसी सिस्टम और जेपीएनएटीसी में ऑर्थो ए यूनिट के यूनिट प्रभारी; 21 जनवरी 2023 को आरओएएससीओएन, कुंभलगढ़, राजस्थान में "अक्षुण्ण तंत्रिका विज्ञान के साथ उपेक्षित ग्रीवा पहलू अव्यवस्था: एक प्रबंधन दुविधा" पर मुख्य व्याख्यान से सम्मानित किया गया; एमएएमसी, नई दिल्ली में 4 और 5 मई 2022 को एम.एस. आर्थोपेडिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा 11 मई 2022 को कोयंबटूर, तमिलनाडु में ट्रॉमा और एक्यूट सर्जरी विभाग के लिए मूल्यांकनकर्ता; दिल्ली विश्वविद्यालय एम.एस. आर्थोपेडिक्स के थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक; 4 सितंबर 2022 को संचेत अस्पताल, पुणे में एएसएसआई की स्पाइन फ़ेलोशिप एग्ज़िट परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; 9 दिसंबर 2022 को एम्स, ऋषिकेश में

एमसीएच स्पाइन सर्जरी परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित; 12 दिसंबर 2022 को एम्स, पटना में एम.एस. आर्थोपेडिक्स स्नातकोत्तर परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित; दिल्ली विश्वविद्यालय एम.एस. आर्थोपेडिक्स के लिए थीसिस मूल्यांकन के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में नियुक्त।

आचार्य कपिल देव सोनी को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ इंटेंसिव केयर मेडिसिन रिसर्च अवार्ड्स अभियान के लिए परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए जिम्मेदार विशेषज्ञ के रूप में सेवा देने के लिए चुना गया; एम्स भोपाल में डीएम क्रिटिकल केयर मेडिसिन परीक्षाओं के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में कार्य किया। वह एक बाहरी विशेषज्ञ भी थे जिन्हें पीजीआई चंडीगढ़ और एम्स जोधपुर में थीसिस का मूल्यांकन करने का काम सौंपा गया; रांची इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में संकाय चयन बोर्ड के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया; दो सम्मेलनों में कार्यशालाओं के आयोजन के लिए कार्यशाला संयोजक के रूप में कार्य किया: एनसीएसआई और ट्रॉमा 2022; इंडियन सोसाइटी ऑफ क्रिटिकल केयर मेडिसिन (आईएससीसीएम) के भीतर क्रिटिकल केयर अल्ट्रासाउंड की फैलोशिप के लिए एक संकाय सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया; नेशनल थर्मल पावर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) कोविड उपचार पर सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में विशेषज्ञता का योगदान दिया।

डॉ. कोक्कुला प्रणीत जर्नल ऑफ़ स्पाइनल सर्जरी के सह-संपादक थे; अनुभाग संपादक - न्यूरोलॉजी इंडिया; न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एम्स फैकल्टी डेवलपमेंट कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया; सह-आयोजन सचिव - एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस (एएनटीसी) 2023; ट्रांसप्लांट प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट में डिप्लोमा (टीपीएम) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम; बेल्ट एंड रोड अंग दान क्षमता सुधार सहयोग प्रशिक्षण परियोजना में डिप्लोमा।

डॉ. नरेंद्र चौधरी को ट्रॉमा के लिए एशियाई सहयोग की फ़ेलोशिप (एफएसीटी) प्राप्त हुई; अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के तहत हिरोशिमा विश्वविद्यालय अस्पताल, जापान से स्थापित 3डी मुद्रित कृत्रिम अंग विकास प्रयोगशाला के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया; इंडियन सोसाइटी ऑफ ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर सर्जरी के लिए संयुक्त सचिव के मानद पद से सम्मानित किया गया; आईटीसी, एम्स नई दिल्ली द्वारा आयोजित 21 से 23 फरवरी 2023 तक एएचए के बीएलएस और एसीएलएस प्रदाता पाठ्यक्रम में प्रशिक्षक संकाय के रूप में भाग लिया।

आचार्य नवदीप सोखल को 22 नवंबर 2022 को भारत सरकार द्वारा "प्रभावी वेंटिलेशन निगरानी के लिए एक सांस नमूना लाइन" के लिए पेटेंट प्रदान किया गया; 30-31 जनवरी 2023 को पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में "एम्स क्रिटिकल केयर कोर्स" का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पाठ्यक्रम में प्रशिक्षुओं और सर्जिकल रेजिडेंट्स को बुनियादी और उन्नत हृदय जीवन समर्थन, वायुमार्ग उपचार, संवहनी पहुंच और पुतलों पर क्रिकोथायरोटॉमी जैसे विभिन्न जीवनरक्षक कौशल के लिए प्रशिक्षित किया गया और उन्हें महत्वपूर्ण उपचार प्रबंधन की बुनियादी अवधारणा सिखाई गई।

आचार्य नीरज कुमार ने एम्स, नई दिल्ली में फेलोशिप कार्यक्रम: (सीएमईटीआई - अंशकालिक नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा) पूर्ण की; प्रशिक्षक (संकाय) -एटीएलएस, एएनसी, एसीसीसी, एम्स-ईएम-सोनो, एयूटीएलएस; गुड क्लिनिकल प्रैक्टिस ट्रेनिंग प्रोग्राम सफलतापूर्वक पूरा

किया और जीसीपी पूर्णता प्रमाणपत्र प्राप्त किया; एक विशेषज्ञ के रूप में एनेस्थीसिया विभाग, रिम्स, रांची (ऑनलाइन) में संकाय की भर्ती प्रक्रिया में आमंत्रित किया गया; आयोजन समिति के सदस्य का हिस्सा थे और एम्स, नई दिल्ली में न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में हेमोडायनामिक निगरानी कार्यशाला के समन्वयक थे; अतिथि वक्ता के रूप में एनबीईएमएस (चिकित्सा विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड) में राष्ट्रीय लाइव वेबिनार श्रृंखला का संचालन किया; सह-आयोजन सचिव एम्स वार्षिक स्पाइन कार्यशाला 7-10 सितंबर 2022।

डॉ. निष्ठा चावला ने इंडियन साइकिएट्रिक सोसाइटी (एएनसीआईपीएस) 2023 के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में भागवत पुरस्कार जीता; 3 फरवरी 2023 से प्रभावी मनोरोग परामर्श/इंटरवेंशन की आवश्यकता वाले जेपीएनएटीसी में साप्ताहिक ट्रॉमा मनोरोग अनुवर्ती क्लिनिक शुरू किया; जेपीएनएटीसी में विशिष्ट मनोरोग रेफरल के लिए मसौदा परामर्श प्रोफार्मा; एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया (एपीएसआई) 2023 की लाइफ फेलो सदस्यता से सम्मानित किया गया; आगरा में इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री 2022 के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुफ्त पेपर सत्र के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. प्रत्युषा प्रियदर्शिनी ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस की आयोजन टीम का हिस्सा हैं; "वाहिका, तंत्रिका और टेंडन रिपेयर के लिए व्यावहारिक कार्यशाला" विषय पर कार्यशाला के लिए कार्यशाला संयोजक। 17 नवंबर 2023 को वेट लैब सेट फैसिलिटी (एम्स) में; पोस्टर को मौखिक प्रस्तुति के लिए चुना गया, "ब्लंट लिवर और/या स्प्लेनिक चोट वाले मरीजों में संक्षिप्त डिस्चार्ज प्रोटोकॉल का एक अध्ययन।" मार्च 2023 में सह-लेखक के रूप में एएएसटी, यूएसए में पेपर प्रस्तुति के लिए चुना गया।

आचार्य पूर्वा माथुर ने इस परियोजना के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर आईएएमएम दिल्ली चैप्टर पुरस्कार-द्वितीय जीता: परवीन आर, पुरस्वानी एम, श्रीवास्तव एस, तिवारी पी, ठाकुर एके, निंगोम्बम ए, वालन एस, वेंडरएन्डे डी, वालिया के, माथुर पी। भारतीय अस्पतालों के राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क की गहन देखभाल इकाइयों (आईसीयू) में अस्पताल से प्राप्त मूत्र पथ संक्रमण (एचएयूटीआई) की निगरानी। माइक्रो-डी-कॉन 2022, आईएएमएम दिल्ली चैप्टर का 14वां वार्षिक सम्मेलन (नए संक्रमणों में प्रयोगशाला तैयारी) 5 नवंबर 2022, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली; प्रोजेक्ट साइंटिस्ट और/फेलो श्रेणी के लिए क्रिटिक्स अवार्ड में दूसरा पुरस्कार: पुरस्वानी एम, परवीन आर, श्रीवास्तव एस, शर्मा डी, सोनी केडी, अग्रवाल आर, ब्रह्मचारी वाई, बिंद्रा ए, श्रीवास्तव एस, मालपिडी पीए, सिरोमनी वीए, वांडेरेन्डे डी, वालिया के, मल्होत्रा आर, माथुर पी. कोविड आईसीयू में हेल्थकेयर से जुड़ा संक्रमण: एक बहुकेंद्रित अध्ययन। वार्षिक अनुसंधान दिवस, 2022 एम्स, 16-19 अक्टूबर2022, एम्स, दिल्ली; परियोजना के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति में दूसरा पुरस्कार: वर्मा एस, शरद एन, किरो वी, श्रीवास्तव एस, निंगोम्बम ए, बिंद्रा ए, माथुर पी, एट अल। नई दिल्ली ट्रॉमा सेंटर से न्यूरोसर्जिकल मरीजों में माइक्रोबायोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और रोगजनकों का प्रतिरोध पैटर्न। 7वां एम्सवार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन। 18-20 मार्च 2023. जे.एल. ऑडिटोरियम, नई दिल्ली एम्स; परियोजना के लिए सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार: वेदाचलम एसके, सिरोमनी वीए, मालपीडी पीए, हडसन एम, वेंडरएंड डी, डिकिड टी, माथुर पी, हेल्थकेयर-एसोसिएटेड ब्लडस्ट्रीम संक्रमण निगरानी प्रणाली-भारत का मूल्यांकन, मई 2017-

दिसंबर 2021। 66वां वार्षिक आईपीएचएकॉन सम्मेलन, 23 सितंबर 2022, पुणे, महाराष्ट्र; फोटो प्रतियोगिता में तीसरा स्थान: वेदाचलम एसके, सिरोमनी वीए, मालपीडी पीए, हडसन एम, वेंडरएंड डी, डिकिड टी, माथुर पी। नव क्रियान्वित स्वास्थ्य उपचार का मूल्यांकन -एसोसिएटेड ब्लडस्ट्रीम संक्रमण निगरानी प्रणाली-भारत का मूल्यांकन, 2021, 11वां वैश्विक टेफिनेट सम्मेलन, 8 सितंबर 2022, पनामा, शहर पनामा।

आचार्य राजेश मल्होत्रा ने 29 नवंबर से 3 दिसंबर 2022 तक इंडियन ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन (आईओएसीओएन2022) के 67वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान, "एसिटाब्यूलर पुनर्निर्माण में मॉर्सेलाइज्ड एलोग्राफ़्ट और इंजेक्टेबल सेरामिक बोन ग्राफ्ट सब्स्टीट्यूट की परिवर्तनशील परतें - एक नई 'सैंडविच' तकनीक" विषय पर आईओए के स्वर्ण जयंती व्याख्यानमाला में भाग लिया; डॉ. एन.एस. नरसिम्हन की 10-12 फरवरी 2023 को चेन्नई में आयोजित टीएनओएसीओएन 2023 में "जीवन में परिवर्तन ही एकमात्र स्थिरांक है - हिप आर्थ्रोप्लास्टी में चार दशकों की मेरी यात्रा" पर व्याख्यानमाला; 24-26 फरवरी 2023 को गुंटूर में ओएसएसएपीसीओएन 2023 में "आर्थ्रोप्लास्टी में जटिलताएँ - प्रत्याशा करना, सुनिश्चित करना, विश्लेषण करना और संबोधित करना" पर आचार्य नरसिम्हा रेड्डी की व्याख्यानमाला; संरक्षक, 14-15 अप्रैल 2022 को नई दिल्ली में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय एम्स मेरुदंड विकृति पाठ्यक्रम; संरक्षक, 31 मार्च से 1 अप्रैल 2023 तक एम्स, नई दिल्ली में द्वितीय एम्स अंतर्राष्ट्रीय मेरुदंड विकृति पाठ्यक्रम; प्रकाशन के लिए वर्ष का सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार - "एसएआरएस सीओवी-2 संक्रमण के बाद सर्जरी का समय-निर्धारण: एक अंतर्राष्ट्रीय संभावित कोहोर्ट अध्ययन" कोविड सर्ज सहयोगात्मक। ग्लोबलसर्ज सहयोगात्मक। एनेस्थीसिया 2021:76;748-758। डीओआई: http:/doi.org/10.1111/anae.15458। शोधपत्र का उल्लेख 2021 में वर्ल्ड गिनीज बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी किया गया था; चंडीगढ़ में 6-8 मई 2022 के दौरान, एनजेडओएसीओएन वार्षिक सम्मेलन के दौरान आर्थ्रोप्लास्टी मुक्त शोधपत्र के सत्र में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र की श्रेणी में "कुल हिप आर्थ्रोप्लास्टी कराने वाले रोगियों में कूल्हे रीढ़ के बीच सम्बन्ध" शीर्षक से शोधपत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र पुरस्कार; 28 अगस्त 2022 को दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा जेपीएन एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, एम्स के लिए "दिल्ली एनसीआर का अग्रणी स्वास्थ्य उपचार प्रदाता पुरस्कार"; ऑर्थोपीडिक्स के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और कोविड सुविधाएँ प्रदान करने के लिए 4 सितंबर 2022 को भारत के मुख्य न्यायाधीश, श्री एन.वी. रमन्ना द्वारा प्रस्तुत कैपिटल फाउंडेशन राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ; 15 सितंबर 2022 को एम्स, नई दिल्ली में हिंदी पखवाड़ा के दौरान, वार्षिक हिंदी श्रुतलेख 2021-2022 के लिए प्रथम पुरस्कार जीता; 8 नवंबर 2022 को नई दिल्ली में कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में आज का प्रहरी द्वारा स्वास्थ्य क्षेत्र में समाज के लिए उल्लेखनीय उपलब्धि और असाधारण योगदान के लिए राष्ट्रीय गौरव सम्मान 2022 से सम्मानित किया गया। सदस्य, एग्जीक्यूटिव बोर्ड ऑफ़ इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन 2021-22; एम्स, कॉटरी मशीन की खरीद के लिए तकनीकी विशिष्टता और मूल्यांकन समिति का अध्यक्ष; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट में दिनांक से 01.07.2021 से 30.06.2023 तक दो वर्ष की अवधि के लिए सदस्य, अकादमिक परिषद्; संस्थापक सदस्य, एशिया पैसिफिक ऑस्टियोपोरोसिस एंड फ्रैजीलिटी फ्रैक्चर सोसाइटी (एपीओएफएफएस), एपीओए का नया अनुभाग; निर्वाचित अध्यक्ष, एशिया पैसिफिक ऑस्टियोपोरोसिस एंड फ्रैजीलिटी फ्रैक्चर सोसाइटी

(एपीओएफएफएस) 2021-2022; "एम्स में विभिन्न संकाय पदों" की स्क्रीनिंग के लिए 20 मई को गठित स्क्रीनिंग समिति के सदस्य; कॉलेज ऑफ नर्सिंग में एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम के एक विशेषज्ञता के रूप में ट्रॉमा और आपातकालीन नर्सिंग में 14 जून 2022 को एमएससी नर्सिंग आरंभ करने के लिए बनी समिति के अध्यक्ष; 2 अक्टूबर 2022 को "मां नर्मदा राहत क्लिनिक" के उद्घाटन समारोह के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया; इंडियन सोसाइटी ऑफ हिप एंड नी सर्जन (आईएसएचकेएस) 2021-23 की अनुसंधान समिति के सह-अध्यक्ष; एनओटीटीओ (राष्ट्रीय अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन) में बोन बैंक के संचालन के लिए तकनीकी समिति के सह-अध्यक्ष; 9 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में जीवित अंगदाता के साथ यकृत (लीवर) प्रत्यारोपण की सेवाएं आरंभ करने के लिए गठित समिति के सदस्य; 25-26 अप्रैल 2022 के बीच डीबीटी-बिल्डर कार्यक्रम (2020-21) के अंतर्गत, अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा मंच (आरआरएसएफपी) के लिए टास्क फोर्स की दूसरी बैठक के सदस्य; 7 नवंबर 2022 को अनुसंधान संसाधन सेवा सुविधा मंच (आरआरएसएफपी) पर (डीबीटी सहज-अवस्थापना कार्यक्रम के अंतर्गत) टास्क फोर्स की तृतीय बैठक के सदस्य; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा अमरनाथ यात्रा के लिए पूर्व-निर्मित, स्व-निहित, कंटेनर आधारित मोबाइल अस्पताल के प्रस्ताव पर गठित टास्क फोर्स समिति के सदस्य; 13 मई 2022 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा "चिकित्सा अधिकारियों के लिए आपातकालीन और गंभीर उपचार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के विकास" के लिए गठित समिति के अध्यक्ष; 7 जून 2022 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जिला अस्पतालों में आपातकालीन सेवाओं के लिए प्रस्तावित परिचालनात्मक और तकनीकी दिशानिर्देश पर चर्चा के लिए जेएस(पी) द्वारा आयोजित बैठक के सदस्य; 25 जनवरी 2023 को डबल्यूएचओ भारत के तकनीकी सहयोग से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आरंभ की गई राष्ट्रीय आपातकालीन चिकित्सा टीम (एनईएमटी) पहल की बैठक के सदस्य; 30 जुलाई 2022 को दोपहर 01:00 बजे संसद टीवी पर "घुटने के दर्द" पर लाइव टीवी शो “आयुष्मान भवः”; 11 अगस्त 2022 को शाम 04:00 बजे डीडी उर्दू चैनल पर "स्पाइनल कॉर्ड इंजरीज़" पर लाइव टीवी शो “हेलो डॉक्टर”; 28 जनवरी 2023 को शाम 06:00-07:30 बजे डीडी किसान चैनल पर "ऑस्टियोपोरोसिस - कारण और उपचार" विषय पर टीवी शो; 10 मई 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, आकाशवाणी के एफएम रेनबो चैनल (102.6 मेगाहर्ट्ज) पर घुटने के दर्द और प्रतिस्थापन पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 7 जून 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर जोड़ों के दर्द और प्रतिस्थापन पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 19 जुलाई 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "विभिन्न आयु वर्गों में फ्रैक्चर से निपटना" विषय पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 6 सितंबर 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "बोन ट्यूमर" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 17 अक्टूबर 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "एक्सीडेंट एंड ट्रॉमा केयर" विषय पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 29 अक्टूबर 2022 को अपराह्न 03:30-04:00 बजे ऑल इंडिया रेडियो प्रसार भारती पर एक लाइव फोन इन कार्यक्रम "सड़क दुर्घटनाएँ - कारण और रोकथाम"; 11

दिसंबर 2022 को रात 09:30-10:00 बजे ऑल इंडिया रेडियो, एफएम गोल्ड चैनल पर "बुजुर्गों में हड्डियों और जोड़ों की समस्याएं" पर एक विशेष लाइव फोन-इन कार्यक्रम "एक कदम और बुजुर्गों के लिए"; 22 दिसंबर 2022 को दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक ऑल इंडिया रेडियो, एफएम रेनबो चैनल पर "अस्थि दान और अस्थि बैंकिंग" पर एक विशेष फोन-इन कार्यक्रम "रेडियो डॉक्टर"; 24 मार्च 2023 को अपराह्न 03:30-04:00 बजे प्रसार भारती पर लाइव फोन इन कार्यक्रम - "बोन टीबी-डायग्नोसिस एंड ट्रीटमेंट"; मंगलवार 12 अप्रैल 2022 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के हड्डी रोग विभाग में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ; 10 जून 2022 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से दो एम. टेक थीसिस का परीक्षण करने के लिए अभ्यर्थियों के बाह्य विशेषज्ञ: श्री अंकित कुमार, थीसिस का शीर्षक: विस्फोट की स्थिति के अंतर्गत, थोरेसिक अंगों में चोटों का एफई आधारित अध्ययन और श्री प्रदीप कुमार, थीसिस का शीर्षक: डिस्टल फीमोरल फ्रैक्चर प्रबंधन: एफई विश्लेषण; 27 जुलाई 2022 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर के हड्डी रोग विभाग में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ; 5 अगस्त 2022 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के अस्थिरोग विभाग में संकाय के चयन के लिए स्थायी चयन समिति के बाहरी विशेषज्ञ (आभासी); 13 अक्टूबर 2022 को एम्स, कल्याणी की स्थायी चयन समिति के लिए विशेषज्ञ; 10 दिसंबर 2022 को एम्स ऋषिकेश में एम.सीएच. की अंतिम प्रायोगिक परीक्षा के लिए बाहरी विशेषज्ञ; 2 जनवरी 2023 को गठित लाइफ साइंस डोमेन में वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी (पूल वैज्ञानिक) की समीक्षा और चयन करने के लिए विशेष चयन बोर्ड के सदस्य; 2 फरवरी 2023 को एम्स भोपाल के संकाय (अस्थि रोग) के लिए स्थायी चयन समिति (वर्चुअल) के साक्षात्कारों के लिए विशेषज्ञ।

आचार्य ऋचा अग्रवाल को एफआरसीपी (रॉयल कॉलेज ऑफ फिजिशियन्स की फ़ेलोशिप) प्राप्त हुई; 6 से 9 अक्टूबर 2022 तक आयोजित न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (तीसरी एनसीएसआई) और 8वें एम्स न्यूरोएनेस्थीसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022 के तीसरे वार्षिक सम्मेलन के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; 3 से 9 दिसंबर 2022 तक आयोजित एनेस्थीसिया स्नातकोत्तर प्री परीक्षा पाठ्यक्रम (एपीपीईसी-23) के लिए एक प्रतिष्ठित शिक्षक के रूप में आमंत्रित; आईसीए (आईसीएसीओएन) 2022 के तीसरे अंतर्राष्ट्रीय और 13वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में पुरस्कार पेपर सत्र के लिए जज के रूप में आमंत्रित किया गया।

डॉ. रिनिकी सरमा को 30 जनवरी से 2 फरवरी 2023 तक आरएसएसीपी नेशनल द्वारा आयोजित आरएसएसीपी नेशनल साइंटिफिक पेपर प्रेजेंटेशन में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

डॉ. समर्थ मित्तल को जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में चुना गया, जो एक सहकर्मी-समीक्षित, प्रकाशित अनुक्रमित पत्रिका है और भारत की 3 प्रकाशित अनुक्रमित आर्थोपेडिक पत्रिकाओं में से एक है; IJO (इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स) के अनुभाग संपादक के रूप में काम जारी रखा, जो इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन की आधिकारिक पत्रिका है और एक पबमेड अनुक्रमित पत्रिका है; दिल्ली ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के सहयोजित कार्यकारी सदस्य के रूप में बने रहे और फिर डीओए की कार्यकारी समिति के सदस्य के रूप में चुने गए; एपीओए (एशिया पैसिफिक ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन) वाईएसएफ इंडिया चैप्टर के निरंतर कोषाध्यक्ष; जेसीओटी (जर्नल ऑफ क्लिनिकल

ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा) के निरंतर एसोसिएट एडिटर, जो दिल्ली ऑर्थोपेडिक सोसायटी की आधिकारिक पत्रिका है और एक पबमेड अनुक्रमित पत्रिका है; कूल्हे के फ्रैक्चर के लिए रोगी की शिक्षा के लिए ऐप विकसित किया; स्नातकोत्तरों के शिक्षण और प्रशिक्षण पर पहले से विकसित ऐप को उन्नत किया गया; भारत से एओ स्पाइन निर्वाचित प्रतिनिधि सदस्य के रूप में बने रहे; एसडीओएस (साउथ दिल्ली ऑर्थोपेडिक सोसाइटी) के संयुक्त सचिव चुने गए; एनजेडओएसीओएन-2022 (उत्तरी क्षेत्र आर्थोपेडिक एसोसिएशन) के कार्यकारी समिति के सदस्य रूप में चुने गए; सदस्यता समिति के सदस्य बने: प्रतिष्ठित जेसीओटी सहकर्मी की समीक्षा के संपादकीय समूह को विविध बनाना, पबमेड अनुक्रमित पत्रिका; 31 अक्टूबर 2022 से 2 नवंबर 2022 तक नई दिल्ली में आयोजित अस्पतालों के लिए एनएबीएच 5वें संस्करण मानकों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रम पारित किया; दूरदराज के दुर्गम क्षेत्रों में गरीब मरीजों के इलाज के लिए हड्डी रोग विशेषज्ञ शिविर में अक्टूबर 2022 के अंतिम सप्ताह में कारगिल चिकित्सा शिविर में भाग लिया; 21 से 30 सितंबर 2022 तक बर्मिंघम विश्वविद्यालय, बर्मिंघम, अलबामा, यूएसए में आघात में फेलोशिप पूर्ण की; 8 से 10 अगस्त 2022 तक मुंबई, महाराष्ट्र, भारत में आयोजित एओ संकाय शिक्षा कार्यक्रम को पूर्ण किया, आईओए (इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन) के दिल्ली राज्य प्रतिनिधि के रूप में चुने गए।

आचार्य संजीव लालवानी 11 अक्टूबर 2022 को शारदा स्कूल ऑफ एलाइड हेल्थ साइंसेज, शारदा विश्वविद्यालय के स्नातक छात्रों के छठे दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे; मुख्य वक्ता-द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय फोरेंसिक फोरम 2022: 22 नवंबर 2022 को सीएसआई-अनुसंधान, नवाचार और चुनौतियां में गुणवत्ता साक्ष्य; 17 जनवरी 2023 को एलटी-1, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल परिसर, नई दिल्ली में प्रत्यारोपण समन्वयकों के प्रशिक्षण के 8वें बैच में अतिथि व्याख्यान दिया। विषय: एमएलसी मामलों में अंग-दान की प्रक्रिया।

डॉ. शर्मिष्ठा पाठक को जनवरी-2023 में एटीएलएस-इंस्ट्रक्टर कोर्स में इंस्ट्रक्टर कैंडिडेट से सम्मानित किया गया।

आचार्य शिवानंद गामनगट्टी को 14 जून 2022 को बोस्टन, मैसाचुसेट्स में एसआईआर 2022 वार्षिक वैज्ञानिक बैठक में "बड-चियारी सिंड्रोम वाले 500 से अधिक रोगियों में एंडोवास्कुलर इंटरवेंशन के दीर्घकालिक परिणाम" के लिए उत्कृष्ट नैदानिक अध्ययन के लिए जेवीआईआर 2021 संपादक का पुरस्कार मिला।

आचार्य सौमिता बागची डायलिसिस में सेमिनार की सह-संपादक थीं।

आचार्य सुबोध कुमार को 4 सितंबर 2022 को शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन द्वारा "प्रख्यात चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिक्षा शिक्षक पुरस्कार" से सम्मानित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ सर्जरी के प्रबंध संपादक थे, जो एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया का एक सहकर्मी द्वारा समीक्षा किया गया आधिकारिक जर्नल था; 20-21 मार्च 2023 को एनएमसी मुख्यालय, सेक्टर 8, द्वारका, दिल्ली में उप सचिव, नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी), राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा "अच्छी प्रैक्टिस" के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक विशेषज्ञ सदस्य के रूप में नामित; जेएनयू कन्वेंशनल सेंटर, नई दिल्ली में 17 से 20 नवंबर 2022 तक ट्रॉमा 2022 सम्मेलन के

दौरान आईएसटीएसी की जनरल बॉडी मीटिंग 2022 में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी)® के उपाध्यक्ष के रूप में नामांकित; सह-संगठन सचिव- 17-20 नवंबर 2022 को जेएनयू कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित ट्रॉमा 2022 और एशियन ट्रॉमा कांग्रेस 2022; राष्ट्रपति वर्ष 2022-23 के लिए पीएचडीसीसीआई की अस्पताल, निदान और कल्याण समिति के सह-अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया; 11-12 अक्टूबर 2022 को मैसूर में ऑन-साइट टेक्नो फाइनेंशियल इवैल्यूएशन एंड ड्यू-डिलिजेंस बैठक में भाग लेने के लिए डीएसटी और सीएलएल के संयुक्त उद्यम ग्लोबल इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी एलायंस द्वारा एक विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; 13 नवंबर 2022 को एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया (दिल्ली स्टेट चैप्टर, एएसआई) के सर्जीकॉन 2022 वार्षिक सम्मेलन के दौरान अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया; एनएबीआई मिड टर्म सीएमई 18-19 जनवरी 2023, नई दिल्ली के अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, जोधपुर में जनरल सर्जरी में संकाय चयन/एपीएस के लिए बाहरी विशेषज्ञ; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश में संकाय चयन के लिए बाह्य विशेषज्ञ; पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ के लिए एमएस (सर्जरी) की थीसिस के लिए परीक्षक; किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के लिए एमएस (सर्जरी) की थीसिस के लिए परीक्षक; अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश के लिए एमसीएच (ट्रॉमा सर्जरी और क्रिटिकल केयर) की थीसिस के लिए परीक्षक; किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ के लिए एमसीएच थीसिस (एंडोक्राइन सर्जरी) के परीक्षक; बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज द्वारा मेडिकल कॉलेज, पटियाला के लिए एमएस (सर्जरी) की थीसिस के लिए परीक्षक थे।

आचार्य सुषमा सागर को 17-20 नवंबर 2022 के बीच जेएनयू कन्वेंशनल सेंटर, नई दिल्ली में ट्रॉमा 2022 सम्मेलन के दौरान आईएसटीएसी की जनरल बॉडी मीटिंग 2022 में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी)® के सचिव के रूप में चुना गया था; आयोजन सचिव - 17 से 20 नवंबर 2022 तक जेएनयू, कन्वेंशन सेंटर, नई दिल्ली में इंडियन सोसाइटी फॉर ट्रॉमा एंड एक्यूट केयर (आईएसटीएसी) का वार्षिक सम्मेलन "ट्रॉमा 2022"; उन्हें अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण की अस्पताल-आधारित प्राधिकरण समिति, एनसीटी सरकार, दिल्ली 2022-2023 के प्रमुख सचिव के नामित व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया गया था; उन्होंने अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत, हिरोशिमा विश्वविद्यालय अस्पताल, जापान द्वारा स्थापित प्रयोगशाला में 3डी मुद्रित तत्काल कृत्रिम प्रोस्थेसिस के विकास के लिए विदेशी प्रशिक्षण में भाग लिया था; जेपीएनएटीसी में शिकायत निवारण समिति के अध्यक्ष; उन्हें राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) द्वारा आरएमपी के लिए दिशानिर्देश तैयार करने हेतु नैतिकता और चिकित्सा पंजीकरण बोर्ड (ईएमआरबी) के सदस्य के रूप में नामित किया गया; एम्स, नई दिल्ली में महिला शिकायत समिति की सदस्य; मेडटेक इनोवेशन के लिए विशेषज्ञ सदस्य: 24 जून 2022 को आईसीएमआर मुख्यालय, नई दिल्ली में सात आईआईटीस में आईसीएमआर-डीएचआर-सेंटर्स ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओईएस); आपदा प्रबंधन सेल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में संविदा के आधार पर सलाहकार की नियुक्ति के लिए वॉक-इन-इंटरव्यू में भाग लेने के लिए प्रमुख, जेपीएनएटीसी द्वारा उन्हें नामित किया गया; एमसीएच ट्रॉमा एंड क्रिटिकल केयर, एम्स ऋषिकेश के लिए बाहरी परीक्षक; एमसीएच प्लास्टिक, रिकंस्ट्रक्टिव और बर्न्स सर्जरी के लिए आंतरिक परीक्षक, एम्स दिल्ली; विजिटिंग फैकल्टी, एम्स ऋषिकेश; एनएमसी, दिल्ली में अवर सचिव (ईएमआरबी),

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा 17-18 मई 2022 को "भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद (व्यावसायिक आचरण, शिष्टाचार और नैतिकता) विनियम, 2002" को हटाने के लिए विनियमों के मुद्दे पर चर्चा करने हेतु विशेषज्ञों के समूह की बैठक के विशेषज्ञ ; 19-20 जुलाई 2022 को एनएमसी मुख्यालय, सेक्टर 8, द्वारका, दिल्ली में ईएमआरबी, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा तय किए गए प्रकरणों के अनुसंधान और प्रकाशन के लिए अध्ययन, विश्लेषण और प्रलेखन के उद्देश्य से विशेषज्ञों के समूह की बैठक के विशेषज्ञ; जुलाई 2022 को डीडी न्यूज पर संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए ट्रॉमा और प्लास्टिक सर्जरी विषय पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट; 8 अगस्त 2022 को एमआईएमएस, हैदराबाद में आपातकालीन चिकित्सा में प्रोफेसर के पद पर संकाय के मूल्यांकन प्रोत्साहन के लिए गठित चयन समिति साक्षात्कार के बाहरी विशेषज्ञ; टोटल हेल्थ, डीडी न्यूज़ पर अक्टूबर 2022 को दिवाली के दौरान जलने से होने वाली घावों की रोकथाम पर विशेषज्ञ पैनलिस्ट; बर्न्स प्लास्टिक विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एनएबीआई मिड कॉन में फिजियोथेरेपिस्टों और नर्सों के लिए फिजियोथेरेपी सत्र में मुख्य अतिथि; बर्न्स प्लास्टिक विभाग, एम्स नई दिल्ली द्वारा आहार विशेषज्ञों के लिए आयोजित एनएबीआई मिड कॉन सीएमई में आहार कार्यशाला के पैनलिस्ट; 14 मार्च 2023 को एम्स, मदुरै में संकाय के चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया; 20-21 मार्च 2023 को एनएमसी मुख्यालय, सेक्टर 8, द्वारका, दिल्ली में उप सचिव (ईएमआरबी), राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग द्वारा "अच्छी प्रैक्टिस" के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए विशेषज्ञ; एफएम रेनबो में ‘रेडियो डॉक्टर’ के लिए आपातकालीन स्थितियों के उपचार पर विशेषज्ञ वक्ता थीं।

आचार्य विजय शर्मा 29 अप्रैल 2022 को एम्स, रायबरेली में संकाय भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य रहे; 20 अगस्त 2022 को एम्स ऋषिकेश में संकाय भर्ती के लिए स्थायी चयन समिति के सदस्य; 3डी मुद्रित कृत्रिम अंग विकास के लिए अकादमिक विनिमय कार्यक्रम। हिरोशिमा यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, जापान 24-30 सितंबर 2022; अस्पतालों एवं स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड। अस्पतालों के लिए एनएबीएच 5वें संस्करण मानकों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रम, 10-12 नवंबर 2022; एमपीटी द्वितीय वर्ष की परीक्षा फरवरी 2023 में खेल की चोटों/स्थितियों के मेडिकल और सर्जिकल उपचार के लिए परीक्षा पेपर सेटर; थीसिस मूल्यांकन: पीजीआई चंडीगढ़, एम्स जोधपुर, एम्स ऋषिकेश, दिल्ली विश्वविद्यालय।

आचार्य विवेक त्रिखा को भारत के राष्ट्रीय आर्थोपेडिक निकाय, इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन के अकादमिक सेल प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया; ऑर्थोपेडिक सर्जरी और ट्रॉमा सर्जरी में तीसरे वर्ष के रेजीडेंट्स के लिए काठमांडू यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिसिन, नेपाल में बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया; इंडियन जर्नल ऑफ ऑर्थोपेडिक्स के संपादकीय बोर्ड के सदस्य, नेशनल जर्नल ऑफ इंडियन ऑर्थोपेडिक एसोसिएशन (प्रकाशित अनुक्रमित जर्नल); जर्नल ऑफ़ क्लिनिकल ऑर्थोपेडिक्स एंड ट्रॉमा (पबमेड इंडेक्स्ड जर्नल) के सह-संपादक; 2020 से एसआईसीओटी वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ ऑर्थोपेडिक सर्जन के ट्रॉमा कमेटी सदस्य हैं।

डॉ. युद्धवीर सिंह भारत में एफसीसीएस कोर्स (एससीसीएम, यूएसए) के प्रशिक्षक हैं; 29-30 नवंबर 2022 को पीएसआरआई, अस्पताल, नई दिल्ली में आयोजित एफसीसीएस, प्रसूति पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समन्वयक; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के सहयोग से जेपीएनएटीसी, एम्स में 29

से 31 अगस्त 2022 तक आयोजित राष्ट्रीय आपातकालीन जीवन समर्थन (एनईएलएस) पाठ्यक्रम के लिए प्रमुख संकाय के रूप में कार्य किया; स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और जेपीएनएटीसी द्वारा विकसित पैरामेडिक्स के लिए प्रदाता एनईएलएस पाठ्यक्रम के लिए प्रशिक्षक हैं।

अतिथि वैज्ञानिक

क्र.सं.	नाम	पोस्टिंग अवधि	देश
1	मैक्सिमिलियन फ़ोल्डवेरी	15-22 जून 2022	जर्मनी
2	स्वेन जोरिन गेलर	15-22 जून 2022	जर्मनी
3	श्री जूलियन जोसेफ एल्बर्स	19 सितंबर-1 अक्टूबर 2022	जर्मनी
4	सुश्री बेटिना मुल्तानी	14-26 नवंबर 2022	जर्मनी

10.6 राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

आचार्य एवं अध्यक्ष

राकेश कुमार चड्डा

अपर चिकित्सा अधीक्षक

परमेश्वर कुमार

आचार्य (मनोचिकित्सा)

राकेश लाल | अंजू धवन | सोनाली झांजी

अतुल अम्बेकर | यतन पाल सिंह बल्हारा | रविन्द्र वेंकट राव

आचार्य (नैदानिक मनोविज्ञान)

रचना भार्गव | गौरी शंकर कलोईया

आचार्य (जैवसांख्यिकी)

अश्वनी कुमार मिश्रा

अपर आचार्य (मनोचिकित्सा)

प्रभु दयाल | आलोक अग्रवाल | विश्वदीप चटर्जी

सिद्धार्थ सरकार | पियाली मंडल

अपर आचार्य (नैदानिक रसायन)

रिज़वाना क़ुरैशी

सह-आचार्य (मनोचिकित्सा)

रोशन मोहनपंत भड़

सहायक आचार्य (मनोचिकित्सा)

शालिनी सिंह

समूह क अधिकारी

लिनी फिलिप
(नैदानिक मनोविज्ञानी)

ब्रह्म प्रकाश
(पर्यवेक्षक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)

दीपक यादव
(पर्यवेक्षक चिकित्सा समाज सेवा अधिकारी)

योगेश कुमार
(लेखा अधिकारी)

बी डी रावत
(सहायक नर्सिंग अधीक्षक)

विशिष्टताएं

वर्ष 2022-23 के दौरान, राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने मुख्य केंद्र एवं तीन सामुदायिक क्लिनिक तथा मोबाइल मेथाडोन क्लिनिक में सामान्य ओ पी डी और अपने 5 विशेष क्लिनिक में 8,063 नए रोगी एवं 3,06,332 फॉलो अप केसों सहित कुल 3,14,395 रोगियों को देखा। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने 1165 रोगियों को आंतरिक रोगी उपचार प्रदान किया । मुख्य एम्स परिसर में, 'परामर्श संपर्क व्यसन मनोचिकित्सा' सेवा में विभिन्न विभागों से अंतरंग रोगियों से 245 नए मामले तथा 349 रेफरल ने भाग लिया। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र प्रयोगशाला ने एक वर्ष के दौरान अपने विष विज्ञान, रुधिर विज्ञान, जैव रसायन और एचआईवी स्क्रीनिंग प्रयोगशालाओ में 2,35,262 परीक्षण किए।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के डि-एडिक्शन प्रोग्राम (डीडीएपी) के तहत 27 "ड्रैग ट्रिटमेंट क्लिनिक (डीटीसी)" की गतिविधि को सहयोग प्रदान किया है। इस अवधि के दौरान कुल 1,40,650 रोगयों ने इन क्लिनिक से उपचार प्राप्त किया।

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के संकाय ने जनवरी 2023 में ग्लोबल अल्कोहल एक्शन प्लान (जीएएपी) 2022-2030 के कार्यान्वयन पर व्यावसायिक संघों और शिक्षाविदों के साथ डब्ल्यूएचओ

वैश्विक परामर्श तथा मार्च 2023 में नारकोटिक ड्रग्स (सीएनडी), आयोग पर वियना के 66 वें सत्र सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। इस अवधि में सहकर्मी-समीक्षित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में कुल 111 शोध लेख तथा विभिन्न पुस्तकों में 9 अध्याय प्रकाशित हुए हैं। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र ने 25 सितंबर 2022 को एम्स वार्षिक दिवस पोस्टर प्रदर्शनी में ***प्रथम पुरस्कार*** भी जीता।

शिक्षण एवं प्रशिक्षण

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र स्नातकोत्तर छात्रों (एमडी मनोचिकित्सा), एमबीबीएस, एमएससी मनोचिकित्सा नर्सिंग तथा बीएससी नर्सिंग छात्रों को मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों में प्रशिक्षित करता है। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र एक सुपरस्पेशलिटी कोर्स, एडिक्शन साइकियाट्री में डॉक्टरेट ऑफ मेडिसिन (डीएम) कोर्स तथा एडिक्शन साइकियाट्री में पीएचडी का संचालन करता है। क्लिनिकल एवं शैक्षिक कठिन प्रशिक्षण है तथा साप्ताहिक जर्नल क्लब, सेमिनार और केस कॉन्फ्रेंस शैक्षिक कार्यक्रम का भाग हैं। इस अवधि के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षण गतिविधियाँ आयोजित की गईं:

- वर्ष 2020 से (MoSJE) द्वारा समर्थित व्यसन उपचार सुविधा (एटीएफ) योजना के तहत, एन डी डी टी सी ने कुल 20 प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित की हैं, जिसमें 920 चिकित्सा पेशेवरों को पदार्थ उपयोग विकारों के उपचार में प्रशिक्षित किया गया था।
- दिनांक 21 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र में नर्सिंग अधिकारियों के लिए आपातकालीन जीवन सहायता कार्यशाला का आयोजन किया गया
- दिनांक 28 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र के रेजिडेंटों एवं संकाय के लिए आपातकालीन जीवन सहायता कार्यशाला का आयोजन किया गया था
- भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा समर्थित सामाजिक विज्ञान के सरकारी कॉलेज शिक्षकों (सहायक आचार्य स्तर) के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम, दिनांक 6-18 जून 2022
- मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों में ऑनलाइन स्वचालित प्रशिक्षण राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र वेब पोर्टल: https://naat.co.in पर संचालित किया जाता है।
- दोहरी निदान उपचार को बढ़ाने की पहल के तहत, कई शैक्षणिक संस्थानों में चिकित्सकों के लिए ऑनलाइन दोहरी निदान मामले पर चर्चा बैठकें आयोजित की गईं।

विभाग द्वारा आयोजित सीएमई/सम्मेलन/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों की सूची

- वार्षिक दिवस संगोष्ठी: दिनांक 13 अप्रैल 2022 को गाजियाबाद में ***व्यसन मनोचिकित्सा में डिजिटलीकरण***
- दिनांक 10-11 मार्च 2023 को सोसाइटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी (ANCSAP-2023) का पहला वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया
- साइक्लोथॉन - नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर - दिनांक 26 जून 2022

- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, दिनांक 9 अक्टूबर 2022
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर सार्वजनिक व्याख्यान और नुक्कड़ नाटक, दिनांक 10 अक्टूबर 2022
- दिनांक 9 मार्च 2023 को युवाओं और बच्चों में नशीली दवाओं के उपयोग की रोकथाम पर वॉकथॉन तथा पैनल चर्चा

प्रदत्त व्याख्यान: 191

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-21	2021-22	2022-23
168	208	191

मौखिक प्रस्तुतियाँ: 12

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

मौखिक प्रस्तुतियों की कुल संख्या	**2020-21(वर्तमान)**	**2021-22**	**2022-23**
	14	12	12

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ओपिओइड निर्भरता वाले लोगों में मृत्यु दर एवं कारणों का आकलन, रवींद्र राव भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद 3 वर्ष, जुलाई 2021 से जून 2024, 56.98 लाख रुपये
2. मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाले विकारों के उपचार पर चिकित्सा अधिकारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का विकास तथा परीक्षण, रवींद्र राव सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 2 वर्ष, जून 2021 से मई 2023, 32.6 लाख रुपये
3. नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले पुरुषों के जीवनसाथियों के बीच एचआईवी से संबंधित सेवाओं को प्राप्त करने में सुविधाकर्ता तथा बाधाएं, रवींद्र राव, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, 5 महीने, दिसंबर 2022 से मई 2023, 2.23 लाख रुपये
4. ड्रग एब्यूज मॉनिटरिंग सिस्टम (डीएएमएस) के माध्यम से देश भर के नशामुक्ति केंद्रों पर उपचार प्राप्त करने वालों का एक क्रॉस सेक्शनल जानपदिकरोग विज्ञान मूल्यांकन, अश्विनी कुमार मिश्रा एमओएच एंड एफडब्ल्यू कंट। राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र की गतिविधि, 2012-अब तक, 2 लाख रु
5. कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मनो-सामाजिक और व्यवहारिक डोमेन की जांच करने के लिए एक अध्ययन: मिश्रित अध्ययन डिजाइन, रचना भार्गव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 1.35 करोड़ रुपये

6. "ओपियोइड उपयोग विकार के लिए उम्मीदवार एंडोफेनोटाइप के रूप में न्यूरोकॉग्निटिव, व्यक्तित्व, भावनात्मक और मनोसामाजिक बायोमार्कर का मूल्यांकन तथा ओपियोइड एवं डोपामाइन रिसेप्टर जीन में बहुरूपता के साथ उनका संबंध: रोकथाम और उपचार के लिए निहितार्थ" प्रभु दयाल आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, रु 36.62 लाख
7. संयुक्त बायोमार्कर और क्लिनिकल जोखिम मूल्यांकन दृष्टिकोण का उपयोग करके शराब सेवन विकार वाले व्यक्तियों में आत्मघाती जोखिम के पूर्वानुमानकर्ताओं की पहचान करना प्रभु दयाल, डीएचआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 50.60 लाख रुपये
8. ओपिओइड निर्भरता के जोखिम और गंभीरता का निर्धारण करने में आनुवंशिक बहुरूपता की भूमिका: एक केस-नियंत्रण अध्ययन। विश्वदीप चटर्जी, एम्स, इंट्राम्यूरल फंडिंग, 2 साल, 2019-2021, 10 लाख रुपये
9. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में नाल्ट्रेक्सोन के साथ उपचार के अनुपालन तथा परिणाम के साथ विशिष्ट एकल-न्यूक्लियोटाइड जीन बहुरूपता (एसएनपी) की भूमिका: एक प्राकृतिक अनुवर्ती अध्ययन। विश्वदीप चटर्जी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-24, 50 लाख रुपये
10. भारत में व्यसन उपचार सुविधाओं के लिए क्षमता निर्माण तंत्र की स्थापना और कार्यान्वयन, आलोक अग्रवाल, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, 5 वर्ष, 2019-2023, 12 करोड़ रुपये
11. उत्तर भारतीय शराब पर निर्भर रोगियों में म्यू-ओपियोइड रिसेप्टर जीन बहुरूपता (ए118जी) तथा दीर्घकालिक नाल्ट्रेक्सोन उपचार प्रतिक्रिया का मूल्यांकन। रिज़वाना क़ुरैशी इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), 4 साल, 2019-2023, 28 लाख रुपये
12. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों के बीच परिणाम, विकलांगता और जीवन की गुणवत्ता के निर्धारक के रूप में सह-घटित अवसाद तथा चिंता की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए एक समय श्रृंखला दृष्टिकोण, सिद्धार्थ सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 42 लाख रुपये
13. उपचार पर स्थिर ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों के लिए ऐड-ऑन योग की वास्तविक विश्व प्रभावशीलता, सिद्धार्थ सरकार, डीएसटी, 3 वर्ष, 2022-2025, 36 लाख रुपये
14. ओपिओइड पर निर्भर व्यक्तियों के बीच नाल्ट्रेक्सोन पर अवधारण और परिणाम में महत्वपूर्ण अन्य लोगों की भागीदारी: एक खुला लेबल तुलनात्मक अध्ययन, पियाली मंडल, एम्स इंट्राम्यूरल, 22021-2024, 4.55 लाख रुपये
15. ब्यूप्रेनोर्फिन-नालोक्सोन अनुरक्षण उपचार पर भारतीय ओपिओइड पर निर्भर रोगियों में चयापचय और व्यसन सूचकांक: एक अनुदैर्ध्य अध्ययन पियाली मंडल भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2023-26, 40 लाख रुपये
16. डिजिटल फेनोटाइपिंग के माध्यम से मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों के इलाज के लिए व्यवहारिक मार्करों के मूल्यांकन का एक पायलट अध्ययन: दिल्ली-एनसीआर, भारत से एक क्रॉस सेक्शनल तुलनात्मक अध्ययन, रोशन भद, मनकी हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, 1 वर्ष, 2022-23, 3 लाख रुपये

17. दिल्ली में एक सामुदायिक क्लिनिक में नशीली दवाओं के उपयोग के लिए एगोनिस्ट उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों में हेपेटाइटिस सी वायरस संक्रमण के जोखिम कारकों और सीरोप्रवलेंस का एक क्रॉस-अनुभागीय मूल्यांकन। शालिनी सिंह, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च अनुदान, 2 वर्ष, 2022-24, 4 लाख रुपये
18. दिल्ली में एक सामुदायिक क्लिनिक में नशीली दवाओं के उपयोग के लिए एगोनिस्ट उपचार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी और सी का परीक्षण: जोखिम कारकों और सेरोप्रवलेंस का एक क्रॉस अनुभागीय मूल्यांकन। शालिनी सिंह, एम्स अर्ली करियर इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट वर्ष 2021-2022, 18 महीने, 2022-2023, 4.4 लाख रुपये

पूर्ण

1. भारत में मादक द्रव्यों के सेवन का उपचार के इच्छुक लोगों के बीच नए मनो-सक्रिय पदार्थों का पता लगाना: एक बहु-केंद्रित अध्ययन। राकेश चड्डा, राजस्व मंत्रालय, भारत सरकार, 3 वर्ष, 2017-2022, पूर्ण, 7.5 करोड़ रुपये
2. सिद्ध औषधि काबासुरा कुडिनीर के साथ प्रदान किए जाने पर कोविड-19 वैक्सीन के बाद एंटीबॉडी प्रतिक्रिया का मूल्यांकन करने के लिए एक संभावित डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक नैदानिक अध्ययन, अंजू धवन, एसएसआईएआर, 6 महीने, 2021-2022, 3.5 लाख रुपये
3. माध्यमिक विद्यालय जाने वाले बच्चों के बीच नशीली दवाओं/मादक पदार्थों के उपयोग के लिए स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप, अंजू धवन, यूईई मिशन, शिक्षा विभाग दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2022, 23 लाख रुपये
4. भारत में मादक द्रव्यों के उपयोग के विस्तार और पैटर्न पर राष्ट्रीय सर्वेक्षण, अतुल अम्बेकर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, 5 वर्ष, 2016-2022, 22.41 करोड़ रुपये
5. दिल्ली में शहरी आश्रय सेवाएं प्राप्त करने वाली बेघर आबादी के बीच मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों के उपचार के लिए सेवा वितरण मॉडल का विकास और मूल्यांकन, अतुल अंबेकर, महिला एवं बाल विकास विभाग, एनसीटी दिल्ली सरकार, 2 वर्ष, 2020-2022, 30 लाख रुपये
6. भारत में जेलों में लोगों के बीच मनो-सक्रिय पदार्थ के उपयोग की दरें और पैटर्न, रवींद्र राव, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, 3 वर्ष, 2019-2022, 23 लाख रुपये
7. दिल्ली में प्रारंभिक कक्षाओं के स्कूली छात्रों में मादक द्रव्यों के सेवन के लिए स्क्रीनिंग और हस्तक्षेप, रचना भार्गव, समग्रशिक्षा, शिक्षा निदेशालय, $2^1/_2$ वर्ष, 2019-2022, 20 लाख रुपये
8. शराब पर निर्भरता वाले मरीजों में उपचार के परिणाम को बढ़ाने के लिए संज्ञानात्मक शिथिलता और लालसा प्रबंधन के लिए एक नवीन तकनीक के रूप में मस्तिष्क उत्तेजना: एक संभावित, यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रभु दयाल, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2022, 30.80 लाख रुपये
9. बाल कल्याण पुलिस अधिकारियों, एकीकृत पुनर्वास केंद्र फॉर एडिक्ट्स (आईआरसीए), आउट रीच ड्रॉप-इन सेंटर (ओडीआईसी) और समुदाय आधारित पीयर-लेड इंटरवेंशन (सीपीएलआई) में काम करने वाले पदाधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए मादक द्रव्यों के उपयोग पर प्रशिक्षण मॉड्यूल का विकास, डॉ बिश्वदीप चटर्जी, एनआईएसडी, एमओएसजेई, 9 महीने, 2021-2022, 5.15 लाख रुपये

10. शराब पर निर्भरता वाले रोगियों में डोपामाइन बीटा हाइड्रॉक्सीलेज़ जीन और डिसल्फिरम उपचार प्रतिक्रिया का एक कार्यात्मक बहुरूपता: एक पायलट खोजपूर्ण अध्ययन, डॉ. रिज़वाना क़ुरैशी, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2018-20, 4.5 लाख रुपये
11. पदार्थ संबंधी समस्याओं का आकलन करने के लिए एक भारतीय पैमाने का विकास, डॉ. सिद्धार्थ सरकार, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 42 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. इंजेक्शन लगवाने वाले और इंजेक्शन नहीं लगवाने वाले पुरुष ओपिओइड-आश्रित रोगियों का तुलनात्मक अध्ययन
2. अल्कोहल डिपेंडेंस सिंड्रोम (एडीएस) का इलाज चाहने वाले मरीजों में बीडीएनएफ जीन बहुरूपता (Val66Met) की आवृत्ति को मापने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
3. अल्कोहल उपयोग विकार के इलाज की मांग करने वाले रोगियों में बीडीएनएफ मेट66 एलील की आवृत्ति को मापने के लिए एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन
4. शराब पर निर्भरता वाले रोगियों में एल्डिहाइड डिहाइड्रोजनेज जीन (आरएस671) और डिसुलफिरम उपचार प्रतिक्रिया का एक कार्यात्मक बहुरूपता: एक पायलट खोजपूर्ण अध्ययन
5. शराब सेवन विकार वाले लोगों में उनके उपचार के इच्छुक वाले पैटर्न के आधार पर प्रेरणा के आयामों का आकलन और तुलना करने के लिए एक अस्पताल आधारित केस नियंत्रण अध्ययन
6. शराब से संबंधित यकृत रोग वाले लोगों में प्रेरणा के आयाम और संबंधित कारकों का आकलन करने के लिए एक अस्पताल आधारित क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन
7. मादक द्रव्यों के सेवन विकार वाले बाह्य रोगियों के किशोरों में ड्रॉपआउट पर एक पायलट अध्ययन
8. नाल्ट्रेक्सोन उपचार लेने वाले ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों के सामाजिक-व्यावसायिक कामकाज, लंबी निकासी और पर्यवेक्षण का एक मात्रात्मक खोजपूर्ण अध्ययन
9. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों के लिए पारिवारिक हस्तक्षेप का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
10. अवसाद में उच्च लक्षण ट्रांसक्रानियल प्रत्यक्ष वर्तमान उत्तेजना की प्रभावशीलता और सहनशीलता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक डबल ब्लाइंड शम नियंत्रित परीक्षण
11. व्यसन चिकित्सा में प्रशिक्षण आवश्यकताओं के मूल्यांकन का एक अध्ययन: एक वैश्विक ऑनलाइन सर्वेक्षण
12. ब्यूप्रेनोर्फिन बनाए रखने वाले रोगियों में तनाव चुनौती के जवाब में नैदानिक और एचपीए अक्ष हार्मोन का आकलन: एक खोजपूर्ण अध्ययन
13. उपचार के इच्छुक किशोरों के बीच मादक द्रव्यों के उपयोग और संबंधित कारकों पर कोविड-19 के प्रभाव एवं संबंधित उपायों का आकलन।

14. ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार पर अनुरक्षित ओपिओइड-निर्भर पुरुषों में यौन कार्यप्रणाली और सेक्स हार्मोन के स्तर का आकलन: एक संभावित, समुदाय-आधारित अध्ययन
15. गैलानिन और गैलानिन रिसेप्टर जीन बहुरूपता (आरएस948854) तथा ओपिओइड निर्भरता का संबंध: एक केस नियंत्रण अवलोकन अध्ययन
16. शराब और ओपिओइड पर निर्भर पुरुषों तथा उनकी पत्नियों में वैवाहिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन
17. धूम्रपान करने वालों में ध्यान-आधारित हस्तक्षेप से जुड़े संकेत प्रेरित लालसा और एफएमआरआई परिवर्तन
18. कानून का उल्लंघन करने वाले किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
19. विघटनकारी विकार वाले किशोरों के बीच मनोवैज्ञानिक हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
20. दिल्ली में ओपिओइड निर्भरता वाले लोगों के बीच हेरोइन का व्यय और खरीद प्रैक्टिस: एक खोजपूर्ण अध्ययन
21. भारत में कोविड-19 महामारी के दौरान मेथाडोन संरक्षण उपचार पर घर ले जाने वाले मेथाडोन खुराक प्राप्त करने वाले मरीजों का अनुभव: एक मिश्रित-विधि अध्ययन
22. अल्कोहल निर्भरता सिंड्रोम के उपचार के इच्छुक रोगियों में शराब के उपयोग, लालसा, मनोदशा और दैनिक शराब की खपत पर कथित नियंत्रण के बीच संबंधों को मापने के लिए पारिस्थितिक क्षणिक मूल्यांकन की व्यवहार्यता
23. शराब पर निर्भरता के उपचार में उपयोग किए जाने वाले डिसुलफिरम की देखरेख में परिवार के सदस्यों द्वारा सामना किए जाने वाले मुद्दे और चुनौतियाँ
24. शराब पर निर्भरता वाले रोगियों में न्यूरोसाइकोलॉजिकल कार्यप्रणाली: एक केस नियंत्रण अध्ययन
25. ओपिओइड उपयोग विकार वाले रोगियों में उपचार के सकारात्मक पहलू
26. एआरटी पर एचआईवी पॉजिटिव रोगियों में न्यूरोलॉजिकल और न्यूरोकॉग्निटिव विकार की व्यापकता एवं सहसंबंध
27. सिज़ोफ्रेनिया वाले रोगियों को उपचार प्रदान करने वालों के बीच उपचार के अनुभव का मनोसामाजिक संबंध
28. ओपिओइड के उपयोग के लिए उपचार के इच्छुक किशोर रोगियों की प्रोफ़ाइल, मादक द्रव्यों के उपयोग के पैटर्न और उपचार के परिणाम का विश्लेषण करने के लिए पूर्वव्यापी अध्ययन
29. दिल्ली में आश्रय गृहों से सेवाएँ प्राप्त करने वाली बेघर महिलाओं के बीच मादक द्रव्यों का उपयोग
30. ओपिओइड एगोनिस्ट उपचार से ड्रॉपआउट्स के पुन: प्रवेश पर एक टेलीफोनिक संक्षिप्त बातचीत साक्षात्कार (बीएनआई) की प्रभावकारिता: एक खुला लेबल यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. कैनबिस उपयोग विकार वाले रोगियों के लिए संक्षिप्त इंटरवेंशन का एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
2. ओपिओइड प्रतिस्थापन चिकित्सा पर रोगियों में ड्रॉप-आउट से जुड़े कारणों, स्थिति और कारकों का आकलन: एक क्रॉस-अनुभागीय, तुलनात्मक, समुदाय-आधारित अध्ययन
3. स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच स्क्रीन टाइम तथा मानसिक, व्यावहारिक तथा सामाजिक पहलुओं के बीच संबंध
4. क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज के मरीजों में मानसिक सह-रुग्णताओं के साथ तंबाकू धूम्रपान का संबंध
5. शराब और ओपिओइड पर निर्भर पुरुषों और उनकी पत्नियों में वैवाहिक समायोजन का तुलनात्मक अध्ययन
6. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में कोविड-19 वैक्सीन की स्वीकार्यता - भारत का एक क्रॉस-सेक्शनल, समुदाय-आधारित अध्ययन
7. धुआं रहित तम्बाकू में क्यू प्रेरित लालसा: एक एफएमआरआई अध्ययन
8. पदार्थ संबंधी समस्याओं की गंभीरता का आकलन करने के लिए भारतीय पैमाने का विकास और सत्यापन
9. कानून के साथ संघर्ष में किशोरों के लिए संज्ञानात्मक व्यवहार आधारित हस्तक्षेप मॉड्यूल का विकास
10. समस्याग्रस्त इंटरनेट पोर्नोग्राफ़ी के उपयोग का खोजपूर्ण अध्ययन
11. शराब पर निर्भरता वाले प्रतिभागियों के बीच परिवर्तन की तैयारी और उपचार उत्सुकता स्केल (सुकरात) के चरणों का हिंदी अनुकूलन और साइकोमेट्रिक सत्यापन
12. स्कूल जाने वाले किशोरों के बीच मानसिक, व्यावहारिक और सामाजिक पहलुओं पर स्क्रीन टाइम का प्रभाव
13. ओपिओइड उपयोग विकार के लिए ट्रामाडोल से 12 सप्ताह तक उपचार में परिणाम: एक संभावित अवलोकन अध्ययन
14. सिज़ोफ्रेनिया के रोगियों का उपचार करने वालों के बीच उपचार का मनोवैज्ञानिक सहसंबंध

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. मनो-यौन स्वास्थ्य विकारों की जांच करने और स्त्री रोग विज्ञान कैंसर से बचे लोगों में न्यूरोकेमिकल सहसंबंधों को मापने के लिए एक क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, रेडियोथेरेपी विभाग, आईआरसीएच

2. रक्त दाताओं के बीच चिंता संबंधी घटनाओं के लिए वस्तुओं का आकलन करने और उत्तर भारत में एक तृतीयक उपचार शैक्षणिक संस्थान में उनके चेहरे और सामग्री की वैधता स्थापित करने के लिए एक पायलट अध्ययन, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन
3. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में कॉलेज जाने वाले छात्रों के बीच मानसिक स्वास्थ्य और मादक द्रव्य उपयोग संबंधी जानकारी को बढ़ाना - एक हस्तक्षेप अध्ययन, सामुदायिक चिकित्सा केंद्र
4. ब्यूप्रेनोर्फिन रखरखाव उपचार पर ओपिओइड पर निर्भर रोगियों से जुड़े न्यूरोइमेजिंग एवं मेटाबॉलिक मार्करों की खोज, एनएमआर विभाग
5. फुफ्फुसीय और फुफ्फुस रोगों के लिए वक्षीय सर्जरी कराने वाले रोगियों का कार्यात्मक परिणाम: एक संभावित समूह अध्ययन, बाल चिकित्सा सर्जरी
6. ओपिओइड निकासी के पूरक नैदानिक मूल्यांकन के लिए एचआरवी और स्वायत्त पैरामीटर, फिजियोलॉजी
7. सामान्य, ध्यानपूर्ण, तनावग्रस्त और मानसिक मस्तिष्क स्थितियों को मापने और वर्गीकृत करने के लिए क्यूईईजी उपकरण के रूप में माइक्रोस्टेट्स और कॉर्टिकल स्रोत, फिजियोलॉजी विभाग
8. दो चरण वीएस एकीकृत ईसीएमओ-ए संभावित अवलोकन अध्ययन का उपयोग करके 2-6 महीने के आयु वर्ग में प्रतिगामी एलवी के साथ टीजीए बरकरार वेंट्रिकुलर सेप्टम में एएसओ का परिणाम, सीटीवीएस

पूर्ण

1. गामा सिन्यूक्लिनेसा संभावित बायोमार्करिन स्तन कैंसर का पता लगाने के लिए एक अध्ययन, सर्जरी
2. सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों की देखभाल करने वालों और एम्स, नई दिल्ली में बाल चिकित्सा न्यूरो ओपीडी में आने वाले विशेष रूप से विकासशील बच्चों की देखभाल करने वालों के बीच चिंता, अवसाद एवं जीवन की गुणवत्ता (क्यूओएल) की तुलना करने के लिए एक अध्ययन, नर्सिंग
3. एम्स नई दिल्ली में किडनी प्रत्यारोपण के बाद जीवित दाताओं के अनुभवों पर एक हेर्मेनेयुटिक फेनोमेनोलॉजिकल अध्ययन, नर्सिंग
4. कोविड महामारी के दौरान पेरीओकुलर और नेत्र संबंधी घातक रोगियों में नैदानिक गंभीरता तथा संकट, नेत्र विज्ञान
5. दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में 10-16 वर्ष के मुक्केबाजों में दर्दनाक मैक्सिलोफेशियल और दंत पुनः चोट से संबंधित भय एवं चिंता के लिए एक मूल्यांकन उपकरण का विकास तथा सत्यापन, डेंटल
6. ओपिओइड निर्भरता वाले रोगियों में IL6 और IL-1B जीन बहुरूपता का मूल्यांकन, एनाटॉमी
7. सौम्य पल्मोनरी एवं फुफ्फुस रोगों के लिए वक्ष सर्जरी कराने वाले रोगियों के कार्यात्मक परिणाम: एम्बिसेपेक्टिव समूह अध्ययन, बाल शल्यचिकित्सा
8. कक्षीय परीक्षण करवाने वाले रोगियों के बीच मनोसामाजिक कारक, नेत्ररोग विज्ञान

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

	2020-21	**2021-22**	**2022-23**
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	34	34	18
कुल निधिकरण की राशि	रु. 992,880,000	रु. 1,081,270,000	रु.175,298,000

प्रकाशन

जर्नल: 97 **सार: 5** **पुस्तकों में अध्याय: 06** **पुस्तकें एवं मोनोग्राफ: 02**

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

प्रकाशनों की कुल संख्या	**2020-21**	**2021-22**	**(2022-23)**
पत्रिका लेख	88	107	97
सार	1	3	5
पुस्तकों में अध्याय	15	9	6
पुस्तक/मोनोग्राफ	4	शून्य	2

रोगी उपचार

1. बाह्य रोगी सेवाएँ

वित्त वर्ष 2022-2023 अर्थात 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के लिए अस्पताल सांख्यिकी का डेटा दर्शाने वाला विवरण

ओ पी डी	नए रोगी	पुराने रोगी	कुल
राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (सामान्य ओ पी डी)	7003	95086	102089
राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र (विशेष क्लिनिक)*	201	1401	1602
त्रिलोक पुरी (सामुदायिक क्लिनिक)	215	40250	40465
सुंदर नगरी (सामुदायिक क्लिनिक)	397	146959	147356
कोटला मुबारकपुर (सामुदायिक क्लिनिक)	247	22636	22883
कुल रोगी	8063	306332	314395

*राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र डुअल डायग्नोसिस क्लिनिक, किशोर क्लिनिक, तम्बाकू समाप्ति क्लिनिक, महिला क्लिनिक एवं परिवार सशक्तिकरण क्लिनिक, सहित 5 विशेष क्लिनिक का संचालन करता है।

2. अन्य रोगी उपचार आँकड़े

कुल अस्पताल भर्ती	1165
डे केयर में आने वाले रोगियों की कुल संख्या	शून्य
कुल मृत्यु संख्या	शून्य
प्रति कार्य दिवस में भर्ती की औसत संख्या	04

एनडीडीटीसी में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	23
एनडीडीटीसी में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	317
त्रिलोकपुरी क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.71
त्रिलोकपुरी क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	134
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	1.32
सुंदर नगरी सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	403
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (नए रोगी)	0.82
कोटला मुबारकपुर सामुदायिक क्लिनिक में प्रति कार्य दिवस में ओपीडी उपस्थिति की औसत संख्या (पुराने रोगी)	75
एक वर्ष में बिस्तर अधिभोग	93%
ठहरने की औसत अवधि	13 दिन

सीएल व्यसन मनोचिकित्सा सेवाएं: सीएलएपी ओपीडी में 245 नए मामले एवं 429 फॉलो-अप; वर्ष 2022-23 के दौरान अंतरंग रोगियों में से 349 रेफरल रोगी

3. राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र प्रयोगशाला(2022-23)

जांच	परीक्षणों की संख्या
हेमाटोलॉजिकल	82059
बायोकेमिकल	110233
दवाई की स्क्रीनिंग*	42386
एचआईवी स्क्रीनिंग	584

*ओपिओइड (मॉर्फिन, कोडीन, ब्यूप्रेनोर्फिन, डेक्सट्रोप्रोपॉक्सीफीन, पेंटाज़ोसिन, ट्रामाडोल), फेनिरामाइन, नाल्ट्रेक्सोन, बेंजोडायजेपाइन, कोटिनीन, कैनबिस और इनहेलेंट्स) के लिए की गई कुल दवा स्क्रीनिंग।

पिछले 3 वर्षों में रोगी उपचार

विषय	2020-21	2021-22	2022-23
ओपीडी परामर्श	171793	250687	312793
विशेष क्लिनिक परामर्श	465	1095	1602
मरीजों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान की गईं	शून्य	शून्य	548

कुल अंतरंग रोगी भर्ती	65	407	1165
सामुदायिक क्लिनिक परामर्श (3 क्लिनिक)	128,657	184,377	209,845
कुल रुधिर विज्ञान परीक्षण	8880	35379	82059
कुल जैव रसायन परीक्षण	15241	48685	110233
संपूर्ण एचआईवी जांच	-	171	584
कुल दवा स्क्रीनिंग ओपिओइड (मॉर्फिन, कोडीन, ब्यूप्रेनोर्फिन, डेक्सट्रोप्रोपोक्सीफेन, पेंटाज़ोसिन, ट्रामाडोल), फेनिरामाइन, नाल्ट्रेक्सोन, बेंजोडायजेपाइन, कोटिनीन, कैनबिस और इनहेलेंट्स) के लिए स्क्रीनिंग की गई।	4834	17754	42386

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य राकेश चड्डा वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकियाट्री के महासचिव (2019-2022) हैं; अध्यक्ष-चुनाव (2022-2025), वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकेट्री; एसोसिएट एडिटर, ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकाइट्री; हैंडलिंग एडिटर, *बीजे साइक इंटरनेशनल*, यूके के रॉयल कॉलेज ऑफ साइकियाट्रिस्ट्स का एक और जर्नल; उपाध्यक्ष, एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया; सदस्य, नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (भारत) की कार्यकारी परिषद 2021-2023; जनवरी 2023 में मानद अंतरिम कोषाध्यक्ष मनोनीत; संयोजक, भारतीय राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की पीजी पाठ्यक्रम समिति; संयोजक, मनोरोग विशेषज्ञ बोर्ड, राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड; अध्यक्ष, पुरस्कार समिति, इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकेट्री; डीन, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी एकेडमी फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च, 2023-26; अध्यक्ष, सीएमई, इंडियन साइकियाट्रिक सोसाइटी, उत्तरी क्षेत्र, 2021-23; नामांकित सदस्य, इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस, दिल्ली विश्वविद्यालय; मनोनीत सदस्य, शासी निकाय, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय; सदस्य, डीन समिति, एम्स; सदस्य, 'जेल सेटिंग में मादक द्रव्यों के उपयोग की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय कार्य समूह' पर कार्य समूह, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय; 18-20 जनवरी 2023 को डब्ल्यूएचओ मुख्यालय, जिनेवा में ग्लोबल अल्कोहल एक्शन प्लान (जीएएपी) 2022-2030 के कार्यान्वयन पर व्यावसायिक संघों और शिक्षाविदों के साथ वैश्विक परामर्श में देश का प्रतिनिधित्व किया; एम्स में बीएसएफ कर्मियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन शुरू करने का समन्वय; शराब, मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों और व्यवहार संबंधी व्यसनों पर एन ए एम एस टास्क फोर्स के अध्यक्ष थे, और उन्होंने टास्क फोर्स के सदस्यों के परामर्श से टास्क फोर्स की सिफारिशें विकसित कीं; एम्स, गुवाहाटी, एम्स, जोधपुर, एसजीपीजीआई, लखनऊ, एम्स, एम्स, जम्मू, हरियाणा लोक सेवा आयोग और अन्य सहित कई संस्थानों की चयन समितियों में रहे हैं।

आचार्य अंजू धवन एपीएसआई (एडिक्शन साइकियाट्री सोसाइटी ऑफ इंडिया) की कार्यकारी समिति की सदस्य हैं; जेल सेटिंग में मादक द्रव्यों के उपयोग की रोकथाम और उपचार के लिए राष्ट्रीय स्तर के कार्य समूह के सदस्य; एडीडीआईसीओएन 2022 में सर्वश्रेष्ठ थीसिस पेपर पुरस्कार के लिए जूरी; आईएएसपी 2022 के लिए डॉ वीके वर्मा पुरस्कार के लिए थीसिस पत्रों का मूल्यांकन।

तम्बाकू समाप्ति के लिए डब्ल्यू एच ओ नैदानिक उपचार दिशानिर्देश विकसित करने के लिए **आचार्य सोनाली झांजी** को दिशानिर्देश विकास समूह (जीडीजी) के सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था; "देश के मेडिकल कॉलेजों में तंबाकू समाप्ति केंद्र की स्थापना के लिए परिचालन दिशानिर्देश" का मसौदा तैयार करने के लिए कोर समिति का हिस्सा बनने के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा भारत में तंबाकू समाप्ति सेवाओं में तेजी लाने के लिए आमंत्रित किया गया है। डॉ. जितेंद्र प्रसाद, अपर डीजी, डीटीई.जीएचएस, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अध्यक्षता में गठित "तंबाकू समाप्ति सेवाओं में तेजी लाने के लिए विशेषज्ञ समिति" का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया गया।; व्यसन मनोचिकित्सा में 2-वर्षीय फेलोशिप पाठ्यक्रम के शुभारंभ के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज़ (एनबीईएमएस) द्वारा व्यसन मनोचिकित्सा के विशेषज्ञ बोर्ड के सदस्य के रूप में नामांकित; आईएएसपी 2022 के लिए डॉ वीके वर्मा पुरस्कार के लिए थीसिस पत्रों का मूल्यांकन।

आचार्य अतुल अंबेकर को अप्रैल 2022 में नेशनल रिसोर्स सेंटर फॉर नॉन-कम्युनिकेबल डिजीज, तिरुवल्ला, केरल एवं अल्कोहल एंड ड्रग इंफॉर्मेशन सेंटर (एडीआईसी) द्वारा "गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम और नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान के लिए मेधावी पुरस्कार" से सम्मानित किया गया, भारत; मार्च 2023 में वियना में स्वापक औषधि आयोग (सीएनडी) के 66वें सत्र में भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में भारत सरकार द्वारा नामांकित। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से एक बयान दिया गया; भारत-अमेरिका द्विपक्षीय काउंटर नारकोटिक्स वर्किंग ग्रुप (CNWG) की बैठक (जुलाई 2022) में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया; गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'दोहरे उपयोग' रसायनों तथा चिकित्सकों द्वारा निर्धारित दवाओं और पूर्ववर्तियों की अवैध तस्करी पर गठित अंतर-मंत्रालयी विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामांकित; नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले लोगों पर राष्ट्रीय तकनीकी संसाधन समूह, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, भारत सरकार के अध्यक्ष के रूप में नामांकित; एनएपीडीडीआर के तहत नशेड़ियों के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्र (आईआरसीए) के वर्तमान मॉडल की समीक्षा के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में नामांकित - सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; एनएपीडीडीआर के तहत जिला नशामुक्ति केंद्र (डीडीएसी) की स्थापना के लिए परियोजना चयन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित - सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार; सह-अध्यक्ष, व्यसन मनोरोग उप-समिति, सार्क मनोरोग महासंघ (एसपीएफ) के रूप में नामांकित; सलाहकार, व्यसनी विकार विशेषता अनुभाग, भारतीय मनोरोग सोसायटी के रूप में नामांकित; नशीली दवाओं का उपयोग करने वाले एशियाई लोगों के नेटवर्क (बैंकॉक, थाईलैंड) के निरीक्षण सलाहकार बोर्ड में सदस्य (मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ) के रूप में नामांकित; एम्स, देवघर और एम्स, भुवनेश्वर में मनोचिकित्सा विभाग में संकाय/कर्मचारियों के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नामांकित।

आचार्य रचना भार्गव जर्नल ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ सोशल साइकिएट्री में एसोसिएट-कम-स्पेशलिटी एडिटर थीं; महासचिव, इंडियन एसोसिएशन ऑफ चाइल्ड एंड एडोलेसेंट मेंटल हेल्थ; दिल्ली विश्वविद्यालय में पीएचडी मौखिक परीक्षा के लिए बाहरी परीक्षक; एमफिल परीक्षा (क्लिनिकल साइकोलॉजी) कश्मीर विश्वविद्यालय के लिए पेपर सेटिंग के लिए बाहरी विशेषज्ञ; पालन-पोषण गृहों के

लिए जिला निरीक्षण समिति के सदस्य; मुंबई में आईएसीएएम के सीएमई के लिए वैज्ञानिक कार्यक्रम प्रभारी; शिशु, बाल, किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन, 23 अप्रैल 2022; Y-20 इंडिया समिट 2023 में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ, स्वास्थ्य, कल्याण और खेल पर विचार-मंथन कार्यशाला, 29 मार्च 2023, दिल्ली।

डॉ. जीएस कलोइया: राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र में 6 जून 2022 से 18 जून 2022 तक कॉलेज शिक्षकों के लिए व्यसन पर 12 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया; राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र में दिनांक 10 और 11 मार्च 2023 को सोसायटी फॉर एडिक्शन साइकोलॉजी का पहला वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया।

डॉ प्रभु दयाल भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) में संसाधन व्यक्ति हैं, उन्होंने 6 से 18 जून 2022 तक राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, एम्स नई दिल्ली में आयोजित सामाजिक विज्ञान के सरकारी कॉलेज शिक्षकों (सहायक आचार्य स्तर) के लिए 12 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रायोजित किया है; चिकित्सा मूल्यांकन और रेटिंग बोर्ड, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करने के लिए समन्वयक नियुक्त किया गया।

डॉ. सिद्धार्थ सरकार को युवा अन्वेषक के रूप में NIDA ISAM ट्रैवल फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया; डॉ. महादेव सिंह सेन ने वर्ष 2022 के लिए इंडियन एसोसिएशन फॉर सोशल साइकाइट्री का अनिल मल्होत्रा पुरस्कार जीता; भारतीय मनोरोग सोसायटी की आपातकालीन मनोचिकित्सा और न्यूरोस्टिम्यूलेशन तकनीकों पर दिशानिर्देश समिति के संयोजक; इंडियन जर्नल ऑफ साइकाइट्री और इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइकाइट्री के उप संपादक; कई पत्रिकाओं के संपादकीय बोर्ड में कार्यरत; भारतीय मनोरोग सोसायटी, उत्तरी क्षेत्र की पुरस्कार समिति के सह-अध्यक्ष।

डॉ. रोशन भड़ क्लिनिकल विज्ञान के तहत "दिल्ली, भारत में मोबाइल मेथाडोन डिस्पेंसिंग: कार्यान्वयन अनुसंधान" शीर्षक से उत्कृष्ट प्रकाशन के लिए "एम्स उत्कृष्टता अनुसंधान पुरस्कार 2021" के प्राप्तकर्ता हैं; वैलेटा, माल्टा (4-7 अक्टूबर 2022) में इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) की 23वीं वार्षिक कांग्रेस में "वट इस नेक्सट?" शीर्षक से एक पूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया था। महामारी के बाद की दुनिया में व्यसन की दवा को नया आकार देने में शुरुआती करियर पेशेवरों की भूमिका"। सम्मेलन में 55 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया; इंटरनेशनल सोसाइटी ऑफ एडिक्शन मेडिसिन (आईएसएएम) की ओर से "ग्लोबल अल्कोहल एक्शन प्लान मीटिंग - डब्ल्यूएचओ मुख्यालय - 18 जनवरी 2023, 09:00 (यूरोप/ज्यूरिख)" में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

डॉ. शालिनी सिंह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की एसोसिएट फेलो हैं।

10.7 तंत्रिका विज्ञान केंद्र

प्रमुख विशिष्टताएं

वर्ष 2022-23 में, तंत्रिका विज्ञान केंद्र ने रोगी देखभाल, अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखा। तंत्रिका विज्ञान विभाग ने 'तंत्रिका विज्ञान में नवाचारों के माध्यम से पूर्णता की खोज' विषय पर 18वीं एशियन ओशिएनियन कांग्रेस ऑफ तंत्रिका विज्ञान (एओसीएन) और 29वीं इंडियन एकेडमी ऑफ तंत्रिका विज्ञान के वार्षिक सम्मेलन का आयोजन किया। आचार्य पद्मा ने 'विज्ञान में महिलाओं के लिए मेट्रो डोरा उत्कृष्टता पुरस्कार 2022' प्राप्त किया और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी 2022 द्वारा प्रतिष्ठित आनंदीबाई जोशी व्याख्यान दिया। आचार्य मंजरी त्रिपाठी मिर्गी सर्जरी उप-आयोग के लिए आईएलएई के साथ कार्य करती रहीं। आचार्य रोहित भाटिया को योग और माइग्रेन पर उनके काम के लिए संस्थान अनुसंधान दिवस पर पुरस्कार प्रदान किया गया।

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने 3269 से अधिक तंत्रिका शल्यक प्रक्रियाएं निष्पादित कीं। गामा-नाइफ केंद्र में, जीकेआरएस के 655 मामले निष्पादित किए गए। इसके अलावा, इस विभाग ने 18 से 20 फरवरी 2023 तक 25वीं वार्षिक माइक्रो-न्यूरोसर्जरी कार्यशाला, 7वीं एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस 2023, एम्स वार्षिक स्पाइन वर्कशॉप स्पाइन कॉन 2022 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, ओसाका जापान के आचार्य ताकेओ गोटो, थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी, यूएसए के आचार्य अश्विनी शरण और इटली के आचार्य फ्रेंको सर्वसेई सहित न्यूरोसर्जरी के दिग्गजों ने विभाग का दौरा किया।

तंत्रिका संवेदनाहरण एवं गंभीर उपचार विभाग ने 3355 तंत्रिका शल्यक प्रक्रियाओं और 755 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 517 और एमआरआई सूट में 238) के लिए एनेस्थेटिक उपचार किया। कुल 1850 आईसीयू रोगियों का गहन देखभाल उपचार किया गया। एनएससी में प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में कुल 8512 मरीज (4961 नए और 3551 पुराने) देखे गए। विभाग ने न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) और एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022 का तीसरा वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया।

तंत्रिका विकृति विभाग ने नैदानिक सेवाएं (कुल 2427 मामले) संचालित कीं और शिलांग में तंत्रिका विकृति में सीएमई और फ्लोरेसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन (फिश) पर कार्यशाला आयोजित की।

तंत्रिका विज्ञान विभाग

आचार्य एवं अध्यक्ष

एम.वी. पद्मा श्रीवास्तव

आचार्य

मंजरी त्रिपाठी	अचल श्रीवास्तव	रोहित भाटिया
ममता भूषण सिंह		दीप्ति विभा

सह-आचार्य

विष्णु वी.वाई.		रूपा राजन
अवध किशोर पंडित		राजेश कुमार सिंह

सहायक आचार्य

अनु गुप्ता	इलावरासी	अनिमेष दास
दिव्या एम.आर.	आयुष अग्रवाल	दिव्यानी गर्ग (झज्जर)
जेस्मिन परिहार (झज्जर)		बिश्वमोहन मिश्रा

विशिष्टताएं

वर्ष 2022-23 में, तंत्रिका विज्ञान विभाग ने रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण में नई ऊंचाइयों को छूना जारी रखा। इस वर्ष यह विभाग नई दिल्ली, भारत में 'न्यूरोलॉजी में नवाचारों के माध्यम से पूर्णता की खोज' विषय पर आयोजित 18वीं एशियाई ओसियानियन कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजी (एओसीएन) और भारतीय न्यूरोलॉजी अकादमी के 29वें वार्षिक सम्मेलन की आयोजन समिति का हिस्सा था। विभाग ने 243 प्रकाशन तैयार किए, विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर 70 पोस्टर/मौखिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं और यह विभाग, 67 करोड़ रुपये की वैज्ञानिक परियोजनाएँ चला रहा है। संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स ने संस्थान के लिए कई पुरस्कार हासिल किए। आचार्य पद्मा ने 'विज्ञान में महिलाओं के लिए मेट्रो डोरा उत्कृष्टता पुरस्कार 2022' प्राप्त किया और भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी 2022 द्वारा प्रतिष्ठित आनंदीबाई जोशी व्याख्यान दिया। आचार्य मंजरी त्रिपाठी, मिर्गी सर्जरी उप आयोग, न्यूरोफिज़ियोलॉजी टास्क फोर्स, स्टिग्मा टास्क फोर्स और आईबीई की ड्राइविंग टास्क फोर्स के लिए आईएलएई के साथ कार्य करती रहीं। आचार्य रोहित भाटिया को योग और माइग्रेन पर उनके काम के लिए संस्थान अनुसंधान दिवस पर पुरस्कार प्रदान किया गया। डॉ. रूपा राजन को डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस क्लिनिकल पब्लिक हेल्थ इंटरमीडिएट करियर फेलोशिप से सम्मानित किया गया। डॉ. विष्णु वीवाई को वर्ल्ड मसल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2022 में एफएसएचडी जेनेटिक्स पर अपने पोस्टर के लिए एल्वियर पुरस्कार मिला। डॉ. आयुष अग्रवाल, वर्ष 2022-24 के लिए वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन-फ्यूचर लीडर्स प्रोग्राम (डब्ल्यूएसओ-एफएलपी) के प्राप्तकर्ता बने। डॉ. दिव्यानी गर्ग को मूवमेंट डिसऑर्डर सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा एनल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर 2022-2023 पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ समीक्षा

शोधपत्र का पुरस्कार मिला। विभाग ने 89,558 बाह्य रोगियों, 3,207 आंतरिक रोगियों और 9519 प्रयोगशाला प्रक्रियाओं के लिए अपनी सेवाएँ प्रदान कीं।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

1. 18वीं एशियन ओशिएनियन कांग्रेस ऑफ न्यूरोलॉजी (एओसीएन) और इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी का 29वां वार्षिक सम्मेलन, 3-6 नवंबर 2022, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान: 84

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
49	41	84

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची: 71

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
20	19	71

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. आईसीएमआर केयर-स्ट्रोक रिकवरी के लिए उन्नत न्यूरोअसिस्टिव टेक्नोलॉजी केंद्र, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 5 वर्ष, 2021-2025, 5 करोड़ रुपये
2. स्मार्टफोन आधारित टेलीस्ट्रोक बनाम 'स्ट्रोक फिजिशियन' के नेतृत्व वाला एक्यूट स्ट्रोक प्रबंधन (स्मार्ट इंडिया): एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021- 2025, 1.5 करोड़ रुपये
3. डिमेंशिया की रोकथाम के लिए जोखिम वाले बुजुर्ग भारतीयों में रणनीतिक मल्टीमॉडल हस्तक्षेप: स्मृति, एमवी पद्मा श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022- 2025, 4.9 करोड़ रुपये
4. संपूर्ण-मेटागेनोमिक शॉटगन अनुक्रमण का उपयोग करके दवा-दुर्दम्य मिर्गी के रोगियों में आंत माइक्रोबायोटा डिस्बिओसिस की जांच के लिए एक केस-नियंत्रण अध्ययन, मंजरी त्रिपाठी, आईसीएमआर/डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 5901627 रुपए
5. इम्पेटस स्ट्रोक: भारत में मेडिकल कॉलेजों में यूनिफोर्म स्ट्रोक देखभाल और परिणामों के लिए एक मूल्यांकन और उपचार पैकेज का कार्यान्वयन: एक कार्यान्वयन अनुसंधान अध्ययन, रोहित भाटिया, डीएचआर-आईसीएमआर, 2 वर्ष, अक्टूबर 2021, अक्टूबर 2023, 4 करोड़ रुपये, 22 कार्य-स्थलों के लिए
6. इंडियन मल्टीपल स्केलेरोसिस एंड अलाइड डिमाइलिंगेटिंग रजिस्ट्री ऑफ इंडिया एंड रिसर्च नेटवर्क, टास्क फोर्स प्रोजेक्ट, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3+2 वर्ष, अगस्त 2021, अगस्त 2025, 21 कार्य-स्थलों के लिए शुरुआत में 3.5 करोड़ रुपये

7. बड़े वेसल अवरोधों के कारण तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के लिए एंडोवैस्कुलर थेरेपी के दौरान बायोसिमिलर टीएनके बनाम टीपीए का यादृच्छिक परीक्षण: री-ओपन, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, मार्च 2022, मार्च 2025, प्रति वर्ष 28 लाख रुपये
8. स्टेनोसिस; इंट्राक्रानियल एथेरोस्क्लोरोटिक रोग के कारण इस्केमिक स्ट्रोक से पीड़ित रोगियों में दीर्घकालिक एकल बनाम दोहरी एंटीप्लेटलेट थेरेपी : एक यादृच्छिक परीक्षण, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3 वर्ष, मार्च 2022, मार्च 2025, प्रति वर्ष 12 लाख रुपये
9. एमएस में अनुभूति: क्रॉस सेक्शनल और लॉंगिट्यूडिनल अध्ययन, एम्स और पीजीआईएमईआर सहयोगात्मक अध्ययन, रोहित भाटिया, डीएसटी, 3 वर्ष, जुलाई 2021, जुलाई 2024, 90 लाख रुपये, 2 कार्य-स्थल
10. एचबीएसआर: भारत की अस्पताल आधारित स्ट्रोक रजिस्ट्री, रोहित भाटिया, साइट पीआई, आईसीएमआर, एनसीडीआईआर, 3 वर्ष, 2020-2024, 5 लाख रुपये वार्षिक
11. आंतरिक: सहज इंट्रासेरेब्रल रक्तस्राव में ट्रैनेक्सेमिक एसिड का भारतीय परीक्षण, आईसीएमआर, रोहित भाटिया, साइट पीआई, आईसीएमआर, 4 वर्ष, मार्च 2022, मार्च 2026, प्रति वर्ष 1.9 लाख रुपये
12. क्या प्राथमिक देखभाल स्तर पर क्षमता निर्माण से छत्तीसगढ़ में मिर्गी देखभाल तक पहुंच में सुधार हो सकता है? एक कार्यान्वयन अनुसंधान, ममता भूषण, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 99,10,600 रुपए
13. स्ट्रोक के बाद गैर-धाराप्रवाह वाचाघात की स्थिति में पुनर्वास के लिए संगीत चिकित्सा: भारतीय अनुकूलन, दीप्ति विभा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 59,80,795.20 रुपए
14. हिरायमा रोग के प्रबंधन के लिए पोस्टीरियर सर्वाइकल फिक्सेशन बनाम दीर्घकालिक सर्वाइकल कॉलर: भविष्यलक्षी रैंडमाइज्ड ओपन ब्लाइंड एंडपॉइंट (प्रोब), चरण III अध्ययन, दीप्ति विभा, एम्स इंटरडिसिप्लिनरी कोलैबोरेटिव इंट्राम्यूरल रिसर्च प्रोजेक्ट, 2 वर्ष, 2023-2025, 20,00,000 रुपये
15. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों में मानक उपचार के साथ-साथ पीएमजेड-1620 की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक भविष्यलक्षी, बहुकेंद्रित, यादृच्छिक, डबल-ब्लाइंड, समानांतर, चरण III नैदानिक अध्ययन, दीप्ति विभा, फार्माज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, 4 वर्ष, 2019-2023, 7,48,000 रुपये
16. स्ट्रोक के बाद होने वाले दौरे (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेतिरसेटम का एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन-जांचकर्ता द्वारा आरंभिक अकादमिक परीक्षण, विष्णु वीवाई, एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, 6 वर्ष, 2018-2024, 28 लाख रुपये
17. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020- 2023, 49 लाख रुपये
18. इंट्राक्रानियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरसेटम के साथ पोस्ट-स्ट्रोक दौरे की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, विष्णु वीवाई, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021- 2024, 78 लाख रुपये

19. संपूर्ण-एक्सोम अनुक्रमण का उपयोग करके प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस के एक समूह के बीच आनुवंशिक वास्कुलोपैथी की पहचान, विष्णु वीवाई, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021- 2023, 10 लाख रुपये

20. भारत में एफएसएचडी की आनुवंशिक संरचना की पहचान, विष्णु वीवाई, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023- 2026, 80 लाख रुपये

21. स्पाइरल डीएक्स: कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके कंपकंपी का निदान और क्वांटिफिकेशन, रूपा राजन, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 1,06,49,600 रुपए

22. भारत में पार्किंसंस रोग की आनुवंशिक संरचना (जीएपी-इंडिया), रूपा राजन, माइकल जे फॉक्स फाउंडेशन, 4 वर्ष, 2021-2023, 75,00,000 रुपये

23. स्ट्रोक के रोगियों में स्वॉलोग्राफी के लिए पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, एम्स-आईआईटी दिल्ली के बीच सहयोगात्मक परियोजना, अवध किशोर पंडित, इंट्राम्यूरल प्रोजेक्ट एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2023 -2025, 20 लाख रुपये

24. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के अंतर्निहित साक्ष्य आधारित हस्तक्षेपों का लागत प्रभावी विश्लेषण: एक तृतीयक देखभाल अस्पताल, दिल्ली, भारत में मरीजों का पूर्वव्यापी अध्ययन (डीएचआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण के लिए अनुमोदित), अवध किशोर पंडित, डीएचआर, भारत सरकार, 18 महीने, 2021 -2023, 6,51,240 रुपये

25. 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरू होने वाले तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों की इमेजिंग में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग थेरेपी-एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन (इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण), अवध किशोर पंडित, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2020-2022, 8 लाख रुपए

26. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले पात्र विंडो रोगियों में 4.5 से 24 घंटे की इमेजिंग में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावकारिता और सुरक्षा (विज्ञान और इंजीनियरिंग बोर्ड, डीएसटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण), अवध किशोर पंडित, डीएसटी एसईआरबी, 3 वर्ष, 2022-2025, 32 रुपये,14,400

27. तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप का उपचार: एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण: (स्ट्रोक देखभाल अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार (एफईएसएसएच) चरण- II (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण), पीआई: डॉ कामेश्वर प्रसाद, नोडल सेंटर के पीआई: अवध किशोर पंडित, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 6,90,660 रुपए

28. ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस के निदान में सीएसएफ प्रदाहक मार्कर्स, राजेश कुमार सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 9,25,000.00 रुपए

29. तपेदिक मैनिंगजाइटिस में ऑप्टोचियास्मैटिक एराक्नोइडाइटिस के उपचार के रूप में थैलिडोमाइड: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक ओपन ब्लाइंड एंडपॉइंट (प्रोब) अध्ययन, राजेश कुमार सिंह, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 24,59,466.00 रुपए

30. उम्र और लिंग मिलान नियंत्रण की तुलना में, टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले बुजुर्ग मरीजों में, जो डिमेंशिया के उच्च जोखिम में हैं, उनका ग्लाइसेमिक नियंत्रण और अन्य चयापचय जोखिम कारकों के संबंध में संज्ञानात्मक न्यूनता की व्यापकता और घटना का मूल्यांकन करना, अनु गुप्ता, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 2023 में 6 महीने के लिए बिना लागत विस्तार के, 46 लाख रुपये
31. प्रारंभिक और देर से शुरू होने वाले डिमेंशिया में क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल प्रोफाइल, जोखिम संबंध, देखभाल करने वाले का बोझ और क्लिनिकल परिणाम, अनु गुप्ता, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, 2 वर्ष, 2021-2023, 8,15,000 रुपये
32. केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में दुर्दम्य प्रोलिफ़ेरेटिव एराक्नोइडाइटिस के उपचार में साइक्लोफॉस्फ़ामाइड की प्रभावकारिता और सुरक्षा, तपेदिक, यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण, इलावरसी ए, एम्स इंट्राम्यूरल अनुसंधान परियोजना, 2 वर्ष, 2021-2023, 620000 रुपये
33. चाल में रुकावट (एफओजी) के साथ पार्किंसंस रोग के रोगियों में पूरक मोटर क्षेत्र (एसएमए) पर दोहराए जाने वाले आरटीएमएस के प्रभावों का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक शैम नियंत्रित अध्ययन, एलावरसी ए, आईसीएमआर एक्स्ट्रामुरल प्रोजेक्ट : 3 वर्ष, 2023-2026, 35,86,994 रुपये
34. गति विकार के रोगियों में गति रुकने के साथ पूरक मोटर क्षेत्र में दोहरावदार ट्रांस क्रेनियल चुंबकीय उत्तेजना के प्रभावों का मूल्यांकन-एक यादृच्छिक शम नियंत्रित अध्ययन, दिव्या एमआर, आईसीएमआर, नई दिल्ली, भारत, 3 वर्ष, 2021 -2024, 24 लाख रुपये
35. हंटिंग्टन रोग और अन्य वंशानुगत कोरिया रोगियों की नैदानिक और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल, दिव्या एमआर, एम्स इंट्राम्यूरल रिसर्च ग्रांट, 2 वर्ष, 2021 -2023, 8 लाख रुपये
36. सेंट्रल नर्वस सिस्टम ट्यूबरकुलोसिस के निदान और उपचार में सुधार में शैक्षिक हस्तक्षेप की भूमिका-एक क्लस्टर रैंडमाइज्ड ट्रायल (रेड-टीबी ट्रायल), वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी ग्रांट इन एड 2021, दिव्या एमआर, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोलॉजी, 2 वर्ष, 2022 -2024, 18.5 लाख रुपये
37. स्पोरेडिक एडल्ट-ऑनसेट एटेक्सिया (एसएओए) में रैपिड आई मूवमेंट (आरईएम) व्यवहार संबंधी विकार का मूल्यांकन-एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन, अनिमेष दास, आईसीएमआर, दिल्ली, 3 वर्ष, 2021- 2024, 25.08 लाख रुपये
38. एक्यूट ऑप्टिक न्यूरिटिस (डॉन) में दृश्य कार्य में सुधार के लिए डैल्फैम्प्रिडीन-एक यादृच्छिक प्लेसिबो नियंत्रित चरण 2 परीक्षण, अनिमेष दास, डीएचआर, भारत सरकार, 2 वर्ष, 2022-2024, 29.37 लाख रुपये
39. उत्तर भारतीयों में एंटीलेप्टिक दवाओं के प्रति अतिसंवेदनशीलता प्रतिक्रिया के लिए एचएलए से संबंधित आनुवंशिक प्रवृत्ति - एक केस नियंत्रण अध्ययन, अनिमेष दास, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021, 2023, 10 लाख रुपये
40. एनबीआईए के उप-प्रकारों के वर्गीकरण के लिए एक इमेजिंग आधारित एल्गोरिदम का विकास, अचल कुमार श्रीवास्तव, एम्स इंट्राम्यूरल ग्रांट, 2 वर्ष, 2021-2023, 5 लाख रुपये

41. भारत में वंशानुगत गतिभंग में दुर्लभ उत्परिवर्तन और नवीन जीन खोज के लिए बड़े पैमाने पर व्यापक नैदानिक और जीनोमिक्स कार्यनीति- (चेंजर), अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 1.49 करोड़ रुपये

42. अल्जाइमर रोग में संज्ञानात्मक गिरावट में सुधार के लिए शक्तिशाली फाइटोकेमिकल्स की खोज के लिए एकीकृत आणविक मॉडलिंग और इन-विवो कार्यनीति, अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 48 लाख रुपये

43. पोस्ट-एक्यूट कोविड-19 न्यूरोलॉजिकल सीक्वेल: कोविड-19 और न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों के डेटा स्रोतों को एकीकृत करके आणविक हस्ताक्षरों को समझना और उनका सत्यापन करना, अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 48.97 लाख रुपये

44. फ्रैटैक्सिन के विनियामक तत्वों में लोंग रेंज, सीआईएस-एक्टिंग प्रकार्यात्मक विविधताएं: फ्रेडरिक गतिभंग में नए चिकित्सीय लक्ष्य, अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 89 लाख रुपये

45. फ्रेडेरिच गतिभंग में नैदानिक परिणाम उपाय-एफएसीओएमएस, अचल कुमार श्रीवास्तव, फ्रेडरिच’स एटेक्सिया रिसर्च एलायंस (एफएआरए) 533 डब्ल्यू उच्लान एवेन्यू, डाउनिंग टाउन, पीए 19335, संयुक्त राज्य अमेरिका, 1 वर्ष (विस्तार योग्य), 1 दिसंबर 2022, 30 नवंबर 2023, 7910000 रुपए

46. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित भविष्यलक्षी समूह अध्ययन: एक अंतर-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, अचल कुमार श्रीवास्तव, डीबीटी, 7 वर्ष, 2017-2024, 32 करोड़ रुपये

47. गहन लक्षित नैदानिक अनुक्रमण के माध्यम से घाव रहित संबंधी मिर्गी, सिंड्रोम के नैदानिक-आनुवंशिक संबंध को उजागर करना", अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 70 लाख रुपये

48. ब्रेन आयरन एक्युमुलेशन (एनबीआईए) के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन के उप-प्रकारों के वर्गीकरण के लिए इमेजिंग-आधारित एल्गोरिदम का विकास, अचल कुमार श्रीवास्तव, एम्स, 2 वर्ष, 2022-2023, 6 लाख रुपये

पूर्ण

1. ट्यूबरकुलर मेनिंगजाइटिस के रोगियों में मानक चिकित्सा उपचार में केवल एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल के साथ ऐड-ऑन थेरेपी की प्रभावकारिता का आकलन करने के लिए एक यादृच्छिक परीक्षण: एसीटी-टीबीएम, रोहित भाटिया, आईसीएमआर, 3.5 वर्ष, अगस्त 2019, फरवरी 2024, 80 लाख रुपए

2. एसईएनएसई अध्ययन: इंट्राक्रानियल रक्तस्राव की निगरानी करने के लिए एसईएनएसई डिवाइस की क्षमता का मूल्यांकन करने के लिए एक भविष्यलक्षी, दो-चरणीय, गैर-यादृच्छिक, बहु-केंद्रीय आंतरिक रोगी तुलना अध्ययन, रोहित भाटिया, साइट पीआई, एसईएनएसई डायग्नोस्टिक्स इंक, 1 वर्ष, 2022-2023, 6.7 लाख रुपये

3. एमियोट्रॉफ़िक लेटरल स्क्लेरोसिस वाले भारतीय रोगियों का जीनोमिक और प्रोटिओमिक लक्षण वर्णन, एम्स-आईआईटी परियोजना, रोहित भाटिया, एम्स-आईआईटी, 2 वर्ष, 2021-2023, 10 लाख रुपये

4. ट्यूबरकुलस मेनिंगजाइटिस (टीबीएम) के लिए 9 महीने, 12 महीने और 18 महीने के एंटी-ट्यूबरकुलर उपचार (एटीटी) की प्रभावकारिता का निर्धारण: एक यादृच्छिक नियंत्रित, हीनता रहित परीक्षण, दीप्ति विभा, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, 3 वर्ष, 2019-2022, 40,52,121 रुपये

5. भारतीय आबादी में फेसियोस्कैपुलोहुमरल मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (एफएसएचडी) के आनुवंशिक कारणों की पहली जांच, विष्णु वीवाई, एम्स-यूसीएल इंट्राम्यूरल अनुदान, 1 वर्ष, 2021-2022, 10 लाख रुपये

6. संसाधन-सीमित सेटिंग्स में स्ट्रोक के शीघ्र निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल: पायलट अध्ययन: आईआईटी दिल्ली, विष्णु वीवाई, डीबीटी, भारत सरकार के साथ एक सहयोगी परियोजना, 3 वर्ष, 2019-2022, 70 लाख रुपये

7. इंडियन मूवमेंट डिसऑर्डर रजिस्ट्री एंड बायोबैंक: मूवमेंट डिसऑर्डर वाले भारतीय रोगियों में नैदानिक और आनुवंशिक मूल्यांकन, रूपा राजन, डीबीटी, 4 वर्ष, 2018-2022, 28772170 रुपए

8. भारतीय डिस्टोनिया के आनुवंशिक परिदृश्य को उजागर करना: एक क्रोमोसोमल माइक्रोएरे कार्यनीति, रूपा राजन, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2023, 1000000 रुपये

9. एसेंशियल ट्रेमर और एसेंशियल ट्रेमर प्लस के इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल हस्ताक्षरों की खोज, रूपा राजन, यूसीएल-एम्स, 1 वर्ष, 2021-2022, 500000 रुपये

10. कोविड-19 रोगियों में इंट्राक्रानियल म्यूकोर्मिकोसिस-एक केस नियंत्रण अध्ययन, अवध किशोर पंडित, इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2019-2020, 4,87,000 रुपये

11. कम दृष्टि के साथ या उसके बिना इडियोपैथिक इंट्राक्रैनियल उच्च रक्तचाप में रोगी सीएसएफ बायोमार्कर की पहचान करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन, अवध किशोर पंडित, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 2.5 लाख रुपये

12. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी (एमटीएलई) के रोगियों में एटीएफ 3 और टीजीएफβ सिग्नलिंग की भूमिका को समझना, राजेश कुमार सिंह, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2018-2020, 9,44,000.00 रुपये

13. मिर्गी के रोगियों में ड्राइविंग करते समय सिर की चोट के बारे में जागरूकता: एक निवारक और सार्वजनिक शिक्षा अध्ययन, दिव्या एमआर, आईसीएमआर, नई दिल्ली, भारत, 3 वर्ष + 6 महीने का विस्तार, 2019-2023, 26 लाख रुपये

14. गहन लक्षित नैदानिक अनुक्रमण का उपयोग करके डिस्टोनिया के स्पेक्ट्रम का नैदानिक और आनुवंशिक लक्षण वर्णन, अचल कुमार श्रीवास्तव, आईसीएमआर, तीन वर्ष, सितंबर 2019, अगस्त 2022, 60 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या आधारित भविष्यलक्षी समूह अध्ययन: एक परा-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य (डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
2. पोस्ट स्ट्रोक दौरे (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेतिरसेटम का एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन, एम्स प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस रजिस्ट्री
3. एक्स्ट्राक्रैनियल आंतरिक कैरोटिड धमनी एथेरोस्क्लोरोटिक रोग और प्री एवं पोस्ट कैरोटिड धमनी पुन: संवहनीकरण (कैरोटिड धमनी स्टेंटिंग और कैरोटिड एंड-आर्टेक्टोमी) के कारण इस्केमिक स्ट्रोक के मामलों में ऑप्टिकल सुसंगतता टोमोग्राफी एंजियोग्राफी का मूल्यांकन करने के लिए एक खोजपूर्ण अध्ययन-एक भविष्यलक्षी कोहोर्ट अध्ययन
4. एससीए-12 की गैर-अटैक्सिक अभिव्यक्तियों का विश्लेषण
5. 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरू होने वाले तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों की इमेजिंग में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग थेरेपी-एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन (इंट्राम्यूरल ग्रांट, एम्स, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण)
6. एंटी-एमओजी एंटीबॉडी से संबंधित न्यूरोलॉजिकल विकारों का क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम-एक सर्वलक्षी अवलोकन अध्ययन।
7. कैरोटिड धमनी हस्तक्षेप में इंट्रावास्कुलर अल्ट्रासाउंड (आईवीयूएस) की नैदानिक उपयोगिता-एक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण
8. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग टाइप 12 का क्लिनिको-फेनोटाइपिक उप-प्रकार खोजना
9. हाइपरट्रॉफिक पैचीमेनिंगजाइटिस में क्लिनिको-रेडियोलॉजिकल प्रोफ़ाइल और उपचार के परिणाम: एक पूर्वव्यापी अध्ययन
10. मायस्थेनिक संकट और आसन्न मायस्थेनिक संकट वाले रोगियों की क्लिनिकोडेमोग्राफिक विशेषताएं और परिणाम-एक सर्वलक्षी अध्ययन
11. माइग्रेन के रोगियों में संज्ञानात्मक हानि, इसके जोखिम संबंध और घटना संबंधी संभावित P300
12. पीएसपी के विभिन्न फेनोटाइपिक वेरिएंट के साथ एफडीजी-पीईटी निष्कर्षों का सहसंबंध
13. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के अंतर्निहित साक्ष्य आधारित हस्तक्षेपों का लागत प्रभावी विश्लेषण: एक तृतीयक देखभाल अस्पताल, दिल्ली, भारत में मरीजों का पूर्वव्यापी अध्ययन (डीएचआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषण के लिए अनुमोदित)
14. ट्यूबरकुलर मैनिंगजाइटिस/स्पाइनल ट्यूबरकुलर एराक्नोइडाइटिस में इमेजिंग निष्कर्षों की नैदानिक सटीकता और ट्यूबरकुलर मैनिंजाइटिस, स्पाइनल ट्यूबरकुलर एराक्नोइडाइटिस के रोगियों में परिणामों के साथ इसका सहसंबंध

15. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग 12 के रोगियों में कंपकंपी में प्रोप्रानोलोल की प्रभावकारिता- एकल केंद्र डबल ब्लाइंड यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित पायलट अध्ययन
16. माइग्रेन का पता लगाने में स्मार्टफोन आधारित डिजिटल एप्लिकेशन की प्रभावकारिता, माइग्रेन के रोगियों में औषधि सेवन के पालन के लिए औषधि अनुस्मारक प्रदान करने और सिरदर्द से संबंधित मापदंडों में सुधार करने में पेपर पेन डायरी की तुलना में सामुदायिक ब्लॉग- एक यादृच्छिक नियंत्रित क्रॉस ओवर परीक्षण
17. एफएक्सएन जीन के नियामक क्षेत्रों में एपिजेनेटिक हस्ताक्षर और विविधताएं तथा उनका सत्यापन: फ्रेडरीक गतिभंग में प्रतिलेखन बाधाओं को समझना
18. विल्सन रोग में मस्तिष्क एमआरआई में मात्रात्मक संवेदनशीलता मानचित्रण की उपयोगिता की खोज
19. तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप उपचार: एक क्लस्टर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (स्ट्रोक देखभाल अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार)" (आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
20. भारत में डिस्टोनिया की आनुवंशिकी: अगली पीढ़ी का अनुक्रमण दृष्टिकोण
21. एकल कोशिका ट्रांसक्रिपटॉमिक्स का उपयोग करके फ्राइडेरिच के एटैक्सिया में रक्त-आधारित बायोमार्कर की पहचान
22. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान (आईसीएमआर, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
23. हाइपरट्रॉफिक पैचीमेसिंगजाइटिस वाले रोगियों की संस्थागत रजिस्ट्री
24. संसाधन सीमित सेटिंग्स में स्ट्रोक के शीघ्र निदान के लिए मशीन लर्निंग मॉडल: पायलट अध्ययन: आईआईटी दिल्ली के साथ एक सहयोगी परियोजना (डीबीटी, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित)
25. मिशन थ्रोम्बेक्टोमी 2020 (एमटी 2020 ऐप) अध्ययन।
26. कंपकंपी का मल्टीमॉडल इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मूल्यांकन: एक मशीन लर्निंग कार्यनीति
27. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग टाइप 12 की गैर-गतिभंग अभिव्यक्तियाँ
28. रीटक्सिमैब के उपचार से गुजर चुके डिमाइलेटिंग विकारों से पीड़ित रोगियों के परिणाम
29. डिमाइलेटिंग विकारों वाले रोगियों में प्लास्मफेरेसिस का परिणाम
30. जीबीएस के विभिन्न उप-प्रकारों में स्वायत्त भागीदारी का पैटर्न और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध।
31. इंट्राक्रानियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरसेटम के साथ पोस्ट-स्ट्रोक दौरे की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण (डीएचआर द्वारा वित्त पोषण के लिए अनुमोदित)

32. पार्किंसंस रोग में मस्तिष्क की गहरी उत्तेजना के परिणामों का पुर्वानुमान करने के लिए मात्रात्मक संवेदनशीलता मानचित्रण

33. मस्कुलर डिस्ट्रॉफी में ओरल प्रेडनिसोलोन का यादृच्छिक परीक्षण

34. अति बुजुर्ग स्ट्रोक रोगियों में नैदानिक प्रोफ़ाइल, जोखिम कारकों और परिणामों का आकलन करने के लिए अध्ययन करना

35. आरएचडी वाले रोगियों में एंटीकोएग्यूलेशन से संबंधित समय और नैदानिक कारक

36. तीव्र स्ट्रोक वाले रोगियों में सेरेब्रल सूक्ष्म रक्तस्राव की उपस्थिति के साथ स्टैटिन उपयोग के संबंध को निर्धारित करना : एक क्रॉस सेक्शनल अध्ययन

37. स्पिनोसेरेबेलर गतिभंग 12 रोगियों में गंभीरता का पैमाना विकसित करना

38. एससीए2 और एससीए12 में शुरुआत के समय उम्र में परिवर्तनशीलता के आनुवंशिक संशोधक का अध्ययन करना

39. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले रोगियों में उच्च रिज़ॉल्यूशन वैसल वॉल चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता का अध्ययन करना।

40. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक (एआईएस) के स्ट्रोक देखभाल रोगियों के लिए अस्पताल में संसाधनों का उपयोग: भविष्यलक्षी समूह अध्ययन

पूर्ण

1. स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप12 में कंपकंपी और चाल की विशेषता
2. सब-एक्यूट स्केलेरोजिंग पैनेंसेफलाइटिस के रोगियों में नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम और परिणाम: एक सर्वलक्षी अध्ययन
3. एंटी माइलिन ऑलिगोडेंड्रोसाइट ग्लाइकोप्रोटीन (एमओजी) एंटीबॉडी से संबंधित न्यूरोलॉजिकल विकारों का क्लिनिकल और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम-एक सर्वलक्षी अवलोकन अध्ययन
4. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक और दीर्घकालिक कार्यात्मक परिणाम के बाद प्रारंभिक न्यूरोलॉजिकल गिरावट: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन
5. विल्सन रोग के रोगियों के फॉलो-अप पर कोविड -19 महामारी का प्रभाव
6. संयोजी ऊतक रोग से संबंधित तंत्रिका संबंधी विकारों का महामारी विज्ञान, नैदानिक और रेडियोलॉजिकल स्पेक्ट्रम-एक सर्वलक्षी अवलोकन अध्ययन
7. विल्सन रोग में मस्तिष्क की चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग में मात्रात्मक संवेदनशीलता मानचित्रण की उपयोगिता की खोज: एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन
8. जीबीएस के विभिन्न उप-प्रकारों में स्वायत्त भागीदारी का पैटर्न और इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल मापदंडों के साथ इसका सहसंबंध।
9. कार्य-विशिष्ट फोकल आर्म डिस्टोनिया में इनफीरियर पार्श्विका लोब्यूल के लिए दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना: एक यादृच्छिक क्रॉसओवर ब्लाइंडेड परिणाम मूल्यांकन अध्ययन

10. एकल केंद्र मूवमेंट डिसऑर्डर क्लिनिक से नशीली दवाओं से प्रेरित मूवमेंट विकारों का पूर्वव्यापी अध्ययन
11. पार्किंसंस रोग में सामाजिक अनुभूति
12. न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर की पैथोफिज़ियोलॉजी में माइक्रोआरएनए की भूमिका: स्पिनोसेरेबेलर एटैक्सिया टाइप 2 (एससीए2)

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. ट्रांसक्रानियल मैग्नेटिक स्टिमुलेशन मेट्रिक्स का उपयोग करके एमियोट्रोफिक लेटरल स्क्लेरोसिस में कॉर्टिको-स्पाइनल एक्साइटेबिलिटी और प्लास्टिसिटी का आकलन करने के लिए एक लोंगिट्यूडिनल अध्ययन, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
2. एनबीआईए के उप-प्रकारों के वर्गीकरण के लिए एक इमेजिंग आधारित एल्गोरिदम का विकास, न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
3. पार्किंसंस रोग और स्कित्सोफ्रेनिया की डोपामाइन-निर्धारित स्थितियों में औषधीय हस्तक्षेप की चिकित्सीय प्रभावकारिता की निगरानी के लिए डिजिटल एलिसा डायग्नोस्टिक्स का विकास, बायोफिजिक्स, एम्स, नई दिल्ली
4. 6-हाइड्रॉक्सी डोपामाइन चूहा मॉडल में संज्ञानात्मक और मोटर फ़ंक्शन पर प्रोबायोटिक्स और बार-बार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
5. गतिमानता उतार-चढ़ाव से पीड़ित पार्किंसंस रोग के रोगियों में अनुभूति और मोटर लक्षणों पर प्रोबायोटिक्स अनुपूरण का प्रभाव, फिजियोलॉजी, एम्स, नई दिल्ली
6. एक्सोसोम आधारित गैर-इनवेसिव (लार और मूत्र) संसूचन तकनीक का विकास, बायोफिज़िक्स, एम्स, नई दिल्ली
7. तीव्र स्ट्रोक में बुखार, हाइपरग्लेसेमिया, निगलने और उच्च रक्तचाप प्रबंधन: एक क्लस्टर यादृच्छिक परीक्षण (स्ट्रोक देखभाल अध्ययन में भारतीय गुणवत्ता सुधार (एसईएसएसएच) चरण- II (भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषण), रिम्स, रांची
8. लेवोडोपा प्रेरित डिस्केनेसिया में निकोटिनिक न्यूरोमॉड्यूलेशन की भूमिका की जांच-एक मल्टीमॉडल अध्ययन क्लिनिकल और आनुवंशिकी लक्षण वर्णन, आईआईटी मुंबई/एनबीआरसी
9. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक मायलोपैथी और हिरयामा रोग के रोगियों में परिणाम का पूर्वानुमान करने में एमआरआई की भूमिका, न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
10. न्यूरोडीजेनेरेटिव रोगों में ट्रेस एमाइन की भूमिका, ओकुलर फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली
11. स्मार्टवियर- पार्किंसनिज़्म में चाल विकारों की निगरानी और हस्तक्षेप के लिए एआई सक्षम पहनने योग्य प्रणाली, आईआईटी गांधीनगर

12. पार्किंसंस रोग में गट ब्रेन अक्ष पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट उत्तेजना और प्रोबायोटिक्स के संयुक्त न्यूरोमॉड्यूलेटरी प्रभावों की जांच करना - एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स दिल्ली
13. स्ट्रोक के रोगियों में स्वॉलोग्राफी के लिए पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), नई दिल्ली

पूर्ण

1. विल्सन रोग के रोगियों की नैदानिक और आनुवंशिक प्रोफ़ाइल-एक भविष्यलक्षी समूह अध्ययन, सीएसआईआर-आईजीआईबी नई दिल्ली
2. पार्किंसंस रोग के रोगियों में न्यूरोजेनिक ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन पर आंतरायिक थीटा बर्स्ट उत्तेजना का प्रभाव, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स दिल्ली
3. पार्किंसंस रोग के एक प्रायोगिक मॉडल में व्यावहारिक गतिविधि और बायोमार्कर स्तर पर मुख्य फाइटोकंपाउंड का प्रभाव: एक इन-सिलिको और इन-विवो अध्ययन, फिजियोलॉजी विभाग, एम्स दिल्ली

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएं	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	36	36	31
कुल वित्त पोषण (लाख)	52,69,95,680 रुपये	79,56,16,918 रुपये	67,97,37,382 रुपये

प्रकाशन

जर्नल: 193 सार: 24 पुस्तक में अध्याय: 22 पुस्तकें और मोनोग्राफ: 1

प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल	**157**	**154**	**240**
जर्नल आलेख	139	115	193
सार	14	30	24
पुस्तकों में अध्याय	4	8	22
पुस्तकें	0	1	1

रोगी देखभाल

विशेष क्लीनिक

- बोटुलिनम टॉक्सिन क्लिनिक
- न्यूरो-इम्यूनोलॉजी क्लिनिक
- न्यूरोमस्कुलर रोग क्लिनिक

- एटेक्सिया क्लिनिक
- स्ट्रोक क्लिनिक
- तंत्रिका-संक्रमण क्लिनिक
- असाध्य मिर्गी क्लिनिक
- संचलन संबंधी विकार और डीबीएस क्लिनिक
- सिरदर्द क्लिनिक

विशेष लैब सुविधा

- तंत्रिका चालन अध्ययन, विकसित क्षमता, इलेक्ट्रोमायोग्राफी, इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी, वीडियो-इलेक्ट्रोएन्सेफलोग्राफी, नींद अध्ययन और ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना के लिए इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी प्रयोगशाला
- न्यूरो-सोनोलॉजी-नैदानिक संकेतों के लिए ट्रांसक्रानियल डॉपलर
- न्यूरोबायोलॉजी प्रयोगशाला (न्यूरोलॉजी विभाग के अंतर्गत) में इन-हाउस ऑटोइम्यून एन्सेफलाइटिस परीक्षण और अन्य ऑटोइम्यून पैनल जैसी नई सुविधाएं जोड़ी जा रही हैं
- बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन सेवाएँ
- न्यूरोसर्जरी विभाग के साथ न्यूरोवस्कुलर मामलों में एक डायग्नोस्टिक डिजिटल सब्ट्रैक्शन एंजियोग्राफी (डीएसए)।

सामुदायिक सेवाएँ/शिविर

- स्ट्रोक, पार्किंसंस रोग और मनोभ्रंश पर सार्वजनिक जागरूकता व्याख्यान और जागरूकता कार्यक्रम (टेलीविजन के माध्यम से)।

रोगी देखभाल

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	32,130	65,378	89,558
कुल अंत: रोगी भर्ती	1,215	2,331	3,207
लैब प्रक्रियाएं	3,326	8,847	9,519

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य पद्मा श्रीवास्तव फ्यूचर लीडर्स प्रोग्राम, वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन, 2022 की फैकल्टी हैं; डब्ल्यूएसओ द्वारा स्ट्रोक 2022 में महिला नामांकन किया गया; आईएओपीओ द्वारा विज्ञान उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 में महिलाओं के लिए मेट्रो-डोरा पुरस्कार उन्होंने प्राप्त किया; एनसीएसटीसी, डीएसटी, 2022, भारत सरकार के तत्वावधान में भारतीय विज्ञान अकादमी सदस्यता 2022; एसईआरबी बोर्ड डीएसटी 2022, भारत सरकार की सदस्य; आईएनएसए द्वारा आनंदीबाई जोशी व्याख्यान, 2022; एपीएनईयूआरओ कॉन 2022 द्वारा डॉ. मुरलीधर राव व्याख्यान; स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप नियंत्रण पहल 2022 के लिए आईएमए स्थायी समिति की सदस्य; सदस्य कार्यकारी परिषद्, पीबीडीएस स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा।

आचार्य मंजरी त्रिपाठी एनएचएसआरसी, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की विकलांगता टास्क फोर्स, राष्ट्रीय आवश्यक औषधि सूची फॉर्मुलेशन की सलाहकार हैं और आयुष्मान भारत -एबी पीएम-जेएवाई की विशेषज्ञ हैं तथा मानक उपचार प्रवाह-एसटीएफ-आईसीएमआर की सह-अध्यक्ष हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वह मिर्गी सर्जरी उप आयोग, न्यूरोफिज़ियोलॉजी टास्क फोर्स स्टिग्मा टास्क फोर्स और आईबीई की ड्राइविंग टास्क फोर्स के लिए आईएलएई के साथ जुड़ी हुई हैं।

आचार्य रोहित भाटिया को योग और माइग्रेन आरसीटी के अध्ययन पर प्रकाशन के लिए एम्स, दिल्ली, संस्थान अनुसंधान दिवस पर पुरस्कार प्राप्त हुआ। वह डीजीएचएस नई दिल्ली के तहत केंद्रीय सरकारी अस्पतालों, दिल्ली में स्ट्रोक कमांड सेंटर स्थापित करने वाली समिति के सदस्य हैं। उन्हें आंध्र मेडिकल कॉलेज, विशाखापत्तनम द्वारा 16वां वार्षिक एनडाउमेंट व्याख्यान देने के लिए अगस्त 2022 में आमंत्रित किया गया था।.

आचार्य दीप्ति विभा स्ट्रोक फ़ेलोशिप प्रोग्राम (न्यूरोलॉजी के तहत) और अनुसंधान पद्धति तथा साक्ष्य-आधारित चिकित्सा (सीएमईटीआई के तहत) में मुख्य संकाय सदस्य हैं; डीएसटी और डीएचआर में बाह्य परियोजनाओं के लिए विशेषज्ञ समीक्षक, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अनुक्रमित पत्रिकाओं में समीक्षक; एम्स की वार्षिक रिपोर्ट समिति, उपकरण खरीद तकनीकी विशिष्टता समिति, जेनेरिक फार्मेसी बिल सत्यापन समिति की सदस्य; एमडी (मेडिसिन) थीसिस शोध प्रबंध के लिए विशेषज्ञ पैनलिस्ट हैं।

डॉ. विष्णु वी.वाई. को वर्ल्ड मसल सोसाइटी कॉन्फ्रेंस 2022 में एफएसएचडी जेनेटिक्स पर पोस्टर के लिए एल्सेवियर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

डॉ. रूपा राजन को डीबीटी/वेलकम ट्रस्ट इंडिया अलायंस क्लिनिकल पब्लिक हेल्थ इंटरमीडिएट कैरियर फेलोशिप से सम्मानित किया गया; इंटरनेशनल पार्किंसंस डिजीज एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी के युवा सदस्य समूह की वे सह-अध्यक्ष हैं, एकीकृत देखभाल पर टास्क फोर्स की सह-अध्यक्ष; कोषाध्यक्ष, उन्होंने एओसीएन-आईएएन कॉन 2022 की आयोजन समिति का पद भी संभाला।

डॉ. राजेश कुमार सिंह 6 नवंबर 2022 को दिल्ली में एओसीएन-आईएएन सम्मेलन 2022 के दौरान एक सत्र के संचालन के लिए अध्यक्ष थे; वे जर्नल न्यूरोलॉजी इंडिया में सहायक संपादक रहे।

डॉ. अनु गुप्ता दिल्ली में एओसीएन-आईएएन सम्मेलन 2022 में एक सत्र के संचालन के लिए अध्यक्ष थीं; डीएम थीसिस के लिए मूल्यांकनकर्ता, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़; तंत्रिका विज्ञान संक्रमण नियंत्रण समिति की सदस्य भी रहीं।

डॉ. इलावरासी क्लिनिकल न्यूरोलॉजिकल साइंसेज विभाग, न्यूरोलॉजी विभाग, यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल, लंदन, ओंटारियो, कनाडा में संचलन विकारों में छह सप्ताह की ऑब्जर्वरशिप का हिस्सा थे; ग्लोबल क्लिनिकल रिसर्च ट्रेनिंग प्रोग्राम-हार्वर्ड मेडिकल स्कूल से 2024 के वर्ग में शामिल थे; दिसंबर 2022 में यूएस जीआरएडीई नेटवर्क द्वारा आयोजित क्लिनिकल दिशानिर्देश विकास के लिए जीआरएडीई (डब्ल्यूएचओ समर्थित) पद्धति में उन्हें प्रशिक्षित किया गया था।

डॉ. दिव्या राधाकृष्णन 8वें एशियाई और ओशिएनियन पार्किंसंस रोग और मूवमेंट डिसऑर्डर कांग्रेस 2023 के लिए सोशल मीडिया एंबेसडर थीं; सहायक संपादक, एनाल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर

(एओएमडी); जीसीआरएफ न्यूरोसिस्टिसिरकोसिस नेटवर्क ग्रुप की आमंत्रित सदस्य (न्यूरोसिस्टिसिरकोसिस के लिए विश्वव्यापी रजिस्ट्री विकसित करने के लिए सहयोग करने वाला एक विशेष रुचि समूह); इंटरनेशनल पार्किंसंस एंड मूवमेंट डिसऑर्डर सोसाइटी एटैक्सिया अध्ययन समूह की सदस्य के रूप में आमंत्रित; 8वें एशियाई और ओसियानियन पार्किंसंस रोग एंड मूवमेंट डिसऑर्डर कांग्रेस 2023 के वीडियो टूर्नामेंट के लिए समीक्षा उप-समिति की सदस्य रहीं।

डॉ. आयुष अग्रवाल 2022-24 के लिए वर्ल्ड स्ट्रोक ऑर्गनाइजेशन-फ्यूचर लीडर्स प्रोग्राम (डब्ल्यूएसओ-एफएलपी) पुरस्कार विजेता थे; वे अध्यक्ष, इंडियन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी- यंग न्यूरोलॉजिस्ट फोरम; सिंगापुर में डब्ल्यू एस ओ 2022 के लिए यंग इन्वेस्टिगेटर अवार्ड और मैड्रिड, स्पेन में एमडीएस 2022 में भाग लेने के लिए उन्हें ट्रैवल स्कॉलरशिप प्राप्त हुई।

डॉ. दिव्यानी गर्ग ने एनाल्स ऑफ मूवमेंट डिसऑर्डर्स 2022-2023 में सर्वश्रेष्ठ समीक्षा शोधपत्र में योगदान दिया, जिसे मूवमेंट डिसऑर्डर्स सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा सम्मानित किया गया।

तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग

प्रतिष्ठित आचार्य

प्रकाश नारायण टंडन | अजित के बनर्जी

आचार्य एवं अध्यक्ष

शशांक शरद काले

आचार्य

पी सरत चंद्र	आशीष सूरी	राजिंदर कुमार
मनमोहन सिंह	दीपक अग्रवाल (जेपीएनएटीसी)	दीपक गुप्ता (जेपीएनएटीसी)
	गुरुदत्त सत्यार्थी (जेपीएनएटीसी)	

अपर आचार्य

पंकज कुमार सिंह (जेपीएनएटीसी)	विवेक टंडन	सचिन बोरकर
हितेश गुर्जर	अमनदीप कुमार	शाश्वत मिश्रा
राजीव शर्मा	श्वेता केडिया	रमेश डोड्डामनी
दत्ताराज सावरकर	कंवलजीत गर्ग	मनोज फलक

सह-आचार्य

अमोल रहेजा	सतीश वर्मा	राजेश मीना
सांतनु कुमार बोरा	कोकुल्ला प्रणीत	रवि शर्मा
	राघव सिंगला	

विशेषताएं

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग ने वर्ष 2022-2023 के दौरान रोगी देखभाल, अनुसंधान और प्रशिक्षण में उत्कृष्ट कार्य करना जारी रखा है। पिछले एक वर्ष में, न्यूरोसर्जरी विभाग ने 3269 से अधिक न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाएं निष्पादित कीं। गामा-नाइफ सेंटर में, जीकेआरएस के 655 मामले निष्पादित किए गए। विभाग ने न्यूरोसर्जरी में आईएनआई-सुपरस्पेशलिटी पाठ्यक्रम के लिए साक्षात्कार आयोजित किया। विभाग ने 18 से 20 फरवरी 2023 तक 25वीं वार्षिक माइक्रो-न्यूरोसर्जरी कार्यशाला का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो एक अनूठी कार्यशाला है जिसका उद्देश्य भारत और विदेशों के युवा न्यूरोसर्जनों को न्यूरोसर्जिकल कौशल प्रदान करना है। इस कार्यशाला में, ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, ओसाका, जापान के आचार्य ताकेओ गोटो, थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी, यूएसए के आचार्य अश्विनी शरण और इटली के आचार्य फ्रैंको सर्वसेई सहित न्यूरोसर्जरी के दिग्गजों ने प्रतिनिधियों के साथ अपने अनुभव और ज्ञान को साझा किया। इस वर्ष की माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला बहुत अच्छी भागीदारी के साथ बहुत सफल रही और इसकी वैज्ञानिक विषयवस्तु के लिए इसकी बहुत सराहना की गई। हमारे विभाग ने 7वें एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2023, एम्स वार्षिक स्पाइन वर्कशॉप स्पाइनकॉन 2022 का भी आयोजन किया और ये सभी वैज्ञानिक विषयवस्तु तथा प्रतिनिधि भागीदारी के मामले में बहुत सफल रहे। आईएसपीएनएस वार्षिक कैडवेरिक और लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला संचालित की गई। अनुसंधान में पीछे न रहते हुए, विभाग ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में 160 शोध लेख प्रकाशित किए हैं। हमारे विभाग ने इस अवधि के दौरान विभिन्न पुस्तकों में 18 अध्यायों का योगदान दिया है।

शिक्षा

डॉ. आशीष सूरी

संयोजक: न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन-आधारित अल्पकालिक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम: न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सुविधा (एनएसटीएफ) और न्यूरोसर्जरी शिक्षा तथा प्रशिक्षण स्कूल (एनईटीएस)

- सिमुलेशन-आधारित न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण सत्र : 478
- सिमुलेशन-आधारित अल्पकालिक न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण = 10
    - 4 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 2
    - 2 सप्ताह का अल्पकालिक प्रशिक्षण = 8
- एनईटीएस सप्ताहांत कार्यशालाएँ (रेजिडेंट्स की संख्या) = कार्यशालाओं की संख्या = 3;
- प्रशिक्षार्थियों की संख्या = 48
- न्यूरोसर्जरी कौशल प्रशिक्षण में ई-लर्निंग (1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023)
    - सर्जिकल वीडियो = 76,266 बार देखा गया (747 सदस्य)
    - वेबसाइट देखी गई = 7769 बार
    - चर्चा मंच = 1019 लाइक (कुल लाइक = 9883)

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन:

1. 25वीं एम्स वार्षिक माइक्रोन्यूरोसर्जरी वर्कशॉप: फरवरी 2023
2. 7वां एम्स वार्षिक न्यूरोट्रॉमा सम्मेलन 2023: 18-19 मार्च 2023
3. एम्स की वार्षिक स्पाइन वर्कशॉप स्पाइन कॉन 2022, 7-10 सितंबर 2022
4. आईएसपीएनएस वार्षिक कैडवेरिक और लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला, 4-5 मार्च 2023, एम्स, नई दिल्ली

प्रदत्त व्याख्यान:181

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची:17

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. मस्तिष्क ऊतक की सामग्री का लक्षण वर्णन और ऊतक-डिवाइस इंटरैक्शन आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन टूल का विकास, आचार्य आशीष सूरी, स्वास्थ्य और अनुसंधान विभाग (डीएचआर), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स+ एप्लाइड मैकेनिक्स - आईआईटी-डी, 3 वर्ष, 2020-2023, 839 लाख रुपये
2. न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन में नवाचार और ट्रांसलेशनल अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच, आचार्य आशीष सूरी, जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी), विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार, एम्स+आईआईटी-डी, 5 वर्ष, 2018-2024, 741 लाख रुपये
3. एम्स में टीबीआई के लिए स्वचालित न्यूरोट्रॉमा रजिस्ट्री विकसित करने के लिए एक अध्ययन, डॉ. दीपक अग्रवाल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 4 वर्ष, 2019-2023, 7316000 रुपये
4. ओकुलर यूएसजी इमेजिंग के माध्यम से इंट्राक्रैनियल दबाव आईसीपी के ओएनडी/ओएनएसडी आधारित स्वचालित संसूचन के लिए एक आईओटी सक्षम पोर्टेबल डिवाइस, डॉ बसंत (एमएनएनआईटी इलाहाबाद) डॉ दीपक अग्रवाल (सह-पीआई), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, 3 वर्ष, 2021-2024, 2165348 रुपए
5. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट वाले रोगियों के लिए पूर्वानुमानित मॉडल का विकास और सत्यापन: आधुनिक मशीन सीखने के तरीकों की तुलना, डॉ. विनीत डॉ. दीपक अग्रवाल (सह-पीआई), भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, 3 वर्ष, 2021-2024, 2235600 रुपए
6. वैकल्पिक लम्बर स्पाइनल सर्जरी में पोस्टऑपरेटिव दर्द और खून की कमी पर स्थानीय रूप से आधानित बहुक्रियाशील कॉकटेल के प्रभाव का अध्ययन करना: एक भविष्यलक्षी डबल ब्लाइंड यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, डॉ. सचिन बोरकर, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2022-2024, 40,50,060 रुपये

7. जन्मजात/विकासात्मक क्रैनियोवर्टेब्रल जंक्शन (सीवीजे) विसंगतियों वाले मरीजों में पोस्टीरियर एटलांटो ओसीसीपिटल मेम्ब्रेन का हिस्टोपैथोलॉजिकल और इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री विश्लेषण, डॉ. सचिन बोरकर, एएसएसआई, 1 वर्ष, 2022-2023, 150000 रुपये
8. तीव्र बाल चिकित्सा टीबीआई परीक्षण में कार्यनीति और निर्णय, (एडीएपीटी) यूएसए, डॉ. दीपक कुमार गुप्ता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान, 10 वर्ष, 2015-2025, 2,65,49,336 रुपये
9. टीबीआई में सहयोगात्मक यूरोपीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान टीबीआई (केंद्र टीबीआई) में सहयोगात्मक भारतीय न्यूरोट्रॉमा प्रभावशीलता अनुसंधान, डॉ. दीपक कुमार गुप्ता, यूनिवर्सिटेयर ज़ीकेनहुइस एंटवर्पेन (यूज़ेडए), बेल्जियम, 8 वर्ष, 2015-2023, अमेरिकी डॉलर 5000 प्रति वर्ष
10. ऑपरेटिव माइक्रोस्कोप के तहत सर्जरी के दौरान इंडोसायनिन ग्रीन फ्लोरोसेंस को देखने और रिकॉर्ड करने के लिए एक सस्ती, छोटी, कुशल और पोर्टेबल, टेबल/माइक्रोस्कोप ऑब्जेक्टिव माउंटेड डिवाइस का इंट्रा-ऑपरेटिव रूप से डिजाइन और परीक्षण करना, शाश्वत मिश्रा, एम्स-आईआईटी दिल्ली अंतःविषय अनुसंधान, 2 वर्ष, 2019- 2023, 10 लाख रुपए
11. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा के उच्छेदन की सीमा को परिभाषित करने के लिए 3डी वॉल्यूमेट्रिक विश्लेषण, राजीव शर्मा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2021-2023, 6 लाख रुपये
12. कपाल धमनी-शिरापरक विकृतियों वाले रोगियों में गामा नाइफ के बाद रोगसूचक विकिरण प्रेरित परिवर्तनों के प्रबंधन में नैदानिक निर्णय लेने के सहायक के रूप में सीरम वैस्कुलर एंडोथेलियल ग्रोथ फैक्टर और एंडोस्टैटिन: अवलोकन अध्ययन, श्वेता केडिया, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, अक्टूबर 2020, अक्टूबर 2022, 5 लाख रुपए
13. कॉर्टिकल डिसप्लेसियास में जीएबीए ए रिसेप्टर परिवर्तन के प्रभाव पर एक अध्ययन, रमेश एस डोड्डामणि, डीबीटी भारत सरकार, जारी, 2016-जारी
14. न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 2 के रोगियों में श्वाननोमा वेस्टिबुलर के उपचार में बेवाकिज़ुमैब की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन, रमेश एस डोड्डामणि, जारी, 2017 से आगे
15. सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास में रिले फ्यूजन, मेहर चंद शर्मा, इंट्राम्यूरल ग्रैनर्ट (एम्स, दिल्ली), जारी, 2019 से आगे, 500000 रुपये
16. हाइपोक्सिया प्रेरक कारक का आकलन- 1 अल्फा पाथवे सक्रियण और ट्यूमर प्रतिरक्षा माइक्रोएन्वायरमेंट के साथ इसका सहसंबंध तथा मायक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमास में ट्यूमर आक्रमण के मार्कर, मेहर चंद शर्मा, इंट्राम्यूरल ग्रैनर्ट (एम्स, दिल्ली), जारी, 2020 से आगे, 500000 रुपये
17. मध्य फोसा और रेट्रोसिग्मॉइड श्रवण संरक्षण स्कल आधार कार्यनीति के माध्यम से आईएसी के ऑपरेटिव एक्सपोजर की माइक्रोसर्जिकल तुलना-एक प्रयोगशाला जांच, अमोल रहेजा, एम्स इंट्राम्यूरल अनुदान, विस्तार प्रदान किया गया, 2018-2022, 5,00,000 रुपये
18. न्यूरोसर्जरी में सुदूर पार्श्व पहुंचमार्ग के वेरिएंट का मात्रात्मक विश्लेषण, राजेश मीना, इंट्राम्यूरल, जारी, 2016-जारी, 4.75 लाख रुपये

19. आवर्तक ग्लियोब्लास्टोमा; एक नैदानिक चुनौती: ट्यूमर की पुनरावृत्ति और उपचार संबंधी परिवर्तनों को अलग करने के लिए एक बहु-विषयक कार्यनीति, डॉ शांतनु कुमार बोरा, एम्स, नई दिल्ली, 2 वर्ष, 2022-2024, 10,00,000 रुपये
20. एंडोस्कोपिक न्यूरोसर्जरी के क्षितिज का विस्तार: हमारे संस्थान के न्यूनतम इनवेसिव न्यूरोसर्जरी के युक्ति-भंडार में पोस्टीरियर फोसा एंडोस्कोपिक पहुंचमार्ग पेश करने के लिए एक शुरुआती कदम के रूप में एक शव अध्ययन डॉ शांतनु कुमार बोरा, एम्स, नई दिल्ली, 1 वर्ष, 2020, 405000 रुपये
21. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट के बाद सेरेब्रल एडिमा के विकास के पूर्वानुमान में बायोमार्कर की भूमिका, डॉ. कोक्कुलाप्रणीत, एम्स, 2 वर्ष, 2020-2023, 9,02,000 रुपये का माध्यमिक अनुदान स्वीकृत

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

पूर्ण

1. पैरॉक्सिस्मल सिम्पैथेटिक एक्टिविटी और गंभीर टीबीआई में इसकी भूमिका, आचार्य दीपक अग्रवाल, एम्स, 2 वर्ष, 2018-2021, 10,00000 रुपये
2. "वीईजीएफ: स्थानीय एंजियोजेनिक गतिविधि और गामा नाइफ सर्जरी की प्रतिक्रिया के भविष्यलक्षी प्रणालीगत मार्कर के रूप में" विचार के लिए, आचार्य दीपक अग्रवाल, एम्स, 1 वर्ष, 2016-2017, 5,00,000 रुपये
3. रीढ़ की हड्डी की तीव्र चोट के अध्ययन में दर्दनाक उच्च ग्रीवा रीढ़ हड्डी की चोट के लिए प्रारंभिक बनाम विलंबित डीकंप्रेसन, आचार्य दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2014-2018, 24,52 800/- रुपए
4. "सामान्य जमावट कारक स्तर के साथ ऊंचे पीटी/आईएनआर के लिए संदर्भ सीमा का निर्धारण और सिर की चोट के रोगियों में प्लाज्मा ट्रांसफ्यूजन थेरेपी के साथ इसका संबंध, आचार्य दीपक अग्रवाल, आईसीएमआर, 2 वर्ष, 2015-2017, 25,00,000 रुपये
5. "आपातकालीन और गहन देखभाल सेटिंग में स्वास्थ्य कर्मियों की निगरानी और चिकित्सा त्रुटियों से इसका संबंध", आचार्य दीपक अग्रवाल, डीएसटी, 4 वर्ष, 2012-2016, 59,86,400 रुपए
6. "काइनेक्ट कैमरा का उपयोग करके स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में हाथ की स्वच्छता संबंधी समस्या का स्वचालित मूल्यांकन", आचार्य दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2013-2016, 24,00,000 रुपये
7. "भारत में 18-50 वर्ष की आयु के वयस्कों में दर्दनाक मस्तिष्क चोटों (टीबीआई) के प्रबंधन का आर्थिक और सामाजिक बोझ", आचार्य दीपक अग्रवाल, डीएचआर, 1 वर्ष, 2014-2015, 8,00,000 रुपये

8. "थ्रोम्बोएलास्टोमेट्री (टीईजी): स्थापित बायोमार्कर की तुलना में न्यूरोसर्जरी गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) में संक्रमण के निदान में उपयोगिता और लागत-प्रभावशीलता", आचार्य दीपक अग्रवाल, संस्थान, 1 वर्ष, 2014, 10,00,000 रुपये
9. "मैट्रिक्स मेटालोप्रोटीनेज (एमएमपीएस) स्पाइनल इंस्ट्रूमेंटेशन के बाद फ्यूजन के लिए बायोमार्कर के रूप में(एमएमपीएस), आचार्य दीपक अग्रवाल, एओस्पाइन, 1 वर्ष, 2014, 5500 सीएचएफ
10. सिर की गंभीर चोट में तीव्र थैलेमिक भागीदारी-हिस्टोपैथोलॉजिकल सहसंबंध के साथ एक शव परीक्षण अध्ययन", आचार्य दीपक अग्रवाल, संस्थान, 1,00,000 रुपये
11. हाइड्रोसिफ़लस के उपचार में विभिन्न शंट प्रणालियों के बीच कैथेटर से संबंधित संक्रमण दरों की तुलना करने के लिए एक रजिस्ट्री, आचार्य दीपक अग्रवाल, कोडमन कॉर्पोरेशन, यूएसए, 1000000 रुपये
12. "गंभीर दर्दनाक मस्तिष्क चोट में ऑप्टिक तंत्रिका अल्ट्रासाउंड", आचार्य दीपक अग्रवाल, डीबीटी, 3 वर्ष, 2015-2017, 36,07,380 रुपए
13. एक्यूट सबड्यूरल हेमेटोमा (रेस्क्यू-एएसडीएच) के निष्कासन से गुजर रहे रोगियों के लिए क्रैनिएक्टोमी के साथ सर्जरी का यादृच्छिक मूल्यांकन, डॉ. दीपक कुमार गुप्ता, कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, 3 वर्ष, 2017-2020, उपभोज्य वस्तुएं: 144 पाउंड प्रति यादृच्छिक रोगी सीआरएफ पूर्णता लागत: 213 पाउंड प्रति यादृच्छिक मरीज़
14. मेसियल टेम्पोरल लोब मिर्गी में हिस्टोन डीएसेटाइलेस (एचडीएसी) की भूमिका का निर्धारण, रमेश एस डोड्डामणि, एम्स, दिल्ली, 2 वर्ष, 2016-2018, 5 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रू बनाम एएडी को ठीक करने के अन्य तरीके-एक तुलनात्मक अध्ययन
2. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा का एंडोस्कोपिक एक्सीजन -एक परिणाम अध्ययन
3. विभिन्न एमआरआई अनुक्रमों के साथ स्टीरियोटैक्टिक लक्ष्य सटीकता
4. विशाल इंट्राक्रानियल (>20cc) घावों के लिए गामा-नाइफ
5. क्रानियोफैरिंजियोमास में गामा नाइफ की भूमिका
6. ट्यूमर नियंत्रण के लिए बेवाकिज़ुमाबिन एनएफ2 की भूमिका
7. बाल चिकित्सा अभिघातजन्य मस्तिष्क चोटों में सेरेब्रल एडिमा, न्यूरोइन्फ्लेमेशन और रक्त मस्तिष्क बाधा व्यवधान के विकास का अध्ययन
8. अभिघातज के बाद सीएसएफ रिसाव वाले मरीजों की खोपड़ी के आधार फ्रैक्चर की शारीरिक रचना और पैटर्न में भिन्नता का अध्ययन
9. सीटी पर चोट आकृति विज्ञान और उप अक्षीय ग्रीवा रीढ़ की चोट में मूत्र संबंधी परिणामों के बीच सहसंबंध

10. आघात के रोगियों में निर्धारण के बाद रीढ़ की हड्डी का संरेखण
11. तृतीयक देखभाल केंद्र में न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं पर कोविड का प्रभाव
12. एन्यूरिज्मल सब-एराकनोइड हेमोरेज के बाद सेरेब्रल वासोस्पास्म और विलंबित इस्केमिक न्यूरोलॉजिकल घाटे का पूर्वानुमान करने के लिए बायोमार्कर (प्रोकैल्सीटोनिन, आईएल-6, डी-डिमर, टीएलसी, सीआरपी) का मूल्यांकन
13. सर्वाइकल स्पोंडिलोटिक मायलोपैथी में गंभीरता और सर्जरी की आवश्यकता के पूर्वानुमान के लिए एक मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का विकास, एम्स-आईआईटी दिल्ली अनुसंधान सहयोग
14. न्यूरोसर्जिकल सेटअप में चरणबद्ध सर्जरी के परिणाम
15. अभिघातजन्य सीएसएफ रिसाव वाले रोगियों में स्कल बेस फ्रैक्चर की शारीरिक रचना और पैटर्न में भिन्नता का अध्ययन
16. आघात रोगी में निर्धारण के बाद रीढ़ की हड्डी का संरेखण
17. सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास में जेडएफटीए और वाईएपी-1 संलयन का अध्ययन
18. एन्यूरिज्मल सब-एराकनोइड हेमोरेज वाले रोगियों में हाइड्रोसिफ़लस के पूर्वानुमानक के रूप में तीसरे वेंट्रिकुलर वॉल्यूम की भूमिका।
19. ट्यूबरकुलम सेला मेनिंजियोमास के लिए ट्रांस-क्रानियल बनाम ट्रांस-स्फेनोइडल पहुंचमार्ग का एक तुलनात्मक सर्वलक्षी अध्ययन ट्यूबरकुलम सेला मेनिंगियोमा के लिए ट्रांस-क्रानियल बनाम ट्रांस-स्फेनोइडल पहुंचमार्ग का तुलनात्मक सर्वलक्षी अध्ययन
20. C1 पार्श्व द्रव्यमान और C2 पेडिकल स्क्रू के साथ पश्च निर्धारण से गुजरने वाले एटलांटो अक्षीय अस्थिरता वाले रोगियों के परिणाम का एक महत्वाकांक्षी विश्लेषण, (जनवरी 2024 में डॉ. अभिषेक कुमार द्वारा प्रस्तुत थीसिस के लिए सह-मार्गदर्शक)
21. प्रतिलेखन कारक इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री के आधुनिक युग में पिट्यूटरी एडेनोमा में नैदानिक और रेडियो-पैथोलॉजिकल सहसंबंध, (अक्टूबर 2024 में डॉ. गुरसेवक सिंह द्वारा प्रस्तुत थीसिस के लिए सह-मार्गदर्शक)
22. आघात के रोगियों में निर्धारण के बाद रीढ़ की हड्डी का संरेखण
23. सीवीजे विसंगति के प्रबंधन में संशोधन सीवीजे सर्जरी की भूमिका
24. तंत्रिका विज्ञान केंद्र में गैर-दर्दनाक विकृति विज्ञान के लिए न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं पर कोविड-19 का प्रभाव
25. कॉर्टिकल डिस्प्लेसिया में गाबा A रिसेप्टर परिवर्तन के प्रभाव पर एक अध्ययन
26. न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस टाइप 2 के रोगियों में वेस्टिबुलर श्वानोमा के उपचार में बेवाकिज़ुमैब की भूमिका का मूल्यांकन करने के लिए भविष्यलक्षी अध्ययन
27. चियारी विकृति के प्रबंधन में निर्धारण बनाम डीकंप्रेसन: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण
28. स्टीरियोटैक्टिक फंक्शनल न्यूरोसर्जरी में विभिन्न इमेजिंग तकनीकों की लक्ष्य सटीकता

29. एन्यूरिज्मल सबएराकनोइड हेमोरेज के बाद सेरेब्रल वैसोस्पास्म और विलंबित इस्केमिक न्यूरोलॉजिकल घानी का पूर्वानुमान करने के लिए बायोमार्कर (प्रोकैल्सिटोनिन, आईएल -6, डी-डिमर, टीएलसी, सीआरपी) का मूल्यांकन
30. इडियोपैथिक पार्किंसंस रोग के लिए गामा नाइफ सबथैलामोटॉमी-एक पायलट अध्ययन
31. एम्स दिल्ली में मस्तिष्क की दर्दनाक चोट (टीबीआई) से पीड़ित रोगियों के ज्ञान, अभ्यास और देखभाल करने वालों के बोझ पर नर्स की देख-रेख में घर आधारित देखभाल के प्रभाव का आकलन करने के लिए एक अध्ययन
32. C1-C2 ट्रांसआर्टिकुलर स्क्रू के साथ एटलांटोएक्सियल फ़्यूज़न का पूर्वव्यापी विश्लेषण
33. कार्यात्मक पिट्यूटरी एडेनोमा के लिए शल्य चिकित्सा उपचार के बाद रेमिशन और पुनरावृत्ति
34. मस्तिष्क की गंभीर दर्दनाक चोट में डीकंप्रेसिव क्रैनिएक्टोमी बनाम सिस्टर्नोस्टॉमी: एकल केंद्र भविष्यलक्षी अध्ययन

पूर्ण

1. "रीढ़ की हड्डी की पूर्ण चोट में अस्थि मज्जा व्युत्पन्न स्टेम सेल का चिकित्सीय अनुप्रयोग"
2. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट से प्रेरित माध्यमिक गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल परिवर्तनों का अध्ययन
3. स्रावी पिट्यूटरी एडेनोमा के लिए स्टीरियोटैक्टिक रेडियोसर्जरी के बाद पिट्यूटरी डिसफंक्शन
4. जीबीएम के लिए समवर्ती टेमोज़ोलोमाइड के साथ प्राथमिक गामा-नाइफ
5. अपक्षयी रीढ़ की बीमारियों में वैश्विक धनु संतुलन
6. न्यूरोसर्जिकल मामलों में नैदानिक परीक्षण और एमआरआई निष्कर्षों के बीच सहसंबंध: एक भविष्यलक्षी अध्ययन
7. रेडियोलॉजिकल (एमआरआई) निदान और संपीड़ित रीढ़ की विकृति में स्थानीयकरण के साथ नैदानिक स्थानीयकरण की सटीकता का प्रदर्शन करने वाले 500 रोगियों का एक भविष्यलक्षी ब्लाइंड अध्ययन।
8. मेनिंगिओमास में डोटानोक पीईटी की भूमिका।
9. विशाल पिट्यूटरी एडेनोमा के प्रबंधन में एंडोस्कोपिक एंडोनासल दृष्टिकोण की भूमिका (सितंबर 2022 में डॉ. अजय झाझरिया द्वारा प्रस्तुत थीसिस के लिए सह-मार्गदर्शक)
10. मोयामोया रोग में कार्यात्मक और न्यूरोसाइकोलॉजिकल परिणाम (जनवरी 2023 में डॉ. सिद्धार्थ जोशी द्वारा प्रस्तुत थीसिस के लिए सह-मार्गदर्शक)
11. ट्राइजेमिनल न्यूराल्जिया के प्रबंधन में गामा नाइफ रेडियोसर्जरी-कृत्रिम तंत्रिका नेटवर्क मॉडल का उपयोग करके परिणाम मूल्यांकन और भविष्यवाणी
12. क्रानियोफैरिंजियोमास में गामा नाइफ रेडियोसर्जरी का परिणाम
13. डीसीईआर और पोस्टऑपरेटिव मोटर परिणाम से गुजरने वाले सीवीजे रोगियों में इंट्राऑपरेटिव एमएमईपी और डी तरंग निगरानी

14. इलेक्टिव पोस्टऑपरेटिव न्यूरोसर्जिकल मरीजों में पोस्टऑपरेटिव सीटी स्कैन की उपयोगिता।
15. दवा प्रतिरोधी मिर्गी में मानक एमआरआई इमेजिंग अपर्याप्त है" पूर्वव्यापी विश्लेषण।
16. वेस्टिबुलर श्वानोमा के लिए जीकेआरएस के बाद छद्म प्रगति
17. मिडलाइन ग्लिओमास के विभिन्न आणविक उपसमूहों में पीडीएल-1 अभिव्यक्ति और टी-सेल घुसपैठ का विश्लेषण और नैदानिक परिणाम
18. मिडलाइन ग्लियोमास: नैदानिक परिणाम और संबंधित आणविक परिवर्तनों का एक अध्ययन
19. कुशिंग रोग में दृढ़ता और पुनरावृत्ति को प्रभावित करने वाले कारक
20. एक विकासशील देश में न्यूरोसर्जिकल टेलीकंसल्टेशन की चुनौतियाँ और संभावनाएँ: वास्तविकता जाँच

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. न्यूरोसर्जरी सिमुलेशन में नवाचार और ट्रांसलेशनल अनुसंधान में उत्कृष्टता के लिए सहयोगात्मक न्यूरो-इंजीनियरिंग मंच, एम्स: न्यूरोसर्जरी, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन, न्यूरोरेडियोलॉजी, न्यूरोपैथोलॉजी आईआईटी-डी: सीएसई, सीबीएमई
2. मस्तिष्क के ऊतकों का भौतिक लक्षण वर्णन और ऊतक-डिवाइस इंटरैक्शन आधारित न्यूरोसर्जिकल सिमुलेशन टूल का विकास, एम्स: न्यूरोसर्जरी, एनाटॉमी, फोरेंसिक मेडिसिन, न्यूरोरेडियोलॉजी, न्यूरोपैथोलॉजी, एनएमआर आईआईटी-डी: एप्लाइड मैकेनिक्स
3. प्राथमिक मस्तिष्क ट्यूमर, ओन्को-एनेस्थीसिया और प्रशामक देखभाल, आईआरसीएच के रोगियों के उपचार में प्रशामक देखभाल के प्रारंभिक एकीकरण का परिणाम मूल्यांकन
4. सर्वाइकल ओपीएलएल, एनाटॉमी में फ्लोराइड का स्तर
5. "प्रारंभिक निदान, ट्यूमर की प्रगति का पता लगाने और ग्लियोमास में इसकी पुनरावृत्ति के लिए नैदानिक बायोमार्कर का मजबूत और किफायती रक्त-आधारित पैनल स्थापित करना", न्यूरोपैथोलॉजी; न्यूरो रेडियोलोजी
6. गंभीर टीबीआई, न्यूरोएनेस्थेसिया में नॉन-कनवल्सिव स्टेटस एपिलेप्टिकस के मूल्यांकन में एक नैदानिक उपकरण के रूप में इन्फ्रा-रेड प्यूपिलोमेट्री
7. उपवर्गीकरण और पूर्वानुमान संकेतक में सुधार के लिए युवा वयस्कों में ग्लियोमास की मिथाइलेशन सारणी आधारित प्रोफाइलिंग, न्यूरोपैथोलॉजी, न्यूरो-रेडियोलॉजी
8. सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास, न्यूरोपैथोलॉजी में आरईएलए फ़्यूज़न
9. हाइपोक्सिया इंड्यूसिबल फैक्टर का आकलन- 1 अल्फा पाथवे सक्रियण और ट्यूमर इम्यूनमाइक्रोएन्वायरमेंट के साथ इसका सहसंबंध तथा मायक्सोपैपिलरी एपेंडिमोमास में ट्यूमर आक्रमण के मार्कर, न्यूरोपैथोलॉजी

10. न्यूनतम इनवेसिव न्यूरोसर्जरी के लिए रोबोटिक मैनिपुलेटर की स्वतंत्रता की मल्टीपल डिग्री, आईआईटी, दिल्ली
11. पृथक अभिघातजन्य मस्तिष्क चोट के रोगियों के परिधीय रक्त में कैथेप्सिन बी का मूल्यांकन और इसका सहसंबंध, लैब मेडिसिन विभाग
12. ब्रेन ट्यूमर, रेडिएशन ऑन्कोलॉजी के नव-निदानित रोगियों में सहायक उपचार को तेज करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण

पूर्ण

1. प्रि- फ्रंटल क्षेत्र में न्यूरोसाइकोलॉजिकल घाटे और व्हाइलमेटल बंडल के घावों का सहसंबंध, फिजियोलॉजी, न्यूरोसाइकोलॉजी

प्रकाशन:

जर्नल: 160 **पुस्तकों में अध्याय:** 18

रोगी देखभाल

तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग में प्रत्येक इकाई के अंतर्गत सामान्य न्यूरोसर्जिकल वार्ड (35X2 बेड) के साथ दो इकाइयाँ हैं। 23 बेड वाले दो आईसीयू हैं। ट्रॉमा सेंटर में अब 7 वैकल्पिक ऑपरेशन थिएटर और दो विशेष ऑपरेशन थिएटर हैं। यह विभाग, न्यूरोसर्जिकल उप-विशिष्टताओं में विश्व स्तरीय न्यूरोसर्जिकल सुविधाएं प्रदान करता है, जिनमें शामिल हैं- संवहनी सर्जरी, मिर्गी सर्जरी, न्यूनतम इनवेसिव कपाल और स्पाइनल न्यूरोसर्जरी, बाल चिकित्सा तंत्रिका शल्य चिकित्सा, कार्यात्मक न्यूरोसर्जरी, न्यूरो-ऑनकोसर्जरी, स्कल बेस और जटिल स्पाइनल सर्जरी। विभाग के पास उन्नत इमेजिंग तौर-तरीके (ओ-आर्म) और नेविगेशनल डिवाइस (जैसे स्टील्थ स्टेशन और आरओएसए) हैं। तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग में एक आउटपेशेंट स्पाइन क्लिनिक चलाया जाता है जो अपक्षयी, विकृति, ट्यूमर आदि सहित रीढ़ से संबंधित सभी बीमारियों का उपचार किया जाता है। यह शनिवार को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक चलाया जाता है। डीबीएस से गुजर चुके मरीजों की व्यापक देखभाल प्रदान करने के लिए संकाय सदस्यों ने न्यूरोलॉजी विभाग के सहयोग से डीबीएस क्लिनिक भी शुरू किया है, जो सभी शनिवारों को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित किया जाएगा।
वर्ष 2022-2023 के दौरान विभाग द्वारा निम्नलिखित रोगियों का उपचार किया गया

क्र.सं.	**उपचार सुविधा**	**संख्या**
1.	बाह्य रोगी विभाग	
	क) कुल नए मामले	16111
	ख) कुल पुराने मामले	30441
	ग) कुल मामले	46552
2.	निष्पादित गामा नाइफ प्रक्रियाएं	655

3.	सीएनसी में सर्जरी की संख्या	3269
5.	जेपीएनएटीसी में सर्जरी की संख्या	1492
6.	सर्जरी की कुल संख्या	4761

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य एस एस काले को स्पाइनल कॉर्ड सोसाइटी का लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार प्राप्त हुआ, 3 दिसंबर 2022; लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, स्पाइन सोसाइटी दिल्ली चैप्टर, 25 मार्च 2023; 2022 से 2024 तक कोषाध्यक्ष न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया; 2022 से 2023 तक अध्यक्ष, न्यूरो स्पाइन सर्जन एसोसिएशन।

आचार्य आशीष सूरी सूचना प्रौद्योगिकी विद्यापीठ, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान - दिल्ली में सहवर्ती आचार्य हैं; कार्यकारी सदस्य: वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ न्यूरोसर्जिकल सोसाइटीज़, स्कल बेस कमेटी (डब्ल्यूएफएनएस); निर्वाचित अध्यक्ष: स्कल बेस सर्जरी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एसबीएसएसआई); उपाध्यक्ष: न्यूरो-एंडोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनईएसआई); डब्ल्यूएएनएस-वर्ल्ड एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजिकल सर्जन के निर्वाचित सदस्य हैं।

आचार्य मनमोहन सिंह ने 16 जनवरी 2023 को आईपीजीएमईआर, कोलकाता के 67वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में डॉ अरुण बनर्जी मेमोरियल व्याख्यान दिया; विषय: कैवर्नस साइनस लेसियन का प्रबंधन- मल्टीमॉडल कार्यनीति।

आचार्य दीपक अग्रवाल इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोट्रॉमा (आईजेएनटी) के प्रधान संपादक रहे; वे इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरिफेरल नर्व सर्जरी के सचिव के रूप में चुने गए।

डॉ. सचिन ए बोरकर को 2022-25 अवधि के लिए इंडियन सोसाइटी ऑफ पीडियाट्रिक न्यूरोसर्जरी के लिए ईसी सदस्य के रूप में चुना गया और उन्हें न्यूरोलॉजी इंडिया जर्नल के लिए स्पाइन और सीवीजे खंड के संपादक के रूप में नियुक्त किया गया; एनएससी में संक्रमण नियंत्रण के लिए नोडल अधिकारियों में से एक होने के नाते, एनएससी में संक्रमण नियंत्रण गतिविधियों के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और अनुपालन सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से शामिल रहे; कोविड उपयुक्त व्यवहार के प्रति एचसीडब्ल्यू का प्रशिक्षण और शिक्षण सुनिश्चित किया; वर्ष के दौरान वेबिनार, पैनल चर्चा के रूप में कई भौतिक/आभासी शैक्षिक गतिविधियों में शामिल रहे; एम्स माइक्रोन्यूरोसर्जरी वर्कशॉप, एम्स स्पाइन वर्कशॉप और एम्स न्यूरोट्रॉमा वर्कशॉप आदि जैसे न्यूरोसर्जरी विभाग के तहत विभिन्न सीएमई और सम्मेलन आयोजित करने में एक प्रमुख सदस्य के रूप में कार्य किया है; विभागीय संक्रमण नियंत्रण, वेबसाइट रखरखाव, टेलीमेडिसिन के प्रभारी; एनएससी संक्रमण नियंत्रण समिति के एक भाग के रूप में, गतिविधियों को सुव्यवस्थित करने के लिए दिशानिर्देश तैयार किए।

डॉ. विवेक टंडन 16 से 18 फरवरी 2023 तक आयोजित 25वीं एम्स वार्षिक माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला के सह-आयोजक रहे। एम्स में आईटी बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में सक्रिय रूप से मदद की है; कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष ने एम्स को कागज रहित अस्पताल बनाने का काम सौंपा और

साइबर सुरक्षा उल्लंघन के बाद कंप्यूटर सुविधा में मदद की। वह एम्स में 5जी नेटवर्क में सुधार, आंतरिक नेविगेशन एप्लिकेशन की तैनाती और सुरक्षित इंस्टेंट मैसेजिंग एप्लिकेशन की खरीद के लिए गठित समितियों के अध्यक्ष भी हैं।

डॉ राजीव शर्मा सेरेब्रोवास्कुलर सर्जरी खंड, न्यूरोलॉजी इंडिया के खंड संपादक रहे; कोषाध्यक्ष, आईएसपीएनएस; सहयोजित सदस्य, कोविड, एएसएसआई; समन्वयक, 25वीं लाइव ऑपरेटिव माइक्रोन्यूरोसर्जरी कार्यशाला, 16-18 फरवरी 2023; सह-संगठन सचिव, आईएसपीएनएस कैडेवर और लाइव ऑपरेटिव वर्कशॉप, 3-4 मार्च 2023; विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न सम्मेलनों में सक्रिय रुचि ली।

डॉ. श्वेता केडिया इंडियन जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जरी में सहायक संपादक रहीं; न्यूरोलॉजी इंडिया में न्यूरो-ऑन्कोलॉजी की खंड संपादक; बाल न्यूरो-ऑन्कोलॉजी ट्यूमर बोर्ड की प्रमुख सदस्य; मेंटर-मेंटी कार्यक्रम के लिए मेंटर जो एनएसआई के डब्ल्न्यूआईएनएसआई खंड द्वारा की गई एक पहल है; अपग्रेड यूज़र गामा नाइफ आईसीओएन कार्यक्रम, 5-8 दिसंबर 2022, डालस, यूएसए यूटी साउथ वेस्टर्न मेडिकल सेंटर, विकिरण ऑन्कोलॉजी विभाग में; आईसीओएन न्यू साइट्स एप्लिकेशन प्रशिक्षण, 26-28 अक्टूबर 2022 एम्स दिल्ली में; परिधीय एम्स के लिए बोलियों का तकनीकी मूल्यांकन; डॉक्टरेट समिति की बैठक में पैनलिस्ट 25 जुलाई, न्यूरोपैथोलॉजी; वे डब्ल्यूएचओ-डब्ल्यूएफएनएस संपर्क समिति की कार्यकारी सदस्य रहीं।

डॉ. दत्ताराज सावरकर 7-10 सितंबर 2022 को एम्स की वार्षिक स्पाइन कार्यशाला के सह-आयोजन सचिव और 4-5 मार्च 2023 को एम्स, नई दिल्ली में आईएसपीएनएस की वार्षिक कैडवेरिक और लाइव ऑपरेटिव कार्यशाला के आयोजन सचिव थे।

डॉ. रमेश डोड्डामणि वर्ल्ड न्यूरोसर्जरी के खंड संपादक थे: खंड - 1. मिर्गी, 2. दर्द और 3. सीएसएफ पाथवेज एंड हाइड्रोसिफ़लस। वह न्यूरोसर्जिकल फोकस के मई 2022 अंक "न्यूरोक्यूटिनियस डिसऑर्डर" के संपादक थे।

डॉ. सतीश वर्मा ने 1 से 31 अगस्त 2022 तक जीबी पंत अस्पताल, दिल्ली में न्यूरो-एंडोवास्कुलर और न्यूरोइंटरवेंशन में दो अल्पकालिक प्रशिक्षण-अल्पकालिक फेलोशिप प्राप्त की।

डॉ. अमोल रहेजा न्यूरोसर्जरी में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए समकक्ष लेखक थे और उन्हें एनएसआई पुरस्कार जिसका शीर्षक था "जटिल कपाल सर्जरी की प्रीऑपरेटिव प्लानिंग में वर्चुअल रियलिटी टेक्नोलॉजी" जिसे एनएसआईसीओएन 2022, आगरा, भारत में जिगिश रूपेरेलिया (स्कल बेस और सेरेब्रोवास्कुलर न्यूरोसर्जरी फेलो) द्वारा प्रस्तुत किया गया था, के सह-लेखक थे; *वे* टीम लीडर थे और उन्होंने सेरेब्रोवास्कुलर न्यूरोसर्जरी में गुणवत्ता सुधार परियोजनाओं के क्षेत्र में मूल शोध कार्य का सह-लेखन किया, जिसका शीर्षक है "तृतीयक देखभाल रेफरल अस्पताल में डिजिटल घटाव एंजियोग्राफी कराने के लिए न्यूरोसर्जरी सुविधा में मरीजों के दोबारा आने की संख्या को कम करने के लिए एक गुणवत्ता सुधार पहल"; और उन्हें न्यूरो-क्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022), होटल प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली के तीसरे वार्षिक सम्मेलन के दौरान न्यूरो-नर्सिंग अपडेट में सर्वश्रेष्ठ ई-पोस्टर प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य सेवा तक सीमित

पहुंच वाले दूरदराज के समुदायों की सेवा करने के लिए, उन्होंने कर्नाटक के हुबली में निर्वासित तिब्बती समुदाय की सेवा के लिए "रोगी देखभाल ट्रस्ट" द्वारा आयोजित छठे मुफ्त चिकित्सा साइट शिविर में सक्रिय रूप से भाग लिया।

डॉ. सांतनु कुमार बोरा को जीबी पंत अस्पताल, नई दिल्ली में न्यूरो-हस्तक्षेप में फेलोशिप मिली; न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एम्स संकाय विकास पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया; चंडीगढ़ में न्यूरोएंडोकॉन 2023 में एक सत्र की अध्यक्षता की; ट्रांसप्लांट प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट में डिप्लोमा (टीपीएम) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया।

डॉ. कोक्कुला प्रणीत जर्नल ऑफ स्पाइनल सर्जरी के एसोसिएट एडिटर थे; वे न्यूरोलॉजी इंडिया के खंड संपादक रहे; न्यूरोसर्जरी विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित एम्स फैकल्टी डेवलपमेंट कोर्स सफलतापूर्वक पूरा किया; सह-आयोजन सचिव-एम्स न्यूरोट्रॉमा कॉन्फ्रेंस (एएनटीसी) 2023; ट्रांसप्लांट प्रोक्योरमेंट मैनेजमेंट (टीपीएम) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में डिप्लोमा और बेल्ट एंड रोड अंगदान क्षमता सुधार सहयोग प्रशिक्षण परियोजना में डिप्लोमा प्राप्त किया।

तंत्रिका-संवेदनाहरण और गंभीर उपचार विभाग

आचार्य (एचएजी) एवं अध्यक्ष

अरविन्द चतुर्वेदी

आचार्य

मिहिर प्रकाश पांडिया
राजेन्द्र सिंह चौहान
गिरिजा प्रसाद रथ
हेमांशु प्रभाकर

अपर आचार्य

चारु महाजन
इंदु कपूर
सूर्य कुमार दुबे

सहायक आचार्य

सुमन सोखल

विशिष्टताएं

3355 न्यूरोसर्जिकल प्रक्रियाओं के लिए संवेदनाहारी व्यवस्था की गई। 755 न्यूरोरेडियोलॉजिकल प्रक्रियाओं (एंजियोग्राफी लैब में 517 और एमआरआई सूट में 238) के लिए संवेदनाहारी व्यवस्था की गई। 1850 आईसीयू रोगियों का गहन देखभाल उपचार किया गया। एनएससी में प्री-एनेस्थीसिया चेक-अप (पीएसी) क्लिनिक ओपीडी में कुल 8512 मरीज (4961 नए और 3551 पुराने) देखे गए। पीड़ा क्लिनिक ओपीडी, एनएससी में कुल 684 मरीज़ (553 नए और 131 पुराने) देखे गए और पीड़ा क्लिनिक में 330 तंत्रिका ब्लॉक दिए गए।

आठ उम्मीदवारों को डीएम (न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर) की डिग्री से सम्मानित किया गया और चार उम्मीदवारों को न्यूरोक्रिटिकल केयर में फेलोशिप से सम्मानित किया गया। बारह नए

उम्मीदवार डीएम पाठ्यक्रम में शामिल हुए और चार उम्मीदवार न्यूरोक्रिटिकल केयर फ़ेलोशिप पाठ्यक्रम में शामिल हुए। इकसठ वरिष्ठ रेजिडेंट्स (37 शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक न्यूरोएनेस्थेसिया सीनियर रेजिडेंट्स, आईआरसीएच से 12 सीनियर रेजिडेंट्स, एम्स के सामान्य एनेस्थीसिया विभाग से 12 सीनियर रेजिडेंट्स, केईएम अस्पताल मुंबई से 2 सीनियर रेजिडेंट्स) और 22 पीजी विद्यार्थियों ने (एम्स से 22 और लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से 11) विभाग में प्रशिक्षण प्राप्त किया। रक्षा सेवा चिकित्सा अकादमी, म्यांमार के एक उम्मीदवार ने इस विभाग में न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल देखभाल का अल्पकालिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

संकाय सदस्य चार वित्त पोषित अनुसंधान परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। विभाग में दस अनुसंधान परियोजनाएं पूरी की गईं और 19 अनुसंधान परियोजनाएं जारी हैं। संकाय सदस्य, 4 सहयोगी परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। संकाय सदस्यों ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 49 व्याख्यान दिए। विभाग ने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 32 शोधपत्र और पुस्तकों में 7 अध्याय प्रकाशित किए। एक संकाय सदस्य ने एक पुस्तक प्रकाशित की। विभाग के संकाय सदस्यों को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुरस्कार और सराहना मिली।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

अरविन्द चतुर्वेदी

1. 6 सितंबर 2022 को न्यूरोएनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया के तीसरे वार्षिक सम्मेलन और 8वें वार्षिक न्यूरोएनेस्थीसिया अपडेट के आयोजन अध्यक्ष
2. "न्यूरोसर्जरी में पोजिशनिंग" आयोजन अध्यक्ष 17 अप्रैल 2022 एम्स, नई दिल्ली में

सूर्य कुमार दुबे

1. मौलिक क्रिटिकल केयर सहायता प्रदाता और प्रशिक्षक पाठ्यक्रम, 13-16 जुलाई 2022 (वर्चुअल मोड)
2. एनटीएसआई-न्यूरोट्रॉमा 2022, विशाखापत्तनम, आंध्र प्रदेश, 12-14 अगस्त 2022
3. न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) और एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022 का तीसरा वार्षिक सम्मेलन, 6-9 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली
4. इंडियन सोसाइटी ऑफ एनेस्थेसियोलॉजिस्ट का 69वां राष्ट्रीय सम्मेलन, आईएसए कॉन 2022, शिलांग, मेघालय, 23-27 नवंबर 2022
5. एम्स पोस्ट ग्रेजुएट असेंबली 2023, 5 जनवरी 2023, एम्स, नई दिल्ली
6. आईएसएनएसीसी का 24वाँ वार्षिक सम्मेलन, आईएसएनएसीसी 2023,19-22 जनवरी 2023, हैदराबाद, तेलंगाना
7. एक्यूट क्रिटिकल केयर कोर्स (एसीसीसी), 30 जनवरी 2023, एम्स, नई दिल्ली

8. वेस्ट जोन इसाकॉन (आरएजेडब्ल्यूआईएसए कॉन 2023), 10-12 फरवरी 2023, जयपुर, राजस्थान
9. मध्य क्षेत्र स्नातकोत्तर असेंबली, 15-19 फरवरी 2023, बी.एच.यू., वाराणसी, उ.प्र
10. मस्तिष्क मृत्यु और अंग दान पर कार्यशाला (मुख्य समन्वयक के रूप में), 6 अक्टूबर 2022, न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) और एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया एंड न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022, नई दिल्ली का तीसरा वार्षिक सम्मेलन
11. भारत में रोगाणुरोधी प्रतिरोध का पता लगाने और उसे रोकने के लिए अस्पताल संक्रमण नियंत्रण की क्षमता निर्माण और सुदृढ़ीकरण पर एम्स-आईसीएमआर-सीडीसी कार्यशाला: चरण 2, 14-15 नवंबर 2022, इंडिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली
12. ब्रेन डेथ डायग्नोसिस और सर्टिफिकेशन पर सीएमई और कार्यशाला (आईएसएनएसीसी समर्थित कार्यशाला), 7 जनवरी 2023, एएमआरआई अस्पताल, भुवनेश्वर, ओडिशा (पाठ्यक्रम निदेशक)
13. न्यूरोएनेस्थेसिया में संकट प्रबंधन पर कार्यशाला, आईएसएनएसीसी का 24वां वार्षिक सम्मेलन, आईएसएनएसीसी 2023, 19 जनवरी 2023, हैदराबाद, तेलंगाना (संकाय के रूप में)
14. अनुसंधान और रोगी विकास में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका पर कार्यशाला, 28 फरवरी 2023, एम्स, नई दिल्ली

सुमन सोखल

1. "न्यूरोसर्जरी में स्थिति निर्धारण"
2. आयोजक संकाय 17 अप्रैल 2022, छठी मंजिल, सेमिनार कक्ष, सीएनसी, एम्स, एनसीएसआई का वार्षिक सम्मेलन 2022
3. "आई.सी.यू. में स्वास्थ्य उपचार संबंधी निर्देश लाइनों की देखभाल"
4. (कार्यशाला संकाय), 6 अक्टूबर 2022, ऑडिटोरियम, एम्स
5. आईसीपी निगरानी के लिए ऑप्टिक तंत्रिका शीथ डायमीटर, (कार्यशाला संकाय), 11 मार्च 2023, निमहंस, बेंगलुरु

प्रदत्त व्याख्यान:49

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
34	47	49

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची: 14

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
14	17	14

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. न्यूरोसर्जरी में मांसपेशी एंजाइम उन्नयन का अध्ययन और पोस्ट-ऑपरेटिव तीव्र किडनी चोट में इसकी प्रासंगिकता: एक पायलट अध्ययन, डॉ. सूर्य कुमार दुबे, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल ग्रांट), 4 वर्ष, 2018-2022, 3 लाख रुपये
2. सर्वाइकल स्पाइन की चोट वाले रोगियों में एक नाली के रूप में एयर-क्यू के उपयोग के साथ और बिना फाइबर-ऑप्टिक एंडोट्रैकियल इंट्युबेशन की तुलना: एक पायलट अध्ययन, आचार्य ज्ञानिंदरपाल सिंह, एम्स, नई दिल्ली (इंट्राम्यूरल ग्रांट), 4 वर्ष, 2016-2020, 2 लाख16 हजार रुपए
3. इंट्राक्रैनियल मेनिंगजियोमास एक्सीजन से गुजर रहे मरीजों के परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव जुगुलर वेनस ऑक्सीमेट्री आधारित प्रबंधन का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन, डॉ. चारु महाजन, एम्स (इंट्राम्यूरल), 2 वर्ष, 2020-2022, 4.7 लाख रुपये
4. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में पंखायुक्त स्वदेशी चश्मे बनाम मानक चश्मे की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना, नवदीप सोखल, एम्स, 2 वर्ष, 2021-2022, 2,95,000/- रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. प्रोन पोजिशन में रीढ़ की हड्डी की सर्जरी कराने वाले मरीजों में वायुमार्ग परिवर्तन: एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन
2. पिट्यूटरी सर्जरी के बाद लंबे समय तक आईसीयू में रहने की घटना और जोखिम कारक: एक भविष्यलक्षी अध्ययन
3. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर सर्जरी से गुजरने वाले रोगियों में एक्सट्यूबेशन प्रतिक्रिया पर सामयिक रोपाइवाकेन का प्रभाव: एक भविष्यलक्षी याद्दच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण
4. पार्श्व स्थिति क्रैनियोटॉमी के बाद एक्स्ट्रावास्कुलर फेफड़ों के पानी पर इंट्राऑपरेटिव लक्ष्य निर्देशित द्रव चिकित्सा का प्रभाव
5. सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया
6. न्यूरोसर्जरी में सर्जिकल स्थिति से जुड़े इंट्रा-एबडोमिनल दबाव में परिवर्तन (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में)।
7. पार्श्व स्थिति क्रैनियोटॉमी के बाद अतिरिक्त संवहनी फेफड़े के पानी पर इंट्राऑपरेटिव लक्ष्य-निर्देशित द्रव थेरेपी का प्रभाव, एक भविष्यलक्षी याद्दच्छिक अध्ययन: (मुख्य मार्गदर्शक के रूप में)

8. मस्तिष्क की मध्यम से गंभीर दर्दनाक चोट वाले मरीजों में तीन महीने में विस्तारित ग्लासगो आउटकम स्केल पर आईसीयू सेडेशन के लिए केटोफोल के साथ फेंटेनल और मिडज़ोलम के प्रभाव की तुलना-एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक अध्ययन (सह-मार्गदर्शक)
9. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट वाले रोगियों में कमजोरी की पहचान करने और परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए देखभाल बिंदु अल्ट्रासाउंड: एक भविष्यलक्षी अवलोकन अध्ययन
10. वृद्धावस्था के रोगियों में सुप्राटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी के लिए ओपियोइड स्पाइंग एनेस्थीसिया तकनीक [ओपीआईएटीई]: एक यादृच्छिक ओपन लेबल अध्ययन
11. पार्श्व स्थिति क्रैनियोटॉमी के बाद अतिरिक्त संवहनी फेफड़े के पानी पर इंट्राऑपरेटिव लक्ष्य-निर्देशित द्रव थेरेपी का प्रभाव, एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड अध्ययन
12. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर में क्रैनियोटॉमी के लिए ओपिओइड मुक्त एनेस्थीसिया
13. इंट्राक्रानियल मेनिंगजियोमास के एक्सीजन से गुजरने वाले रोगियों में परिणाम पर इंट्राऑपरेटिव जुगलर वेनस ऑक्सीमेट्री आधारित प्रबंधन का प्रभाव: एक प्रारंभिक अध्ययन
14. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म के लिए वैकल्पिक क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पास्म से जुड़े बायोमार्कर पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
15. एन्यूरिज्म क्लिपिंग से गुजरने वाले रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
16. पार्श्व स्थिति में सर्जरी के करवा रहे न्यूरोसर्जिकल रोगियों में बख्तरबंद फ्लेक्सोमेटेलिक एंडोट्रैकियल ट्यूब बनाम रणनीतिक कफ रिलीज मनूवर के साथ पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) ट्यूबों का उपयोग करते समय वायुमार्ग से संबंधित जटिलताओं की घटनाओं पर तुलनात्मक अध्ययन: एक गैर-हीनता परीक्षण
17. रीढ़ की सर्जरी के दौरान आईओएनएम का उपयोग करके मोटर-प्रेरित क्षमता पर नाइट्रस ऑक्साइड की अलग-अलग सांद्रता का प्रभाव: एक डबल ब्लाइंडेड यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन
18. सुप्राटेंटोरियल ट्यूमर करवा रहे रोगियों में एक्सट्यूबेशन प्रतिक्रिया पर सामयिक रोपिवाकाइन का प्रभाव: एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक डबल ब्लाइंड प्लेसिबो नियंत्रित परीक्षण
19. वयस्क सर्जिकल रोगियों में अल्ट्रासाउंड निर्देशित गले के आंतरिक शिरापरक कैनुलेशन के लिए गतिशील सुई टिप स्थिति बनाम लघु अक्ष तकनीक: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पूर्ण

1. हाइड्रोसिफ़लस वाले वयस्क रोगियों में वेंट्रिकुलोपेरिटोनियल शंट सर्जरी से पहले और बाद में पल्सेटिलिटी इंडेक्स में परिवर्तन की तुलना
2. तृतीयक देखभाल अस्पताल में नर्स के ज्ञान और अभ्यास पर सिमुलेशन-आधारित वेंटिलेटर अलार्म प्रबंधन प्रशिक्षण के प्रभाव का आकलन करने के लिए अध्ययन (एमएससी नर्सिंग छात्र के लिए सह-गाइड)।

3. मस्तिष्क की दर्दनाक चोट के रोगियों में परिणाम के पूर्वानुमान के लिए ग्लासगो कोमा स्केल-प्यूपिल्स और अनरेस्पॉन्सिवनेस स्कोर की पूरी रूपरेखा की तुलना
4. न्यूरोसर्जिकल रोगियों में प्रीऑपरेटिव एनेस्थीसिया काउंसलिंग की भूमिका: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल अध्ययन
5. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म के लिए वैकल्पिक क्रैनियोटॉमी से करवाने वाले रोगियों में सर्जरी के बाद बढ़ी हुई रिकवरी की तुलना [ईआरएएस] प्रोटोकॉल बनाम पारंपरिक देखभाल: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. मस्तिष्क की गंभीर क्षति के बाद मस्तिष्क मृत्यु के मूल्यांकन के पूर्वसूचक के रूप में निकट अवरक्त स्पेक्ट्रोस्कोपी
7. सुपरटेंटोरियल क्रैनियोटॉमी करवाने वाले रोगियों में चयापचय मापदंडों और मस्तिष्क विश्राम के संबंध में 0.9% सामान्य सेलाइन, स्टीरियोफंडिन और प्लास्मलाइट की तुलना
8. न्यूरोलॉजिकल परिणाम पर पूर्वकाल परिसंचरण तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के लिए एंडोवस्कुलर थ्रोम्बेक्टोमी के पेरिप्रोसेड्यूरल एनेस्थेटिक उपचार का प्रभाव
9. हाइपोथैलेमिक हैमार्टोमा वाले मरीजों का संवेदनाहारी प्रबंधन - एक पूर्वव्यापी अध्ययन
10. कोविड-19 के कारण एनेस्थेसियोलॉजिस्ट की नैदानिक प्रथाओं में परिवर्तन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. कोविड सर्ज-3: सर्जिकल परिणामों पर कोविड-19 संक्रमण का प्रभाव, यह एक बहुकेंद्रित अध्ययन है जिसमें 116 देश शामिल हैं, नोडल सेंटर बर्मिंघम, यूके है
2. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म के लिए वैकल्पिक क्रैनियोटॉमी से गुजरने वाले रोगियों में सेरेब्रल वैसोस्पास्म से जुड़े बायोमार्कर पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जैव रसायन विभाग
3. एन्यूरिज्म क्लिपिंग से गुजरने वाले रोगियों में ऑक्सीडेटिव तनाव और प्रतिरक्षा मॉड्यूलेशन पर डेक्समेडेटोमिडाइन का प्रभाव-एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, जैव रसायन विभाग
4. कोविड आईसीयू में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों में पंखायुक्त स्वदेशी चश्मे बनाम मानक चश्में की सुरक्षा और प्रभावकारिता की तुलना करना, एनेस्थिसियोलॉजी और क्रिटिकल केयर, लैब मेडिसिन, अस्पताल प्रशासन

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनायें	2020-2021	2021-2022	2022-2023
कुल वित्तपोषित परियोजनाएँ	**2**	**6**	4
कुल वित्तपोषण (लाख रुपये)	45	112.7	12.81

प्रकाशन:

जर्नल: 39 **पुस्तक में अध्याय:** 7 **पुस्तकें और मोनोग्राफ**:1

पिछले 3 वर्षों में प्रकाशन

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
योग			
जर्नल आलेख	69	51	39
सार	1	1	0
पुस्तकों में अध्याय	19	19	7
पुस्तकें	0	0	1

रोगी उपचार

विभाग का संचयी डेटा ऊपर दिया गया है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य अरविंद चतुर्वेदी को फरवरी 2023 में (1 जुलाई 2016 से) आचार्य, सीनियर एचएजी ग्रेड के रूप में पदोन्नत किया गया था; वे 6 सितंबर 2022 को न्यूरोएनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर एम्स, नई दिल्ली विभाग द्वारा आयोजित न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया के तीसरे वार्षिक सम्मेलन और 8वें वार्षिक न्यूओएनेस्थेसिया अपडेट के आयोजन अध्यक्ष रहे। उन्होंने 6 सितंबर 2022 को न्यूरोएनेस्थीसिया और क्रिटिकल केयर विभाग, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसायटी ऑफ इंडिया और 8वां वार्षिक न्यूओएनेस्थीसिया अपडेट के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में सैनी, दाश, बिठल व्याख्यान की अध्यक्षता की; 20-22 जनवरी 2023 तक एआईजी हॉस्पिटल हैदराबाद में इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर के 24वें वार्षिक सम्मेलन में प्रतिष्ठित आचार्य गोडे व्याख्यान की अध्यक्षता की; जनवरी 2023 में एम्स, नई दिल्ली में आईएसएनएसीसी की वार्षिक पीडीएफ न्यूरोएनेस्थेसिया फेलोशिप परीक्षा, अध्यक्ष के रूप में आयोजित की; एम्स, रायपुर में संकाय चयन के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में उन्हें चुना गया था; मार्च 2023 में एरेमिस अस्पताल गुड़गांव में डॉ. एनबी न्यूरोएनेस्थीसिया पाठ्यक्रम के मूल्यांकन के लिए एनबीई विशेषज्ञ रहे।

आचार्य एम.पी. पांडिया को न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई) सांविधिक समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया। उन्हें 20-22 जनवरी 2023 के बीच हैदराबाद में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी 2023) के 24वें वार्षिक सम्मेलन में अनुसंधान प्रस्तुतियों का मूल्यांकन करने के लिए निर्णायक के रूप में नियुक्त किया गया था और उन्होंने न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) तथा एम्स न्यूरोएनेस्थेसिया और न्यूरोक्रिटिकल केयर अपडेट 2022, 6-9 अक्टूबर 2022, नई दिल्ली के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

आचार्य गिरिजा प्रसाद रथ को सोसाइटी फॉर न्यूरोसाइंस इन एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (एसएनएसीसी, यूएसए) के सचिव-कोषाध्यक्ष के रूप में चुना गया। उन्होंने इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (आईएसएनएसीसी) के सचिव के रूप में योगदान देना जारी रखा। वे ग्लोबल-आउटरीच समिति के अध्यक्ष रहे और वैज्ञानिक, सदस्यता, संचार, वार्षिक बैठक योजना तथा एसएनएसीसी की रणनीतिक मामलों की समितियों के सदस्य के रूप में योगदान देना जारी रखा। सिंगापुर में 14वीं वर्ल्ड स्ट्रोक कांग्रेस में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया, सिएटल, यूएसए में टीसीडी कार्यशाला एसएनएसीसी वार्षिक बैठक 2022 का संचालन किया। एशियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोएनेस्थीसिया एंड क्रिटिकल केयर (एएसएनएसीसी) की कार्यकारी समिति के सदस्य (भारत) के रूप में योगदान देना जारी रखा और इसके वेब संपादक बने रहे। जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर (जेएनएसीसी) के लिए कार्यकारी संपादक का पद, इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया (आईजेए), न्यूरोलॉजी इंडिया, द इंडियन एनेस्थेटिस्ट्स फोरम के संपादकीय बोर्ड के सदस्य और जर्नल ऑफ एनेस्थिसियोलॉजी एंड क्लिनिकल फार्माकोलॉजी (जेओएसीपी) के लिए सेक्शन एडिटर (न्यूरोएनेस्थेसिया) का पद भी वे संभाले रहे। एनेस्थीसिया एसेज़ एंड रिसर्च (एईआर) और एनेस्थिसियोलॉजी एंड पेन मेडिसिन (एएपीएम) के अंतरराष्ट्रीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य और मिनर्वा एनेस्थिसियोलॉजिका, जर्नल ऑफ न्यूरोसर्जिकल एनेस्थिसियोलॉजी, न्यूरोक्रिटिकल केयर और जर्नल ऑफ क्लिनिकल एनेस्थीसिया जैसी प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं के सहकर्मी-समीक्षक के रूप में काम करना जारी रखा।

डॉ. सूर्य कुमार दुबे एसएनएसीसी (यूएसए) शिक्षा समिति और रोगी सुरक्षा समूह के सदस्य थे; प्रशिक्षक एसीएलएस, एटीएलएस, बीएलएस, एसीसीसी रहे; संपादकीय बोर्ड जेएनएसीसी, जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया एंड रिसर्च; इंडियन जर्नल ऑफ एनेस्थीसिया, जर्नल ऑफ न्यूरोएनेस्थिसियोलॉजी एंड क्रिटिकल केयर, क्लीनिक (साओ पाउलो) के समीक्षक रहे; एसएनएसीसी, यूएसए के लिए महीने की क्विज और लेख भेजकर अपना योगदान दिया।

डॉ. सुमन सोखल को नर्सेज सीएमई में न्यूरोक्रिटिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनसीएसआई 2022) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन में निर्णायक के रूप में नियुक्त किया गया।

तंत्रिका विकृति विज्ञान विभाग

आचार्य (प्रभारी)

एम.सी. शर्मा

आचार्य

वैशाली सूरी

विशिष्टताएं

वर्ष 2022-2023 में तंत्रिका विकृति विज्ञान की इकाई, शैक्षणिक और अत्याधुनिक नैदानिक सेवाओं के उच्च मानक को बनाए रखने में सक्षम रही है। यह इकाई, नियमित निदान सेवाओं (कुल 2427 मामले), स्नातक, स्नातकोत्तर, डीएम, एमसीएच और पीएचडी विद्यार्थियों को पढ़ाने का कार्य करती

रही है; साथ ही तंत्रिका विकृति विज्ञान की विभिन्न उप-विशेषताओं में उच्च गुणवत्ता वाला अनुसंधान भी संपन्न करती रही है।

पिछले वर्ष के दौरान रोगी देखभाल सेवाओं और अनुसंधान में सुधार के लिए उठाए गए कदम

तंत्रिका अर्बुद विज्ञान में नियमित वर्क-अप में आणविक निदान और साइटोजेनेटिक वर्क-अप के लिए नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं, जिसमें इन-सीटू हाइब्रिडाइजेशन, केशिका वैद्युतकणसंचलन, वास्तविक समय पीसीआर आदि शामिल हैं। डायग्नोस्टिक इम्यूनोहिस्टोकेमिकल पैनल का विस्तार किया गया है और इस अवधि के दौरान कुल 21,980 स्लाइडों को स्टेन किया गया तथा उनका अध्ययन किया गया। यह इकाई नियमित रूप से न्यूरोऑनकोलॉजी और मायोपैथोलॉजी की हिस्टोपैथोलॉजिकल रिपोर्ट में नैदानिक महत्व के आणविक निर्माताओं को एकीकृत कर रही है। न्यूरोपैथोलॉजी संकाय सदस्यों को 8 बाह्य परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण प्राप्त हुआ है। सहकर्मी-समीक्षित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में कुल 39 शोधपत्र प्रकाशित हुए हैं। शोध कार्य विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रस्तुत किया गया जिसमें हमारे विद्यार्थियों ने 6 पुरस्कार जीते। डीबीटी परियोजना और एनपीएसआई के तत्वावधान में 16 से 19 नवंबर 2022 तक एनईआईजीएचआरआईएमएस शिलांग, मेघालय में डॉ. वैशाली सूरी द्वारा न्यूरोपैथोलॉजी में सीएमई और फ्लोरेसेंस इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन (फिश) पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

आगामी वर्ष के लिए कार्य योजना

उच्चतम गुणवत्ता वाली नैदानिक न्यूरोपैथोलॉजी सेवाएं, शिक्षण, उन्नत ट्रांसलेशनल अनुसंधान का संयोजन प्रदान करना और सुपर-स्पेशियलिटी में कुशल जनशक्ति विकसित करना।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

- डीबीटी परियोजना और एनपीएसआई के तत्वावधान में 16 से 19 नवंबर 2022 तक एनईआईजीएचआरआईएमएस शिलांग, मेघालय में डॉ. वैशाली सूरी द्वारा न्यूरोपैथोलॉजी में सीएमई और सीटू हाइब्रिडाइजेशन (एफआईएसएच) में फ्लोरेसेंस पर कार्यशाला का आयोजन किया गया था।

प्रदत्त व्याख्यान:12

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

2020-2021	2021-2022	2022-2023
10	19	12 (5+4 सीपीसी और पैथोलॉजी एवं इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री में इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी की भूमिका)

प्रस्तुत मौखिक पत्रों/पोस्टरों की सूची: 8

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

2020-2021	2021-2022	2022-2023
2	12	8

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

एमसी शर्मा

1. एकीकृत ट्रांस्क्रिप्टोम विश्लेषण का उपयोग करके पोस्टीरियर फोसा एपेंडिमल ट्यूमर में आरएनए परिदृश्य को उजागर करना, आचार्य एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 80 लाख रुपये
2. ट्यूमर प्रतिरक्षा परिदृश्य: पीडीएल1 अभिव्यक्ति और सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमा में प्रतिरक्षा कोशिका घुसपैठ की जांच करके ट्यूमर प्रतिरक्षा इंटरप्ले का मूल्यांकन और सर्वाइवल परिणामों के साथ इसका सहसंबंध, आचार्य एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 35 लाख रुपये
3. वयस्क-शुरुआत इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) का क्लिनकोपैथोलॉजिकल और सीरोलॉजिकल मूल्यांकन, जिसका उद्देश्य छिटपुट समावेशन बॉडी मायोसाइटिस का लक्षण वर्णन में सुधार करना है, आचार्य एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 50 लाख रुपये
4. इडियोपैथिक इंफ्लेमेटरी मायोपैथीज (आईआईएम) के नैदानिक, सीरोलॉजिकल और हिस्टोलॉजिकल रूप से परिभाषित उपसमूहों में मानव ल्यूकोसाइट एंटीजन आनुवंशिक वेरिएंट की पूछताछ, आचार्य एमसी शर्मा, इंट्राम्यूरल (एम्स), 3 वर्ष, 2021-2023, 20 लाख रुपये

वैशाली सूरी

1. जोखिम स्तरीकरण के लिए मेनिंगजियोमास में सर आरएनए के भविष्यलक्षी नैदानिक मूल्य का मूल्यांकन और चिकित्सीय हस्तक्षेप में इसकी भूमिका, आचार्य वी सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2020-2023, 78 लाख रुपये
2. ट्यूमर के शीघ्र निदान, उसकी प्रगति का पता लगाने और ग्लियोमास में इसकी पुनरावृत्ति के लिए डायग्नोस्टिक बायोमार्कर का मजबूत और किफायती रक्त-आधारित पैनल स्थापित करना, आचार्य वी सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 1 करोड़ रुपये
3. बाल चिकित्सा ग्लियोमा के आणविक प्रोफाइल का विश्लेषण करने और आणविक उप-समूहन तथा जोखिम स्तरीकरण के लिए मजबूत और किफायती तरीके स्थापित करना, आचार्य वी सूरी, डीबीटी, 3 वर्ष, 2021-2024, 80 लाख रुपये
4. उप-वर्गीकरण और प्रोग्नोसिस पूर्वानुमान में सुधार के लिए किशोरों और युवा वयस्कों (एवाईए) में ग्लियोमास की मिथाइलेशन सरणी-आधारित प्रोफाइलिंग, आचार्य वी सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2022-2025, 80 लाख रुपये

पूर्ण

1. बाल चिकित्सा एपेंडिमोमा के रोगजनन में स्नेल पैरालॉग्स की कार्यात्मक प्रासंगिकता को उजागर करना, आचार्य एमसी शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2017-2020, 46 लाख रुपये
2. भारत में न्यूरोमस्कुलर विकारों के उद्देश्य से लक्षित जीनों का अनुक्रमण, आचार्य एमसी शर्मा, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 50 लाख रुपये

3. मेनिंगजियोमा के स्तरीकरण और इसके पूर्वानुमानित चिकित्सीय महत्व के मूल्यांकन के लिए नए बायोमार्कर के रूप में गैर-कोडिंग आरएनए पैनल की पहचान, आचार्य वी सूरी, आईआईटी दिल्ली के साथ बहु-संस्थागत संकाय अंतःविषय अनुसंधान परियोजना, 3 वर्ष, 2018-2020, 10 लाख रुपये
4. ग्लियोमा के डब्ल्यूएचओ 2016 वर्गीकरण के संदर्भ में प्रोट्यूमोरिजेनिक सूजन के आणविक हस्ताक्षर, आचार्य वी सूरी, एम्स अंतर-विभागीय सहयोगात्मक परियोजना, 3 वर्ष, 2018-2020, 20 लाख रुपये
5. मेनिंगजियोमा में नियमित आणविक उपसमूह और कार्रवाई योग्य लक्ष्यों की पहचान के लिए एक नवीन कार्यनीति विकसित करने के लिए लक्षित जीनोमिक-एपिजेनोमिक विश्लेषण, आचार्य वीसूरी, डीएसटी, 3 वर्ष, 2018-2021, लगभग 42 लाख रुपये, (41,23,098)
6. मेनिंगजियोमास विभिन्न हिस्टोलॉजिकल और आणविक उपसमूहों का एकीकृत ट्रांस्क्रिप्टोम विश्लेषण, रोगसूचक हस्ताक्षर और चिकित्सा विज्ञान की पहचान करना, आचार्य वी सूरी, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 62 लाख रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. ईजीबी और जीबी की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन करना
2. आईडीएच वाइल्डटाइप और उत्परिवर्ती ग्लिओमास की आणविक प्रोफ़ाइल
3. मेनिंगजियोमास की एमआईआरएनए प्रोफाइलिंग का मूल्यांकन
4. डिस्फेर्लिनोपैथी के लिए इम्यूनोफ्लोरेसेंस
5. मायोसिटिस विशिष्ट और मायोसिटिस संबंधित ऑटोएंटीबॉडी का पता लगाने के लिए लाइन इम्यूनो एस्से
6. डिस्फ़र्लिन और कैलपेन के लिए इम्यूनोब्लॉट
7. एवाईए जनसंख्या की आनुवंशिक और एपिजेनेटिक प्रोफ़ाइलिंग
8. नैनोस्ट्रिंग द्वारा ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रोफाइलिंग
9. गुणात्मक और मात्रात्मक परख द्वारा एमजीएमटी प्रमोटर मूल्यांकन
10. एपेंडिमोमा की आणविक रूपरेखा

पूर्ण

1. पीएक्सए की आणविक और प्रतिरक्षा प्रोफ़ाइल का आकलन करना
2. मेनिंगजियोमास की आणविक प्रोफ़ाइल का आकलन करना
3. ग्लियोमास के विभिन्न ग्रेडों के प्रतिरक्षा सूक्ष्म वातावरण का विश्लेषण करना
4. सेंगर सिकवैंसिग और डीडीपीसीआर द्वारा आईडीएच उत्परिवर्तन मूल्यांकन

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. डब्ल्यूएचओ 2016 के ग्लियोमा वर्गीकरण (2018-20) के संदर्भ में प्रोट्यूमोरिजेनिक सूजन के आणविक हस्ताक्षर, जैव रसायन विभाग (2018-20)
2. आवर्तक ग्लियोब्लास्टोमा; एक नैदानिक चुनौती; ट्यूमर की पुनरावृत्ति और उपचार संबंधी परिवर्तनों में अंतर करने के लिए एक बहु-विषयक कार्यनीति, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग (2021-2023)
3. जन्मजात/विकासात्मक क्रैनियोवर्टेब्रल विसंगतियों वाले मरीजों में पोस्टीरियर एटलांटोऑक्पिटल मेम्ब्रेन का हिस्टोपैथोलॉजिकल इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री विश्लेषण, तंत्रिका शल्य चिकित्सा विभाग
4. एमजीएमटी अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग और बाल चिकित्सा तथा एवाईए आबादी में उच्च ग्रेड ग्लियोमा में टीएमजेड की प्रतिक्रिया के साथ इसका सहसंबंध, विकिरण विज्ञान विभाग (2023-2025)

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजना	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्तपोषण	3.17 करोड़	4.25 करोड़	4.08 करोड़

प्रकाशन:

जर्नल: 24 **केस रिपोर्ट**: 9 **समीक्षा आलेख**: 7

सार: 2 **पुस्तक में अध्याय**: 7 **पुस्तकें और मोनोग्राफ**:1

रोगी उपचार

रोगी देखभाल/सहायक गतिविधियों में निम्नलिखित के बारे में जानकारी शामिल है: (क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित (ख) सामुदायिक सेवाएं/शिविर आदि।

तंत्रिका विकृति विज्ञान प्रयोगशाला

वर्ष	**2020- 2021 कोविड**	**2021-2022 कोविड**	**2022-2023**
नमूनों की कुल संख्या	540	2167	2427
इंट्राऑपरेटिव फ्रोजन सेक्शन निदान	32	330	424
इम्युनोहिस्टोकैमिस्ट्री	6161	13,444	14,158
फ्लूरोसेंस इन-सीटू हाइब्रिडाईजेशन	472	836	1271
मांसपेशी बायोप्सी (फ्रोजन)	56	236	240
मसल एंजाइम हिस्टोकैमिस्ट्री	151	553	910
मांसपेशी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री	460	2354	1765

मांसपेशी इम्यूनोफ्लोरेसेंस	-	50	128
इम्यूनोब्लॉट	17	65	75
इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी	56	197	243
सेंगर सिकवेंसिग क्यूपीसीआर/आरटीपीसीआर	-	431	339
कुल इकाइयाँ (कॉलम में प्रत्येक मड को एक इकाई के रूप में लिया जाता है)	**7,945**	**20,663**	**21,980**

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

डॉ. सुमंता दास को "असामान्य बाल चिकित्सा उच्च ग्रेड ग्लियोमा: आणविक परीक्षण द्वारा उद्घाटित" शीर्षक वाले पोस्टर की प्रस्तुति के लिए **दूसरा पुरस्कार** प्राप्त हुआ और 11 से 12 फरवरी 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनए कॉन 2023) के 25वें वार्षिक सम्मेलन में उन्होंने दूसरा पुरस्कार जीता।

डॉ. विजया निर्मला को 11 से 12 फरवरी 2023 को नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनएसीओएन 2023 के 25 वें वार्षिक सम्मेलन में) "सुप्राटेंटोरियल एपेंडिमोमास का आणविक लक्षण वर्णन" शीर्षक से प्रस्तुत मौखिक शोधपत्र के लिए **तीसरा पुरस्कार** प्राप्त हुआ।

स्वाति सिंह को 11 से 12 फरवरी 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनए कॉन 2023) के 25वें वार्षिक सम्मेलन में "फैटी एसिड सिंथेज़ मेनिंजियोमा में एकेटी1 ई17के उत्परिवर्तन को नियंत्रित करता है" शीर्षक से पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए **दूसरा पुरस्कार** मिला ।

ज्योत्सना सिंह को 23-25 फरवरी 2023 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर द्वारा आयोजित (वर्चुअल सम्मेलन) न्यूरोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2023) के छठे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में न्यूरोपैथोलॉजी में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए डॉ सुबिमल रॉय पुरस्कार मिला, जिसका शीर्षक था "मेनिंगजियोमास का डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइलिंग नैदानिक रूप से अलग आणविक उपसमूहों को उजागर करता है"

ऐश्वर्या ढल को 23-25 फरवरी 2023 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज वेल्लोर द्वारा आयोजित (वर्चुअल सम्मेलन) न्यूरोपैथोलॉजी सोसाइटी ऑफ इंडिया (एनपीएसआईसीओएन 2023) के छठे वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन में "**उत्तर भारत में मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के स्पेक्ट्रम"** नामक मौखिक शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए **तीसरा पुरस्कार (** गैर-नियोप्लास्टिक श्रेणी) प्राप्त हुआ।

डॉ. दिव्या मोहन को 11 से 12 फरवरी 2023 तक नई दिल्ली में आयोजित दिल्ली न्यूरोलॉजिकल एसोसिएशन (डीएनए कॉन 2023) के 25वें वार्षिक सम्मेलन में "स्पाइनल एपेंडिमोमास में एमवाईसीएन एंपलीफिकेशन" शीर्षक से सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए **तीसरा पुरस्कार** प्राप्त हुआ।

तंत्रिका मनोविज्ञान विभाग

आचार्य

आशिमा नेहरा

विशिष्टताएं

तंत्रिका विज्ञान केंद्र में स्थित तंत्रिका मनोविज्ञान विभाग, कॉन्टिन्युअम ऑफ केयर (सीओसी मॉडल) के हिस्से के रूप में पैरा क्लिनिकल सेवाएं प्रदान कर रहा है, जबकि संपर्क का प्राथमिक स्रोत क्लिनिशियन (मेडिकल डॉक्टर) रहे हैं। बहु-विषयी टीमों के साथ विद्यार्थियों को कुछ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सराहना प्राप्त हुई। यह सब हमें यह अवसर देने के लिए तंत्रिका विज्ञान केंद्र और एम्स के अन्य विभागों के सम्मानित वरिष्ठजनों और सहकर्मियों के सहयोग से संभव हुआ है। विद्यार्थियों के उत्साह और इच्छा ने 'देखभाल के मानक' उपलब्ध कराने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है।

एम्स, नई दिल्ली में हमारी न्यूरोसाइकोलॉजी सेवा में मरीजों को देखे जाने के दौरान कॉन्टिन्युअम ऑफ केयर टीम के एक हिस्से के रूप में 'देखभाल के मानक' उपलब्ध कराने में एक अच्छी कार्य संस्कृति को बनाए रखने की मेहनत और ईमानदारी से कोशिश की गई है, जिसमें अन्य केंद्रों और विभागों से बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी रेफरल भी शामिल हैं। इस विषय-क्षेत्र में एक अकेला संकाय सदस्य होने के नाते, वह सरकारी वित्त पोषित परियोजनाओं में सह-पीआई/सह-अन्वेषक (न्यूरोसाइकोलॉजी के क्षेत्र में) के रूप में अनुसंधान टीमों के साथ सक्रिय रहे हैं और सह-पीआई/सह-अन्वेषक/सह-गाइड के रूप में अंतःविषय/बहु-विषयक परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। विद्यार्थियों को मनोविज्ञान पढ़ाने में शामिल रहे हैं।

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. भारत में आपातकालीन राष्ट्रीय संकट के समय में फ्रंट-लाइन मेडिकल, पैरा-मेडिकल स्वास्थ्य उपचार कर्मी पेशेवरों के समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए निवारक और उपचारात्मक मॉडल बनाने के लिए उनकी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति और आवश्यकताओं का अध्ययन करना: एक क्रॉस-सेक्शन अध्ययन, डॉ आशिमा नेहरा, एम्स, नई दिल्ली, 1 (अगले 1 वर्ष के लिए विस्तार योग्य), 2020-23, 10 लाख रुपए

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. स्ट्रोक से बचे लोगों के क्यूओएल में सुधार लाने और संज्ञानात्मक गिरावट को कम करने के लिए विकसित 'रोगी और देखभालकर्ता भारतीय न्यूरोसाइकोलॉजिकल कॉन्टिन्युअम ऑफ केयर (पिन-सीओसी) मॉडल' की प्रभावकारिता का पता लगाना: एक यादृच्छिक बहु-केंद्रित नैदानिक परीक्षण

2. भारत में सभी केंद्रों में सीखने की अक्षमताओं की पहचान करने के वर्तमान मानकों/प्रथाओं को समझना, प्रलेखित करना और मानकीकृत करना
3. लोगों को विकलांगता की ओर ले जाने वाली 'राइटर्स क्रैंप्स' के मुद्दों की पहचान करना और उनमें सामंजस्य स्थापित करना

पूर्ण

1. पार्किंसंस रोग के रोगियों के दैनिक जीवन, व्यवहार और संज्ञानात्मक क्षमता (एबीसी) की गतिविधियों पर दोहरावदार ट्रांसक्रानियल चुंबकीय उत्तेजना (आरटीएमएस) की प्रभावशीलता का अध्ययन करना।

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. मल्टीपल स्केलेरोसिस वाले मरीजों में संज्ञानात्मक गिरावट - एक बहुकेंद्रित क्रॉस सेक्शनल और भविष्यलक्षी लौंगिट्यूडिनल अध्ययन, न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जैव-सांख्यिकी
2. ड्रग रिफ्रैक्टरी मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में अनुभूति और जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए व्यापक न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास का विकास और प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रित नैदानिक परीक्षण, न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जैव-सांख्यिकी
3. लोगों को विकलांगता की ओर ले जाने वाले 'राइटर्स क्रैंप्स' के मुद्दों की पहचान करना और सामंजस्य स्थापित करना; न्यूरोलॉजी, न्यूरोसाइकोलॉजी, जैव-सांख्यिकी
4. भारत भर के केंद्रों में सीखने की अक्षमताओं की पहचान करने के वर्तमान मानकों/प्रथाओं को समझना, प्रलेखन करना और मानकीकृत करना; न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जैव-सांख्यिकी
5. लोगों को विकलांगता की ओर ले जाने वाले मिर्गी के मुद्दों की पहचान करना और सामंजस्य स्थापित करना, न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जैव-सांख्यिकी
6. लोगों को विकलांगता की ओर ले जाने वाली 'राइटर्स क्रैंप्स' संबंधी चिंताओं को पहचानना और उनमें सामंजस्य बिठाना; न्यूरोसाइकोलॉजी, न्यूरोलॉजी, जैव-सांख्यिकी

पूर्ण

1. भारत में आपातकालीन राष्ट्रीय संकट के समय में फ्रंट-लाइन मेडिकल, पैरा-मेडिकल हेल्थकेयर पेशेवरों के समग्र कल्याण को बढ़ाने के लिए निवारक और उपचारात्मक मॉडल बनाने के लिए उनकी मानसिक स्वास्थ्य स्थिति और आवश्यकताओं का अध्ययन करना: एक क्रॉस-सेक्शन अध्ययन (प्रथम चरण), पल्मोनरी मेडिसिन, क्रिटिकल केयर और नींद संबंधी विकार; न्यूरोलॉजी, आंतरिक चिकित्सा, बायोस्टैटिस्टिक्स, न्यूरोसाइकियाट्री, न्यूरोसाइकोलॉजी

प्रकाशन:

जर्नल: 14

रोगी उपचार

शीर्षक : रोगी देखभाल/सहायक गतिविधियाँ: कृपया निम्नलिखित से संबंधित जानकारी शामिल करें:

(क) विभाग में उपलब्ध सुविधाएं (विशेष क्लीनिक और/या विशेष प्रयोगशाला सुविधाओं सहित)

बाहय रोगी सेवा (ओपीडी): प्रति सप्ताह 4 न्यूरोसाइकोलॉजी/क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी) ओपीडी काम कर रही हैं (**महामारी के दौरान**):

1. **क्लिनिकल न्यूरोसाइकोलॉजी (सीएनपी)** क्लिनिक :

   क. सोमवार, मंगलवार, बुधवार और गुरुवार:

2. विशिष्ट क्लिनिक:

   क. तंत्रिका-संज्ञानात्मक पुनर्वास/न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास (**एनसीआर**) क्लिनिक

तंत्रिका मनोवैज्ञानिक पुनर्वास	संज्ञानात्मक पुनर्प्रशिक्षण/पुनर्गठन
	बुनियादी कौशल प्रशिक्षण
	कार्यात्मक पुनः प्रशिक्षण
	भाषण और भाषा पुनर्वास
	मनोसामाजिक उपचार
	मार्गदर्शन एवं परामर्श
	व्यक्तिगत उपचार
	पारिवारिक उपचार
	व्यावसायिक मार्गदर्शन
	समग्र/उदारवादी कार्यनीति उपचार (रोगी की जरूरतों के आधार पर)

   ख. बुधवार : न्यूरोलॉजी के साथ-साथ संज्ञानात्मक विकार और स्मृति (सीडीएम) क्लीनिक

संज्ञानात्मक विकार एवं स्मृति क्लिनिक	स्मृति आकलन
	संज्ञानात्मक गिरावट के लिए स्क्रीनिंग
	डिमेंशिया/अल्जाइमर्स डिमेंशिया के लिए संज्ञानात्मक पुनर्वास
	स्मृति/कार्यकारी कार्यप्रणाली में गिरावट के लिए संज्ञानात्मक पुनः प्रशिक्षण
	संज्ञानात्मक/स्मृति विकारों का प्रबंधन
	स्यूडो मनोभ्रंश को पहचानना और उसका उपचार करना
	शिक्षा: रोगी, देखभालकर्ता, प्रशिक्षु, सहकर्मी और आम जनता।
	पारिवारिक मार्गदर्शन
	उपचार की प्रगति और प्रतिक्रिया की निगरानी

इन सभी के नैदानिक/भेषजगुणविज्ञानी पहलुओं का न्यूरोलॉजिस्ट/न्यूरोलॉजी विशेषज्ञों द्वारा ध्यान रखा गया

रेफरल

रोगियों को न्यूरोलॉजी, पेडिएट्रिक न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मनोचिकित्सा, जेपीएन ट्रॉमा सेंटर, न्यूरोएनेस्थेसिया, शारीरिक पुनर्वास और चिकित्सा (पीएमआर), चिकित्सा अधीक्षक कार्यालय (मेडिको-लीगल मामलों के लिए) आदि से रेफर किया जाता है।

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

1. डॉ. राजेंद्र प्रसाद के निमंत्रण पर 'स्वास्थ्य संसद द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए दिशानिर्देश' 22 तैयार करने में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से योगदान। इसे 28 अक्टूबर 2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित ग्लोबल डिजिटल हेल्थ समिट में प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह**,** एमडी द्वारा लॉन्च किया गया।
2. इसके लिए आमंत्रित: 'स्वास्थ्य संसद द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए दिशानिर्देश' 22 तैयार करने में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से योगदान
3. शर्मा एस, नेहरा ए, त्रिपाठी एम, चंद्रा पीएस, पांडे आरएम (2021)। दवा दुर्दम्य मिर्गी के रोगियों के लिए न्यूरोसाइकोलॉजिकल पुनर्वास पर यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण: चुनौतियाँ, अनुकूलन और निष्कर्ष; एपिलेप्सिया, 38-38, पीएचडी थीसिस पेपर डब्ल्यूएचओ की वेबसाइट में शामिल है।

न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलॉजी विभाग

तंत्रिका विज्ञान केंद्र

आचार्य एवं प्रमुख

शैलेश बी गायकवाड

अजय गर्ग

एस लेवे जोसेफ देवराजन

गैर-संकाय कर्मचारी

रमेश के शर्मा, सीटीओ

शशि गुप्ता, विभागाध्यक्ष की निजी सचिव

विशेषताएं

- विभाग, वर्ष के 365 दिन, चौबीसों घंटे अत्याधुनिक न्यूरोइमेजिंग और न्यूरो-इंटरवेंशनल सेवाएं प्रदान करता है।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

शैलेश गायकवाड़

1. असाध्य मिर्गी में इमेजिंग, मासिक वेबिनार व्याख्यान श्रृंखला, इंडिया कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग, 6 जुलाई 2022, वेबिनार, एक ऑनलाइन मंच

2. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म का फ्लो डायवर्टर उपचार- भारत में तृतीयक देखभाल केंद्र से एक संस्थागत अनुभव, वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एंड थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी की 16वीं कांग्रेस (डब्ल्यूएफआईटीएन2022, 21-25 अगस्त 2022, क्योटो कन्वेंशन सेंटर, क्योटो, जापान)
3. भारत में थ्रोम्बेक्टोमी सेवा, आईसीसीए स्ट्रोक 2022 एक्यूट स्ट्रोक इंटरवेंशन और कैरोटिड स्टेंटिंग, 8-9 सितंबर 2022, फ्रैंकफर्ट, जर्मनी ऑनलाइन
4. कैरोटिड स्टेंटिंग: क्या करें और क्या न करें, एम्स, जोधपुर न्यूरोरेडियोलॉजी द्वितीय अपडेट
5. फोकस: न्यूरोइंटरवेंशन, 17-18 सितंबर 2022, एम्स, जोधपुर, राजस्थान
6. कैरोटिड स्टेनोसिस में एंडोवास्कुलर रिवास्कुलराइजेशन, इंडियन सोसाइटी फॉर न्यूरो-रेडियोलॉजी का मध्यावधि सीएमई 2022, 15-16 अक्टूबर 2022, रेडियो-डायग्नोसिस विभाग, आईजीएमसी, शिमला, एचपी
7. कैरोटिड स्टेंटिंग-इमेजिंग और इंटरवेंशन, शारदा रेडियोलॉजी अपडेट 2022, 5 नवंबर 2022, रेडियोलॉजी विभाग, शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा
8. कैरोटिड स्टेंटिंग: बेसिक्स एंड बियोंड, आईएसवीआईआर आउटरीच कार्यक्रम के रूप में रेडियोलॉजी का उदयपुर चैप्टर, 18-19 नवंबर 2022, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर
9. सेरेब्रल एन्यूरिज्म का एंडोवास्कुलर प्रबंधन, आईएसवीआईआर आउटरीच कार्यक्रम के रूप में रेडियोलॉजी का उदयपुर चैप्टर, 18-19 नवंबर 2022, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर
10. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म: एंडोवास्कुलर थेरेपी, स्ट्रोक के खिलाफ विश्व-अग्रणी विशेषज्ञ: तीसरा न्यूरो-एडिक्ट्स कोर्स, लाइव न्यूरोवास्कुलर कोर्स, 16-18 दिसंबर 2022, अल्माटी, कजाकिस्तान
11. कैरोटिड एंजियोप्लास्टी और स्टेंटिंग: तृतीयक देखभाल अस्पताल में एकल केंद्र का अनुभव, भारतीय रेडियोलॉजिकल और इमेजिंग एसोसिएशन का 75वां वार्षिक सम्मेलन, 2-5 फरवरी 2023, अमृतसर

प्रदत्त व्याख्यान: 14

प्रस्तुत मौखिक शोधपत्रों/पोस्टरों की सूची: 9

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी

1. ब्रेन आयरन एक्युमुलेशन (एनबीआईए) के साथ न्यूरोडीजेनेरेशन के उपप्रकारों के वर्गीकरण के लिए एक इमेजिंग-आधारित एल्गोरिदम का विकास, डॉ. अजय गर्ग, इंट्राम्यूरल, 2 वर्ष, 2021-23
2. कंप्यूटेड टोमोग्राफी एंजियोग्राफी (डीबीटी वित्त पोषित) का उपयोग करके इंट्राक्रानियल एथेरोस्क्लेरोटिक रोग का पता लगाने और मूल्यांकन के लिए कंप्यूटर एडेड डायग्नोस्टिक सिस्टम, डॉ.एस.लेव जोसेफ देवराजन, डीबीटी, 2 वर्ष, 3 वर्ष तक बढ़ाया गया, 2020-2023, 26,08,400 रुपये

पूर्ण

1. ग्लियोब्लास्टोमा मल्टीफॉर्म में क्षेत्र-विशिष्ट जीन अभिव्यक्ति प्रोफाइल के साथ इमेजिंग लक्षणों का सहसंबंध; डॉ. अजय गर्ग, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित, 3 वर्ष, 2018-2022, 55,97,315 रुपये
2. कोविड-19 और गैर-कोविड क्लिनिकल सेटिंग्स में इंट्राक्रानियल म्यूकर और अन्य मोल्ड संक्रमणों का इमेजिंग मूल्यांकन: एक सर्वलक्षी तुलनात्मक अध्ययन (इंट्राम्यूरल फंडेड), डॉ.एस.लेव जोसेफ देवराजन, इंट्राम्यूरल, 10 महीने, 2021-2022, 2,38,000 रुपये

विभागीय परियोजनाएँ

जारी

1. मायोपैथी के मूल्यांकन में चुंबकीय अनुनाद इमेजिंग की उपयोगिता और आनुवंशिक अध्ययन के साथ उसका सहसंबंध

पूर्ण

1. ट्यूमर पुनरावृत्ति से विकिरण परिगलन के विभेदन में डीसीई, डीएससी और एएसएल एमआर छिड़काव तकनीकों का तुलनात्मक मूल्यांकन
2. इंट्राक्रानियल एन्यूरिज्म में स्टेंट असिस्टेड कोइलिंग के एंजियोग्राफिक परिणाम; एक संस्थागत अनुभव
3. ड्यूरल एवीएफ संस्थागत अनुभव
4. ग्लियोब्लास्टोमा में रेडियोजीनोमिक्स

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी

1. न्यूरोमस्कुलर रोगों में जीनोमिक मेडिसिन के लिए अंतरराष्ट्रीय केंद्र (आईसीजीएनएमडी), न्यूरोलॉजी
2. स्ट्रोक और संज्ञानात्मक गिरावट के कारणों को जानने के लिए जनसंख्या-आधारित भविष्यलक्षी समूह अध्ययन: एक क्रॉस-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, न्यूरोलॉजी
3. सेंटर फॉर एक्सिलेंस (सीईओ) फॉर डिफिकल्ट टू ट्रीट एपिलेप्सी, न्यूरोलॉजी
4. स्ट्रोक और क्षणिक इस्केमिक हमले वाले रोगियों में लक्षणात्मक और स्पर्शोन्मुख कोरोनरी धमनी रोग की व्यापकता, न्यूरोलॉजी
5. टीबी मेनिनजाइटिस के रोगियों में एस्पिरिन या क्लोपिडोग्रेल, न्यूरोलॉजी
6. मल्टीपल स्केलेरोसिस की पैथोबायोलॉजी: फेनोटाइपिक, बायोमार्कर, और आनुवंशिक हस्ताक्षर, न्यूरोलॉजी
7. इस्केमिक स्ट्रोक वाले भारतीय रोगियों में एस्पिरिन प्रतिरोध के लिए नैदानिक और आनुवंशिक कारक, न्यूरोलॉजी

8. तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक में सिटिकोलिन पुनरोद्धार चिकित्सा करवा रहे रोगी में अन्वेषक द्वारा शुरू किया गया शैक्षणिक परीक्षण, न्यूरोलॉजी
9. पोस्ट-स्ट्रोक दौरे (प्रोलेविस) की रोकथाम के लिए रोगनिरोधी लेवेतिरसेटम का एक यादृच्छिक डबल-ब्लाइंड अध्ययन, न्यूरोलॉजी
10. सीएनएस वास्कुलाइटस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, न्यूरोलॉजी
11. इंट्राक्रानियल सेरेब्रल वेनस साइनस थ्रोम्बोसिस (प्रोलेविस-सीवीटी) में लेवेतिरसेटम के साथ पोस्ट-स्ट्रोक दौरे की रोकथाम: एक यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, न्यूरोलॉजी
12. एम्स प्राइमरी सीएनएस वास्कुलाइटिस रजिस्ट्री, न्यूरोलॉजी
13. 4.5 से 24 घंटों में इंजेक्शन टेनेक्टेप्लेस की प्रभावकारिता और सुरक्षा, तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक वाले पात्र विंडो रोगियों की इमेजिंग, न्यूरोलॉजी
14. इमेजिंग में अंतःशिरा अल्टेप्लेस के साथ ब्रिजिंग थेरेपी, 4.5 से 9 घंटे के बीच शुरुआत वाले पात्र तीव्र इस्केमिक स्ट्रोक के रोगियों-एक यादृच्छिक नियंत्रित, पायलट अध्ययन, न्यूरोलॉजी
15. प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस में पैथोबायोलॉजिकल और रोग गतिविधि मार्करों की पहचान, न्यूरोलॉजी
16. संपूर्ण-एक्सोम अनुक्रमण का उपयोग करके प्राथमिक सीएनएस वास्कुलाइटिस के एक समूह के बीच आनुवंशिक वास्कुलोपैथी की पहचान, न्यूरोलॉजी
17. एसएएसआई डीएडी परियोजना - इस परियोजना में एनआईएच, यूएसए, जराचिकित्सा की मंजूरी के साथ दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा भागीदारी की गई।

प्रकाशन:

जर्नल: 55 **सार:** 8 **पुस्तक में अध्याय:** 1

रोगी उपचार

रोगी देखभाल कार्य के लिए विभाग 24x7, 365 दिन काम करता है और नियमित रूप से सबाराकनॉइड हैमरेज, स्ट्रोक, तीव्र एन्सेफैलोपैथी, मायलोपैथी, दर्दनाक या आईट्रोजेनिक सेरेब्रोवास्कुलर चोटों आदि जैसी आपात स्थितियों को संभालने का काम करता है। बाह्य रोगियों और आंतरिक रोगियों से सीटी स्कैन के सभी अनुरोध उसी दिन और अक्सर तुरंत ही पूरे किए जाते हैं ताकि रोगी प्रबंधन के लिए तुरंत निर्णय लिया जा सके। इस विभाग में सीटी स्कैन के लिए कोई वेटिंग नहीं है। तंत्रिका विज्ञान केंद्र और ईएनटी तथा नेत्र विज्ञान जैसे अन्य विभागों में आने वाले रोगियों के मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी के संवहनी अध्ययन के लिए डीएसए नियमित रूप से किया जाता है। इसी तरह, न्यूरो-इंटरवेंशनल चिकित्सीय प्रबंधन नियमित रूप से तंत्रिका विज्ञान केंद्र के रोगियों के साथ-साथ ईएनटी, नेत्र विज्ञान, बाल चिकित्सा, कार्डियोलॉजी और ऑर्थोपेडिक्स से रेफर किए गए रोगियों के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, मोबाइल सीटी स्कैनर का उपयोग करके लाइफ सपोर्ट या वेंटिलेटर पर रखे मरीजों के लिए आईसीयू में सीटी स्कैन किया जाता है। बेडसाइड एक्स-रे नियमित रूप से एक डिजिटल पोर्टेबल एक्स-रे यूनिट या सीआर यूनिट का उपयोग करके किया जाता है और छवियां पीएसीएस नेटवर्क पर

अपलोड की जाती हैं। तंत्रिका विज्ञान केंद्र के वार्डों और आईसीयू में बीमार तथा अचल रोगियों के लिए जब भी आवश्यकता होती है, पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड किया जाता है। सभी कंसल्टेंट और रेजिडेंट्स आईपी-सक्षम प्रोटोकॉल के माध्यम से पीएसीएस छवियों तक पहुंच बनाते हैं और इसलिए घर से या कहीं भी इंटरनेट का उपयोग करके या यहां तक कि अपने स्मार्टफोन का उपयोग करके छवियां देख सकते हैं। विभागीय सम्मेलन कक्ष को उच्च-रिज़ॉल्यूशन डिकॉम-संगत प्रक्षेपण प्रणाली का उपयोग करके मल्टीमॉडलिटी छवि देखने के लिए उन्नत किया गया है ताकि नैदानिक कंसल्टेंट और रेजिडेंट्स अपने मरीज की छवियों को बड़ी प्रक्षेपण स्क्रीन पर कालानुक्रमिक रूप में तथा तुलना मोड में आसानी से देख सकें। यहां तक कि पुरानी छवियों और स्कैन की गई निजी छवियों को भी कुशलतापूर्वक और तुरंत देखा जा सकता है और इससे त्वरित निर्णय लेने में मदद मिलती है।

वर्ष 2022-2023 के दौरान निष्पादित की गईं न्यूरोइमेजिंग और इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं

सीटी स्कैन	**23836**	
डिजिटल सबट्रेक्शन एंजियोग्राफी	चिकित्सीय न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रियाएं: (सेरेब्रा एन्यूरिज्म, सेरेब्रल और स्पाइनल एवीएम एम्बोलिज़ेशन, कैरोटिड रिवास्कुलराइजेशन, आदि)	**461**
	डायग्नोस्टिक डीएसए	**826**
अल्ट्रासाउंड जांच/डॉप्लर अध्ययन		**3151**
एमआरआई	गामा नाइफ	5542
	एनएमआर	4187
एक्स-रे		**8213**
पोर्टेबल एक्स-रे		**6879**
पुरानी फिल्म स्कैनर		**16428**
डेटा माइग्रेशन		**5400**
	कुल	**76923**

रोगी उपचार निर्णय लेने के लिए न्यूरोरेडियोलॉजी सम्मेलनों में निम्नलिखित संख्या में मामलों पर चर्चा और समीक्षा की गई

	मामलों की संख्या	**साप्ताहिक आवृत्ति**	**कुल**
मिर्गी केस सम्मेलन	10@	2	20/सप्ताह
तंत्रिका शल्य चिकित्सा सम्मेलन	40@	4	160/सप्ताह
तंत्रिका विकिरण विज्ञान सम्मेलन	25@	6	150/सप्ताह
तंत्रिका विकृति विज्ञान सम्मेलन	4@	सप्ताह में दो बार	8/सप्ताह
		योग	338/सप्ताह

योग = 17,576 मामले प्रति वर्ष

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य शैलेश बी गायकवाड़ को आईसीआरआई-आईएसएनआर सिनर्जी सीरीज इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी के लिए समन्वयक के रूप में नामित किया गया और इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी ने संयुक्त रूप से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं की भागीदारी के साथ एक दिवसीय शैक्षणिक गतिविधि की मेजबानी की। वह श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज और जनरल अस्पताल के रेडियोडायग्नोसिस विषय पर व्यावहारिक एमडी परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ थे, जिन्हें महाराष्ट्र स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, नासिक द्वारा नियुक्त किया गया था; वे श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, बारापेटा, गुवाहाटी, असम में एमडी प्रैक्टिकल परीक्षा आयोजित करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ नियुक्त किए गए; साथ ही वे सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली की इंटरवेंशनल लैब के लिए इंप्लांट्स और उपभोग्य सामग्रियों की खरीद के लिए बाहरी विशेषज्ञ बनाए गए; उन्होंने जीबीएम सोसाइटी ऑफ थेराप्यूटिक न्यूरोइंटरवेंशन विद न्यूरोकॉम्प्लीकेशन ज्वाइंट मीटिंग, पणजी, गोवा में स्ट्रोक सत्र का संचालन किया, ईसी बैठक में भाग लिया; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एंड थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन 2022, क्योटो कन्वेंशन सेंटर, क्योटो, जापान) के सम्मेलन 16वीं कांग्रेस के लिए प्रस्तुत वैज्ञानिक पत्रों के समीक्षक रहे। उन्हें एशियन एंड ओसियनियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी एंड हेड एंड नेक रेडियोलॉजी सोसाइटी के पुनर्गठन में सहायता के लिए एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया; उन्होंने इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन, अमृतसर के 75वें वार्षिक सम्मेलन में इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी सत्र का संचालन किया; एक्यूट स्ट्रोक मॉड्यूल पर व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला जो 23वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन "आईएसवीआईआर 2023, नोवोटेल" होटल, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में आयोजित की गई थी, में हैंड्स ऑन प्रशिक्षण प्रदान किया; इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 24वें वार्षिक सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष रहे, इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 24वें वार्षिक सम्मेलन के अध्यक्ष, आईएसएनआर के रूप में सम्मेलन के उद्घाटन समारोह में भाग लिया। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय व्याख्यान की अध्यक्षता की। वह पुनः इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के 24वें वार्षिक सम्मेलन, आईएसएनआरजीबीएम के अध्यक्ष के रूप में चुने गए और 25 फरवरी 2023 को आयोजित जीबीएम के दौरान लगातार दूसरे वर्ष इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के फिर से अध्यक्ष चुने गए। इसके अलावा 21-24 जुलाई 2022 को एसटीएनआई वार्षिक सम्मेलन, गोवा, ताज होटल के जीबीएम के दौरान उन्हें सोसाइटी ऑफ थेराप्यूटिक न्यूरोइंटरवेंशन का अध्यक्ष भी चुना गया; आईएसएनआर, प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली के 24वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान "डॉ प्रशांत शेट्टी ओरेशन" के लिए स्वर्ण पदक और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया; अध्यक्ष के रूप में आईएसएनआर के विकास में योगदान करने वालों को सम्मानित करने के क्रम में उन्हें स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया; वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ इंटरवेंशनल एंड थेराप्यूटिक न्यूरोरेडियोलॉजी (डब्ल्यूएफआईटीएन 2022, 21-25 अगस्त 2022 क्योटो कन्वेंशन सेंटर, क्योटो, जापान) के 16वें सम्मेलन में भाग लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों द्वारा प्रस्तुत आलेख सार के मूल्यांकन के लिए एक समीक्षक के रूप में नामांकित किए गए। उन्होंने आयोजन अध्यक्ष के रूप में इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी, 24-26 फरवरी 2023, प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली में 24वें वार्षिक

सम्मेलन की भी मेजबानी की; 22 फरवरी 2023 को एम्स नई दिल्ली में रामलिंगस्वामी बोर्ड रूम में 4-5 बजे, विश्व प्रसिद्ध विशेषज्ञ आचार्य सुरेश आर मुखर्जी के अतिथि व्याख्यान का आयोजन उन्होंने किया; वार्ता का विषय था: "कृत्रिम बुद्धिमत्ता: नैदानिक अभ्यास में एआई को लागू करने की चुनौतियाँ और अवसर", व्याख्यान की लाइव स्ट्रीमिंग में 931 ऑनलाइन प्रतिभागियों ने भाग लिया; इंडियन रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग एसोसिएशन, अमृतसर के 75वें वार्षिक सम्मेलन के दौरान 3 फरवरी 2023 को आयोजित पुरस्कार समारोह के दौरान इंडियन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग (आईसीआरआई) से प्रतिष्ठित "अध्यक्ष प्रशंसा पुरस्कार" प्राप्त किया; विशेषज्ञ क्षेत्र में जनशक्ति के प्रशिक्षण के लिए व्यवस्थित पाठ्यक्रम को डिजाइन करने में सहायता के लिए राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान और शिक्षा बोर्ड द्वारा डोमेन विशेषज्ञ के रूप में नामित किया गया था; पीएमजेएवाई में डोमेन विशेषज्ञ के रूप में आयुष्मान भारत नामक प्रधान मंत्री के प्रमुख कार्यक्रम के तहत न्यूरो-इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं के लिए पैकेज सिस्टम तैयार करने में सहायता की, जिससे पूरे भारत में तृतीयक देखभाल अस्पतालों में उच्च लागत वाले उपचार के लिए गरीबी रेखा से नीचे के रोगियों को लाभ हुआ; आईसीएमआरआई, बैंगलोर शाखा के तत्वावधान में राष्ट्रीय स्ट्रोक रजिस्ट्री में डोमेन विशेषज्ञ रहे; न्यूरोइंटरवेंशन में फेलोशिप पाठ्यक्रम स्थापित करने के लिए मान्यता देने से पहले 16 फरवरी 2023 को तृतीयक देखभाल अस्पतालों का निरीक्षण करने के लिए नेशनल बोर्ड ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड एजुकेशन द्वारा डोमेन विशेषज्ञों के रूप में उन्हें नामित किया गया था; श्रीमंत शंकरदेव स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रेडियोडायग्नोसिस विभाग, बारपेटा, गुवाहाटी, असम में एमसीआई/एनएमसी निरीक्षण करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में नामांकित; श्रीमती काशीबाई नवले मेडिकल कॉलेज और जनरल हॉस्पिटल, पुणे, महाराष्ट्र यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, नासिक में एमसीआई/एनएमसी निरीक्षण करने के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में उन्हें नामांकित किया गया था और 7 अक्टूबर 2022, शाम 7-8 बजे प्राइड प्लाजा, एयरोसिटी, नई दिल्ली में निदेशक, एम्स के सानिध्य में न्यूरोक्रिटिकल केयर सोसाइटी ऑफ इंडिया (तीसरी एनसीएसआई) के तीसरे वार्षिक सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए सम्मानित अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। उन्होंने रेडियोडायग्नोसिस विभाग, आईजीएमसी, शिमला, हिमाचल प्रदेश द्वारा आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ न्यूरोरेडियोलॉजी के मध्यावधि सीएमई 2022, 15 अक्टूबर 2022 और इमेजिंग एंड इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी विभाग, एम्स, जोधपुर द्वारा 17 सितंबर 2022 को आयोजित दूसरे एम्स-जोधपुर-न्यूरोरेडियोलॉजी अपडेट का भी उद्घाटन किया।

अतिथि वैज्ञानिक

आचार्य सुरेश आर मुखर्जी, आचार्य, रेडियोलॉजी और रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, इलिनोइस विश्वविद्यालय, मिशिगन राज्य, यूएसए।

11.1 बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय

अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति

एम. रामम

कार्यवाहक प्रभारी

जहांगीर खान

पृष्ठभूमि

बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय केन्द्रीय पुस्तकालय एवं ज्ञान केंद्र है जो सभी विभागों एवं केंद्रों के विभिन्न हितधारकों अर्थात् संकाय-सदस्यों, यू.जी., पी. जी. एवं अनुसंधानकर्ताओं को स्वास्थ्य एवं नैदानिक उपचार पर ज्ञान-आधारित मूल्य-संवर्धित सेवाएं प्रदान कर रहा है। पुस्तकालय की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध होता है जहां मुद्रित एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों में विशाल संसाधन उपलब्ध है। पुस्तकालय में एम्स नई दिल्ली के पाठकों, (कर्मचारियों; दोनों तकनीकी एवं गैर तकनीकी) के लिए स्वास्थ्य उपचार क्षेत्र से संबंधित हिन्दी पुस्तकों का समृद्ध संग्रह है। पुस्तकालय दो मंजिलों में विभाजित है। पहली मंजिल पर 300 प्रयोक्ताओं के बैठने की क्षमता सहित मुद्रित पुस्तकें उपलब्ध है। निचले भूतल पर 300 प्रयोक्ताओं के बैठने की स्थान क्षमता सहित मुद्रित पत्रिकाएं, समाचारपत्रएवं राजकुमारी अमृत कौर कलेक्शन तथा एक बुक बैंक सुविधा (वर्तमान में यह स्थान नवीनीकरण के अतंर्गत है) उपलब्ध है। औसतन, पुस्तकालय में रोजाना 350 पाठक आते है। पुस्तकालय जैवचिकित्सीय शिक्षा एवं अनुसंधान में सहायता प्रदान करने सहित सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस है।

पुस्तकालय में मुख्य रूप से ई-संसाधन (90%) उपलब्ध हैं जिसमें कि ई-पत्रिका तथा डाटाबेस सम्मिलित है। ये संसाधन एम्स आईपी रेंज़ में परिसर के भीतर या सुगम्य रेंज में हैं तथा रिमोट एक्सेस सुविधाओं के माध्यम से उदाहरणत: निम्बस एवं ओपनएथनेस के द्वारा भी पहुंच में हैं पुस्तकालय वेबपेज (http#//www.aiims.edu/en/library.html)के माध्यम से भी आवश्यक स्वास्थ्य उपचार ज्ञान सेवाएं प्रसारित की जा रही हैं पुस्तकालय अपने हितधारकों को शैक्षणिक अखंडता तथा साहित्यिक चोरी सत्यापन सुविधा जैसी शोध-आधारित सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय का अपना स्वयं का सर्च इंजन है जिसे '*सिंगल पॉइंट सर्च*' वेब-स्केल खोज सेवा कहा जाता है, ताकि पुस्तकालय के सब्सक्राइब्ड इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को सुधारा जा सके एवं पुस्तकालय को प्रभावशाली रूप से संचालित किया जा सके। यह उपयोगकर्ताओं के लिए ग्रंथसूची प्रबंधन प्रणाली के लिए एक उपकरण के रूप में भी कार्य करता है।

पुस्तकालय समिति पुस्तकालय के प्रबंधन के लिए एक सलाहकार निकाय है। यह पुस्तकों और पत्रिकाओं की खरीद, बजट आबंटन और पुस्तकालय संचालन तथा सेवाओं और कार्य तंत्र में सुधार करने के लिए ऑनलाइन उपलब्धता के लिए सभी पत्रिकाओं की संस्थागत सदस्यता प्राप्त करने और ऑनलाइन गतिविधियों के लिए दुनिया भर में अन्य पुस्तकालयों के साथ सहयोग विकसित करने के

बारे में सलाह देता है। समिति की बैठक हर तीन महीने में कम से कम एक बार या आवश्यकता पड़ने पर होती है।

पुस्तकालय की अपनी वाई-फाई सेवा है और वर्ष के दौरान लगभग 1500 उपयोगकर्ता इससे लाभान्वित हुए है। पुस्तकालय लिबसीस प्रीमिया ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर प्रणाली का उपयोग करता है जो डेटा प्रविष्टि और पुस्तकों और अन्य दस्तावेजों की पुनर्प्राप्ति में सहयोग करता है। एकीकृत पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए सभी दस्तावेज/ग्रंथसूची सेवाओं के साथ-साथ कई पुस्तकालय संचालन संबंधी कार्यों को कम्प्यूटरीकृत किया गया है। पुस्तकालय के संचालन खंड को आरएफआईडी स्मार्ट कार्ड प्रणाली के माध्यम से कम्प्यूटरीकृत किया गया है और स्वचालित अनुस्मारक प्रणाली के साथ पुस्तकों की ऑनलाइन वापसी को उपयोगकर्ता के ईमेल के साथ एकीकृत किया गया है। पुस्तकालय वर्तमान जागरूकता सेवा और संदर्भ सेवाएं प्रदान करता है। यह वेब-आधारित ओपन एक्सेस पब्लिक कैटलॉग (वेब ओपेक), रिप्रोग्राफी और शैक्षिक साहित्य का मुद्रीकरण जैसी सेवाएं भी प्रदान करता है। पुस्तकालय नियमित रूप से छात्रों, शोधार्थियों और डॉक्टरों के लिए अभिविन्यास और सूचना साक्षरता कार्यक्रम आयोजित करता है। पिछले तीन वर्षों के दौरान पुस्तकालय ने 14 पुस्तकालय पेशवरों को अल्पकालिक अवलोकन/प्रशिक्षण कार्यक्रम भी प्रदान किए हैं।

डेलनेट के माध्यम से अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवा भी प्रदान की गई हैं। बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय ने ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से सभी थीसिस तथा निबंध तक पहुंचने के लिए ईटीडी (इलेक्ट्रॉनिक, थीसिस तथा निबंध) सुविधा शुरू की गई है। यह सामग्री पाठकों हेतु मुद्रित/सीडी प्रारूप/ऑनलाइन प्लेटफॉर्म में (24X7) उपलब्ध है।

संसाधन संग्रह का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

प्रमुख संसाधन सांख्यिकी

संसाधन	2020-21	2021-22	2022-23
कुल मुद्रित पुस्तकें	73970	74569	74569
कुल हिंदी पुस्तकें	667	667	667
पर्चे	17915	17965	18065
पत्रिकाओं के कुल सीमित वॉल्यूम	84391	84391	84391
शोधपत्र	7634	7942	7974
ई-पत्रिका	1416	1228	1167
ई-पुस्तकें	348	265	804 (मैकग्रा हिल कॉम्बो एक्सेस)
प्वाइंट ऑफ केयर डेटाबेस तथा अन्य मेडिकल डेटाबेस (अप-टू-डेट, बीएमजे बेस्ट प्रैक्टिस, बीएमजे केस रिपोर्ट, बीएमजे आरटीओपी, बीएमजे लर्निंग, एकलैंड एनाटॉमी)	हाँ	हाँ	हाँ

जेएएमए साक्ष्य	हाँ	हाँ	नहीं
मेडवन न्यूरोसर्जरी	हाँ	नहीं	नहीं
सार तथा अनुक्रमण डेटाबेस (ईएमबीएएसई, एससीओपीयूएस, डबल्यूओएस आदि)	3	3	3
साहित्यिक चोरी सत्यापन सेवा	हाँ	हाँ	जुलाई, 2022 तक
सॉफ्टवेयर तथा सेवाओं की सुविधा तक पहुंच।	लिबसिस प्रीमिया लाइब्रेरी ऑटोमेशन, ईबीएससीओ डिस्कवरी सर्विस (सभी सब्सक्राइब्ड ई-संसाधनों के लिए एकल बिंदु खोज)। सभी ई-संसाधनों को परिसर के भीतर या बाहर रिमोट एक्सेस फेसेलिटिआईपी-सक्षम (ओपन एथेंस तथा निंबस) के माध्यम से एक्सेस किया जाता है।		

पुस्तकालय सेवा सांख्यिकी

क्र.सं.	**सेवाएं**	**कुल (प्रारंभ तिथि-31 मार्च 2023 तक)**	**प्रदत्त सेवाएं (अप्रैल 2022 से मार्च 2023)**
1	निंबस रिमोट एक्सेस	804 (जुलाई 2022 में शुरू)	804
2	ओपनएथेंस रिमोट एक्सेस	293 (2015 में शुरू)	168
3	अंतर-पुस्तकालय ऋण सेवा के माध्यम से आपूर्ति की गई वस्तुओं की संख्या	हर साल गणना की जाती है	212
4	पुस्तकालय सदस्यता आरएफआईडी कार्ड	4679 (नया + नवीनीकृत) (01/01/2016-31/03/2023)	678 (नया+नवीनीकृत)
5	अल्पकालिकअवलोकन/प्रशिक्षण कार्यक्रम	42 पुस्तकालय व्यवसाय (2015 से अब तक दर्ज किया गया कुल डेटा)	7 पुस्तकालय व्यवसाय
6	वाई-फ़ाई सेवा	4758 (2009 से कुल रिकॉर्ड किया गया डेटा)	431 (नए सदस्य)

स्टाफ सदस्य:

पुस्तकालयाध्यक्ष: 8

सहायक स्टाफ: 15

श्री जहांगीर खान

सम्मेलन/सीएमई/वेबिनार आयोजित:

1. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली एवं विश्व बैंक द्वारा आयोजित, दिनांक 27 अप्रैल, 2022 को अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली में प्रतिमान बदलाव: "डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022" पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में आयोजक सचिव।
2. एन.सी.आई. झज्जर, एम्स, द्वारा आयोजित दिनांक 21 जून, 2022 पर आयोजित विषय: अनुसंधान डेटा प्रबंधन। सह-निर्माण तथा सहयोग के माध्यम से पुनर्विचार ज्ञान 4.0: डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022 पर राष्ट्रीय वेबिनार सीरीजके आयोजक सचिव।
3. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 12 अगस्त, 2022 को आयोजित विषय 'लेन-देन से लेकर परिवर्तनकारी पुस्तकालय' के आयोजक सचिव।
4. दिनांक 3 नवबंर, 2022 के एम्स नए एमबीबीएस छात्रों (बैच-2022), के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम में आयोजक सचिव।

पुरस्कार

सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालय पुरस्कार 2022: डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022, पर सेमिनार में पुस्तकालय प्रबंधन बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, एनसीआई, झज्जर (जून 2022)।

डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव

प्रदत्त व्याख्यान:

1. बी.बीदीक्षित पुस्तकालय, एम्स,नई दिल्ली एवं विश्व बैंक द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय वेबिनार "डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022: अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली में प्रतिमान बदलाव" दिनांक 27 अप्रैल, 2022 में आमंत्रितवक्ता।
2. राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, एम्स, झज्जर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में "डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022: सह-निर्माण और सहयोग के माध्यम से पुनर्विचार ज्ञान 4.0: विषय: "अनुसंधान डेटा प्रबंध" दिनांक 21 जून 2022 में आमंत्रित वक्ता।
3. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस पर आयोजित कार्यक्रम विषय: लेन-देन से लेकर परिवर्तनकारी पुस्तकालय, दिनांक 12 अगस्त 2022 में आमंत्रित वक्ता।
4. 3 नवम्बर 2022 को अभिविन्यास कार्यक्रम में नए एमबीबीएस छात्रों(बैच-2022)के लिए ई-लाइब्रेरी सुविधा पर प्रदत्त व्याख्यान दिया।
5. हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के तहत एमएलआईबीएसी छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम के लिए: सूचना पुनर्प्राप्ति तकनीक, इंटरएक्टिव शिक्षण उपकरण, अनुसंधान सहायता सेवाएं, डिजिटल लाईब्रेरियनशिप, अनुसंधान डेटा प्रबंधन सेवाएं: जैसे विषयों पर दिनांक 18-22 जुलाई 2022 के दौरान ऑनलाइन मोड में व्याख्यान। पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातक तथा पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर जैसे पाठ्यक्रमों के लिए दिल्ली

विश्वविद्यालय, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग हेतु रविवार को शैक्षणिक काउंसलर उपलब्ध होते है।

लेख प्रस्तुति:

श्रीवास्तव पी एवं अन्य भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालय: (दिनांक 25 से-26 नवंबर 2022) एम्स, ऋषिकेश, स्वास्थ्य ज्ञान संसाधन विकास से एफएचएसएलए का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन, एक तुलनात्मक अध्ययन।

विशेषज्ञ

परियोजनाएं

ईशोधमंथन-महेंद्रगढ़, हरियाणा (सह-पीआई के रूप में) के केन्द्रीय विश्वविद्यलाय द्वारा अनुसंधान डेटा भंडार की मेजबानी।

पुरस्कार

श्रेष्ठ पुस्तकालय अध्यक्ष 2022: बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय में संसाधन प्रबंधन के लिए सेवा उत्कृष्टता।

श्री उमेश कुमार

सम्मेलन/ कार्यशाला /संगोष्ठी/वेबिनार में सहभागिता:

1. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय, एम्स नई दिल्ली एवं विश्व बैंक द्वारा दिनांक 27 अप्रैल, 2022 अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली में प्रतिमान बदलाव पर विश्व बैंक समूह के सहयोग से वेबिनार आयोजित किया गया।
2. बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय द्वारा आयोजित एनसीआई, झज्जर, एम्स में दिनांक 21 जून 2022 को होने वाले सह-निर्माण और सहयोग डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022 ज्ञान 4.0: पर वेबिनार के माध्यम से पुनर्विचार।
3. डिजिटल स्पेस के उपयोग से संबंधित एफएचएसएलए का तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन: एक भारत एक सदस्यता पहल एवं चिकित्सा पुस्तकालय एवं परिप्रेक्ष्य दिनांक 25-26 नवंबर 2022 को फेडरेशन ऑफ हेल्थ साइंस लाइब्रेरीज़ एसोसिएशन (एफएचएसएलए) तथा एम्स ऋषिकेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।

प्रस्तुत लेख:

अन्य भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान पुस्तकालयों में स्वास्थ्य ज्ञान संसाधन विकास श्रीवास्तव पी, कुमार यू.: एफएचएसएलए (दिनांक 25-26 नवंबर 2022) एम्स, ऋषिकेश में तीसरा राष्ट्रीय सम्मेलन एक तुलनात्मक अध्ययन।

श्री दीपक शुक्ला

1. अनुसंधान सूचना प्रबंधन प्रणाली (दिनांक 27 अप्रैल 2022)में प्रतिमान बदलाव पर विश्व बैंक समूह के सहयोग से वेबिनार में तकनीकी समन्वयक के रूप में कार्य किया।
2. एनसीआई, एम्स झज्जर (दिनांक 21 जून 2022) में सह-निर्माण और सहयोग के माध्यम से पुनर्विचार डिजिटल हेल्थ लाइब्रेरी नॉलेज कनेक्ट 2022-नॉलेज 4.0: पर एक दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।

3. आईएनएफएलआईबीएनईटी केन्द्र, अहमदाबाद द्वारा आयोजित (दिनांक 29-31 अगस्त, 2022) अनुसंधान में साहित्यिक चोरी का पता लगाने के नैतिक मुद्दों एवं उपयोग पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

श्रीमती जोमोल मैथ्यू, कनिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आईएसटीएम, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार में "ओएसपी-एम्स-2" नामक प्रशासन कौशल पर (27 फरवरी 2023 से 10 मार्च 2023 तक)प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

श्री राकेश रावत, डीईओ ग्रेड-ए

बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय द्वारा एनसीआई, झज्जर एम्स, में आयोजित सह-निर्माण और सहयोग (दिनांक 21 जून 2022) के माध्यम से पुनर्विचार डिजिटल स्वास्थ्य ज्ञान संबंध 2022-ज्ञान 4.0: पर वेबिनार में तकनीकी रूप से (आईटी) सहायता की तथा इसमें भाग लिया।

11.2 कैफेटेरिया

अध्यक्ष

श्री रबिंद्र अग्रवाल, अपर निदेशक (प्रशासन)

सहायक भंडार अधिकारी (भंडार)

श्री सतीश संगावत

लेखा अधिकारी कैफेटेरिया

श्री सतीश संगावत, सहायक भंडार अधिकारी

उप-महाप्रबंधक

श्री पवन कुमार श्री पंकज गुप्ता

एम्स कैफेटेरिया को विभागीय कैंटीन की श्रेणी के तहत स्थापित किया गया है, जिसका उद्देश्य संस्थान के कर्मचारियों को उचित मूल्य पर स्वास्थ्यकर वातावरण के अंतर्गत तैयार किया गया पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। यह कैफेटेरिया संकाय-सदस्यों, डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, छात्रों एवं अन्य आउटसोर्स स्टाफ-सदस्यों सहित संस्थान के 24,000 से अधिक कर्मचारियों के खान-पान संबंधी आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। कैफेटेरिया प्रबंधन समिति के पर्यवेक्षण के तहत विभिन्न स्थानों/केंद्रों में चौबीस घंटे कैफेटेरिया सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। कैफेटेरिया विभिन्न आधिकारिक बैठकों, विभागीय बैठकों और कार्यशालाओं, संगोष्ठियों आदि के लिए चाय/नाश्ता/भोजन आदि जैसी आतिथ्य सेवाएं भी प्रदान करता है। कैफेटेरिया द्वारा एम्स में वीवीआईपी के दौरों के दौरान भी सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

एम्स परिसर के नए ब्लॉकों में अतिरिक्त एम्स स्टाफ क्षमता, रोगियों एवं उनके रिश्तेदारों के आगमन के परिणामस्वरूप संस्थान में खान-पान की सेवाओं में अत्यधिक विस्तार की जरूरत को ध्यान में रखते हुए, कैफेटेरिया सेवाओं का कुछ हिस्सा ओपन निविदा प्रक्रिया के माध्यम से एक व्यावसायिक एजेंसी को आउटसोर्स भी किया गया है। वर्तमान में परिसर के विभिन्न भागों में 13 आउटलेट्स पर कैफेटेरिया/किचन सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

स्टाफ-संख्या

कैफेटेरिया में स्टाफ-सदस्यों की संख्या निम्नलिखित है:

क्र.सं.	स्टाफ-सदस्यों की श्रेणी	संख्या
1.	नियमित आधार पर नियुक्त स्टाफ	16
2.	संविदात्मक (मैसर्स बेसिल के माध्यम से)	16
3.	संविदात्मक (मैसर्स बेसिल के माध्यम से)	79
4.	संविदात्मक (मैसर्स बेसिल के माध्यम से)	16

इसके अतिरिक्त, विभिन्न केंद्र/ब्लॉक आवश्यकता के अनुसार सहायक स्टाफ भी प्रदान कर रहे हैं।

वार्षिक टर्नओवर

- कैफेटेरिया विभाग का कुल टर्नओवर लगभग 3.50 करोड़ रुपये है।

11.3 केंद्रीय पशु सुविधा

प्रभारी-आचार्य

एस.एस. चौहान

आईएईसी के अध्यक्ष

वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी

पी.के यादव

सदस्य-सचिव, आईएईसी एवं ईएडब्ल्यूसी

2022-2023 वर्ष के दौरान, केंद्रीय पशु सुविधा (सी.ए.एफ) में चूहों, मादा चूहों, खरगोश एवं गिनी पिग को अनुरक्षित रखा गया।

प्रयोगशाला पशु (रोडेंट्स)

वर्ष 2022-2023 के दौरान विभिन्न प्रयोगशाला पशुओं की अनुरक्षित औसत संख्या निम्नानुसार है:-

1. चूहे (विस्टर) : 2081
2. चूहे (स्प्रेग डॉले) : 619
3. मादा चूहे (स्विस) : 789
4. मादा चूहे बाल्ब/सी : 856
5. मादा चूहे सी57 बी एल/6 : 693
6. खरगोश (न्यूजीलैंड) : 96
7. गिनी पिग (डंकिन हार्टली) : 56

आईएईसी स्वीकृत प्रोटोकॉल सहित संस्थान के विभिन्न विभागों को कुल 2793 प्रयोगशाला पशु उपलब्ध कराए गए (विस्टर चूहे 1277, एस डी चूहे 536, मादा स्विस एलबिनो 309, मादा चूहे बाल्ब/सी106, मादा चूहे सी 57 बीएल/6475, खरगोश 75 तथा गिनी पिग 15) जारी किए गए तथा भारत के अनुसंधान संस्थानों एवं विभिन्न सीसीएसईए स्वीकृत शैक्षिक संस्थानों को कुल 3484 प्रयोगशाला पशु (विस्टर चूहे-2040, एसडी चूहे-498, मादा चूहे स्विस एलबिनो-400, मादा चूहे बाल्ब/सी-278, मादा चूहे सी 57 बीएल/6-226, खरगोश 14 एवं गिनि पिग-28) बेचे गए।

प्रायोगिक शल्य चिकित्सा

केंद्रीय पशु सुविधा विभाग में विभिन्न विभागों के अन्वेषकों एवं अनुसंधानकर्ता द्वारा कुल 134 शल्य प्रक्रियाएं निष्पादित की गईं। इस विभाग में शरीर रचना विज्ञान, जैव रसायन, जैव भैतिकी, जैव प्रोद्योगिकी, भेषजगुण विज्ञान, प्रजनन जैव विज्ञान, मूल कोशिका सुविधा तथा हृदय जैव रसायन विज्ञान शामिल हैं।

संस्थानिक पशु नीति विषयक समिति

संस्थानिक पशु नीति विषयक समिति (आई.ए.ई.सी) को मत्स्यपालन, पशुपालन एवंदुग्ध मंत्रालय (भारत सरकार) के अंतर्गत जन्तुओं पर प्रयोग के नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण के प्रयोजन हेतु समिति

(सी.पी.सी.एस.ई.ए.) द्वारा अनुमोदन प्राप्त है। एम्स की सी.सी.एस.ई.ए पंजीकरण संख्या10/जी.ओ/आरईबीआईबीटी/एस/99/सी.पी.सी.एस.ई.ए है "शिक्षा के उद्देश्यों हेतु अनुसंधान, आन्तरिक उपयोग के लिए प्रजनन तथा रोडेन्ट पशुओं (चूहे, मादा चूहे, खरगोश, गिनी पिग तथा हेमेस्टर)" के व्यापार के उद्देश्य के लिए प्रजनन। वर्ष 2022-23 के दौरान संस्थान के विभिन्न अन्वेषकों हेतु आईएईसी द्वारा प्रयोगशाला पशुओं (रोडेन्ट्स) से संबंधित को 10 प्रोजेक्ट/प्रोटोकॉलसन पर एक्सटेंशन दिया एवं नये 75 परियोजना/प्रोटोकॉल क्लियर्ड किए गए।

प्रदत्त सेवाएं

केंद्रीय पशु सुविधा, शरीर रचना, जैव रसायन, जैव भौतिकी, जैव प्रोद्योगिकी, जठरांत्ररोग विज्ञान, प्रयोगशाला चिकित्सा, तंत्रिका शल्यचिकित्सा, बाल शल्य चिकित्सा, भेषजगुण विज्ञान, प्रजनन जैव विज्ञान, मूल कोशिका सुविधाएवं हृदय जैव रसायन विज्ञान से संबंधित प्रयोगशाला पशुओं का रखरखाव कर रहा है। इस सुविधा ने वर्ष 2022-23 के दौरान उपरोक्त विभागों से संबंधित चूहे 147, मादा चूहे 254, एवं गिनी पिग 02को बनाए रखा है।

आई.ए.ई.सी ने शरीर क्रिया विज्ञान, भेषजगुण विज्ञान, नेत्र भेषजगुण विज्ञान एवं फार्मेसी (डॉ.रा.प्र.केन्द्र) एम्स को अपने संबंधित विभागों में सीसीएसईए के मानदण्डों एवं दिशानिर्देशों के अनुसार प्रयोगशाला पशुओं को बनाए रखने की अनुमति प्रदान की है। केन्द्रीय पशु सुविधा उपर्युक्त के लिए पर्यवेक्षण प्रदान करती है।

शैक्षिक कार्यक्रमों में सहभागिता

डॉ. पी.के. यादव

1. नई दिल्ली में 23-27 मई 2022 के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय (डीएसटी, भारत सरकार) के अंतर्गत पांचवा जीएलपी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम निरीक्षक 2022।
2. आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) हैदराबाद में एलएएसए भारत (3 जून, 2022) के 10वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की बैठक।
3. बी-फॉर्म तैयार करने तथा आईएईसी के संचालन पर पूर्व नैदानिक अनुसंधान तथा कार्यशाला में नैतिकता एवं कल्याण को परिभाषित करने पर सम्मेलन में अध्यक्ष के रूप में (14-15 नवंबर 2022 एससीटीआईएमएसटी, तिरूवनंतपुरम, केरल।
4. दिनांक 2 से 3फरवरी 2023 को कालेज ऑफ वेटेनरी साइंस एवं एनिमल हज़बेन्डरी, आइजवाल मिजोरम भारत में आयोजित 70वीं वेटेनरी काउंसिल ऑफ इंडिया की बैठक में वेटेनरी कांउसिल ऑफ इंडिया (वीसीआई) के उपाध्यक्ष के तौर पर भाग लिया।
5. दिनांक 4 मार्च, 2023 को कर्नाटक वेटेनरी कांउसिल, वेटेनरी कॉलेज कैम्पस हिब्बल, बैंगलोर, कर्नाटक, भारत में वेटेनरी कांउसिल ऑफ इंडिया (वीसीआई) की 71वीं बैठक में उपाध्यक्ष के तौर पर भाग लिया।

   “ड्रग रिपरपसिंग” विषय पर नैदानिक भेषजगुणविज्ञान संबंधी 1 डीएसटी (एसईआरबी) राष्ट्रीय सम्मेलन:- ए न्यू रे टू ओवरकम कोविड-19 आपदा विषय पर स्कूल ऑफ मेडिकल एंड अलाइड साइंसिस के.आर. मंगलम वर्ल्ड स्कूल, गुरूग्राम, हरियाणा द्वारा 29 अप्रैल 2022 को आयोजित।

6. 23 जून 2023 को जूनोटिक रोग उद्भव की रोकथाम हेतु दक्षिण एशिया कार्यशाला।
7. एक दिवसीय कार्यशाला 2 नंवबर 2022 को पशु संचालन एवं प्रयोग संबंधी बनियादी प्रशिक्षण पर चतुर्थ कार्यशाला।
8. एनआईपीईआर, एसएएस नगर पंजाब,भारत में 10-12 नंवबर 2022 को फार्मास्युटिक्लस (निपर-फार्माकॉन 2022)मैं वर्तमान रूझान एवं भविष्य के अवसरों पर आधारित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
9. पशु आनुवांशिकी एवं प्रजनन विभाग, कॉलेज ऑफ वेटरनरी एंड एनिमल साइंस, एमएएफएसयू, प्रभानी (जनवरी 2023) द्वारा आयोजित "लेबोरेटरी एनिमल मैनेजमेंट एंड ब्रीडिंग"विषय पर एक सप्ताह का राष्ट्रीय प्रशिक्षण।
10. सीएसआईआर-आईजीआईबी, नई दिल्ली द्वारा 28 जनवरी, 2023 को "एनिमल वेलफेयर प्रोग्रेस इन इंडिया" विषय पर आईएसएई कार्यशाला।
11. 4 फरवरी 2023 को परीक्षण प्रयोगशालाओं हेतु परिचय एवं मूल आवश्यकताओं हेतु ऑन लाइन वेबिनार- आईएसओ 17025:2017
12. जिनोमिक एडिटेड प्लांट पर सुरक्षा मूल्यांकन तथा एसओपी के लिए ऑनलाईन वेबिनार-दिशानिर्देश भारत में 23 मार्च 2023 में नियामक समीक्षा।

पुरस्कार, सम्मान तथा महत्वपूर्ण उपलब्धियां

डॉ. पी.के. यादव को आईसीएमआर-राष्ट्रीय पशु संसाधन सुविधा हेतु जैवचिकित्सा अनुसंधान (आईसीएमआर/एनएआरएफबीआर), हैदराबाद की समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।

11.4 केन्द्रीय कार्यशाला

संकाय समन्वयक

डॉ. गंगा प्रसाद

आचार्य, (संवेदनाहरण विज्ञान, पीड़ा चिकित्सा एवं गंभीर उपचार विभाग)

मुख्य तकनीकी अधिकारी

नितिन श्रीवास्तव

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

मनप्रीत सिंह सूदन

उद्देश्य

कोलंबो योजना के अंतर्गत 1964 में एम्स में भारत एवं ऑस्ट्रेलिया की सरकार के बीच सहयोग से केंद्रीय कार्यशाला की स्थापना की गई थी। इस कार्यशाला का उद्देश्य परिष्कृत चिकित्सा उपकरणों की मरम्मत करना तथा संस्थान में रोगी उपचार एवं अनुसंधान उद्देश्यों के लिए व्यावसायिक रूप से उपलब्ध उपकरण विकसित करना है। केंद्रीय कार्यशाला सदन में एम्स जैसे बहु-विशिष्ट प्रमुख संस्थान की विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, रेफ्रिजरेशन, फाइन इंस्ट्रूमेंट, शीट मेटल, पेंटिंग एवं अपहोल्स्ट्री जैसे विभिन्न अनुभाग हैं। कार्यशाला तकनीशियन यह सुनिश्चित करने में मदद करते हैं कि संस्थान में उपयोग किए जा रहे उपकरणों का रखरखाव एवं मरम्मत ठीक से की जाती है। कार्यशाला के बिना, संस्थान को इन सेवाओं के लिए आउटसोर्स करने की आवश्यकता हो सकती है, जो महंगी एवं अधिक समय लेने वाली हो सकती है। एक प्रभावी मरम्मत प्रणाली के रूप में,एम्स में केन्द्रीय कार्यशाला, उपकरण के अनुपयोगी होने के समय को कम करती है।

कर्मचारियों की संख्या

केन्द्रीय कार्यशाला एक इंजीनियरिंग प्रोफेशनल टीम है जोकि रोगी उपचार, चिकित्सा शिक्षा एवं वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की मरम्मत, रखरखाव तथा निर्माण में लगी हुई है। केंद्रीय कार्यशाला के प्रत्येक अनुभाग की देखरेख एक वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी/तकनीकी अधिकारी द्वारा की जाती है, जिसके अधीन कार्यशाला तकनीशियन एवं कार्यशाला सहायक जैसे सहायक कर्मचारी कार्य करते हैं।

केन्द्रीय कार्यशाला में कर्मचारियों की संख्या निम्नलिखित है:

- मुख्य तकनीकी अधिकारी - 01
- वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी - 01
- तकनीकी अधिकारी - 05
- तकनीशियन (ग्रेड I) - 07
- तकनीशियन (ग्रेड II) - 04
- कार्यशाला सहायक - 03

- ऑफिस क्लर्क (जेएए) - 01
- स्टोर क्लर्क (एसएए) - 01
- ऑपरेटर (ई एवं एम) - 03

उपलब्ध सेवाएं

केंद्रीय कार्यशाला विभाग एम्स प्रमुख अस्पताल, नेत्र विज्ञान हेतु डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्र, डॉ. बी.आर. अंबेडकर संस्थान रोटरी कैंसर अस्पताल, दंत चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान केंद्र, कार्डियो-थोरेसिक एवं न्यूरोसाइंसेज सेंटर, जेपी नारायण एपेक्स ट्रॉमा सेंटर, मदर एंड चाइल्ड ब्लॉक, सर्जिकल ब्लॉक, एनसीआई झज्जर, एनडीडीटीसी गाजियाबाद एवं सीआरएचएसपी बल्लभगढ़ को निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करता है।

1. **मरम्मत एवं अनुरक्षण**

वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्‌वारा मरम्मत की गई वस्तुओं की संख्या 6320 है। मरम्मत की गई वस्तुओं के कुछ सेक्शन-वाईज उदाहरण नीचे दिए गए हैं:

क्र.सं.	अनुभाग	कार्यों की संख्या	उपकरण काविवरण
1	इलेक्ट्रॉनिक्स	704	रोगी जांच, इन्फ्यूजन पंप, विनियमित पॉवर आपूर्ति, इलेक्ट्रॉनिक वजन एम/सी, लाइट सोर्सेज, ईसीजी मशीन, सीलिंग मशीन, अल्ट्रासोनिक नेब्युलाइज़र, डीवीटी पंप, सीवीटी/स्टेबलाइजर्स, इंडक्शन हॉट प्लेट, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, ऑपरेशन टेबल (रिमोट नियंत्रित), माइक्रोस्कोप, माइक्रोवेव ओवन, स्टूडियो लाइट, पेशेंट वार्मर, एलईडी व्यू बॉक्स, रिएक्शन टाइमर, एयर मैट्रेस पंप आदि।
2	विद्‌युतीय	689	आटोक्लेव एम/सी, स्त्री रोग जांच/ गूज नेक/बुल आई लैंप, बॉयलर, सेंट्रीफ्यूज एम/सी, सक्शन मशीनें, फ्लाई किलर एम/सी, फ्यूमिगेटर, गेज/ प्लास्टर कटर, ग्राइंडर, हॉट केस, हॉट एयर ओवन, हॉट डिस्प्ले काउंटर, हॉट प्लेट्स, इनक्यूबेटर, लैमिनर फ्लो, मेयो स्टैंड, मिक्सर ग्राइंडर, मैग्नेटिक स्टिरर, नीडल डिस्ट्रॉयर्स, ओटी लाइट्स, स्पॉट लाइट, स्टीम बाथ, स्टेरलाइजर्स, यूवी लाइट्स, वैक्यूम क्लीनर, एक्स-रे व्यू बॉक्स, वोर्टेक्स शेकर, वॉटर बाथ, वेक्स बॉथ, इलेक्ट्रिक केटल आदि।

3	यांत्रिक	2659	सर्जिकल उपकरण, टीआर ट्यूब, कैंची (गेज कटिंग), बेड साइड लॉकर, आईवी स्टैंड, रोगी ट्रॉली, रोगी बिस्तर, व्हील चेयर, लोडिंग ट्रॉली, खाद्य ट्रॉली, साइड स्क्रीन, उपकरण ट्रॉली, बेसिन स्टैंड, फुट स्टेप, सर्जिकल ड्रम, पुश गाड़ी, रोगी जांच परीक्षा टेबल, हाइड्रोलिक ट्रॉली, टेस्ट ट्यूब स्टैंड, घूमने वाले स्टूल, बाइक एम्बुलेंस, क्रैश कार्ट, ओटी टेबल आदि।
4	उत्कृष्ट उपकरण	1913	डिजिटल बीपी उपकरण, प्रोक्टोस्कोप, गेज/डायल बीपी उपकरण, स्टेथोस्कोप, वेटिंग एम/सी, ऑक्सीजन फ्लो मीटर, सिंगल गेज एवं डबल गेज ऑक्सीजन रेगुलेटर, सक्शन रेगुलेटर, वॉल सक्शन रेगुलेटर एवं फ्लोमीटर, ऑक्सीजन बाई-कनेक्टर, लैरींगोस्कोप आदि।
5	प्रशीतन	215	विज़ि कूलर, डीप फ्रीज़र (-20 डिग्री सेल्सियस तक), चिलिंग यूनिट, आइसक्रीम कैबिनेट, रेफ्रिजरेटर, कोल्ड डिस्प्ले काउंटर, मिनीकोल्ड रूम, आइस मशीन आदि।
6	सामग्री	140	रिवॉल्विंग स्टूल, व्हील चेयर, लीड एप्रन, एग्जीक्यूटिव चेयर, रोगी ट्रॉली मैट्रेस, सर्जिकल/डेंटल स्टूल, ओटी टेबल मैट्रेस, सेटी मैट्रेस, कार्डियक टेबल, टूर्निकेट कफ आदि।
	कुल	6320	

2. निर्माण एवं मार्गदर्शन

केन्द्रीय कार्यशाला डॉक्टरों एवं अनुसंधानकर्ताओं को नए उपकरणों को डिज़ाइन तथा विकसित करने के लिए एक स्थान प्रदान करती है जोकि रोगी उपचार या वैज्ञानिक अनुसंधान में उपयोगी होते हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान केंद्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 306 वस्तुओं का निर्माण किया गया है। निर्मित वस्तुओं का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	**उपकरण का विवरण**	**मात्रा**	**विभाग**
1	सर्जिकल उपकरणों के लिए हैंडल	33	ऑर्थो ओटी, जेपीएनएटीसी ओटी
2	नमूना ट्रे	1	सीटी3 वार्ड
3	ऐक्रेलिक बॉक्स (डिज़ाइन के अनुसार)	1	शरीर रचना
4	टीथ होल्डर	2	एनएमआर

5	टॉन्सिल रॉड रिट्रैक्टर	8	ईएनटी
6	माइस टीथर	1	शरीर क्रिया विज्ञान
7	जांच (नमूने के अनुसार)	1	एसएम ओ.टी
8	हैमर पीवीसी कैप	2	ऑर्थो ओ.टी
9	कॉपर स्टाइललेट	27	बालचिकित्सा ओटी, संवेदनाहरण विज्ञान भण्डार
10	मैटैलिक नोब (नमूने के अनुसार)	9	जेपीएनएटीसी
11	डोनेशन टैग	205	शरीर रचना
12	एल्यूमिनियम बॉक्स (मेडिसिन ट्रॉली के साथ आवश्यकतानुसार जुड़ा हुआ)	3	सी 6 वार्ड
13	व्हीलचेयर बैक एवं सीट का अपहोलस्टेरी कार्य	13	सीएन टावर, आईआरसीएच ओपीडी, सीटी2, सीटी3, एनएस5, एबी2 एवं जराचिकित्सा ओपीडी
	कुल	306	

3. **पेंटिंग एवं सौंदर्य विषयक**

केंद्रीय कार्यशाला में पेंटिंग अनुभाग, अस्पताल की सुंदरता को बनाए रखने में सहायता प्रदान करता है, यह सुनिश्चित करता है कि विभाग में रोगियों तथा आगंतुकों के लिए स्वच्छ एवं प्रस्तुत करने योग्य वातावरण बना रहे। पेंटिंग अनुभाग सभी कार्यालय एवं अस्पताल के फर्नीचर वस्तुएं जैसे बेड, आईवी स्टैंड, सभी प्रकार की ट्रॉली, व्हीलचेयर, बेंच, सीढ़ियां, रोगी बेडसाइड लॉकर, कबूतर के पिंजरे, रोगी परीक्षण टेबल, पशु कार्ट, अलमारी, रैक आदि की पेंटिंग करता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान केन्द्रीय कार्यशाला द्वारा कुल 774 विभिन्न वस्तुओं को चित्रित किया गया है।

शैक्षणिक गतिविधि एवं अल्पकालिक प्रशिक्षण

केन्द्रीय कार्यशाला बी.एस.सी. ओटी तकनीकी विषय के छात्रों को पाठ्यक्रम के अनुसार चिकित्सा उपकरणों के कार्य सिद्धांत, रखरखाव एवं प्रभावी उपयोग के बारे में शिक्षित करता है।

केंद्रीय कार्यशाला, विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के डिप्लोमा/स्नातकपूर्व छात्रों को अल्पकालिक प्रशिक्षण (4-6 सप्ताह) भी प्रदान करती है।

11.5 एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र

प्रभारी आचार्य

गौतम शर्मा

प्रभारी संकाय

जितेंद्र सोढी

विशिष्टताएं

- समग्र उपचार, बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन के लिए वैज्ञानिक सत्यापन के माध्यम से पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों को व्यावहारिक चिकित्सा के साथ एकीकृत करने के लिए सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र) की कल्पना एक "अत्याधुनिक अनुसंधान केंद्र" के रूप में की गई है। एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र को "योग और आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)" योजना के तहत आयुष मंत्रालय द्वारा सहायता प्रदान की जाती है।
- वर्तमान में, एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र एम्स, नई दिल्ली के 20 विभागों के सहयोग से 40 से अधिक अनुसंधान परियोजनाओं का संचालन कर रहा है। इनमें योग और/या आयुर्वेद के साथ एमडी, डीएम, पीएचडी और एमएससी थीसिस एक हस्तक्षेप के रूप में शामिल हैं। एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र ने वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली, अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज और संबद्ध गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट ऑफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली, दयानंद मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, लुधियाना, स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस-वीवाईएएसए), बेंगलुरु, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, नई दिल्ली, इंस्टीट्यूट ऑफ जीनोमिक्स एंड इंटीग्रेटिव बायोलॉजी, नई दिल्ली और डाबर इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली जैसे संस्थानों के साथ बाहरी संयुक्त अनुसंधान गतिविधियां संचालित की हैं।
- 25 दिसंबर 2022 को प्रसारित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 96वें एपिसोड में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक स्वीकृति के लिए पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, विशेषकर योग और आयुर्वेद के वैज्ञानिक प्रमाण तैयार करने में एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने हमारे केंद्र में किए गए अनुसंधान परीक्षणों को रेखांकित किया, जिसमें माइग्रेन और वासोवागल सिंकोप सहित नैदानिक स्थितियों में योग अभ्यास के लाभों को दिखाया गया है।
- 11 दिसंबर 2022 को, कला अकादमी, पंजिम, गोवा (भारत) में 8 से 11 दिसंबर 2022 के बीच आयोजित 9वें विश्व आयुर्वेद कांग्रेस और आरोग्य एक्सपो 2022 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए, भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान के महत्व पर जोर दिया और पारंपरिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की वैश्विक स्वीकृति के लिए, एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली में किए गए एकीकृत शोध कार्यों और प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय

पत्रिकाओं जैसे जर्नल ऑफ द अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (जेएसीसी), तंत्रिका विज्ञान आदि में किए गए शोध प्रकाशनों को रेखांकित किया।

पिछले वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

योग एवं आयुर्वेद सेवाएँ

अप्रैल 2022 और मार्च 2023 के बीच एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र में कुल 12,150 प्रतिभागियों ने योग और/या आयुर्वेद सत्रों में भाग लिया, जिसमें अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के आंतरिक रोगी और बाह्य रोगी भी शामिल थे। एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र, प्रतिभागियों को प्रदान किए गए योग और आयुर्वेदिक उपचार के लिए कोई शुल्क नहीं लेता है। अप्रैल 2022 से मार्च 2023 के बीच 2665 से अधिक रोगियों को वर्चुअल योग सत्रों और परामर्श से लाभ हुआ है।

एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से, एंटी-नेटल क्लिनिक (एएनसी), एम्स, नई दिल्ली में मरीजों के लाभ के लिए योग सत्र आयोजित कर रहा है।

8वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह

सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र), एम्स, नई दिल्ली ने 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) का जश्न मनाने के लिए 15 से 21 जून 2022 तक कार्यशालाओं और कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की। कार्यक्रम की शुरुआत 15 जून 2022 को आयोजित एक अंतर-संस्थागत आईडीवाई क्विज़ प्रतियोगिता से हुई, जिसमें पांच योग और आयुर्वेद संस्थानों/विश्वविद्यालयों के 15 प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और शीर्ष तीन टीमों को निदेशक, एम्स, नई दिल्लीद्वारा पुरस्कार राशि तथा योग्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। एम्स, नई दिल्ली के संकाय सदस्यों, नर्सिंग अधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों, विद्यार्थियों, रेजिडेंट्स, शोधकर्ताओं, रोगियों और अन्य कर्मचारियों के लिए "योग और सचेतनता के साथ कार्य-जीवन को सिंक्रनाइज़ करना (एसडब्ल्यूएवाईएएम)" विषय पर कार्यशालाओं की एक श्रृंखला आयोजित की गई।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2022) के दिन, एम्स, नई दिल्ली के केंद्रीय लॉन में संस्थान के संकाय सदस्यों, विद्यार्थियों, कर्मचारियों और रोगियों के लिए सामूहिक योग अभ्यास का आयोजन किया गया। निदेशक, एम्स, नई दिल्ली ने प्रतिभागियों को संबोधित किया और भारी संख्या में उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की। इस कार्यक्रम को 2300 से अधिक योग प्रेमियों की भारी भागीदारी के साथ खूब सराहना मिली, जिससे स्वास्थ्य पेशेवरों, रोगियों और आम जनता के बीच जागरूकता पैदा हुई। योग के प्रति उत्साही लोगों ने सेल्फी स्टैंड पर सेल्फी खींची और एम्स, नई दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए हस्ताक्षर बोर्ड पर हस्ताक्षर किए।

एम्स, नई दिल्ली में मनाए गए 8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के एक भाग के रूप में, अनुसंधान अनुभाग, एम्स, नई दिल्ली ने 21 जून 2022 को "एम्स में योग अनुसंधान" विषय पर एक आंतरिक पोस्टर प्रतियोगिता सह प्रदर्शनी का आयोजन किया।

सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च (एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र, एम्स, नई दिल्ली) ने 21-22 जून 2022 को मैसूर, कर्नाटक (भारत) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2022 आयुष प्रदर्शनी में भी भाग लिया। प्रदर्शनी में एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र की अनुसंधान गतिविधियों को रेखांकित करने वाले पोस्टर प्रस्तुत किए गए, जिनमें एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र के ट्रांसलेशनल मूल्य और आउटरीच तथा केंद्र (उत्पत्ति, स्थापना, विज़न और मिशन तथा प्रगति) के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में, भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी ने एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र अनुसंधान मंडप का दौरा किया और केंद्र के प्रयासों की सराहना की। सचिव (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार), निदेशक (केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार) और कर्नाटक के मुख्यमंत्री जैसे अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र अनुसंधान मंडप का दौरा किया।

एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र में आयोजित कार्यशाला में संकाय सदस्यों के लिए योग सत्र आयोजित किया गया

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (2023) उत्सव

8वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (2023) के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास

एम्स, नई दिल्ली में आयोजित "एम्स में योग अनुसंधान" पोस्टर प्रतियोगिता

मैसूर, कर्नाटक में आयोजित प्रदर्शनी में भारत के माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मंत्री और सचिव - आयुष मंत्रालय (भारत सरकार), निदेशक - केंद्रीय योग और प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), और कर्नाटक के मुख्यमंत्री के साथ एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र अनुसंधान मंडप का दौरा किया गया।

शिक्षा

आयोजित कार्यशालाएँ:

कार्यशाला 1: आयुष पेशेवरों के लिए एकीकृत चिकित्सा अनुसंधान पद्धति कार्यशाला।

दिनांक: 17 दिसंबर 2022 , स्थान: सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन एंड रिसर्च, एम्स, नई दिल्ली।

कार्यशाला 2: "स्वास्थ्य और आरोग्य में संवाद: तनाव और आधुनिक जीवन के संदर्भ में हृदय रोगों की रोकथाम में योग की भूमिका" पर योग कार्यशाला

दिनांक: 15 फरवरी 2023, स्थान: कमलादेवी कॉम्प्लेक्स, बहुउद्देशीय हॉल, इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (आईआईसी), नई दिल्ली।

डॉ. गौतम शर्मा, आचार्य प्रभारी द्वारा दिए गए व्याख्यान : 03

पिछले 3 वर्षों में दिए गए व्याख्यान

संकाय सदस्य का नाम	2020-2021	2021-2022	2022-2023
डॉ. गौतम शर्मा	01	03	03

पिछले 3 वर्षों में मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियाँ

प्रस्तुति	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
मौखिक/पोस्टर	--	03	04

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. योग और आयुर्वेद उत्कृष्टता केंद्र, गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, 7 वर्ष, 2017-23, 964.11 लाख रुपए
2. वेंट्रिकुलर प्रीमेच्योर कॉम्प्लेक्स (वीपीसी) वाले रोगियों में वीपीसी बोझ, जीवन की गुणवत्ता और एलवी कार्यों पर योग-आधारित हस्तक्षेप का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गौतम शर्मा, डीएसटी, 3 वर्ष, 2021-24, रुपए 32.32 लाख
3. सीएबीजी से गुजर चुके रोगियों में मानक उपचार देखभाल के लिए अर्जुनक्षीरपाक की नैदानिक प्रभावकारिता [टर्मिनलिया अर्जुन (रॉक्सब. एक्स डीसी.) वाइट एंड अर्न. के तने की छाल का एक पारंपरिक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन] एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित पायलट अध्ययन, गौतम शर्मा, डाबर इंडिया लिमिटेड, 5 वर्ष, 2019-24, रुपए 17.18 लाख

पूर्ण परियोजनाएं

1. वासोवागल सिंकोप के रोगियों में नैदानिक परिणामों और जीवन की गुणवत्ता पर योग का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, गौतम शर्मा, आयुष मंत्रालय, 4 वर्ष, 2018-21, रुपए 24.65 लाख

विभागीय परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. धूम्रपान और तम्बाकू छुड़वाने के लिए पूरक हस्तक्षेप के रूप में योग का उपयोग: एक जांच परीक्षण
2. क्रोनिक अनिद्रा विकार वाले रोगियों में शिरोधारा (आयुर्वेदिक तेल ड्रिपिंग उपचार) की प्रभावकारिता की जांच करने के लिए टू आर्म समानांतर ओपन लेबल यादृच्छिक नियंत्रित सहयोजी परीक्षण
3. डॉक्टरेट विद्यार्थियों के बीच साइकोमोटर प्रदर्शन और स्वायत्त परिवर्तनशीलता पर शिरोधारा और योग निद्रा के बीच एक तुलनात्मक अध्ययन: एक प्रायोगिक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण
4. कोरोनरी धमनी रोग (योगिकाड) से पीड़ित भारतीय रोगियों में योग की प्रभावकारिता

5. स्वस्थ लोगों में तंत्रिका संबंधी सहसंबंधों (शारीरिक, मनोवैज्ञानिक, इमेजिंग) और कार्डियोफिजियोलॉजिकल मार्करों पर धीमे प्राणायामी श्वसन का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
6. हाल ही में कार्डियो-सेरेब्रोवास्कुलर घटनाओं (रिज़ॉल्व ट्रायल) से गुजर चुके रोगियों में नींद की गुणवत्ता पर तेल ड्रिपिंग उपचार (शिरोधारा) का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
7. कोरोनरी धमनी रोग (योगिकाड) से पीड़ित भारतीय रोगियों में योग की प्रभावकारिता।

पूर्ण परियोजनाएं

1. आयुर्वेदिक नैदानिक विधियों और प्रश्नावली-आधारित मूल्यांकन के बीच प्रकृति (आयुर्वेद संरचना प्रकार) की तुलना करना: एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययन
2. कोविड-19 महामारी के दौरान काम कर रहे स्वास्थ्य पेशेवरों में बर्न-आउट पर योग का प्रभाव
3. नैदानिक अवसाद वाले वयस्कों पर योग चिकित्सा के लिए ऐड-ऑन एकीकृत कार्यनीति का प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण
4. कोविड-19 के प्रकोप के दौरान भारत में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के बीच मनोवैज्ञानिक संकट: एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण
5. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल के कार्डियो-तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में भाग लेने वाले रोगियों के बीच चिकित्सा की योग प्रणाली का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास, एकल केंद्र सर्वेक्षण
6. भारत में तृतीयक देखभाल अस्पताल के कार्डियो-तंत्रिका विज्ञान ओपीडी में आने वाले रोगियों के बीच आयुर्वेदिक चिकित्सा प्रणाली का ज्ञान, दृष्टिकोण और अभ्यास, एकल केंद्र सर्वेक्षण
7. उच्च रक्तचाप के रोगियों में रक्तचाप, हृदय गति, हृदय गति परिवर्तनशीलता, कार्डियक आउटपुट, परिधीय प्रतिरोध पर भ्रामरी प्राणायाम के प्रभाव का अध्ययन करना।
8. टाइप 2 मधुमेह के इलाज में भारतीय हर्बल फॉर्मूलेशन निशा अमलाकी के चिकित्सीय तंत्र का पता लगाने के लिए एक नेटवर्क फार्माकोलॉजी-आधारित विश्लेषण
9. चयापचय संबंधी विकारों के संबंध में भारतीय हर्बल फॉर्मूलेशन त्रिकटु का नेटवर्क फार्माकोलॉजी-आधारित विश्लेषण
10. इस्केमिक हृदय रोग में फुस्करगुग्गुलु की नेटवर्क फार्माकोलॉजी

सहयोगी परियोजनाएँ

जारी परियोजनाएं

1. कोरोनरी धमनी रोग में योग और नींद की गुणवत्ता (योग-कैडेट), कार्डियोलॉजी
2. स्पास्टिक सेरेब्रल पाल्सी वाले बच्चों में अश्वगंधाचूर्णम (विथानियासोम्निफेरा (एल) दुनाल की जड़ों से बना एक पारंपरिक आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन) के मौखिक आधान के साथ आयुर्वेद उपचारों के संयोजन की प्रभावकारिता और कार्यात्मक परिणाम: एक यादृच्छिक नियंत्रित ओपन लेबल पायलट अध्ययन, बाल तंत्रिका विज्ञान

3. मल्टीपल स्केलेरोसिस के रोगियों में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में योग का यादृच्छिक परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
4. मानक देखभाल में अतिरिक्त चिकित्सा के रूप में योग आधारित पुनर्वास के साथ लंबे समय तक कोविड लक्षणों का प्रबंधन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (योग-पुनर्वास), मेडिसिन
5. टेम्पोरल और टेम्पोरल प्लस मिर्गी वाले व्यक्तियों में ध्यान से जुड़े एपिजेनेटिक मॉड्यूलेशन को स्पष्ट करना, तंत्रिका विज्ञान
6. बच्चों और किशोरों में ब्रोन्कियल अस्थमा के प्रबंधन में मानक उपचार देखभाल में अगस्त्य हरितकियावलेह [एक आयुर्वेदिक सूत्रीकरण] और योग को शामिल करने की नैदानिक प्रभावकारिता, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, बाल रोग विभाग
7. भूलने की बीमारी वाले हल्के संज्ञानात्मक हानि और प्रारंभिक अल्जाइमर रोग वाले रोगियों में संज्ञानात्मक कार्यों और रक्त चयापचयों में परिवर्तन पर बकोपा मोनिएरी लिन की प्रभावकारिता: एक डबल ब्लाइंड, यादृच्छिक प्लेसिबो-नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
8. प्रीडायबिटीज के रेमिशन पर व्यापक आयुर्वेद हस्तक्षेप की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी
9. ओव्यूलेशन प्रेरण चक्र से गुजरने वाली पीसीओएस महिलाओं में फॉलिक्यूलर प्रतिक्रिया पर योग के योगात्मक प्रभाव का मूल्यांकन करना - एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान

पूर्ण परियोजनाएं

1. नियोजित कीमोथेरेपी वाले बच्चों में दर्द धारणा थकान और क्यूओएल पर वीडियो सहायता प्राप्त योग के प्रभाव की जांच करने के लिए एक व्यवहार्यता अध्ययन, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, आईआरसीएच
2. एक पायलट मल्टीसेंटर ओपन लेबल पैरेलल आर्म आरसीटी यह मूल्यांकन करने के लिए कि क्या योग, अधिकतम मौखिक दवाओं पर उप-इष्टतम ग्लाइसेमिक नियंत्रण वाले टाइप 2 मधुमेह मेलिटस वाले रोगियों में और/या जिन्हें निकट भविष्य में इंसुलिन थेरेपी की आवश्यकता हो सकती है, ऐसे रोगियों में इंसुलिन थेरेपी की शुरुआत में देरी कर सकता है, एंडोक्रिनोलॉजी
3. गर्भावस्था में मां का वजन बढ़ने और मनोवैज्ञानिक तनाव पर प्रसव पूर्व योग के प्रभाव और गर्भावस्था के परिणामों के साथ इसके संबंध का अध्ययन करने के लिए एक भविष्यलक्षी यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्रीरोग
4. टाइप 2 डायबिटीज मेलिटस वाले व्यक्तियों की एचबीए1सी पर 2 या अधिक मौखिक एंटी-हाइपरग्लाइसेमिक दवाओं की आधी से ज्यादा अधिकतम खुराक कम से कम 3 महीने के लिए लेने पर जीवनशैली में हस्तक्षेप के विभिन्न तौर-तरीकों (जीवनशैली संशोधन, योग और मानक देखभाल पर शिक्षित करने वाले वीडियो) के प्रभाव का मूल्यांकन करने के लिए एक ओपन लेबल 3 आर्म रेंडमाइज्ड कंट्रोल ट्रायल, एंडोक्रिनोलॉजी

5. प्रणालीगत स्केलेरोसिस के उपचार में केवल मानक औषधि चिकित्सा की तुलना में योग चिकित्सा का लाभ: एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, तंत्रिका विज्ञान
6. ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया से पीड़ित अधिक वजन वाले और गैर-रुग्णता वाले मोटापे से ग्रस्त रोगियों पर योग के साथ जीवन शैली संशोधन कार्यक्रम का प्रभाव - एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
7. इन-विट्रो-फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) चक्र से गुजरने वाले रोगियों में एआरटी परिणामों और मनोवैज्ञानिक तनाव पर एकीकृत योग का प्रभाव: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, प्रसूति और स्त्री रोग
8. दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल में चयनित नर्सिंग स्टाफ के बीच तनाव और जीवन की व्यावसायिक गुणवत्ता पर व्यवस्थित योग कार्यक्रम का प्रभाव - छोटे पैमाने पर चरण -2 परीक्षण, सामुदायिक चिकित्सा
9. माइग्रेन में चिकित्सा के अतिरिक्त योग को शामिल करने का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, तंत्रिका विज्ञान
10. टाइप-2 डायबिटीज मेलिटस वाले वयस्क रोगियों में योग का प्रभाव, एक पायलट यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी
11. टी2डीएम और अवसाद से ग्रस्त रोगियों में मनोवैज्ञानिक, संज्ञानात्मक और ग्लाइसेमिक नियंत्रण पर योग का प्रभाव: टू आर्म समानांतर यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, एंडोक्रिनोलॉजी
12. फ़ॉन्टन ऑपरेशन कराने वाले रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणामों पर योग आधारित हृदय पुनर्वास की प्रभावकारिता: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, कार्डियोलॉजी
13. दर्द प्रधान चिकित्सीय रूप से अस्पष्टीकृत शारीरिक लक्षणों (एमयूपीएस) से पीड़ित रोगियों के लक्षणों की गंभीरता और जीवन की गुणवत्ता पर योग की प्रभावकारिता, मेडिसिन
14. कोविड-19 महामारी के दौरान दिल्ली के एक तृतीयक देखभाल अस्पताल के स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों (एचसीडब्ल्यू) के बीच व्यापक आयुर्वेद और माइंडफुलनेस आधारित योग आहार के रोगनिरोधी प्रभाव का मूल्यांकन: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, मेडिसिन
15. नए चिकित्सा स्नातक विद्यार्थियों में योगाभ्यास शुरू करने की व्यवहार्यता और तनाव तथा कथित आरोग्य पर इसका प्रभाव, एम्स नई दिल्ली, सामुदायिक चिकित्सा
16. मूत्र असंयम वाली महिलाओं में योग चिकित्सा की व्यवहार्यता, प्रभावकारिता और सुरक्षा: एक संभावित यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण, प्रसूति एवं स्त्री रोग विज्ञान
17. स्कोलियोसिस के रोगियों में श्वसन क्रियाओं पर योग और प्राणायाम का प्रभाव: एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, अस्थिरोग विज्ञान
18. भारत में मिर्गी से पीड़ित व्यक्तियों में कलंक का भाव मिटाने के लिए हस्तक्षेप, तंत्रिका विज्ञान

19. योग अभ्यासकर्ताओं, शारीरिक रूप से सक्रिय और निष्क्रिय जीवन शैली वाले व्यक्तियों के बीच भावना और अनुभूति के तंत्रिका-संज्ञानात्मक सह-संबंध: एफएमआरआई और न्यूरोसाइकोलॉजिकल अध्ययन, न्यूक्लीयर मैग्नेटिक रिसोनेंस
20. आधुनिक चिकित्सा में मानक देखभाल के साथ-साथ हृदय विफलता के रोगियों में योग सहित भारतीय चिकित्सा प्रणाली के माध्यम से जीवन शैली प्रबंधन के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए यादृच्छिक परीक्षण, कार्डियोलॉजी
21. मध्यम-गंभीर बाएं वेंट्रिकुलर डिसफंक्शन के साथ कोरोनरी धमनी रोग के रोगियों में कोरोनरी धमनी बाईपास सर्जरी के बाद योग आधारित हृदय पुनर्वास की सुरक्षा और प्रभावकारिता: सर्जरी के बाद यादृच्छिक नियंत्रित अध्ययन, कार्डियोलॉजी
22. अल्सरेटिव कोलाइटिस के रोगियों में जीवन की गुणवत्ता और नैदानिक परिणामों पर व्यवस्थित योग अभ्यासों का प्रभाव, जठरांत्र रोग विज्ञान
23. पुराने, गैर-विशिष्ट पीठ के निचले हिस्से के दर्द के लिए योग के साथ पारंपरिक चिकित्सीय अभ्यासों की प्रभावशीलता की तुलना करना: एक यादृच्छिक तुलनात्मक परीक्षण, शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास
24. ब्रोन्किइक्टेसिस के रोगियों में श्वास कष्ट, मांसपेशियों की ताकत, सूजन के निशान और जीवन की गुणवत्ता पर योग के प्रभाव, एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण, पल्मोनरी मेडिसिन
25. आईसीडी रोगियों के लिए योग: इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर, कार्डियोलॉजी वाले रोगियों में मनोवैज्ञानिक और अतालता संबंधी परिणामों पर योग की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करने के लिए एक यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान

अनुसंधान परियोजनायें	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
कुल वित्त पोषित परियोजनाएँ	03	04	03
कुल वित्त पोषण	10,05,96,090 रुपये	10,38,28,254 रुपये	10,13,62,638 रुपये

प्रकाशन

पत्रिकाएँ: 6

प्रकाशन

मद	**2020-2021**	**2021-2022**	**2022-2023**
योग	**05**	**11**	**06**
जर्नल आलेख	05	10	06
एब्सट्रैक्ट	--	01	--
पुस्तकों में अध्याय	--	--	--
पुस्तकें	--	--	--

रोगी देखभाल

क्र.सं	परियोजनाओं में शामिल किए गए प्रतिभागियों की कुल संख्या	वर्ष
1	12150	2022-2023

प्रतिभागियों की कुल संख्या में योग और आयुर्वेद अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल किए गए रोगी, एम्स कर्मचारी, संकाय सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने स्वास्थ्य संवर्धन योग सत्रों में हिस्सा लिया।

रोगी उपचार

मद	2020-2021	2021-2022	2022-2023
ओपीडी परामर्श	--	--	--
विशेष क्लिनिक परामर्श	--	--	--
मरीजों को प्रदत्त पुनर्वास सेवाएं (योग और आयुर्वेद)	1206	5488	12150
कुल रोगी प्रवेश	--	--	--

पुरस्कार, सम्मान और महत्वपूर्ण घटनाएँ

आचार्य गौतम शर्मा योग में उच्च प्रभाव अनुसंधान पर आयुष अंतःविषयी टास्क फोर्स के विशेषज्ञ सदस्य और अध्यक्ष हैं; वे, एकीकृत स्वास्थ्य नीति, नीति आयोग, भारत सरकार द्वारा गठित समिति के सदस्य हैं; अकादमिक और वैज्ञानिक सलाहकार समिति के सदस्य, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए), नई दिल्ली; "क्रोनिक केयर पर योग का प्रभाव" विषय पर टास्कफोर्स के सदस्य, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली; सीसीआरवाईएन आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के आधिकारिक जर्नल "इंडियन जर्नल ऑफ़ योगा एंड नेचुरोपैथी" के संपादकीय सदस्य; वे निम्नलिखित जर्नल्स के लिए समीक्षक हैं: जर्नल ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी, द नेशनल मेडिकल जर्नल ऑफ इंडिया, इंडियन हार्ट जर्नल, इंडियन पेसिंग एंड इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी जर्नल; स्वामी विवेकानन्द योग अनुसंधान संस्थान (एस-वीवाईएएसए डीम्ड यूनिवर्सिटी), बैंगलोर, कर्नाटक, भारत में विजिटिंग आचार्य; 29 मार्च 2022 को एम्स, रायपुर में आयोजित सीआईएमईआर (सेंटर फॉर इंटीग्रेटिव मेडिसिन, एजुकेशन एंड रिसर्च) समिति की द्वितीय बैठक (वर्चुअल) के अध्यक्ष रहे।

मीडिया कवरेज:

- 25 दिसंबर 2022 को प्रसारित रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 96वें एपिसोड में **माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी** के भाषण के बाद, एफएम चैनल और एएनआई तथा डीडी न्यूज जैसे टीवी चैनलों ने क्रमशः 25 दिसंबर 2022, 26 दिसंबर 2022 और 6 जनवरी 2023 के दिन एकीकृत चिकित्सा एवं अनुसंधान केन्द्र को कवर किया।

11.6 कंप्यूटर सुविधा

प्रभारी-आचार्य

पूजा गुप्ता

उप-निदेशक

एस.एन. रघु कुमार

सिस्टम एनालिस्ट

एस.के. मेहर

श्री संजय गुप्ता

वरिष्ठ प्रोग्रामर

श्री हरि शंकर

श्री श्यामल बरुआ

श्री पवन शर्मा

श्रीमती तृप्ता सेतिया

श्री संजीव कुमार

श्री अमित भाटी

प्रोग्रामर

नर्सिंग सूचना विज्ञान विशेषज्ञ

डॉटा एन्ट्री ऑपरेटर

हाडवेयर/नेटवर्क इंजीनियर

विशिष्टताएं

सॉफ्टवेयर सेवाएं एवं शिक्षा	आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं नेटवर्क

• अस्पताल सूचना प्रणाली
• प्रयोगशाला सूचना प्रणाली
• आरआईएस/पीएसीएस
• इन हाउस मॉड्यूल:
    • प्रशासन एवं बैक ऑफिस
    • क्लीनिकल एप्लीकेशन
• कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा एप्लीकेशन (ई.एच.एस)
• एम्स वेबसाइट: www.aiims.edu
• ईमेल और एसएमएस सेवाएं
• स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर नर्सिंग छात्रों के लिए कंप्यूटर शिक्षा कक्षाएं
	• 9500+ नोड्स का प्रबंधन
	• हाई स्पीड इंटरनेट कनेक्शन के लिए एनकेएन कनेक्टिविटी
	• इमारतों में वाई-फाई कवरेज
	• संस्थानिक डाटा सेंटर
	• आईटी सुरक्षा का संवर्धन
	• अत्याधुनिक 3 स्तरीय नेटवर्किंग आर्किटेक्चर
	• यूटीएम/फ़ायरवॉल

सॉफ्टवेयर सेवाएं और शिक्षा

अस्पताल सूचना प्रणाली

e-Hospital@NIC सॉफ्टवेयर का उपयोग करके अस्पताल सूचना प्रणाली (एचआईएस) लागू की गई है जिसके माध्यम से निम्नलिखित मॉड्यूल का प्रबंध किया जाता है:

- ऑनलाइन अपॉइंटमेंट
- ओपीडी पंजीकरण (नया और फॉलो-अप)
- एडमिशन, डिस्चार्ज और स्थानान्तरण
- मेडिकल रिकॉर्ड अनुभाग
- पेशेंट बिलिंग
- सूची प्रबंधन मॉड्यूल
- प्रयोगशाला सूचना प्रणाली
- विकिरण सूचना प्रणाली
- ब्लड बैंक

ऑनलाइन अपॉइंटमेंट की स्थिति

वितरण	2020-21	2021-22	2022-23
नए रोगी	102050	516210	1101249
फॉलो-अप रोगी	116043	857579	1679625

ओपीडी पंजीकरण (नए और फॉलो-अप) स्थिति

केंद्र का नाम		2020-21	2021-22	2022-23
मुख्य अस्पताल	नए पंजीकरण (फिजिकल)	104891	238715	463218
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	177240	422949	972296
हृद् तंत्रिका केंद्र	नए पंजीकरण (फिजिकल)	13224	50482	84096
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	36494	71659	132144
डॉ. रा. प्र. केंद्र	नए पंजीकरण (फिजिकल)	36616	131528	224633
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	67020	142745	222885
दंत चिकित्सा केंद्र	नए पंजीकरण (फिजिकल)	21236	58994	14413
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	26749	61879	87838
सं.रो.कैं.अ.	नए पंजीकरण (फिजिकल)	21185	22990	28939
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	14548	908	8662
एन.सी.आई	नए पंजीकरण (फिजिकल)	-	8778	9354
	फॉलो-अप पंजीकरण (फिजिकल)	-	38448	41896

भर्ती, छुट्टी एवं स्थानान्तरण की स्थिति

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23
भर्ती	138133	180202	234136
स्थानांतरण	60763	73126	87679
छुट्टी	138587	179677	234007

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली अंतर्राष्ट्रीय एचएल 7 मानकों का पालन करते हुए प्रयोगशाला उपकरण और ई-हॉस्पिटल सॉफ्टवेयर के एकीकरण के माध्यम से कार्यान्वित की जाती है। एलआईएस से जुड़े प्रयोगशाला उपकरण निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	प्रयोगशाला का स्थान	उपकरण का नाम	संख्या	मशीन का प्रकार
1.	सीएनसी	बैकमैन 5 प्लॉट सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
2.	सीएनसी	आईरिस आईकाउंट3	1	एकल-दिशात्मक
3.	सीएनसी	इम्युलाइट 1000	1	एकल-दिशात्मक
4.	सीएनसी	बायो-रेड10	1	एकल-दिशात्मक
5.	सीएनसी	एलिफेक्स आर20 ईएसआर मशीन	1	एकल-दिशात्मक
6.	सीएनसी	बेकमैन 3 प्लॉट सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
7.	आरपीसी रुधिर विज्ञान (सातवां तल)	बेकमैन कल्टर 5 प्लॉट एक्ट डिफ सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
8.	आरपीसी रुधिर विज्ञान (सातवां तल)	सिस्मेक्स केएक्स21	1	एकल-दिशात्मक
9.	आरपीसी रुधिर विज्ञान (छठा तल)	बेकमैन एयू680	1	द्वि-दिशात्मक
10.	एंडोक्राइनेलॉजी-1	बायो-रेड डी10	1	एकल-दिशात्मक
11.	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	कोबास 6000	1	द्वि-दिशात्मक
12.	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	मूत्र विश्लेषक	1	एकल-दिशात्मक
13.	गुर्दे	कोबास सी3 11	1	द्वि-दिशात्मक
14.	गुर्दे	एबट आर्किटेक्ट1000	1	द्वि-दिशात्मक
15.	गुर्दे	आईओएनएस	2	एकल-दिशात्मक
16.	आपातकालीन विभाग	एक्यूटी 90	1	एकल-दिशात्मक
17.	आपातकालीन विभाग	एबीएल 800	1	एकल-दिशात्मक
18.	आपातकालीन विभाग	पेंट्रा एक्सएल	1	एकल-दिशात्मक
19.	न्यू प्राइवेट वार्ड द्वितीय तल	मिनी कैप	1	एकल-दिशात्मक
20.	बाल चिकित्सा एंडोक्रिनोलॉजी	कोबास ई411	1	द्वि-दिशात्मक

21.	सीएनसी	बेकमैन कल्टर एयू 680	1	द्वि-दिशात्मक
22.	सीएनसी	बेकमैन कल्टर 480	1	द्वि-दिशात्मक
23.	प्रजनन जीवविज्ञान	एबट आर्किटेक्ट 1000	1	द्वि-दिशात्मक
24.	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस 4 सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
25.	आईआरसीएच प्रथम तल	एमएस 9 सेल काउंटर	1	एकल-दिशात्मक
26.	आईआरसीएच द्वितीय तल	एमएस4 सेल काउंटर	2	एकल-दिशात्मक
27.	आईआरसीएच द्वितीय तल	एमएस9 सेल काउंटर	2	एकल-दिशात्मक
28.	लैब मेडिसिन कमरा सं. 2	कोम्बिलिन	2	एकल-दिशात्मक
29.	लैब मेडिसिन कमरा सं. 2	कैरटियम	2	एकल-दिशात्मक
30.	सीएनसी कमरा सं. 53 ग्राउंड फ्लोर	हिटाची मॉड्यूलर	1	द्वि-दिशात्मक
31.	सीसीएफ ग्राउंड फ्लोर	बेकमैन कल्टर एक्सेस2	1	द्वि-दिशात्मक
32.	लैब मेडिसिन कमरा सं. 20	हिताची मॉड्यूलर	2	द्वि-दिशात्मक
33.	एंडोक्राइनेलॉजी-01	कोबास इंटेग्रा	1	द्वि-दिशात्मक
34.	सीएनसी	स्टा कॉम्पैक्ट	2	द्वि-दिशात्मक
35.	आरपीसी (छठा तल)	बेकमैन कल्टर एयू680	1	द्वि-दिशात्मक
36.	आरपीसी (छठा तल)	एक्सेस 2	1	द्वि-दिशात्मक
37.	न्यू प्राइवेट वार्ड द्वितीय तल	स्टा कॉम्पैक्ट	1	द्वि-दिशात्मक
38.	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 1000	1	द्वि-दिशात्मक
39.	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 4000	1	द्वि-दिशात्मक
40.	प्रजनन जीवविज्ञान	आर्किटेक्ट 2000	1	द्वि-दिशात्मक (आई ओ टी आधारित इंटरफेसिंग)
41.	एंडो-02	कोबेस 411	4	द्वि-दिशात्मक
42.	एंडो-02	लाइजेन	2	द्वि-दिशात्मक
43.	एंडो-02	कोबेस 411	1	द्वि-दिशात्मक (आई ओ टी आधारित इंटरफेसिंग)
44.	एंडो-02	लाइजेन एक्सएल	1	द्वि-दिशात्मक
45.	सीएनसी	एडविया	1	द्वि-दिशात्मक
46.	सीएनसी	एडविया सेन्टुयुरा एक्स पी	1	द्वि-दिशात्मक
47.	सीएनसी	बेक्मन कोल्टर एक्ट 5	1	द्वि -दिशात्मक

48.	जैव रसायन	विटरोस एनालाइजर	1	द्वि-दिशात्मक
49.	एंडो-01	थोश जी 8	1	एकल-दिशात्मक
50.	लैब मेडिसिन कमरा सं.-02	एलाईट एसीएल	1	द्वि-दिशात्मक(आई ओ टी आधारित इंटरफेसिंग)
51.	स्मार्ट लैब बेसमेंट, नई राजकुमारी ओपीडी	कोबास इंफिनिटी (रोश)	1	द्वि-दिशात्मक
52.	एनसीआई झज्जर रोबेटिक लैब	सेन्ट्रल लिंक (सिमेंस)	1	द्वि-दिशात्मक
		एकल-दिशात्मक	**27**	
		द्वि-दिशात्मक	**35**	
		कुल गणना	**62**	

प्रयोगशाला सूचना प्रणाली

विवरण	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**
एकल-दिशात्मक	27	25	27
द्वि-दिशात्मक	33	33	35
कुल संख्या	60	58	62

आरआईएस और पीएसीएस

आरआईएस

विभिन्न रेडियोलॉजिकल जांच की एपॉइमेंट ई-हॉस्पिटल आरआईएस सिस्टम के माध्यम से दी जाती है। जांच के बाद के परिणाम भी एचएल7 का उपयोग करके एचआईएस सिस्टम में वापस ले लिए जाते हैं। आरआईएस के माध्यम से निर्धारित विभिन्न जांच नियुक्ति निम्नानुसार सूचीबद् हैं:

- प्लेन एक्स-रे
- सीटी स्कैन
- एमआरआई स्कैन
- अल्ट्रासोनोग्राफी
- पी ई टी स्कैन
- नेत्र संबंधी रेडियोलॉजी
- मैमोग्राफी
- एंजियोग्राफी
- दांतों का एक्स-रे

ये जांच एम्स के विभिन्न केंद्रों में कई स्थानों पर की जाती है।

पीएसीएस

एम्स ने वेब-आधारित विज़ुलाइज़र: ओवियम के साथ एक सामान्य केंद्रीकृत पीएसीएस सर्वर लागू किया है। यह प्रणाली स्टैंडअलोन विभागीय पीएसीएस सिस्टम (सीमेंस, जीई सेंट्रिसिटी, फिलिप्स, सोनोसाइट) के साथ एकीकृत है।

एम्स में ओपन सोर्स पीएसीएस से जुड़ी विधियां: कॉन्फ़िगर किए गए एईटी कहे जाने वाली विधियां की कुल संख्या 87 है। वर्ष 2014 के बाद से विभिन्न विभागों और स्थानों जैसे मुख्य एम्स, जेपीएनएटीसी, एनसीआई झज्जर से पीएसीएस सर्वर में अध्ययन को स्टोर करने के लिए कॉन्फ़िगर किया गया है।

एचआईएस ई-अस्पताल के साथ पीएसीएस एकीकरण: यह एचएल 7 मानकों का उपयोग करते हुए रोगी जनसांख्यिकी विवरण प्राप्त करने के लिए एचआईएस के साथ एकीकृत है। यह रेडियोलॉजिकल जांच जैसे एक्स-रे, सीटी, एमआरआई आदि के लिए मांग को ऑनलाइन आरआईएस सिस्टम को भेजने में मदद करता है। पीएसीएस का एकीकरण विभिन्न विधियों के साथ किया गया था।

ओवियम व्यूअर: डीआईसीओएम सी-जीटी/सी-मूव का उपयोग करके सीधे जीई - पीएसीएस से अध्ययन प्राप्त करने के लिए मॉड्यूल जोड़ा गया।

जेपीएनएटीसी केन्द्र पीएसीएस से अध्ययन का ऑटो अग्रेषण एम्स पीएसीएस में कॉन्फ़िगर किया गया है।

स्पिरोमेट्री रिपोर्ट अपलोड करने के लिए **पीडीएफ2डीआईसीओएम एप्लिकेशन** को स्थापित किया गया है जो पीडीएफ, जेपीजी जेपीईजी इमेज को डीआईसीओएम इमेज में परिवर्तित करती है और पीएसीएस सर्वर में ले जाती है।

वर्ष के दौरान विभिन्न अध्ययनों को ओपन पीएसीएस में भंडारित/संग्रहित किया गया

क्र.सं.	साधन	अध्ययनों की संख्या	साधन का स्थान
1	सीआर (कम्प्यूटेड रेडियोग्राफी)	24554	सीएनसी, आईआरसीएच, मुख्य एम्स, आरपीसी, ट्रॉमा ओपीडी, ट्रॉमा सेंटर
2	सीआर\एसआर	14	मुख्य एम्स, ट्रॉमा ओपीडी
3	सीटी (कम्प्यूटेड टोमोग्राफी)	6411	न्यू प्राइवेट वार्ड, मेन रेडियोलॉजी, मेन एम्स जीई, आईआरसीएच, एनसीआई एम्स, आरपीसी, ट्रॉमा सेंटर, एम्स
4	सीटी/ओटी/एसआर	4	सीटी8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स
5	सीटी/पीआर/एसआर	8	मुख्य एम्स जीई, एनसीआई एम्स
6	सीटी/आरईजी	24	एनसीआई एम्स, मुख्य एम्स, आईआरसीएच
7	सीटी \ एसआर	12447	सीटी 8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स, एनसीआई एम्स, आईआरसीएच, ट्रॉमा सेंटर,एम्स
8	डीएक्स (डिजिटल रेडियोग्राफी एक्स-रे)	20145	आईआरसीएच, सीटी8 रेडियोलॉजी वर्कस्टेशन, मुख्य एम्स, आईआरसीएच, नई आरएके, एनसीआई एम्स, आरपीसी
9	डीएक्स/एसआर	7	नई आरएके, मुख्य एम्स
10	केओ/एमआर	5	मुख्य एम्स
11	एमजी (मैमोग्राफी)	552	आईआरसीएच-एम ई एम ओ, मुख्य एम्स

12	एमआर (चुंबकीय अनुकंपन)	1056	आईआरसीएच, मुख्य एम्स एस आई ई एम ई एन एस, मुख्य अस्पताल
13	ओटी (अन्य)	257	सीडीईआर एक्स-रे, मुख्य एम्स एस आई ई एम ई एन एस, एनसीआई झज्जर, मुख्य एम्स
14	पीआर	187	आईआरसीएच- एम ई एम ओ
15	पीटी/सीटी	54	मुख्य एम्स
16	आरईजी/एमआर/एसआर	7	मुख्य एम्स
17	आरएफ/सीआर	224	आईआरसीएच- ल्यूमिनस टी एफ, एस ई आई एम ई एन एस, मुख्य एम्स, ट्रॉमा ओपीडी
18	एसईजी/सीटी/एसआर	356	सीडीईआर एक्स-रे, मुख्य एम्स एस ई आई एम ई एन एस, एनसीआई एम्स, मुख्य एम्स, मुख्य एम्स जीई, ट्रॉमा सेंटर, आईआरसीएच
19	यूएस (अल्ट्रासाउंड)	2546	आईआरसीएच, एनसीआई, मुख्य एम्स, मुख्य एम्स एस ई आई एम ई एन एस
20	एक्सए (एक्स-रे एंजियोग्राफी)	12	मुख्य एम्स, मुख्य एम्स एस ई आई एम ई एन एस

ओपन पी ए सी एस में विभिन्न अध्ययनों को भंडारित/संग्रहीत रखा गया है।

2020-21	2021-22	2022-23
1,28,227	1,37,051	68,874

ओपन पीएसीएस में प्राप्त कुल अध्ययन: 68874

औसत पीएसीएस एक्सेस समय: 12 महीनों के लिए कुल ओपन पीएसीएस एक्सेस समय 1082.14 घंटे है जिसे एलएएन (लैन) कनेक्शन और वाई-फाई पर एक्सेस किया गया था। औसत 1 महीने का एक्सेस पीएसीएस डेटा 1082/12=90.7 घंटे प्रति माह है।

इन हाउस मॉड्यूल

कंप्यूटर सुविधा में प्रोग्रामर्स की एक टीम होती है जो डॉट नेट तकनीक पायथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, ट्राइटन फ्रेमवर्क और पोस्ट ग्रेएसक्यूएल डेटावेस का उपयोग करके विभिन्न इन हाउस मॉड्यूलों का लगातार रखरखाव, उन्नयन और विकास करती है। इन-हाउस मॉडयूल को प्रशासनिक एवं क्लिनिकल मॉड्यूल के तहत वर्गीकृत किया गया है।

प्रशासनिक और बैक ऑफिस मॉड्यूल

प्रशासनिक और बैक ऑफिस ऑटोमेशन के लिए, संस्थान में अनुरक्षित और कार्यान्वित विभिन्न इन-हाउस मॉड्यूल नीचे सूचीबद्ध हैं:

- छात्रावास आबंटन एवं पंजीकरण प्रक्रिया
    - संपदा आबंटन प्रक्रिया

- एम एस एस ओ रेल रियायत प्रक्रिया
- ऑनलाइन अंगदान फॉर्म
- ऑनलाइन यातायात प्रक्रिया
- संस्थान के सभी नियमित कर्मचारियों हेतु इलेक्ट्रॉनिक वार्षिक कार्यनिष्पादन मूल्यांकन और रिपोर्ट (ई-एपीएआर)
- चेक प्रिंटिंग आरटीजीएस और समाशोधन
- कम्प्यूटर सुविधा टीम ने पूरे संस्थान में ई-फाइलिंग हेतु सॉफ्टवेयर का क्रियान्वयन किया तथा इसके लिए 1000 से अधिक कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया।

क्लिनिकल मॉड्यूल

क्र. सं.	आवेदकों के नाम
1	आपातकाल रोगी विवरण हेतु पीडीएस मेन
2	ईएमएलसी मुख्य अस्पताल
3	ईएमएलसी रा.प्र. केन्द्र
4	ईएमएसी बर्न एण्ड प्लास्टिक सर्जरी
5	आरपीसी टिशू यूटिलाइजेशन
6	ऑक्यूलर पैथोलोजी रा.प्र. केन्द्र
7	ई-प्रमाणपत्र
8	ईबीसी रा.प्र. केन्द्र
9	हृद्य वक्ष केन्द्र लैब रजिस्टर
10	सं.रो.कै.अ. डे केयर
11	ई जन्म प्रमाणपत्र
12	ई-प्रमाणपत्र एम्स
13	बोन बैंक(ओर्थो एवं न्यूरो)
14	ई-मृत्यु प्रमाणपत्र
15	अर्बुद संवेदनाहरण विज्ञान सं.रो.कै.अ.
16	ओ टी मॉड्यूल
17	एन्टोकोगुलेंट पंजीकरण
18	ई-कैथ लिस्ट
19	भर्ती पर्ची एनसीआई झज्जर
20	ओटो मॉड्यूल एनसीआई झज्जर

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा एप्लीकेशन

कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा (ई.एच.एस.) सॉफ्टवेयर सिस्टम का उपयोग ई.एच.एस. ओ.पी.डी. में कर्मचारियों के तैयार स्वास्थ्य प्रिस्क्रिप्शन को रिकॉर्ड करने और बनाए रखने के लिए किया जाता है। यह प्रणाली उन सभी कर्मचारियों के रिकॉर्ड और उनके आश्रितों के विवरण का रखरखाव करती है जो ई.एच.एस. ओ.पी.डी. में ई.एच.एस. लाभ के लिए पात्र हैं।

सिस्टम प्रत्येक ई.एच.एस. रोगी को ओ.पी.डी. में पंजीकृत करता है और सिस्टम में उनकी निर्धारित दवाओं को ऑनलाइन रिकॉर्ड करता है। ई.एच.एस. फार्मेसी काउंटरों के माध्यम से दवाएं भी ऑनलाइन वितरित की जाती हैं। जो दवाएं ई.एच.एस. फार्मेसी में उपलब्ध नहीं हैं उन्हें स्थानीय खरीद (एल.पी.) के लिए भेजा जाता है। एल.पी. इंडेंट स्वचालित रूप से इस सिस्टम द्वारा दो बार जेनेरेट होते हैं और एल.पी. विक्रेता को ऑनलाइन मोड में जमा किए जाते हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए ई.एच.एस. पंजीकरण और प्रिस्क्रिप्शन का डाटा इस प्रकार है:

- मुख्य एम्स में कुल पंजीकरण: 1,89,668
- एनसीआई झज्जर में कुल पंजीकरण: 8,124
- ट्रॉमा में कुल पंजीकरण: 1,844
- मुख्य एम्स में कुल ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन: 1,66,430
- एनसीआई झज्जर में कुल ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन: 7,498
- ट्रॉमा में कुल ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन: 1,652

विवरण	2020-21	2021-22	2022-23
कुल पंजीकरण	2,86,190	2,07,126	1,99,636
कुल ऑनलाइन प्रिस्क्रिप्शन्स	2,66,883	1,83,881	1,75,580

एम्स वेबसाइट

- कंप्यूटर सुविधा एम्स वेबसाइट aiims.edu और इससे संबंधित विभिन्न अन्य सेवाओं का रखरखाव किया जाता है।
- एम्स वेबसाइट पर अद्यतन, निर्मित एवं अपलोड किए गए पृष्ठों की संख्या लगभग 8000 है।
- एम्स में स्वच्छ वातावरण को प्रदर्शित करने हेतु एम्स स्वच्छता वॉल वेबपेज (swachhata.aiims.edu) का निर्माण एवं रखरखाव। एम्स के विभिन्न स्थानों से लगभग 25 इमेज अपलोड की गईं।
- covid.aiims.edu वेबसाइट का रखरखाव। इस वेबसाइड पर कोविड से संबंधित सामग्री अपलोड की गई।

ई-मेल और एसएमएस सेवाएं

- ई-मेल आई.डी. www.aiims.edu को गूगल वर्कस्पेस के रूप में उपयोग किया गया।
- ई-मेल आई.डी. को aiims.edu डोमेन और aiims.ac.in डोमेन पर बनाए रखा गया।

- डोमेन में अभी तक कम से कम 3735 ई-मेल अकाउंट खोले गए। यह ई-मेल आई.डी. संकाय सदस्यों, एस आर, जे आर एवं एमबीबीएस छात्रों द्वारा उपयोग की जा रही हैं। लगभग 616 नई ई-मेल आई.डी. बनायी गयी।
- विभिन्न सम्मेलनों, संगोष्ठियों आदि के संबंध में सभी संकाय-सदस्यों को नियमित ई-मेल भेजे गए।
- मोबाइल सेवा सीडैक एस.एम.एस. गेटवे सेवाओं का उपयोग संस्थान द्वारा निम्नलिखित के संबंध में विभिन्न स्टोक होल्डरों को मेसेज प्रदान करने के लिए किया जाता है:
    - रोगी से संबंधित सेवाएं जैसे अपॉइंटमेंट का विवरण, लैब रिपोर्ट ओ.टी.पी. आदि।
    - परीक्षा अनुभाग - संबंधित मेसेज
    - शैक्षिक अनुभाग - छात्रों से संबंधित मेसेज
    - रक्त बैंक - रक्तदाताओं से संबंधित मेसेज
    - अंग दाताओं का विवरण

भण्डार एवं सामग्री की सूची

कुल मांगपत्र	कुल जारी मांगपत्र	मुख्य ऑनलाइन भण्डार	कुल ऑनलाइन उप-भण्डार
106828	102783	71	1087

आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर और नेटवर्क

- कंप्यूटर सुविधा द्वारा एम्स के विभिन्न स्थानों पर इन्टरनेट/इन्टरनेट कनेक्टिविटी एवं नेटवर्क प्रबंधन सुविधा प्रदान की जाती है।
- न्यू ओ.पी.डी., बर्न एंड प्लास्टिक, सर्जरी ब्लॉक, मातृ एवं शिशु ब्लॉक, एनसीए तथा प्राइवेट वॉर्ड-III एम्स, नई दिल्ली में व्यवस्थित नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर शुरू किया गया है।
- एम्स के संकाय-सदस्यों, अधिकारियों एवं स्टॉफ सदस्यों हेतु लगभग 350 नए इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।
- विभिन्न संगोष्ठियों, सम्मेलनों/वीडियो कान्फ्रेंस हेतु हाई स्पीड एन.के.एन. इंटरनेट सुविधा प्रदान की गई।
    - एम्स, नई दिल्ली में राष्ट्रीय सी.एम.ई./संगोष्ठी/कार्यशाला हेतु लैन/वाई-फाई सुविधा प्रदान की गई।
    - "ओ.टी. पांचवा तल से एल.टी. VI, छठा तल, रा.प्र. केन्द्र एवं जेएलएन सभागार द्वारा लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन" हेतु हाई स्पीड इंटरनेट सुविधा प्रदान की गई।
    - ओर्थो ओटी से ज.ला.ने. सभागार तक "लाइव सर्जरी ट्रांसमिशन" हेतु हाई-स्पीड इंटरनेट सुविधा की कनेक्टिविटी प्रदान की गई।
    - सेट सुविधा, कन्वर्जन ब्लॉक में विभिन्न आयोजनों हेतु हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन प्रदान किया गया।
    - गेटवे स्तर पर कम्प्यूटर नेटवर्क सुरक्षा एवं प्रबंधन के अनुप्रयोग हेतु फायरवॉल का निरंतर प्रबंधन किया गया।

- छात्रों एवं रेजिडेंट चिकित्सकों के लगभग 18 छात्रावास स्थानों पर इन्टरनेट हेतु वाई-फाई जोन का निर्माण, सूचना तथा आनलाइन पत्रिकाओं को पढ़ने हेतु वायरलेस नेटवर्किंग जोन का निरंतर प्रबंधन करना। छात्रावास के उपयोगकर्ताओं के लिए लगभग 700 आईडी बनाई गई।
- बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय में वाई-फाई सुविधा के प्रबंधन हेतु बी.बी. दीक्षित पुस्तकालय (बी.बी.डी.एल) को तकनीकी सहायता।
- संकाय-सदस्यों एवं एम्स के अन्य स्टॉफ हेतु लीज लाइन के माध्यम से इंटरनेट सुविधा प्रदान की गई तथा इसका प्रबंधन 24/7 आधार किया गया।
- कम्प्यूटर सुविधा की हेल्प-डेस्क के माध्यम से नेटवर्क उपयोगकर्ता की शिकायतों एवं 24X7X365 दिन समाधान हेतु कॉल संबंधी रखरखाव के लिए सुविधा प्रबंधन। इस वर्ष में लगभग 28,000 कॉल का समाधान किया गया।

- एम्स के बाहर से ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल, सीपीआएस एक्सेस एवं अन्य इन-हाउस एप्लीकेशन सर्वर हेतु वी.पी.एन आधारित एक्सेस मशीनी तंत्र।
- एन.डी.डी.टी.सी. गाजियाबाद, जे.प्र.ना.ए.ट्रॉ. केन्द्र, सी.आर.एच.एस.पी. बल्लभगढ़ एवं एनसीआई झज्जर को जोड़ने के लिए सुरक्षित टनल का निरंतर रखरखाव।
- उपचार प्रयोजन हेतु स्मार्ट लैब एवं ब्लड बैंक निर्धारण करने हेतु प्रावधान।
- विभिन्न सेवाओं सहित इन्टफेसिंग हेतु विभिन्न फायरवेल नियमों का गठन।
- एम्स के आईसीटी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर साइबर हमले के बाद विभिन्न एजेन्सियों के परामर्श से पूरे नेटवर्क में सुरक्षा उपायों को लागू किया जा रहा है।

सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

श्री एस.एन. रघु कुमार, उप-निदेशक(कम्प्यूटर सुविधा) एम्स और इसके सभी केंद्रों और आगामी केंद्रों के लिए आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास हेतु विभिन्न तकनीकी विनिर्देश समितियों के सदस्य थे; एम्स में आईटी कार्यान्वयन से संबंधित सेवाओं तथा सभी सेवा प्रदाताओं/विक्रेताओं की निगरानी करना; कम्प्यूटर सुविधा का प्रबंधन/प्रशासन, कम्प्यूटर सुविधा में नियुक्त एनआईसी कर्मचारी एवं कम्प्यूटर सुविधा में कार्यरत संविदा स्टाफ; एम्स, नई दिल्ली में हाल में चयनित एमबीबीएस छात्रों हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डॉ. एस.के. मेहर, सिस्टम एनालिस्ट विश्लेषक वर्तमान में एमईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित परियोजना 'ए आई में अर्बुदविज्ञान परियोजना' में कार्यरत हैं एवं एम्स, नई दिल्ली में एसएनओएमईडी सीटी परियोजना (स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के तहत) कार्यान्वयन के लिए नोडल अधिकारी हैं; बी एम जे हेल्थ एण्ड केयर इंफोर्मेटिक्स 2020-2023 के लिए उप-संपादक तथा संपादकीय बोर्ड के सदस्य, इन्टरनेशनल सोसाइटी फॉर गेरोनटेक्नोलॉजी 2019-2023 के बोर्ड सदस्य। परियोजनाओं के सह-अन्वेषक: अर्बुदविज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, कैंसर से पीड़ित रोगियों हेतु बड़े डेटा का उपयोग एवं वैयक्तिक निदान एवं उपचार प्रदान करने के लिए उन्नत कम्प्यूटर सुविधा का उपयोग करना; एम्स, नई दिल्ली में शव परीक्षण किए गए अज्ञात शवों की पहचान करने हेतु पहचान पोर्टल तथा डीएनए डेटावेस; भारत में शहरी एवं ग्रामीण परिवेश में गर्भकाल के दौरान मधुमेह के उपचार के लिए स्मार्टफोन

ऐप: एक यादृच्छिक नियंत्रण परीक्षण। आईसीएमआर में आईटी उपकरणों की खरीद हेतु तकनीकी समिति के अध्यक्ष; आईसीएमआर परियोजना हेतु आईटी स्टॉफ की नियुक्ति करने हेतु चयन समिति आईसीएमआर, नई दिल्ली एवं भारत में इसकी अन्य शाखाओं में नेटवर्किंग की आवश्यकता एवं इसके उन्नयन तथा नयी आवश्यकता का निरूपण करने हेतु समिति। परियोजना के सदस्य (वायु प्रदूषण अर्थात (i) कोविड-19 सहित संक्रामक रोग (ii) वायु प्रदुषण एवं (iii) सूक्ष्म पर्यावरण संबंधी मूल्यांकन समिति।

11.7 इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप सुविधा

आचार्य

टी. सी. नाग

सह-आचार्य

सुभाष सी. यादव

सहायक आचार्य

प्रभाकर सिंह

वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी

संदीप आर्य

तकनीकी अधिकारी

चंदा पंवार

शिक्षा

1. शरीर रचना स्नातकोत्तर के लिए ईएम कक्षाएं (थ्योरी एवं प्रैक्टिकल) 15 से 23 सितंबर 2022 तक आयेजित की गई।
2. बायोटेक प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ईएम कक्षाएं (थ्योरी एव्र प्रैक्टिकल) 05 से 13 दिसंबर 2022 तक आयोजित की गई।

सीएमई/कार्यशालाएं/संगोष्ठी/राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

1. 9 से 13 मई 2022 तक ''जैविक नमूनों की इलेक्ट्रोन टोमोग्राफी'' पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।
2. 16 मई से 15 जून 2022 तक इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर एक ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में भारत के विभिन्न हिस्सों से बाईस प्रतिभागियों ने भाग लिया।
3. 29 अगस्त से 4 सितंबर 2022 तक जैविक इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी पर डीएसटी-एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण में भारत के विभिन्न हिस्सों से तीस प्रतिभागियों ने भाग लिया।
4. 21 नवंबर से 2 दिसंबर 2022 तक वैज्ञानिक अन्वेषकों हेतु इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी में 38 वां राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूरे भारतवर्ष से उम्मीदवारों ने भाग लिया।
5. छात्र [16 बीएससी तथा 32 एमएससी तृतीय वर्ष] एवं एसजीटी विश्वविद्यालय गुरूग्राम के तीन संकाय-सदस्यों ने 13 अप्रैल 2022 को ईएम सुविधा का दौरा किया।
6. अमेरिका के कोलोराडो विश्वविद्यालय के आचार्य सुशील कुमार ने 11 जून 2022 को ईएम प्रयोगशाला का दौरा किया।

7. एसआरसीएएसडब्ल्यू दिल्ली विश्वविद्यालय के अठारह छात्रों एवं तीन शिक्षकों ने 9 सितंबर 2022 को ईएम सुविधा का दौरा किया।
8. इंस्टीट्यूट ऑफ होम इकोनोमिक्स जैवरसायन विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय के तीस छात्रों एवं दो शिक्षकों ने 6 जनवरी 2023 को ईएम सुविधा का दौरा किया।
9. गार्गी कॉलेज, सूक्ष्मजैवविज्ञान विभाग के बयालीस छात्रों तथा तीन शिक्षकों ने 14 जनवरी 2023 को ईएम सुविधा का दौरा किया।
10. सरदार पटेल पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल एण्ड मेडिकल साइन्सेज़, लखनऊ के दो संकाय-सदस्यों ने 27 जनवरी 2023 को ईएम सुविधा का दौरा किया।

प्रदत्त व्याख्यान:11

पिछले 3 वर्षों में मौखिक प्रस्तुतियां

वर्ष	मौखिक प्रस्तुतियों की संख्या
2022-2023	11
2021-2022	8
2022-2021	6

अनुसंधान

वित्तपोषित परियोजनाएं

जारी

1. चूहों में प्रायोगिक आयरन ओवरलोड के बाद रेटिनल फोटोरिप्टर कोशिकाओं में माइटोकोन्ड्रियल की सक्रियता तथा ओटोफैगी की स्थिति टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2019-2022, 30 लाख रूपय।
2. मैक्रोफेज और अन्य इक्युनोकोमपिटेंट सेल की भागीदारी पर बल देने सहित वृद्ध लोगों की आंखों में कोरोइडल कैपिलेरी देथ की प्रणली को समझने के लिए एक प्रायोगिक अध्ययन टीसी नाग, आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 31 लाख रूपय।
3. जैविक नमूनों (कोशिकाएं एवं ऊतकों) के लिए क्रायो-इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप इमेजिंग सुविधा, सुभाष सी यादव, डीबीटी, 4 वर्ष, 2021-2026, 2000 लाख रूपय।
4. सर्वाइकल कैंसर के उपचार हेतु ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी 16) आधारित नैनो-कैरियर्स का उपयोग करके सिस्प्लैटिन की बाह्य डिलीवरी, सुभाष सी यादव, डीएचआर, 3 वर्ष, 2021-2024, 30 लाख रूपय।
5. बायोमेडिकल लाइव सेल इमेजिंग एवं नैनो-पार्टिकुलेट दवा वितरण के लिए कन्फोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोप सुविधा की स्थापना, सुभाष सी यादव, डीएसटी-एफआईएसटी, 5 वर्ष, 2018-2023, 165 लाख रूपय।

6. अल्जाइमर रोग हेतु अमाइलोइड बीटा प्रेरित न्यूरोडीजनेरेशन तथा चिकित्सीय हस्तक्षेप पर कोलीनर्जिक ट्रांसमिशन की भूमिका का अध्ययन करना डॉ. प्रभाकर सिंह आईसीएमआर, 3 वर्ष, 2023-2026, 30 लाख रूपय।

पिछले 3 वर्षों में अनुसंधान परियोजनाएं एवं एक्स्ट्रामुरल/इंट्राम्यूरल वित्तपोषण की कुल राशि

वर्ष	कुल वित्तपोषित अनुसंधान परियोजनाएं	एक्स्ट्राम्यूरल/इंट्राम्यूरल वित्तपोषण की राशि (लाख)
2022-2023	6	1738.78
2021-2022	10	155.74
2020-2021	9	72.02

विभागीय परियोजनाएं

जारी

1. प्रयोगात्मक आयरन ओवरलोड के रेट मॉडल में माइटोकोन्ड्रियल की सक्रियता तथा रेटिनल फोटोरिसेप्टर कोशिकाओं में ऑटोफैगी की स्थिति।
2. प्रायोगिक आयरन में चूहे के रेटिना में एमटीओआरसीआई एक्सप्रेशन का पैटर्न
3. रेटिना में घ्रेलिन का एक्सप्रेशन पैटर्न तथा चूहों में लाइट इनसल्ट से इसका संबंध
4. कोशिकाविज्ञान नमूनों द्वारा एचपीवी-16 प्रेरित गर्भाशय ग्रीवा कैंसर कोशिकाओं की पहचान
5. चूहे में एंडोथिलिन-1 प्रेरित कैप्सुलर इन्फ्रेक्ट मॉडल में मोर्फोलोजिकल परिवर्तनों का अध्ययन करना

सहयोगी परियोजनाएं

जारी

1. हस्तक्षेप एवं परामर्श में माध्यम से बिहार के समुदाय में फ्लोरोसिस मिटिगेशन, शरीररचना विज्ञान।
2. अधातोदावेसिका के प्रभाव का परीक्षण करने हेतु एवं आणविक एप्रोन ब्लोमाइसिन प्रेरित पुल्मोनरी फाइब्रोसिस के प्रयोगात्मक मॉडल में वासिका (वित्तपोषित एजेंसी: सीसीआरयूएम, आयुष मंत्रालय, भेषजगुणविज्ञान)

प्रकाशन

पत्रिका:11

पिछले 3 वर्षों के प्रकाशन

वर्ष	प्रकाशन उपप्रकार	प्रकाशन की कुल संख्या
2022-2023	पत्रिका में छपे लेख:11 पुस्तक में अध्याय:0	11
2022-2022	पत्रिका में छपे लेख:19 पुस्तक में अध्याय:1	20
2022-2021	पत्रिका में छपे लेख:13 पुस्तक में अध्याय:2	15

पेटेंट आवेदन

1. यादव एससी, शेषम के. कुमार एस. रमन एस, गुप्ता ए, मृधा एआर, यादव आरके। बीके वायरस का पता लगाने के लिए एक किट एवं पद्धति दर्ज करने की तारीख: 13 अक्टूबर 2022, पेटेंट आवेदन संख्या: 202222058621

रोगी उपचार

विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं

वर्ष के दौरान अनुसंधान एवं रोगी उपचार हेतु प्रदान की गई विशेष प्रयोगशाला सुविधाएं निम्नानुसार है:

क्र.सं.	सुविधा	उपयोगकर्ताओं की संख्या का विश्लेषण किया गया		नमूने	
		आंतरिक	बाह्य	आंतरिक	बाह्य
	ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	143	406	741	3029
	स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप	43	119	260	513

पुरस्कार, सम्मान एवं महत्वपूर्ण घटनाएं

प्रोफेसर टी.सी नाग ने उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद की एक पीएच.डी थीसिस, चेन्नई विश्वविद्यालय से दो एवं आईआईटी गुवाहाटी से एक तथा डीएसटी-एसईआरबी से एक अनुसंधान परियोजना अनुदान आवेदन पत्रों की जांच की। इन्होंने विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशन हेतु 98 पांडुलिपियों की समीक्षा की। यह 18 अक्टूबर 2022 को दूसरे एम्स वार्षिक अनुसंधान दिवस प्रस्तुति में एब्स्ट्रैक्ट रिव्यू कमेटी के सदस्य एवं जज थे। इन्हें बेसिक सांइस कैटगरी के तहत एम्स, अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार (2021, तृतीय पुरस्कार) एवं इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी सोसायटी ऑफ इण्डिया द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड (2022, जीवन विज्ञान/चिकित्सा विज्ञान श्रेणी) प्राप्त हुआ। इन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (8-10 दिसंबर, 2022) में आयोजित इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी सोसाइटी ऑफ इंडिया की 41 वीं वार्षिक बैठक में एक विस्तृत व्याख्यान दिया।

डॉ. सुभाष सी. यादव ने तीन पीएच.डी थीसिस (इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस रिसर्च, गांधी नगर(1), आईआईटी हैदराबाद(1) एवं आईआईटी, रूड़की(1) तथा आईआईटी दिल्ली की एक एमएसआर थीसिस की जांच की। इन्होंने 9-13 मई 2022 तक ईएम सुविधा, एम्स, नई दिल्ली में "इलेक्ट्रोन टोमोग्राफी ऑफ बायोलोजिकल स्पेसिमेन्स" विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। इन्होंने जर्नल पेपर्स की समीक्षा की तथा एसएआईएफ, एम्स, नई दिल्ली के वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के महासचिव थे।

डॉ. प्रभाकर सिंह ने इंडियन जर्नल ऑफ बायोकैमिस्ट्री एवं बायोफिजिक्स के एक अंक हेतु अतिथि संपादक के रूप में कार्य किया। यह एएआईएफ, एम्स, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वैज्ञानिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा बायोलोजिकल इलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोपी पर डीएसटी- एसटीयूटीआई प्रशिक्षण कार्यक्रम के आयोजक सचिव थे।

11.8 छात्रावास अनुभाग

छात्रावास अधीक्षक

संदीप अग्रवाला

छात्रावास उप-अधीक्षक

नीरजा भाटला | तनुज दादा | राज कुमार यादव
राकेश कुमार | के.एच. रीता | विजय शर्मा
कपिल यादव (16 अक्तूबर,2022 तक) | हर्षल रमेश साल्वे (17 अक्तूबर, 2022 से)
सेसिलिआ एम.एस | भूपिंदर कौर

प्रशासनिक अधिकारी (छात्रावास)

उत्तम चंद

भण्डार अधिकारी (छात्रावास)

यतेंद्र कुमार मीणा

वरिष्ठ वार्डन (छात्रावास)

मोहन कुमार शर्मा

वार्डन

सीमा परूथी

उप-वार्डन

सतप्रकाश कालिया | सुचिता कुमारी | सुखपाल मलिक

सहायक वार्डन

रानी वर्गिस | अंकित डोगरा

कनिष्ठ वार्डन

बाबू लाल मीणा | दिनेश देसाई | निर्मला
राजेश रावत | सुनील देवी

अनुसचिवीय तथा संविदात्मक स्टाफ

छात्रावास अनुभाग में 6 अनुसचिवीय तथा 10 संविदात्मक स्टाफ हैं।

अधीनस्थ स्टाफ

छात्रावास अनुभाग के अंतर्गत विभिन्न छात्रावासों में 12 पुरुष और 26 महिला कार्यालय परिचर तैनात हैं। एम्स में रेज़िडेंटों के लिए 2004 (लगभग) से अधिक सिंगल/डबल कमरे, विवाहितों हेतु 262 आवास,

नर्सिंग छात्रों/स्टाफ नर्सों के लिए 429 आवास और 24 अतिथि कक्षों की क्षमता वाले कई छात्रावास हैं। ये विभिन्न छात्रावास और आवास एम्स के मुख्य परिसर, मस्जिद मोठ, ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें. छात्रावास (राज नगर) में स्थित हैं।

कुल छात्रावास की संख्या 2695 (19 छात्रावासों में) है, जिसमें एम्स के विभिन्न पाठ्यक्रमों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए एकल से लेकर 6-सीटर क्षमता तक के आवास शामिल हैं।

दुकानें तथा प्रतिष्ठान

अंसारी नगर, ट्रॉमा सेंटर और मस्जिद मोठ के छात्रावासों में विभिन्न मेस/कैफ़े और दुकानें सुसज्जित हैं। छात्रावासों के परिसर में ठेकेदार द्वारा संचालित 09 मेस और 06 सहकारी मेस स्थित हैं।

छात्र वेलनेस केन्द्र

(i) मुख्य परिसर

क. छात्र वेलनेस केन्द्र सेवा कमरा संख्या 11 (छात्रावास संख्या 7 अश्विनी छात्रावास के सामने), पुरुष छात्रावास एम्स में उपलब्ध है।

ख. कॉमन रूम I, छात्रावास संख्या 9, पार्वती छात्रावास, महिला छात्रावास, एम्स।

(ii) मस्जिद मोठ परिसर

कॉमन रूम (2/II), दूसरी मंजिल, छात्रावास संख्या 19 (पतंजलि छात्रावास), मस्जिद मोठ

(iii) ट्रॉमा केन्द्र परिसर: ट्रॉमा केन्द्र में है।

महत्वपूर्ण घटनाएं

1. सिविल कार्य

नवीनीकरण

1. छात्रावास संख्या 1 से 6 के लगभग 75 कमरों का नवीनीकरण कार्य किया गया।
2. पुरूष छात्रावास में डंप यार्ड का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया।
3. पुरूष छात्रावास परिसर में कॉफी शॉप का नवीनीकरण कराया गया।
4. छात्रावास संख्या 1 में पेज टर्नर्स लाइब्रेरी का नवीनीकरण किया गया।
5. ए.एस.ए. कार्यालय का नवीनीकरण किया गया है।
6. छात्रावास संख्या 1-6 के 42 कमरों का नवीनीकरण किया गया।
7. छात्रावास संख्या 5 के संगीत कक्ष का नवीनीकरण किया गया।
8. छात्रावास संख्या 7 के 50 कमरों का नवीनीकरण किया गया।
9. छात्रावास संख्या 6 के 6 सामान्य शौचालयों का नवीनीकरण किया गया।
10. छात्रावास संख्या 7 के भूतल में नया वाटर कूलर लगाया गया है।
11. छात्रावास संख्या 7 में वाटर प्रूफिंग का कार्य पूरा हो गया है।
12. छात्रावास संख्या 9 में छज्जे की मरम्मत का कार्य पूरा हो गया है।

13. छात्रावास संख्या 10 के मनोरंजन कक्ष एवं जिम का नवीनीकरण किया गया।
14. छात्रावास संख्या 10 के प्रथम तल में स्थित छात्र कल्याण केंद्र का नवीनीकरण किया गया।
15. छात्रावास संख्या 10 के गार्डन में ओपन जिम का निर्माण एवं झूले लगाने का कार्य किया गया है।
16. छात्रावास संख्या 11 (सी-II फ्लैट्स 11 और 13) के बीच के गैरेज में वाटर कूलर और आर.ओ. लगाया गया है।
17. सी-II फ्लैट्स 10 से 14 (छात्रावास संख्या 11) का नवीनीकरण किया गया।
18. छात्रावास संख्या 13 में 6 सामान्य शौचालयों का नवीनीकरण किया गया।
19. छात्रावास संख्या 12 में छात्रावास के लॉन्ज, अतिथि कक्ष, गलियारे में सफेदी एवं छात्रावास के अंदर एवं बाहर प्लास्टर का कार्य किया गया।
20. छात्रावास संख्या 14 के मेस में वाशिंग एरिया एवं डाइनिंग एरिया के नवीनीकरण का कार्य पूरा किया गया।
21. छात्रावास संख्या 14 में विवाहितों के 19 कमरों के साथ 39 कमरों का नवीनीकरण किया गया।
22. छात्रावास संख्या 14 में ट्रांजिट रूम का कार्य चल रहा है।
23. छात्रावास संख्या 15 में नए बी.एससी नर्सिंग छात्रों के लिए 150 कमरों की सफेदी का काम पूरा किया गया।
24. छात्रावास संख्या 16 में विवाहितों के 10 कमरों के बाथरूम में टाइल्स लगाने का कार्य पूरा किया गया।
25. छात्रावास संख्या 17 के 54 कमरों में लुकिंग मिरर लगाए गए।
26. ज.प्र.ना.ए.ट्रॉ.कें. के छात्रावास में मुख्य जल पाइपलाइन और पुरानी खिड़कियों को बदलने का कार्य किया गया।

2. विद्युत कार्य

1. छात्रावास संख्या 14 की मेस में आई.जी.एल. कनेक्शन लगाया गया।
2. छात्रावास संख्या 14 की लिफ्ट का आधुनिकीकरण किया गया।
3. छात्रावास संख्या 15 की सभी लिफ्टों का नवीनीकरण किया गया।

3. एयर कंडीशनिंग

1. छात्रावास संख्या 9 के छात्र कल्याण केंद्र में ए.सी. लगाए गए।

4. विविध

1. छात्रावास संख्या 1 से 11, 13, 15 और ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें. के छात्रावास में नया फर्नीचर उपलब्ध कराया गया है।
2. कम्प्यूटर सुविधा विभाग द्वारा ज.प्र.ना.ए.ट्रा.कें. के छात्रावास में कैमरे लगाने का कार्य प्रगति पर है।
3. मस्जिद मोठ के सभी छात्रावासों में सी.सी.टी.वी. कैमरा लगाने का कार्य प्रगति पर है।

11.9 नीति विषयक समिति

सदस्य-सचिव

रोहित सक्सेना (संस्थान नीति-विषयक समिति)

संजीव सिन्हा (स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति-विषयक समिति)

पिछले तीन शैक्षिक वर्षों हेतु नीति-विषयक समिति में प्रस्तुत एवं चर्चा किए गए परियोजना प्रस्तावों एवं थीसिस प्रोटोकॉलों की कुल संख्या का वर्णन निम्नानुसार हैं :

बैठकें:

- **मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति-विषयक समिति एवं संस्थान नीति-विषयक समिति की बैठकों की कुल संख्या :**

	2020-21	2021-22	2022-23
संस्थान नीति-विषयक समिति	**16**	**12**	**12**
मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति-विषयक समिति	**12**	**12**	**12**

- **संस्थान नीति-विषयक समिति द्वारा समीक्षित परियोजनाओं की संख्या :**

	2020-21	2021-22	2022-23
नए परियोजना प्रस्ताव	1610	1300	900
समीक्षा परियोजनाएं	757	1000	550
पुरानी परियोजनाएं	383	500	350

- **मूल और नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति-विषयक समिति द्वारा समीक्षित परियोजनाओं की संख्या इस प्रकार थी :**

	2020-21	2021-22	2022-23
नई थीसिस	1048	900	750
समीक्षा थीसिस	494	500	360
पुरानी थीसिस	204	150	130

इसके अतिरिक्त, संस्थान नीति-विषयक समिति को गंभीर दुष्प्रभावों, गंभीर प्रतिकूल घटनाओं, वार्षिक प्रगति रिपोर्ट और समापन रिपोर्ट आदि की सूचनाएं प्राप्त होती रहीं।

संस्थान नीति-विषयक समिति की मानक प्रचालन प्रक्रियाओं (एस.ओ.पी.) को संशोधित किया गया और ये एम्स की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

महत्वपूर्ण घटनाएं

संस्थान नीति-विषयक समिति तथा मूल एवं नैदानिक विज्ञान संबंधी स्नातकोत्तर अनुसंधान हेतु संस्थान नीति-विषयक समिति, भारत के महा औषधि नियंत्रक, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग और फैडरल वाइड एश्योरेंस के साथ पंजीकृत थीं।

11.10 के.एल. विग आयुर्विज्ञान शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र (सीएमईटी-आई)

प्रमुख

पीयूष साहनी

प्रभारी-आचार्य

(मूल विज्ञान के संकाय विकास के लिए)

के.के. दीपक (फरवरी 2023 तक)

एजुकेशन मीडिया जनरलिस्ट

योगेश कुमार

प्रशासनिक अधिकारी

भूप सिंह (5 जुलाई, 2022 तक)

आर. के. शर्मा (6 जुलाई, 2022 से)

नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य आधारित चिकित्सा में फेलोशिप के लिए संकाय-सदस्य

डॉ. पीयूष साहनी

डॉ. शशि कांत

डॉ. के. आनंद

डॉ. गोविंद मखारिया

डॉ. दीप्ति विभा

डॉ. तूलिका सेठ

डॉ. राकेश लोढा

डॉ. नीरजा भाटला

डॉ. नवीत विग

डॉ. ए.के. मिश्रा

डॉ. कपिल देव सोनी

डॉ. पार्थो हल्दर

डॉ. राजीव कुमार

विशिष्टताएं

सीएमईटी-आई गतिविधियों को दो प्रमुख श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है :

1. प्रशिक्षण कार्यक्रम और
2. मीडिया सपोर्ट : मीडिया सेवाएँ ग्राहक-आश्रित सेवाएँ हैं। सीएमईटी-आई द्वारा कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था लेकिन फिर भी वह समय पर कार्य पूरा करने हेतु क्षमता और योग्यता से अधिक कार्य करता है।

कोविड-19 महामारी के तीसरे वर्ष में, सीएमईटी-आई ने हाइब्रिड मोड में भी काम करना शुरू कर दिया तथा संकाय और रेजिडेंटों को पूर्ण मीडिया सहयोग प्रदान किया। सीएमईटी-आई ने 378 वीडियो

रिकॉर्डिंग/संपादन से संबंधित, 239 फोटोग्राफ/स्कैन से संबंधित और बड़े फॉर्मेट/ई-पोस्टर सहित 1043 ग्राफिक्स संबंधित अनुरोधों पर काम किया है।

मुख्य उपलब्धियाँ

67 वाँ संस्थान दिवस समारोहः 25 सितंबर, 2022

- प्रदर्शनी का शीर्षक थाः एम्स टुडे एंड विज़न 2047, विभिन्न विभागों द्वारा 36×56 इंच के 100+ फिज़िकल पोस्टर तैयार किए गए थे तथा 6 वीडियो स्टेशनों को प्रदर्शित किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री, डॉ. भारती प्रवीण पवार द्वारा निदेशक, एम्स प्रो. एम. श्रीनिवास की उपस्थिति में किया गया।
- सीएमईटी-आई टीम द्वारा 67वें संस्थान दिवस का सीधा प्रसारण भी आयोजित किया गया था, जिसमें संस्थान दिवस पुरस्कार वितरण और प्रो. के. एम. वेंकट नारायण, कार्यकारी निदेशक, एमोरी डायबिटिक रिसर्च सेंटर, एमोरी यूनिवर्सिटी यू.एस.ए द्वारा डायमंड जुबली ऑरेशन प्रस्तुत किया गया था।

योग दिवस समारोह : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून, 2022 को, एम्स के विभिन्न विभागों द्वारा अतीत और वर्तमान अनुसंधान को प्रदर्शित करने के लिए "एम्स में योग अनुसंधान" नामक एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था। जिसमें कुल 70 अनुसंधान पत्र प्रदर्शित किए गए। सीएमईटी-आई टीम ने यूट्यूब पर केंद्रीय प्रांगण से सामूहिक योग कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग की भी व्यवस्था की।

डॉक्टर दिवस समारोह : राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस, 01 जुलाई, 2022 को डॉ. बिधन चंद्र रॉय तथा बीते 2 वर्षों में कोविड महामारी के दौरान चिकित्सकों एवं मेडिकल कर्मियों के अपार योगदान हेतु उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया था।

एम्स में 76 वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोहः सीमेट-आई टीम ने मल्टी कैमरा सेट-अप का उपयोग करते हुए यू-ट्यूब पर एम्स केंद्रीय प्रांगण से कार्यक्रमों का सीधा-प्रसारण प्रसारित किया था।

द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस : द्वितीय एम्स अनुसंधान दिवस, 18 अक्टूबर, 2022 को सीएमईटी-आई के सहयोग से अनुसंधान अनुभाग द्वारा एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें एम्स के संकाय-सदस्यों और वैज्ञानिकों द्वारा किए गए नवाचारों के 18 लाइव प्रदर्शनों के साथ 340+ पोस्टर प्रदर्शित किए गए। सीएमईटी-आई टीम ने पोस्टरों को डिजाइन करने में एस.आर., जे.आर., पीएचडी, एम.बी.बी.एस. और एम.एससी छात्रों को सहायता प्रदान की और डिजाइन, मुद्रण किया तथा प्रदर्शन सहित इस प्रदर्शनी का आंतरिक प्रबंधन किया। सीएमईटी-आई ऑडियो-वीडियो टीम ने एस.आर., जे.आर., पी.एचडी, एम.बी.बी.एस. और एम.एससी छात्रों और प्रतिष्ठित अतिथि वैज्ञानिकों द्वारा वैज्ञानिक प्रस्तुति की कार्यवाही के एक दिवसीय लाइव प्रसारण की भी व्यवस्था की।

डॉ. रा. प्र. केंद्र दिवस: 10 मार्च, 2023 को एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। सीएमईटी-आई ने डॉ. रा. प्र. केंद्र, एम्स, नई दिल्ली के अनुसंधान और अन्य उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए 27 पोस्टर डिजाइन और मुद्रित किए।

लाइव स्ट्रीमिंग: सीएमईटी-आई टीम ने निम्नलिखित कार्यक्रमों की लाइव स्ट्रीमिंग का आयोजन किया। सभी वीडियो यूट्यूब पर उपलब्ध हैं।

(क) 10 जन व्याख्यान: एम्स में आयोजित निम्नलिखित जन व्याख्यानों का पर्यवेक्षण और सीधा प्रसारण किया गया।

1.	पार्किंसंस रोग: एकीकृत स्वास्थ्य उपचार	13 अप्रैल, 2022
2.	ऑटिज्म जागरूकता कार्यक्रम	28 अप्रैल, 2022
3.	राष्ट्रीय डेंगू दिवस	17 मई, 2022
4.	मल्टीपल स्केलेरोसिस	30 मई, 2022
5.	स्कूली बच्चों में मस्तिष्क स्वास्थ्य संबंधी समस्या	27 जुलाई, 2022
6.	विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस	10 अक्टूबर, 2022
7.	वर्ल्ड स्ट्रॉक डे	29 अक्टूबर, 2022
8.	आइए, मोटापे के बारे बात में करते हैं।	06 मार्च, 2023
9.	भारत में स्वास्थ्य और पोषण सुरक्षा हेतु मिलेट्स	16 मार्च, 2023
10.	सिर संबंधी चोट	20 मार्च, 2023

(ख) 8 भाषण/व्याख्यानः

1. प्रो. सुनील के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, तंत्रिका शल्यचिकित्सा विभाग, पी.जी.आई.एम.ई.आर., चंडीगढ़ द्वारा **प्रो. ए. के. बनर्जी व्याख्यान,** 1 अप्रैल, 2022
2. प्रो. लॉरेंस क्लॉट्ज़, सर्जरी विभाग, टोरंटो विश्वविद्यालय, प्रमुख, यूरोलॉजी विभाग, सनीब्रुक हेल्थ साइंसेज सेंटर, कनाडा द्वारा **डॉ. सरिंदर मान सिंह मेमोरियल ओरेशन**, 28 अप्रैल, 2022
3. डॉ. नरेश पांडा, आचार्य एवं अध्यक्ष, नाक, कान एवं गला रोग विज्ञान विभाग, पी.जी.आई.एम.ई.आर, चंडीगढ़, भारत द्वारा **डॉ. एस. के. कक्कड़ व्याख्यान**, 13 अगस्त, 2022
4. डॉ. चंदन के. सेन, निदेशक, इंडियाना सेंटर फॉर रीजनरेटिव मेडिसिन एंड इंजीनियरिंग, इंडियानापोलिस, इंडियाना द्वारा **रजत जयंती व्याख्यान**, 17 अक्टूबर, 2022
5. डॉ. देवी प्रसाद शेट्टी, अध्यक्ष एवं कार्यकारी निदेशक, नरायणा हेल्थ के संस्थापक, द्वारा "कैसे भारत केवल पांच वर्षों में स्वास्थ्य सेवाओं को बिना धन अथवा अमीरी के प्रदान करने वाला दुनिया का पहला देश बन जाएगा", विषय पर **अतिथि व्याख्यान**, 24 जनवरी 2023
6. प्रो. अश्विनी शरण, आचार्य, न्यूरोलॉजिकल सर्जरी, सिडनी किमेल मेडिकल सेंटर/थॉमस जेफरसन यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए द्वारा **डॉ. पी. एन. टंडन व्याख्यान,** 17 फरवरी 2023
7. प्रो. सुरेंद्र शर्मा, निदेशक, प्रजनन स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र, बाल चिकित्सा विभाग, महिला एवं शिशु अस्पताल-ब्राउन विश्वविद्यालय, यूएसए द्वारा "युवा आबादी में अल्जाइमर एटियलजि: प्रीक्लेम्पसिया, एक गंभीर गर्भावस्था जटिलता से सबक" विषय पर **डॉ. के. आर. लॉमस व्याख्यान,** 20 फरवरी, 2023

8. डॉ. ए. के. देवरारी, पूर्व आचार्य और अध्यक्ष, बाल चिकित्सा विभाग, एम्स, नई दिल्ली के द्वारा "गुणवत्ता सुधार: स्वास्थ्य उपचार में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु एक उपकरण" विषय पर **डॉ. ओ. पी. घई व्याख्यान,** 6 मार्च 2023

(ग) 95 वीडियोः

- संकाय-सदस्यों/रेजिडेंटों द्वारा सम्मेलन पत्र और पोस्टर प्रस्तुतियाँ : 23 वीडियो
- सी.सी.एम: साक्षात्कार आधारित 9 वीडियो।
- एम्स-सीडीएसी परियोजना : प्रकाशमय : 17 वीडियो (कोविड मैनेजमेंट से संबंधित व्याख्यान श्रृंखला)
- एम्स-सीडीएसी प्रोजेक्ट : ऑब्से-गायनी और रिप्रोडक्टिव बायोलॉजी कोर्स : 13 वीडियो
- एम्स-सीडीएसी परियोजना : एंडोक्रिनोलॉजी : 4 वीडियो
- एम्स-सीडीएसी परियोजना : मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण : 3 वीडियो व्याख्यान और 7 शैक्षिक वृत्तचित्र, शीर्षक :
    1. परीक्षा संबंधी चिंता का प्रबंधन
    2. सोच संबंधी त्रुटि को पहचानना और सुधारना
    3. समय प्रबंधन
    4. लिंग रूढ़िवादिता
    5. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न
    6. आत्म-जागरूकता-जोहारी विंडो
    7. नींद, मस्तिष्क, सौंदर्य और स्वास्थ्य
- विभिन्न विभागों के लिए वीडियो (19)
    1. दौरे का प्राथमिक उपचार प्रबंधन हिंदी और अंग्रेजी में
    2. आईबीडी न्यूट्रीकेयर मोबाइल ऐप वीडियो (हिंदी, कनाडा, तमिल, अंग्रेजी में)
    3. केगेल व्यायाम वीडियो हिंदी और अंग्रेजी में
    4. पार्किंसंस रोग के रोगियों के लिए फिजियोथेरेपी
    5. एम्स में "स्मार्ट लैब"।
    6. स्ट्रोक के रोगी में नर्सिंग अधिकारी द्वारा निगलने संबंधी मूल्यांकन
    7. ओपीडी रोगी के लिए "विश्व टीबी दिवस जागरूकता" संबंधी वीडियो
    8. एकतरफा एडवांसमेंट फ्लैप
    9. फिनोलाइजेशन के साथ आंशिक नाखून उच्छेदन
    10. लेजर स्कैनिंग कन्फोकल माइक्रोस्कोप
    11. कोमो साइट रनिंग सबक्यूटिकुलर- ब्यूरिड डर्मल सूचर
    12. रक्त नमूने को ले जाने हेतु न्यूमेटिक ट्यूब प्रणाली
    13. फुफ्फुसीय पुनर्सुधार व्यायाम
    14. शारीरिक संरचना विश्लेषक
    15. बेरिट्सचाफ्ट्स क्षमता

16. बायोनोमाडिक्स वायरलेस मॉनिटरिंग
17. फंक्शनल नियर इन्फ्रा-रेड स्पेक्ट्रोस्कोपी
18. दृश्य ट्रैकिंग
19. संज्ञानात्मक न्यूरोफिज़ियोलॉजी और पोषण संबंधी प्रयोगशाला

लॉजिस्टिक सपोर्ट : इस वर्ष सीएमईटी-आई ने केंद्रीय अनुसंधान इकाई (सी.आर.यू) के अनुसंधान वैज्ञानिकों को उनके काम के सुचारू संचालन के लिए स्थान, फर्नीचर, कंप्यूटर, प्रिंटर, इंटरनेट सुविधाओं आदि के संबंध में लॉजिस्टिक समर्थन प्रदान किया।

मीडिया प्रोडक्शन : वर्ष 2022-23 और पिछले दो वर्षों के मीडिया प्रोडक्शन का विवरण :

	2022-23	2021-22	2020-21
• बड़े प्रारूप वाले शैक्षणिक पोस्टर (ई-पोस्टर सहित) की डिजाइनिंग/मुद्रण	1646	488	367
• वीडियो रिकॉर्डिंग और संपादन के लिए आवश्यकताएँ	378	355	432
• क्लिनिकल/इवेंट फोटोग्राफी/स्कैनिंग (एम.आर.आई./सी.टी./एक्स-रे)	239	96	208
• ऑन-स्क्रीन प्रस्तुतियों की संख्या (स्लाइडों की संख्या)	68 (4600+)	126 (8410 स्लाइड्स)	112
• ए3 पोस्टर प्रिंट	764	643	710
• ए4 पोस्टर प्रिंट	281	499	1409

सीएमईटी-आई फोटोग्राफरों/वीडियोग्राफरों ने कार्यशालाओं, व्याख्यानों और अन्य विभागीय गतिविधियों, प्रतिनिधिमंडल/एम्स के दौरे और अन्य सामाजिक कार्यक्रमों जैसे कार्यक्रमों को भी कवर किया।

नैदानिक अनुसंधान पद्धति और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा में फेलोशिप के तहत व्याख्यान श्रृंखला : इस वर्ष 90+ मिनट के 5 सत्र आयोजित किए गए।

क्र.सं.	विषय	प्रभारी-संकाय	दिनांक
1	व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण का अवलोकन	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	4 अक्टूबर, 2022
2	मेटा-विश्लेषण हेतु इफैक्ट मैज़र का चयन करना	डॉ. कामेश्वर प्रसाद	14 अक्टूबर, 2022
3	रेव मैन पर प्रयोगिक अभ्यास	डॉ. प्रदीप कुमार	9 नवंबर, 2023
4	क्रिटिकल अप्रेजल डायग्नोस्टिक स्टडीज	डॉ. दीप्ति विभा	29 नवंबर, 2023
5	बहुचर प्रतिगमन विश्लेषण बनाम बहुभिन्नरूपी प्रतिगमन विश्लेषण	डॉ. एम. कलाईवानी	22 मार्च, 2023

सीएमई, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिए गए व्याख्यान (नाम व्याख्यानों को छोड़कर सभी व्याख्यानों, आमंत्रित वार्ताओं, विस्तृत व्याख्यानों और अतिथि व्याख्याताओं को यहां सूचीबद्ध किया गया है)

योगेश कुमार (कार्यशाला/सत्र)

1.	सूचना पुनर्प्राप्ति और ग्रंथसूची प्रबंधन	1 नवंबर, 2022
2.	ज़ोटेरो का उपयोग करके ग्रंथसूची प्रबंधन	2 नवंबर, 2022
3.	एम. एस. वर्ड में वैज्ञानिक लेखन हेतु टूल्स	9 नवंबर, 2022
4.	एम. एस. वर्ड में वैज्ञानिक लेखन हेतु टूल्स	15 नवंबर, 2022
5.	प्रभावी पावरप्वाइंट प्रेज़ेंटेशन	16 नवंबर, 2022
6.	शिक्षा में मीडिया	22 नवंबर, 2022
7.	पॉवरपॉइंट में एनीमेशन	23 नवंबर, 2022

11.11 मीडिया प्रकोष्ठ एवं प्रोटोकॉल प्रभाग

डॉ. नंद कुमार
प्रभारी-आचार्य
प्रोटोकॉल प्रभाग

डॉ. रीमा दादा
प्रभारी-आचार्य
मीडिया प्रकोष्ठ

<u>प्रिंट एवं इलैक्ट्रॉनिक मीडिया की खबरों में एम्स</u>

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	समाचार-पत्र
1.	2 अप्रैल 2022	शिशुओं में आटिज्म की जल्द पहचान करेगा एम्स का नया जांच टूल	दैनिक जागरण
2.	2 अप्रैल 2022	डॉक्टरों की सलाह, अब भी पहने मास्क	नवभारत टाइम्स
3.	2 अप्रैल 2022	कृत्रिम कॉर्निया से अंधापन हो रहा दूर, दाता का खत्म होगा इंतजार	अमर उजाला
4.	3 अप्रैल 2022	नेपाल के डॉक्टरों को प्रशिक्षण देगा दिल्ली एम्स	अमर उजाला
5.	3 अप्रैल 2022	पश्चिमी नेपाल में महिला और नवजात शिशुओं के लिए सुविधा देगा दिल्ली एम्स	पंजाब केसरी
6.	3 अप्रैल 2022	नेपाल की प्रथम महिला ने किया एम्स का दौरा	नवोदय टाइम्स
7.	4 अप्रैल 2022	एम्स पुनर्निर्मान योजना हेतु 80 हेक्टेयर भूमि निर्धारण; डीडीए द्वारा आमंत्रित टिप्पणियां	हिन्दुस्तान टाइम्स
8.	5 अप्रैल 2022	नॉन अल्कोहलिक फैटी लिवर का इलाज आसान करेगी कुटकी के अर्क से बनी दवा	दैनिक जागरण
9.	5 अप्रैल 2022	ब्लड जांच के लिए निजी लैब पर कम हुई निर्भरता	दैनिक जागरण
10.	7 अप्रैल 2022	दिल्ली को बीमारियों से बचाएगा 'वन हेल्थ'	अमर उजाला
11.	8 अप्रैल 2022	ओमिक्रोण के नए सब-वैरिएंट से नहीं आएगी गंभीर बीमारी की लहर	दैनिक जागरण
12.	9 अप्रैल 2022	एम्स द्वारा दलालों पर शिकंजा कसा गया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
13.	9 अप्रैल 2022	चिकित्सकों द्वारा कहा गया है कि धूम्रपान, महिलाओं में बांझपन एवं समय से पहले शिशु के जन्म का कारण बन सकता है	द पायनियर

14.	9 अप्रैल 2022	गर्भपात की वजह बन रहा पति का नशा	दैनिक जागरण
15.	9 अप्रैल 2022	हिंदी के 10 हजार शब्द लिखने पर एम्स के डॉक्टरों को मिलेगा पुरस्कार	अमर उजाला
16.	9 अप्रैल 2022	एम्स में वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी बनाने पर आगे बढ़ा काम	नवभारत टाइम्स
17.	13 अप्रैल 2022	शॉट इन एम्स: फास्ट ट्रैक पर बड़े, बेहतर एम्स हेतु योजना	द टाइम्स ऑफ इंडिया
18.	14 अप्रैल 2022	मरीज पार्किंसन को न करे अनदेखा: डॉ. अचल	दैनिक जागरण
19.	14 अप्रैल 2022	पार्किंसन मरीजों के लिए एम्स में शुरू होगा नया क्लिनिक	नवोदय टाइम्स
20.	15 अप्रैल 2022	ब्रेन डेथ के 24 घंटे के भीतर 61 वर्ष पुराने अंगों को रिट्रीव्ड किया गया, बचाई गई चार जिंदगियां।	द टाइम्स ऑफ इंडिया
21.	15 अप्रैल 2022	एम्स, दिल्ली एक गहन ब्रेन स्टिमुलेशन क्लिनिक शुरू करेगा	द पायनियर
22.	15 अप्रैल 2022	एम्स, दिल्ली शनिवार से उन्नत पार्किंसन हेतु समर्पित क्लिनिक शुरू करेगा	इंडिया न्यूज
23.	15 अप्रैल 2022	चलते चलते कमजोरी महसूस हो,शरीर में अकड़न हो तो डरने की नहीं, हौसला बढ़ाने की जरूरत : डॉ. पदमा श्रीवास्तव	दैनिक भास्कर
24.	16 अप्रैल 2022	एम्स में आज से पार्किंसन रोगियों के लिए स्पेशल क्लिनिक की शुरूआत	नवभारत टाइम्स
25.	16 अप्रैल 2022	कोरोना महामारी से बच्चों के संक्रमित होने पर घबराने की जरूरत नहीं: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
26.	19 अप्रैल 2022	डेडिकेडिट डीबीएस सेंटर ऐट एम्स, दिल्ली	द पायनियर
27.	22 अप्रैल 2022	एम्स में रोगी, तीमारदार के लिए इवी सेवा शुरू	दैनिक जागरण
28.	22 अप्रैल 2022	प्रदूषण मुक्त होगा एम्स, अब एम्स परिसर में चलेंगे ई-वाहन	अमर उजाला
29.	22 अप्रैल 2022	ई-ट्रांसपोर्ट टू मेक एम्स ग्रीन कैंपस: गुलेरिया	द पायनियर
30.	24 अप्रैल 2022	एम्स हिंट ऐट न्यू कोविड कॉम्प्लिकेशन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
31.	26 अप्रैल 2022	एम्स में दो प्राइवेट वार्ड को कोविड के लिए किया रिजर्व	नवभारत टाइम्स
32.	29 अप्रैल 2022	आटिज्म पीड़ित 80 प्रतिशत बच्चे दूसरी बीमारी से भी होते है ग्रस्त	दैनिक जागरण
33.	29 अप्रैल 2022	आटिज्म पीड़ित बच्चों पर संगीत के असर का	हिन्दुस्तान

		अध्ययन करेगा एम्स	
34.	30 अप्रैल 2022	एम्स सर्जरी ब्लॉक के दो ऑपरेशन थिएटर शुरू	हिन्दुस्तान
35.	30 अप्रैल 2022	मरीज़ों को सर्जरी के लिए बुला रहा एम्स अस्पताल	अमर उजाला
36.	30 अप्रैल 2022	5 इयर ओल्ड गर्ल पेरेंट्स डोनेट हर ऑर्गन्स टू हेल्प अदर लाइफ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
37.	03 मई 2022	वाई एक्सपर्ट एक्सपेक्ट केस टू वेन सून	द टाइम्स ऑफ इंडिया
38.	03 मई 2022	एम्स में और सुलभ होगी सुविधाएं	दैनिक जागरण
39.	03 मई 2022	दमा रोगियों के लिए इनहेलर सबसे सुरक्षित	हिन्दुस्तान
40.	08 मई 2022	एम्स सेकंड पब्लिक हॉस्पिटल इंडिया टू डू लंग ट्रांसप्लांट	द टाइम्स ऑफ इंडिया
41.	09 मई 2022	एम्स पर्फोम फस्ट लंग ट्रांसप्लांट	द पायनियर
42.	12 मई 2022	एम्स में पहला फेफड़ा प्रत्यारोपण, सेना के जवानों के अंगदान से बची तीन जान	दैनिक जागरण
43.	12 मई 2022	नर्सिंग कर्मियों ने परिजनों से पहले रोगी की सेवा को दी असहमति	हिन्दुस्तान
44.	12 मई 2022	एक हजार से अधिक नर्स नेत्रदान की लेंगी शपथ, 200 खत भरे	दैनिक जागरण
45.	14 मई 2022	वाई ऑल एल्डर्ली मेय नॉट रिक्वायर डेली एस्पिरिन टू प्रिवेंट हार्ट अटैक, स्ट्रोक	द टाइम्स ऑफ इंडिया
46.	14 मई 2022	देश में 2025 तक 2.98 करोड़ हो सकते है कैंसर मामले	हिन्दुस्तान
47.	15 मई 2022	एम्स ने बर्न और प्लास्टिक सर्जरी सेंटर में पूरी सुविधा के साथ इलाज शुरू	दैनिक जागरण
48.	16 मई 2022	कोरोना के बाद बच्चों में निकट दृष्टि दोष का खतरा हुआ दोगुणा	दैनिक जागरण
49.	17 मई 2022	अंगदान से चार लोगों को मिला नया जीवन	दैनिक जागरण
50.	17 मई 2022	संदीप के अंगदान से चार लोगों की जिंदगी बची	हिंदुस्तान
51.	17 मई 2022	दिल्ली में एक चौथाई महिला उच्च रक्तचाप की शिकार	हिंदुस्तान
52.	19 मई 2022	सिक्स-ईयर-ओल्ड ब्रेन डेड गर्ल सेव 5 लाइफ, बिकम्स यंगेस्ट ऑर्गन डॉनर एट एम्स	द स्टेटमैन
53.	19 मई 2022	मच्छरों को पनपने से रोकना ही हैं डेंगू से बचने का सबसे प्रभावी तरीका	दैनिक जागरण

54.	19 मई 2022	आपातकालीन चिकित्सा को मिलेगा 'जीवनदान' ताकि बचें लोगों की जान	दैनिक जागरण
55.	20 मई 2022	एम्स डज़ अवेय विद ऑल यूज़र चार्जिस लेस दैन 300 रूपये।	द इंडियन एक्सप्रेस
56.	20 मई 2022	एम्स मेक्स ऑल लैब टेस्ट फ्री, बट ट्रिपल रेट फॉर प्राइवेट रूम	हिन्दुस्तान टाइम्स
57.	20 मई 2022	एम्स में 300 तक की जांच मुफ्त, प्राइवेट वार्ड का शुल्क बढ़ा	दैनिक जागरण
58.	20 मई 2022	अंगदान कर चार लोगों को जीवनदान दे गए संदीप	दैनिक जागरण
59.	21 मई 2022	6 इयर ओल्ड गनशॉट विक्टिम बिक्मस यंगेस्ट डोनर एट एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
60.	21 मई 2022	केंद्रीय संसाधनों में 500 रूपये की जांच हो सकती है मुफ्त	दैनिक जागरण
61.	22 मई 2022	सिक्स इयर ओल्ड गनशॉट विक्टिम बिकमस यंगेस्ट ऐट एम्स	दैनिक जागरण
62.	25 मई 2022	कोरोना के बाद अस्पताल में बढ़ रहे टीबी के रोगी	दैनिक जागरण
63.	26 मई 2022	अ इयर ऑन, ग्रीफ लिंगर्स फॉर फैमिली हू लोस्ट लवड वन्स टू सेंकड वेव	दैनिक जागरण
64.	29 मई 2022	ऐप से हो सकेगी 50 से अधिक स्किन रोगों की पहचान	दैनिक जागरण
65.	29 मई 2022	स्वस्थ तरीके से कंट्रोल करने में लाखों असमर्थ: गुलेरिया	दैनिक जागरण
66.	31 मई 2022	मल्टीपल स्केलेरोसिस के रोगियों का डाटा इकट्ठा कर रहा एम्स करेगा शोध	नवोदया टाइम्स
67.	1 जून 2022	एम्स: मल्टीपल स्क्लेरोसिस के शोध के लिए रोगियों के सैंपल एकत्र करना शुरू	दैनिक भास्कर
68.	2 जून 2022	ऑरगन ऑफ ब्रेन डेड मैन सेव थ्री लाइफ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
69.	2 जून 2022	स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहा बदलाव: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
70.	2 जून 2022	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और मानविकी पर प्रभाव का त्रिकोण है अनुसंधान	अमर उजाला
71.	3 जून 2022	किडनी के बुजुर्ग रोगियों की डायलिसिस के लिए नई मशीन खरीदेगा एम्स	दैनिक जागरण
72.	6 जून 2022	ड्रोन कोरिडोर: क्रूसियल ड्रग्स मेय रीच एम्स झज्जर फास्टर	द टाइम्स ऑफ इंडिया

73.	8 जून 2022	एम्स बनाएगा नया ऐप, एक क्लिक पर मिलेगी जांच रिपार्ट	दैनिक जागरण
74.	9 जून 2022	एम्स में मोबाइल ऐप पर मिल सकेगी जांच रिपोर्ट	हिंदुस्तान
75.	10 जून 2022	फ्रेश कोविड सर्ज: कॉल फॉर कोशन, नोट पेनिक	हिंदुस्तान
76.	13 जून 2022	मीनोपॉज के बाद होने वाली बीमारियों के लिए एम्स में विशेष क्लिनिक	दैनिक जागरण
77.	14 जून 2022	एम्स में महिलाओं के लिए विशेष क्लिनिक	हिंदुस्तान
78.	15 जून 2022	पुलिसकर्मियों की अच्छी पहल है 'जीवन दायनी' योजना: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
79.	16 जून 2022	च्यू एण्ड स्वेलो: एम्स एडवाइजरी ऑन मोमोज़	द टाइम्स ऑफ इंडिया
80.	16 जून 2022	बिना चीरफाड़ यकृत की नसों का इलाज करने पर एम्स की चिकित्सक सम्मानित	जनसत्ता
81.	20 जून 2022	सिक्ल सेल डिज़ीज कोन्टिन्यू टू रिमेन हेल्थ चैलेंज	द पायनियर
82.	20 जून 2022	कोरोना के मामले बढ़ने से घबराये नहीं, अस्पतालों में ज्यादा नहीं बेढ़ेंगे मरीज़	दैनिक जागरण
83.	21 जून 2022	वुमन गेट्स डोनर सिक्स इयर आफ्टर रजिस्टिरिंग फॉर किडनी ट्रांसप्लांट	द टाइम्स ऑफ इंडिया
84.	22 जून 2022	सुधरेगी स्वास्थ्य सेवांए, एम्स बनेगा विश्वस्तरीय चिकित्सा विश्वविद्यालय	दैनिक जागरण
85.	22 जून 2022	एम्स चिकित्सकों ने योग दिवस पर किया योग	नवोदय टाइम्स
86.	27 जून 2022	नशा छोड़ने के लिए एम्स में ले सकते हैं डॉक्टर से सलाह: डॉ. गुलेरिया	दैनिक जागरण
87.	01 जुलाई 2022	सब्जी बेची, सीमेंट के कट्टे ढोए अब एम्स में एसोसिएट प्रोफेसर हैं	हिंदुस्तान
88.	14 जुलाई 2022	विदिन ए इयर, एम्स बर्नस एण्ड प्लास्टिक सर्जरी ब्लॉक कन्डक्टिड नियरली सिक्स थाउजेंड टू सेवन थाउजेंड सर्जरीज़	मिलेनियम पोस्ट
89.	15 जुलाई 2022	एम्स में प्लास्टिक सर्जरी की अनूठी प्रदर्शनी	हिंदुस्तान
90.	15 जुलाई 2022	एम्स में प्लास्टिक सर्जरी दिवस पर होगा कार्यक्रम	जनसत्ता
91.	16 जुलाई 2022	प्लास्टिक सर्जरी फिल्म फेस्टिवल ओरगनाइजड एट एम्स - दिल्ली	द एशियन ऐज

92.	16 जुलाई 2022	महर्षि सुश्रुत की शल्य चिकित्सा का अध्ययन करेगा एम्स	हिंदुस्तान
93.	16 जुलाई 2022	टॉप-10 संस्थानों में दिल्ली के तीन	नवभारत टाइम्स
94.	16 जुलाई 2022	एनआईआरएफ में दिल्ली एम्स सर्वश्रेष्ठ मेडिकल कॉलेज	नवोदय टाइम्स
95.	16 जुलाई 2022	इंजीनियरिंग आईआईटी, मेडिकल में एम्स टॉपर	अमर उजाला
96.	17 जुलाई 2022	प्लास्टिक सर्जरी बिओन्ड कोसमेटिक	द पायनियर
97.	17 जुलाई 2022	लघु फिल्म से बताना प्लास्टिक सर्जरी का महत्व	दैनिक जागरण
98.	18 जुलाई 2022	डॉ. भार्गव ने संभाली एम्स के कार्डियक सेंटर की कमान	दैनिक जागरण
99.	26 जुलाई 2022	मंकीपॉक्स की एम्स में भी होगी जांच, 24 घंटे मिलेगी रिपोर्ट	दैनिक जागरण
100.	26 जुलाई 2022	दिल्ली में होंगे टेस्ट, चेचक का टीका कारगर	नवभारत टाइम्स
101.	26 जुलाई 2022	मंकीपॉक्स की एम्स में भी होगी जांच	नवोदय टाइम्स
102.	28 जुलाई 2022	सोनीपत में प्रोफेसर के शरीर में लाल दाने, एम्स आया सैंपल	दैनिक जागरण
103.	28 जुलाई 2022	डिसलेक्सिया से पीड़ित बच्चों के लिए एम्स ने लॉन्च की वेबसाइट	दैनिक जागरण
104.	28 जुलाई 2022	ऐप से सामान्य बच्चों की राह सिखेंगे डिस्लेक्सिया पीड़ित	हिंदुस्तान
105.	28 जुलाई 2022	देश में 834 लोगों पर एक डॉक्टर, वैश्विकमानको से ज्यादा	अमर उजाला
106.	29 जुलाई 2022	एम्स, एआई-बेसड वेबसाइट फॉर डिस्लेक्सिया ऑफर फ्रेश होप	द टाइम्स ऑफ इंडिया
107.	30 जुलाई 2022	मंकीपॉक्स के सैंपल जांच के लिए एम्स भेजे जाएंगे	हिंदूस्तान
108.	31जुलाई 2022	किन डोनेट 36-इयर-ओल्डस ऑर्गन, सैकेन्ड लंग ट्रांसप्लांट एट एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
109.	31 जुलाई 2022	सैकेन्ड लंग्स ट्रांसप्लांट एट एम्स विदिन 3 मंथस	द एशियन ऐज
110.	31 जुलाई 2022	ब्रेनडेड युवक के अंगदान से पांच को मिला जीवन	दैनिक जागरण
111.	31 जुलाई 2022	अब ओरल कैंसर का तीन मिनट में चल जाएगा पता	दैनिक जागरण
112.	31 जुलाई 2022	फेफड़े के प्रत्यारोपण से बची महिला की जान	हिंदुस्तान
113.	31 जुलाई 2022	जाते-जाते 5 रोगियों को नई जिंदगी दे गए अमरेश	नवभारत टाइम्स

114.	31 जुलाई 2022	अंगदान कर पांच लोगों को दी गई नई जिंदगी	अमर उजाला
115.	31 जुलाई 2022	दिल्ली एम्स कन्डक्ट सेकेन्ड सक्सेस्फुल हार्वेसटिड लंग ट्रांसप्लांट	एएनआई न्यूज
116.	31 जुलाई 2022	न्यू दिल्ली; एम्स केरिज़ आउट सेकेन्ड लंग ट्रांसप्लांट इन लेस दैन 3 मंथस	द प्रिंट
117.	31 जुलाई 2022	दिल्ली एम्स कन्डक्टिड सेकेन्ड सक्सेस्फुल हार्वेस्टिड लंग ट्रांसप्लांट	एएनआई डिजिटल
118.	31 जुलाई 2022	लाइफ आफटर डेथ: ब्रेन डैड पेशेंट सेव फाइव लाइफ	द न्यू इंडियन
119.	03 अगस्त 2022	एम्स के डॉक्टरों की पहल, बीपी के रोगियों की करेंगे पहचान या इलाज	दैनिक भास्कर
120.	04 अगस्त 2022	एम्स स्टार्ट टेस्टिंग सैंपल टू डिटेक्ट मंकीपॉक्स वाइरस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
121.	06 अगस्त 2022	एम्स के माइक्रोबायोलॉजी विभाग में मंकीपॉक्स वायरस के सैंपल की जांच शुरू	दैनिक भास्कर
122.	08 अगस्त 2022	एम्स ब्लड सेंटर की ओर से निकाली गई तिरंगा यात्रा	दैनिक जागरण
123.	09 अगस्त 2022	तीन साल में पांच सर्जरी, एम्स डॉक्टरों ने बनाया नया हाथ	दैनिक जागरण
124.	11 अगस्त 2022	लिवर या किडनी का प्रत्यारोपण कर, डॉक्टरों ने बचाई 22 साल के युवाओं की जान	दैनिक जागरण
125.	11 अगस्त 2022	एम्स में महा रक्तदान शिविर में 603 ब्लड यूनिट एकत्र	दैनिक जागरण
126.	12 अगस्त 2022	एम्स में जवानों ने किया रक्तदान	नवभारत टाइम्स
127.	13 अगस्त 2022	एम्स की इमरजेंसी में अब नहीं करना होगा इंतजार, 4 आपातकालीन शुरू	अमर उजाला
128.	16 अगस्त 2022	दिल्ली में ओजाकी तकनीक से पहली बार दो रोगियों की मुफ्त वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी	नवभारत टाइम्स
129.	16 अगस्त 2022	मास्टर प्लान प्रोजेक्ट के बाद एम्स बदलेगा मेडिकल यूनिवर्सिटी में	नवभारत टाइम्स
130.	17 अगस्त 2022	एम्स में बनेगा संक्रमण से होने वाली बीमारियों के लिए स्पेशल ब्लॉक	नवभारत टाइम्स
131.	24 अगस्त 2022	एम्स झज्जर में कैंसर की मुफ्त स्क्रीनिंग	हिन्दुस्तान
132.	26 अगस्त 2022	16-मंथ-ओल्ड बिकम यंगेस्ट ऑरगन डोनर ऐट	मिलेनियम पोस्ट

		एम्स, सेव 2 लाइफ	
133.	26 अगस्त 2022	16 माह के शिशु के अंगदान से दो बच्चों को मिली जिंदगी	दैनिक जागरण
134.	27 अगस्त 2022	एम्स में बढ़ेगी फेफड़ों की बीमारी के इलाज की सुविधा	दैनिक जागरण
135.	28 अगस्त 2022	एम्स ब्रिंग्स होप फॉर दोज़ विद इंजरीज़ इन स्पाइनल कोर्ड	द टाइम्स ऑफ इंडिया
136.	01 सितम्बर 2022	एनीमिया स्क्रीनिंग कैंप में 200 दिव्यांग छात्रों ने कराई जांच	अमर उजाला
137.	02 सितम्बर 2022	जल्दी वह सिंगल डोज टीके से ही हो पाएगा सर्वाइकल कैंसर से बचाव	दैनिक जागरण
138.	03 सितम्बर 2022	पर्याप्त कॉर्निया मिलने पर 10 हजार दृष्टि बाधितों को रोशनी दे सकता है एम्स	दैनिक जागरण
139.	05 सितम्बर 2022	एम्स रिवैंप प्लान टू इम्पैक्ट 2,641 ट्रिज़, गैट्स दिल्ली ग्रीन अथोरिटी नोड	हिन्दुस्तान टाइम्स
140.	05 सितम्बर 2022	रक्तदान शिविर का आयोजन	नवभारत टाइम्स
141.	09 सितम्बर 2022	एम्स टू डेवलप मोबाइल ऐप फॉर आई पेशंट्स	द स्टेटमेन
142.	11 सितम्बर 2022	एम्स, दिल्ली प्लान फस्ट ऑफ इट्स काइंड मोबाइल ऐप फॉर आई पेशंट	द पायनियर
143.	11 सितम्बर 2022	केंद्रीय अस्पतालों में 40 हजार से ज्यादा नौकरी मिलेगी	दैनिक भास्कर
144.	12 सितम्बर 2022	95% महिलाओं में कैंसर का खतरा जेनेटिक जांच से हो सकता है दूर	नवभारत टाइम्स
145.	14 सितम्बर 2022	अब द्रोण की सहायता से पहुंचेंगे मानव अंग	अमर उजाला
146.	16 सितम्बर 2022	इन अ फस्ट, बोथ किडनी ऑफ अ 16 मंथ ओल्ड बेबी सेव 5 इयर ओल्ड बेबी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
147.	16 सितम्बर 2022	ट्रांसप्लांट को-ओडिनेटर्स सेशन हेल्ड इन एम्स फॉर ऑरगन डोनेशन	द पायनियर
148.	16 सितम्बर 2022	एम्स में 5 साल के बच्चों के दोनों किडनी ट्रांसप्लांट	नवभारत टाइम्स
149.	19 सितम्बर 2022	साइकिल रैली निकाल कर दिया स्वस्थ रहने का संदेश	अमर उजाला
150.	20 सितम्बर 2022	जोशी को प्राकृतिक चिकित्सा उतकृष्टता पुरस्कार	नवोदय टाइम्स
151.	24 सितम्बर 2022	हर्बल ड्रग बिट्स ओबेसिटी: एम्स स्टडी	द एशियन ऐज

152.	24 सितम्बर 2022	सीएसआईआर की दवा मधुमेह के साथ मोटापा भी कम कर सकती है: एम्स	अमर उजाला
153.	25 सितम्बर 2022	अनूठी पहल: सांस की बनी रहेगी आस, मुफ्त में फेफडे बदलेगा एम्स	अमर उजाला
154.	26 सितम्बर 2022	बेहतर स्वास्थ्य से बढ़ रही रोगियों की रिकवरी: डॉ. भारती पवार	अमर उजाला
155.	26 सितम्बर 2022	अंगदान करने वाले परिवार का हौसला बढ़ाने का एम्स निदेशक का संकल्प	दैनिक जागरण
156.	26 सितम्बर 2022	कॉर्पोरेट शैली में कार्य करेगा एम्स, निदेशक के साथ सीईओ भी जुड़ा	अमर उजाला
157.	29 सितम्बर 2022	हॉउ हार्ट ट्रांसप्लांट हैव गीवन दीज रेसिपीएंट अ न्यू लीज ऑफ लाइक	द टाइम्स ऑफ इंडिया
158.	30 सितम्बर 2022	वर्ल्ड क्लास रिवैम्प ऑफ एम्स सेट टू स्टार्ट	द टाइम्स ऑफ इंडिया
159.	30 सितम्बर 2022	एम्स से कैंसर रोगियों को एनसीआई में ले जाकर होगा इलाज	दैनिक जागरण
160.	30 सितम्बर 2022	एम्स दिल्ली से एनआईसी झज्जर के लिए मिलेगी ट्रांसपोर्ट सुविधा	अमर उलाजा
161.	01 अक्टूबर 2022	इंडिया एंटी-कोविड फाइट प्रीपेयर्स इट फॉर नेक्स्ट बैटल	द पायनियर
162.	01 अक्टूबर 2022	एम्स कैंसर सेंटर में बढ़ा पंजीकरण का समय	दैनिक जागरण
163.	01 अक्टूबर 2022	अब एम्स से बिन स्क्रीनिंग नहीं लौटेगा कोई कैंसर रोगी	अमर उजाला
164.	01 अक्टूबर 2022	एम्स नैशनल कैंसर सेंटर झज्जर के बीच ट्रांसपोर्ट सुविधा	नवभारत टाइम्स
165.	02 अक्टूबर 2022	रक्तदान करना समाज की सच्ची सेवा: मांडविया	नवोदय टाइम्स
166.	02 अक्टूबर 2022	रोगियों को स्लॉट के अनुसार मिलेगी अप्वाइंटमेंट, ओपीडी पंजीकरण मुफ्त	दैनिक जागरण
167.	02 अक्टूबर 2022	एम्स की ओपीडी में नहीं लगेगी भीड़ स्लॉट के अनुसार देखे जाएंगे रोगी	नवभारत टाइम्स
168.	02 अक्टूबर 2022	एम्स रिवाइसिस ओपीडी रजिस्ट्रेशन इज़ बर्डन	द इंडियन एक्सप्रेस
169.	03 अक्टूबर 2022	ऑरगन ऑफ दिल्ली एम्स ओफिशियल सिस्टर गिव लाइफ टू 4 एंड बिजन टू 2	द इंडियन एक्सप्रेस
170.	03 अक्टूबर 2022	एम्स ऑफिसर डोनेट ब्रेन डेड- सिस्टर ऑरगन टू सेव 4 लाइफ	द पायनियर

171.	03 अक्टूबर 2022	एम्स ओपीडी पर्चा बनवाने के लिए नवंबर से नहीं लगेंगे पैसे, 300 रू तक की जांच भी फ्री	दैनिक भास्कर
172.	03 अक्टूबर 2022	अब एम्स में रोगी खुद कर सकेगा अपना पंजीकरण	अमर उजाला
173.	05 अक्टूबर 2022	एम्स के डॉक्टरों व नर्सिंगकर्मी ने डेंगू रोगियों के लिए किया प्लेटलेट्स दान	दैनिक जागरण
174.	05 अक्टूबर 2022	एम्स रोगियों के लिए बैट्री युक्त 50 नई बसे आएंगी	दैनिक भास्कर
175.	06 अक्टूबर 2022	एम्स में दो पालियों में ओटी चलाने की तैयारी, घटेगी सर्जरी की वेटिंग	दैनिक जागरण
176.	06 अक्टूबर 2022	एम्स में दो शिफ्ट में सर्जरी की है तैयारी, कम होगी वेटिंग	नवभारत टाइम्स
177.	07 अक्टूबर 2022	एम्स में अब 24 घंटे एमआरआई जांच होगी	दैनिक जागरण
178.	07 अक्टूबर 2022	एम्स में चौबीस घंटे सातों दिन एमआरआई टेस्ट होगा, आएंगी नई मशीनें	नवभारत टाइम्स
179.	08 अक्टूबर 2022	एम्स में इस साल अब तक हुए 13 अंगदान 50 को मिली नई जिंदगी	नवभारत टाइम्स
180.	08 अक्टूबर 2022	रोगियों को स्टैंडर्ड सुविधाएं देने के लिए एम्स लेगा लाइसेंस	नवभारत टाइम्स
181.	08 अक्टूबर 2022	एम्स के एनसीआई के नेतृत्व में कैंसर पर शोध	दैनिक जागरण
182.	09 अक्टूबर 2022	एम्स में अब एजेंटों की एंट्री बेन, पकड़े गए तो होगी जेल	नवभारत टाइम्स
183.	10 अक्टूबर 2022	स्मार्ट फोन पर सक्रियता से कम हो गए सोने के घंटे	दैनिक जागरण
184.	11 अक्टूबर 2022	एम्स की इमरजेंसी में इंतजार होगा कम बढ़ेगे बेड, बेहतर होंगे इंतजाम	नवभारत टाइम्स
185.	11 अक्टूबर 2022	गर्भाशय कैंसर की एआई तकनीक से जांच शुरू करेगा एम्स	दैनिक जागरण
186.	11 अक्टूबर 2022	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डिवाइस से गर्भाशय कैंसर की जांच करेगा एम्स	अमर उजाला
187.	11 अक्टूबर 2022	लंग कैंसर रेट्स हाईअर इन वीमैन दैन मैन: स्टडी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
188.	12 अक्टूबर 2022	मातृ एवं शिशु ब्लॉक में बहुत जल्द होगी रोगियों को भर्ती करने की सुविधा	दैनिक जागरण
189.	14 अक्टूबर 2022	हृदयाघात होने पर घर पहुंचकर जान बचाएगी	दैनिक जागरण

		बाइक एबुलेंस	
190.	14 अक्टूबर 2022	दिल का दौरा पड़ने पर मदद को पहुंचेगी एम्स की बाइक एंबुलेंस	अमर उजाला
191.	14 अक्टूबर 2022	एम्स में अब 24 घंटे होगी सीटी स्कैन की सुविधा	दैनिक जागरण
192.	14 अक्टूबर 2022	एम्स बाइक एम्बुलेंस टू कवर ऑल हार्ट ऐलमेंट, एक्सपेंड रेडिअस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
193.	14 अक्टूबर 2022	एम्स मेनडेट्स इन-हाउस सीटी स्कैन ऑफ पेशंट	द इडियन एक्सप्रेस
194.	16 अक्टूबर 2022	हृदय व लकवा रोगियों के लिए होगी अलग इमरजेंसी	दैनिक जागरण
195.	16 अक्टूबर 2022	एम्स में शुरू हुआ स्वच्छता अभियान	हिन्दुस्तान
196.	16 अक्टूबर 2022	एम्स में सीटी स्कैन टेस्ट भी अब 24 घंटे और सातों दिन	नवभारत टाइम्स
197.	16 अक्टूबर 2022	एम्स इमरजेंसी से रेफर नहीं होंगे हार्ट ब्रेन के रोगी	अमर उजाला
198.	17 अक्टूबर 2022	एम्स में एंडोस्कोपी थिरेटर का किया जाएगा विस्तार	दैनिक जागरण
199.	18 अक्टूबर 2022	एम्स में गायनी रोगियों की दिक्कते जल्द होंगी दूर	नवभारत टाइम्स
200.	18 अक्टूबर 2022	हादसे के बाद समय पर पहुंचे ट्रॉमा सेंटर तो बचाई जा सकती है जान: एम्स	अमर उजाला
201.	20 अक्टूबर 2022	एम्स टैक ओफर बेटर लाइफ टू कैंसर पेशेन्टस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
202.	21 अक्टूबर 2022	एम्स में ओपीडी ब्लॉक का होगा विस्तार, रोगियों को होगी काफी सहूलियत	दैनिक जागरण
203.	21 अक्टूबर 2022	कमजोर हाथ को मजबूती देगा एम्स का रोबॉट	अमर उजाला
204.	24 अक्टूबर 2022	आईआईटी, एम्स रिसर्चरस डिवाइस ए रोबोटिक हेन्ड फॉर पैरालिटिक्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
205.	26 अक्टूबर 2022	पेपर लेस होगा एम्स, रोगियों को मिलेगा स्लॉट	अमर उजाला
206.	28 अक्टूबर 2022	एम्स के बर्न सेंटर में ही हो सकेगी बच्चों की प्लास्टिक सर्जरी	दैनिक जागरण
207.	28 अक्टूबर 2022	गांव और कस्बे में ब्रेस्ट कैंसर के रोगियों की स्क्रीनिंग करेगा एम्स	नवोदय टाइम्स
208.	28 अक्टूबर 2022	एम्स में 33 वर्ष बाद बढ़ेगी किडनी के इलाज की सुविधा	दैनिक जागरण

209.	28 अक्टूबर 2022	एम्स में रोगियों के लिए बनेगा 900 मीटर का स्काईवॉक	नवोदय टाइम्स
210.	29 अक्टूबर 2022	एम्स में ब्रेन स्ट्रोक का फ्री इलाज, 'गोल्डन ऑवर' से बच सकती है जान	अमर उजाला
211.	29 अक्टूबर 2022	एम्स में शुरू होंगे 15 डायलिसिस सेंटर, रोगियों को मिलेगी राहत	दैनिक जागरण
212.	30 अक्टूबर 2022	एम्स में एक नवम्बर से डेंगू और मलेरिया की 24 घंटे होगी जांच	नवोदय टाइम्स
213.	30 अक्टूबर 2022	व्यायाम करवाकर रोबोट करेगा लकवा का इलाज	अमर उजाला
214.	30 अक्टूबर 2022	एम्स डेशबोर्ड ओन फॉर रियल-टाईम अपडेटस ओन इमरजेंसी बेडस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
215.	30 अक्टूबर 2022	एम्स दिल्ली टू क्रिएट डाटाबेस, मेकेनिज्म फॉर क्रोस-रेफरलस विद अदर गवर्मेन्ट हॉस्पिटल	दा स्टेटमैन
216.	31 अक्टूबर 2022	एम्स न्यूरो ऐप टू द एड ऑफ स्ट्रोक पेशेंटस इन रूरल एरियास	द टाइम्स ऑफ इंडिया
217.	31 अक्टूबर 2022	एनसीआर के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में मिलेगा एम्स का उपचार	अमर उजाला
218.	31 अक्टूबर 2022	एम्स दूसरे अस्पतालों को देगा अपने डॉक्टर व संसाधन	जनसत्ता
219.	01 नवम्बर 2022	एम्स लॉन्चिज़ डेशबोर्ड फॉर एडमिशन पेशेंट केयर	हिन्दुस्तान टाइम्स
220.	01 नवम्बर 2022	एम्स टू क्रीएट डेसबोर्ड फॉर सीटी स्कैन, एमआरआई इन्वेसटिगेशनस	मिलेनियम पोस्ट
221.	01 नवम्बर 2022	आधे दाम में हो सकेगा एम्स में हड्डी रोग प्रत्यारोपण	अमर उजाला
222.	01 नवम्बर 2022	चित्रकारी दे रही स्तन कैंसर की जानकारी लॉन्च हुआ 'आर्टकैन'	अमर उजाला
223.	04 नवम्बर 2022	एम्स में मरीजों को मिलेगी इलेक्ट्रिक कार की सुविधा	दैनिक जागरण
224.	04 नवम्बर 2022	एम्स में कैंसर रोगियों को कार ले जाएगी एनसीआई	अमर उजाला
225.	05 नवम्बर 2022	फ्यूचर-रेडि एट एम्स: स्काईवॉक फॉर मूवमेंट ऑफ पेशेन्टस, हेलिपेड फॉर एयर एम्बुलेंस सर्विस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
226.	05 नवम्बर 2022	एम्स में बेड ही नहीं सभी तरह की जानकारी मिलेगी ऑनलाइन	दैनिक जागरण
227.	05 नवम्बर 2022	एम्स: घर बैठे मिलेगी बेड की जानकारी	अमर उजाला

228.	05 नवम्बर 2022	एम्स में सस्ती दर पर दांतों का इंप्लांट	हिन्दुस्तान
229.	05 नवम्बर 2022	एम्स इमरजेंसी में खाली बिस्तर ऑनलाइन देखें	हिन्दुस्तान
230.	06 नवम्बर 2022	किराये पर लेकर एम्स देगा इलैक्ट्रिक बसों की सुविधा	दैनिक जागरण
231.	06 नवम्बर 2022	रोबोटिक सर्जरी से घुटना प्रत्यारोपण तो जल्दी स्वस्थ होंगे रोगी	अमर उजाला
232.	07 नवम्बर 2022	50 न्यू ई-बस टू इज ट्रांसपोर्ट इनसाइड एम्स	मिलेनियम पोस्ट
233.	07 नवम्बर 2022	एम्स: दंत प्रत्यारोपण इंप्लांट भी सस्ती दरों पर मिलेगा	दैनिक जागरण
234.	08 नवम्बर 2022	एम्स में कैंसर रोगी के लिए बढ़ा भर्ती का समय	अमर उजाला
235.	08 नवम्बर 2022	एम्स की नर्स को फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार	दैनिक जागरण
236.	08 नवम्बर 2022	51 नर्सिंग पेशेवर राष्ट्रपति से सम्मानित	हिन्दुस्तान
237.	09 नवम्बर 2022	डिमेंशिया रोगियों को खोजेगा एम्स	अमर उजाला
238.	09 नवम्बर 2022	डिमेंशिया के कितने मरीज, एम्स दिल्ली चलाएगा अभियान	नवभारत टाइम्स
239.	09 नवम्बर 2022	सोरायसिस के इलाज में जैविक दवाएं कारगर	दैनिक जागरण
240.	09 नवम्बर 2022	एयर पल्यूशन वर्सनिंग अन्डरलाइंग डिजीजस, इट इज ए साइलेन्ट किलर- गुलेरिया	द टाइम्स ऑफ इंडिया
241.	10 नवम्बर 2022	खेल-खेल में बुजुर्ग भूल जाएंगे 'भूलने की बीमारी' एम्स तैयार कर रहा मोबाइल एप्लीकेशन	अमर उजाला
242.	12 नवम्बर 2022	एम्स: रियल टाइम में रोगियों की सेहत की मिलेगी जानकारी	नवोदय टाइम्स
243.	12 नवम्बर 2022	एम्स के आईसीयू में भर्ती रोगियों पर मोबाइल से नजर रखेंगे डॉक्टर	दैनिक जागरण
244.	13 नवम्बर 2022	एम्स गेट्स थर्ड ब्रेन डेड पेडियाट्रिक डॉनर इन सिक्स मंथ्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
245.	15 नवम्बर 2022	संक्रमित रहे डायबिटिज रोगियों पर एम्स में हो रहा शोध	दैनिक जागरण
246.	18 नवम्बर 2022	एम्स जारी करेगा स्मार्ट कार्ड, सिर्फ कैशलेस होगा भुगतान	दैनिक जागरण
247.	18 नवम्बर 2022	एम्स में चलेगा स्मार्ट कार्ड	अमर उजाला
248.	19 नवम्बर 2022	एम्स ने बच्चों के लिए अभियान शुरू किया	हिन्दुस्तान
249.	19 नवम्बर 2022	ऑल पेमेंट ऐट एम्स टू गो फूली डिजीटल फ्रॉम अप्रैल 1	मिलेनियम पोस्ट

250.	20 नवम्बर 2022	'सेफ बालकॉनी, सेफ चाइल्ड' एम्स लॉन्च न्यू कैम्पेन	द इंडियन एक्सप्रेस
251.	21 नवम्बर 2022	कैंसर की सटीक दवा के लिए झज्जर में बनाया जाएगा देश का पहला शोध केन्द्र	दैनिक जागरण
252.	21 नवम्बर 2022	कल्चर जांच के बाद कम हो जाएगी एंटीबायोटिक की खपत	दैनिक जागरण
253.	21 नवम्बर 2022	एम्स जैसा इमरजेंसी सिस्टम मृत्यु दर कम कर सकता है	हिन्दुस्तान
254.	22 नवम्बर 2022	एम्स में आभा के जरिए ओपीडी रजिस्ट्रेशन	नवभारत टाइम्स
255.	22 नवम्बर 2022	एम्स: जांच के आधार पर दी जाने वाली एंटीबायोटिक ही असरदार	नवोदय टाइम्स
256.	23 नवम्बर 2022	कोरोना के बाद बढ़ी एंटीबायोटिक प्रतिरोधकता की समस्या	दैनिक जागरण
257.	23 नवम्बर 2022	एम्स में रक्तदान के लिए नई वैन	दैनिक जागरण
258.	23 नवम्बर 2022	एम्स की ब्लड डोनेशन वैन से मिलेगी राहत	हिन्दुस्तान
259.	25 नवम्बर 2022	अध्ययन: फ्लू का टीका लेने वाले दिल के रोगी कम बीमार	हिन्दुस्तान
260.	27 नवम्बर 2022	स्टोमा के रोगियों को अब नहीं होगी बैग लटकाने की जरूरत एम्स स्टैनफोर्ड केयर के साथ मिलकर तैयार किया कैप	अमर उजाला
261.	28 नवम्बर 2022	कैंसर पर कारगर है त्रिफला: एम्स	हिन्दुस्तान
262.	30 नवम्बर 2022	अंगदान से बचा सकते है दूसरों की जिंदगी: श्रीनिवास	अमर उजाला
263.	30 नवम्बर 2022	अल्फा थेरेपी से न्यूरोएंडोक्राइन कैंसर के रोगियों में जगी नई उम्मीद	दैनिक जागरण
264.	30 नवम्बर 2022	राईजिंग अबब सॉरो टू स्टे क्नेक्टिड विद लव्ड वन्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
265.	30 नवम्बर 2022	फ्लू वैक्सीन मेय कट रिस्क ऑफ हार्ट अटैक	द टाइम्स ऑफ इंडिया
266.	30 नवम्बर 2022	मिथ, फियर, सराउडिंग ऑरगन डोनेशन मस्ट बी डिस्पेल्ड: एम्स	मिलेनियम पोस्ट
267.	01 दिसम्बर 2022	फ्लू के टीके से कम होगा अटैक का खतरा	दैनिक जागरण
268.	03 दिसम्बर 2022	एआई से दूर होगी दिव्यांगता रोबोटिंग ट्रेनर बनेगा मददगार	अमर उजाला
269.	03 दिसम्बर 2022	गंगा बैक्टीरिया कुड हेल्प अगेंस्ट इंफेक्शन	द टाइम्स ऑफ इंडिया

270.	04 दिसम्बर 2022	एम्स रेडी विद इट्स ऐजिंग सेंटर	द टाइम्स ऑफ इंडिया
271.	05 दिसम्बर 2022	एम्स दूर करेगा डिस्लेक्सिया, घर बैठे हो जाएगा इलाज	अमर उजाला
272.	06 दिसम्बर 2022	कोरोना के बाद अचानक हृदय गति रूकने के मामले बढ़े: विशेषज्ञ	हिन्दुस्तान
273.	11 दिसम्बर 2022	एम्स टू सेट अप डिजीटल लाइब्रेरी टू इन्क्रीस ट्रांसपेरेंसी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
274.	11 दिसम्बर 2022	एम्स की लाइब्रेरी लगाएगी भ्रष्टाचार पर अंकुश	नवोदय टाइम्स
275.	13 दिसम्बर 2022	टेलीकंसल्टेशन ऐट एम्स फॉर ऑल डिपार्टमेंट फ्रॉम अप्रैल 1	द टाइम्स ऑफ इंडिया
276.	15 दिसम्बर 2022	एम्स होगा धूमपान से मुक्त	दैनिक जागरण
277.	16 दिसम्बर 2022	एम्स टू टेक एक्शन अगेन्स्ट स्टाफ इफ फाउंड स्मोकिंग ऑन कैंपस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
278.	17 दिसम्बर 2022	एम्स: तीन माह के बच्चे को मिली नई जिंदगी सिर की हुई सर्जरी	अमर उजाला
279.	17 दिसम्बर 2022	एम्स में कराना चाहते है इलाज, तो बना ले आभा नंबर	दैनिक जागरण
280.	18 दिसम्बर 2022	बंगलादेश इंफेंट विद रेअर कंजेनिटल डिऑर्डर गेट्स अ न्यू लीस ऑफ लाइफ इन सिटी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
281.	19 दिसम्बर 2022	फस्ट टाइम ऐट एम्स: स्पाइनल सर्जरी, डिस्चार्ज इन अ डे	द टाइम्स ऑफ इंडिया
282.	19 दिसम्बर 2022	प्राइवेट वार्ड ऐट एम्स टू आउटसोर्स अ फ्यू सर्विस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
283.	19 दिसम्बर 2022	सडन कार्डियक डेथ कुड भी टाइड टू लॉन्ग कोविड, सेय डॉक्टर	द टाइम्स ऑफ इंडिया
284.	19 दिसम्बर 2022	बांगलादेशी इनफेंट विद सिस्ट अंडरगोज सक्सेस्कुल हेड सर्जरी ऐट एम्स	द पायनियर
285.	19 दिसम्बर 2022	एम्स टू प्रोवाइड यूटेंसिल टू पेशंट,एटेन्टेंड ऑन लोन	द टाइम्स ऑफ इंडिया
286.	21 दिसम्बर 2022	नई तकनीक से एडवांस स्टेज स्तन कैंसर का इलाज शुरू	दैनिक जागरण
287.	21 दिसम्बर 2022	एम्स में रोगियों को ऑनलाइन रिपोर्ट देने की सुविधा शुरू	दैनिक जागरण
288.	21 दिसम्बर 2022	एम्स: अब रोगी घर बैठे हासिल कर सकेंगे रिपोर्ट	अमर उजाला
289.	22 दिसम्बर 2022	एम्स में सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध	दैनिक जागरण

290.	22 दिसम्बर 2022	अब नशामुक्त और प्लास्टिक फ्री बनेगा एम्स	नवभारत टाइम्स
291.	22 दिसम्बर 2022	जल्द एनीमिया मुक्त होगा देश: एम्स	हिन्दुस्तान
292.	22 दिसम्बर 2022	एम्स में देश को एनीमिया मुक्त बनाने की कवायद शुरू	नवोदय टाइम्स
293.	25 दिसम्बर 2022	एम्स के मातृ एवं शिशु ब्लॉक में बढ़ेगी सुविधाएं	हिन्दुस्तान
294.	26 दिसम्बर 2022	एम्स में डॉक्टर योग से इलाज पर कर रहे शोध	दैनिक जागरण
295.	26 दिसम्बर 2022	एम्स ने आईएनआई सीईटी के पहले दौर में सीटें की आबंटित	दैनिक भास्कर
296.	27 दिसम्बर 2022	एम्स बोन बैंक गेट्स इयर फस्ट डोनेशन फ्रॉम सोल्जर फाइफ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
297.	27 दिसम्बर 2022	कोरोना के लिए तैयार होगा जेरियाट्रिक ब्लॉक	दैनिक जागरण
298.	28 दिसम्बर 2022	फॉर स्कूल स्टूडेंट्स इन दिल्ली, लेसन्स इन सीपीआर विद सम हेल्प फ्रॉम एम्स	द इंडियन एक्सप्रेस
299.	29 दिसम्बर 2022	एम्स की इमरजेंसी में पर्ची के लिए नहीं करना पड़ेगा इंतजार	अमर उजाला
300.	31 दिसम्बर 2022	सभी रोगियों के खर्च का हिसाब रखेगा एम्स	दैनिक जागरण
301.	01 जनवरी 2023	एम्स निदेशक प्रतिदिन एक घंटा कर्मचारियों की समस्या सुनेगें	हिन्दुस्तान
302.	02 जनवरी 2023	ऐम फॉर मोर दैन जस्ट मोर एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
303.	02 जनवरी 2023	स्टूडेन्ट एण्ड स्टाफ ऑफ एम्स केन नाउ मीट इन्स्टीट्यूट डायरेक्टर विदाउट अपोइन्टमेंट ओन डेजिगनेटिड डेज	मिलेनियम पोस्ट
304.	02 जनवरी 2023	नए साल में स्वस्थ ढ़ाचा होगा मजबूत पूरी होगी योजनाएं	दैनिक जागरण
305.	02 जनवरी 2023	एम्स में दो शिफ्ट में शुरू हो सकती है सर्जरी, वेटिंग होगी कम	नवभारत टाइम्स
306.	03 जनवरी 2023	2022 में रिकॉर्ड 102 लोगों को अंगदान से मिली जिंदगी	नवभारत टाइम्स
307.	07 जनवरी 2023	दृष्टिबाधितों के लिए आंख का काम कर पाएगा ऐप	अमर उजाला
308.	08 जनवरी 2023	बस सर्विसस फ्रॉम दिल्ली नजफगढ़ टू एम्स इन हरियाण झज्जर फ्लैगड ऑफ	द टाइम्स ऑफ इंडिया
309.	08 जनवरी 2023	स्टेट ऑफ द आर्ट बर्न सेंटर ऐट एम्स भुवनेश्वर फॉर पब्लिक	दा स्टेटमैन
310.	11 जनवरी 2023	एम्स में ई-हॉस्पिटल के लिए होगा अलग सर्वर	अमर उजाला

311.	13 जनवरी 2023	एम्स स्ट्रेन्थस इटस ई-होस्पिटल नेटवर्क टू प्रीवेन्ट साइबर अटैक	मिलेनियम पोस्ट
312.	15 जनवरी 2023	एम्स ने बनाया जाएगा 300 बेड का नया इमरजेंसी ब्लॉक	दैनिक जागरण
313.	16 जनवरी 2023	एम्स टू प्रीपेयर डेमो ऑफ मास्टर प्लान ऑफ ए न्यू इमरजेंसी ब्लॉक	मिलेनियम पोस्ट
314.	18 जनवरी 2023	एम्स का ट्रॉमा सेंटर में शुरू हुआ आश्रय गृह	अमर उजाला
315.	18 जनवरी 2023	एम्स टू अपोइंट रिटायर्ड आर्मी सोल्जर्स ऑफ सिक्योरटी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
316.	20 जनवरी 2023	एम्स की पाठशाला में दिमाग पर शोध कर रहे 11 देशों के विशेषज्ञ	अमर उजाला
317.	22 जनवरी 2023	एम्स में न्यूरो और हृदय के रोगियों को घर पहुंचने की सुविधा शुरू	दैनिक जागरण
318.	26 जनवरी 2023	एम्स में बदलेगा 50 साल पुराना एमबीबीएस का पैटर्न	दैनिक जागरण
319.	28 जनवरी 2023	ब्लड टेस्ट केन हेल्प डिटेक्ट ब्रेस्ट कैंसर अर्ली: स्टडी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
320.	28 जनवरी 2023	एम्स ऐप फॉर बेटर कैंसर पैलीएटिव केयर	द टाइम्स ऑफ इंडिया
321.	28 जनवरी 2023	अंतरिक्ष में दिमाग कैसे करेगा काम, बताएगा एम्स	अमर उजाला
322.	29 जनवरी 2023	टेली मेडिसिन सेवाओं से आ रहे सार्थक बदलाव	दैनिक जागरण
323.	30 जनवरी 2023	कीटनाशक तो नहीं कैंसर का कारण, बताएगा एम्स	दैनिक जागरण
324.	31 जनवरी 2023	एम्स लॉन्च न्यू ऐप फॉर बैटर कैंसर पेलिएटिव केयर ऐट होम	मिलेनियम पोस्ट
325.	31 जनवरी 2023	टेली मेडिसिन सेवाओं से आ रहे सार्थक बदलाव	अमर उजाला
326.	03 फरवरी 2023	50 ईयर ओल्ड मेनस ऑर्गन गिव लाइफ टू फोर अदर्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
327.	04 फरवरी 2023	दिल्ली के बच्चों में कैंसर का खतरा देशभर में सबसे ज्यादा: एम्स	नवभारत टाइम्स
328.	05 फरवरी 2023	कैंसर मरीजों के लिए एम्स की छात्राओं-नर्सों के लिए हेयर डोनेट	दैनिक भास्कर
329.	05 फरवरी 2023	मिलेट कैंटीन ऐट एम्स टू ओपन बाय मार्च 1	द पायनर
330.	06 फरवरी 2023	घर-घर जाकर मरीजों का इलाज करेगा एम्स, हर व्यक्ति की हो रही स्क्रीनिंग	अमर उजाला
331.	07 फरवरी 2023	एम्स एनसीआई के डॉक्टर करेंगे कैंसर की स्क्रीनिंग	दैनिक जागरण

332.	08 फरवरी 2023	एम्स के सभी एंट्री गेटों पर खुलेंगे कंट्रोल रूम	नवभारत टाइम्स
333.	09 फरवरी 2023	एम्स टू एड मोर आईसीयू बेड्स इन ईच डिपार्टमेंट	हिंदुस्तान टाइम्स
334.	10 फरवरी 2023	एम्स-आर डिवेलप्स न्यू टेक्नीक टू डायग्नोज़ लंग कैंसर	द स्टेट्स मैन
335.	10 फरवरी 2023	एम्स टू कन्वर्ट एगज़िस्टिंट वार्डस इनटू इंटेंसिव केयर यूनिट	मिलेनियम पोस्ट
336.	12 फरवरी 2023	एम्स में स्तन कैंसर की सर्जरी हुई दोगुनी	दैनिक जागरण
337.	13 फरवरी 2023	एम्स-दिल्ली नेमड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर हेल्थकेयर एआई	द टाइम्स ऑफ इंडिया
338.	14 फरवरी 2023	एम्स के आउटपोस्ट बनेंगे 'मददगार'	दैनिक जागरण
339.	17 फरवरी 2023	मरीजों को राहत, एम्स का होगा विस्तार	जनवरी
340.	20 फरवरी 2023	9एम इंडियंस हेव डिमेंशिया, अप 2.4× फ्रॉम 2009: स्टडी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
341.	21 फरवरी 2023	एम्स के मातृ एवं शिशु ब्लॉक में बच्चों की सर्जरी हुई शुरू	दैनिक जागरण
342.	22 फरवरी 2023	अस्पतालों का अधिग्रहण कर एम्स करेगा विस्तार, लम्बी लाइन से मिलेगा छुटकारा	दैनिक जागरण
343.	22 फरवरी 2023	जी-20 के लिए एम्स बना रेफरल अस्पताल	अमर उजाला
344.	23 फरवरी 2023	एम्स प्लान्स 800-बैड एक्सटेंशन ऐट एनडीएमसी शेंटी पाथ हॉस्पिटल	हिंदुस्तान टाइम्स
345.	23 फरवरी 2023	एम्स टू इंट्रोड्यूस स्टार्टअप पॉलिसी फॉर मेडिकल स्टूडेंट	द टाइम्स ऑफ इंडिया
346.	25 फरवरी 2023	एम्स: 25 लाख का हुआ इलाज	नवभारत टाइम्स
347.	27 फरवरी 2023	एम्स में एक तिहाई बेड पर होगी आईसीयू की सुविधा	अमर उजाला
348.	01 मार्च 2023	डेनमार्क और एम्स के विशेषज्ञ करेंगे सुरक्षित प्रसव पर मंथन	अमर उजाला
349.	01 मार्च 2023	एनडीएमसी का नया अस्पताल एम्स चलाएगा	हिंदुस्तान
350.	01 मार्च 2023	एम्स में बच्चों की सर्जरी में अब तेजी आने की उम्मीद	नवभारत टाइम्स
351.	03 मार्च 2023	एम्स शुरू करेगा लाइव डोनर लिवर प्रत्यारोपण की सुविधा	दैनिक जागरण
352.	03 मार्च 2023	गामा नाइफ से कम होगी ब्रेन ट्यूमर व न्यूरो सर्जरी की लंबी वेटिंग	दैनिक जागरण

353.	03 मार्च 2023	एम्स के नए प्राइवेट वार्ड में इलाज की सुविधा शुरू, 400 से अधिक हुई बेड की संख्या	दैनिक जागरण
354.	03 मार्च 2023	एम्स के निजी वार्ड में बढ़े 33 प्रतिशत बेड	अमर उजाला
355.	04 मार्च 2023	सरकारी अस्पतालों में एम्स के डॉक्टर करेंगे इलाज	दैनिक जागरण
356.	04 मार्च 2023	2 गवर्मेंट हॉस्पिटल टू शेयर पेशंट लोड विद एम्स	द टाइम्स ऑफ इंडिया
357.	04 मार्च 2023	फॉर क्रोस-रेफ़्रल ऑफ पेशंटस, एम्स टू टीम अप विद गवर्नमेंट हॉस्पिटल इन केपिटल	इंडियन एक्सप्रेस
358.	05 मार्च 2023	एम्स में शुरू होगा रोबोटिक सर्जरी का प्रशिक्षण	दैनिक जागरण
359.	06 मार्च 2023	एम्स जल्द करेगा 1500 बेड के अस्पताल का संचालन	दैनिक जागरण
360.	07 मार्च 2023	स्टेट टू नीड टू ऑफर फंड फॉर रेअर डिज़ीज	द टाइम्स ऑफ इंडिया
361.	08 मार्च 2023	रेअर डिज़ीज पॉलिसी 2021 गुड वट मोर नीड टू बी डन: एक्सपर्ट	द पायनर
362.	10 मार्च 2023	एम्स के लिवर ट्रांसप्लांट इमरजेंसी वार्ड में बैड बढ़े	अमर उजाला
363.	10 मार्च 2023	एम्स निदेशक ने लिखा-अस्पतालों के बीच रेफरल व्यवस्था लागू न हुई तो बढ़ेगी मौतें	दैनिक जागरण
364.	11 मार्च 2023	संकट: कोरोना महामारी के बाद बच्चों में निकट दृष्टि दोष बढ़ा	हिंदुस्तान
365.	11 मार्च 2023	डब्ल्यूएचओ जल्द घोषित कर सकता है भारत को ट्रेकोमा मुक्त: एम्स	अमर उजाला
366.	12 मार्च 2023	ब्लड कैंसर की जांच के लिए एम्स ने खोजा नया बायो मार्कर	दैनिक जागरण
367.	13 मार्च 2023	जेनेटिक दुर्लभ बीमारियों के इलाज की दवाओं के लिए शोध करना जरूरी: एम्स	दैनिक जागरण
368.	14 मार्च 2023	एम्स में भी होगा लाइव लिवर ट्रांसप्लांट	नवभारत टाइम्स
369.	15 मार्च 2023	एम्स के चिकित्सकों ने 28 सप्ताह के भ्रूण के दिल का 90 सेकेंड में किया प्रोसीजर	दैनिक जागरण
370.	16 मार्च 2023	एम्स: हार्ट और न्यूरो की इमरजेंसी में मरीजों के लिए 20 बेड रिजर्व	नवभारत टाइम्स
371.	16 मार्च 2023	डॉक्टर्स पर्फोम 90-सेक सर्जरी इन 'ग्रेप-साइज़्ड' हार्ट ऑफ 28-डब्ल्यू के फीटस	द टाइम्स ऑफ इंडिया
372.	16 मार्च 2023	एम्स प्लांस टू स्टार्ट लाइव-डोनर लिवर ट्रांस्प्लांट्स: कंस्टीट्यूट्स पैनल	मिलेनियम पोस्ट
373.	17 मार्च 2023	एम्स में शुरू होगी आंत प्रत्यारोपण सर्जरी	दैनिक जागरण

374.	18 मार्च 2023	डायबिटीज को नियंत्रित करते हैं मिलेट्स	दैनिक जागरण
375.	18 मार्च 2023	लेक ऑफ स्लीप मेय लीड टू क्रोनिक हेल्थ डिसोडर डोक्स	द पायनर
376.	18 मार्च 2023	एम्स टू मेक्स इट्स कैंपस 5जी- इंनेब्ल्ड	द टाइम्स ऑफ इंडिया
377.	19 मार्च 2023	एम्स शुरू करेगा देश का पहला रोबोटिक सर्जरी प्रशिक्षण केन्द्र	दैनिक जागरण
378.	19 मार्च 2023	एम्स ने अंगदान बढ़ाने को स्पेन की तर्ज पर शुरू किया कोर्स	दैनिक जागरण
379.	19 मार्च 2023	देश में अंगदान को बढ़ावा देने के लिए एम्स में खास कोर्स हुआ शुरू	नवभारत टाइम्स
380.	20 मार्च 2023	मूविंग विद द टाइम्स, एम्स सेट टू स्टार्ट रोबोटिक सर्जरी ट्रैनिंग	द टाइम्स ऑफ इंडिया
381.	20 मार्च 2023	कोरोना का संक्रमण बढ़ाने से घातक बीमारी और अस्पतालों में मरीज बढ़ने की आशंका नहीं	दैनिक जागरण
382.	22 मार्च 2023	एम्स पैनल फॉर इंटेस्टिनल ट्रांस्प्लांटस	हिंदुस्तान टाइम्स
383.	24 मार्च 2023	एम्स टू स्टार्ट क्रैच सर्विस फॉर स्टाफ किड्स विद स्पे. नीड्स	मिलेनियम पोस्ट
384.	24 मार्च 2023	कोरोना के बाद टीबी संक्रमित बढ़े: एम्स	जनसत्ता
385.	25 मार्च 2023	14 इयर-ओल्ड यंगेस्ट टू गेट हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी	द टाइम्स ऑफ इंडिया
386.	27 मार्च 2023	एम्स टू बिल्ड ए न्यू वेटिंग रूम	मिलेनियम पोस्ट
387.	27 मार्च 2023	एम्स के डॉक्टरों ने मिलेट्स की अहमियत समझाने और लोगों में जागरूकता के लिए 25 किमी वॉकथॉन का किया आयोजन	दैनिक भास्कर
388.	28 मार्च 2023	ऐंकीलूजिंग स्पोडीलाइटिस मेय लीड टू पर्मानेंट डिस्ऐबिल्टि, रिवील्स स्टडी	द पायनर
389.	29 मार्च 2023	एम्स में बनाया जाएगा क्रिटिकल केयर और संक्रामक रोग केंद्र	दैनिक जागरण
390.	29 मार्च 2023	बुजुर्गों में बढ़ रहा डिमेंशिया, इलाज के लिए एम्स में ब्लॉक शुरू	अमर उजाला
391.	30 मार्च 2023	एम्स और हार्टफुलनेस संस्थान ने समझौते पर किया हस्ताक्षर	दैनिक जागरण
392.	30 मार्च 2023	ध्यान व विश्राम के लिए तकनीक तैयार होगी	अमर उजाला
393.	30 मार्च 2023	पुरानी बीमारियों से पीड़ित व बुजुर्ग कोरोना महामारी से रहें सतर्क	दैनिक जागरण

मीडिया इंटरेक्शन 2022-2023

क्र.सं.	दिनांक	मीडिया हाउस	विषय	विशेषज्ञ	ऐंकर
1.	18.07.2022	जी बिजनेस	सामान्य	डॉ. आर.के. यादव, वृक्कविज्ञान विभाग	श्री अक्षय जैन, जी बिजनेस
2.	28.07.2022	आल इंडिया रेडियो	सामान्य किडनी रोग: कारण एवं उपचार	डॉ. आर.के. यादव, वृक्कविज्ञान विभाग	श्री संजय कौल, ऑल इंडिया रेडियो
3.	03.08.2022	टाइम्स ऑफ इंडिया	मंकीपोक्स	डॉ. ललित धर, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग	सुश्री सुमित्रा घोष, टाइमस ऑफ इंडिया
4.	03.08.2022	इंडिया न्यूज टीवी	मंकीपोक्स	डॉ. ललित धर, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग	श्री मनोहर केसरी, इंडिया न्यूज टीवी
5.	04.08.2022	एएनआई टीवी	मंकीपोक्स	डॉ. ललित धर, सूक्ष्मजैव विज्ञान विभाग	सुश्री शालिनी भट्ट, एएनआई टीवी
6.	22.08.2022	आल इंडिया रेडियो	नवजात बच्चों में हृद्य संबंधी रोग-कारण एवं उपचार	डॉ. सौरव कुमार गुप्ता, हृद् रोग विज्ञान विभाग	श्री संजय कौल, ऑल इंडिया रेडियो
7.	09.09.2022	संसद टीवी	भारत में तपेदिक: उन्मूलन के मार्ग	डॉ. (प्रो.) उर्वशी बी. सिंह, सूक्ष्मजैवविज्ञान	श्री लोकेश भारद्वाज, संसद टीवी
8.	20.10.2022	टाइम्स ऑफ इंडिया	महामारी के दौरान कोविड रोगियों द्वारा स्टेरॉयड के अत्यधिक प्रयोग से हिप जाइंट में समस्या बढ़ती है।	डॉ. कामरान फारूकी	सुश्री अनूजा जायसवाल, टाइम्स ऑफ इंडिया
9.	11.11.2022	द वीक	एम्स देश में श्रेष्ठ अस्पताल की सूची में सबसे ऊपर है।	डॉ. (प्रो.) एम. श्रीनिवास, निदेशक	सुश्री शालिनी पी थोमस, द वीक
10.	14.11.2022	डीडी न्यूज एएनआई पीटीआई	नई आर ए के ओपीडी, आपातकालीन	डॉ. (प्रो.) एम. श्रीनिवास, निदेशक, डॉ. (प्रो.) आरती विज,	श्री नितेंद्र डीडी न्यूज श्री पायल बनर्जी पीटीआई, सुश्री

			वार्ड, एम्बुलैंस क्षेत्र में दौरा	डॉ. करण मदान, डॉ. ऐंजल राजन सिंह, डॉ. विकास, डॉ. जसवंत जागड़ा	शालिनी एएनआई
11.	18.11.2022	अमर उजाला	बच्चों में होने वाली मोबाइल की लत पत स्टोरी के सम्बन्ध में जानकारी हेतु	डॉ. शेफाली गुलाटी, बाल तंत्रिका विज्ञान	श्री राकेश कुमार शर्मा, अमर उजाला
12.	19.11.2022	अमर उजाला	वह अनुसंधान कार्य जो कैंसर रोगियों के लिए उपयोगी है।	डॉ. निधि गुप्ता, जैव-रसायन	श्री राकेश कुमार शर्मा, अमर उजाला
13.	23.11.2022	संसद टीवी	मस्तिष्क आघात	डॉ. अवध किशोर पंडित, तंत्रिकाविज्ञान	सुश्री अमृता चौरसिया संसद टीवी
14.	24.11.2022	डीडी उर्दू	हेलो डॉक्टर लाइव	डॉ. अल्पेश गोयल, अंतःस्राविकी एवं चयापचय	श्री फरहान डीडी उर्दू
15.	23.03.2023	संसद टीवी	तपेदिक	डॉ. (प्रो.) उर्वशी बी. सिंह, सूक्ष्मजैवविज्ञान	श्री लोकेश भारद्वाज, संसद टीवी
16.	30.03.2023	डीडी उर्दू	पोषण पखवाड़े का समारोह	सुश्री मोनिता गहलोत, जठरांत्ररोगविज्ञान	श्री फरहान, डीडी उर्दू

प्रेस विज्ञप्ति 2022-2023:

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	21.04.2022	ई-वाहन परिवहन पहल	एम्स
2.	27.04.2022	सभी के लिए समावेशी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान देकर आटिज्म के चक्रव्यूह को तोड़ना	बालचिकित्सा
3.	28.04.2022	आटिज्म के चक्रव्यूह को तोड़ने के साथ सभी के लिए समावेशी गुणवत्ता शिक्षा पर विशेष ध्यान देना	बाल चिकित्सा विभाग
4.	18.05.2022	डेंगू बुखार	काय-चिकित्सा
5.	30.05.2022	बहुविध स्केलेरोसिस: उपचार (एमएस) में प्रगति	तंत्रिकाविज्ञान
6.	15.07.2022	12वां राष्ट्रीय प्लास्टिक शल्यचिकित्सा दिवस	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
7.	27.07.2022	स्कूली बच्चों में मस्तिष्क स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे: चिंता एवं समाधान	बालचिकित्सा
8.	07.09.2022	37वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा	डॉ. रा.प्र. केंद्र
9.	11.09.2022	वंशानुगत स्त्रीरोगविज्ञान कैंसर: साक्ष्य से प्रैक्टिस तक	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
10.	13.09.2022	31 प्रमुख अस्पताल ने प्रत्यारोपण समन्वयक के ब्रैन स्ट्रोमिंग सत्र में भाग लिया	ओर्बो
11.	15.09.2022	भारत का सबसे युवा एन-ब्लॉक किडनी ट्रांस्प्लांट	वृक्कविज्ञान
12.	10.10.2022	ग्रीवा कैंसर मुक्त भारत के लिए त्वरित कार्रवाई	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
13.	18.10.2022	दूसरा वार्षिक अनुसंधान दिवस	अनुसंधान अनुभाग
14.	27.10.2022	स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम	शल्य चिकित्सा
15.	29.10.2022	आघात	तंत्रिकाविज्ञान
16.	29.10.2022	एम्स मुख्य अस्पताल आपात डैशबोर्ड	एम्स
17.	29.10.2022	एम्स नई दिल्ली में एनएबीएच को लागू करना	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
18.	12.11.2022	दो बहु अंग दाता	ओर्बो
19.	22.11.2022	एम्स नई दिल्ली-सीएसआर के द्वारा आई सी आईसीआई बैंक फाउंडेशन रक्तदान वैन पहल	एम्स
20.	23.11.2022	एम्स नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा की घटना	एम्स

21.	24.11.2022	एम्स नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा की घटना	एम्स
22.	25.11.2022	एम्स नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा की घटना	एम्स
23.	28.11.2022	एम्स नई दिल्ली में साइबर सुरक्षा की घटना	एम्स
24.	29.11.2022	दानदाता सम्मान कार्यक्रम	ओर्बो
25.	21.12.2022	एनीमिया	बालचिकित्सा
26.	14.01.2023	आयुर्विज्ञान एवं भारतीय शास्त्र	शरीरक्रियाविज्ञान
27.	02.02.2023	अंगदान	ओर्बो
28.	28.02.2023	दुर्लभ रोग दिवस	बालचिकित्सा
29.	06.03.2023	दुर्लभ रोग के विरूद्ध रेसफॉर7 ओआरडीआई रन के साथ संगठित होकर काम करना	बालचिकित्सा
30.	17.03.2023	मीलेट्स आपके स्वास्थ्य, किसानों एवं पर्यावरण के लिए अच्छा है	सीसीएम
31.	25.03.2023	एम्स नई दिल्ली में रोगियों के लिए प्रतीक्षा हॉल	एम्स
32.	29.03.2023	एम्स ने हर्टफुलनेस के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करके एक महत्वपूर्ण कार्य किया	एम्स

संवाददाता सम्मेलन 2022-2023

क्र.सं.	दिनांक	विषय	विभाग
1.	21.04.2022	ई-वाहन परिवहन पहल	एम्स
2.	28.04.2022	ऑटिज्म	बालचिकित्सा
3.	18.05.2022	डेंगू बुखार	काय-चिकित्सा
4.	30.05.2022	मल्टी स्केलेरोसिस: उपचार (एमएस) में प्रगति	तंत्रिका विज्ञान
5.	21.06.2022	योग दिवस	सीआईएमआर
6.	15.07.2022	12वां राष्ट्रीय प्लास्टिक सर्जरी दिवस	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
7.	27.07.2022	स्कूली बच्चों में मस्तिष्क स्वास्थ्य का मुद्दा: चिंता एवं समाधान	बालचिकित्सा
8.	07.09.2022	37वां राष्ट्रीय नेत्र दान पखवाड़ा	डॉ. रा.प्र. केंद्र
9.	11.09.2022	वंशानुगत स्त्रीरोग विज्ञान कैंसर: साक्ष्य से प्रैक्टिस तक	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
10.	25.09.2022	संस्थान दिवस समारोह-एम्स हीरक जयंती	एम्स
11.	27.09.2022	आस्ट्रेलिया-इंडिया व्यापार विनियम रक्त दान	एम्स
12.	10.10.2022	ग्रीवा कैंसर मुक्त भारत हेतु त्वरित कार्रवाई	प्रसूति एवं स्त्रीरोग विज्ञान
13.	27.10.2022	स्तन कैंसर जागरूकता समारोह	शल्य चिकित्सा
14.	29.10.2022	एम्स नई दिल्ली में एनएबीएच कार्यान्वयन	बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी
15.	29.11.2022	दाता सम्मान कार्यक्रम	ओर्बो
16.	10.01.2023	क्लियर विजन भारत हेतु सार्वजनिक निजी सहभागिता 2023 पर तीसरा नेतृत्व विनियम	डॉ. रा.प्र. केंद्र
17.	14.01.2023	चिकित्सा विज्ञान एवं भारतीय शास्त्र	शरीरक्रिया विज्ञान
18.	17.01.2023	160 बिस्तर वाला आश्रय अस्थायी सेटर	जे.प.ना.ए.ट्रॉमा. केंद्र
19.	28.02.2023	दुर्लभ रोग दिवस	बाल चिकित्सा
20.	17.03.2023	मिलेट्स आपके स्वास्थ्य, किसानों एवं पर्यावरण के लिए अच्छे हैं।	सीसीएम

<u>मीडिया एवं प्रोटोकॉल प्रभाग</u>

<u>एम्स</u>

<u>अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक जन व्याख्यान की सूची</u>

क्र.सं.	जन व्याख्यान	दिनांक	विभाग
1.	सिर की चोट की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा	21.03.2022	तंत्रिका शल्य चिकित्सा
2.	पार्किन्सन रोग: एकीकृत स्वास्थ्य उपचार	13/04/2022	तंत्रिकाविज्ञान
3.	ऑटिज्म जागरूकता	28/04/2022	बालचिकित्सा
4.	डेंगू बुखार	18/05/2022	सीसीएम
5.	मल्टीपल स्केलेरोसिस: उपचार में प्रगति	30/05/2022	तंत्रिकाविज्ञान
6.	स्कूल जाने की आयु में मस्तिष्क स्वास्थ्य	27/07/2022	बालचिकित्सा
7.	जन स्वास्थ्य हेतु भौतिक चिकित्सा	08/09/2022	तंत्रिका भौतिकचिकित्सा (तंत्रिकाविज्ञान)
8.	सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण को एक वैश्विक प्राथमिकता बनाएं	10/10/2022	मनोचिकित्सा
9.	आघात	29/10/2022	तंत्रिकाविज्ञान
10.	स्वास्थ्य एवं पोषण के लिए मिलेट्स	17/03/2023	सीसीएम
11.	सिर पर चोट (आघातिक मस्तिष्क चोट, सर एवं दिमाग की चोट)	20/03/2023	तंत्रिका शल्य चिकित्सा

12. प्रकाशन

पत्रिकाएं: 3323 सार: 296 पुस्तकों में अध्याय: 414 पुस्तकें: 37

13. वित्त प्रभाग

वरिष्ठ वित्त सलाहकार

श्री नीरज कुमार शर्मा, आईसीएएस

वित्त सलाहकार

श्री नरेंद्र भाटिया

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

श्री विकास कुमार

श्री पदम सिंह

लेखा अधिकारी

त्रिलोक चंद	प्रेम पाल	मीनाक्षी डबराल
उपेन्द्र कुमार	प्रकाश गिरी	योगेश कुमार
जोगिंदर सिंह	सतीश कुमार यादव	शिवानंद ठाकुर
स्नेहलता शर्मा	निखिल जैन	सतीश कुमार
सुरेंद्र कूलवाल	रविंद्र कुमारी	

संस्थान, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त निकाय, पूंजीगत संपत्ति, सामान्य और वेतन निर्माण के शीर्षों के तहत सहायता अनुदान के रूप में भारत सरकार से सकल बजटीय सहायता प्राप्त करता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, गाजियाबाद और विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के केंद्रों, कार्यक्रमों, योजनाओं के लिए भी अलग से अनुदान प्राप्त होते हैं। इसके अलावा, विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के लिए आईसीएमआर, डीएसटी, सीएसआईआर, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, डीबीटी, आदि जैसी विभिन्न बाह्य फंडिंग एजेंसियों से भी बाहय अनुदान प्राप्त होते हैं।

भारत सरकार और अन्य एजेंसियों से सहायता अनुदान के तौर पर प्राप्त अनुदान को अतिविशिष्टता केंद्रों/विभागों/अनुसंधान अनुभाग को उनकी परियोजनाओं, प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं के अनुसार आबंटित किया जाता है।

बजट अनुभाग

वित्त वर्ष 2022-2023 के लिए सहायता अनुदान (बजट)

(धनराशि करोड़ रुपये में)

लेखा शीर्ष	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	प्राप्त अनुदान	वास्तविक व्यय
पूंजीगत संपत्ति का जीआईए निर्माण	794.00	450.00*	450.00	323.72
1	2	3	4	5
जीआईए सामान्य	1152.50	1338.50**	1300.00	1310.86
एचईएफए	76.50	304.74	293.79	294.29#
एसएपी	7.00	7.00	7.00	8.10##
जीआईए वेतन	2160.0	2300.00***	2300.00	2251.46
कुल	**4190.00**	**4400.24**	**4350.79**	**4188.43**
प्राप्तियां				**139.30**

* संशोधित अनुमान के अनुसार पूंजीगत संपत्तियों के निर्माण में 450.00 करोड़ प्राप्त हुए थे जिसमें से संस्थान द्वारा 125.00 करोड़ रूपए वापस कर दिए गए थे।

** संशोधित अनुमान के अनुसार सहायता अनुदान सामान्य में 1338.50 करोड़ रू. स्वीकृत किए गए थे जिसमें से रू. 38.50 करोड़ वापस कर दिए गए, रू.1300.00 करोड़ के सहायता अनुदान सीमा को पूर्ण रूप से उपयोग किया गया रिजर्व एवं उपलब्ध अधिशेष से अतिरिक्त व्यय को पूर्ण किया गया।

*** सहायता अनुदान वेतन में रू. 2300.00 करोड़ प्राप्त किए गए जिसमें से मार्च, 2023 के वेतन का अप्रैल 2023 माह में भुगतान करने के लिए अव्ययित शेष राशि को अनुसूचित वाणिज्यिक बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया गया।

रू. 0.75 करोड़ की अतिरिक्त ब्याज राशि को एचईएफए ब्याज के उपलब्ध पिछले वर्ष के शेष से पूरा किया गया।

रू. 1.10 करोड़ की अतिरिक्त व्यय राशि को एसएपी के तहत उपलब्ध गत वर्ष के शेष से पूर्ण किया गया।

वित्त प्रभाग (एफडी) के कार्य

बजट से संबंधित: वित्त प्रभाग का बजट विंग अगले वर्ष के लिए अनुमान तैयार करने के लिए विभिन्न केंद्रों/विभागों/प्रभागों से वार्षिक आवश्यकताओं की मांग प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार है। संसद द्वारा एकबार वार्षिक बजट में अनुमोदित होने के बाद, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एम्स को इसकी सूचना दी जाती है।

परियोजना निर्माण और मूल्यांकन: संस्थान पर रोगी उपचार, चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान का भार बढ़ रहा है। एम्स के शासनादेश को कार्यान्वित करने के लिए महत्वपूर्ण और उच्च स्तर की कई स्वास्थ्य उपचार परियोजनाएं जारी हैं। वित्त प्रभाग सरकार के नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार अनुपालन, गतिविधियों की प्राथमिकता और निधियों के आबंटन और परियोजनाओं की सहमति सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करता है।

वित्तीय सहमति: हर वर्ष मशीनरी और उपकरणों की खरीद, रसायनों, दवाओं, उपभोज्य सामग्रियों के लिए दर अनुबंध, कार्यों और सेवाओं के अनुबंध आदि से संबंधित वित्तीय सहमति / सलाह सहित वित्त प्रभाग द्वारा कई प्रस्तावों का जवाब दिया जाता है। प्रक्रियात्मक एवं वित्तीय दृष्टिकोण से धन के सर्वोत्तम मूल्यांकन एवं सरकारी खजाने की सुनिश्चिता के लिए इनकी जांच करना बहुत महत्वपूर्ण है।

भुगतान के लिए बिलों की जांच: कर्मचारियों, सदस्यों, शोधकर्ताओं और रेजीडेंट डॉक्टरों के व्यक्तिगत दावों से संबंधित हजारों बिलों; जीईएम, टेंडरिंग आदि के माध्यम से सामान की खरीद, सेवाओं और कार्यों संबंधी कार्रवाई वित्त प्रभाग में की जाती है। सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के ट्रेजरी सिंगल अकाउंट (टीएसए) मॉड्यूल के माध्यम से भुगतान करते समय वित्त प्रभाग द्वारा सभी निर्धारित चेक, टीडीएस और जीएसटी संबंधी अनुपालन सुनिश्चित किए जाते हैं।

एम्स प्राप्तियां और समायोजन: एम्स, रोगी उपचार सेवाओं, पाठ्यक्रमों और भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा, शिक्षाविदों, सीएसआर सहित दान, बचत और कटौती/योगदान पर ब्याज की प्राप्तियां एकत्र करता है। इसे रोगी के उपचार, आदि के लिए अनुदान-सहायता-सामान्य के पूरक के तौर पर अथवा सरकार द्वारा निर्धारित संस्थागत व्यय के लिए पुन: प्रयोग किया जाता है। किसी भी बचत या अधिशेष को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार निवेश किया जाता है।

आंतरिक लेखापरीक्षा: एम्स की गतिविधियों में वृद्धि और विस्तार के साथ, वार्षिक ऑडिट की जाने वाली इकाइयों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है।

लेखा और लेखापरीक्षा: एम्स द्वारा केंद्रीय स्वायत्त निकाय होने के नाते, सी एंड ए जी की टीम द्वारा लेखापरीक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष 30 जून तक पिछले वर्ष के वार्षिक खातों को संकलित करना आवश्यक है। निरंतर बजटीय सहायता के लिए स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को लेखापरीक्षित वार्षिक लेखा, पृथक लेखापरीक्षा रिपोर्ट और उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्रस्तुत करना अपेक्षित है। संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट, जिसमें उपरोक्त शामिल है, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संसद के पटल पर प्रस्तुत की जाती है।

सी एंड ए जी कार्यालय की बाहरी लेखापरीक्षा टीम लेनदेन/अनुपालन संबंधी लेखापरीक्षा भी करती है, दिनांक 31.03.2022 तक 55 संचालित। पैरा शेष है।

उपरोक्त कार्यों/गतिविधियों को वरिष्ठ वित्तीय सलाहकार के संपूर्ण नियंत्रण में वित्त प्रभाग द्वारा निष्पादित किया जाता है।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29
वित्तीय स्थिति का विवरण
31 मार्च, 2023 के अनुसार

(रू. अंकों में)

संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2022-23	2021-22
संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1	80,53,49,03,442	77,39,51,39,660
रिजर्व और अधिशेष	2	5,22,47,54,003	3,72,60,56,505
उद्दिष्ट /अक्षय निधि	3	1,75,18,72,191	1,60,47,72,114
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4	-	2,69,64,00,000
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	6,17,99,75,309	5,99,40,12,751
कुल		**93,69,15,04,946**	**91,41,63,81,030**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	8	72,37,82,55,073	70,70,36,55,256
निवेश-अन्य	10	61,16,00,000	61,16,00,000
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	20,70,16,49,873	20,10,11,25,775
विविध व्यय			
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			
कुल		**93,69,15,04,946**	**91,41,63,81,030**
लेखों के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं नोट्स	24		

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

आय और व्यय खाता

31 मार्च, 2023 के अनुसार

(रू. अंकों में)

आय	**अनुसूची**	**2022-23**	**2021-22**
विक्रय/सेवाओं से आय	12	60,06,92,861.65	25,99,67,614.71
अनुदान/सब्सिडी	13	35,65,22,33,698.00	30,19,91,83,691.00
शुल्क/अंशदान	14	20,79,40,718.43	22,59,16,639.14
अर्जित ब्याज	17	3,95,44,530.00	1,49,85,438.00
अन्य आय	18	69,73,02,717.59	48,48,52,817.91
कुल (क)		**37,19,77,14,525.67**	**31,18,49,06,200.76**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	22,51,45,95,090.99	20,09,70,15,363.49
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	7,30,68,59,174.71	6,97,08,14,766.18
सामग्री एवं आपूर्ति	21ख	5,27,22,21,206.48	4,63,83,40,233.00
ब्याज / बैंक प्रभार	23	2,21,01,003.00	3,24,22,485.60
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष-अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप कुल योग)		81,91,45,366.56	38,38,58,598.47
कुल (ख)		**35,93,49,21,841.74**	**32,12,24,51,446.74**
व्यय पर आय की अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		**1,26,27,92,683.93**	**-93,75,45,245.98**
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व हेतु/से अंतरण			
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष/(कमी) एवं शेष			
कुल			

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31.03.2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 1- संग्रह/पूंजी निधि:		
	2022-23	**2021-22**
वर्ष के प्रारंभ में शेष	77,39,51,39,659.20	71,46,90,36,139.60
परिवर्धन: संग्रह/पूंजी निधि के लिए अंशदान (सीसीए अनुदान)	3,23,50,00,000.00	5,97,55,00,000.00
न्यून: वर्ष के दौरान निराकरण	9,52,36,217.00	4,93,96,480.00
वर्ष की समाप्ति के अनुसार शेष	**80,53,49,03,442.20**	**77,39,51,39,659.60**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:	2022-23	2021-22
1. पूंजी रिजर्व:	-	-
गत लेखा के अनुसार	42,12,355.00	35,98,085.00
समीक्ष्य वर्ष के दौरान परिवर्धन	2,65,44,250.00	6,14,270.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	
2. सामान्य रिजर्व	-	
गत लेखा के अनुसार	3,72,18,59,816.40	4,64,70,63,225.00
समीक्ष्य वर्ष के दौरान परिवर्धन	1,26,27,92,684.93	-92,75,13,128.98
परिवर्धन/(न्यून): समायोजन	20,71,08,786.00	22,94,054.00
कैंसिल चैक जमा बैंक लेखा	22,36,112.00	-
कुल	**5,22,47,54,003.33**	**3,72,60,56,504.34**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 3 – उद्दिष्ट /अक्षय निधि	2022-23	2021-22
क) निधियों का अथशेष	1,60,47,72,114.14	1,46,89,48,757.64
ख) निधियों में परिवर्धन:	-	23,97,843.50
i. दान/अनुदान	71,82,59,395.62	73,19,17,938.11
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	-	2,63,09,301.00
v. अन्य	37,35,20,936.00	19,21,15,828.00
कुल (क)	**2,69,65,52,445.76**	**2,42,16,89,668.25**
	-	-
ग) निधियों के उद्देश्यों हेतु उपयोग/व्यय	-	-
i. पूंजी व्यय	-	-
- स्थायी परिसंपत्ति	5,00,00,000.00	27,60,07,286.00
- अन्य	20,24,465.00	37,34,304.00
ii. राजस्व व्यय	-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	1,62,50,915.00	2,45,75,125.90
- किराया	-	-
- अन्य व्यय	87,64,04,874.50	51,26,00,838.14
कुल व्यय	94,46,80,254.50	81,69,17,554.04
वर्ष समाप्ति के अनुसार शुद्ध शेष (क-ख)	**1,75,18,72,191.26**	**1,60,47,72,114.21**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 4 – सुरक्षित ऋण एवं उधार:	2022-23	2021-22
1. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां (एचईएफए ऋण)		
परिवर्धन- प्राप्त ऋण	2,69,64,00,000.00	3,22,14,00,000.00
परिवर्धन- प्राप्त ऋण		
न्यून- ऋण का पुनर्भुगतान (262500000*2)		52,50,00,000.00
न्यून- ऋण का पुनर्भुगतान	2,69,64,00,000.00	
कुल	-	**2,69,64,00,000.00**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 7- वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2022-23	2021-22
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान		**-**
1. ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं:	-	-
क) स्वा.एवं.परि.कल्या. मंत्रालय को वापसी हेतु	2,10,49,065.00	2,10,49,065.00
ख) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-
2. अन्य वर्तमान देयताएं	6,15,89,26,243.75	5,97,29,63,685.99
कुल (क+ख)	**6,17,99,75,308.75**	**5,99,40,12,750.99**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

	सकल ब्लॉक 2022-23				
अनुसूची-8	**वर्ष के आरंभ में परिसंपत्ति का मूल्यांकन/लागत**	**वर्ष के दौरान परिवर्धन**	**अनुपयोगी सामान का निस्तारण**	**अवमूल्यन**	**वर्ष के अंत में लागत/मूल्य**
स्थायी परिसंपत्ति:	-	-	-	-	-
भूमि:	-	-	-	-	-
क)पूर्ण स्वामित्व /पट्टे पर	89,55,04,881.00	-	-	-	89,55,04,881.00
भवन:	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर	30,65,26,50,534.65	68,70,233.00	-	12,57,10,391.28	30,53,38,10,376.37
ख) पूंजीगत कार्य जारी है	46,03,03,700.00	-	-	-	46,03,03,700.00
संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	36,74,13,53,789.00	2,17,31,19,767.02	9,36,45,884.00	67,29,09,893.63	38,14,79,17,778.39
वाहन	9,31,06,029.00	2,81,87,094.00	15,90,333.00	40,08,508.40	11,56,94,281.60
फर्नीचर	5,98,10,328.00	2,56,90,672.00	-	25,79,352.20	8,29,21,647.80
कंप्यूटर/पेरीफेरल्स	26,79,62,130.00	4,09,03,084.00	-	1,39,37,221.05	29,49,27,992.95
पुस्तकालय की पुस्तकें	1,53,29,79,529.00	31,41,94,886.12			1,84,71,74,415.12
		2,58,89,65,736.14	**9,52,36,217.00**	**81,91,45,366.56**	
	70,70,36,70,920.65				**72,37,82,55,073.23**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 10 - निवेश – अन्य	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां		
3. शेयर		
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		
6. अन्य	61,16,00,000.00	61,16,00,000.00
8. दान का निवेश		
कुल	**61,16,00,000.00**	**61,16,00,000.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची -11 (रू. अंकों में)

वर्तमान परिसंपत्तियां:	**2022-23**	**2021-22**
1. वस्तुसूचियां/खरीद हेतु अग्रिम	-	-
क) मशी. एवं उपकरण एवं विदेशी खरीद	32,06,63,824.00	34,18,91,888.00
ख) सामग्री एवं आपूर्ति	97,82,099.00	97,82,099.00
2. विविध देनदार:	-	-
क) बकाया ऋण	85,48,327.00	2,84,95,004.00
ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)	48,87,397.00	32,45,441.00
ग) केंद्रों से प्राप्य विविध वसूलियां (इंजीनियरी कार्य)	76,000.00	76,000.00
3. नकद रोकड़ शेष (चैक/ ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)	39,78,845.00	12,23,056.00
4. बैंक शेष:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों के पास:	-	-
i) चालू खाते में	2,10,77,50,840.83	1,39,94,18,422.02
ii) जमा खाते में/ बचत खाते में	5,47,79,57,030.25	3,54,43,11,595.19
ख) गैर- अनुसूचित बैंकों के पास:	-	-
i) एफडीआर में	87,25,00,001.00	86,83,00,000.00
5. शुल्क एवं अन्य अग्रिम	6,51,08,462.45	6,35,26,217.00
कुल (क)	**8,87,12,52,826.53**	**6,26,02,69,722.21**

ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां	-	-
1. ऋण:	-	-
क) स्टाफ	79,43,934.00	87,32,629.00
ख) इकाई के लिए समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न इकाइयां	-	-
ग) अन्य (खरीद हेतु अग्रिम)	-	24,09,595.00
2. अग्रिम एवं अन्य राशि:-	-	-
क) पूंजी खाते में	-	-
ख) साख-पत्र	19,04,82,162.00	24,63,17,656.00
ग) सीमा-शुल्क	13,22,65,689.00	7,54,86,449.00
घ) पी.डी.ए.	46,79,018.00	51,71,625.00
3) अन्य अग्रिम	11,49,50,26,243.48	13,50,27,38,098.50
	-	
कुल (ख)	11,83,03,97,046.48	13,84,08,56,052.50
	20,70,16,49,873.01	**20,10,11,25,774.71**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 12 - विक्रय / सेवाओं से आय	**2022-23**	**2020-21**
1) विक्रय से आय	-	-
क. रद्दी का विक्रय	5,92,890.00	9,27,696.00
2) सेवाओं से आय	-	-
क) अस्पताल प्राप्तियां	59,84,58,015.65	25,75,46,245.71
घ) अन्य	16,41,956.00	14,93,673.00
कुल	**60,06,92,861.65**	**25,99,67,614.71**

लेखा अधिकारी

वित्त सलाहकार

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 13 - अनुदार /सब्सिडी	**2022-23**	**2020-21**
1. केंद्र सरकार (टी.एस.ए. के अंतर्गत)	35,65,22,33,698.00	30,19,91,83,691.00
कुल	**35,65,22,33,698.00**	**30,19,91,83,691.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 14 - शुल्क/अंशदान	2022-23	2021-22
1. ट्यूशन शुल्क	9,02,78,201.43	7,47,16,754.74
2. लाइसेंस शुल्क	2,25,14,900.00	5,09,20,993.40
3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क	9,51,47,617.00	
4. अन्य		10,02,78,891.00
	20,79,40,718.43	**22,59,16,639.14**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 17 – अर्जित ब्याज	2022-23	2021-22
	-	
1. सावधि जमा:	-	
क) अनुसूचित बैंकों के पास	3,91,34,769.00	1,28,38,862.00
ख) गैर- अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) संस्थानों के पास	-	-
	-	-
2. बचत खातों पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों के पास	-	9,42,084.00
ख) गैर- अनुसूचित बैंकों के पास	-	-
ग) डाकघर बचत खाता	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋणों पर:	-	-
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	4,09,761.00	12,04,492.00
ख) अन्य	-	-
4. देनदारियों एवं अन्य प्राप्तियों पर ब्याज	-	-
कुल	**3,95,44,530.00**	**1,49,85,438.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 18 – अन्य आय	**2022-23**	**2021-22**
1. विविध प्राप्तियां	8,17,16,698.54	2,91,92,185.80
3. परीक्षा अनुभाग प्राप्तियां	60,00,00,000.00	44,24,07,699.00
4. अन्य आय	1,55,86,019.05	1,32,52,933.11
कुल	**69,73,02,717.59**	**48,48,52,817.91**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 20 – स्थापना व्यय	**2022-23**	**2021-22**
वेतन एवं भत्ते	19,73,30,90,022.99	17,03,90,98,817.36
यात्रा भत्ता	13,97,48,847.00	13,23,72,530.00
शिक्षण संसाधन भत्ता	-	89,84,828.00
कर्मचारीगण पर व्यय ":सेवानिवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	2,45,10,64,763.00	2,09,64,59,783.75
अन्य	19,06,91,458.00	81,77,40,997.38
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान	-	23,58,407.00
	22,51,45,95,090.99	**20,09,70,15,363.49**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 21 – अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2022-23**	**2021-22**
क) अस्पताल भंडार की खरीद अन्य निर्दिष्ट	-	88,35,66,963.00
ख) स्टाफ आउटसोर्सिंग प्रभार	1,83,26,78,963.00	40,97,68,504.00
ग) कार्यालय व्यय	85,88,16,650.00	3,41,62,756.00
घ) विद्युत एवं बिजली	1,18,00,99,071.00	1,05,59,66,946.00
ड.) जल प्रभार	5,26,32,946.00	6,27,91,128.00
च) बीमा	-	-
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	-	34,61,20,601.00
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	80,80,28,945.00	74,84,42,083.00
झ) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	62,56,661.00
ञ) अन्य व्यय	-	24,61,39,738.00
ट) बैंक शुल्क	-	2,58,693.18
ठ) किराया, दर एवं कर	1,03,99,585.00	
ड) अन्य (निर्दिष्ट)	2,56,42,03,014.71	3,17,73,40,693.00
	7,30,68,59,174.71	**6,97,08,14,766.18**

अनुसूची 21ख – सामग्री एवं आपूर्ति		
क) अस्पताल भंडार सामग्री एवं आपूर्ति	5,22,85,70,009.48	4,57,45,15,245.00
ख) अन्य सामग्री एवं आपूर्ति	4,36,51,197.00	6,38,24,988.00
कुल	**5,27,22,21,206.48**	**4,63,83,40,233.00**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली-29

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(रू. अंकों में)

अनुसूची 23- ब्याज निकासी/ बैंक शुल्क	2022-23	2021-22
क) बैंक शुल्क	1,003.00	2,485.60
ख) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को अंतरण	2,21,00,000.00	3,24,20,000.00
कुल	**2,21,01,003.00**	**3,24,22,485.60**

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार**

अनुसूची 24

लेखों के भाग के रूप में लेखांकन नीतियां एवं नोट्स

1. संस्थान की गतिविधियों को मुख्यत: भारत सरकार के अनुदानों से वित्तपोषित किया जाता है और संस्थान का लेखा-जोखा सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप तैयार किया जाता है।
2. ये लेखा, नकद आधार पर अर्थात् वास्तविक प्राप्ति और भुगतान के आधार पर तैयार किए गए हैं। तथापि, परिसम्पतियों पर प्राप्त किया गया अवमूल्यन वित्त वर्ष 2022-23 में प्रभारित किया गया है। परिसम्पतियों की कबाड़ कीमत को घटाते हुए परिसम्पतियों की वास्तविक आय को लेखा में सम्मिलित करने के बाद अवमूल्यन की गणना सरल स्पष्ट विधि से की गई है।
3. एम्स, नई दिल्ली के समेकित अंतिम लेखा वित्त वर्ष 2022-23 हेतु तैयार किए गए हैं। तथापि, अनुसंधान अनुभाग, एन.डी.डी.टी.सी., यू.एन.डी.सी.पी. एवं सा.भ.नि. के लेखा पृथक रूप से तैयार किए जाते हैं क्योंकि ये केन्द्र मंत्रालयों/विभिन्न निधि-प्रदाता एंजेसियों से अलग से निधियां प्राप्त करते हैं। सा.भ.नि खाते के संबंध में, इस मद में कोई अनुदान प्राप्त नहीं होता है।
4. ब्याज के आंकड़ों में संस्थान की राजस्व प्राप्तियों पर अर्जित ब्याज भी सम्मिलित है।
5. लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि की देनदारी के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है क्योंकि भारत सरकार से अनुदान वास्तविक व्यय के लिए प्राप्त किया जाता है। लेखा में ग्रेच्युटी, पेंशन और अवकाश नकदीकरण आदि के भुगतान की गणना केवल वास्तविक भुगतानों के समय पर लेखा में की जाती है।
6. लेखांकन अवधि के अंत में भंडार और आपूर्ति का कोई अंतिम स्टॉक लेखा में समाविष्ट नहीं किया जाता है क्योंकि भण्डारों और आपूर्तियों पर किये गए सभी व्यय को लेखा में वास्तविक भुगतान के समय पर अंतिम व्यय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
7. संस्थान की आय, आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 11 के अंतर्गत आयकर से मुक्त है।
8. अनुसंधान परियोजनाओं हेतु अनुदान द्वारा वित्तपोषित सभी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) का उपयोग अनुसंधान परियोजनाओं की गतिविधियों के लिए किया जाता है और इन्हें संस्थान की परिसंपत्तियों में सम्मिलित नहीं किया जाता है। ऐसी परिसंपत्तियों (मशीनरी एवं उपकरणों, वाहनों आदि) को या तो निधि प्रदान करने वाले अभिकरणों को लौटा दिया जाता है अथवा इनका उपयोग निधि प्रदान करने वाले अभिकरणों की स्वीकृति के अनुसार, परियोजनाओं की समाप्ति के पश्चात विभागों में किया जाता है।
9. वर्ष 2022-23 के दौरान, अनुसंधान परियोजनाओं के लिए विभिन्न परियोजना अन्वेषकों द्वारा किये गए व्यय को तथा दिनांक 31.03.2023 के अनुसार, संस्थान के पास उपलब्ध शेष राशि को दर्शाने वाला एक विवरण लेखों के साथ संलग्न है।

10. पैकेजों के अंतर्गत, उन उपचारों की मद में राजस्व एवं व्यय के रूप में खर्च किये गए उपचार की अग्रिम राशियों को व्यय में दर्शाया गया था। चालू वर्ष के दौरान, उपचार के लिए उपलब्ध पैकेजों के मद में प्राप्त अग्रिम राशियों को आवर्ती निधि और आवर्ती निधि पर किये गए व्यय के अंतर्गत प्रदर्शित किया गया है। आवर्ती निधि में शेष राशि को देनदारी के रूप में प्रदर्शित किया गया है। लेखांकन नीति के इन परिवर्तनों का प्रभाव आकलन योग्य और महत्वपूर्ण नहीं होता है।
11. दिनांक 31.03.2023 को समाप्त हुए वर्ष के लेखा को नए प्रारूप, समूहीकरण, पुन: समूहीकरण और वर्गीकरण में तैयार किया गया है, जहां कहीं भी आवश्यक हो, इसे बेहतर प्रस्तुति के लिए परिवर्तित/अंगीकृत किया गया है।
12. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान की परिसंपतियों का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/मुख्य गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
13. प्रत्येक विभाग/केन्द्र में संस्थान के भण्डार तथा आपूर्ति का भौतिक रूप से सत्यापन इस उद्देश्य के लिए नामांकित संकाय/अधिकारी द्वारा वर्ष में एक बार किया जाता है और इस बारे में किसी उल्लेखनीय/मुख्य गड़बड़ी की सूचना प्राप्त नहीं हुई है।
14. संस्थान, रोगी उपचार के लिए आवश्यक जांचों/प्रक्रियाओं के लिए विभिन्न आवर्ती निधियों का रखरखाव कर रहा है और उसे संस्थान के समेकित लेखा में सम्मिलित किया जाता है।
15. बिना किसी संलग्न शर्तों के विभिन्न स्रोतों से प्राप्त दान राशियों/प्राप्तियों को, जैसा भी मामला हो, संबंधित केन्द्र या संस्थान की आय के रूप में स्वीकार किया जाता है।
16. उपर्युक्त सूचीबद्ध सभी लेखांकन नीतियों एवं लेखा टिप्पणियां तैयार करने वाले भाग का उपयोग केन्द्रों के लेखों को तैयार करने में भी किया जाता है।

लेखा अधिकारी **वित्त सलाहकार** **वरिष्ठ वित्त सलाहकार**

निदेशक

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
1.अथशेष			**1.व्यय**		
(क)नकद राशि	-	-	(क)स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	197,600,000.00	176,744,143.00
(ख)बैंक शेष	-	-	(ख)प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21क)	127,869,781.00	139,061,550.00
(i)चालू खाते में	2,712,738.37	36,250,382.37	(ग) सामग्री एवं आपूर्ति (अनुसूची 21-ख)	41,014,560.00	
(ii)जमा खाते में	-	-	**2.अग्रिम भुगतान**		
(iii)बचत खाते में	34,779,336.50	61,248.50	i) सामग्री एवं आपूर्ति		100,000.00
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	-	-
			iii) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु	-	-
2.प्राप्त अनुदान			**3.निवेश एवं जमा किए गए**		
(क)भारत सरकार से(स्वा.एवं परि.कल्या. मंत्रालय से)			(क)उद्दिष्ट/अक्षय निधि से	-	-
सहायता अनुदार (पूंजीगत परिसंपत्ति)	20,000,000.00	16,958,921.00	(ख)निजी निधि से (निवेश-अन्य)	-	-
सहायता अनुदान (सामान्य)	118,700,000.00	92,820,270.00			
सहायता अनुदान (वेतन)	182,600,000.00	185,500,000.00	**4.स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
सहायता अनुदान (सामान्य/डीटीसी योजना)	50,000,000.00	47,161,364.00	(क)स्थायी परिसंपत्ति की खरीद (अनुसूची 8)	15,968,430.42	16,996,692.00
सामान्य सहायता अनुदान (नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम)	-	-	(ख)पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				-	-
3.निवेश से आय			**5.अधिशेष राशि/ऋण की वापसी**	-	-
क)उद्दिष्ट/अक्षय निधि	-	-	(क)भारत सरकार को	4,031,569.00	-
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	-	-	(ख)राज्य सरकार को	-	-
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)	15,000,000.00	55,000,000.00
4.प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाता को वापसी	30,000,000.00	-
(क) बैंक जमा पर	396,734.00	468,368.00	**6.वित्त शुल्क (ब्याज)**	-	-
(ख)ऋण, अग्रिम आदि	-	-			
			7.अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)		
5. अस्पताल सेवाओं से आय			बाह्य वसूलियां (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	-	-
अस्पताल प्राप्तियां	557,442.00	227,766.00	(क) परियोजनाएं	-	-
6.अन्य आय			(ख) बयाना राशि जमा की वापसी	-	-
विविध प्राप्तियां	181,719.01	10.00	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान	-	-
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्ति	12,000.00	5,946,130.00	i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	1,035,397.00	1,084,459.00
			एम्स/बाह्य,बकाया वसूली (अनुसूची 7)		
7.उधार ली गई राशि	-	-	ii) बाह्य वसूली	36,034,908.00	30,589,206.00
एम्स (मुख्य) से ऋण	30,000,000.00	40,000,000.00	iii) जीपीएफ (अंशदान एवं अग्रिम) जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को प्रेषित	11,554,460.00	13,055,254.00
यूएनडीसीएपी खाते से ऋण			iv) बैंक को एनपीएस की वसूली	7,752,535.00	6,567,779.00
			v) एनपीएस की वसूली (पीआरएएन के बिना) जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को प्रेषित	323,923.00	260,266.00

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
			पिछले वर्ष की वसूली	-	-

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
8.कोई अन्य प्राप्तियां		-			
क)परियोजनाएं	-				
(ख) बयाना राशि जमा	-	-	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपतियां**		
(ग) कर्मचारियों से वसूली (आयकर)	-	-	सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान	-	-
i) कर्मचारियों से वसूलियां	1,035,397.00	1,084,459.00	कंप्यूटर अग्रिम	-	-
ii) बाह्य वसूलियां	36,034,908.00	30,589,206.00	त्यौहार अग्रिम	-	-
iii) सा.भ.नि. (अंशदान एवं अग्रिम)	11,554,460.00	13,055,254.00	वसूली/कटौतियां (इंजी. कार्य)	-	-
iv) एन.पी.एस. से वसूली	7,752,535.00	6,567,779.00	वसूली/कटौतिया (इजी. कार्य के अतिरिक्त)	3,669,333.00	2,830,732.00
v) एन.पी.एस. से वसूली (पी.आर.ए.एन. के बिना)	323,923.00	260,266.00	ऋण का भुगतान (यूएनडीसीपी)	-	-
vi)इजीनियरी कार्यो से वसूली		-			
			8. रा.औ.नि.उ.के. से चोरी दवाओं पर व्यय	337,250.00	
9.एस.आई.एस. पर लगाया गया जुर्माना(सुरक्षा एजेंसी)	337,250.00				
			9.अंतशेष		
10.ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति/वसूली	-	-	(क)नकद राशि	-	-
कार अग्रिम वसूली	-	-	(ख)बैंक शेष	-	-
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	-	-	(i)चालू खाते में	2,837,031.38	2,712,738.37
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	-	-	(ii) जमा खाते में	-	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	-	(iii) बचत खाते में	5,618,598.08	34,779,336.50
वसूली/कटौती (इंजी. कार्य)	-	-			
वसूली/कटौती (इजी. कार्य के अतिरिक्त)	3,669,333.00	2,830,732.00			
कुल	**500,647,775.88**	**479,782,155.87**	**कुल**	**500,647,775.88**	**479,782,155.87**

लेखा अधिकारी,एन.डी.डी.टी.सी.,एम्स

प्रमुख,एन.डी.डी.टी.सी.,एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2022 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	अनुसूची	2022-23	2021-22
विक्रय/सेवाओं से आय (अस्पताल प्राप्तियां)	12	557,442.00	227,766.00
अनुदान/सब्सिडी	13	351,300,000.00	325,481,634.00
शुल्क/अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश पर आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	396,734.00	468,368.00
अन्य आय	18	193,719.01	5,946,140.00
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं चल रहे कार्य	19		
कुल (क)		**352,447,895.01**	**332,123,908.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	197,600,000.00	176,744,143.00
प्रशासनिक व्यय आदि	21क	**127,869,781.00**	140,397,453.00
सामग्री एवं आपूर्ति	21ख	41,014,560.00	-
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन (अनुसूची 8 के अनुरूप - वर्ष समाप्ति पर शुद्ध योग)		2,311,480.22	1,375,684.87
कुल (ख)		**368,795,821.22**	**318,517,280.87**
व्यय से अधिक आय का शेष होना (क-ख)		(16,347,926.21)	13,606,627.13
विशेष रिजर्व में स्थानांतरण (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में/से स्थानांतरण		-	-
समग्र/पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष/ (कमी)		**352,447,895.01**	**332,123,908.00**

लेखा अधिकारी,एनडीडीटीसी,एम्स

प्रमुख,एनडीडीटीसी,एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रूपयों में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2022-23**	**2021-22**
समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**1**	310,525,181.00	297,756,791.00
रिजर्व और अधिशेष	**2**	(1,384,713.21)	14,963,213.00
उद्दिष्ट/ अक्षय निधि	**3**	-	-
सुरक्षित ऋण एव उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एव उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	35,869,812.00	50,749,562.00
कुल		**345,010,279.79**	**363,469,566.00**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	334,682,331.33	324,225,422.13
उद्दिष्ट/अक्षय निधि से निवेश	**9**	-	-
निवेश-अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	10,327,948.46	39,244,143.87
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		**345,010,279.79**	**363,469,566.00**

लेखा अधिकारी,एनडीडीटीसी,एम्स

प्रमुख,एनडीडीटीसी,एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 1- समग्र/पूंजीगत निधि:	**2022-23**		**2021-22**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	297,756,791.00	-	280,797,870.00	-
जमा: समग्र/पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	20,000,000.00	-	16,958,921.00	-
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	3,200,041.00		-	297,756,791.00
न्यून : भारत सरकार को अव्ययित अनुदान राशि की वापसी	4,031,569.00	310,525,181.00		
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**310,525,181.00**		**297,756,791.00**

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:	**2022-23**		**2021-22**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिवर्स)	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	14,963,213.00		1,356,585.87	
वर्ष के दौरान समायोजित	(16,347,926.21)	(1,384,713.21)	13,606,627.13	14,963,213.00
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
कुल	-	**(1,384,713.21)**	-	**14,963,213.00**

लेखा अधिकारी,एनडीडीटीसी,एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि-रू.)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट/अक्षय निधि	**कुल**	
	2022-23	**2021-22**
क) निधि का अथशेष	-	-
ख) निधि में परिवर्धन:	-	-
i. दान/अनुदान	-	-
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	-	-
iii. अन्य परिवर्धन (प्रकृति का उल्लेख करें)	-	-
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय	-	-
कुल (क+ख)	**0**	**0**
ग) निधि के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय	-	-
i. पूंजीगत व्यय	-	-
- स्थायी परिसंपत्तियां	-	-
- अन्य	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-
- किराया	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
कुल	-	-
कुल (ग)	-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)		**0**

लेखा अधिकारी,एनडीडीटीसी,एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 4-सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2022-23**		**2021-22**	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
ख) ब्याज अर्जित एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
- ब्याज अर्जित एवं देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
- ब्याज अर्जित एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0

नोट: एक वर्ष के दौरान देय राशि

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2022-23**	**2021-22**
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक:	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के दौरान देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2022-23**	**2021-22**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के दौरान देय राशि		

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2022-23		2021-22	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां	-	-	-	-
2. विविध ऋणदाता:	-	-	-	-
i) वस्तुओं हेतु (भुगतान किया जाने वाला सीमा शुल्क)	-	-	-	-
ii) एम्स को भुगतान की जाने वाली अन्य बाह्य वसूलियां (ओ.बी.)	13,155.00	13,155.00	13,155.00	13,155.00
3. जीआईए सामान्य से आहरित अग्रिम-डीटीसी योजना-परियोजना स्टाफ वेतन)	383,442.00	383,442.00	263,192.00	263,192.00
4. ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं:	-	-	-	-
i) सुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
ii) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. ब्याज अर्जित परंतु देय नहीं:	-	-	-	-
क) सुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
क) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
6. सांविधिक देयताएं:	-	-	-	-
क) अतिदेय	-	-	-	-
क) अन्य	-	-	-	-
7. प्रतिभूति जमा(ई.एम.डी.)	-	-	-	-
अथशेष	360,000.00	-	360,000.00	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वापसी	-	360,000.00	-	360,000.00
8. अन्य वर्तमान देयताएं	113,215.00	113,215.00	113,215.00	113,215.00
9. यूएनडीसीपी खाते से ऋण (अथशेष)	30,000,000.00		30,000,000.00	
वर्ष के दौरान यूएनडीसीपी खाते से ऋण	-			
न्यून : यूएनडीसीपी खाते में ऋण वापसी	30,000,000.00	-	-	30,000,000.00
10. एम्स (मुख्य) (ओ.बी.) से ऋण	20,000,000.00		35,000,000.00	
वर्ष के दौरान एम्स (मुख्य) से ऋण	30,000,000.00		40,000,000.00	
वर्ष के दौरान एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	15,000,000.00	35,000,000.00	55,000,000.00	20,000,000.00
कुल (क)		**35,869,812.00**		**50,749,562.00**
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. सेवानिवृत्ति/पेंशन	-	-	-	-
6. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-	-	-
6. ट्रेड वारंटी/दावे	-	-	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल (ख)				
कुल (क+ख)		**35,869,812.00**		**50,749,562.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्तियां

विवरण	सकल ब्लॉक				विमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/ मूल्य	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत/मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान परिवर्धन पर	वर्ष के दौरान कटौतियों पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 22-23 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 21-22 के अनुसार
क. **स्थायी परिसंपत्तियां :**										
1. भूमि:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पट्टे की भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. इंजीनियरिंग पूंजीगत कार्य	134,033,566.48	-		134,033,566.48	82,568.52	-	-	-	133,950,997.96	134,033,566.48
4. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	88,805,497.84	5,705,297.00	2,770,821.00	91,739,973.84	350,811.16	361,335.48			91,027,827.20	88,805,497.84
5. वाहन	16,761,636.34	-	-	16,761,636.34	216,488.66	-			16,545,147.68	16,761,636.34
6. फर्नीचर, फिक्सचर	18,218,966.82	1,763,932.00	203,447.00	19,779,451.82	154,457.18	173,023.16			19,451,971.48	18,218,966.82
7. कार्यालय उपकरण	942,329.39	574,955.00	-	1,517,284.39	9,974.61	109,241.45			1,398,068.33	942,329.39
8. कंप्यूटर/पेरीफेरल	2,673,719.80	1,475,111.00	225,773.00	3,923,057.80	541,990.20	292,195.26			3,088,872.34	2,673,719.80
9. विद्युत संस्थापन	-		-	-					-	-
10. पुस्तकालय पुस्तकें	60,675,540.00	6,449,135.42		67,124,675.42		-			67,124,675.42	60,675,540.00
11. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एस.ए.पी.)	2,114,165.46			2,114,165.46	19,394.54	-			2,094,770.92 -	2,114,165.46
वर्तमान वर्ष का कुल	**324,225,422.13**	**15,968,430.42**	**3,200,041.00**	**336,993,811.55**	**1,375,684.87**	**935,795.35**	**-**	**-**	**334,682,331.33**	**324,225,422.13**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सब्सिडी एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट किए जाएं)	-	-
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक राशि (दान)	-	-
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सब्सिडी एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (एनपीएस सावधि जमा)	-	-
7. दान का निवेश	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

				(राशि रूपयों में)	
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्तियां , ऋण, अग्रिम		2022-23		2021-22	
क वर्तमान परिसंपत्तियां :					
1. खरीद हेतु अग्रिम					
क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	255,000.00	-	255,000.00	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	65,000.00	-	100,000.00	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	65,000.00	255,000.00	100,000.00	255,000.00
ख) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम:	अथशेष	125,000.00	-	125,000.00	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	-	125,000.00	-	125,000.00
ग)डीटीसी योजना हेतु अग्रिम वेतन	अथशेष	263,192.00		263,192.00	263,192.00
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	383,442.00			
	वर्ष के दौरान समायोजित	263,192.00	383,442.00		
2. प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अग्रिम	अथशेष	668,169.00	-	1,904,072.00	-
	वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
	वर्ष के दौरान समायोजित	-	668,169.00	1,235,903.00	668,169.00
3. विविध देनदार:					
क) बकाया ऋण		-	-	-	-
ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)		-	-	-	-
ग) केंद्रों से विविध वसूलियां (इंजी. कार्य)		-	-	-	-
4. नकद राशि शेष (चैक/ ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		-	-	-	-
5.बैंक शेष:					
क) अनुसूचित बैंकों में:					
चालू खाते में		2,837,031.38	2,837,031.38	-	2,712,738.37
जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-	-	-	-
बचत खाते में		5,618,598.08	5,618,598.08	-	34,779,336.50
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:					
चालू खाते में		-	-	-	-
जमा खाते में		-	-	-	-
बचत खाते में		-	-	-	-
6. सीमा शुल्क अग्रिम			400,000.00		400,000.00
7. बाह्य वसूली			40,708.00		40,708.00
कुल (क)			**10,327,948.46**		**39,244,143.87**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्तियां , ऋण, अग्रिम आदि (जारी....)	2022-23		2021-22	
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण:				
क) स्टाफ	-	-	-	-
i) मोटर कार	-	-	-	-
ii) भवन निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
iii) कंप्यूटर अग्रिम	-	-	-	-
iv) त्यौहार अग्रिम	-	-	-	-
2. अग्रिम एवं नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त की जाने वाली अन्य वसूलनीय राशि				
क) पूंजीगत खाते में	-	-	-	-
ख) पूर्व भुगतान	-	-	-	-
ग) अन्य	-	-	-	-
3. उपार्जित आय:				
क) उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश पर	-	-	-	-
ख) निवेश पर - अन्य	-	-	-	-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	-	-
घ) अन्य	-	-	-	-
(अवसूलनीय देय रू....................की आय सम्मिलित है)				
4. प्राप्य दावे:	-	-	-	-
कुल (ख)		**-**		**-**
कुल (क + ख)		**10,327,948.46**		**39,244,143.87**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश	**2022-23**	**2021-22**
1) विक्रय से आय		
1.तैयार वस्तुओं की बिक्री	-	-
2. कच्चे माल की बिक्री	-	-
3. रद्दी की बिक्री	-	-
2) सेवओं से आय		
क). अस्पताल प्राप्तियां	557,442.00	227,766.00
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-
ड.) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्तियां	-	-
कुल	**557,442.00**	**227,766.00**

अनुसूची 13 - अनुदान /सब्सिडी	**2022-23**	**2021-22**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त सब्सिडी)		
1. केंद्र सरकार	351,300,000.00	325,481,634.00
2. राज्य सरकारें	-	-
3. सरकारी एजेंसियां	-	-
4.संस्थाएं/ कल्याण निकाय (एस.ए.पी.)	-	-
5.अंतर्राष्ट्रीय संगठन	-	-
6.अन्य (उल्लेख करें) एम्स से ऋण	-	-
कुल	**351,300,000.00**	**325,481,634.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 14 -शुल्क/अंशदान	**2022-23**	**2021-22**
1. ट्यूशन और परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क		
4.परामर्श शुल्क		
5. अन्य (उल्लेख करें) ई.एच.एस.		
कुल	**0**	**0**
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जाएं		

अनुसूची 15 -निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट/अक्षय निधि के निवेश पर आय)	**2022-23**	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**
1. आय				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
क) अन्य बॉन्ड्स/ऋणपत्र	-	-	-	-
2. लाभांश :				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
क म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3. किराया	-	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट/अक्षय निधि में स्थानांतरित				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2022-23**	**2021-22**
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (निर्दिष्ट)		
कुल	0	0

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	**2022-23**	**2021-22**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) संस्थानों में	-	-
घ) अन्य	-	-
2. बचत खाते पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों में	396,734.00	468,368.00
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) डाकघर बचत खाते	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋण पर:		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्य राशि पर ब्याज	-	-
कुल	**396,734.00**	**468,368.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र
दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2022-23	2021-22
1. विविध प्राप्ति	181,719.01	10.00
2. यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियां	12,000.00	5,946,130.00
3. अन्य (उल्लेख करें)		
कुल	**193,719.01**	**5,946,140.00**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि/ (कमी) एवं चालू कार्य	2022-23	2021-22
क) समापन भंडार	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: प्रारंभिक स्टॉक	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 - स्थापना व्यय	2022-23	2021-22
वेतन	186,292,949.00	164,574,158.00
वेतन व्यय		
एन.पी.एस. के लिए अंशदान	11,307,051.00	12,169,985.00
अन्य निधियों हेतु अंशदान (स्कीम सैल)	-	-
स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
कर्मचारीगण के ":सेवानिवृत्ति एवं हितलाभ" पर व्यय	-	-
अन्य (एन.पी.एस. एवं एल.एस.पी.सी.)	-	-
कुल	**197,600,000.00**	**176,744,143.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21 - प्रशासनिक व्यय आदि	**2022-23**	**2021-22**
क) अस्पताल भंडार की खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	41,014,560.00	33,257,934.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं	1,904,555.00	-
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	65,000.00	100,000.00
घ) सुरक्षा एवं संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन	38,237,589.00	34,349,597.00
ड.) विद्युत एवं बिजली	6,471,941.00	5,799,193.00
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	84,803.00	35,000.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	152,594.00	659,240.00
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	18,328,105.00	10,086,184.00
झ) किराया, दर एवं कर	309,020.00	-
ञ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण	3,237,841.00	2,660,641.00
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	334,431.00	85,010.00
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	931,783.00	1,058,233.00
ढ) यात्रा एवं परिवहन व्यय	-	
ण) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत व्यय	-	
त) डीटीसी योजना के अंतर्गत व्यय	49,879,750.00	47,161,364.00
थ) टीडीएस	747,577.00	598,034.00
द) जीएसटी	1,971,906.00	1,868,450.00
ध) वाहन का बीमा	29,743.00	119,630.00
न) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	5,778.00	8,000.00
प) डीटीसी अग्रिम वेतन हेतु प्रावधान	-	-
फ) बट्टे खाते का अवसूलनीय शेष	-	-
ब) रोगी आहार	3,461,493.00	686,259.00
भ) स्वा. एवं परि.कल्या. मंत्रालय को अदा मालभाडा एवं अग्रेषण व्यय ब्याज	468,368.00	-
म) किराए पर लिए गए वाहन	923,850.00	628,781.00
य) विविध व्यय	323,654.00	-
र) अन्य (उल्लेख करें) (आकस्मिक शुल्क)(अग्रिमों का समायोजन)	-	1,235,903.00
कुल	**168,884,341.00**	**140,397,453.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्ति एवं भुगतान के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21क - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2022-23**	**2021-22**
क) अस्पताल भंडार की खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	-	33,257,934.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं	1,904,555.00	-
ग विविध व्यय (अग्रिमों का समायोजन)	65,000.00	-
घ) सुरक्षा एवं संविदा कर्मचारियों हेतु मजदूरी	38,237,589.00	34,349,597.00
ड.) विद्युत एवं बिजली	6,471,941.00	5,799,193.00
च) अग्रदाय समायोजन (20-21)	84,803.00	35,000.00
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	152,594.00	659,240.00
ज) भवन की मरम्मत एवं अनुरक्षण	18,328,105.00	10,086,184.00
झ) किराया, दर एवं कर	309,020.00	-
ञ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण	3,237,841.00	2,660,641.00
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	334,431.00	85,010.00
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	931,783.00	1,058,233.00
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	-
ढ) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत व्यय		
ण) डीटीसी स्कीम के अंतर्गत व्यय	49,879,750.00	47,161,364.00
त) टीडीएस	747,577.00	598,034.00
थ) जीएसटी	1,971,906.00	1,868,450.00
द) वाहन बीमा	29,743.00	119,630.00
ध) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	5,778.00	8,000.00
न) डीटीसी अग्रिम वेतन हेतु प्रावधान	-	-
प) बट्टे खाते का अवसूलनीय शेष	-	-
फ) रोगी आहार	3,461,493.00	686,259.00
ब) स्वा. एवं परि.कल्या. मंत्रालय को अदा मालभाडा एवं अग्रेषण व्यय ब्याज	468,368.00	-
भ) किराए पर लिए गए वाहन	923,850.00	628,781.00
म) विविध व्यय	323,654.00	-
य) अन्य (उल्लेख करें)(आकस्मिक शुल्क)(अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**127,869,781.00**	**139,061,550.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में मंजूरी

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	**2022-23**	**2021-22**
अस्पताल भंडार (सामग्री एवं आपूति की खरीद)	41,014,560.00	-
कुल	**41,014,560.00**	**-**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में मंजूरी

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 22- अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**2022-23**	**2021-22**
क). संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख). संस्थानों/संगठनों को दी गई सब्सिडी	-	-
कुल	-	-
नोट - अनुदानो /सब्सिडी की राशि के साथ इकाइयो के नाम, उनकी गतिविधियो को प्रकट किया जाए।		

अनुसूची 23- ब्याज	**2022-23**	**2021-22**
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी,एनडीडीटीसी,एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.3.2023 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
1.अथशेष			**1.व्यय**		
(क)नकद राशि	-	-	(क)स्थापना व्यय (अनुसूची 20)	6,052,740.00	5,529,439.00
(ख)बैंक शेष	-	-	(ख)प्रशासनिक व्यय (अनुसूची 21)	78,750,902.00	69,285,762.00
(i)चालू खाते में	87,424,814.16	160,848,440.16			
(ii)जमा खाते में	-	-	**2.अग्रिम भुगतान**		
(iii)बचत खाते में	9,032.50	8,350.50	i) सामग्री एवं आपूर्ति	-	4,000.00
			ii) प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु अस्थायी अग्रिम (डीटीसी योजना)	-	-
			iii) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु	-	-
2.प्राप्त अनुदान			**3.निवेश एवं जमा किया**	-	-
क) विश्व स्वास्थ्य सगठन से	-		(क)उद्दिष्ट/अक्षय निधि में से	-	-
ख) एनएफसीडीए से	228,203.00	150,000.00	(ख)निजी निधियों में से (निवेश-अन्य)	-	-
ग) सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से	770,000.00	1,522,805.00			
घ) सीबीपी से	600,000.00		**4.स्थायी परिसंपत्ति एवं पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय**		
			(क)स्थायी परिसंपतियों की खरीद (अनुसूची 8)	-	277,230.00
			(ख)पूंजीगत चालू कार्य पर व्यय	-	-
				-	-
3.निवेश पर आय, द्वारा			**5.अधिशेष राशि/ऋण की वापसी**	-	-
क)उद्दिष्ट/अक्षय निधि	-	-	(क)भारत सरकार को	-	-
ख) निजी निधि (अन्य निवेश)	-	-	(ख)राज्य सरकार को	-	-
			(ग) एम्स को ऋण की वापसी (अनुसूची 7)		
4.प्राप्त ब्याज			(घ) यूएनडीसीपी खाते को वापसी	-	-
(क) बैंक जमा पर	44,733.00	682.00	**6.वित्त शुल्क (ब्याज)**	-	-
(ख)ऋण, अग्रिम आदि	-	-			
	-	-	**7.अन्य भुगतान (निर्दिष्ट करें)**		
5. अस्पताल सेवाओं से आय	-	-	बाह्य वसूलियां (जीपीएफ, एनपीएस, एचबीए, आयकर, लाइसेंस शुल्क आदि)	-	-
अस्पताल प्राप्तियां	-	-	(क) परियोजनाएं	-	-
6.अन्य आय	-	-	(ख) धरोहर राशि जमा की वापसी	-	-
विविध प्राप्तियां	127,153.00	-	(ग) कर्मचारियों से वसूली भुगतान	-	-
यूएनडीसीएपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत पर प्राप्तिया	-	-	i) कर्मचारियों से प्राप्त वसूलियां एम्स (मुख्य) को प्रेषित	-	-
रा.औ.नि.उप.कें. से प्राप्त ऋण	30,000,000.00	-	एम्स/बाह्य, बकाया वसूली (अनुसूची 7)	-	-
7.उधार ली गई राशि	-	-	ii) बाह्य वसूली	-	-
एम्स से ऋण (मुख्य)	-	-	iii) जीपीएफ (अंशदान और अग्रिम) जीपीएफ अनुभाग एम्स मुख्य को वापसी	-	-
यूएनडीसीपी खाते से ऋण	-	-	iv) एनपीएस से बैंक को वसूली	-	-
8. कोई अन्य प्राप्तियां	-	-	v) एनपीएस से वसूली (पीआरएएन के बिना) जीपीएफ अनुभाग से एम्स मुख्य को वापसी	-	-
क)परियोजनाएं	-	-	पिछले वर्ष की वसूली	-	-

यूएनडीसीपी लेखा

31.3.2023 को समाप्त माह हेतु प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
(ख) धरोहर राशि जमा	-	-	**ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां**		
(ग) कर्मयारियों से वसूली (आयकर)	-	-	सामग्री एवं आपूर्ति की खरीद हेतु अग्रिम भुगतान	-	-
i) कर्मचारियों से वसूली	-	-	कंप्यूटर अग्रिम	-	-
ii) बाह्य वसूलिनयां	-	-	त्यौहार अग्रिम	-	-
iii) जीपीएफ (अंशदान एवं अग्रिम)	-	-	वसूली/कटौती (इंजी. कार्य)	-	-
iv) एनपीएस वसूली	-	-	वसूली/कटौती (गैर-इंजी. कार्य)	-	-
v) एनपीएस वसूली (पीआरएएन के बिना)	-	-	एनडीडीटीसी को ऋण (अनुसूची सं.11)	-	-
vi)इंजी. कार्यों से वसूली	-	-	**8.अंत शेष**	-	-
9.ऋण,अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति /वसूली	-	-	(क)नकद राशि	-	-
कार अग्रिम वसूली	-	-	(ख)बैंक शेष	-	-
कंप्यूटर अग्रिम वसूली	-	-	(i)चालू खाते में	-	87,424,814.16
भवन निर्माण अग्रिम वसूली	-	-	(ii)जमा खाते में	-	-
त्यौहार अग्रिम वसूली	-	-	(iii)बचत खाते में	34,400,293.66	9,032.50
वसूली/कटौती (इंजी. कार्य)	-	-		-	-
वसूली/कटौती (इंजी. कार्यों के अतिरिक्त)	-	-		-	-
कुल	**119,203,935.66**	**162,530,277.66**	**कुल**	**119,203,935.66**	**162,530,277.66**

-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी,एम्स

प्रमुख,एनडीडीटीसी,एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त माह हेतु आय एवं व्यय लेखा

आय	**अनुसूची**	**2022-23**	**2021-22**
विक्रय/सेवाओं (अस्पताल प्राप्तियों) से आय	12	-	-
अनुदान/सब्सिडी	13	1,598,203.00	1,672,805.00
शुल्क/अंशदान	14	-	-
निवेश से आय (निधि में अंतरित उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश पर आय)	15	-	-
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16	-	-
अर्जित ब्याज	17	44,733.00	682.00
अन्य आय	18	127,153.00	-
तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं चालू कार्य	19		
कुल (क)		**1,770,089.00**	**1,673,487.00**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	6,052,740.00	5,529,439.00
प्रशासनिक व्यय आदि	21क	54,869,270.00	69,289,762.00
सामग्री एवं आपूर्ति	21ख	23,881,632.00	-
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22	-	-
ब्याज	23	-	-
अवमूल्यन (अनुसूची 8 में संगत- समाप्त वर्ष पर शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**84,803,642.00**	**74,819,201.00**
आय पर व्यय की अधिकता से होने वाला शेष (क-ख)		(83,033,553.00)	(73,145,714.00)
विशेष रिजर्व में अंतरित (प्रत्येक का उल्लेख करें)		-	-
सामान्य रिजर्व में /से अंतरित		-	-
समग्र/पूंजीगत निधि में अग्रेषित शेष अधिशेष /(कमी)		**1,770,089.00**	**1,673,487.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख,एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र

(राशि रूपयों में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**अनुसूची**	**2022-23**	**2021-22**
समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	**1**	-	-
रिजर्व और अधिशेष	**2**	72,723,343.66	155,756,896.66
उद्दिष्ट/ अक्षय निधि	**3**	-	-
सुरक्षित ऋण एवं उधार	**4**	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	**5**	-	-
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	**6**	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	**7**	-	-
कुल		**72,723,343.66**	**155,756,896.66**
परिसंपत्ति			
स्थायी परिसंपत्ति	**8**	38,278,050.00	38,278,050.00
निवेश-उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से	**9**	-	-
निवेश-अन्य	**10**	-	-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	**11**	34,445,293.66	117,478,846.66
विविध व्यय		-	-
(बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)		-	-
कुल		**72,723,343.66**	**155,756,896.66**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

प्रमुख,एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 1- समग्र/पूंजीगत निधि:	**2022-23**		**2021-22**	
वर्ष के प्रारंभ के अनुसार शेष	-	-	-	-
जमा : समग्र/पूंजीगत निधि के लिए अंशदान	-	-	-	-
न्यून : वर्ष के दौरान निराकृत स्थायी परिसंपत्ति	-	-	-	-
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष		**-**		**-**

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:	**2022-23**		**2021-22**	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौती	-	-	-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
3. विशेष रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	-	-	-	-
वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां (एम्स ऋण रिजर्व)	-	-	-	-
4. सामान्य रिजर्व				
पिछले खाते के अनुसार	155,756,896.66		228,902,610.66	
वर्ष के दौरान समायोजित	(83,033,553.00)	72,723,343.66	(73,145,714.00)	155,756,896.66
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	-	-	-	-
कुल	-	**72,723,343.66**	**-**	**155,756,896.66**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट/अक्षय निधि	**कुल**	
	2022-23	**2021-22**
क) निधियों का अथशेष	-	-
ख) निधि में जमा:	-	-
i. दान/अनुदान	-	-
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय	-	-
iii. अन्य परिवर्धन (प्रकार का उल्लेख करें)	-	-
iv वर्ष के दौरान न्यून व्यय	-	-
कुल (क+ख)	**0**	**0**
ग) निधियों के उद्देश्यों कें लिए उपयोग/व्यय	-	-
i. पूंजीगत व्यय	-	-
- स्थायी परिसंपत्तियां	-	-
- अन्य	-	-
ii. राजस्व व्यय	-	-
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि	-	-
- किराया	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	-	-
कुल	-	-
कुल (ग)	-	-
समाप्त वर्ष के अनुसार शुद्ध शेष (क+ख-ग)	**0**	**0**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 4-सुरक्षित ऋण एवं उधार:	**2022-23**		**2021-22**	
1. केंद्र सरकार	-	-	-	-
2. राज्य सरकार	-	-	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-	-	-
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
ख) अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
4. बैंक:				
क) सावधि ऋण	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
- अर्जित ब्याज एवं देय	-	-	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-	-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
नोट : एक वर्ष के दौरान देय राशि				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	**2022-23**	**2021-22**
1. केंद्र सरकार	-	-
2. राज्य सरकार	-	-
3. वित्तीय संस्थान	-	-
4. बैंक :	-	-
क) सावधि ऋण	-	-
ख अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)	-	-
5. अन्य संस्थान एवं एजेंसियां	-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
7. सावधि जमा	-	-
8. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के दौरान देय राशि		

अनुसूची 6 - आस्थगित जमा देयताएं:	**2022-23**	**2021-22**
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रखकर प्राप्त स्वीकृतियां	-	-
ख) अन्य	-	-
कुल	0	0
नोट: एक वर्ष के दौरान देय राशि		

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 7 - वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	2022-23		2021-22	
क. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान				
1. स्वीकृतियां	-	-	-	-
2. विविध ऋणदाता:	-	-	-	-
i) वस्तुओं हेतु (सीमा शुल्क देय है)	-	-	-	-
ii) एम्स को भुगतान की जाने वाली अन्य बाह्य वसूलियां (ओ.बी.)				
3. प्राप्त अग्रिम	-	-	-	-
4.ब्याज उपार्जित परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
i) सुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
ii) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
5. ब्याज उपार्जित परंतु निम्न पर देय नहीं:	-	-	-	-
क) सुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
क) असुरक्षित ऋण/उधार	-	-	-	-
6. सांविधिक देयताएं:	-	-	-	-
क) अतिदेय	-	-	-	-
क) अन्य	-	-	-	-
7. प्रतिभूति जमा (ईएमडी)	-	-	-	-
अथशेष	-	-	-	-
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-	-	-
वर्ष के दौरान वापसी	-	-	-	-
8. अन्य वर्तमान देयताएं	-	-	-	-
9. यूएनडीसीपी ओ.बी. खाते से ऋण	-	-	-	-
यूएनडीसीपी खाते से ऋण	-	-	-	-
न्यून : यूएनडीसीपी खाते को ऋण वापसी	-	-	-	-
10. एम्स (मुख्य) से ऋण (ओ.बी.)	-	-	-	-
एम्स (मुख्य) से ऋण	-	-	-	-
एम्स (मुख्य) को ऋण वापसी	-	-	-	-
कुल (क)		-		-
ख. प्रावधान				
1. कराधान हेतु	-	-	-	-
2. उपदान	-	-	-	-
3. अधिवर्षिता/पेंशन	-	-	-	-
6. संचित अवकाश नकदीकरण	-	-	-	-
6. ट्रेड वारंटीज/दावे	-	-	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल (ख)	-	-	-	-
कुल (क+ख)		-		-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्ति

विवरण	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/मूल्य	वर्ष के दौरान जमा	वर्ष के दौरान कटौतियां	वर्ष समाप्ति पर लागत/मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	वर्ष के दौरान जमा पर	वर्ष के दौरान कटौती पर	वर्ष समाप्ति तक कुल	वर्तमान समाप्त वर्ष 22-23 के अनुसार	गत समाप्त वर्ष 21-22 के अनुसार
क. स्थायी परिसंपत्ति:										
1. भूमि:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) पूर्ण स्वामित्व	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
2. भवन:	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) इंजीनियरिंग संबंधी पूंजीगत कार्य	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ख) पट्टे की भूमि पर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
3. संयंत्र मशीनरी एवं उपकरण	38,278,050.00	-	-	38,278,050.00	-	-	-	-	38,278,050.00	38,278,050.00
4. वाहन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
5. फर्नीचर, फिक्स्चर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6. कार्यालय उपकरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
7. कंप्यूटर/पेरीफेरल	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
8. विद्युत संस्थापन	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
9. पुस्तकालय पुस्तकें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
10. अन्य स्थायी परिसंपत्ति (एसएपी)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वर्तमान वर्ष का कुल	**38,278,050.00**	**-**	**-**	**38,278,050.00**	**-**	**-**	**-**	**-**	**38,278,050.00**	**38,278,050.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट / अक्षय निधि से निवेश	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. शेयर	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
7. बैंक खाता खोलने के लिए प्रारंभिक राशि (दान)	-	-
कुल	**0**	0

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में	-	-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	-	-
3. एनडीडीटीसी हेतु ऋण	-	-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स	-	-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम	-	-
6. अन्य (एनपीएस सावधि जमा)	-	-
7.दान का निवेश	-	-
कुल	-	-

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

						(राशि रूपयों में)	
अनुसूची 11 - वर्तमान परिसंपत्ति , ऋण, अग्रिम आदि				2022-23		2021-22	
क	वर्तमान परिसंपत्ति :						
	1. खरीद हेतु अग्रिम						
		क) सामग्री एवं आपूर्ति	अथशेष	45,000.00	-	45,000.00	-
			वर्ष के दौरान जमा	-	-	4,000.00	-
			वर्ष के दौरान समायोजित	-	-	4,000.00	-
				45,000.00	45,000.00	45,000.00	45,000.00
		ख) नर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम:	अथशेष				
			वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
			वर्ष के दौरान समायोजित	-	-	-	-
	2. एनडीडीटीसी हेतु ऋण		अथशेष	30,000,000.00	-	30,000,000.00	-
			वर्ष के दौरान जमा	-	-	-	-
			वर्ष के दौरान समायोजित	30,000,000.00	-	-	-
				-	-	30,000,000.00	30,000,000.00
	3. विविध देनदार:				.		.
		क) बकाया ऋण		-	-	-	-
		ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)		-	-	-	-
		ग) केंद्रों से विविध वसूलियां (इंजी. कार्य)		-	-	-	-
	4. नकद राशि शेष (चैक/ ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)			-	-	-	-
	5.बैंक शेष:						
		क) अनुसूचित बैंकों में:					
		चालू खाते में		-	-	-	87,424,814.16
		जमा खाते में (मार्जिन राशि सहित)		-	-	-	-
		जमा खाते में		34,400,293.66	34,400,293.66	-	9,032.50
		ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में::					
		चालू खाते में		-	-	-	-
		जमा खाते में		-	-	-	-
		बचत खाते में		-	-	-	-
	6. सीमा शुल्क अग्रिम			-	-	-	-
	7. बाहय वसूलियां			-	-	-	-
	कुल (क)				**34,445,293.66**		**117,478,846.66**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा
दिनांक 31.3.2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 11ख - वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि (जारी)	2022-23		2021-22	
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियां				
1. ऋण:				
क) स्टाफ	-	-	-	-
i) मोटर कार	-	-	-	-
ii) भवन निर्माण अग्रिम	-	-	-	-
iii) कंप्यूटर अग्रिम	-	-	-	-
iv) त्यौहार अग्रिम	-	-	-	-
2. अग्रिम एवं नकद अथवा माल के रूप में अथवा प्राप्त की जाने वाली अन्य वसूलनीय राशि:				
क) पूंजीगत खाते में	-	-	-	-
ख) पूर्व भुगतान	-	-	-	-
ग) अन्य	-	-	-	-
3. प्रोद्भूत आय:				
क) उद्दिष्ट /अक्षय निधि से निवेश पर	-	-	-	-
ख) निवेश पर - अन्य	-	-	-	-
ग) ऋण एवं अग्रिम पर	-	-	-	-
घ) अन्य	-	-	-	-
(अवसूली देय रू. ...... की आय शामिल है)				
4. वसूलनीय दावे:	-	-	-	-
कुल (ख)		**0**		**0**
कुल (क+ ख)		**34,445,293.66**		**117,478,846.66**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 12 - उद्दिष्ट /अक्षय निधि से निवेश	**2022-23**	**2021-22**
1) विक्रय से आय		
1. तैयार सामग्री की बिकी	-	-
2. कच्ची सामग्री की बिक्री	-	-
3. रद्दी की बिक्री	-	-
2) सेवाओं से आय		
क). अस्पताल प्राप्तियां	-	-
ख) व्यवसायिक / परामर्श सेवाएं	-	-
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली	-	-
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)	-	-
ड.) अन्य (उल्लेख करें) अस्पताल प्राप्तियां	-	-
कुल	**-**	**-**

अनुसूची 13 - अनुदान/सब्सिडी	**2022-23**	**2021-22**
1) विक्रय से आय		
(अप्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. वि.स्वा.सं. से	-	
2. एनएफसीडीए से (केंद्रों से प्राप्त अव्ययित अनुदान राशि)	228,203.00	150,000.00
3. सामाजिक न्याय एवं आधिकारिता मंत्रालय से	770,000.00	1,522,805.00
4.सीबीपी	600,000.00	
कुल	**1,598,203.00**	**1,672,805.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 14 - शुल्क/अंशदान	**2022-23**	**2021-22**
1.ट्यूशन एवं परीक्षा शुल्क		
2. लाइसेंस शुल्क		
3. सेमिनार/कार्यक्रम शुल्क		
4. परामर्श शुल्क		
5. अन्य(निर्दिष्ट करें) ईएचएस		
कुल	**0**	**0**
नोट- प्रत्येक मद के लिए लेखांकन नीतियां प्रकट की जाएं		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	**उद्दिष्ट निधि से निवेश**		**निवेश-अन्य**	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट/अक्षय निधि के निवेश पर आय)	**2022-23**	**2021-22**	**2022-23**	**2021-22**
1. ब्याज				
क) सरकारी प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
क) अन्य बॉन्ड्स/ऋणपत्र	-	-	-	-
2. लाभांश:				
क) शेयरों पर	-	-	-	-
क) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर	-	-	-	-
3. किराया	-	-	-	-
4. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-	-	-
कुल	0	0	0	0
उद्दिष्ट/अक्षय निधि में अंतरित				

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 16 - रॉयल्टी, प्रकाशन आदि से आय	**2022-23**	**2021-22**
1. रॉयल्टी से आय	-	-
2. प्रकाशन से आय	-	-
3. अन्य (निर्दिष्ट करें)	-	-
कुल	0	0

अनुसूची 17 -अर्जित ब्याज	**2022-23**	**2021-22**
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों में	-	-
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) संस्थानों में	-	-
घ) अन्य	-	-
2. बचत खाते पर:	-	-
क) अनुसूचित बैंकों में	44,733.00	682.00
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में	-	-
ग) डाकघर बचत खाते में	-	-
घ) अन्य	-	-
3. ऋण पर:		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ	-	-
ख) अन्य	-	-
4. देनदारों एवं अन्य प्राप्त करने योग्य राशि पर ब्याज	-	-
कुल	**44,733.00**	**682.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 18 - अन्य आय	2022-23	2021-22
1. विविध प्राप्ति	85,008.00	-
2.यूएनडीसीपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत प्राप्तियां	-	-
3. डीडीएपी खाते से अधिक भुगतान किए गए वेतन की पुन:प्राप्ति	42,145.00	-
कुल	**127,153.00**	**-**

अनुसूची 19 - तैयार वस्तुओं के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं चालू कार्य	2022-23	2021-22
क) समापन भंडार	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
ख) न्यून: अथ भंडार	-	-
- तैयार वस्तुएं	-	-
- चालू कार्य	-	-
शुद्ध वृद्धि/(कमी) [क+ख]	-	-

अनुसूची 20 -स्थापना व्यय	2022-23	2021-22
वेतन	6,052,740.00	5,529,439.00
यूएनडीसीपी खाते से 5% प्रशासनिक लागत के तहत वेतन व्यय	-	-
एनपीएस के लिए अंशदान	-	-
अन्य निधियों में अंशदान (स्कीम सेल)	-	-
स्टाफ कल्याण व्यय	-	-
कर्मचारीगण के "सेवानिृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"	-	-
अन्य (एनपीएस एवं एलएसपीसी)	-	-
कुल	**6,052,740.00**	**5,529,439.00**

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु प्राप्तियों एवं भुगतान के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	**2022-23**	**2021-22**
क) अस्पताल भंडार खरीद (सामग्री एवं आपूर्ति)	23,881,632.00	15,800,643.00
ख) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	-	-
ग) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	-	-
घ) सुरक्षा एवं संविदा कर्मचारियों हेतु वेतन	-	-
ड.) विद्युत एवं बिजली	-	-
च) अग्रदाय समायोजित (20-21)	-	-
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	-	-
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-
झ) किराया, दर एवं कर	-	-
ञ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण	-	-
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	-	-
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	-
ढ) विभिन्न केंद्रों को निधियों का अंतरण	53,857,800.00	42,104,550.00
ण) एनडीडीटीसी हेतु 5% अनुदान अंतरित	12,000.00	5,946,130.00
प) डीएसटी के अंतर्गत लाइन कार्यक्रम व्यय	-	150,000.00
फ) भवनों का अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
भ) विविध व्यय	222,947.00	52,033.00
म) बैंक प्रभार (चालू एवं बचत खाता)	-	-
य) जीएसटी	426,470.00	-
र) बट्टे खाते का अवसूलनीय शेष	-	-
ल) वित्त मंत्रालय को शेष राशि की वापसी	350,053.00	5,232,406.00
व) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
स) वाहन किराया	-	-
श) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
ह) अन्य (निर्दिष्ट करें)(आकस्मिक प्रभार)(अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**78,750,902.00**	**69,285,762.00**

लेखा अधिकारी

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 21क - प्रशासनिक व्यय आदि	**2022-23**	**2021-22**
क) हाउसकीपिंग सेवाएं (एसएपी)	-	-
ख) विविध व्यय (अग्रिम समायोजन)	-	4,000.00
ग) सुरक्षा और संविदा कर्मचारियों के लिए मजदूरी	-	-
घ) विद्युत एवं बिजली	-	-
ड.) अग्रदाय समायोजित (22-23)	-	-
च) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)	-	-
छ) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	-	-
ज) किराया, दर एवं कर	-	-
झ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण	-	-
ञ) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार	-	-
ट) मुद्रण एवं लेखन सामग्री	-	-
ठ) यात्रा एवं वाहन व्यय	-	-
ड) विभिन्न केंद्रों हेतु निधि का अंतरण	53,857,800.00	42,104,550.00
ढ) एनडीडीटीसी हेतु 5% अनुदान अंतरित	12,000.00	5,946,130.00
ण) डीएसटी के अंतर्गत लाइन कार्यक्रम पर व्यय	-	150,000.00
त) भवनों का अनुरक्षण (लघु कार्य आरजी)	-	-
थ) विविध व्यय	222,947.00	52,033.00
न) बैंक प्रभार (वर्तमान एवं बचत खाता)	-	-
प) जीएसटी	426,470.00	-
फ) बट्टे खाते का अवसूलनीय शेष	-	-
ब)वित्त मंत्रालय को शेष राशि की वापसी	350,053.00	5,232,406.00
भ) भार एवं अग्रेषण व्यय	-	-
म) वाहन भाड़ा	-	-
य) विज्ञापन एवं प्रचार	-	-
र) अन्य (उल्लेख करें)(आकस्मिक प्रभार)(अग्रिमों का समायोजन)	-	-
कुल	**54,869,270.00**	**53,489,119.00**

लेखा अधिकारी

यूएनडीसीपी लेखा

दिनांक 31.3.2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रूपयों में)

अनुसूची 22-अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	**2022-23**	**2021-22**
क). संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान	-	-
ख). संस्थानों/संगठनों को दी गई सब्सिडी	-	-
कुल	0	0
नोट - अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों के नाम, उनकी गतिविधियों को प्रकट किया जाए।		

अनुसूची 23- ब्याज	**2022-23**	**2021-22**
क) मियादी ऋणों पर	-	-
ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित)	-	-
ग) अन्य (उल्लेख करें)	-	-
कुल	0	0

लेखा अधिकारी, एनडीडीटीसी, एम्स

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन-पत्र

(राशि-रू.)

संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	अनुसूची	2022-23	2021-22
संग्रह/पूंजीगत निधि एवं देयताएं	1		
रिजर्व एवं अधिशेष	2	323,511,967	(58,830,103)
उद्दिष्ट /विन्यास निधि	3	1,132,898,882	1,229,205,621
सुरक्षित ऋण एवं उधार	4		
असुरक्षित ऋण एवं उधार	5		
आस्थगित क्रेडिट देयताएं	6		
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	103,452,125	177,090,888
कुल		**1,559,862,974**	**1,347,466,406**
परिसंपत्ति			
स्थायी संपत्ति	8		-
उद्दिष्ट/ विन्यास निधि से निवेश	9		-
निवेश-अन्य	10		-
वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण एवं अग्रिम आदि	11	1,559,862,974	1,347,466,406
विविध व्यय (बट्टे खाते अथवा समायोजित की सीमा तक नहीं)			-
कुल		**1,559,862,974**	**1,347,466,406**
लेखा की लेखा नीतियों एवं टिप्पणियों के रूप में भाग	24		

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष का आय एवं व्यय लेखा

(राशि-रू.)

आय	अनुसूची	2022-23	2021-22
विक्रय / सेवाओं से आय	12		-
अनुदान/सब्सिडी	13	2,067,822,468	1,627,502,325
शुल्क/अंशदान	14		
निवेश से आय (निधि से अंतरित उद्दिष्ट/स्थायी निधि से निवेश पर आय)	15		
रॉयल्टी, प्रकाशन आदि के लिए आय	16		
अर्जित ब्याज	17	12,620,211	-
अन्य आय	18		
तैयार वस्तुओं एवं कार्य प्रगति के भंडार मे वृद्धि/(कमी)	19		-
कुल (क)		**2,080,442,679**	**1,627,502,325**
व्यय			
स्थापना व्यय	20	757,806,503	740,331,996
अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	21	448,629,624	416,098,102
सामग्री एवं आपूर्ति	21B	491,664,483	543,639,921
अनुदान, सब्सिडी आदि पर व्यय	22		-
ब्याज	23		-
अवमूल्यन (समाप्ति वर्ष- अनुसूची 8 हेतु तदनुरूप शुद्ध योग)			
कुल (ख)		**1,698,100,610**	**1,700,070,019**
व्यय पर आय अधिकता (क-ख) में होने वाला शेष		**382,342,069**	**(72,567,694)**
विशेष रिजर्व हेतु अंतरण (प्रत्येक उल्लिखित)			
सामान्य रिजर्व से/को अंतरण			
समग्र/पूंजीगत निधि में लाया गया अधिशेष/ (कमी)		**382,342,069**	**(72,567,694)**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1-संग्रह/पूंजीगत निधि:	2022-23		2021-22	
वर्ष के प्रारंभ में शेष			-	-
जमा : संग्रह/पूंजी निधि के लिए अंशदान			-	-
न्यून: वर्ष के दौरान निस्तारण			-	-
वर्ष समाप्ति के अनुसार शेष			-	-

अनुसूची 2- रिजर्व एवं अधिशेष:			2021-22	
1. पूंजीगत रिजर्व:				
गत लेखा के अनुसार			-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा			-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां			-	-
2. पुनर्मूल्यांकन रिजर्व			-	-
गत लेखा के अनुसार			-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा			-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां			-	-
3. विशेष रिजर्व			-	-
गत लेखा के अनुसार			-	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा			-	-
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां			-	-
4. सामान्य रिजर्व			-	-
गत लेखा के अनुसार	(58,830,102.29)		13,737,591.96	-
समीक्ष्य वर्ष में जमा			-	
गत वर्ष हेतु समायोजन				
न्यून: वर्ष के दौरान कटौतियां	382,342,068.60		(72,567,694.25)	
कुल	**323,511,966.31**		**(58,830,102.29)**	-

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि-रू.)

अनुसूची 3 - उद्दिष्ट/अक्षय निधि	2022-23	2021-22
क) निधियों का अथशेष	1,229,205,622	1,606,574,887
ख) निधियों में जमा:		368,393,013
न्यून: वित्त एजेंसियों को वापस की गई राशि	(320,983,459)	91,296,558
ii. निधियों के खाते से किए गए निवेश से आय		
iii.सीएसआर अस्पताल बिलिंग एम्स		-
iv. अन्य जमा (असमायोजित शेष)	663,836,677	
iv. बैंक अथशेष हेतु अन्य असमायोजन	-	(624,735,322)
iv. बैंक अथशेष में अंतर हेतु अन्य असमायोजन	(439,159,958)	(29,730,398)
कुल (क+ख)	**1,132,898,883**	**1,229,205,622**
ग) निधियों के उद्देश्यों के लिए उपयोग/व्यय		
i. पूंजी व्यय		
- स्थायी परिसंपत्ति		-
- अन्य		
ii. राजस्व व्यय		
- वेतन, मजदूरी एवं भत्ते आदि		-
- किराया		-
- अन्य प्रशासनिक व्यय आदि		-
कुल		**-**
वर्ष समाप्ति (क+ख-ग) पर शुद्ध योग		**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

अनुसूची 4-सुरक्षित ऋण एवं उधार:	2022-23		2021-22	
1. केंद्र सरकार			-	-
2. राज्य सरकार			-	-
3. वित्तीय संस्थाएं			-	-
क) मियादी ऋण			-	-
ख) उपार्जित ब्याज एवं देय			-	-
4. बैंक:				
क) मियादी ऋण			-	-
- उपार्जित ब्याज एवं देय			-	-
ख) अन्य ऋण (निर्दिष्ट करें)				
- उपार्जित ब्याज एवं देय			-	-
5. अन्य सस्थान एव एजेंसिया			-	-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स			-	-
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)			-	-
कुल			**-**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

(राशि-रू.)

अनुसूची 5 - असुरक्षित ऋण एवं उधार	2022-23	2021-22
1. केंद्र सरकार		-
2. राज्य सरकार		-
3. वित्तीय संस्थाएं		-
4. बैंक:		-
क) मियादी ऋण		-
ख) अन्य ऋण (उल्लिखित करें)		-
5. अन्य संस्थाएं एवं एजेंसियां		-
6. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		-
7. सावधि जमा		-
8. अन्य (उल्लिखित करें)		-
कुल		**-**

नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि

अनुसूची 6 - आस्थगित क्रेडिट देयताएं:	2022-23	2021-22
क) पूंजीगत उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों को बंधक रख कर अर्जित स्वीकृतियां		-
ख) अन्य		-
कुल		**-**

नोट: एक वर्ष के भीतर देय राशि

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

अनुसूची 7 - वतमान दयताए एव प्रावधान	2022-23		2021-22	
क. <u>वतमान देयताएं एवं प्रावधान</u>				
1. स्वीकृतियां			-	-
2. विविध ऋणदाता:			-	-
i) वस्तुओं हेतु			-	-
ii) अन्य	79,701,725.00		-	159,621,648.26
3. प्राप्त अग्रिम			-	
4. ब्याज उपार्जित किंतु निम्न पर देय नहीं:			-	
क) सुरक्षित ऋण/उधार			-	
क) असुरक्षित ऋण/उधार			-	
5. सांविधिक देयताएं:				
क) अतिदेय			-	
क) अन्य	23,750,400		-	12,394,947.00
6. अन्य वर्तमान देयताएं	-		-	5,074,293.00
कुल (क)	**103,452,125.00**		**-**	**177,090,888.26**
ख. <u>प्रावधान</u>				
1. कराधान हेतु			-	-
2. उपदान			-	-
3. अधिवर्षिता/पेंशन			-	-
6. संचित अवकाश नकदीकरण			-	-
6. व्यवसाय वारंटी/दावे			-	-
6. अन्य (उल्लिखित करें)			-	-
कुल (ख)			-	-
कुल (क+ख)	**103,452,125.00**		-	**177,090,888.26**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

(राशि-रू.)

अनुसूची-8 (स्थायी परिसंपत्ति)	सकल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
स्थायी परिसंपत्ति विवरण	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार लागत/मूल्य	वर्ष के दौरान वृद्धि	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष समाप्ति पर लागत/मूल्य	वर्ष के प्रारंभ के अनुसार	समीक्ष्य वर्ष के दौरान वृद्धि पर	समीक्ष्य वर्ष में कटौती पर	वर्ष की समाप्ति तक कुल	2022-23	2021-22
क **स्थायी परिसंपत्तिः**										
1 **भूमिः**										
क)पूर्ण स्वामित्व/पट्टे पर										
2 **भवनः**										
क) पूर्ण स्वामित्व भूमि पर										
ख) पट्टा भूमि पर										
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर										
3 **संयंत्र, मशीनरी एवं उपकरण**										
4 **वाहन**										
5 फर्नीचर एवं फिक्स्चर										
6 कार्यालय उपकरण										
7 **कंप्यूटर/पेरीफेरल**										
8 **पुस्तकालय पुस्तकें**										
वर्तमान वर्ष का कुल										

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

अनुसूची 9 - उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश	**2022-23**	**2021-22**
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		-
3. शेयर		-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		-
6. अन्य सावधि जमा (अक्षय निधि)		-
7. बैंक खाता खोलने हेतु प्रारंभिक धन (दान)		-
कुल		**-**

अनुसूची 10 - निवेश - अन्य		
1. सरकारी प्रतिभूतियों में		-
2. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियों में		-
3. शेयर		-
4. ऋणपत्र एवं बॉन्ड्स		-
5. सहायक कंपनियां एवं संयुक्त उद्यम		-
6. अन्य सावधि जमा (एन.पी.एस. सावधि जमा)		-
7. दान का निवेश		-
कुल		**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

	अनुसूची II - वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि	2022-23	2021-22
क	वर्तमान परिसंपत्ति:		
	1. वस्तुसूचियां :		
	क) भंडार एवं स्पेयर		-
	ख) खुले औजार		-
	ग) भंडार माल		-
	समाप्त सामग्री		-
	कार्य प्रगति पर		-
	कच्चा माल		-
	2. विविध देनदार:		
	क) उधार बकाया		-
	ख) अन्य (बाह्य वसूलियां)		-
	ग) केंद्रों से वसूलनीय विविध वसूलियां(इंजी. कार्य)		-
	3. नकद रोकड़ शेष (चैक/ ड्राफ्ट एवं अग्रदाय सहित)		-
	4. बैंक शेष:		
	क) अनुसूचित बैंकों में:		
	चालू खाते में	999,383,798	96,456,315
	जमा खाते में (एफ.डी.)		
	बचत खाते एवं एफडीआर में	494,176,002	1,245,029,198
	ख) गैर-अनुसूचित बैंकों में:		
	एफडीआर में		
	एफडीआर अनुसंधान अनुभाग में		
	बचत खाते में		
	5. डाक घर - बचत खाते में		
	कुल (क)	**1,493,559,800**	**1,341,485,513**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.
दिनांक 31-03-2023 के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप मे अनुसूची

(राशि रूपयों में.)

अनुसूची 11- वर्तमान परिसंपत्ति, ऋण, अग्रिम आदि (जारी.)	**2022-23**	**2021-22**
ख ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्ति		
1.ऋण:		
क) कर्मचारीगण		
ख) अन्य इकाइयां जो इकाइयों के लिए समान गतिविधियों/उद्देश्यों में संलग्न हैं		
ग) अन्य (लोहे एवं स्टील की खरीद हेतु अग्रिम)		
2. नकद अथवा वस्तुओं के रूप में अथवा प्राप्त किया जाने वाले मूल्य के अनुसार वसूल करने योग्य अग्रिम एवं अन्य राशियां		
क) मूलधन खाते में		
ख) पूर्व भुगतान		
ग) अन्य (अग्रिम भुगतान)	66,078,049	5,980,893.00
3. आय उपार्जित:		
क) उद्दिष्ट/ अक्षय निधि से निवेश पर आय		
ख) निवेश पर - अन्य		
ग) ऋण एवं अग्रिमों पर		
घ) अन्य		
(अप्राप्त देय आय शामिल है - रू........)		
4. अन्य वर्तमान परिसंपत्तियां	225,125	
कुल (ख)	66,303,174	5,980,893.00
कुल (क + ख)	1,559,862,974	1,347,466,406.44

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12 - विक्रय /सेवाओं से आय	2022-23	2021-22
1) विक्रय से आय		
1. परिष्कृत सामग्री का विक्रय		
2. कच्चे माल का विक्रय		
3. रद्दी का विक्रय		
2) सेवाओं से आय		
क) अस्पताल प्राप्तियां		
ख) व्यवसायिक/ परामर्श सेवाएं		
ग) एजेंसी कमीशन एवं दलाली		
घ) अनुरक्षण सेवाएं (उपकरण/संपत्ति)		
ड.) अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल प्राप्ति		
कुल		

कुल 13 - अनुदान/सब्सिडी	2022-23	2021-22
(प्रतिसंहरणीय अनुदान एवं प्राप्त आर्थिक सहायता)		
1. केंद्र सरकार		
2. राज्य सरकारें		
3. सरकारी एजेंसियां	2,067,822,468	1,627,502,324.67
4.संस्थान/ कल्याण निकाय		
5.अंतर्राष्ट्रीय संगठन		
6.अन्य (उल्लिखित करें) अस्पताल से पीएमजेएवाई अंतरण		
कुल	**2,067,822,468.00**	**1,627,502,324.67**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि-रू.)

अनुसूची 14 - शुल्क/अंशदान	2022-23	2021-22
1. शिक्षण शुल्क 2. लाइसेंस शुल्क 3. संगोष्ठी/कार्यक्रम शुल्क 4. परीक्षा रसीद 5. अन्य (उल्लिखित करें) ईएचएस		
कुल		

अनुसूची 15 - निवेश से आय	उद्दिष्ट निधि से निवेश		निवेश-अन्य	
(निधि में अंतरित उद्दिष्ट/अक्षय निधियों में निवेश से आय)	2022-23	2021-22	2022-23	2021-22
1. ब्याज क) सरकारी प्रतिभूतियों पर क) अन्य बॉन्ड्स/ऋणपत्र 2. लाभांश : क) शेयरों पर क) म्यूचुअल फंड प्रतिभूतियों पर 3. किराया 4. अन्य (उल्लिखित करें)				
कुल	0	0	-	-
उद्दिष्ट / अक्षय निधि में अंतरित				

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 16 - रॉयल्टी/प्रकाशन आदि से आय	2022-23	2021-22
1. रॉयल्टी से आय		
2. प्रकाशन से आय		
3. अन्य (उल्लिखित करें)		
कुल		

अनुसूची 17 - अर्जित ब्याज	2022-23	2021-22
1. सावधि जमा पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास	12,620,211	
ग) संस्थानों के पास		
घ) अन्य		
2. बचत खातों पर:		
क) अनुसूचित बैंकों के पास		
ख) गैर-अनुसूचित बैंकों के पास		
ग) डाकघर बचत खाता		
घ) अन्य		
3. ऋण पर:		
क) कर्मचारीगण/स्टाफ		
ख) अन्य		
4. देनदारों एवं अन्य वसूलनीय प्राप्तियों पर		
कुल	**12,620,211**	**-**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 18 - अन्य आय	2022-23	2021-22
1. विविध प्राप्तियां		
2. स्थापना प्राप्ति (योजना)		
3. परीक्षा अनुभाग प्राप्ति		
4. सामान्य दान		
5. अनुसंधान अन्य आय		
कुल		

अनुसूची 19 - तैयार सामग्री के भंडार में वृद्धि/(कमी) एवं जारी कार्य	2022-23	2021-22
क) समापन स्टॉक	2022-23	
- तैयार सामग्री		
- कार्य प्रगति पर		
ख) न्यून: अथशेष		
- तैयार सामग्री		
-कार्य प्रगति पर		
<u>शुद्ध वृद्धि/(कमी)</u> [क+ख]		

अनुसूची 20 -स्थापना व्यय	2021-22	2021-22
वेतन एवं मजदूरी	715987912.9	715,873,381.00
यात्रा भत्ते	41818590	24,458,615.00
भविष्य निधि में अंशदान		
अन्य निधि में अंशदान (स्कीम प्रकोष्ठ)		
कर्मचारी कल्याण व्यय (डीएलआईएस)		
कर्मचारीगण पर व्यय "सेवा-निवृत्ति एवं सेवांत हितलाभ"		
अन्य (एनपीएस)		
अवकाश वेतन पेंशन अंशदान		
कुल	757,806,502.86	740,331,996.00

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21 - अन्य प्रशासनिक व्यय आदि	2022-23	2021-22
क) अस्पताल भंडार की खरीद		
ख) श्रम एवं संसाधन व्यय/अतिरिक्त	351,978,519.00	32,601,880.00
ग) भाड़ा एवं ढुलाई लागत		
घ) विद्युत एवं बिजली		
ड.) जल प्रभार		
च) बीमा		
छ) मरम्मत एवं अनुरक्षण (एएमसी/सीएएमसी)		
ज) भवनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण		
झ) किराया, दर एवं कर		
ञ) वाहन, परिचालन एवं अनुरक्षण		
ट) डाक, दूरभाष एवं संचार प्रभार		
ठ) मुद्रण एवं लेखन सामग्री		
ड) यात्रा एवं वाहन व्यय		
ढ) संगोष्ठी/कार्यशालाओं पर व्यय		
ण) अंशदान व्यय		
त) फीस पर व्यय		
थ) लेखा परीक्षा पारिश्रमिक		
द) आतिथ्य व्यय		
ध) व्यवसायिक शुल्क		
न) अलाभकर एवं संदिग्ध ऋणों/अग्रिमों हेतु प्रावधान		
प) बट्टे खाते में डाला गया अवसूलनीय शेष		
फ) पैकिंग प्रभार		
ब) छात्रावास		
भ) बैंक प्रभार		1,234,228.42
म) विविध व्यय	2,064,571.00	4,025,796.50
य) अन्य (उल्लिखित करें)(आकस्मिक प्रभार)	94,586,534.04	378,236,197.00
कुल	**448,629,624.04**	**416,098,101.92**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 21ख - सामग्री एवं आपूर्ति	2022-23	2021-22
सामग्री एवं आपूर्ति	331,975,079.00	512,394,650.00
मशीनरी एवं उपकरण	159,689,404.00	31,245,271.00
कुल	**491,664,483.00**	**543,639,921.00**

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग, अ.भा.आ.सं.

दिनांक 31-03-2023 को समाप्त अवधि/वर्ष हेतु आय एवं व्यय के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22- अनुदान/सब्सिडी आदि पर व्यय	2022-23	2021-22
क). संस्थानों/संगठनों को दिए गए अनुदान ख). संस्थानों/संगठनों को दी गई सब्सिडी		
कुल		-
नोट- अनुदानों/आर्थिक सहायता की राशि के साथ इकाइयों, उनकी गतिविधियों के नाम को प्रकट किया जाना है		

अनुसूची 23- ब्याज	2022-23	2021-22
क) सावधि ऋणों पर ख) अन्य ऋणों पर (बैंक प्रभार सहित) ग) अन्य (उल्लिखित करें) अनुसंधान अनुभाग के लिए अंतरित अक्षयनिधि ब्याज		-
कुल		-

कनिष्ठ लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

अनुसंधान अनुभाग
अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

दिनांक 31 **मार्च**, 2023 **के अनुसार लेखा हेतु अनुसूची**

अनुसूची 24 - . **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) अनुदान का वसूली आधार पर लेखांकन किया जाता है। .

(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों हेतु लेखांकन" के प्रावधानों के अनुसार तैयार किया जाता है। .

(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में एएस 12 के अंतर्गत परिभाषित आय/राजस्व पद्धति का अनुपालन किया गया है।

(iv) परियोजना के लिए क्रय किए गए उपकरणों को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी** **सह-संकायाध्यक्ष**

संकायाध्यक्ष

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

दिनांक 31 मार्च, 2023 के अनुसार एम्स हेतु सामान्य भविष्य निधि तुलन पत्र

(राशि रूपयों में)

देयताएं	2022-23	2021-22	परिसंपत्तियां	2022-23	2021-22
अथशेष (सा.भ.नि.)	7,91,80,37,352.00	7,55,22,12,622.00	निवेश अथशेष	7,40,45,21,098.00	7,09,79,88,99,997
			न्यून: परिशोधन एस.ए.आर.	30,00,000.00	
वर्ष के दौरान सा.भ.नि. उप-प्राप्ति	1,02,50,42,513.00	1,18,99,12,065.00	जमा: निवेश किया गया	1,06,99,99,984.00	64,67,30,243.72
जमा: सा.भ.नि. खाते में जमा ब्याज	55,34,64,,626.00	54,24,03,363.00	न्यून: निवेश परिपक्वता	1,03,49,99,977.00	34,01,98,143.00
			न्यून: निवेश मूल्य में अंतर	14,45,44,581.00	
न्यून:आहरण/भुगतान	1,51,42,48,692.00	1,36,64,90,698.00	**कुल**	7,29,19,76,524.00	7,40,45,21,098
न्यून: परिशोधन एस.ए.आर.	30,00,000.00		रोकड़ बही अंतशेष	14,92,13,328.54	14,51,02,805.00
न्यून: निवेश मूल्य में अंतर	14,45,44,581.00		जमा: वर्ष 21-22 के दौरान आय पर व्यय की अधिकता	36,84,13,449.00	35,61,28,485.00
			जमा: वर्ष के दौरान आय पर व्यय की अधिकता	2,51,47,917.00	1,22,84,964
कुल	**7,83,47,51,218.00**	**7,91,80,37,352.00**	**कुल**	**7,83,47,51,218.54**	**7,91,80,37,352.27**

लेखा अधिकारी

वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली

वित्त वर्ष 2022-23 हेतु सामान्य भविष्य निधि का प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(राशि रूपयों में)

प्राप्तियां	2022-23	2021-22	भुगतान	2022-23	2021-22
अथशेष	145102805	98095140	सा.भ.नि. आहरण	1514248692	1366490698
अंशदान/प्राप्तियां	1025042513	1189912065	वर्ष के दौरान निवेश	1069999984	646730244
ब्याज	535982424	530120818	बैंक प्रभार	649	2419
निवेश परिपक्वता	1034999977	340198143	दलाली	7665065	145102805
			अंतशेष	149213329	
कुल	**2741127719**	**2158326166**	**कुल**	**2741127719**	**2158326166**

वित्त वर्ष 2022-23 हेतु सामान्य भविष्य निधि एम्स का आय एवं व्यय का विवरण

व्यय	2022-23	2021-22	आय	2022-23	2021-22
अंशदान पर ब्याज का भुगतान	553464626	542403363	ब्याज प्राप्त	535982424	530120818
बैंक प्रभार	649	2419	जमा अंशदान का समायोजन		
दलाली	7665065				
व्यय पर आय की अधिकता			बैंक प्रभार सहित आय पर व्यय की अधिकता	25147917	12284964
कुल	**561130341**	**542405782**	**कुल**	**561130341**	**542405782**

लेखा अधिकारी **वित्त एवं मुख्य लेखा अधिकारी**

एम्स- जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 **मार्च**, 2023 **के अनुसार तुलन पत्र**

विवरण	**नोट संख्या.**	31-**मार्च**-2023 (**रूपये**)	31-**मार्च**-2022 (**रूपये**)
पूंजी एवं देयताएं			
समग्र निधि	2	1,304,614	2,513,451
		1,304,614	2,513,451
वर्तमान देयताएं			
ड्यूटी एवं कर	3	75	430
विविध लेनदार		-	23,369
अन्य वर्तमान देयताएं	4	148,897	(305,250)
		148,972	(281,451)
कुल		1,453,586	2,232,000
परिसंपत्तियां			
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां	5	1,329,487	1,329,487
		1,329,487	1,329,487
वर्तमान परिसंपत्तियां			
रोकड़ एवं बैंक शेष	6	124,099	902,513
		124,099	902,513
कुल		1,453,586	2,232,000

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

प्रमुख (**जराचिकित्सा**)

एम्स- जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का विवरण

	विवरण	31-मार्च-2023 (रूपये)	31-मार्च-2022 (रूपये)
I	**आय**		
	अनुदान	2,589,929	-
	ब्याज आय	3,747	56,546
	कुल	2,593,676	56,546
II	**व्यय**		
	वेतन	1,671,523	1,772,389
	आकस्मिकताएं	704,814	35,827
	आपूर्ति एवं सामग्री	23,584	277,180
	कुल	2,399,921	2,085,396
III	**व्यय पर आय का अधिशेष/अधिकता** (I-II)	193,755	(2,028,850)

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

प्रमुख (**जराचिकित्सा**)

एम्स- जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029
31 **मार्च**, 2023 **को समाप्त वर्ष हेतु लेखा अनुसूची**

	विवरण		31-**मार्च**-2023 (**रूपये**)	31-**मार्च**-2022 (**रूपये**)
2	**समग्र निधि**			
	अथशेष		2,513,451	4,542,301
	जमा: वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा		193,755	(2,028,850)
	न्यून: असमायोजन		(1,402,592)	
		कुल	1,304,614	2,513,451
3	**ड्यूटी एवं कर**			
	टीडीएस देय		75	430
		कुल	75	430
4	**अन्य वर्तमान देयताएं**			
	ईएचएस देय		-	(2,900)
	आरडीए देय		-	(755)
	वेतन देय		148,897	(302,160)
	एसवाईएस पॉट निधि देय			565
		कुल	148,897	(305,250)
5	**अचल परिसंपत्तियां**			
	कंप्यूटर		190,780	190,780
	फर्नीचर		817,833	817,833
	मशीनरी एवं उपकरण		194,513	194,513
	मीडिया प्रोजेक्टर		105,361	105,361
	प्रिंटर		21,000	21,000
		कुल	1,329,487	1,329,487
6	**रोकड़ एवं बैंक शेष**			
	नकद राशि			-
	भारतीय स्टेट बैंक		124,099	902,513
		कुल	124,099	902,513

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

प्रमुख (**जराचिकित्सा**)

एम्स- जराचिकित्सा विभाग
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 **मार्च**, 2023 **को समाप्त वर्ष हेतु लेखा विवरण**

1. **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) अनुदान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।
(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।.
(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व पद्धति का पालन किया गया है।
(iv) परियोजना हेतु उपकरणों के क्रय को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनि. लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी   लेखा अधिकारी

प्रमुख (जराचिकित्सा)

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2023 के अनुसार तुलन पत्र

विवरण	नोट सं.	31 मार्च, 2023 (रूपये)	31 मार्च, 2022 (रूपये)
पूंजी एवं देयताएं			
समग्र निधियां	2	98,218,945	93,148,478
		98,218,945	93,148,478
वर्तमान देयताएं			
ड्यूटी एवं कर			-
विविध लेनदार		20,497,499	21,188,799
अन्य वर्तमान देयताएं			-
		20,497,499	21,188,799
कुल		118,716,444	114,337,277
परिसंपत्तियां			
गैर-वर्तमान परिसंपत्तियां			
अचल परिसंपत्तियां			-
निवेश	3	96,066,813	94,566,812
		96,066,813	94,566,812
वर्तमान परिसंपत्तियां			
रोकड एवं बैंक शेष	4	22,649,631	19,770,465
		22,649,631	19,770,465
कुल		118,716,444	114,337,277

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

सह-संकायाध्यक्ष **संकायाध्यक्ष**

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु आय एवं व्यय का विवरण

	विवरण	31 मार्च, 2023 (रूपये)	31 मार्च, 2022 (रूपये)
I	**आय**		
	अनुदान	4,577,116	-
	ब्याज आय	4,277,143	3,223,349
	कुल	8,854,259	3,223,349
II	**व्यय**		
	अक्षय निधि से व्यय	4,034,961	188,800
	कुल	4,034,961	188,800
III	**व्यय पर आय का अधिशेष/ अधिकता** (I-II)	4,819,297	3,034,549

लेखा एवं महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों हेतु टिप्पणियां 1
उपर्युक्त संदर्भित टिप्पणियां वित्तीय विवरणों का एक महत्वपूर्ण भाग हैं।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

सह-संकायाध्यक्ष **संकायाध्यक्ष**

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 **मार्च**, 2023 **को समाप्त वर्ष हेतु लेखों का विवरण**

	विवरण	31-03-2023 (**रूपये**)	31-Mar-2022 (**रूपये**)
2	**समग्र निधि**		
	अथशेष (सामान्य)	93,148,478	89,113,929
	जमा: वर्ष के दौरान परिवर्धन	-	1,000,000
	जमा: वर्ष हेतु अधिशेष/घाटा	4,819,297	3,034,549
	जमा: कैशबुक के अनुसार समापन तुलन पत्र हेतु समायोजन	251,170	
	कुल	98,218,945	93,148,478
3	**निवेश**		
	मियादी जमा (यूनियन बैंक)	-	17,500,000
	मियादी जमा (मीरा सेठ)	25,000,000	25,000,000
	मियादी जमा भारतीय स्टेट बैंक	71,066,813	31,066,813
	मियादी जमा (कार्पोरेशन बैंक)	-	20,999,999
	कुल	96,066,813	94,566,812
4	**नकद एवं बैंक शेष**		
	नकद राशि		-
	भारतीय स्टेट बैंक	22,398,461	19,770,465
	बैंक के अनुसार नकद एवं बैंक समापन शेष	22,398,461	19,770,465
	जमा:कैशबुक के अनुसार समापन शेष हेतु समायोजन	251,170	-
	कैश बुक के अनुसार नकद एवं बैंक समापन शेष	22,649,631	19,770,465

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी | **लेखा अधिकारी**

सह-संकायाध्यक्ष | **संकायाध्यक्ष**

अक्षय निधि
अनुसंधान अनुभाग, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान
अंसारी नगर, दिल्ली-110029

31 मार्च, 2023 के अनुसार लेखों हेतु विवरण

1. **लेखा हेतु टिप्पणियां**

(i) अनुदान को वसूली आधार पर लेखांकित किया जाता है।
(ii) वित्तीय विवरणों को भारतीय लेखांकन मानक 12 "सरकारी अनुदानों के लेखांकन" के प्रावधानों के अंतर्गत तैयार किया जाता है।.
(iii) इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में लेखांकित मानक 12 के तहत परिभाषित आय/राजस्व पद्धति का पालन किया गया है।
(iv) परियोजना .हेतु उपकरणों के क्रय को राजस्व व्यय के रूप में माना गया है।

कनिष्ठ लेखा अधिकारी/सहायक लेखा अधिकारी **लेखा अधिकारी**

सह-संकायाध्यक्ष **संकायाध्यक्ष**

13.2. लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट

1. हमने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान अधिनियम, 1956 की धारा 18 (2) के साथ पठित नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्तव्य, शक्तियां तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 (2) के अंतर्गत 31 मार्च, 2023 के अनुसार तिथि को समाप्त वर्ष हेतु अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली के संलग्नक तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखा की लेखा-परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण एम्स के प्रबंधन का उत्तरदायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय प्रकट करना है।

2. इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में सर्वोत्तम लेखाकरण पद्धतियों, लेखाकरण मानकों तथा प्रकटन मानदंडों आदि के साथ वर्गीकरण, समानुरूपता के संबंध में लेखाकरण व्यवहार पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियां निहित हैं। कानून, नियमों एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) के अनुपालन और दक्षता सह-निष्पादन पहलुओं आदि, यदि कोई हो तो, के संबंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों को निरीक्षण रिपोर्टों/नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से अलग से सूचित किया गया है।

3. हमने भारत में सामान्य: स्वीकृत लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का निष्पादन किया है। इन मानकों में यह अपेक्षा की जाती है कि हम इस प्रकर से लेखा परीक्षा आयोजित तथा निष्पादित करें कि यह उचित आश्वासन प्राप्त हो सकें कि वित्तीय विवरणों में परीक्षण आधार पर, राशियों तथा प्रकटनों को समर्थित करने वाले साक्ष्यों की जांच की जानी शामिल है। लेखा परीक्षा में प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों तथा लगाए गए महत्वपूर्ण अनुमानों का आकलन किया जाना तथा साथ ही वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया जाना भी सम्मिलित है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा, हमारी राय के संबंध में तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम सूचित करते हैं कि :

   I. जहां तक हमारी जानकारी और विश्वास है उसके अनुसार हमने वह समस्त सूचना तथा स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं जो हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे;

   II. इस रिपोर्ट में दिए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा को वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित लेखों को एक समान प्रारूप में तैयार किया गया है।

   III. हमारी राय में, हमारे द्वारा लेखा पुस्तकों तथा अन्य संबंधित अभिलेखों की जांच से प्रतीत होता है कि एम्स द्वारा लेखाकरण की दोहरी प्रविष्टि पद्धति पर लेखों की उचित पुस्तकें एवं अन्य संबद्ध रिकॉर्डों का उचित अनुरक्षण किया गया है।

   IV. हम आगे सूचित करते हैं कि:

क. तुलन पत्र

क. 1 देयताएं

क. 1.1. वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान (अनुसूची-7) - रु. 617.99 करोड़

क. 1.1.1 एम्स एक बैंक खाता संचालित कर रहा है जिसमें आयकर एवं जीएसअी जैसे आपूर्तिकर्त्ताओं के बिलों से प्राप्त वसूली को भविष्य में संबंधित प्राधिकारियों के पास जमा करने के लिए रखा जा रहा है, हालांकि, यह देखा गया है कि 31.03.2023 तक, 13.95 करोड़ रूपये की राशि इस खाते में उपलब्ध थी। चूंकि इस बैंक खाते को एम्स (मुख्य) खातों के वार्षिक खातों में शामिल नहीं किया गया था जिसके परिणामस्वरूप वर्तमान परिसंपत्तियों एवं वर्तमान देनदरी में 13.95 करोड़ रूपये की कमी पाई गयी है।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

क. 1.1.2 वर्ष 2022-23 के दौरान, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेत्र विज्ञान केंद्र (रा.प्र.कें.) को एम्स मुख्य से 7.00 करोड़ रूपए तथा सहायता अनुदान मद के अंतर्गत रा.प्र.कें. के ट्रेजरी सिंगल अकांउट (टीएसए) द्वारा एसबीआई खाते में 4.66 करोड़ रूपये स्थानांतरित किए गए। 11.66 करोड़ रुपये की यह कुल राशि वेतन के लिए प्राप्त की गई और इसका उपयोग वर्ष 2023-24 के दौरान किया जाना था। लेखा परीक्षा में पाया गया है कि वर्तमान देनदारी के अंतर्गत दिनांक 31.03.2023 तक इस राशि को अव्ययित अनुदान के रूप में नहीं दर्शाया गया था। इसके अतिरिक्त, उपर्युक्त राशि को चालू परिसंपत्तियों से हटा दिया गया है, क्योंकि वार्षिक खातों में चालू परिसंपत्तियों के अंतर्गत 11.66 करोड़ शेष राशि को रोकड बही में कम करके दर्शाया गया था। इस प्रकार, प्राप्ति को केंद्र के वार्षिक खातों से बाहर रखा गया जो अनियमित थी। इसके परिणामस्वरूप, वर्तमान देनदारी के साथ-साथ वर्तमान परिसंपत्तियों में भी 11.66 करोड़ रूपये की न्यूनोक्ति दर्शाई गई हैं।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

क. 2 वर्तमान परिसंपत्तियां

क. 2.1. वर्तमान परिसंपत्तियों में ऋण एवं अग्रिम आदि (अनुसूची-11) - रु. 2070.16 करोड़

क. 2.1.1. एक 150 बिस्तरों वाले गहन उपचार एवं संक्रामक रोग ब्लॉक के निर्माण हेतु मंत्रालय से 36.00 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई। यह राशि संस्थान द्वारा केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को इसके निर्माण के लिए अग्रिम भुगतान के रूप में दी गई थी। हालांकि, संस्थान ने दिनांक 31.03.2023 तक इस राशि को संस्थान के तुलन पत्र में शामिल नहीं किया था। इसके परिणामस्वरूप चालू परिसंपत्तियों (पूंजीगत अग्रिम) के साथ-साथ पूंजीगत निधि में 36.00 करोड़ रूपये की कमी दर्ज की गई।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ख. आय एवं व्यय खाता

ख.1. व्यय की न्यूनोक्ति

वित्तीय वर्ष 2022-23 के मार्च माह के अंत में, तीन केंद्रों अर्थात् हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (सीएनसी), जय प्रकाश नाराय एपेक्स ट्रॉमा सेंटर (जेपीएनएटीसी) और राष्ट्रीय कैंसर संस्थान (एनसीआई), झज्जर ने मार्च 2023 माह के वेतन के भुगतान के लिए जोकि अप्रैल 2023 में देय था, अपने ट्रेजरी एकल खातों से एसबीआई खातों में 10.72 करोड़ रूपये (सीएनसी-0.11 करोड़ रूपये, जेपीएनएटीसी-6.58 करोड़ रूपये और एनसीआई-4.03 करोड़ रूपये)ट्रांसफर किए थे। हालांकि इस राशि को 31 मार्च, 2023 को अव्ययित शेष के रूप में नहीं दर्शाया गया है। इसके परिणामस्वरूप व्यय की न्यूनोक्ति हो गई और 10.72 करोड़ रूपये की वर्तमान देयता का भी न्यून विवरण हो गया।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ख. 2. आय का अधिविवरण

एम्स एक परिक्रामी निधि का अनुरक्षण कर रहा है जिसमें विभिन्न जांचों की प्राप्तियां जमा की जाती हैं तथा प्रयोगशाला रसायनों/उपभोज्य सामग्रियों की खरीद पर व्यय इस खाते से किया जा रहा है। वर्ष 2022-23 के दौरान, "परिक्रामी निधि" मद के तहत 4.09 करोड़ रूपये का प्रतिकूल शेष अनुसूची-7 (वर्तमान देयताएं) में अंतिम शेष के रूप में दर्शाया गया है। हालांकि, वर्ष के दौरान एम्स ने परिक्रामी निधि के तहत 10.46 करोड़ रूपये की प्राप्ति की सूचना दी थी और इस निधि से 7.30 करोड़ रूपये का व्यय किया गया था। लेखा परीक्षा में पाया गया कि एम्स ने प्राप्तियों को सही शीर्ष (परिक्रामी निधि) के बजाय एम्स की आय के रूप में प्रमुख अस्पताल प्राप्तियों कें अंतर्गत दर्ज किया था। इसके परिणामस्वरूप आय को अधिक दर्शाया गया और वर्तमान देनदारियों को 10.46 करोड़ रूपये कम दर्शाया गया।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ख. 3. व्यय का अधिविवरण

एम्स के मुख्य वार्षिक खातों की अनुसूची में 2.21 करोड़ रूपये की राशि को मंत्रालय को हस्तांतरित ब्याज के रूप में दर्शाया गया है। यह ब्याज संस्थान द्वारा पिछले वर्षों में अर्जित किया गया था; इसलिए, चालू वर्ष में ब्याज के भुगतान की बुकिंग के परिणामस्वरूप व्यय अधिक दर्शाया गया और अधिशेष 2.21 करोड़ रूपये कम दर्शाया गया।

एम्स द्वारा उत्तर दिया गया कि चूंकि वार्षिक खाते नकद आधार पर तैयार किए गए थे और यह राशि वित्तीय वर्ष 2022-23 में ही वापस कर दी गई थी, अतः वित्त वर्ष 2022-23 के वार्षिक खातों में 2.21 करोड़ की राशि को दर्शाया गया है।

एम्स का उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि नकद आधार पर खातों को तैयार करना यूनिफॉर्म फॉर्मेट ऑफ अकांउट्स द्वारा निर्धारित लेखांकन के प्रोद्भवन आधार का उल्लंघन है।

ग. सामान्य

ग. 1. वार्षिक खातों के आंकडों और रिकॉर्ड/फाइलों के अनुसार आंकडों के बीच अंतर

36.09 करोड़ रूपये की राशि एम्स (मुख्य), जराचिकित्सा ब्लॉक के वार्षिक खातों में दर्शाई गई कुल 556.59 करोड़ रूपये की राशि को "अन्य वर्तमान देयता" के रूप में शामिल किया गया है। इस राशि को अंतिम शेष के रूप में वर्तमान परिसंपत्ति के रूप में भी दर्शाया गया है। हालांकि, वास्तविक रिकॉर्ड (बैंक स्टेटेमेंट और बैंक समाधान विवरण) के अनुसार केवल 32.01 करोड़ रुपये की राशि ही है। इसके लिए कारण मांगे गए थे लेकिन लेखा परीक्षा को प्रदान नहीं किए गए।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग. 2. अनुसूची 8- एम्स (मुख्य) और एम्स के अन्य केंद्रों के वार्षिक खातों की 'अचल परिसंपत्ति' में 31 मार्च, 2023 तक 7237.83 करोड़ रूपये की परिसंपत्ति का खुलासा किया गया। हालांकि, सामान्य वित्तीय नियमावली 2017 के तहत फॉर्म जीएफआर-22 में बनाए रखा जाने वाला एक परिसंपत्ति रजिस्टर एम्स द्वारा केवल 2020-21, 2021-22 और 2022-3 के दौरान अर्जित परिसंपत्तियों के लिए बनाया गया है। सभी परिसंपत्तियों के लिए परिसंपत्ति रजिस्टर के अभाव में, 2020-21 से पहले अर्जित परिसंपत्ति का मूल्य ऑडिट में सत्यापित नहीं किया जा सकता।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुशासन का आश्वासन दिया गया है। इसमें कहा गया है कि 2020-21 से पहले वर्ष के संबंध में अचल परिसंपत्ति रजिस्टरों को बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे थे।

ग.3. अनुसूची-11बी (ऋण, अग्रिम और अन्य परिसंपत्तियों) में 1149.50 करोड़ रूपये की राशि को अन्य अग्रिमों के रूप में दर्शाया गया है। कुल राशि में से रू. 1149.50 करोड़ रूपये, 1125.10 करोड़ रूपये एम्स (मुख्य) से संबंधित हैं। इन अग्रिमों में से, 311.54 करोड़ रूपये की राशि के 118 अग्रिम बहुत पुराने हैं और वर्ष 2022-23 के दौरान भी बिना किसी अतिरिक्त/समायोजन के वार्षिक खातों में शामिल हैं। विवरण नीचे उल्लिखित हैं:

I.) 38.27 करोड़ रूपये की राशि के 41 अग्रिमों को आंकड़ों में बिना किसी बदलाव के वर्तमान परिसंपत्तियों में लगातार दर्शाया जा रहा है, अर्थात, सात वर्षों से अधिक समय से अग्रिमों में कोई वृद्धि/समायोजन नहीं हुआ है।

II.) 19.60 करोड़ रूपये की 31 अग्रिम राशि आंकड़ों में बिना किसी बदलाव के वर्तमान परिसंपत्तियों में लगातार परिलक्षित हो रहे हैं यानी छह वर्षों के लिए अग्रिमों में कोई वृद्धि या समायोजन नहीं हुआ है।

III.) 160.77 करोड़ रुपये की राशि के 18 अग्रिमों को आंकड़ों में बिना किसी बदलाव के वर्तमान परिसंपत्तियों में लगातार दर्शाया जा रहा है, अर्थात् पांच वर्षों के अग्रिमों में कोई वृद्धि अथवा समायोजन नहीं किया गया है।

IV.) 22.22 करोड़ रुपये की राशि के 13 अग्रिमों को आंकड़ों में बिना किसी बदलाव के वर्तमान परिसंपत्तियों में लगातार दर्शाया जा रहा है, अर्थात् चार वर्षों से अग्रिमों में कोई वृद्धि या समायोजन नहीं हुआ है।

V.) 70.68 करोड़ रुपये की राशि के 15 अग्रिमों को आंकड़ों में बिना किसी बदलाव के वर्तमान परिसंपत्तियों में लगातार दर्शाया जा रहा है, अर्थात् तीन वर्षों से अग्रिमों में कोई वृद्धि या समायोजन नहीं हुआ है।

पिछले वर्षों के दौरान भी एम्स को इसी प्रकार की टिप्पणियां जारी की गई थीं। एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.4 एम्स के खातों की अनुसूची-7 में 615.89 करोड़ रुपये की राशि को "अन्य वर्तमान देयताओं एवं प्रावधान" के रूप में दर्शाया गया है। 615.89 करोड़ रु. की कुल राशि में से रु. 556.59 करोड़ रुपये एम्स (मुख्य) से संबंधित हैं। इन देयताओं की जांच से पता चला कि देयताओं की 18 मदों की राशि तीन से सात वर्षों अथवा उससे अधिक वर्षों से निम्नानुसार अपरिवर्तनीय हैः

I.) वर्तमान देयताओं की अनुसूची 7 में, आठ साल से अधिक समय से 0.56 करोड़ रुपये की आठ देयताएं बिना किसी वृद्धि अथवा समायोजन के दर्शायी जा रही हैं।

II.) 0.43 करोड़ रुपये की तीन देयताएं पिछले सात वर्षों से बिना किसी वृद्धि/समायोजन के दर्शायी जा रही हैं।

III.) 5.87 करोड़ रुपये की दो देयताएं पिछले छह वर्षों से बिना किसी वृद्धि/समायोजन के खाते में दर्शायी जा रही हैं।

IV.) 5.62 करोड़ रुपये की असमायोजित राशि की एक देयता पिछले पांच वर्षों से बिना किसी वृद्धि/समायोजन के खाते में दर्शायी जा रही हैं।

V.) 1.89 करोड़ रुपये की असमायोजित राशि वाली तीन देयताएं पिछले चार वर्षों से बिना किसी वृद्धि/समायोजन के खाते में दर्शायी जा रही हैं।

VI.) 113.24 करोड़ रुपये की असमायोजित राशि वाली एक देयता तीन वर्षों से बिना किसी वृद्धि/समायोजन के खाते में दर्शायी जा रही है।

वर्ष 2021-22 में एम्स को, एम्स के संदर्भ में इसी तरह की टिप्पणी (टिप्पणी संख्या ख-6) जारी की गई थी।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.5 एम्स द्वारा वर्ष 2022-23 की समेकित प्राप्तियों एवं भुगतान खातों को तैयार नहीं किया गया है।
वर्ष 2021-22 में एम्स को, एम्स के संदर्भ में इसी तरह की टिप्पणी (टिप्पणी संख्या ख-7) जारी की गई थी।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.6 हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (हृ.तं.कें.) को पूंजीगत परिसंपत्ति के शीर्ष निर्माण के अंतर्गत फेफड़े के प्रत्यारोपण कार्यक्रम के लिए 1.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए। उपरोक्त में से, वर्ष 2022-23 के दौरान 1.74 लाख रुपये का व्यय किया गया था और इसे राजस्व व्यय शीर्ष के तहत दर्ज किया गया था। सामान्य/राजस्व व्यय के लिए पूंजीगत अनुदान के अपयोजन का कारण लेखा परीक्षा को प्रदान नहीं किया गया था।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.7 हृद् वक्ष एवं तंत्रिका विज्ञान केंद्र (हृ.तं.कें.) के अभिलेख के अनुसार, रोगी उपचार शीर्ष (सी.जी.एच.एस.) के तहत अंत शेष 51.14 लाख रुपये था। हालाँकि, हृ.तं.कें. के वार्षिक खातों की अनुसूची-11 (वर्तमान संपत्ति, ऋण, अग्रिम, आदि) में इसे 34.72 लाख रुपये के रूप में दर्शाया गया है। 'अन्य' शीर्ष के तहत दर्शाए गए शेष में 16.42 लाख रुपये की अंतर राशि जोड़ी गई हैं और इसे 32.45 लाख रुपये की जगह 48.87 लाख रुपये के रूप में दर्शाया गया है।

इसके परिणामस्वरूप 16.42 लाख रुपये की प्राप्य राशि का गलत वर्गीकरण किया गया है। इसके अलावा, उपरोक्त के परिणामस्वरूप सी.जी.एच.एस. शीर्ष के तहत शेष राशि की 16.42 लाख रुपये तक की न्यूनोक्ति हो गई है और वार्षिक खातों की अनुसूची-11 में 'अन्य' शीर्ष के अंतर्गत इतनी ही राशि को शेष राशि में अधिक दर्शाया गया है।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग. 8. प्रतिकूल शेष

I.) एम्स, मुख्य खातों के "अन्य वर्तमान देयताओं" के तहत हेड कॉक्लियर रोगी उपचार खाते शीर्ष के अंतर्गत 178,29,058 रुपये का प्रतिकूल शेष दर्शाया गया है। ऐसे प्रतिकूल शेष का कोई विवरण/कारण प्रदान नहीं किया गया।

II.) वित्तीय वर्ष 2022-23 के समापन पर, एम्स (मुख्य) खाता संख्या 10874584010 की रोकड़ बही में 55.01 करोड़ रुपये का ऋणात्मक शेष दर्शाया गया। इसका अर्थ यह है कि पर्याप्त निधियों के बिना ही व्यय किया गया है। जांच से पता चला कि यह प्रतिकूल शेष अगस्त 2022 से लगातार सामने आ रहा था। **यह आंतरिक नियंत्रण तंत्र की कमजोरी को दर्शाता है।**

III.) एम्स के मुख्य खातों की अन्य मौजूदा देयताओं में 40892404 रुपये का प्रतिकूल शेष दर्शाया गया है। ऐसा अस्पताल प्राप्तियों के तहत परिक्रामी निधि की 10.46 करोड़ रुपये की प्राप्तियों के निर्धारण के कारण हुआ है।

IV.) "बाहरी वसूली" शीर्ष के अंतर्गत रु. 10214062/- का प्रतिकूल शेष पिछले वर्ष के अंतिम शेष के अनुसार था। संस्थान ने इसके कारणों का पता लगाने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की और वर्तमान वर्ष में भी प्रतिकूल शेष के रूप में यही आंकड़ा है।

V.) ऋण अग्रिमों की अनुसूची 11ख के तहत (-1474097/-) रुपये की राशि को कर्मचारियों को ऋण के रुप में और वर्तमान परिसंपत्तियों के तहत अन्य परिसंपत्तियों के रूप में दर्शाया गया है। पिछले वर्ष भी इस पर प्रकाश डाला गया था लेकिन वर्तमान वर्ष के

दौरान इसका समाधान नहीं किया गया था। ऐसे प्रतिकूल शेष का कोई विवरण/कारण प्रदान नहीं किया गया।

एम्स ने टिप्पणी को स्वीकार कर लिया है और यह आश्वासन दिया है कि अगले वर्ष के खातों में सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

ग.9 31 मार्च, 2023 को जी.पी.एफ. के तुलन-पत्र के देयता पक्ष में 14.45 करोड़ रुपये की राशि को "निवेश मूल्य में अंतर" के रूप में दर्शाया गया है। संस्थान द्वारा इस समायोजन के कारण और औचित्य प्रदान नहीं किए गए थे, इसलिए लेखा परीक्षा द्वारा समायोजन प्रविष्टि की सत्यता को प्रमाणित नहीं किया जा सका है।

एम्स ने जवाब दिया कि जीपीएफ फंड के निवेश का मूल्य 14.45 करोड़ तक बढ़ गया है लेकिन इसे अद्यन नहीं किया गया है। इसे अद्यतन किया गया है और अंतर (बढ़े हुए मूल्य) को "निवेश मूल्य में अंतर" के रूप में दर्शाया गया है।

यह उत्तर स्वीकार्य नहीं है क्योंकि खातों में दर्शाई गई जानकारी, उत्तर के विपरीत है, क्योंकि संस्थान ने इस शीर्ष के अंतर्गत देयता के साथ-साथ परिसंपत्ति पक्ष से भी अर्थात् दो शीर्षों से कटौती की है। इसके अलावा, इस तरह की प्रकृति के लेखांकन व्यवहार को, खाते संबंधी टिप्पणी में कारणों को न्यायोचित सिद्ध करते हुए स्पष्ट रूप से प्रकट किया जाना चाहिए।

ग.10 अनुसंधान प्रकोष्ठ से संबंधित मुद्दे

एम्स ने वित्त वर्ष 2020-21 से राष्ट्रीय औषध निर्भरता उपचार केंद्र, संयुक्त राष्ट्र औषधि नियंत्रण कार्यक्रम और अनुसंधान अनुभाग के खातों को छोड़कर अपने समेकित वार्षिक खाते तैयार किए हैं। इन खातों को भी समेकित खातों में मिला दिया जाना चाहिए। लेखा परीक्षा एवं संवीक्षा के दौरान, अनुसंधान अनुभाग के खातों में निम्नलिखित विसंगतियां सामने आईं-

i. अनुसंधान अनुभाग ने अनुदान/सब्सिडी के तहत 206.78 करोड़ रुपये की आय दिखाई है। इसमें से 3.92 करोड़ रुपये ओवरहेड शुल्क के रूप में प्राप्त हुए। इन ओवरहेड शुल्कों को केवल आय के अंतर्गत दिखाया जाना चाहिए था और शेष राशि को निर्धारित निधि में जोड़ा जाना चाहिए था। इस प्रकार, आय 202.86 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई थी।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ii. रोकड़ बही शेष को लेखा परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सका क्योंकि अनुसूची-11 में शेष, 14 बैंक खातों को समेकित करने के बाद दर्शाया गया था। यद्यपि, बी.आर.एस. की प्रति और उसकी गणना लेखा परीक्षा को प्रदान नहीं की गई थी।

iii. अनुसूची-11 के तहत एफ.डी. का मूल्य 49.42 करोड़ रुपये दर्शाया गया है। एफ.डी. के भौतिक सत्यापन से पता चला कि कुल मूल्य 47.75 करोड़ रुपये है। इसी प्रकार, एम्स के अनुसंधान अनुभाग ने एंडोमेंट फंड खाते में निवेश के तहत 9.61 करोड़ रुपये की सावधि जमा राशि दर्शायी हैं। हालांकि, अनुसंधान अनुभाग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार एफ.डी. का कुल मूल्य 8.04 करोड़ रुपये है। उपर्युक्त अंतर का

कारण लेखा परीक्षा को नहीं बताया गया है। इसलिए, वार्षिक खातों में दिखाई गई एफ.डी. और अनुभाग के पास भौतिक रूप से उपलब्ध एफ.डी. के बीच 3.24 करोड़ रुपये का संचयी अंतर था।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

iv. अनुसंधान अनुभाग नियमित रूप से अपनी आय से अचल परिसंपत्तियों की खरीद कर रहा है और इस प्रकार, वर्ष 2022-23 के दौरान, इनके द्वारा 21.84 लाख रुपये की अचल परिसंपत्तियों की खरीद की गई। इन परिसंपत्तियों को अनुसूची-8 में दर्शाया जाना आवश्यक है। हालाँकि, अनुसंधान अनुभाग ने वार्षिक खातों की अनुसूची-8 के तहत इसे कभी नहीं दर्शाया।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

v. निर्धारित/परियोजना निधि से खरीदी गई परिसंपत्ति के संबंध में अनुभाग के पास कोई विवरण उपलब्ध नहीं था।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.11 ए.एस.15 के अनुसार बीमांकिक आधार पर सेवानिवृत्ति लाभ का प्रावधान नहीं किया गया था।
एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.12 अंतिम स्टॉक का लेखांकन न करना

एम्स अपनी लेखा नीति के अनुसार खातों में भंडार और आपूर्ति के अंतिम स्टॉक का लेखांकन नहीं कर रहा है और इसे भुगतान के समय अंतिम व्यय के रूप में माना है। इसका प्रभाव खातों के शेष भंडार एवं आपूर्ति के पर्याप्त मूल्यों पर पड़ता है। इस प्रकार, वर्तमान परिसंपत्तियों में उपभोग्य सामग्रियों को शामिल न करने के परिणामस्वरूप वर्तमान परिसंपत्तियों की न्यूनोक्ति हो गई है और उसी सीमा तक व्यय को अधिक बताया गया है। वर्ष 2021-22 में एम्स को, एम्स के संदर्भ में इसी तरह की टिप्पणी को (टिप्पणी संख्या ख.12) जारी किया गया था।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

ग.13 **मूल्यह्रास** - एम्स ने वित्तीय वर्ष 2020-21 से अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास वसूलना शुरू कर दिया है और वर्ष 2020-21 से पहले अर्जित अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया गया है।

एम्स द्वारा टिप्पणी को स्वीकार कर लिया गया है तथा अनुपालन का आश्वासन दिया गया है।

घ. सहायता अनुदान

एम्स को वर्ष 2022-23 के दौरान स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से सहायता अनुदान प्राप्त हुआ था। अनुदान स्वरूप प्राप्त निधियों और उसके व्यय का विवरण नीचे दिया गया है:

(करोड़ रु. में)

विवरण	वर्ष के दौरान प्राप्ति	व्यय	अव्यतीत शेष
वेतन	2300	2243.00	57
सामान्य	1300	1322	(22)
पूंजी	450	325	125
एस.ए.पी.	7	8.13	(1.13)
एच.ई.एफ.ए ऋण (मूलधन और ब्याज)	293.79	294.29	(0.5)
कुल	4350.79	4192.42	158.37

'सामान्य' शीर्ष में अतिरिक्त व्यय को एम्स की आंतरिक पावतियों/संसाधनों से पूरा किया गया था और 'स्वच्छता एक्शन प्लान' (एस.ए.पी) और 'हायर एजूकेशन फाइनेसिंग एजेंसी (एच.ई.एफ.ए.) ऋण' शीर्ष में अतिरिक्त व्यय को पिछले वर्ष की शेष राशि से पूरा किया गया है।

ङ. प्रबंधन-पत्र

जिन कमियों को लेखा परीक्षा रिपोर्ट में शामिल नहीं किया गया है, उन्हें उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्रवाई के लिए अलग से जारी एक प्रबंधन पत्र के माध्यम से एम्स प्रबंधन के ध्यान में लाया गया है।

v. पिछले पैराग्राफों में हमारे अवलोकनों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में शामिल तुलन-पत्र, आय तथा व्यय खाते और प्राप्ति और भुगतान खाते, खातों की किताबों के अनुरूप हैं।

vi. हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में वर्णित लेखांकन नीतियों और लेखों पर टिप्पणियों के साथ पठित उक्त वित्तीय विवरण एवं उपर्युक्त वर्णित महत्वपूर्ण मामलों के अधीन, भारत में सामान्य रुप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप एक सही तथा स्पष्ट चित्र प्रस्तुत करते हैं।

क) जहां तक कि यह दिनांक 31 मार्च, 2023 तक अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान के मामलों के तुलन-पत्र से संबंधित है; और

ख) जहां तक कि यह उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय और व्यय खाते से संबंधित है।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के लिए तथा उनकी ओर से

स्थान: नई दिल्ली
दिनांक:

(राजीव कुमार पाण्डेय)
महानिदेशक
(केंद्रीय व्यय)

संलग्नक

1. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

वर्ष 2022-23 के दौरान नियोजित एवं वास्तव में लेखापरीक्षित इकाइयों की कुल संख्या का विवरण संस्थान द्वारा प्रदान नहीं किया गया है। कोई आंतरिक लेखापरीक्षा नियमावली नहीं थी।

2. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

(i) 1996-98 से 2018-19 की अवधि के लिए बाह्य लेखापरीक्षा के 62 पैरा दिनांक 31 मार्च, 2023 तक बकाया थे।

(ii) एम्स, वर्ष 2019-20 तक अर्जित परिसंपत्तियों के लिए निर्धारित प्रारूप के अनुसार अचल परिसंपत्ति रजिस्टर का रखरखाव नहीं कर रहा था।

3. परिसंपत्ति संबंधी प्रत्यक्ष सत्यापन प्रणाली

अचल परिसंपत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन वर्ष 2022-23 तक किया गया है।

4. माल-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

पुस्तकों एवं प्रकाशनों, स्टेशनरी और अन्य उपभोग की वस्तुओं की माल-सूची का प्रत्यक्ष सत्यापन वर्ष 2021-22 तक किया गया है।

5. देय राशि के भुगतान में नियमितता

खातों के अनुसार, दिनांक 31.03.2023 को सांविधिक देय राशियों के संबंध में छह महीने से अधिक समय से कोई भुगतान बकाया नहीं थी।

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

ALL-INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES

शरीरमाद्यं खलुधर्मसाधनम्